

98वीं वार्षिक प्रतिवेदन

2020-2021



दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली

www.du.ac.in

संपादकीय बोर्ड

दिल्ली विश्वविद्यालय की 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष की 98वीं वार्षिक रिपोर्ट यहां प्रस्तुत की गई है। रिपोर्ट के दो भाग हैं:

भाग-1 में संकायों, विभागों, केंद्रों, कॉलेजों और वित्त सहित दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रगति के बारे में जानकारी है।

भाग-2 में सूचना और आंकड़ें हैं।

इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले संपादकीय बोर्ड, मैं निम्नलिखित सदस्य हैं:

1. प्रोफेसर के. रत्नाबली, संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक कार्यकलाप व परियोजनाएं, अध्यक्ष
2. श्री जय चंदा, संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक), दिल्ली विश्वविद्यालय
3. प्रोफेसर योगेंद्र सिंह, संकायाध्यक्ष अनुसंधान, जीवन-विज्ञान
4. प्रोफेसर रितेश कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य
5. प्रोफेसर पामेला सिंगला, अध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग
6. प्रोफेसर अरुण जगन्नाथ, वनस्पति विभाग
7. प्रोफेसर संजय कपूर, पादप आणविक जीव-विज्ञान विभाग
8. प्रोफेसर ए. के. जैन, संकायाध्यक्ष, आयुर्विज्ञान संकाय
9. प्रोफेसर नंदिता बाबू, मनोविज्ञान विभाग
10. प्रोफेसर शर्मिष्ठा पंजा, अंग्रेजी विभाग
11. प्रोफेसर समित कुमार मंडल, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग
12. प्रोफेसर आर.पी. मित्रा, मानव विज्ञान विभाग
13. प्रोफेसर के. पी. सिंह, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग
14. डॉ. मुकेश मेहलावत, प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग
15. डॉ. असानी भादुड़ी, क्लस्टर नवाचार केंद्र
16. डॉ. सुनंदा भारती, एलसी -I, विधि संकाय
17. डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, पर्यावरणीय अध्ययन विभाग
18. डॉ. सुभाष कुमार, भौतिकी विभाग, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय
19. कैप्टेन परमिंदर सहगल, एनएसएस समन्वयक
20. प्रोफेसर उमा चौधरी, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय
21. डॉ. सुरिंदर कौर, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय
22. डॉ. रेनू बवेजा, शिवाजी महाविद्यालय
23. सहायक कुलसचिव, परिषद्

सहयोगित सदस्य:

1. प्रोफेसर नीलम वेनी, संकायाध्यक्ष, आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय और होम्योपैथिक चिकित्सा संकाय
2. प्रोफेसर उज्जवल के सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग
3. प्रोफेसर नीरा अग्निमित्र, सामाजिक कार्य विभाग

4. प्रोफेसर राजीव कौल, माइक्रोबायोलॉजी, सूक्ष्म जीव विज्ञान-विभाग
5. प्रोफेसर मंदिरा वर्मा बासिल, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट
6. प्रोफेसर रितु कुलश्रेष्ठ, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट
7. प्रोफेसर सिद्धनाथ सिरोही, भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय
8. डॉ. डी एन गुप्ता, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग
9. डॉ. संदीप कौर, रसायन विज्ञान विभाग
10. डॉ. पुष्पांजलि झा, सामाजिक कार्य विभाग
11. डॉ. जोगेश्वर एस पुरोहित, क्लस्टर नवाचार केंद्र
12. डॉ. आशीष चंद्रा, वाणिज्य विभाग
13. डॉ. शिखा सचदेवा, वाणिज्य विभाग
14. सुश्री गीतांजलि कला, क्लस्टर नवाचार केंद्र

इस प्रतिवेदन में दिल्ली विश्वविद्यालय की वर्ष 2020-21 (1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021) के कार्यकलापों और उपलब्धियों की झलकियों को दर्शाया गया है।

विषय सामग्री

विश्वविद्यालय के अधिकारी.....	1
वर्ष की उपलब्धियां	3
सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम.....	27
पूर्व-विद्यार्थी मामले.....	27
सांस्कृतिक परिषद.....	28
दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली.....	29
दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र-सह- माध्यमिक स्कूल.....	32
दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ.....	34
हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय.....	36
विदेशी छात्रों की रजिस्ट्री	36
गांधी भवन	37
बागबानी समिति.....	41
अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह	42
राष्ट्रीय कैडेट कोर.....	43
राष्ट्रीय सेवा योजना.....	43
गैर-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड.....	44
विद्यार्थी कल्याण कार्यालय.....	47
विश्वविद्यालय अतिथि-गृह	52
विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र	52
शैक्षणिक केंद्र	55
कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र.....	55
कनाडाई अध्ययन केंद्र	59
संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र	60
उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र	62
अवक्रमित पारिस्थितिकी प्रणालियां पर्यावरण प्रबंधन केंद्र	63
फसल पादपों के आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र.....	65
संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र.....	65
पर्वत और पहाड़ी अंतर-विषयक अध्ययन केंद्र.....	67
उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र	69
क्लस्टर नवाचार केंद्र.....	75
दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म.....	80
दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र.....	82
विकासशील देश अनुसंधान केंद्र	87
डॉ. बी. आर अंबेडकर जैव-चिकित्सा केंद्र.....	88

साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान.....	94
सूचना और संचार संस्थान	94
आजीवन अध्ययन संस्थान	96
पादप जीनोमिक्स अंतर-विषयक केंद्र	97
विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रुमेंटेशन केंद्र.....	103
महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र	104
विभाग	106
अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय	106
वित्त और व्यापार आर्थिकी	106
कला संकाय	112
अरबी	112
बौद्ध अध्ययन	114
अंग्रेजी	117
जर्मनिक और रोमांस अध्ययन	124
हिंदी.....	126
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान.....	129
भाषाविज्ञान	132
आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन	136
फ़ारसी	138
दर्शन.....	140
मनोविज्ञान.....	145
पंजाबी	148
संस्कृत	152
स्लोवेनिक और फिन्नो-यूग्रीन अध्ययन	170
उर्दू.....	174
आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय.....	175
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए).....	175
ए एंड यू तिबिया कॉलेज	181
वाणिज्य विभाग	183
वाणिज्य और व्यापार संकाय	183
शिक्षा विभाग	196
होम्योपैथिक चिकित्सा संकाय.....	203
नेहरू होम्योपैथिक आयुर्विज्ञान महाविद्यालय.....	203
अंतर-विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय	205
जैव रसायन विज्ञान	205

जैव भौतिकी विभाग.....	210
इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग	211
आनुवांशिकी विभाग.....	215
सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	220
शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान	222
पादप आणविक जीव-विज्ञान विभाग.....	227
विधि संकाय.....	236
कैंपस विधि केंद्र	237
विधि केंद्र-I	242
विधि केंद्र-II	246
प्रबंधन अध्ययन संकाय	249
गणितीय विज्ञान संकाय	255
कंप्यूटर विज्ञान विभाग.....	255
गणित विभाग	256
परिचालनात्मक अनुसन्धान विभाग	262
सांख्यिकी विभाग.....	270
चिकित्सा विज्ञान संकाय	274
शरीर-रचना विज्ञान (एलएचएमसी)	274
शरीर-रचना विज्ञान (यूसीएमएस)	276
निश्चेतन-विज्ञान (एलएचएमसी)	279
निश्चेतन-विज्ञान (यूसीएमएस)	286
निश्चेतन-विज्ञान (एमएमसी)	289
निश्चेतन-विज्ञान (जीआईपीएमईआर)	305
जैव-रसायन (यूसीएमएस)	311
जैव-रसायन (एमएमसी)	314
जैव-रसायन (वीपीसीआई)	318
जैव-रसायन (जीआईपीएमईआर)	320
सामुदायिक चिकित्सा (यूसीएमएस)	323
सामुदायिक चिकित्सा (एलएचएमसी)	328
सामुदायिक चिकित्सा (एमएमसी)	331
हृदय रोग (जिपमेर)	348
त्वचा विज्ञान और एसटीडी (एलएचएमसी)	354
त्वचा विज्ञान (एमएमसी)	360
त्वचा विज्ञान और एसटीडी (यूसीएमएस)	364
ईएनटी (एलएचएमसी)	377

ईएनटी (यूसीएमएस)	380
न्याय-चिकित्सा (यूसीएमएस)	380
न्याय-चिकित्सा (एमएमसी)	382
चिकित्सा (एलएचएमसी)	384
चिकित्सा (यूसीएमएस)	397
सूक्ष्म जीव-विज्ञान (एलएचएमसी)	402
सूक्ष्म जीव-विज्ञान (एमएमसी)	410
सूक्ष्म जीव-विज्ञान (यूसीएमएस)	419
सूक्ष्म जीव-विज्ञान (वीपीसीआई)	425
न्यूरोसर्जरी (जीआईपीएमईआर और संबद्ध मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)	429
प्रसूति और स्त्री रोग (यूसीएमएस)	432
प्रसूति और स्त्री रोग (एमएमसी)	444
नेत्र विज्ञान (एलएचएमसी)	446
नेत्र विज्ञान (जीएनईसी)	451
नेत्र विज्ञान (यूसीएमएस)	456
अस्थिरोग (यूसीएमएस)	458
अस्थि रोग विभाग (एमएमसी)	459
पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा (यूसीएमएस)	469
पैथोलॉजी (यूसीएमएस)	470
पैथोलॉजी (एमएमसी)	473
पैथोलॉजी (एलएचएमसी)	481
पैथोलॉजी (वीपीसीआई)	484
बाल रोग (एमएमसी)	487
बाल रोग (यूसीएमएस)	495
बाल रोग (केएससीएच)	503
बाल चिकित्सा सर्जरी (एमएमसी)	508
फॉर्मिकोलॉजी (एमएमसी)	512
फॉर्मिकोलॉजी (वीपीसीआई)	516
फॉर्मिकोलॉजी (यूसीएमएस)	517
फॉर्मिकोलॉजी (एलएचएमसी)	519
फिजियोलॉजी (यूसीएमएस)	521
फिजियोलॉजी (एलएचएमसी)	525
फिजियोलॉजी (एमएमसी)	529
फिजियोलॉजी (वीपीसीआई)	530
मनोरोग (एलएचएमसी)	531

मनोरोग (यूसीएमएस)	535
मनोरोग (जिपमर)	539
शारीरिक शिक्षा (यूसीएमएस)	540
शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) (एलएचएमसी)	540
पल्मोनरी मेडिसिन (एमएमसी)	542
पल्मोनरी मेडिसिन (वीपीसीआई)	543
रेडियो नैदानिक (यूसीएमएस)	547
रेडियो नैदानिक (एलएचएमसी)	550
रेडियो नैदानिक (एमएमसी)	554
रेडियो नैदानिक (यूसीएमएस)	561
रेडियोथेरेपी (एमएमसी)	564
सर्जरी (एमएमसी)	565
सर्जरी (यूसीएमएस)	567
सर्जरी (एलएचएमसी)	569
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज.....	579
वी.पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट	583
संगीत और ललित कला संकाय	591
संगीत विभाग.....	591
विज्ञान संकाय	593
मानव-विज्ञान विभाग	593
वनस्पति-विज्ञान विभाग	603
रसायन विज्ञान विभाग	616
पर्यावरण अध्ययन विभाग.....	646
भूविज्ञान विभाग	654
भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग.....	663
प्राणी-विज्ञान विभाग.....	701
सामाजिक विज्ञान संकाय	720
वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार.....	720
अफ्रीकी अध्ययन विभाग	721
पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग.....	724
अर्थशास्त्र विभाग	728
भूगोल विभाग	738
इतिहास विभाग	747
राजनीति शास्त्र विभाग.....	754
समाजशास्त्र विभाग.....	761

सामाजिक कार्य विभाग.....	765
महाविद्यालय	786
आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय	786
अदिति महाविद्यालय.....	792
अहिल्या बाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग	795
अमर ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी	796
आर्यभट्ट महाविद्यालय.....	798
आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय.....	802
भगिनी निवेदिता महाविद्यालय	807
भारती महाविद्यालय.....	810
भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय	814
नर्सिंग कॉलेज, आर्मी अस्पताल (अनुसंधान और रेफरल)	823
व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय	825
दौलत राम महाविद्यालय.....	830
दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय.....	833
दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय.....	836
देशबंधु महाविद्यालय	841
डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय	846
दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृश्य बाधिता)	850
दयाल सिंह महाविद्यालय	851
दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय.....	856
फ्लोरेस नाइटिंगेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग	858
गार्गी महाविद्यालय	859
हंसराज महाविद्यालय	864
हिंदू महाविद्यालय	868
होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग	872
इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान	876
इंद्रप्रस्थ महिला विश्वविद्यालय	879
इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स	886
जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय.....	892
जीसस और मैरी महाविद्यालय.....	898
कालिंदी महाविद्यालय.....	902
कमला नेहरू महाविद्यालय	906
केशव महाविद्यालय.....	910
किरोड़ी मल महाविद्यालय	914

लेडी इरविन महाविद्यालय	917
लेडी श्री राम महिला महाविद्यालय	921
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय	928
महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय	933
महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय	937
मैत्रेयी महाविद्यालय	939
माता सुंदरी महिला महाविद्यालय	944
मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान	949
मिरांडा हाउस	954
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय	962
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य)	965
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांगता (दिव्यांगजन) राष्ट्रीय संस्थान	969
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय	971
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य)	975
राजधानी महाविद्यालय	976
राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग	981
रामानुजन महाविद्यालय	983
रामजस महाविद्यालय	991
राम लाल आनंद महाविद्यालय	996
सत्यवती महाविद्यालय	1005
सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य)	1008
ओपन लर्निंग स्कूल	1011
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय	1012
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सांध्य)	1017
शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय	1022
शहीद सुखदेव व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय	1027
शिवाजी महाविद्यालय	1032
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स	1037
श्याम लाल महाविद्यालय प्रातः	1041
श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)	1046
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय	1048
श्री अरबिंदो महाविद्यालय	1053
श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)	1056
श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय	1059
श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय	1064

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय	1068
सेंट स्टीफन महाविद्यालय	1073
श्री वैकटेश्वर महाविद्यालय	1075
स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय	1081
विवेकानंद महाविद्यालय	1082
जाकिर हुसैन महाविद्यालय	1087
जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य)	1091
विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल	
अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास	1093
अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास	1093
सी.आई.ई. छात्रावास	1093
डीएस कोठारी छात्रावास	1094
गीतांजलि छात्रावास	1094
ग्वायर हॉल	1095
अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास	1095
अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास	1096
जुबली हॉल	1096
मानसरोवर छात्रावास	1096
मेघदूत छात्रावास	1096
पूर्वोत्तर महिला छात्रावास	1097
स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास	1097
राजीव गांधी महिला छात्रावास	1097
सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास	1098
सामाजिक कार्य छात्रावास	1098
स्नातक-पूर्व बालिका छात्रावास	1098
विश्वविद्यालय महिला छात्रावास	1099
वी.के.आर.वी. राव छात्रावास	1099
वार्षिक लेखे	1100

विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलाधिपति

माननीय मुप्पवरपु वेंकैया नायडू

सम कुलाधिपति

न्यायमूर्ति शरद अरविंद बोबडे

कुलपति

प्रो. योगेश कुमार त्यागी

10.03.2016 से 09.03.2021

प्रो .पी.सी. जोशी (अंतरिम)

17.07.2020

सम कुलपति

प्रो. सुमन कुंडू (अंतरिम)

27.06.2020 तक

प्रो. पी.सी. जोशी

28.06.2020 से

महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष

प्रो. सुमन कुंडू (अंतरिम)

04.06.2020 तक

डॉ. बालाराम पाणी

05.06.2020 से

निदेशक, दक्षिणी दिल्ली कैंपस

प्रो. सुमन कुंडू

निदेशक, ओपन लर्निंग कैंपस

डॉ. बालाराम पाणी

01.01.2020 से

कोषाध्यक्ष

श्री पी.के. मिश्रा

24.08.2020 तक

प्रो. कविता शर्मा

25.08.2020 से

प्रॉक्टर

प्रो. नीता सहगल

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष

प्रो. राजीव गुप्ता

कुलसचिव

प्रो. तरुण कुमार दास

14.02.2020 तक

श्री सी.पी. राघव (अंतरिम)

25.09.2020 से 01.09.2020 तक

प्रो. सुमन कुंडू (अंतरिम)

02.09.2020 से 21.10.2020 तक

डॉ. विकास गुप्ता

22.10.2020 से

संकायाध्यक्ष

कला

प्रो. सैयद अली करीम

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी

प्रो. वी.के. कौल

26.01.2020 तक

प्रो. संजय सहगल

29.09.2020 से

आयुर्वेदिक और यूनानी

प्रो. वंदना रॉय

25.11.2020 तक

प्रो. नीलम वनय

26.11.2020 से

वाणिज्य और व्यापार

प्रो. रितेश कुमार सिंह

शिक्षा

प्रो. शोभा सिन्हा

होम्योपैथिक चिकित्सा

प्रो. वंदना रॉय

24.08.2020 तक

प्रो. नीलम वनय

25.08.2020 से

अंतर-विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान

प्रो. सुमन कुंडू

08.03.2020 तक

प्रो. अलो नाग

09.03.2020 से

विधि

प्रो. वंदना

प्रबंधन अध्ययन

प्रो. सुनीता सिंह सेनगुप्ता 31.08.2020 तक

प्रो. विवेक सुनेजा

01.09.2020 से

गणितीय विज्ञान

प्रो. सी.एस. ललिता

चिकित्सा विज्ञान

प्रो. गोपेश मेहरोत्रा

संगीत और ललित कला

प्रो. दीप्ति ओमचंदरी भल्ला

मुक्त अधिगम विद्यालय

रिक्त

विज्ञान

प्रो. सत्यभामा दास बीजू

23.08.2020 तक

प्रो. रीता कक्कड़

24.08.2020 से

सामाजिक विज्ञान

प्रो. सुधीर ए. शाह

08.12.2020 तक

प्रो. सुरेंद्र कुमार

09.12.2020 से

प्रौद्योगिकी

प्रो. सचिन माहेश्वरी

04.11.2020 तक

प्रो. विनय गुप्ता

05.11.2020 से

वर्ष की उपलब्धियां

तत्कालीन केंद्रीय विधान सभा के दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम द्वारा एक एकात्मक, शिक्षण और आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित, विश्वविद्यालय अपने आदर्श वाक्य में परिलक्षित सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के बेहिचक पालन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रयासरत रहा है: 'निशिता धृति सत्यम्' (समर्पण, दृढ़ता और सत्य)। देश के एक प्रमुख विश्वविद्यालय में विविध शैक्षिक कार्यक्रम, विशिष्ट संकाय, शानदार पूर्व विद्यार्थी, विभिन्न सह पाठ्यक्रम गतिविधियां और आधुनिक बुनियादी ढांचे, अपने अस्तित्व के वर्षों में, उच्च शिक्षा में उच्चतम वैश्विक मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को बनाए रखा है। इसका उदाहरण इस तथ्य से दिया गया है कि विश्वविद्यालय को वर्ष 2019 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस' का दर्जा दिया गया है।

तीन कॉलेजों और 750 छात्रों के साथ शुरू, यह 16 संकायों, 86 अकादमिक विभागों, 28 केंद्रों, 90 कॉलेजों और छह लाख से अधिक छात्रों के साथ भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पीएच.डी. को शामिल करते हुए अध्ययन के 500 से अधिक कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है, जिनमें से 200 से अधिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभागों और केंद्रों द्वारा चलाए जाते हैं।

इस गौरवशाली संस्था के लिए वर्ष 2022 शताब्दी वर्ष होगा। विश्वविद्यालय को गर्व है कि 100 वर्षों से इसने अपने सक्षम नेतृत्व में और कोविड-19 से उपजी इस मौजूदा महामारी की स्थिति के दौरान भी समय-समय पर सभी हितधारकों के व्यवस्थित समन्वित प्रयासों के आधार पर सही दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। विश्वविद्यालय ने सभी हितधारकों की मदद और सहयोग से महामारी की स्थिति के दौरान भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक पहल जैसे अपने सराहनीय सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों को जारी रखने में सफलता प्राप्त की है।

असाधारण प्रयासों और एक सहकारी दृष्टिकोण ने विश्वविद्यालय को हर विद्यार्थी केंद्रित गतिविधि में मदद की है, चाहे वह ऑनलाइन प्रवेश हो, एकलडीयू कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों के भीतर अधिकतम संभव आउटरीच के साथ ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम का सफल कार्यान्वयन, ओपन बुक परीक्षाओं (ओबीई) का एक तरह का आचरण, डिजिटल डिग्री और नियोजन प्रयासों का प्रावधान ऐसी कई पथ-यात्रा पहलों में से एक है।

विश्वविद्यालय की अकादमिक साख

राष्ट्रीय

विश्वविद्यालय पिछले कुछ वर्षों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी उच्च रैंकिंग हासिल कर रहा है। यह बेहतर प्रदर्शन करने और अपनी अकादमिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में समकालीन शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान पहलों के कार्यान्वयन और गतिविधि के अन्य परिचर क्षेत्रों में उत्कृष्टता की प्राप्ति के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं और कार्यान्वयन के कार्यान्वयन के माध्यम से ही प्राप्त किया गया है और उच्च शिखर प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है।

रैंकिंग	2021-22
विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)	रैंक 12 (वर्ष-2021 के लिए को जारी)
सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (CWUR): राष्ट्रीय रैंक	6 (2021-22)

अंतर्राष्ट्रीय रैंक

रैंकिंग	2021-22
टाइम्स हायर एजुकेशन (द) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	801-1000 (वर्ष-2022 के लिए प्रकाशित)
द इंडिया रैंक	18 (2022)
एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग	201-250 (2021)
इमर्जिंग इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग	182 (वर्ष-2021 के लिए प्रकाशित)
सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	571 (2021)
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	501-510 (2022 के लिए प्रकाशित)
क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग	77 (2022 के लिए प्रकाशित)

क्यूएस वर्ल्ड विषय-वार रैंक, 2021	ग्लोबल रैंक 2021 मार्च 2021 में प्रकाशित	घरेलू रैंक मार्च 2021 में प्रकाशित
विकास अध्ययन	50	1
समाजशास्त्र	101-150	1
अर्थशास्त्र और अर्थव्यवस्था	128	1
भूगोल	151-200	2
इतिहास	151-200	2
जैविक विज्ञान	251-300	2
भौतिकी और खगोल विज्ञान	201-250	6
रसायन शास्त्र	351-400	10

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी)

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2018 में पहले चक्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा आयोजित मूल्यांकन और प्रत्यायन की प्रक्रिया पूरी की। यह मान्यता नैक के संशोधित ढांचे के अनुसार है, जिसे 2017 में लागू किया गया था। संशोधित ढांचे का प्राथमिक ध्यान गुणात्मक निर्णय से केवल (पुराने फ्रेमवर्क) से डेटा आधारित मात्रात्मक मूल्यांकन (70%) और पीयर निर्णय (30%) में स्थानांतरित हो गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय को अपने पहले चक्र में ए + ग्रेड के साथ 3.28 के सीजीपीए स्कोर के साथ मान्यता प्राप्त थी, जो 30 नवंबर, 2018 से 5 वर्ष की अवधि के लिए मान्य है। यह ग्रेड उन सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक है जो सितंबर 2019 तक नए ढांचे के तहत मूल्यांकन मान्यता के पहले चक्र से गुजरे हैं।

प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई)

दिल्ली विश्वविद्यालय को शिक्षा मंत्रालय (एमओई) (भारत सरकार के पहले मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा एक संस्थान ऑफ एमिनेंस (आईओई) के रूप में मान्यता दी गई थी, जो 04-09-2019 के अपने संप्रेषण के माध्यम से था। इसके बाद एमओ ने 02.03.2020 को एक अधिसूचना जारी कर दिल्ली विश्वविद्यालय को "संस्थान ऑफ एमिनेंस" घोषित किया।

विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने आईओई के तहत अध्यादेश XX में मौजूदा दो के अलावा तीन नए स्कूलों को मंजूरी दी। स्कूलों ने राष्ट्रीय और वैश्विक प्रासंगिकता के साथ विषय आधारित बहु-विषयक और अंतर: विषयक अनुसंधान कार्यक्रमों की परिकल्पना की है। आईओई ने विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर अनुसंधान के व्यापक क्षेत्रों की पहचान की है जो सामाजिक जरूरतों के लिए प्रासंगिक हैं और उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशनों और अनुसंधान सहयोग के माध्यम से विश्वविद्यालय को उच्च वैश्विक रैंकिंग में गुलेल करने की क्षमता रखते हैं। इन विद्यालयों के शासी निकायों में समाज के विभिन्न अंगों के साथ अनुसंधान करने और जुड़ाव की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शिक्षाविदों/शोधकर्ताओं/सार्वजनिक मामलों के विशेषज्ञ शामिल हैं।

संकाय अनुसंधान कार्यक्रम के तहत आईओई ने 2020 में विभिन्न विषयों में विश्वविद्यालय/कॉलेजों के 160 से अधिक संकाय सदस्यों को लगभग 500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी। आईओई ने अत्याधुनिक उपकरणों के संचालन और रखरखाव को सुगम बनाने और हमारे शोधकर्ताओं को इन्हें उपलब्ध कराने के लिए उत्तरी कैपस में विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रुमेंटेशन केंद्र (यूएसआईसी) और दक्षिणी कैपस में सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन फैसिलिटी (सीआईएफ) को सुदृढ़ करने की शुरुआत की है, जिसके लिए उन्हें अन्य संस्थानों/सुविधाओं पर निर्भर रहना पड़ा।

विश्वविद्यालय की भवन निर्माण समिति ने एनबीसीसी को आईओई के लिए अकादमिक/प्रशासनिक भवन और छात्रावास सह पारगमन आवास के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

हाल की कुछ पहलों और उपलब्धियों की मुख्य विशेषताएं

नए केंद्रों की स्थापना

दिल्ली विश्वविद्यालय का यह एक सतत उद्देश्य रहा है कि वह पारंपरिक अनुशासनात्मक सीमाओं में कटौती करने वाली नई अनुसंधान पहलों के विकास को सुगम बनाने का प्रयास करे। इस व्यापक लक्ष्य के अनुरूप, विश्वविद्यालय द्वारा एक नए अध्ययन और अनुसंधान केंद्र-हिमालयन अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

हिमालयन अध्ययन केंद्र

विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा आठ दिसंबर 2020 को केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी गई थी। हिमालय अध्ययन केंद्र का उद्देश्य हिमालय के सभी पहलुओं पर अध्ययन और शोध करना है। कैपस में शीघ्र ही एक हिमालयन संग्रहालय भी स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। यह केंद्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ विभिन्न हिमालयी राज्यों में जमीनी स्तर पर लोगों के साथ मिलकर काम करेगा।

ओएनईडीयू कार्यक्रम

अभूतपूर्व महामारी की स्थिति के कारण दुनिया भर में ऑनलाइन शिक्षण और अभिग्रहण शिक्षा का एक अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी 2020 से ऑनलाइन शिक्षण और अध्ययन को अपनाया है, जिसके तहत छात्रों को विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए पढ़ाया जाता था। (ओएनईडीयू) कार्यक्रम विश्वविद्यालय की एक अनूठी पहल है जहां विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई ई-अध्ययन संसाधनों का समामेलन एक ही मंच पर उपलब्ध कराया जाता है। महामारी के दौरान शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के सुचारु संचालन के लिए दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल तैयार किए गए थे। (ओएनईडीयू) मंच का उद्देश्य शिक्षण विभागों, कॉलेजों, केंद्रों और अन्य संबद्ध निकायों में ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देना है।

(वनडीयू) पहल के उद्देश्य हैं:

शिक्षण और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा के लिए प्रोटोकॉल तैयार करना।

विश्वविद्यालय के विभागों, कॉलेजों, केंद्रों और अन्य अकादमिक निकायों को तकनीकी सहायता प्रदान करना।

ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में कार्यान्वयन योग्य सर्वोत्तम प्रथाओं का सुझाव देना और परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर समय-समय पर अन्य रचनात्मक जानकारी प्रदान करना।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, केंद्रों, कॉलेजों और अन्य संबद्ध निकायों में उपलब्ध संसाधनों की पहचान करके ऑनलाइन शिक्षा के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल लघु वीडियो और एफएक्यू तैयार करने के लिए सुविधाजनक बनाना

विश्वविद्यालय समुदाय के उपयोग के लिए पाठ्यक्रम-विशिष्ट ई-संसाधन अनुरूप तैयार करने के लिए संकाय सदस्यों की पहचान और प्रोत्साहित करना।

उक्त प्रयास का उद्देश्य विश्वविद्यालय को अकादमिक प्रयासों में निरंतरता प्रदान करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता में सशक्त बनाना है।

विद्या विस्तार योजना

दिल्ली विश्वविद्यालय ने साथी विश्वविद्यालयों के कॉलेजों के साथ विश्वविद्यालय के कॉलेजों और देश के दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय के कॉलेजों के बीच अकादमिक सहकारी संबंध विकसित करने के लिए विद्या विस्तार (V2) योजना नामक एक विशेष पहल शुरू की है। विद्या विस्तार योजना का उद्देश्य मौजूदा संसाधनों और क्षमताओं के अधिकतम उपयोग के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उच्च शिक्षण संस्थानों के योगदान को अधिकतम करना है। इस योजना के माध्यम से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अकादमिक सहयोग और सहयोग के लिए संस्थानों को भागीदार बनाने के लिए अपने विभागों और कॉलेजों में उपलब्ध अपने संकायों, पुस्तकालय और अन्य अकादमिक सुविधाओं को खोलने का प्रस्ताव किया है।

वी 2 योजना के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं-

दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों के क्षमता निर्माण के उद्देश्य से ऑनलाइन/ऑफलाइन व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, बैठकें और ऐसे अन्य कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए यथासंभव संकायों के दौरों को सुगम बनाया जाएगा।

चयनित कॉलेजों और विश्वविद्यालय विभागों के शिक्षक और शोधकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय और/या उसके कॉलेजों के विभागों की अनुसंधान गतिविधियों में जुड़े रहेंगे और उन्हें वित्तपोषण एजेंसियों को प्रस्तुत अनुसंधान कार्यक्रमों में सह-जांचकर्ता के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय और चयनित कॉलेजों और दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागों के शिक्षकों/शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त प्रकाशन की सुविधा प्रदान करेगा।

क्षमता निर्माण में सहायता प्रदान करने और संकाय के शिक्षण और अनुसंधान कौशल में सुधार के लिए पुस्तकालय संसाधनों को चयनित कॉलेजों और विश्वविद्यालय विभागों में सुदृढ़ किया जाएगा।

नवाचार गतिविधियों को शुरू करने और उनकी सहायता करने और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर नवाचार केंद्र , उद्यमिता पार्क आदि जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्मों के माध्यम से भागीदारों के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद संपर्क किए जाएंगे।

दोनों संस्थानों के युवाओं के बीच खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से भाईचारे की भावना जागृत की जाएगी।

वी2 योजना के तहत परिकल्पित संबंध विश्वविद्यालयों के दोनों कॉलेजों के बीच समान भागीदार के रूप में आपसी सम्मान, सहयोग और वंटवारे के सिद्धांत पर आधारित है। दोनों के बीच इस तरह के सहजीवी संबंध दोनों अकादमिक संस्थानों को अधिक तरीकों से समृद्ध करेंगे जो प्रत्येक अकेले रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

भारतीय सांस्कृतिक अनुसंधान परिषद (आईसीसीआर) के साथ समझौता ज्ञापन

12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, भारतीय सांस्कृतिक अनुसंधान परिषद भारतीय विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने आईसीसीआर विद्यार्थीवृत्ति पर विश्वविद्यालय में आने वाले विदेशी छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आईसीसीआर केंद्र स्थापित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन किया।

आईसीसीआर ने विश्वविद्यालय में अकादमिक वातावरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए विभिन्न अकादमिक, सांस्कृतिक और पाठ्येतर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, यह विदेशी विद्वानों और शिक्षकों के लिए अकादमिक आदान प्रदान की सुविधा और विदेशी अकादमिक संस्थानों से विश्वविद्यालय में संकायों का दौरा समर्थन करने की योजना है। कुलसचिव ने आईसीसीआर के महानिदेशक श्री दिनेश पटनायक की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। परिणामतः, 4 मार्च 2021 को माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री वी मुरलीधरन ने 4 मार्च, 2021 को विश्वविद्यालय में आईसीसीआर केंद्र का उद्घाटन किया।

उल्लेखनीय कार्यक्रम/वार्षिक कार्यक्रम

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय ने 31 अक्टूबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसकी अध्यक्षता कुलपति (कार्यवाहक) प्रो पी.सी जोशी ने की थी। सर्व धर्म प्रार्थना को गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा राजघाट नई दिल्ली की सुश्री कुसुम बेहन और सुश्री राधा बेहन ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके बाद, दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत और ललित कला संकाय के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय अखंडता विषय पर संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया।

भारतीय सांस्कृतिक अनुसंधान परिषद (आईसीसीआर) के साथ समझौता ज्ञापन

12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भी मनाया जाने वाला भारतीय विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सांस्कृतिक अनुसंधान परिषद ने आईसीसीआर विद्यार्थीवृत्ति पर विश्वविद्यालय में आने वाले विदेशी छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आईसीसीआर केंद्र स्थापित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन किया।

आईसीसीआर ने विश्वविद्यालय में अकादमिक वातावरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए विभिन्न अकादमिक, सांस्कृतिक और पाठ्येतर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, यह विदेशी विद्वानों और शिक्षकों के लिए अकादमिक आदान प्रदान की सुविधा और विदेशी अकादमिक संस्थानों से विश्वविद्यालय में संकायों का दौरा समर्थन करने की योजना है। कुलसचिव ने आईसीसीआर के महानिदेशक श्री दिनेश पटनायक की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। नतीजतन, 4 मार्च 2021 को माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री वी मुरलीधरन ने विश्वविद्यालय में आईसीसीआर केंद्र का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शिखा संस्कृति उत्थान न्यास के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर एक सम्मेलन का आयोजन किया और 15 जनवरी 2021 को इसकी क्रियान्वयन किया। लगभग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के साथ प्रिंसिपलों ने सम्मेलन में भाग लिया। कुलपति (कार्यवाहक) प्रो पी.सी जोशी ने 48 सदस्यीय एनईपी कार्यान्वयन समिति के गठन की घोषणा की। चौधरी वंसी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आरके मित्तल ने सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए एनईपी 2020 के क्रियान्वयन की योजनाओं को साझा किया।

97 वां दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय ने 27 फरवरी 2021 को अपना 97 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल मुख्य अतिथि थे और संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री पी.के. जोशी सम्मानित अतिथि थे। कुलपति (कार्यवाहक) प्रो पी.सी जोशी ने समारोह की अध्यक्षता की। कॉलेजों के संकायाध्यक्ष प्रो. बालाराम पाणी, दक्षिण कैंपस की निदेशक प्रो सुमन कुंडू और कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

पहली बार वर्ष 2020 के लिए 1,78,719 की डिजिटल डिग्रियों को माननीय शिक्षा मंत्री ने ऑनलाइन प्रदान किया। महामारी से उत्पन्न चुनौतियों जैसे ओपन बुक परीक्षा (ओबीई) आयोजित करने, डिजिटल डिग्री जारी करने आदि के समाधान में विश्वविद्यालय के प्रयासों को मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि ने सराहा।

विश्वविद्यालय के ब्रोशर का विमोचन किया गया जिसमें कोविड - 19 के लचीलेपन पर एक समर्पित अनुभाग था। कुलपति ने अपने संबोधन के दौरान इस बात को गर्व के साथ साझा किया कि विश्वविद्यालय ने दूरस्थ क्षेत्रों में संस्थानों को सहायता देने के लिए विद्या विस्तार योजना (वी2 योजना) शुरू की है। V2 योजना के तहत, विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों, पुस्तकालय संसाधनों और अन्य अकादमिक सुविधाओं की विशेषज्ञता भागीदार संस्थानों को प्रदान करेगा। उन्होंने नए शिक्षण केंद्रों की स्थापना- दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, दिल्ली स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबिलिटी, दिल्ली स्कूल ऑफ स्किल एन्हांसमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट की भी घोषणा की।

63 वां वार्षिक पुष्पोत्सव

विश्वविद्यालय के मुगल गार्डन में 5 मार्च 2021 को विश्वविद्यालय का 63वां वार्षिक पुष्पोत्सव आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह, माननीय कुलपति (कार्यवाहक) प्रो बालाराम पाणी, कॉलेजों के संकायाध्यक्ष प्रो सुमन कुंडू, दक्षिण कैंपस के निदेशक प्रो. पी.सी. जोशी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव श्री गिरीश रंजन, वित्त अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। अपनी तरह के पहले पुष्पोत्सव के पारंपरिक पुष्प वैभव का कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर वेबकास्ट किया गया।

'शहीद दिवस' का वार्षिकोत्सव

विश्वविद्यालय ने 23 मार्च 2021 को 'शहीद दिवस' पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के हमारे राष्ट्रीय प्रतीक - शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु की शहादत के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के वाइसरेगल लॉज के बेसमेंट में स्थित चैंबर में शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि दी गई, जहां उन्हें कैद किया गया। इस अवसर पर शहीद भगत सिंह स्मारक का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ने किया। भगत सिंह स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों पर पुस्तकों के मौजूदा संग्रह को माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा "शहीद स्मृति पुस्तकालय" में बदलने की घोषणा की। संगीत संकाय द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों के माध्यम से शहीद भगत सिंह व उनके साथियों को श्रद्धांजलि दी गई। विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं- कविता, गीत, स्लोगन व निबंध लेखन का भी आयोजन किया गया।

'कोविड-19 और दृष्टिबाधितों की चुनौतियों' पर वेबिनार

दिल्ली विश्वविद्यालय ने 27 अप्रैल 2020 को 'कोविड-19 और दृष्टिबाधितों की चुनौतियों' पर तीन घंटे तक चलने वाले वेबिनार का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. योगेश त्यागी ने की। महामारी फैलने के बाद से, विश्वविद्यालय जिसमें लगभग 3,000 विद्यार्थी विकलांग हैं, विभिन्न पहलों के माध्यम से ऐसे छात्रों तक पहुंच रहे हैं। उनके सामने आने वाली चुनौतियों, विशेष रूप से दृष्टिबाधितों के बारे में प्रतिक्रिया के आधार पर, वर्तमान अभूतपूर्व संकट के दौरान ऐसे छात्रों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं पर एक केंद्रित वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के विकलांगता मामलों की सचिव शकुंतला डी. गैमलिन और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. प्रबोध सेठ; ने वेबिनार में अपने संबोधन किए। राष्ट्रीय दृश्य विकलांग संस्थान (एनआईडीपीवीडी) के राष्ट्रीय सशक्तिकरण संस्थान के स्थानापन्न निदेशक डॉ. नचिकेता राउत और नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (दिल्ली) के अध्यक्ष श्री दीपेंद्र मनोचा और विकासशील देश कार्यक्रम के निदेशक, डेज़ी कंसोर्टियम के मैनेजिंग ट्रस्टी, सक्षम ट्रस्टी, द्वारा भी प्रस्तुतियां दी गईं।

सामाजिक आउटरीच

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पहल के तहत सामुदायिक आउटरीच

विश्वविद्यालय ने "कैंपस से परे विश्वविद्यालय" और उच्च शिक्षा की एक संस्था के रूप में विकसित करने के अपने प्रयासों को जारी रखा जो समकालीन समय की महत्वपूर्ण वास्तविकताओं के लिए जीवित है। एमएचआरडी की भारत अभियान पहल का उद्देश्य समावेशी भारत की वास्तुकला के निर्माण में मदद करने के लिए ज्ञान संस्थानों का लाभ उठाकर सामुदायिक विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी परिवर्तन का सूत्रपात करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने बदरपुर खादर, चौहान पट्टी, जगतपुर, मुकुंदपुर और झरोदा जैसे कम सामाजिक-आर्थिक संकेतकों वाले पांच गांवों को गोद लिया है; यूबीए के तहत सामुदायिक विकास पहलों के लिए वर्ष 2016 के बाद से, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों की एक टीम पांच समुदायों में जरूरत आधारित, नियोजित और टिकाऊ सामुदायिक पहल कर रही है। टीम समस्याओं की संयुक्त पहचान में भाग लेती हैं और गांव विशेष की जरूरतों को महसूस करती हैं; हस्तक्षेप की योजना तैयार करती हैं; और फिर इसे संबोधित करने के लिए भागीदारी समुदाय की पहल में संलग्न करती हैं।

इस कार्यक्रम के तहत कोविड-19 से उपजी चुनौतियों से अस्थाई परिवर्तन के बावजूद काम जारी रहा, शिक्षण-अध्ययन को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित कर दिया, और ज्यादातर छात्रों को अपने गृहनगर में स्थानांतरित कर दिया, समुदाय के काम में स्वयंसेवक भागीदारी की पुनः योजना बनाई जानी थी। छात्रों और संकाय स्वयं को समुदाय के सदस्यों और समुदाय के नेताओं के ऑनलाइन समूहों के गठन में लगे मुश्किल समय के दौरान तीन समुदायों को ऑनलाइन समर्थन प्रदान किया है। विद्यार्थी स्वयंसेवकों ने सरकारी योजनाओं और नागरिक समाज के समर्थन पर ऑनलाइन संसाधन सामग्री तैयार की और इसे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं और समुदाय के नेताओं जैसे नोडल व्यक्तियों के माध्यम से समुदाय के सदस्यों के बीच परिचालित किया। शैक्षिक प्राप्ति के लिए ऑनलाइन मंच तक पहुंच प्राप्त करने के लिए स्कूली बच्चों को सहायता और सुविधा भी प्रदान की गई। टीके के बारे में मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने और कम करने और लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वैक्सीन वकालत की पहल भी की गई।

यूबीए टीम ने आने वाले समय में सामुदायिक कार्य संभालने के लिए कार्यकर्ताओं का एक कैडर तैयार करने के उद्देश्य से एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए। विश्वविद्यालय के कॉलेजों के सत्तर छात्रों को भागीदारी और जरूरत आधारित सामुदायिक कार्य के विविध आयामों में प्रशिक्षित किया गया। कई विशेषज्ञ विशेषज्ञों ने विद्यार्थी स्वयंसेवकों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करने के लिए अपने इनपुट का योगदान दिया। विश्वविद्यालय में एनएसएस प्रभारी कैप्टन परमिंदर सहगल ने इस पहल को सुगम बनाने में बेहद मूल्यवान भूमिका निभाई। कोविड की घातक दूसरी लहर की समाप्ति के बाद, ऑफलाइन मोड में काम धीरे-धीरे सीमित आधार पर पुनः शुरू किया गया था। एक स्थानीय स्वयंसेवी संगठन के सहयोग से वनीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निवासियों को सामान्य जीवन फिर से शुरू करने में सक्षम बनाने के लिए सामुदायिक समूहों का कार्याकल्प किया गया। गैर-औपचारिक शिक्षा, मनोरंजन, स्वास्थ्य और पोषण पर बच्चों के साथ काम फिर से शुरू किया गया था। समुदाय की जरूरतों के लिए पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य और स्वच्छता पर डेंगू की रोकथाम और जागरूकता सृजन पर काम शुरू किया गया। समकालीन समय में समुदायों के नए सिरे से आवश्यकताओं के आकलन के बाद अधिक सामुदायिक भागीदारी कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है।

महामारी के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय का लचीलापन

दिल्ली विश्वविद्यालय ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपने लचीलेपन का प्रदर्शन किया और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को अनुकूलित किया। छात्रों और स्टाफ सदस्यों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय सबसे आगे था। कई निर्णायक और सक्रिय उपाय किए गए।

28 मार्च 2020 को कोविड-19 टास्क फोर्स का गठन किया गया था। टास्क फोर्स की जिम्मेदारियां निम्नलिखित थीं:

लॉकडाउन की अवधि में प्रशासनिक गतिविधियां करना

स्थानिक छात्रों के कल्याण की देखरेख करना

अकादमिक शिक्षा को सुलभ तरीके से जारी रखने के लिए ई-अध्ययन के साधनों की निगरानी और समन्वय करना।

विश्वविद्यालय ने महामारी के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और भलाई को बढ़ावा देने के लिए एक ऑनलाइन परामर्श सुविधा भी शुरू की। "पड़ोसियों की देखभाल" नामक एक अन्य पहल में विश्वविद्यालय कैम्पस के आसपास के क्षेत्र में कमजोर साथी नागरिकों को राशन पैकेज के प्रावधान किए गए हैं।

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए (ओएनईडीयू) कार्यक्रम शुरू किया। विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेवाओं को विश्वविद्यालय वीपीएन और रिमोट लॉगिन के माध्यम से पूर्ण डिजिटल संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच देने के लिए अपडेट किया गया। सभी उपयोगकर्ताओं को डिजिटल पुस्तकालय सेवाएं उपलब्ध कराई गई थीं और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ने अन्य स्त्रोतों से मिलान करके डिजिटल संग्रह में उपलब्ध पुस्तकों/लेखों तक पहुंच की सुविधा भी प्रदान की। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ने ऑनलाइन मोड में एम.फिल. शोध प्रबंध और पीएच.डी. थीसिस की साहित्यिक चोरी का सत्यापन भी जारी रखा। संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कार्यालय ने हर सोमवार को सांध्य 5.00 से-6.00 बजे से कौशल ब्रिजिंग और अप-स्किलिंग के लिए टेलीरंग के साथ साप्ताहिक वेबिनार का आयोजन किया। यह आयोजन यूजी और पीजी दोनों छात्रों के लिए खुला था और विश्वविद्यालय के लगभग 800 छात्रों ने इन वेबिनारों में भाग लिया।

विश्वविद्यालय के छात्रवासों को भी कोविड -19 महामारी के दौरान एक अभूतपूर्व स्थिति का सामना करना पड़ा और कई छात्रों को लॉकडाउन अवधि के दौरान विद्यार्थीवास छोड़ दिया। छात्रवासियों के लिए, जो लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण वापस और/या घर नहीं लौट सके, उनकी सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रबंध किए गए। विश्वविद्यालय के अधिकारियों और जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के परामर्श से, संगरोध/आइसोलेशन वार्ड के लिए कमरे, छात्रवास कैम्पस की निरंतर स्वच्छता, संचरण के जोखिम से बचने के लिए अच्छी प्रथाओं के बारे में कर्मचारियों और निवासियों को प्रशिक्षित करने सहित कोविड तत्परता योजना तैयार की गई थी।

प्रवेश

विश्वविद्यालय के 67 कॉलेजों और विभागों में 237 मेरिट आधारित और 07 प्रवेश आधारित पाठ्यक्रमों में स्नातक-पूर्व (यूजी) प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया 12 अक्टूबर 2020 को शुरू हुई थी और 31 दिसंबर 2020 को बंद हुई जबकि 74 पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर (पीजी) दाखिले के लिए 18 नवंबर 2020 को शुरू हुआ और 31 दिसंबर 2020 को बंद हुई।

सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले शत प्रतिशत ऑनलाइन और संपर्क-विहीन हुए। सभी पाठ्यक्रमों के लिए केंद्रीकृत प्रवेश किए गए थे। इससे आवेदकों को विभिन्न कॉलेजों और पाठ्यक्रमों में कट-ऑफ (यूजी पाठ्यक्रमों के लिए) /प्रवेश सूचियां (पीजी पाठ्यक्रमों के लिए) के भीतर संचालनों के संदर्भ में समयबद्ध तरीके से मदद मिली। यूजी

दाखिले के लिए सभी कॉलेजों के लिए एक-एक पंजीकरण प्रशोध था। कॉलेजों में आवेदन करने के लिए आवेदकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया गया।

हेल्पडेस्क के रूप में शामिल 18 स्वयंसेवकों के एक समूह ने सभी प्रश्नों का समाधान किया और अपने समर्पित मोबाइल और ईमेल के माध्यम से चौबीसों घंटे उम्मीदवारों की मदद की। दाखिले शुरू होने से लेकर अंत तक हेल्पडेस्क सक्रिय रहा। विभागीय/महाविद्यालय नोडल अधिकारियों और हेल्पडेक्स की सूची विश्वविद्यालय और संबंधित विभाग/ महाविद्यालय वेबसाइटों पर प्रमुखता से प्रदर्शित की गई थी।

शाखा द्वारा छह वेबिनार का आयोजन किया गया था ताकि आवेदकों को फॉर्म भरने, दस्तावेज अपलोड करने, आरक्षण नीतियों, उनके रिकॉर्ड को अपडेट करने और दाखिले से संबंधित अन्य पहलुओं सहित प्रवेश की पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिल सके। आवेदकों को फॉर्म भरने में मदद करने के लिए वेबसाइट पर वीडियो भी बनाए गए और प्रमुखता से प्रकाशित किए गए।

छात्रों की मदद के लिए प्रत्येक कट ऑफ/प्रवेश सूची के साथ नियमित आधार पर दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। सीडब्ल्यू/ईसीए/खेल श्रेणियों के तहत दाखिले भी पूरी तरह से ऑनलाइन किए गए थे।

प्रवेश से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:

यूजी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या: 3,35,434

यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की संख्या (योग्यता, प्रवेश, एनसीडब्ल्यूबी, खेल, ईसीए सहित लेकिन एसओएल को छोड़कर): 85,163

पीजी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या: 1,46,994

पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिले की संख्या (एनसीडब्ल्यूबी सहित लेकिन एसओएल को छोड़कर): 10,796

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या: 21,699

दाखिले से जुड़ी किसी भी शिकायत को निपटाने के लिए अलग से शिकायत समिति का भी गठन किया गया। शिकायत समिति ने शाखा के साथ मिलकर मामलों को समयबद्ध तरीके से सुलझाने का काम किया। शिकायतों का निराकरण भी पूरी तरह ऑनलाइन रहा।

विद्यार्थी नामांकन

वर्ष 2020-21 के आंकड़ों के अनुसार, विश्वविद्यालय में 2,11,590 स्नातक-पूर्व और 29,651 स्नातकोत्तर विद्यार्थी हैं, जिनमें एम.फिल./पीएच.डी. के लिए नामांकित विद्यार्थी शामिल हैं। सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा कोर्स में कुल 5,948 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। पारंपरिक मोड में नामांकित छात्रों की कुल संख्या 2,47,189 है। इसके अतिरिक्त, दूरस्थ शिक्षा में 3,26,830 छात्रों को नामांकित किया गया है और 32,209 गैर-कॉलेजिएट महिला विद्यार्थी भी इस विशाल विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं। सभी कार्यक्रमों में पारंपरिक और दूरस्थ शिक्षा पद्धति में कुल नामांकन 2020-21 के दौरान 6,06,228 था।

कुल नामांकित छात्रों में से 50 प्रतिशत से अधिक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के गृह राज्य के अलावा, अन्य राज्यों के हैं। यह विविधता स्पष्ट रूप से देश भर में विश्वविद्यालय की अकादमिक पहुंच और उच्च शिक्षा का अनुसरण करने के लिए एक चुने हुए गंतव्य के रूप में विद्यार्थी समुदाय के बीच इसकी लोकप्रियता को इंगित करती है।

युक्ति(युवा भारत ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के साथ कोविड का प्रतिकार) पोर्टल

शिक्षा मंत्रालय ने 12 अप्रैल 2020 को एक वेब-पोर्टल YUKTI (युवा भारत ज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार के साथ कोविड का प्रतिकार) लॉन्च किया। पोर्टल का उद्देश्य कोविड -19 चुनौतियों के विभिन्न आयामों को बहुत समय और व्यापक तरीके से कवर करना है। इसमें शिक्षाविदों में संस्थानों की विभिन्न पहलों और प्रयासों,

मुख्य रूप से कोविड से संबंधित अनुसंधान, संस्थाओं द्वारा सामाजिक पहल और छात्रों की कुल भलाई की बेहतरी के लिए किए गए उपायों को शामिल किया गया। YUKTI पोर्टल के उद्देश्यों के अनुपालन में, दिल्ली विश्वविद्यालय ने व्यापक ई-अध्ययन सुनिश्चित करने, नियोजन और इंटरनेट के लिए सहायता प्रदान करने, छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सभी पर्याप्त कदम उठाए हैं। कठिन समय के सशक्त, विश्वविद्यालय ने अनुसंधान को मजबूत करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया। जरूरी आंकड़े समय-समय पर पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए और अपडेट किया गए।

परीक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए कोविड -19 महामारी के दौरान अंतिम सेमेस्टर/वर्ष नियमित, एनसीवेब और एसओएल छात्रों के लिए ओपन बुक परीक्षा (ओबीई) का सफलतापूर्वक संचालन करने वाला देश का पहला उच्च शिक्षा संस्थान बन गया। ओपन बुक परीक्षा में संकाय और छात्रों की व्यापक भागीदारी और समर्थन मिला।

परीक्षा	पंजीकृत छात्रों की संख्या	
	नियमित और एनसीडब्ल्यूईबी	SOL
सितंबर 2020	82,111	1,53,394
दिसंबर 2020	1,55,130	-
मार्च 2021	92,805	2,02,404
जून 2021	73,217	1,02,617

650 छात्रों को गोपनीय परिणाम जारी किए गए ताकि वे उच्च अध्ययन कर सकें।

परीक्षा की डिजिटल पहल

ऑनलाइन अनंतिम प्रमाणशोध: दिसंबर 2020 में एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया था जिसका उपयोग करके 5,000 से अधिक छात्रों को उनके पंजीकृत ईमेल पर डिजिटल अनंतिम प्रमाण शोध जारी किए गए थे।

ट्रांसक्रिप्ट अनुप्रयोग के लिए ऑनलाइन प्रणाली: प्रक्रिया को सरल और तेज करने के लिए फरवरी 2021 में ट्रांसक्रिप्ट अनुप्रयोग की ऑनलाइन रसीद की एक प्रणाली शुरू की गई थी। 'फॉस्ट ट्रेक' विकल्प आवेदक को लगभग 10 कार्य दिवसों में ट्रांसक्रिप्ट प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है।

डिजिटल डिग्री: दिल्ली विश्वविद्यालय 97 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में अपने 1,78,719 छात्रों को "डिजिटल डिग्री" प्रदान करने वाला देश का पहला संस्थान बन गया। डिजिटल डिग्री जारी करने का यह प्रावधान सितंबर 2020 में शुरू किया गया था जिसका उपयोग करते हुए दीक्षांत समारोह से पहले छात्रों को लगभग 15,000 डिजिटल डिग्रियां जारी की गई थीं।

प्रशासनिक और वित्तीय प्रक्रिया

विश्वविद्यालय अधिकतम पारदर्शिता और जवाबदेही के पालन के माध्यम से भ्रष्ट प्रथाओं के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता की नीति का नेतृत्व कर रहा है जिससे सुशासन हो रहा है। विश्वविद्यालय पारदर्शिता कानून के विभिन्न सांविधिक प्रावधानों के कार्यान्वयन में सबसे आगे है और समय-समय पर विभिन्न हितधारकों के बीच उचित परामर्श और समन्वय के माध्यम से शासन संरचना में इंटरैक्टिव प्रक्रियाओं के लोकाचार को हमेशा बरकरार रखा है।

विश्वविद्यालय, अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर सूचित की गई भारत सरकार की नीति के अनुसार विभिन्न नियमों, प्रक्रियाओं और मानदंडों का सावधानीपूर्वक पालन करता है जिसमें फीस का ऑनलाइन भुगतान, जीईएम के माध्यम से ई-प्रापण, अनुसंधान परियोजना प्रबंधन, विद्यार्थीवृत्ति वितरण, समर्थ ईआरपी की पहल, माल-सूची प्रबंधन, समय-सारणी और उपस्थिति प्रबंधन, संकाय प्रोफाइल प्रबंधन विद्यार्थी शिकायत निवारण जैसी विभिन्न ऑनलाइन पहल शामिल हैं। विश्वविद्यालय का यह एक सत्यनिष्ठ प्रयास होगा कि वह कागज के भारी भरकम मौजूदा ढांचे को समाप्त करने के लिए ई-शासन को आगे बढ़ाए ताकि इसे और अधिक पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके और इसे हरित पहल के रूप में प्रतिबिंबित किया जा सके।

पुस्तकालय प्रणाली

ई-शोधसिंधु, जे-Gate@e-शोधसिंधु, इंटरनेट एक्सेस फैसिलिटी और इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस में सुधार के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली में निम्नलिखित डिजिटल पहल शुरू की गई हैं:

दृष्टिबाधितों के लिए सुलभ संसाधन

पीएच.डी. शोध का डिजिटल संग्रह

साहित्यिक चोरी का पता लगाने सॉफ्टवेयर (पीडीएस) - इनफ्लिबनेट के माध्यम से टर्निटिन उरकुंड

केंद्रीय पुस्तकालय पीडीएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से सभी पीएच.डी. थीसिस की जांच करता है और आवश्यक मानक को बनाए रखने के लिए डिग्री प्रदान करने के लिए थीसिस को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले सत्यापन प्रमाणशोध प्रदान करता है।

कैंपस कनेक्ट प्रोजेक्ट और मूल्य-वर्धित सेवाएं

विश्वविद्यालय ने कैंपस-वार वाई-फाई नेटवर्क की स्थापना के लिए शिक्षा मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय और पूर्व में, मानव संसाधन विकास मंत्रालय), यूजीसी और नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर सर्विसेज इंक (एनआईसीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना से 150 से अधिक विभागों/अकादमिक इकाइयों/केंद्रों/प्रशासनिक इकाइयों और लगभग 30,000 उपयोगकर्ताओं के समवर्ती उपयोगकर्ता आधार वाले लगभग 20 छात्रावासों में मौजूदा वाई-फाई कनेक्टिविटी में वृद्धि होगी। निम्नलिखित पहल लागू हैं:

परिसरों में वाई-फाई बुनियादी ढांचे का विस्तार

40 गीगाबाइट बैकप्लेन के साथ एन + 1 अतिरिक्त के साथ भावी नेटवर्क वास्तुकला की स्थापना

रिंग आर्किटेक्चर में परिवर्तित कैंपस टोपोलॉजी

मजबूत पहचान प्रबंधन

वाई-फाई रोमिंग सुविधा

संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों के लिए ईडीयूआरओएम के माध्यम से वैश्विक वाई-फाई रोमिंग सुविधा

10 जी के साथ एनकेएन कनेक्टिविटी

एमपीएलएस वीपीएन सभी कॉलेजों के लिए कनेक्टिविटी

कैंपस और कॉलेजों में फैले मजबूत आईसीटी नेटवर्क

संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों की सुविधा के लिए ईडीयूआरओएम का एकीकरण

इन-हाउस आइडेंटिटी प्रबंधन सेवा

ओपन-सोर्स टेक्नोलॉजी एडवोकेसी एंड इंटीग्रेशन

संसाधनों के साथ एकीकरण

संकाय सदस्यों के लिए घर से ई-संसाधनों का उपयोग करने के लिए वीपीएन सुविधा

शोध विशेषताएं

विश्वविद्यालय की शिक्षण, अनुसंधान, और सामाजिक पहुंच में उत्कृष्टता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता है, जो इसे एक आदर्श और देश में अन्य विश्वविद्यालयों के लिए एक प्रतिमान बनाता है। अनुसंधान के लिए हमारी प्रतिबद्धता प्रकृति और विज्ञान सहित उच्च रैंकिंग सहकर्मी की समीक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई प्रकाशनों से स्पष्ट है, विश्वविद्यालय के प्रभाव और अनुसंधान पर प्रभाव भी एससीओपीयूएस द्वारा सचित्र प्रशस्ति शोध में परिलक्षित होता है। एक अनुसंधान-प्रधान विश्वविद्यालय के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय वैश्विक, राष्ट्रीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्टता प्राप्त करने का निरंतर प्रयास करता है।

विश्वविद्यालय के समृद्ध अकादमिक परिवेश पर्याप्त रूप से विषयों में संकाय सदस्यों के अनुसंधान प्रयासों और उनके अनुसंधान पहलों और परिणामों की मान्यता, दोनों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, पेटेंट के मामले में मान्यता के माध्यम से, दूसरों के बीच प्रतिष्ठित अनुसंधान वित्तपोषण संस्थाओं द्वारा वित्तपोषण में परिलक्षित होता है

डीबीटी, डीएसटी, एफिस्टर, यूजीसी, एमओईएफ, आईईईए, आईसीएआर जैसी कुछ उल्लेखनीय वित्त-पोषित एजेंसियों से पाठ्येत्तर शोध-अनुदान, डीआरडीओ, सीएसआईआर, एमओईएस, आईसीएमआर, एमएनआरई, विश्व बैंक, टेरी, इंडो-यूएसटीएफ, गेल, आईयूसी, आईसीएसएसआर, एमसीआईटी, एनयूएसटी, नॉर्वे विश्वविद्यालय, तुर्की विश्वविद्यालय, इसरो, एसडीटीटी, विज्ञान प्रसार, डीएसटी-सर्ब, जापान फॉउंडेशन, सेवा-टीएचडीसी, एमओएसजे एंड ई, डीईई, एमडब्ल्यूसीडी, आईएनएसए, टिस-डीयू, लीवर आईसीएचआर, अनुसंधान पहलों के विस्तार और गहराई को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है।

यदि अनुसंधान अनुदान की मात्रा आईएस विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान पहलों के विस्तार का एक पैरामीटर है, तो यह उल्लेखनीय है कि 28 से अधिक संकाय सदस्यों के पास एक करोड़ रुपये से अधिक अनुसंधान अनुदान के साथ चल रही अनुसंधान परियोजनाएं हैं। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय के 161 से अधिक संकाय सदस्यों के पास 10 लाख रुपये से ऊपर के अनुदान के साथ चल रही परियोजनाएं हैं।

उपर्युक्त उपलब्धियों को जोड़ने के लिए, यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि विश्वविद्यालय के कई विभाग विभागीय अनुसंधान सहायता (डीआरएस) के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) और साथ ही सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी (सीएस) संचालन के प्राप्तकर्ता हैं।

वर्ष 2020-21 के लिए यूजीसी (एसएपी) की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता वाले विभागों के नाम निम्नलिखित हैं:

विभागीय अनुसंधान सहायता (डीआरएस)

वनस्पतिशास्त्र

जैवरसायनिकी

मनोविज्ञान

सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी (सीएस)

अर्थशास्त्र

भूविज्ञान

इतिहास

भाषाविज्ञान

राजनीति विज्ञान

भौतिकी और खगोल भौतिकी

जंतुविज्ञान

संकाय पुरस्कार/सम्मान

संकाय सदस्यों का अकादमिक प्रयास स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पुरस्कारों, सम्मान, प्रशंसा प्राप्त करने में परिलक्षित होता है। इसकी एक झलक नीचे प्रस्तुत की गई है लेकिन सूची गैर-संपूर्ण है और किसी भी तरह से संकाय सदस्यों की अकादमिक पहुंच को कैप्चर नहीं करती है।

विभाग

मानव विज्ञान विभाग के प्रो पी.सी. जोशी को जून 2020 में सम-कुलपति नियुक्त किया गया और उन्होंने सितंबर 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति का कार्यभार संभाला।

जैव रसायनिकी विभाग के प्रो एस कुंडू को मार्च 2021 में भारतीय जैव-चिकित्सा विज्ञान अकादमी, लखनऊ का फेलो चुना गया।

वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. आर. टंडन को विश्वंभर पुरी पदक - 2020 से सम्मानित किया गया।

प्रो. के. शंकरन, कैंपस विधि केंद्र, सदस्य, कन्वेंशन और सिफॉरिशों के आवेदन पर विशेषज्ञों की समिति, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, जिनेवा।

प्रो. पम्मी दुआ, अर्थशास्त्र विभाग, सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिजर्व बैंक, 2016 से 2020 तक।

प्रो. ए.के. अनेजा, अंग्रेजी विभाग, राष्ट्रीय अंध एसोसिएशन द्वारा श्रेष्ठ व्यैक्तिक श्रेणी में सरोजनी त्रिलोक नाथ राष्ट्रीय पुरस्कार, 2020 से सम्मानित किया गया।

प्रो. एम. के. पंडित, पर्यावरण अध्ययन विभाग, नगी ऐन कोंगसी प्रतिष्ठित विजिटिंग प्रोफेसर, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय; ब्रिक्स एकेडमी ऑफ साइंसेज में भारतीय (इंसा) प्रतिनिधि; जी-20 विज्ञान अकादमियों में भारतीय (इंसा) प्रतिनिधि।

भूगोल विभाग के प्रो. एस.सी. राय को मोल्दोवा गणराज्य और रोमानिया के साथ संबंधों की योग्यता और विकास के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय पदक-2020 का पुरस्कार मिला।

भूविज्ञान विभाग के प्रो. जी.वी.आर. प्रसाद को अमेरिका के मैकलीन के पैलियॉटोलॉजिकल सोसायटी द्वारा सेकोस्की ग्रांट 2020 से सम्मानित किया।

अंटार्कटिक अनुसंधान पर वैज्ञानिक समिति (2017-2020) के भूविज्ञान विभाग, भूविज्ञान समूह प्रो एन.सी. पंत; अध्यक्ष, पर इंसा समिति; सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशियन रिसर्च, गोवा।

प्रो. एस. सत्यनाथ, भाषा विज्ञान विभाग, सामाजिक भाषा संगोष्ठी के लिए वैज्ञानिक समिति सदस्य, हांगकांग विश्वविद्यालय; उपाध्यक्ष, भाषाई समाज ऑफ इंडिया।

गणित विभाग के डॉ. एस. श्रीवास्तव को इंसा टीचर्स अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया।

भारत संचार निगम लिमिटेड, भारत सरकार द्वारा मार्च 2021 में 'संगीत और नृत्य में बहुमूल्य योगदान' के लिए संगीत विभाग के डॉ. डी.ओ. भल्ला को भारत संचार पुरस्कार से सम्मानित किया।

डॉ. एस.के. कार, भौतिकी विभाग, उत्कृष्ट समीक्षक पुरस्कार 2019 और 2020 के प्राप्तकर्ता, शास्त्रीय और क्वांटम गुरुत्वाकर्षण, भौतिकी प्रकाशन संस्थान, ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंगडम।

प्रो ए. आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, देश विशेषज्ञ, लोकतंत्र की किस्में (वी-डेम) परियोजना, गोथनबर्ग विश्वविद्यालय, 2019-20।

पंजाब सरकार के भाषा विभाग द्वारा पंजाबी विभाग के प्रो. आर. कुमार को शिरोमणी पंजाबी सहस्र पुरस्कार की घोषणा की गई।

जनवरी 2021 में संयुक्त राष्ट्र ब्रह्मा ट्रस्ट, कोकराझार, असम से प्रो आर. सी. भारद्वाज संस्कृत विभाग, को संयुक्त राष्ट्र ब्रह्मा सोल्जर ऑफ ह्यूमेनिटी अवार्ड।

प्रो. डीएस तिवारी, संस्कृत विभाग, को शिक्षा में लोकनायक राष्ट्रीय पुरस्कार 2020

अखिल भारतीय सारस्वत परिषद द्वारा संस्कृत विभाग के प्रो टी. आर. कुमार को सारस्वत सम्मान 2020।

एकेएस एजुकेशन सोसायटी द्वारा वर्ष 2020 के लिए प्रो. आर. बेहरा संस्कृत विभाग, को ग्लोबल फैकल्टी अवार्ड।

प्राणिविज्ञान विभाग के प्रो आर चक्रवर्ती: एक्वाकल्चर, मछली और शैलफिश इम्यूनोलॉजी और खाद्य रसायन विज्ञान के लिए एल्सवियर जर्नल्स से समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण शोध।

केन्द्र

प्रो. पी.के. जोशी, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र (एईआरसी), सदस्य, निदेशक मंडल, एशिया पैसिफिक एग्रीकल्चरल पॉलिसी फोरम, दक्षिण कोरिया, सियोल।

सीआईआईडीआईटी के डॉ. वी. चौधरी "संक्रामक रोग जीव विज्ञान" पर डीबीटी टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष; सदस्य, आईपी एंड टेक. प्रबंधन सलाहकार समिति-बीआईआरएसी है।

क्लस्टर नवाचार केंद्र (सीआईसी) के निदेशक और दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर प्रो डी साहू ने दिसंबर 2020 में फकीर मोहन विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार संभाला था।

सीआईसी के प्रो एस बगई मार्च 2021 में एनसीटी, दिल्ली सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्व संस्थान/राष्ट्रीय एमिनेंस/पब्लिक यूनिवर्सिटी संस्थान में शीर्ष डिजिटल समर्थक की श्रेणी में विजेता रहे थे।

प्रो. एम. चोपड़ा, डॉ. बी. आर. अंबेडकर जैवचिकित्सा अनुसंधान केंद्र (एसीबीआर) को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कोविड-19 के विरुद्ध ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी हैकथॉन फेज-1-अवार्ड (डीडीएच-2020), ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी हैकथॉन प्राप्त हुआ।

सोसायटी ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, दिल्ली द्वारा अनुसंधान और शिक्षण में गोवा के बिट्स-पिलानी में आयोजित सोसायटी की वार्षिक संगोष्ठी के दौरान स्वर्गीय प्रो. जे.पी. खुराना, आईसीपीजी आजीवन उपलब्धि पुरस्कार 2020,।

संकाय पुरस्कार/सम्मान

चिकित्सा विज्ञान

डॉ. ए. के. सक्सेना एनेस्थेसियोलॉजी (यूसीएमएस), इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (IASP), संयुक्त राज्य अमेरिका, "दर्द अनुसंधान और विकासशील देशों में प्रबंधन में उत्कृष्टता" के लिए पुरस्कार, पेन 2020 पर 18वीं विश्व कांग्रेस।

डॉ. सी. ग़ोवर, डर्मेटोलॉजी (यूसीएमएस), को इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा त्वचा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रो. वी.एन. सहगल 2021 पुरस्कार।

डॉ. ए. सिंगल, डर्मेटोलॉजी (यूसीएमएस), 7 वें वार्षिक डीएएएस शिखर सम्मेलन से हॉल ऑफ फेम पुरस्कार, असाधारण अकादमिक उपलब्धियों के लिए, जुलाई 2020 में।

डॉ. आर. सरकार, त्वचा विज्ञान और एसटीडी (एलएचएमसी) को आईएडीवीएल से त्वचा विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए डॉ. वी. एन. सहगल पुरस्कार 2020 और आईएडीवीएल दिल्ली से डॉ. सी. कंधारी मेमोरियल पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया।

डॉ.सी. ग़ोवर, डर्मेटोलॉजी (यूसीएमएस), को डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में योगदान के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट्स द्वारा प्रो. वी.एन. सहगल अवार्ड 2021

डॉ. एस. सिंह फिजियोलॉजी (यूसीएमएस) को 2021 में भारत में होने वाले चुनावों को विकलांगों के अनुकूल बनाने के लिए 11वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. आराधना, बाल रोग (यूसीएमएस), को डॉ. जेम्स फ्लेट एंडोमेंट अवार्ड - प्रथम पुरस्कार 2021

डॉ. के. गुलेरिया, प्रसूति एवं स्त्री रोग, (यूसीएमएस), को फोगसी भ्रूण चिकित्सा में (प्रथम पुरस्कार- फेडरेशन ऑफ ऑब्स एंड गाइन ऑफ इंडिया (फोगसी) डॉ. रजत रे पुरस्कार 2020

डॉ. एस जैन, प्रसूति एवं स्त्री रोग (यूसीएमएस), को रॉयल कॉलेज ऑफ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ ऑक्सफोर्ड ओवरसीज पुरस्कार 2020।

आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान सोसायटी फॉर एथनोफॉर्मिकोलॉजी, इंडिया के निदेशक प्रो टी.एम. नेसरी- उत्कृष्ट राष्ट्रीय नृवंशविज्ञान पुरस्कार 2020 हरिहर मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड स्कूल ऑफ फॉर्मस्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा 7वें इंटरनेशनल कांग्रेस फॉर एथनोफॉर्मिकोलॉजी में।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

(चयन सूची नीचे प्रदान की गई है। विभागों/केंद्रों के तहत पूरी सूची दी गई है)

मानव विज्ञान विभाग, भारतीय नृविज्ञान कांग्रेस 2021, 21 से 23 फरवरी 2021 तक हाइब्रिड मोड में विषय - नृविज्ञान: थ्योरी टू एप्लीकेशन।

मानव कल्याण विभाग, 25 अगस्त 2020 को मानव कल्याण में गांधी एक विचार पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

23 जुलाई 2020 को 'फोरेसिक: समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता' पर मानव विज्ञान विभाग, वेबिनार।

20 जुलाई 2020 को 'मानसिक स्वास्थ्य और कोविड पश्चात् विश्व में कल्याण' पर नृविज्ञान विभाग, वेबिनार।

मानव विज्ञान विभाग, 'कोविड -19 के लिए मानव विज्ञान प्रतिक्रिया' पर वेबिनार 7 जुलाई 2020 को.

मानव विज्ञान विभाग 'घर से दूर' पर 25 मई 2020 को, अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

मानव विज्ञान विभाग, से 'मानव विज्ञान अनुसंधान में हाल ही में प्रगति' पर 8-9 मई 2020 वेबिनार कॉन्क्लेव
मानव विज्ञान विभाग ने 19 फरवरी 2020 को संगोष्ठी हॉल, मानव विज्ञान विभाग में 'नृवंशविज्ञान फील्डवर्क एट Ze-mnui' पर पैनल चर्चा की।

मानव विज्ञान विभाग, जन स्वास्थ्य में जनसंख्या आनुवंशिकी पर 31 जनवरी 2021 को संगोष्ठी।

मानव विज्ञान विभाग, 17 दिसंबर 2020 को सिडनी विश्वविद्यालय से सुश्री मेहेरोज बोर्थविक द्वारा 'राजस्थानी प्रिंटिंग टाउन में फैशन परंपरा' पर विशेष व्याख्यान।

मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 से 29 फरवरी 2020 तक "खाद्य एवं स्वास्थ्य मानव विज्ञान" पर अंतर्राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन किया गया।

अरबी विभाग, 18-19 मार्च 2021 को "कोविड-19 और आधुनिक चुनौतियां, अरबी और उर्दू भाषा के संदर्भ में" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

अरबी विभाग के प्रो. के.ए. फॉरिक स्मारक व्याख्यान श्रृंखला- 14 को प्रोफेसर शफीक अहमद खान द्वारा 18 मार्च 2021 को "अरबी भाषा और साहित्य के आकाश में दिल्ली के चमकते सितारे" विषय पर दिया गया।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), 15 जुलाई 2020 को सुश्रुत जयंती के अवसर पर डॉ. अनुराग श्रीवास्तव द्वारा रैंडमाइज्ड क्लीनिकल रिसर्च ट्रायल।

एआईआईए, आयुर्वेद के आश्रय के माध्यम से तूफॉन जीवित - 5 मई 2020 को "एकीकृत दृष्टिकोण से मुकाबला कोविड-19" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

एआईआईए, अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार ने 5 नवंबर 2020 को वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के एनआईसीएम हेल्थ रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑन योग एंड आयुर्वेद मेडिसिन फॉर मेंटल वेलनेस के सहयोग से।

बायोकेमिस्ट्री विभाग, वेबिनार "कोविड-19 डायग्नोस्टिक्स, थेराप्यूटिक्स एंड टीके - भारत और कनाडा में पहल" पर बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा कनाडियाई अध्ययन और वित्त व व्यापार आर्थिक विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली साउथ कैंपस, 14 दिसंबर 2020 के सहयोग से आयोजित किया गया था।

जैव रसायन विभाग, "एकल कण क्रायो-ईएम: अपने मूल स्वरूप में जैविक अणुओं का दृश्य" पर विशेष वेबिनार नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जोआचिम फ्रैंक, प्रोफेसर, बायोकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोफिजिक्स एंड बायोलॉजिकल साइंसेज, कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएसए, रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2017, 5 फरवरी 2021 को दिया गया।

कैंपस विधि केंद्र, अभिज्ञान- सीएलसी व्याख्यान श्रृंखला, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो भगवती प्रकाश शर्मा ने 26 सितंबर 2020 को नई शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा की; हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो (डॉ.) कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने 10 अक्टूबर 2020 को चीन की विस्तारवादी नीति पर भारत की प्रतिक्रिया पर चर्चा की; प्रोफेसर वेद पी नंदा, जॉन इवांस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और थॉमसन जी मार्श डेनवर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने 6 अप्रैल 2021 को प्रवासियों और शरणार्थियों-अंतर्राष्ट्रीय कानून और नीति के लिए चुनौतियों पर बात की।

कैंपस विधि केंद्र, सुश्री हर्षिता मिश्रा, एलडी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट और डीएलएसए (पूर्व) की सचिव ने 15 मार्च 2021 को बाल अधिकार और पॉक्सो पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (पूर्व) के साथ सहयोग किया।

कैंपस विधि केंद्र, कोर्टरूम लीजेंड्स-मुख्य श्रृंखला क्वीन के वकील, भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री हरीश साल्वे ने संविधान के 71 वर्ष के विषय पर एक मुख्य वक्ता के रूप में संबोधन किया: क्या हम इसके निर्माताओं के सपनों के लिए सच हैं, 6 मार्च 2021 को भारत के; अपर सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री सिंह। सी. एस. वैद्यनाथन ने 19 मार्च 2021 को समान अवसर और प्रतिभा पर एक मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया; भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री सिंह ने कहा कि इस तरह की मांग की गई है। मोहन परासरन ने 22 मार्च 2021 को भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा संवैधानिक कानून के विकास पर चर्चा की; गोपाल सुब्रमण्यम ने 31 मार्च 2021 को संविधान पर परिवर्तन के गतिशील साधन के रूप में एक मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया; भारत के सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता ने 10 अप्रैल, 2021 को बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रहस्यमय बनाने पर एक मुख्य वक्ता के रूप में यह चर्चा की।

अर्थशास्त्र विभाग, वार्षिक शीतकालीन स्कूल 14 से 17 दिसंबर 2020 तक, इकोनेट्रिक सोसायटी के सहयोग से एक्जिम बैंक और अन्य लोगों की वित्तीय सहायता के साथ ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था। हर वर्ष शीतकालीन स्कूल समानांतर सत्र जहां जल्दी कैरियर शोधकर्ताओं ने अपने काम पेश के साथ प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान को जोड़ती है।

शिक्षा विभाग, द्वारा मार्च 2021 में दिल्ली विश्वविद्यालय के आईएसई के तत्वावधान में शिक्षा विभाग में आयोजित सामाजिक न्याय परिप्रेक्ष्य से शिक्षा को समझने पर वेबिनार।

शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के आईएसई के तत्वावधान में मार्च 2021 में 'शिक्षा में दार्शनिक अध्ययन के अनुसरण' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला-सह-विद्वानों का संगोष्ठी।

शिक्षा विभाग, मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में समावेशी शिक्षा और सहयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

शिक्षा विभाग, वेबिनार शीर्षक परिप्रेक्ष्य इन साइंस एजुकेशन फंडिंग एजेंसी/सपोर्ट: 20 फरवरी 2021 को आईएसई, एमएचआरडी।

शिक्षा विभाग, शिक्षा, मूल्यांकन और आभासी दुनिया पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: एक सामाजिक-दार्शनिक संवाद, 9-10 मई 2020 को।

शिक्षा विभाग ने मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में संस्कृत वागमई मेई दर्शन पर राष्ट्रीय कार्यशाला की।

शिक्षा विभाग, फरवरी 2021 में आईएसई के तत्वावधान में शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान (एसक्यूआरई) को मजबूत करने पर कार्यशाला-सह-सामग्री विकास।

शिक्षा विभाग, वेबिनार/क्षेत्रों पर व्याख्यान श्रृंखला, और आईएसई के तत्वावधान में कला शिक्षा में मुद्दे, फरवरी-मार्च 2021 में।

शिक्षा विभाग, सेवा में शिक्षकों के लिए सामग्री के विकास पर सामग्री विकास कार्यशाला, आईएसई के तत्वावधान में मध्य विद्यालय के छात्रों के बीच मानसिक रूप से स्वस्थ लैंगिकता दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए, मार्च 2021 में।

शिक्षा विभाग, मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में शैक्षिक अनुसंधान में डेटा संग्रह के उपकरणों पर सामग्री विकास कार्यशाला।

शिक्षा विभाग, बहुभाषी शिक्षा पर वेबिनार: मार्च 2021 में IASE के तत्वावधान में चुनौतियां और संभावनाएं।

शिक्षा विभाग, मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में बी.एड. मानसिक स्वास्थ्य छात्रों के लिए वेबिनार श्रृंखला

शिक्षा विभाग, विषय वस्तु विकास ई-कार्यशालाएं चुनिंदा देशों में शिक्षा प्रणाली पर क्रमशः फरवरी 2021 और मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में आयोजित विविधता और समावेशन पर एक तुलनात्मक अध्ययन।

शिक्षा विभाग, मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में सामाजिक विज्ञान और मानव अधिकार शिक्षा शिक्षाशास्त्र पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

शिक्षा विभाग, फरवरी 2021 में आईएसई के तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षा के विकसित दृष्टिकोण पर वेबिनार।

शिक्षा विभाग, मार्च 2021 में आईएसई के तत्वावधान में अंडरस्टैंडिंग रीडिंग एंड राइटिंग पर कार्यशाला श्रृंखला।

शिक्षा विभाग, फरवरी 2021 में आईएसई के तत्वावधान में गणित शिक्षा में अधिगम संसाधन विकास पर एक सप्ताह की आभासी राष्ट्रीय कार्यशाला।

शिक्षा विभाग, फरवरी 2021 में आईएसई के तत्वावधान में विज्ञान और गणित शिक्षा में शिक्षण शिक्षण संसाधनों के विकास पर एक सप्ताह की आभासी राष्ट्रीय कार्यशाला।

शिक्षा विभाग, विज्ञान शिक्षा पार पर अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन: सितंबर 2020 में 21 वीं सदी के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का निर्माण।

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, जून 2020 में सीएसटी स्टूडियो सुइट का उपयोग कर 5G संचार के लिए MIMO एंटेना पर दो दिन तकनीकी वेबिनार।

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, 5G के लिए आधुनिक एंटीना डिजाइन पर पांच दिन तकनीकी वेबिनार और सितंबर 2020 में संबंधित अनुप्रयोग।

पर्यावरण अध्ययन विभाग, "पर्यावरण, लिंग और जलवायु परिवर्तन" पर शिवाजी महाविद्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 28 जुलाई 2020।

भूगोल विभाग, आईजीयू-इंडिया ई-सम्मेलन संयुक्त रूप से UsGU-स्थानीय और क्षेत्रीय विकास आयोग और भू-विरासत पर आयोग के सहयोग से आयोजित " कोविड -19 और स्थानीय और क्षेत्रीय सतत विकास पर: 27-28 जून 2020 के दौरान एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य।

इतिहास विभाग ने 27 जनवरी 2021 को 'लैंगिकता जागरूकता: चुनौतिपूर्ण' और 'भारत में यौन उत्पीड़न और शिक्षा' पर व्याख्यान।

विधि केंद्र -I, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, भारत के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. बालकृष्ण पिसुपति ने 17 मई 2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में मुद्दे और चुनौतियां कोविड -19 और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की।

विधि केंद्र -I, अधिवक्ता इकराम माजिद, मध्यस्थता विशेषज्ञ और आईआईएफएम के निदेशक ने 19 मई 2020 को वेबिनार में 'वैकल्पिक विवाद समाधान में युवा वकीलों की भूमिका' पर चर्चा की।

विधि केंद्र -1, माननीय डॉ. जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर ने 22 मई 2020 को वेबिनार में भारतीय संवैधानिक व्याख्या में आमूल-चूल परिवर्तन पर बात की।

23 मई, 2020 को एलएंडएल साझेदार व पूर्व न्यायाधीश और एलएंडएल पार्टनर्स के पार्टनर श्री भरत चुग ने इस पर बात की कि भारत को श्रेष्ठ-अधिवक्ताओं की जरूरत क्यों है?

विधि केंद्र - I, भारत के उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्री राजशेखर राव ने 29 मई 2020 को वेबिनार में दिवाला और दिवालियापन संहिता पर बातचीत पर बात की।

विधि केंद्र-1, श्री चेतन एस धोरे, अधिवक्ता बॉम्बे हाई कोर्ट ने ' मध्यस्थता धारा का मसौदा: एक भारतीय और भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य ' पर वेबिनार, 30 मई 2020 को।

विधि केंद्र-II, न्यायमूर्ति ए.के. त्यागी, जज, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, प्रो (डॉ.) आरएन शर्मा, संकायाध्यक्ष, स्कूल ऑफ लॉ, आईएमएस यूनिर्सिटी देहरादून और श्री जतिन कल्कि, रिसर्च स्कॉलर और गेस्ट फैकल्टी, फैकल्टी ऑफ लॉ ने 26 फरवरी 2011 को एम एच केस जॉर्ज के विशेष संदर्भ के साथ सामाजिक-आर्थिक अपराधों में मैस रिया के सिद्धांत पर राष्ट्रीय वेबिनार में बात की।

विधि केंद्र-II, प्रो (डॉ.) पूनम सक्सेना, माननीय कुलपति, नेशनल विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर और प्रो (डॉ.) निशिता जसवाल, माननीय कुलपति, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला में, 'राष्ट्रीय वेबिनार में, 8 मार्च 2021 को उच्च शिक्षा में महिलाओं की भूमिका पर बात की।

विधि केंद्र II, राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से, दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जी.एस. गेवाल, भारतीय हॉकी खिलाड़ी श्री जफर इकबाल और जेएनयू के राजनीतिक अध्ययन केंद्र श्री मनिंद्र नाथ ठाकुर ने 2 अक्टूबर 2020 को 'गांधीवादी विचार और फिट इंडिया' पर राष्ट्रीय वेबिनार में बात की।

विधि केंद्र II, माननीय सुश्री न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, माननीय श्री न्यायमूर्ति ए मोहम्मद मुस्ताक, केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, होबले श्री जस्टिस एम गोविंदराज, मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री दहाड़ थुन वागर, वागर नेगोसिएशन इंस्टिट्यूट, नॉर्वे के निदेशक श्री एलॉयसियस गोह, संस्थापक और सीईओ, ऋषि मध्यस्थता, सिंगापुर और श्री विनोद कुमार, अध्यक्ष, भारत एसएमई फोरम ने अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'ऑनलाइन मध्यस्थता: क्या यह विवाद समाधान का भविष्य है? 7 जून 2020 को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।

विधि केंद्र II , माननीय श्री जस्टिस एस रविंद्र भट, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग के सदस्य डॉ. अनिरुद्ध राजपूत, एशियाई-अफ्रीकी कानूनी परामर्शी संगठन के महासचिव महामहिम डॉ. कैनेडी गैटोर्न और भारत सरकार के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क नियंत्रक श्री ओ. पी. गुप्ता ने फॉर्मास्यूटिकल उत्पादों और महामारी CO-1 के पेटेंट पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में बात की। 24 मई 2020 को आईपीआर वी ह्यूमन राइट्स पर कुछ प्रतिबिंब।

विधि केंद्र-II, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर की कुलपति प्रो पूनम सक्सेना ने 27 मई 2020 को हिंदू और मुस्लिम महिलाओं के मालिकाना अधिकार: सामाजिक-कानूनी परिप्रेक्ष्य पर बात की।

विधि केंद्र-II, माननीय सुश्री जस्टिस मुक्ता गुप्ता, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 6 जून, 2020 को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की स्वीकार्यता पर व्याख्यान दिया।

विधिक व्यवसाय में कोविड-19 के प्रभाव और भावी राह पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री राजीव शाखे ने 20 जून, 2020 को कहा था।

संगीत विभाग, मल्हार उत्सव 2020: भारतीय शास्त्रीय संगीत का वार्षिक दो दिवसीय उत्सव, 3-4 सितंबर 2020 को ऑनलाइन मोड पर "मल्हार" राग के कई किस्मों के वयोवृद्ध संगीतकारों द्वारा मुखर और वाद्य गायन के माध्यम से।

आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग, 29-30 सितंबर 2020 को "तेलुगु उपन्यास: अविस्मरणीय पात्रों" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन विभाग, "लोकजीवन के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य," भाग - I 21-23 अक्टूबर 2020 के दौरान पर राष्ट्रीय वेबिनार।

आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग, 5-7 नवंबर 2020 के दौरान "लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" (भाग-II) विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग, 19-21 नवंबर 2020 के दौरान "लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" (भाग III) विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग, 11-24 नवंबर 2020 के दौरान तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय के तमिल विभाग के सहयोग से "सिद्धांत और साहित्य: तमिल परिवेश में समझ" विषय पर 14 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।

आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग, अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार पर, "असमिया साहित्य अनुवाद में: सिद्धांत और अभ्यास" 27-28 दिसंबर 2020 के दौरान।

फॉरसी विभाग, 19-20 अक्टूबर 2020 के दौरान "1940-79 के दौरान ईरान में लघु कहानी लेखन" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

फॉरसी विभाग, 12-13 मार्च 2021 के दौरान "14 वीं शताब्दी के दौरान भारत-फॉरसी साहित्य" पर दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

फॉरसी विभाग ने 27-28 मार्च 2021 के दौरान "भारतीय उपमहाद्वीप में रूमी अध्ययन" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

दर्शन विभाग, अप्रैल, जुलाई और अगस्त 2021 के दौरान आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित दर्शन परियोजना के सहयोग से मानचित्र परियोजना के तहत "नारीवादी दर्शन" पर 3 महीने का ऑनलाइन प्रमाणशोध पाठ्यक्रम।

कोविड-19 के दौरान 24 सितंबर 2020 को "प्रभावी पोषण (पोषण) पर एनएसीआई और सेंटरल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा (सीयूएच) की ओर से प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग, राष्ट्रीय वेबिनार।

राजनीति विज्ञान विभाग, वेबिनार पर " कोविड 19 के लिए कानूनी प्रतिक्रियाएं: विभिन्न देशों से अंतर्दृष्टि" द्वारा: खीमलाल देवकोटा, वरिष्ठ वकील और सदस्य, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति 25 जुलाई 2020 को।

संस्कृत विभाग, प्रो एन.एन. स्मारक व्याख्यान 2021 16 जनवरी 2021 को।

संस्कृत विभाग, 11-13 मार्च 2021 के दौरान 'नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा) पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

स्लावोनिक और फिनो-उगारियन अध्ययन विभाग, वेबिनार पर "कीवन रस और इगोर अभियान की वट" 29 अक्टूबर, 2020 को।

स्लावोनिक और फिनो-उगारियन अध्ययन विभाग, वेबिनार ने "यास्नाया पॉलीयाना" लियो टॉलस्टॉय एस्टेट-संग्रहालय, तुला, रूस के सहयोग से 02 नवंबर 2020 को रूसी इतिहास और साहित्यिक विरासत पर एक व्याख्यान श्रृंखला प्रस्तुत की।

स्लावोनिक और फिनो-उगारियन अध्ययन विभाग, वेबिनार पर "1223-1689 से रूसी" 23 दिसंबर, 2020 को।

स्लावोनिक और फिनो-उगारियन अध्ययन विभाग, मास्को क्षेत्र राज्य विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन "21 वीं सदी में बदलते प्रतिमान और विकल्प: रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति" पर 23 और 24 नवंबर, 2020 के दौरान।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित "नियामक तंत्र अंतर्निहित व्यवहार, फिजियोलॉजी और विकास" पर प्राणि विज्ञान विभाग, अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल - विशेष सहायता कार्यक्रम - 2021 में सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी (यूजीसी-एसएपी-सीएस)।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन)

अपनी अकादमिक जानकारी और अनुभवों को समृद्ध करने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रमुख संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग करने की अपनी परंपरा को बनाए रखा है। अपने प्रयास में, विश्वविद्यालय ने विश्व स्तर पर कई संस्थानों के साथ अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए हस्ताक्षर किए हैं। रिपोर्टिंग अवधि में निम्नलिखित के साथ समझौता ज्ञापन और समझौतों किए गए:

एलेक्सैंडर मोइसियू विश्वविद्यालय, इयूरेस, अल्बानिया (एफ एंड बी)

हांगकांग सिटी यूनिवर्सिटी, एचकेएसएआर, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना

दैतो बुंका विश्वविद्यालय, जापान (ईएस)

फो गुआंग विश्वविद्यालय, ताइवान (ईएस)

करदान विश्वविद्यालय, अफगानिस्तान

लेबनान विश्वविद्यालय, लेबनान

मित्सुबिशी कॉर्पोरेशन जापान

राष्ट्रीय चेंग कुंग विश्वविद्यालय, ताइवान (ईएएस)

रूसी विज्ञान अकादमी, सेंट पीटर्सबर्ग, रूसी संघ (आरएफयू) के महान संग्रहालय मानव विज्ञान और नृविज्ञान (कुंस्टकामेरा)

सिंगापुर इंडियन फाउंडेशन आर्ट्स सोसायटी, सिंगापुर (संगीत)

सोखुमी स्टेट यूनिवर्सिटी, बिलिसी, जॉर्जिया

मैक्रेटा विश्वविद्यालय, इटली

मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग, ऑस्ट्रेलिया

सामाजिक आउटरीच

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पहल के तहत सामुदायिक आउटरीच

विश्वविद्यालय एमएचआरडी (वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय) के उन्नत भारत अभियान पहल के काम का नेतृत्व करने में अपार गर्व महसूस करता है। यूबीए का अधिदेशित मिशन समावेशी भारत की वास्तुकला के निर्माण में मदद करने के लिए ज्ञान संस्थानों का लाभ उठाकर सामुदायिक विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी दृष्टि से प्रेरित है। कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए पांच गांवों में कार्य अपने पांचवें वर्ष में है, जिसमें छात्रों की नई टीमों को फील्ड वर्क के लिए वहां रखा जा रहा है। यूबीए के तहत सामुदायिक विकास पहल के लिए बदरपुर खादर, चौहानपट्टी, जगतपुर, मुकुंदपुर और झरोड़ा जैसे कम समाजार्थिक संकेतक वाले गांवों को चुना गया है। संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्रों की एक टीम पांच समुदायों में जरूरत आधारित, नियोजित और टिकाऊ सामुदायिक पहल कर रही है। सामाजिक कार्य विभाग सतत आधार पर समुदाय आधारित निम्नलिखित विकास गतिविधियों के आयोजन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

उन्नत भारत अभियान के तत्वावधान में स्वच्छ भारत अभियान के तहत गतिविधियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने यूबी टीम द्वारा शुरू किए गए अननेट भारत अभियान की इस पहल को निधि देने पर सहमति व्यक्त की। इसके तत्वावधान में, एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग करने के दीर्घकालिक खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी पांच गांवों में कई कार्यक्रम चलाए गए। खतरनाक अपशिष्ट श्रेणी में आने वाली वस्तुओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के अलावा, समुदायों में 'एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त' अभियानों का आयोजन किया गया, जिसमें निवासियों को एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को त्यागने और कागज, कपड़े और जूट के थैले जैसे वैकल्पिक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। डोर-टू-डोर चलाए गए इन अभियानों में लोगों से कहा गया कि वे अपने घरों से सभी सिंगलयूज प्लास्टिक को छोड़ दें। विद्यार्थी टीमों ने घरों से प्लास्टिक बैग और अन्य वस्तुओं को एकत्र किया और लोगों को पर्यावरण के अनुकूल रहने के तरीकों पर स्विच करने की सुविधा के लिए कपड़े के बैग वितरित किए।

शिविरों का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से बच्चों और महिलाओं को पेपर बैग बनाना सिखाया गया, जिसे एकल उपयोग वाले प्लास्टिक बैग के लिए एक आसान विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए छात्रों द्वारा प्रयुक्त समाचार शोध एकत्र किए गए थे। परिवारों और दुकानों के बीच बैग बांटे गए। प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान के बाद यूबीए के तहत सभी गांवों में यह गतिविधि की गई, ताकि टिकाऊ विकल्पों को लोकप्रिय बनाया जा सके और लोगों को उपलब्ध कराया जा सके।

सामुदायिक स्कूलों में पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इन्होंने रचनात्मक परिणामों की विविधता और स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय कल्याण पर बच्चों की व्यापक संवेदनशीलता पैदा की। बच्चों ने प्रतिज्ञा ली, जिसमें उन्होंने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का उपयोग करने से विरक्त रहने और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने की कसम खाई। गांधीजी के जीवन पर एक प्रदर्शनी का आयोजन समुदाय के बच्चों ने गांधीजी के जीवन और मूल्यों पर प्रश्नोत्तरी के साथ मिलकर किया। समग्र संदर्भ में पांचों समुदायों की महिलाओं, युवाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस आंदोलन में सामुदायिक समूहों का उत्साह और उमंग प्रशंसनीय रहा।

आधार कार्ड शिविर और इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक खाता शिविर

यह यूबीए बैनर के तहत किए गए कार्य का एक और महत्वपूर्ण घटक था। इन शिविरों का आयोजन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के तत्वावधान में किया गया था। इन शिविरों के लिए यूआईडीएआई और इंडिया पोस्ट ने भी सहयोग किया। चूंकि सभी समुदायों ने आधार कार्ड में त्रुटियों की व्यापक समस्या को व्यक्त किया था और कई लोग अभी भी आधार कार्ड के बिना थे, इसलिए इन शिविरों का आयोजन किया गया।

शिविरों में नए आधार कार्ड बनाने और मौजूदा कार्डों में त्रुटियों को सुधारने के लिए बहुत जरूरी अवसर का प्रावधान किया गया। शिविर आयोजित करने से पहले सर्वे किया गया, जिसमें संभावित लाभार्थियों की पहचान की गई। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने बैंक खाता खोलने हेतु शिविरों का भी आयोजन किया जिसमें समुदाय के सदस्यों के लिए खाते खोले गए। इंडिया पोस्ट ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के विचार के साथ बैंकिंग सुविधाएं शुरू की हैं। यह शिविर समुदाय के लोगों में बचत की आदत को बढ़ावा देने के लिए लगाए गए थे।

स्वास्थ्य शिविर

फोर्टिस अस्पताल और नेतराम आई फाउंडेशन के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। सामाजिक कार्य विभाग ने पांचों समुदायों में इन शिविरों के लिए स्वेच्छा से काम किया। शिविरों के सभी चरणों में भागीदारी के लिए लोगों को जुटाने में विद्यार्थी प्रशिक्षुओं की अहम भूमिका रही। सामान्य फिजियोलॉजी, नेत्र जांच, कान, नाक और गला (ईएनटी) जांच, रक्तचाप और रक्त शर्करा के स्तर की माप और मुफ्त दवाओं के वितरण की सुविधाओं का लाभ उठाने के साथ ही लोगों की भारी भागीदारी रही।

पांच गांवों के विद्यार्थी प्रशिक्षुओं ने पूरे वर्ष में सामुदायिक घटकों के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक/मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के कई आयामों पर भी काम किया है। वे आईसीडीएस कार्यक्रम को सुदृढ़ करने और आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल खाद्य वितरण केंद्रों को बच्चों के व्यापक मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए नोडल संसाधन केंद्र बनने से बदलने में शामिल रहे हैं। उन्होंने बच्चों के साथ बच्चों की केंद्रित सीखने की गतिविधियों की शुरुआत की। इस प्रयास को टिकाऊ बनाने के लिए, उन्होंने किशोर लड़के और लड़कियों को शामिल किया, जिन्होंने स्कूल से बाहर निकलकर उन्हें इन युवाओं को हाथ में लेने और औपचारिक स्कूली शिक्षा की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित किया। कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रायोगिक तौर पर ऐसा किया गया है और इस प्रयास की सफलता के कारण अन्य केंद्रों में इसकी प्रतिकृति बन रही है। सभी समुदायों में स्ट्रीट थियेटर या नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से पर्यावरण चेतना का आयोजन किया गया। इस पहल हेतु सहयोग के लिए पूरे भारत से रंगमंच कलाकारों का एक प्रसिद्ध समूह सुखमंच रंगमंच समूह जुटाया गया था। इसमें महिलाओं और युवाओं सहित सभी सामुदायिक समूहों की अपार भागीदारी रही। बड़ी संख्या में स्कूल जाने वाले बच्चे अपने स्कूल के समय के बाद नुक्कड़ नाटक देखने पहुंचे। थिएटर समूह ने विविध पर्यावरणीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया और प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, अधिक पेड़ लगाने, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता और स्वस्थ रहने, अपशिष्ट अलगाव और कई अन्य लोगों का उपयोग करने जैसे शक्तिशाली संदेश प्रस्तुत किए। निगम परिषद ने भी यूबीए की पूरी टीम के कार्यों की

सराहना की। सुखमंच रंगमंच समूह के टीम सदस्यों ने समुदाय के लोगों से बातचीत की और उनके सुझाव और अन्य मुद्दों के बारे में पूछा जो वे भविष्य के प्रदर्शन में शामिल कर सकते हैं।

नियोजन गतिविधियां

नियोजन और इंटरनशिप अवसर:-यह वास्तव में एक स्थापित तथ्य है कि शिक्षा की दुनिया असीम विचारों और संभावित आविष्कारों और नवाचारों के केंद्र को दर्शाती है। हालांकि, अनुसंधान प्रयोगशाला या कक्षाओं से बाजार के लिए रास्ता अक्सर अविश्वसनीय लंबे, अनिश्चित, अपरिभाषित और तनाव उत्तेजक है। इस प्रतिस्पर्धी वैश्विक युग में, अक्सर यह देखा जाता है कि संसाधनों को न्यायसंगत तरीके से वितरित नहीं किया जाता है, और इसके परिणामस्वरूप यह किसी भी पूर्व निर्धारित या निर्दिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता का दोहन करने के लिए एक दुरुह अभ्यास बन जाता है। उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में 2008 में सेंट्रल नियोजन सेल (सीपीसी) की स्थापना की। सीपीसी का मुख्य प्रयास प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सरकारी संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र में छात्रों को रखा जाना है।

सेंट्रल नियोजन सेल अपनी स्थापना के तेरहवें वर्ष में है। अतीत में सीपीसी के साथ पंजीकृत सभी पिछले बैचों को उद्योग-छात्रों की बातचीत से विधिवत लाभ हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के कारपोरेट घरानों ने इस प्रयास में भाग लिया है और इन वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों के पर्याप्त संख्या में छात्रों की भर्ती की है। सीपीसी ने स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के छात्रों के साथ पीएच.डी./स्नातकोत्तर/स्नातक-पूर्व छात्रों को शामिल करने के लिए अपना डाटाबेस बढ़ा दिया है। यह पूल विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों और स्नातकोत्तर विभागों तक फैला हुआ है। सीपीसी निश्चित रूप से एक ही मंच पर उपलब्ध छात्रों की संख्या और गुणवत्ता के मामले में नियोक्ताओं के लिए एक व्यापक विकल्प सुनिश्चित करता है। सीपीसी प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को इंटरनशिप कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके अवसर भी प्रदान करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय दिव्यांग छात्रों की भर्ती को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के अपने प्रयासों में कॉर्पोरेट्स के समर्थन और योगदान को स्वीकार करता है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में नियोजन प्रकोष्ठ ने छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को कार्याकल्प और आराम करने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से भर्तियों, तनाव प्रबंधन पर मेगा सत्र, परामर्श और ध्यान सत्रों का आयोजन किया।

वर्ष 2020-2021 के दौरान कैंपस नियोजन का विवरण:			
नियोजन के लिए आने वाले के नाम	भाग लेने वाले छात्रों की संख्या	नियोजित छात्रों की संख्या	पैकेज (प्रति वर्ष)
विशेषज्ञ वैश्विक प्रशिक्षण सेवाएं	56	2	4.80 लाख - 12.00 लाख
पाली जिंदल लिमिटेड	90	15	5.00 लाख - 6.00 लाख
कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार	578	32	8.00 लाख
बैंक बैचर्स प्राइवेट लिमिटेड गणित- 103, इंग्लैंड-91 और कंटेंट राइटर- 35)	229	10	2.55 लाख - 4.50 लाख
जेसीओ गैस पाइप लिमिटेड	543	45	2.40 लाख - 4.80 लाख
एग्नेक्सट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	253	22	6.00 लाख (पीजी) 4.50 लाख (यूजी)

अमेजन डेवलपमेंट सेंटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	779	27	5.00 लाख
एयर इंडिया (सैट्स) प्राइवेट लिमिटेड	2650	अंतिम परिणाम की प्रतीक्षा है। हालांकि, 463 छात्रों को प्रस्ताव शोध भेजा गया	2.30 लाख
एक्सपर्ट्स ग्लोबल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड	113	4	6.00 लाख- 12.00 लाख

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत पहल

विश्वविद्यालय सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के सभी संबंधित प्रावधानों और उसके तहत समय-समय पर बनाए गए नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए कार्य कर रहा है। यह सक्रिय रूप से सार्वजनिक डोमेन में अधिकतम संभव जानकारी के प्रकटीकरण में शामिल है, जिसमें छात्रों, कर्मचारियों और विभिन्न अन्य हितधारकों से संबंधित गतिविधि के लगभग सभी क्षेत्र शामिल हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न माध्यमों से सूचना का प्रसार किया जाता है जिसमें अपनी वेबसाइट के माध्यम से सूचना पुस्तिका, अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए विवरणिका, सार्वजनिक सूचनाएं, प्रेस विज्ञप्ति, विभिन्न पर्चे, पुस्तिकाएं, हैंड आउट आदि समय-समय पर शामिल हैं ताकि सभी हितधारकों को नियमित आधार पर विश्वविद्यालय के घटनाक्रम के बारे में सूचित किया जा सके। इसलिए, जब पारदर्शिता और जवाबदेही का पालन करने की बात आती है, तो विश्वविद्यालय सबसे आगे है, जिससे एक अकादमिक संस्थान में सुशासन होता है।

उपरोक्त सभी व्यवस्थित प्रयासों को जनता के लिए सूचना प्रसार के एक अच्छी तरह से संरचित और लगातार अद्यतन तंत्र के माध्यम से उचित रूप से संचालित किया जाता है।

वर्ष 2020-21 के दौरान विश्वविद्यालय को 2003 मूल आवेदन और 477 प्रथम अपील प्राप्त हुई, जिन पर सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार निर्णय लिए गए। इस दौरान माननीय केंद्रीय सूचना आयोग के समक्ष 40 द्वितीय अपीलों का भी विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक बचाव किया।

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

पूर्व-विद्यार्थी मामले

डीयू पूर्व-विद्यार्थी संघ डीयूएस विश्वविद्यालय के निर्णय लेने में अपनी सांविधिक भूमिका निभाती रही है और कोर्ट ईसी, और वित्त समिति में अपने प्रतिनिधियों का निवारित करती है। डीयू कोर्ट में 5 वर्ष के कार्यकाल की शुरुआत के लिए दस प्रतिनिधि चुने गए थे।

डीयू कोर्ट 2018 - 2023 में डीयूएस के प्रतिनिधि श्री हरि शंकर गुप्ता, प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रोफेसर जयप्रकाश शर्मा, श्री अमन कुमार, प्रोफेसर जेल गुप्ता, श्री राजेश बी मंगला एफसीए, अधिवक्ता नाथू राम शर्मा, डॉ. संजीव कुमार सिंघल, डॉ. एलएस चौधरी और श्री स्वर्ण स्वरूप दुबे हैं।

सांविधिक डीयू पूर्व विद्यार्थी संघ डीयूएस की नई सदस्यता और नवीकरण मानदंडों के अनुरूप किया गया और एसोसिएशन ने डीयू कोर्ट में अपने 10 सदस्यों का चुनाव किया; बाद में, पूर्व छात्रों को कार्यकारी परिषद, वित्त समिति और अन्य आधिकारिक निकायों के लिए भी चुना गया।

विश्वविद्यालय में पूर्व छात्रों के मामलों के कार्यालय को सुदृढ़ करने और विश्वविद्यालय शताब्दी 2022- 2023 के वैश्विक उत्सव के लिए प्रयास और योजनाएं चल रही हैं।

सांस्कृतिक परिषद

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के लिए, पहली बार एक केंद्रीकृत ईसीए प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से ईसीए प्रमाण पत्रों के मूल्यांकन/अंकन के आधार पर आयोजित की। कोविड -19 महामारी और प्रचलित सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों की अभूतपूर्व स्थिति के कारण, परीक्षण (ऑनलाइन/ऑफलाइन) आयोजित नहीं किए गए थे। इस वर्ष ईसीए की चौदह श्रेणियों के तहत 11,736 आवेदकों ने आवेदन किया था। प्रवेश की पूरी प्रक्रिया सांस्कृतिक परिषद कार्यालय ने संभाली।

दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सांस्कृतिक परिषद कार्यालय और गांधी भवन के साथ संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण के कार्यालय ने गांधी भवन में 12 मार्च 2021 को भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एक उद्घाटन संगोष्ठी और चरखा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर पी. सी जोशी मुख्य अतिथि थे और इस अवसर पर अन्य निम्नलिखित गणमान्य लोग उपस्थित थे, कॉलेजों के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर बलराम पाणी, दक्षिण कैम्पस की निदेशक प्रोफेसर सुमन कुंडू, प्रोफेसर नीता सहगल, प्रोफेसर राजीव गुप्ता, संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण, प्रोफेसर रमेश भारद्वाज, गांधी भवन के निदेशक और इतिहास विभाग की प्रमुख प्रोफेसर सीमा बावा, दिल्ली विश्वविद्यालय। इस कार्यक्रम में अकादमिक समुदाय की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया देखी गई और बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने 'चरखा-कार्यशाला' में भाग लिया जो कौशल को बढ़ावा देने और 'आत्मनिर्भर भारत' की राह की ओर बढ़ने का एक साध्य है। प्रो पी.सी. जोशी ने यह भी घोषणा की कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में इसी तरह की चरखा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के राष्ट्रीय प्रतीकों- शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु की शहादत के 90 वर्ष पूरे होने पर श्रद्धांजलि देने और मनाने के लिए संस्कृति परिषद कार्यालय के साथ संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण के कार्यालय ने 23 मार्च 2021 को वाइसरेगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में "शहीद दिवस" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर को राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने और उन्हें महत्व देने और उनके जीवन और समय से प्रेरणा का पाठ चलाने के लिए चिन्हित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सम्मानित शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ने एक आभासी मंच के माध्यम से अपना मुख्य भाषण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने की और दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राचार्यों, अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के साथ कुलसचिव प्रोफेसर बलराम पाणी, संकायाध्यक्ष कॉलेजों के प्रोफेसर सुमन कुंडू, विद्यार्थी कल्याण के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजीव गुप्ता, कुलसचिव की सुंदर उपस्थिति देखी गई। इस मौके पर शहीद भगत सिंह स्मारक का उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री ने किया। भगत सिंह स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों पर पुस्तकों के मौजूदा संग्रह को माननीय कुलपति द्वारा "शहीद स्मृति पुस्तकालय" में बदलने की घोषणा की गई है। कुलपति ने यह भी घोषणा की कि भगत सिंह स्मारक स्वतंत्रता और बलिदान के मूल्यों को जागृत करने के लिए छात्रों और विश्वविद्यालय समुदाय के लिए खुला रहेगा। संगीत के छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों के माध्यम से शहीद भगत सिंह और उनके सहयोगियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर दिल्ली विश्वविद्यालय ने चार वर्गों अर्थात् कविता, गीत, स्लोगन और निबंध लेखन में इंद्रा महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। पुरस्कार विजेता विद्यार्थी-छात्राओं को कुलपति व अन्य अतिथियों ने मंच

पर सम्मानित किया और अगस्त में होने वाली सभा के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर दिया।

सुविधायें

संस्कृति परिषद का कार्यालय ईसीए श्रेणी के तहत सभी स्नातक-पूर्व प्रवेश के लिए नोडल कार्यालय है। संस्कृति परिषद कार्यालय न केवल रुचि और प्रशंसा पैदा करने के उद्देश्य से विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता है, बल्कि सभी स्तरों पर संस्कृति में सक्रिय भागीदारी और उत्सव भी आयोजित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली भौतिक और आभासी संग्रह और संबद्ध सूचना सेवाओं का एक संघीय प्रबंधित संयोजन है, जिसमें एक तरफ, पुस्तकालय होल्डिंग की पारंपरिक प्रणाली को बनाए रखा जाता है और दूसरी ओर, आईसीटी आधारित सेवाएं लागू की जाती हैं। पुस्तकालय प्रणाली ने नए संशोधित अध्यादेश XVI को ध्यान में रखते हुए अपने 34 घटक पुस्तकालयों के माध्यम से प्रदान की गई पुस्तकालय और सूचना सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए कई उपाय किए हैं। एक संक्षिप्त सूची नीचे दी गई है।

कोविड -19 के दौरान पुस्तकालय सेवाएं

पुस्तकालय प्रणाली ने कोविड -19 प्रतिबंधों के दौरान शिक्षण, सीखने और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए जारी रखा। उपयोगकर्ताओं को विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-संसाधनों तक दूर से पहुंचने और ई-शोध-सिंधु के माध्यम से सुलभ करने के लिए रिमोट लॉगिन सुविधा प्रदान की गई थी। प्रमुख पुस्तकालयों को कोविड उचित प्रतिबंधों के बाद उपयोगकर्ताओं के लिए फिर से खोला गया था।

प्रिंट संसाधन

पुस्तकालय प्रणाली रखरखाव अनुदान से बाहर खरीद द्वारा अपने संग्रह के लिए पुस्तकों की 2571 संस्करणों जोड़ा। 31-03-2021 को कुल संग्रह 1705902 हैं। डीयूएस द्वारा सदस्यता प्राप्त वर्तमान पत्रिकाएँ 756 हैं। यह 756 थीसिस/शोध प्रबंध का भी एक अच्छी तरह से संगठित संग्रह रखती है।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

डीयूएस उपयोगकर्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की पहुंच को मजबूत करने के लिए जारी रखा। विभिन्न विषयों और विषयों में 48 इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस हैं जो विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ता समुदाय के लिए उपलब्ध हैं।

ऑडियो बुक संसाधन और ब्रेल पुस्तकालय

ब्रेल पुस्तकालय दृष्टिबाधित छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए शिक्षण, सीखने और अनुसंधान का समर्थन करने में सक्रिय रूप से कार्यरत है। इसमें 3 ऑडियोबुक प्रोडक्शन स्टूडियो, 1 उच्च क्षमता वाले ब्रेल एम्बोर्स, डेज़ी सिस्टम, स्पर्शा, ओबीआई, पुट्टी, सिगटुना, जबड़े, डक्सबरी, लीप ऑफिस जैसे सॉफ्टवेयर के साथ 22 लेटेस्ट कंप्यूटर्स का नेटवर्क है। ईपीबी फॉर्मेट में 1858 ऑडियोबुक्स, 2002 ब्रेल बुक्स, 1645 ई-टेक्स्ट और 403 किताबें हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 15 सदस्य नामांकित हैं। इसने सीडी और पैन ड्राइव पर 200 किताबें परिचालित की हैं। ब्रेल पुस्तकालय सुगाम्या पुस्तकालय का सदस्य भी है जिसके तहत यूजर रिमोट एक्सेस करके ऑडियोबुक्स या ई-टेक्स्ट के रूप में पाठ्य सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं।

अन्य प्रमुख पुस्तकालयों में गतिविधियां

केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित)

केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित) कोविड -19 प्रतिबंधों के कारण पूरी तरह से कार्यात्मक नहीं था। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष में 1121 यूजर्स की सदस्यता और 100 किताबों के सर्कुलेशन के साथ 52 वॉल्यूम का कलेक्शन जोड़ने में सफल रहा है। पुस्तकालय अपने छात्रों और शिक्षकों को साहित्यिक चोरी की जांच सेवाएं प्रदान कर रहा है। एक समर्पित डेस्क, प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ, अनुसंधान कार्य की जांच और समानता रिपोर्ट उत्पन्न करने के लिए स्थापित किया गया है। केंद्रीय पुस्तकालय में रिसर्च फ्लोर पर इंटरनेट एक्सेस की सुविधा पुस्तकालय खुलने पर शोधार्थियों द्वारा नियमित रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। पुस्तकालय प्रिंट प्रारूप में 240 पत्रिकाओं की सदस्यता ले रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय में थीसिस और शोध प्रबंध का कुल संग्रह 46777 है। आगरा, बनारस, इलाहाबाद, रोहतक, महेंद्रगढ़, केरल, कर्नाटक और मुंबई आदि अन्य विश्वविद्यालयों के कई आगंतुकों ने पुस्तकालय का दौरा किया।

सेंट्रल साइंस पुस्तकालय

सेंट्रल साइंस पुस्तकालय में 2316 किताबों के सर्कुलेशन वाले 201 यूजर्स की सदस्यता है। पुस्तकालय ने जेसीसीसी के माध्यम से देश के विभिन्न पुस्तकालयों की और से कई दस्तावेज/लेख प्राप्त किए और भेजे। प्रिंट और ऑनलाइन सहित वर्तमान पत्रिकाओं सदस्यता 190 है।

रतन टाटा पुस्तकालय

पुस्तकालय पिछले वित्त वर्ष में केवल 74 खिताब ही जोड़ सकी, जिसमें लगभग 332 की सदस्यता थी। आरटीएल ने विभिन्न संसाधनों और एक हाई एंड सर्वर तक पहुंचने के लिए 105 टर्मिनलों के साथ अपनी कंप्यूटिंग सुविधा और अद्वितीय ई-पुस्तकालय को बढ़ाया है। आरटीएल की कुल पत्रिकाओं की सदस्यता प्रिंट और ऑनलाइन जर्नल सहित 232 है। इसके संग्रह में लगभग 1500 थीसिस और शोध प्रबंध भी हैं। यह संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार के प्रकाशनों के जमा केंद्र के रूप में भी कार्य करता है।

दक्षिण दिल्ली कैपस

दक्षिण दिल्ली कैपस पुस्तकालय पिछले वित्त वर्ष में 1154 यूजर्स की मेंबरशिप और लगभग 1397 पुस्तकों के सर्कुलेशन के साथ 1333 वॉल्यूम का कलेक्शन जोड़ने में सफल रही है। इसमें 89 प्रिंट जर्नल्स की सदस्यता है, पत्रिकाओं के 14575 वॉल्यूम हैं, और पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है। परिसंचरण-जारी-वापसी, अनुस्मारक, सदस्यता, अधिग्रहण-आदेश और बिलिंग, सीरियल नियंत्रण और ओपीएसी जैसी पुस्तकालय गतिविधियां ट्रोओडन पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित हैं।

संगीत और ललित कला पुस्तकालय के संकाय

संगीत और ललित कला पुस्तकालय में 415 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता के साथ कुल 16585 पुस्तकों का संग्रह है। इसके डिजिटल कलेक्शन में 344 ब्रेल बुक्स के अलावा 2643 कैसेट, 1186 सीडी और 104 टॉकिंग पुस्तकें हैं। ऑडियो-विजुअल पुस्तकालय के विस्तार के रूप में, इसमें 10 सीडी प्लेयर के साथ एक सुनने का कमरा है जहां विद्यार्थी ऑडियो सामग्री सुन सकते हैं।

सम्मान/ गौरव

विश्वविद्यालय और हेड डल्स डॉ. राजेश सिंह, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष और अध्यक्ष डीयूएलएस को इला-गिडवानी-देशपांडिन श्रेष्ठ अकादमिक पुस्तकालयाध्यक्ष पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रदर्शनी

राजेश सिंह और शैलेंद्र कुमार, 'सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं का सूचना मूल्यांकन कौशल: पुस्तकालय और सूचना अध्ययन का मूल्यांकन' इतिहास: खण्ड 67 (4) पीपी 222-230, दिसंबर 2020, यूएसएसबी 0975-2404 (ऑनलाइन); 0972-5423 (प्रिंट)।

अविजित महला और राजेश सिंह 'विज्ञान में भारतीय विश्वविद्यालयों का अनुसंधान आउटपुट (2015-2019): एक साइंटोमेट्रिक विश्लेषण' पुस्तकालय हाई टेक: वॉल्यूम। अहैड-ऑफ प्रिंट। <https://doi.org/10.1108/LHT-09-2020-0224> , आईएसएसएन: 0737-8831

सिंह, राजेश डॉ. और कुमार, शैलेंद्र प्रो., सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं का सूचना साक्षरता योग्यता स्तर: एक नैदानिक अध्ययन" (2021)। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल)। 5684. <https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/5684>

सिंह, राजेश डॉ. और कुमार, शैलेंद्र प्रो., "सामाजिक विज्ञान में शोधकर्ताओं की सूचना साक्षरता योग्यता: विविध दृष्टिकोण से एक आकलन" (2021)। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल)। 5685. <https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/5685>

सिंह, राजेश डॉ.; महला, अविजित डॉ.; और यादव, श्रेया, 'दिल्ली विश्वविद्यालय का विज्ञान अनुसंधान आउटपुट पैटर्न (2015-2019)' (2021)। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल)। 5835. <https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/5835>

सुविधायें

सूचना साक्षरता कार्यक्रम: दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों को प्रभावी ढंग से और कुशलता से जानकारी की तलाश, मूल्यांकन, उपयोग और निर्माण करने के लिए सशक्त बनाने की दृष्टि से अपनी सूचना साक्षरता गतिविधियों को जारी रखता है। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ओरिएंटेशन प्रोग्राम, कार्यशालाओं और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण का आयोजन करता है। निम्नलिखित कार्यक्रम सामग्री हैं:

ई-संसाधन उन्मुख कार्यक्रम

ऑनलाइन जानकारी पुनः प्राप्ति

मुक्त अभिगम्यता शिक्षा संसाधनों का उन्मुखीकरण

ग्रंथसूची प्रशस्ति शोध

कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी

प्रशस्ति शोध विश्लेषण डेटाबेस, विज्ञान वेब/

फेडरेटेड/मेटा सर्च सेवाएं

समानता का पता लगाना: केंद्रीय पुस्तकालय अप्रैल 2019 से मार्च 2020 के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य के लिए समानता का पता लगाने का काम जारी रखे हुए है। केंद्रीय पुस्तकालय ने प्रमोशन के लिए कुल 41951 पीएच.डी. थीसिस और एम.फिल. शोध प्रबंध, अन्य रिसर्च असाइनमेंट और फैकल्टी शोध पेपर्स का सत्यापन किया है।

दस्तावेज वितरण सेवा: जे-गेट ई-शोध सिंधु के माध्यम से सुलभ सभी डेटाबेस के लिए लेख स्तर का उपयोग प्रदान करता है, लगभग 5,200 ओपन-एक्सेस इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं, और प्रिंट जर्नल्स को इनफ्लिबनेट सेंटर के इंटर-पुस्तकालय लोन (ILL) केंद्रों के रूप में डिजाइन किए गए 30 विश्वविद्यालय पुस्तकालयों द्वारा सदस्यता प्रदान करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली सेवाओं के लिए 30 नामित केंद्रों में से एक है।

मानव संसाधन: 'पुस्तकालयों में कंप्यूटर के उपयोग' पर प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय में बनाई गई प्रशिक्षण सुविधा विश्वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों के पुस्तकालय कर्मचारियों के लाभ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डीयूएलएस-वेबसाइट

डीयूएलएस -वेबसाइट जिसमें चयनित पुस्तकालयों (ओपीएसी) की सूची शामिल है; ई-संदर्भ, ई-जर्नल्स की ए-जेड सूची, ऑनलाइन सूचना साक्षरता ट्यूटोरियल, विषय पोर्टल, अपने लाइब्रेरियन से पूछें, ओपन-एक्सेस संसाधनों और कई अन्य उपयोगकर्ता-अनुकूल सुविधाओं सहित इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच का प्रावधान चल रहा है।

ई-पुस्तक

वित्तीय वर्ष 2020-2021 दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के दौरान सदा पहुंच मोड में 962 ई-बुक किताब खरीदने में सक्षम रहा है। इन ई-पुस्तकों के ग्रंथसूची विवरण को उपयोग प्रदान करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ओपीएसी में शामिल किया गया है। इसके अलावा, विभिन्न हितधारकों द्वारा उपयोग के लिए एक ई-बुक खोज सुविधा भी विकसित की गई है। यह www.eb.du.ac.in पर उपलब्ध है

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह एड माध्यमिक स्कूल

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र-सह-शिक्षा माध्यमिक स्कूल आसपास के क्षेत्र में जात स्कूलों में से एक बनता जा रहा है। यह ब्लॉक के आवासीय क्षेत्र सी, मौरिस नगर, दिल्ली - 07 के बीच में स्थित है। एक छोटे से स्वैच्छिक महिला संगठन ने 1945 में स्कूल शुरू किया था। दरअसल, पूर्व स्वतंत्र भारत में सर मौरिस ग्वायर के कहने पर उनकी विनम्र शुरुआत हुई थी। 1964 से स्कूल को दिल्ली सरकार से 95% और दिल्ली विश्वविद्यालय से 5% सहायता मिल रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो मूनिस रजा के कार्यकाल में स्कूल के लिए एक आधुनिक भवन निर्माण के लिए स्वयं के कोष से धन प्रदान किया। स्कूल का रखरखाव विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय ने अनुबंधित कर्मचारियों और अवस्थापना सुविधाओं के लिए 12 लाख रुपये का एकमुश्त अनुदान भी प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, इसने स्कूल को इसके उपयोग के लिए क्वार्टर सी-4 आवंटित किया है। इस भवन में कुछ प्राथमिक कक्षाएं स्थानांतरित की गई हैं। स्कूल ने उसी भवन में एक नर्सरी सेक्शन शुरू किया, जो काफी लोकप्रिय है, वर्ष 2003 में स्कूल 8वीं कक्षा से 10वीं कक्षा तक हो गया था।

स्कूल की प्रबंध समिति में 13 सदस्य हैं: दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नामित 6 प्रोफेसर, 1 कार्यकारी परिषद सदस्य, दिल्ली सरकार द्वारा मनोनीत 2, स्कूल से 3 और अभिभावक शिक्षक संघ से 1 वर्तमान प्रबंध समिति के सदस्य हैं:

1. प्रो नमिता रंगनाथन	(अध्यक्ष)
2. डॉ. सुनील कुमार	(प्रबंधक)
3. डॉ. वीएस नेगी	(ई.सी सदस्य)
4. डॉ. विकास बेनीवाल	(सदस्य)
5. डॉ. गिरीश चड्ढा	(सदस्य)
6. डॉ. सुनीता सिंह	(सदस्य)
7. डॉ. मोनिका कौल	(सदस्य)
8. डॉ. गरिमा भारती	(एचओएस)
9. श्रीमती सीमा कुमारी	(उप-प्राचार्य, जीजीएसएस बुराड़ी) एमसी सलाहकार बोर्ड के सदस्य

10. श्री हरीश नागपाल (स्टाफ प्रतिनिधि)
11. श्रीमती गीता सतीजा (स्टाफ प्रतिनिधि)
12. श्री पूनम सोनकर (पीटीए सचिव)

शैक्षणिक सत्र 2020-21 (1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021) के दौरान किए गए विभिन्न अकादमिक और सह पाठ्यक्रम गतिविधियों का विवरण

लगभग 600 छात्रों की संख्या वाला यह स्कूल तेजी से हर क्षेत्र में क्षेत्र के अच्छे स्कूलों में से एक अर्थात् अकादमिक और सह पाठ्यक्रम की गतिविधियों में से एक बनता जा रहा है।

कोविड के कारण-19 स्कूल बंद रहे लेकिन शिक्षकों ने अपना सर्वश्रेष्ठ किया और वहाट्सअप और गूगल मीट का उपयोग कर माता-पिता और छात्रों से संपर्क करने में कामयाब रहे। स्कूल शिक्षा निदेशालय से शैक्षणिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन कर रहा है और शिक्षा निदेशालय से वर्कशीट छात्रों को अग्रेषित कर रहा है। मानकों के अनुसार छात्रों का मूल्यांकन भी किया गया। प्रबंधन ने पहल की और नौकरी गंवाने वाले माता-पिता की मदद के लिए कुछ फंड की व्यवस्था की। शिक्षकों द्वारा उन छात्रों की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया था जिन्हें अपने-अपने वर्गों में ऑनलाइन शिक्षा का समर्थन करने के लिए उपकरणों की जरूरत थी। इसके बाद जरूरतमंद विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किए गए।

शिक्षकों आभासी अभिभावक शिक्षक बैठक करने में कामयाब रहे और छात्रों और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य पहलुओं को संबोधित किया।

शिक्षकों ने निम्नलिखित गतिविधियों का वर्चुअल आयोजन किया:

1. योग दिवस
2. पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता- पर्यावरण बचाओ
3. भाषा संगम गतिविधि
4. ऑनलाइन क्विज - गंगा क्वेस्ट
5. स्वतंत्रता दिवस
6. महामारी कोविड-19 के लिए जागरूकता सत्र
7. सीबीएसई द्वारा आयोजित परीक्षा चर्चा - पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन
8. रोगाणुरोधी पर स्वास्थ्य चर्चा

शिक्षकों ने स्कूल कैम्पस में निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया (डीओई के मानदंडों के अनुसार)

भावनात्मक भलाई पर सत्र

गणतंत्र दिवस समारोह

सरस्वती पूजा

सीबीएसई और एसएनसीईआरटी द्वारा आयोजित वेबिनार में शिक्षकों ने भाग लिया।

प्रबंधन ने कर्मचारियों को प्रेरित करने और उन्हें सलाह देने के लिए आभासी बैठकों का आयोजन किया। स्कूल माध्यमिक खंड के लिए सहायता प्रदान करने के लिए दिल्ली सरकार के निर्णय का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच, दिल्ली विश्वविद्यालय स्कूल के माध्यमिक खंड के खर्च के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। स्कूल मैनेजिंग कमेटी उनके लगातार सहयोग के लिए उनके आभारी हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ एक सामाजिक कल्याण संगठन है और दिल्ली विश्वविद्यालय में और उसके आसपास महिलाओं के लाभों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक, शैक्षिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और जारी रखने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर 1964 को दिल्ली के केंद्र शासित प्रदेश में विस्तारित 1860 (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957) के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के तहत पंजीकृत किया गया था। डीयूवा की शुरुआत समाजसेवी डॉ. दुर्गाबाई देशमुख ने की थी, जो वंचित और वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने के विजन के साथ तत्कालीन कुलपति प्रो. सी. डी देशमुख की एक महान दूरदर्शी और पत्नी थीं।

कार्यक्रम और सुविधाएं

प्ले स्कूल: एक बच्चे के बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, एस्थेटिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए दुवा क्रमशः 1966 और 1967 में स्थापित दो प्री-स्कूल, दुर्गाबाई देशमुख बलवाड़ी और उषा गांगुली शिशु विहार चलाती हैं। बलवाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर तबके के बच्चों के लिए है, जहां उन्हें मुफ्त पोषाहार दिया जाता है। दोनों स्कूलों में लगभग 200 बच्चे नामांकित हैं।

महिला छात्रावास: डीयूडब्ल्यू ने दिल्ली विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में एकल महिला शिक्षकों के लाभ के लिए 1975 में अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष मनाने के लिए कामकाजी महिला छात्रावास, श्री सदन की स्थापना की। अन्य दो विद्यार्थीवास, पुराना डीयूडब्ल्यू विद्यार्थीवास और नया डीयूडब्ल्यू विद्यार्थीवास विश्वविद्यालय में एम.फिल. और पीएच.डी. छात्रों के लिए आवास प्रदान करते हैं। छात्रावासों में लगभग 36 स्थानिक हैं, जिनमें पूर्णकालिक वार्डन हैं।

वात्सालय: यह चाइल्डकैअर कार्यक्रम अपने बच्चों की भलाई से संबंधित अपने तनाव को कम करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय से कामकाजी माताओं का समर्थन करने के लिए है। यह डे-केयर सुविधा 6 महीने से 6 वर्ष के बच्चों के आयु वर्ग के लिए है। इस सुविधा में 50 बच्चे भर्ती हैं।

माइंड बॉडी सेंटर: दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देना इस केंद्र का एक प्रमुख उद्देश्य है जिसका उद्घाटन फरवरी 2014 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो दिनेश सिंह ने किया था। चूंकि मन और शरीर की समस्याएं आपस में जुड़ी हुई हैं, इसलिए उन्हें केंद्र में चिकित्सक, प्राकृतिक चिकित्सा और काउंसलर की विशेषज्ञता से समग्र तरीके से निपटने की आवश्यकता है। मुफ्त परामर्श के अलावा, केंद्र में योग और एक्जूप्रेशर तकनीक का अभ्यास भी पेश किया जाता है।

स्मारिका शॉप: नवंबर 2014 में डीयूडब्ल्यू के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में स्मारिका शॉप का शुभारंभ किया गया था जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो दिनेश सिंह ने किया था। इस गतिविधि का प्राथमिक उद्देश्य डीयू ब्रांड को बढ़ावा देना और एक साथ छात्रों और विश्वविद्यालय समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच गर्व और संबंधित की भावना पैदा करना है। स्मारिका वस्तुओं के डिजाइन और बिक्री का प्रबंधन डुवा सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। फोल्डर, स्वेटशर्ट, बैग, पेन, की चेन, मग जैसे कुछ स्मारिका मर्च की काफी मांग रही है।

सहयोग: सहयोग कार्यक्रम में लगभग 40 बच्चे नामांकित हैं, जो अपने शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से I से XII से कक्षा के स्कूली छात्रों को पड़ोस से मदद करते हैं। इस ट्यूशन सपोर्ट प्रोग्राम में बच्चों को पौष्टिक नाश्ता और हेल्थ ड्रिंक परोसा जाता है। कक्षाएं सप्ताह में छह दिन दोपहर 3-5 बजे से आयोजित की जाती हैं।

दृष्टि : डीयूडब्ल्यू के सदस्यों ने विश्वविद्यालय में नेत्रहीन छात्रों की जरूरतों को पूरा करते हुए दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सदस्यों को बाहर पढ़ने और सबक रिकॉर्ड, अध्ययन सामग्री की व्यवस्था और नेत्रहीन व्यक्तियों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं।

जागृति: महिलाओं में कैंसर की बढ़ती घटनाओं को समझते हुए, यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच व्याख्यान, चर्चा, स्क्रीनिंग शिविर, नुक्कड़ नाटकों की प्रतियोगिताओं और अन्य गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता फैलाने का प्रयास करता है।

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम: यह चार महीने का कंप्यूटर पाठ्यक्रम बुनियादी ज्ञान प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है जिसमें एमएस-वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, एक्सेस और इंटरनेट शामिल हैं; ताकि लड़कियों को बुनियादी कंप्यूटर कौशल प्राप्त करने में मदद मिल सके।

भाषा परिचय कार्यक्रम: डीयूडब्लू सदस्यों, डीयू स्टाफ, संकाय, और छात्रों के लिए मुफ्त अल्पकालिक भाषा परिचय पाठ्यक्रम आयोजित करने की पहल कर रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत चीनी भाषा के तीन महीने के कोर्स से हुई।

सभी गतिविधियां

1. 08.05.2020 को जरूरतमंद (उत्तरी कैपस) के आसपास के छात्रों और महिलाओं को राशन का वितरण।
2. मानसिक स्वास्थ्य मामलों पर 14.05.2020 को ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन
3. 20.05.2020 को उत्तरी कैपस क्षेत्र में मास्क और सैनिटाइजर्स का वितरण
4. 25.05.2020 को डीयू, यूजी और पीजी के छात्रों को वजीराबाद गांव में भोजन के पैकेट का वितरण।
5. 27.07.2020 को "भारत में नारीवाद" पर ऑनलाइन सम्मेलन
6. दुर्गा बाई देशमुख और उषा गांगुली शिशु विहार प्ले स्कूल का 20.08.2020 को ऑनलाइन उन्मुखीकरण कार्यक्रम
7. 04.09.2020 को ऑनलाइन शिक्षक दिवस समारोह
8. 14.09.2020 को ऑनलाइन "हिंदी दिवस" मनाया
9. 30.09.2020 को ऑनलाइन "गांधी जयंती" मनाई गई।
10. वरिष्ठ नागरिक दिवस (दादा-दादी दिवस) पर 01.10.2020 को वेबिनार
11. "अपने जीवन को सक्रिय करे" पर 01.10.2020 को वेबिनार पर
12. 23.11.2020 को ऑनलाइन "बाल दिवस" मनाया गया
13. 27.11.2020 को "युवा, कोविड 19 और तनाव प्रबंधन" पर वेबिनार
14. 22.12.2020 को "हाथरस बलात्कार मामला" और सरकारी एजेंसियों के रोल पर ऑनलाइन चर्चा
15. 23.12.2020 को डीयूडब्लू स्कूल के बच्चों के साथ ऑनलाइन "क्रिसमस दिवस" मनाया गया
16. 05.01.2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति (डीयूडब्लू के संरक्षक) प्रो पी.सी. जोशी का निरीक्षण दौरा
17. 16.01.2021 को विद्यार्थीवास के साक्षात्कार आयोजित किए गए
18. 25.01.2021 को स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों के साथ ऑनलाइन "गणतंत्र दिवस" का आयोजन किया गया
19. 15.02.2020 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ "सरस्वती पूजा" (बसंत पंचमी) मनाया गया।
20. डीयूडब्लू ने 08.03.2021 को वेबिनार के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया
21. 18.03.2021 को "महिला एवं संवैधानिक प्रावधान" (अध्यक्ष सुषमा यादव) पर वेबिनार का आयोजन किया गया।
22. दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति (डीयूडब्लू के संरक्षक) प्रो पी.सी. जोशी, महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष प्रो. बलराम पाणी, दक्षिण कैपस के निदेशक प्रो सुमन कुंडू और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता अपने जीवन साथी के साथ डीयूडब्लू की विभिन्न गतिविधियों पर नजर रखने और 25.03.2021 को भविष्य पर चर्चा करने के लिए दौरा।

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय हिंदी में उच्च मानक पाठ्यपुस्तकों को प्रकाशित करता है, मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के हितार्थ, जिन्होंने अपने अध्ययन के माध्यम के रूप में हिंदी को चुना। हमने इतिहास, राजनीति विज्ञान, शिक्षा, वाणिज्य, कानून, खेल और शारीरिक शिक्षा, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, भूगोल, साहित्य सहित विभिन्न विषयों में लगभग 270 पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

वर्ष 2020-2021 के लिए निदेशालय के पास छह नए शीर्षक, दस संशोधित संस्करण और सौ से अधिक रिप्रिंट प्रकाशित करने के लिए तैयार हैं।

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान ने डीएचएमआई के स्थानापन्न निदेशक को वर्ष 2019 के लिए साहित्य भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया है।

विदेशी छात्रों की रजिस्ट्री

शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। विदेशी छात्रों के कार्यालय में 2691 आवेदन प्राप्त हुए। कुल 557 छात्रों में 66 विभिन्न देशों के छात्रों को शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के दौरान विश्वविद्यालय के प्रमाणशोध से लेकर पीएच.डी. पाठ्यक्रमों तक विभिन्न कार्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश दिया गया।

विदेशी छात्रों की रजिस्ट्री की सर्वोत्तम प्रथाएं

एकीकृत सेवाएं प्रदान करना: डीयू में विदेशी नागरिकों के प्रवेश और आवास को ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से कॉलेजों/विभागों/एफआरआरओ/ विद्यार्थीवास प्रवेश/सुविधाओं के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करके सुविधाजनक बनाया गया है।

अद्यतन वेबसाइट: वेबसाइट को नया रूप दिया गया है। इसमें अब दाखिले की प्रक्रिया, विभिन्न कॉलेजों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों और संबंधित आंकड़ों के बारे में जानकारी दी गई है। इसमें छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में अपने प्रवास और अध्ययन को एक सुखद अनुभव बनाने के लिए उपयोगी जानकारी भी है। यहां पहुंचने वाले छात्रों के लिए हिंदी में स्थानीय मुहावरों की सूची भी उपलब्ध कराई गई है।

आईसीसीआर और भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ अंतर-संबंध: उन संस्थानों के बीच एक प्रभावी संबंध किया गया है जो प्रवेश के लिए विदेश में रहते हुए आवेदन की स्थिति के बारे में अन्य देशों में विदेशी आवेदकों को सुविधा प्रदान करते हैं। इस सहयोग की मुख्य विशेषता दिल्ली विश्वविद्यालय और आईसीसीआर के बीच एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश करना है। इसके तहत विश्वविद्यालय ने आईसीसीआर वित्त पोषित छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आईसीसीआर क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए मुख्य कैंपस में जगह उपलब्ध कराई है। इस समझौता ज्ञापन में विदेशों से विजिटिंग प्रोफेसरों को उपलब्ध कराने के साथ-साथ विदेशों में अकादमिक यात्राओं के लिए हमारे संकाय सदस्यों को सुविधा प्रदान करके विश्वविद्यालय के अकादमिक विकास में मदद करने का भी प्रावधान है।

सूचना का प्रसार: महामारी के कारण इस वर्ष विदेशी छात्रों को सूचना प्रसारित करने का प्रचलन अधिक जोर-शोर से जारी रहा। रजिस्ट्री ईमेल, फोन के जरिए उन तक पहुंची तो कुछ एफएसआर कार्यालय में भी पहुंचे। विदेशी विश्वविद्यालयों, पूर्व छात्रों और विदेशों में भारतीय मिशनो से भी संपर्क किया गया। इसके अलावा विदेशी छात्रों के लिए एफएसआर वेबसाइट पर एक डायलॉग बॉक्स बनाया गया था।

ऑनलाइन प्रवेश एंड फीस संग्रहण: ऑनलाइन मोड के जरिए फीस संग्रहण के लिए पिछले वर्ष शुरू की गई प्रैक्टिस इस वर्ष भी जारी रही।

प्रत्येक महाविद्यालय /विभाग/संस्थान में एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति कोविड महामारी के कारण इस वर्ष नोडल अधिकारी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण प्रकृति की रही है। एफएसआर कार्यालय विदेशी छात्रों के कल्याण के लिए उनमें से अधिकांश के साथ लगातार बातचीत करते रहे हैं।

विदेशी छात्रों की रजिस्ट्री द्वारा की गई कार्रवाई:

विदेशी छात्रों की काउंसलिंग: यह प्रवेश के समय और साथ ही व्यक्तिगत संपर्कों और बैठकों के आयोजन के माध्यम से एफएसआर कार्यालय में नियमित आधार पर किया जाता है। चूंकि सभी प्रवेश ऑनलाइन किए गए थे और कक्षाएं भी केवल ऑनलाइन आयोजित की गई थीं, इसलिए नए प्रवेश किए गए छात्रों के बीच चर्चा केवल टेलीफोन कॉल और नियमित ईमेल के माध्यम से संभव थी। यह कनेक्शन उन सभी छात्रों के साथ स्थापित किया गया था जो पूर्ण लॉकडाउन के दौरान दिल्ली में थे। इसमें उन्हें भोजन और दवा पहुंचाना शामिल था। अगस्त 2020 के शुरू में महिलाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी छात्रावास में कोविड का प्रकोप था। उस समय, वहां 49 लड़कियों को छोड़ दिया गया था (दूसरों को वंदे भारत विशेष उड़ानों के माध्यम से घर वापस चली गई थीं)। उनमें से 9 लड़कियां पॉजिटिव पाई गईं, उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। सौभाग्य से, सभी स्वस्थ हो गईं और वे सुरक्षित रूप से अपने छात्रावास में वापस आ गईं। एफएसआर ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और राजनयिक मिशन की सहायता से अपने मूल देशों के लिए उनके प्रस्थान के लिए भी काम किया।

विदेशी छात्रों के हितार्थ राजदूतों/दूतावास के अधिकारियों के साथ बैठक: महामारी के प्रकोप के कारण पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष कुछ चर्चा हुई। हालांकि, महामारी महीनों (नवंबर 2020 - फरवरी 2021) की कम तीव्रता के दौरान, इंडोनेशिया, कंबोडिया और नेपाल के राजदूतों की यात्रा हुई थी।

प्रवेश प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक प्रवेश समिति का गठन किया गया था। इस वर्ष कमेटी के गठन (अक्टूबर 2020) और महामारी के कारण प्रवेश प्रक्रिया में देरी हुई। ऑनलाइन माध्यम से समिति की बार-बार बैठक हुई।

पिछले 5 वर्ष के नामांकित छात्रों के आंकड़े विदेशी विद्यार्थी रजिस्ट्री की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपडेट किया गया।

वीजा के विस्तार के लिए, एफएसआर ने एफआरआरओ के साथ मिलकर काम किया, और ऐसे सभी शोध केवल ईमेल द्वारा जारी किए गए थे।

गांधी भवन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पतंजलि योग सूत्र पर 8 मई 2020 को विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें गांधी भवन के निदेशक प्रो रमेश सी. भारद्वाज ने विशेषज्ञ के रूप में श्रोताओं को जानकारी दी। महान भारतीय दार्शनिकों पर एक व्याख्यान श्रृंखला- आचार्य शंकर, आचार्य जैमिनी, वाचपति मिश्र; संस्कृत विभाग के सहयोग से क्रमशः 25.5.2020, 26.5.2020 और 2.6.2020 को आयोजित किया गया था। 10 अगस्त से 20 अगस्त 2020 तक महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों के आलोक में भारतीय समाज के उत्थान विषय पर एक ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया। गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा, राजघाट, नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा समाजिक द्रासिक पर आचार्य काकासाहेब स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। दीन दयाल उपाध्याय केंद्र, एचपी यूनिवर्सिटी, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 'महात्मा गांधी के विचार और दर्शन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। स्वदेशी इंडिक ज्ञान अर्थात आयुर्वेद चिकित्सा, मुद्रा, प्राणायाम आदि पर आधारित घर पर कोविड 19 का प्रबंधन करने के लिए अनुदेश मैनुअल का विमोचन

समारोह 23 जुलाई 2020 को आयोजित किया गया था। कोविड 19 पर 23.8.2020 को अनुदेश नियमावली पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रख्यात विचारक डॉ. बजरंग लाल गुप्ता विशेषज्ञ थे। 28 सितंबर 2020 को 'मातृ भाषा और भारतीय भाषा' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था जिसमें शिक्षा शिक्षाविद् श्री अतुल कोठारी, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली विशेषज्ञ थे। 27.9.2020 - 1.10.2020 से 'गांधी और समकालीन चुनौतियों' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। 1.10.2021 को एमजीआई, मोका, मॉरीशस के सहयोग से 'गांधी 150' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। गांधी जयंती और गांधी 150 का समापन समारोह 2 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया था। मकर संक्रांति उत्सव 14 जनवरी 2021 को मनाया गया था। जे.के. बजाज और एमडी श्रीनिवास की पुस्तक 'मेकिंग ऑफ हिंदू पैट्रियट' के संदर्भ में हिंदू स्वराज विषय पर एक शीतकालीन कार्यशाला का आयोजन 23 से 30 जनवरी 2021 तक किया गया था। 30 जनवरी 2021 को शहीद दिवस मनाया गया। 23 जनवरी 2021 से दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय के महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र के सहयोग से एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सहयोग से 11 से 13 मार्च 2021 तक नई शिक्षा नीति (एनईपी2020) के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सम्मान/ गौरव:

गांधी भवन को दिल्ली विश्वविद्यालय में 63 वें वार्षिक पुष्पोत्सव के अवसर पर अपने बगीचों के रखरखाव और सुधार में उत्कृष्ट योगदान के मान्यता में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

सुविधाएं - प्रमाणशोध पाठ्यक्रम:

योग और ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम (कोविड के कारण ऑनलाइन)) पर तीन महीने की अवधि का प्रमाणशोध पाठ्यक्रम वर्ष में दो बार आयोजित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

गांधी भवन के निदेशक द्वारा वर्चुअल मोड के माध्यम से मुख्य अतिथि/उद्घाटनकर्ता/वक्ता/विशेषज्ञ के रूप में निम्नलिखित कार्यक्रम/कार्यक्रमों में भाग लिया गया:

क्र.स.	कार्यक्रम	दिनांक	आयोजक
1	पतंजलि योग सूत्र पर विशेष व्याख्यान	8.5.2020	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय
2	'कोरोना की चुनौतियाँ और गांधी विचार' पर व्याख्यान	9.5.2020	मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
3	'कोरोना काल में संस्कृत की भूमिका' विषय पर व्याख्यान	13.5.2020	मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
4	कोविड 19 के वर्तमान परिदृश्य में आयुर्वेद का महत्व	17.5.2020	विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस और राष्ट्रीय संस्कृत मंच, नई दिल्ली
5	भारत में तकनीकी विकास: विभिन्न कालखंडन में	21.5.2020	संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय
6	निम्नलिखित महान भारतीय दार्शनिकों पर व्याख्यान श्रृंखला: क. आचार्य शंकर ख. आचार्य जैमिनी ग. वाचस्पतिमिश्र	मई/जून 2020 23.5.2020 26.5.2020 2.6.2020	संस्कृत विभाग द्वारा गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से
7	महात्मा गांधी वेबिनार पर व्याख्यान माला	19.5.2020 से 23.5.2020	राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

8	महात्मा गांधी पर वेबिनार	30.5.2020	महात्मा गांधी आध्यायन केंद्र, जेआरएस विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
9	महात्मा गांधी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय	5.6.2020	दीन दयाल उपाध्याय पीठ, हिमाचल प्रदेश
10	धर्मशास्त्रीय आचार-विचारों की वर्तमान में प्रासांगिकता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	18.7.2020 से 20.7.2020	संस्कृत विभाग, सोगरा महाविद्यालय, बिहारशरीफ, नालंदा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
11	व्याख्यान माला 2020 - 'आर्य अकरमन के सिद्धांत के संदर्भ में डॉ. अंबेडकर का चिंतन'	19.7.2020	हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश
12	वैदिक काल निर्धारण पर विशेष व्याख्यान (साहित्यिक एवं पुरातात्विक संदर्भ में)	20.7.2020	संस्कृत शौर्यम, फेसबुक
13	आत्मनिर्भर भारत: गांधी विचार की प्रसांगिकता' विषय पर ई-सेमिनार	31.7.2020	दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
14	महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों के आलोक में भारतीय समाज के उत्थान पर ग्रीष्मकालीन कार्यशाला	10.8.2020 से 20.8.2020	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय
15	आचार्य काकासाहेब कलेलकर स्मृति व्याख्यान पर 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा समाजिक दृष्टिकोण'	20.7.2020	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय और जीएचएसएस, राजघाट, नई दिल्ली
16	'महात्मा गांधी के विचार और दर्शन' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	22.7.2020	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय और दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
17	स्वदेशी भारतीय ज्ञान अर्थात् आयुर्वेद, योग, एक्स्प्रेसर थेरेपी, मुद्रा, प्राणायाम आदि पर आधारित 'कोविड-19 के प्रबंधन के लिए अनुदेश मैनुअल' का विमोचन।	23.7.2020	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय
18	भारतीय बौद्धिक विरासत व्याख्यानमाला के तत्वावधान में 'भारतीय दर्शन पर वेबिनार के कटिपय ज्ञानमीमांसीय प्रश्न: विशेष रूप से न्याय शैक्षिक दर्शन के संदर्भ में	25.7.2020	संस्कृत विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
19	घर और व्याख्यान में कोविड 19 के प्रबंधन के लिए अनुदेश मैनुअल का विमोचन	23.8.2020	व्याख्यान और देश के प्रख्यात विचारक डॉ. बजरंग लाल गुप्ता द्वारा व्याख्यान और विमोचन
20	'प्राचेतन भारत में तकनीकी ज्ञान' पर वेबिनार	22.9.2020	काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)
21	गांधी और समकालीन चुनौतियां	23.9.2020	आईसीसीआर - स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर, भारत के महावाणिज्य

			दूतावास, दक्षिण अफ्रीका
22	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	23.9.2020	आईसीसीआर - थॉमस वर्गीज, चांसरी के प्रमुख, ब्रातिस्लावा
23	गांधी जयंती पर महात्मा पर वार्ता - 2 अक्टूबर	27.9.2020	आईसीसीआर - डॉ. सैयद तनवीर नसरीन, निदेशक, आईसीसी, भारतीय उच्चायोग, माले, मालदीव
24	'मातृभाषा और भारतीय भाषाएं' पर वेबिनार	28.9.2020	श्री अतुल कोठारी, शिक्षाविद्, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
25	अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 'गांधी और समकालीन चुनौतियां'	27.9.2020 से 1.10.2020	गांधी भवन
26	'गांधी और समकालीन चुनौतियों' पर चर्चा	29.9.2020	भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, ब्रातिस्लावा
27	'गांधी और समकालीन चुनौतियों' पर चर्चा	29.9.2020	भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, हेग, नीदरलैंड में भारतीय दूतावास
28	'गांधी: सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों का राष्ट्रवादी' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	30.9.2020	लाल बहादुर सेंटर फॉर इंडियन कल्चर, भारतीय दूतावास, ताशकंद, उज्बेकिस्तान
29	अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 'गांधी और समकालीन चुनौतियां'	30.9.2020	गांधी भवन
30	'गांधी150' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	1.10.2020	एमजीआई, मोका, मॉरीशस के सहयोग से गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय
31	'महिलाओं पर महात्मा गांधी और उन्हें समाज में बराबर बनाने' पर चर्चा	1.10.2020	भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
32	गांधी जयंती पर वार्ता	1.10.2020	श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य), डीयू
33	गांधी150 का समापन समारोह	2.10.2020	गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय
34	महात्मा गांधी पर वार्ता	2.10.2020	कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
35	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	2.10.2020	भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, कुवैत
36	गांधी 150 पर व्याख्यान	2.10.2020	राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, राजस्थान
37	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	2.10.2020	भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, तेल अवीव, इज़राइल
38	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	2.10.2020	सीएसटीटी, भारत सरकार
39	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	2.10.2020	बिहारशरीफ, नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार
40	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	2.10.2010	काशी विरासत
41	महात्मा गांधी पर व्याख्यान	2.10.2020	भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, बगोटा, कोलंबिया

बागवानी समिति

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

उत्तरी कैंपस और दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के विभिन्न स्थलों पर देशी झाड़ियों का वृक्षारोपण

देशी पेड़ और बड़े झाड़ी की पादप प्रजातियों के 2355 पौधों के सितंबर-नवंबर 2020 में हरियाली के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। टाटा पावर-डीडीएल लिमिटेड के पूर्व छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय उद्यान समिति को उच्च गुणवत्ता वाले पौधे भेंट किए गए और विश्वविद्यालय उद्यान समिति के 'मालियों' द्वारा रोपित पौधों का भी उपयोग किया गया। स्वस्थ पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए पौधों की आवश्यक भूमिका के बारे में हितधारकों को शिक्षित करने का यह हरित प्रयास मानसून बागानों के साथ 2018 में शुरू किया गया था। 2020 में महामारी और आगामी लॉकडाउन से संबंधित सुरक्षा सावधानियों के लिए सरकार और विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदंडों का कड़ाई से पालन करने के साथ वृक्षारोपण गतिविधियों का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कम से कम बीस कॉलेजों ने 'बेलपात्रा/बाल (एगल मार्मेलोस)', 'सीता अशोक' (साराकासोका), 'इमली' (इमली इंडिका), 'ढाक' (बुटेया मोनोस्परमा) जैसी पेड़ और झाड़ी प्रजातियों के साथ वृक्षारोपण 2020 अभियान में भाग लिया। अर्जुन और बहेड़ा (टर्मिनलिया प्रजाति), 'शाहतूत' (मोरस निगरा), 'लासोरा' (कॉर्डिया मायका), 'कुराइया' (चोरिसिया स्पेसपोसा), 'खजूर' (फीनिक्स सिल्वेस्ट्रिज), और 'चांदनी' (Tabernaemontana divaricate)। भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, विवेकानंद महाविद्यालय, महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय ऑफ एजुकेशन, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, रामानुजन महाविद्यालय, भारती महाविद्यालय, आर्यभट्ट महाविद्यालय, हंसराज महाविद्यालय, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, जाकिर हुसैन महाविद्यालय, अदिति महाविद्यालय, देशबंधु महाविद्यालय, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, कालिंदी महाविद्यालय, मिरांडा हाउस, आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय और शिवाजी महाविद्यालय की ओर से उत्साहजनक भागीदारी की सराहना की गई।

विकास/नवीकरण और नए लॉन और गार्डन के रखरखाव

विश्वविद्यालय और स्थानीय समुदायों के लिए हरियाली बनाए रखने, महामारी से संबंधित लॉकडाउन अवधि के कारण कुछ साइटों पर हुई खरपतवार अतिवृद्धि को हटाने और नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त प्रयास किए गए थे।

लगभग 576 वर्गमीटर क्षेत्र के लिए जूलॉजी विभाग में लॉन की देखरेख और लॉन को बनाए रखने के लिए सहायता प्रदान की गई थी।

सुविधायें

विश्वविद्यालय उद्यान समिति के 'मालियों' और कर्मचारियों ने दीक्षांत दिवस पर सजावट और फूलों की व्यवस्थाओं और विश्वविद्यालय के विभिन्न आधिकारिक कार्यों/गतिविधियों में सहायता प्रदान की। वर्तमान महामारी से संबंधित परिदृश्य में उचित सावधानियों और सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन किया गया।

लॉकडाउन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय उद्यान की वेबसाइट <http://www.universitygardens.du.ac.in> ने उद्यान उत्साही लोगों के लिए ऑनलाइन सामग्री और इनडोर/आउटडोर बागवानी युक्तियों के लिए कौशल-साझाकरण वीडियो के साथ-साथ आभासी पर्यटन/प्रसिद्धों की यात्राओं के लिंक प्रदान किए। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्यान। फिल्म क्लिप विद्यार्थी स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए थे।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

63 वां वार्षिक पुष्पोत्सव - 2021

विश्वविद्यालय का 63 वां वार्षिक पुष्पोत्सव 5 मार्च 2021 को मुगल गार्डन (वाइस-रीगल लॉज के सामने), उत्तरी कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। अपनी तरह के पहले,

पुष्पोत्सव के पारंपरिक पुष्प वैभव को ड्रोन द्वारा कैप्चर किया गया और www.du.ac.in पर लाइव वेबकास्ट पर उपलब्ध कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. पीसी जोशी की उपस्थिति, माननीय कुलपति (कार्यवाहक); डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव; प्रो. बलराम पाणि, महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष; प्रो. सुमन कुंडू, निदेशक दक्षिण कैंपस; श्री गिरीश रंजन, वित्त अधिकारी; और विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। विभिन्न कॉलेजों, छात्रावासों/हॉल, स्कूलों और संस्थानों को रोलिंग शील्ड, कप और ट्राफियां प्रदान की गईं, जिन्होंने गमले में लगे पौधों, लॉन और उद्यानों की 35 श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। महामारी से संबंधित लॉकडाउन के दौरान उद्यान गतिविधियों के रखरखाव की दिशा में उत्कृष्ट सेवा को मान्यता देने के लिए "माली" की कड़ी मेहनत का जश्न मनाया गया और "कोरोना योद्धा माली" की एक नई श्रेणी को सम्मानित किया गया। कई प्रतिभागियों ने वर्चुअल फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिसका उद्देश्य "भारत में फूलों, फलों और सब्जियों की विविधता" "भारतीय पुष्प, फलस शाकविविधता" के विषय के साथ-साथ भाग लेने वाले संस्थानों के उद्यान और हरी गतिविधियों का जश्न मनाना था। दिल्ली के जैव विविधता पार्कों से जुड़ी वनस्पतियों और जीवों की विविधता को प्रदर्शित करने वाले आभासी प्रदर्शन, पिछले पुष्पोत्सव के अभिलेखीय फुटेज और उत्तर-पूर्व भारत में प्रकृति www.universitygardens.du.ac.in पर उपलब्ध थे। पुष्पोत्सव में डहलिया, बटरकप, गार्डन नास्टर्टियम, फॉक्सग्लोव, आईरिस, फर्न, बोन्साई, कैक्ट और रसीले पौधों सहित फूल वाले पौधे थे।

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

खानपान व्यवस्था: उक्त अवधि के दौरान चयन समिति/अकादमिक परिषद/कार्यकारी परिषद/न्यायालय की बैठक/दीक्षांत समारोह/शैक्षणिक और कार्यकारी परिषद चुनाव/ पुष्पोत्सव /वित्त समिति और अन्य सभी विश्वविद्यालय आधिकारिक बैठकों के लिए भोजन सेवाओं के लिए प्राप्त एक सौ 75 बुकिंग अनुरोधों को विशेष खानपान व्यवस्था प्रदान की गई थी।

कमरे आवास: अवधि के दौरान 58 अतिथि कमरे आवास और मेस के लिए दिए गए। सभी मेहमानों को प्रदान की सेवाओं और अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह के कर्मचारियों के व्यवहार से संतुष्ट हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी: अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह ने कोविड -19 महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यालय आदेशों का पालन किया। अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह विश्वविद्यालय कार्यालय आदेश F.No के संदर्भ में 19.03.2020 से बंद है। एस्टाब.॥ (i) /330/COVID-19/M/2020 के अनुसरण में 19.03.2020 से 19.07.2020 बंद है। अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह 20.07.2020 से 05.10.2020 तक केवल सामान्य सफाई उद्देश्यों के लिए खोला गया, जिसमें गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों में प्रस्तावित सभी सावधानियों का कड़ाई से पालन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय अतिथि-गृह ने विश्वविद्यालय के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश संख्या Estab.॥ (i) /GH/IGH/2020/750 के अनुसरण में कोविड के समय-समय पर निर्देशों का पालन करने हेतु 06.10.2020 के संचालन शुरू किया।

नई प्रबंध समिति का गठन विश्वविद्यालय सक्षम प्राधिकारी द्वारा 17.03.2021 से किया गया है: -

1. प्रो संजय कुमार चमोली	अध्यक्ष
2. प्रो नीरा अग्निमित्र	सदस्य
3. प्रो आर.के. नेगी	सदस्य
4. प्रो.एम.के. सिंह	सदस्य
5. श्री शरद कुमार संत	सदस्य
6. श्री प्रदीप कुमार	सदस्य सचिव

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विश्वविद्यालय के 46 कॉलेजों में सीनियर विंग और सीनियर डिवीजन में प्रवेश के लिए अधिकांश महाविद्यालय एनसीसी इकाइयों द्वारा नामांकन के लिए हाइब्रिड मोड अपनाया गया था। विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, शौर्य दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस जैसी विभिन्न विश्वविद्यालय स्तरीय गतिविधियों में एनसीसी कैडेटों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने कोविड-19 जागरूकता अभियान, मुखौटा वितरण, खाद्य वितरण, टीकों के लिए आरोग्य सेतु ऐप जागरूकता, वैक्सीन मिथकों आदि के लिए हाइब्रिड मोड में भाग लिया।

एनसीसी निदेशालय दिल्ली द्वारा हाइब्रिड मोड के माध्यम से आयोजित स्वस्थ भारत अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, वृक्षारोपण, एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम रैली, पीएम रैली, अमर जवान ज्योति आदि में एनसीसी कैडेटों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने कैडेटों के साथ-साथ अपने मित्रों के बीच जागरूकता के लिए चिंता के मुद्दों पर वेबिनार का आयोजन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

एनएसएस केंद्र के तत्वावधान में सत्र 2020-2021 में एनएसएस इकाइयों के स्वयंसेवकों द्वारा ऑनलाइन गतिविधियों का आयोजन किया गया।

प्रमुख गतिविधियां**कोविड 19 रोकथाम अप्रैल 2020 के बाद**

एनएसएस स्वयंसेवकों ने कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। सोशल डिस्टेंसिंग, फेस मास्क के इस्तेमाल और बार-बार हैंड वॉश को आम जनता के बीच प्रमोट किया गया। कोविड 19 से संबंधित मिथकों को तोड़ने के लिए वेबिनार और ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 'बदलो व्यावहार' अभियान का विषय था। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 'आपदा मित्र' का प्रदर्शन कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा कोविड-19 आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी किया गया। आईईसी सामग्री कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में जनता के बीच वितरित की गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून 2020

दिल्ली विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा घर में योग और परिवार के साथ योग विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विभिन्न कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए योग का प्रदर्शन किया। एनएसएस इकाइयों द्वारा कार्यशाला, वेबिनार, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, ऑनलाइन योग आसन प्रतियोगिता आदि द्वारा योग पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं।

स्वस्थ भारत कार्यक्रम: 15 अगस्त से 4 सितंबर 2020

फिटनेस @Home, फिटनेस विद फैमिली थीम पर स्वस्थ भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वॉकिंग, रनिंग और साइक्लिंग मुख्य आकर्षण रहा। एनएसएस स्वयंसेवकों में जागरूकता फैलाने के लिए ऑनलाइन ई-पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

एनएसएस दिवस का आयोजन: 24 सितंबर

24 सितंबर को एनएसएस दिवस मनाया गया। एनएसएस केंद्र ने यह दिन हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को समर्पित किया है। हर महाविद्यालय को गांधीवादी मूल्य और एनएसएस विषय पर बोलने और प्रस्तुति देने का अवसर मिला। कार्यक्रम समन्वयक एनएसएस ने प्रतिभागियों से चर्चा की और वक्ताओं की प्रशंसा की।

राजस्थानी एकता दिवस: 31 अक्टूबर 2020

सरदार वल्लभ पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर 2020 को एनएसएस इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। उत्सव के हिस्से के रूप में एनएसएस इकाइयों ने राष्ट्रीय एकता पर प्रतिज्ञा और एकता विषय पर व्याख्यान जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020

एनएसएस इकाइयों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया, जिसमें वर्चुअल माध्यम से हिंदी व अंग्रेजी में नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सप्ताह का विषय सतर्क भारत, समृद्ध भारत था।

संविधान दिवस का आयोजन: 26 नवंबर 2020

26 नवंबर 2020 को संविधान दिवस मनाया गया। ऑनलाइन माध्यम से मौलिक कर्तव्यों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संविधान के मूल विषय अर्थात् संविधान की प्रस्तावना को समझना संविधान दिवस मनाने के लिए आयोजित विभिन्न संबद्ध कार्यक्रमों पर केंद्रित क्षेत्र था।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर: 1 जनवरी से 31 जनवरी 2021

अंतर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास, 5 न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित आरडी परेड शिविर में शहीद भगत सिंह महाविद्यालय से एनएसएस स्वयंसेवी सुश्री शाशी गंगवार गणतंत्र दिवस परेड 2021 में एनएसएस दल का हिस्सा रहीं।

राष्ट्रीय युवा दिवस 2020

संसद के सेंट्रल हॉल में 12 जनवरी 2021 को वर्चुअल मोड में राष्ट्रीय युवा दिवस 2020 मनाया गया। युवा दिवस का विषय युवा था। कार्यक्रम लोकसभा टीवी पर और एनआईसी वेबकास्ट के माध्यम से लाइव आयोजित किया गया था। एनएसएस स्वयंसेवियों ने लाइव स्ट्रीमिंग विधा के माध्यम से भाग लिया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती

भारत के महान देशभक्त और हमारे स्वतंत्रता संग्राम के प्रतिष्ठित नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर उन्हें याद करना और उनके मूल्यों और सिद्धांतों के नारे को बढ़ावा देना; प्रकाशम पर्व विषय पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2020

वर्तमान परिदृश्य में स्वास्थ्य और स्वच्छता, वकालत भूमिकाओं और महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

एनसीवेब की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम 1943 के तहत सितंबर 1944 में हुई थी। बोर्ड छात्राओं को नॉन कॉलेजिएट टीचिंग फॉर्मेट का इस्तेमाल कर विश्वविद्यालय की डिग्री के साथ ग्रेजुएट होने की सुविधा देता है। एनसीडब्ल्यूईबी महिला छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अकादमिक विकल्प के रूप में उभरा है। बोर्ड ने

तीन छात्रों के साथ शुरुआत की थी और वर्तमान में यह लगभग 32,000 छात्रों की जरूरत को पूरा कर रहा है। डीयू के 26 एनसीवीईबी शिक्षण केंद्रों में यूजी कोर्स पढ़ाए जा रहे हैं। ये केंद्र दिल्ली क्षेत्र के भीतर हैं, जो छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करते हैं। यूजी सेंट्रों के अलावा एक पीजी सेंटर ट्यूटोरियल भवन, कला संकाय में स्थित है। बीए (भाग-1, द्वितीय और तृतीय) में 20712 विद्यार्थी, बी कॉम में 10608 (भाग-1, द्वितीय व तृतीय) और पीजी कोर्स (भाग-1 व द्वितीय) में 889 विद्यार्थी हैं। यूजी केंद्रों पर अध्यापन के लिए लगभग 1378 अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति की गई थी। पीजी छात्रों के लिए विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार 40 एसोसिएट प्रोफेसर/सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई थी।

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्रवेश प्रक्रिया 2020-21 के दौरान पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई। ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकरण के साथ-साथ प्रवेश फॉर्म भरा गया। एनसीवेब छात्रों के लिए पहली बार अलग से शिकायत निवारण तंत्र शुरू किया गया था। भारत सरकार के निर्देश के अनुसार ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू होने के कारण सीटों में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। उम्मीदवारों के अंकों और अन्य विवरणों के ऑनलाइन सत्यापन के लिए सीबीएसई के साथ एकीकरण सफलतापूर्वक हासिल किया गया था।

एनसीवेब अतिथि संकाय के लिए सात दिवसीय ऑनलाइन उन्मुखीकरण कार्यक्रम 19 जनवरी 2021-27 जनवरी 2021 के बीच आयोजित किया गया था।

सुविधायें

कोविड -19 एनसीवीईबी के कारण विभिन्न एनसीवीईबी केंद्रों पर छात्रों को अतिथि संकायों द्वारा दिए गए ई-संसाधन लिंक और अध्ययन सामग्री की सॉफ्ट कॉपी प्रदान की गई।

इस वर्ष 2020-21 के दौरान 657 जरूरतमंद और योग्य छात्रों को 3000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

एनसीवीईबी ने 05 छात्रों को शांति तथा विद्या फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय एसवीएफ तेजस्विनी फेलोशिप भी प्रदान की।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कोविड 19 - एनसीडब्ल्यूईबी में शिक्षण और सीखना

एनसीडब्ल्यूईबी गेस्ट फैकल्टी के लिए ऑनलाइन क्लास लेने के लिए बनाई गई संस्थागत ई-मेल आईडी।

लॉकडाउन अवधि के दौरान, एनसीडब्ल्यूईबी ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए गूगल मंच का उपयोग करते हुए छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

ऑनलाइन अकादमिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन विभिन्न प्रविष्टियों जैसे कविता पाठ, निबंध लेखन और एनसीडब्ल्यूईबी छात्रों के लिए कई और गतिविधियों द्वारा किया गया था।

एनसीवेब ने 8 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "महिलाओं के रूप में राष्ट्र निर्माता" नामक स्व-रचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया।

10 मार्च, 2021 को यूजी/पीजी छात्रों के लिए एनसीडब्ल्यूईबी द्वारा आयोजित महिलाओं और बच्चों के मानवाधिकारों की रक्षा शीर्षक से ऑनलाइन "मानवाधिकार कार्यशाला"।

एनसीवेब ने 13 अप्रैल, 2021 से वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 160 एनसीवेब छात्रों के लिए हिंदी और अंग्रेजी में 07 दिवसीय "सृजनात्मक लेखन कार्यशाला" का आयोजन किया।

एनसीवेब केंद्रों ने 21 जून 2021 को 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया।

लक्ष्मी बाई महाविद्यालय शिक्षण केंद्र द्वारा एनसीवीईबी के छात्रों को कोविड-19 टीकाकरण की सुविधा प्रदान की गई।

एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है और अपने छात्रों के समग्र विकास की दिशा में प्रतिबद्ध है।

एनसीवेब के शिक्षण केंद्र

अदिति महाविद्यालय

आर्यभट्ट महाविद्यालय

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय

भारती महाविद्यालय

व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय

डॉ.भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय

हंसराज महाविद्यालय

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

जीसस एंड मैरी महाविद्यालय

कालिंदी महाविद्यालय

केशव महाविद्यालय

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय

मैत्रेयी महाविद्यालय

माता सुंदरी महाविद्यालय

मिरांडा हाउस

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

पीजीडीएवी महाविद्यालय

राजधानी महाविद्यालय

रामानुजन महाविद्यालय

सत्यवती महाविद्यालय

श्री अरबिंदो महाविद्यालय

वाणिज्य के एसजीजीएससी

एसपीएम महाविद्यालय

विवेकानंद महाविद्यालय

पीजी टीचिंग सेंटर

विद्यार्थी कल्याण कार्यालय

प्रवेश प्रक्रिया 2020-21 की मुख्य विशेषताएं (यूजी और पीजी पाठ्यक्रम)

विश्वविद्यालय के 67 कॉलेजों और विभागों में 237 मेरिट आधारित और 07 प्रवेश आधारित पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर प्रवेश 12 अक्टूबर 2020 को शुरू हुए और 31 दिसंबर 2020 को बंद हो गए। सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले संपर्क रहित थे, इसलिए किसी आवेदक को विश्वविद्यालय नहीं आना पड़ा।

74 पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर प्रवेश 18 नवंबर 2020 को शुरू हुए और 31 दिसंबर 2020 को बंद हो गए। सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले संपर्क-कम थे जिससे किसी आवेदक को विश्वविद्यालय में नहीं आना पड़ा।

सभी पाठ्यक्रमों के लिए केंद्रीकृत प्रवेश किए गए थे। इससे विभिन्न कॉलेजों और पाठ्यक्रमों में कटऑफ (यूजी पाठ्यक्रमों के लिए)/प्रवेश सूचियों (पीजी पाठ्यक्रमों के लिए) के मामले में आवेदकों को समयबद्ध तरीके से मदद मिली।

यूजी दाखिले के लिए सभी कॉलेजों के लिए एक-एक पंजीकरण फॉर्म था। कॉलेजों में आवेदन करने के लिए आवेदकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया गया।

प्रवेश प्रक्रिया में हेल्प डेस्क के रूप में 18 स्वयंसेवकों का एक समूह शामिल था। इन स्वयंसेवकों ने सभी प्रश्नों का प्रत्युत्तर दिया और अपने समर्पित मोबाइल और ईमेल के माध्यम से चौबीसों घंटे उम्मीदवारों को सहायता प्रदान की। दाखिले शुरू होने से लेकर अंत तक हेल्पडेस्क सक्रिय रहा।

शाखा द्वारा छह वेबिनारों का आयोजन किया गया था, जिससे आवेदकों को फॉर्म भरने, प्रमाणशोध व अन्य दस्तावेज अपलोड करने, आरक्षण नीतियों, उनके रिकॉर्ड को अपडेट करने व दाखिले से संबंधित अन्य पहलुओं सहित दाखिले की पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। आवेदकों को फॉर्म भरने में मदद करने के लिए वीडियो भी बनाए गए।

विभागीय/ महाविद्यालय नोडल अधिकारियों और हेल्प डेस्क की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइटों और संबंधित विभाग/ महाविद्यालय वेबसाइटों पर प्रदर्शित की गई थी।

छात्रों की किसी भी शिकायत को निपटाने के लिए अलग से शिकायत समिति का भी गठन किया गया। शिकायत समिति ने शाखा के साथ मिलकर मामलों को समयबद्ध तरीके से हल करने का काम किया। शिकायतों का निराकरण भी पूरी तरह ऑनलाइन रहा।

CW/ECA/खेल श्रेणियों के तहत प्रवेश पूरी तरह से ऑनलाइन किया गया।

यूजी और पीजी दाखिले के बारे में विवरण इस प्रकार हैं:

यूजी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या: 3,35,434 थी

यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की संख्या (योग्यता, प्रवेश, एनसीडब्ल्यूबी, खेल, ईसीए सहित लेकिन एसओएल को छोड़कर): 85,163

पीजी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या: 146994 थी

पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिले की संख्या (एनसीडब्ल्यूबी सहित लेकिन एसओएल को छोड़कर): 10796 थी

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या: 21699 थी

एम.फिल./पीएच.डी. के लिए प्रवेश अकादमिक वर्ष 2020 के लिए प्रक्रिया में है-21

संक्षेप में, प्रवेश शाखा का आदर्श वाक्य संपर्क रहित, कागज विहीन और ऑनलाइन प्रवेश था।

चुनौतियों और अवसरों को इस अर्थ में सहसंबद्ध कहा जाता है कि प्रत्येक चुनौती नए अवसर उत्पन्न करती है और विश्वविद्यालय में डीएसडब्ल्यू कार्यालय वास्तव में इस सदियों पुरानी बुद्धिमत्ता को साकार करने में व्यावहारिक रहा है। जबकि दुनिया घातक महामारी के खतरों का सामना करना पड़ रहा है, कोविड 19 के

अशांत अवधि में डीएसडब्ल्यू कार्यालय में हमारे प्रयासों को प्रेरित और छात्रों को प्रेरित करने के लिए नए रचनात्मक और अभिनव तरीके के बारे में सोच-विचार किया है। नतीजतन, हम स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर ऑनलाइन प्रवेश, ऑनलाइन परामर्श, प्रेरक सत्र के लिए छात्रों के रूप में के रूप में अच्छी तरह से संकाय की आत्माओं कायाकल्प करने की दिशा में प्रयासरत है। डीएसडब्ल्यू कार्यालय में, हम लगातार छात्रों के कौशल घटक को बढ़ाने, उन्हें इंटरनशिप के अवसर प्रदान करने और बाजार के नेताओं द्वारा उनकी भर्ती सुनिश्चित करने के जनादेश को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि डीएसडब्ल्यू कार्यालय निम्नलिखित चार महत्वपूर्ण खंडों को अपने दायरे में शामिल करता है:

प्रवेश

शिकायत निवारण

नियोजन और इंटरनशिप (फैसिलिटेटर)

सांस्कृतिक परामर्श

प्रवेश: डीएसडब्ल्यू कार्यालय प्रवेश प्रक्रिया की बारीकियों के साथ छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए ओपन डेज सत्र आयोजित करके हर वर्ष परामर्श गतिविधियों का आयोजन करता है। इसी प्रकार, यह इच्छुक उम्मीदवारों को गलत/अपर्याप्त जानकारी के प्रसार से अवांछनीय तत्वों को समाप्त करने के लिए दिल्ली भर में विभिन्न केंद्रों पर हेल्प डेस्क स्थापित करता है। प्रवेश की पूरी अवधि के दौरान हेल्पडेस्क कार्य करता रहता है। शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में चिंताओं को दूर करने और इच्छुक अभ्यर्थियों की शंकाओं को दूर करने के लिए कई ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र और खुले दिन आयोजित किए गए।

शिकायत निवारण: डीएसडब्ल्यू कार्यालय उन सभी मुद्दों को हल करना सुनिश्चित करता है जो विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी संभवतः सामना कर सकते हैं। इस प्रयास और प्रतिबद्धता के लिए समय-समय पर तौर-तरीकों और रणनीतियों को सामने लाया गया और इस पर जोर दिया गया। प्रासंगिक यह जमा करना है कि डीएसडब्ल्यू कार्यालय लगातार यूजीसी पोर्टल के साथ सहयोग करता है और छात्रों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का त्वरित उत्तर देता है।

नियोजन और इंटरनशिप अवसर: यह वास्तव में, एक स्थापित तथ्य यह है कि शिक्षा की दुनिया असीम विचारों और संभावित आविष्कारों और नवाचारों के केंद्र को दर्शाती है, हालांकि, अनुसंधान प्रयोगशाला से बाजार तक का रास्ता अक्सर अविश्वसनीय रूप से विस्तारित, अपरिभाषित और अस्पष्ट होता है। इस प्रतिस्पर्धी वैश्विक युग में, अक्सर यह देखा जाता है कि संसाधनों को परिणाम के रूप में एक भी तरीके से वितरित नहीं किया जाता है, यह किसी भी पूर्व निर्धारित या निर्दिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता का दोहन करने के लिए एक दुरुह अभ्यास बन जाता है। उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए विश्वविद्यालय ने संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में 2008 में केंद्रीय नियोजन सेल की स्थापना की है। सीपीसी का मुख्य प्रयास प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सरकारी संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्रों में छात्रों को रखा जाना है।

केंद्रीय नियोजन सेल ने अपनी स्थापना के तेरहवें वर्ष में है। अतीत में सीपीसी के साथ पंजीकृत सभी पिछले बैचों को उद्योग-विद्यार्थी बातचीत से विधिवत लाभ हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के कारपोरेट घरानों ने हमारे प्रयास में भाग लिया है और इन वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों के बड़ी संख्या में छात्रों की भर्ती की है। सीपीसी ने स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के छात्रों के साथ पीएच.डी./स्नातकोत्तर/स्नातक छात्रों को शामिल करने के लिए डेटा बेस बढ़ाया है। यह पूल सभी विश्वविद्यालय

कॉलेजों और स्नातकोत्तर विभागों तक फैली हुई है। सीपीसी निश्चित रूप से एक ही मंच पर उपलब्ध छात्रों की संख्या और गुणवत्ता के मामले में एक व्यापक विकल्प सुनिश्चित करता है।

सीपीसी का दृष्टिकोण विज्ञान (भौतिक, जीवन और अनुप्रयोग विज्ञान), गणितीय विज्ञान वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों और शोध विद्वानों को अवसरों का सातत्य प्रदान करना है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। केंद्रीय नियोजन सेल छात्रों को उपयुक्त नियोजन प्रदान करने और उनकी योग्यता बढ़ाने में मदद करने के अपने प्रयास में सभी कॉर्पोरेट घरानों और गैर सरकारी संगठनों का सहयोग चाहता है। विश्वविद्यालय दिव्यांग छात्रों की भर्ती को प्रोत्साहित करने के अपने प्रयास में कॉर्पोरेट्स की भी सराहना करता है। सीपीसी प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को इंटरनशिप कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके अवसर प्रदान करता है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में नियोजन सेल ने छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को फिर से जीवंत और आराम देने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से भर्तियों, तनाव प्रबंधन पर मेगा सत्र, परामर्श और ध्यान सत्रों का आयोजन किया।

सांस्कृतिक परामर्श:-सांस्कृतिक परिषद डीएसडब्ल्यू कार्यालय का एक महत्वपूर्ण विंग है और इसका प्राथमिक कार्य पैन भारतीय समुदाय की संस्कृति को समझने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर युवा इच्छुक और प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित और बढ़ावा देना है। इस प्रयास की दिशा में डीएसडब्ल्यू कार्यालय के तत्वावधान में सांस्कृतिक परिषद समावेशन को बढ़ावा देने की व्यापक चिंता के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

इसके साथ ही डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने विद्यार्थी समुदाय के हित को ध्यान में रखते हुए 2020 - 2021 में कई नए कार्यक्रम शुरू किए और समन्वित किए हैं। 30 अप्रैल 2021 तक आयोजित किए गए कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रम हैं:

एक भारत श्रेष्ठ भारत: शैक्षणिक सत्र 2020-2021 संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण कार्यालय में ईबीएसबी कार्यक्रम के समन्वय के लिए नोडल केंद्र के रूप में सौंपा गया था और इसलिए यह युग्मित सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ विभिन्न गतिविधियों के संचालन और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। महाविद्यालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय दोनों के साथ समन्वय किया गया। उपर्युक्त अकादमिक सत्र में, एमएचआरडी से निर्देश प्राप्त करने के बाद कार्यक्रमों के संचालन के तौर-तरीकों में थोड़ा बदलाव किया गया था, हालांकि डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने उन कॉलेजों में कुछ ईबीएसबी क्लब खोलना सुनिश्चित किया जहां युग्मित राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए थे।

छात्रों के समय का रचनात्मक तरीके से उपयोग करने के लिए डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने कौशल ब्रिजिंग और कौशल उन्नयन के लिए टेलीरंग के साथ साप्ताहिक वेबिनार का आयोजन किया। यह आयोजन यूजी और पीजी दोनों छात्रों के लिए खुला था और विश्वविद्यालय के लगभग 800 छात्रों ने इन वेबिनारों में भाग लिया जहां भविष्य के जनरल जेड और जॉब्स, व्यापार आचरण, आंकड़ा विश्लेषण का परिचय, मामला अध्ययन और रिज्यूम और इंटरव्यू टिप्स और ट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मई, 2020 के महीने में सीपीसी के माध्यम से डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने एचसीएल, टिकटोक, मेक माई ट्रिप, अनकेडेमी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में दिल्ली विश्वविद्यालय में यूजी और पीजी छात्रों को 12,000+ से अधिक वर्चुअल/ऑनलाइन इंटरनशिप के अवसर प्रदान करने के लिए 'चलो इंडिया, चलो घर से काम करते हैं' एक पहल के लिए 'इंटरनशाला' के साथ सहयोग किया। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि इन इंटरनशिप में कोई पंजीकरण शुल्क नहीं था, और यह पूरी तरह से ऑनलाइन था (घर से काम)। इसने इंटरन और इस फ्लैगशिप कार्यक्रम के लिए पंजीकृत लगभग 4600 छात्रों के लिए वजीफे का भी प्रावधान था।

संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण कार्यालय ने राष्ट्रीय कौशल विकास (एनएसडीसी) के साथ साझेदारी में विश्वविद्यालय में यूजी और पीजी छात्रों के लिए ' वर्क फ्रॉम होम मॉडल ' इंटरनशिप के अवसर शुरू किए। इस इंटरनशिप ऑफर में लगभग 650 छात्रों ने पंजीकरण किया।

28 मई 2020 को, संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण ऑफिस, दिल्ली विश्वविद्यालय ने "कोविड-19 समय में छात्रों के लिए लचीलापन और आत्म-देखभाल की खोज" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में मिरांडा हाउस की प्राचार्य (कार्यवाहक) डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा, पूर्व, पुलिस महानिदेशक सुश्री सुतापा सान्याल और करियर स्टडीज के संस्थापक निदेशक संस्थान डॉ. अमृता दास थीं। इस वेबिनार की अध्यक्षता संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो राजीव गुप्ता ने की और डॉ. हेना सिंह और डॉ. सोमोद्रो सिंह, डिप्टी संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण ने किया।

अगले दिन अर्थात् 29 मई 2020 को संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण ऑफिस ने VACT सॉल्यूशंस के सहयोग से "डिजाइन थिंकिंग-क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन फॉर एक्सीलेंस" पर तीन घंटे के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग वर्कशॉप की पेशकश की। यह कार्यशाला छात्रों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए निशुल्क थी और सभी प्रतिभागियों को भागीदारी का प्रमाण शोध भी दिया गया। प्रतिक्रिया बहुत उत्साहित थी और लगभग 1100 छात्रों और संकाय सदस्यों ने इस कार्यशाला में पंजीकरण कराया और भाग लिया।

जून 2020 के महीने में डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने इंटरनशाला के साथ एक और सहयोग की घोषणा की जिसके तहत विश्वविद्यालय के छात्रों को होम इंटरनशिप के अवसरों से 6000 + काम प्रदान किए गए थे। इसमें कोई पंजीकरण शुल्क नहीं था और सभी इंटरनशिप 10 से लेकर 30000 रुपये/महीने तक के वजीफे ले जाते थे। सभी मिलकर 3500 विद्यार्थी इन अवसरों के लाभार्थी रहे हैं।

डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने 16 जून को " कोविड -19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस सत्र के लिए वक्ताओं में अमेरिका के ओकलाहोमा के वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अनिल सिंघल और अमेरिका के ओकलाहोमा के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अचल सिंघल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो राजीव गुप्ता ने की और उप-संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी कल्याण-डॉ. हेना सिंह और डॉ. सोमोद्रो सिंह ने समन्वय स्थापित किया। इस वेबिनार को प्रतिभागियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने 13 जुलाई को विद्यार्थी-छात्राओं और ऑनलाइन शिक्षा के शैक्षणिक के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण के संचालन के तौर-तरीकों पर तलेरंग कैरियर प्रशिक्षण और विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के अधिकारियों के बीच ऑनलाइन करियर काउंसलिंग/मानसिक परामर्श और प्रेरक सत्र आयोजित करके एक और मील का पत्थर तक पहुंच गया।

संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण ऑफिस ने 31 जुलाई 2020 को शिक्षा में बदलते प्रतिमानों पर एक वेबिनार का आयोजन किया: कोविड 19 लंबे समय तक चलने वाले या मौसमी का प्रभाव? इस वेबिनार में स्टार स्पीकर्स की आकाशगंगा थी। मुख्य भाषण श्री शक्ति सिन्हा, डीएसपी पीएंडजी, दिल्ली विश्वविद्यालय होनी ने दिया। अध्यक्षता संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो राजीव गुप्ता ने की और डॉ. हेमना सिंह और उप-डीन्स विद्यार्थी कल्याण डॉ. सोमोद्रो एस सिंह ने किया। वेबिनार को भारी सफलता मिली और इसमें 220 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस ऑनलाइन वेबिनार में ज्वाला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष डॉ. द्वारिका प्रसाद उनियाल, हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एलएमसाई के इंडिया कंपनी निदेशक डॉ. संजय कुमार और यशस्वी पैनलिस्ट के रूप में एमडी और सीईओ प्रतिभाशाली लिमिटेड के श्री आदित्य मल्लिक थे।

अगस्त के तीसरे सप्ताह में टारंग के सहयोग से डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने आदित्य बिड़ला के साथ मिलकर भारत के भविष्य पर वर्चुअल ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित कीं।

डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने सितंबर 2020 के महीने में 'भविष्य की पुनर्कल्पना और मानदंडों को चुनौती देने' पर एक वेबिनार में भाग लिया।

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, डीएसडब्ल्यू कार्यालय समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है और तदनुसार छात्रों को प्रेरित रखने और सकारात्मक दिशा में अपनी ऊर्जा को चैनलाइज करने के लिए विभिन्न कल्याणकारी केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया। इसने विश्वविद्यालय में छात्रों के साथ प्रतिष्ठित कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के ऑनलाइन अंतःसंवाद सत्रों का आयोजन किया ताकि उन्हें सक्रिय और प्रेरित किया जा सके।

डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने वैक्ट सॉल्यूशंस द्वारा आयोजित डिजाइन थिंकिंग पर 3 घंटे के लिए एक मुफ्त ऑनलाइन कार्यशाला का भी आयोजन किया। कार्यशाला में छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और कुल मिलाकर 750 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। सत्र में संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण के प्रो राजीव गुप्ता की उपस्थिति में मुख्य वक्ता के रूप में और उप- संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण डॉ. हेना सिंह ने समन्वय स्थापित किया।

आजादी का अमृत महोत्सव - गांधी भवन के सहयोग से संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण ऑफिस ने 12 मार्च 2021 को गांधी भवन में भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एक उद्घाटन संगोष्ठी और चरखा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी ने शालीनता से मुख्य अतिथि के रूप में सहमति दी है। इस अवसर पर कॉलेजों के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर बलराम पाणी, दक्षिण कैंपस की निदेशक प्रोफेसर सुमन कुंडू, प्राध्यापिका प्रोफेसर नीता सहगल, प्रोफेसर राजीव गुप्ता, संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण, गांधी भवन के निदेशक प्रोफेसर रमेश भारद्वाज और दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रमुख प्रोफेसर सीमा बावा मौजूद थे। महात्मा गांधी के नेतृत्व में दांडी मार्च के 91 वर्षों को यादगार बनाने के साथ-साथ इस संगोष्ठी में औपनिवेशिक शक्तियों के विरुद्ध भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रवादी नेताओं द्वारा किए गए बलिदानों और योगदानों को समझने की जरूरत पर ध्यान केंद्रित किया गया। वक्ताओं ने अकादमिक समुदाय से आग्रह किया कि वे हमारे अतीत में बिखरे हुए और लिपटे अनूठी कहानियों का पता लगाएं और अनावरण करें। इस कार्यक्रम में अकादमिक समुदाय की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया देखी गई और बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने 'चरखा-कार्यशाला' में भाग लिया जो कौशल को बढ़ाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के मार्ग की ओर बढ़ने का एक तरीका है। 'चरखा- कार्यशाला' का आयोजन करने से हमें यह सोचने और जश्न मनाने की प्रेरणा भी मिलती है कि कैसे इसके धागे के धागों ने पूरे राष्ट्र को एकजुट किया और समुदायों को बारीकी से बांधा।

शहीद दिवस - भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के राष्ट्रीय प्रतीकों की शहादत के 90 वर्ष पूरे होने पर - शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु, संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण के कार्यालय ने 23 मार्च 2021 को वाइसरेगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में "शहीद दिवस" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर को राष्ट्रीय प्रतीकों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने और उन्हें महत्व देने और उनके जीवन और समय से प्रेरणा का पाठ चलाने के लिए चिह्नित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ने वर्चुअल मंच के माध्यम से अपना मुख्य भाषण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर पी.सी. जोशी ने की और इस समारोह विश्वविद्यालय में प्राचार्यों, अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के साथ कुलसचिव प्रोफेसर बलराम पाणी, संकायाध्यक्ष महाविद्यालय, प्रोफेसर सुमन कुंडू, विद्यार्थी कल्याण के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजीव गुप्ता, कुलसचिव की गौरवमयी उपस्थिति में थी। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करके शुरू हुई और संगीत संकाय के विद्यार्थी-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत गाए गए। संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण प्रो राजीव गुप्ता ने अगस्त में आयोजित सभा का स्वागत करते हुए इस तरह के आयोजनों को मनाने की जरूरत पर प्रकाश डाला ताकि आज हम अपने पूर्वजों द्वारा दी जाने वाली स्वतंत्रता के लिए अपने पूर्वजों द्वारा दी जाने वाली कीमत की याद दिला सकें। उन्होंने आगे कहा कि इसके मूल्य को समझकर ही हम लोगों के बीच आजादी की लौ को प्रज्वलित रख सकते हैं। माननीय शिक्षा मंत्री ने अपने आभासी मुख्य भाषण में आज के युवाओं में प्रेरणा और गौरव पैदा करने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया और स्वतंत्र भारत को

मूर्त रूप देने में हमारे राष्ट्रीय नायकों द्वारा उदाहरण दिए गए मूल्यों को भी समाहित किया। माननीय कुलपति ने सत्र की अध्यक्षता करते हुए छात्रों के साथ-साथ अकादमिक समुदाय के लिए भगत सिंह स्मारक के उद्घाटन और पहुंच की घोषणा की। इतिहास की प्रासंगिकता को दर्शाते हुए कुलपति ने इन शहीदों द्वारा दी गई स्वतंत्रता और बलिदानों के मूल्यों को आत्मसात करने, जागृत करने और समझने के उद्देश्य से अतीत पर फिर से विचार करने की आवश्यकता दोहराई। माननीय कुलपति ने यह भी घोषणा की कि भगत सिंह स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों पर पुस्तकों के मौजूदा संग्रह को "शहीद स्मृति पुस्तकालय" में परिवर्तित किया जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने चार श्रेणियों अर्थात् कविता, गीत, स्लोगन और निबंध लेखन में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। पुरस्कार विजेता विद्यार्थी-छात्राओं को कुलपति व अन्य अतिथियों ने मंच पर सम्मानित किया और अगस्त में होने वाली सभा के सामने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर भी दिया। औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव का विस्तार प्रोफेसर सुमन कुंडू ने किया, जिन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ भगत सिंह स्मारक और शहीद स्मृति पुस्तकालय खोलने के लिए अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी। दोनों कार्यक्रमों का लाइव वेबकास्ट विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया।

विश्वविद्यालय अतिथि-गृह

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विश्वविद्यालय अतिथि-गृह आवास और भोजन प्रदान करने के माध्यम से प्रमुख अकादमिक बैठकों की जरूरतों को पूरा करता है। यह भी विश्वविद्यालय की बैठकों के लिए एक स्थल के रूप में कार्य करता है। अतिथि-गृह द्वारा कई परीक्षकों और आने-जाने वाले वैज्ञानिकों को नियमित रूप से आतिथ्य प्रदान किया जाता है।

सुविधायें

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में मुख्य भवन में 33 कमरे और अटैच बाथरूम के साथ 6 बंबू कॉटेज रूम हैं। एक कमरे में दो लोग रह सकते हैं। इसमें रूम गेस्ट को फ्री इंटरनेट और वाई-फाई की सुविधा दी गई है। अतिथि-गृह में 35-40 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता के साथ एक स्वच्छ और विशाल डाइनिंग हॉल के साथ सुरक्षित, स्वस्थ, स्वच्छ और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करने के लिए एक रसोईघर है।

अतिथि-गृह में 70-80 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता वाले बैठकों, मिल-मिल के लिए माइक और प्रोजेक्टर की सुविधा के साथ एक लाउंज है। इसमें लगभग 10-12 व्यक्तियों की बैठकों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक छोटा सा समिति कक्ष भी है।

विश्व विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केंद्र

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

डब्ल्यू.यू. स्वास्थ्य केंद्र 19 मार्च 1955 को अस्तित्व में आया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों के लिए व्यापक तरीके से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है। बड़ी संख्या में पैनल वाले अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों के माध्यम से कई विशिष्टताओं में प्राथमिक और विशेष उपचार प्रदान किया जाता है।

डब्ल्यू.यू. स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी कैंपस) लगभग 1,62,766 लाभार्थियों अर्थात् नियमित, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों, निवासी और अनिवासी छात्रों और तदर्थ कर्मचारियों (शिक्षण) को पूरा करता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कुल ओपीडी उपस्थिति 57,946 और कुल नैदानिक सेवाएं (फिजियोथेरेपी, पैथोलॉजी लैब, नर्सिंग और ड्रेसिंग) 27,830 थीं। 2020-2021 के दौरान लगभग 193 रोगियों ने प्रतिदिन ओपीडी में परामर्श की मांग की। ये संख्या बढ़ रही है।

डब्ल्यूएस स्वास्थ्य केंद्र (दक्षिण कैपस) लगभग 16,186 लाभार्थियों को पूरा करता है। लगभग 33 रोगियों को प्रति सप्ताह छह दिनों के लिए डब्ल्यूएस स्वास्थ्य केंद्र (दक्षिण कैपस) ओपीडी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (पूर्वी दिल्ली) लगभग 5,132 लाभार्थियों को पूरा करता है। लगभग 06 रोगियों को प्रति सप्ताह पांच दिनों के लिए डब्ल्यूएस स्वास्थ्य केंद्र (पूर्वी दिल्ली) ओपीडी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

डब्ल्यू.एस. स्वास्थ्य केंद्र (पश्चिमी दिल्ली) लगभग 5,600 लाभार्थियों को पूरा करता है। लगभग 13 रोगियों को प्रति सप्ताह पांच दिनों के लिए डब्ल्यूएस स्वास्थ्य केंद्र (पश्चिमी दिल्ली) ओपीडी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2021 के लिए विभिन्न डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्रों की कुल ओपीडी उपस्थिति इस प्रकार है-

उत्तरी कैपस 57,946

दक्षिण कैपस 11,075

पूर्वी दिल्ली 1881

पश्चिमी दिल्ली 3939

वित्त वर्ष 1 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2021 के लिए डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्रों की कुल नैदानिक सेवाएं इस प्रकार हैं-

नॉर्थ कैपस 27830

साउथ कैपस 912

पूर्वी दिल्ली 59

पश्चिमी दिल्ली 356

नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा, डब्ल्यूएस स्वास्थ्य केंद्र (उत्तर) ने रविवार/राजपत्रित अवकाश पर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की:

डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (नॉर्थ कैपस) में 7 अप्रैल 2020 को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय "नर्सों और दाइयों का समर्थन" था। नर्सों और दाइयों को समर्थन देने से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए शोधक सभी संकायों/विभागों/केंद्रों/कॉलेजों/छात्रावासों को प्रसारित किए गए थे जिनकी सभी ने अत्यधिक सराहना की थी। समर्थन नर्सों और दाइयों पर एक लेख विश्वविद्यालय बिरादरी की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय और डब्ल्यूएस स्वास्थ्य केंद्र वेबसाइट पर अपलोड किया गया था

विश्व हृदय दिवस 20 सितंबर 2020 को डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (नॉर्थ कैपस) में मनाया गया था, जिसके लिए संदेश था "कोविड -19 के समय में, अपने दिल की देखभाल करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है"।

कोविड -19 महामारी के मद्देनजर, इसके उपचार, निवारक कदम, संगरोध उपायों का विवरण, कोविड उपयुक्त व्यवहार, वायु प्रदूषण, विश्व स्वास्थ्य दिवस 2020, शब्द हृदय दिवस 2020, दृष्टिबाधित रोगियों द्वारा कोविड -19 का मुकाबला करने, महामारी के दौरान आहार पर प्रकाश डालने वाली सलाह , मधुमेह मेलिटस, उच्च रक्तचाप; विश्वविद्यालय और WU.S पर तुरंत अपलोड किए गए थे। विश्वविद्यालय बिरादरी की जानकारी के लिए स्वास्थ्य केंद्र की वेबसाइट। W.U.S में सेमिनारों/वेबिनार की श्रृंखला आयोजित की गई। हितग्राहियों एवं जनता की जानकारी के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य केन्द्र, नार्थ कैम्पस एवं दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ (डैयूडब्ल्यू) कैपस।

हालांकि कोविड -19 महामारी अपनी पूरी वृद्धि में था अभी भी डब्ल्यू. स्वास्थ्य केंद्र (उत्तर कैपस) कार्यात्मक 24 x 7 घंटे और परिधीय W.U. स्वास्थ्य केंद्र 09:00 बजे से 03:00 बजे तक चालू थे। टेलीफोनिक परामर्श और दूरभाष परामर्श और टेलीफोन परामर्श सुविधाओं के लाभार्थियों को 24 x 7 घंटे के रूप में अच्छी तरह से प्रदान किए गए। कोविड -19 महामारी के प्रभाव के बारे में सलाह और कोविड -19 महामारी के कर्मचारियों और

छात्रों, दृष्टिबाधितों के छात्रों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर महामारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए थे।

हेल्थ चेकअप कैंप, कार्डियक चेकअप कैंप, डायबिटीज कंट्रोल कैंप; समय-समय पर नामी अस्पतालों के सहयोग से आयोजन होते रहे हैं।

मौजूदा सुविधाएं

डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी कैंपस) रविवार/राजपत्रित अवकाश को छोड़कर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके आश्रितों और छात्रों के लिए 10:30 बजे से 08:00 बजे तक 24 घंटे की सेवाएं प्रदान करता है।

सांध्य की पाली में 2 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी और 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी रोगियों की जांच करते हैं।

रविवार/राजपत्रित अवकाश: 00:00 घंटे से 10:30 बजे तक।

रात्रि सेवा: सभी दिन (केवल आपातकालीन सेवाएं)

डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (उत्तरी कैंपस) नोडल बिंदु है और इसमें 9 समर्पित चिकित्सा अधिकारियों की एक टीम है जिसमें अनुबंध पर 1 चिकित्सा सलाहकार, अनुबंध पर 1 चिकित्सा अधिकारी और 2 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा अधिकारियों के 2 स्वीकृत पदों के विरुद्ध), 10 अंशकालिक विशेषज्ञ [जो कार्डियोलॉजी में दो घंटे (प्रति सप्ताह तीन बार) के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं, न्यूरोलॉजी (प्रति सप्ताह एक बार), मनोरोग (प्रति सप्ताह एक बार), हड्डी रोग (प्रति सप्ताह पांच दिन), ई.एन.टी. (प्रति सप्ताह पांच दिन), बाल रोग (प्रति सप्ताह चार दिन), त्वचा विज्ञान (प्रति सप्ताह 3 दिन), नेत्र विज्ञान (तीन घंटे, प्रति सप्ताह छह दिन)], 6 स्थायी फॉर्मसिस्ट, अनुबंध पर 2 फॉर्मसिस्ट, 2 फिजियोथेरेपिस्ट, 1 नर्स, अनुबंध पर 3 नर्स, 2 ड्रेसर, अनुबंध पर 1 ड्रेसर, 1 तकनीकी सहायक (पैथोलॉजी प्रयोगशाला), 4 स्थायी मंत्रालयिक कर्मचारी, अनुबंध पर 4 मंत्रालयिक कर्मचारी, 2 कार्यालय परिचर, अनुबंध पर 7 एमटीएस-अटेंडेंट, और 3 एम्बुलेंस ड्राइवर डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (साउथ कैंपस) सोमवार से शनिवार तक प्रातः 09:00 बजे से सांध्य 05:30 बजे तक और शनिवार को प्रातः 09:00 बजे से 03:30 बजे तक अपने लाभार्थियों की पूरी करता है। इसमें 4 चिकित्सा अधिकारी [(अनुबंध पर 01 मेडिकल कंसल्टेंट और 02 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा अधिकारी के 1 स्वीकृत पद के विरुद्ध), 03 अंशकालिक विशेषज्ञों का दौरा [जो नेत्र विज्ञान में दो घंटे के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं (सप्ताह में दो बार), दंत चिकित्सा (सप्ताह में तीन बार) और कार्डियोलॉजी (सप्ताह में तीन बार)], 2 फॉर्मसिस्ट, 1 फिजियोथेरेपिस्ट अनुबंध पर 1 फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। इस स्वास्थ्य केंद्र में पैथोलॉजी प्रयोगशाला, फिजियोथेरेपी यूनिट, ड्रेसिंग रूम है और यह बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस से लैस है।

डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (पूर्वी दिल्ली) और डब्ल्यू स्वास्थ्य केंद्र (पश्चिमी दिल्ली) सोमवार से शुक्रवार तक अपने लाभार्थियों को प्रातः 09:00 बजे से 03:30 बजे तक पूर्ति करते हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी, 2 फॉर्मसिस्ट और 1 ड्रेसर हैं। उनका मेडिकल स्टोर और फॉर्मसी भी है।

आयोजित संगोष्ठी: 05

सम्मेलन/सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमईई) का आयोजन: 20

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां: मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों में कोविड -19 महामारी पर कई सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान/वेबिनार वितरित किए।

डॉक्टरों की संख्या

1 मुख्य चिकित्सा अधिकारी, 7 स्थायी चिकित्सा अधिकारी। संविदा पर 1 चिकित्सा अधिकारी, संविदा पर 2 चिकित्सा परामर्शदाता, 5 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी, 13 अंशकालिक विजिटिंग विशेषज्ञ।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कोविड-19 महामारी के दौरान भी स्वास्थ्य केंद्र (नॉर्थ कैंपस) 24 घंटे चालू रहा। अस्पताल में भर्ती होने और ओपीडी में इलाज के बिलों के मेडिकल क्लेम ऑनलाइन जमा करने का पालन किया जा रहा है। मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था है।

खेल गतिविधियों सहित गणमान्य व्यक्तियों को चिकित्सा कवर प्रदान किया।

मौजूदा बुनियादी ढांचे के अलावा; इन्फ्रारेड थर्मामीटर, सैनिटाइजर्स, डबल और ट्रिपल लेयर्ड मास्क-N95/N99, स्टरलाइज्ड दस्ताने, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), बीपी उपकरण, पल्स ऑक्सीमीटर, 10 ऑक्सीजन सांद्रता, नेबुलाइजर, अंबू बैग, 02 एडवांस्ड कार्डियक मॉनिटर, 20 आईसीयू बेड और ऑक्सीजन सिलेंडर हाल ही में सुविधाओं को बढ़ाने के लिए खरीदे गए थे।

पेंशन की नई नियुक्तियों/कम्यूटेशन की चिकित्सा जांच का समय पर निस्तारण।

2019-2021 और 2020-2021 के लिए दवाओं की खरीद के लिए निविदाओं को अंतिम रूप देने के लिए समय पर बैठकों का आयोजन किया।

डब्ल्यूएचओ, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, एम्स नई दिल्ली द्वारा जारी कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार के संबंध में सार्वभौमिक सावधानियों और सलाहों का अक्षरशः पालन किया जा रहा है।

डब्ल्यूयू स्वास्थ्य केंद्र (नॉर्थ कैंपस, साउथ कैंपस और पश्चिमी दिल्ली) में कोविड-19 टीकाकरण अभियान (कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीकाकरण सुविधाएं)।

रविवार/राजपत्रित अवकाश पर सुबह 10:30 बजे से 8:00 बजे तक के अलावा 24 घंटे 7 घंटे (नॉर्थ कैंपस) अपने लाभार्थियों को डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा दवाएं जारी की जाती हैं।

सभी रोगियों को विभिन्न रोगों और मनो-सामाजिक समस्याओं के संबंध में टेली परामर्श और टेली परामर्श प्रदान की जाती है।

15 और चिकित्सा अधिकारियों और 30 सहयोगी स्टाफ की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

शैक्षणिक केंद्र

कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

ईईआरसी, दिल्ली ने 2020-21 के दौरान अनुसंधान और नीति संप्रेषण कार्य जारी रखा। फोरम को शोध रिपोर्टें, जर्नल प्रकाशनों, पुस्तकों, सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरणों के माध्यम से तथा संकाय द्वारा उच्च स्तरीय समितियों को इनपुट के रूप में योगदान दिया गया है। मानद निदेशक प्रो. पी. के. जोशी (दक्षिण एशिया के पूर्व निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान), वर्ष के दौरान केंद्र का मार्गदर्शन करते रहे हैं जिसमें कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण क्षेत्र का काम महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित हुआ है। अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन सिंह, (डब्ल्यूटीओ, जिनेवा के पूर्व उप महानिदेशक) का कार्यकाल मार्च 2020 में पूरा हुआ। नए अध्यक्ष का चयन प्रक्रियाधीन है।

सम्मान/गौरव

प्रो. पी.के. जोशी

सदस्य, निदेशक मंडल, एशिया प्रशांत कृषि नीति फोरम, दक्षिण कोरिया, सियोल।

प्रकाशन

बाथला, एस., जोशी, पी.के., कुमार, ए. (2020), एग्रीकल्चरल ग्रोथ एंड रूरल पॉवर्टी रिडक्शन इन इंडिया: टार्गेटिंग इनवेस्टमेंट्स एंड इनपुट सब्सिडीज़। सिंगापुर, स्प्रिंगर नेचर।

भट्ट, वाई., विनीत, पी.के., यादव, यू., जैन, वी., सेन, आर. (2020), कोविड-19 और गन्ना किसान: फसल कटाई और परिवहन पर प्रभाव। कृषि-आर्थिक नीति का संक्षिप्त विवरण, आईआईएम अहमदाबाद।

भट्ट, वाई., यादव, यू., जैन, वी., सेन, आर., विनीत, पी.के. (2020), हरियाणा में आहार और चारे की स्थिति का आकलन: क्षेत्रीय सर्वेक्षण से निष्कर्ष। कृषि-आर्थिक नीति का संक्षिप्त विवरण, आईआईएम अहमदाबाद।

वाष्ण्य, डी., कुमार, ए., मिश्रा, ए., राशिद, एस., जोशी, पी.के. (2020), भारत का कोविड-19 सामाजिक सहायता पैकेज और कृषि क्षेत्र पर इसका प्रभाव। कृषि प्रणालियां।

वाष्ण्य, डी., कुमार, ए., मिश्रा, ए., राशिद, एस., जोशी, पी.के. (2020), कोविड-19, सरकारी अंतरण भुगतान, और कृषि व्यवसाय में निवेश निर्णय: उत्तर भारत से साक्ष्य। अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र और परिप्रेक्ष्य नीति।

वाष्ण्य, डी., जोशी, पी.के., रॉय, डी., कुमार, ए. (2021), अंडरस्टैंडिंग द एडॉप्शन ऑफ मॉडर्न कल्चिवर्स इन इंडिया: एडॉप्शन प्रोबेबिलिटी एंड यूज इंटेन्सिटी। कृषि और संसाधन अर्थशास्त्र के आगामी जर्नल।

वाष्ण्य, डी., जोशी, पी.के., रॉय, डी., कुमार, ए. (2020), पीएम-किसान एंड द एडॉप्शन ऑफ मॉडर्न एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजीज़। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 55 (23).

वाष्ण्य, डी., कुमार, ए.; मिश्रा, ए., राशिद, एस., जोशी, पी.के. (2020), क्या प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएम-जीकेवाई) कृषि क्षेत्र में कोविड-19 के आघात को कम कर सकती है: उत्तर भारत से साक्ष्य। 2020 . आईएफपीआरआई चर्चा शोध 1990. वाशिंगटन, डीसी: अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई)।

वाष्ण्य, डी., जोशी, पी.के., रॉय, डी., कुमार, ए. (2020), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) और उत्तर प्रदेश, भारत में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों का अंगीकरण। आईएफपीआरआई चर्चा शोध 1907. 2020. वाशिंगटन, डीसी: अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई)।

घोष एन., राजेश्वर एम., विनीत पी.के. (2020), "भारत में एक कृषि बाजार की ओर: क्या आईसीटी मदद करता है?"। इन: मैती डी., कैस्टेलैसी एफ., मेलचियर ए. (संपा.) डिजिटलीकरण और विकास। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-13-9996-1_8.

कुमार, ए., त्रिपाठी, जी., जोशी, पी.के. (2020) एडॉप्शन एंड इम्पैक्ट ऑफ मॉडर्न वेरायटीज ऑफ पैडी इन इंडिया: एविडेंस फ्रॉम नेशनल रिप्रेजेंटेटिव फील्ड सर्वे। जर्नल ऑफ एग्रीबिजनेस इन डेवलपिंग एंड एमेर्जिंग एकोनोमीज़।

मिश्रा, ए., कुमार, ए., जोशी, पी.के. (2021), ट्रांसफॉर्मिंग एग्रीकल्चर इन साउथ एशिया: द रोल ऑफ वैल्यू चेन्स एंड कॉन्ट्रैक्ट फॉर्मिंग। रूटलेज। न्यूयॉर्क, यूएसए।

नुथलापति, आर., चंद्रा एस., भट्ट, वाई., बीरो, के., सुसांतो (2020), क्या इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार कृषि में बाज़ार की विफलताओं को दूर करने का भावी मार्ग है? आईईजी वर्किंग पेपर नं. 387.

सरोज, एस., कुमार, ए., जोशी, पी.के. (2021), भारत में नई गेहूं की फसल की किस्मों का अंगीकरण : स्थिति, निर्धारक और प्रभाव। दि जर्नल ऑफ डेवलपिंग एरिआज़।

थापा, जी., कुमार, ए., रॉय, डी., जोशी, पी.के. (2020), फूड सेफ्टी कॉन्शियसनेस एंड कंज्यूमर्स मिल्क परचेजिंग बिहेवियर: एविडेंस फ्रॉम ए डेवलपिंग कंट्री, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स खंड 52.

अनुसंधान परियोजनाएं

पूर्ण (3)

गन्ने की कटाई और परिवहन लागत - कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी), भारत सरकार के लिए। वर्तमान में देश में गन्ने की फसल के परिवहन और कटाई की लागत के कोई विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं

हैं। वर्तमान अध्ययन एक विश्वसनीय डेटाबेस बनाने और गन्ने की कटाई और परिवहन लागत का अनुमान लगाने के लिए एक वैज्ञानिक पद्धति विकसित करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है।

हरियाणा और उत्तराखंड में गन्ना किसानों पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन - एईआरसी-दिल्ली द्वारा स्वयं शुरू किए गए टेलीफोन आधारित सर्वेक्षण अध्ययन ने हरियाणा और उत्तराखंड में कोविड-19 लॉकडाउन के प्रभाव पर गन्ना किसानों की प्रतिक्रियाओं को जानने का प्रयास किया।

हरियाणा में मवेशी आहार और चारे का आकलन - अध्ययन हरियाणा में आहार और चारे की उपलब्धता के विश्वसनीय अनुमान सृजित करने का प्रयास करता है।

चल रही (2)

सतत ग्राम सर्वेक्षण (सीवीएस) - सीवीएस पांच वर्ष के आवधिक अंतराल पर किसी गांव की अर्थव्यवस्था का अध्ययन करके ग्रामीण रूपांतरण की बदलती गतिशीलता का अध्ययन करने का प्रयास करता है। प्रस्तुत अध्ययन इस श्रृंखला में प्रथम अध्ययन है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए तिलहन में उपज अंतराल का आकलन करना और उसे पाटना - तिलहन के उत्पादन में प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद, कई तिलहन उगाने वाले देशों की तुलना में हमारी उपज का स्तर बहुत पीछे है। यह अध्ययन भारत के कम उपज वाले राज्यों और जिलों का पता लगाने और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उपज बढ़ाने के तरीकों का पता लगाने का एक प्रयास है।

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. पी. के. जोशी ने "कोविड 19: कृषि क्षेत्र पर प्रभाव और नव सामान्य" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली (5 जून 2020)।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं प्रस्तुतिकरण और भागीदारी (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. पी.के. जोशी

"भारतीय कृषि का भविष्य: चुनौतियाँ और करियर के अवसर" विषय पर छात्रों को व्याख्यान दिया। कृषि विज्ञान स्कूल, शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा, उ.प्र. (11 मई 2020).

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "रिसर्जेंट इंडिया-वे अहेड" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया (28 मई 2020).

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सामाजिक विज्ञान के लिए अनुसंधान पद्धति में प्रगति' पर आयोजित कार्यशाला में "सामाजिक विज्ञान में उभरती अनुसंधान प्राथमिकताएं" पर व्याख्यान दिया (4 सितंबर 2020).

"बागवानी जिंसों का फसलोत्तर प्रबंधन: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान दिया। मध्य प्रदेश सरकार और यूएनडीपी, भारत द्वारा आयोजित (6 सितंबर 2020).

"संधारणीय ईंधन सम्मिश्रण कार्यक्रम के लिए गन्ना आधारित इथेनॉल उत्पादन" विषय पर एनएएस प्रायोजित जागरूकता सत्र में पैनलिस्ट। एनएएस, नई दिल्ली (18 सितंबर 2020).

"वन हैल्थ वन हैल्थ" विषय पर जागरूकता सत्र में पैनलिस्ट। "एक स्वास्थ्य में पर्यावरण को एकीकृत करना" पर विचार प्रस्तुत किए, एनएएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (20 सितंबर 2020).

"कृषि प्रौद्योगिकियां और फसलें : आनुवंशिक रूप से आशोधित फसलों के साथ भारत का अनुभव" पर एक गोलमेज चर्चा में पैनलिस्ट, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक समझ परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (29 सितंबर 2020).

"कृषि में हालिया बाजार सुधार" पर एक पैनल चर्चा में पैनलिस्ट, आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (30 सितंबर 2020).

कृषि आउटलुक फोरम 2020 में "कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत: चुनौतियां और अवसर" पर एक शोध प्रस्तुत किया, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित (15 अक्टूबर 2020).

प्रबंधन विकास कार्यक्रम में "प्राथमिकता निर्धारण, निगरानी और कृषि परियोजनाओं का मूल्यांकन" विषय पर समापन भाषण दिया, एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा आयोजित (17 अक्टूबर 2020).

"उच्च कृषि शिक्षा नीति" पर जागरूकता सत्र में पैनलिस्ट. एनएएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (20 अक्टूबर 2020).

"आर्थिक विकास के लिए प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के समकालीन अभ्यास" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया, वेल्लोर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर द्वारा आयोजित (23 अक्टूबर 2020).

"5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉ.लर की अर्थव्यवस्था के लिए वाहक के रूप में कृषि क्षेत्र" पर व्याख्यान दिया, एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा आयोजित (31 अक्टूबर 2020).

नोबल पुरस्कार व्याख्यान माला 2020 में "नोबल शांति पुरस्कार" विषय पर व्याख्यान दिया, कर्नाटक विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी, कर्नाटक द्वारा आयोजित (2 नवंबर 2020).

बांग्लादेश कृषि विश्वविद्यालय, मयमनसिंह, बांग्लादेश द्वारा आयोजित "भारत में कृषि परिवर्तन पर एक वेबिनार" में व्याख्यान दिया (10 नवंबर 2020).

अंतर्राष्ट्रीय विकास केंद्र फाउंडेशन (आईडीसी फाउंडेशन) के 23 वें स्थापना दिवस पर "भारतीय कृषि में हालिया बाजार सुधार" विषय पर उद्घाटन भाषण दिया (11 नवंबर 2020).

आईएफपीआरआई, यूएसएआईडी-नेपाल और आईआईडीएस, नेपाल द्वारा आयोजित "नेपाल में कृषि परिवर्तन" पर पुस्तक के विमोचन समारोह में पैनलिस्ट (11 नवंबर 2020).

एशिया पैसिफिक एग्रीकल्चर पॉलिसी फोरम, दक्षिण कोरिया, सियोल द्वारा आयोजित दूसरी वर्चुअल संगोष्ठी में 'भारत में कोविड महामारी के दौरान खाद्य सुरक्षा और बाजारों तक पहुंच में सुधार के लिए नीतियों और उभरते अच्छे अभ्यासों को समर्थ बनाना' विषय पर एक व्याख्यान दिया (5 दिसंबर 2020).

प्रथम राइस कांग्रेस में "एसडीजी हासिल करने के लिए चावल उत्पादन प्रणाली को फिर से तैयार करना" विषय पर आयोजित सत्र में पैनलिस्ट (11 दिसंबर 2020).

भारतीय आर्थिक संघ के 103वें सम्मेलन के समापन सत्र में विशेष भाषण दिया (28 दिसंबर 2020).

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान द्वारा "नए कृषि कानूनों को डिकोड करना" विषय पर आयोजित एक सत्र की अध्यक्षता की (13 जनवरी 2021).

ग्लोबल पल्स डे की पूर्व सांध्य पर पल्स वेबकॉन में "चेंजिंग ग्लोबल एंड नेशनल पल्स सिनेरियो: पॉलिसी पर्सपेक्टिव एंड चैलेंजेस" पर आधार व्याख्यान दिया (11 फरवरी 2021).

डॉ. योगेश भट्ट

कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केंद्र, दिल्ली में "अध्ययन की पद्धति और अध्ययन के निष्कर्ष - गन्ने के परिवहन और कटाई की लागत" विषय पर अध्यक्ष - कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) को प्रस्तुतिकरण दिया (11 सितंबर, 2020).

यूजीसी प्रायोजित तथा सांख्यिकी विभाग, के.बी.एन. महाविद्यालय, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा "आर का उपयोग करके सांख्यिकी की खोज करना" पर आयोजित छह दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार (15 से 20 जून, 2020).

स्टेट मॉडलर और आईआरसी वल्लभ विद्यानगर, गुजरात द्वारा "एसपीएसएस के माध्यम से अपने शोध को प्रभावी बनाएं" पर आयोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम (11 से 15 जुलाई, 2020).

सांख्यिकी और आईक्यूएसी विभाग, हिंदू महाविद्यालय द्वारा आयोजित "ई-अध्ययन एंड डेवलपिंग एमओओसी फॉर टीचिंग प्रोसेस इन हायर एजुकेशन" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम (14 - 20 दिसंबर, 2020).

स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज, शारदा यूनिवर्सिटी द्वारा "रिगेशन एनालिसिस" पर आयोजित छह दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (14- 19 दिसंबर, 2020).

टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय द्वारा "गुणात्मक डेटा विश्लेषण" पर आयोजित एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम, (21- 28 दिसंबर, 2020).

संकाय सदस्य संख्या

01 (पूर्णकालिक) + मानद निदेशक

समितियों की सदस्यता

प्रो. पी.के. जोशी

सदस्य, नए कृषि कानूनों पर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित समिति।

सदस्य, आर्थिक विश्लेषण और अनुसंधान विभाग (डीईआर), नाबार्ड, मुंबई की अनुसंधान सलाहकार समिति।

सदस्य, तीन वर्ष के लिए आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति, आईसीएआर, नई दिल्ली।

सदस्य, बीएआईएफ, पुणे के तकनीकी सलाहकार बोर्ड

सदस्य, विश्व बैंक बाह्य सलाहकार बोर्ड और आईसीएआर क्रियान्वित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना, नई दिल्ली।

सदस्य, भारत मानव विकास सूचकांक सलाहकार समिति, राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

सदस्य, संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन, नई दिल्ली की भारतीय कृषि रूपांतरण संबंधी संचालन समिति।

सदस्य, कृषि में स्टार्ट-अप का चयन करने के लिए आरकेवीवाई-रफ्तार, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की समिति, भारत सरकार, नई दिल्ली

अध्यक्ष, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ (ईआरए)

सचिव, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएस)

कनाडाई अध्ययन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र दक्षिण कैंपस में पुस्तकालय की दूसरी मंजिल पर अपने नए स्थान पर स्थानांतरित हो गया। इसने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और तीन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। विविधता लाने के लिए और केंद्र के बहु-विषयक फोकस को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के साथ महत्वपूर्ण सहयोग प्रगति पर है। कनाडाई जर्नल्स में शोध प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए कनाडा के विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों से विभिन्न विषयों के सहायक संकाय को आमंत्रित करने का प्रयास चल रहा है।

आयोजित संगोष्ठियां: वेबिनार

कुल संख्या : 03

आयोजित सम्मेलन

कोविड 19 और भारत और कनाडा में शहरी स्थिरता के मुद्दे पर "बहु-विषयक, अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन" 11-12 मार्च 2021, शास्त्री इंडो-कनाडाई संस्थान द्वारा वित्त-पोषित।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण (अंतर्राष्ट्रीय)

भारत और कनाडा की कोविड-19 के संबंध में रणनीति और विशेषज्ञता, 9 नवंबर 2020. वित्त और व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से।

श्रम पर कोविड-19 का प्रभाव: भारत और कनाडा में मुद्रा और नीति, 4 दिसंबर 2020. वित्त और व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से।

सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज, कोविड -19 डायग्नोस्टिक्स, थेरेप्यूटिक्स एंड वैकसीन्स - इनिशिएटिव्स इन इंडिया एंड कनाडा", 14 दिसंबर 2020. जैव-रसायन और वित्त और व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभागों के सहयोग से।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग

शास्त्री इंडो कैनेडियन इंस्टिट्यूट (एसआईसीआई); कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय, और कैलगरी विश्वविद्यालय, कनाडा; वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग, जैव रसायन विभाग, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

एनईपी 2020 के पहलुओं पर विचार-विमर्श के लिए मंच प्रदान करना : रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से अकादमिक बैंक क्रेडिट पर दो सप्ताह का अंतर्राष्ट्रीय पुनश्चर्या कार्यक्रम 7 जुलाई 2021 से आयोजित किया जाना निर्धारित है।

संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र पूर्व में वर्ष 2012 में सीईआरएन, जिनेवा, स्विटजरलैंड में सीएमएस प्रयोग में हिग्स बोसॉन की प्रमुख खोज में शामिल था और 2015-16 में इसने सीएमएस प्रयोग के साथ अपना सहयोग जारी रखा। मल्टी-स्ट्रिप एसआई सेंसर, जिन्हें बीईएल, बेंगलुरु के सहयोग से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है, को केआईटी, जर्मनी में विशेषीकृत किया गया है। ये अत्याधुनिक डिटेक्टर हैं और इन्हें भारत में लगभग पहली बार विकसित किया गया है। केंद्र सीईआरएन में सीएमएस प्रयोग के चरण 2 के उन्नयन के लिए सिलिकॉन सेंसरों को अर्हता प्राप्त करने और उन्हें विशेषीकृत करने के लिए एशिया में पहला (और दुनिया में छह में से) परिचालन सेंसर अर्हता केंद्र बन गया है।

प्रकाशन

सीएमएस सहयोग. (2021). प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में चार-लेप्टन अंतिम अवस्था में हिग्स बोसोन के उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन, एआरएक्सआईवी प्रीप्रिंट एआरएक्सआईवी:2103.04956.

सीएमएस सहयोग. (2021). प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में एक जेट बोसॉन और एक हिग्स बोसॉन के लिए एक हैवी वेक्टर रेसोनेंस डिकेइंग के लिए सर्च, एआरएक्सआईवी प्रीप्रिंट एआरएक्सआईवी:2102.08198.

सीएमएस, सी., सिरुनयान, ए.एम., तुमासियन, ए.आर., एडम, डब्ल्यू., आंद्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू., बर्गोएर, टी., एवं झू, डी.एच. (2021). दो शीर्ष क्वार्क और प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में कई हल्के-स्वाद वाले जेट के साथ अंतिम अवस्था में शीर्ष स्क्वार्क की खोज, भौतिक समीक्षा डी, 104(3), 032006।

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., अंब्रोगी, एफ., बर्गोएर, टी., ड्रैगिसविक, एम., ... एवं लिटोव, एल. (2021). प्रोटॉन-लेड टकराव में ड्रैल-यान डिमुऑन उत्पादन का अध्ययन, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स में, 2021(5), 1-47.

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., अंब्रोगी, एफ., बर्गोएर, टी., ड्रैगिसविक, एम., ... एवं चेन, एच.एस. (2021). भारी-आयन टकराव में बड़े क्षेत्र जेट अनुप्रस्थ गति स्पेक्ट्रा का पहला मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स में, 2021(5), 1-48.

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., अंब्रोगी, एफ., बर्गोएर, टी., ड्रैगिसविक, एम., ... एवं लिटोव, एल. (2021). पीपी टकराव में जेट के साथ Z + जेट और γ + जेट और Z बोसॉन उत्सर्जन कोलिनियर के उत्पादन के अंतर क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स में, 2021(5), 1-43.

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., एंड्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू., बर्गोएर, टी., चटर्जी, एस., ... एवं मित्तल, एम. (2021)। हिग्स बोसोन प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन और कपलिंग का डिफोटोन क्षय चैनल में मापन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स में, 2021(7), 1-87.

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., एंड्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू., बर्गोएर, टी., चटर्जी, एस., ... एवं डोजेन, सी. (2021)। उच्च-द्रव्यमान डिलेप्टोन अंतिम अवस्था में गुंजयमान और गैर-गुंजयमान नई घटनाओं की खोज। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स में, 2021(7), 1-62.

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., एंड्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू., बर्गोएर, टी., चटर्जी, एस., ... एवं युआन, एल. (2021)। $b^- \pi^+ \pi^-$ के लिए एक नई एक्साइटेड ब्यूटी स्ट्रेंज बेरियन क्षय का अवलोकन। भौतिक समीक्षा शोध, 126(25), 252003.

सिरुनियन, ए.एम., तुमासियन, ए., एडम, डब्ल्यू., एंड्रेजकोविक, जे.डब्ल्यू., बर्गोएर, टी., चटर्जी, एस., ... एवं मार्टिस, जे. (2021)। प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में $W\gamma$ उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन और प्रभावी क्षेत्र सिद्धांत गुणांक पर बाधाएं। भौतिक समीक्षा शोध, 126(2102.02283)।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. कीर्ति राजा

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, कॉम्पैक्ट म्यूऑन सोलेनोइड (सीएमएस) अपग्रेड, प्रचालन एवं उपयोग, 2014-2020, 11,73,00,000 रु.

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, क्षेत्रीय डब्ल्यूएलसीजी ग्रिड सिस्टम का अद्ययनीकरण और प्रचालन, 2014-2020, 25,30,000 रु.

डॉ. मोह. नईमुद्दीन

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, आईएनओ परियोजना के लिए विश्वविद्यालय समूहों द्वारा अनुसंधान एवं विकास प्रयास, 2013-2020, Rs. 1,78,41,000 रु.

डॉ. आशुतोष भारद्वाज

डीएसटी अनुसंधान परियोजना, द्विपक्षीय इंडो-इटली, उच्च चमक वाले कोलाइडर के लिए विकिरण सहिष्णु सिलिकॉन डिटेक्टर विकसित करने के लिए सिमुलेशन अध्ययन और परीक्षण सं.आईएनटी/इटली/पी-10/2016 (ईआर), 25.07-2017-मार्च 2021, 10,80,000 रु.

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग

सभी अनुसंधान परियोजनाएं अंतर्सांस्थानिक परियोजनाएं हैं।

उद्यमिता और आजीविका उन्मुख कार्यक्रम केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र ने कोविड-19 महामारी के बावजूद 2020-2021 में पूरे वर्ष काम किया। इसने एक स्टार्ट-अप को उनके उद्यमिताशीलता कार्यक्रम को डिजाइन करने में मदद की और इसे एक खेल के रूप में ऑनलाइन कैसे वितरित किया जाए, इस दिशा में काम शुरू किया। अगला कार्यक्रम शहीद राजगुरु महाविद्यालय अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ था।

प्रकाशन

लक्ष्मी देवी, एस. (2021) फ्रूचर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज: स्ट्रेटेजीज़ एंड फ्रेमवर्क ऑफ एक्शन। खाद्य-राजनीतिविज्ञान, नयाचार और प्रौद्योगिकी की गाथा (प्रेस में)।

आमंत्रित वार्ताएं (9)

24 अप्रैल 2020 - "एक बेहतर कल के लिए स्वस्थ मानसिकता" पर वेबिनार के लिए "शिक्षा में मूल्य" विषय पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

14 मई 2020 को अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ बेकरी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट द्वारा आयोजित "अनुभव से सीखना-पारंपरिक और पौष्टिक खाद्य पदार्थ" नामक एक वेबिनार में "पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थ और प्रतिरक्षा" पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

8 अगस्त 2020 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय द्वारा "उद्यमशीलता और रचनात्मकता" पर वार्ता के लिए आमंत्रित।

1 सितंबर 2020 - विश्व युवा केंद्र दिल्ली ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" पर एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमें "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण" पर व्याख्यान दिया।

27 अक्टूबर 2020 - भारती महाविद्यालय के उद्यमिताशीलता प्रकोष्ठ उपक्रम" में, मैंने "उद्यमशीलता और रचनात्मकता" पर एक व्याख्यान दिया।

6 दिसंबर 2020 - ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गुड़गांव के उद्यमशीलता प्रकोष्ठ "प्रयास" द्वारा "ट्रांसेंड" बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।

8 जनवरी 2021 - राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "महिला सशक्तिकरण" पर एक व्याख्यान दिया।

15 फरवरी 2021 से 19 फरवरी 2021 - दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वूमैन द्वारा आयोजित "ऑनलाइन उद्यमशीलता और संकाय विकास कार्यक्रम" में एक पैनलिस्ट था।

6 मार्च 2021- नॉर्थ ईस्ट सैल शहीद राजगुरु महाविद्यालय अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने मेरे साथ एक ऑनलाइन बातचीत संचालित की।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

सीईसीओपी ने महाविद्यालय के छात्रों के लिए उद्यमशीलता विचार पर एक परियोजना लिखने पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें यह भी शामिल था कि यह कैसे महामारी की स्थिति में प्रभावी हो

सकता है। छात्रों को तीन पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार राशि ग्रेट लेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट गुड़गांव के प्रो. एस. के. पल्हन द्वारा प्रदान की गई।

निम्नलिखित छात्रों ने पुरस्कार जीते:

क्रोचेटिंग - कास्वी चटवाल - प्रथम पुरस्कार - 5,000 रु.

कम्पोस्ट निर्माण - याशिता गुप्ता - द्वितीय पुरस्कार - 2,500 रु.

प्लेट निर्माण - गुंजन खन्ना - तृतीय पुरस्कार - 1,500 रु.

सीईसीओपी ने विश्वविद्यालय के 20 कॉलेजों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई भी की, जिसमें सीईसीओपी द्वारा उद्यमशीलता प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी।

अवक्रमित पारिस्थितिकी प्रणालियां पर्यावरण प्रबंधन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र के बल प्रदान किए गए प्रमुख क्षेत्रों में समकालीन पर्यावरणीय और पारिस्थितिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए कार्रवाई अनुसंधान शामिल है जो पारिस्थितिक-तंत्र और जीवन की गुणवत्ता और कार्रवाई अनुसंधान में क्षमता निर्माण के लिए जोखिम उत्पन्न कर रहे हैं। सीईएमडीई जैविक हस्तक्षेप, अवक्रमित पारिस्थितिक-तंत्र की पारिस्थितिक बहाली और जैव विविधता के संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रहा है। इसने तंत्र की समझ के लिए योगदान दिया जिसके माध्यम से प्राकृतिक और/अथवा गैर-देशीय पादप अपनी प्रतिस्पर्धी या सामान्य पारिस्थितिक सफलता प्राप्त करते हैं। डॉक्टरेट के विद्यार्थी कई विदेशी प्रजातियों की हस्तक्षेपी पारिस्थितिकी पर काम कर रहे हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान, केंद्र ने धनबाद और रांची में कोल इंडिया लिमिटेड के कोयला क्षेत्रों में खनन किए गए क्षेत्रों की पारिस्थितिक बहाली का कार्य किया है। 4 वर्ष पुरानी पुनर्स्थापित साइटें उष्णकटिबंधीय पर्णपाती जंगलों/पारिस्थितिकी तंत्र को आश्रय देती हैं। केंद्र ने संरक्षित क्षेत्रों में लैंडाना - एक हस्तक्षेपी विदेशी प्रजाति - के प्रबंधन के लिए एक सफल रणनीति भी विकसित की है। झीलों और नदियों के कायाकल्प के एक हिस्से के रूप में, केंद्र ने मलजल के यथास्थान जैविक उपचार के लिए एक आर्द्रभूमि प्रणाली विकसित की है। विकसित डिजाइन का देश भर में व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

प्रकाशन

कैलावे, आर.एम., और मेरोन, ई. (2021). स्थानिक स्व-संगठन और सामुदायिक सभा के चालकों के रूप में नीचे की प्रतिक्रियाएँ। जीवन समीक्षा की भौतिकी।

स्लेट, एम.एल., त्सोम्बो, एफ.एम., कैलावे, आर.एम., और एल-केब्लावी, ए.ए. (2020). विदेशी प्रोसोपिस जूलिफ्लोरा मूल विविधता को दबाता है और एक देशी जन्मदाता की तुलना में अधिक कृषि खर-पतवार को बढ़ावा देता है। पादप पारिस्थितिकी, 221, 659-669.

मीसे, जे., विसेर, वी., इगेबुअइजे, वाई., ली, बी., डेचोयम, एम., ज़िलेर, एस.आर., और रिचर्डसन, डी.एम. (2019). आक्रमण विज्ञान में क्षमता निर्माण के लिए दुनिया को ब्रिक्स देशों की आवश्यकता है। पीएलओएस बायोलॉजी, 17(9), ई3000404.

अनुसंधान परियोजनाएं

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), "जैव-विविधता पार्क कार्यक्रम", 2019-2020, 11,000,00,000/- रु. (लगभग), प्रो. सी.आर. बाबू।

नाबार्ड, "जलवायु लचीलापन और नाबार्ड के माध्यम से लागू कमजोर समुदायों की आजीविका में सुधार" 2020-2025.

"जलवायु लचीलापन और कमजोर समुदायों की आजीविका के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के प्राकृतिक राज्य के लिए अपमानित परिदृश्य की बहाली" पर एमओईएफ और सीसी की बहु-राज्य परियोजना का राष्ट्रीय अनुकूलन कोष, 1,32,30,000/- रु.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

पूर्ण सत्र (ऑनलाइन) वार्ता, "कृषि-पारिस्थिकी में खर-पतवार' कृषि-पारिस्थिकी संधारणीयता: मृदा, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन में कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन के बीच लिंक, वर्चुअल सम्मेलन, लिथुआनिया, 2 दिसंबर, 2020.

जीयूबीआईसी बैठक, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा, 17-21 जून, 2019 में "शहरी हस्तक्षेपों" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

पर्यावरण और पारिस्थितिकी से संबंधित विषयों पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों द्वारा आयोजित वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिए गए।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा: प्रोफेसर इंद्रजीत के अधीन काम कर रहे एक शोध विद्यार्थी के पास टोरंटो विश्वविद्यालय का एक सह-पर्यवेक्षक है।

अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा : अनुसंधान परियोजना सहयोग।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त सहयोग स्थापित करते हुए सीईएमडीई सात दिल्ली जैव-विविधता पार्कों का विकास और प्रबंधन कर रहा है, जो दुनिया में अपनी तरह का पहला सहयोग है और ये शहर और उसके नागरिकों को पारिस्थितिक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर रहे हैं। डीडीए का जैव-विविधता पार्क कार्यक्रम दुनिया के किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा की गई अब तक की सबसे व्यापक संपर्क क्रियाकलाप है। जैव-विविधता पार्क पर्यावरण जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा और प्रकृति संरक्षण क्षेत्रों को बढ़ावा देने के केंद्र बन गए हैं। विश्वविद्यालय के स्नातक विद्यार्थी अनिवार्य पर्यावरण शिक्षा के एक भाग के रूप में जैव-विविधता पार्कों का दौरा करते हैं और पौधों की जैव-विविधता को सीखते हैं।

केंद्र निर्मित आर्द्रभूमि प्रणालियों का उपयोग करके अपशिष्ट जल (घरेलू सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट दोनों) के जैव उपचार पर काम कर रहा है। केंद्र द्वारा डिजाइन की गई निर्मित आर्द्रभूमि प्रणालियों को पूरे देश में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा व्यापक रूप से अपनाया गया है।

भारत भर में नदियों के कायाकल्प के एक हिस्से के रूप में, माननीय एनजीटी ने सीपीसीबी को समिति के सदस्य के रूप में प्रोफेसर सी.आर. बाबू के साथ 'गंगा नदी सहित भारत में नदियों के बाढ़ के मैदानों के साथ जैव-विविधता पार्क स्थापित करने के लिए दिशा-निर्देश' तैयार करने का आदेश दिया। दिशा-निर्देशों को माननीय एनजीटी द्वारा तैयार और अनुमोदित किया गया था और विभिन्न राज्यों द्वारा नदियों के कायाकल्प के एक भाग के रूप में अपनाया जा रहा है। सीपीसीबी हितधारकों के बीच वितरण के लिए दिशा-निर्देश मुद्रित कर रहा है।

संकाय सदस्य सख्या (स्थायी)

प्रोफेसर : एक (इंद्रजीत सिंह)

अतिथि प्रोफेसर (सी.आर. बाबू)

गैर-शिक्षण कर्मी = तीन

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

प्रो. सी.आर. बाबू पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जैव-प्रौद्योगिकी विभाग और अन्य एजेंसियों में अनेक कार्यबल समितियों का हिस्सा हैं। प्रो. इंद्रजीत जैव-प्रौद्योगिकी विभाग में अनेक कार्यबल समितियों का हिस्सा हैं।

फसल पादप आनुवंशिक परिवर्तन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र की प्रमुख गतिविधि पारंपरिक और आणविक प्रजनन के माध्यम से तिलहन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) के आनुवंशिक सुधार से संबंधित रही है। इसमें क्षेत्र प्रजनन पर व्यापक कार्य, प्रजनन में माइक्रोस्पोर-चालित डबल हैप्लोइड्स (डीएच) का उपयोग, ट्रांसजेनिक विकास और मार्कर-असिस्टेड ब्रीडिंग में आणविक मैपिंग और जीनोम अनुक्रमण का अनुप्रयोग शामिल है। इस कार्य के माध्यम से कुछ सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकरों का विकास किया गया है, बेहतर गुणवत्ता और व्हाइट रस्ट प्रतिरोध लाइनों के साथ कई शुद्ध लाइनें और हेटरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक संयोजनों की पहचान की गई है। केंद्र ने सात महत्वपूर्ण तिलहन सरसों की पंक्तियों के जीनोम को अनुक्रमित किया है जो महत्वपूर्ण लक्षणों के लिए कैंडिडेट जीनों की पहचान करने में मदद करेगा और महत्वपूर्ण क्यूटीएल और जीनों के विविधीकरण में भी मदद करेगा।

प्रकाशन

हार्पर, ए.; ही, जेड.; लेंगर, एस.; हैवलिकोवा, एल.; वांग, एल.; फेलगेट, ए.; गुप्ता, वी.; प्रधान, ए.के.; बैनक्रॉफ्ट, आई. (2020)। वैलीडेशन ऑफ एन एसोसिएटिव ट्रांसक्रिप्टॉमिक्स प्लेटफॉर्म इन दि पॉलीप्लोइड कॉप स्पीसीज़ ब्रैसिका जंकिया बाइ डिसेक्शन ऑफ थे जेनेटिक आर्किटेक्चर ऑफ एगोनोमिक एंड क्वालिटी ट्रेट्स। दि प्लांट जे. 103, 1885-1893.

अरोड़ा, एच., के. पद्मजा, एल., पारितोष, के., मुखी, एन., तिवारी, एके, मुखोपाध्याय, ए., गुप्ता, वी., प्रधान, एके, पेंटल, डी. (2019)। बीआईजेडब्ल्यूआरआर1, ए सीसी-एनबी-एलआरआर जीन आइडेंटिफाईड इन ब्रैसिका जंकिया, कॉन्फर्स रेसिसटेंस टु व्हाइट रस्ट कॉज़्ड बाइ एल्बुगो कैंडिडा। थ्योर एपल जेनेट 132:2223-2236.

कुमार, पी.; यादव, एस.; सिंह, पी.; भयाना, एल.; मुखोपाध्याय, ए.; गुप्ता, वी.; बिष्ट, एन.; झांग, जियानवेई, के., डेविड; सी., डारियो, डब्ल्यू., रॉड; आर., प्रधान, ए.वी., पेंटल, डी. ए क्रोमोसोम-स्केल असेंबली ऑफ एलोटेट्राप्लोइड ब्रैसिका जंकिया (एएबीबी) एलुसिडेट्स कॉम्पैरिटिव आर्किटेक्चर ऑफ दि ए एंड बी जीनोम्स। प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जे. 19, 602-614.

लतिका, बी., कुमार पी., अरोड़ा, एच., यादव, एसके, सिंह, पी., नंदन, डी., मुखोपाध्याय, ए., गुप्ता, वी., प्रधान, एके, पेंटल, डी. (2020) ए मैण्ड फोकस ऑन एलजी ए6 ऑफ ब्रैसिका जंकिया लाइन टुमिडा कॉन्फेरिंग रेजिस्टेंस टु व्हाइट रस्ट कंटेंस ए सीएनएल टाइप आर जीन। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस 10, 1690.

पारितोष, के., प्रधान, एके, पेंटल, डी. (2020)। ए हाइली कंटेंजियस जीनोम असेंबली ऑफ ब्रैसिका नाइग्रा (बीबी) एंड रिवाज्ड नोमॅक्लेचर फॉर दि सूडो क्रोमोज़ोम्स। बीएमसी जीनोमिक्स, 21:887.

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना रेपसीड और सरसों द्वारा मार्कर-सहायता प्राप्त बैकक्रॉस प्रजनन के माध्यम से विकसित चार व्हाइट रस्ट प्रतिरोधी सरसों की पंक्तियों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

सेंटर फॉर इनोवेशन इन इंफेक्शियस डिजीज़ रिसर्च, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईडीआईटी) की स्थापना अक्टूबर 2015 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-क के तहत की गई थी। इसके अधिदेश के अनुसार,

पथ-प्रदर्शक नवाचार-संचालित अनुसंधान करने के अलावा, सीआईआईडीआईटी ने अनेक संपर्क संबंधी गतिविधियों को संचालित रहा है, जिसमें विज्ञान विषयक्षेत्र के महाविद्यालय के छात्रों के साथ किए जाने वाला संपर्क भी शामिल है ताकि उन्हें उनके कैरियर के रूप में अनुसंधान और नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सीआईआईडीआईटी ने ऐसे अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिकों द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किए हैं जो वैज्ञानिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में अपने क्षेत्र में अग्रणी हैं। सीआईआईडीआईटी ने 'उद्यमशीलता अतिथि सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला' के माध्यम से उद्योग-अकादमी वार्ताओं का आयोजन किया है, जिसमें उद्यमियों और नवाचार के सूत्रधारों के व्याख्यान शामिल हैं। सीआईआईडीआईटी अकादमिक और उद्योग दोनों के वैज्ञानिकों को विशेषज्ञ सलाह के साथ-साथ अत्याधुनिक प्रोटीओमिक और जीनोमिक विश्लेषणात्मक सुविधाएं प्रदान कर रहा है, और बायोटेक उद्योग को परामर्श प्रदान करता है। सीआईआईडीआईटी 'जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार के लिए सतत शिक्षा और कौशल वृद्धि (सीआईआईडीआईटी -सीईएसआईबी) योजना के तहत उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से जीनोमिक्स और प्रोटीओमिक्स के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। इन पाठ्यक्रमों में महाविद्यालय के विद्यार्थी, स्नातक विद्यार्थी, शोध विद्वान, वैज्ञानिक और महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों के शिक्षक भाग लेते हैं। 2020 में, सीआईआईडीआईटी ने कोविड-19 के लिए अभिनव निदान और चिकित्सा विज्ञान विकसित करने पर काम शुरू किया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. विनय के. चौधरी

1 जनवरी 2021 से 3 वर्ष की अवधि के लिए एनएसआई प्लेटिनम जुबली वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में शामिल हुए।

1 सितंबर 2020 - 31 दिसंबर 2020 तक एनएसआई मानद वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया।

दिसंबर 2020 से दो वर्ष के लिए रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (आरसीबी), फरीदाबाद में सहयोजित प्रोफेसर के रूप में नियुक्त।

"संक्रामक रोग जीव विज्ञान" पर डीबीटी टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष।

डीबीटी एनईआर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी-II के सह-अध्यक्ष

वैज्ञानिक और तकनीकी मूल्यांकन और सलाहकार समूह (एसटीएजी), चिकित्सा जैव-प्रौद्योगिकी, डीबीटी के सदस्य

वैज्ञानिक और तकनीकी मूल्यांकन और सलाहकार समूह (एसटीएजी), चिकित्सा जैव-प्रौद्योगिकी, डीबीटी-एनईआर के सदस्य

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संगठन (टीटीओ) संबंधी डीबीटी विशेषज्ञ समूह के सदस्य

आईपी एंड टेक. प्रबंधन सलाहकार समिति-बीआईआरएसी के सदस्य

मेंटर, नेक्सस @ अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली

डॉ. अमिता गुप्ता

सोसाइटी फॉर बैक्टेरियोफेज रिसर्च एंड थेरेपी (एसबीआईटी) के संयुक्त सचिव

पुरस्कार

डॉ. विजय चौधरी को 1 जनवरी 2021 से 3 वर्ष की अवधि के लिए एनएसआई प्लेटिनम जुबली वरिष्ठ वैज्ञानिक फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग - जैव-प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (डीबीटी-बीआईआरएसी) ने 25 नवंबर 2020 को राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत कोविड-19 कंसोर्टियम के लिए रणनीतिक वित्त-पोषण के अंतर्गत "कोविड-19 के लिए चिकित्सीय एंटीबॉडी" नामक परियोजना को वित्त-पोषित किया है, जिसकी कुल लागत 16.5664 करोड़ रुपये है और 15 महीने के लिए सीआईआईडीआईटी, यूडीएससी को 10.705 करोड़ की सहायता और मेसर्स जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड को 5.8614 करोड़ रु. की सहायता प्रदान की गई है।

प्रकाशन

वर्मा, वी., जोशी, जी., गुप्ता, ए., और चौधरी, वी. के. (2020). एन एफिशिएंट ओआरएफ सेलेक्शन सिस्टम फॉर डीएनए फ्रेगमेंट पुस्तकालय बेस्ड ऑन स्प्लिट बीटा-लैक्टामेज कॉम्प्लिमेंटेशन। प्लस वन, 15(7), ई0235853.

वर्मा, वी., गुप्ता, ए., और चौधरी, वी. के. (2020)। इमल्शन पीसीआर मेड ईजी। बायोटेक्निक्स, 69(1), 64-69.

प्रदान किए गए/प्रकाशित पेटेंट

एन एंटीबॉडी फ्रेगमेंट पुस्तकालय एंड यूज देयरऑफ; ईपी आवेदन संख्या - 18882787.7, 29/06/20 को दाखिल किया गया।

एन एंटीबॉडी फ्रेगमेंट पुस्तकालय एंड यूज देयरऑफ; यूएस पेटेंट आवेदन संख्या-16/768,116, 29/05/2020 को दाखिल किया गया।

सम्मेलनों में प्रकाशन

प्रो. विजय के. चौधरी ने 24 फरवरी 2021 को आयोजित डीबीटी वेलकम ट्रस्ट आईएवीआई के सहयोग से आयोजित कोविड थेराप्यूटिक्स पर वैश्विक वेबिनार में भाग लिया और उसमें प्रस्तुतीकरण पेश किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कोविड-19 के लिए चिकित्सीय एंटीबॉडी के विकास के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैंपस (यूडीएससी) और जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, पुणे के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

जामिया मिलिया इस्लामिया के एक एमएससी विद्यार्थी ने सीआईआईडीआईटी, यूडीएससी में शोध-प्रबंध अनुसंधान कार्य किया। उन्हें एसएआरएस-सीओवी2 प्रोटीन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और परिष्करण में प्रशिक्षित किया गया था।

कोई अन्य जानकारी

प्रोफेसर योगेंद्र सिंह, प्राणिविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, जो सीआईआईडीआईटी की स्थापना के बाद से ही इसके सदस्य रहे हैं, ने सितंबर 2020 में प्रोफेसर विजय चौधरी की सेवानिवृत्ति के बाद निदेशक, सीआईआईडीआईटी के रूप में पदभार ग्रहण किया।

पर्वत और पहाड़ी अंतर-विषयक अध्ययन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र ने ऊर्जा क्षेत्र के पर्यावरण प्रभाव आकलन और नदी घाटियों के पर्यावरण संवेदनशीलता अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है; विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने 2001-2002 में इसे उत्कृष्टता केंद्र के रूप में

मान्यता दी। बाद में इसे विद्युत क्षेत्र में पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन के मुद्दों से संबंधित अध्ययन करने के लिए एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था। केंद्र ने अब तक पूरे भारत में पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और जैव-विविधता संरक्षण से संबंधित 60 से अधिक अध्ययन किए हैं। केंद्र भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों, इसके सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और सतत विकास के क्षेत्र में विशेषज्ञ सलाह और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है। केंद्र में पारिस्थितिकी, जैव-विविधता संरक्षण प्रबंधन, जलीय पारिस्थितिकी, रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्र में एक अत्याधुनिक अवसंरचना और व्यापक विशेषज्ञता उपलब्ध है। केंद्र ने सतत विकास के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की सहायता करने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केंद्र में संकाय सदस्य और वैज्ञानिक भी पर्यावरण अध्ययन विभाग के पूर्णकालिक शिक्षण कार्यक्रमों में लगे हुए हैं और केंद्र में पीएच.डी. स्तर पर शोध का मार्गदर्शन करते हैं।

सम्मान/गौरव

प्रोफेसर महाराज के. पंडित, निदेशक

एन एन कोंग्सी विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर, सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

ब्रिक्स विज्ञान अकादमी में भारतीय (आईएनएसए) प्रतिनिधि

जी20 विज्ञान अकादमियों में भारतीय (आईएनएसए) प्रतिनिधि

प्रकाशन

अरोड़ा, जे. और अन्य. (2020). आईएपीटी गुणसूत्र डेटा 33/1. टैक्सोन, 69, ई3-ई4.

बावा, के.एस. और अन्य. (2020)। चीन और भारत: एक स्थायी दुनिया की ओर। साइंस, 369:515.

कौशिक और अन्य. (2020). कॉन्ट्रास्टिंग कम्पोजीशन, डाइवर्सिटी एंड प्रीडिक्टिव मेटाबोलिक पोटेन्शियल ऑफ दि राइजोबैक्टीरियल माइक्रोबायोम एसोसिएटेड विद नेटिव एंड इन्वेसिव प्रोसोपिस कंजेनर्स। करंट माइक्रोबायोलॉजी, 78: 2051-2060.

कौशिक और अन्य. (2020). पलुडिस्फेरा साइल स्प. नोव., पश्चिमी हिमालय में उच्च ऊंचाई वाली मिट्टी से पृथक आइसोस्फेरेसी परिवार का एक नया सदस्य। एंटीमोनो बैन लीउवेनहोएक, 113: 1663-1674.

पंडित, एम.के. (2020). हिमालय एक प्रकृति रिजर्व होना चाहिए। नेचर, 583: 9.

संपादन मंडल में संपादकों/सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे विभाग के शिक्षकों की संख्या:

कुल चार (4)

जर्नलों में, नामतः PloS One; प्लोस वाटर; डाइवर्सिटी एंड रिसर्च एंड रिपोर्ट्स इन बायोलॉजी

अनुसंधान परियोजनाएं

"पूर्व-मानसून मौसम के लिए सिलेरू पंप भंडारण परियोजना, आंध्र प्रदेश के लिए ईआईए अध्ययन के लिए पारिस्थितिक अध्ययन", वैपकोस लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा, 2020-21, 5.16 (लाख) रुपये + जीएसटी।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग :

पारिस्थिकीय सर्वेक्षण एवं नदी घाटी अध्ययन

वैपकोस लिमिटेड, गुड़गांव

जैव-विविधता अध्ययन

आरएस एनवायरॉलिक टेक्नॉलॉजीज़, गुड़गांव

संकाय सदस्य संख्या : स्थायी/अस्थायी/तदर्थ/संविदा आधार:

स्थायी - 1; संविदा आधार पर - 2

उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, देश के सर्वश्रेष्ठ एचआरडीसी में से एक है और वर्ष भर संचालित किए जाने वाले अपने गतिशील और अंतःविषय कार्यक्रमों के लिए विख्यात है। शिक्षकों के समग्र व्यावसायिक विकास और बौद्धिक विकास में योगदान देने के उद्देश्य से तैयार किए गए ये पाठ्यक्रम साथ ही साथ इसके शिक्षकों का विकास करने के माध्यम से छात्रों के विकास में भी सहायता करते हैं। यहां संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में भाग लेने वाले शिक्षक सर्वाधिक प्रभावी शिक्षण पद्धति और रचनात्मक पाठ्यक्रम तैयार करने के तौर-तरीकों के बारे में सीखते हैं। ये पाठ्यक्रम शिक्षकों को शिक्षण के दौरान आईसीटी, ई-अध्ययन विधियों को एकीकृत करने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं जो न केवल युवा विचारों को अधुनातन बनाते हैं बल्कि छात्रों की क्षमताओं को भी एक निश्चित स्तर तक बनाए रखते हैं। यह प्रक्रिया आगे संकाय को अपनी कक्षा शिक्षण विधियों में सुधार करने के लिए कक्षाओं को अधिक संवादात्मक/अभिनव सत्र के रूप में परिवर्तित कर और समृद्ध शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लिए परस्पर वार्ता का एक परिवर्तनकारी मंच बनाने के लिए प्रेरित करता है। इस चिंता को ध्यान में रखते हुए पाठ्यचर्या को समकालीन समय की आवश्यकताओं के अनुसार अंतःविषयक बनाया गया है। इसकी व्याख्या हाल में ही संचालित किए गए ऑनलाइन कार्यक्रमों से और भी स्पष्ट रूप से की जा सकती है, जिन्हें हजारों शिक्षक प्रतिभागियों के साथ देश भर के सर्वोत्तम संभव विशेषज्ञों के साथ गठबंधन करते हुए कुशलतापूर्वक आयोजित किया गया था। चल रही महामारी की स्थिति के बावजूद, सीपीडीएचई ने 8 ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और 9 ऑनलाइन लघु-अवधि पाठ्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित की, जिसमें पूरे देश के विश्वविद्यालयों/कॉलेजों से शिक्षण से जुड़े संकाय-सदस्यों में से क्रमशः 413 और 637 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विविध जनसांख्यिकीय विशेषताओं वाले शिक्षकों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रतिभागिता की। सीपीडीएचई को पूरे देश से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। सीपीडीएचई न केवल विश्वविद्यालय के कॉलेजों और विभागों के शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मुख्य केंद्रों में से एक है, बल्कि देश के सुदूरवर्ती कोने में स्थित ऐसे हजारों संकाय-सदस्यों के लिए भी एक ऐसा केंद्र है, जो वर्तमान में मुख्यधारा में संचालित किए जाने वाले शिक्षण से नहीं जुड़े हैं।

प्रकाशन

सिंह, जी. (2020). नागरिकता संशोधन अधिनियम तथ्य एवं सत्य: एक बौद्धिक विमर्श। नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन.. आईएसबीएन नंबर 978-93-90378-16-6.

आयोजित सम्मेलन

'पाथ टु सेल्फ: योग एंड मेडिटेशन' विषय पर योग और ध्यान-विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी), 17.06.2020 - 30.06.2020, प्रतिभागी 42.

'राष्ट्र और पीढ़ी निर्माण में शोधकारिता, मीडिया और सिनेमा की भूमिका' विषय पर शोधकारिता, मीडिया और सिनेमा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी), 20.07.2020 - 01.08.2020, प्रतिभागी 102.

'रासायनिक विज्ञान में प्रगति' विषय पर रसायन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी), 27.10.2020 10.11.2020, प्रतिभागी 40.

'सतत पर्यावरण की ओर' विषय पर पर्यावरण अध्ययन, जल, पृथ्वी और पर्यावरण में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी), 27.10.2020 - 10.11.2020, प्रतिभागी 28.

चिंतन और व्यवहार विज्ञान विभाग, श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा के सहयोग से "आत्मनिर्भर भारत : 21वीं सदी में भारत, समकालीन शिक्षा और व्यवहार में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर संकाय विकास कार्यक्रम 2020", 05/11/2020 - 19/11/2020, प्रतिभागी 72.

'शून्य से अनंत तक: यात्रा ज्ञान की' विषय पर गणित/प्रचालनात्मक अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 02.12.2020 - 15.12.2020, प्रतिभागी 30.

'जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी: हाल के रुझान, प्रगति और चुनौतियां' विषय पर जीवन-विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, 25.01.2021 - 08.02.2021, प्रतिभागी 32.

भारतीय लोकगीत, संस्कृति और परंपराओं में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी), 10.02.2021 - 23.02.2021, प्रतिभागी 49.

'भारतीय दर्शन: संस्कार, संस्कृति, शिक्षा एवं वैश्विक पहचान' विषय पर भारतीय दर्शन : संस्कार, संस्कृति और वैश्विक मान्यता में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी), 10.02.2021 - 23.02.2021, प्रतिभागी 90.

'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण' विषय पर ई-सामग्री/एमओओसी विकास और वितरण पर लघु अवधि पाठ्यक्रम, 15.05.2020 - 17.05.2020, प्रतिभागी 109.

'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण' विषय पर ई-सामग्री विकास और ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र पर कार्यशाला, 23.05.2020 - 29.05.2020, प्रतिभागी 73.

'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण' विषय पर एमओओसी, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और मुक्त शैक्षिक संसाधनों पर कार्यशाला, 23.05.2020 - 29.05.2020, प्रतिभागी 63.

'व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व कौशल' विषय पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी-1) पर कार्यशाला, 25.07.2020 - 31.07.2020, प्रतिभागी 44.

'राष्ट्रीय शिक्षा : नीति, निति, मार्गदर्शन एवं अनुसंधान' विषय पर पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर्स/पोस्ट-डॉ.क्टरल फेलो के लिए संवादात्मक कार्यक्रम पर कार्यशाला, 10.09.2020 - 16.09.2020, प्रतिभागी 85.

'पुनरुत्थान के लिए अनुसंधान' विषय पर अनुसंधान पद्धति (आरएम-1) पर कार्यशाला, 10.09.2020 - 16.09.2020, प्रतिभागी 63.

'पुनरुत्थान के लिए अनुसंधान' विषय पर अनुसंधान पद्धति (आरएम-2) पर कार्यशाला, 06.01.2021 - 12.01.2021, प्रतिभागी 34.

'व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व कौशल' विषय पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी-2) पर कार्यशाला, 19.01.2021 - 25.01.2021, प्रतिभागी 26.

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका (एनईपी): जागरूकता, अभिविन्यास, चुनौतियां और प्रतिक्रिया' विषय पर शिक्षाविदों (मध्य स्तर/वरिष्ठ स्तर) के लिए अकादमिक नेतृत्व कार्यक्रम पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम, 22.03.2021, प्रतिभागी 140.

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

अकादमिक योगदान : प्रो. गीता सिंह, निदेशक, सीपीडीएचई

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों में अकादमिक सत्रों की अध्यक्षता/आमंत्रित व्याख्याता, प्रस्तुतीकरण अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, महु, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 4 मार्च 2021 को व्याख्यान दिया।

शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की 113वीं जयंती पर 28 सितंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 फरवरी 2021 को आयोजित वार्षिक पूर्व-विद्यार्थी समारोह 2021 में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

24 अक्टूबर 2020 को महिला सशक्तिकरण समिति, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 'आपके भीतर शक्ति (दुर्गा)' विषय पर व्याख्यान दिया।

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश द्वारा 05/10/2020 से 07/11/2020 तक आयोजित प्रथम गुरु दक्षता संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम की संगोष्ठी प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश द्वारा 28/08/2020 को आयोजित योग और ध्यान के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतःविषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम की संगोष्ठी प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।

20 फरवरी 2020 को ईश्वर सरन पीजी महाविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संकाय अधिष्ठापन प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ इंस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा 30 अगस्त, 2019 को आयोजित "शिक्षक प्रशिक्षण पर कार्यशाला" में भाग लिया।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, भारत सरकार, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 6-7 जुलाई, 2019 को आयोजित "भागीदारीपूर्ण शिक्षण और कार्य के साथ ग्रामीण जुड़ाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।

अन्ना विश्वविद्यालय, चेनाई, तमिलनाडु द्वारा 14 मई, 2019 को आयोजित "एमओओसीएस के लिए स्वयं 2.0 पर तकनीकी उत्पादन" विषय पर कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

सीपीडीएचई में आयोजित कार्यक्रम

चिंतन और व्यवहार विज्ञान विभाग, श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा के सहयोग से 05/11/2020 से 19/11/2020 तक "आत्मनिर्भर भारत: 21वीं सदी में भारत, समकालीन शिक्षा और व्यवहार में भारतीय ज्ञान प्रणाली" विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम 2020".

27.10.2020 से 10.11.2020 तक 'रासायनिक विज्ञान में प्रगति' विषय पर रसायन-विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी)।

27.10.2020 से 10.11.2020 तक 'सतत पर्यावरण की ओर' विषय पर पर्यावरण अध्ययन, जल, पृथ्वी और पर्यावरण (आईडीसी) में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

10.02.2021 से 23.02.2021 तक भारतीय लोकगीत, संस्कृति और परंपराओं में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी)।

10.02.2021 से 23.02.2021 तक भारतीय दर्शन: संस्कार, संस्कृति, शिक्षा एवं वैश्विक पहचान' विषय पर 'भारतीय दर्शन: संस्कार, संस्कृति और वैश्विक मान्यता में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी)।

20.07.2020 से 01.08.2020 तक 'राष्ट्र और पीढ़ी निर्माण में शोधकारिता, मीडिया और सिनेमा की भूमिका' विषय पर शोधकारिता, मीडिया और सिनेमा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी)।

25.01.2021 से 08.02.2021 तक 'जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी: हाल के रुझान, अग्रिम और चुनौतियां' विषय पर जीवन विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

02.12.2020 से 15.12.2020 तक 'शून्य से अनंत तक: यात्रा ज्ञान की' विषय पर गणित/प्रचालनात्मक अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

17.06.2020 से 30.06.2020 तक 'स्वयं तक का मार्ग: योग और चिंतन' विषय पर योग और ध्यान के विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी)।

23.05.2020 से 29.05.2020 तक 'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण' विषय पर ई-सामग्री विकास और ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र पर कार्यशाला।

10.09.2020 से 16.09.2020 तक 'राष्ट्रीय शिक्षा : निति, निति, नेतृत्व एवं अनुसंधान' विषय पर पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर्स/पोस्ट-डॉ.क्टरल फेलो के लिए पारस्परिक-संपर्क कार्यक्रम पर कार्यशाला।

25.07.2020 से 31.07.2020 तक 'व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व कौशल' विषय पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी -1) पर कार्यशाला।

19.01.2021 से 25.01.2021 तक 'व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व कौशल' विषय पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी -2) पर कार्यशाला।

23.05.2020 से 29.05.2020 तक 'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी टूल्स' विषय पर एमओओसीएस, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और मुक्त शैक्षिक संसाधनों पर कार्यशाला।

10.09.2020 से 16.09.2020 तक 'पुनरुद्धार के लिए अनुसंधान' विषय पर अनुसंधान पद्धति (आरएम -1) पर कार्यशाला।

06.01.2021 से 12.01.2021 तक 'पुनरुद्धार के लिए अनुसंधान' विषय पर अनुसंधान पद्धति (आरएम -2) पर कार्यशाला।

15.05.2020 से 17.05.2020 तक 'ऑनलाइन शिक्षण के लिए आईसीटी उपकरण' विषय पर ई-सामग्री/एमओओसी विकास और वितरण पर लघु अवधि पाठ्यक्रम।

22.03.2021 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में शिक्षकों की भूमिका: जागरूकता, अभिविन्यास, चुनौतियां और प्रतिक्रियाएं' विषय पर शिक्षाविदों (मध्य स्तर/वरिष्ठ स्तर) के लिए अकादमिक नेतृत्व कार्यक्रम पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम।

विभिन्न समितियों में सदस्य के रूप में नियुक्त और नामनिर्दिष्ट (48)

27-28 जनवरी 2021 तक श्री दुर्गा मल्लेश्वर सिद्धार्थ महिला कलाशाला, वेंकटेश्वरपुरम, लब्बीपेट, विजयवाड़ा, तेलंगाना के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य।

28 दिसंबर, 2020 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र की पीएच.डी. थीसिस परीक्षा के सदस्य।

19-20 मार्च 2020 को श्री दुर्गा मल्लेश्वर सिद्धार्थ महिला कलाशाला, वेंकटेश्वरपुरम, लब्बीपेट, विजयवाड़ा, तेलंगाना के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य।

शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी), उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, (11 मार्च, 2020) के प्रबंधन बोर्ड के लिए यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट।

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश के शासी निकाय के लिए यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट (06 मार्च, 2020)।

श्री शारदा महिला महाविद्यालय, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु के शासी निकाय के लिए यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट (6 मार्च, 2020)।

01 से 05 मार्च 2020 को द्रब्या शाह मल्टीपल कैंपस, गोरखा, नेपाल के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य।

14 अक्टूबर 2019 को जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश की पीएच.डी. थीसिस की मौखिक परीक्षा के सदस्य।

स्पाइसर एडवेंटिस्ट यूनिवर्सिटी, पुणे, महाराष्ट्र की स्पोर्ट मूल्यांकन समिति (यूजीसी) के सदस्य (14 सितंबर, 2019)।

निदेशक एचआरडीसी, डॉ. एचजी विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के शिक्षण पदों के लिए चयन समिति में कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 22.08.2019।

मानव संसाधन विकास केंद्र, सागर, मध्य प्रदेश की अकादमिक सलाहकार समिति के लिए कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (24 मई, 2019)।

सेंट क्रिस्टोफर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, चेन्नई, तमिलनाडु के शासी निकाय के लिए यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट (1 मई, 2019)।

किंडर किन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पानीपत, हरियाणा की चयन समिति के लिए कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (15 फरवरी, 2019)।

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद की पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप (पीडीएफ) 2017-19 के वार्षिक व्यापक रिपोर्ट मूल्यांकन के लिए नामनिर्दिष्ट विशेषज्ञ, फरवरी 2019।

प्रशांत चंद्र महालनोबिस महाविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (30-31 जनवरी, 2019) के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य।

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) के पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप (पीडीएफ) 2017-19 के वार्षिक व्यापक रिपोर्ट मूल्यांकन के सदस्य (21 जनवरी, 2019)।

छत्रपति शिवाजी कला महाविद्यालय, पूर्णा, महाराष्ट्र के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य (21-22 जनवरी, 2019)।

स्पॉट मूल्यांकन समिति, डायमंड हार्बर विमेंस यूनिवर्सिटी, डायमंड हार्बर, पश्चिम बंगाल के लिए यूजीसी की ओर से नामनिर्दिष्ट, जनवरी 2019.

महाराजा कृष्ण कुमार सिंह जी भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर, गुजरात के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य (8-12 अगस्त, 2018)।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के लिए विजिटर के नामिती (26 जुलाई, 2018)।

एकेडेमिक काउंसिल ऑफ आर्य महिला पी.जी. महाविद्यालय, चेतगंज, वाराणसी, उत्तर प्रदेश की अकादमिक परिषद के लिए यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट (04.06.2018)।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान की अकादमिक परिषद के कुलाधिपति द्वारा नामनिर्दिष्ट (19.05.2018)।

विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसाइटी, अमरावती के प्रो. राजाभाऊ देशमुख कला महाविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र, अक्टूबर 2017 के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य।

महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र के शिक्षण पद के लिए साक्षात्कार पैनल में विषय विशेषज्ञ/विश्वविद्यालय द्वारा विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसाइटी, अमरावती के प्रो. राजाभाऊ देशमुख कला महाविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र, अक्टूबर 2017 के पीयर टीम रिव्यू (NAAC) के सदस्य।

महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र के शिक्षण पद के लिए साक्षात्कार पैनल में विषय विशेषज्ञ/विश्वविद्यालय द्वारा नामनिर्दिष्ट सदस्य।

श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य, मई 2017.

श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, मई 2017 के पीयर टीम रिव्यू (एनएएसी) के सदस्य।

24.01.2017 को चौधरी प्रताप सिंह मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गुड़गांव, हरियाणा के सहायक प्रोफेसर और लाइब्रेरियन के पद के लिए साक्षात्कार पैनल में विषय विशेषज्ञ/विश्वविद्यालय द्वारा नामनिर्दिष्ट सदस्य।

उत्तर कामरूप महाविद्यालय, असम के सहयोगी दल समीक्षा (एनएएसी) के सदस्य, जनवरी 2017.

एन.एस. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सोनीपत, हरियाणा के शिक्षण स्टाफ की चयन समिति के लिए कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 23.12.2016.

एमडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बहादुरगढ़, हरियाणा के शिक्षण पदों के लिए चयन समिति में कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 18.10.2016.

17.10.2016 को चौधरी प्रताप सिंह मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गुड़गांव, हरियाणा में प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए साक्षात्कार पैनल में विषय विशेषज्ञ/विश्वविद्यालय द्वारा नामनिर्दिष्ट सदस्य।

राव दलीप सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पटौदी, गुड़गांव, हरियाणा के प्रधानाचार्य और सहायक प्रोफेसर के पद के लिए चयन समिति में कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 07.10.2016.

एन.एस. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सोनीपत, हरियाणा में शिक्षा में प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक पद के लिए चयन समिति में कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 06.10.2016.

उन्नत शिक्षा संस्थान, औरंगाबाद, पलवल के शिक्षण पदों के लिए चयन समिति में कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 07.09.2016.

वैकटेश्वर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सोनीपत, हरियाणा के शिक्षण पदों के लिए चयन समिति में कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट, 05.09.2016.

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय के स्थानीय कार्यक्रम योजना और प्रबंधन समिति के बोर्ड में एक सदस्य के रूप में नियुक्त (अप्रैल 2016 से)।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की प्रशिक्षण सलाहकार समिति के सदस्य।

चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा की अकादमिक परिषद के सदस्य।

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान की अकादमिक परिषद में कुलाधिपति (राज्यपाल) द्वारा नामनिर्दिष्ट।

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार के ईएमएमआरसी के मनोनीत सदस्य।

अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के ईएमएमआरसी के मनोनीत सदस्य।

महात्मा गांधी महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरा, केरल के सीपीई के मनोनीत सदस्य।

मनोनीत सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार।

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय की स्थानीय कार्यक्रम योजना और प्रबंधन समिति के बोर्ड में एक सदस्य के रूप में नियुक्त।

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश की स्थानीय कार्यक्रम योजना और प्रबंधन समिति के बोर्ड में सदस्य के रूप में नियुक्त।

शैक्षणिक सलाहकार समिति, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड में यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट।

शैक्षणिक सलाहकार समिति, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश में यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट।

अकादमिक सलाहकार समिति, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली में यूजीसी द्वारा नामनिर्दिष्ट।

शैक्षणिक सलाहकार समिति, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्तर-पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय में यूजीसी द्वारा द्वारा नामनिर्दिष्ट।

क्लस्टर नवाचार केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

11 अप्रैल 2020 को, सीआईसी के बी.टेक छात्रों ने मेजर लीग हैकिंग (एमएलएच) के सहयोग से एक ऑनलाइन हैकथॉन हैकसीआईसी का आयोजन किया। इसके लिए विभिन्न संस्थानों जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, किंग्स कॉलेज लंदन, सेंट मार्क स्कूल, नई दिल्ली, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी की ओर से 4 से 5 दिनों के भीतर 90 से भी अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए।

22 फरवरी 2021 को, परियोजना पूर्णता शोध के माध्यम से प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार के कार्यालय ने "विज्ञान और गणित में संभावित रूप से प्रतिभाशाली बच्चों के लिए प्रक्रिया आधारित पहचान और सलाह प्रथाओं की स्थापना" परियोजना के तहत परियोजना दल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की, जिसके सदस्य थे : प्रो. ज्योति शर्मा (पीआई), प्रो. पंकज त्यागी (सह-पीआई), प्रो. शोभा बगई (सह-पीआई) और प्रो. बी. बिस्वाल (सह-पीआई), क्लस्टर नवाचार केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय। परियोजना के तहत किए गए कार्यों ने नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) में गिफ्टेड एजुकेशन की अवधारणा को एकीकृत करने में मदद की है।

सम्मान/गौरव

प्रो. दीनबंधु साहू, निदेशक, क्लस्टर नवाचार केंद्र और प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 7 दिसंबर 2020 को फकीर मोहन विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया।

प्रो. शोभा बगई को दिल्ली राज्य के उपमुख्यमंत्री द्वारा 19 मार्च 2021 को नई शिक्षा संहिता के तहत "राष्ट्रीय महत्व के संस्थान/राष्ट्रीय प्रतिष्ठा संस्थान/सार्वजनिक विश्वविद्यालय में शीर्ष डिजिटल एनबलर्स" की श्रेणी में विजेता के रूप में सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अहमद एम., सिंह एस., भादुड़ी ए. (2020). शहरी अंतरिक्ष में एक साप्ताहिक महिला बाजार का मामला अध्ययन : महिला बाजार, शहरी भारत 40 (द्वितीय): 171-177.

अरोड़ा, एस., जैन, आर., और सिंह, एच.पी. (2020). वर्तमान साक्ष्य के आधार पर संचरण को नियंत्रित करने के लिए एसएआरएस-सीओवी-2 (कोविड-19) के महामारी विज्ञान मॉडल: एक व्यवस्थित समीक्षा। (डीओआई: 10.20944/प्रिंट्स202007.0262.वी1)।

अरोड़ा, एस., सिंह, एच.पी., सहोता, एल., अरोड़ा, एम.के., आर्य, आर., सिंह, एस., ... और सिंह, ए. (2020)। फोटोवोल्टिक थर्मल (पीवीटी)-कंपाउंड पैराबोलिक कॉन्सट्रेटर (सीपीसी) कलेक्टर का प्रदर्शन और लागत विश्लेषण सीएनटी-पानी आधारित नैनोफ्लुइड्स का उपयोग करके अभी भी एकीकृत सौर। विलवणीकरण, 495, 114595।

बगई, एस., और इसर, के. (2020). पेंटागोनल टाइलिंग में कॉम्प्लेक्स नंबर और मैट्रिक्स ट्रांसफॉर्मेशन का अनुप्रयोग। रेजोनेंस, 25(10), 1369-1384.

बगई, एस., कुमार, एम., और पटेल, ए. (2020). स्ट्रीम फंक्शन-वोटिसिटी फॉर्मूलेशन का उपयोग करके चार-तरफा डक्कन-चालित साइनसाइडली उष्मित छिद्रित कैविटी में मिश्रित संवहन। एसएन एप्लाइड साइंसेज, 2(12), 1-24.

दावा, डी., और अर्जुन, वी. (2021). संशोधित यूनिवर्सल सॉयल लॉस इक्वेशन (रसल) का उपयोग करके भारतीय हिमालयी क्षेत्र में संभावित कटाव-प्रवण क्षेत्रों की पहचान करना। एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन, 18(1), 15-23.

दुबे, एन., खान, एम.जेड., कुमार, एस., शर्मा, ए., दास, एल., भादुड़ी, ए.,...और नंदीकूरी, वी. के. (2021). माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पीपीआईए रोग की प्रगति को तेज करने के लिए मेजबान इंटीग्रिन रिसेप्टर के साथ सम्पर्क करता है। दि जर्नल ऑफ इनफेक्शियस डिजीजेज़।

खुराना, एस., कुकरेती, एस., और कौशिक, एम. (2021). साइट्रेट रिड्यूस्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स पर आधारित टू-स्टेज वर्णमितीय संवेदी रणनीति तैयार करना: सेंगुइनारिन (कैंसर-रोधी दवा) का अनुक्रमिक पता लगाना और डीएनए का दृश्य संवेदिता। स्पेक्ट्रोचिमिका एक्टा पार्ट ए: मॉलीक्यूलर एंड बायोमॉलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 246, 119039.

कुमार, एम., कौशिक, एम., और कुकरेती, एस. (2020). डिज़ाइन किए गए डीएनए अनुक्रमों के विभिन्न संरचनात्मक रूपों (क्रूसिफॉर्म, उभार डुप्लेक्स और हेयरपिन) के साथ एक फोटोसेंसिटाइज़र मेथिलीन ब्लू की सहभागिता। स्पेक्ट्रोचिमिका एक्टा पार्ट ए: मॉलीक्यूलर एंड बायोमॉलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 242, 118716.

कुमार, एस., शर्मा, ए., और सिंह, एच.पी. (2021). कन्वर्जेंस एंड ग्लोबल स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ फ्रैक्शनल डिफरेंशियल बाउंड्री वैल्यू मेथड्स फॉर फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन विद डिफेरेन्स। कैओस, सॉलिटॉन और फ्रैक्टल्स, 144, 110648.

कुमार, एस. (2020). भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान प्रक्रिया प्रबंधन सॉफ्टवेयर उपयोग का आकलन। डिजिटल एनालाइटिक एप्लिकेशंस इन इंडस्ट्री में (पीपी. 409-419), सिंगापुर, स्पिंगर।

कुमारी, पी., सिंह, एच.पी., और सिंह, एस. (2021). अभिनव कोरोनावायरस (कोविड-19) के प्रसार के लिए एसईआईएक्यूआरडीटी मॉडल: भारत में मामला अध्ययन। एप्लाइड इंटेलिजेंस, 51(5), 2818-283.

मित्तल, बी., वर्मा, ए.के., और बगई, एस. (2020). सांख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से भारत में अपराध का अध्ययन। आईसीटी फॉर कम्प्यूटेशनल स्ट्रैटेजीज़ में (पीपी. 361-367)। सीआरसी प्रेस।

निशा, जेड., कुमार, एस., पाल, एस.के., सिंह, जे., और सिंह, ओ. (2021). भारतीय राज्यों और नैतिक विचारों के बीच कोविड-19 स्थिति के डेटा एनालिटिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अंतर्दृष्टि और प्रतिबिंब। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 1-12.

पांडा, पी.पी., बोहोट, एम., चतुर्वेदी, एम.एम., और पुरोहित, जे.एस. (2021). चिकन लीवर न्यूक्लियर एक्सट्रैक्ट से विनकुलिन का शुद्धिकरण और आंशिक लक्षण वर्णन। बाइोलॉजिया, 76(4), 1349-1357.

पाठक एन. और अन्य (2020). बकव्हीट में राइज़ोक्टोनिया रूट रोट के विरुद्ध खरपतवार के अर्क का फाइटोकेमिकल विश्लेषण और कवकरोधी गतिविधि (फॉगोपाइरम एसपी.) बायोपेस्टीसाइड इंटरनेशनल 16(2):125-131.

सरकार, एन., शर्मा, आर.एस., और कौशिक, एम. (2021). विग्ना रेडियाटा बीजों के नैनोप्रिमिंग में सरल सिंगल पॉट ग्रीन संश्लेषित सीयूओ (CuO) और सीयूओ@एपीटीईएस (CuO@APTES) नैनोकणों का अभिनव अनुप्रयोग। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 28(11), 13221-13228.

सिंह, ए., गौर, एम., शर्मा, वी., खन्ना, पी., बोथरा, ए., भादुड़ी, ए.,... और मिश्रा, आर. (2021). माइकोबैक्टीरियासी के तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस कॉम्प्लेक्स में सीआरआईएसपीआर-कैस सिस्टम के क्षैतिज जीन स्थानांतरण-मध्यस्थता विकास का पता चलता है। एमसिस्टम्स, 6(1), ई00934-20.

वर्मा ए.के., और अन्य, (2021). एसआरएसपीआईए: प्रोफाईल इंजेक्शन अटैक के विरुद्ध सुरक्षा आधारित सिफॉरिश प्रणाली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजी 69.3: 219-228.

वर्मा, एस., पुरोहित, जे.एस., अरोड़ा, ए., सिन्हा, एस., और चतुर्वेदी, एम.एम. (2021). लीवर पुनर्जनन: चयापचय और एपिजेनेटिक विनियमन। हेपेटोमा रिसर्च, 7.

यादव, एन., और श्रीवास्तव, टी. (2020). असतत स्थानों में टोमोग्राफी के लिए कनवलशन एल्गोरिदम में त्रुटि का विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड और कम्प्यूटेशनल मैथेमेटिक्स, 6(4), 1-15.

यादव, एन. (2020). रिजलेट ट्रांसफॉर्म और कनवलशन न्यूरल नेटवर्क के साथ डायबिटिक रेटिनोपैथी के लिए रेटिनल ब्लड वेसल्स डिटेक्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेवलेट्स, मल्टीरिज़ॉल्यूशन एंड इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग, 18 (06), 2050048.

यादव, एन., सिंह, ए., और कौशिक, एम. (2020). जलतापीय रूप से संश्लेषित सुपरपैरामैग्नेटिक एपीटीएस-जैडएनएफई2ओ4 (APTS-ZnFe2O4) नैनोकणों का संश्लेषण और विशेषता वर्णन: जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों की खोज के लिए डीएनए बाध्यकारी अध्ययन। कैमिकल पेपर्स, 74(4), 1177-1188.

यादव, एन., सिंह, ए., और कौशिक, एम. (2020). हाइड्रोथर्मल संश्लेषण और चुंबकीय Fe3O4 और एपीटीएस लेपित Fe3O4 नैनोकणों का विशेषता वर्णन: डीएनए के साथ पारस्परिक प्रतिक्रिया की भौतिक रासायनिक जांच। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन मेडिसिन, 31(8), 1-11.

पुस्तक अध्याय

प्रो. महिमा कौशिक

सरकार एन., चौधरी एस., कौशिक एम., (2021). "प्लांट-माइक्रोब-इंजीनियर्ड नैनो-पार्टिकल्स (पीएम-ईएनपी)" पुस्तक में "कृषि में पौधों के विकास के प्रमोटर के रूप में नैनो-उर्वरक और नैनो-कीटनाशक" शीर्षक से अध्याय। नेक्सस इन एग्रो-इकोसिस्टम: अंडरस्टैंडिंग द इंटरैक्शन ऑफ प्लांट, माइक्रोब्स एंड इंजीनियर्ड नैनो-पार्टिकल्स (ईएनपीएस), पृष्ठ : 153। [स्प्रिंगर नेचर]

चौधरी एस., कुमार एम., अहमद एस., कौशिक एम., (2021), 'प्रदूषक और जल प्रबंधन: संसाधन, रणनीतियाँ और अभाव' पुस्तक में अध्याय "डिटेक्शन एंड रिमूवल ऑफ हेवी मेटल्स फ्रॉम वेस्टवाटर यूजिंग नैनोमैटेरियल्स" शीर्षक से अध्याय, 241-272 . [जॉन विले एंड संस, लिमिटेड]

चौधरी एस., सरकार एन., कौशिक एम., (2021), "वैश्विक जलवायु परिवर्तन के युग में जल संरक्षण" पुस्तक में "संधारणीय कृषि हासिल करने के लिए नैनो-प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति" शीर्षक से अध्याय, 147-166. [एलसेवियर प्रकाशक]

सरकार एन., शर्मा आर.एस., कौशिक, एम. (2020). "नैनो-मैटेरियल्स एज़ फोटोकैटलिस्ट्स फॉर डिग्रेडेशन ऑफ एनवायरनमेंटल पॉल्यूटेंट्स : चैलेंजेज़ एंड पॉसिबिलिटीज़" पुस्तक में "एंटीबायोटिक्स का शोषण: प्रतिरोध तंत्र, परिणाम, पारंपरिक उपचार की चुनौतियाँ और श्मन में नैनोमैटेरियल्स का आशावादिता" शीर्षक से अध्याय, खंड 1 (1), 195-209. पेपरबैक आईएसबीएन: 9780128185988 [एलसेवियर प्रकाशक]

कौशिक एम., झा डी. (2020), "नैनोमेडिसिन के माध्यम से अल्जाइमर रोग को लक्षित करना" पुस्तक में "नैनोमेडिसिन के माध्यम से अल्जाइमर के विकारों को लक्षित करना " शीर्षक से अध्याय, फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल ड्रग रिसर्च - डिमेंशिया"; खंड 1 (1), 165. [आईआईएसबीएन: 978-1-68108-339-1, 2017; आईएसबीएन: 978-1-68108-340-7] [बैंथम साइंस पब्लिशर्स]

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. शोभा बगई

गणित में परियोजना आधारित अधिगम, वित्त-पोषण एजेंसी: आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 31 दिसंबर 2020 - 31 मार्च 2021, 1, 75,000/- रु.

डॉ. जोगेश्वर एस. पुरोहित

चूहे के शुक्राणु में आयु-संबद्ध क्रोमैटिन आशोधनों का मूल्यांकन: शुक्राणु गुणवत्ता और प्रजनन क्षमता के अध्ययन पर दृष्टिकोण। (आईसीएमआर-तदर्थ अनुदान 2021-2024, 52.44 लाख रु.)।

चिकन लीवर ग्लूटामेट डिहाइड्रोजेनेज (जीडीएच) की एच3 विशिष्ट प्रोटीज (एच3एसई) गतिविधि का विशेषता-वर्णन। (डीएसटी-एसईआरबी-ईएमआर अनुदान 2017-2020, 62.74 लाख रु.)।

डॉ. हरेंद्र पाल सिंह

नोवेल कोरोनावायरस (कोविड 19) की गणितीय मॉडलिंग और भविष्यवाणी, वित्त-पोषण एजेंसी: आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, वर्ष/अवधि: 2020-2021, राशि: 1,75,000/-रु.

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. ज्योति शर्मा और प्रो. पंकज त्यागी

क्लस्टर नवाचार केंद्र में शिक्षकों और छात्रों के लिए 'नई शिक्षा नीति -2020 की डिकोडिंग : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए भावी मार्ग पर चर्चा' पर एक साप्ताहिक वेब श्रृंखला का आयोजन किया गया। श्रृंखला में 20 अगस्त से 15 नवंबर 2020 तक लगभग सात सत्र आयोजित किए गए। इस श्रृंखला में एनईपी में परिकल्पित महत्वपूर्ण विषयों के तहत वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा संचालित सात चर्चा सत्र शामिल हैं।

एनईपी 2020 का परिचय: दृष्टि और चुनौतियां: प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (20 अगस्त 2020 दोपहर 2:00 से सांध्य 4:00 बजे तक)।

अधिगम प्रगति के निर्माण खंडों के रूप में आधारभूत साक्षरता: प्रो. उषा शर्मा, एनसीईआरटी (27 अगस्त 2020 दोपहर 2:00 बजे से सांध्य 4:00 बजे तक)।

मूलभूत संख्या: एनईपी के आलोक में महत्व और चुनौतियां: प्रो. अनूप राजपूत, एनसीईआरटी (3 सितंबर 2020 दोपहर 2:00 से सांध्य 4:00 बजे तक)।

एनईपी 2020 के आलोक में समावेशी शिक्षा को पुनर्परिभाषित करना: प्रो. वंदना सक्सेना, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय (17 सितंबर 2020 दोपहर 2:00 से सांध्य 4:00 बजे तक)।

एनईपी का व्यवहार में कार्यान्वयन : स्कूलों की तैयारी, डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, प्राचार्य, एस.डी. पब्लिक स्कूल, ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली (24 सितंबर 2020 दोपहर 2:00 बजे से सांध्य 4:00 बजे तक)।

एनईपी 2020 के आलोक में शिक्षक शिक्षा की बदलती भूमिका: प्रो. सरोज शर्मा, जीजीएसआईपीयू (8 अक्टूबर 2020 दोपहर 2:00 बजे से सांध्य 4:00 बजे तक)।

एनईपी 2020 के तहत उच्च शिक्षा का रूपांतरण : प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, पूर्वी चंपारण, बिहार (15 सितंबर 2020 दोपहर 2:00 से सांध्य 4:00 बजे तक)।

प्रो. शोभा बगई

डॉ. धीरज भारद्वाज, सीईओ अर्नब मोबिलिटी/मावरेड एनर्जी द्वारा 8 मई 2020 को "क्या डिजिटल नवाचार आसपास ही हैं?" पर वेबिनार।

डॉ. सलीम मीर

15.02.2021 को सामाजिक नवाचार और परिवर्तन पर एक वार्ता का आयोजन किया। विषय विशेषज्ञ : डॉ. फैयाज शेख, इनोवेशन रिसर्चर, बीजिंग सेंटर फॉर इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्ट्रैटेजी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, झेजियांग यूनिवर्सिटी, चीन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

प्रो. ज्योति शर्मा

महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंसराज महाविद्यालय और जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में 28 जनवरी 2021 को "विद्यार्थी-केंद्रित शैक्षणिक पद्धतियां" विषय पर आमंत्रित सत्र।

6 फरवरी 2021 (प्रातः 8:30 - प्रातः 9:30 बजे) को इंटरनेशनल सेंटर फॉर इनोवेशन इन एजुकेशन में भारतीय कक्षाओं में प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान और परामर्श के चार चतुर्थांश मॉडल विषय पर आमंत्रित वार्ता।

14 फरवरी 2021 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के विषय विशेषज्ञ समूह (एसईजी) द्वारा 'स्कूली शिक्षा के लिए गिफटेड चिल्ड्रेन' पर आयोजित वेब-सीरीज सत्र में मुख्य वक्ता।

विषय विशेषज्ञ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग में स्नातक स्तर पर 'परियोजना आधारित शिक्षा' पर कार्यशाला, 9 फरवरी 2021.

सभी क्षेत्रों के 30 पीजीटी (गणित) के लिए जियोजेब्रा सॉफ्टवेयर पर दो कार्यशालाओं के लिए विषय विशेषज्ञ और समन्वयक, नवोदय विद्यालय समिति (29-31 जुलाई 2020 और 3-10 अगस्त 2020)।

प्रो. शोभा बगई

"शिक्षा को फिर से आकार देने में कोविड-19 महामारी का प्रभाव", मुख्य वक्ता - वेबिनार, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, 14 मई 2020.

"प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग: ए डिफरेंट वे टू एक्सप्लोर इंजीनियरिंग", मुख्य वक्ता - वेबिनार, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, 28 मई 2020.

"गणित में शिक्षण संबंधी शिक्षा-रीतियां : अभिनव शिक्षाशास्त्र", संकाय विकास कार्यक्रम, रामानुजन महाविद्यालय, मार्च, 2021

"गणित में शिक्षण संबंधी शिक्षा-रीतियां : परियोजना आधारित शिक्षण", संकाय विकास कार्यक्रम, रामानुजन महाविद्यालय, मार्च, 2021.

"व्यापार और सामाजिक विज्ञान में गणित का अनुप्रयोग", उद्घाटन व्याख्यान - अंतःविषयक संकाय विकास कार्यक्रम, मिरांडा हाउस, 18 मार्च 2021.

प्रो. पंकज त्यागी

प्रो. पंकज त्यागी ने दिल्ली सरकार ने अपने शिक्षकों के लिए शिक्षा विभागों के शैक्षिक मंच "भविष्य के लिए शिक्षा" द्वारा श्रृंखला #आइए शिक्षा के बारे में बात करें 3.0" के तहत 21 अगस्त, 2020 को आयोजित "अभिनव शिक्षण : शिक्षण को सरल बनाना" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र संचालित किया।

प्रो. पंकज त्यागी ने 25 फरवरी 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय की भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स सोसायटी के लिए "स्नातक स्तर पर नवाचार और अनुसंधान" पर एक ऑनलाइन वार्ता संचालित की।

डॉ. निर्मल यादव

गणित विभाग, विज्ञान संकाय जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान), भारत द्वारा आयोजित गणितीय मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त विश्लेषण और संगणना-2020 पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एरर

एनालिसिस एंड इमेजिंग बाय कनवल्शन एल्गोरिथम फॉर फैन बीम एल्गोरिथम विद डिस्क्रीट रेडॉ.न ट्रांसफॉर्म' शीर्षक पर एक शोध प्रस्तुत किया, 07-09 अगस्त 2020.

डॉ. असानी भदूडी

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय में 'वन्यजीव संरक्षण : चुनौतियां, प्रयास और दायरा' पर संगोष्ठी में "भारत के पक्षी: स्पोर्टिंग, पहचान और आवास वितरण" पर वेबिनार, 20 मार्च 2021

12 मार्च 2021 को नेशनल जूलॉजिकल पार्क, दिल्ली द्वारा 'भारत का प्राकृतिक इतिहास' श्रृंखला में "बर्डवॉचिंग इन इंडिया फॉर बिगिनर्स" विषय पर आयोजित वेबिनार का उद्घाटन।

3 जुलाई 2020 को मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "बायोइनफॉर्मैटिक्स: एन इंट्रोडक्शन फॉर बिगिनर्स" में "बीएलएसटी - एप्लिकेशन इन कोविड -19 स्टडीज" विषय पर एक वेबिनार प्रस्तुतीकरण पेश किया।

18 मई 2020 को आईटीएलएस अकादमी लखनऊ द्वारा आयोजित "भारत के पक्षी" विषय पर एक वेबिनार प्रस्तुतीकरण पेश किया।

17 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित "बर्डवॉचिंग इन इंडिया: बालकनी टू बुश" विषय पर एक वेबिनार प्रस्तुतीकरण पेश किया।

नियोजन विवरण

एम.एससी. (गणित शिक्षा) : बैच VII (2019-20):

विभिन्न कंपनियों/संस्थानों में 35% विद्यार्थी नियोजित किए गए।

30% विद्यार्थी उच्च अध्ययन कर रहे हैं।

52% छात्रों ने यूजीसी-एनईटी परीक्षा में अर्हता हासिल की।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

प्रो. पंकज त्यागी को 27 फरवरी, 2021 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के 97वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के लिए वेबकास्ट और डिजिटल आवश्यकता समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रो. पंकज त्यागी को 16 फरवरी 2021 को सूचना सुरक्षा शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम, परियोजना चरण- II के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा साइबर नैतिकता ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में 100% हासिल करने के लिए प्रतिभागिता प्रमाण-शोध प्रदान किया गया।

प्रो. पंकज त्यागी को जुलाई 2020 में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया में लेवल 13 में वैज्ञानिक-ई की नियुक्ति के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. असानी भदूडी ने यूनिवर्सिटाज़ 21 एंड कॉमन पर्पज द्वारा संचालित यूनिवर्सिटाज़ 21 ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम (नवंबर 05-18, 2020) पूर्ण किया।

डॉ. सलीम मीर ने 7 से 14 सितंबर 2020 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित ई-अध्ययन प्लेटफॉर्म पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

डॉ. सलीम मीर ने 15 से 30 सितंबर 2020 तक माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ई-शिक्षण और ई-अध्ययन: डिजिटल शिक्षाशास्त्र पर आईसीटी आधारित नए प्रतिमान' पर 2-सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नेलिज़्म

प्रकाशन

अभिनव, रजत. (2020). हिंदी में जनसंचार पुस्तकों की उपलब्धता और छात्रों की संतुष्टि के दृष्टिकोण पर मामला अध्ययन। प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एमईआरआई महाविद्यालय)। नई दिल्ली

अभिनव, रजत. (2021). इंटरनेट शटडाउन के प्रति युवाओं की समझ और प्रतिक्रिया पर एक अध्ययन।

माखनलॉनिका अभिनव, रजत. (2021). न्यू मीडिया: आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान। एमिटी विश्वविद्यालय, पटना।

अभिनव, रजत. (2021). अंतर्विरोध से भरे मीडिया का भूत और वर्तमान. पैरोकार पत्रिका. कोलकाता

अभिनव, रजत. (2021). राष्ट्र निर्माण में शोध और सरकार की महती भूमिका. महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

अभिनव, रजत. (2021, जनवरी-मार्च). दिल्ली दिलवालों की पर भारत का असली दिल यहाँ है बसता. मीडिया हेलिकल्स मैगजीन, नई दिल्ली

वैभव, अतुल, (2020). नव मीडिया और हिंदी साहित्य : वर्तमान स्थिति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ऑल सब्जेक्ट इन मल्टी लैंग्वेजेज। वी-8, अंक-9, पृष्ठ-37-45. www.raijmr.com

वैभव, अतुल, (2020). शोधकारिता और साहित्य पत्रिका: तकनीकी युग में, काव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, वी-71, अंक-31, पृष्ठ-22-26। www.kaavpublications.org

वैभव, अतुल, (2020). सोशल मीडिया पर उभरता नया साहित्य, नेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंटिफिक रिसर्च रिव्यू। वी-7, अंक-1 पृष्ठ-5-11. www.kaavpublications.org

आयोजित संगोष्ठियां

विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार/व्याख्यान

डॉ. ए.के. सिंह, कोविड-19 - सूचना, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, 2 मई, 2020.

श्री प्रफुल्ल केतकर, कोविड उपरांत परिदृश्य : मीडिया उद्योग में चुनौतियां और अवसर, 28 जुलाई, 2020.

श्री एच.ई. फॉम सनह चाउ, श्री प्रफुल्ल केतकर और प्रो. डू थू, भारत में राज्य, मीडिया और समाज पर वेब संवाद और भारत और वियतनाम में राज्य, मीडिया और समाज पर वेब संवाद, 4 सितंबर, 2020.

प्रो. वी.के. विजय, उन्नत भारत अभियान, 17 अक्टूबर, 2020.

प्रो. अमित श्रीवास्तव, "संधारणीय और किफायती आवासन समाधान- मामला अध्ययन, 7 नवम्बर, 2020

श्री अतुल कोठारी, "नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषा की शोधकारिता का भविष्य", 12 दिसम्बर, 2020.

श्री मुकुंद पद्मनाभन, 'दि पॉटेड हिस्ट्री ऑफ इंडियन जर्नलिज़्म' , 21 जनवरी, 2021

प्रो. सी.आर. बाबू, सतत विकास, 23 मार्च, 2021

प्रो. पी.डी. सहारे, उच्च ऊर्जा और लोगों का स्वास्थ्य।

आयोजित सम्मेलन

गांधी समिति के सहयोग से 'गांधी और शोधकारिता' पर राष्ट्रीय सम्मेलन - 22 फरवरी 2020.

28-29 नवंबर 2020 को मीडिया की जवाबदेही पर अंतर्राष्ट्रीय वेब-सम्मेलन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

सत्येंद्र (2020), "ओपन एंड डिस्टेंस एजुकेशन: मीडिया पेडागॉजी, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज एंड यूनिवर्सल डिजाइन फॉर लर्निंग" ओपन एंड इनोवेटिव एजुकेशन (आईसीओआईई 2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सह-आयोजक के रूप में ओपन यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना के साथ हांगकांग के ओपन यूनिवर्सिटी (हांगकांग) द्वारा आयोजित। (पृष्ठ-13, 14).

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

ईएफई स्पैनिश न्यूज़ एजेंसी के साथ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन विवरण

चार विद्यार्थी न्यू एरा द्वारा इंटरनशिप के लिए चुने गए तथा दो छात्रों ने इसी कंपनी में नियोजन प्राप्त किया है।

संकाय सदस्य संख्या : 60 अतिथि संकाय

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म ने अपना प्रोडक्शन स्टूडियो और आईसीटी लैब स्थापित की है।

डीएसजे छात्रों और शिक्षकों से प्राप्त योगदान के आधार पर मासिक ई-न्यूजलेटर प्रकाशित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर सेंटर

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केंद्र (डीयूसीसीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीटी सेवाओं को सुकर बनाने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। पिछले एक वर्ष (2019-2020) के दौरान, डीयूसीसी ने अपने सभी हितधारकों के लाभ के लिए विश्वविद्यालय के कार्यालयों, संकायों, विभागों और कॉलेजों में आईसीटी अवसंरचना और सेवाओं को सुदृढ़ बनाने का अपना कार्य जारी रखा। सभी आईसीटी से संबंधित गतिविधियों के लिए एक मुख्य केंद्रीय सेंटर के रूप में, डीयूसीसी पूरे विश्वविद्यालय में इंटरनेट और वाई-फाई कनेक्टिविटी प्रदान करता है। नेटवर्क और उस पर चलने वाली सेवाओं की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरे नेटवर्क को फिर से डिजाइन और क्रियान्वित किया गया है। डीयू की वाई-फाई प्रणाली सभी छात्रों/संकाय/कर्मचारियों को लैपटॉप, स्मार्ट फोन, टैबलेट आदि जैसे विभिन्न उपकरणों पर इंटरनेट का उपयोग करने में सक्षम बनाती है। चूंकि डीयूसीसी विभिन्न सेवाओं की मेजबानी के लिए डाटासेंटर के रूप में भी कार्य करता है, विभिन्न उपयोगिताओं को परस्पर जोड़ने और डीयू के ऑनलाइन आवेदनों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न सर्वर उपलब्ध हैं, उदाहरण के लिए, परीक्षा आवेदन, डीयू परिणाम, ई-मेलिंग सिस्टम, पुस्तकालय सिस्टम, यूजी प्रवेश, एफएसआर प्रवेश, पीजी प्रवेश एम.फिल./ पीएच.डी. प्रवेश, भर्ती इत्यादि। वर्तमान में इसके पास 40 से अधिक सर्वर हैं जिनमें 100 से अधिक वर्चुअल मशीन इंस्टेंस और नेटवर्क उपकरण स्थापित हैं जिन्हें डीयूसीसी डेटासेंटर में होस्ट किया गया है। डाटासेंटर के अलावा, डीयूसीसी ई-मेलिंग, डीयू मुख्य वेब-साइट, ई-प्रोक्योरमेंट और जीईएम, और प्रशिक्षण (मूल से अग्रिम पाठ्यक्रमों तक) जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी प्रदान करता है और उनका प्रबंधन करता है। डीयूसीसी को सभी सेवाएं प्रदान करने के लिए ओपन-सोर्स प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर गर्व है।

डीयूसीसी डिजिटल पहलकदम

नई द्विभाषी विश्वविद्यालय वेबसाइट का शुभारंभ

सभी हितधारकों की सुविधा के लिए सूचना तक आसान पहुंच उपलब्ध कराते हुए एक नए मजबूत डिजाइन के साथ विश्वविद्यालय के लिए नई द्विभाषी वेबसाइट की शुरुआत की गई थी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना का एक प्रामाणिक स्रोत है। इस तक निम्नलिखित लिंकों के माध्यम से पहुँचा जा सकता है:

www.du.ac.in

www.uod.ac.in

दिल्लीविश्वविद्यालय.विद्या.भारत

दिवि.विद्या.भारत

डीयू.विद्या.भारत

डीयू ईआरपी समर्थ का शुभारंभ

‘समर्थ’ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए तैयार किया गया ओपन सोर्स, ओपन स्टैंडर्ड समर्थ एक मजबूत, सुरक्षित, मापनयोग्य और विकासवादी प्रक्रिया स्वचालन इंजन है। विश्वविद्यालय प्रक्रियाओं के कामकाज को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए इसमें 9 कोर मॉड्यूल और 40 से अधिक उप-मॉड्यूल हैं। ‘समर्थ’ विश्वविद्यालय को एक ऐसी प्रणाली में रूपांतरित करने में मदद करेगा जो सुरक्षित, विश्वसनीय और मापनयोग्य हो। विश्वविद्यालय ने ‘समर्थ’ को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

समर्थ की सहायता से ऑनलाइन ओबीई परीक्षा

विश्वविद्यालय ने समर्थ की सहायता से ‘ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षा’ संचालित की।

समर्थ की सहायता से ऑनलाइन प्रवेश

विश्वविद्यालय ने समर्थ के सहयोग से विभिन्न यूजी/पीजी/एम.फिल./पी.एचडी. के ऑनलाइन प्रवेश संचालित किए जिनमें विदेशी छात्रों और चिकित्सा विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रम भी शामिल थे।

छात्रों को ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निम्नलिखित मॉड्यूलों का कार्यान्वयन :

ऑनलाइन डिजिटल डिग्री

ट्रांस्क्रिप्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन

यूसेज ऑफ प्लागिरिज़्म डिटेक्शन टूल (यूआरकेयूएनडी)

संकाय सदस्यों और विभागों को एक ऑनलाइन प्लागिरिज़्म डिटेक्शन टूल (यूआरकेयूएनडी/ऑरिजिनल) के माध्यम से सुविधा प्रदान की गई है। इसका उपयोग 649 उपयोगकर्ताओं के साथ बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले वर्ष के दौरान साहित्यिक चोरी के लिए 55386 शोध पत्रों/पुस्तकों की जांच की गई।

संकाय सदस्यों और छात्रों को सुविधा प्रदान करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट कैंपस लाइसेंस

संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों को सुविधा प्रदान करने के लिए, माइक्रोसॉफ्ट के साथ ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस और विभिन्न अन्य एमएस सॉफ्टवेयर के लिए कैंपस समझौता किया गया है। माइक्रोसॉफ्ट के दलों ने संकाय सदस्यों को विभिन्न सम्मेलनों और ऐसे किसी भी आयोजन का संचालन करने में सहायता प्रदान की।

संकाय सदस्यों के लिए घर/कहीं भी ई-संसाधनों तक पहुंच हासिल के लिए वीपीएन सुविधा

संकाय सदस्यों को एक वीपीएन सुविधा प्रदान की गई ताकि ई-संसाधनों तक उनके घरों या किसी भी दूरवर्ती स्थान से पहुँच बनाई जा सके।

जीस्यूट के साथ ई-मेल प्रणाली का एकीकरण

डीयूसीसी ने ईमेल सेवाओं को एकीकृत किया है जो कि जीस्यूट के साथ ओपन सोर्स ‘ज़िम्ब्रा’ प्लेटफॉर्म पर इन-हाउस होस्ट की जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप, सेवाओं की उपलब्धता और स्थान की आवश्यकताओं के संबंध में उपयोगकर्ता के अनुभवों में कई गुना वृद्धि हो गई है। सभी हितधारकों के पास क्लासरूम, गूगल मीट, ड्राइव, शीट्स आदि जैसी सभी सेवाओं तक पहुंच मौजूद है; जो उन्हें ऑनलाइन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का भाग बनने में सक्षम बनाती हैं।

नया वेब-होस्टिंग प्लेटफॉर्म

विभिन्न विभागों/संकायों/कॉलेजों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए, वेब होस्ट मैनेजर (डब्ल्यूएचएम) को अभिविन्यासित किया गया था और कई वेबसाइटों को उक्त सर्वर पर अंतरित कर दिया गया था। डब्ल्यूएचएम प्लेटफॉर्म ने उपयोगकर्ताओं को एक अधिक सुरक्षित और लचीला प्लेटफॉर्म प्रदान किया है।

विश्वविद्यालय की प्रक्रियाओं का स्वचालन

मैनुअल हस्तक्षेप को कम करने तथा व्यापक सेवाएं प्रदान करने के लिए पिछले वर्ष प्रारंभ किए गए ऑनलाइन स्वरूपों को और मजबूत किया गया। इसका विवरण निम्नानुसार हैं:

कैंपस वाई-फाई एप्लीकेशन

पासवर्ड का कैंपस वाई-फाई रीसेट

ईमेल आवेदन

बेबाकी प्रमाण शोध।

जेम उपयोगकर्ता पंजीकरण

ई-प्रोक्क्योरमेंट उपयोगकर्ता पंजीकरण

विभागों/कॉलेजों/केंद्रों/छात्रावासों के लिए वेब-स्पेस पंजीकरण

संकाय वेब-पेज पंजीकरण

चिकित्सा प्रतिपूर्ति

दोनों परिसरों में 10 जीबीपीएस की बैंडविड्थ

उत्तर और दक्षिण कैंपस, दोनों में तथा संबद्ध कॉलेजों में बैंडविड्थ का उपयोग इसकी पूरी क्षमता से किया गया। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) ने 10 जीबीपीएस बैंडविड्थ प्रदान करना जारी रखा। विश्वविद्यालय देश भर में एनकेएन संसाधनों के उच्चतम उपयोगकर्ताओं में से एक बना हुआ है।

कैंपस कनेक्ट परियोजना

वाई-फाई नेटवर्क का संवर्धन करने और एक सट्टे बैकएंड स्थापित करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के साथ, डीयूसीसी ने सभी विभागों में संयोजनता को फिर से स्थापित करने और टर्मिनेटेड बैंडविड्थ को मौजूदा 1 जीबीपीएस से बढ़ाकर 10 जीबीपीएस करने की योजना बनाई है। कोर स्विच और वितरण स्विच के बीच बैंडविड्थ को भी 10 जीबीपीएस से बढ़ाकर 40 जीबीपीएस करने की योजना है। नेटवर्क की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कैंपस के सभी भवनों को रिंग आर्किटेक्चर के साथ एक हाइब्रिड नेटवर्क के माध्यम से जोड़ा जाएगा। हर इमारत रिंग का हिस्सा होगी और दोनों ओर से जुड़ी होगी ताकि एक ओर से नेटवर्क बाधित होने पर भी नेटवर्क निर्बाध उपलब्ध रहे।

विश्वविद्यालय के लिए कैंपस-वाइड एमएटीएलएबी और सिमुलिक एक्सेस की अधिप्राप्ति

विश्वविद्यालय संकाय, अकादमिक शोधकर्ताओं और छात्रों द्वारा उपयोग के लिए एमएटीएलएबी और सिमुलिक उत्पादों के विभिन्न स्वरूप प्रदान करता है।

कैंपस-वाइड लाइसेंस के लाभ:

इसमें सभी संकाय-सदस्य, शोधकर्ता और विद्यार्थी शामिल हैं।

घर और कक्षा में, प्रयोगशाला और क्षेत्रीय शोध में और ऑफ-नेटवर्क में निर्बाध पहुंच।

कैंपस-स्वामित्व वाली मशीनों के साथ-साथ संकाय-स्वामित्व वाले और विद्यार्थी-स्वामित्व वाले व्यक्तिगत कंप्यूटरों पर स्थापना

पूर्ण सूट उत्पादों की सबसे विस्तृत और सबसे अप-टू-डेट सरणी प्रदान करता है, जो परिचयात्मक स्तर के पाठ्यक्रमों से लेकर उन्नत शैक्षणिक अनुसंधान तक हर चीज का समर्थन करता है।

एमएटीएलएबी ऑनलाइन एक वेब ब्राउज़र से पहुँच प्रदान करता है।

वैकल्पिक ऐड-ऑन: एमएटीएलएबी अकादमिक ऑनलाइन प्रशिक्षण सूट के साथ अपने सभी कैंपस उपयोगकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

विद्यमान परियोजनाएं

डीयू ईआरपी समर्थ

इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों को सूचना तक प्रभावी पहुंच प्रदान करने के लिए विविध प्रक्रियाओं के निर्बाध एकीकरण के साथ लचीला समाधान प्रदान करना है।

माइयूल

अकादमिक - प्रवेश, विद्यार्थी जीवन-चक्र प्रबंधन, परीक्षा, प्रशिक्षण और नियोजन, समय-सारणी, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली, नामांकन संख्या जेनरेशन प्रणाली।

वित्त और लेखा - अनुदान प्रबंधन, संपत्ति और माल-सूची, अनुसंधान परियोजना प्रबंधन, ऑनलाइन शुल्क, विक्रेता बिल ट्रेकिंग प्रबंधन प्रणाली

एचआर और पे-रोल - भर्ती, कर्मचारी सूचना प्रणाली, पे-रोल, अवकाश प्रबंधन

प्रशासन - संपदा प्रबंधन, फ़ाइल ट्रेकिंग, शिकायत प्रबंधन और निवारण, कानूनी मामलों का प्रबंधन

एएए प्रमाणीकरण के साथ उत्तर और दक्षिण, दोनों परिसरों में संपूर्ण कैंपस में निर्बाध ई-फाई।

सम्पूर्ण कैंपस में वाई-फाई सुविधा का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया और यह उत्तर और दक्षिण, दोनों ही परिसरों में निर्बाध रूप से चल रहा है। यह सेवा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में सभी संकाय, कर्मचारी और विद्यार्थी जो वाई-फाई सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं, उन्हें व्यक्तिगत लॉगिन और पासवर्ड के साथ कैंपस में वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गई है। व्यक्तिगत इंटरनेट उपयोगकर्ता स्तर पर प्रमाणीकरण, प्राधिकरण और लेखा (एएए) के लिए वाई-फाई सेटअप बनाया गया है। 6000 से अधिक उपयोगकर्ता पहले ही कैंपस वाई-फाई सुविधा का लाभ उठा चुके हैं और यह संख्या दिन-प्रति-दिन बढ़ती जा रही है।

नेटवर्क निगरानी

वाई-फाई नेटवर्क की लगातार निगरानी करने के लिए, मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर (ज़बिक्स) लगाया गया है जो सक्रिय समस्या निवारण में मदद कर सकता है और नेटवर्क, सर्वर और एप्लिकेशन के लिए अधिकतम अपटाइम बनाए रखने में मदद कर सकता है।

महाविद्यालय नेटवर्क

सभी ऑफ कैंपस कॉलेजों के लिए 100 एमबीपीएस की बैंडविड्थ प्रदान किया जाना जारी रहा। इंटरनेट सेवाओं के अधिकतम अपटाइम को बनाए रखने की आवश्यकता को देखते हुए, डीयूसीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए अनेक कड़े कदम उठाए हैं कि महाविद्यालय वीपीएन कनेक्टिविटी रिंग आर्किटेक्चर में होनी चाहिए। एक तरफ से वीपीएन कनेक्टिविटी के बाधित होने की स्थिति में रिंग के दूसरी तरफ से नेटवर्क निरंतर उपलब्ध रहता है।

यूट्यूब पर लाइव वेबकास्टिंग

वार्षिक दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला

कई अन्य समारोह और विभिन्न पिछली घटनाओं के अभिलेखागार

कैंपस वाइड सॉफ्टवेयर

डीयूसीसी ने विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों, कर्मचारियों, शोध स्कॉलरों, पीजी और यूजी छात्रों के प्रयोग के लिए निम्नलिखित नेटवर्क लाइसेंस सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराना जारी रखा :

एसपीएसएस वी 22 + एएमओएस (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स और मैक प्लेटफॉर्म)

मतलब आर 2014बी (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स और मैक प्लेटफॉर्म)

सिग्मा प्लॉट 12 (केवल विंडोज के लिए)

डीयूसीसी में संचालित प्रशिक्षण

डीयूसीसी ने संकाय-सदस्यों, कर्मचारियों, शोध स्कॉलरों, पीजी छात्रों, कॉलेज सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर/तकनीकी कर्मियों के लिए बेसिक से लेकर एडवांस कोर्स तक सभी वर्टिकल को कवर करते हुए विभिन्न ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

नियमित क्रियाकलाप

नई पहलों के अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर सेंटर (डीयूसीसी) भारत के सबसे बड़े शैक्षिक आईटी नेटवर्क को डिजाइन और संचालित करता है, जो आज की तारीख तक वायर्ड नेटवर्क के माध्यम से 15000 से अधिक उपकरणों को फीड करता है और इंटरनेट की आवश्यकता रखने वाले 1.5 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के माध्यम से वाई-फाई की सहायता से पूरा किया जाता है।

डीयूसीसी विश्वविद्यालय के केंद्रीय आईटी अवसंरचना को प्रबंधित कर रहा है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं: सर्वर, कोर स्विच, जोनल स्विच, राउटर, यूटीएम डिवाइस, स्टोरेज आदि के साथ 60 से अधिक सक्रिय उपकरणों से सज्जित डाटा सेंटर।

वायर्ड उपकरण जिसमें 400 से अधिक नेटवर्क स्विच शामिल हैं (और इनमें निरंतर वृद्धि हो रही है)

वाई-फाई उपकरण जिसमें 100 से अधिक स्विच और 500 वायरलेस एक्सेस पॉइंट शामिल हैं

दोनों परिसरों में 43 किलोमीटर का फाइबर ऑप्टिक केबल नेटवर्क बिछाया गया

विभिन्न अनुप्रयोगों की होस्टिंग करने वाले सर्वर जैसे महाविद्यालय और विभाग की वेबसाइट जिसमें विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट, डीएनएस, प्रॉक्सी, ईमेल, पेमेंट गेटवे, लाइसेंस और वेबकास्ट सर्वर भी शामिल हैं।

परीक्षा, प्रशासन, वित्त, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, पुस्तकालय कैटलॉग और ब्रेल सॉफ्टवेयर आदि के लिए सह-स्थानिक सर्वर।

डीयूसीसी विश्वविद्यालय की वेबसाइट का सामग्री प्रबंधन, विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज पर तकनीकी सहायता और नियमित अपडेट, कॉलेजों/विभागों/केंद्रों के लिए वेब होस्टिंग सेवाएं, संकाय सदस्य वेब होस्टिंग सेवाएं भी सक्रिय रूप से संचालित/प्रदान कर रहा है। नेटवर्क एवं वेबसाइट डिजाइनिंग और रखरखाव के अलावा, डीयूसीसी ने सार्वजनिक व्याख्यान शृंखला, स्टूडियो व्याख्यान, जानोदय, वार्षिक दीक्षांत समारोह, अंतरवाणी आदि जैसे कार्यक्रमों के लिए तकनीकी सहायता सफलतापूर्वक प्रदान की है और इन आयोजनों के वीडियो होस्ट किए हैं।

डीयूसीसी के साथ 1500 से अधिक सदस्य हैं जिनमें पीजी विद्यार्थी, शोध विद्यार्थी, संकाय और कर्मचारी शामिल हैं जो निःशुल्क इंटरनेट और प्रिंटिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। डीयूसीसी की भविष्य की योजनाओं में कैंपस और महाविद्यालय के वाई-फाई को वर्चुअल रूप से जोड़ना शामिल है ताकि उपयोगकर्ता किसी भी स्थान पर इंटरनेट से जुड़े रहें। यह अंत्य उपयोगकर्ताओं के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के लिए आईसीटी वीपीएस की व्यवस्था

वेबकास्ट

लाइव स्ट्रीमिंग

डीयू के प्रमुख आयोजनों के लिए तकनीकी आधारभूत संरचना का प्रावधान जैसे एसी/ईसी बैठकें, कोर्ट मीटिंग और अन्य प्रमुख कार्यक्रम/बैठकें। इसमें वाई-फाई सेटअप, कंप्यूटिंग सुविधाएं आदि भी शामिल हैं।

ई-अधिप्राप्ति और जीईएम का प्रबंधन

विश्वविद्यालय समुदाय को समस्त ई-अधिप्राप्ति और जीईएम से संबंधित उपयोगिताओं का एकल बिंदु समाधान प्रदान किया जाता है।

प्रशासनिक इकाइयों और विभागों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है:-

जीईएम खातों का प्रावधान और उसमें सुविधा प्रदान करना

ई-अधिप्राप्ति खातों का प्रावधान और उसमें सुविधा प्रदान करना

विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों, विभागों, कॉलेजों के डीयू अधिकारियों/संकायों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

जीईएम- 121 विभागों के 594 उपयोगकर्ता

ई-अधिप्राप्ति

डीयू ई-अधिप्राप्ति उपयोगकर्ता: 58 विभागों और 37 कॉलेजों के लगभग 500 उपयोगकर्ता

विकासशील देश अनुसंधान केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केंद्र ने 2020-21 में व्याख्यानों, संवादात्मक परामर्शों, कार्यशालाओं, वार्ताओं, विशेष व्याख्यानों और वेबिनारों जैसे विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। निरंतरता और सततता में विश्वास रखते हुए, केंद्र अपने त्रैमासिक समाचार शोध-संचय, मासिक हिंदी पत्रिका-संश्लेषण और नेत्रहीन समीक्षा द्वि-वार्षिक पत्रिका-ग्लोबलेंस: ए जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के अंक नियमित रूप से प्रकाशित कर रहा है। विभिन्न परियोजनाओं जैसे समीक्षा: यूपी विधानसभा चुनाव सर्वेक्षण, समीक्षा: दिल्ली नगरपालिका चुनाव, 2017, समीक्षा दिल्ली 2020 के सफलतापूर्वक समापन के बाद, केंद्र ने पहली बार सतर्कतापूर्वक योजनाबद्ध, वैज्ञानिक रूप से तैयार और निष्पक्ष रूप से निष्पादित चुनावी-विश्लेषण संबंधी ऑनलाइन अनुसंधान सर्वेक्षण संचालित किए जिसके शीर्षक थे- "डीसीआरसी समीक्षा: बिहार 2020" और "डीसीआरसी समीक्षा: असम और पश्चिम बंगाल 2021".

प्रकाशन

संचयन के चार अंक, त्रैमासिक न्यूजलैटर खंड 5 संख्या 2, 3 और 4 (2020) और खंड 6 संख्या 1 (2021);

संश्लेषण के बारह अंक, मासिक हिंदी पत्रिका 2020-21

जर्नल

केंद्र के जर्नल डीसीआरसी ग्लोबलेंस ए जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के दो अंक।

आयोजित व्याख्यान/कार्यशालाएं/संवादात्मक परामर्श/वार्ताएं

केंद्र ने 31 जुलाई 2020 को 'औपनिवेशिक राज्य, भारतीय इतिहास और वामपंथ' पर अपना पहला वेबिनार आयोजित किया। नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली के वरिष्ठ फेलो डॉ. हिमांशु रॉय इसमें मुख्य वक्ता थे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर केंद्र ने 5 सितंबर 2020 को इग्नू, नई दिल्ली के प्रो. ए.एस. नारंग द्वारा संचालित "नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा : एक मूल्यांकन" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

1950 में राष्ट्र के संविधान का निर्माण करने वाले संस्थापक नेताओं के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए, केंद्र ने 26 नवंबर 2020 को सुबह 11:00 बजे बैठक कक्ष में 'संविधान दिवस' मनाया। छात्रों, स्कॉलरों और संकाय सदस्यों ने अपने दैनिक जीवन में संविधान के मूल सिद्धांतों को अपनाने और उन्हें आत्मसात करने का संकल्प लिया। शपथ के बाद 'भारतीय संविधान की निरंतरता, संगति और अनुरूपता के एक सात दशक' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 96वीं जयंती के अवसर पर, केंद्र ने 25 दिसंबर 2020 को 'तीसरा अटल बिहारी स्मृति व्याख्यान' आयोजित किया। एक वेबिनार के रूप में आयोजित इस व्याख्यान का शीर्षक था "विकास की भारतीय अवधारणा"। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एकात्मक मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास संस्थान, दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. महेश चंद्र शर्मा थे। सत्र का उद्घाटन डीसीआरसी परिवार के हमारे आदरणीय प्रथम सेवक प्रो. सुनील के. चौधरी ने मुख्य वक्ता और अन्य साथी श्रोताओं का स्वागत करते हुए किया।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

"डीसीआरसी समीक्षा: बिहार 2020" और "डीसीआरसी समीक्षा: असम और पश्चिम बंगाल 2021" के माध्यम से, केंद्र विश्वविद्यालय के कॉलेजों से आने वाले बड़ी संख्या में छात्रों को अनुभवजन्य प्रशिक्षण में शामिल करने और उन्हें यह उपयोगी अनुभव प्रदान करने में समर्थ रहा।

संकाय-सदस्य संख्या

निदेशक	: 01
संयुक्त निदेशक	: 01
उप निदेशक	: 01
मानद फेलो	: 10

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

केंद्र ने "डीसीआरसी समीक्षा: बिहार 2020" और "डीसीआरसी समीक्षा: असम और पश्चिम बंगाल, 2021" शीर्षक के तहत सतर्कतापूर्वक योजनाबद्ध, वैज्ञानिक रूप से तैयार और निष्पक्ष रूप से निष्पादित चुनाव-विश्लेषण सर्वेक्षण संचालित किया। ये परिणाम बिहार, असम और पश्चिम बंगाल के सभी निर्वाचन क्षेत्रों के 25,000 से अधिक मतदाताओं की प्रतिक्रियाओं पर आधारित थे और इनके निष्कर्षों की मोटे तौर पर पुष्टि भारत के चुनाव आयोग के परिणामों के माध्यम से की गई थी।

दिल्ली चुनाव पर केंद्र की गतिविधियों को दैनिक हिंदुस्तान, दैनिक जागरण, जनसत्ता, लोकसत्य जैसे कई अखबारों में व्यापक रूप से कवर किया गया था। निदेशक, प्रो. सुनील के. चौधरी ने राज्य सभा टीवी, इंडिया अहेड और ऑल इंडिया रेडियो पर कई कार्यक्रमों में प्रतिभागिता की।

डॉ. बी. आर अंबेडकर जैव-चिकित्सा केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च का प्रस्ताव 1991 में किया गया था और यह 1997 में अपनी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से बायोमेडिकल विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए अपनी तरह के एक अद्वितीय संस्थान के रूप में पूरी तरह से प्रारंभ हो गया। यह केंद्र विश्वविद्यालय और पूरे देश में "बायोमेडिकल आधारित संस्थान" शुरू करनेवाले के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हो गया है।

एसीबीआर सुपर 13 कोर फैकल्टी और आस-पास के संस्थानों के वैज्ञानिकों के एक समूह द्वारा समर्थित एक सुव्यवस्थित रूप से तैयार किए गए शिक्षण/अधिगम कार्यक्रम के साथ बायोमेडिकल साइंसेज में परास्नातक और

डॉ.क्टरेट पाठ्यक्रम संचालित करता है। पिछले एक वर्ष में एसीबीआर ने कई पेटेंट हासिल किए हैं और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 40 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं। एसीबीआर संकाय कोविड-19 शोध में सबसे आगे हैं। हमने एसएआरएस सीओवी2 के प्वाइंट ऑफ केयर डायग्नोसिस के लिए कई प्रतिष्ठित परियोजनाएं हासिल की हैं और प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की है।

सम्मान/गौरव

ड्रग डिस्कवरी हैकथॉन फेज I - अवार्ड (डीडीएच-2020), ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी हैकथॉन अगैस्ट कोविड-19 इनोवेशन सेल, शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था। प्रो. मधु चोपड़ा द्वितीय चरण के लिए भी चयनित की गई थी और उन्होंने उपरोक्त शोध के लिए अनुदान प्राप्त किया।

डॉ. अपर्णा दीक्षित द्वारा अहमदाबाद (17-19 जनवरी, 2020) में इंडियन एपिलेप्सी एसोसिएशन और इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी, ईसीओएन2020 के 21 वें संयुक्त वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मंच प्रस्तुति पेश की गई।

प्रकाशन

एकरुद, ए., एकसेलसन, जे., यादव, एम., एरजेफ्ल्ट, जे., एकमैन-ऑर्डबर्ग, जी., माल्मस्ट्रॉम, ए., और फिशर, एच. (2021)। हेपरिन के टुकड़े नॉन-प्रेग्नेंट चूहों में टोल-जैसे रिसेप्टर 4 के माध्यम से प्रतिरक्षा कोशिकाओं की प्रविष्टि करके गर्भाशय ग्रीवा की सूजन को प्रेरित करते हैं। आणविक मानव प्रजनन, 27(3), जीएबी004.

आकिब, ए., और यादव, ए.के. (2020)। सीडी44 वैकल्पिक स्प्लिस वेरिएंट v6 और v10. डीओआई: 10.20944/प्रिंट्स202006.0255.

बनर्जी, जे., डे, एस., दीक्षित, ए.बी., डोड्डमनी, आर., शर्मा, एम.सी., गर्ग, ए., ... और त्रिपाठी, एम. (2020)। फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी) में जीएबीए रिसेप्टर-मेडियटेड एपिलेप्टोजेनिटी मिर्गी की शुरुआत में उम्र पर निर्भर करता है। सेलुलर न्यूरोसाइंस में फ्रंटियर्स, 14, 309.

बनर्जी, जे., डे, एस., दीक्षित, ए.बी., त्रिपाठी, एम., डोड्डमनी, आर., शर्मा, एम.सी., और चंद्रा, पी.एस. (2020)। α7 निकोटिनिक रिसेप्टर्स हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस (एमटीएलई-एचएस) के साथ मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी के रोगियों के हिप्पोकैम्पस में ग्लूटामेटेरिक गतिविधि में योगदान करते हैं। जर्नल ऑफ न्यूरोल ट्रांसमिशन, 127(10), 1441-1446.

बनर्जी, जे., श्रीवास्तव, ए., शर्मा, डी., डे, एस., त्रिपाठी, एम., शर्मा, एम.सी., ... और दीक्षित, ए.बी. (2021)। हिप्पोकैम्पस और पूर्वकाल टेम्पोरल लोब में साइक्लिन डिपेंडेंट किनेस 5 (सीडीके5) द्वारा मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी में हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस (एमटीएलई-एचएस) के साथ डिफरेंशियल सिनैप्टिक ट्रांसमिशन का डिफरेंशियल रेगुलेशन। न्यूरोसाइंस लेटर्स, 761, 136096.

बशीर, ए., हजारी, वाई., पाल, डी., मैती, डी., बशीर, एस., सिंह, एल.आर., ... और फॉजिली, के.एम. (2020)। अल्फा1-एंटीट्रिप्सिन के एम3 (ई376डी) प्रकार का एकत्रीकरण। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10(1), 1-13.

चौहान, आर.के., रहमान, एच., और सिंह, एल.आर. (2020)। मानव पीआरडीएक्स6 के पेरोक्सीडेज उत्प्रेरक चक्र का संरचनात्मक आधार। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10(1), 1-10.

कौरौबल, वी.वी., डे, एस.के., यादव, आर., टिम, जे., हैरिसन, जे.जे.ई., रुज़, एफ.एक्स., ... और ग्रिफिन, पी.आर. (2021)। संरचनात्मक प्रोटीओमिक्स का उपयोग करके एसएआरएस-सीओवी-2 एनएसपी7 और एनएसपी8 प्रोटीन की गतिशील गतियों को हल करना। बायोआरxiv.

डे, जे.के., और डे, एस.के. (2020)। भारत में प्रति मिलियन जनसंख्या पर एसएआरएस-सीओवी-2 महामारी, कोविड-19 मामले में मृत्यु दर और मृत्यु। जे बायोइनफॉर्म कंप्यूट सिस्ट बायोल, 2, 110.

डे, जे.के., मुखर्जी, ए., डे, एस.के., प्रमाणिक, ए., गिरी, एस., और प्रताप, एम. (2020)। प्रभाव के साथ वायरल विकारों का मुकाबला करने में होम्योपैथिक दवाओं की प्रभावशीलता और चिकित्सीय हस्तक्षेप पर एक

व्यवस्थित समीक्षा। वर्तमान में एसएआरएस-सीओवी-2 संक्रमण (कोविड-19) के होम्योपैथिक उपचार के प्रयासों में। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाई डाइल्यूशन रिसर्च-आईएसएसएन 1982-6206, 19(3), 27-39.

डे, एस.के., भादुड़ी, एस., और मिड्या, टी. (2021)। प्रजातियों में 18एस आरआरएनए और पॉलीटीन गुणसूत्र संगठन के अध्ययन पर आधारित चिरोनोमिड एसपीपी के विचलन पर विश्लेषण, जो प्रजातियों पर पर्यावरण की भूमिका का खुलासा करता है। द जर्नल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड जूलॉजी, 82(1), 1-12.

डे, एस.के., सैनी, एम., प्रभाकर, पी., और कुंडू, एस. (2020)। उच्च रक्तचाप से निपटने के लिए संभावित दवा लक्ष्य के रूप में डोपामाइन β हाइड्रॉक्सिलेज़। अन्वेषणात्मक औषधियों पर विशेषज्ञ की राय, 29(9), 1043-1057.

डे, एस., बनर्जी दीक्षित, ए., त्रिपाठी, एम., डोड्डमनी, आर.एस., शर्मा, एम.सी., लालवानी, एस., ... और बनर्जी, जे. (2021)। परिवर्तित हिप्पोकैम्पस कियूरेनिन मार्ग चयापचय मानव मेसिल टैम्पोरल लोब मिर्गी-हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस में हाइपरेन्क्रिबिलिटी में योगदान देता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ फॉर्मोकोलॉजी।

डे, एस., दीक्षित, ए.बी., त्रिपाठी, एम., चंद्रा, पी.एस., और बनर्जी, जे. (2021)। दवा प्रतिरोधी मिर्गी के साथ जुड़े परिवर्तित सिनैप्टिक ट्रांसमिशन को समझने के लिए सेलुलर इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल तरीके। इन एक्सपेरिमेंटल एंड ट्रांसलेशनल मेथड्स टू स्क्रीन ड्रग्स, अगैस्ट सीजर एंड एपिलेप्सी (पीपी। 55-76)। न्यूयॉर्क, एनवाई, हुमाना।

दीक्षित, ए.बी., श्रीवास्तव, ए., शर्मा, डी., त्रिपाठी, एम., पॉल, डी., लालवानी, एस., ... और चंद्रा, पी.एस. (2020)। हिप्पोकैम्पस नमूनों का एकीकृत जीनोम-वाइड डीएनए मैथिलीकरण और आरएनइसेक विश्लेषण हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस वाले रोगियों में संभावित उम्मीदवार जीन और असमान सिग्नलिंग मार्ग की पहचान करता है। न्यूरोलॉजी इंडिया, 68(2), 307.

इकबाल, एम.ए., सिद्दीकी, एस., उर रहमान, ए., सिद्दीकी, एफ.ए., सिंह, पी., कुमार, बी., और सलूजा, डी. (2021)। मल्टीओमिक्स इंटिग्रेटिव एनालिसिस से स्तन कैंसर के मेटाबॉलिक रिप्रोग्रामिंग में सीबीX2 और सीबीX7 की विरोधी भूमिकाओं का पता चलता है। आण्विक ऑन्कोलॉजी, 15(5), 1450-1465.

काक जी., तिवारी बी.के., सिंह वाई. और नटराजन के. (2020)। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण के दौरान मैक्रोफेज में इंटरफेरॉन- γ रिसेप्टर (आईएफएन- γ R) अभिव्यक्ति का विनियमन। बायोमोल। अवधारणाएं। 11: 76-85.

कुमार, जी., डे, एस.के., और कुंडू, एस. (2020)। रक्तचाप और हृदय संबंधी कार्यों को नियंत्रित करने के लिए एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड संश्लेषण के नियमन में संवहनी एंडोथेलियम के कार्यात्मक प्रभाव। जीवन विज्ञान, 118377.

कुमार, एम., लाल, एन., लूथरा, पी.एम., और मसराम, डी.टी. (2021)। डीएनए और प्रोटीन की ओर निकल II परिसरों की बाध्यकारी और दूर गतिविधियों की खोज। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 45(15), 6693-6708.

कुमार, एम., मदन, जे., सोदी, आर.के., सिंह, एस.बी., और कत्याल, ए. (2020)। कोविड-19 के साइलेंट वॉक को डिकोड करना: पुरानी गोलियों का उपयोग करके इसके प्रसार को रोकना। बायोमेडिसिन एंड फॉर्मोकोथेरेपी, 110891.

कुमार, एस., अत्रिश, डी., श्रीवास्तव, ए., बनर्जी, जे., त्रिपाठी, एम., चंद्रा, पीएस, और दीक्षित, एबी (2021)। मिर्गी में संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में हिस्टोन डीएसेटाइलिस के गैर-हिस्टोन सबस्ट्रेट। एक्सपर्ट ओपिनियन ऑन थेराप्यूटिक टारगेट्स, 25(1), 75-85.

नामगैल, टी., कुमार, डी., वशिष्ठ, वी., आकिब, ए., और यादव, ए. (2020)। एचएनआरएनपीए1 और ग्लियोमा सेल लाइन्स में एबीसीसी (एबीसीसी4 और एबीसीसी6) ट्रांसपोर्ट की अभिव्यक्ति में इसका प्रभाव।

नितिन कुमार, नीतिका लाल, विशाल नेमेश, प्रतिभा मेहता लूथरा (2020) डिजाइन, संश्लेषण, डीएनए बाइंडिंग अध्ययन और मानव ग्लियोमा यू87 एमजी सेल लाइन के विरुद्ध अभिनव प्रतिस्थापित बिस्कार्बाज़ोल डेरिवेटिव की कैंसर विरोधी क्षमता का मूल्यांकन; बायोऑर्गेनिक केमिस्ट्री, वॉल्यूम 100, जुलाई 2020, 103911; <https://doi.org/10.1016/j.bioorg.2020.103911>

पांडे, ए.के., सक्सेना, ए., डे, एस.के., कांजीलाल, एम., कुमार, यू., और थैल्मा, बी.के. (2021)। रुमेटाइड गठिया में एक पुरानी एसएनपी जीनोटाइप और एआरएल 15 स्तर के बीच संबंध। जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, 100(2), 1-6.

पंकज तनेजा, सोनाली शर्मा, विमलेन्दु भूषण सिन्हा, अजय कुमार यादव (2021)। रोग की रोकथाम के लिए संयुग्मित दवाओं के विकास में नैनोसाइंस की प्रगति। जीवन विज्ञान, 268 (2021). 118859.

पवार ए., झा पी., कोंवर सी., चौधरी यू., चोपड़ा एम., सलूजा डी. (2019)। एथमब्युटोल माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के ग्लूटामेट रेसमेज को लक्षित करता है-पेप्टिडोग्लाइकन बायोसिंथेसिस में शामिल एक एंजाइम। एपल माइक्रोबायोल बायोटेक्नॉल। 103(2):843-851. डीओआई: 10.1007/एस00253-018-9518-जेड।

पवार, ए., झा, पी., चोपड़ा, एम., चौधरी, यू., सलूजा, डी. (2020) प्राकृतिक यौगिकों की स्क्रीनिंग जो माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के ग्लूटामेट रेसमेज को लक्षित करती है, फ्लेवोनोइड्स की एंटी-ट्यूबरकुलर क्षमता का खुलासा करती है। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10, अनुच्छेद नं. 949, डीओआई: 10.1038/एस41598-020-57658-8.

रिजवान, टी., कोठीदार, ए., मेघवानी, एच., शर्मा, वी., शोभावत, आर., सैनी, आर., ... और डे, एस.के. (2021)। कोविड-19 मृतक और जीवित रोगियों से एसएआरएस-सीओवी-2 एन्वेलप विरोधक म्यूटेशन के तुलनात्मक विश्लेषण ने इसकी आयन-चैनल गतिविधियों पर प्रभाव और रोगी मृत्यु दर के साथ संबंध को दर्शाया। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 1-16.

शर्मा, डी., दीक्षित, ए.बी., डे, एस., त्रिपाठी, एम., डोडमनी, आर., शर्मा, एम.सी., ... और बनर्जी, जे. (2021)। फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में $\alpha 4$ युक्त जीएबीए रिसेप्टर्स के बढ़े हुए स्तर: बेंजोडायजेपाइन प्रतिरोध का एक संभावित कारण। न्यूरोकैमिस्ट्री इंटरनेशनल, 105084.

शर्मा, एम., झा, पी., वर्मा, पी., चोपड़ा, एम. (2019)। संयुक्त तुलनात्मक आणविक क्षेत्र विश्लेषण, तुलनात्मक आणविक समानता सूचकांक विश्लेषण, आणविक डॉ.किंग और आणविक गतिशीलता अध्ययन हिस्टोन डीएसेटाइलेज़ 6 अवरोधक, रासायनिक जीव-विज्ञान और दवा डिजाइन, 93(5): 910-925.<https://doi.org/10.1111/cbdd.13488>.

शर्मा, वी., सोनकर, एस.सी., सिंघल, पी., कुमार, ए., सिंह, आर.के., रामचंद्रन, वी.जी., ... और भारद्वाज, एम. (2021)। भारतीय महिलाओं में प्रजनन पथ के संक्रमण पर टीएनएफ- α के एलील वेरिएशन/हैप्लोटाइप्स का कार्यात्मक प्रभाव। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 11(1), 1-11.

शुक्ला, एस., तेलराजा, जे. यादव, एम., और प्रकाश, एच. (2021)। बैक्टीरियल संक्रमण के दौरान मैक्रोफेज सिग्नलिंग पाथवे का मॉड्यूलेशन। फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, 11.

सिंह ए., अनंग ए., राणा ए.के., वर्मा सी., सरस्वती एस.एस.के., कुमारी पी., सिंह ए., और नटराजन के. (2020)। माइक्रोबैक्टीरियल संक्रमण के दौरान टी कोशिकाओं के कार्यों में कैल्शियम होमियोस्टेसिस की भूमिका को समझना। सेल. इम्यूनोल। 357: 104198.

श्रीवास्तव, ए., बनर्जी, जे., दुबे, वी., त्रिपाठी, एम., चंद्रा, पी.एस., शर्मा, एम.सी., ... और दीक्षित, ए.बी. (2020)। हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस के साथ मेसिलल टेम्पोरल लोब मिर्गी में विभिन्न हिस्टोन डीएसेटाइलेस (एचडीएसी) की परिवर्तित अभिव्यक्ति, गतिविधि और उप-सेलुलर वितरण की भूमिका। सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर न्यूरोबायोलॉजी, 1-16.

तनवर, पी., कोलोरा, एस.आर.आर., बब्बर, ए., सलूजा, डी., और चौधरी, यू. (2020)। इन-सिलिको दृष्टिकोण द्वारा निसेरिया गोनोरिया में संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान। *जर्नल ऑफ थ्योरेटिकल बायोलॉजी*, 490, 110172.

वशिष्ठ, वी., भारद्वाज, एस., यादव, बी.के., और यादव, ए.के. (2020)। डिबिकिटेटिंग एंजाइमों को नष्ट करने से आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन एसएफ2/एसएफ1 के माध्यम से ग्लियोमा सेल लाइन में एपोप्टोसिस को बढ़ावा मिलता है। *बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स रिपोर्ट्स*, 24, 100846.

वर्मा सी., राणा ए.के., अनंग वी., तिवारी बी.के., सिंह ए., सरस्वती एस.एस.के., शरीफ एम. और नटराजन, के. (2020)। कैल्शियम डायनेमिक्स सुरक्षात्मक प्रतिक्रियाओं और मैक्रोफेज में स्टैफिलोकोकस ऑरियस की वृद्धि को नियंत्रित करता है। *बायोमोल.कंसेप्ट्स*. 11: 230-239.

वर्मा, वी., कुमार, पी., गुप्ता, एस., यादव, एस., ढांडा, आरएस, थोरलासियस, एच., और यादव, एम. (2020)। α - यूरोपैथोजेनिक ई.कोली का हेमोलिसिन एनएलआरपी3 इन्फ्लामेसोम सक्रियण को नियंत्रित करता है और टीएचपी-1 मैक्रोफेज में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन। *साइटोफिक रिपोर्ट्स*, 10(1), 1-17.

वेरेपम, एम., मिश्रा, ए.के., शर्मा, जी.एस., कुमारी, के., कृष्णा, एस., खान, एम.एस.ए., ... और सिंह, एल.आर. (2021)। ब्रेन मेटाबोलाइट, एन-एसेटिललेसपार्टेट एक शक्तिशाली प्रोटीन एकत्रीकरण अवरोधक है। *फ्रंटियर्स इन सेलुलर न्यूरोसाइंस*, 15.

यादव, एस., वर्मा, वी., ढांडा, आर.एस., खुराना, एस., और यादव, एम. (2021)। एनएलआरपी3, एनएलआरसी4 और एआईएम2 का अव्यक्त अपग्रेडेशन स्पर्शोन्मुख और रोगसूचक ट्राइकोमोनास वेजिनेलिस संक्रमण के बीच अंतर करता है। *इम्यूनोलॉजिकल जांच*, 1-22।

यादव, एस., वर्मा, वी., सिंह ढांडा, आर., और यादव, एम. (2021)। यौन संचारित संक्रमणों में टोल-समान रिसेप्टर्स में अंतर्दृष्टि। *स्कैंडिनेवियाई जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी*, 93(1), ई12954.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. पी.एम. लूथरा

आईओई, 2020 (शोध दिनांक 31 दिसंबर 2020 द्वारा) एक वर्ष के लिए, शीर्षक: केवल डेमेथोक्सीकुरक्यूमिन (डीएमसी) की एंटीकैंसर क्षमता का अध्ययन और जीबीएम के ऑर्थोटोपिक ज़ेनोग्राफ्ट चूहों के मॉडल में टेमोजोलेमाइड (टीएमजेड) के संयोजन में। स्वीकृत राशि : 5.00 लाख रु.

डॉ. लैशराम आर. सिंह और प्रो. अंजू कटयाल

आईओई, 2020. अल्जाइमर रोग के उपचार के लिए एक चिकित्सीय अणु के रूप में प्रोलाइन की क्षमता की जांच करना। स्वीकृत राशि 5 लाख रु.

प्रो. मधु चोपड़ा

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बीआईसी परियोजना, शीर्षक "ड्रग डेवलपमेंट: फ्रॉम टारगेट आइडेंटिफिकेशन, वैलिडेशन टू ड्रग डिस्कवरी - बीआईसी"। 189.36 लाख रु.। फरवरी 2020-24 में स्वीकृत, डीबीटी, अवधि 5 वर्ष।

कोविड-19 के प्रति एंटीवायरल यौगिकों के विकास के लिए कंप्यूटर एडेड डिजाइन का उपयोग करके ड्रग रिपरपजिंग: चयनित एंटीवायरल लक्ष्यों के प्रति इन सिलिको और इन विट्रो स्क्रीनिंग, इंस्टिट्यूट ऑफ एक्सीलेंस, एफआरपी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 लाख रु., 2020-21.

कोविड-19 के नैदानिक प्रबंधन के लिए हिट अणुओं और सीसा यौगिकों के माइग्रेलेशन की लक्षित स्क्रीनिंग: इन विट्रो और एंटीवायरल मूल्यांकन, ड्रग डिस्कवरी हैकाथॉन चरण II, एमएचआरडी इनोवेशन सेल, 23 लाख रु., 2021-22.

डॉ. मनीषा यादव

आईओई, 2020 एक वर्ष के लिए, यूटीआई रोगियों से एंटीबायोटिक प्रतिरोधी यूपीईसी आइसोलेट्स बनाने वाली मजबूत बायोफिल्म पर कैफीन के प्रभाव का अध्ययन। स्वीकृत राशि: 2.5 लाख रु।

दाखिल /प्रदान किए गए पेटेंट

भारत में पेटेंट संख्या: 382627 में दायर सामान पेटेंट के लिए तपेदिक का पता लगाने और उस पर काम करने की विधि के लिए एक अभिनव ओलिगोन्यूक्लियोटाइड-आधारित नैदानिक जांच/उपकरण/किट। (आवेदन संख्या 77/डीएलई 2013)

दाखिल करने की तारीख : 10/1/13 प्रदान किए जाने की तारीख : 24/3/21

आयोजित सम्मलेन

बायोमेडिकल रिसर्च में फ्रंटियर्स - 2021, एसीबीआर द्वारा डीएसपीएच, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित। 2 अप्रैल से 25 जून 2021 तक।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

रसायन-विज्ञान विभाग, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय शील्ड के लिए प्रयोगशाला सुरक्षा उपायों और रासायनिक अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रयोगशाला सुरक्षा उपायों और रासायनिक अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "प्रयोगशाला सुरक्षा उपाय और पारिस्थितिक और पर्यावरण शील्ड के लिए रासायनिक अपशिष्ट प्रबंधन" पर लूथरा पीएम द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रस्तुत आमंत्रित वार्ता, शुक्रवार, 16 अप्रैल 2021

आईआईएलएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जीआर द्वारा आयोजित कम्प्यूटेशनल टेक्नोलॉजीज एंड ड्रग डिजाइन स्ट्रैटेजीज, समर एकेडमिक एंड इंटरनेशनल प्रोग्राम (एसएआईपी) -2020 में, प्रो. मधु चोपड़ा द्वारा बायोएस्कलेटर: इनसाइट्स इन बायोटेक्नोलॉजी, प्लांट साइंस एंड बायोइन्फॉर्मेटिक्स, 20 मई 2020 को (ऑनलाइन वेबिनार), ग्रेटर नोएडा।

एफ्रोडाइट चक्रवर्ती, कृष्ण कुमार, अपर्णा बी. दीक्षित, मंजरी त्रिपाठी, मेहर सी. शर्मा, पी. शरत चंद्र, ज्योतिर्मय बनर्जी, अभिनव गाबा रिसेप्टर सबयूनिट वेरिएंट दवा प्रतिरोधी मिर्गी के रोगियों में बेंजोडायजेपाइन प्रतिरोध में योगदान कर सकते हैं। 13वें एओईसी, 2021 में ई-पोस्टर।

महक मुंजाल, भूमिका तिवारी, शुभा लालवानी, मीनाक्षी शर्मा, गुरमीत सिंह, राज किशोर शर्मा (2020). मेसोपोरस कोबाल्ट फेराइट एनोड का उपयोग करके मध्यस्थ-रहित माइक्रोबियल ईंधन सेल में जैव-विद्युत उत्पादन की एक अंतर्दृष्टि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी 45(22):12525-12534.

मीनाक्षी द्विवेदी, सुमति मुरलीधर, दमन सलूजा (2020). हिबिस्कस सेबडारिफा एक्सट्रैक्ट इन्हिबिटर्स एडहेशन, बायोफिल्म इनीशिएशन एंड फॉर्मेशन इन कैंडीला अल्बिकन्स. इंडियन जे माइक्रोबायोल। 60: 96-106.

डे एसके द्वारा "कोविड-19 अनुसंधान में प्रगति और चुनौतियां" पर प्रस्तुत आमंत्रित वार्ता। रसायन विज्ञान विभाग, बोलपुर महाविद्यालय, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित "वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग और औद्योगिक अनुसंधान और पर्यावरण संबंधी चिंता में हालिया रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत (30 सितंबर, 2020)।

डे एसके द्वारा " बैक्टीरिया में अभिव्यक्त और शुद्ध किया गया सार्स-सीओवी-2 एनएसपी7-8 पॉलीप्रोटीन के जैव-भौतिक और कार्यात्मक विशेषता-वर्णन" पर प्रस्तुत आमंत्रित वार्ता। जैव-रसायन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, भारत (20-21 अगस्त, 2020) द्वारा आयोजित "महामारी कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए एकीकृत रणनीति" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग

आईएनएमएस, दिल्ली

डीआईपीएसएस, दिल्ली

आईजीआईबी, दिल्ली

सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

आईसीजीईबी, दिल्ली

एमएस, नई दिल्ली

कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर

मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफॉल

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 6

संकाय सदस्य संख्या:

नियमित संकाय : 12

तदर्थ : 1

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

प्रो. पी.एम. लूथरा राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के शासी निकाय के सदस्य हैं (11/3/2021 से)।

साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विश्वविद्यालय के साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान (आईसीएसएल) के तत्वावधान में साइबर सुरक्षा और विधि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीएसएल) ने अपना पहला बैच शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज के साथ शैक्षणिक सत्र 2018-19 से प्रारम्भ किया। यह एक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम है जिसमें संकाय जीएफआर और सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के दिशानिर्देशों के अनुसार उद्योग के माध्यम से पाठ्यक्रम संचालित करता है। 2020-21 बैच में 48 विद्यार्थी नामांकित हुए थे।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग

साइबर सुरक्षा और विधि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीएसएल) के छात्रों को नॉलेज पार्टनर ल्यूसिडस इंक के उद्योग विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

नियोजन विवरण

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 16 (औसत पैकेज = 4.72 लाख)

आसूचना और संचार संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

संस्थान ने विश्वविद्यालय सूचना प्रबंधन प्रणाली (यूआईएमएस) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूआईएमएस के तहत, आईआईसी ऑनलाइन यूजी और पीजी प्रवेश, शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारियों के

लिए ऑनलाइन भर्ती, ओपन बुक ऑनलाइन परीक्षा, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, दस्तावेज प्रबंधन, महाविद्यालय प्रबंधन आदि के लिए उद्यम अनुप्रयोगों का विकास और प्रबंधन कर रहा है, और वर्तमान में विद्यार्थी जीवन चक्र प्रबंधन लागू किया जा रहा है।

संस्थान ने विभिन्न गतिविधियों जैसे औद्योगिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया, जिसमें प्रतिष्ठित विशेषज्ञ आईटी उद्योग क्षेत्र में वर्तमान प्रवृत्तियों पर विशेष व्याख्यान देने के लिए संस्थान का दौरा करते हैं। इसके अलावा, छात्रों और शिक्षकों ने समय-समय पर उद्योग-विश्वविद्यालय संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। संकाय ने राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्मों में अपने शोध कार्य को सक्रिय रूप से प्रस्तुत किया। इस वर्ष कोविड के कारण नियोजन कार्यक्रम लगभग 19% संचालित किए गए। कई अति-प्रतिष्ठित आईटी उद्योग कंपस नियोजन के लिए आ रहे हैं। इस वर्ष संस्थान का दौरा करने वाले उद्योग हैं, अल्ट्रा टेक्नोलॉजीज, ह्यूजेस सिस्टिक, क्यूए इंडो टेक, अप्सरो इंडिया लिमिटेड आदि।

सम्मान/गौरव

एम.एससी उत्तीर्ण छात्रा सुश्री मनीषा पटवाल को कैप्टन अनुज नैयर मेमोरियल गोल्ड मेडल 2020, दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

बिरवाल, ए., सिंह, एस., कनौजिया, बी.के., और कुमार, एस. (2020). डब्ल्यूएलएन अनुप्रयोगों के लिए लो-प्रोफाइल 2.4/5.8 गीगाहर्ट्ज एमआईएमओ/विविधता एंटीना। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेक्स एंड एप्लीकेशंस, 34(9), 1283-1299।

बीरवाल, ए., सिंह, एस., कनौजिया, बी.के., और कुमार, एस. (2021). डब्ल्यूएलएन अनुप्रयोगों के लिए न्यूट्रलाइजेशन लाइन के साथ एमआईएमओ/विविधता एंटीना। मापन, 1-10.

बुद्धिराजा, आर., कुमार, एम., दास, एम.के., बफीला, ए.एस., सिंह, एस. (2021). गतिशील और समय-विलंब नियंत्रित वित्तीय प्रणाली व्यवहार, दोनों के पूर्वानुमान और पुनर्जनन के लिए एक जलाशय कंप्यूटिंग दृष्टिकोण, ऑनलाइन प्रकाशित 12 फरवरी 2021 प्लस वन <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0246737>.

शोध परियोजनाएं

एमएचआरडी/एमओई प्रायोजित परियोजना समर्थ 2019-2024, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए विकासवादी प्रक्रिया स्वचालन इंजन. 25 करोड़ रु.

विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए समर्थ विकासवादी प्रक्रिया स्वचालन इंजन के अंतर्गत राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू), शिक्षा मंत्रालय प्रायोजित परियोजना 2020-2021, नॉन-सास का क्रियान्वयन, 30 लाख रु.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

डिजिटल युग में शोध: चुनौतियां और समाधान, प्रोफेसर संजीव सिंह, "ऑनलाइन शिक्षण: चुनौतियां और भावी मार्ग पर वेबिनार, 07-11 सितंबर, 2020.

प्रतिमान में बदलाव: ऑनलाइन शिक्षा, प्रोफेसर संजीव सिंह, वेबिनार जाकिर हुसैन महाविद्यालय, 11 जून, 2020.

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 11 और 18.96

कंपस भर्ती के लिए ऑनलाइन/विजिट करने वाली कंपनियों की संख्या: 2

कैंपस पर नियोजन: औसत वार्षिक वेतन पैकेज 3.5 लाख अप्सरो इंडिया लिमिटेड और 7.2 ह्यूजेस सिस्टिक कॉर्पोरेशन (एचएससी)

ऑफ कैंपस: टीसीएस 3.5 लाख और मातंगी इंडिया प्रा. लिमिटेड 3.8

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

सामाजिक उद्यमशीलता और अधिकारिता के लिए कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन के साथ सहयोग।

संकाय सदस्य संख्या : 3

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

आईआईसी ने विभिन्न स्वचालन प्रक्रियाओं के लिए विश्वविद्यालय को आईटी आधारित समाधान और सेवाएं प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईआईसी में विकसित सॉफ्टवेयर को विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लागू किया गया है जैसे जेएनयू, सीयूएच, सीयूबी, पटना आदि। एनआईसी, भारत सरकार ने हैकार्थॉन, आइडिया चैंपियनशिप, राष्ट्रीय स्तर के आइडिया चैलेंज का आयोजन करने के लिए आईआईसी से संपर्क किया है।

आजीवन अध्ययन संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफलॉन्ग लर्निंग ने सितंबर 2020 में एक नए निदेशक और प्रशासनिक दल की नियुक्ति के साथ ही एक बार फिर से अकादमिक जुड़ाव कार्य प्रारम्भ किया। नए दल के साथ पहली सलाहकार समिति की बैठक अक्टूबर 2020 में भविष्य की गतिविधियों के लिए भावी मार्ग पर चर्चा करने के लिए आयोजित हुई। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और ऑनलाइन डिजिटल शिक्षा : विचार और संभावनाएं' पर पहला ऑनलाइन वेबिनार 12-13 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया। अकादमिक लेखन पर 5-दिवसीय कार्यशाला 27 जनवरी से 2 फरवरी, 2021 तक आयोजित की गई और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए उच्च शिक्षा में समावेशन पर 5 दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम का आयोजन आईएलएलएल द्वारा 15-19 मार्च, 2021 तक वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया। आईएलएलएल द्वारा शिक्षा संकाय के सहयोग से शिक्षक शिक्षा के लिए स्कूल इंटरनशिप की पुनः कल्पना पर एक ई-मोनोग्राफ प्रकाशित किया गया। आईएलएलएल ने कॉलेजों/विभागों से 17 शिक्षकों और 08 इंटरन (पीजी/एम.फिल./पीएच.डी. अनुसंधान स्कॉलर) को ई-सामग्री विकास, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की तैयारी और कार्यान्वयन, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और नए शैक्षणिक सहयोग का समर्थन करने के लिए आईएलएलएल के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में योगदान करने के प्रयोजनार्थ नियुक्त किया है।

प्रकाशन

अरोड़ा, पी., गांधी, एच. और सिंह, एस. (2021). शिक्षक शिक्षा के लिए स्कूल इंटरनशिप की पुनः कल्पना पर ई-मोनोग्राफ। आजीवन शिक्षा संस्थान। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/अल्पकालिक पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और ऑनलाइन डिजिटल शिक्षा: 12-13 अक्टूबर 2020 को विचार और संभावनाएं।

अकादमिक लेखन पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 27 जनवरी से 2 फरवरी, 2021 तक किया गया।

आईएलएलएल द्वारा वर्चुअल मोड के माध्यम से 15-19 मार्च, 2021 तक उच्च शिक्षा में समावेशन पर 5-दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

संकाय सदस्य संख्या

निदेशक : 1

संयुक्त निदेशक	:	1
अकादमिक सचिव	:	1
फेलो	:	17
विद्यार्थी-इंटर्न	:	8

पादप जीनोमिक्स अंतर-विषयक केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

आईसीपीजी के सदस्य पादप प्रजनन विकास और पर्यावरणीय तनाव की स्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया में शामिल आनुवंशिक और जैव-सूचनात्मक संसाधनों की खोज और विशेषता-वर्णन में कार्य कर रहे हैं। परमाणु प्रोटीन विनियामक घटकों की एक विशिष्ट श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हैं। परमाणु प्रोटीन की पहचान और विशेषता-वर्णन से जुड़े एक विश्लेषण के दौरान, हमने पाया है कि चावल के 19441 बीज-अभिव्यक्त जीनों में से, लगभग एक-तिहाई, अर्थात् 6116, वास्तव में, उच्च स्तर की संभावना के साथ परमाणु हो सकते हैं। हमने इस तरह के बीज-विशिष्ट प्रतिलेखन कारकों में से एक पर इस आधार पर काम शुरू किया है, कि अगर बीज में अभिव्यक्ति को उसके प्राकृतिक डोमेन के बाहर अभिव्यक्त किया जाता है, तो यह टीएफ चावल के अनाज के आकार और गुणवत्ता विशेषताओं को बढ़ाने में सक्षम होगा। पौधों में प्रकाश-विनियमित विकास में शामिल जीनों पर काम करते हुए, हमने पाया है कि चावल में एटीएचवाई5 के समरूपों में से एक, अर्थात् ओएसबीजैडआईपी1 में चावल में दो स्पलाइस रूप हैं। ट्रांसजेनेक्स के एक विस्तृत विश्लेषण से पता चला है कि ओएसबीजैडआईपी1 की वैकल्पिक स्प्लिसिंग ने इसके कार्यों के प्रदर्शनों की सूची में वृद्धि की है जो वे स्कोटोमोर्फोजेनेसिस और फोटोमोर्फोजेनेसिस को विनियमित करने में निष्पादित करते हैं। हमारे कार्य का एक अन्य फोकस एथिलीन रिस्पांस फैक्टर्स (ईआरएफ) और मिथाइलेटेड सीपीजी बाइंडिंग डोमेन (एमबीडी) प्रोटीन को कूटने वाले जीन की अभिव्यक्ति को बदलकर पोषण गुणवत्ता और टमाटर के शेल्फ जीवन में सुधार करना है। हम अर्थ संग्रह, डेटा विनिमय और ज्ञान की खोज की सुविधा के लिए संयंत्र विज्ञान में बहु-आयामी 'बिग डेटा' को एकीकृत करने के लिए एक रसद और डेटा पोर्टल भी विकसित कर रहे हैं।

सम्मान और विशिष्टियां

प्रो. जितेन्द्र पी. खुराना

5 सितंबर, 2020 को रामानुजन महाविद्यालय, सीए परिवार और आईएए एनसीआर चैंप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में "शिक्षक दिवस के अवसर पर विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार" प्रदान किया गया।

नवंबर 2020 में बिट्स-पिलानी, गोवा में आयोजित सोसायटी की वार्षिक संगोष्ठी के दौरान, सोसाइटी ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, दिल्ली द्वारा अनुसंधान और शिक्षण के क्षेत्र में "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2020)" प्रदान किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, पी., और खुराना, पी. (2020). टीएजैडएनएफ, जो एक सी3एचसी4 प्रकार का रिंग जिन फिंगर प्रोटीन है और जो ट्रिटिकम एस्टिवम से प्राप्त होता है, निर्जलीकरण और लवणता तनाव में शामिल होता है। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29 (3), 395-406.

आकाश, परिदा, ए.पी., श्रीवास्तव, ए., माथुर, एस., शर्मा, ए.के., और कुमार, आर. (2021). टमाटर में फॉस्फेट की कमी के तहत एफ-बॉक्स सुपरफैमिली जीन की पहचान, विकासवादी रूपरेखा और अभिव्यक्ति विश्लेषण। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 162, 349-362.

बाल्यान, एस., जोसेफ, एस.वी., जैन, आर., मुटूम, आर.डी., और रघुवंशी, एस. (2020). चावल में एमआईआरएनए/5' आईएसओएमआईआरएनए कार्य और सूखा-मध्यस्थता वाले एमआईआरएनए प्रसंस्करण की जांच। फंक्शनल एंड इंटीग्रेटेड जीनोमिक्स, 20(4), 509-522.

भास्कर, ए., पॉल, एल.के., शर्मा, ई., झा, एस., जैन, एम., और खुराना, जे.पी. (2021). ओएसआरआर6, चावल में एक टाइप-ए प्रतिक्रिया विनियामक, अरबिडोप्सिस में अति-व्यक्त होने पर साइटोकिनिन, प्रकाश और तनाव प्रतिक्रियाओं की मध्यस्थता करता है। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, 161, 98-112.

भटनागर, ए., सिंह, एस., खुराना, जे.पी., और बर्मन, एन. (2020). एचवाई5-सीओपी1: लाइट सिग्नलिंग पाथवे का केंद्रीय माड्यूल। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29(4), 590-610.

बर्मन, एन., चंद्रन, डी., और खुराना, जे.पी. (2020). चावल के पौधों में क्षणिक जीन अभिव्यक्ति के लिए एक तीव्र और अत्यधिक कुशल विधि। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 11 doi:10.3389/fpls.2020.584011.

चौधरी, सी., शर्मा, एन., और खुराना, पी. (2021). हीट स्ट्रेस टॉलरेंस के लिए चावल में व्हीट एवन ट्रांसक्रिप्टोम और ओवरएक्सप्रेसिंग टीएआरसीए1 β को डिकोड करना। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 105(1-2), 133-146.

डावरे, ए., परिदा, एस.के., और त्यागी, ए.के. (2020). अनाज आनुवंशिक वृद्धि के लिए एकीकृत जीनोमिक रणनीतियाँ: क्यूटीएल और एसोसिएशन मैपिंग का संयोजन। सीरियल जीनोमिक्स में (पीपी. 15-25). न्यूयॉर्क, एनवाई, हुमाना।

देवेश्वर, पी., पुस्टी, ए., शर्मा, एस., और त्यागी, ए.के. (2020). फाईटोहोर्मोन-मध्यस्थता आणविक तंत्र जिसमें कई जीन शामिल होते हैं और क्यूटीएल चावल में अनाज की संख्या को नियंत्रित करते हैं। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, 11 डीओआई:10.3389/efgen.2020.586462.

देवेश्वर, पी., शर्मा, एस., पुस्टी, ए., सिन्हा, एन., ज़रगर, एस.एम., करवाल, डी.,... त्यागी, ए.के. (2020). चावल के परमाणु-स्थानीयकृत बीज-व्यक्त प्रोटीन और उनके डेटाबेस (आरएसएनपी-डीबी) का विश्लेषण। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10(1).

गहलौत, वी., समतानी, एच., और खुराना, पी. (2020). गेहूं में सूखे और गर्मी के तनाव के दौरान साइटोसिन-5 डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज़ की जीनोम-वाइड पहचान और अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग (ट्रिटिकम एस्टिवम)। जीनोमिक्स, 112(6), 4796-4807.

गिरि, जे., परिदा, एस.के., रघुवंशी, एस., और त्यागी, ए.के. (2021). चावल सूखा सहिष्णुता में सुधार के लिए उभरती आणविक रणनीतियाँ। करंट जीनोमिक्स, 22(1), 16-25.

कौर, पी., जिंदल, एस., यादव, बी., यादव, आई., महतो, ए., शर्मा, पी.,...सिंह, के. (2020). डिप्लॉयड और हेक्साप्लोइड गेहूं में गुणसूत्र 2ए आणविक संगठन का तुलनात्मक विश्लेषण। आणविक जीवविज्ञान रिपोर्ट, 47(3), 1991-2003.

खुराना, जे.पी., और श्रीनिवासन, आर. (2020)। संपादकीय। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29 (4), 573-574.

कुमार, ए., डावरे, ए., कुमार, ए., कुमार, वी., गोपाल कृष्णन, एस., मंडल, एस.,...ठाकुर, जे.के. (2020). बहुरूपताओं के जीनोम-व्यापी विश्लेषण ने महत्वपूर्ण चावल के दाने के आकार/वजन मात्रात्मक विशेषता लोकी को ले जाने वाले पालतू-सहयोजित लंबे निम्न-विविधता वाले क्षेत्र की पहचान की। प्लांट जर्नल, 103(4), 1525-1547.

ली, एस., नायर, एस., जिया, एच., कपूर, एस., वू, जे., और युकावा, वाई. (2020). अरेबिडोप्सिस हाइपोक्सिया इंड्यूसिबल एटीआर 8 लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए भी सैलिसिलिक एसिड के निम्न स्तर के तहत रेकी जीन के साथ समन्वय स्थापित करने और जड़ बढ़ाव में योगदान देता है। गैर-कोडिंग आरएनए, 6(1).

मैत्रा माजी, एस., शर्मा, ई., सिंह, बी., और खुराना, जे.पी. (2020). सूखा प्रेरित प्रोटीन (डीआई19-3) अरबिडोप्सिस में आईएए14 के साथ संपर्क करके ऑक्सिसन सिग्नलिंग में भूमिका निभाता है। प्लांट डायरेक्ट, 4(6).

मलिक, एन., रंजन, आर., परिदा, एस.के., अग्रवाल, पी., और त्यागी, ए.के. (2020). चावल के विकास में मध्यस्थ सबयूनिट ओएसएमईडी14_1 एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्लांट जर्नल, 101(6).

मंजूनाथ, एस.आर., गौड़ा, एम., नारायणस्वामी, के.सी., जगदीश, के.एस., धनलक्ष्मी, के.एच., खुराना, पी., और नटराज, के.एन. (2021). ट्रांसजेनिक शहतूत पर पाले गए कीटों के जीवन-चक्र का आकलन करते हुए, डायफेनिया पुलवरुलेंटलिस (हैम्पसन) और मैकोनेलिकोकस हिर्सुटस ग्रीन। 3 बायोटेक, 11(2).

मीना, एस., देब, एस., समतानी, एच., और खुराना, पी. (2020). गर्मी के तनाव में ट्रिटिकम ब्यूटीविम एसटीआई परिवार के सदस्यों के आणविक कार्य को विदारक करना। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, 11.

नेगी, एन., और खुराना, पी. (2021). एक सैलिसिलिक एसिड इंड्यूसिबल शहतूत डब्ल्यूआरकेवाई प्रतिलेखन कारक, एमवाईडब्ल्यूआरकेवाई53 पौधे की रक्षा प्रतिक्रिया में शामिल है। प्लांट सेल रिपोर्ट।

पांडे, बी.के., वर्मा, एल., प्रुस्टी, ए., सिंह, ए.पी., बनेट, एम.जे., त्यागी, ए.के.,...मेहरा, पी. (2021). ओएसआईएजेड11 चावल में फॉस्फेट भुखमरी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। प्लांटा, 254(1).

पारीक, ए., सोनी, वी., सोपोरी, एस.के., खुराना, जे.पी., सौजन्य श्री, के., त्यागी, ए.के.,...गोविंदजी, जी. (2020). सतीश चंद्र माहेश्वरी (1933-2019) - एक उत्कृष्ट, भावुक और सभी पौधों के जीव विज्ञान के लिए एक विशिष्ट चमकदार रोशनी। फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स, 26(6), 1087-1098.

पैरी, जी., प्रोवार्ट, एन.जे., ब्रैडी, एस.एम., उज़िल्ले, बी., एडम्स, के., अराउजो, डब्ल्यू.,...वॉन गिलहौसेन, पी. (2020). बहुराष्ट्रीय अरबिडोप्सिस समुदाय की वर्तमान स्थिति। प्लांट डायरेक्ट, 4(7).

सरिपल्ली, जी., सिंह, के., गौतम, टी., कुमार, एस., रघुवंशी, एस., प्रसाद, पी.,...गुप्ता, पी.के. (2020). ब्रेड व्हीट (ट्रिटिकम एस्टिवम) में लीफ रस्ट रेजिस्टेंस के लिए एलआर28 के कारण एच3के4एमई3 और एच3के27एमई3 संशोधनों का जीनोम-वाइड विश्लेषण। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 104(1-2), 113-136.

शर्मा, ई., बोरा, पी., कौर, ए., भटनागर, ए., महापात्रा, टी., कपूर, एस., और खुराना, जे.पी. (2021). विषम चावल की किस्मों का एक व्यापक प्रतिलेख विश्लेषण गर्मी तनाव प्रतिक्रिया में ऑक्सिजन और एबीए उत्तरदायी जीन की भूमिका पर प्रकाश डालता है। जीनोमिक्स, 113(3), 1247-1261.

शर्मा, एन., चौधरी, सी., और खुराना, पी. (2020)। अरबिडोप्सिस में स्कोटोमोर्फोजेनेसिस के दौरान मायो-इनोसिटोल की भूमिका। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10(1).

शर्मा, एन., चौधरी, सी., और खुराना, पी. (2020). गेहूं मायो-इनोसिटोल फॉस्फेट सिंथेज़ एथिलीन मध्यस्थता संकेतन के माध्यम से पौधे की वृद्धि और तनाव प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करती है। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 10(1).

सिंह, डी., यादव, आर., कौशिक, एस., वाधवा, एन., कपूर, एस., और कपूर, एम. (2020). पीपीडीएनएमटी2 का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण और डीएनएमटी2 के अभिनव इंटरैक्टर के रूप में मांस फिस्कोमिट्रेला पेटेंट्स में सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज की पहचान। प्लांट साइंस में फ्रंटियर्स, 11.

त्यागी, वी., परिहार, वी., मलिक, जी., कालरा, वी., कपूर, एस., और कपूर, एम. (2020). डीईएडी-बॉक्स आरएनए हेलीकॉप्टर ईआईएफ4ए पौधे के विकास को नियंत्रित करता है और फिस्कोमिट्रेला पेटेंट में एचएनआरएनपी एलआईएफ2एल1 के साथ इंटरैक्ट करता है। आणविक आनुवंशिकी और जीनोमिक्स, 295(2), 373-389.

त्यागी, वी., परिहार, वी., सिंह, डी., कपूर, एस., और कपूर, एम. (2021). डीईएडी-बॉक्स आरएनए हेलीकॉप्टर ईएलएफ4ए1 मांस फिस्कोमिट्रेला में एसडब्ल्यूआई2/एसएनएफ2-संबंधित क्रोमैटिन रीमॉडेलिंग एटीपेस डीडीएम1 के साथ इंटरैक्ट करता है। बायोचिमिका एट बायोफिज़िका एक्टा - प्रोटीन और प्रोटिओमिक्स, 1869(3).

विभिन्न वैज्ञानिक जर्नलों के सम्पादन मंडलों में सम्पादक/सदस्य के रूप में कार्य कर रहे विभाग के शिक्षकों की संख्या

प्रोफेसर ए.के. त्यागी

आण्विक और सामान्य जीनोमिकी, ट्रांसजेनिक रिसर्च, और राइस

प्रो. जे.पी. खुराना

एसोसिएट सम्पादक, फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स

प्रो. संजय कपूर

एसोसिएट सम्पादक, राइस

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. अखिलेश कुमार त्यागी

उप-परियोजना 1: राष्ट्रीय चावल कार्यात्मक जीनोमिक्स कंसोर्टियम परियोजना के तहत जीन विनियामक नेटवर्क और ट्रांसक्रिप्शनल तंत्र का विशेषता-वर्णन, 2015-2021 में चावल प्रजनन विकास में शामिल आनुवंशिक और एपिजेनेटिक नियामक नेटवर्क का कार्यात्मक विशेषता-वर्णन, डीबीटी 167.4 लाख रु।

प्रो. जितेन्द्र पी. खुराना

उप परियोजना II: "चावल में पुष्पण के संक्रमण को विनियमित करने में शामिल जीन का कार्यात्मक सत्यापन", एक बहु-संस्थागत नेटवर्क परियोजना के भाग के रूप में "चावल में प्रजनन विकास में शामिल आनुवंशिक और एपिजेनेटिक नियामक नेटवर्क के कार्यात्मक विशेषता-वर्णन", नवंबर 2015 से नवंबर 2021, डीबीटी द्वारा वित्त पोषित (यूडीएससी में उप-परियोजना के लिए 1.40 करोड़ रुपये)।

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 82.48 लाख रुपये (2018 से 2022) के लिए अनुसंधान / फेलोशिप अनुदान के साथ जेसी बोस राष्ट्रीय फेलोशिप पुरस्कार।

प्रो. अरुण कुमार शर्मा

टमाटर परिपक्वता नेटवर्क. (2015-2021). डीबीटी. 130.98 लाख रु.

एपिजेनोम में मैनुपुलेशन करके टमाटर परिपक्वता का विनियमन (2016-2021)। डीबीटी 91.74 लाख रु.

प्रोफेसर परमजीत खुराना

शहतूत जीनोमिक दृष्टिकोणों पर बहु-संस्थागत नेटवर्क परियोजना (2018-2021).

एनडब्ल्यू1: शहतूत के लिए जीनोमिक संसाधन: भारतीय शहतूत परमाणु जीनोम अनुक्रमण, जेएनयू, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से। (85.34 लाख रु.)।

एनडब्ल्यू3ए: शहतूत में विकास और अजैविक तनाव संबंधी जीन की खोज और सत्यापन, जीकेवीके, यूएस, बैंगलोर के साथ संयुक्त रूप से। (89.62 लाख रु.)।

प्रोफेसर संजय कपूर

तंबाकू बीवाई-2 कोशिकाओं में स्टार्च विनियामक और बायोसिंथेटिक मशीनरी के घटकों में मैनुपुलेशन करके सेल-लाइन आधारित स्टार्च बायो-फैक्ट्री सिस्टम का विकास, 13 फरवरी, 2020 से 12 फरवरी, 2023 तक, 53 लाख रु.।

उप-परियोजना IV: चावल में प्रजनन विकास में शामिल आनुवंशिक और एपिजेनेटिक विनियामक नेटवर्कों की कार्यात्मक-विशेषता वर्णन शीर्षक के अधीन राष्ट्रीय चावल कार्यात्मक जीनोमिक्स कंसोर्टियम परियोजना के तहत जीन नियामक नेटवर्क और ट्रांसक्रिप्शनल तंत्रों की विशेषता-वर्णन, जो नर गैमेटोफाइट को नियंत्रित करती है,, 2015-2021, डीबीटी 167.4 लाख।

डॉ. सौरभ रघुवंशी

जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडीज के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विकास में चावल की भूमि की विविधता को मुख्यधारा में लाना: चावल के जीन बैंक संग्रह के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए मॉडल (मार्च 2020-25) पीआई, डीबीटी, 603 लाख रु।

आयोजित संगोष्ठियां

महेंद्रगढ़, हरियाणा में "कोविड -19 के दौरान प्रभावी पोषण (पोषण)" पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएच) के साथ मिलकर एनएसआई की ओर से 24.09.2020 को एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

आयोजित सम्मलेन

राष्ट्रीय

अखिलेश कुमार त्यागी

पादप जीव-विज्ञान में विविध आयामों पर राष्ट्रीय कार्यशाला, यूओएच, हैदराबाद 2020.

एनसीआरबीएस 2020, जेएमआई, नई दिल्ली 2020 (आधार व्याख्यान।

डीयू-एलईएपी पहल, आईएनएसए, नई दिल्ली 2020.

वेबिनार, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 2020.

वेबिनार, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली, 2020.

वेबिनार, न्यूट्रीशन इन टाइम्स ऑफ पेनडेमिक्स, आईएनएसए और एनएसआई, दिल्ली 2020.

वेबिनार, आईजीएनटीयू, अमरकंटक 2020.

वेबिनार, एनएसआई-आईबीएसडी, प्रयागराज और इम्फाल 2020.

वेबिनार, आईआईएसएफ2020-जैव-विविधता कॉन्क्लेव, एनबीआरआई, लखनऊ 2020 (आधार व्याख्यान)।

प्रो. जितेंद्र पी. खुराना

साइंस फौंडेशन और एमएचआरडी-आईआईसी-डीडीयूसी, दिल्ली द्वारा 14 से 19 सितंबर, 2020 तक आयोजित "फ्रंटियर्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग - ग्रेजुएट्स के लिए अवसर" पर विज्ञान अकादमियों की व्याख्यान कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

7 अक्टूबर, 2020 को नई दिल्ली में सीआईआई, आरआईएस और आईएनएसए द्वारा आयोजित (संयुक्त रूप से) "भारत में बी20 वैश्विक संवाद पर डिजिटल सम्मेलन" में एक पैनेलिस्ट के रूप में एक व्याख्यान दिया।

27 अक्टूबर 2020 को सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ के 67वें वार्षिक दिवस के अवसर पर वर्चुअल मोड में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

परमजीत खुराना

आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में फसल सुधार के लिए जीनोमिक्स और प्रजनन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पूर्व-विद्यार्थी सम्मलेन में भाग लिया, 4-6 दिसंबर, 2019.

थापर इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला, भारत में 6-8 फरवरी, 2020 तक "प्लांट बायोटेक्नोलॉजी एंड एग्रीकल्चर में रुझान" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 41वीं वार्षिक बैठक में "गेहूं में थर्मोटॉलरेंस के लिए इंजीनियरिंग" पर आमंत्रित वार्ता।

22 सितंबर, 2020 को एनएसआई और आईएनएसए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "महामारी के समय में पोषण" पर आयोजित वेबिनार में "ईडब्ल्यूएस की पोषण संबंधी चुनौतियों का सामना करना" पर आमंत्रित वार्ता।

1 अक्टूबर, 2020 को एनएसआई-डीबीटी-एनआईपीजीआर द्वारा 'न्यूट्रिशन: ए वेपन टू कॉम्बैट कोविड-19' पर संयुक्त रूप से आयोजित वेबिनार में "एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए पोषण संबंधी चुनौतियों का सामना करना" पर आमंत्रित वार्ता।

दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल महाविद्यालय द्वारा डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना 2019-2022 के तहत 14 अक्टूबर, 2020 को "वैज्ञानिक अनुसंधान विधियों में नवाचार" पर संकाय विकास कार्यक्रम में "वैज्ञानिक लेखन और प्रस्तुति" शीर्षक पर आयोजित आमंत्रित वार्ता।

11 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी (आरएम-20) पर कार्यशाला में "द आर्ट ऑफ साइंटिफिक प्रेजेंटेशन एंड राइटिंग" पर एक प्रस्तुतीकरण पेश किया।

11 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी (आरएम-20) पर कार्यशाला में "वैज्ञानिक अनुदान लेखन और धन के लिए पूर्वक्षण" पर एक प्रस्तुति दी।

एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) और इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कंटेमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) द्वारा ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी), दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के सहयोग से 3-5 फरवरी, 2021 तक आयोजित 61वें एएमआई सम्मेलन में 3 फरवरी, 2021 को "ट्रिटिकम एस्टिवम एल में गर्मी तनाव सहिष्णुता को कम करने में पीजीपीआर की भूमिका की जांच" शीर्षक से एक प्रस्तुति दी।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएसआई) - दिल्ली चैप्टर और दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "विज्ञान की महिलाओं द्वारा विज्ञान और इंजीनियरिंग में उपलब्धियां" विषय पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में 10 फरवरी, 2021 को "वैज्ञानिक अनुदान लेखन और निधियों के लिए पूर्वक्षण" पर एक प्रस्तुति दी।

22 मार्च, 2021 को (स्वर्गीय) श्री एस.एल. कोचर, वनस्पति विज्ञान विभाग, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्मृति में "जलवायु अनुकूल फसलों के लिए जीन और जीनोमिक्स की भूमिका" पर एक प्रस्तुति दी।

प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन (इंडिया) की 42वीं वार्षिक बैठक और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और जीनोम एडिटिंग में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी-2021 (एपीबीजीई-2021) में 8 अप्रैल 2021 को "भारतीय गेहूं में थर्मल अनुकूलन और सहनशीलता के लिए कार्यात्मक जीनोमिक्स" शीर्षक पर आधार व्याख्यान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय

अखिलेश कुमार त्यागी

वेबिनार, इंडो-ग्लोबल बायोडाटा कोइलेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2020.

प्रो. जितेन्द्र पी. खुराना

10 जुलाई, 2020 को एएसएसए सचिवालय और केएसटी, कोरिया द्वारा "कोविड-19 पर अकादमियों की प्रतिक्रिया" पर आयोजित एएसएसए वेबिनार में एक व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर-संस्थानिक सहयोग: संकाय सदस्यों के पास जेएनयू, नई दिल्ली; जीकेवीके, यूएस, बेंगलुरु; आईआईएससी. बेंगलुरु; उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद; एनसीबीएस, बेंगलुरु और आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम के साथ चल रही सहयोगी परियोजनाएं हैं।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी: आईसीपीजी सदस्यों के पास भारत और विदेशों में कई संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाएं हैं। भारत भर के विश्वविद्यालयों/संस्थानों से बहुत से विद्यार्थी विशिष्ट प्रयोगों के लिए अल्प अवधि के लिए आईसीपीजी में आते हैं।

नियोजन विवरण (नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत): लागू नहीं (क्योंकि सभी भाग लेने वाले सदस्य प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग का हिस्सा हैं और पीएच.डी. छात्रों को विभाग में नामांकित किया गया है)।

विस्तार और संपर्क गतिविधियां: संकाय कई संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्नातक कॉलेजों में हमारी शोध उपलब्धियों, सामान्य वैज्ञानिक जागरूकता और संयंत्र अनुसंधान से संबंधित वर्तमान विषयों पर राय से संबंधित व्याख्यान देने में शामिल रहा है।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या: लागू नहीं (क्योंकि सभी भाग लेने वाले सदस्य प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग का हिस्सा हैं और पीएच.डी. छात्रों को विभाग में नामांकित किया गया है)

संकाय सदस्य संख्या

1 निदेशक (स्थायी संकाय), 5 एसोसिएट संकाय (स्थायी)

विश्वविद्यालय विज्ञान इंस्ट्रुमेंटेशन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

यूनिवर्सिटी साइंस इंस्ट्रुमेंटेशन सेंटर द्वारा विज्ञान विभागों और विश्वविद्यालय के घटक कॉलेजों के सभी शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ एक केंद्रीकृत सुविधा का रख-रखाव किया जाता है। केंद्र सप्ताह में 6 दिन (सुबह 9:00 बजे से संध्या 5:30 बजे तक) खुला रहता है।

इस समय निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध हैं:

वाइब्रेटिंग सैंपल मैग्नेटोमीटर

ब्रूकर हाई रेजोल्यूशन एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर

एटीआर और स्पेक्ट्रल परावर्तन के साथ पर्किन एल्मर एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर

उड़ान के क्वाड्रोपोल समय के साथ एगिलेंट एलसीएमएस

थर्मल विश्लेषण पर्किन एल्मर टीजीए, डीटीए और डीएससी

वाटर्स डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीटर

जियोल 400 मेगाहर्ट्ज परमाणु चुंबकीय अनुनाद

टीईएम सैंपल प्रीप्रेसन उपकरण

क्रिटिकल पॉइंट ड्रायर

ईडीएस के साथ जियोल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम)

एफईआई हाई रेजोल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (टीईएम)

सीएचएनएस विश्लेषक

तरल नाइट्रोजन (LN2) भंडारण टैंक और वितरण सुविधा

रेनिशॉ लेजर रमन स्पेक्ट्रोमीटर

कैरी एक्लिप्स फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (ठोस और तरल नमूने)

टाइम रेसोल्वड फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर (होरिबा यवोन)

सेंटेक इलिप्सोमीटर

अपकन्वर्शन एंड डाउनकन्वर्शन फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर
ऑटो सैंपलर के साथ लाइनेसिस टीजीए
एफआईआर अटैचमेंट के साथ थर्मो फिशर एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर
ब्रॉडबैंड डाइलेक्ट्रिक/प्रतिबाधा विश्लेषक (मीहर्ट्ज से 10 मीहर्ट्ज)
जैस्को सर्कुलर डाइक्रोइज्म स्पेक्ट्रोपोलरीमीटर
बी.ई.टी. सतह क्षेत्र विश्लेषक
जीस एफईएसईएम
सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर
निकॉन कन्फोकल माइक्रोस्कोप

महिला उन्नत अध्ययन और विकास केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

यह केंद्र देश में स्थापित सबसे पुराने महिला अध्ययन केंद्रों में से एक है और इसे किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन और लिंग मुद्दों के लिए समर्पित सर्वाधिक दीर्घकालिक और प्राचीन काल से चलने वाले केंद्रों में से एक होने का गौरव प्राप्त है।

केंद्र ने सितंबर 2020 में 'भारत में महिला आंदोलन' विषय पर चार व्याख्यान वाली एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। ये व्याख्यान महिलाओं के अधिकारों के लिए लगभग सौ वर्षों से किए जा रहे संघर्ष की निगरानी करने से संबंधित पद्धतिगत पहलुओं और सामाजिक चुनौतियों पर केंद्रित हैं। व्याख्यान में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था जिसमें स्वतंत्रता-पूर्व भारत में महिलाओं ने अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष, अधिकारों पर उनका दृष्टिकोण और समकालीन समय में हुए बदलाव, हमारे लोकतंत्र में महिलाओं से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों को शामिल किया गया था तथा एक प्रगतिशील वैश्वीकृत दुनिया में महिला आंदोलन के भविष्य पर भी दृष्टि रखी गयी है। विभिन्न विषयक्षेत्रों के छात्रों तक पहुंचने के उद्देश्य से, ये व्याख्यान छात्रों के लिए खुले थे और ऑनलाइन आयोजित किए गए थे।

डब्ल्यूएसडीसी ने नवंबर 2020 से फरवरी 2021 के दौरान विभिन्न कॉलेजों के स्नातकोत्तर छात्रों, शोध स्कॉलरों और संकाय सदस्यों के लिए जेंडर और डेवलपमेंट पर एक अंतर्विषयक एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स का भी संचालन किया। प्रतिभागी विभिन्न बहुविषयक समूहों से संबंधित थे जैसे अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, लिंग अध्ययन, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, विकास अध्ययन, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य, कानून, भूगोल, शिक्षा, जनसंख्या अध्ययन, लोक प्रशासन और जनसंचार आदि।

महिला दिवस के अवसर पर प्रोफेसर जया एस. त्यागी, निदेशक, डब्ल्यूएसडीसी ने 9 मार्च 2021 को भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'प्राचीन भारत में महिलाओं की आधुनिक धारणा: समस्याएं और परिप्रेक्ष्य' पर एक प्रस्तुतिकरण पेश किया।

सम्मान/गौरव

'नया मध्य वर्ग' पर केंद्र की चल रही शोध परियोजना उस तरीके पर प्रमुख परिणाम प्रदान करेगी जिस तरह से सामाजिक परिवर्तन लिंग संबंधों और लिंग-पहचान गठन की प्रक्रियाओं को प्रभावित कर रहे हैं।

केंद्र का प्रगत पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों से संबंधित छात्रों के विभिन्न वर्गों के मध्य लोकप्रिय है। यह केंद्र छात्रों को विशिष्ट अंतःविषयक स्थान और पारस्परिक संपर्क प्रदान करता है।

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी वार्षिक अनुदान से; डीयू, शीर्षक: लिंग और नया मध्य वर्ग, 2019 - चल रही है (फील्ड साइटों से एकत्र किया गया डेटा)।

आयोजित संगोष्ठियां (1)

डब्ल्यूएसडीसी ने ऑनलाइन व्याख्यान माला संचालित की।

संगोष्ठी/सम्मलेन में प्रस्तुतीकरण

डब्ल्यूएसडीसी ने ऑनलाइन प्रगत पाठ्यक्रम और व्याख्यान माला के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिए।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग

डब्ल्यूएसडीसी ने अपने पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए जमीनी स्तर पर बातचीत करने के लिए एसईडब्ल्यूए के साथ सहयोग किया। सेवा समन्वयकों ने भी छात्रों के लिए प्रस्तुतीकरण पेश किए।

विस्तार और संपर्क क्रियाकलाप

डब्ल्यूएसडीसी विश्वविद्यालय के विभिन्न घटक कॉलेजों, विभागों और संकायों तथा पूरे भारत में अन्य राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों को आकर्षित करता है। केंद्र में विश्वविद्यालय से लिए गए विद्यार्थी को विभिन्न क्षेत्रों, राष्ट्रीयता, जातीयता से जुड़े होते हैं जो उनके विविध लिंग, जाति और पहचान के बावजूद समावेशी और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं।

प्राकृतिक विज्ञान, गणित, वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन में विविध विषयों में स्नातकोत्तर और शोध विद्यार्थी डब्ल्यूएसडीसी द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं। वे अपने साथ अपने क्षेत्रों से शिक्षण के दृष्टिकोण और विभिन्न संदर्श लाते हैं जो केंद्र द्वारा पेश किए गए अंतःविषय दृष्टिकोण और एक क्षेत्र के रूप में महिला अध्ययन के साथ मिश्रित हो जाते हैं।

विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने भी केंद्र में संचालित किए गए पाठ्यक्रमों में भाग लिया है।

डब्ल्यूएसडीसी के स्टाफ और संकाय में सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है। शिक्षण और अनुसंधान के लिए संचार और व्याख्यानो के एक माध्यम के रूप में द्विभाषावाद (अंग्रेजी और हिंदी दोनों) को बढ़ावा दिया जाता है और उसका पालन किया जाता है।

संकाय सदस्य संख्या:

स्थायी : एक निदेशक, एक स्थायी संकाय-सदस्य

प्रोफ. जया एस. त्यागी, निदेशक

डॉ. मंजीत भाटिया, एसोसिएट प्रोफेसर (31-03-2021को सेवानिवृत्त)

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

केंद्र ने यूजीसी-सीएस के अंतर्गत न्यू मिडिल क्लास (एनएमसी) अनुसंधान परियोजना का आंशिक क्षेत्र कार्य किया है और सीमित संसाधनों के साथ दिल्ली-एनसीआर और कोलकाता में एकत्रित आंकड़ों को संकलित किया है। डब्ल्यूएसडीसी को संसाधनों की अनुपलब्धता और महामारी में आवाजाही पर प्रतिबंध के कारण शेष क्षेत्र के काम को आंशिक रूप से स्थगित करना पड़ा है। हालांकि, परियोजना के दूसरे चरण के तहत कुछ मामलों का अध्ययन किया गया है और परियोजना की एक अंतरिम रिपोर्ट तैयार की गई है।

विभाग

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय

वित्त और व्यापार आर्थिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पूर्व छात्रों की बैठक

विभाग ने 17 अक्टूबर, 2020 को एमबीए (वित्त) कार्यक्रम के लिए अपने वार्षिक पूर्व छात्रों की बैठक का आयोजन किया। इस बैठक का आयोजन वस्तुतः किया गया था। इसमें दुनिया भर के लगभग 100 छात्रों ने हिस्सा लिया और विभाग की संकाय और छात्रों के साथ अपने कॉर्पोरेट अनुभव सहभाजित किए।

एमबीए (व्यापार आर्थिकी)

विभाग के 6 प्रमुख कार्यक्रम हैं: एचआर कॉन्क्लेव, पूर्व-छात्रों के साथ एक दिन, वार्षिक सम्मेलन, छाप छोड़ना, संस्मरण और उत्पत्ति। हमारे 4 मुख्य क्लब हैं: नियोजन समिति, पूर्व विद्यार्थी संबंध और सांस्कृतिक समिति, कॉर्पोरेट कनेक्शन सेल और जनसंपर्क प्रकोष्ठ। विभाग में 7 मुख्य समितियां हैं: ब्लूचिप्स, इकोसोक, मार्किबिज, डेटामैटिक्स, एडबोर्ड, रूट्स और एक्सोसिया। विभाग ने परामर्श के लिए एक नया क्लब शुरू किया है- परामर्श। साथ में हमारे पास विशिष्ट समिति के कार्यक्रम भी थीं: मूल्यांकन, विश्लेषण, मार्कक्वेस्ट, अर्थिनिटी। आर्थिनीति के मामले में, विभाग आउटलुक, 2020 द्वारा अध्ययन करने के लिए 26वें सर्वश्रेष्ठ बी-स्कूल में स्थान पर है। छात्रों का नियोजन लगभग 81% है जिसमें 20 कंपनियां कंपंस में आती हैं। ग्रीष्म इंटरनशिप में हमारे 99% छात्रों को 24 कंपनियों में रखा गया था। अधिकतम वजीफॉ 2 लाख (2 महीने के लिए) का ऑफर दिया गया था। अमेरिकन एक्सप्रेस, बार्कलेज, पीरामल, इनहबी, एक्सएल, आर्सेनियम कुछ प्रमुख नियोक्ता हैं जो हमारे कंपंस में आए।

प्रकाशन

पुस्तकें

सहगल, एस., अहमद, डब्ल्यू., पांडेय, पी., और सैनी, एस., (2020) *दक्षिण एशिया में आर्थिक और वित्तीय एकीकरण: एक समकालीन परिप्रेक्ष्य, रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस समूह* (आईएसबीएन 9780815380139)

शोध

अग्रवाल, टी. जे., सहगल, एस., और अग्रवाल, आर. (2020). विघटनकारी नवाचारों, मौलिक शक्ति और शेयर विजेताओं: शेयर सूचकांक संशोधन के लिए निहितार्थ। *विजन*, 24 (3), 356-370।

अग्रवाल, टी. जे., सहगल, एस और वशिष्ठ, वी. (2020) *फर्म विशेषताएं, कॉर्पोरेट बुनियादी बातों और निवेश रणनीतियां: भारतीय शेयर बाजार के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन। प्रबंधन और श्रम अध्ययन*, 45 (3), 366-387

दलेई एन.एन. और गुप्त, वाई.(2020) *खनन क्षेत्र के पूर्व-खनन अवधि से पारिस्थितिक लचीलापन से स्वदेशी ज्ञान। ऊर्जा अर्थशास्त्र और पर्यावरण: संरक्षण, संरक्षण और स्थिरता*, ईडीएस. भट्ट एट एल., नई दिल्ली: सागे. आईएसबीएन 978-93-538-8310-2

घोष, डी. अ. और कजलीन, क. (2021). भारत में मौद्रिक नीति का मूल्यांकन: एक सतत विकास परिप्रेक्ष्य। में: दासगुप्ता, पी, रॉय, एस, अनिन्दत्ता और सिंघल, आर (Eds.)। भारत से सतत विकास की अन्तर्दृष्टि, पृष्ठ 107-139, सिंगापुर, स्प्रिंगर।

नेगी, सी.एम, और अखिल (2020) दिल्ली में मोबाइल फोन खरीदने के निर्णय को प्रभावित करने वाले कारक। *ग्लोबल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन सिस्टम*, 12 (4), 21-32।

नेगी, सी.एम.(2020) हिमाचल सेब उत्पादन की गतिशीलता, भारत में कृषि की स्थिति। LXXVII

(2), 20-29

सहगल, एस. मिश्रा, आर. वशिष्ठ आर. और *Deisting*, एफ (2021) भारत में कॉर्पोरेट वित्तीय संकट के निर्धारकों और भविष्यवाणी पर, प्रबंधकीय वित्त, 47, 1428-1447।

सहगल, एस. सोबती, एन एंड डिस्टिंग, एफ (2021) जो इंड्राडे सोने की कीमत में उतार चड़ाव और अस्थिरता का संबंध, वायदा बाजार जर्नल, 41, 1092-1123

भारत में कृषि डेरिवेटिव्स के लिए बाजार विकास और नीतिगत मुद्दे: कपास और मूँगा का अध्ययन। कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान समीक्षा, 33 (1), 99-108।

वशिष्ठ,वी.,सहगल,एस. और शर्मा, जी. (2021) भारतीय इक्विटी बाजार में आकार प्रभाव: वास्तविकता का मिथक? एशिया-प्रशांत वित्तीय बाजार, 28, 101-119।

अनुसंधान परियोजनाएं

पीआई: प्रो. यामिनी गुप्त और सह-पीआई: डॉ. एन एन दलेई, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, यूपीईएस, देहरादून- रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल मेथड मेथड, फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट-इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3.5 लाख, जनवरी 2021 का उपयोग करके भारतीय बिजनेस स्कूलों के जलवायु परिवर्तन साक्षरता कार्यक्रम का प्रभाव मूल्यांकन

पीआई: प्रो. विजय कुमार कौल एंड कंपनी - पीआई: प्रो. अनन्या घोष दस्तिदार- हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका: उत्तेजक विकास और सामरिक हितों को मजबूत करना, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद -(प्रभावशाली नीति अनुसंधान सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान (आईसीएसएसआर-इम्प्रेस) परियोजना, 15 लाख, 2019 - 2021

पीआई: प्रो. संजय सहगल, टेल रिस्क एंड स्टॉक रिटर्न: सबूत फॉर इंडिया, फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट-इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (जनवरी 2021)।

संगोष्ठी/सम्मेलन/व्याख्यान का आयोजन

एमबीए (वित्त)

विभाग ने इस वर्ष अपना 34 वां वार्षिक आयोजित सम्मेलन किया जो लगभग 27-28 नवंबर को आयोजित किया गया था, जिसका विषय "फिनटेक एंड बिजनेस एनालिटिक्स का भविष्य" है। पूंजी बाजार, बैंकिंग, भुगतान, बिजनेस एनालिटिक्स स्टार्ट-अप, और रियल एस्टेट में उभरते रुझानों पर ज्ञानवर्धक विचार-विमर्श किया गया।

दिन 1 की शुरुआत ई-सेल द्वारा आयोजित टेक्थॉन इवेंट से हुई। यह अधिवेशन निम्नलिखित वक्ताओं के साथ वेल्थ मैनेजमेंट और बीमा में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर दिन की पहली फॉयरसाइड चैट के साथ आगे बढ़ा: श्री हिमांशु कोहली, सह-संस्थापक, क्लाइट एसोसिएट्स और श्री अंकित अग्रवाल, संस्थापक और सीईओ, बीमा देखो और मॉडरेटर: श्री मृदुल उप्रेती, सेक्टर लीड, इंटरनेशनल फाउनेंस कॉरपोरेशन। इसके बाद रियल एस्टेट में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर दूसरी फॉयरसाइड चैट, निम्नलिखित वक्ताओं के साथ: सुश्री इन्ू राणा, वरिष्ठ व्यापार सलाहकार, लॉन्च पैड इनोवेशन प्रोग्राम, वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय; श्री अंकुर श्रीवास्तव, जनरल रियल प्रॉपर्टी एडवाइजर्स के अध्यक्ष; और श्री जॉन कुरुविला, ब्रिगेड रीप में मुख्य संरक्षक और मॉडरेटर: श्री मृदुल उप्रेती, सेक्टर लीड, इंटरनेशनल फाउनेंस कॉरपोरेशन के साथ हुई।

दूसरे दिन फिनटेक के भविष्य पर एक तकनीकी सत्र के साथ शुरू हुआ, निम्नलिखित वक्ताओं के साथ: श्री कुमार कुशल, ग्लोबल सीटीओ, टिलर कैपिटल, एनवाई; श्री हर्ष गुप्ता, उपाध्यक्ष, रेज़रपे; और श्री अर्पित अग्रवाल, संस्थापक और निदेशक, केएलपी डिकोडिंग इन्वेस्टमेंट्स और मॉडरेटर: श्री विनोद कश्यप, सह-संस्थापक और निदेशक, नेक्स्ट जनरल नॉलेज सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड इसके बाद बिजनेस एनालिटिक्स के भविष्य पर एक और तकनीकी सत्र, निम्नलिखित वक्ताओं के साथ: डॉ. सुभा दत्ता, मुख्य विश्लेषिकी

अधिकारी, Retra; डॉ. शक्ति गोयल, मुख्य डेटा एवं एनालिटिक्स अधिकारी, ट्रेवल बुटीक ऑनलाइन (TBO); और श्री रणधीर हेब्बर, सह-संस्थापक और ईवीपी, कन्वर्जिक्स सॉल्यूशंस और मॉडरेटर: श्री वरुण कौशिक, पूर्व-डेटा वैज्ञानिक, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि - श्री आनंद मोहन बजाज, ऊपर सचिव (एफएम), आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय (एमओएफ) द्वारा दिए गए पूर्ण सत्र के साथ दिन आगे बढ़ा; मुख्य वक्ता थे -श्री संजय मेनन, प्रबंध निदेशक, सार्वजनिक है सेपियंट और सममानित अतिथि- डॉ. यूसुफ ईरामी, निदेशक- संकायाध्यक्ष, ईएससी पीएयू बिजनेस स्कूल। इस दिन का समापन उद्यमी बनने के अवसर और चुनौतियां होने पर एक सत्र के साथ हुआ। वक्ता थे : श्री सौरभ गांधी, सह-संस्थापक, ब्यूनो वित्त; श्री राजुल गर्ग, संस्थापक और प्रबंध साझेदार, लियो कैपिटल; और सुश्री सैनी राजगोपाल, सह-संस्थापक, आर्टफाइन एडवाइजरी एलएलपी, अध्यक्षता: डॉ. फ्लोरेट डिस्टिंग, निदेशक-विकास और नवाचार, ईएससी पीएयू बिजनेस स्कूल।

विशेष व्याख्यान का आयोजन

एबीएनएस समूह के संस्थापक अध्यक्ष अबसिहेक वंसल ने 24 अक्टूबर, 2020 को "नए मॉडल के तहत साउंड बिजनेस मॉडल का सफलतापूर्वक निर्माण करने के लिए ग्रूमिंग लीडर्स" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

इंडसलैंड बैंक के कंट्री हेड आलोक केडिया ने 20 सितंबर, 2020 को "बैंक और अन्य वित्त अवसर भविष्य में महान अवसर कैसे प्रदान कर सकते हैं" पर विशेष व्याख्यान दिया।

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के मुख्य निवेश अधिकारी अमित जोहसी ने 17 सितंबर, 2020 को वित्तीय बाजारों पर कोविड का प्रभाव" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

फिदाडोम के संस्थापक आनंद डालमिया ने 4 नवंबर, 2020 को "पर्सनल फॉइनेंस" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के वरिष्ठ कोष प्रबंधक अनिरुद्ध नाहा ने 29 अगस्त, 2020 को "स्टॉक सेलेक्शन एंड फ्रेमवर्क टू बाय बिजनेस" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

नोमुरा सिक्योरिटीज के पूर्व कार्यकारी निदेशक अनिरुद्ध गंगहर ने 1 सितंबर, 2020 को एक विशेष व्याख्यान दिया

अनीश अग्रवाल, निदेशक - डेटा एंड एनालिटिक्स, नेटवेस्ट ग्रुप, पोस्ट-कोविड वर्ल्ड में एनालिटिक्स से जुड़े अवसर और जोखिम, 26 सितंबर 2020

एसकेरूप.कॉम के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुरगोएल ने 8 अक्टूबर, 2020 को "सीईओ की उभरती भूमिका" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

अवनीश क्षत्रिय, ग्लोबल हेड, सीआईओ (ताओ), विप्रो, फर्म के बिजनेस इकोनॉमिक्स में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की निर्णायक भूमिका, 8 अक्टूबर 2020

मनीलॉजिस्ट के संस्थापक और निदेशक अवधेश नागर ने 7 अक्टूबर, 2020 को "ब्याज दर अर्थव्यवस्था और हमारे व्यक्तिगत वित्त को कैसे प्रभावित करने जा रही है?" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

वीज़ा के निदेशक-व्यवसाय विकास गोपिका अरोड़ा ने 4 अक्टूबर, 2020 को "डिजिटल ट्रेड्स - चेंजिंग बैंकिंग लैंडस्केप" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

कोटक महिंद्रा एएमसी के कार्यकारी उपाध्यक्ष (एसआर फंड मैनेजर) हरीश कृष्णन ने 23 सितंबर, 2020 को "अगर मैं अपने निवेश करियर की शुरुआत कर रहा था तो मैं खुद से क्या कहूंगा?" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

बीओपी इंडिया के पार्टनर जीतू बैराठी ने 10 अक्टूबर, 2020 को संभावित निवेशकों के पास आने से पहले स्टार्टअप में क्या निवेशक देखते हैं और उन चीजों पर विचार करना चाहिए।

जोगिंद्र सिंह, वाइस प्रेसिडेंट (फॉइनेंस), हीरो कॉर्पोरेट सर्विसेज, जुलाई 2020 में "कॉर्पोरेट फॉइनेंस एंड इंडस्ट्री डिमांड्स" पर व्याख्यान दिया।

एऑन लाइफ के वाइस प्रेसिडेंट एंड इक्विटी फंड मैनेजर ज्योति प्रकाश ने 13 अक्टूबर, 2020 को बीमा क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकियों पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

कार्तिक गोपालकृष्णन, उपाध्यक्ष - रिसर्च, गार्टनर, डेटा, एनालिटिक्स और एआई संगठनों में निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करेंगे, 7 अप्रैल 2021

कुमार शेखर, उपाध्यक्ष -रिस्क, मर्चेन्ट ऑनबोर्डिंग एंड चार्जबैक, पीएयू, डू एंड डू टू ऑफ कॉर्पोरेट लाइफ और डिजिटल फ्रांड, 19 दिसंबर 2020।

अल्फा वैल्यू कंसल्टिंग के निदेशक, सह-संस्थापक मनीश श्रीवास्तव ने 19 सितंबर, 2020 को कोविड-19 के प्रकाश में परिपक्व और उभरती कंपनियों के लिए मूल्यांकन रणनीतियों पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

फिलिपकार्ट के एनालिटिक्स लीड मिर्जा रहीम बेग ने 11 अक्टूबर, 2020 को 'प्रभावी बिजनेस प्रॉब्लम सॉल्विंग रीजिंग डविंग इस डाटा साइंस' पर विशेष व्याख्यान दिया।

आईएफसी में एशिया पैसिफिक के सेक्टर लीडर, टूरिज्म, रिटेल एंड प्रॉपर्टी, एमएएस अपस्ट्रीम ने 2 अक्टूबर, 2020 को "पोस्ट कोविड एरा में स्टार्टअप इकोसिस्टम" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

नमिता कोशी, उपाध्यक्ष, ओगिलवी, रचनात्मकता एक आर्थिक शक्ति है, 22 अक्टूबर 2020

क्लक्स कैपिटल की सहायक उपाध्यक्ष निधि अग्रवाल ने 7 नवंबर, 2020 को एनबीएफसी और बैंकों में एनबीएफसी और करियर पर कोविड-19 का प्रभाव" पर विशेष व्याख्यान दिया।

नीलांजन मजूमदार, निदेशक, कंटार, व्यवहार अर्थशास्त्र, नज और उपभोक्ता विपणन के लिए निहितार्थ, 27 मार्च 2021

अनकज राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणनीति, वेल्स फॉर्गो, मेरा कैरियर यात्रा और कैसे अपने कैरियर नेविगेट करने के लिए, 16 अक्टूबर 2020

एसीसीईएल में पार्टनर प्रेंक स्वरूप ने 24 सितंबर, 2020 को "प्राइवेट इक्विटी एंड वेंचर कैपिटल" पर एक विशेष व्याख्यान दिया

रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड के सीएफओ रजनीश जैन ने 21 नवंबर, 2020 को "भारत की प्रतिस्पर्धी बढ़त को बढ़ाने- ए सीएफओ का आउटलुक" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

सेबी की उप महाप्रबंधक ऋचा अग्रवाल ने 20 नवंबर, 2020 को "कॉर्पोरेट बांड मार्केट इन इंडिया" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

संजय मेनन, प्रबंध निदेशक, पब्लिकिस सैपिएंट इंडिया "डिजिटल बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन इम्पैक्ट ऑफ कोविड में प्रौद्योगिकी की भूमिका" पर 1 अगस्त, 2020 को व्याख्यान दिया।

सौरभ बजाज, मार्केटिंग हेड (डेयरी), ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बिजनेस एंड मार्केटिंग पर कोविड का प्रभाव, 5 दिसंबर 2020

जेएलएल के वरिष्ठ निदेशक सौबीर घोष ने 22 नवंबर, 2020 को "अपने व्यक्तिगत ब्रांड का निर्माण और एक चुनौतीपूर्ण आर्थिक वातावरण की तैयारी" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

सौम्यब्रत मुखर्जी, रिस्क एनालिस्ट, ट्रेजरी सॉल्यूशन टीम, गोल्डमैन सैक्स ने 5 सितंबर, 2020 को "रिस्क मैनेजमेंट" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

आरबीएस एडवाइजर्स के एमडी-आईबी सुचिमत घोष ने 8 नवंबर, 2020 को विलय और अधिग्रहण पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

स्वप्निल पिंगले, वरिष्ठ श्रेणी प्रबंधक, जीईपी वर्ल्डवाइड, उपभोक्ता व्यवहार, 3 दिसंबर 2020 एमिकॉर्प ट्रस्टी के प्रबंध निदेशक तारिक अबुबाकर ने 5 नवंबर, 2020 को उत्तराधिकार योजना पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

तरुणेश माथुर, उपाध्यक्ष - फील्ड ऑपरेशन, शिंडलर ग्रुप, लीडरशिप बियॉन्ड कोविड क्राइसिस, 18 फरवरी 2021 सीपीआईबी इंडिया एडवाइजर्स के निदेशक वी हरिकृष्ण ने 23 अक्टूबर, 2020 को रियल एस्टेट क्षेत्र में बाजार पूंजीकरण के प्रवाह पर आरईआईटी के प्रभाव पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

विकास वासल, राष्ट्रीय प्रबंध साझेदार, कर, ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी ने 26 नवंबर, 2020 को "हाल ही में कॉर्पोरेट टैक्स फ्रेमवर्क परिवर्तन और अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभावों" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

विक्रम कोटक, सह-संस्थापक और प्रबंध साझेदार, एस लैंड्सोन ने 3 अक्टूबर, 2020 को "दुनिया के वित्तीय बाजारों पर कोविड 19 का प्रभाव" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

मूडीज एनालिटिक्स में सहायक निदेशक विवेक, बाजपेयी, सीएफए ने 19 अक्टूबर, 2020 को संरचित वित्तीय मॉडलिंग में एआई और एमएल का एकीकरण पर विशेष व्याख्यान दिया।

एडेलवीस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक बेंगनानी ने 10 अक्टूबर, 2020 को "कैसे एक सफल कैरियर - बियॉन्ड कोविड तैयार करें" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

एचआर कॉन्क्लेव "अवंत गार्ड'20": "कोरोनावायरस के समय में संपन्न", 10 अक्टूबर 2020, विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित।

विश्लेषण "डेटा एनालिटिक्स इन इंडस्ट्री 4.0", 6 मार्च 2021, विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित किया गया।

सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज के सहयोग से 11-12 मार्च 2021 (ऑनलाइन) को "कोविड 19 और भारत और कनाडा में शहरी स्थिरता के मुद्दों" पर अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय सम्मेलन। शास्त्री इंडो कैनेडियन इंस्टिट्यूट द्वारा वित्त पोषित।

मूल्यांकन "अज्ञात: नेविगेटिंग द फ्यूचर ऑफ फॉइनेंस", 20 मार्च 2021, विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित।

मार्कक्वेस्ट "मार्च टेक - मार्केटिंग टेक्नोलॉजी की अगली पीढ़ी का अनुकूलन", 27 फरवरी 2021, विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित किया गया।

46 वां वार्षिक संमेलन "दुनिया फ्लैट है या यह है?" 21 नवंबर 2020, विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित।

उत्पत्ति 20 " हम एक साथ सीखते हैं, हम एक साथ बढ़ते हैं", 19 सितंबर 2020, विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित।

विभाग के विद्यार्थी निकाय, बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित "अनटंगलिंग बिजनेस स्ट्रीम", 7 नवंबर 2020 को निशाना।

कनाडाई अध्ययन केंद्र, श्रम पर कोविड-19 का प्रभाव: भारत और कनाडा में मुद्दा और नीति, 4 दिसंबर 2020

कनाडाई अध्ययन केंद्र, कोविड-19 रणनीति और भारत और कनाडा की विशेषज्ञता, 9 नवंबर 2020

कनाडाई अध्ययन केंद्र, कोविड-19 निदान, चिकित्सा और टीके-भारत और कनाडा में पहल ", 14 दिसंबर 2020

कनाडाई अध्ययन केंद्र, कोविड 19 और भारत और कनाडा में शहरी स्थिरता के मुद्दे, 11-12 मार्च 2021

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. अमिताभ गुप्ता: ऑनलाइन विश्व वित्त बैंकिंग संगोष्ठी, रीगा, लातविया, (5-6 दिसंबर, 2020) में चारू वंगा के साथ बदलें कानूनी ढांचे के तहत तरलता पर शेयर पुनर्खरीद के प्रभाव का विश्लेषण शीर्षक से शोध प्रस्तुत किया।

ऑनलाइन व्याख्यान दिया:

प्रो. अनन्या घोष दस्तीदार:

अन्तर्राष्ट्रीय:

प्रबंधन अध्ययन संकाय, पोखरा विश्वविद्यालय, नेपाल (17 और 18 अक्टूबर, 2020) द्वारा आयोजित 'टाइम सीरीज एंड पैनेल डेटा विश्लेषण' पर ऑनलाइन कार्यशाला में पैनेल डेटा विश्लेषण पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय:

शिक्षण केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय लेखा संघ, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "14 दिन ऑन लाइन नेशनल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में 22, 23 और 24 जून, 2020 को बेसिक इकोनेट्रिक एनालिसिस पर ऑनलाइन व्याख्यान का एक सेट दिया। एनसीआर चैप्टर (17 से 30 जून, 2020)।

भारतीय लेखा संघ, एनसीआर चैप्टर (21 दिसंबर 2020-3 जनवरी 2021) के सहयोग से शिक्षण केंद्र (टीएलसी), रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन "2 सप्ताह रिफ्रेशर कोर्स सांख्यिकीय तरीकों के साथ डेटा विश्लेषण पर 2 सप्ताह रिफ्रेशर कोर्स" पर 'साधारण कम वर्ग प्रतिगमन का परिचय' पर व्याख्यान दिया।

वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा (22 जनवरी, 2021) द्वारा आयोजित ऑनलाइन "श्रम अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम" में 'इकोनेट्रिक एंड क्वांटिटेटिव टूल्स इन सोशल साइंस रिसर्च' पर 2 व्याख्यान दिए।

नियोजन विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए (वित्त)

अंतिम नियोजन-38 में से 34 नियोजित (89.47%)

कैंपस रिक्रूटमेंट के लिए 19 कंपनियों का दौरा

ग्रीष्मकालीन नियोजन - 40 में से 37 नियोजित (92.5%)

कैंपस में भर्ती के लिए 12 कंपनियों का दौरा

एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स)

अंतिम नियोजन 55 में से 40 नियोजित (72%)

कैंपस में भर्ती के लिए 13 कंपनियों का दौरा

ग्रीष्मकालीन नियोजित- 50 में से 50 नियोजित(100%)

21 कंपनियों ने कैंपस में भर्ती के लिए दौरा किया

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

वित्त एवं व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग में 21 जून 2020 को योग दिवस मनाया गया। लॉकडाउन और सामाजिक प्रतिबंधों के कारण इस वर्ष घर से योग दिवस मनाया गया। विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय सहगल, पीएच.डी. शोधार्थी और विभाग के शिक्षणोत्तर कर्मचारियों ने योग सत्र में भाग लिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. एमबीए (फॉइनेंस)- 03, एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स)- 04

संकाय संख्या

एमबीए(फॉइनेंस) - 08, एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स)- 05

कुल = 13

कला संकाय

अरबी

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अरबी विभाग ने 18-19 मार्च, 2021 को "कोविड-19 और आधुनिक चुनौतियां, अरबी और उर्दू भाषा के संदर्भ के साथ" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। अरबी विभाग ने प्रो. शफीक अहमद खान द्वारा 18 मार्च 2021 को दिए गए "अरबी भाषा और साहित्य के आकाश में दिल्ली के चमकते सितारे" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

प्रकाशन 08

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 08

प्रकाशन

जर्नल लेख

अख्तर, एस. एच. (2020) जाबिर-इब्न हयान पर शोध. डब्ल्यूई, 1-2

अख्तर, एम. (2020) भारत में अरबी शोधकारिता. मजला-तुल-हिंद, 9, 528-532

अख्तर, एम. इमाम अल-फराही द्वारा "हिक्मा-तुल-कुरान" पुस्तक पर लेख. 9, 316-332

अख्तर, एम. (2020)। सलीम तांडवी द्वारा "ये कहनी है मुहम्मद मेरी" नाम से एक पुस्तक की समीक्षा. उर्दूडूनिया, 22, 83-84

हसन, एन. (2020) व्यक्तित्व विकास में शब्दकोशों की भूमिका. डब्ल्यूई, 1 (1-2), 51-68.

हसन, एन. (2020) फुयुदुलखातिर नई दिल्ली: अल-बलाग प्रकाशन।

महमूद, ए. (2020) मौलाना अबुल कलाम आजाद पर लेख "फी मजलसाहतीवा हलीम. डब्ल्यूई, 1-2।

पुस्तक अध्याय

अकरम, एम. (2020) पुस्तक दारुल मसानेफिनकेमेमाररुफाका और खिदमत में अध्याय। यूपी: दारुलमसानेफिन (शिब्ली अकादमी)।

आयोजित संगोष्ठी (01)

अरबी विभाग ने 18 मार्च, 2021 को प्रोफेसर शफीक अहमद खान द्वारा वितरित "शाइनिंग स्टार्स ऑफ द स्काई ऑफ अरेबिक लैंग्वेज एंड लिटरेचर" विषय पर प्रो. के ए फॉरिक मेमोरियल लेक्चर सीरीज-14 के तहत एक व्याख्यान का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

अख्तर, एम. (2020) 26-27 दिसंबर को इस्लामिक फिक् यू अकादमी, नई दिल्ली (भारत) द्वारा आयोजित अरबी भाषा तक पहुंचने में दिल्ली में विश्वविद्यालयों की भूमिका विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक।

अख्तर, एम. (2021) पूर्व इस्लामी अरब में समाज और संस्कृति: भारत और अरब विश्व: सभ्यता और संभावनाओं पर राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत एक झलक भारत अरब संस्कृति केंद्र (आईएसीसी) द्वारा आयोजित, जामिया मिलिया इस्लामिया 16-17 मार्च, 2021 को आयोजित।

अकरम, एम. (2020) डॉ. मेहमूद अल-रबी द्वारा बाडल-खमीन का पठन 5-6 दिसंबर 2020 को अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र एसएलएल और सीएस जेएनयू और एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस, केरल द्वारा आयोजित आत्मकथात्मक साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत।

अकरम, एम. (2020) शिव राय चौधरी और अरबी साहित्य में उनकी कृतियां. 26-27 दिसंबर, 2020 को आईफॉ (भारत) एन दिल्ली द्वारा आयोजित "अरबी भाषा को समृद्ध बनाने में दिल्ली में विश्वविद्यालयों की भूमिका" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

अकरम, एम. (2020) अरबी शब्दकोश और छात्रों के लिए इसकी उपयोगिता. 22-23 मार्च 2020 को अरबी जे.एम एन दिल्ली के एआईएटीएस एवं विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

हसन, एन. (2020) 18-19 मार्च, 2020 को राष्ट्रीय उर्दू भाषा परिषद के सहयोग से अरबी और उर्दू भाषाओं के संदर्भ में कोविड-19 और आधुनिक चुनौतियां, अरबी और उर्दू भाषाओं के संदर्भ में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन और आयोजन किया गया।

महमूद, ए. (2020) अशल-वासेत ली तालेम अल-लुघा अरब। 27 अक्टूबर, 2020 को कश्मीर विश्वविद्यालय के दुलवामा डिग्री महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

महमूद, ए. (2020) अरबी भाषा की विशेषताएं। 18 दिसंबर, 2020 को केरल के महाराजा महाविद्यालय, एमाकुलम के अरबी अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान दिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 1

एम.फिल.: 5

संकाय संख्या

स्थायी: 6 (प्रोफेसर- 3, सहायक प्राध्यापक- 3)

2 गेस्ट फैकल्टी: 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अख्तर, एम. (2020) एनसीपीयूल, भारत सरकार सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजना के लिए कार्य करना। "भारत में अरबी शोधकारिता" शीर्षक से एक अरबी पुस्तक का उर्दू में अनुवाद प्रो. मोहम्मद अयूब द्वारा लिखित. 22-12-2020 को मंजूरी दी।

अख्तर, एम. (2021) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद के अनुरोध पर चार इकाइयों वाले यूजी के लिए सेल्फ लर्निंग सामग्री तैयार किया।

अख्तर, एम. (2020) 22-23 मार्च 2020 को अरबी शिक्षक और विद्वानों के विभाग के सहयोग से अरबी शिक्षकों और विद्वानों के अखिल भारतीय संघ द्वारा आयोजित "भारत में अरबी भाषा का शिक्षण: वास्तविकता और संभावनाएं" पर दो दिवसीय वेबिनार की आयोजन समिति के सदस्य।

अख्तर, एम. (2020) 4-9 अगस्त 2020 से अरबी विभाग, आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता और अल-मयादीन पत्रिका फॉर ह्यूमैनिटीज स्टडीज, अल्जीरिया के सहयोग से उत्कृष्टता अकादमी द्वारा आयोजित अनुसंधान और अकादमिक लेखन के पद्धतियों के गहन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

अख्तर, एम. (2020) 1-7 सितंबर 2020 तक अरबी विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर द्वारा आयोजित एक सप्ताह की अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

अख्तर, एम. (2020) यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 23 अक्टूबर से 7 नवंबर 2020 तक आयोजित आधुनिक भाषा (आईडी) में पहले ऑनलाइन दो सप्ताह के रीफ्रेश कोर्स में भाग लिया।

अख्तर, एम. (2021) अरबी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 22-26 फरवरी 2021 तक आयोजित सभी पाठ्यक्रमों की पाठ्यक्रमों को संशोधित करने के लिए एक सप्ताह तक चलने वाली कार्यशाला में आमंत्रित और भाग लिया।

अकरम, एम. (2020) यूजीसी द्वारा 23 अक्टूबर से 7 नवंबर, 2020 तक आयोजित पहले ऑनलाइन दो सप्ताह के रीफ्रेश कोर्स (आईडी) में भाग लिया - एचआरडीसी जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

अकरम, एम. (2020) 3,4,5 जुलाई 2020 को आईओएस, नई दिल्ली के सहयोग से आईआईआईटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

अकरम, एम. (2020) अरबी भाषा एवं साहित्य विभाग द्वारा आयोजित महाविद्यालय विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम 29-30 जून और 1 जुलाई 2020 में अरबी भाषा एवं साहित्य विभाग द्वारा आयोजित मदेतुल उलूम, अरबी महाविद्यालय पुलीकल, केरल, भारत में भाग लिया।

महमूद, ए. (2020) 25-26 दिसंबर 2020 को "मुल्ताकल-उलामा ली नुसरत खतम अल-अंबिया" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

महमूद, ए. (2021) अरबी विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम 22-27 फरवरी 2021 के संशोधन पर एक सप्ताह चलने वाली कार्यशाला में भाग लिया।

बौद्ध अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कोविड-19 महामारी की अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए विभाग ने कुछ शिक्षकों को इस तरह से अध्ययन सामग्री तैयार करने का काम सौंपा है, जिसे समझना आसान है। इसके अलावा, हमने बौद्ध प्रथाओं (विपश्यना तकनीक) पर छात्रों को ऐसी अभूतपूर्व महामारी की स्थिति से निपटने के लिए भी सलाह दी है कि दुनिया भर में मानवता इन दिनों सामना कर रही है।

प्रकाशन 04

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 15

प्रकाशन

पावागढ़ी, एस.बी (2020) कोविड-19 के समय में बौद्ध अर्थशास्त्र और समाज कल्याण। जीएमएनआईएस 2020 कार्यवाही में, (आईएसबीएन: 978-616-208179-8) ग्रेजुएट स्कूल, महामाकुट बौद्ध विश्वविद्यालय, थाईलैंड: 991-1001

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में पाली भाषा की भूमिका, 2020 (नवंबर) धर्मदूत. 86, (आईएसएसएन: 2347-3428)। भारत के महाबोधि समाज, सारनाथ:60-67

शर्मा, एन, (2020) आज की महामारी की स्थिति में सुखी जीवन पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य। जीएमएनआईएस 2020 कार्यवाही में, (आईएसबीएन: 978-616-208179-8)। ग्रेजुएट स्कूल, महामाकुट बुद्ध विश्वविद्यालय, थाईलैंड।

शर्मा, एन, (2021) केशव संवाद में भारतीय संस्कृति के सामाजिक सरोकार. संख्या

यूपीएचआईएन/2000/3766, आईएसएसएन संख्या 2581-3528, एएनके03

पत्रिकाएं

विभाग, बौद्ध अध्ययन नाम की एक पत्रिका प्रकाशित करता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रकाशित नहीं की गई है

आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग ने 1 नवंबर 2020 को बौद्ध धर्म पर आधारित कोविड 19 महामारी में नए प्रतिमान पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय (ऑनलाइन) संगोष्ठी (जीएमएनआईएस 2020) का सह-आयोजन किया और प्रो. सुभा बरुआ पावागढ़ी ने मुख्य भाषण प्रस्तुत किया, बौद्ध अध्ययन विभाग के छात्रों सहित कई विद्वानों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

पांडेय, एस. के. (2021) कोविड महामारी के परिवेश में बौद्ध-सिद्धांतों की प्रासंगिकता. 23-26 मई 2021 को आयोजित वाराणसी के वाराणसी स्थित संवादानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से पाली सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 4 दिवसीय-अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

पांडेय, एस. के. (2021) विश्व शांति की स्थापना में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता. 20-22 मार्च 2021 को आयोजित "बुद्ध और शांति का सार्वभौमिक संदेश" विषय पर इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, गोमती नगर, लखनऊ, यू पी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) सामाजिक व्यवधान पर काबू पाने में बौद्ध ध्यान की प्रासंगिकता 9-11 जुलाई 2020 से गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन और सभ्यता के विश्वविद्यालय स्कूल द्वारा आयोजित बौद्ध धर्म के संदर्भ में वैश्विक कल्याण और प्राचीन भारतीय परंपराओं के सिद्धांतों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (आईडब्ल्यूबीएस-2020) में प्रस्तुत किया गया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) 7 जुलाई, 2020 को सेंटर फॉर भारतीय पैंथ, मैट, सम्प्रदे और सामी धर्मों, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित मध्य एशिया में बौद्ध धर्म के उदय और पतन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में अध्यक्ष।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) पाली, बौद्ध अध्ययन और नीईपी-2020 पर आभासी संगोष्ठी में अध्यक्ष: 14 अगस्त, 2020 को यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज एंड तहजीब, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित परिप्रेक्ष्य और संभावनाएं।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) बौद्ध अर्थशास्त्र और समाज कल्याण के संदर्भ में कोविड-19 संकट का विश्लेषण। भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के राष्ट्रीय वेबिनार प्रभाव में प्रस्तुतकर्ता और मुख्य वक्ता: 30 सितंबर, 2020 को केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख द्वारा आयोजित बौद्ध परिप्रेक्ष्य से एक दृष्टिकोण।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) एनईपी 2020 के संदर्भ में शिक्षा प्रणाली में पाली बौद्ध अध्ययन की प्रासंगिकता. 1 नवंबर 2020 को भारत के महाबोधि सोसाइटी द्वारा आयोजित पारंपरिक बौद्ध ज्ञान और आधुनिकता के लिए चुनौतियों पर पाली और बौद्ध धर्म पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2021) आधुनिक समाज में सद्भाव और शांति स्थापित करने में बौद्ध शिक्षाओं की प्रासंगिकता। 22 मार्च 2021 को लखनऊ के इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज द्वारा आयोजित शांति और सद्भाव पर बुद्ध के सार्वभौमिक संदेश पर 2021 में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2021 में प्रस्तुत किया गया।

सांगई, जी. (2020) सभी प्राणियों की भलाई के लिए बोधिकद्वा की खेती। 9-11 जुलाई, 2020 को आयोजित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज एंड तहजीब द्वारा आयोजित उप-विषय II "द बुद्ध के सिद्धांत और वेल-बीइंग" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

सांगई, जी. (2020/2021) 20-22 मार्च 2021 को आयोजित इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज, गोमती नगर, लखनऊ और सभ्यता, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा 9-11 जुलाई, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

शर्मा, एन. (2020) वैश्विक विकास द्वारा आत्मनिर्भरता और सचेतन के बौद्ध परिप्रेक्ष्य। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान सती और संपज्जणा की प्रासंगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

शर्मा, एन. (2020) बौद्ध शिक्षा के माध्यम से विश्व में शांति। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज एंड वेजीट, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटरनोडा, यू पी हेल्डन 9-11 जुलाई, 2020 द्वारा आयोजित "द बुद्ध के सिद्धांतों और कल्याण" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

व्यास, एस. (2021) वसुधैवकुटुंबकम् के ब्रह्मविहार ठोस आधार की बुद्ध अध्यापन। दर्शनशास्त्र विभाग, किशोर भारती भगिनी निवेदिता महाविद्यालय (सह-एड), कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा 18 फरवरी, 2021 को आयोजित वसुधैव कुटुंबकम् पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया,

व्यास, एस (2020). कोविड महामारी के संदर्भ में नोबल आठ गुना पथ की प्रासंगिकता। 27-28 जुलाई, 2020 को आयोजित धर्म चक्र विहार, आंतरिक मूल बौद्ध अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, उप द्वारा आयोजित बौद्ध धर्म एवं महामारी विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

व्यास, एस. (2020) कोविड महामारी के संदर्भ में बौद्ध ध्यान के माध्यम से जीवन प्रबंधन। 9-11 जुलाई, 2020 को आयोजित यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज एंड तहजीब, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उप-विषय "योग, साधना, और विपश्यना ध्यान तकनीक और वैश्विक कल्याण" विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 07

एम.फिल: 00

संकाय संख्या

07

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पांडेय, एस. के. (2021) 10-11 अप्रैल, 2021 को आयोजित पाली और बौद्ध धर्म में वेन.भिक्षू जगदीश कश्यप का योगदान विषय पर आयोजित प्रथम सिद्धधाम राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिवादी के रूप में भाग लिया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) वैश्विक कल्याण पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (आईडब्ल्यूबीएस-2020) पर उप-विषय 8 'योग, साधना और विपासना ध्यान तकनीक और वैश्विक कल्याण' पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की

और 9-11,2020 से गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन और सभ्यता के विश्वविद्यालय स्कूल द्वारा बौद्ध धर्म के लिए बौद्ध धर्म के साथ प्राचीन भारतीय परंपराओं के सिद्धांतों पर सत्र का आयोजन किया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) 7 जुलाई, 2020 को सेंटर फॉर भारतीय पंथ, मेट, सम्प्रदा और सामी धर्मों द्वारा आयोजित मध्य एशिया में बौद्ध धर्म के उदय और पतन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में भाग लिया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) 1 नवंबर 2020 को भारत के महाबोधि सोसाइटी सारनाथ द्वारा आयोजित पारंपरिक बौद्ध ज्ञान और आधुनिकता के लिए चुनौतियों पर पाली और बौद्ध धर्म पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एनईपी 2020 के संदर्भ में शिक्षा प्रणाली में पाली बौद्ध अध्ययन की प्रासंगिकता शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

पावागढ़ी, एस.बी. (2021) 22 मार्च 2021 को लखनऊ के इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज द्वारा आयोजित शांति और सद्भाव पर बुद्ध के सार्वभौमिक संदेश पर अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन, 2021 में भाग लिया

पावागढ़ी, एस.बी. (2020) 6 जून, 2020 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महामारी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में भाग लिया।

अंग्रेजी

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अंग्रेजी विभाग की स्थापना दिल्ली विश्वविद्यालयकी, 1922 में स्थापना के वर्ष में हुई हैं। विभाग एमए, एम.फिल. और पीएच.डी. स्तर पर डिग्री प्रदान करता है और विश्वविद्यालय से संबद्ध 79 कॉलेजों में स्नातक शिक्षण होता है। 1970 से विभाग ने दो कैंपसों से काम करना शुरू किया: कला संकाय, उत्तरी दिल्ली और दक्षिण कैंपस, धौला कुआं, दक्षिणी दिल्ली में मुख्य कैंपस एम.ए. की डिग्री के लिए नॉन कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड में भी विद्यार्थी दाखिला लेते हैं। हम मंचों की एक विस्तृत विविधता में कक्षा में और परे दोनों में और हमारे छात्रों को गहन सलाह प्रदान करते हैं। हमारे कैलेंडर में अंतःविषय विषयों पर चल रहे व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग, संगोष्ठी, सम्मेलन और चर्चाएं होती हैं।

सम्मान/ गौरव (32)

अनेजा, ए.के. एनएबी सरोजिनी त्रिलोक नाथ राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत श्रेणी में।

अनेजा, ए.के. अध्यक्ष, ऑल इंडिया कंफेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, सितंबर 2020 - अब तक।

अनेजा, ए.के. सदस्य, कार्यकारी परिषद, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, जुलाई 2020 - अब तक।

अनेजा, सदस्य, पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की शिक्षा समिति। मई 2020 - अब तक।

अनेजा, ए. के. सदस्य, स्कूल बोर्ड ऑफ स्कूल ऑफ लैंग्वेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, फरवरी 2020 - अब तक।

अनेजा, ए.के. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, अंग्रेजी विभाग, दयालबाग शिक्षण संस्थान, आगरा, फरवरी 2020 - अब तक।

अनेजा, ए.के. सदस्य, विकलांग व्यक्तियों के लिए पदों की पहचान के लिए समिति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, जून 2019 - अब तक।

अनेजा, ए. के. सदस्य, आयुक्त (विकलांग) की सलाहकार समिति, दिल्ली, जून 2019 की सरकार - अब तक।

अनेजा, ए. के. सदस्य, दिव्यांग छात्रों की गतिशीलता पर समिति, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली के एनसीटी सरकार, मई 2019 - अब तक।

अनेजा, ए. के. सदस्य, दिव्यांग छात्रों की गतिशीलता पर समिति, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली के एनसीटी सरकार, मई 2019 - अब तक।

अनेजा, ए. के. सदस्य, विकलांगों के सशक्तिकरण के लिए एक विभाग स्थापित करने के लिए समिति, 2018 - अब तक।

अनेजा, ए. के. अध्यक्ष, पुनर्वास समिति, विश्व ब्लाइंड यूनियन (संयुक्त राष्ट्र के साथ परामर्शदात्री का दर्जा रखने वाला संगठन), चार वर्षों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्य, 2016- अब तक।

अनेजा, ए. के. सदस्य, विश्व ब्लाइंड यूनियन, 2012 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल - अब तक

अनेजा, ए. के. अध्यक्ष, वकालत समिति, अखिल भारतीय अंध परिसंघ, 2009- अब तक।

अनेजा, ए. के. उपाध्यक्ष, ऑल इंडिया कंफेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, 2007-2020

दुबे, वाई.के. उपाध्यक्ष, शेक्सपियर सोसायटी ऑफ इंडिया

कुमार, आर. सदस्य, संपादकीय बोर्ड, फोर्टल, दिल्ली

कुमार, आर. सदस्य, संपादकीय बोर्ड, रेवेनशॉ जर्नल ऑफ लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज, कटक, ओडिशा

कुमार, आर. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, महेन्द्रगढ़, हरियाणा

कुमार, आर. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली

कुमार, आर. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, बनास्थली, राजस्थान

कुमार, आर. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, दीनबंधुचौटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हरियाणा।

कुमार, आर. सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय सामाजिक कार्य और सामाजिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर।

कुमार, आर. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

कुमार, आर. सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग

पांजा, एस. आर्देन शेक्सपियर श्रृंखला, शेक्सपियर और अनुकूलन, ब्रिटेन के सलाहकार बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित

पांजा, एस. एडिटर-इन-चीफ, पलिम्पसेट: अंग्रेजी अध्ययन, बांग्लादेश के EDU जर्नल के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

पांजा, एस. सदस्य, OneDU शीर्ष समिति, 2020-2021

पांजा, एस. कोर सदस्य, सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस

पांजा, एस. सदस्य, संपादकीय बोर्ड, 97 वीं और 98 वीं वार्षिक रिपोर्ट, दिल्ली विश्वविद्यालय, अप्रैल 2020 वर्तमान में

पांजा, एस. कोऑर्डिनेटर, पीएच.डी. कमेटी, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

पांजा, एस. चेयरपर्सन, गवर्निंग बॉडी, एनईएसएचडब्ल्यू, दिल्ली यूनिवर्सिटी।

सिंह, वी.के. कोषाध्यक्ष. शेक्सपियर सोसायटी ऑफ इंडिया।

प्रकाशन 09

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 64

प्रकाशन

जर्नल लेख

देवदासन, सी आर, देसाई, आर, मोहंती और एम., वर्मा, आर (2021)। जुड़े रहना: प्रो. जी के दास, दिल्ली: आकर को याद करते हुए।

दूबे, वाई.के. (2021) साहित्य और आदिवासी मुद्दे (महाश्वेता देवी और रवि कुमार गोंड पर विशेष ध्यान)। भारत में जनजातीय साहित्य और मौखिक अभिव्यक्ति, पीके श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी द्वारा संपादित। 95-107.

वत्स, एन. (2020) मगही लोककथाओं में प्रकृति का प्रतिनिधित्व। भारतीय भाषा: दीक्षा, साहित्य एवं शोध, 11 (6), 20-26।

वत्स, एन (2020) एलन होलीइंस्ट की सुंदरता की रेखा में चेतावनी की आवाज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज, 11 (10), 361-367

पुस्तक अध्याय

देवदासन, सी आर (2021) प्रो. दास और स्मृति के फुटफॉल्स। रूपिन देसाई, क्रिस्टेल आर देवदासन, मनोरंजन मोहंती और राजीव वर्मा, (एड) जुड़े रहने: प्रो. जी के दास, दिल्ली: आकर को याद करते हुए। 59-62.

कुमार, आर (2020) 'बनना: दलित स्वाध्याय की ऑटोलॉजी: हाशिए को पढ़ना इतिहास, संस्कृति, साहित्य, प्रोवाकरपालाका द्वारा संपादित। जन साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।

कुमार, आर (2020) कट्टरपंथी दलित स्वाध्याय: अंबेडकर और दलित साहित्य पर प्रवचन। प्रभुधा भारत में: समय के पारित होने में अंबेडकर को समझना, अरुण वंदोपाध्याय द्वारा संपादित। एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता।

राजा, आई. (2020) मरने का समय नहीं: भारत से तीन लघु कथाओं में बीमारी, वृद्धावस्था और मृत्यु। बुढ़ापे की देखभाल में: दक्षिण एशिया से परिप्रेक्ष्य, एड क्रिस्टियान ब्रोसियस और रॉबर्टा मंडोकी, हीडलबर्ग: हीडलबर्ग विश्वविद्यालय प्रेस, 305-320

शर्मा, ए. (2020) "अगस्त 1947 में गांधी: आत्म फैशन, प्रिंट संस्कृति और गणराज्य." चंद्रिका कौल एड.एम. गांधी, मीडिया, राजनीति और समाज: नए दृष्टिकोण में स्विट्जरलैंड, एजी: स्पिंगर नेचर।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

अनेजा, ए. के. (2021) बच्चों सहित महिलाओं और लड़कियों की क्षमता का खुलासा करने के संबंध में मुख्य भाषण: अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, बवाना, दिल्ली द्वारा आयोजित एक और सभी (सबकाथ-सबका विकास) के लिए तेजी से क्षमता को बढ़ाना, 27 मार्च, 2021 को आयोजित किया गया।

अनेजा, ए. के. (2021) पहुंच और कानून। दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु अंगद देव शिक्षण शिक्षण केंद्र, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए उभरते सुलभ तकनीकों पर संकाय विकास कार्यक्रम/रिफ्रेशर कोर्स में व्याख्यान का आयोजन 20 मार्च- 3 अप्रैल, 2021 को आयोजित किया गया।

अनेजा, ए. के. (2021) स्वयं सहायता संगठन: प्रासंगिकता, चुनौतियां और रणनीतियां। 21-28 मार्च 2021 को नेतृत्व कौशल और वित्तीय प्रबंधन पर एआईसीबी प्रशिक्षण कार्यशाला में उद्घाटन भाषण।

अनेजा, ए. के. (2021) वकालत: दर्शन और क्रियाएं। 21-28 मार्च 2021 को नेतृत्व कौशल और वित्तीय प्रबंधन पर एआईसीबी प्रशिक्षण कार्यशाला में व्याख्यान।

अनेजा, ए. के. (2021) संचार कौशल। सीबीएम द्वारा प्रायोजित एआईसीबी द्वारा 2 दिवसीय व्यक्तित्व विकास पर 2 दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान 20-21 मार्च, 2021

अनेजा, ए. के. (2021) उच्च शिक्षा में समावेशन को समझना: पहचान, मुद्दे और पहल। 15-19 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आईएलएल द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए उच्च शिक्षा में शामिल करने पर अल्पावधि पाठ्यक्रम में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2021) विकलांगता: मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य. 6 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय, इतिहास विभाग द्वारा आयोजित सर्टिफिकेट कोर्स इन डिसएबिलिटी स्टडीज में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2021) विकलांगता और मानव अधिकार: विनियम और वास्तविकताएं। 26 फरवरी, 2021 को सक्षम ट्रस्ट के सहयोग से आईक्यूएसी, किरोड़ी मल महाविद्यालय द्वारा आयोजित चार सप्ताह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स इन डिसेबिलिटी स्टडीज में व्याख्यान।

अनेजा, ए. के. (2021) विकलांगता: अवलोकन, चुनौतियां और विचार। 10 फरवरी, 2021 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय और अदिति महाविद्यालय के मानव विकास और परिवार सशक्तिकरण विभागों द्वारा आयोजित 'बच्चों में डिफरेंस विकलांग' पर व्याख्यान व्याख्यान।

अनेजा, ए. के. (2020) विकलांगता: समाज, लिंग और उच्च शिक्षा। 22 दिसंबर, 2020 को तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित पैनल चर्चा में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) 7 दिसंबर, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती सांदय महाविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण।

अनेजा, ए. के. (2020) नई सामान्य चर्चा : विकलांग व्यक्तियों से संबंधित मुद्दे। 8 अक्टूबर, 2020 को सक्षम इकाई, समान अवसर प्रकोष्ठ, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) प्रवासी और विकलांगता के परस्पर संबंधी आयाम। 26-27 सितंबर, 2020 से अंग्रेजी साहित्य विभाग, स्कूल ऑफ लिटरेरी स्टडीज, ईफल्यू द्वारा आयोजित डायस्पोरा, लिंग और हाशिए पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) कोविड-19 और परे: सशक्तिकरण की रणनीतियां। 28 जुलाई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी महाविद्यालय द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में पहचान और चुनौतियां: विकलांगता पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) विकलांगता अध्ययन: साहित्य और सिनेमा के बीच चौराहे। 22-28 जून, 2020 को अंग्रेजी विभाग, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी द्वारा आयोजित साहित्य में समकालीन आलोचनात्मक रुझानों पर छह दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2021) विकलांगता अध्ययन परिप्रेक्ष्य: साहित्य और सिनेमा के साथ चौराहे। 24 जून, 2020 को आईक्यूएसी के सहयोग से मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय द्वारा आयोजित विकलांगता अध्ययन पर वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) दृष्टिबाधितों के लिए पुस्तकों की पहुंच। 22 जून, 2020 को सक्षम ट्रस्ट द्वारा आयोजित सुगाम्यापुस्तकालय पर ई-कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) विकलांगता अध्ययन और साहित्य: परिप्रेक्ष्य और संभावनाएं। अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा 15-20 जून, 2020 तक आयोजित साहित्य और सिनेमा में विकलांगता के प्रतिनिधित्व पर प्रस्तुत किया गया।

अनेजा, ए. के. (2020) बदलते वातावरण और अभिनव दृष्टिकोण: दृष्टिबाधितों के संदर्भ में चुनौतियां और समाधान। कोविड-19 पर वेबिनार में प्रस्तुत किया गया और 27 अप्रैल, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दृष्टिबाधितों की चुनौतियां।

अनेजा, ए. के. (2020) समन्वयक, कोविड-19 पर वेबिनार और 27 अप्रैल, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दृष्टिबाधितों की चुनौतियां।

एंटनी, एस. (2021) साहित्यिक में तटवर्ती: एक विषमता के रूप में नीली मानविकी। 14-15 जून 2021 को आयोजित अंग्रेजी के पीजी और अनुसंधान विभाग, सेंट मैरी महाविद्यालय (स्वायत्त), थुथुकुडी द्वारा आयोजित

"समुद्री पैरों के निशान: क्राफ्टिंग द कल्चरल लैंडस्केप ऑफ द लिटोरल जोन" विषय पर दो दिवसीय वर्चुअल इंटरनेशनल कांग्रेस के समापन सत्र में प्रस्तुत किया गया।

एंटी, एस. (2020) खाद्य एक्रिचर ": साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति में खाद्य प्रतिनिधित्व की एक खोज। 10 अक्टूबर 2020 को केरल के एसबी महाविद्यालय चांगचेरी, अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में प्रस्तुत, "कहानियां, कहानी और विधियां: साहित्य और संस्कृति में प्रचलन में धाराएं"।

एंटी, एस. (2020) शाब्दिक सत्य और अंग्रेजी अध्ययन में अर्थ बनाने का प्रश्न है। अंग्रेजी और आईक्यूएसी विभाग, महाराजा महाविद्यालय, एर्नाकुलम, केरल, 2-7 दिसंबर, 2020 द्वारा आयोजित आईएनक्यूआईएसआईटीआईओ-राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में प्रस्तुत किया गया।

एंटी, एस. (2020) तीसरी जगह के रूप में समकालीन साहित्य: मानविकी के भीतर स्थानिक मोड़ का एक महत्वपूर्ण सिंहावलोकन। 4 नवंबर 2020 को आईक्यूएसी और अंग्रेजी विभाग, न्यू कॉलेज, टिकोटा, कर्नाटक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार "भारत में अंग्रेजी साहित्य की भूमिका और सांकेतिकता" में प्रस्तुत किया गया।

एंटी, एस. (2020) अकादमिक पठन और लेखन। 28 सितंबर, 2020 को देश के अकादमिक मंच के लिए अंग्रेजी द्वारा आयोजित व्याख्यानों की श्रृंखला के एक भाग के रूप में प्रस्तुत

एंटी, एस. (2020) विश्वास की छलांग: विकलांगता और रोजगार के सवाल के रूप में साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति में प्रतिनिधित्व किया। जुगाली में प्रस्तुत, अंग्रेजी के स्नातकोत्तर विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार, श्री सी अचुथा मेनन गवर्नमेंट कॉलेज, त्रिशूर, केरल 5 सितंबर 2021.

एंटी, एस. (2020) नई शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा में लचीलेपन का सवाल क्या डॉ.ट्स को जोड़ा जा सकता है? 29 अगस्त 2020 को आईक्यूएसी, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के सहयोग से शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार के एक भाग के रूप में प्रस्तुत किया।

एंटी, एस. (2020) पतंग रूट करने के लिए या पतंग मार्ग के लिए?: खालिद हुसैनी पतंग धावक के एक मनोविश्लेषणात्मक पढ़ने। विजयनगरा श्री कृष्णदेवरिया विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर केंद्र, अंग्रेजी में अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग के डॉ. चांद बाशा एम द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के एक भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया। बेलारी, कोपल, कर्नाटक 29 मई 2020 को

देवदासन, सी. आर. (2020) 'अंग्रेजी' रोमांटिकवाद और 'भारतीय' पाठक। 10 जुलाई 2020 को भारती महाविद्यालय में प्रस्तुत किया।

देवदासन, सी. आर. (2020) बच्चों को हाशिए पर: भारतीय ग्राफिक प्रलेखन का विरोधाभास। 7 दिसंबर 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया में प्रस्तुत किया।

देवदासन, सी. आर. (2021) रहस्य की कला. 8 मार्च 2021 को एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय में मुख्य भाषण।

देवदासन, सी. आर. (2021) झांसी की रानी: दृश्यमान और कमजोर. 8 मार्च 2021 को सत्यवती महाविद्यालय (एम) में मुख्य भाषण।

देवदासन, सी. आर. (2020) दृश्य राजनीति और एक कार्टून की शक्ति। 18 दिसंबर, 2020 को शिव नादर (इंटरनेशनल बेक्कालॉरेट बैच) में।

कुमार, आर. (2021) महामारी के दौरान साहित्य। 7 जून, 2021 को बांग्लादेश के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2021) दलित कथाओं को पढ़ाने में शैक्षणिक मुद्दे: चुनौतियां और संभावनाएं। 25 मार्च 2021 को पंजाब की सेंट्रल यूनिवर्सिटी बठिंडा के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में पेश किया।

कुमार, आर. (2021) जाति, संस्कृति और आख्यान: दलित आत्मकथाएं पढ़ना 16 मार्च 2021 को यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, एनईएचयू, शिलांग द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रस्तुत किया।

कुमार, आर. (2021) दलित साहित्य का बदलता स्वरूप। 6 मार्च 2021 को राजकीय महाविद्यालय बिचुआ, छिंदवाड़ा, मादी प्रदेश द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत किया।

कुमार, आर. (2021) भेदभाव के आख्यान: जाति, संप्रदाय और नस्ल पूछताछ. 4 मार्च 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता।

कुमार, आर. (2020) हाशिए को समझना: दलित साहित्य का पढ़ना. 4 दिसंबर 2020 को दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में प्रस्तुत किया।

कुमार, आर. (2020) वैश्विक सामाजिक संरचनाएं: मतभेद और समानताएं. 11 नवंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के अंग्रेजी विभाग, सत्यवती महाविद्यालय द्वारा आयोजित आसॅणा में मुख्य वक्ता।

कुमार, आर (2020) हाशिए पर पूछताछ कर रहे हैं। 2 अक्टूबर 2020 को पीपुल्स लिटरेचर पब्लिकेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित पुस्तक चर्चा के लिए एक वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) दलित साहित्य का सिद्धांत। 17 सितंबर 2020 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित एक रिफ्रेशमेंट कोर्स में एक वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया।

कुमार, आर. (2020) दलित साहित्य का अनुवाद. 16 सितंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार वार्ता प्रस्तुत की।

कुमार, आर. (2020) जाति, संस्कृति और पहचान: दलित आत्मकथाएं पढ़ना. 11 अगस्त 2020 को भुवनेश्वर के रमादेवी महिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) पोस्टकोलोनिज्म और दलित साहित्य. 7 अगस्त 2020 को त्रिपुरा के अगरतला स्थित महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) अखिला नायक की बहेड़ा समझाइश। 6 जुलाई 2020 को गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) हाशिए पर और अस्तित्व का सवाल है। 26 जून 2020 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पी.जी. महिला आर्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) विकलांगों को समझना। 20 जून 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा आयोजित समापन वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) कोरोना के दौरान हाशिए की स्थिति 1 जून 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (प्रातः) द्वारा आयोजित वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, आर. (2020) महामारी के दौरान हाशिए पर 22 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू (सांध्य) द्वारा आयोजित वेबिनार वार्ता में प्रस्तुत किया गया।

शोरमिस्थ, पी. (2020) नारीवादी देहाती: लुईस ग्लक की कविता दिसंबर 2020 में आईआईटी इंदौर द्वारा वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित नोबेल पुरस्कार विजेता व्याख्यान श्रृंखला में प्रस्तुत

शोरमिस्थ, पी. (2020) अनुकूलित शेक्सपियर। अक्टूबर 2020 में वर्चुअल मोड के माध्यम से गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में प्रस्तुत

शोरमिश्य, पी. (2020) भारतीय परदे पर तीन समकालीन शेक्सपियर अनुकूलन. जुलाई 2020 में वर्चुअल मोड के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती महाविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में प्रस्तुत किया गया।

शोरमिश्य, पी. (2020) शेक्सपियर और वैश्वीकरण और सांस्कृतिक विनियोग की समस्याएं जुलाई 2020 में अंतर्राष्ट्रीय वेब व्याख्यान श्रृंखला, बांकुड़ा क्रिश्चियन महाविद्यालय में प्रस्तुत किया।

शोरमिश्य, पी. समकालीन शेक्सपियर: हाल ही में दो बंगाली सिनेमाई रूपांतरों, अर्शीनगर और जुल्फिकार. मई 2020 में अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, अंग्रेजी साहित्य के समकालीन विश्लेषणात्मक प्रवचन, सेंट अल्बर्ट कॉलेज, कोच्चि में प्रस्तुत किया गया।

शर्मा, ए. (2021) 23 जून, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अंग्रेजी में भारतीय उपन्यास को फिर से तैयार करने" पर आधुनिक भारतीय उपन्यास फॉर द फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) पर मीना पिल्लई के व्याख्यान में अध्यक्ष और चर्चा में आमंत्रित किया गया।

शर्मा, ए. (2020) 1 जुलाई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में "क्रांतिकारी सौंदर्यशास्त्र और ज्ञान अर्थव्यवस्था देर से 18 वीं शताब्दी में ब्रिटेन" में आमंत्रित विशेषज्ञ।

शर्मा, ए. (2020) वेबिनार में आमंत्रित विशेषज्ञ "टैगोर और एशिया के विचार." 7 मई, 2020 को कर्नाटक के चैचन, चैचन, अंग्रेजी विभाग, श्री संगमेश्वर आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज द्वारा "रवींद्रनाथ टैगोर साहित्य के रेट्रोस्पेक्शन और प्रासंगिकता" पर राष्ट्रीय वेबिनार।

शर्मा, ए. (2021) वेबिनार में विशेषज्ञ "आईकेईडीए और विश्व शांति के लिए मानवतावादी शिक्षा आमंत्रित किया." 7 जुलाई, 2021 को भारत सोकागक्काई और गांधी स्मारक निधि, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा में डॉ. इकेडा के विश्व विज्ञान को समझना।

शर्मा, ए. (2020) महात्मा से मैडमैन तक: द ट्रॉमा ऑफ गांधी, 1947 निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में गांधी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत: छवि, पाठ, और प्रदर्शन अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 4 मार्च, 2020 को आयोजित किया।

सिंह, वी.के. (2020) एक दूर के रिश्तेदार को देखने पर: अंग्रेजी साहित्य शिक्षण की प्रासंगिकता आज। अगस्त, 2020 में भारत में नई शिक्षा नीति और भविष्य के अंग्रेजी अध्ययन, लंका महाविद्यालय, लंका, असम पर राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान।

सिंह, वी.के. (2020) शेक्सपियर के एंटनी और क्लियोपेट्रा में स्टेजक्राफ्ट और स्टेटक्राफ्ट की धारणाओं को फैलाया। सितंबर, 2020 में कर्नाटक के सेंट्रल यूनिवर्सिटी, कालाबुरागी, कर्नाटक पर वेबिनार में व्याख्यान।

सुब्बानो, सी. (2021) "गुक्स, घर जाओ!" भावात्मक सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला में संयुक्त राज्य अमेरिका में वियतनामी, फ्रेड यूनिवर्सिटी बर्लिन 25 जून 2021 को।

सुब्बानो, सी. (2021) "ब्लाइंड के स्वर्ग": दुआंग थू वियतनाम के हुआंग के अभ्यावेदन/अमेरिकी युद्ध। ' साझा युद्ध यादें-सेना से नागरिक के लिए अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में प्रस्तुत किया। ले मँस विश्वविद्यालय, फ्रांस 22-24 जून 2021 को।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 07

एम.फिल.: शून्य

संकाय संख्या

प्रोफेसर

स्वीकृत पदों की संख्या-07

एसोसिएट प्रोफेसर

स्वीकृत पदों की संख्या-19

सहायक प्रोफेसर

स्वीकृत पदों की संख्या-10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

राजा, आई (2020) ' भारत का प्रवासी संकट: संप्रभु निषेधाज्ञा जो नहीं था ', थीसिस इलेवन ऑनलाइन परियोजना का एक हिस्सा: लिविंग एंड थिंकिंग क्राइसिस।

राजा, आई (2020) पॉडकास्ट "साहित्य, चिकित्सा और वृद्धावस्था", हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा यूओएच पॉडकास्ट, जिसमें विभिन्न विषयों और विषयों के विशेषज्ञ शामिल हैं।

जर्मनिक और रोमांस अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

जाने के लिए कोई जगह नहीं है? विषय पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "18-20 मार्च 2021

प्रकाशन 01

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 03

प्रकाशन

साहनी, एम. (2021) वेब पर काल्डेरॉन", पुनर्जागरण और सुधार में, अप्रैल 2021 प्रारंभिक आधुनिक नाटक की समीक्षा, यूआरएल: <https://jps.library.utoronto.ca/index.php/renref/article/view/36396>

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

साहनी, एम (2021) 15 मई, 2021 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित विचारों के इतिहास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता

साहनी, एम (2021) ट्रिब्यूना डी हिस्पानिस्टस इंडियोस में विशिष्ट वक्ता। 21 जनवरी, 2021 को इंस्टीट्यूटो सर्वेत्स, नई दिल्ली

साहनी, एम (2020) विशिष्ट वक्ता एनईपी 2020 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में विशिष्ट वक्ता, 10-11 सितंबर, 2020 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून के स्कूल ऑफ लैंग्वेज द्वारा आयोजित भाषा शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुवाद।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक (एस) /सदस्य (1) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या: (1)

प्रो. मिन्नी साहनी:

संपादकीय बोर्ड के सदस्य, कला और मानविकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

बार्सिलोना के स्वायत्त विश्वविद्यालय के लिए समीक्षक

लेट्रास हिस्नास, टेक्सास विश्वविद्यालय के लिए समीक्षक

संगोष्ठी आयोजित: 01

विषय पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "जाने के लिए कोई जगह नहीं है? विस्थापन, अपनेपन और गैर-संबंधित पर परिप्रेक्ष्य" 18-20 मार्च 2021 के बीच आयोजित

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए (12)

फ्रेंच (2)

मोंटपेलियर विश्वविद्यालय -III

फ्रेंच भाषी विश्वविद्यालय एजेंसी (एयूएफ)

जर्मन (4)

वुपर्टल विश्वविद्यालय, जर्मनी

फ्रे यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी

पोसडैम विश्वविद्यालय, जर्मनी

वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया

स्पेनिश (2)

एक्सटर्नाडो विश्वविद्यालय, कोलंबिया

नवरा विश्वविद्यालय, पाप्लोना, स्पेन

कोस्टा रिका विश्वविद्यालय

इटली (1)

ट्यूरिनो विश्वविद्यालय, ट्यूरिन, इटली

एल'ओरिएंटल, नेपल्स विश्वविद्यालय, इटली।

पुर्तगाली

इंस्टीट्यूटो कैमोस

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

विभाग ने 22-26 फरवरी 2021 को 'समझ विस्थापन' के लिए अविंटर स्कूल का आयोजन किया

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 01-फ्रेंच अध्ययन

एम.फिल.: 01-स्पेनिश, 01-फ्रेंच

संकाय संख्या

स्थायी: 11

तदर्थ: 11

अतिथि: 05

हिंदी

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग देश के अग्रणी विभागों में से एक है। यह अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानकों को बनाए रखता है और बढ़ावा देता है। विभाग ने एक बहुत ही गतिशील पाठ्यक्रम विकसित किया है जो बदलते समय की जरूरतों, ज्ञान और आवश्यकताओं में तेजी से वृद्धि को प्रतिबिंबित और उन्नत कर सकता है। यूजीसी के मानकों के अनुसार विभाग द्वारा उच्च स्तर के अनुसंधान को बनाए रखा जाता है।

प्रकाशन 11

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 30

प्रकाशन

कुमार, एस. (2020). काव्य-संरचना में अंतराल के होने के निहितार्थ. *बनास जान*, 118-124.

कुमार, एस. (2020). बीस वर्ष बाद:व्यवस्था बदलाव की आकांक्षा. *बनास जान*, 11-16.

पटेल, आर. (2020). रीतिकालीन नीतिकाव्य में मानवमूल्य सहृदय, खंड 43-45, वर्ष 12, 90-96 .

पटेल, आर. (2020). मानवतावाद की भारतीय परंपरा और द्विवेदी-युग का काव्य.सहृदय, खंड 45-46, वर्ष 12, 291-296.

सिंह, एस. (2020). सेवा सदन का एक सौ इक्यावन वर्ष. *वेस्तानिक फिलोलोग्य (साइंटिफिक एंड थ्योरेटिकल जर्नल) ऑफ नबरेज़हनये चेलने स्टेट पेडगोजिकल यूनिवर्सिटी*, 11-14.

सिंह, एस. (2021). स्त्री:संस्कृति और स्वाधीनता. आजकल, प्रकाशन प्रभाग, भारत सरकार, पृष्ठ 8-11

तिवारी, वी. (2020). नित्यानंद आखिरी कलम:दुःस्वप्ना से दुःस्वप्ना तक की यात्रा का संतप्त आख्यान. *अनहद*, 197-206.

तिवारी, वी. (2020). सरस्वतीचंद्र: भारतीय प्रेमाख्यान और पाश्चात्य रोमांस के वायरल संयोग की अनोखी प्रेम कथा. *पाखी*, 140-148.

तिवारी, वी. (2021). पैसठ वर्ष की रसप्रिया और सौ वर्ष के रेनू. *कथादेश*, 16-21.

तिवारी, वी. (2021). लिंगभेदि नैतिकता की सर्जनात्मक आलोचना. *सामवेद*, 65-73.

पुस्तकें

तिवारी, वी. (2020). विचार के वातायन. दिल्ली: सेतु प्रकाशन प्रा. लि.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

पटेल, आर. (2020). साहित्य, शिक्षा और समाज: तकनीक और परम्परा का समन्वय. इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत, शोधप्रकल्प, रायपुर (सी.जी.) 30 मई-1 जून 2020 को।

पटेल, आर. (2020). वैश्विक परिदृश्य में भारतीय समाज और संस्कृति इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत एस.बी. महाविद्यालय, शाहपुर (एमएच) 8-10 जून, 2020 को

पटेल, आर. (2020). महामारियों का लोक-संस्कृति पर प्रभाव. संस्कृति इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल 21-26 जून, 2020 को

पटेल, आर. (2020). छायावाद के सौ वर्ष और मुकुटधर पांडेय. संस्कृति इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत के.जी. महाविद्यालय, रायगढ़ (सी.जी.) 28-29 जुलाई, 2020 को.

पटेल, आर. (2020). किन्नर विमर्श: देश एवं दिशा. अखिल भारतीय विकलांग परिषद् वेब में प्रस्तुत, बिलासपुर (सी.जी.) 2-3 अगस्त, 2020 को.

पटेल, आर. (2020). वैश्विक आपदा: शिक्षा एवं साहित्य . गवर्नमेंट पी.जी. महाविद्यालय में प्रस्तुत, मुंगेली (C.G.) 7 अगस्त, 2020 को.

पटेल, आर. (2020). आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी: सृष्टि एवं दृष्टि. इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत, रांची यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली 19-20 अगस्त, 2020.

पटेल, आर. (2020). स्वच्छंदतावादी साहित्य और मानवतावाद, 6 सितंबर, 2020 को नेशनल वेब, एमजी डिग्री महाविद्यालय, भुक्टा, (उड़ीसा) में प्रस्तुत किया गया।

पटेल, आर. (2020). हिंदी का वैश्विक परिदृश्य और रोजगार की संभावनाएं. नेशनल वेब में प्रस्तुत, श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, दिल्ली 15 सितंबर 2020 को।

सिंह, एस. (2020). हिंदी: कल आज और कल. इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत, जय प्रकाश महिला महाविद्यालय, छपरा, बिहार 14 सितम्बर, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). हिंदी: मीडिया का वैश्विक पटल. इंटरनेशनल वेब में प्रस्तुत; लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 29 सितम्बर, 2020 को.

सिंह, एस. (2021). मध्ययुगीन समाज और साहित्य को समझने के लिए वैचारिक आधार, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में प्रस्तुत; विदेश मंत्रालय तुर्कमेनिस्तान, अशगाबात 31 मार्च, 2021 को।

सिंह, एस. (2020). बॉलीवुड सिनेमा में राष्ट्र. एमएचआरडी में प्रस्तुत, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, शिक्षण अध्ययन केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय, डी.यू. 27 मई, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). आत्मकथा में स्त्री. एआरएसडी महाविद्यालय में प्रस्तुत, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली को 1 जून, 2020.

सिंह, एस. (2020). समकालीन हिंदी उपन्यास और वर्तमान. आईक्यूएसी और जेडीएम महाविद्यालय में प्रस्तुत, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 15 जून, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). घर में प्रेमचंद. चिंतन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था में प्रस्तुत, दिल्ली 31 जुलाई, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). प्रेमचंद और स्त्री. जमशेदपुर महिला महाविद्यालय में प्रस्तुत, जमशेदपुर 31 जुलाई, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). तीसरी कसम में प्रेम. दक्षिण एशियाई इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट एंड श्री शिक्षायाटन महाविद्यालय, कोलकाता में प्रस्तुत 6 अगस्त, 2020 को

सिंह, एस. (2020). चर्चा और महिला कविता पाठ सेंटर फॉर वुमन डेवलपमेंट स्टडीज 25 अगस्त, 2020 को दिल्ली में।

सिंह, एस (2020). रचनाकार महादेवी. स्त्री दर्पण में प्रस्तुत, दिल्ली 11 सितम्बर, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). मुक्तिबोध: आत्मा के शिल्पी. मुक्तिबोध साहित्यिक मंच में प्रस्तुत, अल्लाहाबाद (प्रयागराज) 11 सितम्बर, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). महामारी: कला और विज्ञान में कुछ अप्रतिवेदित मुद्दा. महाराजा मनिंद्रचंद्र महाविद्यालय में प्रस्तुत विश्वविद्यालय, कोलकाता, कलकत्ता 14 सितंबर, 2020 को

सिंह, एस. (2020). स्त्री भाषा अनुभूति के ओझल पक्ष. यूजीसी, एमएचआरडी सेंटर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में प्रस्तुत किया गया 23 सितंबर, 2020 को।

सिंह, एस. (2020). महादेवी के बाहने हिंदी का स्त्री विमर्श, श्यामलाल महाविद्यालय में प्रस्तुत, दिल्ली विश्वविद्यालय 24 सितंबर, 2020

सिंह, एस. (2020). भाषा और साहित्य यूजीसी में प्रस्तुत, एमएचआरडी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 25th सितम्बर, 2020 को.

सिंह, एस. (2020). हम सभी को नारीवादी क्यों होना चाहिए? 7 अक्टूबर, 2020 को मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, डीसीयू में अविभंजना बहस एवं सांस्कृतिक सोसायटी प्रस्तुत की।

सिंह, एस. (2020). मैत्रेयी पुष्प पर एक बातचीत. स्त्री दर्पण में प्रस्तुत, दिल्ली, इंडिया 30 नवंबर, 2020 को
तिवारी, वी. (2021). रिफ्रेशर कोर्स में विशेषज्ञ, दलित विमर्श की सैद्धांतिकी, रांची यूनिवर्सिटी 15 फरवरी, 2021 को

तिवारी, वी. (2021) वेबिनार में विशेषज्ञ, 'किसान जीवन और समकालीन हिंदी उपन्यास'; एर्नाकुलम महाविद्यालय, कोचीन यूनिवर्सिटी, कोचीन में 10 मार्च, 2021 को.

तिवारी, वी. मुख्य भाषण; अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार; 'फणीश्वर नाथ रेनू'; हिंदी विभाग, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि 18 मार्च, 2021 को।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम (2)

रामनारायण पटेल ने "उच्च शिक्षा में आईसीटी टूल्स का आवेदन" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया 11-12 जून, 2020 को मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली में

रामनारायण पटेल ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति: एकविमर्श", पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग; पर एक कार्यशाला का आयोजन किया भारत सरकार , दिल्ली 9 अगस्त , 2020.

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: कुल 28

एम.फिल.: कुल 21

संकाय संख्या : स्थायी: 19

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

तिवारी, वी; नोडल अधिकारी, एनएएससी समिति, हिंदी विभाग।

तिवारी, वी; नोडल अधिकारी, एम.ए., एम.फिल. व पीएच.डी. कार्यक्रम, हिंदी विभाग।

कांबले, एम.एम; आईसीटी मध्यस्थता शिक्षण शिक्षण शिक्षा शास्त्र और सामग्री।

कांबले, एम.एम; 'शिक्षा के क्षेत्र में अनुवाद: प्रक्रिया ईवम स्वरूप'; एमएटीएस-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू; 28 अगस्त 2020

कांबले, एम.एम; 'भारतीय शिक्षा नीति और अनुवाद' मैट-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू; 28 अगस्त 2020

कांबले, एम.एम; ' शिक्षा के क्षेत्र में अनुवाद, भाग-3; मैट-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू; 28 अगस्त 2020

कांबले, एम. एम; ' बैंकिंग साहित्य का अनुवाद भाग-1; मैट-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू; 17 अगस्त 2020

कांबले, एम. एम; ' बैंकिंग साहित्य का अनुवाद भाग-2; मैट-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू; 17 अगस्त 2020 .

कांबले, एम.एम; 'पर्यटन के क्षेत्र में अनुवाद भाग-1' मैट-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू; 20 अगस्त 2020

कांबले, एम.एम; 'पर्यटन के क्षेत्र में अनुवाद भाग -2' एमएटीएस-2, स्वयं, स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज, इग्नू ; 20 अगस्त 2020.

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की स्थापना 1946 में पद्मश्री डॉ. एस आर रंगनाथन और प्रो. एस दासगुप्ता के प्रयासों से यूनेस्को की पायलट परियोजना के रूप में की गई थी। यह देश का पहला पुस्तकालय विज्ञान विभाग था जिसे कला संकाय के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय में अन्य घटक विभागों की तरह एक पूर्ण विभाग के रूप में स्थापित किया गया था। स्थापना के बाद से विभाग ने भारत और विदेशों में एलआईएस शिक्षा और अनुसंधान के लिए मील के पत्थर स्थापित करने में महत्वपूर्ण और रचनात्मक समग्र भूमिका निभाई है। संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद 1956 में पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए दुनिया का दूसरा विभाग बनने के लिए एक और यश के साथ-साथ पूरे राष्ट्रमंडल देशों में पहला विभाग होने के साथ-साथ डॉ. एसआर रंगनाथन की देखरेख में 1957 में पहली पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई। उत्कृष्ट और उत्कृष्ट शिक्षाविदों जो नींव रखी उत्तराधिकारियों जो लगन से शिक्षण और अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए अमीर और गौरवशाली मूल्यों और शिक्षाओं विरासत में मिला। यह देश का पहला विभाग है जिसमें चार पद्मश्री अर्थात् डॉ. एसआर रंगनाथन (1957); प्रो. एस बशीरुद्दीन (1960); प्रो. बीएस केशवन (1967) और प्रो. पीएन कौल (2002) का अमिट टैग है। पूरे राष्ट्रमंडल देशों में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में राष्ट्रीय प्रोफेसरशिप के लिए डॉ. एसआर रंगनाथन (1957) को पीएच.डी. डिग्री (1957) सम्मानित करने वाला देश का पहला विभाग बना। विभाग इस वर्ष कई शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन कर अपनी प्लेटिनम जुबली मना रहा है।

प्रकाशन 38

पुस्तकें

सिंह, के.पी. (2020) सामने से बजाना: एक पुस्तकालय और सूचना विज्ञान शिक्षक के सामने अकथित कार्यों की एक कहानी एकेएस पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली। पृष्ठ 505. आईएसबीएन- 978-81-946468-4-6

सिंह, के.पी. (2021) हॉल ऑफ फेम: प्राइड एंड पर्स ऑफ फैकल्टी ऑफ आर्ट्स, दिल्ली विश्वविद्यालय: ए.के.एस. पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली। पृष्ठ 50.

सिंह, के. पी., और चंदर, एच (2021) पंजाबी किताबों पर ग्रंथसूची। आज और कल के प्रिंटर और प्रकाशक: नई दिल्ली। पृष्ठ 389. आईएसबीएन-978-81-946468- 4-6

जर्नल लेख

बाजपेयी, वी.के., और मार्गम, एम (2021) एलआईएस पेशेवरों के बीच आईसीटी कौशल: दिल्ली में 74 महाविद्यालय पुस्तकालयों से एक आकलन"। *ज्ञान और संचार प्रबंधन जर्नल*, 11.1 (2021), 66-87 (आईएसएसएन: 2277-7946, सहकर्मी की समीक्षा की) (SJIF-6.191)।

बाजपेयी, वी. के. सहयोगात्मक आयु में आईसीटी कौशल: दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय पुस्तकालयों में काम करने वाले पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पेशेवरों का मूल्यांकन। *पर्ल-पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन साइंस जर्नल*, 14.3 (2020), 281-292 (आईएसएसएन: 0975-6922, सहकर्मी की समीक्षा की, यू.जी.सी. अनुमोदित जर्नल)

बाजपेयी, वी.के., और मार्गम एम (2019) आईसीटी कौशल और महाविद्यालय पुस्तकालयों, दिल्ली विश्वविद्यालय में काम कर रहे पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पेशेवरों की दक्षताओं: *एक अध्ययन पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास*, 2275 (2019), 1-29 (आईएसएसएन: 1522-0222); एसजेआर - 0.29 (2012); एच-इंडेक्स14।

बाजपेयी, वीके, और मार्गम, एम (2021) एलआईएस पेशेवरों का सतत व्यावसायिक विकास: दिल्ली में 74 महाविद्यालय पुस्तकालयों से एक मूल्यांकन। *जर्नल ऑफ इंडियन पुस्तकालय एसोसिएशन*, 57.1 (2021), 105-118। (आईएसएसएन: 2277-5145, पीयर-रिव्यू, यूजीसी अनुमोदित जर्नल)।

भूषण, जी, और मार्गम, एम (2020) ब्लॉकचेन द्वारा ऑनलाइन नॉलेज सिस्टम हासिल करना: मॉडल ऑनलाइन रक्षा सूचना प्रणाली के लिए एक प्रस्तावित समाधान। *पुस्तकालय और सूचना अध्ययन (ALIS)*, 67.4 (2020), 257-267 के इतिहास। (आईएसएसएन: 0975-2404, सहकर्मी की समीक्षा की) एसजेआर-0.235 (2018)।

भारती, एस.के., और मार्गम, एम (2019) भारत में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेबसाइटों का सामग्री मूल्यांकन। *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास*, 2593 (2019), 1-16। (आईएसएसएन: 1522-0222); एसजेआर - 0.29 (2012); एच-इंडेक्स14

चंदर, एच., और सिंह, के. पी. (2020)। पंजाबी भाषा पुस्तकों के सीमावर्ती प्रकाशक: एक बाइबिल अध्ययन। *डीआईसीडॉ.क जर्नल ऑफ पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी*, 40 (4), 230-237।

चंदर, एच., और सिंह, के. पी. (2020) पंजाबी किताबों की ग्रोथ (2004-2013)। *इंडियन जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन, पुस्तकालय एंड सोसायटी*, 33 (1-2), 40-58।

चंदर, एच., और सिंह, के. पी. (2020) पंजाबी भाषा पुस्तकों का विषय मानचित्रण: एक बाइबिल अध्ययन। *पुस्तकालय और सूचना अध्ययन*, 67, 251-256 के इतिहास।

चौधरी, पी.के., सिंह, के.पी. एंड प्रसाद, डी (2020) *नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली के संकाय सदस्यों के अनुसंधान प्रकाशनों का विज्ञान अध्ययन*। मुक्तशब्द जर्नल। 9(7), 1304-1311.

डार, एस ए, और मार्गम एम (2020) दिल्ली (भारत) में चुनिंदा विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में मोबाइल आधारित पुस्तकालय सेवाओं में पुस्तकालय सेवाओं की वृद्धि: उपयोगकर्ताओं का परिप्रेक्ष्य। *विश्व डिजिटल पुस्तकालयों*, 13.1 (2020), 11-28। (आईएसएसएन: 0974-567-X)।

गौतम, वीके, और सिंह, के. पी. (2020) खुले शैक्षिक संसाधनों (OER) के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों का सतत सशक्तिकरण: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। *जर्नल ऑफ पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन साइंस*, 45 (1-2), 1-15।

खत्री, डी, और वालिया, पी के (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालय छात्रों के पढ़ने के हितों की खोज। *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास*।

खत्री, डी, और वालिया, पी के (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध चुनिंदा कॉलेजों के स्नातक छात्रों द्वारा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग। *केल्प्रो बुलेटिन*, 24 (), जून 2020 आईएसएसएन 0975-4911 (प्रिंट) आईएसएसएन 2582-497X (ऑनलाइन)।

कुमार, एम, एंड भट्ट, आर के (2020) कोविड 19 के दौरान पुस्तकालय और सूचना विज्ञान वेबिनार: ज्ञान के प्रसार के लिए जुड़े रहें। हम: एक बहुविषयक और बहुभाषी सहकर्मी का समीक्षा अनुसंधान जर्नल। कला संकाय: दिल्ली विश्वविद्यालय। खंड 1, नंबर 1-2 जून-दिसंबर (2020)।

कुमार, एम. (2020) एलआईएस में अकादमिक सम्मेलन: सीखने और अवकाश के लिए मंच *इंडियन जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन, पुस्तकालय एंड सोसायटी*, 33 (3-4), 249-55 आईएसएसएन - 0971-4286

शेहू, ए.बी, और सिंह, के. पी. (2020) उत्तर मध्य नाइजीरिया के चुनिंदा निजी विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग। *जर्नल ऑफ इंडियन पुस्तकालय एसोसिएशन*, 57 (2), 1-13। शेहू, ए.बी, और सिंह, के पी (2020) मैन्स पुस्तकालय 2.0 के सिद्धांत का उपयोग करके उत्तरी नाइजीरिया के निजी विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में वेब 2.0 का अनुप्रयोग। *पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास (ई-जर्नल)*, 2020, 1-12।

शेहू, ए.बी, और सिंह के पी, और ओयिज़ा, एच ओ (2020) नाइजीरिया के अकादमिक पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की वर्तमान स्थिति: साहित्य की समीक्षा। *पुस्तकालय प्रगति (अंतर्राष्ट्रीय)*, 40 (1), 25-33।

सिंह, के.पी. (2020) एक स्तवन: डॉ. एचके कौल - एक संस्थागत बिल्डर को श्रद्धांजलि। *पुस्तकालय हेराल्ड*, 58 (2-3), 167-175।

सिंह, के.पी. (2020)। पीढ़ी दर पीढ़ी: पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय (1946-2020) के पूर्व छात्रों के सामाजिक विविधता और संबंधों की गतिशीलता की खोज और वर्णन करना। *पुस्तकालय हेराल्ड*, 58 (2-3), 36-53।

सिंह, के.पी. (2020) प्रोफेसर सीपी वशिष्ठ: एक बहुआयामी व्यक्तित्व। *पुस्तकालय हेराल्ड*, 58 (1), 42-47।

सिंह, के.पी. (2021) दिल्ली: पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों की झलक। *हम-एक बहुविषयक और बहुभाषी सहकर्म-समीक्षा अनुसंधान जर्नल*, 1 (1-2), 1-21।

सिंह, के.पी., (2021) भारत में एलआईएस शिक्षा और अनुसंधान में रंगनाथन की विरासत की भूमिका। *पुस्तकालय हेराल्ड*, 59 (2); 1-18.

सिंह, के. पी. और अहमद, एस (2021) अनुसंधान उत्पादकता और अनुसंधान रुझान: वर्ष 1958-1981 के लिए पुस्तकालय हेराल्ड का एक बाइबिल अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन प्रसार एंड टेक्नोलॉजी*, 11 (2), 1-11।

सिंह, के. पी., और अंसारी, एम. यू. (2020) पुस्तकालयों में मोबाइल प्रौद्योगिकी: एमरल्ड डाटाबेस में प्रकाशित आवधिक साहित्य का एक सर्वेक्षण। *पुस्तकालय दर्शन और प्रथाएं (ई-जर्नल)*, 4072, 1-22.

सिंह, के. पी. और नेगी, एन. (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में अनुसंधान (1957-2018): एक विश्लेषणात्मक अध्ययन सूचना प्रबंधन के एसआरईएलएस जर्नल, 57 (2)। 101-106.

सिंह, के. पी., चंद्र, एच, और शर्मा, आर (2020) 2014-2019 के दौरान एसआरएफलिस शिखर सम्मेलन की सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशनों का बाइबिल अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल कंटेंट मैनेजमेंट (आईजेडीसीएम)*, 1 (1), 9-26।

वर्मा एस, और सिंह, के.पी. (2020) शीर्ष 100 खाद्य प्रौद्योगिकी लेखों का एलमेट्रिक्स विश्लेषण: एक अध्ययन। *सूचना प्रबंधन के एसआरईएलएस जर्नल*, 57 (4), 207-216।

वर्मा एस, और सिंह, के पी (2021) भारत में खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी साहित्य के विकास मॉडलिंग। *पुस्तकालय दर्शन और प्रथाएं (ई-जर्नल)*, 4713, 1-13।

वालिया, पी.के., और खत्री, डी (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध चुनिंदा कॉलेजों के स्नातक छात्रों द्वारा इंटरनेट स्रोतों के उपयोग की मैपिंग, *आईएसएसएलआईसी बुलेटिन*, 65 (3), 163। आईएसएसएल 0018-8441.

सम्मेलन शोध-शोध

अक्षय, के. एस. सार्वजनिक पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का अनुप्रयोग। केएस भट्ट और एम. राव, डिजिटल युग में उपयोगकर्ताओं तक पहुंचना: अवसर और चुनौतियां। आधुनिक पुस्तकालयों के प्रबंधन पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (एनएसीएएम.ए.ल 2020), मणिपाल, भारत। पृष्ठ 93-99। नई दिल्ली: अवि पब्लिशर। आईएसबीएन 978 93 88575164

कुमार, एम, और शर्मा, एस (2021) कोविड 19 के दौरान पुस्तकालय सेवाएं: चुनौतियां और डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय, जमीमिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के पुस्तकालय कर्मचारियों की भूमिका। सम्मेलन की कार्यवाही में " पुस्तकालय सेवाओं में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियां: एक अन्वेषण। तारिक अशरफ द्वारा संपादित... [एट अल.], सिनर्जी बुक्स इंडिया: नई दिल्ली, 2021 पृष्ठ 91-96। आईएसबीएन: 978-81-948430-6-1।

पुस्तक अध्याय

मार्गम, पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग। 21 वीं सदी में विश्वविद्यालय और संस्थागत पुस्तकालयों के प्रबंधन में एड. मनोज कुमार सिन्हा नई दिल्ली: श्री प्रकाशक और वितरक, पृष्ठ 585-596। (आईएसबीएन: 978-81-948189-8-4)।

मार्गम, एम, और लांबा, एम (2021) पुस्तकालयाध्यक्षों की बदलती भूमिकाएं: पुस्तकालयों में उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रबंधन। नए युग में गुणवत्ता पुस्तकालय सेवाओं में। में: संजय कुमार सिंह और किशोर शर्मा (Eds.)। पृष्ठ 88-96। गुवाहाटी, ईबीएच प्रकाशक (आईएसबीएन: 978-93-90434-04-6)।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. के.पी. सिंह

यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी-इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधी नगर के जीबी के सदस्य के रूप में नामित।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा ईसी नॉमिनेशन को सदस्य के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोरीमल महाविद्यालय के जीबी।

कुलपति नॉमिनी दिल्ली विश्वविद्यालय के ईडीसी के सदस्य के रूप में।

दिल्ली विश्वविद्यालय की 98 वीं वार्षिक रिपोर्ट (2020-2021) के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कुलपति नामांकित व्यक्ति

समन्वयक के रूप में, अकादमिक और सांस्कृतिक मामलों, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 31 मार्च 2021 को 'हॉल ऑफ फेम' और 'हम- एक बहुविषयक और बहुभाषी सहकर्म-समीक्षा अनुसंधान जर्नल' का आयोजन और समन्वय किया है।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, तीन सप्ताह के ओरिएंटेशन कोर्स (ओसी-98) का आयोजन किया गया

“दशा, दृष्टि, दशा और विकास”

दिल्ली विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी के सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीई) द्वारा 3 से 24 जनवरी 2020 तक '24 जनवरी 2020' “दशा, दृष्टि, दशा और विकास” का आयोजन किया गया।

भाषाविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

भाषा सामाजिक, संज्ञानात्मक और प्राकृतिक विज्ञान के साथ एक अनुशासन इंटरफेस के रूप में भाषा विज्ञान मानव, मानव समाज, इतिहास, संस्कृति और सभ्यता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।। यह विभिन्न दृष्टिकोणों से भाषाई ज्ञान की प्रकृति को समझने का प्रयास करता है: भाषा सीखने की मानव क्षमता, पीढ़ियों में निरंतरता और परिवर्तन, अंतर्निहित प्रणालियों की प्रकृति, विभिन्न स्तरों पर भाषा संरचना के अध्ययन के माध्यम से, शहरीकरण, गतिशीलता और भाषा, विविधता और परिवर्तन पर संपर्क जैसे कारकों की भूमिका का पता चला। विभाग को 2020 में विषय द्वारा देश में नंबर 1 पर रखा गया था। इसकी क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग उपलब्ध नहीं है।

विभाग तीन डिग्री (एम.ए., एम.फिल., और पीएच.डी.) और दो डिप्लोमा कार्यक्रम (पोस्ट एम.ए. डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा) भाषा विज्ञान में प्रोबैबिलिटी, प्रायोगिक, और सैद्धांतिक दृष्टिकोण के संयोजन प्रदान करता है। वर्तमान में इसकी प्रमुख ताकत (i) सामाजिक भाषाई पर अनुसंधान कार्य शामिल हैं-इसमें कॉर्पस आधारित मॉडलिंग भाषाई विविधता शामिल है; गतिशीलता और संपर्क का प्रभाव; भाषण का सामाजिक विभेदन, (ii) सिंटेक्स, आकृति विज्ञान, फोनोलॉजी (iii) मनोविज्ञान भाषा-विज्ञान और मानसिक भाषा-विज्ञान के स्तर पर भाषा संरचना के लिए विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोण शामिल हैं।

सम्मान/गौरव (3)

डॉ. शोभा सत्यनाथ: भारतीय भाषाई समाज की उपाध्यक्ष हैं।

डॉ. शोभा सत्यनाथ: सामाजिक भाषा संगोष्ठी [SS23] (हांगकांग विश्वविद्यालय) के लिए वैज्ञानिक समिति की सदस्य हैं।

डॉ. शोभा सत्यनाथ एशिया-प्रशांत [एनडब्ल्यूएवी-एपी] (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन श्रृंखला) में भिन्नता का विश्लेषण करने के नए तरीकों के लिए योजना समिति की संस्थापक सदस्य हैं।

प्रकाशन 05

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 12

प्रकाशन

जर्नल लेख

सत्यनाथ, एस (2021) भारत में सामाजिक भाषाओं की वंशावली '। जर्नल ऑफ सोशललिंग्विस्टिक्स (विले)। डीओआई: 10.1111/josl.12496

सत्यनाथ, एस (प्रेस में) बहुसांस्कृतिक समुदायों के सामाजिक भाषावादी: तरीकों के लिए निहितार्थ। में: केटी ड्रेजर, माल्काह येगर-ट्रोर और क्रिस सीरी। भाषाई भिन्नता के आयाम। OUP।

पुस्तक अध्याय

भट्टाचार्य, टी (2020)। सेवा और ज्ञान: विकलांगता अध्ययन विस्तार का उद्भव: एन. मेहरोत्रा (एड.), विकलांगता अध्ययन भारत में (पृष्ठ 111-132)। सिंगापुर, स्प्रिंगर[https://doi.org/10.1007/978-981-15-2616-9_7; प्रिंट आईएसबीएन 978-981-15-2615-2; ऑनलाइन आईएसबीएन 978-981-15-2616-9]।

शोभा, एस (आगामी)। दक्षिण एशिया: इंडो यूरोपियन भाषाएं। में: मार्टिन जे बॉल और राजेंद्र मेस श्री (Eds.)। दुनिया भर में सामाजिक भाषाओं की रूटलेज हैंडबुक, दूसरा संस्करण। रूटलेज।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक (एस) /सदस्य (2) के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या (2)

सत्यनाथ, एस मुख्य संपादक, एशिया-पैसिफिक भाषाई विभिन्नता। जॉन बेंजामिन (2015-वर्तमान) सहकर्मी की समीक्षा की, स्कोपस आईएसएसएन 2215-1354। ई-आईएसएसएन: 2215-1362 <https://benjamins.com/catalog/aplv>

सत्यनाथ, साउथ एशिया प्रशांत भाषा भिन्नता वॉल्यूम 6.2 जॉन बेंजामिन

सत्यनाथ, एस. एशिया प्रशांत भाषा भिन्नता वॉल्यूम 6.1 जॉन बेंजामिन

सत्यनाथ, एस सदस्य, संपादकीय बोर्ड (जनवरी 2018-2021), जर्नल ऑफ सोशललिंग्विस्टिक्स, जॉन विले एंड संस लिमिटेड इम्पैक्ट फैक्टर 1.2 (2016); ऑनलाइन आईएसएसएन: 1467-9841।

सत्यनाथ, एस सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जॉन बेंजामिन (क्रिओले पुस्तकालय श्रृंखला)। 2006-वर्तमान। भट्टाचार्य, टी एसोसिएट एडिटर, भाषाई भिन्नता (जॉन बेंजामिन)।

भट्टाचार्य, टी संस्थापक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल डिसेबिलिटी स्टडीज, सीडीएसआई, दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएं

सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज (यूजीसी सीएसएस द्वितीय): फैकल्टी प्रोजेक्ट ऑन लैंग्वेज वेरिएशन) [शोभा सत्यनाथ] सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज (यूजीसी कैस द्वितीय): [तन्मय भट्टाचार्य]

विभाग में आयोजित वार्ता (आमंत्रित)

शिक्षण के स्तर पर संकाय द्वारा व्यक्तिगत रूप से

ध्वनिक फोनेटिक्स पर कार्यशालाएं; भाषा भिन्नता विश्लेषण

सेमिनार का आयोजन

डॉक्टर छात्रों द्वारा प्री-पीएच.डी. सेमिनार वार्ता

- शारदा बिस्वास. बांग्ला फोर्स श्रेणियों का टेक्टोग्रामेटिकल एनोटेशन [ऑनलाइन] (15 मई, 2020)।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

राष्ट्रीय

भट्टाचार्य, टी. (2021) सांकेतिक भाषा और भाषा विज्ञान, एआईसीटीई क्यूआईपी, एचएसएस, आईआईटी मद्रास 18 मार्च, 2021

भट्टाचार्य, टी. (2020) कार्यक्रमों के स्थान पर सिद्धांतों का प्रतिपादन, अनुसंधान को बढ़ावा देना। 19 दिसंबर 2020 को विकलांगता शीतकालीन स्कूल, नालसार और बिट्स पिलानी, हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया।

भट्टाचार्य, टी. (2020) विकलांगता अध्ययन और क्रिटिकल अबेयंस का क्षेत्र। 28 अक्टूबर, 2020 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली में प्रस्तुत किया गया।

भट्टाचार्य, टी. (2020) केस और एगीमेंट के लिए मार्गों की सिंटेक्टिक जड़ें। सीएएलटीएस वेंब वार्ता श्रृंखला 1 में शीर्षक "सिंटेक्स: सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और भारतीय भाषाओं के लिए अनुप्रयोग" 15 जुलाई, 2020

भट्टाचार्य, टी. (2020) पूर्व में समझौता: एक माइक्रोपैरामीटर के लिए एरियल सुविधा। 1 जुलाई 2020 को आईआईटी, खड़गपुर में "भाषा विज्ञान फॉर लाइफ" श्रृंखला में ऑनलाइन चर्चा।

ममता (2021). हिंदी और अंग्रेजी सीखने वाले द्विभाषी डिस्लेक्सिक बच्चों का केस स्टडी। 17-18 मार्च, 2021 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के विदेश भाषा विभाग के अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

सत्यनाथ, एस. (2021) भाषा पर एक भिन्नतावादी परिप्रेक्ष्य: मॉडलिंग विविधता। 17-18 मार्च, 2021 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय भाषा विज्ञान संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

सत्यनाथ, एस (2020) भाषाई विविधता के भारतीय मॉडलों से क्या सीखा जा सकता है? कोविड-19 महामारी पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया, और लुप्तप्राय भाषाओं, भाषाई न्याय और लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली 9-10 जुलाई को।

अन्तर्राष्ट्रीय

भट्टाचार्य, टी. और शर्मा, जे (2020) अनुक्रमण स्विच ' व्यक्ति पदानुक्रम में और टिबेटो-बर्मन भाषाओं पर सहमत होने के दो उपसमूहों में निषेध 16 अक्टूबर, 2020 को लीनियरिंगकॉन्ट्स क्रॉस डोमेन यूसीएल, लंदन और ब्लेड इंस्टिट्यूट, स्लोवेनिया में प्रस्तुत किया गया।

भट्टाचार्य, टी, गुहा, आई एंड वैश्य, ई(2020) मीटेलन में पूर्व कश्मीर-लैमेटिव। चीन-तिब्बती भाषाओं और भाषा विज्ञान (आईसीएसटीएलएल) पर 53 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया। 2-4 अक्टूबर, 2020 को उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय

सत्यनाथ, एस (2021) संपर्क और प्रसार: असमिया की दो संपर्क किस्मों में क्लासिफायर। 19-22 फरवरी, 2021 को एनडब्ल्यूएवी, नेशनल विश्वविद्यालय ऑफ सिंगापुर में प्रस्तुत किया गया।

सत्यनाथ, एस (2021) एशिया-प्रशांत में सामाजिक भाषाओं के पैरों के निशान का विस्तार: विच्छेदन सामाजिक। सामाजिक भाषा संगोष्ठी, 23 में प्रस्तुत किया। हांगकांग विश्वविद्यालय [विच्छेदन पर विषयगत पैनल, सभ्य सामाजिक भाषा] 7-10 जून, 2021 को।

उपन्यास कई सम्मेलनों को सहविद के कारण स्थगित कर दिया गया और उन्हें पुनर्निर्धारित किया जाना था

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

हंकुक विश्वविद्यालय ऑफ फॉरेन स्टडीज, साउथ कोरिया (सतत)। यह एआरजी (ब्रिक्स +7) कार्यक्रम का हिस्सा है जिसके तहत उपरोक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी 'हिंदी शिक्षण और भारतीय अध्ययन कार्यक्रम' के लिए वर्ष में 2-3 बार आते हैं।

* कोविड के कारण मार्च 2020 से कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग

शोभा सत्यनाथ (2018-2020) कांडा विश्वविद्यालय ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जापान के साथ अनुसंधान सहयोग और सहयोग। इस परियोजना में भारतीय अंग्रेजी [2015-2016; 2018-2022] सहित अंग्रेजी की आठ विभिन्न किस्मों में माँड्यूल विकसित करने का प्रयास किया गया है। भारतीय अंग्रेजी पर विकसित और फिल्माया माँड्यूल।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

हमारे कुछ छात्रों को फुलब्राइट फेलोशिप से सम्मानित किया गया है

विदेशों में अल्पकालिक भाषाई संस्थानों में भाग लेने के लिए छात्रों को अनुदान

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

कोविड ने उन्हें धीमा करने और इसके कुछ हिस्से को छोड़ने के लिए आउटरीच गतिविधियों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया, जिसमें समुदायों/लोगों तक पहुंचना शामिल है, जहां भी उन्हें 2012 के बाद से भाषाविदों की जरूरत है, शोभा सत्यनाथ मणिपुर में ज़ोमी समुदाय (सीमावर्ती म्यांमार में भी स्थित) के साथ उनकी भाषा से संबंधित विभिन्न मुद्दों के साथ उनकी मदद करने और मार्गदर्शन करने में जुड़ी हुई हैं, इसकी क्षेत्रीय किस्मों का प्रलेखन, विभिन्न समूहों के बीच भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की प्रकृति और उनकी भाषण किस्म, उनकी भाषा में साहित्य का विकास। मैंने ज़ोमी भाषा और साहित्य समाज को क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पहचानों के संतुलित (सह-मौजूदा और गैर-परस्पर विरोधी) दृष्टिकोण रखने में मदद की है। उनके प्रलेखन का पहला चरण ज़ोमी लैंग्वेज एंड लिटरेचर सोसाइटी द्वारा प्रकाशित किया गया है। अब वह अपने काम के अगले चरण के साथ उनकी मदद कर रही हैं। समुदाय इस काम के लिए बहुत उत्सुक है क्योंकि इससे जागरूकता पैदा होती है और भाषा प्रथाओं और लुप्त परंपराओं के रूप में गतिशीलता युवा पीढ़ियों के बीच उच्च है।

सामाजिक भाषाओं के हिस्से के रूप में, विद्यार्थी स्थानीय इलाकों का अध्ययन करने के उद्देश्य से फील्डवर्क करते हैं। यह स्थानीय और विश्वविद्यालय समुदायों को एक साथ लाता है।

ब्रिक्स और 7 + 1 (हिंदी भाषा और भारतीय अध्ययन कार्यक्रम)। यह दो संस्थानों और दो राष्ट्रों के बीच एक संसाधन उत्पादन और अच्छी इच्छा पीढ़ी कार्यक्रम है और साथ ही हिंदी और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना है। * कोविड और सीखने के नियमित मोड के निलंबन के मद्देनजर मार्च 2020 के बाद से वंद कर दिया।

संकाय संख्या

प्रोफेसर

स्वीकृत: 02

भरे हुए पद: 0

रिक्त: 02

कैस और एमपीएस: हां

एसोसिएट प्रोफेसर

स्वीकृत: 07

भरे हुए पद: 03

रिक्त: 04

कैस और एमपीएस: हां

वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर

स्वीकृत: 05

भरे हुए पद: 01

रिक्त: 04

कैस और एमपीएस: हां

गेस्ट फैकल्टी

स्वीकृत: 04

भरे हुए पद: 02 (जनवरी-अप्रैल, 2021)

02 रिक्त: 02

कैस और एमपीएस: लागू नहीं

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शोभा सत्यनाथ (अपने छात्रों के साथ) वर्षों से हैं, बनाया है और भारत की भाषाओं के सामाजिक भाषावादी भाषण निगम निर्माण जारी है।

आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग ने 1961 में अपनी स्थापना के बाद से भारत में भाषा और साहित्य अध्ययन केंद्र के रूप में काम किया है। विभाग ने देश के बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक सेट-अप में 'भारत में एक साहित्य' अर्थात् 'भारतीय साहित्य' के मॉडल को लोकप्रिय बनाने में सफलता हासिल की है। पिछले दो दशकों से विभाग ने अपने दूसरे भाषा शिक्षण कार्यक्रमों के अलावा लोककथाओं, जनजातीय विद्या और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे बेरोजगार क्षेत्रों में अपने जांच के क्षेत्रों का विस्तार किया है। भाषा, साहित्य और भारत की संस्कृति के क्षेत्र में जांच के नए क्षेत्रों की खोज करना और बहुविषयक और अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान के लिए जगह बनाना विभाग की बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है।

प्रकाशन

03

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

08

पुस्तकें

नारायणप्पा, वी. (2021) त्रिकुटाम् ताडेपल्ली: प्रजाशक्ति बुक हाउस। (आईएसबीएन 978-81-950698-1-1)

नारायणप्पा, वी. (2021) वेमाना-सर्वजन-तिरुवल्लुवरलाकवितावैवयभवम: ओका तुलानत्माक विश्लेषण ताडेपल्ली: प्रजाशक्ति बुक हाउस (आईएसबीएन 978-81-950698-5-9)

नारायणप्पा, वी. (2021) तेलुगु जाटियालू (खंड I) ताडेपल्ली: प्रजाशक्ति बुक हाउस (आईएसबीएन 978-81-950698-9-7)

सम्मेलनों का आयोजन (07)

29 और 30 सितंबर 2020 को "तेलुगु उपन्यास: अविस्मरणीय पात्र" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, संयोजक: डॉ. वेंकट आर गम्पा।

13 अक्टूबर 2020 को "मुदुपालिनी केर्डिनेसंतवाणू पर एक नई सुबह" पर पैनल डिस्कशन सेशन ऑनलाइन, संयोजक: डॉ. वेंकट आर गमापा।

"लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय वेबिनार, 21-23 अक्टूबर 2020 के दौरान भाग में, संयोजक: प्रो. पी.सी.पटनायक।

5-7, नवंबर 2020 के दौरान "लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" (भाग II) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। संयोजक: प्रो. पी.सी. पटनायक।

19-21 नवंबर, 2020 के दौरान "लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य" (भाग III) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। संयोजक: प्रो. पी.सी. पटनायक।

11-24 नवंबर, 2020 के दौरान तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर के सहयोग से "सिद्धांत और साहित्य: तमिल परिवेश में समझ" विषय पर चौदह दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला। संयोजक: डॉ. के.प्रेमनाथन, समन्वयक: डॉ. के जवाहर (सेंट्रल विश्वविद्यालय ऑफ तमिलनाडु)।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार पर, "अनुवाद में असमिया साहित्य: सिद्धांत और अभ्यास" 27-28 दिसंबर, 2020 के दौरान, संयोजक: डॉ. रतनोद्दामा दास।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

बराल, के.सी.(2021) क्रिटिकल ह्यूमैनिटीज और लोक संस्कृति। 5 नवंबर 2021 को विशेष व्याख्यान

बिलमाले, पी. (2020) भगवान की शादी का डिजाइन: मेलारालिंगा का एक केस स्टडी। 20 नवंबर 2020 को विशेष व्याख्यान।

चेलपेरुमल, ए. (2020) लोक-जीवन: अनुशासनात्मक सीमाएं और संबंध। 23 अक्टूबर 2020 को विशेष व्याख्यान

नाथ, डी. पी. (2020) रचनात्मकता और पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति। 22 अक्टूबर 2020 को विशेष व्याख्यान
पटनायक, पी.सी. (2020)। लोक-जीवन और महामारी: लोकलोरिस्टिक परिप्रेक्ष्य में कोविड-19 21 अक्टूबर 2020 को विशेष व्याख्यान

पटनायक, बी एन (2020) सरल महाभारत: कहानी सुनाने की कला। 7 नवंबर 2020 को विशेष व्याख्यान

रेड्डी, बी. (2020) काकपाडिगेला प्रदर्शन के स्कॉल कथन के भीतर सांस्कृतिक पाठ स्थित है। 19 नवंबर 2020 को विशेष व्याख्यान

रेड्डी, वाई. एस. (2020) लोकजीवन और लोकलोरिस्टिक्स: अनुशासन को अनुशासित करना। 6 नवंबर 2020 को विशेष व्याख्यान

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 7

एम.फिल.:0

संकाय संख्या

स्थायी: 11

तदर्थ: 3

फ़ारसी

सम्मान/गौरव

8 दिसंबर 2020 को ईरान के संस्कृति हाउस ऑफ एम्बेसडर ऑफ इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की ओर से आयोजित शोध सप्ताह के अवसर पर प्रो. चंदर शेखर, प्रो. रेहाना खातून और प्रो. सईदा बिलकिस फातिमा हुसैनी की पुस्तकों का विमोचन किया गया और इन सभी को फ़ारसी भाषा एवं साहित्य अकादमी की प्रतिष्ठित मानद सदस्यता से सम्मानित किया गया।

सेमिनार का आयोजन (03)

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार पर आयोजित "1940-79 के दौरान ईरान में लघु कहानी लेखन" गूगल मिलो अनुप्रयोग पर 19-20 अक्टूबर 2020 से

12-13 मार्च 2021 से "14 वीं शताब्दी के दौरान भारत-फ़ारसी साहित्य" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

27-28 मार्च 2021 तक "भारतीय उपमहाद्वीप में रूमी अध्ययन" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान का आयोजन

क्र.स.	शीर्षक	दिनांक	वक्ता
1.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला का चौथा व्याख्यान, "सबक-ए-हिंदी की यात्रा"	15 मई 2020	डॉ. अली अकबर शाह
2.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला का 5वां व्याख्यान, "फौद-उल-फुवाद के संदर्भ में मालफूज साहित्य पर पुनर्विचार करना"	23 मई 2020	प्रो. अलीम अशरफ खान
3.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला का छठा व्याख्यान, "सबक-ए-हिंदी की यात्रा"	9 जून 2020	प्रो. इराक रजा जैदी
4.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला का 7वां व्याख्यान, "अभिलेखीय दस्तावेज और फ़ारसी लेखन की शैलियों"	10 जुलाई 2020	प्रो. चंदर शेखर
5.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला का 8वां व्याख्यान, "सादिक हिदायत: फ़ारसी साहित्य का एक सच्चा लेखक"	25 जुलाई 2020	प्रो. सैयद अख्तर हुसैन
6.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला का 9वां व्याख्यान	11 अगस्त 2020	डॉ. हामिद रजा घलिचखानी, प्रसिद्ध ईरानी कैलिग्राफर
7.	लघु कहानी लेखक के साथ एक आभासी चर्चा	19 अगस्त 2020	श्री मंसूर अली मोराडी
8.	लघु कहानी लेखक "श्री हामिद बाबायी" के साथ एक चर्चा	12 सितंबर 2020	ऑनलाइन
9.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 10वां व्याख्यान, "तारिख-ए-बैहकी: ईरान और भारत के बीच पहला साहित्यिक सेतु"	16 September 2020	फिरदौसी विश्वविद्यालय, मशरख, ईरान से प्रो. जफर याहाघी
10.	फ़ारसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 11वां व्याख्यान, "भारतीय लेखकों पर शाहनामा-	12 दिसंबर 2020	श्री रजा बोरबादी

	ए-फिरदौसी का प्रभाव"		
11.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 12वां व्याख्यान, "तारिख-ए-बैहाकी का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण"	24 दिसंबर 2020	प्रो. रजा मुस्तफावी सब्जेवारी, प्रसिद्ध ईरानी विद्वान और इंडोलॉजिस्ट, अल्लामेह तबताबाई विश्वविद्यालय, तेहरान
12.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 13वां व्याख्यान, "सबक-ए-खुरासानी की यात्रा"	14 जनवरी 2021	सेंटर फॉर फॉरसी एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, जेएनयू से प्रो. अखलाक अहमद 'अहान'
13.	श्रीमती तैयबेह नजीब, एक ईरानी लेखक के साथ एक साहित्यिक चर्चा	23 जनवरी 2021	
14.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 14वां व्याख्यान, "मुख्तारनाम अंतर और उपनिषदों के दो अमर कार्यों में एकेश्वरवाद और दिव्य ज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन और विश्लेषण"	13 फरवरी 2021	डॉ. फरजानेह आजम लोटफी
15.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 15वां व्याख्यान, "भारतीय उपमहाद्वीप में अमीर खुसरो पर शोध"	24 फरवरी 2021	श्री प्रदीप शर्मा खुसरो
16.	दो दिवसीय प्रोफेसर आबिदी शताब्दी सम्मेलन	26-27 फरवरी 2021	भारत-फॉरसी साहित्य और संस्कृति
17.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 16वां व्याख्यान, "एक परगना से हजरत-ए-देहली तक: सल्तनत काल के दौरान महान मध्ययुगीन शहर की यात्रा"	1 मार्च 2021	प्रो. निशात मंजर, विभागाध्यक्ष, इतिहास एवं संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया
18.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 17वां व्याख्यान, "रैरातेसिदारअदबियत-ए-दास्तानी क्लासिक-ए-फॉरसी: दास्तान-ए-हसनक वजीर डार तारिख-ए-बैहकिवा दास्तान-ए-पीर-ए-जंगीदारमास्वी-ए-माणवी-ए-मौलवी"	4 मार्च 2021	डॉ. एल्हाम हदी
19.	फॉरसी व्याख्यान श्रृंखला के तहत 18वां व्याख्यान, "फॉरसी पांडुलिपि विज्ञान"	8 मार्च 2021	डॉ. एहसानुल्ला शोक्राउल्लाही, निदेशक, फॉरसी अनुसंधान केंद्र, ईरान संस्कृति हाउस, ईरान के आई आर के दूतावास

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 01

एम.फिल.: 0

संकाय संख्या

प्रोफेसर: 01

एसोसिएट प्रोफेसर: 04

सहायक प्रोफेसर: 06

दर्शन

प्रकाशन	21
संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां	18

प्रकाशन

जर्नल लेख

भौमिक, एन. (आगामी) सम्राट सच होना अच्छा होगा। सम्राट की समीक्षा जो कभी नहीं था। लॉस एंजिल्स पुस्तकों की समीक्षा, जून 2021

भौमिक, एन. (2020) आयोजन, फिटिंग, भविष्यवाणी। जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ दार्शनिक रिसर्च, 38(1), 39-52।

भौमिक, एन. (2020) बुद्धा: अगल-बगल बैठे दो बुद्धों की समीक्षा। लॉस एंजिल्स किताबों की समीक्षा, <https://lareviewofbooks.org/article/the-other-buddha-on-two-buddhas-seat-side-by-side-a-guide-to-the-lotus-sutra/>, 26 जनवरी, 2020।

चोपड़ा, एन (2020) विट्टेजेनस्टीन, भारतखरी और विस्तारित अनुभूति, में (एड.: केसी पांडे) लुडविग विटगेनस्टीन दार्शनिक सोसायटी प्रकाशन श्रृंखला 2 द्वारा भारतीय दर्शन और विटगेनस्टीन के विभिन्न पहलु।

देवरकोंडा, बी. (2021) कृत्रिम कानूनी संस्थाओं का सशर्त पदनाम (सीडीएलई): एक पोस्ट-एंथ्रोपोसीन गतिशील न्यायशास्त्र। जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल फिलॉसॉफिकल रिसर्च। गौतम, आरडी के साथ सह-लेखक <https://doi.org/10.1007/s40961-021-00235-9>।

देवरकोंडा, बी (2021) दार्शनिक अभ्यास की शास्त्रीय भारतीय अवधारणा में बदलाव: दार्शनिक अभ्यास में वेडिक, इतिहास-पुराणिक, और डैरसानिक", अप्पा के जर्नल, खण्ड.16, नंबर 1, मार्च 2021 पृष्ठ 2602-2609। आईएसएसएन 17428181

https://www.academia.edu/45589651/Shifts_in_the_Classical_Indian_Conception_of_Philosophical_Practice_Vedic_Ithāsa_puranic_and_Darsanic

देवरकोंडा, बी. (2020) दार्शनिक अभ्यास में "ग्लोबल लॉकडाउन कैलेंडर", अप्पा के जर्नल, "कैसे दर्शन एक वैश्विक महामारी के दौरान मदद कर सकते हैं" खण्ड.15, नग 2-3, जुलाई-नवंबर 2020 पर विशेष डबल मुद्रा। पी 2485-88। आईएसएसएन 17428181। https://www.academia.edu/43734447/Global_Lockdown_Calender_vol_15_2_15_3_offprint_devarakonda

देवरकोंडा, बी (2020) महामारी काल के दौरान स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच संबंधों पर पुनर्विचार (साथविक देवरकोंडा के साथ सह-लेखक) सह-लेखक: जर्नल ऑफ थैमैटिक एनालिसिस, अक्टूबर 2020, खण्ड 1 अंक 2। पृष्ठ 6-11।

गुप्ता, ए. के. (2021) 'भारतीय बुद्धि के साथ मोडेन साइंस का संगम', विवाना भारती जर्नल 'साइंस इंडिया', जनवरी 2021 में।

गौतम, ए. (2020) "विशेषण अन्याय: असमानता का मुकाबला करना, में: देवरकोंडा, बी, और वेलासेरी, एस न्याय और जिम्मेदारी फिर से सीखने के लिए मानव, वाशिंगटन, डीसी: मूल्यों और दर्शन में अनुसंधान के लिए

परिषद। श्रृंखला: सांस्कृतिक विरासत और समकालीन परिवर्तन। श्रृंखला III बी, दक्षिण एशियाई दार्शनिक अध्ययन; मात्रा 17।

जायसवाल, आर (2020) समाज में महिलाओं की स्थिति का विश्लेषण: गांधीवादी विचारों का पुनर्मूल्यांकन करने में एक गांधीवादी परिप्रेक्ष्य। आमिर रियाज और शाहिदुल हक द्वारा संपादित। शिवालिक प्रकाशन: नई दिल्ली।

जायसवाल, आर. (2021) धार्मिक असहिष्णुता की समस्या का एक गांधीवादी समाधान, फिर से सोच धार्मिक बहुलवाद में। बिंदू पुरी और अभिषेक कुमार द्वारा संपादित। स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर, 2021

जायसवाल, आर. (2021) व्यावसायवाद के युग में शोधकारिता की जिम्मेदारी, न्याय और उत्तरदायित्व में: मानव होने के लिए फिर से सीखना। बालागणपति देवराकोंडा और सेबेस्टियन वेलासेरी द्वारा संपादित। दर्शन में अनुसंधान के लिए परिषद: वाशिंगटन, डी. सी.।

सम्मेलन की कार्यवाही/शोध

देवरकोंडा, बी (2021) न्याय और जिम्मेदारी: मानव होने के लिए फिर से सीखना। सेबेस्टियन वेलासेरी के साथ संपादित। वाशिंगटन डीसी: मूल्यों और दर्शन में अनुसंधान के लिए परिषद। 2021. आईएसबीएन 9781565183483

देवरकोंडा, बी (2020) अंधेरा के दार्शनिक सिद्धांत: आंध्र के प्रारंभिक बौद्ध संप्रदायों की खोज। धार्मिक अध्ययन श्रृंखला, स्प्रिंगर, 2020 में स्प्रिंगरब्रिक्स। आईएसबीएन 978-981-15-5685-2.

देवरकोंडा, बी (2021) "फ्री विल एंड निर्धारकवाद: एजेंसी, जानबूझकर, और कार्रवाई" सुदीप राज कुमार के साथ सह-लेखक, न्याय और उत्तरदायित्व में प्रकाशित: मानव होने के लिए फिर से सीखना। बाल गणपति देवरकोंडा और सेबेस्टियन वेलासेरी। वाशिंगटन डीसी: मूल्य और दर्शन अनुसंधान परिषद. 2021, पृष्ठ 31-50. आईएसबीएन 9781565183483

देवरकोंडा, बी. (2020) नए युग में जीवन के बारे में आत्म-जागरूकता में "शांति पर होने के लिए फिर से सीखना: वैकल्पिक धारणाओं की खोज"। पीटर जोनकर्स, ही जिरोंग और शी योंगज़। वाशिंगटन, डी .सी, मूल्यों और दर्शन में अनुसंधान के लिए परिषद। 2020. 141-154. आईएसबीएन 9781565183421

देवरकोंडा, बी (2020) काव्या-लोकायता परंपरा: भौतिकवादी दर्शन की परंपरा। (जयश्रीझा के साथ सह-लेखक)। प्राचीन और मध्यकालीन भारतीय विचार: विषय और परंपराएं एड. अंकित तोमर और सुरथ कुमार। ऋषि प्रकाशन, नई दिल्ली. 2020, पृष्ठ.75-82. आईएसबीएन: 978-93-5388-232-7 (ePub)।

देवरकोंडा, बी (2021) न्याय और जिम्मेदारी: मानव होने के लिए फिर से सीखना। सेबेस्टियन वेलासेरी के साथ संपादित। वाशिंगटन डीसी: मूल्य और दर्शन अनुसंधान परिषद 2021. आईएसबीएन 9781565183483

देवरकोंडा, बी. (2020) अंधाकास के दार्शनिक सिद्धांत: आंध्र के प्रारंभिक बौद्ध संप्रदायों की खोज। धार्मिक अध्ययन श्रृंखला, स्प्रिंगर, 2020 में स्प्रिंगरब्रिक्स। आईएसबीएन 978-981-15-5685-2.

देवरकोंडा, बी. (2020) दाना पर पुनर्विचार: वसुदैव कुटुंबकम में यूरोकेंद्रित दृष्टिकोणों की प्रतिक्रिया: समकालीन रणनीतिक वास्तविकता एड्स के लिए भारत की प्राचीन सोच की प्रासंगिकता अरविंद गुप्ता और अर्पिता मित्रा विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन, नई दिल्ली और आर्यन बुक्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली 2020, 162-175. आईसीबीएन 978-81-7305-645-1

केशव के. पी. (2020) धर्म, जाति और आधुनिकता: अंबेडकर का बौद्ध धर्म, शास्त्रीय बौद्ध धर्म, नव बौद्ध धर्म और जाति का प्रश्न (एड. प्रदीप पी गोखले) का पुनर्निर्माण. नई दिल्ली: रूटलेज, पृष्ठ.270-301

कलोत्रा, जी. (2021) अध्याय-7: डॉ. अमीर रियाज और एस हक द्वारा संपादित शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुनर्मूल्यांकन गांधीवादी विचार नामक पुस्तक में महात्मा गांधी की आध्यात्मिक वंशावली, पी.73-83।

अनुसंधान परियोजनाएं

बालागणपति देवरकोंडा ने आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दर्शनशास्त्र विभाग, रामजस महाविद्यालय, नई दिल्ली और एसएनएस फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से 'सिस्टमिक अप्रोच एंड एनालिसिस टू न्यूरो-फिलॉसॉफिकल वेल्नेस सॉल्यूशन' पर एक परियोजना शुरू की। 2021-2023.

बालागणपति देवरकोंडा ने एमएचआरडी, भारत सरकार, दिल्ली द्वारा शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (एसपीआरसी) के तहत प्रायोजित 'महाभारत में योग चेतना और भागवत: द एथिकल वैल्यू फॉर सोशलल/पॉलिटिकल वेल्-बीइंग' पर एक परियोजना शुरू की। सीओ पीआई - डॉ. गीताशनिर्बन, कमला नेहरू महाविद्यालय, नई दिल्ली। 2019-2021

आदित्य कुमार गुप्ता ने 'ध्यान के संदर्भ में मानवीय भावनाओं और तर्क' पर एक आर एंड डी परियोजना शुरू की, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2020-21।

सम्मेलनों का आयोजन

नियमित रूप से शुक्रवार व्याख्यान के अलावा, विभाग सम्मेलनों के बाद आयोजित.

डॉ. बालागणपति देवरकोंडा, रामानुजन महाविद्यालय, नई दिल्ली में 22 से 28 मार्च 2021 तक 'अंतःविषय शिक्षण में दार्शनिक तरीके' पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डॉ. रीतु जायसवाल और डॉ. सुजाता राय ने वसंता महाविद्यालय फॉर वुमन, बी.एच.यू. के सहयोग से दर्शन शास्त्र में महिलाओं पर 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसके अलावा एक कागज "महिला, कला और सौंदर्यशास्त्र: क्रिटिकल प्रदर्शनी", 25 सितंबर - 2 अक्टूबर 2020 प्रस्तुत किया।

डॉ. रीतु जायसवाल और डॉ. सुजाता राय ने श्री अरबिंदो के दर्शन और अभ्यास पर दो अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में काम किया, जो 25-26 फरवरी, 2021 और 29-30 अप्रैल, 2021 को श्री अरबिंदो आश्रम, नई दिल्ली के सहयोग से आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित था।

दर्शनशास्त्र परियोजना के सहयोग से मानचित्र परियोजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "नारीवादी दर्शन" (अप्रैल, जुलाई और अगस्त 2021) पर 3 महीने के ऑनलाइन प्रमाण शोध पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम-समन्वयक डॉ. रीतु जायसवाल। आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित।

डॉ. गौतम कलोत्रा, ने दिल्ली विश्वविद्यालय और आईसीपीआर, दिल्ली द्वारा समन्वयक के रूप में आदि गुरु शंकराचार्यों की जयंती मनाई।

डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता कैवल्यधाम के प्रो. राजेश्वर मुखर्जी ने 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस संगोष्ठी, जून, 2021 में आयोजित किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

भोमिक, एन. (2021) सार और आवश्यकता 13-14 मार्च, 2021 को जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मन और वास्तविकता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

भोमिक, एन. (2021) अनुमान पर लेने की शर्त। आईसीपीआर प्रायोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 17-19 मार्च, 2021 से आयोजित तर्क: पूर्व और पश्चिम पर एक भाषण दिया।

चोपड़ा, एन. (2020) जानबूझकर (विश्लेषणात्मक दर्शन से प्रतिबिंब, हीडेगेरियन फेनोमेनोलॉजी, शास्त्रीय कॉग्निटिविज्म और अवतार)। 15 सितंबर 2020 को एचएसएस, आईआईटी रोपड़, रोपड़ द्वारा आयोजित एक वेबिनर दिया।

चोपड़ा, एन. (2020) संगरोध की कीमिया। कोविड 19 दर्शन पर एक वार्ता राष्ट्रीय वेबिनार दिया: नैतिक, भाषाई और चिंताओं, एलडब्ल्यूपीएस और दर्शन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित, 30-31 मई 2020,

गौतम, ए. (2021) मारंगगोमके जयपाल सिंह मुंडा की शिक्षाएं और दर्शन। डॉ. राम दयाल मुंडा आदिवासी कल्याण अनुसंधान संस्थान रांची द्वारा 19 जनवरी 2021 को आयोजित संविधान निर्माण में मरंगगोमके जयपाल सिंह मुंडा की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2021) आदमी और पर्यावरण 31 मार्च, 2021 को पश्चिम बंगाल के मुरासराय, बीरभूम महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) गांधी की अहिंसा। 25 सितंबर 2020 को मेघालय सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित '21वीं सदी में गांधीवादी दर्शन पर प्रासंगिकता' पर राष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) शिक्षा और शिक्षकों पर डॉ. राधाकृष्णन। 5 सितंबर, 2020 को सम्बर्धन ट्रस्ट द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) मानव विकास और पर्यावरण 12 अगस्त, 2020 को 'विकास के लिए विद्यार्थी' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य 3 सितंबर 2020 को वैशाली महिला महाविद्यालय, हजीपुर की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) योग: दार्शनिक प्रतिबिंब 7 जुलाई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) 'विचारों की आत्मनिर्भरता। जून 2020 में रामदयाल सिंह महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार द्वारा आयोजित आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) ध्यान, मानव मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य। जून 2020 में नवयोग इंटरनेशनल वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

जायसवाल, आर. (2020) लैंगिकता तटस्थ सौहार्द की ओर: चुनौतियां और सिफारिशें। 6 जून 2020 को इंडियालॉग फंडेशन द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में व्याख्यान दिया।

जायसवाल, आर. (2021) राष्ट्रवाद की अरबिंदो की अवधारणा को समझना: एक अभिन्न दर्शन या एक धार्मिक आस्था? 25-26 फरवरी, 2021 को श्री अरबिंदो आश्रम, नई दिल्ली के सहयोग से आईसीपीआर द्वारा प्रायोजित श्री अरबिंदो के दर्शन और अभ्यास पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाषण दिया।

कुमार, के.पी. (2021) 11 जनवरी 2021 को डीएस गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वुमन, ऑंगोल, ए. पी. द्वारा आयोजित सिविल सोसाइटी और डेमोक्रेसी नेशनल वेबिनार पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

कुमार, के.पी. (2021) 28 अक्टूबर 2020 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के सीएसईआईपी द्वारा आयोजित 'डॉ. अंबेडकर और लैंगिकता प्रश्न' पर युवा विद्वानों वेबिनार पर एक समापन व्याख्यान दिया गया।

साहनी, पी. (2020) प्रारंभिक बौद्ध निकायास में बाधाएं और वे क्यों मायने रखते हैं। 14 अक्टूबर, 2020 को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर द्वारा आयोजित "बौद्ध सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, उनके ध्यान जड़ें, नैतिकता और सोट्रोलॉजिकल परिणाम" विषय पर एक कार्यशाला/वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

भोमिक, एन. (2020) हठ और व्यक्ति। 30 सितंबर, 2020 को अशोका विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में भाषण दिया।

भोमिक, एन. (2021) विधियां और तरीके 25 मार्च, 2021 को रामानुजन महाविद्यालय द्वारा आयोजित अनुसंधान और शिक्षण: उच्च शिक्षा में दार्शनिक पद्धतियों पर एफडीपी में एक भाषण दिया।

चोपड़ा, एन. (2021) अभिनीत होने के जानबूझकर न्यूरोडायनामिक्स। 3 जून, 2021 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित विश्व दर्शन दिवस के लिए आईसीपीआर, दिल्ली द्वारा प्रायोजित एक कार्यक्रम।

चोपड़ा, एन. (2021) एकात्मक जा रहा है। 25 जनवरी, 2021 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के दर्शन शास्त्र विभाग के सेंटर ऑफ फेनोमेनोलॉजी एंड कॉग्निटिव साइंस द्वारा आयोजित विशेषज्ञ के रूप में एक भाषण दिया।

गुप्ता, ए.के. (2021) 'धार्मिक परंपराओं में आध्यात्म। फरवरी 2021 में स्वामी विवेकानंद मेडिटेशन पिरामिड में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) भारत में गरीबी: एक दार्शनिक प्रतिबिंब। अक्टूबर 2020 में जी.डी.एम. महाविद्यालय, पटना द्वारा आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) जीवन और पर्यावरण का मूल्य। तीर्थकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद द्वारा जून 2020 में आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) छात्रों और भविष्य के नेतृत्व। जुलाई 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थी संघ, हिंदू महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य। जून 2020 में छत्रसालजिला पेज द्वारा आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) धर्म, धर्म और भारतीय धर्म निरपेक्षता। मई 2020 में विद्यार्थी संघ विश्वविद्यालय एफ इलाहाबाद द्वारा आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) धर्म और अंबेडकर: भ्रांतियों और धर्मांतरण पर बहस। मई 2020 में अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में एक आमंत्रित व्याख्यान ऑनलाइन दिया।

गुप्ता, ए.के. (2020) व्यावहारिक वेदांत और भारतीय मानसिकता। 15 अप्रैल 2020 को विद्यार्थी संघ, नॉर्थ कैपस द्वारा आयोजित एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

जायसवाल, आर. (2020) 9 जून 2020 को "अयेर की पुस्तक 'भाषा, सत्य और तर्क' के माध्यम से तार्किक सकारात्मकता को समझना" पर 7 दिनों की कार्यशाला के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

जायसवाल, आर. (2020) कैसे नारीवाद की अवधारणा पूरी तरह से तीसरी दुनिया के देशों के लिए काम नहीं करता है। 18 अक्टूबर 2020 को गांधी फैलोशिप, एडीटीपी-नीति आयोग द्वारा आयोजित सत्र में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

जायसवाल, आर. (2020) 25 सितंबर से 2 अक्टूबर 2020 तक आयोजित वसंता महाविद्यालय फॉर वुमन, बी.एच.यू. के सहयोग से "दर्शन शास्त्र में महिला" विषय पर 7 दिनों की कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में एक व्याख्यान दिया।

जायसवाल, आर. (2021) शब्द Beget पावर या पावर Begets Word.6 फरवरी 2021 को संवाद अध्ययन 2020-2021 में एक प्रमाण शोध पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया।

जायसवाल, आर. (2021) एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित करने के लिए एक "आभासी" इंटरफेथ पैनल चर्चा पर बात (ज़ूम पर) "महिलाओं के अधिकार और समानता: विश्वास दृष्टिकोण" एमएआरटीआई द्वारा 31 मार्च 2021 पर।

कुमार, के.पी. (2021) बी.आर. अंबेडकर का दर्शन 16 अप्रैल 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय के शिक्षण शिक्षण केंद्र, डॉ.बी.आर अंबेडकर एंड द आइडिया ऑफ इंडिया ' पर एफडीपी में व्याख्यान दिया।

कुमार, के. पी. (2020) भारत में दार्शनिक ज्ञान परंपराओं पर बी.आर. अंबेडकर के सामाजिक और राजनीतिक दर्शन 2 रिफ्रेशर कोर्स के पद्धति पर व्याख्यान दिया: अतीत और वर्तमान एचआरडीसी, जेएनयू 12 अक्टूबर 2020।

कुमार, के. पी. (2020) विकास और लोकतंत्र: बी.आर.अंबेडकर का दर्शन। 13 अक्टूबर 2020 को हैदराबाद विश्वविद्यालय के एचआरडीसी द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में निहितार्थों की खोज में विकास पैटर्न पर तर्कों को समझने पर परिप्रेक्ष्य पर रिफ्रेशर कोर्स में एक व्याख्यान दिया।

कुमार, के.पी. (2021) अंबेडकर का लैंगिकता और सामाजिक परिवर्तन का दृष्टिकोण। 14 सितंबर 2020 को बर्दवान विश्वविद्यालय के जेंडर एंड सोशल ट्रांसफॉर्मेशन, एचआरडीसी में रिफ्रेशर कोर्स के लिए व्याख्यान दिया।

कुमार, के.पी. (2021)। डॉ. बी. आर. अंबेडकर का दर्शन: विकास और लोकतंत्र. 15 अक्टूबर 2020 को सामाजिक विज्ञान, यूजीसी- एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद पर रिफ्रेशर कोर्स के लिए व्याख्यान दिया।

कलोत्रा, जी. (2021) 20-21 मार्च 2021 को 16वीं एमपी और सीजी दर्शनपरिषद में प्रो. संगमलाल पांडेय की एडविता दर्शनशास्त्र की अवधारणा पर व्याख्यान दिया।

कलोत्रा, जी. (2021) भारतीय दार्शनिक परंपराओं को पढ़ना। 28 जून 2021 को केएमवी महाविद्यालय जालंधर (पंजाब) के लिए विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन लेक्चर दिया।

मनोविज्ञान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

मनोविज्ञान विभाग, मनोविज्ञान में एम.ए., अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एम.ए. और मनोविज्ञान में पीएच.डी. प्रदान करता है। विभाग की दो इकाइयां हैं - नॉर्थ कैंपस में मनोविज्ञान इकाई और दक्षिण कैंपस में अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान इकाई। एम.ए. कार्यक्रम में उत्तर और दक्षिण दोनों कैंपस से छात्रों की कुल संख्या 170 है और पीएच.डी. कार्यक्रम में 17 हैं। इस वर्ष कुल 16 छात्रों को पीएच.डी. की उपाधि दी गई है। विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय से बौद्ध अध्ययन, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, अरबी और भाषा विज्ञान विभाग जैसे अन्य विभागों के छात्रों के लिए अंतःविषय प्रकृति के शोध भी आमंत्रित किए जाते हैं। विभाग की शोध गतिविधियां सामुदायिक विकास, वृद्धावस्था, बहुविग्रह तकनीक, परामर्श सेवाएं और कौशल, न्यूरो-इमेजिंग अनुसंधान में प्रगति, बौद्ध धर्म और मनोविज्ञान, भारतीय मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य से स्वयं को समझना, कला चिकित्सा और संगीत थेरेपी के क्षेत्रों के आसपास ध्यान केंद्रित करते हैं। प्रो. एस.पी.के. जेना ने एक अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक द्वारा एक पुस्तक प्रकाशित की, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के विज्ञान और योग और ध्यान के विज्ञान और प्रौद्योगिकी (सत्यम) को प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तावों का मूल्यांकन किया, बी ए (ऑनर्स) के लिए बड़े पैमाने पर ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों (एमओओसीएस) के मूल्यांकन की समीक्षा का काम पूरा किया। मनोविज्ञान कार्यक्रम यूजी कैस डोमेन विशेषज्ञ। मेरी की देखरेख में दो छात्रों को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। 17 जुलाई, 2020 को सोसाइटी फॉर हेल्थ एंड साइकोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेज, दिल्ली द्वारा आयोजित "कोविड-19 संकट: बच्चों के बीच मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां और चिंता" पर वेबिनार के लिए प्रख्यात वक्ता के रूप में डॉ. प्रियंका अंजन राव को आमंत्रित किया गया था।

प्रकाशन 07

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 01

प्रकाशन

दरोलिया, एम., प्रग्येन्दु, ठाकुर, एस. और छाबरा, डी (2020) रोमांटिक रिश्तों में विश्वासघात के दुष्परिणाम। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस, 12 (1)।

जेना, एस पी के (2020) बेघर: अनुसंधान, अभ्यास और नीति, रूटलेज (टेलर फ्रांसिस), लंदन (और भी एक दक्षिण एशियाई संस्करण एक साथ प्रकाशित)

कुंडू, बी. और गुप्ता, वी. (2020) नौकरी की संतुष्टि के लिए स्वभाव मार्ग: प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के बीच एक अध्ययन। संगठन और मानव व्यवहार के जर्नल, 9 (3 और 4), 1-8

प्रकाश, ए. और बाजपेयी ए भारत में संगठनात्मक व्यवहार को समझना: एक स्वदेशी परिप्रेक्ष्य. में: जी मिश्रा, एन सान्याल एंड एस डे। आधुनिक भारत में मनोविज्ञान: ऐतिहासिक, पद्धति और भविष्य के दृष्टिकोण। सिंगापुर: स्प्रिंगर।

राव, पी. ए. (2020) भारतीय किशोरों के बीच आत्मसिद्धता और अहंकार के सहसंबंधों की खोज। नैदानिक मनोरोग, 6, 1:67।

राव, पी. ए. (2021) दिल्ली में घरेलू कामगारों के अनुभव: संपादित पुस्तक "घरेलू अर्थव्यवस्था में महिला" में एक सामुदायिक मनोविज्ञान परिप्रेक्ष्य, संपादक प्रो. अर्चना सिन्हा। भारतीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली।

त्रिपाठी, पी., और गुप्ता, वी (2021) लॉकडाउन अनुभव और मनोवैज्ञानिक अच्छी तरह से युवा विवाहित वयस्कों में किया जा रहा है के साथ अपने रिश्ते को समझना: कोविड-19 महामारी के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान एक अन्वेषणात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 9 (1), 1123-1134। DIP:18.01.118/20210901, DOI:10.25215/0901.118

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. एस. पी. जेना ने गरीबी रेखा से नीचे के वंचित युवाओं में लचीलापन और उद्यमिता कौशल विकसित करने पर एक परियोजना शुरू की है।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

जेना, एस पी के (2020) 10 अक्टूबर, 2020 को मनोविज्ञान विभाग, बीजेबी (स्वायत्त), महाविद्यालय, भुवनेश्वर, "युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार पर आमंत्रित अध्यक्ष।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

प्रो. एस.पी.के. जेना ने कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वंचित महिलाओं के लिए उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 16

एम.फिल. : लागू नहीं

संकाय संख्या

कुल (उत्तर और दक्षिण कैंपस) : 13

स्थायी : 10 (08 + 02)

अस्थायी : कोई नहीं

तदर्थ : 03

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग का अपना नियोजन सेल है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. मनोविज्ञान और एम.ए. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान दोनों की पढ़ाई करने वाले छात्रों के नियोजन के लिए बनाया गया है। नियोजन सेल छात्रों को परामर्श, नैदानिक, कॉर्पोरेट संगठनों और व्यावसायिक घरानों के साथ मिलने और बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय नियोजन सेल द्वारा गतिविधियों की

जानकारी भी छात्रों के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा करने के लिए विभागों में व्यापक रूप से परिचालित की जाती है।

विभाग समुदाय की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए एक परामर्श केंद्र और एक विकासात्मक संसाधन केंद्र भी चलाता है।

विभाग की अपनी वेबसाइट 'psychology.du.ac.in' है। विभाग के लोगों, शोध छात्रों, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, पाठ्यक्रम, सेमिनार और अन्य आयोजनों की जानकारी नियमित रूप से इस वेबसाइट पर अपडेट की जाती है।

विभाग में अपना पुस्तकालय सह वाचनालय और मनोवैज्ञानिक परीक्षण कक्ष भी है। प्रयोगशालाओं और कक्षाओं को उच्च तकनीक स्मार्ट कक्षाओं में अपग्रेड करने के लिए पुस्तकें, परीक्षण सामग्री, तकनीकी उपकरण और शिक्षण-अधिगम एड्स नियमित रूप से समय-समय पर खरीदे जाते हैं। विभाग के पास बायो-फीडबैक डिवाइस है जिसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, बुलेटिन बोर्ड, व्हाइट बोर्ड और पावर बैकअप के लिए इन्वर्टर शामिल हैं।

विभाग के पास अपने कमरे में और 03 प्रयोगशालाओं में प्रत्येक शिक्षण कर्मचारियों के लिए पूरी तरह से कार्यात्मक इंटरनेट पहुंच भी है।

प्रो. एस.पी.के. जेना ने "सीखने में कठिनाई वाले छात्रों में स्व-नियमन और लचीलापन," भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) जून 2020 पर डॉ. प्रतिमा पांडे की पोस्ट-डॉ.क्टरल परियोजना का पर्यवेक्षण किया।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. एस.पी.के. जेना:

जेना, एस. पी. के. (2020) बेघर के मानसिक स्वास्थ्य: उनकी शिक्षा और पुनर्वास 20 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर, एमपी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संसाधन व्याख्यान के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

जेना, एस. पी. के. (2020) गंभीर रूप से मानसिक रूप से बीमार के मनोसामाजिक सामाजिक पुनर्वास: मानसिक और शारीरिक विकलांग पर ध्यान केंद्रित। 15 अक्टूबर, 2020 को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर, एमपी द्वारा आयोजित प्रो. टी.बी सिंह द्वारा राष्ट्रीय संसाधन व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

जेना, एस. पी. के. (2020) 5 अक्टूबर 2020 को 'आपराधिक व्यवहार का अवलोकन' 1130hrs से 1230 बजे तक, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंसेज, रोहिणी में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

जेना, एस. पी. के. (2020) कोविड-19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य: अवसाद, चिंता और टकसाली व्यवहार 29 अक्टूबर 2020 को कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, त्रिपुरा में 10:00-11:00 बजे के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र में अध्यक्ष को आमंत्रित किया गया।

जेना, एस. पी. के. (2020) एकल-केस डिजाइन: वर्तमान अनुसंधान और अनुप्रयोगों 15-16 दिसंबर, 2020 को रस्तारिया राक्ष्या विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज एंड रिस्क मैनेजमेंट डिपार्टमेंट गांधीनगर, (राष्ट्रीय महत्व की संस्था), अनुसंधान पद्धति और अनुसंधान मैट्रिक्स पर आभासी कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता।

डॉ. दिनेश छाबड़ा:

छाबड़ा, डी. (2020) डेटा संचालित नवाचार. 18 दिसंबर 2020 को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ यंग साइकोलॉजिस्ट्स एंड ज़िंदल इंस्टिट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज, ओ.पी. ज़िंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत (हरियाणा) द्वारा आयोजित एक आमंत्रित भाषण दिया।

पंजाबी

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

हालांकि (01-04-2020 से 31-03-2021) की अवधि मुख्य रूप से कोविड-19 प्रभावित थी और इस अवधि का बड़ा हिस्सा लॉकडाउन अवधि था, लेकिन पंजाबी विभाग ने ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला शुरू करके एक नई पहल की है। यूनेस्को और अन्य महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा नामित अंतर्राष्ट्रीय दिवसों को मनाने के लिए ऑनलाइन व्याख्यान पंजाबी विभाग द्वारा आयोजित किए गए थे। पंजाबी भाषा के प्रख्यात कवि और विचारक श्री जसवंत जफर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर 21 फरवरी, 2021 को इस श्रृंखला में पहला व्याख्यान आयोजित किया गया था। पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के प्रो. सतीश कुमार वर्मा (सेवानिवृत्त प्रो. युवा कल्याण) द्वारा विश्व रंगमंच दिवस पर 27 मार्च, 2021 को इस सेवा में द्वितीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त अवधि के बाद भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और विश्व फोटोग्राफी दिवस भी मनाया गया।

सम्मान/गौरव (01)

अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस पर 27 फरवरी 2021 को मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय भाषा मंच द्वारा सम्मानित जसपाल कौर।

जसपाल कौर को 16 जून, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व-विद्यार्थी और अकादमिक उपलब्धियों के रूप में मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।

कुमार, आर. (2020) पंजाब सरकार के भाषा विभाग द्वारा घोषित 'शिरोमणि पंजाबी साहित्यकार'

प्रकाशन 14

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां 09

प्रकाशन

पुस्तकें

कुमार, आर. (2020) गफफार लेहर दा पंजाबी सहयोगी, नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।

जर्नल लेख

कुमार, आर. (2020) बदित...- पाठक काहे विहार के, देश सेवक।

कुमार, आर. (2020) कोरोना संकट तो द दी दुनिया, पंजाबी ट्रिब्यून (दस्तक)।

कौर, जे. (2020) गुरु तेग बहादुर में प्रकाशित शोध लेख: शहादत ऐट रचना, जिसमें डॉ. जसविंदर सिंह और डॉ. कुलदीप कौर पहवा (एसजीटी.बी.खालसा महाविद्यालय) 2020 द्वारा "गुरु तेग बहादुर जी दी बानी: माया दा संकल्प" पर प्रकाशित किया गया।

गोजरा, के. (2020) राष्ट्रस्वात्माध्यी पंजाबी कविता संवाद, 12, 122-129.

नसरली, बी. (2020) इक्कीसवी सदी दी इक्कीसबक, हुन।

सिंह, एन. (2020) पंजाबी भाषा: कोड मिशरेंटे परिवर्तन सवाद (संवादी), 12, 130-138.

बाला, आर. (2021), सूफीवाद के जरिये पंजाबी साहित्य में इस्लाम का स्वरूप, हम (एक बहुविषयक और बहुभाषी सहकर्म समीक्षा अनुसंधान जर्नल, 1 (1-2), 99-106.

सिंह, वाई. (2020) अमृता प्रीतम: रोमांस दा सुर्खियां चक्कर, फिल्हाल, 29, 67-76.

सिंह, वाई. (2020) उत्तरबस्तीवाद पारख, 2, 113-135.

सिंह, वाई. (2021) बोल मर्दनिया: ब्रह्मानंदी निजाम दा कायनाती तसावर. संवाद, 13, 85-91

सिंह, वाई. (2021) पूरन सिंह: कायनातीजशन दी कविता। PrePoetic, 1, 73-87.

सिंह, वाई. (2020) कोरोना संकट तेसरमइदारी निजाम, 'पंजाबी ट्रिब्यून, चंडीगढ़।

सिंह, वाई. (2021) पूरन सिंह: कायतिजशान दा कवि, 'पंजाबी ट्रिब्यून, चंडीगढ़।

पत्रिकाएं

रविंदर कुमार पंजाबी रेफरी रिसर्च जर्नल 'संवाद' (यूजीसी केयर अनुमोदित रिसर्च जर्नल) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत।

रविंदर कुमार एक अंतर्राष्ट्रीय प्रगतिशील पंजाबी पत्रिका 'चरचा' के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत।

रविंदर कुमार रिसर्च जर्नल 'विजन' ए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड मैनेजमेंट के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

रविंदर कुमार पंजाबी भाषा, साहित्य और संस्कृति के एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 'तस्मान' के मुख्य सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

जसपाल कौर, संपादकीय बोर्ड, सहूलियत अनुसंधान जर्नल, मैत्रीय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2020 के बाद सदस्य के रूप में सेवारत।

संगोष्ठी आयोजित

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21, फरवरी, 2021

विश्व रंगमंच दिवस 27, मार्च, 2021

नछतर सिंह ने 11 जून 2020 को डॉ. तजिंदर सिंह सैनी और अंकुर राणा को वक्ता के रूप में 'कंप्यूटर विज्ञान दे संदर्भ विच पंजाबी भाषा: ऑनलाइन टूल्स' पर वेबिनार का आयोजन किया।

नछतर सिंह ने 27 मार्च 2021 को अध्यक्ष के रूप में सतीशकुमार वर्मा के साथ विश्व थियेटर दिवस पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

रविन्द्र कुमार (उर्फ डॉ. रवि रविन्द्र) ने विश्व रंगमंच दिवस की पूर्व सांध्य पर 27 मार्च, 2021 को प्रो सतीश कुमार वर्मा द्वारा दिए गए ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया और भाग लिया।

रविंदर कुमार ने साहित्यिक कार्यक्रम की अध्यक्षता की और 02 अगस्त, 2020 को चंडीगढ़ के सहित चिंतन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति पद की टिप्पणी दी।

रविंदर कुमार ने 28 जून, 2020 को पंजाबी अकादमी, दिल्ली (दिल्ली सरकार) द्वारा आयोजित 'अनुवादिक संवाद' विषय पर ऑनलाइन चर्चा का समन्वय किया।

रविन्द्र कुमार ने 20 जून, 2020 को ओशो खुशबू द्वारा आयोजित 'ए फ्यूजन ऑफ अध्यात्म और संगीत-4' पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम का समन्वय किया।

रविंदर कुमार ने 27 मई, 2020 को डीएवी मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली के तहत गोपीचंद आर्य महिला महाविद्यालय, अबोहर, पंजाब (नैक 'ए' ग्रेड महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड-19 विश्वाम महामंडी दा मानव जीवन तेपार्भव' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य भाषण पता दिया।

रविन्द्र कुमार ने 26 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'कोरोना क्राइसिस: चुनौतियां और शिक्षण और शिक्षण में अवसर' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

रविंदर कुमार ने 10 मई, 2020 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित सह पाठ्यक्रम, युवा और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए छात्रों को प्रेरित करने के लिए शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के विभिन्न कॉलेजों के शिक्षकों को व्याख्यान दिया।

रविंदर कुमार ने 26 अप्रैल, 2020 को पंजाबी अकादमी, दिल्ली (दिल्ली सरकार) द्वारा आयोजित 'कोरोना संकट दे सबक' विषय पर ऑनलाइन चर्चा का समन्वय किया।

21 अप्रैल, 2020 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय ऑनलाइन युवा प्रशिक्षण कार्यशाला में संकट विचियो जियोना सीखिए ने अध्यक्ष के रूप में भाग लिया

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

कुमार, आर. (2021) 'पंजाबी सब्याचर: अतीत तों समकाल तक'। दशमेश खालसा महाविद्यालय मुक्तसर (पंजाब) द्वारा आयोजित व्याख्यान दिया।

कुमार, आर. (2020) 28 अक्टूबर, 2020 को आईजीएनसीए (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) और पंजाबी विश्वविद्यालय टी.पी.डी. मालवा महाविद्यालय (रामपुरा फूल) द्वारा आयोजित 'गुरु नानक बानी विच संवाद व सदाचार खाया साडाचर' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार के मुख्य भाषण दिया।

कुमार, आर. (2020) 'पंजाबी बाशा, साहित ने सबियाचर दा अतीत, नर्तमान न भिवीख'। 29 अगस्त, 2020 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंजाबी एवं डोगरी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

गोजरा, के. (2020) पंजाबी विभाग, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला द्वारा 18 अगस्त, 2020 को पंजाबी भाषा दे ऑनलाइन अंधापाडियन तकनीकते व्यवहारिक समस्याएं अडवांस एकेडमिक, पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

सिंह, बी. (2020) 31 मई 2020 को कोविड-19 के दौरान सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन पर लैलपोर खालसा महाविद्यालय जालंधर द्वारा आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

सिंह, बी. (2020) 8 जुलाई 2020 को यूनिवर्सिटी कॉलेज घनोर द्वारा आयोजित एक वेबिनार में प्रस्तुत किया गया कि किताबें आपके सपनों तक पहुंचने में कैसे मदद करती हैं।

सिंह, बी. (2020) 4 अगस्त 2020 को ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग शिक्षाशास्त्र पर शहजादा नंद महाविद्यालय अमृतसर द्वारा आयोजित एक वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

सिंह, वाई. (2020) पंजाबी साहित्य में आधुनिकता पर पूछताछ। लायलपुर यंग इतिहासकार क्लब लायलपुर, लायलपुर में 12 अगस्त 2020 को ऑनलाइन एक्सटेंशन व्याख्यान दिया।

सिंह, वाई. (2020) भाषा, साहित्य और राजनीति. 5 नवंबर 2020 को भारतीय शिक्षा में उभरते रुझानों, एसडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बरनाला पर 1 सात दिवसीय वेबिनार श्रृंखला में एक विशेषज्ञ के रूप में एक भाषण दिया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

रविंदर कुमार (उर्फ डॉ. रवि रविन्द्र) ने 26 अप्रैल, 2020 को पंजाबी अकादमी दिल्ली फेसबुक पेज पर एक ऑनलाइन लाइव प्रसारण में 'कोरोना संकट दे सबक' पर एक कार्यक्रम का समन्वय किया और चर्चा में भाग लिया।

रविंदर कुमार ने 12 जून, 2020 को एमएचआरडी के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित टीचिंग अंडर एंड पोस्ट कोरोना टाइम्स नामक नेशनल वेबिनार में हिस्सा लिया।

रविंदर कुमार ने 27 मई, 2020 (3 बजे के बाद) एमएचआरडी के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु अंगद देव शिक्षण शिक्षण केंद्र एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा में महिला: मुद्दे और चुनौतियां' शीर्षक से राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

रविन्द्र कुमार ने 20 मई, 2020 को मानव रचना सेंटर फॉर पीस एंड सस्टेनेबिलिटी द्वारा आयोजित 'शिक्षा के चार स्तंभ' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में भाग लिया।

रविंदर कुमार ने 15 मई को आर.के. लैब्स इंक और बालनी इंफोटेक के सहयोग से शिक्षा स्कूल (पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, एमएचआरडी, भारत सरकार), गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर द्वारा आयोजित बेहतर शोध उत्पादकता के लिए अनुसंधान साहित्य की समीक्षा और प्रबंधन के लिए ऑनलाइन टूल्स (आरएक्स सॉफ्टवेयर) पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया। 2020.

रविंदर कुमार ने 2 मई, 2020 को आयोजित पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग ऑफ एमएचआरडी के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु अंगद देव शिक्षण शिक्षण केंद्र एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारतीय उच्च शिक्षा के लिए चुनौतियां और अवसर' शीर्षक से राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

रविंदर कुमार ने 1 मई, 2020 को आयोजित पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग ऑफ एमएचआरडी के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के गुरु अंगद देव शिक्षण शिक्षण केंद्र एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारत में उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर: चुनौतियां और अवसर' शीर्षक से राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

रविंदर कुमार ने 22 अप्रैल, 2020 को स्प्रिंगर नेचर के सहयोग से स्कूल ऑफ एजुकेशन (पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, एमएचआरडी, भारत सरकार), गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर द्वारा आयोजित बुक एंड आर्टिकल पब्लिशिंग और स्प्रिंगर लिंक प्लेटफॉर्म डेमोस्ट्रेशन पर एक दिवसीय ऑनलाइन वर्कशॉप में हिस्सा लिया।

रविंदर कुमार ने 10 अप्रैल, 2020 को एल्सवियर के सहयोग से शिक्षा स्कूल (पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, एमएचआरडी, भारत सरकार), गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर द्वारा आयोजित योजना और आयोजन ऑनलाइन रिसर्च ऑन प्लानिंग एंड ऑर्गनाइजिंग ऑनलाइन रिसर्च में भाग लिया।

रविंदर कुमार ने 25 नवंबर से 01 दिसंबर, 2020 तक आयोजित पीएमएमएमएमटीटी, टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य और आईक्यूएसी, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा: सड़क आगे विकासशील नेक्स्ट जेनरेशन एकेडमिक लीडर्स' पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया और ए + ग्रेड प्राप्त किया।

नछतर सिंह ने 27.05.2020 से 02.06.2020 तक दिल्ली के संस्कृत विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत और भारत अध्ययन के लिए ई-संसाधनों के डिजिटलीकरण और विकास को सफलतापूर्वक एक सप्ताह (ऑनलाइन) कार्य पूरा किया।

नछतर सिंह ने सफलतापूर्वक एक सप्ताह (ऑनलाइन) वर्क शॉप श्री गुरु तेग बहादुर बानी: पंजाबी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित अध्ययन और टीका की व्याख्या, 07.09.2020 से 14.09.2020 तक आयोजित की गई।

नछतर सिंह ने यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली - 110025 द्वारा आयोजित आधुनिक भाषा में ऑनलाइन 5वें रिफ्रेशर कोर्स पर दो सप्ताह (ऑनलाइन) रिफ्रेशर कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जो 23.10.2020 से 07.11.2020 तक आयोजित किया गया और ए + ग्रेड प्राप्त किया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 05

एम.फिल.: 03

संकाय संख्या: 07

संस्कृत

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने गूगल मीट के माध्यम से शनिवार, 16 जनवरी, 2021 को प्रो. एन.एन. मेमोरियल व्याख्यान 2021 का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग ने गूगल मीट पर 4 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन संस्कृत दिवस मनाया। विभाग ने गांधी भवन में 11-13 मार्च 2021 को 'नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव (15)

प्रो. रमेश सी भारद्वाज ने 10 जनवरी 2021 को असम के कोकराझार स्थित संयुक्त राष्ट्र ब्रह्मा ट्रस्ट से यू एन ब्रह्मा सोल्जर ऑफ ह्यूमेनिटी अवार्ड प्राप्त किया।

प्रो. डी.एस. तिवारी को 118वीं जयप्रकाश जयंती समरोह की पूर्व सांध्य पर लोकनायक जयप्रकाश अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र (एलएनजेपीएसआईडीसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 11 अक्टूबर, 2020 को शिक्षा में लोकनायक राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 प्राप्त हुआ।

प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी को अखिल भारतीय सारस्वत परिषद द्वारा सारस्वत सम्मान 2020

प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी एमिटी इंस्टिट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज एंड शोध, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी 18.02.2021 से 17.02.2023 तक बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य हैं।

प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी दिल्ली विश्वविद्यालय के जनवरी, 2021 से जनवरी 2023 तक कला संकाय के सदस्य बीआरएस हैं।

प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली वीएफ के एसपीएम महाविद्यालय में 25.02.2021 से 24.02.2022 तक वीसी प्रतिनिधि (शासी निकाय के सदस्य) के रूप में नामित किया गया है।

प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी डीआरसी (अगस्त, 2020-अगस्त 2022, दिल्ली विश्वविद्यालय) के सदस्य हैं।

प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन, 2020, नई दिल्ली के सदस्य हैं।

प्रो. रंजीत बेहरा, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली के अनुसंधान बोर्ड के सदस्य हैं।

प्रो. रंजीत बेहरा संपादकीय समिति, भारतवाणी परियोजना, भारत सरकार, सीआईआईआईएल, मैसूर, कर्नाटक के सदस्य हैं।

प्रो. रंजीत बेहरा दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली की कार्यकारी समिति के सदस्य हैं।

प्रो. रंजीत बेहरा को वर्ष 2020 के लिए एकेएस एजुकेशन सोसायटी द्वारा वैश्विक संकाय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रो. रंजीत बेहरा केंद्रीय प्रवेश शिकायत समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय 2020-21 के संयोजक के रूप में कार्य करते हैं।

प्रो. रंजीत बेहरा 10.2.2021 से 9.2.2022 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु महाविद्यालय, शासी निकाय के सदस्य हैं।

डॉ. उमाशंकर को श्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार, एसपीडीएम आर्ट्स, एसबीबी एंड एसएचडी वाणिज्य और एसएमए विज्ञान महाविद्यालय, शिरपुर जिला धुले (एमएस) आईक्यूएसी और शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग ने 29 मई 2020 को पर "योग के माध्यम से सर्वांगीण विकास" आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया।

प्रकाशन	13
संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां	47

प्रकाशन

जर्नल लेख

तिवारी एस. डी. (2020). संस्कृत के प्रमुख नाटकों में हनुमान की श्री रामभक्ति: हनुमान नाटक के विशेष संदर्भ में (सह लेखक) कला, संस्कृति, दर्शन, धर्म, भाषा और साहित्य ई-आईएसएसएन जर्नल में: 2457-0346, 4 (2), 90-93

तिवारी. एस. डी. (2020). करना : शास्त्रीय एवं आधुनिक अवधारणा (सह लेखक) कला, संस्कृति, दर्शन, धर्म, भाषा और साहित्य ई- आईएसएसएन जर्नल में: 2457-0346, 4 (2)

तिवारी एस.डी.(2020) शाहजी का मंदिर: वास्तुशास्त्रीय दृष्टिकोण (सह लेखक) कला, संस्कृति,दर्शन,धर्म,भाषा और साहित्य ई-आईएसएसएन जर्नल में: 2457-0346,4(2)

मीणा सी.टी. (2021). दानमें काम कलौ युगे. विद्यार्थी शिक्षा-सहयोग-समिति स्मारिका, श्री गंगानगर, राजस्थान, 102-103

सिंघल, एस. (2020). ऐतरेय ब्राह्मण में सृष्टि विज्ञान. पावमानी, आईसीसीएन 2229-6328 (त्रैमासिकी शोध-पत्रिका,सहकर्मी की समीक्षा की, भाग-पञ्चत्रिंश, प्रथम-द्वितीय खण्ड, प्रकाशन-स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, गुरुकुल प्रभात.आश्रम, मेरठ),21-28

शंकर,यू. (2020). राजस्थान का प्रतिहार कालीन बृहद अभिलेख:एक सहितीय का अध्ययन. शोध-प्रभा एक रेफरी और सहकर्मी की समीक्षा त्रैमासिक अनुसंधान जर्नल,आईएसएसएन-0974-8946,श्री एल.बी.एस.आर.एस.आर.वी दिल्ली.), वर्ष-45 खण्ड-3,117-124

शंकर,यू. (2020). छावन निर्माण में ब्रह्म स्थान एवं मार्म स्थान की उपयोगिता.वेदांजलि (इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफरी जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी शोध, आईएसएसएन-2349*364X,वाराणसी.), खण्ड.13, भाग-II, 237-241

सिंह,ए.पी. (2020).वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय चिन्तन पद्धतिकी प्रासंबिकता. शोधनवनीत (आईएसएसएन 2321-6581)

कुमार, ए. (2021). व्याकरण अध्ययन की परंपरा. अर्श ज्योति-आई.एस.एस.एन 2278-0912

मिनाक्षी(2020). अवेस्ता परमपरा में होम यास्ना. हिमाञ्जलि, आई.एस.एस.एन:2349-4905, भाग. 20.

पुस्तकें

चंद्रा, एस (2021). भाषा संगणन(लैंग्वेज कंप्यूटिंग). उपसाना प्रकाशन, नई दिल्ली, भारत,आईएसबीएन:978-93-87677-05-0.

त्रिपाठी, के. आर. (2020). संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य (एमएसक001, इकाई - 5,21, 24, 25 & 26) एम.ए. संस्कृत कोर्स इग्नू, दिल्ली

दिनद्वोरिया, पी. वी. (2021). वेदांता: - विद्या निधि प्रकाशन, दिल्ली।

जर्नल

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्यों के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या: 4

बेहरा, आर. (प्रो.): संपादक, वेक्स न्यूजलेटर, मई, 2017 के बाद

बेहरा, आर. (प्रो.): संपादक सदस्य, समीक्षा बोर्ड, वागर्थ, संस्कृत अनुसंधान के एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

बेहरा, आर. (प्रो.): संपादक सदस्य, सलाहकार बोर्ड, संस्कृति-मंजरी, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली।

तिवारी एस.डी. (प्रो.): पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी के संपादकीय बोर्ड में, (आईएसएसएन- 2320-351X), (यूजीसी अनुमोदित) पाटलिपुत्र सेंटर फॉर इंडोलॉजिकल शोध, पटना से प्रकाशित।

तिवारी एस.डी. (प्रो.): अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत शोध जर्नल (अनंता), दिल्ली, आईएसएसएन के कार्यकारी संपादक: 2394-7519।

तिवारी एस.डी. (प्रो.): रेफरी जर्नल दृष्टिकोण के संपादकीय बोर्ड में (आई.एस.एस.एन-0975-119X) दृष्टिकोण प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित।

तिवारी एस.डी. (प्रो.): एक अंतर्राष्ट्रीय रेफरी अनुसंधान जर्नल त्रिपाथगा जुलाई-दिसंबर 2015 के संपादकीय बोर्ड में, खण्ड. 1.11, आई.एस.एस.एन 2395-4280, बीएचयू, वाराणसी।

तिवारी एस.डी. (प्रो.): मानविकी में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के संपादक, जेएनयू, नई दिल्ली में 04 मई, 2019 को शिक्षा, कला, संस्कृति, भाषा, भाषा, साहित्य, धर्म, लिंग और प्रबंधन अध्ययन (चंगा-2019), कृषि संस्कृति प्रकाशन, कृषि संस्कृति प्रकाशन, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-85822-88-9, वर्ष-2019।

तिवारी, एस.डी. (प्रो.): संपादक- चीफ जर्नल कला, संस्कृति, दर्शन, धर्म, भाषा और साहित्य (ई-आईएसएसएन: 2457-0346), 2019, नई दिल्ली

त्रिपाठी, के.आर. (प्रो.): त्रिपाथगा के मुख्य संपादक, एक अंतर्राष्ट्रीय शोध जर्नल

सिंह, पी. ए. (डॉ.): मुख्य संपादक, शोध नवनीत (एक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित जर्नल, आईएसएसएन 2321-6581)

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. मीरा द्विवेदी: भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर) ने 23.02.2021 को भारतीय दर्शन में प्रतिपदीतागुना- त्रितया की अवधारणा का संस्कृत, काव्यशास्त्र पर प्रभाव' (3 वर्ष के लिए) राशि 5,00,000 रुपये शीर्षक विषय पर की एक परियोजना को मंजूरी दी।

डॉ. विजय शंकर द्विवेदी दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय शोध कार्यक्रम (एफआरपी) के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के एमिनेंस संस्थानों द्वारा स्वीकृत 1,25,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

आयोजित सेमिनार

विभाग ने गांधी भवन में 11-13 मार्च 2021 को नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कोविड 19 के कारण, 15 मार्च, 2020 से, पाठ्यक्रमों/कक्षाओं/व्याख्यान/संगोष्ठियों का संचालन ऑनलाइन/वर्चुअल मोड के माध्यम से किया जा रहा है। विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विशेषज्ञ के रूप में अधोहस्ताक्षरी भी आमंत्रित किए गए थे:

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन -21 जून 2020

वेबिनार/कार्यक्रम/कार्यक्रम आयोजित किए गए थे जिसमें मार्च 2020 के बाद विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों में अध्यक्ष/ विशेषज्ञ के रूप में अधोहस्ताक्षरी को आमंत्रित किया गया।

विभाग ने मार्च 2020 के बाद वर्चुअल मोड के माध्यम से समय-समय पर महात्मा गांधी पर विभिन्न वेबिनार/कार्यक्रमों का आयोजन भी किया। सूची निम्नानुसार है

डी.यू. के गांधी भवन द्वारा पतंजलि योग सूत्र पर 8 मई, 2020 को विशेष व्याख्यान।

मोती लाल नेहरू महाविद्यालय, डीयू द्वारा 'कोरोना की चुनौतियां और गांधी विचार' पर 9 मई, 2020 को व्याख्यान।

डी.यू. के मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा 'कोरोनाकाल मीन संस्कृत की भूमिका' पर 13 मई, 2020 को व्याख्यान। 17 मई, 2020 को विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस और राष्ट्रीय संस्कृत मंच, नई दिल्ली द्वारा कोविड -19 के वर्तमान परिदृश्य में आयुर्वेद का महत्व।

भारत में तकनीकी विकास: संस्कृत विभाग, डी.यू. द्वारा 21 मई, 2020 को निम्नलिखित महान भारतीय दार्शनिकों पर व्याख्यान श्रृंखला:

i. आचार्य शंकर (23 मई, 2020)

ii. आचार्य जैमिनी (26 मई, 2020)

iii. 19-23 मई, 2020 तक राम लाल आनंद महाविद्यालय, डी.यू. द्वारा संस्कृत विभाग, डी.यू. सहयोग और गांधी भवन, डी.यू. व्याख्यान श्रृंखला द्वारा 2 जून, 2020 को महात्मा गांधी पर वेबिनार।

महात्मा गांधी अध्ययन केंद्र, जेआरएस विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान द्वारा 30 मई, 2020 को महात्मा गांधी पर वेबिनार।

दीनदयाल उपाध्याय पीठ, हिमाचल प्रदेश द्वारा 5 जून, 2020 को महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय दीनदयाल उपाध्याय।

संस्कृत विभाग, सोगरा महाविद्यालय, बिहारशरीफ, नालंदा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना, बिहार द्वारा धर्मशास्त्रीय आचार्य-विचारा विषय पर 18 से 20 जुलाई, 2020 तक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

व्याख्यान श्रृंखला 2020 - 19 जुलाई, 2020 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा 'आर्य अकरमैक सिद्धांत केशंडब्रह्मीन डॉ. अंबेडकर का चिंतन'

20 जुलाई, 2020 को संस्कृतहॉयम फेसबुक द्वारा 'वैदिक काल निर्धारण'(साहित्यिक एवं पुरातात्विक संदर्भ में) पर विशेष व्याख्यान।

31 जुलाई, 2020 को दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत: गांधी विचार की प्रसांगिकता' विषय पर।

ई-संगोष्ठि

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10-20 अगस्त तक महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों के आलोक में भारतीय समाज का उत्थान विषय पर ग्रीष्मकालीन कार्यशाला।

20 जुलाई, 2020 को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय और जीएचएसएस, राजघाट, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा सामाजिक दृष्टिकोण पर आचार्य काका साहेब कालेकर स्मृति व्याख्यान।

गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय और दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केंद्र, एचपी विश्वविद्यालय, कांगड़ा, एचपी द्वारा 22 जुलाई, 2020 को महात्मा गांधी के विचार और दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

23 जुलाई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन द्वारा स्वदेशी इंडिक नॉलेज अर्थात आयुर्वेद, योग, एक्यूप्रेशर थेरेपी, मुद्रा, प्राणायाम आदि पर आधारित 'कोविड 19 को प्रबंधित करने के लिए अनुदेश मैनुअल' का विमोचन।

दिल्ली विश्वविद्यालय हंसराज महाविद्यालय, संस्कृत विभाग द्वारा भारतीय दर्शन के कतिपय ज्ञान मीमांसीय प्रश्न: विशेष रूप से न्याय - शैक्षिक दर्शन के सन्दर्भ के तत्वाधान में भारतीय बौद्धिक विरासत व्याख्यानमाला में 25 जुलाई, 2020 को वेबिनार।

23 अगस्त, 2020 को देश के प्रख्यात विचारक डॉ. बजरंग लाल गुप्ता द्वारा घर और व्याख्यान में कोविड 19 के प्रबंधन के लिए अनुदेश पुस्तिका का विमोचन।

22 सितंबर, 2020 को काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा 'प्राचीन भारत में तकनीकी ज्ञान' पर वेबिनार। आईसीसीआर द्वारा 23 सितंबर, 2020 को गांधी और समकालीन चुनौतियां - स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारत के महावाणिज्य दूत, दक्षिण अफ्रीका।

आईसीसीआर द्वारा 23 सितंबर, 2020 को महात्मा गांधी पर भाषण/व्याख्यान - थॉमस वर्गीज, चांसरी के प्रमुख, ब्रातिस्लावा।

गांधी जयंती के लिए महात्मा पर संदेश/वार्ता- आईसीसीआर द्वारा 2 अक्टूबर - डॉ. सैयद तनवीर नसरीन, निदेशक, आईसीसी, भारतीय उच्चायोग, माले, मालदीव 27 सितंबर, 2020 को।

शिक्षाविद् श्री अतुल कोठारी, शिक्षा संस्कृति विज्ञानी श्री अतुल कोठारी द्वारा 'मातृ भाषा और भारतीय भाषा' पर 28 सितंबर, 2020 को वेबिनार।

डीयू के गांधी भवन द्वारा 27 सितंबर, 2020 से 1 अक्टूबर, 2020 तक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 'गांधी और समकालीन चुनौतियां'।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, ब्रातिस्लावा द्वारा 29 सितंबर, 2020 को गांधी और समकालीन चुनौतियों पर चर्चा।

हेग, नीदरलैंड में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास द्वारा 29 सितंबर, 2020 को गांधी और समकालीन चुनौतियों पर चर्चा।

भारतीय संस्कृति, भारतीय दूतावास, ताशकंद, उज्बेकिस्तान के लिए लाल बहादुर केंद्र द्वारा 'गांधी: सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों का राष्ट्रवादी' पर 30 सितंबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

डीयू के गांधी भवन द्वारा 'गांधी और समकालीन चुनौतियां' पर 30 सितंबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

एमजीआई, मोका, मॉरीशस के सहयोग से डीयू के गांधी भवन द्वारा 'गांधी150' पर 1 अक्टूबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती महाविद्यालय द्वारा 'महिलाओं पर महात्मा गांधी और उन्हें समाज में बराबर बनाने' पर 1 अक्टूबर, 2020 को चर्चा।

दिल्ली के श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) विश्वविद्यालय द्वारा गांधी जयंती पर 1 अक्टूबर, 2020 को भाषण।

डीयू के गांधी भवन द्वारा गांधी 150 का 2 अक्टूबर, 2020 को समापन समारोह।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू महाविद्यालय द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को चर्चा।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, कुवैत द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान/भाषण।

जयपुर विश्वविद्यालय द्वारा गांधी 150 पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, तेल अवीव, इजराइल द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान/भाषण।

सीएसटीटी द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान/भाषण।

बिहारशरीफ, नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान/भाषण।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान/ भाषण।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, बगोटा, कोलंबिया द्वारा महात्मा गांधी पर 2 अक्टूबर, 2020 को व्याख्यान/भाषण।

दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से योग पर 23-27 अक्टूबर, 2020 तक संकाय विकास कार्यक्रम।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय के सहयोग से जे.के. बजाज और एम.डी. श्रीनिवास द्वारा 'द मेकिंग ऑफ हिंदू पैट्रियट' पुस्तक के संदर्भ में 23-30 जनवरी, 2021 से हिंदू स्वराज पर संकाय विकास कार्यक्रम।

प्रो. रंजीत बेहरा ने 23 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित आचार्य शंकर पर वेबिनार का समन्वय किया।

प्रो. रंजीत बेहरा ने 26 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित आचार्य जैमिनी पर वेबिनार का समन्वय किया।

प्रो. रंजीत बेहरा ने 2 जून, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित वैचपति मिश्र पर वेबिनार का समन्वय किया।

डॉ. उमाशंकर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीवेब में पर्यावरण नेताओं (ऑनलाइन) का पोषण पर्यावरण मंच 2021 के स्तर-पोषण पर्यावरण नेताओं (ऑनलाइन) का 20 जनवरी 2021 को आयोजन किया।

डॉ. उमाशंकर ने एनसीवेब अतिथि संकाय के लिए 19-27 जनवरी 2021 के बीच 07 दिवसीय ऑनलाइन उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया था।

डॉ. उमाशंकर ने 8 मार्च, 2021 को एनसीवेब में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के रूप में राष्ट्र निर्माता नामक ऑनलाइन स्व-रचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया।

डॉ. उमाशंकर ने 10 मार्च, 2021 को यूजी/पीजी छात्रों के लिए एनसीवेब में महिलाओं और बच्चों के मानवाधिकारों की रक्षा शीर्षक से ऑनलाइन "मानवाधिकार कार्यशाला" का आयोजन किया।

डॉ. सुभाष चंद्रा ने 27 मई से 2 जून 2020 तक जूम मीटिंग/यूट्यूब लाइव के माध्यम से संस्कृत और इंडिक स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्कूल के सहयोग से संस्कृत के लिए ई-संसाधनों के डिजिटलीकरण और विकास पर एक सप्ताह की ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों/संगोष्ठियों में भागीदारी 16

सिंघल, एस. (2021). पुराने मुद्दों के विषय पर: भारतीय, क्षेत्रीय और वैश्विक संदर्भ दो दिवसीय वेबिनार इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑन एजिंग यूनाइटेड नेशंस-माल्टा (भारत) विकास, कल्याण और अनुसंधान फाउंडेशन, नई दिल्ली और समाजशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी, मैत्रेयी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सहयोग से 16-17 जनवरी 2021 को आयोजित किया गया।

सिंघल, एस. (2020) संस्कृत साहित्य में आधुनिक कवियों के योगदान विषय पर (गूगल मीट के माध्यम से) तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-अनुसंधान सम्मेलन, संस्कृत विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) और संस्कृत विभाग, रामबचन सिंह गोव गल्स डिग्री, महाविद्यालय, मऊ, यूपी, 28-30 नवंबर, 2020 (गूगल मीट के माध्यम से) आयोजित।

सिंघल, एस. (2020). ऑनलाइन शिक्षण विषय पर - लर्निंग एंड आई केयर नेशनल वेबिनार बाय हेल्थ एंड हाइजीन कमेटी, मैत्रेयी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) 06 सितंबर, 2020 को

सिंघल, एस. (2020) 25.08.2020 को संस्कृत विभाग, हंसराज महाविद्यालय (डीयू) द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार विषय पर भारतीय दर्शन के कतिपय ज्ञान मीमांसीय प्रश्न: विशेष रूप से न्याय-वैशेषिक दर्शन के सन्दर्भ में।

सिंघल, एस. (2020) संस्कृत विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार इस विषय पर 20.07.2020 को।

सिंघल, एस. (2020) 13.07 2020 को मणिपाल पर, अंतर्राष्ट्रीय वेबिनारबाय दर्शन विभाग, माहे, मणिपाल विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय विचार सङ्कीर्ण-श्री जय तीर्थ:वाद प्रकरणानिच।

सिंघल, एस. (2020) इस विषय पर पांतजलि योग सूत्र:समग्र दृष्टि (साधना के त्रिविध मार्ग) अन्तर्राष्ट्रीय अन्तर्जालीयसंगोष्ठी, संस्कृत शिक्षक संघ, दिल्ली 07.07.2020 को आधार पर कहा गया है।

सिंघल, एस. (2020). वैदिक संस्कृति के संरक्षक स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती विषय पर 04.07.2020 को अन्तर्जालीय राष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुकुल प्रभात आश्रम टीकरी, मेरठ (उ.प्र.).

सिंघल, एस. (2020). पांडुलिपियों पाठ संपादन में वर्तमान प्रथाओं विषय पर नेशनल वेबिनारबाय आईजीएनसीए, नई दिल्ली 30.06 2020 को।

सिंघल, एस. (2020). **पाणिनीयोच्चारणशिक्षाशिक्षणम्** विषय पर राष्ट्रीय-अन्तर्जातीय-संगोष्ठी, गुरुकुल काङ्गडीहरिद्वारम् द्वारा 29.06.2020 को।

हंसराज महाविद्यालय संस्कृत विभाग (डी.यू.) द्वारा सिंघल, एस (2020) विषय पर जीवन की सीमा और विस्तार राष्ट्रीय शिक्षा 20.06.2020 को, राष्ट्रीय वेबिनार।

सिंघल, एस. (2020): विषय भारतीय दर्शन के प्रमुख आचार्य (वाचस्पतिमिश्र) 02.06.2020 को संस्कृत विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार।

सिंघल, एस. (2020) ध्वनि का स्वरूप 01.06.2020 को पंजाब विश्वविद्यालय, होशियारपुर के वीवीबीआईएस एवं आईएस विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार।

सिंघल, एस. (2020) विषय पर **प्रश्नोपनिषद्विज्ञान भाष्य विमर्श** श्रीशंकरशिक्षायतन (वैदिकशोधकेन्द्र) दिल्ली 29.05.2021 को।

सिंघल, एस. (2020) **पांडुलिपियों के संपादन की पुरानी परंपरा** 20.05.2020 को आईजीएनसीए राष्ट्रीय वेबिनार द्वारा।

सिंघल, एस. (2020) कोरोना काल में संस्कृत की भूमिका 13.05.2020 को मैत्रेयी महाविद्यालय संस्कृत विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार।

कार्यशालाएं और संकाय विकास कार्यक्रम: 63

3 राष्ट्रीय और 01 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चंद्रा, एस. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा 05 जून, 2021 को आयोजित शिक्षण एवं शिक्षण भारतीय भाषाओं में डिजिटल टूल्स के अनुप्रयोगों पर 3 महीने के प्रमाण शोध पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में "मशीन अनुवाद" व्याख्यान दिया गया।

चंद्रा, एस. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा 09 अप्रैल, 2021 के दौरान आयोजित शिक्षण शिक्षण प्रक्रिया में आईटी कौशल पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में "संस्कृत ई-टूल्स" व्याख्यान दिया गया।

चंद्रा, एस. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा 08 अप्रैल, 2021 के दौरान आयोजित शिक्षण शिक्षण प्रक्रिया में आईटी कौशल पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में 'स्वचालित प्रमाण शोध जनरेशन एंड ईमेल' व्याख्यान दिया गया।

चंद्रा, एस. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा 07 अप्रैल, 2021 के दौरान आयोजित शिक्षण शिक्षण प्रक्रिया में आईटी कौशल पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में "मेल मर्ज" व्याख्यान दिया गया।

चंद्रा, एस. (2021) "गूगल डॉक्स, गूगल शीट्स, गूगल स्लाइड" 06 अप्रैल, 2021 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में आईटी कौशल पर एक सप्ताह ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा 05 अप्रैल, 2021 को आयोजित शिक्षण शिक्षण प्रक्रिया में आईटी कौशल पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में "बेसिक्स ऑफ गूगल फॉर्म" ने व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) "यूनिकोड में संस्कृत के लिए पाठ संपादन/टाइपिंग उपकरण, पाठ संपादन उपकरण" 03 अप्रैल, 2021 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षण शिक्षण प्रक्रिया में आईटी कौशल पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया गया।

चंद्रा, एस. (2021) स्कृत विभाग, कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटर संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 17 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित "मशीन अनुवाद" ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटर संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 16 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित "संस्कृत के लिए कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान उपकरण: एक सर्वेक्षण" ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटर संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 27 फरवरी, 2021 के दौरान आयोजित "संस्कृत के लिए कम्प्यूटेशनल अनुप्रयोग" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटेशनल संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 27 फरवरी, 2021 के दौरान आयोजित "संस्कृत और कंप्यूटर" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, गांधी मेमोरियल नेशनल महाविद्यालय, अंबाला कैट द्वारा कंप्यूटेशनल संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 10 फरवरी, 2021 के दौरान आयोजित "संगणकीय भाषा विज्ञान के प्रमुख शोध क्षेत्र" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा कंप्यूटेशनल संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 27 नवंबर, 2021 के दौरान आयोजित "संस्कृत में कैरियर के विविध अवसर" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा कंप्यूटेशनल संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 09 नवंबर, 2021 के दौरान आयोजित "संअंतःविषय क्षेत्रों के साथ संस्कृत में करियर के विविध अवसर" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत विभाग, मोतीलाल नेहरूमहाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा कंप्यूटेशनल संसाधन और संस्कृत के लिए अनुप्रयोग पर 14 अगस्त, 2021 के दौरान आयोजित "संस्कृत के लिए कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) संस्कृत शौर्यम, द्वारा आयोजित "संगणकीय संस्कृत शोध-संभावनाएं एवं चुनौतियाँ" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) रवीन्द्र महाविद्यालय, हुगली, पश्चिम बंगाल, द्वारा 20 जुलाई, 2021 के दौरान आयोजित "ममशीन अनुवाद पाठ और संगीत डिजिटलीकरण" में व्याख्यान दिया।

चंद्रा, एस. (2021) रवीन्द्र महाविद्यालय, हुगली, पश्चिम बंगाल, द्वारा 16 जुलाई, 2021 के दौरान आयोजित "हाइपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज (एचटीएमएल)" में व्याख्यान दिया।

जी, एस. (2021) जेडीएमसी महाविद्यालय, दिल्ली में आयोजित महाविद्यालय फेस्ट सिम्फनी में "पाठ कार्यक्रम" में न्यायाधीश के रूप में भाग लिया।

किशन, एम. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत दक्षिण कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11-13 मार्च, 2021 को आयोजित नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

किशन, एम. (2020) अध्यात्म और विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया मानार्थ हैं: विज्ञान 21 जून, 2020 को विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस और रशिया संस्कृत मंच भारत द्वारा आयोजित अध्यात्म के बिना अधूरा है।

किशन, एम. (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत और इंडिक स्टडीज स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और संस्कृत विभाग द्वारा 27.05.2020 से 02.06.2020 तक आयोजित संस्कृत के लिए ई-संसाधनों के डिजिटलीकरण और विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

कुमार, ए. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण शिक्षण केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय द्वारा आयोजित 15 मार्च से 14 अप्रैल 2021 तक विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय के लिए ऑनलाइन चार सप्ताह के इंडक्शन/ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।

कुमार, ए. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंस राज महाविद्यालय द्वारा 26 फरवरी से 04 मार्च 2021 तक आयोजित ऑनलाइन एक सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।

कुमार, ए. (2021) विश्वेश्वरानंद विश्व वंधु संस्कृत एवं भारत भारती अनुशीलन संतान, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा 25-31 मार्च 2021 तक आयोजित महर्षि विश्वामित्र वेद वेदांग कर्माशाला राष्ट्रीय संगोष्ठी च पर सात दिवसीय संगोष्ठी राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

कुमार, ए. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में 11-03-2021 से 13-03-2021 तक एनईपी 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

कुमार, ए. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र, हंसराज महाविद्यालय द्वारा 10-17 फरवरी, 2021 तक आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक सप्ताह के अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

कुमार, ए. (2021) गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 'हिंद स्वराज' पर एक सप्ताह के अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

मीनाक्षी (2021) संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 16.1.2021 को 18वा नरेंद्र नाथ चौधरी स्मृति व्याख्यान में भाग लिया।

मीनाक्षी (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा गांधी भवन में 11-13 मार्च 2021 को आयोजित 'भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा के संदर्भ में नई शिक्षा नीति 2020' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

मीनाक्षी (2021) एफडीपी: दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय द्वारा 26 फरवरी 4 मार्च 2021 को आयोजित शिक्षा प्रदर्शन में कला संस्कृति पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया।

राय, एस. (2020) कॉविड-19 के मनो-सामाजिक प्रभाव पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया: 8 अगस्त, 2020 को एक दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, दर्शनशास्त्र विभाग, पाबूजगवंधु महाविद्यालय, हावड़ा और दर्शनशास्त्र विभाग, सुशील कर महाविद्यालय, परगनास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

सिंघल, एस. (2021) संस्कृत विभाग, दक्षिण कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी भवन, (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 11-13 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संदर्भ में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।

सिंघल, एस. (2021) शिक्षण शिक्षण केंद्र रामानुजन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), अर्मापुर पीजी महाविद्यालय (छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर) और माउंट कार्नेल महाविद्यालय, बंगलोर द्वारा 26 दिसंबर से 09 जनवरी 2021 तक आयोजित साहित्य, भाषा, समाज, राजनीति और दर्शन पर दो सप्ताह का अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम।

सिंघल, एस. (2020). दश दिवसात्मिका स्वाध्याय कार्यशाला अम्बाकर्त्रीटीकालोके वाक्य पदीयस्यब्रह्मकाण्डस्य परिशीलनम्, द्वारा आयोजित व्याकरण विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयः, दिल्ली, 01-10 अक्टूबर., 2020.

सिंघल, एस. (2020). हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालयः, धर्मशाला. द्वारा द्वारा 06-10 अगस्त. 2020, के दौरान आयोजित पञ्चदिवसीय-अन्तर्जालीय-राष्ट्रीय- कार्यशाला(व्याकरणम्-समासः)

सिंघल, एस. (2020). हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालयः, धर्मशाला द्वारा 24-28 अगस्त, 2020 के दौरान आयोजित पञ्चदिवसीय-अन्तर्जालीय-राष्ट्रीय- कार्यशाला(योगदर्शनम्).

सिंघल, एस. (2020). संस्कृत विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा 22- 28 जून, 2020 के दौरान आयोजित सप्त दिवसीय अन्तर्जालीय राष्ट्रीय कार्यशाला (कारकप्रकरणम्).

सिंघल, एस. (2020). सन्त गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुहम्मदाबाद, उ.प्र., द्वारा 01- 07 जून, 2020 दौरान "संस्कृत छन्दों का शिक्षण एवम् अनुप्रयोग" पर आयोजित सप्त दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला".

सिंघल, एस. जेएनयू और संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 मई से 02 जून, 2020 के दौरान आयोजित संस्कृत के लिए ई-संसाधनों के डिजिटलीकरण और विकास पर संस्कृत और इंडिक अध्ययन, पर एक सप्ताह की ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला की गई।

शंकर, यू. (2020) संस्कृत विभाग, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 20 मई, 2020 को आयोजित "प्राचीन भारतीय कालक्रम-डेटिंग और कैलेंडर सिस्टम" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

श्रीवास्तव, के.ए. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में 11-03-2021 से 13-03-2021 तक एनईपी 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

श्रीवास्तव, के.ए. (2021) हंसराज महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित 26-02-2021 से 04-03-2021 तक शिक्षण प्रशिक्षण में कला संस्कृति के आयाम पर ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।

श्रीवास्तव, के.ए. (2021) कमला नेहरू महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित 15-03-2021 से 30-03-2021 तक ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के प्रमाण शोध पाठ्यक्रम में भाग लिया।

श्रीवास्तव, के.ए. (2021) ने मैत्रेयी महाविद्यालय, डीयू द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए उभरती सुलभ प्रौद्योगिकियों पर 20-03-2021 से 03-04-2021 तक ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

अंतर्राष्ट्रीय

बेहरा, आर. (2020) 14वें वेक्स इंटरनेशनल और वेक्स इंडिया के 25 से 27 दिसंबर, 2020 तक आयोजित 24वें भारत सम्मेलन में यज्ञाचार्यस्य दैदवद्रीष्टीह प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) गुरुकुल प्रभात आश्रम द्वारा 30 जुलाई, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में देवताध्यायब्राह्मणगत-निर्वचन-विमर्श प्रस्तुत किया।

शंकर, यू. (2020) शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग और एसपीडीएम आर्ट्स, एसबीबी और एसएचडी कॉमर्स और एसएमए विज्ञान महाविद्यालय, शिरपुर जिला धुले (एमएस) आईक्यूएसी द्वारा 29 मई 2020 को आयोजित एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में योग के माध्यम से सर्वांगीण विकास प्रस्तुत किया गया।

श्रुति, आर. (2020) आईक्यूएसी, पंचामुरामहयाडाला, पश्चिम बंगाल के सहयोग से संस्कृत विभाग द्वारा 15-16 सितंबर 2020 को आयोजित आधुनिक समय पर वैदिक साहित्य पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेब- संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

श्रुति, आर. (2020) मानव जीवन के संरक्षण में संस्कृत साहित्य के महत्व पर सिधोकंहोबिर्शा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा 22 और 23 अगस्त 2020 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेब-समगोथी में आयोजित *तांत्रिक परंपरा में अद्वैत शैव पद्धति में शम्भव योग* प्रस्तुत किया।

तिवारी, डी. एस. (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित विविधायम में गांधी दर्शन विषय पर 3 अक्टूबर, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की।

तिवारी, डी. एस. (2020) विशेष केंद्र ई-अध्ययन, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा वैदिक गणित परिप्रेक्ष्य के माध्यम से संख्या सिद्धांत, ज्यामिति और बीजगणित पाइथागोरस के बीच उभरते रुझानों के संबंध में 16-17 अगस्त 2020 को आयोजित वैदिक गणित और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुप्रयोगों (ईटीवीएम-एएसटीएसएसआर-2020, पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) सत्र की अध्यक्षता की।

तिवारी, डी. एस. (2020) संस्कृत अध्ययन विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर एवं महिला महाविद्यालय सिलचर द्वारा 20-21 जून, 2020 को आयोजित संस्कृत अध्ययन एवं अतुल्य भारतम विषय पर राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी में आधुनिक विज्ञान एवं प्राचीन भारतीय विज्ञान नामक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

तिवारी, डी. एस. (2020) कृषि संस्कृति, नई दिल्ली द्वारा 7 जून 2020 को कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, दर्शन और अध्यात्म में नवाचार और अनुसंधान पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) 16 मई 2020 को शोध-धर्मसंधन orai और भारतीय शिक्षामंडल कानपुरप्रंट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) जनता वैदिक महाविद्यालय बड़ौत (बागपत) यूपी द्वारा 8 जून 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी में अध्यक्ष के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में संस्कृत साहित्य का महत्व और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विशिष्टता, 4 अगस्त 2020 को महाराष्ट्रीय संस्कृत मंच, असम प्रेंट और संस्कृत विभाग, राहा महाविद्यालय, नौगांव, असम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में सम्मानित अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय

बेहरा, आर. (2020) वैदिक विरासत में योग और सामाजिक समरसता की अवधारणा। रामजयपाल महाविद्यालय, छपरा और वेक्स-इंडिया द्वारा 15-16 मई 2020 को संयुक्त रूप से आयोजित तनाव, प्रतिरक्षा, स्वच्छता और सद्भाव का प्रबंधन करने के लिए महामारी में वैदिक साहित्य और संबद्ध विषयों की भूमिका पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) सामाजिक समरसता और मानसिक शांति: एक वैदिक दृष्टिकोण। इस्वर शरण डिग्री महाविद्यालय, इलाहाबाद और वेक्स द्वारा 27-28 मई 2020 को संयुक्त रूप से आयोजित संस्कृत साहित्य के संदर्भ में कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए भारतीय परिप्रेक्ष्य और जीवन शैली के पुनरुद्धार पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा पर वाइडर एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज (वेक्स) और तरुणतांग (तरंगों) द्वारा 5 जुलाई 2020 को आयोजित भारतीय-समास्कर्तव्य गुरु-शिष्य-परम्परा वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) 30 जून और 1 जुलाई 2020 को श्री शंकर शिक्षामित्र, नई दिल्ली द्वारा केनोपिशाविदविमाध्याभिषेक पर आयोजित वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) योग, सामाजिक समरसता और शांति: वैदिक दृष्टिकोण। 3 अगस्त, 2020 को योगदा सत्संग पालपरामहिंदालय, पालपाड़ा और मिदीनापुर महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित संस्कृत साहित्य में कोविड-19 के उन्मूलन के तत्वों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) दुनिया भर में संस्कृत अध्ययन। 6 अगस्त, 2020 को पश्चिम बंगाल के खड़गपुर महाविद्यालय द्वारा आयोजित विश्व भर में संस्कृत अध्ययन पर वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

बेहरा, आर. (2020) महात्मा गांधी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 7 अगस्त, 2020 को आयोजित संस्कृत सप्ताह समापन सत्र में राष्ट्रीय-शिक्षानीति-द्रोपष्ठाध्यायणम प्रस्तुत किया गया।

चंद्रा, एस. (2021) कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान के साथ संस्कृत में विविध अवसर "। 17 अप्रैल, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

दिनकरिया, वी. पी. (2020) वीवीबीआईएस एंड आईएस (पंजाब यूनिवर्सिटी), होशियारपुर (पंजाब) में 29 मई 2020 को वेबिनार में अलङ्कारसिद्धान्त पर भाषण दिया।

दिनकरिया, वी. पी. (2020) ध्वनिकास्वरूप. वेबिनारत वीवीबीआईएस एंड आईएस (पंजाब यूनिवर्सिटी), होशियारपुर (पंजाब) में 1 जून, 2020 को भाषण दिया।

दिनकरिया, वी. पी. (2020) भरतकारसूत्र. 3 जून, 2020 को वीवीबीआईएस एंड आईएस (पंजाब यूनिवर्सिटी), होशियारपुर (पंजाब) में वेबिनार में भाषण दिया।

दिनकरिया, वी. पी. (2020) वीवीबीआईएस एंड आईएस (पंजाब यूनिवर्सिटी), होशियारपुर (पंजाब) में 15 जून, 2020 को नाट्य का स्वरूप पर वेबिनार भाषण दिया।

दिनकरिया, वी. पी. (2020) रूपरोंकेभेदकतत्त्व. 16 जून, 2020 को वीवीबीआईएस एंड आईएस (पंजाब यूनिवर्सिटी), होशियारपुर (पंजाब) में वेबिनार में भाषण दिया।

दिनकरिया, वी. पी. (2020). वीवीबीआईएस एंड आईएस (पंजाब यूनिवर्सिटी), होशियारपुर (पंजाब) में 17 जून, 2020 को वक्रोक्ति सिद्धान्त वेबिनार में भाषण दिया।

मीनाक्षी (2021) कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबाड़ी, असम में 23-24 मार्च 2021 को वैदिक अवस्थित्योह यज्ञ विद्योम्यम्याम्यम्य प्रस्तुत किया गया।

सिंघल, एस. (2020-21) विशिष्ट-वक्ता, विषय - अर्तृहरि का भाषा दर्शन पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, अध्ययन केन्द्र, रामानुजन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), द्विसाप्ताहिक अंतर्विषयक संकाय संवर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत, 26 दिसंबर 2020 से 9 जनवरी 2021 के बीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

सिंघल, एस. (2020). विशिष्ट- अतिथि, पञ्चदिवसीय-अन्तर्जालीय-राष्ट्रीय- कार्यशाला (व्याकरणम्, समासः), हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालयः, धर्मशाला, द्वारा 6 से 10 अगस्त, 2020 के बीच आयोजित। .

सिंघल, एस. (2020). विशिष्ट- अतिथि, पञ्चदिवसीय-अन्तर्जालीय-राष्ट्रीय- कार्यशाला (योगदर्शनम्) हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालयः, धर्मशाला द्वारा 24 से 28 अगस्त, 2020 के बीच आयोजित।

सिंघल, एस. (2020). विशिष्टवक्ता, विषय- सामवेद के जैमिनीय-उपनिषद्ब्राह्मण में मुक्ति मीमांसा (सामवेदीय ब्राह्मणेषु विविधज्ञान विज्ञानम्) (द्विदिवसीया अन्ताराष्ट्रिया अन्तर्जालीया शोध संगोष्ठी) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, द्वारा गुरुकुल प्रभात आश्रम टीकरी, मेरठ (उ.प्र.), में 30-31 जुलाई, 2020 के बीच आयोजित।

तिवारी, डी. एस. (2020). कोविड -19 के दौरान भागवता में तनाव प्रबंधन. 13 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आमंत्रित वक्ता के रूप में राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). यज्ञ की प्रसांगिता: वैश्विक संकट कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में. संस्कृत एवं अन्य भाषा विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा 20 से 21 मई 2020 तक आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में विशेष वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). महामारी कोविड -19 के दौरान स्वच्छता और सद्भाव बनाए रखने में वैदिक यज्ञों का वैज्ञानिक योगदान. 27 मई 2020 को आईक्यूएसी, राम जयपाल महाविद्यालय, छपरा (जेपी विश्वविद्यालय) बिहार के तत्वावधान में संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट वेब व्याख्यानमाला में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). भारतीय बौद्धिक परंपरा में दर्शन, अध्यात्म, संस्कृति और कला. 7 जून 2020 को कृषि संस्कृति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, दर्शन और अध्यात्म में नवाचार और अनुसंधान पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वेबिनार) में आमंत्रित भाषण दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). श्रीमद् भगवद् गीता एवं तनाव मुक्ति. 12 जून 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा की दृष्टि में संस्कृत वांगमय की प्रासंगिकता. लोकनायक जयप्रकाश अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 26 जून 2020 को आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार (25 से 27 जून 2020) में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). भारतीयता और संस्कृत: एक सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ। 26 जुलाई 2020 को आईसीएएन (इंडिया को-विन एक्शन नेटवर्क), वंगाल द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म और उपकरणों का उपयोग। 5 नवंबर 2020 को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2020). संस्कृत साहित्य में आधुनिक कवियों का योगदान. संस्कृत विभाग, रामबचन सिंह के सहयोग से संस्कृत मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा गर्ल्स डिग्री महाविद्यालय, मऊ, यूपी, में 28 से 30 नवंबर, 2020 तक आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-शोध सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2021). अखंड राष्ट्र के संवाद और संस्कृति संरक्षण की दिशा में कौटिल्य के चिंतन की प्रसंगिकाता. 29 जनवरी, 2021 को संस्कृत एवं अन्य भाषा विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2021). 12 मार्च 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में 11-13, 2021 मार्च के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, दक्षिण कैंपस और गांधी भवन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित नई शिक्षा नीति (एनईपी) के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में गणितीय अध्ययन पर व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2021). भारतीय जीवन दृष्टि: समकालीन परिप्रेक्ष्य . दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग, राजधानी महाविद्यालय और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), राजधानी महाविद्यालय द्वारा 25 मार्च 2021 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (25-26 मार्च 2021) में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी. एस. (2021). संस्कृत अध्ययन के नए क्षितिज: वासरा और संभावना: एमिटी इंस्टिट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज एंड शोध एंड उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से 25 मार्च 2021 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020). 27 मई 2020 को संस्कृत विभाग, एलबीएस महाविद्यालय, गोंडा (यूपी) द्वारा आयोजित वेब-राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020). शिक्षा के बदलते परिदृश्य: चुनौतियां और समाधान। 9 अगस्त 2020 को लक्ष्मण सिंह मनोहर सरकार पीजी द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020). मानव जीवन से संरक्षण संस्कृत साहित्य स्योपयोगित्वम्। 22 अगस्त 2020 को संस्कृत विभाग, सिद्धो-कानो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विभाग ने गांधी भवन में 11-13 मार्च 2021 को 'भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा के संदर्भ में नई शिक्षा नीति 2020' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है।

नियोजन विवरण

8 नवंबर 2019 को पीएच.डी. कार्यक्रम में पंजीकृत श्री अतुल कुमार ने 26 फरवरी 2021 को उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएससी) के माध्यम से सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

12 मई, 2016 को पीएच.डी. कार्यक्रम में पंजीकृत सुश्री उपमा (एसआरएफ) ने यूपीएससी, प्रागराज के माध्यम से 28 जनवरी, 2021 को टीजीटी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

24 अक्टूबर, 2016 को पीएच.डी. कार्यक्रम में पंजीकृत सुश्री आकांक्षा शर्मा (एसआरएफ) ने डीएसबी के माध्यम से 5 अक्टूबर, 2020 को संस्कृत में पीजीटी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

19 दिसंबर, 2018 को पीएच.डी. प्रोग्राम में रजिस्टर्ड हुए श्री ललित ने मेरठ (यूपी) में 26 अक्टूबर, 2020 को सहायक अध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

8 नवंबर, 2019 को पीएच.डी. कार्यक्रम में पंजीकृत श्री विकास गौतम ने आगरा में 23 अक्टूबर, 2020 को सहायक शिक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

एम.फिल.: 15

पीएच.डी.: 16

संकाय संख्या: 28

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बेहरा, आर. (2020). 16 अगस्त 2020 को संस्कृत शिक्षा संघ, दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति और संस्कृत पर पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2021). 25 दिसंबर, 26, 27, 2020 और 1, 2, 3, जनवरी, 2021 को जूम क्लाउड मीटिंग के माध्यम से आयोजित शब्द पर वैदिक बुद्धि के प्रभाव पर तरंगों के 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 24वें भारत सम्मेलन में भाग लिया और 'अथर्ववेद में वर्णित दीर्घायु प्राप्त करने के उपाय' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). गांधी दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया: 03 अक्टूबर-2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के संस्कृत विभाग, गार्गी महाविद्यालय द्वारा विविध आयाम का आयोजन किया गया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). 30-31 जुलाई-2020 को स्वामी समरसतानंद वैदिक संस्थान मेरठ एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित समवेदिया ब्राह्माण्यविविजनम पर ऑनलाइन 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). 26 जुलाई-2020 को नितेश्वर महाविद्यालय मुजफ्फरपुर बिहार एवं रस्त्रिया संस्कृत मंच बिहार प्रेंट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोरोना संक्रमण काल में भारतीय जीवन पद्धति की उपयोगिता पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). वाणिज्य एवं अनुसंधान अध्ययन संकाय स्वामी सुखदेवानंद स्नातकोत्तर कोलाज शाहजहांपुर उप्र भारत एवं उपन्यास अकादमी, पोखरा, नेपाल द्वारा दिनांक 28-29 जून-2020 को संयुक्त रूप से आयोजित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कोविड -19 के प्रभाव पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). वैदिक (हिंदू) धर्म और विज्ञान पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया: क्या भारत छद्म विज्ञान सिखा रहा है? संस्कृत अध्ययन केंद्र सिलपाकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक थाईलैंड और राष्ट्रीय संस्कृत मंच भारत द्वारा संयुक्त रूप से 14 जून-2020 को आयोजित किया गया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). अध्यात्म और विज्ञान पूरक है: विज्ञान अध्यात्म के बिना अधूरा है संयुक्त रूप से विश्व हिंदी सचिवालय (भारत सरकार और मॉरीशस सरकार का एक द्विपक्षीय संगठन) फीनिक्स मॉरीशस और राष्ट्रीय संस्कृत मंच द्वारा 21 जून-2020 को आयोजित किया गया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). शिक्षा विभाग मेरठ महाविद्यालय मेरठ और गाइडेंस एंड काउंसलिंग सेल मेस्टन कोलाज ऑफ एजुकेशन चेन्नई टीएन द्वारा दिनांक 20 जून-2020 को संयुक्त रूप से आयोजित भलाई के लिए मार्गदर्शन और परामर्श पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). 27-मई-2020 को संस्कृत विभाग, इसर सरन डिग्री महाविद्यालय एंड वेक्स (वैदिक अध्ययन के लिए व्यापक संघ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड-19 (संस्कृत साहित्य के संदर्भ में) का मुकाबला करने के लिए भारतीय परिप्रेक्ष्य और जीवन शैली के पुनरुद्धार पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). राष्ट्रीय संस्कृत मंच एवं अनुसंधान एवं आर.डी. महाविद्यालय, मुंगेर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड-19 के वर्तमान परिदृश्य में रहने के वैदिक सिद्धांतों के महत्व पर 07-06-2020 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). वैदिक विज्ञान और राष्ट्रीय संस्कृत मंच के लिए इंडियन फाउंडेशन "कोरोना समस्या और वैदिक उपचार (चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक) के विभिन्न आयाम" पर दो दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 24-25 मई, 2020 को भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2021). भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विश्वविद्यालय के पी जी विभाग द्वारा आयोजित वर्तमान युग में वेदांत दर्शन के विभिन्न आयामों के महत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और अथर्ववेद में वर्णित ब्रह्म के विविध रूप पर 26-27 मार्च, 2021 को शोध प्रस्तुत किया।

द्विवेदी, एस.वी. (2021). दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत दक्षिण कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर 11-13 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). संस्कृत विभाग और पं गंगानाथ झा पीठ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित मानव कल्याण की भावना में उपनिषदों पर राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में दिनांक 11-10-2020 को भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). एमिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, एमिटी यूनिवर्सिटी हरियाणा और वाइडर एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज वेक्स इंडिया द्वारा दिनांक 6-8-2020 को वर्तमान परिदृश्य में समाज के निर्माण की दिशा में संस्कृत के योगदान पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय द्वारा दिनांक 12-06-2020 को आयोजित आधुनिक भारतीय भाषा की विविध में एकता और श्रीमद् भगवद्गीता अवतनवमल्टी पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). संपूर्णानंद वैदिक संस्थान गुरुकुल प्रभात आश्रम, मेरठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी वैदिक संस्कृति के संरक्षक स्वामी संपूर्णानंद सरस्वती में दिनांक 4-7-2020 को भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). वाइडर एसोसिएशन ऑफ वैदिक स्टडीज (वेक्स) और तरुणतरंग तरंगों द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा पर 5-7-2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कोलाज द्वारा आयोजित हिंदी सिनेमा का स्टूडियो युग पर 6-7-2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). श्री शंकर शिक्षायान दिल्ली द्वारा दिनांक 30-6-2020 -1.7.2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). राजकीय महिला पीजी महाविद्यालय, कांधला (शामली) उप्र द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान प्राचीन संस्कृति की उपयोगिता पर 14-06-2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). आचार्य नरेंद्र देव किसान पी.जी. कोलाग, बबन, इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी संस्थान, डॉ. आर.एल.अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उत्तर प्रदेश के सहयोग से आयोजित संस्कृत वंगमय और मंडिया मुल्य पर 04-06-2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). संस्कृत विभाग, राजकीय पी.जी. कोलाज चुनार मिर्जापुर उप्र द्वारा आयोजित कोविड-19 के वर्तमान परिदृश्य में योग, आयुर्वेद और वैदिक जीवन दर्शन की प्रासंगिकता पर 11-06-2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). संस्कृत एवं इंडिक अध्ययन विभाग जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय एवं संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत के लिए ई-संसाधनों के डिजिटलीकरण एवं विकास पर संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह की ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान नई दिल्ली द्वारा दिनांक 30-05-2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार पुराण अध्ययन और शोध के विविध आयाम में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). पं. वाशुदेव शास्त्री स्मृति व्याख्यान का गूगल मीट पर संस्कृत सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा 26-05-2020 को आयोजन में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). तरुण तरंग (यूथ विंग) वेक्स और राम जयपाल महाविद्यालय, छपरा बिहार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वर्तमान समय में युवाओं की उम्मीद और जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय वेबिनार (परसमावाड़) में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के संस्कृत विभाग और गांधी भवन (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय दर्शन के प्रधान आचार्य (वाचस्पति मिश्र पर व्याख्यान) पर 2-06-2020 को व्याख्यान माला में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). द्विवेदी, एस.वी. (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन संस्कृत शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी और तरीकों पर 22-05-2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

द्विवेदी, एस.वी. (2020). द्विवेदी, एस.वी. (2020) आईक्यूएसी राम जयपाल कोलाज, छपरा (बिहार) के तहत संस्कृत विभाग द्वारा पंचकोश पर 27-05-2020 को विशेष वेब व्याख्यान में भाग लिया।

मीना, सी.टी. (2020). भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (11-13 मार्च 2021) में संस्कृत विभाग, यूडीएससी और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग के संदर्भ में धन्यवाद प्रस्ताव में भाग लिया और धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

मीना, सी.टी. (2020). 'भारतीय इतिहास (भाग 4) में ब्राह्मणों और ब्राह्मण तत्वों की परिभाषित भूमिका पर एसडी महाविद्यालय अंबाला कैंट के संस्कृत एसडीडीआर एवं टी सेंटर विभाग द्वारा आयोजित 30.07.2020 को आयोजित एक दिवसीय अंतर-अनुशासनात्मक राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया, और अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

मीना, सी.टी. (2020). एसडी महाविद्यालय अंबाला कैंट के संस्कृत एसडीडीआर एवं टी सेंटर विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत परंपरा एवं चिकित्सा विज्ञान विभाग द्वारा 27.07.2020 को आयोजित विषय 'डिकोडिंग चेतना इन संस्कृत परंपरा एवं चिकित्सा विज्ञान' विषय पर एक दिवसीय अंतर-विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

तिवारी, डी. एस (2021) 13 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग, दक्षिण कैपस और गांधी भवन द्वारा 11-13 मार्च, 2021 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित नई शिक्षा नीति (एनईपी) के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में कला और विज्ञान पर सातवें सत्र का समन्वय किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) ख्वानीश फाउंडेशन (जीवन में सुधार के लिए एक आंदोलन) द्वारा 23 अगस्त 2020 को आयोजित "भारतीय संस्कृति एवम साहित्य" विषय पर एफबी लाइव व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) साहित्य परिषद, दिल्ली द्वारा आयोजित सुदर्शन टीवी पर संस्कृत साहित्य पुरुष जीवन-मुल्या पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) दिल्ली पब्लिक पुस्तकालय, दिल्ली में मुख्य वक्ता के रूप में भ्रष्टाचार पर 27.10.20 को ऑनलाइन व्याख्यान दिया

त्रिपाठी, आर.के. (2020). यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में रिक्रेशर कोर्स में विशेषज्ञ के रूप में 6.11.20 को ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू महाविद्यालय में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 20.12.2020 को आमंत्रित किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में शोध मेथडोलॉजी पर विशेषज्ञ के रूप में 18 मई 2020 को व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) रामानुजम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में 22 मई 2020 को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020) 'संस्कृत-सौरयम' द्वारा 24 मई 2020 को आयोजित एक कार्यक्रम में फेस-बुक पोर्टल पर लाइव व्याख्यान दिया

त्रिपाठी, आर.के. (2020) 8 जून 2020 को 'अहर' भोजपुरी अंतर्राष्ट्रीय पोर्टल पर एफबी लाइव व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2020). दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजम महाविद्यालय में संस्कृत भाषा और साहित्य की प्रासंगिकता पर 6 अगस्त 2020 को मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी एस (2021). महाविद्यालय शिक्षा आयुक्तालय, राजस्थान एवं संस्कृत विभाग, चौधरी बल्लूरामगोदरा गवर्नमेंट गर्ल्स महाविद्यालय श्री गंगानगर द्वारा संयुक्त रूप से 20 फरवरी 2021 को आयोजित शिक्षण शिक्षण उत्कृष्टता के लिए राज्य स्तरीय लघुकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पहल में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

तिवारी, डी एस (2020). संस्कृत वंगमई मेइन विजनाना. 8 जून 2020 को डॉ. राज कुमार द्वारा आयोजित संस्कृतशरियामांच (यूट्यूब) पर व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021). बीएसएनवी (पीजी) महाविद्यालय लखनऊ द्वारा 12.01.2021 को आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस (एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी) के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021). दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु महाविद्यालय में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 15.02.2021 को आमंत्रित किया गया है।

त्रिपाठी, आर.के. (2021). सीबी बल्लू राम गोदारा गोव गर्ल्स महाविद्यालय, श्री गंगा नगर, राजस्थान में 19.02.2021 को आयोजित एफडीपी में विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021). पटना विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में विशेषज्ञ के रूप में 20.02.2021 को ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 22.02.2021 को आमंत्रित किया गया है।

त्रिपाठी, आर.के. (2021). दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू महाविद्यालय में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 23.02.2021 को आमंत्रित किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021) सीपीडीएचई, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, यूके द्वारा आयोजित 24.02.2021 को रीफ्रेशर कोर्स में विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021) दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू महाविद्यालय में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 06.03.2021 को आमंत्रित किया गया है।

त्रिपा, आर.के. (2021). दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस महाविद्यालय में पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में 10.03.2021 को आमंत्रित किया गया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021) गोरखपुर के दिनदयाल विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में अध्यक्ष के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

त्रिपाठी, आर.के. (2021) संस्कृत, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, (यूपी) विभाग में सारस्वत अतिथि के रूप में 25.03.2021 को ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

“””

स्लावोनिक और फिन्नो-यूग्रीअन अध्ययन

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

स्लावोनिक और फिन्नो-यूग्रीअन अध्ययन विभाग रूसी भाषा और साहित्य अध्ययन के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित केंद्रों में से एक है। विभाग रूसी भाषा में पूर्णकालिक पीएच.डी., एम.फिल., एमए और एक वर्षीय इंटरैक्टिव एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाता है। विभाग बल्गेरियाई, चेक, क्रोएशियाई, पोलिश और हंगेरियन भाषाओं में पाठ्यक्रम (अंशकालिक) भी संचालित करता है। यह विभाग इन पाठ्यक्रमों का शिक्षण प्रदान करने वाला एकमात्र संस्थान है, इसलिए ये पाठ्यक्रम बेहद लोकप्रिय हैं। विदेशी भाषा में एक अतिरिक्त डिप्लोमा होने से दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की रोजगार क्षमता में भी वृद्धि होती है। इससे विभाग को कक्षा शिक्षण से परे विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित करने का अवसर मिलता है। बिन्दु संख्या 13 के अंतर्गत इन गतिविधियों की सूची दी गई है। विभाग विदेशी सांस्कृतिक केंद्रों के साथ नियमित रूप से सहयोग करता है और अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान और अन्य गतिविधियों का आयोजन करता है, जो छात्रों को एक अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर देता है और उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाता है। विभाग अपने विदेशी भाषा पाठ्यक्रमों के लिए बड़ी संख्या में छात्रों को आकर्षित करता है। नवंबर 2020 में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहयोग में आयोजित पहला ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विभाग की प्रमुख गतिविधियों में से एक थी। सम्मेलन काफी सफल रहा। इस 2 दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से 75 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

रूसी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में समकालीन प्रासंगिकता के विषयों पर 60 शोध शोध पढ़े गए।

प्रकाशन 12

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां 09

प्रकाशन

जर्नल में आलेख

एम. कोव्स, (2021), Magyarul Indiában Köves Margit beszélgetéssorozata indiai diákokkal. सोकमिंडन वानज़ोट... (हंगेरियन में: हंगेरियन इन इंडिया डायलॉग्स विथ इंडियन स्टूडेंट्स)। <https://tiszatajonline.hu/?p=137223>

एम. कोव्स, (2021). Magyarul Indiában Köves Margit beszélgetéssorozata indiai diákokkal Örkenyt szeretnék fordítani hindire (हंगेरियन में: हंगेरियन इन इंडिया डायलॉग्स विथ इंडियन स्टूडेंट्स)। <https://tiszatajonline.hu/?p=1364974.02.2021>

एम. कोव्स, Magyarul Indiában Köves Margit beszélgetéssorozata indiai diákokkal Az a vágyam (हंगेरियन में: हंगेरियन इन इंडिया डायलॉग्स विथ इंडियन स्टूडेंट्स)। <https://tiszatajonline.hu/?p=13600612.01.2021>

एम. कोव्स, (2020). Kaja, pia, szappan, karaván: A Magyar nyelv és irodalom tanítása Indiában part II (हंगेरियन में: फुड, ड्रिंक, सोप, कैरवान। भारत में हंगेरियन भाषा और साहित्य शिक्षण, भाग II)। ponthu.blog.hu

https://ponthu.blog.hu/2020/12/06/kaja_pia_szappan_karavan_a_magyar nyelv_es_irodalom_tanitasi_indiaban_2_resz

एम. कोव्स, (2020) A magyar és az indiai nevelés (हंगेरियन में: हंगेरियन एंड इंडियन वूमेन एजुकेशन) तानी-तानी। (ऑनलाइन जर्नल: तानी-तानी)। http://www.tani-tani.info/magyar_es_indiai_noneveles

एम. कोव्स, (2020) Kaja, pia, szappan, karaván: A Magyar nyelv és irodalom tanítása Indiában I. (हंगेरियन में: फुड, ड्रिंक, सोप, कैरवान। भारत में हंगेरियन भाषा और साहित्य शिक्षण, भाग I), ponthu.blog.hu। https://ponthu.blog.hu/2020/10/26/kaja_pia_szappan_karavan_a_magyar nyelv_es_irodalom_tanitasi_indiaban?fbclid=IwAR2ussMRKscPAo173hCDHeiDtJmFwe6E_fXWYFeEH5g-QLhMzGT0upm0rp026.10.2020.

जी. मुंजाल, (2020). अंग्रेजी में एक लेख: संकट और शिक्षा: भारत में रूसी शिक्षण के अभिनव तरीके। जर्नल ऑफ रशियन स्टडीज, 1 (1), 124-132.

जी. मुंजाल, (2020). भारत में रूसी संस्कृति: संकट से पहले और उसके दौरान शिक्षण। जर्नल ऑफ फॉरेन पॉलिसी एंड नेशनल अफेयर्स, एसएसवाई मीडिया (पी) लिमिटेड, नोएडा, भारत, आईएसएसएन: 2581 8929. (<https://diplomacybeyond.com/author/dr-girish-munjali/>).

जी. मुंजाल, (2020). द जेनर ऑफ "नॉवेल इन वर्स" और अलेक्जेंडर पुश्किन का "यूजीनोनिगिन"। लिटइनफिनिट जर्नल, 2(1), 1-10

आर. सक्सेना (2020). मेरे शैक्षणिक अभ्यास (साहित्य) में द्वितीय विश्व युद्ध। रॉसिसकायागजेटा, मास्को द्वारा आयोजित बीसवीं अंतर्राष्ट्रीय पुश्किन प्रतियोगिता।

आर. सक्सेना, रूसी में प्रकाशित एक लेख «Репрессии и стратегии выживания: «Шерри-бренди» Шаламова, «Ложится мгла на старыеступени» Чудакова, «Авиатор» Водолазкина, «Зулейха открывает глаза» Яхиной». रूस में प्रकाशित - लिटरेरी ट्रांसलेशन, मास्को में प्रकाशित।

पुस्तकें

आर. सक्सेना (2020) अनुवाद प्रकाशित- सैयद अब्दुल मल्लिक, सूरजमुखीर स्वप्नो (धूप की लालसा), अंग्रेजी से रूसी में अनुवादित, साहित्य अकादमी।

जर्नल

निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्य:

कोव्स मार्गिट (डॉ.) संपादकीय मंडल के सदस्य तनुलमन्योक (हंगेरियन स्टडीज विभाग का जर्नल, नोवी सैड, सर्बिया)

गिरीश मुंजाल (डॉ.), संपादकीय मंडल के सदस्य, द जर्नल ऑफ रशियन स्टडीज, सहकर्मी समीक्षा की एक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका, रूसी संघ की राष्ट्रीय आईएसएसएन एजेंसी के साथ पंजीकृत, आईएसएसएन संख्या: 2713-2501 (प्रिंट)। प्रकाशक: "इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चरल हेरिटेज", कज़ान, तातारस्तान गणराज्य, रूसी संघ।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएँ

विभाग द्वारा 29 अक्टूबर, 2020 (गुरुवार) को सुबह 11:30 बजे जूम मीटिंग पर "कीवन रस और द ले ऑफ इगोर के अभियान" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

"यास्नाया पोलीना" लियो टॉल्स्टॉय एस्टेट-संग्रहालय, तुला, रूस के सहयोग से एक वेबिनार, 02 नवंबर, 2020 को दोपहर 12:30 बजे रूसी इतिहास और साहित्यिक विरासत पर एक व्याख्यान श्रृंखला प्रस्तुत की गई।

23 दिसंबर, 2020 को अपराह्न 02:30 बजे "रशियन फ्रॉम 1223-1689" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में रूसी इतिहास और साहित्यिक विरासत पर एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला का भी आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

मॉस्को रीजन स्टेट यूनिवर्सिटी और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहयोग से 23 और 24 नवंबर, 2020 को "21वीं सदी में बदलते प्रतिमान और विकल्प: रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन आयोजित सम्मेलन किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

एम. कोव्स (2021). 18-20 मार्च 2021 को आयोजित जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *नो प्लेस टू गो? विस्थापन, अपनेपन और जुड़ाव न होने पर परिप्रेक्ष्य* प्रस्तुत किया गया।

एम. कोव्स (2021). *लास्जलो क्रास्ज्नाहोर्काई के लेखन में विस्थापन*। 19 मार्च 2021 को जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

जी. मुंजाल,(2020). *संकट और शिक्षा: भारत में रूसी शिक्षण के अभिनव तरीके*। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत: दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में उच्च शिक्षा में विदेशी भाषाओं का शिक्षण, अंतर्राष्ट्रीय संबंध संस्थान, कज़ान संघीय विश्वविद्यालय, रूस द्वारा 16 मई, 2020 को आयोजित।

जी. मुंजाल,(2020). *75वां विजय दिवस समारोह: तथ्य, कथारं, व्यक्तिगत अनुभव*। 14 जुलाई, 2020 को रूसी संघ के दूतावास द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

जी. मुंजाल,(2020). लियोटोल्स्टॉय की बच्चों के लिए लिखी गई कहानियों का हिंदी में अनुवाद। लियो टॉल्स्टॉय संग्रहालय-एस्टेट 'यास्नाया पोल्याना', रूस, 9 नवंबर, 2020 को आयोजित लियो टॉल्स्टॉय और अन्य लेखकों के अनुवादकों के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

जी. मुंजाल,(2020). गुजेलीखिना के उपन्यास *"जुलेखा ओप्स हर आईज"* में पुरुष पात्र। स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मास्को क्षेत्र राज्य विश्वविद्यालय और रूसी अध्ययन

केंद्र, एसएलएल और सीएस जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से, 23-24 नवंबर, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन *21वीं सदी में बदलते प्रतिमान और विकल्प: रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति* में प्रस्तुत किया गया।

जी. मुंजाल,(2021). 19 अप्रैल, 2021 को रूसी संघ के दूतावास द्वारा आयोजित "महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध: शुरुआत से 80 वर्ष" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में *द्वितीय विश्व युद्ध: इसके प्रमुख कारण* प्रस्तुत किया गया।

आर. सक्सेना (2020). Роман «Лавр» Е. Водолазкина - знаковопроизведение XXI века. 23-24 नवंबर, 2020 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय/जेएनयू/एमएसआरयू के संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रूसी में प्रस्तुत किया गया।

आर. सक्सेना (2020). Путешествие литературного героя и путешествие переводчика - Пересмотр романа "Лавр" Водолазкина глазами переводчика. अनुवाद संस्थान, मास्को द्वारा नवंबर 2020 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत और रूसी विज्ञान अकादमी, सेंट पीटर्सबर्ग, रूसी संघ के पीटर द ग्रेट म्यूजियम ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड एंथोग्राफी (कुंस्तकामेरा) के बीच समझौता जापन पर 3 मार्च, 2021 को हस्ताक्षर किए गए हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विभाग ने 23-24 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन करने के लिए रूसी अध्ययन केंद्र, जेएनयू और मास्को स्टेट रीजनल यूनिवर्सिटी के साथ अंतर-संस्थागत सहयोग किया था।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

रिजेका विश्वविद्यालय ने विभाग में क्रोएशियाई भाषा के छात्रों के लिए विद्यार्थीवृत्ति का प्रस्ताव दिया। यह विद्यार्थीवृत्ति योजना, यूरोपीय संघ (ईयू) के एक विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम, इरास्मस कार्यक्रम का एक हिस्सा है। यह विद्यार्थीवृत्ति शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के साढ़े तीन महीने के ग्रीष्मकालीन सत्र के लिए थी। क्रोएशियाई शिक्षक द्वारा विद्यार्थीवृत्ति के लिए छात्रों का चयन करने के लिए एक परीक्षा आयोजित की गई, उन्होंने चुने हुए छात्रों (प्यारे मोहन जुत्शी और हिना जैन) को विद्यार्थीवृत्ति और क्रोएशियाई वीजा के लिए पेपर वर्क में मदद की।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

विभाग के छात्रों ने 09 मई, 2020 को विजय दिवस के अवसर पर सीआरएस, जेएनयू द्वारा आयोजित ऑनलाइन गीत प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के दूसरे दौर में कुछ छात्रों का चयन किया गया।

विभाग के छात्रों ने पुष्किन जयंती के अवसर पर 06 जून, 2020 को रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र के सहयोग से सीआरएस, जेएनयू द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कविता प्रतियोगिता में भाग लिया। विभाग के 02 विद्यार्थियों ने द्वितीय तथा 01 विद्यार्थी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

06 जून, 2020 को पुष्किन की जयंती के अवसर पर, रूसी स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर द ह्यूमैनिटीज, मास्को द्वारा विभिन्न भाषाओं में पुष्किन की कविताओं की एक ऑनलाइन कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में कुछ छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी भाग लिया।

रूसी भाषा के छात्रों ने रूसी विज्ञान और संस्कृति केंद्र द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रमों (ओलंपियाड, निबंध लेखन, कविता पाठ, गीत प्रतियोगिता आदि) में भाग लिया। कार्यक्रमों में भाग लेनेवाले छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार और प्रमाण शोध दिए गए।

संकाय की संख्या

स्वीकृत पदों की संख्या

प्रोफेसर:03 (2- रूसी, 1-स्लाविक)

सहयोगी प्रोफेसर:03

सहायक प्रोफेसर: 09(08- रूसी, 01-बल्गेरियन)

स्थायी शिक्षकों की वर्तमान संख्या

प्रोफेसर:01

रिक्त पद

प्रोफेसर:03

सहयोगी प्रोफेसर:03

सहायक प्रोफेसर:08

विभाग में तीन सहायक प्रोफेसर (तदर्थ आधार पर) कार्यरत हैं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत बुल्गारिया/क्रोएशिया/चेक गणराज्य/हंगरी/पोलैंड के पांच अतिथि संकाय कार्यरत हैं।

विभाग में छह अतिथि लेक्चरर कार्यरत हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

विभाग के विद्यार्थी जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसके ज्ञान और कौशल से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में नियमित रूप से भाग लेते हैं और इसके लिए पुरस्कार और पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं।

कई विद्यार्थी जेआरएफ और एसआरएफ प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यार्थी नियमित रूप से रूसी भाषा में यूजीसी/नेट परीक्षा पास कर रहे हैं।

विभाग के छात्रों के लिए निम्नलिखित विद्यार्थीवृत्तियां उपलब्ध हैं*:

बुल्गारिया में ग्रीष्मकालीन संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए यूजीसी ने सीईपी कार्यक्रम के अंतर्गत बुल्गेरियाई विद्यार्थीवृत्ति प्रायोजित की।

क्रोएशिया में क्रोएशियाई भाषा पाठ्यक्रम के लिए तीन महीने की योग्यता विद्यार्थीवृत्ति।

चेक सरकार द्वारा समय-समय पर चेक भाषा के छात्रों को दी जाने वाली मेरिट विद्यार्थीवृत्ति।

हंगेरियन सरकार और संस्थानों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली मेरिट विद्यार्थीवृत्ति।

पोलैंड में विभिन्न विश्वविद्यालयों में पोलिश भाषा पाठ्यक्रमों के लिए पोलिश सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली मेरिट विद्यार्थीवृत्ति।

*(कोविड-19 स्थितियों के कारण ये विद्यार्थीवृत्तियां अभी लंबित हैं)।

उद्

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग के शिक्षक उर्दू भाषा और साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रकाशन कार्य से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। कई विशिष्ट आगंतुकों, प्रोफेसरों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने विशेष व्याख्यान देने और संकाय सदस्यों के साथ-साथ विभाग के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम.फिल. की डिग्री

पी.एचडी.:25

आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा संकाय
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एआईआईए सार्वजनिक क्षेत्र का पहला आयुर्वेदिक अस्पताल है, जिसे जुलाई 2017 में एनएबीएच मान्यता प्रदान की गई है।

डॉ. तनुजा मनोज नेसारी, निदेशक, एआईआईए, आयुर्वेद सब-सेक्टर स्किल काउंसिल की अध्यक्ष हैं, जो सफलतापूर्वक 2 पाठ्यक्रम चला रहा है।

संस्थान ने इस वर्ष 48 सीटों के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम आरंभ किया है।

कोविड-19 महामारी के अभूतपूर्व समय में, एआईआईए ने कोविड परीक्षण केंद्र (सीटीसी), कोविड स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), कोविड टीकाकरण केंद्र (सीवीसी) के माध्यम से कोविड कॉल सेंटर, पोस्ट कोविड ओपीडी, फ्लू ओपीडी, आपातकालीन ओपीडी व अन्य ओपीडी के साथ परीक्षण, उपचार और टीकाकरण के क्षेत्र में आम जनता को अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

एआईआईए ने दुनिया के सबसे बड़े कोहार्ट सार्वजनिक स्वास्थ्य अध्ययन, आयुर्क्षा परियोजना के माध्यम से, 80,000 पुलिस कर्मियों और आम लोगों को प्रतिरक्षा बढ़ाने के उपाय प्रदान करके अग्रिम पंक्ति के अन्य कोविड योद्धाओं की सुरक्षा के प्रति अपना कर्तव्य पूरा किया।

एनएएसी के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों का संवेदीकरण।

सम्मान/ विशिष्टताएं

प्रो. तनुजा एम. नेसारी, निदेशक, एआईआईए को, स्कूल ऑफ फॉर्मोस्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, भारत द्वारा 15-17 फरवरी 2020 को एसएफई - उत्कृष्ट राष्ट्रीय नृवंशविज्ञान पुरस्कार - 2020 "हरिहर मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

डॉ. शिवानी घिल्डियाल, सहायक प्रोफेसर - ने 31 मई 2020 को मुंबई, भारत में आयोजित पादप पहचान प्रतियोगिता "नाटुकेयर इंडिया" पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

5 सितंबर, 2020 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा सहायक प्रोफेसर, डॉ. शालिनी राय को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मैं डॉ. सुमेध संजय जोशी ने 6 अगस्त 2020 को संहिता सिद्धांत विभाग, एआईआईए द्वारा आयोजित श्लोकाक्षरी प्रतियोगिता प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डॉ. भीमराव मेशराम ने 16 अक्टूबर, 2020 को प्रतिरक्षा के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता- आयुष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डॉ. अपर्णा डी., डॉ. के. पी. कार्तिक ने 19 अप्रैल, 2020 को एआईआईए, नई दिल्ली द्वारा निवारक स्वास्थ्य के लिए स्वयं की देखभाल और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आयोजित आयुर्वेद के माध्यम से सुखिनो-भवंतु की लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

अखिल भारतीय आयुष पी.जी. प्रवेश परीक्षा के शीर्ष पांच मेधावी विद्वान

प्रकाशनों की कुल संख्या: 50

टी.एम.नेसारी, ए. भारद्वाज, आर.श्रीकृष्णा, जी. रुक्नुद्दीन, एस. घिल्डियाल, ए. दास, ... और एम. बर्दे, (2021). नीम (अज़ादिरछता इंडिका ए. जस) कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए कैप्सूल: एक प्रायोगिक, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *अल्टरनेटिव थेरेपिज इन हेल्थ एंड मेडिसिन*।

टी. नेसारी, और डी. कजारिया, (2021). आयुर्वेद के समग्र दृष्टिकोण के साथ कोविड-19 का मुकाबला करना। *इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज (आईजेटीके)*, 19, S-37.

एम.एस. कुलकर्णी, पी. काकोडकर, टी.एम. नेसारी, और, ए.पी. दुबे (2021). योग के माध्यम से कोविड-19 महामारी के मनोवैज्ञानिक प्रभावों का मुकाबला: एक सिंहावलोकन से सिफारिश। *जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन*।

डी. कजारिया और टी. नेसारी, (2021). कोविड-19 के दौरान वृद्धावस्था की देखभाल के लिए अविश्वसनीय दवाओं के रूप में सामान्य मसाले और योग। *टीएमआर एजिंग*, 3(1), 4.

टी. सिंह, ए.पी. सिंह, एम. व्यास, एन. खुराना, एन. शर्मा, एन. टंडन, पी. प्रजापति और आर. अग्रवाल (2020). कैनबिस सैटिवा एल के खोजे गए फाइटोकोन्स्टिट्यूट्स की विभिन्न औषधीय गतिविधियों की व्यापक समीक्षा। *प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी*, 85-98.

पी. वर्मा, एल. कुंद्रा, एस.के. भट्टेड, और पी. धर्मराजन, (2021). पंचकर्म के माध्यम से पक्षाघात (बेसल गैंग्लिया ब्लीड के कारण हेमिप्लेजिया) का प्रबंधन: एक प्रकरण अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन*, 9(1), 39.

पी.ए. ज्योति, ए. दिलीप, डी. देवराजन, ए. एस. शर्मा, कुमारी, राठूरी, एस. ... और टी.एम.नेसारी (2020). आयुर्वेदिक दृष्टिकोण के माध्यम से प्रबंधित मध्यम कोविड-19 संक्रमण के तीन मामलों की रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स*, 3(3), 84.

एल. कुंद्रा, पी. वर्मा, पी. धर्मराजन और एस.के. भट्टेड, (2020). लिपोडर्माटोस्क्लेरोसिस में आयुर्वेद के हस्तक्षेप पर एक प्रकरण अध्ययन। *जर्नल ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन*, 8(3), 217.

रुहिला, ए., श्रीवास्तव, ए., यादव, पी., गालिब, आर., और प्रजापति, पी.के. (2021). भल्लाटक तेल की प्रारंभिक जीसी-एमएस प्रोफाइलिंग। *एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन केमिस्ट्री*, 14(2), 108-110.

राहुल शेरखाने, प्रियंका मीणा, नसरीन हनीफ, वी.डी. महंत, एस.के. गुप्ता। आईएफटीएक तकनीक: एनो में फिस्टुला के प्रबंधन के लिए एक उन्नत क्षारसूत्र तकनीक। *जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन*, 12(1), 161-164

जर्नल

जर्नल ऑफ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स आयुकेयर, ए वोल्टर्स क्लुवर इंडेक्सेड जर्नल, वॉल्यूम 3, अंक 1, 2, 3 और 4; प्रिंट - आईएसएसएन: 2667-0593; ऑनलाइन- आईएसएसएन: 2667-0607।

संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्य (सदस्यों)के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 14

शोध परियोजनाएँ:(कुल संख्या: 15)

क्रमांक	परियोजना का नाम	वर्ष/अवधि	वित्तपोषक एजेंसी	स्वीकृत राशि (वार्षिक आधार पर)
1	गंगा के मैदानी क्षेत्र के लिए आरआरडीआर का विकास	जारी (3 वर्ष)	एनएमबीपीआयुष मंत्रालय	5 करोड़
2	पीएचआई परियोजना: - स्वस्थ संतान के लिए आयुर्वेद देखभाल	जारी (3 वर्ष)	आयुष मंत्रालय	1.5 करोड़

3	फरीदाबाद जिला, हरियाणा राज्य की बुजुर्ग आबादी में मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक और एएमपी को बढ़ावा देने के लिए समुदाय आधारित आयुर्वेद हस्तक्षेप; (पीएचआई परियोजना)	जारी (3 वर्ष)	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	1.5 करोड़
4	आयुर्वेदिक हस्तक्षेप के माध्यम से पुलिस कर्मियों में ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं और मानसिक स्वास्थ्य (चिंता, तनाव और अवसाद) को बढ़ावा देना, (पीएचआई परियोजना)	जारी (3 वर्ष)	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	1.5 करोड़
5	"दिल्ली पुलिस के कोहोर्ट में आयुर्वेद प्रबंधन प्रोटोकॉल की प्रतिरक्षा-उत्तेजक क्षमता का मूल्यांकन - एक खोजपूर्ण नैदानिक अध्ययन" संगरोध अध्ययन के लिए सीटीआरआई:सीटीआरआई/2020/05/025178 जनरल पुलिस सीटीआरआई/2020/05/025171	जारी	जीआईए जनरल के अधीन एआईआईए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से।	जीआईए अनुदान सहायता करोड़

पेटेंट दायर/स्वीकृत

एक

आयोजित संगोष्ठियाँ/वेबिनार

15 जुलाई 2020 को सुश्रुत जयंती के अवसर पर डॉ. अनुराग श्रीवास्तव द्वारा यादृच्छिक नैदानिक अनुसंधान परीक्षण।

आयुर्वेद के आश्रय द्वारा तूफ़ान से बचाव - "कोविड -19 का मुकाबला करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण", 5 मई 2020 पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग और आयुर्वेद चिकित्सा पर 5 नवंबर 2020 को पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय के एनआईसीएम स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के सहयोग से एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

आयोजित सम्मेलन

क्रमांक	कार्यशाला /अतिथि व्याख्यान का नाम	तारीख	नाम
	एचपीएलसी कार्यशाला	10, 12 और 15 मार्च, 2021	आरएसबीके विभाग
	"खाद्य अपमिश्रण निवारण, खाद्य मानक और सुरक्षा अधिनियम-2006 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम - 1986"	31 अगस्त 2020	डॉ. ममता प्रजापति,
	आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और धातु आधारित योगों का सुरक्षा अध्ययन	25 सितंबर 2020	डॉ. बी. रविशंकर,

औषध विज्ञान और पशु प्रयोग तकनीकों के मूल सिद्धांत	(27 और 30 जुलाई 2020), (11, 13, 17, 21, 25 और 28 अगस्त 2020), (14, 21 और 30 सितंबर 2020) और (7 और 12 अक्टूबर 2020)	डॉ. विजय कुमार
एचपीटीएलसी तकनीक पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला और औषधि अनुसंधान में इसके अनुप्रयोग	17- 19 मार्च, 2021	आरएस एवं बीके विभाग

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/वेबिनारों में प्रस्तुतियाँ: 50

प्रस्तुति का विषय और कार्यक्रम का नाम तथा विवरण	तारीख	संकाय का नाम
स्वास्थ्य और डब्ल्यूसीडी डिवीजन नीति आयोग द्वारा कोविड-19 के दौरान बुजुर्गों के स्व-देखभाल पर आयोजित वेबिनार, "आयुर्वेद- कोविड के विरुद्ध लड़ने के लिए भारत के प्राचीन ज्ञान की ओर बुजुर्गों का आह्वान" विषय पर।	19 मई 2020	प्रोफेसर तनुजा एम. नेसारी
बीआईआरएसी (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार) के सहयोग से सृष्टि द्वारा "पारंपरिक दवाओं के माध्यम से कोविड -19 का नैदानिक प्रबंधन" विषय पर आयोजित बीआईआरएसी का एसआईटीएआई बीआईआईएस वेबिनार 2020 व्याख्यान।	23/09/2020	प्रोफेसर तनुजा एम. नेसारी
"कोविड -19 के समय में आयुर्वेद का महत्व" पर भारत-हंगरी अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	09/11/2020	प्रोफेसर महेश व्यास
"प्रणालीगत बीमारियों के रेटिनोवास्कुलर पैथोलॉजीज" की वेबिनार श्रृंखला में श्रीधरीयम आयुर्वेदिक नेत्र अस्पताल, केरल द्वारा आयोजित "डायबिटिक रेटिनोपैथी की आयुर्वेदिक समझ और प्रबंधन"।	03 फरवरी 2021	प्रोफेसर मंजूषा आर.
ओबीजी में मेटाबोलिक विकारों पर हिमालय लिमिटेड द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान।	20 सितंबर 2020	प्रोफेसर (डॉ.) सुजाता कदम
प्रसूति एवं गर्भावस्था में कोविड-19 के आयुर्वेदिक प्रबंधन पर एनआईए, जयपुर द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान	9 नवंबर 2020	प्रोफेसर (डॉ.) सुजाता कदम
डॉ. एसआरआरएवाई विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित (वेबिनार) में अतिथि वक्ता के रूप में "हर्बो-खनिज दवाओं की नैदानिक प्रभावकारिता और सुरक्षा माप" शीर्षक व्याख्यान दिया।	23 जुलाई 2020	प्रोफेसर पी. के. प्रजापति
जे.एस. आयुर्वेद महाविद्यालय एवं पी.डी. पटेल आयुर्वेद अस्पताल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में अतिथि वक्ता के रूप में "रसौषधि का गुणवत्ता आश्वासन" शीर्षक	14 जुलाई 2020	प्रोफेसर पी. के. प्रजापति

व्याख्यान दिया। (वेबिनार)		
एनआईयूएम, बेंगलूर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "आयुर्वेद प्रणाली में फॉर्मोकोविजिलेंस को लागू करने में चुनौतियां" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।	16 सितंबर 2020	डॉ. गालिब
आयुर्वेद दिवस पर वर्चुअल बिजनेस समिट बैठक- म्यांमार द्वारा आयोजित "आधुनिक समय में पारंपरिक दवाएं" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।	13 नवंबर 2020	डॉ. गालिब

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन: कुल संख्या: 20

राष्ट्रीय समझौता जापन

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए जीएफआर 2017 के नियम 229 (XI) के अंतर्गत आयुष मंत्रालय और एआईआईए, नई दिल्ली के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

23 मई, 2020 को एआईआईए, नई दिल्ली और डाबर रिसर्च फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश के बीच अनुसंधान के लिए समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

23 मई, 2020 को एआईआईए, नई दिल्ली और जिवंती वेलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश के बीच अनुसंधान के लिए समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

18 अगस्त, 2020 को "आयुरक्षा-आयुर्वेद के माध्यम से कल्याण (दिल्ली पुलिस कल्याण केंद्रों में धन्वंतरि रथ के माध्यम से आयुर्वेद कल्याण ओपीडी)" के लिए एआईआईए, नई दिल्ली और दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

7 अक्टूबर, 2020 को आयुर्वेद दवाओं के गुणवत्ता मानकीकरण के लिए एआईआईए, नई दिल्ली और एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

10 मार्च, 2021 को एआईआईए, नई दिल्ली और सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन सिद्ध (सीसीआरएस), चेन्नई के बीच सहयोगी परियोजनाओं के लिए समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन

एआईआईए, नई दिल्ली और यूनिवर्सिटी डेड फेडरल डी साओ पाउलो (यूएनआईएफईएसपी), ब्राजील के बीच "शैक्षणिक सहयोग समझौते में प्रवेश" करने के लिए समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एआईआईए, आयुष मंत्रालय और ला रीयूनियन में यूनिवर्सिटी जनरल हॉस्पिटल - (सेंटर हॉस्पिटेलियर यूनिवर्सिटी) सीएचयू डी ला रीयूनियन, फ्रेंच रिपब्लिक के बीच "आयुर्वेद में एक अकादमिक सहयोग की स्थापना" पर समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एआईआईए ने वैज्ञानिक अनुसंधान करने और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए अन्य अनुसंधान संस्थानों और सीसीआरएस, ईएसआईसी, आईएलबीएस, पीएचएफआई जैसे राष्ट्रीय महत्व के संगठनों के साथ सहयोग आरंभ किया है।

नियोजन विवरण

100%

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप-

एआईआईए, रोगी देखभाल के अलावा, स्वास्थ्य शिविरों और अन्य विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज को अपनी नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

हरियाणा के फरीदाबाद जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं।

हरियाणा के फरीदाबाद जिले में हेल्थ एंड वेलनेस क्लिनिक मॉड्यूल।

धन्वंतरि रथ - पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की एक पहल।

मसूरी, उत्तराखंड में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में आयुर्वेद देखभाल और कल्याण।

विश्व कैंसर दिवस - जागरूकता व्याख्यान और निःशुल्क जांच।

मधुमेह दिवस - जागरूकता व्याख्यान और निःशुल्क जांच।

स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा 8 मार्च 2021 को "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" का आयोजन किया गया और ऑस्टियोपोरोसिस की निःशुल्क जांच एवं दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया।

रोगी जागरूकता व्याख्यान- स्वस्थ रहने के लिए विभिन्न पहलुओं, रोग की रोकथाम, विभिन्न रोगों में आहार और जीवन शैली और सावधानी के कुछ लक्षणों और उनकी पहचान के बारे में तथा अन्य पहलुओं पर हर सप्ताह एक व्याख्यान।

पुस्तकालय विकास

संग्रह

पुस्तकें : 18,335

सीडी : 300

समाचार शोध : 05

संकाय की संख्या : 33

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान (सरकार + आंतरिक संसाधन सृजन): ₹313.80 करोड़

उपयोग किया गया: ₹ 306.09 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

एआईआईए एक तृतीयक देखभाल अस्पताल है जिसमें रोगी देखभाल के प्रति समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण है। शिक्षा और अनुसंधान के उच्चतम मानकों को स्थापित करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए समर्पित।

विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करते हुए, यह आयुर्वेद को मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रहा है।

विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए आयुष मंत्रालय का सहयोग करता है और उन दिशानिर्देशों को सार्वजनिक क्षेत्र में लागू करने के लिए काम करता है।

आयुर्वेद को मुख्यधारा में लाने के लिए यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य कम ज्ञात डोमेन में आयुर्वेद के बारे में ज्ञान का प्रसार करने के लिए भी काम कर रहा है।

एआईआईए के विशेषज्ञों ने आयुष मंत्रालय के सहयोग से कोविड 19 की रोकथाम और प्रबंधन के लिए आयुर्वेद के प्रोटोकॉल का मसौदा तैयार किया।

यह आयुष के विद्वानों के एमडी/एमएस पाठ्यक्रमों के लिए एआईपीजीईटी के संचालन के लिए नोडल केंद्र है।

आयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में एआईआईए द्वारा आयुर्वेद के रूप में सबसे बड़ा जन जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है।

ए एंड यू टिबिया महाविद्यालय और अस्पताल,

दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अप्रैल 2020 के अंतिम सप्ताह से समर्पित कोविड हेल्थकेयर की स्थापना की गई थी और लगभग 2000 कोविड रोगियों का इलाज किया गया था और कोई जीवन हानि नहीं हुई थी।

आरटीपीसीआर और आरएपीआईडी एंटीजन टेस्ट के माध्यम से कोविड 19 की जांच और पता लगाने के लिए कोविड 19 परीक्षण केंद्र भी खोला गया।

दो टीकाकरण स्थलों के साथ कोविड टीकाकरण केंद्र खोला गया।

आयुर्वेद में दो विषयों अर्थात् द्रव्यगुण विज्ञान और पंचकर्म में पीजी की सीटों में वृद्धि की गई।

21 जून को सभी संकाय सदस्यों और आयुष निदेशक के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

महाविद्यालय के अंदर खेलकूद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। 13 फरवरी को वार्षिक समारोह/अजमल दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2020 समारोह आयोजित किया गया।

सम्मान/विशिष्टताएँ:

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली की एनसीटी सरकार द्वारा 11 अगस्त 2020 को, आयुष चिकित्सा अधिकारियों के लिए आयोजित नारे लिखने की प्रतियोगिता में डॉ. दीपा मिश्रा को उपविजेता के रूप में सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

अनम अफसर (बी.यू.एम.एस., अंतिम वर्ष)

सबा नाज़ (बी.ए.एम.एस., अंतिम वर्ष)

अब्दुल हनान (बी.यू.एम.एस., तृतीय वर्ष)

शीतल (बी.ए.एम.एस., तृतीय वर्ष)

प्रकाशन

सुजाता आर., एम. योगिता, मनोज एस. व अन्य। (2021). कोविड 19 रोगियों का प्रकृति का विश्लेषण: एक अवलोकन संबंधी मूल अध्ययन। *अल्टरनेटिव थेरेपिज इन हेल्थ एंड मेडिसिन*।

सुजाता आर., मनोज एस. और अंकुर टी. (2021). तनाव के जैविक मार्करों पर शिरोधारा (तेल टपकने की चिकित्सा) का प्रभाव: एक केस स्टडी। *जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन*।

अंकुर टी. और सुजाता आर. (2020). सद्वृत्ता: कोविड -19 रोग के लिए निवारक दृष्टिकोण का एक गैर-औषधीय हस्तक्षेप। *नैट आयुर्वेदिक मेड.*

अंकुर टी. और सुजाता आर. (2020). योग: कोरोनावायरस रोग-19 की वर्तमान महामारी के विरुद्ध एक गैर-औषधीय दृष्टिकोण रिव्यू।

अंसारी एम.ए., आफरीन, ए.क्यू., मोहम्मद जेड (2020). इलाजबिल गीधा (आहार चिकित्सा) के विशेष संदर्भ में पुरुषों में एंड्रोजेनिक खालित्य के संबंध में किल्लतशहर का उसूल ई-इलाज"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च; वाल्यूम 7: अंक 12. पृष्ठ 796-809.*

अनुसंधान परियोजनाएँ

आयुष मंत्रालय की सीसीआरएस द्वारा वित्त पोषित "कोविड-19 संक्रमण (लक्षणहीन और हल्के से मध्यम लक्षण) के प्रबंधन में आयुर्वेद के हस्तक्षेप की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन (आयुष -64) - एक खुला लेबल एकल हाथ का संभावित नैदानिक परीक्षण" शीर्षक इंद्रा म्यूरल अनुसंधान परियोजना।

आयुष मंत्रालय की सीसीआरएएस द्वारा वित्त पोषित "स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच कोविड-19 महामारी की रोकथाम में एक आयुर्वेद हस्तक्षेप (च्यवनप्राश) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन) - एक खुला लेबल एकल हाथ का संभावित नैदानिक परीक्षण" शीर्षक इंद्रा म्यूरल अनुसंधान परियोजना।

कोविड -19 के मामली मामलों में मानसिक स्वास्थ्य और भोजन से संबंधित जीवन (एसडब्ल्यूएफएल) से संतुष्टि पर आयुर्वेदिक आहार संशोधन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है।

आयुष मंत्रालय की ओर से "कोविड-19 के लक्षणहीन और हल्के से मध्यम लक्षण वाले मामलों में गंभीरता के बढ़ने में व्याघ्रादि कषाय टैबिन" की प्रभावशीलता की निगरानी और उपयोग के लिए एक हस्तक्षेप, एकल हाथ अध्ययन" शीर्षक एक्स्ट्रा म्यूरल अनुसंधान परियोजना की स्वीकृति।

सीसीआरएएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ए एंड यू टिबिया कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दिल्ली के एनसीटी की सरकार के सहयोग से "एक कोविड-19 प्रबंधन इकाई में भारत सरकार के कोविड -19 प्रबंधन दिशानिर्देश के अनुसार मामलों के प्रबंधन में, अस्पताल में भर्ती एसएआरएस -कोव2 में रोग की गंभीरता की प्रगति को रोकने में यूनानी आहार की सुरक्षा और प्रभावकारिता का निरीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए सकारात्मक लक्षणहीन/हल्के से मध्यम लक्षण वाले रोगसूचक कोविड -19 के मामलों का एक संभावित, पारंपरिक, केस नियंत्रण अध्ययन" शीर्षक अनुसंधान परियोजना संचालित की गई।

आयोजित संगोष्ठी/वेबिनार

क्रियाशैरोन के पीजी विभाग द्वारा 21 दिसंबर 2021 को "फिजियोलॉजी के सिद्धांत और इसके व्यावहारिक पहलू" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।

7 मई 2021 को "कोविड केयर में आयुष प्रणाली को कैसे और कब एकीकृत किया जाए" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।

9 जनवरी 2021 को अमराजेअत्फल विभाग द्वारा 'बचपन में सामान्य बीमारियाँ और यूनानी चिकित्सा के साथ इसका प्रबंधन' पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

16 जनवरी 2021 को इलमुलसैदला के स्नातकोत्तर विभाग द्वारा 'कोविड-19 के प्रबंधन में यूनानी नुस्खों के पुनरीक्षण' पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. सुजाता राजन (सहयोगी प्रोफेसर), क्रियाशरीर विभाग:

20 नवंबर 2020 को (आयुष निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार) कोविड-19 में प्रतिरक्षा के लिए आयुर्वेद पर व्याख्यान दिया।

9 मार्च, 2021 को प्रसार भारती, दूरदर्शन केंद्र दूरदर्शन भवन-नई दिल्ली में महिलाओं के स्वास्थ्य पर स्वस्थ भारत कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

डॉ. दीपा मिश्रा (सहयोगी प्रोफेसर) प्रसूति तंत्र और स्त्रीरोग विभाग:

2 अगस्त 2020 को 'कॉजकनेक्ट ऑर्गनाइजेशन' द्वारा आयोजित स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्तनपान कराने पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

16.01.2021 को बीएचयू, वाराणसी द्वारा सीसीपीआर पर आयोजित 21वें राष्ट्रीय, छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला के सीएमई में अतिथि व्याख्यान।

एम.एम.एम शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर द्वारा 31 मार्च 2021 को आयोजित पोषण पखवाड़ा-2021 के अवसर पर 'पोषण पर वेब सम्मेलन' में विशेषज्ञ रही।

डॉ. फहमीदा कौसर (सहयोगी प्रोफेसर), अमराजे अतफल विभाग ने प्रस्तुति दी:

आयुष सरकार के सहयोग से यूनानी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बेंगलूर, कर्नाटक में 30 दिसंबर 2020 को सरकार द्वारा आयोजित "चयापचय रोग और प्रजनन स्वास्थ्य और एकीकृत दृष्टिकोण पर इसके प्रभाव" पर राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में प्रस्तुति दी।

अमराज ए अतफल ए और यू टिबिया कॉलेज के विभाग में 9/1/2021 को "बचपन में सामान्य तत्व और यूनानी चिकित्सा द्वारा प्रबंधन" पर राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन सचिव के रूप में प्रस्तुति दी।

डॉ. शालिनी वाष्णीय (सहायक प्रोफेसर), द्रव्यगुण विभाग ने प्रस्तुति दी:

10 मई 2020 को आरोग्य भारती द्वारा आयोजित कोविड-19 और एकीकृत दृष्टिकोण में वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

6 मार्च 2021 को वीएपी, नई दिल्ली- विद्यार्थी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला "नैदानिक अनुसंधान में नैतिकता से संबंधित मुद्दे" पर विशेषज्ञ के रूप में एक व्याख्यान दिया।

विश्व आयुर्वेद परिषद अनुसन्धान प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसंधान व्याख्यान श्रृंखला (उत्तरी क्षेत्र) -1 के आयोजन समिति सदस्य के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. मोहम्मद नौमान सलीम (सहायक प्रोफेसर), इलमुल सैदला का पी.जी. विभाग:

सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत यूनानी चिकित्सा के क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान द्वारा 11.11.2020 को आयोजित "आयुष फॉर इम्युनिटी एंड इम्युनिटी बूस्टिंग टिप्स" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

इलमुल सैदला के पी.जी. विभाग, ए एंड यू टिबिया कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दिल्ली के एनसीटी की सरकार द्वारा 16.01.2021 को आयोजित 'कोविड-19 के प्रबंधन में यूनानी नुस्खे के पुनरीक्षण' पर लाइव नेशनल वेबिनार के आयोजन सचिव रहे।

09.01.2021 को अमराजे अतफल विभाग, ए एंड यू टिबिया कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दिल्ली के एनसीटी की सरकार द्वारा आयोजित 'बचपन में सामान्य बीमारियां और यूनानी चिकित्सा द्वारा इसके प्रबंधन' पर लाइव नेशनल वेबिनार के समन्वयक रहे।

संकाय की संख्या

आयुर्वेद + यूनानी संकाय सदस्य: 48

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान- 31,53,00,000/- रुपए

उपयोग किया गया- 29,18,82,748/- रुपए

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य और व्यापार संकाय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वाणिज्य विभाग भारत में वाणिज्य शिक्षा के अग्रणी संस्थानों में से एक है। यह संस्थान अपनी शोध गतिविधियों, संकाय और उत्साही छात्रों के लिए जाना जाता है। विभाग दुनिया भर में अपने विशिष्ट पूर्व छात्रों के विविध क्षेत्रों में काम कर रहे होने का दावा करता है। यह एक सीखने की संस्कृति बनाने का दृष्टिकोण रखता है। संस्थान अपनी अकादमिक उत्कृष्टता के अलावा, अपने छात्रों को पाठ्यतर गतिविधियों में संलग्न करने में भी गर्व महसूस करता है। शैक्षणिक बिरादरी के लिए वर्ष 2020-2021 एक बड़ी चुनौती रहा है; हालांकि, वाणिज्य विभाग ने चुनौतियों को अवसरों में बदलने की पुष्टि की। वाणिज्य विभाग ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा। विभाग के ऑनलाइन

वातावरण को सुचारु रूप से चलाने के लिए संकाय और छात्रों से बहुत सहयोग मिला। कक्षाओं के अलावा, भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्बाध रूप से की गई। इसके अलावा, छात्रों ने शिक्षक दिवस, संगोष्ठी और अतिथि व्याख्यान आदि जैसे कई कार्यक्रमों को भी ऑनलाइन आयोजित किया।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर आर. के. सिंह:

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 4-6 मार्च, 2021 को आयोजित व्यापार और प्रबंधन में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में 'कार्यस्थल आध्यात्मिकता और संगठनात्मक प्रभावशीलता के बीच संबंधों पर चयनित कार्य दृष्टिकोण की मध्यस्थता की भूमिका' शीर्षक शोध शोध के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोध शोध पुरस्कार" (एचआरएम श्रेणी में तीसरा)।

25-26 सितंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा शोधकर्ताओं के सम्मेलन में प्रस्तुत 'विद्यार्थी की स्व-प्रभावकारिता और सीखने के दृष्टिकोण में संस्कृति की मॉडरेटिंग भूमिका' नामक शोध शोध के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोध शोध पुरस्कार"।

डॉ. शिखा सचदेवा ने आईपी विश्वविद्यालय, नोएडा में 26 नवंबर 2020 को "कोविड- 19 में भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दूरस्थ शिक्षण पोर्टलों का मूल्यांकन: दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन इंस्टिट्यूट में एएचपी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए वैश्विक रणनीतिक प्रबंधन सम्मेलन (जीएसएमसी, 2020) में" शीर्षक शोध शोध के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोध शोध पुरस्कार" प्राप्त किया।

डॉ. किरण बाला ने सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, नागपुर द्वारा 16-17 फरवरी, 2021 को आयोजित "वीयूसीए वर्ल्ड में प्रबंधन में चुनौतियां और संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिक्षा-पर्यटन क्षेत्र के लिए संतुष्टि, दृष्टिकोण और पर्यटकों की वरीयता का एक अनुभवजन्य अध्ययन" शीर्षक शोध शोध के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोध शोध पुरस्कार" प्राप्त किया।

प्रकाशन

एस. अरोड़ा, पी. चौधरी और आर. के. सिंह (2021). स्व-कुशलता पर कोरोनावायरस और ऑनलाइन परीक्षा की चिंता का प्रभाव: मुकाबला करने की रणनीति की मध्यम भूमिका। इंटरएक्टिव टेक्नोलॉजी एंड स्मार्ट एजुकेशन, 18(3), 475-492, 2021.

एन. भसीन और एस. गर्ग, (2020). आवक एफडीआई पर संस्थागत वातावरण का प्रभाव: चुनिंदा उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं का मामला। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 21(5), 1279-1301.

एन. भसीन, के. कपूर, (2020). देश के निर्यात पर जावक एफडीआई का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स।

एन. भसीन, ए. सोनी और आर. एन. कर (2021). क्या आईटी कंपनियों के एम एंड ए में संस्थागत और व्यापक आर्थिक कारक मायने रखते हैं? भारत से प्रमाण। बिजनेस पर्सपेक्टिव्स एंड रिसर्च, 9(2), 286-305.

ए. चंद्रा और एन. बागड़ी, (2021). छात्रों द्वारा शिक्षा की ई-शिक्षण पद्धति अपनाने को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण: वर्तमान महामारी के संकट में एक अनुभवजन्य अध्ययन। एशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बैंकिंग, 5(1), 15-24.

के. चिकारा और एम. लाल, (2020). गरीबी कम करने में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की भूमिका: भारत का एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड एकाउंटिंग रिसर्च, 9(2).

आर. गर्ग और ए. शुक्ला, (2020), सॉवरेन वेल्थ फंड: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। बिजनेस एनालिस्ट, 41(2), 25-47.

एस. गौतम और एम. लाल, (2020), प्रतिस्पर्धात्मकता और व्यापार प्रदर्शन का विश्लेषण: भारतीय कपड़ा उद्योग और इसके चुनिंदा प्रतिस्पर्धियों से साक्ष्य। ट्रांसनेशनल कारपोरेशन्स रिव्यू, 1-19.

आर. गर्ग और ए. शुक्ला, (2020). उद्यम पूंजी निवेश को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन: भारत से साक्ष्य। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू।

एस. झुनझुनवाला और सुरेश, एस. (2020), कमोडिटी और स्टॉक मार्केट इंटरलिंकेज: भारतीय बाजार में निवेशकों के लिए अवसर और चुनौतियां। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू।

एस. कनौजिया और डी. मल्होत्रा, (2021). भारतीय शेयर बाजार में शेयर बाजार के बुलबुले का एक केस स्टडी। इंडियन जर्नल ऑफ फाइनैस, 15(2), 22-48

एस. कनौजिया, एन. शर्मा, पी. शर्मा, और जे.पी. शर्मा (2020). भारत में राजनीतिक दलों की कॉर्पोरेट फंडिंग। स्माल इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट, मैनेजमेंट एंड एक्सटेंशन जर्नल, 2(1), 41-70.

एस. कनौजिया, वी. अग्रवाल और ए. भार्गव, (2020). पूंजी संरचना के संदर्भ में वित्तीय निर्णय के वंशज: भारतीय एसएमई का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। स्माल इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट, मैनेजमेंट एंड एक्सटेंशन जर्नल, 47(1), 33-42.

एस. कनौजिया, एस. सचदेवा और जे.पी. शर्मा, (2020). आवाज उठाने के इरादों पर प्रतिशोधात्मक प्रभाव: भारतीय कर्मचारियों का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ फाइनैशियल क्राइम।

एस. कनौजिया, डी. सिंह और ए. गोस्वामी (2020). भारतीय शेयर बाजार में प्रतिफल पर हर्डिंग का प्रभाव: एक अनुभवजन्य अध्ययन। रिव्यू ऑफ विहैविरल फाइनैस।

पी. कुमार, (2021). हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन: पर्यावरण प्रदर्शन पर एक उभरती हुई पहल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट रिसर्च, 7(2), 21-26

पी. साहा और ए. शर्मा, (2020). मानव संसाधन (एचआर) और विपणन प्रबंधन रणनीतियों का एक संलयन: सहजीवी प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, 7(3), 687-700.

पी. साहा और ए. शर्मा, (2020). भारत में ऑटोमोटिव उद्योग में ग्राहक संबंध प्रबंधन के माध्यम से मूल्य सृजित करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 11(9), 13-19.

वी. सरदाना और ए. शुक्ला, (2020). जमा बीमा कवरेज सीमा: कितना पर्याप्त है? भारत से सबूत। इंडियन जर्नल ऑफ फाइनैस एंड बैंकिंग, 4(4), 66-83.

एन. शर्मा और आर.के. सिंह, (2021) कार्यस्थल आध्यात्मिकता और संगठनात्मक प्रभावशीलता: संबंधों और मध्यस्थों की खोज। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, स्प्रिचुअलिटी एंड रिलिजन, 18(1), 15-35.

के. शर्मा और ई.ई. लुलंदला, (2020). सोशल मीडिया विज्ञापनों से उपभोक्ताओं का जुड़ाव: एक समग्र मॉडल की अवधारणा। दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन-जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 1(1), 16-35.

के. शर्मा, टी.सी. लाइसेंसद्रू एस. गुप्ता, एस. अग्रवाल और आर. कानूनगो, (2020). कॉर्पोरेट ट्रस्ट और उसके संबंधों की जांच। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 117, 806-824.

के. शर्मा, और ई.ई. लुलंदला, (2021). फेसबुक विज्ञापन से जुड़ाव: एक पार-सांस्कृतिक विश्लेषण। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 1-27. <https://doi.org/10.1177%2F09721509211007115>

एन. शर्मा, एम. लाल और पी. देशवाल, (2020). आध्यात्मिक रूप से हरा होना: हरित खरीद इरादों पर आध्यात्मिक रूप से प्रेरित पर्यावरणवाद के प्रभाव की जांच करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विस साइंस, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईजेएसएसएमईटी), 11(4), 101-121.

वी. के. श्रोत्रिय. और एच. कालरा, (2020). हर्डिंग एंड ब्रिक्स मार्केट्स: ए स्टडी ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन टेल्स। रिव्यू ऑफ विहैविरल फाइनैस, (अक्टूबर) (मुद्रण के लिए अग्रेषित)।

वी. के. श्रोत्रिय. और एच. कालरा, (2021). क्रिप्टो मार्केट में हेरिंग: हेवी डिस्ट्रीब्यूशन टेलस का निदान। रिव्यू ऑफ विहैविरल फॉइनेंस, (मार्च)(मुद्रण के लिए अग्रेषित)।

वी. के. श्रोत्रिय. और यू. ढांडा, (2020). कॉर्पोरेट स्थिरता: नई संगठनात्मक वास्तविकता। क्वालिटेटिव रिसर्च इन आर्गेनाइजेशन्स एंड मैनेजमेंट। (नवंबर) (मुद्रण के लिए अग्रेषित)।

वी. के. श्रोत्रिय., और यू. ढांडा, (2020), कर्मचारी जुड़ाव उपाय का विकास: भारत में काम करने के लिए सर्वोत्तम कंपनियों के अनुभव। मेजरिंग बिजनेस एक्जीलेंस, 24(3), 319-343

वी. के. श्रोत्रिय और यू. ढांडा, (2020). ग्राउंडेड थ्योरी का उपयोग करते हुए कर्मचारी जुड़ाव की खोज: भारत में सर्वश्रेष्ठ फर्मों के अनुभव। विज़न: द जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव, 24(2), 171-183

वी. के. श्रोत्रिय (2020). कोविड-19: जीडीपी से परे मानवता और मानव कल्याण। एसएमई वर्ल्ड, 13(4), 8-9.

वी. के. श्रोत्रिय और वी. पी. एस. सिंह (2020). भारत की अर्थव्यवस्था का एक संक्षिप्त इतिहास: आजादी से पहले और बाद की अवधि। इकोनॉमिक एंड रिजनल स्टडीज, 13(4), 388-406.

वी. के. श्रोत्रिय और वी. पी. एस. सिंह (2020). जीडीपी से परे प्रगति की माप: एक सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य। इमर्जिंग इकोनॉमी स्टडीज, 6(2), 143-165.

डी. पी. सिंह और के. शर्मा (2020), सोशल मीडिया पर 'युवाओं के लिए प्रेरणा' राजनीतिक भागीदारी: राजनीतिक विपणनकर्ताओं के लिए प्रभाव', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, जारी करने की तारीख: 10.1504/IJICBM.2020.10028537

आर. के. सिंह और एम. बाबर (2021). कार्यस्थल पर धार्मिक विविधता: एक साहित्य समीक्षा। ह्युमनिस्टिक मैनेजमेंट जर्नल, 6, 229-247.

आर. के. सिंह और एम. बाबर (2020). कार्यस्थल पर धार्मिक विविधता और इसके निहितार्थों को समझना, एनएमआईएमएस जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी, 5(4), 10-21.

प्रकाशित पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

एन. भसीन और आर. मनोचा (2020). भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और निवेश संबद्धता की गतिशीलता की एक परीक्षा। रबी नारायण कर, कैसा सोरसा और कुशा तिवारी (संपा.) में। जिम्मेदार व्यवसाय पेशेवर: वैश्विक चुनौतियों का एक रणनीतिक परिप्रेक्ष्य, पृ. 52-80, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग: यूके, (आईएसबीएन:978-1-5275-4791-9)

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित

जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रोफेसर कविता शर्मा- सह-अन्वेषक के रूप में 'सतत स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए मोबाइल स्वास्थ्य ऐप' शीर्षक परियोजना प्रस्ताव के लिए भारतीय विपणन अकादमी से 100,000 रुपये के श्रेष्ठ अनुसंधान अनुदान की प्रतियोगिता जीती।

प्रोफेसर कविता शर्मा- प्रमुख अन्वेषक के रूप में 'मोबाइल एप्लिकेशन (ऐप) उपयोग की संज्ञानात्मक असंगति - इसके पूर्ववर्ती और व्यवहारिक परिणामों का एक अध्ययन' शीर्षक वाली परियोजना के लिए आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय से 3,40,000 रुपये का एफआरपी अनुदान प्राप्त किया।

आयोजित संगोष्ठियाँ/आयोजित अतिथि व्याख्यान (60 से अधिक संगोष्ठियाँ/अतिथि व्याख्यान आयोजित की गईं)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. आर. के. सिंह ने 25-26 सितंबर, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा शोधकर्ताओं के सम्मेलन में 'विद्यार्थी की आत्म-प्रभावकारिता और सीखने के दृष्टिकोण में संस्कृति की मॉडरेटिंग भूमिका' शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएनएनएमटीटी) की योजना के अंतर्गत महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से शिवाजी महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा 5 मार्च, 2021 को आयोजित (ऑनलाइन)'हाइपोथिसिस टेस्टिंग एंड टेक्निक्स फॉर डेटा एनालिसिस' पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में प्रो. आर. के. सिंह को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह ने 4-6 मार्च, 2021 को दिल्ली के वाणिज्य विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्यापार और प्रबंधन में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में कार्यस्थल आध्यात्मिकता और संगठनात्मक प्रभावशीलता के बीच संबंधों पर चुनिंदा कार्य दृष्टिकोण की मध्यस्थता भूमिका शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

प्रो. आर. के. सिंह को माधव इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, ग्वालियर, एमपी द्वारा 23 जनवरी, 2021 को (ऑनलाइन) आयोजित 'पारंपरिक से मिश्रित शिक्षा में संक्रमण: चुनौतियां और अवसर' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 21 जनवरी, 2021 को (ऑनलाइन) आयोजित वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, द्वारा 11 जनवरी, 2021 को (ऑनलाइन) आयोजित 'शिक्षण-शिक्षण प्रक्रिया के बदलते प्रतिमान' में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर आर. के. सिंह को बोधिनी, वाणिज्य विभाग, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक घटनाओं और अनुसंधान समिति द्वारा 12 दिसंबर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित 'स्कोपस/इंडेक्स जर्नल्स में शोध शोध कैसे प्रकाशित करें' पर एक वेबिनार में उद्घाटन वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 दिसंबर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित शोध पद्धति: 'ए लर्निंग जर्नी फ्रॉम बिबरिएट टेक्निक्स टू मल्टीवेरिएट टेक्निक्स' पर दो सप्ताह के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को एचआरडीसी - पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा 17 नवंबर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित बिजनेस स्टडीज में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 नवंबर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित 'रिसर्च मेथडोलॉजी' पर संकाय विकास कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा द्वारा 10 अक्टूबर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित, ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से शिक्षकों के व्यावसायिक विकास पर यूजीसी प्रायोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को प्रबंधन और वित्तीय अध्ययन विभाग, शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 25 सितंबर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित निरंतरता, संगतता

और प्रबंधन में नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को वाणिज्य विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18 अगस्त, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित "सतत विकास और व्यवसाय: कल के प्रबंध संगठन" पर आयोजित उद्घाटन सत्र, आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के अतिथि अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह कोटीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी), रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18 जुलाई, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित केस मेथड ऑफ लर्निंग, इंडक्शन प्रोग्राम में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को दिल्ली उत्पादकता परिषद, दिल्ली द्वारा 1 जुलाई, 2020 (ऑनलाइन) को आयोजित 'महामारी के दौरान गुणात्मक अनुसंधान को समझना' पर कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

आर. के. सिंह को केआईआईटी लॉ स्कूल, भुवनेश्वर, ओडिशा, 26 जून, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित हाउ टू राइट गुड रिसर्च पेपर्स एंड प्रोजेक्ट में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, केआईआईटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा 25 जून, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव, एफडीपी में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को दिल्ली उत्पादकता परिषद, दिल्ली द्वारा 15 जून, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित केस मेथड्स ऑफ लर्निंग में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर आर. के. सिंह को प्रबंधन अध्ययन संकाय, मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा 1 जून, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित एफडीपी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को स्नातकोत्तर और वाणिज्य अनुसंधान विभाग, निर्मला महाविद्यालय, मुवाट्टुपुझा, केरल द्वारा 30 मई, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित, स्कोपस जर्नल्स में प्रकाशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को रुक्मिणी देवी इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, दिल्ली द्वारा 25 मई, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित "अनिश्चितताओं में बदलते अनुसंधान परिदृश्य" पर ई-एफडीपी के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को केआईआईटी स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा 5 मई, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित "कोविड -19: लाइव्स एंड लाइवलीहुड" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. आर. के. सिंह को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 30 अप्रैल, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित 'कोविड-19 प्रबंध अनिश्चितता' पर वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने 19-20 जून, 2020 को वाणिज्य विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से, व्यापार और वाणिज्य पर कोविड-19 लॉकडाउन के प्रभावों पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (ज़ूम) में 19 जून, 2020 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, केआईआईटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा 5-6 मई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित कोविड - 19: लाइव्स एंड लाइवलीहुड पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 5 मई, 2020 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने 25 मई, 2020 को वाणिज्य और आईक्यूएसी विभाग, दयाल सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित कोविड 19 को देखते हुए खुशी और सार्वजनिक नीति पर एक वेबिनार में व्याख्यान दिया।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने यूजीसी-एचआरडी सेंटर, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 29 अगस्त, 2020 को आयोजित डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से वाणिज्य और प्रबंधन अनुशासन के शिक्षकों के लिए वाणिज्य और प्रबंधन में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान ज्ञान समाज में वाणिज्य और प्रबंधन अनुसंधान की संभावनाओं पर व्याख्यान दिया।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय को 5 मई, 2020 को आयोजित कोविड-19 मानव कल्याण: विकास के अर्थशास्त्र पर पुनर्विचार के लिए सबक पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने 1 अगस्त, 2020 को मध्यांचल सोशियोलॉजिकल सोसाइटी, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में खुशी-विचार और कार्यान्वयन पर व्याख्यान दिया।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय को गंगाशील महाविद्यालय, (एमजेपी रोहिलखंड विश्वविद्यालय), बरेली, यूपी द्वारा 22 जुलाई, 2020 को आयोजित खुशी से शांति की यात्रा पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में एक प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने 15 जुलाई, 2020 को एमबी खालसा महाविद्यालय, इंदौर, एमपी द्वारा आयोजित एक वेबिनार खुशी और कल्याण: जीडीपी से परे देखना पर व्याख्यान दिया।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय को रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया, इंदौर द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान 11 जुलाई 2020 को आयोजित नैक प्रत्यायन फ्रेमवर्क: रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया, इंदौर द्वारा आयोजित नए दिशानिर्देशों के संबंध में एक सिंहावलोकन में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय को गवर्नमेंट डिग्री महाविद्यालय, परकल, वारंगल, तेलंगाना द्वारा महाविद्यालय शिक्षकों के लिए कौशल विकास और योग्यता वृद्धि पर दो सप्ताह के राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान 30 जून, 2010 को एक समापन वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय को वाणिज्य विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से व्यापार और वाणिज्य पर कोविड-19 लॉकडाउन के प्रभाव पर 19-20 जून, 2020 को आयोजित *संगठन और रणनीतियां: कोविड-19 के बाद प्रबंधन*, पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने, 6 जून, 2020 को एमबीए विभाग, इनवर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा आयोजित *कोविड 19: लॉकडाउन के समय आंतरिक इंजीनियरिंग* पर एक वेबिनार में एक व्याख्यान दिया।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने वाणिज्य विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से 19-20 जून, 2020 को, *व्यापार और वाणिज्य पर कोविड-19 लॉकडाउन के प्रभावों* पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (ज़ूम) में 19 जून, 2020 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. वी. के. श्रोत्रिय ने स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, केआईआईटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा 5-6 मई, 2020 को, कोविड-19: जीवन और आजीविका, पर आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 5 मई, 2020 को एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर कविता शर्मा ने लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी द्वारा 31 मई - 1 जून, 2020 को आयोजित सब्सिस्टेंस मार्केटप्लेस वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में *गरीबी और ग्राहक मूल्य धारणाओं की घटना: मार्केटिंग के अंधेरे पक्ष को सही करने के लिए एक जांच* शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर कविता शर्मा को 7 जुलाई, 2020 को पंजाब कॉमर्स एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन (पीसीएमए) के सहयोग से श्री अरबिंदो कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लुधियाना द्वारा आयोजित 'अनलॉकिंग ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस' पर वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर कविता शर्मा ने मार्केटिंग स्ट्रेटेजी एंड पॉलिसी सेंटर, न्यूकैसल यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन द्वारा आयोजित 5वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मार्केटिंग स्ट्रेटेजी एंड पॉलिसी 2021 के दौरान भारत में ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म- एक्सप्लोरिंग रेजिलिएंस स्ट्रेटेजीज एंड कंज्यूमर बिहेवियर इयूरिंग कोविड-19' शीर्षक शोध शोध प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर कविता शर्मा ने एमआईसीए, भारत द्वारा आयोजित आईसीएमसी, 2021 में 'फैशन ब्रांड्स एंड स्टेटस कंजम्पशन: ए स्टडी ऑफ एंटेसेडेंट कंडीशंस' शीर्षक शोध शोध प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर कविता शर्मा ने 27-29 दिसंबर, 2020 को आईआईएम रायपुर द्वारा आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन 2020 में महामारी कोविड-19 के दौरान डॉ.क्टरों के मेडिसिन प्रिस्क्रिप्शन व्यवहार पर चिकित्सा प्रतिनिधियों द्वारा ई-डिलीविंग का प्रभाव शीर्षक शोध शोध प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर कविता शर्मा को 8 जून, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार के दौरान 'कोविड-19: भारतीय आर्थिक स्थिति के भविष्य पर प्रभाव' पर एक वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर कविता शर्मा को 7 सितंबर, 2020 को पी.एचडी.सीसीआई द्वारा आयोजित वेबिनार में 'ग्लोबल ट्रेड आउटलुक पर महामारी कोविड -19 के प्रभाव: भारत के लिए प्रभाव' पर एक वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर कविता शर्मा को श्री अरबिंदो महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 नवंबर, 2020 को आयोजित एक राष्ट्रीय वेबिनार में 'डिजिटल युग में मार्केटिंग' पर एक वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर कविता शर्मा ने शिक्षा मंत्रालय और व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 4-21 मार्च, 2021 को पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के अंतर्गत एक केंद्र, गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर में आयोजित एक सप्ताह के एफडीपी में मुख्य अतिथि के रूप में योगदान दिया।

प्रोफेसर कविता शर्मा ने एचआरडीसी-जेएनयू द्वारा 8 जनवरी, 2021 को आयोजित ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम - III में व्याख्यान देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने 25 अप्रैल, 2020 को यूइनैक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित वेब कॉन्फ्रेंस "ग्लोबल इन्फोसेक वेब समिट 2020" में साइबर धोखाधड़ी और कानून प्रवर्तन पर एक वक्तव्य दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने 6 मई, 2020 को माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित लॉकडाउन के दौरान साइबर अपराध और रोकथाम पर एक वेबिनार में वक्तव्य दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने 12 मई, 2020 को शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साइबर अपराध, कानून और सुरक्षा पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्तव्य दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1 मई, 2020 को कोविड-19 के दौरान वित्तीय नियोजन के सार पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्तव्य दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने 19 मई, 2020 को निर्मला महाविद्यालय मुवत्तुपुझा, एमजी यूनिवर्सिटी, केरल द्वारा आयोजित अनिश्चित समय में वित्तीय योजना पर नेविगेट कआगे बढ़ना के लिए एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्तव्य दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने 22 मई, 2020 को दयाल सिंह महाविद्यालय, करनाल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा आयोजित साइबर सुरक्षा: चुनौतियां और रास्ता पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्तव्य दिया।

प्रो. सुनैना कनौजिया ने 27 जून, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के राम लाल आनंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित अनिश्चित समय में वित्तीय नियोजन पर एक वेबिनार में वक्तव्य दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 24 अप्रैल, 2020 को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'शेयर बाजार में समकालीन मुद्दे' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 29 अप्रैल, 2020 को वाणिज्य विभाग, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड-19 और भारतीय वित्तीय प्रणाली: प्रभाव आकलन और नीति प्रतिक्रिया' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 4 मई, 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस), गाजियाबाद द्वारा आयोजित 'स्टॉक मार्केट एंड म्यूचुअल फंड्स' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर अमित कुमार सिंह ने 5 मई, 2020 को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद द्वारा आयोजित 'भारतीय वित्तीय बाजार पर कोविड-19 का प्रभाव' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 6 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारत में वित्तीय बाजारों पर लॉकडाउन और कोविड-19 का प्रभाव: आगे की राह' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 9 मई, 2020 को वाणिज्य विभाग, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'डेरिवेटिव्स को समझना: तंत्र, मूल्य निर्धारण और हेजिंग' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 19 मई, 2020 को वाणिज्य के स्नातकोत्तर और अनुसंधान विभाग, निर्मला महाविद्यालय, मुवाडुपुझा, केरल द्वारा आयोजित 'अनिश्चित समय में नेविगेट करने के लिए वित्तीय योजना' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. अमित कुमार सिंह ने 22 मई, 2020 को बी. एन. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ, यूपी द्वारा आयोजित 'ऑनलाइन शिक्षण में चुनौतियां और समाधान' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

प्रो. एच. के. डांगी ने 19 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड युग में अनुसंधान के बदलते प्रतिमान" पर एक वेबिनार में व्याख्यान दिया।

प्रो. एच. के. डांगी ने 25-30 मई, 2020 के दौरान रुक्मणी देवी इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा आयोजित "अनिश्चितताओं में अनुसंधान के बदलते परिदृश्य" पर ई-एफडीपी में वार्ता दी।

प्रो. एच.के. डांगी ने 7 नवंबर, 2020 को कॉर्नेल यूनिवर्सिटी इमर्जिंग मार्केट इंस्टिट्यूट और कॉर्नेल इंस्टिट्यूट फॉर चाइना इकोनॉमिक रिसर्च द्वारा आयोजित "ग्लोबल स्ट्रैटेजी एंड इमर्जिंग मार्केट कॉन्फ्रेंस" में न्यूरोमार्केटिंग के भविष्य पर एक शोध प्रस्तुत किया।

प्रो. आशीष चंद्रा ने 22 मई, 2020 को दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित "सोशल नेटवर्क्स- ए टूल टू कॉम्बैट कोविड-19" पर एक वेबिनार में व्याख्यान दिया।

प्रो. आशीष चंद्रा ने 2 जून, 2020 को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित "21वीं सदी के युवाओं के लिए माइंड-सेट्स, नॉलेज-सेट्स एंड स्किल-सेट्स: इनोवेशन एंड एडाप्टेशन" पर एक वेबिनार में व्याख्यान दिया।

प्रो. आशीष चंद्रा ने 27 जनवरी, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय द्वारा आयोजित "कॉर्पोरेट अकाउंटिंग" पर एक दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया।

प्रो. नीति भसीन ने 1 से 9 जुलाई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस ऑनलाइन 2020 सम्मेलन में "उभरते बाजारों में मूल फर्मों पर बाहरी एफडीआई का प्रभाव: भारत में सेवा क्षेत्र की फर्मों के लिए एक अध्ययन" (सुश्री दिव्या के साथ संयुक्त रूप से) शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. किरण बाला ने वाणिज्य विभाग, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा 4-6 मार्च, 2021 को आयोजित व्यापार और प्रबंधन में अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "भारत में डॉक्टरों के नुस्खे संबंधी व्यवहार: चिकित्सा पत्रिकाओं और राय देनेवालों में विज्ञापन की भूमिका" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. किरण बाला ने सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमी, भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर, भारत द्वारा 27-29 दिसम्बर, 2020 को आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में 'महामारी कोविड-19 के दौरान डॉक्टरों के दवा नुस्खे संबंधी व्यवहार पर चिकित्सा प्रतिनिधियों द्वारा ई-विवरण का प्रभाव' शीर्षक शोध प्रस्तुत किया। को आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में।

डॉ. किरण बाला ने सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट नागपुर द्वारा 16-17 फरवरी, 2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'वीयूसीए वर्ल्ड में प्रबंधन में चुनौतियां और संभावनाएं' में "शिक्षा-पर्यटन क्षेत्र के लिए संतुष्टि, दृष्टिकोण और पर्यटकों की प्राथमिकताओं का एक अनुभवजन्य अध्ययन" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री आर सैनी और प्रो. एच. के. डांगी ने आईआईएम रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत में 27-29 दिसंबर, 2020 को आयोजित तीसरे आईसीडीई और 14वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में सोशल डिस्टेंसिंग के समय सोशल नेटवर्किंग: बाजारों के लिए एक अवसर? शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. शिखा सचदेवा ने दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन इंस्टिट्यूट, आईपी यूनिवर्सिटी, नोएडा में 26 नवंबर, 2020 को आयोजित ग्लोबल स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस (जीएसएमसी, 2020) में "कोविड-19 में भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए रिमोट लर्निंग पोर्टल्स का मूल्यांकन: एचपी दृष्टिकोण का उपयोग" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए(आईबी)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 51 और 78.46%

कैंपस में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 74

एमबीए (एचआरडी)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 32 और 71.11%

कैंपस में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 35

एम.कॉम.

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 65 और 35.14%

कैंपस में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 25

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर उज्ज्वल कुमार सिंह ने 5 नवंबर, 2020 को "भारत में चुनावी शासन की नींव: प्रक्रियात्मक निश्चितता और चुनावी अनिश्चितता" विषय पर जेम्स ऑफ यूनिवर्सिटी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

विभाग-महाविद्यालय इंटरफेस के तत्वावधान में 28 फरवरी, 2021 को "स्नातक स्तर पर लागत लेखा मानकों के शिक्षण पर लागत लेखांकन मानकों और उनके प्रभावों का अवलोकन" पर ऑनलाइन व्याख्यान।

विभाग- महाविद्यालय इंटरफेस के तत्वावधान में 30 जनवरी, 2021 को " लेखांकन के विशेष संदर्भ के साथ लागत लेखांकन मानकों की प्रासंगिकता और निहितार्थ लागत - पेपर बीसीएच 4.1 और बीसी 4.3" पर ऑनलाइन व्याख्यान।

प्रदत्त एम.फिल./पी.एचडी. डिग्रियों की संख्या

पी.एचडी.:12

एम.फिल.:18

संकाय की संख्या

प्रोफेसर:15

सहायक प्रोफेसर (तदर्थ): 13

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

कक्षा से परे - मीडिया सेल, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के एम.कॉम. वाणिज्य विभाग की एक विद्यार्थी-नेतृत्व वाली संपादकीय संस्था ने अपने प्रमुख कार्य, वाणिज्य विभाग की आधिकारिक पत्रिका 'दृष्टि' के साथ, न छात्रों के लिए सत्रों की एक श्रृंखला 'बिर्योन्ड द क्लासरूम' भी आरंभ किया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों के अनुभव प्राप्त करना है।

मीडिया सेल का आधिकारिक ब्लॉग, ब्लूमिंग इनसाइट्स, फरवरी 2021 में लॉन्च किया गया था। तब से, यह अपने पाठकों को गुणवत्ता और अच्छी तरह से शोध की गई सामग्री, दिलचस्प और मनोरंजक विषय और

क्रमांक	तारीख	ब्लॉग
1	17-02-2021	गेमस्टॉप कहानी - नईस के लिए सोशल मीडिया ने कैसे पूरी वॉल स्ट्रीट को हिला दिया!
2	20-02-2021	बुरे बैंक: अच्छा या बुरा?
3	24-02-2021	पुरानी वाहन स्क्रेपिंग नीति 2021
4	27-02-2021	रिलायंस बनाम अमेज़न: टाइटन्स की लड़ाई
5	06-03-2021	क्या अमेज़न वाकई 'आपकी अपनी दुकान' है?
6	13-03-2021	करियर के रूप में वित्तीय विश्लेषण
7	20-03-2021	नेतृत्व की मौलिक स्थिति: नेता कैसे निर्णय लेते हैं

अद्यतित समाचार प्रदान कर रहा है। अपने पाठकों का मनोरंजन करने और उन्हें दुनिया में चल रही घटनाओं का अद्यतन देने के लिए हम हर सप्ताह नए लेख पोस्ट करते हैं।

टीईडीएक्स- कन्वेंशन टीम द्वारा 24 अक्टूबर, 2020 को वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के लिए जूम प्लेटफॉर्म पर उद्घाटन टीईडीएक्स का आयोजन किया गया था। इस आयोजन की थीम थी 'लीगेसी ऑफ अस ऑल' थी और इसमें विभिन्न क्षेत्रों के 6 वक्ताओं ने भाग लिया और दर्शकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का आरंभ संकायाध्यक्ष के संबोधन से हुआ, जिसके बाद वक्ताओं द्वारा 'टेड टॉक' दिया गया। निम्नलिखित वक्ताओं ने कार्यक्रम के वक्तव्य दिए:

श्री सच्चर

डॉ. कर्णिका सेठ

आरजे राहुल मकीन

सुश्री पलक शाह

सुश्री निकी मेहरा

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल मलिक

मानव संसाधन संगोष्ठी - मानव संसाधन संगोष्ठी एमबीए एचआरडी के विद्यार्थी विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक मानव संसाधन सम्मेलन है। मानव संसाधन संगोष्ठी का दृष्टिकोण ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित नेताओं तक पहुंचकर और हमारे नवोदित मानव संसाधन प्रबंधकों को उनसे जोड़कर कॉर्पोरेट-विद्यार्थी संपर्क को बढ़ाना है। मानव संसाधन संगोष्ठी 2020 का विषय था मानव संसाधन रूपांतरण: लोगों और प्रथाओं को बदलना (21-22 नवंबर, 2020)।

कौरसेरा में कार्यशाला - एमबीए (एचआरडी) की हाईक्यू टीम ने कौरसेरा के साथ एक समझौता किया, जिसमें डीएसई एमबीए एचआरडी छात्रों के लिए कुछ कौशल सीखने के लिए मुफ्त पाठ्यक्रम और प्रमाण शोध प्राप्त करने का विशेष मौका था, जिसे वर्तमान कॉर्पोरेट दुनिया में अनिवार्य माना जाता है। इसमें एमएस एक्सेल (अनिवार्य), विभिन्न एचआर डोमेन, डेटा एनालिटिक्स आदि के पाठ्यक्रम शामिल थे।

प्रज्ञाता - एमबीए प्रोग्राम की कॉर्पोरेट रिलेशंस टीम ने कॉर्पोरेट जगत के प्रमुख व्यावसायिक पेशेवरों के साथ ऑनलाइन कॉर्पोरेट वार्ता आयोजित करने की पहल की और कोविड परिदृश्य में एचआर की उभरती भूमिका से लेकर साक्षात्कार और सीवी बनाने के सुझाव तक विभिन्न विषयों पर लगभग 15 प्रज्ञाता सत्र आयोजित किए गए। (अगस्त 2020 - दिसंबर 2020)।

अतिथि व्याख्यान श्रृंखला, आईएमबीआईबीई - इम्बाइब (आईएमबीआईबीई) निरंतर आधार पर आयोजित की गई थी जिसमें प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर स्पीकर सत्र थे, जो मानव संसाधन पेशेवरों और भविष्य के प्रबंधकों के लिए उपयोगी हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को उद्योग के वर्तमान रुझानों से अद्यतन रखना और प्रतिष्ठित नेताओं तक पहुंचना और हमारे उभरते मानव संसाधन प्रबंधकों के साथ जुड़ने के लिए कॉर्पोरेट-विद्यार्थी संपर्क बढ़ाना है।

संज्ञान (कागिज़ेन्स) : विशेषज्ञों द्वारा मेटाकागिज़ेशन - महामारी की स्थिति को देखते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दिलचस्प चर्चाओं का एक नया केंद्र बिंदु बन गया और हमने भी इसका उपयोग आरंभ किया है। एमबीए कॉर्पोरेट रिलेशंस टीम ने विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़कर चर्चाओं और खोजों के लिए सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का उपयोग किया। विद्यार्थी, पेशेवर, विशेषज्ञ और सभी इच्छुक लोग इन मंचों पर जुड़े और सभी के संवर्धन और विकास हेतु एक संवाद आरंभ करने के लिए एक संक्षिप्त लेखन के रूप में कई विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए (अगस्त 2020 - दिसंबर 2020)।

पूर्व विद्यार्थी समिति (एमबीए-एचआरडी) - पूर्व विद्यार्थी समिति, हमारे संस्थान के सम्मानित पूर्व छात्रों के साथ संबंध बनाए रखने और बढ़ाने के निरंतर प्रयास में, पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है। ये आयोजन पूर्व छात्रों को एक दूसरे के साथ-साथ संकाय और वर्तमान छात्रों से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

होराइजन - वार्षिक पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन, जिसमें हमारे पूर्व छात्रों के पैनल मौजूदा बाधाओं पर चर्चा करते हैं और उन्हें दूर करने के लिए नए समाधानों की सिफारिश करते हैं, साथ ही मानव संसाधन क्षेत्र में भविष्य में उत्पन्न हो सकने वाले संभावित रास्ते सुझाते हैं। यह छात्रों को मुद्दे के गहन ज्ञान को आत्मसात करने और क्षेत्र के पेशेवरों के साथ अपने दृष्टिकोण साझा करने की अनुमति देता है। यह सम्मेलन छात्रों को अपने विचारों को व्यापक बनाने और समग्र मानव संसाधन दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करता है (10 अक्टूबर, 2020)।

बंधन - इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम के पूर्व छात्रों को शामिल करके छात्रों के लिए सीधे एक से एक सलाह की सुविधा प्रदान करना है। यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों के अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ उठाने की इच्छा रखता है ताकि व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास चाहने वाले छात्रों की सलाह की जरूरतों को पूरा किया जा सके (20 नवंबर, 2020)।

एडिफाई'20- एक अनूठी अतिथि व्याख्यान श्रृंखला है, जिसमें विद्यार्थी हमारे विभिन्न पूर्व छात्रों से बातचीत करते हैं और कॉर्पोरेट क्षेत्र में अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं। इस श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को मानव संसाधन क्षेत्र और हाल के रुझानों और विकास से परिचित कराना और उनके मानव संसाधन आयाम और पहुंच का विस्तार करने में उनकी सहायता करना है (25 सितंबर, 2020, 23 अक्टूबर, 2020, 27 नवंबर, 2020)।

रिवाइंड- एमएचआरओडी का वार्षिक समाचार शोध, हमारे पूर्व छात्रों के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करने और शैक्षणिक वर्ष के दौरान होने वाली सभी घटनाओं के बारे में उन्हें जागरूक रखने का प्रयास करता है। यह महाविद्यालय के वर्तमान बैचों की उपलब्धियों, पूर्व छात्रों की उपलब्धियों और पूर्व छात्रों द्वारा उपाख्यानो के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है (26 जनवरी, 2021)।

कॉर्पोरेट एकलेसिया - टीम आईआईएसएसी - कॉर्पोरेट एकलेसिया अक्टूबर 2020 में टीम आईआईएसएसी द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन पैनल चर्चा थी, जिसका उद्देश्य उद्योग के शीर्ष नेताओं और दिग्गजों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करना था। यह पहल महामारी को ध्यान में रखते हुए की गई है ताकि हमारी शिक्षण में बाधा न आए और हम बड़े पैमाने पर कॉरपोरेट्स और नीति निर्माताओं की विचार प्रक्रियाओं से अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकें। यह संकाय और छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के विशाल पूल का उपयोग करने और उद्योग की अपेक्षाओं को प्रकट करने की अनुमति देता है। चर्चा का विषय था: "आत्मनिर्भरता के रास्ते पर भारत का भविष्य"। पैनल में 5 सम्मानित अतिथि वक्ता शामिल थे।

अपोलो इंडिया से श्री नवीन गुप्ता,

इंफोसिस बीपीएम से श्री मनोज नायर,

श्री मल्लादी दिनाकर, उपाध्यक्ष, केरी इनदेव लॉजिस्टिक्स,

श्री आर बालाजी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महिंद्रा फाईनेंस

श्री राजन भंडारी, सीईओ, हिताची एमजीआरएम इंडिया

संकल्प - छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करने और समाज में बदलाव लाने के लिए, टीम संकल्प ने **एक पौधा लगाओ** पहल आरंभ की जो सामाजिक विकास में परिणत हुई। "बोए गए हर बीज के साथ, भविष्य के खिलने की आशा" डीएसई में भविष्य के कॉर्पोरेट नेताओं में प्रकृति को वापस देने की भावना उत्पन्न करने के लिए, टीम संकल्प ने एक "प्लांट ए प्लांट" गतिविधि शुरू की, जिसमें सभी को एक नए पौधे को जीवन देना था और इस गतिविधि का उनके दिमाग पर क्या प्रभाव पड़ा, इस पर कैंप्शन के साथ अपनी तस्वीरें भेजनी थीं। इस कार्यक्रम में छात्रों से काफी प्रतिक्रिया मिली (16 सितंबर, 2020)।

परोपकार

टीम संकल्प ने वार्षिक पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन- होराइजन में मेहमानों की ओर से भोजन के पैकेट दान करने के लिए पूर्व विद्यार्थी समिति के साथ सहयोग किया। एनजीओ- चैरिटीज्म ने चेन्नई रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड क्षेत्रों के आसपास प्रवासी श्रमिकों और बेघर बेसहारा लोगों को गेस्ट की ओर से 200 पैकेट वितरित किए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गरीब बेसहारा और बेघर लोगों को भूख और कुपोषण से बचाने के लिए चावल और सब्जियों का पौष्टिक मिश्रण प्रदान करना था (7 अक्टूबर, 2020)।

फाउंडेशन

महामारी के साथ आई "सामाजिक दूरी" के बावजूद टीम भावना और वंधन को बढ़ावा देने के लिए, टीम संकल्प ने एमबीए एचआरडी के छात्रों के लिए एक ऑनलाइन फाउंडेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ दिलचस्प कार्यक्रम को संपूर्ण हुआ। आयोजन के विजेताओं की ओर से, ग्री-ट्रीज़ डॉ.ट कॉम (एनजीओ) ने प्रत्येक विजेता के लिए गंगा (गंगा), बक्सर, बिहार में दान के रूप में पेड़ लगाए (6 नवंबर, 2020)।

शिक्षा विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वर्ष 2021 में 90 छात्रों ने बी. एड. डिग्री, 43 छात्रों ने एम.एड. डिग्री प्राप्त की। इसी तरह वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 14 विद्वानों को एम.फिल. की डिग्री और 20 विद्वानों को पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएसई) योजना के तत्वावधान में विभाग ने राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों, संगोष्ठियों, संवादों, सिम्पोजिया, संकाय विकास कार्यक्रमों और सामग्री विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया।

विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि छात्रों को सक्षम इकाई, पुस्तकालय, ऑनलाइन शिक्षण संसाधन, विभाग की वेबसाइट, लचीली मूल्यांकन प्रणाली जैसे विभिन्न चैनलों के माध्यम से अध्ययन के लिए आवश्यक सहायता मिले।

विभाग ने भारतीय कविता और संगीत में धर्मनिरपेक्ष परंपराओं पर एक संगीत कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, 73वां स्थापना दिवस, बसु स्मृति व्याख्यान, संविधान दिवस, लिंग और मीडिया पर सत्र, जैसे विभिन्न विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए।

कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए विभाग ने एक विभागीय कोविड समिति और ऑनलाइन शिक्षण सलाहकार समिति का गठन किया।

उपर्युक्त सभी गतिविधियों और पहलों का विवरण खंड 17 'अन्य महत्वपूर्ण जानकारी' में उपलब्ध है।

प्रकाशन

पुस्तकें

पी. अरोड़ा, एस शर्मा और वाई शर्मा (संपा. (2021) शैक्षिक सरोकारों और सामाजिक जरूरतों का तालमेल। इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च एंड मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

एस. कुमार और पी. चौधरी, (2020), विज्ञान और गणित शिक्षा में अनुसंधान रुझान (संपादित पुस्तक), एपीएच पब्लिशिंग कापेरेशन, अंसारी रोड्स, दरियागंज, नई दिल्ली।

वाई शर्मा और एच. गांधी (2021). स्कूलों में समावेशन: परिप्रेक्ष्य और संभावनाएं। शिप्रा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

आलेख/ अध्याय

वी. बेनिवाल और और आर. शर्मा (2020). दक्षिण एशियाई शिक्षा विचारक। पी.एम. सारंगपाणी, पप्पू आर. (संपा.) हैंडबुक ऑफ एजुकेशन सिस्टम्स इन साउथ एशिया। ग्लोबल एजुकेशन सिस्टम्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। आईएसबीएन: 9789811333095. https://link.springer.com/referenceworkentry/10.1007/978-981-13-3309-5_78-1

वी. बेनिवाल (2020). एन. रंगनाथन में मानव विकास के प्रवचन पर कुछ प्रश्न (संपा.) बचपन और किशोरावस्था को समझना। पृ.402-405 नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन। 9789353882280.

वी. बेनिवाल (2021). शिक्षण के दर्शन की समीक्षा: स्टीवन एम. कान द्वारा एक गाइड। रूटलेज, 2018, पृ.100, फिलॉसफी, 25 डॉ.लर. जर्नल ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसॉफिकल रिसर्च। <https://doi.org/10.1007/s40961-021-00238-6>

वी. बेनिवाल (अप्रैल 2020). संवाद में अन्वेषण: एक परिचय। एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन। XV(1). 1-5. आईएसएसएन 0974-2085.

- वी. बेनिवाल (अक्तूबर 2020)। शैक्षिक नीति पर चिंतन के लिए विचार। एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, XV(2), पृ.1-6. आईएसएसएन 0974-2085.
- वी. बेनिवाल और ए. चौधरी (मार्च 2021). बियॉन्ड इमेजेज: इंप्लीकेशंस ऑफ कृष्णमूर्तिज आइडियाज फॉर फिलॉसॉफिकल काउंसलिंग। फिलासोफिकल प्रैक्टिस। 16(1), पृ.2644-2654. आईएसएसएन:1742-8181.
- वी. बेनिवाल (2020). उपनिषदों और वेदांत के प्रति मार्टिन बुबेर के दृष्टिकोण पर विचार। कम्परेटिव लिटरेचर: ईस्ट एंड वेस्ट। 4(2), 118-136, जारी करने की तारीख: 10.1080/ 25723618.2020.1854415. आईएसएसएन: 2572-3618
- एस. बेदी और वी. बेनिवाल (2020). शैक्षिक संस्थानों में ऑनलाइन सीखना: मुद्दे, विरोधाभास और संभावनाएं। इंडियन जर्नल ऑफ स्कूल हेल्थ एंड वेलबीइंग। 6(2). पृ.11-19. आईएसएसएन:2349-5464
- एस. बेदी, वी. बेनिवाल और एम. ओ. दिओप (मई 2020). समग्र शिक्षा के लिए व्यावसायिक परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन। स्कूल न्यूज। 4(10).16-18. <https://www.scooneews.com/news/professional-counselling-and-career-guidance-for-holistic-education-8935>
- पी आर. चौधरी, (2020), उच्च माध्यमिक स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षण में वीडियो सिमुलेशन: चुनौतियां और संभावनाएं। संदीप कुमार और एम राजेंद्रन (संपा.) में। एंथोलॉजी ऑफ क्वालिटेटिव रिसर्च इन एजुकेशन। नई दिल्ली: वीएलएम पब्लिकेशन्स।
- एच. गांधी और पी. के. सिंह (2021). शैक्षणिक वातावरण जो बड़े आकार की कक्षाओं में गणितीय रूप से सोचने के रास्ते खोलते हैं। एजुकेशन इंडिया जर्नल: ए क्वार्टर्ली रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन। मई 2021. 10 (2).
- एच. गांधी (2020). मैथेमेटिकल डूडलिंग व्हाट-इफ-नॉट अप्रोच। एट राइट एंगल। ए रिसोर्स फॉर मैथेमेटिक्स टिचर्स। जुलाई 2020. 7(II). 32-38
- एच. गांधी (2021). बहु-साक्षरता: अगली पीढ़ी के तालमेल के लिए आवश्यक 21वीं सदी का कौशल। पंकज अरोड़ा, युक्ति शर्मा और सरोज शर्मा (संपा.) में। शैक्षिक चिंताएं और सामाजिक जरूरतें। इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च एंड मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।
- एच. गांधी व अन्य (2021). शिक्षक शिक्षा के लिए स्कूल इंटरनशिप की पुनः कल्पना करना। इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- एस. गुप्ता, (2020). बाल विकास में सामाजिक-मनोवैज्ञानिक गुणों को समझना, 94-110, बी.ए. शिक्षा, इग्नू।
- एम. आर. इंगोले(2021). ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से स्व-नियमन की खोज। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ कंटेम्प러리 एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, 7(1), 34.-42. https://apiar.org.au/wp-content/uploads/2021/03/4_APJCECT_V7I1_pp34-42.pdf
- वी. के. कंवरिया और वी. दुबे (2020). शिक्षक के रूप में अंग्रेजी व्याकरण मोबाइल एप्लिकेशन: सीखने के लिए एक सहभागी अर्ध-प्रयोग, ए. मसीह, एच.के. भाटिया और ए.आई. अहमद (सं.ए.) शिक्षक शिक्षा: बदलते परिदृश्य (190-205)। नई दिल्ली: वीएल मीडिया सॉल्यूशंस।
- वी. के. कंवरिया और वी. दुबे (2020). उच्च शिक्षा में आईसीटी: चुनौतियों पर काबू पाना, जी.एस. लटवाल, एस. के. शर्मा, पी. महाजन और पी. कॉमर्स (संपा.) में, उच्च शिक्षा में आईसीटी की भूमिका (411-422)। यूएसए: एपल एकेडमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप)।
- वी. के. कंवरिया और ए. कुमारी (2020). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की चिंता और उनके कारणों में झाँकना। गीतारत्न जर्नल ऑफ एजुकेशन, 2(2), 69-87.
- वी. के. कंवरिया और एम. पोपली (2020). गणितीय शिक्षण-अधिगम में प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण पर एक विश्लेषणात्मक समझ। एस कुमार और पी. चौधरी (संपा.) में, विज्ञान और गणित शिक्षा में अनुसंधान के रुझान (104-120) में नई दिल्ली: एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन।

वी. के. कंवरिया (2020). 2020 की महामारी के दौरान और बाद में ऑनलाइन डिजिटल दूरस्थ शिक्षा में शैक्षिक परिदृश्य और गुणवत्ता संबंधी चिंताएं। जर्नल ऑफ द एकेडमी ऑफ लाइकोलॉजी ऑफ साओ पाउलो, 40(99), 169-179.

वी. के. कंवरिया (2021). शिक्षा में डिजिटलीकरण: सीखने, शिक्षण और शिक्षाशास्त्र-विकास में एक बदलाव। एस. पाल, टी.क्यू में कुओंग और आर.एस.एस. नेहरू (संपा.) में डिजिटल शिक्षा अध्यापन: सिद्धांत और प्रतिमान (23-48)। यूएसए: एपल एकेडमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप)।

आर. निवास (2020). 'सामाजिक-आर्थिक स्थिति और अनुसूचित जाति के छात्रों की रचनात्मक क्षमता: एक गुणात्मक व्याख्या' 'एंथोलॉजी ऑफ क्वालिटेटिव रिसर्च इन एजुकेशन'।

ए. रंजन और वी. बेनिवाल (2020). शिक्षा के क्षेत्र के साथ चिंतनशील जुड़ाव: दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुभव। आर.सी. पटेल और सुजाता श्रीवास्तव (सं.) में। भारत में स्कूल इंटरनेट प्रैक्टिस। वडोदरा: इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन (आईयूसीटीई), एमएसयू बड़ौदा। पृ. 69-106. आईएसबीएन: 9789354082320

पी. के. सिंह और एच. गांधी (2020). कहानी कहने की रणनीति का उपयोग करके कक्षा-II के बच्चों में गणित के शिक्षण-अधिगम को बढ़ाना। इंडियन एजुकेशन रिव्यू। जुलाई 2020. 58 (5). 80-95

जर्नल

संपादक (संपादकों)/संपादकीय मंडल के सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या- 10

अनुसंधान परियोजनाएँ

एच. गांधी (2019-2021) इंफ्रेस योजना, आईसीएसएसआर, 05 अप्रैल, 2019 - अप्रैल 04, 2021, बड़े आकार की कक्षाओं में गणितीय स्वभाव का विकास: नीति निर्माताओं के लिए एक फीड-फॉरवर्ड, स्वीकृत राशि 8,00,000.00 ₹ (रुपए आठ लाख मात्र)

एम. इंगोले (2019-2022). आईसीएसएसआर-एमएचआरडी (2019-2022) द्वारा वित्त पोषित प्रमुख अनुसंधान परियोजना भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं को साइबर धमकी: स्थिति, मुद्दों, चुनौतियों और पहलों के कार्यान्वयन की जांच।

एम. इंगोले (2020-2021). संपोर्ण विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया (2020-2021) द्वारा "एक मिश्रित शिक्षण वातावरण में छात्रों की धारणा: दो अलग-अलग संस्कृतियों में कक्षा की जांच के लिए वैचारिक ढांचा" पर वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना।

वी. के. कंवरिया (2020-2021) (सह-परियोजना निदेशक) आईसीएसएसआर एमओई, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। (2019-21) भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में महिलाओं से साइबर-बदमाशी: स्थिति, मुद्दों, चुनौतियों और पहलों के कार्यान्वयन की जांच, ₹ 3,56,000।

आयोजित सम्मेलन

पी. अरोड़ा (मार्च 2021), आईएएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय परिप्रेक्ष्य से शिक्षा को समझने पर वेबिनार।

वी. बेनिवाल (2021). आईएएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 13 मार्च, 2021 को, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'शिक्षा में एक दार्शनिक अध्ययन' पर छह दिवसीय कार्यशाला-सह-विद्वानों का संगोष्ठी संपन्न हुई।

ए. बिहारी और एम राजेंद्रन (मार्च 2021), आईएएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षक शिक्षा पर वेबिनार श्रृंखला आयोजित की गई।

एस. चंदर (मार्च 2021), आईएएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में समावेशी शिक्षा और सहयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

पी.सी. चौधरी (2021). आईएसई (एमओई), दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 6 फरवरी, 2021 से विज्ञान और गणित शिक्षा में शिक्षण शिक्षण संसाधनों के विकास पर एक सप्ताह की आभासी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एम. छाबड़ा (2021). 20 फरवरी, 2021 को पर्सपेक्टिव्स इन साइंस एजुकेशन शीर्षक वेबिनार का आयोजन किया गया। वित्तपोषक एजेंसी/सहायता: आईएसई, एमएचआरडी।

एच. गांधी (2021). शिक्षा विभाग के माध्यम से 9-10 मई, 2020 को शिक्षा, आकलन और आभासी दुनिया पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: एक सामाजिक-दार्शनिक संवाद पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

जी. कुमार और आर. कुमार (मार्च 2021)। आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में संस्कृत वाग्मय में दर्शन पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

एस. कुमार (2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान को सुदृढ़ करने पर कार्यशाला-सह-सामग्री विकास (एसक्यूआरई) का आयोजन किया गया।

एस. लखअर्थात (फरवरी-मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में कला शिक्षा के क्षेत्रों और मुद्दों पर वेबिनार/व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।

पी.वी. मिश्रा और आर. बाला (मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में मध्य विद्यालय के छात्रों के बीच मानसिक रूप से स्वस्थ लिंग दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सेवारत शिक्षकों के लिए सामग्री विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

आर. प्रसाद (मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षिक अनुसंधान में डेटा संग्रह के उपकरण पर सामग्री विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

जी. राय (मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में बहुभाषी शिक्षा: चुनौतियां और संभावनाएं पर वेबिनार आयोजित किया गया।

एन. रंगनाथन (मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में बी.एड. के लिए मानसिक स्वास्थ्य विद्यार्थी वेबिनार श्रृंखला आयोजित की गई।

ए. रंजन (फरवरी 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में चुनिंदा देशों में शिक्षा प्रणाली: एक तुलनात्मक अध्ययन पर सामग्री विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

वी. सक्सेना (मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में विविधता और समावेशन पर सामग्री विकास कार्यशाला आयोजित की गई।

आर.एम. शर्मा और आर. निवास (मार्च 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान और मानव अधिकार शिक्षा के अध्यापन पर राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन किया गया।

वाई. शर्मा (फरवरी 2021), आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्यावरण शिक्षा के विकास के परिप्रेक्ष्य पर वेबिनार आयोजित किया गया।

एस. सिन्हा (मार्च 2021)। आईएसई, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंडरस्टैंडिंग रीडिंग एंड राइटिंग पर कार्यशाला श्रृंखला आयोजित की गई।

एस. वर्मा (2021). 07-28 फरवरी, 2021 से आईएसई, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गणित शिक्षा में संसाधन विकास सीखने पर एक सप्ताह की वर्चुअल राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

एम. इंगोले (2020). दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 26 सितंबर 2020 को ट्रान्सैडिंग साइंस एजुकेशन: 21वीं सदी के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय वेब आयोजित सम्मेलन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

वी. बेनिवाल (2021). माउंट सेंट वीसेंट यूनिवर्सिटी और शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित छह दिवसीय कृष्णमूर्ति और समकालीन विश्व संकट आभासी सम्मेलन- 2021 में, 26 फरवरी, 2021 को 'दार्शनिक परामर्श के लिए कृष्णमूर्ति के विचारों पर विचार'। (अंतर्राष्ट्रीय)

पी.सी. चौधरी (2020). छात्रों के प्री-सर्विस लीव सीखने पर मल्टीमीडिया लर्निंग पैकेज का प्रभाव। एनसीईआरटी, नई दिल्ली में 1-4 जुलाई, 2020 को शिक्षक शिक्षा: चिंताएं, चुनौतियां और नवाचार पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

एस. गुप्ता (2020) ने मालवीय सेंटर फॉर इनोवेशन, इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप, आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा 24 फरवरी, 7 मार्च, 2020 को आयोजित उद्यमिता में संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

एस. गुप्ता (2020) ने ऑनलाइन कक्षाओं के प्रबंधन और सह-निर्माण एमओओसीएस 3.0 शिक्षण शिक्षण केंद्र, दिल्ली के रामानुजन महाविद्यालय विश्वविद्यालय में 25 जुलाई - 10 अगस्त, 2020 पर 2-सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

एस. गुप्ता (2021) ने 1 दिसंबर से 30 मार्च, 2021 तक पाठ्यचर्या, शिक्षाशास्त्र और उच्च शिक्षा के मूल्यांकन पर वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, स्वयं में भाग लिया।

एस. गुप्ता (2021). मुक्त विद्यालयी शिक्षा के लिए प्रणालीगत दृष्टिकोण। जनवरी 2021 में नेशनल फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित वैश्विक वेब सम्मेलन में डिजिटल परिवर्तन पर इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रबंधन के प्रभाव पर शोध प्रस्तुत किया।

एस. गुप्ता (2020). नेशनल फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 29-30 नवंबर, 2020 को आयोजित रिसर्च स्ट्रक्चरिंग, स्टैटिस्टिकल इनसाइट एंड पब्लिकेशन स्ट्रैटेजीज पर वेबिनार में भाग लिया।

एम. इंगोले (2020). 30 जुलाई 2020 को बहुविषयक शैक्षणिक अनुसंधान (ओसीएमएआर-2020) ऑस्ट्रेलिया के ऑनलाइन सम्मेलन में ऑनलाइन लर्निंग के माध्यम से स्व-नियमन की खोज" पर शोध शोध प्रस्तुत किया।

वी. के. कंवरिया (2020). टीएनटीईयू, चेन्नई, तमिलनाडु में 22 जुलाई, 2020 को अनुसंधान उपकरण निर्माण और डेटा विश्लेषण, पर राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार उपलब्धि परीक्षण निर्माण और मानकीकरण में भाग लिया।

वी. के. कंवरिया (2020). डीआईएमएस, मेरठ, यूपी में 29 जुलाई, 2020 को नवीन शिक्षण कौशल की अवधारणा को भंग कर पुनः अवधारित करना। पांच दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय एफडीपी-सह-सेमिनार।

वी. के. कंवरिया (2020) कोविड 19 के दौरान ऑनलाइन सत्रों में ईमानदारी, महत्वपूर्ण कारकों और चुनौतियों को पढ़ना: एक अन्वेषण। जिम्मेदार अनुसंधान और नवाचारों में प्रबंधन, शिक्षा और सामाजिक विज्ञान की भूमिका: चुनौतियां और वास्तविकताएं पर 20 अगस्त, 2020 को एलएसएमई ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लंदन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन, यूके।

वी. के. कंवरिया (2020). आकलन और मूल्यांकन के लिए ई-उपकरण। 22 अगस्त, 2020 को डीआईईटी, शिमला, हिमाचल प्रदेश में एक सप्ताह का सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।

वी. के. कंवरिया (2020). 20 नवंबर, 2020 को गणित शिक्षा, टीसीपी, मदुरै, तमिलनाडु में गणित के अध्यापन के लिए आईसीटी: एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में एक शिक्षक पर वेबिनार।

वी. के. कंवरीया (2021) आनंदमय गणित शिक्षण के लिए नवीन आईसीटी सामग्री के विकास के लिए उपकरण। 17 फरवरी, 2021 को एनसीएमए, असम में जॉयफुल मैथमेटिक्स टीचिंग के लिए इनोवेटिव आईसीटी मेटेरियल्स के विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला।

एस वर्मा (2020). 25 अगस्त, 2020 को तीर्थकर आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टीएम यूनिवर्सिटी मुरादाबाद द्वारा आयोजित शिक्षा क्षेत्र पर राष्ट्रीय वेबिनार में वर्तमान संदर्भ में चुनौतियां और अवसर पर अतिथि वक्ता।

एस वर्मा (2021). एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात, भारत में, 25-27 मार्च, 2021 को आमने-सामने प्रारूप से परे शिक्षा: अवसर और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ई-अध्ययन के माध्यम से स्कूली छात्रों में मूल्यों का समावेशन: माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों का एक अध्ययन पर शोध प्रस्तुत किया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

बी.एड और एम.एड. छात्रों के लिए योग, विरासत की सैर और संगीत।

प्रदत्त एम.फिल./पी.एचडी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 20

एम.फिल. 14

संकाय की संख्या

प्रोफेसर : 07

सहयोगी प्रोफेसर : 02

सहायक प्रोफेसर : 26

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

शैक्षणिक संवर्धन गतिविधियां

शिक्षा विभाग, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएसई) योजना के तत्वावधान में, राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों, सेमिनारों, संवादों, संगोष्ठियों, संकाय विकास कार्यक्रमों और सामग्री विकास कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें देश भर के छात्रों, विद्वानों और शिक्षाविदों की व्यापक भागीदारी थी। इन शैक्षणिक गतिविधियों के विषयों में कोविड-19 के दौरान अध्यापन, बहुभाषी शिक्षा, विविधता और समावेश, शैक्षिक अनुसंधान, कला शिक्षा, मूल्यांकन और मानसिक स्वास्थ्य शामिल थे।

विद्यार्थी सहायक संरचनाएं

सक्षमता इकाई

विभाग विकलांग छात्रों की सहायता के लिए सक्षमता इकाई के कामकाज में सुधार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इकाई का उद्देश्य विकलांग छात्रों को घर जैसा महसूस कराना और उन्हें सीखने की सुविधा के अलावा मनोसामाजिक कल्याण के अवसर प्रदान करना है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों में लगभग 44 विद्यार्थी हैं। इस इकाई में सामाजिक विज्ञान में ब्रेल पुस्तकों का एक संग्रह है, जिसका विद्यार्थी उपयोग कर रहे हैं। रीडिंग और लेक्चर की रिकॉर्डिंग नियमित रूप से की जाती है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें उपलब्ध कराया जा सके। आइकाई में रीडिंग की लगभग 170 वॉयस-रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं, जिनमें से ज्यादातर हिंदी में हैं। साथ ही, 2020-2021 में छात्रों के लिए महत्वपूर्ण पुस्तकों के ब्रेल संस्करण की एक बड़ी संख्या खरीदी गई है।

इकाई का एक व्हाट्सएप ग्रुप पिछले 3 वर्षों से काम कर रहा है, जो यूनिट के प्रभारी शिक्षकों और विकलांग छात्रों के बीच ऑडियो संचार का एक प्रमुख चैनल रहा है। कोविड महामारी से संबंधित लॉक डाउन अवधि के दौरान इस प्रारूप का सबसे अधिक उपयोग किया गया है। लॉक डाउन की शुरुआत के समय, शिक्षक विकलांग

छात्रों की चिंताओं को दूर करने में लगे रहे, विशेष रूप से किताब खोलकर परीक्षा की तैयारी के दौरान उनका मनोबल बढ़ाया। इस चुनौतीपूर्ण समय में इकाई के शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से छात्रों की मेंटरिंग और काउंसलिंग की जाती थी। हर वर्ष, यह इकाई दृष्टिबाधित छात्रों के लिए विद्यार्थीवृत्ति और विशेष लैपटॉप जैसे सहायक उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया में छात्रों का समर्थन करती है। यह इकाई युवाओं में जागरूकता पैदा करने और विकलांग व्यक्तियों से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का भी प्रयास करती है

विभाग का पुस्तकालय

विभाग के पुस्तकालय में पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। इस वर्ष इसमें 137 पुस्तकें जोड़ी गईं। पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की कुल संख्या 92,852 है। इसके अतिरिक्त, 'प्राथमिक शिक्षा के लिए संसाधन केंद्र' में पुस्तकों, रिपोर्टों और नीति दस्तावेजों का एक समृद्ध संग्रह उपलब्ध है, जो शोधकर्ताओं, शिक्षकों और क्षेत्र के अन्य लोगों के लिए उपलब्ध है।

विभाग की वेबसाइट

हमारे विभाग को अपनी एक अद्यतित, उपयोगकर्ता के अनुकूल वेबसाइट होने पर गर्व है। हम जो भी करते हैं उसके बारे में यह पूरी जानकारी देती है। दृष्टिबाधित विद्यार्थी भी इसका उपयोग कर सकते हैं। इसलिए जिसे भी हमारे कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी की आवश्यकता है, वे हमारी वेबसाइट पर जा सकते हैं, जहां उन्हें रिपोर्ट और विवरण मिलेंगे।

मूल्यांकन

विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि सभी विद्यार्थी ओबीई वार्षिक परीक्षा ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से दे सकें।

विशेष आयोजन

भारतीय कविता और संगीत में धर्मनिरपेक्ष परंपराएं

विभाग ने ऑनलाइन प्रारूप में प्रो. सुभेदु घोष और समूह द्वारा प्रस्तुत एक संगीत कार्यक्रम "भारतीय कविता और संगीत में धर्मनिरपेक्ष परंपरा" का आयोजन किया। इसका उद्देश्य भारत के लोगों के धर्मों, भाषाओं और परंपराओं में अंतर के बावजूद सदियों से कायम भारत की शांति और सद्भाव को उजागर करना था।

यह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक क्रम में भारत की धर्मनिरपेक्ष कविता की परंपराओं के माध्यम से एक संगीत यात्रा थी, जिसकी शुरुआत 13वीं शताब्दी से लेकर आज तक भारत की समृद्ध और मिश्रित संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए की गई थी।

संगीत को डॉ. सुभेदु घोष और उनके समूह द्वारा हिंदुस्तानी रागों या पारंपरिक लोक गीतों सहित अन्य संगीत रूपों के आधार पर बनाया और गाया गया था। कथा में भारत के कई प्रतीक - हज़रत अमीर खुसरो, कबीर, मियां तान सेन, बुल्ले शाह, ललन फ़कीर, नज़ीर अकबराबादी, रामप्रसाद बिस्मिल, फैज़ अहमद फैज़ और रवींद्रनाथ टैगोर शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विभाग ने 21 जून, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, जिसमें कई संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। एक योग विशेषज्ञ ने विभिन्न आसन और प्राणायाम का प्रदर्शन किया। उन्होंने खान-पान, रहन-सहन और खुश रहने के सुझाव भी दिए।

राष्ट्रीय एकता दिवस

शिक्षा विभाग (सीआईई) में गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2020 को "राष्ट्रीय एकता दिवस" मनाया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विभाग के सम्मेलन कक्ष में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

73वां स्थापना दिवस

विभाग ने 19 दिसंबर, 2020 को अपना 73वां स्थापना दिवस ऑनलाइन मनाया। इस आयोजन का विषय था 'द सीआईई स्टोरी: रेट्रोस्पेक्टिव ऑफ एन इंस्टीट्यूशनल जर्नी'। उस दिन के वक्ताओं में प्रोफेसर नरगिस पंचपकेसन, प्रोफेसर कृष्ण कुमार, और प्रोफेसर श्याम बी मेनन शामिल थे।

बसु स्मृति व्याख्यान

विभाग ने प्रख्यात संवैधानिक कानून विशेषज्ञ प्रो. फैजान मुस्तफा को आमंत्रित किया, जो वर्तमान में 26 फरवरी, 2021 को बासु मेमोरियल लेक्चर के लिए नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के कुलपति के रूप में कार्यरत हैं। फाउंडेशन प्रोफेसर ए. एन. बासु का स्मृति दिवस मनाने के लिए वार्षिक कार्यक्रम है। बसु केंद्रीय शिक्षा संस्थान (सीआईई) के संस्थापक प्राचार्य हैं। व्याख्यान का विषय 'संवैधानिक दर्शन और संविधानवाद' था। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व विद्यार्थी, विद्यार्थी, विद्वान और शिक्षा संकाय के शिक्षक शामिल थे।

संविधान दिवस

विभाग ने 27 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस मनाया। छात्रों ने ऑनलाइन प्रारूप में कविता, गीत, ड्राइंग/पेंटिंग आदि जैसे मीडिया के माध्यम से खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त किया। छात्रों ने एक नकली संसद में भी भाग लिया और उन्होंने समाज में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विभिन्न नेताओं की भूमिका निभाई। संसद का विषय था 'संवैधानिक संस्थाएं और भारतीय लोकतंत्र में उनकी भूमिका'। बी.एड. के कुछ छात्रों ने संवैधानिक और सामाजिक मुद्दों पर आधारित प्रश्नोत्तरी तैयार की थी।

लिंग और मीडिया पर सत्र

विभाग ने 25 जून, 2021 को बी.एड के छात्रों के साथ लिंग और मीडिया पर एक सत्र भी आयोजित किया। लिंग और संबंधित मुद्दों पर एक वैचारिक चर्चा के अलावा, छात्रों ने मीडिया और लिंग से संबंधित वार्ता में भाग लिया कि यह शिक्षकों और छात्रों की धारणा को कैसे प्रभावित करता है। छात्रों के लिए विभिन्न विज्ञापनों की मदद से लिंग चित्रण पर चर्चा और लिंगों में अलगाव पर एक वृत्तचित्र का आयोजन किया गया।

कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए पहल

विभागीय कोविड समिति

कोविड-19 की प्रतिक्रिया के रूप में, विभाग ने सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की शारीरिक सुरक्षा, कैंपस की उचित देखभाल और रखरखाव, और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए एक विभागीय कोविड समिति का गठन किया।

ऑनलाइन शिक्षण सलाहकार समिति

ऑनलाइन शिक्षण को सुचारु रूप से संचालित करने के तरीके सुझाने के लिए विभाग ने 'ऑनलाइन शिक्षण सलाहकार समिति' का गठन किया। समिति ने शिक्षकों के साथ-साथ विभाग के छात्रों को ऑनलाइन प्रारूप में शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया को जारी रखने के लिए विभिन्न सत्रों का आयोजन किया।

डॉ. हनीत गांधी ने उप संकायाध्यक्ष, प्रवेश शाखा, दिल्ली विश्वविद्यालय के रूप में अतिरिक्त कार्यभार संभाला।

होम्योपैथिक चिकित्सा संकाय

नेहरू होम्योपैथिक आयुर्विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली के जीएनसीटी के अंतर्गत नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, 3 विषयों में स्नातक पाठ्यक्रम (बीएचएमएस) और 3 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम {एमडी (होम.)} प्रदान कर रहा है। इस संस्थान में 100 बिस्तरों वाली इकाई के साथ पूरी तरह कार्यात्मक ओपीडी और आईपीडी है, जिसमें रोगियों को पूरी

तरह से व्यक्तिगत उपचार, नैदानिक सुविधाएं, परिवार नियोजन सेवाएं, फिजियोथेरेपी और अन्य संबद्ध चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

एनएचएमसीएच ने कोविड पॉजिटिव रोगियों के उचित प्रबंधन के लिए कोविड स्वास्थ्य केंद्र के रूप में कार्य किया, जिसमें कोविड-19 रोगियों के नैदानिक प्रोफाइल को चित्रित करने के लिए अवलोकन संबंधी शोध अध्ययन पूरा किया गया। कोविड परीक्षण केंद्र भी कार्यात्मक हैं और कोविड-19 महामारी में होम्योपैथिक चिकित्सा की रोगनिरोधी भूमिका पर अनुसंधान जारी है। प्रतिरक्षा अभियान के भाग के रूप में अस्पताल प्रतिरक्षा बूस्टर होम्योपैथिक दवा वितरण में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

इसके अलावा, संस्थान ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम, परिवार कल्याण सेवाओं के साथ आयुष को मुख्य धारा में लाने और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

कोविड-19 महामारी के समय आम जनता की सेवा के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव से प्राप्त प्रशंसा शोध हुआ है।

प्रकाशन

नीरज गुप्ता, आर के सक्सेना, अगस्त-अक्टूबर 2020, 'एन ओवरव्यू ऑफ कोविड-19 एंड इट्स स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट थू होम्योपैथिक अप्रोच: इन इंडियन पर्सपेक्टिव' एडवांसमेंट इन होम्योपैथिक रिसर्च, वॉल्यूम. 5, नंबर 2, पी 28-40।

बी जेठानी, ए कपूर, आर के मनचंदा, व अन्य। क्लीनिकल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ रेमिडी प्रोफाइल्स ऑफ पेशेंट्स विद कोविड-19: ए रेट्रोस्पेक्टिव कोहार्ट स्टडी। होम्योपैथी 2020।

एम माथुर, पिट्यूटरी माइक्रोडेनोमा ट्रीटेड विद इंडिविजुअलाइज्ड होम्योपैथिक मेडिसिन: ए केस रिपोर्ट। होम्योपैथी। 2020, नवंबर। 109(4):243-247. जारी करने की तारीख: 10.1055/s-0040-1713383. ईपीयूबी 2020 अगस्त 30. पीएमआईडी: 32862414.

अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान के क्षेत्र में, एनएचएमसी ओपीडी में कई अनुसंधान परियोजनाएँ भी आयोजित की जा रही हैं, जिनमें सोरायसिस, बाल रोग, गठिया, पित्त पथरी, विटिलिगो आदि जैसी विभिन्न चिकित्सकीय स्थितियों में होम्योपैथिक उपचार की नैदानिक प्रभावकारिता स्थापित करने पर जोर दिया गया है।

आयोजित सम्मेलन

कोविड-19 के लिए नैदानिक प्रबंधन दिशानिर्देश, नर्सिंग अधिकारियों और सहायक कर्मचारियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया, बीएमडब्ल्यू प्रबंधन और आईपीसी प्रोटोकॉल पर विभिन्न आयोजित सम्मेलन किए गए।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

ऑर्गन ऑफ मेडिसिन विभाग के रीडर (एनएफएसजी) डॉ. बिपिन जेठानी ने एनएचएमसी और अस्पताल में कोविड स्वास्थ्य केंद्र के रूप में अपने अनुभव पर कंट मेमोरियल लेक्चर में मुख्य वक्ता के रूप में प्रस्तुति दी। डॉ. बिपिन जेठानी, रीडर (एनएफएसजी), ऑर्गन ऑफ मेडिसिन विभाग ने 12 जुलाई, 2020 को एसडीएचए और एनएचएमसी एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीएमई में "एनएचएमसी में अनुभव से सीखना और कोविड-19 महामारी में डिस्पेंसरी" पर शोध प्रस्तुत किया।

संकाय की संख्या

नियमित-22

अतिथि संकाय-10

अंतःविषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव रसायन विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने कोरोना महामारी के कठिन समय में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में सुधार करना जारी रखा। वास्तविक समय वीडियो प्रदर्शन और छात्रों के साथ लगातार बातचीत के साथ व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित की गईं। नए एमएससी छात्रों को विभाग के सभी संकायों के साथ विशेष ऑनलाइन बातचीत द्वारा उन्मुख किया गया, जिसके बाद वरिष्ठ छात्रों द्वारा ऑनलाइन वेलकम पार्टी का आयोजन किया गया। विदाई समारोह का आयोजन भी ऑनलाइन प्रारूप में किया गया था। विभाग ने विभिन्न मानव रोगों से निपटने के लिए आणविक रणनीतियों के विकास के क्षेत्र में यूजीसी-एसएपी कार्यक्रम के पांचवें वर्ष को सफलतापूर्वक पूरा किया। विभाग ने "कोविड -19 डायग्नोस्टिक्स, चिकित्सा और टीके- भारत और कनाडा में पहल" पर एक वेबिनार का आयोजन किया और नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जोआचिम फ्रैंक द्वारा एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया। संकाय उच्च अनुसंधान में लगे रहे, प्रो. कुंडू को भारतीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी का फेलो चुना गया और प्रो. नाग के समीक्षा लेख का चित्र एक उच्च श्रेणी की पत्रिका के कवर पेज पर प्रकाशित किया गया था। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विभाग ने विभाग में एक सहायक प्रोफेसर, डॉ. दाऊ दयाल की नियुक्ति की।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकाय

प्रो. सुमन कुंडू - इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज, लखनऊ के फेलो निर्वाचित (31 मार्च, 2021)

प्रो. देबी पी. सरकार - 15 फरवरी 2021 और 23 फरवरी 2021 को 2020-25 के हितधारकों और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी विकास रणनीति (एनबीडीएस), डीबीटी की नीति बैठक में भाग लेने के लिए सदस्य के रूप में आमंत्रित किए गए।

विद्यार्थी

दीप्ताश्री नंदी, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड स्पेशल सेंटर फॉर सिस्टम मेडिसिन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत द्वारा 16-17 मार्च 2021 को आयोजित कैंसर की रोकथाम और चिकित्सा पर 14वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार सत्र में "एचपीवी16 ई7 ड्राइव्स ऑन्कोजेनिक ट्रांसफॉर्मेशन इन सर्वाइकल कार्सिनोमस: ए परफेक्ट एम्बुश" शीर्षक मौखिक प्रस्तुति के लिए चयनित।

दीप्ताश्री नंदी, 1 मार्च 2021 को इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च के 40वें वार्षिक सम्मेलन में "वायरस और कैंसर इम्यून थेरेपी" पर आईएसीआर वार्षिक निबंध प्रतियोगिता 2021 के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए एक खुली प्रतियोगिता है।

प्रकाशन

आर. आहूजा, एन. पंवार, जे. मीना, एम. सिंह, डी.पी. सरकार और ए.के. पांडा (2020). कैंसर के इलाज के लिए प्राकृतिक उत्पाद और पॉलीमेरिक नैनोकैरियर्स: एक समीक्षा। एनवायरमेंटल केमिस्ट्री लेक्चर्स, 18, 2021-2030.

एम. अवस्थी, एस. गुलाटी, डी.पी. सरकार, एस. तिवारी, एस. कटेरिया, पी. रंजन और एस.के. वर्मा, (2020). सार्स-कोव-2 स्पाइक ग्लाइकोप्रोटीन का सियालोसाइड-बाइंडिंग पॉकेट संरचनात्मक रूप से मर्स- कोव जैसा दिखता है। वायरसेज, 12, 909. जारी करने की तारीख: 10.3390/v12090909.

जे. चड्ढा, डी. नंदी, वाई. अत्रि और ए. नाग. (2020). स्तन कैंसर में मानव माइक्रोबायोम का महत्व: एक अदृश्य और अजेय की कहानी। सेमिनार्स इन कैंसर बायोलॉजी, 70, 112-127.

आई. चट्टोपाध्याय डी. नंदी और ए. नाग. (2020). पिट के आकार का बिजलीघर: कैंसर रोधी चिकित्सा के परिणाम को बेहतर बनाने में गट माइक्रोबायोम की शक्तिशाली भूमिका को प्रकाशित करना। सेमिनार्स इन कैंसर बायोलॉजी, 70, 98-111. लेख का एक चित्र पत्रिका के अंक के मुख पृष्ठ के रूप में प्रकाशित किया गया है।

पीएस चीमा, डी. नंदी और ए. नाग. (2021). आउटफॉक्सिंग कोविड-19 के लिए फोर्कहेड बॉक्स ओ की चिकित्सीय क्षमता की खोज, ओपेन बायोलॉजी, 11, 210069.

एस. के. दे, एम. सैनी ढेंबला, सी., भट्ट, एस., राजेश, ए.एस., आनंद, वी., एच. के. दास और एस. कुंडू (2020). सुरमिन, पेन्सीक्लोविर और एनिडुलाफुंगिन बाइंड एनएसपी12, जो सार्स-सीओवी-2 की आरएनए-आश्रित-आरएनए पोलीमरेज़ गतिविधि को नियंत्रित करता है, रेमडेसिविर-ट्राइफॉस्फेट के समान अंतःक्रियात्मक ऊर्जा के साथ, जो कोविड -19 संक्रमण के उपचार में क्षमता का संकेत देता है। ओएसएफप्रीप्रिंट्स, जारी करने की तारीख: 10.31219/osf.io/urxwh

एस. के. दे, एम. सैनी, पी. प्रभाकर और एस. कुंडू (2020). उच्च रक्तचाप से निपटने के लिए संभावित दवा लक्ष्य के रूप में डोपामाइन β हाइड्रॉक्सिलेज़। एक्स्पर्ट ओपिनियन आन इंवेस्टिगेशनल ड्रग, 29(9), 1043-1057. जारी करने की तारीख: 10.1080/13543784.2020.1795830.

सी. ढेंबला, आर. आर्या, ए. कुमार, एस. कुंडू और एम. सुंड. (2021) एल प्रमुख एपो-एसाइल वाहक प्रोटीन रूपों ने एक उजागर फेनिलएलनिन के कारण समुच्चय को निर्देशित दिया, जबकि फॉस्फोपेंटेथिन होलो-फॉर्म में एकत्रीकरण को रोकता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलिक्यूल्स, 179, 144-153. (<https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2021.02.215>)

एस. कौर, एन. अंगरीश, के. गुप्ता, ए के त्यागी और जी. खरे. (2021). एबीसीजी2 एफलक्स पंपों के अवरोध से माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस मेसेनकाइमल स्टेम सेल में छिपा रहता है जो एंटीबायोटिक उपचार के लिए उत्तरदायी है। इंफेक्शन, जेनेटिक्स एंड इम्यूनोलॉजी, 87, 104662.

जी. खरे., पी. नागपाल और ए के त्यागी (2020) माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के शरीर विज्ञान में फेरिटिन के महत्व पर एक अंतर्दृष्टि: अद्वितीय स्ट्रक्चरल कार्यत्मक गुण। डी. बी. सिंह, टी. त्रिपाठी (संपा.) में, फ्रंटियर्स इन प्रोटीन स्ट्रक्चर, फंक्शन एंड डायनामिक्स। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पाराइवेट लिमिटेड। 2020. पृ. 425-452.

जी. कुमार, एस. के. दे और एस. कुंडू (2020). रक्तचाप और हृदय संबंधी कार्यों को नियंत्रित करने के लिए एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड संश्लेषण के नियमन में संवहनी एंडोथेलियम के कार्यात्मक प्रभाव। लाइफ साइंस, एस 259, 118377.

ए. मुखी, एस. कुंडू और जे. कौर (2020). तनाव का मुकाबला: स्कलेरोटिनिया स्कलेरोटियोरम के विरुद्ध रक्षा में अरेबिडोप्सिस फॉइटोग्लोबिन की भूमिका", जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29, 804-815.

एम. शांडिल्य, जी. कुमार आर. गोमकाले, एस. सिंह, एम. ए. खान, एस. कटेरिया और एस. कुंडू (2021). सी. रेन्हार्डटी में मल्टीपल पुटेटिव मेथेमोग्लोबिन रिडक्टेस इसके कई हीमोग्लोबिन के लिए एंजाइमी कार्यों का समर्थन कर सकते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलिक्यूल्स, 171, 465-479. <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2021.01.023>.

ए. शर्मा, एम. सैनी एस. कुंडू और बी. के. थेलमा (2020). प्रोटीन 15 जैसे एडीपी राइबोसिलेशन कारक की त्रि-आयामी संरचना में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि, संधिशोध के लिए एक नया संवेदनशीलता जीन। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 1-16. <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1860826>.

एस. उप्पल, एम. ए. खान और एस. कुंडू (2020). सिनेकोसिस्टिस एसपी. पीसीसी 6803 से एक पुनः संयोजक कॉग्नेट हीमोग्लोबिन रिडक्टेस की पहचान और लक्षण वर्णन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलिक्यूल्स, 162, 1054-1063. <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2020.06.214>.

एस. उप्पल, एम. ए. खान और एस. कुंडू (2020). "सिनेकोसिस्टिस से असामान्य रूप से स्थिर हीमोग्लोबिन की स्थिरता और तह सूक्ष्म रूप से अनुकूलित और की हीम पॉकेट अवशेषों पर निर्भर है"। प्रोटीन एंड पेप्टाइड लेटर्स, 28, 164 - 182. जारी करने की तारीख: 10.2174/0929866527666200613220245

जर्नल

दो शिक्षक, प्रोफेसर सुमन कुंडू और प्रोफेसर आलो नाग, संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं और उनमें से एक, प्रो सुमन कुंडू, जर्नल ऑफ प्रोटीन्स एंड प्रोटीओमिक्स (प्रोटीओमिक्स सोसाइटी, भारत की एक पत्रिका) के प्रधान संपादक के रूप में कार्यरत हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

विभाग के संकाय सदस्यों को 2020-21 के दौरान विभाग की परियोजना के लिए यूजीसी-एसएपी-II अनुदान के रूप में कुल 43,808 रुपये (सेवाओं को रखने के लिए) का अनुदान मिला।

प्रो आलो नाग - मूल अनुसंधान अनुदान शीर्षक, "हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में फॉक्सएम 1 के एचबीएक्स मध्यस्थता परिवर्तन के तंत्र को समझना" डीएसटी-एसईआरबी द्वारा तीन वर्ष (मार्च 2021 से मार्च 2024) के लिए 62.84 लाख रुपये द्वारा वित्त पोषित।

प्रोफेसर पी. देबी सरकार- 'चूहे के हेपेटोसाइट्स में सीआरआईएसपीआर/कैस9 के साथ संपादित करके यूजीटी1ए1 जीन वितरित करने के लिए सेंडाई वायरस-व्युत्पन्न प्रोटियोलिपोसोम का उपयोग' शीर्षक परियोजना, जेएनयू नई दिल्ली के सहयोग से तीन वर्ष के लिए 95.00 लाख के लिए स्वीकृत परियोजना।

पेटेंट दायर /स्वीकृत

प्रोफेसर आलो नाग- "नवल एंटी-मलेरियल लिपोसोमल फॉर्मूलेशन", प्रहलाद चंद्र घोष, आलो नाग, मोहसिन रजा, आकृति सिंगल और हिना भारती, अंतिम भारतीय पेटेंट दायर (आईडी 201711016131), फरवरी 15, 2018; नवंबर 2018 में प्रकाशित; पहली परीक्षा का जवाब 2021 में दायर किया गया।

प्रोफेसर सुमन कुंडू- एन एंटी-हाइपरटेंसिव कार्डियो-प्रोटेक्टिव कंपोजिशन", सुमन कुंडू, संजय कुमार डे, बीके थेल्मा, जी. कोवुरु, सुबीर कुमार मौलिक, पंकज प्रभाकर, मनीषा सैनी, अंतिम भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201811005899, 16/02/2018, सीएपी 12/02/2019 को दायर। 30/08/2019 को पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक जर्नल, संख्या 35/2019 में पृष्ठ संख्या 39660 पर पेटेंट का सार प्रकाशित। 04/01/2021 को परीक्षा के लिए दायर किया गया।

प्रोफेसर सुमन कुंडू- "नवल एंटी-हाइपरटेंसिव एंड एंटी-कार्डियक हाइपरट्रॉफिक कंपाउंड्स", सुमन कुंडू, बी.के. थेल्मा, सुबीर कुमार मौलिक, पंकज प्रभाकर, संजय कुमार दे, अंतिम भारतीय पेटेंट जमा (आईडी 201711036983), 16 अक्टूबर, 2018; 21/06/2019 को जर्नल संख्या 25/2019 में पृष्ठ संख्या 25766 पर पेटेंट का सार प्रकाशित। 04/01/2021 को परीक्षा के लिए दायर किया गया।

आयोजित संगोष्ठियाँ

जैव रसायन विभाग द्वारा कनाडा के अध्ययन केंद्र और वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैपस के सहयोग से 14 दिसंबर, 2020 को "कोविड -19 डायग्नोस्टिक्स, थेरेप्टिक्स एंड वैक्सीन्स- इनिशिएटिव इन इंडिया एंड कनाडा" पर वेबिनार का आयोजन किया गया था।", मुख्य वक्ता: प्रोफेसर विवेक गोयल, टोरंटो विश्वविद्यालय और प्रोफेसर शाहिद जमील, अशोक विश्वविद्यालय।

2017 में रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जोआचिम फ्रैंक, प्रोफेसर द्वारा 5 फरवरी 2021 को बायोकेमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोफिजिक्स एंड बायोलॉजिकल साइंसेज, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए "सिंगल-पार्टिकल क्रायो-ईएम: विजुअलाइजेशन ऑफ बायोलॉजिकल मोलेक्यूल्स इन देयर नेटिव स्टेट्स" पर विशेष वेबिनार किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

प्रोफेसर आलो नाग

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड स्पेशल सेंटर फॉर सिस्टम मेडिसिन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत में आयोजित कैंसर की रोकथाम और चिकित्सा विज्ञान पर 14वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एचपीवी मध्यस्थता ऑन्कोजेनेसिस के आणविक तंत्र" पर एक वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय

प्रोफेसर देबी पी. सरकार

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड स्पेशल सेंटर फॉर सिस्टम मेडिसिन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत में आयोजित 14वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैंसर की रोकथाम और चिकित्सा विज्ञान पर 14वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एचपीवी मध्यस्थता वाले ऑन्कोजेनेसिस के आणविक तंत्र" पर एक वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया।

विद्यासागर विश्वविद्यालय के अधीन जूलाँजी विभाग, झारखाम राज महाविद्यालय (पश्चिम बंगाल सरकार) और जूलाँजी विभाग, गढ़बेता महाविद्यालय में 15 अक्टूबर 2020 को एक लोकप्रिय प्रेरक वक्तव्य (आभासी) दिया, जिसका शीर्षक था "ग्लोरियस पास्ट - एक्साइटिंग प्रेजेंट एंड एनकोरोजिंग फ्यूचर ऑफ केमिकल बायोलॉजी रिसर्च इन इंडिया: बेसिक साइंस एंड ट्रांसलेशन रिसर्च"

3 अक्टूबर 2020 को केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के आईआईटी, खड़गपुर चैप्टर द्वारा आयोजित एक लोकप्रिय प्रेरक वार्ता (आभासी) दी जिसका शीर्षक था "शानदार अतीत - भारत में रासायनिक जीवविज्ञान अनुसंधान का रोमांचक वर्तमान और उत्साहजनक भविष्य: मूल विज्ञान और अनुवाद अनुसंधान से"।

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, बैरकपुर, कोलकाता में एक लोकप्रिय प्रेरक वक्तव्य (आभासी) दिया, "2 सितंबर 2020 को ऑनलाइन इंडक्शन प्रोग्राम मुख्य वक्तव्य"

आमंत्रित विशेष वेबिनार वार्ता: 20 और 21 अगस्त, 2020 को राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय में महामारी कोविड -19 का मुकाबला करने के लिए एकीकृत रणनीतियाँ पर दो दिनों के राष्ट्रीय वेबिनार में "कोविड-19 के विरुद्ध एक वैक्सीन के डिजाइन के तर्क: वर्तमान स्थिति और चुनौती" शीर्षक वक्तव्य दिया।

गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी), गांधीनगर में कोविड 19 महामारी की स्थिति के दौरान वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी परिप्रेक्ष्य पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में 24 जुलाई 2020 को "कोविड 19 के विरुद्ध एक वैक्सीन के डिजाइन के तर्कसंगत: हाल के प्रयास और चुनौतियाँ" शीर्षक आमंत्रित मुख्य वेबिनार वार्ता दी।

27 मई, 2020 को निदेशक, सीएसआईआर-आईआईटीआर द्वारा आयोजित "जैविक अनुसंधान में वैकल्पिक पशु मॉडल (एएएमबीआर-2020)" पर आमंत्रित वेबिनार वार्ता।

23 मई 2020 को निदेशक, आईबीएसडी (डीबीटी, भारत सरकार, मणिपुर) द्वारा आयोजित "कोविड -19 संक्रमण की वर्तमान स्थिति: दीर्घकालिक वैश्विक सामाजिक प्रभाव" पर आमंत्रित वेबिनार वार्ता।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

मेसर्स साई फाउंडेस्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर कैलाश पार्ट II, नई दिल्ली 110048 के साथ "उच्च रक्तचाप और कार्डियक हाइपरट्रॉफी का मुकाबला करने के लिए एक अपरंपरागत लक्ष्य और मार्ग के लिए डिजाइन की गई नई दवाएं" विषय पर सहयोगी अनुसंधान समझौता (सीआरए या समझौता ज्ञापन) 11 दिसंबर, 2020 से प्रभावी है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर सुमन कुंडू ने प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार पांडा, प्रोफेसर और प्रमुख, पीजी विभाग, रोग निदान, आयुर्वेदिक महाविद्यालय और अस्पताल, बलांगीर, ओडिशा सरकार के साथ सहयोग किया।

प्रोफेसर पी. देबी सरकार ने प्रो संदीप सक्सेना, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जेएनयू, नई दिल्ली के साथ सहयोग किया।

प्रोफेसर आलो नाग ने डॉ. कुलभूषण शर्मा, इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली के साथ सहयोग किया।

डॉ. गरिमा खरे ने डॉ. अनुपम तालुकदार, जीवन विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर के साथ सहयोग किया।

डॉ. गरिमा खरे ने डॉ. पंकज चेतिया, जीवन विज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम के साथ सहयोग किया।

डॉ. दाऊ दयाल ने इंस्टिट्यूट ऑफ इवोल्यूशन, हाइफ्रा विश्वविद्यालय, माउंट कार्मेल हाइफ्रा, इजराइल के साथ सहयोग किया।

डॉ. दाऊ दयाल ने सेंटर फॉर वन हेल्थ रिसर्च, वर्जीनिया-मैरीलैंड कॉलेज ऑफ वेटेरनरी मेडिसिन, ब्लैक्सबर्ग, वीए, यूएसए के साथ सहयोग किया।

डॉ. दाऊ दयाल ने एडवर्ड वाया कॉलेज ऑफ ओस्टियोपैथिक मेडिसिन, मुनरो, एलए, यूएसए के साथ सहयोग किया।

डॉ. दाऊ दयाल ने जूलॉजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत के साथ सहयोग किया।

डॉ. दाऊ दयाल ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, यूआईईटी, एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, भारत के साथ सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एक पीएच.डी. विद्यार्थी को पोस्ट-डॉ.क्टर के रूप में नियुक्त किया गया

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

प्रोफेसर पी. देबी सरकार- प्रोफेसर पी. देबी सरकार- दिल्ली पुलिस और यूडीएससी के संयुक्त प्रॉक्टर एवं सुरक्षा अधिकारी के साथ 7 अप्रैल 2020 को कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान आस-पास के जरूरतमंद लोगों को भोजन के पैकेट वितरण के लिए सामुदायिक सेवा में भाग लिया।

प्रोफेसर पी. देबी सरकार-प्रोफेसर पी. देबी सरकार- 10 नवंबर, 2020 को झारग्राम राज महाविद्यालय और गढ़बेता महाविद्यालय, पश्चिम मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल मंत्रालय के अंतर्गत) के जूलॉजी विभाग के महाविद्यालय के छात्रों को प्रेरित करने के लिए एक वेबिनार बैठक में विशेष आमंत्रित वक्तव्य दिया।

प्रोफेसर पी. देबी सरकार- प्रोफेसर पी. देबी सरकार- निदेशक, आईबीएसडी मणिपुर (डीबीटी, जीओआई) आईआईएसएफ, भारत द्वारा 27 नवंबर, 2020 को (आईआईएसएफ, श्री जयंत सहस्रबुद्धे के अधीन आभासी) आयोजित इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल इंफॉल, मणिपुर (माननीय शिक्षा मंत्री, मणिपुर राज्य मंत्रालय की उपस्थिति में) में हाई स्कूल के छात्रों के लिए एक आमंत्रित प्रेरणादायक वार्ता दी।

प्रदत्त एम.फिल./पी.एचडी. डिग्रियों की संख्या

पी.एचडी.: 02

संकाय की संख्या

कुल: 06 (छह) - (प्रोफेसर - 03, सहयोगी प्रोफेसर - 01 और सहायक प्रोफेसर - 02)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

विभाग में एक सहायक प्रोफेसर (डॉ. दाऊ दयाल) की नियुक्ति की गई

एक संकाय सदस्य का शोध कार्य एक उच्च प्रभावी पत्रिका के कवर पेज पर प्रकाशित किया गया (इंद्रनील चट्टोपाध्याय, दीप्ताश्री नंदी और आलो नाग)। पिंट के आकार का बिजलीघर: कैंसर रोधी चिकित्सा के परिणाम को बेहतर बनाने में आंत माइक्रोबायोम की शक्तिशाली भूमिका पर रोशनी डालना। सेमिनार्स इन कैंसर बायोलॉजी। 70 (2021) 98-111। पर आलेख का एक चित्र पत्रिका के अंक के मुख पृष्ठ प्रकाशित किया गया था।

जैवभौतिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से दो वर्षीय एमएससी बायोफिजिक्स पाठ्यक्रम आरंभ किया। प्रो. शुभेंदु घोष (29-फरवरी-2020 को सेवानिवृत्त) मेम्ब्रेन बायोफिजिक्स, आयन चैनल्स और न्यूरो-बायोफिजिक्स पर काम कर रहे हैं। प्रयोगों में सिंगल-चैनल रिकॉर्डिंग, पैच-क्लैम्प जैसी इलेक्ट्रो-फिजियोलॉजिकल पद्धतियां शामिल थीं। सीखने, स्मृति (अनुभूति) और गणितीय और कम्प्यूटेशनल तंत्रिका विज्ञान पर विशेष जोर दिया गया था। डॉ. मनीषा गोयल (सहयोगी प्रोफेसर) क्रिस्टलोग्राफिक संरचना निर्धारण और जैव सूचना विज्ञान पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उनकी प्रयोगशाला विभिन्न पुरातन संरक्षकों के कार्यात्मक और संरचनात्मक लक्षण वर्णन में शामिल है। डॉ. मनीष कुमार की प्रयोगशाला प्रोटीन अनुक्रम-संरचना-कार्य सहसंबंध, जीनोम एनोटेशन, एंटीबायोटिक प्रतिरोध के विकास और रोगाणुओं में मेजबान-रोगजनक बातचीत को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को समझने पर कार्य कर रही है।

प्रकाशन

विभाग के संकाय सदस्यों ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में कुल 05 (पांच) शोध शोध प्रकाशित किए।

ए. गर्ग, एन. सिंघल और एम. कुमार (2020). माइक्रोबैक्टीरियम एवियम एसएस के उपचार के लिए नई दवा के लक्ष्यों को समझना। पैराट्यूबरकुलोसिस से जुड़े ऑटोइम्यून विकार: एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। ब्रीफ बायोइंफॉर्म. 22(3):bbaa195. जारी करने की तारीख: 10.1093/bib/bbaa195.

ए. एस. शर्मा, कुमारी और एम. गोयल (2021). एक पुरातन सीएसए प्रोटीन की संरचना-कार्य पहलुओं को उजागर करना। बायोकेम. बायोउजिक्स, एकटा प्रोटीन्स प्रोटियम। 1869(5), 140615.

एन एस सिंह, एन. सिंघल, एम कुमार और जे एस विदी। ड्रग रेजिस्टेंस का उच्च प्रसार और भारत की यमुना नदी से पृथक्कृत क्लास 1 इंटेग्रेन्सिन एस्चेरिचिया कोलाई: एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम। फ्रंट माइक्रोबायोल. 12, 621564. जारी करने की तारीख: 10.3389/fmicb.2021.621564.

एन. सिंघल, डी. पांडे , एन एस सिंह, एम कुमार और जे एस विदी (2020). यर्सिनिया एंटरोकोलिटिका बायोटाइप्स 1ए, 1बी, 2 और 4 में एक इंड्यूसिबल क्रोमोसोमल सेफलोस्पोरिनेज - बीएलएबी के अंतर उत्पादन में अंतर्निहित आनुवंशिक निर्धारकों की खोज करना। साइंस रेप. 10(1), 10167. जारी करने की तारीख: 10.1038/s41598-020-67174-4.

एन. सिंघल, ए. शर्मा, एम. असवाल, एन. सिंह, एम कुमार और एम. गोयल (2021). सीएसए के बाइंडिंग पार्टनर्स की पहचान - पिक्रोफिलस्टोरिडस का एक आर्कियल चैपरोनिक प्रोटीन। प्रोटीन पेप्ट. लेटर्स 28(6), 675-679.

एन. सिंघल, ए. शर्मा एस. कुमारी, ए. गर्ग, आर. राय, एन. सिंह, एम कुमार और एम. गोयल (2020) पिक्रोफिलस्टोरिडस के नवजात पॉलीपेप्टाइड-एसोसिएटेड कॉम्प्लेक्स का जैवभौतिक और जैवजारायनिक लक्षण वर्णन और इसके प्रतिक्रिया करनेवाले भागीदारों का स्पष्टीकरण। फ्रंट माइक्रोबायोल, 11, 915. जारी करने की तारीख: 10.3389/fmicb.2020.00915.

जर्नल

डॉ. मनीष कुमार

संपादकीय मंडल के सदस्य: वैज्ञानिक रिपोर्ट, जेनेटिक्स में फ्रंटियर्स (अनुभाग जैव सूचना विज्ञान, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान)

डॉ. मनीषा गोयल

संपादकीय मंडल की सदस्य: फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स (अनुभाग जैव सूचना विज्ञान, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान)

अनुसंधान परियोजनाएँ

जीनोम एडिटिंग रणनीति में संभावित अनुप्रयोगों के लिए आर्कियल कैस4 (सीआरआईएसपीआर संबद्ध प्रोटीन 4) प्रोटीन की कार्यात्मक विशिष्टता का लक्षण वर्णन (एसईआरबी, मार्च 2020-मार्च 2022)

प्रोटीन की संरचना को संशोधित करने में अभियोजन की भूमिका। (आईसीएमआर, नवंबर 2020- नवंबर 2023)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

संकाय सदस्य ने कई आमंत्रित वार्ताएं दीं:

डॉ. मनीष कुमार

डॉ. विक्रम साराभाई इंस्टिट्यूट ऑफ सेल एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, द एम एस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात (17-22 मई, 2021) द्वारा आयोजित "प्रोटीन-रिसेप्टर बाइंडिंग केमिस्ट्री" विषय पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम। वार्ता का शीर्षक: एंटीबायोटिक प्रतिरोध की खोज का एक इन-सिलिको दृष्टिकोण (18 मई, 2021, 60 मिनट)

फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम - IV यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (01-27 फरवरी, 2021)। वार्ता का शीर्षक: आधुनिक जीव विज्ञान में मशीन लर्निंग और डेटा-साइंस के अनुप्रयोग (फरवरी 10, 2021, 90 मिनट)

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. शुभेंद्रु घोष ने डीबीटी के संयुक्त परियोजना अनुदान के साथ आईआईटी बॉम्बे (जैव विज्ञान और बायोइंजीनियरिंग विभाग), आईआईटी मद्रास (जैव प्रौद्योगिकी विभाग), आईआईटी दिल्ली (जैविक विज्ञान स्कूल) के साथ सहयोग किया है।

प्रदत्त एम.फिल./पी.एचडी. डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी. डिग्री प्रदान की गई: 2

संकाय की संख्या: स्थायी: 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

सुश्री दीक्षा पांडे एशिया पैसिफिक बायोइन्फॉर्मेटिक्स नेटवर्क (एपीबायोनेट) की सदस्य हैं और एपीबायोनेट स्वयंसेवक के रूप में योगदान कर रही हैं (2020 - अब तक)

सुश्री दीक्षा पांडे एपीबायोनेट टाक्स (2020 -अब तक) में एक आवर्ती योगदानकर्ता हैं।

सुश्री दीक्षा पांडे को जैव सूचना विज्ञान पर 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनसीओबी 2020) में स्वयंसेवी कार्यक्रम आईएनसीओबी 2020, (25-29, नवंबर 2020) की सफलता के लिए नेतृत्व और योगदान के लिए चुना गया है।

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान के साथ-साथ ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्धचालक, माइक्रोवेव और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक के क्षेत्र में पी.एचडी. की डिग्री के लिए अनुसंधान का पर्यवेक्षण कर रहे हैं। विभाग के पास सीएसआईआर, डीआरडीओ आदि द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कई अनुसंधान

परियोजनाएँ हैं। विभाग के सभी संकाय सदस्य स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीमों, गूगल क्लासरूम आदि जैसे वर्चुअल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं। इसके अलावा विभाग नियमित रूप से सेमिनार, व्याख्यान और वार्ताएं आयोजित करता है। इस वर्ष नए आगंतुकों के लिए कार्यक्रम मिश्रित (वर्चुअल और ऑफलाइन) प्रारूप में आयोजित किया गया था।

सम्मान/विशिष्टताएँ

इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स:आईईईई-आईसीईई 2020 पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र में "इफेक्ट्स ऑफ इंटरफेस चार्ज आन इनजेन एंड इनगास बेस्ड डोपिंगलेस टीएफईटी एंड इट्स सर्किट एनालिसिस" शीर्षक शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

इमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक्स:आईईईई-आईसीईई 2020 पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र में "इंवेस्टिगेशन ऑफ सिंगल इवेंट ट्रांजिएंट्स इन बफर फ्री जीअएन-आन-एसआईसी एचईएमटी" शीर्षक शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया

प्रकाशन

जर्नल

ए. बिरवाल, एस. सिंह, बी.के. कनौजिया और एस. कुमार(2021). डब्ल्यूएलएएन अनुप्रयोगों के लिए न्यूट्राइजेशन लाइन के साथ एमआईएमओ/विविधता एंटीना। मापन, 1-10.

ए. बिरवाल, एस. सिंह, बी.के. कनौजिया और एस. कुमार(2020). डब्ल्यूलैन अनुप्रयोगों के लिए लो-प्रोफाइल 2.4/5.8 गीगाहर्ट्ज एमआईएमओ/विविधता एंटीना।जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेभ्स एंड एप्लीकेशन्स, 34(9), 1283-1299.

पी. चौधरी, ए. कुमार, पी. कुमार, बी. के. कनौजिया और ए. बिरवाल (2020). एक नए मेटासर्फेस की डिजाइन और रेखिक से गोलाकार ध्रुवीकरण रूपांतरण के लिए इसका अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, 1-15.

दींगरा, एन. और डेल'ओलियो, एफ., (2020). सिलिकॉन फोटोनिक्स में अत्यधिक कम हानि एंड उच्च विलुप्तता अनुपात टीएम-पास पोलराइजर। आईईईई फोटोनिक्स जर्नल12(6), 1-11.

एन. दींगरा, किशोर, के., जी.जे. सक्सेना और ई.के. शर्मा, (2020). तेज अर्ध-एडियाबेटिक दृष्टिकोण का उपयोग करके वेवगाइड प्रारूप कनवर्टर को स्लॉट करने के लिए कुशल पट्टी। इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस 2(3), 1-10

ए. दुबे, आर. नारंग, एम. सक्सेना और एम. गुप्ता, (2020). "जंक्शनलेस एक्यूमुलेशन प्रारूप एमओएसएफईटी में एकल घटना के क्षणिक प्रभावों की जांच", आईईईई ट्रांजेक्शन्स आन डिवाइस एंड मेटिरियल रिलायबिलिटी, 20, 604-608.

ए. दुबे, आर. नारंग, एम. सक्सेना और एम. गुप्ता, (2021). "जंक्शनलेस संचय प्रारूप एमओएसएफईटी में कुल आयनकारी डोज प्रभाव", एप्लाइड फिजिक्स ए 127, 189. <https://doi.org/10.1007/s00339-021-04313-2>

एन. गर्ग, वाई. प्रताप, एम. गुप्ता और एस. काबरा, (2020). "इंटरफेशियल लेयर डिफेक्ट्स और रेडिएशन की उपस्थिति में जीएएएस/एएल2O3 जंक्शनलेस फिनफेट की विश्वसनीयता का आकलन", आईईईई ट्रांजेक्शन्स आन डिवाइस एंड मेटिरियल रिलायबिलिटी, 20(2),

एच. कौर, जय सिम्हाद्री, एम., एम.के. सहूआ, के.पी. राव और एन.एस. रेड्डी, (2020). फोटोनिक् डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए सोल-जेल विधि द्वारा एसएम3+ डोपड सोडियम कैल्शियम सिलिकेट फॉस्फोर उत्सर्जित करने आरंज का संश्लेषण। सिरेमिक्स इंटरनेशनल. 46, 26434-26439.

जे.पी. नाथ, एन. दींगरा, जी.जे. सक्सेना और ई. के. शर्मा, (2020). संपाश्विक रूप से युग्मित एसओआईवेवगाइड पर आधारित कॉम्पैक्ट प्रारूप डिवीजन (डीई) मल्टीप्लेक्सर, आईईईई फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी लेटर्स, 32(10), 595-598.

पी. पांडे और एच. कौर, (2020). उच्च तापमान पर ध्रुवीय नियंत्रणीय-फेरोइलेक्ट्रिक-क्षेत्र-प्रभाव ट्रांजिस्टर की विशेषताओं पर फेरोइलेक्ट्रिक पैरामीटर भिन्नता का प्रभाव। *सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 35(12),

के. एस. पसुपुलेटी, आर. मडका, बी. जी. पार्क, के. आर. पेटा, जे.ई. ओ. एस-जी. किम और एम. डी. किम, (2020). एजी नैनोवायर-प्लास्मोनिक-असिस्टेड चार्ज सेपरेशन इन हाइब्रिड हेटेरोजंक्शंस ऑफ पीपीई-पेडोट: पीएसएस/जीएएन नैनोरोड्स फॉर एन्हांस्ड यूवी फोटोडेटेक्शन। *एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेस*. 12, 54181-54190.

वाई. प्रताप, एस. कुमार, आर.एस. गुप्ता और एम. गुप्ता, (2021). बेहतर एनालॉग/आरएफ अनुप्रयोग के लिए गेट-ऑल-अराउंड जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर पर डाइइलेक्ट्रिक मॉड्यूलेशन और मेटलॉइड टी-आकार के सोर्स/ड्रेन का प्रदर्शन मूल्यांकन। *जे मैटर साइंस: मैटर इलेक्ट्रॉन* 32, 10943-10950. <https://doi.org/10.1007/s10854-021-05754-4>

के. सेहरा, वी. कुमारी, एम. गुप्ता, मिश्रा, एम., डी.एस. रावल और एम. सक्सेना (2020) "कम शोर और उच्च लाभ अनुप्रयोगों के लिए π - गेट एआईजीएएन/एआईएन/ जीएएन एचईएमटीएस का अनुकूलन। सिलिकॉन, जारी करने की तारीख 10.1007/s12633-020-00805-7.

के. सेहरा, वी. कुमारी, एम. गुप्ता, मिश्रा, एम., डी.एस. रावल और एम. सक्सेना (2021). "गैलियम नाइट्राइड एचईएमटी पर कुल आयोनाइजिंग खुराक (टीआईडी) प्रभावों की टीसीएडी जांच"। *सिल्वकोज सिमुलेशन स्टैंडर्ड*, 31(1), 1 - 6.

के. सेहरा, वी. कुमारी, एम. गुप्ता, एम. मिश्रा, डी.एस. रावल और एम. सक्सेना (2021). "पारंपरिक और π -गेट एआईजीएएन/जीएएन एचईएमटीएस पर भारी आयन कण स्ट्राइक प्रेरित सिंगल इवेंट ट्रांजिस्ट का प्रभाव"। *सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, 36, 035009 (1-10), जारी करने की तारीख: 10.1088/1361-6641/abdba3.

एम. शर्मा, आर. नारंग, एम. सक्सेना और एम. गुप्ता, (2020) "विभिन्न इंजीनियरिंग विधियों का उपयोग करके इसके प्रदर्शन मापदंडों को बढ़ाने के लिए अनुकूलित डीएल-टीएफईटी डिजाइन", *आईईटीई टेक्निकल रिव्यू*, जारी करने की तारीख: <https://doi.org/10.1080/02564602.2020.1758226>.

पी. सिंह, वी. कुमारी, एम. सक्सेना और एम. गुप्ता, (2020) "उच्च तापमान डीसी से डीसी कनवर्टर के लिए दोहरे गेट एआईजीएन/जीएनएमआईएसएचईएमटी का आकलन", *सुपरलैटिसेज और माइक्रोस्ट्रक्चर्स*, 144, 106574, जारी करने की तारीख: <https://doi.org/10.1016/j.spmi.2020.106574>.

डी. सिंघल, एस. सिंह, वी. कौशल, ए. बिरवाल और के. पटेल, (2020). वाइड बैंड रेस्पांस यूजिंग इंटरडिजिटल कैपेसिटर /सीएसएसआर डीजीएस इन इलिप्टिकल माइक्रोस्ट्रिप लो पास फिल्टर।

डी. सिंघल, एस.सिंह, वी. कौशल, ए. बिरवाल और के. पटेल, (2020). एलिप्टिकल माइक्रोस्ट्रिप लो-पास फिल्टर में इंटरडिजिटल कैपेसिटर/सीएसआरआर डीजीएस का उपयोग करते हुए वाइड बैंड स्टॉप रिस्पांस। *जर्नल ऑफ माइक्रोवेव्स, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एप्लीकेशन्स*, 19(4), 495-509.

हिना यादव, के पी रे और गुप्ता मृदुला (2021). एक व्यापक ऑपरेटिंग बैंडविड्थ पर लगातार उच्च लाभ दर्शाने वाले डिफरेंशियल माइक्रोस्ट्रिप पैच रेक्टेंगल। *माइक्रो ऑप्ट टेक्नो लेटर्स*. 63, 1470-1476. doi.org/10.1002/mop.32758.

अनुसंधान परियोजनाएँ

वित्तपोषक एजेंसी	वर्ष/अवधि	शीर्षक	स्वीकृत राशि लाख में (₹)
सीएसआईआर	2017-2020	लो पावर डिजिटल सर्किट डिजाइन और ऑप्टिकल अनुप्रयोगों के लिए गेट इलेक्ट्रोड इंजीनियर्ड और डिइलेक्ट्रिक पॉकेट स्टीप सब-थ्रेशहोल्ड स्विंग डिवाइस की मॉडलिंग और सिमुलेशन	25.00
डीआरडीओ	2019- से अब तक	उच्च शक्ति जीएएन एचईएमटी के थर्मल प्रबंधन के लिए डिवाइस सिमुलेशन	23.02
आईआई, दिल्ली विश्वविद्यालय	2021	उच्च शक्ति अनुप्रयोगों के लिए जीएएन एचईएमटी के विकिरण विश्लेषण के लिए डिवाइस सिमुलेशन	5.00
आईआई, दिल्ली विश्वविद्यालय	2021	अल्ट्रा लो वोल्टेज/लो पावर आयन-सेंसिंग और इम्यूनो-सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए पुनः कॉन्फिगर करने योग्य एफईटी की जांच और सेंसिंग प्रदर्शन पर प्रक्रिया और तापमान परिवर्तनशीलता का प्रभाव	2.50
आईआई, दिल्ली विश्वविद्यालय	2021	गैस संवेदन अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक विकास द्वारा धातु ऑक्साइड संकर नैनो-संरचनाओं का विकास	2.50
आईआई, दिल्ली विश्वविद्यालय	2021	5जी मल्टीपल एंटीना सिस्टम और आरएफ एनर्जी हार्वेस्टिंग में उनका अनुप्रयोग	5.00

आयोजित सम्मेलन

5 जून - 6 जून, 2020 को सीएसटी स्टूडियो सूट का उपयोग करते हुए 5जी संचार के लिए एमआईएमओ एंटीना पर दो दिवसीय तकनीकी वेबिनार।

14 से 18 सितंबर, 2020 तक 5जी और संबंधित अनुप्रयोगों के लिए आधुनिक एंटीना डिजाइन पर पांच दिवसीय तकनीकी वेबिनार।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

27 जनवरी, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन में 'सैटेलाइट कम्युनिकेशन' पर आमंत्रित वार्ता।

1 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में 'सैटेलाइट्स - ए कांक्वेस्ट ऑफ आउटर स्पेस ' पर आमंत्रित वार्ता।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

विभाग आईआईआरएस-इसरो देहरादून द्वारा प्रस्तावित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए नोडल केंद्रों में से एक है। विभाग द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

"रिमोट सेंसिंग एंड डिजिटल इमेज एनालिसिस" पर 65वां पाठ्यक्रम, 17 अगस्त से 11 सितंबर 2020.

इस पाठ्यक्रम में विभाग के 10 विद्यार्थी ऑनलाइन शामिल हुए और प्रमाण शोध के लिए आयोजित परीक्षा में 9 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए

"ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम" पर 66वां पाठ्यक्रम, 14- 25 सितंबर, 2020

विभाग के 11 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया है और विभाग के 10 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण किया है।

एम.फिल./पी.एच.डी डिग्री से सम्मानित की संख्या

प्रदत्त एम.फिल./पी.एच.डी. डिग्रियों की संख्या

पी.एच.डी.:05

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 1

सहायक प्रोफेसर:4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

प्रो. मृदुला गुप्ता - संयुक्त संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण दक्षिण कैपस 09.11.2020 से अब तक।

प्रो. मृदुला गुप्ता, अध्यक्ष -आईईईई-ईडीएस दिल्ली चैंप्टर 2011-2016 और 2019 से अब तक।

प्रो. मृदुला गुप्ता - इंजीनियरिंग में महिला (डब्ल्यूआईई) आईईईई दिल्ली सेक्शन एफिनिटी ग्रुप, 2019 की पूर्व सदस्य।

आनुवंशिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

आनुवंशिकी विभाग के संकाय सदस्यों ने उल्लेखनीय वैज्ञानिक योगदान दिया है। प्रो. ए. के. प्रधान के समूह के शोध कार्य ने सीएमएस-आधारित और जीएम-आधारित उत्पादक संकरों, बेहतर गुणवत्ता और सफेद जंग प्रतिरोध की कई शुद्ध लाइनों और हेटरोसिस प्रजनन के लिए कुछ आशाजनक संयोजनों की पहचान, और ब्रैसिका जीनोम की अनुक्रमण का विकास किया। प्रो. थेल्मा लैब के प्रमुख शोधों में शामिल हैं i) पार्किंसंस रोग के मंडेलियन रूपों के लिए ज्ञात जीनों में पहला एक्सोम-वाइड म्यूटेशन स्पेक्ट्रम प्रदान करना; ii) सेकेल सिंड्रोम में सीडीएनपीजे में एक गहरे पुराने प्रकार के हाइपोमोर्फिक प्रभाव का प्रदर्शन; iii) सिज़ोफ्रेनिया में मामूली प्रभाव वाले जीन के संचयी योगदान के लिए आनुवंशिक साक्ष्य प्रदान करना; और iv) रुमेटोइड गठिया के लिए दो उम्मीदवार प्रोटीन के लिए नए अवरोधक अणुओं की डिजाइन और विकास। प्रो. एम. वी. राजम के शोध ने टमाटर में वायरल और फंगल रोगजनन में शामिल कई नए जीनों की पहचान और लक्षण वर्णन किया है; और टमाटर, बैंगन और फूलगोभी के कीट पीड़कों का रूपांतरण किया और इन जीनों की आरएनएआई की मध्यस्थता का उपयोग करके फसल सुरक्षा के लिए इनकी क्षमता का प्रदर्शन किया है। प्रो. पी. के. बर्मा के समूह ने अरबिडोप्सिस थालियाना से टेपेटम विशिष्ट प्रमोटर ए9 का विश्लेषण किया है, जिससे प्रमोटर के नियमन में शामिल ट्रांसक्रिप्शन कारकों की पहचान हुई। डॉ. एस. सरकार के ग्रुप ने मानव न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के रोगजनन के बारे में नई अंतर्दृष्टि का प्रदर्शन किया है और रोग के विकास को प्रतिबंधित करने के लिए कई नए दवा लक्ष्यों की खोज की है। डॉ. सरकार के ग्रुप ने तंत्रिका तंत्र के विकास में ग्लोबिन जीन की आवश्यक भूमिका का भी प्रदर्शन किया है। डॉ. जगरीत कौर के समूह ने अल्टरनेरिया ब्रासिका के लिए अंतर्निहित प्रतिरोध की आनुवंशिक वास्तुकला को उजागर करने के लिए भौगोलिक दृष्टि से विविध अरबिडोप्सिस अभिगमों (140 अभिग्रहणों) के सेट का उपयोग किया है, जो संभावित रूप से प्रतिरोधी फसलों को विकसित करने में मदद कर सकता है। डॉ. तपस्या श्रीवास्तव के समूह ने हाइपोक्सिया में ग्लियोमा

कोशिकाओं के कैंसर स्टेम सेल गठन को विनियमित करने में टीईटी प्रोटीन की भूमिका का प्रदर्शन किया है, और एसएनपी आरएस16969968 को हमारे उत्तर भारतीय समूह में निकोटीन निर्भरता और फेफड़ों के कैंसर के जोखिम के एक मजबूत भविष्यवक्ता के रूप में स्थापित किया है, जो एशियाई देशों के विपरीत है। डॉ. अरुणस देवी नाओरेम का ग्रुप पार्वुलीन्स द्वारा प्रोलाइल आइसोमेराइजेशन की भूमिका को समझने की दिशा में काम कर रहा है, और बताया कि पीआईएनए, एस. सिरेविस ईएसएस1 का एक डी. डिस्कोइडम होमोलॉग विकास और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. कौस्तुब दत्ता के समूह ने माइटोकॉन्ड्रियल राइबोसोम में नए जीटीपेस की पहचान की है जो संभावित रूप से एटीपी/एडीपी अनुपात में परिवर्तन का जवाब देता है और श्वसन कार्यों के लिए सेलुलर क्षमता को नियंत्रित करता है।

सम्मान/ विशिष्टताएं (2020-21)

प्रो. थेल्मा

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए मेंटर, आईसीएमआर क्षमता निर्माण परियोजना के रूप में चयनित, इंडियन सोसाइटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स के ईसी सदस्य के रूप में चयनित,

डीबीटी-यूएमएमआईडी पहल के विशेषज्ञ सदस्य, परियोजना सलाहकार और निगरानी समिति के रूप में चयनित,

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली की अनुभागीय समिति के सदस्य के रूप में चयनित,

विशेषज्ञ सदस्य, चयन समिति, इंस्पायर संकाय कार्यक्रम

डॉ. सुरजीत सरकार-

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), नई दिल्ली की स्टार महाविद्यालय योजना के टास्क फोर्स सदस्य।

डॉ. तपस्या श्रीवास्तव

सदस्य, स्टेम सेल अनुसंधान संस्थागत समिति, एनआईआई, नई दिल्ली।

प्रकाशन

एस.अक्सा सरकार (2021) ड्रोसोफिला रोग मॉडल में मानव ताऊ समुच्चय का आयु निर्भर ट्रांस-सेलुलर प्रसार। ब्रेन रिसर्च, 1751, 147207.

यू. भट्टाचार्य, एस.एन.देशपांडे, टी. भाटिया और बी. के. थेल्मा (2021) एक विकासवादी दृष्टिकोण से सिज़ोफ्रेनिया का पुनरीक्षण: हाल के विकासवादी मार्करों और सिज़ोफ्रेनिया का एक सहयोगी अध्ययन। सिज़ोफ्रेनिया बुलेटिन, 47, 827-836.

यू. भट्टाचार्य और बी. के. थेल्मा (2020) सार्स कोव -2 संक्रमण द्वारा उम्र से संबंधित जीन अभिव्यक्ति परिवर्तन बुजुर्गों में खराब रोग का निदान करने में योगदान करते हैं। जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, 99, 80.

एल. भयाना, के.परितोष, एच. अरोड़ा, एस.के. यादव, पी. सिंह, डी. नंदन, ए. मुखोपाध्याय, वी. गुप्ता, ए.के.प्रधान और डी. पेंटल,(2020).ब्रैसिका जंकिया लाइन टुमिडा के एलजी ए6 पर मैप किए गए लोकस व्हाइट रस्ट के प्रतिरोध का हवाला देते हुए एक सीएनएल टाइप आर जीन शामिल है। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 10, 1690.

एफ. डेगेनहार्ट, ... बी.के. थेल्मा, ...एमएएआईएस भर्ती केंद्र, फ्रैंक ए; इंटरनेशनल आईबीडी जेनेटिक्स कंसोर्टियम। (2021). अल्सरैटिव कोलाइटिस के लिए मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन क्षेत्र के ट्रांसएथनिक विश्लेषण से न केवल साझा बल्कि जातीयता-विशिष्ट रोग संघों का भी पता चलता है। ह्यूमन मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स, 30, 356-369. एफ.

बी. गोहेन, पी. कुमार, बी. मल्होत्रा, आर. ऑगस्टीन, ए के प्रधान और एन सी बिष्ट, (2021) विविध ब्रासिका तिलहन में बीज ग्लूकोसाइनोलेट सामग्री और संरचना के तेजी से परिमाणीकरण के लिए एक व्यापक विज्ञ-एनआईआरएस समीकरण रसायन विज्ञान। फूड केमिस्ट्री, 354, 129527.

बी. गुलज़ार, ए. मुजीब, एम वी राजम, एन. ज़फ़र, जे. ममगैन, एम. मलिक और आर. सईद (2021) कैथरैन्थस रोसियस (एल.) जी. डॉ.न में शॉटगन लेबल-मुक्त प्रोटीओमिक और दैहिक भूणों का जैव रासायनिक अध्ययन (कोटिलेडोनरी और परिपक्वता अवस्था)। 3 बायोटेक, 11 (2), 1-15.

हार्पर, ए एल, हे, जेड, लैंगर, एस., हैवलिकोवा, एल., वांग, एल., फेलगेट, ए., गुप्ता, वी., प्रधान, ए. और आई. बैनक्रॉफ्ट, (2020) पॉलीप्लाइड फसल प्रजातियों ब्रैसिका जंकिया में गुणवत्ता लक्षणों की आनुवंशिक संरचना के और एग्रोनॉमिक विच्छेदन द्वारा एक एसोशिएटिव ट्रांसक्रिप्टोमिक्स प्लेटफॉर्म का सत्यापन। द प्लांट जर्नल, 103, 1885-1893.

एस. इस्माइल, तुलसी, नाइक, के.एस., राजम, एम.वी. और मिश्रा, आर.के. (2020).रेशमकीट में वायरस के विरोधी प्रतिरोध प्रेरित करने के लिए आरएनए हस्तक्षेप तकनीक के माध्यम से न्यूक्लियोपॉलीहेड्रोवायरस डीएनए गुणन में शामिल जीन को लक्षित करना। मॉलीक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स, 47(7), 5333-5342

ए. जयवाल, के. नटराजस्वामी और एम.वी. राजम, (2020).हार्मोनल बायोसिंथेटिक जीन की आरएनए साइलेंसिंग कपास के बोलवर्म, हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा में लार्वा वृद्धि और विकास को बाधित करती है। जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, 45, 109.

आर. कौर, आर.के. भुनिया और एम.वी.राजम, (2020).प्लांट आर्किटेक्चर मॉड्यूलन के माध्यम से चावल की उपज में सुधार के संभावित लक्ष्य के रूप में माइक्रोआरएनए: हाल के अध्ययन और भविष्य के दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, 45, 116.

क्लिओन्स्की डी.जे.,... एस. सरकार...व अन्य, (2021). ऑटोफजी (चौथा संस्करण) की निगरानी के लिए एसेज़ के उपयोग और व्याख्या के लिए दिशानिर्देश। आटोफजी, 17, 1-382.

एस. कुमार, एम.एम. अब्बास, एस.टी. गोविंदप्पा, यू.बी. मुथाने, एम. बिहारी, एस. पांडे, आर.सी. जुयाल और बी. के. थेल्मा (2021). विस्काॅट-एल्ट्रिच सिंड्रोम जैसे (डब्ल्यूएसएल) जीन में मिश्रित विषमयुग्मजी प्रकार प्रारंभिक शुरुआत पार्किंसंस रोग वाले परिवार में अलग हो जाते हैं। पार्किंसनिज़्म एंड रिलेटेड डिसऑर्डर्स, 84, 61-67.

एस. कुमार, एन. यादव, एस. पांडे, यू.बी. मुथाने, एस.टी. गोविंदप्पा, अब्बास, एम.एम. अब्बास, एम. बिहारी, और बी. के. थेल्मा (2020). पार्किंसंस रोग जीन में नए और रिपोर्ट किए गए वेरिएंट भारतीयों में उच्च रोग भार प्रदान करते हैं। विस्काॅट-एल्ट्रिच सिंड्रोम जैसे (डब्ल्यूएसएल) जीन एक परिवार में प्रारंभिक शुरुआत पार्किंसंस रोग के साथ अलग-अलग होते हैं। पार्किंसनिज़्म एंड रिलेटेड डिसऑर्डर्स, 78, 46-52.

बी.के. महतो, ए. सिंह, एम. पारीक, एम.वी. राजम, आर.एस. धर और रेड्डी, पी.एम. (2020).कोलेटोट्रिचम ग्लियोस्पोरियोइड्स कोनिडियल मॉर्फोलॉजी 1 जीन (सीजीसीओएम1) की मेजबान-प्रेरित साइलेंसिंग मिर्च और टमाटर में एन्थ्रेक्नोज रोग का प्रतिरोध करती है। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 104, 381-395.

एस. मुखी कुंडू, जे. कौर (2020). तनाव का मुकाबला: स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम से सुरक्षा में अरेबिडोप्सिस फाइटोग्लोबिन की भूमिका। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29, 804-815.

एन. पांडे, जी. त्यागी, पी. कौर, एस. प्रधान, एमवी राजम और टी. श्रीवास्तव (2020) एलिसिन आरओएस मध्यस्थता सेल डेथ पाथवे के माध्यम से फेफड़ों की कैंसर कोशिकाओं में हाइपोक्सिया मध्यस्थता वाले सिस्प्लैटिन प्रतिरोध पर काबू पाती है। हाइपोक्सिया प्रेरक कारकों का दमन। सेलुलर फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, 54, 748-766.

के. परितोष, ए.के. प्रधान और डी. पेंटल,(2020) ब्रैसिका नाइया (बीबी) की एक अत्यधिक सन्निहित जीनोम असेंबली और स्यूडोक्रोमोसोम के लिए संशोधित नामकरण। बीएमसी जेनोमिक्स, 21, 887.

के. परितोष, एसके यादव, पी. सिंह, एल. भयाना, ए. मुखोपाध्याय, वी. गुप्ता, एनसी बिष्ट, जे. झांग, डी ए कुद्रना, डी. कोपेटी, विंग, आर., रेड्डी, ए., लचागरी. वी.बी., ए.के. प्रधान और डी. पेंटल,(2020) एलोटेप्लोइड ब्रैसिका जंकिया (एएबीबी) की एक क्रोमोसोम-स्केल असेंबली ए और बी जीनोम की तुलनात्मक वास्तुकला को स्पष्ट करती है। प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल, 19, 602-614.

प्रगति और एस. सरकार (2021) शैगी डीएमआईसी के डाउनस्ट्रीम कार्य करता है और उनका समवर्ती डाउनरेगुलेशन ड्रोसोफिला में टाऊ विषाक्तता के विरुद्ध योगात्मक बचाव प्रदान करता है। बायोफैक्टर्स, 47(3), 461-477. जारी करने की तारीख: 10.1002/biof.1721.

टी.जे. पंचैचिरा, कुक्षल, पी., टी. भाटिया, एस.एन. देशपांडे और बी. के. थेल्मा (2020) स्किज़ोफ्रेनिया के मरीजों में टार्डि डिस्केनेसिया और अनुभूति पर आरएस1076560 (DRD2) और आरएस 4680 (सीओएमटी) का प्रभाव। साइकियाट्रिक जेनेटिक्स, 30, 125-135.

एम.वी. राजम (2020).आरएनए साइलेंसिंग तकनीक: फसल सुधार के लिए वरदान। जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, 45, 118.

ए. शर्मा, एम सैनी, एस. कुंडू और बी. के. थेल्मा (2020).प्रोटीन 15 जैसे एडीपी राइबोसाइलेशन कारक की त्रि-आयामी संरचना में कम्प्यूटेशनल अंतर्दृष्टि, संश्लेषण के लिए एक नया संवेदनशीलता जीन। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 23, 1-16.

एन. सिंह, मुखर्जी, एस.के. और राजम, एम.वी. (2020). फुसैरियम ऑक्सीस्पोरम एफ एसपी. के ऑर्निथिन डिकार्बोक्सिलेज जीन की साइलेंसिंग मेजबान-प्रेरित आरएनएआई द्वारा लाइकोपर्सिसी टमाटर में फ्यूजेरियम विल्ट का प्रतिरोध करता है। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर, 38, 419-429.

आर. वर्मा और जे. कौर (2021) एक्सप्रेसन ऑफ बार्ली ऑक्सालेट ऑक्सीडेज ट्रांसजेनिक ब्रैसिका जंकिया सीवी वरुण में स्कलेरोटिनिया स्कलेरोटियोरम के विरुद्ध प्रतिरोध प्रदान करता है। ट्रांसजेनिक रिसर्च, 30, 143-154

एस.योगिंद्रन, और एम.वी. राजम, (2021) इक्डीसोन रिसेप्टर जीन की मेजबान-व्युत्पन्न कृत्रिम एमआईआरएनए की मध्यस्थता साइलेंसिंग टमाटर में हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा के लिए अधिक प्रतिरोध प्रदान करती है। जेनोमिक्स, 113, 736-747.

जर्नल

संपादकीय मंडल में संकाय सदस्य

तीन (प्रो. ए. के. प्रधान, प्रो. बी. के. थेल्मा, प्रो. एम. वी. राजम)

अनुसंधान परियोजनाएँ (वित्त पोषण एजेंसी, वर्ष/अवधि, शीर्षक, स्वीकृत राशि)

प्रो. बी. के. थेल्मा:

वित्तपोषक एजेंसी:बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), शीर्षक: सिज़ोफ्रेनिया और पार्किंसंस रोग में नए आनुवंशिक निष्कर्षों से इन विट्रो टूल्स में समकालीन का उपयोग करके उनके प्रेरक तंत्र को उजागर करना, अवधि: 2019-2022, स्वीकृत राशि: ₹ 95.62 लाख।

प्रो. ए. के. प्रधान:

एजेंसी: डीबीटी-बीबीएसआरसी (यूके), शीर्षक: आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए सरसों रेप में जीनोमिक्स के नेतृत्व में अजैविक तनाव सहिष्णुता में सुधार (समन्वयक और प्रधान अन्वेषक), अवधि: 2018-2021 स्वीकृत राशि: ₹108.43 लाख।

वित्तपोषक एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), शीर्षक: सीआरआईएसपीआर-कैस 9 मध्यस्थता जीनोम संपादन का उपयोग कर भारतीय तिलहन सरसों का पोषण सुधार। अवधि: 2019-2022, स्वीकृत राशि: ₹ 53.45 लाख।

डॉ. सुरजीत सरकार:

वित्तपोषक एजेंसी: एसईआरबी, शीर्षक: ड्रोसोफिला रोग मॉडल में मानव न्यूरोडीजेनेरेटिव टाऊपैथियों के रोगजनन में एमवाईसी और ग्लाइकोजन सिंथेज़ काइनेज 3 (जीएसके3) मॉड्यूलेशन का संयोजन प्रभाव। अवधि: 2019-2022, स्वीकृत राशि: ₹ 33.63 लाख।

शीर्षक: ड्रोसोफिला रोग मॉडल (2018-2021) में मानव टाऊपैथियों के रोगजनन में न्यूरोफिब्रिलरी टेंगल्स (एनएफटी) की एकत्रीकरण गतिशीलता और भूमिका की खोज, वित्तपोषक एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), स्वीकृत राशि: ₹ 57.6 लाख।

वित्तपोषक एजेंसी: बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), शीर्षक: सीआरआईएसपीआर/कैस9 पपीता लीफ कर्ल रोग में शामिल जेमिनीवायरस का मध्यस्थता नियंत्रण। अवधि: 2019 - 2022। स्वीकृत राशि: ₹ 55 लाख।

प्रो. जगरीत कौर:

वित्तपोषक एजेंसी: एमएचआरडी-स्टार, शीर्षक: पौधों में स्टेम रोट के लिए कारक एजेंट स्कलेरोटिनिया स्कलेरोटियोरम के विरुद्ध प्रतिरोध बढ़ाने के लिए होस्ट मेडियेटेड पैथोजन जीन साइलेंसिंग (एचआईजीएस) की तैनाती का अनुकूलन। अवधि: 2020-2023। स्वीकृत राशि: ₹ 50.78 लाख।

वित्तपोषक एजेंसी: एसईआरबी, शीर्षक: फाइटोपैथोजेनिक फंगस अल्टरनेरिया ब्रासिका के विरुद्ध अंतर्निहित प्रतिरोध के आनुवंशिक घटकों का पता लगाना। अवधि: 2020-2023 स्वीकृत राशि: ₹ 41.24 लाख।

डॉ. कौस्तुभ दत्ता:

वित्तपोषक एजेंसी: एसईआरबी, सैक्रोमाइसीस सरनेसी में कार्बन स्रोत पर निर्भर माइटोकॉन्ड्रियल अनुवाद को विनियमित करने के लिए आईआरसी3पी फंक्शन के तंत्र की जांच करना। अवधि: 2020-2023। स्वीकृत राशि : ₹ 52 लाख।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

प्रो. एम. वी. राजम:

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईएलएम-सीईटी, ग्रेटर नोएडा द्वारा 11 मई, 2020 को बायोएस्कलेटर: जैव प्रौद्योगिकी, पादप विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान में अंतर्दृष्टि विषय पर आयोजित वेबिनार पर व्याख्यान दिया।

चैतन्य डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, वारंगल द्वारा आयोजित वेबिनार में व्याख्यान दिया - 2020

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा आयोजित वेबिनार में व्याख्यान दिया। 2020

12 जून 2020 को "प्रोफेसर सतीश माहेश्वरी मेमोरियल वेब कॉन्फ्रेंस: हार्नेसिंग ग्रीन टेक्नोलॉजी: इन हार्मनी विद नेचर" में एक वक्तव्य दिया।

प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन (इंडिया) की वार्षिक बैठक और भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया। 2020

डॉ. सुरजीत सरकार:

जैविक अनुसंधान में पशु का विकल्प पशु मॉडल पर संगोष्ठी में आमंत्रित वार्ता। मई 2020, आईआईटीआर-लखनऊ, भारत।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हॉर्टिकल्चरल रिसर्च (आईआईएचआर), बेंगलोर के साथ एक सहयोगी (को-पीआई) के रूप में "पपीता की पत्ती के सिकुड़ने के रोग में शामिल जेमिनीवायरस के सीआरआईएसपीआर/सीएसएस9 मध्यस्थता नियंत्रण" पर एक परियोजना।

रॉयल सोसाइटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना पर बाथ यूके के डॉ. वोल्कन सेविक विश्वविद्यालय के साथ सहयोग।

नियोजन विवरण

(नियोजन किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत;

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या)

निवर्तमान एम.एससी. और पीएच.डी. छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा (पी.एचडी./पोस्ट-डॉ.क्टरल शोध कार्य) का विकल्प चुना।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

रेपसीड और सरसों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मार्कर-सहायता प्राप्त बैकक्रॉस प्रजनन के माध्यम से विकसित चार सफेद जंग प्रतिरोधी सरसों की किस्मों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

प्रदत्त एम.फिल./पी.एचडी. डिग्रियों की संख्या

पी.एचडी.: 4

संकाय की संख्या : सात + दो (सेवानिवृत्त संकाय सदस्य)

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्रो. स्वाति साहा की प्रयोगशाला लीशमैनिया डीएनए जीव विज्ञान से जुड़ी घटनाओं की जांच करती है। उनके गुप ने सेल चक्र चरण-विशिष्ट तरीके से विनियमित ट्रांसक्रिप्शनल सक्रियण घटनाओं की जांच की है। उन्होंने हिस्टोन संशोधनों के लेखकों और पाठकों का भी अध्ययन किया है और वर्तमान में जीएनएटी- फैमिली प्रोटीन ईएलपी3ए और एसईटी- डोमेन प्रोटीन एसईटी2 और एसईटी3 की जांच कर रहे हैं। प्रो. रानी गुप्ता की प्रयोगशाला ने चिटोसन लेपित लौह नैनोकणों पर बैसिलस एट्रोफियस से जीजीटी के एक उत्प्रेरक रूप से कुशल संस्करण को सफलतापूर्वक स्थिर कर दिया है और 5 चक्रों तक के पुनर्चक्रण के साथ एक इम्यूनोमॉड्यूलेटरी पेप्टाइड एससीवी-07 को संश्लेषित करने में इसका उपयोग किया है। प्रयोगशाला ने यारोविया लिपोलाइटिका से सब्सट्रेट अवरोध का मुकाबला करने के लिए एक लाइपेज लिप11 भी तैयार किया है। डॉ. राजीव कौल ने पीपीआर वायरस संक्रमण के माउस मॉडल पर एक सहयोगी अध्ययन में भाग लिया, जिसका उद्देश्य पेस्ट डेस पेटिट्स रुमिनेंट वायरस (पीपीआरवी) संक्रमण के दौरान प्रतिरक्षा मध्यस्थों की सुरक्षात्मक और रोग संबंधी भूमिकाओं को स्पष्ट करने के लिए एक सुलभ प्रयोगशाला पशु मॉडल विकसित करना है। यह मॉडल रोग प्रगति में प्रतिरक्षा कोशिकाओं के योगदान को स्पष्ट करने के साथ-साथ एंटी-वायरल एजेंटों का परीक्षण करने के लिए उपयोगी हो सकता है। डॉ. वाई. पी. खासा की प्रयोगशाला चिकित्सीय महत्व के पुनः संयोजक प्रोटीन के बायोप्रोसेस विकास के क्षेत्र में काम करती है, वहां पुनः संयोजक स्ट्रेप्टोकिनेज, सूमो प्रोटीज और कई साइटोकिन्स की अभिव्यक्ति को लक्षित किया जा रहा है।

प्रकाशन

पी.भद्रेचा, एम. बाला, वाई.पी. खासा, ए. अर्शी, जे. सिंह और एम. कुमार (2020).हिप्पोफे रमनोइड्स एल. राइजोबैक्टीरिया विविध सेल्युलेस और पेक्टिनेज गतिविधियों को प्रदर्शित करता है। फिजियोलॉजी एंड

मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी, 26(5), 1075-1085. <https://doi.org/10.1007/s12298-020-00778-2>

जे. जैन, एस. गौर, वाई. चौधरी और आर. कौल (2020). कोरोनावायरस संक्रमण चक्र के दौरान इंटरसेल्युलर घटनाओं का आणविक जीव विज्ञान। वायरस डिजीज़, 31(2), 75-79.

एम. ए. पर्डी, टी.जे. हैरिसन, एस. जमील एक्स.जे. मेंग, एच. ओकामोटो, वैन डेर पोएल डब्ल्यू., डी. बी. स्मिथ और आईसीटीवी रिपोर्ट कंसोर्टियम (2017)। आईसीटीवी वायरस टैक्सोनामी प्रोफाइल: हेपविरिडे। जनरल वायरोलॉजी का जर्नल, 98(11), 2645-2646। <https://doi.org/10.1099/jgv.0.000940>

एस. साहा, (2020). ट्रिपैनोसोमेटिड्स में हिस्टोन संशोधन और एपिजेनेटिक विनियमन के अन्य पहलू: अपनी छाप छोड़ रहे हैं। एमबायो, 11, e 01079-20।

एम. सैनी, ए. कश्यप, एस. बिंदल, के. सैनी और आर. गुप्ता, (2021). बैक्टीरियल गामा-ग्लूटामाइल ट्रांसपेप्टिडेज़, एक उभरता हुआ जैव उत्प्रेरक: संरचना-कार्य संबंध और इसके जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में अंतर्दृष्टि। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 12, 441.

एम. सैनी, एस. कालरा, जे.के. कौशिक और आर. गुप्ता, (2021). बेसिलस एट्रोफियस से -ग्लूटामाइल ट्रांसपेप्टिडेज़ के बड़े सबयूनिट में अतिरिक्त अनुक्रम का कार्यात्मक लक्षण वर्णन: ऑटोप्रोसेसिंग और गतिविधि में भूमिका। प्रोसेस बायोकेमिस्ट्री, 106, 199-212।

वाई. शर्मा, आर सरकार, ए. जैन, एस. सिंह, सी. शेखर, सी. शनमुगम, एम. धनवेलु, पी. तेम्भुरने, आर. कौल और एस. सहरावत (2021). प्रतिरक्षा कोशिकाओं की सुरक्षात्मक और रोग संबंधी भूमिकाओं को स्पष्ट करने के लिए पीपीआरवी संक्रमण का एक माउस मॉडल। फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, 12, 630307।

ए. यादव, वी. शर्मा, जे. पाल, पी. गुलाटी, एम. गोयल, यू. चंद्रा, एन. वंसल, एस. साहा, (2020). डीएनए रेप्लीकेशन प्रोटीन सीडीसी45 लीशमैनिया डोनोवानी में अपनेपीआईपी बॉक्स के माध्यम से पीसीएनए से सीधे संपर्क करता है और सीडीसी 45 पीआईपी बॉक्स कोशिका के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। पीएलओएस पैथजेन्स, 16(5), e 1008190.

अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 2020-2021 में विभाग में तीन नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिनके लिए कुल 541.92 लाख रुपए का अनुदान था।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग को बीआईआरएसी द्वारा प्रायोजित बायोनेस्ट कार्यक्रम "बायोइनक्यूबेशन के माध्यम से नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना" प्रदान किया गया। 2020-2023। प्रमुख अन्वेषक: प्रो. स्वाति साहा, ₹ 444.67 लाख।

एसईआरबी, लीशमैनिया डोनोवानी में एसईटी डोमेन प्रोटीन एसईटी2 और एसईटी3 की विशेषता का वर्णन। 2020-2023। प्रो. स्वाति साहा, ₹ 58.1 लाख।

एस्चेरिचिया कोलाई में स्क्रिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे से व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण नये यूबिकिटिन-लाइक प्रोटीज (यूएलपीएस) के अतिउत्पादन के लिए एक स्केलेबल एक्सप्रेसन प्लेटफॉर्म का डीबीटी विकास। 2020-2022. डॉ. वाई. पी. खासा, ₹ 39.15 लाख।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

कुल संख्या: सात

स्वाति साहा (2021) ने एसएसएसआईएचएल, प्रशांति निलयम (मार्च, 2021, ऑनलाइन प्रारूप) की सतत स्वास्थ्य 2021 पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लीशमैनिया डोनोवानी में डीएनए रेप्लीकेशन: लीशमैनियासिस के नए समाधान खोजने की दिशा में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

स्वाति साहा (2020). डीएनए प्रतिकृति प्रोटीन सीएडसी45: लीशमैनिया डोनोवानी में नए पहलुओं को उजागर करना। बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंजीनियरिंग 2020, जेएनटीयू, हैदराबाद में फ्रंटियर्स पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित व्याख्यान दिया (जुलाई, 2020)

प्रो. रानी गुप्ता ने 23 नवंबर 2020 को मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में उद्घाटन व्याख्यान "थीनाइन के संश्लेषण के लिए बैच स्केल प्रोसेस: ग्रीन टी से एक न्यूट्रास्यूटिकल" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अमूलिया कश्यप ने 04-05 मार्च, 2021 को कैटेलिसिस और केमिकल इंजीनियरिंग पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक लाइपेस + पिचिया पास्टोरिस होस्ट इन मिथाइलोलेट" में "एओएक्स -1 पी निर्देशित एमाइलेज की एमाइलेज की निर्देशित अभिव्यक्ति की एक मौखिक प्रस्तुति दी।"

डॉ. राजीव कौल ने 31-जुलाई, 2020 को आरएलए महाविद्यालय (डीबीटी स्टार महाविद्यालय) द्वारा आयोजित ऑनलाइन पाठ्यक्रम में 'विज्ञान लेखन और अनुसंधान नैतिकता' पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. वाईपी खासा (2021) मानव संसाधन विकास केंद्र गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब-143005 में यूजीसी द्वारा 16 से 29 मार्च 2021 तक आयोजित रीफ्रेशर कोर्स- समर स्कूल (सिंथेटिक बायोलॉजी) में 18-03-2021 को "हेटरोलॉजस सिस्टम्स में रिकॉम्बिनेंट थेरेप्यूटिक्स की अभिव्यक्ति" नामक वार्ता के लिए विशेषज्ञ थे।

डॉ. वाईपी खासा (2021) ने 16-29 मार्च, 2021 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब-143005 द्वारा आयोजित रीफ्रेशर कोर्स- समर स्कूल (सिंथेटिक बायोलॉजी) में रिकॉम्बिनेंट प्रोटीन के लिए बायोप्रोसेस डेवलपमेंट: प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड इनोवेशन" शीर्षक वार्ता दी।

नियोजन का विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

6 एम.एससी. छात्रों और 2 पीएच.डी. छात्रों ने उच्च शिक्षा और औद्योगिक नौकरियों (पी.एच.डी., पोस्ट-डॉक्टरेट, उद्योग की नौकरी आदि) का विकल्प चुना।

प्रदत्त एम.फिल./पी.एच.डी. डिग्रियों की संख्या

पी.एच.डी. : 2

एम.फिल. : 0

संकाय की संख्या : 4

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान (डीपीईएसएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग में पूरे वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा कई सेमिनार आयोजित किए गए. विभाग ने अपनी वेबसाइट को अत्यधिक जानकारीपूर्ण बनाने के लिए उसे मजबूत और पुनर्गठित किया। संकाय शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रणनीतियों को समझने और विकसित करने की दिशा में उच्च अनुसंधान में लगे रहे थे। बीएससी की ऑनलाइन परीक्षाओं और (पीई, एचई) बी.पी.एड, एम.पी.एड और पीएच.डी.* कार्यक्रम प्रवेश को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। डीपीईएसएस आयोजित पीएच.डी. कोर्स वर्क्स। संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों के लिए विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

* बीआरएस स्तर पर लंबित: हालांकि इथियोपिया के एक विदेशी विद्यार्थी (डेसालेगन वासे मोला) को शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) में पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए प्रवेश दिया गया है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. धनंजय शॉ (कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में) ने 25.02.2020 को संस्थान के कैंपस में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों (एन = 100) ने पूरे जोश

और उत्साह के साथ भाग लिया। संस्थान में रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से पिछले कई वर्षों से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. धनंजय शॉ (कार्यवाहक प्राचार्य) ने 27.02.2020 को इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, वैकटेश्वर अस्पताल, द्वारका का आयोजन किया। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थी-छात्राओं व कर्मचारियों ने भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ, जून 2020 में शारीरिक शिक्षा और योग विभाग, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, भारत ने पीएच.डी. थीसिस डिजाइन और ई-अध्ययन मॉड्यूल का विकास और शारीरिक शिक्षा विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उम्मीदवारों के बीच इसका प्रभाव के परीक्षक पैनल में शामिल थे।

डॉ. धनंजय शॉ को 08 दिसंबर, 2020 को सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग में सहायक प्रोफेसर की पदोन्नति पर विचार करने के लिए स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 07 दिसंबर, 2020 को राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम 2010/2018 के अंतर्गत एक अकादमिक ग्रेड वेतन (एजीपी) से अगले उच्च एजीपी में सहायक प्रोफेसर की पदोन्नति पर विचार करने के लिए स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन समिति से जुड़े विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

प्रकाशन

2020-21 के दौरान प्रकाशित शोध शोध : 9

डी. शॉ, डी. सिंह, एम. कौर, यूके अहलावत और डी. भाटला, "इलेक्ट्रोमोग्राफिक एक्टिविटी ऑफ वास्टस लेटरल्स (वीएल) मसल ऑफ डोमिनेंट थाई (राइट) इन रिलेशन टू परफॉर्मन्स लेवल ड्यूरिंग द लेग/नी एक्स्टेंशन एक्सरसाइज परफॉर्मन्स विद 30 रिपिटेशन मैक्सिमम लोड", बीएलडीई यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज 2020, 5 (2):194-199.

डी. शॉ और एस.एम.एच. अंबाबी, "डेवलपमेंट ऑफ 'टी' स्केल ऑफ चेयर सिट एंड रीच टेस्ट ऑफ मेल सीनियर सिटीज़न्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ, फिजिकल एजुकेशन, एंड कंप्यूटर साइंस इन स्पोर्ट्स 2020, 39 (2): 36-41.

डी. शॉ और एस.एम.एच. अंबाबी, "डेवलपमेंट ऑफ टी-स्केल बैक स्ट्रेच टेस्ट ऑफ मेल सीनियर सिटीज़न्स", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ, फिजिकल एजुकेशन, एंड कंप्यूटर साइंस इन स्पोर्ट्स 2020, 39 (2): 42-47.

डी. शॉ, डी. सिंह, एम. कौर, यूके अहलावत और डी. भाटला, "इफेक्ट ऑफ परफॉर्मन्स लेवल आन द लांगिच्यूडनल इलेक्ट्रोमायोग्राफिक (ईएमजी) एक्टिविटी ऑफ वास्टस मेडियालिस (वीएम) एंड वास्टस लेटरल्स (वीएल) मसल आफ्टर इंड्यूस्ड एक्स्ट्रीम फैटिग विद ए वर्कलोड ऑफ 30 आरएम", बीएलडीई यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज 2021, 6 (1): 49-55।

पी. कुमार, ए. बाली, एल कपूर और डी. शॉ, "ऑटोनोमिक फंक्शंस ऑफ कॉलेज बॉयज़ एंड गर्ल्स (एक तुलनात्मक अध्ययन)", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ 2020, 7 (2):134-139.

पी.एस. राठी और जे.पी. शर्मा, "एन एसेसमेंट ऑफ हाइजीन हैबिट्स अमंग स्कूल रूरल एंड अर्बन गर्ल्स ऑफ साउथ वेस्ट दिल्ली", इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल 2021, 2 (1): 197-202।

पी.एस. राठी और जे.पी. शर्मा, "ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ न्यूट्रिशन ऑफ लॉलेज एमंगस्ट गवर्नमेंट एंड प्राइवेट स्कूल गोइंग बॉयज़ ऑफ साउथ वेस्ट डेल्ही", इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, 2021, 2(1)।

एस. के. गिरी और जे.पी. शर्मा, "ए स्टडी आन इफेक्ट ऑफ भामरी प्रानायाम ट्रेनिंग आन सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लडप्रेसर ऑफ स्कूल गोइंग चिल्ड्रेन", इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल 2020, 10 (1): 136-149।

एस. त्यागी, "मोटर फिटनेस कंपोनेन्ट्स ऑफ गवर्नमेंट एंड प्राइवेट स्कूल बॉयज़ ऑफ डेल्ही: ए कम्परेटिव एनालिसिस", द इटर्निटी: एन इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी पीयर रिव्यूड रेफरीड रिसर्च जर्नल 2020, 4 (1): 221-228.

2020-21 के दौरान प्रकाशित पुस्तकें : 4

धनंजय शॉ, "योग आसन और उनके लाभ", स्पोर्ट्स पब्लिकेशन 2020: 1-160.

धनंजय शॉ, "पैरेबल ग्लोबल इंग्लिश हिंदी डिक्शनरी ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज", खेल साहित्य केंद्र 2020: 1-565।

धनंजय शॉ, "स्पोर्ट्स ट्रेनिंग", स्पोर्ट्स पब्लिकेशन 2020: 1-371.

धनंजय शॉ, "एथलेटिक केयर एंड रिहैबिलिटेशन", स्पोर्ट्स पब्लिकेशन 2020: 1-548.

जर्नल

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग का प्रकाशन

इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज

संपादक मंडल

डॉ. धनंजय शॉ, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. जे.पी. शर्मा, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. सांध्य तिवारी, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. प्रदीप कुमार, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. समीरन चक्रवर्ती, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. सोनिया शालिनी, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. ललित शर्मा, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. राजवीर सिंह, सहयोगी प्रोफेसर, आई.जी.आई.पी.ई.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय

आयोजित संगोष्ठियां/वेबिनार

डॉ. धनंजय शॉ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान द्वारा 25 फरवरी और 26 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित "खेल प्रदर्शन के लिए मानसिक कल्पना" पर दो दिवसीय कार्यशाला के निदेशक के रूप में कार्य किया।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान और भास्कराचार्य महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज (शारीरिक शिक्षा विभाग), दिल्ली विश्वविद्यालय ने 29 मई 2020 को "मोटापा प्रबंधन" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान और भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय (शारीरिक शिक्षा विभाग), दिल्ली विश्वविद्यालय ने 9 जून 2020 को "स्वस्थ होने" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

डॉ. सरिता त्यागी ने इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 25 और 26 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित "खेल प्रदर्शन के लिए मानसिक कल्पना" पर दो दिवसीय कार्यशाला के आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया।

आयोजित सम्मेलन

स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसपीआई) के सहयोग से इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान और शारीरिक शिक्षा संस्थान और खेल विज्ञान विभाग, (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 9, 10 और 12 मार्च 2021 को खेल मनोविज्ञान पर काम कर रहे एथलीटों और कोचों के लिए चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ई-आयोजित सम्मेलन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. धनंजय शॉ को 29 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित मोटापा प्रबंधन पर राष्ट्रीय वेबिनार में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 12 से 18 जून, 2020 तक टग ऑफ वॉर गेम कैप्सूल कोर्स-2020 में कोविड-19 के इस संकट के दौरान व्यायाम और पोषण के माध्यम से फिटनेस प्रबंधन पर एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 12 से 18 जून, 2020 तक ऑनलाइन टग ऑफ वॉर कैप्सूल कोर्स-2020 में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने कोविड-9 के दौरान, 21 जून, 2020 को योगासन और ध्यान पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 22 और 23 जून, 2020 को "योग और ध्यान प्रशिक्षण शिविर पर विस्तार सेवाओं/सामाजिक आउटरीच पर दो दिवसीय वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ को 21 जुलाई, 2020 को आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित योग आसन और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए वेबिनार में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 24 अक्टूबर 2020 को फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) में शारीरिक शिक्षा और खेल पर 96वें फेसबुक लाइव सत्र में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 05 नवंबर, 2020 को भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के सहयोग से फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) द्वारा आयोजित स्ट्रक्चर ऑफ मोटर एक्शन: बायोमैडिकल कंसिडरेशन फॉर टीचिंग लर्निंग एंड ट्रेनिंग रिसर्च एंड इनोवेशन विषय पर ऑनलाइन ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम फॉर फिजिकल एजुकेशन टीचर्स एंड स्पोर्ट्स कोच थीम: वे फॉरवर्ड टू सस्टेनेबल ग्रोथ इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज पर प्रख्यात वक्ता के रूप में कार्य किया।

डॉ. जे. पी. शर्मा ने दिनांक 8 जून, 2020 को एस.पी.एम. महाविद्यालय (डी.यू.) पश्चिम पंजाबी बाग दिल्ली के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल की भूमिका पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. जे.पी. शर्मा ने दिनांक 01 जुलाई, 2020 को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी (हरियाणा) द्वारा आयोजित योग आयुर्वेद और प्रतिरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में कोविड-19 के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में योग की भूमिका पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. जे. पी. शर्मा ने दिनांक 29 अप्रैल 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य पर विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. सरिता त्यागी ने शारीरिक शिक्षा विभाग के साथ इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय और 31वें तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीत के मनोवैज्ञानिक पहलुओं" पर एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। यह सम्मेलन स्पोर्ट्स साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय और स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसपीआई) ने 9, 10 और 12 मार्च 2021 को स्पोर्ट्स साइकोलॉजी ऑफ सर्विंग एथलीट्स एंड कोच पर आयोजित किया था।

डॉ. सरिता त्यागी ने वाईएमसीए महाविद्यालय ऑफ फिजिकल एजुकेशन द्वारा 29 जून से 3 जुलाई 2020 तक आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में "एथलीटों के लिए प्रशिक्षण की तीव्रता का आकलन" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 21 से 25 अप्रैल 2020 तक किशनचंद चेलाराम महाविद्यालय, हैदराबाद (सिंध) द्वारा आयोजित एनएएसी मूल्यांकन और प्रत्यायन पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 11 अप्रैल 2020 को पीएच.डी. चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीएच.डी.सीसीआई द्वारा आयोजित कोविड -19 के बाद उच्च शिक्षा की चुनौतियों और अवसरों पर जूम वीसी मीट पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 25 अप्रैल 2020 को जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल आईक्यूएसी द्वारा आयोजित साहित्यिक चोरी की रोकथाम: गुणवत्ता अनुसंधान के निर्माण पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 21 अप्रैल 2020 को, दिल्ली विश्वविद्यालय के एमएचआरडी के गुरु आनंद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित *भारत में आईसीटी सक्षम उच्च शिक्षा: चुनौतियां और अवसर* पर राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में भाग लिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय ने रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2020 के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के भास्कराचार्य महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज के सहयोग से क्रमशः 29 मई और 9 जून 2020 को "मोटापा प्रबंधन" और "स्वस्थ होने" पर दो राष्ट्रीय वेबिनारों का आयोजन किया गया।

स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसपीएआई) के सहयोग से इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान और शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 9, 10 और 12 मार्च 2021 को खेल मनोविज्ञान पर चौथा अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, कार्यरत एथलीटों और कोचों के लिए, ई-आयोजित सम्मेलन किया गया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

100% नियोजित हैं या अन्यथा अन्य पाठ्यक्रम पूरा कर रहे हैं

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

डॉ. धनंजय शॉ ने 12 से 18 जून, 2020 तक ऑनलाइन टग ऑफ वॉर कैम्पस कोर्स-2020 में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 21 जून, 2020 को "कोविड -19 के दौरान योगासन और ध्यान पर योग का एक दिवसीय अंतराष्ट्रीय दिवस" में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 22 और 23 जून, 2020 को "योग और ध्यान प्रशिक्षण शिविर पर विस्तार सेवाओं/सामाजिक आउटरीच पर दो दिवसीय वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. धनंजय शॉ को आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21 जुलाई, 2020 को योग आसन और ध्यान को बढ़ावा देने के लिए वेबिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. धनंजय शॉ ने 24.10.2020 को शारीरिक शिक्षा फाउंडेशन (पीईएफआई) में शारीरिक शिक्षा और खेल पर 96 वें फेसबुक लाइव सत्र में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। एनएसपीओ का विषय था: मोटर एक्शन और मोटर क्वालिटीज (बायोमैकेनिकल मात्रात्मक और गुणात्मक दृष्टिकोण)।

डॉ. धनंजय शॉ ने 05 नवंबर, 2020 को भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के सहयोग से फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) द्वारा आयोजित ऑनलाइन ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम फॉर फिजिकल एजुकेशन टीचर्स एंड स्पोर्ट्स कोच के लिए: वे फॉरवर्ड टू सस्टेनेबल ग्रोथ इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज थीम पर प्रख्यात वक्ता के रूप में कार्य किया, इसका विषय था- स्ट्रक्चर ऑफ मोटर एक्शन: बायोमेडिकल कंशिडरेशन फॉर टीचिंग लर्निंग एंड ट्रेनिंग रिसर्च एंड इनोवेशन।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या: 13

संकाय की संख्या: 8

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

डॉ. सरिता त्यागी ने पीजी प्रवेश (बी.पी.एड., एम.पी.एड., पीएच.डी.) के लिए नोडल अधिकारी और संयोजक के रूप में कार्य किया।

डॉ. सरिता त्यागी ने 01 जनवरी 2021 को शारीरिक शिक्षा विभाग, कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए स्क्रीनिंग-सह-मूल्यांकन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. सरिता त्यागी ने 17 दिसंबर 2020 को शारीरिक शिक्षा विभाग, माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए शैक्षणिक ग्रेड पे से स्टेज 2 तक नियोजन के उद्देश्य से विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. सरिता त्यागी ने 18 दिसंबर 2020 को शारीरिक शिक्षा विभाग, माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए शैक्षणिक ग्रेड पे से स्टेज 3 तक नियोजन के उद्देश्य से विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. सरिता त्यागी को , दिल्ली विश्वविद्यालय के बी.पी.एड और एम.पी.एड. प्रवेश, डीपीईएसएस के लिए 27, 28 नवंबर और 1,2,3, और 7 दिसंबर, 2020 को खेल प्रवीणता अंकों के मूल्यांकन/सत्यापन के लिए विशेषज्ञ नियुक्त किया गया।

डॉ. सरिता त्यागी ने 03 मार्च 2021 को शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के पेपर सेटिंग के लिए मॉडरेशन-कॉम-समन्वय समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. सरिता त्यागी ने सहायक प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स के पद के आवेदनों की जांच के लिए सदस्य स्क्रीनिंग कमेटी के रूप में कार्य किया।

पादप आणविक जीव विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग में पौधों के विकास और तनाव प्रतिक्रिया में शामिल जीनों के कार्यों की जांच करने के लिए अनुसंधान पर ध्यान दिया गया है, ताकि उन्हें हमारी दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा के लिए फसल की पैदावार बढ़ाने के राष्ट्रीय प्रयास में एकीकृत किया जा सके। इसके लिए, चावल के कई जीन, अर्थात् सीडीपीके29, मेड14, मेड 26, एमएडीएस29 और टीएफआईआईबी का लक्षण वर्णन किया गया है। गेहूँ में, टीएएसईआरकेएस, टीएचएसएसएफ, टीएजेडएनएफ, टीएबीजेडआईपी, टीएचएसपी26, टीएएलटीपी1 और 2 और टीएएमआईपीएस2 जैसे जीनों के कार्यों का पता चला है, जिन्होंने उच्च तापमान पर पौधों की रक्षा करने में अपनी भूमिका दर्शाई है। एक रेडॉक्स-संवेदनशील ग्रीन फ्लोरोसेंट प्रोटीन का उपयोग किया गया है, जिसने नाभिक और साइटोसोल दोनों में रेडॉक्स घटकों में बड़ी वृद्धि का संकेत दिया है। मॉडल प्लांट अरेबिडोप्सिस थालियाना और चावल का उपयोग करते हुए, पोषक तत्वों की सीमा और अजैविक तनावों के अंतर्गत कैल्शियम-मध्यस्थता संकेतन में

भाग लेने वाले नए जीन का पता चला है। जौ, फॉक्सटेल मिलेट और मक्का जैसी फसलों में उपयोग के लिए एक नई जीन साइलेंसिंग प्रणाली विकसित की गई है।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर ए.के. त्यागी

प्रोफेसर ए.के. शर्मा मेमोरियल लेक्चर अवार्ड, एनएसआई, प्रयागराज, 2020।

प्रोफेसर पी. खुराना

4 वर्ष की अवधि के लिए एसटीईएमएम में महिलाओं के लिए अंतर-अकादमी पैनल के सदस्य नियुक्त।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया, प्रयागराज (2021) के महासचिव (बाहरी)।

प्रकाशन

पी. अग्रवाल और पी. खुराना, (2020). ट्रिटिकम एस्टिवम की एक सी3एचसी4 प्रकार की रिंग जिनक फिंगर प्रोटीन, टीएजेडएनएफ, निर्जलीकरण और लवणता तनाव में शामिल है। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29(3), 395-406. जारी करने की तारीख: 10.1007/s13562-019-00546-8

आकाश, परिदा, ए.पी., श्रीवास्तव, ए., माथुर, एस., शर्मा, ए.के. और कुमार, आर। (2021). टमाटर में फॉस्फेट की कमी के अंतर्गत एफ-बॉक्स सुपरफैमिली जीन की पहचान, विकासवादी रूपरेखा और अभिव्यक्ति विश्लेषण। प्लांट फिजियोल. बायोकैम., 162, 349-362.

आर. बब्बर, बी. करपिंस्का, ए. ग़ोवर और सी.एच. फ़ोयर (2021). नाभिक और साइटोसोल का ऊष्मा-प्रेरित ऑक्सीकरण। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 11, 1-16. <https://doi.org/10.3389/fpls.2020.617779>

एस. बाल्यान, एस.वी. जोसेफ, आर. जैन, आर.डी. मुटम और एस. रघुवंशी, (2020). चावल में एमआईआरएनए/5' आईएसओएमआईआरएनएएस कार्य और सूखे की मध्यस्थता वाले एमआईआरएनए प्रसंस्करण की जांच। फंक्शनल एंड इंटीग्रेटिव जीनोमिक्स, 20(4), 509-522. जारी करने की तारीख: 10.1007/s10142-020-00731-2

ए. भास्कर, एल. के. पॉल, ईशर्मा, एस झा, एम. जैन और जे.पी. खुराना, (2021)।, चावल के एक टाइप-ए प्रतिक्रिया नियामक, ओएसआरआर6 के अरबिडोप्सिस में अति-व्यक्त होने पर यह साइटोकिनिन, प्रकाश और तनाव प्रतिक्रियाओं की मध्यस्थता करता है। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 161, 98-112। जारी करने की तारीख: 10.1016/j.plaphy.2021.01.047

ए. भटनागर, एस. सिंह, जे.पी. खुराना और एन. बर्मन, (2020). एचवाई5-सीओपी1: लाइट सिग्नलिंग पाथवे का केंद्रीय माड्यूल। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29(4), 590-610. जारी करने की तारीख: 10.1007/s13562-020-00623-3

एन. बर्मन, डी. चंद्रन और जे.पी. खुराना, (2020). चावल के पौधों में क्षणिक जीन अभिव्यक्ति के लिए एक तीव्र और अत्यधिक कुशल विधि। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 11. <https://doi.org/10.3389/fpls.2020.584011>

सी. चौधरी, एन.शर्मा, और पी. खुराना, (2021). गर्मी तनाव सहिष्णुता के लिए चावल में व्हीट एवन ट्रांसक्रिप्टोम और ओवरएक्सप्रेसिंग टीएआरसीए1 β को डिकोड करना। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 105(1-2), 133-146. जारी करने की तारीख: 10.1007/s11103-020-01073-0

ए. डावर, एस.के. परिदा और ए.के. त्यागी, (2020). अनाज की आनुवंशिक वृद्धि के लिए एकीकृत जीनोमिक रणनीतियाँ: क्यूटीएल और एसोसिएशन मैपिंग का संयोजन। मेथड्स इन मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (क्लिफ्टन, एन.जे.), 2072, 15-25. 15-25. https://doi.org/10.1007/978-1-4939-9865-4_3

पी. देवेश्वर, ए. प्रस्टी, एस. शर्मा, और ए.के. त्यागी(2020).फाइटोहोर्मोन-मध्यस्थ आणविक तंत्र जिसमें चावल में कई जीन और क्यूटीएल शामिल होते हैं, अनाज संख्या को नियंत्रित करते हैं। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, 11(नवंबर)। <https://doi.org/10.3389/fgene.2020.586462>

पी. देवेश्वर, एस. शर्मा, ए. प्रस्टी, एन. सिन्हा, एस.एम. ज़रगर, डी. करवाल,... ए.के. त्यागी(2020).चावल के परमाणु-स्थानीयकृत बीज-व्यक्त प्रोटीन और उनके डेटाबेस (आरएसएनपी-डीबी) का विश्लेषण। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 10(1), 15116. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-70713-8>

वी. गहलौत, एच. समतानी और पी. खुराना, (2020).गेहूं में सूखे और गर्मी के तनाव के दौरान साइटोसिन -5 डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज़ की जीनोम-वाइड पहचान और अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग (ट्रिटिकम एस्टिवम)। जीनोमिक्स, 112(6), 4796-4807. जारी करने की तारीख:10.1016/j.ygeno.2020.08.031

जे. गिरि, एस.के. परिदा, एस. रघुवंशी और ए.के. त्यागी (2021). चावल सूखा सहनशीलता में सुधार के लिए उभरती आणविक रणनीतियाँ। करेंट जीनोमिक्स, 22(1), 16-25. <https://doi.org/10.2174/1389202921999201231205024>

आर. कांत, के. कुमारी, पी. मिश्रा, आर. राय, के. सिंह, और आई. दासगुप्ता, (2021). एक्सए38 की वायरस-प्रेरित जीन साइलेंसिंग चावल के बैक्टीरियल ब्लाइट रोग के प्रतिरोध से समझौता करती है। फिजियोलॉजिकल एंड मॉलीक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी, 113(अप्रैल 2020), 101583. <https://doi.org/10.1016/j.pmpp.2020.101583>

पी. कौर, एस. जिंदल, बी. यादव, आई. यादव, ए. महतो, पी. शर्मा, ... के. सिंह, (2020).द्विगुणित और हेक्साप्लोइड गेहूं में गुणसूत्र 2ए आणविक संगठन का तुलनात्मक विश्लेषण। मॉलीक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स, 47(3), 1991-2003. <https://doi.org/10.1007/s11033-020-05295-9>

जे.पी.खुराना और आर. श्रीनिवासन, (2020).संपादकीय, जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी,29(4), 573-574. <https://doi.org/10.1007/s13562-020-00631-3>

ए. कुमार, ए. डावर, ए. कुमार, वी. कुमार, गोपाल कृष्णन, एस., मंडल, एस., पात्रा, बीसी, सिंह, एके, त्यागी, एके, परिदा, एसके, और ठाकुर, जेके (2020). बहुरूपताओं के जीनोम-व्यापी विश्लेषण ने महत्वपूर्ण चावल के दाने के आकार/वजन मात्रात्मक विशेषता लोसी. को ले जाने वाले पालन-संवंधी लंबे निम्न-विविधता वाले क्षेत्र की पहचान। द प्लांट जर्नल:फॉर सेल एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी, 103(4), 1525-1547. <https://doi.org/10.1111/tpj.14845>

जी. कुमार और आई. दासगुप्ता, (2021) राइस टुंग्रो बैसिलिफॉर्म वायरस के टाइटर्स टुंग्रो रोग से प्रभावित चावल के पौधों में सेल वॉल डायनेमिक्स से संबंधित जीन के अभिव्यक्ति स्तर को निर्धारित करते हैं। आर्काइव्स ऑफ वायरोलॉजी, 166, 1325-1336, doi.org/10.1007/s00705-021-05006-0.

जी. कुमार और आई. दासगुप्ता, (2021) प्लांट वायरस मूवमेंट प्रोटीन की परिवर्तनशीलता, कार्य और परस्पर क्रिया: अब तक हम क्या जानते हैं? माइक्रोआर्गेनिज्म्स, 9(4), 695. [doi.org /10.3390/microorganisms9040695](https://doi.org/10.3390/microorganisms9040695).

जी. कुमार और आई. दासगुप्ता, (2021) चावल में वायरस प्रतिरोध विकसित करने के लिए ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण। इन: जीनोम इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इम्प्रूवमेंट, कॉन्सेप्ट्स एंड स्ट्रेटजीज इन प्लांट साइंसेज, बी.के. सरमा और बी.के. बोरा, (संपा.),स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड एजी, doi.org/10.1007/978-3-030-63372-1_2.

आर. कुमार, एल. खुंगर, आर. शिमफ्रूई, एल.डी. तिवारी, जी. त्रिपाठी, एन. के. सरकार, ... ए. गोवर, (2020). एटीएचएसपी101 अनुसंधान गर्मी के तनाव के विरुद्ध फसलों के आनुवंशिक सुधार के लिए कार्रवाई निर्धारित करता है। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29(4), 715-732. <https://doi.org/10.1007/s13562-020-00624-2>.

एस. ली, एस. नायर, एच. जिया, एस. कूपर, वू, जे. और युकावा, वाई. (2020). अरेबिडोप्सिस हाइपोक्सिया इंड्यूसिबल एटीआर8 लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए भी सैलिसिलिक एसिड के निम्न स्तर के अंतर्गत डब्ल्यूआरकेवाई जीन के साथ समन्वय स्थापित करने वाले पौधों की रक्षा और जड़ की वृद्धि में योगदान देता है। नॉन कोडिंग आरएनए, 6(1), 8. <https://doi.org/10.3390/ncrna6010008>.

माजी मैत्रा, एस., ईशर्मा, बी. सिंह और जे.पी. खुराना, (2020). सूखा प्रेरित प्रोटीन (डीआई19-3) अरबिडोप्सिस में आईएए14 के साथ संपर्क कर ऑक्सिन सिग्नलिंग में भूमिका निभाता है। प्लांट डॉ.यरेक्ट, 4(6), e00234. <https://doi.org/10.1002/pld3.234>.

एन. मलिक, आर. रंजन, एस.के. परिदा, पी. अग्रवाल और ए. के. त्यागी, (2020).चावल के विकास में मध्यस्थ सबयूनिट ओएसएमईडी14_1 एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्लांट जर्नल, , 101(6), 1411-1429. जारी करने की तारीख:10.1111/tpj.14605.

एस.आर. मंजूनाथ, एम. गौड़ा, के.सी. नारायणस्वामी, के.एस. जगदीश, धनलक्ष्मी, के.एच., पी. खुराना और के.एन. नटराज, (2021). कीटों के जीवन चक्र का आकलन करते हुए, ट्रांसजेनिक शहतूत पर पाले गए डायफेनिया पुलवेरुलेंटलिस (हैम्पसन) और मैकोनेलिकोकस हिर्सुटस ग्रीन। 3 बायोटेक, 11(2), 64. <https://doi.org/10.1007/s13205-020-02621-7>.

एस. मीना, एस. देब, एच. समतानी, और पी. खुराना, (2020). हीट स्ट्रेस के अंतर्गत ट्रिटिकम ब्यूटीविम एसटीआई परिवार के सदस्यों के आणविक कार्य का विच्छेदन। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, 11, 873. <https://doi.org/10.3389/fgene.2020.00873>.

एन. नेगी और पी. खुराना, (2021). एक सैलिसिलिक एसिड इंड्यूसिबल शहतूत डब्ल्यूआरकेवाई प्रतिलेखन कारक, एमआईडब्ल्यूआरकेवाई53 पौधे की रक्षा प्रतिक्रिया में शामिल है। प्लांट सेल रिपोर्ट्स, 10.1007/s00299-021-02710-8.

बी.के. पांडे, एल. वर्मा, ए. प्रस्टी, ए.पी. सिंह, एम.जे. बेनेट, ए.के. त्यागी, जे. गिरी और पी. मेहरा, (2021). ओएसजेएजेड11 चावल में फॉस्फेट भुखमरी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। प्लांटा, 254(1), 8. <https://doi.org/10.1007/s00425-021-03657-6>.

ए. पारीक, वी. सोनी, एस.के.सोपोरी, जे.पी. खुराना, सौम्या श्री के., ए. के. त्यागी ... जी. गोविंदजी (2020). सतीश चंद्र माहेश्वरी (1933-2019)—ए ब्रिलिएंट, पैशियेंट एंड आउटस्टैंडिंग शाइनिंग लाइट फॉर ऑल ऑफ प्लांट बायोलॉजी। फिजियोलॉजी एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स, 26(6), 1087-1098. जारी करने की तारीख:10.1007/s12298-020-00794-2.

जी. पैरी, एन.जे. प्रोवार्ट, एस.एम. ब्रैडी, बी. उज़िल्डे और मल्टीनेशनल अरबिडोप्सिस स्टीयरिंग कमेटी (2020). करेंट स्टेटस ऑफ द मल्टीनेशनल अरबिडोप्सिस कम्यूनिटी। प्लांट डॉ.यरेक्ट, 4(7), e00248. <https://doi.org/10.1002/pld3.248>.

एस.के. सान्याल, एस. महिवाल, डी.एम. नांबियार और जी. के. पांडे, (2020), सीबीएल-सीआईपीके मॉड्यूल-मेडिएटेड फॉस्फोरग्यूलेशन: फैक्ट्स एंड हिफोथिसिस। द बायोकेमिकल जर्नल, 477(5), 853-871. <https://doi.org/10.1042/BCJ20190339>

जी. सरिपल्ली, के. सिंह, टी. गौतम, एस. कुमार, एस. रघुवंशी, पी. प्रसाद, . . . पी.के. गुप्ता, (2020), जीनोम-वाइड एनालिसिस ऑफ एच3के4एमई3 एंड एच3के27एमई3 मॉडिफिकेशन्स ड्यू टू एलआर28 फॉर लीफ रस्ट रेजिस्टेंस इन ब्रेड व्हीट (ट्रिटिकम एस्टिवम)। प्लांट मॉलीक्यूलर बायोलॉजी , 104(1-2), 113-136. जारी करने की तारीख:10.1007/s11103-020-01029-4.

एन. के. सरकार, एस. कोटक, एम. अग्रवाल, वाई.के. किम और ए. गोवर, (2019). साइलेंसिंग ऑफ क्लॉस-1 स्माल हीट शॉक प्रोटीन्स इफेक्ट्स सीड रिलेटेड एट्रिब्यूट्स एंच थर्मोटोलरेंस इन राइस सीडलिंग्स। प्लांटा, 251(1), 26. <https://doi.org/10.1007/s00425-019-03318-9>.

ई.शर्मा, बोरा, पी., कौर, ए., भटनागर, ए., महापात्रा, टी.,एस. कपूर और जे.पी. खुराना,(2021). विषम चावल की किस्मों का एक व्यापक प्रतिलेख विश्लेषण गर्मी तनाव प्रतिक्रिया में ऑक्सिन और एबीए उत्तरदायी जीन की भूमिका पर प्रकाश डालता है। जेनोमिक्स, 113(3), 1247-1261. जारी करने की तारीख:10.1016/j.ygeno.2021.03.007.

एन.शर्मा, सी. चौधरी और पी. खुराना, (2020). गेहूं मायो-इनोसिटोल फॉस्फेट सिंथेज़ एथिलीन मध्यस्थता संकेतन के माध्यम से पौधे की वृद्धि और तनाव प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 10(1), 10766. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-67627-w>.

एन. शर्मा, सी. चौधरी और पी. खुराना, (2020). अरेबिडोप्सिस में स्कोटोमोर्फोजेनेसिस के दौरान मायो-इनोसिटोल की भूमिका। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 10(1), 17329. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-73677-x>.

डी. सिंह, आर. यादव, एस. कौशिक, एन. वाधवा, एस. कपूर और एस. कपूर, (2020). पीपीडीएनएमटी2 का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण और मॉस फिस्कोमिट्रेला पेटेंट में डीएनएमटी2 के एक उपन्यास इंटरैक्टर के रूप में सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज की पहचान। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 11, 1185. <https://doi.org/10.3389/fpls.2020.01185>.

जी. सिंह, एन. के. सरकार और ए. गोवर, (2021). एथिलीन और एचएसएफए2 के बीच टैंगो हीट टॉलरेंस को व्यवस्थित करता है। ट्रेंड्स इन प्लांट साइंस, 26(5), 429-432. <https://doi.org/10.1016/j.tplants.2021.03.003>.

एन. सिंह और जी. के. पांडे, (2020). अरबिडोप्सिस थालियाना में माइक्रोब इंटरैक्शन के दौरान कैल्शियम सिग्नल और सिग्नल ट्रांसडक्शन स्कीम। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 29(4), 675-686. <https://doi.org/10.1007/s13562-020-00604-6>.

ए. के. श्रीवास्तव, ए. शंकर, नलिनी चंद्रन, ए.के., एम. शर्मा, के.एच. जंग, पी. सुप्रसन्ना, और जी. के. पांडे, (2020). पौधों में पोटेथियम होमोस्टैसिस की उभरती अवधारणाएं। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बॉटनी, 71(2), 608-619. <https://doi.org/10.1093/jxb/erz458>.

एल. डी. तिवारी, एल. खुंगर और ए. गोवर (2020). एटीएचएससी70-1, एचएसएफएस और एचएसपी101 की गतिविधि को प्रभावित करके अरबिडोप्सिस थालियाना में बेसल हीट टॉलरेंस को नकारात्मक रूप से नियंत्रित करता है। द प्लांट जर्नल:फॉर सेल एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, 103(6), 2069-2083. <https://doi.org/10.1111/tpj.14883>.

वी. त्यागी, वी. परिहार, जी. मलिक, वी. कालरा, एस. कपूर और एम. कपूर, (2020). डेड-बॉक्स आरएनए हेलीकेस ईएलएफ4ए पौधे के विकास को नियंत्रित करता है और फिस्कोमाइट्रेला पेटेंट में एचएनआरएनपी एलआईएफ2एल1 के साथ प्रतिक्रिया करता है। मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स, 295(2), 373-389. जारी करने की तारीख:10.1007/s00438-019-01628-x.

वी. त्यागी, वी. परिहार, डी. सिंह, एस. कपूर और एम. कपूर, (2021). डेड-बॉक्स आरएनए हेलीकेस ईएलएफ4ए1 मॉस फिस्कोमाइट्रेला में एसडब्ल्यूआई2/एसएनएफ2-संबंधित क्रोमैटिन रिमॉडलिंग एटीपीएसई डीडीएण1 के साथ प्रतिक्रिया करता है। बायोकिमिका एंड बायोफिज़िका एक्टा. प्रोटीन और प्रोटीओमिक्स, 1869(3), 140592. <https://doi.org/10.1016/j.bbapap.2020.140592>.

वर्मा, ए., प्रकाश, जी., रंजन, आर., त्यागी, ए.के., और अग्रवाल, पी. (2021). यूबिकिटिन लिगेज को बंद करने से इंडिका चावल में अनाज की चौड़ाई और वजन बढ़ जाते हैं। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, 11, 600378. <https://doi.org/10.3389/fgene.2020.600378>.

संपादित पुस्तकें

जी. के. पांडे, (2020). प्रोटीन फॉस्फेट्स एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट इन प्लांट्स: फंक्शनल जीनोमिक्स पर्सपेक्टिव्स। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, आईएसबीएन 978303030487324.

जी. के. पांडे, (2020). पौधों में प्रोटीन काइनेसे एंड स्ट्रेस सिग्नलिंग: फंक्शनल जीनोमिक्स पर्सपेक्टिव्स। विले ब्लैकवेल, आईएसबीएन 97811119541516.

जी. के. पांडे और एस. के. सान्याल, (2020). फंक्शनल डिसेक्शन ऑफ कैल्शियम होमियोस्टेसिस एंड ट्रांसपोर्ट मशीनरी इन प्लांट्स। स्प्रिंगर ब्रीफ्स इन प्लांट साइंस, जारी करने की तारीख: 10.1007/978-3-030-58502-0, आईएसबीएन 978-3-030-58501-3.

जी. के. पांडे और एस. महिवाल, (2020). रोल ऑफ पोटेसियम इन प्लांट्स। स्प्रिंगर ब्रीफ्स इन प्लांट साइंस, आईएसबीएन 978-3-030-45953-6.

पुस्तकों में अध्याय

आई. अहमद, और जी. के. पांडे (2020). कैल्शियम ट्रांसपोर्ट एलीमेंट्स एंड एबायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट: पौधों में मशीनरी इन्वाल्ड इन जेनरेशन ऑफ कैल्शियम सिग्नेचर इन प्लांट्स। रॉयचौधरी व अन्य (संपा.) में, ट्रांसपोर्टर्स एंड प्लांट ऑस्मोटिक स्ट्रेस। एकेडमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9780128179581.

एस.के. झा और जी. के. पांडे (2020). काशन/एच+ एक्सचेंजर (सीएएक्स) इन प्लांट्स: रोल इन डेवलपमेंट एंड स्ट्रेस रेस्पान्स। उपाध्याय एस के (सं.) में, कैल्शियम ट्रांसपोर्ट एलीमेंट्स इन प्लांट्स। एकेडमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9780128217924.

एस.के. झा और जी. के. पांडे (2020). पौधों में मल्टीमेंबर सीएनजीसी फैमिली इन प्लांट्स: रोल इन डेवलपमेंट एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट। उपाध्याय एसके (सं.) में, कैल्शियम ट्रांसपोर्ट एलीमेंट्स इन प्लांट्स। एकेडमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9780128217924.

विभाग से प्रकाशित जर्नल

विभाग के कई शिक्षक विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादक, संपादकीय मंडल के सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत हैं।

प्रोफेसर ए. के. त्यागी

आणविक और सामान्य जीनोमिक्स, ट्रांसजेनिक अनुसंधान, और चावल

प्रो. जे.पी. खुराना

एसोसिएट एडिटर, फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स

प्रो. संजय कपूर

एसोसिएट एडिटर, राइस

प्रोफेसर जी.के. पांडे

संपादकीय मंडल के सदस्य, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, एनपीजी

पीएलओएस वन के अकादमिक संपादक

एसोसिएट संपादक, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर

प्लांट सिग्नलिंग एंड बिहेवियर के संपादकीय मंडल के सदस्य
वर्तमान जैव प्रौद्योगिकी के संपादकीय मंडल के सदस्य
करेंट जीनोमिक्स के संपादकीय मंडल के सदस्य
संपादक, फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रोफेसर अखिलेश कुमार त्यागी

उप-परियोजना 1: राष्ट्रीय चावल कार्यात्मक जीनोमिक्स कंसोर्टियम परियोजना के अंतर्गत जीन नियामक नेटवर्क और ट्रांसक्रिप्शनल तंत्र का लक्षण वर्णन, चावल में प्रजनन विकास में शामिल आनुवंशिक और एपिजेनेटिक नियामक नेटवर्क के कार्यात्मक लक्षण वर्णन, 2015-2021, डीबीटी 167.4 लाख।

प्रोफेसर परमजीत खुराना

शहतूत जीनोमिक दृष्टिकोण पर बहु संस्थागत नेटवर्क परियोजना (2018-2021)।

एनडब्ल्यू1: शहतूत के लिए जीनोमिक संसाधन: भारतीय शहतूत परमाणु जीनोम अनुक्रमण, जेएनयू, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से। (85.34 लाख ₹)।

एनडब्ल्यू 3ए: शहतूत में विकास और अजैविक तनाव संबंधी जीन की खोज और सत्यापन, जीकेवीएस, यूएसएस बैंगलोर के साथ संयुक्त रूप से। (89.62 लाख ₹)।

प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता

वायरस के विरुद्ध प्रतिरोध के लिए एक वायरस-प्रेरक जीन संपादन प्रणाली का विकास, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद, 14-01-2021 से 13-07-2022, (₹ 30.0 लाख)।

प्रोफेसर संजय कपूर

तंबाकू बीवाई-2 कोशिकाओं में स्टार्च नियामक और बायोसिंथेटिक मशीनरी के घटकों में हेरफेर करके सेल-लाइन आधारित स्टार्च बायो-फैक्ट्री सिस्टम का विकास, 13 फरवरी, 2020 - 12 फरवरी, 2023, 53 लाख ₹

उप-परियोजना IV: जीन रेगुलेटरी नेटवर्क्स और ट्रांसक्रिप्शनल मैकेनिज्म का कैरेक्टराइजेशन जो नर गैमेटोफाइट को नियंत्रित करता है, नेशनल राइस फंक्शनल जीनोमिक्स कंसोर्टियम प्रोजेक्ट शीर्षक के अंतर्गत, चावल में प्रजनन विकास में शामिल आनुवंशिक और एपिजेनेटिक नियामक नेटवर्क के कार्यात्मक लक्षण वर्णन, 2015-2021 डीबीटी 167.4 लाख ₹।

प्रो. अरुण कुमार शर्मा

टमाटर पकने का नेटवर्क। (2015-2021)। डीबीटी 130.98 लाख ₹।

एपिजेनोम (2016-2021) के हेरफेर द्वारा टमाटर में पकने का नियमन। डीबीटी 91.74 लाख ₹।

प्रोफेसर जी.के. पांडे

फसली पौधों, बीआरएनएस, डीआई, भारत में अजैविक तनाव सहिष्णुता में सुधार के लिए हेलोफाइट विशिष्ट जीन का उपयोग, (02-07-20 से 01-07-2023, 31.58 लाख ₹)

डॉ. सौरभ रघुवंशी

जीनोम-वाइड एसोसिएशन स्टडीज के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विकास में चावल की भूमि की विविधता को मुख्यधारा में लाना: चावल के जीन बैंक संग्रह के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए एक मॉडल (मार्च 2020-25) प्रमुख अन्वेषक, डीबीटी, 603 लाख ₹।

पेटेंट दायर/स्वीकृत

पेटेंट दायर

शीर्षक - क्लोन वायरल डीएनए के एगोबैक्टीरियम-मध्यस्थता टीकाकरण का उपयोग करके भिंडी के पौधों को वायरस से संक्रमित करने की एक विधि।

आयोजित सम्मेलन

प्रोफेसर ए.के. त्यागी

फ्रंटियर्स इन प्लांट बायोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन, यूओएच, हैदराबाद, 2020.

एनसीआरएबीएस 2020, जेएमआई, नई दिल्ली, 2020 (मुख्य वक्तव्य)।

डीयू-लीप पहल, आईएनएसए, नई दिल्ली, 2020.

वेबिनार, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2020.

वेबिनार, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली, 2020.

वेबिनार, न्यूट्रीशन इन टाइम्स ऑफ पांडेमिक्स, आईएनएसए और एनएसआई, दिल्ली, 2020।

वेबिनार, इंडो-ग्लोबल बायोडाटा गठबंधन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2020।

वेबिनार, इग्नू, अमरकंटक, 2020.

वेबिनार, एनएसआई-आईबीएसडी, प्रयागराज और इफॉल, 2020।

वेबिनार, आईआईएसएफ2020-जैव विविधता सम्मेलन, एनबीआरआई, लखनऊ, 2020 (मुख्य वक्तव्य)।

प्रोफेसर पी. खुराना

दिनांक 24.09.2020 को "कोविड -19 के दौरान प्रभावी पोषण (पोषण)" पर एनएसआई और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएच) की ओर से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

प्रोफेसर पी. खुराना

22 सितंबर, 2020 को एनएसआई और आईएनएसए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "महामारी के समय में पोषण" पर वेबिनार में "ईडब्ल्यूएस की पोषण संबंधी चुनौतियों का सामना करना" पर आमंत्रित वार्ता।

स्कूली बच्चों और छात्रों, शोधकर्ताओं के लिए 1 अक्टूबर, 2020 को 'न्यूट्रीशन: ए वेपन टू कॉम्बैट कोविड-19' (एनएसआई और डीबीटी-एनआईपीजीआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) पर वेबिनार में "एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए पोषण संबंधी चुनौतियों का सामना करना" पर आमंत्रित वार्ता। .

दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल महाविद्यालय द्वारा डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना 2019-2022 के अंतर्गत 14 अक्टूबर, 2020 को आयोजित "वैज्ञानिक अनुसंधान विधियों में नवाचार" पर संकाय विकास कार्यक्रम में "वैज्ञानिक लेखन और प्रस्तुति" शीर्षक से आमंत्रित वार्ता।

27 नवंबर, 2020 को 17:00 बजे, आईसीएआर-राष्ट्रीय अजैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एनआईएसएम), बारामती, भारत और एलायंस ऑफ बायोवर्सेटी इंटरनेशनल एंड इंटरनेशनल सेंटर फॉर ट्रॉपिकल एग्रीकल्चर (सीआईएटी), एशिया-भारत, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "सुधार के लिए जीनोमिक्स रणनीतियाँ" फसल पौधों में अजैविक तनाव सहनशीलता" वेबिनार में भाग लिया।

11 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी (आरएम-20) पर कार्यशाला में "द आर्ट ऑफ साइंटिफिक प्रेजेंटेशन एंड राइटिंग" पर एक प्रस्तुति दी।

11 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी (आरएम-20) पर कार्यशाला में "साइंटिफिक ग्रांट राइटिंग एंड प्रॉस्पेक्टिंग फॉर फंड्स" पर एक प्रस्तुति दी।

12 जनवरी, 2021 को "कोविड-19 महामारी के लिए जागरूकता अभियान" पर एनएसआई की नई पहल के अंतर्गत एनएसआई-वाराणसी चैप्टर के संयुक्त वेबिनार में समापन टिप्पणी दी।

11 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी (आरएम-20) पर कार्यशाला में "द आर्ट ऑफ साइंटिफिक प्रेजेंटेशन एंड राइटिंग" पर एक प्रस्तुति दी।

11 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी (आरएम-20) पर कार्यशाला में "साइंटिफिक ग्रांट राइटिंग एंड प्रॉस्पेक्टिंग फॉर फंड्स" पर एक प्रस्तुति दी।

एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एमआई) और इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कंटेमिनेशन रिसर्च (आईएससीआर) द्वारा ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई), दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईआरआई), नई दिल्ली के सहयोग से, 3-5 फरवरी, 2021 से को आयोजित 61वें एएमआई सम्मेलन में 3 फरवरी, 2021 को "ट्रिटिकम एस्टिवम एल में गर्मी तनाव सहिष्णुता को कम करने में पीजीपीआर की भूमिका की जांच" शीर्षक से एक प्रस्तुति दी।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएसआई) - दिल्ली चैप्टर और दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 10 फरवरी, 2021 को संयुक्त रूप से आयोजित "विज्ञान में महिलाओं द्वारा विज्ञान और इंजीनियरिंग में फ्रंटियर्स" पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में "वैज्ञानिक अनुदान लेखन और धन के लिए पूर्वक्षण" पर एक प्रस्तुति दी।

22 मार्च, 2021 को (स्वर्गीय) श्री एसएल कोचर, वनस्पति विज्ञान विभाग, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्मृति में "जलवायु लचीला फसलों के लिए जीन और जीनोमिक्स की भूमिका" पर एक प्रस्तुति दी।

प्रोफेसर जी.के. पांडे

पौधों में पोटेशियम की कमी से लागू अजैविक तनाव प्रबंधन: एक कार्यात्मक जीनोमिक्स हस्तक्षेप। फसल पौधों में अजैविक तनाव सहिष्णुता में सुधार के लिए जीनोमिक्स रणनीतियाँ, राष्ट्रीय अजैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, बारामती, महाराष्ट्र, 27 नवंबर, 2020।

माइक्रोकॉन्ड्रियल गेट-कीपर की कहानी: हम वीडिपीसी और पौधों में इसके कार्य के बारे में क्या जानते हैं? प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी में वर्तमान ट्रेंड्स, नेशनल वर्चुअल कॉन्फ्रेंस, सोसाइटी फॉर प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली और बिट्स पिलानी, गोवा, 20-21 नवंबर, 2020।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एनएसआई, आईसीएआर से प्रमुख अन्वेषक के रूप में, चार सीसीपीआई- मदन पाल सिंह, प्लांट फिजियोलॉजी विभाग, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली; गिरीश चंदेल, आईजीकेवी, रायपुर; मनु अग्रवाल, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली और एस वनिशी, पीजेटीएसएयू, हैदराबाद के साथ "थर्मल स्ट्रेस के अधीन चावल में स्पाइकलेट फर्टिलिटी और कम चाकलीनेस के लिए सुपर डोनर और एलील्स की पहचान" पर एक शोध परियोजना पर काम कर रहे हैं।

संकाय सदस्यों की जेएनयू, नई दिल्ली, जीकेवीके, यूएस, बेंगलुरु; आईआईएससी. बेंगलुरु; उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद; एनसीबीएस, बेंगलुरु और आईआईएसआईआर तिरुवनंतपुरम के साथ सहयोगी परियोजनाएं भी चल रही हैं।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्गत विद्यार्थी

पीएमबी संकाय सदस्यों की भारत और विदेशों में कई संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाएं हैं। पूरे भारत के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के कई विद्यार्थी छोटी अवधि के विशेष प्रयोगों के लिए पीएमबी जाते हैं।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत):

विभाग से उत्तीर्ण होने वाले 70% से अधिक विद्यार्थी अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों में लगे हुए हैं।

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियां

विभाग के संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों और वेबिनार में महाविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की, जो विस्तार और आउटरीच गतिविधियों में शामिल हैं।

प्रदत्त एम.फिल/पी.एचडी. की डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. से सम्मानित किया गया : 8

संकाय की संख्या : 9

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयां

विभाग ने समीक्षाधीन वर्ष में अनुसंधान गतिविधियों के लिए एक उन्नत इमेजिंग इकाई स्थापित की है। इसे भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित किया गया है। इस इकाई में इस क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग करनेवाले कन्फोकल माइक्रोस्कोप, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप और बायोल्सूनिमेशन इमेजिंग शामिल हैं। इन सुविधाओं से विभाग में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशा है।

विधि संकाय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 चुनौतियों के साथ-साथ अद्वितीय लक्ष्यों की उपलब्धियों से भरा रहा है। कोरोना महामारी के कारण राष्ट्रीय लॉकडाउन के बाद विधि संकाय को भौतिक रूप से वंद कर दिया गया है। बहरहाल, शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ नहीं रुकने दी गई है विधि संकाय की प्रमुख और विधि विभाग की संकायाध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) वंदना की देखरेख और मार्गदर्शन में विधि संकाय का एक आभासी सेट अप बनाया गया है। एलएल.बी., एलएल.एम और पीएच.डी. पाठ्यक्रम की कक्षाएं ऑनलाइन चलाई जा रही हैं। शिक्षण और गैर-शिक्षण सभी कर्मचारियों के ठोस प्रयासों के कारण अकादमिक ऊंचाइयों को उल्लेखनीय रूप से बरकरार रखा गया है।

जर्नल

डेली लॉ रिव्यू (डीएलआर)

डेली लॉ रिव्यू (आईएसएएसएन 0971-4936) दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रमुख विधि पत्रिका है और 1972 से प्रकाशित होनेवाली देश की सबसे पुरानी विधि पत्रिकाओं में से एक है। डीएलआर एक वार्षिक डबल-ब्लाइट सहकर्म समीक्षा जर्नल है, जो समकालीन कानूनी मुद्दों पर भारत और विदेशों के शिक्षाविदों, न्यायाधीशों, कानूनी पेशेवरों और न्यायिक अधिकारियों द्वारा लिखित विद्वत्तापूर्ण, मूल शोध लेखों, केस नोट्स, विधायी टिप्पणियों और पुस्तक समीक्षाओं को प्रकाशित करती है। विधि संकाय की वेबसाइट पर अब तक पैंतीस खंड प्रकाशित और अपलोड किए जा चुके हैं।

1.1.2020 से 1.1.2021 के बीच प्रकाशित संस्करण: डीएलआर अंक. XXXV (2019-2020)

डेली लॉ रिव्यू (विद्यार्थी संस्करण)

डेली लॉ रिव्यू (विद्यार्थी संस्करण) विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय की एक वार्षिक, डबल-ब्लाइट, विद्यार्थी-समीक्षित पत्रिका है। इसे अकादमिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और भारत में समकालीन कानूनी मुद्दों पर बहस को सुविधाजनक बनाने में छात्रों को शामिल करने के उद्देश्य से आरंभ किया गया था। पत्रिका एक

अंतर-विभागीय अभिविन्यास रखती है और अपने व्यापक दायरे में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी और नीति-आधारित मुद्दों को शामिल करने के लिए पर्याप्त है। 2020 तक, पत्रिका के सात खंड प्रकाशित और ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं, जिन्हें विधि संकाय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। पत्रिका में भारत और विदेशों के शिक्षाविदों, लेखकों, कानूनी पेशेवरों और छात्रों की मूल और अप्रकाशित पांडुलिपियां शामिल हैं।

1.1.2020 से 1.1.2021 के बीच प्रकाशित संस्करण: एसडीएलआर अंक: VIII (2019-2020)

1 अप्रैल, 2020 से 1 अप्रैल, 2021 के दौरान विधि संकाय द्वारा प्रदत्त एलएलएम/पीएच.डी. की संख्या
विधि संकाय द्वारा प्रदत्त पीएच.डी. डिग्री की संख्या

क्रमांक	पीएच.डी. अध्येता का नाम	विभाग/ संकाय का नाम	मार्गदर्शक का नाम	अध्येता के पंजीकरण का वर्ष	पीएच.डी. दिए जाने का वर्ष
1	सुरेश कुमार धुंगाना	विधि संकाय	प्रो. अलका चावला	2016	2020
2	मौसम	विधि संकाय	प्रो. रजनी अब्बी	2013	2020
3	जेमिमा के येथो	विधि संकाय	प्रो. पी.बी. पंकज	2014	2020
4	प्रिन्सी चतुर्वेदी	विधि संकाय	प्रो. वागेश्वरी देसवाल	2014	2020
5	पुरंजय के. वेदी	विधि संकाय	प्रो. अलका चावला	2016	2020
6	तानिया मलिक	विधि संकाय	प्रो. गुंजन गुप्ता	2014	2020
7	चंचल कुमार सिंह	विधि संकाय	प्रो. सरबजीत कौर	2013	2020
8	सुरेंद्र मोहित सिंह	विधि संकाय	प्रो. किरण गुप्ता	2012	2020
99	तन्वी सैनी	विधि संकाय	डॉ. सुनंदा भारती	2014	2021
10	हरीश कुमार तिवारी	विधि संकाय	प्रो. रमन मित्तल	2016	2021

संकाय की संख्या

केंद्र का नाम संख्या	सहायक प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	प्रोफेसर	कुल संख्या
कैम्पस विधि केंद्र	37	0	6	43
विधि केंद्र-I	39	6	5	50
विधि केंद्र -II	38	1	6	45

कैम्पस विधि केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कैम्पस विधि केंद्र (सीएलसी) को भारत में शीर्ष विधि शिक्षा संस्थानों में स्थान दिया गया है। कोविड-19 के अभूतपूर्व समय के कारण, सीएलसी का शैक्षणिक जीवन ऑनलाइन प्रारूप में बदल गया है।

सीएलसी ने 11 जनवरी -17 जनवरी 2021 को के. के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित की। महामारी के कारण, प्रतियोगिता एक ऑडियो-विजुअल प्रारूप में आयोजित की गई थी। सीएलसी ने विभिन्न कानूनी संस्थानों से 68 टीमों ने भाग लिया, जिनमें कई एनएलयू, दुनिया भर से विधि के संकायो और सम्मानित विश्वविद्यालयों की 19 अंतर्राष्ट्रीय टीम शामिल थीं।

सीएलसी की लीगल एड सोसाइटी ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी (डीडीएस) ने कई कार्यक्रमों की मेजबानी की जिसमें कॉन्फेरो, द सीएलसी ओपिनियन प्रोजेक्ट- टीसीपी, सीएलसी टाउन हॉल शामिल हैं। नवगठित कॉरपोरेट और कमर्शियल लॉ सोसाइटी ने अपना कामकाज शुरू किया। इसका उद्देश्य कॉर्पोरेट विधि और वाणिज्यिक कानूनों के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत होने में पहल की संस्कृति बनाना है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रो. (डॉ.) उषा टंडन

दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण 2021-23 की पदेन सदस्य के अलावा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्य

प्रो. (डॉ.) कमला शंकरन

अध्यक्ष, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (विश्वविद्यालय के शासी निकाय में नामित, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) (2020)।

सम्मेलनों और सिफारिशों के आवेदन पर विशेषज्ञों की समिति, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, जिनेवा की सदस्य।

डॉ. नरेंद्र कुमार बाइसन

अकादमिक परिषद, 2021- 23, दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य।

प्रकाशन: 12

वी. महलवार (2020). प्रचार का बढ़ता अधिकार: भारतीय अनुभवों का एक सिंहावलोकन। द जर्नल ऑफ वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, 24, 28-40.

वी. महलवार (2020). भारत में प्रचार के अधिकार की गतिशीलता: बौद्धिक संपदा शासन के अंतर्गत एक मूल्यांकन। कंटेम्परेरी लॉ रिव्यू, 4(1).

वी. महलवार (2021). कॉपीराइट संरक्षण पर। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली 56(9).

एन. नाकरा और ए. चावला, (2020).. पारंपरिक ज्ञान और बौद्धिक संपदा कानूनों के बीच गठबंधन: संभावित क्षमता। आहूजा, वी.के. और वशिष्ठ, अर्चा (संपा.) में, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स कंटेम्परेरी डेवलपमेंट्स। थॉमसन रॉयटर्स।

के. शंकरन, (2020). भारत में प्रवर्तन संकट और सामाजिक अधिकार। शिवनाथ देब, जी. शुभलक्ष्मी, कौस्तव चक्रवर्ती (संपा.) में, अपहोल्डिंग जस्टिस: सोशल, साइकोलॉजिकल एंड लीगल पर्सपेक्टिव्स। रूटलेज।

के. शंकरन, (2020). अनौपचारिक श्रमिकों के लिए नियोजता दायित्व को समझना: भारत से सबक। मार्था चैन और फ्रांकोइस कैरे (संपा.) में। द इंफॉर्मल इकोनॉमी रिविजिटेड. रूटलेज।

के. शंकरन, (2020). कोविड-19 को देखते हुए श्रम विनियमन में उभरते दृष्टिकोण। इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, <https://doi.org/10.1007/s41027-020-00262-1> से पुनः प्राप्त किया गया।

के. शंकरन, (2020). संविधान और आजीविका का अधिकार। जर्नल ऑफ लॉ टीचर्स ऑफ इंडिया, 9, 1-9.

ए.के. शर्मा, (2020). बहुसंख्यक आदेश और अल्पसंख्यक अधिकार: भारत में उत्पीड़न और कुप्रबंधन विधि और व्यवहार - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वकीलों के लिए एक प्राइमर। बिजनेस लॉ रिव्यू, 41(4), 126-133.

यू. टंडन, (2020). दिल्ली बलात्कार पीड़िता के लिए न्याय: दोषसिद्धि के बाद गुणवत्ता नियंत्रण का एक मामला, पॉलिसी ब्रीफ सीरीज संख्या 103, टीओएईपी, फ्लोरेंस। <https://www.toaep.org/pbs-pdf/103-tando> से पुनः प्राप्त किया गया।

ए. यादव, (2021). परिवर्तन की हवाएँ या सदियों की हवाएँ: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वायत्त हथियार प्रणालियों के नैतिक विचार और विश्व स्तर पर प्रौद्योगिकी की खोज और इसके कानूनी आयामों में अंतर्राष्ट्रीय मानवीय विधि सिद्धांतों पर उनका प्रभाव। थॉमसन रॉयटर्स।

ए. यादव, (2020). अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढांचे में अंतर्राष्ट्रीय निगमों की जवाबदेही और जिम्मेदारी को समझना। मुक्त शब्द जर्नल, 9(4).

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

प्रो. (डॉ.) उषा टंडन

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एनओयूएन निजी और संपत्ति विधि अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, नाइजीरिया

प्रो. (डॉ.) कमला शंकरन

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय सलाहकार बोर्ड, तुलनात्मक श्रम विधि और औद्योगिक संबंधों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, (क्लुवर विधि)

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय मानवाधिकार हब जर्नल: (<https://ohrh.law.ox.ac.uk/journal/>)

राष्ट्रीय जर्नल

प्रो. (डॉ.) उषा टंडन

मुख्य संपादक, तुलनात्मक विधि का राष्ट्रीय जर्नल, (एनजेसीएल)

प्रो. (डॉ.) कमला शंकरन

सदस्य संपादकीय सलाहकार बोर्ड इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स: (स्प्रिंगर)

डॉ. नरेंद्र नागरवाल

एशियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस की समीक्षा समिति की सदस्य नियुक्त, ब्रिल अकादमिक प्रकाशक, सिंगापुर
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर

रूटलेज अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन "एशियाई जातीयता" की समीक्षा समिति की सदस्य नियुक्त, फिनलैंड से प्रकाशित

डॉ. हरलीन कौर

सह-संपादक, द्रोइट पेनेल: ऑन अपराध और अपराध विज्ञान पर इंडियन लॉ जर्नल, आईएसएसएन: 2456-7280 मई 2020 से।

डॉ. सुमन यादव

एशिया पैसिफिक लॉ एंड पॉलिसी रिव्यू के संपादक मंडल में संपादक, आईएसएसएन नं. 25814095, asiapacific.ccinternational.in

कॉमनवेल्थ लॉ रिव्यू जर्नल के संपादक मंडल में संपादक, आईएसएसएन नं. 25813382, clrj.ccinternational.in

डॉ. अनीता यादव

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लीगल एंड सोशल स्टडीज-आईजेएलएसएस के संपादक मंडल की सदस्य (आईएसएसएन - 2394-1936) अंक VI, अप्रैल 2020.

आईएलआईएलआर की समीक्षक (भारतीय विधि संस्थान- एलआर) जर्नल ई-आईएसएसएन-0976-1489 (यूजीसी जर्नल नंबर 41792 क्रमांक 2634 पर) अप्रैल, 2020 में।

जून 2020 से जून 2022 तक लॉ ऑडियंस जर्नल (ई-आईएसएसएन- 2581-6705) के संपादक मंडल की सदस्य।

आईयूसीएन डब्ल्यूसीईएल शांति, सुरक्षा और संघर्ष विशेषज्ञ समूह आयोग 2017-2020 की सदस्य।

जुलाई 2020 से देहरादून में पंजीकृत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) विधि सेवा एवं सामाजिक उत्थान समिति के साथ 'निःशुल्क' आधार पर सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में जुड़ी हैं (पंजीकरण संख्या यूके06008072019001704), उत्तराखंड।

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन

कुल संख्या: 30

महत्वपूर्ण 10 का विवरण निम्नलिखित है:

प्रोफेसर भगवती प्रकाश शर्मा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने 26 सितंबर 2020 को अभिज्ञान-सीएलसी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत नई शिक्षा नीति 2020 पर व्याख्यान दिया।

प्रो. (डॉ.) कुलदीप चंद अग्निहोत्री, माननीय कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने 10 अक्टूबर 2020 को अभिज्ञान- सीएलसी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत चीन की विस्तारवादी नीति पर भारत की प्रतिक्रिया पर व्याख्यान दिया।

डॉ. लतिका वशिष्ठ, सहायक प्रोफेसर, भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली ने 31 अक्टूबर 2020 को अभिज्ञान-सीएलसी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत बलात्कार कानूनों में सहमति पर व्याख्यान दिया।

जॉन इवांस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और डेनवर विश्वविद्यालय के थॉम्पसन जी. मार्श प्रोफेसर, पद्म भूषण प्रो. वेद पी. नंदा ने 6 अप्रैल 2021 को अभिज्ञान- सीएलसी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत प्रवासियों और शरणार्थियों- अंतर्राष्ट्रीय विधि और नीति के लिए चुनौतियां पर व्याख्यान दिया।

सुश्री हर्षिता मिश्रा, विदुषी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट और सचिव, डीएलएसए (पूर्व) ने 15 मार्च, 2021 को बाल अधिकार और पोक्सो पर एक कार्यशाला आयोजित करने के लिए जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (पूर्व) के साथ सहयोग किया।

क्वीन्स काउन्सल, भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री। हरीश साल्वे ने संविधान के 71 वर्ष विषय पर एक मुख्य वक्तव्य दिया: क्या हम 6 मार्च 2021 को कोर्टरूम लीजेंड्स- कीनोट सीरीज़ डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी, सीएलसी के अंतर्गत इसके निर्माताओं के सपनों के प्रति ईमानदार हैं। भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री सी. एस. वैद्यनाथन ने 19 मार्च 2021 को कोर्टरूम लेजेंड्स- कीनोट सीरीज़ बाय डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी, सीएलसी के अंतर्गत समान अवसर और मेरिटोक्रेसी पर एक मुख्य वक्तव्य दिया।

भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री. मोहन परासरन ने 22 मार्च 2021 को कोर्टरूम लीजेंड्स- कीनोट सीरीज़ बाय डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी, सीएलसी के अंतर्गत भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संवैधानिक विधि के विकास पर एक मुख्य वक्तव्य दिया।

भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री. गोपाल सुब्रमण्यम ने 31 मार्च 2021 को कोर्टरूम लेजेंड्स- कीनोट सीरीज़ बाय डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी, सीएलसी के अंतर्गत परिवर्तन के एक गतिशील साधन के रूप में संविधान पर एक मुख्य वक्तव्य दिया।

भारत के सॉलिसिटर जनरल, श्री तुषार मेहता ने 10 अप्रैल 2021 को कोर्टरूम लेजेंड्स- कीनोट सीरीज़ बाई डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी, सीएलसी के अंतर्गत वक्तव्य और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रहस्य पर एक मुख्य वक्तव्य दिया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो (डॉ.) उषा टंडन-4

प्रो (डॉ.) कमला शंकरन-10+

डॉ. अलका चावला-13

डॉ. सीमा सिंह-15

डॉ. हरलीन कौर-8

डॉ. क्षितिज कुमार सिंह-7

डॉ. वंदना महलवार-4

डॉ. एम. चोलराजा -1

डॉ. नरेंद्र नागरवाल-2

डॉ. रोहित मूनका-1

डॉ. सुमन यादव-2

डॉ. अनीता यादव-18

डॉ. स्टेनज़िन चोस्तक-1

सुश्री अनुमेहा मिश्रा-1

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजन/इंटरनशिप डेटा (अप्रैल 2020-मार्च 2021)

कैंपस विधि केंद्र के आठ (8) छात्रों को सिंह एंड एसोसिएट्स, भरुचा एंड पार्टनर्स, कंपनी लॉ चेंबर और केपीएमजी में नौकरी के अवसर प्रदान किए गए थे, इसके अलावा लगभग छिहत्तर (76) छात्रों को वरिष्ठ अधिवक्ताओं, एनजीओ, शीर्ष विधि फर्म और कॉर्पोरेट घराने जैसे भरुचा एंड पार्टनर्स, एलेक्सिस जर्नल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड लॉ, नीती न्याय, एजेडबी और पार्टनर्स, निशीथ देसाई एसोसिएट्स, जीउस लॉ, एरेनेस अटॉर्नी, रिजॉल्वर इंडिया, पी एंड ए लॉ फर्म, फ्लोर डैनियल इंडिया, वाधवा लॉ चेंबर्स आदि के साथ इंटरनशिप के अवसर प्रदान किए गए थे।

2020-21 (अप्रैल 2020- मार्च, 2021) में पीएसी के माध्यम से नियोजित छात्रों की कुल संख्या: 8

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

लीगल एड सोसाइटी: कैंपस विधि केंद्र की लीगल एड सोसाइटी छात्रों को कानूनी सहायता के महत्व के बारे में शिक्षित और संवेदनशील बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लीगल एड सोसाइटी द्वारा अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि में 14 ऐसी गतिविधियां की गईं।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय सदस्य: 43

अतिथि: 13

विधि केंद्र-1

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विधि केंद्र-1 ने ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय वेबिनार, कार्यशालाएं, व्याख्यान और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके नए ऑनलाइन सीखने के माहौल का लाभ उठाया। विधि केंद्र-1 ने बच्चों; विकलांग व्यक्तियों; जनजातीय लोग और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'सामाजिक न्याय पर संगोष्ठी श्रृंखला' का आयोजन किया। न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर, न्यायाधीश, फिजी सर्वोच्च न्यायालय और पूर्व न्यायाधीश, भारत के सर्वोच्च न्यायालय इन संगोष्ठियों में मुख्य वक्ता थे। सह-पाठ्यचर्या के मोर्चे पर, लीगल सर्विसेज सोसाइटी ऑफ विधि केंद्र-1 के पैरालीगल स्वयंसेवकों ने दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के साथ मिलकर काम किया और महामारी से तबाह हाशिए के लोगों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनुसंधान की दिशा में संकाय सदस्यों ने स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाओं, पुस्तकों के अध्यायों और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, रूटलेज, एडवर्ड एल्गर आदि द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में शोध प्रकाशित किए हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. सुनंदा भारती, एसोसिएट प्रोफेसर, विधि केंद्र-1 को कानूनी बिरादरी को एकजुट करने और उद्योग की प्रतिभा को पहचानने के लिए प्रतिबद्ध अंतर्राष्ट्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म लेक्सटॉक वर्ल्ड द्वारा 'टॉप 100 लीगल फॉल्कन्स' ग्लोबल अवार्ड प्राप्त हुआ। उन्हें बौद्धिक संपदा कानूनों, उद्योग पहुंच, मान्यता और प्रभाव के प्रति योगदान (लेखन के माध्यम से) के लिए दुबई लेक्सटॉक विश्व सम्मेलन में 7 अप्रैल, 2021 को सम्मानित किया गया।

प्रकाशन: 25

एस. भारती, (2020). बॉडी आर्ट में कॉपीराइट/नैतिक अधिकार। आहूजा, वीके और वशिष्ठ, अर्चा (संपा.) में, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स: कंटेम्परेरी डेवलपमेंट्स, 102-112। थॉम्पसन रॉयटर्स।

एस. भारती, (2020). ट्रेडमार्क अधिनियम 1999 द्वारा प्रसिद्ध चिह्नों के साथ सौतेला व्यवहार। एडवांस लीगल रिसर्च जर्नल इन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, 1(1), 280-290.

एस. भारती, (2020). विश्वविद्यालय/महाविद्यालय प्रशासन और विद्यार्थी प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत के संभावित आयाम क्या हो सकते हैं-एक अकादमिक जांच। माध्यम इंटरनेशनल ऑनलाइन जर्नल। Retrieved from <https://maadhyaminternational.com/>.

एस. भारती, (2020). सरकार को प्रदर्शनकारियों से कैसे बातचीत करनी चाहिए। The Indian Arbitrator, द इंडियन आर्बिटर, 12(1). <https://theindianarbitrator.com/articles/12/How%20should%20Government%20Negotiate%20with%20Protestors%3F%20%E2%80%93%20An%20Academic%20Enquiry%0A-%20Dr.%20Sunanda%20Bharti>. से पुनःप्राप्त किया गया

बी. दुबे, एस भारती, (2020) भारत में मातृत्व लाभ के आयाम: मिथक या वास्तविकता।, सोध सरिता, 7(28). 170-174.

गैरीमेला, एस. और एस. चौधरी, (2020) 198-213. विकासशील देशों में कानूनी शिक्षा का भविष्य। जॉन, थॉमस, ऋषि गुलाटी और कोहलर, बेन (संपा.) में, निजी अंतर्राष्ट्रीय विधि पर हेग सम्मेलन के एल्गर कंपेनियन: अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए एल्गर कंपेनियन्स श्रृंखला। 198-213। द हॉग एंड लंडन: एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।

एम कुमारी, (2020) तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं पर बहस (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2019 पर लापता प्रवचन। आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ जर्नल 13, 113-124.

एस माल्या, (2020). महामारी के प्रकोप के दौरान भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग के कामकाज की समीक्षा: कुछ प्रतिबिंब। चार्टर्ड सेक्रेटरी, 50(8), 86-89.

एस माल्या, (2020). कॉन्ट्रिंग लीगल एजुकेशन इन इंडिया: एन एनालिसिस ऑफ चैलेंजेज पोज्ड बाय कोविड-19। आईएलआई लॉ रिव्यू (कोविड 19 विशेष अंक), 147-161.

एस माल्या, (2020). बैंकिंग कंपनियों में निदेशकों की भूमिका की रूपरेखा तैयार करना: एक नैतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता। कंपनी लॉ जर्नल 4, 161-169.

एस माल्या, (2020). भारत में कानूनी शिक्षा में एक अनुशासन के रूप में मानवाधिकार: एक अवलोकन। इंडियन बार रिव्यू: मानवाधिकार पर विशेष अंक, 47(4), 257-265.

एस माल्या, (2021)., प्रतिस्पर्धा विधि और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र: समकालीन परिप्रेक्ष्य। चार्टर्ड सेक्रेटरी, 51(2), 95-98.

एस माल्या, (2020). भारतीय संविधान के अंतर्गत केंद्र-राज्य संबंध-वर्तमान परिदृश्य में इसके कामकाज का आकलन, 131-137। नई दिल्ली: यूनिवर्सल एकेडमिक बुक्स पब्लिशर्स।

एस माल्या, (2020). कॉर्पोरेट गवर्नेंस अर्थात् भारत में बैंकिंग क्षेत्र। In सीमा पीएस और प्रीता एस (संपा.) में, भारत में कॉर्पोरेट कानूनों पर महत्वपूर्ण निबंध, 107-126। जनसंपर्क एवं प्रकाशन निदेशालय। कोचीन: सीयूएसएटी।

ए मिश्रा, (2020). कृषि संपत्ति में हिंदू महिलाओं की विरासत का अधिकार - मिथक या वास्तविकता। डॉ. कंवल डीपी सिंह और डॉ. शिवानी गोस्वामी (सं.) में। समकालीन समय में महिलाओं की अरक्षितता - एक सामाजिक कानूनी परिप्रेक्ष्य, 185-206. नई दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल

ए मिश्रा, (2020). बांग्लादेश में भोजन का अधिकार। वरुण छाछर (संपा.) में, दक्षिण एशिया में भोजन का अधिकाराइट टू फूड इन साउथ एशिया, 202-239। नीदरलैंड्स: एक्यूमेन पब्लिशर्स।

ए मिश्रा, (2021). भारत के मुद्दों और चुनौतियों में पुलिस प्रणाली। जोस्पीटर मबूबा (संपा.) में, ग्लोबल रॉसपेक्टिव्स इन पोलिसिंग एंड लॉ एनफोर्समेंट, 171-189. मैरीलैंड, यूएसए: लेक्सिंगटन बुक्स।

ए मिश्रा, (2021). विश्व शांति और भारतीय मूल्य - प्राचीन भारतीय सभ्यता का संदेश। अनुपमा गोयल (संपा.) में, रिफ्लेक्शन्स आन एंशिअंट इंडियन ज्यूरिप्रुडेंस, 111-126. नई दिल्ली: मोहन लॉ हाउस।

ए मिश्रा और के कस्जुबस्का, (2020). निवेश के लिए भारत के कानूनी ढांचे में सुधार पर ए बीआईटी। डेल्ही लॉ रिव्यू, 35, 36-56.

पी. रंजन, और, पी. आनंद (2020). कोविड -19, भारत और निवेशक-राज्य विवाद निपटान (आईएसडीएस): क्या भारत अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का बचाव कर पाएगा? एशिया पैसिफिक लॉ रिव्यू, 28(1), 225-247.

पी. रंजन, और, पी. आनंद (2020). भारतीय अदालतें और द्विपक्षीय निवेश संधि मध्यस्थता। इंडियन लॉ रिव्यू, 4(2), 199-220.

के. रत्नाबली (2020). जैविक हथियार: कोरोना वायरस - जनसंहार का हथियार? नई दिल्ली: विज बुक्स इंडिया प्रा लिमिटेड।

के. रत्नाबली, (2020). मार्शल लॉ: ऐतिहासिक, तुलनात्मक और संवैधानिक परिप्रेक्ष्य। नई दिल्ली: विज बुक्स इंडिया प्रा. लिमिटेड

ए. के. सिन्हा और पी. आनंद, (2021). अंतर्राष्ट्रीय निवेश विधि का नारीवादी अवलोकन - एक प्रारंभिक जांच। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ, 24(1), 99-125.

ए. के. सिन्हा (2021). द्विपक्षीय निवेश संधियों में एमएफएन प्रावधानों के दायरे की जांच। बुकलिन जर्नल ऑफ इंटरनेशनल लॉ, 45(2), 679-743.

एस. वर्मा, (2020). कोरोना महामारी के दौरान प्लूटोक्रेसी से लड़ना: निरंकुशता की खोज में भारत का आर्थिक रुख। संबोधि, 43(4), 33-40.

कृपया विवरण के लिए वेबसाइट देखें:

जर्नल

केंद्र द्वारा प्रकाशित - 01

जर्नल ऑफ लॉ टीचर्स ऑफ इंडिया, 2010 से, आईएसएसएन: 22311580.

संपादक/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत शिक्षकों की संख्या - 8

अनुसंधान परियोजनाएँ -1

डॉ. सुनंदा भारती, सह-पीआई - 'ऋषि', भारत में उच्च शैक्षिक संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए संसाधन, इरास्मस + कार्यक्रम के अंतर्गत एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना, इयूस्टो विश्वविद्यालय, बिलबाओ स्पेन और ट्यूनिंग अकादमी के सहयोग से यूरोपीय आयोग द्वारा वित्त पोषित, स्वीकृत अनुदान 88, 420 यूरो। परियोजना 2019-20 में शुरू हुई, और इसकी अवधि तीन वर्ष है।

सेमिनार/वेबिनार - 55

जिनमें से 10 का विवरण इस प्रकार है:

प्रो. बी.टी. कौल, पूर्व अध्यक्ष, दिल्ली न्यायिक अकादमी ने विधिक केंद्र- I द्वारा 28 जून 2020 को आयोजित वेबिनार में 'एक आपराधिक मामले के चरण - जांच से परीक्षण तक' पर व्याख्यान दिया।

प्रो. कमला शंकरन ने विधिक केंद्र- I द्वारा 4 जून 2020 को आयोजित वेबिनार में 'संविधान और आजीविका के अधिकार पर वेबिनार' पर व्याख्यान।

डॉ. बालकृष्ण पिसुपति, अध्यक्ष एफएलईडीजीई और पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, भारत, ने 17 मई 2020 को राष्ट्रीय वेबिनार में कोविड-19 और जलवायु परिवर्तन: विधिक केंद्र- I में मुद्दे और चुनौतियां पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेश सिंह, डिप्टी लाइब्रेरियन, केंद्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने, विधिक केंद्र- I में 18 मई 2020 को आयोजित एक वेबिनार में ई-संसाधनों का उपयोग सीखने को अधिकतम करने पर व्याख्यान।

अधिवक्ता इरम मजीद, मध्यस्थता विशेषज्ञ और आईआईएम के निदेशक ने 'विधिक केंद्र - I में 19 मई 2020 को आयोजित वेबिनार में 'वैकल्पिक विवाद समाधान में युवा वकीलों की भूमिका' पर व्याख्यान दिया।

श्री के.एस. शर्मा, संघर्ष समाधान के विशेषज्ञ, ने 20 मई 2020 को विधिक केंद्र- I में आयोजित वेबिनार में 'संघर्षों की रोकथाम और समाधान' पर व्याख्यान दिया।

माननीय डॉ. न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र सिंह भाटी, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर ने 22 मई 2020 को विधिक केंद्र- I में आयोजित वेबिनार में 'भारतीय संवैधानिक व्याख्या में प्रतिमान बदलाव' पर व्याख्यान दिया।

श्री चेतन एस धोरे, अधिवक्ता, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने 25 मई 2020 को, विधिक केंद्र- I में आयोजित कैरियर-उन्मुख व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में 'मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 अवलोकन, विश्लेषण और अवसर' पर व्याख्यान दिया।

प्रो. उषा राजदान, पूर्व प्रोफेसर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने विधिक केंद्र- I में 27 मई 2020 को आयोजित वेबिनार में 'दंड देने से पहले सजा और सुनवाई के अधिकार के सिद्धांत' पर व्याख्यान दिया।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री राजशेखर राव ने विधिक केंद्र- I में 29 मई 2020 को आयोजित वेबिनार में 'इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड पर बातचीत' पर व्याख्यान दिया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ - 11

सुनंदा भारती -1

शिविका चौधरी -1

पूनम दास -1

पूजा देवी -1

सुस्मिता मलाया -2

सिद्धार्थ मिश्रा -1

दीक्षा शंकर मुंजाल-1

कविता यादव -3

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

विधिक केंद्र-1 की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स ने 24 मई 2020 को राशन के लिए ऑनलाइन ई-कूपन प्राप्त करने में लोगों की मदद करने और प्रवासियों के पंजीकरण के लिए हेल्प-डेस्क स्थापित करने में स्वेच्छा से सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (सीडीएलएसए) को मदद की।

विधिक केंद्र-1 की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स ने 24 मई 2020 को घरेलू हिंसा और प्रवासियों के पंजीकरण से संबंधित शिकायतों को दर्ज करने के लिए हेल्प डेस्क स्थापित करने में स्वेच्छा से सीडीएलएसए की मदद की।

विधिक केंद्र-1 की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स ने 23 सितंबर 2020 को सामुदायिक केंद्र, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में बुजुर्ग आबादी पर विशेष ध्यान देने के साथ मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रम में भाग लिया।

विधिक केंद्र-1 की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स ने घरेलू हिंसा, बाल शोषण, यौन उत्पीड़न, मौलिक कर्तव्यों, दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) हेल्पलाइन (1516) के संबंध में जागरूकता पैदा करने, विधिक सेवा ऐप और डीएसएलएसए द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं के लिए हेल्प-डेस्क स्थापित किया।

विधिक केंद्र-1 की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता आदि की स्थिति के बारे में जमीनी रिपोर्ट प्रदान करने और बेघरों में 'रेन बसेरा' के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 10 से- 15 अगस्त 2020, और 1-30 नवंबर 2020 को रात्रि आश्रय ड्यूटी में भाग लिया।

विधि केंद्र की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स - मैंने 2020 में सितंबर और अक्टूबर के महीनों में और जनवरी 2021 में यौनकर्मियों के बीच उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जीबी रोड स्थित हेल्प डेस्क में भाग लिया।

विधिक केंद्र-1 की लीगल सर्विसेज सोसाइटी के पैरा लीगल वालंटियर्स ने परियोजना समाधान में भाग लिया, जिसके अंतर्गत 27 फरवरी 2021 को पुलिस स्टेशन बुराड़ी, दिल्ली में एक परामर्श केंद्र की स्थापना की गई, जहां काउंसलर और पैनेल अधिवक्ता ने वैवाहिक रिश्ते में परेशानी वाले जोड़ों को परामर्श दिया। ऐसे मामलों में जहां सुलह की कोई संभावना नहीं थी, वकीलों ने पूर्व-मुकदमेबाजी और मध्यस्थता का विकल्प चुनने के लिए मनाने की कोशिश की।

संकाय की संख्या: 50

विधि केंद्र (विधिक केंद्र) -II

विधिक विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विधिक केंद्र -II अपने गुणात्मक शिक्षण, अनुसंधान और अन्य सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए प्रमुख संस्थान के रूप में जाना जाता है। विधिक केंद्र -II के छात्रों ने लगातार यूनिवर्सिटी टॉपर बनकर विरासत को एक कदम आगे बढ़ाया। विधिक केंद्र -II ने कई वेबिनारों का आयोजन किया जिसमें प्रतिष्ठित कानूनी दिग्गजों के साथ छात्रों की बातचीत की सुविधा प्रदान की गई। इसने मध्यस्थता पर दूसरा राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन किया और युवा मस्तिष्कों को प्रबुद्ध करने के लिए पूरे देश में कानूनी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया। शिक्षकों और छात्रों के अथक प्रयासों के साथ भव्य वार्षिक 'जस्टिफाउंड' मूट को वर्चुअल प्रारूप में बहुत सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।

सम्मान/विशिष्टताएं

सुश्री सुनीता सेवड़ा, छात्रा, 2017-2020, विधिक केंद्र-II को हीरा लाल डागा मेमोरियल मेडल से सम्मानित किया गया। एलएलबी परीक्षा में उच्चतम प्रतिशत अंक हासिल करने के लिए उन्हें यूनिवर्सिटी लॉ यूनियन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने भारतीय संवैधानिक विधि-I और भारतीय संवैधानिक विधि-II में सर्वोच्च अंक हासिल करने के लिए स्वर्णीय न्यायमूर्ति श्री अवध बिहारी रोहतगी स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया। उन्होंने सुखदेवी गिरधारीलाल गोवर पुरस्कार की प्राप्ति किया।

सुश्री जैस्मीन सोखी, श्री दीपक और सुश्री नंदिनी ने 12-14 मार्च, 2021 को जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित तीसरी जगन्नाथ मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता-2021 जीती।

सुश्री अंजलि सिंह को एनएलयू जोधपुर एंटीट्रस्ट मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2021 (मार्च 6-14, 2021) में प्रारंभिक दौर के दूसरे सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी अधिवक्ता का सम्मान दिया गया।

प्रथम वर्ष की सुश्री सस्मिता के. ने सविता स्कूल ऑफ लॉ, चेन्नई द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय ऑनलाइन स्मृति लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। उन्हें 3000 रुपये का नकद पुरस्कार भी मिला।

प्रकाशन - 21

वी. के. आहूजा, (2021). सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय विधिपब्लिक इंटरनेशनल लॉ। दूसरा संस्करण. नई दिल्ली: लेक्सिसनेक्सिस।

वी. के. आहूजा, आशुतोष मिश्रा, और आशुतोष आचार्य। (2020). मिडियेशन। दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

वी. के. आहूजा और अर्चा वशिष्ठ, (2020). इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स: कंटेम्परेरी डेवलपमेंट्स, (सं.)। थॉमसन रॉयटर्स।

वी. के. आहूजा (2020). बौद्धिक संपदा अधिकारों में समकालीन विकास: एक प्रस्तावना। आहूजा, वी.के. और वशिष्ठ, अर्चा (सं.) में, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स: कंटेम्परेरी डेवलपमेंट्स, (पृ. 3-18)। थॉमसन रॉयटर्स।

वी. के. आहूजा (2021). बौद्धिक संपदा अधिकार और मानव अधिकार। सालपेकर, रश्मी व अन्य (सं.) में। इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स इन द इंफॉर्मेशन एज (पृ.15-21)। दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

वी. के. आहूजा (2020). परमाणु निरस्त्रीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था: समकालीन विकास। एनएलयूजे लॉ रिव्यू, 7(1), 142-76.

वी. के. आहूजा, (2020). मध्यस्थता और भारत पर सिंगापुर सम्मेलन। इंडियन जर्नल ऑफ लॉ एंड जस्टिस, 11(2), 19-34.

वी. के. आहूजा, (2020). विकलांग व्यक्तियों की शिक्षा का अधिकार: समकालीन विकास। जर्नल ऑफ द नेशनल ह्यूमन राइट्स कमिशन, 19, 163-84.

वी.के. आहूजा, (2020 विंटर). आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कॉपीराइट: मुद्दे और चुनौतियां। आईएलआई लॉ रिव्यू, 270-85.

किरण गुप्ता. (2021). आधुनिक श्रीलंका में पारिवारिक कानूनों की जटिलताएं। जस्टिस जसपाल सिंह (संपा.), रिलीजन: स्टेट रिलेशन्स एंड फैमिली राइट्स (पृ. 170-183) में। दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

अनुपम झा, (2020). इंटरनेशनल क्रिमिनल लॉ: थ्योरी एंड प्रैक्टिस, सत्यम लॉ इंटरनेशनल, नई दिल्ली।

अनुपम झा, (2021). साख शोध पर विधि: भारत में न्यायिक प्रतिक्रिया की एक परीक्षा। वी.के. आहूजा (सं.) में, इंटरनेशनल लॉ एंड कंटेम्परेरी डेवलपमेंट्स, एसेज इन द आनर ऑफ प्रोफेसर ए.के. कौल, नई दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

अनुपम झा, (2020). नेपाल में भोजन का अधिकार: एक संक्षिप्त अन्वेषण। वरुण छाछर (संपा.) में। दक्षिण एशिया में भोजन का अधिकार, (पृ. 39-55) यूट्रेक्ट, नीदरलैंड्स: एक्यूमेन पब्लिशर्स।

अनुपम झा, (2019). अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निकायों पर रिपोर्ट: संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए)। इन 30 इयरबुक ऑफ इंटरनेशनल एनवायरनमेंटल लॉ (पृ. 520-527)। इंग्लैंड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

आशीष कुमार, (2020) मध्यस्थता गोपनीयता: सुरक्षा और प्रकटीकरण की आवश्यकता, एक विश्लेषण। वी.के. आहूजा, आशुतोष मिश्रा और आशुतोष आचार्य (सं.) में, मध्यस्थता (पृ. 77-93)। दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

आशीष कुमार, (2020). प्राचीन भारत में (वैकल्पिक) विवाद समाधान तंत्र के तरीके: कौटिल्य के अर्थशास्त्र से कुछ प्रतिबिंब। गोयल, ए. (सं.) में, रिफ्लेक्शन आन एनशिअंट इंडियन ज्युरिप्रुडेंस इन द करेंट सोशल एंड जुडिशियल सेट अप। (पृ. 99-110)। नई दिल्ली: मोहन लॉ हाउस।

नमिता वशिष्ठ, (2020). सामाजिक सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय विधि के अंतर्गत प्रवासियों के अधिकार: एक सारांश। इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज और इनोवेटिव रिसर्च जर्नल 7(12), 1238-45.

नमिता वशिष्ठ, (2020). सॉफ्टवेयर का कानूनी संरक्षण: कॉपीराइट और पेटेंट विधि के बीच इंटरफेस। वी.के. आहूजा और अर्चा वशिष्ठ (सं.) में, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स: कंटेम्परेरी डेवलपमेंट्स, थॉमसन रॉयटर्स।

स्वाति सोलंकी. (2021). रिपेरेटिव राइट्स फॉर एसिड अटैक सर्वाइवर्स अंडर द इंडियन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम। इनोवेशन: द रिसर्च कॉन्सेप्ट VI(2) (E14-E20).

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल -2

नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, 1996 से (आईएसएसएन 0972-0936)।

संपादक मंडल में कार्यरत विभाग/केंद्र के शिक्षकों की संख्या -2.

दिल्ली जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी लॉ, 2018 से (ई आईएसएसएन 2582-4570)।

अनुसंधान परियोजनाएँ - 02

प्रो. अनुपम, झा इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली द्वारा वित्त पोषित 'फैकल्टी डेवलपमेंट रिसर्च फंड' (2020-21) नामक एक परियोजना में लगे हुए हैं। अनुदान स्वीकृत- 1.75 लाख रुपए।

प्रो. वागेश्वरी देसवाल आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित कृषि सुधार (2019-21) पर एक परियोजना में लगी हैं। स्वीकृत अनुदान- 10 लाख रुपए।

संगोष्ठियों का आयोजन

न्यायमूर्ति ए के त्यागी, न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, प्रो. (डॉ.) आरएन शर्मा, संकायाध्यक्ष, स्कूल ऑफ लॉ, आईएमएस यूनिवर्सिटी, देहरादून और श्री जतिन कलौं, रिसर्च स्कॉलर और गेस्ट

फैकल्टी, फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ दिल्ली ने 26 फरवरी, 2021 को 'एमएच जॉर्ज केस के विशेष संदर्भ के साथ सामाजिक-आर्थिक अपराधों में पुरुषों के सिद्धांत पर राष्ट्रीय वेबिनार' में चर्चा की।

प्रो. (डॉ.) पूनम सक्सेना, माननीय कुलपति, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं प्रो. (डॉ.) निष्ठा जसवाल, माननीय कुलपति, हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला ने 8 मार्च, 2021 को 'राष्ट्रीय वेबिनार' में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

प्रो. (डॉ.) गुरदीप सिंह बाहरी ने 16 सितंबर, 2020 को 'ओजोन दिवस 2020' के उपलक्ष्य में विधिक केंद्र-II के वेबिनार में व्याख्यान दिया।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जी एस ग्रेवाल, पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी श्री जफर इकबाल और श्री मनिंद्र नाथ ठाकुर, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जेएनयू, राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से विधिक केंद्र-II द्वारा 2 अक्टूबर, 2020 को आयोजित 'गांधीवादी विचार और फिट इंडिया' पर राष्ट्रीय वेबिनार में चर्चा की।

माननीय सुश्री न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी, न्यायाधीश, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, माननीय श्री न्यायमूर्ति ए. मोहम्मद मुस्तक, न्यायाधीश, केरल उच्च न्यायालय, हॉबल श्री न्यायमूर्ति एम. गोविंदराज, न्यायाधीश, मद्रास उच्च न्यायालय, श्रीमान रोअर थुन वेगर, निदेशक, वैगर नेगोशिएशन इंस्टिट्यूट, नॉर्वे, श्री अलॉयसियस गोह, संस्थापक और सीईओ, सेज मध्यस्थता, सिंगापुर और श्री विनोद कुमार, अध्यक्ष, इंडिया एसएमई फोरम, ने 7 जून, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'ऑनलाइन मध्यस्थता: क्या यह विवाद समाधान का भविष्य है? राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर चर्चा की।

माननीय श्री न्यायमूर्ति ए. स. रवींद्र भट, न्यायाधीश, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, डॉ. अनिरुद्ध राजपूत, सदस्य, संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय विधि आयोग, महामहिम डॉ. कैनेडी गैस्ट्रोन, महासचिव, एशियाई-अफ्रीकी कानूनी सलाहकार संगठन और श्री ओपी गुप्ता, आईएस, पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक, भारत सरकार ने 24 मई, 2020 को 'फॉर्मस्युटिकल उत्पादों और महामारी कोविड-19 के पेटेंट पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: आईपीआर बनाम मानवाधिकार पर कुछ विचार' में चर्चा की।

2020. प्रो. पूनम सक्सेना, कुलपति, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने 27 मई, 2020 को 'राष्ट्रीय वेबिनार' में हिंदू और मुस्लिम महिलाओं के स्वामित्व अधिकार: सामाजिक-कानूनी परिप्रेक्ष्य' पर व्याख्यान दिया।

माननीय सुश्री न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 6 जून, 2020 को 'इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की स्वीकार्यता' पर एक व्याख्यान दिया।

माननीय श्री न्यायमूर्ति राजीव शकधर, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय, मुख्य अतिथि के रूप में और श्री अमरजीत सिंह चंडीओक, वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री सतीश अबाराव देशमुख, उपाध्यक्ष, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, श्री तेजस करिया, पार्टनर, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी, सुश्री वनिता भार्गव, पार्टनर, खेतान एंड कंपनी, श्री राहुल गोयल, पार्टनर, इंडस लॉ, श्री प्रद्युमन दुबे, पार्टनर, एल एंड एल पार्टनर्स, श्री विक्रान्त सिंह नेगी, पार्टनर डीएसके लीगल, श्रीमान रोहित पांडे, अधिवक्ता, कार्यवाहक सचिव, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और डॉ. रंजीत मेहता, प्रमुख सचिव, पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने 20 जून 2020 को, 'कानूनी पेशे और सड़क पर कोविड-19 के प्रभाव और आगे की राह' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में चर्चा की।

संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रस्तुतिकरण (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)/विशेष व्याख्यान

महावीर सिंह कालोन-1

किरण गुप्ता -11

अनुपम झा - 7

आनंद सिंह शौरी - 3

स्वाति सोलंकी -1.

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

02 छात्रों को कपूर एंड कपूर लॉ फर्म दिल्ली के साथ नियोजित किया गया। जनवरी, 2021 में 2020 बैच से 03 अन्य छात्रों को नियोजित किया गया है।

संकाय की संख्या - 43

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महावीर सिंह कलोन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा में राज्यपाल के प्रतिनिधि नियुक्त (2020)

महावीर सिंह कलोन, अकादमिक परिषद, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद हरियाणा में राज्यपाल के मनोनीत प्रतिनिधि नियुक्त (2020)

महावीर सिंह कलोन, सदस्य कार्यकारी परिषद, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा में राज्यपाल मनोनीत प्रतिनिधि नियुक्त(2020)

वी.के. आहूजा को दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस (इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस), दिल्ली विश्वविद्यालय का संयुक्त निदेशक नियुक्त बनाया गया(2020)

वागेश्वरी देसवाल हरियाणा के राज्यपाल (2021) द्वारा विश्वविद्यालय न्यायालय, बीपीएसडब्ल्यू विश्वविद्यालय, खानपुर के सदस्य के रूप में नामित।

प्रबंधन अध्ययन संकाय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय (एफएमएस) भारत के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों में से एक है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठा प्राप्त है। एफएमएस इंजीनियरिंग से लेकर लिबरल आर्ट्स तक की विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि से देश के सभी हिस्सों के प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित करता है। एफएमएस की विद्यार्थी प्रवेश नीति लिंग और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में विविधता को सकारात्मक रूप से बढ़ावा देती है। सभी एमबीए छात्रों को भारत की सबसे प्रमुख कंपनियों के साथ इंटरनशिप करने का अवसर दिया जाता है। एफएमएस अपने शिक्षण की गुणवत्ता और अपने व्यवसाय और व्यवसायी उन्मुख अनुसंधान दोनों के लिए प्रसिद्ध है। एफएमएस का विद्यार्थी नियोजन रिकॉर्ड काफी अच्छा है। एफएमएस पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम के अलावा, एमबीए कार्यकारी कार्यक्रम, एमबीए स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन कार्यक्रम और डॉ.कटरेट कार्यक्रम भी चलाता है। एफएमएस के पूर्व विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में व्यवसाय, शिक्षा, प्रशासन, नीति निर्माण और सार्वजनिक जीवन सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में शीर्ष पदों पर आसीन हैं।

प्रकाशन

टी. अग्रवाल, एन.तगेजा, जी. गिल, वी. चतुर्वेदी और एन. राजपूत (2020) 'विक्रेता की नौकरी के तनाव को कम करने पर सलाह के प्रभाव - नौकरी से संतुष्टि संबंध: भारत में बैंकिंग क्षेत्र का अध्ययन'। साइकोलाजी एंड एजुकेशन, 57(9), 3330-3338.

ए. बर्धन, ए.के. दास और एक्स. फगेदा, (2020). भारत में नई क्षेत्रीय विमानन नीति: प्रारंभिक संकेतक और सीखे गए सबक। जर्नल ऑफ एयर ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट, 88, 101870.

ए. बर्धन और के. कुमार, (2020). तृतीयक अस्पतालों पर प्राथमिक देखभाल भार को कम करने के लिए एक विकल्प-आधारित मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, 15(3), 155-164.

डी. दास और सी. यादव, (2020). एक अति-स्थानीय खाद्य वितरण संगठन में जनशक्ति को काम पर रखने के लिए रणनीति का एक ढांचा। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन मैनेजमेंट रिसर्च, 189(1), 113 - 135.

डी. दास, आर. कुमार और एम. के. रजक (2020). ई-कॉमर्स फर्म के लिए रिवर्स लॉजिस्टिक्स नेटवर्क डिजाइन करना: एक मामले का अध्ययन। ऑपरेशन्स एंड सप्लाइ चेन मैनेजमेंट: एक इंटरनेशनल जर्नल, 13(1), 48 - 63.

एस दे, पी. चटर्जी और एस. जैन (2020). जीवन और आजीविका: लॉकडाउन से बाहर निकलने की रणनीति। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली 55(22), 38-44.

एस दे और के सिंह, (2020) बिजनेस मैनेजमेंट के छात्रों के बीच विद्यार्थी जुड़ाव और व्यक्तिगत भलाई का विश्लेषण: भारत में एक प्रमुख बिजनेस स्कूल का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिसर्च, 13(1), 82-92.

जी. गुप्ता और एस. नागपाल, (2020). हरित आयाम, पर्यावरण अभिविन्यास और आकार: विनिर्माण फर्मों के परिचालन प्रदर्शन पर प्रभाव का आकलन। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, मई, 1-14. <https://doi.org/10.1177/0972150920919880>

जी. गुप्ता और के. सिंघारिया (2021). कोविड-19 लॉकडाउन में ओटीटी मीडिया स्ट्रीमिंग की खपत: पीएलएस विश्लेषण से अंतर्दृष्टि, विजन जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव, 25(1), (फरवरी), 1-11. <https://doi.org/10.1177/0972262921989118>

ए. कलसी, जे. धमीजा और ए. अरोड़ा, (2020). वित्तीय स्थिरता का माप और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर इसका प्रभाव: ब्रिक राष्ट्रों से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकाउंटिंग एंड फिनांस रिव्यू, 5(2), 80-93 (एबीसीडी)

ए. कलसी और एन. सिंह (2020). सिनर्जी लाभ पर नकद सौदों और संबंधित उद्योग विलय का प्रभाव: भारतीय एम एंड ए का एक मामला। इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड बैंकिंग, 4(2), 99-117. (एबीसीडी)

सुनीता सिंह सेनगुप्ता और टी. मंडल (2020). पर्यावरण और सतत विकास: वैदिक अंतर्दृष्टि। शबदारनवा - एन इंटरनेशनल पियर रिव्यूड रेफरीड जर्नल ऑफ मल्टीडिस्प्लिनरी रिसर्च, 6(11), 268-271.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता (2020). परिभाषित करना और मापना: कार्यस्थल पर ऊर्जा आधारित नेतृत्व शैली और ऊर्जा। इंटरनेशनल जर्नल आन वैदिक फाउंडेशन ऑफ मैनेजमेंट, 8(1), 44-64.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता (2020). वैश्विक शहर और सीमाओं का परिवर्तन: एक कोरोनावायरस पर्यावरण में "वसुधैव कुटुम्बकम्" को एकीकृत करना- एक अवधारणा नोट। इंटरनेशनल जर्नल आन वैदिक फाउंडेशन ऑफ मैनेजमेंट, 8(2), 92-96.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता और वी. ठाकुर, (2020). आधुनिक प्रबंधन अनुसंधान के लिए शास्त्रीय भारतीय ज्ञानमीमांसा, इंटरनेशनल जर्नल आन वैदिक फाउंडेशन ऑफ मैनेजमेंट, 8(2) : 26-42.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता (2021). वित्तीय निर्णय लेने में प्रबंधन और आध्यात्मिकता को एकीकृत करना: एक अवधारणा नोट। इंटरनेशनल जर्नल आन स्प्रिचुअलिटी एंड आर्गेनाइजेशनल लीडरशिप, अध्यात्म और संगठनात्मक नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9(1), 43-60.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता और टी मंडल (2021). वर्तमान समय में वैदिक शिक्षा प्रणाली का महत्व। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च, 7(1), 371-376.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता, (2021). लेवल 5 इंटीग्रल लीडरशिप: ट्रान्सडेंस ऑफ माइंड। आईयूपी जर्नल ऑफ ऑर्गेनाइजेशनल बिहेवियर, 20(2), 7-24.

के. सिंह (2020). जनसांख्यिकीय कारकों और विद्यार्थी जुड़ाव और व्यवसाय प्रबंधन छात्रों में व्यक्तिगत कल्याण के बीच संबंध। जर्नल ऑफ नॉलेज ग्लोबलाइजेशन, 12(1), 73-103.

के. सिंह और एस. दे, (2020). बिजनेस मैनेजमेंट के छात्रों के बीच विद्यार्थी जुड़ाव और व्यक्तिगत भलाई का विश्लेषण: भारत में एक प्रमुख बिजनेस स्कूल का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिसर्च, 13(1), 82-92.

के. सिंह और एस. श्रीवास्तव (2021). वर्चुअल कार्यक्षेत्र में कार्यस्थल विचलन। स्ट्रैटेजिक एचआर रिव्यू, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, आईएसएसएन 1475-4398. जारी करने की तारीख: 10.1108/SHR-09-2020-008

एम. सिंघानिया और एन. सैनी, (2020). ऑटोरेग्रेसिव डिस्ट्रिब्यूटेड लैग एप्रोच का उपयोग करते हुए पर्यावरणीय अवक्षय और आर्थिक विकास के संबंध पर पुनर्विचार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एंड परफॉर्मेंस, 69(8), 1765-1796.

एम. सिंघानिया और एन. सैनी, (2020), विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विदेशी पूंजी प्रवाह: तथ्य, विशेषता और विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 19(4), 465-490

सिंघानिया और एन. सैनी, (2021). डीमिस्टिफाइंग पॉल्यूशन हेवन हाइपोथिसिस: एफडीआई की भूमिका। जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 123, 516-528.

पी सिन्हा और एन. ग़ोवर (2021). प्रतिस्पर्धा, विविधीकरण और तरलता निर्माण के बीच अंतर्संबंध: भारतीय बैंकों से साक्ष्य। मार्जिन- द जर्नल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च, 15(2), 183-204.

पी सिन्हा और पी शाह व अन्य (2021) मशीन लर्निंग एल्गोरिथम का उपयोग कर 2020 संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिए भविष्यवाणी: लासो प्रतिगमन। जर्नल ऑफ प्रेडिक्शन मार्केट्स, 15(2), 19-31.

पी सिन्हा और सांवलिया, पी. (2021). भारतीय शेयर बाजार में वित्तीय बाधाएं, स्टॉक रिटर्न और आर एंड डी। विजन-द जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव, 25(2), 192-200.

पी. सिन्हा और एन. ग़ोवर (2021). तरलता निर्माण के निर्धारक, दृढ़ता और मूल्य निहितार्थ: भारतीय बैंकों से एक साक्ष्य। जर्नल ऑफ एशिया बिजनेस स्टडीज। जारी करने की तारीख: 10.1108/JABS-06-2019-0192.

पी सिन्हा और एन. नितिन, (2020). भारत में स्वयं सहायता समूहों का प्रदर्शन। इकोनॉमिक पॉलिटिकल वीकली, मार्च 31, अंक LVI सं. 5, 36-43.

पंकज सिन्हा और सांवलिया प्रिया, (2020). संकट काल के पूर्व और बाद में परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण का व्यवहार: भारत से साक्ष्य। फॉइनंस इंडिया, अंक XXXIV सं.3, 919- 942.

अनुसंधान परियोजनाएँ

टी. अग्रवाल, वेलकम ट्रस्ट इंटरनेशनल द्वारा वित्त पोषित आईएनसीएलईएन ट्रस्ट इंटरनेशनल की एक शोध परियोजना में सह-अन्वेषक और 'भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान में नेतृत्व का मार्ग' (रिपोर्ट प्रस्तुत अप्रैल, 2020)। आईएनसीएलईएन ट्रस्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली को वित्तपोषण प्रदान किया गया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता (दिसंबर 2019) अनुसंधान कार्यक्रम योजना के अंतर्गत दो वर्ष की अवधि के लिए आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "भारतीय प्रबंधन की वैदिक नींव" पर चल रही शोध परियोजना।

मोनिका सिंघानिया, प्रधान अन्वेषक, ईएसजी प्रकटीकरण पर आईसीएसएसआर इंप्रेस प्रोजेक्ट: विकसित और विकासशील देशों का तुलनात्मक स्थिरता विश्लेषण, 21 जून, 2019 से चल रही अनुसंधान परियोजना।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

ए. के. बर्धन "परिवहन और रसद में उभरती अनुकूलन समस्याएं", 18 -20 दिसंबर, 2020 को गणित और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, वीएसके विश्वविद्यालय, बल्लारी द्वारा आयोजित कंप्यूटिंग, सांख्यिकी और संचालन अनुसंधान के अभिसरण पर अंतर्राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान अकादमी (सीओएनआईएपीएस-XXVI) का 26वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - सतत भविष्य के लिए युवाओं को सशक्त बनाना।

एस. दे, एक महामारी के आयामों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित अतिथि और न्यायाधीश: द कोविड - 19 संकट। 11-12 फरवरी 2021 सेंट जेवियर्स महाविद्यालय, जयपुर।

जी. गुप्ता ने 14 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में 'कोविड-19 युग में पुनरीक्षण विपणन' पर एक व्याख्यान दिया।

जी. गुप्ता ने 16 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में 'पुनरुत्थान पोस्ट महामारी: अवसर और बाधाएं' पर एक व्याख्यान दिया।

जी. गुप्ता ने 31 अक्टूबर, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में 'रिलेशनशिप मार्केटिंग' पर व्याख्यान दिया।

ए. कलसी, "वित्तीय उदारीकरण, वित्तीय स्थिरता सूचकांक और संकट के बीच गठजोड़" सम्मेलन की कार्यवाही टेलर एंड फ्रांसिस (टी एंड एफ) द्वारा एमडीआईएम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीसीबीपी 2021 के परिणाम के रूप में प्रकाशित की गई।

ए. कलसी, "रिलेशनशिप बिटवीन पोर्टफोलियो फ्लो एंड करेंसी क्राइसिस: एन एम्पिरिकल एनालिसिस" कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग्स को टेलर एंड फ्रांसिस (टी एंड एफ) द्वारा एमडीआईएम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईसीसीबीपी 2021 के परिणाम के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

ए. कलसी, "इंपैक्ट ऑफ मेथड ऑफ पेमेंट ऑन एक्वायरर लिक्विडिटी एंड लीवरेज इन मर्जर एंड एक्विजिशन: ए केस ऑफ इंडियन एम एंड ए", एमडीआईएम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईसीसीबीपी 2021.

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 28 अप्रैल, 2020 को कुलपति द्वारा एमिटी यूनिवर्सिटी, मानेसर कैंपस आयोजित "कोविड-19 के समय में उच्च शिक्षा के भविष्य" पर पैनल वेबिनार में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने पटना वीमेंस कॉलेज, पटना द्वारा आयोजित 'लॉकडाउन के दौरान ई-अध्ययन की भूमिका: शैक्षणिक चुनौतियां और आगे की राह' दो दिवसीय वेबिनार में "प्रभावी सलाह, आध्यात्मिक कल्याण और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए ई-अध्ययन रणनीतियों का उपयोग" शीर्षक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 9 मई, 2020 को दोपहर 12.30 बजे प्रोफेसर संजय मुखर्जी, आईआईएम शिलांग द्वारा एफएमएस पीएच.डी. छात्रों के लिए "प्रबंधन और उदार कला" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने शनिवार (16 मई, 2020) को दोपहर 12.00 बजे कुमार मंगलम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "टूवर्ड्स ए मीनिंगफुल यूनिवर्सिटी एजुकेशन: लाइफ बिगॉन्ड हाई स्कूल" पर एक वेबिनार में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने व्यवसाय प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 30 जून 2020 को सांध्य 4.00 बजे से 4.30 बजे तक आयोजित "रीथिंकिंग मैनेजमेंट एजुकेशन" पर आयोजित ई-सम्मेलन में एक वक्ता के रूप में भाग लिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता को 6 जुलाई, 2020 को दोपहर 2.00 बजे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, केआर मंगलम यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के एक सप्ताह के ई-संकाय विकास कार्यक्रम में "रिसर्च मेथडोलॉजी एंड डेटा एनालिसिस यूजिंग एसपीएसएस" पर मुख्य वक्तव्य देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 8-9 अगस्त, 2020 के दौरान प्रज्ञानम-इंडिका द्वारा आयोजित 'साहित्य और अंतःविषय: भविष्य के अनुसंधान' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "साहित्य और प्रबंधन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 20 अगस्त, 2020 को टीईएन न्यूज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दोपहर 3.30 बजे से सांध्य 4.30 बजे तक "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: संभावनाएं और चुनौतियां" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता को वेद अनुसंधान संस्थान द्वारा 23-24 अगस्त, 2020 को नई शिक्षा नीति पर वेब बैठक के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 5 सितंबर, 2020 को दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक टीईएन न्यूज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रबंधन अध्ययन विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के सहयोग से "व्यावसायिक शिक्षा पर नई शिक्षा नीति का प्रभाव" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता को वेद अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 19-20 सितंबर, 2020 के दौरान "भारतीय पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता" पर वेबिनार में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने माई आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना के एक भाग के रूप में "भारतीय प्रबंधन की वैदिक नींव" पर 1-10 अक्टूबर, 2020 तक 9 वेबिनार श्रृंखलाएं आरंभ कीं।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 3 अक्टूबर, 2020 को एसोसिएशन ऑफ इंडियन फिलॉसॉफर्स इंटरनेशनल द्वारा आयोजित "अहिंसा: द फाउंडेशन ऑफ कॉस्मिक हार्मनी" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन फिलॉसॉफर्स इंटरनेशनल द्वारा आयोजित "श्री राम: करुणा का एक अवतार" पर वर्चुअल सम्मेलन में 23 नवंबर, 2020 को "करुणामय नेतृत्व: भगवान श्री राम से अंतर्दृष्टि" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 17-19 दिसंबर, 2020 के दौरान फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से आईएसओएल ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से कोविड के बाद के समय में आध्यात्मिकता और संगठनात्मक नेतृत्व को एकीकृत करने पर एक आभासी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन फिलॉसॉफर्स इंटरनेशनल द्वारा आयोजित "लॉर्ड बुद्ध: एन एपिटोम ऑफ महाकरुणा" पर वर्चुअल सम्मेलन में 16 जनवरी, 2021 को "करुणामय नेतृत्व: बुद्ध से अंतर्दृष्टि" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने डॉ. स्टेफनी डोशर, निदेशक सीओआईएल - फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के निमंत्रण पर 5 मार्च, 2021 को यूरेशिया - उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, आभासी सम्मेलन में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 8 मार्च, 2021 को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत में मनोविज्ञान और इसके भविष्य की संभावनाओं पर वायरल राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने संस्कृत विभाग, दक्षिण दिल्ली कैंपस और गांधी भवन द्वारा आयोजित एनईपी 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा पर 11-13 मार्च, 2021 तक आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 12 मार्च, 2021 को प्रबंधन अध्ययन में प्राचीन भारतीय योगदान पर व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी के अंतर्गत बिजनेस मैनेजमेंट विभाग द्वारा आयोजित बिजनेस स्टडीज में रिफ्रेश कोर्स में 15 मार्च, 2021 को "समावेशी संगठन बनाना" पर एक व्याख्यान दिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 11 अप्रैल, 2021 को सांध्य 7.30 बजे डॉ. वेदव्यास स्मृति व्याख्यान श्रृंखला में "भारतीय प्रबंधन की वैदिक नींव" पर एक आमंत्रित ऑनलाइन वार्ता दी।

Singh Sengupta, सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने अमेरिकन सोसाइटी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के 2021 के वार्षिक सम्मेलन में 15 अप्रैल, 2021 को "शिक्षण लोक प्रशासन की चुनौतियाँ और वादा" पर वर्चुअल पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने 30 अप्रैल- 5 मई, 2021 तक एक सतत, जिम्मेदार और लचीला वैश्विक भविष्य के निर्माण पर पीओएमएस 31वें ऑनलाइन वार्षिक सम्मेलन में 2 मई, 2021 को "आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में आध्यात्मिकता और संगठनात्मक नेतृत्व को एकीकृत करना: आरा का एक प्रकरण अध्ययन" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

वी. सुनेजा (2020) "राष्ट्रीय शिक्षा नीति/मुक्त डिजिटल शिक्षा के संदर्भ में उच्च शिक्षा के लिए आगे की ओर दृष्टि", राष्ट्रीय शिक्षा नीति और ऑनलाइन डिजिटल शिक्षा: विचार और संभावनाएं, इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12 अक्टूबर।

वी. सुनेजा (2020) "श्री संजीव बिकचंदानी प्रो विवेक सुनेजा के साथ बातचीत में", इनोवेटर टॉक सीरीज़, ई समिट, 7 मार्च।

वी. सुनेजा (2020) "दूरस्थ कार्य का भविष्य: सामाजिक बनाम तकनीकी", उद्यमिता सम्मेलन, ई शिखर सम्मेलन, 7 मार्च।

वी. सुनेजा (2020) "लीडरशिप इन टर्बुलेंट टाइम्स: द वर्ल्ड इज रीसेट: व्हाट लाइज़ अहेड", संकायाध्यक्ष का संबोधन, एफएमएस संस्थापक दिवस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 19 दिसंबर।

वी. सुनेजा (2021) "अंतःविषयक शिक्षण में दार्शनिक तरीके", उच्च शिक्षा में दार्शनिक पद्धति: अनुसंधान और शिक्षण, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 मार्च।

वी. सुनेजा (2021) "हर पहाड़ पर चढ़ो: संकट में अग्रणी के लिए जीवन के सबक", संकायाध्यक्ष का संबोधन, एफएमएस फोरम, मार्च 6.

वी. सुनेजा (2021) "नेतृत्व, रचनात्मकता और वाणिज्य", उद्घाटन वक्तव्य, एफएमएस फोरम, 13 फरवरी।

वी. सुनेजा (2021) "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020", आमंत्रित व्याख्यान, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22 जनवरी।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

सुनील शर्मा, मेसर्स इंडिया मार्ट इंटरमेश लिमिटेड, नोएडा के लिए कार्यकारी नेतृत्व विकास कार्यक्रम (ईएलडीपी) और मेसर्स वैपकोस, गुरुग्राम के प्रबंधन विकास कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 214 और 100%

कैंपस भर्ती के लिए कैंपस में आनेवाली कंपनियों की संख्या: 102

विस्तार और अभिगम्य (आउटरीच) कार्यक्रमलाप

100+ लीडरशिप टॉक सीरीज़ अर्थशास्त्र (अतिथि व्याख्यान), कॉर्पोरेट प्रतियोगिताएं, प्री- नियोजन वार्ता आदि।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी : 09

संकाय की संख्या: उन्नीस (पद पर)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जी. गुप्ता ने शैक्षिक संचार के कंसोर्टियम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर यूजीसी का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र) के लिए 'व्यक्तिगत बिक्री' पर 24 वीडियो व्याख्यान (प्रत्येक में 30 मिनट) दिए।

जी. गुप्ता ने 4-12 अगस्त, 2020, को पीजीडीएवी (सांध्य) महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'रिसर्च मेथडोलॉजी एंड टेक्नोलॉजी लेड पैराडाइम शिफ्ट इन टीचिंग एंड लर्निंग प्रोसेस' पर एफडीपी पूरा किया।

जी. गुप्ता ने 18-25 अगस्त, 2020 को रामानुजन कॉलेज और शिवाजी कॉलेज, नई दिल्ली में 'आईसीटी एन्हांस्ड टीचिंग लर्निंग एंड क्रिएटिंग एमओओसी' पर एफडीपी पूरा किया।

जी. गुप्ता, 19-25 जनवरी, 2021 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व कौशल' विषय पर नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एलडीपी -2) ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की।

सुनील शर्मा ने दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) और ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग, यूपी सरकार, ग्रेटर नोएडा की भारत सरकार की योजना के सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) की समीक्षा पर विशेषज्ञ समूह की अध्यक्षता की। (2020-21)

सुनेजा वी, अध्यक्ष, नई शिक्षा नीति कार्यान्वयन समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग दो स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम एमसीए और एमएससी प्रदान करता है। कंप्यूटर विज्ञान और एक मजबूत पीएच.डी. कार्यक्रम चलाता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 50 नामांकित अनुसंधान विद्वान हैं, जो कंप्यूटर विज्ञान (कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समानांतर कंप्यूटिंग, डेटाबेस, डेटा माइनिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर ग्राफिक्स, नेटवर्किंग, वेब टेक्नोलॉजीज, सूचना सुरक्षा, एल्गोरिदम और जैव सूचना विज्ञान) की विविध शाखाओं में अनुसंधान में लगे हुए हैं। विभाग उन पहले विभागों में से एक है जिन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण प्रारूप को जल्दी अपनाया और उसके बाद लॉकडाउन में संकाय सदस्यों ने कक्षाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए छात्रों की समस्याओं के लिए संपर्क किया। अध्ययन सामग्री की आसान पहुंच के लिए, विश्वविद्यालय द्वारा लाइसेंस उपलब्ध कराये जाते ही, संकाय सदस्यों ने गूगल कक्षा पर छात्रों के साथ वीडियो व्याख्यान/प्रासंगिक अध्ययन सामग्री साझा की। नवंबर/दिसंबर के महीनों में विभाग में पांच नए संकाय सदस्य शामिल हुए।

शोधार्थियों के लिए आयोजित गतिविधियों का विवरण:

क्रमांक	शोध अध्येता का नाम	तारीख	चर्चा का विषय
1.	सुश्री दिपाली बजाज	3/3/2021	माइक्रो सर्विस और इसके पैटर्न

नियोजन: एमसीए और एम.एससी. के लिए कुल 60 छात्रों को नौकरियों के प्रस्ताव प्राप्त हुए। अमेज़न, कर्वेंट, पेटीएम, एकोलाइट, एक्सट्रिया, नगारो, थोरोगुड, इंफोएज, ईवाईएक्स, आईवीपी, जोश टेक्नोलॉजीज, डुमाइंडस, टू द न्यू, वेक्टोस्केलर, ईवाई आदि जैसी प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियों ने कैंपस नियोजन प्रक्रिया में भाग लिया। न्यूनतम वेतन पैकेज 3.5 लाख वार्षिक और अधिकतम 30.5 लाख वार्षिक थे।

विद्यार्थी गतिविधियाँ: कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों द्वारा वार्षिक तकनीकी उत्सव "संकलन" का 16 वां संस्करण आयोजित किया गया। इस उत्सव में पूरे भारत के कॉलेजों से कंप्यूटर विज्ञान के 900 छात्रों (ऑनलाइन) ने भाग लिया।

जर्नल प्रकाशन

क्रमांक	विभाग	सहकर्मि समीक्षित जर्नल में प्रकाशन (अंतर्राष्ट्रीय)	सहकर्मि समीक्षित जर्नल में प्रकाशन (राष्ट्रीय)	पुस्तक (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (स्थानीय प्रकाशक)	कुल
1	कंप्यूटर विज्ञान	7	-	-	-	-	7

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय)

क्रमांक	विशेषज्ञ का नाम	तारीख	पद	संबद्धता	वार्ता का शीर्षक
1	डॉ. विकास कुमार	24-03-2021	सहायक प्रोफेसर	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	मैट्रिक्स फैक्टराइजेशन के साथ बहु-लेबल वर्गीकरण

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजन प्रयास में कुल छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 88/97 नियोजन प्रयास में भाग लेने वाले छात्रों की कुल संख्या, 60, 82.50% छात्रों को नियोजित किया गया।

कैंपस में भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियों की संख्या: 23

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 06

संकाय की संख्या

स्थायी: 10

गणित विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय में 1947 में गणित विभाग की स्थापना की गई थी और अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने बीजगणित, विश्लेषण, टोपोलॉजी, विभेदक समीकरण, गणितीय प्रोग्रामिंग सहित गणित के विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनने की दिशा में काम किया है। शिक्षा के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ-साथ शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए विभाग की एक दृढ़ प्रतिबद्धता ने देश भर के प्रतिभाशाली छात्रों को आकर्षित किया है। विभाग गणित में एम.ए./एम.एससी. और एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम आयोजित करता है। यह छात्रों को पर्यावरण और बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए समर्पित है, जिससे उन्हें विद्यार्थीवृत्ति, रचनात्मक कार्य, पेशेवर प्राप्ति और सेवा की क्षमता विकसित करने में मदद मिलती है। विभाग को यूजीसी के एसएपी-डीआरएस, एसएपी-डीएसए, डीएसटी-एफआईएसटी और डीएसटी-पर्स सहित विभिन्न सहायता और अनुदान प्राप्त होते रहे हैं। विभाग 2021 में भारत में क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 10वें स्थान पर है।

सम्मान/ विशिष्टताएं

रुचि दास एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, वर्ल्ड साइंटिफिक के संपादक मंडल की सदस्य हैं।

तरुण दास ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र के बाहर स्थायी संकायों की नियुक्ति के लिए चयन समितियों में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

अजय कुमार अपनी सेवानिवृत्ति के बाद एनएसएआई (द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया) के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फेलो के रूप में विभाग में शामिल हुए।

ललित कुमार इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेवलेट्स मल्टीरिज़ॉल्यूशन एंड इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग (आईजेडब्ल्यूएमआईपी) के संपादक मंडल के सदस्य हैं। प्रकाशक: वर्ल्ड साइंटिफिक, सिंगापुर।

ललित कुमार मैथमेटिकल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइंसेज के संपादक मंडल के सदस्य हैं। प्रकाशक: चिटकारा विश्वविद्यालय, पंजाब।

सीएस ललिता 27 मार्च 2020 से शहीद भगत सिंह कॉलेज के शासी निकाय में विश्वविद्यालय की प्रतिनिधि हैं।

प्रतिमा राय विंटेज: जर्नल ऑफ थीमैटिक एनालिसिस की सलाहकार समिति की सदस्य हैं।

साची श्रीवास्तव को आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

क्रमांक	विभाग	सहकर्मी समीक्षित जर्नल में प्रकाशन (अंतर्राष्ट्रीय)	सहकर्मी समीक्षित जर्नल में प्रकाशन (राष्ट्रीय)	पुस्तक (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (स्थानीय प्रकाशक)	कुल
1		17	34				51

अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	वर्ष/अवधि	वित्तपोषक एजेंसी	स्वीकृत राशि (वार्षिक आधार पर)
1	"ऑन सम रिंग एक्सटेंशन्स" - अतुल गौर	2019-21	डीएसटी-एसईआरबी (मैट्रिक्स योजना)	रु. 2,20,000/-
2	"ए स्टडी ऑफ सेंटर एंड क्लोज्ड लाई आईडियल्स ऑफ वेक्टर वेल्ड्ड बर्लिंग अलजेब्राज"- रंजना जैनJa	2020-21	संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय	रु. 1,75,000/-
3	"डिस्क्रीट गैबर फ्रेम्स एंड देयर एप्लीकेशन्स"- ललित कुमार	2020-21	संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय	रु. 1,75,000/-
4	"स्केलेराइजेशन एस्पेक्ट्स इन वेक्टर और सेट ऑप्टिमाइजेशन" - सी.एस.	2018-21	डीएसटी-एसईआरबी (मैट्रिक्स योजना)	रु. 2,20,000/-

	ललिता			
5	"फर्स्ट एंड सेकेंड आर्डर कान्स्ट्रेंट क्वालिफिकेशन्स इन स्केलर एंड वेक्टर ऑप्टिमाइजेशन" - सी.एस. ललिता	2020-21	संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय	रु. 1,75,000/-
6	"फाइनलिट गुप एक्शनस आन प्रोडक्ट ऑफ स्पेसेज ऑफ टाइप (0,0) एंड बोरसुक-उलम टाइप थ्योरम फॉर प्रोडक्ट ऑफ प्रोजेक्टिव स्पेसेज" - एच. के. सिंह	2018-21	डीएसटी-एसईआरबी (मैट्रिक्स योजना)	रु. 2,20,000/-
7	"इंडेक्स ऑफ फिनिटिस्टिक स्पेस एंड ट्रांसफॉर्मेशन गुप्स आन प्रोजेक्टिव स्पेस" - एच. के. सिंह	2018-21	डीएसटी-एसईआरबी (ईएमआर योजना)	रु. 5,83,990/-
8	"स्टडी ऑफ द डायनॉमिक्स ऑफ एक्जैक्ट सॉल्यूशन्स फॉर द नॉनलाइनियर इवोल्यूशन इक्वेशन यूजिंग लाइ सिमिटी एनालिसिस" - सचिन कुमार	2020-23	डीएसटी-एसईआरबी (ईईक्यू योजना)	रु. 6,91,553/-
9	"लाइ सिमिटी एनालिसिस एंड डायनॉमिक्स ऑफ फिजिकल फेनामिना फॉर नॉनलाइनियर इवोल्यूशन इक्वेशन्स"- सचिन कुमार	2020-23	डीएसटी-एसईआरबी (मैट्रिक्स योजना)	रु. 2,20,000/-
10	"एक्जिस्टेंस ऑफ ए साल्यूशन एंड कंट्रोबिलिटी ऑफ फंक्शनल डिफरेंशियल सिस्टम्स" - सुरेंद्र कुमार	2020-21	संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय	रु. 1,75,000/-
11	"वेटेड कम्पोजिशन ऑपरेटर्स डैट आर क्लोज टू एन आइसोमेट्री" - साची श्रीवास्तव	2020-21	संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय	रु. 1,75,000/-
12	"क्वांटम डायनामिकल सेमीग्रुप्स एंड पर्टर्बेशन्स" - साची श्रीवास्तव	2020-23	डीएसटी-एसईआरबी (मैट्रिक्स योजना)	रु. 2,20,000/-
13	"एसिम्प्टोटिक्स ऑफ सॉल्यूशन्स ऑफ लाइनर एंड नॉन-लाइनर डिफरेंशियल इक्वेशन्स"- साची श्रीवास्तव	2020-23	एसईआरबी कोर अनुसंधान अनुदान	रु. 10,59,468/-

संगोष्ठियों और संवाद का आयोजन

गणित विभाग ने एम.फिल के छात्रों के लिए ऑनलाइन रिसर्च स्कॉलर सेमिनार का आयोजन किया। 28 सितंबर, 2020 को (आयोजक: अतुल गौर)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

रुचि दास: 2

27-28 मार्च, 2021 को भारतीय महिलाओं और गणितज्ञों के वार्षिक सम्मेलन में "प्रसारण के क्षितिज और गतिशील प्रणालियों में तितली प्रभाव" पर पूर्ण वार्ता।

राष्ट्रीय गणित दिवस, एच.पी. विश्वविद्यालय, शिमला में 22 दिसंबर 2020 को "एक नज़र में भारतीय गणितज्ञों का योगदान" पर आमंत्रित वार्ता।

तरुण दास: 2

13 अगस्त, 2020 को गणित, गणित विज्ञान 2020 प्रोजेक्ट, सीएनयू, कोरिया में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "साइटसीइंग स्टेबिलिटी इन पाइंटवाइज डायनामिक्स" शीर्षक आमंत्रित वार्ता।

4 और 5 जनवरी 2021 को जम्मू विश्वविद्यालय के गणित विभाग में गणित पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "सब-शिफ्ट्स ऑफ फॉइनाइट टाइप" और "ट्रांसिटिविटी लीडिंग स्मेल्स थ्योरम" शीर्षक दो व्याख्यान दिए।

अतुल गौर: 1

17-18 अक्टूबर, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज में आयोजित "सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों पर अनुप्रयोग (ऑनलाइन)" पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में "शून्य भाजक के साथ परिमित रिंग" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

सी. एस. ललिता: 4

27 मार्च, 2021 को गणित, शिक्षण अधिगम केंद्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "अस्तित्व प्रमेय और न्यूनतम समस्याओं के लिए अनुकूलता की स्थिति" पर व्याख्यान।

21 मार्च, 2021 को मानव रचना विश्वविद्यालय में नॉनलाइनियर ऑप्टिमाइजेशन, वेरिएशनल असमानताओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला में "विभिन्न असमानताओं का परिचय" पर व्याख्यान।

इष्टतम मानवमंडल के लिए परिचालन अनुसंधान में प्रगति पर 20-22, नवंबर, 2020 को ओआरएसआई तिरुपति चैप्टर, इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएसपीएस) और एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति के अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में सेट ऑप्टिमाइजेशन में बाहरी और आंतरिक स्थिरता पर व्याख्यान।

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17-8 अक्टूबर, 2020 को विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में गणित के योगदान पर व्याख्यान सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

एप्लाइड साइंसेज विभाग, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा और गणित विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा संयुक्त रूप से 26-27 सितंबर, 2020 को आयोजित डिजिटल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एप्लाइड मैथमैटिकल साइंसेज (डीआईसीएमएस-2020) में उत्तल अनुकूलन और अनुप्रयोगों पर व्याख्यान।

प्रतिमा राय: 2

टीईक्यूआईपी-III के अंतर्गत यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ द्वारा 28-30 अगस्त, 2020 को आयोजित "इंटीग्रेटेड इंटरडिसिप्लिनरी इनोवेशन इन इंजीनियरिंग (आईसीआईआईआई -2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समय की देरी के साथ विलक्षण रूप से परेशान परवलयिक मोड़ समस्या के एक वर्ग के संख्यात्मक विश्लेषण" पर आमंत्रित वार्ता।

गणित विभाग, गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, हरियाणा, होशियारपुर, पंजाब में 9-10 अक्टूबर, 2020 को आयोजित "ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान पद्धति पर दो दिवसीय कार्यशाला" में "वैज्ञानिक अनुसंधान और विभिन्न अनुसंधान उपकरण" पर आमंत्रित वार्ता।

सचि श्रीवास्तव: 2

यूनिवर्सिटी डी ज़ारागोज़ा (स्पेन) में 1 फरवरी, 2021 को "डिफरेंशियल इक्वेशन एंड सेमीग्रुप्स पर लूमा डे" के अवसर पर "डेले सेमग्रुप्स एंड स्टेबिलिटी" पर आमंत्रित वार्ता।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय की विभागीय संगोष्ठी में 15 फरवरी, 2021 को "विलंब उपसमूह और बहुपद स्थिरता" पर आमंत्रित वार्ता।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

रुचि दास ने गणित विभाग, विज्ञान संकाय, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा की सेजल शाह के साथ सहयोग किया।

रुचि दास ने शिनक्सिंग वू, स्कूल ऑफ मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, गुइज़ोऊ यूनिवर्सिटी ऑफ फॉइनैस एंड इकोनॉमिक्स, गुइयांग, पी.आर. चीन के साथ सहयोग किया।

Atul अतुल गौर ने हाई क्यू दीन्ह, केंट स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के साथ सहयोग किया।

अतुल गौर ने अभय कुमार सिंह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद के साथ सहयोग किया।

रंजना जैन ने पूर्णिमा गुप्ता, गणित विभाग, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ सहयोग किया।

अजय कुमार ने वी रविचंद्रन, गणित विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत के साथ सहयोग किया।

सचिन कुमार ने बेहज़ाद घनबारी, बेसिक साइंस विभाग, करमानशाह यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, करमानशाह, ईरान के साथ सहयोग किया।

सचिन कुमार ने डुमित्रु बालेनु, अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान, मैगुरेले-बुखारेस्ट, रोमानिया के साथ सहयोग किया।

अरविंद पटेल ने शोभा बगाई, सीआईसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के साथ सहयोग किया।

सची श्रीवास्तव ने प्रो. राल्फ चिल, टीयू ड्रेसडेन, ड्रेसडेन, जर्मनी के साथ सहयोग किया।

सची श्रीवास्तव ने डब्ल्यू. अरेंड्ट, इंस्टिट्यूट ऑफ एप्लाइड एनालिसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ उल्म, उल्म, जर्मनी के साथ सहयोग किया।

सची श्रीवास्तव ने आई. चालेंदर यूनिवर्सिटी पेरिस-एस्ट, मार्ने-ला-वल्ली, फ्रांस के साथ सहयोग किया।

सची श्रीवास्तव ने प्रो. फ्रैंको फॉग्नोला, पोलिटेक्निको डि मिलानो, मिलान, इटली के साथ सहयोग किया।

सची श्रीवास्तव ने प्रो. के.बी. सिन्हा, जेएनसीएसआर, बेंगलूर, भारत के साथ सहयोग किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

विभाग अपने नियोजन सेल अनन्या - नियोजन सेल के माध्यम से छात्रों के नियोजन के सभी पहलुओं को संभालता है। सेल उद्योग और छात्रों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है। अनन्या - नियोजन सेल, आने वाली कंपनियों को नियोजन प्रक्रिया के हर चरण में लॉजिस्टिक सहायता का आश्वासन देता है; टेस्ट की व्यवस्था करने, प्री-नियोजन वार्ता और अंतिम साक्षात्कार आयोजित करने से लेकर। नियोजन सेल छात्रों में पेशेवर रूप से प्रशिक्षित लोगों के साथ कार्यशालाओं, संवादात्मक सत्रों के आयोजन के माध्यम से तनाव, दबाव

को संभालने और सभी भावनात्मक अस्पष्टताओं से निपटने की क्षमता भी पैदा करता है। इसका उद्देश्य हमारे छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है।

नियोजन सेल में पंजीकृत 108 छात्रों में से कुल 27 (वर्तमान बैच से 21 और पुराने बैच से 6) छात्रों को नियोजित किया गया था। कुल 26 कंपनियों ने हमसे (ऑनलाइन) मुलाकात की। छात्रों को दी जाने वाली औसत सीटीसी 6.01 लाख प्रति वर्ष थी जबकि उच्चतम सीटीसी की पेशकश 14.8 लाख प्रति वर्ष थी।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

तरुण दास इंडियन सोसाइटी फॉर हिस्ट्री ऑफ मैथमेटिक्स के कोषाध्यक्ष हैं।

तरुण दास ने 2 मार्च, 2021 को हिंदू कॉलेज के गणित विभाग द्वारा आयोजित विश्लेषण पर कार्यशाला के दौरान आमंत्रित वक्तव्य दिया।

रंजना जैन ने 28 जनवरी, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में वेबिनार "ट्राइसक्ट्रिक्स" में "वेब खोज के पीछे रैखिक बीजगणित" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।

अजय कुमार ने 7 जनवरी और 12 जनवरी, 2021 के बीच "निरंतरता और समान निरंतरता" और "फूरियर विश्लेषण का परिचय", जम्मू विश्वविद्यालय पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।

अजय कुमार ने पंजाब विश्वविद्यालय में 19 और 20 जनवरी, 2021 को "निरंतरता और समान निरंतरता" और "फूरियर विश्लेषण का परिचय", पर दो आमंत्रित व्याख्यान दिए।

सुरेंद्र कुमार ने 16-30 मार्च, 2021 के दौरान टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गणित में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सीएस ललिता ने 20 दिसंबर, 2020 को ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ नेपाल के सहयोग से ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के 53 वें वार्षिक सम्मेलन और इंटरनेशनल वेबिनार "महामारी के दौरान संचालन अनुसंधान की भूमिका" के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

प्रतिमा राय ने 17-30 जून, 2020 तक उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "योग और ध्यान के विज्ञान" पर दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिमा राय ने 15-20 जुलाई, 2020 से "अकादमिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन केंद्र (सीएएलईएम), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़" द्वारा आयोजित "ऑनलाइन शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन के संदर्भ में प्रौद्योगिकी और निर्देशात्मक सुधार" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिमा राय ने महात्मा हंसराज, फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से अरबिंदो कॉलेज (ई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11-17 दिसंबर, 2020 को आयोजित "ई-कंटेंट जनरेशन एंड मैनेजिंग ऑनलाइन टीचिंग" पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया।

एचके सिंह ने 2- 15 दिसंबर, 2020 तक सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित 'जीरो टू इन्फिनिटी: ए जर्नी ऑफ नॉलेज' विषय पर गणित/संचालन अनुसंधान/सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सची श्रीवास्तव कार्यकारी समिति, भारतीय महिला और गणित (एनबीएचएम की पहल) के रूप में कार्यरत हैं।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. - 15

एम.फिल. - 05

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय	- 20
एनबीएचएम विजिटिंग प्रोफेसर	- 01
अतिथि संकाय	- 15
पोस्ट डॉ.क्टरेट विद्यार्थी	- 01

परिचालनात्मक अनुसंधान विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

परिचालनात्मक अनुसंधान विभाग ने अपनी स्थापना के समय से ही अपने को अनुकूलन और डेटा विश्लेषण के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित किया है। विभाग, छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए, नियमित शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, हर वर्ष विभिन्न प्रकार की विद्वतापूर्ण गतिविधियों का आयोजन करता है।

प्रकाशन

क्रमांक	विभाग	सहकर्मी समीक्षित जर्नलों में प्रकाशन (अंतर्राष्ट्रीय)	सहकर्मी समीक्षित जर्नलों में प्रकाशन (राष्ट्रीय)	पुस्तक (अंतर्राष्ट्रीय य प्रकाशक)	पुस्तक (राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (स्थानीय प्रकाशक)	कुल
1	परिचालना त्मक अनुसंधान	25	29				54

अदिति कौल, ए. दरबारी, जे.डी. और पी.सी. झा, (2020). जीवन की गुणवत्ता के आधार पर सुविधा स्थान मूल्यांकन के लिए एक अस्पष्ट एमसीडीएम मॉडल। सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग में (पृ. 687-697)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

के.के. अग्रवाल, एस. अहमद, और एफ. मलिक, (2020). एक अग्रिम बिक्री प्रणाली के लिए आदेश, मूल्य निर्धारण और विज्ञापन नीति के समन्वय के लिए सूची का एक मॉडल। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 30(3), 323-338.

के.के. अग्रवाल, वी. प्रसाद, और आई. यादव, (2020). एक नियतात्मक विक्रेता द्वारा दो भुगतान नीतियों के अंतर्गत प्रबंधित इन्वेंट्री मॉडल: डिलीवरी पर नकद और डिलीवरी से पहले नकद। रेविस्टा इन्वेस्टिगेशन ऑपरेशनल, 41(6), 826-843.

एन. अग्रवाल, ए. अरोड़ा, ए. आनंद और वाई. द्विवेदी, (2020). शुरुआती दर्शक या अनुयायी: यू ट्यूब दर्शकों के वर्गीकरण के लिए एक गणितीय मॉडल। किबरनेट्स, 50(6), 1811-1836.

ए. आनंद, जे.कौर, ओ. सिंह और ओ.एच. अल्हाज़मी, (2021). चपलता आधारित सॉफ्टवेयर विकास के लिए इष्टतम स्प्रिंट लंबाई निर्धारण। सीएमसी-कंप्यूटर मेटिरियल्स और कंटिन्यूआ, 68(3), 3693-3712.

ए. आनंद, ओ. सिंह, और पी.के. कपूर, (2021). ओएसएस के लिए त्रि-आयामी वीनर प्रक्रिया आधारित एन्ट्रापी भविष्यवाणी मॉडलिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 12(1), 188-198.

ए. आनंद, एन. भट्ट और ओ.एच. अल्हाज़मी, (2021). रिपोर्टर के प्रभाव को शामिल करते हुए मॉडलिंग सॉफ्टवेयर भेद्यता डिस्कवरी प्रक्रिया। इंफॉर्मेशन सिस्टम्स फ्रंटियर्स, 23(3), 709-722.

ए. आनंद, एन. भट्ट, और डी. अग्रवाल, (2020). खोजी गई कमजोरियों के आधार पर मॉडलिंग सॉफ्टवेयर पैच प्रबंधन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलायबिलिटी, क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग, 27(02), 2040003.

एस. अनेजा और के.के. अग्रवाल, (2021). बिक्री मूल्य पर निर्भर और बिजली समय पैटर्न की मांग के अंतर्गत अपूर्ण गुणवत्ता और निश्चित शेल्फ जीवन वाली वस्तुओं के लिए इष्टतम मूल्य निर्धारण और खरीद निर्णय। सिंगारी आर.एम., मथियाझगन के., कुमार एच. (संपा.) में। एडवांस इन मैनुफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग। लेक्चर नोट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग। स्प्रिंगर, सिंगापुर, 907-923.

जी. वंसल, ए. आनंद और डी. अग्रवाल, (2021). प्रतिस्पर्धी ब्रांडों के लिए बहु-पीढ़ी का प्रसार मॉडलिंग: दूरसंचार उद्योगों के लिए एक विश्लेषण। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एनालिटिक्स, doi.org/10.1080/23270012.2021.1881925.

जी. वंसल, ए. आनंद और एस. तिवारी, (2020). उत्पाद विकास और संबंधित लाभ आकलन में पुनर्विनिर्माण की भूमिका। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 277, 124016.

जी. वंसल, ए. आनंद और एम. अग्रवाल, (2020). एमएयूटी का उपयोग करके मांग-लागत व्यापार को निर्धारित करने में पुनर्विनिर्माण प्रक्रिया के प्रभाव की मॉडलिंग करना। अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमैटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेज, doi.org/10.1080/01966324.2020.1839609.

जी. वंसल, ए. आनंद, और वी. एस. यादवल्ली, (2020). प्रभावी ग्राहक जीवनकाल की भविष्यवाणी करना: दूरसंचार उद्योग के लिए उत्तरजीविता विश्लेषण का एक अनुप्रयोग। कम्यूनिकेशन्स इल स्टेटिस्टिक्स-थ्योरी एंड मेथड्स, 49(10), 2305-2320.

एन. भट्ट, ए. आनंद और वी.एस. यादवल्ली, (2021). सॉफ्टवेयर कमजोरियों की शोषण क्षमता की भविष्यवाणी। क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग इंटरनेशनल, 37(2), 648-663.

चंद्रा ए., नथानी ए., गुप्ता एस. और जग्गी सी.के. (2020). गैर-समान और समान उपभोज्य इकाइयों के साथ दो-इकाई समानांतर प्रणालियों के बीच विश्वसनीयता और लागत विश्लेषण तुलना। जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्यूज, 7(7) 695-702.

चेन, डब्ल्यू., झांग, एच., मेहलावत, एम.के., और जिया, एल. (2021). मशीन लर्निंग-आधारित स्टॉक मूल्य पूर्वानुमान का उपयोग करके मीन-विचरण पोर्टफोलियो अनुकूलन। एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 100, 106943.

गौतम पी, कामना केएम. और जग्गी सी के. (2020). मात्रा की चपलता, संरक्षण प्रौद्योगिकी और मूल्य-निर्भर मांग के प्रभाव में सतत उत्पादन नीतियां। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 3(3), 305-322.

गौतम पी., माहेश्वरी एस., सिंह एम.के.डी., भट्ट ए आर और जग्गी सी.के. (2020). कोविड-19: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण और अंतर्दृष्टि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमैटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंस, 5(6) 1156-1169.

गुप्ता, एस., और गुप्ता, वी. (2020). व्हिक्लर क्लाउड कंप्यूटिंग की उपलब्धता का विश्लेषण। सिस्टम्स परफॉर्मेंस मॉडलिंग, आदर्श आनंद और मंगी राम द्वारा संपादित, बर्लिन, बोस्टन: डी गुइटर, पृ. 21-44.

गुप्ता, एस., और खेतान, वी. (2021). दीर्घकालिक विकास वाहनों के तदर्थ नेटवर्क की विश्वसनीयता और उत्तरजीविता विश्लेषण: एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम्स मैनेजमेंट, 29, 11.

गुप्ता, पी., मेहलावत, एम.के., कुमार, ए., यादव, एस., और अग्रवाल, ए. (2020). पोर्टफोलियो दक्षता मूल्यांकन और सकारात्मक और नकारात्मक रिटर्न का उपयोग करके बैचमार्क पोर्टफोलियो की ओर पुनर्संतुलन के लिए एक विश्वसनीय फजी डीईए दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़जी सिस्टम्स 22, 824-843.

गुप्ता, पी., मेहलावत, एम.के., यादव, एस., और कुमार, ए. (2020). अंतर्जनवादी अस्पष्ट आशावादी और निराशावादी बहु-अवधि पोर्टफोलियो अनुकूलन मॉडल। सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 24, 11931-11956.

गुप्ता, एम., तिवारी, एस., और जग्गी, सी. के. (2020). आंशिक बैकलॉगिंग और टू-वेयरहाउस वातावरण में भुगतान में अनुमेय देरी के साथ समय-भिन्न बिगड़ती वस्तुओं के लिए रिटेलर की ऑर्डरिंग नीतियां। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 295(1), 139-161.

जैन, ए., दरबारी, जे.डी., कौल, ए., और झा, पी.सी. (2020). अस्पष्ट वातावरण में एमसीडीएम का उपयोग करते हुए हरित विपणन रणनीति का चयन। सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग में (पृ. 499-512)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

जैन, ए., दरबारी, जे.डी., कौल, ए., रामनाथन, यू., और झा, पी.सी. (2020). एक सर्व-चैनल खुदरा श्रृंखला के बीओपीएस सेवा के लिए सुविधा चयन मॉडल। आईईईई ट्रांजेक्शन्स आन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट। doi: 10.1109/TEM.2020.3018912.

जग्गी, सी.के., हक, ए., और माहेश्वरी, एस. (2020). एक ताला उद्योग के लिए बहुउद्देश्यीय उत्पादन योजना समस्या: एक प्रकरण अध्ययन और गणितीय विश्लेषण। इन्वेस्टिगेशन ऑपरेशनल, 41(6), 893-901.

जग्गी, सी. के., रिनी और किशोर, ए. (2020). प्राकृतिक निष्क्रिय समय और कमी के अंतर्गत अपूर्ण सूची प्रणाली के लिए पुनःपूर्ति नीतियां। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 3(3), 251-270.

जग्गी, सी. के. एंड सिंह, जे. (2020). राहत सामग्री के अवक्षय और निपटान के साथ सूची राहत श्रृंखला मॉडल। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 30(4), 525-542.

कौल, ए., अग्रवाल, एस., और झा, पी.सी. (2020). उत्पाद प्रचार के लिए टेलीविजन चैनलों का चयन: एक फजी-टॉपसिस दृष्टिकोण। सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग में (पृ. 621-628)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

जे.कौर, ए. आनंद, ओ. सिंह, और कुमार, वी. (2021). एक संक्रमित पैच के प्रभाव में सॉफ्टवेयर की विश्वसनीयता को मापना। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 31(2), 249-264.

खन्ना, ए., गौतम, पी., हसन, ए., और जग्गी, सी. के. (2020). गुणवत्ता निरीक्षण, पुनर्विक्रय और कार्बन-उत्सर्जन के साथ अपूर्ण उत्पादन प्रणाली के लिए सूची और मूल्य निर्धारण निर्णय। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 30(3), 337-358.

खन्ना, ए., यादव, एस., और प्रियंवदा। (2020). मूल्य-संवेदनशील मांग और संरक्षण प्रौद्योगिकी निवेश के साथ एक सूची प्रणाली पर कार्बन-कर और कैप-एंड-ट्रेड तंत्र का प्रभाव। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 30(3), 359-378.

किशोर, ए., गौतम, पी., खन्ना, ए., और जग्गी, सी. के. (2020). स्क्रीनिंग बाधाओं के अंतर्गत पुनःकार्य करने के लिए दो-तरफा निरीक्षण योजना का उपयोग करके अपूर्ण उत्पादन प्रणालियों की सेट-अप लागत में सीखने के प्रभाव की जांच करना। साइंटिया ईरानिका, 27(6), 3265-3288.

कृष्णकुमार, आर., रविचंद्रन, के.एस., कार, एस., गुप्ता, पी., और मेहलावत, एम.के. (2021). बहु-विशेषता समूह निर्णय लेने के लिए दोहरे-पदानुक्रम दुविधा का फजी भाषाई शब्द सेट-आधारित निर्णय ढांचा। सॉफ्ट कंप्यूट 25, 2665-2685.

कुमार, के., और बर्धन, ए.के. (2020). तृतीयक अस्पतालों पर प्राथमिक देखभाल भार को कम करने के लिए एक विकल्प-आधारित मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, 15(3), 155-164.

कुमार, वी., पंवार, एस., कपूर, पी.के., और सिंह, ओ (2021). सॉफ्टवेयर रिलीज़ और रिलीज़ के बाद के परीक्षण पर इष्टतम निर्णय: एक एकीकृत दृष्टिकोण। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, जारी करने की तारीख: <http://yujor.fon.bg.ac.rs/index.php/yujor/article/view/891>.

लालरोपुड़या, के.सी., और गुप्ता, वी (2021). अध्याय 5 - 5जी वायरलेस संचार नेटवर्क में बैंडविड्थ स्प्रूफिंग हमले के अंतर्गत छोटे सेल रिले की गेम थ्योरेटिक मॉडलिंग और निर्भरता विश्लेषण। द हैंडबुक ऑफ रिलायबिलिटी, मेन्टेनेन्स एंड सिस्टम सेफ्टी थ्रो मैथेमेटिकल मॉडलिंग, अमित कुमार और मांगे राम, अकादमिक प्रेस द्वारा संपादित, 79-100.

लालरोपुड़या, के.सी., और खेतान, वी. (2021). स्थिरता के आर्थिक इनकार (ईडीओएस) हमले के अंतर्गत क्लाउड कंप्यूटिंग की उपलब्धता और विश्वसनीयता विश्लेषण: एक अर्ध-मार्कोव दृष्टिकोण। क्लस्टर कंप्यूटिंग। doi.org/10.1007/s10586-021-03257-9.

मेहलावत, एम.के., गुप्ता, पी., महाजन, डी. (2020). सॉफ्टवेयर संवर्धन और घटक मूल्यांकन, चयन और एकीकरण के लिए एक बहु-अवधि बहु-उद्देश्य अनुकूलन ढांचा। इंफॉर्मेशन साइंस, 523, 91-110.

मेहलावत, एम.के., गुप्ता, पी., खेतान, ए. और पेड्रिज़, डब्ल्यू। (2020). स्प्लिट डिलीवरी और वाहन चयन के साथ एकीकृत फ़ज़ी मल्टीपल डिपो कैपेसिटेड ग्रीन व्हीकल रूटिंग समस्या के लिए एक हाइब्रिड बुद्धिमान दृष्टिकोण। आईईईई ट्रांजेक्शन्स आन फ़ज़ी सिस्टम्स, 28(6), 1155-1166.

मेहलावत, एम.के., गुप्ता, पी., कुमार, ए., यादव, एस. और अग्रवाल, ए., विश्वसनीयता ढांचे के अंतर्गत डेटा लिफॉफ़ विश्लेषण का उपयोग कर बहुउद्देश्यीय फ़ज़ी पोर्टफोलियो प्रदर्शन मूल्यांकन। आईईईई ट्रांजेक्शन्स आन फ़ज़ी सिस्टम्स, , 28 (11), 2726-2737.

नूपुर, आर., कौल, ए., शर्मा, पी., कुमार, एस., बरुएटा, एम., और झा, पी.सी. (2020). परिधान उद्योग में प्रिंट पेस्ट आपूर्तिकर्ताओं के चयन के लिए एफएमईए और तागुची लॉस फ़ंक्शन का उपयोग करके मुद्रण प्रक्रिया के प्रदर्शन मूल्यांकन और सुधार को ब्लॉक करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, 12(3), 237-272.

पचर, एन., गुप्ता, ए., और झा, पी.सी. (2020). दक्षता मूल्यांकन के लिए द्वि-स्तरीय प्रोग्रामिंग डीईए दृष्टिकोण: भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स खुदरा स्टोर का एक प्रकरण अध्ययन। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 30(4), 461-481.

पंवार, एस. कपूर, पी.के., और सिंह, ओ (2020). अपनाने की दर में बदलाव और बार-बार खरीदारी के साथ प्रौद्योगिकी प्रसार मॉडल: उपभोक्ता के झुकाव का मामला। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट। जारी करने की तारीख: <https://doi.org/10.1007/s13198-020-01028-0>.

पंवार, एस., कपूर, पी.के., और सिंह, ओ (2021). मोबाइल दूरसंचार सेवाओं के लिए प्रसार गतिकी और लॉन्च समय रणनीति की भविष्यवाणी करना: एन इंपिरिकल एनालिसिस इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, जारी करने की तारीख: <https://doi.org/10.1007/s10799-021-00323-x>

पंवार, एस., कपूर, पी.के., सचदेवा, एन., और सिंह, ओ (2020). खंडित वातावरण में बहु-पीढ़ी प्रौद्योगिकी प्रबंधन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्ट डेवलपमेंट, 24(1), 1-29.

प्रियंवदा, रिनी, खन्ना, ए., और जग्गी, सी. के. (2021). कमी और संरक्षण प्रौद्योगिकी निवेश के साथ नियंत्रणीय गिरावट दर के लिए मूल्य और स्टॉक पर निर्भर मांग के अंतर्गत एक इन्वेंट्री मॉडल: पर पुनर्विचार। ऑप्सर्च, 58(1), 181-202.

प्रियंवदा, गौतम, पी., खन्ना, ए., और जग्गी, सी. के. (2020). समाप्ति तिथियों और मूल्य संवेदनशील मांग के अंतर्गत परिवर्तनीय गिरावट दर के साथ एक सूची प्रणाली के लिए संरक्षण प्रौद्योगिकी निवेश। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशन्स रिसर्च, 30(3), 287-303.

शर्मा एके, तिवारी एस., यादवल्ली वी.एस.एस. और जग्गी सी.के. (2020). गैर-तात्कालिक बिगड़ती वस्तुओं के लिए इष्टतम व्यापार ऋण और पुनःपूर्ति नीतियां। रेड्रो ऑपरेशन्स रिसर्च, 54(6), 1793-1826.

शर्मा, आर., दरबारी, जे.डी., यादवल्ली, वी.एस., अग्रवाल, वी., और झा, पी.सी. (2020). सतत खाद्य मूल्य श्रृंखला में नवाचार प्रथाओं को लागू करने के लिए विश्लेषणात्मक संरचनात्मक मॉडल। सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग में (पृ. 699-710). स्प्रिंगर, सिगापुर.

श्रीवास्तव, ए.के., कुमार, वी., कपूर, पी.के., और सिंह, ओ (2020). सॉफ्टवेयर रिलीज और परीक्षण परिवर्तन बिंदु के साथ समय के निर्णय को रोकना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 11(2), 196-207.

ओ. सिंह, सिंघल, एस., और आनंद, ए. (2021). नवाचार अपनाने में समय के अंतराल को शामिल करते हुए बहु-पीढ़ीगत मॉडलिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विस ऑपरेशन्स एंड इंफॉर्मेटिक्स।

सिंघल, एस., ए. आनंद, और सिंह, ओ (2020). स्टोकेस्टिक वातावरण के अंतर्गत गतिशील बाजार आकार-आधारित दत्तक ग्रहण मॉडलिंग और उत्पाद प्रसार का अध्ययन करना, टेक्निकल फोरकास्टिंग एंड सोशल चेंज, 161, 120285.

सोलंकी, आर., दरबारी, जे.डी., अग्रवाल, वी., और झा, पी.सी (2020). आपूर्ति श्रृंखला के सामाजिक-पारिस्थितिकी प्रदर्शन प्रमुख कारकों के विश्लेषण के लिए एक अस्पष्ट बहु-मानदंड निर्णय मॉडल। सॉफ्ट कंप्यूटिंग फॉर प्रॉब्लम सॉल्विंग में (पृ.671-685)। स्प्रिंगर, सिगापुर, 2020.

यादव, एस., और खन्ना, ए (2021). कार्बन टैक्स नीति के अंतर्गत समाप्ति तिथि और मूल्य निर्भर मांग के साथ खराब होने वाले उत्पादों के लिए सतत सूची मॉडल। प्रॉसेस इंटीग्रेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी, 1-12.

संपादक/ संपादक मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या:

प्रोफेसर चंद्र के. जग्गी

प्रधान संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन मैथमैटिकल एंड स्टैटिस्टिकल साइंसेज, इंटरनेशनल साइंटिफिक रिसर्च ऑर्गनाइजेशन फॉर साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रकाशित।

सह संपादक, ओपसर्च, ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, स्प्रिंगर।

सह संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स एशोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगर।

सह संपादक, द जीएसटीएफ जर्नल ऑफ मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड ऑपरेशंस रिसर्च।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स साइंस: ऑपरेशंस एंड लॉजिस्टिक्स, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप लिमिटेड।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज ऑपरेशंस एंड इंफॉर्मेटिक्स, इंडर्साइंस पब्लिशर्स लिमिटेड।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, साइंटिफिक एंड एकेडमिक पब्लिशिंग।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरप्राइज कंप्यूटिंग एंड बिजनेस सिस्टम्स।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन।

प्रोफेसर पी. सी. झा

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, यू.पी. में 2-4 फरवरी, 2020 तक आयोजित सस्टेनेबल सप्लाई चैन: एन ओवरल्यू ऑन इंडो-फ्रेंच सेमिनार ऑन ऑप्टिमाइजेशन, वेरिएशनल एनालिसिस एंड एप्लिकेशन में आमंत्रित वार्ता।

प्रोफेसर पंकज गुप्ता

संपादक, सूचना विज्ञान (एल्जेवियर)।

सह संपादक, आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन फजी सिस्टम्स (आईईईई कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस सोसाइटी)।

संपादक, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग (एल्जेवियर)।

सह संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फजी सिस्टम्स (स्प्रिंगर)।

प्रोफेसर प्रीतिवती श्रीवास्तव

28-30 दिसंबर, 2020 के दौरान सांख्यिकी विभाग, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) की वर्षगांठ पर व्यापार और उद्योग में उन्नत सांख्यिकीय तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में आवधिक निरीक्षण के अंतर्गत, एक दो-घटक समानांतर प्रणाली के लिए आंशिक रूप से त्वरित विश्वसनीयता प्रदर्शन परीक्षण पर आमंत्रित वार्ता रजत जयंती के साथ संयोजन में व्यापार और औद्योगिक सांख्यिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी (आईएसबीआईएस) का एक क्षेत्रीय आभासी सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता।

प्रोफेसर ओमपाल सिंह

सह-संपादक- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशयोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगर.

जून 2020 में प्रकाशित "स्ट्रैटेजिक सिस्टम एशयोरेंस एंड बिजनेस एनालिटिक्स", एसेट एनालिटिक्स सीरीज़, स्प्रिंगर पब्लिकेशन नामक पुस्तक का सह-संपादन किया। (<https://doi.org/10.1007/978-981-15-3647-2>).

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशयोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगर में "गुणवत्ता, विश्वसनीयता, आईटी और व्यवसाय संचालन" का अतिथि-संपादन किया (स्पूपस, ईएससीआई सूचीबद्ध)। अंक जुलाई 2020 में प्रकाशित हुआ। (<https://link.springer.com/journal/13198/volumes-and-issues/11-2/supplement>).

डॉ. अदिति खन्ना

अतिथि संपादक, विशेष अंक, सूची में उभरते रुझान, आपूर्ति श्रृंखला और विश्वसनीयता मॉडलिंग। यूगोस्लॉव जर्नल ऑफ ऑपरेशन्स रिसर्च, अंक. 30(3), 2020.

सदस्य, संपादकीय समीक्षा बोर्ड, एमिटी जर्नल ऑफ ऑपरेशन्स मैनेजमेंट।

डॉ. आदर्श आनंद

अतिथि संपादक, विशेष अंक, इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य देखभाल में लागू गणितीय तकनीक, इंजीनियरिंग, विज्ञान और एयरोस्पेस में गणित (एमईएसए), अंक 10. (2), 2019.

संपादकीय समीक्षा बोर्ड के सदस्य, एमिटी जर्नल ऑफ ऑपरेशन्स मैनेजमेंट।

संपादक मंडल के सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशयोरेंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट।

संपादक मंडल के सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमैटिकल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंस।

संपादक मंडल के सदस्य, जर्नल ऑफ ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी।

डॉ. वंदना खेतान

एमिटी जर्नल ऑफ ऑपरेशन्स मैनेजमेंट के संपादकीय समीक्षा बोर्ड की सदस्य।

अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रोफेसर सी के जग्गी, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "परिचालन लागत को कम करने के लिए मानवीय आपूर्ति श्रृंखला मॉडलिंग", 31 दिसंबर, 2020 से 31 मार्च, 2021, रु. 3.50 लाख।

प्रोफेसर पंकज गुप्ता

प्रधान अन्वेषक, स्वीकृत एसईआरबी-डीएसटी गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्रित समर्थन (मैट्रिक्स) परियोजना के लिए "घटक आधारित सॉफ्टवेयर विकास में सॉफ्टवेयर घटक मूल्यांकन और चयन के लिए अनिश्चितता के अंतर्गत बहु-मानदंड अनुकूलन मॉडल का विकास", 2019-2022, ₹ 6.6 लाख।

प्रधान अन्वेषक, चीन के राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन से प्रो. वेई-गुओ झांग, दक्षिण चीन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ग्वांगझू, चीन के साथ संयुक्त रूप से "अंतर्राष्ट्रीय संपत्ति आवंटन" पर स्वीकृत परियोजना (सं. 71720107002)।

प्रो. पंकज गुप्ता, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके शहरी परिवहन को फिर से तैयार करना", 31 दिसंबर, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक, परियोजना के लिए 1.75 लाख रुपए स्वीकृत।

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, प्रधान अन्वेषक, ने परियोजना के लिए एसईआरबी-डीएसटी गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्रित समर्थन (मैट्रिक्स) को मंजूरी दी, "अनिश्चितता के अंतर्गत वास्तविक-विश्व निर्णय स्थितियों के लिए बहु-मानदंड निर्णय लेने के दृष्टिकोण का विकास", 2020-2023, ₹. 6.6 लाख।

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "उच्च-क्षम पोर्टफोलियो: अनिश्चितता के अंतर्गत अनुकूलन", 31 दिसंबर, 2020 से 31 मार्च, 2021, ₹. 1.75 लाख।

डॉ. अदिति खन्ना, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "उत्पाद वसूली और अपशिष्ट प्रबंधन के साथ सतत सूची मॉडलिंग" परियोजना के लिए स्वीकृत, 31 दिसंबर, 2020 से 31 मार्च, 2021, ₹। 1.75 लाख।

डॉ. वंदना खेतान, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "5जी संचार की निर्भरता विश्लेषण" परियोजना स्वीकृत, 31 दिसंबर, 2020 से 31 मार्च, 2021, ₹. 1.74 लाख।

डॉ. आदर्श आनंद, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग समस्या को हल करने के लिए बहु मानदंड निर्णय लेने की तकनीक का अनुप्रयोग", 31 दिसंबर, 2020 से 31 मार्च, 2021, ₹. 1.74 लाख।

डॉ. कौशल कुमार, प्रधान अन्वेषक, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "प्राथमिक देखभाल सेवाओं के उपयोग के लिए पूर्ववृत्त और अवरोधक और आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए उनके निहितार्थ" परियोजना स्वीकृत, 31 दिसंबर, 2020 से मार्च 31, 2021, ₹. 1.75 लाख।

संगोष्ठियों का आयोजन

प्रोफेसर ओमपाल सिंह

प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में नवाचार प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जनरल को-चेयर (आईसीआईपीटीएम-2021 और आईएनबुश एरा -2021), एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, भारत, 17-19 फरवरी 2021।

इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईसीआईईएम) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जनरल को-चेयर, एमिटी यूनिवर्सिटी, लंदन डब्ल्यूसी, यूके, जून 2020।

डॉ. आदर्श आनंद, सदस्य, आयोजन समिति, इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में गणितीय तकनीकों पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, देहरादून, 4-5 दिसंबर, 2020 (ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून, भारत द्वारा आयोजित। वित्तपोषक एजेंसी: ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी)।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

प्रोफेसर चंद्रा के. जग्गी: 9

गणित विभाग और आईईईई विद्यार्थी शाखा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), अगरतला, के 12-14 अक्टूबर, 2020 (ऑनलाइन) को तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "कोविड-19 और वैश्विक संकट के संदर्भ में गणितीय मॉडलिंग" पर वक्तव्य दिया।

इन्वेंटरी प्रबंधन, गणित विभाग, टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, के लिए अक्टूबर 10 - 11, 2020 (ऑनलाइन) को सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों और लागत अनुकूलन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्तव्य दिया।

इन्वेंटरी मॉडलिंग, गणित विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में 22-23 अगस्त, 2020 (ऑनलाइन) को एक डिजिटल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्तव्य दिया।

बी के बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी में 23-27 अगस्त 2020 (ऑनलाइन) तक एक सप्ताह के एफडीपी में "विज्ञान और इंजीनियरिंग में अनुकूलन तकनीकों के अनुप्रयोग" वक्तव्य दिया।

मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, 10-14 अगस्त, 2020 को "स्टोकेस्टिक मॉडलिंग, ऑप्टिमाइजेशन एंड सॉफ्ट कंप्यूटिंग (एसएमओएससी-2020)" पर पांच दिवसीय ई-कार्यशाला में वक्तव्य दिया। (ऑनलाइन)।

समुद्र विज्ञान और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के साथ अनुप्रयुक्त गणित विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर में 5-7 अगस्त, 2020 को (वेबिनार) वर्तमान वैश्विक संकट में अनुप्रयुक्त गणित की भूमिका में व्याख्यान दिया।

गणित विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर में 25-26 जुलाई, 2020 को (वेबिनार) इन्वेंटरी प्रबंधन में अनुकूलन पर व्याख्यान दिया।

एमटी इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, एयूपी, नोएडा में 24 - 26 जुलाई, 2020 (वेबिनार) को इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च में प्रगति पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

गणित विभाग, काजी नज़रूल विश्वविद्यालय, आसनसोल में 6-7 जून, 2020 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन (वेबिनार) में "आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में उभरते मुद्दे: रुकावट, अवसर और चुनौतियां" पर वक्तव्य दिया।

प्रोफेसर पंकज गुप्ता : 4

भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली केंद्र, भारत द्वारा 31 मार्च, 2021 को आयोजित कम्प्यूटेशनल ऑपरेशंस रिसर्च एंड एल्गोरिथम गेम थ्योरी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वार्ता, "भारत में आपूर्ति श्रृंखला संचालन पर कोविड-19 का प्रभाव: एक एनएलपी दृष्टिकोण"।

सीएलईएम, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भारत द्वारा 23 दिसंबर, 2020 को आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग-बेसिक्स एंड एप्लिकेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला (एफडीपी) में आमंत्रित वार्ता, "फजी ऑप्टिमाइजेशन"।

22 जुलाई, 2020 को गणित विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भारत द्वारा आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित वार्ता, "भारत में आपूर्ति श्रृंखला संचालन पर कोविड-19 का प्रभाव"।

स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 21 जुलाई, 2020 को आयोजित गणित और इसके अनुप्रयोगों के लिए ग्राफ, नेटवर्क और पेट्री नेट्स में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "टिकाऊ परिवहन योजना के लिए एक एकीकृत बहु-मानदंड अनुकूलन ढांचा" आमंत्रित वार्ता।

डॉ. मुकेश कुमार मेहलावत: 1

वाणिज्य विभाग, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 05-17 अप्रैल, 2021 के दौरान "अनुसंधान से प्रकाशन तक" पर दो सप्ताह (ऑनलाइन) संकाय विकास कार्यक्रम में "पेपर समीक्षा और पोस्ट सबमिशन चिंताएं" पर व्याख्यान।

डॉ. वंदना खेतान : 1

आमंत्रित अध्यक्ष, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, अप्रैल 2021 में "बीजगणित, विश्लेषण और अनुप्रयोग" पर दूसरा सम्मेलन।

डॉ. आदर्श आनंद: 1

ग्राफिक एरा डीमंड टू बी यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा 4-5 दिसंबर, 2020 को आयोजित इंजीनियरिंग एप्लीकेशन (आईसीएमटीईए 2020) में गणितीय तकनीकों पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सॉफ्टवेयर रखरखाव और पैचिंग पर आमंत्रित वार्ता।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 58 (45%)

कैंपस में भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियों की संख्या: 19

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 10

संकाय की संख्या

स्थायी - 12

सांख्यिकी विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

सांख्यिकी विभाग सांख्यिकी के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण करता है। इसने अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सांख्यिकी की शक्ति और कंप्यूटर के ज्ञान का उपयोग किया है। विभाग का मुख्य जोर बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करने और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति का विकास करना है। विभाग एक ऐसे पाठ्यक्रम के साथ तीन डिग्री-उन्मुख कार्यक्रम अर्थात् एम.ए./एम. एससी सांख्यिकी, एम. फिल और पीएच.डी. आयोजित करता है, जो सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते और मुख्य क्षेत्रों को आवृत करता है। विभाग भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा विशेष आमंत्रित वार्ताओं का भी आयोजन करता है। प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने अनुसंधान वार्ता देने और संकाय और छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया। विभाग ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों/संगठनों में छात्रों की उपयुक्त नियुक्ति में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रो. गुरप्रीत गोवर

सांख्यिकी के अनुप्रयोग पर वक्तव्य के लिए विशिष्ट अतिथि: कुछ प्रकरण अध्ययन (8.02.2021)। स्टैटिस्टिक्स सोसाइटी डिपार्टमेंट ऑफ स्टैटिस्टिक्स, पीजीडीएवी कॉलेज, स्टैटिस्टिक्स यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के विभाग के सहयोग से सांख्यिकी द्वारा आयोजित।

प्रकाशन

क्रमांक	विभाग	सहकर्मी समीक्षित जर्नल में प्रकाशन (अंतर्राष्ट्रीय)	सहकर्मी समीक्षित जर्नल में प्रकाशन (राष्ट्रीय)	पुस्तक (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तक (स्थानीय प्रकाशक)	कुल
1	सांख्यिकी	-	18	-	-	-	18

अग्रवाल, एस., भारद्वाज, एम., सिंह, पी., शुक्ला, एच., सैनी, ए. और सूरी, एम. (2021). दिल्ली, भारत में रोगाणुप्रोधी उपयोग और प्रतिरोध के बारे में दृष्टिकोण और जागरूकता। जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, अंक. 12(1), पूरक 1, 317-325.

अलसुबी, ए. अख्तर, जेड अतहर, एच. आलम, एम. अहमद, ए.ए., गॉस एम. कॉर्डेरो, जी.एम. और एफिफी, ए.जेड. (2021). ओमेगा वितरण पर: कुछ गुण और अनुमान। मैथेमेटिक्स, अंक. 9, 656.

चक्रवर्ती, एस., गोवर, जी., और अग्रवाल, एस. (2021) सार्क राष्ट्रों में कोविड-19 संबंधित स्वास्थ्य परिणामों के साथ सामाजिक आर्थिक और जनसांख्यिकीय कारकों का संघ। स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन्स, अंक19(1), 367-386.

चतुर्वेदी, ए., कुमारी, टी. और पांडे, वी.के. (2021). टाइप II सेंसरिंग के आधार पर एक नए दो-पैरामीटर लाइफटाइम डिस्ट्रीब्यूशन के मापदंडों और विश्वसनीयता कार्यों के अनुमान पर। स्टैटिस्टिका, अंक3, 201-232 आईएसएसएन 1973-2201.

गुरप्रीत, जी., चक्रवर्ती, एस., ठाकुर, ए.के. (2021) एआरटी के अंतर्गत एचआईवी/एड्स रोगियों के लिए इलाज अंश और गलत वर्गीकरण संभावनाओं का आकलन निरंतर समय छिपे हुए मार्कोव मॉडल का उपयोग करना। स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन्स,{आईएसएसएन 2454-7395 (ऑनलाइन)} अंक19 (2), 113-124. [स्वीकृत]

गोवर, जी., विनीत, पी.के. और सहगल, वी.के. (2021) एआरटी के अंतर्गत एचआईवी/एड्स रोगियों के लिए प्रीमियम लागत का अनुमान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम12, 77-83. <https://doi.org/10.1007/s13198-020-01034-2>.

गोवर, जी., और ठाकुर, ए.के. (2020). भारत के रेड जोन जिलों में कोविड-19 के बीच रोकथाम योजना पर: क्लिनिकल लाइफ टेबल और क्योर फ्रैक्शन मॉडल का उपयोग करना। जर्नल ऑफ कम्यूनिकेबल डिजीज, (ई-आईएसएसएन: 2581-351X & पी-आईएसएसएन: 0019-5138), अंक52(4), 39-48.

गोवर, जी., और शर्मा, ए. (2020). आंशिक सहसंबंध/एसोसिएशन तकनीक का उपयोग करते हुए पूर्वसूचकों की संख्या को कम करते हुए एचआईवी/एड्स रोगियों के जीवित रहने के समय का अनुमान। बायोमेट्रिकल और फॉर्मोकोलॉजी जर्नल, अंक 13(2), 677-687.

गोवर, जी., और मगन, आर (2020). कोविड-19 के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों के लिए गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष (क्यूएलवाई) का आकलन। स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन्स, अंक18(1), 319-331.

गोवर, जी., और मगन, आर (2020) गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष (क्यूएलवाई) का उपयोग करके भारत के विभिन्न राज्यों में गरीबी रेखा का आकलन और तुलना। हेल्थ साइंस जर्नल, अंक15(4), 829.

देव, वी., चेतिया, ए.आर., डेका, बी. और गोवर, जी (2020). रोकथाम के उपायों के अंतर्गत भारत में कोविड-19 के संचरण की गतिशीलता का पूर्वानुमान- एक समय-निर्भर राज्य-अंतरिक्ष एसआईआर दृष्टिकोण। स्टैटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशन्स,अंक18(1बी), पृ.157- 180.

रवि, वी., सैनी, आर., वाष्णीय, एम.के., और गोवर, जी (2021). भारत में जीवन बीमा पॉलिसियों के उत्तरजीविता समय की मॉडलिंग: एक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, अंक 12(1), 164-175.

पांडे, आर. श्रीवास्तव, पी. और कुमारी, एन (2020). लंबाई के पक्षपाती लॉजिस्टिक्स मॉडल के कुछ अनुमानात्मक पहलुओं पर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट। आईएसएसएन:0975-6809.

सैनी एस., चतुर्वेदी ए. और गर्ग आर. (2021). प्रगतिशील पहली विफलता सेंसरिंग के अंतर्गत तनाव-शक्ति सामान्यीकृत मैक्सवेल विफलता वितरण का अनुमान। जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल कंप्यूटेशन एंड सिम्युलेशन, अंक91(7), 1366-1393.

सिंह, पी., सरीन, वी., मिधा, एन. (2021). गैलोइस क्षेत्र का उपयोग कर कुशलता मिश्रण डिजाइन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स, अंक 60(1), 31-44.

सिंह, पी., सरीन, वी., मिधा, एन (2020). तागुची के मिश्रित तत्व ऑर्थोगोनल एरर के आधार पर मिक्सचर डिजाइन का निर्माण। जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल थ्योरी एंड प्रैक्टिस 14:59। ऑनलाइन प्रकाशित अगस्त 19, 2020. <https://doi.org/10.1007/s42519-020-00126-3>.

सिंह, पी., सरीन, वी., मिधा, एन. (2020). अंतर योजनाओं का उपयोग करके विकसित किए गए ऑर्थोगोनल सरणियों का उपयोग करके तैयार किए गए मिश्रण डिजाइन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंस, अंक5, (6), 1379-1391. <https://doi.org/10.33889/IJMEMS.2020.5.6.102>.

शर्मा, ए., रवि, वी., सहगल, वी.के., और गोवर, जी (2020). निम्न आयामी एचआईवी/एड्स डेटा सेट पर विभिन्न उच्च आयामी चर चयन तकनीकों के प्रदर्शन की तुलना करना। जर्नल ऑफ कम्यूनिकेबल डिजीज (ई-आईएसएसएन: 2581-351X & पी-आईएसएसएन: 0019-5138), अंक52(1), 14-21.

अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का नाम	वर्ष/ अवधि	वित्तपोषक एजेंसी	स्वीकृत राशि
1	इवेंट मॉडलिंग एंड प्रिडिक्टिव एनालिसिस	2020-2021	आईओई, डीयू का एफआरपी अनुदान	3,50,000

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो गुरप्रीत गोवर: 1

सांख्यिकी के अनुप्रयोग पर वक्तव्य के लिए विशिष्ट अतिथि: कुछ प्रकरण अध्ययन (8.02.2021)। सांख्यिकी सोसायटी सांख्यिकी विभाग, दिल्ली के सांख्यिकी विश्वविद्यालय के विभाग के सहयोग से पीजीडीएवी कॉलेज, सांख्यिकी द्वारा आयोजित:

प्रो पूनम सिंह: 2

सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय द्वारा 16-19 दिसंबर 2020 को आयोजित इक्कीसवीं सदी-2020 के लिए सांख्यिकी पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसटीसी 2020) में "अंतर मैट्रिक्स के आधार पर ऑर्थोगोनल एरर के माध्यम से कुशल मिश्रण डिजाइन" शीर्षक से विशेष आमंत्रित वार्ता, (आभासी सम्मेलन)।

25-26 सितंबर 2020 को विश्वविद्यालय बीटी एंड इवनिंग कॉलेज, कूच बिहार (बी. एड सेक्शन) में पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में "पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर-एक पथ-प्रदर्शक सुधारक" शीर्षक से आमंत्रित वार्ता।

प्रो रंजीता पांडे: 3

19 मार्च, 2021 को भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा 15-22 मार्च, 2021 तक आयोजित डेटा विज्ञान और सांख्यिकीय अनुप्रयोगों पर वर्चुअल शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान। वार्ता का विषय था: गणितीय तर्क के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य।

24 मार्च 2021 को मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान स्कूल, इग्नू में आमंत्रित व्याख्यान।

बातचीत के विषय थे:

बहुआयामी मापन

संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग।

डॉ. रेणु गर्ग: 1

बी के बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी, राजस्थान द्वारा 19-21 मार्च, 2021 तक आयोजित. "कम्प्यूटेशनल गणित और इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में

"हाइब्रिड सेंसर डेटा का उपयोग करके सामान्यीकृत विपरीत घातीय वितरण की तनाव-शक्ति विश्वसनीयता का अनुमान" प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों की संख्या: 42

नियोजित छात्रों का प्रतिशत: 60.86%

कैंपस में भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियों की संख्या: 18

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

21 जून 2020 को तनाव प्रबंधन के लिए योग और प्राणायाम।

17 अक्टूबर, 2020 को सांख्यिकी वार्ता सत्र के लिए करियर विकल्प के रूप में विश्लेषिकी।

7 नवंबर, 2020 को एनालिटिक्स टॉक सेशन में स्टोरी टेलिंग और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन।

2020. 22 नवंबर, 2020 को एक प्रोजेक्ट डेमो और एक प्रश्नोत्तर सत्र के बाद कार्यस्थल की उम्मीदें।

कपड़ा संग्रह और वितरण अभियान 10-15 जनवरी, 2021

प्रो. बिमल सिन्हा ने मैरीलैंड विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर काउंटी (यूएमबीसी), संयुक्त राज्य अमेरिका में 21 जनवरी, 2021 को "एक आवेदन के साथ सांख्यिकीय मेटा-विश्लेषण का परिचय" पर आमंत्रित वार्ता दी।

21 फरवरी 2021 को निबंध लेखन प्रतियोगिता।

21 फरवरी, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस।

डॉ. वाई. किफले ने गणित और सांख्यिकी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड बाल्टीमोर कंट्री (यूएमबीसी), यूएसए में 17 मार्च, 2021 को "अज्ञात और असमान भिन्नताओं के साथ स्वतंत्र सामान्य के सामान्य माध्य के लिए कुछ सटीक परीक्षणों की स्थानीय शक्तियों की तुलना" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी.: 07 (सुश्री साक्षी कौशिक, श्री श्रवण कुमार, श्री नरेंद्र कुमार, श्री अशोक कुमार, सुश्री अंशिका भटनागर, श्री अनुराग शर्मा, सुश्री शिखा सहगल)

संकाय की संख्या

स्थायी: 03

तदर्थ : 03

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग का अपना क्रेडेंस नामक निजी नियोजन प्रकोष्ठ (नियोजन सेल) है। दिल्ली विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में एम.ए./एम.एससी करने वाले छात्रों के नियोजन के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इसे वर्ष 2004 में स्थापित किया गया है। नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के संगठनों से बातचीत का मौका मिलता है। नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से वर्ष 2020-21 में (आज तक) 53 छात्रों को नियोजित किया गया। विभाग की अपनी वेबसाइट stats.du.ac.in है। विभाग की वेबसाइट पर संकाय, शोधार्थियों, विभाग के अन्य कर्मचारियों, विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम, और अन्य प्रासंगिक जानकारी देखी जा सकती है। विभाग में छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए नवीनतम कंप्यूटिंग सुविधाओं के साथ दो पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत प्रयोगशालाएं हैं

चिकित्सा विज्ञान संकाय
शरीर रचना विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग कोविड महामारी के प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल है: सभी संकाय कोविड संबंधित कर्तव्यों- एयरपोर्ट कोविड स्क्रीनिंग, कोविड नियंत्रण कक्ष, फीवर क्लिनिक, वाईएमसीए कोविड केंद्र, मरकज़ कोविड स्क्रीनिंग, रैपिड रिस्पांस टीम, कोविड सैंपलिंग, कोविड वार्ड और कोविड सीरो-सर्वेक्षण में शामिल थे।

विभाग ने कोविड महामारी प्रतिबंधों के अनुपालन में 20 मार्च 2020 से अब तक यूजी और पीजी छात्रों के शिक्षण के लिए सफलतापूर्वक पूर्ण ऑनलाइन संक्रमण किया है।

संकाय ने अकादमिक अनुसंधान जारी रखा है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में आठ से अधिक लेख प्रकाशित किए हैं।

सम्मान/ विशिष्टताएं

पूर्वस्नातक एमबीबीएस बैच 2019 के 77 छात्रों ने एमबीबीएस प्रथम वार्षिक व्यावसायिक परीक्षा में एनाटॉमी विषय में डिस्टिंक्शन प्राप्त किए।

डॉ. स्नेह अग्रवाल को प्रशंसा शोध संदर्भ सं. एफ सं.: CET-2020/397 तारीख: 09.10.2020 विषय: सीईटी-2020 के लिए प्रश्न शोध बनाने और उसे सफलता पूर्वक पूरा करने के लिए ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी)-(सीईटी-2020) के सफल समापन के लिए।

डॉ. शीतल जोशी ने एसएसएचई और एसएसआईएमएस एवं आर सी के तत्वावधान में 10 से 12 सितंबर, 2020 को स्वास्थ्य मानविकी (वर्चुअल) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, वैज्ञानिक मौखिक प्रतियोगिता में शरीर दान करनेवाले के परिवार का सामना पर मेडिकल छात्रों के विचार में पहला स्थान प्राप्त किया।

डॉ. मीनाक्षी मल्होत्रा ने 24/11/2020 को आयोजित हिंदी प्रज्ञा परीक्षा में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया।

डॉ. प्रशांत कुमार को टीबी और आरडी/पल्मोनरी मेडिसिन विभाग, एलएचएमसी, नई दिल्ली (दिसंबर 2020) द्वारा कोविड -19 योद्धा के रूप में प्रशंसा का प्रमाण शोध मिला।

प्रकाशन: (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय)

सिंह डी, अग्रवाल एस (2021), भ्रूणीय आधार और नैदानिक अंतर्दृष्टि के साथ पीएसओएस माइनर मसल्स का रूपात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च। अप्रैल 2021, अंक-15(4): AC10-AC14.जारी करने की तारीख:10.7860/JCDR/2021/47305.14782

अग्रवाल एस, अग्रवाल बी बी, धमीजा एन, पाटनकर आरवी (2020). शारीरिक दूरी और संयमित सर्जनों के महामारी मानदंड में आवासियों की शिक्षा और प्रशिक्षण - ओस्लर और हैल्स्टेड को याद करते हुए! इंडियन जे कोलो-रेक्टल सर्जन;2:55-7

अग्रवाल बी बी, अग्रवाल एस, मित्तल के. (2020) कोविड काल के बाद की प्रतीक्षा: एक संरक्षक का दृष्टिकोण। इंडियन जे कोलो-रेक्टल सर्जन; 3(1):1

सिंह डी, मल्होत्रा एम, अग्रवाल एस (2020). एक्सिलरी आर्टरी पैटर्न में बदलाव- केस रिपोर्ट। जेसीडीआर: अगस्त 2020;14(8):01-04.

सोफिया एल, तुली ए, बाथला एस, अग्रवाल एस। (2020) लीवर के बाएं लोब को दोहरी रक्त की आपूर्ति-एक भ्रूणीय और नैदानिक महत्व की असामान्य गौण वाम यकृत धमनी। जे अनात विज्ञान। जे एना.साइं. विज्ञान। 2020 Dec;28(2): 49-55

उपाध्याय पी, हंसदक आर, अग्रवाल एस. (2021) प्रसूति धमनी की एब्रेंट उत्पत्ति: एक केस रिपोर्ट। एनाटॉमी रेडियोलॉजी एंड सर्जरी के इंटरनेशनल जर्नल। जारी करने की तारीख:10.7860/IJARS/2021/46286:2666

चावरे पी, संतोषी जेए, चौरसिया ए, सिंह यू (2021). घुटने के एंटेरोलेटरल लिगामेंट और लेटरल कोलेटरल लिगामेंट की मोटाई के बीच संबंध। जेएमएससी क्योरस 13(1): e12668. doi:10.7759/cureus.12668.

सोफिया एल, सिंह डी, ज़ाल्क्सो एन, यादव ए, अग्रवाल एस, सिंह यू, जैन पी (2021). ऊपरी अंग की धमनी का पैटर्न: नैदानिक सहसंबंध और भ्रूण संबंधी परिप्रेक्ष्य। जे वैस्कुलर ब्रासीलीरो 2021;20:e20210008. <https://doi.org/10.1590/1677-5449.210008>

प्रकाशित/संपादित जर्नल

डॉ. स्नेह अग्रवाल: इंडियन जर्नल फॉर सर्जरी, जेएसआई, एसीबी, जेसीडीआर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड बेसिक मेडिकल रिसर्च के लिए समीक्षक।

डॉ. अंजू यादव: इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनाटॉमी एंड फिजियोलॉजी के लिए समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ एनाटॉमी एंड सर्जरी ऑफ हेड, नेक एंड ब्रेन।

डॉ. शीतल जोशी: क्षेत्र 1/ई द्वारा स्नेल के क्लिनिकल एनाटॉमी के लिए संकाय समीक्षक।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन

क्रमांक	संकाय सदस्य	आयोजक	नाम, स्थान और तारीख
	डॉ. स्नेह अग्रवाल डॉ. सोहिंदर कौर डॉ. कुलविंदर कौर डॉ. शीतल जोशी डॉ. मीनाक्षी मल्होत्रा डॉ. प्रशांत कुमार डॉ. पूजा जैन डॉ. शिल्पा बाथला डॉ. रंजीता हंसदा डॉ. उर्वशी सिंह	एनाटॉमी विभाग, एलएचएमसी, नई दिल्ली	स्कूलोजी ऐप और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अप्रैल 2020 से एमबीबीएस बैच 2019 (थ्योरी एंड प्रैक्टिकल) और सेंट-अप परीक्षाओं के लिए कक्षाओं का ऑनलाइन संचालन
	डॉ. शीतल जोशी (सह-संयोजक एवं सूत्रधार)	एनाटॉमी विभाग, एलएचएमसी, नई दिल्ली	विद्यार्थी नेतृत्व मिशन द्वारा स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बारे में जागरूकता सत्र - एमईयू के अंतर्गत अंग दान जागरूकता समूह 13 दिसंबर'20 को (जूम प्लेटफॉर्म)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. शीतल जोशी : केएमसी मणिपाल में 10 अक्टूबर, 2020 को "एनाटॉमी शिक्षा में सर्वोत्तम अभ्यास विषय - क्या मृतक बेहतर डॉक्टर बनाने में मदद कर सकते हैं?" पर अतिथि वक्ता।

डॉ. शिल्पा बाथला : 6 और 7 नवंबर, 2020 को एसआरएम एमसी एंड आरसी, तमिलनाडु में आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा के कार्यान्वयन में चुनौतियाँ" पर शीर्षक मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

संकाय की संख्या: 11

निदेशक-प्रोफेसर: 2

प्रोफेसर: 4

एसोसिएट प्रोफेसर: 1

सहायक प्रोफेसर: 4

प्रदान की गई पीएच.डी. डिग्री: डॉ. सोहिंदर कौर निदेशक प्रोफेसर ने जनवरी 2021 में पीएच.डी. डिग्री प्राप्त की।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कोविड महामारी के प्रबंधन में विभाग का योगदान: सभी संकाय कोविड से संबंधित कार्यों - एयरपोर्ट कोविड स्क्रीनिंग, कोविड कंट्रोल रूम, फीवर क्लीनिक, वाईएमसीए कोविड सेंटर, मरकज कोविड स्क्रीनिंग, रैपिड रिस्पांस टीम, कोविड सैंपलिंग, कोविड वार्ड और कोविड सीरो-सर्वेक्षण में शामिल थे।

एम्बाल्मिंग: एम्बाल्मिंग: 2020-2021 की अवधि के दौरान मेडिकल छात्रों के शिक्षण के साथ-साथ सार्वजनिक सेवा (एलएचएमसी एम्बाल्मिंग के लिए नोडल केंद्र होने के नाते) के लिए 138 शवों का शवलेपन किया गया था।

देह दान गतिविधियाँ: एनाटॉमी विभाग द्वारा आयोजित की गई। देह दान का रजिस्ट्रेशन किया गया और सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन जारी किया गया। विभाग द्वारा दाता परिवारों को उनके नेक कार्य के लिए प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है।

नियमित यूजी और पीजी शिक्षण में संतुलन बनाए रखने की पहल: कोविड -19 महामारी के साथ लगाए गए लॉकडाउन के कारण 2019 के पूर्व-स्नातक बैच के लिए नियमित भौतिक कक्षाएं 13.3.2020 से निलंबित कर दी गईं। कक्षाओं को ऑनलाइन प्रारूप में 20.03.2020 से शुरू में स्कूलोजी ऐप पर और बाद में टीम्स माइक्रोसॉफ्ट ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

पूर्व-स्नातकों के लिए नियमित ऑनलाइन शिक्षण:- लेक्चर और प्रैक्टिकल माइक्रोसॉफ्ट टीम्स ऐप पर आयोजित किए जाते हैं। लेक्चर को स्कूलोजी ऐप पर भी अपलोड किया जाता है।

संकाय और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए गए-

विभाग का नियमित और समय-समय पर सैनिटाइजेशन।

यदि कोई सदस्य कोविड पॉजिटिव निकला तो विभाग का फुमिगेशन।

सभी सदस्यों द्वारा उचित अलगाव, सामाजिक दूरी, व्यक्तिगत स्वच्छता का कड़ाई से पालन किया गया।

कोविड पॉजिटिव सदस्यों के लिए उचित संगरोध उपाय किए गए।

शरीर रचना विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:

संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों के अनुसंधान करने के लिए न्यूरोएनाटॉमी, अस्थि विज्ञान, ऊतक विज्ञान, सकल शरीर रचना और मानव विज्ञान में अनुसंधान के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं।

विभाग एमबीबीएस, एमडी एनाटॉमी, बीएससी फिजियोथेरेपी, बीएससी (नर्सिंग), बीएससी (रेडियोग्राफी), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (नौकरी पर रहते-एक वर्ष का पाठ्यक्रम), और प्रयोगशाला परिचारक के प्रशिक्षण (नौकरी पर रहते छह-सप्ताह का पाठ्यक्रम) में भाग लेता है। विभाग समय-समय पर सीएमई आयोजित करने में अन्य विभागों जैसे न्यूरोसर्जरी और ईएनटी को सहायता प्रदान करता है। अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र मानव शरीर के सभी क्षेत्रों के सकल शरीर रचना विज्ञान में है।

विभाग सर्जिकल और संबद्ध विषयों में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण और कौशल प्रशिक्षण के लिए विभिन्न कैंडवैरिक कार्यशालाओं का एक सक्रिय सहयोगी और आयोजक भी है। भारत के नागरिक अपना शरीर देहदान समिति को

दान करते हैं। विभाग स्नातक मेडिकल छात्रों को पढ़ाने और शोध उद्देश्यों के लिए इस संगठन से दान किए गए शवों को स्वीकार करता है।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. रेणु चौहान

रोहतक विश्वविद्यालय के सलाहकार बोर्ड की सदस्य।

वेलनेस हेल्थ एंड यू की अकादमिक समिति की सदस्य।

फिजिशियन्स फोरम ऑफ इंडिया की सदस्य।

डीएनबी न्यूरोसर्जरी की सदस्य।

नेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनाटॉमी के सलाहकार बोर्ड की सदस्य।

जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की समीक्षक।

जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च की समीक्षक।

जीआईएमएस, ग्रेटर नोएडा में संकाय की भर्ती के लिए एनाटॉमी विशेषज्ञ,

वर्ष 2020-21 के लिए फैकल्टी बोर्ड ऑफ स्टडीज (एनाटॉमी) एसएमएस एंड आर, शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा में बाहरी सदस्य।

जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की संयुक्त संपादक।

तीन वर्षों (2018-2021) की अवधि के लिए मेरठ विश्वविद्यालय के एनाटॉमी विशेषज्ञ

दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के एमबीबीएस, एमडी एनाटॉमी और एमएससी एनाटॉमी परीक्षा के लिए पेपर सेटर और परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

हेड एनाटॉमी, एफएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय के रूप में नियुक्त।

डॉ. सुनीता कालरा

जून '2020 से निदेशक प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत।

दिल्ली विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष फैकल्टी द्वारा नियुक्त चिकित्सा विज्ञान संकाय की 97वीं वार्षिक रिपोर्ट के लिए नोडल अधिकारी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संकाय के पूर्व स्नातक (एमबीबीएस/बीडीएस) से संबंधित स्नातकोत्तर अध्यादेश में संशोधित स्नातक चिकित्सा शिक्षा विनियम, (भाग-I और भाग-II) के प्रावधानों को शामिल करने के लिए गठित सदस्य समिति। जनवरी 2021.

एमडी/एमएस और पीजी डिप्लोमा (वार्षिक) परीक्षा 'यूसीएमएस, जून'2020 की उप अधीक्षक।

परीक्षा अधीक्षक, एमबीबीएस (सप्लीमेंट) परीक्षा, यूसीएमएस, फरवरी 2021.

एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के जर्नल के समीक्षक।

यूसीएमएस, नई दिल्ली, फरवरी '2021 में दिल्ली विश्वविद्यालय की एमबीबीएस परीक्षा के लिए पेपर सेटर और परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

फरवरी '2021 में जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, की एमबीबीएस परीक्षा के लिए पेपर सेटर और परीक्षक नियुक्त।

बाबा फरीद विश्वविद्यालय, पंजाब के लिए पेपर सेटर के रूप में नियुक्त।

श्री गुरु राम दास स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, श्री अमृतसर के लिए पेपर सेटर नियुक्त।

डॉ. राखी शर्मा

एनाटॉमी विभाग में सहायक प्रोफेसर नियुक्त। (डीओजे 12-01-2021)

डॉ. अंकाना सहा

एनाटॉमी विभाग में सहायक प्रोफेसर नियुक्त। (डीओजे 20-01-2021)

प्रकाशन

खान, ए.एम., पात्रा, एस., वेनी, एन., मेहंदीरत्ता, एम., और चौहान, आर. कोविड-19 के दौरान प्रीक्लिनिकल विषयों में ऑनलाइन व्यावहारिक कक्षाओं में तेजी से संक्रमण: उत्तर भारत में एक मेडिकल कॉलेज से अनुभव। एमजेएफआई 7.7 : 2021 साइंस डायरेक्ट, S161-S167.

पुस्तकें

प्रकाशित पुस्तक- एसेंशियल्स ऑफ जेनेटिक्स- रेणु चौहान। अविचल प्रकाशन कंपनी, नई दिल्ली, भारत। दूसरा संस्करण 2021

रेणु चौहान ने प्लेसेंटा (बेसिक टू एक्स्ट्रा) सिंह एंड गोयल पब्लिशर इवेंजेल 2021 नामक पुस्तक में "एम्ब्रियोलॉजी एंड एनाटॉमी ऑफ प्लेसेंटा" नामक अध्याय, पृष्ठ 3-9 पर प्रकाशित।

सोनू, और कालरा, एस (2020). बाहरी कैरोटिड धमनी का एक अनियंत्रित विरल शाखा पैटर्न। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनाटोमिकल रिसर्च, 8(4.1), 7767-7770.

अनुसंधान परियोजनाएँ

पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट का मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण - डॉ. प्रवालिका गल्ला द्वारा एक कैडवेरिक अध्ययन (2018-2020) संस्थान द्वारा वित्त पोषित।

आंतरिक और वाह्य कपाल आधार के महत्वपूर्ण संरचनात्मक स्थलों का मूल्यांकन- डॉ. पंकज गुप्ता (2018-2020) संस्थान द्वारा वित्त पोषित एक मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन।

कोरोनरी साइनस का मॉर्फोलॉजिकल एंड मॉर्फोमेट्रिक एनालिसिस - डॉ. सना जफ़ीर (2019-2021) द्वारा संस्थान द्वारा वित्त पोषित एक कैडवेरिक स्टडी।

संस्थान द्वारा वित्त पोषित, डॉ. नमस्चिवायम जीआर (2019-2021) द्वारा दायीं कोरोनरी धमनी की विविधताएं और मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. रेणु चौहान

19.12.2020 को थिएम प्रकाशक द्वारा आयोजित "शिक्षण विच्छेदन पर कोविड का प्रभाव" पर एक ऑनलाइन प्रस्तुति।

10.10.2020 को "क्या मृतक बेहतर डॉक्टर बनाने में मदद कर सकते हैं?" पर एक ऑनलाइन प्रस्तुति में "एनाटॉमी शिक्षा में सर्वोत्तम अभ्यास"।

डॉ. सुनीता कालरा

विनायक मिशन के किरुपानंद वरियार मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल्स, सेलम द्वारा 29 अगस्त 2020 को आयोजित "एनाटोमिस्ट्स के लिए डिजिटल मेडिकल इलस्ट्रेशन" पर ई-सीएमई।

अरुपदाई वीडू मेडिकल कॉलेज, पांडिचेरी द्वारा 17 सितंबर 2020 से 19 सितंबर 2020 तक आयोजित "रिसर्च में उभरते रुझान-बुनियादी चिकित्सा विज्ञान पर जोर" पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 24.10.2020 को आयोजित "पीनियल ग्लैंड: ग्लिम्प्स इन द मार्बल्स ऑफ नेचर" पर ई एनाटोमिका नेशनल एनाटॉमी वेबिनार।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 31.10.2020 को आयोजित "इमेजिंग एनाटॉमी ऑफ लिवर सेगमेंट" पर ई एनाटोमिका नेशनल एनाटॉमी वेबिनार।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 07.11.2020 को आयोजित "कोविड -19 के समय में शारीरिक अनुसंधान" पर ई एनाटोमिका नेशनल एनाटॉमी वेबिनार।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा 20 और 21 फरवरी 2021 को आयोजित "एनाटॉमी लर्निंग में समकालीन और विकसित संभावनाएं" पर ईसीएमई।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा फरवरी '2021 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल एनाटॉमी सम्मेलन।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मंगलगिरी द्वारा 21.03.2021 को आयोजित ऑनलाइन सीएमई: "21X3 डाउन सिंड्रोम के साथ क्या चल रहा है"।

संकाय की संख्या - 4

प्रोफेसर - 2

सहायक प्रोफेसर - 2

निश्चेतन-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रत्येक शनिवार को एलएचएमसी इंटर्न और फैकल्टी के लिए बीएलएस प्रशिक्षण। एमओएचएफडब्ल्यू का ट्रॉमा तकनीशियन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विभाग द्वारा किया जाता है। आईएसए मासिक बैठक, दिल्ली अध्याय 11 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया था। आईएसए दिल्ली के अंतर्गत प्रसूति एनेस्थीसिया पर 18 सितंबर 2020 को वेबिनार आयोजित किया गया था। साथ ही 5 सितंबर 2020 को क्षेत्रीय एनेस्थीसिया पर एनेस्थीसियोलॉजी के पीजी छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई थी। एलएचएमसी के सभी विभागों के लिए मैकेनिकल वेंटिलेशन वर्कशॉप अगस्त-सितंबर 2020 को आयोजित की गई थी। साथ ही 10-12 मार्च 2021 को 3 दिवसीय एचए मान्यता प्राप्त एसीएलएस और बीएलएस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

प्रकाशन

पांडे एम. फेनोटाइप इन एक्यूट रेस्पिरैटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम। क्रिटिकल केयर अपडेट 2020।

सिंह आर., कौर एम., थायराइड तूफॉन: क्या डेक्समेडोमिडाइन की भूमिका है? इंडियन जे एनेस्थ 2020; 64: 716-7.

सिंह आर., जैन ए., पेरिऑपरेटिव एनाफिलेक्सिस - क्या हमने यह सब देखा है? इंडियन एनेस्थेट 2020; 64: 209-10.

सिंह आर., सैनी एस., जैन ए., लेट-ऑनसेट पोस्टपार्टम एक्लम्पसिया: सिरदर्द को नज़रअंदाज़ न करें! इंडियन जे केस रिपोर्ट्स 2020; 6:647-648.

मल्होत्रा आर, कुमार एन*, जैन ए., सामान्य एनेस्थीसिया की लागत पहचान विश्लेषण। जे एनेस्थ. क्लिन. फॉर्मोकोल 2020; 36: 219-26 (मूल शोध)

कुमार एन., बायोएथिक्स: सिद्धांत, मुद्दे और मामले। एनेस्थ एनाल्ज. 2020; 130: e144-5। (पुस्तक समीक्षा)

बाजवा एस जे एस, कुमार एन, मेहदीरत्ता एल।, दस आवश्यक 'टी' एनेस्थीसियोलॉजी में अनुसंधान को गति प्रदान करते हैं। इंडियन 2020; 64:551-5. (संपादकीय)

भट्टाचार्य पी के, नायर एस जी, कुमार एन, नटराजन पी, छनवाल एच., एनेस्थीसियोलॉजिस्ट के लिए करियर के रूप में क्रिटिकल केयर। इंडियन जे एनास्थ. 2021;65(1):48-53. (विशेष लेख)

कुमार, एन. ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थीसिया: ए केस बेस्ड एंड विजुअल अप्रोच, एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया: फरवरी 2021 - संस्करण 132 - अंक 2 - पी ई 18 (पुस्तक समीक्षा)

कुमार, एन., एपिड्यूरल टेक्नीक इन ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थीसिया, एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया: मार्च 2021 - संस्करण 132 - अंक 3 - पी ई40 (पुस्तक समीक्षा)

जर्नल

सहायक संपादक: इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया।

संपादक मंडल के सदस्य: वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, ऑस्टिन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, जर्नल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन एंड इंटेंसिव केयर।

आयोजित सम्मेलन

प्रत्येक शनिवार को एलएचएमसी इंटर्न और फैकल्टी के लिए बीएलएस प्रशिक्षण।

एमओएचएफडब्ल्यू का ट्रॉमा तकनीशियन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

11 सितंबर 2020 को आईएसए की मासिक बैठक।

18 सितंबर 2020 को आईएसए दिल्ली के अंतर्गत प्रसूति एनेस्थीसिया पर वेबिनार।

5 सितंबर 2020 को क्षेत्रीय एनेस्थीसिया पर पीजी छात्रों के लिए व्यावहारिक कार्यशाला।

मैकेनिकल वेंटिलेशन वर्कशॉप अगस्त - सितंबर 2020.

एएच मान्यता प्राप्त एसीएलएस और बीएलएस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 10-12 मार्च 2021.

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

क्रमांक	तारीख	विषय	स्नातकोत्तर	संचालक (मॉडरेटर)
1	03.07.2020 शुक्रवार	पोषण - आईसीयू में पोषण नियोजन के मूल सिद्धांत। संकेत, गर्भनिरोधक संकेत, एंटरल और पैरेंट्रल न्यूट्रिशन के फॉयदे और नुकसान	डॉ. संतोष डॉ. जेली	डॉ. अंशु जे
2	24.07.2020 शुक्रवार	आईसीयू और ओ.टी. में उपकरण/पर्यावरण के लिए वंध्याकरण तकनीक।	डॉ. कौस्तुभ डॉ. सलोनी	डॉ. मैत्री
3	19.10.2020 सोमवार	माइट्रल स्टेनोसिस	डॉ. संजना	डॉ. उषा डॉ. गरिमा
4	18.01.2021 सोमवार	मोटियाबिंद सर्जरी के लिए जराचिकित्सा रोगी	डॉ. विशाल	डॉ. अंशु डॉ. अनिल
5	01.03.2021 सोमवार	आर्थ्रोपेडिक प्रक्रिया गर्दन टीएचआर, टीकेआर	डॉ. नेहा	डॉ. उपमा डॉ. विधि
6	09.12.2020	सीएचआर. रेनल फेल्योर	डॉ. एश्वर	डॉ. निशांत

	बुधवार			डॉ. प्रनिता
7	06.01.2021 बुधवार	पीआईएच	डॉ. नीतू	डॉ. रंजू डॉ. विधि
8	21.12.2020 सोमवार	श्वसन विफलता - पैथो फिजियोलॉजी, एनेस्थेटिक विचार और प्रबंधन	डॉ. आशुतोष डॉ. शुभम	डॉ. निशात
9	06.01.2021 बुधवार	सीओपीडी/प्रतिबंधात्मक फेफड़ों की बीमारी - पैथोफिजियोलॉजी, ऑपरेशन पूर्व तैयारी, और अन्य के लिए एनेस्थेटिक विचार	डॉ. आयुषी डॉ. साहिर	डॉ. नितिन
10	15.02.2021 सोमवार	मोटापा	डॉ. जेली	डॉ. गरिमा डॉ. रक्षा

सम्मेलन, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सीएमई में संकाय की अकादमिक भागीदारी

क्रमांक	नाम और पदनाम संकाय सदस्य	भूमिका/विषय	आयोजक	सम्मेलन का नाम, स्थान, दिनांक
1	डॉ. मैत्री पांडे निदेशक प्रोफेसर एवं विभाग प्रमुख	आईएसए के दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक में "शुरुआती वीनिंग स्कोर" शीर्षक से एक प्रस्तुति का संचालन किया	आईएसए दिल्ली चैप्टर के अंतर्गत एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी	11 सितंबर 2020 को वेबिनार
		"गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप से ग्रस्त विकार" पर व्याख्यान	आईएसए के दिल्ली चैप्टर के लिए एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी।	18 सितंबर 2020 को वेबिनार
		ई पोस्टर प्रतियोगिता की निर्णायक	आईएसए वार्षिक सम्मेलन 2020 के लिए एसजीआरएच	2 से 4 अक्टूबर 2020 तक वेबिनार
		बीएलएस और एसीएलएस कोर्स में इंस्ट्रक्टर	एचए मान्यता प्राप्त	मार्च 2021 एलएचएमसी और संबंधित अस्पताल दिल्ली में आयोजित
		स्नातकोत्तर प्री एग्जाम कोर्स में पीआईएच पर केस डिस्कशन में संकाय	एबीवीआईएमएस	6-14 फरवरी 2021 से आरएमएल अस्पताल दिल्ली।
		सफलतापूर्वक एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया - "बायोमैडिकल रिसर्च में बुनियादी पाठ्यक्रम"	आईसीएमआर और आईसीई	मार्च 2020

2	डॉ. रंजू गुप्ता निदेशक प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसरों के लिए साक्षात्कार बोर्ड के लिए बाहरी विषय विशेषज्ञ	ईएसआई, फरीदाबाद	ईएसआई, फरीदाबाद 28 अगस्त 2020
		रीजनल एनेस्थीसिया पर पीजी छात्रों के लिए व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन	एनेस्थीसिया विभाग। एलएचएमसी	संगोष्ठी कक्ष, एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी, 5 सितंबर 2020
		डीएनबी एनेस्थीसियोलॉजी के छात्रों के लिए "बच्चों में फॉरेन बॉडी का ब्रोन्कोस्कोपिक निष्कासन: पेरीओपरेटिव चुनौतियां" पर व्याख्यान	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड	9 सितंबर 2020 को वेबिनार
		आईएसए के दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक में "सिजेरियन डिलीवरी के लिए कोविड पॉजिटिव पार्ट्युरिएंट का एनेस्थेटिक मैनेजमेंट" - गैर-कोविड पार्ट्युरिएंट्स के साथ एक तुलना" शीर्षक प्रस्तुति का संचालन किया।	आईएसए दिल्ली चैप्टर के अंतर्गत एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी	11 सितंबर 2020 को वेबिनार
		आईएसए के दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक में "एपिडर्मोलिसिस बुलोसा - सावधानी से चलना" शीर्षक प्रस्तुति का संचालन किया।	आईएसए दिल्ली चैप्टर के अंतर्गत एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी	11 सितंबर 2020 को वेबिनार
		"एलएससीएस के लिए पीआईएच रोगियों के एनेस्थेटिक प्रबंधन" पर व्याख्यान	आईएसए के दिल्ली चैप्टर के लिए एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी।	18 सितंबर 2020 को वेबिनार
		"चिकित्सा न्यायशास्त्र" पर एक ऑनलाइन ऐड ऑन कानूनी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया	चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ, एलएचएमसी के सहयोग से दिल्ली राज्य कानूनी सेवाएं	अगस्त और सितंबर 2020
		"एयरवे मैटर्स" पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया	यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन	सितंबर 2020
		आईएसए वार्षिक सम्मेलन 2020 के लिए 3 अक्टूबर 2020 के एसजीआरएच द्वारा आयोजित "जब एक एनेस्थीसियोलॉजिस्ट एक ट्रामाग्रस्त गर्भवती रोगी का सामना करता है" पर व्याख्यान	आईएसए वार्षिक सम्मेलन 2020 के लिए एसजीआरएच	3 अक्टूबर 2020 को वेबिनार
		सहायक प्रोफेसरों के लिए साक्षात्कार	ईएसआई, फरीदाबाद	28 अक्टूबर 2020

		बोर्ड के बाहरी विषय विशेषज्ञ		को ईएसआई, फरीदाबाद में
		नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रायोगिक कार्यशाला में "देखभाल की प्रणाली" पर व्याख्यान	आरजीएसएसएच, ताहिरपुर, दिल्ली में डीएसआरयूडी।	सभागार, आरजीएसएसएच, दिल्ली 9 नवंबर 2020
		एमआरएम के लिए एक रोगी में मधुमेह और इसकी एनेस्थेटिक चिंताएं" पर केस चर्चा का संचालन और संचालन किया	एपेक 2021	12 फरवरी 2021 को आरएमएल।
		एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस में प्रशिक्षक	बीएसएएच,	बीएसएएच, रोहिणी, नई दिल्ली 22-24 फरवरी, 2021 तक
		पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया पर एक सत्र की अध्यक्षता की	एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फॉर्मोकोलॉजी के रिसर्च सोसाइटी का पहला अंतर्राष्ट्रीय और 30 वां राष्ट्रीय सम्मेलन (आरएसएसपीसीओएन 2021)	7 मार्च 2021 को ऑनलाइन
		एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस पाठ्यक्रम का आयोजन और समन्वय किया	एएचए मान्यता प्राप्त	एलएचएमसी, नई दिल्ली 11-13 मार्च, 2021 तक
		एमसीक्यू राइटिंग पर एक कार्यशाला में भाग लिया,	डीएनबी	8 मार्च 2021 को नई दिल्ली
		"बाल चिकित्सा एनेस्थीसिया में सामान्य रोजमर्रा की समस्याएं" शीर्षक वाली पैनल चर्चा में पैनलिस्ट	आईएपीए वेबकॉन, वार्षिक सम्मेलन	27 मार्च 2021
		सफलतापूर्वक एक ऑनलाइन कोर्स पूरा किया - "बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स 81% के साथ	आईसीएमआर और इंडियन कॉलेज ऑफ एपिडेमियोलॉजी द्वारा आयोजित	सितंबर - दिसंबर 2020, 21 मार्च 2021 को परीक्षा के प्रॉक्टर रहे
3.	डॉ. अंशु गुप्ता प्रोफेसर	प्रसूति रोगियों में कोविड-19	आईएसए दिल्ली चैप्टर के अंतर्गत एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी	11 सितंबर 2020 को वेबिनार

			आईएसए के दिल्ली चैप्टर के लिए एनेस्थीसिया विभाग, एलएचएमसी।	18 सितंबर 2020 को वेबिनार
		प्री स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम में बुजुर्ग रोगी में रक्त आधान और मोतियाबिंद सर्जरी पर अध्यक्षता सत्र	एबीवीआईएमएस और आरएमएल अस्पताल	6-14 फरवरी 2021.
		बीएलएस और एसीएलएस कोर्स में इंस्ट्रक्टर	बाबा साहब अम्बेडकर अस्पताल दिल्ली	22-24 फरवरी 2021
		प्रसूति मध्य क्षेत्र पीजी विधानसभा पर संगोष्ठी में संकाय (पैनलिस्ट) के रूप में भाग लिया	पीजीआईआरएमएल लखनऊ यूपी	5-7 मार्च 2021
4.	डॉ., निशांत कुमार	धमनी रक्त गैस: डीएनबी छात्रों के लिए अतिथि व्याख्यान	माता चानन देवी अस्पताल, नई दिल्ली।	
		पेरीऑपरेटिव एकेआई पर पैनल चर्चा	आईएसएसीओएन	नई दिल्ली, अप्रैल 2019 में आयोजित
		कोविड-19 में ऑक्सीजन थेरेपी	आईएसए दिल्ली	जुलाई 2020
		मैकेनिकल वेंटिलेशन पर ऑनलाइन व्याख्यान और ऑफलाइन कार्यशाला	एलएचएमसी	जून 2020
		एलएचएमसी द्वारा आयोजित आईएसए मासिक बैठक: एक केस श्रृंखला प्रस्तुति निर्देशित पीआईएच की असामान्य जटिलताएं: 2020 में आयोजित आईएसए मासिक बैठक में एक केस श्रृंखला प्रस्तुत की	एलएचएमसी द्वारा आयोजित आईएसए मासिक बैठक	सितंबर 2020
		"चिकित्सा न्यायशास्त्र" पर एक ऑनलाइन ऐड आन कानूनी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया	चिकित्सा शिक्षा प्रकोष्ठ, एलएचएमसी के सहयोग से दिल्ली राज्य कानूनी सेवाएं	August & सितंबर 2020
		अक्टूबर 2020 में आयोजित इसाकॉन दिल्ली 2020 में पेरीऑपरेटिव एकेआई पर पैनल चर्चा के लिए संकाय	आईएसएसीओएन	अक्टूबर 2020
		आईएसए दिल्ली वार्षिक सम्मेलन, 2020 में पीजी छात्रों को उनके मुफ्त पेपर और पोस्टर के लिए निर्देशित	आईएसए दिल्ली	अक्टूबर 2020

		किया 1) वैकल्पिक बाल चिकित्सा सर्जरी में सामान्य एनेस्थेसिया के रखरखाव चरण के दौरान द्विवर्णी सूचकांक मूल्यों और आयु समायोजित न्यूनतम वायुकोशीय एकाग्रता के बीच संबंधों का एक अध्ययन। 2) डेक्समेडोटोमिडाइन, मैग्नीशियम सल्फेट या सेलाइन ऑन स्ट्रेस हॉर्मोन रिस्पॉन्स टू एंडोट्रेचियल इंटुबैषेण के साथ आई/वी फेंटानिल का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।		
		सफलतापूर्वक एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया - "बायोमेडिकल रिसर्च में बुनियादी पाठ्यक्रम"	आईसीएमआर और इंडियन कॉलेज ऑफ एपिडेमियोलॉजी द्वारा आयोजित	मार्च 2020
		व्याख्यान: कोविड में ऑक्सीजन और वायुमार्ग।	आईएसए दिल्ली शाखा द्वारा आयोजित सीएमई	
5.	डॉ. अंशु गुप्ता, एसोशिएट प्रोफेसर,	संकाय, आयोजक, आईएसए कार्यकारी सदस्य व्याख्यान विषय: गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप से ग्रस्त विकारों में अल्ट्रासाउंड की भूमिका"	एलएचएमसी और आईएसए दिल्ली	18 सितंबर 2020 को एलएचएमसी
		संकाय, आयोजक, आईएसए कार्यकारी: प्रश्नोत्तरी का संचालन किया	एलएचएमसी और आईएसए दिल्ली	11 सितंबर 2020 को एलएचएमसी
		व्याख्यान, विषय: "नवजात आपात स्थिति"	एपेक एबीवीआईएमएस और आर.एम.एल.एच, दिल्ली	10 फरवरी 2021 को 2021 आर.एम. एल.एच. में
		एचए मान्यता प्राप्त एसीएलएस और बी.एल.एस" में व्याख्यान और कार्यस्थान और आयोजक व्याख्यान का विषय: वयस्क और बाल चिकित्सा बी.एल.एस . में अंतर	एचए मान्यता प्राप्त एसीएलएस और बीएलएस एलएचएमसी उपग्रह केंद्र	10-12 मार्च 2021 को एल.एच.एम.सी में

		सफलतापूर्वक "भारतीय क्षेत्रीय एनेस्थीसिया भाग 2 का डिप्लोमा" पूरा और उत्तीर्ण किया।	आईपीएसए, मैक्स साकेत अस्पताल	3 मार्च 2021
6.	डॉ. उपमा बत्रा भाटिया एसोसिएट प्रोफेसर	एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स में फॉरेन बॉडी ब्रॉक्स के लिए एनेस्थीसिया	एपेक-21	6-14 फरवरी 2021 एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल नई दिल्ली

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एम्स : पीजी छात्रों को कार्डियक एनेस्थीसिया और न्यूरोएनेस्थीसिया पोस्टिंग के लिए भेजा गया

आरएमएल: पीटीटी छात्रों को बर्न्स, न्यूरोलॉजी और ट्रॉमा पोस्टिंग के लिए भेजा गया

निश्चेतन-विज्ञान (यूसीएमएस)

क्रिटिकल केयर एंड पेन मेडिसिन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग से संलग्न गुरु तेग बहादुर अस्पताल जून 2020 में पूरी तरह से कोविड समर्पित केंद्र में परिवर्तित किया गया था, इसलिए एनेस्थीसियोलॉजी विभाग गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों (ऑक्सीजन थेरेपी, बीआईपीपीए, गैर-इनवेसिव और इनवेसिव वेंटिलेशन) से संबंधित सभी कोविड-19 रोगी देखभाल और प्रशिक्षण के केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। विभाग ने कई आईसीयू, आपातकालीन सिजेरियन आदि के लिए कोविड ओटी, पुनर्जीवन कॉल, ट्रांसफर कॉल में रोगियों का प्रबंधन किया, साथ ही ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू में म्यूकोर्मिकोसिस केस लोड को भी संभाला।

अस्पताल से सटे रामलीला मैदान में 500 बिस्तरों वाली एक नई अत्याधुनिक इकाई विकसित की गई, विभाग ने उसकी स्थापना के बाद से ही इकाई के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सम्मान/ विशिष्टताएं

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना:

पेन 2020 पर 18 वीं विश्व कांग्रेस में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), यूएसए, "विकासशील देशों में दर्द पर अनुसंधान और प्रबंधन में उत्कृष्टता" के लिए पुरस्कार।

डॉ. आरएस रौतेला

ट्राइएज क्षेत्र, मुख्य हताहत सहित अस्पताल का समग्र प्रशासन अस्पताल में कोविड-19 रोगियों के लिए सुविधाओं की स्थापना, जनसंचार के लिए कॉल सेंटर

प्रकाशन

सक्सेना ए.के., खोरोलिया डी., चिलकोटी जी.टी., गोंडोडे पीजी, शर्मा टी., ठाकुर जी., बनर्जी बी.डी. (2021) क्रोनिक न्यूरोपैथिक दर्द में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीज -1 जीन के बाह्य सिग्नल-विनियमित प्रोटीन काइनेज और उत्तक अवरोधकों का मॉड्यूलेशन। इंडियन जे पल्लियट केयर में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

शाबू एस.एस., सक्सेना ए.के., चौधरी एस., बनर्जी ए., बहल ए. (2021) समाज के कमजोर वर्ग में पुडेंडल न्यूरालजिया में एसजी गाइडेड पुडेंडल नर्व ब्लॉक की प्रभावकारिता को फिर से परिभाषित करना। इंडियन जे पेन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

चौधरी एस., सक्सेना ए.के., बजाज एम., बनर्जी ए. (2020) A अल्ट्रासाउंड-निर्देशित ब्लॉकों के बाद जटिलताओं की एक व्यापक समीक्षा: "डी"वैसर जारी रखें। इंडियन जे पेन: 34 (3): 160-163

कौर एन., कुमार आर., जैन ए., सक्सेना ए.के. (2020) स्तन कैंसर सर्जरी में इंटरकोस्टोब्राचियल तंत्रिका के संरक्षण के बाद संवेदी परिवर्तन और पोस्टमास्टेक्टोमी दर्द: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। इंडियन जे सर्जन ऑनकोल;1193-1195

सक्सेना एके, मलिक ए. (2020) दर्द के लिए सटीक दवा और डायग्नोस्टिक बायोमार्कर के दायरे पर शोध में एक नए युग की शुरुआत: क्या यह "न्यूरोलॉजिक दर्द हस्ताक्षर" है और क्या यह सत्यापन का निर्माण करता है? इंडियन जे पेन;34:1-2.

सक्सेना एके, चौधरी एस, गौर डी। (2020) कोविड-19 रोगियों में "पेट दर्द": दर्द चिकित्सक के लिए एक पहेली। इंडियन जे पेन।30 (2);128-130.

अग्रवाल आर., शर्मा के., मेंदीरत्ता एम., मेहता एम., श्रीवास्तव एच., एंथोनियो ए.ई. (2021) गर्भावस्था से जुड़े सेप्सिस में परिणाम के लिए 48 घंटे में रिपीट प्रोक्लैसीटोनिन अनुमान की भूमिका: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। ओब्स्टेट गाइनकोल. साइंस। 64 (1): 27-33.

त्यागी ए., रामानुजम एम., सेठी ए.के., मेहता एम. (2021) कम इंद्राथैकल खुराक के बाद एपिड्यूरल वॉल्यूम एक्सटेंशन की नैदानिक उपयोगिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। ब्राजीलियन जे एनेस्थ, 71;31-37.

गर्ग डी., त्यागी ए., कुमार एम., वैकल्पिक सिजेरियन सेक्शन के लिए निर्धारित रोगियों में अंतर्गर्भाशयी दबाव और अंग की शिथिलता के साथ इसका संबंध: लापरवाह बनाम पार्श्व झुकाव स्थिति का प्रभाव। एकटा ओब्स्टेट गाइनकोल स्कैंड में प्रकाशन के लिए स्वीकृत। <https://doi.org/10.1111/aogs.13965>

शर्मा।, त्यागी ए., सिंगल ए. (2020), वेगेनर के ग्रैनुलोमैटोसिस में पोस्टीरियर रिवर्सिबल एन्सेफेलोपैथी सिंड्रोम: एक विरल घटना। इंडियन जे. एनास्थ. 64 (6): 538-539.

चिलकोटि जी.टी., गोंडो पी., तिवारी एस. "सीओपीडी के साथ मध्यम से गंभीर कोविड-19 रोग में एमडीआई या नेबुलाइजेशन: कौन सा बेहतर है?" (एएसजेए-डी-20-00107आर2) ऐन-शेम्स जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है।

चिलकोटि जी.टी., मलिक ए., मेहता एम., सक्सेना ए.के. क्रोनिक प्रीगैबलिन थेरेपी पर कोविड-19 रोगियों में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन- क्या यह सुरक्षित है?" आईडी - JOACP_587_20 जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फॉर्मोकोलॉजी में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

चिलकोटि जी.टी., जैन एन., मेहता एम., सक्सेना ए.के (2020) पॉट्स स्पाइन में पेरिऑपरेटिव चिंताएं: एक समीक्षा। जे एनेस्थेसियोलॉजिकल क्लिन फॉर्मोकोल; 36: 443-449.

चिलकोटी जी.टी., अग्रवाल एम., मेहता एम., सक्सेना ए.के., शर्मा सी.एस., अहमद जेड. (2020) थायरॉयडैक्टॉमी के अंत में स्वरयंत्र संरचनाओं के दृश्य के लिए फाइब्रोप्टिक ब्रोन्कोस्कोप और लेरिंजियल मास्क एयरवे सीट्रेक (एलएमए सीट्रेक) के प्रदर्शन की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक प्रारंभिक अध्ययन। इंडियन जे, एनेस्थ। 64(8):704-709.

चिलकोटि जी.टी., कार्तिक जी., रौतेला आर (2020) लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और पेरिऑपरेटिव हेमोडायनामिक परिवर्तनों का मूल्यांकन कम खुराक

के अंतःशिरा डेक्समेडिटोमिडाइन इन्फ्यूजन के साथ - एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण। जे एनेस्थेसियोलॉजी एलक्लिन फॉर्मकोल। 36(1):72-77.

मल्होत्रा आर. (2020) अल्ट्रासाउंड-निर्देशित ट्रंकल/प्लेन ब्लॉक: क्या वे थक्कारोधी रोगियों में सुरक्षित हैं? जे एनेस्थेसियोलॉजी क्लीन फॉर्मकोल। 36(1):118-20.

यादव एन., चौधरी एस., गहलोत डी., साल्होत्रा आर. (2020) इंट्राथेकल हाइपरबेरिक बुपीवाकेन, आइसोबैरिक लेवोबुपिवाकेन और आइसोबैरिक रोपिवाकेन की तुलना घुटने की आर्थ्रोस्कोपी में सहायक के रूप में फेंटेनाइल के साथ: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया। 7(4):594-99.

सक्सेना ए., कपूर आर., सक्सेना ए.के. (2020) पोस्टीरियर रिवर्सिबल एन्सेफेलोपैथी सिंड्रोम की एक अनूठी प्रस्तुति। जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर केस रिपोर्ट्स। 6(1): 22-24.

पुस्तकों में अध्याय

मेहता एम. मातृ रुग्णता और मृत्यु दर: एक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की भूमिका और परिप्रेक्ष्य। सहगल आर, त्रिखा ए (संपा.) में। इयरबुक ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी- जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

त्यागी ए., साल्होत्रा आर. फ्रिल्टी एंड एनेस्थीसिया। इयरबुक ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी 9 में। संपा.: सहगल आर, त्रिखा ए; (2020); जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड

जर्नल

संपादकों/ संपादक मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 3

संगोष्ठियों का आयोजन

विभाग ने इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट - दिल्ली चैप्टर के सहयोग से 4 दिसंबर 2020 को एक मासिक नैदानिक बैठक का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना:

एबीवीआईएमएस और आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एपेक-21 (एनेस्थेसिया स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम) के लिए संकाय। पुराने दर्द और कैंसर के दर्द पर एक सत्र का संचालन किया।

आईएसए, दिल्ली शाखा के 59वें वार्षिक आभासी सम्मेलन के लिए संकाय (आईएसएसीओएन 2020)

डीएनबी परीक्षाओं के लिए ओएससीई की कार्यशाला और प्रश्नशोध तैयार करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली द्वारा संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएसएसपी) द्वारा आयोजित एक वेबिनार के दौरान पैथोफिजियोलॉजी, निदान और न्यूरोपैथिक दर्द के प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सुजाता चौधरी

एनेस्थीसिया विभाग एबीवीआईएमएस और डीआर आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एपेक 2021 (एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स) के लिए संकाय। लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के लिए सीओपीडी पर एक सत्र लिया।

डॉ. मेधा मेहता

इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, दिल्ली शाखा के 59 वें वार्षिक आभासी सम्मेलन के लिए संकाय (आईएसएसीओएन 2020)। "बुजुर्गों के लिए एनेस्थीसिया के मिथक और तथ्य" पर व्याख्यान दिया

एनेस्थीसिया विभाग, एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल द्वारा 2 - 4 अक्टूबर, 2020 को आयोजित एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक - 21) के लिए संकाय।

डॉ. आशा त्यागी

एबीवीआईएमएस और डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली द्वारा आयोजित; 6-14 फरवरी, 2021 को एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री-एग्जामिनेशन कोर्स में (एपेक-21); ऑनलाइन मंच पर आईएचडी के रोगी की स्पाइन सर्जरी। (मामले की चर्चा)।

पेपर प्रस्तुतिकरण के लिए निर्णायक। आरएसएसीपी के राष्ट्रीय सम्मेलन में (रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फॉर्मोकोलॉजी), ऑनलाइन सम्मेलन; 6 मार्च 2021

डॉ. रश्मि मल्होत्रा

कोविड -19 के लिए ऑक्सीजन थेरेपी पर चिकित्सा और पैरामेडिकल स्टाफ का शिक्षण और प्रशिक्षण एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली द्वारा 5-6 सितंबर 2020 को आयोजित एपेक -21 में 9 फरवरी 2021 को "टीयूआरपी" पर ऑनलाइन व्याख्यान के लिए संकाय।

डॉ. विभोर गुप्ता:

एबीवीआईएमएस द्वारा डॉ. आरएमएल अस्पताल, दिल्ली में 6-14 फरवरी 2021 को आयोजित एपेक-21 में ऑनलाइन व्याख्यान के लिए संकाय।

संकाय की संख्या:

शिक्षण संकाय: 13; गैर-शिक्षण संकाय: 06

निश्चेतन-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कई कोविड आईसीयू और ओटी की स्थापना

आईसीयू और ओटी में कोविड रोगी के प्रबंधन के लिए एसओपी तैयार करना

सीजेरियन डिलीवरी के लिए 260 गर्भवती कोविड रोगियों को एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान की। (देश में सबसे अधिक संख्या)

महामारी में 10,000 से अधिक कोविड रोगियों को उपचार प्रदान किया।

कोविड रोगियों की देखभाल के लिए विभिन्न प्रशासनिक समितियों और मंचों के सदस्य।

एमएएमसी सीएचएस शिक्षक संघ के सहयोग से "कोविड से सीख" पर वेबिनार।

ऑक्सीजन थेरेपी पर स्वास्थ्य कर्मियों का शिक्षण और प्रशिक्षण।

एयरवे स्किल लैब (चौथी मंजिल ओटी ब्लॉक) का उद्घाटन और शुभारंभ।

आईएसए दिल्ली चैप्टर नवंबर 2021 की मासिक नैदानिक बैठक।

सम्मान/विशिष्टताएँ:

आईएसएसीओएन 2020 में प्रथम पुरस्कार "स्नातकोत्तर विद्यार्थी के लिए टी.एन झा पुरस्कार"।

आईएसएसीओएन 2020 में दूसरा पुरस्कार "स्नातकोत्तर विद्यार्थी के लिए टी.एन झा पुरस्कार"।

आईएसएसीओएन 2020, दिल्ली चैप्टर में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

आईएसएसीओएन 2020 में प्राप्त फ्री पेपर में प्रथम पुरस्कार।

आईएसएसीओएन 2020 में फ्री पेपर में प्रथम पुरस्कार।

"40 से कम के संकाय" युवा आईएसएसीओएन 2020 में मौखिक वैज्ञानिक प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार।

युवा आईएसएसीओएन 2020 में फ्री पेपर प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार।

युवा आईएसएसीओएन 2020 में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार।

प्रकाशन

अग्रवाल, एम. (2020). बुक रिव्यू- ए गाइड टू पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया, दूसरा संस्करण: सिम्स सी, वेबर डी, जॉनसन सी, संपा. एनेस्थीसिया और एनाल्जेसिया ,131(2), e66-e67

अग्रवाल, जी. गुप्ता, एल. (2020). स्टिल्स डिजीज एंड एनेस्थेटिक सरोकार: एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, 7(1):195-197. doi: 10.18231/j.ijca.2020.035

अग्रवाल, पी. वाधवा, बी. गाबा, पी. सक्सेना, के. (2020) आपातकालीन सिजेरियन सेक्शन के लिए थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के साथ एक कोविड-19 पॉजिटिव प्री-एक्लेमपिटिक पार्ट्युरेंट में न्यूरेक्सियल एनेस्थीसिया: एक संवेदनाहारी चुनौती। क्रिटिकल केयर ऑब्सेटेट्रिक्स, एंड गायनेकोलॉजी, 6 (5:17). doi:10.36648/2471-9803.6.5.17

बैस, एल. मिश्रा, ए. गुप्ता, एल. सिंह, आर. लाल, पी (2020). कोविड 19 टाइम्स में सर्जरी: एक व्यापक समीक्षा। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस, 6 (3), 163-75. doi:10.4103/mamcjs.mamcjs_83_20.

बैस, एल. मिश्रा, ए. कौर, डी. लाल, पी. गुप्ता, एल. मल्होत्रा, वी. (2020). विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेकलिस्ट के एक दशक बाद उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल अस्पताल में सर्जिकल सुरक्षा जांच सूची के बारे में दृष्टिकोण और विश्वास। जर्नल ऑफ पेशेंट सेफ्टी एंड इंफेक्शन कंट्रोल, 8, 39-47. doi: 10.4103/jpsic.jpsic_16_20.

वंसल, ए. गुप्ता, एल (2020). "हमेशा पहली बार होता है": कोविड आईसीयू में "कोरोना योद्धा" के रूप में मेरा अनुभव। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस, 6, 145-7. doi: 10.4103/mamcjs.mamcjs_60_20.

भालोत्रा, ए आर (2020). जागृत सुप्राग्लॉटिक एयरवे निर्देशित लचीला ब्रॉकोस्कोपिक इंटुबेशन। कोरियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, 73(2), 173-174 doi: <https://doi.org/10.4097/kja.20013>

भालोत्रा, ए.आर. "गैस एम्बोलिज्म - एक अपडेट" पर आईसीए की 9वीं इयरबुक में पुस्तक अध्याय।

भालोत्रा, ए.आर. सरन, ए. सूद, आर (2020). आई-जेल एयरवे को हटाने के लिए एयरवे एक्सचेंज कैथेटर का उपयोग। टर्कीस जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन, 48(4), 342-3.

चौधरी, एन. भालोत्रा, ए.आर. मगून, आर. (2021) इंट्राक्रैनील एन्यूरिज्म सर्जरी के पेरीओपरेटिव प्रबंधन में मैग्नीशियम की भूमिका: एक केस सीरीज़। सऊदी जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 15, 219-21

चौधरी, एन. सक्सेना, के.एन. वाधवा, बी. मैगून, आर. (2020). कार्डियक पार्ट्युरिएंट्स में लेबर एनाल्जेसिया: एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण! इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 64, 999-1001

चौधरी, एन. सिंह, आर. भालोत्रा, ए.आर. मगून, आर. (2020) इंट्राक्रैनील एन्यूरिज्म सर्जरी के बाद हेमोडायनामिक स्थिरता और पोस्टऑपरेटिव रिकवरी पर इंट्राऑपरेटिव इंट्रावेनस लिग्नोकाइन इन्फ्यूजन का प्रभाव: एक केस सीरीज़। संक्षिप्त संचार। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 64 (15), 205-8

चुघ, वी. भालोत्रा, ए.आर. (2020) एयरवे एनेस्थीसिया के लिए डबल नेबुलाइजेशन। टर्कीस जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन, 48(1), 82-3.

धीमान, एस. भालोत्रा, ए.आर. कुमारी, आर शर्मा, के.आर. वर्मा, यूसी। (2020) जागृत फॉइबरऑप्टिक नासोट्रैचियल इंटुबेशन की सुविधा के लिए मैग्नीशियम सल्फेट और फेंटेनल: एक यादृच्छिक अध्ययन। एनल्स ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर। प्रिंट से पहले ऑनलाइन; 4(1): e90482. doi: 10.5812/aacc.90482.

गहलोत, डी. सक्सेना, केएन. वाधवा, बी. (2020) फेफड़े के बड़े पुटी वाले बच्चे में सिजेरियन सेक्शन। जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, 10, 51-3.

गुप्ता, ए. सुराल, एस. गुप्ता, ए. रूसा, एस. कोनेर, ई.पू. भालोत्रा, ए.आर. चावला, आर. (2020). माइक्रोबैक्टीरिया के संपर्क में आने से कोविड-19 रोगियों और एनबीएसपी में रोग की प्रगति प्रभावित होती है। रिसर्च स्क्वायर [<https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-56141/v1>]

गुप्ता, बी. चौधरी, के. हयारन, एन. नियोगी, एस, सिस्टिक पल्मोनरी एडेनोमैटॉइड विकृतियों वाले रोगियों में संवेदनाहारी विचार (लेख की समीक्षा)। एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फॉर्मोकोलॉजी के जर्नल में स्वीकृत।

गुप्ता, डी. भालोत्रा, ए.आर. सिंह, आर. (2020) गहन देखभाल इकाई के मरीजों में तनाव अल्सर प्रोफिलैक्सिस के अभ्यास पर लेखा परीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, 24(3), 160-167. जारी करने की तारीख: 10.5005/jp-journals-10071-23368

गुप्ता, डी. मंगवाना, पी. शर्मा, आर. वाधवा, बी. केराई, एस. (2020) पूरे पेट की हिस्टरेक्टॉमी के बाद पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए इंट्रावेनस क्लोनिडाइन बनाम इंट्रापेरिटोनियल क्लोनिडाइन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। टर्कीस जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन। 10.5152/TJAR.2020.55938 [Epub Ahead of Print]

गुप्ता, एल (2020). जर्नल ऑफ मेडिकल एविडेंस की आरंभ: धारणा बदलना - और नवाचार शुरू करना। जर्नल ऑफ मेडिकल एविडेंस, 1, 162. जारी करने की तारीख: 10.4103/JME.JME_180_20.

एल गुप्ता, ड्रग्स इन एनेस्थीसिया, पहला संस्करण, 2020.

गुप्ता, एल. अग्रवाल जी (2020). "सक्शन: उपकरण चेक-अप का सबसे उपेक्षित हिस्सा"। एकटा साइंटिफिक पीडियाट्रिक्स, 3.4 , 01. जारी करने की तारीख: 10.31080/ASPE.2020.03.022

हुसैन, एफ. वाधवा, बी. सक्सेना के.एन (2021); कोविड-19 संक्रमणों की मध्यम से गंभीर श्रेणी के प्रबंधन के लिए साक्ष्य निर्देशित, अनुभव आधारित और रोगी संगत 3-चरणीय प्रोटोकॉल। आईएआर जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, 2(1) , 12-14.

प्रशांत, एच.टी. केराई, एस. सक्सेना, केएन. वाधवा, बी. गाबा, पी. (2021). नासोट्रैचियल इंटुबेशन के दौरान थर्मोसॉफ्टेड एंडोट्रैचियल ट्यूबों में वक्रता नियंत्रण संशोधन के लिए कफ इंप्लेशन विधि की तुलना-एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 65(5), 369-376

जैन, ए. वाधवा, बी. सक्सेना, केएन. (2020). अनजाने एंडोब्रोंकायल इंटुबेशन को रोकना: बच्चों में श्वसन मार्ग की लंबाई के एक पूर्वसूचक के रूप में मैनुब्रियोस्टर्नल संयुक्त लंबाई के लिए ऊपरी चौरा। पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया, 30, 1240-1244. <https://doi.org/10.1111/pan.14023>

जैन, जी. शर्मा, ए. गुप्ता, एल (2020) प्रवण स्थिति के दौरान सिर और गर्दन की चोटों को रोकने के लिए एक नई तकनीक। मैडिज जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट एंड स्टडीज, 4(1): 174-175. जारी करने की तारीख: 10.18689/mjcrs-1000145

केराई, एस. सिंह, आर. सक्सेना, केएन. देसाई, एस. भालोत्रा, ए.आर. (2021). गहन देखभाल इकाइयों में भर्ती कोविड-19 के वयस्क रोगियों में उच्च प्रवाह नजल कैनुलाऑक्सीजन के अनुभव पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशन के लिए स्वीकृत

केराई, एस. सक्सेना, केएन (2020). कोविड -19 पर गहनतावादी दृष्टिकोण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, 24(3), 134-6

कुमार, ए. कोहली, ए (2020) ट्रामा के रोगियों के श्वसन मार्ग प्रबंधन में चुनौतियां: एक अद्यतन। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, 7(1), 39-45

कुमार, डी. कुमार, ए. कोहली, ए (2020). कोविड-19 रोगियों के लिए उच्च प्रवाह नजल कैनुला और गैर-आक्रामक सकारात्मक दबाव वेंटिलेशन के बीच सुरक्षा तुलना। यूरेशियन जर्नल ऑफ पल्मोनोलॉजी, 22, 191-2.

कुमार, डी. वधावन, एस. कोहली, ए. भदौरिया, पी. कुमार, ए. सबराचनोइड ब्लॉक के अंतर्गत सिजेरियन डिलीवरी के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए 0.25% बुपीवाकेन का उपयोग करके ट्रॉंसवर्स एंडोमिनिस प्लेन ब्लॉक बनाम घाव स्थल में इन्फिल्ट्रेशन। 'इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया' में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

कुमारी, आर, भालोत्रा, ए.आर. धीमान, एस (2020) लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पोस्टऑपरेटिव दर्द और रिकवरी पर लिडोकेन बनाम डेक्समेडिटोमिडाइन के पेरीओपरेटिव इन्फ्यूजन के प्रभाव: एक यादृच्छिक परीक्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एनेस्थीसियोलॉजी, 2020; 3(2): 70-75

सबा, एस. भालोत्रा, ए.आर. (2020). क्या अंतःशिरा डेक्सामेथासोन सुप्राक्लेविक्युलर ब्रांकिअल प्लेक्सस ब्लॉक के बाद एनाल्जेसिया को लम्बा खींचता है: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन स्पेशलिस्ट्स सोसाइटी, 28(4), 267-74 doi: 10.5222/jarss.2020.37450

साहा, एम. सक्सेना, के.एन. वाधवा, बी. (2020). सेवोफ्लुरेन बनाम डेसफ्लुरेन एनेस्थीसिया के बाद एयरवे रिफ्लेक्सिस और संज्ञानात्मक कार्य की वसूली का तुलनात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, 65(4), 282-8

शर्मा, एस. भालोत्रा, ए.आर. अवल, एस (2020) डेसफ्लुरेन के साथ टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया और बैलेंसड एनेस्थीसिया के बाद फेफड़े के कार्य मापदंडों में परिवर्तन: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। टर्कीस जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन, 48(1), 17-23

शर्मा, एस. भालोत्रा, ए.आर. अवल, एस (2020) पुनः डिसलफ्रेन-आधारित संतुलित एनेस्थीसिया के लिए विलंबित गरीब फेफड़े के कार्य का एट्रिब्यूशन अनुचित हो सकता है: शर्मा व अन्य के लेख का हमारा जवाब। टर्कीस जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड रीएनिमेशन, 48(6), 512-513. doi: 10.5152/TJAR.2020.030520

शेरिफ, एमजे. कुमार, आर. अग्रवाल, एम. गुप्ता, एल. कुमार, एन. (2020). Ambu® AuraGain™ और I-gel™ डाई के लिए बाधाओं के रूप में ऑरोफरीनक्स में रखा गया- एक प्रारंभिक अध्ययन। ट्रेड्स इन एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, 30. जारी करने की तारीख: 10.1016/j.tacc.2019.12.046.

सिंह, आर. सूद, एन. सिंह, ए. सेठ, ए. गुप्ता, एल (2020) निचले अंगों की सर्जरी में प्लेन बुपीवाकेन के साथ इंटरथेकल नियोस्टिग्माइन और बुपीवाकेन की कम खुराक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया, 7(4), 1-7

एनेस्थीसियोलॉजी 2021 संस्करण की इयर बुक के दसवें अंक में वाधवा बी द्वारा चैप्टर 'एनेस्थीसिया में नए थक्कारोधी'

जर्नल

संपादक (संपादकों)/संपादक मंडल के सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या: 05

डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फॉर्मोकोलॉजी के संपादक मंडल के सदस्य,

जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर के संपादक मंडल के सदस्य,

आईएसए के उत्तरी जर्नल के संपादक मंडल के सदस्य,

डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के मेडिकल जर्नल के संपादक मंडल के सदस्य,

जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड पेन रिसर्च के संपादक मंडल के सदस्य,

एनेस्थीसिया-गहन देखभाल और दर्द चिकित्सा के संपादक मंडल के सदस्य,
एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन जर्नल के संपादक मंडल के सदस्य,
एमएएमसी जर्नल के संपादक मंडल के सदस्य,

डॉ. नीलम प्रसाद

एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के संपादक मंडल के सदस्य,

डॉक्टर कपिल चौधरी

एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के संपादक मंडल के सदस्य,

इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के संपादक मंडल के सदस्य,

डॉ. अमित कोहली:

इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के सह संपादक (उत्तरी पूरक)

इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के सह संपादक

डॉ. ललित गुप्ता

इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के प्रधान संपादक (जनवरी 2021) (<https://www.ijca.in/boards/editorial-board>)

एसएआर जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स के कार्यकारी संपादक। (फरवरी 2020) (<https://sarmedjournals.com/sarjmcr/>)

प्राॅक्टिक क्लिनिक एट इन्वेस्टिगेशन के संपादक मंडल के सदस्य। (अप्रैल 2020) (<http://www.tridhascholars.org/clinical-practice-investigation-editorial-board.php>)

जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएसएसएन: 2394-6539) के संपादक मंडल के सदस्य (फरवरी 2020) (<http://medicaljournalshouse.com/index.php/Journal-MedicalSci-MedTechnology/about/editorialTeam>)

जर्नल ऑफ मेडिकल केयर रिसर्च एंड रिव्यू के संपादक मंडल के सदस्य पर। (जनवरी 2020) (http://mcrr.info/index.php/mcrr/editorial_board)

अनुसंधान परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएँ

इंटुबैषण के लिए लारेंजियल मास्क एयरवे ब्लॉकबस्टर बनाम इंटुबेटिंग लारेंजियल मास्क एयरवे का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अंकित सिन्हा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

बाल चिकित्सा आयु वर्ग में लैरींगोस्कोप और इंटुबैषण के लिए ट्यूब टोपी वीडियोलेरिंजोस्कोप बनाम मैकिन्टोश लैरींगोस्कोप का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. पल्लवी डोडा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा
सबराचनोइड ब्लॉक के प्रशासन की सफलता और आसानी के लिए टेलर के दृष्टिकोण बनाम औसत दृष्टिकोण का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. नेहा गुप्ता, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

सिजेरियन सेक्शन में सबराचनोइड ब्लॉक के लिए हाइपरबेरिक बुपीवाकेन के सहायक के रूप में फैंटनिल के पूर्व-मिश्रित बनाम अनुक्रमिक प्रशासन का तुलनात्मक मूल्यांकन।

डॉ. आकीर्ति चौरसिया, डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

कठिन लैरिंगोस्कोपी के पूर्वसूचक के रूप में आवाज का पूर्व-संचालन मूल्यांकन। डॉ. अदिति यादव, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

वैकल्पिक सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव मतली और उल्टी के साथ 5एचटीटीएलपीआर जीन के एसएस जीनोटाइप से सहसंबंध का मूल्यांकन करना। डॉ. आदित्य तिवारी, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

संवेदनाहारी लकवाग्रस्त रोगियों में एलएमए रक्षक बनाम एलएमए प्रोसील का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. गरिमा भट्ट, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द से राहत के लिए डेक्समेडोमिडाइन के साथ मैग्नीशियम सल्फेट बनाम बुपीवाकेन के साथ बुपीवाकेन के इंट्रा-पेरिटोनियल इंस्टिलेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अभिषेक यादव, डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

प्रीक्लेम्पटिक पार्ट्युरिएंट में सिजेरियन सेक्शन के लिए सबराचनोइड ब्लॉक विशेषताओं पर अंतःशिरा मैग्नीशियम सल्फेट जलसेक के प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ. सिमरन सेन, डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

निचले खंड के सिजेरियन सेक्शन के बाद पोस्ट-ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए ट्रान्सवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक बनाम एपिड्यूरल ब्लॉक की प्रभावकारिता का मूल्यांकन। डॉ. वत्सला गुप्ता, डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

कोविड-19 रोगियों में नैदानिक सुधार और पूरक ऑक्सीजन निर्भरता से मुक्ति के लिए डेक्सामेथासोन और स्प्रिनोलेक्टोन के संयोजन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन। डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. फराह हुसैन, डॉ. सुखयंती केरई, डॉ. विकास मल्होत्रा, डॉ. नलिनी।

डॉ. भारती वाधवा, डॉ. प्राची गाबा, डॉ. कीर्ति सक्सेना, डॉ. कविता शर्मा, डॉ. कपिल चौधरी। दिल्ली, भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली कोविड -19 की मरीजों में एनेस्थीसिया प्रक्रियाओं के परिणाम का पूर्वव्यापी विश्लेषण।

अमित कोहली, कीर्ति एन सक्सेना, सोनिया वधावन, कार्तिक रमन: कोविड-19 आईसीयू रोगियों में परिणामों के साथ रोगी प्रोफाइल और बायोमार्कर का सहसंबंध: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत सर्जरी कराने वाले रोगियों में नासोगैस्ट्रिक ट्यूब सम्मिलन के विभिन्न तरीकों की तुलना। डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. सुखयंती केरई, डॉ. भारती वाधवा

डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. लवनीश बैस "कोविड-19 के संक्रमण की पुष्टि वाले रोगियों में नजल कैनुलाया साधारण फेस मास्क बनाम गैर-इनवेसिव पीईईपी (एनआईपी) मास्क के माध्यम से ऑक्सीजन वितरण का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"।

डॉ. फराह हुसैन, डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना। कोविड-19 संक्रमणों की मध्यम से गंभीर श्रेणी के प्रबंधन के लिए साक्ष्य निर्देशित, अनुभव आधारित और रोगी संगत 3-चरणीय प्रोटोकॉल।

वायुमंडलीय हवा और समर्पित कोविड अस्पताल की सतहों पर सार्स-कोविड वायरस की उपस्थिति के साक्ष्य। डॉ. कीर्ति एन सक्सेना

कोविड-19 के रोगियों के नैदानिक परिणामों के साथ रक्त समूह, सीरम जस्ता स्तर, सीरम एसीई2 स्तर और जीन बहुरूपता का संबंध। डॉ. भारती वाधवा

एक नामित कोविड-19 स्वास्थ्य देखभाल केंद्र (डब्ल्यूएचओ यूनिटी प्रोटोकॉल) में कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के सतही नमूने पर संभावित अध्ययन। डॉ. भारती वाधवा

डॉ. भारती वाधवा, सह अन्वेषक, ए मल्टीसेंटर, फेज 2, अस्पताल में भर्ती मरीजों में कोविड -19 के उपचार के लिए बेमसेंटीनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए यादृच्छिक अध्ययन।
अध्ययन: BGBC020/VZA88328

पिडियाट्रिक आबादी में ऑक्सीजन में सुधार के लिए सकारात्मक अंतःश्वसन दबाव के साथ दबाव नियंत्रित वेंटिलेशन के साथ प्रोसील लारेंजियल मास्क एयरवे का उपयोग। डॉ. अर्पित सिंह, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य।

सालिवरी कोर्टिसोल के स्तर के मापन द्वारा मानक पेरीओपरेटिव देखभाल बनाम पेरीओपरेटिव कंडीशनिंग प्राप्त करने वाले बच्चों में पोस्टऑपरेटिव तनाव की तुलना। डॉ. हिमांशी राठी, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाले बच्चों में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन की घटनाओं की भविष्यवाणी करने में प्लेथ वेरिफिलिटी इंडेक्स की भूमिका। डॉ. मेरिन सारा अब्राहम, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य।

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत वैकल्पिक सर्जरी से गुजर रहे बच्चों में एपनियोइक ऑक्सीजनेशन के लिए नज़ कैन्युला का उपयोग - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। डॉ. सोहिनी रे, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. मोना आर्य।

इन्फ्रा-नाम्बिलिकल सर्जरी के दौर से गुजर रहे बच्चों में एनेस्थीसिया की गहराई और पोस्टऑपरेटिव दर्द से राहत पर इंट्रा ऑपरेटिव हेमिस्फेरिक सिंक्रोनाइज्ड साउंड्स का प्रभाव। डॉ. निशिता वशिष्ठ, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

सिजेरियन सेक्शन के दौरान पार्ट्युरिएंट्स के निचले अंगों में परफ्यूजन इंडेक्स पर लेफ्ट लेटरल टिल्ट का प्रभाव। डॉ. गुंजन कामरा, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

प्रोपोफोल के साथ प्रेरण के बाद हाइपोटेंशन के निर्धारकों के रूप में पफ्यूजन सूचकांक और प्लेथिस्मोग्राफिक परिवर्तनशीलता सूचकांक का मूल्यांकन। डॉ. सूरज दीपक देसाई, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. राहिल सिंह।

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत रीढ़ की सर्जरी कराने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिक आवश्यकता पर संगीत चिकित्सा का प्रभाव: एक प्रारंभिक अध्ययन। डॉ. मौसमी साहा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

बुजुर्गों में स्पाइनल एनेस्थीसिया के दौरान हाइपोटेंशन की घटनाओं के लिए भविष्यवक्ता के रूप में पल्स ऑक्सीमीटर व्युत्पन्न पफ्यूजन सूचकांक का मूल्यांकन। डॉ. खुशबू, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. राहिल सिंह।

बच्चों में दवा से पहले नेबुलाइज्ड केटामाइन की दो अलग-अलग खुराक की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. खुशबू, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

लिडोकेन बनाम डेक्समेडोटोमिडाइन इन्फ्यूजन प्राप्त करने वाले लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी से गुजरने वाले रोगियों में डेसफ्लुरेन की खपत। डॉ. हीना नाज़, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए संयुक्त पीईसी-1 और एसएपी ब्लॉक बनाम थोरेसिक पैरावर्टेब्रल ब्लॉक का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. वेंकटेश, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. अमित कोहली।

एयरट्रैक वीडियोलेरिंजोस्कोप का उपयोग करके प्रबलित एंडोट्रैचियल ट्यूब के साथ इंटुबैषेण में आसानी के लिए इंटुबैटिंग बौगी या स्टाइललेट की भूमिका। डॉ. धरेसा, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. अमित कोहली

नियंत्रित वेंटिलेशन के अंतर्गत कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी के दौरान मस्तिष्क ऑक्सीजन संतृप्ति पर हाइपोटेंसिव एनेस्थीसिया का प्रभाव। डॉ. निशा, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. अमित कोहली
इंटेंसिव केयर यूनिट के रोगियों में नियोजित निष्कासन के बाद उच्च प्रवाह नजल कैनुला बनाम वेंचुरी मास्क ऑक्सीजनेशन का प्रभाव। डॉ. मोहन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. अमित कोहली

ऐच्छिक सर्जरी के दौर से गुजर रहे बाल रोगियों में एंडोट्रैचियल इंटुबैषेण के लिए एयरट्रैक ऑप्टिकल लैरींगोस्कोप बनाम मैक ग्राथ वीडियो लैरींगोस्कोप। डॉ. नीती, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. अमित कोहली

जनरल एनेस्थीसिया के अंतर्गत प्रमुख सर्जरी में लक्ष्य निर्देशित और पारंपरिक अंतःक्रियात्मक द्रव चिकित्सा का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. कार्तिक, डॉ. अमित कोहली, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन

सामान्य संज्ञाहरण के दौर से गुजर रहे पीडियाट्रिक आबादी में अंतःश्वासनलीय इंटुबैषेण के लिए सी मैक वीडियो लैरींगोस्कोप वीएस ट्यूरेन वीडियो लैरींगोस्कोप। डॉ. आशिका जॉनी, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सिम्मी के रतन, डॉ. अमित कोहली

प्रोपोफोल के साथ टीआईवीए के अंतर्गत लैप्रोस्कोपिक नसवंदी के दौर से गुजर रहे रोगियों में रिकवरी विशेषताओं के संबंध में डेक्समेडेटोमिडाइन और फेंटेनाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. विवेक आर, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. अमित कोहली

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत खोजपूर्ण लैप्रोटॉमी में पारंपरिक अंतःक्रियात्मक द्रव चिकित्सा के साथ नाड़ी दबाव भिन्नता निर्देशित लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अर्शी अग्रवाल, डॉ. अमित कोहली, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत थायरॉयड और पैराथायरॉइड सर्जरी में एलएमए रक्षक और एंडोट्रैचियल ट्यूब का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. रंकी चौधरी, डॉ. अमित कोहली, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन

सर्वाइकल स्पाइन इंजुरी वाले वयस्क रोगियों में एंडोट्रैचियल इंटुबैषेण के लिए ट्यूरेन वीडियोलेरिंजोस्कोप बनाम सीएमएसी वीडियोलेरिंजोस्कोप का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. अमित कोहली

इन्फ्रा-अम्बिलिकल सर्जरी के दौर से गुजर रहे मरीजों में टेलर के दृष्टिकोण का उपयोग करके स्पाइनल एनेस्थीसिया के बाद हेमोडायनामिक्स और पोस्ट इयूरल पंचर सिरदर्द की घटना का मूल्यांकन। डॉ. राहुल कुमार शर्मा, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. नीलम प्रसाद

इन्फ्रा-अम्बिलिकल सर्जरी के दौर से गुजर रहे मरीजों में सबराचनोइड ब्लॉक के बाद ऑर्थोस्टेटिक ब्लड प्रेशर टेस्टिंग के आधार पर पोस्ट एनेस्थीसिया केयर यूनिट से डिस्चार्ज टाइम की तैयारी। डॉ. हर्ष आनंद, डॉ. मुनीषा अग्रवाल, डॉ. नीलम प्रसाद

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत सर्जरी के दौर से गुजर रहे वयस्क रोगियों में प्रोपोफोल के साथ शामिल होने के बाद हेमोडायनामिक्स पर अंतःशिरा ऑनडैसट्रॉन के प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ. लक्ष्मी एस, डॉ. मुनिशा अग्रवाल, डॉ. नीलम प्रसाद

तृतीयक देखभाल अस्पताल में शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे रोगियों में एनेस्थीसिया और एनेस्थिसियोलॉजिस्ट के बारे में जागरूकता और ज्ञान का मूल्यांकन। डॉ. तंज़िन दीक्षित नेगी, डॉ. मुनिशा अग्रवाल

इंटुबेट या ऑक्सीजेनट नहीं कर सकने की स्थिति में गर्दन के उपयोग के आपातकालीन मोर्चे के लिए स्केलपेल और कैनुला क्रिकोथायराइडोटॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

पिडियाट्रिक आबादी में प्रेरण अनुपालन पर दृश्य विकर्षण के प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ. लालरेमृति छछुक्क, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. मुनिशा अग्रवाल

प्रमुख नॉन-कार्डियक सर्जरी के बाद आरोग्य की गुणवत्ता के पूर्वसूचक के रूप में ऑपरेशन से पहले छह मिनट तक चलने के परीक्षण का आकलन करना। डॉ. सुमित, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. मुनीषा अग्रवाल

कोविड-19 के बाद रोगियों में प्रमुख गैर-कार्डियक सर्जरी के बाद आरोग्य की गुणवत्ता के भविष्यवक्ता के रूप में प्रीऑपरेटिव छह मिनट तक चलने के परीक्षण का आकलन करना। डॉ. अनुपमा, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. मुनिषा अग्रवाल

शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे रोगी में प्री-एनेस्थेटिकमूल्यांकन में टेलीमेडिसिन के उपयोग का मूल्यांकन करना। डॉ. वेंकटेश्वरन वी, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. मुनिशा अग्रवाल

लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पोस्टऑपरेटिव रिकवरी पर ओपिओइड प्री एनेस्थीसिया का प्रभाव। डॉ. गीता चौहान, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. मोना आर्य।

जागृत फॉइबरऑप्टिक इंटुबैषण के दौरान इंटुबैटिंग स्थितियों पर नेबुलाइज्ड बनाव अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अथिरा पी मेनन, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. मोना आर्य।

पूरे घुटने के प्रतिस्थापन के दौर से गुजर रहे रोगियों में सबराचनोइड एनेस्थीसिया पर अंतःशिरा लिग्नोकेन इंप्यूजन का प्रभाव। डॉ. अमूल्य उमेश कोडकनी, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. मोना आर्य।

वयस्क रोगियों में प्रोसील एलएमए आकार चयन के लिए क्रिको-मानसिक दूरी आधारित और वजन आधारित मानदंड का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. निमिथ प्रभाकर, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य

आइसोफ्लुरेन और डेसफ्लुरेन का उपयोग करके सामान्य एनेस्थीसिया के बाद बुजुर्ग रोगियों में पश्चात संज्ञानात्मक शिथिलता का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. उपासना, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य

स्पाइनल एनेस्थीसिया के अंतर्गत निचले अंगों की आर्थ्रोपेडिक सर्जरी के दौर से गुजर रहे वयस्क रोगियों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिक और संगीत के शामक प्रभावों का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. प्रिंस सिंह, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. मोना आर्य

तृतीयक देखभाल अस्पताल में आईसीयू में भर्ती मरीजों के बीच परिणाम भविष्यवक्ता के रूप में लैक्टेट के साथ और बिना एसओएफए स्कोर की तुलना। डॉ. सुष्मिता, डॉ. ललिता चौधरी, डॉ. मोना आर्य

लैरींगोस्कोपी और एंडोट्रैचियल इंटुबैषण के लिए दबाव प्रतिक्रिया के क्षीणन के लिए अंतःशिरा डेक्समेडेटोमाइन, मैग्नीशियम सल्फेट और एस्मोलोल की तुलना। डॉ. काजोल, डॉ. ललिता चौधरी, डॉ. मोना आर्य

तृतीयक देखभाल अस्पताल में गहन देखभाल इकाई में भर्ती मरीजों के बीच परिणाम की भविष्यवाणी में प्रोकेल्सीटोनिन के साथ अकेले अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर (एसओएफए) बनाम एसओएफए की तुलना। डॉ. प्रियंका, डॉ. ललिता चौधरी, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. बिनीता गोस्वामी

एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में गहन देखभाल इकाई में भर्ती मरीजों के बीच परिणाम भविष्यवाणी में इंटरल्यूकिन 6 के साथ अकेले अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर (एसओएफए) बनाम एसओएफए की तुलना। डॉ. शशांक, डॉ. ललिता चौधरी, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. बिनीता गोस्वामी

तृतीयक देखभाल अस्पताल में गहन देखभाल इकाई में भर्ती मरीजों के बीच परिणाम भविष्यवाणी में डी-डिमेंटर के साथ अकेले अनुक्रमिक अंग विफलता मूल्यांकन स्कोर (एसओएफए) बनाम एसओएफए की तुलना। डॉ. विपिन, डॉ. ललिता चौधरी, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. बिनीता गोस्वामी कठिन मुखौटा वेंटिलेशन की भविष्यवाणी में श्वसन मार्ग के पूर्व-ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन की भूमिका का मूल्यांकन करना। डॉ. विश्रंतकुमार के कुशल शेटी, डॉ. कपिल चौधरी, डीआर जेएस डाली, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. सपना

सामान्य एनेस्थीसिया के शामिल होने के दौरान फेस मास्क वेंटिलेशन को सुविधाजनक बनाने में मिडाजोलम प्रीमेडिकेशन की भूमिका का मूल्यांकन करना। डॉ. रोशिता सिंह, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. ललित गुप्ता

सामान्य श्वसन मार्ग वाले रोगियों में फेस मास्क वेंटिलेशन की प्रभावकारिता पर मास्क वेंटिलेशन की जाँच से पहले और बाद में रोकुरोनियम प्रशासन के प्रभाव की तुलना करना। डॉ. मेघा, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. ललित गुप्ता

प्रीऑक्सीजनेशन की प्रभावकारिता पर नजल कैनुला के माध्यम से विभिन्न ऑक्सीजन प्रवाह दर का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. जे एस डाली, डॉ. अमरदीप सिंह, डॉ. मोना आर्य

कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि वाले रोगियों में नजल कैनुला या साधारण फेस मास्क बनाम गैर-इनवेसिव पीईईपी (एनआईपी) मास्क के माध्यम से ऑक्सीजन वितरण का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. लवनीश बैस

कोविड-19 श्वसन रोग के लिए एंजियोटेंसिन रिसेप्टर ब्लॉकर्स का नियंत्रित मूल्यांकन: संभावित, डबल ब्लाइंड, मल्टीसेंट्रिक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

चालू वर्ष के दौरान पूरे किए गए शोध प्रबंधों का विवरण

सीजीआरपी 4218 टी/सी पॉलीमॉर्फिज्म के साथ पेट की मेजर सर्जरी के बाद दर्द की धारणा और फेंटेनल खपत का सहसंबंध। डॉ. प्रशांत एचटी, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

रीढ़ की हड्डी के प्रवेश कोण, एर्गोनॉमिक्स और एनेस्थीसियोलॉजिस्ट के आराम पर ऑपरेटिंग टेबल की ऊंचाई के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. अकुला विजय कुमार, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा
सीजेरियन सेक्शन से गुजरने वाले बच्चों में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन के भविष्यवक्ताओं के रूप में बेसलाइन हार्ट रेट और परफ्यूजन इंडेक्स का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. सौरभ गौर, डॉ. भारती वाधवा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

डॉ. सुख्यंती, डॉ. राहिल, डॉ. के एन सक्सेना। गहन देखभाल इकाई में भर्ती गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 के वयस्क रोगियों में उच्च प्रवाह नजल कैनुला ऑक्सीजन के अनुभव पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

डॉ. सुख्यंती, डॉ. राहिल, डॉ. के एन सक्सेना स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड - 19) के लिए जोखिम कारकों का आकलन: एक केस नियंत्रण अध्ययन।

डॉ. राहिल, डॉ. के एन सक्सेना, डॉ. सुख्यंती। गहन देखभाल इकाइयों में काम कर रहे स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन प्रोफिलैक्सिस खुराक के दुष्प्रभावों के आकलन पर एक सर्वेक्षण।

डॉ. पल्लवी, डॉ. सुख्यंती, डॉ. के एन सक्सेना कोविड-19 महामारी के दौरान आईसीयू पेशेवरों में जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता: एक संभावित अवलोकन संबंधी पार-अनुभागीय अध्ययन।

एनेस्थीसिया की गहराई के निर्धारक के रूप में परफ्यूजन सूचकांक का मूल्यांकन: न्यूनतम वायुकोशीय एकाग्रता और द्विवर्णी सूचकांक के साथ सहसंबंध। डॉ. सूरज देसाई, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. केएन सक्सेना, डॉ. कविता रानी शर्मा

बच्चों में ऑरोट्रैचियल ट्यूब की गहराई पर सिर के लचीलेपन और विस्तार के प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

इंटाओरल मास्क बनाम पारंपरिक फेस मास्क का उपयोग करके वेंटिलेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. केशव गौर, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

प्रोपोफोल के प्रेरण के बाद हाइपोटेंशन के निर्धारकों के रूप में परफ्यूजन सूचकांक और प्लेथिस्मोग्राफिक परिवर्तनशीलता सूचकांक का मूल्यांकन। डॉ. सूरज दीपक देसाई, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा

बुजुर्ग रोगियों में प्रोपोफोल और आइसोफ्लुरेन के साथ सामान्य एनेस्थीसिया के बाद पश्चात संज्ञानात्मक शिथिलता का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. नीता प्रभु, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

मोटे वयस्क रोगियों में दो-हाथ वाले मास्क वेंटिलेशन की दो तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. गज़ाला, डॉ. कविता आर शर्मा, डॉ. यूसी वर्मा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा।

पोस्ट स्पाइनल एनेस्थीसिया की रोकथाम के लिए गैनिसट्रॉन की प्रभावकारिता, सिजेरियन सेक्शन से गुजरने वाले बच्चों में कंपकंपी, मतली और उल्टी। डॉ. अमरदीप सिंह, डॉ. जेएस डाली, डॉ. मोना आर्य, डॉ. कपिल चौधरी

लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए उच्च मात्रा में कम सांद्रता वाली इंटरापेरिटोनियल बुपिवाकेन सिंचाई की प्रभावकारिता। डॉ. स्वाति पंवार, डॉ. जेएस डाली, डॉ. मोना आर्य, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. सुशांतो नियोगी।

बच्चों में एनेस्थीसिया के डीप प्लेन में लेरिंजल मास्क एयरवे रिमूवल के लिए बेस्ट पोजीशन। डॉ. कविता रानी शर्मा, डॉ. श्वेता धीमान, डॉ. अंजू आर भालोत्रा

डॉ.क्टरों में एक विशेषता के रूप में एनेस्थीसिया के बारे में जागरूकता के बारे में लेखा परीक्षा। डॉ.क्टर कपिल चौधरी

प्रीऑक्सीजेनेशन की प्रभावकारिता पर नजल कैनुला के माध्यम से विभिन्न ऑक्सीजन प्रवाह दर का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. जेएस डाली, डॉ. अमरदीप सिंह, डॉ. मोना आर्य: प्रायोगिक अध्ययन किया गया; कॉलेज आचार समिति की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया।

पिडियाट्रिक आबादी में एंडोट्रैचियल इंटुबैषण के लिए मैकिंटोश लैरींगोस्कोप के साथ एयरट्रेक ऑप्टिकल लैरींगोस्कोप का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. श्रुति कुमारी। डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. अमित कोहली

सिम्युलेटेड सर्वाइकल स्पाइन इंजरी पेशेंट्स में एंडोट्रैचियल इंटुबैषण के लिए एयरट्रेक और मैकग्राथ वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना। डॉ. श्वेता जैन, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. अमित कोहली

वयस्क रोगियों में जागृत एंडोट्रैचियल इंटुबैषण के लिए सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप और फ्लेक्सिबल फाइबरऑप्टिक ब्रॉकोस्कोप की तुलना। डॉ. निम्मा सुरेश चंद्रा, डॉ. पूनम भदौरिया, डॉ. सोनिया वधावन, डॉ. अमित कोहली

नासोट्रैचियल इंटुबैषण के दौरान थर्मोसॉफ्टेड एंडोट्रैचियल ट्यूब के नेविगेशन की सुविधा के लिए दो तरीकों की तुलना। डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, डॉ. प्रशांत एचटी, डॉ. सुख्यंती केराई, डॉ. भारती वाधवा

डे केयर लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के रोगियों में पोस्टऑपरेटिव मतली और उल्टी पर खारा, 70% आइसोप्रोपिल अल्कोहल और अदरक के तेल के साथ अरोमाथेरेपी का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. गौरव अग्रवाल, डॉ. कीर्ति एन सक्सेना, डॉ. भारती वाधवा

रीढ़ की हड्डी की सुई लगाने में आसानी के लिए आंशिक रूप से मुड़े हुए घुटने की स्थिति और बैठने की पारंपरिक स्थिति की तुलना। डॉ. शीतल, डॉ. मुनिषा अग्रवाल, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. नीलम प्रसाद

जनरल एनेस्थीसिया के अंतर्गत सर्जरी के लिए पेरीऑपरेटिव स्ट्रेस रिस्पांस को क्षीण करने के लिए प्रीऑपरेटिव ओरल ग्लूकोज लोडिंग की प्रभावकारिता। डॉ. अर्चना, डॉ. मुनिषा अग्रवाल, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. बिनीता गोस्वामी

पिडियाट्रिक आबादी में प्रीऑपरेटिव चिंता को दूर करने के लिए इंटरनैसल डेक्समेडिटोमिडाइन के साथ प्रीऑपरेटिव न्यू इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिवाइस (वीडियो क्लिप) की प्रभावकारिता। डॉ. मिथुन केए, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. मुनिषा अग्रवाल

सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत रीढ़ की सर्जरी कराने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिक आवश्यकता पर संगीत चिकित्सा का प्रभाव: एक प्रारंभिक अध्ययन। डॉ. मौसमी साहा, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

बुजुर्गों में स्पाइनल एनेस्थीसिया के दौरान हाइपोटेंशन की घटनाओं के लिए भविष्यवक्ता के रूप में पल्स ऑक्सीमीटर व्युत्पन्न पर्फ्यूजन सूचकांक का मूल्यांकन। डॉ. खुशबू, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

बच्चों में दवा के पूर्व नेबुलाइज्ड केटामाइन की दो अलग-अलग खुराक की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. खुशबू, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

लिडोकेन बनाम डेक्समेडिटोमिडाइन इन्फ्यूजन प्राप्त करने वाले लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी से गुजरने वाले रोगियों में डेसफ्लुरेन की खपत। डॉ. हीना नाज़, डॉ. अंजू आर भालोत्रा, डॉ. राहिल सिंह, डॉ. यूसी वर्मा।

संगोष्ठी का आयोजन: कोविड-19 रोगियों में ऑक्सीजन थेरेपी पर कार्यशाला

आयोजित सम्मेलन: दिल्ली चैप्टर आईएसए की मासिक बैठक (नवंबर 2020)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय):

डॉ. कीर्ति एन सक्सेना

3.10.20 को दिल्ली शाखा आईएसए की वार्षिक बैठक में संकाय।

अक्टूबर 2020 में आईसीए द्वारा ऑनलाइन सीएमई में संकाय।

21 नवंबर 2020 को आईएसए दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक में संकाय।

आरएमएल अस्पताल में 6 से 14 फरवरी, 2021 तक आयोजित होने वाले एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक -21) के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित।

डॉ.क्टर मुनीषा अग्रवाल

30 जून 2020 को एसआई सर्जरी जूम वेबिनार में संकाय।

सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली द्वारा 3 अक्टूबर 2020 को आईएसएसीओएन 2020 के आयोजन में संकाय।

आरएमएल अस्पताल में 6 से 14 फरवरी, 2021 तक आयोजित होने वाले एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक -21) के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित

डॉ. अंजू आर भालोत्रा

4 अक्टूबर, 2020 को एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, सर गंगा राम अस्पताल द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, दिल्ली शाखा (आईएसएसीओएन 2020) के 59वें वार्षिक आभासी सम्मेलन में एक संकाय (अध्यक्ष) के रूप में भाग लिया। पिडियाट्रिक एनेस्थीसिया पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

14 नवंबर 2020 को प्रसूति एनेस्थीसिया पर आईसीए अकादमिक वेबिनार में सीडी के लिए एनेस्थीसिया पर व्याख्यान।

आरएमएल अस्पताल में 6 से 14 फरवरी, 2021 तक होने वाले एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक -21) के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। 12.02.2020 को टोटल इंटरवेनस एनेस्थीसिया पर व्याख्यान दिया।

11 मार्च 2021 को बाल शल्य चिकित्सा अद्यतन में अध्यक्ष " एनेस्थेटिक कंशीडरेशन इन ए पिडियाट्रिक प्लेन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सोनिया वधावन

28 अक्टूबर 2020 को आईसीए द्वारा आयोजित प्रसूति एनेस्थीसिया वेबिनार।

आरएमएल अस्पताल में 6 से 14 फरवरी, 2021 तक आयोजित होने वाले एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक -21) के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित।

डॉ. भारती वाधवा

दिल्ली विश्वविद्यालय की जुलाई 2020- डिप्लोमा एनेस्थीसियोलॉजी परीक्षा के लिए परीक्षक।

एलएनएच में कोविड ओटी की स्थापना।

एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, एमएएमसी द्वारा आयोजित अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया (यूआरएडब्ल्यू) पर कार्यशाला की आयोजन सचिव (मार्च 2020)।

पं. बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक मई 2019 (थ्योरी पेपर तैयार किया)।

एमडी एनेस्थीसियोलॉजी फाइनल परीक्षा के लिए परीक्षक।

जर्नल ऑफ़ नियोनेटल सर्जरी की सहकर्मी समीक्षक।

एनेस्थीसिया की विशेषता पर राष्ट्रीय एनबीई वेबिनार समन्वयक।

सितंबर 2020में आर्टेमिस अस्पताल गुरुग्राम में एनबीई मान्यता के लिए निरीक्षक।

आइवी अस्पताल मोहाली में एनबीई मान्यता के लिए निरीक्षक, फरवरी 2020।

सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में नवंबर 2020में आयोजित अंतिम डीएनबी प्रैक्टिकल परीक्षा एनेस्थीसियोलॉजी के लिए परीक्षक।

एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में मार्च 2021 में आयोजित अंतिम डीएनबी प्रैक्टिकल परीक्षा एनेस्थीसियोलॉजी के लिए परीक्षक।

स्वास्थ्य हेल्पलाइन सेवा प्रदाता कॉल सेंटर परियोजना के संबंध में एचआईएमएस, डीजीएचएस, जीएनसीटीडी दिल्ली सरकार की विशेषज्ञ समिति की सदस्य।

दिल्ली के अस्पतालों में कोविड प्रबंधन के मानक उपचार के निरीक्षण के लिए डीजीएचएस एच एंड एफडब्ल्यू, जीएनसीटीडी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सदस्य।

डॉक्टर कपिल चौधरी

5-6 सितंबर 2020 को आईएसए युवा सम्मेलन

अक्टूबर 2020 में राष्ट्रीय वायुमार्ग सम्मेलन-2020 आयोजित किया

डॉ. अमित कोहली

23 अप्रैल 2020 को एनेस्थीसिया अभ्यास पर कोविड-19 के प्रभाव पर lapguru.com द्वारा आयोजित वेबिनार।

5 और 6 सितंबर 2020 को पहला युवा आईएसएसीओएन राष्ट्रीय सम्मेलन।

5 नवंबर 2020 को आईएसए गुजरात राज्य शाखा द्वारा आयोजित कोविड-19 में ऑक्सीजन और वेंटिलेशन पर वेबिनार।

आरएमएल अस्पताल में 6 से 14 फरवरी, 2021 तक आयोजित होने वाले एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक -21) के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित

डॉ. ललित गुप्ता

ब्रिक्स शैक्षिक इंटरनशिप कार्यक्रम के लिए "महामारी कोविड-19 के बाद मानव विकास" के लिए गोलमेज पैनलिस्ट।

30 दिसंबर, 2020 को एनबीई एनेस्थीसियोलॉजी वेबिनार: नॉन-ऑपरेटिंग रूम एनेस्थीसिया के मुख्य वक्ता।

3 नवंबर, 2020 को बच्चों के सीटी, एमआरआई में रेडियोलॉजिकल इमेजिंग के लिए एनेस्थेटिक कंशीडरेशन के लिए आरएसएसपी अकादमिक वेबिनार श्रृंखला 2020 में एक प्रमुख वक्ता।

31 अक्टूबर, 2020 को आईईएसआरएफ द्वारा आईपी इनोवेटिव पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला "वैज्ञानिक प्रकाशन की आधारशिला" में एक प्रमुख वक्ता "संदर्भ प्रबंधक सॉफ्टवेयर: इसके बारे में सब कुछ जानें?"।

23 सितंबर, 2020 को संपादन और प्रकाशन समर्थन सेवा में एक वैश्विक नेता, इनेगो अकादमी द्वारा आयोजित "पैनल चर्चा: पीयर रिव्यू सिस्टम में पब्लिशर्स भरोसा कैसे उत्पन्न कर रहे हैं?" में भाग लिया।

19, 20, 26 और 27 सितंबर 2020 को आयोजित इंटरनेशनल पीयर रिव्यू वर्कशॉप 2020 के लिए सह-आयोजक और तकनीकी समन्वयक (आईपी इनोवेटिव पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित)।

26 सितंबर 2020 को आयोजित इंटरनेशनल पीयर रिव्यू वर्कशॉप 2020 में "संदर्भ प्रबंधक सॉफ्टवेयर: यह क्या है और यह क्या कर सकता है?" के लिए मुख्य वक्ता (आईपी इनोवेटिव पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित)।

19 सितंबर 2020 को आयोजित इंटरनेशनल पीयर रिव्यू वर्कशॉप 2020 में "सहकर्मी समीक्षा का मात्रात्मक और गुणात्मक विश्लेषण?" के लिए मुख्य वक्ता। (आईपी इनोवेटिव पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित)।

आईईएसआर फाउंडेशन द्वारा 17 अगस्त 2020 को आयोजित वेबिनार "वैज्ञानिक प्रकाशन की आधारशिला" के समापन का प्रमाण शोध।

फ्रंट लाइन कोविड-19 क्रिटिकल केयर एलायंस के लिए भारतीय सहयोगी, कोविड-19 वर्ल्डवाइड मैथ एवं सहयोगियों के लिए प्रोफिलैक्सिस और उपचार प्रोटोकॉल

ब्रिक्स शैक्षिक इंटरनशिप कार्यक्रम के लिए "महामारी कोविड-19 के बाद मानव विकास" के गोलमेज में पैनलिस्ट।

2020 में ब्रिक्स सिविल फोरम के लिए ब्रिक्स वर्किंग ग्रुप "शिक्षा और विज्ञान" द्वारा की गई मसौदा सिफारिशों का हिस्सा। (26 अगस्त, 2020; सितंबर 2, 2020)

डॉ. राहिल सिंह

नवंबर 2020 में आईएसए क्लिनिकल मीट, नवंबर 2020 में आईएसए क्लिनिकल मीट में 'वयस्क रोगियों में उच्च प्रवाह नजल कैनुला ऑक्सीजन के अनुभव पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन' शीर्षक शोध का संचालन किया।

10 और 11 अप्रैल 2021 को पिडियाट्रिक पेरिऑपरेटिव लाइफ सपोर्ट ऑनलाइन कोर्स (ई-पीपीएलएस)।

एनएमसी क्षेत्रीय केंद्र, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज नई दिल्ली में 7 से 9 अप्रैल, 2021 तक एनएमसी संशोधित बुनियादी पाठ्यक्रम कार्यशाला।

डॉ. सुखयंती के राय

नवंबर 2020 में आईएसए क्लिनिकल मीट, नवंबर 2020 में आईएसए क्लिनिकल मीट में 'वयस्क रोगियों में उच्च प्रवाह नजल कैनुला ऑक्सीजन के अनुभव पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन' शीर्षक शोध का संचालन किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

डॉ. मुनिशा अग्रवाल

कोविड-19 महामारी के लिए कोविड आईसीयू, एलएनएच, दिल्ली द्वारा नोडल प्रभारी नियुक्त किया गया।

'कोविड -19' समिति के लिए 'उपचार दिशानिर्देश, कोविड -19' समिति के लिए नई दवाएं, कोविड-19 संगरोध समिति, 'एलएनएच, दिल्ली की 'मृत्यु समीक्षा समिति' के सदस्य थे।

दिल्ली सरकार द्वारा नियुक्त कोविड-19 के प्रबंधन के लिए निरीक्षण समिति के अध्यक्ष।

एचएफएनओ, बीआईपीएपी मशीनों, ऑक्सीजन सांद्रता के लिए दिल्ली सरकार की खरीद समिति सीपीए के अध्यक्ष।

'मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड' राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के सदस्य नियुक्त।

आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति

एयरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य

परीक्षक: दिल्ली विश्वविद्यालय, एमएएमसी, दिल्ली, की 2020 में आयोजित एमडी परीक्षा 2020 के लिए।

यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए भारत में कई मेडिकल कॉलेजों के लिए आयोग का निरीक्षण आयोजित किया।

6.10.20 को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, ईएसआई अस्पताल, झिलमिल, दिल्ली के लिए निरीक्षण आयोजित किया।

डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना

12.10.2020 को जीएमसी चंडीगढ़ के लिए प्रोफेसर के चयन के लिए साक्षात्कार में यूपीएससी विशेषज्ञ।

16.7.2020 को ईएसआई मेडिकल कॉलेज हैदराबाद के एनेस्थीसिया विभाग में कर्मचारियों के लिए समिति की सिफारिश में विशेषज्ञ। 22. 6.2020 को सीएनबीसी में तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक में बाहरी विशेषज्ञ।

एम्स, ऋषिकेश, पंडित .बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, श्री गुरु राम दास आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, अमृतसर, कोलकाता विश्वविद्यालय के लिए एनबीई की थीसिस का मूल्यांकन।

मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा की स्वास्थ्य सूचना अनुसंधान इकाई के माध्यम से पेश किए गए मैकमास्टर ऑनलाइन रेटिंग ऑफ एविडेंस (मोर) सिस्टम के लिए रेटर।

एनेस्थीसियोलॉजी के लिए पाठ्यक्रम समिति के सदस्य, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. अंजू आर भालोत्रा

वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में 26.8.2020 को अनुबंध के आधार पर उप-संवर्ग शिक्षण में सहायक प्रोफेसर (एनेस्थीसिया) के पद को भरने के लिए बाहरी विशेषज्ञ मनोनीत।

एनेस्थीसियोलॉजी की विशेषता में प्रश्न शोध के मॉडरेशन के लिए 22 अगस्त से 05 सितंबर 2020 तक एनबीई द्वारका कार्यालय में आमंत्रित किया गया।

एलएनएच में वरिष्ठ आवासियों के चयन के लिए विशेषज्ञ नियुक्त किया गया।

एनेस्थीसिया एनबीई में विशेषज्ञ बोर्ड में नियुक्त।

12 नवंबर 2020 को एनेस्थीसियोलॉजी में व्यावहारिक ओएससीई स्टेशनों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए एनबीई, द्वारका कार्यालय, नई दिल्ली में आमंत्रित किया गया।

नवंबर 2020 में एम्स, नई दिल्ली थीसिस/ई-थीसिस के ऑनलाइन मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक नियुक्त।

9 दिसंबर 2020 को एनेस्थीसियोलॉजी की विशेषता में 04.12.2020 को आयोजित एफएमजीई की परीक्षा के बाद प्रश्न शोध समीक्षा कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए एक संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

कोविड महामारी के दौरान सीपीए के माध्यम से दिल्ली सरकार के लिए ऑक्सीजन सांद्रता की खरीद के लिए समिति का सदस्य नियुक्त किया गया

एनेस्थिसियोलॉजी की विशेषता में डीएनबी थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक नियुक्त किया गया।

चिकित्सा उपकरणों की विशेषज्ञ समीक्षा की पांडुलिपि की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समीक्षक नियुक्त किया गया।

8 मार्च 2021 (सुबह 10:00 बजे से) को एनेस्थिसियोलॉजी की विशेषता में व्यावहारिक ओएससीई स्टेशनों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए एनबीई द्वारका कार्यालय, नई दिल्ली में आमंत्रित किया गया।

एनेस्थिसियोलॉजी की विशेषता में 7 और 8 फरवरी 2021 को होटल ताज विवांता, मेट्रो स्टेशन रोड, सेक्टर - 21, द्वारका, नई दिल्ली -110075 में ओएससीई लेखन कार्यशाला के लिए विषय वस्तु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सोनिया वाधवन

अगस्त 2020 में दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में कोविड-19 उपचार सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

जर्नल जेओएसपी के लिए समीक्षक।

वोल्टर्स क्लूवर द्वारा प्रकाशित 'स्टोएलटिंग्स फॉर्माकोलॉजी एंड फिजियोलॉजी, 5वाँ संस्करण का दक्षिण एशियाई संस्करण' शीर्षक पुस्तक की समीक्षा की।

डीएनबी एनेस्थिसियोलॉजी कार्यक्रम शुरू करने के लिए मूल्यांकन

-28 जनवरी 2020 को केंद्रीय अस्पताल, एनएफ रेलवे मेलगाँव, गुवाहाटी

-19 फरवरी 2020 को कल्पना चावला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, मॉडल टाउन करनाल, हरियाणा,

-30 जुलाई 2020 को माता चानन देवी अस्पताल, नई दिल्ली

लोक नायक अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के लिए मातृ मृत्यु समीक्षा समिति के सदस्य।

एलएनएच में यौन उत्पीड़न समिति के सदस्य नियुक्त किया गया।

स्नातकोत्तर मेडिकल फॉउंडेशन एंड ट्रेनिंग सेल (पीजीएमईटी) के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए प्रशासनिक समिति के सदस्य (एनेस्थिसियोलॉजी विभाग) के रूप में नियुक्त।

3 नवंबर 2020 को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया में पीडीसीसी प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

एनबीई द्वारा एनेस्थिसियोलॉजी (थ्योरी पेपर) की विशेषता में प्रश्न शोध का मॉडरेशन।

21 जुलाई 2020 को गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित डीएनबी एनेस्थिसियोलॉजी के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए परीक्षक।

22 जुलाई 2020 को डीएनबी की व्यावहारिक ओएससीई स्टेशन का ऑनसाइट मूल्यांकन।

जुलाई 2020 में आईपी यूनिवर्सिटी एमडी एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षा के लिए थ्योरी पेपर तैयार किया और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आयोजित एमडी एनेस्थिसियोलॉजी की व्यावहारिक परीक्षा के लिए परीक्षक थे।

डीएनबी एनेस्थिसियोलॉजी 2020 के लिए ओएससीई प्रश्न तैयार किए।

दिसंबर 2020 में एनेस्थोलॉजी पेपर की थ्योरी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया।

2020 में एनबीई, एम्स ऋषिकेश, केजीएमयू, लखनऊ, पीजीआई चंडीगढ़ और बीएफयूएच पंजाब के लिए थीसिस के लिए निर्णायक।

डॉ. भारती वाधवा

डिप्लोमा एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के परीक्षक, जुलाई 2020

एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, एमएएमसी द्वारा आयोजित अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया (यूआरएडब्ल्यू) पर कार्यशाला के आयोजन सचिव (मार्च 2020)

पं. बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक के एमडी एनेस्थीसियोलॉजी फाइनल परीक्षा के लिए परीक्षक। मई 2020

जर्नल ऑफ नियोनेटल सर्जरी के सहकर्मी समीक्षक।

एनेस्थीसिया की विशेषता में राष्ट्रीय एनबीई वेबिनार के समन्वयक।

सितंबर 2020 में आर्टेमिस अस्पताल गुरुग्राम में एनबीई मान्यता के लिए निरीक्षक।

आइवी अस्पताल मोहाली में एनबीई मान्यता के लिए निरीक्षक, फरवरी 2020

सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित अंतिम डीएनबी प्रैक्टिकल परीक्षा एनेस्थीसियोलॉजी के लिए परीक्षक, नवंबर 2020

एसजीटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम में अंतिम प्रैक्टिकल पीजी परीक्षा के लिए परीक्षक।

एमएएमसी सीएचएस टीए के उपाध्यक्ष।

डॉ.क्टर कपिल चौधरी

2020 के दौरान इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया के लिए समीक्षक।

डॉ. अमित कोहली

एनेस्थीसियोलॉजी में पत्रिकाओं के समीक्षक:

इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया

एनेस्थीसिया गहन देखभाल और दर्द चिकित्सा और एनेस्थीसिया में प्रकरण अध्ययन।

गुरुकुल, एमएएमसी में कार्यकारी सदस्य।

एनबीई प्रशिक्षुओं की थीसिस के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त।

एम्स दिल्ली और पीजीआईएमएस रोहतक की थीसिस के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ नियुक्त।

डॉ. सुखयंती के राय

बीएमसी एनेस्थीसियोलॉजी और जर्नल ऑफ पेन रिसर्च के लिए समीक्षक

संकाय की संख्या: 20 (15 नियमित और 05 संविदात्मक)

निश्चेतन-विज्ञान (जीआईपीएमईआर)

संकाय सदस्य: 12

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एनेस्थीसिया विभाग कोविड महामारी की तैयारी और प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल था। संकाय सदस्य ओटी और आईसीयू में कोविड रोगियों के नैदानिक प्रबंधन में सबसे आगे थे, कोविड-विशिष्ट एसओपी तैयार करना और लागू करना, संक्रमण के संचरण की रोकथाम, ऑक्सीजन थेरेपी, वेंटिलेटर प्रबंधन और बुनियादी जीवन के बारे में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के शिक्षण और प्रशिक्षण तथा कोविड रोगियों के समर्थन के कार्यों में सबसे आगे रहे।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. वी दत्त: कार्डियक-थोरेसिक एनेस्थीसिया के लिए एफआईएसीटीए शिक्षक प्रत्यायन।

डॉ. पी गंजू: इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) की शिक्षा समिति के प्रमुख; वर्ष 2020 के लिए अनुभाग संपादक के रूप में योगदान के लिए जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी) के संपादक मंडल द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ रिकग्निशन' से सम्मानित किया गया।

डॉ. एस विरमानी: कार्डियक-थोरेसिक एनेस्थीसिया के लिए एफआईसीटीए शिक्षक प्रत्यायन।

डॉ. ए एच चौधरी: इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) से क्रिटिकल केयर मेडिसिन में उत्कृष्ट योगदान के लिए 2020 में राष्ट्रपति का प्रशस्ति शोध प्राप्त किया; 2020-22 के लिए आईएससीसीएम के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य चुने गए।

रचना वाधवा ने 2020 में इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर थोरेसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (एफआईसीटीए) की फैलोशिप का कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया।

05.02.21 को दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित डीएनएसीओएन- 21 सम्मेलन में न्यूरो-एनेस्थीसिया टीम को पेपर प्रस्तुति के लिए तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

दत्त वी, वाधवा आर, कुमार एम, अग्रवाल एस। महान धमनियों के डी-ट्रांसपोज़िशन के लिए सेनिंग पैलिएशन सर्जरी: क्या इसके लिए कोई भूमिका है? ओपेन एक्सेस। क्लिन सर्जन. 2021; 2 (6): 3085.

विरमानी एस, दत्त वी, टेम्पे डी के, मिन्हास एच एस, मेहर आर, गोस्वामी ए डी, शर्मा एस, मलिक आई। गंभीर श्वासनली स्टेनोसिस वाले रोगियों में मिड-स्टर्नोटॉमी के माध्यम से कार्डियोपल्मोनरी बाईपास की स्थापना के लिए सहज बैग मास्क वेंटिलेशन: तीन रोगियों की एक श्रृंखला। एन कार्ड एनेस्थ. 2020; 23 (2): 241-245.

वाधवा आर, साहनी सी, टेम्पे डीके। जेंडर बायस-एन इंडियन पर्सपेक्टिव। जे कार्डियोथोरेक वास्क एनेस्थ.2020; S1053-0770 (20): 30506-1.

खुराना पी, गंजू पी, दुग्गल एस, किरो केएल, धनवानी एल, टंडन एमएस, सिंह डी, जगेटिया ए। पेरिऑपरेटिव प्रैक्टिस और कोविड-19 महामारी के दौरान न्यूरोसर्जरी के परिणाम: संस्थागत अनुभव और पूर्वव्यापी अवलोकन विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी। ई-फर्स्ट पब्लिकेशन 2021 जारी करने की तारीख: 10.1055/s-0041-1729463.

कुमार पी, बोडेलीवाला एस, अहेर आर, जगेटिया ए, श्रीवास्तव एके, सिंह डी, गंजू पी। प्रसार-भारित चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का उपयोग करके अस्थायी कतरन के संबंध में पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार की कतरन के बाद इस्किमिया का मूल्यांकन: एक संभावित अध्ययन। इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2020। जारी करने की तारीख: 10.1055/s-0039-3402625.

दुग्गल एस, खुराना पी, गंजू पी, दास एन। हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी वाले रोगी में इंटरक्रैनील एन्यूरिज्म क्लिपिंग के प्रबंधन में एनेस्थेटिक चुनौतियाँ। जे न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर। ई-प्रथम प्रकाशन 19.11.2020। जारी करने की तारीख:10.1055/s-0040-1716425.

वाधवा आर, गंजू पी, अहलूवालिया पी, सिंह डी। सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी के बाद विलंबित ओसोफेगल परफोरेशन: एक कम ज्ञात शैतान। इंडियन जे क्लिन एनेस्थीसिया 2021; 8 (1): 144-147.

सिंह डी, दत्ता जी, जगेटिया ए, सिंह एच, श्रीवास्तव एके, टंडन एम, गंजू पी। ट्राइजेमिनल न्यूरेल्लिया के लिए माइक्रोवैस्कुलर डीकंप्रेसन: भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र का अनुभव और साहित्य की एक संक्षिप्त समीक्षा। न्यूरोल इंडिया 2021;69: 206-12.

आई फैसल, पी गंजू। क्रोनिक रीनल फेल्टोर वाले रोगी में सेरेब्रल एन्यूरिज्म सर्जरी: पेरीओपरेटिव चिंताएं और संघर्ष। क्रोनिक रीनल फेल्टोर वाले रोगी में सेरेब्रल एन्यूरिज्म सर्जरी: पेरीओपरेटिव चिंताएं और संघर्ष। इंट. जे साइंस रिसर्च 2021; 10: 58-59. जारी करने की तारीख:10.36106/ ijsr/ 4002026.

चौधरी एएच, दुग्गल एस, आहूजा बी, बिस्वास पीएस। कोविड-19 के उपचार में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल., 2021; 39 (2): 159-170.

चौधरी एएच, दुग्गल एस, आहूजा बी, उप्पल आर। गहन देखभाल इकाई में मानसिक रूप से बीमार युवा वयस्कों में जीवन के अंत में देखभाल की देरी से शुरू होने के प्रभावों पर एक अवलोकन संबंधी अध्ययन। इंडियन जे पल्लियट केयर 2021; 27: 31-4.

बिस्वास पी एस, सेन डी, चौधरी ए एच, मक्कड़ डी, कपूर एम, गोयल ए। कोविड-19 रोगियों के परिणामों के साथ जनसांख्यिकी, नैदानिक, प्रयोगशाला और रेडियोलॉजिकल विशेषताओं का संबंध: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। जे माइक्रोबायल इंफेक्ट डी 2020; 10 (03): 121-135.

दुग्गल एस, आहूजा बी, बिस्वास पीएस, चौधरी ए एच। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर वायुमार्ग सुरक्षा उपायों के बारे में चिकित्सकों की प्रशंसा और ज्ञान का एक सर्वेक्षण। जे एनेस्थेसियोल क्लिन फॉर्माकोल 2020; 36: 350-8.

चौधरी एएच, शर्मा ए, उप्पल आर. अत्यधिक बीमार रोगियों के गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में एंड-ऑफ-लाइफ (ईओएल) देखभाल की देरी से शुरुआत के प्रभाव। इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2020; 24 (6): 404- 8.

पुस्तकों में अध्याय

टंडन एमएस, गोस्वामी ए, वर्मा वी। स्कोलियोसिस के रोगियों का प्रबंधन। प्रभाकर एच (संपा.) में। न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर में समस्या आधारित सीखने की चर्चा। पहला संस्करण; स्प्रिंगर आईएनके. 2020: p 291-232.

टंडन एमएस, किरो केएल, गुप्ता पी, सिंह डी। जेहोवाह गवाही में आधान अभ्यास। प्रभाकर एच (संपा.) में। ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंस, पहला संस्करण; स्प्रिंगर इंक (प्रेस में)।

संपादकों/ संपादक मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत शिक्षकों की संख्या-

डॉ. प्रगति गंजू: मूल लेखों के लिए अनुभाग संपादक, जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर; सहकर्मी समीक्षक: जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, न्यूरोलॉजी इंडिया, जर्नल ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फॉर्माकोलॉजी।

डॉ. विष्णु दत्त: "एनल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थीसिया" के संपादकीय मंडल में; इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया के संपादकीय मंडल के सदस्य।

डॉ. मोनिका एस टंडन: जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर में समीक्षा लेखों के लिए अनुभाग संपादक; ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंस के सह-संपादक। पहला संस्करण। स्प्रिंगर इंक (प्रेस में)।

डॉ. संजुला विरमानी: एनल्स ऑफ कार्डियक एनेस्थीसिया के संपादकीय मंडल में।

डॉ. अनिर्बान होम चौधरी: जर्नल ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फॉर्माकोलॉजी के संपादक मंडल के सदस्य; सहकर्मी समीक्षक: इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया।

डॉ. रचना वाधवा: सह संपादक , इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया; इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया के संपादकीय बोर्ड की सदस्य।

संगोष्ठियों का आयोजन

डॉ. ए एच चौधरी

9 अक्टूबर 2020 को प्रोकेल्सीटोनिन- स्थिति अद्यतन (वेबिनार)।

29 मई 2020 को अनुसंधान पद्धति कार्यशाला (वेबिनार)।

15 मार्च 2021 को कोविड माहामारी के बाद - क्रिटिकल अपडेट (वेबिनार)।

27 मार्च 2021 को निदान और प्रबंधन में कोविड रुझान (वेबिनार)।

आयोजित सम्मेलन

9 जनवरी 2021 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर मिलेनियम (मिनी एकार्डियन 2021) में क्रिटिकल केयर एडवांस पर 7वाँ वार्षिक सम्मेलन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. विष्णु दत्त

मेदांता द मेडिसिटी, गुरुग्राम में 2 दिसंबर - 4 दिसंबर, 2020 के दौरान 9 वें पेरीऑपरेटिव इको वेबिनार में सत्र के अध्यक्ष;

2 अक्टूबर 2020 को वार्षिक आईएसएसीओएन दिल्ली शाखा में कार्डियक एनेस्थीसिया पर एक सत्र की अध्यक्षता की;

17 अक्टूबर, 2020 को, एससीए दिल्ली एनसीआर वार्षिक बैठक की अध्यक्षता और संचालन: एक जूम वेबिनार। टीआईवीए इन कोविड - भाग 3;

एस्कुलैप एकेडमी एशिया पैसिफिक, बैक्सटर एनेस्थीसिया टीम द्वारा 23-01-21 को आयोजित प्राइमिंग हार्ट-लंग मशीन में बैलेंस्ड क्रिस्टलॉयड्स सॉल्यूशन:फॉयदे और सीमाएं पर वेबिनार में भाग लिया।

27-11-2020 को नए वाष्पशील एनेस्थेटिक एजेंटों का उपयोग करके मायोकार्डियल प्रोटेक्शन पर पिटस्टॉप वेबिनार, 24-10-2020 को कार्डियक एनेस्थीसिया में हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग - वर्तमान और भविष्य, 16-10-20 को मैकेनिकल सर्कुलेटरी सपोर्ट 2020, 26-09-20 को टीआईवीए इन कार्डियक प्रैक्टिस कोर्स' पर पोस्टग्रेजुएट असेंबली' में भाग लिया।

डॉ. पी गंजू

24-26 जनवरी 2021 को आईएसएनएसीसी (2021) के 22वें वार्षिक आभासी सम्मेलन में "एनेस्थेटिक्स न्यूरोप्रोटेक्टिव बनाम न्यूरोटॉक्सिक" पर प्रो-कॉन बहस के अध्यक्ष;

27 - 29 नवंबर 2020 को मेदांता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम द्वारा आयोजित सोसाइटी ऑफ न्यूरोक्रिटिकल केयर (एसएनसीसी-इंडिया) - वर्चुअल के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में "पीडियाट्रिक क्रानियोफेरीन्जिओमा में एसिड बेस और इलेक्ट्रोलाइट्स गड़बड़ी" पर चर्चा के लिए पैनलिस्ट;

आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम द्वारा 2-4 अक्टूबर 2020 को आयोजित न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई) और वार्षिक क्रिटिकल केयर अपडेट (एएनसीयू-2020) के पहले वार्षिक सम्मेलन वर्चुअल में 'स्ट्रोक के प्रबंधन में ग्रे क्षेत्रों को संबोधित करना' पर सत्र के लिए सत्र मॉडरेटर,

एनेस्थीसिया विभाग, एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल द्वारा 11.2.2021 को आयोजित एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री-एग्जामिनेशन कोर्स (एपेक 21) में "इंट्राक्रेनियल एसओएल के लिए टीबीआई और एनेस्थीसिया" पर सत्र के अध्यक्ष।

डॉ. मोनिका एस टंडन

24.01.21 -26.01.21 तक आईएसएनएसीसी द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के 22वें वार्षिक सम्मेलन में दो (2) सत्रों की अध्यक्षता की; 27.11.21 से 29.11.21 तक आयोजित एसएनसीसी के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष। सत्र का विषय- "स्ट्रोक-इस्केमिक और रक्तसावी"।

डॉ. संजुला विरमानी

अध्यक्ष: हेमोस्टेसिस और कार्डियक सर्जरी। आमंत्रित संकाय और 'एलवी फंक्शन की 3डी इको परीक्षा' विषय के लिए सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. अनिर्बान होम चौधरी

निम्नलिखित पर वार्ता की

26-28 फरवरी, 2021 को इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के 27वें वार्षिक सम्मेलन में "अनुसंधान में सांख्यिकीय विधियाँ";

असेंबली में "आईसीयू में सही एंटीबायोटिक कैसे चुनें?" 6 मार्च, 2021 को आरएमएल अस्पताल, लखनऊ में आईएसए पीजी;

18-20 मार्च, 2021 को बरेली में आईएससीसीएम के यूपी/यूके चैप्टर के 10वें वार्षिक सम्मेलन में "जीवाणुरोधी का भविष्य" और "क्या हम पहले क्रिटिकल केयर में एकेआई का निदान करने में सक्षम थे?";

11-15 मार्च, 2021 को मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम में आईएससीसीएम गुरुग्राम के क्रिटिकल केयर मेडिसिन के 9वें वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "त्वचा और कोमल ऊतक विनाश";

8 और 9 नवंबर, 2020 को आईएससीसीएम द्वारा आयोजित ई-क्रिटिकेयर में "आईसीयू में जीवन समर्थन को रोकने की नैतिकता और वैधता";

17-19 अक्टूबर, 2020 को बांग्लादेश सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्रिटिकल केयर सम्मेलन में "एआरडीएस में दुर्दम्य हाइपोक्सिमिया"।

डॉ. किरण लता किरो

27 नवंबर से 29 नवंबर, 2020 तक मेदांता, गुरुग्राम द्वारा आयोजित सोसाइटी ऑफ न्यूरोक्रिटिकल केयर (एसएनसीसी-इंडिया) - "वर्चुअल" के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में संकाय।

पीडियाट्रिक क्रानियोफेरीन्जिओमा में एसिड बेस और इलेक्ट्रोलाइट गड़बड़ी पर चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया;

24 से 26 जनवरी 2021 तक आईएसएनएसीसी कार्यालय द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2021) 'वर्चुअल' के 22वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय। एनेस्थीसिया विभाग, एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल द्वारा 6 से 14 फरवरी 2021 तक आयोजित एपेक 2021 में संकाय (एनेस्थीसिया पोस्टग्रेजुएट प्री-एग्जामिनेशन कोर्स) सत्र की अध्यक्षता की। इंटरक्रैनियल एसओएल (सुपरटेंटोरियल/पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर) में एनेस्थेटिक चिंताओं पर व्याख्यान दिया;

24 से 26 जनवरी 2021 तक आईएसएनएसीसी कार्यालय द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2021) "वर्चुअल" के 22वें वार्षिक सम्मेलन में "बच्चों में इंटरक्रैनील एन्यूरिज्म के न्यूरो-एनेस्थेटिक विचार: एक संस्थागत अनुभव" पर शोध प्रस्तुत किया।

दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनएसीओएन 2021) वर्चुअल के 23वें वार्षिक सम्मेलन में 5 से 7 फरवरी 2021 तक आयोजित "ट्राइजेमिनल न्यूरोलजिया के रोगी में पेरिऑपरेटिव कार्डियक अरेस्ट का एक असामान्य कारण" पर शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रियंका खुराना

27-29 नवंबर 2020 को न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसायटी (एसएनसीसी) के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में रीढ़ की हड्डी के आघात का न्यूरोक्रिटिकल केयर मैनेजमेंट - वर्चुअल पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड द्वारा 11.11.20 को आयोजित 'न्यूरोमॉनिटरिंग इन एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर' पर एक वेब सेमिनार दिया गया; 24 से 26 जनवरी 2021 तक आयोजित आईएसएनएसीसी कार्यालय द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2021) के 22वें वार्षिक सम्मेलन 'वर्चुअल' में संकाय। बुजुर्गों में एनेस्थीसिया और संज्ञानात्मक परिणाम पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

3.10.2020 को दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की मासिक नैदानिक बैठक में "एडेनोसिन प्रेरित कार्डियक स्टैंडस्टिल फॉर फैसिलिटेटिंग जाइंट एन्यूरिज्मल क्लिपिंग: ए केस रिपोर्ट" पर शोध प्रस्तुत किया।

24 से 26 जनवरी तक आयोजित आईएसएनएसीसी 2021 में "एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में न्यूरोसर्जिकल प्रैक्टिस में स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों के बीच कोविड- 19 संक्रमण के प्रसार का अध्ययन करने के लिए एक पूर्वव्यापी विश्लेषण" पर शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रचना वाधवा

एनेस्थीसिया विभाग, एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 06-02-2021 को आयोजित एपेक- एनेस्थीसिया पोस्ट-ग्रेजुएट प्री-एग्जामिनेशन कोर्स -21 में तापमान निगरानी के लिए तापमान विनियमन और अनुप्रयुक्त भौतिकी पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 02-10-2020 को आयोजित आईएसएसीओएन 2020 में एक संकाय के रूप में नोरा- इष्टतम परिणामों के लिए जोखिम लाभ विश्लेषण पर व्याख्यान दिया;

क्रिटिकेयर फरवरी 2021 में एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया;

वेबिनारों में भाग लिया- एनेस्थीसिया के दौरान महत्वपूर्ण घटनाएँ और करीबी व्रुटियाँ, एनआईवी की अनिवार्यता: 13-12-2020 को ऑनलाइन कोर्स, इंटरवेनस फ्लूड थेरेपी कॉन्क्लेव, सिमुलेशन लैब- सुपान का उपयोग करके रिकवरी पैरामीटर, 9वाँ पेरी-ऑपरेटिव ईसीएचओ वेबिनार, नए वोलेटाइल एनेस्थेटिक एजेंट का उपयोग करके मायोकार्डियल प्रोटेक्शन, कार्डियक एनेस्थीसिया में हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग- एकटा मुंबई द्वारा आयोजित वर्तमान और भविष्य, कार्डियक प्रैक्टिस में टीआईवीए पर स्नातकोत्तर असेंबली- सीएबीजी के लिए टीआईवीए, इंटरनेशनल पीयर रिव्यू वर्कशॉप, एलवीएडी- बेसिक्स टू एडवांस-एकटा मुंबई द्वारा आयोजित, आईएसीटीए टीईई वेबिनार; कोविड प्रबंधन, कोविड में वेंटिलेशन रणनीतियों पर विभिन्न सेमिनारों और अपडेट में भाग लिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. पी गंजू, डॉ. एमएस टंडन

न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी, एम्स दिल्ली में पीएच.डी. थीसिस के लिए डॉक्टर कमेटी के सदस्य, उम्मीदवार: डॉ. इंदु कपूर। शीर्षक: वृद्धावस्था के रोगियों में सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी के लिए ओपिओइड स्पैरिंग एनेस्थीसिया तकनीक [ओपीआईटीईई]: एक यादृच्छिक ओपन लेबल अध्ययन।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

डॉ. प्रगति गंजू (समुदाय की सेवा)

'मुस्कान पेरेंट एसोसिएशन फॉर द केयर एंड एम्पावरमेंट ऑफ इंडिविजुअल्स विद इंटेलिजुअल डिसएबिलिटी', नई दिल्ली में: कार्यकारी समिति की सदस्य; प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र के लिए चिकित्सा सलाहकार, वसंत कुंज और आवासीय इकाई, डेरा गांव, दिल्ली

दिल्ली में कश्मीरी पंडित समुदाय के प्रवासियों के कल्याण में योगदान के लिए कश्मीरी समिति दिल्ली द्वारा 'गौरव सम्मान' पुरस्कार प्राप्त किया।

संकाय की संख्या

स्थायी : 12

संविदा : 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारीयाँ:

डॉ. विष्णु दत्त

28 और 29 नवंबर 2020 को/से मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिटिकल केयर एंड एनेस्थीसिया, गुड़गांव में आयोजित कार्डियक एनेस्थीसिया की विशेषता में फेलोशिप एग्जिट परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त किया गया।

डॉ. पी. गंजू

नवंबर 2020 में एम्स, नई दिल्ली के डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी उम्मीदवार की थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक।

डॉ. एम. एस. टंडन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 08.06.2020 को आयोजित डीएम न्यूरोएनेस्थीसिया परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

डॉ. पी. गंजू और डॉ. एम. एस. टंडन

परीक्षकों के पैनल पर तकनीकी विशेषज्ञ: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में डीएम न्यूरोएनेस्थीसिया; संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ, यूपी में पीडीसीसी न्यूरोएनेस्थीसिया; पीडीसीसी न्यूरोएनेस्थीसिया, किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ यूपी; आईएसएनएसीसी पीडीएफ न्यूरोएनेस्थीसिया।

चयन समिति के तकनीकी सलाहकार: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में न्यूरो-एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के लिए संकाय चयन।

जैव-रसायन (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान समय में विभिन्न संकाय सदस्यों के अंतर्गत पीएच.डी. के लिए 08 विद्यार्थी पंजीकृत हैं, 01 पोस्ट डॉ.क्टर रिसर्च एसोसिएट और 01 एमडी विद्यार्थी हैं। कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध शोध प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उनमें से कई विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ/तकनीकी/समीक्षक समितियों में प्रतिष्ठित पदों पर भी हैं। वर्तमान में जैव रसायन विभाग में तीन शोध परियोजनाएं चल रही हैं। संकाय सदस्यों ने कई शोध लेख व्यक्तिगत रूप से और साथ ही अन्य विभागों के सहयोग से, उच्च प्रभाव कारक के सहकर्मी समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. एस.बी. शर्मा को जनवरी 2021 से जनवरी 2023 तक डीसी-आईएसएआर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

डॉ. मोहित मेहंदीरत्ता ने क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री, 2020 के 9वें वार्षिक सीएमई और सर गंगा राम अस्पताल और एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया- दिल्ली चैप्टर द्वारा 9 दिसंबर, 2020 को

विषय- मरीजों और स्वस्थ आबादी में हृदय जोखिम स्तरीकरण, प्रयोगशाला चिकित्सा की भूमिका पर आयोजित मेरिट का प्रमाण शोध प्राप्त किया।

प्रकाशन

अग्रवाल आर, शर्मा के, मेहंदीरत्ता, एम., मोहता, एम., श्रीवास्तव, एच. और एंथोनियो, ए. ई। (2020). गर्भावस्था से जुड़े सेप्सिस में परिणाम के लिए 48 घंटे में रिपीट प्रोकेल्सीटोनिन अनुमान की भूमिका: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी साइंस, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, 64(1), 27-33.

अग्रवाल आर, गोयल पी, मोहता एम, और कर आर (2021). सीक्वेंशियल ऑर्गन फेल्योर असेसमेंट (एसओएफए) और सेप्सिस इन ऑब्स्टेट्रिक्स स्कोर (एसओएस) इन प्रेग्नेंसी-एसोसिएटेड सेप्सिस विद क्रिटिकल केयर एडमिशन एंड मॉर्टलिटी के संबंध में तुलना: एक संभावित ऑब्जर्वेशनल स्टडी।, द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 71(1), 45-51.

एशिया पी, शर्मा ए, अहिरवार ए के, गर्ग एस, जॉन जे ई, और गोपाल नं (2021). किशोर आबादी में मिर्गी के प्रारंभिक बायोमार्कर के रूप में इस्किमिया संशोधित एल्ब्यूमिन का अध्ययन: एक पार-अनुभागीय अध्ययन। हार्मोन मालिक्जूलर बायोलॉजी एंड क्लिनिकल इन्वेस्टीगेशन। doi: 10.1515.

चक्रवर्ती पी, जयचंद्रन एस, पडलकर पी, सीतलहौ एल, चक्रवर्ती, एस, कर आर, भौमिक एस, और श्रीवास्तव एम (2020). वाहनों से होने वाले उत्सर्जन से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ 2) के संपर्क में आने से भारत में कोविड-19 महामारी की घातकता बढ़ सकती है: एक परिप्रेक्ष्य। बुलेटिन ऑफ एनवायरनमेंटल कंटेमिनेशन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 105(2), 198-204.

धुल आरएस, जैन आर, दीप्ति बी, चेओंग एच आई, साहा ए, मेहंदीरत्ता एम, और बसु एस (2020). विटामिन डी पर निर्भर रिफेक्ट्स (वीडीडीआर) टाइप 1: सीवाईपी27बी1 म्यूटेशन और साहित्य की समीक्षा के साथ दो भाई-बहनों की केस सीरीज़। ब्राजीलियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, 42, 494-497.

गर्ग, पी.के., चिशी, एन., कुमार, आर., लता, टी.के., राय, एस., बनर्जी, बी.डी., और गुप्ता, एस. (2021). सौम्य और घातक स्तन रोग में ऑर्गनोक्लोरिन कीटनाशक उतक स्तर: एक तुलनात्मक खोजपूर्ण अध्ययन। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल पैथोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी एंड ऑन्कोलॉजी, 40(1), 43-50.

घनशेला, आर., बनर्जी, बी.डी., सिद्धार्थ, एम., और गुप्ता, एस. (2020). उत्तर-भारतीय आबादी में डीएनए रिपेयर जीन पॉलीमॉर्फिज्म (एक्सपीए और एक्सपीजी) और यूरेनरी ब्लाडर कैंसर का खतरा। मेटा जीन, 24, 1-7.

गुप्ता, पी., अग्रवाल, आर., भास्करन, एस., गर्ग, एस., मेहंदीरत्ता, एम., राधाकृष्णन, जी., और नारंग, डी. (2020). प्री-एक्लेमप्सिया में मातृ प्लाज्मा प्लेटलेट सक्रिय करने वाले कारक एसिटाइलहाइड्रोसएक्टिविटी और एमआरएनए अभिव्यक्ति का मूल्यांकन: एक केस कंट्रोल स्टडी। जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 1-7.

जैन, ए., अग्रवाल, आर., गुप्ता, एन., मेहंदीरत्ता, एम., गोगोई, पी., बत्रा, पी., और अग्रवाल, आर. (2020). भ्रूण का कम मूत्र उत्पादन दर-झिल्ली के समय से पहले टूटने के मामलों में भ्रूण की सूजन प्रतिक्रिया सिंड्रोम का एक प्रारंभिक मार्कर: एक संभावित समूह अध्ययन। ऑथरिया प्रीप्रिंट्स।

खुराना, एन., शर्मा, पी., भगत, एस., शर्मा, एस., बी. (2021). "एक नया स्यूसिनैमिक एसिड डेरिवेटिव (α -एचएसए) के सेवन के बाद प्रायोगिक मधुमेह चूहों में एंटीडायबिटिक और एंटीऑक्सिडेंट स्थिति का मॉड्यूलेशन"। इंटरनेशनल जेआर, डायबिटीज, 2(1), 68-75.

कुमार, के., कुमारी, पी., अवस्थी, आर., अहमद, आर.एस., जैद, एम., और कुमार, आर. (2020). हाइपरग्लाइसेमिया के साथ तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम के रोगियों में ग्लाइसेमिक भिन्नता और ऑक्सीडेटिव तनाव के

साथ इसका संबंध: एक पायलट अध्ययन। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन (ई-आईएसएसएन: 2349-7181 और पी-आईएसएसएन: 2394-7047), 7(3), 16-19.

कुमार, आर., देशमुख, पी.एस., शर्मा, एस., और बनर्जी, बी.डी. (2021). विस्तार चूहे के हिप्पोकैम्पस में एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन पर मोबाइल फोन सिग्नल विकिरण का प्रभाव। एन्वायरमेंटल रिसर्च, 192, 110297.

मेहंदीरत्ता, एम., एंथोनियो ए.ई., राव., आर., कर, आर., गर्ग, एस., गुप्ता, बी., सुनेजा, ए., पुरी, डी., (2020). पूर्व-विश्लेषणात्मक भंडारण तापमान टेलोमेयर की लंबाई और एचटीईआर का एमआरएनए अभिव्यक्ति को प्रभावित करता है। आरयूएचएस जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज, 5(4):186-190

मेहंदीरत्ता एम, पाशा ईएम, चंद्र एन, एंथोनियो ए, ई। (2021). पूर्व-विश्लेषणात्मक चरण में त्रुटियों के मूल्यांकन के लिए गुणवत्ता संकेतक। जे लैब फिजिशियन (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

राय, एस., गर्ग, पी.के., भट्ट, एस., लता, टी.के., वर्मा, ए.के., बनर्जी, बी.डी., और सिंह, एम.पी. (2020). नॉनस्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों में माइक्रोआरएनए 21 की नैदानिक भूमिका: एक खोजपूर्ण अध्ययन। लंग इंडिया:ऑफिशियल आर्गन ऑफ इंडियन चेस्ट सोसायटी, 37(6), 501.

राठौर, ए., शर्मा, आर., कर, आर., टंडन, ए., सुनेजा, ए., और गुलेरिया, के. (2021).. प्रिमिग्रेविडा के बीच लंबी गर्भावस्था के साथ सफल प्रेरण की भविष्यवाणी के लिए सरवाइकल फॉस्फोराइलेटेड इंसुलिन की तरह ग्रोथ फैक्टर-बाइंडिंग प्रोटीन 1 (पीएचएलजीएफबीपी1) की भूमिका। द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 71(1), 38-44.

शाह, एच. के., शर्मा, टी., और बनर्जी, बी. डी. (2020). ऑर्गनोक्लोरिन कीटनाशक मानव उपकला अंडाशय कोशिकाओं में सूजन, आरओएस उत्पादन और डीएनए क्षति को प्रेरित करते हैं: एक इन विट्रो अध्ययन में। केमोस्फीयर, 246, 125691. 2.

स्माइली, सी., शाह, डी., बत्रा, पी., अहमद, आर.एस., और गुप्ता, पी. (2020). गंभीर तीव्र कुपोषण में हाइपोकैल्सीमिया की व्यापकता और भविष्यवक्ता। पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन, 23(17), 3181-3186.

त्यागी, एस., सिद्धार्थ, एम., मिश्रा, बी.के., बनर्जी, बी.डी., उर्फ़ी, ए.जे., और मधु, एस.वी. (2021). टाइप 2 मधुमेह के जोखिम कारक के रूप में पीने के पानी में ऑर्गनोक्लोरिन कीटनाशकों का उच्च स्तर: उत्तर भारत में एक अध्ययन। एन्वायरमेंटल पॉल्यूशन, 271, 116287.

जर्नल

संपादक/संपादक मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या: 1.

डॉ. सीमा गर्ग

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ. सीमा गर्ग

स्व-वित्तपोषित: रक्त शर्करा के स्तर के आकलन के लिए रोगियों की परीक्षण-पूर्व तैयारी को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन - 2020-21 तक

स्व-वित्त पोषित: कोविड-19 संचरण: एक सकारात्मक परिप्रेक्ष्य 2020-21 (पूर्ण)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. मोहित मेहंदीरत्ता मेडिकल एजुकेशन यूनिट, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली द्वारा 23 से 25 मार्च 2021 तक आयोजित "मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज में संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप" में संसाधन संकाय रहे।

एल्जेवियर द्वारा 20 अगस्त 2020 को आयोजित "सीबीएमई के कार्यान्वयन: अवधारणाओं, चिंताओं और चुनौतियों" पर वेबिनार में मुख्य वक्ता

संकाय की संख्या: 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. सीमा गर्ग को कॉपीराइट प्राप्त हुआ - गोपाल एन, अमले डी, गर्ग एस. क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री में मेडिकल छात्रों के मूल्यांकन के लिए ओएसएलईआर मॉडल के लिए कॉपीराइट, कॉपीराइट सं. एल-92593/2020
तारीख: 06/07/2020

जैव-रसायन (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग एमबीबीएस, बीडीएस और बीएससी नर्सिंग के छात्रों के साथ-साथ स्नातकोत्तर एमडी बायोकेमिस्ट्री छात्रों के लिए शिक्षण-अधिगम गतिविधियों के संचालन में शामिल है। विभाग में सक्षम और योग्य संकाय, वरिष्ठ और कनिष्ठ आवासी और अन्य सहायक कर्मचारी हैं। यह 24 घंटे क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री लैब चलाता है, जहां स्वचालित क्लिनिकल केमिस्ट्री एनालाइजर का उपयोग करके विभिन्न नियमित और आपातकालीन जैव रसायन परीक्षण किए जाते हैं। इसके अलावा, हार्मोन विश्लेषण, ट्यूमर मार्कर, विटामिन स्तर (विट डी, विट बी 12, फोलेट) जैसे विशेष परीक्षण और इलेक्ट्रोकेमिलुमिनेसेंस आधारित विश्लेषक का उपयोग करके आयरन प्रोफाइल अध्ययन भी किए जाते हैं। विभाग इम्यूनोटाइपिंग, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टेस्ट (बीसीआर-एबीएल म्यूटेशन, जेएके-2 म्यूटेशन डिटेक्शन आदि), पोर्फिरीन एसेज़ और स्टोन एनालिसिस टेस्ट के साथ-साथ केशिका वैद्युतकणसंचलन तकनीक का उपयोग करके सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन भी कर रहा है।

विभाग स्वास्थ्य और रोगों के मधुमेह, एथेरोस्क्लेरोसिस, स्तन कैंसर, डिम्बग्रंथि के कैंसर और सेल संस्कृति प्रयोगों, जैसे विभिन्न पहलुओं, पशु और मानव अध्ययन का उपयोग कर स्वास्थ्य पर कीटनाशकों के प्रभाव पर अनुसंधान में भी शामिल है। कोविड-19 महामारी के दौरान, इसने सार्स-कोव-2 संक्रमण के संचरण के तरीके और रोगजनन पर शोध को आगे बढ़ाया।

प्रकाशन

दास, एस., और कोनेर, बी. (2020). कोविड-19 रोगियों के नमूनों को संसाधित करते समय पूर्व-विश्लेषणात्मक, विश्लेषणात्मक और विश्लेषण पश्चात विचार: भारत में एक नैदानिक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला से परिप्रेक्ष्य। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 11(5), 112-115. <https://doi.org/10.3126/ajms.v11i5.29296>

बैस, एल., सैनी, आर., हदके, एन., कोनेर, बी., सिंह, आर., और लाल, पी. (2020). एंडोस्कोपिक और लिचेंस्टीन हर्निया मरम्मत में ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रिया का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एब्डॉमिनल वाल एंड हर्निया सर्जरी, 3(4), 148.

वशिष्ठ, पी., गुप्ता, ए.के., आर्य, एम., कुमार सिंह, वी., दुबे, ए., और चंद्र कोनेर, बी. (2020). गंभीर कोविड-19 के मामले में बाइकलोनल गमोपथी। क्लिनिका चिमिका एक्टा; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री, 511, 342-345.

श्रेष्ठ एस, सिंह वीके, सरकार एसके, शनमुगसुंदरम बी, जीवनरत्नम के, कोनेर बीसी (2020) ग्लूकोज अपटेक पर मैलाथियान के उप-विषाक्त जोखिम का प्रभाव और एल 6 मायोबलास्ट व्युत्पन्न मायोट्यूब में इंसुलिन सिग्नलिंग। ड्रग केम टॉक्सिकॉल, 43(6):663-670.

कुमार ए, प्रसून पी, कुमारी सी, पारीक वी, फैक एमए, नारायण आरके, कुलंधसामी एम, कांत के (2021). कोविड-19 में सार्स-कोव-2-विशिष्ट विषाणु कारक। जे मेड विरोल 93(3):1343-1350. doi: 10.1002/jmv.26615. ईपब नवंबर 2020 1. पीएमआईडी: 33085084.

कुमार ए, नारायण आरके, कुमारी सी, फैक एमए, कुलंधसामी एम, कांत के, पारीक वी (2020). सार्स-कोव-2 सेल एंट्री रिसेप्टर एसीई2 मध्यस्थता एंडोथेलियल डिसफंक्शन से कोविड-19 रोगियों में संवहनी घनास्त्रता होती है। मेड हिपोथिसिस। 145:110320. doi: 10.1016/j.mehy.2020.110320. ईपब 2020 Sep 30. पीएमआईडी: 33032170; पीएमसीआईडी: PMC7525265.

कुमार ए, प्रसून पी, शेखावत पीएस, पारीक वी, फैक एमए, कुमारी सी, नारायण आरके, कुलंधसामी एम, कांत के (2020). कोविड-19 का पैथोजेनेसिस निर्देशित चिकित्सीय प्रबंधन: एक प्रतिरक्षाविज्ञानी परिप्रेक्ष्य। इंट रेव इम्यूनोल। 1-18. doi:10.1080/08830185.2020.1840566. मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी:33111578.

कुमार ए, फैक एमए, पारीक वी, रजा के, नारायण आरके, प्रसून पी, कुमार पी, कुलंधसामी एम, कुमारी सी, कांत के, सिंह एचएन, कादरी आर, पांडे एसएन, कुमार एस (2020). जठरांत्र संबंधी ऊतकों में पाचन लक्षणों के रोगजनन, मधुमेह से संबंधित मृत्यु दर और कोविड-19 रोगियों में रोग पुनरावृत्ति के साथ सार्स-कोव-2 संबंधित कारकों एसीई2 और टीएमपीआरएसएस2 अभिव्यक्तियों की प्रासंगिकता। मेड हिपोथिसिस। 144:110271. doi: 10.1016/j.mehy.2020.110271. ईपब 2020 सित. 13. पीएमआईडी: 33254575; पीएमसीआईडी: PMC7487155.

सेन पी, मकवाना एन, गोस्वामी बी (2020). कोविड-19: इम्यूनोलॉजी की सिम्फनी या कैकोफनी। इंडियन जे मेड बायोकेम 24 (2):66-75.

अग्रवाल एच, सिंह एस, गुप्ता एन, गोस्वामी बी (2020). सोशल डिस्टेंसिंग और कोविड-19: पत्राचार। इंडियन जे मेड बायोकेम 24 (2):87-88.

गुलिया आर, गोस्वामी बी (2020). इम्यूनोइनहिबिशन पद्धति का उपयोग करके क्रिएटिन किनसे-एमबी मापन। हस्तक्षेप कितना है? पैनसिया जे मेड साइंस 10(2):114-119.

गुप्ता बी, अग्रवाल एच, गुप्ता एन, गोस्वामी बी (2020). कोविड-19 और भूतल संचरण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री। 24(2).

गुप्ता एन, गोस्वामी बी (2020). संपादक को शोध: आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे, हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और कोविड-19। इंडियन जे सर्ज. 82, 293-294 .

रे पीए स, गोस्वामी बी (2020). कोविड-19 और हाइपरइन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम। इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री, op.niscair.res.in

पुरी एम, जैन ए, गोस्वामी बी, गर्ग एम (2021). पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में पेरॉक्सिसोम प्रोलिफरेटर सक्रिय रिसेप्टर- γ के सीरम स्तर के साथ कार्डियोमेटाबोलिक इंडेक्स और इंसुलिन प्रतिरोध का संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री 24(2):50-54.

सेन पी, खुराना वी, पात्रा एस, गोस्वामी बी, गुप्ता एन (2021). भारत में तालाबंदी के दौरान छात्रों की मानसिक भलाई पर सोशल मीडिया के उपयोग और कोविड-19 महामारी समाचार अपडेट के प्रभाव का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च।

दुबे ए, वंसल ए, सोनकर एससी, गोस्वामी बी, मकवाने एन, मनचंदा वी, कोनेर बीसी (2020). एक कोविड समर्पित अस्पताल की नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला में सार्स-एनकोव-2 के विरुद्ध प्रयोगशाला सुरक्षा में इन-हाउस असेंबल किए गए सुरक्षात्मक उपकरण। प्रीप्रिंटमेडआरxiv .ID: ppmedrxiv-20155713.

आर रानी, टी गुरसाहनी, बी गोस्वामी (2020). शैक्षणिक और प्रशासनिक परिवेश से चिकित्सा प्रवेशकों की अपेक्षाएँ-एक प्रश्नावली आधारित अध्ययन। आईजेएसआर 9(5): 9-11.

कुमार एस, जैन ए, गोस्वामी बी, सिंह ए (2020). पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाले मरीजों में फॉलिकल-स्टिम्युलेटिंग हॉर्मोन रिसेप्टर जीन (एसईआर680एएसएन) पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका। इंट. जे. कर. रेस. रेव. 12(15):61-65.

खुराना वी, जमातिया ई, रानी आर, गोस्वामी बी (2020). एक 2 महीने के शिशु में उच्च क्रिएटिन काइनेज-मांसपेशी मस्तिष्क का स्तर बहुत अधिक कुल क्रिएटिन काइनेज स्तर। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज 13(3):250-53.

जुत्शी डीवी, गुप्ता एमडी, गिरीश एमपी, वंसल ए, बत्रा वी, सैजपॉल आर, महाजन बी, त्यागी एस, यूसुफ जे, मुखोपाध्याय एस (2020). युवा भारतीय मौखिक तंबाकू उपयोगकर्ताओं में हृदय संबंधी जोखिम के प्रणालीगत सूजन और थ्रोम्बोटिक मार्करों का मूल्यांकन। इंडियन हार्ट जे. 72(5):389-393. doi: 10.1016/j.ihj.2020.08.005. ईपब 11अगस्त 2020. पीएमआईडी: 33189199

बिस्वास बी.के., गुरु एसए, सुमी एमपी, जमातिया ई, गुप्ता आरके, लाली पी, कोनेर बीसी, सक्सेना ए, मीर आर (2020). इन विट्रो में विभिन्न ट्यूमर कोशिकाओं के विरुद्ध प्राकृतिक खूनी कोशिकाओं का विस्तार और वर्धित सक्रिय एंटीट्यूमर गतिविधि प्रदर्शन। एशियन पेस जे कैंसर प्रिव 21(6):1595-1605.

महापात्र एच, कुमार ए, कुलश्रेष्ठ बी, चिरकारा ए (2020). प्रारंभिक मधुमेह अपवृक्कता में एंडोथेलियल फंक्शन पर विटामिन डी का प्रभाव, नेफ्रोलॉजी डायलिसिस ट्रांसप्लान्टेशन, 35(S3).

जर्नल

डॉ. बिनीता गोस्वामी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री के एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्यरत हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएँ:

एमआरयू ने 2.5 लाख रुपये की परियोजना को वित्त पोषित किया, जिसका शीर्षक था " थायरॉइड सेल लाइन में थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन और रेट एल 6 मायोबलास्ट व्युत्पन्न मायोट्यूब में थायरॉइड हार्मोन के कार्य पर बिस्फेनॉल ए और इसके एनालॉग प्लास्टिसाइजर के संपर्क में आने का प्रभाव।" डॉ. बी.सी. कोनेर

एमआरयू परियोजना का शीर्षक "कोविड -19 रोगियों के सीरो-प्रचलन के लिए सार्स कोव -2 के कई प्रोटीनों के विरुद्ध आईजीजी और आईजीएम एंटीबॉडी का पता लगाने वाली एक रैपिड किट का मूल्यांकन" डॉ. बी.सी. कोनेर

एमआरयू परियोजना का शीर्षक "एक या कई सार्स कोव -2 एंटीजन के साथ लेपित रैपिड एंटीजन किट द्वारा लार, सीरम, मूत्र, नासोफेरीजल और मल जैसे विभिन्न जैविक नमूनों से कोविड-19 एंटीजन का पता लगाना।" डॉ. बी.सी. कोनेर

एमआरयू परियोजना का शीर्षक "कोविड -19 पैदा करने वाले वायरस के संभावित वायु जनित संचरण की खोज"। डॉ. बी.सी. कोनेर

एमआरयू परियोजना का शीर्षक "एक कोविड समर्पित अस्पताल की नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला में सार्स-एनकोव- 2 के विरुद्ध प्रयोगशाला सुरक्षा में इन-हाउस असेंबल सुरक्षात्मक उपकरण" डॉ. बी.सी. कोनेर

जीएनसीटी द्वारा वित्त पोषित 3 लाख रुपये की परियोजना, शीर्षक "एसोसिएशन ऑफ एनएडीएच डिहाइड्रोनेज सबयूनिट 1 (एनडी1) जीन पॉलीमॉर्फिज्म एंड सीरम लेप्टिन लेवल इन प्री-एक्लेमप्सिया पेशेंट्स"। डॉ. एल. चंद्रा

जीएनसीटी द्वारा वित्त पोषित 3 लाख रुपये की परियोजना, शीर्षक "सीरम लेप्टिन स्तर और टीआरएनए ल्यू (यूयूआर) जीन और एनडी1 जीन पॉलीमॉर्फिज्म इन जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस रोगियों का आकलन" है। डॉ. एल. चंद्रा

संबंधित सहवर्ती स्थितियों के साथ कोविड-19 रोगियों में भड़काऊ मध्यस्थों, एंटी ऑक्सीडेंट स्थिति और वायरल लोड का सहसंबंध: एक पायलट अध्ययन। डॉ. एस. कौशिक और डॉ. रजनी सैजपॉल।

एमआरयू ने 3 लाख रुपये की परियोजना को वित्त पोषित किया, शीर्षक "प्राथमिक बांझपन वाली महिलाओं में डिम्बग्रंथि रिजर्व के साथ कीटनाशक स्तर और उनके आनुवंशिक निर्धारकों का संबंध।" डॉ. बी. गोस्वामी क्रोनिक किडनी रोग वाले कोविड-19 रोगियों में पोषण और भड़काऊ बायोमार्कर के बीच संबंध। डॉ. एस. कौशिको

स्तन कैंसर में एपोप्टोसिस पर हाइड्रोएथेनॉलिक दालचीनी अर्क का एपोप्टोटिक प्रभाव। डॉ. बी. गोस्वामी कोविड-19 रोगियों में गैर-थायरायडल बीमारी की व्यापकता। डॉ. बी. गोस्वामी

नॉन स्माल सेल लंग कैंसर रोगियों में ईएमएल-4 एलके ट्रांसलोकेशन और ईजीएफआर म्यूटेशन पॉजिटिविटी परख के वितरण का मूल्यांकन और कण प्रदूषण के प्रभाव के साथ उनका सहसंबंध। डॉ. बी. गोस्वामी कोविड-19 के रोगियों में नैदानिक परिणाम के साथ रक्त समूह, सीरम जस्ता स्तर, सीरम एसीई2 स्तर और जीन बहुरूपता का संबंध। डॉ. अनुभूति

प्री-एक्लेमप्सिया के साथ गर्भवती भारतीय महिलाओं में वैस्कुलर एपिथेलियल डिसफंक्शन की आनुवंशिक संवेदनशीलता का मूल्यांकन। डॉ. अनुभूति

पूरे हो चुके शोध प्रबंधों का विवरण

क) एमडी थीसिस:

रेट एल6 मायोब्लास्ट व्युत्पन्न मायोट्यूब में इंसुलिन प्रतिरोध को प्रेरित करने में लिंडेन और आर्सेनिक एक्सपोजर के बीच प्रतिक्रिया का मूल्यांकन।

पर्यवेक्षक: डॉ. बी.सी. कोनेर, प्रतिभागी: डॉ. प्रीति

कोरोनरी धमनी रोग और मधुमेह मेलिटस में सीरम रेसिस्टिन स्तर और एमएमपी-9 जीन (1562 सी/टी) बहुरूपता का संबंध।

पर्यवेक्षक: डॉ. एल चंद्र प्रतिभागी: डॉ. संदीप तिवारी

फॉइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर 2 (FGFR2) जीन पॉलीमॉर्फिज्म (rs2981582) और स्तन कैंसर में उत्तरजीवी अभिव्यक्ति के बीच संबंध।

पर्यवेक्षक :डॉ. बी गोस्वामी प्रतिभागी: डॉ. लुसी

ओवेरियन कार्सिनोमा के डायग्नोस्टिक और प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर के रूप में ऑस्टियोपोन्ट और फोलेट रिसेप्टर अल्फा के सीरम स्तर का मूल्यांकन।

पर्यवेक्षक :डॉ. एस कौशिक प्रतिभागी: डॉ. कृति

ख) पीएच.डी. शोध प्रबंध:

"मधुमेह मेलिटस के रोगजनन पर कीटनाशकों की भूमिका"। पीएच.डी. डिफेंस वाइवा आयोजित किया गया।

पर्यवेक्षक: डॉ. बीसी कोनेर प्रतिभागी: श्री विजय कुमार सिंह

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अक्टूबर 2020 में आयोजित नेशनल पीजी अपडेट कम सीएमई एंबियन 2020 में आवासी डॉ. प्रीति द्वारा रेट एल6 मायोब्लास्ट व्युत्पन्न मायोट्यूब में इंसुलिन प्रतिरोध को प्रेरित करने में लिंडेन और आर्सेनिक एक्सपोजर के बीच प्रतिक्रिया का मूल्यांकन शीर्षक शोध प्रस्तुत किया गया।

अक्टूबर 2020 में आयोजित एन नेशनल पीजी अपडेट कम सीएमई एंबियन 2020 में आवासी डॉ. वत्सला द्वारा कोविड 19 के गंभीरता मूल्यांकन में 'आईएल6 और कैल्शियम के स्तर की भूमिका' शीर्षक से एक शोध मौखिक रूप से प्रस्तुत किया गया और सर्वश्रेष्ठ शोध का पुरस्कार जीता।

अक्टूबर 2020 में आयोजित एन नेशनल पीजी अपडेट कम सीएमई एंबियन 2020 में आवासी डॉ. शैलता प्रिंसी द्वारा 'एक्यूट इंटरमिटेंट पोरफॉइरिया-एक मायावी निदान' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया गया था।

संकाय की संख्या: 8

जैव रसायन (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

हम पूरी तरह से स्वचालित ऑटोएनलाइज़र का उपयोग कर नमूनों के विश्लेषण द्वारा इनडोर और आउटडोर रोगियों के लिए नैदानिक सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। 01.04.20 से 31.03.21 की अवधि के लिए कुल 50,000 से अधिक परीक्षण किए गए थे।

एमआरयू-आईसीएमआर परियोजना (प्रो. विश्वजीत रोहिल, परियोजना के पीआई): फेफड़े के कार्सिनोमेनेसिस के जीन एक्सप्रेसन प्रोफाइल में कैलेरिटिकुलिन ट्रांसएसेटाइलस के माध्यम से एलेगिक एसिड और इसके व्युत्पन्न की भूमिका को स्पष्ट करने के लिए अध्ययन में, साइक्लिन आश्रित काइनेज अवरोधक 1ए (p21Cip1) और माइक्रो आरएनए31 (mir31) के महत्वपूर्ण अपचयन को ईएपीए + वीए ट्रांसफ़ेक्ट समूह में ट्रांसफ़ेक्ट वीए समूह के ऊपर देखा गया है, जो संकेतक है कि ईएपीए ट्रांसफ़ेक्ट ए 549 सेल लाइन में वीए के प्रभाव को प्रबल करता है।

सम्मान/ विशिष्टताएँ

प्रो विश्वजीत रोहिल:

डॉ. टी सुमति की एसोसिएट प्रोफेसर की पदोन्नति पर विचार करने के लिए उनकी योग्यता का आकलन करने के लिए उनके प्रकाशन का मूल्यांकन करने के लिए मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में नामित।

डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज में बाहरी बोर्ड समीक्षा समिति के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत।

डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज में संस्थागत जैव सुरक्षा समिति के लिए डीबीटी नामित के रूप में नामांकित।

प्रकाशन

कुमार, एम., रोहिल, वी., सिंह, आर., मीना, ए., पाटीदार, बी.एस., गोयल, एस., प्रसाद, आर., छाबड़ा, एस.के., और एस. के.वंसल। संपूर्ण एरिथ्रोसाइट मेम्ब्रेन प्रोटीन प्रोफाइलिंग और जीएपीडीएच, एफईवी1% और अस्थमा में ऑक्सिडेंट/एंटीऑक्सिडेंट स्थिति के साथ उनका सहसंबंध। एलजेवियर के ऑनलाइन सबमिशन सिस्टम के लिए बायोकिमिया एट बायोफिजिसिया एक्टा - बायमेम्ब्रेन्स के लिए संचार किया गया।

साहू, एस.एस., चौधरी, ओ.के., भद्रा, जे., और कटरी, बी.सी. (2021). घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के साथ बीटएनएल2 जीन न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता का संबंध। आरयूडीएन जर्नल ऑफ मेडिसिन, 25(2), 89-95.

शोध परियोजनाएँ तीन

अनुसंधान परियोजना: प्रो. विश्वजीत रोहिल प्रधान अन्वेषक के रूप में

वित्तपोषक एजेंसी: एमआरयू (आईसीएमआर)

वर्ष/अवधि: फरवरी, 2017 में शुरू हुआ

शीर्षक: "फेफड़े के कार्सिनोमेनेसिस के जीन एक्सप्रेसन प्रोफाइल में एलाजिक एसिड और सीआरटीएएस के माध्यम से इसकी भूमिका को स्पष्ट करना।

स्वीकृत राशि सभी परियोजनाओं के लिए एमआरयू के लिए कुल 3 करोड़ स्वीकृत
 वित्तपोषक एजेंसी: आईसीएमआर-एसआरएफ (श्री मनोज कुमार)
 पर्यवेक्षक- प्रो. विश्वजीत रोहिल
 वर्ष/अवधि 0 5.09.2018 (तीन वर्षों के लिए)
 शीर्षक ब्रॉन्कियल अस्थमा में विभेदित रूप से व्यक्त एरिथ्रोसाइट झिल्ली की प्रोटीन की विशेषता: एक प्रोटीन की पहचान और शुद्धिकरण और रोग की गंभीरता के साथ इसका संबंध

स्वीकृत राशि रु. 7.20 लाख
 वित्तपोषक एजेंसी: पीएच.डी. शोधार्थी (श्री अनिल मीणा)
 वर्ष/अवधि सह-पर्यवेक्षक- प्रो. विश्वजीत रोहिल
 शीर्षक "उत्तर भारतीय आबादी में अस्थमा में विभिन्न भड़काऊ साइटोकिन्स की अभिव्यक्ति के साथ सीआरएचआर1 और जीआर जीन बहुरूपता और उनके सहसंबंध पर एक अध्ययन" (थीसिस प्रस्तुत)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो. विश्वजीत रोहिल

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआई) द्वारा 6 जनवरी, 2021 को भारत में आयोजित "गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग: उभरते महत्व के साथ एक मान्यता प्राप्त कारण" पर वेबिनार में भाग लिया।

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआई) द्वारा 5 फरवरी, 2021 भारत में आयोजित "नैदानिक प्रयोगशाला चिकित्सा में सिक्स सिग्मा के व्यावहारिक अनुप्रयोग" वेबिनार में भाग लिया।

वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट में 25.02.2021 को "जैव सांख्यिकी पर कार्यशाला" में भाग लिया।

वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट में 11.03.2021 को बायोमेडिकल रिसर्च में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दों पर "कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआई) द्वारा 26 मार्च, 2021 को भारत में आयोजित "फ्लो साइटोमेट्री एंड इट्स एप्लीकेशन इन लेबोरेटरी डायग्नोस्टिक्स" पर वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. जयिता भद्र

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा 05.02.2021 को आयोजित वेबिनार "नैदानिक प्रयोगशाला चिकित्सा में सिक्स सिग्मा के व्यावहारिक अनुप्रयोग" पर वेबिनार में भाग लिया।

वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट में 25.02.2021 को "जैव सांख्यिकी पर कार्यशाला" में भाग लिया।

वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट में 11.03.2021 को बायोमेडिकल रिसर्च में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दों पर "कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा 26.03.2021 को आयोजित वेबिनार "फ्लो साइटोमेट्री एंड इट्स एप्लीकेशन इन लेबोरेटरी डायग्नोस्टिक्स" में भाग लिया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

प्रो. विश्वजीत रोहिल, सुश्री स्मृति गुप्ता की पीएच.डी. थीसिस के सह-पर्यवेक्षक हैं: विभाग- जैव रसायन: डॉ. अजीत कुमार, प्रमुख, रसायन विज्ञान विभाग, एसआरएम विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा के पर्यवेक्षण के अंतर्गत।

डॉ. अनुज भटनागर, राजन बाबू पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस संस्थान (आरबीआईपीएमटी), नई दिल्ली

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

छात्रों की संख्या और प्रतिशत - 100%

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 1

संकाय की संख्या: 2

जैव रसायन (जीआईपीएमईआर)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग परीक्षण रिपोर्ट की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित रसायन विज्ञान, विशेष परीक्षण और कोआगुलेशन प्रोफाइल के लिए सीएमसी वेल्लोर ईक्यूएस कार्यक्रम में भाग लेता है। विभाग ने 'गंभीर बीमारी के प्रबंधन के लिए बायोमार्कर: एक अद्यतन' पर संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रति माह औसतन 1,80,000 परीक्षण किए जाते हैं। विभाग अन्य एजेंसियों के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करता है और उन्हें विभिन्न तकनीकों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। 2020 में विभाग में एक पीजी विद्यार्थी शामिल हुआ है। विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में छह शोध प्रकाशित किए।

प्रकाशन

डाबला पी.के, शर्मा एस, पुरी वी। मिरगी-रोधी दवाओं से रोगियों में कैल्शियम-विटामिन डी चयापचय में गड़बड़ी। मुद्रणालय में। जे सिस्ट इंटेग्र न्यूरोसी, 2020.

शर्मा एस, डबला पी.के, ए.एन. गुप्ता। बुजुर्ग उत्तर भारतीयों में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई के साथ 25 (ओएच) विटामिन डी के स्तर का संबंध। प्रेस में। बायोमेड रेस क्लिन प्रैक, 2020.

गुसन डी, बर्नार्डिनी एस, डबला पी.के, गौगोट बी, स्टेनकोविक एस। कृत्रिम बुद्धि और प्रयोगशाला चिकित्सा का एकीकरण: कार्डियोवैस्कुलर दवा के अवसर। स्वीकार किया हुआ। क्लिनिकल केमिस्ट्री एंड लेबोरेटरी मेडिसिन (सीसीएलएम)। मुद्रणालय में स्वीकृत। 4 जून 2020 को ऑनलाइन उपलब्ध।

शर्मा एस, डाबला पी के, एन. सेरडारेविक। एसोसिएशन बिच कैरोटिड-इंटिमा मीडिया थिक्नेस एंड ट्राइगिसराइड ग्लूकोज इंडेक्स इन हाइपरटेंशन। वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉर्मसी एंड फॉर्मस्युटिकल साइंसेज। 2020: 9; 9.

मोहित गुप्ता, गिरीश सांसद, आनंद कटेगरी, विशाल बत्रा, पुनीत गुप्ता, अंकित वंसल, जमाल यूसुफ, श्वेता गोस्वामी, अभिजीत दास, रजनी सैजपॉल, भावना महाजन, सैबल मुखोपाध्याय, विजय त्रेहान, संजय त्यागी। तृतीयक देखभाल केंद्र से बहुत कम उम्र के रोगियों में तीव्र रोधगलन की महामारी विज्ञान प्रोफाइल और प्रबंधन पैटर्न। इंडियन हार्ट जर्नल। संस्करण 72, अंक 1, 2020, पृष्ठ 32-39.

गंधोक सीएस, स्याल एसके, गुप्ता आरएच, सिंह डी, शर्मा जे, महाजन बी टंडन एम, त्रेहान वीके, ए वंसल। एन्यूरिज्मल सबराचोनोइड हेमोरेज वाले मरीजों में कार्डियोवैस्कुलर जटिलताओं के क्लिनिकल, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक और बायोकेमिकल स्पेक्ट्रम का अध्ययन - भारत में एक तृतीयक केंद्र में एक प्रारंभिक अनुभव। एमएएमसी जे मेड साइंस 2020;6:113-20.

मुँह से तंबाकू का उपयोग करनेवाले युवा भारतीयों में हृदय संबंधी जोखिम के प्रणालीगत सूजन और थ्रोम्बोटिक मार्करों का मूल्यांकन। धनंजय वी. जुत्शी, मोहित डी, गुप्ता, एम.पी., गिरिशा, अंकित वंसाला, विशाल बत्रा, रजनी सैजपॉल, भावना महाजन, संजय त्यागी, जमाल यूसुफ, सैबल मुखोपाध्याय। इंडियन हार्ट जर्नल 2020; 72 (5): 389-393

आशीष सचान, संदीप सलूजा, फणी कुमार नेकरकांति, निमिषा सिन्हा, भावना महाजन, हृदय एच नाग, प्रमोद के मिश्रा। पित्ताशय की थैली के कार्सिनोमा में वर्धित सीए19-9 और सीईए की रोगसूचक प्रासंगिकता है। बीएमसी कैंसर 2020;20(1) जारी करने की तारीख:10.1186/s12885-020-07334-x

सिरोथिक कार्डियोमायोपैथी की व्यापकता और सीरम प्रो-ब्रेन नैट्रियूरेटिक पेप्टाइड, हेपेटोरेनल सिंड्रोम, सहज बैक्टीरियल पेरिटोनिटिस, और मृत्यु दर के साथ इसका संबंध। एन. कपूर, वी. मेहता, भावना सिंह, आर. कर्ण, एस. कुमार और पी. कर। इंडियन जे गैस्ट्रोएंटरोल- 2020 जारी करने की तारीख: 10.1007/s12664-020-01083-2

एसियानोटिक जन्मजात हृदय रोग में मायोकार्डियल इंजरी के बायोमार्कर के रूप में अत्यधिक संवेदनशील कार्डिएक ट्रोपोनिन टी। ऋषिका दास, आर एन मंडल, अनुराग अग्रवाल, सुमोद कुरियन, भावना महाजन। इंटरनेशनल जे. पाडियाट्रिक रेस. 2020; 6:069. doi. org/10.23937/2469-5769/1510069

भावना महाजन, कल्पना सिंह, ममता पी सूमी। सार्स-कोव-2 संक्रमण में एंटीबॉडी: कोविड-19 का मुकाबला करने में सहायक? इंडियन जे मेड बायोकेम 2020; 24 (2)

चावला रंजना, नायर रुक्मणी, मुखर्जी सोमनाथ, मैतेई येंड्रेम्बम इबोतोम्बी, सूद वी आर। हाइपोथायरायडिज्म से पीड़ित रोगियों में मनोवैज्ञानिक मापदंडों पर छह महीने के योग अभ्यास का परिणाम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड आयुर्वेद रिसर्च (आईजेएएआर) वॉल्यूम 4 अंक 6 जनवरी-फरवरी 2020, पृ.513-528.

रंजना चावला, रुक्मणी नायर, सोमनाथ मुखर्जी। हाइपोथायरायड मरीजों में मनोवैज्ञानिक मापदंडों पर छह महीने की प्राकृतिक चिकित्सा अभ्यास का प्रभाव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर) वॉल्यूम 9 अंक 3, मार्च 2020

रंजना चावला, रुक्मणी नायर, सोमनाथ मुखर्जी, येंड्रेनबाम इबोतोम्बी मैतेई, वी आर सूद, बी.के. रॉय हाइपोथायरायडिज्म से पीड़ित रोगियों में लक्षण स्कोर और मानवशास्त्रीय मापदंडों पर छह महीने की प्राकृतिक चिकित्सा का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच एंड स्टडीज वॉल्यूम 07, नंबर 2, मार्च - अप्रैल 2020

अंकुश सिंघल, मंजू सुब्बरवाल, रंजना चावला। सिक्स सिग्मा का उपयोग करके प्रयोगशाला के प्रदर्शन में सुधार- जीआईपीएमईआर में हमारा अनुभव - एक तृतीयक देखभाल अस्पताल। 25 अप्रैल 2019 को सर गंगा राम अस्पताल द्वारा आयोजित नैदानिक जैव रसायन के 8वें वार्षिक सीएमई का सार भेजा गया।

प्रदीप कुमार डबला, डॉ. शिखा शर्मा, डॉ. विनोद पुरी। मिरगी की मरीज महिलाओं में प्रजनन विकार और निरोधी दवाओं की भूमिका। एपीएफसीबी कांग्रेस 2019, भारत

पत्रिकाएँ

संपादक के रूप में कार्यरत शिक्षक-

डॉ. प्रदीप कुमार डबला

संपादकीय बोर्ड सदस्य: वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज़; नंबर आईडी: 03764245; आईएसएसएन: 1948-9358 (ऑनलाइन)।

संपादकीय बोर्ड के सदस्य: नैदानिक रसायन विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा; ओसीएलसी संख्या: 475036853आईएसएसएन: 1434-6621 (प्रिंट); 1437-4331 (वेब) राजदूत बेंथम साइंस पब्लिशर्स।

अनुसंधान परियोजनाएँ

चालू परियोजना- परियोजना सह-अन्वेषक, सत्यम योजना के अंतर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रस्तुत किया गया। उपनैदानिक हाइपोथायरायडिज्म को नियंत्रित करने में योग की प्रभावशीलता "3 जनवरी 2020-2 जनवरी 2022

नियोडजुवेंट कीमोथेरेपी बनाम नेडजुवेंट कीमोरेडियोथेरेपी से गुजर रहे ओओसोफेगल कार्सिनोमा के रोगियों में सूजन मार्करों का महत्व। डॉ. प्रदीप कुमार डाबला-सह-पर्यवेक्षक

एक दवा बनाम दो दवा समवर्ती रसायन विज्ञान के साथ उपचारित गर्भाशय ग्रीवा कैंसर में सूजन मार्करों का महत्व। डॉ. प्रदीप कुमार डाबला-सह-पर्यवेक्षक

ड्रग रेजिस्टेंस मिर्गी में सोडियम चैनल एससीएन1ए जीन म्यूटेशन और जीएबीए रिसेप्टर जीन परिवर्तन की भूमिका - तृतीयक देखभाल केंद्र से एक अध्ययन - डॉ. प्रदीप कुमार डाबला - प्रमुख अन्वेषक (डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना)

"भारतीय बच्चों में पोषण संबंधी रिकेट्स में दैनिक विटामिन डी थेरेपी बनाम स्टोस थेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन"। डॉ. प्रदीप कुमार डाबला-सह अन्वेषक

"गंभीर रूप से बीमार मरीजों में इलेक्ट्रोलाइट्स डिरेजमेंट का मूल्यांकन"। डॉ. प्रदीप कुमार डाबला-प्रधान अन्वेषक

रुमेटिक माइट्रल वाल्व रोग से जुड़े फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप पर एंडोटिलिन -1 जीन और एंडोटिलिन -1 रिसेप्टर ए जीन पॉलीमॉर्फिज्म का प्रभाव। (डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना) डॉ. भावना महाजन - सह-अन्वेषक

टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट इंटरनल डिरेजमेंट के मरीजों में नैदानिक लक्षणों, एमआरआई निष्कर्षों और टीएनएफ- α और मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज के श्लेष द्रव स्तर के बीच सहसंबंध। (सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना) डॉ. भावना महाजन - सह-अन्वेषक

कैल्सीफिक रुमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस में स्कलेरोस्टिन की प्रणालीगत और स्थानीय ऊतक अभिव्यक्ति: एक अवलोकन अध्ययन। डॉ. भावना महाजन - सह-गाइड

हाइपोथायरायडिज्म को नियंत्रित करने में प्राकृतिक चिकित्सा और योग की प्रभावकारिता- 24 मार्च 2017-23 मार्च 2019 (आयुष स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना) डॉ. रंजना चावला - सह-अन्वेषक

डॉ. रंजना चावला-परियोजना सह-अन्वेषक, आयुष मंत्रालय, लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना, "हाइपोथायरायडिज्म को नियंत्रित करने में प्राकृतिक चिकित्सा और योग की प्रभावशीलता" 24 मार्च 2017-23 मार्च 2019

चालू वर्ष के दौरान पूरे किए गए शोध-प्रबंधों का विवरण

आवर्तक गर्भावस्था क्षति में जोखिम कारकों और एमएफएचटीआर जीन बहुरूपताओं का अध्ययन करना। डॉ. मंजू सुब्बरवाल-सह-गाइड

जले हुए रोगियों में गहरी शिरा घनास्त्रता का विश्लेषण- कम आणविक भार हेपरिन के साथ थ्रोम्बोप्रोफिलैक्सिस का एक यादृच्छिक और नियंत्रण अध्ययन। डॉ. मंजू सुब्बरवाल-सह-गाइड

रुमेटिक हृदय रोग (आरएचडी) के रोगियों में टीएच17/ टीएच 1 अक्ष के साइटोकिन्स के प्रणालीगत और ऊतक स्तरों का मूल्यांकन: एक अवलोकन अध्ययन। डॉ. मंजू सुब्बरवाल - सह-गाइड

बच्चों में साइट्रलाइन और आर्जिनिन का गंभीर स्तर और पीआईसीयू में रोगसूचक मार्कर के रूप में उनका मूल्य। डॉ. मंजू सुब्बरवाल - सह-गाइड।

मिर्गी के रोगियों में कैल्शियम चयापचय और प्रजनन हार्मोन पर एंटीपीलेप्टिक दवाओं का प्रभाव। डॉ. प्रदीप कुमार डाबला-सह-गाइड

टैंडन रिपेयर और कैल्शियम मेटाबॉलिज्म में आईएल-10 और टीएनएफ-अल्फा की भूमिका। डॉ. प्रदीप कुमार डाबला-सह-पर्यवेक्षक

सम्मेलनों में प्रतिभागिता

डॉ. मंजू सुब्बरवाल और डॉ. रंजना चावला ने वेबिनार में भाग लिया।

वेबिनार में भाग लिया - वक्ता: डॉ. नीलम वर्मा- प्रोफेसर और विभाग प्रमुख-हेमेटोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ ने 17 अप्रैल 2020 को *कोविड नमूना प्रबंधन और नमूना संचालकों की सुरक्षा*

"संक्रमण प्रबंधन वेबिनार" में भाग लिया। विषय (I) : *तीव्र संक्रमण वाले रोगियों में प्लेटलेट काउंट का आकलन- एक चेतावनी कथा*। वक्ता: डॉ. सुकेश नायर हेमेटोलॉजी सीएमसी, वेल्लोर, तमिलनाडु में प्रोफेसर विषय (II) : *कोविड-19 नमूनों के संचालन और प्रसंस्करण में प्रयोगशाला जैव सुरक्षा दिशानिर्देश*। वक्ता: डॉ. अंजलि केलकर सीनियर एसोसिएट प्रोफेसर इन पैथोलॉजी, भारती विद्यापीठ अस्पताल, पुणे, 24 अप्रैल 2020 को बेकमैन कल्टर द्वारा आयोजित

27 अप्रैल 2020 को *क्रिटिकल कोविड पेशेंट्स एंड इंफेक्शन प्रिवेंशन*- डॉ. यतिन मेहता, इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिटिकल केयर एंड एनेस्थेसियोलॉजी मेदांता द मेडिसिटी, गुडगांव में लैब मैनेजमेंट में भाग लिया।

वेबिनार में भाग लिया- 6 मई 2020 को अपोलो चेन्नई के डॉ.क्टर डॉ. वी आर यमुनादेवी, अपोलो, अस्पताल, चेन्नई *कोविड- 19 के लॉकडाउन के बाद*।

29 जुलाई, 2020 को क्यूसी वेबिनार शृंखला - भाग 2 में भाग लिया - ईक्यूएस व्याख्या: *साइकिल रिपोर्ट का अंत*, वक्ता: श्री शिव शंकर कालीवेला।

26 अगस्त 2020 को ट्रान्सिया वेबिनार 12 में भाग लिया-*कोविड 19: सीरोलॉजी परीक्षण की प्रासंगिकता*, वक्ता: डॉ. सोनल सक्सेना।

22 अक्टूबर 2020 को *कोविड में कोआगुलेशन पर पीएसटी* (प्रीएनालिटिकल एनालिटिकल थिंक टैंक) के वेबिनार -*हमने अब तक क्या सीखा है* में भाग लिया।

19 नवंबर 2020 को गंभीर रूप से बीमार रोगियों में एबीजी पर *पीएसटी* (प्रीएनालिटिकल एनालिटिकल थिंक टैंक) के वेबिनार : *कोविड और उससे आगे* में भाग लिया।

27 नवंबर 2020 को वेबिनार में भाग लिया *"कोविड -19: समय पर निर्णय के लिए तेज़ परिणाम"*

संकाय की संख्या: - 4

सामुदायिक चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए अपने संकाय सदस्य डॉ. अरुण के शर्मा के नेतृत्व में, चिकित्सा शिक्षा इकाई के समन्वय में नेटवर्क की खरीद और स्थापना और संकाय को प्रशिक्षण प्रदान करके कॉलेज में ऑनलाइन कक्षाएँ शुरू करने के लिए आईटी बुनियादी ढाँचा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विभाग ने कोविड से संबंधित देखभाल के संबंध में अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों, अर्थात् नर्सों, रेजिडेंट डॉ.क्टरों, इंटर्न और यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। समुदाय विभाग में कोविड-19 महामारी (2020) के कारण, गूगल मीट पर समुदाय और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के साथ एक लिंक स्थापित करने की अवधारणा के साथ एक "सामुदायिक कनेक्ट कार्यक्रम" (सीसीआई) आरंभ किया ताकि लाभार्थियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी विषयों के बारे में आईईसी प्रदान किया जा सके।

सम्मान/विशिष्टताएँ

सदस्य, कोविड-19 टीकों से संबंधित एईएफआईके लिए राष्ट्रीय कैजुअल्टी मूल्यांकन समिति। -डॉ. संजय चतुर्वेदी

सदस्य, चिकित्सा विशेषज्ञ समिति, भारतीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण। -डॉ. संजय चतुर्वेदी

भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में आमंत्रित व्याख्यान, शीर्षक - "कोविड-19 महामारी: एक बेहतर वैचारिक ढांचे के लिए पाठ।" 9 सितंबर 2020 - डॉ. संजय चतुर्वेदी

मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान, शीर्षक - "आगमनात्मक और/या निगमनात्मक? विशिष्ट, अनुसंधान के लिए पूरक दृष्टिकोणों का विरोध प्रतीत होता है।" - 27 जुलाई 2020 - डॉ. संजय चतुर्वेदी

डॉ. एस के भसीन- सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एफएमएससी, दिल्ली विश्वविद्यालय- विश्वविद्यालय प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे हैं।

डॉ. ए के शर्मा- आईसीएमआर-नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंप्लीमेंटेशन रिसर्च इन नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (मार्च 2021) के निदेशक नियुक्त किए गए।

डॉ. ए के शर्मा- संचार पर अधिकार प्राप्त समूह के सदस्य नियुक्त किए गए।

डॉ. खान आमिर मारूफ- मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का राष्ट्रीय कार्य समूह के मानद सचिव नियुक्त किए गए।

डॉ. खान आमिर मारूफ- मानद सचिव, कंसोर्टियम अगैस्ट रेबीज, भारत में रेबीज उन्मूलन के क्षेत्र में काम करने वाला एक गैर-लाभकारी राष्ट्रीय संगठन है।

डॉ. मधु उपाध्याय को बायोलोग्स वर्ल्डवाइड द्वारा 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2020 तक आयोजित सार्वजनिक स्वास्थ्य, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मधु उपाध्याय ने दिल्ली के उत्तर-पूर्व और शाहदरा जिलों में कोविड-19 के लिए क्लस्टर नियंत्रण योजना को लागू करने में जिला निगरानी दल और रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य के रूप में भाग लिया।

डॉ. अनीता गुप्ता इंडियन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट द्वारा संकाय के रूप में प्रमाणित। 2021.(एफआईसीओजी-2020).

डॉ. अनीता गुप्ता - आईआईपीएच-दिल्ली, पीएचएफआई, अलाइव एंड थाइव और वीकैन (2021) द्वारा एमआईवाईसीएन पर ई-अध्ययन कार्यक्रम तैयार करने के लिए टास्क फोर्स -

डॉ. अनीता गुप्ता - आईपीई ग्लोबल एंड अलाइव एंड थाइव-इंडिया (2020-2021) की एक परियोजना के लिए मेडिकल कॉलेज के ऑनलाइन एमआईवाईसीएनप्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास में टास्क फोर्स।

डॉ. अनीता गुप्ता - बीपीएनआई के तकनीकी सलाहकार/कार्य बल। कोविड में स्तनपान के बारे में दिशानिर्देश विकसित करने के लिए एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार को तकनीकी सलाहकार समूह के रूप में "तैयार कोविड -19 और स्तनपान - बीपीएनआई द्वारा एक अद्यतन" और प्रस्तुत किया गया। (2020)

प्रकाशन

अरोड़ा, एन.के., दास, एम.के., आर. पोलुरु। इनक्लेन वैक्सीन सेफ्टी स्टडी ग्रुप। (2020)। दो दक्षिण भारतीय जिलों में शिशु पेंटावैलेंट (DTwP-HBV-Hib) और ओरल पोलियो टीके की सुरक्षा पर एक संभावित समूह अध्ययन। पीडियाट्र. इंफेक्ट. डिस. जे;39:389-6.

बेहरा, एस. मारूफ, के.ए., तिवारी, पी.के. (2020). पूर्वी दिल्ली के शहरी स्लम में रहने वाले बच्चों की पूरक आहार स्थिति। इंट जे मेड पब्लिक हेल्थ। (2020);10:126-9.

एस चतुर्वेदी, (2020). कोविड-19 महामारी: क्या हम प्रथम विश्व युद्ध के साक्षी बन रहे हैं [संपादकीय]? इंडियन जे पब्लिक हेल्थ।; 64:99-101.

चेरियन, वी., सैनी, एन.के., शर्मा, ए.के., जोएल, पी. (2021). नई दिल्ली, भारत के एक शहरीकृत समूह में वैक्सीन झिझक की व्यापकता और भविष्यवक्ता। पब्लिक हेल्थ जर्नल। 2021. doi:10.1093/pubmed/fdab007

डेंगरी, सी., अग्रवाल, वाई., मुंड, वी., खान, ए.एम (2020). प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्वयंसेवा: मेडिकल छात्रों को क्या प्रेरित करता है? एडु. हेल्थ; 33:81-2.]

दुग्गड़, पी., छाबड़ा, पी., शर्मा, ए.के. (2020). एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं में गर्भनिरोधक का उपयोग और परिवार नियोजन की अधूरी जरूरत: एक अस्पताल आधारित अध्ययन। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ;64:32-8.

गुप्ता, यू., उपाध्याय, एम.के., शर्मा, आर (2020). पूर्वी दिल्ली, भारत में एक शिक्षण अस्पताल में कैंसर के इलाज की मांग करने वाले रोगियों की सामाजिक-नैदानिक प्रोफाइल। जे फैमिली मेड प्राइम केयर।; 9:2763-8

गुप्ता, यू., उपाध्याय, एम.के., आर शर्मा। पूर्वी दिल्ली, भारत में हेल्थ यूटिलिटीज इंडेक्स (एचयूआई-3@) का उपयोग कर इलाज कर रहे कैंसर रोगियों में स्वास्थ्य से संबंधित जीवन की गुणवत्ता का आकलन। इंडियन जे. कैंसर। जून (2020) में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

खान, ए.एम., पात्रा, एस. (2020) कोविड 19 महामारी के युग में ऑनलाइन शिक्षण का खिलना: चिकित्सा शिक्षा के लिए वरदान या अभिशाप। नेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड एलाइड साइंसेज। 9:1-5.

खान, ए.एम., पात्रा, एस., गुप्ता, पी., शर्मा, ए.के., जैन, ए.के (2021). कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम में तेजी से संक्रमण: भारत के एक मेडिकल कॉलेज से अनुभव। जे एडु हेल्थ प्रमोशन;10:99.

खान, ए.एम., पात्रा, एस., वानी, एन., मेहंदीरत्ता, एम., चौहान, आर. (2021). कोविड-19 के दौरान प्रीक्लिनिकल विषयों में ऑनलाइन व्यावहारिक कक्षाओं में तेजी से संक्रमण: उत्तर भारत के एक मेडिकल कॉलेज से अनुभव। मेडिकल जर्नल आर्म्ड फोर्स इंडिया। 77:S161-S167.

कुमार, ए., खान, ए.एम., सैनी, एन., शाह, डी. (2020). एक शहरी झुग्गी बस्ती में 0-6 महीने की आयु के शिशुओं में गैर-विशिष्ट स्तनपान और संबद्ध आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय का प्रसार और रुग्णता के उपचार पर खर्च। इंडियन पीडियाट्र.; 57:1135-8.

मारुफ, के.ए., गुप्ता, पी., सिंह, एन., धालीवाल, यू., सिंह, एस. (2020). चिकित्सा स्नातक के लिए योग्यता आधारित पाठ्यक्रम के विकास और कार्यान्वयन के उद्देश्य से एक संकाय विकास कार्यशाला का मूल्यांकन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर; 9:2226-31.

एस पात्रा, (2020). कोरोना देवी, व्हाट्सएप चिट-चैट और एक फिल्म। रिसर्च एंड ह्यूमेनिटीज इन मेडिकल एजुकेशन; 7:177-8.

पात्रा, एस., खान, ए.एम., उपाध्याय, एम.के., शर्मा, आर., राजौरा, ओ.पी., भसीन, एस.के. (2020). मेडिकल अंडरग्रेजुएट्स के बीच स्व-निर्देशित अधिगम की सुविधा के लिए मॉड्यूल: विकास और कार्यान्वयन। जे एडु. हेल्थ प्रमोट; 9:231.

राणा, एम., कुंडापुर, आर., मारुफ, ए., चौधरी, वी., कादरी, ए., कुमार, पी., जोड़पे, एस., अग्रवाल, ए., बापट एन. (2020). आगे का रास्ता - भारत में कोविड -19 लॉकडाउन के पश्चात्। इंडियन जे कम्युनिटी हेल्थ [इंटरनेट]। [उद्धृत (2020) अप्रैल 20]; 32; 2-विशेष अंक:175-83.

रंगनाथन, आर., आमिर, एम.के., छाबड़ा, पी (2020). कोरोनावायरस (कोविड-19) महामारी के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल, जन्म के समय देखभाल और स्तनपान। इंडियन जे कम्युनिटी हेल्थ [इंटरनेट]। (2020) [उद्धृत (2020)अप्रैल17];32:17 -20.

रंजीता, आर., खान, ए.एम (2020). कोरोनावायरस (कोविड -19) महामारी के दौरान नियमित टीकाकरण सेवाएँ। इंडियन जे कॉम हेल्थ; 32(2- विशेष अंक):236-9.

शर्मा, ए.के., बलियान, पी. (2020). वायु प्रदूषण और कोविड -19: क्या जुड़ाव अधिक ध्यान देने के लायक है? इंडियन जे पब्लिक हेल्थ; 64:S132-4.

शर्मा, ए.के., सैनी, पी., छाबड़ा, एस.के., घोष, सी., बलियान, पी. (2020). वायु प्रदूषण और अस्थमा के तीव्र हमलों के निर्धारकों के रूप में मौसम: स्पैटिओटेम्पोरल दृष्टिकोण। *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ*; 64:124-9.

शर्मा, एस., उपाध्याय, एम.के. (2020). दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में ट्रामा पीड़ितों की महामारी विज्ञान प्रोफाइल और सड़क यातायात दुर्घटनाओं के जोखिम कारकों की पहचान करने के लिए हैडॉन मैट्रिक्स का अनुप्रयोग। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट*। फरवरी, 11:856-61।

टिटोरिया, आर., उपाध्याय, एम., चतुर्वेदी, एस (2020). नियमित टीकाकरण सेवा की गुणवत्ता: ग्राहकों की धारणा। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ*; 64: 44-9.

उपाध्याय, एम.के., पात्रा, एस., खान, ए.एम. (2020) कोविड-19 महामारी के बीच बाल पोषण के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता। *इंडियन जे कॉम हेल्थ*; (2-विशेष अंक):251-4.

वैश्य, के., पात्रा, एस., छाबड़ा, पी (2020). बुजुर्गों में पोषण की स्थिति: एक समुदाय-आधारित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ*; 64:266-73.

वैश्य, के., पात्रा, एस., छाबड़ा, पी (2020). बुजुर्गों में कार्यात्मक विकलांगता: एक समुदाय-आधारित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *जे फैमिली मेड प्राइम केयर*; 9:253-58.

जर्नल

संपादक (संपादकों)/ संपादकीय बोर्ड के सदस्य(सदस्यों) के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या -तीन

अनुसंधान परियोजनाएँ

आईसीएमआर, 2021-2023 मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान के लिए स्थानिक महामारी विज्ञान दृष्टिकोण (सीमर)। रु 83,45,000/- (डॉ. ए के शर्मा)

उत्तर प्रदेश और बिहार में मेडिकल कॉलेजों के सामुदायिक चिकित्सा विभागों को शामिल करके पोषण अभियान के अंतर्गत एमआईवाईसीएन सेवाओं का गुणवत्ता मूल्यांकन - एक प्रायोगिक परियोजना। अलाइव एंड थ्राइव इंडिया के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन। 2019 - 2021 (डॉ. प्रगति छाबड़ा, डॉ. खान आमिर मारुफ, डॉ. अनीता गुप्ता)

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, फरवरी 2021 से फरवरी 2022 तक, दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण में औद्योगिक हितधारकों की भागीदारी- एक व्यवहार परिवर्तन संचार आधारित दृष्टिकोण, 8 लाख। (डॉ. मधु के उपाध्याय)

संगोष्ठियों का आयोजन

सीओपीडी का बढ़ता बोझ: एक चर्चा, 19 दिसंबर 2020 - डॉ. एके शर्मा

अपनी इकाई को बच्चों के अनुकूल कैसे बनाएं- स्तनपान के संदर्भ में- एमआईवाईसीएन -आईएपीएसएम और दिल्ली स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम के सहयोग से - 1 अगस्त 2020 - डॉ. अनीता गुप्ता (ऑनलाइन)

स्तनपान के दौरान कठिनाइयाँ - एमआईवाईसीएन-आईएपीएसएम और दिल्ली स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम के सहयोग से - 5 अगस्त 2020 - डॉ. अनीता गुप्ता (ऑनलाइन)

स्तनपान के बारे में मिथक और भ्रांतियाँ- एमआईवाईसीएन-आईएपीएसएम और दिल्ली स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम के सहयोग से - 6 अगस्त 2020 - डॉ. अनीता गुप्ता (ऑनलाइन)

सम्मेलनों का आयोजन

जूम प्लेटफॉर्म पर 16 और 17 अक्टूबर 2020 को 'पोशनकॉन 2020', आईएपीएसएम के मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण राष्ट्रीय कार्य समूह का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन। - डॉ. प्रगति छाबड़ा, डॉ. खान आमिर मारुफ, डॉ. अनीता गुप्ता

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

21-23 मई 2020 को राष्ट्रीय एडिफआई दिशानिर्देशों के संशोधन के लिए पहली कार्यशाला। डॉ. संजय चतुर्वेदी

10 जुलाई 2020 को एनआईटीएजी के मूल्यांकन पर डब्ल्यूएचओ कोर ग्रुप परामर्श। - डॉ. संजय चतुर्वेदी

18 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय एडिफआई दिशानिर्देशों के संशोधन के लिए दूसरी कार्यशाला। डॉ. संजय चतुर्वेदी

1 अक्टूबर 2020 को पोलियो पर भारत विशेषज्ञ सलाहकार समूह की बैठक। डॉ. संजय चतुर्वेदी

15 दिसंबर 2020 को राष्ट्रीय एडिफआई समिति की बैठक। - डॉ. संजय चतुर्वेदी

7 जनवरी 2021 को पूर्वोत्तर के लिए एमसीएच अनुसंधान प्राथमिकता पर चर्चा के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समूह की बैठक। डॉ. संजय चतुर्वेदी

28 से 29 सितंबर, 2020 को 14वीं वैक्सीन कांग्रेस (ऑनलाइन संस्करण)। डॉ. मधु उपाध्याय

बायोलीग वर्ल्डवाइड द्वारा 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2020 तक आयोजित सार्वजनिक स्वास्थ्य, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन। - डॉ. मधु उपाध्याय

डॉ. अनीता गुप्ता ने एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भाग लिया और महादेवानंद महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल, अगस्त (2020) द्वारा आयोजित "कोविड 19 और विशेष परिस्थितियों में स्तनपान" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अनीता गुप्ता ने विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा 12 अगस्त 2020 को "स्तनपान - आगे बढ़ने का सर्वोत्तम अभ्यास" पर व्याख्यान देने के लिए एसजीटी (श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय) के छात्रों और / संकायों के लिए एफएचएस (संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय), पोषण और आहार विज्ञान विभाग के न्यूट्री कार एसोसिएशन द्वारा एक संकाय के रूप में 'स्वस्थ ग्रह के लिए समर्थन स्तनपान' विषय के साथ एक वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. अनीता गुप्ता ने बाल रोग विभाग, जेएनएमसीएच, एमयू अलीगढ़ द्वारा आईएपी अलीगढ़ के सहयोग से 2020 के विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम के साथ आयोजित एक वेबिनार में "कामकाजी माताओं द्वारा स्तनपान" पर एक सत्र में भाग लिया और दिया: "एक स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान का समर्थन करें" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अनीता गुप्ता को पोषण और आहार विज्ञान विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, एमआरआईआईआरएस (मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज) के सहयोग से इंडियन डायटिक एसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर द्वारा 5 अगस्त 2020 को आयोजित एक वेबिनार में "स्तनपान: शारीरिक पहलुओं और जटिलताओं" के बारे में बात करने के लिए एक विशेषज्ञ संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, एमआईवाईसीएन आईएपीएसएम और आईसीडीएस उत्तर पूर्वी दिल्ली द्वारा 24 अगस्त 2020 को आईसीडीएस पर्यवेक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और माताओं के लिए गूगल मीट के माध्यम से आयोजित सामुदायिक कनेक्ट पहल में 'स्तनपान के लाभ' पर सत्र - डॉ. प्रगति छाबड़ा, डॉ. अनीता गुप्ता, डॉ. खान आमिर मारुफ

सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, एमआईवाईसीएन आईएपीएसएम और आईसीडीएस कुसुमपुर पहाड़ी परियोजना दिल्ली द्वारा 14 सितंबर 2020 को आईसीडीएस पर्यवेक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और माताओं के लिए गूगल मीट के माध्यम से आयोजित सामुदायिक कनेक्ट पहल में 'गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान पोषण' पर सत्र - डॉ. प्रगति छाबड़ा, डॉ. अनीता गुप्ता, डॉ. खान आमिर मारुफ

सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, एमआईवाईसीएन आईएपीएसएम और आईसीडीएस खानपुर परियोजना दिल्ली द्वारा 14 सितंबर 2020 को आईसीडीएस पर्यवेक्षकों, आंगनवाड़ी

कार्यकर्ताओं और माताओं के लिए गूगल मीट के माध्यम से आयोजित सामुदायिक कनेक्ट पहल में 'गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान पोषण' पर सत्र - डॉ. प्रगति छाबड़ा , डॉ. अनीता गुप्ता

सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, एमआईवाईसीएन आईएपीएसएम और आईसीडीएस आनंद मानसरोवर परियोजना दिल्ली द्वारा 9 अक्टूबर 2020 को आईसीडीएस पर्यवेक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और माताओं के लिए गूगल मीट के माध्यम से आयोजित सामुदायिक कनेक्ट पहल में 'स्तनपान के लाभ' पर सत्र - डॉ. प्रगति छाबड़ा , डॉ. अनीता गुप्ता

बालिका प्रेक्षण गृह, संस्कार आश्रम कैपस, महिला एवं बाल विकास विभाग, जीएनसीटी दिल्ली में 8.2.21 को किशोर लड़कियों के लिए कार्यक्रम में "किशोर स्वास्थ्य में स्वास्थ्य मुद्दे" पर सत्र। -डॉ. प्रगति छाबड़ा, डॉ. अनीता गुप्ता

11 मई 2021 को महिला स्वास्थ्य और कोविड-19 से संबंधित प्रश्नों पर डीडी न्यूज 'डॉ.क्टर्स स्पीक' कार्यक्रम के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित - डॉ. अनीता गुप्ता

डीडी न्यूज द्वारा 20 सितंबर 2020 को "किड्स टाइम" कार्यक्रम में प्रसारित होने वाले पोषण पर एक कहानी के लिए "सभी उम्र में महिलाओं के लिए पोषण" पर आम जनता के लिए एक संदेश देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया - डॉ. अनीता गुप्ता

6 सितंबर, 2020 को पोषण आवश्यकता और महिलाओं, बच्चों और किशोरों के लिए इसके महत्व पर बात करने के लिए पोषण माह उत्सव के अवसर पर एक विशेषज्ञ के रूप में "कुल स्वास्थ्य एक लाइव कार्यक्रम" के लिए डीडी न्यूज द्वारा आमंत्रित किया गया। -डॉ. अनीता गुप्ता

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के एक स्वायत्त संगठन, विज्ञान प्रसार (वीपी) द्वारा 22 जुलाई 2020 को 'स्तनपान: शिशु पोषण का आधार' के बारे में एक टीवी शो के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डीडी न्यूज टोटल हेल्थ द्वारा 26 अप्रैल, 2020 को कोविड और स्तनपान के बारे में जन जागरूकता के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

2 अगस्त 2020 को एक दूसरे को ठीक करने के लिए कोविड समय पर शुरू किये गये - हीलिंग अवसर अर्थ - एक वैश्विक मंच के माध्यम से - (18000 से अधिक जुड़ाव की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया के साथ) "कोविड के दौरान स्तनपान" पर बात करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

25 जून 2020 और अगस्त 2020 में डॉ. अनीता गुप्ता को आईमम्ज (20000 से अधिक एएनसी और स्तनपान कराने वाली माताओं से जुड़ने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म) द्वारा आमंत्रित किया गया- एपिसोड 82 में डॉ. अनीता गुप्ता के साथ- मुझसे कुछ भी पूछें - विषय: स्तनपान और स्तनपान के बारे में सब कुछ।

संकाय की संख्या: 9

सामुदायिक चिकित्सा (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने सार्स-कोव-2 महामारी से संबंधित कई कामों में सक्रिय रूप से भाग लिया। संकाय और आवासियों को नई दिल्ली जिले में रोकथाम और नियंत्रण उपायों में तकनीकी सहायता के लिए जिला रैपिड रिस्पांस टीम के हिस्से के रूप में तैनात किया गया था और दिल्ली सरकार को फील्ड स्तर पर सभी रोकथाम और संपर्क ट्रेसिंग गतिविधियों के बारे में सलाह दी गई थी। संकाय सदस्य कोविड नियंत्रण गतिविधियों के विशेषज्ञ मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के लिए विभिन्न राज्यों में भेजी गई केंद्रीय टीमों का हिस्सा थे।

डॉ. मनीष के. गोयल को 'डायमंड प्रिंसेस' से भारतीयों की स्क्रीनिंग और निकासी के लिए केंद्रीय टीम के हिस्से के रूप में जापान में प्रतिनियुक्त किया गया था। विभाग के आवासियों ने आईजीआई हवाई अड्डे और निजामुद्दीन कंटेनमेंट जोन, वाईएमसीए में कोविड केयर सेंटर और कोविड वाई इयूटी पर भी स्क्रीनिंग गतिविधियों में भाग लिया। एलएचएमसी अस्पताल के कोविड कंट्रोल रूम के साथ-साथ निर्माण भवन स्थित एमओएचएफडब्ल्यू कंट्रोल रूम के प्रबंधन में भी योगदान दिया गया।

महामारी और भौतिक कक्षाओं के बंद होने के कारण प्रतिबंधों के बावजूद, शिक्षण के ऑनलाइन मोड में तेजी से और कुशल बदलाव के परिणामस्वरूप सभी शैक्षणिक गतिविधियाँ जारी रहीं। लॉकडाउन अवधि के दौरान और बाद में विभाग द्वारा कई वेबिनार और जागरूकता पैदा करने की गतिविधियाँ की गईं।

प्रकाशन

आचार्य ए.एस., देबबर्मा एस., रसनिया एस.के., तिवारी एन., बचानी डी., खांडेकर जे. पूर्वी दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में भारतीय मधुमेह जोखिम स्कोर का उपयोग करते हुए मधुमेह का जोखिम मूल्यांकन। इंडियन जे कॉम हेल्थ। 2020;32(2):354-358.

गुप्ता ए., आचार्य ए.एस., रसानिया एस.के., रे टी.के., एस.के. जैन। स्कूली उम्र के बच्चों (6-14 वर्ष) में मृदा संचरित कृमि संक्रमण की व्यापकता और जोखिम कारक - दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में एक पार अनुभागीय अध्ययन। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ. 2020; 64:333-8.

सिंह एम., रैना एस., पाराशर एम., गुप्ता ई., गोस्वामी एस., एम.के. गांधी। क्या कैलोरी की मात्रा भारत में गैर-संचारी रोगों का मूल चालक है - एक व्यवस्थित समीक्षा। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ 2020;64:161-167.

पाराशर एम., जोसेफ बी., कौर जे., एम. सिंह। सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच स्व-स्तन परीक्षण के संबंध में जागरूकता और व्यवहार पर संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव। जे ऑफ द साइंटिफिक सोसाइटी 2020; 47 (1): 8.

यादव के., रे लस्कर ए., एस.के. रसानिया। दिल्ली में स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच कोविड-19 से संबंधित कलंक और आशंकाओं पर एक अध्ययन। इंट जे कॉम मेड पब्लिक हेल्थ। नवंबर 2020; 7(11):4547-4553

प्रियंका, गोयल एम.के., एस.के. रसानिया। स्नातक मेडिकल छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकों का एक अध्ययन। इंडियन जे. कम्युनिटी फैम. मेड. 2020; 6:137-43.

वर्मा डी., आचार्य ए.एस., बचनी डी., ए. सेठ। एचआईवी के साथ रहने वाले बच्चों में उपचार के पालन को प्रभावित करने वाले कारक। इंडियन जे सेक्स ट्रांसम. डिस 2020; 41:181-7

संगमा आर.वी.एन, रसनिया एस.के., प्रसूना जे.जी., दास आर., एम. जैस। पुनर्वास कॉलोनी, दिल्ली में रहने वाले पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में डायरिया की बीमारियां और वॉश प्रथाओं और एमपीएन से इसका संबंध। इंडियन जे ऑफ कॉम हेल्थ 2020; 32 (3): 512-517

ठाकुर ए., लस्कर ए.आर., आचार्य ए.एस., रसनिया एस.के., ए जैन। डाइट एंड डायलॉग स्किल्स: लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के मेडिकल छात्रों द्वारा आहार प्रदर्शन के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2021; 46:134-6.

प्रभाकर टी., गोयल एम.के., आचार्य ए.एस., एस.के. रसनिया। दिल्ली के एक उपनगरीय इलाके में बुजुर्गों में गैर-संचारी रोगों की व्यापकता और पैटर्न। इंडियन जे कम्युनिटी हेल्थ 2021; 33(1):75-81.

साहू आर., लस्कर ए.आर., यादव ए.के., कुंटे आर., फौजदार डी.एस., वर्किंग ग्रुप एट अल। मिर्जापुर जिला, उत्तर प्रदेश, भारत में धार्मिक समारोह से जुड़े एक स्कूल में तीव्र आंत्रशोथ का प्रकोप। इंडस्ट्रीज जे पब हेल्थ, 2021 जनवरी; 65(1): S18-22.

प्रियंका, एस.के. रसानिया। स्व ने भारत की सामान्य आबादी के बीच कोविड -19 महामारी के मनोवैज्ञानिक प्रभाव की सूचना दी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट मेडिकल एंड फॉर्मस्युटिकल रिसर्च 2021;7(1):5485-8.

प्रियंका, गुप्ता ई. फरीदाबाद की वयस्क आबादी में भारतीय मधुमेह जोखिम स्कोर का उपयोग करके मधुमेह के जोखिम की भविष्यवाणी करना। ऐन कम्युनिटी हेल्थ 2021; 9(1):102-107.

बनर्जी बी, अरोड़ा ई., सिंह पी., बुद्ध एन., पी. मिश्रा। दिल्ली में एक ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में कोविड-19 महामारी की रोकथाम और प्रबंधन में उनकी भूमिका के संबंध में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण और मूल्यांकन। इंटर जे एड कम्युनिटी मेड 2021; 4(1):40-43.

अरोड़ा ई व अन्य। दिल्ली में एक ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में भाग लेने वाले रोगियों के बीच चल रही कोविड-19 महामारी के बारे में ज्ञान और धारणा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ। <<https://www.ijcmph.com/index.php/ijcmph/article/view/7463>>.doi:http://dx.doi.org/10.18203/2394-6040.ijcmph20210849 पर उपलब्ध है।

जर्नल

डॉ. मनीष के गोयल: सह संपादक आईजेओवाईएच

अनुसंधान परियोजनाएँ

आईसीएमआर के अंतर्गत एसटीएस परियोजना, दिल्ली की स्कूल जाने वाली किशोर छात्राओं के बीच चिंता का स्तर और शारीरिक स्वास्थ्य, सुश्री रीवा मेहता- परियोजना आई /से: डॉ. मनीष के गोयल

फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित परियोजना का शीर्षक "दिल्ली के पालम क्षेत्र में 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में डब्ल्यूएचओ/आईएसएच जोखिम भविष्यवाणी चार्ट का उपयोग करके हृदय और स्ट्रोक जोखिम का आकलन"।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन: (कुल संख्या- 4)

20/05/2020 को सामुदायिक चिकित्सा विभाग में "लॉकडाउन के बाद का जीवन" पर वेबिनार

17/07/2020 को विश्व जनसंख्या दिवस अभियान के हिस्से के रूप में नए गर्भनिरोधक तरीकों पर वेबिनार और "जनसंख्या हलचल पखवाड़ा" या "सेवा वितरण पखवाड़ा" आयोजित किया गया था।

24/10/2020 को "कोविड-19, वेक्टर जनित रोग और वायु प्रदूषण" पर वेबिनार

23/01/2021 को आईएपीएसएम के तत्वावधान में सामुदायिक चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के सहयोग से एवियन इन्फ्लुएंजा: एक नया खतरा पर वेबिनार

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

सिंह के, घई ए, आचार्य एस, रसानिया एसके, जे. खांडेकर। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा 18 से 21 मार्च 2021 तक आयोजित राष्ट्रीय आईएपीएसएमसीओएन सम्मेलन में टाइप-II डायबिटीज मेलिटस रोगियों में उपचार का पालन: पूर्वी दिल्ली से एक पार अनुभागीय अध्ययन शीर्षक शोध प्रस्तुत किया गया।

वाज़ आरपी, आचार्य एस, एस के रसानिया। 18 से 21 मार्च 2021 तक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आईएपीएसएमसीओएन सम्मेलन में पूर्वी दिल्ली के ऑटो रिक्शा चालकों के बीच क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज की व्यापकता: एक पार अनुभागीय अध्ययन, शीर्षक शोध प्रस्तुत किया गया।

वाज़ आरपी, गुप्ता ए, आचार्य एस, एस के रसानिया। 18 से 21 मार्च 2021 तक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आईएपीएसएमसीओएन सम्मेलन में मृदा संचरित हेल्मिंथियासिस के प्रसार और स्कूली उम्र के बच्चों (6-14 वर्ष) के बीच पोषण की स्थिति के साथ इसका संबंध पर एक अध्ययन। शीर्षक शोध प्रस्तुत किया गया पेपर

प्रभाकर टी, गोयल एमके, आचार्य ए.एस. 19-2 मार्च 2021 को चंडीगढ़ में इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 21 वीं सदी में सार्वजनिक स्वास्थ्य: वर्तमान चुनौतियाँ और भविष्य के अवसर में गैर-संचारी रोगों से पीड़ित बुजुर्गों में मोनो-रुग्णता और बहु-रुग्णता। पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

प्रियंका, गोयल एमके, रसनिया एसके। चिकित्सा पेशे के बारे में मेडिकल छात्रों की धारणा: क्या स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान कोई बदलाव आया है। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा 18 से 21 मार्च 2021 तक आयोजित राष्ट्रीय आईएपीएसएमसीओएन सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

डी.पी. लाल, धीमान बी, गोयल एम.के, लस्कर ए.आर. भारत में सर्जिकल स्थितियों से संबंधित उपचार में बाधाएं: एक दृष्टिकोण। 18 से 21 मार्च 2021 तक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आईएपीएसएमसीओएन सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के साथ मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए सहयोग

प्री हॉस्पिटल ट्रॉमा तकनीशियनों के प्रशिक्षण के लिए अन्य विभागों के साथ सहयोग करना।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

सामुदायिक चिकित्सा इकाई, कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल: विभाग बाल स्वास्थ्य संवर्धन क्लिनिक (सीएचपीसी) में भाग लेने वाले बच्चों को निम्नलिखित प्रोत्साहन और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है।

टीकाकरण के लिए परामर्श

विकास निगरानी और पोषण परामर्श

स्वास्थ्य शिक्षा सत्र

परिवार कल्याण के लिए परामर्श

गैर संचारी रोगों के संबंध में साथ आने वाले वयस्कों के लिए स्क्रीनिंग और परामर्श।

संकाय की संख्या: 13

सामुदायिक चिकित्सा (एमएमसी)

संकाय का नाम: 12

अनुसंधान योजना

चल रही परियोजनाएँ

डॉ. नंदिनी शर्मा

चालू परियोजनाएँ

प्रधान अन्वेषक: सार्वजनिक स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रभाव - एक अवलोकन अध्ययन, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा वित्त पोषित।

प्रधान अन्वेषक: भारत और अमेरिका में साइबर धमकी को रोकने के लिए क्षमता निर्माण: मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा वित्त पोषित एक पार सांस्कृतिक सहयोग।

प्रधान अन्वेषक: भारत में गुप्त टीबी का प्रबंधन: वर्तमान स्थिति और विस्तार मॉडल की व्यवहार्यता, आरएनटीसीपी, एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित

प्रधान अन्वेषक: दिल्ली में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी और स्लम में डेंगू और चिकनगुनिया के महामारी विज्ञान सर्वेक्षण पर ध्यान देने के साथ एक स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय निगरानी साइट का विकास। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा वित्त पोषित

प्रधान अन्वेषक: दिल्ली में सार्स सीओवी-2 संक्रमण की व्यापकता और रुझान: जनसंख्या आधारित सीरो महामारी विज्ञान अध्ययन, एनसीटी सरकार, दिल्ली

प्रधान अन्वेषक: मानव कोविड -19 संक्रमणों को समझना: एक डीबीटी इंडिया कंसोर्टियम

प्रधान अन्वेषक: भारत में उच्च जोखिम वाले घरेलू तपेदिक संपर्कों में गुप्त तपेदिक संक्रमण के लिए आईएनएच-रिफॉपेन्टाइन निवारक चिकित्सा का कार्यान्वयन: एक समुदाय आधारित पायलट, केंद्रीय टीबी प्रभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित

सह-प्रधान अन्वेषक: दिल्ली की सरकारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में स्वास्थ्य संवर्धन की नीति, धारणा और प्रथाओं पर एक मिश्रित विधि खोजपूर्ण अध्ययन, सीएचईबी द्वारा वित्त पोषित

सह-प्रधान अन्वेषक: एनसीटी, दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित, दिल्ली की सेटिंग में योग्यता और परिचालन में आसानी के लिए घर-आधारित नवजात देखभाल (एचबीएनसी) का आकलन।

2020 में पूरी की गई परियोजनाएं

प्रधान अन्वेषक: आरएनटीसीपी द्वारा वित्त पोषित, मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों के बीच जोखिम कारक और उपचार की तलाश।

सह-प्रमुख अन्वेषक: नोवेल इन-विट्रो डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजीज एनएओआर प्लेटफॉर्म, टेरासिस्टम ब्रीथ एनालाइजर, विरिआन™ टेस्ट और वॉयस पैटर्न टेस्ट और आरटी-पीसीआर का उपयोग भारतीय जनसंख्या में सार्स-कोव-2 के तेजी से परीक्षण के लिए डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड विज्ञान (डीआईपीएस), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा प्रायोजित। अगस्त 2020

डॉ. सुनीला गर्ग

दिल्ली के ग्रामीण और शहरी पुनर्वास क्षेत्रों में किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं का अध्ययन पीआई: डॉ. सुनीला गर्ग सह-पीआई: डॉ. एम.एम. सिंह, डॉ. निधि भटनागर, डॉ. आमोद बोर्ले। वित्त पोषण एजेंसी: दिल्ली एनसीटी की सरकार के स्वास्थ्य विज्ञान निदेशालय।

दक्षिण एशिया एस्ट्रा में धुआं रहित तंबाकू और निर्माण अनुसंधान क्षमता को संबोधित करना, पीआई: डॉ. सुनीला गर्ग, सीओ पीआई: डॉ. एम.एम. सिंह, डॉ. निधि भटनागर, डॉ. आमोद बोर्ले, डॉ. रवि कौशिक

हेल्थकेयर ए वर्कर्स के बीच कोविड-19 संक्रमण के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन प्रोफिलैक्सिस: एक अवधारणा का प्रमाण, अवलोकन अध्ययन, आईसीएमआर डॉ. सुनीला गर्ग डॉ. एमएम सिंह डॉ. आमोद बोर्ले डॉ. निधि भटनागर (आईसीएमआर परियोजना)

कोविड-19 महामारी के कारण धूम्रपान रहित तंबाकू उपयोगकर्ताओं में व्यवहार परिवर्तन का आकलन- डॉ. सुनीला गर्ग, डॉ. चेतना देशमुख, डॉ. एमएम सिंह, डॉ. आमोद बोर्ले, डॉ. निधि भटनागर डॉ. अमनजोत सिंह, डॉ. पराग भारद्वाज (एस्ट्रा परियोजना)

कोविड-19 बहुकेंद्रीय दृष्टिकोण की महामारी के समय में जिला स्तर पर फ्रंटलाइन स्वास्थ्य प्रबंधकों के सामने आने वाली चुनौतियों की जांच के लिए एक संयुक्त मॉडल अध्ययन: डॉ. एमएम सिंह डॉ. सुनीला गर्ग डॉ. आमोद बोर्ले डॉ. निधि भटनागर डॉ. वारिशा मरियम डॉ. मदन मोहन मांजी (आईसीएमआर परियोजना - दिल्ली साइट)

इंदौर, मध्य प्रदेश में एंटी सार्सकोव 2 एंटीबॉडी की व्यापकता: एक समुदाय आधारित पार अनुभागीय अध्ययन- सलिल सकल 1, सतीश सरोशे 1, हरीश शुक्ला 1, अनीता मुथा 1, अमेया वाज़े 2 अर्पित अरोड़ा 3, आदित्य

अथोत्रा 4, सुदर्शन रामास्वामी 4, अरनिया जैन 5 मीरा धुरिया 4, अनिल डी पाटिल 4। अरविंद राय4, सुनीला गर्ग6, सुधीर के जैन4, ज्योति बिंदल1, सुजीत के सिंह (एनसीडीसी परियोजना)

एनसीडीसी, नई दिल्ली में कोविड-19 के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का अनुभव। कौशल के, धुरिया एम, मरियम डब्ल्यू, जैन एसके, सिंह एस, गर्ग एस, अरुण चौहान, राम सिंह (एनसीडीसी परियोजना)

दिल्ली में सार्स-कोव-2 एंटीबॉडी की व्यापकता: जनसंख्या आधारित पार अनुभागीय अध्ययन- डॉ. सुजीत सिंह डॉ. मीरा धुरिया डॉ. पन्ना लाल डॉ. निधि भटनागर डॉ. सुनीला गर्ग डॉ. जुगल किशोर डॉ. नूतन मुंडेजा (एनसीडीसी द्वारा समर्थित)

डॉ. एम. एम. सिंह

दिल्ली के ग्रामीण और शहरी पुनर्वास क्षेत्रों में किशोरियों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं का अध्ययन। पीआई: डॉ. सुनीला गर्ग सह-पीआई: डॉ. एम.एम. सिंह, डॉ. निधि भटनागर, डॉ. आमोद बोर्ले वित्तपोषक एजेंसी: स्वास्थ्य विज्ञान निदेशालय, एनसीटी, दिल्ली सरकार

दक्षिण एशिया में धुआं रहित तंबाकू और निर्माण अनुसंधान क्षमता को संबोधित करना-एस्ट्रा पीआई: डॉ. सुनीला गर्ग, सीओ पीआई: डॉ. एम एम सिंह, डॉ. निधि भटनागर, डॉ. आमोद बोर्ले, डॉ. रवि कौशिक

हेल्थकेयर ए वर्कर्स में कोविड-19 संक्रमण के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन प्रोफिलैक्सिस: एक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट, ऑब्जर्वेशनल स्टडी आईसीएमआर डॉ. सुनीला गर्ग, डॉ. एमएम सिंह डॉ. आमोद बोर्ले, डॉ. निधि भटनागर (आईसीएमआर परियोजना)

कोविड-19 महामारी के कारण धूम्रपान रहित तंबाकू उपयोगकर्ताओं में व्यवहार परिवर्तन का आकलन। डॉ. सुनीला गर्ग, डॉ. चेतना देशमुख, डॉ. एमएम सिंह, डॉ. आमोद बोर्ले, डॉ. निधि भटनागर डॉ. अमनजोत सिंह, डॉ. पराग भारद्वाज (एस्ट्रा परियोजना)

कोविड-19 बहुकेंद्रीय दृष्टिकोण की महामारी के समय में जिला स्तर पर फ्रंटलाइन स्वास्थ्य प्रबंधकों के सामने आने वाली चुनौतियों की जांच के लिए एक संयुक्त मॉडल अध्ययन: डॉ. एमएम सिंह डॉ. सुनीला गर्ग डॉ. आमोद बोर्ले डॉ. निधि भटनागर डॉ. वारिशा मरियम डॉ. मदन मोहन मांजी (आईसीएमआर परियोजना - दिल्ली साइट)

डॉ. ब्रतती बनर्जी-

सीएचईबी - 2020-21 द्वारा वित्त पोषित "दिल्ली की सरकारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में स्वास्थ्य संवर्धन की नीति, धारणा और प्रथाओं पर एक मिश्रित विधि खोजपूर्ण अध्ययन" शीर्षक अनुसंधान परियोजना में प्रधान अन्वेषक।

डॉ. प्रज्ञा शर्मा-

चल रही परियोजनाएं -

पीआई- स्वदेशी एलिसा किट का उपयोग कर एमएमसी और संबंधित अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में कोविड संक्रमण की व्यापकता

सह- पीआई- डॉ. पन्ना लाल, डॉ. नंदिनी शर्मा, डॉ. रितिका बख्शी

पीआई- दिल्ली, भारत में एक तृतीयक देखभाल कोविड -19 अस्पताल में सार्स-कोव-2 संक्रमण के लिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के बीच प्रसार और जोखिम कारक: एक कोहोर्ट अध्ययन

सह-पीआई: डॉ. सौरव बसु, डॉ. वारिशा मरियम

पीआई- दिल्ली, भारत में घरेलू संपर्कों के बीच कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड -19) के संचरण की गतिशीलता पर एक संभावित अध्ययन

सह-पीआई- डॉ. एमएम सिंह, डॉ. शिवानी राव, डॉ. सौरव बसु, डॉ. वारिशा मरियम

प्रस्तुति के अंतर्गत परियोजनाएं -

दिल्ली की सेटिंग में सक्षमता और परिचालन में आसानी के लिए घर-आधारित नवजात देखभाल (एचबीएनसी) का आकलन।

पूरी की गई परियोजनाएं -

स्वदेशी एलिसा किट का उपयोग करने वाले एमएएमसी और संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच कोविड संक्रमण की व्यापकता।

डॉ. निधि भटनागर

प्रधान अन्वेषक

महामारी के समय में सामुदायिक चिकित्सा विशेषता पर चिंतन।

भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के जीवन की गुणवत्ता।

दिल्ली के स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड 19 वैक्सीन की धारणा

सह-पीआई

एनआईएचआर यूके द्वारा वित्त पोषित यॉर्क विश्वविद्यालय के सहयोग से दक्षिण एशिया (एसटीआरए) में धुआं रहित तंबाकू के उपयोग और निर्माण की अनुसंधान क्षमता को संबोधित करना।

पूरी की गई परियोजना (जनवरी-दिसंबर 2020)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा वित्त पोषित दिल्ली के ग्रामीण और शहरी पुनर्वास क्षेत्रों में किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता अभ्यास।

दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के टीकों के बीच कोविड-19 वैक्सीन के संबंध में इच्छा और धारणा।

दिल्ली की सरकारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में स्वास्थ्य संवर्धन की नीति, धारणा और प्रथाओं पर एक मिश्रित विधि खोजपूर्ण अध्ययन", सीएचईबी - 2020-21 द्वारा वित्त पोषित

डॉ. आमोद एल. बोर्ले

प्रधान अन्वेषक के रूप में:

दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में किशोरों में गैर-संचारी रोगों के जोखिम कारकों पर मोबाइल फोन की लत का प्रभाव

किशोरों में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के बारे में ज्ञान का आकलन और दिल्ली में कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए चुनौतियां और अवसर।

दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के टीका लेनेवालों में कोविड-19 वैक्सीन के संबंध में इच्छा और धारणा।

निम्नलिखित वित्त पोषित परियोजनाओं में सह-अन्वेषक के रूप में:

एनआईएचआर यूके द्वारा वित्त पोषित यॉर्क विश्वविद्यालय के सहयोग से दक्षिण एशिया (एसटीआरए) में धुआं रहित तंबाकू के उपयोग और निर्माण अनुसंधान क्षमता को संबोधित करना।

इस वर्ष पूर्ण परियोजना (जनवरी-दिसंबर 2020)

आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित कोविड-19-मल्टीसेंट्रिक दृष्टिकोण की महामारी के इस समय में जिला स्तर पर फ्रंटलाइन स्वास्थ्य प्रबंधकों के सामने आने वाली चुनौतियों की जांच के लिए एक संयुक्त मॉडल अध्ययन।

हेल्थकेयर वर्कर्स के बीच कोविड-19 संक्रमण के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन प्रोफिलैक्सिस: आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित एक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट, ऑब्जर्वेशनल स्टडी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा वित्त पोषित दिल्ली के ग्रामीण और शहरी पुनर्वास क्षेत्रों में किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता अभ्यास।

डॉ. शिवानी राव

दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी और स्लम में डेंगू और चिकनगुनिया के महामारी विज्ञान सर्वेक्षण पर ध्यान देने के साथ स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय निगरानी साइट का विकास: एक संभावित अवलोकन अध्ययन' (विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित)

दिल्ली, भारत में घरेलू संपर्कों के बीच कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के संचरण गतिकी पर एक संभावित अध्ययन। (दिसंबर 2020 में शुरू) डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषित

प्रजनन आयु वर्ग समुदाय की महिलाओं के बीच स्तन स्व-परीक्षा के लिए मॉडल आधारित प्रशिक्षण और कौशल विकास

अंडरग्रेजुएट मेडिकल छात्रों में तनाव और मुकाबला तंत्र।

दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में प्रजनन आयु की महिलाओं में थायराइड की शिथिलता

दिल्ली के शहरी क्षेत्र में वयस्क पुरुषों में त्वचा रोगों की व्यापकता- सह पर्यवेक्षक

प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में स्तन स्व-परीक्षण के लिए मॉडल आधारित प्रशिक्षण और कौशल विकास का आकलन - एक समुदाय आधारित अध्ययन

पीएच.डी. - 9

डॉ. सुनीला गर्ग

जेरियाट्रिक मेडिसिन 2020 में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए इग्नू से 20 प्रशिक्षु

आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशाला:

डॉ. आमोद एल. बोर्ले

पब मेड सर्च एंड रेफरेंस मैनेजमेंट

प्रकाशन

राठी, ए., नागर, एस., कुमार, वी., लाल, पी., और गोयल, एस. के (2019). दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में रिपोर्ट किए गए मामलों में यौन उत्पीड़न और संबंधित कारक। नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 32(6), 344.

पाराशर, एम., सिंह, एम., लाल, पी., और पाठक, आर (2017). तृतीयक देखभाल स्वास्थ्य क्षेत्र की कामकाजी महिलाओं के बीच जीवन संतुष्टि और सहसंबंध: दिल्ली से एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। जे साइकियाट्री डिप्रेस एंजाइटी, 3(009).

बनर्जी, बी., बनर्जी, आर., इंगले, जी.के., मिश्रा, पी., शर्मा, एन., और गर्ग, एस (2021). अनजाने में बचपन की चोटों और उनके परिणामों को रोकने में एक बच्चे से दूसरे बच्चे के दृष्टिकोण की प्रभावशीलता: एक गैर-यादृच्छिक क्लस्टर-नियंत्रित परीक्षण। इंडियन पीडियाट्रिक्स, S097475591600291.

एस. बसु, नंदिनी शर्मा, सुंदरी मासे और के. एस. सचदेवा, (2020). उच्च बोझ वाले देशों में गुप्त टीबी प्रबंधन के विस्तार में नैतिक मुद्दे। इंडियन जे मेड एथिक्स, 5(1), 53-56.

शर्मा, एन., बसु, एस., चोपड़ा, के.के., और शर्मा, पी. (2020). दिल्ली, भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सकों और चिकित्सा प्रशिक्षुओं के बीच गुप्त टीबी प्रबंधन के विस्तार पर जागरूकता और दृष्टिकोण। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, 67(2), 208-212.

शर्मा, एन., बसु, एस., चोपड़ा, के.के., और शर्मा, पी (2020). दिल्ली, भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सकों और चिकित्सा प्रशिक्षुओं के बीच गुप्त टीबी प्रबंधन के विस्तार पर जागरूकता और दृष्टिकोण। *इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस*, 67(2), 208-212.

सिंह, के., बाली, जे., सिंह, ए., और शर्मा, एन. (2020). कोविड 19: रोकथाम रणनीतियों को लागू करने के लिए बीमारी को समझना। *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज*, 6(1), 7.

मारीमुथु, वाई., नागप्पा, बी., शर्मा, एन., बसु, एस., और चोपड़ा, के. के (2020). कोविड-19 और तपेदिक: दिल्ली, भारत में एक गणितीय मॉडल आधारित पूर्वानुमान। *इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस*, 67(2), 177-181.

गुप्ता, एम.डी., वंसल, ए., सरकार, पी.जी., गिरीश, एम.पी., झा, एम., यूसुफ, जे., और गुप्ता, ए (2021). ईसीजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके कोविड युग में हेल्थकेयर श्रमिकों में बीयूआरएनओयूटी का पता लगाने के लिए एक बुद्धिमान एल्गोरिदम का डिजाइन और औचित्य: ब्रुसी-एलआई अध्ययन। *इंडियन हार्ट जर्नल*, 73(1), 109-113.

मेहदी, एफ., चट्टोपाध्याय, एस., थिरुवेंगदम, आर., यादव, एस., कुमार, एम., सिन्हा, एस.के., ... और बत्रा, जी. (2021). रिसेप्टर-बाइंडिंग डोमेन पर आधारित एक तेज़ सार्स-कोव-2 आईजीजी एलिसा का विकास और आरटी-पीसीआर पॉजिटिव व्यक्तियों से अस्थायी रूप से अलग किए गए नमूनों का उपयोग करके इसका तुलनात्मक मूल्यांकन। *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी*, 3597.

एन शर्मा, (2020). कोविड-19 महामारी का जवाब: भारत के राजधानी शहर में सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज के लिए अनुभव और आगे की राह। *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज*, 6(3), 151.

शर्मा, एन., बनर्जी, बी., राव, एस., बोर्ले, ए.एल., भटनागर, एन., शर्मा, पी., ... और गर्ग, एस (2020). कोविड-19 की प्रतिक्रिया: दिल्ली में एक मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग से सर्वोत्तम अभ्यास। *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज*, 6(3), 156.

बसु, एस., रुस्तगी, आर., शर्मा, पी., शर्मा, एन., और लौल, ए (2020). भारत में चिकित्सा डॉक्टरों के बीच कोविड-19 प्रबंधन पर जागरूकता, अभ्यास और दृष्टिकोण: एक बार-बार क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। *जनसंख्या चिकित्सा*, 2 (दिसंबर), 1-6.

गुप्ता, एम.डी., वंसल, ए., सरकार, पी.जी., गिरीश, एम.पी., झा, एम., यूसुफ, जे., ... और गुप्ता, ए. (2021). ईसीजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके कोविड युग में हेल्थकेयर श्रमिकों में बीयूआरएनओयूटी का पता लगाने के लिए एक बुद्धिमान एल्गोरिदम की डिजाइन और औचित्य: ब्रुसी-एलआई अध्ययन। *इंडियन हार्ट जर्नल*, 73(1), 109-113.

सक्सेना, एस., मनचंदा, वी., सागर, टी., नागी, एन., सिद्दीकी, ओ., यादव, ए., ... और शर्मा, एन. (2021). नई दिल्ली में एक कोविड-19 नामित अस्पताल से सार्स-कोव -2 रोग रोगियों की नैदानिक विशेषता और महामारी विज्ञान की विशेषताएं। *जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी*, 93(4), 2487-2492.

शर्मा, एन., बसु, एस., और शर्मा, पी (2021). दिल्ली, भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान एक संपर्क अनुरेखण एप्लिकेशन को अपनाने के समाजशास्त्रीय निर्धारक। *हेल्थ पॉलिसी एंड टेक्नोलॉजी*, 100496.

बसु, एस., शर्मा, आर., शर्मा, पी., और शर्मा, एन. (2021). दिल्ली, भारत में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के स्नातक छात्रों में सोशल मीडिया के उपयोग से जुड़ा व्यसन जैसा व्यवहार। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री*, 63(1), 35.

शर्मा, एन., भटनागर, ए., बसु, एस., खन्ना, ए., चोपड़ा, के.के., बनर्जी, बी., ... और बब्बर, एन (2020). दिल्ली, भारत में बहुऔषध-प्रतिरोधी और दवा-संवेदनशील टीबी मामलों के बीच रोगी उपचार मार्गों की तुलना: एक पार-अनुभागीय अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस*, 67(4), 502-508.

रुस्तगी, आर., बसु, एस., शर्मा, पी., और शर्मा, एन (2021). दिल्ली, भारत में प्राथमिक देखभाल क्लीनिक में वैक्सीन की बर्बादी को कम करने में खुराक आधारित रिपोर्टिंग टूल की प्रभावशीलता: एक परिचालन अनुसंधान अध्ययन। *ह्यूमन वैक्सीन्स एंड इम्यूनोथेरेप्टिक्स*, 17(3), 824-827.

बसु, एस., मारीमुथु, वाई., शर्मा, एन., शर्मा, पी., गंगाधरन, एन., और संतरा, एस. (2020). दिल्ली, भारत में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्नातक चिकित्सा शिक्षा में शामिल रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच मोबाइल सीखने के प्रति दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन*, 9.

बसु, एस., शर्मा, पी., रुस्तगी, आर., शर्मा, आर., और शर्मा, एन (2020). भारतीय मेडिकल छात्रों के बीच इंटरनेट गेमिंग की लत को मापना: एक नए पैमाने का विकास और प्रारंभिक साइकोमेट्रिक गुण। *इंडस्ट्रियल साइकियाट्री जर्नल*, 29(1), 33.

बसु, एस., शर्मा, एन. (2021). भारत में कोविड-19 प्रबंधन के लिए एक नैतिक ढांचे का विकास करना।

रुस्तगी, आर., बसु, एस., शर्मा, पी., और शर्मा, एन (2021)., दिल्ली, भारत में प्राथमिक देखभाल क्लीनिक में वैक्सीन की बर्बादी को कम करने में खुराक आधारित रिपोर्टिंग टूल की प्रभावशीलता: एक परिचालन अनुसंधान अध्ययन। *ह्यूमन वैक्सीन्स एंड इम्यूनोथेरेप्टिक्स*, 17(3), 824-827.

बसु, एस., मारीमुथु, वाई., शर्मा, एन., शर्मा, पी., गंगाधरन, एन., और संतरा, एस. (2020). दिल्ली, भारत में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्नातक चिकित्सा शिक्षा में शामिल रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच मोबाइल सीखने के प्रति दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन*, 9.

बसु, एस., शर्मा, पी., रुस्तगी, आर., शर्मा, आर., और शर्मा, एन. (2020). भारतीय मेडिकल छात्रों के बीच इंटरनेट गेमिंग की लत को मापना: एक नए पैमाने का विकास और प्रारंभिक साइकोमेट्रिक गुण। *इंडस्ट्रियल साइकियाट्री जर्नल*, 29(1), 33.

संतरा, एस., गर्ग, एस., बसु, एस., शर्मा, एन., सिंह, एम.एम., और खन्ना, ए. (2021). दिल्ली, भारत में तपेदिक विरोधी दवाओं के पालन पर एक एमहेल्थ हस्तक्षेप का प्रभाव: एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ*, 65(1), 34.

शर्मा, एन., बसु, एस., और शर्मा, पी. (2021). दिल्ली, भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान एक संपर्क अनुरेखण एप्लिकेशन को अपनाने के समाजशास्त्रीय निर्धारक। *हेल्थ पॉलिसी एंड टेक्नोलॉजी*, 100496.

भुट्टा, एम. एफ., बू, एक्स., डी मुनोज़, पी.सी., गर्ग, एस., और कोंग, के. (2019). सुनवाई देखभाल प्रदाताओं के लिए प्रशिक्षण। *बुलेटिन ऑफ द वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन*, 97(10), 691.

दहिया, एन., अग्रवाल, के. सिंह, एम.सी., गर्ग, एस., और कुमार, आर. (2019). नई दिल्ली, भारत में महिलाओं में सर्वाङ्कल कैंसर की जांच के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। *त्यू-ची मेडिकल जर्नल*, 31(4), 240.

गर्ग एस., सिंह, एम.एम., हुसैन, एस., और अरोड़ा, आई. (2019). लिंग आधारित हिंसा के स्वास्थ्य और सामाजिक प्रभाव। *पेरीपेक्स-इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च*, 8 (6), 204-206.

मंगला वी., सिंह एम.एम., गर्ग एस., कोनेर, बी.सी., और अनुराधा एस. (2019) दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में विटामिन डी की कमी और संबद्ध कारक: एक पार अनुभागीय अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइटिफिक रिसर्च*, 8(3), 53-55.

बसु, एस., गर्ग, एस. शर्मा, ए., अरोड़ा, ई., और सिंह, एम.एम (2020), ब्रेस्टफीडिंग सेल्फ एफिशिएंसी स्केल का हिंदी वर्जन शॉर्ट फॉर्म: विश्वसनीयता और वैधता का आकलन। *इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन* 45 (3), 348-352.

मरियम, डब्ल्यू., गर्ग, एस., सिंह, एम.एम., कोनेर, बी.सी., अनुराधा, एस., और बसु, एस. (2019). दिल्ली, भारत में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाली महिलाओं में विटामिन डी की स्थिति, निर्धारक और जैव

रासायनिक प्रोफाइल के साथ संबंध। डायबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लीनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज, 13(2), 1517-1521.

बसु, एस., गर्ग, एस., शर्मा, एन., और सिंह, एम. एम. (2019). बेहतर रोगी-प्रदाता संचार के माध्यम से दवा का अनुपालन बढ़ाना: 6ए का हस्तक्षेप। जे एजॉक फिजिशियन इंडिया, 67(7), 69-71.

बसु, एस., गर्ग, एस., शर्मा, एन., और सिंह, एम. एम. (2019). दवा पालन के आकलन में सुधार: निम्न-संसाधन सेटिंग्स पर ध्यान देने के साथ चुनौतियाँ और विचार। त्जू-ची मेडिकल जर्नल, 31(2), 73.

दहिया, एन., अग्रवाल, के. सिंह, एम.सी., गर्ग, एस., और कुमार, आर. (2019). नई दिल्ली, भारत में महिलाओं में सर्वाङ्कल कैंसर की जांच के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। त्जू-ची मेडिकल जर्नल, 31(4), 240.

बसु, एस., गर्ग, एस., सिंह, एम.एम., और कोहली, सी. (2019). दिल्ली में मेडिकल छात्रों के बीच व्यक्तिगत ऑडियो उपकरणों और संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के उपयोग से संबंधित ज्ञान और अभ्यास। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन, 8.

बसु, एस., बुद्ध, एन., गर्ग, एस., सिंह, एम.एम., और शर्मा, ए (2021). दिल्ली, भारत में एक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शिशुओं की माताओं में प्रसवोत्तर अवसाद का बोझ और संबंधित कारक। त्जू-ची मेडिकल जर्नल, 33(1), 70.

बसु, एस., मरियम, डब्ल्यू., संतरा, एस., गर्ग, एस., और सिंघल, आर. (2020). दिल्ली, भारत में एक माध्यमिक देखभाल अस्पताल में जानवरों के काटने के मामलों के बीच पुनः एक्सपोजर पशु काटने का प्रबंधन। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 64(1), 72.

गर्ग, एस., सिंह, एम.एम., रुस्तगी, आर., एंगटिपी, के., और बाला, आई. (2019). दिल्ली में गर्भवती महिलाओं के बीच घरेलू हिंसा का परिमाण और इसका सामाजिक-जनसांख्यिकीय सहसंबंध। फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर जर्नल, 8(11), 3634.

बुद्ध, एन., हुसैन, एस., और गर्ग, एस. (2019). जीका वायरस: एक उभरता हुआ खतरा। सह संपादक, 5(1), 25.

गर्ग, एस., बसु, एस., बसवाल, डी., मरिराम, डब्ल्यू., और रुस्तगी, आर. (2020). भारत में मातृ मृत्यु निगरानी और प्रतिक्रिया कार्यक्रम के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण: ज्ञान मूल्यांकन और विश्लेषणात्मक मूल्यांकन। मिडवाइफरी एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ जर्नल, 8(1), 2041-2049.

हुसैन एस., गर्ग एस., (2019). मलेरिया के टीके का शुभारंभ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 8 (5), 527 - 528.

भावसार, ए., टैम, सी.सी., गर्ग, एस., जेमी, जी.आर., टॉरेल, ए.एफ., चोंग, एस.एन., और नीलॉन, जे. (2019). भारतीय बच्चों में संक्रमण का अनुमानित डेंगू बल और प्राथमिक संक्रमण का बोझ। बीएमसी पब्लिक हेल्थ, 19(1), 1-6.

गर्ग, एस., और देशमुख, सी (2020). तंबाकू: कोविड 19 के लिए एक अदृश्य और तत्काल खतरा। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ, 32.

गर्ग, एस., गंगाधरन, एन., भटनागर, एन., सिंह, एम.एम., रैना, एस.के., और गलवांकर, एस. (2020). टेलीमेडिसिन: कोविड-19 महामारी के दौरान आभासी देखभाल को अपनाना। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 9(9), 4516.

गर्ग, एस., भटनागर, एन., सिंह, एम.एम., बोर्ले, ए., रैना, एस.के., कुमार, आर., और गलवांकर, एस (2020). भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाना; कोविड-19 महामारी में सबक सीखना। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 9(12), 5853.

गर्ग, एस., और देशमुख, सी (2020). तंबाकू: कोविड- 19 के लिए एक अदृश्य और तत्काल खतरा। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ, 32.

गर्ग, एस., देशमुख, सी.पी., सिंह, एम.एम., बोर्ले, ए., और विल्सन, बी.एस. (2021). कोविड-19 की नकाबपोश दुनिया में बधिरों और श्रवण बाधितों की चुनौतियाँ। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन: ऑफिशियल पब्लिकेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन, 46(1), 11.

गर्ग, एस., सिंह, एम.एम., देशमुख, सी.पी., भटनागर, एन., बोर्ले, ए.एल., और कुमार, आर. (2021). कोविड-19 महामारी के लिए झुंड प्रतिरक्षा का महत्वपूर्ण व्याख्यात्मक संश्लेषण। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 10(3), 1117.

गर्ग, एस., बिष्ट, यू., और सिंह, एम. एम (2020). कोविड-19 महामारी में ऑनलाइन परामर्श की समीक्षा: भारतीय परिप्रेक्ष्य।

गर्ग, एस., बसु, एस., रुस्तगी, आर., और बोर्ले, ए (2020). भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान आउट पेशेंट सेवा प्रावधान के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा की तैयारी: पार-अनुभागीय अध्ययन। जेएमआईआर पब्लिक हेल्थ एंड सर्विलांस, 6(2), e19927.

सकले, एस., सरोशे, एस., शुक्ला, एच., मुथा, ए., वेज़, ए., अरोड़ा, ए., और सिंह, एस.के (2021). इंदौर, मध्य प्रदेश में एंटी-सार्स-कोव-2 एंटीबॉडी की सेरोप्रेवलेंस: एक समुदाय-आधारित पार-अनुभागीय अध्ययन, अगस्त 2020। फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर जर्नल, 10(3), 1479.

कौशल, के., धुरिया, एम. मरियम, डब्ल्यू., जैन, एस.के., सिंह, एस. गर्ग, और सिंह, आर (2021). एनसीडीसी, नई दिल्ली में कोविड-19 के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का अनुभव। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 10(3), 1082.

रैना, एस.के., कुमार, आर., नटराजन, एस., गिलाडा, आई., गर्ग, एस., धारीवाल, ए.सी., और अग्रवाल, पी (2021). कोविड-19 जैसी महामारियों के दीर्घकालिक समाधान की भारत की आवश्यकता: ऑर्गनाइज्ड मेडिसिन एकेडमिक गिल्ड द्वारा एक नीति शोध। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 10(4), 1508.

बनर्जी, बी., बनर्जी, आर (2020). सार्स-कोव-2 और कोविड-19 में तंबाकू की भूमिका: एक व्यापक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉन-कम्यूनिकेबल डिजिजेज, 5(2), 70-75.

बनर्जी, बी (2020). कोविड-19 नियंत्रण: नियामक दृष्टिकोण के लिए कानूनी ढांचा। जर्नल ऑफ कम्प्रिहेन्सिव हेल्थ, 8(2), 66-73.

बनर्जी, बी (2020). कोविड-19 एंड बियाँड: द वे फॉरवर्ड फॉर पब्लिक हेल्थ इन इंडिया। इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिकेबल डिजिजेज, 6(1), 3-20.

बनर्जी, आर., और बनर्जी, बी (2020). भारत में कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक दृष्टिकोण और सरकारी निर्देशों का पालन। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 6(2), 90.

मलिक, डी.बी., दत्त, डी., बनर्जी, बी., और भट्टाचार्य, ए (2020). कोलकाता में एक तृतीयक देखभाल संस्थान में भाग लेने वाले मौखिक और ऑरोफरीन्जियल कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, 7(1), 243.

बसु, एस. यादव, पी. बनर्जी, बी., और यादव, ए (2020). दिल्ली, भारत में एक ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य क्लिनिक में एक पाठ-संदेश तंबाकू समाप्ति कार्यक्रम में नामांकन को बढ़ावा देने में क्लिनिक-आधारित व्यवहारिक हस्तक्षेप का प्रभाव। टोबैको प्रिवेंशन एंड सीजेशन, 6.

लच्यान, ए.एस., फूई, डब्ल्यू.एम., बनर्जी, बी., और ज़की, आर.ए. (2021). परिस्थितिजन्य विश्लेषण: विकासशील देशों में जेरोनटेक्नोलॉजी और वृद्ध व्यक्तियों की भलाई।

लच्यान, ए.एस., खान, ए.एम., जकी, आर.ए., और बनर्जी, बी (2020). भारत में शहरी गरीब समुदाय के बीच डेंगू और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता पर समुदाय आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक व्यवस्थित समीक्षा दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, 7(12), 5182.

पांगटे, आर., बसु, एस., मीना, जी.एस., और बनर्जी, बी (2020). दिल्ली, भारत के एक शहरी क्षेत्र में कथित तनाव और इसके महामारी विज्ञान और व्यवहार संबंधी सहसंबंध: एक समुदाय-आधारित पार-अनुभागीय अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन, 42(1), 80-86.

दहिया, एन., अग्रवाल, के., और कुमार, आर (2020). उत्तर भारत में प्रसवपूर्व क्लिनिक में पंजीकृत महिलाओं में प्रसवपूर्व अवसाद की व्यापकता और सहसंबंध। त्जू-ची मेडिकल जर्नल, 32(3), 267.

बसु, एस., इंग्तिपी, के., और कुमार, आर (2020). दिल्ली, भारत में सीमित चिकित्सा आयुध के साथ प्राथमिक देखभाल क्लिनिक में भाग लेने वाले रोगियों के बीच उच्चरक्तचापरोधी उपचार के पालन के निर्धारक: एक गुणात्मक अध्ययन। क्रॉनिक इलनेस, 1742395320959418.

शर्मा, एन., बसु, एस., खन्ना, ए., शर्मा, पी., चोपड़ा, के.के., और चंद्रा, एस (2021). दिल्ली, भारत में तपेदिक रोगियों के साथ रहने वाले बच्चों के बीच आइसोनियाज़िड प्रिवेंटिव थेरेपी का पालन: एक खोजपूर्ण संभावित अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस।

बसु, एस., रुस्तगी, आर., शर्मा, पी., शर्मा, एन., और लौल, ए (2020). भारत में चिकित्सा डॉक्टरों के बीच कोविड-19 प्रबंधन पर जागरूकता, अभ्यास और दृष्टिकोण: एक बार-बार क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। पॉपुलेशन मेडिसिन, 2 (दिसंबर), 1-6.

रुस्तगी, आर., बसु, एस., शर्मा, पी., और शर्मा, एन (2021). दिल्ली, भारत में प्राथमिक देखभाल क्लीनिक में वैक्सीन की बर्बादी को कम करने में खुराक आधारित रिपोर्टिंग टूल की प्रभावशीलता: एक परिचालन अनुसंधान अध्ययन। ह्यूमन वैक्सीन एंच इम्यूनोथेरेप्यूटिक्स, 17(3), 824-827.

शर्मा, पी., चावला, आर., बखशी, आर., सक्सेना, एस., बसु, एस., भारती, पी.के., ... और लाल, पी. (2021). नई दिल्ली, भारत में एक शिक्षण अस्पताल के कर्मचारियों के बीच सार्स-कोव-2 और सेरोपोजिटिविटी के भविष्यवक्ता के प्रति एंटीबॉडी की व्यापकता। ओसोंग पब्लिक हेल्थ एंड रिसर्च पर्सपेक्टिव्स, 12(2), 88.

रुस्तगी, आर., शर्मा, पी., बसु, एस (2020). दिल्ली के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में नामांकित अंडरग्रेजुएट्स के बीच एनीमिया के बोझ और इसके भविष्यवाणियों का एक सर्वेक्षण। जर्नल ऑफ दत्तामेघा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज।

शर्मा, पी., मारीमुथु, वाई., बसु, एस., और माला, एन (2021). दिल्ली, भारत में माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पतालों में प्रसवपूर्व महिलाओं के बीच तीव्र केस पता करने के लिए तपेदिक स्क्रीनिंग की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता। इंडियन जे ट्यूबरकुलोसिस।

शर्मा, पी., यामिनी, एम।, मिड अपर आर्म परिधि अंडरन्यूट्रिशन के आकलन के लिए: क्या यह दिल्ली, भारत में गर्भवती महिलाओं में नैदानिक रूप से सटीक है। प्रिवेंटिव मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ जर्नल।

शर्मा, पी., यामिनी, एम।., दिल्ली, भारत में एक माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रसवपूर्व महिलाओं के बीच गहन मामले की खोज के लिए तपेदिक स्क्रीनिंग की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता। जर्नल ऑफ ग्लोबल इन्फेक्सियस डिजीजेज।

राव, एस., सेथुरमन, ए.आर., पांडुरंग, वी.टी (2020). द्वीपों में डेंगू की घटनाएँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, 7 (9), 3367-3370

पुस्तकों/अध्यायों/का योगदान:

डॉ. सुनीला गर्ग- रैना, एस.के., कुमार, आर., नटराजन, एस., गिलाडा, आई., गर्ग, एस., धारीवाल, ए.सी., ... और अग्रवाल, पी (2021). कोविड-19 जैसी महामारियों के दीर्घकालिक समाधान की भारत की आवश्यकता: ऑर्गनाइज्ड मेडिसिन एकेडमिक गिल्ड द्वारा एक नीति शोध। जर्नल ऑफ़ फ़ैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 10(4), 1508.

सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता:

डॉ. पन्ना लाल

7 नवंबर, 2020 को सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित दिल्ली के ग्रामीण और शहरी पुनर्वास क्षेत्रों में किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता अभ्यास शीर्षक के अध्ययन के लिए आभासी प्रसार कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. सुनीला गर्ग

डब्ल्यूएचओ की बैठक में भाग लिया और एसईएआर क्षेत्र के स्कूलों में कान और श्रवण देखभाल को बढ़ावा देने पर शोध प्रस्तुत किया।

यॉर्क, यूके (20 से 25 जनवरी 2020) में एस्ट्रा कंसोर्टियम में भाग लिया और धुआं रहित तंबाकू पर युवा सर्वेक्षण प्रस्तुत किया।

वेबिनार

"इन्फ्रास्ट्रक्चर: फ्यूचर महामारी फ्रेंडली इन्फ्रास्ट्रक्चर (25 अप्रैल 2020) पर वेबिनार -डॉ. सुनीला गर्ग

"कोविड-19 की रोकथाम (6 मई 2020) पर वेबिनार -डॉ. सुनीला गर्ग

"कोविड के नए संपादित लाभ और हानि- (9 मई 2020) पर वेबिनार -डॉ. सुनीला गर्ग

"कोविड -19 संचरण के तरीकों के मद्देनजर उभरते और ट्राइएज क्षेत्र में उभरते नियंत्रण (18 जुलाई) पर वेबिनार -डॉ. सुनीला गर्ग

"क्लीनिक फिर से खोलना" (19 जुलाई) पर वेबिनार- डॉ. सुनीला गर्ग

"कोविड-19 में स्कूलों को फिर से खोलने में सुरक्षा मानदंडों को लागू करना (19 जुलाई) पर वेबिनार - डॉ. सुनीला गर्ग

एचपीएन वेबीसोड- "श्रमिकों के स्वास्थ्य के नए मानदंड" (23 जुलाई) डॉ. सुनीला गर्ग

"आउटलाइन विवाद निवारण पर ई-मध्यस्थता की भूमिका" (25 जुलाई) पर वेबिनार- डॉ. सुनीला गर्ग

फिक्की: "कोविड हेल्थ केयर वर्ल्ड पोस्ट करें। नई शुरुआत" (31 जुलाई) पर वेबिनार- डॉ. सुनीला गर्ग

विजन 2020: क्या कोविड -19 फिर से बढ़ेगा? हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया (8 अगस्त) डॉ. सुनीला गर्ग

कोविड-19 प्रशासन पर फिक्की वर्किंग ग्रुप (17 नवंबर)-डॉ. सुनीला गर्ग

फिक्की के लिए चर्चा "वैक्सीन प्रशासन के लिए मॉड्यूल (20 नवंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

अकादमिक आईएपीएसएम ईकनेक्ट: "भारत में कोविड-19 महामारी विज्ञान की स्थिति: दिल्ली मुंबई गुजरात (18 दिसंबर 2020) डॉ. सुनीला गर्ग

ज़ूम मीटिंग्स

कोविड-19 में ठीक होना नियम है और मृत्यु अपवाद, असामान्य कोविड अभिव्यक्ति (4 जुलाई 2020) डॉ. सुनीला गर्ग

कोविड-19 वैक्सीन अपडेट (11 जुलाई 2020): डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 के तरीके को ध्यान में रखकर आपातकालीन और ट्राइएज क्षेत्र में इंजीनियरिंग नियंत्रण

ट्रांसमिशन (18 जुलाई) डॉ. सुनीला गर्ग

कोविड युग में सहमति- परिवर्तन की आवश्यकता (1 अगस्त)- डॉ. सुनीला गर्ग

कोविड-19 (17 अगस्त) के दौरान मास्क के उपयोग की डिफेंडिंग- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: पोस्ट कोविड -19 सूजन (22 अगस्त)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: फेक न्यूज इंफोडेमिक (5 सितंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: विभिन्न परिस्थितियों में महामारी युग में फेस मास्क पहनने पर विचार (12 सितंबर- डॉ. सुनीला गर्ग)

एचसीएफआई: कोविड -19 युग में पार्श्व सोच (19 सितंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 पुनः संक्रमण!! (26 सितंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: वैक्सीन अपडेट (10 अक्टूबर) डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: फेस मास्क की गुणवत्ता (17 अक्टूबर): डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: अनलॉकिंग के दौरान कोहार्टिंग - विभिन्न दृष्टिकोण (24 अक्टूबर) डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: अलग-अलग वैज्ञानिक रिपोर्टों की उपस्थिति में किसी विशेष दवा की उपयोगिता के बारे में राय भिन्न होने पर क्या करें! (31 अक्टूबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: क्या मेरा कोविड गंभीर है (7 नवंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: दिवाली समारोह - आध्यात्मिक अर्थ को समझना (14 नवंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: भारत में कोविड के टीके (21 नवंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 महामारी से व्यक्तिगत और व्यावसायिक सीख साझा करना (28 नवंबर) - डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: रिपोर्ट के अनुसार मानव में 10 दिनों के लिए कोविड 19 वायरस संक्रामक है - 14 -17 दिनों के लिए संगरोध/पृथक्करण क्यों? : डॉ. सुनीला गर्ग

कोविड-19 संक्रमण के लिए उपचार रणनीतियाँ (12 दिसंबर): डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: वैक्सीन के प्रति झिझक से निपटने के लिए एकजुट होने का समय (19 दिसंबर): डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: नए वेरिएंट कोविड-19 (26 दिसंबर)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: राउंड अप एक्टिविटीज ईयर 2020 (2 जनवरी 2021)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 वैक्सीन मिथकों पर सहमति दस्तावेज (9 जनवरी 2021): डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 वैक्सीन - संकेत और मतभेद (16 जनवरी 2021): डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 वैक्सीन - सीआरपी 1 से कम क्यों? (23 जनवरी 2021) डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 वैक्सीन पर अनुत्तरित प्रश्न! (30 जनवरी 2021) डॉ. सुनीला गर्ग

टीकाकरण के बाद होने वाली मौतों सहित प्रतिकूल घटनाएं (6 फरवरी 2021) - डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: टीकाकरण के बाद एंटीबॉडी के प्रकार प्राकृतिक संक्रमण (13 फरवरी 2021)- डॉ. सुनीला गर्ग

वार्षिक बैठक और वैक्सीन कवरेज की गति पर चर्चा करने के लिए ओएमएजी जूम बैठक (14 फरवरी 2021)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: मुंबई में मामलों का बढ़ना (20 फरवरी 2021)- डॉ. सुनीला गर्ग

एचसीएफआई: कोविड 19 के संबंध में प्रतिरक्षा पासपोर्ट (27 फरवरी 2021)- डॉ. सुनीला गर्ग

डॉ. ब्रतती बनर्जी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 64वें राष्ट्रीय आईपीएचए सम्मेलन में भाग लिया
इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन 2020 के 64वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आईफॉकॉन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी समिति में मॉडरेटर

डॉ. राजेश कुमार

आईपीएसएम सम्मेलन 2020 भारत, महाबलीपुरम तमिलनाडु का 47 वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन।

क्यूजीआईएस, एमएम कॉलेज पर कार्यशाला

एपी-कलेक्ट वर्कशॉप, एमएमसी

डॉ. प्रजा शर्मा

दिल्ली सीरोसर्व के लिए पूरी दिल्ली में चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया।

डॉ. निधि भटनागर

22 से 24 जनवरी 2020 तक एस्ट्रा प्रोजेक्ट टीम के एक भाग के रूप में यॉर्क विश्वविद्यालय, यूके में वार्षिक संगोष्ठी और बैठक में भाग लिया

दिल्ली में कोविड-19 महामारी की स्थिति प्रस्तुत करते हुए आईपीएसएम की ई-कनेक्ट पहल में भाग लिया।

डॉ. आमोद एल बोर्ले

28-30 जनवरी 2020 को महाबलीपुरम में आईपीएसएम का वार्षिक सम्मेलन

22 से 24 जनवरी 2020 तक एस्ट्रा प्रोजेक्ट टीम के एक भाग के रूप में यॉर्क विश्वविद्यालय, यूके में वार्षिक संगोष्ठी और बैठक में भाग लिया

कार्यशालाओं में प्रतिभागिता: कुल- 9

डॉ. शिवानी राव

दिल्ली सचिवालय में 18 और 19 फरवरी 2020 को - मानकों और प्रोटोकॉल को मजबूत करके परिवार नियोजन कार्यक्रम को मजबूत करने पर कार्यशाला में भाग लिया।

एमएमसी में 24 दिसंबर 2020 को कोविड वैक्सीन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

महत्वपूर्ण घटनाएँ (संकाय को सम्मान)

डॉ. आमोद एल बोर्ले

जनवरी - मार्च 2020 में एनपीसीडीसीएस के अंतर्गत राज्य और जिला स्तर के प्रशिक्षण में अतिथि संकाय के रूप में।

इग्नू के पीजीडीजीएम कोर्स के लिए संकाय।

फेलोशिप

डॉ. शिवानी राव

फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एफआईएमईआर), फिलाडेल्फिया, यूएसए से जुड़े एफआईएमईआर फेलोशिप 2019- 2021 में शामिल हुए

विशेषज्ञ समिति/निकायों में प्रतिनिधित्व:-

डॉ. पन्ना लाल

आईडीएसपी के अंतर्गत एलएन अस्पताल में कोविड-19 से निपटने के लिए रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्य

14 दिसंबर, 2020 को नई दिल्ली में अपनी स्टाफ कॉलोनियों में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के औषधालयों के लिए बैंक मेडिकल कंसल्टेंट्स (सामान्य चिकित्सक) के चयन के लिए साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य।

एमएएमसी में नियमित आधार पर सीनियर रेजिडेंट (सामुदायिक चिकित्सा) के पद के लिए उम्मीदवारों के वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए चयन समिति के अध्यक्ष।

4 नवंबर, 2020 को एमएएमसी में सीएचईबी के सहयोग से सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित अनुसंधान सहायक के पद के लिए उम्मीदवारों के वॉक-इन-साक्षात्कार के लिए चयन समिति के अध्यक्ष।

2 जनवरी, 2021 को एमएएमसी डब्ल्यूएचओ यूनिटी प्रोजेक्ट के लिए सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित फील्ड अन्वेषक के पद के लिए उम्मीदवारों के वॉक-इन-साक्षात्कार के लिए चयन समिति के अध्यक्ष, 'कोरोना वायरस रोग-2019 के संचरण गतिशीलता पर एक संभावित अध्ययन में घरेलू संपर्कों के बीच दिल्ली'।

24 जुलाई 2020 से. बी पी एस राजकीय महिला चिकित्सा महाविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा में आयोजित सामुदायिक चिकित्सा में एमडी की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक।

डॉ. तरुण कुमार द्वारा सामुदायिक चिकित्सा में एमडी की डिग्री के लिए पं. बी.बी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को प्रस्तुत "सामाजिक जनसांख्यिकीय कारक केयर हॉस्पिटल" शीर्षक थीसिस के मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक।

मई और दिसंबर 2020 में आयोजित मौलाना आजाद मेडिकल, नई दिल्ली की एमडी (सामुदायिक चिकित्सा) वार्षिक प्रैक्टिकल/क्लिनिकल/वाइवा वॉस/ लिखित परीक्षा (नियमित और पूरक) के लिए आंतरिक बाहरी परीक्षक।

डॉ. नंदिनी शर्मा

संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राज्य टास्क फोर्स, दिल्ली की अध्यक्ष।

जल संसाधन परियोजनाओं के पर्यावरण मूल्यांकन और प्रबंधन की अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो, डब्ल्यूआरडी 24 की सदस्य।

आईएसपी और ओएसपी परियोजनाओं में पर्यावरण सुरक्षा उपायों पर योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी समिति की सदस्य।

एनसीटी दिल्ली की आरएनटीसीपी सरकार की परिचालन अनुसंधान समिति की सदस्य

आरएनटीसीपी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की परिचालन अनुसंधान समिति के सदस्य।

सीबीएसई की यूजीसी नेट परीक्षा के लिए विशेषज्ञ सदस्य।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थानों में, दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार के सेवारत चिकित्सा पेशवरों/पैरामेडिकल/नर्सिंग स्टाफ के प्रबंधन कौशल और स्टाफ कौशल पर प्रशिक्षण और विनिमय कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक व्यापक और समग्र प्रस्ताव को अंतिम रूप देनेवाली समिति की अध्यक्ष।

ऊना हिमाचल प्रदेश में आईसीएमआर की मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य।

संयोजक- सामुदायिक चिकित्सा विभाग विशेषज्ञ बोर्ड- राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

एनसीटी, दिल्ली की सरकार द्वारा एनीमिया के ग्रेड/गंभीरता या विशेष जरूरतों/स्थिति (जैसे गर्भावस्था और उसके चरण आदि) के आधार पर एनीमिया के प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने के लिए गठित समिति की अध्यक्ष (प्रत्येक ग्राहक के लिए उपयुक्त रेफरल और अनुवर्ती सहित)।

डॉ. जी एस मीना

दिल्ली विश्वविद्यालय के एमएएमसी स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी

डीबीटी विद्यार्थी विद्यार्थीवृत्ति के लिए नोडल अधिकारी

सदस्य- दुकानें, कैफे, और किराया समिति
 सदस्य- दीक्षांत समारोह स्वागत समिति
 अध्यक्ष/सदस्य एमएएमसी आईटी, लैन और सर्वर समिति
 अध्यक्ष- एंटी रैगिंग कमेटी
 विद्यार्थी खेल समिति की संकाय सलाहकार
 आईडीएसपी के लिए नोडल अधिकारी (एकीकृत रोग निगरानी परियोजना)
 सदस्य- वरिष्ठ आवासी चयन समिति
 प्रभारी- विभागीय वरिष्ठ आवासी
 साउंड हियरिंग 2030 के लिए विशेषज्ञ
 एम्स, राजस्थान विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए विशेषज्ञ
 विशेषज्ञ सदस्य, एम्स और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन
 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका "वैक्सीन" के समीक्षक के रूप में आमंत्रित
 प्रस्तुति/ विशेषज्ञ -साउंड हियरिंग 2030

डॉ. सुनीला गर्ग

डॉ. सुनीला गर्ग ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (जनवरी 2020) में एनपीपीसीडी के अंतर्गत रेडियो कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. सुनीला गर्ग ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नवंबर 2020) में एनपीपीसीडी के अंतर्गत उप-मंडल अस्पतालों की भागीदारी के लिए मानकों की दूसरी "तकनीकी संचालन समिति" में भाग लिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास पाठ्यक्रम; राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त बुजुर्गों के लिए गृह स्वास्थ्य सहायता का विकास

एनआईसीपीआर द्वारा आयोजित धुआं रहित तंबाकू नियंत्रण पर ई-अध्ययन कार्यक्रम की विशेषज्ञ (नवंबर 2020)

एनआईसीपीआर, नोएडा की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की विशेषज्ञ

सलाहकार: नैदानिक परीक्षण और सतत विकास लक्ष्यों पर नीति आयोग।

यूनिवर्सिटी कोर्ट मीटिंग के लिए विशेषज्ञ, दिल्ली यूनिवर्सिटी (18 नवंबर 2019)।

एस्ट्रा के लिए युवा अध्ययन डेटा संग्रह के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ (अक्टूबर 2019 - जनवरी 2020)

सलाहकारों की भर्ती के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की विशेषज्ञ। (2 जनवरी 2020)

एनपीपीसीडी के अंतर्गत रेडियो प्रायोजित कार्यक्रम की विशेषज्ञ।

एम्स, दिल्ली में आईपीएचए सम्मेलन में विशेषज्ञ (29 फरवरी से 2 मार्च 2020)

फिक्की और एआईआईएमएस, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड 19 में क्लिनिकल प्रोटोकॉल और केस मैनेजमेंट (11 सितंबर 20) - डॉ. सुनीला गर्ग

वर्चुअल एफआईसीसीआई हील 2020 (1 अक्टूबर) के दौरान "कोविड के प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम अभ्यास" - समन्वयक डॉ. सुनीला गर्ग

स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों पर मातृ मृत्यु दर में कमी पर आईएमए दिशानिर्देश (3 अक्टूबर) - डॉ. सुनीला गर्ग ने एपिडेमियोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया इफिकाॅमन 2020 एम्स ऋषिकेश - "कोविड -19 के लिंग प्रभाव" पर पूर्ण व्याख्यान - डॉ. सुनीला गर्ग

गोलमेज विशेषज्ञ समूह की बैठक एचसीएफआई "टीके की झिझक से निपटने के लिए यूनिट का समय (19 दिसंबर 2020) -डॉ. सुनीला गर्ग

कोविड -19 लैंसेट कमीशन इंडिया टास्क फोर्स मीटिंग "(18 जनवरी 2021) -डॉ. सुनीला गर्ग

गोलमेज विशेषज्ञ समूह की बैठक- कोविड -19 के प्रकार - डॉ. सुनीला गर्ग

इंडिया टास्कफोर्स लैंसेट कोविड-19 आयोग की बैठक (16 फरवरी 2021) डॉ. सुनीला गर्ग

फिक्की: कोविड वैक्सीन की दूसरी खुराक पर चर्चा (23 फरवरी 2021) डॉ. सुनीला गर्ग

सदस्य लैंसेट कमीशन-कोविड इंडिया टास्क फोर्स-डॉ. सुनीला गर्ग

यूजी छात्रों, इंटरन और पीजी छात्रों के लिए कोविड -19 के लिए आरटी-पीसीआर परीक्षण आयोजित करने के लिए समन्वयक - डॉ. ब्रतती बनर्जी, डॉ. सुनीला गर्ग, डॉ. रितु अरोड़ा

सदस्य आईपीएचए, आईएपीएसएम नीति- डॉ. सुनीला गर्ग

डॉ. एम.एम. सिंह

"भारत में आदिवासी आबादी में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, पुरानी सांस की बीमारियों और हृदय रोग और गैर-संचारी रोगों के कारण होने वाली मौतों के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों की तैयारी" पर आईसीएमआर के टास्क फोर्स समूह के सदस्य (2013 से)

स्टिलबर्थ, फेलोशिप पर आईसीएमआर के परियोजना समीक्षा सदस्य,

सदस्य, डीएचआर-आईसीएमआर के अंतर्गत एमआरएचयू, एमआरयू की समीक्षा।

अध्यक्ष, नैतिक समिति बोर्ड, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

अध्यक्ष, नई दिल्ली क्षय रोग केंद्र, नई दिल्ली की नैतिक समिति

सदस्य, नैतिक समिति, ईएसआई, बसैंदरापुर, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून, आईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफॉल, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ, जिपमर, पुडुचेरी, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जयपुर, एआईआईएचपीएच, कोलकाता के लिए एमबीबीएस/एमडी परीक्षक।

पीएच.डी. केजी मेडिकल यूनिवर्सिटी के थीसिस परीक्षक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, बीएचयू, वाराणसी के एमडी थीसिस परीक्षक

सदस्य, स्वच्छता समिति, एमएएमसी, नई दिल्ली

पूर्वोत्तर के छात्रों के उत्पीड़न के लिए गठित समिति, एमएएमसी, नई दिल्ली के नोडल अधिकारी,

एच1एन1 मृत्यु समीक्षा समिति, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सदस्य,

एमसीआई इंस्पेक्टर

नोडल अधिकारी, एमएएमसी ऐप

प्रभारी, टेलीफोन, एमएएमसी

एसोसिएट एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज

संपादकीय बोर्ड के सदस्य (क) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड एप्लाइड रिसर्च; (ख) इंडियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन; (ग) संचारी रोगों के इंडियन जर्नल; (घ) जर्नल ऑफ होलिस्टिक नर्सिंग एंड मिडवाइफरी।

डॉ. ब्रतती बनर्जी

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अंतर्गत क्षेत्रीय एसटीआई केंद्र, एमएएमसी की निदेशक समन्वयक।

यूपीएससी के लिए बाहरी विशेषज्ञ

एनबीई के लिए बाहरी विशेषज्ञ

प्रोटोकॉल समिति की सदस्य सचिव, एमएएमसी

आईआईटी द्वारा अनुसंधान परियोजना के लिए तकनीकी सलाहकार समूह की सदस्य

एनआईएचएफडब्ल्यू की नैतिक समिति की सदस्य

एनआईएचएफडब्ल्यू की एमडी सीबीएमई पाठ्यचर्या समिति की सदस्य

एचआईएमएसआर की एमडी सीबीएमई पाठ्यचर्या समिति की सदस्य

एएमयू की नैतिक समिति की सदस्य

डॉ. राजेश कुमार

डीएनबी उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ

एमएएमसी वार्षिक दिवस के लिए स्नातक स्वागत समिति के सदस्य

पूरक सिद्धांत एमएएम कॉलेज के अधीक्षक

एनडीएमसी हिंदू राव अस्पताल, दिल्ली में पूरक एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ

डीएनबी पीएसएम के लिए थ्योरी प्रश्न शोध तैयार किया

तीर्थकर महावीर विश्वविद्यालय, यूपी के लिए सैद्धांतिक प्रश्न शोध तैयार किया

डीएनबी थीसिस का मूल्यांकन

सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली में फैमिली मेडिसिन के लिए डीएनबी प्रैक्टिकल के परीक्षक।

निंदा समिति के सदस्य, एमएएमसी

डॉ. प्रजा शर्मा

राज्य आरआरटी की सदस्य

राज्य सेरोसर्वे समिति के सदस्य

राज्य मीडिया रैपिड रिस्पांस टीम की सदस्य

प्रमुख- ईएफआई तकनीकी सहयोग इकाई

ईएफआई के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षक

कोविड संबंधित गतिविधियों के लिए एमएएमसी की आधिकारिक प्रवक्ता; सीरोसर्वेक्षण, टीकाकरण

महाविद्यालय क्रय समिति की सदस्य

भूमि और सर्वर समिति की सदस्य

लिंग अधिकारी अनुसंधान प्रकोष्ठ

एनएआरसीएचआई के लिए विशेषज्ञ

डॉ. निधि भटनागर

मानकों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वास्थ्य सूचना विज्ञान

कोविड- 19 महामारी प्रतिक्रिया के लिए सदस्य जिला आरआरटी के सदस्य

कोविड-19 के लिए कॉलेज आरआरटी के नोडल व्यक्ति

डॉ. आमोद एल. बोर्ले

राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम और विधेयक पर समीक्षा और टिप्पणी करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में।

मानकों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, चिकित्सा उपकरणों के मानकों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, एपिडेमियोलॉजिस्ट के पद के साक्षात्कार के लिए डीएसएचएम, दिल्ली के विषय विशेषज्ञ, डॉ. आमोद एल. बोर्ले को जीएनसीटी दिल्ली (एजेंसी) द्वारा राज्य सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम का मसौदा तैयार करने के लिए समिति के विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

डॉ. सुनीला गर्ग

प्रशासनिक

जराचिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्रमुख

अध्यक्ष एमबीबीएस भाग-I

अध्यक्ष शैक्षणिक समिति

वार्षिक दिवस 2020 के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य

अध्यक्ष, वरिष्ठतम शिक्षक के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय पाठ्यचर्या सुधार

अध्यक्ष एस्ट्रा (धूम्रपान रहित तंबाकू को संबोधित करना और एशिया में अनुसंधान क्षमता का निर्माण करना)

प्रधान अन्वेषक और प्रभारी- दिल्ली स्वास्थ्य मिशन द्वारा वित्त पोषित मासिक धर्म स्वच्छता परियोजना

योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम मानकीकरण और अन्य मुद्दों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और एमसीआई के साथ समन्वयित

एमडी पाठ्यक्रम में महामारी विज्ञान इंटेलीजेंस सेवाओं को मजबूत करने के लिए एनसीडीसी और एमओएचएफडब्ल्यू भारत सरकार के साथ समन्वय किया

एमएमसी के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी केंद्रों में राष्ट्रीय कार्यक्रमों का समन्वित कार्यान्वयन

विभाग में अनुसंधान, आईईसी अभियानों, सर्वेक्षणों के कार्यान्वयन को सुगम बनाया।

कान और श्रवण की देखभाल के लिए स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले स्कूलों के लिए एणएमसी, दिल्ली में एसईएआर क्षेत्र की कार्यशाला का आयोजन किया।

जन स्वास्थ्य से संबंधित कैंसर, एनसीडी, बहरापन, लिंग आधारित हिंसा, टीकाकरण के मुद्दों पर राज्य और संस्थान स्तर पर कार्यशालाओं और प्रशिक्षणों का आयोजन

एमसीआई के साथ सामुदायिक चिकित्सा में पाठ्यचर्या सुधार किया।

डॉ. आमोद एल. बोर्ले

एनक्यूएस के लिए आंतरिक मूल्यांकनकर्ता के रूप में भागीदारी और प्रशिक्षित।

हृदय रोग (जिपमेर)

संकाय:

क्र.सं.	संकाय का नाम	पदनाम
1	डॉ. संजय त्यागी	निदेशक-प्रोफेसर
2	डॉ. वी.के. त्रेहन	निदेशक-प्रोफेसर
3	डॉ. सैबल मुखोपाध्याय	निदेशक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष
4	डॉ. जमाल यूसुफ	प्रोफेसर
5	डॉ. विमल मेहता	प्रोफेसर

6	डॉ. सुमोद कुरियन	प्रोफेसर
7	डॉ. गिरीश एम.पी.	प्रोफेसर
8	डॉ. मोहित दयाल गुप्ता	प्रोफेसर
9	डॉ. अरिमा निगम	प्रोफेसर
10	डॉ. सफल	सहायक प्रोफेसर
11	डॉ. अंकित वंसल	सहायक प्रोफेसर
13	डॉ. संजीव कथूरिया	सहायक प्रोफेसर
14	डॉ. सुब्रत मुदुली	एसोसिएट प्रोफेसर
15	डॉ. विशाल बत्रा	एसोसिएट प्रोफेसर

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यह विभाग देश में अग्रणी कार्डियोलॉजी सेंटर है, जहां देश में सबसे ज्यादा हस्तक्षेप होते हैं। प्रतिष्ठित संस्थानों के भीतर और उनके साथ अनेक सहयोगात्मक शोध परियोजनाएं की गई हैं। विभाग ने नई अत्याधुनिक ट्रेडमिल और होल्टर मशीनें खरीदी हैं। रोगियों को उचित देखभाल देने के लिए कोरोनरी, संरचनात्मक और परिधीय हस्तक्षेप की नई प्रक्रियाओं और तकनीकों को तैयार किया गया है और उनका उपयोग किया जाता है। विभाग के संकाय राष्ट्रीय निकायों, राय मंचों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

सम्मान और विशिष्टताएं

डॉ. संजय त्यागी को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफआरसीपी), एडिनबर्ग यूके की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. विमल मेहता को 2020 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (एफएसीसी) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. मोहित गुप्ता को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफईसीपी), एडिनबर्ग यूके की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. मोहित गुप्ता को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ एंजियोलॉजी की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. गिरीश एमपी को इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ एंजियोलॉजी की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

गुप्ता, एम.डी., गिरीश, एम.पी., यादव, जी., शंकर, ए., और यादव, आर. (2020)। कोरोनावायरस रोग 2019 और हृदय प्रणाली: प्रभाव और निहितार्थ। इंडियन हार्ट जर्नल, 72(1), 1.

पुरी, आर., मेहता, वी., आयंगर, एस.एस., नरसिंगन, एस.एन., डुएल, पी.बी., सत्तूर, जी.बी., ... और वॉंग, एन.डी. (2020). गैर-एचडीएल कोलेस्ट्रॉल और एथेरोस्क्लेरोटिक हृदय रोग। द जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68(11 [विशेष]), 54-58.

पुरी, आर., मेहता, वी., आयंगर, एस.एस., नरसिंगन, एस.एन., डुएल, पी.बी., सत्तूर, जी.बी., ... और वॉंग, एन.डी. (2020). एथेरोस्क्लेरोटिक हृदय रोग की रोकथाम में जीवनशैली में संशोधन। द जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68(11), 10-20.

पुरी, आर., मेहता, वी., आयंगर, एसएस, नरसिंगन, एसएन, डुएल, पीबी, सत्तूर, जीबी, विजयराघवन, के., मोहन, जेसी, वांगनू, एसके, दलाल, जे., प्रभाकर, डी., आर. अग्रवाल, वंसल, एम., यूसुफ, जे. और मुखोपाध्याय, एस., (2020). ट्राइग्लिसराइड्स और एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज। जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68(11), 35-41.

गुप्ता, एम.डी., ए.वंसल, सरकार, पी.जी., गिरीश, एम.पी., झा, एम., यूसुफ, जे., ... और गुप्ता, ए. (2021). ईसीजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके कोविड के समय में हेल्थकेयर श्रमिकों में बीयूआरएनओयूटी का पता लगाने के लिए एक बुद्धिमान एल्गोरिदम की डिजाइन और औचित्य: ब्रूसी-एलआई अध्ययन। इंडियन हार्ट जर्नल, 73(1), 109-113.

भूषण, एस., गुप्ता, एम.डी., गिरीश, एम.पी., (2021). उच्च रक्तचाप प्रबंधन में नॉक्टर्नल नॉन-डिपर, रिवर्स डिपर और एक्स्ट्रीम डिपर के नैदानिक, रोगसूचक और चिकित्सीय प्रभाव। कार्डियोलॉजी टुडे, 25(1), 21-28

एस. त्यागी और वी. बत्रा, (2019). फुफ्फुसीय धमनी के उच्च रक्तचाप का नया चिकित्सीय दृष्टिकोण। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एंजियोलॉजी, 28(02), 112-117.

त्यागी, एस., सफल, एस., और त्यागी, डी. (2019). प्रणालीगत वाहिकाशोथ में महाधमनी और महाधमनी धमनी विस्फार। इंडियन जर्नल ऑफ थोरेसिक एंड कार्डियोवास्कुलर सर्जरी, 35(2), 47-56.

यूसुफ, जे., दास, डी., मुखोपाध्याय, एस. और त्यागी, एस. (2018). प्राथमिक परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन में मायोकार्डियल रीपरफ्यूजन के मार्कर के रूप में मायोकार्डियल ब्लश ग्रेड के साथ क्यूआरएस अवधि का सहसंबंध। इंडियन हार्ट जर्नल, 70, S359-S364.

भट्ट, डी.एल., स्टीग, पी.जी., मेहता, एस.आर., लीटर, एल.ए., साइमन, टी., फॉक्स, के., ... और गोल्डबर्ग, आर. (2019). परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (टीएचईएमआईएस-पीसीआई) के पूर्व इतिहास के साथ मधुमेह और स्थिर कोरोनरी धमनी की बीमारी वाले रोगियों में टिकाग्रेलर: एक चरण 3, प्लेसबो-नियंत्रित, यादृच्छिक परीक्षण। द लान्सेट, 394(10204), 1169-1180.

साहनी, जे.पी.एस., मुल्लासरी, ए., कहली, डी., मेहता, वी., नायर, टी., कौल, यू., और हिरेमथ, एम.एस. (2019). अस्पताल में भर्ती मरीजों में तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम के साथ एंटीथ्रॉम्बोटिक प्रबंधन पैटर्न का लघु और दीर्घकालिक अनुवर्ती देखभाल: ईपीआईसीओआर एशिया अध्ययन का भारतीय उपसमूह। इंडियन हार्ट जर्नल, 71(1), 25-31.

मेहरा, पी., मेहता, वी., सुखिजा, आर., सिन्हा, ए.के., गुप्ता, एम., गिरीश, एमपी, और एरोनो, डब्ल्यू.एस., (2019). वाम हृदय रोग में फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप। आर्क मेड साइंस.15(1), 262- 273.

गुप्ता, एम. डी., गिरीश, एम.पी., और यादव, आर. (2019). संतृप्त वसा विवाद: अराजकता में शांति की तलाश। इंडियन हार्ट जर्नल, 71(3), 181.

रामकृष्णन, एस., जकारिया, जी., गुप्ता, के., राव, जे.एस., मोहनन, पी.पी., वेणुगोपाल, के. ... और बनर्जी, एस.सी.ए. (2019). भारतीय वयस्कों में उच्च रक्तचाप की व्यापकता: ग्रेट इंडिया ब्लड प्रेशर सर्वे के परिणाम। इंडियन हार्ट जर्नल, 71(4), 309-313.

वेलागा, ए., ए.वंसल, गुप्ता, एम.डी., गिरीश, एम.पी., बत्रा, वी., और त्यागी, एस. (2019). वाल्वुलर रुमेटिक हृदय रोग की गंभीरता की दिशा में सीटीएलए-4- 1661ए/जी और एसीई आई/डी पॉलिमार्फिज्म की संवेदनशीलता। इंडियन हार्ट जर्नल, 71, एस82.

शोध परियोजनाएं

चल रही परियोजना: ताकायासु आर्टीराइटीस में बाएं निलय के कार्य पर महाधमनी और गुर्दे के हस्तक्षेप का प्रभाव।

आइसोलेटेड गंभीर माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी के साथ एलए फंक्शन का अध्ययन।

एसडी डिवाइस वंद होने से पहले और बाद में बायवैट्रिकुलर फंक्शन का मूल्यांकन।

साइनस रिदम में गंभीर रुमेटिक मित्रफल स्टेनोसिस के रोगियों में एलएए कांट्राकटाइल फंक्शन का आकलन और माइट्रल एन्युर सिस्टोलिक क्लोसिटी के साथ इसका संबंध।

आर वेव पीक टाइम और प्राथमिक पीसीआई से गुजरने वाले रोगियों में कोई रिफ्लो न होने का सहसंबंध।

सीआईएन की घटनाओं का अध्ययन और कोरोनरी एंजियोग्राफी/सीकेडी रोगियों में हस्तक्षेप के बाद ईजीएफआर में विपरीत मात्रा और परिवर्तन के बीच संबंध का मूल्यांकन करना।

तृतीयक देखभाल केंद्र में उत्तर भारतीय जनसंख्या के एक्यूट मायोकार्डियल इंफार्क्शन के युवा रोगियों में लिपिड बायोमार्कर और संबद्ध जीन बहुरूपता का अध्ययन।

भारत के एक्यूट मायोकार्डियल इंफार्क्शन के युवा रोगियों में मैट्रिक्स मेटालो प्रोटीनेज (एमएमपी-9, एमएमपी-3 और टीआईएमपी) और उनका जीन पॉलीमॉर्फिज्म।

पीसीआई के पहले या बाद में मल्टीवेसल सीएडी के लक्षणवाले रोगियों में वैश्विक अनुदैर्ध्य तनाव का आकलन करना।

फ्लोरोस्कोपी के अंतर्गत कार्डियक कैथीटेराइजेशन के दौर से गुजर रहे शिशुओं में ऊरु धमनी और ऊरु शिरा के संरचनात्मक स्थलों का वर्णन करना।

प्राथमिक पीसीआई से गुजरने वाले एसटीईएमआई रोगियों में मायोकार्डियल परफ्यूजन पर परसुग्रेल बनाम टिकाग्रेलर का प्रभाव।

लो फ्लो लो ग्रेडिएंट में बीएमवी/सामान्य फ्लो लो ग्रेडिएंट सिवियर माइट्रल स्टेनोसिस: तत्कालिक और अल्पकालिक परिणाम।

लिपिड कम करने वाली थेरेपी पर एंजियोग्राफी में प्रमाणित सीएडी रोगियों का लिपिड प्रोफाइल पैटर्न।

चालू वर्ष में पूरी की गई शोध परियोजनाओं की सूची:

रुमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस में एओर्टिक स्टीफनेस का आकलन।

प्राथमिक परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन से गुजर रहे रोगियों में नो-रीफ्लो/स्लो फ्लो के अनुमानों और परिणामों का अध्ययन।

कोरोनरी धमनी की बीमारी के रोगियों में बहुत लंबी अवधि के ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट सिस्टम की सुरक्षा और प्रभावकारिता।

फैलोट के टेट्रालॉजी के अनआपरेटेड मामलों में वेंट्रिकुलर शिथिलता का मूल्यांकन।

मल्टीवेसल रोग के साथ या उसके बिना प्राथमिक परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन से गुजर रहे रोगियों में एम30 एपोप्टोटिक बायोमार्कर का आकलन।

परक्यूटेनियस बैलून माइट्रल वाल्वुलोप्लास्टी से गुजर रहे इनवेसिव पल्मोनरी धमनी दबावों के साथ गंभीर माइट्रल स्टेनोसिस वाले रोगियों में पल्मोनरी आर्टरी हाईपरटेंशन के साथ डॉ.पलर इकोकार्डियोग्रैफ़ी व्युत्पन्न पल्मोनरी आर्टरी दबावों की तुलना।

मुँह से तंबाकू लेने वाले युवा भारतीयों में सिस्टमेटिक इम्प्लेमेंटरी मार्करों और सीवी जोखिम के थ्रोम्बोटिक मार्करों का मूल्यांकन।

अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजनाएं:

प्रधान अन्वेषक- डॉ. विमल मेहता 2019 में आरंभ की गई "मधुमेह, डिस्लिपिडेमिया और उच्च रक्तचाप के रोगियों में कार्डियोवैस्कुलर जोखिम में सुधार के लिए देखभाल के मानक में ऐड ऑन के रूप में टीआरसी150094 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण-III यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, प्लेसबो नियंत्रित, बहुकेंद्र, बहुराष्ट्रीय अध्ययन" शीर्षक परियोजना।

आयोजित सम्मेलन

कार्डियोलॉजी विभाग, जीबी पंत इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के सहयोग से 21 दिसंबर 2019 को प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों और चिकित्सकों के लिए जी 13 पंत ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित हृदय रोग के साथ गर्भावस्था पर पाँचवाँ एमएएमसी-एमएफएम अपडेट।

डॉ. मोहित गुप्ता (सचिव सीएसआई दिल्ली शाखा) ने नवंबर 2020 में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया-दिल्ली शाखा के 34वाँ वार्षिक सम्मेलन और मार्च 2021 में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया-दिल्ली शाखा का 35वाँ वार्षिक आयोजित सम्मेलन किया।

डॉ. सफल और डॉ. अंकित वंसल ने इंडियन सोसाइटी फॉर एथरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (आईएसएआर सीओएन 2019) के तत्वावधान में 71 नवंबर 2019 को इंद्रावास्कुलर इमेजिंग और क्लिनिकल सहसंबंध पर कार्यशाला का आयोजन किया।

पुस्तकें/अध्यायों का योगदान

एस. त्यागी, ए. वंसल (2019). केवल सी गोस्वामी द्वारा संपादित-एसेंशियल ऑफ स्नातकोत्तर कार्डियोलॉजी 2018 में, इंटरवेंशंस इन ताकायासु आर्टरीज (नॉनस्पेसिफिक आर्टो-आर्टरीज), एवरीगेल द्वारा प्रकाशित। प्रकाशक (आरटी इंडिया, अध्याय-71, पृष्ठ 586-597.

एस. त्यागी, ए. वंसल (2019) डिजीज ऑफ पेरीकार्डियम। सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत द्वारा प्रकाशित और सांध्य ए. कर्णनाथ द्वारा संपादित एपीएल टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन के ग्यारहवें संस्करण में, अध्याय 71, पृष्ठ 1618-1628.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

कार्डियोलॉजी विभाग के संकाय ने विभिन्न विषयों पर कई वर्चुअल वेबिनारों में भाग लिया। ये वेबिनार कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2020 द्वारा कार्डियोलॉजी के वार्षिक सम्मेलन में आयोजित किए गए थे। सीएसआईसीओएन-दिल्ली शाखा-2020, टीसीटी-2020, यूरो पीसीआर-2020 आदि।

डॉ. विमल मेहता ने अक्टूबर 2019 में शिकागो, यूएसए में सीएमएचसी कांग्रेस में "कोरिलेशन ऑफ आईएल-6 आईएल-10 आईएल-18 और टीएनएफ- α लेवल्स विद सेवरिटी ऑफ रयूमेटिक माइट्रल स्टेनोसिस एंड सेकेंडरी पल्मोनरी हाइपरटेंशन" पर सार प्रस्तुत किया।

डॉ. विशाल बत्रा ने बहुत लंबे (~ 40-मिमी) घावों के उपचार के लिए बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर कोटेड अल्ट्राथिन स्ट्रट सिरोलिमस-एल्यूटिंग कोरोनरी स्टेंट सिस्टम से प्रत्यारोपित मरीजों में प्रथम वर्ष के नैदानिक परिणामों पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। टीसीटी 2020.

डॉ. सैबाल मुखोपाध्याय ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में जन्मजात हृदय रोग पर सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. संजय त्यागी ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में पेरिफेरल वैस्कुलर डिजीज पर एक कॉन्क्लेव की अध्यक्षता की।

डॉ. मोहित गुप्ता ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में रेफ्रेक्ट्री एनजाइना पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. संजय त्यागी ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में, जर्नी ऑफ पेरिफेरल वैस्कुलर डिजीज इंटरवेंशन इन इंडिया एंड करेंट स्टेटस (डॉ. के के डेट ओरेशन) में व्याख्यान दिया।

डॉ. जमाल युसूफ ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में समसामयिक विषयों पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. विमल मेहता ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में बुनियादी विज्ञान पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. मोहित गुप्ता ने सीएसआई, 2020, अहमदाबाद के 71वें वार्षिक सम्मेलन में ह्वेन टू टेक वैटिकुलर एक्टोपिक सिरियशली पर वार्ता दी।

अंकित वंसल द्वारा सीएसआई, 2020, अहमदाबाद का 71वें वार्षिक सम्मेलन में- रुमेटिक हृदय रोग में वाल्वुलर प्रणाली की गंभीरता की दिशा में सीटीएलए-4 -1661ए/जी, एसीई 1/डी पॉलिमार्फिज्म की संवेदनशीलता।

20-22 सितंबर 2019 को कोच्चि इंडियन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के 26वें वार्षिक सम्मेलन में, डॉ. विजय त्रेहान - परफेक्ट पीओटी एंड परफेक्ट केआईएसएस।

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा का 34 वां वार्षिक सम्मेलन (28 और 29 नवंबर 2020) च्वॉयस ऑफ डीएपीटी इन एक्यूट स्टेमी: ह्विच वन एंड हाऊ? - डॉ. सैबाल मुखोपाध्याय

वास्कुलर इंटरवेन्शन: क्रियेटिंग ए रे ऑफ होप - डॉ. संजय त्यागी

एसएसवीडी रिस्क रिडक्शन बियॉन्ड एलडीएल-सी - डॉ. विमल मेहता

बेसिक्स ऑफ आईवीयूएस: इमेज़, इंटरप्पिशन, मेजरमेंट एंड एनालिसिस - डॉ. विजय त्रेहान

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा का 35 वां वार्षिक सम्मेलन (20 और 21 मार्च 2021)

एंडोवास्कुलर मैनेजमेंट ऑफ ऐऑर्टिक डिसेक्शन - डॉ. संजय त्यागी

"द हिडन टाइगर" डिफॉइनिंग ए रियल डेफिनेशन ऑफ सीएचआईपी पेशेंट एंड यूज़ ऑफ न्यू मोडेल्टीज - डॉ. विजय त्रेहान

पीसीएसके9 इन क्लिनिकल प्रैक्टिस इन इंडिया: प्रैक्टिकल इनसाइट्स- डॉ. विमल मेहता

डिवाइस बेस्ड एप्रोचेंज टू इंफॉक्ट साइज रिडक्शन- डॉ. सुब्रत मुदुली

रिफ्रेक्टरी एंजाइना इन 2021- डॉ. सफल

पॉली-पिल्स इन सीवी हेल्थ: डू वी हैव ए प्लेस इन इंडिया?- डॉ. विशाल बत्रा

कॉम्प्लिकेशन्स ड्यूरिंग बाइफरकेशन पीसीआई - डॉ. विजय त्रेहान और डॉ. संजीव कथूरिया। बाइफरकेशन क्लब ऑफ इंडिया की चौथी बैठक में, 6-7 जुलाई 2019, मुंबई।

हृदय रोग के साथ गर्भावस्था पर 5वां एमएएमसी-एमएफएम अपडेट, दिसंबर 2020, नई दिल्ली

गर्भावस्था और असामान्य कार्डियाक रिदम में ईसीजी व्याख्या: एक प्रसूति रोग विशेषज्ञ को क्या पता होना चाहिए - डॉ. अंकित वंसल।

गर्भावस्था में एक्यूट कार्डियाक इवेंट्स का प्रबंधन- डॉ. विशाल बत्रा

विशेषज्ञ समिति/निकायों में प्रतिनिधित्व:

संकाय सीडीसीएसओ, आईसीएमआर शासी निकाय, परिषद आदि विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों में शामिल रहे हैं।

समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाएं: सभी फेलाज और रेजिडेंट्स ने सभी कोविड 19 रोगियों के लिए अग्रिम पंक्ति में सेवाएं दी हैं।

लैब डेटा: विभाग कोविड-19 महामारी में रोगियों को नियमित रूप से सभी इनवेसिव और नॉन-इनवेसिव कार्डियोलॉजी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

नई सुविधाएं जोड़ी गईं: नई होल्टर और ट्रेडमिल सेवाएं जोड़ी गईं।

नए कार्यक्रम: नॉन-इनवेसिव फेलोशिप कार्यक्रम और बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी कार्यक्रम में छात्रों का नामांकन।

त्वचा विज्ञान और एसटीडी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने वर्ष 2019 में प्राप्त लेजर (आंशिक सीओ2, एनडी: वाईएजी और डायोड) के लिए रोगियों की भर्ती शुरू की। प्रत्येक सप्ताह लगभग 6-9 रोगियों की सफलतापूर्वक देखभाल की जा रही है।

विभाग ने कोविड-19 महामारी के दौरान विभिन्न विषयों पर वेबिनार श्रृंखला आयोजित की थी।

विभाग ने एक्जिमा, सफेद दाग और बालों के झड़ने जैसी सामान्य त्वचा संबंधी स्थितियों के लिए आईईसी सामग्री जारी की थी।

विभाग ने कोविड-19 मरीजों के लिए कोविड वार्ड, फ्लू क्लिनिक, टीकाकरण केंद्रों के साथ ही कंट्रोल रूम में ड्यूटी देकर मरीजों की देखभाल की व्यवस्था की थी।

महामारी के दौरान स्नातकोत्तर और स्नातक शिक्षण आभासी मंच पर जारी रहा।

महामारी की चरम स्थिति में भी विभाग में रोगी देखभाल को नुकसान नहीं हुआ क्योंकि विभाग ने नियमित टेलीकंसल्टेशन सेवाएं चलाई थीं।

विभाग ने वर्ष 2020 में एम.डी. डर्मेटोलॉजी और डी.एन.बी डर्मेटोलॉजी परीक्षा आयोजित की

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. रश्मि सरकार को आईएडीवीएल 2020 से त्वचाविज्ञान में उत्कृष्टता के लिए डॉ. वी. एन. सहगल पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. रश्मि सरकार को 2020 में आईएडीवीएल दिल्ली राज्य शाखा से डॉ. के. सी. कंधारी मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. सुपर्णा दास ने 6 फरवरी 2021 को आयोजित ई-डर्मकॉन में विषय: लाइकेन स्क्रोफुलोसोरम विद को-एक्जिस्टिंग फ्लाइटेनुलर कान्जंटीवाइटीज पर पोस्टर प्रस्तुति में भाग लिया।

डॉ. सुपर्णा दास ने 6 फरवरी 2021 को आयोजित ई-डर्मकॉन में शोध प्रस्तुति में भाग लिया। विषय: कार्डियोवस्कुलर रिस्क मार्कर इन प्रीमेच्योर कैनिटीज।

डॉ. विद्या यादव ने 6 फरवरी 2021 को आयोजित ई-डर्मकॉन में पोस्टर प्रस्तुति में भाग लिया। विषय: इंटरल्यूकिन लेवल्स एंड नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज इन सोरायसिस।

डॉ. दीपिका यादव ने 6 फरवरी को आयोजित ई-डर्मकॉन में 2 पोस्टर प्रस्तुतियों में भाग लिया। विषय 1: माइक्रोन्यूट्रिएंट्स एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन प्रीमेच्योर कैनिटीज। विषय 2: मोलस्कम लाइक लेंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस विद टी-सेल ऑल।

प्रकाशन

एस. सांके, वी. मेंदीरत्ता, जस्सी, आर., यादव, जे., और आर.चंदर, (2020). रिट्रिक्समैब इंड्यूस्ड रेटिक्यूलेट पिगमेंटेशन ओवर फेस इन पेम्फिगस वल्गरिस। डर्मेटोलॉजिक थेरेपी, 33(4), e13752.

वी. मेंदीरत्ता, ए. यादव और एम. मखीजा, (2020). सबक्यूटेनियस फैट नेक्रोसिस ऑफ द न्यूबर्न। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(3), 471.

वी.आर.वीराघवन, एस. सांके, वी. मेंदीरत्ता, ए. दीवान, ए. कुमार, और आर. पांगती, (2020). रेस्ट्रिक्टिव डर्मोपैथी- ए रेयर कॉनजेनियल स्किन डिस्ऑर्डर। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 65(6), 519.

ए. यादव, टी. गर्ग, बी. साहा, आर.चंदर और ए. नांगिया, (2020). टिनिया कैपिटिस मास्करेडिंग डिस्कोइड ल्यूपस एरिथेमैटोसस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्राइकोलॉजी, 12(3), 144.

टी.गर्ग, ए. यादव, आर.चंदर और के. अग्रवाल, (2020). जेनिटल अल्सर इन एनएडोलेसेंट गर्ल। इंडियन जर्नल ऑफ सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज एंड एड्स, 41(2), 214.

आर. सरकार, एस. भार्गव, आर.चंदर, डी. राठौड़ और ए.के. सिंह, (2020). वेबिनार्स एज ए मोड ऑफ ई-डिस्कशन बाई इंडियन डर्मेटोलोजिस्ट्स इयूरिंग द कोविड-19 इरा: ए बून आर ए बेन? डर्मेटालोजिक थेरेपी।

एस. भार्गव, आर. सरकार और जी. क्रौम्पौज़ोस, (2020). कोविड-19 महामारी के दौरान त्वचा विशेषज्ञों में मानसिक संकट: वैश्विक, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन में मूल्यांकन और जोखिम कारक। डर्मेटालोजिक थेरेपी, 33(6), e14161.

आर. सरकार, आई. पोद्दार और एस. जगदीशन, (2020). रोसैसिया इम स्किन ऑफ कलर: ए कम्प्रिहेंसिव। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 86(6), 612.

आई. बलानी और आर. सरकार, (2021). न्यूअर इंजेक्शन पॉइंट्स फॉर फेशियल कंटूरिंग विद हायलूरोनिक एसिड फिलर - केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी, 20(1), 67-70.

एस. भार्गव, और आर. सरकार, (2020). इंपैक्ट ऑफ कोविड-19 पेनाडिमिक आन डर्मेटोलॉजी प्रैक्टिस इन इंडिया। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(5), 712.

एस. देवदासन, आर. सरकार, के.डी. बर्मन और कौशिक, एस.2020). रोल ऑफ सीरम मेलाटोनिन एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन एटॉपिक डर्मेटिटीज: ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(6), 925.

आर. सरकार, एस. वर्तक, एस. आचार्य, एन. के. कुर्सम, ए. माने, एस. मेहता और एस.एन. चारुगुल्ला, (2020). भारतीय पुरुषों में एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया के उपचार में सामयिक 5% मिनोक्सिडिल नोवेल फॉर्मूलेशन और अल्कोहल-आधारित पारंपरिक समाधानों की सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन: रैंडमाइज्ड डबल-ब्लाइंड स्टडी। डर्मेटोलॉजी एंड थेरेपी, 10(3), 469-479.

आर. सरकार, एस. देवदासन, वी. चौबे और बी. गोस्वामी, (2020). मेलाटोनिन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन मेलास्मा-एन अनएक्स्प्लोर्ड टेरिटी; ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 59(5), 572-575.

एम. शीशक, और आर. सरकार, (2020). कोविड-19 की प्रासंगिकता के साथ त्वचा संबंधी उपचार। डर्मेटालोजिक थेरेपी, 33(6), e13813.

बी. स्वर्णकार और आर. सरकार, (2020). नवजात और शिशु एरिथ्रोडर्मा पर पुनर्विचार। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी, 21(1), 15.

एच., सौफिला, के.टी., एस. कुमार, आर. सरकार और एम.एस. कुमारन, (2021). कोविड-19 महामारी के दौरान सफेद दाग में इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स का उपयोग: एक त्वरित समीक्षा। पिगमेंट इंटरनेशनल, 8(1), 8.

एम. गुप्ता, के.डी. बर्मन और आर. सरकार (2021). मुँहासे के निशान में प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा के साथ अकेले माइक्रोनिडलिंग का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी, 14(1), 64.

ए. कुंडू और आर. सरकार (2021). फेयरनेस के प्रति अस्वस्थ जुनून और भारत में फेयरनेस क्रीम का खतरा। पिगमेंट इंटरनेशनल, 8(1), 4.

एस. सांके, टी.गर्ग, एस. मानिकवासगम और आर.चंदर, (2021). हेनेकम लिम्फैंगिक्टिसिया सिंड्रोम: ए रेयर केस ऑफ प्राइमरी लिम्फेडेमा। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 1-5.

पुस्तकों/अध्यायों का योगदान

वी. मेंदीरत्ता, एल. बादामकुंतला (2020). आईएडीवीएल हैंडबुक ऑफ जेरियाटिक डर्मेटोलॉजी। नई दिल्ली: सीबीएस पब्लिकेशन।

वी. मेंदीरत्ता, (2020). बुजुर्गों में बाल संबंधी विकार। आईएडीवीएल हैंडबुक ऑफ जेरियाटिक डर्मेटोलॉजी। नई दिल्ली: सीबीएस पब्लिकेशन।

वी. मेंदीरत्ता, ए. यादव (2020). विटिलिगो एंड एसाशिएटेड कोमॉरबिटीज। सफेद दाग पर व्यापक पाठ्यपुस्तक। नई दिल्ली: सीआरसी प्रेस।

टी. गर्ग, एम. अग्रवाल(2020). यूरेथल डिस्चार्ज। त्वचाविज्ञान में केस आधारित समीक्षा। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

टी. गर्ग, एस. सांके (2020). लेप्रोसी इन चिल्ड्रेन। जोपलिंग्स हैंडबुक ऑफ लेप्रोसी। नई दिल्ली: सीबीएस पब्लिकेशन।

आर. सरकार, वी. नायर (2020). कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स इन प्रैक्टिस -डर्मल फिलर्स एंड बोटुलिनम टॉक्सिन। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आर. सरकार, ए दास, आई नारंग, आई पोद्दार (2020). केस-बेस्ड रिव्यू इन डर्मेटालोजी। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आर. सरकार, ब्रिटो जीआर (2020). फिलर्स का वर्गीकरण। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आर ओ शर्मा, आर. सरकार (2020). फिलर्स के चयन और उपयोग के लिए गाइड। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आर. सरकार, वी. नायर (2020). फिलर्स उपचार के लिए पूर्वापेक्षाएँ। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

ब्रिटो जीआर, आर सरकार (2020). लोअर फेस-चिन के लिए फिलर्स। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

वी वैद्यनाथन, एस गर्ग, आर सरकार (2020). भौंहों की रेखाएँ। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आर ओ शर्मा, आर. सरकार (2020). माथे की रेखाएँ। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

वी नायर, आर. सरकार (2020). न्यूरोटॉक्सिन प्रतिरोध। प्रैक्टिस-डर्मल फिलर्स और बोटुलिनम टॉक्सिन में कॉस्मेटिक इंजेक्टेबल्स में। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

के अग्रवाल, ए दास, आर. सरकार (2020). डिफ्यूज हाइपरपिग्मेंटेरियन। केस बेस्ड रिव्यू इन डर्मेटोग्राफी। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आई पोद्दार, आर. सरकार, (2020). वेसिकुलोपस्टुलर और बुलस डिस्ऑर्डर इन चिल्ड्रेन। केस बेस्ड रिव्यू इन डर्मेटोग्राफी। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

आर. सरकार, आई नारंग, बी. स्वर्णकार (2020). फेशियल मेलानोसिस। केस बेस्ड रिव्यू इन डर्मेटोग्राफी। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

जर्नल

संपादक/संपादक मंडल के सदस्य

डॉ. विभु मेंदीरत्ता बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान में संपादकीय मंडल के सदस्य हैं।

डॉ. विभु मेंदीरत्ता इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल और इंडियन जर्नल ऑफ सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज एंड एड्स के समीक्षक हैं।

डॉ. तरु गर्ग इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी और इंडियन जर्नल ऑफ सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज एंड एड्स के समीक्षक हैं।

शोध परियोजनाएं

आईईसी अनुमोदन के साथ गैर-वित्त पोषित परियोजना

अन्वेषकों के नाम	परियोजना प्रभारी	परियोजना का शीर्षक
डॉ. रश्मि सरकार डॉ. सरिता सांके डॉ. सुवर्णा सा डॉ. विभु मेंदीरत्ता डॉ. राम चंदर	डॉ. रश्मि सरकार	त्वचाविज्ञान के वाह्य रोगी विभाग में भाग लेने वाले रोगियों में कोविड-19 के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास: एक पार विभागीय अध्ययन 2020-2021

पेटेंट दायर /स्वीकृत- कोई नहीं

आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन

क्रमांक	संकाय सदस्य	आयोजक (आयोजक गण)	नाम, स्थान और तारीख
1.	डॉ. राम चंदर डॉ. विभु मेंदीरत्ता डॉ. तरु गर्ग डॉ. प्रवेश यादव डॉ. कविता बिशरवाल डॉ. सरिता सांके	आईएडीवीएल- डीएसबी	19 अक्टूबर 2019 को एलएचएमसी में आयोजित आईएडीवीएल की मासिक नैदानिक बैठक

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. राम चंदर, 25 जून 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में सभी सत्रों के अध्यक्ष रहे।

डॉ. तरु गर्ग ने 25 जून 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में विटिलिगो के रोगजनन में नया क्या है पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. रश्मि सरकार, 25 जून 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर थीं।

डॉ. कविता बिशरवाल, 25 जून 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में मास्टर ऑफ सेरेमनी थी।

डॉ. सरिता सांके ने 25 जून 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में शारीरिक उपचार और विटिलिगो के सर्जिकल प्रबंधन पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. राम चंदर, त्वचा विज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित एलोपेसिया एरिएटा में अपडेट पर 1 अगस्त 2020 सीएमई वेबिनार में सभी सत्रों के अध्यक्ष थे।

डॉ. विभु मेंदीरत्ता, 1 अगस्त 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर थीं।

डॉ. तरु गर्ग, 1 अगस्त 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में एलोपेसिया एरीटा में अपडेट में पैनलिस्ट थीं।

डॉ. रश्मि सरकार, 1 अगस्त 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में पैनलिस्ट थीं।

डॉ. कविता बिशरवाल ने 1 अगस्त 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में एलोपेसिया एरीटा के एटियोपैथोजेनेसिस में अपडेट पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. सरिता सांके ने 1 अगस्त 2020 को त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित "व्हाट्स न्यू इन विटिलिगो" पर सीएमई वेबिनार में एलोपेसिया एरीटा- उपचार अपडेट पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. राम चंदर, त्वचा विज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित 14-17 सितंबर, 2020 के दौरान सीएमई वेबिनार एक्जिमा में सभी सत्रों के अध्यक्ष थे।

डॉ. विभु में दीरत्ता त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित 14-17-सितंबर 2020 के दौरान सीएमई वेबिनार एक्जिमा में पैनलिस्ट थीं।

डॉ. तरु गर्ग, त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित एटोपिक एक्जिमा विषय पर सह-अध्यक्ष और 14 वें प्रश्नोत्तर सत्र के लिए हैंड एक्जिमा मॉडरेटर- रोगी शोधक का उद्घाटन और वितरण किया गया।

डॉ. तरु गर्ग ने त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय सीएमई वेबिनार में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में हैंड एक्जिमा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि सरकार, त्वचा विज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित 16वें-सीएमई वेबिनार में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए कार्यक्रम समन्वयक और पैनलिस्ट थीं।

डॉ. कविता बिशरवाल ने 17वें सीएमई वेबिनार में नर्सों, तकनीशियनों और समूह डी के कर्मचारियों के लिए त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित ईटियोपैथोजेनेसिस और हाथ के त्वचा विकारों की नैदानिक विशेषताओं पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. सरिता सांके ने 17वीं-सीएमई वेबिनार में नर्सों, तकनीशियनों और समूह डी कर्मचारियों के लिए त्वचाविज्ञान विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित हाथ के त्वचा विकारों के निदान और प्रबंधन पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

त्वचाविज्ञान विभाग एल.एच.एम.सी. द्वारा आईएडीवीएल-डीएसबी के सहयोग से 10 अक्टूबर 2020 को तीसरी ई-क्लिनिकल मीटिंग (एलएचएमसी) आयोजित की गई।

डॉ. राम चंदर ने 29 सितंबर 2020 को डीएनबी परीक्षा के संचालन में परीक्षक और समन्वयक की भूमिका निभाई।

डॉ. तरु गर्ग ने 29 सितंबर 2020 को डीएनबी परीक्षा के संचालन में परीक्षक की भूमिका निभाई।

2020 डॉ. सरिता सांके 29 सितंबर 2020 को डीएनबी परीक्षा के संचालन में समन्वयक रहीं।

संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/सेमिनार/कार्यशालाएं/सीएमई में भाग लिया।

डॉ. रश्मि सरकार ने 3 अक्टूबर 2020 को बांग्लादेश एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में केमिकल पील्स-हाल में प्रगति पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. रश्मि सरकार ने 8 अक्टूबर 2020 को फिलीपींस एकेडमी ऑफ केमिकल एंड कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी कांग्रेस, मनीला द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में *मेल्स्मा में नया क्या है* पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. तरु गर्ग (प्रोफेसर) ने 22 अगस्त 2020 को आईएडीवीएल-डीएसबी द्वारा आयोजित तीसरी राष्ट्रीय ई-क्लिनिकल बैठक में बाल रोग के प्रबंधन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. तरु गर्ग (प्रोफेसर) ने 26 जुलाई 2020 को आईएडीवीएल द्वारा आयोजित प्रकाश संवेदनशील जीनोडर्माटोज विषय पर ई-पेड डर्माकॉन राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

डॉ. तरु गर्ग (प्रोफेसर) ने 8 नवंबर 2020 को आईडब्ल्यूडीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पल्स इन डर्मेटोलॉजी में बार-बार होनेवाले योनि स्राव पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. तरु गर्ग (प्रोफेसर) ने 21.3.2021 भारत आवास केंद्र में आरएमएल अस्पताल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन पीजी अपडेट में सामान्य जीनोडर्माटोज पर एक वार्ता प्रस्तुत की

डॉ. रश्मि सरकार आईएडीवीएल द्वारा 1 और 2 फरवरी 2020 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन डर्माकॉन पुणे में लाइकेन प्लेनस पिगमेंटोसिस में मॉडरेटर

डॉ. रश्मि सरकार ने आईएडीवीएल द्वारा 1 और 2 फरवरी 2020 को आयोजित डर्माकॉन पुणे के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रशासन के साथ अकादमिक प्रबंधन पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि सरकार आईएडीवीएल-डीएसबी द्वारा 15 मई 2020 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन क्यूटिकॉन 2020 में फेशियल मेलानोसिस में मॉडरेटर रहीं।

डॉ. रश्मि सरकार ने आईएडीवीएल द्वारा 23 जून 2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में बचपन के विटिलिगो पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि सरकार ने आईएडीवीएल द्वारा 7-8 फरवरी, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ई-डर्मकॉन 2021 में आवासियों में तकलीफ को कम करने पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

संकाय की संख्या:

संकाय की संख्या- 6, हालांकि, 3 पद खाली हैं।

निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख : डॉ. विभु मेंदीरत्ता

निदेशक प्रोफेसर : डॉ. तरु गर्ग

: डॉ. रश्मि सरकार

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. विभु मेंदीरत्ता ने 26 नवंबर 2020 को विभागाध्यक्ष का कार्यभार संभाला।

डॉ. राम चंदर को संकायाध्यक्ष और निदेशक प्रोफेसर और डीवीएल के विभाग प्रमुख के रूप में आरएमएल अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था।

डॉ. रश्मि सरकार 1 अप्रैल 2020 को विभाग में शामिल हुईं।

डॉ. कविता बिशरवाल और डॉ. सरिता सांके ने क्रमशः 10 फरवरी, 2021 और 31 जनवरी 2021 को विभाग छोड़ दिया।

शिक्षण: दिल्ली विश्वविद्यालय में जमा किए गए स्नातकोत्तर शोधप्रबंध

क्रमांक	स्नातकोत्तर विद्यार्थी	विषय	निरीक्षक	सह- निरीक्षक (विभाग)
1.	डॉ. सुपर्णा	कार्डियोवास्कुलर रिस्क मार्कर्स इन प्रीमैच्योर कैनिटीज	डॉ. रामचंद्र	डॉ. तरु गर्ग (डीवीएल) डॉ. रितु सिंह (जैव रसायन)

2.	डॉ. दीपिका	माइक्रोन्यूट्रिएंट एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ इन प्रीमैच्योर कैनिटीज	डॉ. रामचंद्र	डॉ. दिनेश कटारिया (मनोचिकित्सा) डॉ. एकता देबनाथ (जैव रसायन)
3.	डॉ. विद्या यादव	इंटरल्युकिन्स लेवल्स एंड नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज इन सोरायसिस	डॉ. विभु मेंदीरत्ता	डॉ. रामचंद्र (डीवीएल) डॉ. अपर्णा अग्रवाल (चिकित्सा) डॉ. रितु सिंह (जैव रसायन)
4.	डॉ. अमित कुमार मीना	बायोकेमिकल एंड हार्मोनल एबनार्मल्लिटीज इन एडल्ट आनसेट फिमेल एक्ने	डॉ. विभु मेंदीरत्ता	डॉ. रामचंद्र (डीवीएल) डॉ. राजीव गोयल (जैव रसायन)
5.	डॉ. विविन	एसेसमेंट ऑफ इंप्लेमेंटरी मार्कर्स इन एक्टिव विटिलिगो पेशेंट्स बिफर एंड आफ्टर ट्रीटमेंट	डॉ. तरु गर्ग	डॉ. रामचंद्र (डीवीएल) डॉ. राजीव गोयल (जैव रसायन)

त्वचा विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मार्च 2020 में एलएनजेपी को कोविड-19 समर्पित अस्पताल नामित किए जाने के बाद से, त्वचाविज्ञान विभाग नए विशेष वार्ड में लगातार सेवा प्रदान कर रहा है। महामारी के दौरान, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियाँ अबाधित रहीं और सभी सुरक्षा उपायों के साथ सफलतापूर्वक संचालित की गईं। 2020 जुलाई में वार्षिक स्नातकोत्तर (एमडी/डिप्लोमा) आभासी परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। यूजी और पीजी छात्रों की सभी शैक्षणिक गतिविधियाँ और व्याख्यान ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जारी रहे। डॉ. बिजयलक्ष्मी साहू ने एमएएमसी, दिल्ली में आईएडीवीएल मासिक ई-क्लिनिकल बैठक का सफलतापूर्वक संचालन किया और डॉ. विनीत रेलहन ने 9वें ई-ओनिचोकॉन वर्चुअल: द नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया का आयोजन किया। संकायों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अतिथि वक्ताओं के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। इस अवधि के दौरान आवासियों को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए। (जीएसके क्विज, मैनकाइंड क्विज और ई-पेडडर्माकॉन।) चिकित्सा अधिकारियों (एचआईवी और एसटीडी), पीजीडीजीएम (जेरियाट्रिक डर्मेटोलॉजी), इग्नू और एमएड्स के पीजी छात्रों के लिए सफल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. बिजयलक्ष्मी साहू

चिकित्सा विज्ञान में राष्ट्रीय अकादमी की सदस्य

क्षय रोग- विशेषज्ञ समिति की सदस्य

आवासी

डॉ. अनुवा वंसल, एसआर को आईएडीवीएल-रेजिडेंट कनेक्ट कमेटी, दिल्ली राज्य शाखा का संयोजक चुना गया था और उन्होंने वर्ष 2020 में इस समिति के आधिकारिक समाचार शोध के लिए प्रधान संपादक का कार्य भी किया।

डॉ. अनीत कौर ने जीएसके क्विज़ में तीसरा पुरस्कार जीता और टायज़ा क्विज़, 2020 में जोनल राउंड क्वालिफाई किया।

डॉ. बिकाश चिंगशुभम ने जीएसके क्विज़, 2020 में दूसरा रनर-अप पुरस्कार जीता।

डॉ. सतेंद्र कुमार ने मैनकाइंड क्विज़-2020 के पहले दौर में क्वालिफाई किया।

डॉ. मेघना गुप्ता (पूर्व-पीजी विद्यार्थी) ने ई-पेडडर्माकॉन, 2020 में तीसरा पुरस्कार जीता।

डॉ. कुमारी मोनालिसा (पूर्व-पीजी विद्यार्थी), एसआर ने आरसीसी, दिल्ली, 2020 द्वारा आयोजित विटिलिगो दिवस जागरूकता के लिए पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

नीतू, ए वंसल, बी साहू, मल्टीसेंट्रिक रेटिकुलोहिस्टोसाइटोसिस: ए केस विद मिनिमल क्यूटेनियस फीचर्स। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2020 सितंबर19; 11(5):849-851.

पी. हेगड़े, वी. रेलहन, बी. साहू, वी. के. गर्ग। ए रैंडमाइज्ड, प्लेसेबो एंड एक्टिव कंट्रोल्ड, स्प्लिट स्कल्प स्टडी टू इवेलुएट द इफिसिएंसी ऑफ प्लेटलेट-रिच प्लाज्मा इन पैची एलोपेसिया एरीटा ऑफ द स्कल्प। डर्माटोल थेर। 2020 नवंबर; 33(6): e14388.

एस देवदासन, आर. सरकार, के. डी. बर्मन, एस. कौशिक। बचपन के एटोपिक त्वचा विकार में सीरम मेलाटोनिन और ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका: एक संभावित अध्ययन। इंडियन डर्मटोल ऑनलाइन जे. 2020; 11:925-9

सी ग्रोवर, एस गुप्ता, वी. रेलहन, आर पी गुप्ता,। कुटेनस सर्जन्स एसोसिएशन (I) (एसीएसआईसीओएन 2019) का 17 वां राष्ट्रीय सम्मेलन - सम्मेलन रिपोर्ट। जे कुटेन एस्थेट सर्जन। 2020 जनवरी-मार्च;13(1):46-9.

वी. रेलहन, जे. संधू, एन खुराना, ए चौधरी। फियोहाइफोमाइकोसिस: सिस्ट का एक जिज्ञासु मामला। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल।2020 सितम्बर-अक्तूबर;86(5):542-5.

वी. रेलहन, जे. संधू, वी. के. गर्ग, एन खुराना। एक नाटकीय प्रस्तुति के साथ एक विरल वास्कुलिटिस: शैशवावस्था का तीव्र रक्तसावी शोफ। इंडियन जे पीडियाट्र. डर्माटोल 2020;21:215-7

पी. हेगड़े, वी. रेलहन, आर तोमर। आईजीजी4- संबंधित रोग: पृथक त्वचीय भागीदारी का एक विरल मामला। क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल डर्मेटोलॉजी। 2021;46(2):343-5.

शोध परियोजनाएं

जारी परियोजनाएँ-

मेडिकल रिसर्च यूनिट (एमआरयू), एमएएमसी के अंतर्गत प्रणालीगत काठिन्य के रोगियों में त्वचा फॉइब्रोसिस (संशोधित रोडनान स्किन स्कोर) की हद के साथ डर्मिस में सीरम आईएल-6, टीजीएफ-बीटा और एसटीएटी 3 का सहसंबंध।

त्वचीय टीबी और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध के तेजी से निदान में सीबीएनएएटी की भूमिका।

प्राथमिक सिकाट्रिकियल एलोपेसिया में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और डायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरेसेंस की डायग्नोस्टिक उपयोगिता।

ओनिकोमाइकोसिस के रोगियों में डर्माटोफाइट्स का पता लगाना (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सहयोग से)।

कोविड-19 रोगियों में त्वचीय अभिव्यक्ति का अध्ययन।

स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में व्यावसायिक त्वचा रोग।

बाल रोगियों में डर्माटोफाइटिक संक्रमणों के क्लिनिको-डर्मोस्कोपिक पैटर्न का एक अध्ययन।

सोरायसिस रोगियों में यूएसबी वीडियोडर्माटोस्कोप के साथ नेलफोल्ड केशिका परिवर्तन का आकलन और चयापचय सिंड्रोम से इसका संबंध।

जननांग अल्सर रोग के साथ एसटीडी क्लिनिक में भाग लेनेवाले पुरुषों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस सह-संक्रमण मुँहासे के निशान में 25% पाइरुविक एसिड के साथ 15% टीसीए बनाम माइक्रोनिडलिंग के साथ माइक्रोनिडलिंग की प्रभावकारिता की तुलना

प्राथमिक त्वचा ट्यूमर के वर्गीकरण में कोशिका विज्ञान की भूमिका (विकृति विभाग के सहयोग से)

वर्तमान वर्ष में पूरे किए गए शोधप्रबंध:

लेप्रोमेटस कुष्ठ रोगियों में सीरम पेंटाक्सिन 3 स्तर और पेंटाक्सिन 3 जीन बहुरूपता का मूल्यांकन।

मेलानोमा के उपचार में एक सहायक के रूप में प्लेटलेट रिच प्लाज्मा की भूमिका।

स्टेबल विटिलिगो वाले मरीजों में माइक्रोनिडलिंग के संयोजन में नैरोबैंड अल्ट्रावायलेट बी और अकेले नैरोबैंड अल्ट्रावायलेट बी की तुलना।

2020-21 में सह-अन्वेषक विभाग के रूप में पूरे किए गए शोधप्रबंध का विवरण

केलोइड्स के उपचार में इंट्रालेसनल ब्लोमाइसिन और ट्राईमिसिनोलोन की प्रभावकारिता की तुलना (प्लास्टिक सर्जरी विभाग के सहयोग से)

प्राथमिक त्वचा अर्बुद के वर्गीकरण में कोशिका विज्ञान की भूमिका (पैथोलॉजी विभाग के सहयोग से)

आयोजित संगोष्ठियां

एमएमसी में 25 अक्टूबर 2020 को आईएडीवीएल मासिक ई-क्लिनिकल बैठक आयोजित की गई थी

आयोजित सम्मेलन

डॉ. बिजयलक्ष्मी साहू

25 अक्टूबर 2020 को एमएमसी, दिल्ली में आईएडीवीएल की मासिक ई-क्लिनिकल बैठक का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली और पूरे भारत के छात्रों और प्रतिष्ठित त्वचा विशेषज्ञों ने ऑनलाइन भाग लिया।

डॉ. विनीत रेल्हन

31 से 1 नवंबर, 2020 तक 9वें ई-ओनिचोकॉन वर्चुअल: नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन किया गया।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. बिजयलक्ष्मी साहू

8 नवंबर 2020 को आयोजित भारत के संपर्क और व्यावसायिक डर्माटोलॉज फोरम का वार्षिक सम्मेलन-10वें ई-कॉन्फ्रेंस में अतिथि वक्ता।

19 और 20 दिसंबर 2020 को आयोजित वार्षिक कटिकॉन 2020 में अतिथि वक्ता।

दिसंबर 2020 में वार्षिक कटिकॉन, आईएडीवीएल, डीएसबी, नई दिल्ली में अतिथि संकाय।

मई, 2020 में मिड क्यूटिकॉन, आईएडीवीएल, नई दिल्ली में अतिथि संकाय।

डॉ. विनीत रेल्हन

31 से 1 नवंबर 2020 तक आयोजित 9वें ई-ओनिचोकॉन वर्चुअल: नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि वक्ता और आयोजन समिति का हिस्सा थे।

आवासी (पोस्टर प्रस्तुति, ई-डरमाकॉन। फरवरी, 2021)

डॉ. अनीत कौर- पारिवारिक रिफ्लेक्टिव परफोरेटिव कोलेजनोसिस के साथ तीन भाई-बहन - एक केस की रिपोर्ट।

डॉ. रेखा यादव- एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिविटी वाली पोस्टमेनोपॉज़ल महिला में आइसोलेटेड वुल्वर सीरिंगोमा।

डॉ. सतेंद्र कुमार- प्राथमिक त्वचीय एक्टिनोमाइकोसिस: एक विरल इकाई।

डॉ. बिकाश चिंगशुबम। एक इम्युनोकोम्पेटेंट रोगी में प्राथमिक त्वचीय एस्परगिलोसिस।

डॉ. भविष्य शेट्टी- सामान्यीकृत रैखिक पोरोकेराटोसिस विरल संस्करण।

डॉ. अंजलि बगरोडिया- जाइंट सेल इलास्टोलिटिक ग्रेन्युलोमा: क्लासिकल हिस्टोपैथोलॉजी के साथ एक असामान्य इकाई।

डॉ. भावना सोलंकी- मल्टीफोकल ल्यूपस वल्गरिस इन एन इम्युनोकोम्पेटेंट पेशेंट विद हिस्टोपैथोलॉजिक फाँड़िंग मिमिकिंग ग्रैन्युलोमैटस माइकोसिस फंगोइड्स के साथ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

पीजीडीएचआईवीएम फेलोशिप प्रोग्राम, एमएएमसी के अंतर्गत डॉ.क्टरों के लिए प्रशिक्षण।

जेरियाट्रिक मेडिसिन प्रोग्राम, एमएएमसी के अंतर्गत डॉ.क्टरों के लिए प्रशिक्षण।

एमएड्स के पीजी छात्रों के लिए प्रशिक्षण

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां:

वर्ष 2020 में आईएडीवीएल- रेजिडेंट कनेक्ट कमेटी, दिल्ली स्टेट ब्रांच की गतिविधियों के हिस्से के रूप में निवासियों द्वारा सोरायसिस और विटिलिगो जागरूकता के बारे में रोगी और सामुदायिक जागरूकता के लिए विभिन्न पोस्टर, पैम्फलेट और वीडियो तैयार किए गए थे।

संकाय की संख्या (31 मार्च 2021 तक)

विभागाध्यक्ष का नाम : डॉ. बिजयलक्ष्मी साहू

क्रमांक	संकाय का नाम	पद
	डॉ. बिजयलक्ष्मी साहू	निदेशक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष
	डॉ. कृष्णा देब बर्मन	प्रोफेसर
	डॉ. विनीत रेलहन	सहायक प्रोफेसर
	डॉ. गरिमा	सहायक प्रोफेसर

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

पिछले एक वर्ष में लोक नायक अस्पताल में 20, 000 से अधिक रोगियों को कोविड देखभाल और उपचार प्रदान किया गया है और त्वचा विज्ञान विभाग ने नए विशेष वार्ड, क्रोनिक किडनी रोग इकाई, आईसीयू-2 और कोविड टीकाकरण केंद्र में निरंतर रोगी देखभाल प्रदान की है।

हमारे 4 विशेष क्लिनिक: कनेक्टिव टिशू डिजीज क्लिनिक, वेसिकोबुलस क्लिनिक, कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस क्लिनिक और सोरायसिस क्लिनिक सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं, और मरीजों की संख्या बढ़कर 80-100 प्रति क्लिनिक हो गई है।

इसके अलावा, हमने पीपीई किट से संबंधित प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के बारे में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच जागरूकता पैदा करने की कोशिश की है, जिससे महामारी के समय हमारे कोविड योद्धाओं की पहचान की जा सके और उन्हें शीघ्र देखभाल प्रदान की जा सके।

त्वचा विज्ञान और एसटीडी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वर्ष 2020-2021 कोविड वर्ष रहा है। इस अभूतपूर्व महामारी में हम सभी ने सबसे कठिन समय का सामना किया। यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल पूरी तरह से कोविड सुविधाओं से युक्त रहा है, जो केवल कोविड रोगियों की देखभाल करता है, भले ही उनकी विशेषता कुछ भी हो। नियमित ओपीडी और इनडोर सेवाएं नहीं थीं और सभी आवासी और संकाय सदस्य कोविड रोगियों की देखभाल में लगातार, सक्रिय और प्रभावी ढंग से शामिल थे। त्वचाविज्ञान विभाग ने वर्ष भर एचडीयू चलाया। इसके बावजूद, शिक्षकों और आवासियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रमों में अत्यधिक कुशलता से भाग लिया है। हमारे दो पीजी आवासियों के थीसिस प्रकाशनों को सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित लेखों से सम्मानित किया गया। हम आशा प्रार्थना करते हैं कि आने वाला समय बेहतर हो।

डॉ. मनसा कायरकट्टे एमएन- बेस्ट आईजेडीवीएल अवार्ड आर्टिकल 2020, प्राथमिक ऑनिकोमाइकोसिस के निदान में नेल डर्मोस्कोपी (ऑनिकोस्कोपी) के निष्कर्ष: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल। 2020 जुलाई-अगस्त; 86(4):341-349.

डॉ. वंदना कटारिया- कांटेक्ट डर्मेटाइटिस/ऑक्यूपेशनल डर्मेटोजेज पर सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए इंदुबाला देवी स्मृति पुरस्कार। "हाथ के एक्जिमा के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और बीमारी की लागत पर नैदानिक उपप्रकार, कान्टैक्ट संवेदीकरण और रोग की गंभीरता के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोलो 2020;86:663-8.

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. चंद्र गोवर त्वचा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा 6 फरवरी, 2021 को नई दिल्ली में "प्रो. वीएन सहगल अवार्ड"-2021

जीटीबी अस्पताल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095, मार्च 2021 में कोविड-19 महामारी से निपटने में सराहनीय प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से मान्यता का प्रमाण शोध।

डॉ. दीपिका पांथी - 20 जनवरी 2018 को कोच्चि में ई-डर्मकॉन 2021 में आईएडीवीएल को दी गई सेवाओं के लिए राष्ट्रपति से प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. दीपिका पांथी ने सह-लेखक डॉ. वंदना कटारिया और डॉ. एसएन भट्टाचार्य के साथ फरवरी 2021 में आईजेडीवीएल में प्रकाशित कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस पर सर्वश्रेष्ठ लेख के लिए इंदुबाला देवी मेमोरियल अवार्ड जीता।

डॉ. विशाल गौरव ने फरवरी 2021 में, ई-डर्मकॉन 2021 में टीनिया अनगियम और रिकैल्सीट्रेंट टिनिया: मेजबान प्रतिरक्षा, बायोफिल्म और दवा प्रतिरोध की भूमिका की जांच करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन नामक पुरस्कार शोध के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज पुरस्कार जीता।

डॉ. सिंगल अर्चना-राज्य पुरस्कार: एनसीटी, दिल्ली सरकार से मार्च 2021 में जीटीबी अस्पताल, दिलशाद गार्डन में कोविड महामारी के नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 'कोरोना योद्धा पुरस्कार'।

डॉ. सिंगल अर्चना - आईजेडीवीएल में फरवरी 2021 में प्रकाशित 'मूल लेख' की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ शोध शोध पुरस्कार।

असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए, 7वें वार्षिक डीएएएस शिखर सम्मेलन 2020 में डॉ. अर्चना सिंगल 'हॉल ऑफ फेम अवार्ड', जुलाई 2020

विशिष्टताएँ

डॉ. चंदर गोवर

डॉ. चंदर गोवर-सह-संपादक, नेल थेरेपी: वर्तमान नैदानिक अभ्यास 2ई। आर बरन, डी रिगोपोलोस, सी गोवर, ई हानेके।

डॉ. चंदर ग़ोवर - प्रधान संपादक, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया: टेक्स्टबुक ऑफ ओनिकोलॉजी। सी ग़ोवर, वी. रेल्हन, एस नंदा।

डॉ. चंदर ग़ोवर-सह-समन्वयक, 21 जून, 2020 को आईएडीवीएल राष्ट्रीय विटिलिगो ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विटिलिगो सर्जरी पर सत्र की योजना बनाई गई।

चंदर ग़ोवर-समन्वयक, 2 अगस्त, 2020 को आईएडीवीएल बेसिक पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 6 सितंबर, 2020 को समन्वयक, आईएडीवीएल एडवांस्ड पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला का आयोजन किया। वैज्ञानिक कार्यक्रम की योजना बनाई और समन्वय किया।

डॉ. चंदर ग़ोवर- आईएडीवीएल, कर्नाटक द्वारा 3 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित "रेजिमेड केएन डर्म सेशन- डर्मेटोलॉजी रेजिडेंट्स के लिए कौशल विकास कार्यक्रम" में "नेल सर्जरी: एक प्राइमर" के सत्र योजनाकार और समन्वयक।

डॉ. चंदर ग़ोवर-आयोजक, 31 अक्टूबर-1 नवंबर, 2020 को नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया का 9वां वार्षिक सम्मेलन, ई-ओनिचोकॉन (ऑनलाइन)।

डॉ. चंदर ग़ोवर-जनवरी-फरवरी, 2021 में आईएडीवीएल अकादमी द्वारा ऑनलाइन आयोजित ई-डर्मकॉन 2021 के दौरान "एसआईजी डर्मेटोसर्जरी सत्र" के लिए सत्र योजनाकार और समन्वयक।

डॉ. चंदर ग़ोवर- दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में 5वें मध्य पूर्व अंतर्राष्ट्रीय त्वचाविज्ञान और सौंदर्य चिकित्सा सम्मेलन और प्रदर्शनी 2020 में 10-11 दिसंबर, 2020 की कार्यवाही के दौरान "पेरीयुंगुअल वर्ट्स" सत्र के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 10 फरवरी, 2021 को 6-7.30 बजे सीईएसटी पर यूरोपीय नेल सोसाइटी (ईएनएस) मास्टरक्लास के दौरान "नाखून रोगों में तकनीक" पर सत्र "नेल बायोप्सी: व्हेन एंड हाउ" सत्र के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 17 मई, 2020 को आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित मिड-क्यूटिकॉन 2020 के दौरान "पिगमेंटरी डिसऑर्डर में नया क्या है" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

डॉ. चंदर ग़ोवर - आईएडीवीएल अकादमी द्वारा 29 मई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित लाइव वेबिनार "ऑनिकोमाइकोसिस और उभरते रुझानों के बारे में नैदानिक अंतर्दृष्टि" के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 6 जून, 2020 को एसोसिएशन ऑफ क्यूटेनियस सर्जन (आई) द्वारा आयोजित एसीएस (आई) नेल वेबिनार के लिए "नाखून सर्जरी: मूल बातें, इंजेक्शन, एवल्शन और बायोप्सी" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 21 जून, 2020 को आईएडीवीएल अकादमी द्वारा आयोजित, विटिलिगो पर आईएडीवीएल राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी के लिए "विटिलिगो सर्जरी में कठिन मामलों" के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 12 जुलाई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित 7वें त्वचाविज्ञान और संबद्ध विज्ञान ई-शिखर सम्मेलन के लिए "में ट्रैक्योनीचिया का प्रबंधन कैसे करता हूँ" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 2 अगस्त, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल बेसिक पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला "डर्मेटोसर्जरी (सिद्धांत) की मूल बातें" के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

चंदर ग़ोवर- 2 अगस्त, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल बेसिक पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला "विशेष सर्जरी (वीडियो डेमो) नाखून सर्जरी मूल बातें और बायोप्सी" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर ने 6 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन इंटरैक्टिव कार्यशाला में आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित डर्मा की पाठशाला "नाखून विकार: निदान" के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर ने 13 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन इंटरैक्टिव कार्यशाला के रूप में आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित डर्मा की पाठशाला "नाखून विकार: उपचार" के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 6 सितंबर, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल एडवांस्ड पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला "उन्नत नाखून सर्जरी (वीडियो डेमो) नाखून मैट्रिक्स बायोप्सी, नाखून ट्यूमर" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर-आईएडीवीएल-तमिलनाडु द्वारा 28-30 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन आयोजित मिड-डर्माकॉन 2020 में "लाइकेनॉइड डिसऑर्डर" के आमंत्रित अध्यक्ष।

डॉ. चंदर ग़ोवर- आईएडीवीएल-तमिलनाडु द्वारा 28-30 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन आयोजित मिड-डर्माकॉन 2020 के दौरान "में नेल लाइकेन प्लेनस का निदान और प्रबंधन कैसे करता हूँ" के लिए आमंत्रित किये गए।

डॉ. चंदर ग़ोवर- एमईयू यूसीएमएस द्वारा 1-4 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित पोस्टग्रेजुएट प्रोटोकॉल राइटिंग वर्कशॉप 2020, "सेटिंग ए टाइटिल" में आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 5 सितंबर, 2020 को नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा ऑनलाइन ऑनिकोमाइकोसिस के लिए एलओसी में "ऑनिकोमाइकोसिस के प्रबंधन: विभिन्न रोगियों, विभिन्न दृष्टिकोणों" के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

चंदर ग़ोवर- 6 सितंबर, 2020 को आईएडीवीएल अकादमी द्वारा ऑनलाइन आयोजित एडवांस्ड पीजीपीडीटी वर्कशॉप 2020 में "एडवांस्ड नेल सर्जरी" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर - 10 सितंबर, 2020 को आईएडीवीएल गुजरात राज्य शाखा द्वारा ऑनलाइन आयोजित "इंटरैक्टिव पीजी व्याख्यान श्रृंखला" में "नाखून उपकरण और इसके विकार" के लिए आमंत्रित संकाय।

चंदर ग़ोवर-कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 19-20 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित सीडीएसआई वार्षिक सम्मेलन 2020 के "पल्स इन डर्मेटोसर्जरी" सत्र के दौरान "नेल बायोप्सी" के लिए आमंत्रित संकाय।

चंदर ग़ोवर-नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा 24 सितंबर, 2020 को डीएनबी छात्रों के लिए ऑनलाइन आयोजित एनबीई वेबिनार "ऑनिकोमाइकोसिस के प्रबंधन" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 3 अक्टूबर, 2020 को आईएडीवीएल, कर्नाटक द्वारा ऑनलाइन आयोजित "रेजिमेड केएन डर्म सेशन-स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर डर्मेटोलॉजी रेजिडेंट्स" के दौरान "नेल एवल्शन और बायोप्सी तकनीक" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 31 अक्टूबर, 2020 को नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के ऑनलाइन 9वें वार्षिक सम्मेलन ई-ओनिचोकॉन की कार्यवाही में "नाखून सर्जरी पर कार्यशाला" के दौरान "इंजेक्टेबल नेल थेरेपी" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 1 नवंबर, 2020 को नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के ऑनलाइन 9वें वार्षिक सम्मेलन, ई-ओनिचोकॉन की कार्यवाही में "फ्लेमेटरी नेल डिस्ट्रोफी में प्रबंधन चुनौतियां" के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 8 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस फोरम ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ई-कॉडफिकॉन 2020 में "फोटो-पैच टेस्टिंग" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

डॉ. चंदर ग़ोवर ने 13 दिसंबर, 2020 को एसोसिएशन ऑफ क्यूटेनियस सर्जन्स (इंडिया) के 18वें वार्षिक सम्मेलन ऑनलाइन ई-ओनिचोकॉन 2020 की कार्यवाही में "उन्नत नाखून सर्जरी में मोती" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 19-20 दिसंबर, 2020 को आईएडीवीएल की दिल्ली राज्य शाखा की ऑनलाइन वार्षिक क्यूटिकॉन की कार्यवाही के दौरान "त्वचाविज्ञान में साइटोकाइन सिंड्रोम" के आमंत्रित पैनलिस्ट।

डॉ. चंदर ग़ोवर-23-24 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित एस्थेटिका एशिया 2021 के दौरान "क्लिनिक वॉक-थ्रू सत्र" के आमंत्रित अध्यक्ष।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 31 जनवरी, 2021 को आईएडीवीएल के 49वें वार्षिक सम्मेलन, ई-डर्मैकॉन 2021 के लिए "नाखून विकार" पर प्री-कॉन्फ़्रेंस वर्कशॉप डब्ल्यू13 की कार्यवाही के दौरान "नाखून विकारों में इंजेक्शन योग्य उपचार" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर- 5 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आईएडीवीएल के 49वें वार्षिक सम्मेलन, ई-डर्मैकॉन 2021 के लिए सीएमई की कार्यवाही के दौरान "डर्मेटोसर्जरी में नया क्या है" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

डॉ. चंदर ग़ोवर इंडिया हैबिटेड सेंटर में 20-21 मार्च, 2021 को त्वचाविज्ञान विभाग, एबीवीआईएमएस और आरएमएल अस्पताल द्वारा आयोजित तीसरे राष्ट्रीय पीजी अपडेट की कार्यवाही के दौरान "नाखून विकारों वाले रोगी के लिए दृष्टिकोण" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. चंदर ग़ोवर-यूसीएमएस में 23-25 मार्च, 2021 को मेडिकल एजुकेशन यूनिट, यूसीएमएस द्वारा आयोजित संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप की कार्यवाही के दौरान "ग्रुप लर्निंग" और "स्किल असेसमेंट" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. दीपिका पांथी-5 फरवरी से 7 फरवरी 2021 तक आयोजित ई-डर्मैकॉन 2021 के लिए वैज्ञानिक अध्यक्ष।

डॉ. दीपिका पांथी- इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) अकादमी की अध्यक्ष (2020-21)

डॉ. दीपिका पांथी-राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड 2020 के त्वचाविज्ञान विशेषज्ञ बोर्ड की संयोजक।

डॉ. दीपिका पांथी-त्वचाविज्ञान राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड का ऑनलाइन शिक्षण 2020-2021 की प्रभारी।

डॉ. सिंगल अर्चना

डॉ. सिंगल अर्चना- 5 और 12 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आयोजित सातवें डीएएस समिट 2020 के लिए वैज्ञानिक अध्यक्ष।

31 अक्टूबर- 1 नवंबर 2020 को नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के ऑनलाइन आयोजित 9वें वार्षिक सम्मेलन ई-ओनिचोकॉन की आयोजक।

जनवरी-फरवरी 2021 में आईएडीवीएल अकादमी द्वारा ऑनलाइन आयोजित ई-डर्मैकॉन 2021 के दौरान 'एसआईजी डर्मेटोसर्जरी सत्र' के लिए सत्र योजनाकार और समन्वयक।

इंडिया हैबिटेड सेंटर में 2 और 21 मार्च, 2021 को आयोजित तीसरे राष्ट्रीय पीजी अपडेट के दौरान 'संयोजी उत्तक रोगों के रोगी के लिए दृष्टिकोण' पर आमंत्रित वक्ता।

आईएपी दिल्ली द्वारा गुरुवार 25 और शुक्रवार 26 फरवरी, 2021 को डीडीएपी-दिल्ली डिजिटल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित ई-डर्मैपीडिया पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी बेसिक के दौरान "नाखून विकार" पर आमंत्रित "अतिथि व्याख्यान" दिया।

19 फरवरी 2021 को एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र ओबीएस एंड गायनी सोसाइटी द्वारा आयोजित डर्मा-गाइनेक क्रॉस स्पेशियलिटी ऑनलाइन वेबिनार के दौरान "महिलाओं में सामान्य त्वचा संबंधी मुद्दे" पर आमंत्रित पैनलिस्ट

6 फरवरी 2021 को 'आईएडीवीएल: रियलिटी एंड एक्सपेक्टेडेंस' की कार्यवाही के दौरान ई-डर्मैकॉन 2021: आईएडीवीएल के ऑनलाइन 49वां राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

ई-डर्मैकॉन 2021 की कार्यवाही के दौरान 'नेल सर्जरी वर्कशॉप कोऑर्डिनेटर': आईएडीवीएल का 49वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 31 जनवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।

31 जनवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित आईएडीवीएल के 49 वें राष्ट्रीय सम्मेलन: ई-डर्मकॉन 2021 में 'नेल सर्जरी वर्कशॉप' के दौरान 'नेल बायोप्सी तकनीक' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

19 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन डायबिटिक फुट सोसाइटी ऑफ इंडिया (एडीएफएस) के 18वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'मैनेजिंग इनग्रोन टोनेल' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।

19 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित 41वें राजस्थान क्यूटिकॉन के दौरान "त्वचीय क्षय रोग के प्रबंधन में समस्याओं का समाधान" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।

28 और 29 नवंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित 11वें वार्षिक राज्य सम्मेलन क्यूटिकॉन केएन के दौरान 'उष्णकटिबंधीय त्वचाविज्ञान' पर वितरित मुख्य व्याख्यान - "स्थानिक, महामारी और महामारी: त्वचा विशेषज्ञ का दृष्टिकोण" दिया गया।

18 अक्टूबर 2020 को ऑनलाइन कटिकॉन यूपी और यूके के दौरान, "बाल चिकित्सा जननांग डर्माटोलॉजी - केस आधारित चर्चा" पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

9 अक्टूबर 2020 को ऑनलाइन 'लेडी एम्पावरमेंट इन डर्मेटोलॉजी' पर लाइफ लेसनस लर्नट वेबिनार पर आमंत्रित वक्ता और पैनलिस्ट।

27 सितंबर 2020 को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के लिए आईएडीवीएल-एसआईजी के तत्वावधान में आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'डायग्नोस्टिक दुविधा और माइसेटोमा में प्रबंधन चुनौतियां' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल केएन शाखा द्वारा 26 सितंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित 'नाखून की आकर्षक दुनिया की खोज' और 'नाखून परीक्षा क्यों और कैसे' पर रेसिडर्म केएन डर्म सत्र 14 (त्वचाविज्ञान के आवासियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम में आमंत्रित मॉडरेटर और वक्ता।

19 से 20 सितंबर 2020 को कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी सोसाइटी इंडिया (सीडीएसआई के 24 वें वार्षिक) ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन कैसडर्मइंडिया 2020 के दौरान 'आंशिक नेल एवल्शन' पर आमंत्रित वक्ता।

आईएडीवीएल, गुजरात शाखा के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 12 सितंबर को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता 'डिफिकल्ट टू ट्रीट लिचेन प्लेनस (क्यूटेनियस, हेयर एंड नेल)' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल, कर्नाटक शाखा ऑनलाइन के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 10 सितंबर को आयोजित डर्मावार्ता 'डिफिकल्ट टू ट्रीट लिचेन प्लेनस (क्यूटेनियस, हेयर एंड नेल)' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

5 सितंबर 2020 को शिक्षक दिवस पर आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'संतुलन परिवार और शिक्षा' पर आमंत्रित वक्ता।

एनएसआई के तत्वावधान में आयोजित 'ऑनिचोमाइकोसिस का प्रबंधन; अलग-अलग मरीज और अलग-अलग दृष्टिकोण पर 5 सितंबर 2020 को ऑनलाइन ओएम के लिए एलओसी पर संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) नॉर्थ जोन पेडीवीक 2020 'हिमालय' ऑनलाइन के दौरान 1 सितंबर 2020 को 'बच्चों में आम संक्रामक त्वचा रोग' पर आमंत्रित वक्ता।

29 और 30 अगस्त 2020 को चेन्नई में आयोजित मिड डर्मकॉन 2020-इंडिया के दौरान 'नेल्स एज़ मिरर ऑफ सिस्टमिक डिज़ीज़' पर आमंत्रित वक्ता।

आईएडीवीएल, नॉर्थ ईस्ट ब्रांच के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा, 21 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता 'कुष्ठ में केस चर्चा' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल, राजस्थान शाखा ऑनलाइन के सहयोग से डर्माकॉन आईएन बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 19 अगस्त को आयोजित डर्मावार्ता 'त्वचा की विफलता और एरिथ्रोडर्मा; केस आधारित चर्चा', की पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल, पश्चिम बंगाल शाखा के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 10 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता 'संयोजी ऊतक विकार; व्यावहारिक विचार' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल इसी और आईएडीवीएल अकादमी के साथ आईएडीवीएल एसआईजी द्वारा 2 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला में 'बेसिक स्यूट्रिंग तकनीक' सत्र डर्माटोसर्जरी पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

12 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आयोजित 7वें ई-डीएएस शिखर सम्मेलन के दौरान 'कुष्ठ रोग के क्लिनिक मिमिक्स' सत्र के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) द्वारा 7 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आयोजित वेबिनार में 'बच्चों में नाखून विकार' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

18 जून 2020 को ऑनलाइन आयोजित पीजीएनएआर श्रृंखला में 'संयोजी ऊतक रोगों के लिए दृष्टिकोण' पर बोलने के लिए आमंत्रित वक्ता।

29 मई 2020 को रिकैल्सीट्रेट डर्माटोफॉइटिस पर आईएडीवीएल एसआईजी द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'ऑनिकोमाइकोसिस और उभरते रुझानों के बारे में नैदानिक अंतर्दृष्टि' पर सत्र के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा 17 मई 2020 को आयोजित मिड-क्यूटिकॉन के दौरान 'त्वचाविज्ञान में दिलचस्प मामले' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल युवा प्रकोष्ठ द्वारा 10 मई, 2020 को आयोजित 'नेल्स इन कोविड 19 एंड बियाँन्ड' पर आमंत्रित विशेषज्ञ पैनलिस्ट।

प्रकाशन

सी. गोवर(2020). मौखिक श्लेष्मा का सर्जिकल प्रबंधन: मार्सुपियलाइजेशन का अनुभव। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी, 13(4), 353.

सी. गोवर और डी. जाखड़, (2021). हैंड-हेल्ड डर्माटोस्कोप या वीडियोडर्माटोस्कोप: कौन सा खरीदना है? इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 1-3.

सी. गोवर, ए. सिंगल, , और एस.एन. भट्टाचार्य, (2021). टेरिजियम काम्प्लिकेटिंग नेल सोरायसिस और ट्रेच्योनीचिया: क्या यह विरल है? स्किन एपेंडेज डिस्ऑर्डर्स, 7(4), 298-305.

डी. जाखड़, सी. गोवर और आई. कौर, (2021). जननांग के घाव की डर्मोस्कोपी के लिए "ग्लोविंग डर्मोस्कोप"। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी 87(1), 144-145.

सी. गोवर, डी. जाखड़ और एस. शर्मा, (2020). सफेद सुपरफेशियल ओनिकोमायकोसिस का ग्रिड पैटर्न। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, एंड लेप्रोलॉजी, 86(5), 568-568.

एफ. कालियादान, सी. गोवरकुरुविला, जे., अलखतीब, ए.ए. और फिरोज, के. (2020). स्नातक त्वचाविज्ञान पाठ्यक्रमों में वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक परीक्षाओं के अनुकरण में सुधार के लिए आसान मौलेज। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, एंड लेप्रोलॉजी, 86(5), 606-606.

खरघोरिया, जी., सी. गोवर, एस.एन. भट्टाचार्य और एस. शर्मा, (2021). नेल लाइकेन प्लेनस का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस पैथोलॉजी, 48(1), 11-17.

डी. जाखड़, सी. गोवर, ए. सिंगल और जी.के. दास, (2020). प्रणालीगत काठिन्य वाले रोगियों में नेलफोल्ड कैपिलारोस्कोपी और रेटिनल निष्कर्ष: क्या कोई संबंध है? इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(3), 382.

ए.के. लाहिड़ी, चंदर गोवर, एस.एम., आशिक, के.टी., मदुरा, सी., एन. ए. गोयल, तलवार, ... और एस. दास, (2020). डर्माटोसर्जरी अभ्यास और कोविड-19 महामारी के निहितार्थ: आईएडीवीएल एसआईजी डर्माटोसर्जरी (आईएडीवीएल अकादमी) की सिफॉरिशें। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(3), 333.

पी. दीवान, एम. सेसामा, एस. गोम्बर, और सी. गोवर(2021). कैंसर से पीड़ित बच्चों के नाखूनों में बताए गए लक्षण। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ, 57(3), 440-442.

एस. भाटिया, जे. चौहान, सी. गोवर और एस. गुप्ता, (2020). संवर्गुअल ट्यूमर के न्यूनतम इनवेसिव निष्कर्षण के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी-असिस्टेड ओनिकोस्टोमी। जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी।

डी. जाखड़, सी. गोवर और आई. कौर, (2020). क्रॉस-संक्रमण को रोकने के लिए यूनिवर्सल सीरियल बस (यूएसबी) डर्माटोस्कोप से संलग्न पॉलीइथिलीन ट्यूब। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 86(4), 459-460.

एम. इरिजो, ए. तोस्ती, एम. स्टार्सी, आर. बरन, सी. आर. डेनियल III, एन. डी. चियाचियो, ... और बी.एम. पिरासिनी (2020). आइसोलेटेड नेल लाइकेन प्लेनस: शास्त्रीय रूप के उपचार पर एक विशेषज्ञ सहमति। जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी। 83(6), 1717-1723.

सी. गोवर, एस. गुप्ता, वी. रेलहन और आर.पी. गुप्ता, (2020). क्यूटेनियस सर्जनों के संघ के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन (I)(एसीएसआईसीओएन 2019)-की सम्मेलन रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी, 13(1), 46.

वी. कटारिया, सी. गोवर और डी. पांधी, (2020). डेबिलेटिंग प्रुरिटस के साथ पाल्मो-प्लांटर केराटोडर्मा। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी, 21(3), 187.

आर.जिंदल, और डी. पांधी, (2021). हाथ की स्वच्छता के प्रोटोकॉल में छठे चरण का योग: मॉडिस्चराइजेशन। जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी।84(3), e171-e172.

जी. राय, एस. दास, एम.ए. अंसारी, पी.के.डी. सिंह, पांधी, आर.ए.तिग्गा और एस.ए. डार, (2020). क्रोनिक डर्माटोफॉइटिक संक्रमण की प्रतिरक्षा विकृति में टीएच17 और टी नियामक कोशिकाओं के बीच परस्पर क्रिया। माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, 139, 103921.

पी. कुमार, डी. पांधी, एस.एन. भट्टाचार्य और एस. दास, (2020). टिनिया कैपिटिस के लिए नैदानिक उपकरण के रूप में ट्राइकोस्कोपी: एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्राइकोलॉजी, 12(2), 68.

वी.कटारिया, डी. पांधी और एस.एन. भट्टाचार्य, (2020). हाथ के एक्जिमा के रोगियों में नैदानिक उप-प्रकार, संपर्क संवेदीकरण और जीवन की गुणवत्ता और बीमारी की लागत पर रोग की गंभीरता के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 86(6), 664.

आर. जिंदल, और डी. पांधी, (2020). कोविड-19 महामारी के दौरान हाथ की स्वच्छता प्रथाओं और जोखिम और हाथ के एक्जिमा की रोकथाम। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(4), 540.

डे, डी. दे, और डी. पांधी, (2020). कोविड-19 महामारी के दौरान ऑटोइम्यून/इंफ्लेमेटरी डर्माटोलोगिक रोगों में इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स/इम्यूनोमोड्यूलेटर्स का उपयोग-उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सामान्य अनुशंसा। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(4), 526.

ए. खुराना और डी. पांधी, (2020). लॉकडाउन के बाद कोविड-19 महामारी (आईएडीवीएल अकादमी और आईएडीवीएल कार्यकारी समिति) के बीच त्वचाविज्ञान अभ्यास पर आईएडीवीएल स्थिति का विवरण और सिफॉरिशें। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल भारतीय त्वचाविज्ञान ऑनलाइन जर्नल, 11(4), 520.

एस. दास, एस. दत्त, एस. डार, एस. भट्टाचार्य, डी. पांथी, सी. गुप्ता और एन. अख्तर, (2020). पूर्वी दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में ओनिकोमाइकोसिस के रोगियों से आइसोलेटेड डर्मटोफाइट्स की इन विट्रो एंटीफंगल संवेदनशीलता पैटर्न का आकलन। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी*, 86(3), 301-304.

एम. रंगासामी, एम.एम.शेनॉय, एस. डोगरा, एन. अशोकन, ए. खुराना, एस. पुजारी और वी. कौशल, (2020). अग्रेस्ट सर्वसम्मति से रिकैल्सीट्रेट टिनिया (आईटीएआरटी) ग्लैब्रस टिनिया (आईएनटीएसीटी) के प्रबंधन पर *इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) टास्क फोर्स*। *इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल भारतीय त्वचाविज्ञान ऑनलाइन जर्नल*, 11(4), 502.

पी. ठकरान, एस. अग्रवाल, ए.सिंघल, एस.वर्मा और एस.वी. मधु, (2021). सुपरफेशियल डर्मटोफाइटिस के रोगियों में आईट्रोजेनिक कुशिंग सिंड्रोम। *इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल*, 12(2), 237.

दीवान, पी. और ए.सिंघल, (2021). बचपन के चकत्ते: एक बाल रोग विशेषज्ञ की दुविधा। *इंडियन पिडियाट्रिक्स, भारतीय बाल रोग*, 58(1), 99.

एम.एन. कायरकट्टे, ए. सिंघल, डी. पांथी, एस. दास और एस. शर्मा, (2020). प्राथमिक ऑनिकोमाइकोसिस के निदान में नेल डर्मोस्कोपी (ऑनिकोस्कोपी) निष्कर्ष: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी*, 86(4).

एस. अग्रवाल, और ए.सिंघल, (2020). ग्रेव्स डिजीज: क्लासिकल ट्रायड एंड रिस्पॉन्स टू ट्रीटमेंट। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च*, 152(7), 140-140.

वी. गौरव और ए.सिंघल, (2020). एड्स से संबंधित प्रसार कपोसी का सारकोमा। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च*, 152(7), 114-114.

आई. कौर, डी. जाखड़, ए.सिंघल और सी. गोवर(2020). कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की नाखून देखभाल। *इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल*, 11(3), 449.

ए. सिंघल, (2020). एरिथेमा नोडोसम लेप्रोसम के प्रबंधन में वर्तमान अवधारणाएं और चुनौतियां। *इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल इंडियन डर्मटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल*, 11(4), 479.

आई. कौर, ए.सिंघल, डी. जाखड़ और डी. पांथी, (2020). फैब्री की बीमारी एक भारतीय परिवार में पारिवारिक एंजियोकेराटोमा कॉरपोरिस डिफ्यूसम के रूप में प्रकट होती है-एक विरल घटना! *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक डर्मटोलॉजी*, 21(4), 319.

ए.सिंघल और सी. गोवर(2020). प्रभावोत्पादक मस्से के प्रबंधन में अंतर्गर्भाशयी ब्लेमाइसिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा। *स्किन एपेंडेज डिसऑर्डर्स*, 6(6), 346-350.

ए.बर्मस्टर, यू.सी.हिप्लर, एस. उहरलास, पी. नेनोफ, ए. सिंघल, एस.बी. वर्मा और सी. वीगेंड, (2020). *इंडियन ट्राइकोफाइटन मेटागोफाइट्स स्कवैलिन एपॉक्सीडेज एर्ग1 डबल म्यूटेंट संयुक्त फ्लुकोनाज़ोल और टेरबिनाफाइन प्रतिरोध का उच्च अनुपात दिखाते हैं।* *मायकोसेस*, 63(11), 1175-1180.

ए. सिंघल, आई. कौर और डी. जाखड़, (2020). फॉक्स-फोर्डिस रोग: डर्मोस्कोपिक परिप्रेक्ष्य। *स्किन एपेंडेज डिसऑर्डर्स*, 6(4), 247-249.

ए. चौहान, ए. सिंघल, सी. गोवर और एस. शर्मा, (2020). नाखून के सोरायसिस की डर्मोस्कोपिक विशेषताएं: एक अवलोकन, विश्लेषणात्मक अध्ययन। *स्किन एपेंडेज डिसऑर्डर्स*, 6(4), 207-215.

ए. एबर्ट, एम., के. मोनोड, सलामिन, , ए. बर्मस्टर, एस. उहरलास, सी. वीगेंड और पी. नेनोफ, (2020). डर्मटोफाइट्स में एंटीफंगल प्रतिरोध की खतरनाक भारत-व्यापी घटना: एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। *मायकोसेस*, 63(7), 717-728.

एम.एन. कायरकट्टे, ए.सिंघल, डी. पांधी और एस. दास, (2020). तृतीयक देखभाल अस्पताल में ऑनिकोमाइकोसिस का क्लिनिको-माइकोलॉजिकल अध्ययन-एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। मायकोसेस, 63(1), 113-118.

ए. चौहान, ए. सिंघल, सी. गोवर और एस. शर्मा, (2020). नाखून के सोरायसिस की डर्मोस्कोपिक विशेषताएं: एक अवलोकन, विश्लेषणात्मक अध्ययन। स्किन एपेंडेज डिसऑर्डर्स, 6(4), 207-215.

जर्नल

संपादक (संपादकों) संपादकीय मंडल के सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या - 2
डॉ. सिंगल अर्चना - सह-संपादक, जे कट एंड एस्थेटिक सर्जरी (जेसीएसएस) 2018 से अब तक।

डॉ. चंदर गोवर - सेक्शन एडिटर, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 2012 से अब तक।

शोध परियोजनाएं

वित्तपोषक एजेंसी, वर्ष/अवधि, शीर्षक, स्वीकृत राशि

डॉ. अनिल कुमार भोई, पीजी विद्यार्थी (बैच 2019-2022), नेल सोरायसिस में इंप्लेमेंटरी साइटोवाइरस के सीरम स्तर का मूल्यांकन - एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी, 2019-2021, यूसीएमएस का इंटरम्यूरल रिसर्च अनुदान, रु. 25, 000/-

डॉ. अनिल कुमार भोई, पीजी विद्यार्थी (बैच 2019-2022), नेल सोरायसिस में इंप्लेमेंटरी साइटोवाइरस के सीरम स्तर का मूल्यांकन - एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी, 2019-2021, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया, रु. 30, 000/-

डॉ. कृति, पीजी विद्यार्थी (बैच 2020-2023), कैंसर कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों के नाखूनों में परिवर्तन: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, 2020-2023, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 30, 000 / -

डॉ. भारती अग्रवाल, पीजी विद्यार्थी (बैच 2020-2023), ओनिकोस्कोपी और नेल फोल्ड कैपिलारोस्कोपी द्वारा कुष्ठ और मधुमेह न्यूरोपैथी में नाखून परिवर्तन का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, 2020-2023, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया रु.30, 000 / -

आयोजित संगोष्ठियां

कुल संख्या

अधिकतम का विवरण 10

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन का शीर्षक, तिथियां, वित्तपोषक एजेंसी का समर्थन

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. चंदर गोवर

21 जून, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल राष्ट्रीय विटिलिगो ई-संगोष्ठी के सह-समन्वयक। विटिलिगो सर्जरी पर सत्र की योजना बनाई।

2 अगस्त, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल बेसिक पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला के समन्वयक।

6 सितंबर, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल एडवांस्ड पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला के समन्वयक। वैज्ञानिक कार्यक्रम की योजना बनाई और समन्वय किया।

आईएडीवीएल, कर्नाटक द्वारा 3 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित "रेजिमेड केएन डर्म सेशन-स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर डर्मेटोलॉजी रेजिडेंट्स" के दौरान "नेल सर्जरी: ए प्राइमर" के सत्र योजनाकार और समन्वयक।

31 अक्टूबर-1 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया का 9वां वार्षिक सम्मेलन- ई-ओनिचोकॉन के आयोजक।

जनवरी-फरवरी, 2021 में आईएडीवीएल अकादमी द्वारा ऑनलाइन आयोजित ई-डर्मकॉन 2021 के दौरान "एसआईजी डर्माटोसर्जरी सत्र" के सत्र योजनाकार और समन्वयक।

दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में 10-11 दिसंबर, 2020 को आयोजित 5वें मध्य पूर्व अंतर्राष्ट्रीय त्वचाविज्ञान और सौंदर्य चिकित्सा सम्मेलन और प्रदर्शनी 2020 की कार्यवाही के दौरान सत्र "पेरीयुंगुअल वार्ट्स" के लिए आमंत्रित संकाय।

10 फरवरी, 2021, सांध्य 6-7.30 बजे सीईएसटी पर यूरोपीय नेल सोसाइटी (ईएनएस) मास्टरक्लास के दौरान "नेल बायोप्सी: व्हेन एंड हाउ" सत्र के लिए आमंत्रित संकाय।

आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा 17 मई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित मिड-कटिकॉन 2020 के दौरान "पिगमेंटरी विकारों में नया क्या है" के आमंत्रित अध्यक्ष।

29 मई, 2020 को ऑनलाइन आईएडीवीएल अकादमी द्वारा आयोजित लाइव वेबिनार "ऑनिकोमाइकोसिस और उभरते रुझानों के बारे में नैदानिक अंतर्दृष्टि" के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

एसोसिएशन ऑफ क्यूटेनियस सर्जन (आई) द्वारा 6 जून, 2020 को ऑनलाइन आयोजित एसीएस (आई) नेल वेबिनार के लिए "नाखून सर्जरी: मूल बातें, इंजेक्शन, एवल्शन और बायोप्सी" के लिए आमंत्रित संकाय।

21 जून, 2020 को आईएडीवीएल अकादमी द्वारा आयोजित, विटिलिगो पर आईएडीवीएल राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी के लिए "विटिलिगो सर्जरी में कठिन मामलों" के आमंत्रित मॉडरेटर।

12 जुलाई, 2020 को ऑनलाइन आयोजित 7वें त्वचाविज्ञान और संबद्ध विज्ञान ई-शिखर सम्मेलन के लिए "में ट्रैक्योनीचिया का प्रबंधन कैसे करता हूं" के लिए आमंत्रित संकाय।

2 अगस्त, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल बेसिक पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला "बेसिक्स ऑफ डर्माटोसर्जरी (थ्योरी)" के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

2 अगस्त, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल बेसिक पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला "विशिष्ट सर्जरी (वीडियो डेमो) नाखून सर्जरी मूल बातें और बायोप्सी" के लिए आमंत्रित संकाय।

आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा 6 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन इंटरैक्टिव कार्यशाला के रूप में आयोजित डर्मा की पाठशाला के लिए "नाखून विकार: निदान" के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ संकाय।

13 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन इंटरैक्टिव कार्यशाला के रूप में आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित डर्मा की पाठशाला के लिए "नाखून विकार: चिकित्सीय" के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ संकाय।

6 सितंबर, 2020 को आयोजित आईएडीवीएल एडवांस्ड पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला के लिए "उन्नत नाखून सर्जरी (वीडियो डेमो) नाखून मैट्रिक्स बायोप्सी, नाखून ट्यूमर" के लिए आमंत्रित संकाय।

आईएडीवीएल-तमिलनाडु द्वारा 28-30 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन आयोजित मिड-डर्मकॉन 2020 के दौरान "लाइकेनॉइड डिसऑर्डर" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

आईएडीवीएल-तमिलनाडु द्वारा 28-30 अगस्त, 2020 को ऑनलाइन आयोजित मिड-डर्मकॉन 2020 के दौरान "में नेल लाइकेन प्लेनस का निदान और प्रबंधन कैसे करता हूं" के लिए आमंत्रित संकाय।

एमईयू यूसीएमएस द्वारा आयोजित पोस्टग्रेजुएट प्रोटोकॉल राइटिंग वर्कशॉप 2020 के दौरान 1-4 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन "सेटिंग ए टाइटल" के लिए आमंत्रित संकाय।

5 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ऑनिकोमाइकोसिस के लिए एलओसी के दौरान "ऑनिकोमाइकोसिस का प्रबंधन: विभिन्न रोगी, विभिन्न दृष्टिकोण" के आमंत्रित पैनेलिस्ट।

आईएडीवीएल अकादमी द्वारा 6 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित एडवांस्ड पीजीपीडीटी वर्कशॉप 2020 के दौरान "एडवांस्ड नेल सर्जरी" के लिए आमंत्रित संकाय।

आईएडीवीएल गुजरात राज्य शाखा द्वारा 10 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित "इंटरएक्टिव पीजी व्याख्यान श्रृंखला" के दौरान "नाखून उपकरण और उसके विकार" के लिए आमंत्रित संकाय।

कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 19-20 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित सीडीएसआई वार्षिक सम्मेलन 2020 के "पल्स इन डर्मेटोसर्जरी" सत्र के दौरान "नेल बायोप्सी" के लिए आमंत्रित संकाय।

24 सितंबर, 2020 को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा ऑनलाइन डीएनबी छात्रों के लिए एनबीई वेबिनार के लिए "ऑनिकोमाइकोसिस प्रबंधन" के आमंत्रित संकाय।

आईएडीवीएल, कर्नाटक द्वारा 3 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित "रेजिमेड केएन डर्म सेशन-स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम फॉर डर्मेटोलॉजी रेजिडेंट्स" के दौरान "नेल एवल्शन और बायोप्सी तकनीक" के लिए आमंत्रित संकाय।

31 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 9वें वार्षिक सम्मेलन ई-ओनिचोकॉन की कार्यवाही के दौरान "नाखून सर्जरी पर कार्यशाला" के दौरान "इंजेक्टेबल नेल थेरेपी" के लिए आमंत्रित संकाय।

1 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 9वें वार्षिक सम्मेलन ई-ओनिचोकॉन की कार्यवाही के दौरान "इन्फ्लेमेटरी नेल डिस्ट्रॉफी में प्रबंधन चुनौतियां" के लिए आमंत्रित पैनेलिस्ट।

8 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस फोरम ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित ई-कॉन्फिकॉन 2020 के दौरान "फोटो-पैच परीक्षण" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

13 दिसंबर, 2020 को एसोसिएशन ऑफ क्यूटेनियस सर्जन्स (इंडिया) के 18वें वार्षिक सम्मेलन, ऑनलाइन ई-एसीएसआईसीओएन 2020 की कार्यवाही के दौरान "पल्स इन एडवांस्ड नेल सर्जरी" के लिए आमंत्रित संकाय।

19-20 दिसंबर, 2020 को आईएडीवीएल की दिल्ली राज्य शाखा के ऑनलाइन वार्षिक क्यूटिकॉन की कार्यवाही के दौरान "त्वचाविज्ञान में साइटोकाइन सिंड्रोम" के लिए आमंत्रित पैनेलिस्ट।

23-24 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित एस्थेटिका एशिया 2021 के दौरान "क्लिनिक वॉक-थ्रू सेशन" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

31 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित आईएडीवीएल के 49वें वार्षिक सम्मेलन ई-डर्मकॉन 2021 के लिए "नाखून विकार" पर प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप डब्ल्यू13 की कार्यवाही के दौरान "नाखून विकारों में इंजेक्शन योग्य उपचार" के लिए आमंत्रित संकाय।

5 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित आईएडीवीएल के 49वें वार्षिक सम्मेलन- ई-डर्मकॉन 2021 के सीएमई की कार्यवाही के दौरान "डर्मेटोसर्जरी में नया क्या है" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

इंडिया हैबिटेड सेंटर में 20-21 मार्च, 2021 को त्वचाविज्ञान विभाग, एबीवीआईएमएस और आरएमएल अस्पताल द्वारा आयोजित तीसरे राष्ट्रीय पीजी अपडेट की कार्यवाही में "नाखून विकारों वाले रोगी के लिए दृष्टिकोण" के लिए आमंत्रित संकाय।

23-25 मार्च, 2021 को यूसीएमएस में मेडिकल एजुकेशन यूनिट, यूसीएमएस द्वारा आयोजित संशोधित बेसिक कोर्स कार्यशाला की कार्यवाही के दौरान "ग्रुप लर्निंग" और "स्किल असेसमेंट" के लिए आमंत्रित संकाय।

डॉ. दीपिका पांथी

5 फरवरी से 7 फरवरी 2021 तक ई-डर्मकॉन 2021 के लिए वैज्ञानिक अध्यक्ष

इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) अकादमी (2020-21) की अध्यक्ष

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड 2020 के त्वचाविज्ञान विशेषज्ञ बोर्ड की संयोजक

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड 2020-2021 के ऑनलाइन शिक्षण त्वचा विज्ञान की प्रभारी

डॉ. सिंगल अर्चना

5 और 12 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आयोजित सातवें डीएएस शिखर सम्मेलन 2020 के लिए वैज्ञानिक अध्यक्ष

31 अक्टूबर- 1 नवंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 9वें वार्षिक सम्मेलन ई-ओनिचोकॉन की आयोजक

जनवरी-फरवरी 2021 में आईएडीवीएल अकादमी द्वारा ऑनलाइन आयोजित ई-डर्मकॉन 2021 के दौरान 'एसआईजी डर्मेटोसर्जरी सत्र' के लिए सत्र योजनाकार और समन्वयक।

इंडिया हैबिटेड सेंटर में 2 और 21 मार्च, 2021 को आयोजित तीसरे राष्ट्रीय पीजी अपडेट के दौरान 'संयोजी उत्तक रोगों के रोगी के लिए दृष्टिकोण' पर आमंत्रित वक्ता।

आईएपी दिल्ली द्वारा गुरुवार और शुक्रवार 25-26 फरवरी, 2021 को डीडीएपी-दिल्ली डिजिटल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित ई-डर्मपीडिया पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी बेसिक के दौरान "नाखून विकार" पर आमंत्रित "अतिथि व्याख्यान" दिया।

19 फरवरी 2021 को एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र ओबीएस एंड गायनी सोसाइटी द्वारा ऑनलाइन आयोजित डर्मा-गायनी क्रॉस स्पेशियलिटी वेबिनार के दौरान "महिलाओं में सामान्य त्वचा संबंधी मुद्दे" पर आमंत्रित पैनलिस्ट।

6 फरवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित आईएडीवीएल के 49वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ई-डर्मकॉन की कार्यवाही के दौरान 'आईजेडीवीएल: रियलिटी एंड एक्सपेक्टेडेंस' के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

31 जनवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित आईएडीवीएल के 49वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ई-डर्मकॉन 2021 की कार्यवाही के दौरान 'नेल सर्जरी वर्कशॉप कोऑर्डिनेटर'।

31 जनवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित आईएडीवीएल के 49वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ई-डर्मकॉन 2021 में 'नेल सर्जरी वर्कशॉप' के दौरान 'नेल बायोप्सी तकनीक' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

19 दिसंबर 2020 को डायबिटिक फुट सोसाइटी ऑफ इंडिया (डीएफएस) के ऑनलाइन आयोजित 18वें वार्षिक सम्मेलन में 'मैनेजिंग इनग्रोन टोनेल' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।

19 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित 41वें राजस्थान क्यूटिकॉन में "त्वचीय क्षय रोग के प्रबंधन में समस्याओं का समाधान" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान।

28 और 29 नवंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित 11वें वार्षिक राज्य सम्मेलन क्यूटिकॉन केएन के दौरान 'उष्णकटिबंधीय त्वचाविज्ञान' में - "स्थानिक, महामारी और महामारी: त्वचा विशेषज्ञ का दृष्टिकोण" पर मुख्य व्याख्यान दिया।

18 अक्टूबर 2020 को कटिकॉन यूपी और यूके के दौरान ऑनलाइन आयोजित "बाल चिकित्सा जननांग डर्मेटोज - केस आधारित चर्चा" पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

9 अक्टूबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित 'लेडी एम्पावरमेंट इन डर्मेटोलॉजी' पर लाइफ लेसन्स लन्ट वेबिनार में आमंत्रित वक्ता और पैनेलिस्ट।

27 सितंबर 2020 को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के लिए आईएडीवीएल-एसआईजी के तत्वावधान में आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'डायग्नोस्टिक दुविधा और माइसेटोमा में प्रबंधन चुनौतियां' पर पैनेल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल केएन शाखा द्वारा 26 सितंबर 2020 को आनलाइन आयोजित रेसीडर्म केएन डर्म सत्र 14 (त्वचाविज्ञान आवासियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम) में 'नाखून की आकर्षक दुनिया की खोज' और 'नाखून परीक्षा: क्यों और कैसे' पर आमंत्रित मॉडरेटर और वक्ता।

19 से 20 सितंबर 2020, को ऑनलाइन आयोजित कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी सोसाइटी इंडिया (सीडीएसआई) सीओएसडर्मइंडिया 2020 के 24 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पार्शियल नेल एवल्शन' पर आमंत्रित वक्ता।

आईएडीवीएल, गुजरात ब्रांच के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 12 सितंबर को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता के लिए 'डिफिकल्ट टू ट्रीट लिचेन प्लेनस (क्यूटेनियस, हेयर एंड नेल)' पर पैनेल चर्चा के लिए मॉडरेटर।

आईएडीवीएल, कर्नाटक शाखा के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 10 सितंबर को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता के लिए 'डिफिकल्ट टू ट्रीट लिचेन प्लेनस (क्यूटेनियस, हेयर एंड नेल)' पर पैनेल चर्चा के लिए मॉडरेटर।

5 सितंबर 2020 को शिक्षक दिवस पर, आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा ऑनलाइन आयोजित 'संतुलन परिवार और शिक्षा' के लिए आमंत्रित वक्ता।

एनएसआई के तत्वावधान में 5 सितंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित ओएम के लिए एलओसी पर संगोष्ठी के दौरान 'ऑनिकोमाइकोसिस का प्रबंधन: अलग-अलग मरीज और अलग-अलग दृष्टिकोण' पर आमंत्रित वक्ता।

1 सितंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) नॉर्थ जोन पेडीवीक 2020 'हिमालय' में 'बच्चों में आम संक्रामक त्वचा रोग' पर आमंत्रित वक्ता।

29 और 30 अगस्त 2020 को चेन्नई में ऑनलाइन आयोजित एमआईडी डर्मकॉन 2020-इंडिया में 'नेल्स एज़ मिरर ऑफ सिस्टमिक डिज़ीज़' पर आमंत्रित वक्ता।

आईएडीवीएल, नॉर्थ ईस्ट ब्रांच के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 21 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता के लिए 'कुष्ठ में केस चर्चा' पर पैनेल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल, राजस्थान शाखा ऑनलाइन के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 19 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित 'त्वचा की विफलता और एरिथ्रोडर्मा; डर्मावार्ता के लिए केस आधारित चर्चा' पर पैनेल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल, पश्चिम बंगाल शाखा के सहयोग से डर्माकॉन आईएनटी बिडिंग कमेटी 2023 द्वारा 10 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित डर्मावार्ता 'संयोजी ऊतक विकार; व्यावहारिक विचार' पर पैनेल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

आईएडीवीएल एसआईजी डर्माटोसर्जरी के सहयोग से आईएडीवीए ईसी और आईएडीवीएल अकादमी द्वारा 2 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित पीजीपीडीटी (स्नातकोत्तर प्रक्रियात्मक त्वचाविज्ञान प्रशिक्षण) कार्यशाला में 'बेसिक स्यूट्रिंग तकनीक' सत्र के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

12 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आयोजित 7वें ई-डीएएस शिखर सम्मेलन में 'कुष्ठ रोग के क्लिनिक मिमिक्स' सत्र के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) द्वारा 7 जुलाई 2020 को ऑनलाइन आयोजित वेबिनार में 'बच्चों में नाखून विकार' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

जून 2020 को ऑनलाइन पीजीएनएआर श्रृंखला में 'संयोजी ऊतक रोगों के लिए दृष्टिकोण' पर बोलने के लिए आमंत्रित वक्ता।

आईएडीवीएल-एसआईजी द्वारा 29 मई 2020 को रिकैल्सीट्रेंट डर्माटोफॉइटिस पर ऑनलाइन आयोजित 'ऑनिकोमाइकोसिस और उभरते रुझानों के बारे में नैदानिक अंतर्दृष्टि' पर सत्र के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

आईएडीवीएल डीएसबी द्वारा 7 मई 2020 को आयोजित मिड-क्यूटिकॉन में 'त्वचाविज्ञान में दिलचस्प मामले' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर।

10 मई, 2020 को आईएडीवीएल युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 'नेल्स इन कोविड 19 एंड बियाँन्ड' पर आमंत्रित विशेषज्ञ पैनलिस्ट।

संकाय की संख्या: 6

नाम	पदनाम
डॉ. एस.एन. भट्टाचार्य	निदेशक प्रोफेसर
डॉ. कविता बिशरवाल	सहायक प्रोफेसर
डॉ. वी. गांधी	निदेशक प्रोफेसर
डॉ. सी. ग्रोवर	प्रोफेसर
डॉ. डी. पांधी	निदेशक प्रोफेसर
डॉ. ए. सिंगल	निदेशक प्रोफेसर

ईएनटी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एलएचएमसी का ईएनटी और हेड-नेक सर्जरी विभाग भारत सरकार की एडीआईपी योजना के अंतर्गत कॉक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम चला रहा है, जहां कमजोर सामाजिक-आर्थिक समूह के 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कॉक्लियर इम्प्लांट का निःशुल्क लाभ मिल रहा है।

विभाग में हेड-नेक ऑन्कोसर्जरी सहित सभी प्रमुख ईएनटी हेड-नेक सर्जरी की जाती है

ईएनटी विभाग अत्याधुनिक ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप, सीओ2 लेजर, माइक्रोडेब्राइडर, कोब्लेटर, सियालोएंडोस्कोप, हार्मोनिक स्केलपेल, फेशियल नर्व मॉनिटर, स्कीटर माइक्रो ड्रिल सिस्टम से लैस है।

प्रकाशन

जी.बी.एस. सिंह, मल्होत्रा, एस.सी. यादव, आर. कौर, डी. क्वात्रा और एस. कुमार, (2021). क्रोनिक ओटिटिस मीडिया-एक्टिव स्क्वैमोसल डिजीज में बायोफिल्म्स की भूमिका: एक मूल्यांकन अध्ययन। ओटोलॉजी और न्यूरोटोलॉजी, 42(9), e1279-e1285.

कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी में लैक्रिमल उपकरण की चोट का रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन। जे लेरिंगोल ओटोली।

जी.बी.सिंह, जी.वाई. वार, एस. शुक्ला, आर. कौर, एस. मल्होत्रा, और एस. कुमार, (2020). आवर्तक टॉन्सिलिटिस में हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और लैरींगोफेरीन्जियल रिफ्लक्स की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक ओटोरिंजोलॉजी, 138, 110376.

वी.बेट्टादहली, जी.बी.एस. सिंह, कुमार और बी.आर. मिर्धा, (2020). एक बच्चे में ट्रेकियोस्टोमल मायियासिस का एक विरल मामला। इयर, नोज एंड थ्रोत जर्नल, 0145561320958977.

जी.बी.सिंह, एन. अरोड़ा, एस. तोमर, क्वात्रा, डी., और एस. कुमार, (2020). क्रोनिक राइनोसिनिटिस के लिए सर्जिकल उपचार निर्णयों में साइनस सीटी की भूमिका। अमेरिकन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी, 41(6), 102729.

जी बी सिंह, (2021). संपादक को शोध: लेखक की प्रतिक्रिया क्या एंडोस्कोपिक टाइम्पेनोप्लास्टी में परिधीय सबन्युलर तकनीक आवश्यक है? अमेरिकन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी, 42(3), 102837.

जी बी सिंह, डी क्वात्रा, एस मल्होत्रा और एस कुमार, (2020). सर्कमफेरेंशियल सबन्युलर टाइम्पेनोप्लास्टी: रिवीजन टाइम्पेनोप्लास्टी के लिए रामबाण। अमेरिकन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी, 41(6), 102728.

जी बी सिंह, एम. सोलो और आर कौर (2020). कोलेस्टीटोमा कान रोग के एक प्रतिरक्षी रोगी में कैंडिडा मास्टोइडाइटिस का एक विरल मामला। इयर, नोज एंड थ्रोत जर्नल, 0145561320957757.

पी. कुमार, जी.बी.सिंह, क्वात्रा, डी. और ए. राय, (2020). एक शिशु में असामान्य वाह्य शरीर। इयर, नोज एंड थ्रोत जर्नल, 0145561320942090.

जी.बी.सिंह, पी. कुमार और ए.ए. कृष्णा, (2020). पूरे चेहरे के अभिघातजन्य तंत्रिका पक्षाघात के बाद के प्रबंधन में एक प्रतिमान बदलाव। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी, 72(4), 532-534.

जी.बी.सिंह, आई. शुक्ला, के. अग्रवाल और एस. मल्होत्रा, (2020). होंठ के सॉलिटरी प्लेक्सिफॉर्म न्यूरोफिब्रोमा का एक विरल मामला। जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, मेडिसिन, एंड पैथोलॉजी, 32(2), 164-166.

जी बी डी. सिंह, क्वात्रा, (2020). चोनल एट्रेसिया के साथ क्राउज़ोन सिंड्रोम का एक विरल मामला। क्लीनिकस इन सर्जरी, 5, 2985.

जी.बी.एस. सिंह, मल्होत्रा, एस. अग्रवाल, और एस. गर्ग, एक प्रतिरक्षी शिशु में पैलेटल म्यूकोर्मिकोसिस। वर्ल्ड जे सर्ज सर्जिकल रेस. 2020; 3, 1230.

जी.बी.सिंह, आई. शुक्ला, के. अग्रवाल और एस. मल्होत्रा, (2020). होंठ के सॉलिटरी प्लेक्सिफॉर्म न्यूरोफाईब्रोमैटोसिस का विरल मामला। जे. ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जन मेड पाथ, 32, 164-66.

ए. चक्रवर्ती, पी. उपाध्याय, आर. बिजारनिया और आई. शुक्ला, (2020). मास्टॉयड सर्जरी से गुजर रहे मरीजों में मास्टॉयड ड्रिल शोर के संपर्क में आने वाले सामान्य विपरीत पार्श्व कानों में विस्तारित उच्च आवृत्ति श्रवण संवेदनशीलता। इंट जे ओटोरिंजोलॉजी हेड नेक सर्जरी, 6(12), 2249-2252.

ए. चक्रवर्ती, एम. मोजाहिद, आर.आर.नायर, (2020). पिन्ना के आर्टीवेनस विकृति का कंजरवेटिव मैनेजमेंट: एक केस रिपोर्ट। इंट जे विज्ञान अनुसंधान, 9 (7).

ए. चक्रवर्ती, डी. शर्मा, एम. मोजाहिद और के. अग्रवाल, (2020). जीभ का प्राइमरी इंटेस्टाइनल-टाइप एडेनोकार्सिनोमा: एक विरल नैदानिक इकाई। जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स, 10(4), 234-236.

ए. चक्रवर्ती, एम. मोजाहिद, आर.आर. नायर और एस. अग्रवाल, (2021). एक प्रतिरक्षात्मक रोगी में नाक और पैरा-नज़ल साइनस का प्लाज़्माब्लास्टिक लिंफोमा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओटोरिंजोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी, 7(5), 1.

ए. चक्रवर्ती, आर.आर. नायर, एम. मोजाहिद, पी. मंडल, जे. चंद्रा और ए. नांगिया, (2021). एक इम्युनोकोम्प्रोमाइज्ड बच्चे में फेरिंगो-लारिंगल हिस्टोप्लाज्मोसिस-एक केस रिपोर्ट, द इजिप्शियन जर्नल ऑफ ओटोलरिंगोलॉजी, 37(1), 1-4.

डी. क्वात्रा, पी. सागर और एस. शुक्ला, (2020). रबडोमायोसारकोमा: कार्सिनोमा जीभ के साथ दूसरे प्राथमिक के रूप में नाक को प्रस्तुत करना। ईरानीयन जर्नल ओटोरहिनोलारिजोलॉजी के, 32(109), 121.

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. जीबी सिंह संकाय थे

आमंत्रित वार्ता

एंटीबायोटिक प्रतिरोध और एमोक्सिसिलिन और क्लवुलानिक एसिड थेरेपी की उच्च खुराक का महत्त्व, वेबिनार, मार्च 2021

आमंत्रित वार्ता और मॉडरेटर

क्रोनिक राइनोसिनितिस के सर्जिकल उपचार में साइनस सीटी की भूमिका।

वेबिनार: एफईएसएस में प्रगति। जनवरी 2021

आमंत्रित वक्तव्य

पीडियाट्रिक एचआईवी/एड्स रोगियों में ईएनटी अभिव्यक्तियाँ।

ईएनटी अपडेट वेबिनार। एमएएमसी. दिसंबर 2020.

आमंत्रित वार्ता।

ब्रॉकोसोफेगोलॉजी: टिप्स एंड पल्स।

वेबिनार। नवंबर 2020

आमंत्रित वार्ता एवं मॉडरेटर।

सर्कमफेरेंशियल सबैनुलर टाइम्पेनोप्लास्टी: रिवीजन टाइम्पेनोप्लास्टी के लिए रामबाण। वेबिनार: कान की सर्जरी की पेचीदगियाँ। अक्टूबर 2020

आमंत्रित वार्ता।

बच्चों में कान बहने का प्रबंधन।

वेबिनार। सितंबर 2020।

आमंत्रित वार्ता।

21वीं सदी में कोलेस्टीटोमा कान की बीमारी के नए पहलू।

वेबिनार। अगस्त 2020।

संकाय

आठवाँ एसजीआरएच एफईएसएस और स्कल बेस सर्जिकल वर्कशॉप

सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली। [फरवरी 2020]

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

वरिष्ठ आवासियों में से दो को एनएचएस, यूके से नौकरी का प्रस्ताव मिला है।

संकाय की संख्या: 5

ईएनटी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने कोविड रोगियों के प्रबंधन में अथक सहायता की और महामारी वर्ष के समय ईएनटी सेवाएं प्रदान कीं। हमने ऑनलाइन मोड के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा। विभाग ने सिर और गर्दन के ऑन्कोलॉजी में अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार की श्रृंखला भी आयोजित की। वर्तमान में विभाग म्यूकोर्मिकोसिस मामलों का प्रबंधन कर रहा है और 90 से अधिक मामलों का ऑपरेशन कर चुका है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. सार्थक सचदेवा; पीजी III; टोरेट यंग स्कॉलर अवार्ड में प्रथम पुरस्कार

प्रकाशन

डी. कपूर, एच.मोना, और एन. गुप्ता, (2020). ट्रांसकैनल मायरिंगोप्लास्टी में प्लेटलेट रिच फॉइब्रिन मेम्ब्रेन का नया उपयोग: एक संभावित अध्ययन- संपादक को शोध। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी, 1-2.

ए. ओलेस्ज़किविज़, आर. अलीज़ादेह, ए. अल्टुंडाग, बी. चेन, ए. कोर्आई, आर. फॉनारी, और टी. हम्मेल, (2020). घ्राण संवेदनशीलता में परिवर्तनशीलता का वैश्विक अध्ययन। बिहैवियल न्यूरोसाइंस, 134(5), 394.

के पलानीसामी, एल वैद, एन गुप्ता, आर साहा और यू सिंह (2020). नज़ल पॉलिप्स के साथ क्रोनिक राइनोसिनिटिस में बायोफिल्म का नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओटोरहिनोलरिंगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी। 7. 73. 10.18203/आईएसएसएन.2454-5929.ijohns(2020) 5623.

आयोजित संगोष्ठियाँ - 4

सिर और गर्दन की ऑन्कोसर्जरी में वेबिनार श्रृंखला: सत्र I-IV: ओरल कैंसर, स्वरयंत्र, लार ग्रंथि, थायराइड। डॉ. विपिन अरोड़ा, संबद्धता- शिकागो विश्वविद्यालय। वार्ता का शीर्षक- हेड एंड नेक ऑन्कोसर्जरी वेबिनार सीरीज़। दिनांक: 6/10/2020, 6/11/2020, 4/12/2020, 8/02/2021

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय- सिर और गर्दन के ऑन्कोसर्जरी में वेबिनार श्रृंखला: सत्र I-IV: ओरल कैंसर, लैरिक्स, सालिवरीग्लैंड, थायराइड

संकाय की संख्या- 4

न्याय-चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने वर्ष 2020 में संतोषजनक ढंग से लगभग 1433 चिकित्सीय शवों का परीक्षण किया और अनेक मामलों में विशेषज्ञ राय और अदालती साक्ष्य भी प्रदान करता है। इसी अवधि में विभिन्न संकाय सदस्यों ने विभिन्न चयन समितियों के विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया, अतिथि व्याख्यान दिए और संपादकीय मंडल के सदस्य नियुक्त हुए। विभाग के संकाय सदस्यों ने दिल्ली सरकार, सीबीआई, आदि विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा गठित अनेक समीक्षा/पोस्टमॉर्टम बोर्डों में अध्यक्ष/ सदस्यों की क्षमता में काम किया। विभाग अधिक कुशलता पूर्वक समाज की सेवा करने के लिए लगातार ज्ञान की वृद्धि के लिए काम कर रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान, विभाग ने अंडरग्रेजुएट छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षण आयोजित किया और कोविड -19 के सकारात्मक मामलों में शव परीक्षण भी किया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

एन के अग्रवाल

आईडीएचएस के टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटना के सदस्य (एकीकृत जिला स्वास्थ्य सोसायटी शधारा)

इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन की फेलोशिप से सम्मानित

गुरु पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय चिकित्सक संगठन द्वारा सम्मान एवं अभिनंदन

डीएमए (आईएमएईडीबी) और चौपाल द्वारा "कोरोना योद्धा" के रूप में उत्कृष्टता का प्रमाण शोध प्रदान किया गया।

106वें स्थापना दिवस समारोह में डीएमए उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

दिल्ली मेडिकल फोरम द्वारा कोविड-19 से संघर्ष करने के लिए उत्कृष्ट सेवाओं, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए "कोरोना योद्धा" के रूप में प्रशंसा पुरस्कार।

पीजीआईएमएस, रोहतक में निम्स अत्याधुनिक मुर्दाघर कैंपस के निर्माण के लिए प्रस्तुत योजना पर विशेषज्ञ सलाह देने के लिए कुलपति, पीजीआईएमएस रोहतक द्वारा गठित समिति के सदस्य।

पीजीआईएमएस, रोहतक में फॉरेंसिक मेडिसिन में स्नातकोत्तर बोर्ड ऑफ स्टडीज के विशेषज्ञ सदस्य नामित।

नैतिक समिति जीटीबीएच दिल्ली के सदस्य नामित किए गए।

संस्थागत आचार समिति सदस्य, दिल्ली के विशेषज्ञ सदस्य नामित किए गए।

दिल्ली साइकियाट्रिक सोसाइटी द्वारा प्रकाशित, दिल्ली साइकियाट्री जर्नल की संपादकीय समिति के सदस्य।

दिल्ली मेडिकल काउंसिल के विशेषज्ञ सदस्य।

राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली में नैतिक समिति के सदस्य

ए कुमार

राज्य प्रतिकूल प्रभाव प्रतिरक्षण समिति के सदस्य, डीएफडब्ल्यू, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

पीआईओ, यूसीएमएस

रेजिडेंट ट्यूटर बाँयज विद्यार्थीवास, यूसीएमएस

यूसीएमएस की भौतिक स्टॉक सत्यापन समिति के सदस्य,

एसोसिएट सांस्कृतिक सलाहकार, यूसीएमएस

पूर्व विद्यार्थी, आईक्यूएसी, यूसीएमएस के नामित सदस्य,

प्रकाशन

एन.एस.सोनवानी, एन. अटेरिया, ए. कुमार, और ए. कोहली, (2021). तरल पेट्रोलियम गैस का सिलेंडर फटने से दो की मौत। इजिप्शियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, 11(1), 1-5.

एन.एस.सोनवानी, एन. अटेरिया, ए. कुमार, ए. कोहली और के.के. बनर्जी, (2020). ऑसोफेगल वेरिसेस के टूटने के कारण अचानक मौत-ऑटोप्सी-आधारित केस रिपोर्ट। मेडिको-लीगल जर्नल, 88(4), 189-191.

एन.एस.सोनवानी, एन. अटेरिया, अरविंद पी. कुमार और ए. कोहली, (2020). केडावर डॉ.गस: नाक कुछ जानती है। जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन, 42(4), 311-312.

के.पी. सिंह, ए. वर्मा, एस.के. वर्मा और एन.के. अग्रवाल (2020). अचानक मायोकार्डियल चोट के पोस्टमार्टम निदान के लिए पेरीकार्डियल फ्लूइड में रैपिड कार्डियो ट्रोपोनिन-टी परख: एक केस कंट्रोल स्टडी। जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 37(1), 1-8.

जर्नल

संपादक (संपादकों)/संपादकीय मंडल के सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या -3

संगोष्ठियाँ/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. एन के अग्रवाल : पंजाब एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी के 18वें वार्षिक सम्मेलन में हिरासत में हुई मौतों में फॉरेंसिक ऑटोप्सी विषय पर भाषण दिया।

संकाय की संख्या: 6

न्याय-चिकित्सा (एमएलसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने 205 पोस्टमॉर्टम परीक्षाएं और 45 एमएलसी आयोजित किए। संकाय सदस्य शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल हैं और उन्हें देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया है। संकाय सदस्यों को सरकार, सीबीआई द्वारा संवेदनशील मामलों में अध्यक्ष/बोर्ड के सदस्यों के रूप में नामित किया जाता है और सरकार द्वारा नीति निर्माता बोर्डों के हिस्से के रूप में भी शामिल किया जाता है।

संबंधित लोक नायक अस्पताल को एक विशेष कोविड केंद्र के रूप में नामित किया गया था इसलिए विभागीय मुर्दाघर को तेजी से एक कोविड इकाई में बदलना पड़ा और महामारी के दौरान, विशेष रूप से पहली और दूसरी दोनों लहरों के बहुत अधिक तेज होने के समय शवों के प्रबंधन के लिए, शवों की बढ़ी हुई संख्या को समायोजित करने के लिए व्यवस्था की गई थी। इसके लिए मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन, अस्पताल के कर्मचारियों के सहयोग, दफन और श्मशान घाट की आवश्यकता थी। संकाय के साथ विभाग प्रमुख द्वारा एसओपी तैयार किए गए थे। संकट से निपटने के लिए एम्बुलेंस सेवाओं और कर्मचारियों को बढ़ा दिया गया था। मृतकों के परिजनों के प्रति स्वच्छता और उनके स्वयं के सुरक्षा प्रोटोकॉल और संवेदीकरण के संबंध में कर्मचारियों का नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। जनता के लिए चौबीसों घंटे मुर्दाघर सेवाएं प्रदान की गईं। उनकी शिकायतों को सुना गया और उनका उचित समाधान किया गया। सभी सुरक्षा और एहतियाती उपायों का उपयोग करते हुए संदिग्ध और सीओवीआईडी पॉजिटिव शवों की एमएलसी मौतों पर नियमित रूप से पोस्टमॉर्टम जांच की गई।

प्रकाशन:

आर. भारती, आर. कुमार, डी. बुकाडे, यू. किशोर, (2020). ब्लू डेथ: ए केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन साइंस एंड लॉ 29 (1) 68-72.

डी. डी. बुकाडे, सिद्धाम ए.के. सेट्टी, आर. कुमार, के.एस. ठाकुर और एस. मिस्ट, (2020). असामान्य वंदूक की गोली के घाव: मामलों की एक श्रृंखला। जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन, 42(4), 292-295.

जर्नल:

डॉ. अनिल अग्रवाल "अनिल अग्रवाल"स इंटरनेट जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी" पत्रिका के प्रधान संपादक हैं।

शोध परियोजनाएं:

लिंगेचर गर्दन संपीड़न में घाव की वाइटालिटी का इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन। डॉ. रूपेश चंद्र। पर्यवेक्षक: डॉ. उपेंद्र किशोर सह-पर्यवेक्षक: डॉ. मोनिशा प्रधान, डॉ. श्रमण मंडल।

कवाल की दंत चिकित्सा पद्धति का उपयोग करके जीवन में आयु का अनुमान-एक रेडियोलॉजिकल अध्ययन। डॉ. सरिता शर्मा। पर्यवेक्षक: डॉ. अनिल अग्रवाल, सह-पर्यवेक्षक: डॉ. सिगिड आई कवाल, डॉ. धीरज डी बुकाडे।

युवा वयस्कों में हाथ और पैर के एंथ्रोपोमेट्रिक माप से कद का अनुमान। डॉ.क्टर तैय्यबा तनवीर। पर्यवेक्षक: डॉ. अनिल कुमार मित्तल; सह-पर्यवेक्षक: डॉ. अमनदीप कौर।

ऑटोप्सी में लिंग निर्धारण के लिए हाइड्रॉइड हड्डी का आकृति विज्ञान। डॉ. वैशाख एस पर्यवेक्षक: डॉ. श्रीनिवास एम सह पर्यवेक्षक: डॉ. मोनिशा प्रधान।

युवा वयस्कों में फिंगरप्रिंट पैटर्न, प्रकार और वितरण। डॉ. चंदर प्रकाश मीणा। पर्यवेक्षक: डॉ. उपेंद्र किशोर; सह-पर्यवेक्षक: डॉ. धीरज डी. बुकाडे।

11 से 19 वर्ष के आयु समूह में कोहनी और कलाई के जोड़ के आसपास ऑसिफिकेशन केंद्रों की उपस्थिति और संलयन का रेडियोलॉजिकल अध्ययन। डॉ. सुनीता दास। पर्यवेक्षक: डॉ. अनिल कुमार मित्तल, सह पर्यवेक्षक: डॉ. गौरव प्रधान और डॉ. धीरज बुकाडे। इसे पूरा किया गया और अगस्त 2020 में जमा किया गया।

3 डी पुनर्निर्माण के साथ मल्टीडिटेक्टर सीटी स्कैन का उपयोग करके हंसली के मध्य भाग में आयु संबंधी परिवर्तन। डॉ. आकाश चौधरी। पर्यवेक्षक: डॉ. अनिल अग्रवाल, सह पर्यवेक्षक: डॉ. सतबीर सिंह और डॉ. मोनिशा प्रधान। इसे पूरा किया गया और अगस्त 2020 में जमा किया गया।

ऑटोप्सी में विभिन्न अंगों में सदमे का हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन। डॉ. आलोक कुमार मौर्य। पर्यवेक्षक: डॉ. एस के खन्ना। सह पर्यवेक्षक: डॉ. नीता खुराना और डॉ. अमनदीप कौर। इसे पूरा किया गया और अगस्त 2020 में जमा किया गया।

आयु अनुमान के लिए डेमिरजियन स्टेजिंग का उपयोग कर दाढ़ के दूसरे और तीसरे दांतों के विकास का रेडियोग्राफिक मूल्यांकन। डॉ. विकास अरोड़ा। पर्यवेक्षक: डॉ. एम श्रीनिवास। सह-पर्यवेक्षक: डॉ. महेश वर्मा और डॉ. अमनदीप कौर। इसे पूरा किया गया और अगस्त 2020 में जमा किया गया।

आयोजित संगोष्ठियां

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पूरे वर्ष नियमित रूप से सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय):

राष्ट्रीय:

डॉ. अनिल कुमार मित्तल ने 31 जुलाई 2021 को न्याय-चिकित्सा विभाग, वी.एम.एम.सी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के समय फॉरेंसिक प्रैक्टिस(दिल्ली) " पर वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. अनिल कुमार मित्तल ने, 10 अक्टूबर 2020 को पंजाब एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, पीएफएमएटीसीओएन -2020 (वर्चुअल) के फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर के 18वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और "डॉ.क्टरों पर हमला" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. मोनिशा प्रधान ने 28 अक्टूबर 2020 को आयोजित 42वें वार्षिक वर्चुअल एओजीडी सम्मेलन के लिए, पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. अनिल कुमार मित्तल ने 21, 24 और 26 नवंबर 2020 को आपातकालीन चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान, कोच्चि द्वारा आयोजित वेबिनार "सांप काटने पर वार्षिक सम्मेलन 2020" में भाग लिया।

डॉ. अनिल कुमार मित्तल ने 21, 22 और 23 दिसंबर, 2020 को आपातकालीन चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान, कोच्चि द्वारा आयोजित द इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी के वेबिनार "टॉक्सिकॉन 14" में भाग लिया।

डॉ. अमनदीप कौर ने 26 से 30 दिसंबर 2020 तक एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा द्वारा आयोजित "फॉरेंसिक साइंस एजुकेशन में बहुआयामीता" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

संकाय की संख्या: 8

चिकित्सा (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कोविड 19

एलएचएमसी के निदेशक और मेडिसिन के विभाग प्रमुख के कुशल नेतृत्व में, चिकित्सा विभाग अग्रिम पंक्ति में कोविड महामारी से जूझ रहा है। विभिन्न कोविड सेवाओं को अल्प समय में स्थापित किया गया था।

चिकित्सा विभाग को वाईएमसीए में कोविड देखभाल केंद्र स्थापित करने में मदद मिली और वाईएमसीए कोविड देखभाल केंद्र को चौबीसों घंटे नैदानिक देखभाल सेवाएं प्रदान की गईं।

नए ऑन्कोलॉजी ब्लॉक में 24 बिस्तरों वाला एक कोविड देखभाल केंद्र- स्थापित किया गया था। इसमें एक अस्थायी बदलावों की मदद से नए सिरे से बनाई गई छह बिस्तरों वाली आईसीयू इकाई शामिल थी।

चिकित्सा विभाग एलएचएमसी के संकाय एचसीडब्ल्यू के प्रशिक्षण और पूरे भारत में कोविड सुविधाओं की स्थापना में सहायता के लिए राज्यों और सीमाओं पर भेजे गए विभिन्न केंद्रीय टीमों का हिस्सा थे। चिकित्सा संकाय ने जापान भेजे गए अंतर्राष्ट्रीय निकासी दल का भी नेतृत्व किया।

चिकित्सा संकाय और आवासियों ने विभिन्न देशों से निकाले गए यात्रियों के लिए आईटीबीपी केंद्र का संचालन किया।

विभाग द्वारा महामारी से निपटने के लिए एलएचएमसी के सभी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए कोविड उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संकट के बावजूद वयस्क थैलेसीमिया डे केयर सेंटर की सेवाएं अबाधित रहीं।

चिकित्सा विभाग सफलतापूर्वक एक पोस्ट कोविड क्लिनिक चला रहा है।

एचडीयू

चिकित्सा विभाग द्वारा गहन देखभाल सेवाओं को बढ़ाने के लिए छह बिस्तरों वाली स्टेप डाउन यूनिट (एचडीयू) शुरू की गई है।

सम्मान / विशिष्टताएँ

डॉ. अनिल गुट्टू

विद्यार्थी नेतृत्व मिशन - कानून और नैतिकता का हिस्सा रहे।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विभिन्न स्तरों के लिए आवश्यक एलएचएमसी दवा सूची के संशोधन के लिए उप-समिति के सदस्य।

सेना के विशेष उन्नत पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के लिए पर्वतारोहण और उच्च ऊंचाई चिकित्सा प्रशिक्षण दिया; एनआईएमएस

डॉ. एस के जैन

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ. अपर्णा अग्रवाल

यूजी बोर्ड ऑफ स्टडीज एम्स, भुवनेश्वर की सदस्य

बहु-विषयक अनुसंधान इकाई, एमएएमसी, नई दिल्ली की सह-अध्यक्ष,

इंस्पेक्टर, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, और
 नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन
 समीक्षक - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च
 विशेषज्ञ- पीजीआईएमईआर, रोहतक का चयन।
 प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर चिकित्सा (मेडिसिन) एम्स, नागपुर।
 प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर मेडिसिन
 ईएसआई, विशेषज्ञ ग्रेड II सामान्य चिकित्सा
 विशेषज्ञ राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड
 सदस्य कोर समूह- चिकित्सा शिक्षा इकाई
 सदस्य- कोर पाठ्यक्रम समिति
 सदस्य- संस्थागत आचार समिति।
 डॉ. मधुर यादव
 डॉ. मधुर यादव
 जम्मू और कश्मीर पीएससी जम्मू और कश्मीर की विशेषज्ञ समिति के सदस्य।
 यूपी लोक सेवा आयोग की विशेषज्ञ समिति के सदस्य।
 कार्यकारी सदस्य: लिपिड एसोसिएशन ऑफ इंडिया।
 पीजीआई रोहतक में संकाय के लिए भर्ती समिति के सदस्य।
 एलएचएमसी नई दिल्ली में मेडिकल बोर्ड के सदस्य।
 विभिन्न प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए गठित विशेष चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष
 डॉ. देबाशीष चौधरी
 मार्च 2020 के महीने में अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की चिकित्सा देखभाल के लिए कोविड-19 संगरोध केंद्र, चावला शिविर, नई दिल्ली में तैनात।
 डॉ. अनुपम प्रकाश ने निम्नलिखित क्षमताओं में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया-एपीआई द्वारा प्रकाशित एपीआई पाठ्यपुस्तक के 11वें संस्करण, 2020 के सहयोगी संपादक।
 पुस्तक के लिए संपादकीय मंडल के सदस्य- उच्च रक्तचाप में दिलचस्प मामले: प्रबंधन पर उपयोगी पाठ। जी एस वांडर व अन्य (संपादक)। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (प्रा.) लिमिटेड, दिल्ली 2020. आईएसबीएन 978-93-89587-59-3
 निम्नलिखित क्षमताओं में विभिन्न पेशेवर संगठनों में सेवा की-
 अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च 2019-2021
 अध्यक्ष, दिल्ली मधुमेह मंच 2016-2021
 सदस्य, भारतीय चिकित्सकों के संघ के शासी निकाय, 2018-2021
 कोषाध्यक्ष, एपीआई-दिल्ली राज्य चैप्टर 2019-2021
 प्रधान संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज
 जेएपीआई के संपादकीय मंडल के सदस्य
 एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ; एनआईएमएस, हैदराबाद और डीएनबी के लिए शोधप्रबंधों का मूल्यांकन।

परीक्षक-

27 जनवरी, 2020 को डीएनबी मेडिसिन, ग्रिपमर/एसजीआरएच, दिल्ली के लिए मूल्यांकन
सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर एमबीबीएस के लिए फरवरी 2020 (पेपर-सेटर)
एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग के लिए एमडी (चिकित्सा) के लिए (25-26 जून, 2020)
एम्स, दिल्ली के एमडी (जेरियाट्रिक मेडिसिन) के लिए (22 दिसंबर, 2020)

डॉ. घनश्याम पांगटे

एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन के सहयोगी संपादक, 11वां संस्करण, 2020 एपीआई द्वारा प्रकाशित।
संयुक्त सचिव: फिजिशियन रिसर्च फाउंडेशन।

10.10.2020 को 13 वां ईयूएलएआर (रुमेटिक बीमारियों के लिए यूरोपीय संघ के रुमेटोलॉजी एसोसिएशनों का
ऑनलाइन पाठ्यक्रम (2 वर्ष का संरचित पाठ्यक्रम) पूरा किया और उत्तीर्ण हुए।

कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च 2019-2021

संयुक्त सचिव, एपीआई-दिल्ली राज्य चैप्टर 2019-2021

कार्यकारी सदस्य, दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन।

सहायक संपादक, जेएपीआई।

डॉ. रमेश अग्रवाल

चिकित्सा विभाग के सीपीआईओ

कार्यकारी सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (आईएसएआर)

कार्यकारी सदस्य, दिल्ली मधुमेह मंच (डीडीएफ)

दिल्ली के छावला स्थित आईटी बीपी कैंप में वुहान से आए क्वारंटाइन किए गए लोगों के पहले जत्थे की
देखभाल की।

कोविड-19 इयूटी के प्रति योगदान के लिए निदेशक, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से प्रशंसा का प्रमाण शोध
प्राप्त किया।

जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च एंड रिपोर्ट्स द्वारा जर्नल की गुणवत्ता में उत्कृष्ट योगदान की मान्यता में
"समीक्षा 2020 में उत्कृष्टता का प्रमाण शोध" से सम्मानित किया गया।

डॉ. रितिका सूद

विद्यार्थी नेतृत्व मिशन - कानून और नैतिकता का हिस्सा रहीं।

थैलेसीमिया ट्रांजिशन केयर क्लिनिक, एलएचएमसी नई दिल्ली में मुख्य समन्वयक।

एलएचएमसी नई दिल्ली में थैलेसीमिया रोगियों के विकलांगता बोर्ड की सदस्य।

एलएचएमसी नई दिल्ली में मेडिकल बोर्ड की सदस्य

डॉ. विवेक सुमन

संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश मधुमेह संघ-गौतमबुद्ध नगर चैप्टर

कार्यकारी सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (आईएसएआर)

विशेषज्ञ सदस्य- भारत के लिए रोगी सुरक्षा कार्यान्वयन ढांचे के विकास पर पहली विशेषज्ञ समूह की बैठक।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय।

संपादक-जर्नल ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस और मेटाबोलिक रिसर्च

समीक्षक- जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च।

समीक्षक-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज इन डेवलपिंग कंट्रीज।

दिसंबर 2020 में संसद भवन में संसद सदस्यों और उनके परिवारों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा प्रशंसा शोध से सम्मानित किया गया।

डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्गेकर

थैलेसीमिया ट्रांजिशन केयर क्लिनिक, एलएचएमसी नई दिल्ली में मुख्य समन्वयक।

एलएचएमसी नई दिल्ली में थैलेसीमिया रोगियों के विकलांगता बोर्ड के सदस्य

डॉ. अमित कुमार शर्मा

कार्यकारी सदस्य- उत्तर प्रदेश मधुमेह संघ गौतमबुद्ध नगर चैप्टर।

दिसंबर 2020 में संसद भवन में संसद सदस्यों और उनके परिवारों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा प्रशंसा शोध से सम्मानित किया गया।

एफआईसीपी (भारतीय चिकित्सक कॉलेज की फेलोशिप) प्राप्त किया।

एफआईसीएम (फेलो ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन) प्राप्त किया।

एफआईएमएसए (अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की फेलोशिप) प्राप्त किया

मधुमेह भारत की फेलोशिप प्राप्त की

डॉ. प्रिया वंसल

17 नवंबर 2019 को यूनाइटेड किंगडम के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एमआरसीपी-यूके) की सदस्यता के लिए चुने गए। यह 5 वर्षों में आयोजित तीन-भाग की परीक्षा (व्यावहारिक और मौखिक परीक्षा सहित) के अनुसरण में थी।

दिसंबर 2020 में संसद भवन में संसद सदस्यों और उनके परिवारों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा प्रशंसा शोध से सम्मानित किया गया।

चिकित्सा परीक्षाओं के लिए प्रश्नशोध तैयार करने के लिए यूपीएससी द्वारा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. शेख यासिर इस्लाम

दिसंबर 2020 में संसद भवन में संसद सदस्यों और उनके परिवारों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा प्रशंसा शोध देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. शिवराज मीणा

दिसंबर 2020 में संसद भवन में संसद सदस्यों और उनके परिवारों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा प्रशंसा शोध से सम्मानित किया गया।

दिल्ली के छावला स्थित आईटीबीपी कैंप में वुहान से आए क्वारंटाइन किए गए लोगों के दूसरे बैच की देखभाल की।

प्रकाशन

जर्नल

ए.अग्रवाल, ए.मुखर्जी, जी. कुमार, पी. चटर्जी, टी.भटनागर और पी. मल्होत्रा, (2020). कन्वर्सेंट प्लाज़्मा इन द मैनेजमेंट ऑफ मॉडरेट कोविड-19 इन एडल्ट्स इन इंडिया: ओपन लेबल फेज-II मल्टीसेंटर रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल (पीएलएसीआईडी ट्रायल)। *bmj*, 371.

एन. अग्रवाल, जी. एस. पांगटे, आर. सिंह और एस.के. शर्मा, (2020). रुमेटायड गठिया रोगी में विटामिन डी का निम्न स्तर खराब विकलांगता सूचकांक और बढ़े हुए रोगी वैश्विक रोग आकलन स्कोर से जुड़ा है। द जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68(2), 18-22.

पी. वंसल, एस एल मार्गेकर, वी सुमन, आर सूद, एस मीना, ए के शर्मा, एसवाई इस्लाम, ए.गुर्गु, ए.अग्रवाल, जी एस पांगटे, ए. प्रकाश। पैन्क्रिएटिक इनजुरी इन कोविड-19 पेशेंट्स। जेएपीआई 2020;68(12):58-60.

एस. भाटिया, के.के. पारीक, ए. कुमार, आर. उपाध्याय, एम. तिवस्कर, ए. जैन, ... और मखरिया जी. (2020). गैस्ट्रो-ओसोफेगल रिफ्लक्स रोग के प्रबंधन के लिए एपीआई-आईएसजी सहमति दिशानिर्देश जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68, 69.

एस. कुमार, आर. वंसल, पी. वंसल और आर.के. धमीजा, (2020). सेफट्रियाक्सोन- प्रेरित हेमोलिटिक एनीमिया: एक विरल केस रिपोर्ट। द परमानेंट जर्नल, 24.

यू. गुप्ता, ए. प्रकाश, एस. सचदेवा, जी. एस. पांगटे, ए. खोसला, आर. अग्रवाल और एस.एल. मार्गेकर, (2020). कोविड-19 और तपेदिक: दो महामारियों का मिलन। जे एसो. फिजिशियन इंडिया, 68(12), 69-72.

ए.गुर्गु, , ए. अग्रवाल, ए. प्रकाश, एलएचएमसी मेडिसिन कोविड-19 अन्वेषक समूह (आर. सूद, एस. एल. मार्गेकर, आर. अग्रवाल, जी. एस. पांगटे, वी. सुमन, ए. के एन. शर्मा, अग्रवाल, ए. श्रीवास्तव, ए. गुप्ता, एस. वाई. इस्लाम, एस. मीना, पी. वंसल, ए. गोयल, एल. एच. घोटकर, एम. यादव, एन. भारद्वाज, डी. चौधरी, एस. के. जैन), आर. कौर, एम. जैस, आर. आनंद, एस. शर्मा, एस. शुक्ला, आर. सिंह। (2020). द सिंड्रोमिक स्पेक्ट्रम ऑफ कोविड-19 एंड कोरिलेट्स ऑफ एडमिशन पैरामीटर्स विद सिवियरटी-आउटकम ग्रेडिएंट्स: ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। जेएपीआई 2020;68(12):43-48.

बी. कश्यप, एन. गोयल और ए. प्रकाश, (2020). कोविड निदान: क्या हमारे पास वर्तमान और अप्रत्याशित के लिए पर्याप्त आयुध है? इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 11(3), 117.

एम. खेर, एस. बेरी, एच.एस. रेहान, ए. प्रकाश और गुप्ता, एल.के. (2020). टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में मोनोसाइट कीमोअट्रेक्टेंट प्रोटीन -1 और कैथेप्सिन-डी पर मेटफॉर्मिन और इंसुलिन संयोजन का प्रभाव। डायबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लिनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज, 14(6), 1703-1710.

एन.अग्रवाल, ए. गुप्ता, एल.एच. घोटकर, एस मार्गेकर, आर. अग्रवाल और पी. वंसल, (2020). कॉमन वेरिएबल इम्यून डिफिसिएंसी। जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट्स, 10(4), 220-222.

ए. प्रकाश और आर. मलिक, (2020). मधुमेह मेलिटस में हृदय रोग की रोकथाम। कार्डियोलॉजी टुडे, 24, 24-68.

ए. प्रकाश (2020). कोविड -19-एक तीव्र संक्रामक बीमारी जिसके दीर्घकालिक परिणाम होते हैं। द जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया, 68(9), 11-12.

पी वंसल, (2020). कोविड -19 महामारी-आंतरिक चिकित्सा गौरव के दिन। द जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68(10), 82-82.

पी वंसल, (2020). कोविड-19-द इन्फोडेमिक। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 9(10), 5388-5388.

एस. सचदेवा, देसाई, आर., गुप्ता, यू., ए. ए. प्रकाश, जैन और ए. अग्रवाल, (2020). नॉन-डायबिटीक रोगियों में एडमिशन हाइपरग्लाइसेमिया कोविड-19 में मृत्यु दर और रोग की गंभीरता की भविष्यवाणी करता है: साहित्य का एक विश्लेषण और मेटा-सारांश। एस एन कंप्रिहेन्सिव क्लिनिकल मेडिसिन, 2(11), 2161-2166.

एस. सचदेवा, यू. गुप्ता, ए. प्रकाश, एस.एल. मार्गेकर और आर. सूद, (2020). कोविड -19 वैक्सीन खोजने की होड़: इतना पास, फिर भी बहुत दूर। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 11(4), 175.

ए. श्रीवास्तव, एस. अच्वा, पी. वंसल, आर. अग्रवाल, एस. मार्गेकर और आर.के. धमीजा, (2020). डिफ्यूज एल्वोलर हेमरेज इयू टू प्लास्मोडियम वाइवैक्स मलेरिया। लंग इंडिया: ऑफिशियल आर्गन ऑफ इंडियन चेस्ट सोसाइटी, 37(4), 342.

आर. सूद, जे. वर्मा, एस. गोस्वामी, एन.अग्रवाल और ए. गुट्टु, (2021)., कोविड -19 के पश्चात् गुइलेन-बैरे सिंड्रोम: एक अलग न्यूरोलॉजिकल इकाई। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 12(1), 31.

एस. कपूर और पी. वंसल, (2020). पैन्क्रियाटोजेनिक डायबिटीज। जर्नल ऑफ डीडीएफ, 29 (1), 15-18.

प्रकाशित पुस्तकें/मोनोग्राफ

ए. कुमार, खान, यू., खान, मार्गेकर, पी., मार्गेकर, एस.एल. (2020). एसजीएलटी2 इन्हिबिटर्स, ह्वेयर दे स्टैंड टुडे। जर्नल ऑफ डीडीएफ; वॉल्यूम 29; अक्टूबर-दिसंबर, 2020.

ए. कुमार, खान, यू., खा, मार्गेकर, पी., मार्गेकर। लक्ष्मी एस.एल.प्रकाश, एस.एस. (2020). हार्ट फेल्योर इन डायबिटीज। जर्नल ऑफ डीडीएफ; 29

पी. वंसल, एस. मीना, (2020). डायबिटीज ए सुनामी; हाऊ टू कंट्रोल? जर्नल ऑफ डीडीएफ; वॉल्यूम 29; जनवरी-सितंबर, 2020।

आर. वंसल, पी. वंसल(2020)। डायबिटिक एंटरोपैथी; जर्नल ऑफ डीडीएफ; वॉल्यूम 29; अक्टूबर-दिसंबर 2020।

एस. कुमार, पी. वंसल(2020)। पैन्क्रियाटोजेनिक डायबिटीज जर्नल ऑफ डीडीएफ; खंड 29; जनवरी-सितंबर, 2020.

पुस्तकों में अध्याय

जी. सेठ, जी. एस. पांगटे, एडल्ट ऑनसेट स्टिल डिजीज। अरुलराज एस (संपा) में। (2020). मेडिसिन अपडेट 2020, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड नई दिल्ली, भारत, pp 246.

जी. एस. पांगटे, आर. प्रसाद (2020), फीवर इन इंटेंसिव केयर यूनिट। इन: सोनेजा एम।, खन्ना पी। (संपा) में। इंफेक्सियस डिजीज इन इंटेंसिव केयर यूनिट। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-4039-4_1

जी. एस. पांगटे और एन. अग्रवाल, (2020). गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान नॉनस्टेराइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग का उपयोग: माँ और बच्चे पर प्रभाव। वुमेन्स हेल्थ इन ऑटोइम्यून डिजीज में(पृ. 215-219). स्प्रिंगर, सिंगापुर।

आर मलिक, ए प्रकाश, ए निगम, (2020). गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप का प्रबंधन। मेडिसिन अपडेट 2020, एपीआई बिहार चैप्टर, पृ.10-14.

वाई पी मुंजाल, ए. प्रकाश, यूथेनेसिया इन क्रिटिकल केयर- करेंट पर्सपेक्टिव इन इंडिया। नादगौडा वीजी (संपा) में। (2020). इमरजेंसीज इन मेडिसिन अपडेट 2020। इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एकेडमिक विंग ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, पहला संस्करण, पृ. 496-500.

वाई पी मुंजाल, आर राजपूत, ए अरोड़ा, ए. प्रकाश डायबिटीज एंड हारेट फेल्योर। अरुलराज एस (संपा.) में(2020). मेडिसिन अपडेट 2020, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड नई दिल्ली, भारत 2020, पृ. 424-427.

ए प्रकाश। सेकेंडरी हाइपरटेंशन केसेज। इंटरेस्टिंग केसेज इन हाइपरटेंशन: यूजफुल लेशन्स इन मैनेजमेंट। जी एस वांडर (संपा.)में (2020). जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड नई दिल्ली, भारत, pp. 138-151.

ए. प्रकाश, डब्ल्यूएचओ ने उभरते और फिर से उभरने वाले संक्रामक रोगों पर जोर दिया। अरुलराज एस (संपा.) में(2020). मेडिसिन अपडेट 2020, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड नई दिल्ली, भारत, pp. 841-843.

जर्नल

डॉ. अनुपम प्रकाश, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज के प्रधान संपादक।

डॉ. घनश्याम पांगटे जर्नल ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के संपादकीय मंडल के सदस्य हैं।

डॉ. विवेक सुमन - जर्नल ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस एंड मेटाबोलिक रिसर्च के संपादक हैं।

डॉ. शिवराज मीणा - जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस एंड क्लिनिकल रिसर्च के संपादकीय मंडल के सदस्य हैं।

शोध परियोजनाएं

एक केंद्र के रूप में एलएचएमसी के साथ निम्नलिखित बहु केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षण आयोजित किए गए-

अन्वेषक का नाम	परियोजना स्कीम का शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी का नाम	बजट रुपए में
अनिल गुर्तु अपर्णा अग्रवाल रितिका सुद अनुपम प्रकाश संगीता पाहुजा	प्लेसिड- आईसीएमआर कोविड-19 उपचार के लिए कनवल्सेंट प्लाज्मा बहुकेंद्रीय अध्ययन; 2020	आईसीएमआर	
अनिल गुर्तु अपर्णा अग्रवाल और मेडिसिन विभाग	ओपेन-स्काइज 2020- इज़राइल-डीआरडीओ कोविड-19 डायग्नोस्टिक्स पर अध्ययन	टीआरडीओ	
घनश्याम पांगटे अनुपम प्रकाश मनोज जायस (सूक्ष्म जीव विज्ञान) संजीव गोगोई (सूक्ष्म जीव विज्ञान)	सार्स-को-वी2 के लिए मानक आरटी-पीसीआर पद्धति की तुलना में डायग्नोस्टिक परीक्षण की ड्राई स्वेब आरएनए निष्कर्षण मुक्त विधि का सत्यापन: एक बहु-केंद्रित अध्ययन	आईसीएमआर	1 लाख
अनिल गुर्तु अनुपम प्रकाश शुभा लक्ष्मी मार्जेकर सुनीता मंडल	मध्यम कोविड-19 के उपचार में योग का प्रभाव	मोरारजी देसाई योग संस्थान	
अनिल गुर्तु रितिका सुद अनुपम प्रकाश	विकलांग लोगों- वयस्क थैलेसीमिया रोगी के जीवन में कठिनाइयों का डब्ल्यूएचओ आकलन	डब्ल्यूएचओ	
अनुपम प्रकाश सचिन के जैन घनश्याम पांगटे शुभा लक्ष्मी मार्जेकर	यूएसवीसीपीएस	यूएसवी	4 लाख
अनुपम प्रकाश	सस्टेन1	नोवो नारडिस्क	85 लाख

सचिन के जैन घनश्याम पांगटे शुभा लक्ष्मी मार्जेकर			
अनुपम प्रकाश सचिन के जैन घनश्याम पांगटे शुभा लक्ष्मी मार्जेकर	एसओयूएल	नोवो नारडिस्क	20 लाख
गैर-वित्तपोषित परियोजनाएँ			
चिकित्सा विभाग अनिल गुर्तु अपर्णा अग्रवाल	कोविड-19 का क्लिनिकल प्रोफाइल	--	--
अनुपम प्रकाश	ईओएनआईसी	--	--
घनश्याम पांगटे	आईसीएमआर ड्राई स्वेब		
अनिल गुर्तु शुभा लक्ष्मी मार्जेकर	एनसीडीसी		

एसटीएस परियोजनाएँ:

क्रमांक	यूजी विद्यार्थी	विषय	पर्यवेक्षक
1.	देवांशी गुप्ता	उच्च रक्तचाप के रोगियों में दवा का अनुपालन न करने का विश्लेषण	डॉ. अपर्णा अग्रवाल
2.	कृतिका हांडू	उत्तर भारतीय जनसंख्या में मधुमेह मेलिटस 2 में कार्डियोमेटाबोलिक जोखिम के साथ सहसंयोजक सूचकांक का जुड़ाव।	डॉ. देवाशीष चौधरी
3.	मजीदा मुजफ्फरी	"टाइप 2 मधुमेह वाले रोगियों में एचबीए1सी और 'स्पॉट' मूत्र एल्ब्यूमिन उत्सर्जन के साथ उदर आयतन सूचकांक का जुड़ाव"	डॉ. प्रिया वंसल
4-	अपर्णा पांडे	डायबिटीज मेलिटस टाइप II रोगियों में मूत्र एल्बुमिन उत्सर्जन के साथ बॉडी शेप इंडेक्स और बॉडी राउंडनेस इंडेक्स का जुड़ाव- एक अस्पताल आधारित अध्ययन	डॉ. अमित कुमार शर्मा
5.	महीन एरुमु	टाइप II डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों में कार्डियोवस्कुलर रिस्क प्रोफाइल के साथ बॉडी शेप इंडेक्स (एबीएसआ) का जुड़ाव।	डॉ. शेख यासिर इस्लाम

आयोजित संगोष्ठियाँ और सम्मेलन

डॉ. अनुपम प्रकाश, डीडीएफ द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन के आयोजक अध्यक्ष थे।

डॉ. अनुपम प्रकाश, एपीआई-डीएससी द्वारा आईएचसी, दिल्ली में 1 मार्च, 2020 को आयोजित मध्यावधि सीएमई में सीएमई के संयोजक और सत्र के अध्यक्ष थे।

डॉ. अनुपम प्रकाश, डीआरए द्वारा एसजे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी और होटल ललित, नई दिल्ली में 15-16 फरवरी, 2020 को आयोजित डीआरए वार्षिक अपडेट 2020 में आयोजक अध्यक्ष थे।

डॉ. अनिल गुट्टु डीआरए द्वारा एसजे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी और होटल ललित, नई दिल्ली में 15-16 फरवरी, 2020 को आयोजित डीआरए वार्षिक अपडेट 2020 में वैज्ञानिक सह-अध्यक्ष थे।

डॉ. घनश्याम पांगटे, डीआरए द्वारा एसजे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी और होटल ललित, नई दिल्ली में 15-16 फरवरी, 2020 को आयोजित डीआरए वार्षिक अपडेट 2020 में आयोजन सचिव थे।

डॉ. अनुपम प्रकाश, डीडीएफ द्वारा 1 फरवरी, 2020 को होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली में आयोजित मधुमेह पर सीएमई के संयोजक थे।

डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्जेकर, डीडीएफ द्वारा 1 फरवरी, 2020 को होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली में आयोजित मधुमेह पर सीएमई की सह-संयोजक थीं।

डॉ. घनश्याम पांगटे, डीआरए द्वारा 23 दिसंबर 2020 को आयोजित डीआरए की मासिक बैठक : वास्कुलिटिस इन यंग एंड वेरी यंग के संयोजक थे।

डॉ. विवेक सुमन, यूपीडीए द्वारा 12 जुलाई 2020 में आयोजित डायलॉग्स इन डायबिटीज़ 2020 और वेब सीएमई के आयोजक अध्यक्ष थे।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. एस के जैन ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अपर्णा अग्रवाल ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को, केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. मधुर यादव ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. देबाशीष चौधरी ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अनुपम प्रकाश एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को, केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 के अध्यक्ष और वक्ता थे।

डॉ. घनश्याम पांगटे एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में अध्यक्ष और वक्ता थे।

डॉ. रमेश अग्रवाल 5-8 जनवरी, 2020 को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 के अध्यक्ष थे।

डॉ. रितिका सूद ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्जेकर, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में वक्ता थीं।

डॉ. प्रिया वंसल ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार शर्मा ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. शेख यासिर इस्लाम ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. शिवराज मीणा ने 5-8 जनवरी, 2020 को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. निहारिका अग्रवाल ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. आंचल अरोड़ा ने एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया द्वारा 5-8 जनवरी, 2020 को केएनसीसी, आगरा में आयोजित एपीआईकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. एस के जैन ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ई-डीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अपर्णा अग्रवाल ने 12-13 दिसंबर, 2020 को डीआईएबीसीओएन द्वारा आयोजित ई-डीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. मधुर यादव ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. देबाशीष चौधरी ने डीआईएबीसीओएन द्वारा आयोजित 12-13 दिसंबर, 2020 को ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. घनश्याम पांगटे ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. रमेश अग्रवाल ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. रितिका सूद ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. विवेक सुमन ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्जेकर, डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित 2020 में वक्ता थीं।

डॉ. प्रिया वंसल ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार शर्मा ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. शेख यासिर इस्लाम ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. शिवराज मीणा ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. निहारिका अग्रवाल ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. आंचल अरोड़ा ने डीआईएबीसीओएन द्वारा 12-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित ईडीआईएबीसीओएन 2020 में भाग लिया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 24 जनवरी, 2020 को मेडिसिन विभाग, एलएचएमसी द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'गर्भावस्था में हाइपोथायरायडिज्म का प्रबंधन' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने जेसीओटी और इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स द्वारा 16 फरवरी, 2020 को आईएचसी, दिल्ली में आयोजित साइंटिफिक राइटिंग कोर्स 2020 में 'डीलिंग विद रिवीजन एंड रिजेक्शन' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 19 फरवरी, 2020 को सीएमई रूम, नर्स छात्रावास, एलएचएमसी में एलएचएमसी द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रम में 'मधुमेह' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 29 फरवरी, 2020 को मेडिसिन विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मेडिसिन अपडेट, एमएएमसी में 'डायबिटीज मेलिटस के उलट' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 12 अप्रैल, 2020 को फीवर फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'वयस्कों में बुखार का प्रबंधन वेब सीएमई' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने मई 2020 में एलएचएमसी द्वारा एसजे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी में आयोजित एचसीडब्ल्यू के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'कोविड-19 के प्रबंधन' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 16 अगस्त, 2020 को एपीआई-बिहार और झारखंड चैंप्टर द्वारा आयोजित वेबसीएमई में 'कोविड-19 के लिए उभरते चिकित्सीय विकल्प' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 12 सितंबर, 2020 को एपीआई-डीआईएस द्वारा आयोजित एपीआई-डीआईएस कार्यक्रम में 'इम्युनिटी एंड कोविड-19' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 13 सितंबर 2020 को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित डब्ल्यूबी कोलकाता वेबसीएमई में 'कोविड-19 चुनौतियों' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 20 सितंबर 2020 को आईएसएआर-यूपी चैंप्टर द्वारा आयोजित यूपी कोविड-19 वेबिनार में 'मैनेजिंग कोविड -19' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 10 अक्टूबर 2020 को इंडीया लाइफसाइंसेज द्वारा आयोजित कोविड वेबसीएमई में 'पोषण और कोविड-19' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 14 अक्टूबर, 2020 को एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा एसजीटी विश्वविद्यालय में आयोजित 'अनुसंधान पद्धति' पर कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. घनश्याम पांगटे ने एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा 14 अक्टूबर, 2020 को एसजीटी विश्वविद्यालय में आयोजित 'अनुसंधान पद्धति' पर कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. रमेश अग्रवाल, एसजीटी विश्वविद्यालय में, 14 अक्टूबर, 2020 एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के विशेषज्ञ और अध्यक्ष थे।

फीवर फाउंडेशन द्वारा 17 अक्टूबर 2020 को आयोजित फीवर वेबसीएमई, दिल्ली में डॉ. अनुपम प्रकाश, डॉ. घनश्याम पांगटे, डॉ. रमेश अग्रवाल, डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्गेकर ने 'वयस्कों में बुखार प्रबंधन' पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 23 अक्टूबर 2020 को एपीआई-राजस्थान चैंप्टर द्वारा आयोजित राज एपीआईकॉन 2020 में 'कोविड-19: आगे का रोडमैप' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने एपीआई-तमिलनाडु चैप्टर द्वारा 7 नवंबर, 2020 को आयोजित टापिकॉन 2020 में विशेष परिस्थितियों में क्षय रोग के शीघ्र निदान और प्रबंधन पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 7 नवंबर, 2020 को एपीआई-पश्चिम बंगाल चैप्टर द्वारा आयोजित पश्चिम बंगाल एपीआईकॉन में 'एक वैक्सीन की कहानी, कोविड-19 का मुकाबला' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने फीवर फाउंडेशन द्वारा 22 नवंबर 2020 को आयोजित तीसरे एफईएफकॉन 2020 में 'आईसीयू में प्रवेश के पहले दिन व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक्स शुरू किए जाने चाहिए' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया?

डॉ. अनुपम प्रकाश, 24 नवंबर, 2020 को एचआईएमएसआर, दिल्ली द्वारा आयोजित फॉर्माकोलॉजी सम्मेलन में पेपर प्रस्तुतिकरण के निर्णायक थे।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 27 नवंबर, 2020 को डीडीएफ और मेडिसिन विभाग, संतोष मेडिकल कॉलेज, गाजियाबाद द्वारा संतोष मेडिकल कॉलेज में आयोजित मधुमेह के प्रबंधन में उपकरणों पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 28 नवंबर, 2020 को ओबीएस एंड गायनी विभाग द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार, एलएचएमसी, नई दिल्ली में आयोजित 'जीडीएम में चिकित्सा जटिलताओं का प्रबंधन' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। एलएचएमसी

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 19 दिसंबर, 2020 को इंडो-ग्लोबल कार्डियो डायबिटीज अकादमी द्वारा आयोजित जीसीडीसी 2020 में 'माध्यमिक उच्च रक्तचाप' पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुपम प्रकाश ने 26 दिसंबर, 2020 को एपीआई राजस्थान चैप्टर द्वारा आयोजित ईराजएपिकॉन में 'डेंगू रिजिस्ट्रार' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्पीड सोसाइटी द्वारा 1-2 फरवरी, 2020 को लीला एंबियंस, गुरुग्राम, दिल्ली/एनसीआर में आयोजित थर्ड स्पीडकॉन 2020, ओरल पेपर के निर्णायक थे।

डॉ. घनश्याम पांगटे एपीआई-डीआईएस और आईएससीसीएम द्वारा 17 अप्रैल 2020 को आयोजित कोरोना वायरस: एक व्यावहारिक अपडेट तैयार रहें, रोकथाम और प्रबंधन करें के अध्यक्ष और पैनलिस्ट थे।

डॉ. घनश्याम पांगटे ने एपीआई राजस्थान चैप्टर द्वारा 26 दिसंबर, 2020 को ईराजएपिकॉन में 'एंटीफोस्फोलिपिड सिंड्रोम' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. घनश्याम पांगटे डीआरए और फॉइजर द्वारा आयोजित टोफॉकॉन 2020 में पैनलिस्ट थे और टोफैसिटिनिब पर अपडेट में "मोनोथेरेपी के रूप में टोफैसिटिनिब का उपयोग करें" पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. घनश्याम पांगटे ने एलएचएमसी द्वारा 5 दिसंबर, 2020 को आयोजित कोविड-19 टाइम्स में रोगाणुरोधी प्रतिरोध और रोगाणुरोधी प्रबंधन में "एमआईसीयू में एंटीबायोटिक प्रबंधन" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. घनश्याम पांगटे एम्स, नई दिल्ली द्वारा 7-8 मार्च 2020 को आयोजित एम्स पुलमोक्रिट 2020 के अध्यक्ष थे।

डॉ. घनश्याम पांगटे ने एपीआई-डीएससी द्वारा आयोजित वेबिनार में "एसीएस के लिए सही उपचार विकल्प" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. विवेक सुमन यूपीडीए द्वारा 12 जुलाई 2020 को आयोजित डायलॉग्स इन डायबिटीज 2020, में आयोजन अध्यक्ष और मॉडरेटर थे।

डॉ. प्रिया वंसल, डॉ. अमित कुमार शर्मा यूपीडीए द्वारा आयोजित वेब सीएमई में मॉडरेटर

संकाय की संख्या:

निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख

डॉ. अनिल गुर्त

निदेशक-प्रोफेसर

डॉ. एस. के. जैन

डॉ. अपर्णा अग्रवाल

डॉ. अतुल गोयल

डॉ. एल एच घोटेकर

डॉ. अनुराग रोहतगी

डॉ. मधुर यादव

डॉ. नीता भारद्वाज

प्रोफेसर

डॉ. देबाशीष चौधरी

डॉ. अनुपम प्रकाश

डॉ. घनश्याम पांगटे

डॉ. मोती लाल नेगी

डॉ. रमेश अग्रवाल

डॉ. रितिका सूद

डॉ. संजय सिंह

डॉ. विवेक सुमन

डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्जेकर

सह - प्रोफेसर

डॉ. प्रिया वंसल

डॉ. अमित कुमार शर्मा

डॉ. शेख यासिर इस्लाम

डॉ. शिवराज मीणा

सहायक प्रोफेसर

डॉ. मानसी बजाज मल्लिक (संविदात्मक)

डॉ. निहारिका अग्रवाल (संविदात्मक)

डॉ. अंशुमान श्रीवास्तव (संविदात्मक)

डॉ. अचल अरोड़ा (संविदात्मक)

डॉ. अंकित गुप्ता (संविदात्मक)

डॉ. पारुल कोडन (संविदात्मक)

चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यूसीएमएस-जीटीबीएच में चिकित्सा विभाग अपने सामान्य और विशेष ओपीडी के माध्यम से समर्पित वार्डों, कोरोनरी केयर और डायलिसिस इकाइयों और चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में इन-पेशेंट के साथ-साथ आउट पेशेंट को रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहा है। एम्स, पीजीआई, केजीएमयू, जीबी पंत अस्पताल और एसजीपीजीआईएमएस सहित प्रमुख संस्थानों में एमडी और डीएम परीक्षाओं के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। संकाय शिक्षण और रोगी देखभाल के अलावा विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक और अनुसंधान प्लेटफॉर्मों में योगदान देते रहे हैं। चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में एंटीरेट्रोवाइरल उपचार केंद्र और बुजुर्गों की विशेष देखभाल भी चल रही है। एआरटी क्लिनिक एचआईवी से पीड़ित रोगियों को देखभाल और सहायता प्रदान कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण एमडी थीसिस कार्य करने में बहुत प्रयास किया जाता है और आवासी भी राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। संकाय कोर पाठ्यक्रम समितियों और चिकित्सा शिक्षा इकाई में भी शामिल है। मार्च 2020 में जबसे महामारी घोषित की गई, तब से इस कोविड समर्पित अस्पताल में विभाग कोरोना संक्रमण के विरुद्ध लड़ाई में सबसे आगे है। बाधाओं और लॉजिस्टिक्स की परेशानियों के बावजूद, विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण की सुविधा के द्वारा आवासियों और संकाय दोनों को व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

अमितेश अग्रवाल-भारत में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसायटी की फैलोशिप (2020) से सम्मानित।

प्रकाशन

वी. अग्रवाल, एल.गुप्ता, एस. दावलभक्त, डी.पी. मिश्रा, वी. अग्रवाल और ए. गोयल, (2020). भारत में मेडिकल स्नातकों में कोविड-19 की प्रचलित आशंकाएं और अपर्याप्त समझ: एक वेब-आधारित सर्वेक्षण के परिणाम। द जर्नल ऑफ द रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन ऑफ एडिनबर्ग, 50(3).

वी. एस. अग्रवाल, शर्मा, एल.गुप्ता, डी.पी. मिश्रा, एस. दावलभक्त, वी. अग्रवाल और एस. अग्रवाल, (2020). कोविड-19 और मनोवैज्ञानिक आपदा तैयारी-एक अधूरी जरूरत। डिजास्टर मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ प्रेपेयर्डनेस, 14(3), 387-390.

ए. अग्रवाल, ए.गोयल, आर.बी.मुलिमणि, आर. शर्मा, ए.के. गुप्ता, (2020). स्पष्ट उपचार-प्रतिरोधी उच्च रक्तचाप और दवा का अनुपालन: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट मेडिकल एंड एप्लाइड साइंसेज, 27 (1), 07-14.

ए. अग्रवाल और एस. प्रूथी, (2020). चिकित्सा त्रुटियाँ: फिनाइटोइन की अधिकता अनुमस्तिष्क गतिभंग का कारण बनती है। अनुभा श्रीवास्तव, संदीप सिंह, राजेंद्र सिंह, 14, 70.

बी. कामाक्षी, जी. आशीष और ए. अंकुर, (2020). -मानसिक स्थिति परीक्षा की व्यक्तिगत वस्तुओं पर वृद्ध व्यक्तियों का प्रदर्शन। जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स, 16(1), 17.

एस. दावलभक्त, एस. शर्मा, एस. गुप्ता, वी. अग्रवाल, जी. पांडे, डी.पी. मिश्रा और वी. अग्रवाल, (2020). भारत में निजी स्वास्थ्य क्षेत्र तैयार और इच्छुक है, फिर भी कोविड -19 महामारी में इसका कम उपयोग किया गया है: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ, 8.

ए. एलहेन्स, ए. अग्रवाल, ए.गोयल, एम. अग्रवाल और पी. दास, (2021). माध्यमिक हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस के रूप में प्रस्तुत ग्रैनुलोमेटस ट्यूबरकुलर हेपेटाइटिस: साहित्य की एक केस रिपोर्ट और व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी, 11(1), 149-153.

डी. गर्ग, ए. राधिका, ए. रायज़ादा, वी. गौरव, आर. साहा, एस. सोंथालिया और आर.ए. तिग्गा, (2020). एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी पर स्पर्शोन्मुख और रोगसूचक एचआईवी सेरोपॉसिटिव महिलाओं में वुल्वोवैजिनल संक्रमण का एटिऑलॉजिकल पैटर्न। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च*, 14(10).

एस. राय, पी.के. गर्ग, एस. भट्ट, टी.के. लता, ए.के. वर्मा, बी.डी. बनर्जी और एम.पी. सिंह, (2020). नॉनस्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों में माइक्रोआरएनए 21 की नैदानिक भूमिका: एक खोजपूर्ण अध्ययन। *लंग इंडिया: ऑफिशियल आर्गन ऑफ इंडियन चेस्ट सोसायटी*, 37(6), 501.

ए. गोयल और कें वंसल, (2020). दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में जेरोन्टोलॉजी और जेरियाट्रिक मेडिसिन में प्रशिक्षण और शिक्षा की स्थिति की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स*, 16(1), 22.

ए. गोयल और एल. गुप्ता, (2020). कोविड-19 के समय में सोशल मीडिया। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल रुमेटोलॉजी*।

ए. गोयल, ए. रायज़ादा, के. वंसल, एन. गौर, जे. अब्राहम और ए. यादव, (2020). कोविड-19 संदिग्ध रोगियों की प्रोफाइल: प्रारंभिक महामारी डेटा का पूर्वव्यापी विश्लेषण। *क्यूरेयस*, 12(8).

ए. गोयल, ए. रायज़ादा, ए. अग्रवाल, के. वंसल, एस. उनियाल, पी. प्रसाद और आर.एस. रौतेला, (2021). इन-हॉस्पिटल कोविड-19 मौतों के सहसंबंध: पूर्वव्यापी मृत्यु दर डेटा का एक प्रतिस्पर्धी जोखिम उत्तरजीविता समय विश्लेषण। *डिजास्टर मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ प्रेपेयर्डनेस*, 1-8.

सी. गोथवाल, ओ.पी. कालरा, एस. अग्रवाल और ए. रायज़ादा, (2020). ऑर्गनोक्लोरीन कीटनाशक: अज्ञात मूल के क्रोनिक किडनी रोग के पीछे के अपराधी। *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री एंड इकोटॉक्सिकोलॉजी*, 12(2), 80-86.

ए. गुप्ता, ए. माहेश्वरी, एन. वर्मा, ए. जगदीश, एस.एस. दरिया, ए. शर्मा ... और ए. अग्निहोत्री, (2021). लॉकडाउन के दौरान स्वास्थ्य पेशेवरों के रक्तचाप पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव-एक भारतीय अध्ययन। *जर्नल ऑफ हाइपरटेंशन*, 39, e203.

एस. दावलभक्त, एस. आडवाणी, एस. कुमार, वी. अग्रवाल, एस. भोयर, ई. फेडिको, ... और वी. अग्रवाल, (2020). कोरोना वायरस रोग 2019 (कोविड-19) के लिए उपलब्ध स्मार्टफोन एप्लिकेशन की एक व्यवस्थित समीक्षा और मोबाइल एप्लिकेशन रेटिंग स्केल (एमएआरएस) का उपयोग करके उनकी गुणवत्ता का आकलन। *जर्नल ऑफ मेडिकल सिस्टम्स*, 44(9), 1-15.

एल. गुप्ता और ए. गोयल, (2020). विज्ञान, नैतिकता और अभ्यास-चिकित्सक की आत्मा के प्रतिबिम्बों के चौराहे पर कोविड-19, *जर्नल कोल.फिजिशियन्स एडनिब.*, 50(3), 274-276.

आर. नवीन, ए. वर्मा, एच.ए. रज़ा, के.जी. चेंगप्पा, नायडू, जी. एस. के. आर., एस. शर्मा, ... और वी. अग्रवाल, (2021). रुमेटोलॉजिस्ट और अन्य विशेषज्ञों में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के उपयोग पर प्रिस्क्रिप्शन अभ्यास, अनुभव और दृष्टिकोण।

एस.एस. इनामदार, ए. गोयल और एस.वी. मधु, (2020). स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने में नए युग की तकनीक। *जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स*, 16(3), 124.

एन. जैन, एन. रायज़ादा, ए. अग्रवाल, (2020). महामारी विज्ञान और मधुमेह और हृदय रोग के बीच की कड़ी। *कार्डियोलॉजी टुडे*, 24, 47-50.

आर. झाम्ब, आर.कुमार, पी. गोगोई, जी.रंगा और बी. कश्यप, (2020). उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में स्वस्थ वयस्कों में न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट लिम्फोसाइट अनुपात के संदर्भ मूल्य। *बायोनेचर*, 44-52.

आर. झाम्ब, ए. पाराशर और ए. बवेजा, (2020), एन्सेफैलोपैथी द्वारा जटिल तीव्र अग्नाशयशोथ।

जुनेजा, ए. और आर. झाम्ब, (2020). प्रगतिशील प्रणालीगत काठिन्य में सेरेब्रल वास्कुलोपैथी: एक विरल प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 11(1), 56-56.

आई. कौर, वी. गांधी, ए.रायज़ादा, एस.एन. भट्टाचार्य, ए.के. त्रिपाठी और डी. जाखड़, (2020). सोरियाटिक नेफ्रोपैथी और एचएस-सीआरपी के साथ इसका संबंध: एक केस कंट्रोल स्टडी। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(1), 29.

ए कूलवाल, ए स्वादिया, ए. गोयल (2020) संज्ञानात्मक हानि और कमजोरी। जे. इंड. एकेड. जर., (2020); 16: 27-31

के. कुमार, एस.एस. इनामदार, आर.अवस्थी, के.ए. मरुफ, वी. राठी और बी. शर्मा, (2020). नए पंजीकृत एचआईवी रोगियों में एक्स्ट्रापल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस की व्यापकता। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन (ई-आईएसएसएन: 2349-7181 और पी- आईएसएसएन: 2394-7047), 7(4), 7-10.

कुमार, के., पी. कुमारी, आर.अवस्थी, आर.एस. अहमद, एम. जैद और आर. कुमार, (2020). हाइपरग्लाइसेमिया के साथ तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम के रोगियों में ग्लाइसेमिक भिन्नता और ऑक्सीडेटिव तनाव के साथ इसका संबंध: एक प्रायोगिक अध्ययन। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन (ई-आईएसएसएन : 2349-7181 & पी-आईएसएसएन : 2394-7047), 7(3), 16-19.

ए. पाराशर और आर. झाम्ब, (2020). पोस्टीरियर रिवर्सिबल एन्सेफैलोपैथी सिंड्रोम (पीआरईएस): प्रस्तुति, निदान और उपचार। स्नातकोत्तर मेडिकल जर्नल, 96(1140), 623-628.

एम. प्रवीण, एन. जैन, एन. रायज़ादा, एस. शर्मा, एस. नारंग, और एस.वी. मधु, (2020). नेफ्रोपैथी रहित टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में एनीमिया आयरन की कमी से संबंधित होता है। डायबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम:क्लीनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज, 14(6), 1837-1840.

पी.जी. रॉय, के. कुमार, एन.पी. सिंह, जी.एस. रंगा और एस. गिरी, (2021). एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में डायबिटीक फुट अल्सर में बैक्टीरिया का माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और एंटीबायोटिक संवेदनशीलता पैटर्न। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन (ई-आईएसएसएन: 2349-7181 & पी-आईएसएसएन: 2394-7047), 8(1), 1-8.

ए. शर्मा और ए. वंसल, अनिर्धारित महत्व के इडियोपैथिक साइटोपेनिया का एक जिज्ञासु मामला(आईसीयूएस)। जर्नल ऑफ़ केस रिपोर्ट्स, 11(1), 53-55.

एच. शेखर, एन. शर्मा, एस.के. सिंह, पी.के. गर्ग, एस. भट्ट, आर. साहा और ए.के. वर्मा, (2021). एम्पाइमा थोरेक्स वाले रोगियों का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल: एक संभावित विश्लेषणात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस।

ए.के. वर्मा, एन. आलम, नारंग, एस., और मारुफ, के.ए. (2020). टियोट्रोपियम से उपचार पर क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के मरीजों में फेफड़े का कार्य और स्वास्थ्य की स्थिति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइटिफिक स्टडी, 8(1), 49-55.

ए. विदुषी, ए. स्वाडिया, एस. प्रुथी और ए. गोयल, (2020). भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की व्यापकता और पहचान: वर्तमान परिदृश्य और आगे का रास्ता। जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स, 16(1), 32.

पी.डी. यादव, आर. एला, एस. कुमार, डी.आर. पाटिल, मोहन एस. दास, ए.एम. शेते ... और बी. भार्गव, (2021). रीसस मैकाक्स में निष्क्रिय सार्स-कोव-2 वैक्सीन उम्मीदवार, बीबीवी152 की प्रतिरक्षात्मकता और सुरक्षात्मक प्रभावकारिता। नेचर कम्युनिकेशंस, 12(1), 1-11.

अध्याय

ए.अग्रवाल, ए. चिकारा युवा भारतीयों में तेजी से प्रगतिशील कोरोनरी धमनी रोग। इन: एस अरुलराज के संपा. में। मेडिसिन अपडेट (2020). दिल्ली, भारत: एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 68-71.

ए रायज़ादा, ए गोयल। बुजुर्गों में एनीमिया। संपा. के तिवारी, मेडिसिन अपडेट 2021 दिल्ली, भारत: एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, 1406-11.

एस नारंग, एम शुक्ला। गर्भावस्था के रुधिर संबंधी पहलू। (2020). कॉमन मेडिकल डिस्ऑर्डर इन प्रेग्नेंसी में। आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा। पी यादव, एमए पेंगोरिया 30-48

एस नारंग, एल.टी. दिलीपराव, गुप्ता जी. (2020). गर्भावस्था में मलेरिया। कॉमन मेडिकल डिस्ऑर्डर इन प्रेग्नेंसी में। आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा। पी यादव, एमए पेंगोरिया 157-162

एस नारंग, एस एस इनामदार। (2020).. गर्भावस्था में टाइफॉइड। कॉमन मेडिकल डिस्ऑर्डर इन प्रेग्नेंसी में। आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा। पी यादव, एमए पेंगोरिया 163-166

ए.अग्रवाल, और ए. (2020). (68-71). युवा भारतीयों में तेजी से प्रगतिशील कोरोनरी धमनी रोग। एस. अरुलराज (संपा.) में, मेडिसिन अपडेट (68-71)। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया।

ए. रायज़ादा, ए. गोयल, (2021). बुजुर्गों में एनीमिया। के. तिवारी (संपा.), मेडिसिन अपडेट (1406-11). एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया।

एस नारंग, एम. शुक्ला, (2020). गर्भावस्था के हेमटोलॉजिकल पहलू। पी. यादव और एम.ए. पेंगोरिया (सं.) में, कॉमन मेडिकल डिस्ऑर्डर इन प्रेग्नेंसी में। (30-48). आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस.एन. मेडिकल कॉलेज।

एस नारंग, एल.टी. दिलीपराव, गुप्ता, जी. (2020). गर्भावस्था में मलेरिया। पी. यादव और एम.ए. पेंगोरिया (सं.) में, कॉमन मेडिकल डिस्ऑर्डर इन प्रेग्नेंसी में। (157-162). आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस.एन. मेडिकल कॉलेज।

एस नारंग, एस.एस. इनामदार, (2020). गर्भावस्था में टाइफॉइड। पी. यादव और एम.ए. पेंगोरिया (संपा.), कॉमन मेडिकल डिस्ऑर्डर इन प्रेग्नेंसी में। (157-162). आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस.एन. मेडिकल कॉलेज।

जर्नल

संपादकों/संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 2

शोध परियोजनाएं

डॉ. प्रहया यादव, रीसस वंदर में सार्स-कोव 2 चुनौती के विरुद्ध जेडवाई कोव -डी डीएनए वैक्सीन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता का मूल्यांकन, 2021 (6 महीने), आईसीएमआर, बजट नहीं।

आयोजित सम्मेलन

आशीष गोयल

कोविड-इंप्रेशन्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (कोविडइंप्रेशन्स) - इंप्रेशन्स ऑन कोविड: लोकल एक्शन, ग्लोबल इंपैक्ट, 27.05.20

जैवस्थैतिक विश्लेषण, 27.01.21-10.21, जे एच यू

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. आशीष गोयल

बुजुर्गों का डिजिटल समावेश। जराचिकित्सा चिकित्सा सम्मेलन के श्रीलंका एसोसिएशन ऑफ जेरियाट्रिक मेडिसिन कान्फ्रेंस। कोलंबो, श्रीलंका (ऑनलाइन)। मार्च 20, 2021

मेडिकल जेरोन्टोलॉजी का बढ़ता क्षेत्र: भारतीय, क्षेत्रीय और वैश्विक संदर्भ। इन एजिंग इश्यूज: इंडियन, रिजनल एंड ग्लोबल कान्टेक्स्ट, इंटरनेशनल इंस्टीच्यूट आन एजिंग, संयुक्त राष्ट्र, माल्टा द्वारा आयोजित। जनवरी 16, 2021

एज फ्रेंडली यूनिवर्सिटी - स्टूडेंट इन्शिएटिव। यूनिवर्सिटी रेस्पती इंडोनेशिया (यूआरआईएनडीओ) द्वारा और भारतीय जराचिकित्सा अकादमी के विद्यार्थी चैंप्टर द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला। सितंबर 7, (2020)

कोविड-19 के समय में सक्रिय बुढ़ापा। एक्टिव एजिंग कंसोर्टियम एशिया-पैसिफिक द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार। हवाई, यूएसए। जुलाई 26, (2020)

द एक्सपिरियेंस ऑफ जेरोन्टोलॉजी एंड जेरियाट्रिक्स प्रोग्राम टू प्रमोट एज फ्रेंडली यूनिवर्सिटी। एज फ्रेंडली यूनिवर्सिटी- चैलेंज एंड अपाचुनिटीज पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार। उरिंडो, इंडोनेशिया। जुलाई 2, (2020)।

कम्पीटिंग रिस्क्स फ्रेमवर्क। मेडिकल कॉलेज संकाय के लिए बायोमेडिकल स्टैटिस्टिक्स पर दूसरी कार्यशाला। इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स। 27 जनवरी से 10 मार्च, 2021

ओपेन डेटासेट्स। सोशल मीडिया इन मेडिसिन - छात्रों के लिए संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित एक पाठ्यक्रम में। 21 जनवरी, 2021

यूज ऑफ यू ट्यूब इन एकाडेमिया। सोशल मीडिया इन मेडिसिन - छात्रों के लिए संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित एक पाठ्यक्रम में। 19 जनवरी, 2021

एन इंट्रोडक्शन टू सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म। सोशल मीडिया इन मेडिसिन - छात्रों के लिए संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित एक पाठ्यक्रम में। 18, 2021

साइंटिफिक पब्लिकेशन - एकेडमिक मिसकंडक्ट। इंडियन जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी एंड पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन कार्यशाला पर कार्यशाला। 21 जुलाई, (2020)

साइंटिफिक पब्लिकेशन - काइडेशन मेट्रिक्स। इंडियन जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी एंड पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन पर कार्यशाला। 6 जुलाई, (2020)

साइंटिफिक पब्लिकेशन - राइटिंग द रिजल्ट्स सेक्शन ऑफ ए पेपर। इंडियन जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी एंड पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन कार्यशाला पर कार्यशाला। 30 जून, (2020)

डॉ. अल्पना रायज़ादा ने 4-7 मार्च 2021 को मुंबई में आयोजित ईएपिकॉन में "बुजुर्गों में एनीमिया" पर एक भाषण दिया।

डॉ. शिव नारंग

जीबीयू, केंद्र ग्रेटर नोएडा यूपी में, 15-17 नवंबर 2019 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन के 27वें वार्षिक सम्मेलन सम्मेलन में संकाय के रूप में भाग लिया।

नोएडा उत्तर प्रदेश में 29-30 सितंबर 2019 को उत्तर प्रदेश मधुमेह संघ के 17वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय के रूप में भाग लिया।

डॉ. अमितेश अग्रवाल

4-7 मार्च 2021 को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, इंडिया के वर्चुअल वार्षिक सम्मेलन- ईएपिकॉन में आमंत्रित संकाय।

जेरियाट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के जेरियाट्रिक मेडिसिन एंड जेरोन्टोलॉजी में सर्टिफिकेट कोर्स में आमंत्रित संकाय, 1 अक्टूबर (2020) - 31 दिसंबर (2020)।

मधुमेह पर 28वें वार्षिक सम्मेलन (डीआईएबीसीओएन (2020)), नई दिल्ली, 12-13 दिसंबर (2020) में आमंत्रित संकाय।

उत्तर प्रदेश डायबिटीज एसोसिएशन, लखनऊ, यूपी के 20 वें वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित संकाय, 19-20 दिसंबर (2020)।

डॉ. यलाग्स इन डायबिटीज के चौथे संस्करण में आमंत्रित संकाय, नई दिल्ली, 21 जुलाई (2020)।

संकाय की संख्या: 14

सूक्ष्म जीव-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

डीएचआर/आईसीएमआर के सहयोग से सीरोलॉजिकल और मॉलिक्यूलर स्तर पर वायरल रोगों की पहचान और निदान का विस्तार करने और कोविड-19 और एच1एन1 जैसे संदिग्ध प्रकोपों के निदान के लिए वायरोलॉजी डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च फैसिलिटी (वीआरडीएल) की स्थापना की गई थी। आरटी-पीसीआर, सीबीएनएएटी और ड्रुनैट द्वारा कोविड -19 के निदान के लिए 70, 000 से अधिक नमूनों को संसाधित किया गया था। आईसीएमआर के सहयोग से विभाग में एडवांस्ड माइक्रोलॉजी डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च फैसिलिटी (एमआरडीएल) की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य नियमित और उन्नत निदान प्रदान करना और फंगल संक्रमण के लिए निगरानी प्रोटोकॉल विकसित करना, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण में सुधार करना, डॉ.क्टरों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए प्रशिक्षण/सीएमई आयोजित करना और उन्हें माइक्रोलॉजी के महत्व के बारे में संवेदनशील बनाना तथा फंगल रोगों के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

तेजी से संवर्धन के लिए एचईवी, एचएवी, सीरम प्रोक्वैलिस्टोनिन और एमआईजीआईटी और जीन-विशेषज्ञ की त्वरित रिपोर्टिंग के लिए वीआईडीएस जैसी विभिन्न स्वचालित प्रणालियों और माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की संवेदनशीलता परीक्षण और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध का पता लगाने को मानकीकृत किया गया था। रोगजनों की तेजी से पहचान के लिए आणविक प्रयोगशाला सेवाएं शुरू की गईं, जो प्रारंभिक अवस्था में विकसित होने/बढ़ने में असमर्थ हैं।

संक्रमण नियंत्रण और बीएमडब्ल्यू प्रशिक्षण को मजबूत किया गया और स्वास्थ्य कर्मियों के सभी वर्गों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। एचआईवी परीक्षण केंद्र (सीएचटी), सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग, एलएचएमसी एचआईवी के निदान के लिए एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त है

सम्मान/विशिष्टताएँ:

डॉ. गरिमा गौतम ने एलएचएमसी एलुमनी एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में सूक्ष्म जीव-विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर के लिए शांता कामता और नलिन भार्गव पुरस्कार पदक प्राप्त किया।

डॉ. श्रेष्ठ मित्रा ने 28 से 30 जनवरी 2021 को आयोजित आईएएमएम, दिल्ली चैप्टर के 12वें वार्षिक सम्मेलन में एमएएमसी बेस्ट ओरल अवार्ड जीता।

प्रकाशन

एस. चिटकारा, आर. कौर, वाई. राय और जी. ढाका, (2020). बच्चों में तपेदिक मेनिनजाइटिस के तेजी से निदान के लिए जीनएक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ विश्लेषण और माइक्रोस्कोपी का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करेंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 9(3), 25-31.

आर. कौर, एम.जैस, आनंद, आर., एस. शर्मा, एस. शुक्ला और आर. सिंह, (2020). कोविड -19 का सिंड्रोमिक स्पेक्ट्रम और गंभीर-परिणाम वाले ग्रेडिएंट के साथ प्रवेश मापदंडों का सहसंबंध: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। *जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया*, 68, 43.

एम.एस. धाकड़, आर. कौर, आर. गोयल, पी. भल्ला और आर. दीवान, (2020). तृतीयक देखभाल अस्पताल में एचआईवी/एड्स रोगियों में कैंडिडिआसिस की महामारी विज्ञान संबंधी रूपरेखा। 7(12), 4858-4864. doi: 10.18203/2394-6040.ijcmph20205153.

एस. ढींगरा, एन.ए.ए. रहमान, ई. पाइल, एम. रहमान, एम. सारटेली, एम.ए. हसली, ... और एम. हक, (2020). माइक्रोबियल प्रतिरोध आंदोलन: रोगाणुरोधी प्रतिरोध द्वारा उत्पन्न वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों का एक सिंहावलोकन, और सबसे अच्छा मुकाबला कैसे कर सकते हैं। *फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ*, 8, 531.

ए. सामंत, जे. चंद्रा, आर. कौर, आर. आनंद, एस. शुक्ला और पी. मंडल, (2020). क्लिनिकल प्रोफाइल और माइक्रोबायोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ फिब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपिसोड्स इन चिल्ड्रन विद सीवियर अप्लास्टिक एनीमिया। *जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी/ऑन्कोलॉजी*, 42(3), 193-197.

जी.बी.सिंह, एम. सोलो और आर. कौर, (2020)., कोलेस्टीटोमा कान रोग के साथ एक प्रतिरक्षी रोगी में कैंडिडा मास्टोइडाइटिस का एक विरल मामला। *इयर, नोज एंड थ्रोत जर्नल*, 0145561320957757.

जी.बी.सिंह, जी.वाई. वार, एस. शुक्ला, आर. कौर, एस. मल्होत्रा और एस. कुमार, (2020). आवर्ती टॉन्सिलिटिस में हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और लैरींगोफेरीन्जियल रिफ्लक्स की भूमिका। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिडियाट्रिक ओटोरहिनोलॉरीजोलॉजी*, 138, 110376.

एस. सक्सेना, के.ए.यू.आर. रविंदर और वी.एस. रंधावा, (2021). रोगाणुरोधी प्रतिरोध के युग में टाइफॉइड बुखार में प्रतिरोध का पैटर्न बदलना: क्या यह उपचार रणनीतियों पर फिर से विचार करने का समय है? *जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज*, 11(01), 1-7.

एस. एस.सक्सेना, कुमार, वी. कुमार और के.ए.यू.आर. रविंदर, (2020). एक बाल चिकित्सा आईसीयू में कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरियासी द्वारा आंत के उपनिवेशण के साथ जुड़े जोखिम कारक। *जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज*, 10(02), 75-81.

एन. इग्नोटोवा, टी. इवानोवा, ए. एंटोनियन, आई. बुद्रुव, ओ. स्ट्रेल्ट्सोवा, वी. एलागिन और वी. कर्मेस्की, (नवंबर 2021). प्रमुख मानव एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी यूरोपैथोजेन के विरुद्ध फोटोडायनामिक निष्क्रियता की प्रभावकारिता। *फोटोनिक्स*, 8(11), 495. मल्टीडिसिप्लिनरी डिजिटल पब्लिशिंग इंस्टिट्यूट।

एन. थास, एस. सक्सेना, आर. कौर, एस. नांगिया, (2020). पास्चराइजेशन से पहले और बाद में दाता मानव दूध का माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल। *इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च*, 10(8), 17-19. doi : 10.36106/ijar

ए. विलियम, एस. सतीजा और आर. कौर, (2020). एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में डायरिया के बैक्टीरियल एटियोलॉजी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेक. सा. रेस.* 11(6), 39022-39024. <http://dx.doi.org/10.24327/ijrsr.2020.1106>

ए. विलियम, एस. सतीजा और आर. कौर, एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में आंतों के परजीवी संक्रमण का बोझ। *जर्नल होमपेज*:<http://www.ijcmas.com>, 9(7), 2020.

जर्नल

संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 2

शोध परियोजनाएं

अन्वेषक (अन्वेषकों) का नाम	वर्ष/अवधि	परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषक एजेंसी का नाम	बजट रुपए में
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. दीप्ति रावत सह - प्रोफेसर	नवंबर 2020 से	उन्नत माइक्रोलॉजी नैदानिक और अनुसंधान केंद्र की स्थापना	आईसीएमआर	रु.1, 96, 67, 920/-
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख	2018-2020	कैंडिडिआसिस की विशेषता और एंटीफंगल प्रतिरोध प्रोफाइल	आईसीएमआर	रु.2831605/-
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख	2020 से आगे	भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और उसे रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढीकरण	सीडीसी	
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख सह पीआई	2019 से आगे	भारत में जन्मजात रूबेला सिंड्रोम की निगरानी- एक बहुकेंद्रित अध्ययन	आईसीएमआर	बहुकेंद्रीय
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. सोनल सक्सेना निदेशक प्रोफेसर	2015 से आगे	गाणुरोधी प्रतिरोध की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम	एनसीडीसी, दिल्ली	रु. 8, 40, 000/-
डॉ. मनोज बी. जायस, निदेशक और प्रोफेसर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. संजीव गोगोई, सह - प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग	2019 से आगे	महामारी और प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के नेटवर्क पर स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की अनुमोदित योजना	डीएचआर- आईसीएमआर	रु.1, 82, 90, 000/-

		के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) की स्थापना।		
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख	2020 से आगे	चरण-III, भारत में 0-2 महीने के कम वजन वाले नवजात शिशुओं में नवजात सेप्सिस के उपचार में प्रोबायोटिक्स की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए बहुकेंद्रीय डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण	आईसीएमआर	-
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख (सह-पीआई) डॉ. सुषमा नांगिया निदेशक प्रोफेसर और नेनेटोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. सोनल सक्सेना, निदेशक प्रोफेसर (सह-पीआई)	2019 से आगे	नियोएएमआर ग्लोबल नियोनेटल सेप्सिस ऑब्जर्वेशनल स्टडी (नियोओबीएस): अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन	जीएआरडीपीऔर डीएनडीआई	-
डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. वी.एस. रंधावा निदेशक प्रोफेसर	2012 से आगे	एनएबीएल ने एचआईवी और ईक्यूएस कार्यक्रम के लिए एसआरएल को मान्यता दी	एनएसीओ/डीएसएसीएस 2000 से चल रहा है	सीधे डाएसएसीएस द्वारा वित्त पोषित।
डॉ. वी.एस. रंधावा निदेशक प्रोफेसर सह पीआई	2019 से आगे	जटिल बैक्टीरियल सेप्सिस के उपचार में अंतःशिरा एंटीबायोटिक दवाओं के 7 दिन बनाम 14 दिन के क्रम की प्रभावकारिता की		आईसीएमआर

		तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित गैर-हीनता परीक्षण		
डॉ. सुषमा नांगिया निदेशक प्रोफेसर और नेनेटोलॉजी विभाग की प्रमुख (पीआई) डॉ. रविंदर कौर निदेशक प्रोफेसर प्रमुख (सह-पीआई)	2020 से आगे	इंडो नॉर्वे परियोजना का शीर्षक "बॉर्न इन द ट्विइलाइट ऑफ एंटीबायोटिक्स: इंफ्लेक्शन्स ऑफ एंटीबायोटिक यूज टू द प्रीटरम इंफैंट रेस्पिरैटरी माइक्रोबायोम एंड रेजिस्टेंस डेवलपमेंट"	आईसीएमआर और रिसर्च काउंसिल ऑफ नॉर्वे	-

आयोजित संगोष्ठियां - 2

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग ने 23 और 24 नवंबर 2020 को विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एलएचएमसी, डब्ल्यूएचओ, सीडीसी, एनसीडीसी ने एएमआर जागरूकता सप्ताह के एक भाग के रूप में 5 दिसंबर 2020 को कोविड-19 युग में रोगाणुरोधी प्रतिरोध और रोगाणुरोधी प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वीएस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर, एचआईवी प्रयोगशाला, एलएचएमसी ने आईसीटीसी/पीपीटीसीटी प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एचआईवी ईक्यूएस पर 9.2.21 को 'आईसीटीसी में क्यूएमएस का कार्यान्वयन' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वीएस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर, एचआईवी प्रयोगशाला, एलएचएमसी ने आईसीटीसी/पीपीटीसीटी प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एचआईवी ईक्यूएस पर 26.3.21 को 'आईसीटीसी में क्यूएमएस का कार्यान्वयन' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने आईएमएम-दिल्ली चैप्टर द्वारा 11-12 सितंबर 2020 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर के दूसरे चैप्टर वर्चुअल मीट में "इम्यून कॉम्प्रोमाइज्ड में लंबे समय तक डायरिया की संक्रामक प्रोफाइल" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. वी एस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर ने आईएमएम-दिल्ली चैप्टर द्वारा 11-12 सितंबर 2020 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर के दूसरे चैप्टर वर्चुअल मीट में "चिल्ड्रन इन ए टर्शियरी केयर हॉस्पिटल" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वीएस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर ने आईएमएम-दिल्ली चैप्टर द्वारा 11-12 सितंबर 2020 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर के दूसरे चैप्टर वर्चुअल मीट में "एचसीए-सीएयूटीआई केसों से आइसोलेटेड कैंडिडा एसपीपी. की संवेदनशीलता प्रोफाइल" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. योगिता राय, प्रोफेसर ने आईएएमएन-दिल्ली चैप्टर द्वारा 11-12 सितंबर 2020 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर के दूसरे चैप्टर वर्चुअल मीट में "उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में रिफैम्पिसिन प्रतिरोधी बाल चिकित्सा तपेदिक का प्रसार" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने आईएएमएन-दिल्ली चैप्टर द्वारा 11-12 सितंबर 2020 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर के दूसरे चैप्टर वर्चुअल मीट में "जीएन आइसोलेट्स के बीच कॉलिस्टिन प्रतिरोध का पता लगाने के लिए रैपिड एनपी और विटेक 2 के बीच तुलना" शीर्षक से शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने यूरोपीयन सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक इंफेक्शियस डिजीज (ईएसपीआईडी) (26-29 अक्टूबर 2020) द्वारा आयोजित यूरोपीयन सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक इंफेक्शियस डिजीज (ईएसपीआईडी) की 38वीं वार्षिक बैठक में "फब्राइल न्यूट्रोपेनिया के साथ बच्चों में आक्रामक फंगल रोग का अध्ययन" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने यूरोपीयन सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक इंफेक्शियस डिजीज (ईएसपीआईडी) (26-29 अक्टूबर 2020) द्वारा आयोजित यूरोपीयन सोसायटी फॉर पीडियाट्रिक इंफेक्शियस डिजीज (ईएसपीआईडी) की 38 वीं वार्षिक बैठक में "बचपन में निमोनिया का एटिऑलॉजिकल डायग्नोसिस - डायग्नोस्टिक विधियों का एक तुलनात्मक मूल्यांकन" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वीएस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "एक तृतीयक देखभाल बाल चिकित्सा अस्पताल में प्रतिरक्षित बच्चों में संक्रामक दस्त के प्रतिजन प्रोफाईल" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वीएस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त कैथेटर से जुड़े मूत्र पथ के संक्रमण वाले मामलों से अलग बैक्टीरिया की संवेदनशीलता प्रोफाइल" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया के साथ बच्चों के क्लिनिक-हेमटोलॉजिकल प्रोफाइल" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "क्लिनिको-एटिऑलॉजिकल डायग्नोसिस ऑफ कम्युनिटी एक्वायर्ड न्यूमोनिया इन चिल्ड्रन" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "जीएन आइसोलेट्स के बीच कॉलिस्टिन प्रतिरोध का पता लगाने के लिए अगर के कमजोर पड़ने और बीएमडी के बीच तुलना" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "जीएन आइसोलेट्स के बीच कॉलिस्टिन प्रतिरोध का पता लगाने के लिए अगर के कमजोर पड़ने और बीएमडी के बीच तुलना" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. मनोज जायस, निदेशक प्रोफेसर ने आईएएमएन द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "आईजीएम एलिसा और रीयल टाइम मल्टीप्लेक्स पीसीआर का उपयोग कर तीव्र श्वसन संक्रमण के बाल चिकित्सा मामलों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और क्लैमाइडोफिला न्यूमोनिया का निदान" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर कौर, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. वी एस रंधावा, निदेशक प्रोफेसर ने आईएमएम द्वारा आयोजित ई-माइक्रोकॉन 2020 (8 - 11 दिसंबर 2020) में "प्रत्यक्ष बनाम पारंपरिक रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण: आईसीयू देखभाल में एक महत्वपूर्ण रोगाणुरोधी स्टीवर्डशिप उपकरण" शीर्षक शोध प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

भारतीय/ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ: 3

एनसीडीसी और एमओएचएफडब्ल्यू के साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम।

आईसीएमआर के साथ उन्नत माइक्रोलॉजी डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर

आईसीएमआर के साथ वायरल अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशाला

विस्तार एवं आउटरीच गतिविधियाँ:

आरएमएल अस्पताल से डर्माटोफॉइट्स की संस्कृति और एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण के लिए नमूने प्राप्त किया और उसे प्रसंस्कृत किया।

सुपरस्पेशलिटी बाल चिकित्सा अस्पताल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, नोएडा से कैंडिडा की पहचान और एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण के लिए स्ट्रेन्स प्राप्त किया और उसे प्रसंस्कृत किया।

संकाय की संख्या: 8 संकाय सदस्य

निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख: डॉ. रविंदर कौर

निदेशक प्रोफेसर

डॉ. वी एस रंधावा

डॉ. मनोज बी जायस

प्रोफेसर

डॉ. योगिता राय

एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. दीप्ति रावत

डॉ. मनोज कुमार (26.6.2020 से 25.6.22 तक अध्ययन अवकाश पर)

डॉ. श्वेता सतीजा

डॉ. संजीव गोगोई

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. रविंदर कौर

आईसीएमआर की दो शोध परियोजनाओं में मैं प्रधान अन्वेषक और तीन में सह-प्रमुख अन्वेषक।

एनसीडीसी और स्वस्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एएमआर कार्यक्रम के लिए फोकल व्यक्ति।

स्वस्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में चिकित्सा नैदानिक प्रयोगशाला के न्यूनतम मानकों पर उपसमिति की सदस्य।

एनटीटीएल में वैज्ञानिक विशेषज्ञता के पूरक के लिए माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग अध्ययन के लिए स्वस्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में आमंत्रित विशेषज्ञ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत एनपीटीईएल चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम में आमंत्रित संकाय।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र में "आईडीएसपी के अंतर्गत खरीदे जाने वाले उपकरणों के लिए तकनीकी विशिष्टताओं की समीक्षा और सूत्रीकरण" के लिए विशेषज्ञ।

बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद और शारदा विश्वविद्यालय और बीजे मेडिकल कॉलेज, पुणे में एमडी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

एमबीबीएस दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आंतरिक परीक्षक।

एलएचएमसी में संक्रमण रोकथाम समिति की सदस्य।

एलएचएमसी में रोगी सुरक्षा समिति की सदस्य।

एलएचएमसी में बीएमडब्ल्यूएम समिति की सदस्य।

आरपीसी एलएचएमसी की सदस्य।

सदस्य: निविदा और खरीद समिति।

लैब तकनीशियनों की भर्ती समिति की सदस्य।

जे ऑफ कीमोथेरेपी, आईजेएमआर में विशेषज्ञ समीक्षक।

राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षाओं में विशेषज्ञ।

एमसीक्यू की समीक्षा और सत्यापन पर कार्यशाला के लिए संकाय।

प्रश्न शोध बनाना/मॉडरेशन।

डीएनबी के लिए परीक्षक।

डीएनबी माइक्रोबायोलॉजी के लिए पाठ्यक्रम दिशानिर्देशों का संशोधन।

डॉ. वी एस रंधावा:

24 अप्रैल से 7 मई, 2020 तक माइक्रोप्लान में राज्य के स्वास्थ्य की सहायता करने और अस्पताल की तैयारियों की जाँच करने के लिए पुणे में उच्च स्तरीय बहु-विषयक केंद्रीय टीम के सदस्य।

एनएसीओ, एम्स नई दिल्ली, एम्स पटना, एम्स जोधपुर, पं. बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, आरयूएचएस जयपुर, एच.पी. विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, आईपी विश्वविद्यालय, एनएमसी नई दिल्ली, आईएलबीएस नई दिल्ली के तकनीकी विशेषज्ञ।

एनएमसी के लिए स्वीकृत यूजी/पीजी मूल्यांकनकर्ता।

डॉ. मनोज बी जायस:

संक्रमण निवारण समिति के सदस्य सचिव।

रोगी सुरक्षा समिति के सदस्य सचिव।

बीएमडब्ल्यूएम समिति के नोडल अधिकारी एवं सदस्य सचिव।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध दिल्ली (एसएपीसीएआरडी) के नियंत्रण के लिए राज्य कार्य योजना तैयार करने के लिए तकनीकी समूह के सदस्य।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध की निगरानी के लिए डब्ल्यूएचओ आईएमएम नेटवर्क-दिल्ली (डब्ल्यू आईएनएसएआर-डी) के फोकल प्वाइंट और समन्वयक।

डॉ. दीप्ति रावत

एलएचएमसी स्नातक चुनाव समिति के सदस्य,

कंडेम्शन समिति के सदस्य।

डॉ. योगिता राय:

सीबीएनएटी/इंटरनेट कोविड-19 परीक्षण, एलएचएमसी के नोडल अधिकारी।

डॉ. श्वेता सतीजा

एलएचएमसी में तकनीकी पदों को भरने के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के लिए समिति की सदस्य।

डॉ. संजीव गोगोई

एलएचएमसी काया कल्प समिति के सदस्य।

सूक्ष्म जीव-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी विभाग अंडरग्रेजुएट (एमबीबीएस, बीडीएस, बीएससी नर्सिंग) और पोस्टग्रेजुएट (एमडी) को माइक्रोबायोलॉजी के सिद्धांत पढ़ाने में सबसे आगे है। एमबीबीएस छात्रों को डीयू और एमसीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार व्याख्यान, व्यावहारिक प्रदर्शन, सूक्ष्म शिक्षण सत्र, व्यावहारिक सत्र के माध्यम से पर्याप्त प्रदर्शन मिलता है।

विभाग में अपने 3 वर्ष के प्रवास के दौरान, स्नातकोत्तर विद्यार्थी नैदानिक सूक्ष्म जीव विज्ञान कार्य, व्याख्या और नैदानिक निष्कर्षों के साथ प्रयोगशाला परिणामों के सहसंबंध में गहन रूप से शामिल होते हैं। उन्हें शोध कार्य करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सार्स कोव -2 के लिए परीक्षण कर रहा है। विभाग ने 2020-21 में आरटी-पीसीआर द्वारा कोविड-19 के लिए 65, 000 से अधिक नमूनों का परीक्षण किया। आरटी-पीसीआर परीक्षणों के प्रदर्शन के लिए सभी सुविधाओं के साथ आणविक प्रयोगशाला की स्थापना के साथ एक उन्नत बीएसएल -2 स्तर की प्रयोगशाला स्थापित की गई थी। विभाग दिल्ली में कोविड-19 सेरो सर्विलांस के दूसरे, तीसरे और चौथे दौर का समन्वयक भी था।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. सोनल सक्सेना

आईएमएम दिल्ली चैंप्टर द्वारा 2020 के लिए डायग्नोस्टिक माइक्रोबायोलॉजी में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. आर ए भुजवाला पुरस्कार।

सह-लेखक के रूप में ई माइक्रोकॉन में कोविड श्रेणी का सर्वश्रेष्ठ पोस्टर।

ऑनलाइन कोर्स 1: कोविड-19: डायग्नोस्टिक्स एंड टेस्टिंग और कोर्स 2: कोविड-19 आणविक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण के लिए मेंटर, जिसे लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (एलएसएचटीएम) और अफ्रीकन सोसाइटी ऑफ लेबोरेटरी मेडिसिन (एएसएलएम) के साथ मिलकर एफआईएनडी द्वारा विकसित किया गया है।

डॉ. विकास मनचंदा

मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के राष्ट्रीय सम्मेलन में "सर्वश्रेष्ठ कोविड कार्य" श्रेणी के अंतर्गत सह लेखक के रूप में सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार।

राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएमएम, एमिकोकॉन 2020 में "कोविड -19 श्रेणी" में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार।

ए यादव, वी मनचंदा, एस टुटेजा, डी पुरी, एस सक्सेना। इन्वेंशन इज द नीड ऑफ आवर: ए यूनिट डेटा एक्क्यूमुलेशन एंड एनालिसिस प्लेटफॉर्म फॉर कोविड रिपोर्टिंग। दिसंबर 2020, माइक्रोकॉन 2020।

डॉ. रोहित चावला

सर्टिफिकेशन बोर्ड ऑफ इंफेक्शन कंट्रोल एंड एपिडेमियोलॉजी, इंक. (सीबीआईसी®), यूएसए द्वारा संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण में प्रमाणन प्राप्त किया।

फाउंडेशन फॉर इनोवेटिव न्यू डायग्नोस्टिक्स, अफ्रीकन सोसाइटी फॉर लेबोरेटरी मेडिसिन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन द्वारा आयोजित कोविड-19: डायग्नोस्टिक्स एंड टेस्टिंग पर कोर्स पूरा किया।

प्रकाशन (पहले लेखक के वर्णानुक्रम में)

के.एस. अभिषेक, एन., ए. चक्रवर्ती और सी.पी. बावेजा, (2020). 2015 के प्रकोप के दौरान मध्य दिल्ली में डेंगू सीरोटाइप का प्रसार। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन (ई-आईएसएसएन : 2349-7181 और पी-आईएसएसएन : 2394-7047), 7(1), 1-4.

आर. अग्रवाल, एम.सिंह, आर.चावला, जी.डी.कुमार, ए. मिश्रा और एस.जैन, (2021). स्केडोस्पोरियम एपिओस्पर्म के कारण स्थानीयकृत त्वचीय संक्रमण: साइटोलॉजी पर निदान किए गए मामले की रिपोर्ट। डायग्नोस्टिक साइटोपैथोलॉजी, 49(4), E187-E189.

आर. आर. अरोड़ा, गोयल, एस. सक्सेना, वी. मनचंदा, एम. अहमद, जी. गुप्ता, ... और के. सक्सेना, (2021). कोविड-19 डेडिकेटेड इंटेंसिव केयर यूनिट के मरीजों में सार्स-कोव-2 के लिए आंसू और नासोफेरीजल स्वीब का तुलनात्मक मूल्यांकन। ओकुलर इम्यूनोलॉजी एंड इन्फ्लेमेशन, 1-7.

आर. आर. अरोड़ा, गोयल, एस. कुमार, छाबड़ा, एम., एस. सक्सेना, वी. मनचंदा, और पी. पुम्मा, (2021). आर्थ्रोमोलांजी, मध्यम से गंभीर कोविड-19 वाले रोगियों के आंसू में सार्स-कोव -2 का मूल्यांकन। आर्थ्रोमोलांजी, 128(4), 494-503.

आर. अरोड़ा, एस.शारदा, जे.साहू, वी. मनचंदा, पी.जैन, आई. गुप्ता, ... और एन.भारती, (2021). कोविड-19 महामारी के दौरान कॉर्निया दाताओं में रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन की भूमिका। कॉर्निया, 40(8), 1044.

आर.चौधरी, एस. खुल्लर, एन. आरिफ, टी. सागर, डी. मीना और यू.के. चौधरी, (2021). क्लोस्ट्रीडायोइड्स इंटरकाडियक वनस्पति से भिन्न होते हैं। एनेरोब, 69, 102350.

चौधरी, एस., तिरुवेंगदम, आर., चट्टोपाध्याय, एस., मेहदी, एफ., क्षेत्रपाल, पी., श्रीवास्तव, टी., ... और कोविड के लिए, डी.आई.सी. (2020). भारत में सार्स-कोव-2 आईजीजी का तुलनात्मक मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल वायरोलॉजी, 131, 104609.

ए. दुबे, ए.वंसल, एस.सी. सोनकर, बी.गोस्वामी, एन.मकवाने, वी. मनचंदा, और बी.सी. कोनेर, (2020). एक कोविड समर्पित अस्पताल की नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला में सार्स-एनकोव-2 के विरुद्ध प्रयोगशाला सुरक्षा में इन-हाउस असेंबल किए गए सुरक्षात्मक उपकरण। मेडआरxiv.

ए. दुबे, जी. कोटनाला, टी.के. मंडल, एस.सी. सोनकर, वी.के. सिंह, एस.ए. गुरु, ... और बी.सी. कोनेर, (2021). एक समर्पित कोविड अस्पताल की वायुमंडलीय हवा और सतहों में सार्स-कोव-2 वायरस की उपस्थिति के साक्ष्य। जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी।

आर. गोयल, आर. अरोड़ा, खानम, एस., एस. सक्सेना, वी. मनचंदा और पी. पुम्मा, (2020). क्या नेत्र प्रक्रियाओं से पहले कोविड-19 परीक्षण करना आवश्यक है? इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोमोलांजी, 68(11), 2335.

गुप्ता, ए., सुरल, एस., गुप्ता, ए., रूसा, एस., कोनेर, बी.सी., ए. भालोत्रा और आर. चावला, (2021). सकारात्मक क्वांटिफेरॉन परीक्षण और कोविड-19 रोग की गंभीरता: एक संभावित अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस।

एस. गुप्ता, वी. मनचंदा, पी. सचदेव, आर.के. सैनी और एम. जॉय, (2021). उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल अस्पताल के निचले खंड के सीजेरियन सेक्शन मामलों में सर्जिकल साइट संक्रमण की घटनाओं और जोखिम कारकों का अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 39(1), 1-5.

आईसीएमआर कोविड स्टडी ग्रुप (वर्णानुक्रम में: पी. अब्राहम, एन. अग्रवाल, आर. गिरिधर, , एस. बरनी, बी. भार्गव, टी. भटनागर, ए एस धामा, आर आर गंगाखेडकर, एस. गिरि, एन. गुप्ता, के के कुरुप, पी. मनिकम,

एम. मुरहेकर, वी. पोद्दार, आई. प्रहराज, के. राडे, डीसीएस. रेड्डी, सरवनकुमार, वी. शाह, एन. सिंह, एच. विवियन, जे डब्ल्यू थंगराज, एन. यादव, कोविड महामारी विज्ञान और डेटा प्रबंधन टीम, कोविड प्रयोगशाला टीम, एस सक्सेना, वीआरडीएलएन टीम। (2020). भारत में सार्स-कोव-2 के लिए प्रयोगशाला निगरानी: कोविड-19 के ज्ञात परीक्षण और वर्णनात्मक महामारी विज्ञान का प्रदर्शन 22 जनवरी - 30 अप्रैल, 2020। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 151(5), 424-437. doi: 10.4103/ijmr.IJMR_1896_20. पीएमआईडी: 32611914; पीएमसीआई: PMC7530445

वाई. जयरामन, बी. वीरराघवन, सी.जी. कुमार, बी. सुकुमार, राजपी. कुमार, बी. कंगुसामी, ... और एस.एम. मेहेंडेल, (2021). भारत में पीसीवी13 की शुरुआत से पहले पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बैक्टीरियल मैनिंगाइटिस के लिए अस्पताल आधारित सेंटिनल निगरानी। वैक्सीन।

डी. कोनार, एन. परवीन, एस के कुमार., पी. अग्रवाल और बी. उप्पल, (2020). गहन देखभाल इकाई के मरीजों के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट में नई दिल्ली मेटालो-बी-लैक्टासेस-उत्पादक बैक्टीरिया का आणविक लक्षण वर्णन। क्यूरेयस, 12(12).

ए. मैत्रा, एस. राघव, ए. दलाल, एफ. अली, वी.एम. पेन्टर, डी. पॉल, ... और एस. दास, (2020). पैन-इंडिया 1000 सार्स-कोव-2 आरएनए जीनोम अनुक्रमण प्रकोप में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि का खुलासा करता है। बायोआरxiv।

के. निर्मल, वी. मनचंदा और पी. अग्रवाल (2021). 2008-2016 के दौरान भारतीय बच्चों में पृथक विब्रियो हैजा उपभेदों की रोगाणुरोधी संवेदनशीलता की प्रवृत्ति का रुझान। जर्नल ऑफ कम्यूनिकेबल डिजीजेज (ई-आईएसएसएन : 2581-351X & पी-आईएसएसएन : 0019-5138), 53(1), 67-71.

एस. सक्सेना, के.ए.यू.आर.रविंदर और वी.एस.रंधावा, (2021). रोगाणुरोधी प्रतिरोध के युग में टाइफॉइड बुखार में प्रतिरोध का पैटर्न बदलना: क्या यह उपचार रणनीतियों पर फिर से विचार करने का समय है? जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज, 11(01), 1-7.

एस. सक्सेना, एस. कुमार, वी. कुमार, और के.ए.यू.आर.रविंदर (2020). एक बाल चिकित्सा आईसीयू में कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरियासी द्वारा आंत के उपनिवेशन के साथ जुड़े जोखिम कारक। जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज, 10(02), 75-81.

एस. सक्सेना, वी. मनचंदा, टी.सागर, एन.नागी, ओ.सिद्दीकी, ए. यादव, ... और एन शर्मा, (2021). नई दिल्ली में एक कोविड-19 नामित अस्पताल से सार्स-कोव -2 रोग के रोगियों की नैदानिक विशेषता और महामारी विज्ञान की विशेषताएं। जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी, 93(4), 2487-2492.

पी शर्मा, आर.चावला, आर. बख्शी, एस. सक्सेना, एस. बसु, पी.के.भारती, ... और पी.लाल, (2021). नई दिल्ली, भारत में एक शिक्षण अस्पताल के कर्मचारियों के बीच सार्स-कोव-2 और सेरोपोसिटिविटी के अनुमान के प्रति एंटीबॉडी की व्यापकता। ओसॉग पब्लिक हेल्थ एंड रिसर्च पर्सपेक्चिव्स, 12(2), 88.

ओ.सिद्दीकी, वी. मनचंदा, ए. यादव, टी.सागर, टुटेजा, एस., एन.नागी और एस.सक्सेना, (2020). संयुक्त नासोफैरेनजीज-गले की सूजन से गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम-सीओवी -2 का पता लगाने के लिए दो रीयल-टाइम पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन एसेज़ की तुलना। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 38(3-4), 385-389.

एस. सिंघल, एन. हसन, के. निर्मल, आर. चावला, एस. चावला, बी.एस.कालरा और ए. ढाल, (2021). घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए जैवउपलब्ध हल्दी का अर्क: एक यादृच्छिक, गैर-हीनता परीक्षण बनाम पैरासिटामोल। ट्रायल्स, 22(1), 1-11.

पी. सिन्हा, एम.सिंह, टी.सागर, एस.जैन और एल. बेंस, (2021). अल्टरनेरिया अल्टरनेटा के लिए साइटोलॉजिकल सुराग। डायग्नोस्टिक साइटोपैथोलॉजी।

ए.सूद, चौधरी, एम., सी.पी.बावेजा और पी.एन. पांडे, (2020)., एक उभरते हुए रोगजनक क्राइसेबैक्टीरियम इंडोलोजेन्स के कारण मेनिन्जाइटिस का विरल मामला। सेज ओपन मेडिकल केस रिपोर्ट, 8, 2050313X20936098.

पी.ठाकुर, एस. सक्सेना, वी. मनचंदा, एन.राणा, आर. गोयल और आर. अरोड़ा, (2021). नियमित अस्पताल सेटिंग्स में सार्स-कोव-2 वायरस का पता लगाने के लिए एंटीजन-आधारित रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट की उपयोगिता। लेबोरेटरी मेडिसिन।

आर. तिरुवेंगदम, एस चट्टोपाध्याय, एफ मेहदी, बीके देसिराजू, ए चौधरी, एस सिंह, वी भरतिया, पी क्षेत्रपाल, यूसी, नात्चू मौली, एन वाधवा, एस सोपोरी, एम वाही, ए के पांडे, जे तनेजा, एन आनंद, एन शर्मा, पी शर्मा, एस सक्सेना, डी सिंधु, बी सिंधु, डी शर्मा, टी श्रीवास्तव, ए डांग, जी बत्रा, जी कांग, एस भटनागर; कोविड 19 अनुसंधान के लिए डीबीटी इंडिया कंसोर्टियम। (2021) भारत में SARS-CoV-2-संक्रमित व्यक्तियों का अनुदैर्ध्य सीरम विज्ञान: एक संभावित समूह अध्ययन। अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन, doi: 10.4269/ajtmh.21-0164. मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: 34003792.

संपादकों/ संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या:

डॉ. विकास मनचंदा:

निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के सदस्य हैं:

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएमएम)

जर्नल ऑफ पेशेंट सेफ्टी एंड इंफेक्शन कंट्रोल - जर्नल ऑफ हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एचआईएसआई)

वेब संपादक - आईएमएम दिल्ली अध्याय

वेब संपादक - अस्पताल संक्रमण सोसायटी, भारत

शोध परियोजनाएं

चल रही वित्त पोषित परियोजनाएं:

कोविड-19 के लिए अंतर प्रयोगशाला तुलना और गुणवत्ता केंद्र। (आईसीएमआर-डीएचआर) (वित्तपोषण लगभग: 10 लाख रुपये) (पीआई: डॉ. सोनल सक्सेना)

राज्य स्तरीय वायरल रोग अनुसंधान प्रयोगशाला (आईसीएमआर-डीएचआर) (वित्तपोषण लगभग: 198 लाख रुपये) (पीआई: डॉ. सोनल सक्सेना)

एंटीजन टेस्ट किट वैलिडेशन सेंटर (आईसीएमआर-डीएचआर) (वित्तपोषण लगभग: 198 लाख रुपये) (पीआई: डॉ. सोनल सक्सेना)

एनएसीओ और डीएसएसीएस के अंतर्गत एचआईवी के लिए एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र (पीआई: डॉ. सी पी बावेजा)

एनएसीओ और डीएसएसीएस के अंतर्गत एचआईवी के लिए राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (पीआई: डॉ. सी पी बावेजा)

एनएसीओ और डीएसएसीएस के अंतर्गत फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा गणना सीडी4 टी-लिम्फोसाइट के लिए प्रयोगशाला (पीआई: डॉ. सी पी बावेजा)

एनएसीओ और डीएसएसीएस के अंतर्गत क्षेत्रीय एसटीआई संदर्भ, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र प्रयोगशाला (पीआई: डॉ. सी पी बावेजा)

भारतीय बच्चों में स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) रुझान और सीरोटाइप लक्षण वर्णन के कारण निमोनिया और आक्रामक न्यूमोकोकल रोग (आईपीडी)। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित। (150 लाख रुपए)। (परियोजना समन्वयक डॉ. विकास मनचंदा के साथ बहु-स्थल परियोजना)

भारत में 1-35 महीने के बच्चों में निमोनिया और न्यूमोकोकल कैरिज परिणामों पर न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) के प्रभाव का मूल्यांकन - निमोनिया अनुसंधान और वैक्सीन इम्पैक्ट लीग (पीआरईवीएआईएल) परियोजना। आईवीएसी, जेएचयू, यूएसए के सहयोग से फाँइजर द्वारा वित्त पोषित। (परियोजना समन्वयक डॉ. विकास मनचंदा के साथ बहु-स्थल परियोजना)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सूचना प्रसार प्रणाली (जून 2020 की शुरुआत) का उपयोग करके विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने को बढ़ाने के लिए "एमएएमसी कोविड सूचना पोर्टल" का विकास। (परियोजना समन्वयक डॉ. विकास मनचंदा के साथ बहु-स्थल परियोजना)

बैक्टीरिया और नवजात सेप्सिस के बेडसाइड डायग्नोसिस के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर (पीओसी) डिवाइस (दिसंबर 2018 की शुरुआत) डीएसटी, इंप्रिंट -2 फंड (बजट लगभग 29.57 लाख) द्वारा वित्त पोषित (पीआई: डॉ. विकास मनचंदा)

गंभीर रूप से बीमार रोगियों में बैक्टीरियल सेप्टीसीमिया का तेजी से पता लगाने और स्तरीकरण के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर (पीओसी) डायग्नोस्टिक पैनल का विकास। (दिसंबर 2018 में आरंभ) नैनोमिशन अनुदान के अंतर्गत डीएसटी द्वारा वित्त पोषित (लगभग बजट 31.26 लाख) (पीआई: डॉ. विकास मनचंदा)

सार्स-सीओवी-2 एमएएमसी कॉम्प्लेक्स के स्वास्थ्य कर्मियों में सीरो-निगरानी, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, डीटीई, जीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।

दिल्ली में सार्स-कोव-2की समुदाय-आधारित सीरो-निगरानी (राउंड 1.0), जिसे राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, डीटीई, जीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

दिल्ली में सार्स-कोव-2की समुदाय-आधारित सीरो-निगरानी (राउंड 2.0, 3.0 और 4.0), जिसे डीटीई, जीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वित्त पोषित, दिल्ली, भारत में घरेलू संपर्कों के बीच कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के संचरण की गतिशीलता पर एक संभावित अध्ययन। (सामुदायिक चिकित्सा विभाग के साथ)

दिल्ली, भारत में एक तृतीयक देखभाल कोविड-19 अस्पताल में सार्स-कोव-2संक्रमण के स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच प्रसार और जोखिम कारक: विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वित्त पोषित एक कोहोर्ट अध्ययन। (सामुदायिक चिकित्सा विभाग के साथ)

बच्चों के तीव्र संक्रामक दस्त में फेकल बायोमार्कर की उपयोगिता। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज द्वारा वित्त पोषित इंटर-म्यूरल परियोजना (बजट: 2, 99, 000 रुपए)। (पीआई: डॉ. प्रभाव अग्रवाल)

ओनिकोमायकोसीस के रोगियों में डर्माटोफाइट्स का पता लगाना। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज द्वारा वित्त पोषित इंटर-म्यूरल परियोजना (बजट: 2, 58, 000 रुपए) (पीआई: डॉ. तनु सागर)

नैदानिक नमूनों में अवायवीय जीवाणुओं के स्पेक्ट्रम और अवायवीय संक्रमणों के निदान के लिए रीयल-टाइम पीसीआर की उपयोगिता का निर्धारण करना। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज द्वारा वित्त पोषित इंटर-म्यूरल परियोजना (पीआई: डॉ. ओवेस सिद्दीकी)।

गैर-वित्त पोषित परियोजनाएं

हाथ की स्वच्छता और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उचित उपयोग पर स्नातकोत्तर का परिदृश्य आधारित प्रशिक्षण (पीआई: डॉ. प्रीति ठाकुर)

सार्स-कोव-2के निदान के लिए इष्टतम पूल आकार का मूल्यांकन। (पीआई: डॉ. विकास मनचंदा)

कोविड-19 नामित अस्पताल में सार्स-कोव-2 का पर्यावरण प्रदूषण। {पीआई: डॉ. तनु सागर}

सार्स-कोव-2 संक्रमण के संचरण में करेंसी नोटों की भूमिका। {पीआई: डॉ. ओवेस सिद्दीकी}

जीनोमिक इम्प्रिंट को समझना: सार्स-कोव-2 का संपूर्ण जीनोम अनुक्रम विश्लेषण। {पीआई: डॉ. सोनल सक्सेना}

नैदानिक नमूनों में सार्स-कोव-2 एंटीजन का पता लगाने के लिए रैपिड एंटीजन टेस्ट (लेटरल फ्लो परख) का मूल्यांकन- कोविड-19 रैपिड एंटीजन टेस्ट सत्यापन प्रयोगशाला द्वारा। {पीआई: डॉ. प्रीति ठाकुर}

सीरम में एंटी-सार्स कोव-2 एंटीबॉडी का एसोसिएशन श्वसन और मल के नमूनों में वायरल शेडिंग के साथ। {पीआई: डॉ. प्रभाव अग्रवाल}

लिथियम आयन कोविड-19 रोगियों के चिकित्सीय प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। (अस्थि रोग विभाग के साथ)

गर्भावस्था के दौरान कोविड-19 संक्रमण वाली गर्भवती महिलाओं का अध्ययन; एक पूर्वव्यापी और संभावित अवलोकन अध्ययन (प्रसूति और स्त्री रोग विभाग के साथ)

मध्यम से गंभीर कोविड-19 रोगी के आंसुओं में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोना वायरस (SARS-CoV-2) के संचरण का आकलन करने के लिए एक पार-अनुभागीय अध्ययन (नेत्र विज्ञान विभाग के साथ)

नई दिल्ली, भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में सार्स-कोव-2 इम्युनोग्लोबुलिन टाइम कैनेटीक्स।

स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों में कोविड-19 संक्रमण के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन प्रोफिलैक्सिस: एक सबूत की अवधारणा, अवलोकन संबंधी अध्ययन। (सामुदायिक चिकित्सा विभाग के साथ)

प्रोफिलैक्सिस रोगसूचक सार्स-कोव-2 में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन कोविड-19 के रोगियों की देखभाल करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों में संक्रमण (चिकित्सा विभाग के साथ)

दिल्ली, भारत में घरेलू संपर्कों के बीच कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के संचरण की गतिकी पर एक संभावित अध्ययन। (सामुदायिक चिकित्सा विभाग के साथ)

कोविड-19 में वायरोलॉजिकल क्लीयरेंस पर संक्रमण की प्रतिक्रिया का आकलन: सिंगल सेंटर, ओपन लेबल, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (बाल रोग विभाग के साथ)

एक कोविड समर्पित अस्पताल की नैदानिक जैव रसायन प्रयोगशाला में सार्स-कोव-2 के विरुद्ध प्रयोगशाला की सुरक्षा में आंतरिक रूप से बने सुरक्षात्मक उपकरण। (जैव रसायन विभाग के साथ)

सीरम में एंटी- सार्स-कोव-2 एंटीबॉडी का संघटन श्वसन और मल के नमूनों के साथ।

संदिग्ध कोविड-19 मामलों से सार्स-कोव-2 श्वसन नमूनों का पता लगाने के लिए वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले एंटीजन-आधारित आरडीटी का मूल्यांकन।

दिल्ली के कोविड-19 रोगियों में रोग की गंभीरता के लिए तपेदिक और टाइफाइड के सामुदायिक जोखिम का सहसंबंध।

आयोजित संगोष्ठी

11 सितंबर, 2020 को प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पीजी ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान मानक सावधानियों और पीपीई के उपयोग पर बायोमैडिकल अपशिष्ट प्रबंधन प्रशिक्षण और व्यावहारिक डब्ल्यूपीबीए सत्र।

डॉ. सोनल सक्सेना और डॉ. रोहित चावला द्वारा मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के सीनियर रेजिडेंट्स, जूनियर रेजिडेंट्स और टेक्निकल स्टाफ के लिए बायोमैडिकल वेस्ट मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

डब्ल्यूएचओनेट पर प्रीकॉन्फ्रेंस ऑनलाइन सीएमई/कार्यशाला 8 दिसंबर 2020 को आयोजित की गई थी, डॉ. सोनल सक्सेना संयोजक थीं।

8 दिसंबर 2020 को संयोजक, डॉ. विकास मनचंदा के साथ "आरटीपीसीआर के बुनियादी सिद्धांत" (आईएमएम ई-माइक्रोकॉन 2020) पर प्रीकॉन्फ्रेंस ऑनलाइन सीएमई कार्यशाला आयोजित की गई थी।

27 अक्टूबर 2020 को संयोजक, डॉ. सोनल सक्सेना के साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध समीक्षा बैठक की निगरानी के लिए डब्ल्यूएचओ आईएमएम नेटवर्क।

संयोजक, डॉ. सोनल सक्सेना के साथ दिल्ली के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, जीएनसीटी के तत्वावधान में 19 जून 2020 को आयोजित विभिन्न जिलों के चिकित्सा अधिकारियों के लिए रैपिड एंटीजन परीक्षण पर प्रशिक्षण। कई सत्रों में कोविड से बचाव और रोकथाम के लिए 2000 से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों को अस्पताल संक्रमण प्रशिक्षण।

संयोजक, डॉ. सोनल सक्सेना के साथ डॉ. रोहित चावला द्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, दिल्ली के जीएनसीटी के तत्वावधान में 19 अप्रैल 2020 को दिल्ली के विभिन्न सरकारी अस्पतालों के प्रयोगशाला चिकित्सा पेशवरों के लिए सीओवीआईडी -19 के लिए रैपिड एंटीबॉडी परीक्षण पर प्रशिक्षण।

डीएसएसएस और एनएसीओ के तत्वावधान में: डॉ. रोहित चावला ने 16 जुलाई, 2020 को जुड़े हुए आईसाटीसीएस और पीपीटीसीटीएस के लिए "एनएसीओ प्रयोगशाला: ऑनलाइन डाटा प्रबंधन उपकरण" आभासी प्रशिक्षण का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

आईएमएम का पहला आभासी राष्ट्रीय सम्मेलन 8-11 दिसंबर 2020 से आयोजित किया गया था जिसमें डॉ. सोनल सक्सेना आयोजन सचिव और डॉ. विकास मनचंदा कोषाध्यक्ष थे।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. सी.पी. बावेजा

ग्लोबल जेनेसिस स्कूल नोएडा द्वारा अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया और 26.02.2021 को "कोविड -19 के लिए भारतीय टीकों की यात्रा" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

13.03.2021 को "सूक्ष्म जीव विज्ञान के शिक्षण में नए युग" पर वेबिनार के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सोनल सक्सेना

एमसीआई में 10-12 फरवरी 2021 को एमएमसी में संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप के लिए संकाय।

3 फरवरी 2021 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के लिए "कोविड -19 टीके" पर भाषण दिया।

5 जनवरी 2021 को एपिकॉन नोएडा चैंप्टर के लिए "कोविड -19 वैक्सीन: आज हम कहाँ हैं?" पर भाषण दिया।

21 सितंबर से 27 सितंबर, 2020 तक ऑनलाइन आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन निदान सप्ताह 2020 में "आरटीपीसीआर परीक्षण: व्यावहारिक पहलू" पर व्याख्यान दिया गया।

23 दिसंबर 2020 को लाइव वेबिनार में "कोविड-19 में एंटीबॉडी विज्ञान: सामान्य अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न" पर व्याख्यान दिया।

ई-माइक्रोकॉन 2020 के हिस्से के रूप में डब्ल्यूएचओनेट पर ऑनलाइन सीएमई/कार्यशाला में "डब्ल्यूएचओनेट: लैब कॉन्फिगरेशन" पर व्याख्यान दिया।

10 दिसंबर 2020 को ई-माइक्रोकॉन 2020 के हिस्से के रूप में "विनसर-डी नेटवर्क" पर व्याख्यान दिया।

11 नवंबर 2021 को ई-माइक्रोकॉन 2020 के हिस्से के रूप में "सीएलएसआई 2020: 2021 में क्या उम्मीद करें!" पर पैनलिस्ट।

18 नवंबर 2020 को विश्व एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह के अवसर पर सीएसई द्वारा आयोजित "एन पर अधिनियम" पर ऑनलाइन चर्चा में पैनलिस्ट।

26 अगस्त 2020 को लाइव वेबिनार में "कोविड -19: प्रासंगिकता की सीरोलॉजी" पर व्याख्यान दिया।

7-8 अक्टूबर 2020 को "एंटीबायोटिक प्रतिरोध: नवीनीकृत लड़ाई" पर एम्स-एसएम 2020 वेबिनार में पैनलिस्ट।

22 मई 2020 को कोविड-19 पर वेबिनार में "डिकोडिंग कोविड -19 परीक्षण के तौर-तरीके: नैदानिक और चिकित्सकीय पहलू और नए सामान्य की ओर बढ़ना" पर व्याख्यान दिया।

15 मई 2020 को "कोविड -19 प्रबंधन में उभरते सबूतों को अपनाना" पर वेबिनार में पैनलिस्ट।

आईएमएण दिल्ली चैप्टर के त्रैमासिक वेबिनार में 22 मई 2020 को "कॉफी विद कोविड-19 विशेषज्ञों-कोविड पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न" में पैनलिस्ट।

डॉ. विकास मनचंदा

कोविड के बाद के समय में डायग्नोस्टिक स्टीवर्डशिप। ईमाइक्रोकॉन 2020, दिसंबर 2020।

माइक्रोबायोलॉजी में एआई: एमएमसी अनुभव, ईमाइक्रोकॉन 2020, दिसंबर 2020।

रीयल टाइम पीसीआर में मूल बातें। ईमाइक्रोकॉन 2020, दिसंबर 2020।

रीयल टाइम पीसीआर में विश्लेषण और समस्या निवारण। ईमाइक्रोकॉन 2020, दिसंबर 2020।

संक्रामक रोगों का आणविक निदान, पीसीएनआई, आईएपी, नवंबर 2020

डॉ. रोहित चावला

परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) और भारतीय उद्योग परिषद (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से 9 अक्टूबर, 2020 को माइक्रोबियल डिटेक्शन एंड क्वांटिफिकेशन: वर्चुअल नेशनल लेबोरेटरी कॉन्क्लेव के दौरान मूल से परे तक: आणविक परीक्षण प्रयोगशालाओं पर केंद्रित, क्यूपीसीआर आयोजित किया गया।

20.10.2020 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के अंतर्गत एचआईवी मेडिसिन कार्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीआईवीएम) करने वाले छात्रों के लिए "एचआईवी: वायरलॉजी एंड पैथोजेनेसिस" पर ऑनलाइन सत्र।

27.10.2020 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के अंतर्गत एचआईवी मेडिसिन कार्यक्रम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीआईवीएम) करने वाले छात्रों के लिए "एचआईवी संक्रमण और पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस का प्रयोगशाला निदान" पर ऑनलाइन सत्र।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से हेल्थकेयर वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम में सर्टिफिकेट कोर्स(सीएचसीडब्ल्यूएम) करने वाले छात्रों के लिए 07.12.2020 को "हाथ की स्वच्छता", "व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण", "पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस", "शार्प हैंडलिंग एंड मिटिगेशन" और "अपशिष्ट जल का उपचार और उपचार" पर ऑनलाइन सत्र।

डॉ. प्रभाव अग्रवाल

8 दिसंबर 2020 को डब्ल्यूएचओनेट पर प्रीकॉन्फ्रेंस वर्कशॉप के लिए ऑनलाइन मॉडरेटर।

8 से 11 दिसंबर 2020 तक आईएमएम के पहले वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस में (पैनल चर्चा: सीएलएसआई 2020: 2021 में हम क्या उम्मीद कर सकते हैं) सत्र के लिए ऑनलाइन मॉडरेटर।

डॉ. ओवेस सिद्दीकी

मॉडरेटर और एक वक्ता के रूप में डॉ. ओवेस सिद्दीकी के साथ 8 दिसंबर 2020 को "आरटीपीसीआर के बुनियादी सिद्धांत, (आईएमएम ई-माइक्रोकॉन2020)" पर एक ऑनलाइन सीएमई कार्यशाला आयोजित की गई थी।

ऑनलाइन मॉडरेटर के रूप में डॉ. ओवेस सिद्दीकी के साथ आणविक निदान पर एक ऑनलाइन विद्यार्थी संगोष्ठी: व्यावहारिक पहलू (आईएमएम ई-माइक्रोकॉन2020)" 11 दिसंबर 2020 को आयोजित किया गया था।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

भारत में 1-35 महीने के बच्चों में निमोनिया और न्यूमोकोकल कैरिज परिणामों पर न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) के प्रभाव का मूल्यांकन - निमोनिया अनुसंधान और वैक्सीन इम्पैक्ट लीग (पीआरआईवीआईएल) परियोजना। आईवीएसी, जेएचयू, यूएसए के सहयोग से फांडजर द्वारा वित्त पोषित। (परियोजना समन्वयक डॉ. विकास मनचंदा के साथ बहु-स्थल परियोजना)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आईआई) आधारित सूचना प्रसार प्रणाली (जून 2020 की शुरुआत) का उपयोग करके विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने को बढ़ाने के लिए "एमएमसी कोविड सूचना पोर्टल" का विकास। (परियोजना समन्वयक डॉ. विकास मनचंदा के साथ बहु-स्थल परियोजना)

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई का सामने से नेतृत्व किया है। कोविड-19 आरटीपीसीआर प्रयोगशाला 5 दिनों के रिकॉर्ड समय में स्थापित की गई थी और परीक्षण 29 मार्च को शुरू हुआ था। कोविड - 19 के लिए आरटी-पीसीआर द्वारा 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक 65, 803 नमूनों को संसाधित किया गया था। एमएमसी कैंपस में स्थित अस्पतालों के अलावा, जिला निगरानी केंद्रों, सीएनबीसी, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी, अरुणा आसफ अली अस्पताल और आईएचबीएस को आरटीपीसीआर डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान की गईं। प्रयोगशाला को दक्षिण पश्चिम, उत्तर पूर्व, दक्षिण और मध्य जिलों के संग्रह केंद्रों से भी नमूने मिले।

एमएमसी के एंटीजन किट सत्यापन केंद्र ने कोविड 19 के लिए दो किटों को मान्य किया है।

कोविड-19 आरटीपीसीआर के लिए इंटर लैब गुणवत्ता केंद्र में 60 से अधिक केंद्र जुड़े हुए हैं और 1000 से अधिक नमूनों की पुष्टि की गई है।

विभाग को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के तत्वावधान में कोविड-19 के लिए राज्य-व्यापी सामुदायिक सीरोसर्वे के समन्वय के लिए विभाग को नोडल केंद्र के रूप में नामित किया गया था। सीरोसर्वे के कुल तीन राउंड आयोजित किए गए। इसके अलावा, विभाग ने एनसीडीसी, दिल्ली द्वारा समन्वित कोविड-19 सामुदायिक सीरोसर्वे में भी भाग लिया। उक्त सीरो-सर्वेक्षण से उत्पन्न डेटा ने समुदाय में सार्स-कोव-2 के जोखिम के आकलन में मदद की।

संकाय सदस्यों को शहर भर के विभिन्न केंद्रों पर रैपिड रिस्पांस टीमों, सीबीएनएटी और ड्रुनाट परीक्षण के मूल्यांकनकर्ताओं के सदस्यों के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था।

संकाय की संख्या

क्रम.सं.	संकाय का नाम	पदनाम
1	डॉ. सी.पी. बवेजा	उत्कृष्टता के प्रोफेसर
2	डॉ. सोलन सक्लेना	निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख
3	डॉ. विकास मनचंदा	प्रोफेसर
4	डॉ. रोहित चावला	प्रोफेसर

5	डॉ. प्रभाव अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर
6	डॉ. तनु सागर	सहायक प्रोफेसर
7	डॉ. ओव्स सिद्धिकी	सहायक प्रोफेसर
8	डॉ. प्रिती ठाकुर	सहायक प्रोफेसर

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सार्स-कोव-2 आरएनए के लिए आरटी-पीसीआरपरीक्षण की सुविधा माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एमएएमसी में विकसित की गई थी।

वायरोलॉजी प्रयोगशाला में कोविड-19 के लिए सीरोलॉजिकल परीक्षण की सुविधा विकसित की गई थी।

नई सुविधा- श्वसन वायरस (21 रोगजनकों - इन्फ्लुएंजा ए वायरस; इन्फ्लूएंजा ए (एच 1 एन 1) वायरस (स्वाइन-वंश); इन्फ्लूएंजा बी वायरस; मानव राइनोवायरस; मानव कोरोनावायरस एनएल63, 229ई, ओसी43 और एचकेयू1; मानव पैरेनफ्लूएंजा वायरस 1, 2, 3 और 4; मानव मेटान्यूमोवायरस ए/बी; मानव बोकावायरस; मानव श्वसन सिंकिटियल वायरस ए/बी; मानव एडेनोवायरस; एंटरोवायरस; मानव पारेकोवायरस और माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया के लिए पीसीआर।

नई सुविधा- वायरल मैनिंजाइटिस (हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस 1, हरपीज सिम्प्लेक्स वायरस 2, मम्प्स वायरस, वैरीसेला जोस्टर वायरस, एंटरोवायरस और पारेकोवायरस) के लिए पीसीआर

नई सुविधा- बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस (एस. निमोनिया, एन. मेनिंगिटिस, एच. इन्फ्लूएंजा) के लिए पीसीआर

नई सुविधा- सीएमवी, ईबीवी, एचएसवी 1 और 2 के लिए पीसीआर

विभाग में स्वचालित न्यूक्लिक एसिड एक्सट्रैक्शन सिस्टम, रीयल टाइम पीसीआर मशीन, गेल्डोक और -80 और -20 सी रेफ्रिजरेटर जैसे कई उपकरण जोड़े गए।

सूक्ष्म जीव-विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

डॉ. एन.पी. सिंह

वायरल रिसर्च डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (VRDL) राज्य स्तर के प्रधान अन्वेषक।

जून, 2020 से उन्नत वायरोलॉजी प्रयोगशाला और कोविड-19 परीक्षण केंद्र की स्थापना की गई।

डॉ.क्टरों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारियों के लिए कोविड-19 की बुनियादी बातों के संबंध में नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें पीपीई का दान, डोफिंग, नमूना का संग्रह और परिवहन और संक्रमण रोकथाम नियंत्रण प्रथाओं और कोविड -19 जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान शामिल है।

गुणवत्ता नियंत्रण और आगे के विश्लेषण के लिए राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशालाओं को नमूने भेजने के लिए आरटीपीसीआर नमूनों में नियमित भागीदारी।

म्यूकरमायकोसिस परीक्षण प्रयोगशाला शुरू की और तत्काल आधार पर परीक्षण समर्थन और रिपोर्टिंग में वृद्धि की।

स्टाफ विद्यार्थी सलाहकार

अध्यक्ष, उपकरण रखरखाव समिति, यूसीएमएस

बीएचयू, केजीएमयू, टीएमयू, चिकित्सा विज्ञान सरकारी संस्थान, ग्रेटर नोएडा जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों में संकाय चयन और पीएच.डी. थीसिस के लिए साक्षात्कार आयोजित किया।

नियमित आधार पर उपकरणों (स्वचालित न्यूक्लिक एसिड एक्सट्रैक्टर, आरटीपीसीआर मशीन और अन्य कोविड संबंधित उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों) की खरीद का प्रबंधन करना।

डॉ. शुक्ला दास

आईसीएमआर के लिए आरटी-पीसीआर/वीआरडीएल लैब के नोडल अधिकारी। विभाग ने जुलाई 2020 से कोविड-19 रोगियों के परीक्षण के लिए आरटीपीसीआर प्रयोगशाला की स्थापना की। We were instrumental in हम सभी कर्मचारियों को तैयारी, पीपीई शिष्टाचार, मानक सावधानियों में एचसीडब्ल्यू को प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। हम सीरोलॉजिकल मार्कर: आईएल 6, फेरिटिन, पीसीटी में सहायता प्रदान कर रहे थे

म्यूकोर्मिकोसिस प्रयोगशाला के लिए नोडल अधिकारी की स्थापना की गई और जीटीबीएच में भर्ती मरीजों को चौबीसों घंटे सेवा प्रदान की गई।

एमआरयू/सीआरएल, यूसीएमएस और जीटीबीएच के नोडल अधिकारी।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. एन.पी. सिंह को दिल्ली विधान परिषद द्वारा कोविड योद्धा के रूप में प्रशंसा प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया।

डॉ. शुक्ला दास को दिल्ली विधान परिषद द्वारा कोविड योद्धा के रूप में प्रशंसा प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया।

डॉ. कीर्ति निर्मल ने माइक्रोकॉन 2021 सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया, इसे 26-28 मार्च को "विभिन्न नैदानिक नमूनों से पृथक कैंडिडा की पहचान के लिए हाईक्रोम कैंडिडा डिफरेंशियल एगर का प्रदर्शन" विषय पर आनलाइन आयोजित किया गया था।

डॉ. चारु जैन को दिल्ली विधानसभा से कोविड-19 योद्धा के रूप में काम करने के लिए मान्यता का प्रमाण शोध मिला

प्रकाशन

एस.सिंह, आर.साहा, ए. सुनेजा, एस. दास और एन.पी. सिंह, (2020). प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में योनिशोथ: उत्तर भारत से अस्पताल आधारित अध्ययन। ईस्टर्न जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 44-47.

ए.शर्मा, डी.बिष्ट, एस. दास, जी. राय, एस.दत्त और वी.के. अरोड़ा, (2020). निचले श्वसन पथ के संक्रमण वाले रोगियों के थूक में एस्पेरगिलस का आणविक पता लगाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड बेसिक मेडिकल रिसर्च, 10(2), 86.

एस.सौथालिया, पी. अग्रवाल, एस. दास, पी. शर्मा, आर. शर्मा और एस. सिंह, (2020). एरोबिक योनिशोथ - योनि स्राव का एक अल्प निदान कारण - कथा समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एसटीडी एंड एड्स, 31(11), 1018-1027.

टी. सिंह, एस.ए. डार, एस.सिंह, सी.शेखर, एस.वानी, एन.अख्तर, ... और एस. दास, (2021). बच्चों में डायरियाजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई में इंटीग्रॉन मध्यस्थता रोगाणुरोधी प्रतिरोध: इन विट्रो और सिलिको विश्लेषण में। माइक्रोबियल पैथोजेनेसीस, 150, 104680.

के. स्नेहा, टी. सिंह, एस.ए. डार, एस.हक, वी.जी.रामचंद्रन, आर.साहा, ... और एस. दास, (2021). एक्यूट डायरिया वाले बच्चों में विशिष्ट और असामान्य एंटरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई: पूर्वी दिल्ली में बदलते रुझान। बायोमेडिकल जर्नल, 44(4), 471-478.

जी. राय, एस. दास, एम.ए. अंसारी, पी.के.सिंह, एस.ए. डार, एस.हक, ... और एस. शर्मा, (2020). एस्परगिलस फ्लेवस में टीएलआर -2 अभिव्यक्ति और विकृत मानव ट्रेग / टीएच17 फेनोटाइप, नाक के पॉलीपोसिस के साथ क्रोनिक राइनोसिनिटिस के संक्रमित रोगी। माइक्रोबियल सेल फैक्टरीज, 19(1), 1-11.

ए. चक्रवर्ती, पी.सूद, एस.एम.रुद्रमूर्ति, एस.चेन, जे.जिल्विन, आर.अय्यर, ... और सिंहम कैंडिडिमिया नेटवर्क। (2020). भारत में आईसीयू-अधिग्रहित कैंडिडिमिया के साथ बाल रोगियों की मृत्यु दर के लक्षण, परिणाम और जोखिम कारक: एक बहुकेंद्रीय संभावित अध्ययन। मायकोसेस, 63(11), 1149-1163.

जे.सैनी, बी.वंदयोपाध्याय, ए.डी.पांडे, वी.जी.रामचंद्रन, एस. दास, वी.सूद, ... और व्रती, एस. (2020). प्लाज्मा नमूनों के उच्च-थ्रूपुट आरएनए अनुक्रमण विश्लेषण से डेंगू रोग की प्रगति में बायोमार्कर क्षमता वाले माइक्रोआरएनए हस्ताक्षरों का पता चलता है। एमएस सिस्टम्स, 5(5), e00724-20.

एस.दत्त, एस. दास, एम.ए. अंसारी, आर. शर्मा, टी.दत्त और एस.एन. भट्टाचार्य, (2021). ट्राइकोफॉइटन मेंटोग्रॉफॉइट्स में प्रोटीज और गैर-प्रोटीज जीन की जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग क्यूआरटी-पीसीआर विश्लेषण द्वारा डर्माटोफॉइटिस रोगियों से अलग करती है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 11(1), 1-10.

एस.दत्त, एस. दास, एम.ए. अंसारी, आर. शर्मा, टी.दत्त, और एस.एन. भट्टाचार्य, (2021). ट्राइकोफॉइटन मेंटोग्रॉफॉइट्स में प्रोटीज और गैर-प्रोटीज जीन की जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग क्यूआरटी-पीसीआर विश्लेषण द्वारा डर्माटोफॉइटिस रोगियों से अलग करती है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 11(1), 1-10.

बी. सक्सेना, वीजी रामचंद्रन, आर साहा, शाह डी. (2020). एमएमआर टीकाकरण और वैक्सीन भोले बच्चों में एलिसा रिएक्टिव मम्प्स आईजीजी का निर्धारण: एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी। इंडियन पेडिटर., 58: 137-139.

ए. कपूर, और आर साहा, (2020). कोरोनावायरस (कोविड-19) के प्रकोप के समय में हाथ धोने वाले एजेंट और सतह के कीटाणुनाशक। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ, 32.

एस.सिंह, आर.साहा, ए. सुनेजा और एस. दास, (2020). ट्राइकोमोनिएसिस की व्यापकता और विभिन्न नैदानिक तकनीकों की सटीकता के मूल्यांकन पर एक अस्पताल-आधारित अध्ययन। ट्रॉपिकल पैरासाइटोलॉजी, 10(2), 124.

एस.सिंह, आर.साहा, ए. सुनेजा, एस. दास, और एन.पी. सिंह, (2020). प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में योनिशोथ: उत्तर भारत से अस्पताल आधारित अध्ययन। इस्टर्न जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 44-47.

बी. कश्यप, एन. गोयल और ए. प्रकाश, (2020). कोविड निदान: क्या हमारे पास वर्तमान और अप्रत्याशित के लिए पर्याप्त आयुध है? इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 11(3), 117.

एन. गोयल, ए.शर्मा, पी. लूंबा, बी. मिश्रा और ए. ठाकुर, (2020). तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोरोनावायरस रोग 2019 इन्फेक्शन परीक्षण के विभिन्न चरणों के दौरान त्रुटियों का मूल्यांकन। इस्टर्न जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 79-83.

एन. गोयल, बी. कश्यप, पी.हंकी, एन. पी. सिंह, ए. खन्ना, (2021). एक तृतीयक देखभाल अस्पताल से रिफैम्पिसिन प्रतिरोधी ट्यूबरकुलर मामलों में एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ विश्लेषण में औसत और निम्नतम चक्र थ्रेशोल्ड स्तरों की तुलनात्मक नैदानिक सटीकता और लापता जांच की आणविक महामारी विज्ञान। पर्सपेक्टिव मेड रिसर्च।

एन. गोयल, पी. लूंबा, ए.शर्मा, बी. मिश्रा और ए. ठाकुर, (2021). क्या हम इस अंतहीन कोविड-19 महामारी में सतर्क रहने से थक गए हैं: उत्तर निर्धारित करने के लिए तृतीयक देखभाल केंद्र के एचसीडब्ल्यू में केएपी अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड केयर, 8(1), 19-28.

अध्याय

बी. कश्यप, डी. ए., गोयल, एन. (2020), आब्सटेट्रिक सेप्सीस। रिसेंट एडवान्स इन आब्सटेट्रिक्स एंड गायनाकोलाजी (74-83).

शोध परियोजनाएं

डॉ. एन. पी. सिंह

'न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) की शुरुआत के प्रभाव को समझने के लिए भारत में न्यूमोकोकल मेनिन्जाइटिस के लिए प्रयोगशाला निगरानी को सुदृढ़ बनाना' शीर्षक परियोजना में प्रमुख अन्वेषक।

तृतीयक देखभाल अस्पताल में नवजात सेप्टिसीमिया इंटेन्सिव नवजात शिशुओं का माइक्रोबायोलॉजिकल और क्लिनिकल प्रोफाइल। वित्तपोषक एजेंसी: शून्य, वर्ष 2021 से 2022, स्वीकृत राशि: शून्य, नैतिक समिति के अनुमोदन के अंतर्गत।

"ब्रोथ माइक्रोडायल्यूशन और रैपिड पॉलीमीक्सिन एनपी टेस्ट द्वारा कोलिस्टिन प्रतिरोध का तुलनात्मक मूल्यांकन और आईसीयू रोगियों के रक्त और निचले श्वसन पथ के नमूनों से मल्टीड्रग प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरल आइसोलेट्स के बीच एमसीआर जीन वितरण का प्रसार" परियोजना में प्रमुख अन्वेषक।

डॉ. कीर्ति निर्मल

वित्तपोषक एजेंसी: एमआरयू के माध्यम से, वर्ष- 2021 to 2022.

शीर्षक: टीएलआर1, टीएलआर2 और टीएलआर4 और इसमें एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता

आवर्तक वल्वोवागिनल कैंडिडिआसिस के लिए संवेदनशीलता के साथ संबंध।

स्वीकृत राशि: निश्चित नहीं

नैतिक समिति की मंजूरी के अंतर्गत

वित्त पोषक एजेंसी: शून्य

वर्ष - 2021 से 2022

शीर्षक: एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में नवजात सेप्टिसीमिया इंटेन्सिव नवजात शिशुओं का माइक्रोबायोलॉजिकल और क्लिनिकल प्रोफाइल।

स्वीकृत राशि: शून्य

नैतिक समिति की मंजूरी के अंतर्गत

डॉ. चारु जैन

'न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) की शुरुआत के प्रभाव को समझने के लिए भारत में न्यूमोकोकल मेनिन्जाइटिस के लिए प्रयोगशाला निगरानी को सुदृढ़ बनाना' शीर्षक परियोजना में सह-पीआई

डॉ. निशा गोयल

ब्रोथ माइक्रोडायल्यूशन और रैपिड पॉलीमीक्सिन एनपी टेस्ट द्वारा कोलिस्टिन प्रतिरोध का तुलनात्मक मूल्यांकन और आईसीयू रोगियों के रक्त और निचले श्वसन पथ के नमूनों से मल्टीड्रग प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरल के बीच एमसीआर जीन वितरण की व्यापकता।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. एन.पी. सिंह

27.1.2021 को कोविड-19 में सह-संक्रमण के लिए नैदानिक एल्गोरिदम पर आईएमएम कार्यशाला (दिल्ली चैप्टर) आयोजित की गई।

डॉ. शुक्ला दास

सीआरएल/एमआरयू में यूसीएमएस और जीटीबीएच के 30 संकाय सदस्यों के लिए सीआरएल/एमआरयू में आरटीपीसीआर पर कार्यशाला का आयोजन: 10.3.2021: नैदानिक अनुसंधान में आरटीपीसीआर तकनीकों के अनुप्रयोग।

मार्च 2021 में 25 लैब तकनीशियनों के लिए आईसीटीसी एचआईवी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

आयोजित सम्मेलन

कोविड-19 में सह-संक्रमण के लिए नैदानिक एल्गोरिदम" पर वित्तपोषक एजेंसी के समर्थन से 28 जनवरी 2021 को आईएमएम दिल्ली चैप्टर का 12 वां वार्षिक सम्मेलन, वर्चुअल माइक्रो-डी-कॉन।

02.02.2021 को एचआईवी-यूनिट, वायरोलॉजी अनुभाग, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित एचआईवी-परीक्षण प्रयोगशाला नेटवर्क का अवलोकन।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का पहले वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस, ई-माइक्रोकॉन 2020 में "सर्जिकल साइट इंफेक्शन- बेसिक्स एंड केस स्टडीज"। (8 से 11 दिसंबर, 2020)

02.2020 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित "2019 कोरोना वायरस: एक अपडेट"।

एचआईवी-यूनिट, वायरोलॉजी सेक्शन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिलशाद गार्डन द्वारा 03.02.2020 को एचआईवी के लिए बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएस) पर एचआईवी संक्रमण का सीरो निदान।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का पहला वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस- ई-माइक्रोकॉन (2020)। (8 से 11 दिसंबर, 2020)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. कीर्ति निर्मल

26-28 मार्च को "विभिन्न नैदानिक नमूनों से पृथक कैडिडा की पहचान के लिए हाईक्रोम कैडिडा डिफरेंशियल एगर का प्रदर्शन" विषय पर आयोजित वर्चुअल माइक्रोकॉन 2021 सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

28 से 30 जनवरी 2021 को आयोजित आईएमएम दिल्ली चैप्टर के 12वें वार्षिक सम्मेलन- वर्चुअल माइक्रो-डी-कॉन में "एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोविड -19 के निदान के लिए आठ आरटी-पीसीआर किट की तुलना" पोस्टर प्रस्तुति।

डॉ. चारु जैन

26 से 28 मार्च 2021 को माइक्रोकॉन-2021 का आयोजन।

4-5 मार्च 2021 को एम्स- एसएम 2021 द्वारा एनारोबिक फोरम इंडिया-2021 का आयोजन।

10 मार्च 2021 को यूसीएमएस और जीटीबीएच के एमआरयू में क्लिनिकल रिसर्च में आरटीपीसीआर तकनीक के अनुप्रयोग।

26 से 28 मार्च 2021 को आयोजित माइक्रोकॉन-2021 में 'कोरोनावायरस रोग से जुड़े पल्मोनरी एस्पिरिलोसिस' पोस्टर प्रस्तुति।

10 मार्च 2021 को यूसीएमएस और जीटीबीएच के एमआरयू में क्लिनिकल रिसर्च में आरटीपीसीआर तकनीक के अनुप्रयोग।

14-15 सितंबर (2020), 2-3 नवंबर (2020), 14-15 दिसंबर (2020) को एमईएलएपी द्वारा लैब और रोगी सुरक्षा सहित कोविड-19 आणविक जीव विज्ञान का आयोजन।

एचआईवी आईसीटीसी यूसीएमएस पर कार्यशाला में व्याख्यान।

डॉ. निशा गोयल

एचआईवी-यूनिट, वायरोलॉजी सेक्शन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिलशाद गार्डन द्वारा 03.02.(2020) को "एचआईवी के लिए बाहरी गुणवत्ता आकलन योजना (ईक्यूएस) पर एचआईवी संक्रमण का सीरो निदान" का आयोजन।

"कोरोना वायरस: क्या हम मार्च को रोक सकते हैं?" इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर, द्वारा 10 फरवरी 2020 को माइक्रो-डी-कॉन (2020) का आयोजन।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिलशाद गार्डन द्वारा 20.02.2020 को "2019 कोरोना वायरस: एक अपडेट" का आयोजन। (पृष्ठ 12 का 8)

विश्व सेप्सिस दिवस, (2020) इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट दिल्ली चैप्टर द्वारा 11 और 12 सितंबर, 2020 को वर्चुअल मीट - माइक्रो-डी-कॉन (2020) का आयोजन।

25 मई, 2020 को यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिलशाद गार्डन द्वारा "कोविड-3 के समय में हेल्थकेयर डिलीवरी-अपनी सुरक्षा कैसे करें?" का आयोजन।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट - दिल्ली चैप्टर द्वारा 28 से 30 मई, 2020 को आयोजित माइक्रो-डी-कॉन -2020 में "कॉफी विद कोविड-19 विशेषज्ञ- एफएक्यू ऑन कोविड"।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा 8-11 दिसंबर 2020 को आयोजित ई-माइक्रोकॉन में "वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी के साथ आगे बढ़ना"

22 मई 2021 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट द्वारा "कोविड के बाद टाइटन्स का उदय" का आयोजन।

22 मई 2021 को क्लिनिकल इन्फेक्शियस डिजीज सोसाइटी द्वारा आयोजित "कोविड-19 पर सीआईडीएस वेबिनार"।

मई 2021 को "पॉइंट्स टू पॉन्डर- एंटीमाइक्रोबियल्स इन पीडियाट्रिक सेप्सिस"

4-5 मार्च 2021 को एनारोबिक फोरम इंडिया 2021 एम्स-एसएम द्वारा "एनारोबेस: मिलेनियम के सूक्ष्मजीव" का आयोजन।

जून 2021 को "उत्परिवर्ती उपभेदों-प्रसार, पैमाने और पौरुष। आपका आरटी-पीसीआर टेस्ट कितना सही है?" का आयोजन।

8 से 11 दिसंबर, 2020 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का पहला वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस, ई-माइक्रोकॉन (2020) में "सर्जिकल साइट इन्फेक्शन- बेसिक्स एंड केस स्टडीज"।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. शुक्ला दास-नेशनल कैंडिडेमिया नेटवर्क विद डिपार्टमेंट माइक्रोबायोलॉजी पीजीआईएमईआर चंडीगढ़: 2021-2022

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी - 03

संकाय की संख्या: 9

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

डॉ. शुक्ला दास

27 मई (2020) को यूसीएमएस और जीटीबीएच: वैक्सीन की भूमिका द्वारा आयोजित कोविडप्रेषन पर एक वक्तव्य दिया।

अगस्त, सितंबर (2020) में "मेडिकल एजुकेशन लर्निंग पॉइंट" के अंतर्गत ऑनलाइन आरटीपीसीआर ट्रेनिंग कार्यशाला आयोजित की गई।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट, इंडिया के अंतर्गत दिसंबर (2020) में स्पीकर फंगल आइडेंटिफिकेशन के रूप में आमंत्रित किया गया।

सूक्ष्म जीव-विज्ञान (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट का माइक्रोबायोलॉजी विभाग डायग्नोस्टिक्स, टीचिंग और रिसर्च में सक्रिय रूप से शामिल है। बैक्टीरियोलॉजी, एनारोबिक बैक्टीरियोलॉजी, माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी, वायरोलॉजी और माइकोलॉजी से संबंधित कई नैदानिक परीक्षण किए जा रहे हैं। रोगजनकों की पहचान के लिए उच्च कोटि की सुविधाएं उपलब्ध हैं। एम. ट्यूबरकुलोसिस आइसोलेट्स सहित बैक्टीरियल रोगजनकों की दवा प्रतिरोध प्रोफाइलिंग और आणविक लक्षण वर्णन और टाइपिंग में अनुसंधान, नई नैदानिक तकनीकें सक्रिय रूप से अपनाई जाती हैं। विभाग दिल्ली की आबादी में कोविड-19 की सीरो-निगरानी में भी शामिल है।

मेडिकल माइकोलॉजी डिवीजन दिल्ली में संस्थान और अन्य अस्पतालों को नैदानिक सेवाएं प्रदान करता है। यह कैंडिडा, ट्राइकोफाइट्स एसपीपी, और एस्परगिलस फ्यूमिगेटस आदि जैसे विभिन्न मानव रोगजनक कवक प्रजातियों पर अनुसंधान भी कर रहा है। वायरोलॉजी विभाग (एच1एन1) जैसे श्वसन वायरस और कोरोना वायरस परीक्षण के निदान में सक्रिय रूप से शामिल है। शोध में इन्फ्लूएंजा और डेंगू वायरस के विरुद्ध पुनः संयोजक टीका और इन्फ्लूएंजा और चिकनगुनिया वायरस के रोगजनन शामिल हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रो. मालिनी शरीफ

कोविड के सीरोसर्वेक्षण के लिए नामित

द इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज के संपादकीय मंडल की सदस्य।

मालिनी शरीफ, ज्योति चौधरी और किरण बेरी को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए पीके पिल्लई आईएमएम दिल्ली चैंप्टर पुरस्कार प्रदान किया गया। आईसीयू रोगियों में ग्राम-नकारात्मक जीवाणु संक्रमण: आईएमएम दिल्ली चैंप्टर का दो वर्षीय अध्ययन, का 12वां वार्षिक सम्मेलन, 28 से 30 जनवरी, 2021 तक।

प्रो. मंदिरा वर्मा तुलसी आचार समिति, राजनबाबू पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस संस्थान की सदस्य हैं।

प्रो. मधु खन्ना : वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली (वायरोलॉजी यूनिट) को कोविड-19 परीक्षण केंद्र के रूप में नामित किया गया है। प्रो. मधु खन्ना इकाई की प्रभारी हैं

प्रो. अनुराधा चौधरी

निर्वाचित फेलो, भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु, 2021

इलेक्टेड फेलो, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स एंड कीमोथेरेपी, 2021

विश्व विशेषज्ञ- मायकोसेस, एक्सपर्टस्केप का पबमेड-आधारित एल्गोरिदम; 2020

अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता, वेब ऑफ साइंस/क्लारिवेट; 2020

संपादक, जर्नल ऑफ फंगी। "स्पेशल इश्यू-कैंडिडा ऑरिस वी2" 2020

अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटियों में विशेषज्ञ

नैदानिक और प्रयोगशाला मानक संस्थान (सीएलएसआई) एंटीफंगल उपसमिति की विशेषज्ञ सदस्य, जनवरी, 2021.

यूरोपीयन फंगल संक्रमण अध्ययन समूह (ईएफआईएसजी), यूरोपियन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज, 2020 की कार्यकारी परिषद के सदस्य।

सचिव, विरल मोल्ड संक्रमण के निदान और प्रबंधन के लिए वैश्विक दिशानिर्देश के विकास के लिए यूरोपीय संघ चिकित्सा माइक्रोलॉजी (ईसीएमएम)

सम्मेलन के अध्यक्ष

सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज साउथ कैपस यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली द्वारा 11 और 12 मार्च, 2021 को ऑनलाइन आयोजित "कोविड 19 और भारत और कनाडा में शहरी स्थिरता के मुद्दे" पर सम्मेलन में 'सार्वजनिक स्वास्थ्य में अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण' सत्र।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित अध्यक्ष

"कैंडिडा ऑरिस: क्या यह उभरता हुआ रोगजनक अभी भी एक वैश्विक चिंता है", इनफोकस, 17-24 अक्टूबर, 2020 लैटिन अमेरिकी फोरम ऑफ फंगल इन्फेक्शन्स इन क्लिनिकल प्रैक्टिस पर व्याख्यान दिया गया।

प्रकाशन: कुल: 23

एम.सी. अरेन्ड्रप, के.एम. जॉर्गेन्सन, आर.के. हरे और ए चौधरी, (2020). कैंडिडा ऑरिस आइसोलेट्स के विरुद्ध इब्रेक्साफंगरप (एससीवाई-078) की विट्रो गतिविधि में ईयूसीएसटी पद्धति द्वारा निर्धारित सी. एल्बिकैंस और सी. ग्लाब्रेटा के विरुद्ध गतिविधि और छह तुलनित्र एजेंटों की गतिविधियों के साथ तुलना। एंटीमाइक्रोबायोल एजेंट एंड कीमोथेरेपी, 64(3), e02136-19.

एम.सी.अरेन्ड्रप, के.एम.जॉर्गेन्सन, गिनी, जे., लैंगो, के., क्रिस्संथौ, ई., हेयेट, एम.पी., ... और मेलेटियाडिस, जे. (2020). माइक्रोकोनिडिया बनाने वाले डर्माटोफाइट्स के एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण के लिए एक ईयूसीएसटी विधि का बहुकेंद्रीय सत्यापन। जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबायोल केमोथेरेपी, 75(7), 1807-1819.

एम. सी. अरेन्ड्रप, ए. चौधरी, के.एम.जॉर्गेन्सन और जे.मेलेटियाडिस, (2020). कैंडिडा आउरिस के विरुद्ध इन विट्रो गतिविधि में मेनोजिपिक्स (एपीएक्स001ए): ईयूसीएसटी और सीएलएसआई एमआईसी: सिर से सिर की तुलना। एंटी माइक्रोबायोल एजेंट्स एंड केमोथेरेपी, 64(10), e00656-20.

के. भट्टाचार्य, वी. नेमयश, एम. जून, आर. प्रताप, एम.वर्मा-तुलसी, एम. बोस और वी. ब्रह्मचारी, (2020). एम. ट्यूबरकुलोसिस के बहु-औषधि प्रतिरोधी क्लिनिकल आइसोलेट में जीनोम विश्लेषण और प्रायोगिक सत्यापन के माध्यम से एकल न्यूक्लियोटाइड विविधताओं के साथ दवा प्रतिरोध का सहसंबंध। बीएमसी माइक्रोबायोलॉजी, 20(1), 1-14.

ए. एल. बिडाउड, ई.जेनोटिन, एफ. बाटरल, ए. चौधरी और ई. डानोई (2020). कोलिस्टिन कैंडिडा ऑरिस के विरुद्ध इचिनोकेन्डिन्स के साथ सहक्रियात्मक रूप से बातचीत करता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबायोल एजेंट्स, 55(3), 105901.

एम. ब्रूनो, एस. केस्टन, जे.एम. बैन, एम. जैगर, डी. रोसाती, एम.डी. क्रुपा ... और एम.जी. नेटिया, (2020). उभरते कवक रोगजनक कैंडिडा ऑरिस के विरुद्ध मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में ट्रांसक्रिप्शनल और कार्यात्मक अंतर्दृष्टि। नेचर माइक्रोबायोलॉजी, 5(12), 1516-1531.

वर्षा चौहान, कमल श्रीवास्तव, साक्षी आनंद, चंचल कुमार, अनुप्रिया सिंह और मंदिरा वर्मा बलसी। "माइक्रोबैक्टीरियम सिमिया का ड्राफ्ट जीनोम अनुक्रम, सामान्य मानव मौखिक गुहा से पृथक्कृत एक संभावित रोगजनक।" माइक्रोबायोलॉजी रिसोर्स अनाउन्समेंट्स 9, सं. 46 (2020): e01185-20.

ए. चौधरी, बी.तराई, ए. सिंह और ए. शर्मा, (2020). कोरोनावायरस रोग के गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी कैंडिडा ऑरिस संक्रमण, भारत, अप्रैल-जुलाई 2020। इमर्जिंग इन्फेक्शियस डिजीजेज, 26(11), 2694.

ए. चौधरी, के. शारदा, पी.के.सिंह, डी.के. भगवानी, एन. कुमार, टी. डी गूट और जे.एफ. मीस, (2020). भारत की एक नवजात गहन देखभाल इकाई में डर्कमीया चुराशिमेन्सिस फंगमिया का प्रकोप। इमर्जिंग इंफेक्सियस डिजीजेज, 26(4), 764.

ए. चौधरी, जे.बी.स्टिलो, जी. उपाध्याय, पी. के. सिंह, ए. सिंह, और जे.एफ. मीस, (2020). कैंडिडा ब्लैकी: दिल्ली, भारत में नवजात शिशुओं में कवकनाशी के प्रकोप में एक उभरता हुआ खमीर। क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शन, 26(5), 648-e5.

बी.दहिया, एस. शर्मा, ए. खान, ई. कामरा, मोर, पी., श्योराण, ए., ... और पी.के. मेहता, (2020). गोल्ड नैनोपार्टिकल-आधारित रीयल-टाइम इम्यूनो-पीसीआर द्वारा तपेदिक रोगियों में माइक्रोबैक्टीरियल सीएफपी-10 (आरवी3874) प्रोटीन का पता लगाना। फ्यूचर माइक्रोबायोलॉजी, 15(8), 601-612.

टी. डी गूट, वाई. पुट्स, आई.बेरियो, ए. चौधरी, और जे.एफ. मीस, (2019). कैंडिडा औरिस माइक्रोसेटेलाइट टाइपिंग का विकास और आइसोलेट्स के वैश्विक संग्रह पर इसका अनुप्रयोग। बायोआरxiv, 792663.

एम. गौर, ए. सिंह, वी. शर्मा, जी. टंडन, बोथरा, ए., वासुदेव, ए., ... और वाई सिंह, (2020). पॉसिबैसिलरी ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों में गैर-आक्रामक, मल-आधारित आणविक एसेज का नैदानिक प्रदर्शन। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स, 10(1), 1-8.

एन. गोयल, स्पालगैस, एस., मृगपुरी, पी., खन्ना, एम., मेनन, बी., और कुमार, आर. (2020). दिल्ली, भारत में एक गैर-कोविड तृतीयक फुफुसीय देखभाल केंद्र में कोविड-19 के लक्षण। मोनाल्डी आर्काइव्स फॉर चैस्ट डिजीज, 90(4).

एस. गुप्ता, शरीफ, एम., चतुर्वेदी, जी., ए.शर्मा, एन. गोयल, यादव, एम., ... और चौहान, एन.एस. (2021). सीओपीडी, ईसीओपीडी, सारकॉइडोसिस और आईएलडी रोगियों में वायुकोशीय माइक्रोबायोम का तुलनात्मक विश्लेषण श्वसन संबंधी बीमारियों के विशिष्ट माइक्रोबियल हस्ताक्षर की पहचान करने के लिए। साइटिफिक रिपोर्ट्स, 11(1), 1-11.

हेलेबर्ग, एम., के.एम.जोर्गेन्सन, हरे, आर.के., दत्कू, आर., ए. चौधरी, और अरेन्ड्रप, एम.सी. (2020). समकालीन नॉर्डिक क्लिनिकल कैंडिडा आइसोलेट्स और कैंडिडा औरिस के विरुद्ध इन विट्रो गतिविधि में ईयूसीएसटी द्वारा निर्धारित संदर्भ विधि में रेजाफुंगिन। एंटी माइक्रोबायोल एजेंट्स एंड केमोथैरेपी, 64(4), e02438-19.

काम्बोज, डी., गुप्ता, पी., तुलसी, एम. वी., मोहन, ए., गुलेरिया, आर., भटनागर, ए., ... और मित्रा, डी. के. (2020). आईएफएन- γ + टीएनएफ- α + सीडी4+ टी कोशिकाओं की बहाली के बाद बेहतर माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस निकासी: सक्रिय तपेदिक रोगियों में पीडी-1 निषेध का प्रभाव। यूरोपीयन जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी, 50(5), 736-747.

खन्ना, एम., गौतम, ए., राजपूत, आर., और शर्मा, एल. (2020). कॉक्ससैकीवायरस- प्रेरित मायोकार्डिटिस के उपचार के लिए एक प्रतिमान के रूप में प्राकृतिक उत्पाद। करेंट टापिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 20(8), 607-616.

कुमार, सी., श्रीवास्तव, के., ए. सिंह, शर्मा, एन.के., यादव, जे., और वर्मा-बेसिल, एम. (2020). एमपीबी64 इम्यूनोक्रोमैटोग्राफी विश्लेषण: संदिग्ध परिणामों का विश्लेषण। ट्रॉपिकल डॉक्टर, 50(4), 340-343.

कुमार, एम., हुड्डा, पी., खन्ना, एम., पटेल, यू., और सहगल, डी. (2020). पॉलीप्रोटीन प्रसंस्करण का अध्ययन करने के लिए हेपेटोमा कोशिकाओं में बैकमैम प्रेरित हेपेटाइटिस ई वायरस प्रतिकृति मॉडल का विकास। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 11, 1347.

ए. प्रकाश, सुंदर जी, शर्मा बी, हेगन एफ, मेस जेएफ, ए चौधरी। (2020). मल्टीलोकस माइक्रोसेटेलाइट और मल्टीलोकस सीक्वेंस टाइपिंग का उपयोग करके भारत से क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स के नैदानिक और पर्यावरणीय आइसोलेट्स में जीनोटाइपिक विविधता। मायकोसेस, 2020;63:284-293.

शिवरात्रि, आर., जेनुल, एस., स्टोइबर, ए., चौहान, एम., मजूमदार, आर., ए. सिंह, ... और चौहान, एन. (2020). दो-घटक प्रतिक्रिया नियामक एसएसके1 और माइटोजेन-सक्रिय प्रोटीन किनेज हाॅग1 कैंडिडा ऑरिस के एंटीफंगल दवा प्रतिरोध और सेल दीवार वास्तुकला को नियंत्रित करते हैं। एमस्फीयर, 5(5), e00973-20.

ए. सिंह, शर्मा, बी., महतो, के.के., मीस, जे.एफ., और चौधरी, ए. (2020). भारत में क्रॉनिक पल्मोनरी फंगल डिजीज के मरीजों से एस्पेरगिलस फ्यूमिगेटस में ट्राइजोल रेजिस्टेंस की हाई-फ्रीक्वेंसी डायरेक्ट डिटेक्शन। जर्नल ऑफ फंगी, 6(2), 67.

जर्नल

संपादक/सदस्य संपादकीय मंडल के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या : 04

शोध परियोजनाएं

डॉ. मंदिरा वर्मा बसील, आईसीएमआर (2019-2022) "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस और नॉनट्यूबरकुलस माइकोबैक्टीरिया के बीच अंतर करने के लिए एक तीव्र फेनोटाइपिक विश्लेषण का विकास। 52 लाख।

डॉ. मधु खन्ना, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), रु.37 लाख, ट्रिपल टार्गेटिंग इंजीनियर वायरस: इन्फ्लूएंजा संक्रमण का मुकाबला करने के लिए एक उपकरण।

डॉ. अनुराधा चौधरी: विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग। शीर्षक: क्लोनल ट्राइकोफॉइटन में ट्राइकोफॉइट्स/इंटरडिजिटलिस एसपीपी. कॉम्प्लेक्स में एजोल और टेरबिनाफॉइन प्रतिरोध की जीनोमिक अंतर्दृष्टि उत्तर भारत में डर्मेटोफॉइटिस के इलाज के लिए खतरनाक मुश्किल पैदा कर रही है" स्वीकृत राशि: रु.56, 89400. अवधि: 4 फरवरी 2021 से फरवरी 2024.

डॉ. अनुराधा चौधरी: आईसीएमआर, शीर्षक: कैंडिडा ट्रॉपिकलिस में एजोल प्रतिरोध की खोज: ईआरजी 11 जीन उत्परिवर्तन और एजोल प्रतिरोधी जीनोटाइप का पता लगाना। अवधि: 27-10-2020- 26-10-2023। स्वीकृत राशि: 44, 69640 रुपए।

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन:

11 मार्च, 2021 को एमआरयू के तत्वावधान में वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित "बायोमेडिकल रिसर्च में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दे" पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त आयोजन सचिव, प्रो मंदिरा वर्मा बसील।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रो. मंदिरा वर्मा बसील

27-29 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित माइकोबैक्टीरियोलाॅजी की तीसरी एशियाई अफ्रीकी कांग्रेस में दवा प्रतिरोधी तपेदिक का निदान: एक स्थानिक क्षेत्र में चिंताएं और आइसोनियाज़िड मोनोरेसिस्टेंस के साथ हमारा अनुभव प्रस्तुत किया।

गृह अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24 मार्च 2021 को आयोजित "विश्व टीबी दिवस" के अवसर पर तपेदिक निदान में नए दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

विभाग द्वारा प्रस्तुत पोस्टर

28 से 30 जनवरी, 2021 को आईएमएम दिल्ली अध्याय का 12 वां वार्षिक सम्मेलन में मालिनी शरीफ, ज्योति चौधरी और किरण बेरी द्वारा आईसीयू रोगियों में ग्राम-नकारात्मक जीवाणु संक्रमण: दो वर्ष का अध्ययन।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन:

केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान (केआईएमएस), बेंगलूर के साथ राष्ट्रीय।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां:

सुश्री गायत्री- "एस्चेरिचिया कोलाई के बहु-दवा प्रतिरोधी नैदानिक आइसोलेट्स का फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन"। 16 जनवरी 2021- 15 मई 2021 पर्यवेक्षक: प्रो मालिनी शरीफ।

सुमरेलिउ कामेई, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा। "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के क्लिनिकल आइसोलेट्स में बेडाक्विलाइन प्रतिरोध का फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक निर्धारण"। 16 जनवरी 2020 से 15 मई, 2020। पर्यवेक्षक: प्रो. मंदिरा वर्मा बसील। सुषमा खैदेम, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा। "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के क्लिनिकल आइसोलेट्स में लाइनज़ोलिड प्रतिरोध का फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक निर्धारण"। 16 जनवरी 2020 से 15 मई, 2020। पर्यवेक्षक: प्रो। मंदिरा वर्मा-बसील।

सूरज रावत। ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, देहरादून। "माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के सेल आक्रमण जीन्स की खोज"। 16 जनवरी 2020 से 15 मई, 2020 तक पर्यवेक्षक: प्रो. मंदिरा वर्मा-बसील।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या: 0

संकाय की संख्या : 4

न्यूरोसर्जरी (जीआईपीएमईआर और संबद्ध मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज)

संकाय

डॉ. दलजीत सिंह निदेशक-प्रोफेसर एवं प्रमुख

डॉ. अरविंद के श्रीवास्तव निदेशक-प्रोफेसर

डॉ. अनीता जगेटिया प्रोफेसर

डॉ. हुकुम सिंह प्रोफेसर

डॉ. वाजिद नज़ीर एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. घनश्याम दास सिंघल एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. शाम बोडेलीवाला एसोसिएट प्रोफेसर

छोड़ देने वाले सदस्य शून्य

संकाय में वृद्धि शून्य

प्रोन्नति शून्य

शोध परियोजनाएँ

थीसिस पूरी हुई:

एमवीडी के बाद ट्राइजेमिनल न्यूरोलजिया में सर्जिकल परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक,

ग्लियोमास में तंत्रिका संवंधी कार्यों का आकलन,

ब्रेन ट्यूमर में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मॉनिटरिंग की भूमिका,

सेरेब्रल एन्यूरिज्म में कार्यात्मक और शल्य चिकित्सा परिणाम अध्ययन,

प्रोग्रामेबल शंट से उपचारित एनपीएच में परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक,

न्यूरोसर्जरी के दौर से गुजर रहे जराचिकित्सा रोगियों में एसीएस-एनसीक्यूआईपी स्कोर के सत्यापन का अध्ययन।

चल रही परियोजनाएँ:

एमएएमसी जैव रसायन विभाग, एमएएमसी के साथ ग्लियोमास में पीडीजीएफ आर-ए की भूमिका

थीसिस परियोजनाएँ:

रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के दौर से गुजर रहे मरीजों में कार्यात्मक परिणाम के लिए पैरास्पाइनल स्नायु आकृति विज्ञान का जुड़ाव-एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

सेरेब्रल एन्यूरिज्म के साथ सोक्स 17 जीन का जुड़ाव।

क्रैनियोवर्टेब्रल जंक्शन विसंगति के संचालित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन।

क्लिनिको रेडियोलॉजिकल विशेषताओं का अध्ययन और इंटरवर्टेब्रल डिस्क में इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म परिवर्तनों के साथ इसका संबंध।

सर्जरी के बाद व्हाइट मैटर ट्रैक्ट मॉफोलॉजी और क्लिनिकल परिणाम के साथ इसके संबंध का अध्ययन।

एक्सआरसीसी7 जीन पॉलीमॉर्फिज्म और ग्लियोमा के बीच सहसंबंध का आकलन- एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

अन्य परियोजनाएँ:

मौलाना आजाद, जीएनईसी, जीआईपीएमईआर के विभिन्न विभागों के साथ अंतर-विभागीय बैठकें।

पूर्व विद्यार्थी इंटरएक्टिव शैक्षिक गतिविधि

अन्य एजेंसियों से प्रशिक्षण शून्य

सम्मेलनों का आयोजन

मासिक डीएनए सम्मेलन 2020

एंडोवास्कुलर तकनीकों पर सिम्युलेटर पर कार्यशाला

पुरस्कार

फरवरी 2020 में डीएनएकॉन में पीनियल क्षेत्र में स्थित घावों के लिए ओसीसीपिटल ट्रान्सट्रोयल दृष्टिकोण में सर्जिकल परिणाम और ओसीसीपिटल लोब कार्य: प्रथम पुरस्कार -डॉ. अभिषेक

डॉ. रितु गौरोन ने फरवरी 2020 में डीएनएकॉन में सीवीजे विसंगतियों में एटलस और धुरी के मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण के लिए मंच प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अभिषेक और टीम ने क्विज डीएनएसीओएन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रितु और टीम ने क्विज डीएनएसीओएन में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशित/समीक्षाधीन शोध

बोडेलीवाला, एस., सिंह, एच., सिंह, डी., ए. जगेटिया, पांडे, एस., रुतला, आर., और कुमार, पी. (2020). क्रैनियोवर्टेब्रल जंक्शन विसंगति में पल्मोनरी डिसफंक्शन का पैटर्न और कठोर पश्चकपालीय निर्धारण के बाद इसकी दृढ़ता। *इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी*, 9(03), 157-161.

पी. कुमार, बोडेलीवाला, एस., अहेर, आर., ए. जगेटिया, ए.के. श्रीवास्तव, सिंह, डी., और गंजू, पी. (2020). प्रसार-भारित चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का उपयोग करके अस्थायी कतरन के संबंध में पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार की कतरन के बाद इस्किमिया का मूल्यांकन: एक संभावित अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी*, 9(02), 075-079.

ए.के.शर्मा, ए. जगेटिया, ए.के. श्रीवास्तव, और डी. सिंह, (2020). अनियमित और चौड़ी गर्दन वाले इंटरक्रैनील एन्यूरिज्म के कॉइल एम्बोलिजेशन के लिए दोहरी माइक्रोकैथेटर तकनीक: एक केस सीरीज़। *जर्नल ऑफ सेरेब्रोवास्कुलर साइंसेज*, 8(2), 87.

ए.के.शर्मा, ए. जगेटिया, ए.के. श्रीवास्तव, और आर.के सरन, (2020). प्राथमिक इंटरक्रैनील जर्मिनोमा का एक असामान्य मामला डिफ्यूज सबराचनोइड के साथ ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस के रूप में फैलता है। एशियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी, 15(4), 1027.

अंसारी, टी., दत्ता, जी., ए.के. श्रीवास्तव, ए. जगेटिया, सिंह, डी., सिंह, एच., ... और कुमार, ए (2020). एस्ट्रोसाइटिक ब्रेन ट्यूमर में सीरम साइटोकिन्स: एक संभावित अध्ययन। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी, 1-6.

दत्ता, जी., महाजन, डी., सिंह, डी., ए. जगेटिया, सिंह, एच., और श्रीवास्तव, ए.के. (2020). एंडोवास्कुलर तकनीकों द्वारा प्रबंधित बड़े और विशाल इंटरक्रैनील एन्यूरिज्म का दीर्घकालिक अनुवर्ती: भारत में एक तृतीयक देखभाल न्यूरोसर्जरी संस्थान से अनुभव। जर्नल ऑफ सेरेब्रोवास्कुलर साइंसेज, 8(1), 5.

ए.के.शर्मा, ए. जगेटिया, ए.के. श्रीवास्तव, डी. सिंह, (2020). आंतरिक कैरोटिड धमनी के एन्यूरिज्म को चूमना: एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ सेरेब्रोवास्कुलर साइंसेज।

दत्ता, जी., सिंह, डी., ए. जगेटिया, और श्रीवास्तव, ए.के (2020). निदान में नुकसान: कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन पर एक्यूट हाइपोडेंस पोस्टीरियर फोसा सबराचनोइड हैमरेज-एक असामान्य इकाई। जर्नल ऑफ सेरेब्रोवास्कुलर साइंसेज, 8(1), 61.

सम्मेलन/प्रस्तुत शोध

डॉ. डी सिंह, डॉ. ए के श्रीवास्तव, डॉ. अनीता जगेटिया, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. वाजिद नजीर, डॉ. शाम बोदेईवाला, डॉ. घनश्याम दास सिंघल द्वारा विभिन्न ऑनलाइन सम्मेलनों में शोध प्रस्तुत किए गए।

संकाय ने विभिन्न ऑनलाइन वेबिनारों में भाग लिया।

आगतुक

डॉ. सत्य भूषण सेनापति (न्यूरोसर्जरी),

डॉ. सिरिया हार्दिक ललित, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु

डॉ. दहवल अताभाई, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु

डॉ. प्रीतम एस डी, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु

डॉ. किरीट अरुमालिया, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु

डॉ. भूषण दिवाकर थोमरे, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु

डॉ. दिनेश वर्मा, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी

डॉ. राजेंद्र कुमार, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी

डॉ. डी. एम. शशांक, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी), ह्यूमन केयर मेडिकल चैरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली

डॉ. आशुतोष कुमार, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी) एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ

डॉ. आशीष शर्मा रामप्रताप, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी) एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ

डॉ. कमलेश वसंत रंगारी, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी) एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ

डॉ. गगनदीप, एम.सीएच (न्यूरोसर्जरी) एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ

डॉ. दिव्या पलानीस्मी, सलाहकार (न्यूरोसर्जरी), अपोलो केएच अस्पताल, तमिलनाडु

विशेषज्ञ समिति में प्रतिनिधित्व

डॉ. डी सिंह, डॉ. ए के श्रीवास्तव, डॉ. अनीता जगेटिया, डॉ. हुकुम सिंह ने एमसीआई, यूजीसी, डीएनबी, डीएमसी आदि की विशेषज्ञ समिति में सदस्य के रूप में योगदान किया।

समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाएं

लैब डेटा

प्रसूति और स्त्री रोग (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के आने पर हमारा अस्पताल कोविड समर्पित अस्पताल बन गया, तो प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के डॉ.क्टरों ने केवल प्रसूति सेवाओं को चलाने साथ-साथ गैर प्रसूति वयस्क आबादी के एक बड़े भार को पूरा करने के लिए 24x7 अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस भारी नैदानिक भार के बावजूद विभाग ने शिक्षण और सीखने के तरीकों में नई ऑनलाइन तकनीकों को शामिल करने के लिए इसे तेजी से अनुकूलित किया और इस तरह महामारी के दौरान स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियां जारी रहीं। विभाग के प्रसिद्ध पत्रिकाओं में कई प्रकाशन हैं और यह विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग ने इस वर्ष कई सीएमई और कार्यशालाओं का आयोजन किया। कई डॉ.क्टरों को उनकी सेवाओं के लिए राज्य सरकार के साथ-साथ राज्य संगठनों द्वारा कोरोना योद्धा प्रशंसा प्रमाण शोध प्राप्त हुआ।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. अमिता सुनेजा

अध्यक्ष - पीएनडीटी अधिनियम सलाहकार समिति, शाहदरा जोन 2016-2020

कार्यालयाध्यक्ष प्रसूति एवं स्त्री रोग, एफएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय 22.3.2019 से अब तक

अध्यक्ष ऑन्कोलॉजी समिति एओजीडी 2019-2021

स्नातकोत्तर पर्यवेक्षित थीसिस को राष्ट्रीय निकाय, एफओजीएसआई से प्रतिष्ठित "आर डी पंडित पुरस्कार" प्राप्त हुआ। (2020)

डॉ. भानुप्रिया

2021 कोरोना समय 2021 में ऑन्कोलॉजी कमेटी की अध्यक्ष के रूप में एओजीडी में योगदान के लिए एओजीडी से प्रशंसा पुरस्कार

एनसीटी सरकार द्वारा कोरोना योद्धा प्रशंसा प्रमाण शोध

अक्टूबर (2020) में 42वें एओजीडी वार्षिक सम्मेलन 'कोविड नकारात्मक और कोविड संभावित प्रसूति महिलाओं में कोविड जैसे लक्षणों के साथ मातृ नवजात परिणामों' पर मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रशंसा का प्रमाण शोध।

डॉ. बिंदिया गुप्ता

बर्मिंघम विश्वविद्यालय, पैन बर्मिंघम गाइनी ऑन्कोलॉजी सेंटर, यूके में गाइनी ऑन्कोलॉजी में कॉमनवेल्थ मेडिकल फेलोशिप। मार्च-सितंबर। (2020)

फरवरी 2021 में बेस्ट प्रैक्टिस एंड रिसर्च क्लिनिकल ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के संपादकीय मंडल में सदस्य के रूप में शामिल,

जनवरी 2021 में जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के संपादकीय मंडल में सदस्य के रूप में शामिल,

डॉ. किरण गुलेरिया

भ्रूण चिकित्सा में एफओजीएसआई डॉ. रजत रे पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार- फेडरेशन ऑफ ऑब्स एंड जीन ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) पुरस्कार -सितंबर (2020)

42 वें वार्षिक और एओजीडी के पहले ई-कॉन्फ्रेंस में पोस्ट-पार्टम ब्लड प्रेशर कंट्रोल में फ्र्यूरोसेमाइड बनाम एम्लोडिपाइन एक डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड क्लिनिकल परीक्षण के लिए विशेष प्रशंसा पुरस्कार, अक्टूबर (2020)।

नवंबर (2020) से सदस्य संपादकीय मंडल, इंडियन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (आईओजी) के संपादकीय मंडल की सदस्य।

डॉ. ऋचा शर्मा

एफओजीएसआई अंतर्राष्ट्रीय पेरिनेटोलॉजी सम्मेलन में शोध प्रस्तुति (संकाय श्रेणी) में दूसरा पुरस्कार -नवंबर। (2020)

एओजीडी द्वारा कोविड के समय में एंडोस्कोपी समिति के अध्यक्ष के रूप में योगदान के लिए प्रशंसा पुरस्कार -फरवरी 2021

डॉ. सांध्य जैन रॉयल कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑक्सफोर्ड ओवरसीज अवार्ड- (2020)

प्रकाशन

आर. अग्रवाल, जायसवाल, एन., कर, आर., ए. सिंह, और श्रीवास्तव, एच. इज सीरम फाईब्रिनोजेन एन एफमेटिव मार्कर फॉर वजाइनल डिलिवरी विदाउट पीपीएच?

भास्करन, एस., गुलेरिया, के., ए. सुनेजा, वत्स, जी. (2020)। पोस्ट-पार्टम वजाइनल कोलपोक्लेसिस: ए रिपोर्ट ऑफ टू केसेज। जेपीओजी।

अर्चना, सी., रश्मि, एम. और अमिता, एस. (2021)। संशोधित बी-लिंग सिवनी के कारण प्रारंभिक गर्भाशय परिगलन। द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 1-3.

देव, एस. ए. सिंह, बनर्जी, बी.डी., राधाकृष्णन, जी., अग्रवाल, आर. (2020). संभावित गर्भपात में संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर और प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर के मातृ सीरम स्तर का आकलन: एक केस कंट्रोल स्टडी। जेसीडीआर, 14, क्यूसी16-क्यूसी1.

गोयल, पी., आर. अग्रवाल, श्रीवास्तव, एच., कर, आर., सिक्का, एम., और मोहता, एम. (2020). गर्भावस्था में सीरियल सीरम लैक्टिक एसिड-मातृ परिणाम के लिए संबद्ध सेप्सिस। द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 70(5), 342-348.

गुप्ता, पी., ए. सुनेजा, वी. अग्रवाल, पाठक, ए.ए. (2020). मूत्राशय के फटने की मरम्मत के बाद यूरोपेरिटोनियम का रूढ़िवादी प्रबंधन। आईजेएसआर, 9(7). doi: 10.36106/IJSR.

गुप्ता, एम., रश्मि, सुनेजा, ए. ए. शर्मा, (2020). हाई ओहवीरा सिंड्रोम विद सर्वाइकल स्टेनोसिस - ए टिपिकल प्रेजेंटेशन ऑफ ए रेयर एंटाइटि- ए केस रिपोर्ट। 9(11), 61-62.

गुप्ता, पी., आर. अग्रवाल, भास्करन, एस., गर्ग, एस., मेहंदीरत्ता, एम., राधाकृष्णन, जी., ... और नारंग, डी. (2021). प्री-एक्लेमप्सिया में मातृ प्लाज्मा प्लेटलेट सक्रिय करने वाले कारक एसिटाइलहाइड्रोलेज़ गतिविधि और एमआरएनए अभिव्यक्ति का मूल्यांकन: एक केस नियंत्रण अध्ययन। जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 41(5), 726-732.

गुलेरिया, के., राजाराम, एस., राधिका, ए.जी., सुनेजा, ए. (2020). प्रसूति इकाई में कोविड-19 - कम संसाधन सेटिंग्स में सीखी गई चुनौतियाँ और सबक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 9(6). doi: 10.21275/SR20604223452:

एस.जैन, राजाराम, एस., कालरा, के., काम्बोज, एस., और प्रकाश, एस. (2020). पुरपुरा फुलमिनन्स कंप्लीकेटिंग प्यूपरल सेप्सिस: एक केस रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स, 151(3), 476-478.

कम्बोज, एस., गुलेरिया, के., शर्मा, टी., आर. शर्मा, और बीडी, बी. (2020). ऑर्गनोक्लोरीन कीटनाशकों के विशेष संदर्भ के साथ प्री-एक्लेमप्सिया में जीन पर्यावरण अंतःक्रिया का एक केस नियंत्रण अध्ययन। ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी रिसर्च, 3(3), 161-171.

अनुकृति, के., गुलेरिया, के., त्यागी, वी., ए. सुनेजा, और बनर्जी, बी.डी. (2021). मातृ रक्त और एमनियोनिक ऑक्सीटोसिन रिसेप्टर जीन अभिव्यक्ति और समय से पहले जन्म में सीरम ऑक्सीटोसिन का स्तर: एक केस-कंट्रोल अध्ययन। क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 48(2), 283-291.

नेगी, डी., गुलेरिया, के., त्यागी, वी., देव बनर्जी, बी., और सुनेजा, ए. (2021). एसिम्पटोमेटिक उच्च जोखिम वाली महिलाओं में सहज प्रीटर्म जन्म के भविष्यवक्ता के रूप में गर्भाशय ग्रीवा के स्नायु में ट्रैपिन-2 का मूल्यांकन: नेस्टेड केस-कंट्रोल अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स

राजाराम, एस., वर्मा, ए., कर, आर., अरोड़ा, वी.के., गुप्ता, बी., और एस.जैन, (2020). सेल-फ्री डीएनए और पी53 म्यूटेशनल विश्लेषण के डिम्बग्रंथि के कैंसर-मात्रा का निदान करने के लिए 487 तरल बायोप्सी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायनेकोलॉजीकल कैंसर, 30(सप 4), ए84-A84.

राजाराम, एस., खान, एम.बी., गुप्ता, बी., अरोड़ा, वी.के., अहमद, आर., और उप्रेती, एल. (2020). क्लिनिकोपैथोलॉजिकल कोरिलेशन ऑफ सीरम वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर एंड टिशू कार्बोनिज एनहाइड्रेज फैक्टर IX इन स्टेज IA से IIA कार्सिनोमा सेरविक्स।

मलिक, आर., सुनीता, एस., ए. सुनेजा, गर्ग, पी.के., और सुमन, डी. (2020). आवर्तक वुल्वर कार्सिनोमा में मायोक्लूटेनियस फ्लैप का सफल उपयोग: एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ गाइनकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, 18(4), 1-4.

राठौर, ए., आर. शर्मा, कर, आर., टंडन, ए., ए. सुनेजा, और गुलेरिया, के. (2021). प्रिमिग्रेविडा के बीच लंबी गर्भावस्था के साथ सफल प्रेरण की भविष्यवाणी के लिए सरवाइकल फॉस्फोराइलेटेड इंसुलिन की तरह ग्रोथ फैक्टर-बाइंडिंग प्रोटीन 1 (पीएचएलजीएफबीपी1) की भूमिका। द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया, 71(1), 38-44.

ए. सिंह, गुप्ता, पी., राधाकृष्णन, जी., सिंह, जी., और राधिका, ए.जी. (2020). गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में टूटा हुआ सेरेब्रल एन्यूरिज्म: एक विरल रूप से रिपोर्ट की गई इकाई। इंडियन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 10(1).

ए. सिंह, प्रियदर्शनी, वी., राधाकृष्णन, जी., और वाधवा, एन. (2020). सर्वाइकल कैंसर और नॉर्मल सर्विक्स में एस्ट्रोजन रिसेप्टर अल्फा और बीटा एक्सप्रेसन के अध्ययन पर एक अग्रणी शोध कार्य इंडियन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 10(3).

ए. सुनेजा, गर्ग, ए., भट्ट, एस., गुलेरिया, के., मधु, एस.वी., और शर्मा, आर. (2020) हिस्टेरैक्टॉमी से गुजरने वाले मरीजों में डिम्बग्रंथि रिजर्व और संवहनी पर अवसरवादी सल्पिंगेक्टोमी का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ गाइनकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, 18(4), 1-7.

सुनेजा, अमिता, फहमीना फरीदी, शुचि भट्ट, किरण गुलेरिया, मोहित मेहंदीरत्ता और ऋचा शर्मा। "हाइपोविटामिनोसिस डी के साथ महिलाओं में रोगसूचक गर्भाशय लेयोमायोमा पर विटामिन डी 3 पूरकता का प्रभाव।" जर्नल ऑफ मिड-लाइफ हेल्थ 12, सं. 1 (2021): 53.

ए. सुनेजा, मलिक, आर., गुलेरिया, के., वैद, एन.बी., वर्मा, डी.डी., और मिश्रा, के. (2020). एक किशोर में भ्रूणीय रबडोमायोसार्कोमा के कारण गर्भाशय का उलटा होना: विरल एसोसिएशन के साथ एक विरल ट्यूमर। इंडियन जर्नल ऑफ गाइनकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, 18(4), 1-3.

सिन्हा, एन., ए. सिंह, बनर्जी, बी.डी., आर. अग्रवाल, और श्रीवास्तव, एच. (2021). गर्भावस्था की विभिन्न जटिलताओं के साथ पहली तिमाही के अंत में गर्भावस्था से जुड़े प्लाज्मा प्रोटीन-ए के कम स्तर का संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइटॉफिक स्टडी, 8(10), 122-125.

पी शर्मा, रश्मि, ए. सुनेजा, (2020). पोस्टपार्टम फ्लेयर के साथ पेम्फिगॉइडजेस्टेशनिस की केस रिपोर्ट। इंटर. जे.साइंस रिसर्च, 9(8), 20-21.

आर. शर्मा, बनर्जी, बी.डी., भाटिया, एम.एस., ए. सुनेजा, गुलेरिया, के., और चौधरी, एन. (2020). जोखिम में महिलाओं में प्रसवोत्तर अवसाद के साथ प्लेसेंटल ऊतक एस्ट्रोजन रिसेप्टर अल्फा जीन अभिव्यक्ति का संबंध: एक प्रायोगिक अध्ययन। जर्नल ऑफ साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 12(6), 392.

सिंह, पी., एस.जैन, राजाराम, एस., राठी, वी., गुप्ता, बी., और कालरा, के. प्रेग्नेंसी एंड लेबर आउटकम इन स्क्वाट वर्सेस वेस्टर्न स्टाइल सिटिंग टॉयलेट यूजर्स: ए पायलट स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कंट्रासेप्शन, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 9(11), 4602.

ए. सुनेजा, वंसल, एन., गुलेरिया, के., मेहंदीरत्ता, एम., भट्ट, एस., त्यागी, एन., और मिश्रा, के. (2021). एडनेक्सल मास में डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा का पता लगाने के लिए मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 की भूमिका इंडियन जर्नल ऑफ गाइनकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, 19(4), 1-7.

भास्करन, एस ए. शर्मा, (2021). राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम): राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम)। एओजीडी बुलेटिन20(12), 8.

भास्करन, एस।, और शर्मा, ए (2021). कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम। एओजीडी बुलेटिन20(12), 42.

डोगरा, के., और राधिका, ए.जी. (2021). राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम। एओजीडी बुलेटिन20(12), 31.

गुप्ता, बी., और शर्मा, टी (2021). प्लेसेंटल एडहेसिव डिस्आर्डर्स। आलोक शर्मा (संपा.) में, ऑब्स्टेट्रिक्स एल्गोरिदम इन क्लिनिकल प्रैक्टिस। स्प्रिंगर। (प्रकाशनाधीन)।

मिश्रा, आर (2006). इयान डोनाल्ड की व्यावहारिक प्रसूति समस्या, 6/ई। बीआई पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड। एस.सिंह, और गुप्ता, बी (2020). किशोरों में एनीमिया। गिरीश माने (संपा.) में, फोगसी फोकस: एडोलशेंट इंटरवेंशन फॉर फ्यूचर रिप्रोडक्टिव हेल्थ। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

शर्मा, टी., गुप्ता, बी (2020). प्लेसेंटल एडहेसिव डिस्आर्डर्स। आलोक शर्मा (संपा.)में, ऑब्स्टेट्रिक्स एल्गोरिदम इन क्लिनिकल प्रैक्टिस।नैदानिक अभ्यास में प्रसूति एल्गोरिदम, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

त्यागी, एन (2021). राष्ट्रीय थैलेसीमिया नियंत्रण कार्यक्रम। एओजीडी बुलेटिन, 20(12), 25.

मेहता, एस., और गुप्ता, बी (संपा.). (2020). रिसेंट एडवांसेज इन एंडोमेट्रियल कैंसर। स्प्रिंगर।

राजाराम, एस., और गुप्ता, बी. (संपा.) (2020). एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिस इन मैनेजमेंट ऑफ फॉइब्रॉएड्स। इवेंजेल पब्लिकेशन्स।

ए. सिंह, गोयल, एन. (सं.) (2021). प्लेसेंटा: बेसिक टू एक्स्ट्रा। इवेंजेल पब्लिकेशन्स।

शोध परियोजनाएँ

अमिता सुनेजा, सामान्य कैंसर (मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) की जांच के सरकारी दिशानिर्देशों को संचालित करने के लिए एचआरआरसी और शिक्षण संस्थानों के माध्यम से क्षमता निर्माण - आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन। तीन वर्ष की परियोजना 2018-2021, आईसीएमआर, 48 लाख रुपए।

भानु प्रिया, स्त्री रोग संबंधी सर्जरी में सर्जिकल साइट संक्रमण रोकथाम वंडल का कार्यान्वयन, एक गुणवत्ता नियंत्रण पहल, 2 वर्ष, अनुदान एजेंसी-कोई नहीं, अनुदान- शून्य।

आयोजित सम्मेलन

एओजीडी ओंको समिति के अध्यक्ष के रूप में 14 जून से 19 जुलाई 2020 तक आईएससीसीपी और एफओजीएसआई के साथ प्रत्येक रविवार को "सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में कौशल अद्यतन" पर वेबिनार श्रृंखला।

12.07.2020 को एओजीडी और एफओजीएसआई द्वारा आयोजित "एंडोस्कोपी द्वारा प्रजनन क्षमता में वृद्धि" पर वेबिनार।

17.7.2020 को विश्व जनसंख्या दिवस सीएमई।

26.07.2020 को नर्सों एवं चिकित्सकों के लिए कौशल केन्द्र प्रशिक्षण का आयोजन।

15.08.2020 को एओजीडी और एफओजीएसआई समितियों के साथ सर्वाङ्कल कैंसर के बारे में जन जागरूकता पर वेबिनार।

एमईसी, एफओजीएसआई और एओजीडी के सहयोग से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार।

प्रीकमप्लेसिया-29.8.2020

एयूबी - 12.9.2020

जीडीएम में परिणाम का अनुकूलन - 26.9.2020

पेल्विक आर्गन प्रोलैप्स- बेसिक्स एन बियॉन्ड -21.11.20

ब्रीच डिलीवरी - 12.12.2020

3 और 10 अक्टूबर 2020 को पैरामेडिक्स के लिए एओजीआईएन इंडिया वेबिनार।

26.10.2020 को यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी में सर्जिकल कौशल को अद्यतन करने पर एओजीडी प्री-कांग्रेस वीडियो कार्यशाला।

जीटीबीएच 14-15 अक्टूबर 2020 को जम्मू-कश्मीर की मोबाइल स्किल लैब में एंडोसुचरिंग पर कार्यशाला।

29-30 नवंबर 2020 को एफओजीएसआई परिवार कल्याण समिति के सहयोग से एफपी के लिए संकल्प यात्रा कार्यशाला के अंतर्गत गर्भनिरोधक पर अद्यतन।

20.03.2021 को यूसीएमएस स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के रूप में "यूरोगाइनेकोलॉजी - बेसिक्स एंड बियॉन्ड" पर सीएमई।

संगोष्ठियों/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अल्पना सिंह

42वें एओजीडी वार्षिक आभासी सम्मेलन में "गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप का विरल और भ्रामक कारण: एक केस रिपोर्ट" पर पोस्टर प्रस्तुति, अक्टूबर 2020।

16वें वार्षिक वर्चुअल फर्टिलिज़न, सम्मेलन में "विटामिन डी की कमी वाले पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम रोगियों में सीरम वीड्जीएफ स्तरों पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव" पर शीर्षक शोध की प्रस्तुति, दिसंबर 2020।

अमिता सुनेजा

5 जुलाई 2020 को सीआईएन के लिए एलईईपी पर वेबिनार में आमंत्रित वक्ता।

30 जुलाई 2020 को एक्सिसनल विधियों द्वारा सर्वाङ्कल प्रीकैंसरस घावों का उपचार के प्रशिक्षण के दौरान आमंत्रित वक्ता।

दक्षिण दिल्ली गायनी फोरम द्वारा 11 सितंबर, 2020 को आयोजित गर्भावस्था में यकृत विकारों पर पैनल के लिए विशेषज्ञ।

26 अक्टूबर 2020 को यूसीएमएस और जीटीबीएच, ऑन्कोलॉजी कमेटी एओजीडी द्वारा आयोजित स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी में सर्जिकल कौशल को अद्यतन करने पर कांग्रेस-पूर्व वीडियो कार्यशाला की अध्यक्ष।

20 नवंबर 2020 को नॉर्थ वेस्ट दिल्ली गायनी फोरम द्वारा आयोजित सीआईएन के प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान।

दिसंबर 2020 में एओजीडी एंडोस्कोपी समिति द्वारा आयोजित हिस्टेरोस्कोपी पर वेबिनार की अध्यक्ष।

पश्चिमी दिल्ली आईएमए द्वारा 20 दिसंबर 2020 को आयोजित वार्षिक कार्यक्रम के दौरान किशोरों में एडनेक्सल मासेज के प्रबंधन में दुविधाओं पर सत्र के लिए अध्यक्ष।

एओजीडी, ऑन्कोलॉजी कमेटी एओजीडी द्वारा 23 जनवरी 2021 को आयोजित सर्वाङ्कल कैंसर के केस बेस्ड अप्रोच - प्रीइन्वेसिव एंड इन्वेसिव लेसियन के लिए पैनलिस्ट।

पश्चिमी दिल्ली आईएमए द्वारा 3 फरवरी 2021 को आयोजित स्तन कैंसर पर वेबिनार की अध्यक्ष।

एमएएमसी द्वारा 14 मार्च 2021 को आयोजित 23वें पीजी क्रैश कोर्स- डिस्कशन प्रीक्लेम्पसिया के लिए विशेषज्ञ।

आईएससीसीपी और एओजीडी ऑन्कोलॉजी कमेटी द्वारा 4 जुलाई 2020 को आयोजित "पीएपी एंड एलबीसी लाइड बेयर" पर वेबिनार में पैनलिस्ट।

एओजीडी और एफओजीएसआई द्वारा 12 जुलाई 2020 को आयोजित एंडोस्कोपी द्वारा फर्टिलिटी एन्हांसमेंट पर वेबिनार की अध्यक्ष।

जन जागरूकता पर एओजीडी और एफओजीएसआई समितियों द्वारा 15 अगस्त 2020 को आयोजित वेबिनार की अध्यक्ष।

ग्रामीण स्वास्थ्य समिति और पश्चिम क्षेत्र आईएमए गाजियाबाद फोरम द्वारा 19 सितंबर 2020 को आयोजित कोविड 19 पर जनता में विशेषज्ञ।

एओजीडी द्वारा 26 नवंबर, 2020 को आयोजित एफओजीएसआई-जेओजीआईएनडीईआर ई-पीआईसीएसईपी 2020 सीएमई - पांडुलिपि लिखने की कला और विज्ञान पर सत्र की अध्यक्षता की।

एफओजीएसआई परिवार कल्याण समिति के सहयोग से 29 नवंबर 2020 को एफपी के लिए संकल्प यात्रा कार्यशाला के अंतर्गत गर्भनिरोधक पर अद्यतन की अध्यक्ष,

19 दिसंबर 2020 को गाजियाबाद समाज द्वारा आयोजित डिम्बग्रंथि के कैंसर में जोखिम को कम करना पर अतिथि व्याख्यान।

जीएनओजीएस द्वारा 17 जनवरी 2021 को सर्वाङ्कल कैंसर प्रीइन्वेसिव घावों पर आयोजित वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष।

एफओजीएस, एओजीडी ऑन्कोलॉजी उपसमिति, आईएससीसीपी, एनएआरसीएचआई द्वारा 25 जनवरी 2021 को आयोजित स्तन कैंसर सत्र के लिए ऑन्कोलॉजी पर वेबिनार की अध्यक्ष।

29 जनवरी 2021 बैकस्टर द्वारा मुंबई स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ फॉइब्रॉएड के अनूठे मामलों पर थिंक एक्टिव सीरीज़ पर वेबिनार के दौरान विशेषज्ञ।

साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायेनाकोलॉजी (एसएफओजी) की मातृ एवं प्रसवकालीन स्वास्थ्य समिति द्वारा 12 फरवरी 2021 को आयोजित फिमेल जेनिटल ट्यूबरकोलाइसीस इंफेक्शन्स इन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायेनाकोलॉजी पर वेबिनार की अध्यक्ष।

बिरला सॉफ्ट, गाजियाबाद द्वारा 10 मार्च 2021 को आयोजित जन जागरूकता पर वेबिनार के दौरान एचपीवी वैक्सीन पर वक्ता।

एजीओआई द्वारा 26 मार्च 2021 को आयोजित सीएमई के दौरान आवर्तक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

पीजीआई, चंडीगढ़ द्वारा 3 अप्रैल 2021 को आयोजित युवा एफओजीएसआई सम्मेलन के दौरान स्त्री रोग संबंधी कैंसर पर हालिया अपडेट पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

अंशुजा सिंगला

एसोसिएशन ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स ऑफ दिल्ली (एओजीडी) द्वारा 6 जून 2020 को आयोजित "एयूबी- मिडलाइफ़ पर एक रोलरकोस्टर" पर पैनलिस्ट।

एओजीडी के 42वें वार्षिक और प्रथम ई-सम्मेलन में 24 अक्टूबर 2020 को पेपर सत्र के लिए संकाय।

जनवरी 2021 में एफपी के लिए संकल्प यात्रा कार्यशाला के एक भाग के रूप में हार्मोनल गर्भनिरोधक पर व्याख्यान।

दिसंबर 2020 में यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के "मुश्किल प्रसूति अभ्यास की कला में महारत हासिल करना" पर सत्र का संचालन किया।

बिंदिया गुप्ता

पैरामेडिकल हेल्थ केयर वर्कर्स के लिए एओजीआईएन इंडिया वेबिनार का आयोजन-3. व्याख्यान: पैप स्मीयर (वीडियो प्रस्तुति), 3 और 10 अक्टूबर, 2020 को।

संकाय, एओजीडी के 42वां वार्षिक सम्मेलन; फ्री पेपर सेशन के लिए निर्णायक, 24 अक्टूबर 2020।

42वीं वार्षिक वर्चुअल एओजीडी प्रीकॉन्ग्रेस वर्कशॉप: गायनेकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी में सर्जिकल स्किल्स को अपडेट करना- एक वीडियो वर्कशॉप; वीडियो प्रस्तुति: पेल्विक लिम्फोडेनेक्टॉमी को पूरा करना, 26 अक्टूबर, 2020.

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम पर एफओजीएसआई निबंध प्रतियोगिता- सर्वाइकल कैंसर- भारत में उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ के लिए राष्ट्रीय समन्वयक, नवंबर 2020।

एफओजीएसआई ऑन्कोलॉजी कमेटी, द्वारा 12 नवंबर 2020 को आयोजित सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम ऑन्कोलॉजी सीएमई में नैदानिक मामलों पर पैनलिस्ट।

व्याख्यान: एचपीवी टीकाकरण: उत्तर पश्चिम दिल्ली गाइनी फोरम मासिक सीएमई में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न, 20 नवंबर 2020।

11 से 13 दिसंबर 2020 तक आयोजित एफओजीएसआई - पीओजीएस अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन - "जस्ट ट्यूमर" में 12 दिसंबर 2020 को पैनल चर्चा मॉडरेटर "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर)।

एओजीडी के तत्वावधान में 23 जनवरी 2021 "सर्वाइकल कैंसर" पर सीएमई पर "सर्वाइकल कैंसर के लिए केस आधारित दृष्टिकोण, पूर्व आक्रामक और आक्रामक घाव पके लिए सह मॉडरेटर।

एफओजीएसआई ऑन्कोलॉजी कमेटी द्वारा 5 फरवरी 2021 को आयोजित आईसीओजी, एफओजीएसआई, एमओजीएस सम्मेलन पूर्व कार्यशाला में "यूटेरस 11 अध्ययन" पर व्याख्यान।

अध्ययन प्रस्तुति "एओजीडी नैदानिक बैठक, 26 फरवरी 2021

एजीओआई के चंडीगढ़ और राजस्थान चैप्टर के सहयोग से यूपीएससीएजीओआई द्वारा 27 फरवरी 2021 को आयोजित एजीओआई पीजी सीएमई 2021 में संकाय। भूमिका- विशेषज्ञ- गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का मामला।

बिरला सॉफ्ट के सीएसआर डिवीजन की महिला कल्याण श्रृंखला में 10 मार्च 2021 को सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग पर व्याख्यान।

साउथ जोन दिल्ली गायनेकोलॉजिकल फोरम सीएमई, 23 मार्च 2021

हिमश्वेता श्रीवास्तव

26 सितंबर 2020 को एफओजीएसआई (चिकित्सा शिक्षा समिति) के सहयोग से ऑब्स्ट एंड एएमपी, गायनी, यूसीएमएस एंड एएमपी; जीटीबीएच विभाग द्वारा आयोजित "जीडीएम में इष्टतम परिणाम" पर स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार की मॉडरेटर।

एफओजीएसआई 2020, एफडब्ल्यूसी एंड एएमपी, यूसीएमएस एंड एएमपी; जीटीबीएच दिल्ली द्वारा 30 नवंबर 2020 को आयोजित एफपी के लिए संकल्प यात्रा कार्यशाला में- गर्भनिरोधक में अद्यतन में आमंत्रित अध्यक्ष;। ओब्सट्र एंड एएमपी विभाग; गायनी, संतोष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल्स, गाजियाबाद द्वारा 22 अक्टूबर 2020 को गर्भावस्था में चिकित्सा विकारों के प्रबंधन- एक केस आधारित दृष्टिकोण पर आयोजित एक ई-संगोष्ठी में अध्यक्ष।

किरण गुलेरिया

31 मई, 2020 को सुरक्षित मातृत्व समिति, एओजीडी और एनएआरसीएचआई दिल्ली शाखा के वेबिनार, कोविड महामारी के दौरान गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन में चुनौतियाँ में पैनलिस्ट।

मॉडरेटर -एओजीडी और आईसीओजी, एसजीआरएच, दिल्ली द्वारा 6 जून, 2020 को आयोजित ई-सीएमई - एयूबी: मिडलाइफ़ पर एक रोलरकोस्टर।

सह-संयोजक और संकाय - यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली, एंडोस्कोपी समिति एओजीडी, एफओजीएसआई, आईसीओजी द्वारा 19 जून, 2020 को आयोजित वेबिनार - एमटीपी सीक्वेल और हिस्टेरोस्कोपी।

संयोजक और मॉडरेटर- एमईसी, एफओजीएसआई और एओजीडी के सहयोग से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 29 अगस्त 2020 को आयोजित स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार, प्री-एक्लेमप्सिया की चुनौतियाँ।

पैनलिस्ट - दिल्ली गाइन फोरम सीएमई में, 11 सितंबर 2020 को आयोजित गर्भावस्था में यकृत विकार: साक्ष्य-आधारित प्रबंधन।

संयोजक - 12 सितंबर 2020 को एमईसी, एफओजीएसआई और एओजीडी के सहयोग से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा आयोजित वेबिनार- एयूबी के लिए प्रबंधन रणनीतियाँ -ओ एंड एम, स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म।

पैनलिस्ट- ग्रामीण स्वास्थ्य समिति एओजीडी और डब्ल्यूडीडब्ल्यू गाजियाबाद द्वारा 19 सितंबर 2020 को आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय जन जागरूकता अभियान वेबिनार।

पैनलिस्ट- महिलाओं में टीके: किशोरावस्था से रजोनिवृत्ति तक। 24 सितंबर 2020 को आयोजित डीजीएफ (केंद्रीय) वेबिनार।

संयोजक- जीडीएम में परिणामों का अनुकूलन। एमईसी, एफओजीएसआई और एओजीडी के सहयोग से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 26 सितंबर 2020 को आयोजित स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार।

संकाय - एओजीडी के 42वें वार्षिक और प्रथम ई-सम्मेलन में कार्यशाला, 26 अक्टूबर, 2020।

संकाय - एओजीडी के 42वें वार्षिक और प्रथम ई-सम्मेलन में अध्यक्षीय सत्र, 1 नवंबर, 2020।

पैनलिस्ट - एम्स, नई दिल्ली द्वारा भ्रूण चिकित्सा कार्यशाला, एओजीडी के 42 वें वार्षिक और प्रथम ई-सम्मेलन में, 2 नवंबर 2020।

संयोजक - पेल्विक ऑर्गन प्रोलेप्स- बेसिक्स एंड बियाँड। एमईसी, एफओजीएसआई और एओजीडी के सहयोग से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 21 नवंबर 2020 को आयोजित स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार।

वक्ता - 'मधुमेह महिलाओं में सिजेरियन सेक्शन के आसपास देखभाल का अनुकूलन।' गुणवत्ता सुधार और सुरक्षित मातृत्व समिति, एओजीडी और दिल्ली मधुमेह मंच द्वारा 28 नवंबर 2020 को आयोजित गर्भावस्था में मधुमेह: इष्टतम देखभाल प्रदान करना पर वर्चुअल सीएमई में।

संयोजक - कठिन प्रसूति अभ्यास की कला में महारत हासिल करना। एमईसी, एफओजीएसआई और एओजीडी के सहयोग से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 12 दिसंबर 2020 को आयोजित स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार।

अध्यक्ष - एओजीडी, नरची दिल्ली, आईएससीसीपी के सहयोग से एफओजीएसडी द्वारा 6 जनवरी 2021 को आयोजित वेबिनार में 'गर्भावस्था में महत्वपूर्ण पोषण'

संकाय - 14 जनवरी, 2021 को युवा स्पीक्स एंड लीड्स फॉर न्यू इंडिया, वेबिनार सीरीज़ 3, में भारत में प्रसवपूर्व देखभाल की समीक्षा और अनुकूलन।

संकाय- ग्रेटर नोएडा ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी सोसाइटी के प्रथम वार्षिक ई-कॉन्फ्रेंस में 17 जनवरी 2021 को लाइव वेबिनार ऑन रीसेंट अपडेट्स इन ऑब्स एंड गाइन: ऑप्टिमाइजिंग विमेन हेल्थ।

विशेषज्ञ - मायोमेक्टॉमी की विरल जटिलता। 29 जनवरी 2021 को "थिंक एक्टिव" वेबिनार श्रृंखला में।

संकाय - यूसीएमएस गोल्डन जुबली ईयर-2021, एनएआरसीएचआई और एसओवीएसआई के अंतर्गत "यूरोगायनेकोलॉजी- बेसिक्स एंड वियांड" वर्चुअल सीएमई।

मॉडरेटर- इंटरपार्टम फेटल सर्वियंस। एफओजीएसआई फोर्स पीजी कार्यक्रम वेबिनार, 20 मार्च 2021 और 22 अगस्त 2020।

वक्ता (एफओजीएसआई) - गर्भावस्था के दौरान माताओं पर वायु प्रदूषण का प्रभाव। 7 राष्ट्रीय चिकित्सा संघों द्वारा स्वच्छ वायु सम्मेलन के लिए डॉक्टर में, 6 सितंबर 2020।

20 फरवरी 2021 को आईएसएसआरएफ अंतराष्ट्रीय सम्मेलन 2021, नई दिल्ली में 'कोविड-19 के दौरान और उसके बाद प्रसवपूर्व देखभाल'।

रचना अग्रवाल

संकाय- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 29 अगस्त 2020 को आयोजित: प्री-एक्लेमप्सिया की चुनौतियां" में।

संकाय- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 12 सितंबर 2020 को आयोजित एयूबी (ओ एंड एम) में प्रबंधन दृष्टिकोण।

2020. संकाय- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 26 सितंबर 2020 को आयोजित जीडीएम में परिणाम का अनुकूलन।

निर्णायक- फ्री पेपर सेशन। एओजीडी का 42वां वार्षिक सम्मेलन, 24 अक्टूबर 2020।

पैनलिस्ट- प्री-कॉन्फ्रेंस ई-वर्कशॉप में 'पैनलिस्ट': 'ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी में मेडिकोलेगल एस्पेक्ट्स'। एओजीडी का 42वां वार्षिक सम्मेलन, 28 अक्टूबर 2020।

संकाय- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 21 नवंबर 2020 को आयोजित: पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स- बेसिक्स एंड बियॉन्ड में।

संकाय- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा आयोजित: कठिन प्रसूति अभ्यास की कला में महारत हासिल करना: सिजेरियन डिलीवरी के दौरान ब्रीच, डिस्टोसिया और भ्रूण निष्कर्षण, 12 दिसंबर 2020।

मॉडरेटर- एओजीडी और आईएसओपीएआरबी के तत्वावधान में आभासी "गुरुकुल कक्षाएं", प्रसूति एवं स्त्री रोग संस्थान, सर गंगा राम अस्पताल द्वारा 5 फरवरी 2021 को आयोजित।

रश्मि

मॉडरेटर - एफओजीएसआई (चिकित्सा शिक्षा समिति) और एओजीडी, के सहयोग से ओब्सट एंड गायने.विभाग, यूसीएमएस और जीटीबीएच द्वारा 26 सितंबर 2020 को आयोजित "जीडीएम में इष्टतम परिणाम" पर स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म वेबिनार।

एफओजीएसआई 2020, एफडब्ल्यूसी और यूसीएमएस और जीटीबीएच, दिल्ली द्वारा 30 नवंबर 2020 को आयोजित एफपी के लिए संकल्प यात्रा कार्यशाला में- गर्भनिरोधक में अपडेट पर आमंत्रित अध्यक्ष।

दक्षिण दिल्ली गाइनी फोरम द्वारा 15 जनवरी 2021 को आयोजित वेबिनार में गर्भावस्था में सामान्य बीमारियों के लिए ड्रग्स और उनकी सुरक्षा प्रोफाइल पर पैनल के लिए पैनलिस्ट।

दिल्ली गायनेलॉजिस्ट्स फोरम द्वारा 17 जुलाई 2020 को आयोजित आवर्ती गर्भावस्था हानि पर वेबिनार के लिए पैनलिस्ट।

मॉडरेटर: एफओजीएसआई फोर्स द्वारा 22 अगस्त 2020 को आयोजित इंटरपार्टम भ्रूण निगरानी पर पैनल - पीजी अकादमिक कार्यक्रम के लिए।

अक्टूबर 2020 में आयोजित 42वें वार्षिक एओजीडी सम्मेलन, दिल्ली में फ्री पेपर (मौखिक) के लिए निर्णायक।

ऋचा अग्रवाल

मॉडरेटर- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 21 नवंबर 2020 को आयोजित: पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स- बेसिक्स एंड बियॉन्ड के लिए।

एफओजीएसआई 2020, एफडब्ल्यूसी और यूसीएमएस और जीटीबीएच, दिल्ली द्वारा 30 नवंबर 2020 को आयोजित एफपी के लिए संकल्प यात्रा कार्यशाला- गर्भनिरोधक में -अपडेट के लिए आमंत्रित अध्यक्ष।

एफओजीएसआई एमटीपी समिति 2020 द्वारा 20 जून 2020 को आयोजित- नैदानिक प्रथाओं में सुरक्षित और कानूनी गर्भपात के लिए पैनलिस्ट।

28 फरवरी, 2021 को जीटीबीएच में एओजीडी मासिक बैठक में गर्भाशय ग्रीवा की एक गंभीर समस्या की प्रस्तुति।

ऋचा शर्मा

पैनल मॉडरेटर - 25 सितंबर 2020 को एंडोस्कोपी शिखर सम्मेलन में - प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाली एंडोस्कोपी, वेबिनार के लिए।

पैनलिस्ट - 28 सितंबर 2020 को एंडोस्कोपी शिखर सम्मेलन में- हमारे ओपीडी में केस परिदृश्य, वेबिनार में।

पैनलिस्ट- इरोड ओब्जी सोसाइटी द्वारा 4 अक्टूबर 2020 को आयोजित गर्भावस्था में चिकित्सा विकारों पर वेबिनार में एसएसआई की रोकथाम और प्रबंधन।

पैनल मॉडरेटर: अंतर्गर्भाशयी आसंजन नैदानिक और चिकित्सीय चुनौतियों पर वेबिनार- अनुभव और साक्ष्य, 5 अक्टूबर 2020।

वक्ता- ऑपरेटिव हिस्टेरोस्कोपी - एडब्ल्यूएस चैप्टर, सीएमसी लुधियाना द्वारा 28 नवंबर 2020 को आयोजित हिस्टेरोस्कोपिक एडिसियोलिसिस सीएमई वेबिनार।

वक्ता- एंडोस्कोपी अपडेट पर 20 दिसंबर 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में हिस्टेरोस्कोपिक एडिसियोलिसिस और प्लजिंग टेक्निक्स।

वक्ता- 26.12.2020 को आयोजित वर्चुअल प्राइड आईएजीई सम्मेलन में हिस्टेरोस्कोपिक एडिसियोलिसिस।

अध्यक्ष - 5 जनवरी 2021 को एडेनोमायोसिस को समझने और उपचार पर वेबिनार में एडेनोमायोसिस का सर्जिकल प्रबंधन।

अध्यक्ष - जीडीएम की दीर्घकालिक जटिलताएं, गर्भकालीन मधुमेह पर वेबिनार - प्रारंभिक हस्तक्षेप की कुंजी सर्वोत्तम परिणाम के लिए, 11 जनवरी 2021

वक्ता- एफओजीएसआई एंडोमेट्रियोसिस कमेटी और यूके सोसाइटियों के तत्वावधान में, 29 जनवरी 2021 को आयोजित -एप्रोच टू एंडोमेट्रियोमा, वेबिनार पैन इंडिया एंडोमेट्रियोसिस सिम्पोजियम।

अध्यक्ष -एफओजीएसआई गर्भावस्था समिति में चिकित्सा विकार द्वारा 5 फरवरी 2021 को आईसीओजी, एमओजीएस, एफओजीएसआई सम्मेलन पूर्व कार्यशाला।

अध्यक्ष - 4 फरवरी 2021 को एफओजीएसआई आईसीओजी नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नॉन कम्युनिकेबल डिजीज इन ओब्स एंड गाइनी।

वक्ता - 12 फरवरी 2021 को- देखें और इलाज करें: एंडोस्कोपिक मार्कर, जननांग तपेदिक पर एसएफओजी मातृ और प्रसवकालीन स्वास्थ्य समिति वेबिनार।

पैनल मॉडरेटर - खतरे वाले गर्भपात की जटिलताएं: केस आधारित चर्चा, 22 फरवरी 2021 को आयोजित प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी कमेटी एओजीडी द्वारा वेबिनार।

पैनल मॉडरेटर - परिवार नियोजन, 27 फरवरी 2021 को एफओजीएसआई फोर्स पीजी शैक्षणिक कार्यक्रम में।

वक्ता - 12 से 13 मार्च 2021 को एफओजीएसआई और एसईयूडी इंटरनेशनल एंडोमेट्रियोसिस ई-कॉन्फ्लेव में- एंडोमेट्रियोसिस सर्जरी: जीवन में एक बार।

पैनल मॉडरेटर - पीआईडी पर एसएफओजी मातृ और प्रसवकालीन स्वास्थ्य समिति द्वारा 12 मार्च 2021 को वेबिनार में पीआईडी चुनौतियों और व्यावहारिक समाधान केस आधारित सक्रिय सत्र का प्रबंधन।

पैनलिस्ट- प्रेग्नेंसी बाय आईएसओपीएआरबी विदर्भ चैप्टर द्वारा 17 मार्च 2021 को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था में, गर्भावस्था में थायरॉयड विकार पर वेबिनार।

पैनलिस्ट - 25 मार्च 2021 को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स इंडिया चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में पाटलिपुत्र एसीएससीओएन 2021 द्वारा प्रेग्नेंसी में एक्यूट एंडोमेन पर वेबिनार।

एमटीपी सीक्वेल और हिस्टेरोस्कोपी (एशरमैन सिंड्रोम और आरपीओसी), 19 जून 2020।

मास्टर क्लासेस - फर्टिलिटी एन्हांसिंग एंडोस्कोपिक सर्जरी पर 5 दिनों की श्रृंखला, 3, 4, 5 12 और 18 जुलाई 2020।

गाइनी सर्जिकल स्किल्स एन्हांसमेंट, पहली सीरीज़, 13 अगस्त 2020.

गाइनी सर्जिकल स्किल्स एन्हांसमेंट, दूसरी सीरीज़, 14 अगस्त 2020.

गाइनी सर्जिकल स्किल्स एन्हांसमेंट, तीसरी सीरीज़, 16 अगस्त 2020.

एओजीडी के तत्वावधान में एफओजीएसआई जन जागरूकता समिति, किशोर स्वास्थ्य समिति, नैतिकता और चिकित्सा कानूनी समिति, परिवार कल्याण समिति, खाद्य एवं औषधि और मेडिको सर्जिकल उपकरण समिति, स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी समिति, गर्भावस्था में चिकित्सा विकारों चिकित्सा शिक्षा समिति, पेरिनेटोलॉजी कमेटी के सहयोग से 15 अगस्त 2020, जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया था।।

17 अगस्त 2020 को लेप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टोमी पर ट्यूटोरियल।

टीएलएच पर ट्यूटोरियल का आयोजन 18 अगस्त 2020 को किया गया था।

पैनल चर्चा- हिस्टेरोस्कोपी: "जटिलताओं को टालना और सुरक्षित रूप से निपटना" केस आधारित चर्चा, 19 अगस्त 2020।

एंडोस्कोपी शिखर सम्मेलन, 25 सितंबर 2020.

इंडोस्कोपिक शिखर सम्मेलन, 28 सितंबर 2020.

एंडोस्कोपी फिएस्टा, 5 अक्टूबर 2020.

एंडोस्कोपी अपडेट पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 20 दिसंबर 2020.

5 जनवरी 2021 बहु-विषयक समिति एओजीडी के सहयोग से एडिनोमायोमा को समझना और उसका उपचार करना।

एफओजीएसआई एंडोमेट्रियोसिस कमेटी और यूके सोसाइटियों के तत्वावधान में 29 जनवरी 2021 को पैन इंडिया एंडोमेट्रियोसिस संगोष्ठी।

सांध्य जैन

एसओवीएसआई के तत्वावधान में 24 अगस्त 2020 को सोसाइटी ऑफ वेजाइनल सर्जन दिल्ली द्वारा वॉल्यूम रिडक्टिव सर्जरी में 'ट्रबल शूटिंग' पर वेबिनार।

संकाय- स्मार्ट लर्निंग पीजी प्लेटफॉर्म: केस बेस्ड इंटरएक्टिव सेशन। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल द्वारा 12 सितंबर 2020 को आयोजित: एयूबी (ओ एंड एम) में प्रबंधन दृष्टिकोण।

ओब्स एंड गायने.विभाग, शारदा हॉस्पिटल एंड आईएमएस, दिल्ली द्वारा विश्व रजोनिवृत्ति माह पर वैज्ञानिक अद्यतन पर वेबिनार। रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य पर पैनल चर्चा, 27 अक्टूबर 2020.

42वां वार्षिक और पहला ई-सम्मेलन। मूत्रविज्ञान में यूरोडायनामिक्स के व्यावहारिक अनुप्रयोग और प्रबंधन पर इसके प्रभाव पर पैनल चर्चा। सम्मेलन के बाद ई-कार्यशाला: मूत्रविज्ञान कार्यशाला, 6 नवंबर, 2020।

42वां वार्षिक और पहला ई-सम्मेलन। एम्ब्रायोलॉजिकल इनसाइट्स इनटू वेजाइनल एट्रेसिया। 25 अक्टूबर 2020 को पोस्टर प्रस्तुति।

42वां वार्षिक और पहला ई-सम्मेलन। रोल ऑफ 2डी ट्रांसपेरिनल अल्ट्रासाउंड इन डिटेक्टिंग ओकल्ट एनल इंजुरी गुप्त। फ्री पेपर प्रस्तुति, 24 अक्टूबर 2020.

एफपी के लिए एफओजीएसआई संकल्प यात्रा फेलोशिप। गर्भनिरोधक में अद्यतन: एफओजीएसआई 2020 एफडब्ल्यूसी भाग 1 के अंतर्गत, ओब्स एंड गायनेकोलॉजी, यूसीएमएस और जीटीबीएच विभाग के सा।, 29 नवंबर 2020।

एसओवीएस-दिल्ली द्वारा आयोजित "पोस्ट ऑपरेटिव वॉयोडिंग डिसफंक्शन-डिलिमाज एंड मैनेजमेंट" पर वेबिनार। 9 जनवरी 2021 को केस बेस्ड डिस्कशन ऑन पोस्ट ऑपरेटिव वॉयोडिंग प्रॉब्लम्स- प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट पर पैनलिस्ट।

यूरोगायनेकोलॉजी कमेटी एओजीडी और एफओजीएसआई द्वारा 29 जनवरी, 2021 को तनाव मूत्र असंयम पर यूरोगायनेकोलॉजी मास्टर-क्लास वेबिनार आयोजित में संकाय।

ट्वेंटी थर्ड प्रैक्टिकल कोर्स में टीचिंग संकाय और यूरोवेजाइनल प्रोलैप्स विषय पर एमएमसी में सीएमई, 12 मार्च 2021.

श्रुति भास्करन

पैनलिस्ट "एयूबी इन पेरिमेनोपॉज़", एओजीडी, जून 2020।

संकाय- टॉक आन एमईसी: केस स्टडी इन मेडिकल कंडीशन। संकल्प एफपी कार्यशाला, नवंबर 2020।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां: जीटीबी अस्पताल में 30 अक्टूबर 2019 को एओजीडी ऑन्कोलॉजी कमेटी और ब्लिस फाउंडेशन के तत्वावधान में स्तन कैंसर जागरूकता पर सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया।

संकाय की संख्या: 19

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग के संकाय को एमसीआई, यूपीएससी, डीएमसी, एनबीई, एफओजीएसआई, एओजीडी, एओजीआईएन जैसे विभिन्न शैक्षणिक निकायों में विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित किया जाता है और विभाग ने एजीओआई, एओजीआईएन इंडिया, नारची और एओजीडी जैसे विभिन्न संघों के कार्यालय में शामिल है। संकाय इन संघों में प्रमुख पदों पर रहा है और बड़ी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। व्याख्यान देने और विभिन्न प्रतिष्ठित शैक्षणिक सम्मेलनों में अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए संकाय को राष्ट्रीय स्तर पर भी आमंत्रित किया जाता है। काउंसिलिंग के दौरान यूसीएमएस पोस्टग्रेजुएट्स की पहली पसंद है।

प्रसूति एवं स्त्री रोग (एमएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग रोगियों के लिए तृतीयक देखभाल प्रदान करता है और प्रसूति एवं स्त्री रोग में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रति वर्ष 250 स्नातक छात्रों और 20 स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाया जाता है, "प्रजनन चिकित्सा (3 फेलो/वर्ष)" और "मातृ भ्रूण चिकित्सा (2 फेलो/वर्ष)" में प्रत्येक में 2 छात्रों को राष्ट्रीय बोर्ड की फेलोशिप। हमारे पास बांझपन और आईवीएफ, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, भ्रूण चिकित्सा, स्त्री रोग संबंधी एंडोक्राइन और स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी पर विशेष क्लिनिक हैं।

मार्च 2021 में ओबीजीवाई विभाग द्वारा "23 वां प्रैक्टिकल कोर्स और सीएमई इन ओबीजीवाई" आयोजित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में पूरे भारत से 300 से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थी आए और पूरे संकाय ने व्याख्यान और मामले पर चर्चा की। परिवार नियोजन और पीपीआईयूसीडी के लिए समय-समय पर विभाग में प्रशिक्षकों (टीओटी) का प्रशिक्षण दिया गया और 50-60 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

चूंकि अस्पताल को अप्रैल 2020 से समर्पित कोविड अस्पताल घोषित किया गया था। विभाग ने कोविड पॉजिटिव मामलों में लगभग 600 डिलीवरी संभाली थी।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. अस्मिता एम राठौर - एनबीई दिल्ली द्वारा संचालित एफएनबी-मातृ भ्रूण चिकित्सा की नोडल अधिकारी है।

वे टास्क फोर्स मातृ स्वास्थ्य-एनसीटी सरकार, डीएफडब्ल्यू दिल्ली की सदस्य हैं।

एमआरसीओजी परीक्षक-

विभाग के सभी संकाय स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षक, डीएनबी परीक्षक, यूपीएससी सलाहकार, एमसीआई निरीक्षक और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में अन्य विश्वविद्यालयों में जाते हैं।

मध्य जिला दिल्ली के लिए सबसे अधिक संख्या में नसवंदी और पीपीआईयूसीडी सम्मिलन के लिए विभाग को पुरस्कार प्राप्त हुए।

विभाग के कई पीजी राज्य और राष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

प्रकाशन

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कंट्रासेप्शन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 9(10), 4033. रानी, आर., आर. शर्मा, और कोहली, सी., महिला नसवंदी विफलता, परिणाम और आगे गर्भनिरोधक: दस वर्षों से अधिक के मामलों की समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, कंट्रासेप्शन ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 9(10), 4033.

राठौर, ए.एम., मीना, एस.बी., रानी, आर., गोस्वामी, डी., और त्रिपाठी, आर. (2020). उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का सत्यापन अध्ययन। द इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 152(5), 519.

रानी आर, भसीन एच, पुनिया एस. (2021). वैन विक ग्रंथैक सिंड्रोम: बच्चों में डिम्बग्रंथि पुटी और असामयिक यौवन के लिए एक विरल कारण। पैन एशियन जर्नल ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 4(1):36-38.

शोध परियोजनाएं:

कुल संख्या-1

क्रमांक.	परियोजना का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक	वित्तपोषक एजेंसी
1	तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रसव के बीच मृत जन्म (स्टिल बर्थ) के निर्धारक	डॉ. एम.एम. गुप्ता	आईसीएमआर जारी
2.	मृत जन्म का पंजीकरण (स्टिल बर्थ रजिस्ट्री)		

आयोजित संगोष्ठियां

विभाग ने, विभाग के सम्मेलन कक्ष में 5 अप्रैल और 17 अगस्त, 2019 को एसआर ओरिएंटेशन का आयोजन किया।

विभाग ने 26 अक्टूबर, 2019 को वर्चुअल मोड में 41वीं वार्षिक सम्मेलन एओजीडी सम्मेलन पूर्व कार्यशाला का आयोजन किया

विभाग ने 08 अगस्त, 2020 को वर्चुअल मोड में एमएआरसीएचआई द्वारा प्रायोजित कंट्रासेप्शन: मेकिंग राइट चॉइस का आयोजन किया।

विभाग ने 12 मार्च, 2021 से 14 मार्च, 2021 तक एमएमसी सभागार नई दिल्ली में 23वें प्रायोगिक पाठ्यक्रम एवं एएमपी, सीएमई का आयोजन किया।

संगोष्ठी या सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. अस्मिता एम राठौर ने संकाय के रूप में 10-15 राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।

अधिकांश संकाय ने दिल्ली में आयोजित एओजीडी और एनएआरसीएचआई सम्मेलन 2020 में भाग लिया। इन सम्मेलनों में अधिकांश स्नातकोत्तरों ने परचे प्रस्तुत किये।

दिल्ली में 26-30 अक्टूबर से वर्चुअल एओजीडी सम्मेलन में पेपर प्रस्तुतियाँ।

पूरियन एल, गांधी जी, गोस्वामी डी, अग्रवाल के ई, इफिसियेशी एंड सेफ्टी एक पूर्व सीजेरियन सेक्शन वाली महिलाओं में 20 सप्ताह तक के गर्भ के लिए गर्भावस्था को समाप्त करने में मिसोप्रोस्टोल की प्रभावकारिता और सुरक्षा।

ए चौधरी, टेम्पे ए, कुमार डी, गर्ग ए, एंडोमेट्रियोसिस में प्रजनन परिणाम के अनुमान के लिए एंडोमेट्रियोसिस फर्टिलिटी इंडेक्स।

सिंह एस, राठौर ए एम, गुप्ता एम एम, अरोड़ा पी, कोनेर बी पी - गर्भावस्था में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया में प्लेटलेट इंडेक्स की भूमिका

मंत्री ए, साहू एल. गुप्ता एम एम., दूसरे चरण के सीजेरियन सेक्शन में मातृ और भ्रूण के परिणाम।

भारतीप्रिया, राठौर ए एम, अग्रवाल के, भसीन एस सिंह पी, जोखिम कारकों और सिम्फिसियोफंडल ऊंचाई का उपयोग करके छोटे गर्भकालीन उम्र के भ्रूण की जांच।

त्सेरिंग सी, साहू। एल, गुप्ता एम एम, गर्भ के 39+ से 41+ सप्ताह के बीच प्रसव के दौर से गुजर रही अशक्त महिलाओं में मातृ और भ्रूण के परिणाम।

नायर के, साहू एल, प्रसव के समय गर्भकालीन आयु और गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस वाली महिलाओं में मातृ और प्रसवकालीन परिणाम,

साध्वी एस, एस गुप्ता, एस प्रसाद, एस कपूर, गर्भवती महिलाओं में गर्भावधि मधुमेह के साथ और बिना सीरम एडिपोनेक्टिन का स्तर।

सिद्धीकी एस. एफ, माला वाई एम, त्यागी एस। सिजेरियन सेक्शन में रक्तसाव के नियंत्रण के लिए रोगनिरोधी ट्रानेएक्सेमिक एसिड बनाम मिसोप्रोस्टोल की तुलना।

सुमा बी, तंवर आर, प्रसाद एस - आईयूआई से गुजरने वाली महिलाओं में आइसोसोरबाइड मोनोनिट्रेट का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

एस. त्यागी, माला वाई एम, गर्ग ए, गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त विकारों में नाइक्स सेरेब्रोटैरिन अनुपात और सेरेब्रोप्लासेंटल अनुपात।

कुशवाहा एस, गोस्वामी डी, गांधी जी, एस कौशिक, पीसीओएस वाली महिलाओं के फेनोटाइप और मेटाबॉलिक प्रोफाइल।

कुमार डी, ए टेम्पे, 28 सप्ताह या उससे अधिक के गर्भ में एसोसिएशन ऑफ यूटेराइन आर्टरी डॉ.पलर और प्रसूति परिणाम के साथ इसका संबंध।

लक्ष्मी, डॉ. वाई. एम. माला, कोविड-19 के साथ गर्भावस्था में विटामिन डी की कमी और नैदानिक परिणामों से इसका संबंध।

सिंह एस, एस गुप्ता, गंभीर रूप से बीमार कोविड प्रसूति रोगियों में भ्रूण-मातृ परिणाम।

एआईसीसी आरसीओजी ई कॉन्क्लेव प्रस्तुति

भारतीप्रिया, ए एम राठौर, जोखिम कारकों और सिम्फिसियोफंडल ऊंचाई का उपयोग करके गर्भकालीन कम उम्र के भ्रूण के लिए स्क्रीनिंग।

संकाय की संख्या-

शिक्षण

स्थायी -15,

अस्थायी-3

गैर शिक्षण-7

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

स्नातकोत्तर उपलब्धियों के बारे में-

स्नातकोत्तर डॉ. भारतीप्रिया को एओजीडी सम्मेलन में द्वितीय पुरस्कार मिला।

डॉ. सुविद्या सिंह को एओजीडी सम्मेलन में हाई रिस्क प्रेगनेंसी में प्रथम पुरस्कार मिला।

डॉ. लक्ष्मी और डॉ. मोनिका को एओजीडी सम्मेलन में प्रशंसा शोध मिला।

नेत्र विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

ऑप्टल्मोलॉजी विभाग में सीनियर रेजिडेंट की 4 सीटों की बढ़ोतरी की गई है।

12 मार्च 2021 को सूचना पुस्तिका वितरण के साथ ग्लूकोमा जागरूकता वार्ता।

नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर एमबीबीएस छात्रों के लिए नेत्रदान जागरूकता वार्ता। (25 अगस्त 2020 से 8 सितंबर 2020)

9 सितंबर 2020 को एलएचएमसी और संबंधित अस्पतालों के नर्सिंग स्टाफ के लिए नेत्रदान जागरूकता अतिथि व्याख्यान

डॉ. सरिता बेरी	
सदस्यता	भारतीय मानक ब्यूरो की सदस्य
बाहरी विशेषज्ञ	डॉ. आरपी सेंटर एम्स नई दिल्ली के लिए महंगे उपकरण और खरीद के लिए बाहरी विशेषज्ञ
एमसीआई निरीक्षण	मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरपुर 4/9/2020 नेत्र विज्ञान में पीजी सीटों में वृद्धि के लिए निरीक्षण
	गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कडपा, आंध्र प्रदेश)रिम्स (8/9/2020 नेत्र विज्ञान में पीजी सीटों में वृद्धि के लिए निरीक्षण
	भारत के मेडिकल कॉलेजों)10) का एमबीबीएस निरीक्षण एमसीआई, द्वारका में ऑनलाइन 15-17/9/2020
बाहरी विशेषज्ञ	सीनियर रेजिडेंट इंटरव्यू के लिए जीएनईसी, एमएएमसी
बाहरी विशेषज्ञ	एचएससीसी द्वारा एम्स, रायबरेली के नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा उपकरणों की खरीद के लिए।
बाहरी विशेषज्ञ	11 फरवरी 2021 डॉ. आरपी सेंटर एम्स नई दिल्ली में पीएच.डी. के चार सीनियर रेजिडेंट सीटों की बढ़ोतरी के लिए बाहरी विशेषज्ञ
बाहरी विशेषज्ञ	5 मार्च 2021 भारती-। सेंटर, ग्रेटर कैलाश वन में एचटी ओटी ए द्वारा कॉर्नियल प्रत्यारोपण नवीनीकरण लाइसेंस के लिए बाहरी विशेषज्ञ नई दिल्ली 20 मार्च 21 टॉस मिड टर्म कॉन्फ्रेंस 20 मार्च 21 मार्च अशोका होटल नई दिल्ली सर्जिकल रेटिना सत्र के अध्यक्ष
बाहरी परीक्षक	
16-18 /6/2020	डॉ. आर पी सेंटर में एम्स एमडी परीक्षा
6/8/ 2020	डीएनबीई, द्वारका में ओस्की चेकिंग
नेत्र बैंकिंग	केराटोप्लासी और आई बैंकिंग के लिए एओटीटीओ टीम के सदस्य
08/09/2020	डॉ. आर पी सेंटर, एसआईएमएस में सामुदायिक नेत्र विज्ञान में पीएच.डी.
5/10/20	एफएनबीई प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न पत्रों का डीएनबीई सत्यापन -विट्रो रेटिना
15/12/2020	डीएनबी परीक्षा बाहरी, मेदांता, मेडिसिटी
15-18/02/2021	15 से 18 फरवरी 2021, डॉ. डीवाई पाटिल मेडिकल कॉलेज पुणे में एमबीबीएस के लिए बाहरी परीक्षक

डॉ. जिया चौधरी, निदेशक प्रोफेसर	मई 2020 तक ईवाई सेक्शन (आई मूवमेंट्स, स्ट्रैबिस्मस, न्यूरो-नेत्र विज्ञान और एंबीलिया) के लिए एआरवीओ वार्षिक बैठक कार्यक्रम समिति अध्यक्ष
	संपादक, संपादकीय मंडल के सदस्य और सहकर्मी की समीक्षा के समीक्षकों ने पबमेड अनुक्रमित पत्रिकाओं की समीक्षा की बीएमसी ऑप्टल्मोलॉजी [एसोसिएट एडिटर], प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर स्ट्रैबिस्मस [संपादकीय मंडल]; प्रकाशक: टेलर और फ्रांसिस नेत्र विज्ञान रेत चिकित्सा [संपादकीय सलाहकार परिषद]; प्रकाशक: स्प्रिंगर
डॉ. पीयूष कुमार	भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य

आर सहायक प्रोफेसर	रामावत,	एम्स में उपकरणों की खरीद के लिए समिति के सदस्य
		फैकल्टी वेलफेयर एसोसिएशन, एलएचएमसी के सदस्य
		नए संरेखण और एकीकरण समिति के सदस्य, एलएचएमसी
		इस वर्ष हमारे विभाग में सेलेक्टिव लेजर ट्रेबेकुलोप्लास्टी, केराटोप्लास्टी और कोलेजन क्रॉस लिंकिंग जैसी नई प्रक्रियाएं आरंभ की गई हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. सरिता बीआरआई (विभाग प्रमुख)

18-20 दिसंबर 2020 को वार्षिक डॉ.स सम्मेलन बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान (दिलचस्प मामले) ऑनलाइन सत्र में पेपर प्रस्तुति में- एक शिशु में फ्रॉस्टेड शाखा एंजाइटिस- एक विरल प्रस्तुति, के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. ओम प्रकाश

18 से 20 दिसंबर 2020 डीओएस 2020, इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस में पेपर प्रस्तुति।

अभिषेक उपाध्याय, मानसी सेठी, अनीता नांगिया, प्रकाश ओ.: न्यूरो-ऑप्टिकमोलॉजी (फ्री पेपर) में "ब्रेस्ट कैंसर के इंट्राकैनालिकुलर मेटास्टेसिस के कारण कंप्रेसिव ऑप्टिक न्यूरोपैथी"

मौखिक प्रस्तुति के लिए तृतीय पुरस्कार

डॉ. जिया चौधरी

एआरवीओ ग्लोबल मॅटरशिप प्रोग्राम: जुलाई 2020 से दिसंबर 2020 तक एआरवीओ द्वारा मॅटर चुने गए।

प्रकाशन:

एम. खेर, एस. बेरी, एच.एस.रेहान, ए. प्रकाश और एल.के गुप्ता, (2020). टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में मोनोसाइट कीमोअट्रेक्टेंट प्रोटीन -1 और कैथेप्सिन-डी पर मेटफॉर्मिन और इंसुलिन संयोजन का प्रभाव। डायबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लिनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज, 14(6), 1703-1710

एस. मदन और एस. बेरी, (2021). साइटोकाइन स्टॉर्म इन पीडियाट्रिक मल्टीसिस्टम इम्प्लेमेंटरी सिंड्रोम टेम्पररिली एसोसिएटेड विद कोविड-19: इज इट एमनेबल टू कन्वल्सेंट प्लाज्मा?

मदन, एस. और एस. बेरी, (2021). आरई: रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी एंड कोविड-19 की: इज देयर ए कोरिलेशन?

एस. मदन और बेरी, एस (2021). आरई: कैन द ऑप्टिकमोलोजिस्ट कंट्रीब्यूट टू द पॉइंट ऑफ केयर टेस्टिंग फॉर कोविड-19?

ओ. प्रकाश, और एम. सेठी, (2020). एक्स्टेंसिव पल्पेब्रल मोलस्कम कॉन्टैगिओसम इन एन इम्युनोकोम्पेटेंट चाइल्ड। द इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 152(4), 432.

पी.आर. रामावत (2021). नॉर्मोटेंसिव ग्लूकोमा में व्यावहारिक दृष्टिकोण। जेड चौधरी, एम. वनथी (संपा) में। पोस्टग्रेजुएट आप्थल्मोलॉजी (द्वितीय संस्करण, 1016-1028) दिल्ली, भारत: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स

ए.जी.नायर, सी. अहिवाल, ए.ई. बचवा, टी. शेठ, वी.सी. लांसिंग, एस.एस.वेदुला, ... और जे पेटी, (2021). नए सर्जनों में मैन्युअल छोटे चीरे की मोतियाबिंद सर्जरी के लिए सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 11(1), 1-9.

पुस्तकें:

जेड चौधरी, एम. वनथी पोस्टग्रेजुएट ऑपथल्मोलॉजी, वॉल्यूम 1 और 2, नई दिल्ली जेपी मेडिकल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, दूसरा संस्करण, 2020। उन्होंने इस पुस्तक के विभिन्न अध्यायों को व्यक्तिगत रूप से और अन्य लेखकों के साथ लिखा है।

संगोष्ठियों का आयोजन

12 मार्च 2021 को सूचना पुस्तिका वितरण के साथ ग्लूकोमा जागरूकता वार्ता।

नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर एमबीबीएस छात्रों के लिए नेत्रदान जागरूकता वार्ता। (25 अगस्त 2020 से 8 सितंबर 2020)

2020 9 सितंबर 2020 को एलएचएमसी और संबंधित अस्पतालों के नर्सिंग स्टाफ के लिए नेत्रदान जागरूकता पर अतिथि व्याख्यान।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. पीयूष कुमार, आर. रामावत, डॉ. प्रणिता सहाय ने नेत्रदान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2020 तक आयोजित राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा समारोह में एमबीबीएस छात्रों के लिए ऑनलाइन नेत्रदान जागरूकता वार्ता दी।

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, डॉ. प्रणिता सहाय ने 25 अगस्त से 8 सितंबर 2020 तक नेत्र विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़ा समारोह में एलएचएमसी के नर्सिंग स्टाफ के लिए एम्स के गेस्ट संकाय द्वारा ऑनलाइन नेत्रदान जागरूकता वार्ता दी।

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, डॉ. प्रणिता सहाय ने नेत्रदान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2020 तक आयोजित राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा समारोह में एलएचएमसी के मेडिकल छात्रों, संकाय, निवासियों और कर्मचारियों के लिए नेत्रदान जागरूकता पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की।

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, डॉ. प्रणिता सहाय ने नेत्रदान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2020 को आयोजित राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े समारोह में एलएचएमसी के मेडिकल छात्रों, संकाय, निवासियों और कर्मचारियों के लिए नेत्रदान जागरूकता स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

डॉ. सरिता बेरी, डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, डॉ. प्रणिता सहाय ने नेत्रदान पखवाड़ा नेत्रदान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2020 तक आयोजित राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा में नेत्रदान के लिए जागरूकता फैलाई और आम जनता के लिए संकल्प शोध वितरित किए।

डॉ. सरिता बेरी (आयोजक), डॉ. सिद्धार्थ मदान (सहायक आयोजक) डीएनबीई के बाहरी परीक्षक के साथ 27 नवंबर 2020 को नेत्र विज्ञान विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेत्र विज्ञान विभाग में ऑफलाइन एफईई (फेलोशिप एक्जिट परीक्षा) आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां (अंतर्राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. सरिता बेरी, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, 18-20 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन वार्षिक डॉ.स सम्मेलन में रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी पर एक सत्र में संयोजक थीं।

डॉ. सरिता बेरी, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख, 18-20 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन वार्षिक डॉ.स सम्मेलन में, रेटिना पोस्टर 1-4 गैलरी की निर्णायक थीं।

डॉ. सरिता बेरी, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान (दिलचस्प मामले) सत्र में एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. सरिता बेरी, निदेशक प्रोफेसर और प्रमुख ने एक शिशु में फ्रॉस्टेड ब्रांच एंजियाइटिस - एक विरल प्रस्तुति सत्र में प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ. ओम प्रकाश, निदेशक प्रोफेसर ने पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए एमईयू संकाय सदस्य के रूप में भाग लिया।

अभिषेक उपाध्याय, मानसी सेठी, अनीता नांगिया, प्रकाश ओ. ने, 18 से 20 दिसंबर 2020 को आयोजित डॉ.स 2020 इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस में न्यूरो-नेत्र विज्ञान (फ्री पेपर) में "ब्रेस्ट कैंसर के इंट्राकैनालिक मेटास्टेसिस के कारण कंप्रेसिव ऑप्टिक न्यूरोपैथी" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया और मौखिक प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

डॉ. ओम प्रकाश, निदेशक प्रोफेसर ने 21 से 22 जुलाई, 2020 को "पाठ्यक्रम कार्यान्वयन सहायता कार्यक्रम (एमयू समन्वयकों और कॉलेज के संकाय सदस्यों के लिए सीआईएसपी-II प्रशिक्षण) में भाग लिया।

डॉ. ओम प्रकाश, निदेशक प्रोफेसर ने 10 अगस्त से 14 सितंबर 2020 तक एलएचएमसी एमईयू और दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, डीएलएसए दिल्ली द्वारा आयोजित एड ऑन ऑनलाइन लीगल लिटरेसी कोर्स में भाग लिया।

डॉ. जिया चौधरी, निदेशक प्रोफेसर ने एआरवीओ ईवाई एएमपीसी चेयर के रूप में 7-8 फरवरी, 2020 को वाशिंगटन डीसी में एआरवीओ द्वारा समर्थित 2020 शीतकालीन एआरवीओ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यशाला में भाग लिया।

जेड चौधरी, एस गांगुली, पी देबनाथ। उत्तर भारत में पारिवारिक प्राथमिक सहवर्ती स्ट्रैबिस्मस वंशावली। बाल्टीमोर, मैरीलैंड, यूएसए में 2020 एआरवीओ वार्षिक बैठक के लिए डॉ. जिया चौधरी द्वारा मौखिक प्रस्तुति। मई 2020 में एआरवीओ लर्न में वर्चुअल प्रस्तुति के रूप में अपलोड किया गया।

डॉ. जिया चौधरी, निदेशक प्रोफेसर ने मई 2020 में वर्चुअल एआरवीओ बैठक (एआरवीओ लर्न पर अपलोड) में "स्ट्रैबिस्मस के जेनेटिक्स" की ईवाई जेनेटिक्स संगोष्ठी में "स्ट्रैबिस्मस में संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग" पर आमंत्रित वार्ता दी (कोविड-19 महामारी की वजह से भौतिक बैठक रद्द होने के कारण)

डॉ. जिया चौधरी, निदेशक प्रोफेसर ने 14 नवंबर, 2020 को नेत्र आनुवंशिकी अध्ययन समूह की आभासी 44वीं बैठक में "डिस्कवरी जीनोमिक्स एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ नॉवेल जीन्स इन स्ट्रैबिस्मस" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, सहायक प्रोफेसर, वेट लैब एसआईसीएस, नेत्र विज्ञान विभाग, डॉ. आरएमएल अस्पताल और पीजीआईएमआर नई दिल्ली, एसआईसीएस सभागार पर वेट लैब डॉ. आरएमएल अस्पताल और पीजीआईएमआर नई दिल्ली के प्रशिक्षक थे।

डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत, सहायक प्रोफेसर ने एक प्रतिनिधि के रूप में कई ऑनलाइन सम्मेलनों, सेमिनारों और सीएमई में भाग लिया।

पीयूष कुमार आर रामावत ने अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सम्मेलन 2020 में टाइप-I मधुमेह रोगी में कक्षीय सेल्युलाइटिस के रूप में राइनोसेरेब्रल-म्यूकोर्मिकोसिस नकल पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

1 अगस्त 2016 से एलएचएमसी और एसएसके अस्पताल में भारत सरकार के एनपीसीबी के राष्ट्रीय नेत्र बैंक "अस्पताल कॉर्नियल रोगी कार्यक्रम" (एचसीआरपी) के साथ समझौता ज्ञापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. सरिता बेरी और डॉ. पीयूष कुमार आर रामावत ने नेत्र उपकरणों और अन्य सामानों की अनुभागीय समिति (भारतीय मानक ब्यूरो) की बैठकों में एक सदस्य के रूप में भाग लिया है।

डॉ. पीयूष कुमार आर. रामावत ने आगामी नए एम्स, पीएमएसएसवाई उन्नयन परियोजनाओं के विभिन्न विभागों और सेवाओं के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए खरीद सहायता एजेंसी (पीएसए) द्वारा बुलाई गई बैठकों में भाग लिया। एलएचएमसी (02-03-2021) और गुरुग्राम (19-02-2021) में विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा ओसीटी मशीनों का प्रदर्शन किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां : पीएसएम विभाग एलएचएमसी के माध्यम से कल्याण पुरी औषधालय ओपीडी केंद्र

संकाय की संख्या : 7

नेत्र विज्ञान (जीएनईसी)

विभागाध्यक्ष का नाम

डॉ. कीर्ति सिंह, निदेशक प्रोफेसर

इस अवधि के दौरान छोड़ने वाले सदस्य

डॉ. पी के पांडे, निदेशक प्रोफेसर, सेवानिवृत्त

डॉ. उषा के रैना, निदेशक प्रोफेसर, सेवानिवृत्त

संकाय के वृद्धि

डॉ. नेहा राठी, सहायक प्रोफेसर (संविदात्मक) ने 02.06.2020 से नया कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. पूजा वंसल, सहायक प्रोफेसर (संविदात्मक) ने 08.06.2020 से नया कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. अन्नू जून, सहायक प्रोफेसर (संविदात्मक), नवनियुक्त 13.07.2020 से नया कार्यभार ग्रहण किया।

अनुसंधान योजनाएं

निम्नलिखित थीसिस और परियोजनाएं शुरू की गईं-

प्राथमिक रेग्मेटोजेनस रेटिनल डिटेचमेंट में स्कलेरल बकलिंग सर्जरी के बाद ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी मापदंडों का मूल्यांकन। डॉ. अलका यादव, डॉ. पुनीता के सोढ़ी, डॉ. सुशील कुमार

लेटरल रेक्टस इलांगेशन के बाद सर्जिकल परिणाम, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. प्रिया सराफ, डॉ. पी के पांडे, डॉ. कीर्ति सिंह।

स्वस्थ भारतीय आँखों में स्पेक्ट्रल डोमेन ऑप्टिकल कोहरेस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करके फोवियल एवस्कूलर ज़ोन का विश्लेषण। डॉ. प्रियदर्शी गुप्ता, डॉ. मीनाक्षी ठाकर, डॉ. उषा कौल रैना।

बच्चों में मायोपिया की प्रगति के नियंत्रण में 0.01% एट्रोपिन आई ड्रॉप्स की भूमिका। डॉ. श्वेता विश्वनाथ, डॉ. सुभाष दडेया, डॉ. ऋतु अरोड़ा।

लार्ज एंगल हॉरिजेंटल स्ट्रैबिस्मस के लिए यूनिलैटरल दो पेशी बनाम द्विपक्षीय तीन पेशी सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. नागपाल वैभव अमर, डॉ. कमलेश आनंद, डॉ. अंजू रस्तोगी।

समीपस्थ कैनालिक्युलर ब्लॉकों में प्रतिगामी बायइनालिक्युलर इंटरबेशन और कंजंक्टिवोडाक्रिओसिस्टोरहिनोस्टॉमी के साथ डैक्रिओसिस्टोरहिनोस्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. प्रियंका गोलहैट, डॉ. रुचि गोयल, डॉ. सुशील कुमार।

थायराइड नेत्र रोग में पेरिबल्बर स्टेरॉयड थेरेपी और इंट्रावेनस पल्स स्टेरॉयड थेरेपी का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. आयुषी अग्रवाल, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. रुचि गोयल।

पुनीता कुमारी सोढ़ी एमएएमसी कॉलेज वार्षिक बजट योजना 2018-2019 के अंतर्गत "उन्नत इंट्राक्रैनील दबाव की चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग सुविधाओं वाले विषयों में अंतःसावी दबाव का मूल्यांकन" नामक परियोजना पर काम कर रही हैं।

पुनीता कुमारी सोढ़ी "सार्स-सीओवी-2 के ठीक हो चुके मरीजों में रेटिना के ऑप्टिकल कोहेरेन्स टोमोग्राफी एंजियोग्राफी पैरामीटर्स का मूल्यांकन" नामक परियोजना पर काम कर रही हैं।

स्वस्थ भारतीय आँखों में स्पेक्ट्रल डोमेन ओक्टा का उपयोग करके फोवियल एवस्कूलर ज़ोन का विश्लेषण। डॉ. मीनाक्षी ठाकर

जन्मजात नेसोलैक्रिमल डक्ट रुकावट में एंजियोजेनिक जोखिम कारकों की व्यापकता। डॉ. मीनाक्षी ठाकर।

एक्सट्राम्यूरल प्रीटरम नियोनेट्स में एसएनएपी2 के अनुक्रमिक माप द्वारा मृत्यु दर की भविष्यवाणी। डॉ. मीनाक्षी ठाकर डीएम नियोनेटोलॉजी थीसिस के लिए एस्को गाइड।

फोरनिक्स इनसिशन स्ट्रैबिस्मस सर्जरी के साथ न्यूनतम इनवेसिव स्ट्रैबिस्मस सर्जरी का तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. अक्षय, डॉ. सुभाष दडेया।

एसेंट्रिक फिक्सेशन के साथ एंजिओपिया के उपचार में कन्वेंशनल अक्लुजन और इनवर्स अक्लुजन की तुलना। डॉ. वैशाली, डॉ. सुभाष दडेया।

वयस्क एंजिओपिया के उपचार में एक सहायक चिकित्सा के रूप में मौखिक साइटिकोलिन की प्रभावकारिता। डॉ. दीपांशु, डॉ. सुभाष दडेया।

एडल्ट एंजिओपिया में नियर विजुअल एक्सरसाइज के रूप में मोबाइल गेम्स की भूमिका। डॉ. ऋषभ, डॉ. सुभाष दडेया।

प्रकाशन

सिंह, के., भट्टाचार्य, एम., ए.गोयल, आर. अरोड़ा, गोटमारे, एन., और अग्रवाल, एच (2020). मध्यम मायोपिया में ऑर्थोकरेटोलॉजी: पूर्वानुमेयता और सुरक्षा का एक अध्ययन। जर्नल ऑफ ऑप्टिकल एंड विजन रिसर्च, 15(2), 210.

आर. शेटी, श्रॉफ, आर., छाबड़ा, ए., आर. अरोड़ा, और लालगुडी, वी. जी. (2021). पूर्वकालिक कॉर्नियल निशान हटाने के लिए टोपोग्राफी-आधारित अनुकूलित ट्रांस-एपिथेलियल फोटोथेरेप्यूटिक केराटेक्टॉमी यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑप्टिकलोलॉजी, 31(3), 1437-1443.

आर. गोयल, आर. अरोड़ा, खानम, एस., एस. सक्सेना, वी. मनचंदा, और पुम्मा, पी. (2020). क्या नेत्र प्रक्रियाओं से पहले कोविड-19 परीक्षण करना आवश्यक है? यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑप्टिकलोलॉजी, 68(11), 2335.

आर. गोयल, आर. अरोड़ा, छाबड़ा, एम., और एस. कुमार, (2020). नेत्रश्लेष्मलाशोथ के रूप में होने वाले कोविड-19 मामलों के आँसू में वायरल शेडिंग। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्टिकलोलॉजी, 68(10), 2308.

आर. आर. अरोड़ा, गोयल, एस. कुमार, छाबड़ा, एम., एस. सक्सेना, वी. मनचंदा, और पुम्मा, पी. (2021). मध्यम से गंभीर कोविड-19 वाले रोगियों के आँसू में सार्स-कोव-2का मूल्यांकन। ऑप्टिकलोलॉजी 128(4), 494-503.

आर. अरोड़ा, सारण, आर., झा, वी., गोटमारे, एन.डी., और जैन, पी. (2020). क्रोनिक केमिकल बर्न के लिए लिम्बल स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन की विभिन्न तकनीकों के बाद ओकुलर सतह की इम्यूनोसाइटोकेमिस्ट्री। ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑप्टिकलोलॉजी।

पी.जैन, और आर. अरोड़ा, (2021). 13 वर्ष के बच्चे में पोस्टीरियर लेंटिकोनस (लेंटिग्लोबस)। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी-केस रिपोर्ट्स, 1(1), 14.

धीमान, एस., आनंद, के., रस्तोगी, ए., दत्ता, पी., पी.जैन, मिश्रा, एम., और नागपाल, वी. (2020). ऑर्बिटल एपेक्स सिंड्रोम सेकेंडरी टू मायोसिटिसरकोसिस: एक विरल केस रिपोर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी, 13(6), 1013.

आनंद, के., बेंदूर, एस., धीमान, एस., दत्ता, पी., मिश्रा, एम., रस्तोगी, ए., और सुरेश, पी (2020). बुनियादी प्रकार के आंतरायिक एक्सोट्रोपिया में प्लिकेशन बनाम रिसेक्शन के सर्जिकल परिणाम। कैनेडियन जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी, 55(4), 323-329.

सोढ़ी, पी.के (2020). कम दृष्टि वाले रोगी की नजरों से दुनिया को देखना। द ऑफिशियल साइंटिफिक जर्नल ऑफ डेव्ही ऑप्टल्मोलॉजिकल सोसायटी, 31(2), 23-29.

सोढ़ी पीके, गोयल पी, श्रीवास्तव एके, सरन आरके, रुस्तगी आर। (2020). नेत्र प्रस्तुति पर पिट्यूटरी एडेनोमा की चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग स्थिति का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च। 10(11).

राजुरकर, के., ठाकर, एम., गुप्ता, पी., और रस्तोगी, ए. (2020). फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की तुलना, ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी और ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी एंजियोग्राफी एलेस रोग में धब्बेदार परिवर्तन की विशेषताएं: एक केस श्रृंखला। जर्नल ऑफ ऑप्टल्मिक इंप्लेमेशन एंड इन्फेक्शन, 10(1), 1-10.

आर. आर. अरोड़ा, गोयल, मल्होत्रा, वी., और एस. कुमार, (2021). कोविड-19 महामारी के दौरान नेत्र बैंक सलाहकारों की पुनर्परिभाषित भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी, 69(2), 452.

खानम, एस., ए.अग्रवाल, आर. गोयल, राठी, एन., राउत, ए., राघव, एस., ... और एस. कुमार, (2021). इंटरऑर्बिटल विदेशी निकायों में नैदानिक प्रस्तुति और प्रबंधन रणनीतियाँ। नेत्र रोग चिकित्सा में केस रिपोर्ट्स इन ऑप्टल्मोलॉजिकल मेडिसिन, 2021.

गोटमारे, एन.डी., पी.जैन, आर. अरोड़ा, और गुप्ता, आई. (2021). विकासशील देशों में नेत्र चिकित्सा के पारंपरिक उपयोग के परिणाम: एक परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी एंड क्लिनिकल रिसर्च, 1(1), 1-4.

पी. वंसल, दीपू टी, ठाकर एम., रेटिना और रेटिना पिगमेंट एपिथेलियम का संयुक्त हैमार्टोमा: बचाव के लिए मल्टीमॉडल इमेजिंग। इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी।

सम्मेलनों में भागीदारी

दिल्ली ऑप्टल्मोलॉजिकल सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन 2020 अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन- डॉ. रितु अरोड़ा द्वारा फैको लाइव सर्जरी के साथ माइक्रोबियल केराटाइटिस और डीएसआईके पर निर्देश पाठ्यक्रम तैयार किया गया; डॉ. अन्नू जून ने पैनेलिस्ट और स्पीकर के रूप में भाग लिया; डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने आमंत्रित संकाय, निर्णायक, मॉडरेटर और प्रस्तुतकर्ता के रूप में भाग लिया; डॉ. सुभाष दडेया ने लाइव स्क्वंट सर्जरी के स्क्वंट इंटरनेशनल सत्र में वक्ता, अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

डॉ. रितु अरोड़ा द्वारा एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी लर्नर्स ग्रुप डीएसआईके पर फेकमूल्सीफिकेशन के साथ वर्चुअल कॉन्फ्रेंस।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने 31 अगस्त- 1 सितंबर, 2020 के दौरान वेबिनार के रूप में ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने आईटी, अभ्यास स्वचालन और नैदानिक सूचना विज्ञान समिति के डॉ.स उपसमिति के सदस्यों की 11 अगस्त, 2020 को आयोजित ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. सुभाष दडेया ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 13.12.2020 को एसपीओएसआई सम्मेलन में वक्ता, अध्यक्ष और निर्णायक के रूप में भाग लिया।

डॉ. सुभाष दडेया ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म सितंबर 2020 में एसएओ पीओएसए सम्मेलन में वक्ता के रूप में भाग लिया।

डॉ. अन्नू जून ने जनवरी 2021 में वर्चुअल एआईओएस-वाईओएसआई फोरम (सत्र मॉडरेटर के रूप में) में भाग लिया।

मार्च 2021 में मध्यावधि डीओएस सम्मेलन में डॉ. सुभाष दडेया ने (अध्यक्ष और अध्यक्ष के रूप में, स्ट्रेबिस्मस सत्र, लाइव स्विच लाइव सर्जरी प्रदर्शन) और डॉ. अन्नू जून (वक्ता के रूप में) ने भाग लिया।

मार्च 2021 में वर्चुअल मिड टर्म एसपीओएसआई सम्मेलन डॉ. सुभाष दडेया (अध्यक्ष और वक्ता के रूप में) ने भाग लिया।

अतिथि व्याख्यान- मार्च 2021 में बिहार ऑप्टेलमिक सोसाइटी के लिए एंबीलिया के प्रबंधन पर डॉ. सुभाष दडेया द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया।

जनवरी 2021 में डॉ. अन्नू जून द्वारा परिधि पर एनबीई राष्ट्रीय व्याख्यान दिया गया।।

महत्वपूर्ण घटनाएँ (संकाय को सम्मान)

डॉ. सुभाष दडेया ने अध्यक्ष डॉ.स के रूप में पदभार संभाला, उन्हें एसपीओएसआई की कार्यकारी समिति के सदस्य, सचिव एसएओ पीओएसए चुना गया और आईपीओएससी की परिषद की बैठक में विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। वे अध्यक्ष डॉ.स, सदस्य कार्यकारी एसपीओएसआई और सचिव एसएओ पीओएसए हैं।

डॉ. सुभाष दडेया आईजेपीओएस, डॉ.स टाइम्स और डीजेओ के संपादकीय मंडल में हैं और नैदानिक और प्रायोगिक दृष्टि और नेत्र अनुसंधान में स्ट्रेबिस्मस और बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान अनुभाग के संपादक हैं।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी व अन्य ने पोस्टर श्रेणी में "रंग दृष्टि के साथ विपरीत संवेदनशीलता को सहसंबंधित करना और कम दृष्टि वाले एड्स के साथ परिवर्तन" के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अलका यादव, पुनीता कुमारी सोढ़ी, कीर्ति जय सिंह, आयशा ने रेटिना पर फ्री पेपर प्रस्तुति सत्र में "रेटिनल डिटेचमेंट में स्कलेरल बकलिंग सर्जरी के बाद पूर्वकाल खंड ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी मापदंडों का मूल्यांकन" के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

पुनीता कुमारी सोढ़ी ने मेडिकल एक्सीलेंस फ्रेंडशिप फोरम के लिए मदर टेरेसा फाउंडेशन अवार्ड जीता

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी मोतियाबिंद और अपवर्तक सर्जरी के जर्नल, वर्तमान ग्लूकोमा प्रैक्टिस के जर्नल, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ क्लिनिकल ओप्टाल्मोलॉजी एंड रिसर्च की एक समीक्षक हैं।

डॉ. अन्नू जून दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्टल्मोलॉजी (डीजेओ) के स्ट्रेबिस्मस और ग्लूकोमा अनुभाग के लिए एक समीक्षक हैं; उन्होंने यो टाइम्स (बाल चिकित्सा अंक) के सहायक संपादक के रूप में कार्य किया अगस्त 2020, 16वां अंक (यंग ऑप्टल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया का आधिकारिक प्रकाशन); वे कार्यकारी सदस्य, यंग ऑप्टल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया (वाईओएसआई); कार्यकारी सदस्य और अकादमिक प्रभारी, यंग ऑप्टल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया (दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया) के दिल्ली स्टेट चैप्टर और युवा नेत्र रोग विशेषज्ञ के कल्याण के लिए दिल्ली ऑप्टल्मोलॉजिकल सोसाइटी (डीओएस) उप-समिति की अध्यक्ष हैं।

डॉ. अन्नू जून को ओटीएसआई (ऑकुलर ट्रॉमा सोसाइटी ऑफ इंडिया), द्वारा अक्टूबर 2020 में आयोजित प्रश्नोत्तरी में <40 वर्ष की श्रेणी में सेक्शन विजेता के रूप में सम्मानित किया गया।

विशेषज्ञ समिति में प्रतिनिधित्व

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने एनबीई, द्वारका कार्यालय में 07 सितंबर, 2020 को सत्यापन कार्यशाला में भाग लेकर अपने शोध संदर्भ संख्या एनबीई/वीएएलडी वर्कशॉप/डेंट/स्प/2020/003, दिनांक 5 सितंबर, 2020 के माध्यम से राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में प्रश्न बैंक के सत्यापन में भाग लिया।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने अपने शोध संदर्भ सं.: सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी/एनबीई/पीजीएनटीआर (एफईटी)/जून-2020/777 दिनांक 22 अगस्त, 2020 के माध्यम से विट्रो-रेटिना सर्जरी में स्नातकोत्तर निकास परीक्षा के लिए एमसीक्यू प्रश्न तैयार किए।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने 07 दिसंबर, 2020 को कॉलेज इन डर्मेटोलॉजी, साइकियाट्री, रेडियोथेरेपी, फॉरेंसिक मेडिसिन में रिपीट प्रस्तुति की प्रोटोकॉल प्रस्तुति में सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने 12 अक्टूबर, 2020 को सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, चंडीगढ़ के लिए नेत्र विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. रुचि गोयल अप्रैल 2020 से अप्रैल 2021 तक जीएनईसी के कोविड नोडल अधिकारी थीं- वे जीएनईसी को कोविड अस्पताल में बदलने में सक्रिय रूप से शामिल थीं। वे फरवरी 2021 से वर्तमान तक जीएनईसी टीकाकरण केंद्र की नोडल अधिकारी भी हैं।

डॉ. अन्नू जून फरवरी 2021 से अब तक जीएनईसी टीकाकरण एईएफआई की नोडल अधिकारी हैं।

समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएं- कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पताल को कोविड इकाई में बदल दिया गया था। फरवरी 2021 में जीएनईसी में सरकारी टीकाकरण केंद्र शुरू किया गया था।

लैब डेटा- कोविड-19 महामारी के दौरान नियमित रूप से आरटी पीसीआर और रैपिड एंटीजन परीक्षण किए गए। नियमित रक्त और नेत्र सतह सूक्ष्मजीवविज्ञानी और जैव रासायनिक परीक्षण दैनिक आधार पर किए जा रहे हैं।

नई सुविधाएं जोड़ी गईं

इरिडेक्स डायोड लेजर साइक्लोफोटोकोएग्यूलेशन (1)

हम्फ्री विजुअल फील्ड एनालाइजर - तीन (3)

ऑप्टोपोल ओसीटी मशीन (1)

कोई अन्य

एआईओएस सम्मेलन 2021 के लिए एआरसी पीजी थीसिस मूल्यांकनकर्ता-

विट्रो-रेटिना के लिए डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी,

स्क्वंट और ग्लूकोमा के लिए डॉ. अन्नू जून

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने न्यूरो-नेत्र विज्ञान में एआईओएस सम्मेलन 2021 के लिए फ्री पेपर का मूल्यांकन किया।

डॉ. पुनीता कुमारी सोढ़ी ने गुरु नानक आई सेंटर में आयोजित डॉ.स मासिक बैठक में - स्क्लेरल बकलिंग सर्जरी के बाद ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी में बदलाव पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभाष दडेया ने स्ट्रैबिस्मस सत्र की अध्यक्षता की और आई फोकस टीचिंग प्रोग्राम जनवरी 2020 में एंजेलोपिया में अवधारणाओं पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अन्नू जून ने अक्टूबर 2020 में बॉम्बे ऑप्टल्मोलॉजिस्ट एसोसिएशन- पीजी शिक्षण कार्यक्रम के लिए पेरीमेट्री ए-जेड पर एक ऑनलाइन क्लास ली।

नेत्र विज्ञान (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मार्च, 2021 से यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में कॉर्नियल रिट्रीवल और ट्रांसप्लांटेशन सुविधा फिर से आरंभ की गई।

यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में 3 वर्ष के अंतराल के बाद रेटिनल सर्जरी दुबारा शुरू हुई।

दिल्ली स्टेट कांफ्रेंस में पोस्टग्रेजुएट्स को पेपर प्रस्तुति में कई अवॉर्ड मिले।

नेत्र विज्ञान विभाग के आवासियों और संकाय को दिल्ली के एनसीटी की सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के लिए कोविड योद्धा प्रमाणशोध और पुरस्कार प्राप्त हुए।

प्रकाशन

आई. कौर, ए.सिंघल, और रोहतगी, जे. (2020). बेचेट रोग में नेत्रश्लेष्मला अल्सर और कोल्चसीन की प्रतिक्रिया। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 11(6), 1005.

एस. बेरी, मदन, एस., शांडिल, ए., नांगिया, एस., गर्ग, आर., और विरमानी, पी. (2020). मैनेजमेंट ऑफ रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी:क्वेस्ट फॉर द बेस्ट। द ऑफिशियल साइंटिफिक जर्नल ऑफ डेल्ही ऑपथल्मोलॉजिकल सोसायटी, 30(3), 27-31.

मदन, एस., एस. बेरी, ए. चक्रवर्ती, जैन, आर., और माहेश्वरी, आर. (2021). डिफेरोक्सामाइन थेरेपी पर थैलेसीमिया मेजर के साथ एक बच्चे में राइनो-ऑर्बिटल म्यूकोर्मिकोसिस और एस्पेरगिलोसिस। द ऑफिशियल साइंटिफिक जर्नल ऑफ डेल्ही ऑपथल्मोलॉजिकल सोसायटी, 31(3), 83-86.

मदन, एस., एस. बेरी, विरमानी, पी., और खान, एस. (2021). वर्नल केराटोकोनजिक्टिवाइटिस में रिकैल्सीट्रेंट द्रव्यपक्षीय शील्ड अल्सर। द ऑफिशियल साइंटिफिक जर्नल ऑफ डेल्ही ऑपथल्मोलॉजिकल सोसायटी, 31(3), 79-82.

मदन, एस., एस. बेरी, सेठी, एम., टी.गर्ग, और ए. नांगिया, (2021). लाइकेन स्क्रोफुलोसोरम और फ्लेक्टेनुलर नेत्रश्लेष्मलाशोथ। द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 34(1), 58-58.

मदन, एस., और एस. बेरी, (2020). नोवल कोरोनावायरस रोग (कोविड-19) में नेत्रश्लेष्मलाशोथ। इंडियन जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल एंड एनवायरनमेंटल मेडिसिन, 24(2), 129.

कपूर, एम., सिंह, पी., नयना, टी.के., मदन, एस., और एस. बेरी, (2020). पेरिनेफ्रिक फोड़े वाले रोगी में मेटास्टेटिक सबरेटिनल फोड़ा। इंडियन जर्नल ऑफ ऑपथल्मोलॉजी, 68(11), 2580.

कपूर एम, मदन एस, सिंह पी, बेरी एस, नयना टीके। हॉलरमैन स्ट्रीफ सिंड्रोम की एक प्रस्तुत विशेषता के रूप में लेंस पार्टिकल ग्लूकोमा।

मदन, एस, और बेरी, एस. (2020)। दानेदार कॉर्नियल डिस्ट्रोफी टाइप -III। डीजेओ, 31(2)।

मदन एस, व अन्य। (2020)। "इनवेसिव फंगल साइनसिसिस और ऑप्टिक न्यूरोपैथी"। ईसी ऑपथल्मोलॉजी 11.4 :03-07

सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. आशित हांडा, डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसम्बर, (2020) में सुडोरिफरस सिस्ट ऑफ इनर कैन्थस ऑफ आई के लिए द्वितीय पुरस्कार।

डॉ. आर. जननी, डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस 18-20 दिसंबर, (2020) में ट्यूबरस स्केलेरोसिस कॉम्प्लेक्स - मिस्टीरियस ऑक्यूलर पिक्चर के लिए तीसरा पुरस्कार।

डॉ. आर. जननी, डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में चार्जसिंड्रोम विद टंग टाई और शंख क्रूस-एक असामान्य प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार।

डॉ. प्रतिभा सेसामा, डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ. नीतीश कुमार, डॉ. मनप्रीत चुघ, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस 18-20 दिसंबर, (2020) में बाएं हाथ के प्रशिक्षु सर्जन द्वारा फेको सर्जरी।, .

डॉ. प्रतिभा सासम, डॉ. डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ. अक्षित हांडा, डॉ. अक्षिता अग्रवाल, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस 18-20 दिसंबर, (2020) में रैंडम ओपीडी मामलों की त्वरित समीक्षा।

डॉ. इफत नासिर, डॉ. जी के दास, डॉ. पीके साहू, डॉ. आशित हांडा, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में ओकुलर ऐल्बिनिज़म में मोतियाबिंद सर्जरी।

डॉ. अक्षिता अग्रवाल, डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में हाइपरट्रांफॉइड पेलपेब्रल कंजंक्टिवा प्रथम पुरस्कार के कारण आवर्तक यांत्रिक एक्ट्रोपियन का प्रबंधन।

डॉ. आरुषि सैनी, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ. ताडू नाम्पी, डॉ. आंचल अरोड़ा, डॉ. ईशा आचार्य, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में ओएसएसएन के रूप में सौम्य अंग का मुखौटा लगाने का एक मामला।

डॉ. आंचल अरोड़ा, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ. ईशा आचार्य, डॉ. आरुषि सैनी, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में द्विपक्षीय आंतरिक कोणीय सेबेसियस सिस्ट-ए डायग्नोस्टिक दुविधा।

डॉ. ईशा आचार्य, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ. शची श्रीवास्तव, डॉ. आरुषि सैनी, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में सेबोरेहाइक केराटोसिस मिमिकिंग बेसल सेल कार्सिनोमा।

डॉ. ईशा आचार्य, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ.स इंटरनेशनल हाइब्रिड सम्मेलन 18-20 दिसंबर, (2020) में ट्यूबरकुलर स्कलेरल एब्सेस- एक केस रिपोर्ट।

डॉ. अक्षिता अग्रवाल, डॉ. जी.के. दास, डॉ. अंकुर सिंह, डॉ.स मिडटर्म कॉन्फ्रेंस 20-21 मार्च, 2021 में इंटरविट्रियल मेथोट्रेक्सेट से उपचारित सर्पीनियस कोराइडाइटिस के लिए लगातार प्रगतिशील फोविया।

डॉ. प्रतिभा सीसम, डॉ. जी.के. दास, डॉ. पी.के. साहू, डॉ. नीतीश कुमार, डॉ.स मिडटर्म सम्मेलन 20 -21 मार्च, 2021 में अपर लिड कोलोबोमा (गोल्डनहर सिंड्रोम) की मरम्मत तीसरा पुरस्कार।

डॉ. इफ्त नासिर, डॉ. पी.के. साहू, डॉ. सिद्धार्थ मदान, डॉ.स मिडटर्म सम्मेलन 20 -21 मार्च, 2021 में मैकुलर सर्पिजिनसचोराइडाइटिस सीएससीआर के रूप में गलत निदान।

डॉ. तान्या बिष्ट, डॉ. जी.के. दास, डॉ. नीतीश कुमार, डॉ.स मिडटर्म सम्मेलन 20 -21 मार्च, 2021 में जन्मजात लिड कोलोबोमा की मरम्मत।

डॉ. आरुषि सैनी, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ. प्रणिता सहाय, डॉ. ताडू नाम्पी, डॉ.स मिडटर्म सम्मेलन 20 -21 मार्च, 2021 में ए केस ऑफ एंटीरियर लेंस सब्लक्सेशन इन आरई विद पोस्टीरियर सब्लक्सेशन इन फेलो आई।

डॉ. ताडू नाम्पी, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ. प्रणिता सहाय, डॉ. आरुषि सैनी, डॉ.स मिडटर्म सम्मेलन 20 -21 मार्च, 2021 में परिधीय अल्सरेटिव केराटाइटिस के मामले में कॉर्मील वेध माध्यमिक से लेकर फ्लेक्टेनुलर केराटोकोनजंक्टिवाइटिस।

डॉ. आंचल अरोड़ा, डॉ. जॉली रोहतगी, डॉ. जी.के. दास, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीओ (2020) डब्ल्यूओसी में- ट्रेबेक्युलेक्टोमी में एम्नियोटिक झिल्ली का स्कलेरल फ्लैप नियोजन बनाम सबकोन्जंक्टिवल का तुलनात्मक मूल्यांकन।

संकाय की संख्या: 7

अस्थिरोग (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यूसीएमएस में अस्थि रोग विभाग, आघात के रोगियों को देखभाल प्रदान करना जारी रखता है और एक ही छत के नीचे शिद की बीमारियों, खेल की चोटों (आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी आदि), बाल चिकित्सा समस्याओं, घातक और सौम्य अस्थि ट्यूमर, सभी के रोगियों को वैश्विक मानकों के उपचार से मेल खाते हुए साक्ष्य समर्थित उपचार प्रदान करता है। विभाग मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस और इसके लिए नए एजेंटों की भूमिका, टिशू बैंकिंग, कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा, वैक्यूम-असिस्टेड क्लोजर (वीएसी) जैसे विभिन्न विषयों पर काम कर रहा है। विभाग वर्तमान में इंडियन स्पाइन जर्नल चलाता है, और इसे बेहतर उंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य रखता है। संकाय को नियमित रूप से देश भर के विभिन्न केंद्रों पर स्नातक परीक्षा और स्नातकोत्तर परीक्षा (एमएस ऑर्थो/डीएनबी ऑर्थो) के लिए परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया जाता है और आमतौर पर राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सम्मेलनों/पाठ्यक्रमों में अतिथि वक्ता/संकाय के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

बॉम्बे स्पाइन सोसाइटी ओरेशन - 20.12.2020 को प्रो ए के जैन द्वारा दिया गया स्पाइन ट्यूबरकुलोसिस का चिकित्सा प्रबंधन।

प्रकाशन

जैन एके, राजशेखरन एस, जग्गी केआर, माइनेडु वीपी। स्पाइन का तपेदिक। (2020)। जे बोन जॉइंट सर्जन एएम। 1 अप्रैल;102(7):617-628

एस. कुमार, धम्मि, आई.के., जैन, ए.के., और शाही, पी. (2020)। ताल के ओस्टियोचोन्ड्रोमा: तीन अलग-अलग मामले। बीएमजे केस रिपोर्ट सीपी, 13(12), e237670.

वंसल, के., शाही, पी., जैन, ए.के., धम्मि, आई.के., और एस. कुमार, (2020)। एक्रोमियन के एन्कोन्ड्रोमा में विस्तारित इलाज और रेशेदार ग्राफ्टिंग। क्यूरियस, 12(4).

चड्ढा, एम., और जैन, ए.के. (2020)। वैज्ञानिक पत्रिकाओं में रिपोर्टिंग करते समय नैतिक मुद्दे। इंडियन स्पाइन जर्नल, 3(1), 1.

वंसल, के., मिश्रा, पी., चड्ढा, एम., शाही, पी., अंशुमन, आर., और अग्रवाल, ए.एन. (2020). किशोरों और युवा वयस्कों में जेनु वाल्गम के लिए प्लेट ऑस्टियोसिंथेसिस के साथ डोम ऑस्टियोटॉमी का परिणाम। क्यूरियस, 12(4), e7894.

अभिमन्यु, एस., जैन, ए.के., माइनीडु, वी.पी., अरोड़ा, वी.के., चड्ढा, एम., और सरीन, आर. (2021). ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस के निदान में कार्ट्रिज-आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (सीबीएनएएटी), लाइन प्रोब एसे (एलपीए), लिक्विड कल्चर, एसिड-फॉस्ट बेसिली (एफबी) स्मीयर और हिस्टोपैथोलॉजी की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 55(1), 157-166.

एस. कुमार, सैनी, एन.के., सिंह, डी., चड्ढा, एम., और मेहरोत्रा, जी. (2021). वयस्क भारतीय आबादी में सर्वाइकल स्पाइन पेडिकल्स का कंप्यूटेड टोमोग्राफिक विश्लेषण। सर्जिकल न्यूरोलॉजी इंटरनेशनल, 12.

जफर, ए., जैन, ए.के., अग्रवाल, ए.एन., भयाना, एच., और धम्मि, आई.के. (2021). एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में बोन बैंक के लिए संभावित अस्थि दाताओं और आस्थगित दरों का विश्लेषण। आर्थोपेडिक जर्नल ऑफ एमपी चैप्टर, 27(1), 22-27.

सिंह, डी., धम्मि, आई.के., जैन, ए., शाही, पी., एस. कुमार, और वंसल, के. (2021). इंपिलेटरल निचले अंगुलीअर लिंब के विच्छेदन वाले दो रोगियों में फेनरॉल नेक फ्रैक्चर में अस्थिसंश्लेषण। बीएमजे केस रिपोर्ट सीपी, 14(3), e239060.

एस. कुमार, धम्मि, आई.के., शाही, पी., और जफर, ए. (2020). ऑस्टियोपेट्रोसिस में पीडियाट्रिक बाइलेटरल द्विपक्षीय फेनरॉल नेक फ्रैक्चर का इलाज रूढ़िवादी तरीके से किया जाता है। बीएमजे केस रिपोर्ट सीपी, 13(12), e236891.

धम्मि, आई.के., और एस. कुमार, (2020). ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस के निदान और प्रबंधन में वर्तमान अवधारणाएं। आर्थोपेडिक जर्नल ऑफ एमपी चैप्टर, 26(1), 3-13.

पुस्तकें

(2021) अस्थि रोग में हालिया प्रगति। इवेंजेल पब्लिशिंग।

पुस्तकों में अध्याय

जैन, ए.के., और एस. कुमार, (2021). रीढ़ की तपेदिक का निदान और प्रबंधन। आर्थोपेडिक्स में हाल की प्रगति। इवेंजेल पब्लिशिंग।

एस. कुमार, शाह, बी., सक्सेना, ए.के., जैन, ए.के. (2021). कोविड 19 और आर्थोपेडिक सर्जरी। आर्थोपेडिक्स में हाल की प्रगति में। इवेंजेल पब्लिशिंग।

ए. अग्रवाल, एन., श्रीनिवासन, आर. (2020). लोकोमोटर सिस्टम का मूल्यांकन। पी. गुप्ता (संपा.) में, क्लिनिकल मेथड्स इन पीडियाट्रिक्स (चौथा.) (पृ. 547-565). सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (पी) लिमिटेड

जर्नल

डॉ. ए के जैन - इंडियन स्पाइन जर्नल के मुख्य संपादक

डॉ. मनीष चड्ढा - इंडियन स्पाइन जर्नल के सह- संपादक

इंडियन स्पाइन जर्नल एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एएसएसआई) की आधिकारिक पत्रिका है।

संगोष्ठियाँ/ सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

एएसएसआई द्वारा आयोजित ड्रग रेसिस्टेंट स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस पर प्रो ए के जैन द्वारा मुख्य संबोधन।

इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन द्वारा अप्रैल, 2020 में हैदराबाद आयोजित टीबी हिप में टोटल हिप रिप्लेसमेंट में प्रो ए के जैन द्वारा व्याख्यान।

प्रो ए के जैन द्वारा 11.10.2020 और 18.10.2020 को नेपाल में संवेदनशील विज्ञापन दवा प्रतिरोधी मामले के निदान और प्रबंधन के सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया गया।

प्रो ए के जैन द्वारा "एक विषय, एक वक्ता" के अंतर्गत स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस पर व्याख्यान दिया।

संकाय की संख्या: 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. ए के जैन - संकायाध्यक्ष, चिकित्सा विज्ञान संकाय।

इंडियन स्पाइन जर्नल को 'ओपन एक्सेस जर्नल्स (डीओएजे) और स्कोपस की निर्देशिका' के साथ अनुक्रमित किया गया।

अस्थि रोग विभाग (एमएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लिए आर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के उच्च स्तर को बनाए रखा है।

विभाग ने उच्च शैक्षणिक स्तर के कई लेख प्रकाशित करना जारी रखा है और इन्हें समकक्ष समीक्षा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित/स्वीकार किया गया है और प्रतिष्ठित पुस्तकों में अध्यायों में योगदान दिया है।

संकाय सदस्यों ने अतिथि व्याख्यान दिया है और अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध प्रस्तुत किए हैं। उन्हें देश भर के विभिन्न पाठ्यक्रमों और मंचों में अतिथि संकाय और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है।

अधिकांश संकाय सदस्यों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया है और वे भारतीय चिकित्सा परिषद और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से जुड़े हुए हैं तथा चिकित्सा परीक्षा में योगदान दिया है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. विनोद कुमार:

डॉ. विनोद कुमार को भारतीय उपास्थि सोसायटी द्वारा वर्ष 2019-2020 के लिए भारतीय उपास्थि समाज की कार्यकारी परिषद का सदस्य नामित किया गया था।

1 मार्च, 2020 को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित स्पोर्ट्स मेडिसिन और शोल्डर आर्थ्रोस्कोपी कॉन्क्लेव में टखने के गठिया पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

29 नवंबर 2020 को नई दिल्ली में डीओएसीओएन 2020 में "बीएमएसी: क्या यह वही जादुई औषधि है जिसकी हम उम्मीद कर रहे हैं" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

1 मार्च, 2020 को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित स्पोर्ट्स मेडिसिन और शोल्डर आर्थ्रोस्कोपी कॉन्क्लेव में एंकरल आर्थ्रोडिसिस पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

5 मई 2020 को दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन द्वारा पोस्टग्रेजुएट्स के लिए आयोजित ऑस्टियोआर्टिकलोअर इन्फेक्शन वेबिनार की एक विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में अध्यक्षता की।

इंडियन आर्थ्रोस्कोपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित वेबिनार में 8 मई 2020 को आयोजित कार्टिलेज मास्टरक्लास में एक विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में अध्यक्षता की।

1 मार्च, 2020 को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित 16वें स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड शोल्डर आर्थ्रोस्कोपी कॉन्क्लेव में एंकरल सत्र की विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में अध्यक्षता की।

1-2 फरवरी 2020 को, होटल प्राइड प्लाजा, नई दिल्ली में आयोजित मास्टर केस सीरीज़ सीज़न 1: घुटने में मेनिस्कस के रेडियल टियर की मरम्मत के लिए ला प्रादा तकनीक के सत्र में विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में अध्यक्षता की।

1-2 फरवरी 2020 को, होटल प्राइड प्लाजा, नई दिल्ली में आयोजित मास्टर केस सीरीज़ सीज़न 1: घुटने के आस-पास ऑस्टियोटॉमी पर विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में अध्यक्षता की।

डॉ. सुमित सुरल:

सदस्य, संस्थागत नैतिक समिति, एमएएमसी

सदस्य कार्यकारी समिति और दिल्ली चिकित्सा परिषद की अनुशासन समिति।

डीएनबी ऑर्थोपेडिक्स की विभिन्न परीक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड द्वारा नामांकित।

सदस्य, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के वृद्धावस्था चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन समिति।

सदस्य, दिल्ली राज्य ऑपरेशन अनुसंधान समिति, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम।

सदस्य, कोर समिति, एमएएमसी, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम।

सदस्य, अस्थि रोग उपकरण, प्रत्यारोपण और सहायक उपकरण अनुभागीय समिति, चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो।

लोक नायक अस्पताल के मेडिको-लीगल मामले, एमएसीटी मामलों के लिए अदालतों में उपस्थित हुए।

सदस्य, ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विकलांगता का आकलन करने वाला बोर्ड।

सदस्य, एलएनएच, अदालती मामले/मेडिको लीगल और जेल मामलों की जांच के बोर्ड।

दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन वेबिनार में अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित संकाय।

डीओए पीजी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 15 अप्रैल, 2020 को हिप पैथोलॉजी में चाल पर व्याख्यान।

22 अप्रैल 2020 को डीओए पीजी शिक्षण पाठ्यक्रम में रीढ़ की परीक्षा पर व्याख्यान।

डीओए पीजी शिक्षण वेबिनार में 26 जुलाई 2020 को नॉन यूनियन फ्रैक्चर नेक फीमर पर व्याख्यान।

27 जून 2020 को रीढ़ की परीक्षा पर चर्चा डीओए वेबिनार में विशेषज्ञ पैनलिस्ट।

पश्चिम बंगाल ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन में आमंत्रित संकाय

26 अप्रैल 2020 को पीजी क्रैश कोर्स डब्ल्यूबीओए में गैट पर व्याख्यान

केस डिस्कशन के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित एसएसकेएम अस्पताल, कोलकाता, अप्रैल 2020।

डॉ. ललित मैनी :

संपादक इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का आधिकारिक प्रकाशन

अध्यक्ष दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन

सदस्य नवाचार समिति इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन

क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा के कार्यकारी संपादक जर्नल, दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का आधिकारिक प्रकाशन

इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नॉलेज फॉर सर्जन्स आन आर्थ्रोस्कोपी एंड आर्थ्रोप्लास्टी (आईएसकेएसए) के चेयरमैन

कार्यकारी संपादक- जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी

डॉ. सुमित अरोड़ा:

राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड द्वारा डीएनबी ऑर्थोपेडिक्स की विभिन्न परीक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए नामांकित।

अस्थि रोग उपकरण, प्रत्यारोपण और सहायक उपकरण अनुभागीय समिति, चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य।

सदस्य बोर्ड, एलएनएच, अदालती मामलों/मेडिको लीगल जांच के लिए।

दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन वेबिनार में अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित संकाय

चिकित्सकीय लापरवाही की जांच के लिए बनी समिति में विशेषज्ञ सदस्य

अस्थि रोग विभाग के क्रय अधिकारी

विकलांगता बोर्ड के सदस्य

7 जून 2020 को डीओए एडवांस ट्रॉमा सिम्पोजियम में "पेरीआर्टिकुलर घुटने की चोट" शीर्षक से ऑनलाइन वार्ता दी गई

20 अक्टूबर 2020 को भारतीय जराचिकित्सा अकादमी के छात्रों के अध्याय द्वारा आयोजित वेबिनार में "ऑस्टियोसार्कोपेनिया" शीर्षक से ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।

डॉ. धनंजय सबत:

10.10.2020 को एक्यूट एमएलकेआई में ड्राई आर्थ्रोस्कोपी पीसीएल पुनर्निर्माण - डीओए आर्थ्रोस्कोपी कोर्स वेबिनार।

पैटर्न किकग्निशन एंड एप्रोच टू कफ टियर रोटेटर कफ रिपेयर; स्ट्राइकर के साथ वेबिनार 27.9.2020।
मार्फोलॉजी एंड मैनेजमेंट प्रिंसिपल्स ऑफ फुल थिकनेस कफ टियर रोटेटर कफ टियर ट्रीटमेंट ऑप्शन्स;
बायोटेक के साथ वेबिनार 15.08.2020

पीसीएल एवल्शन आर्थोस्कोपिक फिक्सेशन, ऑर्थोक्नेक्ट के साथ वेबिनार 20.06.2020

कॉम्प्लीकेशन्स इन एसीएल रिकंस्ट्रक्शन्स; आर्थोस्कोपी अध्ययन समूह भारत के साथ वेबिनार 16.06.2020।

रेडियोलॉजी ऑफ नी, वेबिनार डीओए पीजी टीचिंग प्रोग्राम 29.04.2020।

06-07.02.2020 को मास्टर केस सीरीज- नी के लिए आमंत्रित संकाय, नरम ऊतक में फ्लिप होने पर एसीएल पुनर्निर्माण में बटन रिपोजिशन की न्यूनतम इनवेसिव तकनीक के लिए तकनीक प्रस्तुत की।

01.03.2020 को खेल चिकित्सा और आर्थोस्कोपी कार्यशाला में आमंत्रित संकाय; हागलंड रोग के आर्थोस्कोपिक उपचार पर चर्चा की; मेनिस्कस मरम्मत कार्यशाला के लिए संकाय।

25-26.01.2020 को नागपुर आर्थोस्कोपी बैठक में आमंत्रित संकाय; लचीले रीमर के साथ एसीएल पुनर्निर्माण का प्रदर्शन किया, लेटरजेट प्रक्रिया के लिए डिजिटल योजना पर बात की, पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट।

डॉ. तरुण सूरि:

दिसंबर 2020 में हुए चुनावों में दूसरे कार्यकाल (2021-2023) के लिए एओ स्पाइन इंडिया काउंसिल के प्रतिनिधि के रूप में चुने गए।

एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एसएसआई) में अनुसंधान समिति के सह-सदस्य।

राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड द्वारा डीएनबी ऑर्थोपेडिक्स की विभिन्न परीक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए नामित।

लोक नायक अस्पताल के मेडिको-लीगल मामले, एमएसीटी मामलों के लिए अदालतों में उपस्थित हुए।

13.10.2020 को ऑर्थो टीवी प्लेटफॉर्म पर ऑर्थो एक्सीलेंस सीरीज के अंतर्गत 'अप्रोच टू थोरेकोलंबर स्पाइनल इंजरी' पर अतिथि व्याख्यान दिया।

25.10.2020 को एओ स्पाइन सर्जिकल वीडियो डिस्कशन एडवांस्ड वेबिनार - ओब्लिक लेटरल इंटरबॉडी फ्यूजन और पूर्वकाल ओपन-ट्रान्सथोरेसिक पर प्रस्तुति दी।

प्रकाशन

कश्यप, ए., सिंह, के., अरोड़ा, एस., और अनुराधा, एस. (2021). डेंगू संक्रमण में कंप्रेसिव मायलोपैथी: 2 मामलों की एक रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जेबीजेएस केस कनेक्टर, 11(2), e20.

कश्यप, ए., खान, वाई., अरोड़ा, एस., और गुप्ता, वी. (2021). जेनु वाल्गम विकृति के सुधार के लिए सुप्राकोडिलर वेज-लेस "वी-" आकार का अस्थि-पंजर। मेडिकल जर्नल ऑफ बेबीलोन, 18(2), 149.

अरोड़ा, एस., कुमार, एम., खान, वाई., वंसल, एन., एस. गुप्ता, तलवार, जे., ... और मैनी, एल. (2021). फेमरल हेड के ऑस्टियोनेक्रोसिस को जटिल बनाने वाला स्पान्टेनियस सबकैपिटल फेमरल नेक फ्रैक्चर। एक्टा ऑर्थोपेडिका बेल्गिका, 87, 1-2021.

अरोड़ा, एस., और कृष्णा, ए. (2020). तालु के पश्च एक्सट्रूजन के लिए एक नया नैदानिक संकेत। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 152(7), 65-65.

ढल, ए., खान, वाई., और अरोड़ा, एस. (2021). कुष्ठ, उच्च उलनार न्यूरोपैथी के लिए एपिन्यूरोटॉमी: एपिन्यूरोल वैस्कुलर एनाटॉमी पर आधारित एक सुरक्षित कॉरिडोर को परिभाषित करना। इंटरनेशनल आर्थोपेडिक्स, 1-10.

कुमार, एम., ए. कुमार, गोयल, एल., अरोड़ा, एस., और गौतम, वी. के. (2021). ह्यूमरस के पीडियाट्रिक बाय-एपिकॉन्डाइलर एवल्शन फ्रैक्चर के लिए एक अभिनव निर्धारण तकनीक। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 7(1), 90.

कश्यप, ए., अरोड़ा, एस., खान, वाई., एस. कुमार, और चोपड़ा, आर. के. (2021). दर्दनाक पश्च फ्रैक्चर-पांचवें लम्बर कशेरुका का विस्थापन: साहित्य की समीक्षा के साथ दो मामलों की रिपोर्ट। स्पाइनल कॉर्ड सीरीज एंड केसेज, 7(1), 1-9.

अरोड़ा, एस., कश्यप, ए., और मैनी, एल. (2021). हाथ के एंटीरियर कंपार्टमेंट में रेडियल तंत्रिका के साथ ट्राइसेप्स एपोन्यूरोसिस का संबंध। सर्जिकल और रेडियोलॉजिक एनाटॉमी, 43(5), 695-696.

इंडसर्ज सहयोगी समूह, भंडोरिया, जी., गाडगिल, ए., खजांची, एम., सारंग, बी., किजहक्के वीटिल, डी., ... और रॉय, एन. (2021). भारत में आपातकालीन शल्य चिकित्सा देखभाल पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव। ब्रिटिश जर्नल ऑफ सर्जरी, 108(4), e154-e155.

बागवे, एस., सिंह, के., कश्यप, ए., अरोड़ा, एस., और मैनी, एल. (2021). अस्थि रोग में संवर्धित वास्तविकता अनुप्रयोगों का विकास: एक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी।

कृष्णा, ए., कुमार, एम., यादव, आर., मेहता, आर., और अरोड़ा, एस. (2021). रेक्टस फेमोरिस-आधारित मसल पेडिकल बोन ग्राफ्ट फॉर ऑस्टियोनेक्रोसिस ऑफ फेमोरल हेड: एक नई सर्जिकल तकनीक। टेक्निक्स इन आर्थ्रोपेडिक्स।

यासिम खान, एस.के.जे., अरोड़ा, एस., और ढल, ए. फॉइबुलर रिजेनरेट फॉर रिविजन बोन ग्राफ्टिंग प्रासीड्यूर। कुमार, एम., और अरोड़ा, एस. (2020)। सामान्य पेरोनियल तंत्रिका: "छुई-मुई" तंत्रिका"।, टर्किश जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, 66(1), 96.

थोरा, ए., अरोड़ा, एस., डबास, वी., खान, वाई., शंकरन, ए., और ढल, ए. (2020). माध्यिका तंत्रिका पक्षाघात में अंगूठे के विरोध के लिए प्रारंभिक कण्डरा स्थानांतरण का कार्यात्मक मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 11(4), 650-656.

अरोड़ा, एस., थोरा, ए., सुरल, एस., और ढल, ए. (2020). अस्थि रोग में मेंहदी (लॉसोनिया इनमिस) का अनुप्रयोग। टेक्निक्स इन आर्थ्रोपेडिक्स, 35(4), 242-246.

खान, वाई., अरोड़ा, एस., एस. गुप्ता, महाजन, एन., सुरल, एस., और ढल, ए. (2020). इलेक्ट्रोक्व्यूटेड हिप: ऑर्थोपेडिक प्रासंगिकता के इलेक्ट्रिकल शॉक इंजरी के विलंबित परिणाम: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जेबीजेएस केस कनेक्टर, 10(3), e19.

अरोड़ा, एस., तलवार, जे., सिंह, वी., और गुप्ता, वी. (2021). कोरोनरी आर्टरी बायपास के लिए सैफेनस वेन ग्राफ्ट हार्वेस्ट के बाद टिबियल डायफिसिस का ट्यूबरकुलस ऑस्टियोमाइलाइटिस: एक केस रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ थोरेसिक एंड कार्डियोवास्कुलर सर्जरी, 37(3), 307-310.

एस.जैन, अरोड़ा, एस., एस. गुप्ता, एस. शर्मा, वंसल, एन., और रंजन, एस. (2020). भारत में प्रॉक्सिमल ह्यूमरस के रेडियोग्राफिक पैरामीटर्स का उपयोग करके हड्डी की गुणवत्ता का आकलन: ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर जोखिम सीमा मूल्य और इसकी विश्वसनीयता को परिभाषित करना। इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 54(2), 307-315.

कृष्णा, ए., कुमार, एम., सिंह, पी., गुप्ता, वी., और अरोड़ा, एस. (2021). कॉम्प्लेक्स मल्टीप्लानर एल्बो डिफॉर्मिटीज के सुधार के लिए शॉर्टिंग डोम ऑस्टियोटॉमी: एक नई सर्जिकल तकनीक। टेक्निक्स इन हैंड एंड अपर एक्सट्रीमिटी सर्जरी, 25(2), 123-126.

कटारिया, ए., भटनागर, एन., लिंगैया, पी., भाटिया, एन., और अरोड़ा, एस. (2020). पतंग उड़ाने के मौसम में पतंग के तार (मांझा) के कारण कण्डरा की चोट का स्पेक्ट्रम। जर्नल ऑफ हैंड एंड माइक्रोसर्जरी।

अरोड़ा, एस., खान, वाई., सूरी, टी., और गुप्ता, एस. (2020). इलेक्ट्रिक शॉक-प्रेरित वर्टब्रल फ्रैक्चर: फ्रैक्चर मॉर्फोलॉजी पर विशेष जोर के साथ एक केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा।, जेबीजेएस केस कनेक्टर, 10(4), e20.

खान, वाई., प्रकाश, एस., कालरा, पी., अरोड़ा, एस., और ढाल, ए. (2020). कुष्ठ न्यूरोपैथी में प्रारंभिक, चयनात्मक सर्जिकल तंत्रिका विघटन का कार्यात्मक परिणाम। द जर्नल ऑफ हेंड सर्जरी (एशियन-पैसिफिक वॉल्यूम), 25(04), 407-416.

अरोड़ा, एस., और कश्यप, ए. (2021). सर्पिल खांचे में रेडियल तंत्रिका का स्थानीयकरण। जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक ट्रांसलेशन, 27, 8.

कैनसेको, जे.ए., श्रोएडर, जी.डी., पटेल, पी.डी., ग्रासो, जी., चांग, एम., कांद्ज़िओरा, एफ., ... और वैकारो, ए.आर. (2021). सर्वाइकल फेशियल इंजरी के उपचार के लिए सर्जन वरीयता में क्षेत्रीय और अनुभवात्मक अंतर: एओ स्पाइन सरवाइकल क्लासिफिकेशन वैलिडेशन ग्रुप के साथ एक केस स्टडी सर्वे। यूरोपियन स्पाइन जर्नल, 30(2), 517-523.

सूरी, टी., एस. बसु, शेहरी, टी. ए. पी., झाला, ए., नेने, ए., एन.अग्रवाल, ... और शाह, एम. एस. (2020). द स्पाइन क्लीनिक्स: एडोलसेंट आइडियोपैथिक स्कोलायसिस। इंडियन स्पाइन जर्नल, 3(2), 216.

एस. बसु और टी. सूरी (2020). एडोलसेंट आइडियोपैथिक स्कोलायसिस में कंधे का संतुलन: वर्तमान अवधारणाएँ और तकनीकी चुनौतियाँ। इंडियन स्पाइन जर्नल, 3(2), 173.

सबत, डी., सहरावत, आर., और हरना, बी. (2021). प्रॉक्सिमल टिबिओफिबुलर जॉइंट: घुटने की मल्टी-लिगामेंट इंजरी में एक भूली हुई इकाई। इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, 55(2), 425-432.

हरना, बी., दत्त, डी.डी., और सबत, डी. (2020). नॉन यूनियन यूनिकॉन्डिलर होफा के फ्रैक्चर के निर्धारण की एक नई तकनीक: एक केस रिपोर्ट। मलेशियन आर्थोपेडिक जर्नल, 14(3), 174.

टैंक, एस., एस.दत्त, सहरावत, आर., सबत, डी., और कुमार, वी. (2020). डबल वंडल एसीएल पुनर्निर्माण के बाद फेमरोल और टिबिअल टनल के चौड़ा होने का सीटी आधारित मूल्यांकन। जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी, 7(4), 206-210.

सहरावत, आर., एस.दत्त, सबत, डी., और कुमार, वी. (2020). एंटरियर क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण में समीपस्थ टिबियो-फॉइबुलर संयुक्त स्थिरता की भूमिका-एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी, 7(4), 230-234.

कश्यप, ए., सिंह, के., सबत, डी., और मैनी, एल. (2020). कोविड-19 महामारी के दौरान फेस मास्क पहनने के अनुपालन को बढ़ाने के लिए तेज़ और किफायती कार्डबोर्ड कटआउट का उपयोग। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 11, S298-S300.

अयंगर, के.पी., जैन, वी.के., वैश्य, ए., वैश्य, आर., मैनी, एल., और लाल, एच. (2020). कोविड-19 के बाद: आर्थोपेडिक सर्जरी को फिर से शुरू करने के लिए योजना रणनीतियाँ-चुनौतियाँ और विचार। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 11, S291-S295.

लाल, एच., शर्मा, डी.के., शोधलेख, एम.के., जैन, वी.के., और मैनी, एल. (2020). कोविड-19 के बीच आउट पेशेंट विभाग आर्थोपेडिक्स में काम करता है: विकसित मॉडल। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 11(4), 700-712.

अग्रवाल, जी., आर.कुमार, धनजानी, बी., और मैनी, एल. (2020). एक्स्टेंसर तंत्र पुनर्निर्माण के बिना पटेला के ओस्टियोसारकोमा का एक्सीसन: एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक केस रिपोर्ट्स, 10(3), 67.

हरना, बी., और मैनी, एल. (2020). बुजुर्गों में पैर दर्द की असामान्य एटिओलॉजी: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा*, 11, S899-S901.

गोयल, टी., हरना, बी., तनेजा, ए., और मैनी, एल. (2020). आर्थ्रोस्कोपी और कोविड-19: हमारे सर्जिकल अभ्यासों पर महामारी का प्रभाव। *जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी*, 7(2), 47-53.

गोयल, टी., हरना, बी., तनेजा, ए., और मैनी, एल. (2020). आर्थ्रोस्कोपी और कोविड-19: हमारे सर्जिकल अभ्यासों पर महामारी का प्रभाव। *जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी*, 7(2), 47-53.

ए. मिश्रा, वर्मा, टी., राजकुमार, जी.ए., ए.शर्मा, और मैनी, एल (2020). टोटल हिप आर्थ्रोप्लास्टी में कप नियोजन के लिए 3डी प्रिंटेड पेशेंट-स्पेसिफिक एसिटाबुलर जिग। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स*, 54(2), 174.

एस.दत्त, और कुमार, वी. (2020). फेमरल टनेल की तैयारी के लिए फेमरेल ऑफसेट लक्ष्य बनाम फ्रीहैंड तकनीक का उपयोग करते हुए संरचनात्मक एकल-वंडल एंटेरियर क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण का एक तुलनात्मक अध्ययन। *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जरी एंड ट्रौमैटोलॉजी*, 30(3), 493-499.

सुरल, एस., एस. गुप्ता, और सिंह, के. (2021). ट्रेपेज़ियस स्प्रेंगल विकृति के लिए न्यूनतम आक्रामक सर्जिकल तकनीक को छोड़ देता है: एक केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा*, 16, 24-26.

गुप्ता, ए., सुरल, एस., गुप्ता, ए., रुसा, एस., कोनेर, बी.सी., भालोत्रा, ए., और चावला, आर. (2020). माइक्रोबैक्टीरिया के संपर्क में आने से कोविड-19 रोगियों में रोग की प्रगति प्रभावित होती है।

वर्मा, वी., डबास, वी., जेना, एस., सुरल, एस., मिश्रा, एस., और ढल, ए.के. (2020). कैडेवर्स में 1, 2 इंटरकम्पार्टमेंटल सुपररेटिनेक्युलर आर्टरी-बेस्ड वैस्कुलराइज्ड बोन ग्राफ्ट के एनाटोमिकल वेरिएशन का अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स*, 54, 565-569.

जजोरिया एलएन, सुरल एस., विभिन्न नैदानिक स्थितियों में इम्प्लांटेशन के स्थल पर बोन एलोग्राफ्ट के समावेश का मूल्यांकन और इसकी जटिलताएं। *इंट जे रेस ऑर्थ 6:4* (2020) DOI: <http://dx.doi.org/10.18203/आईएसएसएन.2455-4510.IntJResOrthop20202681>

वर्मा, वी., कुमार, डी., वासुदेव, एन., और सुरल, एस. (2020). उपअक्षीय कशेरुकाओं की आकृतिमिति और इसके नैदानिक प्रभाव का पुनः मूल्यांकन: उत्तर भारत में एक कैडेवरिक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल*, 3(2), 294.

गुप्ता, ए. (2020). क्या इम्यूनो-मॉड्यूलेशन कोविड-19 महामारी की कुंजी है? *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स*, 54(3), 394-397.

ए गुप्ता, और ए गुप्ता (2020). कोविड -19 को हराने के लिए एक इम्यूनोलॉजिकल एल्गोरिथम। *इंट जे इम्यूनोल इम्यूनोथेरे*, 7, 046.

डबास, वी., भाटिया, एन., ए.गोयल, यादव, वी., बजाज, वी., और कुमार, वी. (2020). कोविड-19 महामारी के बीच आर्थोपेडिक आकस्मिक आपात स्थितियों का प्रबंधन: कोरोना के साथ जीने की तैयारी में हमारा अनुभव। *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स*, 54(2), 380-385.

जर्नल

डॉ. ललित मैनी

प्रधान संपादक, *इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स*

कार्यकारी संपादक- *जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी*

प्रधान संपादक, *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज*

डॉ. धनंजय सबतः

सह-संपादक - जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी

सह-संपादक - जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन

निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक -

इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स

जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा

जेएसएसएम जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन

जेएसएस जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड जॉइंट सर्जरी

डॉ. सुमित सुरलः

निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षकः

इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स

इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकोलाइसिस

जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा

एमएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज

डॉ. तरुण सूरीः

निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक

इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स।

जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा।

इंडियन स्पाइन जर्नल।

शोध परियोजनाएं

डॉ. मनोज कुमार

हिप आर्थ्रोप्लास्टी के लिए क्वाड्रिसेप्स कॉक्स स्पैरिंग और स्टैंडर्ड पोस्टीरियर अप्रोच पर एक तुलनात्मक अध्ययन

वैरस मैललाइनमेंट के साथ या बिना घुटने में मेडियल कंपार्टमेंट ऑस्टियोआर्थराइटिस में रोग की प्रगति पर क्वाड्रिसेप्स मांसपेशियों को मजबूत करने के प्रभावों पर एक तुलनात्मक अध्ययन।

गैर-विशिष्ट पुराने पीठ दर्द के रोगियों में सेगिटल स्पिनो-श्रोणि संतुलन पर चयनित योग मुद्राओं और पारंपरिक फिजियोथेरेपी अभ्यासों के प्रभावों पर एक तुलनात्मक अध्ययन।

संयुक्त तंत्रिका ब्लॉक बनाम पेरीआर्टिकुलर इनफिल्ट्रेटिव एनाल्जेसिया का उपयोग करके टोटल ज्वायंट आर्थ्रोप्लास्टी के बाद टोटल ज्वायंट एनाल्जेसिया पर तुलनात्मक अध्ययन

दो तकनीकों का उपयोग करके हिप आर्थ्रोप्लास्टी में फेमरल स्टेम टिप के सेगिटल समतल संतुलन पर एक तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. विनोद कुमार

इंटरलामिनर दृष्टिकोण के माध्यम से एंडोस्कोपिक डिस्केक्टॉमी और लम्बर डिस्क हर्नियेशन के लिए ओपन डिस्केक्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

सेमीटेंडिनोसस ग्राफ्ट का उपयोग करके ट्रिलिंक तकनीक का उपयोग द्वारा डबल वंडल एसीएल पुनर्निर्माण के अंदर आर्थ्रोस्कोपिक का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन।

ऑल-सॉफ्ट सुचर एंकर का उपयोग करके आर्थ्रोस्कोपिक बैंकर्ट मरम्मत के बाद ग्लेनॉइड बोन रिएक्शन का रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन

सॉफ्टवेयर निर्देशित इलिजारोव रीअलाइनमेंट तकनीक द्वारा उपचारित निचले अंगों की लंबी हड्डी विकृति की सुधारात्मक सर्जरी के बाद बोनी यूनियन का मूल्यांकन।

ऑटोलॉग्स सेमीटेंडिनोसस ग्राफ्ट का उपयोग करके आर्थ्रोस्कोपिक ऑल-इनसाइड पूएंटरियर क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण के एनाटॉमिक सिंगल वंडल बनाम डबल वंडल-ट्रिलिंक तकनीक का तुलनात्मक मूल्यांकन।

सुमित सुरल

प्लेटलेट रिच फाईब्रिन के साथ और उसके बिना इलाज किए गए हिप फ्रैक्चर के परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन।

अपक्षयी लम्बर स्पाइनल स्टेनोसिस में विभिन्न स्कोरिंग प्रणालियों का तुलनात्मक मूल्यांकन और रेडियोलॉजिकल मापदंडों के साथ उनका सहसंबंध।

रिढ़ की हड्डी में चोट के रोगियों में अस्पताल से पहले प्रबंधन की स्थिति का मूल्यांकन।

एंटीट्यूबरकुलर थेरेपी के विभिन्न अवधियों से गुजरे थोरेकोलम्बर स्पाइन ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों में पीठ दर्द का मूल्यांकन।

3डी सीटी पुनर्निर्माण में वर्चुअल सिमुलेशन द्वारा S2-अलार-इलियाक स्क्रू मापदंडों का अध्ययन।

डॉ. ललित मैनी

संशोधित स्टॉपा दृष्टिकोण का उपयोग करके एसिटाबुलर फ्रैक्चर के लिए कंप्यूटर एडेड क्वाड्रिलैटरल प्लेट फ्रैक्चर फिक्सेशन का मूल्यांकन।

फेमरल हेड का वाल्युमेट्रिक विश्लेषण और फेमरल हेड के ऑस्टियोनेक्रोसिस में नैदानिक प्रस्तुति के साथ इसका संबंध।

एसिटाबुलर फ्रैक्चर निर्धारण के लिए वर्द्धित वास्तविकता समर्थित प्री-ऑपरेटिव प्लेट की रोगी विशिष्ट समोच्चता की सटीकता।

एसिटाबुलर फ्रैक्चर के निर्धारण के लिए वर्चुअल प्लानिंग और गाइडिंग जिग द्वारा सहायता प्राप्त कॉलम स्क्रू प्लेसमेंट का मूल्यांकन

कैन्थुलेटेड कैसिलस स्क्रू द्वारा प्रबंधित किए जा रहे विस्थापित फ्रैक्चर नेक फीमर में कमी की गुणवत्ता पर सर्जरी के समय का प्रभाव

डॉ. अभिषेक कश्यप

लम्बर डिस्क हर्नियेशन के लिए पक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक ट्रांसफोरामिनल डिस्केक्टॉमी के परिणामों का मूल्यांकन।

टिबिअल प्लेटू फ्रैक्चर के प्रबंधन का निर्धारण करने में पारंपरिक इमेजिंग और 3डी प्रिंटेड मॉडल की तुलना।

थोराको-लम्बर वर्टेब्रा में ऑगमेंटेड रियलिटी असिस्टेड पेडिकल स्क्रू प्लेसमेंट की शुद्धता।

डॉ. सुमित अरोड़ा

कूल्हे के माइयूलर द्विध्रुवीय हेमीआर्थ्रोप्लास्टी को पुख्ता करने के लिए क्वाड्रिसेप्स कोकसी स्पियरिंग पश्च दृष्टिकोण और संशोधित हार्डिंग दृष्टिकोण पर एक तुलनात्मक अध्ययन

टिबिअल प्लेटू फ्रैक्चर में चार कंप्यूटेड टोमोग्राफी आधारित वर्गीकरण प्रणालियों की विश्वसनीयता।

इंटरट्रोकेनेट्रिक फेमोरल फ्रैक्चर के लिए 2018 एओ/ओटीए वर्गीकरण की विश्वसनीयता का आकलन करने में फ्रैक्चर मैपिंग के साथ 2डी-सीटी, 3डी-सीटी रेडियोग्राफ की तुलना।

डॉ. धनंजय साबत

एम्नियोटिक मेम्ब्रेन रैप के साथ और बिना एंटरियर क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण के परिणामों के मूल्यांकन के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन

नॉन-यूनियन स्केफॉइड फ्रैक्चर के लिए वोलर कार्पल आर्टरी आधारित वैस्कुलराइज्ड पेडिकल बोन ग्राफ्टिंग - भारतीय आबादी में एक अध्ययन

ट्रांसपोर्टल एनाटॉमिक एसीएल पुनर्निर्माण में कठोर और लचीले रीमर का उपयोग करके फेमरल टनल का तुलनात्मक मूल्यांकन।

प्रॉक्सीमल ह्यूमरस के ऑर्थोगोनल फिक्सेशन के बाद फ्रैक्चर स्थिरता और नैदानिक परिणाम का मूल्यांकन।

संगोष्ठियाँ /सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. विनोद कुमार:

9वीं डब्ल्यूईएसएससीओएन और एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी वर्कशॉप 2020 (वर्चुअल) में 26 और 27 दिसंबर 2020 को संकाय।

29 नवंबर 2020 को नई दिल्ली में आयोजित डीओएसीओएन 2020 में संकाय और बीएमएसी पर एक वार्ता प्रस्तुत की: क्या यह वही जादुई औषधि है, जिसकी हम उम्मीद कर रहे हैं?

दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन द्वारा पोस्टग्रेजुएट्स के लिए 5 मई 2020 को ऑस्टियोआर्टिकलोअर इन्फेक्शन पर वेबिनार में पैनलिस्ट।

संकाय और इंडियन आर्थ्रोस्कोपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्पाइन एंडोस्कोपी मास्टरक्लास वेबिनार में 13 मई 2020 को एंडोस्कोपिक डिस्केक्टॉमी पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

8 मई 2020 को इंडियन आर्थ्रोस्कोपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित वेबिनार में कार्टिलेज मास्टरक्लास पर संकाय और पैनलिस्ट।

सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में 1 मार्च, 2020 को 16वां स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड शोल्डर आर्थ्रोस्कोपी कॉन्क्लेव आयोजित किया गया।

1-2 फरवरी को 2020, होटल प्राइड प्लाजा, नई दिल्ली में मास्टर केस सीरीज़ सीज़न 1: घुटना आयोजित किया गया।

डॉ. धनंजय सबत:

नागपुर आर्थ्रोस्कोपी मीट 2020 में संकाय।

1-2 फरवरी को 2020, होटल प्राइड प्लाजा, नई दिल्ली में मास्टर केस सीरीज़ सीज़न 1: घुटना आयोजित किया गया।

1-2 फरवरी को 2020, होटल प्राइड प्लाजा, नई दिल्ली में मास्टर केस सीरीज़ सीज़न 1: घुटना आयोजित किया गया।

डॉ. तरुण सूरी:

18-20 सितंबर, 2020 को वर्चुअली आयोजित एसएसआईसीओएन 2020 के लिए संकाय।

समझौता ज्ञापन

अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. विनोद कुमार

18 अगस्त 2020 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित डीएनबी ऑर्थोपेडिक्स परीक्षा आयोजित करने के लिए एक आयोजक।

डॉ. सुमित सुरल:

इग्नू, पीजीडीजीएम

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

एशियन स्टूडेंट्स मेडिकल एसोसिएशन: डॉ. सुमित सुरल, डायरेक्टर प्रोफेसर ऑर्थोपेडिक्स ने 7 जनवरी, 2020 को ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एमएएमसी में एमएएमसी के एमबीबीएस छात्रों के साथ 30 विदेशी छात्रों के लिए एशियन स्टूडेंट्स मेडिकल एसोसिएशन के "आपातकालीन आर्थोपेडिक्स" पर एक बहुत ही सफल पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

संकाय की संख्या: 10+4 * (*4 संविदा के आधार पर सहायक प्रोफेसर)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अस्थि रोग विभाग ने सिम्बियोनिक्स आर्थ्रोमैटर; घुटने और कंधे के आर्थ्रोस्कोपी प्रशिक्षण के लिए एक डिजिटल सिम्युलेटर स्थापित किया, जो पीजी छात्रों और वरिष्ठ आवासियों के कौशल विकास में अत्यधिक मदद करेगा।

पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एमडीएस की गाइडिंग (पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री पीजी)

अनुसंधान के लिए स्नातकोत्तर छात्रों का मार्गदर्शन

कोविड-19 देखभाल में भागीदारी

दूरसंचार का उपयोग करते हुए सामान्य बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा रोगी के मार्गदर्शन पर कार्यवाई

जीटीबी अस्पताल में भर्ती कोविड -19 रोगियों की दंत समस्याओं के लिए वीडियो परामर्श

कोविड -19 कॉल सेंटर की स्थापना और प्रबंधन में भाग लिया

प्रकाशन

सभरवाल, पी., कालरा, एन., त्यागी, आर., खत्री, ए., और श्रीवास्तव, एस. (2021)। 8-12 वर्ष के बच्चों में निष्कर्षण प्रक्रिया के दौरान चिंता और दर्द नियंत्रण के लिए सम्मोहन और प्रगतिशील मांसपेशी रिलेक्सेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। यूरोपीयन आर्काइव्स ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री, 1-10.

शर्मा, एम., खत्री, ए., कालरा, एन., और त्यागी, आर. (2021). एक वर्ष में 3-5 वर्ष के बच्चों में स्ट्रिप क्राउन और प्राथमिक पूर्वकाल ज़िरकोनिया क्राउन का मूल्यांकन और तुलना। पीडियाट्रिक डेंटल जर्नल।

सिंह, एच.वी., कालरा, एन., त्यागी, आर., और खत्री, ए (2020). मैडिबुलर सेकेंड मोलर में नोला की विधि का उपयोग करते हुए उत्तर भारतीय मूल के बच्चों की दंत आयु का आकलन। इजिप्शियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, 10(1), 1-7.

त्यागी, आर., खत्री, ए., कालरा, एन., और सभरवाल, पी. (2021). 4-8 वर्षीय बच्चों में हैंड के-फ्लेक्स फ्राइलों, बाल चिकित्सा रोटरी फ्राइलों और इंड्रुमेंटेशन समय पर पारस्परिक फ्राइलें, ऑपरेशन के पश्चात दर्द और बच्चे के व्यवहार का तुलनात्मक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री, 14(2), 201.

संकाय की संख्या: 6

पैथोलॉजी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

पैथोलॉजी विभाग ने अपने को कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के लिए अनुकूलित किया और अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों को जारी रखा। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में तपेदिक, त्वचा संबंधी रोग, ल्यूकेमिया, गर्भावस्था की हानि, टेलीपैथोलॉजी, गुर्दे की बीमारियाँ, प्लेटलेट विकार, थ्रोम्बोफिलिया और कवक रोगों के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शामिल हैं। स्नातकोत्तर और स्नातक शिक्षण को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित कर दिया गया था। इनके अलावा, आवासी कोविड-19 रोगियों के नैदानिक प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल थे। संकाय ने कई वार्ताएं दीं और उन्हें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय जैसे राष्ट्रीय निकायों में विशेषज्ञों के रूप में नामित किया गया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

एम. कोटरू सितंबर 2019 से सितंबर 2021 तक दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी सचिव रहे।

एस. शर्मा राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय की सलाहकार समिति के सदस्य हैं।

एस. शर्मा, पीजी विशेषज्ञ समूह, चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के सदस्य हैं।

प्रकाशन

चौहान, एस. दिवाकर, पी. ए. सिंह, पी. गोगोई, और अरोड़ा, वी. के. (2020). किशोर ज़ेंथोग्रानुलोमा का साइटोलॉजिकल निदान: एक विरल हिस्टियोसाइटिक विकार। डायग्नोस्टिक साइटोपैथोलॉजी, 48(1), 66-70.

चौधरी, एफ., तनवीर, एन., मंगला, जी., और गायत्री, ए. (2020). कुंडलाकार नलिकाओं के साथ गैर-सिंड्रोमिक सेक्स कॉर्ड ट्यूमर: एक विरल निदान। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 11(2), 313-315.

दीवान, एच., तनवीर, एन., और कश्यप, एस. (2020)। पैपिलरी थायरॉइड कार्सिनोमा के ठोस प्रकार के निदान के लिए साइटोलॉजिकल सुराग। जर्नल ऑफ साइटोलॉजी, 37(4), 214-215।

दीक्षित, एस., गर्ग, एन., कोटरू, एम., और गुप्ता, आर. (2020). प्लास्मोडियम विवैक्स मलेरिया: सामान्य बीमारी के साथ विकृत प्रतिरक्षा प्रोफाइल। ईरानीयन जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी:आईजेआई, 17(3), 250-254.

दीक्षित एस, गोगोई पी, दिवाकर पी. (2020). पलक के स्कवैमस सेल कार्सिनोमा का स्पष्ट सेल संस्करण, वसामय कार्सिनोमा की नकल करना: एक विरल मामले की रिपोर्ट। जर्नल ऑफ माइक्रोस्कोपी एंड अल्ट्रास्ट्रक्चर। DOI: 10.4103/JMAU.JMAU_70_20 (मुद्रण से पहले)

दीक्षित, एस., तनवीर, एन., कुमार, एच., और दीवान, एच. (2020). स्मार्टफोन-असिस्टेड टेलीसाइटोपैथोलॉजी: एक इंटरऑब्जेक्टिव कॉन्फॉर्डेंस स्टडी। एक्टासाइटोलॉजिका, 64(5), 399-405.

गर्ग, एन., गुप्ता, आर., और कोटरू, एम. (2021). बी-ऑल मरीजों के एक तिहाई में ब्लास्ट द्वारा सीडी34 व्यक्त नहीं किया गया है और इसकी नकारात्मकता एबर्ट मार्कर एक्सप्रेशन: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण से जुड़ी है। एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन: एपीजेसीपी, 22(3), 919-925.

गर्ग, एन., एस.जैन, चौहान, एस., दीक्षित, एस., और एस. शर्मा, (2020). यंग में रीनल एमाइलॉयडोसिस का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम। सऊदी जर्नल ऑफ किडनी डिजीज एंड ट्रांसप्लांटेशन: सऊदी सेंटर फॉर ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन, सऊदी अरब का एक आधिकारिक प्रकाशन, 31(5), 1085-1090.

गर्ग, एन., मोरे, एस., चोपड़ा, पी., गुप्ता, आर., और कोटरू, एम. (2021). स्क्रीनिंग पेरिफेरल ब्लड स्मीयर: ए टेल ऑफ द "टेल"। ट्रॉपिकल डॉक्टर, 51(2), 276-278.

गायत्री, ए., तनवीर, एन., अरोड़ा, वी.के., और अरोड़ा, वी. (2020). Are Histology मौखिक और ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल विशेषताएं पी16 इम्युनोपॉसिटिविटी की भविष्यवाणी अलग हैं? इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 11(2), 248-255.

गोस्वामी, एस., गुप्ता, आर., और रामजी, एस. (2020). फ्लो साइटोमेट्री: संदिग्ध सेप्सिस के साथ गंभीर रूप से बीमार प्रीटरम नियोनेट्स में एक महत्वपूर्ण नैदानिक उपकरण। अमेरिकन जर्नल ऑफ पेरिनेटोलॉजी, 10.1055/s-0040-1718370. ऑनलाइन प्रकाशन अग्रिम।

गोस्वामी, एस., गुप्ता, आर., और रामजी, एस. (2020). सेप्सिस स्क्रीन: प्रीटरम नियोनेट्स में नवजात सेप्सिस के शुरुआती निदान में एक उपयोगी पैरामीटर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लेबोरेटरी हेमेटोलॉजी, 42(6), e283-e286.

एस.जैन, चौहान, एस., दीक्षित, एस., गर्ग, एन., और एस. शर्मा, (2021). डिफ्यूज प्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के स्पेक्ट्रम में प्रत्यक्ष इम्यूनोफ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोपी की भूमिका: एक एकल केंद्र अध्ययन। जेएमएयू 62_20. ऑनलाइन प्रिंट से पहले

कुमार, एच., तनवीर, एन., दीक्षित, एस., दीवान, एच., और नाज़, एफ. (2020). स्मार्टफोन-समर्थित टेली-गाइनपैथोलॉजी: एक पायलट अध्ययन। जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी रिसर्च, 46(9), 1879-1884.

कुमार, एम., मेश्राम, जी.जी., रस्तोगी, टी., एस. शर्मा, गुप्ता, आर., एस.जैन, प्रसाद, ए., गालव, वी., और भट्टाचार्य, एस.के. (2020). चिक कोरियोअलैंटोइड झिल्ली विश्लेषण का उपयोग करके जस्ता और जस्ता-सोराफेनीब संयोजन की एंटीजेनोजेनिक गतिविधि: एक वर्णनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स, 16 (सप्लीमेंट), S84-S89.

आर.कुमार, देशमुख, पी.एस., एस. शर्मा, और बनर्जी, बी. डी (2021). विस्तार चूहे के हिप्पोकैम्पस में एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन पर मोबाइल फोन सिग्नल विकिरण का प्रभाव। एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 192, 110297.

कुमारी, एम., सैफी, ए., खान, एम., अरोड़ा, वी., शम्सी, वाई., हलदर, एस., और अहमद, आर. (2020). चूहों में मजुनब्राहमी और इट्रिफॉल्मुकविदिमाघ (पारंपरिक यूनानी फॉर्मूलेशन) का तीव्र और उपकालिक मौखिक विषाक्तता अध्ययन। फॉर्माकोग्नॉसी रिसर्च, 12(2), 169.

मंगला, जी., गर्ग, एन., वंसल, डी., कोटरू, एम., और सिक्का, एम. (2020). एक्वायर्ड साइडरोबलास्टिक एनीमिया के विशेष संदर्भ के साथ क्रोनिक अल्कोहलिक्स में पेरिफेरल ब्लड एंड बोन मैरो फॉइंडिंग। इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन: इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का एक आधिकारिक जर्नल, 36(3), 559-564.

निनावे, ए., गुरु, एस.ए., यादव, पी., मसरूर, एम., समाधिया, ए., भूटानी, एन., गुप्ता, एन., गुप्ता, आर., और सक्सेना, ए. (2021). एसीएस ओमेगा, एमआईआर-486 -5पी: क्रॉनिक मायलॉइड ल्यूकेमिया के लिए एक रोगसूचक बायोमार्कर। एसीएस ओमेगा, 6 (11), 7711-7718.

निष्ठा, कौर, एन., तनवीर, एन., और नस्कर, एस. (2021). ए डायग्नोस्टिक इनिग्मा - प्रीमेनार्चल गर्ल में किशोर फॉइब्रोएडीनोमा की एक विरल प्रस्तुति। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एंड एडोल्सेंट गाईनेकोलॉजी, S1083-3188(21)00017-6. अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन।

रथ, ए., और गुप्ता, आर. (2020). हाइपरल्यूकोसाइटोसिस (पुनः) देखा गया-क्या यह हमेशा ल्यूकेमिया होता है: दो मामलों की एक रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 14(1): ED01-ED03.

सरकार, बी., तनवीर, एन., और वर्मा, ए. (2020). एक युवा रोगी में स्पर्मेटोसाइटिकट्यूमर-इतना विरल नहीं। क्लिनिकल कैंसर इन्वेस्टिगेशन जर्नल, 9:271-2

सिंह, वी., चौधरी, डी., और गुप्ता आर. (2020). स्क्रीनिंग बीटा थांलेसीमिया लक्षण- विभेदक सूचकांकों का प्रदर्शन मूल्यांकन। नेशनल जर्नल ऑफ लेबोरेटरी मेडिसिन, 9(4):1-4.

तहलन, के., एम. सिक्का, आर. अवस्थी, एम. कोटारू, पी. गोगोई, और आर. गुप्ता। (2020). मायोकार्डियल रोधगलन के साथ युवा वयस्कों में एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी। एशियन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी रिसर्च, 3(1):35-42.

के., तनवीर, एन., कुमार, एच., और दीवान, एच. (2020). एक शिशु में नजल ग्लियाल हेटेरोटोपिया का विरल मामला। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी, 13(3), 233-236.

विजया देवी, एस., और गुप्ता, आर. (2020). भूखे मेगाकारियोसाइट्स शिकार पर? व्यापक मेगाकारियोसाइट एम्परिपोलेसिस का एक असामान्य मामला। हेमेटोलॉजी, ट्रांसफ्यूजन और सेल थेरेपी, एस2531-1379(20)31301-8. एडवॉन्स आनलाइन पब्लिकेशन।

यादव, एम., अरोड़ा, वी., हुसैन, एस., सिसोदिया, एस., दिवाकर, पी., ए.गोयल, और तनेजा, एच.सी. (2020). मुख गुहा के प्रीमैलिगनेंट घावों में बाह्य संकेत विनियमित काइनेज 1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन। इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल, 7(12):3965-3970.

यादव, पी., और तनवीर, एन. (2020), बृहदान्त्र के विशालकाय सबम्यूकोसल लिपोमा एक वयस्क में इंटससेप्शन का कारण बनते हैं। क्लिनिकल कैंसर इन्वेस्टिगेशन जर्नल, 9:25-6.

किताबें और अध्याय

दिवाकर, पी. और एस. शर्मा, (2021), गर्भाशय लेयोमायोमास: रोगजनन और आणविक गुण। साक्ष्य आधारित प्रथाओं में गर्भाशय फॉइब्रॉएड के प्रबंधन में (पृष्ठ12-26). इवेंजेल पब्लिशिंग।

गोगोई, पी (2021). गर्भाशय लेयोमायोमा की विकृति। इन एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिस इन द मैनेजमेंट ऑफ यूटराइन फॉइब्रॉएड। इवेंजेल पब्लिशिंग।

शोध परियोजनाएं

कोटारू एम, गुप्ता आर, 'बीसीआर-एबीएल फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट इन पीडियाट्रिक एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया' एमआरयू में 2 वर्ष के लिए 2.5 लाख का अतिरिक्त-म्यूरल अनुदान।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

वी के अरोड़ा. ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान: 13 दिसंबर, 2020 को एसआरएमएसआईएमएस, बरेली द्वारा आयोजित थायराइड साइटोपैथोलॉजी सीएमई (यूपीसीवाईटीओसीओएन) के फॉलिक्युलर घाव।

नस्कर एस, तनवीर एन, शर्मा एस, कौर एन, ब्रेस्ट नियोप्लाज्म में पी16 के परमाणु और साइटोप्लाज्मिक इम्यूनो एक्सप्रेशन की तुलना। 9 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित छठे अमीरात पैथोलॉजी और डिजिटल पैथोलॉजी सम्मेलन में मौखिक शोध प्रस्तुति। (मौखिक शोध 21) .

एस. शर्मा, पैप और एलबीसी ने नंगेबेयर- पैनल चर्चा की। ऑनलाइन वेबिनार। इंडियन सोसाइटी ऑफ कोल्पोस्कोपी एंड सर्वाइकल पैथोलॉजी। 4 जुलाई 2020।

एस. शर्मा, वेसिकुलोबुलस विकारों के निदान के लिए दृष्टिकोण। राष्ट्रीय सम्मेलन 2020 "नैदानिक सप्ताह"। 21-27 सितंबर 2020।

एस. शर्मा, किडनी बायोप्सी व्याख्या के लिए दृष्टिकोण। राष्ट्रीय सम्मेलन 2020 "नैदानिक सप्ताह"। 21-27 सितंबर 2020।

एस. शर्मा, टेस्टिकुलर ट्यूमर-पार्ट-I। प्रैक्टिकल और मेडिको-लीगल सेफगार्ड के साथ बेसिक हिस्टोपैथोलॉजी कोर्स। 5 अक्टूबर 2020।

एस. शर्मा, टेस्टिकुलर ट्यूमर-भाग-II। प्रैक्टिकल और मेडिको-लीगल सेफगार्ड के साथ बेसिक हिस्टोपैथोलॉजी कोर्स। 9 अक्टूबर 2020।

एस. शर्मा, टेस्टिकुलर के गैर-नियोप्लास्टिक घाव। प्रैक्टिकल और मेडिको-लीगल सेफगार्ड के साथ बेसिक हिस्टोपैथोलॉजी कोर्स। 12 अक्टूबर 2020।

एस. शर्मा, एडल्ट रीनल ट्यूमर। प्रैक्टिकल और मेडिको-लीगल सेफगार्ड के साथ बेसिक हिस्टोपैथोलॉजी कोर्स। 23 अक्टूबर 2020।

एस. शर्मा, मूत्राशय के नियोप्लास्टिक घाव। प्रैक्टिकल और मेडिको-लीगल सेफगार्ड के साथ बेसिक हिस्टोपैथोलॉजी कोर्स। 26 अक्टूबर 2020।

एस. शर्मा, मूत्राशय के गैर-नियोप्लास्टिक घाव। प्रैक्टिकल और मेडिको-लीगल सेफगार्ड के साथ बेसिक हिस्टोपैथोलॉजी कोर्स। 30 अक्टूबर 2020।

एस. शर्मा, एप्रोच टू रीनल बायोप्सी इन नेफ्रोटिक सिंड्रोम। एनबीई वेबिनार। 01.06.2021.

एम. कोटरू, आमंत्रित वक्ता - 23 अगस्त 2020 को प्रथम उपग्रह चर्चा, एफआईआरएमएसटी, मास्को, रूस में एपिथेलियल मेसेनकाइमल ट्रांजिशन (ईएमटी) पर पैनल चर्चा।

एम. कोटरू, 26 जनवरी 2021 को आयोजित "पैथोलॉजी में स्नातकोत्तर के लिए ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम" में मॉडरेटर।

एम. कोटरू, 26 फरवरी 2021 को राजीव गांधी कैंसर संस्थान में आमंत्रित वक्ता - 'प्लेटलेट विकारों में गुणात्मक दोष'।

एम. कोटरू, 23 से 25 मार्च तक यूसीएमएस में आयोजित 'मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज में रिवाइज बेसिक कोर्स वर्कशॉप' में संसाधन संकाय।

एम. कोटरू, एसजीपीएचपीजीटीआई, नोएडा द्वारा 26 मार्च 2021 को आयोजित - 'बाल रोग एनीमिया' परियोजना ईसीएचओ में, मासिक ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता।

संकाय की संख्या:16

पैथोलॉजी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

पैथोलॉजी विभाग 250 एमबीबीएस छात्रों, बीडीएस, बीपीओ और एमएलटी छात्रों के शिक्षण के साथ एक नैदानिक प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। पैथोलॉजी विभाग के संकाय और निवासियों ने कोविड रोगियों की देखभाल में भाग लिया। उन्हें शाहदरा जिला औषधालयों, लोक नायक अस्पताल के कोविड वार्ड और कोविड प्रयोगशालाओं में हेमेटोलॉजी और कोविड 19 के प्रबंधन में आवश्यक अन्य नमूनों के प्रसंस्करण के लिए तैनात किया गया था। इस वर्ष हिस्टोपैथोलॉजी में 19213 नमूने प्राप्त हुए, जिनमें तेजी से अंतःक्रियात्मक निदान के लिए जमे हुए खंड, त्वचा के घावों के लिए इम्यूनोफ्लोरोसेंस, छोटे, मध्यम और बड़े सर्जिकल नमूनों का प्रसंस्करण, शव परीक्षण नमूने, इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और विशेष सूत्र शामिल हैं। विशेष रुधिर विज्ञान में 14126 नमूने प्राप्त हुए। पूर्ण हेमोग्राम, अस्थि मज्जा एस्पिरेट्स और अस्थि मज्जा बायोप्सी। विशेष रुधिर विज्ञान में जी6पीडी की कमी, आसमाटिक नाजुकता, एचपीएलसी, साइटोकेमिकल दाग और एलई सेल,

हेमटोलिम्फोइड विकृतियों जैसे विभिन्न परीक्षण किए जाते हैं और पीएनएच के निदान के लिए फ्लो साइटोमेट्री किया जा रहा है। लिम्फोमास के निदान के लिए लिम्फ नोड एस्पिरेट्स और एक्स्ट्रानोडल साइटों से फ्लो साइटोमेट्री को जोड़ा गया है। इस वर्ष कई एफएनएसी, निर्देशित एफएनएसी और बिस्तर में एफएनएसी, जलोदर द्रव, पेरिटोनियल तरल पदार्थ, फुफुस द्रव, बीएल, थूक कोशिका विज्ञान, मूत्र कोशिका विज्ञान और गाइनी पीएपी स्मीयर से द्रव एस्पिरेट्स सहित 10383 कोशिका विज्ञान नमूनों को संसाधित किया गया था।

स्नातक शिक्षण के अलावा सभी संकाय नियमित रूप से सेमिनार, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मीट, परियोजनाओं, प्रकाशनों और थीसिस कार्य की व्यवस्था करने में गहरी रुचि लेते हैं। रोगी देखभाल सेवाओं के लिए जोड़ी गई नई सुविधाओं में लिक्विड बेस्ड साइटोलॉजी (एलबीसी), ऑटोमेटेड कोगुलोमीटर, ऑटोस्टेनर शामिल हैं

सम्मान और विशिष्टताएं

डॉ. नीता खुराना एलजी के लिए गवर्नर्स रोलिंग ट्रॉफी पुरस्कार समिति की सदस्य हैं।

डॉ. नीता खुराना केबी शर्मा रोलिंग ट्रॉफी के लिए समिति की सदस्य हैं।

डॉ. नीता खुराना आरपी माथुर बेस्ट पोस्टग्रेजुएट पैथोलॉजी अवार्ड समिति की अध्यक्ष हैं।

डॉ. नीता खुराना संस्थागत आचार समिति, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज की सदस्य हैं।

डॉ. नीता खुराना पैथोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'पाठ्यक्रम और अध्ययन समिति' की सदस्य हैं।

डॉ. नीता खुराना दूसरी एमबीबीएस पाठ्यचर्या समिति की अध्यक्ष हैं।

डॉ. नीता खुराना एमएएमसी पीजी छात्रों और जीआईपीएमईआर के सुपरस्पेशलिटी छात्रों के थीसिस/प्रोटोकॉल के अनुमोदन के लिए स्नातकोत्तर सेल की सह-अध्यक्ष हैं।

डॉ. नीता खुराना कॉलेज पत्रिका सिनापसे की कोषाध्यक्ष हैं।

डॉ. नीता खुराना कॉलेज पाठ्यक्रम समिति की सदस्य हैं

डॉ. नीता खुराना दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएच.डी. पैथोलॉजी के लिए मानदंड तैयार करने की समिति की सदस्य हैं।

डॉ. नीता खुराना इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट- दिल्ली चैप्टर की कार्यकारी सदस्य हैं।

डॉ. सारिका सिंह दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमटोलॉजी की कार्यकारी सदस्य हैं।

डॉ. रीना तोमर संजीवनी और मदर टेरेसा छात्रावास की वार्डन हैं।

डॉ. श्यामा जैन सदस्य विशेषज्ञ, डीएमसी, सीएसआईआर, एम्स, ईएस, डीयू, आईपी विश्वविद्यालय, आईसीपीओ (नोएडा) थीं, जो नियमित रूप से सभी बैठकों में भाग लेती थीं।

डॉ. श्यामा जैन कई अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और राष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक हैं; जर्नल ऑफ साइटोलॉजी की सदस्य कार्यकारी हैं।

डॉ. नीता खुराना को सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ द्वारा पीएच.डी. शोध परियोजनाओं के लिए अध्ययन बोर्ड में बाहरी विशेषज्ञ के विशेषज्ञ/सलाहकार नामित किया गया था।

डॉ. नीता खुराना को हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा एमडी पैथोलॉजी पाठ्यक्रम के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज में बाहरी विशेषज्ञ के विशेषज्ञ/सलाहकार नामित किया गया था।

नीता खुराना जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, जनकपुरी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, बीएसए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, ईएसआई अस्पताल, उत्तरी डीएमसी, आरएमएल अस्पताल नई दिल्ली में एक बाहरी विशेषज्ञ थीं, जो संकाय पदों के लिए चयन बोर्ड में बाहरी विशेषज्ञ के विशेषज्ञ/सलाहकार थीं।

डॉ. नीता खुराना ट्यूमर बोर्ड, रेडियोथेरेपी विभाग, एलएनएच की मनोनीत सदस्य हैं।

डॉ. नीता खुराना को हिंदू राव अस्पताल में डीएनबी पैथोलॉजी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक और आईपी विश्वविद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय के एमडी पैथोलॉजी परीक्षा के लिए आर एंड आर (सेना) अस्पताल और परीक्षक नामित किया गया था।

डॉ. नीता खुराना को बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय, पंजाब, पं बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा, शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा और एम्स, दिल्ली और एचआईएमएसआर, नई दिल्ली के एमडी पैथोलॉजी थीसिस के थीसिस मूल्यांकन के लिए नियुक्त किया गया।

डॉ. नीता खुराना चिकित्सा विभाग, सर्जरी विभाग और ओटोरहिनोलोरिंजोलॉजी विभाग, रेडियोथेरेपी विभाग के सहयोग से सीपीसी के आयोजन में विशेषज्ञ हैं।

डॉ. नीता खुराना डीएनबी पैथोलॉजी के लिए राष्ट्रीय समन्वयक वेबिनार एनबीई हैं

डॉ. नीता एन खुराना टीटीसी और एमसीआई में एक विशेषज्ञ हैं और एमएएमसी के नोडल चिकित्सा शिक्षा विभाग में एक संकाय सदस्य के रूप में चिकित्सा शिक्षकों के लिए बुनियादी प्रशिक्षण कार्यशालाओं और पाठ्यचर्या कार्यान्वयन सहायता कार्यक्रम और चिकित्सा शिक्षा विभाग में वरिष्ठ आवासियों के लिए कैप्सूल पाठ्यक्रम संशोधित करती हैं।

डॉ. नीता खुराना संस्थागत स्नातकोत्तर अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए एक विशेषज्ञ थीं।

डॉ. सारिका डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ फरवरी 2020 में, एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में पीजीआईएमएस रोहतक में बीडीएस परीक्षा के लिए फरवरी 2020 में गई थीं।

नोडल केंद्र होने के कारण विभाग दिल्ली में आयोजित विभिन्न शिविरों से स्त्री शक्ति कार्यक्रम और कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के नमूने प्राप्त करता है और प्रसंस्करण और रिपोर्टिंग के लिए दिल्ली सरकार के अन्य अस्पतालों से नियमित रूप से कैंसर निदान के नमूने प्राप्त करता है।

पैथोलॉजी विभाग के आवासी एवं स्टाफ सदस्य पल्स पोलियो कार्यक्रम में नियमित रूप से भाग लेते हैं

प्रकाशन

एम.सिंह, सागर, एन., यादव, एस., आर. अग्रवाल, मंडल, एस., खुराना, एन., एस.जैन, मेहर, आर. (2020). इंटाओरल माइनर लार ग्रंथि ट्यूमर के निदान में फॉइन नीडल एस्पिरेशन की उपयोगिता। जर्नल ऑफ साइटोलॉजी, 37(1), 53.

चौधरी, डी., एल.गुप्ता, आर. अग्रवाल, माल्या, वी., तोमर, आर., मंडल, एस. खुराना, एन., सरीन, वाई. (2021). तृतीयक देखभाल अस्पताल में हेपेटोब्लास्टोमा के हिस्टोमोर्फोलॉजिकल पैटर्न। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स, 17(4), 1059.

दहिया, एस., तोमर, आर., आहूजा, एम., माल्या, वी., मंडल, एस., खुराना, एन., और राठी, ए.के. (2021). डर्माटोफिब्रोसारकोमा प्रोट्यूबेरन्स: लिम्फ नोड मेटास्टेसिस और फॉइब्रोसारकोमेटस परिवर्तन पर जोर देने के साथ क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम।

सागर, एन., तोमर, आर., बलहारा, के., माल्या, वी., मंडल, एस., और खुराना, एन. (2020). विभिन्न स्त्रीरोग संबंधी विकृति के साथ एडेनोमायोसिस का हिस्टोपैथोलॉजिकल एसोसिएशन। एनल्स ऑफ पैथोलॉजी एंड लेबोरेटरी मेडिसिन, 7(5).

वी.सिंह, वी., कौर, एन., मंडल, एस., माल्या, वी., तोमर, आर., खुराना, एन., और बैस, एल (2020). स्तन का न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा: साहित्य की समीक्षा के साथ केस श्रृंखला। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 63(4), 559.

रथ, ए., मंडल, एस., गोस्वामी, एस., खुराना, एन., और ढाल, ए. (2020). पैर की नेविक्यूलर हड्डी का आक्रामक ऑस्टियोब्लास्टोमा: एक अद्वितीय स्थान में एक विरल ट्यूमर। *द जर्नल ऑफ फुट एंड एंकल सर्जरी*, 59(6), 1279-1282.

चौधरी, डी., रथ, ए., मंडल, एस., खुराना, एन., और अग्रवाल, पी. (2021). प्राथमिक लेयोमायोसारकोमा गुर्दा-एक नैदानिक चुनौती के साथ एक विरल इकाई।

बलहारा के., सिंह एस., जैन एस., डागा एम.के. और अनुभव विंदल (2020). हॉजकिन के लिंफोमा में एपस्टीन बार वायरस एक पथ कम चलने वाला: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन। *एनल्स ऑफ पैथोलॉजी एंड लेबोरेटरी मेडिसिन*, 7(6), 311-319.

हेगड़े, वी., एस.सिंह, पी. सिन्हा, धर, एल., एस. अग्रवाल, भदौरिया, डी.पी., और डागा, एम. (2020). क्रोनिक मायलोजेनस ल्यूकेमिया ब्लास्ट क्राइसिस में फ्लो साइटोमेट्री। *ईरानीयन जर्नल ऑफ ब्लड और कैंसर*, 12(3), 80-83.

एस.सिंह, रथ, ए., और यादव, एस. (2018). प्राथमिक प्लाज्मा सेल ल्यूकेमिया: केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *सुल्तान काबूस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल*, 18(3), e397.

खुरैजाम, बी., उदयकुमार, डी., मंडल, एस., खुराना, एन., और मनचन, वी. (2021). एक शिशु में सह-अस्तित्व वाले साइटोमेगालोवायरस संक्रमण के साथ जन्मजात फुफ्फुसीय वायुमार्ग की विकृति: एक असामान्य प्रस्तुति।, *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 64(1), 202.

घुलिअर्थात, डी., पुट्टस्वामी, आर., साहनी, के., और तोमर, आर (2020). इम्युनोकोम्पेटेंट रोगी में आकस्मिक पृथक वृक्क म्यूकोर्मिकोसिस: एक विरल और असामान्य प्रस्तुति। *इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल*, 7(4), 1292-1295.

हेगड़े, पी., रेलहन, वी., और तोमर, आर. (2020). आईजीजी4 संबंधित रोग-पृथक त्वचीय भागीदारी का एक विरल मामला। *क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल डर्मेटोलॉजी*।

सागर, एन., मंडल, एस., खुराना, एन., और ए. कुमार, (2020). सर्वाइकल रबडोमायोमा एक विरल इकाई: साहित्य की समीक्षा के साथ केस रिपोर्ट। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 63(3), 467.

आर.कुमार, मंडल, एस., अरोड़ा, पी., माला, वाई., और खुराना, एन. (2020). सर्वाइकल इंटरपीथेलियल नियोप्लासिया (सीआएन) और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एससीसी) गर्भाशय ग्रीवा में पी16 और गैलेक्टिन -3 की अभिव्यक्ति। *जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी*, 1-6.

कुमार, बी., आर. सिंह, पी. अग्रवाल, और मंडल, एस. (2020). व्यापक मेटास्टेसिस के साथ लेयोमायोसारकोमा स्तन: एक केस रिपोर्ट। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 1-3.

पी. कुमार, पांडा, एस.एस., एस.सिंह, और सरीन, वाई. के. (2021). खोपड़ी का जन्मजात क्यूटेनस पेरिफेरल प्रिमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर (पीपीएनईटी): अब तक का सबसे छोटा मामला। *जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन*, 26(1), 60.

पी. सिन्हा, एस.सिंह, धर, एल., और एस. अग्रवाल, (2020). एक्सप्लोरिंग द अनएक्सप्लोर्ड: सर्कुलेटिंग माइक्रोमेगाकार्योसाइट्स इन क्रॉनिक मायलोजेनस ल्यूकेमिया। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च*, 14(12).

गोस्वामी, एस., गुप्ता, आर., और रामजी, एस. (2020b). सेप्सिस स्क्रीन: प्रीटरम नियोनेट्स में नवजात सेप्सिस के शुरुआती निदान में एक उपयोगी पैरामीटर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लेबोरेटरी हेमेटोलॉजी*, 42(6), e283-e286.

गोस्वामी, एस., गुप्ता, आर., और रामजी, एस. (2020a). फ्लो साइटोमेट्री: संदिग्ध सेप्सिस के साथ गंभीर रूप से बीमार प्रीटरम नियोनेट्स में एक महत्वपूर्ण नैदानिक उपकरण। *अमेरिकन जर्नल ऑफ पेरिनेटोलॉजी*।

सेतिया, ए., कुमार, डी., बैस, एल., पी शर्मा, टेम्पे, ए., और माल्या, वी. (2020). एंडोमेट्रियम के मिश्रित मुलेरियन ट्यूमर के साथ रेनल हेमांगीओब्लास्टोमा: दो विरल प्राथमिक ट्यूमरों की एक कहानी। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी*, 18(1), 1-8.

माल्या, वी., सिंह, वी., कौर, एन., यादव, पी., मंडल, एस., खुराना, एन., और पी.लाल, (2020). क्या स्तन कैंसर ड्रुकट बायोप्सी का ट्यूमर स्ट्रोमा अनुपात नवजागृत चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया निर्धारित करता है? *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 63(5), 113.

रथ, ए., मरी, डब्ल्यू. टी., माल्या, वी., खुराना, एन., और एस.जैन, के. (2020). पैपिलरी रीनल सेल कार्सिनोमा का ऑन्कोसाइटिक संस्करण: एक विरल या कम रिपोर्ट की गई इकाई? *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 63(2), 327.

रानी, पी., गुप्ता, ए.जे., मेहरोल, सी., एम.सिंह, खुराना, एन., और पासी, जे. (2020). ट्यूमर-स्ट्रोमा अनुपात का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध और साहित्य की समीक्षा के साथ 41 मामलों में बुक्कल म्यूकोसा और जीभ के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ट्यूमर ग्रेड और लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ भड़काऊ सेल घुसपैठ। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 16(3), 445.

एम.सिंह, सागर, एन., यादव, एस., आर. अग्रवाल, मंडल, एस., खुराना, एन., . . . मेहर, आर. (2020). इंद्राओरल माइनर लार ग्रंथि ट्यूमर के निदान में फॉइन नीडल एस्पिरेशन की उपयोगिता। *जर्नल ऑफ साइटोलॉजी*, 37(1), 53.

सागर, एन., एम.सिंह, एन. गोयल, खुराना, एन., सिंह, के., और मेहर, आर. (2020). मौखिक गुहा के विकिरण-प्रेरित लेयोमायोसार्कोमा: साहित्य की समीक्षा के साथ दो मामले। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 16(8), 230.

चौधरी, डी., एम.सिंह, कुशवाहा, पी., आर. अग्रवाल, सिंह, वी., मंडल, एस., मिश्रा, ए. (2020). फिलोइस ट्यूमर में संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर, सीडी 10 और फैक्टर 8 की अभिव्यक्ति: 38 मामलों का 5 वर्ष का अध्ययन। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 16(6), 1408.

रथ, ए., मंडल, एस., गोस्वामी, एस., खुराना, एन., और ढाल, ए. (2020). आक्रामक ऑस्टियोब्लास्टोमा पैर की नाविक्यूलर हड्डी का: एक अद्वितीय स्थान में एक विरल ट्यूमर। *जर्नल ऑफ फुट एंड एंकल सर्जरी*, 59(6), 1279-1282.

सागर, एन., अरोड़ा, पी., खुराना, एन., और अग्रवाल, पी. (2020). गुर्दे में घोड़े की नाल के आकार के श्रोणि का आक्रामक एंजियोमाइक्सोमा: एक असामान्य स्थान पर विरल ट्यूमर। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 63(3), 460.

रेल्हन, वी., संधू, जे., खुराना, एन., और चौधरी, ए. (2020). फियोहाइफोमाइकोसिस: पुटी के सिस्ट एक जिज्ञासु मामला। *इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, एंड लेप्रोलॉजी*, 86(5), 542-542.

रथ, ए., तोमर, आर., आर. अग्रवाल, एम.सिंह, एस.जैन, खुराना, एन., और राठौर, पी.के. (2021). न्यूरोएंडोक्राइन अंतर के साथ पैरोटिड ग्रंथि का एसिनिफ सेल कार्सिनोमा। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 17(4), 1115.

घुलिअर्थात, डी., पुट्टस्वामी, आर., साहनी, के., और तोमर, आर. (2020). इम्युनोकोम्पेटेंट रोगी में आकस्मिक पृथक वृक्क म्यूकोर्मिकोसिस: एक विरल और असामान्य प्रस्तुति। *इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल*, 7(4), 1292-1295.

बलहारा के., सिंह एस., जैन एस., डागा एम.के. अनुभव विंदा (2020). हॉजकिन के लिंफोमा में एक पथ कम चलने वाला एपस्टीन बार वायरस: अवलोकन संबंधी एक अध्ययन। *एनल्स ऑफ पैथोलॉजी एंड लेबोरेटरी मेडिसिन*, 7(6), 311-319.

पी. कुमार, पांडा, एस.एस., एस.सिंह, और सरीन, वाई. के. (2021). खोपड़ी का जन्मजात त्वचीय परिधीय आदिम न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर (पीपीएनईटी): अब तक का सबसे छोटा मामला। *जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन*, 26(1), 60.

सिंह, वी., कौर, एन., मंडल, एस., माल्या, वी., तोमर, आर., खुराना, एन., और एल. बैस, (2020). स्तन के न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा: साहित्य की समीक्षा के साथ केस श्रृंखला। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 63(4), 559.

सेतिया, ए., कुमार, डी., बैस, एल., पी शर्मा, टेम्पे, ए., और माल्या, वी. (2020). एंडोमेट्रियम के मिश्रित मुलेरियन ट्यूमर के साथ रेनल हेमांगीओब्लास्टोमा: दो विरल प्राथमिक ट्यूमर की एक कहानी। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी*, 18(1), 1-8.

माराना, एच., बैस, एल., पी.लाल, , भाटिया, आर., बेग, एम. वाई., पी. कुमार, और माल्या, वी. (2020). अधिक से अधिक ओमेंटम का सिस्टिक लिम्फेंगियोमा: आंशिक सहज प्रतिगमन और साहित्य की समीक्षा का मामला। *केस रिपोर्ट्स इन सर्जरी*, 2020.

दहिया, एस., तोमर, आर., आहूजा, एम., माल्या, वी., मंडल, एस., खुराना, एन., और राठी, ए.के. (2021). डर्माटोफिब्रोसारकोमा प्रोट्यूबेरन्स: लिम्फ नोड मेटास्टेसिस और फॉइब्रोसारकोमेटस परिवर्तन पर जोर देने के साथ क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्पेक्ट्रम।

सिंह, वी., कौर, एन., मंडल, एस., माल्या, वी., तोमर, आर., खुराना, एन., और एल. बैस, (2020). स्तन का न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा: साहित्य की समीक्षा के साथ केस श्रृंखला। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, 63(4), 559.

शोध परियोजनाएं

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्गत डीएसटी द्वारा वित्त पोषित एक्स्ट्रायूरल रिसर्च- कोविड देखभाल में शामिल तृतीयक देखभाल केंद्र में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच मनोवैज्ञानिक समस्याओं और बर्नआउट पर योग और ध्यान (एसटीवाईएम) के: मल्टी-मॉडल गैर-औषधीय जीवन शैली के जवाब के साथ एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन हस्तक्षेप (परामर्श और चिंतनशील राजयोग ध्यान (आरएम))। सह-अन्वेषक डॉ. रीना तोमर कोविड

इंट्राम्यूरल परियोजना शीर्षक "कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में बेमेल मरम्मत प्रोटीन की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अभिव्यक्ति" मुख्य-अन्वेषक डॉ. पारुल तंवर, सह-अन्वेषक - डॉ. नीता खुराना, डॉ. अनुभव विंदल, डॉ. स्नेहा गोस्वामी।

एमआरयू की परियोजना, डॉ. सारिका सिंह द्वारा, शीर्षक: स्वस्थानी संकरण में प्रतिदीप्ति द्वारा बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में केएमटी2ए /एमआईआई जीन ट्रांसलोकेशन की अभिव्यक्ति और फ्लो साइटोमेट्री और पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन के साथ इसका संबंध

मोल, आंशिक तिलपाशियल मोल और हाइड्रोपिक एबार्टस को अलग करने में सहायक तकनीक के रूप में पी57 और केआई-67 प्रतिरक्षात्मकता का अध्ययन शीर्षक इंट्राम्यूरल परियोजना। मुख्य-अन्वेषक डॉ. रीना तोमर, सह पीआई डॉ. नीता खुराना, डॉ. पारुल तंवर, डॉ. निहारिका और डॉ. भाग्यश्री के साथ।

रेडियोथेरेपी कंपनी विभाग के साथ सह-अन्वेषक, डॉ. रीना तोमर- ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में एंड्रोजन रिसेप्टर की भूमिका शीर्षक इंट्राम्यूरल परियोजना।

मानव पैपिलोमावायरस-संबंधित कार्सिनोमास ऑफ द सिनोनासल ट्रैक्ट का मॉर्फोलॉजिकल एंड इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन पीआई डॉ. खुराजम बेमबेम द्वारा। सह-अन्वेषक डॉ. नीता खुराना

सेल ब्लॉक तैयारियों पर वीडियो की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अभिव्यक्ति के साथ थायरॉइड एफएनएसी पर एयूएस / एफएलयूएस छावों में बीआरएफ उत्परिवर्तन प्रोफाइल। मीता सिंह, श्यामा जैन, श्रमण मंडल, बिनीता गोस्वामी, विकास मल्होत्रा, अनुराग मिश्रा।

डॉ. मीता सिंह द्वारा सह-अन्वेषक के रूप में डॉ. शिप्रा अग्रवाल, एम्स के साथ थायरॉइड ट्यूमर के विभेदक निदान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता का मूल्यांकन करना, जैसे कि परमाणु सुविधाओं (एनआईएफटीपी) के साथ गैर-इनवेसिव फॉलिक्युलर थायरॉइड नियोप्लाज्म, पैपिलरी थायरॉइड कार्सिनोमा (एफवीपीटीसी) का कूपिक संस्करण, शास्त्रीय पैपिलरी थायरॉइड कार्सिनोमा (सीपीटीसी), कूपिक एडेनोमा (एफए) और हाइपरप्लास्टिक/एडेनोमेटस नोड्यूलस (एचटीएन)

चालू वर्ष के दौरान पूरी की गई थीसिस का विवरण-

प्राथमिक त्वचा ट्यूमर के वर्गीकरण में कोशिका विज्ञान की भूमिका। डॉ. शबनम सिंह, डॉ. श्याम लता जैन, डॉ. निधि वर्मा, डॉ. बी एल साहो

कार्सिनोमा स्तन में हार्मोन रिसेप्टर विषमता का आकलन: एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन, डॉ. प्रियंका यादव डॉ. नीता खुराना, डॉ. ए.के राठी, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. मीता सिंह

थीसिस कंट्रास्ट ने सिर और गले के सर्वाइकल लिम्फनोडेसिन स्कैन्स सेल कैंसर के कंप्यूटेड टोमोग्राफी और सीटी परफ्यूजन को बढ़ाया। शुभम सूर्यवंशी, डॉ. ज्योति कुमार, डॉ. नीता खुराना

प्लाज्मा सेल विकारों में सीडी200, सीडी27, सीडी81 और सीडी56 का फ्लो साइटोमेट्रिक विश्लेषण। डॉ. चुम्बेनी न्गुली, डॉ. सारिका सिंह, डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, डॉ. सुनीता अग्रवाल

घातक उपकला डिम्बग्रंथि ट्यूमर में ई-केहेरिन, विटामिन और सीडी44 की अभिव्यक्ति। नेहा पाराशर के पर्यवेक्षण में डॉ. श्रमण मंडल डॉ. रेणु तंवर, डॉ. मीता सिंह

तीव्र ल्यूकेमिया में डब्ल्यूटी1, साइक्लिन डी1 और पी53 की अभिव्यक्ति। डॉ. प्रेरणा अरोड़ा के पर्यवेक्षण में प्रियंका बी द्वारा

श्व परीक्षण में विभिन्न प्रकार के झटके के बाद विभिन्न अंगों में होने वाले हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन। डॉ. आलोक कुमार मौर्य डॉ. एस. के. खन्ना, न्याय-चिकित्सा

ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में कैंसर स्टेम सेल मार्कर सीडी44 की भूमिका और हिस्टोलॉजिकल ग्रेड और एंजियोजेनेसिस के साथ इसका जुड़ाव, डॉ. रीना तोमर द्वारा।

विंध्यप्रभा डॉ. निधि वर्मा, डॉ. श्यामलता जैन, डॉ. सुशांतो नियोगी द्वारा मूत्राशय कार्सिनोमा के निदान में रिपोर्टिंग की पारंपरिक प्रणाली के साथ मूत्र कोशिका विज्ञान की रिपोर्टिंग के लिए पेरिस प्रणाली का तुलनात्मक मूल्यांकन।

कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में इंटरम्यूरल और एक्स्ट्राम्यूरल लिम्फोवस्कुलर आक्रमण का प्रागैतिहासिक महत्व। डॉ. अमृता पीएस, डॉ. वरुणा, डॉ. नीता खुराना, डॉ. पवनेंद्र लाल

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

पोस्टर/मौखिक प्रस्तुतियाँ

सम्मेलनों में पोस्टर प्रस्तुति

डॉ. नीता खुराना ने 13 अक्टूबर, 2020 को डॉ. मधु सिंह, जेएसएसएच अस्पताल द्वारा कोविड-19 वेबिनार में लैब असामान्यताओं पर सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. नीता खुराना ने 22 अक्टूबर, 2020 को जेएसएसएच में एईटीसीओएम - सीबीएमई का सार पर सत्र की अध्यक्षता की।

सारिका ने थ्रम्बोसिस में चुनौतियों के निदान और प्रबंधन पर लाइव वेबिनार पर एक सत्र का संचालन किया। सितंबर 2020।

डॉ. रीना तोमर को सितंबर 2020 में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस डायग्नोस्टिक वीक पैथोलॉजी में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था

डॉ. रीना तोमर ने सितंबर 2020 में नेशनल कॉन्फ्रेंस डायग्नोस्टिक वीक पैथोलॉजी में मौखिक पेपर सत्र का निर्णय किया।

डॉ. रीना तोमर ने राष्ट्रीय स्तर के माइंड बॉडी मेडिसिन सम्मेलन 2020 . में तनाव प्रबंधन और भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया।

साइटोलॉजी कॉर्नर- अनौपचारिक मामलों की चर्चा: निदान लिम्फोमा पर एफएनएसी फ्लोसाइटोमेट्री की भूमिका। 10 अक्टूबर 2020 को डॉ. मीता सिंह द्वारा फेसबुक पर।

हेमेटोलॉजी का राष्ट्रीय सम्मेलन हेमेटोकॉन नवंबर 2020, आभासी सम्मेलन,

38 वां वार्षिक राष्ट्रीय सीएमई (ऑनलाइन), डॉ. सारिका, डॉ. गरिमा राखेजा, डॉ. पल्लवी,

डॉ. रीना तोमर ने डायग्नोस्टिक वीक नेशनल पैथोलॉजी ऑनलाइन कॉन्फिडेंस 2020 भाग लिया।

एमसीआई संशोधित बेसिक कोर्स पर आधारित 'मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज' में कार्यशाला,

27-10-2020 से 29-10-2020 तक कार्यशाला पैटर्न में डॉ. गरिमा, डॉ. बेमबेम ने भाग लिया।

डॉ. गरिमा ने 5 दिसंबर 2020 को आयोजित वर्चुअल न्यूरोपैथोलॉजी टीचिंग प्रोग्राम 2020 और आरटी-पीसीआर तकनीक पर वर्चुअल वर्कशॉप - बेसिक टू एप्लीकेशन (एमएस, नई दिल्ली) 20 नवंबर, 2020 को हेमेटोकॉन 2020 में भाग लिया।

डॉ. मीता सिंह ने सीआईएसपी II कार्यशाला- 9-10 जुलाई 2020 ने भाग लिया।

डॉ. मीता सिंह ने होप वेबिनार, बीडी एलबीसी मास्टरक्लास 6 अगस्त 2020, 24 नवंबर, 2 दिसंबर 2020 को आईएसी ज्वेल 50 श्रृंखला वेबलेक्चर, डीसीआईएसी लार ग्रंथि कोशिका विज्ञान में भाग लिया।

डॉ. रीना तोमर, डॉ. मीता सिंह और छह आवासियों ने आरएमएल चौथे एम्स ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप - पैथोलॉजी विभाग के कर्मचारी और आवासी पल्स पोलियो कार्यक्रम में शामिल हैं। नोडल केंद्र होने के कारण विभाग दिल्ली में आयोजित विभिन्न शिविरों से स्त्री शक्ति कार्यक्रम और कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के नमूने और प्रसंस्करण और रिपोर्टिंग के लिए दिल्ली सरकार के अन्य अस्पतालों से नियमित रूप से कैंसर निदान के नमूने प्राप्त करता है।

संकाय संख्या -10

विभागाध्यक्ष: डॉ. नीता खुराना

क्र.सं.	संकाय का नाम	पदनाम
1	डॉ. श्याम लता जैन *	निदेशक-प्रोफेसर
2	डॉ. नीता खुराना	निदेशक-प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष
3	डॉ. सारिका सिंह	प्रोफेसर
4	डॉ. श्रमणा मंडल	प्रोफेसर
5.	डॉ. *प्रेरणा अरोरा**	एसोसिएट प्रोफेसर
6	डॉ. रीना तोमर	एसोसिएट प्रोफेसर
7	डॉ. निधि वर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर
8.	डॉ. मीता सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर

9	डॉ. वरुणा सिपय्या	एसोसिएट प्रोफेसर
10	डॉ. पारुल तंवर	सहायक प्रोफेसर
11	डॉ. खुराइजम बेमबेम	सहायक प्रोफेसर

* डॉ. प्रेरणा अरोड़ा अपने डीएम हेमेटोपैथोलॉजी के लिए अध्ययन अवकाश पर हैं

**डॉ. श्याम लता जैन सितंबर 2020 में सेवानिवृत्त

पैथोलॉजी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पैथोलॉजी विभाग द्वारा की गई प्रयोगशाला जांचों की कुल संख्या इस वर्ष 292590 थी। विभाग पैथोलॉजी ने "किडनी बायोप्सी की व्याख्या" पर जीबी पंत अस्पताल एन दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर डॉ. विनीता बत्रा द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया था। विभाग के संकाय सदस्य ने विभिन्न नेशनल कांफ्रेंस और वेबिनार में बातचीत पेश की। विभाग द्वारा कई स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पैथोलॉजी और ब्लड बैंक की। चिकित्सीय प्लाज्माफेरेसिस और कॉन्वलसेंट कोविड प्लाज्मा संग्रह सुविधाएं जोड़ी गईं।

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत ई-रक्षकोश सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और रक्त सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण मैनुअल को अंतिम रूप देने के लिए प्रथम रेफरल इकाइयों और राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ पर रक्त भंडारण केंद्र स्थापित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए प्रोफेसर डॉ. संगीता पाहुजा सिंधवानी को राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है।

सम्मान और गौरव

डॉ. सुनीता शर्मा (डीआईआर प्रो एंड एचओडी) ने दिसंबर 2020 में आईजेपीएम की समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान के समीक्षक प्रमाण शोध से सम्मानित किया।

डॉ. सुनीता शर्मा और डॉ. वंदना पुरी ने 2021 में भारतीय चिकित्सा शिक्षा में महिलाओं के उत्कृष्ट योगदान के लिए ग्लोबल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में चित्रित किया।

प्रकाशन

शुक्ला, एस., छिकारा, ए., बुंदेला, टी., शर्मा, एस., और चंद्रा, जे. (2020) तीव्र ल्यूकेमिया में नैदानिक, रूपात्मक और इम्यूनोफेनोटाइपिकल निष्कर्ष: तृतीयक देखभाल अस्पताल से एक अध्ययन। बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी और ऑन्कोलॉजी के ईरानी जर्नल, 10 (3), 136-143।

गौर, के., पुरी, वी., शुक्ला, एस., शर्मा, एस., सुमन, एस., और सिंह, आर. (2020) शुरुआत से पहले समाप्त करें: तृतीयक देखभाल हेमेटोलॉजी प्रयोगशाला में प्रीएनालिटिकल नमूना त्रुटियों का विश्लेषण करना। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 63 (3), 435।

गर्ग, जे., मीना, आर., शुक्ला, एस., शर्मा, एस., और चौधरी, आर. (2020)। बांझ जोड़ों में पुरुषों के बीच असामान्य वीर्य पैरामीटर: एक तृतीयक देखभाल केंद्र से एक पार अनुभागीय अध्ययन। प्रजनन, गर्भनिरोधक, प्रसूति और स्त्री रोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9(8), 3398-3402।

अग्रवाल, के., और आनंद, ए. (2020) पृष्ठ 53 और परमाणु अशांति: जैविक ड्राइवर का सुझाव है कि Anaplastic विल्म ट्यूमर में गरीब रोग का निदान। बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी के जर्नल, 8 (3)।

अग्रवाल, के. आनंद, ए. सुमन, एन., और सिंह, एस. (2020) टेराटोइड विल्म्स ट्यूमर: केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, 8 (4)।

जायसवाल, एन., पुरी, एम., अग्रवाल, के., सिंह, एस. यादव, आर., तिवारी, एन., ... और वत्स, बी. (2021)। सबक्लिनिकल प्लेसेंटल डिसफंक्शन के लिए एक स्वतंत्र जोखिम कारक के रूप में कोविड-19 प्रसूति एवं स्त्री रोग और प्रजनन जीवविज्ञान के यूरोपीय जर्नल, 259, 7-11

सिंह एस., आनंद ए., अग्रवाल कश्मीर, गोविंदस्वामीज, मीनास के. इम्यूनोसंप्ट रोगी में प्लाज्माब्लास्टिक मल्टीपल मायलोमा बहाना ल्यूकेमिया। जेडियागन केस प्रतिनिधि, 2020; 1(2): 2-4

सिंह, एस. हृदय रोग के साथ नवजात ऑटोप्सी: पैथोलॉजिस्ट के लिए एक चुनौती। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 14 (8)।

सिंह, एस. पेलियोसिस हेपेटिस: नवजात शिशु में हेपेटोमेगली का एक दुर्लभ कारण। स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा के ओएसपी जर्नल, 1 (2), 1-4।

सिंह, बी.के., साहा, एस. अंडाशय का घातक ब्रेनर ट्यूमर डिस्टल आंतों की बाधा और छिद्र के रूप में प्रकट होता है। बीएमजे मामले की रिपोर्ट सीपी, 13 (6), e235394।

शर्मा, ए., गौड़, के., तिवारी, वी. पी., और शुक्ला, एस. (2020) सिकल सेल रोग गर्भावस्था की तीसरी तिमाही में पेश: देरी का पता लगाने के एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या की शुरुआत?. भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका, 64 (1), 93।

सिंह, जी.बी., युद्ध, जी. वाई., शुक्ला, एस., कौर, आर., मल्होत्रा, एस., और कुमार, एस. (2020) आवर्ती टॉन्सिलाइटिस में हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और लारिनगोफेरेंगल भाटा की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक ओटोइनोलेरिंगोलॉजी, 138, 110376।

कुमार, पी., सांके, एस., चंदर, आर., और नांगिया, ए. (2021) बेकर के नेवस मॉर्फिके के साथ सहअस्तित्व: एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट। त्वचा उपांग विकार, 6 (6), 393-396।

आशा बी., नांगिया ए., शर्मा एस., चंद्रा जे. फ्लोसाइट्रिक साइटोकिन पीडियाट्रिक एप्लास्टिक एनीमिया में टी-लिम्फोसाइट्स की प्रोफाइलिंग। पथोल और प्रयोगशाला के इतिहास। मेड.: Poi:10.21276/apalm.2727 अप्रैल 2020।

सिंह, एस., गौर, के., और पुरी, ए. (2021) एक पूर्व-यौवन बच्चे में स्तन फाइब्रोसिस्टिक परिवर्तन-एक हिस्टोपैथोलॉजिकल परिप्रेक्ष्य के साथ एक केस रिपोर्ट। भ्रूण और बाल रोग विकृति, 40(5), 535-539।

सिंह, एस., गर्ग, जे., शर्मा, के., और अग्रवाल, के. (2021) एक बच्चे में इंट्रा-एब्डॉमिनल सॉलिटरी मायोफिब्रोमा: एक दुर्लभ केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 15(1).

सिंह, एस., शर्मा, के., कुमार, वी., और यादवी, पी. (2020) डायग्नोस्टिक दुविधा प्रस्तुत करने वाले लियोमायोसारकोमा की एक असामान्य प्रस्तुति: एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 14(12)।

चटर्जी पी, मंडल पी, शर्मा एस, चंद्र जे, हिस्टोप्लाज्मा कैप्सुलेटम इन पेरिफेरल ब्लड स्मियर, एन हेमटोल ओनकोल.2020;7(6): 1305

पुरी, वी., शर्मा, जी., और छिकारा, ए. (2020) दिल्ली में तृतीयक देखभाल अस्पताल में प्रमुख क्रॉसमैच असंगति के दो मामलों का गंभीर विश्लेषण। एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसप्यूजन साइंस, 14(2), 192।

पाहूजा, एस., जैन, एस., नैन, एम., गोयल, आर., सहगल, एस., और जैन, एम. (2020) उत्तर भारतीय रक्त दाताओं में रीसस और केल रक्त समूह प्रतिजनों, फेनोटाइप्स और उनकी एलील आवृत्तियों का आकलन। एशियन जर्नल ऑफ ट्रांसप्यूजन साइंस, 14(2), 137.

शर्मा, जी., पाहुजा, एस., और सिंह, डी. (2020) गैर आरएचडी आइसोइम्यूनाइजेशन, Rh पॉजिटिव प्रेग्नेंसी में भ्रूण और नवजात शिशु के गंभीर हेमोलिटिक रोग का कारण बनता है: साहित्य की समीक्षा के साथ 2 मामलों की रिपोर्ट।

पुरी वी. गुप्ता. के.पी.(2020) पैथोलॉजी और रुधिर विज्ञान, सीबीएस प्रकाशक की पूरी समीक्षा।

अनुसंधान परियोजनाएं

सह जांचकर्ताओं का नाम	परियोजना प्रभारी	परियोजना योजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी का नाम	बजट करोड़ रुपये में	वर्ष/अवधि
डॉ. सुनीता शर्मा	डॉ. शैलजा शुक्ला	आर.टी-पी.सी.आर बचपन में आम फ्यूजन टेप का पता लगाने के लिए सभी	विभाग स्वास्थ्य अनुसंधान की	30 लाख रुपए	2018-20
डॉ. संगीता पाहुजा सिंधवानी	डॉ. अनिल गुरभी	आईसीएमआर के नेतृत्व वाली परियोजना में सह अन्वेषक: "मध्यम रोग में कोविड -19 संबद्ध जटिलताओं को सीमित करने के लिए प्लाज्मा की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक चरण द्वितीय, ओपन लेबल, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"। 2020 में।	गैर वित्त पोषण	-	2020-2021

सेमिनार का आयोजन: 15.10.2020 को किडनी बायोप्सी की व्याख्या पर जीबी पंत अस्पताल एन दिल्ली की निदेशक प्रोफेसर डॉ. विनीता बत्रा द्वारा अतिथि व्याख्यान

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. सुनीता शर्मा (निदेशक प्रोफेसर और एचओडी) ने योसिनोफिलिया में वेबिनार अप्रोच में भाषण दिया

20 नवंबर को दिल्ली सोसायटी ऑफ हीमेटोलॉजी द्वारा आयोजित

डॉ. सुनीता शर्मा (निदेशक प्रोफेसर और एचओडी) ने डीएनबी द्वारा आयोजित 9/2/21 को लैब. डायग्नोसिस ऑफ एंटीफॉस्लिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम पर व्याख्यान दिया।

डीएनबी की ओर से आयोजित वेब सेमिनार में डॉ. किरण अग्रवाल (डायरेक्टर प्रोफेसर) ने भाषण दिया।

एशियन एसोसिएशन ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन द्वारा गुडगांव में 15 फरवरी, 2020 को आयोजित "टीटीआई परीक्षण सुविधा में आंतरिक क्यूसी के कार्यान्वयन" सीएमई पर डॉ. संगीता पाहुजा सिंधवानी ने एक भाषण दिया।

संकाय संख्या : 17 (अनुबंध पर 5 सहित)

पैथोलॉजी (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट में पैथोलॉजी विभाग ने आणविक विकृति और फैलना पैरान्चिमल फेफड़ों की बीमारियों और फेफड़ों के नियोप्लाज्म्स के रोगजनन में अपना अग्रणी काम जारी रखा। विभाग के संकाय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम के लिए अनुकूलित और व्याख्यान प्रदान की और आभासी मोड में वेबिनार में भाग लिया। फेफड़ों के फॉइब्रोसिस और फेफड़ों के कैंसर में नैनोमेडिसिन पर तीन बाहूरल वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं। विभाग ने एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्रों को आणविक निदान का प्रशिक्षण दिया और आईसीएमआर-एनआईसीपीआर, एम्स नई दिल्ली, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एसजीटी यूनिवर्सिटी, डीबीटी-टीडीएनबीसी नेटवर्क, आईएनएसए, डीआरडीओ के साथ विभिन्न अकादमिक और शोध गतिविधियों में सहयोग किया।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, एमएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा मार्च 2021 से आईसीएमआर-एनआईसीपीआर, नोएडा की मेंटरशिप के तहत कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज करनाल के सहयोग से हरियाणा के खेतपुरा में मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट (एमआरएचआरयू) की स्थापना की गई।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, पैरामेडिकल साइंसेज विभाग, फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव नवंबर 2020 से।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, एसोसिएट सदस्य- डीबीटी-टीडीएनबीसी-डेकिन-रिसर्च नेटवर्क पूरे महाद्वीप में लर्निंग एंड इनोवेशन (डीटीडी-आरएनए) नवंबर 2020 से।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, डीएसटी की सुविधा प्रबंधन समिति के लिए नामांकित,,, "परिष्कृत विश्लेषणात्मक साधन सुविधा (सैफ)", नई दिल्ली (एम्स) 10/8/2018 से 9/8/2021 तक।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, 2016 से एशिया-ऑस्ट्रेलियाई पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसायटी (एएपी) की काउंसिलर सदस्य

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, इंस्टीट्यूशनल बायोसेफ्टी कमेटी (आईबीएससी), बायोसाइंसेज विभाग, प्राकृतिक विज्ञान संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में अप्रैल 2019 से बायोसेफ्टी ऑफिसर।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 25 फरवरी 2021 को इंडियन चेस्ट सोसायटी द्वारा आयोजित आईसीएस आईएलडी कोर्स 2021, ई-कांफ्रेंस में "आईएलडी की एमडीटी चर्चा" पर आमंत्रित संकाय व्याख्यान दिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 15 फरवरी 2021 को इंडियन चेस्ट सोसायटी द्वारा आयोजित आईसीएस आईएलडी कोर्स 2021, ई-कांफ्रेंस में "पैथोलॉजी ऑफ आईएलडी" पर आमंत्रित फैकल्टी व्याख्यान दिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 26 मार्च, 2021 को रोशे डायग्नोस्टिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित टीएनबीसी -इंटरप्रेटेशनल में पीडी-एल1 (एसपी142) विषय पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 19 मार्च 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी: वैक्सीन एंड म्यूटेंट पर प्रो. वीएस चौहान द्वारा अतिथि व्याख्यान में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 11 मार्च, 2021 को वीपीसीआई के पेंटल मेमोरियल गोल्डन जुबली ऑडिटोरियम में मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट-डीएचआर के तत्वावधान में "अनुसंधान में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दों" पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 9-10 मार्च, 2021 को वीपीसीआई के पेंटल मेमोरियल गोल्डन जुबली ऑडिटोरियम में मल्टी डिस्सिप्लिनरी रिसर्च यूनिट-डीएचआर के तत्वावधान में "पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन" पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 5 मार्च 2021 को रिसर्च सेक्शन, एआईएमएमएस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बायोबैंकिंग एंड बायोस्पेसिमेन साइंस का परिचय दिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने माइक्रोशल्गे के उच्च अंत लक्षण वर्णन पर कार्यशाला में भाग लिया: ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) द्वारा 03-04 मार्च 2021, नई दिल्ली पर आयोजित तकनीकी बाधाओं पर काबू पाने।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 2 मार्च 2021 को आईसीएमआर द्वारा आयोजित नैनोमेडिसिन के लिए टास्क फोर्स में वार्षिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के लिए करेंगे।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 25 फरवरी 2021 को वीपीसीआई में वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट-एमआरयू द्वारा आयोजित बायोस्टिस्टिक्स पर वर्कशॉप में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 12 फरवरी, 2021 को स्वास्थ्य ऊर्जा पहल और जलवायु रुझानों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन पर आयोजित "स्वास्थ्य क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन" पर आयोजित TheWeb संगोष्ठी में भाग लिया

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने थेविरटुल कीस्टोन संगोष्ठी, ट्यूमर मेटाबोलिज्म और माइक्रोएनवायरमेंट | EK14, कोलोराडो, संयुक्त राज्य अमेरिका। 25-29 जनवरी, 2021

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने "एसपीएसएस का उपयोग करके सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण", विज्ञान टेक संस्थान, लखनऊ, 21-27 जनवरी, 2021 द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रशिक्षण प्राप्त किया

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने भारत में बायोमेडिकल वेस्ट का प्रबंधन: कोविड-19 और उससे आगे " पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। 19 जनवरी, 2021 को सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट, नई दिल्ली द्वारा आयोजित

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 10 दिसंबर, 2020 को एम्स, दिल्ली और इंडियाना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा आयोजित पुनर्योजी और नैनो मेडिसिन पर संयुक्त आभासी कार्यशाला में भाग लिया

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 24-25 सितंबर 2020 को बायोइवेंट्स लिमिटेड द्वारा आयोजित फेफड़ों के कैंसर पर वर्चुअल कांफ्रेंस (वर्चुअल-एलसी2020) में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 11 सितंबर 2020 को डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस द्वारा आयोजित कोविड-19 (भाग-2) को डीबीटी स्वायत्त संस्थानों की प्रतिक्रिया पर TheWebinar में भाग लिया

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने सीईएनएसई डीबीटी नैनो-बायोटेक्नोलॉजी एलायंस परिचय कार्यशाला में भाग लिया। 8-10 सितंबर 2020 को भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के नैनो साइंस एंड इंजीनियरिंग सेंटर (सीईएनएसई) द्वारा आयोजित

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 6 मई 2020 को ट्रानासिया बायोमेडिकल्स लिमिटेड और एर्बा मैनेजमेंट द्वारा आयोजित प्रारंभिक संकेतकों और शकुन मार्कर के रूप में प्रयोगशाला मापदंडों पर वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 1 मई 2020 को डीबीटी और इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन के सहयोग से टेरी-डेकिन नैनोबायोटेक्नोलॉजी सेंटर द्वारा आयोजित कोविड-19 में नैनोटेक्नोलॉजी हस्तक्षेप और भविष्य की महामारी पर वेबिनार में भाग लिया

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ श्री खालिद उमर फाखरी की पीएच.डी. थीसिस, कोलोरेक्टल कैंसर के विरुद्ध राइन और फाइटिक एसिड के एंटीकैंसर मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक थे", जैव विज्ञान विभाग, प्राकृतिक विज्ञान संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया 15 फरवरी 2021 को।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ 2021 में वैज्ञानिक रिपोर्टों के लिए समीक्षक थी

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ 2020 के बाद से श्वसन रोगों में चिकित्सीय प्रगति के लिए समीक्षक थी

प्रकाशन

साठे, पी. ए., वैदेश्वर, पी., और कुलश्रेष्ठ, आर. (2020) शिशु में श्वसन कष्ट का एक असामान्य कारण। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 63 (4), 672।

चोपड़ा, ए., अवधानी, वी., तिवारी, ए., रिमर, ई.सी., सिका, जी., और जुडसन, एम. ए. (2020) ग्रेनुलोमेटस फेफड़ों की बीमारी: नैदानिक पहलू। श्वसन चिकित्सा, 14 (10), 1045-1063 के विशेषज्ञ समीक्षा करें।

कुलश्रेष्ठ, आर. संयुक्त पल्मोनरी फाईब्रोसिस और एम्फिसिमा के रोगजनन के दौरान कैवोलिन-1 की अंतर अभिव्यक्ति: फॉस्फोडिस्टेरेस-5 अवरोधक का प्रभाव। बायोचिमिका एट बायोफिजिक्सका एक्टा (बीबीए) - आणविक रोग का आधार, 1866 (8), 165802।

जर्नल

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, 2012 से आज तक वीपीसीआई न्यूजलेटर की संपादक हैं

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएमआर- नैनो टास्क फोर्स परियोजना। प्रस्ताव आईडी नंबर: 34/1/2019-TF/Nano/BMS w.f. 29/11/2019। फेफड़ों के फाईब्रोसिस के उपचार के लिए इनहेलेशनल पॉलीमरिक नैनोपार्टिकल दवा वितरण प्रणालियों की डिजाइनिंग। पीजीआई-डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, प्रो. एके डंडा, एम्स के प्रो. एके मिश्रा, डीआरडीओ (31.5 लाख रुपये)

वीपीसीआई-डीएचआर-आईसीएमआर (एमआरयू): दिसंबर 2019. फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथैरेप्टिक एजेंटों के साथ समझाया गया पॉलीमरिक नैनोफॉर्म्यूलेशन का संश्लेषण। प्रिंसिपल अन्वेषक: डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ। (7.5 लाख रुपये)

वीपीसीआई-डीएचआर-आईसीएमआर (एमआरयू): दिसंबर 2019। फेफड़ों के कैंसर में नैनोपार्टिकल (जीक्यू-एनपी) को लक्षित करने वाले जी-क्वाड्रप्लेक्स की क्षमता की खोज। प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर: डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ (7.5 लाख)

कुलश्रेष्ठ रितु, महोर पवन, रोमानी डी., तनवीर एफ., मिश्रा ए.के., डंडा ए.के. फेफड़ों के कैंसर में पिरफेनिडोन और ब्लेमोमाइसिन की संयोजन चिकित्सा: कैंसर कोशिकाओं के ईएमटी को रोकता है और उनकी आक्रामक क्षमता को कम करता है। ट्यूमर मेटाबोलिज्म और माइक्रोएनवायरमेंट पर वर्चुअल कीस्टोन ईसिम्पोसिया में प्रस्तुत पेपर। 25-28 जनवरी, 2021

कुलश्रेष्ठ आर., पवन के., राजकुमार, मेनन बी., गोयल एन., स्पैलगियास एस., मृगपुरी पी. फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में केआरएस उत्परिवर्तन के साथ प्रोग्राम सेल डेथ रिसेप्टर लिगांड-1 (पीडी-एल1) अभिव्यक्ति का सहसंबंध -उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से अध्ययन। ईपोस्टर पेपर लंग कैंसर पर आईएससीएलसी वर्चुअल वर्ल्ड कांफ्रेंस (WCLC 2020), सिंगापुर 28-31 जनवरी 2021 में प्रस्तुत किया गया।

कुलश्रेष्ठ आर., पवन के., नुपूर के., नायर डी., स्पैलगियास एस., मृगपुरी पी., मेनन बी., राजकुमार गैर छोटे सेल कार्सिनोमा फेफड़ों के ब्रॉकोस्कोपी नमूनों में केआरएस जीन उत्परिवर्तन: धूमपान की स्थिति और KRAS oncoprotein अभिव्यक्ति के साथ संबंध। ईपोस्टर पेपर एटीएस 2020 वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, 5-10 अगस्त, 2020 में प्रस्तुत किया गया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एमआरयू परियोजनाओं में डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ दो परियोजनाओं में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (प्रो एके डंडा, पैथोलॉजी विभाग) और आईएनएसएस, डीआरडीओ (डॉ. एके मिश्रा) के साथ दो परियोजनाओं में सहयोग कर रही हैं।

आईसीएमआर नैनो टास्क फोर्स प्रोजेक्ट में डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (प्रो एके डिंडा, पैथोलॉजी विभाग) एम्स और आईएनएमओ, डीआरडीओ (प्रो एके मिश्रा, वैज्ञानिक जी) के साथ सहयोग कर रही हैं।

बाल रोग (एमएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

डॉ. पुनीत के. साही	कोविड रोगी देखभाल: वयस्क सीकेडी वार्ड, आईसीयू3 और कोविड सकारात्मक रोगी देखभाल के लिए बाल चिकित्सा आईसीयू में घुमाया
डॉ. पुनीत के. साही	रोगी देखभाल: आंशिक गैर-सीओवीआईडी सुविधा के रूप में अस्पताल संचालन की अवधि के दौरान बाल चिकित्सा हेमेटो-ऑन्कोलॉजी रोगियों के लिए दिन-देखभाल सेवाओं के साथ ओपीडी, आईपीडी, आपातकालीन दौर और रोगी प्रबंधन
डॉ. पुनीत के. साही	शिक्षण: स्नातक छात्रों और स्नातकोत्तर शिक्षण (ऑनलाइन नैदानिक कक्षाएं, ट्यूटोरियल, व्याख्यान) और मूल्यांकन (पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा और विश्वविद्यालय परीक्षा के संचालन में सहायता)
डॉ. पुनीत के. साही	यूजी उपस्थिति, मूल्यांकन रिकॉर्ड और वरिष्ठ संकाय के साथ संयोजन के रूप में परीक्षा और विभागीय पुस्तकालय रखरखाव छोड़ने वार्ड के साथ सहायता
डॉ. पुनीत के. साही	अनुसंधान: अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अंतर-विभागीय, अंतर-विभागीय और अंतर-संस्थागत संकाय के साथ सहयोग

सम्मान/गौरव

डॉ. उर्मिला झाम्ब	6.01.2020 को एमएमसी नई दिल्ली में एनेस्थीसिया के सम्मेलन में पोस्ट-ऑपरेटिव वेंटिलेशन पर बात करें
डॉ. उर्मिला झाम्ब	4.12.20 पर बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर के वार्षिक सम्मेलन में पीआईसीयू में स्टैरॉयड पर बहस के लिए न्यायाधीश
डॉ. उर्मिला झाम्ब	5.12.20 को बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर के वार्षिक सम्मेलन में पीआईसीयू में एंटीबायोटिक चयन के लिए पैनलिस्ट
डॉ. उर्मिला झाम्ब	2.12.20 पर पीसीएनआई 2020 में जन्मजात हृदय रोग के प्रबंधन के लिए पैनलिस्ट
डॉ. उर्मिला झाम्ब	दूसरा पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर अपडेट, (वर्चुअल), जोधपुर राजस्थान, 20-12-2020 को, DKA: प्रबंधन में हाल के अपडेट
डॉ. एस. यादव	पीसीओ और मासिक धर्म अनियमितताओं के लिए पैनलिस्ट 9 -12 जनवरी पेडीकॉन 2020 इंदौर
डॉ. एस. यादव	संकाय भयानक AYA WS फरवरी 2020 प्यूबर्टल परिवर्तन
डॉ. एस. यादव	मार्च 2020 में पुरस्कार पेपर आईएपी रिसर्च-कॉन के लिए न्यायाधीश
डॉ. एस. यादव	दिसंबर 2020 में आईएपी, दिल्ली में पुरस्कार शोध के लिए न्यायाधीश
डॉ. एस. यादव	सम्मेलन के लिए आमंत्रित अध्यक्ष अहा एडोलेकॉन नॉर्थ लुधियाना नॉर्थ जोन एडोलेस्कोन 2020, 8 और 9 फरवरी 2020 को किशोरों में हिंसा और आक्रामकता पर भाषण दिया।

डॉ. एस. यादव	आमंत्रित अध्यक्ष वार्षिक सम्मेलन एसजीटी मेडिकल कॉलेज अध्यक्ष प्यूबर्टल विकार: कब संदर्भित करने के लिए
डॉ. एस. यादव	पैनलिस्ट किशोर प्रतिरक्षण VACCINDICON मार्च 2020
डॉ. एस. यादव	अध्यक्ष बाल रोग विशेषज्ञ जागरूकता; जैविक युद्ध: तैयारी? आईएपी डीएमजी संगोष्ठी जैविक आतंकवाद 9 मई 2020
डॉ. एस. यादव	अहा और आईएपी नागपुर मई 2020 के लिए किशोरावस्था में आमंत्रित वक्ता मोटापे की चिंताओं
डॉ. एस. यादव	आमंत्रित अध्यक्ष विकास विकार अहा और आईएपी नागपुर जून 2020
डॉ. एस. यादव	किशोरों में पैनलिस्ट पीसीओएस फोगसी अंतर्राष्ट्रीय किशोर ई सम्मेलन 30 अगस्त।
डॉ. एस. यादव	प्रतिरक्षण उत्तर क्षेत्र पेडीवीक सितंबर 2020 के लिए पैनलिस्ट आमंत्रित
डॉ. एस. यादव	आमंत्रित वक्ता - कोविड और अधिवृक्क रोग GHRS 2020 वर्चुअल मीट, सितंबर 2020
डॉ. एस. यादव	एडोल्सेंट ई-एडोलेकॉन 2020 अहा दिल्ली और आईएपी वेस्ट दिल्ली सितंबर 2020 में स्पीकर कॉमन एंडोक्राइन समस्याएं
डॉ. एस. यादव	आईएपी चंडीगढ़ मीट अक्टूबर 2020 में बच्चों में मेटाबोलिक सिंड्रोम पर आमंत्रित वक्ता ने दी भाषण
डॉ. एस. यादव	एडॉ.ल्सेंट यूपी ई-एडोलेकॉन 1-2 नवंबर 2020 में स्पीकर कॉमन एंडोक्राइन मुद्दे
डॉ. एस. यादव	अध्यक्ष किशोरों में थायराइड की समस्या राष्ट्रीय ई-एडोलेकॉन 7-8 नवंबर 2020, नागपुर
डॉ. एस. यादव	पैनलिस्ट वापस स्कूल में कोविड timesIAP DMG संगोष्ठी नवंबर 2020
डॉ. एस. यादव	आमंत्रित वक्ता उत्तर क्षेत्र ई PEDICON 21 नवंबर 2020 में जंम एसजीए एंडोक्राइन चिंताओं पर बात दिया
डॉ. एस. यादव	आईएसपीई और आईएसपैड द्वारा बाल चिकित्सा मधुमेह अद्यतन में एसजीए के एंडोक्राइन सेक्वले पर बात करने के लिए अध्यक्ष 22 नवंबर 2020
डॉ. एस. यादव	ई पीसीएनआई और एनआईपीआईडी 2020 दिसंबर 2020 में प्रतिरक्षण सत्र के लिए पैनलिस्ट।
डॉ. एस. यादव	ईएसएनसीडीपी राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष दिसंबर 2020
डॉ. मुक्ता मंतन	दिल्ली के आरआर अस्पताल में आयोजित बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी अपडेट में 16 फरवरी 2020 को "हेमटुरिया के दृष्टिकोण" पर भाषण दिया।
डॉ. मुक्ता मंतन	इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन (आईपीएनए) में 14 अक्टूबर 2020 को "गुर्दे के कार्यों का आकलन" पर बात की वेब मास्टर श्रृंखला ऑनलाइन आयोजित का समर्थन किया।
डॉ. मुक्ता मंतन	12 और 13 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के 32वें वार्षिक सम्मेलन में 'कोविड-19 और किडनी' को दिया।
डॉ. मुक्ता मंतन	"हाइड्रोनेफ्रोसिस" पर बात की; 12 मार्च 2021 को दिल्ली आईएपी शाखा द्वारा आयोजित वेबिनार में कारण और प्रबंधन

डॉ. मुक्ता मंतन	11-14 मार्च 2021 से ऑनलाइन आयोजित 13वें नियोजित सर्जरी अपडेट में "यूटीआई का अवलोकन और वीयूआर में केमोप्रोफिलैक्सिस की भूमिका" पर भाषण दिया
डॉ. रोमित सक्सेना	भारतीय बाल रोग अकादमी, 2020-21 की आईएपी प्रेसिडेंशियल प्लान के तत्वावधान में, "बीमार बच्चों के परिवहन" पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण मॉड्यूल की कल्पना की और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकायों की मदद से मॉड्यूल के संयुक्त राष्ट्रीय संयोजक के रूप में इसके लिए प्रशिक्षकों के 5 राष्ट्रीय और जोनल प्रशिक्षण का आयोजन किया। ये प्रशिक्षक आगे राज्य स्तरीय मॉड्यूल सत्रों के आयोजन में मदद करेंगे। इस मॉड्यूल की परिकल्पना बीमार बच्चों के लिए सुरक्षित, प्रोटोकॉलीकृत परिवहन में बाल रोग विशेषज्ञों को शिक्षित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकायों की मदद से की गई है।
डॉ. रोमित सक्सेना	बीमार बच्चों मॉड्यूल के परिवहन के लिए प्रशिक्षक और प्रदाता मैनुअल की ओर पाठ्यपुस्तकों के लिए संपादक।
डॉ. पुनीत के. साही	8 फरवरी, 2020 को सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में "बाल चिकित्सा ल्यूकेमिया और लिंफोमा" पर एक सीएमई में "गैर-हॉगकिंस लिंफोमा में rituximab की भूमिका" पर एक भाषण दिया
डॉ. पुनीत के. साही	गाइडेंस ओडी एचओडी डॉ. उर्मिला झम्ब के साथ "पीडियाट्रिक कोविड-19: क्लिनिकल फीचर्स एंड मैनेजमेंट" पर एक पुस्तक अध्याय का योगदान दिया।
डॉ. पुनीत के. साही	डॉ. जगदीश चंद्र सर के साथ पीडियाट्रिक्स की पीजी पाठ्यपुस्तक के लिए "इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिया" पर पुस्तक अध्याय का योगदान (संपादक पीयूष गुप्ता, पीएसएन मेनन, सिद्धार्थ रामजी, राकेश लोढ़ा)
डॉ. स्वर्णिम	स्नातक छात्रों के तहत शिक्षण: बेड साइड नैदानिक कक्षाएं, ट्यूटोरियल, व्याख्यान, अकादमिक दौर।
डॉ. स्वर्णिम	शिक्षण स्नातकोत्तर छात्रों: नैदानिक, अकादमिक दौर, मामले प्रस्तुतियों, सेमिनार, जर्नल क्लब, मुश्किल मामला मिलता है
डॉ. स्वर्णिम	वार्ड छोड़ने और प्री यूनिवर्सिटी परीक्षा के दौरान पीजी और यूजी के छात्रों का मूल्यांकन और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करना।
डॉ. स्वर्णिम	ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी राउंड और मरीज मैनेजमेंट।
डॉ. स्वर्णिम	वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सौंपे जाने पर कर्तव्यों और जिम्मेदारियों, Dep't और संकायाध्यक्ष के प्रमुख
डॉ. स्वर्णिम	यूजी उपस्थिति, मूल्यांकन रिकॉर्ड और वार्ड छोड़ने की परीक्षा के साथ सहायता
डॉ. स्वर्णिम	एमबीबीएस और एमडी परीक्षा का आयोजन।
डॉ. पल्लवी	स्नातक और स्नातकोत्तर के शिक्षण में शामिल। वार्ड 13ए और पीडियाट्रिक आईसीयू में मरीजों की ओपीडी, इमरजेंसी और क्लिनिकल राउंड में शामिल मरीज। स्नातक और स्नातकोत्तर के शिक्षण में भाग लें। पीआईसीयू में विभिन्न उपकरणों की खरीद और मरम्मत/रखरखाव। और स्नातक की परीक्षा भी आयोजित की।
डॉ. रुचिका	बाल चिकित्सा और वयस्क वार्ड और गहन देखभाल इकाइयों, अनुसंधान और स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने में कोविड सकारात्मक रोगियों के कर्तव्यों और

	प्रबंधन

प्रकाशन

अग्रवाल, एस. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में कैल्शियम, फॉस्फेट और विटामिन डी असामान्यताएं। बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर, 7 (2), 61के जर्नल।

अग्रवाल, ए., झम्ब, यू., निगम, ए., अग्रवाल, एस., और सक्सेना, आर. (2020) बच्चों में प्यूरेंट पेरिकार्डियल एफफ्यूजन: उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र से अनुभव। बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी के इतिहास, 13 (4), 289-293।

झम्ब, यू. (2020) रक्त गैस विश्लेषण।

मीना, पी., मिश्रा, डी., झम्ब, यू., और अग्रवाल, एम. (2021) कोविड-19 (पीआईएमसी-टीसी) के साथ लौकिक एसोसिएशन में बाल चिकित्सा भड़काऊ मल्टीसिस्टम सिंड्रोम में आईवीआईजी के बाद कम खुराक डेक्सामेथासोन। इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 88 (3), 301-302।

शेखर, जे.सी., और झम्ब, यू. (2020) कोरोनावायरस रोग 2019 के साथ गंभीर रूप से बीमार शिशु। बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर, 7 (4), 193 के जर्नल।

रितु, यू.जे (2020) हवादार बच्चों में पोस्टएक्सेतुबेशन स्ट्रीडोर की रोकथाम में डेक्सामेथासोन: एक यादृच्छिक, डबल-अंधा, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन: पीयर-रिव्यू, इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, 24 (12), 1230 का आधिकारिक प्रकाशन।

मजय, एन., मंतन, एम., डबास, ए., असरफ, ए., यादव, एस., और चक्रवर्ती, ए. (2021) नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टिटनेस और खसरा के लिए सेरोप्रोटेक्शन। भारतीय बाल रोग, 58 (3), 233-236।

वासुदेवन, ए., थेरगांवकर, आर., मंतन, एम., शर्मा, जे., खंडेलवाल, पी., हरि, पी., ... और बग्गा, ए. (2021)। स्टेरॉयड-प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम के प्रबंधन पर सहमति दिशानिर्देश। भारतीय बाल रोग, 58(7), 650-666।

चक्रवर्ती, ए., मंतन, एम., और पांडा, एस.एस. (2021) हाइपोनेट्रेमिक उच्च रक्तचाप से ग्रस्त सिंड्रोम एकतरफा गुर्दे की धमनी स्टेनोसिस की शिकायत: बचपन में एक दुर्लभ अभिव्यक्ति। इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, 31(1), 75.

अग्रवाल, ए., अग्रवाल, एस., मंतन, एम., और बत्रा, वी.वी. (2021)। केंद्रीय रेटिना धमनी रोड़ा के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम: एक अनूठी प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, 31(2), 179.

मंतन, एम, और बत्रा, वी (2020) बच्चों में गुर्दे की बायोप्सी। भारतीय बाल रोग, 57, 452-458।

वासुदेवन, ए., मंतन, एम., कृष्णमूर्ति, एस., पाइस, पी., मैथ्यू, जी., हरि, पी., ... और मिश्रा, ओ.पी. (2020) कोविड-19 महामारी के दौरान गुर्दे की बीमारियों वाले बच्चों का प्रबंधन करना। भारतीय बाल रोग, 57(7), 641-651।

आनंद, एम., कौर शाही, पी., और मंतन, एम. (2021)। प्रारंभिक शैशवावस्था में लीवर फोड़ा बिना किसी अंतर्निहित जोखिम वाले कारकों के: एक केस सीरीज़। ट्रॉपिकल डॉक्टर, 51(2), 223-226।

स्वर्णिम, एस., भारद्वाज, एम., मंतन, एम., भिंडर, ओ.एस., और जाम्ब, यू. (2021)। क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों और युवा वयस्कों में कोविड-19 संक्रमण: एक एकल केंद्र अनुभव। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 7(1), 9.

डबास, ए., अरविंद, टी., यादव, एस., मंतन, एम., और कौशिक, एस. क्या भारतीय मोटे बच्चों और किशोरों में विटामिन डी की कमी का खतरा बढ़ जाता है? इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 1-5।

अग्रवाल, ए., भिंडर, ओ.एस., मिश्रा, डी., और जुनेजा, एम. (2020)। मोयामोया सिंड्रोम के साथ एचबीई-बीटा थैलेसीमिया: एक दुर्लभ संघ। *द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स*, 87(6), 476-477।

गुप्ता, एस., डबास, ए., स्वर्णिम, एस., और मिश्रा, डी. (2021)। कोविड-19 संबद्ध लॉकडाउन के दौरान चिकित्सा शिक्षा: संकाय और छात्रों का दृष्टिकोण। *मेडिकल जर्नल सशस्त्र बल भारत*, 77, S79-S84।

मीना, पी., मिश्रा, डी., झांब, यू., और अग्रवाल, एम. (2021) कोविड-19 (पीआईएमएस-टीसी) के साथ टेम्पोरल एसोसिएशन में पीडियाट्रिक इन्फ्लेमेटरी मल्टीसिस्टम सिंड्रोम में IVIG के बाद कम-खुराक डेक्सामेथासोन। *द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स*, 88(3), 301-302।

मिश्रा, डी. (2020) कोविड-19 और भारतीय बाल रोग। *भारतीय बाल रोग*, 57(4), 287.

मिश्रा, डी., और गुप्ता, पी. (2020) इंडियन पीडियाट्रिक्स केस रिपोर्ट्स (IPCaRes) इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स से एक नए जर्नल का शुभारंभ। *भारतीय बाल रोग*, 57(6), 499।

पवित्रा, वी., मिश्रा, डी., बेहरा, एस., और जुनेजा, एम. (2020) बच्चों में माइग्रेन सिरदर्द के तीव्र उपचार के लिए पेरासिटामोल बनाम इबुप्रोफेन: एक अंधा यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स*, 87, 781-786।

प्रधान, पी., बरसैन, आर., और मिश्रा, डी. (2020) एक आपातकालीन विभाग को पेश करने वाले ज्वरनाशक शिशुओं के बीच अधिवास और अस्पताल-मापा तापमान की तुलना। *भारतीय बाल रोग*, 57(12), 1178-1180।

साही, पी.के., मिश्रा, डी., और सिंह, टी. (2020)। कोविड-19 महामारी के बीच चिकित्सा शिक्षा। *भारतीय बाल रोग*, 57(7), 652-657।

शर्मा, एस., कौशिक, जे.एस., श्रीवास्तव, के., गोस्वामी, जे.एन., साहू, जे.के., विनयन, के.पी., और मित्तल, आर. (2021)। एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी (एओसीएन)-इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी (आईईएस) वेस्ट सिंड्रोम के निदान और प्रबंधन के लिए आम सहमति दिशानिर्देश। *भारतीय बाल रोग*, 58(1), 54-66.

सिंह, पी., मिश्रा, डी., पांडे, पी.एन., और जुनेजा, एम. (2021) हल्के दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में नैदानिक प्रोफाइल और पोस्ट-ट्रॉमैटिक सिरदर्द का अल्पकालिक कोर्स: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन। *चाइल्ड्स नर्वस सिस्टम*, 37(6), 1943-1948।

त्यागी, वी., अग्रवाल, ए., मिश्रा, डी., और जुनेजा, एम. (2020)। स्टेटस डायस्टोनिकस: सेरेब्रल पाल्सी की एक दुर्लभ अभिव्यक्ति। *द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स*, 1-1।

एमजे, एन., मंटन, एम., डबास, ए., असरफ, ए., यादव, एस., और चक्रवर्ती, ए. (2021)। नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस और खसरा के लिए सेरोप्रोटेक्शन। *भारतीय बाल रोग*, 58(3), 233-236।

गुप्ता, एस., डबास, ए., स्वर्णिम, एस., और मिश्रा, डी. (2021)। कोविड-19 संबद्ध लॉकडाउन के दौरान चिकित्सा शिक्षा: संकाय और छात्रों का दृष्टिकोण। *मेडिकल जर्नल सशस्त्र बल भारत*, 77, S79-S84।

डबास, ए., यादव, एस., और झा, एम. (2020)। क्रानियोफेरीन्जिओमा में आवर्तक मूत्र पथ का संक्रमण: एक भयावह निदान के लिए एक अग्रदूत!। *बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान के जर्नल*, 15(3), 308।

डबास, ए., बोथरा, एम., और कपूर, एस. (2020) भारत में सीएच नवजात स्क्रीनिंग: चुनौतियां और अवसर। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नियोनेटल स्क्रीनिंग*, 6(3), 70.

डबास, ए., भारद्वाज, एम., शाह, डी., और गुप्ता, पी. (2020) बच्चों और किशोरों में विटामिन डी पूरकता प्रथाओं का ऑनलाइन सर्वेक्षण। *भारतीय बाल रोग*, 57(8), 749-750।

ढींगरा, डी., और डबास, ए. (2020) डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक रणनीति। *भारतीय बाल रोग*, 57 (4)।

त्यागी, वी, डबास, ए, यादव, एस, और कोचर, ए.एम(2020) एक लड़की में एलोपेसिया areata: एंडोक्रिनोपैथी की एक पहली। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी, 86 (3), 295-297।

सक्सेना, आर., और चक्रवर्ती, ए. (2020) बाल चिकित्सा वायरल एन्सेफलाइटिस के साथ आधी सदी। भारतीय बाल रोग, 57(10), 957-958

अग्रवाल, ए., झांब, यू., निगम, ए., अग्रवाल, एस., और सक्सेना, आर. (2020) बच्चों में पुरलेंट पेरिकार्डियल इफ्यूजन: उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र से अनुभव। एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, 13(4), 289.

सक्सेना, आर., आनंद, ए., और दीप, ए. (2020) जिगर की बीमारी वाले गंभीर रूप से बीमार बच्चों में टेरलिप्रेसिन का प्रयोग करें। बीएमसी नेफ्रोलॉजी, 21(1), 1-6.

सक्सेना, आर., चंद्रन, जे., एबेनेज़र, के., और जेम्स, ई.जे. (2020) बाल चिकित्सा श्वासावरोध माध्यमिक से निकट लटकने का 10 वर्ष का अनुभव। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर, 7(3), 113.

महाजन, ए., अरोड़ा, आर.एस., साही, पी.के., गोम्बर, एस., राधाकृष्णन, एन., बागची, बी., ... और कुमार, ए. (2021)। कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी भागीदारी के माध्यम से भारत में कैंसर से पीड़ित बच्चों की साझा देखभाल। कैंसर रिपोर्ट, e1486।

साही, पी.के., झांब, यू., और डबास, ए. (2021) बाल चिकित्सा कोरोनावायरस रोग 2019: नैदानिक विशेषताएं और प्रबंधन। भारतीय बाल रोग, 58(5), 453-460।

साही, पी.के., और चंद्रा, जे. (2021) कोविड-19 महामारी के बीच बाल चिकित्सा हेमटो-ऑन्कोलॉजी देखभाल। द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 88(3), 221-224।

सिन्हा, पी., सिंह, एस., सिंह, एस., शाही, पी.के., कपूर, एस., और टेम्पे, ए. (2021) भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में हीमोग्लोबिन अंश-क्या हमें पश्चिम की ओर देखने की जरूरत है? हेमेटोलॉजी के इराकी जर्नल, 10(1), 75.

ब्यूर्स, आई, पर्सिको, आई, शॉनिंग, एल, निट्स्के, वाई, डि रोकको, एम, लोई, ए, ... और क्रिस्पोनी, एल। (2020)। क्रिस्पोनी / शीत-प्रेरित पसीना सिंड्रोम: विभेदक निदान, रोगजनन और उपचार अवधारणाएं। क्लिनिकल जेनेटिक्स, 97(1), 209-221।

साही, पी.के., मिश्रा, डी., और सिंह, टी. (2020) कोविड-19 महामारी के बीच चिकित्सा शिक्षा। भारतीय बाल रोग, 57(7), 652-657।

सैत, एच., साही, पी.के., और कपूर, एस. (2020) Klippel Trenaunay सिंड्रोम के मामले में पोर्टल उच्च रक्तचाप। भारतीय बाल रोग, 57(8), 754।

साही, पी.के., और चंद्रा, जे. (2020) इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिया: अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी गाइडलाइंस, 2019। भारतीय बाल रोग, 57(9), 854-856।

चक्रवर्ती, ए., और साही, पी.के. (2020) विनब्लास्टाइन-प्रेरित एक्रल हाइपरपिग्मेंटेशन। भारतीय बाल रोग, 57(6), 581।

अग्रवाल, एस., और साही, पी.के. (2020) बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए राष्ट्रीय व्यापक कैंसर नेटवर्क दिशानिर्देश। भारतीय बाल रोग, 57(6), 561-564।

आनंद, एम., और साही, पी.के. (2021) पूर्वकाल छाती की दीवार के पृथक मायोसिस्टिसिरोसिस। द इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, 88(2), 172-173।

आनंद, एम., कौर शाही, पी., और मंटन, एम. (2021) प्रारंभिक शैशवावस्था में लीवर फोड़ा बिना किसी अंतर्निहित जोखिम वाले कारकों के: एक केस सीरीज़। ट्रॉपिकल डॉ.क्टर, 51(2), 223-226।

अग्रवाल, एन., अग्रवाल, ए., हल्दोराई, एम., वाजिद, ए., साहू, डी., कौर, के., ... और सेठ, आर. (2019)। माता-पिता के बीच एंटरल न्यूट्रिशन (ईएन) से संबंधित मिथकों की पहचान और ट्यूब फेड बनाम मौखिक रूप से खिलाए गए बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी रोगियों की पोषण स्थिति के बीच तुलना। पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी जर्नल, 4(2), S57.

डबास, ए., बोथरा, एम., और कपूर, एस. (2020)। भारत में सीएच नवजात स्क्रीनिंग: चुनौतियां और अवसर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नियोनेटल स्क्रीनिंग, 6(3), 70.

लोमश, ए., वेंकटकृष्णन, ए., बोथरा, एम., ढींगरा, बी., कुमार, पी., और कपूर, एस. (2021) सीलिएक रोग असामान्य रूप से पेश करता है: एक बहुत व्यापक स्पेक्ट्रम। ट्रॉपिकल डॉ.क्टर, 0049475521991348।

स्वर्णिम, एस., भारद्वाज, एम., मंटन, एम., भिंडर, ओ.एस., और जाम्ब, यू. (2021) क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों और युवा वयस्कों में कोविड-19 संक्रमण: एक एकल केंद्र अनुभव। एमएएमसी जर्नल ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, 7(1), 9.

मीना, पी., मिश्रा, डी., झांब, यू., और अग्रवाल, एम. (2021) कोविड-19 (पीआईएमसी-टीसी) के साथ टेम्पोरल एसोसिएशन में पीडियाट्रिक इंप्लेमेंटरी मल्टीसिस्टम सिंड्रोम में IVIG के बाद कम-खुराक डेक्सामेथासोन। द इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स, 88(3), 301-302।

शेखर, जे.सी., और जाम्ब, यू. (2020) कोरोनावायरस रोग 2019 के साथ गंभीर रूप से बीमार शिशु। जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर, 7(4), 193।

पल्लवी, पेमडे एचके, मेहता आर. (2020) कोविड-19 महामारी और किशोर। किशोर चिकित्सा के भारतीय जर्नल, 2 (1), 19-21।

जर्नल

डॉ. आशिमा डबास	भारतीय बाल रोग में एसोसिएट एडिटर भारतीय बाल रोग अकादमी का आधिकारिक जर्नल
डॉ. आशिमा डबास	संपादकीय बोर्ड के सदस्य जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी एंड डायबिटीज, इंडियन सोसाइटी ऑफ़ पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट एंडोक्रिनोलॉजी की आधिकारिक पत्रिका
डॉ. डी. मिश्रा	प्रधान संपादक, भारतीय बाल रोग एसोसिएट एडिटर, एमएएमसी जर्नल ऑफ़ मेडिकल साइंसेज कार्यकारी संपादक, भारतीय बाल रोग मामले की रिपोर्ट
डॉ. रोमित सक्सेना	इलेक्ट्रॉनिक सर्च ऑफ़ द लिटरेचर, रोमित सक्सेना, जय शंकर कौशिक इन हाउ टू राइट थीसिस एंड थीसिस प्रोटोकॉल :ए प्राइमर फॉर मेडिकल पोस्टग्रेजुएट, दूसरा एड . पीयूष गुप्ता
डॉ. रोमित सक्सेना	आईएपी, दिल्ली की एक पहल, पीआईसीयू /एनआईसीयू कोविडशानिर्देश 19-19-तैयार करने के लिए आईएपी दिल्ली कोविडसमूह के एक हिस्से के रूप में दिशानिर्देशों में योगदान दिया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. उर्मिला झाम्ब	टीएचएसटीआई और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा '2 महीने से कम उम्र के शिशुओं में नैदानिक गंभीर संक्रमण के उपचार के लिए एक सहायक के रूप

	में जस्ता' शीर्षक के अध्ययन के लिए पीआई।
डॉ. उर्मिला झाम्ब	डब्ल्यूएचओ परियोजना के लिए पीआई "निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 19-0 आयु वर्ग के अस्पताल में भर्ती बच्चों में गंभीर कोविड :19- एमएमसी के लिए अनुमोदित अस्पतालों के एक नेटवर्क में एक डब्ल्यूएचओ समन्वित मल्टीकाउंटी कोहोर्ट अध्ययन"
डॉ. उर्मिला झाम्ब	2021के लिए आईएपी कार्य योजना के हिस्से के रूप में डॉ. रोमित सक्सेना के साथ एक काम (बीमार बच्चों का परिवहन (मॉड्यूल) राष्ट्रीय संयोजक (को रोल आउट किया
डॉ. उर्मिला झाम्ब	बच्चों में कोविड 19-रोग के उपचार में Ivermectin की भूमिका के लिए सीओपीआई
डॉ. एस .यादव	2महीने से कम उम्र के शिशुओं में नैदानिक गंभीर संक्रमण के उपचार के लिए एक सहायक के रूप में जिंक) प्रधान अन्वेषक(
डॉ. एस .यादव	मास स्टडी :मल्टीसेंटर एक्टिव एईएफआई सेंटिनल सर्विलांस इन इंडिया) मास-इंडिया(, (प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर(
डॉ. डी .मिश्रा	आईसीएमआर, 2023-2021, मिर्गी से पीड़ित बच्चों में सीरम विटामिन डी के स्तर पर दैनिक विटामिन डी की खुराक का प्रभाव सोडियम वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी प्राप्त करना :एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण; ₹19 .,85,700
डॉ. डी .मिश्रा	डीएसटी, (कोविड के कारण अभी तक शुरू नहीं हुआ है) 22-2020; बिना आभा के माइग्रेन वाले बच्चों में विकलांगता पर मानक उपचार के अलावा योग का प्रभाव :एक यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण रुलाख। 28 .
डॉ. आशिमा डबास	सीओपीआई: नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में एड्रेनोकोर्टिकल दमन कॉर्टिकोस्टेराइड्स के साथ इलाज किया जाता है। अनुदान -चिकित्सा अनुसंधान इकाई, एमएमसी, वर्ष 2020राशि65 ,/000
डॉ. पुनीत के .साही	क्लिनिको-महामारी विज्ञान, प्रयोगशाला, रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल और बच्चों में एसएआरएस-CoV- 2का परिणाम :एक एकल केंद्र अनुभव) PI)
डॉ. पुनीत के .साही	भर्ती मरीजों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर कोविड :महामारी का प्रभाव 19-एक क्रॉस-सेक्शनल सर्वे) पीआई)
डॉ. पुनीत के .साही	कोविडमहामारी के बीच पुरानी बीमारियों वाले बाल रोगियों में स्वास्थ्य देखभाल 19- :की सीमाएँ एक सर्वेक्षण) पीआई)
डॉ .पुनीत के .साही	कोविड-महामारी के बीच गैर 19-कोविड बीमारियों वाले बाल रोगियों को स्वास्थ्य देखभाल वितरण की सीमाएँ :एक स्वास्थ्य सर्वेक्षण) पीआई)
डॉ. स्वर्णिम	क्लिनिको -महामारी विज्ञान प्रोफाइल, अस्पताल का पाठ्यक्रम और क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों में कोविड -19 संक्रमण के रोग संबंधी सहसंबंध

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ.एस. डबास ने स्पीडकॉन फरवरी 2020 में भाग लिया

9,10 सितंबर 2020 से ग्रोथ हार्मोन रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया की चौथी वार्षिक बैठक में डॉ. आशिमा डबास ने कोविड-19 में थायराइड की शिथिलता पर बात की।

डॉ. आशिमा डबास ने 15-18 अक्टूबर 2020 को आईएपी उत्तरी दिल्ली द्वारा आयोजित ई-एंडोकोन, 2020 में प्रयोगशाला परीक्षणों की व्याख्या पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रोमित सक्सेना ने आईएपी, दिल्ली और बाल स्वास्थ्य संस्थान, सर गंगा राम अस्पताल के तत्वावधान में डॉ. धीरेन गुप्ता के साथ 14/7/2021 को बाल रोग में स्नातकोत्तर क्लीनिक का संचालन किया।

कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर के डीआईएपी व्याख्यान श्रृंखला के तहत "पीआईसीयू में ब्रोंकियोलाइटिस या अस्थमा के मामले का प्रबंधन कैसे करें" पर 7/10/2020 को पी2पी फेबिनार के न्यायाधीश डॉ. रोमित सक्सेना।

डॉ. रोमित सक्सेना ने 26 जुलाई, 2020 को "क्लिनिकल पर्ल्स फॉर ए क्रेशिंग चाइल्ड (पीडियाट्रिक शॉक)" पर वेबिनार में एक भाषण दिया। द्वारका के बाल चिकित्सा संघ के लिए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. उर्मिला झाम्ब	कोविड महामारी के दौरान एलएनएच के सभी आईसीयू के लिए सामान्य आईसीयू समन्वयक
डॉ. उर्मिला झाम्ब	कोविड महामारी में अनुकरणीय कार्य के लिए दिल्ली विधानसभा में अध्यक्ष विधानसभा और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया
डॉ. उर्मिला झाम्ब	राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित
डॉ. एस. यादव	निर्वाचित उपाध्यक्ष सीआईएपी 2021
डॉ. एस. यादव	सलाहकार आईएपी डब्ल्यूडब्ल्यू
डॉ. एस. यादव	सदस्य राज्य तकनीकी सलाहकार समूह एनसीटी दिल्ली सरकार
डॉ. एस. यादव	अध्यक्ष राज्य ईएफआई समिति एनसीटी दिल्ली सरकार
डॉ. एस. यादव	सदस्य एसटीएफआई, एनसीटी दिल्ली सरकार
डॉ. एस. यादव	सदस्य ईएफआई समिति राष्ट्रीय
डॉ. एस. यादव	सलाहकार नैतिकता भारतीय बाल रोग
डॉ. एस. यादव	यूजी परीक्षक आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर मार्च 2020

बाल रोग (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

बाल रोग विभाग ने 2020-21 के दौरान जीटीबी अस्पताल में कोविड-19 महामारी के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद विभाग ने शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति करना जारी रखा। चार पीजी छात्रों को उनके द्वारा किए गए शोध के लिए पेडिकॉन 2020 में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) द्वारा स्थापित 6 में से 4 पुरस्कार प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त, संकाय को कई सम्मान प्राप्त हुए। डॉ. पीयूष गुप्ता ने 2020 में आईएपी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और 2021 में आईएपी के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। डॉ. सुनील गोम्बर ने शैक्षणिक सत्र 2021 से जी.टी.बी. अस्पताल में बाल चिकित्सा हेमटोलॉजी-ऑन्कोलॉजी में फेलोशिप कोर्स शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सम्मान/गौरव

डॉ. पीयूष गुप्ता- अध्यक्ष, भारतीय बाल रोग अकादमी 2021

सदस्य दिल्ली मेडिकल काउंसिल 2020 . के रूप में चुने गए

डॉ. आराधना-प्राप्त डॉ. जेम्स फ्लीट एंडाउन्ट अवार्ड-प्रथम पुरस्कार-2021

प्रकाशन

आराधना, कश्यप बी., सिंघला के., शर्मा आर. (2020) बच्चों में गंभीर और गैर-गंभीर डेंगू के बीच अंतर करने के लिए उच्च संवेदनशीलता सी-रिएक्टिव प्रोटीन (एचएस-सीआरपी) की उपयोगिता। *इंट जे पीडियाट्र रेस*। 6:072.

बागला जे., कुमारी एस, गुप्ता आर., खान आई (2020)। सिस्टैटिन सी एज़ बायोमार्कर ऑफ़ एक्यूट किडनी इंजरी इन सिक नियोनेट्स। *एशियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी*, 3(1): 10-14; डीओआई: 10.4103/एजेपीएन.एजेपीएन_29_19

बत्रा पी., गुप्ता पी (2020) बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: नवजात टेटनस के लिए ऐंठन स्कोर: एक मृत्युलेख। *जे पीडियाट्र*। 221:98.

भसीन एच, शर्मा एस, रामचंद्रनायर आर (2021) क्या हम मिर्गी (एसयूडीईपी) में अचानक अप्रत्याशित मौत को रोक सकते हैं? *कैनेडियन जर्नल ऑफ़ न्यूरोलॉजिकल साइंसेज*। ले जर्नल कैनेडियन डेस साइंसेज न्यूरोलॉजिक्स, 48(4):464-468। [https://doi.org/10.1017/cjn.\(2020\).221](https://doi.org/10.1017/cjn.(2020).221)

भास्कर वी., बत्रा पी., महाजन पी (2021) ज्वरशील युवा शिशुओं में गंभीर जीवाणु संक्रमण की पहचान करना। *भारतीय बाल रोग*, 58:15-19।

भट आर., बत्रा पी., सचान आर., सिंह जी. (2020)। नवजात वेंट्रिकुलिटिस: एक केस सीरीज़ और साहित्य की समीक्षा। *ट्रॉप डॉक्टर*, 50: 266-70।

भयाना एस, अग्रवाल ए, नारंग एम, शर्मा एस, मल्होत्रा आर (2021) बचपन की मिर्गी में लीवरिटसेटम और सोडियम वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी की तुलना- एक खुला प्रयोगशाला यादृच्छिक परीक्षण। *कर्पीडियाट्र रेस*। 25(2): 357-361

चौधरी आई., नारंग एम., कुमार एन., पेंगोरिया आर. (2020) नवजात शिशुओं में जन्मजात और प्रसवकालीन संक्रमणों का प्रबंधन और बचाव। *यादव पी, पेंगोरिया एमए में। गर्भावस्था में सामान्य चिकित्सा विकार। आगरा प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी। आगरा*। 167-174.

चावला डी, गुप्ता पी (2020) जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स में 50 वर्ष पहले: जन्म के समय कम वजन के शिशुओं में वृद्धि: वरदान या अभिशाप? *जे पीडियाट्र*। 222:163.

चेरियन टी, गुप्ता पी, थॉमस के (2020) भारत में बचपन के निमोनिया के सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व पर जोर देने के लिए झुकाव अनुसंधान कार्यक्रम पर एक बाहरी मूल्यांकन। *भारतीय बाल रोग विशेषज्ञ*। S097475591600233।

डबास ए, भारद्वाज एम, शाह डी, गुप्ता पी (2020) बच्चों और किशोरों में विटामिन डी पूरकता प्रथाओं का ऑनलाइन सर्वेक्षण। *भारतीय बाल रोग*, 57(8):749-50।

देवमारे एस., इहतिशम के., भसीन एच., भास्कर वी., शर्मा एस., त्रिपाठी एम. (2020) एंटी-एनएमडीए रिसेप्टर एन्सेफलाइटिस की नकल करता है। *एनल्स ऑफ़ इंडियन एकेडमी ऑफ़ न्यूरोलॉजी*। 23(3):411-413. https://doi.org/10.4103/aian.AIAN_184_19.

दीवान पी., सेसामा एम., गोम्बर एस., गोवर सी. (2021) कैंसर से पीड़ित बच्चों के नाखूनों में बताए गए लक्षण। *जे पीडियाट्र चाइल्ड हेल्थ*, 57(3):440-442।

दीवान पी., सिंगल ए. (2021) बचपन के चकत्ते: एक बाल रोग विशेषज्ञ की दुविधा। *भारतीय बाल रोग*, 58(1):99।

दीवान पी, अग्रवाल के.एन. (2020) बरसीम (ट्राइफोलियम अलेक्जेंड्रिअम) आहार में प्रतिरक्षा-पोषक तत्व के रूप में छोड़ देता है; कुपोषण में साइटोकाइन और टी-सेल उप-जनसंख्या प्रतिक्रियाएं। *बाल चिकित्सा अनुसंधान जर्नल* (4):1046

धीर एसके, गुप्ता पी (2020)। बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: नवजात न्यूमोपेरिकार्डियम - कब हस्तक्षेप करना है? जे पीडियाट्र। 219:222.

गोम्बर एस, बनर्जी ए, दीवान पी, एट अल (2020)। प्रोक्लेसीटोनिन क्लीयरेंस, सीडी 64, और एचएलए-डीआर लिम्फोरेटिकुलर मैलिग्नेंसी वाले ज्वर न्यूट्रोपेनिक बच्चों में परिणाम के भविष्यवक्ता के रूप में। जे पीडियाट्र हेमटोल ओन्कोल, 42(6):ई416-ई422. डोई:10.1097/एमपीएच.0000000000001870.

गोम्बर एस., यादव आर., दीवान पी., रामचंद्रन वी.जी., पुरी ए.एस. (2021) प्राथमिक टीकाकरण के 5 वर्ष बाद थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों में हेपेटाइटिस बी के टीके की बूस्टर खुराक की आवश्यकता: एक संभावित अध्ययन। भारतीय बाल रोग, 58(3):237-240।

गुप्ता पी., मीना पी., खान एएम, मल्होत्रा आरके, सिंह टी। (2020)। बहुविकल्पीय प्रश्नों की गुणवत्ता पर संकाय प्रशिक्षण का प्रभाव। इंट जे एपल बेसिक मेड रेस, 10(3):210-214।

गुप्ता पी, बसवराज जीवी, पेजेवर आर, तोमर डी, गांधी ए, टैंक जे (2021) मुंबई 2021 बाल चिकित्सा कार्यालय अभ्यास में 'प्रारंभिक बचपन के विकास के लिए पोषण देखभाल' को शामिल करने की आवश्यकता को संबोधित करते हुए कार्यवाई का आह्वान। भारतीय बाल रोग, 58(3):215-216। पीएमआईडी: 33713053।

गुप्ता पी. (2021)। सुरंग की दूसरी ओर प्रकाश है। भारतीय बाल रोग, 58(1):9-10.

जैन ए, शाह डी, दास एस, साहा आर, गुप्ता पी (2020)। गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों में एटिओलॉजी और एक्यूट डायरिया का परिणाम: एक तुलनात्मक अध्ययन। पब्लिक हेल्थ न्यूट्र, 23(9):1563-1568।

जैन पी., दीवान पी., गोम्बर एस., कश्यप बी., रायजादा ए. (2021) एचआईवी संक्रमित बच्चों में डबल स्ट्रैथ रीकॉम्बिनेंट हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन की तीन बनावत चार खुराक अनुसूची: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। भारतीय बाल रोग, 58(3):224-228।

जायसवाल पी, दीवान पी, गोम्बर एस, बनर्जी बीडी, कोटरू एम, मल्होत्रा आरके, त्यागी वी (2020)। बाल चिकित्सा सेप्सिस में अस्पताल में मृत्यु दर की भविष्यवाणी के लिए प्रारंभिक लैक्टेट माप। जे पीडियाट्र चाइल्ड हेल्थ, 56(10):1570-1576।

कासी एसजी, धीर एसके, वर्मा एस, पेमडे एचके, बालासुब्रमण्यम एस, अग्रवाल एस, शाह एके, शिवानंद एस, मराठे एस, चटर्जी के, श्रीरामपुर एस, कल्याणी एस, पारेख बीजे, बसवराज जीवी, गुप्ता पी (2021); टीके और टीकाकरण प्रथाओं पर सलाहकार समिति (एसीवीआईपी), (2020)-21, भारतीय बाल रोग अकादमी, भारत। कोविड -19 महामारी के दौरान टीकाकरण: टीके और टीकाकरण प्रथाओं पर भारतीय बाल रोग सलाहकार समिति की अकादमी की सिफारिशें। भारतीय बाल रोग, 57(12):1147-1152।

कासी एसजी, शिवानंद एस, मराठे एस, चटर्जी के, अग्रवाल एस, धीर एसके, वर्मा एस, शाह एके, श्रीरामपुर एस, कल्याणी एस, पेमडे एचके, बालासुब्रमण्यम एस, पारेख बीजे, बसवराज जीवी, गुप्ता पी (2021)। टीके और टीकाकरण प्रथाओं पर भारतीय बाल रोग अकादमी (आईएपी) सलाहकार समिति (एसीवीआईपी): अनुशंसित टीकाकरण अनुसूची ((2020) -21) और 0 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए टीकाकरण पर अद्यतन। भारतीय बाल रोग, 58(1):44-53.

कौर के, गुप्ता पी (2020) 50 वर्ष पहले जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स में: आयरन पॉइजनिंग की गंभीरता के भविष्यवक्ता। जे पीडियाट्र। 222:145.

खलील एस. (2020) मेडिकल अंडरग्रेजुएट में सीखने में सहायता के लिए मोबाइल फोन का उपयोग। भारतीय बाल रोग, 57(3):273।

खलील एस. (2020) मेडिकल अंडरग्रेजुएट में सीखने में सहायता के लिए मोबाइल फोन का उपयोग। भारतीय बाल रोग, 57(3):273।

मीना पी, सारण एएन, शाह डी, गुप्ता पी (2020)। शिशुओं में नियमित विटामिन डी पूरकता के नुस्खे का अनुपालन। भारतीय बाल रोग 57(11):1067-1069।

मीना पी, गुप्ता पी, शाह डी (2020) 15-18 महीने की उम्र तक भारतीय बच्चों में स्क्रीन टाइम। भारतीय बाल रोग, 57(11):1033-1036।

मीना पी, गुप्ता पी, त्रिवेदी एम (2021) बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: कुरूपता वाले बच्चों में परजीवीवाद। जे पीडियाट्र। 228:234.

मीना पी, गुप्ता पी (2020) बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: साल्मोनेला टाइफी के लिए दवा संवेदनशीलता: पूर्ण चक्र आ रहा है। जे पीडियाट्र। 224:93.

मीना पी, गुप्ता पी (2020) बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: जन्मजात साइटोमेगालोवायरस संक्रमण: क्या यह एक भाई में पुनरावृत्ति कर सकता है? जे पीडियाट्र। 224:101.

मित्तल एचजी, गुप्ता पी (2020)। 50 वर्ष पहले जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स में: अलविदा एमिनोफिललाइन-बच्चों में अस्थमा के इलाज के लिए। जे पीडियाट्र। 220:33।

नायक एल, राउत बी, कुमारी एस, नंदा डी (2021)। केस 2: जन्म के समय नवजात शिशु में इंगुइनोस्क्रोटल सूजन: यह अप्रत्याशित होने की उम्मीद करने का समय है। नियो रिव्यू, 22(1):e55-e57. डोई: 10.1542/नव.22-1-ई55.

राजियाल टी, बत्रा पी, हरित डी, सिंह एनपी (2020)। नवजात मस्तिष्क ज्वर के निदान के लिए मस्तिष्कमेरु द्रव और सीरम प्रो कैल्सीटोनिन की उपयोगिता। एम जे पेरिनाटोल डीओआई: 10.1055/एस-0040-1716406।

रावली बी, शाह डी, नारंग एम, पांडे एम (2020)। आवर्तक पेट दर्द वाले बच्चों के दीर्घकालिक परिणाम। भारतीय बाल रोग, 57(5):465-466।

साहू बी, भसीन एच, गंजू एस, अबरोल पी। (2020) एक्टीमा गैंग्रीनोसम इन ए नियोनेट-केस रिपोर्ट। भारतीय जे पीडियाट्र डर्माटोल; 21: 313-15। 10.4103/ijpd.IJPD_132_19.

सैनी एस, नारंग एम, श्रीवास्तव एस, शाह डी। कार्यात्मक पेट दर्द विकारों वाले बच्चों में व्यवहारिक हस्तक्षेप: एक आशाजनक विकल्प। तुर्की जे गैस्ट्रोएंटेरोल (प्रेस में)

सैनी एस, नारंग एम, श्रीवास्तव एस, शाह डी। कार्यात्मक पेट दर्द विकारों वाले बच्चों में व्यवहारिक हस्तक्षेप: एक आशाजनक विकल्प। तुर्की जे गैस्ट्रोएंटेरोल (प्रेस में)।

सेसामा एम, भास्कर वी, मीना एम, नारंग एम, अग्रवाल ए, कोटरू एम (2020)। आवर्तक गठिया: एक असामान्य निदान। ट्रॉप डॉक्टर, 50 (3): 248-249।

सिंह ए, गुप्ता पी. (2020) 50 वर्ष पहले बाल रोग जर्नल में: प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण में मैग्नीशियम पूरकता: वर्तमान अभ्यास। जे पीडियाट्र। 225:36।

स्माइली सी, गुप्ता पी (2021)। बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: नैदानिक विशेषताओं द्वारा बचपन के दस्त के एटियलजि का निदान: एक अद्यतन। जे पीडियाट्र। 230:45.

स्माइली सी, शाह डी, बत्रा पी, अहमद आरएस, गुप्ता पी (2020)। गंभीर तीव्र कुपोषण में हाइपोकैल्सीमिया की व्यापकता और भविष्यवक्ता। पब्लिक हेल्थ न्यूट्र, 23(17):3181-3186।

स्नेहा के, सिंह टी, डार एसए, हक एस, रामचंद्रन वीजी, साहा आर, शाह डी, दास एस (2020)। एक्यूट डायरिया वाले बच्चों में विशिष्ट और असामान्य एंटरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई: पूर्वी दिल्ली में बदलते रुझान। बायोमेड जे। S2319-4170 (20) 30043-3।

सोधी वी, गुप्ता पी (2021)। बाल रोग के जर्नल में 50 वर्ष पहले: हर्पीज सिम्प्लेक्स एन्सेफलाइटिस: अब ब्रेन-टीजर नहीं। जे पीडियाट्र। 228:81.

श्रीवास्तव एस, दत्ता वी, गार्ड आर, एट अल। (2020)। भारत में ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में गुणवत्ता सुधार के लिए हब और स्पोक मॉडल का विकास: एक पायलट अध्ययन। बीएमजे ओपन क्वालिटी 9: ई000908।

तनेजा आर, बत्रा पी (2021)। नवजात सेप्सिस में देखभाल परीक्षण (पीओसीटी) के बिंदु के रूप में बायोमार्कर: विज्ञान की समीक्षा की एक स्थिति। नवजात-प्रसवकालीन चिकित्सा के जर्नल, 1-8

तनेजा आर, बत्रा पी, सदिका जे (2020)। उत्तर भारत के एक सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल में नवजात को स्टेप डाउनवर्ड में प्रदान की गई सेवाओं से मातृ संतुष्टि। जे क्लिन नियोनाटोल। 9: 132।

त्रिवेदी एम, फरीदी एमएमए, अग्रवाल ए, मधु एसवी, मल्होत्रा आरके (2020)। 6 महीने की उम्र में विशेष रूप से स्तनपान कराने वाले शिशुओं पर 25 (ओएच) डी एकाग्रता के स्तनपान-प्रभाव के दौरान माताओं को मौखिक विटामिन डी पूरकता: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण। ब्रेस्टफीड मेड, 15(4):237-245।

उनियाल ए, नारंग एम। बच्चों में डिस्लिपिडेमिया। इंडियन जे मेड स्पेशलिटीज (प्रेस में)।

वर्मा एस, अग्रवाल ए, फरीदी एमएमए, राय जी, दास एस, मल्होत्रा आर (2020)। बचपन की मिर्गी में ऑटोइम्यूनैटी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइटिफिक रिसर्च, 9(11): 22-25।

प्रकाशन

शाह, धीरज. (2021) चिकित्सा शिक्षा में वर्तमान रुझान। सीबीएस पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

शाह, धीरज. गुप्ता, पी। (2021)। थीसिस और थीसिस प्रोटोकॉल कैसे लिखें, दूसरा संस्करण; जेपी।

नारंग। मनीष। व्यावहारिक बाल रोग के लिए दृष्टिकोण। जेपी।

सी शाह। राजू (2020)। उष्णकटिबंधीय रोगों की IAP पाठ्यपुस्तक, उष्ण कटिबंध में रुधिर संबंधी विकार। भारतीय बाल रोग अकादमी।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में कार्यरत शिक्षकों की संख्या: 5

आयोजित सम्मेलन

डॉ. धीरज शाह

एमईयू, यूसीएमएस, दिल्ली द्वारा आयोजित मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज में संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप, 23-25 मार्च 2021

सीआईएपी पेडिकॉन 2021, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, मुंबई का 57वां वार्षिक सम्मेलन, 4-7 फरवरी 2021

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स नॉर्थ ज़ोन पेडीवीक 'हिमालय' (वर्चुअल), 30 अगस्त से 5 सितंबर (2020)।

डॉ. प्रेरणा बत्रा

बाल चिकित्सा आपात स्थिति और आघात विषयों (ई-ईएमपीआरटी) और प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड कार्यशाला (ई एपिकॉन), सहायक एजेंसी - इंडो यूएस इमरजेंसी एंड ट्रॉमा कोलैबोरेटिव, भारत में आपातकालीन विशेषज्ञों के अकादमिक कॉलेज के स्पेक्ट्रम के 4 दिनों के शिक्षण के साथ अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड समीक्षा पाठ्यक्रम। 22 नवंबर (2020), 29 नवंबर (2020), 6 दिसंबर 2021 और 13 दिसंबर 2021

डॉ. रवि सचान

ईकॉन (2020), एनएनएफ का वार्षिक सम्मेलन, 1-4 अक्टूबर (2020)।

यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम (एनआरपी), 7 मार्च, 2021

यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में उन्नत नवजात वेंटिलेशन कार्यशाला। 21 मार्च 2021

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. अंजू अग्रवाल

सेंट्रल आईएपी पेडिकॉन 2021 मुंबई, 4-7 फरवरी 2021

बाल रोग अकादमी, उत्तर प्रदेश (एओपी यूपी) का 41वां वार्षिक सम्मेलन, 23-24 जनवरी 2021

डॉ. धीरज शाह

एमईयू, यूसीएमएस, दिल्ली द्वारा आयोजित मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज में संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप, 23-25 मार्च 2021

बचपन के विकास के लिए पोषण देखभाल पर संसाधन सामग्री विकास कार्यशाला (एनसी-ईसीडी), नई दिल्ली, 21-23 मार्च 2021

बचपन विकास के लिए हितधारकों की राष्ट्रीय सलाहकार बैठक (एनसी-ईसीडी), नई दिल्ली, 21 मार्च 2021

यूजी/पीजी पाठ्यक्रम, नई दिल्ली में प्रारंभिक बचपन विकास के लिए टास्क फोर्स की बैठक, 20 मार्च 2021

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड: MCQs आइटम लेखन कार्यशाला, नई दिल्ली, 10 मार्च 2021

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड: ओएससीई मद लेखन कार्यशाला, नई दिल्ली, 9-10 फरवरी 2021

सीआईएपी पेडिकॉन 2021, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, मुंबई का 57वां वार्षिक सम्मेलन, 4-7 फरवरी 2021

उत्तर भारत और उत्तर भारत बाल चिकित्सा संक्रामक रोग का बाल चिकित्सा सम्मेलन (2020) (आभासी), 2-5 दिसंबर (2020)

आईएपी उत्तरी दिल्ली और बाल चिकित्सा श्वसन सोसायटी, दिल्ली द्वारा आयोजित ई-पल्मोकॉन, 18-20 सितंबर (2020)

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स नॉर्थ ज़ोन पेडीवीक 'हिमालय' (वर्चुअल), 30 अगस्त से 5 सितंबर (2020)

डॉ. पूजा दीवान

हेमेटोकॉन, इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का 61वां वार्षिक सम्मेलन, वर्चुअल प्लेटफॉर्म, 20 - 22 नवंबर, (2020)

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड: MCQs आइटम लेखन कार्यशाला, नई दिल्ली, 10 मार्च 2021

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड: ओएससीई मद लेखन कार्यशाला, नई दिल्ली, 9-10 फरवरी 2021

चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली द्वारा आयोजित व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण कार्यशाला, 9,12,16 और 19 अक्टूबर (2020)

पीडियाट्रिक आईटीपी इन (2020): व्हाट्स ओल्ड एंड व्हाट्स न्यू: जेपी हॉस्पिटल्स, नोएडा द्वारा आयोजित वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों की एक केस-आधारित चर्चा, 4 अक्टूबर (2020)

चाइल्ड हेल्थ ग्रुप (वर्चुअल) में आईएपी रिसर्च द्वारा आयोजित गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस एंड रिसर्च एथिक्स पर कार्यशाला, 22-23 अगस्त (2020)

मिश्रित नैदानिक प्रशिक्षण परियोजना (वर्चुअल), दिसंबर (2020)-जनवरी 2021 के तहत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) द्वारा आयोजित एमओ-एआरटी स्पेशलिस्ट इंडक्शन कोर्स" ऑनलाइन पाठ्यक्रम

COVIMPRESIONS: स्थानीय कार्यवाई - वैश्विक प्रभाव, UCMS और GTBH, दिल्ली, 27 मई (2020)

कोविड समय में हेल्थकेयर डिलीवरी -2- खुद को कैसे सुरक्षित रखें? (चिकित्सा विशेषता), 21 मई (2020)

डॉ. प्रेरणा बत्रा

यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में एमईयू द्वारा संकाय विकास के लिए संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप, 23-25 मार्च 2021

एमईयू द्वारा पाठ्यचर्या कार्यान्वयन सहायता कार्यक्रम, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में, 11 से 12 सितंबर (2020)

e-EMPART और e-EPICON (2020) (इंटरनेशनल बोर्ड रिव्यू कोर्स), 22 नवंबर 29 नवंबर 6 दिसंबर और 13 दिसंबर (2020)।

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड: ओएससीई मद लेखन कार्यशाला, नई दिल्ली, 9-10 फरवरी 2021

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स नॉर्थ ज़ोन पेडीवीक 'हिमालय' (वर्चुअल), 30 अगस्त से 5 सितंबर (2020)

'बीमार बच्चों के परिवहन (टास्क मॉड्यूल)' के लिए प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण, 27 फरवरी 2021

एमएमसी, नई दिल्ली में 13वीं बाल चिकित्सा सर्जरी अपडेट, 11-14 मार्च 2021

आईएपी कर्नाटक द्वारा आयोजित घरेलू जहर पर पैनल चर्चा।, 25 अगस्त (2020)

एमईयू, यूसीएमएस द्वारा आयोजित गुणवत्ता सुधार कार्यशाला, 7 अगस्त (2020)

इंडो यूएस इमरजेंसी एंड ट्रॉमा कोलैबोरेटिव, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र द्वारा 'प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड' प्रशिक्षण, 1 अगस्त (2020)।

डॉ. आराधना

आईएपी पूर्व द्वारा आयोजित टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं पर वेबिनार, 24 दिसंबर (2020)

जिला स्तरीय टीओटी, कोविड-19 रोलआउट के परिचालन दिशानिर्देश, 28 दिसंबर (2020)

चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली, 9,12,16 और 19 अक्टूबर (2020) द्वारा आयोजित व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण कार्यशाला।

डॉ. सुमैरा खलील

ईसीडी- संसाधन सामग्री विकास कार्यशाला, 21-23 मार्च 2021

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

डॉ. अंजू अग्रवाल

असाध्य मिर्गी पर रेडियो कार्यक्रम

सदस्य बहुआयामी बोर्ड, पूर्वोत्तर दिल्ली

डॉ. पूजा दीवान

जीर्ण रक्त विकार के लिए सदस्य विकलांगता बोर्ड, जीटीबी अस्पताल

डॉ. सुशील श्रीवास्तव

वर्तमान में राष्ट्रीय गुणवत्ता सुधार और मान्यता कार्यक्रमों को लागू करने में भारत सरकार एमओएचएफडब्ल्यू, डब्ल्यूएचओ, यूएनआईसीईएफ और विभिन्न राज्य एनएचएम की सहायता करने वाले विशेषज्ञों का एक स्वैच्छिक तकनीकी निकाय, नेटवर्क की देखभाल की राष्ट्रव्यापी गुणवत्ता (एमक्यूओसीएन) (www.nqocn.org) के सचिव के मानद पद पर हैं। मातृ और नवजात स्वास्थ्य में एनक्यूओसीएन को क्वालिटी इन्क्विटी एंड डिग्नटी नेटवर्क (क्यूईडी) डब्ल्यूएचओ से मान्यता मिली है।

कोविड महामारी की अवधि के दौरान भारत में एक अद्वितीय "प्रेक्टिस का समुदाय" ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (www.nqocncop.org) स्थापित करने में सुविधा। यह न केवल भारत, बल्कि कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के डॉक्टरों, शिक्षाविदों, नर्सों, पैरामेडिक्स, अस्पताल प्रबंधकों, नीति निर्माताओं के लिए अनुभव साझा करने, ऑनलाइन सीखने के प्लेटफॉर्म की सुविधा प्रदान करता है।

संकाय संख्या : 17

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. सुनील गोम्बर

वैज्ञानिक सलाहकार, थैलेसीमिक्स इंडिया

जीटीबी अस्पताल में एफएनबी, बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी शुरू

डॉ. अंजू अग्रवाल

भारतीय बाल रोग अकादमी (सितंबर (2020)) के लिए जोनल कोऑर्डिनेटर, 14वीं पोस्ट-ग्रेजुएट क्विज कोऑर्डिनेटर डिविजनल राउंड नियुक्त

सदस्य बहुआयामी विकलांगता प्रमाणन बोर्ड (उत्तर पूर्वी दिल्ली)

सदस्य बहु-विषयक विकलांगता प्रमाणन बोर्ड (IHBAS .)

परीक्षाएं: एम्स 8/6/(2020), नई दिल्ली में डीएम पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; संतोष मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, गाजियाबाद में एमबीबीएस परीक्षा 28/8/(2020) के लिए परीक्षक; बाल रोग में राष्ट्रीय बोर्ड के डिप्लोमेट के प्रश्न शोध के सत्यापन का आयोजन किया, और NEET सुपर स्पेशियलिटी और एफएमजीई परीक्षा के लिए प्रश्न बैंक में योगदान दिया।

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा, नई दिल्ली में थीसिस मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ।

जर्नल के लिए समीक्षक - क्लिनिकल पीडियाट्रिक्स, सीज़र्स, इंडियन पीडियाट्रिक्स, पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, यूरोपियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, ग्लोबल चाइल्ड हेल्थ।

डॉ. धीरज शाह

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 'सार्वजनिक स्वास्थ्य में विटामिन और खनिजों के साथ गेहूं के आटे की किलेवंदी' पर दिशानिर्देश विकास के लिए डब्ल्यूएचओ के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है।

भारतीय खाद्य मानक एवं सुरक्षा प्राधिकरण (एफएसएसआई) की विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, हैदराबाद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा डीएनबी बाल रोग के लिए ओएससीई और ऑनलाइन/हाइब्रिड परीक्षाओं के लिए समन्वयक नियुक्त किया गया।

आईसीएमआर और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित क्षमताओं में वित्तपोषण के लिए प्रस्तुत विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित:

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के खाद्य एवं पोषण हस्तक्षेप सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य पर कार्यबल के सदस्य।

प्रजनन जीव विज्ञान और मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य के विभाजन में आईसीएमआर के विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

सदस्य, आईसीएमआर वैज्ञानिक सलाहकार समूह "राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं में व्यवस्थित समीक्षा" पर

सदस्य, आईसीएमआर वैज्ञानिक सलाहकार समूह के लिए उन्नत अनुसंधान साक्ष्य आधारित बाल स्वास्थ्य

सदस्य, आदिवासी स्वास्थ्य के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समूह

डॉ. प्रेरणा बत्रा

पाठ्यक्रम निदेशक, भारत में आपातकालीन विशेषज्ञों के अकादमिक कॉलेज (भारत अमेरिका आपातकालीन और आघात सहयोगी)

डॉ. पूजा दीवान

राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर, दिल्ली की आचार समिति के सदस्य (wef December (2020))

सदस्य सचिव, इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी फॉर ह्यूमन रिसर्च, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली (सितंबर 2016-जनवरी 2021)

डॉ. दीपिका हरित

मधुमेह मेलिटस (2020) -2021 के साथ एक बच्चे की देखभाल के लिए माता-पिता के लिए भारतीय बाल रोग अकादमी दिशानिर्देशों के लिए समिति के सदस्य।

डॉ. आराधना

क्विज मास्टर जोनल राउंड आईएपी क्विज (वर्चुअल) 2021

सदस्य जिला एईएफआई समिति, शाहदरा

सदस्य जिला एईएफआई समिति, शाहदरा

नोडल अधिकारी टीकाकरण, जीटीबीएच, दिल्ली-95

नोडल अधिकारी एईएफआई, जीटीबीएच, दिल्ली-95

जनवरी 2021 में जीटीबीएच में दिल्ली का पहला ड्राई रन आयोजित किया गया

जनवरी-फरवरी 2021 में जीटीबीएच में परिचालन प्रभारी कोविड टीकाकरण

जनवरी-फरवरी 2021 में जीटीबीएच में नोडल अधिकारी सीओवीड टीकाकरण के लिए लिंक अधिकारी

डॉ. विक्रम भास्कर

नोडल अधिकारी एवं सदस्य, सीओवीडी-19 टास्क फोर्स, जीटीबी

बाल रोग (केएससीएच)

संकाय संख्या

प्रोफेसर 18, एसोसिएट प्रोफेसर 04, असिस्टेंट प्रोफेसर 2 कंसल्टेंट 1

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी 2

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां

भारतीय मध्य चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा एमडी (बाल रोग) पाठ्यक्रमों (25 सीटों) की मान्यता।

बाल रोग विभाग, केसीएच बाल चिकित्सा तपेदिक के लिए उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

बाल रोग विभाग, केसीएच बाल चिकित्सा कैंसर के लिए उत्कृष्टता के डब्ल्यूएचओ केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

डब्ल्यूएचओ के बचपन के कैंसर के लिए दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय नेटवर्क के प्रतिभागी केंद्र।

प्रकाशन

सक्सेना एस, कुमार एस, कुमार पंचम, कौर आर (2020) बाल चिकित्सा आईसीयू में कार्बोपेनेम प्रतिरोधी एंटेरोबैक्टीरिया द्वारा आंत के उपनिवेशीकरण से जुड़े जोखिम कारक। जे माइक्रोबियोल संक्रमित डिस, 10 (2)।

बैजल एन, सेठ ए, सिंह एस, शर्मा जी, कुमार पी, चंद्र जे। (2020)। एचआईवी संक्रमण वाली महिलाओं से पैदा हुए बच्चों में 18 महीने की उम्र में एचआईवी मुक्त अस्तित्व: एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन। भारतीय बाल रोग, 57(1):34-38.

सिंह पी, गांधी एस, मल्होत्रा आरके, सेठ ए (2020) 8-15 वर्ष की आयु के बच्चों के मानवशास्त्रीय मापदंडों की व्याख्या पर विभिन्न विकास संदर्भों का उपयोग करने का प्रभाव। भारतीय बाल रोग, 57(2):124-128।

वर्मा डी, बचनी डी, आचार्य एस, सेठ ए, हेमल ए (2020) एचआईवी के साथ रहने वाले बच्चों में उपचार के पालन को प्रभावित करने वाले कारक। भारतीय जम्मू सेक्स ट्रान्सम डि एड्स, 41 (2): 181-187। doi: 10.4103/ijstd.IJSTD_43_18। Epub 2020 जुलाई 31.

बीके के, तिवारी एस, छपोला वी, देबनाथ ई, सेठ ए, जैन ए (2020) एचआईवी संक्रमित बच्चों में उप-नैदानिक गुर्दे की शिथिलता: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन [प्रिंट के आगे ऑनलाइन प्रकाशित], जम्मू प्रतिरक्षा DeficSyndr., 85 (4): 470-474 प्राप्त करें।

कुमार पी, डेनियल ए, सिन्हा आरके, कुमार वी, सेठ ए, पेम्डे एच, बासु एस, चंद्रा जे, डी वाग ए (2021) विभिन्न मानवशास्त्रीय सूचकांकों के संबंध में छह से 59 महीने की आयु के अस्पताल में भर्ती बच्चों की मृत्यु दर परिणाम: एक अवलोकन पलटन अध्ययन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ। Int जे समुदाय मेड पब्लिक हेल्थ 8 (1): 372-378।

सिंह पी, समदर एस, पारख एन, चंद्र जे, सेठ ए (2021) आधान-आश्रित थैलेसीमिया वाले किशोरों में यौवन विकास और इसके निर्धारक। भारतीय बाल रोग, S097475591600303।

साही पी.के., मंडल ए., पर्सिको आई., सेठ ए., क्रिस्पोनी एल. (2020) एक भारतीय परिवार में फैक्टर 1 (crlf1) उत्परिवर्तन जैसे निजी साइटोकिन रिसेप्टर के साथ क्रिस्पोनी/कोल्ड प्रेरित पसीना सिंड्रोम टाइप 1। भारतीय पेडिएटर, 57 (11): 1075-1076। PMID: 33231180।

शर्मा एम., सखूजा पी., दुबलीश एस., सक्सेना एस., सेठ ए. (2020) लिवर बायोप्सी एक दुर्लभ निदान को खोलना के लिए एक उपकरण हो सकता है। जे क्लिंपैथोल। जेसीलिंपथ-2020-206993। डोई: 10.1136/jclinpath-2020-206993। प्रिंट के आगे Epub। पीएमआईडी: 33172869।

सेठ ए. (2020) भारत में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों में इष्टतम ग्लाइसेमिक नियंत्रण प्राप्त करने की चुनौतियाँ। इंडियन जे पीडियाट्र, डोई: 10.1007/s12098-020-03336-6.

प्रीति सिंह, सेठ ए. (2020) अध्याय 13.10: तेनी। में, बाल रोग में अंतर निदान। एड. के. नेदुनचेलियन, प्रेमचंद्रन, एस थंगावेलु, एनसी गोरीशंकर। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स लिमिटेड

नायक एस, गुप्ता एस, कुमार पी, जीस एम, मंडल पी, चंद्रा जे (2020) बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए इलाज किया जा रहा है मैं तेज हेपेटाइटिस बी टीकाकरण की इम्यूनोजेनिकिटी का एक अध्ययन। भारतीय जे पेडिएटर, 87 (3): 217-218। डोई: 10.1007/s12098-019-03147-4। Epub 2020 जनवरी 10. पीएमआईडी: 31925714।

कुमार पी., मयप्पन वाई., रोजर्स ई., डैनियल ए., सिन्हा आर., बसु एस., एट अल. (2020) विभिन्न मानवविज्ञान सूचकांकों के संबंध में एक से छह महीने की आयु के अस्पताल में भर्ती शिशुओं के परिणाम - एक अवलोकन संबंधी कोहोर्ट अध्ययन। इंडियन जे पीडियाट्र, 87(9):699-705। डोई: 10.1007/एस12098-020-03236-9। एपब 2020 मार्च 27। पीएमआईडी: 32221787।

अल्वाधी वी., सरीन ई., कुमार पी., सबोट पी., खेड़ा ए., गुप्ता एस., एट अल. (2020) भारत में एक तृतीयक अस्पताल में पल्स ऑक्सीमीटर का उपयोग करके प्लेथिमोग्राफी आधारित श्वसन दर माप की सटीकता को मापना। निमोनिया (नाथन); 12:4. डोई: 10.1186/s41479-020-00067-2। PMID: 32518740; पीएमसीआईडी: पीएमसी7273681।

अनेजा एस, कुमार पी, चौधरी टीएस, श्रीवास्तव ए, चौधरी आर, तनेजा एस, एट अल (2020) प्रारंभिक प्रारंभिक अवस्था में विकास लड़खड़ाना: दो दिवसीय वैज्ञानिक परामर्श से प्रकाश डाला गया। बीएमसी प्रोसी, 14 (Suppl 12): 12। डोई: 10.1186/s12919-020-00195-z . पीएमआईडी: 32944069; पीएमसीआईडी: PMC7490870.

कुमार पी., कुमार वी., देब एस., पाल ए., चटर्जी के., सिन्हा आर. के., एट अल. (2020) भारत में बाल चिकित्सा इनपेशेंट सुविधाओं में गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों के प्रबंधन का एकीकरण। फील्ड एक्सचेंज, अंक 63, www.enonline.net/fex।

कुमार पी., ममिडी आर.एस., अर्लप्पा एन., तिवारी के., रोहतगी एस., सारिका जी., एट अल. (2020)। भारत में तीव्र कुपोषण के प्रबंधन के लिए वैकल्पिक पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का विकास और उपयोग। फील्ड एक्सचेंज, अंक 63, www.enonline.net/fex

कुमार पी., देब एस., डी वाग्ट ए., गुप्ता पी., भंडारी एन., सरीन एन., एट अल. (2020) भारत में छह महीने से कम उम्र की माताओं और शिशुओं को जोखिम में डालना - बर्बाद करने का समय नहीं। फील्ड एक्सचेंज, अंक 63, www.enonline.net/fex।

सिन्हा आर.के., किरण ए., कश्यप वी., कुमार पी. (2020) कुपोषण उपचार केंद्र में भर्ती बच्चों पर पोषण हस्तक्षेप के उपायों का प्रदर्शन और लागत: झारखंड, भारत से एक मामला अध्ययन। Int जे समुदाय मेड पब्लिक हेल्थ, 7 (10): 4048-4055।

याचा एस.के., दास एम.सी., कुमार पी., शर्मा एल., सिंह एस.के., सेन सरमा एम., एट अल. (2020) नवजात कोलेस्टेसिस की शीघ्र पहचान और रेफरल के लिए एकीकृत नवजात कोलेस्टेसिस कार्ड का विकास। इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल, ,

सिन्हा आर.के., रेबार्थन एस, बरनवाल एन, कुमार पी, कुमार वी (2020)। 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों की माताओं और इसके निर्धारकों की पोषण स्थिति का आकलन। भारतीय जम्मू समुदाय मेड, 45 (4):440-444। डोई: 10.4103/ijcm। IJCM_480_19। Epub 2020 अक्टूबर 28. पीएमआईडी: 33623197; पीएमसीआईडी: PMC7877434।

भाटिया ए., साहा ए., दीप्ति बी., गोयल पी., उपाध्याय ए.डी., दुबे एन.के. (2020)। बार-बार आने वाले और स्टेरॉयड-प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में एंडोथेलियल डिसफंक्शन। एशियन जे पेडियाट्र नेफ्रोल, 3:4-9।

कपूर के., साहा ए., दुबे एन.के., बत्रा वी., उपाध्याय विज्ञापन (2020) उत्तर भारतीय बच्चों में किशोर शुरुआत इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम का नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल। एसजेकेडीटी; प्रेस में।

सिन्हा आर., वासुदेवन ए., अग्रवाल आई., सेठी एस.के., साहा ए., प्रधान एस., एट अल. वर्तमान युग में भारत में जन्मजात नेफ्रोटिक सिंड्रोम: एक बहुकेंद्र केस श्रृंखला। नेफ्रॉन, 144 (1): 21-29।

कौर जे., दीप्ति बी., धुल आर.एस., फॉरक एम.डी., साहा ए. (2020) शिशु नेफ्रोटिक सिंड्रोम 7 महीने की बच्ची में साइटोमेगालोवायरस संक्रमण के माध्यम से: गैसिकलोविर के साथ संकल्प। Paediatr Int बाल स्वास्थ्य, 1-4। डोई: 10.1080/20469047.2020.1823176.

गोयल एस., धुल आर.एस., दीप्ति बी., साहा ए. (2020) तीव्र पेट दर्द के साथ पहली कड़ी नेफ्रोटिक सिंड्रोम का मामला। क्लिन एक्सपी पेडिएटर, 63 (10): 411-414।

धुल आर.एस., जैन आर., दीप्ति बी., चेंग, साहा ए. (2020) वीडिउडीआर प्रकार 1, साहित्य की समीक्षा के साथ एक CYP27B1 उत्परिवर्तन के साथ दो भाई बहनों की मामले श्रृंखला। ब्राजील जे नेफ्रोल, 42 (4): 494-971।

चोपड़ा एस., साहा ए. प्रीटरम बर्थ: क्रोनिक किडनी रोग के लिए एक जोखिम-कारक? (2020)। भारतीय बाल रोग, 57(5):395-96।

फरमेनिया आर., गर्ग डी., शर्मा एस. स्थिति नवजात शिशुओं और शिशुओं में मिर्गी (2020) ऐन इंडियन अकाद न्यूरोल, 23 (6): 747-754।

गर्ग डी, शर्मा एस (2020) क्या ऑटोइम्यून इंसेफलाइटिस से ग्रस्त सभी बच्चों को आक्रामक इम्यूनोथेरेपी की आवश्यकता होती है? लेखकों का जवाब। भारतीय पेडिएटर, 57 (11): 1088।

गर्ग डी, शर्मा एस (2020)। बच्चों में मिर्गी में अचानक अप्रत्याशित मौत के विविध रोगविज्ञान: लेखकों का जवाब। भारतीय पेडिएटर, 57 (10): 972-973।

भसीन एच, शर्मा एस, रामचंद्रन नायर आर। क्या हम मिर्गी (एसयूडीईपी) में अचानक अप्रत्याशित मौत को रोक सकते हैं? जे न्यूरोल विज्ञान कर सकते हैं 2020 अक्टूबर 7:1-5.

शर्मा एस., आनंद ए., गर्ग डी., बत्रा एस., मुखर्जी एस.बी., पात्रा बी., अनेजा एस. (2020) मिर्गी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय लीग का उपयोग (आईएलएई) 1989,2010, और 2017 एक कम संसाधन सेटिंग में बच्चों में मिर्गी के वर्गीकरण: एक अस्पताल आधारित पार अनुभागीय अध्ययन। मिर्गी खुला, 5 (3): 397-405।

बच्चों में गर्ग डी, मोहम्मद एस.एस., शर्मा एस. ऑटोइम्यून इंसेफलाइटिस: एक अपडेट भारतीय पेडिएटर, 57 (7): 662-670। PMID: 32727942।

देवमारे एस., इहतिशम कश्मीर, भसीन एच., भास्कर वी., शर्मा एस., त्रिपाठी एम. (2020) एनएमडीए रिसेप्टर इंसेफलाइटिस की नकल करते हुए सबक्यूट स्कलेरोसिंग पैनसेफेलिटिस। एन भारतीय Acad न्यूरोल, 23 (3): 411-413।

करणवीर, गर्ग डी., शर्मा एस., पांडे एस. (2020) विटामिन बी 12 की कमी में बाएं हाथ की मोटर स्टीरियोटाइपी: शिशु कंपन सिंड्रोम के स्पेक्ट्रम का विस्तार। एन इंडिया Acad न्यूरोल, 23 (3): 389-390।

सैनी ए.जी., शर्मा एस. (2020) बच्चों में विरासत में मिली मेटाबॉलिक बीमारियों में मूवमेंट डिसऑर्डर। एन भारतीय एसीएडी न्यूरोल, 23 (3): 332-337।

सौधी वी, शर्मा एस. (2020) बच्चों में विटामिन-उत्तरदायी आंदोलन विकार। एन भारतीय एसीएडी न्यूरोल, 23 (3): 325-331।

गर्ग डी., शर्मा एस मिर्गी (एसयूडीईपी) में अचानक अप्रत्याशित मौत-क्या बाल रोग विशेषज्ञों को पता करने की जरूरत है। इंडियन पेडिएटर। 2020 जून 12:S097475591600192 प्रिंट के आगे Epub।

कपूर डी., सिद्धार्थ, शर्मा एस., पात्रा बी., मुखर्जी एस.बी., पेमडे एच.के. (2020) एक कम संसाधन सेटिंग में नवजात हाइपोग्लाइसेमिक मस्तिष्क की चोट के लिए बचपन मिर्गी माध्यमिक के इलेक्ट्रोक्लिनिकल स्पेक्ट्रम: एक 10 वर्ष का अनुभव। जब्ती, 79:90-94।

तायल ए., एल्वार्थी ए., शर्मा एस., पात्रा बी. (2020) मैक्रोसेफली के साथ ल्यूकोडिस्ट्रोफी के रूप में मुखौटा धारण करने वाले मेनक्स रोग की एक असामान्य प्रस्तुति। जे पेडिएटर न्यूरोसी, 15 (1): 57-59।

चेतन सी., शर्मा एस., माथुर एस.बी., जैन पी., अनेजा एस. (2020) उत्तरी भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में नैदानिक प्रोफाइल और बाल चिकित्सा स्थिति मिर्गी का अल्पकालिक परिणाम। भारतीय पेडिएटर, 57 (3): 213-217।

गुप्ता जे., शर्मा एस., मुखर्जी एस.बी., जैन पी., अनेजा एस. (2020) पश्चिम सिंड्रोम वाले बच्चों के न्यूरो-विकासात्मक और मिर्गी के परिणाम: उत्तर भारत से एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। एन भारतीय एसीएडी न्यूरोल, 23 (2): 177-181।

बोरलॉट एफ., अबुशमा ए., मॉरिसन-लेवी एन., जैन पी., पुथेनवेटिल विनायक के., अबुखलिड एम., अल्दुलन एच.एम., अलमुजैनी एच.एस., गुलाटी एस., हर्शकोविट्ज टी., कोनंकी आर., लिंगप्पा एल., लुआत ए.एफ., शफी एस., तबरकी बी., थॉमस एम., योगनाथन एस., अल्फाधल एम., आर्या आर., डोनर ई.जे., एहैदब एस.एन., गोवदा वी.के., जैन वी., मदान पी., मायर्स के., ओटीएसयूबीओ समपाओ एल.पी.बी., शर्मा एस., सिमार्ड-ट्रेम्बले ई., जैक एम., व्हिटनी आर. (2020) KCNT1 से संबंधित मिर्गी: 27 बाल चिकित्सा मामलों की एक अंतर्राष्ट्रीय मल्टीसेंटर पलटन। मिर्गी, 61 (4): 679-692।

पुस्तकों / अध्यायों ने योगदान

साहा ए. (2020) आकस्मिक परिस्थितियों के लिए दवा। में: बाल चिकित्सा नवजात आपात स्थिति के सिद्धांत; चौथा एड.; एड्स गुप्ता, पी बग्गा, ए रामजी, एस. जेपी ब्रदर्स, नई दिल्ली।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. प्रवीण कुमार और डॉ. वीरेंद्र कुमार "समुदाय आधारित उपचार कार्यक्रमों की प्रभावशीलता वैकल्पिक ऊर्जा घने फीड का उपयोग कर सीधी सैम के साथ 6-59 आयु वर्ग के बच्चों के इलाज के लिए जांचकर्ताओं के रूप में: यूनिसेफ द्वारा वित्त पोषित 5 राज्यों में एक बहु केंद्रित भावी देशांतर अनुवर्ती अध्ययन"।

डॉ. अंजू सेठ उत्तर भारतीयों में "आइलेट-एंटीबायोटिक निगेटिव टाइप 1 मधुमेह (टाइप 1बी: नैदानिक निहितार्थ और रोगजनन" पर एक बहु केंद्रित आईसीएमआर परियोजना में सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में।

आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित "रेनल ट्यूबलर डिसऑर्डर वाले बच्चों में रजिस्ट्री और लक्षित एक्सोम सीक्वेंसिंग की स्थापना" पर एक बहु-केंद्रित आईसीएमआर परियोजना में प्रधान अन्वेषक के रूप में डॉ. अभिजीत साहा।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/सम्मेलनों/संगोष्ठी/सेमिनार/कार्यशालाओं/सीएमई का आयोजन

क्र.स.	संकाय सदस्य	आयोजक	नाम, स्थान और तिथि
	डॉ. जगदीश चंद्र डॉ. वीरेंद्र कुमार डॉ. अंजू सेठ डॉ. प्रवीण कुमार डॉ. एस. बसु	डॉ. प्रवीण कुमार एनसीओई, केएससीएच	17-19 जनवरी 2020 को मेट्रोपॉलिटन होटल में सैम प्रबंधन के लिए उत्कृष्टता नेटवर्क बैठक का केंद्र
	अभिजीत साहा	भारत अमेरिका आपातकालीन और आघात सहयोगात्मक	ईपीआईसीओएन अप्रैल 2020.
	डॉ. वीरेंद्र कुमार डॉ. प्रवीण कुमार	बाल रोग विभाग, केसीएच जिला स्वास्थ्य सोसायटी, नई दिल्ली के सहयोग से	जुलाई 2020 के दौरान सीएचपीसी, केसीएच में माताओं और देखभाल करने वालों के लिए "तेज दस्त नियंत्रण पखवाड़ा" पर शैक्षिक कार्यक्रम
	डॉ. वीरेंद्र कुमार डॉ. प्रवीण कुमार	पेडीडियाट्रिक्स विभाग, केसीएच	विश्व स्तनपान सप्ताह 2020 सीएचपीसी, केसीएच, प्रथम -7 अगस्त 2020
	डॉ. जगदीश चंद्र डॉ. प्रवीण कुमार डॉ. श्रीकांता बसु डॉ. प्रीति सिंह	डॉ. प्रवीण कुमार आयोजन सचिव के रूप में, सीआईएपी के सहयोग से बाल एवं किशोर पोषण सोसायटी	आभासी सीएमई पर "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2020" 1 - 4 सितंबर 2020 को
	डॉ. वीरेंद्र कुमार डॉ. अंजू सेठ डॉ. एस. बसु	डॉ. प्रवीण कुमार एनसीओई, केएससीएच	पोषण महा उत्सव एनआरसी, केसीएच 7 सितंबर 2020 को
	डॉ. वीरेंद्र कुमार डॉ. प्रवीण कुमार	डॉ. प्रवीण कुमार एनसीओई, केएससीएच	28 सितंबर-1 अक्टूबर 2020 को एसएमओ, एमपी में एमओ के लिए "

			कोविड -19 के संदर्भ में गंभीर तीव्र कुपोषण की सुविधा आधारित प्रबंधन "पर कामुक प्रशिक्षण
	डॉ. अंजू सेठ डॉ. प्रवीण कुमार	डॉ. प्रवीण कुमार एनसीओई, केएससीएच	बाल रोग और सामुदायिक चिकित्सा, जीएमईआर मेड कॉलेज, बड़ौदा के संकाय सदस्यों के लिए 27-30 अक्टूबर 2020 और 25-28 नवंबर 2020 को "गंभीर तीव्र कुपोषण का एकीकृत प्रबंधन "पर आभासी प्रशिक्षण
	डॉ. जगदीश चंद्र डॉ. प्रवीण कुमार डॉ. श्रीकांता बसु डॉ. प्रीति सिंह	सीआईएपी के सहयोग से बाल एवं किशोर पोषण सोसायटी	5 सितंबर 2020 को राष्ट्रीय सम्मेलन "पेडन्यूट्रिकॉन 2020" वर्चुअल प्लेटफॉर्म
	डॉ. अंजू सेठ डॉ. प्रवीण कुमार	डॉ. प्रवीण कुमार एनसीओई, केएससीएच	22-24 दिसंबर 2020 को मेट्रोपॉलिटन होटल में "गंभीर कुपोषण वाले 6 महीने से कम उम्र के शिशुओं का प्रबंधन "पर मिश्रित प्रशिक्षण
	डॉ. वरिंदर सिंह		फरवरी से नवंबर 2020 तक बाल चिकित्सा तपेदिक के लिए प्रशिक्षकों के कई राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण

नई पहल शुरू

पीआईसीयू सुविधाओं को उच्च आवृत्ति दोलन वेंटिलेशन के साथ अपग्रेड किया गया।

बच्चों के लिए हीमोडायलिसिस सेवाएं कार्यात्मक बनाई गईं।

डब्ल्यूएचओ किशोर नौकरी सहायता को उपयोगकर्ता के अनुकूल मोबाइल ऐप में परिवर्तित किया।

एक ऐप के रूप में किशोर पेरेंटिंग दिशानिर्देश विकसित किए।

बाल चिकित्सा सर्जरी (एमएमसी)

चल रही अनुसंधान परियोजनाओं

इंट्राम्यूरल इंस्टीट्यूशनल प्रोजेक्ट की ओर सॉलिड ट्यूमर वाले बच्चों में 1p के पी53 जीन म्यूटेशन और गुणसूत्र

01/04/2021 से 31/03/2023 तक एक्सट्रापेटिक बिलियरी अट्रेसिया के लिए नैदानिक और शकुन बायोमार्कर के रूप में सीरम मैट्रिक्स मेटल्लोप्रोटीन-7 पर इंट्राम्यूरल परियोजना के लिए संस्थागत नैतिकता समिति से अनुमोदन शोध प्राप्त किया।

"महामारी में व्हाट्सएप का उपयोग" पर परियोजना को नैतिक मंजूरी दी गई है।

सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन

डी.एस.डी पर संगोष्ठी नवंबर 2020 को डॉ. सिम्मी के रतन की अध्यक्षता में / या संयोजक के रूप में और डॉ. शशांक एस पांडा के साथ आयोजन सचिव के रूप में आयोजित किया गया था।

बाल चिकित्सा विभाग द्वारा 11 से 14 मार्च तक 13वीं बाल शल्य चिकित्सा अद्यतन का आयोजन किया गया था, जिसमें आयोजन अध्यक्ष के रूप में डॉ. सिम्मी के रतन और आयोजन सचिव के रूप में डॉ. शशांका एस पांडा और डॉ. सुजाय नियोगी थे।

प्रकाशन

कुमार पी., रतन एस.के., अग्रवाल एस.के., जुनेजा एम., किशोर जे., श्रीवास्तव पी. (2020)। जिन बच्चों में हाइपोस्पाडिया की मरम्मत हुई है, उनमें जीवन की गुणवत्ता का आकलन। Int J वर्तमान उन्नत अनुसंधान, 9:22633-6।

राधाकृष्णन ए., नियोगी एस., पंडा एस.एस., रतन एस.के., वर्मा ए. (2020) एक नवजात में मेसेंटेरिक और रेट्रोपेरिटोनियल chylus पुटी: असामान्य मामले की रिपोर्ट। आईपी Int जे मेड Paediatr Oncol, 6 (2): 75-78

नियोगी एस., सेंगर एम., मोहता ए. (2020) रेक्टो-वेस्टिबुलर फिस्टुला और रेक्टोरेट्रिक फिस्टुला में पश्चात मैनोमेट्रिक प्रोफाईल: एक तुलनात्मक अध्ययन। आईपी Int जे मेड Paediatr Oncol, 6 (2): 65-67।

राधाकृष्णन ए., अंजू वर्मा ए., नियोगी एस., पंडा एस.एस., रतन एस.के. (2020) सीपीएपी पेट सिंड्रोम या जोधपुर रोग - नवजात गैस्ट्रिक आउटलेट बाधा में एक नैदानिक और प्रबंधन दुविधा। Int J मामला प्रतिनिधि Clin छवि, 2 (1): 125।

कुमार पी., पांडा एस.एस., नियोगी एस., झा एस., रतन एस.के. सुप्रा नाल लाइन नियोजन: बीमार नवजातों में एक जीवन उद्धारकर्ता दृष्टिकोण और सिकैट्रिज्ड नाल स्टंप के साथ प्रारंभिक शिशुओं। आईजेसीएआर, 9:22028-22031।

वर्मा ए., राधाकृष्णन ए., नियोगी एस., रतन एस.के., पांडा एस.एस. . डायवर्ट किए गए ट्रेको-एसोफेगल फिस्टुला के मामले में बुखार का अनुपयोगी कारण। आईपी Int जे मेड Paediatr Oncol, 6 (2): 72-74।

नियोगी एस., पांडा एस.एस., रतन एस.के., राधाकृष्णन ए., मुल्गीर एस लेप्रोस्कोपिक असिस्टेड इंटरनल रिंग सटरिंग (खोह): प्रारंभिक परिणाम में इंजिनियल हर्निया के साथ लड़कियों की एक श्रृंखला में, भूतलक्षी प्रभाव से समीक्षा की गई। Int J Curr Adv Res, 9:23105-8।

कुमार सी., सरीन वाई.के., सिन्हा एस.के., गर्ग ए. (2020) शिशुओं में ग्रेड 3-4 हाइड्रोनेफ्रोसिस के साथ यूरेटरोपेल्विक जंक्शन बाधा के रूढ़िवादी प्रबंधन बनाम सर्जरी का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण: एक प्रारंभिक रिपोर्ट। जे क्लिनेफेल रेस, 7 (1): 1094-7।

लूथरा एम., कुमार सी., बैजल एस.एस. (2020) 5 महीने के पुरुष पोस्ट प्राथमिक मरम्मत में कोलेडोकोलिथिस का प्रबंधन ट्रेकोएसोफेगल फिस्टुला के साथ एसोफेगल एट्रेसिया की प्राथमिक मरम्मत। जम्मू भारतीय Assoc Pediatr Surg, 25:43-5।

लूथरा एम., कुमार सी., शर्मा आर. (2020) पोस्ट कार्डियोटॉमी शिशुओं में द्विपक्षीय सहज Pneumothorax का प्रबंधन-दो मामले की रिपोर्ट। इंद्रधनुष बाल चिकित्सा जर्नल, 2 (1): 44-7।

रतन एस.के., नोनवथ आर.एन., वर्मा ए., पांडा एस.एस., नियोगी एस., अग्रवाल एस. प्रोफाईल ऑफ इलियल वेधीकरण इन चिल्ड्रन - 5 वर्ष एक तृतीयक रेफरल सेंटर से ऑडिट। जम्मू भारतीय Assoc Pediatr Surg, 25:S12।

नोनाथ आर.के., रतन एस.के., पंडा एस.एस., नियोगी एस. (2020) संशोधित डरहम स्मिथ समीपस्थ हाइपोस्पाडियास के लिए दो चरण मूत्रहॉप्लास्टी-हमारा अनुभव। जम्मू भारतीय AssocPediatrSurg, 25:S24।

रतन एस.के., जुलपी पी.के., गर्ग ए., पांडा एसएस, वंसल एस., (2020) "बड़े पैमाने पर मेटास्टैटिक एड्रेनोक्रूरिऑल ट्यूमर- नॉनइंटरवेंशन के विकल्प के लिए", जे इंडियन एसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S38।

नारंग आर., राधाकृष्णन ए., पांडा एस.एस., नियोगी एस., रतन एस., (2020) "विशाल chylolymphatic पुटी एक बच्चा में मिडगुट volvulus के रूप में पेश", जे भारतीय Assoc Pediatr Surg, 25, S49.

रतन एस.के., पांडा एस.एस., नियोगी एस. (2020) "तीव्र पथरी वाले बच्चों का नैदानिक और प्रबंधन प्रोफाइल: एक तृतीयक देखभाल केंद्र से एक अवलोकन अध्ययन", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S50।

नियोगी एस., राधाकृष्णन ए., नोनवथ आरके, कुमार ए, पांडा एस.एस., रतन एस.के., (2020) "एक नवजात में मेसेन्टेरिक चिलोमा: दुर्लभ नैदानिक इकाई", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सुरग, 25, S52।

वर्मा ए. ए., पांडा एसएस, रतन एस.के., नियोगी एस., (2020) "मजबूत ट्यूनिंका योनि फ्लैप और डार्टोस फ्लैप की तुलना डिस्टल पेनिल हाइपोस्पाडियास में ट्यूबलराइज्ड इंसाइज्ड प्लेट मूत्रमार्ग पर", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S66।

पांडा एस.एस., कुमार एस., तिवारी ए., (2020) "पोस्टट्रॉमेटिक पाइलोरोडुडेनेल ट्रांसेक्शन: ए सर्जिकल चैलेंज", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S76।

राधाकृष्णन ए. , नियोगी एस., पांडा एस. एस., रतन एस. के. (2020) "आंतों के ascariasis-रूढ़िवादी प्रबंधन का अंत बिंदु क्या है?", जे भारतीय Assoc Pediatr Surg, 25, S76

राधाकृष्णन ए., पांडा एस.एस., कुमार एस., नियोगी एस. सरीन वाई.के., (2020) "फैरिंगो-कटनेस फिस्टुला आकस्मिक विदेशी शरीर के घूस के बाद-हम इसे कैसे प्रबंधित करते हैं?", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सुरग, 25, S78।

खन्ना के., बाजपेयी एम., गोयल पी., पांडा एस.एस., (2020) "जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया के सभी रोगियों में क्लिटोरोप्लास्टी की आवश्यकता है?", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S82।

रतन एस. के. के. , नोनवथ आर.एन., पांडा एसएस, वर्मा ए. , नियोगी एस. (2020) "न्यूमो-ओमेंटोसेल: मूक घातक नवजात ट्रांसवर्स कोलन छिद्र का संकेत", जम्मू भारतीय अस्कोक पेडिएटर सर्ज, 25, S86।

कुमार एस., पांडा एस.एस., राधाकृष्णन ए., (2020) "बड़े CCAM का सहज संकल्प: एक दुर्लभ प्रस्तुति", जम्मू भारतीय Assoc Pediatr Surg, 25, S92।

वर्मा ए., नियोगी एस., राधाकृष्णन ए, पांडा एसएस, रतन एस.के., (2020) "डायवर्ट टीईएफ के मामले में बुखार का असामान्य कारण", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S92।

नियोगी एस., राधाकृष्णन ए., कुमार एस., पांडा एसएस, सरीन वाई.के., (2020) "वक्ष न्यूरोटोरिक पुटी एक शिशु में प्रति मलाशय खून बह रहा है: एक असामान्य प्रस्तुति", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सुरग, 25, S93।

कुमार एस., रतन एस., पांडा एस.एस., नियोगी एस., सरीन वाई.के., (2020) "पूर्वकाल मूत्रमार्ग वाल्व: भारत में एक तृतीयक देखभाल संस्थान से अनुभव", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S94।

पांडा एस.एस., राधाकृष्णन ए., बनर्जी ए., नियोगी एस., रतन एस. (2020) "लगातार पोस्टट्रॉमेटिक यूरीनोमा न्यूनतम आक्रामक तकनीकों द्वारा प्रबंधित", जे इंडियन एसोसोक पेडिएटर सर्ज, 25, S98।

रतन एस.के., कुमार सी., अग्रवाल एस.के. (2021) अनुलोम-विलोम के साथ एक लड़के में मूत्रमार्ग दोहराव और पोस्टपोस्टेरियर सैजिटल एनोरेक्टोप्लाज्ड के एक साथ एंडोस्कोपिक प्रबंधन। जम्मू भारतीय Assoc PediatrSurg, 26 (3): 200-202।

सम्मेलन/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के 45वें वार्षिक सम्मेलन में 16 से 18 अक्टूबर 2020 तक वर्चुअल इवेंट के रूप में डॉ. चिरंजीव कुमार, डॉ. एसएस पांडा ने भाग लिया।

डॉ. सुजाय नियोगी को एनएनएफ के लिए मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया था, मासिक बैठक जुलाई 2020 को आयोजित की गई थी।

डॉ. सिम्मी के रतन और डॉ. सुजाय नियोगी ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (दिल्ली सरकार के तहत) में जेंडर रीअसाइनमेंट सर्जरी संबंधी समिति का हिस्सा थे।

डॉ. सिम्मी के रतन, डॉ. शासंका शेखर पंडा, डॉ. सुजाय नियोगी और डॉ. चिरंजीव कुमार ने 15 फरवरी 2020 को एएवीआईएमएस और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में आईएपीएनएस क्लिनिकल मीट के दिल्ली चैप्टर में भाग लिया था।

डॉ. शासंका शेखर पंडा 7 नवंबर 2020 को आईएपीएस 2020 की बैठक के दिल्ली स्टेट चैप्टर के आयोजन सचिव थे, जबकि डॉ. सुजाय नियोगी संयुक्त आयोजन सचिव थे और डॉ. सिम्मी के रतन अध्यक्ष थे।

डॉ. सिम्मी के रतन 13-14 दिसंबर 2020 को बाल चिकित्सा कोलोरेक्टल कांग्रेस 2020 में पोस्टर प्रस्तुति के लिए मॉडरेटर थे और पीसीसी 2020 में पेपर प्रेजेंटेशन में पहले लेखक थे (हठ आवर्ती आवर्ती रेक्टोवैजिनल/वेस्टिब्यूलर फिस्टुला के माध्यम से स्कार्ट बोले खींचने का उपयोग कर प्रबंधित।-डॉ. सिम्मी के रतन, डॉ. अंजू वर्मा, डॉ. शासंका शेखर पंडा, डॉ. सुजाय नियोगी, डॉ. नीलम प्रसाद, डॉ. मुनीशा अग्रवाल) और पीसीसी 2020 में पेपर प्रेजेंटेशन में पहले लेखक (कम रेक्टोवैजिनल फिस्टुला भी भीतर एक उद्घाटन के रूप में स्थित योनि एक सेप्टे योनि की नकल: एक सामान्य विसंगति की असामान्य प्रस्तुति- डॉ. सिम्मी के रतन, डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, डॉ. सुजाय नियोगी, डॉ. शासंका शेखर पंडा, डॉ. भारती तनेजा, डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना)।

डॉ. सिम्मी के रतन ने नवंबर 2020 में दिल्ली नियोकॉन मासिक बैठक में भाग लिया था और केस प्रेजेंटेशन के लिए मॉडरेटर थे।

डॉ. सिम्मी के रतन को दिल्ली नियोकॉन 2020 में प्रस्तुत पोस्टर के लिए पुरस्कार मिला और पेपर प्रस्तुत किया- सही तरफों जन्मजात डायफ्रामेटिक हर्निया हमेशा नवजातों में एक गरीब रोग का निदान निर्देशित करता है-हमारे अनुभव (डॉ. सिम्मी के रतन, डॉ. शासंका शेखर पंडा, डॉ. सुजाय नियोगी, डॉ. अरावली, डॉ. रविन्द्र, डॉ. अजय चेंबर, डॉ. आशीष जैन, डॉ. सोनिया वाहवा)।

डॉ. अर्का बनर्जी हाइपोस्पाडियास सम्मेलन, एम्स दिल्ली, 12-14 फरवरी 2021 में गंभीर हाइपोस्पाडियास की मरम्मत के बाद कॉस्मेटिक परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए एक प्रस्तुत लेखक थे: ब्रैका बनाम डरहम स्मिथ मूत्रगत की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

डॉ. शिवाजी मुगीर, एम्स दिल्ली, 12-14 फरवरी 2021 में एक प्रस्तुत लेखक थे, जो डिस्टल पेनाइल हाइपोस्पाडियास के लिए ट्यूबलराइज्ड इंक्रोचमेंट प्लेट मूत्रहित और मीटस आधारित फ्लैप फ्लैप रिपेयर की तुलना प्रस्तुत करने के लिए थे।

डॉ. प्रकृति गिरि, एम्स दिल्ली के हाइपोस्पाडाइस सम्मेलन में 12-14 फरवरी 2021 को यूरिनलोप्लास्टी के बाद उत्तरोत्तर बढ़ती सतही ग्लांस नेक्रोसिस पेश करने के लिए एक प्रस्तुत लेखिका थीं, जो त्वरित हस्तक्षेप से गिरफ्तार की गई थीं।

डॉ. चिरंजीव कुमार 16वें पेसिकॉन, मार्च 2021 में लेप्रोस्कोपिक निसेन के फंडोप्लीशन को जीईआरडी और आवर्ती आकांक्षा निमोनिया के लिए लेप्रोस्कोपी असिस्टेड एफजी के साथ न्यूरोलॉजिकल रूप से बिगड़ा हुआ बच्चे में पेश करने के लेखक थे - 3 मामलों का अनुभव।

डॉ. चिरंजीव कुमार 16वें पेसिकॉन 2021 के दौरान थोराकोस्कोपिक सत्र के लिए सत्र मॉडरेटर थे।

डॉ. अर्का बच्चों में जटिल पथरी के लिए गोद बनाम ओपन परिशिष्ट प्रस्तुत करने के लिए 16 वें PESICON, मार्च 2021 में एक प्रस्तुत लेखक थे: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण।

डॉ. राघव 16वें पेसिकॉन, मार्च 2021 में चिड्रेन में सौम्य एसोफेगल स्लक्चर के उपचार के लिए सामयिक माइटोमाइसिन सी आवेदन के साथ कठोर एसोफेगोस्कोपी पेश करने के लिए एक प्रस्तुत लेखक थे: हमारा अनुभव।

जर्नल डॉ. सिम्मी के रतन एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज और इनोवेटिव पब्लिकेशन के संपादकीय बोर्ड में हैं।

फॉर्माकोलॉजी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

आधारित शिक्षण पर पहल करने में अग्रणी था और कोविड लॉकडाउन के तुरंत बाद 20 मार्च 2020 से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की। विभाग ने कॉलेज के सभी विभागों के लिए ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया, योजना बनाई और इसका आयोजन किया। कॉलेज में ऑनलाइन टीचिंग के लिए डॉ. वंदना राय को प्रभारी अधिकारी बनाया गया था कोविड लॉकडाउन के दौरान। इस अवधि में एमबीबीएस छात्रों के लिए कुल 180 घंटे की ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की गईं, बीडीएस छात्रों के लिए 87 घंटे की ऑनलाइन कक्षाएं और स्नातकोत्तर के लिए 98 घंटे की ऑनलाइन शिक्षण का आयोजन किया गया। यही नहीं, एमबीबीएस और बीडीएस छात्रों के लिए गूगल फॉर्म का इस्तेमाल कर ऑनलाइन असेसमेंट, चिरायु, क्लीनिकल केस डिस्कशन भी किया गया। कोविड लॉकडाउन के दौरान विद्यार्थी की सगाई को प्रोत्साहित करने के लिए, पूरे बैच छात्रों के छोटे समूह में विभाजित किया गया था और शिक्षण स्टाफ ऑनलाइन शिक्षण और ट्यूटोरियल में लगे हुए थे। हालांकि शिक्षकों की संख्या छोटे समूह शिक्षण के लिए पर्याप्त नहीं है और शिक्षक विद्यार्थी का अनुपात बड़ा है, फिर भी जो भी सबसे अच्छा किया जा सकता है वह किया गया।

सम्मान और गौरव

डॉ. वंदना राय को खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ), संयुक्त राष्ट्र द्वारा पशु पशुधन और पोल्ट्री 2020 में रोगाणुरोधी के उपयोग से संबंधित परियोजना पर सलाहकार के रूप में काम करने के लिए आमंत्रित किया गया था (कोविड-19 से उत्पन्न स्थिति के कारण ऐसा करने में असमर्थ था)

डॉ. वंदना राय को इंटरनेशनल मेडिकल साइंस एकेडमी की फैलोशिप से सम्मानित किया गया

प्रकाशन

अटल एस., झाज आर., माथुर ए., राय एन., मिश्रा एस., सदाशिवम बी. (2021) आउट पेशेंट निर्धारित प्रवृत्तियों, दवा के तर्कसंगत उपयोग और भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में प्रतिक्रिया के साथ पर्चे लेखा परीक्षा के प्रभाव। Int जे स्वास्थ्य योजना का प्रबंधन, 36 (3): 738-753।

बिम्बा एच.वी., राय वी., बाटा ए., डागा एम.के. (2020) उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में एंटीमाइक्रोबियल दवाओं का दवा उपयोग, तार्किकता और लागत विश्लेषण: एक संभावित, अवलोकन अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ फॉर्माकोलॉजी, 52: 179- 183।

गुप्ता, एम.डी., वंसल, ए., सरकार, पी.जी., गिरीश, एम.पी., झा, एम., यूसुफ, जे., कुमार, एस., कुमार, एस., जैन, ए, कथूरिया, एस, सैजपॉल, आर ., मिश्रा, ए., मल्होत्रा, वी., यादव, आर., रामकृष्णन, एस. मल्होत्रा, आरके, बत्रा, वी., शेही, एमके, शर्मा, एन., मुखोपाध्याय, एस., गुप्ता, ए. (2021)। ईसीजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके कोविड युग में हीलथकेयर श्रमिकों में बुरोनोयूट का पता लगाने के लिए एक बुद्धिमान एल्गोरिदम का डिजाइन और औचित्य: ब्रुसी-एलआई अध्ययन। इंडियन हार्ट जर्नल, 73(1), 109-113.

जैन, एस., और कुमार, एस. (2020) कैंसर इम्यूनोथेरेपी: कैंसर की मौत की सुबह?। इम्यूनोलॉजी, 1-18 की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा।

कुमार, एम., मेश्राम, जी.जी., रस्तोगी, टी., शर्मा, एस., गुप्ता, आर., जैन, एस., प्रसाद, ए., गालव, वी., और भट्टाचार्य, एस.के. (2020)। चिक कोरियोअलैटोइक झिल्ली परख का उपयोग करके जस्ता और जस्ता-सोराफेनीब संयोजन की एंटीजेनोजेनिक गतिविधि: एक वर्णनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स, 16 (सप्लीमेंट), S84-S89।

कुमार एस., तायल वी., स्वच्छा के., रॉय वी. (2020) ट्रैक्सैमिक एसिड की दोहराई जाने वाली खुराक के कारण कंपकंपी: एक अजीबोगरीब केस सीरीज़। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 6:228-231।

मिश्रा ए., गुप्ता पी., कालरा बी.एस., तिवारी वाई.के. (2020) प्रयोगशाला चूहों में अल्कोहल निकासी सिंड्रोम पर अश्वगंधा और ब्राह्मी एक्सट्रैक्ट की प्रभावकारिता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉर्मिकोलॉजी, 16: 343-350।

रॉय वी., तायल वी., कंसल ए. (2020) रोगी को निर्धारित दवाओं और कारकों के बारे में जानकारी जो इसे नई दिल्ली, भारत में तृतीयक देखभाल, सार्वजनिक, शिक्षण अस्पताल में प्रभावित करती है। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 6:204-210।

रॉय वी., सिंघल एस., तायल ए.च., दुबे ए.पी. (2021)। भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में बाल चिकित्सा योगों की उपलब्धता: एक केस स्टडी। भारतीय जे पेडिएटर, 88 (3): 227-234।

सिंघल एस., कालरा बीएस. (2021) प्रकाशन नैतिकता: लेखकों की भूमिका और जिम्मेदारी। भारतीय जे गैस्ट्रोएंटेरोल, 40 (1):65-71।

सिंघल एस., हसन एन., निर्मल के., चावला आर., चावला एस., कालरा बी.एस., धल ए. (2021)। घुटने ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए बायो उपलब्ध हल्दी निकालें: पैरासिटामोल बनाम एक यादृच्छिक, गैर-हीनता परीक्षण। परीक्षण, 22 (1): 105। डोई: 10.1186/s13063-021-05053-7।

पुस्तक अध्याय में योगदान

भूपिंदर कालरा और वंदना तायल (2020) कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस के नीलंजना मुखोपाध्याय और ज्योत्सना पुंडीर द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक "भाग 1 एमआरसीओजी संशोधन नोट्स एंड सैंपल एसबीए" में अध्याय। संस्करण 1. अध्याय 63. श्रम और प्यूरपेरियम में दर्द से राहत। पृष्ठ338-340। ओजी संशोधन नोट्स और नमूना एसबीए। 1 एड. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस। पृष्ठ 328-330

कुमार, एस. (2020) टेराटोजेनिक ड्रग्स। अध्याय - 65 में: मुखोपाध्याय एन, ज्योत्सना पुंडीर, माला अरोड़ा, संपादक। भाग-1 एमआरसीओजी संशोधन नोट्स और नमूना एसबीए। 1 एड. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस। पृष्ठ 347-350

सिद्धार्थ दत्ता और वंदना तायल (2020) कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस के नीलंजना मुखोपाध्याय और ज्योत्सना पुंडीर द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक "भाग 1 एमआरसीओजी संशोधन नोट्स एंड सैंपल एसबीए" में अध्याय। संस्करण 1. अध्याय 64. गर्भनिरोध और स्त्री रोग में उपयोग की जाने वाले दवाएं। पृष्ठ341-346।

साहिल कुमार और वंदना तायल (2020) कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस के नीलंजना मुखोपाध्याय और ज्योत्सना पुंडीर द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक "भाग 1 एमआरसीओजी संशोधन नोट्स एंड सैंपल एसबीए" में अध्याय। संस्करण 1. अध्याय 65. टेराटोजेनिक दवाएं। पृष्ठ 347-349।

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

एक जर्नल कॉलेज द्वारा प्रकाशित किया जाता है और 2 संकाय संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

संपादकीय बोर्ड के संपादक (2) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या-2

अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजना का नाम	जांचकर्ता	वर्ष/अवधि	फंडिंग एजेंसी
कोविड 19-रोगियों में लिथियम के चिकित्सीय प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।	डॉ. सुमित सुराल, डॉ. एमके डागा, डॉ. बी.सी.कोनर, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. भूपिंदर सिंह कालरा, डॉ. विकास मनचंदा, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. एस.पी. शर्मा	2020 के बाद	
लोकनायक अस्पताल के कोविड 19-रोगियों की दवा उपयोग पैटर्न और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी एक प्रेक्षणात्मक अध्ययन।	डॉ. भूपिंदर सिंह, डॉ. शालिनी चावला, डॉ. संदीप गर्ग, डॉ. सीमा कपूर, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. सुमित सुराल, डॉ. शुभा सिंघल	2020 के बाद	
चूहों में सेरारेटोपेप्टिडस, बोसवेलिया सेराटा और डाइक्लोफेनेक की एंटीनोसिप्टिव और एंटीइन्फ्लेमेटरी गतिविधियां	डॉ. भूपिंदर सिंह, डॉ. वंदना राय	2017 के बाद	कंपनी द्वारा आपूर्ति की जाने वाली दवाएं
एडेनिन में सल्फोराफेन के प्रभाव ने चूहों में पुरानी गुर्दे की विफलता शुरू की।	डॉ. वंदना राय, डॉ. वेणु गोपाला राव कौंडा, डॉ. अकीलेश कुमार, डॉ. नीता खुराना	2021 के बाद	
कोलिस्टिन प्रेरित गुर्दे की चोट के विरुद्ध थाइमोक्विनोन के सुधारात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए	डॉ. वंदना राय, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. इजाज, डॉ. नीता खुराना	2018 - 2020 पूरा	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज
चूहा मॉडल में एल्यूमीनियम क्लोराइड प्रेरित अल्जाइमर रोग में Zingiber ऑफिसिनाल)अदरक (के न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव का अध्ययन करने के लिए	डॉ. वंदना राय, डॉ. वंदना तायल, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. नीता खुराना, डॉ. बिनीता गोस्वामी	2019 के बाद	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज
चूहों में रासायनिक रूप से प्रेरित पेट के कैंसर पर Azadirachta इंडिका पत्ती निकालने के सुरक्षात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए।	डॉ. वंदना राय, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. नीता खुराना	2020 के बाद	स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
कोविड 19-महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण के बारे में दंत छात्रों और शिक्षकों की धारणा "	डॉ. वंदना तायल, डॉ. वंदना राय	2020	
कोविड 19-महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण के बारे में चिकित्सा छात्रों और शिक्षकों की धारणा "	डॉ. वंदना राय, डॉ. भूपिंदर कालरा, डॉ. निधि माहेश्वरी	2020	
कोविड 19-के साथ रोगियों में परिणामों पर सहवर्ती दवा सेवन का प्रभाव :तृतीयक देखभाल अस्पताल, नई दिल्ली में मृत्यु दर और आईसीयू प्रवेश की भविष्यवाणी करने के लिए जोखिम	डॉ. मनु कुमार, डॉ. वंदना राय, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. भूपिंदर सिंह, डॉ. कपिल चौधरी, डॉ. ललित	2020 के बाद	

स्कोरिंग विधि	गुप्ता, डॉ. विशंभरकुमार के . कुशल शेटी		
HealHthcare श्रमिकों में तनाव और Burnout का पता लगाने के लिए	डॉ. मोहित गुप्ता, डॉ. मनु कुमार, डॉ. गिरीश, डॉ. अनुभा गुप्ता, डॉ. सुरेश कुमार	2020 के बाद	
मेडिकल छात्रों में शैक्षिक परिणामों पर सीखने पर फॉर्मोकोलॉजी पाठ्यक्रम में परिवर्तन का प्रभाव	डॉ. वंदना राय, डॉ. शालिनी चावला, डॉ. रजी अख्तर		

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

घरेलू हिंसा और इसके कार्यान्वयन पर एक कार्यक्रम में डॉ. वंदना राय को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, किरोरी मल कॉलेज, आईक्यूएसी वेबिनार कार्यक्रम, 21 दिसंबर 2020।

डॉ. वंदना राय ने सीबीएमई फॉर्मोकोलॉजी में मूल्यांकन पर वेबिनार की चेयरपर्सन को आमंत्रित किया। राष्ट्रीय एमडी फॉर्मोकोलॉजी समूह द्वारा आयोजित। 25 सितंबर 2020.

डॉ. वंदना तायल को अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया और 11 दिसंबर 2020 को हैंडवॉश दिवस मनाने पर दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सत्यवती कॉलेज में एनसीसी कैंडेटों के लिए "स्वच्छता के दौरान स्वच्छता- 19" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाएं

रोगी देखभाल सेवाएं

विभाग के शिक्षक और निवासियों को सीओवीड मरीजों के प्रबंधन के लिए न्यू स्पेशल वार्ड, लोक नायक अस्पताल में तैनात किया गया था। निवासियों द्वारा कुल 196 दिन की कोविड इयूटी शुरू की गई थी और संकाय 182 दिनों के लिए इयूटी से गुजरा था।

फॉर्मोकोलॉजी विभाग ने न्यू स्पेशल वार्ड, लोक नायक अस्पताल में कर्तव्यों के बारे में अधिकतम योगदान प्रदान किया। कॉलेज कैंपस में प्रवेश करने वाले लोगों के तापमान की निगरानी के लिए कोविड संबंधित कर्तव्यों के लिए कर्मचारी भी तैनात किए गए थे, जो आरटीपीसीआर प्रयोगशाला, माइक्रोबायोलॉजी विभाग (120 दिन) 120 तैनात थे, साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात थे। डॉ. नसरा बानू प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (पीएचसी) केंद्र में तैनात थे और 135 दिन के कोविड इयूटी कर चुके हैं।

प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी

फॉर्मोकोलॉजी विभाग, एमएएमसी भारत सरकार के फॉर्मोकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया, इंडियन फॉर्मोकोपोइया आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी के लिए एक मान्यता प्राप्त केंद्र है।

केंद्र का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को रोगी सुरक्षा, फॉर्मोकोविजिलेंस की अवधारणा, प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (ADRs) और दवाओं के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के अंतिम उद्देश्य के साथ इसकी रिपोर्टिंग के बारे में जागरूक करना है।

केंद्र फॉर्मोकोविजिलेंस और रोगी सुरक्षा से संबंधित पहलुओं में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को प्रशिक्षित कर रहा है। विभाग ने फरवरी 2020 में रोगी सुरक्षा के लिए फॉर्मोकोविजिलेंस पर एक कार्यशाला आयोजित की। केंद्र ने 502

स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं को प्रशिक्षित किया है जिसमें डॉक्टर, नर्स और फॉर्मसिस्ट शामिल हैं। विभाग हर वर्ष फॉर्मकोविजिलेंस और एडीआर रिपोर्टिंग में 300 स्नातक एमबीबीएस और बीडीएस छात्रों को भी ट्रेन करता है।

विभाग ने 2020-21 में विगिबेस के माध्यम से उपसाला में इंटरनेशनल सेंटर फॉर फॉर्मकोविजिलेंस को रिपोर्ट करने के लिए नेशनल फॉर्मकोविजिलेंस सेंटर को 605 व्यक्तिगत मामले सुरक्षा रिपोर्ट (आईसीएसआर) की सूचना दी है। सितंबर 2014 से मार्च 2021 तक रिपोर्ट की गई प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं (एडीआर) की कुल संख्या 2516 है

एक स्नातकोत्तर- फॉर्मकोलॉजी में एमडी से सम्मानित

डॉ. अनुराग वरमनी

स्थायी संकाय की संख्या: छह (6)

फॉर्मकोलॉजी (वीपीसीआई)

सम्मान/गौरव

डॉ. अनीता कोटवानी एएमआर पर राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास और संचालन सहित एएमआर से संबंधित नीतिगत निर्णयों और गतिविधियों की निगरानी और समन्वय करने के लिए एएमआर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, मंत्री समूह द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समूह और कोर वर्किंग ग्रुप की सदस्य हैं।

प्रकाशन

कोटवानी, ए., जोशी, जे. और कलोनी, डी. (2021)। फॉर्मस्युटिकल एफ्लुएंट: एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस को बढ़ावा देने वाले इंटरकनेक्टेड इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण कड़ी। पर्यावरण विज्ञान प्रदूषण Res. <https://doi.org/10.1007/s11356-021-14178-w> <https://rdcu.be/cjMgU>

कोटवानी, ए., जोशी, जे. और कलोनी, डी. (2021)। फॉर्मस्युटिकल एफ्लुएंट: एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस को बढ़ावा देने वाले इंटरकनेक्टेड इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण कड़ी। पर्यावरण विज्ञान प्रदूषण Res. <https://doi.org/10.1007/s11356-021-14178-w> <https://rdcu.be/cjMgU>

कोटवानी ए, जोशी जे, शर्मा ए, कलोनी डी. (2021)। एंटीबायोटिक दवाओं की गैर-पर्च खरीद के प्रति उपभोक्ताओं का ज्ञान और व्यवहार: नई दिल्ली, भारत से गुणात्मक अध्ययन से एक अंतर्दृष्टि। फॉर्म प्रैक्टिस, 19(1):2206. doi: 10.18549/PharmPract.2021.1.2206। एपब 2021 मार्च <https://pharmacypractice.org/journal/index.php/pp/article/view/2206>

कोटवानी ए., जोशी जे. (2021) एंटीबायोटिक दवाओं की ओवर-द-काउंटर बिक्री -स्मार्ट नियमन के विकास की दिशा में पहले कदम के रूप में हितधारकों की पहचान करने और खंड के लिए नेट-मैप का उपयोग करना, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, <https://doi.org/10.1016/j.ijmmb.2020.12.003>

कोटवानी ए, गांद्रा एस कोविड-19 के लिए संभावित औषधीय एजेंट। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 64: S112-116.

जी, जोशी जे, भुल्लर एल, कोटवानी ए (2019)। कम आय वाले और मध्यम आय वाले देशों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने के लिए ' स्मार्ट नियमन ' का उपयोग करना। बीएमजे ग्लोबल हेल्थ, 5e001864, डोई 10.1136/bmjgh-2019-001864।

गुलाटी कश्मीर, थोचोम एस.के., रे ए. (2020) प्रतिरक्षा प्रणाली पर रासायनिक युद्ध एजेंटों का प्रभाव। में: गुप्ता आरसी (एड) रासायनिक युद्ध एजेंटों, तीसरे संस्करण के विष विज्ञान की हैंडबुक। सैन डिएगो: Elsevier इंक/अकादमिक प्रेस, 2020: 685-704। <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-819090-6.00042-8>

सम्मेलन और कार्यशालाएं

जैव चिकित्सा अनुसंधान में प्रस्ताव लेखन एवं नैतिक विषयों पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम, आयोजन सचिव प्रो. कविता गुलाटी दिनांक 11 मार्च 2021

फॉर्मिकोलॉजी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने एमबीबीएस और एमडी छात्रों के लिए शिक्षण और सीखने की विधि के रूप में कंप्यूटर असिस्टेड लर्निंग, पीबीएल और ओएसपीई शुरू किया है। विषय-प्रशासन की प्रगति के लिए विभिन्न शैक्षणिक और शोध गतिविधियों में फॉर्मिकोलॉजी विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विभाग के संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों ने सहकर्म की समीक्षा की गई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (PUBMED अनुक्रमित) में शोध शोध प्रकाशित किए। जीटीबी अस्पताल और कोविड लैब में टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ ने सक्रिय रूप से अपनी इयूटी निभाई। संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों ने कई ऑनलाइन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों/कार्यशालाओं में भाग लिया है। डॉ. रचना गुप्ता, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, ने 'भारत के राष्ट्रीय सूत्र' के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में और 'सिग्नल रिव्यू पैनल' में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में, भारतीय फॉर्मिकोपिया आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के रूप में कार्य किया। उन्हें कार्यकारी समिति, दिल्ली फॉर्मिकोलॉजिकल सोसाइटी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

प्रकाशन

लाह, आर. भारत में फॉर्मिकोविजिलेंस में प्रगति: मोबाइल एप्लिकेशन की भूमिका। इंड जे मेड स्पेक, 11,124-126।

लाभुक आर, गुप्ता, आर (2021) लंबे समय से अभिनय एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी में उभरते रुझान: वर्तमान स्थिति और चिकित्सीय चुनौतियां। Curr एचआईवी Res, 19, 4-13.

तफसीर, एस. बुप्रोपियन मोनोथेरेपी प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के रोगियों में न्यूरोट्रोफिक और भड़काऊ मार्कर को बदल देती है। Pharm Biochem Behav, 200, 173073.

कुमारी, एम., सैफी, ए. खान, एम.ए., अरोड़ा, वी.के., शमसी, वाई., हल्दर, एस. अहमद, आर.एस. (2020) चूहों में मजुन ब्राह्मी और इतिफलमुकाविदिघ (पारंपरिक सर्वसम्मति योगों) का तीव्र और उपचरोनिक मौखिक विषाक्तता अध्ययन। पीएचसीओजी रेस, 12, 169-75.

होदा, यू., जैन, एस.बी. एम्बेलिन मस्तिष्क की सूजन को कम करके चूहों में संज्ञानात्मक रोग और पेंटीलेनेट्राजोल-प्रेरित किलिंग में जलाने की प्रगति को कम करता है। मिर्गी और व्यवहार, 116, 107788.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. रचना गुप्ता

संशोधित बेसिक वर्कशॉप, 23-24 मार्च 2021 यूसीएमएस दिल्ली में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

12वीं इंडियन सोसायटी फॉर तर्कसंगत फॉर्मिकोथैरेटिक्स (आईएसआरपीटी) सम्मेलन ऑनलाइन का आयोजन फॉर्मिकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, इंडिया-160012 द्वारा 12-13 फरवरी, 2021 को किया गया। फॉर्मिकोविजिलेंस वर्कशॉप ऑनलाइन का आयोजन क्लीनिकल फॉर्मिकोलॉजी विभाग, सेठ जीएसएमसी और केईएमएच मुंबई द्वारा पीवीपीआई-आईपीसी के साथ 08-01-2021 को किया गया।

एसएसएमसीएस फिरोजाबाद और जीआईएमएस, ग्रेटर नोएडा, यूपी द्वारा 23 अक्टूबर, (2020) को वेबिनार के माध्यम से अच्छी नैदानिक प्रथाओं पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

एम्स, जोधपुर के फिजियोलॉजी विभाग द्वारा 17 से 23 अगस्त (2020) तक फिजियोलॉजी विभाग द्वारा "बेसिक रिसर्च मेथडोलॉजी एंड थीसिस राइटिंग इन फिजियोलॉजी" ऑनलाइन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इंडियन फॉर्माकोलॉजिकल सोसायटी द्वारा आयोजित फॉर्माकोलॉजी वेबिनार सीरीज। 5-27 सितंबर (2020)।

5 सितंबर (2020) को दिल्ली फॉर्माकोलॉजिकल सोसाइटी एंड सोसाइटी फॉर प्रमोशन एंड रिसर्च ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज द्वारा आयोजित कोविड-19 के निदान और फॉर्माकोथेरेपी में चुनौतियों पर वेबिनार।

टीएमएमसी एंड आरसी, मुरादाबाद द्वारा 10 अक्टूबर, (2020) को आईएसआरआरपीटी वेबकॉन (2020) का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एमडी फॉर्माकोलॉजी द्वारा आयोजित 14,21, 28 अगस्त और 4,11,18 सितंबर (2020) पर फॉर्माकोलॉजी शिक्षण और प्रशिक्षण में सीबीएमई की वेबिनार-श्रृंखला परिचय।

30 जून, (2020) को संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विनियमित बायोएनालिसिस कार्यशाला ऑनलाइन का आयोजन किया गया।

डॉ. सीमा जैन

चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस, दिल्ली द्वारा 23-25 मार्च 2021 को संशोधित बेसिक कोर्स कार्यशाला का आयोजन किया गया।

12 दिसंबर (2020) को सरकारी मेडिकल कॉलेज, इडुक्की के फॉर्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित "कोविड-19 महामारी अपडेट" पर सीएमई।

फॉर्माकोलॉजी विभाग चेट्टीनाड अस्पताल और अनुसंधान संस्थान तमिल नाडु द्वारा 27 नवंबर (2020) को फॉर्माकोविजिलेंस पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस, दिल्ली द्वारा 9, 12 वीं 16 अक्टूबर (2020) को व्यवस्थित समीक्षा और मेटाएनलिसिस पर ऑनलाइन कार्यशाला।

19 सितंबर (2020) को फिजियोथेरेपी विभाग, कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मंगलौर द्वारा अभिनव शिक्षण विधियों पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस, दिल्ली द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम कार्यान्वयन संवेदीकरण कार्यक्रम (सीआईएसपी) कार्यशाला 11-12 सितंबर (2020) का आयोजन किया गया।

22 अगस्त, (2020) को इंडियन जर्नल ऑफ फॉर्माकोलॉजी (आईजेपी) और इंडियन फॉर्माकोलॉजिकल सोसाइटी (आईपीएस) द्वारा आयोजित कोविड-19 पर वेबिनार।

नई औषधियों/टीकों के लिए ऑनलाइन नैदानिक परीक्षण प्रक्रिया 08 अगस्त, (2020) को फॉर्मस्यूटिकल विज्ञान विभाग, जीजेयूस एंड टी, हिसार द्वारा आयोजित की गई थी।

ऑनलाइन सीएमई - 25 जुलाई को कोविड-19 के उपचार के लिए फॉर्माकोलॉजिक दृष्टिकोण, (2020) हिंद इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, माऊ, अतारिया, सीतापुर उत्तर प्रदेश में

डॉ. सुमिता हलदर

एमईयू, यूसीएमएस द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 11 और 12 सितंबर (2020) को सीबीएमई पर आधारित नए एमसीआई पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सीआईएसपी कार्यशाला।

एमईयू, यूसीएमएस द्वारा आयोजित 9-10-(2020) से 18-10-(2020) तक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण" पर कार्यशाला

इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियाट्रिक्स द्वारा 27 जनवरी से 10 मार्च 2021: ऑनलाइन साप्ताहिक पर आयोजित बायोस्टैथिक्स विषय पर कार्यशाला।

एमईयू, यूसीएमएस और एमएएमसी, एनएमसी रीजनल सेंटर द्वारा 23 से 25 मार्च 2021 तक चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी के लिए संशोधित बेसिक कोर्स कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. सांध्य रानी गौतम

19 और 20 मार्च 2021 को एम्स जोधपुर द्वारा वर्चुअल नेशनल कांफ्रेंस ट्रेडिशनल मेडिसिन- चुनौतियां और अवसर आयोजित किए गए।

ऑनलाइन सीएमई कम-कार्यशाला मीटरियोविजिलेंस: 25 मार्च 2021 को एम्स पटना द्वारा आयोजित चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

डॉ. प्रोतेश राणा

ऑनलाइन सीएमई कम-कार्यशाला मीटरियोविजिलेंस: 25 मार्च 2021 को एम्स पटना द्वारा आयोजित चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

डॉ. यशिका गर्ग

25 मार्च 2021 को मानव अनुसंधान संरक्षण और अच्छे नैदानिक प्रथाओं पर ईएसआईसी डीसी रोहिणी में सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम।

संकाय संख्या 7

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से विभाग फॉर्मा-कॉविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया में हिस्सा ले रहा है। एमबीबीएस छात्रों के लिए योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

फॉर्माकोलॉजी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अनुशासन की प्रगति के लिए विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विभाग के फैकल्टी और स्नातकोत्तर स्टूडेंट्स ने नेशनल और इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पेपर पेश किए। पीयर रिव्यू PUBMED इंडेक्सेड नेशनल और इंटरनेशनल जर्नल्स में कुल 6 रिसर्च पेपर प्रकाशित किए गए हैं। विभाग के निदेशक-प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. एचएस रेहान ने यूजीसी की विभिन्न विषयों, विच्छेदन निगरानी समिति में सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। विभाग के निदेशक-प्रोफेसर डॉ. ललित कुमार गुप्ता ने विभिन्न विषयों में सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से विभाग भारत के फॉर्माकोविजिलेंस प्रोग्राम और भारत के माएरियो-सतर्कता कार्यक्रम में भाग ले रहा है और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी के मामले में शीर्ष पांच राष्ट्रीय केंद्रों में माना जाता है।

अनुक्रमित पत्रिका में प्रकाशन कुल संख्या: 6

खेर एम., बेरी एस., रेहान एच.एस., प्रकाश ए., गुप्ता एल.के. (2020) टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में मोनोसाइट केमोएट्रेक्टेंट प्रोटीन-1 और कैथेप्सिन-डी पर मेटफॉर्मिन और इंसुलिन कॉम्बिनेशन का असर। मधुमेह मेटाब सिंडीआर, 14 (6): 1703-1710।

गुहा एन., रेहान एच.एस., यादव एम., गुप्ता एल.के. (2020) स्टेटिन के एसोसिएशन ने सीरम कोएंजाइम क्यू10 स्तर में कमी और मोटर और संवेदी नसों में चालन घाटे: एक अवलोकन क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन प्रेरित किया। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज, 196:106046।

मैनी जे., रेहान एच.एस., यादव एम., गुप्ता एल.के. (2020) स्टेटिन-प्रेरित ग्लूकोज असहिष्णुता में एडिप्सिन की भूमिका की खोज: एक संभावित ओपन लेबल अध्ययन। दवा मेटाब रिव्यू, 35 (1)।

मनोचा एस., सुरनगी यूडी, साह आर.के., चंदे आर.डी., कुलहरे एस., गोयल एन., तंवर के. (2020) दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत में आम जनता के बीच अप्रयुक्त और समाप्त हो चुकी दवाओं के वर्तमान निपटान प्रथाओं। Curr दवा सैफ, 15 (1): 13-19।

रेहान एच.एस., बनर्जी आई., सुरनगी यूडी, गोयल एन. (2020) क्या फॉर्मोकोलॉजी संकायों नए योग्यता आधारित स्नातक पाठ्यक्रम का स्वागत करते हैं? एक राष्ट्रव्यापी प्रश्नावली आधारित अध्ययन। नेटल जे फिजियोल Pharm फॉर्मोकोल, 10 (6): 450-454।

सुरनगी यूडी, रेहान एच.एस. (2020) Remdesivir: उपाय दुनिया के लिए इंतज़ार कर रही है? मेड जे आर्म्ड फोर्सेज इंडिया, 76 (3):250-252।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. एच. एस. रेहान ने निम्नलिखित वार्ता/अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किए:

15 मई, 2020 को "चिकित्सा उपकरणों की सुरक्षा: एक नैदानिक अनुभव" शीर्षक से वेबिनार में एक भाषण दिया।

इंडियन फॉर्मोकोपियो कमीशन, नेशनल कोऑर्डिनेशन सेंटर, फॉर्मोकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया, गाजियाबाद में 12 जनवरी 2021 से आयोजित इंडक्शन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि वक्ता (ऑनलाइन)।

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 12वें वार्षिक आईएसआरपीटी सम्मेलन-2021 में कोविड-19 के युग के दौरान तर्कसंगत फॉर्मोको-थेराप्यूटिक्स नामक एक भाषण प्रस्तुत किया, जो 12 और 13 फरवरी 2021 को ऑनलाइन मंच का आयोजन किया गया।

22 फरवरी 2021 को सीएनई विभाग केसीएच द्वारा आयोजित सीएनई में "फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन: मेरिट्स एंड अवगुण" शीर्षक से एक भाषण दिया।

13 मार्च 2021 को यूपी के मुरादनगर स्थित आईटी डेंटल कॉलेज में गुड क्लिनिकल प्रैक्टिसेज शीर्षक से भाषण दिया।

19 मार्च, 2021 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में "फॉर्मोकोकिनेटिक्स ऑफ थेराप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग:" शीर्षक से एक भाषण दिया।

23 मार्च 2021 को सीएनई विभाग केएससीएच द्वारा आयोजित सीएनई में "कोविड-19 की फॉर्मोकोथेरेपी" शीर्षक से एक भाषण दिया।

डॉ. एल.के. गुप्ता ने 25 मार्च 2021 को ईएसआईसी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सेक्टर 15, रोहिणी में गेस्ट फैकल्टी के रूप में आयोजित किए जा रहे इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी के सदस्यों के लिए "ह्यूमन रिसर्च प्रोटेक्शन एंड गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस" पर सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और इस पर बात की।

सूचित सहमति प्रक्रिया: रिकॉर्ड कीपिंग और डेटा हैंडलिंग

नियामक और गैर नियामक परीक्षणों में सुरक्षा रिपोर्टिंग: एसई रिपोर्टिंग टाइमलाइन, हताहत मूल्यांकन और मुआवजा

पीएच.डी./एम.फिल. के नंबर एमडी सम्मानित: एमडी (फॉर्मोकोलॉजी) दो छात्रों को सम्मानित किया गया।

संकाय की संख्या: प्रोफेसर -6; एसोसिएट प्रोफेसर-3; असिस्टेंट प्रोफेसर-1

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से विभाग भारत के मैट्रिविजिलेंस और फॉर्मोकोविजिलेंस कार्यक्रम में भाग ले रहा है और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया की रिपोर्टिंग और निगरानी के मामले में शीर्ष पांच राष्ट्रीय केंद्रों में से एक है।

फिजियोलॉजी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग एक समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाता है क्योंकि इसकी पहली विभागीय कुर्सी प्रसिद्ध फिजियोलॉजिस्ट पद्म विभूषण डॉ. औतार सिंह पेंटल थे, जो संस्था के पहले प्रिंसिपल भी थे। 1976 में डॉ. के.एन. शर्मा ने फिजियोलॉजी के प्रोफेसर के रूप में यूसीएमएस ज्वाइन किया। वह एक महान शिक्षक और शोधकर्ता, एक सक्षम प्रशासक, एक मजबूत काम नीति थी और सक्रिय रूप से चिकित्सा शिक्षा में शामिल था। जल्द ही, वह यूसीएमएस के प्रिंसिपल बन गया और अपने वर्तमान गौरव के लिए महान संस्थान के आकार का।

विभाग सक्रिय रूप से पैदा क्षमता, योग अनुसंधान, अकादमिक चिकित्सा, नैदानिक चिकित्सा नैतिकता, और स्वास्थ्य मानविकी सहित हृदय, श्वसन, न्यूरोफिजियोलॉजी, नैदानिक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के क्षेत्र में बुनियादी और अनुप पर लागू अनुसंधान में लगे हुए हैं। विभाग एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग, और बीएससी फिजियोथेरेपी, बीएससी मेडिकल टेक्नोलॉजी, बीएससी रेडियोग्राफी और ओपन कक्षाओं के लिए स्वास्थ्य व्यवसायों शिक्षा के शिक्षण में सहायता करता है।

सम्मान/गौरव

भारत में चुनाव को विकलांग-25 जनवरी 2021 में विकलांग बनाने के लिए 11वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया।

शिकागो विश्वविद्यालय में डॉ. सत्येंद्र सिंह -बक्सबॉम इंटरनेशनल स्कॉलर, बक्सबॉम इंस्टिट्यूट फॉर क्लिनिकल एक्सीलेंस।

प्रकाशन

दत्त आर., शंकर एन., श्रीवास्तव एस., यादव ए., अहमद आर.एस. (2020) हृदय स्वायत्त टोन, प्लाज्मा BDNF स्तर और सामान्यीकृत चिंता विकार के नए निदान रोगियों में paroxetine प्रतिक्रिया। नैदानिक अभ्यास में मनोरोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 24 (2): 135-142।

धालीवाल यू. सिंह एस, नागपाल जी, कक्कड़ ए (2020)। रंग दृष्टि की कमी के साथ डॉक्टरों की क्षमता के विशेषज्ञ डॉक्टरों की धारणा सुरक्षित रूप से अपनी विशेषता का अभ्यास करने के लिए। भारतीय जे मेड एथिक्स, 5 (4) एनएस: 268-77। DOI: 10.20529/IJME 110।

पारूल होरो और फराह खालिक। (2020) कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सा बिरादरी में तनाव और मुकाबला रणनीतियाँ। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23 (2): 7-13।

ओवेन ए, सिंह एस, किशोर केएल (2020) विकलांगता सक्रियता और गैर-आक्रामक जन्म के पूर्व परीक्षण: ब्रेमर के लिए एक प्रतिक्रिया। भारतीय जे मेड एथिक्स, 5 (4): 290-3।

समीशा गोयल और फराह खालिक (2020) प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्रों के बीच विभिन्न डोमेन में तनाव की स्रोत और गंभीरता और उनके अकादमिक प्रदर्शन के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी। फिजियोलॉजी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका; 8 (4): 64-71.

सिंह एस., मीक्स एलएम, धालीवाल यू. (2020) एक नैतिक मार्ग फोर्जिंग: विकलांगता आवास, विविध आवाजें, और देखभाल के मानक। भारतीय जे मेड एथिक्स, 5 (4): 264-7।

सिंह एस, धालीवाल यू, सिंह एन (2020)। योग्यता आधारित पाठ्यक्रम के भीतर मानवतावादी दक्षताओं का विकास। भारतीय पेडिएटर, 57 (11): 1060-6

सिंह एस विकलांगता नैतिकता कोरोनावायरस संकट में (2020) जम्मू परिवार मेड प्राइम केयर, 9:2167-71।

मीक्स एल.एम., माराकी आई, सिंह एस., करी आर.एच. (2020) स्वास्थ्य व्यवसायों में विकलांगता समावेशन के लिए वैश्विक प्रतिबद्धताएं। लैंसेट, 395 (10227): 852-53।

सिंह एस, कॉट्स केजी, मारोफ के ए, धालीवाल यू, सिंह, एन, और Xie T. (2020) विकलांगता-समावेशी अनुकंपा देखभाल: एक भारतीय चिकित्सा स्नातक के लिए विकलांगता दक्षताओं। जम्मू परिवार मेड प्राइम केयर। 9:1719-27.

विशाखा, गुप्ता एम, सिंह एस, अग्रवाल ए (2020) टाइप 2 मधुमेह मेलिटस में मानवविज्ञान मापदंडों पर योग के 8 सप्ताह का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड बायोमेडिकलस्टडीज, 4 (9): 84-9.

विशाखा, गुप्ता एम., सिंह एस., अग्रवाल ए. हठ योग: (2020) सीधी प्रकार 2 मधुमेह मेलिटस में प्रसार क्षमता सहित फेफड़ों की मात्रा पर प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ एंड क्लीनिकल रिसर्च, 3 (7): 181-90।

पुस्तकों में अध्याय

सिंह एस. (2020) विकलांग छात्रों के लिए समान पहुंच में प्राक्कथन: स्वास्थ्य विज्ञान और व्यावसायिक शिक्षा के लिए गाइड (2 एड)। में: Meeks एलएम, जैन एनआर, लार्ड ईपी (Eds)। स्प्रिंगर प्रकाशन।

खेतरपाल ए और सिंह एस (2021) विकलांग भारत में दर्द के एक अंडरकरंट के साथ रहता है। में: पैडफील्ड डी, और Zakrzewska जेएम (Eds) 2021 दर्द का सामना: सुनवाई, देख, बोल रहा हूं। लंदन: यूसीएल प्रेस। (पृष्ठ 300-14)।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड-3 के संपादक/सदस्य (1) के रूप में सेवारत विभाग के शिक्षकों की संख्या

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. सत्येंद्र सिंह

नेविगेटिंग डॉक्टर-रोगी संबंधों पर संगोष्ठी विधी सेंटर, फोरम फॉर मेडिकल एथिक्स सोसायटी और क्लीनिकल एक्सीलेंस के लिए बकबॉम इंस्टिट्यूट, शिकागो विश्वविद्यालय, 15-16 फरवरी (2020) के साथ आयोजित की गई।

चिकित्सा शिक्षा विभाग, केएमसी मणिपाल के साथ विकलांगता-समावेशी अनुकंपा देखभाल कार्यशाला 14 जनवरी (2020) को।

13 जनवरी (2020) को चिकित्सा शिक्षा विभाग, केएमसी मणिपाल के साथ साझा निर्णय कार्यशाला।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. गोयल, शिल्पी

चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी में संशोधित बेसिक कोर्स कार्यशाला। एनएमसी क्षेत्रीय केंद्र, एमएमसी, नई दिल्ली, चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली द्वारा 23-25 मार्च 2021 को आयोजित किया गया।

मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट, यूसीएमएस एंड जीटीबी अस्पताल, दिल्ली-10 मार्च 2021 द्वारा आयोजित "क्लीनिकल रिसर्च में आरटी-पीसीआर तकनीक के अनुप्रयोग" पर कार्यशाला।

फिजियोलॉजी हिमसार विभाग, दिल्ली-24-25 मार्च, 2021 द्वारा आयोजित डॉ. गुप्ता, मनीष -वर्चुअल द्विवार्षिक एसएपी VII और पीएसआई सम्मेलन 2021

डॉ. खालिक, फराह

वर्चुअल बिऐनियल एसएएपी समिट और पीएसआई सम्मेलन 2021 में चेयरपर्सन और जज। फिजियोलॉजी विभाग, हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित -23 -25 मार्च 2021 बुनियादी चिकित्सा विज्ञान पर अनुसंधान जोर में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र का न्याय किया। एवीएमसी और अस्पताल, पुडुचेरी में। 23 - 25 मार्च 2021.

ऑनलाइन कक्षाओं के प्रबंधन और सह-निर्माण MOOCS पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम-20 अप्रैल से 6 मई (2020)।

चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली द्वारा व्यवस्थित समीक्षा और मेटा विश्लेषण पर दस घंटे की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। -अक्टूबर' (2020)।

एपीआई नेशनल अवार्ड फंक्शन और सीएमई 2021 ईएसआई मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, फरीदाबाद में-26-27 मार्च' 2021

फिजियोलॉजी विभाग, हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, नई दिल्ली-17 मार्च, 2021 द्वारा प्री-कांफ्रेंस चिकित्सा शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुसंधान और डेटा विश्लेषण को समझने के लिए एसपीएसएस का उपयोग करने पर राष्ट्रीय वेबिनार। दिल्ली विश्वविद्यालय के अद्वती महाविद्यालय द्वारा आयोजित। - 24 मई, (2020)

अग्रिम पंक्ति पर व्यावसायिकता पर वेबिनार - महामारी के दौरान उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दे। एलसवियर अप्रैल, (2020) द्वारा आयोजित।

ऑनलाइन शिक्षण और सीखने के तरीकों, मूल्यांकन विधियों, रणनीतियों और कोविड युग अप्रैल, (2020) में शिक्षण में चुनौतियों के लिए विभिन्न उपकरणों पर एएचपीई व्याख्यान श्रृंखला।

फिजियोलॉजी विभाग, हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा हाल ही में प्रगति पर प्री-कांफ्रेंस कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. पिंजर, मोहम्मद जाफर

नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के तत्वावधान में स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों और संकाय में अनुसंधान और नवाचार भावना का संचार, प्लेटलेट सिग्नलिंग और थ्रोम्बस जीव विज्ञान (आईसीएमआर), जैव रसायन विभाग, इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत पर उन्नत अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित मार्च ' 2021

फिजियोलॉजी हिमसार विभाग, दिल्ली द्वारा आयोजित वर्चुअल द्विवार्षिक एसएपी सप्तम और पीएसआई सम्मेलन 2021 मार्च'2021.

फिजियोलॉजी एम्स, बिबनगर, तेलंगाना, भारत विभाग द्वारा आयोजित "आंत माइक्रोबायोम, पोषण और शारीरिक और मानसिक कल्याण पर इसके प्रभाव" पर सीएमई। फरवरी'2021.

कार्डियोकॉन अहमदाबाद- कार्डियोलॉजी वर्चुअल अपडेट 2021 और गुजरात मेडिकल काउंसिल द्वारा 4 सीएमई क्रेडिट घंटे प्रदान किए गए हैं। फरवरी'2021.

डॉ. वनी, नीलम

टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं और सह-निर्माण एमओसीएस के प्रबंधन पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम- 20 अप्रैल-6 मई , (2020)।

सीएमसीएल-फैमर-अप्रैल (2020) द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला।

ऑनलाइन शिक्षण और सीखने के तरीकों, मूल्यांकन विधियों, रणनीतियों और कोविड युग में शिक्षण में चुनौतियों के लिए विभिन्न उपकरणों पर AHPE व्याख्यान श्रृंखला-अप्रैल '(2020)।

वर्चुअल बिएनियल एसएएपी समिट और पीएसआई सम्मेलन 2021 में चेयरपर्सन। फिजियोलॉजी विभाग, हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, नई दिल्ली मार्च 2021 द्वारा आयोजित।

एपीआई पुरस्कार समारोह - प्रो बलदेव सिंह ओरेशन अवार्ड के चेयरपर्सन और प्रो आर सी शुक्ला ओरेशन अवार्ड। मार्च'2021.

जज फॉर -आर . ईएसआई मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल फरीदाबाद में पीजी विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए श्रीनिवासन पुरस्कार। मार्च'2021.

डॉ. यादव, आशा

सीएमसीएल-फैमर-अप्रैल (2020) द्वारा आयोजित वेबिनार श्रृंखला।

ऑनलाइन शिक्षण और सीखने के तरीकों, मूल्यांकन विधियों, रणनीतियों और कोविड युग में शिक्षण में चुनौतियों के लिए विभिन्न उपकरणों पर AHPE व्याख्यान श्रृंखला-अप्रैल '(2020)।

"कोविड टाइम्स में हेल्थकेयर डिलिवरी- 3- कैसे अपने आप को बचाने के लिए पर वेबिनार? (पूर्व/पैरा क्लिनिकल स्पेशलिटीज) "जीटीबी अस्पताल के मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित। मई'(2020)।

जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय, ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित "COVIMPRESSIONS: स्थानीय कार्रवाई - वैश्विक प्रभाव" पर वेबिनार। मई'(2020)।

"कोविड-19 और स्वास्थ्य असमानताओं पर वेबिनार: हमारी सबसे कमजोर आबादी की रक्षा" मधुमेह अनुवाद अनुसंधान, शिकागो विश्वविद्यालय के लिए शिकागो केंद्र द्वारा आयोजित। जून ' (2020)।

"कोविड-19 रोगियों के लिए ऑक्सीजन थेरेपी- व्यावहारिक विचार" पर वेबिनार एनेस्थीसिया विभाग, जीटीबी अस्पताल द्वारा आयोजित किया गया। अगस्त 2021

संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ई-संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता और "मधुमेह मेलिटस और अग्न्याशय: इंसुलिन की भूमिका" पर व्याख्यान दिया।

हमीदिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "हाल ही में शारीरिक तकनीकों में हालिया प्रगति" पर वर्चुअल द्विवार्षिक एसएएपी VII और पीएसआई प्री-कांफ्रेंस कार्यशाला। मार्च'2021.

हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा 24-25 मार्च 2021 तक आयोजित "स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए शारीरिक विज्ञान" पर वर्चुअल द्विवार्षिक एसएपी सातवीं और पीएसआई सम्मेलन 2021

डॉ. विशाखा- मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजीज में संशोधित बेसिक कोर्स वर्कशॉप। एनएमसी क्षेत्रीय केंद्र, एमएएमसी, नई दिल्ली, चिकित्सा शिक्षा इकाई, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली द्वारा 23-25 मार्च 2021 को आयोजित किया गया।

अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. सत्येंद्र सिंह - सहायक संकाय, चिकित्सा शिक्षा विभाग, केएमसी मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी।

डॉ. नीलम वेने-एक्सटर्नल परीक्षक एम.बी.बी एस स्टडीज कार्यक्रम के रूप में नियुक्त-आई प्रो, द्वितीय प्रो और अंतिम प्रो.एम.बी.बी.एस के पाठ्यक्रम और संचालन की निगरानी के लिए (भाग 1 और भाग द्वितीय) अकादमिक वर्ष के लिए परीक्षा-सर सीवोसागुर रामगुलाम मेडिकल कॉलेज (एसएसआरएमसी), मॉरीशस विश्वविद्यालय, रेडुइट, मॉरीशस-2016के बाद की परीक्षाएं।

संकाय संख्या : 10

फिजियोलॉजी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने एमबीबीएस, एमडी, नर्सिंग और पीटीटी छात्रों की सभी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन किया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रम जिनमें पी 300, तंत्रिका चालन, संज्ञानात्मक कार्य, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट और हार्ट रेट परिवर्तनशीलता सहित न्यूरोफिजियोलॉजिकल परीक्षणों की रिकॉर्डिंग शामिल है, विभाग में किए गए थे। अध्ययनों में ध्यान घाटे अतिसक्रियता विकारों (एडीएचडी), पार्किंसंसिज्म, सिजोफ्रेनिया, क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), डायबिटीज मेलिटस टाइप-2, रुमेटॉयड आर्थराइटिस, अस्थमा और हाइपोथायरायडिज्म के मरीज शामिल थे।

फिजियोलॉजी विभाग ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन "ऑल इंडिया ऑनलाइन फिजियोलॉजी फेस्टिवल, 7 से 10 दिसंबर 2020 का आयोजन किया है जिसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से मेडिकल कॉलेजों की पैंतीस टीमों ने भाग लिया है।

संकाय सदस्यों और निवासियों कोविड नियंत्रण कक्ष, वाईएमसीए कोविड केयर सेंटर, कोविड वार्ड, फ्लू क्लिनिक, कोविड परीक्षण केंद्र और एलएचएमसी में कोविड टीकाकरण केंद्र में कोविड-19 महामारी के दौरान कर्तव्यों के लिए तैनात थे। रेजिडेंट्स ने इंटरनेशनल पैसंजर्स के लिए इंटरनेशनल आईजीआई एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग का काम किया है। विभाग के दो तकनीकी कर्मचारी आरटीपीसीआर लैब टेस्ट के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग में तैनात थे।

प्रकाशन

मानावत, आर. मोटापे में डिस्लिपिडेमिया के साथ मानववंशीय चर का संबंध। नेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, फॉर्मसी एंड फॉर्माकोलॉजी, 10 (09)।

नमिता, वंधु आर, गौतम एस, चौधरी डी, मॉडल एस (2020) हल्के से मध्यम सीओपीडी रोगियों में न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण बैटरी का उपयोग करके संज्ञानात्मक कार्य का आकलन। आईजेएसआर, 9 (5): 31-34।

नमिता, मॉडल एस. जैविक उम्र बढ़ने का तंत्र एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, 9 (1): 23-29।

उपपल एम, गौतम एस, लाकरा एम वी, बेइगरी एवी, गांधी ए, मॉडल एस (2020)। महिला नर्सिंग छात्रों में न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर आंशिक नींद के अभाव का प्रभाव: भारत में एक अवलोकन अध्ययन। Int जे कर Res, 12 (14): 49-55।

अनुसंधान परियोजनाएं

वित्तपोषण के साथ अनुसंधान परियोजना : बहुकेंद्रित परीक्षण परियोजना					
क्र.स.	एलएचएमसी के जांचकर्ताओं का नाम	परियोजना प्रभारी	परियोजना योजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी का नाम	बजट रुपये में
1.	डॉ. अनुपम प्रकाश, (चिकित्सा) डॉ. शुभा लक्ष्मी मार्गेकर (चिकित्सा) डॉ. अनिल गुरट्ट, (चिकित्सा)	डॉ. राघवेंद्र राव एम, निदेशक, सीसीआरवाईएन	तनाव पर एक एकीकृत योग कार्यक्रम का प्रभाव, मूड राज्यों, नींद की गुणवत्ता, लक्षण गंभीरता, जीवन की गुणवत्ता और	डीएसटी	Rs.27,56,860/-

	डॉ. सुनीता मॉडल, (फिजियोलॉजी) डॉ. सुजाता गौतम (फिजियोलॉजी)		पारंपरिक उपचार के दौर से गुजर कोविड 19- सकारात्मक रोगियों में नैदानिक परिणामों :एक बहुकेंद्रित परीक्षण		
गैर वित्त पोषित परियोजनाएं :विभागीय अनुसंधान प्रोजेक्ट					
क्र.स.	जांचकर्ताओं का नाम	परियोजना प्रभारी	परियोजना योजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी का नाम	बजट करोड़ रुपये में
1.	डॉ. सुनीता मॉडल (फिजियोलॉजी) डॉ. नमिता (फिजियोलॉजी) डॉ. सुवाशिनी शर्मा (बाल रोग)	डॉ. मधुलिका मोंगा प्रोफेसर	इडियोपैथिक बचपन मिर्गी के साथ बच्चों में संज्ञानात्मक समारोह के इलेक्ट्रोफिजियोलॉजि कल अध्ययन।	कोई नहीं	शून्य
2.	तन्वी झा डॉ. अनीता पवार (फिजियोलॉजी) डॉ. राजिंदर के धमीजा (न्यूरोलॉजी)	डॉ. अनीता पवार	भारतीय जनसंख्या में माइग्रेन के हमलों की सर्कैडियन और मौसमी भिन्नता।	कोई नहीं	शून्य
आईसीएमआर एसटीएस परियोजनाएं					
क्र.स .	स्नातक के विद्यार्थी	विषय	पर्यवेक्षक	फंडिंग एजेंसी	
वर्ष 2020					
1.	सुश्री आशिमा	"कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस, शारीरिक गतिविधि और, संज्ञानात्मक कार्यों का आकलन और यह युवा वयस्कों में स्क्रीन टाइम आधारित गतिहीन व्यवहार के साथ संबंध है"	डॉ. सुजाता गौतम	आईसीएम आर	

आयोजित संगोष्ठियां

क्र.स.	संकाय सदस्य	आयोजक	नाम, स्थान और तिथि
1.	डॉ. मधुलिका मोंगा	आयोजन दल के सदस्य, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण। एमईयू, एलएचएमसी के तहत एसएलएम-लॉ एंड एथिक्स।	दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कानूनी जागरूकता के लिए ई-ऐड-ऑन-कोर्स 10.08.2020 से 14.09.2020 तक
2.	डॉ. सुजाता गौतम	आयोजन दल के सदस्य, एलएचएमसी, नई दिल्ली	एमबीबीएस 2020 बैच के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम
3.	सभी संकाय सदस्य	आयोजन अध्यक्ष :डॉ. मंडल आयोजन सचिव :डॉ. मधुलिका	इंट्रा कॉलेज फिजियोलॉजी फेस्टिवल, 27 अक्टूबर, 2020
4.	डॉ. सुनीता मोंडल डॉ. श्वेता	आयोजन दल के सदस्य, एलएचएमसी, नई दिल्ली	नेशनल फाउंडेशन फॉर कम्युनल असेम (एनएफसीएच) (के तत्वावधान में) सांप्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह का आयोजन। एलएचएमसी, एन दिल्ली में 19 से 25 नवंबर 2020 तक।
5.	डॉ. मोंडल डॉ. मधुलिका डॉ. अनीता पवार	अध्यक्ष का आयोजन: डॉ. मोंडल आयोजन सचिव: डॉ. मधुलिका डॉ. अनीता पवार	ऑल इंडिया ऑनलाइन फिजियोलॉजी फेस्टिवल, 7 से 10 दिसंबर 2020।

सेमिनार सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

क्र.स.	प्रतिभागी का नाम और पदनाम	भूमिका/विषय	आयोजक	प्रशिक्षण/कार्यशाला/सम्मेलन स्थल और तिथि का नाम
नेशनल कांफ्रेंस				
1.	डॉ. मधुलिका	न्याय ई - पोस्टर प्रस्तुति	सिक्किम मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज गंगटोक, सिक्किम	6 और 7 अक्टूबर 2020
कार्यशाला/प्रशिक्षण				
2.	डॉ. मधुलिका	संसाधन संकाय	एमईयू, एलएचएमसी, एन दिल्ली	सीआईएसपी द्वितीय कार्यशाला 16 और 17 सितंबर 2020 को एलएचएमसी के एमईयू द्वारा आयोजित की गई।

संकाय संख्या

प्राध्यापक: 10

एसोसिएट प्रोफेसर: 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. सुनीता मॉडल ने डीटीएच स्वयं मानव संसाधन विकास मंत्रालय पर अपलोड किए जाने वाले व्याख्यानों के लिए समीक्षक के रूप में काम किया है।

डॉ. सुनीता मॉडल को डीविजन के तहत परियोजनाओं के लिए समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था: किरण। कार्यक्रम या योजना: सत्यम 'विशेष कॉल'। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन डीएसटी।

डॉ. सुनीता मॉडल को पेपर सेटर, एमसीक्यू के योगदान और राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड द्वारा सत्यापन के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. सुनीता मॉडल ने एनीगिम्स, शिलांग (मेघालय) की एपीएस योजना के लिए संकाय संवर्धन के लिए उम्मीदवारों के लिए पीयर समीक्षक के रूप में काम किया।

स्नातकोत्तर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए पहला पुरस्कार डॉ. अंकिता लाहकर, फिजियोलॉजी, स्नातकोत्तर विद्यार्थी द्वारा बेसिक एंड एप्लाइड फिजियोलॉजी वी-आइकॉनबाप 2020 के छठे वार्षिक और प्रथम वर्चुअल इंटरनेशनल सम्मेलन के दौरान 5 अक्टूबर, 2020 को आयोजित किया गया।

पोस्टर प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार फिजियोलॉजी स्नातकोत्तर विद्यार्थी डॉ. मनवीर सिंह माथुर ने जीता। शीर्षक: "एडीएचडी रोगियों में संज्ञानात्मक स्थिति: एक घटना से संबंधित संभावित अध्ययन"। ऑटोर्स- माथुर एम, वंधु आर, स्वामी जी, कटारिया डी, मॉडल एस. 6-7 अक्टूबर 2020 को सिक्किम मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित वी-आइकॉनबीएपी के दौरान।

डॉ. मयंक अग्रवाल सीनियर रेजिडेंट ने आरूपाडी वेडू मेडिकल कॉलेज, पुडुचेरी में बीएमएस इंटरनेशनल ई-कॉन 2020, 17 से 19 सितंबर 2020 में युवा पुरुषों द्वारा मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम के तीव्र मुक्केबाज़ी के बाद ऊर्जा व्यय और वसा ऑक्सीकरण दर में दैनिक भिन्नता विषय के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार जीता है।

डॉ. अंकिता लाकड़ा (फिजियोलॉजी स्नातकोत्तर विद्यार्थी) शीर्षक द्वारा मौखिक प्रस्तुति: रुमेटी गठिया रोगियों में अनुभूति पर रोग गतिविधि का प्रभाव। लेखक: डॉ. अंकिता लाहकर, डॉ. सुनीता मॉडल, डॉ. मधुलिका मोंगा, घान एस पंगटेय। वी-आइकॉनबाप, 6 -7 अक्टूबर 2020 में प्रस्तुत किया गया।

डॉ. अनीता और डॉ. श्वेता ने दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण 'मेडिकल न्यायशास्त्र पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स' के साथ ई-ऐड पूरा कर लिया है। 10 सितंबर से 14 अक्टूबर 2020 तक।

फिजियोलॉजी विभाग ने ऑनलाइन "ऑल इंडिया ऑनलाइन फिजियोलॉजी फेस्टिवल, 7 से 10 दिसंबर 2020 तक" का आयोजन किया है। (आयोजन अध्यक्ष: डॉ. सुनीता मॉडल, आयोजन सचिव: डॉ. अनीता पवार और डॉ. मधुलिका मोंगा) भारत के विभिन्न भागों से मेडिकल कॉलेजों की पैंतीस टीमों ने भाग लिया है।

जज: एलएचएमसी: डॉ. डॉ. बबाब गुप्ता, अपर एमएस डॉ. अनिल गुरटू, वाइस प्रिंसिपल, डॉ. तन्मय तालुकदार, एचओडी टीबी एंड चेस्ट डिजीज।

अन्य कॉलेज: डॉ. एके जैन एनडीएमसी एंड हिंदू राव दिल्ली, एम्स एन दिल्ली के डॉ. केके दीपक, डॉ. हिमानी अहलूवालिया, वीएमएमसी नई दिल्ली, डॉ. मोना बेदी एमएमसी नई दिल्ली डॉ. मंजू सबबरवाल, नई दिल्ली।

फिजियोलॉजी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

फिजियोलॉजी विभाग का संबंध शिक्षण, शोध और प्रशासनिक कार्यों से है। एमबीबीएस, बीडीएस, बीपीओ, एमडी के छात्रों को पढ़ाया जाता है। विभाग संस्थान के इंटरनशिप कार्यक्रम का समन्वय करता है। संकाय और निवासियों ने नए विशेष वर्ड, एलएनएच में भर्ती कोविड रोगियों का प्रबंधन किया।

एक संकाय सदस्य एमएएमसी के अनुसंधान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष होते हैं।

एक और एमएएमसी की चिकित्सा शिक्षा इकाई के एक मानद सदस्य है।

प्रकाशन

बनर्जी ए., बेदी एम., वाष्णीय वी.पी. (2021) उच्च रक्तचाप वाले माता-पिता की संतानों में मानसिक और शारीरिक तनाव के प्रति हृदय प्रतिक्रियाशीलता। नेटल जे फिजियोल Pharm फॉर्माकोल, 11 (02): 134-137। (2020 में स्वीकार किए जाते हैं)।

जीवाल एस., जैन पी., जैन ए.के. (2020) अंतहीन धावक के युवा मोबाइल-गेमर्स में संज्ञानात्मक प्रदर्शन के व्यवहार और न्यूरो-इलेक्ट्रिकल संबंधित हैं और तीन शैलियों से मेल खाते हैं। किशोर चिकित्सा और स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 20190152:1-8।

मेहरोत्रा, आर. धूम्रपान रहित तंबाकू नियंत्रण को मजबूत करने की जरूरत क्यों है? कर्क नियंत्रण, 27 (1), 1073274820914659।

पुस्तकें/अध्याय/योगदान

लापेलुसा ए., कौशिक आर फिजियोलॉजी, प्रोटीन्स 2020 दिसंबर 5. में: स्टेटपील्स [इंटरनेट] खजाना द्वीप (FL): स्टेटपील्स प्रकाशन;. PMID: 32310450।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. रवि कौशिक

15 मई 2020 को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कोविड -19 सम्मेलन (ऑनलाइन) और 2.00 एएम पीआरए श्रेणी 1 क्रेडिट मिला।

बचपन की बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन पर 9 मार्च, 2021 को भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान के लिए आमंत्रित व्याख्यान दिया।

संकाय संख्या

उल्लिखित अवधि के दौरान कुल 11 संकाय सदस्य थे।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग पाठ्यक्रम समिति ने गूगल क्लासरूम के माध्यम से भेजे गए ऑनलाइन थ्योरी परीक्षा का आयोजन किया है। प्रैक्टिकल और भव्य चिरायु परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की गई।

यूजी/पीजी छात्रों के लिए आधुनिक सुविधाओं और व्यक्तिगत कार्यों के स्टेशनों के साथ हीमेटोलॉजी और एम्फीबियन लैब स्थापित किए गए हैं।

फिजियोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक ऑडियो विजुअल सुविधाओं के साथ नया डेमो रूम और कांफ्रेंस रूम शुरू किया गया है।

रिसर्च को बढ़ावा देने और पीजी और यूजी ट्रेनिंग को अपडेट करने के लिए फिजियोलॉजी विभाग ने तीन लैब स्थापित की हैं।

न्यूरोफिजियोलॉजी लैब

स्वायत्त समारोह लैब

व्यायाम फिजियोलॉजी लैब

न्यूरो और कार्डियो श्वसन शरीर विज्ञान में विभिन्न अग्रिम मापदंडों के इन प्रयोगशाला मूल्यांकन की स्थापना के साथ किया जा सकता है और यह इन क्षेत्रों में अनुसंधान और ज्ञान के सुधार को बढ़ावा देगा।

फिजियोलॉजी (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कार्डियो-पल्मोनरी पुनर्वास सेवाएं प्रदान करना: विश्वनाथन चैस्ट अस्पताल में कार्डियो-पल्मोनरी पुनर्वास क्लिनिक, वीपीसीआई पुराने श्वसन रोगियों के प्रबंधन में शामिल है, जिन्हें इष्टतम औषधीय उपचार पर होने के बावजूद सांस लेने में तकलीफ के कारण दैनिक जीवन (एडीएल) की गतिविधियों में अक्षम और अक्सर दैनिक जीवन की गतिविधियों में अक्षम है। पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम कार्यात्मक क्षमता को फिर से हासिल करने और इस प्रकार के रोगियों में विकलांगता को कम करने में मदद करता है।

कार्डियो-पल्मोनरी पुनर्वास क्लिनिक में भाग लिया रोगियों की संख्या:

श्वास पुनर्प्रशिक्षण और शिक्षा : 385

पूरा पर्यवेक्षित पुनर्वास कार्यक्रम : 42

अनुसंधान परियोजनाएं

युवा वयस्कों में अल्पावधि उप-अधिकतम व्यायाम के बाद संज्ञानात्मक प्रदर्शन (एलएसआरबी, डीआरडीओ से अतिरिक्त भित्ति वित्त पोषित परियोजना। स्वीकृत राशि 26,59,329 रुपये, तीन वर्ष की अवधि; 27 जून 2018 - 26 जून 2021)।

आयोजित सम्मेलन

पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन पर सर्टिफिकेट कोर्स, 8 - 9 दिसंबर 2019, वी. पी. चैस्ट इंस्टिट्यूट द्वारा स्व-समर्थित।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

राष्ट्रीय सम्मेलन:

10 वीं नेशनललेह संगोष्ठी में ' हाइपोक्सिया सहिष्णुता में सुधार के लिए हस्तक्षेप ' पर व्याख्यान दिया, ' हाइपोक्सिया के तहत नैदानिक और आणविक चित्रण '; सीएसआईआर-इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी मॉल रोड, दिल्ली-110007 द्वारा 15 नवंबर, 2019 को दिल्ली में आयोजित किया गया।

रक्षा फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, डीआरडीओ द्वारा आयोजित 'हाइपोक्सिया सहिष्णुता में सुधार के लिए हस्तक्षेप' शीर्षक से सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) में ' फिजियोफिजियोलॉजी ऑफ हाई एल्टीट्यूड डिजीज ' पर व्याख्यान दिया गया; 19 नवंबर, 2019 को दिल्ली में।

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम (सीएमई) में 'फेफड़ों के कार्य और स्वस्थ और रोगग्रस्त राज्यों में इसकी परिवर्तनशीलता' पर व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक है, "आयुर्वेद प्रकृति और जीनोमिक्स, सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली-110025 के लिए उत्कृष्टता केंद्र द्वारा 20-26 नवंबर, 2019 को दिल्ली में आयोजित "अय्यूर्गेनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन फॉर वेलनेस" का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

11वीं वार्षिक अकादमिक सत्र में 'विशेष स्थितियों और सर्जरी में श्वसन फिटनेस' पर व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक है, 'Respire-11'; 29-31 अक्टूबर, 2019 को कोलंबो, श्रीलंका में श्रीलंका कॉलेज ऑफ पल्मोलॉजिस्ट, कोलंबो, श्रीलंका द्वारा आयोजित।

व्याख्यान विषय: ' क्रोनिक फेफड़ों के रोगों में फेफड़े के पुनर्वास के लिए उपन्यास दृष्टिकोण ' श्रीलंका कॉलेज ऑफ पल्मोलॉजिस्ट, कोलंबो, श्रीलंका; 11वीं वार्षिक शैक्षणिक सत्र शीर्षक से, 'Respire-11'; 29- 31 अक्टूबर, 2019।

संकाय स्थायी/अस्थायी/तदर्थ की संख्या: एक, स्थायी

मनोरोग (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग ने अप्रैल 2020 में आयोजित परीक्षा के लिए एमडी (मनोरोग) छात्रों की 100% पासिंग रेट घोषित किया।

ओपिओइड उपचार सेवाएं फरवरी 2019 से ओपिओइड उपयोगकर्ता के लिए शुरू की गई हैं और महामारी और लॉकडाउन के दौरान सफलतापूर्वक चल रही हैं।

इग्नू के तहत काउंसलिंग एंड फैमिली थेरेपी और पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन काउंसलिंग एंड फैमिली थेरेपी कोर्स में एमएससी सफलतापूर्वक ऑनलाइन और बाद में हाइब्रिड मोड में चल रहा है महामारी के दौरान हमारे संकाय ने भारतीय मनोरोग सोसायटी पहल के हिस्से के रूप में रोगियों को मुफ्त ऑनलाइन परामर्श सेवाएं प्रदान की हैं। महामारी के समय रोगियों के लिए टेलीमेडिसिन (मनोरोग) सेवाएं शुरू की गई थीं।

इसके अलावा, हमने मरीजों को ई-संजीवनी पोर्टल पर ऑनलाइन परामर्श सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की विभाग ने दिल्ली के विभिन्न कोविड केयर सेंटरों में मरीजों को मनोवैज्ञानिक सहायता दी है विभाग ने कार्यस्थल और लिंग: मानसिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य विषय पर नवंबर 2020 में वार्षिक मध्यावधि सीएमई का आयोजन किया था।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रेरणा कुकरेती अब भारतीय मनोरोग सोसायटी की मुख्यालय समिति की सह-अध्यक्ष हैं।

प्रकाशन

कुमार, पी., कुकरेती, पी., माथुर, एच., कोहाट, के., और कटारिया, डी. (2020) फॉहर सिंड्रोम: मनोविकृति के रूप में पेश होने वाली एक विशिष्ट इकाई। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी, 3(1), 29-31.

रणसिंग, आर., कुकरेती, पी., देशपांडे, एस., गोडके, एस., नीलम, एन., रघुवीर, पी., ... और पद्मा, के. (2020) प्रसवकालीन अवसाद-भारत में सेवा प्रदाताओं और सेवा उपयोगकर्ताओं के बीच ज्ञान का अंतर। एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, 47, 101822.

रणसिंग, आर. पीएचक्यू-2 और पीएचक्यू-9 के साथ प्राथमिक देखभाल में प्रसवपूर्व अवसाद का आकलन: क्या इसे सहायक नर्स दाई (एएनएम) द्वारा किया जा सकता है? मनोरोग विज्ञान के एशियाई जर्नल, 53, 102109।

रणसिंग, आर., कुकरेती, पी., रघुवीर, पी., महादेवैया, एम., पुरी, एम., पेमडे, एच., ... और देशपांडे, एस.एन. (2021)। प्रसवकालीन अवसाद (BIND- P) के लिए एक संक्षिप्त मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप का विकास। एशिया-प्रशांत मनश्चिकित्सा, 13(1), e12436.

रघुवीर, पी., रणसिंग, आर., कुकरेती, पी., महादेवैया, एम., एल्बाहाई, डब्ल्यू.ए., अयंगर, एस., ... और देशपांडे, एस.एन. (2020)। गर्भावस्था में अवसाद के लिए नर्स द्वारा दिए गए एक संक्षिप्त मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की

प्रभावशीलता: भारत से एक बहुकेंद्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण के लिए अध्ययन प्रोटोकॉल। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन, 42(6_suppl), S23-S30.

गोयल, ए., रहमान, एस., और कटारिया, डी. (2020) डिफ्रीज़िंग द स्क्रीम ऑफ साइलेंस: डायग्नोस्टिक दूविधा ऑफ साइकोसिस इन डेफ म्यूट मरीज़-ए केस सीरीज़। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी, 3(1), 24-28.

शोएब, एस., नागेंद्रप्पा, एस., ग्रिगो, ओ., रहमान, एस., और रैसिंग, आर. (2020) भारत में कोविड -19 के प्रकोप से संबंधित आत्महत्याओं से जुड़े कारक। एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, 53, e102223-e102223.

नागेंद्रप्पा, एस., शोएब, एस., रहमान, एस., ग्रिगो, ओ., और रैसिंग, आर. (2020) कोविड-19 महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करने में पशु-सहायता प्राप्त उपचारों की भूमिका को पहचानना। एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, 53, 102390।

राउत, एन.बी., बानोकर, पी., और पिंटो, सी. (2020)। तृतीयक स्तर के रेलवे अस्पताल में अनधिकृत अनुपस्थिति के बाद संदर्भित कर्मचारियों के मानसिक मूल्यांकन का विश्लेषण। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी, 3(1), 1-6.

कालरा डी, गर्ग बी, वल्लमकोंडा ओएस। (2020) अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर वाले बच्चों में दुर्बलता के डोमेन और लक्षण गंभीरता के साथ उनका संबंध। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23(1), 42-47.

राणा एस., गोयल एम.के., वल्लमकोंडा, ओ. एस. आर., कटारिया डी.के. (2020) एमई पैरेंटिंग कार्यक्रम का प्रारंभिक मूल्यांकन। जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड किशोर मेंटल हेल्थ, 16 (2), 136-152।

कोहाट के., कटारिया डी., राणा एस., चौधरी एस. (2020) एक प्रकार का पागलपन और दूविधुवी भावात्मक विकार के रोगियों में अंतर्दृष्टि के साथ सामाजिक कामकाज और आंतरिक कलंक के संबंध का अध्ययन। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23 (1), 62-68।

स्वाती शर्मा, शिव प्रसाद, नीलेश्वर दास, दिनेश कटारिया, सज्जादुर रहमान (2020) बैरिएट्रिक सर्जरी के लिए नियोजित अवसाद, चिंता और आत्मसम्मान के रोगियों का स्तर: क्रॉस-सेक्शनल अन्वेषणात्मक अध्ययन। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 22 (2), 51-57।

शर्मा, एस. मिर्गी के मनोरोग पहलू। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी, 3 (3&4), 15-20।

जाखड़, जे, अंबरीन, एस, और प्रसाद, एस (2021) जीवन का अधिकार या उन्नत मनोभ्रंश में मरने का अधिकार: चिकित्सक की सहायता से मर रहा है। मनोरोग, 11, 1604 में फ्रंटियर्स।

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित

जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी (ई-आईएसएसएन: 2581-5822)।

विभाग के शिक्षकों संपादकीय बोर्ड में सेवारत

प्रो (डॉ.) दिनेश कटारिया: राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी

डॉ. ओम साई रमेश पंचम: संयुक्त संपादक, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी

डॉ. प्रेरणा कुक्रेती: संयुक्त संपादक, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइकोलॉजी एंड साइकोथेरेपी

अनुसंधान परियोजनाएं

फंडिंग एजेंसी	वर्ष/अवधि	शीर्षक	राशि स्वीकृत
इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च	2018-2021	गर्भावस्था में अवसाद के लिए संक्षिप्त नर्सिंग हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक बहु केंद्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	35 लाख
सत्यम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	2021-2022	गर्भावस्था की प्रभावशीलता :कोविड महामारी के दौरान गर्भावस्था में तनाव, चिंता और अवसाद पर टेलीयोग मॉड्यूल :बहुकेंद्रित परीक्षण	2.4 लाख
गैर-वित्त पोषित	2020-2021	कोविड महामारी के दौरान योग और ध्यान के साथ मानसिक भलाई के सहयोग का पता लगाने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2021	भारत में प्रसव पूर्व क्लिनिकों में भाग लेने वाली गर्भवती महिलाओं में सामान्यीकृत और कोविड - 19 विशिष्ट चिंता का आकलन करने वाला एक बहु-केंद्रित, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2021	स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों पर कोविड19- महामारी का मनोसामाजिक प्रभाव	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2018-2020	मेटाबोलिक सिंड्रोम, नींद की गुणवत्ता और एक प्रकार का पागलपन वाले व्यक्तियों में फेफड़ों के कार्यों पर एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2018-2020	ध्यान घाटे अतिसक्रियता विकार के साथ बच्चों के भाई बहन में व्यवहार समस्याओं और लचीलापन का एक अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2018-2020	प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले महिलाओं में यौन रोग का अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2019-2022	जुनूनी-बाध्यकारी विकार के रोगियों में लक्षण आयामों में नुकसान परिहार और अपूर्णता का अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2019-2022	मनोरोग रुग्णता और रुग्ण मोटापे के रोगियों में आत्मसम्मान के स्तर का एक अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2019-2022	अवसाद के साथ वयस्कों में भावनात्मक बुद्धि और लचीलापन का अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2019-2022	शराब निर्भरता सिंड्रोम के साथ रोगियों के प्राथमिक देखभाल करने वालों में सह निर्भरता और लचीलापन का एक अध्ययन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2019-2022	वयस्क आबादी में एकल और कई स्वयं को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों के बीच न्यूरोकोग्निशन का तुलनात्मक अध्ययन।	लागू नहीं

गैर-वित्त पोषित	2020-2023	कथित माता पिता की शैली, बदमाशी, असंबद्ध विकार के साथ किशोरों में व्यवहार मुकाबला।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2023	जुनूनी बाध्यकारी विकार के साथ रोगियों में असंबद्ध अनुभवों और कोविड -19 के डर।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2023	भारतीय महिलाओं में उपयोग के लिए हिंदी भाषा में अल्ट्रा-ब्रीफ पेरिपार्टम मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग उपकरण का अनुवाद और सत्यापन।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2023	बाइपोलर डिसऑर्डर और मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर के मरीजों में आयरन प्रोफाइल।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2023	शुरुआत की उम्र, सनसनी की मांग, आवेगशीलता और ओपिओड उपयोग विकार में चरणों में संक्रमण।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2023	वैवाहिक संतुष्टि का आकलन, यौन प्रथाओं के बारे में ज्ञान और शराब का उपयोग विकार के साथ वयस्क पुरुषों में यौन रोग।	लागू नहीं
गैर-वित्त पोषित	2020-2023	अवसादग्रस्तता विकार में विटामिन डी, मैग्नीशियम और कैल्शियम का स्तर।	लागू नहीं

आयोजित सम्मेलन

सम्मेलन का शीर्षक	दिनांक	फंडिंग एजेंसी
"कार्यस्थल और लिंग :मानसिक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य "विषय पर आईपीएस-उत्तर क्षेत्र के वार्षिक मध्यावधि सीएमई	29 नवंबर 2020	भारतीय मनोरोग सोसायटी :उत्तर क्षेत्र

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अध्यक्ष/पदनाम	विषय	द्वारा आयोजित	सम्मेलन/तिथियों का विषय
डॉ. प्रेरणा कुकरेती एसोसिएट प्रोफेसर	वक्ता विषय : उदास मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पहल	मेडिकस्ट एलएचएमसी	ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पहल, मेडिकवेस्ट एलएचएमसी, 21 जुलाई 2020
डॉ. सुमित राणा एसोसिएट प्रोफेसर	वक्ता विषय :कोविड19 संबंधित मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों	नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन, हरियाणा	कोविड-19 संबंधित मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों "12 अप्रैल को ' 2020

डॉ. सुमित राणा एसोसिएट प्रोफेसर	वक्ता विषय :महामारी, हिंसा और बाल दुर्व्यवहार की भावना बनाना :मध्यस्थ के रूप में मस्तिष्क	मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली	"तनाव, हिंसा और दुरुपयोग : महामारी के परिणाम "2 जुलाई 2020को
डॉ. प्रेरणा कुकरेती, एसोसिएट प्रोफेसर	'मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर माताओं के लिए स्क्रीनिंग' पर कार्यशाला सत्र में वक्ता	सैम प्रबंधन के लिए उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केंद्र	गंभीर कुपोषण वाले 6 महीने से कम के शिशु का प्रबंधन ' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिल्ली, 24 दिसंबर 2020

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

विभाग दिल्ली के कल्याणपुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रत्येक शनिवार को ओपीडी आयोजित कर सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा में शामिल होता है।

2015 से विभाग कनॉट प्लेस स्थित वंगला साहिब गुरुद्वारे के पास दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के सहयोग से ओपिओइड प्रतिस्थापन थेरेपी सेंटर चला रहा है।

संकाय संख्या

प्रोफेसर: 3

एसोसिएट प्रोफेसर: 3

विशेषज्ञ: 2

मनोरोग (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पहले विभाग आभासी मंच पर हमारे कॉलेज के स्नातक चिकित्सा छात्रों के शिक्षण शुरू करने के लिए (वेबिनार के लिए जाओ)।

लॉकडाउन की अवधि के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों के लिए टेली-परामर्श सेवाएं और डीयू मानसिक स्वास्थ्य टीम के साथ जारी है। इस कार्य को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति ने सराहा और डीयू के ट्विटर हैंडल पर पेश किया। <https://twitter.com/UnivofDelhi/status/1352601179885166592?s=20>

कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सा, नर्सिंग छात्रों के लिए नियमित रूप से परामर्श सत्र में लगे हुए हैं और लॉकडाउन सहित महामारी भर में हस्तक्षेप प्रदान की है। शिक्षण परामर्श कौशल, इंटर्न और स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों को संचार कौशल में शामिल। साथ ही स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने पर वीडियो के माध्यम से परामर्श में शामिल।

प्रशिक्षण चिकित्सा स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ, छात्रों, संकाय, ज्ञान, दृष्टिकोण पर जागरूकता फैलाने में जनता में शामिल है, और कोविड-19 महामारी के दौरान कोविड उचित व्यवहार के साथ प्रथाओं और कोविड-19 महामारी के दौरान मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने में।

सम्मान/गौरव

श्रुति श्रीवास्तव को एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा दिया गया कोविड योद्धा प्रशंसा पुरस्कार।

प्रकाशन

भाटिया एन.के., भाटिया एम.एस. (2020) पिका का एक ठेठ मामला एसएसआरआई को जवाब दिया। यूरोपियन जर्नल ऑफ फॉर्मस्यूटिकल एंड मेडिकल रिसर्च, 7 (5), 551-553।

भाटिया, एमएस, गोयल, एस. कोविड-19 महामारी प्रेरित आतंक विकार। सीएनएस विकारों के लिए प्राथमिक देखभाल साथी, 22 (3), 20102626। डोई: 10.4088/पीसीसी. 20102626।

भाटिया, एम.एस., गोयल, एस. डॉ. भाटिया और सहयोगियों का जवाब। सीएनएस विकारों के लिए प्राथमिक देखभाल साथी, 22 (6), 201r02805a। डोई: 104088/पीसीसी. 201r02805a।

भाटिया, एम.एस., श्रीवास्तव, एस., मून्ड, वी. (2020) भारत में समुदाय आधारित बुजुर्ग आबादी में संज्ञानात्मक शिथिलता, मनोवैज्ञानिक रुग्णता और दुर्यवहार की व्यापकता। जनरल मनोरोग, 16,33 (5), e100207। डोई: 10.1136/gpsych-(2020)-100207। पीएमआईडी: 32875272; पीएमसीआईडी: PMC7430319।

दत्त, आर., शंकर, एन., श्रीवास्तव, एस. सामान्यीकृत चिंता विकार के नए निदान रोगियों में कार्डियक स्वायत्त टोन, प्लाज्मा बीडीएनएफ का स्तर और पैराऑक्सेटिन प्रतिक्रिया। नैदानिक अभ्यास में मनोरोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 24 (2), 135-142। डोई: 10.1080/13651501। (2020).1723642. Epub (2020) फ़रवरी 5। PMID: 32022607।

कालरा, एन., सबेरवाल, पी., त्यागी, आर., खत्री, ए. 8 से 12 वर्ष के बच्चों में निष्कर्षण प्रक्रियाओं से पहले अग्रिम चिंता के व्यक्तिपरक और वस्तुनिष्ठ उपायों के बीच संबंध। जर्नल ऑफ डेंटल एनेस्थीसिया एंड दर्द मेडिसिन, 21 (2), 97-00 (स्वीकार किए जाते हैं)।

कुमार, पी., मल्होत्रा, एस., कौर, एन., दुग्गल, एन., भाटिया, एमएस (2020) कोविड-19 महामारी और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों। फॉर्मस्यूटिकल एंड मेडिकल रिसर्च, 7 (5), 717-722 के यूरोपीय जर्नल।

सबेरवाल, पी., कालरा, एन. त्यागी, आर, खत्री, ए. श्रीवास्तव, एस (2021) सम्मोहन और 8-12 वर्ष के बच्चों में निष्कर्षण प्रक्रिया के दौरान anxiolysis और दर्द नियंत्रण के लिए प्रगतिशील मांसपेशियों में छूट: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। बाल दंत चिकित्सा, 29, 1-10 के यूरोपीय अभिलेखागार।

सिंह, ए. अरिपिप्राजोल ने त्वचा के विस्फोट को प्रेरित किया। वर्ल्ड जर्नल ऑफ फॉर्मसी एंड फॉर्मस्यूटिकल साइंसेज, 9 (4), 1412-1415।

श्रीवास्तव, एस. लौकिक पालि मिर्गी के एक मामले में Manic प्रकरण गलत निदान। सीएनएस विकारों के लिए प्राथमिक देखभाल साथी, 23 (1)। पीएमआईडी: 33389844 डीओआई: 104088/पीसीसी।

तफसीर, एस. बुप्रोपियन मोनोथेरेपी प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के रोगियों में न्यूरोट्रोफिक और भड़काऊ मार्कर को बदल देती है। फॉर्मकोलॉजी बायोकेमिस्ट्री एंड बिहेवियर, 200, 173073। डोई: 10.1016/j.pbb. (2020).173073.

अली, एम.एस., गौतम, पी., भाटिया, एम.एस. (2020) कोविड महामारी के दौरान बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य: चुनौतियों को स्पष्ट करना और पैरेंटिंग की भूमिका पर जोर देना। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23, 441-446।

भाटिया, एम.एस. (2020) प्रसवोत्तर अवसाद के मातृ जोखिम कारक। स्नातकोत्तर चिकित्सा के जर्नल, 66 (1), 7-8। डोई: 10.4103/जेपीजीएम। JPGM_350_19.

भाटिया, एन.के., भाटिया, एन.के., भाटिया, एम.एस. (2020)। भ्रम मौखिक परजीवी के रूप में सिसोफ्रेनिया की प्रस्तुति। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23, 244-245.

भाटिया, एम.एस., गोयल, ए. (2020) मानसिक कल्याण और कोविड-19: क्या हम तैयार हैं? (संपादकीय)। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23, 5-6.

भाटिया, एम.एस., गोयल, ए. (2020) कोविड-19 में स्वास्थ्य रखवाले के मानसिक स्वास्थ्य-अधिनियम अब! (संपादकीय)। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23, 267-268.

भसीन, एस., इशिता, यू., भाटिया, एम.एस. (2020) मनोवैज्ञानिक लेंस के माध्यम से आत्महत्या नोटों की जांच। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23, 473-480.

गोयल, एस., भाटिया, एम.एस. फ्लूवोएक्सामाइन: कोविड-19 के शुरुआती उपचार में इसकी भूमिका दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 471-472

गोयल, ए., भाटिया, एम.एस. (2020) लिंग और मानसिक स्वास्थ्य संयोजन सिद्धांत और व्यवहार (पुस्तक समीक्षा)। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 509-510

गोयल, एस., डराल, ए. सिंह, ए., चौहान, पी., भाटिया, एम.एस. (2020) दिल्ली में दंगा पीड़ितों में मनोरोग की जांच का एक क्रॉसक्शनल अध्ययन। दिल्ली मनोरोग जर्नल, 23, 152-154।

गुप्ता, एस. गुप्ता, आर. भाटिया, एम.एस. (2020) ब्रेक्सानोलोन: प्रसवोत्तर अवसाद के लिए एक नई दवा। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 227-231

गुप्ता, एस. गुप्ता, आर. भाटिया, एम.एस. (2020) लेम्बोरेक्सैट: अनिद्रा विकार के लिए एक उपन्यास दोहरी ऑरेक्सिन रिसेप्टर विरोधी। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 464-470।

कौर, जे., मसौन, एम., गुप्ता, एम., भाटिया, एम.एस. प्रतिकूल मनोभौतिक पहलू और व्यायाम व्यसन विकार का उपचार। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 436-440।

कौर, एन., राज, ए., मल्होत्रा, एस., दुग्गल, एन., भाटिया, एम.एस. (2020) बोर्ना रोग वायरस (बीडीवी): न्यूरोसाइक्लिएट्रिक सीक्वेल के साथ एक और जूनोटिक बीमारी दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 201-204।

कौर, जे., शर्मा, एस., भाटिया, एम.एस. (2020) शारीरिक चोटों के लिए मनोभौतिक दृष्टिकोण। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 205-212।

कुमार, पी., कुमारी, आर., मल्होत्रा, एस., कौर, एन., मदन, पी., दुग्गल, एन., भाटिया, एम.एस. (2020) रेगुलेटिंग गट माइक्रोबायोटा: ए कंट्रोल फॉर एंगजायटी लक्षण। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 431-435.

सिंह, ए., गोयल, एस., दाराल, ए., भाटिया, एम.एस. लुमापेट्रोन: एक नया एंटीसाइकोटिक दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 232-234।

श्रीवास्तव, एस., भाटिया, एम.एस., दाराल, ए., गोयल, एस., सिंह, ए., चौहान, पी. (2020) मनोचिकित्सा की प्रासंगिकता के साथ टेलीमेडिसिन - कोविड महामारी के दौरान एक नया प्रतिमान। दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल, 23, 7-11।

लिखित पुस्तकें

भाटिया एम.एस. (2020) संयुक्त चिकित्सा सेवा प्रवेश परीक्षा दिल्ली: सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

सिंघल, पी.के., भाटिया, एम.एस. (2020) बच्चों में व्यवहार की समस्याएं दिल्ली: सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

लिखित अध्याय

भाटिया एम.एस. (2020) सोमाटोफॉर्म विकार। सिंह, पी.के., सिंह, ओ.पी., कुमार, वी. (एड्स) में। स्नातक के लिए मनोरोग की आईपीएस पाठ्यपुस्तक। दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

भाटिया एम.एस., गोयल ए. (2020) मानसिक स्वास्थ्य में लिंग भूमिकाएँ: एक कलंकित परिप्रेक्ष्य में।

मीनू आनंद (एड)। लिंग और मानसिक स्वास्थ्य (पृष्ठ 47-62)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड।

भाटिया, एम.एस., गुप्ता आर. (2020) गैर-मिरगी के दौरों - मनोसामाजिक कारक और रोगियों के दृष्टिकोण। मार्क्स रेडबर्, स्टीवन स्कैचर और ग्रेग रॉलिंग्स (एड्स) में हमारे अनुभव में गैर-मिरगी के दौरों: स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के खाते (द ब्रेनस्टॉर्म सीरीज़)। यूएसए: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस.

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित-दिल्ली मनश्चिकित्सा जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में कार्यरत शिक्षकों की संख्या: 4

आयोजित संगोष्ठियां

कुल संख्या: 2

श्रुति श्रीवास्तव प्रोफेसर यूसीएमएस ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास

कोविड उपयुक्त व्यवहार के साथ

कोविड-19 महामारी के दौरान (वर्ष भर)

श्रुति श्रीवास्तव प्रोफेसर

एम.एस.भाटिया निदेशक प्रोफेसर यूसीएमएस परामर्श रोगियों / जनता in

प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना

कोविड-19 महामारी के दौरान (वर्ष भर)

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

द्वारा आयोजित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वेबिनार/सेमिनार/ऑनलाइन सम्मेलनों में एक विशेषज्ञ/प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया

राष्ट्रीय:

इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (आईपीएस)

आईपीएस (नॉर्थ जोन)

इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल मनोरोग (आईएसपी)

इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट मनोरोग (आईपी)

इंडियन एसोसिएशन ऑफ बायोलॉजिकल मनोरोग (आईबीपीपी)

बणई (भारत)

दिल्ली एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट प्रैक्टिशनर्स (डीएपीपी)

दिल्ली मनोरोग सोसायटी

अन्तर्राष्ट्रीय:

बीएमसी (अनुभाग संपादकों के लिए)

जॉनसन एंड जॉनसन (सिजोफ्रेनिया में एलएआईएस की भूमिका पर)

संकाय संख्या : 4

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एम.एस. भाटिया और श्रुति श्रीवास्तव दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों और कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य परामर्श के लिए बनाई गई टेली काउंसलिंग टीम के विशेषज्ञ सदस्य हैं।

एमएस। भाटिया और श्रुति श्रीवास्तव ने विभिन्न विश्वविद्यालयों में चयन समितियों, परीक्षाओं में भाग लिया और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में भी काम किया।

प्रत्येक शुक्रवार को बहु निःशक्तता बोर्ड में निःशक्तता प्रमाण शोध उपलब्ध कराएं।

मनोरोग (जिपमर)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

नैदानिक सक्रियण- इनडोर और आउटडोर रोगी देखभाल सेवाएं

एमएमसी से संबद्ध सभी अस्पतालों से चौबीसों घंटे आपातकालीन रेफरल सेवाएं

एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों की काउंसलिंग

कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए ऑनलाइन परामर्श

पीजी शिक्षण- वार्षिक प्रवेश तीन

प्रकाशन

दुग्गल, एस., आहूजा, बी., बिस्वास, पी.एस., और चौधरी, ए.एच. (2020) कोविड-19 महामारी के मद्देनजर वायुमार्ग सुरक्षा उपायों के बारे में चिकित्सकों की प्रशंसा और ज्ञान का एक सर्वेक्षण। जर्नल ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी, क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 36 (3), 350.

होम चौधरी ए, दुग्गल एस, आहूजा बी, बिस्वास पीएस। (2021) कोविड-19 के उपचार में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 39 (2): 159-170.

बिस्वास पीएस, सेन डी, होमचौधरी ए, मक्कड़ डी, कपूर एम, गोयल ए एसोसिएशन ऑफ डेमोग्राफिक, क्लिनिकल, लेबोरेटरी, और रेडियोलॉजिकल विशेषताओं के साथ कोविड-19 रोगियों के परिणाम: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड इन्फेक्शियस डिजीज, 10(3):121-135.

बिस्वास पीएस, राम डी, मुंडा एस. (2021) एपिसोडिक कॉग्निटिव और साइकोसेंसरी फेनोमेना के साथ अवसादग्रस्त मरीजों में क्यूईजी उपाय और अवसाद की नैदानिक विशेषताओं के साथ इसका संबंध। मनश्चिकित्सा के पूर्वी एशियाई अभिलेखागार, 31,43-48।

अनुसंधान परियोजनाएं (चल रही) इनमें से कोई भी परियोजना किसी भी एजेंसी द्वारा प्रायोजित या वित्तीय रूप से समर्थित नहीं है।

'कोविड-19 वार्ड में भर्ती इन-हॉस्पिटल देखभाल और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को देने वाले रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों पर कोविड-19 संक्रमण के मनोवैज्ञानिक प्रभाव का एक अध्ययन' (जी एंड ओ विभाग, एमएमसी के सहयोग से)

'भारत में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों पर कोविड-19 महामारी के मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव का एक तुलनात्मक अध्ययन'

'प्रसवोत्तर माताओं पर कोविड-19 महामारी का मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव और पहले 6 सप्ताह में उनकी शिशु देखभाल देने की क्षमता' - (जी एंड ओ विभाग, एमएमसी के सहयोग से)

'कोविड-19 संक्रमण में पारंपरिक उपचार के साथ दीक्षांत प्लाज्मा थेरेपी की तुलना- एक मेटा-विश्लेषण' - (संज्ञाहरण विभाग, जिपमर के सहयोग से)

'डॉक्टरों में बर्नआउट का स्वास्थ्य प्रभाव'- (हृदय रोग विभाग, GIPMER के सहयोग से)

'कोविड -19 निमोनिया की तीव्र जटिलताओं की व्यापकता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण'

'नैदानिक प्रोफाइल पर संशोधित इलेक्ट्रो-कंवल्सिव (एमईसीटी) उपचार के प्रभाव का अध्ययन और एक तृतीयक देखभाल सामान्य अस्पताल मनोचिकित्सा इकाई में मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के परिणाम'

'मरीजों में पुरुष और महिला मनोरोग में साइकोट्रोपिक के उपयोग का एक अध्ययन' (एमबीबीएस विद्यार्थी द्वारा परियोजना)

आयोजित संगोष्ठियां

पीजी के लिए 30 विभागीय सेमिनार

संकाय संख्या : 6

शारीरिक शिक्षा (यूसीएमएस)

प्रमुख उपलब्धियां

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज का पिछले कई सालों से खेलों में गौरवशाली इतिहास रहा है। विद्यार्थी वर्ष भर में विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेते रहे हैं और पूरे शैक्षणिक वर्ष में फुटबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस के लिए नियमित रूप से मैच और कई अन्य खेलों का आयोजन किया जा रहा है। छात्रों को खेल गतिविधियों में बहुत उत्साह से लिप्त है तो कोचिंग सत्र वॉलीबॉल, फुटबॉल के लिए आयोजित किया गया, और बास्केटबॉल राष्ट्रीय स्तर के कोचों द्वारा वहां उनयन क्षमताओं खेल। कॉलेज में खेलों के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचा राष्ट्रीय स्तर का है क्योंकि कॉलेज में बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, फुटबॉल ग्राउंड, क्रिकेट ग्राउंड और एक जिम के साथ 2 एकड़ का मुख्य खेल का मैदान है। इसके अलावा कॉलेज में खेल के बुनियादी ढांचे के उत्थान के लिए दो सिंथेटिक टेनिस कोर्ट और इंडोर स्टेडियम में स्क्वैश और बैडमिंटन सुविधाएं होने की योजना बनाई जा रही है और जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। सहविद के कारण -19 इस वर्ष कोई उत्सव आयोजित नहीं किया गया साथ ही खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

लेकिन, छात्रों को सोशल डिस्टेंसिंग के कारण बनाए रखने के लिए आपस में खेलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। लॉकडाउन के दौरान सभी छात्रों को शारीरिक शिक्षा और खेल कक्षाएं उपलब्ध कराई जा रही थीं।

संकाय संख्या

डॉ. आर चक्रवर्ती, असिस्टेंट प्रोफेसर

शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पीएमआर विभाग को गैर पीजी जेआर को जेआर (एकेडेमिक्स) में बदलने की अनुमति मिली, जो डीटीई से प्रति वर्ष 01 है। 2019 में फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन में एमडी कोर्स शुरू करने की अनुमति शोध के आधार पर शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से जीएचएस।

प्रकाशन

मजूमदार आर., जैन एस. (2020) विकलांग और बिना विकलांग बच्चों की देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता की तुलना। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 14(3): 01-04.

यादव एस, चांद एस, मजूमदार आर, सूद ए (2020) सेरेब्रल पाल्सी में ऊपरी अंगों के लोच और कार्यात्मक परिणाम में बोटुलिनम टॉक्सिन टाइप-ए का प्रभाव। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा, 11(2): 208-212।

अनुसंधान परियोजनाएं (गैर वित्त पोषित)

डॉ. रितु मजूमदार (सह अन्वेषक)	टेलीपार्क: भारत में पार्किंसंस रोग वाले व्यक्तियों में टेली-
डॉ. सोनल चौहान (सह अन्वेषक)	न्यूरोरेहैबिलिटेशन बनाम इन-पर्सन रिहैबिलिटेशन: एक यादृच्छिक

	परीक्षण
डॉ. रितु मजूमदार (प्राथमिक अन्वेषक) डॉ. शिखा बी भारद्वाज (सह अन्वेषक)	कोविड का प्रभाव - ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के संवेदी मुद्दों पर 19 महामारी

आयोजित संगोष्ठियां

क्र.स.	आयोजित संगोष्ठियां	आयोजक	संकाय सदस्य	दिनांक
	'फुफ्फुसीय पुनर्वास' पर वेबिनार	पीएमआर विभाग, एलएचएमसी	डॉ. रितु मजूमदार डॉ. वी.के. गुप्ता डॉ. मिनाती आचार्या डॉ. सोनल चौहान डॉ. शिखा बी भारद्वाज डॉ. रवि कुमार प्रेनजा	20 जून 2020
	'इंटरनेशनल डे ऑफ पीपल विद डिसएबिलिटी' विषय पर वेबिनार "सभी विकलांग नहीं दिखाई दे रहे हैं"। 'विकलांगता शिष्टाचार' पर बात करें न्यूरोलॉजी, बाल रोग और मनोरोग से अतिथि संकाय के साथ उपरोक्त विषय पर पैनल चर्चा विषय शामिल :आत्मकेंद्रित, ' ऑटिज्म में हस्तक्षेप ' पार्किंसंस रोग ' पार्किंसंस में पुनर्वास ' और मानसिक बीमारी	पीएमआर, एलएचएमसी और संबद्ध अस्पतालों में विभाग	डॉ. रितु मजूमदार डॉ. वी.के. गुप्ता डॉ. मिनाती आचार्या डॉ. शिखा बी भारद्वाज डॉ. रवि कुमार प्रेनजा	3 दिसंबर 2020

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय)

संकाय सदस्य	प्रस्तुति	आयोजक	सम्मेलन का नाम	स्थान और तिथि
डॉ. रितु मजूमदार, प्रो व प्रमुख	'स्ट्रोक :सामाजिक हस्तक्षेप और विकलांगता लाभ' विषय पर अतिथि संकाय के रूप में एक भाषण दिया	इंडियन फेडरेशन ऑफ न्यूरोरिहैबिलिटेशन (आईएफएनआर)	"ऑनलाइन स्ट्रोक पुनर्वसन पाठ्यक्रम"	23.09.2020
डॉ. रितु मजूमदार, प्रो व प्रमुख	विकासात्मक विकारों में प्रारंभिक हस्तक्षेप विषय पर अतिथि संकाय के रूप में एक भाषण दिया	बिहार एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन एंड एम्स, पटना	आईएपीएमआर मिड टर्म सीएमई 2020	ऑनलाइन 31.10.2020 - 01.11.2020

संकाय संख्या : 04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कोविड-19 महामारी के दौरान बुढ़ापे के रोगियों और विकलांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए, पुनर्वास के विभिन्न विषयों को कवर प्रस्तुतियों को घर आधारित पुनर्वास के लिए एलएचएमसी की आधिकारिक वेबसाइट के सार्वजनिक मंच पर अपलोड किया गया था।

टेली मेडिसिन सेवाएं: विभाग के संकाय और वरिष्ठ निवासियों ने कोविड-19 महामारी को देखते हुए रोगियों के लाभ के लिए एलएचएमसी में टेली-मेडिसिन सेवाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पीएमआर विभाग से नैदानिक मनोवैज्ञानिक को अप्रैल 2020 से मनोवैज्ञानिक परामर्श और ऑनलाइन परामर्श केंद्र में तैनात किया गया था ताकि कोविड-19 प्रकोप के दौरान और बाद में सभी नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन किया जा सके।

पल्मोनरी मेडिसिन (एमएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

पल्मोनरी मेडिसिन विभाग सुपर स्पेशियलिटी विभाग है। विभाग ने वार्डों और आईसीयू में कोविड-19 रोगियों की अत्यंत देखभाल और प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और कोविड-19 महामारी की पहली और दूसरी लहर में सबसे आगे रहा है। विभाग के पास प्रसिद्ध वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या है। विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार राष्ट्रीय स्तर पर कई पत्रिकाओं में संपादक हैं। संकाय सदस्यों ने स्नातक छात्रों, इंटरन और स्नातकोत्तर छात्रों और नर्सिंग छात्रों के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। स्नातकोत्तर छात्रों के थीसिस कार्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विभाग विभिन्न श्वसन रोगों का निदान और उपचार प्रदान करने और धमनी रक्त गैस विश्लेषण, फेफड़े के समारोह परीक्षण और ब्रोंकोस्कोपी जैसी प्रक्रियाओं को निष्पादित करने में शामिल है।

प्रकाशन

डागा, एम.के., कुमार, एल., मावरी, जी., कुमार, एन. सिंह, एस. एंड मिश्रा, टी.के. (2020) एडेनोमेपुलिन और सेप्सिस के साथ महिला रोगियों में बेहतर अस्तित्व में इसकी संभावित भूमिका: दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में एक अध्ययन। भारतीय जे क्रिट केयर मेड, 24 (12), 1180-1184.

डागा, एम.के., कुमार, एन. रघु, आरवी, मावरी, जी. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में ऑस्टियोपोरोसिस: सिर्फ एक कोमोर्बिडिटी से ज्यादा। जे एडवरटाइज रेस मेड, 7 (3), 7-12.

डागा, एमके, कुमार, एन. सीओपीडी में प्रोथ्रोम्बोटिक मार्कर का अध्ययन। जे एडवरटाइज रेस मेड, 7 (4), 1-6.

डागा, एमके, मावरी, जी, कुमार, एल एंड कुमार, एन (2020) एडेनोमेदुलिन और सेप्सिस के साथ महिला रोगियों में बेहतर अस्तित्व में इसकी संभावित भूमिका: दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में एक अध्ययन। Am जे रिस्पर क्रिट केयर मेड 201: A1630। (सार)

डागा, एम.के., मवारी, जी., सिंह, एस., वालाड, एस., खुबियाल, एस., भराती, डी., कुमार, एन. और हीरा, एच.एस. (2020)। सीओपीडी के रोगियों में सीएटी, सीसीक्यू और एमएमआरसी स्कोर का सहसंबंध और उपचार के बाद। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 14(9), OC01-OC04

सचदेवा, के., डागा, एम.के., मवारी, जी., करी, वी.के., कुमार, एन. और गर्ग, एस. (2020) कोविड-19 के लिए प्रबंधन और चिकित्सीय विकल्प: एक समीक्षा। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 14(11), OE01-OE08।

कुमार, एन., कुमार, एस., वर्धन, एच., लखटकिया। एल., डागा, एम.के. (2020)। SARS-CoV-2 के हृदय संबंधी अभिव्यक्तियाँ: एक समीक्षा। जे एड रेस मेड., 7(2), 1-10

शर्मा, आर., डागा, एम.के., मवारी, जी., करी, वी.के., कुमार, एन., झा, एम.के. और कुमार, एस। (2020)। कोविड-19 की नैदानिक प्रस्तुति के वैश्विक रुझान। इंडियन जे मेड स्पेक, 11, 59-64।

सिंह, एस., डागा, एम.के., मवारी, जी., कुमार, वी., और कुमार, एन. (2020)। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कोविड-19 मामलों की नैदानिक प्रोफाइल: एक केस सीरीज़। जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च, 14(8), OR01-OR04।

जर्नल

डॉ. नरेश कुमार:

जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिसिन (JoARM) के प्रबंध संपादक।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव, क्यूरेटिव और कम्युनिटी मेडिसिन में संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

संकाय संख्या -03

पल्मोनरी मेडिसिन (वीपीसीआई)

प्रमुख गतिविधियां/उपलब्धियां

संस्थान ने अपनी 'शिक्षा', 'अनुसंधान' और 'रोगी देखभाल' गतिविधियों को जारी रखा।

संस्थान में आयुष, डीएचआर, सीसीआरयूएम, डीएसटी, भाजपा, आईसीएमआर, एनआईएफ द्वारा 1500 करोड़ रुपये की विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा 13 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं।

कोविड महामारी की स्थिति के बावजूद, वीपीसीआई सामान्य रूप से कार्य करना जारी रखा। स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा गियर साबित करने, आगंतुक और रोगी प्रवाह का प्रबंधन, स्क्रीनिंग सुविधाओं का निर्माण, आइसोलेशन वार्ड और आइसोलेशन इमरजेंसी, प्रशिक्षण आयोजित करने आदि जैसे कई अपेक्षित उपाय।

सितंबर 2020 में टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू की।

पोस्ट-कोविड रोगियों के लिए घर आधारित पल्मोनरी पुनर्वास जून 2021 में शुरू हुआ था।

वीपीसीआई ने पोस्ट-कोविड रेस्पिरटरी मैनेजमेंट सेंटर भी शुरू किया है जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने किया था।

वीपीसीआई आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेवाई) के तहत एक पैनल वाला अस्पताल है

2020-21 के दौरान हमारी ओपीडी में परामर्श के लिए 8500 से अधिक नए मरीज पंजीकृत हुए और 17100 से अधिक पुराने मरीज ओपीडी में अनुवर्ती कार्रवाई के लिए आए। इंडोर जनरल वार्ड में 800 से अधिक मरीज भर्ती और इमरजेंसी वार्ड में भर्ती और 4,500 से अधिक मरीजों को इलाज मुहैया कराया। आरटीआइ में 132 मरीजों को सघन देखभाल के लिए भर्ती कराया गया।

इस अवधि के दौरान, राष्ट्रीय तंबाकू छोड़ो लाइन सेवा (एनटीक्यूएलएस) (टोल-फ्री नंबर 1800-11-2356) ने 27% की सफलता दर के साथ इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स (आईवीआर) पर 11.05 लाख से अधिक कॉल किए।

वीपीसीआई के पराग गणना स्टेशन पर इस अवधि के दौरान कुल 726 स्लाइड्स पर चढ़कर विश्लेषण किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., मुखर्जी, ए., कुमार, जी., चटर्जी, पी., भटनागर, टी., और मल्होत्रा, पी. (2020) भारत में वयस्कों में मध्यम कोविड-19 के प्रबंधन में Convalescent प्लाज्मा: ओपन लेबल चरण द्वितीय बहुसेंटर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (PLACID परीक्षण)। बीएमजे, 371.

बबीता, गुलाटी के, मेनन बीके, कुमार आर, रे ए (2020)। फेफड़े के कार्यों पर योग और फॉर्मोकोथेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन, सूजन के तंत्र और ब्रोंकियल अस्थमा रोगियों में जीवन की गुणवत्ता। क्लिन इन्वेस्ट, 10 (4), 106-116, आईएसएसएन 2041-6792।

गोयल एन., स्पलगैस एस., मृगपुरी पी., खन्ना एम., मेनन बी. और कुमार आर., (2020) दिल्ली, भारत में एक गैर-कोविड तृतीयक फुफ्फुसीय देखभाल केंद्र में कोविड-19 के लक्षण। छाती रोग के लिए मोनाल्डी अभिलेखागार, 90:1568

गोयल, एन., गोयल, एन., और कुमार, आर. (2021)। दिल्ली, भारत में एक तृतीयक फुफ्फुसीय देखभाल केंद्र में पोस्ट कोविड-19 का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन। छाती की बीमारी के लिए मोनाल्डी अभिलेखागार = आर्किवियो मोनाल्डी प्रति ले मालट्री डेल टोरेस, 10.4081/monaldi.2021.1682। अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन

गुप्ता ए, सिंगला आर, कैमिनेरो जेए, सिंगला एन, मृगपुरी पी, मोहन ए (2020)। भारत में तपेदिक सेवाओं पर कोविड-19 का प्रभाव। इंट जे ट्यूबरक लंग डिस, 1;24(6):637-639। डीओआई: 10.5588/ijtld.20.0212। पीएमआईडी: 32553014।

गुप्ता एन, ईश पी, कुमार आर, देव एन, यादव एसआर, मल्होत्रा एन, अग्रवाल एस, गैंग आर, सचदेवा एच। (2020)। कोविड 2019 कार्यकारी समूह *SH के अन्य सदस्य। भारत में एक तृतीयक केंद्र से नैदानिक प्रोफाइल, प्रयोगशाला मापदंडों और 200 कोविड-19 रोगियों के परिणाम का मूल्यांकन। मोनाल्डी आर्क चेस्ट डिस [इंटरनेट] , 90(4)।

गुप्ता, एस., शरीफ, एम., चतुर्वेदी, जी., शर्मा, ए., गोयल, एन., यादव, एम., मोर्टेसन, एमएस, सोरेनसेन, एसजे, मुखर्जी, एम., और चौहान, एनएस (2021) . सीओपीडी, ईसीओपीडी, सारकोइडोसिस और आईएलडी रोगियों में वायुकोशीय माइक्रोबायोम का तुलनात्मक विश्लेषण श्वसन संबंधी बीमारियों के विशिष्ट माइक्रोबियल हस्ताक्षर की पहचान करने के लिए। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 11(1), 3963. <https://doi.org/10.1038/s41598-021-83524-2>.

कौशिक रजनीश, तंवर लक्ष्मीकांत, चौधरी मित, सूरी अमित (2020) "कोविड-19 निमोनिया का उपचार दीक्षांत प्लाज्मा थेरेपी के साथ: एक केस श्रृंखला"। जेआईएसीएम, 21(3-4):170-74.

कुलश्रेष्ठ आर, ढांडा एच, पांडे ए, सिंह ए, राजकुमार (2020) डिफ्यूज पैरेन्काइमल लंग डिजीज में मैक्रोफेज इनफ्लो की इम्यूनोपैथोजेनेसिस और चिकित्सीय क्षमता। रेस्पिरेटरी मेडिसिन की विशेषज्ञ समीक्षा, 14;9:917-28 <https://doi.org/10.1080/17476348.2020.1776117>।

कुमार, एम., गुप्ता, आर.के., स्पलगैस, एस., और कुमार, आर. (2020) दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अस्थमा के रोगियों में आम एयरोएलर्जन के प्रति संवेदनशीलता। इंडियन जर्नल ऑफ एलर्जी, अस्थमा और इम्यूनोलॉजी, 34(2), 68.

राज, के., दिगंबर, बी., जिंदल, एस.के., बालकृष्णन, एम., नितिन, जी., सोनम, एस., ... और वीरेंद्र, एस. (2020) पोस्ट-कोविड-19 श्वसन प्रबंधन: विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट। इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज, 179-191.

कुमार, आर., मृगपुरी, पी., बिष्ट, आई., सिंह, के., कुमार, एम., और स्पलगैस, एस. (2020)। एलर्जन इम्यूनोथेरेपी पर अस्थमा और एलर्जिक राइनाइटिस रोगियों के अनुवर्तन में प्रतिरक्षाविज्ञानी मध्यस्थों की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ एलर्जी, अस्थमा और इम्यूनोलॉजी, 34(2), 87.

कुमार आर., मृगपुरी पी., विक्रान्त और स्पलगैस एस. (2020) एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड-गाइडेड ट्रांसब्रॉन्चियल सुई आकांक्षा स्थानीय संज्ञाहरण के तहत: उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में दो वर्ष से अधिक का वास्तविक समय का अनुभव। इंडियन जे चेस्ट डिस एलाइड साइंस, 62(1),19.

कुमार आर., सरोज एस.के., कुमार एम. (2021) भारत में तंबाकू के पैकेटों पर टोबैको क्विटलाइन टोल-फ्री नंबर: परिणाम पर एक विश्लेषण। मोनाल्डी आर्क चेस्ट डिस, 4;91(2)।

कुमार आर., सरोज एस.के., कुमार एम. (2021) भारत में तंबाकू के पैकेटों पर टोबैको क्विटलाइन टोल-फ्री नंबर: परिणाम पर एक विश्लेषण। मोनाल्डी आर्क चेस्ट डिस, 4;91(2)।

कुमार, आर. यादव, एस.आर., कुमार, ए., ईश, पी., गुप्ता, एन., और चक्रवर्ती, एस. (2020)। कोविड-19 युग में "वेंटिलेटर के लिए मास्क"। श्वसन चिकित्सा में अग्रिम, 88(6), 630-632।

मावी ए.के., स्पालगैस एस., सिंह के., कुमार यू., कुमार आर. (2021) कबूतर एलर्जी सकारात्मक दमा में MUC1 प्रोटीन की अभिव्यक्ति प्रोफाइल। इम्यूनोबायोलॉजी। 226(3):152086।

मृगपुरी, पी., सोनल, एस., स्पालगैस, एस., गोयल, एन., मेनन, बी., और कुमार, आर. (2021)। अनियंत्रित मधुमेह मेलिटस: पोस्ट कोविड फॉइब्रोसिस के लिए एक जोखिम कारक। छाती रोग के लिए मोनाल्डी अभिलेखागार, 91(1).

पोर्टर, जी., जोशी, जे., भुल्लर, एल., और कोटवानी, ए. (2020) निम्न-आय और मध्यम-आय वाले देशों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने के लिए 'स्मार्ट विनियमन' का उपयोग करना। बीएमजे वैश्विक स्वास्थ्य, 5(1), ई001864।

राज कुमार (2020) सीओपीडी के रोगियों में एस्पिरिलिस त्वचा की अतिसंवेदनशीलता। श्वास, 9,1 3.

राज कुमार। धूम्रपान वंद (2021) नैदानिक मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल, 1(2)।

जर्नल

कॉलेज द्वारा प्रकाशित: इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज (आईजेसीडीए)

कॉलेज की संख्या	04	1. डॉ. राज कुमार एडिटर इन चीफ
शिक्षकों के रूप में सेवारत		2. डॉ. मालिनी शेरिफ, सदस्य
संपादक (एस) /सदस्य (ओं)/		3. डॉ. बालाकृष्णन मेनन, सदस्य
संपादकीय बोर्ड		4. डॉ. अनुराधा चौधरी, सदस्य

जर्नल के अलावा, संस्थान वीपीसीआई न्यूजलेटर प्रकाशित करता है, जिसकी संपादक डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 2015-2022 नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विसेज (एनटीक्यूएलएस) INR846.86 लाख।

बहुविषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू)। डीएचआर, एमओएचएफडब्ल्यू। 2014-2022। INR409.78 लाख आयुष 2018-2022. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के रोगियों में पल्मोनरी कार्यों, भड़काऊ मार्कर, ऑक्सीडेटिव तनाव और स्वास्थ्य की स्थिति पर योगिक हस्तक्षेप के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन। 25.84 लाख रुपये

आयोजित संगोष्ठियां

वीपीसीआई ने 01.10.2020 को इंस्टिट्यूट मोबाइल ऐप लॉन्च किया।

वीपीसीआई द्वारा 27.10.2020 से 02.11.2020 तक "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

वीपीसीआई ने दिनांक 25.02.2021 को जैव सांख्यिकी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

वीपीसीआई ने 09.03.2021 से 10.03.2021 तक फुफ्फुसीय पुनर्वास पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

वीपीसीआई ने 11-03-2021 को "बायोमेडिकल रिसर्च में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दे" पर एक कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

वीपीसीआई ने प्रो. वी.एस. द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। चौहान, अध्यक्ष, जीबी "कोविड - 19 महामारी: टीके और म्यूटेंट" पर 18.03.2021 को।

वीपीसीआई पोस्ट कोविड रेस्पिरैटरी मैनेजमेंट सेंटर का उद्घाटन 24.05.2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी सी जोशी द्वारा किया गया।

21.06.2021 को वर्चुअल मोड में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग से वीपीसीआई द्वारा 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. नितिन गोयल 27-31 जनवरी 2021 तक नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (इंडिया) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी, नैपकॉन-2020 (वर्चुअल) के 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में "एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी" पर कार्यशाला में फैकल्टी थे।

डॉ. नितिन गोयल ने नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में यंग कंसल्टेंट्स बेस्ट पेपर पर "क्लीनिको-रेडियोलॉजिकल विशेषताओं पोस्ट-कोविड-19 एट ए टर्शियरी पल्मोनरी केयर सेंटर" शीर्षक से नैपकॉन 2020 अवार्ड सत्र के लिए मौखिक प्रस्तुति दी। इंडिया) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी, नैपकॉन-2020 (आभासी) 27-31 जनवरी 2021 से।

डॉ. पारुल मृगपुरी ने वेपिंग पर संगोष्ठी में "वेपिंग और सेकंड हैंड इफेक्ट्स" पर फैकल्टी लेक्चर दिया: ए न्यू स्मोकिंग वेव नैपकॉन 2020 27 से 31 जनवरी 2021 को

डॉ. पारुल मृगपुरी ने 27 से 31 जनवरी 2021 को श्वसन संक्रमण नैपकॉन 2020 में अभ्यास बदलते अनुसंधान पर सत्र में "एपिस्मेलिफेरा के मधुमक्खी विष के रोगाणुरोधी गुण" पर संकाय व्याख्यान दिया।

डॉ. पारुल मृगपुरी व्याख्यान सह प्रदर्शन के लिए संकाय सदस्य में से एक थीं (1) स्किन प्रिक टेस्ट (एसपीटी): व्यावहारिक प्रदर्शन (वर्चुअल)

डॉ. पारुल मृगपुरी व्याख्यान सह प्रदर्शन के लिए संकाय सदस्य में से एक थीं (1) स्किन प्रिक टेस्ट (एसपीटी): व्यावहारिक प्रदर्शन (वर्चुअल)

डॉ., राज कुमार 27 जनवरी, 2021 को इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22 वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कार्यशाला निदेशक, 'एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी' थे। 27 - 31 जनवरी, 2021

डॉ. राज कुमार ने 27 जनवरी, 2021 को इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'एलर्जी कार्यशाला के बारे में परिचय और ब्रीफिंग' पर अतिथि व्याख्यान दिया। 27 से 31 जनवरी, 2021 तक दिल्ली में वर्चुअल का आयोजन किया गया।

इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 27 जनवरी, 2021 को डॉ., राजकुमार ने 'एलर्जन इम्यूनोथेरेपी के लिए रोगी चयन' पर अतिथि व्याख्यान दिया। 27 से 31 जनवरी, 2021 तक दिल्ली में वर्चुअल।

इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 27 जनवरी, 2021 को डॉ., राजकुमार ने 'एलर्जन इम्यूनोथेरेपी के लिए रोगी चयन' पर अतिथि व्याख्यान दिया। 27 से 31 जनवरी, 2021 तक दिल्ली में वर्चुअल।

डॉ. राज कुमार ने इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 28 जनवरी, 2021 को 'वायु प्रदूषण और फेफड़ों के स्वास्थ्य' पर आईसीएस - डॉ. सीवी रामकृष्णन व्याख्यान व्याख्यान दिया। वर्चुअल नैपकॉन-2020 दिल्ली में 27 से 31 जनवरी, 2021 तक।

डॉ. राज कुमार ने 30 जनवरी 2021 को इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान श्वसन एलर्जी पर संगोष्ठी में 'खाद्य एलर्जी' पर अतिथि व्याख्यान दिया। 2020 27 से 31 जनवरी, 2021 तक दिल्ली में वर्चुअल का आयोजन किया गया।

डॉ., राज कुमार, वित्त और व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, डीयू के सहयोग से सेंटर फॉर कैनेडियन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस, डीयू के सहयोग से भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर तकनीकी सत्र III के अध्यक्ष थे। 11-12 मार्च, 2021 से।

डॉ. सोनम स्पाल्गाइस ने "मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों से आइसोलेट्स के बीच प्राथमिक क्लोफ़ाज़िमाइन और बेडाक्विमाइन प्रतिरोध" पर संकाय व्याख्यान दिया। 27 से 31 जनवरी 2021 को आयोजित एनएपीसीओएन 2020 में टीबी में प्रैक्टिस-चेंजिंग रिसर्च के सत्र में।

डॉ. सोनम स्पाल्गाइस व्याख्यान सह प्रदर्शन (1) स्किन प्रिक टेस्ट (एसपीटी): व्यावहारिक प्रदर्शन (वर्चुअल) (2) केस चर्चा: नैदानिक परीक्षणों की नैदानिक व्याख्या और इम्यूनोथेरेपी की शुरुआत के लिए संकाय सदस्यों में से एक थे। 31 जनवरी 2021 तक।

19 से 20 दिसंबर 2020 को आयोजित नैटकॉन 2020 में डॉ. सोनम स्पाल्गाइस ने "कोविड युग में पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट" पर संकाय व्याख्यान दिया।

डॉ. सोनम स्पाल्गाइस ने पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग कोर्स ऑन पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन, वीपीसीआई, 9 - 10 मार्च 2021 का आयोजन किया।

रेडियो नैदानिक (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एमबीबीएस शिक्षण के अलावा रेडियो-निदान विभाग एक स्नातक पाठ्यक्रम बी.एससी चला रहा है। (मेडिकल टेक्नोलॉजी) रेडियोग्राफी, दो प्रमुख स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, एमडी रेडियो-निदान और एम.एससी। (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी) रेडियोग्राफी। विभाग अपने बीएससी के उत्कृष्ट नियोजन का दावा करता है। और एमएससी (एमआईटी) रेडियोग्राफी के विद्यार्थी, भारतीय रेलवे, जिपमर पांडिचेरी, एम्स नई दिल्ली, डीएसएसएसबी दिल्ली और पीजीआई चंडीगढ़ जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में कई छात्रों के साथ। हमारे सभी स्नातकोत्तर छात्रों को देश भर में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में अच्छी तरह से रखा गया है और कई विदेशों में काम कर रहे हैं।

संकाय निरंतर अनुसंधान में शामिल है, वित्त पोषित परियोजनाओं का संचालन किया है; कई प्रकाशन हैं और विभिन्न सम्मेलनों/सीएमई में भी सक्रिय हैं।

विभाग के पास 64 स्लाइस मल्टीडिटेक्टर सीटी स्कैनर, फ्लोरोस्कोपी, मल्टीपल डिजिटल रेडियोग्राफी और हाई एंड अल्ट्रासाउंड/डॉ.प्लर मशीनें हैं। यह चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है और कोविड महामारी के दौरान निर्बाध इमेजिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है।

वर्ष 2020-21 में विभाग में 03 स्टैटिक डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम, एक डिजिटल पोर्टेबल एक्स रे मशीन और एक हाई एंड अल्ट्रासाउंड मशीन को जोड़ा गया था और 07 नए रेडियोग्राफर नियुक्त किए गए थे।

सम्मान/गौरव

आईआरआईए, दिल्ली आईआरआईए हाउस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (2020) पर डॉ. शुचि भट्ट को प्रशंसा शोध प्रदान किया गया।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन दिल्ली द्वारा डॉ. गोपेश मेहरोत्रा को डॉ.क्टर्स एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया।

डॉ. अरुणिमा अग्रवाल

11वीं रेडियोलॉजी रेजिडेंट हॉट सीट रिव्यू कोर्स 2021 में ओवरऑल परफॉर्मेंस में थर्ड प्रिक्स के लिए विशिष्टता प्रमाण शोध।

डॉ. श्रेया गुलाटी

11वीं रेडियोलॉजी रेजिडेंट्स हॉट सीट रिव्यू कोर्स 2021 में स्पोर्ट्स में प्रदर्शन के लिए विशिष्टता प्रमाण शोध।

डॉ. सलोनी डागर

इरीना कोच्चि और केआरईएसटी कोच्चि द्वारा आयोजित वेबिनार (2020) श्रृंखला के पीजी मॉक परीक्षा में उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार।

प्रकाशन

सिंह पी., जैन एस., राजाराम एस., राठी वी., गुप्ता बी., कालरा के. (2020), गर्भावस्था और फूहड़ बनाम पश्चिमी शैली बैठे शौचालय उपयोगकर्ताओं में श्रम परिणाम: एक पायलट अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, गर्भनिरोधक, प्रसूति और स्त्री रोग, 9 (11); 4601-4605

मल्ला डी., राठी वी., गोम्बर एस., उप्रेती एल. (2020) बच्चों में बैक्टीरियल और वायरल निमोनिया के बीच फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड में अंतर कर सकते हैं। जे क्लिन अल्ट्रासाउंड, 49 (1), 91-100।

यादव वी., राठी वी. (2021) ब्रॉकोकल कार्सिनोइड छाती रेडियोग्राफ पर सिमिटर सिंड्रोम के रूप में मुखौटा धारण करते हैं। रेडियोलॉजी केस रिपोर्ट, 16:710-713।

गुलाटी एस, राठी वी, जैन एस, भट्ट एस (2021) 64 स्लाइस एमडीसीटी पर महिला जननांग पथ के इंसिडेंटलोमास: एक्लिनिको-रेडियोलॉजिकल पिक्टोरियल रिव्यू। पेट रेडियोलॉजी डीओआई:10.1007/s00261-021-03086-9 कॉर्पस आईडी: 233355959.

डागर एस., राठी वी. (2021) गंभीर फुफ्फुसीय कोविड-19 संक्रमण में आकस्मिक फ्लोटिंग महाधमनी थ्रोम्बस। नैदानिक छवि। इंडियन जे मेड रेस। जून. डीओआई:10.4103/ijmr.IJMR_4590_20.

यादव वी., भट्ट एस., अथउल्लाह, डंगवाल एस. (2021) रेयर इन्सेन्स ऑफ इयूरल आर्टिरियोवेनस फिस्टुला इन ए चाइल्ड: मल्टी-मोडैलिटी इमेजिंग एंड लिटरेचर रिव्यू। रेडियोलॉजी केस रिपोर्ट, 16(4), 879-883।

अग्रवाल ए., टंडन ए. भट्ट एस., अग्रवाल ए., डागर एस., वंसल एच. (2021) कोविड-19 निमोनिया के साथ कैविटेशन और सिस्टिक फेफड़ों में परिवर्तन: एक सरगम के एमडीसीटी स्पेक्ट्रम एटिओलॉजी-एक सचित्र समीक्षा। बीजेआर ओपन, 3: 20210007.

शेखर एच., शर्मा एन., सिंह एस.के., पी.के. गर्ग, भट्ट एस., साहा आर., वर्मा ए.के. (2021) एम्पाइमा थोरेक्स वाले रोगियों का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल: एक संभावित विश्लेषणात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, (ऑनलाइन 11 मार्च)। <https://doi.org/10.1016/j.ijtb.2021.03.007>

भट्ट एस., वंसल एच., नायक एस., डंगवाल एस. (2021) हाई प्रीसैक्रल कलेक्शन एप्रोच थ्रू द पेरिनियल रुट: ए नॉवेल कंप्यूटेड टोमोग्राफी-गाइडेड तकनीक। रेडियोलॉजी के दक्षिण अफ्रीकी जर्नल, 25(1), ए2014।

गुलाटी एस., राठी वी., जैन एस., भट्ट एस. (अप्रैल 2021) 64 स्लाइस एमडीसीटी पर महिला जननांग पथ के इंसिडेंटलोमास: एक क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सचित्र समीक्षा। एब्डॉम रेडिओल Doi.org/10.1007/s00261-021-03086-9.

राय एस., गर्ग पी.के., भट्ट एस., लता टी.के., वर्मा ए.के., बनर्जी बी.डी., सिंह एम. पी. (2020) गैर-छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में माइक्रो आरएनए 21 की नैदानिक भूमिका: एक खोजपूर्ण अध्ययन। फेफड़े भारत, 37(1), 501-505.

स्वरूप एस., भट्ट एस., रावल आर., टंडन ए., डंगवाल एस. (2020) तपेदिक एक महान बहाना; इमेजिंग के माध्यम से मस्कुलोस्केलेटल भागीदारी के दुर्लभ स्थलों का अनावरण- एक केस श्रृंखला। रेडियोलॉजी के दक्षिण अफ्रीकी जर्नल, 24(1), a1919.

टंडन ए., खुल्लर टी., माहेश्वरी एस., भट्ट एस., नारंग एस. (2020) "हाई रेजोल्यूशन अल्ट्रासाउंड इन सब-क्लीनिकल डायबिटिक न्यूरोपैथी: ए संभावित स्क्रीनिंग टूल"। अल्ट्रासाउंड। ऋषि पत्रिकाओं, 1-12.

सुनेजा ए., गर्ग ए., भट्ट एस., गुलेरिया के., एसवी एम., शर्मा आर. (2020) हिस्टेरेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में ओवेरियन रिजर्व और वैस्कुलरिटी पर अवसरवादी साल्पिंगेक्टॉमी का प्रभाव।" इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलोजिक ऑन्कोलॉजी, 18 (4), 107।

सभरवाल टी., टंडन ए., भट्ट एस., गुप्ता के. वॉल्यूमिनस एबडोमिनस-पेल्विक सिस्टिक मास इन एन एडोलसेंट गर्ल: रेयर प्रेजेंटेशन ऑफ इम्पर्फोरेट हाइमन। जे क्लिन मामले प्रतिनिधि 4 (एस 8), 4-6, आईएसएसएन, 2582-0435

भट्ट एस., बनर्जी ए., टंडन ए., डंगवाल एस. गुप्ता ए. (2020) 64 स्लाइस मल्टी-डिटेक्टर सीटी यूरेथ्रोग्राफी- एक उपन्यास तकनीक पर पुरुष यूरेथ्रल पैथोलॉजी का बहुरूपदर्शक दृश्य। जर्नल: साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी। एस अफर जे राडा, 24(1), ए 1964.

चावला एस., भट्ट एस., टंडन ए., मीना जी., डंगवाल एस. (2020) एक बुजुर्ग पुरुष में द्विपक्षीय हृच डायवर्टिकुला: एक अज्ञात अतीत का रहस्योद्घाटन। एस Afr जे रेड, 24 (1), a1963.

टंडन ए., खुल्लर टी., माहेश्वरी एस., भट्ट एस., नारंग एस. (2020) "उप-नैदानिक मधुमेह न्यूरोपैथी में उच्च संकल्प अल्ट्रासाउंड: एक संभावित स्क्रीनिंग टूल"। अल्ट्रासाउंड। 0(0) 1-12.

सभरवाल टी., टंडन ए., भट्ट एस., और गुप्ता के. (2020) एक किशोर लड़की में भारी-भरकम एबडोमिनो-पेल्विक सिस्टिक मास: अभेद्य हाइमन की दुर्लभ प्रस्तुति। नैदानिक मामलों और रिपोर्ट 4 (58) आईएसएसएन के जर्नल: 2582-0435.

यादव ए., टंडन ए. (2021) इंट्राक्रैनियल ट्यूमर के साथ रोगियों के अस्तित्व पर वॉल्यूमेट्रिक ट्यूमर का प्रभाव दोगुना समय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 10 (4), 39-43।

श्रीवास्तव ए. कौशिक सी., संधू आई. एस., श्रीवास्तव ए.के. (2020) डिजिटल रेडियोग्राफी में रोगी की खुराक और केर्मा-क्षेत्र उत्पाद निगरानी का अनुमान। विकिरण संरक्षण डोसिमेट्री, 190 (1); पृष्ठ 1-9।

रिसर्च प्रोजेक्ट

डॉ. अनुपमा टंडन

(1) परियोजना शीर्षक पर अनुसंधान फैलोशिप "मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी (एमडीसीटी) से गुजर रहे रोगियों में डीएनए क्षति और मरम्मत तंत्र का अध्ययन करने के लिए"- 03 वर्ष के कार्यकाल के लिए 2019 में दी गई, 16 लाख 50 हजार रुपये का अनुदान लगभग।

(2) एमडी थीसिस के लिए आईसीएमआर समर्थन "64 स्लाइस एमडीसीटी का उपयोग करके स्तन कैंसर के मूल्यांकन में कम खुराक सीटी परफ्यूजन इमेजिंग की भूमिका: एक प्रायोगिक अध्ययन: 50,000 रुपये का अनुदान। 2020 में दी।

संगोष्ठी/सम्मेलन - प्रस्तुतियां

डॉ. अनुपमा टंडन

आईसीआर-आईआईआरआईए आईरईपी अक्टूबर- नवंबर 2020 - "बोन ट्यूमर के लिए इमेजिंग दृष्टिकोण" पर बात की गई - आभासी बैठक।

आईआरआरआईए दिल्ली के 20 फरवरी 2021 को एमएसके एंड जेनिटोरिनरी इमेजिंग फिल्म रीडिंग सत्र में संकाय। (वर्चुअल मीट)।

डॉ. शुचि भट्ट

6 फरवरी 2021 - ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आईआरआईए दिल्ली अध्याय द्वारा आयोजित स्नातकोत्तर रेडियो निदान छात्रों के लिए फिल्म वाचन सत्र के लिए पैनलिस्ट।

दिल्ली इमेजिंग अपडेट में "इमेजिंग इन थ्रोम्बोएम्बोलिज्म" पर बात करने के लिए आमंत्रित फैकल्टी - 2021 में आईआरआरआई दिल्ली चैप्टर द्वारा 17 अप्रैल, 2021 को लाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया।

संकाय संख्या - प्रोफेसर- 04 (यूसीएमएस - 03 और सीएचएसएस - 01)

रेडियो नैदानिक (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग हमारे विशेषज्ञ और अनुभवी वरिष्ठ संकाय के मार्गदर्शन में नैदानिक के साथ-साथ अनुसंधान कार्य आयोजित करता है। छात्रों के मामलों की एक विस्तृत विविधता के संपर्क में हैं, अच्छा सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। इस वर्ष कोविड-19 महामारी द्वारा चिह्नित किया गया था। शुरू से ही विभाग संदिग्ध या निदान रोगियों के प्रबंधन में शामिल था कोविड-19 है। कोविड वार्ड में समर्पित उपयोग के लिए एक नई पोर्टेबल डिजिटल रेडियोग्राफी मशीन (विप्रो जीई ब्रिवो एक्स आर115 100 एमए) स्थापित की गई थी, और हमारे रेडियोग्राफर रोगियों के लिए बेडसाइड एक्स किरणों को करने के लिए 24 घंटे इयूटी पर थे। रेडियोलॉजी विभाग में एक अलग कमरे में सीओवीडी संदिग्ध/सकारात्मक मामलों के लिए अल्ट्रासाउंड किए गए थे, और ऐसे मामलों के लिए सीटी स्कैन नियुक्ति के आधार पर किया गया था जिसमें अन्य रोगियों या कर्मचारियों के संपर्क में आने से बचने के लिए सभी उचित सावधानियां बरती गई थीं। हमारे निवासियों और कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के सही उपयोग के लिए धारण और doffing प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित किया गया था, और नियमित कीटाणुशोधन और विभाग के स्वच्छता एक दैनिक आधार पर सुनिश्चित किया गया था। यूजी और पीजी के छात्रों के लिए शिक्षण गतिविधियों को माइक्रोसॉफ्ट टीमों के मंच पर ऑनलाइन किया गया, सुरक्षा के हित में। विभागीय कार्य के अलावा, निवासियों और संकाय भी कोविड वार्ड, वाईएमसीए कोविड देखभाल केंद्र, कोविड नियंत्रण कक्ष और फ्लू क्लीनिक में रोटेशन द्वारा तैनात थे।

सम्मान/गौरव

			पुरस्कार	घटना
1.	डॉ. चेतना मिश्रा (पीजी छात्रा) डॉ. रमा आनंद डॉ. निशात अमीना	ब्रिजिंग ब्रॉचस से जुड़े बाएं फेफड़े की धमनी गोफन: गणना टोमोग्राफी के साथ मूल्यांकन	केस रिपोर्ट श्रेणी के तहत प्रथम पुरस्कार	

जून 2020 में एम्स, नई दिल्ली में एमडी रेडियो डायग्नोसिस परीक्षा (ऑनलाइन) के लिए बाहरी परीक्षक नियुक्त किया गया था।

प्रकाशन

धवन पी., कनोजिया आर.के., चंद्रा जे., कुमार ए., आनंद आर., और गुप्ता एस. (2020) बाल-बाल्सिया पर निर्भर थैलीसीमिया वाले बच्चों में कलाई के जोड़ कंकाल में बदलाव होता है। जे पेडिएटर ऑर्थोप 40 (6).

गोयल आई., आनंद आर., चौधरी एस.आर. और अग्रवाल एस. (2020) बाल चिकित्सा intussusceptions के अल्ट्रासोनोग्राफी में विकसित अवधारणाओं: इलियोकोलिक, ऑब्स्ट्रक्टिव और क्षणिक छोटे आंत्र intussusceptions के स्पष्ट भेदभाव मेड में अल्ट्रासाउंड और बायोल., 46 (3), पृष्ठ 589-597.

गुरटू ए., अग्रवाल ए., प्रकाश ए. कौर आर., जैस एम., आनंद आर., शर्मा एस., शुक्ला एस. सिंह आर. (2020) कोविड-19 के सिंक्रोनिक स्पेक्ट्रम और गंभीरता-परिणाम ग्रेडिंग्स के साथ प्रवेश मापदंडों के सहसंबंधित: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। JAPI, 68, 43-48.

सिंह जी.बी., अरोड़ा एन., टोमर एस., क्वात्रा डी., कुमार एस. (2020) क्रोनिक राइनोसिनाइटिस के लिए सर्जिकल उपचार निर्णयों में साइनस सीटी की भूमिका। एएम जे ओटोलैरिंगोल, 41 (6)।

अग्रवाल, एस., अग्रवाल, के., चौधरी, वी., सतीजा, बी., राजगोपालन, आई., और सेठी, ए. (2020) प्रसवोत्तर रक्तस्राव के लिए हेमैन सिवनी के बाद इस्केमिक गर्भाशय परिगलन। स्त्री रोग और प्रसूति के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 2020

मालाकार, एस., आनंद, आर., सतीजा, बी. एट अल. (2021) गर्भावस्था की असामान्य श्रेणी जटिलताओं में इमेजिंग: सचित्र निबंध। जे ओब्स्टेट गाइनकोल इंडिया (2021)

आयोजित सम्मेलन

क्र.स.	संकाय सदस्य	आयोजक (एस)	नाम, स्थान और तिथि
1.	डॉ. रमा आनंद	इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) के सहयोग से इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआई)	"महिला इमेजिंग" पर ई-संगोष्ठी, ऑनलाइन, नवंबर 2020

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

क्र.स.	प्रतिभागी का नाम और पदनाम	भूमिका/विषय	आयोजक	सम्मेलन का नाम, स्थान और तिथि
राष्ट्रीय सम्मेलन				
1.	डॉ. रमा आनंद डॉ. पूजा अभय डॉ. निशात अमीना	संकाय -प्री-कॉन्फ्रेंस क्विज आयोजित किया पीजी छात्रों द्वारा मॉडरेट पोस्टर प्रस्तुति संकाय -प्री-कॉन्फ्रेंस क्विज आयोजित पीजी छात्रों द्वारा मॉडरेट पोस्टर प्रस्तुति	चेस्ट इमेजिंग और हस्तक्षेप के समाज	SCII-CON 2020, वर्चुअल, 12 सितंबर 2020
2.	डॉ. रमा आनंद	फैकल्टी -क्विज ऑन स्पॉटर	इंडियन	आईआरआई निवासी

	डॉ. आर .एस. सोलंकी डॉ. पूजा अभय	पीजी छात्रों द्वारा मॉडरेट पोस्टर प्रस्तुति पीजी छात्रों द्वारा मॉडरेट पोस्टर प्रस्तुति फैकल्टी -'फ्लैक मास इन ए चाइल्ड इमेजिंग अप्रोच' पर व्याख्यान दिया पीजी छात्रों द्वारा मॉडरेट पोस्टर प्रस्तुति	रेडियोलॉजिकल इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) और इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई)	शिक्षा कार्यक्रम (आईआरआईपी), ऑनलाइन, 31 अक्टूबर 2020
3.	डॉ. रमा आनंद	संकाय -गर्भावस्था में विकिरण जोखिम के लिए वर्तमान सामाजिक दिशा निर्देशों पर व्याख्यान।	सोसायटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी	सोसायटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी का 7वां वार्षिक सम्मेलन, ऑनलाइन, नवंबर 2020
4.	डॉ. रमा आनंद	नवंबर 2020 में स्त्री रोग आपात स्थिति में इमेजिंग पर संकाय व्याख्यान।	इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) के सहयोग से इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए)	"महिलाओं की इमेजिंग" पर ई-संगोष्ठी, नवंबर 2020
5.	डॉ. रमा आनंद डॉ. पूजा अभय डॉ. निशात अमीना	प्रतिनिधि प्रतिनिधि प्रतिनिधि	एम्स-एमएमसी-पीजीआई	चौथा एम्स-एमएमसी-पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज, पीडियाट्रिक इमेजिंग पर 7वां कोर्स, ऑनलाइन, 31 अक्टूबर, 2020।
6.	डॉ. रमा आनंद डॉ. पूजा अभय डॉ. निशात अमीना	प्रतिनिधि प्रतिनिधि प्रतिनिधि	इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी	आईएसपीआर 2020-इंडियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी का XVIII वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑनलाइन, 11 अक्टूबर 2020

7.	डॉ. शैली टोमर	प्रतिनिधि	इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन, मुंबई चैप्टर	19वां एमआरआई टीचिंग कोर्स, ऑनलाइन आयोजित 9,15,16 अगस्त 2020
8.	डॉ. निशात अमीना	प्रतिनिधि	आईआरआईए का दिल्ली स्टेट चैप्टर	इमेजिंग, ऑनलाइन वेबिनार, 12 अगस्त 2020 में हाल ही में प्रगति
9.	डॉ. पूजा अभय	संकाय	दिल्ली आईआरआईए	फिल्म रीडिंग सत्र, 30 जनवरी 2021, ऑनलाइन
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन				
1.	डॉ. रमा आनंद	प्रतिनिधि	पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी की सोसायटी (सपीआर)	सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी (एसप) (ऑनलाइन) का नवजात इमेजिंग कोर्स 27 जनवरी -29, 2021

निवासियों और संकाय द्वारा मौखिक पोस्टर/प्रस्तुतियां			
	मोड	उपाधि	घटना
डॉ. रमा आनंद	पोस्टर	सिर धक्कों :अंदर क्या हो सकता है?	आरएसएनए नवंबर 29- दिसम्बर 5, 2020
डॉ. पाटिल आनंद डॉ. पूजा अभय डॉ. आरएस सोलंकी	पोस्टर	असामान्य जीबी आकृति विज्ञान। पित्त atresia में सबसे सटीक यूएसजी खोज	आईरईपी ऑनलाइन
डॉ. चेतना मिश्रा डॉ. रमा आनंद डॉ. पूजा अभय	पोस्टर	i छाती में संक्रमण की गणना टोमोग्राफी मूल्यांकन के लिए संदर्भित बच्चों में इमेजिंग निष्कर्षों का स्पेक्ट्रम	आईरईपी ऑनलाइन
डॉ. चेतना मिश्रा डॉ. निशात अमीना डॉ. रमा आनंद	पोस्टर	ब्रिजिंग ब्रॉचस से जुड़े बाएं फेफड़े की धमनी गोफन :गणना टोमोग्राफी के साथ मूल्यांकन	SCIICON ऑनलाइन 26-27 सितंबर

संकाय संख्या : 08

रेडियो नैदानिक (एमएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

अस्पताल को 23-3-2020 से 04-01-2021 तक सहविद केवल अस्पताल में परिवर्तित कर दिया गया था और नैदानिक रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान करने के अलावा रेडियोडायग्नोसिस विभाग को भी अपने निवासियों के माध्यम से भर्ती रोगियों को नैदानिक देखभाल प्रदान करने में शामिल किया गया है। उनके प्रयासों के लिए रेजिडेंट्स को संकायाध्यक्ष और एमडी एलएनएच ने सम्मानित किया है। दिल्ली सरकार और कॉलेज द्वारा कई संकाय सदस्य को सम्मानित भी किया जा चुका है। विभाग ने कोविड-19 मरीजों को पूरा करने के लिए 5 नई पोर्टेबल एक्स रे मशीन और 1 नई पोर्टेबल यूएसजी यूनिट का भी अधिग्रहण किया।

सम्मान/गौरव

डॉ. अंजू गर्ग को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा कोरोना योद्धा के रूप में प्रशंसा प्रमाण शोध प्रदान किया गया।

डॉ. अंजलि प्रकाश को आईआरआईए के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. अंजलि प्रकाश को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा कोरोना योद्धा के रूप में प्रशंसा प्रमाण शोध दिया गया।

डॉ. अंजलि प्रकाश को इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा 30 जनवरी 2021 को प्रस्तुत राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

डॉ. सपना सिंह को मार्च 2021 में आईआरआईए के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रकाशन

हरीश एस. सी., रश्मि दीक्षित, सपना सिंह, संदीप गर्ग। (2020) टाइप 2 डीएम के साथ रोगियों में दुखती कण्डरा का सोनोएस्टोग्राफिक मूल्यांकन, चिकित्सा और जीव विज्ञान में अल्ट्रासाउंड, 46 (11)

हरीश एस. सी., रश्मि दीक्षित, आयुष अग्रवाल, अंजू गर्ग। (2020) फेफड़े की नस: मामले की रिपोर्ट। रेडियोलॉजी, 14 (3) में मामले की रिपोर्ट के जर्नल।

गुप्ताव, सिंह आर., अग्रवाल पी.एन., मिश्रा ए., प्रकाश ए., चांद सी. (2020) अकेले स्क्लेरोथेरापी बनाम स्क्लेरोथेरेपी प्लस स्क्लेरोथेरेपी जंक्शन लिगेशन का यादृच्छिक नियंत्रण नैदानिक परीक्षण महान साफेनस नस में। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी। <https://doi.org/10.1007/s12262-020-02599-9>

पाठक एस., गर्ग ए., कुमार जे. (2020) एंसेफेलोक्रियानोक्यूटेनियस लिपोमैटोसिस: एक दुर्लभ जन्मजात न्यूरोक्यूटेनियस सिंड्रोम। रेडियोल केस प्रतिनिधि, 15 (5): 576-579।

गौतम आर, कुमार जे, प्रधान जी, पासी जे, मेहेर आर, मेहंदीरत्ता ए (2020)। जन्मजात कर्ण अट्रेसिया के उच्च-संकल्प गणना टोमोग्राफी मूल्यांकन - यह कितना उपयोगी है? जर्नल ऑफ लैरिंगोलॉजी एंड ओटोलॉजी, 134 (7):610-

वनगुंडी आर., कुमार जे., मनचंदा ए., मोहंती एस., मेहेर आर. (2020) ओडोन्टोजेनिक अल्सर और ट्यूमर के लक्षण वर्णन में प्रसार-भारित चुंबकीय अनुलाता इमेजिंग। मौखिक सुरगल मेड ओरल पाथोल ओरल रेडियोल, 130 (4): 447-454

भगत ए.सी., कुमार जे., गर्ग ए., प्रकाश ए., मेहेर आर., आर्य एस. (2020) जन्मजात आंतरिक कान विकृतियों में इमेजिंग- एक एल्गोरिथम दृष्टिकोण। भारतीय जे रेडियोल इमेजिंग, 30 (2): 139-148।

सेठ एन., कुमार जे., गर्ग ए., सिंह आई., मेहेर आर. (2020) अंतर्राष्ट्रीय ललाट साइनस एनाटॉमी वर्गीकरण कोशिकाओं की व्यापकता और ललाट साइनसाइटिस के साथ उनके सहयोग की गणना टोमोग्राफिक विश्लेषण। जर्नल ऑफ लैरिंगोलॉजी एंड ओटोलॉजी, 134 (10): 887-894।

बत्रा आर., गुप्ता एस., प्रकाश ए., उप्रेती एल., सिंह एस. (2020) सिस्टिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्यूमर: एक असामान्य इमेजिंग उपस्थिति - एक केस सीरीज। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 6 (2), 128-134।

मित्तल एस., सिंह एस., बत्रा आर. बाल चिकित्सा हेपेटिक जनता के इमेजिंग छपने (2020) एक समीक्षा। एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 6 (3), 176-185।

स्वरूप एस., गुप्ता एस., सिंह एस., प्रकाश ए., मेहंदीरत्ता ए., गर्ग ए. (2020) फॉकोमैटोस: एक सचित्र समीक्षा। भारतीय जे रेडियोल इमेजिंग, 30 (2): 195-205। डोई: 10.4103/ijri। आईजेआरआई_497_19।

खान वाई., अरोड़ा एस., गुप्ता एस., महाजन एन., सुराल एस., धल ए. (2020) बिजली कूल्हे: हड्डी रोग प्रासंगिकता के विद्युत सदमे चोटों के देर से परिणाम: एक मामले की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। JBJS केस कनेक्ट, 10 (3): e1900632। डोई: 10.2106/JBJS। CC.19.00632. PMID: 32910607।

अरोड़ा एस., खान, वाई., सूरी टी., गुप्ता एस. (2020) इलेक्ट्रिक शॉक-प्रेरित कशेरुकी फ्रैक्चर, जेबीजेएस केस कनेक्टर, 10 (4), पी e20.00143। डोई: 10.2106/JBJS। CC.20.00143.

जैन एस., अरोड़ा एस., गुप्ता एस. एट अल (2020) भारत में समीपस्थ ह्यूमरस के रेडियोग्राममेट्रिक मापदंडों का उपयोग करके हड्डी की गुणवत्ता का आकलन: ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर जोखिम सीमा मूल्य और इसकी विश्वसनीयता को परिभाषित करना। JOIO 54, 307-315.

सहगल ए., मनचंदा ए., कुमार जे., गर्ग ए. (2020) ' ऑर्बिट के यूनिसेंट्रिक कैसलमैन की बीमारी का एक दुर्लभ मामला '। यूरोराड, 10.35100/यूरोराड/केस।16935.

राव ए., मनचंदा ए., गर्ग ए., जैन एलएस. (2020) थायराइड नोड्यूल में द्रोह के जोखिम स्तरीकरण में अल्ट्रासाउंड आधारित थायराइड रिपोर्टिंग और डेटा सिस्टम (एसीआर-टीआईएडी)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू, 7 (2): 6-14।

मस्तबकट्टी बी., गर्ग एस., गुप्ता एन., सिंह एस., अग्रवाल एस., सिंह आर. (2020) टाइप 2 मधुमेह मेलिटस के रोगियों में हृदय जोखिम में वृद्धि के एक विश्वसनीय मार्कर के रूप में एपिकार्डियल एडीपोज ऊतक मोटाई। एंडोक्राइनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म, 10 (6): 173-81 जर्नल।

उडुपी वी.आर., नियोगी एस., गर्ग ए. (2020) तीव्र पथरी कोलेसिस्टिटिस के रूढ़िवादी प्रबंधन बनाम पित्ताशय की थैली की अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसप्लेटिक आकांक्षा की भूमिका की तुलना। इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल, 7 (1): 189-193।

सत्यम, स्वरूप एम. एस., गर्ग ए. (2020) एक्टोपिक गर्भाशय निशान गर्भावस्था: एक मामले की रिपोर्ट। अल्ट्रासाउंड DOI: 10.1177/1742271X20933918 journals.sagepub.com/home/ult।

गुलाटी एम., सुमन ए., सत्यम, गर्ग ए. (2020) भटक तिल्ली का मरोड़ और सही अंडाशय का पालन - आवर्ती दर्द पेट का एक असामान्य कारण। रेडियोलॉजी केस 14 (7):10-18:: DOI: 10.3941/jrcr.v14i7.3752

तीव्र पथरी कोलेसिस्टिटिस के रूढ़िवादी प्रबंधन बनाम पित्ताशय की थैली की आकांक्षा। (2020) इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल, 7 (1): 189-193।

कुमार सी., सरीन वाई.के., सिन्हा एस.के., गर्ग ए. (2020) शिशुओं में ग्रेड 3-4 हाइड्रोनेफ्रोसिस के साथ यूरेटेरोपेल्वोइक बाधा के रूढ़िवादी प्रबंधन बनाम सर्जरी का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण: एक प्रारंभिक रिपोर्ट। जे क्लिन नेफ्रोल रेस 7 (1): 1094।

सत्यम, स्वरूप एम. एस., गर्ग ए. (2020) एक्टोपिक गर्भाशय निशान गर्भावस्था: एक मामले की रिपोर्ट। अल्ट्रासाउंड 22177/1742271X20933918 journals.sagepub.com/home/ult

गुलाटी एम., सुमन ए., सत्यम, गर्ग ए. (2020) भटक तिल्ली का मरोड़ और सही अंडाशय का पालन - आवर्ती दर्द पेट का एक असामान्य कारण। रेडियोलॉजी केस, 14 (7):10-18:: DOI: 10.3941/jrcr.v14i7.3752।

जर्नल

डॉ. ज्योति कुमार

रेडियोलॉजी और बाल रोग में मामले की रिपोर्ट के विश्व जर्नल के संपादकीय सदस्य।

इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट - 1

गणना टोमोग्राफिक विश्लेषण, बिना किसी प्रक्रिया के सम्मिलन/न्यूमेटाइजेशन और उनके ललाट साइनसाइटिस के साथ उनके संबंध-ज्योति कुमार, थाथमदाओ हाफलंबर, स्वाती गुप्ता, रवि मेहेर, अनुप्रन घोष।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

प्रस्तुतियों

प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक का नाम	सम्मेलन
भ्रूण वैंट्रिकोमेट्रेगली :भ्रूण एमआरआई पर कारण ढूँढना	डॉ. वनिता बबेरवाल डॉ. अंजलि प्रकाश डॉ. अंजू गर्ग डॉ. सपना सिंह डॉ. संगीता गुप्ता	डीआईयू 2020
वक्ष जन्मजात असामान्यताओं के निदान में भ्रूण एमआरआई की भूमिका और प्रबंधन पर इसके प्रभाव	डॉ. वनिता बबेरवाल डॉ. अंजलि प्रकाश डॉ. अंजू गर्ग डॉ. सपना सिंह डॉ. अजय सिंह	आईएसपीआर2020
लैरिंजियल कैंसर में उपास्थि आक्रमण के मूल्यांकन में 3T एमआरआई की भूमिका (हेड और नेक श्रेणी में तीसरा पुरस्कार जीता)	डॉ. संतोष मीणा डॉ. सपना सिंह डॉ. गौरव प्रधान डॉ. रश्मि दीक्षित डॉ. विकास मल्होत्रा	आईआरईपी 2020
दुर्लभ चीन नाक जनता -निदान करने के लिए मुश्किल?	डॉ. राधिका डागा डॉ. ज्योति कुमार डॉ. गौरव प्रधान डॉ. रवि कुमार	डीआईयू 2020

	डॉ. विकास मल्होत्रा	
डिस्टोपिक ओएस ओडोन्टोइडियम की इमेजिंग समीक्षा :गंभीर परिणाम वाली एक असामान्य इकाई	डॉ. मोहम्मद शोएब डॉ. अंजलि प्रकाश डॉ. ज्योति कुमार डॉ. सरथाक स्वरूप	डीआईयू 2020
3T एमआर पर थैलीसीमिया में लोहे के जमाव पैटर्न	डॉ. बाला सुबालाश्री	डीआईयू 2020
3T एमआरआई पर रोटेटर कफ टेंडन आंसुओं के डेलामिनेशन का पता लगाना और लक्षण वर्णन	डॉ. दामिनी एस डॉ. गौराव प्रधान डॉ. सपना सिंह डॉ. सुमित सुराल	डीआईयू 2020
सिर और गर्दन स्कैन सेल कैंसर में ग्रीवा लिम्फ नोड्स के इसके विपरीत बढ़ी हुई गणना टोमोग्राफी और सीटी पफ्यूजन	डॉ. शुभम सूर्यवंशी डॉ. ज्योति कुमार डॉ. अल्पना मनचंदा डॉ. ईश्वर सिंह डॉ. नीता खुराना	- दिल्ली राज्य अध्याय आईआरआईए अगस्त 2020 द्वारा इमेजिंग में हाल ही में प्रगति पर सम्मेलन)ऑनलाइन(
मौखिक गुहा कैंसर में घातक गर्दन नोड्स से सौम्य अंतर में सीईसीटी और सीटी perfusion की तुलना	डॉ. शुभम सूर्यवंशी डॉ. ज्योति कुमार डॉ. अल्पना मनचंदा डॉ. ईश्वर सिंह डॉ. नीता खुराना	केएसआर-जीएमसी 2020
गुर्दे के द्रोह के मूल्यांकन में ट्रिपल बोलस मल्टीडिटेक्टर गणना टोमोग्राफिक (एमडीसीटी) यूरोग्राफी	डॉ. आयुष जैन डॉ. सपना सिंह डॉ. अंजलि प्रकाश डॉ. सुशांतो नियोगी डॉ. सुनीता अग्रवाल	आईआरआईए-आईसीआरआई-आईआरआईपी ऑनलाइन 2020
प्राथमिक मेसेन्टेरिक ठोस के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड और गणना टोमोग्राफी के बीच तुलना	डॉ. स्नेहल कोस डॉ. सपना सिंह डॉ. अंजू गर्ग डॉ. अल्पना मनचंदा डॉ. राजदीप सिंह	आईआरआईए-आईसीआरआई-आईआरआईपी ऑनलाइन 2020 10 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2020 तक आयोजित
थायरॉइड नोड्यूल में द्रोह के जोखिम स्तरीकरण में अल्ट्रासोनोग्राफी आधारित थायरॉइड इमेजिंग, रिपोर्टिंग और डेटा सिस्टम (टीआईआरएडीएस)	डॉ. अंजना राव डॉ. अल्पना मनचंदा, डॉ. अंजू गर्ग	आईआरआईए का 73 वां वार्षिक सम्मेलन

	डॉ. श्यामलता जैन डॉ.सी.बी.सिंह	
परफ्यूजन सीटी :गंभीर, तीव्र अग्नाशयशोथ के प्रारंभिक चरण में परिगलन की भविष्यवाणी करने में एक उपयोगी तकनीक	डॉ. सायन भोमिक, डॉ. अल्पना मनचंदा, डॉ. ज्योति कुमार डॉ. पविंदर लाल, डॉ. सुशांतो नियोगी	आईआरआईए का 73 वां वार्षिक सम्मेलन
अस्थायी संयुक्त आंतरिक अरेंजमेंट : क्या एमआर सभी उत्तर प्रदान कर सकता है	डॉ. अनुराग मेहंदीरत्ता डॉ. ज्योति कुमार, डॉ. अल्पना मनचंदा, डॉ. सुजाता मोहंती	आईआरआईए का 73 वां वार्षिक सम्मेलन
नेत्र और कक्षीय अंतरिक्ष में मल्टीपैरामेट्रिक एमआर इमेजिंग घावों पर कब्जा	डॉ. अपूर्व सहगल, डॉ. अल्पना मनचंदा डॉ. ज्योति कुमार डॉ. रूची	आईआरआईए का 73 वां वार्षिक सम्मेलन
सीटीए पर तीव्र और पुरानी धमनी अंग इस्केमिया के लक्षणों के साथ पेश रोगियों में रोग का स्पेक्ट्रम	डॉ. संचिता गुप्ता डॉ. रश्मि दीक्षित डॉ. अंजू गर्ग डॉ. अंजलि प्रकाश	आरएसएनए दिसंबर 2020
3 लैरिंजियल ट्यूमर के मूल्यांकन में टेस्ला मैग्नेटिक रेओनॅस इमेजिंग।)पेपर प्रेजेंटेशन में तीसरा पुरस्कार जीता(	डॉ. संतोष मीणा डॉ. सपना सिंह डॉ. गौरव प्रधान डॉ. रश्मि दीक्षित डॉ. विकास मल्होत्रा	आईआरआईए मार्च 2021 के चंडीगढ़ अध्याय का वार्षिक सम्मेलन
भ्रूण एमआरआई में T1 भारित छवियों की भूमिका	डॉ. वनिता बबेरवाल डॉ. अंजलि प्रकाश डॉ. अंजू गर्ग डॉ. सपना सिंह डॉ. संगीता गुप्ता डॉ. अजय गुप्ता	आईआरआईए मार्च 2021 के चंडीगढ़ अध्याय का वार्षिक सम्मेलन
टी 1 और टी 2 उटेसला एमआरआई का उपयोग कर घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस में आर्टिकुलर उपास्थि और मेनिस्कस की मैपिंग	डॉ. श्रुति मित्तल डॉ. गौरव प्रधान डॉ. सपना सिंह डॉ. अंजू गर्ग	आईआरआईए मार्च 2021 के चंडीगढ़ अध्याय का वार्षिक सम्मेलन

रिपोर्टिंग सुप्रास्पिनेटस आंसू:क्या सभी एक रेडियोलॉजी रिपोर्ट शामिल होना चाहिए	डॉ. दामिनी एस. डॉ. गौरव प्रधान डॉ. सपना सिंह डॉ. सुमित सुराल	आईआरआईए मार्च 2021 के चंडीगढ़ अध्याय का वार्षिक सम्मेलन)पोस्टर प्रस्तुति(
मेसैटेरिक घावों के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड और गणना टोमोग्राफी	डॉ. स्नेहल कोस डॉ. सपना सिंह डॉ. अंजू गर्ग डॉ. अल्पना मनचंदा डॉ. राजदीप सिंह	आईआरआईए मार्च 2021 के चंडीगढ़ अध्याय का वार्षिक सम्मेलन)पोस्टर प्रस्तुति(

संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सम्मेलनों में 29 वार्ताएं दी गई:-

"कोविड-19 के समय में रेडियोलॉजी." 22 मई, 2020 को कोविड-19 के समय में रेडियोलॉजी पर एसईआर पैनल चर्चा।

"गुर्दे और रेट्रोपेरिटोनियल जनता" एम्स-एमएएमसी-पीजीआई पीडियाट्रिक इमेजिंग अक्टूबर 2020 का 7वां कोर्स।

"एंडोमेट्रियोसिस की इमेजिंग" आईआरआईए- आईसीआई-महिलाओं की इमेजिंग पर संगोष्ठी 30 नवंबर 2020.

"गर्भावस्था में विकिरण" वार्षिक एसईआर सम्मेलन 6 और 7 नवंबर 2020

"एम्स द्वारा 31 अक्टूबर 20 को आयोजित पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी पर चौथे एम्स एमएएमसी पीजीआई इमेजिंग कोर्स के 7वें कोर्स में जीआईटी की विकासात्मक विसंगतियां हैं।

एम्स द्वारा 31 अक्टूबर 20 को आयोजित पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी पर चौथे एम्स एमएएमसी पीजीआई इमेजिंग कोर्स के 7वें कोर्स में बचपन की बिलियोपैथी।

आईआरआईए जनवरी 2020 का 73 वां वार्षिक सम्मेलन। "एमआरआई सुरक्षा" पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली इमेजिंग अपडेट 7-9 फरवरी 2020 - एक सत्र की अध्यक्षता की।

इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) के चंडीगढ़ चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन 22-23 फरवरी 2020। "गुर्दे सेल कार्सिनोमा की इमेजिंग" पर एक बात दी।

पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 'मस्कुलोस्केलेटल एंड ब्रेस्ट इमेजिंग' पर एम्स एमएएमसी पीजीआई सीएमई ने हिप की एमआरआई व्याख्यान दिया।

भारतीय निवासी शिक्षा कार्यक्रम-आईईपी ने 9 नवंबर 2020 को सीटी पीढियों और उससे आगे का व्याख्यान दिया।

7-9 फरवरी, 2020 से एम्स में आयोजित दिल्ली इमेजिंग अपडेट में "एकांत पल्मोनरी नोड्यूल-ए अपडेट" पर एक भाषण दिया।

एम्स में 7-9 फरवरी, 2020 को आयोजित दिल्ली इमेजिंग अपडेट में रेजिडेंट पेपर पोस्टर प्रेजेंटेशन को आंका।

21 से 23 फरवरी 2020 तक दिल्ली के अपोलो अस्पताल में आयोजित 10वीं रेडियोलॉजी रेजिडेंट हॉट सीट रिव्यू कोर्स 2020 में न्यूरोरेडियोलॉजी पर हॉट सीट रिव्यू/फिल्म रीडिंग सेशन का आयोजन किया।

30 अगस्त 2020 (वर्चुअल कांफ्रेंस) को मस्कुलोस्केलेटल रेडियोलॉजी पर एम्स-एमएएमसी-पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज में "घुटने की एमआरआई" पर व्याख्यान दिया।

10 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2020 (वर्चुअल कांफ्रेंस) में आयोजित आईआरआईए-आईसीआरआई-आईरईपी ऑनलाइन 2020 में "एचआईवी संक्रमण में न्यूरोइमेजिंग इन एचआईवी संक्रमण" पर एक भाषण दिया।

सिर और गर्दन के मामले। 2020, बेंगलूर, 1 और 2 फरवरी 2020 में।

एयरोडिगेस्टिव मामलों में इमेजिंग। आईसीआरआई- इरिया महिला दिवस मिलन, दिल्ली, 8 फरवरी 2020 में।

"इमेजिंग टेम्पोरोमिंबुलर ज्वाइंट" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। 18वीं नेशनल ट्रिपल ओ परिचर्चा और चौथे इंटरनेशनल ओरल प्रीकैंसर एंड कैंसर कॉन्फ्रेंस में मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली, 6 से 8 मार्च 2020 तक।

आंतरिक कान की विकृति सिर और गर्दन इमेजिंग पर आईआरआईए - आईसीआरआई संगोष्ठी। 31 मई 2020।

जबड़े के घावों के लिए दृष्टिकोण आईसीआरआई-आईआईआरआईए द्वारा भारतीय निवासी शिक्षा कार्यक्रम में, 17 अक्टूबर, 2020।

बचपन फेफड़े के संक्रमण तीसरे एम्स-एमएमसी-पीजीआई सीरीज में पीडियाट्रिक इमेजिंग पर 5वें कोर्स में 30 अक्टूबर 2020।

सिर और गर्दन की आपात स्थिति। सोसायटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी के 7वें वार्षिक सम्मेलन में - ऑनलाइन, 6-7 नवंबर 2020।

शंख हड्डी मूल बातें 9 ईएनटी अपडेट में- ऑनलाइन, 5 दिसंबर 2020।

आईएसएचएनआर ऑनलाइन, 6 दिसंबर 2020 की पहली वार्षिक बैठक में निवासियों प्रश्नोत्तरी।

29 अगस्त 2020 को मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग पर एम्स एमएमसी पीजीआई इमेजिंग कोर्स सीरीज में घातक बोन ट्यूमर।

11 सितंबर 2020 को इरिया कोच्चि और केआईएसटी कोच्चि वेबिनार 2020 में स्पॉटर।

29 फरवरी 2020 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में आयोजित कांफ्रेंस मेडिसिन अपडेट-2020 में 'न्यूरोइमेजिंग- कब और क्या'।

13 फरवरी 2021 को न्यूरोरेडियोलॉजी पर फिल्म रीडिंग सेशन/मॉडल केस प्रेजेंटेशन का आयोजन किया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां: कोविड महामारी प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों के दौरान संपर्क ट्रेसिंग के लिए स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में तैनात थे।

संकाय संख्या : 9

2 प्रोफेसर 7, एसोसिएट प्रोफेसर 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

एचओडी डॉ. अंजू गर्ग निम्नलिखित पुस्तकों की सह-संपादक थीं।

संपादित पुस्तकें

संधू, एम.एस., गुप्ता, ए.के., और गर्ग, ए. (2020) डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी: मस्कुलोस्केलेटल और ब्रेस्ट इमेजिंग। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स।

संधू, एम.एस., गुप्ता, ए.के., और गर्ग, ए. (2020) डायग्नोस्टिक इमेजिंग - पीडियाट्रिक इमेजिंग 4 संस्करण जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड

डॉ. ए. गर्ग ने अन्य लेखकों के साथ रेडियोलॉजी की उपरोक्त पाठ्य पुस्तकों के अध्यायों में योगदान दिया।

डॉ. अंजलि प्रकाश

इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा 30 जनवरी 2021 को प्रस्तुत राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

डॉ. सपना सिंह

डीआईयू-2021 में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित।

रेडियो नैदानिक (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एमबीबीएस पढ़ाने के अलावा रेडियो डायग्नोसिस विभाग बी.एससी. स्नातक कोर्स चला रहा है। (मेडिकल टेक्नोलॉजी) रेडियोग्राफी, दो प्रमुख स्नातकोत्तर कोर्स, एमडी रेडियो डायग्नोसिस एंड एम.एससी. (मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी) रेडियोग्राफी। यह विभाग अपने बी.एससी. और एम.एससी. (एमआईटी) रेडियोग्राफी छात्रों के उत्कृष्ट नियोजन का दावा करता है, जिसमें कई विद्यार्थी भारतीय रेलवे, जिपमर पांडिचेरी, एम्स नई दिल्ली, डीएसएसएसबी दिल्ली और पीजीआई चंडीगढ़ जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में रखे गए हैं। हमारे सभी स्नातकोत्तर छात्रों को सरकारी और निजी दोनों क्षेत्र में देश भर में अच्छी तरह से रखा गया है और कई विदेशों में काम कर रहे हैं।

संकाय निरंतर अनुसंधान में शामिल है, वित्त पोषित परियोजनाओं का संचालन किया है; कई प्रकाशन हैं और विभिन्न सम्मेलनों/सीएमई में भी सक्रिय हैं।

विभाग के पास 64 स्लाइस मल्टीडिटेक्टर सीटी स्कैनर, फ्लोरोस्कोपी, मल्टीपल डिजिटल रेडियोग्राफी और हाई एंड अल्ट्रासाउंड/डॉ.प्लर मशीनें हैं। यह चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है और कोविड महामारी के दौरान निर्बाध इमेजिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है।

हम लगातार विभाग का उन्नयन कर रहे हैं; वर्ष 2020-21 में विभाग में 03 स्टेटिक डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम, एक डिजिटल पोर्टेबल एक्सरे मशीन और एक हाई एंड अल्ट्रासाउंड मशीन को जोड़ा गया था और 07 नए रेडियोग्राफर नियुक्त किए गए थे।

सम्मान/गौरव

आईआरआईए, दिल्ली आईआरआईए हाउस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 पर डॉ. शुचि भट्ट को प्रशंसा शोध प्रदान किया गया।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा डॉ. गोपेश मेहरोत्रा को डॉ.क्टरों का एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया।

डॉ. सलोनी डागर:

आईआरआईए कोच्चि और केआईएसटी कोच्चि द्वारा आयोजित वेबिनार 2020 श्रृंखला के पीजी मॉक परीक्षा में उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार।

डॉ. शिखा अग्रवाल

27 फरवरी 2021 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के 97 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस (प्रसूति और स्त्री रोग में अंकों का उच्चतम प्रतिशत) के लिए शारदा विश्वनाथन पुरस्कार।

प्रकाशन

सिंह पी, जैन एस, राजाराम एस, राठी वी, गुप्ता बी, कालरा के (2020) गर्भावस्था और पश्चिमी शैली बैठे शौचालय उपयोगकर्ताओं बनाम बैठना में श्रम परिणाम: एक पायलट अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिप्रोडक्शन, गर्भनिरोधक, प्रसूति और स्त्री रोग, 9 (11); 4601-4605.

मल्ला डी., राठी वी., गोम्बर एस., उप्रेती एल. (2020) फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड बच्चों में बैक्टीरियल और वायरल निमोनिया के बीच अंतर कर सकते हैं। जे क्लिन अल्ट्रासाउंड, 49 (1), 91-100

यादव वी., राठी वी. (2021) छाती रेडियोग्राफ पर असि सिंड्रोम के रूप में मुखौटा धारण ब्रोन्कोसेले के साथ ब्रॉकियल कार्सिनोइड रेडियोलॉजी केस रिपोर्ट, 16:710-713।

गुलाटी एस., राठी वी., जैन एस., भट्ट एस. (2021) 64 स्लाइस एमडीसीटी पर महिला जननांग पथ का आकस्मिक रूप: ए.

क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सचित्र समीक्षा। पेट रेडियोलॉजी डीओआई:10.1007/s00261-021-03086-9 कॉर्पस आईडी: 233355959।

डागर एस., राठी वी. (2021) गंभीर फेफड़े के कोविड-19 संक्रमण में आकस्मिक फ्लोटिंग महाधमनी थ्रोम्बस। नैदानिक छवि। भारतीय जे मेड आर. जून। DOI: 10.4103/ijmr। IJMR_4590_20।

यादव वी., भट्ट एस., अताउल्लाह, लंगवाल एस. (2021) एक बच्चे में ड्यूरेल धमनी फिस्टुला की दुर्लभ घटना: बहु-मॉडलरूप इमेजिंग और साहित्य की समीक्षा। रेडियोलॉजी केस रिपोर्ट, 16 (4), 879-883।

अग्रवाल ए., टंडन ए. भट्ट एस., अग्रवाल ए., डागर एस., वंसल एच. (2021) कैविटेशन और सिस्टिक फेफड़ों में परिवर्तन के साथ कोविड-19 निमोनिया: एटियोलॉजी के एक सरगम का एमडीसीटी स्पेक्ट्रम - एक सचित्र समीक्षा। बीजेआर ओपन, 3: 20210007।

शेखर एच., शर्मा एन., सिंह एस.के., पी.के. गर्ग, भट्ट एस., साहा आर., वर्मा ए.के. (2021) एम्पाइमा थोरेक्स वाले रोगियों का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल: एक संभावित विश्लेषणात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस। (ऑनलाइन 11 मार्च)। <https://doi.org/10.1016/j.ijtb.2021.03.007>।

भट्ट एस., वंसल एच., नायक एस., डंगवाल एस. (2021) पेरिनियल रूट के माध्यम से उच्च प्रीसैक्रल संग्रह संपर्क किया गया: एक उपन्यास गणना टोमोग्राफी-निर्देशित तकनीक। रेडियोलॉजी के दक्षिण अफ्रीकी जर्नल, 25(1), ए2014।

गुलाटी एस, राठी वी, जैन एस, भट्ट एस (अप्रैल 2021) 64 स्लाइस एमडीसीटी पर महिला जननांग पथ के इंसिडेंटलोमास: एक क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सचित्र समीक्षा। एब्डॉम रेडिओल [Doi.org/10.1007/s00261-021-03086-9](https://doi.org/10.1007/s00261-021-03086-9)।

राय एस., गर्ग पी. के., भट्ट एस. (2020) लता टी के, वर्मा ए.के., बनर्जी बी.डी., सिंह एम. पी.। गैर-छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में माइक्रो-आरएनए 21 की नैदानिक भूमिका: एक खोजपूर्ण अध्ययन। फेफड़े भारत, 37(1), 501-505।

स्वरूप एस., भट्ट एस., रावल आर., टंडन ए., डंगवाल एस. (2020) तपेदिक एक महान बहाना; इमेजिंग-ए केस श्रृंखला के माध्यम से मस्कुलोस्केलेटल भागीदारी की दुर्लभ साइटों का अनावरण करना। दक्षिण अफ्रीकी जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी, 24 (1), a1919।

टंडन ए., खुल्लर टी., माहेश्वरी एस., भट्ट एस., नारंग एस. (2020) उप-नैदानिक मधुमेह न्यूरोपैथी में उच्च संकल्प अल्ट्रासाउंड: एक संभावित जांच उपकरण। अल्ट्रासाउंड। सेज जर्नल्स, 0(0), 1-12.

सुनेजा ए., गर्ग ए., भट्ट एस., गुलेरिया कश्मीर, एसवी ए.म., शर्मा आर. (2020) हिस्टेरैक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में ओवेरियन रिजर्व और वैस्कुलरिटी पर अवसरवादी साल्पिंगेक्टॉमी का प्रभाव।" इंडियन जर्नल ऑफ गायनेकोलोजिक ऑन्कोलॉजी, 18 (4), 107।

सभरवाल टी., टंडन ए., भट्ट एस., गुप्ता के. भारी भरकम अब्डोमिनो-पेल्विक सिस्टिक मास एक किशोरावस्था में: इम्फरोरेट हाइमेन की दुर्लभ प्रस्तुति। जे क्लिन मामलों प्रतिनिधि, 4 (S8), 4-6, आईएसएसएन, 2582-0435।

भट्ट एस., बनर्जी ए., टंडन ए., डंगवाल एस., गुप्ता ए. (2020) 64 स्लाइस मल्टी डिटेक्टर सीटी यूरेथ्रोग्राफी पर पुरुष मूत्रमार्ग विकृतियों का बहुरूपदर्शी दृश्य- एक उपन्यास तकनीक। दक्षिण अफ्रीकी जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी। एस Afr जे रेड, 24 (1), a1964।

चावला एस., भट्ट एस., टंडन ए., मीना जी., डंगवाल एस. (2020) एक बुजुर्ग पुरुष में द्विपक्षीय हृद्य डायवर्टिकुला: एक अज्ञात अतीत का रहस्योद्घाटन। एस Afr जे रेड, 24 (1), a1963।

टंडन ए., खुल्लर टी., माहेश्वरी एस., भट्ट एस., नारंग एस. (2020) "उप-नैदानिक मधुमेह न्यूरोपैथी में उच्च संकल्प अल्ट्रासाउंड: एक संभावित स्क्रीनिंग टूल"। अल्ट्रासाउंड, 0 (0) 1-12।

अग्रवाल ए., टंडन ए., भट्ट एस., अग्रवाल ए., डागर एस., वंसल एच. (2021) कैविटेशन और सिस्टिक फेफड़ों में परिवर्तन के साथ कोविड-19 निमोनिया: मल्टीडिटेक्टर ने एटियोलॉजी के एक सरगम के टोमोग्राफी स्पेक्ट्रम की गणना की। बीजेआर ओपन, 3: 20210007।

सभवाल टी., टंडन ए., भट्ट एस., और गुप्ता के. (2020) एक किशोर लड़की में भारी एबडोमिनो-पेल्विक सिस्टिक मास: अभेद्य हाइमन की दुर्लभ प्रस्तुति। नैदानिक मामलों और रिपोर्टों के जर्नल, 4 (58) आईएसएसएन: 2582-0435.

प्रभाव दोगुना समय। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 10 (4), 39-43।

स्वरूप एस., भट्ट एस., रावल आर., टंडन ए., डंगवाल एस. (2020) तपेदिक एक महान बहाना; इमेजिंग-ए केस श्रृंखला के माध्यम से मस्कुलोस्केलेटल भागीदारी की दुर्लभ साइटों का अनावरण करना। दक्षिण अफ्रीकी जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी, 24 (1), a1919।

भट्ट एस., बनर्जी ए., टंडन ए., लंगवाल एस., गुप्ता ए. (2020) 64 स्लाइस मल्टी डिटेक्टर सीटी यूरेथ्रोग्राफी पर पुरुष मूत्रमार्ग विकृतियों का बहुरूपदर्शी दृश्य- एक उपन्यास तकनीक। दक्षिण अफ्रीकी जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी। एस Afr जे रेड, 24 (1), a1964।

चावला एस., भट्ट एस., टंडन ए., मीना जी., डंगवाल एस. (2020) एक बुजुर्ग पुरुष में द्विपक्षीय हृद्य डायवर्टिकुला: एक अज्ञात अतीत का रहस्योद्घाटन। एस Afr जे रेड, 24 (1), a1963।

अनुसंधान परियोजनाएं - डॉ. अनुपमा टंडन के मार्गदर्शन में चल रही हैं

परियोजना शीर्षक पर अनुसंधान फेलोशिप "मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी (एमडीसीटी) से गुजर रहे रोगियों में डीएनए क्षति और मरम्मत तंत्र का अध्ययन करने के लिए"- 03 वर्ष के कार्यकाल के लिए 2019 में दी गई, 16 लाख 50 हजार रुपये का अनुदान लगभग।

एमडी थीसिस के लिए आईसीएमआर समर्थन "64 स्लाइस एमडीसीटी का उपयोग करके स्तन कैंसर के मूल्यांकन में कम खुराक सीटी परफ्यूजन इमेजिंग की भूमिका: एक प्रायोगिक अध्ययन: 50,000 रुपये का अनुदान। 2020 में दी गई।

सम्मेलन आमंत्रित व्याख्यान / लाइव डेमो

डॉ. अनुपमा टंडन

आईसीआर-आईआईआरआईए आईईपी अक्टूबर- नवंबर 2020 - "बोन ट्यूमर के लिए इमेजिंग दृष्टिकोण" पर बात की गई - आभासी बैठक।

2. आईआरआईआईए दिल्ली के 20 फरवरी 2021 को एमएसके एंड जेनिटोरिनरी इमेजिंग फिल्म रीडिंग सत्र में संकाय। (वर्चुअल मीट)।

डॉ. शुचि भट्ट

आईआरआईए दिल्ली द्वारा आयोजित स्नातकोत्तर रेडियो निदान छात्रों के लिए फिल्म पठन सत्र के लिए पैनलिस्ट

6 फरवरी 2021 पर अध्याय - ऑनलाइन मंच।

दिल्ली इमेजिंग अपडेट में "इमेजिंग इन थ्रोम्बोएम्बोलिज्म" पर बात करने के लिए आमंत्रित संकाय - 2021 का आयोजन

आईआरआरआई दिल्ली चैप्टर द्वारा 17 अप्रैल, 2021 को लाइन प्लेटफॉर्म पर।

संकाय संख्या - प्रोफेसर- 04 (यूसीएमएस - 03 और सीएचएसएस - 01)

- शिक्षण- 03 (यूसीएमएस से 01 मेडिकल भौतिक विज्ञानी सह आरएसओ

मेडिकल भौतिक विज्ञानी - जीटीबीएच

01 मेडिकल स्पेशलिस्ट ग्रेड-3

रेडियोथेरेपी (एमएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग में सीटी सिम्युलेटर लगाया गया था। रेखिक त्वरक की स्थापना के लिए साइट संशोधन शुरू हो गया है

प्रकाशन

अग्रवाल, एम., अग्रवाल, ए., अरोड़ा, एस., राठी, ए.के., और सिंह, के. (2020) उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर के रोगियों की जनसांख्यिकी और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रोफाइल: एक अवलोकन अध्ययन। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 16(8), 104.

सागर, एन., सिंह, एम., गोयल, एन., खुराना, एन., सिंह, के., और मेहर, आर. (2020) मौखिक गुहा के विकिरण-प्रेरित लेयोमायोसार्कोमा: साहित्य की समीक्षा के साथ दो मामले। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 16(8), 230.

सिंह, के., सुनकू, आर., राठी, ए.के., और प्रधान, जी.एस. (2020) नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में ट्यूमर रक्त छिड़काव को मापकर उन्नत सिर और गर्दन के कैंसर के परिणाम की भविष्यवाणी करना। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 16(8), 34.

अरोड़ा, एस., शर्मा, एन., राठी, ए.के., सिंह, के., और सहरावत, के. (2021) एक फेनोटाइपिक महिला में इंटर-एब्डॉमिनल सेमिनोमा के साथ पूर्ण एण्ड्रोजन असंवेदनशीलता सिंड्रोम: एक दुर्लभ प्रस्तुति। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स*, 17(1), 272.

सिंह, के., श्रीवास्तव, ए., श्रीवास्तव, एस., अग्रवाल, ए., गोयल, वी., राठी, ए.के., ... और सखुजा, पी। (2020)। गॉल ब्लैडर कैंसर प्रबंधन में इंटर एओर्टो-कैवल लिम्फ नोड्स का महत्व.. *जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी* 38 (15)।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी

डॉ. सविता अरोड़ा ने एलएचएमसी एन दिल्ली द्वारा आयोजित नरची, दिल्ली के बैनरशिप के तहत कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा के प्रबंधन पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

श्री मोहित कुमार (भौतिक विज्ञानी)

5-6 नवंबर के दौरान फिजिक्स विभाग, एआरएसडी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यात्मक सामग्री (आरएफएम-2020) में हालिया प्रगति पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति (ओटी-14) शीर्षक "एर3+ आयन डोपड बोरोसिलिकेट ग्लास फोटोनिक अनुप्रयोगों के लिए" 2020 और सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए उत्कृष्टता का पुरस्कार मिला।

18-20 दिसंबर 2019 के दौरान एटॉमिक, मॉलिक्यूलर, ऑप्टिकल और नैनो फिजिक्स विद एप्लिकेशन्स (सीएएमएनपी 2019), दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक

एप्लिकेशन के लिए Sm3+ के साथ सक्रिय लिथियम बिस्मथ बोरोसिलिकेट ग्लासेस" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया।

जर्नल:

डॉ. किशोर सिंह, जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स, एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के आधिकारिक जर्नल के 'एडिटर इन चीफ' के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. ए.के. राठी जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स के कार्यकारी संपादक के रूप में कार्यरत हैं, एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के आधिकारिक जर्नल

अनुसंधान परियोजनाएं:

चल रही परियोजनाएं:

डॉ. अनुरिता श्रीवास्तव

भारत में एसोफैगल कैंसर के रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के कम्प्यूटेशनल भविष्य कहनेवाला विश्लेषण के लिए डेटाबेस निर्माण "आईसीएमआर से बाह्य अनुदान द्वारा वित्त पोषित परियोजना। वार्षिक रूप से ₹ 2597840/- प्रदान किया गया फंड (8 केंद्रों द्वारा साझा किया जाएगा)

कोविड -19 महामारी के दौरान कैंसर रोगियों के परीक्षण और क्लेश बहुकेंद्र परियोजना चल रही है

राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर) की आईसीएमआर परियोजना के तहत एचबीसीआर का हिस्सा। सालाना प्राप्त फंड: रुपए 1998500/-

एसोफैगल कैंसर में एससीसी एंटीजन एमआरयू द्वारा वित्त पोषित कुल 1 लाख रु।

संकाय संख्या : 6 (छः)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी: डॉ. ए.के. राठी को डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. के. सिंह को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज रिसर्च सोसाइटी का सचिव नियुक्त किया गया

सर्जरी (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

डॉ. अनुभव विंडल को इंटरनेशनल सर्जिकल ट्यूटर, रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन ऑफ एडिनबर्ग, यूके नियुक्त किया गया।

निवासियों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रतिस्पर्धी वर्गों में पेपर प्रस्तुत किए और पुरस्कार प्राप्त किए।

सर्जिकल सेफ्टी चेक लिस्ट को लागू करने में विभाग की टीम (डॉ. लवनीश बैस और डॉ. अनुराग मिश्रा) की अहम भूमिका रही।

सहयोगी अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय हब- कोविड Surg Collaborative और GlobalSurg Collaborative के साथ सहयोग (डॉ. लवनीश बैस, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा)।

लीड्स विश्वविद्यालय (डॉ. अनुराग मिश्रा, डॉ. लवनीश बैस) के साथ गैसलेस लैप्रोस्कोपी लिफ्ट डिवाइस (आरएआईएस) डिजाइन करना।

सम्मान और गौरव

डॉ. लवनीश बैस की पहचान पब्लिक्स एकेडमी मेंटर- क्लेरिवेट एनालिटिक्स द्वारा वेब ऑफ साइंस के रूप में की गई है

डॉ. लवनीश बैस एलएमआईसी में सर्जिकल केयर डिलीवरी में अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र अकादमिक सलाहकार (ग्लोबल सर्जरी) के रूप में शामिल हुए। मुंबई, भारत (IND- 146), (क्षेत्र- ,एसईएआरओ)

प्रकाशन

विभाग से वर्ष 2020-21 में विभिन्न अनुक्रमित पत्रिकाओं में कुल 50 से अधिक प्रकाशन।

जर्नल

विभाग के संकाय विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में संपादकों/समीक्षकों के रूप में योगदान दे रहे हैं। वर्तमान में कुल ऐसी भूमिकाएँ 30 . से अधिक संख्या में हैं

अनुसंधान परियोजनाएं

अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाएं/बहु-केंद्रित परियोजनाएं

टीएएफटी (ट्रॉमा ऑडिट फिल्टर ट्रायल)- डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा।

टीटीआरआईएस (ट्रॉमा ट्राइएज इन इंडिया स्टडी)- डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा।

भारत में गैस रहित लैप्रोकोपी के लिए आरएआईएस डिवाइस का मूल्यांकन - डॉ. अनुराग मिश्रा, डॉ. लवनीश बैस।

गैस रहित लैप्रोस्कोपी परीक्षण - डॉ. अनुराग मिश्रा।

आवश्यक अनुसंधान कौशल - डेल्फी अध्ययन- पैनलिस्ट। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, टीडीआर द्वारा, उष्णकटिबंधीय रोगों में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए विशेष कार्यक्रम और वैश्विक स्वास्थ्य नेटवर्क- डॉ. लवनीश बैस।

सर्जिकल कोविड-19 अनुसंधान प्राथमिकताओं को निर्धारित करने के लिए एक डेल्फी प्रक्रिया: उत्पादन अध्ययन- चरण 3 - डॉ. लवनीश बैस।

लो-रिसोर्स अस्पतालों में लैप्रोस्कोपिक उपकरण के संदर्भ निर्भर पुनर्संसाधन का अध्ययन डॉ. लवनीश बैस।

उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल अस्पताल में सर्जिकल सुरक्षा चेकलिस्ट के बारे में दृष्टिकोण और विश्वासों का आकलन करने के लिए डॉ. लवनीश बैस, डॉ. अनुराग मिश्रा।

कोविड-19 संक्रमण में सर्जरी के परिणाम: इंडिया कोहोर्ट स्टडी (कोविडsurg India) डॉ. लवनीश बैस।

SARS-CoV-2 संक्रमण के बाद सर्जरी के लिए इष्टतम समय का निर्धारण: एक सहयोगी वैश्विक कोहोर्ट अध्ययन (कोविडSurg Week) डॉ. लवनीश बैस, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा।

आवश्यक आपातकालीन और गंभीर देखभाल डेल्फी (दौर 1 और 2)लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड पेरी-ऑपरेटिव मेडिसिन एंड इंटेसिव केयर, करोलिंस्का इंस्टिट्यूट। डॉ. लवनीश बैस।

डेल्फी सर्वेक्षण-- छिद्रित पेप्टिक अल्सर मरम्मत के दौर से गुजर रहे रोगियों में एक कोर डिस्ट्रिक्टर सेट का विकास करना। शेफील्ड विश्वविद्यालय, एनएचएस ट्रस्ट द्वारा। डॉ. लवनीश बैस।

जीआई सर्जरी के परिणाम: बहुमहाद्वीप- डेल्फी प्रक्रिया- डॉ. अनुराग मिश्रा।

एक कोविड समर्पित तृतीयक देखभाल अस्पताल में रोगी, परिचारक और डॉक्टर संचार को बेहतर बनाने में व्हाट्सएप की भूमिका- डॉ. मनु वत्स।

आयोजित सम्मेलन

सर्जरी अपडेट 2020, 2-5 फरवरी 2021 एमएएमसी, नई दिल्ली

इंडो यूके सर्जन, 15 अक्टूबर, 16, 2020

स्कोप 2021, एसआई का दिल्ली स्टेट चैप्टर, 7 जनवरी - 10वीं, 2021

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

एसीएस 2020, SAGES, ASICON 2020, SCOPE 2020, सर्जरी अपडेट 2020 जैसे कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्लेटफॉर्मों में संकाय और विभाग के निवासियों द्वारा की गई 50 से अधिक प्रस्तुतियाँ

सर्जरी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यूसीएमएस से पांच नए संकाय सदस्य (सहायक प्रोफेसर) और जीटीबी अस्पताल से एक गैर-शिक्षण एनएफएसजी संकाय विभाग में शामिल हुए। एक संकाय सदस्य (सहायक प्रोफेसर, यूसीएमएस) ने विभाग छोड़ दिया। संकाय सदस्यों ने उच्च उद्धरण सूचकांक के साथ प्रमुख अनुक्रमित अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषता पत्रिकाओं में कई शोध प्रकाशित किए। संकाय सदस्यों को अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के तहत सूची के अनुसार प्रतिष्ठित कार्य प्राप्त हुए। विभाग ने 25 मल्टी पैरा मॉनिटर चिकित्सा उपकरणों का अधिग्रहण किया। विभाग ने वर्ष 2020 से 2021 की अधिकांश अवधि के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल को पूरी तरह से कोविड में बदलने के कारण वर्चुअल ऑनलाइन मोड में एमबीबीएस छात्रों के सर्जरी में ऑनलाइन कक्षाओं के व्याख्यान और अस्पताल में पोस्टिंग सफलतापूर्वक आयोजित की।

प्रकाशन

सिंह, आई., बेहरा, डी.पी., टी.के., ए., और गुप्ता, एस.(2021) सौम्य प्रोस्टेटिक इज़ाफ़ा (बीपीई) के कारण निचले मूत्र पथ के गैर-न्यूरोजेनिक अतिसक्रिय मूत्राशय के लक्षणों (ओएबीएस) के प्रबंधन में तमसुलोसिन बनाम मिराबेग्रोन के साथ इसके संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल प्रैक्टिस, e14184.

सिंह, आई., अरविंद, टी.के., बेहरा, डी.पी., पनेसर, एन., और जैन, डी. (2020) मैलिग्नेंट मेसोथेलियोमा ऑफ स्पर्मेटिक कॉर्ड मिमिकिंग ए सौम्य इंगुइनोस्क्रोटल सूजन: केस रिपोर्ट विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर। अफ्रीकन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी, 26(1), 1-4.

सिंह आई, अरविंद टीके, बेहरा डीपी, पटेल डी. एक्स्ट्रा स्क्रोटल स्पर्मेटोसेले - ए यूनिक केस प्रेजेंटेशन एंड ब्रीफ रिव्यू ऑफ लिटरेचर। एनल यूरोल और नेफ्रोल, 2(2):1-3। <http://dx.doi.org/10.33552/AUN.2020.02.000535> AUN.MS.ID.000535

सिंह, आई., अरविंद, टी.के., और पनेसर, एन. (2020) पेरिनेल एक्टोपिक टेस्टिस (पीईटी): अज्ञानता "नहीं" एक आनंद है। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, 82(6), 1306-1307।

सिंह, आई., अरविंद, टी.के., बेहरा, डी.पी., और पनेसर, एन. (2020) एंडोरोलॉजी युग-केस रिपोर्ट और साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा में डिस्टल यूरेटरिक जाइंट कैलकुली के प्रबंधन के लिए लैप्रोस्कोपिक यूरेरोलिथोटॉमी। मेडिकल केस रिपोर्ट्स के यूरोपीय जर्नल, 4(8), 259-262।

सिंह, आई., टीके, ए., और गुप्ता, एस (2020) सौम्य प्रोस्टेट हाइपरप्लासिया (बीपीएच) के परिणामस्वरूप निचले मूत्र पथ के लक्षणों (एल्यूटीएस) में टैडालाफिल बनाम टैमसुलोसिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा - खुले लेबल यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल प्रैक्टिस, 74(8), e13530।

कौर, एन., तनवीर, एन., और नस्कर, एस. (2021) ए डायग्नोस्टिक इनिगमा—एक प्रीमेनार्चल गर्ल में किशोर फॉइब्रोएडीनोमा की एक दुर्लभ प्रस्तुति। बाल रोग और किशोर स्त्री रोग जर्नल।

पाटिल पीएम, शर्मा के, कौर एन (2020) पेसो फोड़ा के रूप में एक्यूट नेक्रोटाइजिंग अग्नाशयशोथ का मुखौटा: दो मामलों की एक रिपोर्ट। आर्क सर्ज क्लिन रेस। 4: 018-021।

कौर, एन., कुमार, आर., जैन, ए., और सक्सेना, ए.के. (2021)। स्तन कैंसर सर्जरी में इंटरकोस्टोब्राचियल तंत्रिका के संरक्षण के बाद संवेदी परिवर्तन और पोस्टमास्टेक्टोमी दर्द: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी*, 12(1), 108-113.

जरीवाला पी., कौर एन. (2021) हाथ/कंधे की समस्याओं की व्यापकता और स्तन कैंसर से बचे लोगों में जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव पर एक वर्णनात्मक अध्ययन। *इंडियन जे कैंसर*, 58:201-6।

घनशेला, आर., बनर्जी, बी.डी., सिद्धार्थ, एम., और गुप्ता, एस. (2020) उत्तर-भारतीय आबादी में डीएनए रिपेयर जीन पॉलीमॉर्फिज्म (एक्सपीए और एक्सपीजी) और यूरिनरी ब्लैडर कैंसर का खतरा। *मेटा जीन*, 24, 100676।

जैन, बी.के., गुप्ता, एच., मोहता, एम., शर्मा, एन., और गुप्ता, एस. (2021) सिंपल एनल फिस्टुला: क्लिनिकल क्राइटेरिया फॉर डायग्नोसिस एंड लोकल एनेस्थीसिया विद कॉन्शियस सेडेशन फॉर सर्जरी-एक ऑब्जर्वेशनल स्टडी। *कोलोरेक्टल रिसर्च के इतिहास*, 9(1), 24-31.

बागला, सी., और अग्रवाल, वी. (2020) Onycholemmal Carcinoma: एक दुर्लभ, विशिष्ट स्कवैमस सेल मैलिगनेंसी। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 1-3।

अग्रवाल, वी., और गुप्ता, एस. (2020) साइटस इनवर्सस-एक गैर-असामान्य इकाई। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 82(4), 742-743।

अग्रवाल, वी., और गुप्ता, एस. (2020)। क्रोनिक मेसेन्टेरो-अक्षीय गैस्ट्रिक वॉल्वुलस एक पैराहाइटल डायफ्रामिक हर्निया से जुड़ा हुआ है: एक दुर्लभ इकाई। *इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी*, 82(4), 731-732।

नैयर आर, गुप्ता ए, अग्रवाल वी. सेप्ट. 2020 थायरॉइड कार्टिलेज के मल्टीपल मायलोमा: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। *रुमेटोलॉजी रिसर्च जर्नल। जेआरआर*, 2(3): 146 -153।

गुप्ता, सुनेजा ए, अग्रवाल वी, पाठक ए.ए. 2020 "मूत्राशय टूटना की मरम्मत के बाद यूरोपेरिटोनियम का रूढ़िवादी प्रबंधन"। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइटिफिक रिसर्च (आईजेएसआर)*, 9(7), 68-69।

एम.फिल./पीएच.डी. की संख्या उपाधियां प्रदान-13 स्नातकोत्तर छात्रों को एमएस [सामान्य सर्जरी] से सम्मानित किया गया।

संकाय संख्या : 9

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. इकबाल सिंह (प्रोफेसर सीएएस-नियुक्त) को 18 से 22 जनवरी तक सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती के लिए व्यक्तित्व परीक्षण के आयोजन में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा 2020 के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) नई दिल्ली की सहायता के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था। .

डॉ. इकबाल सिंह (प्रोफेसर सीएएस-नियुक्त) को वर्चुअल ऑनलाइन मोड में आयोजित 30वें वार्षिक सम्मेलन NZUSICON 2020 (22-24 जनवरी 2021) में एक वीडियो/पोस्टर सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. इकबाल सिंह (प्रोफेसर सीएएस-नियुक्त) को शारीरिक घटना के रूप में 4 फरवरी 2021 को सर्जरी विभाग मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज द्वारा एमएएमसी में 38 वें वार्षिक एमएएमसी सर्जरी अपडेट में यूरोलॉजी सत्र की अध्यक्षता करने के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. इकबाल सिंह (प्रोफेसर सीएएस-नियुक्त) को दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) द्वारा 2020 और 2021 में यूरोलॉजी सर्जरी की विशेषता में चिकित्सा लापरवाही के आरोपों को देखने के लिए सह-चुना गया सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. इकबाल सिंह (प्रोफेसर सीएस-नियुक्त) को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पोस्टग्रेजुएट और पोस्ट डॉक्टरल डीएनबी/एफएनबी पाठ्यक्रमों के लिए दिल्ली में सामान्य सर्जरी विभाग के मूल्यांकन के लिए एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. इकबाल सिंह (प्रोफेसर सीएस-नियुक्त) को इंटरनेशनल यूरोलॉजी नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, जर्नल जैसे कई पत्रिकाओं के संपादकों द्वारा यूरोलॉजी सर्जरी की विशेषता में प्रकाशन के लिए प्रस्तुत पांडुलिपियों का मूल्यांकन और समीक्षा करने के लिए एक समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। वर्ष 2020-2021 में एंडोरोलॉजी आदि।

डॉ. विवेक अग्रवाल ने अगस्त 2020 में बांग्लादेश चिकित्सा सेवाओं के विशेषज्ञों की मेजबानी की।

डॉ. विवेक अग्रवाल ने दिल्ली स्टेट चैंप्टर-एसआई के तत्वावधान में 7 से 10 जनवरी 2021 तक आयोजित होने वाली सर्जरी क्लिनिकल ओरिएण्टेड पोस्टग्रेजुएट परीक्षा "स्कोप कोर्स 2021" (वर्चुअल मोड) में शिक्षक एवं परीक्षक नियुक्त किया।

डॉ. विवेक अग्रवाल ने क्लिनिकल स्किल अपडेट 2021 में स्पीकर को आमंत्रित किया। 28 से 31 जनवरी, (ऑनलाइन) वर्चुअल प्लेटफॉर्म

डॉ. विवेक अग्रवाल ने एमएमसी सर्जरी अपडेट 2021 में वक्ता को आमंत्रित किया। 2 से 5 फरवरी तक। 4 फरवरी को थायराइड रोग और पुरुष पर व्याख्यान सत्र के लिए अध्यक्ष।

सर्जरी (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सर्जरी विभाग ने 28 से 31 जनवरी 2021 तक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एलएचएमसी सर्जरी नैदानिक अपडेट का तीसरा संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित किया। अद्यतन ~ 800 प्रतिनिधियों और ~ 100 संकाय सदस्यों दोनों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय द्वारा भाग लिया था। डीजीएस के डॉ. सुनील कुमार ने समापन समारोह की शोभा बढ़ाई और सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ताओं को पुरस्कार वितरित किए। सितंबर 2020 में दिल्ली राज्य अध्याय की एक मासिक बैठक का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। विभाग ने प्री-हॉस्पिटल ट्रॉमा ट्रेनिंग कोर्स आयोजित किए और हमारे अधिकांश प्रशिक्षित विद्यार्थी कैट एंबुलेंस में कार्यरत थे, जो आघात पीड़ितों की प्रीहॉस्पिटल देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उत्कृष्ट परिणाम के साथ 100 से अधिक बैरिएट्रिक प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया है। कोविड संकट के दौरान, हम माइक्रोसॉफ्ट टीमों के मंच पर UGs और PGs के लिए ऑनलाइन सिद्धांत और नैदानिक कक्षाओं का आयोजन किया गया है। विभाग के फैकल्टी और रेजिडेंट डॉक्टर नियमित रूप से कोविड वार्डों में ड्यूटी कर रहे हैं। टर्प (बीएचपी के लिए), टर्बटी (मूत्राशय ट्यूमर), उर्स जैसी अंतःसंव्यवहारिक प्रक्रियाएं नियमित रूप से की जाती थीं। सीआरएफ रोगियों के लिए संवहनी सर्जरी प्रक्रियाएं-ए-वी फिस्टुला (प्रत्यारोपण का इंतजार/डायलिसिस से गुजरना) नियमित रूप से किया गया। विभाग के पास गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, यूरोलॉजिकल, हेड एंड नेक और ब्रेस्ट कैंसर के व्यापक सर्जिकल और चिकित्सा प्रबंधन प्रदान करने के लिए एक सक्रिय ऑन्कोसर्जिकल कार्यक्रम है। नैदानिक और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए, बाधा पीएच निगरानी, यूरोडायनामिक अध्ययन और एसोफैगल मैनोमीटरी विभाग में ही किया जाता है। उच्च परिभाषा कैमरे का उपयोग कर अग्रिम लेप्रोस्कोपिक सर्जरी नियमित रूप से किया गया। विभाग में रोबोटिक सर्जरी की स्थापना पाइपलाइन और जोर के हमारे भविष्य के क्षेत्र में है।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रिया हाजरा : एनएमएस मेडिकल साइंटिस्ट एक्सचेंज प्रोग्राम 2020-2021 के लिए चयनित।

डॉ. कुसुम मीणा मुक्त कागज श्रेणी में एसिकॉन में प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार।

स्नातकोत्तर छात्रों की उपलब्धियां

वर्चुअल ASICON 17-19 दिसंबर 2020 के दौरान डॉ. जनीता शामकांत कुनाइकर को "स्टेरॉयड हार्मोन पर नियोजित कीमोथेरेपी का प्रभाव और स्तन कैंसर के रोगियों में उनके 2 न्यू रिसेप्टर स्थिति" शीर्षक वाले पेपर के लिए सत्र 6 में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रथम पुरस्कार मिला।

डॉ. स्पंदना जे ने "सीरम उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल के बीच सहसंबंध और तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ की गंभीरता- एक संभावित अवलोकन अध्ययन" शीर्षक वाले पेपर के लिए डॉ. सी पलानीवेलु बेस्ट स्नातकोत्तर पेपर अवार्ड (सत्र 8 (5)) में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वर्चुअल ASICON 17-19 दिसंबर 2020।

डॉ. सुरुचि कुमारी को वर्चुअल ASICON 2020, 17-19 दिसंबर 2020 के दौरान "क्या लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रैक्टोमी के बाद गैस्ट्रो-ओओसोफेगल रिफ्लक्स के पीछे असली अपराधी है" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (सत्र 10) में प्रथम पुरस्कार मिला।

डॉ. मंजू को "शॉर्ट टर्म पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द और रोगी असुविधा के बाद लैप्रोस्कोपिक टीएपीपी इनगुनल हर्निया रिपेयर विद कंपोजिट मेश बनाम पॉलीप्रोपाइलीन मेश: ए रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल" शीर्षक वाले पेपर के लिए बेस्ट फ्री पेपर अवार्ड प्रथम पुरस्कार (सत्र 4, स्टेशन 10) मिला। वर्चुअल ASICON 17-19 दिसंबर 2020।

डॉ. संजय मीणा ने डॉ. सी पलानीवेलु बेस्ट स्नातकोत्तर पेपर अवार्ड (सत्र 8 (2)) में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया, जिसका शीर्षक था "लैप्रोस्कोपी द्वारा निर्देशित ट्रांसवर्स एडोमिनिस प्लेन ब्लॉक की तुलना बनाम बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में ट्रांसएडोमिनल अल्ट्रासाउंड गाइडेड ब्लॉक: एक यादृच्छिक वर्चुअल ASICON 17-19 दिसंबर 2020 के दौरान सिंगल ब्लाइंड तुलनात्मक अध्ययन"।

प्रकाशन

सिंह बी. के., साहा एस., अग्रवाल एस., राठौर वाई.एस. (2020) अंडाशय का घातक ब्रेनर ट्यूमर, जो आंतों में रुकावट और वेध के रूप में प्रकट होता है। बीएमजे केस रिपोर्ट सीपी, 13(6), ई235394।

गुप्ता आर., एंडली एम., साहा एस., और कुमार ए. (2020)। डू प्राइमरी "इडियोपैथिक" एंटरोलिथियासिस आंत्र वेध के असामान्य कारण के रूप में। ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, 39(4), 223-225

नियोगी एस., सेंगर एम., मोहता ए. रेक्टोवेस्टिबुलर फिस्टुला और रेक्टोथ्रैथल फिस्टुला में पोस्टऑपरेटिव मैनेमेट्रिक प्रोफाईल: एक तुलनात्मक अध्ययन। आईपी इंट जे मेड पेडियाट्र ओनकोल, 6 (2): 65-67।

कौशल एम., अग्रवाल पी., श्रीवास्तव एन., शर्मा डी., भारद्वाज एम., आहूजा ए. सिंक्रोनस मैलिगनेंसीज: ए टेल ऑफ टू डिफरेंट ट्यूमर। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल, 63:147-9

परमार पी, चौधरी आर, सिंह आर, लाल आर, बोरघरिया एस, एंडली एम, सौरभ जी 2021 एक्यूट मेसेन्टेरिक इस्किमिया: कोविड-19 की एक असामान्य प्रस्तुति। इंट सर्ज जे. 8(3):1057-1059.

परमार पी., अली एस., लाल., आर., बोरघरिया एस., एंडली एम., सौरभ जी. 2021 डुओडेनल एडेनोकार्सिनोमा: युवा वयस्क में आंतों में रुकावट का एक दुर्लभ कारण। इंट सर्ज जे, 8(3):1030-1032।

चौधरी पी., नागपाल ए., बोरघरिया एस., लाल आर. 2020 ईएसोफेगल तपेदिक: एक व्यवस्थित समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ ओटोरिनोलारंगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी। DOI 10.1007/s12070-021-02541-9।

चौधरी पी., भड़ाना यू., लाल आर 2020 कार्सिनोमा और कोलन के तपेदिक के सह-अस्तित्व का एक पूर्वव्यापी सहवास अध्ययन: 12 वर्ष का अनुभव। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के भारतीय जर्नल, 12(1); 61-66. डीओआई: 10.1007/एस13193-020-01249-6।

सिंह एसके, गुप्ता ए, परमार पी, चौधरी पी, लाल आर. रॅपन्ज़ेल सिंड्रोम: एक केस रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन एंड डेंटल रिसर्च, 6(3):SG01-SG-04

वंसल एलके, आलम ए, दास एस, चौधरी पी। 2020। जन्मजात डायफ्रामिक हर्निया (बोचकडेलक) - जीवन के सातवें दशक में रोगसूचक बन जाता है- एक दुर्लभ मामला रिपोर्ट। इंडियन जे सर्जन, डीओआई: 10.1007/एस 12262-020-02248-1।

गुप्ता ए.के., राज ए., पोद्दार डी.डी., वंसल एल.के., चौधरी पी. 2020 ओपन वंक्षण हर्निया सर्जरी में सेल्फ-ग्रिपिंग मेश फैलाने के लिए नई चार गुना तकनीक। इंडियन जे सर्ज, डीओआई: 10.1007/s12262-021-02718-0.

जगन्नाथ एस., अग्रवाल एल., अली एस., कुमार ए., मोहता ए. 2021 सबसे पुराने में पुरुष स्तन कार्सिनोमा: एक अत्यंत दुर्लभ इकाई। इंट सर्ज जे, 8:424-6.

साहा एस., वत्स एम., गुप्ता आर., ठाकुर बी., कोचर जी., सक्सेना एस. क्या प्रशिक्षुओं द्वारा देशी धमनीविस्फार नालव्रण सुरक्षित रूप से बनाया जा सकता है? प्रशिक्षुओं द्वारा किए गए संवहनी पहुंच के लिए देशी धमनी शिरापरक फिस्टुला के परिणामों की तुलना सलाहकार द्वारा की गई। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, 82:367-370।

साहा एस., मोहता ए. रेडिकल नेफ्रोएटेरेक्टॉमी के बाद अंग-सीमित ऊपरी मूत्र पथ यूरोटेलियल कार्सिनोमा रोगियों में इंद्रावेसिकल पुनरावृत्ति के लिए जोखिम कारक और ऑन्कोलॉजिकल परिणाम पर एक आमंत्रित टिप्पणी। इंट जे सर्ज, 77:63।

गर्ग ए., वंसल एस., साहा एस., कुमार ए. सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया वाले रोगियों में लक्षण स्कोरिंग और अल्ट्रासोनोग्राफिक मापदंडों के साथ यूरोडायनामिक प्रोफाइल के सहसंबंध का अध्ययन। जे फैमिली मेड प्राइम केयर, 9: 215-220।

गर्ग ए., कथपालिया यू., वंसल एस., एंडली एम., साहा एस. एनसीटी के बाद स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में एसएलएन मैपिंग का एक अवलोकन अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल एंड बायोमेडिकल स्टडीज, 4:83-87।

गुप्ता आर., एंडली एम., साहा एस., कुमार ए. (2020) "गेंट स्कैल्प मेटास्टेसिस: त्वचीय घातक मेलेनोमा की एक असामान्य प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, 83:338-340।

मीना के., अर्सिया ए. 2021 "कॉन्डिलोमा एक्यूमिनाटा: प्रारंभिक उपचार की मांग सर्जिकल हस्तक्षेप से बच सकती है: दो मामलों की एक रिपोर्ट"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 13(01), 15860-15862।

अर्सिया, आशीष, हजरा, प्रिया, अनवर, शबाब, थॉमस, शाजी, अभय, पूजा, सिंह स्मिता, 2021 पारंपरिक गैस्ट्रिनोमा त्रिकोण की सीमा के बाहर स्थित प्राथमिक नोडल गैस्ट्रिनोमा के कारण ज़ोलिंगर एलिसन सिंड्रोम: एक मामले की रिपोर्ट। इंट सर्ज जे, 8(5):1653-1657। डीओआई: <https://dx.doi.org/10.18203/2349-2902.isj20211852>।

वंदना सिंह, ललित अग्रवाल, प्रिया हाजरा, शादान अली, अशोक कुमार, अनूप मोहता। 2021. कोलोनिक मेसेंटरी का प्लेमोर्फिक लेयोमायोसार्कोमा: लोअर जीआई ब्लीड का एक असामान्य कारण - केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। इंट सर्ज जे, 8(2):754-756। डीओआई: <https://dx.doi.org/10.18203/2349-2902.isj20210399>।

अली शादान 2021 सबसे पुराने में पुरुष कार्सिनोमा: एक अत्यंत दुर्लभ इकाई: इंटरनेशनल सर्जरी जर्नल। इंट सर्ज जे, 8(1): 424-426।

अली शादान 2021. डुओडेनल एडेनोकार्सिनोमा: युवा वयस्क में आंतों में रुकावट का एक दुर्लभ कारण। इंट सर्ज जे, 8(3):1030-1032 <http://www.ijurgery.com>।

अली। शादान 2021. कोलोनिक मेसेंटरी का प्लेमॉर्फिक लेयोमायोसार्कोमा: लोअर जीआई ब्लीड का एक असामान्य कारण - केस रिपोर्ट और साहित्य समीक्षा। इंट सर्ज जे, 8(2):754-756 <http://www.jsurgery.com>

पुस्तक/अध्याय का योगदान

मोहता ए. 2020 नवजात शिशुओं और उनके प्रबंधन में श्वसन संकट के सर्जिकल कारण इन: माथुर एनबी। ईडी। आवश्यक नियोनेटोलॉजी दूसरा संस्करण नई दिल्ली: सीबीएस पब्लिशर्स;. पृष्ठ 351-359

मोहता ए. 2020 तीव्र पेट में: गुप्ता पी (एड) बाल चिकित्सा और नवजात आपात स्थिति के सिद्धांत। चौथा एड। नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स पृष्ठ 796-803।

मोहता ए., मोहता एम. 2020 सटीक संदर्भ विश्वसनीयता में जोड़ें मिश्रा डी, शाह डी (ईडी) एक वैज्ञानिक कागज लिखने की कला और विज्ञान नई दिल्ली: सीबीएस पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स पृष्ठ 85-92

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में कार्यरत विभागीय शिक्षकों की संख्या : > 10 संकाय सदस्य प्रतिष्ठित अनुक्रमित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में समीक्षक हैं।

आयोजित संगोष्ठियां

क्र.स.	संकाय सदस्य	आयोजकों का नाम	स्थान और तिथि
1	डॉ. रोमेश लाल सभी संकाय सदस्य	आयोजन अध्यक्ष, मासिक बैठक, दिल्ली राज्य अध्याय, एसआई	एलएचएमसी सितंबर'2020

आयोजित सम्मेलन

क्र.स.	संकाय सदस्य	आयोजकों का नाम	स्थान और तिथि
1.	डॉ. रोमेश लाल (अध्यक्ष का आयोजन)	सर्जरी विभाग, एलएचएमसी	मासिक मीट, दिल्ली स्टेट चैप्टर, एसआई, एलएचएमसी सितंबर'2020
2.	डॉ. रोमेश लाल अध्यक्ष का आयोजन	सर्जरी एलएचएमसी विभाग	एलएचएमसी सर्जरी पीजी क्लीनिकल अपडेट 28 जनवरी'2021-31 जनवरी'2021 वर्चुअल प्लेटफॉर्म
	डॉ. ज्ञान सौरभ, आयोजन सचिव		
	डॉ. ललित अग्रवाल आयोजन सचिव		
	डॉ. आशीष अरसिया (कोषाध्यक्ष)		
	डॉ. सौरभ बोरघरिया कोषाध्यक्ष		
	सभी संकाय सदस्य		
3.	डॉ. निखिल तलवार	सर्जरी एलएचएमसी	लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज,

		विभाग	नई दिल्ली में मेडिस कॉन्वेंटस 2020 के फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

नाम	भूमिका/विषय	आयोजक	सम्मेलन का नाम, स्थान तिथि
डॉ. अनूप मेहता	प्रतिनिधि	एसएसपीएच, नोएडा	बाल चिकित्सा कोलोरेक्टल क्लब की आभासी 27 वीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक 12-13 दिसंबर 2020
डॉ. ज्ञान सौरभ	प्रतिनिधि	एंडोस्कोपिक सर्जरी के लिए यूरोपीय एसोसिएशन	28 वीं अंतर्राष्ट्रीय ईएईएस कांग्रेस, 24-27 जून 2020, आभासी कांग्रेस
डॉ. सुदीप्त साहा	प्रतिनिधि	सर्जन के अमेरिकी कॉलेज	एसीएस क्लीनिकल कांग्रेस 2020 3-7, अक्टूबर 2020 ऑनलाइन
डॉ. रोमेश लाल	अध्यक्ष	वार्षिक सम्मेलन एसआई दिल्ली चैप्टर	सुरगिकॉन, 2020, 6-8 नवंबर 2020
डॉ. शाजी थॉमस	विशेषज्ञ व्याख्यान,	सर्जिकल विषय विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	
डॉ. मनोज एंडले	अध्यक्ष		
डॉ. ज्ञान सौरभ	अध्यक्ष		
डॉ. आशीष अरसिया	अध्यक्ष/प्रतिस्पर्धी ई पोस्टर		

डॉ. शादान अली	चेयरपर्सनवीडियो प्रेजेंटेशन/
डॉ. सुदीप्ता साहा	अध्यक्षएस्कलेशन पर परिचर्चा के दौरान एक बहस में भाग लिया-कैंसर में डी -
डॉ. राहुल पुसुलूरी	शल्यचिकित्साविषय पर प्रस्ताव के लिए बहस: क्या हेमी-थायराइडोक्टॉमी कम जोखिम विभेदित थायराइड कैंसर (पीटीसी) में उपयुक्त है?

डॉ. कुसुम मीणा	प्रतियोगी पोस्टर प्रस्तुति के न्यायाधीश		
डॉ. एजाज अख्तर	अध्यक्ष पोस्टर सत्र के लिए वैज्ञानिक सत्र और न्यायाधीश के लिए अध्यक्ष संकाय		
डॉ. रोमेश लाल	अध्यक्ष	अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन-इंडिया चैप्टर	गुरुकुल एसीएसकॉन 2020, अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स का वार्षिक सम्मेलन -इंडिया चैप्टर, दिसंबर 2020
डॉ. मनोज एंडले	अध्यक्ष		

डॉ. ज्ञान सौरभ	स्पीकर-"ट्रेकिओस्टोमी" और "एक्स-रे पेट" पर बात करें		ऑनलाइन
डॉ. प्रिया हजारा	अध्यक्ष		
डॉ. रोमेश लाल	अध्यक्ष	सर्जरी विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली	एलएचएमसी सर्जरी क्लिनिकल अपडेट 2021
डॉ. अनूप मेहता	अध्यक्ष		28 जनवरी से 31 जनवरी 2021 तक।
डॉ. मनापेज एंडले	स्पीकर- "ऑपरेटिव प्रक्रियाओं" पर बात करें		लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली
डॉ. प्रिया हजारा	स्पीकर - टीएनएम वर्गीकरण पर बात करें		(ऑनलाइन)
डॉ. ज्ञान सौरभ	स्पीकर-"वार्ड राउंड" पर बात करें		
डॉ. सुदपिता साहा	व्याख्यान- एमएस/डीएनबी परीक्षा में सर्जिकल नमूने का रख कैसे करें		
डॉ. आशीष अरसिया	संकाय		
डॉ. पवन कुमार	संकाय		
डॉ. एजाज अख्तर	संकाय		
डॉ.निखिल तलवार	संकाय		
सभी संकाय सदस्य			
डॉ. रोमेश लाल	अध्यक्ष	38 वां वार्षिक एमएएमसी सर्जरी अपडेट- 02-05 फरवरी 2021 को नई दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में सर्जरी में राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम।	मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली 02-05 फरवरी 2021 को।
डॉ. मनोज एंडले	वक्ता		
डॉ. ज्ञान सौरभ	अध्यक्ष " ट्रामा प्रबंधन में क्या नया "		
डॉ.निखिल तलवार	अध्यक्ष		
डॉ. सुदपिता साहा	अध्यक्ष , "मल्टीपल एंडोक्राइन		

	नियोप्लासिया"		
डॉ. अनूप मेहता	सम्मानित अतिथि	एक स्वास्थ्य पर पहला डिजिटल सम्मेलन	6 जुलाई 2020.
डॉ. अनूप मेहता	मध्यस्थ	स्कोप कोर्स 2021 एसआई दिल्ली चैप्टर में स्कोप कोर्स फैकल्टी	दिल्ली स्टेट चैप्टर के तत्वावधान में 7 से 10 जनवरी 2021 को एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया
डॉ. निखिल तलवार	संकाय		
डॉ. प्रिया हजारा	वीडियो प्रदर्शन -एमआरएम		
डॉ. अनूप मेहता	सहभागी	आईएपी	अच्छी नैदानिक प्रथाओं और अनुसंधान नैतिकता पर आभासी आईएपी प्रशिक्षण कार्यक्रम 22-23 अगस्त 2020
	संकाय	इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थकेयर इंफ्रामेंट एंड बीएमजे द्वारा 13 अगस्त 2020 को 'कम कम करने वाले कचरे के साथ अधिक करने और गुणवत्ता में सुधार' पर वर्चुअल वर्कशॉप	हेल्थकेयर सुधार और बीएमजे के लिए संस्थान
	संकाय	12-13 दिसंबर 2020 को आयोजित बाल चिकित्सा कोलोरेक्टल क्लब 2020 की 27वीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लिया	12-13 दिसंबर 2020
	प्रतिनिधि	हेल्थकेयर सुधार और बीएमजे के लिए संस्थान	30 जुलाई 2020 को "सुरक्षा पोस्ट महामारी में सुधार" पर आभासी कार्यशाला
	प्रतिनिधि	हेल्थकेयर सुधार और बीएमजे के लिए संस्थान	6 अगस्त 2020 को "कोविड-19 के दौरान परिवर्तन के लिए नेतृत्व और संस्कृति" पर आभासी कार्यशाला
	प्रतिनिधि	हेल्थकेयर सुधार और बीएमजे के लिए संस्थान	13 अगस्त 2020 को "कम कम करने वाले कचरे के साथ अधिक करने और गुणवत्ता में सुधार" पर आभासी कार्यशाला
	प्रतिनिधि	दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण	ई-ऐड-ऑन - 10-8-2020 से 14-9-2020 तक कानूनी मुद्दों पर पाठ्यक्रम
	अध्यक्ष	इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन	16-18 अक्टूबर 2020 से ई-आईएपीएससीओएन
डॉ. शाजी थॉमस	अध्यक्ष	13वीं SELSICON&12वीं आईएचएससीओएन 30-	एम्स, 30 -31 अक्टूबर 2020

		31,2020 अक्टूबर को आयोजित	
डॉ. ज्ञान सौरभ	अध्यक्ष		
डॉ. कुसुम मीणा	प्रस्तुत कागज, "रेडियोलॉजिकल जांच बड़े इंजिनियल हर्निया के लिए के बाद जल्दी पुनरावृत्ति के लिए भ्रामक"		
डॉ. प्रिया हजारा	संकाय	एसआई आरआरसी सम्मेलन 22 सितंबर 2020 प्रारंभिक स्तन कैंसर	एसआई आरआरसी सम्मेलन 22 सितंबर 2020 प्रारंभिक स्तन कैंसर
डॉ. ज्ञान सौरभ	सदस्य पाठ्यक्रम समिति, एलएचएमसी	एमसीआई, पाठ्यक्रम कार्यान्वयन सहायता कार्यक्रम द्वितीय	ऑनलाइन, 16 -17 जुलाई 2020
डॉ. ज्ञान सौरभ	वक्ता -साहित्य की समीक्षा लेखन पर बात"	आरपीसी, एलएचएमसी	1 वर्ष पीजी प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला, आभासी 21-23 अगस्त 2020
डॉ. प्रिया हजारा	अध्यक्ष	एसओएमएसीओए एशियाई सोसायटी ऑफ मास्टोलॉजी	एसओएमएसीओएन 2020 दिसंबर 2020
डॉ. ज्ञान सौरभ	पेपर प्रेजेंटेशन सेशन में चेयरपर्सन/जज		
डॉ. ज्ञान सौरभ	अध्यक्ष	एम्स, नई दिल्ली	ट्रॉमा, 2020 वर्चुअल 3-5 दिसंबर 2020
डॉ. ज्ञान सौरभ	वक्ता	सर्जन के अमेरिकन कॉलेज के साथ सहयोग में	गुरुकुलकॉन 2020 9 -13 दिसंबर 2020
डॉ. शादान अली	चेयरपर्सन/पेरोटिड सूजन,	एसआई आरआरसी 2020 जोन 6	एसआई आरआरसी 2020 के रूप में एफएक्यू जोन 6 , पेरोटिड सूजन, 23 सितंबर 2020।
डॉ. शादान अली	चेयरपर्सन/क्लीनिकल केस प्रेजेंटेशन	http://www.youtube.com/c/GENERAL SURGERY PG CLINICS मेजबान - डॉ. एम कनागवेल - प्रो विवेकानंद एस नाथन फैकल्टी रिलेशंस	पीजी क्लीनिक जनरल सर्जरी शुक्रवार 11.12. 2020 0800
डॉ. शादान अली	चेयरपर्सन/वीडियो प्रेजेंटेशन	एसआई का 80वां वार्षिक सम्मेलन 17 से 19 दिसंबर 2020 तक	एसआईकॉन 2020, 18/12/2020
डॉ. कुसुम मीणा	प्रस्तुत किया गया, आंतों की बाधा के 81 मामलों का अध्ययन शीर्षक से पेपर: 5 वर्ष की अवधि में अनुभव		

डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	एसोसिएशन ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जन ऑफ इंडिया का 15वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	अमासीकॉन 2020, 20th-22 नवंबर 2020
डॉ. कुसुम मीणा	प्रस्तुत किया, "पोस्टर न्यूनतम आक्रामक शल्य चिकित्सा तकनीक के साथ आवर्ती psoas फोड़ा प्रबंध शीर्षक"		
डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	webinar@mediknit.org	सर्जन के लिए जैव सांख्यिकी "24 अगस्त, 2020 07:00 बजे webinar@mediknit.org
डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	कैसे एक वैज्ञानिक कागज लिखने के लिए-एक कदम से कदम दृष्टिकोण "webinar@mediknit.org	कैसे एक वैज्ञानिक कागज लिखने के लिए-एक कदम से कदम दृष्टिकोण " 05.09.2020 06:00 webinar@mediknit.org
डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	एनएसईपी, एसआई	नैदानिक मूल्यांकन- प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए मोती " 3 सितंबर 2020, 9-10 बजे
डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	EDGE https://jnmeetings.zoom.us/webinar/register/WN_-4QY32jESFit-6ghugH-Qw	एज बैरिएट्रिक और मेटाबोलिक सर्जरी मई-5:30 बजे https://jnmeetings.zoom.us/webinar/register/WN_-4QY32jESFit-6ghugH-Qw
डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	EDGE https://jnmeetings.zoom.us/webinar/register/WN_-4QY32jESFit-6ghugH-Qw	EDGE Laparoscopic hernia surgery एज लेप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी अप्रैल - 5:30 PM https://jnmeetings.zoom.us/webinar/register/WN_-4QY32jESFit-6ghugH-Qw
डॉ. शादान अली	प्रतिनिधि	हर्निया सोसायटी ऑफ इंडिया,	हर्निया सर्जरी में तकनीकी नवाचार। जुगाड़ "* तकनीकी नवाचार के लिए भारतीय शब्द है। दिनांक- 26/09/2020, शनिवार समय - 6-8 https://www.docplexus.com/technical-innovations-in-hernia-surgery
डॉ. शादान अली	संकाय	"लेप्रोस्कोपिक सर्जरी यूनिट	17 जनवरी 2021 को डॉ. बाबा

		की स्थापना: डब्ल्यूबिनर में उपकरण और समस्या निवारण" विषय पर स्पीकर	साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा आयोजित "रीविजिंग लेप्रोस्कोपिक सर्जरी - बैक टू बेसिक्स" का आयोजन किया गया।
डॉ. राहुल पुसुलूरी	अध्यक्ष	एसजीआरएच	कोलोरेक्टल कैंसर में ऑन्कोलॉजी अग्रिम 1-2 फ़रवरी 2020।
डॉ.निखिल तलवार	ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स	दिल्ली विधिक सेवा	दिल्ली विधिक सेवा द्वारा चिकित्सा न्यायशास्त्र का आयोजन। अगस्त 2020
डॉ.निखिल तलवार	प्रतिनिधि	ठोस ट्यूमर में हड्डी स्वास्थ्य पर वेबिनार	आरजीसीआई, दिल्ली सितंबर 2020
डॉ.निखिल तलवार	प्रतिनिधि	गंभीर रूप से बीमार में पोषण पर वेबिनार	राबिन मेडिकल सेंटर, बेलेंसन कैंपस, पेटाच टिक्वा, इजराइल। सितंबर, 2020
डॉ.निखिल तलवार	प्रतिनिधि	वेबिनार पर "ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर पर एक अद्यतन	आरजीसीआई, दिल्ली जुलाई 2020
डॉ.निखिल तलवार	प्रतिनिधि	वेबिनार पर "मेटास्टेटिक स्तन कैंसर	आरजीसीआई, दिल्ली। जुलाई 2020
डॉ.निखिल तलवार	संकाय	लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में मेडिस कॉन्वेंट्स 2020	एलएचएमसी, नई दिल्ली

संकाय संख्या : 27

उत्कृष्टता के प्रोफेसर 2; निदेशक, प्रो और प्रमुख 5; प्रोफेसर 17; एसोसिएट प्रोफेसर 1, सहायक प्रोफेसर अनुबंध 2 पर

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कोविड संकट के दौरान, हम माइक्रोसॉफ्ट टीमों के मंच पर UGs और PGs के लिए ऑनलाइन सिद्धांत और नैदानिक कक्षाओं का आयोजन किया गया है। विभाग के फैकल्टी और रेजिडेंट डॉ.क्टर नियमित रूप से कोविड वार्डों में ड्यूटी कर रहे हैं।

सर्जरी विभाग से संकाय सदस्यों को हमेशा द्रोह और आपातकालीन के साथ रोगियों पर भी पीक कोविड संकट के दौरान काम कर रहा है। वैकल्पिक सर्जरी रोगियों की कोविड नकारात्मक स्थिति का पता लगाने के बाद सभी सार्वभौमिक सावधानियों लेने किया गया

डॉ. सुदीप्त साहा बीपीएच रोगियों के लिए नियमित रूप से टीयूआरपी कर रहे हैं जो प्रदान की गई सेवाओं का नया अतिरिक्त है।

कोविड कंट्रोल रूम में डॉ. नैन सिंह, डॉ. ज्ञान सौरभ, डॉ. सुदीप्त साहा, डॉ. ललित अग्रवाल, डॉ. शादन अली, डॉ. पवन कुमार, डॉ. एजाज अख्तर, डॉ. सौरभ बोरघरिया, डॉ. राजीव कुमार और डॉ. रणवीर सिंह ने सफलतापूर्वक अपनी ड्यूटी पूरी कर ली है।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

यूसीएमएस ने एनआईआरएफ रैंकिंग में 19वीं रैंक हासिल की और भारत में 9वां रैंक आज भारत के शीर्ष मेडिकल कॉलेजों में रैंकिंग हासिल की। एक नई वायरोलॉजी अनुसंधान और नैदानिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है जिसे आईसीएमआर मान्यता प्राप्त है और सार्स सीओवी 2 डिटेक्शन परीक्षणों के लिए लगभग अड़तीस हजार आरटीपीसीआर अब तक किए जा चुके हैं। एमबीबीएस का नया पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है और संकाय सदस्यों को सीआईएसपी प्रशिक्षण दिया गया है। छात्रों ने शिक्षाविदों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, 127 भेद हासिल किए हैं और विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में शीर्ष स्थान हासिल किया है। कॉलेज को इस वर्ष में नब्बे लाख रुपये से अधिक की रिसर्च ग्रांट मिली है। संकाय अपने शोध के साथ जारी रखा गया है और 53 पुस्तकों/अध्यायों सहित लगभग 500 लेख प्रकाशित किया है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन द्वारा संकाय सदस्यों में से दो, डॉ. ए.के. जैन और डॉ. बी डी बनर्जी को दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में सूचीबद्ध किया गया है। "इंडियन स्पाइन जर्नल" को 'डायरेक्टरी ऑफ ओपन एक्सेस जर्नल्स' (डीओएजे) और स्कोपस के साथ अनुक्रमित किया गया है। यूसीएमएस से इसके एडिटर इन चीफ और एसोसिएट एडिटर प्रकाशन हमेशा से यूसीएमएस की मजबूत बात रही है।

सम्मान/गौरव

डॉ. सक्सेना एके, एनेस्थेसियोलॉजी इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएसपी), यूएसए, "विकासशील देशों में दर्द अनुसंधान और प्रबंधन में उत्कृष्टता" के लिए पुरस्कार, दर्द 2020 पर 18 वीं विश्व कांग्रेस।

डॉ. मेहंदीरत्ता एम, बायोकेमिस्ट्री ने क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री के 9वें वार्षिक सीएमई (2020) में मेरिट का प्रमाण शोध प्राप्त किया, और सर गंगा राम अस्पताल और एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मरीजों और स्वस्थ जनसंख्या में कार्डियोवास्कुलर जोखिम स्तरीकरण, प्रयोगशाला चिकित्सा की भूमिका पर- 9 दिसंबर, 2020 को दिल्ली चैप्टर।

डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में योगदान के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा डॉ. ग़ोवर सी, डर्मेटोलॉजी "प्रो वीएन सहगल अवार्ड"-2021

असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए, जुलाई (2020) 7वें वार्षिक डीएएस शिखर सम्मेलन से डॉ. सिंगल ए, डर्मेटोलॉजी 'हॉल ऑफ फेम अवार्ड'।

असाधारण शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए, जुलाई (2020) 7वें वार्षिक डीएएस शिखर सम्मेलन से डॉ. सिंगल ए, डर्मेटोलॉजी 'हॉल ऑफ फेम अवार्ड'।

अमितेश अग्रवाल, मेडिसिन को 2020 में भारत में रिसर्च सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ डायबिटीज की फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।

25 जनवरी, 2021 को भारत में होने वाले चुनावों को विकलांग-अनुकूल बनाने के लिए 11वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर फिजियोलॉजी के महामहिम राष्ट्रपति डॉ. सत्येंद्र सिंह को भारत के महामहिम राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

डॉ. आराधना, बाल रोग डॉ. जेम्स फ्लेट एंडोरेट पुरस्कार-प्रथम पुरस्कार-2021 प्राप्त किया।

सुनेजा ए, प्रसूति एवं स्त्री रोग, स्नातकोत्तर पर्यवेक्षित थीसिस को एफओजीएसआई, एक राष्ट्रीय निकाय, 2020 से प्रतिष्ठित "आर डी पंडित पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

डॉ. गुप्ता बी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बर्मिंघम विश्वविद्यालय में Gyn ऑन्कोलॉजी में कॉमनवेल्थ मेडिकल फेलोशिप, पैन बर्मिंघम गाइन ऑन्कोलॉजी सेंटर, यूके। मार्च-सितंबर। 2020।

डॉ. गुलेरिया के, प्रसूति एवं स्त्री रोग, एमओजीएसआई डॉ. रजत रे अवार्ड इन फेटल मेडिसिन (प्रथम पुरस्कार-फेडरेशन ऑफ ऑब्स एंड गाइन ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) अवार्ड सितंबर 2020 में।

डॉ. सांध्य जैन, प्रसूति एवं स्त्री रोग, रॉयल कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑक्सफोर्ड ओवरसीज अवार्ड -2020।

डॉ. जैन एके, ऑर्थोपेडिक्स, बॉम्बे स्पाइन सोसाइटी ओरेशन - 20 दिसंबर, 2020 को स्पाइन ट्यूबरकुलोसिस का चिकित्सा प्रबंधन।

प्रकाशन

कुल संख्या: 477 जिसमें 56 पुस्तकें/अध्याय शामिल हैं

जैन एके, राजशेखरन एस, जग्गी केआर, माइनेडु वीपी। 2020 रीढ़ की हड्डी का क्षय रोग। जे बोन जॉइंट सर्जन एम, 102(7):617-628

सक्सेना ए.के., मलिक ए (2020) दर्द के लिए सटीक दवा और डायग्नोस्टिक बायोमार्कर के दायरे पर शोध पर एक नए युग की शुरुआत: क्या यह "न्यूरोलॉजिक दर्द हस्ताक्षर" है और क्या यह सत्यापन का निर्माण करता है ?? इंडियन जे पेन, 34:1-2।

सक्सेना ए.के., चौधरी एस, गौर डी (2020)। कोविड-19 रोगियों में "पेट दर्द": दर्द चिकित्सक के लिए एक पहली। इंडियन जे पेन, 30(2):128-130.

शर्मा ए, बिष्ट डी, दास एस, राय जी, दत्त एस, अरोड़ा वीके। (2020)। लोअर रेस्पिरटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन वाले मरीजों के थूक में एस्पेरगिलस का आणविक पता लगाना। इंट जे एपल बेसिक मेड रेस, 10(2):86-90। डोई: 10.4103/ijabmr.IJABMR_364_18. पीएमआईडी: 32566523; पीएमसीआईडी: पीएमसी7289198।

गर्ग पी. के., चिशी एन., कुमार आर., लता टी.के., राय एस., बनर्जी, बी.डी., और गुप्ता एस. (2021) सौम्य और घातक स्तन रोग में ऑर्गनोक्लोरिन कीटनाशक उतक स्तर: एक तुलनात्मक खोजपूर्ण अध्ययन। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल पैथोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी एंड ऑन्कोलॉजी, 40(1), 43-50.

घनशेला आर., बनर्जी, बी. डी., सिद्धार्थ एम., और गुप्ता एस. (2020) उत्तर-भारतीय आबादी में डीएनए रिपेयर जीन पॉलीमॉर्फिज्म (एक्सपीए और एक्सपीजी) और यूरिनरी ब्लैडर कैंसर का खतरा। मेटा जीन, 24:1-7.

लाभ आर., गुप्ता, आर. (2021) लंबे समय तक काम करने वाले एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी में उभरते रुझान: वर्तमान स्थिति और चिकित्सीय चुनौतियां। कर एचआईवी रेस, 19: 4-13।

चौधरी एस., सक्सेना ए.के., बजाज एम., बनर्जी ए. (2020) अल्ट्रासाउंड-निर्देशित ब्लॉकों के बाद जटिलताओं की एक व्यापक समीक्षा: "जारी रखें डी'वैसर"। इंडियन जे पेन, 34(3): 160-163।

कुमार एस., जफर ए., जैन ए.के., अग्रवाल ए.एन., भयाना एच., धम्मी आई.के. 2021. तृतीयक देखभाल अस्पताल में बोन बैंक के लिए संभावित अस्थि दाताओं और आस्थगित दरों का विश्लेषण। ऑर्थो जे एमपीसी, 21(1)22-27.

राय एस, गर्ग, पी के, भट्ट एस, लता टीके, वर्मा एके, बनर्जी बी डी, और सिंह एम.पी. (2020)। नॉनस्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों में माइक्रोआरएनए 21 की नैदानिक भूमिका: एक खोजपूर्ण अध्ययन। लंग इंडिया: इंडियन चेस्ट सोसाइटी का आधिकारिक अंग, 37(6), 501।

जर्नल

कॉलेज द्वारा प्रकाशित: "इंडियन स्पाइन जर्नल"

संपादकीय बोर्ड के संपादक (सदस्यों)/सदस्य के रूप में कार्यरत कॉलेज शिक्षकों की संख्या: 18

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सुनेजा ए, सामान्य कैंसर (मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) की जांच के लिए सरकारी दिशानिर्देशों को संचालित करने के लिए एचआरआरसी और शिक्षण संस्थानों के माध्यम से क्षमता निर्माण - आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन। तीन वर्ष की परियोजना 2018-2021 आईसीएमआर, रु. 48,0000.

डॉ. शर्मा एके, मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान के लिए स्थानिक महामारी विज्ञान दृष्टिकोण (सीमर), 2021-2023, आईसीएमआर, 85,45,000

डॉ. उपाध्याय एमके, दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण में औद्योगिक हितधारकों की सगाई- एक व्यवहार परिवर्तन संचार आधारित दृष्टिकोण, 2021-22, सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार। भारत की, रु. 8,000,000.

डॉ. गुलेरिया के. एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (ओएसए और पीसीओएस अध्ययन) के साथ उत्तर भारतीय महिलाओं में ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया के प्रभाव को देखने के लिए। (नवंबर 2019 में स्वीकृत), 3 वर्ष, कोविड-19 के कारण रोगी भर्ती स्थगित। और एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से प्रीक्लेम्पसिया कांगो रेड डिटेक्शन किट (प्वाइंट-ऑफ-केयर टेस्ट) बहुकेंद्रीय परियोजना का सत्यापन; कोविड-19, डीएसटी के कारण एक वर्ष की रोगी भर्ती स्थगित रु. 69,0000 (बहुकेंद्रीय परियोजना)।

डॉ. कोटरू एम, बीसीआर-एबीएल फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट इन पीडियाट्रिक एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया '2 वर्ष, एमआरयू, रु. 250000.

आयोजित संगोष्ठियां

एनेस्थीसिया विभाग ने इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट - दिल्ली चैप्टर के सहयोग से 4 दिसंबर, 2020 को एक मासिक नैदानिक बैठक का आयोजन किया।

सीओपीडी का बढ़ता बोझ: एक चर्चा, 19 दिसंबर (2020)

1 अगस्त, 2020 को एमआईवाईसीएन-आईएपीएसएम और दिल्ली स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम के सहयोग से अपनी सुविधा को बेबी फ्रेंडली- ब्रेस्टफीडिंग के संदर्भ में कैसे बनाएं।

स्तनपान के दौरान कठिनाइयाँ - एमआईवाईसीएन-आईएपीएसएम और दिल्ली स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम के सहयोग से - 5 अगस्त, 2020।

स्तनपान के बारे में मिथक और भ्रांतियां- अगस्त, 2020 को एमआईवाईसीएन-आईएपीएसएम और दिल्ली स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम के सहयोग से।

सिर और गर्दन के ऑन्कोसर्जरी में वेबिनार शृंखला: सत्र I-IV: ओरल कैंसर, स्वरयंत्र, लार ग्रंथि, थायराइड, संबद्धता- शिकागो विश्वविद्यालय।

आईएएमएम कार्यशाला (दिल्ली चैप्टर) 27 जनवरी, 2021 को कोविड-19 में संयोग के लिए नैदानिक एल्गोरिदम पर।

10 मार्च, 2021 को सीआरएल/एमआरयू में यूसीएमएस और जीटीबीएच के 30 संकाय सदस्यों के लिए सीआरएल/एमआरयू में आरटीपीसीआर पर कार्यशाला।

15-16 फरवरी, 2020 को विधि सेंटर, फोरम फॉर द मेडिकल एथिक्स सोसाइटी और बक्सबाम इंस्टिट्यूट फॉर क्लिनिकल एक्सीलेंस, शिकागो विश्वविद्यालय के साथ नेविगेटिंग डॉ.क्टर-रोगी संबंधों पर संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

'पोशन कोन (2020)', जूम प्लेटफॉर्म पर 16-17 अक्टूबर, 2020 को आईएपीएसएम के मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण राष्ट्रीय कार्य समूह का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन।

कोविड -छापों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (COVIMPRESSIONS) - कोविड पर प्रभाव: स्थानीय कार्रवाई, वैश्विक प्रभाव, 27 मई, 2020, यूसीएमएस और जीटीबीएच और जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ द्वारा वित्त पोषित।

27 जनवरी से 10 मार्च, 2021 तक जैव सांख्यिकीय विश्लेषण, जेएचयू द्वारा वित्त पोषित।

28 जनवरी, 2021 को कोविड-19 में काँइनफेक्शन के लिए डायग्नोस्टिक एल्गोरिथम। फंडिंग एजेंसी का समर्थन: आईएमएम दिल्ली अध्याय का वर्चुअल माइक्रो-डी-कॉन 12 वां वार्षिक सम्मेलन।

एचआईवी-यूनिट, वायरोलॉजी सेक्शन, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिलशाद गार्डन द्वारा आयोजित एचआईवी-टेस्टिंग लैब नेटवर्क का अवलोकन 2 फरवरी 2021

ई-माइक्रोकॉन (2020) में "सर्जिकल साइट संक्रमण- मूल बातें और केस स्टडीज", 8-11 दिसंबर, 2020 से इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का पहला वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस।

"2019 कोरोना वायरस: एक अपडेट" का आयोजन माइक्रोबायोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय), दिलशाद गार्डन द्वारा 20 फरवरी, 2021 को किया गया।

ई-माइक्रोकॉन (2020), इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का पहला वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस, 8-सीआईएपी पेडिकॉन 2021, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, मुंबई का 57वां वार्षिक सम्मेलन 4-7 फरवरी, 2021 तक।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स नॉर्थ ज़ोन पेडीवीक 'हिमालय' (वर्चुअल) 30 अगस्त से 5 सितंबर, 2020 तक।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ.सक्सेना ए.के., एनेस्थेसियोलॉजी ने इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएसएसपी) द्वारा आयोजित एक वेबिनार के दौरान पैथोफिजियोलॉजी, निदान और न्यूरोपैथिक दर्द के प्रबंधन पर एक वार्ता दी।

डॉ. मेहंदीरत्ता एम, जैव रसायन, मुख्य वक्ता "सीबीएमई के कार्यान्वयन: अवधारणाओं, चिंताओं और चुनौतियों" पर वेबिनार में 20 अगस्त, 2020 को एल्सेवियर द्वारा आयोजित।

डॉ. गुप्ता ए, सामुदायिक चिकित्सा, ने एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भाग लिया और महादेवानंद महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा अगस्त 2020 में आयोजित "कोविड-19 और विशेष परिस्थितियों में स्तनपान" पर एक व्याख्यान दिया।

सिंघल ए, त्वचाविज्ञान, ने 28-29 नवंबर, 2020 को आयोजित 11वें वार्षिक राज्य सम्मेलन CUTICON KN- "स्थानिक, महामारी और महामारी: त्वचा विशेषज्ञ का दृष्टिकोण" के दौरान 'उष्णकटिबंधीय त्वचाविज्ञान' पर मुख्य व्याख्यान दिया।

रायज़ादा, मेडिसिन, ए ने 4-7 मार्च, 2021 को मुंबई में आयोजित eAPICON में "बुजुर्गों में एनीमिया" पर एक भाषण दिया।

अरोड़ा वीके, पैथोलॉजी, ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान: 13 दिसंबर, 2020 को एसआरएमएसआईएमएस, बरेली द्वारा आयोजित थायराइड साइटोपैथोलॉजी सीएमई (UPCYTOCON) के कूपिक घाव।

नस्कर एस, तनवीर एन, शर्मा एस, कौर एन पैथोलॉजी, ए कंपेरिजन ऑफ न्यूक्लियर एंड साइटोप्लाज्मिक इम्यूनो एक्सप्रेसन ऑफ पी16 इन ब्रेस्ट नियोप्लाज्म। 9 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित छठे अमीरात पैथोलॉजी और डिजिटल पैथोलॉजी सम्मेलन में मौखिक पेपर प्रस्तुति

नस्कर एस, तनवीर एन, शर्मा एस, कौर एन पैथोलॉजी, ए कंपेरिजन ऑफ न्यूक्लियर एंड साइटोप्लाज्मिक इम्यूनो एक्सप्रेसन ऑफ पी16 इन ब्रेस्ट नियोप्लाज्म। 9 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित छठे अमीरात पैथोलॉजी और डिजिटल पैथोलॉजी सम्मेलन में मौखिक पेपर प्रस्तुति

डॉ. जैन एके, हड्डी रोग विशेषज्ञ, एसएसआई द्वारा आयोजित ड्रग रेजिस्टेंट स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस पर मुख्य भाषण

डॉ. टंडन ए, रेडियोलॉजी, "हड्डी के ट्यूमर के लिए इमेजिंग दृष्टिकोण" पर भाषण दिया - वर्चुअल मीटिंग, सीआर-आईआरआईए आईआरआईपी अक्टूबर-नवंबर 2020।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के साथ नेशनल कैंडिडेमिया नेटवर्क: 2021-2022।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने 12,88,213.00/- रुपये के परिव्यय के लिए 196 पाठ्यपुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें खरीदीं और 110 वर्तमान पत्रिकाओं (51 विदेशी पत्रिकाओं और 59 भारतीय पत्रिकाओं) को रु। 44,11,743.00/-। पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 20584 है, इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में 25088 बाध्य पत्रिकाएं, 1534 डब्ल्यूएचओ प्रकाशन, 1148 थीसिस और 416 सीडी की संपत्ति है। पुस्तकालय ईआरएमईडी कंसोर्टियम का सदस्य है जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता 235+ ई-पत्रिकाओं तक पहुंच सकते हैं। सभी उपयोगकर्ताओं को प्रतिष्ठित डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क (DELNET) सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय की मदद से पुस्तकालय ने साहित्यिक चोरी की जांच के लिए अपने उपयोगकर्ताओं को "उरकुंड" के रूप में जाना जाने वाला साहित्यिक चोरी विरोधी सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध कराया। पुस्तकालय संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए पूरी तरह से वाईफाई सक्षम है और अपने उपयोगकर्ताओं को 24 घंटे पढ़ने के कमरे की सुविधा भी प्रदान करता है।

संकाय संख्या

निदेशक प्रोफेसर (एस)	:	39
प्रोफेसर (एस)	:	44
सहायक प्रोफेसर	:	60

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. गर्ग एस, बायोकेमिस्ट्री, को कॉपीराइट प्राप्त हुआ - गोपाल एन, अमले डी, गर्ग एस. क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री में मेडिकल छात्रों के मूल्यांकन के लिए ओएसएलईआर मॉडल के लिए कॉपीराइट, कॉपीराइट नं। एल-92593/(2020) दिनांक 06/07/(2020)

"इंडियन स्पाइन जर्नल" को 'ओपन एक्सेस जर्नल्स (डीओएजे) और स्कोपस की निर्देशिका' के साथ अनुक्रमित किया गया।

वी. पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट

प्रमुख गतिविधियां/उपलब्धियां

संस्थान ने अपनी 'शिक्षा', 'अनुसंधान' और 'रोगी देखभाल' गतिविधियों को जारी रखा। संस्थान में विभिन्न सरकारी एजेंसियों, आयुष, डीएचआर, सीसीआरयूएम, डीएसटी, डीआईपीएस, आईसीएमआर, एनआईएफ द्वारा 150.00 करोड़ की लागत से 13 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। सितंबर 2020 में टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू की गईं। कोविड के बाद के रोगियों के लिए घर-आधारित पल्मोनरी पुनर्वास जून 2021 में शुरू हुआ। वीपीसीआई ने पोस्ट-कोविड श्वसन प्रबंधन केंद्र भी शुरू किया है जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा किया गया था। वीपीसीआई आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योग (पीएमजेएवाई) के तहत एक पैनलबद्ध अस्पताल है। 2020-21 के दौरान हमारी ओपीडी में परामर्श के लिए 8500 से अधिक नए मरीज पंजीकृत हुए और 17100 से अधिक पुराने मरीज फॉलो-अप के लिए ओपीडी में आए। इंडोर जनरल वार्ड

ने 800 से अधिक रोगियों को भर्ती किया और आपातकालीन वार्ड ने 4,500 से अधिक रोगियों को भर्ती किया और उपचार प्रदान किया। गहन देखभाल के लिए आरआईसीयू ने 132 रोगियों को भर्ती किया। इस अवधि के दौरान, नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विस (एनटीक्यूएलएस) (टोल-फ्री नंबर 1800-11-2356) ने इंटरएक्टिव वॉयस रिसपांस (आईवीआर) पर 27% की सफलता दर के साथ 11.05 लाख से अधिक कॉलों में भाग लिया। इस अवधि के दौरान वीपीसीआई के पोलेन काउंट स्टेशन पर कुल 726 स्लाइडों को माउंट किया गया और उनका विश्लेषण किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. अनीता कोटवानी एमआर पर राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास और संचालन सहित एमआर से संबंधित नीतिगत निर्णयों और गतिविधियों की निगरानी और समन्वय के लिए एमआर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समूह और कोर वर्किंग ग्रुप की सदस्य हैं।

डॉ. अनुराधा चौधरी भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु, 2021 में निर्वाचित फेलो थीं; इलेक्टेड फेलो, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स एंड कीमोथेरेपी, 2021; अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता, वेब ऑफ साइंस/क्लारिवेट; 2020।

डॉ. कविता गुलाटी समन्वयक हैं: भारत के फॉर्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र (एमएमसी), भारतीय फॉर्माकोपिया आयोग (आईपीसी-सीडीएससीओ) (2017 - चल रहा); वीपीसीआई में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, आईसीएमआर की बहु-विषयक अनुसंधान इकाई के नोडल अधिकारी हैं। 21.05.2019 से जारी) पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल (2017- जारी) के आईएचईसी में सदस्य विशेषज्ञ (फॉर्माकोलॉजी) हैं; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2019-जारी की परियोजना मूल्यांकन समिति में एक विशेषज्ञ हैं

डॉ. मधु खन्ना - वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट, दिल्ली (वायरोलॉजी यूनिट) को कोविड-19 परीक्षण के लिए आईसीएमआर केंद्र के रूप में नामित किया गया है; श्री राम इंस्टिट्यूट.19, यूनिवर्सिटी रोड, हंसराज कॉलेज के पास, दिल्ली-110007 में सीपीसीएसईए नॉमिनी थे।

डॉ. मालिनी शरीफ को कोविड की सीरोसर्वेलेस के लिए नामित किया गया था; द इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; सर्वश्रेष्ठ पोस्टर, मालिनी शरीफ, ज्योति चौधरी और किरण बेरी के लिए पीके पिल्लई आईएमएम दिल्ली चैंप्टर पुरस्कार प्राप्त किया। आईसीयू के मरीजों में ग्राम-नकारात्मक जीवाणु संक्रमण: आईएमएम दिल्ली चैंप्टर का दो वर्षीय अध्ययन 12वां वार्षिक सम्मेलन, 28-30 जनवरी 2021

डॉ. राज कुमार 16 अगस्त, 2020 को चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू, यूपी में सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के चयन के लिए चयन समिति की बैठक के विशेषज्ञ सदस्य थे; तंबाकू नियंत्रण में अध्याय की प्रगति के लिए सह-लेखक थे- भारत में तंबाकू नियंत्रण पर रिपोर्ट के लिए भारतीय अनुभव 2020 MoH&FW, जिसे HRIDAY द्वारा डब्ल्यूएचओ और सीडीसी, यूएसए द्वारा विकसित किया गया है। 25 अगस्त 2020।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ एमआरएचआरयू के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य थीं, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार समूह के बाहरी सदस्य ने कल्पना के सहयोग से खोतपुरा, पानीपत, हरियाणा में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू) की स्थापना की। चावला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, करनाल मार्च 2021 से आईसीएमआर-एनआईसीपीआर, नोएडा के मेंटरशिप के तहत

डॉ. विश्वजीत रोहिल को डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज में बाहरी बोर्ड समीक्षा समिति के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था, डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज में संस्थागत जैव सुरक्षा समिति के लिए डीबीटी नामित के रूप में नामित किया गया था।

प्रकाशन

अंशु, पी., नितिन, जी., और कुमार, आर. (2020) क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के मरीजों में ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया की व्यापकता। द इंडियन जर्नल ऑफ चैस्ट डिजीज एंड अलाइड साइंसेज, 62, 139-143।

अरेन्ड्रप, एम.सी., जॉर्गेन्सन, के.एम., हरे, आर.के., और चौधरी, ए। (2020)। कैंडिडा ऑरिस के विरुद्ध *ibrexafungerp* (SCY-078) की इन विट्रो गतिविधि में EUCAST पद्धति द्वारा निर्धारित किया गया है और सी। एल्बिकैंस और सी। ग्लाब्रेटा के विरुद्ध गतिविधि के साथ तुलना और छह तुलनित एजेंटों की गतिविधियों के साथ तुलना की गई है। रोगाणुरोधी एजेंट रसायन, 64, e02136-19। <https://doi.org/10.1128/aac.02136-19>

अरेन्ड्रप, एम.सी., चौधरी, ए., जॉर्गेन्सन, के.एम., और मेलेटियाडिस, जे. (2020) Manogepix (APX001A), (2020) कैंडिडा ऑरिस के विरुद्ध इन विट्रो गतिविधि: EUCAST और सीएलएसआई एमएसईसी_{एस} की सिर से सिर की तुलना। रोगाणुरोधी एजेंट और कीमोथेरेपी, 64, e00656-20। <https://doi.org/10.1128/aac.00656-20>

अरेन्ड्रप, एम.सी., जॉर्गेन्सन, के.एम., गिनी, जे., लैंग्रौ, के., क्रिसेंथौ, ई., हेयेट, एमपी, बरचिसी, एफ।, लास-फ्लोरल, सी।, हमल, पी., दन्नोई, ई., चौधरी, ए., और मेलेटियाडिस, जे. (2020) माइक्रोकोनिडिया बनाने वाले डर्माटोफाइट्स के एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण के लिए एक EUCAST विधि का बहुकेंद्रीय सत्यापन। जर्नल ऑफ एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी, 75(7), 1807-1819। <https://doi.org/10.1093/jac/dkaa111>

आजमी, आई., फैजान, एम.आई., कुमार, आर., यादव, एस.आर., चौधरी, एन., कुमार, एसडी, बुटोला, आर., गनोत्रा, ए., जोशी, जी.डी., झिंगन, जी., इकबाल, जे., जोशी, एम.सी., और अहमद, टी.ए. (2021) लार-आधारित आरएनए निष्कर्षण-मुक्त वर्कफ्लो SARS-CoV-2 का पता लगाने के लिए Cas13a के साथ एकीकृत है। सेल्युलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर्स, 11, 632646. <https://doi.org/10.3389/fcimb.2021.632646>

बबीता, जी.के., मेनन, बी.के., कुमार, आर., और रे, ए. (2020) ब्रॉन्कियल अस्थमा के रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों, सृजन के तंत्र और जीवन की गुणवत्ता पर योग और फॉर्मोकोथेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन। नैदानिक जांच, 10(4), 106-116, 2020।

भट्टाचार्य, के., नेमयश, वी., जून, एम., प्रताप, आर., वर्मा-तुलसी, एम., बोस, एम., और ब्रह्मचारी, वी. (2020) एम. ट्यूबरकुलोसिस के बहु-औषधि प्रतिरोधी क्लिनिकल आइसोलेट में जीनोम विश्लेषण और प्रायोगिक सत्यापन के माध्यम से एकल न्यूक्लियोटाइड विविधताओं के साथ दवा प्रतिरोध का सहसंबंध। बीएमसी माइक्रोबायोलॉजी, 20(1), 223. <https://doi.org/10.1186/s12866-020-01912-6>

बिदौद, ए.एल., डजेनोतिन, ई., बौटेरेल, एफ., चौधरी, ए., और दनोई, ई. (2020)। कोलिस्टिन कैंडिडा ऑरिस के विरुद्ध इचिनोकेन्डिन्स के साथ सहक्रियात्मक रूप से बातचीत करता है। रोगाणुरोधी एजेंटों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 55(3), 105901। <https://doi.org/10.1016/j.ijantimicag.2020.105901>

ब्रूनो, एम., केस्टन, एस., बैन, जेएम जैगर, एम., रोसाती, डी., कृपा, एमडी, लोमैन, डीडब्ल्यू, राइस, पीजे, ग्रेक्स, बी, मा, जेड, जिओ, वाईएन, चौधरी, ए., रेनिएरिस, जी., वैन डे वीरडोंक, एफएल, कुलबर्ग, बीजे, जियामारेलोस-बोर्बोलिस, ईजे, होइशेन, ए., गो, एनएआर, ब्राउन, एजेपी, मीस, जेएफ, विलियम्स, डीएल, और नेटिया, एमजी (2020)। उभरते कवक रोगजनक कैंडिडा ऑरिस के विरुद्ध मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में

ट्रांसक्रिप्शनल और कार्यात्मक अंतर्दृष्टि। नेचर माइक्रोबायोलॉजी, 5, 1516-1531। <https://doi.org/10.1038/s41564-020-0780-3>

चौहान, वी., श्रीवास्तव, के., आनंद, एस., कुमार, सी., सिंह, ए., और वर्मा-बेसिल, एम. (2020)। माइक्रोबैक्टीरियम सिमिया का ड्राफ्ट जीनोम अनुक्रम, सामान्य मानव मौखिक गुहा से पृथक एक संभावित रोगजनक। माइक्रोबायोलॉजी रिसोर्स अनाउंसमेंट, 9(46), e01185-20। <https://dx.doi.org/10.11288%2FMRA.01185-20>

पुस्तक अध्याय

गुलाटी, के., थोकचोम, एस.के., जोशी, जे.सी., और रे, ए. (2021) भारत में न्यूट्रास्यूटिकल्स के लिए नियामक दिशानिर्देश: एक सिंहावलोकन। इन: गुप्ता, आर.सी., लाल, आर., और श्रीवास्तव, ए. (एड्स।), न्यूट्रास्यूटिकल्स: प्रभावकारिता, सुरक्षा और विषाक्तता, दूसरा संस्करण (पृष्ठ। 1273-1280), एल्सेवियर इंक।, अकादमिक प्रेस।

गुलाटी, के., थोकचोम, एस.के., और रे, ए. (2020)। प्रतिरक्षा प्रणाली पर रासायनिक युद्ध एजेंटों का प्रभाव। इन: गुप्ता, आर.सी. (एड)। रासायनिक युद्ध एजेंटों के विष विज्ञान की पुस्तिका, तीसरा संस्करण। सैन डिएगो: एल्सेवियर इंक./अकादमिक प्रेस, पृष्ठ. 685-704। <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-819090-6.00042-8>

गुलाटी, के., वर्मा, पी., राय, एन., और रे, ए. (2021) रेस्पिरेटरी एंड अलाइड डिजीज में न्यूट्रास्यूटिकल्स की भूमिका, इन: गुप्ता, आर.सी. (एड।), न्यूट्रास्यूटिकल्स: एफिशिएंसी, सेफ्टी एंड टॉक्सिसिटी, दूसरा संस्करण (पृष्ठ। 101-116), एल्सेवियर इंक।, अकादमिक प्रेस।

जर्नल

कॉलेज द्वारा प्रकाशित : इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड एलाइड साइंसेज (आईजेसीडीएस)

संपादकीय बोर्ड के संपादक (एस) /सदस्य (ओं) के रूप में सेवारत कॉलेज शिक्षकों की संख्या: 04

जर्नल के अलावा संस्थान वीपीसीआई न्यूज लेटर प्रकाशित करता है।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. अजीता कपूर ने ईपीएल, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 12-13 फरवरी 2021 को आयोजित 12वीं इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फॉर्माकोथेरेप्यूटिक्स (आईएसआरपीटी) सम्मेलन में "सोडियम वैल्प्रोएट प्रेरित अग्नशयशोथ: एक अद्वितीय केस रिपोर्ट" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अनुराधा चौधरी ने "कैंडिडा ऑरिस: क्या यह उभरता हुआ रोगजनक अभी भी एक वैश्विक चिंता है" पर व्याख्यान दिया, इन्फोकस, 17-24 अक्टूबर 2020 क्लिनिकल प्रैक्टिस में लैटिन अमेरिकन फोरम ऑफ फंगल इन्फेक्शन्स

डॉ. कविता गुलाटी को 24-25 मार्च 2021 को हिमसार में वर्चुअल द्विवार्षिक साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट VII और फिजियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया सम्मेलन 202 के दौरान "नाइट्रिक ऑक्साइड की न्यूरोमॉड्युलेटरी भूमिका में नई अंतर्दृष्टि" शीर्षक से पूर्ण व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. मंदिरा वर्मा बेसिल ने 27-29 जनवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित तीसरी एशियाई अफ्रीकी कांग्रेस ऑफ माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी में "दवा प्रतिरोधी तपेदिक का निदान: एक स्थानिक क्षेत्र में चिंताएं और आइसोनियाज़िड मोनोरेसिस्टेंस के साथ हमारा अनुभव" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. नितिन गोयल 27-31 जनवरी 2021 तक नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (इंडिया) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी, एनएपीसीओएन-2020 (वर्चुअल) के 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में "एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी" पर कार्यशाला में फैकल्टी थे।

डॉ. नितिन गोयल ने नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा सलाहकारों के सर्वश्रेष्ठ पेपर "क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल विशेषताओं के पोस्ट-सीओवीआईडी -19 एट ए टर्शियरी

पल्मोनरी केयर सेंटर" पर एनएपीसीओएन 2020 पुरस्कार सत्र के लिए मौखिक पेपर प्रस्तुति दी। इंडिया) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी, एनएपीसीओएन -2020 (आभासी) 27-31 जनवरी 2021 से।

डॉ. पारुल मृगपुरी ने 27-31 जनवरी, 2021 से श्वसन संक्रमण, एनएपीसीओएन 2020 में प्रैक्टिस चेंजिंग रिसर्च पर सत्र में "एपिस्मेलिफेरा के मधुमक्खी विष के रोगाणुरोधी गुण" पर संकाय व्याख्यान दिया।

डॉ. राज कुमार ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कॉलेज, सीएसआईआर-एनईईआरआई, दिल्ली, एमिटी यूनिवर्सिटी, 5-6 जून, 2020 के सहयोग से ईएसडीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन 2020 के दौरान मुख्य भाषण दिया।

डॉ. राज कुमार ने इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के वर्चुअल 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 28 जनवरी, 2021 को "वायु प्रदूषण और फेफड़ों के स्वास्थ्य" पर आईसीएस - डॉ. सीवी रामकृष्णन व्याख्यान व्याख्यान दिया। वर्चुअल नैपकॉन-2020, दिल्ली, 27-31 जनवरी 2021

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, माहोर पवन, डी. रोमानी, एफ. तनवीर, ए.के. मिश्रा और ए.के. डिंडा, फेफड़ों के कैंसर में पाइरफेनिडोन और ब्लोमाइसिन की संयोजन चिकित्सा: कैंसर कोशिकाओं के ईएमटी को रोकता है और उनकी आक्रामक क्षमता को कम करता है। ट्यूमर चयापचय और सूक्ष्म पर्यावरण पर वर्चुअल कीस्टोन eSymposia में प्रस्तुत पेपर, 25-28 जनवरी 2021

डॉ. सोनम स्पाल्गाइस ने "मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस के रोगियों से आइसोलेट्स के बीच प्राथमिक क्लोफ़ाज़िमाइन और बेडाक्विलाइन प्रतिरोध" पर संकाय व्याख्यान दिया। 27-31 जनवरी 2021 से आयोजित नैपकॉन 2020 में टीबी में प्रैक्टिस-चेंजिंग रिसर्च के सत्र में।

डॉ. विशाल वंसल ने यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति - 517502, आंध्र प्रदेश द्वारा 16 से स्वास्थ्य प्रबंधन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "पुरानी सांस की बीमारियों के प्रबंधन में व्यायाम प्रशिक्षण की भूमिका" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। -28 नवंबर 2020।

अनुसंधान परियोजनाएं

एमओएचएफडब्ल्यू, 2015-22, नेशनल टोबैको क्विट लाइन सर्विसेज (एनटीक्यूएलएस), राशि: 840.86 लाख

डीएचआर, एमओएचएफडब्ल्यू, 2014-22, बहुआयामी अनुसंधान इकाई (एमआरयू), राशि: 409.78 लाख

आयुष, 2018-22, क्रांति ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के रोगियों में पल्मोनरी फंक्शन, इंपलेमेटरी मार्कर, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और स्वास्थ्य स्थिति पर योगिक हस्तक्षेप के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन, राशि: 25.84 लाख

आयुष (सीसीआरयूएम), 2017-21, दावा-उल-कुरकम, एक पॉलीहर्बल यूनानी तैयारी, और चूहों में इसके सेलुलर और आणविक तंत्र के हेपाटो-सुरक्षात्मक और प्रतिरक्षा नियामक प्रभावों पर प्रायोगिक अध्ययन, राशि: 57.23 लाख

डीबीटी, 2018-21, भारत में एंटीबायोटिक उपयोग के स्मार्ट नियम: अनुपालन को समझना, नवाचार करना और सुधार करना, राशि: 55.97 लाख

आईसीएमआर, 2017-20, मल्टीलोकस माइक्रोसेटेलाइट टाइपिंग और एंटीफंगल प्रोफाइल ऑफ क्लिनिकल क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स प्रजाति कॉम्प्लेक्स, क्रिप्टोकॉकोसिस के रोगियों से पृथक, राशि: 29.52 लाख

एलएसआरबी डीआरडीओ, 2018-20, युवा वयस्कों में कम अवधि के सबमैक्सिमल व्यायाम के बाद संज्ञानात्मक प्रदर्शन, राशि: 20.44 लाख

आईसीएमआर, 2019-22, माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस और गैर-तपेदिक माइक्रोबैक्टीरिया के बीच अंतर करने के लिए एक तीव्र फेनोटाइपिक परख का विकास, राशि: 17.09 लाख

आईसीएमआर, 2019-22, फेफड़े के फॉइब्रोसिस के उपचार के लिए इनहेलेशनल पॉलीमरिक नैनोपार्टिकल ड्रग डिलीवरी सिस्टम की डिजाइनिंग, राशि: 10.42 लाख

आईसीएमआर, 2020-23, कैंडिडा ट्रॉपिकलिस में एज़ोल प्रतिरोध की खोज: ईआरजी 11 जीन उत्परिवर्तन और एज़ोल प्रतिरोधी जीनोटाइप का पता लगाना, राशि: 20.21 लाख

आईसीएमआर, 2020-23, ट्रिपल टार्गेटिंग इंजीनियर वायरस: इन्फ्लूएंजा संक्रमण का मुकाबला करने के लिए एक उपकरण, 13.28 लाख

डीएसटी, 2021-24, क्लोनल ट्राइकोफॉइटन में ट्राइकोफॉइट्स/इंटरडिजिटलिस एसपीपी में एज़ोल और टेरबिनाफॉइन प्रतिरोध की जीनोमिक अंतर्दृष्टि। उत्तर भारत में डर्मेटोफॉइट्स के इलाज के लिए खतरनाक जटिल कारण, राशि: 19.03 लाख

आईसीएमआर, 2021-24, ब्रॉन्कियल अस्थमा के प्रायोगिक मॉडल में वायुमार्ग की सूजन और रीमॉडेलिंग पर औषधीय अध्ययन, राशि: 8.70 लाख

आयोजित संगोष्ठी

वीपीसीआई द्वारा 10 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2020 तक "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।

25 फरवरी 2020 को जैव सांख्यिकी पर एक दिवसीय कार्यशाला।

फुफ्फुसीय पुनर्वास पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 9-10 मार्च 2021 से।

11 मार्च 2021 को "बायोमेडिकल रिसर्च में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दे" पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

मार्च 2021 को "कोविड - 19 महामारी: टीके और म्यूटेंट" पर व्याख्यान।

21 जून 2021 को वर्चुअल मोड में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग से VPCI द्वारा 7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

नेशनल टोबैको क्विटलाइन सर्विसेज (एनटीक्यूएलएस), अगस्त 2021 में काम करने वाले काउंसलरों को उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने के लिए एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

12-13 फरवरी 2021 को ईपीएल, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 12वीं इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फॉर्मोकोथेरेप्यूटिक्स (आईएसआरपीटी) सम्मेलन में डॉ. अजीता कपूर, "सोडियम वैल्प्रोएट प्रेरित अग्नाशयशोथ: एक अद्वितीय केस रिपोर्ट"।

डॉ. अनुराधा चौधरी, "कैंडिडा ऑरिस: क्या यह उभरता हुआ रोगजनक अभी भी एक वैश्विक चिंता है", INFOCUS, क्लिनिकल प्रैक्टिस में लैटिन अमेरिकन फोरम ऑफ़ फंगल इन्फेक्शन्स, 17-24 अक्टूबर 2020।

डॉ. मंदिरा वर्मा तुलसी, "दवा प्रतिरोधी तपेदिक का निदान: एक स्थानिक क्षेत्र में चिंताएं और आइसोनियाज़िड मोनोरेसिस्टेंस के साथ हमारा अनुभव" माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी के तीसरे एशियाई अफ्रीकी कांग्रेस में 27-29 जनवरी 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।

डॉ. नितिन गोयल 27-31 जनवरी 2021 तक नेशनल कॉलेज ऑफ़ चेस्ट फिजिशियन (इंडिया) और इंडियन चेस्ट सोसाइटी, नैपकॉन-2020 (वर्चुअल) के 22वें संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन में "एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी" नामक कार्यशाला में फैकल्टी थे।

डॉ. पारुल मृगपुरी व्याख्यान सह प्रदर्शन के लिए संकाय सदस्यों में से एक थीं (1) स्किन प्रिक टेस्ट (एसपीटी): व्यावहारिक प्रदर्शन (वर्चुअल); केस डिस्कशन: नैदानिक परीक्षाओं की नैदानिक व्याख्या और इम्यूनोथेरेपी की शुरुआत नैपकॉन 2020, 27-31 जनवरी 2021

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ, पवन कुमार, राजकुमार, बी. मेनन, एन. गोयल, एस. स्पाल्गियास, और पी. मृगपुरी, फेफड़ों के कैंसर रोगियों में केआरएस उत्पत्तिवर्तन के साथ क्रमादेशित कोशिका मृत्यु रिसेप्टर लिगेंड -1 (पीडी-एल1) अभिव्यक्ति का सहसंबंध - उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से अध्ययन। फेफड़ों के कैंसर (WCLC 2020), सिंगापुर, 28-31 जनवरी 2021 पर आईएसएससीएलसी वर्चुअल वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया गया ई-पोस्टर पेपर।

डॉ. सोनम स्पाल्गाइस, "प्राथमिक क्लोफ़ाज़िमाइन और बेडैक्विलाइन प्रतिरोध, बहुऔषध प्रतिरोधी तपेदिक के रोगियों के बीच आइसोलेट्स।" 27-31 जनवरी 2021 से टीबी, नैपकॉन 2020 में प्रैक्टिस-चेंजिंग रिसर्च के सत्र में

डॉ. विशाल वंसल यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति - 517502, आंध्र प्रदेश, 16-28 नवंबर 2020 द्वारा आयोजित स्वास्थ्य प्रबंधन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विशाल वंसल, "पुरानी श्वसन रोगों के प्रबंधन में व्यायाम प्रशिक्षण की भूमिका"।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए

औषध विज्ञान विभाग, वीपीसीआई: सीसीआरयूएम सहयोगी परियोजना।

केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला के साथ माइक्रोबायोलॉजी विभाग, केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान (केआईएमएस), बेंगलोर।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली।

राजन बाबू पल्मोनरी मेडिसिन एंड ट्यूबरकुलोसिस संस्थान (आरबीआईपीएमटी), नई दिल्ली।

एमटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

एसआरएम विश्वविद्यालय

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली।

वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।

सेंटर फॉर डिजीज डायनेमिक्स एंड इकोनॉमिक पॉलिसी एंड एंड नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी।

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन यूएनआई मेडिसिन, आयुष मंत्रालय।

डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, डीआरडीओ, दिल्ली

सीएसआईआर-आईजीआईबी (जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान), दिल्ली।

नियोजन विवरण

छात्रों की संख्या और प्रतिशत रखा गया: 100 %

पुस्तकालय विकास

संस्थान में पल्मोनरी रोग और संबद्ध विज्ञान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है जिसमें 10130 पुस्तकें, 25025 बाध्य पत्रिकाएं, 177 सीडी, 580 थीसिस और 31 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट हैं। संस्थान के जर्नल के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम पर कुल 10 जर्नल (04 अंतर्राष्ट्रीय और 06 राष्ट्रीय) प्राप्त हो रहे हैं और 03 जर्नल (02 अंतर्राष्ट्रीय और 01 राष्ट्रीय) मानार्थ आधार पर प्राप्त किए जा रहे हैं। वीपीसीआई वर्ष 2018 से कैलेंडर के लिए राष्ट्रीय स्तर के ईआरएमईडी कंसोर्टियम (ई-जर्नल्स) का सदस्य है। ईआरएमईडी कंसोर्टियम ने पांच प्रकाशकों से 239+ ई-पत्रिकाओं की सदस्यता ली। सभी ई-पत्रिकाओं को हमारे संस्थान के स्टेटिक

आईपी/आईपी पर कॉन्फिगर किया गया है। पुस्तकालय कस्टमाइज्ड ई जर्नल्स गेटवे <http://www.erned.in> के माध्यम से ई-जर्नल्स के अधिकतम उपयोग को बढ़ाने के लिए कर्मचारियों, शोधार्थियों, छात्रों आदि के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए समय-समय पर उचित प्रयास करता है और इसके एक्सेस/डाउनलोड का लाभ उठाता है। 'कोक्रेन पुस्तकालय' से लेख। डीयूसीसी नेटवर्क/लैन के माध्यम से प्रत्येक संकाय सदस्य के डेस्कटॉप पर इंटरनेट सेवाएं प्रदान की गई हैं और एमटीएनएल से 10 एमबीपीएस के साथ एक अलग लीज लाइन कनेक्टिविटी (वीपीसीआई) प्रदान की गई है। पुस्तकालय मांग पर अंतर-पुस्तकालय ऋण सुविधाएं और रिप्रोग्राफिक सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय एक खुली पहुँच प्रणाली का अनुसरण करता है। पुस्तकालय आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों से लैस है और उपयोगकर्ताओं को सीएस (वर्तमान जागरूकता सेवाएं) और एसडीआई (सूचना का चयनात्मक प्रसार) सेवाओं तक पहुंचने के लिए इंटरनेट / ई-मेल सेवाएं प्रदान करना जारी रखता है। ये उपयोगकर्ताओं को वर्ष के दौरान ऑनलाइन/ऑफलाइन के रूप में ई-मेल और/या प्रिंट के रूप में प्रदान किए जाते हैं। पुस्तकालय "LibSys 4.0" पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है, जो एक एकीकृत बहु-उपयोगकर्ता पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली है जो पुस्तकालय के सभी आंतरिक संचालन का समर्थन करता है। 'लिबसिस' में अधिग्रहण, कैटलॉगिंग, सर्कुलेशन, सीरियल, आर्टिकल इंडेक्सिंग और ओपेक पर माइंड्यूल शामिल हैं।

संकाय संख्या

एसोसिएट प्रोफेसर: 04

असिस्टेंट प्रोफेसर: 14

वित्तीय आवंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत रु. 61.69 करोड़

अनुदान का उपयोग रु. 60.44 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 21-27 जनवरी 2021 को साइंस टेक इंस्टिट्यूट, लखनऊ द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, "एसपीएसएस का उपयोग कर सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण" पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

अतिरिक्त जानकारी

वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट में एएमसी को 2014 में सीडीएससीओ, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए फॉर्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के तहत अनुमोदित किया गया था। भारत के फॉर्माकोविजिलेंस प्रोग्राम के प्रतिकूल ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर (एएमसी) के समन्वयक के रूप में, एमओएच & एमडब्ल्यू, जीओआई, वी पी चेस्ट इंस्टिट्यूट में, ADRs को भारतीय फॉर्माकोपिया आयोग (आईपीसी) को सूचित किया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष (2020-2021) के दौरान, हमने आईपीसी में राष्ट्रीय समन्वय केंद्र (एनसीसी) को ऑनलाइन सॉफ्टवेयर (विजिफ्लो) के माध्यम से कुल 183 व्यक्तिगत केस सुरक्षा रिपोर्ट (आईसीएसआर) की सूचना दी। डब्ल्यूएचओ पैमाने के अनुसार आईसीएसआर^{एस} का कार्य-कारण मूल्यांकन किया गया था। 139 एडीआर मामलों का कारण संबंध संभावित श्रेणी का था और 44 मामले संभावित श्रेणी के थे। मामले भारतीय फॉर्माकोपिया आयोग (आईपीसी) को प्रस्तुत किए गए थे जिन्हें बाद में उप्साला निगरानी केंद्र, स्वीडन को प्रस्तुत किया गया था। इसके अलावा, हमने आईपीसी से 100 मार्केटिंग ऑथराइजेशन होल्डर (एमएचओ)- (आईसीएसआर) की समीक्षा और विश्लेषण किया और स्कोर शीट तैयार की। हमारी एएमसी पीजी मेडिकल छात्रों, नर्सों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर और अन्य कर्मचारियों के बीच कोविड-19 टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट करने के बारे में जागरूकता फैलाने में शामिल है।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, सरकार द्वारा संस्थान को एक बहु-विषयक अनुसंधान इकाई (एमआरयू) के लिए अनुमोदित किया गया था। भारत का और 2015-16 से कार्यात्मक है। वीपीसीआई में एमआरयू अपनी स्थापना

के समय से ही विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। 2020-2021 में, 6 परियोजनाएं कार्य कर रही थीं और 2 पूरी हो चुकी हैं; और रिपोर्ट डीएचआर को सौंप दी गई है। इन परियोजनाओं की नियमित रूप से तिमाही प्रगति रिपोर्ट डीएचआर को भेजी जाती है।

संगीत और ललित कला संकाय

संगीत विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

21 जून, 2020 को विभाग ने 'योग' पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। 3-4 सितम्बर, 2020 को विभाग ने वर्चुअल लाइव 'मल्हार उत्सव', संगीत का वार्षिक उत्सव, का आयोजन किया जिसमें मल्हार रागों के माध्यम से वर्षा ऋतु की भाव अभिव्यक्ति की गई। दिसम्बर, 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय और सिंगापुर भारतीय ललित कला सोसायटी (एसआईएफएस) के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए। 16 फरवरी, 2021 को विभाग ने ऑनलाइन माध्यम से 'बसंतोत्सव' का आयोजन किया, जिसमें सहबद्ध रागों के माध्यम से बसंत ऋतु की भावना को जीवंत किया गया। 25-26 फरवरी, 2021 को विभाग ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया, जिसमें 7 देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, 'वागेश्वरी', विभाग के यूजीसी-केयर सूचीबद्ध प्रमुख समीक्षा शोध, के दो खंडों का भी प्रकाशन किया गया। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के हित के लिए हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत की कई ऑनलाइन कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

8 मार्च, 2021 को 'संगीत और नृत्य में बहुमूल्य योगदान के लिए' भारत संचार निगम लिमिटेड, भारत सरकार द्वारा भल्ला, डी.ओ. भारत संचार पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रकाशन

भल्ला, डी.ओ. (2020). मूड्स एंड एक्सप्रेसन आफ रिदम्स आफ केरल। जर्नल आफ एमर्जिंग एंड इनोवेटिव रिसर्च, 7(10), 230-239. <https://www.jetir.org/papers/JETIR2010028.pdf> से प्राप्त।

विद्या, आर. और भल्ला, डी.ओ. (2020). 'इम्पेक्ट आफ कर्नाटक म्यूजिक ट्रेनिंग आन द मैथेमेटिकल एबिलिटी आफ चिल्ड्रन', अर्ली चाइल्ड डेवलपमेंट एंड केयर, 19(12), 1911-1912. <https://doi.org/10.1080/03004430.2020.1832484>

भल्ला, डी.ओ. (2021). 'लाक्ष्या : कनसेप्ट एंड एप्लीकेशन इन मोहिनीअट्टम', जर्नल आफ एमर्जिंग टेक्नालाजिज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 8(2), 671-678. <https://www.jetir.org/papers/JETIR2102078.pdf> से प्राप्त।

भल्ला, डी.ओ. (2020). कर्नाटक की मंचन कलाओं में गीत गोविंद का प्रभाव। नाद नर्तन जर्नल आफ डांस एंड म्यूजिक, 8(2), 9-13.

भल्ला, डी.ओ. (2021). मोहिनीअट्टम के अंगिका में नाट्य धर्मी और लोक धर्मी। समीक्षा, 19, 71-85.

भल्ला, डी.ओ. (2021). सोपाना संगीता : द टेम्पल म्यूजिक ट्रेडिशन आफ केरल। 'इतिहास दर्पण : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, 26 (भाग 1), 87-90.

महाजन, ए. (2020). वाद्य संगीत एवं राग निरूपण, दिल्ली, दिल्ली: संजय प्रकाशन।

महाजन, ए. (2020). 'राग डेकलीनेशन इन इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, दिल्ली, दिल्ली: संजय प्रकाशन।

सोरेन, एस.एन. (2020). प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति तथा संगीत का विकास, संगीतिका, 13, 32-38.

सोरेन, एस.एन. (2020). ग्वालियर घराने की खयाल शैली का तकनीकी पक्ष, वागेश्वरी, 34, 45-52.

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित

वागेश्वरी, दिसम्बर, 2020 (खंड 34) और फरवरी 2021 (खंड 35, विशेष अंक).

संपादन मंडल में संपादक (संपादकों)/सदस्य (सदस्यों) के तौर पर सेवारत विभागीय शिक्षकों की संख्या : 9

आयोजित सेमिनार : 2

अंतर्राष्ट्रीय

वेबीनार - 25-26 फरवरी, 2021 को 'विभिन्न संस्कृतियों में परम्परागत संगीत : बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में अवसर और चुनौतियां' विषय पर। इसमें शामिल पैनलिस्ट थे :

डॉ. पावलो पासिओला (इटली); एथनोम्यूजिकोलॉजिस्ट एंड म्यूजिशियन (डिप्लोमा पियानोफोर्टे, केजरवेटोरियो डि म्यूजिका टिटो शिपा डी लेसे); एथनिक म्यूजिक इन ईस्टर्न यूरोप-इटली; 25 फरवरी 2021.

श्री रविबंधु विद्यापति (श्रीलंका); परम्परागत नर्तक, कोरियोग्राफर, परक्यूसोनिस्ट एंड कंपोजर; दक्षिण एशिया में परम्परागत संगीत - श्रीलंका; 25 फरवरी, 2021.

डॉ. वरारत वारीरक एंड ग्रुप (थाईलैंड), सहायक प्रोफेसर, संगीत विभाग, मानविकी विज्ञान संकाय, पिबुलसोंगक्रम राजभर विश्वविद्यालय, थाईलैंड; पश्चिमी संगीत गायन, 25 फरवरी, 2021.

डॉ. मरियम घारसोऊ (ईरान); मंचन कला एवं संगीत संकाय, तेहरान विश्वविद्यालय, ईरान; मध्यपूर्व में परम्परागत संगीत - ईरान, 26 फरवरी, 2021.

डॉ. स्टेनले स्कॉट (यूएसए); लेक्चरर इन वर्ल्ड म्यूजिक, सदर्न कनेक्टिकट स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए एवं प्रोफेसर डोरोथिया हास्ट (यूएसए); लेक्चरर इन वर्ल्ड म्यूजिक, ईस्टर्न कनेक्टिकट स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए; पश्चिमी यूरोप में लोक संगीत - आयरलैंड; 26 फरवरी, 2021.

सुश्री वा बोफोरी (कम्बोडिया); रॉयल यूनिवर्सिटी आफ फॉइन आर्ट्स, फनोम पेन्ह, कम्बोडिया; एथनिक म्यूजिक इन साउथ-ईस्ट एशिया - कम्बोडिया; 26 फरवरी, 2021.

प्रो. मनोप विसुट्टीपट एंड ग्रुप (थाईलैंड) : प्रोफेसर आफ थाई ट्रेडिशनल म्यूजिक; थाई एवं एशियन संगीत विभाग, ललित कला संकाय, श्रीनाखारिनविरोट यूनिवर्सिटी, थाईलैंड; थाई शास्त्रीय संगीत गायन; 26 फरवरी, 2021.

राष्ट्रीय

3-4 सितम्बर, 2020 को दो दिवसीय वर्चुअल लाइव मल्हार उत्सव, राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें निम्न प्रस्तुतियां शामिल की गई :

वीणा वादन, विदुषी तिरुपति श्रीवाणी याल्ला द्वारा (तिरुपति)।

हिन्दुस्तानी 'वोकल' गायन (ख्याल) - पंडित शशांक माकतेदर (गोवा)।

कर्नाटक 'वोकल' गायन - विदुषी मंचना रनजीणि सिस्टर (बेंगलुरु)।

सितार वादन - उस्ताद सईद जफर खान (दिल्ली)।

तबला एकल - पंडित विनोद लेले (दिल्ली)।

राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापनों पर हस्ताक्षर

विदेशी शिक्षा संस्थाओं के साथ :

दिसम्बर 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय और सिंगापुर भारतीय ललित कला सोसायटी (एसआईएफएस), सिंगापुर के बीच 'भारतीय संगीत में सांस्कृतिक, अकादमिक और अनुसंधान सहायोग करार' विषय पर एक

अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए। संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और एसआईएफएस भारतीय संगीत के विभिन्न क्षेत्रों जैसे मंचन, शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान में सहयोग करेंगे।

प्रदान की पीएच.डी./एम.फिल डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी. : 10

एम.फिल : 18

संकाय संख्या

संस्वीकृत संख्या :	41
कुल कार्यरत शिक्षक :	26
प्रोफेसर:	11
एसोसिएट प्रोफेसर :	00
सहायक प्रोफेसर :	05
सहायक प्रोफेसर (तदर्थ):	06
अतिथि व्याख्याता :	04

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

उपर्युक्त के अतिरिक्त, निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए :

अंतर्राष्ट्रीय

पंडित स्वपन चौधरी (यूएसए) - विख्यात तबला उस्ताद एवं पदमश्री से सम्मानित - ने 17 जून, 2020 को 'फेसिट्स आफ तबला इन एंड अराउंड द ग्लोब : इन द कन्टेक्स्ट आफ हिन्दुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक सिंस 1950' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल लाइव संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय

16 मई, 2020 को पंडित कैवल्य कुमार, किराना घराना के विख्यात हिन्दुस्तानी गायक, ने 'वाइस कल्चर : टेक्निक्स एंड बेनिफिट्स' विषय पर एक वर्चुअल लाइव परफॉर्मेंस एवं संवाद सत्र का आयोजन किया।

19 मई, 2020 को डॉ. श्रीवलसन, आई. मेनन, विख्यात कर्नाटक संगीत गायक, ने 'ऐसथेटिकल डेवलपमेंट्स आफ रोगा : द रामानाद कृष्णन एंड नेयार्टिकारा वासुदेवन बाणी' विषय पर एक वर्चुअल लाइव परफॉर्मेंस एवं संवाद सत्र का आयोजन किया।

19 जून, 2020 को सितार उस्ताद एवं पदम भूषण पुरस्कार प्राप्त पंडित देबु चौधरी ने 'ए स्टार इन स्टार : पंडित देबु चौधरी एंड हिज कनसेप्ट आफ ब्यूटी इन रागा' विषय पर एक वर्चुअल लाइव परफॉर्मेंस एवं संवाद सत्र का आयोजन किया।

विज्ञान संकाय

मानव विज्ञान विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रोफसर मनोज कुमार सिंह एवं उनके अनुसंधान दल ने उमरा गांव, सुलतानपुर जिला में छठी से सातवीं सदी ईसा पूर्व की एक मानव बस्ती की खोज की। एसआई के अनुसार यह बस्ती इलाहाबाद को जाने वाले प्राचीन व्यापार मार्ग का एक भाग हो सकती है। यह समाचार 17 मार्च, 2021 को 'टाइम्स आफ इंडिया' में प्रकाशित किया गया। <https://टाइम्स.इंडिया.कॉम/सिटी/दिल्ली/डीयू-डिपार्टमेंट/अनअर्थर्स-सेटलमेंट-आन-हाइवे-साइट-मे-डेट-बैक-टू-6th-7th-सेंचुरी-बीसी/आर्टिकलशो/81537717.सीएमएस>। विभाग ने कोविड-19 लॉकडाउन

अवधि में 7 वेबीनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इनमें देश और विदेश के 2000 से भी अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया। 21-23 फरवरी को मानव विज्ञान विभाग ने डयूल मोड (ऑनलाइन एवं आफ लाइन) में 'एंथ्रापालाजी : थ्युरी टू एप्लीकेशन विषय पर 'भारतीय एंथ्रापालाजी कांग्रेस 2021' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके समानांतर 42 सत्रों, 3 स्मृति व्याख्यानों और एक गोलमेज सत्र का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 230 से अधिक शोध प्रस्तुत किए गए और 300 से ज्यादा पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. पी.सी. जोशी को जून 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रो. कुलपति नियुक्ति किया गया। उन्होंने सितम्बर, 2020 में कार्यवाहक कुलपति का कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. मनोज कुमार सिंह को नवम्बर, 2020 में दिल्ली विश्वविद्यालय का संयुक्त प्रोक्टर नियुक्त किया गया।

प्रो. के.एन. सरस्वती को प्रोवोस्ट, स्नातक-पूर्व विद्यार्थीवास फॉर गर्ल्स, दिल्ली विश्वविद्यालय नियुक्त किया गया।

डॉ. एविटोली जी. झीमा को फरवरी 2021 में सहायक निदेशक, हिमालयी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

अकौबी, एन., असघर, एम., वाहेंगबम, ए.के.जी.एस., सिंह, ए.जे., सरस्वती, के.एन., और मुरी, बी. (2020). 'प्रिवेलेंस एंड मॉलीक्यूलर करेक्टरोइजेशन आफ ग्लूकोज-6 फॉस्फेट डिहाइड्रोजिनेस डेफिसिएंसी अमंग ब्राह्ममिनस एंड मुस्लिम आफ मणिपुर', भारत। इंडियन जर्नल आफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 11(1), 278-282. <http://dx.doi.org/10.37506/v11/i1/2020/ijphrd/193829>

अग्रवाल, टी., लिंगदोह, टी., डडब्रिज, एफ., चांडक, जी.आर., किनरा, एस., प्रभाकरन, डी., रेड्डी, के.एस., स्मिथ, जी.डी., इब्राहिम, एस., गुप्ता, वी., एंड वालिया, जी.के. (2020). 'कैजुएल रिलेशनशिप बिटवीन लिपिड एंड ग्लाइसेमिक लेवल्स इन इंडियन पापुलेशन : बाइडायरेक्शनल मेंडेलीएन रेंडोमाइजेशन एप्रोच', पीएलओएस 1, 15(1), e0228269. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0228269>

बिंधानी, बी.के., देवी, एन.के., और नायक, जे.के. (2020). 'नालेज, अवेयरनेस एंड एटीट्यूड आफ प्रिमाटियल स्क्रीनिंग विद स्पेशल फोकस आन सिकल सेल डिजीज : ए स्टडी फ्राम ओडिशा' जर्नल आफ कम्युनिटी जेनेटिक्स, 11(4), 445-449. <https://doi.org/10.1007/s12687-020-00471-7>

चंडोक, के., ठाकुर, एम.के., गर्ग, पी.आर., देवी, एन.के., और सरस्वती, के.एन. (2020). सर्वेलेंस एनलिसिस आफ द इफेक्ट आफ डायटरी एंड लाइफस्टाइल डिट्रीमेंट्स आन प्लाज्मा होमोसिस्टेन लेवल्स बाय कंबाइनिंग द एमटीएचएफआरसी सी677-टी पालीमारफिज्म इन ए रूरल नार्थ इंडियन पापुलेशन। मेटो जीन, 25, 100742. <https://doi.org/10.1016/j.mgene.2020.100742>

चटर्जी, एस.के., यादव, एस., सरस्वती, के.एन., और मंडल, पी.आर. (2021). जेनेटिक पालीमॉर्फिज्म आफ डोपामाइन रिसेप्टर डी4 (डीआरडी4) जीन इन टेन इंडियन रेसस मेकाकवेस (मकाका मुलद्वा मुलद्वा)/ मेटो जीन, 29, 100891. <https://doi.org/10.1016/j.mgene.2021.100891>

धमिजा, आर., सलुजा, ए., सरस्वती, के., और गोयल, ए. (2021). एंडोथेलियाई नाइट्रिक आक्साइड सिंथेस (ग्लू 298 एसपी) पालीमारफिज्म इन एसोसिएटेड सिगनिफिकैंटली विद इसकेमिक स्ट्रोक प्रिजेंटिंग विद सीजर्स एंड एल्टर्ड सेंसोरियम। न्यूरोलाजी इंडिया, 69(3), 686-691. <https://doi.org/10.4103/0028-3886.319217>

गोगई, ए.जे., और सरस्वती, के.एन. (2020). ए स्टडी आफ आबेसिटी एंड हाइपरटेंशन अमंग एडल्ड्स आफ मेघवालय कम्युनिटी, उदयपुर, राजस्थान (भारत)। जर्नल आफ ह्यूमन इकालॉजी, 7(1-3), 90-97. <http://dx.doi.org/10.31901/24566608.2020/70.1-3.3223>

लोकल बर्डन आफ डिजीज एजुकेशनल एटेनमेंट कोलाबोरेटर्स (2020). 'मैपिंग डिसपेरिटीज इन एजुकेशन एक्कास लो एंड मिडल इनकम कंट्रीज'. नेचर, 577, 235-238. <https://doi.org/10.1038/s41586-019-1872-1>

ग्रेट, जी., और श्रीवास्तव, एम. (2020). मनिपट (फेंडलिंग) तिब्बती शरणार्थी बस्ती छत्तीसगढ़ में आर्थिक पलायन की समस्या। राधा कमल मुखर्जी - चिंतन परम्परा, 22 (2), 19-26. समाज विज्ञान संस्थान, बरेली, यू.पी. <http://www.chintanparampara.in/pdf/JULY-DEC-2020.pdf> से प्राप्त।

हुसैन, ए., यादव, एस., हाइडा, वी., सूरी, टी.एम., तिवारी, पी., मित्तल, एस., मादा, के., और मोहन, ए. (2020). कोविड-19 'एकम्प्रीहेंसिव रिव्यू आफ एफॉरमिडेबल फो एंड द रोड एहेड'। एक्सपर्ट रिव्यू आफ रेस्पिरैटरी मेडिसन, 14(9), 869-879. <https://doi.org/10.1080/17476348.2020.1782198>

कौर, पी., कुंवर, ए., शर्मा, एम., मित्रा, जे., दास, सी., स्वास्तिचरण, एल., तयाडे, एस., सिंह, जी.बी., बित्रागुंटा, एस., दुर्गाद, के., दास, बी., दार, एस., भारद्वाज, जार., जोशी, सी., भारद्वाज, वी., खेदकर, एस., चैनजी, एस., रेड्डी, एस.के., श्रीधर, सी., पारासुरामन, जी., कासीविश्वनाथन, एस., विश्वनाथन, वी., उके, पी., गईगावारे, पी., यादव, एस., धालीवाल, आर.एस., रामाकृष्णन, एस., तुल्लु, एफ.टी., और भार्गव, बी. 2020. इंडिया हाइपरटेंशन कंट्रोल इनिशिएटिव-हाइपरटेंशन ट्रीटमेंट एंड ब्लड प्रेशर कंट्रोल इन ए कोहर्ट इन 24 सेंटिनेल साइट क्लीनिकस 'इंडिया'। द जर्नल आफ क्लीनिकल हाइपरटेंशन, 23(4), 720-729. <https://doi.org/10.1111/jch.14141>

कौर, एस., चंदेल, एस., और चंदेल, एस. (2021). 'द रिलेशनशिप बिटविन बॉडी मास इंडेक्स एंड ब्लड प्रेशर : 'ए स्टडी अमंग स्कूल गोइंग चिल्ड्रन आफ राजस्थान', भारत। इंडियन जर्नल आफ फिजियोलॉजी एंड फॉर्मिकोलॉजी, 64(3), 236-241. http://dx.doi.org/10.25259/IJPP_374_2020

कौर, एल., पुरी, एम., सचदेवा, एम.पी., मिश्रा, जे., और सरस्वती, के.एन. (2021). 'मेटरनल वन कार्बन मेटाबालिज्म एंड इंटरलेकुन-10 एवं 17 सिनरजिस्टिकली इनफ्लूएंस द मोड आफ डिलीवरी इन विमिन विद अर्ली वनसेट प्री-एकलेम्पसिया'। प्रीगनेंसी हाइपरटेंशन, 24, 79-89. <https://doi.org/10.1016/j.preghy.2021.02.011>

किनरा, एस., ग्रेगसन, जे., प्रभाकरन, पी., गुप्ता, वी., वालिया, जी.के., भोगनी, एस., गुप्ता, आर., अग्रवाल, ए., कुलकर्णी, बी., स्मिथ, जी.डी., राधा कृष्णा, के.वी., इब्राहिम, एस., कुपेर, एच., और बेन-शलोमो, वाई. (2020). 'इफेक्ट आफ सपलीमेंटल न्यूट्रिशन इन प्रीगनेंसी आन आफस्प्रिंग रिस्क आफ काडियोवस्कुलर डिजीज इन यंग एडल्टहुड : लांग टर्म फॉलोअपे आफ ए क्लस्टर ट्रायल फ्रॉम इंडिया'। पीएलओएस मेडिसन, 17(7), e1003183. <https://doi.org/10.1371/journal.pmed.1003183>

कुलश्रेष्ठ, एम., बापू, एन., गोयल, एन.जे., और चंदेल, एस. (2020). 'डिसऑर्डर इटिंग एट्टीट्यूड्स एंड बाडी शेप कनसर्न अमंग नार्थ इंडियन कथक डांसर्स'। इंटरनेशनल जर्नल आफ इटिंग डिसऑर्डर्स, 54(2), 148-154. <https://doi.org/10.1002/eat.23425>

लांगकुमेर, आई., देवी, एन.के., मर्रे, बी. एवं सरस्वती, के.एन. (2020). 'डिरेंसियल रिस्क फैक्टर्स एंड माबिडिटी/मोर्टेलिटी पैटर्न इन टाइप 2 डिजीज : ए स्टडी अमंग टू मंडेलियन पापुलेशन विद डिफरेंट एनसिस्टरी (इंडिया)'। डायबिटीज एंड मेटाबालिक सिंड्रोम : क्लीनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज, 14(6), 1769-1776. <https://doi.org/10.1016/j.dsx.2020.09.006>

लांगकुमेर, आई., देवी, एन.के., मर्रे, बी. एवं सरस्वती, के.एन. (2021). 'डिसपेरिटी इन मेटाबालिक सिंड्रोम कंट्रीब्यूटर्स एंड 10 इयर्स सीवीडी रिस्क : ए स्टडी अमंग टू पापुलेशंस आफ डिफरेंट एनसिस्टरी इन इंडिया'। एसएन कम्प्रीहेंसिव क्लीनिकल मेडिसन, 3(2), 618-624. <https://doi.org/10.1007/s42399-021-00735-4>

महाजन, सी. (2021). पेसटारल सबजेक्टिविटी : सेडनटेरिसेशन एंड हेल्थकेयर चैलेंजिज आफ द गुज्जर्स आफ जम्मू एंड कश्मीर। जर्नल आफ द इंडियन एंथापलॉजिकल सोसायटी, 56(2), 154-172.

- महाजन, सी. (2021). रिव्यू आफ 'फिक्शन एज हिस्ट्री : द नावेल एंड द सिटी इन माडर्न नार्थ इंडिया' बाय डालमिया, वी. पेसिफिक अफेयर्स, 92(2), 445-447. रिट्राइव्ड फ्रॉम <http://docserver.ingentaconnect.com/deliver/connect/paaf/0030851x/v94n2/s31.pdf?expires=1637200563&id=0000&titleid=11738&checksum=24B364B0A40E08345B785B2987A9D7B1>
- महाजन, सी. (2021). नरेटिंग फियर, ट्रेसिंग लैंडस्केप : मैमोरी एंड मिलिटेंसी का दौर इन डोडा, जम्मू एवं कश्मीर। सोशलजिकल बुलेटिन, 70(1), 42-58. <https://doi.org/10.1177/0038022920956749>
- महाजन, सी. (2020). रिव्यू आफ 'मैट्रिलिनी अमंग द खासीज : ए स्टडी इन रिट्रोस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट' - शशिकुमार, एम., जर्नल आफ एंथ्रोपॉलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया, 69(2), 307-309. <https://doi.org/10.1177/2277436X20970298>
- महाजन, सी. (2020). बुक रिव्यू : चित्रलेखा जुत्सी, संपादन 2018. कश्मीर : इतिहास, राजनीति, प्रतिनिधित्व। भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 54(1), 83-85. <https://doi.org/10.1177/2F0069966719885670>
- मंगला, ए.जी., धमीजा, एन., गुप्ता, े यू., एवं ढल, एम. (2020). एंथ्रोपोमेट्रिक मार्कर्स एज ए पैराडिगम फॉर ओबेसिटी रिस्क एसेसमेंट। जर्नल आफ बायोसाइंसिज एंड मेडिसिन, 8(2), 1-16. <https://doi.org/10.4236/jbm.2020.82001>
- मेहता, ए. (2020). टूवर्ड्स वेलबीइंग : एन एंथ्रोपॉलॉजिकल स्टडी आफ माइग्रेंट विमिन लेबरर्स इन दिल्ली। जर्नल आफ सोशलाजी एंड सोशल एंथ्रोपॉलॉजी, 11(1-2), 132-141. <http://dx.doi.org/10.31901/24566764.2020/11.1-2.353>
- मिश्रा, जे., तोमन, ए., पुरी, एम., जैन, ए. एवं सरस्वती, के.एन. (2020). ट्रेंड्स आफ फोलेट, विटामिन बी12 एंड होमोसिस्टिन लेवल्स इन डिफरेंट ट्रिमसटर्स आफ प्रिगनेसी एंड प्रीगनेसी आउटकम्स। अमेरिकन जर्नल आफ ह्यूमन बायोलॉजी, 32(5), e23388. <https://doi.org/10.1002/ajhb.23388>
- नेगी, एस. (2020). होमलेसनेस, कन्टेसेशन एंड सबजेक्टिविटीज। जर्नल आफ एंथ्रोपॉलॉजिकल सोसायटी, 55, 238-258.
- प्रसाद, एस., लांगकुमेर, आई., एवं सरस्वती, के.एन. (2020). प्रीवेलेंस आफ हाइपरटेंशन एंड एडिपाजिटी इंडिकेटर्स अमंग चिल्ड्रन एंड एडोलिसेंट्स आफ मेघवाल कम्यूनिटी : ए क्रॉस-सेक्शनल स्टडी फ्रॉम उदयपुर, राजस्थान (इंडिया)। द ओरिएंटल एंथ्रोपॉलॉजिस्ट, 21(1), 104-115. <https://doi.org/10.1177/0972558X20975252>
- रूलू, पी., रिवर्ट, एल.एल., ढल, एम. एवं बर्टोन-जानसन, ई.आर. (2020). सिम्पटम्स एट मिडलाइफ अमंग विमिन इन नागालैंड, इंडिया। अमेरिकन जर्नल आफ ह्यूमन बायोलॉजी, 33(2), e23456. <https://doi.org/10.1002/ajhb.23456>
- शिमराह, सी. कौर, एस., एवं चंदेल, एस. (2020). सोमेटोटाइप करेक्टस्टिक्स आफ सुन्नी मुस्लिम ेपौपुलेशन : ए क्रॉस, सेक्शनल स्टडी। द ओरिएंटल एंथ्रोपॉलॉजिस्ट, 20(1), 113-124. <https://doi.org/10.1177/2F0972558X20913699>
- सिंह, एन., सिंह, एस., एवं चंदेल, एस. (2020). ए स्टडी आफ ब्लड प्रेशर एंड बीएमआई अमंग ट्राइबल एडोलिसेंट्स आफ नर्मदा डिस्ट्रिक्ट, गुजरात, इंडिया। अल अमीन जर्नल आफ मेडिकल साइंसिज, 13(4), 291-294.
- सिंह, एन., सिंह, एस., एवं क्षत्रिय, जी.के. (2020). डिटरमिनेशन आफ ऐज एट मिरारकी एंड इट्स एसोसिएशन विद सोशियो-इकानामिक स्टेटस एंड फिजिकल एक्टिविटी : ए स्टडी अमंग तिब्बती एडोलिसेंट गर्ल्स आफ कांगडा डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश, भारत। ऑनलाइन जर्नल आफ हेल्थ एलाइड साइंसिज, 19(1), 2.

सिंह, एस., सिंह, एन., एवं क्षत्रिय, जी.के. (2020). एसेसमेंट आफ एग्रीमेंट बिटविन द नेशनल (इंडियन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स) एंड इंटरनेशनल (सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन) ग्रोथ रिफरेंसिज अमंग तिब्बती एडोलिसेंट गर्ल्स आफ कांगडा डिस्ट्रिक्ट, हिमाचल प्रदेश। मेडिकल जर्नल आफ डॉ. डी वाई पाटिल विद्यापीठ, 13(6), 624. http://dx.doi.org/10.4103/mjdrdypu.mjdrdypu_22_20

सिंह, एस., सिंह, एन., एवं क्षत्रिय, जी.के. (2020). कांगडा जिला, हिमाचल प्रदेश की तिब्बती किशोर बालिकाओं की पोषण स्थिति और शारीरिक संरचना का मूल्यांकन। एंथ्रोपॉलॉजिकल रिव्यू, 83(4), 395-405. <https://doi.org/10.2478/anre-2020-0027>

ठाकुर, एम. के., सरस्वती, के.एन., एवं देवी, एन.के. (2020). इंटरनेशनल डिफरेंसिज इन द फिजिकल एक्टिविटी पैटर्न : ए फेमिलियल स्टडी फ्रॉम रूरल हरियाणा, इंडिया। इंटरनेशनल क्वार्टरली आफ कम्यूनिटी हेल्थ एजुकेशन, 40(2), 91-97. <https://doi.org/10.1177%2F0272684X19857566>

यादव, एस., लांगकुमेर, आई., जोशी एस., एवं सरस्वती, के.एन. (2021). मिथाइलीनेटेड्राहाइड्रोफोलेट रिडक्टेज जीन पालीमारफिज्म, ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन एंड ब्लड प्रेशर : ए पापुलेशन बेस्ड स्टडी फ्रॉम नार्थ इंडिया। बीएमसी मेडिकल जिनामिक्स, 14(1), 59. <https://doi.org/10.1186/s12920-021-00895-1>

यादव, के.के. (2021). नेगोशिएटिंग मार्जिनलेटी : कंफीलक्ट ओवर ट्रायबल डेवलपमेंट इन इंडिया, राजकिशोर महाना। जर्नल आफ एंथ्रोपॉलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया, 70(1), 151-154. <https://doi.org/10.1177/2277436X20970293>

झिमो, ए.जी. (2020). इंडिजिनस सिस्टम आफ गवर्नेंस एंड इट्स इम्प्लीकेशंस : द केस आफ सुश्री नागा। इंडियन एंथ्रोपॉलॉजिस्ट, 49(2), 41-56.

पुस्तक अध्याय

महाजन, सी. (2020). एवरीडे कम्यूनिलिज्म एंड शिफ्टिंग फूड प्रैक्टिसिज इन जम्मू एंड कश्मीर। इन : चौधरी, आर., और भाटिया, एम. (संपादित) - जम्मू एवंकश्मीर में धर्म और राजनीति (पृष्ठ 161-175), रोटलेज इंडिया। <https://doi.org/10.4324/9781003052289-8>

झिमो, ए.जी. (2021). इंडिजेनेसोइजिंग क्रिस्टेनिटी : पालिटिक्स आफ कनवरशेसन अमंग द सुमी नागा। इने : श्रीवास्तव, वी.के. (संपादित), इंडियाज ट्राइब्स : अनफोल्डिंग रियलिटीज, न्यू दिल्ली, सेज प्रकाशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

ई- विषय-वस्तु

झिमो, ए.जी. (2020). 'इकोट्यूरिज्म' ई-ज्ञानकोष, इग्नू। <https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/65767/1/Unit-9.pdf>

झिमो, ए.जी. (2021). जनजातीय कलाएं एवं सौन्दर्य अनुभूति। स्वयं, एनआरसी-ट्रायबल स्टडीज। <https://youtu.be/5UTXivk2ots>

झिमो, ए.जी. (2020). रिलीजियस कनवर्जन अमंग द ट्रायब्स इन इंडिया। 'स्वयं', एनआरसी-ट्रायबल स्टडीज, एमएचआरडी। <https://youtu.be/UWxVpihOwAo>

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजनो शीर्षक	वर्ष/अवधि	निधियन अभिकरण	संस्वीकृत राशि
01	जेनेटिक एंड ऐपिजेनेटिक मैकेनिज्मस आफ होमोसिस्टेन मेटाबोलिक पाथवे इन कागनितिव इम्पेयरमेंट : ए पापुलेशन बेस्ड केस-कंट्रोल स्टडी फ्रॉम हरियाणा	2019-2022	डीएसटी-सीएसआरआई	रु. 47,87,260/-

	पीआई : प्रो. के.एन .सरस्वती			
02	निःसंतानता एवं इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव : ए हास्पिटल बेस्ड केस कंट्रोल स्टडी फ्राम नार्थ इंडिया पीआई : प्रो. के.एन .सरस्वती और डॉ. चक्रवर्ती महाजन	2019-2021	एनसीडब्ल्यू	रु. 12,91,500/-
03	ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन इन मिनोपाज : एपापुलेशन बेस्ड फोलो-अप पायलट स्टडी फ्राम हरियाणा) नार्थ इंडिया(पीआई : प्रो. के.एन .सरस्वती	2020-2021	दिल्ली विश्वविद्यालय, इंस्टिट्यूट आफ एमिनेंस ग्रांट	रु. 5,00,000/-
04	एन एसेसमेंट आफ सोशल एंड मेंटल हेल्थ आफ कम्युनिटीज लिविंग आन द इंडिया एवं न बार्डर इन जम्मूपाकिस्तान- रकश्मी पीआई : प्रो. पी जोशी और .सी.डॉ. चक्रवर्ती महाजन	2021-2023	आईसीएसएसआर	रु. 14,50,000/-
05	हाइपरटेंशन एन एपिजेनेटिक :फॉलो- एसेसमेंट स्मूथ सिस्टम एंड हेल्थ डी फ्राम नार्थ इंडिया पीआई : डॉ. सुनीति यादव और डॉ. चक्रवर्ती महाजन	2020-2021	दिल्ली विश्वविद्यालय, इंस्टिट्यूट आफ एमिनेंस ग्रांट	रु. 5,00,000/-

आयोजित सेमिनार

25 अगस्त, 2020 को 'मानव कल्याण में गांधीवादी विचार' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार।

23 जुलाई, 2020 को 'फोरेसिक्स: एन इम्पारेंट नीड आफ द सोसायटी' विषय पर वेबीनार।

20 जुलाई, 2020 को 'मेंटल हेल्थ एंड वेल बीईंग इन पोस्ट कोविड वर्ल्ड' विषय पर वेबीनार।

7 जुलाई, 2020 को 'एंथ्रोपॉलिटिकल रेस्पॉंस टू कोविड-19' विषय पर वेबीनार।

25 मई, 2020 को 'फॉर अवे फ्राम होम' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार। विदेशों में अध्ययनरत पूर्व छात्रों ने अपने अद्यतन अनुसंधान और महामारी लॉकडाउन के दौर में उनके दैनिक उपयोग पर चर्चा की। इस अवसर पर कृतिका पांडे (यूनिवर्सिटी आफ सदर्न कैलीफोर्निया), मैक्सीमिलन एपल (फ्रे यूनिवर्सिटी, बर्लिन), निलीशा वशिष्ठ (यूनिवर्सिटी कालेज, लंदन), स्नेहा राय (यूनिवर्सिटी आफ वेल्स), हार्दिक गौरव (ब्रिस्टोल) आमंत्रित वक्ता थे।

8-9 मई, 2020 को 'रिसेंट एडवांसिज इन एंथ्रोपॉलिटिकल रिसर्च' विषय पर वेबीनार कनकलेव।

31 जनवरी को मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'पापुलेशन जेनेटिक्स इन पब्लिक हेल्थ' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

17 दिसम्बर, 2020 को सुश्री मेहरोज बार्थविक, सिडनी विश्वविद्यालय द्वारा 'फैशनिंग ट्रेडिशन इन ए राजस्थानी प्रिंटिंग टाउन' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

27-29 फरवरी, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एंथापालाजी आफ फूड एंड हेल्थ' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

21-23 फरवरी, 2021 को आईएनसीए के तत्वावधान में 'एंथापालाजी : थ्यूरी टू एप्लीकेशन' विषय पर हाइब्रिड मोड में इंडियन एंथापालाजी कांग्रेस का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

डॉ. एविटोली जी. झिमो ने 23 नवम्बर - 5 दिसम्बर, 2020 को एचआरडीसी, रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'जनजातीय अध्ययन' विषय पर आयोजित दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. विपिन गुप्ता ने 23 नवम्बर - 5 दिसम्बर, 2020 को एचआरडीसी, रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 'जनजातीय अध्ययन' विषय पर आयोजित दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. शिवानी चंदेल ने 16-30 दिसम्बर, 2020 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा 'विंटर स्कूल (कोलेबोरेशन एंड कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट)' विषय पर ऑनलाइन तरीके से आयोजित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. मीना ढल ने शिक्षण अधिगम केन्द्र (टीएलसी), रामानुजन कालेज द्वारा शिवाजी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 18 अगस्त, 2020 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएमएमटीटी) की तरफ से 'आईसीटी संवर्धित शिक्षण अधिगम एवं सृजनात्मक एमओओसीएस' विषय पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. मीना ढल ने दीन दयाल उपाध्याय कालेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) और के.टी.एच.एम. कालेज, नासिक, महाराष्ट्र द्वारा 3-7 अगस्त, 2020 को 'पेडागोगिकल ट्रेनिंग फॉर इफेक्टिव ऑनलाइन टीचिंग एंड लर्निंग' विषय पर आयोजित एक सप्ताह के राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।

डॉ. चक्रवर्ती महाजन ने 20 फरवरी - 4 मार्च, 2020 को यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 'सामाजिक विज्ञान में दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' में भाग लिया।

डॉ. चक्रवर्ती महाजन ने 10 अप्रैल को शिक्षा विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा 'प्लानिंग एंड आर्गेनाइजिंग रिसर्च यूजिंग स्कापस एंड मेंडले' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. एम; केनेडी ने 27 अक्टूबर - 10 नवम्बर, 2020 को सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडी), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'पर्यावरणीय विज्ञान, जल, पृथ्वी और पर्यावरण' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. नोरेम किरनमाला देवी ने 16-30 दिसम्बर, 2020 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा 'विंटर स्कूल (कोलेबोरेशन एंड कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट)' विषय पर आयोजित ऑनलाइन पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

आयोजित कार्यशालाएं

27-29 जुलाई, 2020 को 'द क्राफ्ट आफ रिसर्च मैथडॉलोजी : एडवांसिज एंड एप्लीकेशंस' विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। पंजीकृत भागीदार : 1003.

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

झिमो, ए.जी., ने 9-14 मार्च, 2021 को इंटरनेशनल यूनियन आफ एंथ्रोपॉलॉजिकल एंड एथनॉलॉजिकल साइंसेज (आईयूईएस) में अपनी फिल्म 'द विलेज आन द क्लिफ' का प्रस्तुतिकरण/स्क्रीनिंग की।

झिमो, ए.जी., ने 3-4 मार्च, 2020 को भुवनेश्वर, ओडिशा में 'दक्षिण एशिया में विज्ञान, सोसायटी एवं राजनीति' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्रांसफॉर्मिंग एन इंडिजिनस कम्युनिटी इन इंडियाज नार्थईस्ट : फ्रॉम डिपेंडेंसी टू इनवाल्मेंट' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया।

गुप्ता, वी., ने 27-29 फरवरी, 2020 को दिल्ली में 'एन इंट्रोडक्शन टू गाआरबीएच कोहर्ट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस आन एंथ्रोपॉलाजी आफ फूड एंड हेल्थ' में प्रस्तुति दी।

ढल, एम., 'क्वालिटी आफ लाइफ, लाइफस्टाइल डीजिज, मेंटल हेल्थ एंड कागनितिफ फंक्शनिंग : ए न्यूरोएंथ्रोपॉलाजिकल एप्रोच', न्यूरोलाजी वर्चुअल, 19-20 नवम्बर, 2020.

ढल, एम., 'अफ्रिकी की और भारतीय जनसंख्या का पोषण एवं भोजन आदतों : एक नृवैज्ञानिक परिपेक्ष्य', फर्स्ट अफ्रिकी का फूड एनवायरमेंट रिसर्च नेटवर्क (एफईआरएन 2020) वर्चुअल मीटिंग, 3-5 नवम्बर, 2020.

राष्ट्रीय

झिमो, ए.जी. ने 9 अगस्त, 2020 को यूनिवर्सिटी स्कूल आफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'लाइफ, लाइवलीहुड एंड राइट्स आफ इंडीजिनस पीपल एंड ट्रेडिशनल नालेज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में 'प्रोबलेमेटिक विज्युअल रिप्रजेंटेशन आफ द इंडीजिनस कम्युनिटीज' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

चंदेल, एस. ने मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21-23 फरवरी, 2021 को 'एंथ्रोपॉलाजी : थ्यरी टू एप्लीकेशन' विषय पर आयोजित एंथ्रोपॉलाजी कांग्रेस 2021 में 'बीईंग फिट इन टूडेज वर्ल्ड' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

चंदेल, एस. ने मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7 जुलाई, 2020 को 'एंथ्रोपॉलाजिकल रिस्पांस टू कोविड-19' विषय पर आयोजित वेबीनार में 'डिजाइनिंग इन पोस्ट कोविड-19 इरा : इनसाइट फ्रॉम इरगोनामिक एंथ्रोपॉलाजी' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

ढल, एम. ने महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, बडौदा, गुजरात और डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा 4 सितम्बर, 2020 को 'इंडियन फूड एंथ्रोपॉलाजी - ए क्रॉस कल्चरेल ऐम्पावरमेंट सिम्पाजियम फॉर हेल्थ प्रैक्टिसिंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वर्चुअल संगोष्ठी में 'हेल्थ एंड न्यूट्रिशन अमंग वेरिएस पापुलेशन आफ इंडिया : एन एंथ्रोपॉलाजिकल परस्पेक्टिव' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

महाजन, सी. ने मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और द इंडियन नेशनल कानफेडरेशन एंड एकेडमी आफ एंथ्रोपॉलाजिस्ट (आईएनसीएए) द्वारा 21-23 फरवरी, 2021 को 'एंथ्रोपॉलाजी : थ्यरी टू एप्लीकेशन' विषय पर आयोजित इंडियन एंथ्रोपॉलाजी कांग्रेस, 2021 में 'आफ्टरमैथ आफ एन आमर्ड कनफ्लिक्ट : एवरीडे नेशनललिज्म एंड हिन्दु-मुस्लिम रिलेशंस इन डोडा, जम्मू एंड कश्मीर' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

महाजन, सी. ने मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7 जुलाई, 2020 को 'एंथ्रोपॉलाजिकल रिस्पांस टू कोविड-19' विषय पर आयोजित वेबीनार में 'बीईंग पंजाबी इन द पेंडेमिक : कनवाईवल गेदरिंग्स इन द डिजिटल स्फेयर' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

यादव, एस. मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 7 जुलाई, 2020 को 'एंथ्रॉपॉलाजिकल रिस्पांस टू कोविड-19' विषय पर आयोजित वेबीनार में 'द अनटोल्ड स्टोरी आफ मैनेजिंग कोविड-19 इन इंडिया' विषय पर एक वक्ता के तौर पर अपना योगदान दिया।

श्रीवास्तव, एम. ने मानव विज्ञान विभाग और आइएनसीएए द्वारा 21-23 फरवरी, 2021 को 'एंथ्रॉपॉलाजी : थ्युरी टू एप्लीकेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'एक्सप्लारिंग द मीनिंग आफ वूमन एमपावरमेंट इन बुद्धिज्म; ए कनवरशेषण विद थ्री बुद्धिस्ट नन्स' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

श्रीवास्तव, एम. ने राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22-23 मार्च, 2021 को 'कलर मैटर्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कल्चर इन मार्जिन्स - एक्सप्लारिंग मार्जिनेलाइजेशन आफ वूमन इन बुद्धिज्म' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

विदेश से आने वाले विद्यार्थी - मेहरोज बार्थविक, सिडनी विश्वविद्यालय की पीएच.डी. विद्यार्थी वर्ष 2019-20 से अपने फील्ड कार्य के लिए मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। उनका विषय है - 'मेटेरियली इंडिया - फैशनिंग क्लास एंड जेंडर इन राजस्थान टैक्सटाइल प्रिंटिंग टाउन'। उनके भारतीय गाइड हैं - डॉ. एविटोली जी झिमो।

विस्तार एवं पहुंच कार्यक्रमलाप

प्रो. एस.एम. पटनायक और प्रो. के. एन. सरस्वती ने कोविड-19/कोरोना वायरस के दृष्टिगत आईसीएमआर के लिए हाइपरटेंशन, डायबिटीज और हृदय रोगियों संबंधी एफएक्यू के लिए क्रमशः ओडिया एवं तेलुगु रूपांतरों में योगदान दिया। यह <https://www.icmr.gov.in/cfaqs.html> पर उपलब्ध है।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने मानव विज्ञान विभाग, एमिटी इंस्टिट्यूट आफ बायोटेक्नोलॉजी, नोएडा द्वारा 11 अप्रैल, 2020 को आयोजित सम्मेलन में 'कोविड-19 इन इंडिया : एन एंथ्रॉपॉलाजिकल इनसाइट' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने मानव विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा 4 मई, 2020 को आयोजित सम्मेलन में 'एंथ्रॉपॉलाजी एंड हेल्थ रिसर्च इन प्री एंड पोस्ट कोवि-19 टाइम्स' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7 जुलाई, 2020 को 'एपिजेनेटिक शैडो आफ कोविड-19' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने एंथ्रॉपॉलाजिकल सर्वे आफ इंडिया द्वारा 29 अगस्त, 2020 को 'कोविड-19 फीनोटाइप थू ह्यूमन डीएनए एंड वायरल आरएनए' विषय पर आयोजित सम्मेलन में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने एंथ्रॉपॉलाजिकल सर्वे आफ इंडिया द्वारा 3-16 नवम्बर, 2020 तक अपनी अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला के तहत 16 नवम्बर, 2020 को 'जेनेटिक्स एंड एपिजेनेटिक्स इन हेल्थ : एन एंथ्रॉपॉलाजिकल अंडरस्टैंडिंग' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश द्वारा 30 नवम्बर, 2020 को आयोजित किए गए द्वितीय प्रवेशन कार्यक्रम में 'रिसर्च प्रोजेक्ट्स एंड रिसर्च ग्रांट्स' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

प्रो. के.एन. सरस्वती ने यूनाइटेड इंडियन एंथ्रॉपॉलाजी फोरम (यूआईएफ) द्वारा 13 दिसम्बर, 2020 को 'बायलॉजिकल एंथ्रॉपॉलाजी इन द 21 सेंचुरी' विषय पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में 'एंथ्रॉपॉलाजी इन जेनोमिक एंड एपिजेनोमिक एरा' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. एविटोली जी. झिमो ने विवेकानंद महिला महाविद्यालय, बरीशा, कोलकाता द्वारा 24 सितम्बर, 2020 को आयोजित मानव विज्ञान में राष्ट्रीय स्तर की व्याख्यान श्रृंखला में 'विजुअल एंथ्रॉपॉलाजी : क्रिएटिव मैथड्स एंड एथिक्स' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने मानव विज्ञान विभाग, एलेजर जोल्डन मैमोरियल कालेज, लेह, लद्दाख द्वारा 30 जनवरी, 2021 को आयोजित वेबीनार में 'टीचिंग एंथ्रॉपॉलाजी' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने लयालपुर यंग हिस्टोरियन क्लब, फैसलाबाद, पाकिस्तान द्वारा 8 नवम्बर, 2020 को 'रिइमेजिंग पंजाब इन द डिजिटल वर्ल्ड' विषय पर आयोजित सम्मेलन में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने मानव विज्ञान विभाग, गवर्नमेंट जनरल डिग्री कालेज एंड आईक्यूएसी, सिंगुर द्वारा 21 अगस्त, 2020 को 'द रेलेवेंस आफ एथनोग्राफी इन एंथ्रॉपॉलाजी' विषय पर आयोजित व्याख्यान में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने एंथ्रॉपॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27-29 जुलाई, 2020 को 'द क्राफ्ट रिसर्च मैथडॉलाजी : एडवांसिज एंड एप्लीकेशंस' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में 'वर्चुअल एथनोग्राफी' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने मानव विज्ञान विभाग, स्कूल आफ सोशल साइंसिज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली द्वारा 11 मई, 2020 को 'फील्डवर्क ट्रेडिशन इन एंथ्रॉपॉलाजी' विषय पर आयोजित व्याख्यान में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने सामाजिक कार्य विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा 24 जून, 2020 को 'ओब्जरवेशन इन फील्डवर्क' विषय पर आयोजित व्याख्यान में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने सामाजिक कार्य विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा कारगिल विकास परियोजना के सहयोग से 9-11 जनवरी, 2020 को जम्मू में आयोजित तीन दिवसीय 'शांति, शिक्षा एवं सहयोगात्मक अधिगम कार्यशाला-1' में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किया गया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली द्वारा 20 जनवरी, 2020 को 'लोक संगीत और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' विषय पर आयोजित अल्पावधि प्रमाण-शोध पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 'रिसर्च स्टडीज इन फॉल्कलोर स्टडीज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. महाजन चक्रवर्ती ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली द्वारा 20 जनवरी, 2020 को 'लोक संगीत और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' विषय पर आयोजित अल्पावधि प्रमाण-शोध पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए 21 जनवरी, 2020 को 'फील्डवर्क इन फॉल्कलोर स्टडीज' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. मीनल ढल ने भगिनी निवेदिता कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5-7 जून, 2020 को 'पीपल, एनवायरमेंट, साइंस एंड पेन्डेमिक' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की और प्रारंभिक भाषण दिया।

डॉ. मीनल ढल ने मानव विज्ञान विभाग, एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा 27 अक्टूबर, 2020 को 'मैथड्स आफ स्टडिंग बॉडी कम्पोजिशन एंड देयर वेरिएशन इयूरिंग ग्रोथ' विषय पर आयोजित व्याख्यान में अपना व्याख्यान दिया।

डॉ. मीनल ढल ने मानव विज्ञान विभाग, एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा 2 नवम्बर, 2020 को 'पोषण एवं स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. केनेडी सिंह ने भास्कराचार्य कालेज आफ एप्लाइड साइंस, (डीयू) द्वारा 8 अक्टूबर, 2020 को 'रिफ्लेक्शंस आन एंटरप्रिन्योरशिप डेवलपमेंट एंड नार्थ ईस्ट इंडिया' विषय पर आयोजित वेबीनार में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सुनीति यादव ने मानव विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा 9-23 मई, 2020 को 'एंथ्रोपॉलाजिकल रिसर्च टेक्नीक्स' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में 'सरफिंग द वेज आफ जेनेटिक्स इन एंथ्रोपॉलाजिकल रिसर्च' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. सुनीति यादव ने कोरोनावायरस/कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत आईसीएमआर के लिए हाइपरटेंशन, डायबिटीज और हृदय रोगियों के संबंध में एफएक्यू में अपना योगदान दिया। यह <https://www.icmr.gov.in/cfaqs.html> पर उपलब्ध है।

डॉ. नाओरेम किरनमाला देवी को लेडी इरविन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 मई, 2020 को 'एन एंथ्रोपॉलाजिकल ग्लांस एट कोविड-19' विषय पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी. : 8

एम.फिल : 10

संकाय संख्या : 16

वनस्पति विज्ञान विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

वनस्पति विज्ञान विभाग शिक्षण और अनुसंधान दोनों ही क्षेत्रों में उत्पादक तरीके से सतत तौर पर संलग्न रहा। एम.एस.सी. वनस्पति विज्ञान कार्यक्रम में पौधा विज्ञान संबंधी विविध क्षेत्रों की शिक्षा प्रदान की जाती है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा प्रदान करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के संकाय की सहभागिता से अंतर-विषयक शोध प्रदान किए जाते हैं। विभाग के संकाय सदस्य एलगी, ब्रायोफाइट्स, टेरिडोफाइट्स एंड जिम्नोस्पर्मस टू क्रॉप प्लांट्स, मेडिसिनल प्लांट्स एंड फोरेस्ट ट्रीज सहित विभिन्न पौधा प्रजातियों पर उच्च गुणवत्तापरक शोध कार्यों में संलग्न रहते हैं। अनुसंधान प्रतिमान में माफ़ोलाजिकल, एनाटोमिकल, जेनेटिक्स, फिजियोलॉजिकल एवं बायोकेमिकल से लेकर जिनामिक्स, प्रोटियोमिक्स एवं ट्रांसजेनिक स्टडीज, स्टडी आफ इकोसिस्टम, कंजरवेशन स्टडीज, इवोल्यूशन, एवं विभिन्न मानव कैंसर सेल लाइंस और मस्किटो वेक्टर के लिए पौधा आधारित नैनोटेक्नॉलाजिकल एप्रोच सहित विभिन्न विषय शामिल हैं। अनुसंधान प्रतिमान की यह विस्तृत विविधता विद्यार्थियों को अंतर विषयक दृष्टिकोण विकसित करने और अधुनातन प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण के लिए सहायक है। संकाय सदस्यों द्वारा सक्रिय तौर पर प्रकाशन किया जाता है और उनके कार्य को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मान्यता प्रदान की जाती है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. राजेश टंडन :

विशम्भर पुरी मेडल (2020)

प्रो. रूपम कपूर :

अध्यक्ष निर्वाचित (2020) मायकोलाजिकल सोसायटी आफ इंडिया

के. नटराजन मेमोरियल अवार्ड लेक्चर (2020) मायकोलाजिकल सोसायटी आफ इंडिया द्वारा।

प्रो. शैलेन्द्र गोयल :

विभिन्न बोर्डों/समितियों के सदस्य अर्थात् ईसी सदस्य एडीएनएटी, सीसीएमबी, हैदराबाद; सदस्य, बोर्ड आफ स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया; सदस्य, बोर्ड आफ स्टडीज, एनआईपीजीआर, जेएनयू, सदस्य, एकेडमिक

काउंसिल, जेएनयू; सदस्य, बोर्ड आफ स्टडीज, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय और सदस्य, बोर्ड आफ स्टडीज, सिक्किम विश्वविद्यालय।

सह-समन्वयक, आईक्यूएसी, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. सुमन लखनपॉल :

उपाध्यक्ष, सोसायटी फॉर इकालॉजिकल रिसर्च एंड नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट।

सचिव, इंडियन एसोसिएशन आफ मायकोप्लाज्मोजिस्ट।

सदस्य, स्पेशल कमेटी फॉर ड्रग स्टैंडर्डाइजेशन आफ सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (सीसीआरएच), आयुष।

प्रो. वीणा अग्रवाल :

सदस्य, प्रोग्राम एडवायजरी कमेटी (पीएसी) आफ आर्गेनिजमल एंड एवोल्यूशन आफ बायलॉजी (ओईबी) आफ साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार (फरवरी 2019-2022)।

अनुसंधान परियोजनाओं के विकास और विश्वविद्यालय शिक्षकों के निधियन हेतु अनुमोदन के लिए सितम्बर, 2019 से दो वर्षों के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान) के लिए आरयूएसए (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान), एमएचआरडी, भारत सरकार की शीर्ष समितियों का विशेषज्ञ सदस्य।

भारत में विश्वविद्यालयों की प्रगति के मूल्यांकन के लिए मई, 2019 से वर्तमान तारीख तक एनएएसी (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद), एमएचआरडी, भारत के विशेषज्ञ सदस्य (मूल्यांकनकर्ता)।

प्रकाशन

अग्निहोत्री, ए., और सेठ, सी.एस. (2020). 'डज जसमोनिक एसिड रेगुलेट फोटोसिंथेसिस क्लासटोजेनेसिटी एंड फॉइटोकेलाटिस इन ब्रासिका जूनेसिया एल. इन रिस्पांस टू पीबी-सबसेल्यूलर डिस्ट्रीब्यूशन? कीमोस्फेयर, 243, 125361. <https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2019.125361>

अरोड़ा, एस., और मिश्रा, जी. (2021), इफेक्ट आफ गिबेरेलिन, मिथाइल जसमोनेट एंड मायोनिस्टोल आन बायोमोस एंड इकोसापैटोनिक एसिड प्रोडक्टिविटी इन यूयटिंगमेटोफॉइट मोनोडोपसिस सबटेरेनिया सीसीएएलए 830. जर्नल आफ एप्लाइड फॉइकोलॉजी, 33(1) 287-299. <https://doi.org/10.1007/s10811-020-02317-8>

आर्य एम., प्रकाश एस., सोग्रकपम वाई., और देसवाल, आर. (2021). ब्रासिका जनसिया लीफ मक्यूटिसल प्रोटियोम एनलिसिस श्योज मायरोसिनेज प्रोटीन, एंटीफ्रिज एक्टिविटी एंड पोस्ट ट्रांसनेशनली मॉडीफाईड सेक्रेटोरी प्रोटीन्स। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमेस्ट्री, <https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2021.02.012>

बेरी, ई., चौधरी, ए.के., मिश्रा, जी., टंडन, आर., और गीता, आर. (2020). एस्टिसिया एडहाटोडा एल. रिवील्स टू माफोटाइप्स विद पासिबल फंक्शनल सिग्निफिकेंस। जर्नल आफ प्लांट रिसर्च, 133(6), 783-805. <https://doi.org/10.1007/s10265-020-01224-w>

भारद्वाज, डी., साहू, आर.के., नकवी, ए.आर. लखनपॉल, एस., और टुटेजा, एन. (2020). पीजीबी सबनिट आफ जी प्रोटीन्स हेज एरोल इन नाइट्रिक आक्साइड इन्डयूस्ड स्टोमेटल क्लोजर इन रिस्पांस टू हीट एंड ड्राट स्ट्रेस। प्रोटोप्लाज्मा, 257(6), 1639-1654. <https://doi.org/10.1007/s00709-020-01529-6>

भारद्वाज, ई., लाल, एम., आनंद, एस., और दास, एस. (2020). इंडिपेंडेंट रिकरेंट इवोल्यूशन आफ माइक्रोना जीन्स कनवर्जिंग इनटू सिमिलर ेनॉन-कैनोनिकल ेआर्गेनाइजेशन अक्रॉस ग्रीन प्लांट लाइनेज इज ड्राइवन बाये लोकल एंड सेगमेंटल डुप्लीकेशन इवेंट्स इन स्पेसिज, फेमिली एंड लाइनेज। प्लांट साइंस, 301, 110661. <https://doi.org/10.1016/j.plantsci.2020.110661>

चन्द्र, ए., सराधी, पी.पी., मैकहुरी, आर.के., सक्सेना, के.जी. और राव, के.एस. (2021). इम्पेक्ट आफ फॉर्म यार्ड मैन्यूर ऑन क्रापिंग साइकल इन ए रेन्फेड एगोइकोसिस्टम आफ सेंट्रल हिमालय। वेजेटोस, 34, 249-262. <https://doi.org/10.1007/s42535-020-00167-w>

चौधरी, के., गीता, आर., और पंजाबी, पी. (2021). ऑरिजन एंड डायवरफिकेशन आफ एसेरीफेरम1 (सीईआर1) एंड एसेरीफेरम3 (सीईआर3) जीन्स इन लैंड प्लांट्स एंड फॉइलोजेनेटिक एविडेंस देट द एनसेस्ट्रल सीईआर1/3 जीन रिजल्टिड फ्राम द फ्यूजन आफ प्री-एग्जिस्टिंग डोमेन। मालीक्यूलर फॉइलोजेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन, 159, 107101. <https://doi.org/10.1016/j.ympev.2021.107101>

चौधरी, ए.के., और मिश्रा जी. (2021). फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन एंड एक्सप्रेसन प्रोफाइल आफ माइक्रोसोमल एफएडी2 और एफएडी3 जीन्स इनवाल्वड इन लिनोलेइक एंड ए-लिनोलेनिक एसिड प्रोडेक्शन इन लेकस सेफॉलोत्स। फिजियोलॉजी एंड मालीक्यूलर बायोलॉजी आफ प्लांट्स, 27, 1233-1244. <https://doi.org/10.1007/s12298-021-01016-z>

दिव्या, एस., शर्मिला, पी., दिनाकरन, जे., यामल, जी., राव, के.एस. एंड परधा-सारथी, पी. (2020)। स्पेसिफिक एच+ लेवल इज क्रूसिएल फॉर एक्जुरेट फॉस्फेट क्वांटिफिकेशन यूजिंग एसकार्बेट एज ए रिडक्टेंट। प्रोटोप्लाज्मा, 257(1), 319-330. <https://doi.org/10.1007/s00709-019-01424-9>

गोगना, एम., चौधरी, ए., मिश्रा, जी., कपूर, आर., एवं भाटला, एस.सी. (2020)। चेंजिज इन लिपिड कम्पोजिशन इन रिस्पांस टू साल्ट स्ट्रेस एंड इट्स पासिबल इंटरएक्शन विद इंटरसेल्यूलर एनए+ -के+ रेशो इन सनफ्लावर (हेलियांथस एनस एल.)। एनवायरमेंटल एंड एक्सपेरीमेंटल बॉटनी, 178, 104147. <https://doi.org/10.1016/j.envexpbot.2020.104147>

गुप्ता, पी., एंड सेठ, सी.एस. (2020). इंटरएक्टिव रोल आफ एक्सोजेनस 24 एपिब्रासिनोलाइड एंड एंडोजेनस एनओ इन ब्रासिका जनसिया एल. अंडर सैलिनिटी स्ट्रेस : एविडेंस फॉर एनआर-डिपेंडेंट एनओ बायोसिंथेसिस। नाइट्रिक आक्साइड, 97, 33-47. <https://doi.org/10.1016/j.niox.2020.01.014>

गुप्ता, एस., ठोकचोम, एस.डी. एवं कपूर, आर. (2021). एरबासकुलर माइकोहिजा इम्प्रूवज फोटोसिंथेसिस एंड रिस्टोर्स एल्टरेशने इन शुगर मेटाबोलिज्म इन ट्राइटिसियम एल. ग्रोवन इन आर्सेनिक कंटांमिनेटिड सायल। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 12, 640379. <https://doi.org/10.3389/fpls.2021.640379>

हजॉंग, एस. एवं कपूर, आर. (2020). एन एमालगम आफ पैथेजेनिक एंड बेनिफिसियल एंडोफिटिक फंगी कोलोनिजिंग फोर डेंड्रोबियम स्पेसिज फ्राम मेघालय, इंडिया। जर्नल ऑफ बेसिक माइक्रोबायोलॉजी, 60(5), 415-423. <https://doi.org/10.1002/jobm.201900631>

जांगिड, पी., मेहरा, एन., शर्मा, के., सिंह, एन, ममता रानी और कपूर, आर. (2021). सेक्रेटिड इन एजायलम जीन्स, ड्राइवर्स आफ होस्ट ऐडपशन इन फ्यूजिरियम आक्सीस्पोरम। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 12, 628611. <https://doi.org/10.3389/fpls.2021.628611>

कनोजिया, ए. और मुदगिल, वाय. (2020). डिटेल्ड इन सिलिको एनालिसिस आफ एराबायडोपसिस एन-माइक डाउनरेगुलेटिड लाइक (एनडीएल) इंटरएक्टम विद रेफ्रेंस टू स्ट्रेस सेंसिंग, फॉइटोमारफोलॉजी, 70(3&4), 85-102.

कसाना, एस., द्विवेदी, एम., उनियाल, पी.एल. और पांडे, ए.के. (2020). एन एपडेड सरकमस्क्रिपशन आफ सोसेरिया (कारड्यूए, एसटैरेसिया) एंड एलायड जेनेरा बेस्ड ऑन मासोलाजिकल एंड मालीक्यूलर डाटा। फॉइटोटेक्सा 450(2), 173-187. <https://doi.org/10.11646/phytotaxa.450.2.3>

कसाना, एस., उनियाल, पी.एल. और पांडे, ए.के. (2021). ए टेक्सोनामिक रिविजन आफ जेनस डोलोमाइसिया डीसी। (एसटैरेसिया : कारड्यूए) इन इंडिया। रीडिया, 31(1), 1 - 10. <https://dx.doi.org/10.22244/rheedeia.2021.31.01.01>

कसासिक, एस., वशिष्ठ, ए., श्वेता, एस., शर्मा, के.के. और लखनपाल, एस. (2020). इसीसिएल एमिनो एसिड प्रोफाइलिंग आफ द फोर लेक होस्ट बिलॉगिंग टू जेनस फ्लेमिंगा : इट्स इम्पलीकेशंस आन लेक प्रोडक्टिविटी। फिजियोलॉजी एंडमालीक्यूलर बायोलॉजी आफ प्लांट्स, 26, 1867-1874. <https://doi.org/10.1007/s12298-020-00860-9>

कौशल, एस. और बैश्या, आर. (2021). स्टैंड स्ट्रक्चर एंड स्पेसिज डायवर्सिटी रेगुलेट्स बायोमास कार्बन स्टॉक अंडर मेजर सेंट्रल हिमालयन फॉरेस्ट टाइप आफ इंडिया। इकोलॉजिकल प्रोसेसर्स, 10, 14. <https://doi.org/10.1186/s13717-021-00283-8>.

कुमार, डी. और सेठ, सी.एस. (एहेड-आफ-प्रिंट). फोटोसिंथेसिस, लिपिड पेरोक्सिडेशन एंड एंटीआक्सीडेटिव रिसर्पोस आफ हिलियनथस अन्नस एल. अर्गेंस्ट क्रोमियम (VI) एक्यूलेशन। इंटरनेशनल जर्नल आफ फाइटोरेमेडेशन। <https://doi.org/10.1080/15226514.2021.1958747>

कुमार, डी., कुमार, पी., सिंह, एच. और अग्रवाल, वी. (2020). बायोकंट्रोल आफ मास्कीटो वेक्टर थ्रू हर्बल-डिराइव्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स : प्रोस्पेक्ट्स एंड चैलेंजिज। एनवायरमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च इंटरनेशनल, 27(21), 25987-26024. <https://doi.org/10.1007/s11356-020-08444-6>

कुमार, आर., खुंगर, एल., शिमफुरी, आर. तिवारी, एल.डी., त्रिपाठी, जी., सरकार, एन.के., अग्रवाल, एस.के., अग्रवाला, एम. और ग़ोवर, ए. (2020). एट एचएसपी101 रिसर्च सेट्स कोर्स आफ एक्शन फॉर द जेनेटिक इम्प्रूवमेंट आफ क्रॉप्स अर्गेंस्ट हीट स्ट्रेस। जर्नल आफ प्लांट बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी। 29, 715-732. <https://doi.org/10.1007/s13562-020-00624-2>

लेसम, जे., सकसेना, के.जी. और राव, के.एस. (2020). राइस कल्टीवर डायवर्सिटी, एसोसिएटिड इंडीजिनस नालेज एंड मैनेजमेंट प्रेक्टिस इन ए लोलेंड विलेज लैंडस्केप फ्राम नार्थ-ईस्टर्न इंडिया। वेगेटास, 33(1), 172-186. <https://doi.org/10.1007/S42535-020-00097-7>

मलिक एस., कसाना, एस. और लखनपाल, एस. (2020). क्लोरोप्लास्ट डीएनए मार्कर एज ए टूल टू स्टडी द मॉलीक्यूलर फाइटोजेनी आफ इंडियन बारलेरिया एल. (अकेनथेसिया)। मेडिसिनल प्लांट्स 12(4), 609-614. <http://dx.doi.org/10.5958/0975-6892.2020.00073.8>

मोन, एन., उनियाल, पी.एल. और लखनपाल, एस. (2020). इसीडेंस आफ इन सिटू पोलन जर्मिनेशन इन थ्री स्पेसिज आफ आयोला एल. आफ उत्तराखंड। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स, 44(1), 63-65. <https://doi.org/10.1007/s40009-020-00917-z>

मरहोल्ड, के., ... अरोड़ा, जे., लखनपाल, एस..... और पंडित, एम.के. (2020). आईएपीटी क्रोमोसोम डाटा 33/1. टैक्सान, 69(6), 1394-1405. <https://doi.org/10.1002/tax.12414>

मीना, ए. और राव, के.एस. (2021). एसेसमेंट आफ माक्रोबियल एंड एंजाइम एक्टिविटी इन द रीजोस्फेयर जोन अंडर डिफरेंट लैंड यूज/कवर आफ ए सेमिपेरिड रीजन, इंडिया। इकोलाजिकल प्रोसेसिज, 10, 16. <https://doi.org/10.1186/s13717-021-00288-3>

मीना, ए., हनीफ, एम., दीनाकरण, जे. और राव, के.एस.. सॉयल मायस्चर कंट्रोल्स द स्पेशियो टेम्पोरल पैटर्न आफ सॉयल रेस्पिरेशन अंडर डिफरेंट लैंड यूज सिस्टम्स इन ए सेमी-एरिड इकोसिस्टम आफ दिल्ली, इंडिया। इकोलॉजिकल प्रोसेसिज, 9, 15. <https://doi.org/10.1186/s13717-020-0218-0>

निन्दावत, एस. और अग्रवाल, वी. (2020). एरेबियन प्रोमिरोज लीफ एकस्ट्रेक्ट मीडिएटिड सिंथेसिस आफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स : देयर इंडस्ट्रीयल एंड बायोमेडिकल एप्लीकेशंस। आर्टिफिसिएल सेल्स, नैनोमेडिसन एंड बायोटेक्नोलॉजी, 48(1), 1259-1271. <https://doi.org/10.1080/21691401.2020.1817056>

प्रकाश एस. और देसवाल, आर. (2020). एनालिसिस आफ टेम्परेरली इवोल्वड नैनो पार्टिकल्स प्रोटीन कोरोना हाइलाइटिड द पोर्टेशियल एबिलिटी आफ गोल्ड नैनोपार्टिकल्स टू स्टेबली इंटरएक्ट विद प्रोटीन्स एंड इन्फ्लूएस द मेजन बायोकेमिकल पाथवेज इन ब्रासिया ज्युनासिया। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमेस्ट्री, 146, 143-156. <https://doi.org/10.1016/j.plaphy.2019.10.036>

राजपूत, एस. और अग्रवाल, वी. (2020). माइक्रोप्रोपेगेशन आफ एटरोपा एक्यूमिनाटा रोयले एक्स लिंडले (ए क्रिटीकली एंडजरड मेडिसिनल हर्ब) थू रूट केलस एंड इवोल्यूशन आफ जेनेटिक फिडेलिटी, एंजाइमेटिक एंड नान-एंजाइमेटिक एंटीऑक्सीडेंट्स एक्टिविटी आफ रिगिनिरेटस। एक्टा फिजियोगी प्लांटम, 42(11), 160. <https://doi.org/10.1007/s11738-020-03145-6>

राजपूत, एस., कुमार, डी. और अग्रवाल, वी. (2020). ग्रीन सिंथेसिस आफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग इंडियन बोलादेना एक्सट्रेक्ट एंड देयर पोर्टेशियल एंटीआक्सीडेंट, एंटी इनफ्लेमेटरी, एंटी कैंसर एंड लार्विमिडल एक्टिविटीज। प्लांट सेल रिपोर्ट्स 39(7), 921-939. <https://doi.org/10.1007/s00299-020-02539-7>

राठौर, पी., रैना, एस.एन., कुमार, एस. और भट, वी. (2020). रेट्रो-एलीमेंट जिपसी-163 इज डिफरेंशियली मिथाइलेटेड इन रिप्रोडेक्टिव टिशूज आफ एपोमाइसिटिक एंड सेक्सुअल प्लांट्स आफ सिलिटिसस। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, 11, 795. <https://doi.org/10.3389/fgene.2020.00795>

राक्सवल, वी.के., घोष, एस., सिंह, एस., कटियाल-अग्रवाला, एस., गोयल, एस., जगन्नाथ, ए., कुमार, ए., स्केरिया, वी. और अग्रवाल, एम. (2020). एबायोटिक स्ट्रेस मीडिएटेड माइग्रेशन आफ द क्रोमाटिन लैंडस्केप इन एरेबिडोसिस थलियाना, जर्नल आफ एक्सपेरीमेंटल बॉटनी, 71(17), 5280-5293. <https://doi.org/10.1093/jxb/eraa286>

सैनी, एच., यादव, आर., कुमार, डी., कुमार, जी. और अग्रवाल, वी. (2020). कलेन कारिलिफोलियम (एल.) मेडिक। सीड एक्सट्रेक्ट, एन एक्सीलेंट सिस्टम फॉर फ्रैक्शनेशन आफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स एंड देय मल्टीपोटेंसी वेलिडेशन अगेंस्ट डिफरेंट मास्कटो वेक्टर्स एंड ह्यूमन सर्वाइकल कैंसर सेल लाइन। जर्नल आफ क्लस्टर साइंस, 31(1), 161-175. <https://doi.org/10.1007/s10876-019-01630-8>

शर्मा बी. और देसवास, आर. (2020). एकोफिजियोलॉमिक एनलिसिस आफ सट्रेस टालरेंट हिमालयन श्रब हिपोफोए रेमनायडस शोज मल्टीफैक्टरियल एकलिमेशन स्ट्रेटजीज इन्ड्यूस्ड बाये डायवर्स एनवायरनमेंटल कंडीशंस। फिजियोलॉगिया प्लेनटेरम, 168(1), 58-76. <https://doi.org/10.1111/ppl.12942>

शर्मा बी. और देसवास, आर. (2021). कम्पेरेटिव प्रोटियाम प्रोफाइलिंग आफ शीबकथोर्न लीव्स फ्राम लो एल्टीट्यूड 'सिक्किम' एंड हाई एल्टीट्यूड 'हिमाचल प्रदेश' हिमालयन रीजन हिंट्स टुवर्ड्स डिफरेंशियल स्ट्रेस एडेप्टिव रिस्पांसिज। जर्नल आफ प्रोटीन्स एंड प्रोटियोमिक्स, 12, 125-141. <https://doi.org/10.1007/s42485-021-00063-0>

शर्मा बी., अरोड़ा एस., साहू डी. और देसवाल आर. (2020). कम्पेरेटिव फैटी एसिड प्रोफाइलिंग आफ इंडियन शीबकथोर्न शोड एल्टीट्यूडनल ग्रेडिएंट डिपेंडेंट स्पिसिज-स्पेसिफिक वेरिएशंस, फिजियोलॉजी एंड मालीक्यूलर बायोलॉजी आफ प्लांट्स वॉल्यूम, 26(1), 41-49. <https://dx.doi.org/10.1007%2Fs12298-019-00720-1>

शर्मा, पी., भंडारी, पी.के., ध्यानी, ए. और उनियाल, पी.एल. (2020) एसेसिंग द पोर्टेशियल आफ एनकटांमिकल कैरेक्टर्स फॉर द सरकम्सक्रिप्शन आफ स्पिसिज आफ फेडरा इन इंडिया। प्लेइन, 14(1), 83-96. <http://dx.doi.org/10.26679/Pleione.14.1.2020.083-096>

शर्मा एस. और देसवाल, आर. (2021). डायसकोरियो एलाटा ट्यूबर प्रोटियाम एनलिसिस अनकवर्स डिफरेंशियली रेगुलेटेड ग्रोथ-एसोसिएटेड पाथवेज आफ ट्यूबर डेवलपमेंट। प्लांट एंड सेल फिजियोलॉजी, 62(1), 191-204. <https://doi.org/10.1093/pcp/pcaa151>

- शशि और भट, वी. (2021). इनहांसड सोमेटिक एम्ब्रयोजिनेसिस एंड प्लांटलेट रिजिनिरेशन इन सेक्रंस सिलिरस एल. इन विट्रो सेल्यूलर एंड डेवलपमेंटल बायलॉजी-प्लांट, 57(3), 499-509. <https://doi.org/10.1007/s11627-020-10148-y>
- शिवान्ना, के.आर. और टंडन, आर. (2020). डेवलपमेंटल बायलॉजी आफ डिसपसर्ड पॉलन ग्रेन्स : कंट्रीब्यूशन आफ द डिपार्टमेंट आफ बाँटनी, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली। इंटरनेशनल जर्नल आफ डेवलपमेंटल बायलॉजी, 64(1-2-3), 7-19. <https://doi.org/10.1387/ijdb.190166ks>
- सिंह, ए. और लखनपाल, एस. (2020). डिटेक्शन, कैरेक्टरोइजेशन एंड इवोल्यूशनरी एस्पेक्टस आफ एस54एलपी आफ एसपी (एसएपी 54 लाइक प्रोटीन आफ सीजम फॉइलोडी) : ए फॉइटोप्लाज्मा इफेक्टर मॉलीक्यूल एसोसिएटिड विद फॉयलाडी डेवलपमेंट इन सीजम (सीजमम इंडिकम एल.)। फिजियोलॉजी एंड मालीक्यूलर बायलॉजी आफ प्लांट्स, 26(3), 445-458. <https://doi.org/10.1007/s12298-020-00764-8>
- सिंह ए., वर्मा पी. और लखनपाल, एस. (2020). एक्सप्लारिंग द मिथाइलेशन स्टेटस आफ सेलेक्टिड फ्लावरिंग जीन्स इन हेल्दी एंड फॉइलाडी इनफेक्टिड सीजम प्लांट्स। फॉइटोपैथोजेनिक मालीक्यूलस, 10(1), 36-42. <http://dx.doi.org/10.5958/2249-4677.2020.00004.3>
- सिंह, के.एन., परवीन, एस., कौशिक, पी., गोयल, एस., जगन्नाथ, ए., कुमार, के. और अग्रवाल, एम. (2021). आइडेंटिफिकेशन एंड वेलिडेशन आफ इन सिलिको माइन्ड पालीमरफिक ईएसटी-एसएसआर फॉरे जेनेटिक डायवर्सिटी एंड क्रॉस स्पिसिज ट्रांसफिरेबिलिटी स्टडीज इन सैफलावर। जर्नल आफ प्लांट बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी। <https://doi.org/10.1007/s13562-021-00673-1>
- सिंह, टी., शर्मा, यू. और अग्रवाल, वी. (2020). आइसोलेशन एंड आप्टीमाइजेशन आफ प्लमबैगिन प्रोडक्शन इन रूट कैलस आफ प्लमबैगो जिलेनिका एल. आगुमेंटिड विद चिरोसन एंड यीस्ट एक्सट्रेक्ट। इंडस्ट्रियल क्राप्स एंड प्रोडक्ट्स, 151, 112446. <http://dx.doi.org/10.1016/j.indcrop.2020.112446>
- सिंह, टी., यादव, आर. और अग्रवाल, वी. (2020). इफेक्टिव प्रोटोकॉल फॉर आइसोलेशन एंड मार्कड इनहांसमेंट आफ सोरालेन, डाइडजेन एंड जेनेस्टीन इन द कोटिलेडन कैलस कल्चर्स आफ कलन कारिलीफोलियम (एल.), मेडिक इंडस्ट्रियल क्राप्स एंड प्रोडक्ट्स, 143, 111905. <https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2019.111905>
- सिंह, एस., गीता, आर. और दास, एस. (2020). कम्पेरिटिव सिक्वेन्स एनलिसिस अक्रॉस ब्रेसिकेसिया, रेगुलेटरी डायवर्सिटी इन केसीएस5 एंड केसीएस6 होमोलोग्स फ्राम एराबायोडोपसिस थेलियाना एंड ब्रासिका जूनेसिया एंड इनट्रानिक फ्रेगमेंट एज ए नेगेटिव ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेटर। जीन एक्सप्रेसन पैटर्न, 38, 119146. <https://doi.org/10.1016/j.gep.2020.119146>
- सुंदरी, डी.एल., गोयल, एस., शशि, कुलकर्णी, वी.एम., कुमार, एस. और भट, वी. (2020). एसेसमेंट आफ बायोलिस्टिक एंड एग्नोबैक्टीरियम मीडिएटिड जैनेटिक ट्रांसफॉर्मेशन मैथडस इन सेनक्रस सिलियारिस। न्यूक्लियस, 63(3), 303-312. <https://doi.org/10.1007/s13237-020-00332-1>
- ठाकुर, जे., द्विवेदी, एम., सिंह, एन., उनियाल, पी.एल., गोयल, एस. पांडेय, ए.के. (2021). एप्लीकेबिलिटी आफ स्टार्ट कोडन टार्गेटिड (एससीओटी) एंड इंटर सिम्पल सीक्वेन्स रिपीट (आईएसएसआर) मार्कर्स इन एसेसिंग जेनेटिक डायवर्सिटी इन क्रेपिडियम एकुमिनेटम (डी.डान) स्लेज। जर्नल आफ एप्लाइड रिसर्च ऑन मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट्स, 23, 100310. <https://doi.org/10.1016/j.jarmap.2021.100310>
- ठोकोम, एस.डी., गुप्ता, एस. और कपूर, आर. (2020). आरबसकुलर माइकोरिझा आगुमेंटस इशिसिएल आयल कम्पोजिशन एंड एंटीआक्सीडेंट प्रोपर्टीज आफ आसिमम टेनुफ्लॉरम एल.- ए पापुलर ग्रीन टी एडिटिज इंडस्ट्रियल क्राप्स एंड प्रोडक्ट्स, 153, 112418. <https://doi.org/10.1016/j.indcrop.2020.112418>

तोमर, यू. और बैश्य, आर. (2020). सीजनेलिटी एंड माइस्चर रिजीम कंट्रोल सायल रेस्पिरेशन, एंजाइम एक्टिविटीज एंड सायल माइक्रोबायल बायोमास कार्बन इन ए सेमी ऐरिड फॉरेस्ट आफ दिल्ली, इंडिया। इकोलाजिकल प्रोसेसिज, 9, 50, <https://doi.org/10.1186/s13717-020-00252-7>

त्रिपाठी, एम.के., देसवाल, आर. और सोपोरी, एस.के. (2021). प्लांट आरएबी : रोल इन डेवलपमेंट एंड इन एबायोटिक एंड बायोटिक स्ट्रेस रिस्पांसिज, कर्बेट जिनामिक्स, 22(1), 26-40. <https://dx.doi.org/10.2174%2F1389202922666210114102743>

वीरा, एस.एन.एस., पांडा, आर.एम., बेहेरा, एम.डी., गोयल, एस., राँय, पी.एस. और बारीक, एस.के. (2020). प्रोडक्शन आफ अपस्लॉप मूवमेंट आफ रोडोडेनड्रान एरबोरियम इन वेस्टर्न हिमालय। ट्रोपिकल इकोलॉजी, 60, 518-524. <https://doi.org/10.1007/s42965-020-00057-x>

वर्मा, एन., पाठक, एन., सिंह, ए., भट, के.वी. और लखनपाल, एस. (2019). इनवेस्टिगेशंस आन डायवर्ससिज्म (एस. इंडिकम एल.) जर्मप्लाज्म एंड इट्स वाइल्ड एलाइज रिवील वाइड वेरिएशन इन एंटीऑक्सीडेंट पोटेशियल फिजियोलॉजी एंड मालीक्यूलर बायलॉजी आफ प्लांट्स, 26(4), 697-704. <https://doi.org/10.1007/s12298-020-00784-4>

पुस्तकें/अध्याय

भंडारी, पी.के. और उनियाल, पी.एल. (2020). अवेबिलिटी एंड एप्लीकेशन आफ द प्लांट रिसोर्सिज आफ खोमभैरवनाथ आफ गढ़वाल हिमालय, उत्तराखंड, भारत। इन : पंत, एस., शर्मा, ए., शर्मा, वी. (संपादित), एथनोबोटरी एंड बायोडायवर्सिटी कंजरवेशन (पृष्ठ 90-108), नई दिल्ली, इंदु बुक सर्विस प्राइवेट लिमिटेड।

भारद्वाज, ए.आर., पांडे, आर., अग्रवाल, एम. और कटियार-अग्रवाल, एस. (2021). नार्दन ब्लाटिंग टेक्नीक फॉर डिटेक्शन एंड एक्सप्रेसन एनलिसिस आफ एमआरएनए एंड स्मॉल आरएनए। इन : जिन एच. एवं कालोसिएन, आई (संपादित), आरएनए एवं डीएनए एनलिसिस। मैथड इन मालीक्यूलर बायलॉजी, वाल्यूम 2170. हुमाना, न्यूयार्क, एनवाई. https://doi.org/10.1007/978-1-0716-0743-5_12

गिरी, पी., कुमारी, पी., शर्मा, पी. और उनियाल, पी.एल. (2021). एथनोमेडिसिनल यूजेज आफ टेरिडाफॉइट्स फॉर ट्रीटिंग वेरियस ह्यूमन ऐलमेंट्स इन इंडिया। इन : सिंह, एल.जे. और राजन, वी. (संपादित), न्यू विस्टास इन इंडियन फ्लोरा (वाल्यूम-1, पृष्ठ 201-214)। बिशन सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, दूहरादून।

लाल, एम., भारद्वाज, ई., चाहर, एन., डंगवाल, एम. और दास, एस. (2020). (ट्रांस) जीन फ्लो : मैकेनिज्मस, बायोसेफ्टी कंसर्स एंड मिटिगेशन फॉर कटेनमेंट। इन : टंडन, आर., शिवान्ना, के.आर. और कौल, एम. (संपादित), रिप्रोडक्टिव इकोलॉजी आफ फ्लावरिंग प्लांट्स : पैटर्न एंड प्रोसेसिज, सिंगापुर, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड। आईएसबीएन : 978-981-15-4209-1

पंडित, एस. और मिश्रा, जी. (2020). लिपिड मीडिएटिड रेगुलेशन आफ प्रोटीन किनेसिस। इन : पांडे, जी.के. (संपादित), प्रोटीन किनेसिस एंड स्ट्रेस सिगनेलिंग इन प्लांट्स : फंक्शनल जिनोमिक परस्पेक्टिव। विले ब्लैकवेल। <https://doi.org/10.1002/9781119541578.ch7>

सक्सेना, के.जी., राव, के.एस. और मैकहुरी, आर.के. (2021). लांग-टर्म ट्रेकिंग आफ मल्टीपल बेनिफिट्स आफ पार्टिसिपेटरी फॉरेस्ट रेस्टोरेशन इन मार्जिनल कल्चरल लैंडस्केप्स इन हिमालय। इन : निशि, एम., सुब्रमणियम, एस.एम., गुप्ता, एच., योशिनो, एम., ताकाहाशी, वाई, मिवा, के. और टाकेडा, टी. (संपादित), फॉसटरिंग ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज फॉर सस्टेनेबिलिटी इन द कनटेक्सट आफ सोशियो इकोलाजिकल प्रोडक्शन लैंडस्केप्स एंड सीस्केप्स (पृष्ठ 61-76) (एसईपीएलएस), सिंगापुर, स्प्रिंगर।

सक्सेना, के.जी. और राव, के.एस. (2020). क्लाइमेट चेंज एंड वेजीटेशन फिनालॉजी। इन : टंडन, आर., शिवान्ना, के.आर. और कौल, एम. (संपादित), रिप्रोडक्टिव इकालॉजी आफ फ्लोवरिंग प्लांट्स : पैटर्न एंड प्रोसेसिंग (पृष्ठ 25-39), बर्लिन, स्प्रिंगर-वरलगा।

टंडन, आर., शिवान्ना, के.आर., कौल, एम.(संपादित). 2020. रिप्रोडक्टिव इकालॉजी आफ फ्लोवरिंग प्लांट्स : पैटर्न एंड प्रोसेसिंग। सिंगापुर, स्प्रिंगर नेचर प्राइवेट लिमिटेड।

शोध

विभाग द्वारा प्रकाशित :

फाइटोमार्फोलॉजी (इंटरनेशनल सोसायटी आफ प्लांट मार्फोलॉजिस्ट्स द्वारा प्रकाशित छमाही शोध)

द बोटेनिका (दिल्ली यूनिवर्सिटी बोटेनिकल सोसायटी द्वारा प्रकाशित वार्षिक वैज्ञानिक पत्रिका)

संपादकीय बोर्ड में संपादक (संपादकों)/सदस्य (सदस्यों के तौर पर सेवारत विभागीय शिक्षकों की संख्या

प्रो. रेणु देसवाल :

एसोसिएट एडिटर, जर्नल आफ प्रोटीन एंड प्रोटियोमिक्स।

एसोसिएट एडिटर, फ्रंटियर्स इन प्लांट फिजियोलॉजी, प्लांट प्रोटियोमिक्स।

प्रो. पी.एल. उनियाल : संपादकीय बोर्ड सदस्य, द जर्नल आफ आर्किड सोसायटी आफ इंडिया।

प्रो. रूपम कपूर :

एसोसिएट एडिटर 'बायोटेक' (एग्रीकल्चरली इम्पोर्टेंट पैथोजेनिक एंड सिम्बायोटिक फंगी) स्प्रिंगर।

रिव्यू एडिटर - संपादकीय बोर्ड 'फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस - प्लांट सिम्बायोटिक इंटरएक्शंस।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल आफ मायकोलाजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, इंडियन सोसायटी आफ मायकोलाजी एंड प्लांट पैथोलॉजी द्वारा प्रकाशित।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, माइक्रोएशिया - जर्नल आफ मार्डन मायकोलाजी, सोसायटी फॉर मायकोलाजी इन सार्क रीजन द्वारा प्रकाशित।

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल आफ प्लांट डेवलपमेंटल साइंसिज।

प्रो. एस. गोयल :

एकेडमिक एडिटर, पीएलओएस वन।

एडवायजरी बोर्ड मेम्बर, एमिटी जर्नल आफ एडवांसड रिसर्च इन बायोटेक्नोलॉजी एंड नैनोबायोटेक्नोलॉजी।

रिव्यू एडिटर, फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स।

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	वर्ष/अवधि	निधियन एजेंसी	संस्वीकृत धनराशि
1	बायो-एसे गाइडिड आइसोलेशन, आइडेंटिफिकेशन एंड एलिसिटेशन आफ एंटीकैंसरस बायोएक्टिव कंपाउंड्स फ्रॉम नार्डोस्टेकी जटमानसी, सोरोलिया कोरिलिफोलिया एंड प्लंबैगो जिलैसिया पीआई : प्रो. वीणा अग्रवाल	2017-2020	डीएसटी-एसईआरबी	रु.33.18 लाख
2	लार्ज स्केल प्यूरिफिकेशन, कैरेक्टराइजेशन एंड क्रिस्टलाइजेशन आफ मायरोसिनेस)फ्रॉम	2020-2021	इंस्टिट्यूट आफ एमिनेंस,	रु.5 लाख

	ब्रासिका जुनेसिया (- ए स्टेप टुवर्डस डिजाइनिंग बी .जुनेसिया एज फंक्शनल फूड पीआई :रेणु देसवाल		यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली	
3	डेसिफेरिंग इवोल्यूशन आफ डायोसी एंड जेंडर डिटरमिनेशन मैकेनिज्म इन हिमालयन सीबकथार्न यूजिंग मालीक्यूलर एंड साइटोजेनेटिक टूल्स। पीआई :प्रो. राजेश टंडन	2020-2023	डीएसटी-एसईआरबी	रु.23.87 लाख
4	डायवर्सिटी एंड पराभेस आफ की फॉरेस्ट ट्री स्पिसिज एंड ब्रायोफाइट्स इन गैप एंड नान-गैप एरियाज एलांग एन एटिडयूनिल ग्रेडिएंट्स इन उत्तराखंड पीआई :प्रो. पी.एल. उनियाल	2018-2021	डीएसटी-एसईआरबी	रु.41 लाख
5	इनडक्शन आफ आटोनोमस एडोस्पर्म डेवलपमेंट इन पेनेस्टम स्पिसिज बाय डाउन-रेगुलेटिंग ए पालीकम्ब जीन सीसीईजेड 1यूजिंग आरएनएआई एप्रोच। पीआई :प्रो. विष्णु भट	2016-2020	डीई-बीआरएनएस	रु.22.98 लाख
6	एपिजेनेटिक रेगुलेशन आफ रिट्रोट्रांसपॉसिज इन एपोमाइसिटिक एंड सेक्सुअल प्लांट्स आफ सेनक्रस सिलिरियास। पीआई :प्रो. विष्णु भट	2020-2021	इंस्टिट्यूट आफ एमिनेंस, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली	रु.2.5 लाख
7	डेसिफेरिंग द मैकेनिज्मस आफ रिड्यूस्ड अपटेक एंड एकुमुलेशन आफ आर्सेनिक)एस (इन ग्रेने बाय आरबसकुलर मायोकारजियल फंगी टू डिवलप मिटिगेशन स्ट्रेटजी फॉर व्हीट इरिगेटिड विद एस-कंटांमिनेटिड ग्राउंड वाटर इन इंडिया पीआई :प्रो. रूपम कपूर	2020-2023	डीएसटी-एसईआरबी	रु.36.33 लाख
8	डायवर्सिटी एंड इंडीजिनस नालेज आन मैक्रोफंगी इन ट्रांस हिमालय डिस्ट्रिक्ट आफ कारगिल। सह-पीआई : प्रो. रूपम कपूर	2020-2023	राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन, एमओईएफ	रु.22.75 लाख
9	डेवलपमेंट आफ एसएनपी मार्कर्स एंड एसोसिएशन मैपिंग फॉर एग्रोनॉमिक ट्रेट्स ऑन ए कोर कलेक्शन आफ द आयलसीड क्रॉप, कारथेमस टिंकटोरियस)सैफलावर (पीआई :प्रो. एस .गोयल	2018-2021	एसईआरबी-डीएसटी	रु.30.73 लाख
10	हूल जीनाम एंड ट्रांसक्रिप्टाम चेंजिज एज ए कांसिक्वेस आफ एलो एंड आटो-पालीप्लायडी इन विज्ञाना एल :.फेज।।.	2018-2021	डीबीटी	रु.21 लाख

	पीआई : प्रो. एस. गोयल			
11	ए बायोटेक्नालॉजिकल एप्रोच टू एलुसिडेट एडेपशन मैकेनिज्म, माइग्रेशन पैटर्न एंड रिप्रोडक्टिव बायलॉजी आफ इंडिकेटर टेम्पीरेट एलपाइन प्लांट्स इन हिमालय इन रिस्पांस टू चेंजिंग क्लाइमेट पीआई : प्रो. एस. गोयल	2019-2022	डीबीटी	रु.89 लाख
12	डेसिफेरिंग इवोल्यूशन आफ डायोसी एंड जेंडर डिटरमिनेशन मैकेनिज्म इन हिमालयन सीबकथोर्न यूजिंग मालीक्यूलर एंड साइटोजेनेटिक टूल्स सह-पीआई : प्रो. एस. गोयल	2021-2024	डीएसटी-एसईआरबी	रु.23.87 लाख
13	एक्सप्लाइंग जेनेटिक डायवर्सिटी फॉर इम्प्रूवमेंट आफ सफ़लावर थू जिनमिक एसिस्टड डिसकवरी आफ क्यूटीएल/जीन्स एसोसिएटिड विद एगोनॉमिक ट्रेट्स पीआई : प्रो. अरुण जगन्नाथ सह-पीआई : प्रो. एस. गोयल	2020-2025	डीबीटी	रु.481.73 लाख
14	क्वांटिफाइंग द टोटल इकोसिस्टम लेवल कार्बन सिक्वसेटेशन पोटेन्शियल आफ डिफरेंट फॉरेस्ट इकोसिस्टम एलांग एन एलिवेशनल ग्रेडिएंट इन उत्तराखंड वेस्टर्न हिमालया इन डिफरेंट क्लाइमेट सीनेरियो पीआई : डॉ. रतुल बैश्य	2017-2021	डीएसटी-एसईआरबी	रु.41.48 लाख
15	फॉस्फेटिक एसिड-प्रोटीन इंटरएक्शंस : मालीक्यूलर मैकेनिज्म एंड रोल इयूरिंग एबायोटिक स्ट्रेस इन एरबीडोपसिस। पीआई : प्रो. जी. मिश्रा	2019-2022	डीएसटी-एसईआरबी	रु.46.3 लाख
16	आइडेंटिफिकेशन आफ सुपर ेडोनर्स एंड एलिलेस फॉर स्पिकलेट फर्टिलिटी एंड लो चाकीनेस अंडर थर्मल स्ट्रेस इन राइस पीआई : प्रो. मनु अग्रवाल	2018-2022	आईसीएआर-एनएसएफ	रु.101.36 लाख
17	ग्लोबल परस्पेक्टिव आफ ट्रांसक्रिप्टाम, प्रोटियाम एंड मेटाबोलोम आफ रूट नॉट नेमाटोड इफेक्टर्स कनफरिंग होस्ट स्पिसिफिटी एंड होस्ट रिस्पांस टू देम इयूरिंग डिजीज डेवलपमेंट पीआई : प्रो. मनु अग्रवाल	2019-2022	डीबीटी	रु.56.66 लाख
18	आइडेंटिफिकेशन आफ एमआईआरएनए फ्राम कंट्रास्टिंग लाइंस आफ कारथेमसे एंड देयर	2019-2022	डीएसटी-एसईआरबी	रु.40.35 लाख

	कंद्रीब्यूशन इनटालेरेंस अगेंस्ट फ्यूजेरियम विल्ट पीआई : प्रो. मनु अग्रवाल			
19	कैरेक्टराइजेशन आफ रोल आफ एमआईआर 159इन मेल-मियासिस एंड फिलामेंट एलांगेशन इन ब्रासिका ज्यूनेसिया एंड एराबिडोयसिस थैलियाना : स्ट्रेटजिज फॉर क्राप इम्प्रूवमेंट पीआई : डॉ. संदीप दास	2019-2022	डीबीटी	रु.67.66 लाख
20	रूट डेवलपमेंट रिलेटिड सिगनेलिंग नेटवर्कस : रोल आफ एट एन-एमवाईसी डाउनरेगुलेटिड लाइक प्रोटीन्स एंड इंटरएक्टिंग पार्टनर्स पीआई : यशवंती मुदगल	2018-2021	डीबीटी	रु.49.87 लाख
21	डेलिनिएटिंग द इफेक्टर बायेलाजी आफ फॉइटोप्लाज्मा अफेक्टिंग सेलेक्टिड क्राप टैक्सा इन इंडिया विद स्पेशल एम्फेसिस आन सीसम (सेसामम इंडिकम एल). पीआई : प्रो. सुमन लखनपाल	2020-2023	आईसीएआर-एनएसएफ	रु.80 लाख

दायर /प्रदान किए गए पेटेंट

प्रो. वीना अग्रवाल : एनडीआरसी, इंडिया के माध्यम से आवेदन संख्या 202011013766 के माध्यम से जून, 2020 में भारतीय पेटेंट कार्यालय में 'एन इम्प्रूवड एंड कोस्ट इफेक्टिव मैथड फॉर इनहांसड प्रोडक्शन ऑफ सोरालेन इन ेद ग्रीन सीड कोटिलेडन कैलस ऑफ कलेन कोरिलिफोलियम' शीर्षक के तहत भारतीय पेटेंट दायर किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

अग्रवाल, वी. ने सोसायटी आफ इन विट्रो बायलाजी, यूएसए द्वारा 6-10 जून, 2020 को सेन डियागो, यूएसए में आयोजित 2020 वर्ल्ड कांग्रेस में 'मार्कर एसिस्टिड सेलेक्शन आफ एलीट जिनोटाइप्स आफ सम मेडिसिनल प्लांट्स, देयर माइक्रो प्रोपेगेशन एंड आइसोलेशन आफ एंटीकैंसरस कंपाउंट्स' विषय पर ऑनलाइन सेमिनार प्रस्तुति प्रदान की। इसका सारांश द जर्नल आफ इन विट्रो डेव. बायलाजी-एनिमल 56, (सप.1) पृष्ठ 28 में प्रकाशित हुआ।

यादव, आर एवं अग्रवाल, वी. ने सोसायटी आफ इन विट्रो बायलाजी, यूएसए द्वारा 6-10 जून, 2020 को सेन डियागो, यूएसए में आयोजित 2020 वर्ल्ड कांग्रेस में 'बायोइंजीनियरिंग आफ हर्बल (पाइपर लॉगम एल.) लीफ एक्सट्रेक्ट मीडिएटिड नैनोपार्टिकल्स एंड देयर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस' विषय पर एक योगदान शोध लिखा। इस शोध का प्रकाशन द जर्नल आफ इन विट्रो डेव. बायलाजी-एनिमल 56, (सप.1) पृष्ठ 52-53 में हुआ।

देसवाल, आर. ने क्रायो2021, 58वीं वार्षिक बैठक, सोसायटी फॉर क्रोयाबायलॉजी, 2021, बाल्टीमोर, यूनाइटेड स्टेट्स में 'डिटेक्शन एंड कैरेक्टराइजेशन आफ एंटीफ्रीज एक्टिविटी फ्राम ब्रासिका जुनेसिया लीफ क्यूटिकल' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

देसवाल, आर. ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय द्वारा 18-20 दिसम्बर, 2020 को जैव प्रौद्योगिकी एवं जीव विज्ञान में नवाचार विषय पर आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कम्पेरेटिव कैरेक्टराइजेशन आफ ग्रीन एंड केमिकली सिंथेसाइज्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स प्रोटीन कोरोना फोर्मड एट नैनो-बायो इंटरफेस' विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

टंडन, आर. को सुंदरबन हाजी दशरथ कालेज, पश्चिमी बंगाल द्वारा 27 सितम्बर, 2020 को 'कंटेम्परेरी इश्यूज इन बायोलॉजिकल साइंसिज' विषय पर आयोजित एक-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय

ठाकुर, जे., अब्बास, एन.एस. और उनियाल, पी.एल. ने बोटेनिकल सर्वे आफ इंडिया, ईस्टर्न रीजनल सेंटर, शिलांग (5-7 मार्च, 2021) द्वारा 'इंटर-डिसीप्लिनरी एप्रोचिस टू टैक्सानॉमी, कंजरवेशन एंड इकानामिक यूटेलाइजेशन आन फैलॉरीकल्चरली एंड मेडिसिनली इम्पारटेंट आर्किड्स एंड आर्किड शो' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-कार्यशाला में अपनी प्रस्तुति दी।

"जेनेटिक डायवर्सिटी एसेसमेंट आफ क्रेपिडियम एकुमिनेटम (डी.डॉ.न) स्लेक यूजिंग स्कॉट एंड आईएसएसआर मार्कर्स" (पोस्टर प्रस्तुति) पृष्ठ 3.

स्टडी आफ फिनालॉजी, रिप्रोडेक्टिव पोर्टेंशियल एंड फैक्टर्स दैट इम्प्लूएस द पापुलेशन स्ट्रक्चर आफ मेडिसिनली इंपोर्टेंट टैक्सॉन, क्रेपिडियम एकुमिनेटम (डी.डान) स्लेक (पोस्टर प्रस्तुति) पृष्ठ 8.

कसाना, एस., उनियाल, पी.एल. और पांडे, ए.के. - इंडियन बोटेनिकल सोसायटी के 43वें अखिल भारतीय बोटेनिकल सम्मेलन में 'रिसोल्विंग द सिस्टेमेटिक पाजिशन आफ जुरिनिया कैस एंड इट्स एलाइज' विषय पर पोस्टर प्रस्तुति, पृष्ठ 137 और नेशनल बोटेनिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, लखनऊ द्वारा 19-21 मार्च, 2021 को 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट आफ प्लांट रिसोर्सिज एंड कंजरवेशन आफ थ्रैटेड प्लांट्स इन बोटेनिक गार्डन्स' विषय पर आयोजित इंडियन बोटेनिक गार्डन कांफ्रेंस में अपनी प्रस्तुति दी।

कपूर, आर. ने नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोडायवर्सिटी एंड बायोटेक्नालॉजी ऑन फंगी तथा 47वीं एन्युअल मीटिंग आफ माइक्रोलाजिकल सोसायटी आफ इंडिया, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, 22-24 फरवरी, 2021 में 'अरबसकुलर मायोकोरिझा इन सस्टेनेबल एग्रीकल्चर : प्रोस्पेक्टिव एंड चैलेंजिज' विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया।

कपूर, आर. ने नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोडायवर्सिटी एंड बायोटेक्नालॉजी ऑन फंगी तथा 47वीं एन्युअल मीटिंग आफ माइक्रोलाजिकल सोसायटी आफ इंडिया, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, 22-24 फरवरी, 2021 में 'अंडरस्टैंडिंग द रोल आफ सम नावेल कंपोनेंट्स इन माडुलेटिंग वर्लैन्स आफ नैक्रोट्राफिक फंगसे बोटरिटिस सिनेरिया' विषय पर प्रो. के. नाटरोजन स्मृति व्याख्यान दिया।

कपूर, आर. ने वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय और टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी, नेशविले, यूएसए द्वारा 22 और 23 जनवरी, 2021 को 'प्लांट साइंस रिसर्च पोस्ट कोविड-19' विषय पर आयोजित दो दिवसीय वेबीनार में 'एरबस्कुलर माइकोरहिजल फंगी इन इम्प्रूविंग द प्रोडक्शन आफ सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स आफ हाई कमर्शियल वेल्यू' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

दास, एस. ने एएमयू सैंटीनरी समारोह, वनस्पति विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा 27 अक्टूबर, 2020 को 'प्लांट माइक्रो आरएनए रिसर्च' विषय पर आयोजित वेबीनार में 'माइक्रो आरएनए जिनामिक्स इवोल्यूशनरी ट्रेजेक्ट्री, आर्गेनाइजेशनल एंड रेगुलेटरी डायवर्सिटी - लेसंस फ्राम ब्रासिकेसिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

वैश्य, आर. ने राजधानी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 13 मार्च, 2021 को 'प्रोस्पेक्टस इन हार्टिकल्चर : कल्टीवेशन आफ मेडिसिनल प्लांट्स इन नार्थ-ईस्ट इंडिया' विषय पर आयोजित वेबीनार-सह-कार्यशाला में 'बायोडायवर्सिटी इकालॉजी, मैपिंग एंड कंजरवेशन एस्पेक्टसे आफ मेडिसिनल प्लांट्स आफ नार्थ-ईस्ट इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

मुदगिल, वाई. ने आईआईटी दिल्ली और एलबर्ट विश्वविद्यालय द्वारा 4-5 मार्च, 2021 को 'साइंस एंड टेक्नालॉजी फॉर द न्यू एज - एक्विजिशन, एनलिसिस एंड एडपेशन' विषय पर आयोजित वर्चुअल संयुक्त इंडो-

कनाडा कार्यशाला, जिसका प्रायोजन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और शास्त्री इंडो-कनाडियन संस्थान द्वारा किया गया, में 'मालीक्यूलर कैरेक्टेराइजेशन आफ स्ट्रेस इंटरएक्टॉम आफ एनडीएल-एजीबी1 माड्यूल इन एराबायडोपसिस थैलियाना' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

वैश्य, आर. ने जेबी कोलेज (स्वायत्त), जोरहाट, असम द्वारा 23 जनवरी, 2021 को 'समुदाय, संस्कृति और वैश्विक दुनिया में संघर्ष' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में 'कल्चर एंड ट्रेडिशनल कम्युनिटीज इन मैनेजमेंट आफ बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसिज इन नार्थ-ईस्ट इंडिया - स्पेशल रेफ्रेंस टू मेघालय' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

प्रो. वीणा अग्रवाल : राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर), नई दिल्ली के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान।

प्रो. अरुण जगन्नाथ और प्रो. शैलेन्द्र गोयल : डेनमार्क तकनीकी विश्वविद्यालय और इंडियन इंस्टिट्यूट आफ ऑयलसीड्स रिसर्च, हैदराबाद के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान।

विस्तार एवं पहुंच कार्यक्रम

वैश्य, आर. (2020) - 11 नवम्बर, 2020 को 'कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन एंड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट - ए परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित दो-दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों का ऑनलाइन मूल्यांकन किया। डीबीटी स्टार कालेज योजना, किरोड़ी मल कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों के लिए इस दो दिवसीय कार्यशाला में ऑनलाइन क्विज का आयोजन एवं संचालन किया।

वैश्य, आर. (2020). किरोड़ी मल कालेज द्वारा डीबीटी स्टार कालेज योजना, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत 5-6 नवम्बर, 2020 को 'कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन एंड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट-ए परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में 'कार्बन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में प्रौद्योगिकीय अंतःक्षेप' विषय पर व्याख्यान दिया।

वैश्य, आर. (2020). प्रकृति, पर्यावरणीय सोसायटी, लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5 नवम्बर, 2020 को 'जुवायु परिवर्तन अनुसंधान की प्रवृत्तियां - पौधों और मिट्टी का विशेष संदर्भ'।

जगन्नाथ, ए. (2021) - सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 25 जनवरी - 8 फरवरी, 2021 को 'जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी : आधुनिक प्रवृत्तियां, प्रगति और चुनौतियां' विषय पर आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'जीव विज्ञान : जीव विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान में सीमाओं की समाप्ति' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

जगन्नाथ, ए. (2020) - श्री वेंकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 26 सितम्बर को 'सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बायोइन्फॉर्मेटिक्स एंड कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी' विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में 'इंट्रोडक्शन टू प्रोग्रामिंग' विषय पर व्याख्यान दिया।

जगन्नाथ, ए. (2020) - मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भोपाल चैंप्टर द्वारा 5 जुलाई को आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में 'इम्पैक्ट आफ कोविड-19 ऑन रिसर्च प्रोग्रेस इन लाइफ साइंसेज : मिटिगेशन आफ लासेज एंड द वे फॉर्वर्ड' विषय पर व्याख्यान दिया।

देसवाला, आर. (2021) - आंतरिक शिकायत समिति, लेडी इरविन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3 मार्च, 2021 को आयोजित 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न' विषय पर वेबीनार।

देसवाल, आर. (2020) - यूजीसी, डीएवीवी, इंदौर द्वारा 3 नवम्बर, 2020 को 'जीव विज्ञान - जीव विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियां' विषय पर आयोजित 18वें पुनश्चर्या कार्यक्रम में 'फॉइंटोनेनोटेक्नोलाजी' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

देसवाल, आर. (2020) - यूजीसी, डीएवीवी, इंदौर द्वारा 3 नवम्बर, 2020 को 'जीव विज्ञान - जीव विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियां' विषय पर आयोजित 18वें पुनश्चर्या कार्यक्रम में 'प्रोटियोमिक्स - एन ओमिक्स टूल टू अंडरस्टैंड प्लांट फिजियोलॉजी' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

देसवाल, आर. ने लेडी इरविन कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'आईसीसी की भूमिका एवं नियम' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर अतिथि व्याख्यान दिया।

उनियाल, पी.एल.(2021) ने सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 25 जनवरी - 8 फरवरी, 2021 को 'लाइफ साइंस : लाइफ साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी : रिसेंट ट्रेड्स, एडवांसिज एंड चैलेंजिज' विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी.: 17

एम.फिल.: 06

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 13

एसोसिएट प्रोफेसर : 01

सहायक प्रोफेसर : 05

रसायन विज्ञान विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

रसायन विज्ञान विभाग देश के अग्रणी शिक्षण एवं अनुसंधान विभागों में से एक है। यहां किए जाने वाले शोध कार्यों का क्षेत्र काफी व्यापक है, जिसमें रासायनिक जीव-विज्ञान, सिंथेटिक मैथडालाजी डेवलपमेंट, इलेक्ट्रो-केमेस्ट्री, पॉलीमर्स, बायो-आर्गेनिक, कोआर्डिनेशन, ग्रीन मैटीरियल, मेडिसिनल, नेचुरल प्रोडक्ट्स, नैनो एंड सिंथेटिक केमेस्ट्री का प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक अध्ययन कार्य शामिल है। गत एक वर्ष में, संकाय सदस्यों ने अत्यधिक प्रभाव रखने वाले 'पीयरे-रिव्यू' पत्रों में 250 से अधिक अनुसंधान पत्रों का प्रकाशन किया है और 33 पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग स्थापित करने के अतिरिक्त, संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और विभिन्न संस्थाओं में मुख्य, प्रारंभिक और आमंत्रित व्याख्यानों के माध्यम से अपना कार्य अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। संकाये सदस्यों द्वारा प्राप्त की गई 'एक्सट्राम्यूरल' अनुसंधान परियोजनाओं से अधुनातन प्रयोगशालाओं का विकास और स्तरोन्नयन करने और युवा शोधार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने में सहयोग मिला। कई संकाये सदस्यों को प्रतिष्ठित मेडल, सम्मान प्रदान किए गए और एक संकाय सदस्य का 'फेलो ऑफ इंडियन एकेडमी आफ साइंसिज' के तौर पर चयन हुआ। विभाग से स्नातकोत्तर करने वाले कई एम.एस.सी. विद्यार्थियों ने वैश्विक तौर पर विख्यात संस्थाओं से रसायन विज्ञान में पीएच.डी. करने का विकल्प चुना।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. रमा कांत :

इलेक्ट्रिक फेलो : इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए), 2021

इलेक्ट्रिक कनवीनर, सीएसआरआई लोकल चैप्टर आफ द रीजन, दिल्ली (2020-2023)

प्रो. पार्वती विश्वास : सीआरएसआई काउंसिल मेम्बर (2020-2023)

प्रो. अखिलेश के. वर्मा :

इलेक्ट्रिक फेलो, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए), 2021

कांस्य पदक, कैमेट्री रिसर्च सोसायटी आफ इंडिया (सीआरएसआई), 2021

फेलो रोयल सोसायटी आफ कैमेट्री (एफआरएससी), 2021

सीनियर फेलो, इंस्टीट्यूशन आफ ऐमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021

विशेषज्ञ सदस्य, एसईआरबी-आर्गेनिक पीएसी (2021-2023), 2021

विशेषज्ञ सदस्य, एसईआरबी-टीईटीआरए (कैमिकल साइंसिज), 2020

विशेषज्ञ सदस्य, एसईआरबी-पावर (कैमिकल साइंसिज), 2020

विशेषज्ञ सदस्य, एसईआरबी-स्टार (कैमिकल साइंसिज), 2020

विशेषज्ञ सदस्य, पीएमआरएफ (कैमिकल साइंसिज), 2020

डॉ. आलोक के. राय :

विशिष्ट एडजंक्ट फैकेल्टी, जैव रसायन विभाग, सवीता चिकित्सा एवं तकनीकी विज्ञान संस्थान, सवीता डेंटल कालेज एंड हॉस्पिटल, चेन्नई-600077.

साइंस फॉर यंग साइंटिस्ट अवार्ड फॉर इनोवेटिव रिसर्च, अप्रैल-2021.

प्रकाशन

अग्रवाल, एल. और बिस्वास, पी. (2020). 'इंटरएक्शन वाल्यूम इज ए मीजर आफ द एग्रीगेशन प्रोपेंसिटी आफ एमायलायड-बीटा।' जर्नल और फिजिकल कैमेट्री लेटर्स, 11(10) 3993-4000. <https://doi.org/10.1021/acs.jpcclett.0c00922>

अग्रवाल, एल. और बिस्वास, पी. (2021). हाइड्रेशन थर्मोडायनेमिक्स आफ द एन-टर्मिनल एफएडी क्यूटेंट्स आफ एमायलायड-बीटा, जर्नल आफ कैमिकल इंफॉर्मेशन एंड माडलिंग, 61(1), 298-310. <https://doi.org/10.1021/acs.jcim.0c01286>

अग्रवाल, एल. और बिस्वास, पी. (2021). हाइड्रेशन थर्मोडायनेमिक्स आफ फेमिलियल पार्किंसंस डिजीज लिंकड क्यूटेंट्स आफ एल्फा - सेन्युकलेन। जर्नल आफ कैमिकल इंफॉर्मेशन एंड माडलिंग, 61(4), 1850-1858. <https://doi.org/10.1021/acs.jcim.1c00034>

अग्निहोत्री, एस., मोहन, टी., झा, डी., गौतम, एच.के. और राँय, आई. (2020). ड्यूल मोडेलिटी एफईएस नैनोपार्टिकल्स विद रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पिसिज-इनड्यूस्ड एंड फोटोथर्मल टॉक्सिटी टूवर्डस पैथोजेनिक बैक्टीरिया। एसीएस ओमेगा, 5(1), 597-602. <https://doi.org/10.1021/acsomega.9b03177>

अहमद, एस., पांडे, एम.के., दास, एस., मिश्रा, ए. और नागराजन, आर. (2021). मार्फोलॉजी कंट्रोलड ग्रीन सिंथेसिस आफ फोटोल्यूमिनेसेंट एलएपीओ4: सीई3+-टीबी3+ नैनोरोड्स। कैमिकल फिजिक्स लेटर्स, 776, 138704. <https://doi.org/10.1016/j.cplett.2021.138704>

अहमद, एम.यू., अहमद, एस.आई., अहमद, एन., अवन, ए.टी., भद्रा, ए., भट्टाराय, एस., कुमार, एम., धीमल, एम., श्रेष्ठ, यू.बी., अब्बास, एस., कौर-घुमान, एस. और वहाजुद्दीन, एम. (2021, 17 फरवरी) - एन आवेरव्यू आफ साइंस डिप्लोमेसी इन साऊथ एशिया। साइंस एंड डिप्लोमेसी। रिट्राइव्ड फ्रॉम <https://www.sciencediplomacy.org/article/2021/overview-science-diplomacy-in-south-asia>.

अग्रवाल, टी. और कौर-घुमान, एस. (2020). मोनो एंड डायन्यूक्लियर मिमिक्स आफ द (एफईएफई) हाइड्रोजिनेस एंजाइम फीचरिंग बिस (मोनोथिओलेटो) एंड 1, 3, 5-ट्रिआजा-7- फोस्फाएडामैटेन लिगेंडस। इनआर्गेनिका किमिका एक्टा, 504, 119442. <https://doi.org/10.1016/j.ica.2020.119442>

अंतिल, बी., कुमार, एल., रंजन, आर., शिर्नॉय, एस., तरफदार, के., गोपीनाथ, सी.एस. और डेका, एस. (2021) - वन डायमेंशनल मल्टीचैनल जी-सी3एन4.7 नैनोस्ट्रक्चर रिएलाइजिंग एन एफिसिएंट फोटोकैटैलिटिक हाइड्रोजन

इवोल्यूशन रिएक्शन एंड इट्स थियोरिटिकल इन्वेस्टिगेशंस। एसीएस एप्लायड एनर्जी मैटीरियल्स, 4(4), 3118-3129. <https://doi.org/10.1021/acsaem.0c02858>

अंतिल, आर., रंजन, आर., चिन्नाकोंडा, जी.एस. और डेका, एस. (2020) - डायरेक्टड होले एंड ओर्ड जी-सी3एने4.5 नैनोशीट्स बाय हर्ड टेम्पलेट नैनोकास्टिंग एप्रोच फॉर सस्टेनेबल विजिबल लाइट हाइड्रोजन इवोल्यूशन विद प्रोमिनेंट क्वांटम एफिसिएंसी। जर्नल आफ मैटीरियल कैमिस्ट्री ए, 8, 13328-13339. <https://doi.org/10.1039/D0TA02734K>

अरोड़ा, जी., गगनदीप, बेहूरा, ए., गोसाईं, टी.पी., शालीवाल, आर.पी., किदवई, एस., सिंह, पी., कुलंगारा, एस., कांडी, धिमान, आर., रावत, डी.एस. और सिंह, आर. (2020) - एनएससी 18725, ए पायराजोल डेरिवेटिव्स इनहिबिटर्स गोथ आफ इंटरसेल्यूलर माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बाय इंडक्शन आफ आटोग्राफी। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 10, 3051. <https://doi.org/10.3389/fmicb.2019.03051>

अरोड़ा, जी., गुप्ता, आर., यादव, पी., दीक्षित, आर., श्रीवास्तव, ए. और शर्मा, आर.के. (2021) - अल्ट्रासोनिकली-मीडिएटेड वन पोस्ट सिंथेसिस आफ सबस्टिट्यूटेड इमिडाजोल्स वाया सल्फामिक एसिड फंक्शेनोइज्ड होलो मैग्नेटिकली रिट्रिबेबल सालिड-एसिड कैटेलिस्ट। कर्बेंट रिसर्च इन ग्रीन एंड सस्टेनेबल कैमिस्ट्री, 4, 100050. <https://doi.org/10.1016/j.crgsc.2020.100050>

अरोड़ा, जी., यादव, एम., गौड़, आर., गुप्ता, आर., यादव, पी., दीक्षित, आर. और शर्मा, आर.के. (2021) - फैब्रिकेशन, फंक्शनाइजेशन एंड एडवांस्ड एप्लीकेशंस आफ मैग्नेटिक होलो मैटीरियल्स इन कनफाईंड कैटेलिस्ट्स एंड एनवायरमेंटल रेमिडिएशन। नैनोस्केल, 13, 10967-110003. <https://doi.org/10.1039/D1NR01010G>

आशा, के., बिस्वास, एन.के., सक्सेना, एस., सतसंगी, वी.आर., श्रीवास्तव, आर., कांत, आर. और दास, एस. (2021) - इफेक्ट आफ 100 केईवी एआर+ आयन बीम इरिडिएशन ऑन जेडएनओ थिन फिल्मस-इन्फ्लूएस आफ मार्फॉलॉजी विज-ए-विज इलेक्ट्रोड/इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेस एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल वाटर। इंटरनेशनल जर्नल आफ हाइड्रोजन एनर्जी, 46(40), 20858-20870. <https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2021.03.216>

अतरी, एस., गुसाईं, एम. कुमार, पी. और नागराजन, आर. (2020) रोल आफ द सोल्वेंट मीडियम इन द वेट-केमिकल सिंथेसिस आफ सीयूएसबीएस2, सीयू3एसबीएस3 एंड बिसमथ सबस्टिट्यूटेड सीयू3एसबीएस3. जर्नल आफ केमिकल साइंस, 132, 132. <https://doi.org/10.1007/s12039-020-01831-z>

अतरी, एस., पोखरियाल, एम. और उमा, एस. (2020) - सिनरजेटिक इनफ्लुएस आफ डीओ (एनबी5+) एंड डी10 (सीडी2+) केशन इन स्टेबिलाइजिंग नॉन-सेंट्रोसिमेट्रिक डियोन-जैकोबसन लेयर्ड पेरॉक्सवाइट्स, ए'सीडी2एनबी3ओ10 (ए' = आरबी, सीएस)। इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 59(12), 8044-8053. <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.0c00291>

अतरी, एस., उमा, एस. और नागराजन, आर. (2020) - मैग्नेटिक एंड फोटोकैटैलिटिक प्रोपर्टीज आफ नैनो-साइज्ड सल्फर डोपड ट्राइरूटाइल आक्साइड, सीयूएसबी2ओ6. मैटीरियल साइंस एंड सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, 119, 105226. <https://doi.org/10.1016/j.mssp.2020.105226>

आयुषी, पटेल, एम., मीना, पी., जहान, के., भारतम, पी.वी. और वर्मा, ए.के. (2021) - बेस मीडिएटेड एंटी-मार्कोवनिक्ोव हाइड्रोएमिडेशन आफ विनाइल सरिनेस विद एरलेमाइडस। ऑर्गेनिक लेटर्स, 23(2), 565-570. <https://doi.org/10.1021/acs.orglett.0c04084>

बहुगणा, ए., भारतम, पी.वी. और रावत, डी.एस. (2021) - 3डी क्यूएसएआर स्टडीज ऑन केटियानिक एम्फीफिलिक इनडोल डेरिवेटिव्स फॉर एंटीमायक्रोबैक्टीरियल एक्टिविटी। जर्नल आफ बायोकेमिकल एंड मालीक्यूलर टोक्सिकोलॉजी, 35(3), e22675. <https://doi.org/10.1002/jbt.22675>

बहुगुणा, ए., रावत, डी.एस. (2020) - एन ओवरव्यू आफ न्यू एंटीट्यूबरकुलर ड्रग्स, ड्रग कंडीडेन्स एंड देयर टार्गेट्स। मेडिसिनल रिसर्च रिव्यूज, 40(1), 263-292. <https://doi.org/10.1002/med.21602>

बहुगुणा, ए., रावत, एस. और रावत, डी.एस. (2021) - क्यूसीआरबी इन मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस : द न्यू ड्रग टार्गेट आफ एंटीट्यूबरकुलर एजेंट्स। मेडिसिनल रिसर्च रिव्यूज, 41(4), 2565-2581. <https://doi.org/10.1002/med.21779>

बजाज, आर., गुप्ता, एम., नागराजन, आर., राव, ए.एस. और प्रकाश, जी.वी. (2020) - स्ट्रांग स्ट्रक्चरल फेजे सेंसिटिव रेयर-अर्थ फोटोल्यूमिनेसेंस कलर फिलिप्स इन केएलएफ4:आरेई+ (आरेई3+ = ईयू3+, ईआर3+/वाईबी3+) नैनोक्रिस्टल्स। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 49,10058-10068. <https://doi.org/10.1039/D0DT01179G>

बत्रा, एन. राजेन्द्रन, वी. वाडी, आई, घोष, पी.सी. और नाथ, एम. (2020) - सिंथेसिस एंड एंटीमलेरियल एक्टिविटी आफ सलफोनामाइड-एटेचड कोमेरीन-[1,2,3]-ट्रायाजोल्स। इंडियन जर्नल आफ कैमेस्ट्री-सेक्शन बी, 59बी (10), 1545-1555. रिट्राइव्ड फ्रॉम <http://nopr.niscair.res.in/handle/123456789/55466>

बत्रा, एन., राजेन्द्रन, वी. वाडी, आई, लठवाल, ए., दत्ता, आर.के., घोष, पी.सी., गुप्ता, आर.डी. और नाथ, एम. (2020) - सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड एंटीप्लाजमोडियम एफिकेसी आफ सलफोनामाइड-एपेंडिड [1,2,3]-ट्रायाजोल्स, जर्नल आफ हेट्रोसाइक्लिक कैमेस्ट्री, 57(4), 1625-1636. <https://doi.org/10.1002/jhet.3888>

भट्ट, ए.एन. राय, वाई., वर्मा, ए., पांडे, एस., कौशिक, के., परमार, वी.एस., आर्य, ए., प्रसाद, ए.के. और द्वारकानाथ, बी.एस. (2020) - नान-एंजाइमेटिक प्रोटीन एसिटाइलेशन बाय 7-एसिटॉक्सी-4- मिथाइलकोमेरियन: इम्प्लीकेशंस इन प्रोटीन बायोकेमेस्ट्री। प्रोटीन एंड पेप्टाइड लेटर्स, 27(4), 736-743. <https://doi.org/10.2174/0929866527666200305143016>.

भट्टाचार्य, के., निमायश, वी., जून, एम., प्रताप, आर., बासिल, एम.वी. और बोस, एम. (2021) - कोरिलेशन आफ ड्रग रेजिस्टेंस विद सिंगल न्यूक्लियोटाइड वेरिएशंस थ्रू जिनाम एनलिसिस एंड एक्सपेरिमेंटल वेरिफिकेशन इन ए मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस क्लिनिकल आइसोलेट आफ एम. ट्यूबरकुलोसिस। बीएमसी माइक्रोबायोलॉजी, 20, 223. <https://doi.org/10.1186/s12866-020-01912-6>

चहल, वी. और कक्कड़, आर. (2021) - क्यूरेटिकल इन्वेस्टिगेशन आफ द स्ट्रक्चरल एंड इलेक्ट्रॉनिक फीचर्स आफ एसएलसी-0111, ए नावेल इनहिबिटर आफ ह्यूमन कार्बोनिक एनहाइड्रेज IX, एंड इट्स एनियन। स्ट्रक्चरल कैमेस्ट्री, 32, 1843-1856. <https://doi.org/10.1007/s11224-021-01741-x>

चहल, वी. निवारण, एस. और कक्कड़, आर. (2020) - ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ द बाइंडिंग मोड्स आफ एसएलसी-0111 एंड इट्स एनालॉग्स इन द एचसीए। एंड एचसीए IX एक्टिव साइट्स यूजिंग क्यूएम/एमएम, मालीक्यूलर डॉ.किंग, एमएम-जीबीएसए एंड एमडी एप्रोचिज। बायोफिजिकल कैमेस्ट्री, 265, 106439. <https://doi.org/10.1016/j.bpc.2020.106439>

चक्रवर्ती एन., झा, डी., गौतम, एच.के. और रॉय, आई (2020) - पेरोक्सीडेस-लाइक बिहेवियर एंड फोटोथर्मल इफेक्ट आफ चिटोसिन कोटिड प्रूसिएन-ब्लू नैनोपार्टिकल्स : ड्यूल-माडलिटी एंटीबैक्टीरियल एक्शन विद एनहैंस्ड बायोएफिनिटी। मैटीरियल्स एडवांसिज, 1, 774-782. <https://doi.org/10.1039/D0MA00231C>

चंदेल, एस., ली, एस., ली., एल., किम, एस., सिंह, एस.पी., किम, जे. और राय, ए.के. (2020)- हायररकली नैनोरोड स्ट्रक्चर्ड एनए2टीआई6013/एनए2टीआई307 नैनोकम्पोजिट एज ए सुपिरियर एनोड फॉर हाई-परफोरमेंस सोडियम आयन बैटरी। जर्नल आफ इलेक्ट्रोएनालिटिकल कैमेस्ट्री, 877, 114747. <https://doi.org/10.1016/j.jelechem.2020.114747>

चतुर्वेदी, ए., चौधरी, एस., पंत, वी., झा, पी., कुमारन, एस.एस., हुसैन, एफ. और मिश्रा, ए.के. (2021) - 5-एचटी1ए टार्गेटिंग पारसेस्ट एजेंट डीओ3एएम-एमपीपी विद पोर्टेशियल फॉर रिसेप्टर इमेजिंग : सिंथेसिस,

फिजियो-केमिकल एंड एमआर स्टडीज। बायोआर्गेनिक केमेस्ट्री, 106, 104487.
<https://doi.org/10.1016/j.bioorg.2020.104487>

चौधरी, के., भाकुनी, के., मोघा, एन.के., वेंकटेशू, पी. और मसराम, डी.टी. (2020) - सस्टेनेबल सोल्वोथर्मल कंजर्जन आफ वेस्ट बायोमास टू फंक्शनल कार्बन मैटीरियल : एकस्टेंडिंग इट्स यूटिलिटी एज ए बायोकम्पेटीबल कॉसाल्वेंट फॉर लिसोजाइम। एसीएस बायोमैटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग, 6(9), 4881-4892.
<https://doi.org/10.1021/acsbiomaterials.0c00461>

चौधरी, के., कुमार, के., वेंकटेशू, पी. और मसराम, डी.टी. (2020) - इन-डेप्थ अंडरस्टैंडिंग आफ ए नैनो-बायो इंटरफेस बिटविन लाइसोजाइम एंड एयू एनपी-इम्मोबिलाइज्ड एन-डोपड रिड्यूस्ड ग्राफीनी ऑक्साइड 2-डी स्केफॉलड्स, नैनोस्केल एडवांसिज, 2, 2146-2159. <https://doi.org/10.1039/D0NA00155D>

चौधरी, के., कुमार, के., वेंकटेशू, पी. और मसराम, डी.टी. (2021) - प्रोटीन इम्मोबिलाइजेशन ऑन ग्राफिन आक्साइड ओर रिड्यूस्ड ग्राफीन आक्साइड सरफेसे एंड देयर एप्लीकेशंस : इनफ्लूएस ओवर एक्टिविटी, स्ट्रक्चरल एंड थर्मल स्टेबिलिटी आफ प्रोटीन। एडवांसेज इन कॉलाइड एंड इंटरफेस साइंस, 289, 102367.
<https://doi.org/10.1016/j.cis.2021.102367>

चौधरी, के., मोघा, एन.के., लालवानी, एस. शर्मा, आर.के. और मासराम, डी.टी (2020) - रूथेनियम आक्साइन नैनापार्टिकल्स इम्मोबिलाइज्ड ओवर साइट्स लिमेटा वेस्ट ड्राइव्ड कार्बन मैटीरियल फॉर इलेक्ट्रोकेमिकल डिटेक्शन आफ हेक्सेट्राल। जर्नल आफ मैटीरियल्स केमेस्ट्री बी, 8, 7956-7965. <https://doi.org/10.1039/D0TB00263A>

चौधरी, पी., दीपा, मीना, डी.आर., आलम, एम.जे., यादव, जी.डी. और सिंह, एस. (2021) - सेल्यूलोज सेल्फेट : एन एफिसिएंट हेट्रोजिनस कैटेलिस्ट फॉर द रिंग-ओपनिंग आफ एपोक्साइड्स विद एल्कोहल्स एंड एनीलाइंस। सिंथेटिक कम्प्युनिकेशंस, 51(12), 1834-1846. <https://doi.org/10.1080/00397911.2021.1910304>

चौधरी, एस., मुखर्जी, एम. पॉल, टी.के., तरफदार, एस. और मिलटन, एम.डी. (2020) - नॉवेल थियाजोलाइन-फिनोथियाजाइन बेस्ड 'पुश-पुल' मॉलीक्यूल्स एज फ्लूरोसेंट प्रोब्स फॉर वोलाटाइल एसिड्स डिटेक्शन। जर्नल आफ फोटोकेमेस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए : केमेस्ट्री, 397, 112509. <https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2020.112509>

चौधरी, एस., कुमार, वी., मलिक, वी., नागराजन, आर., अन्नपूर्णा, एस. और मलिक, आर. (2020) - सिंथेसिस आफ जेडएनओ@एजी डमबेल्स फॉर हाइली एफिसिएंट विजिबल-लाइट फोटोकैटेलिस्ट्स। जर्नल आफ फिजिक्स : कनडेंसड मैटर, 32(40), 405202. <https://doi.org/10.1088/1361-648X/ab9e2e>

दास, वी., कौशिक, आर. और हुसैन, एफ. (2020)- हेट्रोमेटेलिक 3डी-4एफ पॉलीआक्सोमिटेलेट्स : एन एमर्जिंग फील्ड विद स्ट्रक्चरल डायवर्सिटी टू मल्टीपल एप्लीकेशंस। कॉर्डिनेशनल केमेस्ट्री रिव्यूज, 413, 213271. <https://doi.org/10.1016/j.ccr.2020.213271>

दीपा और सिंह, एस. (2021) - रिसेंट डेवलपमेंट ऑफ रिकवरेबल मैकमिलेन कैटालिस्ट इन एसिमेटरिक आर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशंस। एडवांस्ड सिंथेसिस एंड कैटालिसिस, 363(3), 629-656. <https://doi.org/10.1002/adsc.202000994>

देसवाल, एन., श्रीवास्तव, ए., हुसैन, एम.एस., घाल्यान, पी., बावा, आर., गुप्ता, आर.डी. और कुमार, आर. (2021) - डिजाइन, सिंथेसिस, इवेल्यूशन एंड मॉलीक्यूलर डॉ.किंग स्टडीज ऑफ नॉवेल ट्रायाजोल लिंकड 1,4-डाइहाइड्रोपायरिडाइने-इसाटिन स्केफॉल्ड एज पोर्टेंट एंटीकैंसर एजेंट्स। केमेस्ट्री सेलेक्ट, 6(4), 717-725. <https://doi.org/10.1002/slct.202003948>

देवी, एस.पी., मित्तल, ए. और कक्कड़, आर. (2021) - कम्प्यूटेशनल स्टडीज ऑन रिएक्शंस ऑफ सम आर्गेनिक एजाइड्स विद सी-एच बांड्स। केमेस्ट्री सेलेक्ट, 6(17), 4368-4381. <https://doi.org/10.1002/slct.202101037>

एलागामी, ए., एलथागाफी, आई. और प्रताप, आर. (2021) - स्टेप-वाइज एंड वन-पोट सिंथेसिस ऑफ हाइली सबस्टीट्यूटिड कंजुगेटिड ट्रायन्स फ्राम 2-आक्सोबेंजो (एच) क्रोमीन्स/2एच-पायरान-2-वन्स। आर्गेनिक एंड बायोमॉलीक्यूलर केमेस्ट्री, 19, 3901-3910. <https://doi.org/10.1039/D1OB00314C>

फौजदार, एच., स्पेननबर्ग, ए. और कौर घुमान, एस. (2020) - स्ट्रक्चरल एंड एचईआर स्टडीज आफ डायफोस्फाइने-मोनोथियोलेट कम्प्लेक्सिज [एफई2(सीओ)4(μ-नाफथालीन-2-थियोलेट)2(μ-डीपीपीई)] एंड [एफई2(सीओ)4(μ-नाफथालीन-2-थियोलेट)2(μ-डीपीपीईपीएचओएस)]. इनऑर्गेनिक किमिका एक्टा, 501, 119227. <https://doi.org/10.1016/j.ica.2019.119227>

गगनदीप, सिंह, एम., किदवई, एस., दास, यू.एस., वेलपांडियन, टी., सिंह, आर. और रावत, डी.एस. (2021) - मोनो-कार्बोनिने करकुमिनायडस एज एंटी-ट्यूबरकलोसिस एजेंट्स विद देयर मोडरेज इन-विट्रो मेटाबोलिक स्टेबिलिटी ऑन ह्यूमन लीवर माइक्रोसोम्स। जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलीक्यूलर टॉक्सीकालॉजी, 35(6), 1-10. <https://doi.org/10.1002/jbt.22754>

गगनदीप, कुमार, पी., कांडी, एस.के., मुखोपाध्याय, के., एवं रावत, डी.एस. (2020) - सिंथेसिस ऑफ नावेल मोनोकार्बोनिने करकुमोनाइडस, इवेल्यूएशन ऑफ देयर एफिकेसी अगेनस्ट एमआरएसए, इनक्लूडिंग एक्स वीवो इनफेक्शन मॉडल एंड देयर मैकेनिज्म स्टडीज, यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल कैमेस्ट्री, 195, 112276. <https://doi.org/10.1016/j.ejmech.2020.112276>

गांधी, एस., ईस्सर, एस., महापात्रा, ए.के., एवं राय, आई. (2020) - 'कोबाल्ट फेराइट नैनोपार्टिकल्स फॉर बाइमोडल हाइपरथर्मिया एंड देयर मैकेनिस्टिक इंटरएक्शंस विद लाइसोजाइम।' जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर लिक्विड्स, 310, 113194. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2020.113194>

गांधी, एस., एवं राय, आई. (2020) - 'बायोमेडिकल इन वीवो स्टडीज विद आरमोसिल नैनोपार्टिकल्स कंटेनिंग एक्टिव एजेंट्स', इन ई, फेरारी एवं एम. सोलोविच (संपादित), नैनोपार्टिकल्स इन बायलॉजी एंड मेडिसिन। मैथड्स इन मालीक्यूलर बायलॉजी (वाल्यूम 2118, पृष्ठ 121-138)। ह्यूमाना, न्यूयार्क, एनवाई, https://doi.org/10.1007/978-1-0716-0319-2_9

गरकोटी, शबीर, सी., एवं मजूमदार, एस. (2020) - 'एमिन टर्मिनेटिड आयोनिक लिक्विड माडीफाईड मैग्नेटिक ग्राफीन ऑक्साइड (एमजीओ-आईएल-एनएच2): ए हायली एफिसिएंट एंड रियूजेबल नैनोकैटेलिस्ट फॉर द सिंथेसिस ऑफ 3-एमिनो एलकाइलेटिड इनडोल्स।' कैमेस्ट्री सेलेक्ट, 5(14), 4337. <https://doi.org/10.1002/slct.202000336>

गौड़, पी., प्रसाद, एस., कुमार, बी., शर्मा, एस.के., एवं वत्स, पी. (2021) - हाई-एल्टीट्यूड हाइपोक्सिया इन्डयूस्ड रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पेसिज जिनरेशन, सिगनेलिंग एंड मिटोगेन एप्रोचिज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेटेरोलाजी, 65, 601-615. <https://doi.org/10.1007/s00484-020-02037-1>

गोयल, एस., मुंजाल, एम., शर्मा, आर.के., एवं सिंह, जी. (2021) - '14-एडवांस्ड एप्लीकेशंस ऑफ ग्रीन मैटीरियल्स इन सुपरकेपेसिटर्स', इन एस. अहमद (संपादित), वूडहेड पब्लिशिंग इन मैटीरियल्स, एप्लीकेशंस ऑफ एडवांस्ड ग्रीन मैटीरियल्स (पृष्ठ 339-371). वूडहेड पब्लिशिंग। <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-820484-9.00014-3>

गोयल, एस., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - 'रैपिड माइक्रोवेविंग रूट फॉर सूडोकेपेसिटिव नैनोस्ट्रक्चर्स पालीपायोरोल्स' मैटीरियल्स कैमेस्ट्री एंड फिजिक्स 244, 122694. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2020.122694>

गोपालैया, के., एवं तिवारी, ए. (2020) - सिंथेसिस ऑफ (ई)-3-एलकाइलीडिनैनोडोलिन-2-वन्स बाय बन आयरन कैटलाइज्ड एरोबिक ऑक्सीडेटिव कंडनशेसन ऑफ सीएसपी3-एच बांडस ऑफ ऑक्सीनडोल्स एंड बैंजाइलमाइन्स।

यूरोपियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 2020(46), 7229-7237. <https://doi.org/10.1002/ejoc.202001300>

गोवर, एस., साहू, वी., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) हाई स्पिसिफिक एनर्जी टर्नरी नैनोकम्पोजिट पालएनिलीन: मैग्नीज डाइआक्साइड @एमडब्ल्यूसीएनटी इलेक्ट्रोड फॉर एसिमेट्रिक सुपरकेपेसिटर्स। जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 29, 101411. <https://doi.org/10.1016/j.est.2020.101411>

गुलाटी, ए., मलिक, जे., मंदीप, एवं कक्कड़, आर. (2020) - पीनट शैल बायोटेम्पलेट टू फैब्रिकेट पोरस मैग्नेटिक सीओ304 कोरल रीफ एंड इट्स कैटेलेटिक प्रोपर्टीज फॉर पी-नाइट्रोफिनॉल रिडक्शन एंड आक्सीडेटिव डाइ डिग्रेडेशन। कालोइड्स एंड सरफेसिज : ए फिजियोकेमिकल एंड इंजीनियरिंग एस्पेक्ट्स, 604, 125328. <https://doi.org/10.1016/j.colsurfa.2020.125328>

गुलाटी, ए., मंदीप, मलिक, जे., एवं कक्कड़, आर. (2020) - मिजोपोरस आरजीओ@जेडएनओ कम्पोजिट : फेसाइल सिंथेसिस एंड एक्सीलेंट वाटर ट्रीटमेंट परफॉर्मेंस बाय पेस्टिसाइड एडजारपशन एंड कैटेलेटिक ऑक्सीडेटिव डाइ डिग्रेडेशन। केमिकल इंजिनियरिंग रिसर्च एंड डिजाइन, 160, 254-263. <https://doi.org/10.1016/j.cherd.2020.04.040>

गुलाटी, यू., यू. चिन्ना, यू.आर., रावत, डी.एस., एवं जालेस्की, जे.एम. (2020) - डेवलपमेंट ऑफ मैग्नीशियम ऑक्साइड-सिल्वर हाइब्रिड नैनोकैटेलेस्ट्स फॉर सिनरजिस्टिक्स कार्बन डाई ऑक्साइड एक्टिवेशन टू अफोर्ड ईस्टर्स एंड हेट्रोसाइकल एट एम्बिएंट प्रेशर, ग्रीन केमेस्ट्री, 22(10), 3170-3177. <https://doi.org/10.1039/C9GC04040D>

गुलाटी, यू., चीन्ना, यू.आर., एवं रावत, डी.एस. (2020) - मैग्नेटिकली रिकवरेबल एनआई@सीयूएल हाइब्रिड नैनोकैटेलेस्ट्स टू अफोर्ड स्पाइरोपायरोलाइन हेट्रोसाइकिल्स फ्रॉम केटोजाइम्स एंड एलकेन्स। एशियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 9(07), 1059-1064. <https://doi.org/10.1002/ajoc.202000145>

गुलाटी, यू., चीन्ना, आर.यू., एवं रावत, डी.एस. (2020) - रिनीवेबल आरजीओ@सीयूएल नैनोकम्पोजिस्ट्स फॉर रिडॉक्स ट्रिगर्ड सिंगल इलेक्ट्रॉन ट्रांसफर (एसईटी) रिएक्शन अंडर एंड एनएरोबिक कंडीशंस। केमकेटकेम, 12(14), 3728-3736. <https://doi.org/10.1002/cctc.202000314>

गुलाटी, यू., रावत, एस., एवं रावत, डी.एस. (2020) - ट्रांजिशन-मेटल-फ्री, वन-पॉट, टैंडम सी1-इनडोलिलेशन एंड एन-एलकाइलेशन ऑफ टेट्राहाइड्रोआइसोक्वेनेलाइन इन बायोडिग्रेडेबल पीईजी साल्वेंट। टेट्राहेड्रल लेटर्स, 61(37), 152304. <https://doi.org/10.1016/j.tetlet.2020.152304>

गुप्ता, जी., वर्मा, एस., नागराजन, आर., एवं राठ, एस. (2021) - माइक्रोस्ट्रक्चरल एंड बैंडगैप इनवेस्टिगेशंस ऑफ वर्टजाइट-फेज जेडएनएमजीओ नैनो पावडर्स सिंथेसाइज्ड बाइ बाल-मिलिंग। फिजिका बी : कंडेन्स मैटर, 604, 412735. <https://doi.org/10.1016/j.physb.2020.412735>

गुप्ता, पी., गरकोटी, सी., शबीर, जे., सुरभी, शाह, डी., एवं मजूमदार, एस. (2021, 18 जून) - एमाइन ग्राफ्टेड एफई304 इममोबिलाइज्ड ग्राफीन आक्साइड एज ए रिसाइकलेबल एंड इफेक्चुअल नैनोकंपोजिट फॉर द रिजियोसेलेक्टिव रिंग ओपनिंग रिएक्शन। रिसर्च ऑन केमिकल इंटरमीडिएट्स, <https://doi.org/10.1007/s11164-021-04509-4>

गुप्ता, आर., अरोड़ा, जी., यादव, पी., दीक्षित, आर., श्रीवास्तव, ए., एवं शर्मा, आर.के. (2021) - ए मैग्नेटिकली रिट्राइवेबल कॉपर आयोनिन लिक्विड नैनोकैटेलेस्ट फॉर साइक्लोआक्सीडेटिव सिंथेसिस ऑफ 2-फिनाइलक्विनेजोलिन-4 (3एच)-वन्स। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 50(03), 890-898. <https://doi.org/10.1039/D0DT03634J>

गुप्ता, एस., एवं बिस्वास, पी. (2020) - कनफरमेंशंस ऑफ पॉली (प्रोपाइलीन इमाइन) डेड्रीमर्स इन एन आयोनिन लिक्विड एट डिफरेंट पीएच, साफ्ट मैटर, 16(36), 8400-8411. <https://doi.org/10.1039/D0SM01026J>

गुप्ता, एस., एवं बिस्वास, पी. (2020) - कनफरमेशनल प्रोपर्टीज ऑफ कम्प्लेक्स ऑफ पॉली (प्रोपाइलीन इमाइन) डेंड्रीमर्स विद लिनियर पॉलीइलेक्ट्रोलाइट्स इन डाइल्यूट साल्यूशंस। द जर्नल ऑफ कैमिकल फिजिक्स, 153, 194902. <https://doi.org/10.1063/5.0030270>

(‘स्पेशल कलेक्शन इन ऑनर ऑफ वूमन इन केमिकल फिजिक्स एंड फिजिकल कैमेस्ट्री’ के विशेष अंक में आमंत्रित लेख).

गौरव, ई.एल., सेमसेलेवा, ए.एस., शिल्यागिना, एन.वाई., सोकोलोवा, ई.ए., सांवर, एस, कास्ट्युक, ए.बी., ल्यूबेसकिन, ए.वी. शुल्गा, ए.ए., कोनोवालोवा, ई.वी., लिन, क्यू., राय, आई., बलालावेवा, आई.वी., देयेव, एस.एम., ज्यागिन, ए.वी. (2020) - यूसीएनपी-बेस्ड फोटोल्यूमिनेसेंट नैनोमेडिसिन्स फॉर टार्गेटिड इमेजिंग एंड थेरानास्टिक्स ऑफ कैंसर। मालीक्यूल्स, 25(18), 4302. <https://doi.org/10.3390/molecules25184302>

गुसाई, एम., नागराजन, आर., एवं सिंह, एस.के. (2020) - हायली आर्डर्ड पॉलीएनिलीन : सिंथेसिस, करेक्तराइजेशन एंड इलेक्ट्रोकेमिकल प्रोपर्टीज, पालीमर बुलेटिन, 77, 3277-3286. <https://doi.org/10.1007/s00289-019-02912-x>

हांडा, एम., एवं बिस्वास, पी. (2021) - इंद्रामालीक्यूलर रिलेक्शेसन ऑफ रिंग पालीमर्स इन डाइल्यूट साल्यूशंस। जर्नल ऑफ रिहोलोजी, 65(03), 381. <https://doi.org/10.1122/8.0000153>

जोगेन्द्र एवं कक्कड़, आर. (2021) - डिंकटांमिनेशन ऑफ क्लोरोपाइरिसिन (पीएस) एंड इट्स एनालोगस यूजिंग ग्राफीन एंड सरफेसिज : ए कम्प्यूटेशनल स्टडी, स्ट्रक्चरल कैमेस्ट्री, 32, 1883-1892. <https://doi.org/10.1007/s11224-021-01767-1>

जोगेन्द्र, बधानी, बी., मंदीप, एवं कक्कड़, आर. (2020) - ए डीएफटी-डी2 स्टडी ऑन द एडजारप्शन ऑफ फॉसजीन डेरिवेटिव्स एंड क्लोरोमिथाइल क्लोरोफॉर्मेट आन प्रिस्टीन एंड एफई4-डेकोरेटिड ग्राफीन। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर ग्राफिक्स एंड माडलिंग, 101, 107754. <https://doi.org/10.1016/j.jmgm.2020.107754>

जोगेन्द्र, मंदीप, एवं कक्कड़, आर. (2020) - ए डीएफटी-डी2 स्टडी ऑन एमओ4-एक्ससीओएक्स (एक्स = 0-3) क्लस्टर-डेकोरेटिड ग्राफीन एंड द एडजारप्शन ऑफ एसओ2एफ2 एंड एसओएफ2 ऑन एसओ4-डेकोरेटिड ग्राफीन। जर्नल ऑफ नैनोपार्टिकल्स रिसर्च, 22, 285. <https://doi.org/10.1007/s11051-020-05014-2>

जोगेन्द्र, बधानी, बी., मंदीप, एवं कक्कड़, आर. (2020) - एडजारप्शन ऑफ मिथाइल आइसोसाइनेट ऑन एम4 (एम = एफई, एनआई, एंड सीयू) क्लस्टर डेकोरेटिड ग्राफीन एंड वेकेंसी ग्राफीन : ए डीएफटी-डी2 स्टडी, स्ट्रक्चरल कैमेस्ट्री, 31, 1983-1997. <https://doi.org/10.1007/s11224-020-01552-6>

जोशी, ए., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - इंजीनियरिंग मल्टीपल डिफेक्ट्स फॉर एक्टिव साइट्स एक्सपोजर टुवर्ड्स इनहांसमेंट ऑफ एनआई3एस2 चार्ज स्टोरेज कैरेक्तरिस्टिक्स। केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 384, 123364. <https://doi.org/10.1016/j.cej.2019.123364>

जोशी, ए., तोमर, ए.के., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2021) - इंजीनियरिंग ऑक्सीजन डिफेक्ट्स इन द बोरोन नैनोशीट फॉर स्टेबिलाइजिंग कम्प्लेक्स बांडिंग स्ट्रक्चर : एन एप्रोच फॉर हाई परफॉर्मेंस सुपरकेपेसिटर। केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 407, 127122. <https://doi.org/10.1016/j.cej.2020.127122>

काक्कटी, पी., सिंह, पी., यादव, पी., एवं अवस्थी, एस.के. (2021) - एडिंग द वर्सेटिलिटी ऑफ सिम्पल एमोनियम आयोनिक लिक्विड बाय द सिंथेसिस ऑफ बायोएक्टिव 1,2,3,4-टेट्राहाइड्रोपाइरिमिडाइन, 2-एमिनोथाइजोल एंड क्विनाजोलीनान्स डेरिवेटिव्स। न्यू जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 45(15), 6724-6738. <https://doi.org/10.1039/D1NJ00280E>

कांत, आर., कौर, जे., एवं मिश्रा, जी.के. (2020) - थ्यूरी फॉर इन्फ्लूएंश ऑफ द मेटल इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेस ऑन हेटरोजेनस इलेक्ट्रान ट्रांसफर रेट कांसटेंट : फ्रेक्शनल इलेक्ट्रान ट्रांसफर्ड ट्रांजिशन स्टेट एप्रोच। द जर्नल ऑफ फिजिकल कैमेस्ट्री सी, 124(04), 2273-2288. <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.9b09461>

कांत, आर., एवं गोस्वामी, एन. (2021) - सेमी-माइक्रोस्कोपिक थ्यूरी फॉर अंडरस्क्रीनिंग इंड्यूस्ड एनोमेलस माइग्रेशन-डिफ्यूजन कपलिंग। द जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी, 125(24), 13677-13687. <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.1c03316>

कश्यप, के., एवं कक्कड़, आर. (2020) - एक्सप्लारिंग स्ट्रक्चरल रिक्वायरमेंट्स फॉर आइसोफॉर्म सेलेक्टिव हिस्टॉन डिएसिटिलेज इनहिबिटर्स : ए कम्पैरेटिव इन सिलिको स्टडी। जर्नल ऑफ बायोमालीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 39(02), 502-517. <https://doi.org/10.1080/07391102.2019.1711191>

कश्यप, के., एवं कक्कड़, आर. (2020) - फॉर्मोकोफोर-एनएबल्ड वर्चुअल स्क्रीनिंग, मालीक्यूलर डाकिंग एंड मालीक्यूलर डायनेमिक्स स्टडीज फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ पोर्टेंट एंड सेलेक्टिव हिस्टॉन डिएसिटिलेज 8 इनहिबिटर्स, कम्प्यूटर्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन, 123, 103850. <https://doi.org/10.1016/j.combiomed.2020.103850>

कश्यप, के., एवं कक्कड़, आर. (2021) - इन सिलिको स्टडी ऑफ द सिनरजिटिक एंटी-ट्यूमर इफेक्ट ऑफ हाइब्रिड टोपोआइसोमेरस-एचडीएसी इनहिबिटर्स। प्यूर एंड एप्लाइड केमिस्ट्री (), 000010151520210111. <https://doi.org/10.1515/pac-2021-0111>

कौशिक, पी., कुमार, ए., कुमार, पी., कुमार, एस., सिंह, बी.के., एवं बहादूर, वी. (2020) - सीयू-कैटेलाइज्डवन पॉट मल्टीकम्पोनेंट एप्रोच फॉर द सिंथेसिस ऑफ सिमेट्रिक एंड एसिमेट्रिक 1,4 - डाइहाइड्रोपाइरिडाइन (1,4 - डीएचपी) लिंकड 1,2,3-ट्रायजोल डेरिवेटिव्स। सिंथेटिक कम्प्यूनिकेशंस, 50(13), 2033-2042. <https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1762222>

कौशिक, आर., एवं हुसैन, एफ. (2020) - सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ नैनोक्लस्टरर्स : इनऑर्गेनिक, ऑर्गेनिक हाइब्रिड कॉपर एंड कोबाल्ट कंटेनिंग आरसेनोटंगस्टेटस (III) विद लोन पेअर आन हेट्रोएटस इनकारपोरेटिंग बाइडेनट एन-डोनेटिंग लिगेंड्स। इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री- सेक्शन, ए, 59(11), 1602-1608. रिट्राइड फ्राम <http://nopr.niscair.res.in/handle/123456789/55594>

कौशिक, आर., खान, आई., गुप्ता, आर., एवं हुसैन, एफ. (2020) - सिंथेसिस ऑफ एनए2 [((आरई)4(एच2ओ)6एसबी6ओ4)(एसबीडब्लू10ओ37)2(एसबीडब्लू8ओ31)2] [(आरई)III] = वाई, जीडी, टीबी, डीवाई, एचओ, ईआर, टीएम, वाईबी]: सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड कैटालिटिक एप्लीकेशन। इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्प्यूनिकेशंस, 122, 108265. <https://doi.org/10.1016/j.inoche.2020.108265>

खान, आई., दास, वी., तेलाऊट, ए.एल., बोमेली, आई.एम., डे ओलिवेरिया, पी., साहू, एस.सी. एवं हुसैन, एफ. (2021) - टेट्रामेरिक लेंथानाइड-सबस्टिट्यूटिड सिलिकोटंगस्टन (एलएन8एसआई4डब्लू40) नैनोक्लस्टरर्स : सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल, कैरेक्टराइजेशन इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री एंड कैटालिटिक एप्लीकेशन फॉर आक्सीडेशन ऑफ थियोइथर्स। यूरोपियन जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 2021(11), 1071-1081. <https://doi.org/10.1002/ejic.202001096>

खत्री, वी., भाटिया, एस., दीप, एस., कोहली, ई., हॉग, आर., सेनापति, एन.एन., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - एक्सप्लारिंग हाइड्रोफोबिक डायस्टेरोमेरिक 2, 6-एनहाइड्रो-ग्लाइकोहेपेटोटल्स फॉर देयर एंजायमेटिक पालीमेराइजेशन विद् पीईजी : ट्वर्ड्स डिलीवरी एप्लीकेशंस। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 44(36), 15369-15375. <https://doi.org/10.1039/D0NJ02642E>

कृष्णा, पी.बी., अचाजी, के., बोचर, सी. हॉग, आर., एवं शर्मा, एस.के. (2021) - न्यूवर नॉन-आइकोनिक ए2बी2-टाइप एंजाइम-रेस्पॉसिव एम्फिफाईल्स फॉर ड्रग डिलीवरी, केममेडकेम, 16(09), 1457-1466. <https://doi.org/10.1002/cmdc.202100031>

कृष्णा, कुमारी, एस., यादव, डी., एवं शर्मा, एस.के. (2020) - सीयू (II) स्किल बेस कम्पलेक्स ग्राफिटड ग्वार गम : कैटलिस्ट फॉर बेंजाफिनान डेरिवेटिव्स सिंथेसिस। एप्लाइड कैटलिस्ट ए : जनरल, 601, 117529. <https://doi.org/10.1016/j.apcata.2020.117529>

कुमार, ए., कुमार, एम., एवं वर्मा, ए.के. (2020) - वेल डिफॉइंड पेलाडियम एन-हेट्रासाइक्लिक कार्बन कम्पलेक्स : डायरेक्ट सी-एच बांड एरेलेशन ऑफ हेट्राएरेनस। जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 2020, 85(21), 13983-13996. <https://doi.org/10.1021/acs.joc.0c02024>

कुमार, ए., माहिया, के., प्रसाद, ए.के., एवं सिंह, एस.के. (अहेड-ऑफ-प्रिंट) - मल्टीकंपोनेंट सिंथेसिस ऑफ 4-एरेल-1, 4-डायहाइड्रो ऑक्सोक्रैमिनो (3,2-बी) ऑक्सीनेडेनो (6,5-ई) प्राइडाइन। पॉलीसाइक्लिक एरोमेटिक कंपाउंड्स। <https://doi.org/10.1080/10406638.2020.1852269>

कुमार, ए., थिरूमल, एम., एवं कुमार, एस. (2021) - विज्युअली डिटेक्टिंग सायनाइड आयन इन एक्वेस साल्यूशन सेंसिटिवली एंड सेलेक्टिवली यूजिंग ए मेरोसायनाइन साल्ट विद द हेल्प ऑफ ए स्मार्टफोन। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर स्ट्रक्चर, 1245, 130757. <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2021.130757>

कुमार, ए., शर्मा, ए., चैन, वाई., जोन्स, एम.एम., वान्यो, एस.टी., एलआई, सी., विस्सेर, एम.बी. महाजन, एस.डी., शर्मा, आर.के., एवं स्वीहार्ट, एम.टी. (2020) - कॉपर@जेडआईएफ-8 कोर-शेल नैनोवायर्स फॉर रियूजेबल एंटी माइक्रोबॉयल फेस मास्क। एडवांसड फंक्शनल मैटीरियल्स, 31(10), 2008054. <https://doi.org/10.1002/adfm.202008054>

कुमार, बी., मैटी, एम., शंकर, बी., कुमार, एस., एवं प्रसाद, ए.के. (2021) - सिंथेसिस ऑफ डी-ग्लाइकोपायरेनसोल डेस्पिपेटाइड्स यूजिंग पेसेरिनी रिएक्शंस। कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 500, 108236. <https://doi.org/10.1016/j.carres.2021.108236>

कुमार, बी., शंकर, बी., शंकर, बी., कुमार, एस., मैटी, जे. एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - मल्टीकम्पोनेंट वन पॉट सिंथेसिस ऑफ सी-ग्लूकोसाइट ऑफ 1-एजायडोलिजिनस। सिंथेसिस कम्यूनिकेशंस, 50(18), 2853-2859. <https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1786586>

कुमार, बी., वशिष्ठ, एच., गोयल, एम., कुमार, ए., बेनहिबा, एफ., प्रसाद, ए.के., कुमार, एस., बहादुर, आई., एवं जेरोक, ए. (2020) - स्टडी ऑफ एडसारपशन मैकेनिज्म ऑफ कलकोन डेरिवेटिव्स ऑन माइल्ड स्टील सलफूरिक एसिड इंटरफेस जर्नल ऑफ मालीक्यूलर लिक्विड्स, 318, 113890. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2020.113890>

कुमार, डी., तोमर, ए.के., सिंह, जी. एवं शर्मा, आर.के. (2020) - इंटरलेयर गैप वाइडन्ड 2डी एल्फा-सीओ (ओएच)2 नैनोप्लेट्स विद डिकेवेन्डेड एनियन फॉर हाई पोटेंशियल एक्वस सुपरकेपेसिटर। इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा, 363, 137238. <https://doi.org/10.1016/j.electacta.2020.137238>

कुमार, पी., पचिसिया, एस. एवं गुप्ता, आर. (2021) - टर्न-ऑन डिटेक्शन ऑफ एसोरटिड फॉस्फेट बाँय ल्यूमिनेसेंट कीमोसेंसर। इनआर्गेनिक केमेस्ट्री फ्रंटियर्स, 8, 3587-3607. <https://doi.org/10.1039/D1QI00032B> (Invited Article)

कुमार, डी., तोमर, ए.के., सिंगल, एस., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - अमोनियम डिकेवेन्डेड नैनोडॉट्स/रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड नैनोरिबन एज “इनआर्गेनिक-आर्गेनिक” हाइब्रिड इलेक्ट्रोड फॉर हाई पोटेंशियल एक्वस सिमेट्रिक सुपरकेपेसिटर। जर्नल ऑफ पावर सोर्सिज, 462, 228173. <https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2020.228173>

कुमार, ए., एवं डेका, एस. (2020) - पीडीएसएन होलो एलाय नैनोपार्टिकल्स प्रिपेयर्ड बाय इन-सिटु गेलवेनिक रिप्लेसमेंट प्रोसेसिज फॉर एक्सकलूसिव हाइड्रोजन इवोल्यूशन रिएक्शन एंड ड्यूरेबल इलेक्ट्रोकेटलिसिस। एप्लाइड कैटलिसिस ए : जर्नल, 599, 117575. <https://doi.org/10.1016/j.apcata.2020.117575>

कुमार, जी., एवं मासराम, डी.टी. (2021) - सस्टेनेबल सिंथेसिस ऑफ एमओएफ-5@जीओ नैनोकम्पोजिट्स फॉर एफिसिएंट रिमूवल ऑफ रोडामाइन बी फ्रॉम वाटर, एसीएस ओमेगा, 6(14), 9587-9599. <https://doi.org/10.1021/acsomega.1c00143>

कुमार, जी., कुमार, जी., एवं गुप्ता, आर. (2021) - इफेक्ट ऑफ पायरिडायल डानर्स फ्रॉम आर्गेनिक लिगेण्ड्स वर्सेज मेटलोलिगेण्ड्स ऑन मैटीरियल डिजाइन-इनआर्गेनिक कैमिस्ट्री फ्रंटियर्स, 8, 1334-1373. <https://doi.org/10.1039/D0QI00768D> (Invited Article)

कुमार, के., कुमार, पी., जोशी, पी., एवं रावत, डी.एस. (2020) - आईबीएक्स-टीएफओएच मीडिएटिड ऑक्सीडेशन ऑफ एल्कोहल्स टू एल्डीहाइड्स एंड कीटोन्स अंडर माइल्ड रिएक्शन कंडीशंस। टेट्राहेड्रान लेटर्स, 61(15), 151749. <https://doi.org/10.1016/j.tetlet.2020.151749>

फीचर्ड इन आर्गेनिक कैमिस्ट्री हाइलाइट्स, ऑक्सीडेशन : द शर्मन/विलियम्स सिंथेसिस ऑफ बालामाइसिन ए (<https://www.organic-chemistry.org/Highlights/2021/25January.shtml>)

कुमार, एल., बोराह, पी.के., बोराहकूर, एस., सैकिया, एल., दास, एम.आर., एवं डेका, एस. (2021) - सीयूसीओ-लेयर्ड डबल हाइड्रोक्साइड नैनोशीट-बेस्ड पालीहेड्रान्स फॉर फ्लेक्सिबल सुपरकेपेसिटर सेल्स। एसीएस एप्लाइड नैनो मैटीरियल्स 4(05), 5250-5262. <https://doi.org/10.1021/acsanm.1c00628>

कुमार, एल., चौहान, एम., बोराह, पी.के., दास, एम.आर., हाशमी, एस.ए., एवं डेका, एस. (2020) - कोरल शेपड बायफंक्शनल एनआईसीओ2ओ4 नैनोस्ट्रक्चर : ए मैटीरियल फॉर हाईली एफिसिएंट इलेक्ट्रोकेमिकल चार्ज स्टोरेज एंड इलेक्ट्रोकेटलिक ऑक्सीजन इवोल्यूशन रिएक्शन। एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटीरियल्स, 3(07), 6793-6804. <https://doi.org/10.1021/acsaem.0c00909>

कुमार, एम., श्रीवास्तव, एस., एवं कांत, आर. (2020) - इनफ्लूंस ऑफ इलेक्ट्रोड रफनेस ऑन डीसी बायस्ड एडमिटेड ऑफ क्वासि-रिवर्सिबल चार्ज ट्रांसफर विद अनकम्पनसेटिड सोल्यूशन रेजिस्टेंस। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनेलिटिक कैमिस्ट्री, 877,114609. <https://doi.org/10.1016/j.jelechem.2020.114609>

कुमार, एम., कुमार, जी., कांत, ए., एवं मासराम, डी.टी. (2020) - रोल ऑफ मेटलोइड्स इन मेडिसिनल इनआर्गेनिक कैमिस्ट्री। इन : ए.ए. शाहिद-उल-इस्लाम, ए.ए. हाशमी एवं एस.ए. खान (संपादित) - एडवांसेज इन मेटलइड्स : प्रिपेरेशन एंड एप्लीकेशंस इन मेडिसिनल कैमिस्ट्री (पृष्ठ 71-113). जॉन विले एंड संस, आईएनसी. <https://doi.org/10.1002/9781119640868.ch3>

कुमार, एम., कुमार, जी., एवं मासराम, डी.टी. (2020) - कॉपर (II) कम्प्लेक्सिज कंटेनिंग एनोक्सासिन एंड हेट्रोसाइक्लिक लिगेण्ड्स : सिंथेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर एंड देयर बायोलॉजिकल परस्पेक्टिव। न्यू जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री, 44(20), 8595-8613. <https://doi.org/10.1039/D0NJ01192D>

कुमार, एम., कुमार, आर., राणा, एन., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - केमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस ऑफ 3'-एजिडो/एमिनो-सी-4'-स्प्रिरोऑक्सीटेनो-जाइलो-न्यूक्लिओसाइड्स। करंट ग्रीन कैमिस्ट्री, 7(01), 120-127. <https://doi.org/10.2174/2213346107666200110092413>

कुमार, एम., लाल, एन., लूथरा, पी.एम., एवं मासराम, डी.टी. (2021) - एक्सप्लारिंग बाइंडिंग प्लस क्लिबेज एक्टिविटीज ऑफ निकेल कम्प्लेक्सिज टूवर्ड्स डीएनए एंड प्रोटीन। न्यू जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री, 45(15), 6693-6708. <https://doi.org/10.1039/D0NJ06210C>

कुमार, एम., वर्मा, एस., एवं वर्मा, ए.के. (2020) - आरयू(II)-कैटलाइज्ड ऑक्सीडेटिव आलिफेनेशन ऑफ बेंजामाइड्स : स्विचेबल ऐजा-मिकेल एंड ऐजा-वाकर रिएक्शन फॉर सिंथेसिस ऑफ आइसोइंडोलिनंस। आर्गेनिक लेटर्स, 22(12), 4620-4626. <https://doi.org/10.1021/acs.orglett.0c01237>

कुमार, आर., बिमल, डी., कविता, कुमार, एम., माथुर, डी., मेटी, जे., सिंह, एस.के., थिरूमल, एम., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - सिंथेसिस एंड एंटीट्यूबरकुलर एक्टिविटी ऑफ 4,5-डिसबस्टिट्यूटिड एन1-(5'-डिऑक्सी थाइमिडिन-5'-वाइएल)-1,2,3-ट्रायाजोल्स, कैमेस्ट्री सेलेक्ट, 5(28), 8839-8845. <https://doi.org/10.1002/slct.202001854>

कुमार, आर., कुमार, एम., कुमार, वी., कुमार, ए., हक, एन., कुमार, आर., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - रिसंट प्रोग्रेस इन द सिंथेसिस ऑफ सी-4-स्प्रोन्यूक्लियोसायड्स एंड इट्स फ्यूचर प्रोस्पेक्टिव्स। सिंथेटिक कम्यूनिकेशंस, 50(22), 3369-3396. <https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1803914>

कुमार, आर., एवं टक्कर, पी. (2021) - रिपोजिशनिंग ऑफ आइसाटीन हाइब्रिड एज नावेल एंटी-ट्यूबरकुलर एजेंट्स ओवरकमिंग प्री-एक्जीसटिंग एंटीबायोटिक्स रेजिस्टेंस। मेडिसिनल कैमेस्ट्री रिसर्च, 30, 847-876. <https://doi.org/10.1007/s00044-021-02699-5>

कौर-घुमन, एस., अहमद, एन., लिम, बी.एच., एवं खान, एस. (2020) - ए ग्लोबल कॉल फॉर यूनाइटेड एक्शंस टू एड्रेस क्लाइमेट चेंज। जीवाईए कनेक्शंस 8, 33-35. रिट्राइव्ड फ्रॉम <https://globalyoungacademy.net/wp-content/uploads/2020/06/Connections-issue-8.pdf>

कुमार, आर., यादव, एन., लीखा, ए., बावा, आर., घालयान, पी., भंडारी, एम., अरौड़ा, आर., वर्मा, ए.के., एवं कक्कड़, आर. (2021) - नावेल 1-ट्रायाजोलीपायरनोपायराजोल्स एज हायली पोटेंट एंटीकैंसर एजेंट्स ओबटेन्ड वाया एमडब्लू-असिस्टेड सिंथेसिस। कैमेस्ट्री सेलेक्ट, 6(04), 589-594. <https://doi.org/10.1002/slct.202003680>

कुमार, एस., एवं नागराजन, आर. (2020) - पालीयल इंटरकेलेशन इन कॉपर सबस्टिट्यूटिड जिंक हाइड्रोक्साइड एसिटेट एंड इवेल्यूएशन ऑफ इट्स एडसारपटिव रोल टूवर्ड्स कांगो रेड-डाइ। एप्लाइड क्ले साइंस, 185, 105411. <https://doi.org/10.1016/j.clay.2019.105411>

कुमार, एस., सिंधु, ए., एवं वेंकटेश, पी. (2021) - आयोनिक लिक्विड-माडीफाईड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स फॉर इनहांसिंग एंटीमाइक्रोबायल एक्टिविटी एंड द थर्मल स्टेबिलिटी ऑफ एंजाइमस। एसीएस एप्लायड नैनो मैटीरियल्स, 4(03), 3185-3196. <https://doi.org/10.1021/acsanm.1c00401>

कुमार, एस., सिंगला, एच., मैटी, मंगला, पी. एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - कीमो एंजाइमेटिक रूट टू ब्रिज्ड होमोलाइक्सोफ्यूरेनसॉयल-पिरिमिडिन्स। कार्बोहाइड्रेट्स रिसर्च, 492, 108013. <https://doi.org/10.1016/j.carres.2020.108013>

कुमारी, ए., सतसंगी, वी.आर., श्रीवास्तव, आर., कांत, आर., एवं दास, एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ मार्फोलॉजी एंड इम्पेक्ट ऑफ द इलेक्ट्राड/इलेक्ट्रोलाइट इंटरफेस ऑन द पीईसी रिसपांस ऑफ एफई2ओ3 बेस्ड सिस्टम्स-कम्पेरिजन ऑफ टू प्रिपेरेशंस टेक्नीक्स, आरएससी एडवांसिज, 10, 42256-42266. <https://doi.org/10.1039/D0RA07870K>

कुमारी, एम., शर्मा, एम., रानी, एस., बागची, डी., बेरा, ए., मुखर्जी, डी., पाल, एस.के., एवं मजूमदार, एस. (2021) - साल्वेंट डिपन्डेन्ट फोटोफिजिकल स्टडी ऑफ स्टेबल एंड मेडिसिनली एक्टिव डिकटॉन माडीफाईड पायराजोल डेरिवेटिव्स ऑफ करकुमिन : ए स्पेक्ट्रास्कोपिक स्टडी। जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबॉयलाजी ए : कैमेस्ट्री, 416, 113337. <https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2021.113337>

कुशवाहा, एस., एवं नागराजन, आर. (2020) - ब्लैक टीआईओ2-ग्रेफाइटिक कार्बन नैनोकम्पोजिट फ्रॉम ए सिंगल सोर्स परकूरसर एंड इट्स इंटरएक्शन विद कलर्ड एंड कलरलेस कंटामिनेंट्स अंडर विजिबल रेडिएशन। मैटीरियल्स रिसर्च बुलेटिन, 132, 110983. <https://doi.org/10.1016/j.materresbull.2020.110983>

कुशवाहा, एस., एवं नागराजन, आर. (2021) - स्पिन ग्लास बिहेवियर एंड ऑक्सीडेटिव कैटेलिटिक प्रोपर्टी ऑफ जेडएन₂एमएनओ₄ फ्रॉम ए मेटाथेसिस ड्रिवन मेटास्टेबल प्रिकरसर जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री ऑफ सोलिड्स, 157, 110206. <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2021.110206>

कुशवाहा, एस., एवं नागराजन, आर. (2021) - विजिबल लाइट फोटोकेटालिसिस प्रमोटिड बाय होमोजिनसली डापड (नॉन-मेटल्स) एनाटेज फ्रॉम ए चिलेटिड टाइटेनियम प्रिकरसर। मैटीरियल्स साइंस इन सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग, 134, 106039. <https://doi.org/10.1016/j.mssp.2021.106039>

लालजी, आर.एस.के., कुमार, पी., गुप्ता, एम., परमार, वी.एस., एवं सिंह, बी.के. (2020) - प्लाडियम-कैटेलाइज्ड डिकार्बोक्सिलेटिव सिंथेसिस ऑफ 5-एच-बेंजो (4,5)(1,3) ऑक्सीजेन(2,3-ए) आइसोआयनडोल-5, 11(6एच)-डायंस यूजिंग 2-फिनाइल-4एच-बेंजो (डी)(1,3) ऑक्सीजेन 4-वन्स एंड अल्फा ऑक्सो कार्बोजिलिक एसिड। एडवांसड सिंथेसिस एंड कैटलिसिस, 362(03), 552-560. <https://doi.org/10.1002/adsc.201901142>

लमीचाने, एन., शर्मा, एस., पारूल, वर्मा, ए.के., राय, आई., एवं सेन, टी (2021) - आयरन ऑक्साइड-बेस्ड मैग्नेटो ऑप्टिकल नैनोकम्पोजिट्स फॉर इन विवो बायोमेडिकल एप्लीकेशंस। बायोमेडिसिन, 9(03), 288. <https://doi.org/10.3390/biomedicines9030288>

लठवाल, ए., मैथ्यू, बी.पी., एवं नाथ, एम. (2021) - सिंथेसिस, बायलॉजिकल एंड मैटीरियल सिगनिफिकेंस ऑफ डाइहाइड्रो (1,3) आक्सीजेन डेरिवेटिव्स : एन ओवरव्यू। करेंट आर्गेनिक केमिस्ट्री, 25(01), 133-174. <https://doi.org/10.2174/1385272824999201008154659>

मैखुरी, वी.के., खत्री, वी., कुमार, ए., सिंह, बी., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - सिंथेसिस ऑफ शुगर डाइन एंड इट्स पीडी-कैटेलाइज्ड ट्रांसफॉर्मेशन इन टू क्रोमींस। द जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमिस्ट्री, 85(11), 7068-7076. <https://doi.org/10.1021/acs.joc.0c00432>

मित्तल, ए., सिंह, ए.के., कुमार, ए., परमानंद, अचाजी, के. हॉग, आर., एवं शर्मा, एस.के. (2020) - फैब्रिकेशन ऑफ आलिगो-ग्लिसरोल बेस्ड हाइड्रोलेज रिसपांसिव एम्पिफिलिक बैनोकैरियर्स। पालीमर्स फॉर एडवांसड टेक्नोलॉजीज, 31(06), 1208-1217. <https://doi.org/10.1002/pat.4851>

मनचंदा, पी., अचाजी, के., वर्मा, डी., बोचर, सी., हॉग, आर., एवं शर्मा, एस.के. (2020) - किमोएंजायमेटिक सिंथेसिस ऑफ डी-ग्लूटामाट बेस्ड नॉन-आयोनिक एम्पिफिलिक आर्किटेक्चर्स एज नैनोकैरियर्स। पालीमर्स, 12(06), 1421. <https://doi.org/10.3390/polym12061421>

मंदीप, गुलाटी, ए., एवं कक्कड़, आर. (2020) - डीएफटी स्टडी ऑफ एडसारप्शन ऑफ ग्लाइफॉस्फेट पेस्टिसाइड ऑन पीटी-सीयू डेकोरेटिड पायरिडाइन-लाइक नाइट्रोजन-डोप्ड ग्राफीन, जर्नल ऑफ नैनोपार्टिकल्स रिसर्च, 22(01), 17. <https://doi.org/10.1007/s11051-019-4730-z>

मंदीप, गुलाटी, ए., जोगेन्द्र एवं कक्कड़, आर. (2021) - डीएफटी स्टडी ऑफ कार्बेरल पेस्टिसाइड एडसारप्शन ऑन वेकेंसी एंड नाइट्रोजन-डोप्ड ग्राफीन डेकोरेटिड विद प्लेटिनम क्लस्टरस। स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री, 32(04), 1541-1551. <https://doi.org/10.1007/s11224-020-01693-8>

मांडुजनो, एस.सी., गौजालेज, एस.एल., एपिस्कोपो, एन., उमा, एस., पाडेल, एन., गोफरिक, के., गैरी, वाई.ई., लॉपेज, जे.ए., झांग, क्यू., कालदेर, एस., एवं नायर, एच.एस. (2021) - एबसेंस ऑफ लांग रेंज मैग्नेटिक आर्डर इन लिथियम कंटेनिंग हनीकंबस इन द एलआई-सीआर-एसबी(टीई)-ओ फेजिज, जर्नल ऑफ फिजिक्स : कंडेस्ड मैटर, 33(29), 295802. <https://doi.org/10.1088/1361-648X/abff90>

महा, ए., शर्मा, ए.के., तोमर, एस., काओ, पी., कुमार, एस., बालवानी, एस., घोष, बी., प्रसाद, ए.के., डर इकेन, ई.वी.वी., डे पास, ए.एल., वेंगेल, जे., परमार, वी.एस., लेन, सी., एवं सिंह, बी.के. (2020) - सिंथेसिस एंड एंटी इनफ्लेमेटरी एक्टिविटी इवेल्यूएशन ऑफ नावेल क्रोमन डेरिवेटिव्स। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 44, 13716-13727. <https://doi.org/10.1039/D0NJ02125C>

मिश्रा, जी.के., एवं कांत, आर. (2020) - माइयूलर थ्यूरी फॉर डीसी-बेस्ड बायस्ड इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पीडेंस रिस्पांस ऑफ सुपरकेपेसिटर। जर्नल ऑफ पावर सोर्स, 473, 228467. <https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2020.228467>

मिश्रा, एम., सिंहा, एन.के., एवं तिरुपति, एन. (2021) - रिएक्शंस ऑफ साइक्लोप्लेटिनेटिड ग्वानिडाइन कम्प्लेक्सिज विद एचजी (ओसी(ओ)सीएफ3)2 : फॉर्मेशन ऑफ ए वन-डायमेंशनल कोआर्डिनेशन पालीमर कंटेनिंग ए पीटी2एचजी(μ 2-एस(ओ)एमई2-एस,ओ) रिपीटिंग यूनिट वर्सेज ए डिस्क्रीट पीटी2एचजी2 कम्प्लेक्स। इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 60(06), 3879-3892. <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.0c03674>

मिश्रा, पी.के., चटर्जी, एस., एवं वर्मा, ए.के. (2020) - 2-एल्कायनेलाइट्रिल: एन एमर्जिंग प्रीकरसर फॉर द जिनिरेशन ऑफ कार्बो-एंड हेटरोसाइकल। एसीएस ओमेगा, 5(50), 32133-32139. <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c04242>

मिश्रा, पी.के., कुमार, ए., एवं शर्मा, ए.के. (2020) - बीएफ3-इथिरेट-कैटलाइज्ड टैंडम रिएक्शन ऑफ 2-फॉरमेलाइकिटोन्स विद इलेक्ट्रान-रिच एरेन्स/हेटरोएरेन्स, एन एसंबली ऑफ आइसोबेंजोफ्यूरेंस, केमिकल कम्यूनिकेशंस, 56, 6122-6125. <https://doi.org/10.1039/D0CC02760J>

मिश्रा, एस., भंडारी, ए., सिंह, डी., गुप्ता, आर., आमस्टेड, एम.एम., एवं पात्रा, ए.के. (2021) - बिस(μ -थियोलेटो)-डायकॉपर कंटेनिंग फुल्ली स्पिन डिलोकेलाइज्ड मिक्सड वेलेस कॉपर-सल्फर क्लस्टर्स एंड देयर इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चरल प्रोपर्टीज विद रेलेवेंस टू द सीयूए साइट। इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 60(08), 5779-5790. <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.1c00075>

मित्तल, ए., देवी, एस.पी., एवं कक्कड़, आर. (2020) - ए डीएफटी स्टडी ऑफ द कंपर्मेशनल एंड इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ एकिनाटिन, ए रेट्रोकेलोकन एंड इट्स एनियन इन द गैस फेज एंड एक्वस साल्यूशन, स्ट्रक्चरल कैमिस्ट्री, 31(06), 2513-2524. <https://doi.org/10.1007/s11224-020-01598-6>

मित्तल, ए., गोपीशंकर, एन., कोलेडा, जे., वर्मा, ए.के., एवं कुमारा, पी. (2020) - डेवलपमेंट एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ यूरेथॉन सबस्टिट्यूटिड डायसिटाइलेन बेस्ड रेडियोक्रॉमिक फिल्मस फॉर मेडिकल रेडिएशन डाजिमेट्री। रेडिएशन फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री, 177, 109119. <https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2020.109119>

मित्तल, ए., कुमार, एम., गोपीशंकर, एन., कुमार, पी., एवं वर्मा, ए.के. (2021) - क्वांटिफिकेशन ऑफ नैरो-बैंड यूवीबी रेडिएशन डाजिज इन फोटोथेरेपी यूजिंग डायएसिटिलीन बेस्ड फिल्म डॉ.जीमीटर्स, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 11, 684. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-80115-5>

मित्तल, आर., कुमार, ए., एवं अवस्थी, एस.के. (2021) - प्रैक्टिकल स्केल अप सिंथेसिस ऑफ कार्बोक्सीलिक एसिड्स एंड देयर बायोआइसोटेअर्स 5-सबस्टिट्यूटिड-1 एच-टेट्राजोल्स कैटलिज्ड बाय ग्राफीन आक्साइड बेस्ड सालिड एसिड कार्बोकेटेलिस्ट। आरएससी एडवॉंसिज, 11(19), 1116611176. <https://doi.org/10.1039/D1RA01053K>

मुंजाल, एम., तिवारी, बी., लालवानी, एस., शर्मा, एम., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - एन इनसाइट ऑफ बायोइलेक्ट्रीसिटी प्रोडक्शन इन मीडिएटर लेस माइक्रोबायल फ्यूल सेल यूजिंग मिजोपोरस कोबाल्ट फेराइट एनोड। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 45(22), 12525-12534. <https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2020.02.184>

मुंजाल, एम., यादव, डी.के., शर्मा, आर.के., एवं सिंह, जी. (2021) - डेवलपमेंट ऑफ स्यूटेबल कैथोड कैटेलिस्ट फॉर बायोफ्यूल सेल्स, इन : इनामुद्दीन, एम.आई., अहमद, आर., बोड्डुला, एवं एम. रेजाकाजेमी (संपादित), बायोफ्यूल्स सेल्स : मैटीरियल्स एंड चैलेंजिज (पृष्ठ 317). <https://doi.org/10.1002/9781119725008.ch12>

नागराजन, आर., अहमद, एस., कुमार, एम., गुप्ता, एम., एवं प्रकाश, जी.वी. (2020) - एनर्जी अपकनवरजन इन रेयर-अर्थ-डोपड टिन-बेस्ड डबल हेलो पेरोस्काइट्स, ए2एसएनसीएल6 (ए = के, आरबी, एंड सीएस). यूरोपियन जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 2020(45), 295-4302. <https://doi.org/10.1002/ejic.202000748>

नागराजन, आर., एवं कुमारी, पी. (2021) - एंटीमनी सबस्टिट्यूशन लीडिंग टू स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन (बाइकजबायट → फ्लूराइट) एंड एल्टरिंग द ऑप्टिकल बैंड गैप इन वाय2ओ3. जर्नल ऑफ एलायज एंड कंपाउंड्स, 863, 158733. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2021.158733>

नागराजन, आर., एवं पांडे, जे. (2020) - द एमरजेंस ऑफ बायफंक्शनल कैटालिटिक प्रोपर्टी बाय द इंट्रोडक्शन ऑफ बीआई3+इन डिफेक्ट फ्लोराइट स्ट्रक्चरल पीआरओ1.833. डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 49, 12707-12715. <https://doi.org/10.1039/D0DT02121K>

नागपाल, एम., एवं कक्कड़, आर. (2020) - एडजारपटिव डिग्रेडेशन ऑफ फॉस्फेट यूजिंग हायरेटकली पोरस कैल्शियम ऑक्साइड : एन एक्सपेरीमेंटल एंड थ्यूरैटिकल स्टडी, कैमिस्ट्री सेलेक्ट, 5(03), 1235-1246. <https://doi.org/10.1002/slct.201904740>

नागपाल, एम., एवं कक्कड़, आर. (2020) - फेसाइल सिंथेसिस ऑफ मिजोपोरस मैगनीशियम ऑक्साइड-ग्राफीन ऑक्साइड कम्पोजिट फॉर एफिसिएंट एंड हायली सेलेक्टिव एडजारप्शन ऑफ हजारड्स एनियानिक डाइज, रिसर्च ऑन केमिकल इंटरमीडिएट्स, 46(05), 2497-2521. <https://doi.org/10.1007/s11164-020-04103-0>

नागपाल, एम., एवं कक्कड़, आर. (2020) - सेलेक्टिव एडजारप्शन एंड सेपरेशन ऑफ टाक्सिक केटियानिक डायज यूजिंग हायरेटकली पोरस एसडीबीएस मॉडीफाईड वेटराइट माइक्रोस्फेयर्स (एचआर-एसएमवी). जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री ऑफ सालिड्स, 146, 109598. <https://doi.org/10.1016/j.jpccs.2020.109598>

नेहा, कल्याण, डी., एवं कांत, आर. (2020) - डायनेमिक्स ऑफ डेंड्रीमर एंड स्टार पालीमर्स इन लेयर्ड रैंडम फ्लो: इनफ्लूएंस ऑफ एक्सक्लुडिड वाल्यूम इंटरएक्शंस। प्रमाणा - जर्नल ऑफ फिजिक्स, 94, 149. <https://doi.org/10.1007/s12043-020-02020-w>

नेहा, एवं कांत, आर. (2021) - स्टेटिक स्ट्रक्चर फैक्टर एंड विस्कोइलास्टिक प्रोपर्टीज ऑफ डेंड्रीमर ग्राफिटड नैनो पार्टिकल्स इन साल्यूशन। द जर्नल ऑफ फिजिकल कैमिस्ट्री बी, 125, 1951-1959. <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.0c10458>

निर्वाण, एस., चहल, वी., एवं कक्कड़, आर. (2020) - स्ट्रक्चर-बेस्ड वर्चुअल स्क्रीनिंग, फ्री एनर्जी ऑफ बाइंडिंग एंड मालीक्यूलर डायनेमिक्स सिमुलेशंस टू प्रोपोज नावेल इनहिबिटर्स ऑफ एमटीबी-एमयूआरबी आक्सीडारिक्टेज एंजाइम, जर्नल ऑफ बायोमॉलीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 39(02), 656-671. <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1712258>

निशा, के., खत्री, वी., कुमार, एस., अरोड़ा, एस., अहमद, एस., डांडिया, ए., तिरूमल, एम., कश्यप, एम., कश्यप, एच.के., एवं चौहान, एस.एम.एस. (2020) -सिंथेसिस एंड रिडॉक्स प्रोपर्टीज ऑफ सुपरबैंजीन पोरफॉइटिन कांजुगेट्स। इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 59(22), 16168-16177. <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.0c01682>

ओशी, आर., सिंह, पी., शर्मा, एन.के., पोन्नम, पी., सलूजा, डी., गंभीर, जे.के., रावत, डी.एस., परमार, वी.एस., द्वारकानाथ, बी.एस., प्रसाद, ए.के., एवं राज, एच.जी. (2021) - साइट-डायरेक्टड म्यूटाजिनिसिस इन द पी-डोमेन ऑफ कालरेक्टिकुलीन ट्रांससाइक्लेज आइडेंटिफाईज एलवाईएस-207 एज द एक्टिव साइट रेसीड्यू। 3 बायोटेक, 11, 113. <https://doi.org/10.1007/s13205-021-02659-1>

पचिसिया, एस., किशन, आर., सिंघल, डी., एवं गुप्ता, आर. (2021) हाफ-सैंडविच रूथेनियम कम्प्लेक्सिज ऑफ एमिड-फॉस्फिन बेस्ड लिगेंड्स : एच-बाइंडिंग केविटी एसिस्टिड बाइंडिंग एंड रिडक्शन ऑफ

नाइट्रोसबस्ट्रेसिज, इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, 60(03), 2009-2022. <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.0c03505>

पचिसिया, एस., एवं गुप्ता, आर. (2020) - आर्किटेक्चरल एंड केटलिटिक एस्पेक्ट ऑफ डिजाइन मैटीरियल्स बिल्ड यूजिंग मेटालोलिगेण्ड्स ऑफ पायरिडाइन-2, 6-डायकार्बोआक्सामाइड बेस्ड लिगेण्ड्स। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 49(42), 14731-14748. <https://doi.org/10.1039/D0DT03058A>

पांडे, आई.के., अग्रवाल, टी., मोबिन, एस.एम., स्टेन, एम., एवं कौर-घुम्मन, एस. (2021) - स्विचिंग साइट - रिएक्टिविटी इन हाइड्रोजिनेस मॉडल सिस्टम बाय इंट्रोड्यूसिंग ए पेंडेंट एमिन लिगेण्ड, एसीएस ओमेगा, 6(06), 4192-4203. <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c04901>

प्रसाद, बी., प्रसाद, एस., भाटिया, एस., मिश्र, ए., पान, वाई., मिश्रा, पी., शर्मा, एस.के., एवं फ्रूक, एल. (2020) - नॉन-आयनिक स्माल एम्फिफॉइल बेस्ड नैनोस्ट्रक्चर्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, आरएससी एडवांसिज, 10(69), 42098-42115. <https://doi.org/10.1039/D0RA08092F>

परमानंद, मिश्र, ए., सिंह, ए.के., आरती, अचाजी, के., निर, सी., हॉग, आर., एवं शर्मा, एस.के. (2020) - आलिगो-ग्लाइसराॉल बेस्ड नॉन आयनिक एम्फिलिफिक नैनोकैरियर्स फॉर लाइपेज मीडिएटेड कंट्रोल्ड ड्रग रिलीज, आरएससी एडवांसिज, 10(61), 37555-37563. <https://doi.org/10.1039/D0RA07392J>

पवानी, पी., कुमार, के., रानी, ए., वेंकटेश, पी., एवं ली, एम.जे. (2021) - इनसाइट इनटू इंटरएक्शंस एंड बिटविन एंजाइम एंड बायलाजिकल बर्फर्स : इनहांसड थर्मल स्टेबिलिटी ऑफ स्टेम ब्रोमिप्लीन, जर्नल मालीक्यूलर लिक्विड्स, 322, 114526. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2020.114526>

प्रभा, डी., पचिसिया, एस., एवं गुप्ता, आर. (2021) - कोबाल्ट मीडिएटेड एन-एलकाइलेशन आफ एमाइंस बाय एलकोहल्स : रोल आफ हाइड्रोजन बांडिंग पाकेट। इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री फ्रंटियर्स, 8(06), 1599-1609. <https://doi.org/10.1039/D0QI01374A>

पुरोहित, जी., खरकवाल, ए., रावत, डी.एस. (2020) - कल्न-इथाइलएक्सथेट ए “वर्सटाइल प्रीकरसर” फॉर फोटोसेंसिटाइजेशन ऑफ ग्राफीन-क्वांटम डाट्स एंड नैनोकैटलाइज्ड सिंथेसिस ऑफ इमिडाजोपायरिडाइंस विद आइडियल ग्रीन कैमिस्ट्री मैट्रिक्स। एसीएस सस्टेनेबल कैमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 8(14), 5544-5557. <https://doi.org/10.1021/acssuschemeng.9b07371>

पुरोहित, जी., रावत, डी.एस., एवं रेजर, ओ. (2020) - पलाडियम नैनोकैटलिस्ट्स इनकेपसुलेटेड फॉर सस्टेनेबल हाइड्रोजिनेशंस ऑफ नाइट्रोएरेंस, एल्कींस एंड एलकाइंस, केमकेटकेम, 12(02), 569-575. <https://doi.org/10.1002/cctc.201901371>

राजपूत, आर., शर्मा, पी., मिश्रा, जे., भारद्वाज, ए., शर्मा, आर.के., सिंह, के., वंसल, ए., एवं मिश्रा, के. (2020) - बायोएक्टिव फ्रेक्शंस फ्राम द चाइनीज कैटरपीलर मशरूम, ओफियोकोरडाइसेप्स सिनेसिस (एसकोमाइसेटस), एलुसिडेट एडेप्टोजेनिक रोल अगेंस्ट हायपोक्सिया स्ट्रेस। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मेडिसिनल मशरूम, 22(11), 1121-1133. Retrieved from 10.1615/IntJMedMushrooms.2020036713

रानी, एस., बागची, डी., पाल, यू., कुमारी, एम., शर्मा, एम., बेरा, ए., शबीर, जे., पाल, एस.के., दासगुप्ता, टी.एस., एवं मजूमदार, एस. (2020) - द रोल ऑफ इमिडाजोलियम-बेस्ड सरफेस-एक्टिव आयनिक लिक्विड टू रेस्ट्रेन विद द एक्साइटेड स्टेट इंट्रामालिक्यूलर एच-एटम ट्रांसफर डायनेमिक्स ऑफ मेडिसिनल पिगमेंट करकुमिन : ए थ्यूरेटिकल एंड एक्सपेरिमेंटल एप्रोच। एसीएस ओमेगा, 5(40), 25582-25592. <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c02438>

राव, आर.पी., शर्मा, एस., मेहरोत्रा, टी., दास, आर., कुमार, आर., सिंह, आर., राय, आई., एवं बासु, टी. (2020) - रैपिड इलेक्ट्रोकेमिकल मानीटरिंग ऑफ बैक्टीरियल रेस्पिरेशन फ्रॉम ग्राम-पॉजिटिव एंड ग्राम-नैगेटिव

माइक्रोब्स : पोर्टेशियल एप्लीकेशन इन एंटीमाइक्रोबायल ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग। एनलिटिकल कैमेस्ट्री, 92(06), 4266-4274. <https://doi.org/10.1021/acs.analchem.9b04810>

रश्मि, सिंह, ए.के., अचाजी, के., हरमन, एस., बोचर, सी., हांग, आर., एवं शर्मा, एस.के. (2020) - स्टिमुली-रेस्पांसिव नॉन-आयनिक जेमिनी एम्फिफॉइल्स फॉर ड्रग डिलीवरी एप्लीकेशंस। पालीमर कैमेस्ट्री, 11(42), 6772-6782. <https://doi.org/10.1039/D0PY01040E>

रश्मि, जेभी, एफ., सिंह, ए.के., अचाजी, के., स्केड, बी., हेडट्रीच, एस., हांग, आर., एवं शर्मा, एस.के. (2020) - नॉन-आयनिक पीईजी-ऑलिगोमलाइसरिल डेंड्रान कांजुगेटिड नैनो कैरियर्स फॉर ट्रांसडर्मल डिलीवरी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉर्मास्यूटिक्स, 580, 119212. <https://doi.org/10.1016/j.ijpharm.2020.119212>

रावत, एस., रावत, डी.एस., एवं नेगी, बी. (2021) - सिंथेसिस, इन सिलिको फॉर्माकोकाइनेटिक एनलिसिस एंड एंटीकैंसर एक्टिविटी इवेल्यूएशन ऑफ बेंजोथाइजोल ट्रायाजोल हाइब्रिड्स। इंडियन जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, सेक्शन-बी, 60(03), 409-417. से लिया गया <http://op.niscair.res.in/index.php/IJCB/article/view/38659/465479020>

रावत, एम., एवं रावत, डी.एस. (2020) - सीयूओ@एनआईओ नैनोकम्पोजिट कैटलाइज्ड सिंथेसिस ऑफ बायलॉजिकली एक्टिव इंडेनोआइसोक्विनोलाइन डेरिवेटिव्स। एसीएस सस्टेनेबल कैमिस्ट्री इंजीनियरिंग, 8(36), 13701-13712. <https://doi.org/10.1021/acssuschemeng.0c03898>

रूंगटा, पी., कुमार, एम., मंगला, पी., कुमार, एस., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - कीमो-एंजाइमेटिक एक्सेस-टू सी-4'-हाइड्रोक्साइल-टेट्राहाइड्रोफ्यूरेनो-स्पाइरोन्यूक्लोसाइड्स, न्यू जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 45(03), 1609-1616. <https://doi.org/10.1039/D0NJ03253K>

सचदेवा, सी., वधावा, ए., कुमारी, ए., हुसैन, एफ., झा., पी., एवं कौशिक, एन.के. (2020) - इन सिलिको पोर्टेशियल ऑफ एप्रूवड एंटीमैलेरियल ड्रग्स फॉर रिपरपाजिंग अगेनस्ट कोविड-19. आमिक्स : ए जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव बायलॉजी, 24(10), 568-580. <https://doi.org/10.1089/omi.2020.0071>

सचदेवा, टी., गुप्ता, एस., एवं मिल्टन, एम.डी. (2020) - स्मार्ट आर्गेनिक मैटीरियल्स विद एसिडोक्रामिक प्रोपर्टीज। करेंट आर्गेनिक कैमेस्ट्री, 24(17), 1976-1998. <https://doi.org/10.2174/1385272824999200729132853>

सचदेवा, टी., एवं मिल्टन, एम.डी. (2020) - एआईईई एक्टिव नावेल रेड-एमिटिंग डी- π -ए फिनोथाइजीन केल्कोस डिस्प्लेइंग लार्ज स्टॉक्स शिफ्ट, सोल्वाटोक्रॉमिज्म एंड "टर्न-ऑन" रिवर्सिबल मैकेनोफ्लूरोक्रामिज्म। डाइज एंड पिगमेंट्स, 181, 108539. <https://doi.org/10.1016/j.dyepig.2020.108539>

सचदेवा, टी., एवं मिल्टन, एम.डी. (2020) - फ्लूरोसेंट डाइज फॉर माइस्चर डिटेक्शन इन आर्गेनिक साल्वेंट्स: पुश-पुल बेस्ड फिनोथायजीन एलडीहाइड्स विद लार्ज स्टॉक्स शिफ्ट्स। जर्नल ऑफ फोटोकैमेस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए : कैमेस्ट्री, 402, 112804. <https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2020.112804>

सचदेवा, टी., एवं मिल्टन, एम.डी. (2021) - नावेल पुश-पुल बेस्ड फिनोथायजीन-बेंजोथायजोल डेरिवेटिव्स इंटिग्रेटिड विद मालीक्यूलर लाजिक गेट ऑपरेशन फॉर रिवर्सिबल वोलेटाइल एसिड डिटेक्शन। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर स्ट्रक्चर, 1243, 130768. <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2021.130768>

शाह, डी., शबीर, जे., सुरभि, गुप्ता, पी., एवं मजूमदार, एस. (2021) - पलाडियम ऑक्साइड-डेकोरेटिड मिजोपोरस सिलिका ऑन ग्राफीन ऑक्साइड नैनोशीट्स एज ए हेट्रोजिनस कैटेलिस्ट फॉर द सिंथेसिस ऑफ बीटा-सबस्टिट्यूटिड इन्डोल डेरिवेटिव्स। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 50(16), 5644-5658. <https://doi.org/10.1039/D1DT00408E>

साहु, एम.के., गुसाई, एम., थांगरियाल, एस., नागराजन, आर., एवं राव, जी.आर. (2020) - एनर्जी स्टोरेज स्टडी ऑफ ट्राइमेटेलिक सीयू2एमएसएनएस4 (एम: एफई, सीओ, एनआई) नैनोमैटीरियल्स प्रिपेयर्ड बाय सिक्वेशियल क्रिस्टलाइजेशन मेथड। जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट कैमेस्ट्री, 282, 121049. <https://doi.org/10.1016/j.jssc.2019.121049>

सैनी, के.एम., सोंथवाल, आर.के., सुष्मिता, एवं वर्मा, ए.के. (2020) - सिंथेसिस ऑफ साइक्लोपेंटाक्विनोलाइन एंड साइक्लोपेंटापाइरिडिनान फ्रॉम आर्थो-एलकिनल-एन-एरिलालडेहाइड वाया सुपरबेस-प्रमोटिड सी-एन, सी-ओ, एंड सी-सी बांड फॉर्मेशन। आर्गेनिक एंड बायोमॉलीक्यूलर कैमेस्ट्री, 18(29), 5594-5601. <https://doi.org/10.1039/D0OB01281E>

सेठी, ए., पांडे, जे., उमा, एस., एवं नागराजन, आर. (2020) - ल्यूमिनेसेंस प्रोपर्टी ऑफ ईयू3+-एंड टीबी3+-डोपड ४-बीआई2ओ3 स्टेबिलाइज्ड बाय टीएच4+ सबस्टिट्यूशन। जर्नल ऑफ द अमेरिकन सेरेमिक सोसायटी, 103(02), 1027-1036. <https://doi.org/10.1111/jace.16768>

सेठी, ए., उमा, एस., एवं नागराजन, आर. (2021) - ऑक्सीजन आयन कंडक्टिविटी ऑफ बायसमुथ एंड बायसमुथ-कैल्शियम सीओ-डोपड टीएचओ2. सेरामिक्स इंटरनेशनल, 47(15), 21498-21508. <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2021.04.161>

शबीर, जे., गारकोटी, सी., गुप्ता, पी. शर्मा, एम., रानी, एस., कुमारी, एम., एवं मजूमदार, एस. (2021) - रक्स पीडाय एलाय नैनोपार्टिकल्स यूनिफॉर्मली एंकरड ऑन रिड्यूस्ड ग्राफीन नैनोशीट्स (रक्सपीडाय@ आरजीओ) : ए रिसाइक्लेबल कैटेलिस्ट, एसीएस ओमेगा, 6(02), 1415-1425. <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c05071>

शबीर, जे., गुप्ता, पी., शाह, डी., एवं मजूमदार, एस. (2020) - मैग्नेटिक कोर-शेल डेंड्रिटिक मेसोपोरस सिलिका नैनोस्फेयर्स एंकरड विद डायमाइन एज एन एफिसिएंट एंड रिसाइक्लेबल बेस कैटेलिस्ट। न्यू जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 44(48), 21152-21166. <https://doi.org/10.1039/D0NJ04822D>

शबीर, जे., रानी, एस., शर्मा, एम., गारकोटी, सी., एवं मजूमदार, एस. (2020) - सिंथेसिस ऑफ डेंड्रिटिक फॉयबरस नैनोसिलिका ओवर ए क्यूबिक कोर (सीएसआईओ2@डीएफएनएस) विद कैटेलिस्टिकली एफिसिएंट सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फॉर रिडक्शन ऑफ नाइट्रोएरेंस एंड डिग्रेडेशन ऑफ आर्गेनिक डाय। आरएससी एडवांस, 10(14), 8140-8151. <https://doi.org/10.1039/D0RA00402B>

शाह, सी., यादव, पी., अल्थागाफी, आई., नेमायश, वी., शा, आर., एलागमी, ए., एवं प्रताप, आर. (2021) - बेस मीडिएटिड सिंथेसिस ऑफ फंक्शनेलाइज्ड 2-(एलकेलाइन) एरिलनाइट्रायल्स एंड देयर मालीक्यूलर डाकिंग स्टडी विद एरोमेटास रिसेप्टर। आर्गेनिक एंड बायोमालीक्यूलर कैमेस्ट्री, 19(15), 3462-3468. <https://doi.org/10.1039/D1OB00165E>

शैली, कुमार, वी., अल्थागाफी, आई., कुमार, ए., सिंघल, डी., कुमार, ए., गुप्ता, आर., एवं प्रताप, आर. (2020) - डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ न्यू फंक्शनेलाइज्ड 8-(थियोफोन-2-वायएल)-1,2,3,4-टेट्राहाइड्रोक्विनोलाइंस एज टर्न-ऑफ केमोसेंसर्स फॉर सेलेक्टिव रिक्गनिशन ऑफ पीडी2+ आयंस। न्यू जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 44(36), 15559-15566. <https://doi.org/10.1039/D0NJ02272A>

शर्मा, ए., दीक्षित, आर., शर्मा, एस., दत्ता, एस., यादव, एस., अरोड़ा, बी., गवांडे, एम.बी., एवं शर्मा, आर.के. (2021) - एफिसिएंट एंड सस्टेनेबल सीओ3ओ4 नैनोकेजिज बेस्ड निकल कैटलिस्ट : ए स्यूटेबल प्लेटफॉर्म फॉर द सिंथेसिस ऑफ क्विनोएक्सेलाइन डेरिवेटिव्स। मालीक्यूलर कैटलिस्ट, 504, 111454. <https://doi.org/10.1016/j.mcat.2021.111454>

शर्मा, ए., कुमार, ए., एलआई, सी., हजारी, पी.पी., महाजन, एस.डी., अलीनकील, आर., शर्मा, आर.के., एवं स्विहर्ट, एम.टी. (2021) - ए केनबिडॉयल-लोडिड एमजी-गैलेट मेटल-आर्गेनिक फ्रेमवर्क-बेस्ड पोर्टेशियल थ्यूरेपटिक फॉर ग्लियोब्लास्टम। जर्नल ऑफ मैटीरियल कैमेस्ट्री बी, 9(10), 2505-2514. <https://doi.org/10.1039/D0TB02780D>

शर्मा, ए., कुमार, ए., सी., शर्मा, आर.के., एवं स्विहर्ट, एम.टी. (2020) - माइक्रोइनकेपसुलेटिड यूवी फिल्टर@जेडआईएफ-8 बेस्ड सनस्क्रीन्स फॉर ब्रॉड स्पेक्ट्रम यूवी प्रोटेक्शन। आरएससी एडवांसिज, 10(56), 34254-34260. <https://doi.org/10.1039/D0RA05828A>

शर्मा, बी., सिंह, पी., सिंह, ए.के., एवं अवस्थी, एस.के. (2021) - एडवांसमेंट ऑफ किमैरिक हाइब्रिड ड्रग्स टू क्यूर मलेरिया इन्फेक्शन : एन ओवरव्यू विद स्पेशल एम्फेसिस ऑन एंडोपेराक्साइड फॉर्मोकोफोरस। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल कैमैस्ट्री, 219, 113408. <https://doi.org/10.1016/j.ejmech.2021.113408>

शर्मा, एम., पाल, यू., कुमारी, एम., बागची, डी., रानी, एस., मुखर्जी, डी., बेरा, ए., पाल, एस.के., दासगुप्ता, टी.एस. एवं मजूमदार, एस. (2021) - इफेक्ट ऑफ सोल्वेंट ऑन द फोटोफिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ आइसोजाजोल डेरिवेटिव्स ऑफ करकुमिन : ए कंबाईंड स्पाक्ट्रोस्कोपिक एंड थ्यूरैटिकल स्टडी। जर्नल ऑफ फोटोकैमैस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए : कैमैस्ट्री, 410, 113164. <https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2021.113164>

शर्मा, एम., रानी, एस., एवं मजूमदार, एस. (2021, इन प्रेस) - परटरबेशन इन द फोटोफिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ आइसोजोल डेरिवेटिव्स ऑफ करकुमिन अप ऑन इंटरएक्शन विद डिफरेंट एनियानिक, केटनियक एंड नॉन-आयनिक सरफेक्टेंट्स। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर लिक्विड्स, (), 116981. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2021.116981>

शर्मा, आर.के., यादव, एस., दत्ता, एस., काले, एच.बी., वरकाड, आई.आर., जबोरिल, आर., वर्मा, आर.एस., एवं गवांडे, एम.बी. (2021) - सिल्वर नैनोमैटीरियल्स : सिंथेसिस एंड (इलेक्ट्रो/फोटो) कैटालिटिक एप्लीकेशंस। केमिकल सोसायटी रिव्यूज, एडवांस आर्टिकल, <https://doi.org/10.1039/D0CS00912A>

शर्मा, आर.के., सोलंकी, के., दीक्षित, आर., शर्मा, एस., एवं दत्ता, एस. (2021) - नैनोइंजीनियर्ड आयरन ऑक्साइड-बेस्ड सारबैंट्स फॉर सेपरेशन ऑफ वेरियस वाटर पाल्यूटेंट्स : करंट स्टेटस, ऑपरचुनिटीज एंड फ्यूचर आऊटलुक, एनवायरमेंटल साइंस : वाटर रिसर्च एंड टेक्नालॉजी, 7(05), 818-860. <https://doi.org/10.1039/D1EW00108F>

शर्मा, एस., एवं बिस्वास, पी. (2020) - कनफरमेशनल ट्रांजिंशंस ऑफ ए डीएनए हेयरपिन थू ट्रांजिशन पाथ टाइम्स, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल मैकेनिक्स : थ्युरी एंड एक्सपेरिमेंट, 2020(07), 073411. <https://doi.org/10.1088/1742-5468/aba0a7>

शर्मा, एस., चक्रवर्ती, एन., झा, डी., गौतम, एच.के., एवं राय, आई. (2020) - रोबस्ट ड्यूल मोडेलिटी एंटीबैक्टीरियल एक्शन यूजिंग-परसियन ब्लू नैनोस्केल कोऑर्डिनेशन पालीमर। मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग : सी, 113, 110982. <https://doi.org/10.1016/j.msec.2020.110982>

शर्मा, वी.के., ओलेटी, बी., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - चैंप्टर सिक्सटीन एन-एसिटायलाएक्टोसामिन (जीएलएनएसी)-कांजुगेट्स : डिलीवरिंग ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स ड्रग्स टू द लीवर, इन : वी.के. तिवारी (संपादित), कार्बोहाइड्रेट्स इन ड्रग डिसकवरी एंड डेवलपमेंट (पृष्ठ 641-667). एलसेवियर, <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-816675-8.00016-6>

शा, आर., एलागमी, ए., अल्थागाफी, आई., एवं प्रताप, आर. (2020) - सिंथेसिस ऑफ एल्काइंस फ्रॉम नॉन-एल्काइन सोर्सिज। आर्गेनिक एंड बायोमॉलीक्यूलर कैमैस्ट्री, 18(20), 3797-3817. <https://doi.org/10.1039/D0OB00325E>

श्रीवास्तव, वी., एवं नागराजन, आर. (2020) - कनसिक्वेंसिज ऑफ बीआई3+ इंट्रोडक्शन फॉर पीआर3+ इन पीआरएलओ3. जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस, 55(32), 15415-15425. <https://doi.org/10.1007/s10853-020-05106-3>

श्रीवास्तव, वी., एवं नागराजन, आर. (2020) - माइयूलेटिंग द ऑप्टिकल एंड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज ऑफ जियोमेट्रिकली फ्रस्टरेटिड जेडएनवी2ओ4 बाय द इंट्रोडक्शन ऑफ इंडियम (नैनोमैग्नेटिक आयन्स), आयरन एंड क्रोमियम (मैग्नेटिक आयन्स)। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 49(44), 15810-15820. <https://doi.org/10.1039/D0DT02554B>

श्रीवास्तव, वी., एवं नागराजन, आर. (2021) - आयरन सबस्टिट्यूशन इन पीआरएएलओ3 पेरोस्काइट लीडिंग टू स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशंस एंड मल्टीफेरोसिटी। सेरेमिक इंटरनेशनल, 47(16), 22957-22964. <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2021.05.009>

श्रीवास्तव, वी., एवं नागराजन, आर. (2020) - फेसाइल सिंथेसिस ऑफ α -जेडएन2वी2ओ7 एंड इट्स कैटालिटिक रोल फॉर द फोटो मीडिएटेड कनवरजन ऑफ बेंजाइल एल्कोहल। मैटीरियल्स लेटर्स, 280, 128559. <https://doi.org/10.1016/j.matlet.2020.128559>

सिंधु, ए., बिष्ट, एम., बहादुर, आई., एवं वेंकटेशु, पी. (2021) - एसेसिंग द कम्पेटेबिलिटी ऑफ मोनो-डाई- एंड ट्राई-क्लोनियम साइट्रेट आयनिक लिक्विड्स फॉर द स्टेबिलिटी एंड एक्टिविटी ऑफ α -किमोट्राइप्सिन। एसीएस सस्टेनेबल कैमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 9(13), 4812-4822. <https://doi.org/10.1021/acssuschemeng.1c00044>

सिंगल, एस., जोशी, ए., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - ड्यूल एप्रोच ऑफ एंटीमोन हाइब्रिडाइजेशन एंड हायरेटकली स्ट्रक्चरेशन टू एक्सपोज मोर एक्टिव साइट्स फॉर इम्प्रूव्ड चार्ज स्टोरेज कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ वीएस4। जर्नल ऑफ पावर सोर्सिज, 475, 228669. <https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2020.228669>

सिंगल, एस., जोशी, ए., तोमर, ए.के., साहु, वी., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - वेकसीज एंड ऐजिज : इनट्रासिंग सुपरकेपेसिटिव परफोर्मेंस मैट्रिक्स ऑफ इलेक्ट्राड मैटीरियल्स, जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 31, 101614. <https://doi.org/10.1016/j.est.2020.101614>

सिंह, ए., मैखुरी, वी.के., वर्मा, वी., चटवाल, आर.जे., शर्मा, डी., एवं प्रसाद, ए.के. (2020) - सिंथेसिस एंड कार्बोनाइलेट एनियन बाइंडिंग स्टडीज ऑन साइकलिक शुगर-एमिनो एसिड हाइब्रिड्स। सिंथेटिक कम्प्यूनिकेशंस, 50(18), 2787-2795. <https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1785502>

सिंह, ए., मल्होत्रा, एस., बिमल, डी., बासेट, एल.एम., वेडेफोल, एस., कालडेरॉन, एम., एवं प्रसाद, ए.के. (2021) - सिंथेसिस, सेल्फ-एसेंबली एंड बायलाजिकल एक्टिविटीज ऑफ पायरिमिडाइन-बेस्ड कैटीओनिक एम्फिफॉइल्स, एसीएस ओमेगा, 6(01), 103-112. <https://doi.org/10.1021/acsomega.0c03623>

सिंह, डी., अग्रवाल, एस., सिंह, वी.के., प्रताप, आर., मिश्रा, ए.के., एवं तिवारी, ए.के. (2021) - लैथानाइड (एलएन3+) कम्प्लेक्सिज ऑफ बाइफंक्शनल चिलेट : सिंथेसिस, फिजियोकेमिकल स्टडी एंड इंटरएक्शन विद ह्यूमन सेरम एलबुमिन (एचएसए)। स्पेक्ट्रोकिमिका एक्टा पार्ट ए : मालीक्यूलर एंड बायोमॉलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 244, 118808. <https://doi.org/10.1016/j.saa.2020.118808>

सिंह, जे., लठवाल, ए., अग्रवाल, एस., एवं नाथ, एम. (2020) - माइक्रोवेव एक्सील्लिरेटेड एप्रोचिज टू डायवर्स जेनथेन्स : ए रिव्यू, करंट माइक्रोवेव कैमिस्ट्री, 7(02), 99-111. <https://doi.org/10.2174/2213335607999200417173336>

सिंह, जे., ली, एस., किम, एस., सिंह, एस.पी., किम, जे., एवं राय, ए.के. (2021) - फैब्रिकेशन ऑफ 1डी मिजोपोरस एनआईओ नैनो-रोड्स एज हाई कैपेसिटी एंड लांग लाइफ एनोड मैटीरियल फॉर लिथियम आयन बैटरीज जर्नल ऑफ एलायज एंड कंपाउंड्स, 850, 156755. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2020.156755>

सिंह, जे., ली, एस., किम, एस., सिंह, एस.पी., किम, जे., एवं राय, ए.के. (2021) - इम्प्रूव्ड लिथियम स्टोरेज इन एफई2ओ3 नैनो-पार्टिकल्स ओवर नैनो-रोड्स मार्फॉलॉजी। सॉलिड स्टेट आयनिक, 362, 115586. <https://doi.org/10.1016/j.ssi.2021.115586>

सिंह, पी., एवं नाथ, एम. (2020) - एमाडिफॉइड विल्समेर-हैक स्ट्रेटजी टू कंस्ट्रक्ट β -पायरिडाइन-फ्यूज्ड 5,10,15,20-tetraarylporphyrins. SynOpen, 4(02), 44-50. <https://doi.org/10.1055/s-0040-1707519>

सिंह, एस., सिंह, एस., शर्मा, आर.के., कौल, ए., माथुर, आर., तोमर, एस., वर्षनेया, आर., एवं मिश्रा, ए.के. (2020) - सिंथेसिस एंड प्रीलिमनरी इवेल्यूएशन ऑफ ए 99एमटीसी लेबल्ड डिऑक्सीग्लूकोज कम्प्लेक्स

[(99एमटीसी) डीटीपीए-बिस (डीजी)] एज ए पोर्टेशियल स्पेक्ट बेस्ड प्रोब फॉर ट्यूमर इमेजिंग। न्यू जर्नल आफ कैमेस्ट्री, 44(07), 3062-3071. <https://doi.org/10.1039/C9NJ04705K>

सिंघल, डी., अल्थागाफी, आई., कुमार, ए., यादव, एस., प्रसाद, ए.के., एवं प्रताप, आर. (2020) - थियनो (3, 2-सी) पायरन : एन ईएसआईपीटी बेस्ड फ्लूरोसेंस "टर्न-ऑन" मालीक्यूलर किमोसेंसर विद एआईई प्रोपर्टीज फॉर द सेलेक्टिव रिकगनिशन ऑफ जेडएन2+आयन। न्यू जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 44(28), 12019-12026. <https://doi.org/10.1039/D0NJ02236E>

सोनम, चहल, वी., एवं कक्कड़, आर. (2020) - थ्युरेटिकल स्टडी ऑफ द स्ट्रक्चरल फीचर्स एंड एंटीऑक्सीडेंट पोर्टेशियल ऑफ थियाजोलिडिनस। स्ट्रक्चरल कैमेस्ट्री, 31(04), 1599-1608. <https://doi.org/10.1007/s11224-020-01517-9>

श्रीवास्तव, एस., कुमार, एम., एवं कांत, आर. (2021) - थ्युरी फॉर इनफ्लूएस ऑफ अनकम्पनसेटिड साल्यूशन रेजिस्टेंस आन ईआईएस ऑफ डिफ्यूजन लिमिटेड एडजारप्शन एट रफ इलेक्ट्रोड। जर्नल ऑफ कैमिकल साइंसिज, 133, 50. <https://doi.org/10.1007/s12039-021-01901-w>

सुबोध, प्रकाश, के., एवं मासराम, डी.टी. (2020) - क्रोमोजेनिक कोवेलेंट आर्गेनिक पॉलीमर-बेस्ड माइक्रोस्फेयर्स एज सालिड-स्टेट गैस सेंसर। जर्नल ऑफ मैटीरियल्स कैमेस्ट्री सी, 8(27), 9201-9204. <https://doi.org/10.1039/D0TC02129F>

सुबोध, प्रकाश के., एवं मासराम, डी.टी. (2021) - सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इममोबलाइज्ड विद इंट्रीग्यूइंग कैटलिटिक एक्टिविटी। एसीएस एप्लायड पॉलीमर मैटीरियल्स, 3(01), 310-318. <https://doi.org/10.1021/acscapm.0c01111>

सुष्मिता, अग्रवाल, टी., कुमार, एस., एवं वर्मा, ए.के. (2020) - एक्सप्लारिंग द बिहेवियर ऑफ एनएफएसआई रिऐजेंट एजए नाइट्रोजन सोर्स। आर्गेनिक एवं बायोमॉलीक्यूलर कैमेस्ट्री, 18(36), 7056-7073. <https://doi.org/10.1039/D0OB01429J>

सुष्मिता, अग्रवाल, टी., सैनी, के.एम., एवं वर्मा, ए.के. (2020) - ओलफेन-ओरिएंटेड सेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ लिनियर एंड ब्रांचड एन-एलेकेलेटिड हेट्रोसाइक्लिक्स बाय हाइड्रोमिनेशन। यूरोपियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक कैमेस्ट्री, 2020(22), 3312-3316. <https://doi.org/10.1002/ejoc.202000373>

टेकुरी, सी.एस., सिंह, पी., एवं नाथ, एम. (2020) - कंस्ट्रक्शन ऑफ कुमेरिन-फ्यूज्ड पायरिडो (2,3-बी) पोर्फॉइरिंस थू ए ट्राइक्लोरोएसिटिक एसिड एक्सीलेरेटिड डोमिनो एप्रोच। आर्गेनिक एंड बायोमालीक्यूलर कैमेस्ट्री, 18(13), 2516-2523. <https://doi.org/10.1039/D0OB00171F>

ठाकुर, वी., एवं तिरुपति, एन. (2020) - सिंथेसिस एंड स्ट्रक्चरल एसपेक्टस आफ डाइन्यूक्लियर साइक्लोप्लेटिनेटिड एन,एन',एन"-ट्राइएरेग्लूडिनेट(2-) कम्प्लेक्सिज विद ए नावेल ट्राइडेंटेट μ_2 -के2 (सी,एन) : के1एन कोऑर्डिनेशन मोड। जर्नल ऑफ आर्गेनोमैटलिक कैमेस्ट्री, 911, 121138. <https://doi.org/10.1016/j.jorganchem.2020.121138>

थॉमस, ए.एम., नेग, एस., यादव, डी.के., उनियाल, एस., उमा, एस., एवं सुब्रमण्यन, वाई. (2020) - ए न्यू एम्पिरिकल पोर्टेशियल फॉर जियोलाइट विद वेरिएबल एसआई/एएल रेशो : सिमुलेशंस वर्सेज एक्सपेरिमेंटस, माइक्रोपोरस एंड मिजोपोरस मैटीरियल, 300, 110119. <https://doi.org/10.1016/j.micromeso.2020.110119>

तिवारी, बी., जोशी, ए., मोहन, पी., शर्मा, आर.के., एवं सिंह, जी. (2020). ऑक्सीजन-रिच नॉन-ग्राफिटिक कार्बन डिराइव्ड फ्रॉम साइट्स साइनेसिस फॉर हाई-एनर्जी डेंसिटी सूडोकेपेसिटिव चार्ज स्टोरेज, कैमेस्ट्री सेलेक्ट, 5(47), 14993-15003. <https://doi.org/10.1002/slct.202004098>

तिवारी, बी., जोशी, ए., मुंजाल, एम., शर्मा, आर.के., एवं सिंह, जी. (2020) - ए हेट्रोजंक्शन ऑफ वीओ(ओएच)2 नैनोरोड्स आनटू हेम्प स्टेम डिराइव्ड कार्बन फॉर हाई वोल्टेज (1.5 वी) सिमेट्रिक सुपरकेपेसिटर्स। सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूल्स, 4(10), 5102-5113. <http://doi.org/10.1039/d0se01038c>

तोमर, ए.के., जोशी, ए., अत्री, एस., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - जीरो डायमेंशनल आर्डरड एसआर2सीओएमओओ6-δ डबल पेरोसवकाइट एज हाई-रेट एनियन इंटरकेलेशन सूडोकेपेसिटर्स। एसीएस एप्लायड मैटीरियल्स एंड इंटरफेसिज, 12(13), 15128-15137. <https://doi.org/10.1021/acsami.9b22766>

तोमर, ए.के., जोशी, ए., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - ट्रिपल पेरोसबकाइट आक्साइड एज एन एडवांस्ड सूडोकेपेसिटिव मैटीरियल्स : मल्टीफेरियस एलीमेंट एप्रोच विद एन आर्डरड स्ट्रक्चर। जर्नल ऑफ मैटीरियल कैमिस्ट्री ए, 8(45), 24013-24023. <https://doi.org/10.1039/D0TA08995H>

तोमर, ए.के., जोशी, ए., सिंह, जी., एवं शर्मा, आर.के. (2020) - पेरोसकाइट आक्साइड एज सुपरकेपेसिटिव इलेक्ट्रोड : प्रोपर्टीज, डिजाइन एंड रिसेंट एडवांसिज। कोआर्डिनेशन कैमिस्ट्री रिव्यू, 431, 213680. <https://doi.org/10.1016/j.ccr.2020.213680>

तोमर, एन., नागराजन, आर., एवं शिवाकुमार, सी. (2020) - सॉफ्ट केमिकल डिइंटरकेलेशन ऑफ सिल्वर फ्रॉम डेलाफोसाइट्स एजीएफईओ2, एंड एजीसीआरओ2. सालिड स्टेट साइंसिज, 108, 106385. <https://doi.org/10.1016/j.solidstatesciences.2020.106385>

उज्जवल, आर., दीपा, एम., थॉमस, जे.एम., शिवशंकर, सी., एवं तिरुपति, एन. (2020) - अनयूजएल [पीटी(के2(सी,एन))] + → [पीटी(के2(एन,एन))] + काआर्डिनेशन मोड फिलप ऑफ द ग्वानिडाइनेट (1-) लिगेंड इन केटऑनिक एन,एन',एन"-ट्रायस(3,5-जिलिल) ग्वानिडाइनेप्लेटिनम (II) बायस (फॉस्फाइन) कम्प्लेक्सिज। सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल एंड थ्यूरैटिकल स्टडीज, आर्गेनोमेटालिक्स, 39(20), 3663-3678. <https://doi.org/10.1021/acs.organomet.0c00408>

उनियाल, एस., अत्री, एस., एवं नागराजन, आर. (2021) - माइक्रोस्ट्रक्चरल चेंजिज काज्ड बाय बीए एंड पीआर डोपिंग इन नैनोसाइज्ड बीआई2सीई2ओ7 लीडिंग टू इंटरस्टिंग ऑप्टिकल, मैग्नेटिक एंड कैटालिटिक प्रोपर्टी। क्राइइंगकाम, 23(04), 986-999. <https://doi.org/10.1039/D0CE01550D>

वर्मा, डी., एवं शर्मा, एस.के. (2021) - रिसेंट एडवांसिज इन ग्वार गम-बेस्ड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स एंड देयर एडमिनिस्ट्रेटिव रूट्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलीक्यूल्स, 181, 653-671. <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2021.03.087>

वर्मा, एस., कुमार, एम., एवं वर्मा, ए.के. (2020) - एजा-हेनरी रिएक्शन : सिंथेसिस ऑफ नाइट्रोनाफथाइलेमिंस फ्रॉम 2-(एल्कलिन) बेंजोनाइट्राइल्स। ऑर्गेनिक लेटर्स, 22(1), 130-134. <https://doi.org/10.1021/acs.orglett.9b04045>

वर्मा, वी., मैथुरी, वी.के., खत्री, वी., सिंह, ए., एवं प्रसाद, ए.के. (2021) - सिंथेसिस ऑफ हेक्सोपायरेनासायल पायरिमिडाइन होमोन्यूक्लियोसाइड्स। सिंथेटिक कम्यूनिकेशंस, 51(3), 446-452. <https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1836224>

वादी, आई., सिंह, पी., नाथ, एम., अनविकार, एवं ए.आर., सिंहा, ए. (2020) - मलेरिया ट्रांसमिशन-ब्लॉकिंग ड्रग्स : इम्प्लीकेशंस एंड फ्यूचर परस्पेक्टिवज, फ्यूचर मेडिसिनल केमिस्ट्री, 12(11), 1071. <https://doi.org/10.4155/fmc-2020-0026>

यादव, डी., जोशी, पी.आर., शर्मा, एस.के., एवं मेनन, आर.एस. (2020) - रिजियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ एरिलसल्फॉनील बेंजोफिनान्स वाया ऐरोबिक आक्सीडेटिव (3+3) बेंजान्सूएलेशन रिएक्शंस। यूरोपियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमिस्ट्री, 2020(40), 6370-6374. <https://doi.org/10.1002/ejoc.202000931>

यादव, डी., कृष्णा, शर्मा, एस.के., एवं मेनन, आर.एस. (2020) - रिजियोसेक्टिव सिंथेसिस ऑफ एरिलसल्फॉनायल हेट्रोसाइक्लिस फ्रॉम ब्रोमोएलिन सल्फॉस वाया इंट्रामॉलीक्यूलर हेक कपलिंग रिएक्शन। आर्गेनिक एंड बायोमॉलीक्यूलर कैमिस्ट्री, 18(36), 7188-7192. <https://doi.org/10.1039/D0OB01623C>

यादव, बी., पंचरत्न, पी.डी., शर्मा, आर.के., कौर, जी., लता, एस., एवं सिंह, जी. (2021) - टू इवेल्यूएट एन आयनिक लिक्विड फॉर एंटीकोरोसिव इम्पेक्ट ऑन आयरन-कार्बन स्टील : सिंथेसिस, कम्प्यूटेशनल एंड एक्सपेरिमेंटल मैकेनिज्म। केमिकल पेपर्स, 75(2), 789-803. <https://doi.org/10.1007/s11696-020-01341-9>

यादव, डी., एवं अवस्थी, एस.के. (2020) - ए पीडी कनफाँड्ड हायरेरकली कांजुगेटिड कोवैलेंट आर्गेनिक पालीमर फॉर हाइड्रोजिनेशन आफ नाइट्रोएरोमेटिक्स : कैटेलिसिस, कायनेटिक्स, थर्मोडायनेमिक्स एंड मैकेनिज्म। ग्रीन कैमिस्ट्री, 22(13), 4295-4303. <https://doi.org/10.1039/D0GC01469A>

यादव, डी., दीक्षित, ए.के., राघोथमा, एस., एवं अवस्थी, एस.के. (2020) - एनआई-नैनोपार्टिकल्स कनफाँड्ड कोवैलेंट आर्गेनिक पालीमर्स डायरेक्टिड डाइएरिल-सेलेनडेस सिंथेसिस। डाल्टन ट्रांजैक्शंस, 49, 12266-12272. <https://doi.org/10.1039/D0DT01327G>

यादव, एम., निवेरिया, के., सेन, टी., राय, आई., एवं वर्मा, ए.के. (2021) - टारगेटिंग नोनापोपटाटिक पाथवेज विद फंक्शनेलाइज्ड नैनोपार्टिकल्स फॉर कैंसर थेरेपी : करंट एंड फ्यूचर परस्पेक्टिव। नैनोमेडिसिन, 16(12), 1049-1065. <https://doi.org/10.2217/nnm-2020-0443>

यादव, पी., कक्काटी, पी., सिंह, पी., एवं अवस्थी, एस.के. (2021) - एप्लीकेशन ऑफ सल्फोनिक एसिड फैब्रिकेटिड कोबाल्ट फेराइट नैनोपार्टिकल्स एज इफेक्टिव मैग्नेटिक नैनोकैटेलिस्ट फॉर ग्रीन एंड फेसाइल सिंथेसिस ऑफ बेंजीमाइडोजोल्स। एप्लाइड कैटेलिसिस ए : जनरल, 612, 118005. <https://doi.org/10.1016/j.apcata.2021.118005>

यादव, पी., कुमार, ए., अल्थागाफी, आई., नेमायश, वी., राय, आर., एवं प्रताप, आर. (2021) - रिसेंट डेवलपमेंट्स ऑफ टैट्राहाइड्रो-क्विनोलाइन/आइसोक्विनोलाइन बेस्ड कंपाउंड्स एज एंटीकैंसर एजेंट्स। करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल कैमिस्ट्री, ऑनलाइन एहेड ऑफ प्रिंट, <https://doi.org/10.2174/1568026621666210526164208>

यादव, पी., प्रताप, आर., एवं राम, वी.जे. (2021) - नेचर एंड सिंथेटिक स्प्रोब्यूटेनोलाइड्स एंड स्प्रोब्यूटोलेकटांस। एशियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक कैमिस्ट्री, 9(10), 1377-1409. <https://doi.org/10.1002/ajoc.202000259>

यादव, पी., शर्मा, बी., शर्मा, सी., सिंह, पी., एवं अवस्थी, एस.के. (2020) - इंटरएक्शंस बिटविन द एंटीमलेरियल ड्रग डायस्परो-टेट्राआक्सांस एंड ह्यूमन सेरम एलबुमिन : ए कंबाइड स्टडी विद स्पेक्ट्रोस्कोपिक मेथड्स एंड मॉलीक्यूलर माडलिंग कम्प्यूटेशनल स्टडीज, एसीएस ओमेगा, 5(12), 6472-6480. <https://doi.org/10.1021/acsomega.9b04095>

यादव, पी., गोपालिहा, के., श्रीवास्तव, वी., एवं नागराजन, आर. (2021) - माइक्रो स्फेरिकल कोर-शेल एमओओ2-ग्रेफाइटिक सी3एन4 हेट्रोजंक्शन प्रोमोटिड इंटिग्रेसन लीडिंग टू क्रोहंके पायरिडाइन्स एंड डिग्रेडेशन ऑफ जाइलीनोल आरेंज। मैटीरियल्स टूडे कन्स्यूनिक्शंस, 26, 102117. <https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2021.102117>

यादव, पी., श्रीवास्तव, वी., एवं नागराजन, आर. (2021) - कार्बन एंड नाइट्रोजन को-डोप्ड डब्ल्यूओ3 एज सोनोकैटेलिस्ट। सालिड स्टेट साइंसिज, 115, 106588. <https://doi.org/10.1016/j.solidstatesciences.2021.106588>

यादव, आर., नवजोत, के.के., कुमार, एस., देवुनुरी, डी.एन., एवं वेंकटेशु, पी. (2021) - बायोफिजिकल स्टडी ऑन द फेज ट्रांजिशन बिहेवियर ऑफ बायोक्म्पेटेबल थर्मोरेस्पॉन्सिव पॉलीमर इन्फ्लूएंसड बाय ट्रायटोफन-बेस्ड एमिनो एसिड आयनिक लिक्विड्स। पॉलीमर, 228, 123871. <https://doi.org/10.1016/j.polymer.2021.123871>

यादव, एस., दीक्षित, आर., शर्मा, एस., दत्ता, एस., सौलंकी, के., एवं शर्मा, आर.के. (2021) मैग्नेटिक मेटल-आर्गेनिक फ्रेमवर्क कम्पोजिट्स : स्ट्रक्चरली एडवांस्ड कैटलिस्ट मैटीरियल्स फॉर आर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशंस। मैटीरियल्स एडवांसिज, 2021(2), 2153-2187. <https://doi.org/10.1039/D0MA00982B>

यादव, एस., नटराजन, एम., साथियेन्दियरन, एम., एवं कौर-घुमान, एस. (2020) - इलेक्ट्रोकेमिकल एस्पेक्ट्स ऑफ रेस्ट्रिक्टड रेनियम (1)-बेस्ड सुपरमॉलीक्यूलर कम्प्लेक्सिज विद सेमी-रिजिड बेंजिमाइडायजोल एंड रिजिड हाइड्रोक्सक्विनोन लिगेण्ड्स। जर्नल ऑफ कैमिकल साइंसिज, 132(1), 1. <https://doi.org/10.1007/s12039-019-1689-3>

यादव, एस., विजयन, पी., यादव, एस., एवं गुप्ता, आर. (2021) - रूथेनियम कम्प्लेक्सिज ऑफ फोस्फॉयन-एमायड बेस्ड लिगेण्ड्स एज एफिसिएंट कैटलिस्ट्स फॉर ट्रांसफर हाइड्रोजिनेशन रिएक्शंस। डाल्टन ट्रांजक्शंस, 50, 3269-3279. <https://doi.org/10.1039/D0DT04401F>

शोध

संपादकीय बोर्ड में संपादक(संपादकों)/सदस्य(सदस्यों) के तौर पर सेवारत विभागीय अध्यापकों की संख्या : 07

प्रो. अशोक, के. प्रसाद : सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बायोकेटेलिसिस एंड बायोट्रांसफॉर्मेशन, टेलर एंड फ्रांसिस।

प्रो. दीवान, एस. रावत : एसोसिएट एडिटर, आरएससी एडवांसिज

एसोसिएट एडिटर, साइंटिफिक रिपोर्ट्स

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड:

एसीएस बायोकांजुगेट कैमेस्ट्री (अमेरिकन केमिकल सोसायटी)

जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलीक्यूलर टाक्सीकालॉजी (विले)

एंटी-कैंसर एजेंट्स इन मैडिसिनल कैमेस्ट्री (बेंथम)

मरीन ड्रग्स (एमपीडीआई)

इंडियन जर्नल ऑफ हेट्रोसाइक्लिक कैमेस्ट्री

जर्नल ऑफ इंडियन केमिकल सोसायटी

प्रो. पार्वती बिस्वास : निर्वाचित सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, एसीएस ओमेगा।

प्रो. मेरिलीन डी. मिल्टन : सदस्य, एसोसिएट संपादकीय बोर्ड, करंट आर्गेनिक कैमेस्ट्री, (2019-2021), बेंथम साइंस पब्लिशर्स।

प्रो. पी. वेंकटेशु : संपादकीय सलाहकार बोर्ड, सदस्य, एसीएस सस्टेनेबल कैमेस्ट्री एंड इंजीनियरिंग।

डॉ. सशांक डेका:

रिव्यू एडिटर फॉर एनवायरनमेंटल नैनोटेक्नॉलाजी, फ्रंटियर्स इन नैनोटेक्नॉलाजी।

एडिटर बोर्ड सदस्य, पीरज मैटीरियल्स साइंस।

डॉ. आलोक, के. राय :

अतिथि संपादक, विशेष अंक “नैनोमैटीरियल्स एंड थिन फिल्मस फॉर एनर्जी एप्लीकेशंस” एट एमडीपीआई ‘कोएटिंग’ जर्नल : https://www.mdpi.com/journal/coatings/special_issues/Nano_Film_Energy

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	संकाय सदस्य का नाम	वर्ष/अवधि	निधियन एजेंसी	संस्वीकृत धनराशि)वार्षिक आधार पर(
1	इलेक्ट्रोकेमिकल इंपिडेंस एट रफ एंड पोरस इलेक्ट्रोड्स : थ्यूरी एंड एक्सपेरिमेंटल कोरोबोरेशन	प्रो. रमा कांत	2017-2020	एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली	रुपए 38,50,440
2	थ्यूरेटिकल मॉडल फॉर इनएक्टिवेशन काइनेटिक्स ऑफ इनफेकसियस ह्यूमन कोरोना वायरस ऑन मेटल सरफेसिज	प्रो. रमा कांत	2020-2021	एसईआरबी-डीएसटी स्पेशल कॉल (शार्ट-र्म मैट्रिक्स प्रोजेक्ट)	रुपए 5,50,000
3	इनवेस्टिगेशन ऑफ माइग्रेशन इफेक्ट्स ऑन डिफ्यूजिव मास ट्रांसपोर्ट यूजिंग क्रोनोएम्पीरोमेट्री :थ्यूरी एंड एक्सपेरिमेंट्स	प्रो. रमा कांत	2020-2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	रुपए 2,50,000
4	सिंथेसिस ऑफ फिनोथियाजिन-बेस्ड पुश-पुल मालीक्यूल्स विद एग्रीगेशन इंडस्यूड एमिशन इनहांसमेंट (एआईईईई) प्रोपर्टीज एंड इट्स एप्लीकेशंस	प्रो. एम.डी मिल्टन	2020-2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	Rs. 2,50,000
5	सिंथेसिस ऑफ प्रोजियोडायमियम सबस्टिट्यूटिड पालीआक्सोमिटेलेट्स एंड देयर एप्लीकेशन ऑन थियोइथर आक्सीडेशन	डॉ. फिरासत हुसैन	2020-2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	रुपए 2,50,000
6	सिंथेसिस, कैरेक्टेरिजेशन एंड कैटलिटिक एप्लीकेशंस ऑफ आर्गेनिक-इनआर्गेनिक हाइब्रिड 3डीएफ हेट्रोमेटलिक 4-ट्सटंगस्टेपालीआक्सो	डॉ. फिरासत हुसैन	2018-2021	एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली	Rs. 32,00,000
7	बायोइंस्पायर्ड सिस्टमस विद इम्प्रूव्ड कैटलिस्ट स्टेबिलिटी एज एल्टरनेटिव रिनिवेबल एनर्जी रिसोर्सिज	डॉ. संदीप कौर	2020-2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी	रुपए 2,50,000

				रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	
8	शुगर मिमिकिंग हाइब्रिड एजशुगर्स :डिजाइन, सिंथेसिस एंड देयर इवेल्यूएशन एज ग्लाइकोसिडेज इनहिबिटर्स	प्रो. राकेश कुमार	2019- 2022	सीएसआईआर, नई दिल्ली	रूपए 11,00,000
9	सिंथेसिस ऑफ डाइहाइड्रोपायरिडायन्स एंड पायरनेपायरजेजोल बेस्ड फ्लूरोसेंट एंड कलरिमेट्रिक किमोसेंसर फॉर द डिटेक्शन ऑफ आयन्स एंड न्यूट्रल मालीक्यूल्स टैट आर टॉक्सिक टू ह्यूमन हेल्थ एंड एनवायरमेंट	प्रो. राकेश कुमार	2020- 2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय) फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	रूपए 2,50,000
10	फैब्रिकेशन, कैरेक्टराइजेशन एंड एप्लीकेशन ऑफ फंक्शनेलाइज्ड सिलिका बेस्ड मैग्नेटिक नैनोकैटेलिस्ट फॉर द डिग्रेडेशन ऑफ आर्गेनिक पाल्यूटेंट्स फ्रॉम वेस्ट वाटर	प्रो. आर.के . शर्मा	2020- 2023	डीएसटी, नई दिल्ली	रूपए 61,55,027
11	टू एक्सप्लोर द स्ट्रक्चरल पॉलीमोर्फिज्म एक्जिबिटिड बाय जी-रिच सीक्वेंस ऑफ टीआरपीए 1जीन	प्रो. एस . कुकरेती	2020- 2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	रूपए 2,50,000
12	बेस-मीडिएटिड एंटी-मार्कोनकोव हाइड्रोमिडेशन ऑफ विनाइल एरेंस विद एरलमाइड्स	प्रो. ए.के . वर्मा	2020- 2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	रूपए 5,00,000
13	फिजिकोकैमिकल परफॉर्मेंस इवोल्यूशन बाय ट्यूनिंग द गोथ वेरिएबल्स ऑफ हाले ग्राफीन नैनोरिबन्स कार्बन सूट डिराइव्ड एरोजेल बेस्ड एसिमेट्रिक सुपरकेपेसिटर	प्रो. राज किशोर शर्मा	2020- 2021	एसईआरबी-डीएसटी, नई दिल्ली	रूपए 31,00,000
14	बायोमास डिराइव्ड कार्बन मैटीरियल्स एंड एंजाइम बायोक्म्पोजिट्स :स्टडी	डॉ. धनराज टी .	2020- 2021	इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय (फैकल्टी	रूपए 2,50,000

इफेक्ट्स ऑन एंजाइम प्रोपर्टीज एंड यूटेलाइजेशन इन एनवायरमेंटल एप्लीकेशन	मासराम		रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट) (एफआरपीजी)	

आयोजित किए गए सेमिनार/वेबिनार

कुल संख्या : 4

वक्ता : योगाचार्य वरूण आर्य, ऑन “योगा टू टैकल कोरोना”, 21 मई, 2021 (ऑनलाइन)।

वक्ता : प्रो. राज के मनचंदा, ऑन “हाऊ एंड वेन टू इंटिग्रेट आयुष इन कोविड-19 केयर”, 28 अप्रैल, 2021 (ऑनलाइन)।

वक्ता : डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, ऑन “लेट्स टैकल कोरोना विद आयुर्वेद”, 19 अप्रैल, 2021 (ऑनलाइन)।

वक्ता : प्रो. वी. चंद्रशेखर, प्रोफेसर एवं प्रोफेसर एवं निदेशक, टीआईएफआर, हैदराबाद, ऑन “सिंगल मालीक्यूल मैगनेट्स”, 2 अप्रैल, 2021 (ऑनलाइन)।

आयोजित किए गए सम्मेलन

डॉ. संदीप कौर, आयोजन समिति सदस्य, साइंस डिप्लोमेसी इन साऊथ एशिया, ऑनलाइन कार्यशाला, साइंस डिप्लोमेसी इन साऊथ एशिया वर्किंग ग्रुप (जीवाईए), हैले, जर्मनी द्वारा आयोजित, 21 नवम्बर-13 दिसम्बर, 2020. <https://sites.google.com/view/scidipsa/home?authuser=0>

27 अक्टूबर-10 नवम्बर, 2020 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीडीपीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा “एडवांसिज इन केमिकल साइंस” विषय पर सीपीडीएचई पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

डॉ. आलोक के. राय : 28 फरवरी, 2020 को एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में “सिंगल प्रोसेसिंग एंड इंटिग्रेटिड नेटवर्क्स, स्पिन 2020”, विषय पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. रमा कांत : 25-26 जून, 2021 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में “इलेक्ट्रोकेमेस्ट्री” विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला, तीन व्याख्यान : (I) फंडामेंटल इलेक्ट्रोकेमिकल फिनोमिना एट रफ एंड पोरस इलेक्ट्रोड्स (90 मिनट), 25 जून, 2021, (II) इलेक्ट्रोड काइनेटिक्स ऑन नैनोस्ट्रक्चर्ड मेटल (90 मिनट), 26 जून, 2021, (III) माइक्रल फिनामेनालॉजिकल थ्यरी फॉर इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पीडेंस रिस्पांस ऑफ डिवाइस (90 मिनट), 26 जून, 2021.

प्रो. रमा कांत : राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम, गणित विभाग, एकेडमी ऑफ मैरीटाइम एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एएमईटी) “मैथेमेटिकल माडलिंग ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पीडेंस (2 घंटे), 28-30 दिसम्बर, 2020.

प्रो. रमा कांत : नेशनल ई-सेमिनार, रसायन विज्ञान विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय “एनोमोलस इलेक्ट्रोकेमिकल फिनोमिना एट रफ एंड पोरस इलेक्ट्रोड्स” 18-20 नवम्बर, 2020.

प्रो. रमा कांत : गेस्ट स्पीकर इन वेबीनार इन इनऑगरल फंक्शन, हिन्दी पक्ष समारोह, सीएसआईआर मद्रास कैंपस, तारामणी, चेन्नई “एनामेलस इलेक्ट्रोकेमेस्ट्री ऑफ रफ इलेक्ट्रोड्स”, 14 सितम्बर, 2020.

प्रो. पार्वती बिस्वास : इनवाइटिड टॉक ऑन “मिजरिंग द एग्निगेशन प्रोपेंसिटी ऑफ एमलॉयड-β एंड इट्स एफएडी मुटेंट्स” इन ऑनलाइन कांफ्रेंस ऑन स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स इन कैमेस्ट्री एंड बायोलॉजी (एसएमसीबी), आईआईएससी, बेंगलोर, आईआईएसईआर, तिरुपति एवं आईआईटी, गोवा द्वारा आयोजित, 23 जनवरी, 2021.

प्रो. मार्लिन डी. मिल्टन : टॉक आन “स्मार्ट आर्गेनिक मैटीरियल्स” इन ऑनलाइन रिफ्रेश कोर्स ऑन कैमेस्ट्री फॉर यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज टीचर्स, सीपीडीएचई द्वारा 31 अक्टूबर, 2020 को आयोजित।

शालू गुप्ता, मर्लिन, डी., मिल्टन : "31 अक्टूबर-1 नवम्बर, 2020 तक आयोजित प्रथम वर्चुअल जेएनओएसटी सिम्पोजियम XVI-जे-एनओएसटी में सुश्री शालू गुप्ता ने "नावेल एआईईईई एक्टिव पायरिडोपायरेजाइन एंड क्विनोएक्सलाइन डेरिवेटिव्स फॉर मरकरी ऑयन सेंसिंग एंड एसिडोक्रॉमिक एप्लीकेशंस" विषय पर मौखिक प्रस्तुति दी।

डॉ. शशांक डेका ने 11 जुलाई, 2021 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रोकेमेट्री फ्रॉम बेसिक्स टू एप्लीकेशंस, इलेक्ट्रोकेमिकल माड्यूल-2 विषय पर आयोजित ऑनलाइन अल्पावधि प्रमाण-शोध पाठ्यक्रम में "डिजाइनिंग ऑफ इलेक्ट्राड्स फॉर सुपरकेपेसिटर्स एप्लीकेशन, देयर स्टडी यूजिंग इलेक्ट्रोकेमेट्री फ्रॉम बेसिक टू कैल्कुलेशन/डाटा एनलिसिस" विषय पर प्रस्तुति दी।

डॉ. शशांक डेका ने 21-25 जून, 2021 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रोकेमेट्री फ्रॉम बेसिक्स टू एप्लीकेशंस, इलेक्ट्रोकेमिकल 2021 विषय पर आयोजित ऑनलाइन अल्पावधि प्रमाण-शोध पाठ्यक्रम में "इलेक्ट्रोकेमिकल वाटर स्पिलिटिंग-हाइड्रोजन/ऑक्सीजन जिनिरेशन" विषय पर विशेषज्ञ का उत्तरदायित्व निभाया।

डॉ. शशांक डेका ने 7-11 जून, 2021 को एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ नैनोटेक्नालॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश में "नैनो ऐरा, टेक्नालॉजी फॉर ग्लोबल" सम्मेलन में "यूजफुलनेस ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्ड मैटीरियल्स इन एनर्जी कनवर्जन एंड स्टोरेज" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. शशांक डेका ने 1-9 जून, 2021 को इंडो-यूएस वेबीनार एंड लेक्चर सीरिज, एमएचआरडी स्पार्क, जामिया मिलिया इस्लामिया में "नैनो-मैटीरियल्स : सिंथेसिस डायवरसिनेस" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. शशांक डेका ने रसायन विज्ञान विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम, भारत द्वारा 28 जनवरी-18 फरवरी, 2021 को 'कैमेट्री एजुकेशन' विषय पर आयोजित तीन सप्ताह की व्याख्यान श्रृंखला (वर्चुअल) में "इलेक्ट्रोकेमेट्री : इलेक्ट्राड्स एंड इलेक्ट्रोकेमिकल सेल्स" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. शशांक डेका ने आईआईटी गांधीनगर द्वारा 11-12 जुलाई, 2020 को आयोजित केमोकेटकॉन 1.0 - रिएक्शंस ऑन सरफेस (ऑनलाइन) में "यूजफुलनेस ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्ड कैटेलिस्ट मैटीरियल्स इन वाटर स्पिलिटिंग रिएक्शन" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. शशांक डेका ने शिवसागर कॉलेज, डिब्रूगढ़, विश्वविद्यालय, असम द्वारा 18 दिसम्बर, 2020 को 'कैमेट्री एजुकेशन फॉर अंडरग्रेजुएट्स' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला-सह-अतिथि व्याख्यान श्रृंखला में "बेसिक्स ऑफ नैनोसाइंस एंड इट्स एप्लीकेशंस" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रो. आर.के. शर्मा ने एसीएस ग्रीन कैमेट्री इंस्टिट्यूट द्वारा 18 जून, 2020 को आयोजित 24वें वार्षिक ग्रीन कैमेट्री एंड इंजीनियरिंग, वर्चुअल कांफ्रेंस में अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रो. आर.के. शर्मा ने सेव द एनवायरमेंट, कोलकाता द्वारा 29 अगस्त, 2020 को "ग्रीन कैमेट्री : डिजाइनिंग कैमेट्री फॉर एनवायरमेंट एंड ह्यूमन हेल्थ" विषय पर आयोजित साप्ताहिक वेबीनार श्रृंखला में व्याख्यान दिया।

प्रो. आर.के. शर्मा ने महाविद्यालय शिक्षा निदेशालय, राजस्थान सरकार और डुंगर कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान द्वारा 7 सितम्बर, 2020 को "ज्ञान गंगा : इनिशिएटिव फॉर टीचिंग-लर्निंग एक्सीलेंस इन कैमेट्री" विषय पर आयोजित वर्चुअल सम्मेलन में "ग्रीन कैमेट्री इन कॉलेज एजुकेशन" विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया और 'गेस्ट ऑफ ऑनर' का सम्मान प्राप्त किया।

प्रो. आर.के. शर्मा को रसायन विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय अरुणाचल प्रदेश द्वारा 17-18 दिसम्बर, 2020 को 'ग्रीन एंड सस्टेनेबल कैमेट्री' विषय पर आयोजित वर्चुअल व्याख्यान कार्यशाला में 'विशेषज्ञ इन साइंस एकेडमिज' के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. आर.के. शर्मा रसायन विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ साइंसिज, आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर द्वारा 16 जनवरी, 2021 को आयोजित 'नेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसिज इन केमिकल एंड एनवायरमेंटल साइंसिज' (रेस 2021) में मुख्य वक्ता थे।

प्रो. अखिलेश के. वर्मा एनआईटी, राऊरकेला द्वारा 23 मार्च, 2021 को फाउंडेशन फॉर टेक्नालॉजी एंड बिजनेस इनक्यूबेशन (एफटीबीआई) के वर्चुअल "सीयू-कैटेलाइज्ड सिंथेसिस ऑफ इंडोलासिनेक्विनोलाइंस वाया इंटरमॉलीक्यूलर हाइड्रोजेनेशन : मैकेनिस्टिक्स इनसाइट यूजिंग ऑनलाइन मास स्पेक्ट्रोमेट्री" विषय पर आमंत्रित वक्ता थे।

प्रो. एस.के. शर्मा को सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा 28-29 जनवरी, 2020 को 'एप्लायड पालीमर साइंस एंड टेक्नालॉजी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार (एनएसएपीएसटी-2020) में 'किमो-एंजायमेटिक सिंथेसिस ऑफ एम्फिलिक पालीमर्स' विषय पर आमंत्रित वक्ता थे।

प्रो. एस.के. शर्मा को प्रौद्योगिकी संस्थान, मेरठ द्वारा 25 जनवरी, 2020 को आयोजित डीएसटी 2एनडी इंस्पायर इंटरनशिप साइंस कैम्प-2020 में 'बायोकैटेलिस्ट्स : ए ग्रीनर एप्रोच इन आर्गेनिक सिंथेसिस' विषय पर प्रमुख मेंटर के तौर पर आमंत्रित किया गया।

प्रो. एस.के. शर्मा ने मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 9-10 जनवरी, 2020 को 'एडवांसिज इन कैमिस्ट्री विद स्पेसिफिक रेफरेंस टू कैटेलिस्ट्स, सेंसर एंड एनर्जी मैटीरियल्स (आईसीएसीएसईएम)' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. डॉ. टी. बालाकृष्णन ने लेक्चर दिया।

प्रो. एस.के. शर्मा ने जीवीके बायोसाइंसिज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा 14 फरवरी, 2020 को 'बायो कैटलिक सिंथेसिस ऑफ नॉन-आयोनिक नैनो ट्रांसपोर्टर्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रो. राज के. शर्मा ने सीआरएस यूनिवर्सिटी, जींद, हरियाणा द्वारा 17 मार्च, 2021 को 'डेवलपमेंट ऑफ एनर्जी स्टोरेज मैटीरियल्स (इंटरनेशनल)' में "डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड मैटीरियल्स फॉर एनर्जी स्टोरेज इलेक्ट्रोड्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. राज के. शर्मा ने सीबीएलयू, भिवानी, हरियाणा द्वारा 25 मई, 2020 को 'डिफेक्ट इनरिचड इलेक्ट्रोड्स सिन एनर्जी स्टोरेज डिवाइसिज (नेशनल)' में लेटिस डिफेक्ट्स इन एनर्जी स्टोरेज मैटीरियल्स 'स्ट्रेटजी टू बूस्ट परफॉर्मेंस' विषय पर व्याख्यान दिया।

टी. अग्रवाल एवं संदीप कौर घुम्मन : रसायन विज्ञान विभाग, एमएनआईटी, जयपुर द्वारा 20-22 जनवरी, 2021 को 'फ्रंटियर्स इन आर्गेनोमेटलिक एंड कैटेलिस्ट्स (एफओएमसी-2021)' विषय पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्विचिंग साइट्स-रिएक्टिविटी इन हाइड्रोजेनेस मॉडल सिस्टमस बाय इंट्रोड्यूसिंग ए पैडेंट एमिन लिगेंड' विषय पर वार्ता की।

एन. कुमार एवं संदीप कौर-घुम्मन : कैटेलिस्ट्स सोसायटी ऑफ इंडिया, मुम्बई चैप्टर द्वारा 19-20 दिसम्बर, 2020 को 'कैटेलिस्ट्स फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित ऑनलाइन सम्मेलन में "2-मरकेप्टोमाइडाजोल लिगेंड-बेस्ड माडल्स ऑफ (एफईएफई) हाइड्रोजेनेस : सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड इलेक्ट्रोकेमिकल स्टडीज' विषय पर वार्ता।

एन. कुमार एवं संदीप कौर-घुम्मन : इंडियन केमिकल सोसायटी, कोलकाता द्वारा 26-29 दिसम्बर, 2020 को 'केमिस्ट्स एंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंड्स इन केमिकल साइंसिज' विषय पर आयोजित 57वें वार्षिक सम्मेलन (आरटीसीएस 2020, ऑनलाइन) में "बायोइंस्पायर्ड माडल्स ऑफ द (एफईएफई) हाइड्रोजेनेस एंजाइम यूजिंग 2-मरकेप्टोबेंजामाइडाजोल लिगेंड : सिंथेसिस एंड इलेक्ट्रोकेटलिटिक प्रोटोन रिडक्शन" विषय पर वार्ता।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

प्रो. अखिलेश के. वर्मा एवं प्रो. विंसेंट गंडन, यूनिवर्सिटी पेरिस-सेसले, इंस्टिट्यूट डे किमे मालीक्यूलर एट डेस मेट्रियाक्स डी'आरसे (आईसीएमएमओ), इक्विप डे कैटेलिस मॉलीक्यूलर (बेटिमेंट 420) 91405 आरसे सेडेक्स, फ्रांस।

प्रो. दीवान एस. रावत एवं डॉ. ओलिवर रेसर, इंस्टिट्यूट फॉर आर्गेनिशे केमे, यूनिवर्सिटी एट रेजनबर्ग, यूनिवर्सिटी। 31, 93053 रेजनबर्ग।

डॉ. शिवदास बनर्जी, आईआईएसईआर, तिरुपति, भारत के साथ।

प्रो. दीवान, एस. रावत विद प्रो. पी.वी. भारतम, नायपर, मोहाली, भारत।

प्रो. सुनील के. शर्मा विद प्रो. डॉ. रैनर हॉग, फ्रे यूनिवर्सिटी बर्लिन, जर्मनी।

प्रो. अशोक के. प्रसाद विद जेएआईएसटी विजिटिंग फैकल्टी, नोमी इसिकावा, जापान।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

श्री मनोज कुमार, डीएसटी-डीएडी कार्यक्रम के अंतर्गत

प्रो. डॉ. ओलिवर रेजर, इंस्टिट्यूट फॉर आर्गेनेशे केमि यूनिवर्सिटी एट रेजनबर्ग, यूनिवर्सिटी। 31, 93053, रेजनबर्ग।

नियोजन ब्यौरा (नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत)

डॉ. कपिल मोहन सैनी एवं शिव कुमार, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007.

डॉ. पवन कुमार मिश्रा ने कार्डिक यूनिवर्सिटी, यू.के. में पोस्टडॉ.क प्राप्त किया।

डॉ. राकेश के. सौंथवाल ने प्रो. स्कॉट ई. डेनमार्क के साथ यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस अरबना-शैम्पेन से पोस्टडॉ.क प्राप्त किया।

नियोजन प्रतिशत : 40%

विस्तार एवं पहुंच कार्यक्रम

13-18 जुलाई, 2020 (एक सप्ताह) तक सेंटर फॉर ओसन रिसर्च, सत्यभामा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में 'मास स्पेक्ट्रोमेट्री एंड थर्मल एनलिसिस टेक्निक्स' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन मोड)।

24-28 अगस्त, 2020 (एक सप्ताह) तक भौतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में 'रिसेंट एडवांसिज इन नैनोसाइंसिज एंड नैनोटेक्नालॉजी (आरएनएन-2020)' विषय पर अल्पावधि पाठ्यक्रम (ऑनलाइन मोड)।

17-21 अगस्त, 2020 (एक सप्ताह) तक एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ क्लिक कैमिस्ट्री रिसर्च एंड स्टडीज (एआईसीसीआरएस) द्वारा एम्ब्रेला ऑफ एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा कैम्पस के अंतर्गत 'रिसेंट एडवांसिज ऑन मॉलीक्यूलर कैमिस्ट्री एंड फंक्शनल मैटीरियल्स' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया (ऑनलाइन मोड)।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी. : 33

संकाय संख्या

कुल : 33

पर्यावरणीय अध्ययन विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग अपने दो पर्यावरणीय अध्ययन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (पर्यावरणी अध्ययन में एम.ए. और पर्यावरणीय अध्ययन में एम.एससी.) और पीएच.डी कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षण और अनुसंधान कार्य कर रहा है। प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित किए जाने वाली अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विभिन्न विषयों की विविध अकादमिक पृष्ठभूमियों वाले 68 विद्यार्थियों (एम.एससी. 39 और एम.ए. 29) को प्रवेश प्रदान किया जाता है। विभाग में 16 नियमित संकाय सदस्य कार्यरत हैं, जो पारिस्थितिकी और पर्यावरण के मौलिक और अनुप्रयुक्त पहलुओं में शिक्षण और अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। विभाग राष्ट्रीय विकास और पर्यावरणीय स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक तौर पर संगत अनुसंधान कार्यों में सक्रिय तौर पर शामिल रहता है और इस प्रकार पर्यावरणीय क्षय से उत्पन्न होने वाले मुद्दों का उपशमन करने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। संकाय ने वर्षों से 'एक्सट्राम्यूरल' अनुसंधान परियोजनाओं को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है, जिसके अधुनातन प्रयोगशाला सुविधाएं विकसित करने और शोधार्थियों को प्रशिक्षित करने में सहयोग मिला है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च श्रेणी के पत्रों जैसे 'नेचर', 'साइंस' एवं अन्य अत्यधिक प्रभाव रखने वाले पत्रों में प्रकाशन किया गया है। संकाय सदस्यों को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्रदान की गई है, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं/सम्मेलनों में अपने अनुसंधान निष्कर्षों के संबंध में प्रमुख और प्रारंभिक व्याख्यान दिए हैं।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. एम.के. पंडित :

एनगे एन कोंगसी विशिष्ट विजिटिंग प्रोफेसर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर।

इंडियन (आईएनएसए) रिप्रेजेंटेटिव एट ब्रिक्स एकेडमी ऑफ साइंसिज।

इंडियन (आईएनएसए) रिप्रेजेंटेटिव एट जी-20 साइंस एकेडमिज

प्रकाशन

मरहोल्ड, के.,...अरोड़ा, जे., लखनपाल, एस.,...एवं पंडित, एम.के. (2020) - आईएपीटी क्रोमोसोम डाटा 33/1, टैक्सॉन, 69(6), 1394-1405. <https://doi.org/10.1002/tax.12414>

बरहडिया, जी., सिंह, एस., घोष, सी., बसुमाटर, आर., एवं पुरकायस्थ, जे. (2020) - डायवर्सिटी एंड कनजरवेशन पोर्टेशियल ऑफ कैप्टिव केलोनियान एट टेम्पल पौडस इन नार्थ-ईस्ट इंडिया, हर्पेटोलॉजिकल बुलेटिन, 154, 12-17. <http://dx.doi.org/10.33256/hb154.1217>

बावा, के.एस., गोडले, ई., एमटेमी, डब्लू., चैन, वाई.एफ., बरठाकुर, आर., गोडले, यू., लियू, जे., जियांग, ए., मैमाइड्स, सी., मीगासकुम्बुरा, एम., पंडित, एम.के., एवं काओ, के.एफ. (2020) - "चाइना एंड इंडिया :टूवर्ड्स ए सस्टेनेबल वर्ल्ड। साइंस, 369(6503), 515-516. <https://doi.org/10.1126/science.abd2854>

बरहडिया, जी., एवं घोष, सी. (2020) - पेरासिटिक इनफेस्टेशन एंड साइट प्रिफरेंस ऑफ द टिक एम्बलायमा गरवेसी ऑन द मॉनीटर लिजर्ड वरनस बेंगालेनसिस इन इंडिया। हर्पेटोलॉजिकल बुलेटिन, 153, 35-36. <https://doi.org/10.33256/hb153.3536>

बरहडिया, जी., सिंह, जी., घोष, सी., एवं सिंह, एस. (2020) - नॉक्टर्नल एमरजेंस ऑफ स्माल फ्रेशवाटर टरटल्स इन टेम्पल पौडस इन असम, इंडिया : ए स्ट्रेटजी टू अवायड एग्रेसन एंड प्रिडेशन बाय लार्ज सॉफ्टशेल्स? रेप्टाइल एंड एम्फिबियंस, 27(3), 426-427. <https://doi.org/10.17161/randa.v27i3.14861>

बिजु, एस.डी., गर्ग, एस., गोकुलकृष्णन, जी., चन्द्रकसान, एस., थम्मचोटी, पी., रेन, जे., गोपिका, सी., बिष्ट, के., हेमिडे, ए. एवं सोशे, वाय. (2020) - न्यू इनसाइट ऑन द सिस्टेमेटिक्स एंड रिप्रोडक्टिव बिहेवियर इन ट्री

फ्रागस ऑफ द जिनस फेलिया, विद डिस्क्रिप्शन ऑफ ए न्यू रिलेटिड जिनस फ्रॉम एशिया (अनुरा, राकोफोरिडे)। जूटेक्सा, 4878(1), 1-55. <http://dx.doi.org/10.11646/zootaxa.4878.1.1>

बिस्वास, ए., दिव्य, एस., शर्मिला, पी., एवं प्रधा-सारधी, पी. (2020) - लाइट प्रोमोटिड ब्राउन स्टेनिंग ऑफ प्रोटोप्लाज्म बाय एजी+आईएस आइडल टू व्हीट पालेन वायबिलिटी, पीएलओएस वन, 15(12), e0243856. <http://dx.doi.org/10.1371/journal.pone.0243856>

चंद्रा, ए., प्रधा-सारधी, पी., मैखुरी, आर.के., सक्सेना, के.जी., एवं राव, के.एस. (2021) - इम्पेक्ट ऑफ फॉर्म यार्ड मैन्यूर ऑन क्रॉपिंग साइकिल इन ए रेनफेड एगोइकोसिस्टम ऑफ सेंट्रल हिमालया। वेजेटोस, 34(1), 249-262. <https://doi.org/10.1007/s42535-020-00167-w>

चेन, एक्स., वानंगमुडी, ए., वांग, जे., जेगाथीसन, जे., मिश्रा, वी., शर्मा, आर., ग्रे, एस.आर., कुजावेई, जे., वोजसेच, एफ., एवं डमी, एल.एफ. (2020) - डायरेक्ट कांटेक्ट मेम्ब्रेन डिस्टिलेशन फॉर इफेक्टिव कनसन्ट्रेशन ऑफ परफ्लूरोएलकाइल सबस्टेंसिज-इम्पेक्ट ऑफ सरफेस फॉलिंग एंड मैटीरियल स्टेबिलिटी। वाटर रिसर्च, 182, 116010. <https://doi.org/10.1016/j.watres.2020.116010>

देव, जे., मीना, आर., सिंह, ए., एवं रसतोगी, एन. (2021) - इफेक्ट ऑफ कोविड-19 लॉकडाउन ऑन द कनसन्ट्रेशन एंड कम्पोजिशन ऑफ एनआर-पीएम 2.5 ओवर अहमदाबाद, ए बिग सिटी इन वेस्टर्न इंडिया। अर्बन क्लाइमेट, 37, 100818. <https://doi.org/10.1016/j.uclim.2021.100818>

गांदु, बी., पलानिवेल, एस., जुंटुपल्ली, एस., अरेल्ली, वी., बेगम, एस., एवं अनुपोजु, जी.आर. (2021) - रिमूवल ऑफ एनएच₃ एंड एच₂एस फ्रॉम ओडर काजिंग टेनरी एमिसंस यूजिंग बायलॉजिकल फिल्टर्स : इम्पेक्ट ऑफ ऑपरेशनल स्ट्रेटजी ऑन द परफॉर्मेंस ऑफ ए पायलट-स्केल-बायो-फिल्टर। जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साइंस एंड हेल्थ, पार्ट-ए, 56(6), 625-634. <https://doi.org/10.1080/10934529.2021.1903283>

गर्ग, ए., एवं घोष, सी. (2021) - एसेसमेंट ऑफ इंडोर एयर क्वालिटी एट वेरियस सोसियो-इकॉनॉमिक जोन्स। एमएपीएन, 1-9. <https://doi.org/10.1007/s12647-020-00420-2>

गर्ग, एस., कुमार, पी., मिश्रा, वी., गुजीत, आर., सिंह, पी., डमी, एल.एफ., एवं शर्मा, आर.एस. (2020) - ए रिव्यू आन द सोर्सिज, अकरेंस एंड हेल्थ रिस्कस ऑफ पर-/पाली-फ्लूरोएलकाइल सबस्टेंसिज (पीएफएस) अराइजिंग फ्रॉम द मैन्यूफैक्चर एंड डिस्पोजल ऑफ इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स। जर्नल ऑफ वाटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 38, 101683. <https://doi.org/10.1016/j.jwpe.2020.101683>

गर्ग, एस., कुमार, पी., सिंह, एस., यादव, ए., डमी, एल.एफ., शर्मा, आर.एस., एवं मिश्रा, वी. (2020) - प्रोसोप्सिस ज्यूलीफलोरा परऑक्सीडेसिस फॉर फिनाल रेडिमिशन फ्रॉम इंडस्ट्रियल वेस्ट वाटर-एन इनोवेटिव प्रैक्टिस फॉर एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी। एनवायरमेंटल टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, 19, 100865. <https://doi.org/10.1016/j.eti.2020.100865>

गर्ग, एस., सुयेश, आर., दास, एस., बी, एम.ए., एवं बीजू, एस.डी. (2021) - एन इंटीग्रेटिव एप्रोच टू इनफर सिस्टेमेटिक रिलेशनशिप्स एंड डिफाइन स्पिसीज गुप्स इन द श्रब फ्राग जिनस रेरोचेसटस, विद डिस्क्रिप्शन ऑफ फाईव न्यू स्पिसिज फ्रॉम द वेस्टर्न घाट्स, इंडिया। पीयर जे, e10791. <https://doi.org/10.7717/peerj.10791>

गोयल, एन., कृष्णा, एस., शाह, के., राशिद, आई., एवं शर्मा, जी.पी. (2021) - इंटीग्रेटिंग द बायलॉजिकल इनवेसन पैराडिगम इन द पॉलिसी फ्रेमवर्क इन इंडिया। ट्रॉपिकल इकॉलॉजी, 62(1), 144-148. <https://doi.org/10.1007/s42965-020-00117-2>

कोशिक, आर., पंडित, एम.के., मेयरसन, एल.ए., चौधरी, डी.एस., शर्मा, एम., धोत्रे, डी., एवं सोशे, वाई.एस. (2021) - कंट्रेस्टिंग कम्पोजिशन, डायवर्सिटी एंड प्रीडिक्टिव मेटाबॉलिक पोटेन्शियल ऑफ द राइजोबैक्टीरियल

माइक्रोबायोम्स एसोसिएटिड विद नेटिव एंड इनवेसिव प्रोसोपिस कानजिनर्स। करेंट माइक्रोबायोलॉजी, 78(5), 2051-2060. <https://doi.org/10.1007/s00284-021-02473-1>

कोशिक, आर., शर्मा, एम., गौरव, के., जगदेशवरी, यू., शब्बीर, ए., चौ. शशिकला, चौ. रमन, वी., एवं पंडित, एम.के. (2020) - पलूडायसफेरा सालि एसपी. नव., ए न्यू मेम्बर ऑफ द फैमिली आइसोस्फेरेसिया आइसोलेटिड फ्रॉम हाई एल्टीट्यूड सॉयल इन द वेस्टर्न हिमालया। एन्टोनी वेन ल्यूवेनहॉक, 113(11), 1663-1674. <https://doi.org/10.1007/s10482-020-01471-w>

कुमार, पी., मौर्या, ए., गर्ग, एस., यादव, ए., मिश्रा, वी., एवं शर्मा, आर.एस. (2020) - डेड बायोमास ऑफ मोरगानेला मोरगानी एक्ट्स एज एन एफिसिएट एडजोरबेंट टू रिमूव पीबी (II) फ्रॉम एक्वास सॉल्यूशन इन डिफरेंट एरेशन-एजिटेशन एंड पीएच कंडीशंस। एसएन एप्लायड साइंसिज, 2(7), 258. <https://doi.org/10.1007/s42452-020-3013-8>

महोनी, एस., कमेई, आर.जी., टीलिंग, ई.सी., एवं बीजू, एस.डी. (2020) - टाक्सोनामिक रिव्यू ऑफ द एशियन होर्नड फ्रॉगस (एम्फिबिया : मेगोफेरस खुल एवं वन हेसल्ट) ऑफ नार्थईस्ट इंडिया एंड बांग्लादेश प्रीवियसली मिसआइडेंटिफाईड एज एम. पर्वा (बोलेंजर), विद डिस्क्रिप्शन ऑफ थ्री न्यू स्पेसिज। जर्नल ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, 54(1-4), 119-194. <https://doi.org/10.1080/00222933.2020.1736679>

मिश्रा, वी., शर्मा, यू., रावत, डी., बैसन, डी., सिंह, एम., एवं शर्मा, आर.एस. (2020) - फॉस्ट-चेंजिंग लाइफ-स्टाइल्स एंड इकाटॉक्सिटी ऑफ हेयर डाइज ड्राइव द एमरजेंस ऑफ हिडन टॉक्सिकेंट्स थ्रेटनिंग एनवायरमेंटल सस्टेनिबिलिटी इन एशिया, एनवायरमेंटल रिसर्च, 184, 109253. <https://doi.org/10.1016/j.envres.2020.109253>

पंडित, एम.के. (2020) - द हिमालया शुड बी ए नेचर रिजर्व। नेचर, 583(7814), 9. <https://doi.org/10.1038/d41586-020-01809-4>

सरकार, एन., शर्मा, आर.एस., एवं कौशिक, एम. (2020) - एक्सप्लोरिंग द पोर्टेबिल ऑफ डीएनए/आरएनए एप्तामर्स इन नेशनल सिक्योरिटी। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स, 43(2), 187-190. <https://doi.org/10.1007/s40009-019-00815-z>

सरकार, एन. शर्मा, आर.एस., एवं कौशिक, एम. (2021) - इलोवेटिव एप्लीकेशन ऑफ फेसाइल सिंगल पोर्ट ग्रीन सिंथेसाइज्ड सीयूओ एंड सीयूओ@एपीटीईएस नैनोपार्टिकल्स इन नैनोप्राइमिंग ऑफ विगना रेडिएटा सीड्स। एनवायरमेंटल साइंस एंड पाल्यूशन रिसर्च, 28(11), 13221-13228. <https://doi.org/10.1007/s11356-020-11493-6>

शर्मा, ए.के., सैनी, एस., छाबड़ा, पी., छाबड़ा, एस.के., घोष, सी., एवं बालियान, पी. (2020) - एयर पाल्यूशन एंड वेदर एज द डिट्रिमिनेंट्स ऑफ एक्यूट अटेक्स ऑफ अस्थमा : स्पेशियोटेम्पोरल एप्रोच। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 64(2), 124-129. https://doi.org/10.4103/ijph.ijph_135_19

शर्मा, पी., यादव, पी., घोष, सी., एवं सिंह, बी. (2020) - हैवी मेटल कैप्चर फ्राम द सस्पेंडिड पार्टिकुलेट मैटर बाय मोरस एल्बा एंड एविडेंस ऑफ फॉलियर अपटेक एंड ट्रांसलोकेशन ऑफ पीएम एसोसिएटिड जिंक यूजिंग रेडियोट्रेसर (65जेडएन)। किमोस्फेयर, 254, 126863. <https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2020.126863>

सिंह, ए., रस्तोगी, एन., कुमार, वी., स्लोविक, जे.जी., सतीश, आर., लालचंदानी, वी., थंबन, एन.एम., राय, पी., भट्ट, डी., वत्स, पी., गांगुली, डी., त्रिपाठी, एस.एन., एवं प्रिवोट, ए.एस. (2021) - सोर्सिज एंड कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ लाइट-एबजार्बिंग फाइन पार्टिकुलेट्स ओवर दिल्ली थ्रू द सिनर्जी ऑफ रियल टाइम ऑप्टिकल एंड केमिकल मिजरमेंट्स। एटमास्फेरिक एनवायरमेंट, 252, 118338. <https://doi.org/10.1016/j.atmosenv.2021.118338>

सिंह, सी.के., कुमार, ए., शास्त्री, एस., कुमार, ए., मलिक, जे., सिंह, ए., अवतार, आर., सिंह, आर.पी., कुमा, पी. एवं रंजन, एस. (2021) - जियोकेमिकल माडलिंग टू इनफर जेनेटिक ऑरिजन ऑफ ग्राउंडवाटर एंड एसोसिएटेड हेल्थ रिस्कस इन डिजरिटिक एक्विफॉयर्स। ग्राउंडवाटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 13(5), 100569. <http://dx.doi.org/10.1016/j.gsd.2021.100569>

सलेट, एम.एल., सोम्बू, एफ.एम., कालावे, आर.एम., इंदरजीत, एवं एल-केबले, ए.ए. (2020) - एकजाटिक प्रोसोजिस ज्यूलिफ्लोरा सपप्रेसिज अंडरस्टोरी डायवर्सिटी एंड प्रोमोट्स एग्रीकल्चरल वीड्स मोर देन ए नेटिव कांगजिनर। प्लांट इकालॉजी, 221, 659-669. <https://doi.org/10.1007/s11258-020-01040-1>

तोमर, एम., एवं दिवाकर, एस. (2020) - इनवेस्टिंग होस्ट प्लांट एसोसिएशन, कालिंग एक्टिविटी, एंड सेक्सुअल डायमार्फिज्म इन इंडियन ग्लाइकालिप्सिड स्प. (आर्थोपेट्रा : एनोसटोसटोमेडी)। इकालॉजी एंड इवोल्यूशन, 10(21), 11850-11860. <https://doi.org/10.1002/ece3.6819>

त्यागी, एस., मिश्रा, बी.के., शर्मा, टी., तवर, एन., उर्फ़ी, ए.जे., बनर्जी, बी.डी., एवं मधु, एस.वी. (2021) - लेवल ऑफ आर्गेनोक्लोरीन पेस्टिसाइड्स इन प्रीडायबिटिक एंड न्यूली डायगनोज्ड डायबिटीज मेलिटस पेशेंट्स विद वेरिंग डिग्री ऑफ ग्लूकोज इन्टालिरेस एंड इन्सुलिन रेजिसटेंस अमंग नार्थ इंडियन पापुलेशन। डायबिटीज एंड मेटाबोलिज्म, 45(4), 558-568. <https://doi.org/10.4093/dmj.2020.0093>

त्यागी, एस., सिद्धार्थ, एम., मिश्रा, बी.के., बनर्जी, बी.डी., उर्फ़ी, ए.जे., एवं मधु, एस.वी. (2021) - हाई लेवल्स ऑफ आर्गेनोक्लोरीन पेस्टिसाइड्स इन ड्रिंकिंग वाटर एज ए रिस्क फैक्टर फॉर टाइप-2 डायबिटीज : ए स्टडी इन नार्थ इंडिया। एनवायरमेंटल पाल्यूशन, 271, 116287. <https://doi.org/10.1016/j.envpol.2020.116287>

यादव, आर.के., चतुर्थ, ए., त्रिपाठी, के., गेराई, एम., अहमद, ए., मिश्रा, वी., एवं अब्राहम, जी. (2020) - सेलिनिटी टालरेंस मैकेनिज्म इन द एक्वेटिक नाइट्रोजन फिक्सिंग टेरीडोफाइट्स एजोला : ए रिव्यू। सिम्बायोसिस, 83, 129-142. <https://doi.org/10.1007/s13199-020-00736-2>

पुस्तक अध्याय

गांधु, बी., राव, ए.जी., एवं काहन, आर. (2021) - एयर पॉल्यूशन कंट्रोल बाय यूजिंग डिफरेंट टाइप्स ऑफ टेक्निकस एंड सारबैंटस, इन : एवेलिनो नूनेज-डेलगाडो (संपादित), सारबैंटस मैटीरियल्स फॉर कंट्रोलिंग एनवायरमेंटल पाल्यूशन (पृष्ठ 575-594), एलसेविअर।

शोध

संपादकीय बोर्ड में संपादक(संपदकों)/सदस्य(सदस्यों) के तौर पर सेवारत विभागीय अध्यापक

प्रो. एस.डी. बीजू :

एकेडमिक एडिटर, एशियन हरपेटोलॉजिकल रिसर्च

एडवायजरी बोर्ड, हेमाटोइड, जर्नल ऑफ द सेंटर फॉर हरपेटालॉजी

प्रो. इन्द्रजीत : एसोसिएट/हैंडलिंग एडिटर फॉर जर्नल ऑफ एप्लाइड इकालॉजी, विले बायलॉजिकल इनवेसन, स्प्रिंगर, एओबी प्लांटस, ऑक्सफोर्ड प्रैस, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, नेचर पब्लिशिंग ग्रुप, निओबायोटा, पेनसॉफ्ट पब्लिशर्स।

प्रो. महाराज के. पंडित :

एकेडमिक एडिटर : पीएलओएस वन

एकेडमिक एडिटर : पीएलओएस वाटर

टॉपिक एडिटर : डायवर्सिटी

एडिटोरियल बोर्ड मेम्बर : रिसर्च एंड रिपोर्ट्स इन बायोलॉजी

प्रो. पी. प्रधा सारधी :

एकेडमिक एडिटर : पीएलओएस वन

डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा :

एकेडमिक एडिटर : पीएलओएस वन

एसोसिएट एडिटर : ट्रॉपिकल इकालॉजी

डॉ. स्वाति दिवाकर :

एसोसिएट एडिटर : ट्रॉपिकल इकालॉजी

डॉ. अतिन्द्रपाल सिंह :

गेस्ट एसोसिएट एडिटर : फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल सिटीज

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र .सं.	परियोजना का शीर्षक	वर्ष अवधि/	निधियन एजेंसी	संस्वीकृत धनराशि
1	वेस्टर्न घाट्स नेटवर्क ऑफ प्रोटेक्टिड एरियाज फॉर थ्रेटन्ड एम्फिबियंस (एनपीएटीएडब्लू) पीआई :प्रो. एस बीजू .डी.	2009-वर्तमान तक	सीईपीएफ, यूएसए	1,20,000 यूएसडी
2	इकालॉजिकल स्टडी ऑफ ईआईए स्टडी फॉर सिलेरू पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट, आंध्र प्रदेश फॉर प्री मानसून सीजन- पीआई :प्रो. महाराज के पंडित .	2020-2021	वापकोस लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा	रूपए 5.16 लाख + जीएसटी
3	रेजिंग अवेयरनेस ऑन अर्बन एयर क्वालिटी, क्लाइमेट चेंज, हेल्थ एंड ई- रेजिलिएंस(50894) अंडर “साइंस, टेक्नालॉजी, इंजीनियरिंग, मैथेमेटिक्स, मेडिसन (एसटीईएमएम)- इंडिया इनसिएटिव” (भारत विज्ञान दर्शन)” कार्यक्रम पीआई :प्रो. चिराश्री घोष	2020-2022	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	रूपए 29 लाख (दो वर्ष)
4	लोकल वर्कशाप आन एमर्जिंग पाल्यूशन चैलेंजिज ऑन अर्थ इकोसिस्टमसफर-, इंडियन नावेल इनिशिएटिव पीआई :प्रो. चिराश्री घोष	2019-2021	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस)	रूपए 2.5 लाख
5	एडवांस्ड ट्रेनिंग एंड रिसर्च इन प्लांट बायोसिस्टेमिक्स पीआई :प्रो. राधे श्याम शर्मा	2015-2021	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी)	रूपए 48 लाख

6	इम्पेक्ट ऑफ सिटी वेस्टवाटर ऑन नेटिव माइक्रोबायल कम्युनिटी एंड हेल्थ ऑफ यमुना रिवर इन दिल्ली पीआई :प्रो. राधे श्याम शर्मा	2020-2021	आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, एफआरपी	रूपए 4.95 लाख
7	डेवलपमेंट ऑफ ए नावेल-स्टेज एजो डाई एंड एरोमेटिक एमिन बायोरिमिडिएशन सिस्टम पीआई :प्रो. वंदना मिश्रा	2019-2021	डीएसटी, टेक्नालॉजी मिशन प्रभाग (ऊर्जा जल एवं अन्य) स्पोर्ट्स आर एंड डी प्रोजेक्ट अंडर ऑप्टिमल वाटर यूज इन इंडस्ट्रियल सेक्टर	रूपए 41.03 लाख
8	माइक्रोबायल वेल्थ एंड ह्यूमन हेल्थ एसोसिएटिड विद ए हिमालयन हॉट स्प्रिंग- पीआई :प्रो. वंदना मिश्रा	2020-2021	आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, एफआरपी	रूपए 4.88 लाख
9	फंक्शनल ट्रेट्स ऑफ हाइपरिस सोवेलस ट्यूडिनल पाइंट एक्रॉस एन एल्टी (.एल) ग्रेडिएंट पीआई :डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा	2020-2021	आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय, एफआरपी	रूपए 2.5 लाख
10	इम्पेक्ट ऑफ इनवेसिव स्पिसिज ऑन नेटिव आर्थोपोड एवंडेंस, एंड डायवर्सिटी एक्रॉस एनवायरमेंटल एंड जियोग्राफिक ग्रेडिएंट्स इन इंडिया पीआई :डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, सह :पीआई-डॉ. स्वाति दिवाकर	2021-2024	कोर रिसर्च ग्रांट-एसईआरबी	रूपए 14 लाख

आयोजित सेमिनार

प्रो. चिराश्री घोष ने 28 जुलाई, 2020 को शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से “एनवायरमेंट, जेंडर एंड क्लाइमेट चेंज” विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

सेमिनार

घोष, सी. 9 फरवरी, 2021 को एमजीआईसीसी, दिल्ली सरकार के साथ मिलकर ‘जन स्वास्थ्य पर पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव’ विषय पर आयोजित सेमिनार में आमंत्रित वक्ता थे।

घोष, सी. 6 सितम्बर, 2020 को आईपीसीडब्लू, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'इकालॉजी, एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी' विषय पर आयोजित ऑनलाइन प्रमाण-शोध पाठ्यक्रम में "एयर पॉल्यूशन : ए स्टेटमेंट ऑफ ह्यूमन रोंगडुईंग" विषय पर आमंत्रित वक्ता थे।

घोष, सी., आईक्यूएसी, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5 अगस्त, 2020 को आयोजित विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में आमंत्रित वक्ता थे।

इन्द्रजीत ने स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसिज, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु द्वारा 22-31 मार्च, 2021 को "जैवविविधता - अवधारणा से संरक्षण" विषय पर आयोजित यूजीसी-स्ट्राइड-आईआरसीईसीसीबी-एमकेयू प्रथम कौशल विकास कार्यक्रम में "एकजॉटिक प्लांट इनवेजन एंड नावेल केमिकल्स" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रधा-सारधी, पी. सेंटर एंड वेस्ट एशियन राइस सेंटर, रसत, ईरान द्वारा 2 नवम्बर, 2020 को "माडर्न टेक्निकल इन राइस ब्रीडिंग (पार्ट I) : प्रोग्रेस एंड प्रोस्पेक्ट्स इन टिशू कल्चर" विषय पर ऑनरेरी वक्ता थे।

सम्मेलन प्रस्तुतियां

बरहाडिया, जी., एवं घोष, सी. (2020) - ने सीएसआईआर-एनईईआरआई, रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री-नार्थ इंडिया सेक्शन, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और पर्यावरण एवं सामाजिक विकास एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा 20 दिसम्बर, 2020 को संयुक्त तौर पर पर्यावरण, जल, कृषि, दीर्घकालिकता एवं स्वास्थ्य (ईडब्ल्यूएसएच-2020), विषय पर आयोजित किए गए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्नेक्स इन द सिटी : ए स्पेशियल एंड टेम्पोरल एससेसमेंट ऑफ स्नेक एनकाउंटर्स यूजिंग सिटीजन साइंस इन अर्बन दिल्ली, इंडिया विद 8 न्यू जियोग्राफिकल रिकार्ड्स' विषय पर प्रस्तुति दी।

इन्द्रजीत (2020) - 2 दिसम्बर, 2020 को लिथुआनिया में 'एगोइकोसिस्टम सस्टेनेबिलिटी : लिंक्स बिटविन कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन इन सॉयल्स, फूड सिक्योरिटी एंड क्लाइमेट चेंज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल कांफ्रेंस) में "वीड्स इन एगोइकोसिस्टमस" विषय पर प्रारंभिक (ऑनलाइन)।

प्रधा-सारधी, पी. (2020) - स्कूल ऑफ बायोसाइंसिज एंड टेक्नालॉजी, वेल्लोर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी द्वारा एसोसिएशन ऑफ बायोटेक्नालॉजी एंड फार्मसी के साथ मिलकर दिनांक 14-16 दिसम्बर, 2020 को 'एमर्जिंग ट्रेड्स इन बायोटेक्नालॉजी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डायनेमिक्स ऑफ फॉस्फोरस साल्यूबलाइजिंग माइक्रोबॉयल डायवर्सिटी इन एग्रीकल्चर इकोसिस्टम" विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

प्रधा-सारधी, पी. (2020) - सेंट्रल एंड वेस्ट एशियन राइस सेंटर, रसत, ईरान द्वारा 8-9 दिसम्बर, 2020 को 'सस्टेनेबल राइस प्रोडक्शन (एसआरपी) विद एन एम्फेसिस ऑन आर्गेनिक राइस प्रोडक्शन' विषय पर आयोजित वेबीनार में "इको-फ्रेंडली साल्यूबल फॉस्फेट मैनेजमेंट स्ट्रेटजीज इन राइस एगोइकोसिस्टमस फॉर ऑप्टिमल प्रोडक्टिविटी" विषय पर प्रस्तुति दी।

सहाय, एच., शर्मा, जी. एवं घोष, सी. (2020) - ने सीएसआईआर, द रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री, ईएसडीए, नाबार्ड एवं आईक्यूएसी-हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 दिसम्बर, 2020 को संयुक्त तौर पर पर्यावरण, जल, कृषि, दीर्घकालिकता एवं स्वास्थ्य (ईडब्ल्यूएसएच-2020), विषय पर आयोजित किए गए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में माइक्रोप्लास्टिक कंटामिनेशन इन एगोइकोसिस्टमस : कंसर्स फॉर फूड सिक्योरिटी एंड ह्यूमन हेल्थ" विषय पर प्रस्तुति दी।

शाह, के. एवं शर्मा, जी.पी. (2021) - रोड्स यूनिवर्सिटी, दक्षिण अफ्रीका द्वारा 5-7 मई, 2021 को बायोलॉजिकल इनवेसंस विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) में "डज रिसोर्स एक्विजिशन-एलाटमेंट स्ट्रेटजी फेसिलिटेड हाइपटिस सुआलेंस (एल) पायलट इनवेजन सक्सेस इन ड्राय डेसिडयूअस फॉरेस्ट?" विषय पर प्रस्तुति दी।

यादव, ए.के. एवं घोष, सी. (2020) - ने सीएसआईआर, द रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री, ईएसडीए, नाबार्ड एवं आईक्यूएसी-हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 दिसम्बर, 2020 को संयुक्त तौर पर पर्यावरण, जल, कृषि, दीर्घकालिकता एवं स्वास्थ्य (ईडब्ल्यूएसएच-2020), विषय पर आयोजित किए गए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्पेशिय-टेम्पोरल वेरिएशन ऑफ बायोएरोसोल्स इन डिफरेंट अर्बन बिल्ट अप एनवायरमेंट' विषय पर प्रस्तुति दी।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

प्रो. एस.डी. बीजू :

नार्थ केरोलिना म्यूजियम ऑफ नेचुरल साइंसिज, रालेघ, एनसी, यूएसए।

स्कूल ऑफ बायोलॉजी एंड एनवायरमेंटल साइंस, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंड।

म्यूजियम ज्यूलाजिकम बोगोरिन्से, इंडोनेशियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंसिज (एलआईपीआई), जावा, इंडोनेशिया।

प्रो. महाराज के. पंडित :

इकालॉजिकल सर्वे एंड रिवर बेसिन स्टडीज, डब्ल्यूपीसीओएस लिमिटेड, गुडगांव।

बायोडायवर्सिटी स्टडीज, आरएस एनवायरमेंटल टेक्नालाजिज, गुडगांव।

प्रो. पी. प्रधा-सारधी :

डॉ. अब्बास शाहदी कमलेश (महानिदेशक), सेंट्रल एंड वेस्ट एशियन राइस सेंटर, रसत, ईरान।

प्रो. दिवाकर तिवारी, रसायन विज्ञान विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), आइजोल, मिजोरम।

प्रो. संदीप अरोड़ा, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (पंतनगर, यू.एस. नगर, उत्तराखंड)।

प्रो. इन्द्रजीत :

मेटोबोलोमिक्स पर एनआईपीजीआर के साथ सहयोग, दिल्ली

प्रो. चिराश्री घोष :

सहयोगात्मक अनुसंधान - "एन1 : बायोस्काईनेट, द ग्लोबल नेटवर्क ऑफ बायोएरोसोल्स रिसर्च", एनईआरसी, जीपीएसएफ द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स, यू.के. के सहयोग से निधियन, 2020.

कॉलेबोरेटिव प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर ऑफ सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर), प्रोग्राम ऑफ आईआईटीएम, पूणे, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, 2010 - वर्तमान तारीख तक।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसिज के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान।

डॉ. अश्विनी कुमार राय :

प्रो. रूपेश चतुर्वेदी, होस्ट पैथोजन इंटरएक्शन/इंफेक्शन बायोलॉजी लैब, स्कूल ऑफ बायोटेक्नालॉजी, जेएनयू, नई दिल्ली।

डॉ. रवि टंडन एचआईवी इम्यूनोलॉजी, गुट माइक्रोबायोलॉजी, म्यूकोसल इम्युनिटी एंड इनफ्लेमेशन लैब स्कूल ऑफ बायोटेक्नालॉजी, जेएनयू, नई दिल्ली।

विस्तार एवं पहुंच कार्यकलाप

प्रो. पी. प्रधा-सारधी :

एस.वी. यूनिवर्सिटी, तिरुपति द्वारा 24 दिसम्बर, 2020 को "पर्यावरणीय अध्ययन" विषय पर आयोजित वेबीनार में 'नेचर ग्रीन इंडस्ट्री फॉर कर्बिंग ग्लोबल क्लाइमेट चेंज' विषय पर रिसोर्स व्यक्ति के तौर पर अतिथि व्याख्यान दिया।

यूजीसी- मानव संसाधन विकास केन्द्र, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा वर्चुअल माध्यम से “पर्यावरणीय अध्ययन” (बहु-विषयक) विषय पर आयोजित 10वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में विशेषज्ञ के तौर पर ग्रीन इंडस्ट्री व्याख्यान दिया।

प्रो. ए.जे. उर्फ :

पर्यावरण एवं संबंधित मुद्दों संबंधी समिति, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 6 अगस्त, 2020 को ‘एविफोना : इकोलॉजी एंड डायवर्सिटी’ विषय पर आयोजित वेबीनार में “बर्ड वाचिंग इन इंडिया-सम रिसेंट ट्रेंड्स” विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. चिराश्री घोष :

डस्ट कैपचरिंग कैपेसिटी ऑफ द एकजीसटिंग ग्रीन कवर एंड लेसंस फॉर फ्यूचर : ए स्टडी ऑफ इन्द्रप्रस्थ कॉलेज पर विमिन” विषय के तहत सेंटर फॉर अर्थ स्टडीज, इन्द्रप्रस्थ कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक परियोजना (मैंटर के तौर पर)।

डॉ. अश्विनी कुमार राय :

स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस, शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह, सहारनपुर, उत्तरप्रदेश द्वारा 29 जनवरी, 2021 को ‘रिसेंट एडवांसमेंट इन लाइफ साइंस’ विषय पर आयोजित वेबीनार में विशेषज्ञ।

जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार और कॉलेजिज ऑफ दिल्ली यूनिवर्सिटी द्वारा ‘कैच द रेन’ विषय पर 24 फरवरी, 2021 को आयोजित वेबीनार में पैनलिस्ट।

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 28 अप्रैल, 2021 को ‘रिसर्च आर्टिकल राइटिंग एंड इंटरएक्शन विद बायोकेमेस्ट्री स्टूडेंट्स” विषय पर वक्ता।

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5 जून, 2021 को पृथ्वी दिवस के अवसर पर “पर्यावरणीय मुद्दे एवं नैतिकता” विषय पर वक्ता।

अरुणाचल विकास परिषद, अरुणाचल प्रदेश द्वारा 20 जून, 2021 को आयोजित सत्र में अरुणाचल प्रदेश के विद्यार्थियों के साथ संवाद सत्र।

जैव-रसायन विभाग, शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2-3 जुलाई, 2021 को विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय बायोइंफॉर्मेटिक्स कार्यशाला में विशेषज्ञ।

प्रदान की गई पीएच.डी./एम फिल. डिग्रियां

पीएच.डी. : 05

संकाय संख्या

नियमित : 16

भूविज्ञान विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भू-विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों ने 31 एमए-13 एमए, धर्मशाला फॉर्मेशन, 10 एमए-2 एमए के दौरान निर्मित प्राचीन शिलालेखों, शिवालिक एवं होलोसीन सॉयल/नवीनतम मिट्टी प्राचीन शिलालेखों, गंगा के मैदान के विस्तृत विवरण, विश्लेषण एवं व्याख्या सहित हिमालयी मैदानों के भू-वैज्ञानिक विकास को समझने के लिए अध्ययन कार्य प्रारंभ किया। निक्षेपीय पर्यावरण एवं इसकी ज्वारीय उपस्थिति को समझने के लिए बराइल समूह (मणिपुर) की लाइसॉग फॉर्मेशन का प्रक्रिया आधारित संलक्षणी विश्लेषण किया गया। प्रीकैंब्रियन ‘सुपरकंटीनेंट’ समामेलन एवं विघटन के आलोक में भारतीय ‘प्रोटरोजायक’ बेसिन्स का एक वैकल्पिक परस्पर संबंध वाला

मॉडल प्रदान किया गया। 'वेस्टर्न पैसेफिक वार्म पूल' क्षेत्र के लिए बेहतर 'लेट नियोजीन-क्वाटरनरी टाइम फ्रेमवर्क' विकसित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महासागर ड्रिलिंग कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त किए विश्व के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों के गहन सागर मुख्य नमूनों का गहन अध्ययन किया गया। राखबदेव अल्ट्रामेफिक सुइट, राजस्थान से सर्पेटेनाइट-एंटीगॉरिट के डिफॉर्मेशन माइक्रोस्ट्रक्चर के संबंध में एकल चरण एवं बहु-चरण आर्थोगोनल और/या आब्लिक रिफ्ट संरचना में विकसित जटिल दोष प्रणालियों के संबंध में प्रायोगिक माडलिंग का कार्य किया गया। संकाय सदस्य विभिन्न संगठनों जैसे नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओसन रिसर्च एवं इंडियन नेशनल साइंस कमिटी ऑन अंटार्कटिक रिसर्च और फेसिलिटेड डेवलपमेंट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च पॉलिसिज के साथ भी संबंध रहे।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

डॉ. आशुतोष के. सिंह :

एकजीक्यूटिव काउंसिल मेम्बर, पेलियानाटॉलजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, लखनऊ के तौर पर निर्वाचित।

प्रो. देवेश के. सिन्हा :

ऑनरेरी निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबिलिटी (डीएससीसीएस), इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय के तौर पर नियुक्त।

सदस्य, एसईआरबी डीएसटी समिति ऑन स्टार्ट-अप ग्रांट एंड एनपीडीएफ।

सदस्य, विदेश यात्रा एवं संगोष्ठी अनुदान सीएसआईआर (टीजीएसएम)।

प्रो. जी.वी.आर. प्रसाद :

पेलियानटोलॉजिकल सोसायटी, मैकलीन, यूएसए सेपकासकी अनुदान, 2020 प्रदान किया गया।

प्रो. एन.सी. पंत :

उप-मुख्य अधिकारी, जियोसाइंसिज ग्रुप ऑफ द साइंटिफिक कमिटी ऑन अंटार्कटिक रिसर्च (एससीएआर) (2017-2020)।

अध्यक्ष, आईएनएसए कमिटी ऑन एससीएआर

सदस्य, अनुसंधान परामर्शदात्री समिति, नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च, गोवा।

प्रकाशन

अबदुल्ला, एस., मिश्रा, एस., सर्वेश, आर., एवं घोष, बी. (2020) - रिसरफेसिंग ऑफ डीपली बररिड ओसेनिक क्रस्ट इन नागा हिल्स ऑफियोलाइट, नार्थ-ईस्ट इंडिया : पैट्रोफैब्रिक, माइक्रोस्ट्रक्चर एंड सेस्मिक प्रोपर्टीज, जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल जियोलॉजी, 139, 1-15. <https://doi.org/10.1016/j.jsg.2020.104141>

अरोड़ा, डी., पंत, नरेश, पांडे, एम., चट्टोपाध्याय, ए., ग्रीनबॉम, जे., सिएगर्ट, एम., बो, सुन, बैकिनसिप, डी., राव, सी., एवं भंडारी, ए. (2020) - इनसाइट इनटू जियोलॉजिकल इवोल्यूशन ऑफ प्रिंसेज एलिजाबेथ लैंड, ईस्ट अंटार्कटिका-क्लूज फॉर कांटीनेंटल सुट्रिंग एंड ब्रेकअप सिंस राडिनियन टाइम। गोंडवाना रिसर्च, 84, 260-283. <https://doi.org/10.1016/j.gr.2020.05.002>

बरकत, आर., चक्रवर्ती, पी.पी., साहा, एस., एवं दास, के. (2020) - एलुविल आर्किटेक्चर, पेलियोहाइड्रोलॉजी एंड प्रोविनेंस ट्रैकिंग फ्रॉम द नियोप्रोटरोजाइक बांगनापल्ले फॉर्मेशन, कुरनूल ग्रुप, इंडिया : एन एकजाम्पल ऑफ कांटीनेंटल सेडिमेंटेशन बिफॉर लैंड प्लॉट्स। प्रीकैम्ब्रियन रिसर्च, 350, 105930. <https://doi.org/10.1016/j.precamres.2020.105930>

चट्टोपाध्याय, ए. (2020) - प्रोटरोजाइक ओरोजिनेसिस एंड क्रिस्टल इवोल्यूशन इन द सेंट्रल इंडियन टेक्टॉनिक जोन : करेंट अंडरस्टैंडिंग फ्रॉम रिसेंट वर्क्स। प्रोसिडिंग्स ऑफ द इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (पीआईएनएसए), 86, 99-106. <http://dx.doi.org/10.16943/ptinsa/2020/49780>

चट्टोपाध्याय, ए., भट्टाचार्य, डी., एवं श्रीवास्तव, एस. (2020) - नियोटेक्टोनिक फॉल्ट मूवमेंट एंड इंद्राप्लेट सेसमिसिटी इन द सेंट्रल इंडियन शील्ड : ए रिव्यू एंड रिअप्रेजेंट, जर्नल ऑफ मिनरालॉजिकल एंड पेट्रोलॉजिकल साइंस, 115, 138-151. <https://doi.org/10.2465/jmps.190824b>

चट्टोपाध्याय, ए., भौमिक, एस.के., एवं राय, ए. (2020) - टेक्टोनोथर्मल इवोल्यूशन ऑफ द सेंट्रल इंडियन टेक्टॉनिक जोन एंड इट्स इम्प्लीकेशंस फॉर प्रोटरोजाइक सुपरकंटीनेंट एसेम्बली : द करंट स्टेटस। एपिसोड्स, 43(1), 132-144. <https://doi.org/10.18814/epiugs/2020/020008>.

देवरानी, आर., सिंह, वी., मेहता, एम., एवं रामनाथन, ए.एल. (2021) - एसेसिंग सेडीमेंट प्लस ड्यूरिंग एन एक्सट्रीम हाइड्रोलॉजिकल इवेंट इन द अलकनंदा बेसिन, नार्थ वेस्टर्न हिमालया, इंडिया। जर्नल ऑफ द जियालॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, 97, 48-54. <https://doi.org/10.1007/s12594-021-1624-3>

दिव्यदर्शिनी, ए., सिंह, वी., जायसवाल, एम.के., एवं रावत, एम. (2020) - एक्सप्लोरिंग द रोल्स ऑफ क्लामेट एंड टेक्टॉनक्स इन द जियोमॉर्फिक इवोल्यूशन ऑफ द चितवान इंटरमांटेन वैली, सेंट्रल हिमालय। जियोमॉर्फोलॉजी, 367, 107298. <https://doi.org/10.1016/j.geomorph.2020.107298>

दत्ता, डी., माजी, वी., अबदुल्ला, एस., एवं मिश्रा, एस. (2021) - एप्लीकेशन ऑफ इलेक्ट्रॉन बैकस्केटर डिफ्रैक्शन मैथड्स इन अर्थ साइंस। डायरेक्शंस, स्प्रिंगर, ऑनलाइन अहेड ऑफ प्रिंट।

फरीदुद्दीन, पंत, एन.सी., गुप्ता, एस., चक्रवर्ती, पी.पी., सेनशर्मा, एस., जैन, ए.के., प्रसाद, जी.वी.आर., श्रीवास्तव, पी., राजन, एस., एवं तिवारी, वी.एम. (2020) - द जियोडायनेमिक इवोल्यूशन ऑफ द इंडियन सबकंटीनेंट-एन इंट्रोडक्शन। एपिसोड्स, 43(1), 7-18. <https://doi.org/10.18814/epiugs/2020/020001>

घोष, आर. (2020) - आथेजेनिक प्रिसिपिटेशन ऑफ फैरिक ऑक्सीहाइड्रोक्साइड एंड ग्रीनलाइट इन आर्कियन ओसन। केमिकल जियालॉजी, 552, 119777. <https://doi.org/10.1016/j.chemgeo.2020.119777>

गोगोई, बी., चौहान, एच., एवं सैकिया, ए. (2020) - अंडरस्टैंडिंग मेफिक-फेलसिक मैगमा इंटरएक्शंस इन ए सबवोलकेनिक मैगमा चैंबर यूजिंग रेपाकिवी फेल्डस्पार : ए केस स्टडी फ्रॉम द बाथानी वोलकेनो-सेडीमेंट्री सीक्वेंस, ईस्टर्न इंडिया। जियोकेमेस्ट्री, 81(2), 125730. <https://doi.org/10.1016/j.chemer.2020.125730>.

गोगोई, बी., चौहान, एच., एवं सैकिया, ए. (2020) - विसकस डायलेशन एज ए मैकेनिज्म ऑफ मैगमा मिक्सिंग। पीरियाडिको डी मिनरालोगिया, 89, 285-295. <http://dx.doi.org/10.2451/2020PM16635>

गोगोई, बी., सैकिया, ए., एवं अहमद, एम. (2020) - मैफिक-फैल्सिक मैगमा इंटरएक्शंस इन द बाथानी वोलकेनिक-प्लूटोनिक कम्प्लेक्स ऑफ छोटा नागपुर ग्रेनाइट नेस कम्प्लेक्स, ईस्टर्न इंडिया, इम्प्लीकेशंस फॉर एसेम्बली ऑफ द ग्रेटर इंडियन लैंडमास ड्यूरिंग द प्रोटरोजाइक। एपिसोड्स, 43, 785-810. <https://doi.org/10.18814/epiugs/2020/020052>

गुप्ता, ए., गुप्ता, एम., श्रीवास्तव, पी.के., सेन, ए., एवं सिंह, आर.के. (2021) - सबसरफेस न्यूट्रिएंट माडलिंग यूजिंग फाइनल एलीमेंट मॉडल अंडर बोरो राइस क्रापिंग सिस्टम। एनवायरमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी, 23, 11837-11858. <https://doi.org/10.1007/s10668-020-01144-8>

हतुई, के., एवं चट्टोपाध्याय, ए. (2020) - माडिफिकेशन ऑफ प्री-एक्जीसटिंग फोल्ड्स इन ए शीयर जोन : ए केस स्टडी फ्रॉम कुभलगढ़-रणकपुर एरिया, साऊथ दिल्ली फोल्ड बेल्ट, राजस्थान, इंडिया, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 129, 126. <https://doi.org/10.1007/s12040-020-01395-z>

जैन, ए., ठाकुर, वी., जोशी, एम., मुखर्जी, पी., पटेल, आर., भट्टाचार्य, सिंघल, एस., अग्रवाल, के.के., दीक्षित, आर., देशमुख, जी., एवं मोहन, एम. (2020) - टेक्टोनिक ऑफ द वेस्टर्न, सिक्किम एंड हिमालया। प्रोक इंडियन नेचुरल साइंस एकेडमी, 86(1), 189-212. <http://dx.doi.org/10.16943/ptinsa/2020/49781>

जोशी, के.बी., सोरकार, एन., पंत, एन.सी., नंदकुमार, वी., अहमद, टी., एवं थॉमसन, जे.के. (2021) - कैरेक्टराइजेशन ऑफ मल्टीपल एपिसोड्स ऑफ मेल्ट जिनरेशन फ्रॉम लोवर क्रस्ट ड्यूरिंग आर्कियन यूजिंग

एम्फीबॉल कम्पोजिशन, एपिसोड्स, ऑनलाइन एहेड ऑफ प्रिंट। <https://doi.org/10.18814/epiiugs/2020/020092>

करमाकर, एस., मुखर्जी, एस., एवं दत्ता, यू., (2020) - ऑरिजन ऑफ कोरनडम विद इन एनारथाइट मेगाक्रिस्टस फ्रॉम एनॉर्थोस्टिक एम्फीबोलाइट्स, ग्रेन्यूलाइट टेरेन, साऊथर्न इंडिया। अमेरिकन मिनरल, 105, 1161-1174. <https://doi.org/10.2138/am-2020-7108>

कौशिक, टी., सिंह, ए.के., एवं सिंहा, डी.के. (2020) - लेट नियोजिन-क्वार्टरनरी प्लेक्विक फोरामिनिफेरल बायोस्ट्रेटिग्राफी एंड बायोक्रोनोलॉजी फ्रॉम ओडीपी साइट 807ए, ऑटोंग जावा प्लेटू, वेस्टर्न इक्विटोरियल पेसिफिक, जर्नल ऑफ फोरामिनिफेरल रिसर्च, 50(2), 111-127. <https://doi.org/10.2113/gsjfr.50.2.111>

क्षेत्रीमयूम, डी.एस., परमार, वी., लारेमबम, आर.एस., एवं प्रसाद, जी.वी.आर. (2021) - ए डायवर्सिफाईड ओस्ट्राकोडा (क्रूटेशिया) एसेम्बलेज फ्रॉम द अपर क्रेटाकुअस इंटरट्रापियन बेड्स ऑफ गुजरी, धार जिला, मध्यप्रदेश, भारत। क्रेटाकुअस रिसर्च, 124, 104784. <https://doi.org/10.1016/j.cretres.2021.104784>

अहमद, एम., कयूम, ए., पाल, नेगी, पी., अखतर, एस., गोगाई, बी., एवं सैकिया, ए. (2021) - मैफिक रॉक्स विद बैक-आर्क ई-एमओआरबी एफिनिटी फ्रॉम द छोटानागपुर ग्रेनाइट जिनेसिस कम्प्लेक्स ऑफ इंडिया : रेलिक्टस ऑफ ए प्रोटेरजॉइक आफियोलाइट स्यूट, जियोलाजिकल मैगजीन, 158(9) 1527-1542. <https://doi.org/10.1017/S0016756821000078>

मंडल, आर., राय, ए., एवं घोष, आर. (2021) - पेट्रोजिनेसिस ऑफ द गैबरोनोराइट सिल हास्टिड एफई-टीआई ऑक्साइड ओर बांडीज फ्रॉम द ईस्टर्न पार्ट ऑफ छोटानागपुर ग्रेनाइट जिनेसिस कम्प्लेक्स, इंडिया। ओर जियोलाजी रिव्यूज, 133, 104076. <https://doi.org/10.1016/j.oregeorev.2021.104076>

मौदियो, सी., तमेहे, एल.एस., गन्नो, एस., तांकवा, एम.एन, सोरस, एम.बी., घोष, आर., कनेकेऊ, बी., एवं जेनती, जे.पी. (2020) - टेक्टॉनिक सेटिंग ऑफ द बायपिंडी ग्रीनस्टोन बेल्ट, नार्थवेस्ट कांगो क्रेटॉन, कैमरून : इक्पलिकेशंस ऑन बीआईएफ डिपाजिशन। जर्नल ऑफ अफ्रीकन अर्थ साइंसिज, 171, 103971. <https://doi.org/10.1016/j.jafrearsci.2020.103971>

पंत, एन.सी., एवं सिंह, पी. (2020) - ए रिव्यू ऑफ टेक्टोनोमेटामॉर्फिक इवोल्यूशन ऑफ हिमालया। इंडियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसिज, 74(3), 205-215.

परमार, वी., एवं प्रसाद, जी.वी.आर. (2020) - वर्टिबरेट इवोल्यूशन ऑन द इंडियन राफ्ट - बायोजियोग्राफिक कनेनड्रम्स। एपिसोड्स, 43(1), 461-475. <https://doi.org/10.18814/epiiugs/2020/020029>

पॉल, प्रीतम, पी., चक्रवर्ती, पी.पी., शीक्रषि, एफ., दास, के., कमेई, के., एवं भट्टाचार्य, एस. (2020) - क्लू आन ओसन रिडॉक्स कंडीशन फ्रॉम ट्रेस एलीमेंट एंड रेअर अर्थ एलीमेंट (आरईई) कंपोजिशन ऑफ ऑयरन फॉर्मेशन एंड कार्बोनेट रॉक्स फ्रॉम द लेट पेलियोप्रोटेरोजाइक मोरर फॉर्मेशन, ग्वालियर गुप, सेंट्रल इंडिया। जर्नल ऑफ मिनरालॉजिकल एंड पेट्रोलॉजिकल साइंसिज, 115, 175-191. <https://doi.org/10.2465/jmps.191011>

प्रियदर्शिनी, आर.के., एवं प्रसाद, जी.वी.आर. (2020) - न्यू कौड्रिकथियान फोना फ्रॉम द पेलियाजिन डिपाजिट्स ऑफ बाइमेर डिस्ट्रिक्ट, राजस्थान, वेस्टर्न इंडिया : ऐज पेलियोएनवायरमेंट एंड इंटरकांटीनेंटल एफिनिटीज। जियोबायस, 58, 55-72. <https://doi.org/10.1016/j.geobios.2019.11.002>

क्विक, एल., सिनक्लेयर, एच.डी., अट्टाल, एम., एवं सिंह, वी. (2020) - कांग्लोमेरेट रिसाइक्लिंग इन द हिमालयन फोरलैंड बेसिन : इम्प्लीकेशंस फॉर ग्रेन साइज एंड प्रोवीनैस। बुलेटिन ऑफ जियोलाजिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका, 132(7-8), 1639-1656. <https://doi.org/10.1130/B35334.1>

रवीन्द्र, आर., अरोड़ा, डी., पंत, एन.सी., एवं राय, एस.के. (2020) - सब-आइस जियालांजी ऑफ ईस्ट अंटार्कटिका-द सुपरकांटीनेंट कनेक्शन एंड इट्स कंटेक्सट टू द ईस्ट अंटार्कटिक आईस शीट। इंडियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसिज, 74(3), 315-326.

राय, डी.बी., टंडन, एस.के., एवं सिंह, वी. (2021) - ड्रेनेज इवोल्यूशन इन ए होलोसीन लैंडस्केप दैट होस्टिड ए 'लॉस्ट रिवर' सिस्टम इन पंजाब-हरियाणा प्लेस, एनडब्लू इंडिया। क्वार्टर्नरी इंटरनेशनल, 585, 99-110. <https://doi.org/10.1016/j.quaint.2021.01.029>

अखतर, एस., सैकिया, ए., नेगी, पी., एवं कालिता, बी.जे. (2021) - बैक-आर्क बेसिन ऑरिजन फॉर द बेसाल्ट्स ऑफ द साऊथ अंडमान आइलैंड आफियोलाइट (इंडिया)। एपिसोड्स, ऑनलाइन अहेड ऑफ प्रिंट। <https://doi.org/10.18814/epiugs/2021/021001>

अखतर, एस., नेगी, पी., एवं सैकिया, ए. (2021) - कुमुलेट गैब्रॉस इन द साऊथ अंडमान आइलैंड आफियोलेट स्यूट (इंडिया) : देयर बीयरिंग ऑन द टैक्टॉनिक सेटिंग। कनेडियन जर्नल ऑफ अर्थ साइंसिज, 58(11), 1170-1186. <https://doi.org/10.1139/cjes-2020-0182>

सरकार, ए., एवं चट्टोपाध्याय, ए. (2020) - माइक्रोस्ट्रक्चर एंड जियोकेमेस्ट्री ऑफ सूडोटेकाइलाइट वेंस फ्राम सरवार-जूनिया फॉल्ट जोन, इंडिया : इम्प्लीकेशंस फॉर फ्रिक्शनल मेल्टिंग प्रोसेस इन ए सिस्मिक फॉल्ट जोन। जियोलाॉजिकल जर्नल, 55(12), 7687-7715. <https://doi.org/10.1002/gj.3900>

सरकार, डी.पी., अंदो, जे., दास, के., चट्टोपाध्याय, ए., घोष, जी., शिमिजू, के., एवं ओहफूजी, एच. (2020) - सरपेंटिनाइट एनिगमा ऑफ द राखबदेव लाइनमेंट इन वेस्टर्न इंडिया : आर्जिन, डिफॉर्मेशन कैरेक्टराइजेशन एंड टेक्टॉनिक इम्प्लीकेशंस। जर्नल ऑफ मिनरोलाॉजिकल एंड पेट्रोलॉजिकल साइंसिज, 115(2), 216-226. <https://doi.org/10.2465/jmps.191016>

श्रीवास्तव, पी.के., गुप्ता, एम., सिंह, यू., एवं प्रसाद, आर. (2020) - सेंसिटिविटी एनलिसिस ऑफ आर्टिफिसियल न्यूट्रल नेटवर्क फॉर क्लोरोफिल प्रीडिक्शन यूजिंग हाइपरस्पेक्ट्रल डाटा, एनवायरमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी, 23, 5504-5519. <https://doi.org/10.1007/s10668-020-00827-6>

शर्मा, जे.जे., नायक, ए., पंत, एन., अरोड़ा, डी., पांडे, एम., एवं सिंह, पी. (2021) - एस्टिमेशन ऑफ इफेक्टिव बल्क कम्पोजिशन-क्रिटिकल अप्रेजल एंड ए स्केनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप-बेस्ड एप्रोच। जियोलाॉजिकल जर्नल, 56(6), 2950-2962. <https://doi.org/10.1002/gj.4077>

सिंह, ए.के., एवं सिन्हा, डी.के. (2021) - नार्थवार्ड माइग्रेशन ऑफ अंटार्कटिक पोलर फ्रंट इयूरिंग द क्वाटरनरी : प्लेकटिक फोरामिनिफेरल रिकार्ड फ्रॉम साऊथ ईस्ट इंडियन ओसन। जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, 7(1), 13-24. <https://doi.org/10.3233/JCC210002>

श्रीवास्तव, पी.के., प्रधान, आर.के., पेट्रोपुलस, जी.पी., पांडे, वी., गुप्ता, एम., यदुवंशी, ए., वॉन जुरिना वॉन जाफर, माल, आर.के., एवं सहाय, ए.के. (2021) - लांग-टर्म ट्रेंड एनलिसिस ऑफ प्रिसिपिटेशन एंड एक्सट्रीम इवेंट्स ओवर कोसी रिवर बेसिन इन इंडिया। वाटर, 13(12), 1695. <https://doi.org/10.3390/w13121695>

उप्रेती, एन., एवं श्रीवास्तव, पी. (2020) - रोल ऑफ लेटिट्यूडनल शिफ्ट एंड क्लाइमेट चेंज इन इवोल्यूशन ऑफ रेड एंड येलो पेलियोसोल्स ऑफ एनडब्लू हिमालया : इम्प्लीकेशंस फॉर अर्ली आलिगोसीन सीजनेलिटी एंड मिड-मायोसीन इनहांसड प्रिसिपिटेशन। सेडिमेंटोलॉजी, 67(4), 2189-2221. <https://doi.org/10.1111/sed.12699>

पुस्तक अध्याय

चक्रवर्ती, पी.पी., टंडन, एस.के., बासु राय, एस., साहा, एस., एवं पॉल, पी.पी. (2020) - प्रेटोरोजाइक सेडिमेंटरी बेसिन्स ऑफ इंडिया : गुप्ता, एन., एवं टंडन, एस.के. (संपादित), जियोडायनेमिक्स ऑफ इंडियन प्लेट (पृष्ठ 145-177). स्प्रिंगर।

डे लेपारेंट डे ब्राइन, एफ., प्रसाद, जी.वी.आर. (2020) - केलोनियन पेलुओमेड्यूसीड्स रिमैस फ्रॉम द लेट क्रेटासियस ऑफ उपरहट्टी (साउथवेस्टर्न इंडिया) : सिस्टेमेटिक्स एंड पेलियोबायोजियोग्राफिकल इम्प्लीकेशंस। इन : जी.वी.आर. प्रसाद एवं पटनायक, आर. (संपादित), बायोलॉजिकल कनसिक्वेंसिज ऑफ प्लेट टैक्टानिक्स : न्यू परस्पेक्टिवज ऑन पोस्ट-गोडवानालैंड ब्रेक-अप (पृष्ठ 123-180), केम : स्प्रिंगर।

गुप्ता, एम., गर्ग, एन.के., एवं श्रीवास्तव, पी.के. (2020) - सॉयल वाटर कंटेंट इनफ्लूएंस ऑन पेस्टिसाइड परसिस्टेंस एंड माबिलिटी, इन : एग्रीकल्चरल वाटर मैनेजमेंट (पृष्ठ 307-327), एकेडमिक प्रेस।

हॉलीडे, टी.जे.डी., हॉलरॉयड, पी.ए., घोरब्रांट, ई., प्रसाद, जी.वी.आर., स्केनफेरला, ए., बेक, आर.एम.डी., क्राउज, डी.डब्ल्यू., एवं गोस्वामी, ए. (2020) - लिविंग गोंडवाना : द चेंजिंग पॉजिशन ऑफ द इंडियन सबकांटीनेंट इन द ग्लोबल फॉनल नेटवर्क, इन : जी.वी.आर. प्रसाद एवं आर. पटनायक (संपादित), बायोलॉजिकल कान्सिक्वेंसिज ऑफ प्लेट टेक्टॉनिक्स : न्यू परस्पेक्टिवज ऑन पोस्ट-गोंडवानालैंड ब्रेक-अप (पृष्ठ 227-249), केम : स्प्रिंगर।

प्रसाद, जी.वी.आर., एवं परमार, वी. (2020) - फेनरोजाइक मास एक्सट्रैक्ट्स एंड इंडियन स्ट्रेटिग्राफिक रिकार्ड्स। इन : गुप्ता, एन. एवं टंडन, एस.के. (संपादित), जियोडायनेमिक्स ऑफ द इंडियन प्लेट (पृष्ठ 291-362), स्प्रिंगर जियोलॉजी, स्प्रिंगर, केम, https://doi.org/10.1007/978-3-030-15989-4_9

प्रसाद, जी.वी.आर. एवं परमार, वी. (2020) - फर्स्ट आर्निथिसिचियन एंड थेरोपोड डायनासोर टीथ फ्रॉम द मिडल जूरासिक कोटा फॉर्मेशन ऑफ इंडिया : पेलियोबायोजियोग्राफिक रिलेशनशिप। इन : प्रसाद, जी.वी.आर., एवं पटनायक, आर. (संपादित), बायोलॉजिकल कनसिक्वेंसिज ऑफ प्लेट टेक्टॉनिक्स : न्यू परस्पेक्टिवज ऑन पोस्ट-गोंडवानालैंड ब्रेक-अप (पृष्ठ 1-30), केम : स्प्रिंगर।

रागे, जी.सी., प्रसाद, जी.वी.आर., वर्मा, ओ., परमार, वी., एवं खोसला, ए. (2020) - एनुरन लिसेमफिबियन एंड स्कवामेट रेपटाइल्स फ्रॉम द अपर क्रेटासियस (मास्ट्रिशियन) डेक्कन इंटरट्रिपियन साइट्स इन सेंट्रल इंडिया विद ए रिव्यू ऑफ लिसेमफिबियन एंड स्कवामेट डायवर्सिटी इन द नार्थवार्ड ट्रिफिटिंग इंडियन प्लेट। इन : प्रसाद, जी.वी.आर., एवं पटनायक, आर. (संपादित), बायोलॉजिकल कनसिक्वेंसिज ऑफ प्लेट टेक्टॉनिक्स : न्यू परस्पेक्टिवज ऑफ पोस्ट-गोंडवानालैंड ब्रेक-अप (पृष्ठ 99-121), केम : स्प्रिंगर।

श्रीवास्तव, पी.के., सिंह, पी., पांडे, वी., एवं गुप्ता, एम. (2020) - डेवलपमेंट ऑफ एंड्रायड एप्लीकेशन फॉर विज्युएलाइजेशन ऑफ सायल वाटर डिमांड, एग्रीकल्चरल वाटर मैनेजमेंट (पृष्ठ 375-389), एकेडमिक प्रेस।

पुस्तकें (संपादित)

बायोलॉजिकल कनसिक्वेंसिज ऑफ प्लेट टेक्टॉनिक्स - न्यू परस्पेक्टिव ऑन पोस्ट-गोंडवानालैंड ब्रेक-अप। इन : प्रसाद, जी.वी.आर., एवं पटनायक, आर. (संपादित), वर्टिब्रेट एंड पेलियोएंथ्रापालाजी सीटिज, स्प्रिंगर (इन प्रेस)।
एग्रीकल्चरल वाटर मैनेजमेंट : थ्यूरीज एंड प्रैक्टिसिज। इन : श्रीवास्तव, पी., गुप्ता, एम., साकिरिस, जी., एवं क्विन, एन. (संपादित), एकेडमिक प्रेस।

शोध

संपादकीय बोर्ड में संपादक(संपदकों)/सदस्य(सदस्यों) के तौर पर सेवारत विभागीय अध्यापक

डॉ. विमल सिंह : एसोसिएट एडिटर, हिमालयन जियोलॉजी, वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून, भारत।

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	वर्ष/अवधि	निधियन एजेंसी	संस्वीकृत धनराशि
1	थर्मो-टेक्टॉनिक इवोल्यूशन ऑफ ए स्यूट ऑफ मेटापेलिटिक रॉक्स फ्रॉम नार्थ-ईस्टर्न मद्रुरै प्रोविंस, सदरन ग्रेनुलाइट टेरेन, तमिलनाडु, भारत पीआई : डॉ. अनिदिता डे	2021	संकाय अनुसंधान कार्यक्रम अनुदान-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय	रुपए 2.5 लाख

2	प्रोबिंग ए मैटल सोर्स फॉर प्रेटोरोजाइक मेसिफ टाइप एनार्थोसाइट्स ऑफ छोटानागपुर ग्रेनाइट जिनेसिस कम्पलेक्स ऑफ ईस्टर्न इंडिया। पीआई : डॉ. आशिमा सैकिया, सह- पीआई : डॉ. मंसूर अहमद	2021-2024	जीएसआई	रूपए 5 लाख
3	लेट नियोजिन-क्वाटरनरी मल्टी-प्रोक्सी रिकार्ड्स ऑफ ईआई निनो वेरिबिलिटी : इम्प्लीकेशंस ऑन ट्रॉपिकल इंडियन ओसन पेलियोक्लाइमेट एंड पेलियोओसिनोग्राफी। पीआई : डॉ. आशुतोष के. सिंह, सह-पीआई : प्रो. देवेश के. सिन्हा	2020-2023	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार	रूपए 31 लाख
4	इनवेस्टिगेटिंग द रोल ऑफ इंटरओसेनिक एक्सचेंज ऑन इंडियन ओसन सरफेस हेड रिडिस्ट्रिब्यूशन एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन इंडियन मानसून ड्यूरिंग क्वाटरनरी : ए मल्टी-प्रोक्सी एप्रोच पीआई : डॉ. अंकुश श्रीवास्तव, सह-पीआई : डॉ. आशुतोष के. सिंह	2020-2023	आरयूएसए, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	रूपए 41 लाख
5	सिनरजेटिक यूटिलाइजेशन ऑफ अर्थ आबजरवेशंस विद माडिफिकेशन ऑफ जियो स्पेशियल माडल टू इम्प्रूवर एस्टिमेशन ऑफ एनोमेल्ट कंट्रीब्यूशन टू डिसचार्ज पीआई : डॉ. मनिका गुप्ता	2018 - 2021	एनसीपीओआर, गोवा, एमओईएस, भारत सरकार	रूपए 30 लाख
6	पेलियोपेडॉलाजिकल, सेडीमेंटोलॉजिकल एंड थर्मोकानालॉजिकल रिकार्ड्स ऑफ क्लाइमेट चेंज इट्स टेक्टॉनिक्स ड्यूरिंग द इवोल्यूशन ऑफ शिवालिक सकसेसंस, पजाब रि-इंट्रेंट पीआई : प्रो. पी. श्रीवास्तव	2018-2021	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार	रूपए 34 लाख
7	क्वाटरनरी पेलियोक्लाइमेट एंड पेलियोइकालॉजी वाया मल्टी-प्रोक्सी एनलिसिस ऑफ पेलियोसोल सीक्वेंस एक्रॉस द रसियन प्लेन एंड हिमालया पीआई : प्रो. पी. श्रीवास्तव	2019-2021	डीएसटी-आरएफबीआर संयुक्त शोध	रूपए 25.4 लाख
8	ट्रेकिंग क्लॉजर ऑफ पेसिव मार्जिन सेग-बेसिन इन वेस्टर्न कच्छ, इंडिया : सिग्नेचर फ्रॉम टर्मिनल सेनाजॉइक सकसेसन (सनधन फॉर्मेशन) थ्रू सीक्वेंस स्ट्रेटिग्राफिक एनलिसिस पीआई : डॉ. प्रमोद कुमार	2015-2018 (जनवरी, 2021 में पूर्ण)	डीएसटी	रूपए 18.2 लाख
9	जिरकॉन एंड मोनेजाइट एज प्रोक्सीज फॉर द क्रस्टल इवोल्यूशन : एप्लीकेशंस टू पार्ट्स ऑफ द प्रोटोरोजॉइक मोबाईल बेल्ट्स ऑफ इंडिया पीआई : डॉ. शुभम मुखर्जी	2020-2025	डीएसटी-इंस्पायर	रूपए 35 लाख

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

अबदुल्ला, एस., मिश्रा, एस., सर्वेश, आर., एवं घोष, बी., पेट्रोफैब्रिक एंड सिस्मिक प्रोपर्टीज ऑफ एकज्यूमड सबडक्टिड ओसेनिक क्रस्ट फ्रॉम नागा हिल्स आफियोलाइट, नार्थ ईस्ट इंडिया, एजीयू 2020 फॉल मीटिंग, 1-17 दिसम्बर, 2020, <https://doi.org/10.1002/essoar.10505638.1>

प्रो. देवेश के. सिन्हा : भू-विज्ञान एवं पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, क्रिस्ट कॉलेज, केरल द्वारा 26 अगस्त, 2020 को 'एडवांस्ड माइक्रोपेलियांटोलॉजी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'एप्लीकेशन ऑफ माइक्रोफॉसिल्स इन अंडरस्टैंडिंग अर्थ क्लाइमेट हिस्ट्री' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय

दीक्षित, आर., देशमुख, जी., श्रीवास्तव, डी.सी. एवं जैन, ए.के. (2020) - द मेन सेंट्रल थ्रस्ट जोन (एमसीटीजेड) - एन एनिगमा इन हिमालयन टेक्टानिक्स : ए ब्रीफ स्टडी फ्रॉम उत्तराखंड हिमालय। भू-विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा 'पृथ्वी एवं पर्यावरणीय विज्ञान, में अद्यतन विकास एवं चुनौतियां, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन, पूर्वी हिमालय का विशेष फोकस' विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

देशमुख, जी., दीक्षित, आर., जैन, ए.के. एवं श्रीवास्तव, डी.सी. (2020) - साऊथ तिब्बतियन डिटेचमेंट सिस्टम (एसटीडीएस) एन एक्सटेंशनल टेक्टॉनिक बाऊंड्री : द इनसाइट्स फ्रॉम धौली गंगा वैली, उत्तराखंड हिमालय, भू-विज्ञान विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा 'पृथ्वी एवं पर्यावरणीय विज्ञान, में अद्यतन विकास एवं चुनौतियां, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन, पूर्वी हिमालय का विशेष फोकस' विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

पंत, एन.सी. (2020) - ग्लोबल वार्मिंग, सीओ2 उत्सर्जन एवं अंटार्कटिक आईसशीट -कनेक्शंस एंड नीड फॉर अर्जेंट एक्शन टू टैकल क्लाइमेट चेंज, इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली।

पंत, एन.सी. (2021) - लेक्चर ऑन 'नीड ऑफ जेरो कार्बन उत्सर्जन - ए स्टोरी फ्रॉम आईस-कोर्स' नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट के 6वें ग्रेजुएट सेमिनार में, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, इंडिया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

प्रो. पी.पी. चक्रवर्ती :

आईआईटी, खड़गपुर; आईआईटी, मुम्बई; हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जापान परियोजनाएं (I) आर्गेनिक जियोकेमिकल कंपाउंड्स एवं (II) सिलिकेट रॉक्स एंड मिनरल्स (जिरकोन एवं मोनोजाइट)

प्रो. देवेश के. सिन्हा :

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओसिनोग्राफी, गोवा (एनआईओ जियोट्रेसिज कार्यक्रम के तहत)

मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर (इंटरओसेनिक एक्सचेंज ऑन इंडियन ओसन सरफेस एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन इंडियन मानसून ड्यूरिंग क्वार्टरनरी

विस्तार एवं पहुंच कार्यकलाप

प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय

नेशनल मेंटर फॉर आईएससी-आईएनएसए-एनएसआई समर रिसर्च फैलोशिप।

हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान में एक जापानी विद्यार्थी के पीएच.डी. सह-सुपरवाइजर।

समन्वयक थीम 27 : रॉक डिफॉर्मेशन एंड रियालॉजी फॉर आईजीसी 2020 (महामारी के कारण बाद में रद्द)।

प्रो. देवेश के. सिंहा :

21 अक्टूबर, 2020 को पेलियांटोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया (ओडिशा अध्याय) में एप्लीकेशन ऑफ माइक्रोफॉसिल्स इन अंडरस्टैंडिंग अर्थस हिस्ट्री, विषय पर लोकप्रिय व्याख्यान दिया।

जलवायु परिवर्तन, चक्रवात और भूकंप इत्यादि विषयों पर विभिन्न टीवी कार्यक्रमों में भाग लिया।

24 मार्च, 2021 को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में 'पेलियोबायोजियोग्राफिक एंड बायोस्ट्रेटिग्राफिक एविडेंसिज फॉर रोल ऑफ ओसन गेटवेज इन चेंजिंग ओसन सर्कुलेशन एंड ग्लोबल क्लाइमेट चेंज इयूरिंग सेनाजोइक' विषय पर वार्ता में भाग लिया।

5 जून, 2021 को विज्ञान भवन में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'वर्ल्डस ओसन टालिरेंस टू एनवायरमेंटल डिग्रेडेशन' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

26 अगस्त, 2020 को भू-विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, क्रिस्ट कॉलेज, केरल द्वारा 'एंडवांस्ड माइक्रोपेलियांटोलॉजी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में एप्लीकेशन ऑफ माइक्रोफॉसिल्स विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रो. जी.वी.आर. प्रसाद :

13 नवम्बर, 2020 को संस्थान के स्थापना दिवस पर बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसिज में "बायोलॉजिकल कन्सिक्वेंसिज ऑफ नार्थवार्ड जर्नी ऑफ द इंडियन प्लेट" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. मनिका गुप्ता :

गुरु अंगद देव शिक्षण अधिगम केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3-30 दिसम्बर, 2020 को आयोजित किए गए पुनश्चर्या कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

सह-संयोजक, सीएल2.16 - इम्पेक्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज ऑन एग्रीकल्चर, 2021. वियना, आस्ट्रिया (ऑनलाइन मोड)।

विशेषज्ञ, पर्यावरण एवं दीर्घकालिक विकास संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 15-16 मार्च, 2021 को 'स्पिसिज डिस्ट्रिब्यूशन माडलिंग यूजिंग आर' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला।

प्रो. एन.सी. पंत :

विजिटर नामिनी, यूनिवर्सिटी कोर्ट, नागालैंड विश्वविद्यालय (2019-2022)।

सदस्य (पृथ्वी विज्ञान), डीएसटी विशेषज्ञ समिति, इंस्पायर फेलोशिप।

सदस्य, एक्सपेलोरेशन रिसर्च एडवायजरी समिति (ईआरएसी), उत्तरी क्षेत्र, एटोमिक मिनेरल निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग।

एक्सपर्ट फॉर अर्थ साइंस प्रोग्राम सेलेक्शन फॉर इंडियन अंटार्कटिक साइंटिफिक एक्सपीडिशन (2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2021)।

पंत, एन.सी. (2020) - 27 अक्टूबर-10 नवम्बर, 2020 तक "टूवर्ड्स सस्टेनेबल एनवायरमेंट-ग्लोबल वार्मिंग, आइस-कोर्स एंड सीओ2 एमिशन" विषय पर पर्यावरणीय अध्ययन : जल, पृथ्वी और पर्यावरण (आईडीसी) संबंधी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

पंत, एन.सी. (2021) - वनस्पति विज्ञान विभाग एवं सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 फरवरी, 2021 को "जीव विज्ञान - चुनौतियां एवं अवसर" विषय पर आयोजित किए गए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "कार्बनडाई आक्साइड उत्सर्जन एवं मानव जीवन - एक भू-वैज्ञानिक परिपेक्ष्य" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 03

संकाय संख्या - कुल : 18

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से निधियन प्राप्त कर भू-विज्ञान विभाग में 'डीप सी कोर प्रोसेसिंग वैट लैब (कमरा संख्या 107)' की स्थापना की। यह प्रयोगशाला कम तापमान पर 'डीप सी कोर सैम्पल्स' का भंडारण करने के लिए सभी सुविधाओं में सुसज्जित होने के साथ ही ओवन्स, अत्यधिक सटीकता सहित अति संवेदी माइक्रोबैलेंस, अल्ट्रासोनिक बाथ, वैट सिविंग सुविधा सहित आईओडीपी नवाचारों के अनुसार प्रसंस्करण सुविधाओं से परिपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला में अटलांटिक, प्रशांत एवं हिन्द महासागरों सहित विश्व के महासागरों से 'माइक्रोफॉसिल्स प्लाइड्स' भेजी जाती हैं।

भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग

विज्ञान संकाय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भौतिकी विभाग और खगोल भौतिकी ने भारत में शीर्ष क्यूएस रैंकिंग प्राप्त विश्वविद्यालय भौतिकी विभाग की अपनी स्थिति को बनाए रखा है। वह देश का सबसे बड़ा भौतिकी विभाग है, जिसमें लगभग 750 एम.एससी. विद्यार्थी, 180 पीएच.डी. विद्यार्थी अध्ययनरत एवं 37 नियमित संकाय सदस्य सेवारत हैं। विभाग ने उच्च गुणवत्तापरक शोध में अपने दर्जे को कायम रखा है और वर्ष के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त पत्रों में विद्यार्थियों के अतिरिक्त संकाय सदस्यों द्वारा लगभग 300 शोध प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया है। संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुए हैं और उन्होंने विश्व भर की सहयोगात्मक परियोजनाओं में भाग लिया है। विभाग ने विभिन्न विख्यात अनुसंधानकर्ताओं की मेजबानी की है, जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए प्रेरणादायी व्याख्यान दिए। विभाग के पूर्व विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही स्तरों पर अकादमिक, प्रशासन, नीति-निर्माण एवं सार्वजनिक जीवन में मुख्य पदों पर कार्यरत हैं। विभाग का एम.एससी. पाठ्यक्रम अपने विद्यार्थियों के लिए अंतर-विषयक विषयों सहित 'इलेक्टिव' विषयों का व्यापक विकल्प प्रदान करता है। विभाग वाइब्रेंट पीएच.डी. कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापक तौर पर अद्यतन अनुसंधान विषय प्रदान करता है। वर्ष के दौरान, विशिष्ट विभागीय पोर्टल <http://physics.du.ac.in/>, का सफलतापूर्वक ऑनलाइन संचालन किया गया है, जिस पर विभाग के अकादमिक और अन्य कार्यकलापों को नियमित तौर पर अद्यतन करते हुए प्रदर्शित किया जाता है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. ब्रजेश चन्द्र चौधरी :

प्रवक्ता, इंडिया-सीएमएस सहयोग (अगस्त 2017- अगस्त 2021).

प्रवक्ता, इंडियन इंस्टिट्यूशन : फॉर्मिलैब कोलेबोरेशन इन न्यूट्रिनो फिजिक्स

सदस्य, सीएमएस वित्तीय बोर्ड (अगस्त 2019 - अगस्त 2021).

को-चेयर, सीएमएस डायवर्सिटी ऑफिस (2020 - 2022).

सदस्य, विशेषज्ञ समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, वैज्ञानिक अनुदान प्रदान करने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा (2020-2021).

सदस्य, मेगा साइंस विजन 2035 : प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार द्वारा गठित समिति (2020-2021).

सदस्य, मेगा साइंस (ब्लू स्काई) विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति निर्माण हेतु समिति

2020 (एसटीआईपी-2020) : प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के कार्यालय द्वारा नाम-निर्देशित (2020 से अनवरत).

सह-संयोजक, एसएनओडब्ल्यूएमएसएस 2022 (यूएसए) - ट्रॉपिकल ग्रुप फॉर पब्लिक पालिसी एंड गवर्नमेंट इनगेजमेंट (2020 से अनवरत).

सदस्य, भौतिकी में अनुसंधान अध्ययन बोर्ड, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, (2020-2021).

प्रो. देबाज्योति चौधरी :

सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की पीएसी, फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स, न्यूक्लियर फिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, प्लाज्मा फिजिक्स एवं नॉनलिनियर डायनेमिक्स (2021 से अनवरत)

सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की विशेषज्ञ समिति (डीएसटी), फॉर एसईआरसी स्कूल इन टीएचईपी (2020-2021).

सदस्य, इंस्पायर संकाय पुरस्कार की चयन समिति (2020-2021).

सदस्य, यूजीसी-एफआरपी की चयन समिति (2020-2021).

प्रो. पैट्रिक दास गुप्ता :

अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशनल (आईएजीआरजी) (वर्ष 2020 से अनवरत).

सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, भौतिकी विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, छत्तीसगढ़. (2020 से अनवरत).

सदस्य, अंडर-ग्रेजुएट बोर्ड ऑफ स्टडीज इन फिजिक्स, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी (2020 से अनवरत).

प्रो. विनय गुप्ता :

समन्वयक, उच्च अध्ययन केन्द्र (सीएस-1), भौतिकी विभाग एवं खगोल भौतिकी, दिल्ली विश्वविद्यालय (2018-2023).

सदस्य, तकनीकी समीक्षा एवं परामर्शदात्री समिति (टीआरएसी) - फॉर डीआईटीवाई परियोजना "नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स नेटवर्क फॉर रिसर्च एंड एप्लीकेशंस", आईआईएससी, आईआईटी (बाम्बे, मद्रास, दिल्ली, खडगपुर) द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में कार्यान्वित (2018-2022).

सदस्य, विशेषज्ञ समिति, पोस्ट ग्रेजुएट बोर्ड आफ स्टडीज एंड रिसर्च इन फिजिक्स, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा (जून 2019-जून 2019).

सदस्य, स्कूल बोर्ड, स्कूल ऑफ फिजिक्स एंड मैथेमेटिकल साइंसिज हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (2018-2021).

प्रो. समित कुमार मंडल :

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस), एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नालॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा (2020-2021).

सदस्य, कमिटी फॉर अपडेटिंग इक्विवेलेंट डिप्लोमा फॉर रिक्रूटमेंट, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) (2018 से अनवरत).

सदस्य, योजना समिति, एसईआरबी स्कूल ऑन न्यूक्लियर फिजिक्स (2018 से अनवरत).

सदस्य (मताधिकार सहित) - एनयूएसटीएआर काउंसिल, एफएआईआर-एनयूएसटीएआर प्रोजेक्ट, जीएसआई, डर्मस्टेट, जर्मनी (2018 से अनवरत).

सह-संयोजक, फेयर-न्यूस्टार-इंडिया कोलेबोरेशन (2017 से अनवरत).

सदस्य, विशेषज्ञ समिति, एसईआरबी हाई रिस्क रिवाइ रिसर्च (एचआरएचआर) (2017 से अनवरत).
सदस्य, विशेष समिति, स्पेशल सेंटर फॉर नैनोसाइंस (एससीएनएस), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (2020-2021).

सदस्य, चयन समिति फॉर जेआरएफ/रिसर्च एसोसिएट/साइंटिस्ट, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सीलियेंस सेंटर (2008 से अनवरत).

सदस्य, मूल्यांकन समिति, जेआरएफ टू एसआरएफ, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलियेंस सेंटर (2008 से अनवरत).

प्रो. श्याम रथ :

सदस्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की पीएसी, फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स, न्यूक्लियर फिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, प्लाज्मा फिजिक्स एवं नॉनलिनियर डायनेमिक्स (2020-2021)

सदस्य, पोस्ट-ग्रेजुएट बोर्ड ऑफ स्टडीज इन फिजिक्स, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी (2020-2021).

सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, (2020-2021).

सदस्य, चयन समिति, केवीपीवाई (2020-2021).

सदस्य, चयन समिति, सीएसआईआर-एसआरएफ एवं आरए (2020-2021).

सदस्य, मूल्यांकन समिति, डीएसटी पीएच.डी. इंस्पायर अवार्ड (2020-2021).

प्रो. एच.पी. सिंह :

सदस्य, डीएसटी-जेएसपीएस, भारत-जापान विज्ञान परिषद (2016 से अनवरत).

संकायाध्यक्ष, इंटरनेशनल रिलेशंस, दिल्ली विश्वविद्यालय (2016 से अनवरत).

चेयर, टाइम एलोकेशन कमेटी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (2018 से अनवरत).

प्रो. अन्नापूर्णी सुब्रमण्यम :

सदस्य, अकादमिक परिषद, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय एवं एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ नैनोटेक्नालॉजी (2020-2021).

स्थानीय समन्वयक, जीआईएन (2020-2021).

प्रो. अमिता चन्द्रा :

सदस्य, विश्वविद्यालय अनुसंधान परिषद, मानव रचना विश्वविद्यालय (अप्रैल 2019-अप्रैल 2021).

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (2020-2021).

रिसर्च एम्बेसेडर, डीएएडी (2014 से अनवरत).

प्रो. निवेदिता देव :

सदस्य, कम्प्लेक्स सिस्टम सोसायटी (सीसीएस), इंटरनेशनल (2020-2021).

प्रो. सुप्रिया के. कर :

प्राप्तकर्ता, आउटस्टैंडिंग रिव्यूवर पुरस्कार, 2020 से सम्मानित, क्लासिकल एंड क्वांटम ग्रेविटी, इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स पब्लिशिंग, ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंगडम।

प्रो. अवधेश प्रसाद :

सदस्य, भारत सरकार की पीएसी, फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स, न्यूक्लियर फिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, प्लाज्मा फिजिक्स एवं नॉनलिनियर डायनेमिक्स (2020-2021).

डॉ. देवकी नंदन गुप्ता :

सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी)(2020).

सदस्य, चयन समिति, बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसिज, डीआई, भारत सरकार (2020).

सदस्य, स्टैंडर्ट रिसर्च कमेटी, अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली (2020-2021).

बाह्य सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद (2018-2021).

प्राप्तकर्ता, आउटस्टैंडिंग रिव्यू पुरस्कार 2020 से सम्मानित, एटॉमिक एवं मॉलीक्यूलर फिजिक्स, इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स पब्लिशिंग, ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंगडम।

परिषद सदस्य, प्लाज्मा साइंस सोसायटी ऑफ इंडियन (पीएसएसआई) (2018-2021).

डॉ. सौरव सूर :

सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटेशन (आईएजीआरजी)- वर्ष 2021 में (आजीवन सदस्यता).

प्राप्तकर्ता, आउटस्टैंडिंग रिव्यू पुरस्कार 2019 से सम्मानित, क्लासिकल एंड क्वांटम ग्रेविटी, इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स पब्लिशिंग, ब्रिस्टल, यूनाइटेड किंगडम, (अप्रैल 2020 में पुरस्कार प्राप्त किया).

डॉ. अजीत कुमार महापात्रा :

संयुक्त सचिव, कार्यकारी परिषद, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई) (2020-2021).

प्रकाशन

पब्लिकेशन इन पीयर-रिव्यूड जर्नलस (अंतर्राष्ट्रीय)	पब्लिकेशन इन पीयर-रिव्यूड जर्नलस (राष्ट्रीय)	पुस्तकें/पुस्तकों के अध्याय (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तकें/पुस्तकों के अध्याय (राष्ट्रीय प्रकाशक)	पुस्तकें/पुस्तकों के अध्याय (क्षेत्रीय प्रकाशक)	कुल प्रकाशन संख्या
261	4	3	--	--	268 + 26 (कन.प्रो.) = 294

एससीआई जर्नल (कुल : 265)

आद, जी., एबॉट, बी.,..., टीगे, डी., ट्रेमबाथ-रेचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी., भारद्वाज, ए., एवं रंजन, के., नैमुद्दीन, एम. सहित) (2020) - कंबिनेशन ऑफ द डब्लू बोसोन पालेराइजेशन मिजरमेंट इन टॉप क्वर्क डिकेज यूजिंग एटलस एंड सीएमएस डाटा एट $\sqrt{s} = 8$ टेव, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(8), 51. [https://doi.org/10.1007/jhep08\(2020\)051](https://doi.org/10.1007/jhep08(2020)051)

एबाजोव, वी.एम., एबॉट, बी., आचार्य, बी.एस.,..., चौधरी, बी.सी.,..., जेमिंस्का, डी., एवं जिवकोविक, आई. (2021) - स्टडी ऑफ द नार्मलाइज्ड ट्रांसवर्स मोमेंटम डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ डब्लू बोसोन प्रोड्यूस्ड इन कॉलिजंस एट एस = 1.96 टेव, फिजिकल रिव्यू डी, 103(1), पृष्ठ 012003. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.103.012003>

एबाजोव, वी.एम., एबॉट, बी., आचार्य, बी.एस.,..., चौधरी, बी.सी.,..., जेमिंस्का, डी., एवं जिवकोविक, एल. (2020) - स्टडीज ऑफ एकस (3872) एंड ψ (2एस) प्रोडक्शन इन पीए कॉलिजंस एट 1.96 टेव, फिजिकल रिव्यू डी, 102(7), 072005. <http://doi.org/10.1103/physrevd.102.072005>

- एसिरो, एम.ए., एडमसन, पी., एलियागा, एल.,..., चौधरी, बी.सी.,..., झंग, वाई., एवं ज्वास्का, आर. (2021) - सर्च फॉर स्लो मैग्नेटिक मोनोपोल्स विद द नोवा डिटेक्टर ऑन द सरफेस, फिजिकल रिव्यू डी, 103(1), 012007. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.103.012007>
- एसिरो, एम.ए., एडमसन, पी., एगम, जी.,..., चौधरी, बी.सी.,..., झंग, वाई., एवं ज्वास्का, आर. (2020) - एडजस्टिंग न्यूट्रिनो इंटरएक्शन माडल्स एंड इवेल्यूएटिंग अनसरटेन्टिज यूजिंग नोवा नियर डिटेक्टर डाटा। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(12), 1119. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-08577-5>
- एसिरो, एम.ए., एडमसन, पी., एगम, जी.,..., चौधरी, बी.सी.,..., झंग, वाई., एवं ज्वास्का, आर. (2020) - सुपरनोवा न्यूट्रिनो डिटेक्शन इन नोवा, जर्नल ऑफ कास्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2020(10), 014. <https://doi.org/10.1088/1475-7516/2020/10/014>
- एसिरो, एम.ए., एडमसन, पी., एलियागा, एल.,..., चौधरी, बी.सी.,..., जामोरानो, बी., एवं ज्वास्का, आर. (2020) - मिजरमेंट ऑफ न्यूट्रिनो-इंड्यूस्ड न्यूट्रल करंट कोहेरेंट $\pi 0$ प्रोडक्शन इन द नोवा नियर डिटेक्टर। फिजिकल रिव्यू डी, 102(1), 012004. <http://dx.doi.org/10.1103/PhysRevD.102.012004>
- एसिरो, एम.ए., एडमसन, पी., एलियागा, एल.,..., चौधरी, बी.सी.,..., झंग, वाई., एवं ज्वास्का, आर. (2020) - सर्च फॉर मल्टीमैसेंजर सिगनल्स इन नोवा कोइन्सिडेंट विद लिगो/वर्गो डिटेक्शंस। फिजिकल रिव्यू डी, 101(11), 112006. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.101.112006>
- अहमद, टी., जिंदल, के., तोमर, एम., झा, पी.के., एवं गुप्ता, वी. (2021) - रोल ऑफ चार्ज स्टेट्स एंड डोपेंट साइट्स इन गवर्निंग इलेक्ट्रॉनिक प्रोपर्टीज ऑफ सीआर डोपड बाईफेरस 03, मैटीरियल्स कैमेस्ट्री एंड फिजिक्स, 263(13), 124438. <http://dx.doi.org/10.1016/j.matchemphys.2021.124438>
- अमीर, एस., जिंदल, के., तोमर, एम., झा, पी.के., एवं गुप्ता, वी. (2020) - ट्यूनेबल इलेक्ट्रॉनिक एंड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज ऑफ 3डी ट्रांजिशन मेटल डोपड बाई2फेरस409. जर्नल ऑफ मैग्नेटिज्म एंड मैग्नेटिक मिनरल्स, 509, 166893. <https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2020.166893>
- अमीर, एस., जिंदल, के., तोमर, एम., झा, पी.के., एवं गुप्ता, वी. (2020) - द रोल ऑफ एन अनइंटेंशनल कार्बन डोपेंट इन रिजोल्विंग द कंट्रोवर्सियल कंडेक्टिविटी एस्पेक्टस बायफेरस 03. फिजिकल केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 22(18), 10010-10026. <https://doi.org/10.1039/C9CP06614D>
- अमृत, पी., जैन, एस., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं जोशी, बी. (2020) - सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ सोल जेल डिराइड नॉन टॉक्सिक सीजेडटीएस थिन फिल्मस विदआऊट सल्फयूरिजेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सेरेमिक टेक्नोलॉजी, 17(3), 1194-1200. <https://doi.org/10.1111/ijac.13451>
- असापुर, पी., बनर्जी, आई., सहारे, पी.डी., एवं महापात्रा, एस. (2021) - स्पेक्ट्रोस्कोपिक एनलिसिस ऑफ मुगा सिल्क नैनोपार्टिकल्स सिंथेसाइज्ड बाय माइक्रोवेव मैथड, बायोटेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड बायोकेमेस्ट्री, 68(2), 345-355. <https://doi.org/10.1002/bab.1932>
- बाला, एम., मसरत, ए., कुमार, वी.,..., असोकन, के., एवं अन्नापूर्णी, एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ थर्मल एनिलिंग ऑन थर्मोइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ बीआईएक्सएसबी2-एक्सटीई3 थिन फिल्मस ग्रोवन बाय स्पटरिंग। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 127(24), 245108. <https://doi.org/10.1063/5.0002576>
- बाला, एन., सिंह, एच.के., वर्मा, एस., एवं राठ, एस. (2020) - मैग्नेटिक-आर्डर इंड्यूस्ड इफेक्ट्स इन नैनोक्रिस्टलाइन एनआईओ प्रोबड बाय रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी। फिजिकल रिव्यू बी, 102(2), 024423. <https://doi.org/10.1103/PhysRevB.102.024423>

बांडे, ए., शाहिद, आर., मीना, एस.एस., युसुफ, एस.एम., एवं मुरुगवेल, एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ क्रिस्टलाइट साइज ऑन द फेज ट्रांजिशन बिहेवियर ऑफ हेट्रोसाइट एफईपीओ4. फिजिकल कैमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 22, 15478-15487. <https://doi.org/10.1039/D0CP02387F>

बत्रा, के., सिंहा, एन., एवं कुमार, बी. (2020) - लेड-फ्री 0.95(के0.6एनए0.4)एनबीओ3-0.05(बीआई0.5एनए0.5)जेडआरओ3 सेरेमिक फॉर हाई टेम्परेचर डायइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक एंड पिएजोइलेक्ट्रिक एप्लीकेशंस। जर्नल ऑफ एलायज एंड कंपाउंड्स, 818, 152874. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2019.152874>

बत्रा, के., सिंहा, एन., एवं कुमार, बी. (2020) - टीबी-डोपड जेडएनओ : पीडीएमएस बेस्ड फ्लेक्सिबल नैनोजिनिरेटर विद इनहांसड पायजोइलेक्ट्रिक आउटपुट परफॉर्मेंस बाय आप्टिमाइजिंग नैनोफिलर कनसन्ट्रेंशन। सेरेमिक्स इंटरनेशनल, 46(15), 24120-24128. <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2020.06.191>

भारद्वाज, ए., रेजुकुबा, एम., डे., ग्रिजिस, आर., हरजेग, जी.जे., सिंह, एच.पी., कानबुर, एस एवं नेगियो, सी.सी. (2020) - नियर इन्फ्रारेड सेंसर ऑफ आरआर लेरिए वेरिएबल्स इन द मेजियर 3 ग्लोबुलर क्लस्टर एंड द पीरियड-ल्यूमिनोसिटी रिलेशंस। द एस्ट्रोनामिकल जर्नल, 160(5), 220. <http://dx.doi.org/10.3847/1538-3881/abb3f9>

भारद्वाज, ए., रेजुकुबा, एम., डे., ग्रिजिस, आर., यंग, एस., सी., हरजेग, जी.जे., मार्कोनी, एम., सिंह, एच.पी., कानबुर, एस एवं नेगियो, सी.सी. (2021) - आरआर लेरिए वेरिएबल्स इन मेजियर 53 : नियर इन्फ्रारेड पीरियड ल्यूमिनोसिटी रिलेशंस एंड द कैलिब्रेशन यूजिंग गाया अर्ली डाटा रिलीज 3. द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, 909(2), 200. <http://dx.doi.org/10.3847/1538-4357/abdf48>

भट, एम.वाई., यादव, एन., एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - ए हाई-परफॉर्मेंस फ्लेक्सिबल जेल पालीमर इलेक्ट्रोलाइट इनकार्पोरेटिड विद सब इरोनाइट्रायल एज एडिटिव फॉर क्वेसी-सालिड कार्बन सुपर कैपेसिटर। मैटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग बी : सालिड-स्टेट मैटीरियल्स फॉर एडवांस्ड टेक्नालॉजी, 262(4), 114721. <http://dx.doi.org/10.1016/j.mseb.2020.114721>

भट्टाचार्य, पी., चौधरी, डी., दास, के., घोष, डी.के., एवं मजूमदार, पी. (2021) - गामा रे एंड सिंक्रोट्रॉन रेडिएशन फ्रॉम डार्क मैटर एनिहिलिएशंस इन अल्ट्रा-फैंट ड्वार्फ गैलेक्सिज। जर्नल ऑफ कास्मोलॉजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल्स फिजिक्स, 2021(06), 041. <https://doi.org/10.1088/1475-7516/2021/06/041>

भुक्कल, एस., एवं कुमार, बी. (2020) - माडिफाईड सीजेड टेक्नीक फॉर द ग्रोथ ऑफ आर्गेनिक क्रिस्टल हैविंग लो मेल्टिंग प्वाइंट एंड हाई वेपर प्रेशर। जर्नल ऑफ क्रिस्टल ग्रोथ, 535, 125534. <http://dx.doi.org/10.1016/j.jcrysgro.2020.125534>

भूषण, आर., पांडे, ए., वैद, जी., सिंह, आर.पी., कबिराज, डी., मेहता, डी., कपिल, ए., एवं चमोली, एस.के. (2021) - फैब्रिकेशन ऑफ 128टीई थिन टार्गेट फॉर न्यूक्लियर लेवलस लाइफटाइम मिजरमेंट्स। न्यूक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मैथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सीजिरेटर्स स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एंड एसोसिएटिड इक्विपमेंट, 983, 164586. <http://dx.doi.org/10.1016/j.nima.2020.164586>

बोजबाऊ न्यूमाई, एम., पाठक, एन.के., एवं सैथिल कुमार, पी. (2020) - मालीक्यूलर एस्पेक्टस ऑफ आलिगोमर-कपल्ड अल्ट्रा स्माल एयू नैनोपार्टिकल्स। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 140, 109378. <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2020.109378>

चक्रवर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजूमदार, सी., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., कुमार, एस., कुमार, ए., कुमार, ए., सिंह, आर.पी., एवं मुरलीधर, एस. (2020) - इंडिकेशन ऑफ गामा-वाइब्रेशन इन 123, 125, 127I. जर्नल ऑफ फिजिक्स जी : न्यूक्लियर एंड पार्टिकल फिजिक्स, 47, 095104. <https://doi.org/10.1088/1361-6471/ab97c8>

चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजूमदार, सी., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., राय, एस., प्रगति, मयंक, कुमार, एस., कुमार, ए., पालित, आर., भट्टाचार्य, एस.एस., सिंह, आर.पी., एवं मुरलीधर, एस. (2020) - गामा-वाइब्रेशन इन 126एक्सई : ए रिविजिट, न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 996, 121687. <http://dx.doi.org/10.1016/j.nuclphysa.2019.121687>

चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजूमदार, सी., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., राय, एस., प्रगति, मोदी, एस., अरूमुगम, जी., मयंक, कुमार, एस., कुमार, ए., भट्टाचार्य, एस.एस., सिंह, आर.पी., एवं मुरलीधर, एस. (2020) - सिग्नेचर स्पिलिटिंग इन द पाजिटिव पैरिटी बैंड्स ऑफ 127एक्सई, द यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए, 56, 50. <https://doi.org/10.1140/epja/s10050-020-00066-3>

चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजूमदार, सी., गुप्ता, ए.के., कुमार, ए., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., कुमार, एस., कुमार, ए., सिंह, आर.पी., एवं मुरलीधर, एस. (2021) - आक्टुपोल कोरिलेशंस इन 127I. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माडर्न फिजिक्स ई, 30(5), 2150030. <https://doi.org/10.1142/S0218301321500300>

चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजूमदार, सी., गुप्ता, ए.के., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., राय, एस., प्रगति, मयंक, कुमार, एस., कुमार, ए., पालित, आर., भट्टाचार्य, एस.एस., सिंह, आर.पी., एवं मुरलीधर, एस. (2020) - मल्टीफोनल लांगिट्यूडनल वाबलिंग इन 127एक्सई. फिजिक्स लेटर्स बी, 811, 135854. <http://dx.doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135854>

छन्ने, के.एस., एवं कुमार, एस. (2021) - ब्रेकिंग $\mu - \tau$ सिमेट्री ऑफ ट्राई-बायमेक्सिमल मिक्सिंग। जर्नल ऑफ फिजिक्स जी : न्यूक्लियर एंड पार्टिकल फिजिक्स, 48(3), 035003. <https://doi.org/10.1088/1361-6471/abc6e8>

चौधरी, आर., गर्ग, ए., सिंह, के., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं रविकांत, सी. (2021) - बायसमथ ट्राइ-आयोडायड-पॉलिस्टीरेन कंपोजिट फॉर एक्स-रेज स्विचिंग एप्लीकेशंस एट रूम टेम्परेचर। रेडिएशन फिजिक्स एंड कैमेट्री, 186, 109538. <https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2021.109538>

चौहान, एल., कुमार, एस., श्रीनिवास, के., एवं शुक्ला, ए.के. (2021) - वेरएबल रेंज हापिंग एंड माइयूल्स रिलेक्सेशन इन एनआईएफई204 सेरामिक्स। मैटीरियल कैमेट्री एंड फिजिक्स, 259, 124135. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2020.124135>

चौधरी, एस., अन्नापूर्णी, एस., एवं मलिक, आर. (2021) - फेसाइल स्ट्रेटजी टू सिंथेसाइज डोरट-शेपड α -एफई2ओ3 नैनोपार्टिकल्स फॉर इन्हांसड एलपीजी डिटेक्शन। सेंसर्स एंड एक्च्युएटर्स, बी : केमिकल, 334, 129668. <https://doi.org/10.1016/j.snb.2021.129668>

चौधरी, एस., कुमार, वी., मलिक, वी., नागराजन, आर., अन्नापूर्णी, एस., एवं मलिक, आर. (2020) - सिंथेसिस ऑफ जेडएनओ@एजी डमबेल्स फॉर हायली एफिसिएंट विजिबल-लाइट फोटोकैटैलिस्ट्स। जर्नल ऑफ फिजिक्स कंडेसड मैटर, 32(40), 405202. <https://doi.org/10.1088/1361-648x/ab9e2e>

चौधरी, एस., वशिष्ठ, जी., मलिक, आर., डांग, सी., एल., चैन, सी., एल., कांडासामी, ए एवं अन्नापूर्णी, एस. (2021) - फोटो जिनरेटिड चार्ज ट्रांसपोर्ट स्टडीज ऑफ डिफेक्स-इनड्यूस्ड शटलकॉक-शेपड जेडएनओ/एजी हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर्स। नैनोटेक्नालॉजी, 32(30), 305708. <https://doi.org/10.1088/1361-6528/abf87c>

चौधरी, डी., डेका, के., मंडल, टी., एवं साधुखान, एस. (2020) - न्यूट्रिनो एंड जेड फिनामिनालॉजी इन एन एनामली-फ्री यू(1) एक्सटेंशन : रोल ऑफ हायर-डायमेंशनल आपरेटर्स। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 06, 111. [http://dx.doi.org/10.1007/JHEP06\(2020\)111](http://dx.doi.org/10.1007/JHEP06(2020)111)

चौधरी, डी., महाराणा, एस., सचदेवा, डी., एवं सहदेव, वी. (2021) - डार्क मैटर, माऊन एनोमेलस मैग्नेटिक मोमेंट्स एंड द जिनान1टी एक्सेस। फिजिक्स रिव्यू डी, 103(1), 015006. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.103.015006>

दहिया, ए., एवं सिंह, एस.एस. (2020) - इक्वेशन ऑफ स्टेट ऑफ पीएनजेएल माडल अंडर द इनफ्लूएस ऑफ थर्मल मास एंड मैग्नेटिक फील्ड। प्रमाण जर्नल ऑफ फिजिक्स, 94(1), 121. <https://doi.org/10.1007/s12043-020-01994-x>

दास गुप्ता, पी. (2020) - एफजे डायसन : द मैन हू वुड मेक पैटर्नस एंड डिस्ट्रब द यूनिवर्स, रेजोनेंस, 25(10), 1319. <http://dx.doi.org/10.1007/s12045-020-1054-3>

दास, पी., दत्ताफ, यू., चक्रवर्ती, एस.,..., मंडल, एस.के.,..., स्टोरा, टी., एवं वैडसवर्थ, आर. (2020) - स्टडी ऑफ एकजाटिक डिके ऑफ सीएस आइसोटॉप क्लोज टू द प्रोटोन ट्रिप लाइन, जर्नल ऑफ फिजिक्स : कांफ्रेंस सीरिज, 1643(1), 012127. <https://doi.org/10.1088/1742-6596/1643/1/012127>

दास, एस., कानबुर, एस.एम., बेलिंगर, ई.पी., भारद्वाज, ए., सिंह, एच.पी., मीरडिंक, बी., प्रोएट्टी, एन., चामर्स, ए., एवं जार्डन, आर. (2020) - द स्टेलर फोटोस्फेयर-हाइड्रोजन आयनाइजेशन फ्रंट इंटरएक्शन इन क्लासिकल पलसेटर्स : ए थ्यूरैटिकल एक्सप्लानेशन फॉर आबजर्वेड पीरियड-कलर रिलेशंस। मंथली नोटिसिज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 493(1), 29-47. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa182>

दास, एस., कानबुर, एस.एम., मालेक, आर., भारद्वाज, ए., सिंह, एच.पी., एवं रेजबुका, एम. (2021) - ए थ्यूरैटिकल फ्रेमवर्क फॉर बीएल हर स्टार्स - आई। इफेक्ट ऑफ मैटेलिसिटी एंड कनवेक्शन पैरामीटर्स ऑन पीरियड ल्यूमेनोसिटी एंड पीरियड-रेडियस रिलेशंस, मंथली नोटिसिज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 501(1), 875-891. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa3694>

दीवान, एस., तोमर, एम., टंडन, आर.पी., एवं गुप्ता, वी. (2020) - रूम टेम्परेचर इलेक्ट्रॉन्यूमिसेंस फ्रॉम लेजर एमबीई ग्रोवन गेलियम नाइट्राइड एलईडी। मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग बी : सालिड-स्टेट मैटीरियल्स फॉर एडवांस्ड टेक्नालॉजी, 260(5), 114655. <http://dx.doi.org/10.1016/j.mseb.2020.114655>

दीक्षित, एस., चौधरी, एस.एन., प्रसाद, ए., घोष, डी., एवं श्रीमाली, एम.डी. (2021) - एमरजेंट रिदमस इन कपल्ड नॉनलिनियर आसिलेटर्स ड्यू टू डायनेमिक इंटरएक्शंस। चॉस, 31, 011105. <https://doi.org/10.1063/5.0039879>

दुबे, एम., कुमार, ए., मुरुगावेल, एस., विजय प्रकाश, जी., एमिलान जोश, डी एवं मरियप्पन, सी.आर. (2020) - स्ट्रक्चरल एंड आयन ट्रांसपोर्ट प्रोपर्टीज ऑफ सोडियम ऑयन कंडक्टिंग एनए2एमटीईओ6 (एम = एमजीएनआई एंड एमजीजेडएन) सालिड इलेक्ट्रोलाइट्स। सेरेमिक इंटरनेशनल , 46(1), 663-671. <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2019.09.018>

दत्त, एम., कौशिक, ए., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं सिंह, वी. (2020) -सिंथेसिस ऑफ मिजोपोरस α -एफई2ओ3 नैनोस्ट्रक्चर्स वाया नैनोकास्टिंग यूजिंग एमसीएम-41 एंड किट-6 एज हार्ड टैम्प्लेट्स फॉर सेंसिंग वोलेटाइल आर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी)। जर्नल ऑफ पोरस मैटीरियल्स, 27(1), 285-294. <https://doi.org/10.1007/s10934-019-00811-0>

दत्त, एम., रतन, ए., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं सिंह, वी. (2020) - मेजोपोरस मेटल ऑक्साइड- α -एफई2ओ3 नैनोकंपोजिट्स फॉर सेंसिंग फॉर्मिलिडिहाइड एंड इथेनॉल एट रूम टेम्परेचर। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड कैमिस्ट्री ऑफ सालिड्स, 145, 109536. <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2020.109536>

फर्नांडिज-ट्राइनकाडो, जे.जी., बीयर्स, टी.सी., मिनिट्टी, डी., कैरिगी, एल., पलक्को, वी.एम., चुन, एस., -एच., लेन, आर.आर., गेजलर, डी., विलानोवा, एस., सौजा, एस.ओ., बारबे, बी., पेरेज-विलेगस, ए., चियापिन्नी, सी., क्वेरोज, ए.बी.ए., टांग, बी., एलेंसो-ग्रेसिया, जे., पियाट्टि, ए.ई., पलमा, टी., एलवेस-ब्रायटो, ए., मॉनी बिडिन,

सी., रोमन लॉप्स, ए, मुनोज, आर.आर., सिंह, एच.पी., कुंडु, आर., चाबेस-वेलास्कवेज, एल., रोमेरो-कलमेनारेस, एम., लोंगा-पेना, पी., सोटो, एम., एवं विरेरिया, के. (2021) - एपीओजीईई डिसकवरी ऑफ ए केमिकली ए टिपिकल स्टार डिसरपटिड फ्रॉम एनजीसी 6723 एंड कैपचर्ड बाय द मिल्की वे बल्ज। एस्ट्रोफिजिक्स, 647, A64. <http://dx.doi.org/10.1051/0004-6361/202040255>

गांधी, एस., ईस्सार, एस., महापात्रा, ए.के., एवं राय, आई. (2020) - कोबॉल्ट फेराइट नैनोपार्टिकल्स फॉर बायोमोडल हाइपरथर्मिया एंड देयर मैकेनिस्टिक्स इंटरएक्शंस विद लाइसोजाइम। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर लिक्विड्स, 310, 113194. <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2020.113194>

गिल, एन., गुप्ता, वी., तोमर, एम.,..., पांडे, ओ.पी., एवं सिंह, डी.पी. (2020) - पांडे, ओ.पी., एवं सिंह, डी.पी. (2020) - इम्प्रूव्ड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक शील्डिंग बिहेवियर ऑफ ग्राफीन इनकेपसुलेटिड पॉलीपायरोल नैनोकंपोजिट इन एक्स-बैंड। कम्पोजिट साइंस एंड टेक्नालॉजी, 192, 108113. <https://doi.org/10.1016/j.compscitech.2020.108113>

गोयल, एस., एवं कुमार, बी. (2020) -ए रिव्यू ऑन पिएजो-/फेरो-इलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ मार्फॉलॉजिकली डायवर्स जेडएनओ नैनोस्ट्रक्चर्स। जर्नल ऑफ एलायन एंड कंपाउंड्स, 816, 152491. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2019.152491>

गोपाल, के., गुप्ता, डी.एन., जैन, ए., हूर, एम.एस., एवं सुक, एच. (2021) - इनवेस्टिगेशन ऑफ इलेक्ट्रॉन बीम पैरामीटर्स इन लेजर वेकफील्ड एक्सीलियेशन यूजिंग स्कनिड लेजर पल्स एंड एक्सटर्नल मैग्नेटिक फील्ड। करेंट एप्लाइड फिजिक्स, 25, 82-89. <https://doi.org/10.1016/j.cap.2021.03.003>

गोपाल, के., गुप्ता, डी.एन., एवं सुक, एच. (2021) - पल्स लेंथ इफेक्ट ऑन लेंथ इफेक्ट ऑन लेजर वेकफील्ड एक्सीलियेशन ऑफ इलेक्ट्रॉन्स बाय स्किवड लेजर पल्स। आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन प्लाजमा साइंस, 49(3), 1152-1158. <https://doi.org/10.1109/TPS.2021.3059643>

गुप्ता, डी.एन., (2021) - आप्टिकल सेकिंड-हार्मोनिक जिनरेशन ऑफ टैराहर्टज फील्ड फ्रॉम एन-टाइप इन एसबी सेमिकंडक्टर्स, प्लाजमोनिक्स। 16(2), 419-424. <https://doi.org/10.1007/s11468-020-01291-8>

गुप्ता, डी.एन., एवं जैन, ए. (2021) - टैराहर्टज रेडिएशन जिनरेशन बाय ए सुपर-गोसिएन पल्स इन ए मैग्नेटाइज्ड प्लाजमा, ऑप्टिक, 227, 165824. <https://doi.org/10.1016/j.ijleo.2020.165824>

गुप्ता, जी., शर्मा, आर., एवं शेषाद्री, टी.आर. (2020) - स्केलर स्पेक्ट्रल इंडेक्स इन द प्रेजेंस ऑफ प्राइमोरडियल ब्लैक होल्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माडर्न फिजिक्स डी, 29(3), 2050029. <https://doi.org/10.1142/S0218271820500297>

गुप्ता, जी., वर्मा, एस., नागराजन, आर., एवं राठ, एस. (2021) - माइक्रोस्ट्रक्चरल एंड बैंडगेप इन्वेस्टिगेशंस ऑफ वर्टिजल-फेज जेडएनएमजीओ नैनोपावडर्स सिंथेसाइज्ड बाय बाल-माइलिंग। फिजिका बी : कंडेस्ड मैटर, 604, 412735. <http://dx.doi.org/10.1016/j.physb.2020.412735>

गुप्ता, के.के., झा, ए.के., एवं सिंह, एस.एस. (2020) - क्वार्क-ग्लूऑन प्लाजमा इवोल्यूशन अंडर लूप करेक्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस रिसर्च एंड एप्लाइड फिजिक्स, 8, 13. रिट्राइड फ्रॉम <https://arxiv.org/abs/2010.08918v1>

गुप्ता, आर., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - फेरोइलेक्ट्रिक पीजेडटी थिन फिल्मस फॉर फोटोवोल्टिक एप्लीकेशन। मैटीरियल साइंस इन सेमिकंडक्टर प्रोसेसिंग, 105, 104723. <http://dx.doi.org/10.1016/j.mssp.2019.104723>

गुप्ता, आर.के., कार, एस., एवं नीतिश, आर. (2020) - एस्पेक्ट्स ऑफ ग्रेविटेशनल वेव/पार्टिकल ड्यूएलिटी : बल्क टारसिन/बाऊंड्री ग्रेविटी कारेसपॉण्डेंस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माडर्न फिजिक्स, डी, 29(2), 2050019. <http://dx.doi.org/10.1142/S0218271820500194>

- गुप्ता, एस., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - टेक्सचर इवोल्यूशन इन पीएलडी ग्रावन फेरोइलेक्ट्रिक स्ट्रान्टियम बेरियम नियोबेट (एसबीएन) थिन फिल्मस विद प्रोसेसिंग पैरामीटर्स। सुपरलेटिसिज एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स, 148, 106732. <https://doi.org/10.1016/j.spmi.2020.106732>
- गुप्ता, एस., पाल, एम., तोमर, एम., गुवो, आर., भल्ला, ए., एवं गुप्ता, वी. (2021) - फेरोइलेक्ट्रिक एंड मैग्नेटिक डोमेन मैपिंग आफ मैग्नेटो-डाइइलेक्ट्रिक सीई डोपड बीआईएफईओ3 थिन फिल्मस। जर्नल ऑफ एलायज एंड कंपाउंड्स, 882, 160698. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2021.160698>
- गुप्ता, एस., पालिवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - फेरोइलेक्ट्रिक एसआर0.6बीए0.4एनबी2ओ6 थिन फिल्मस बेस्ड ब्राडबैंड वेवगाइड कपल्ड सरफेस प्लाज्मोन इलेक्ट्रो-ऑप्टिक माड्युलेटर। ऑप्टिक्स एंड लेजर टेक्नालॉजी, 122, 105880. <https://doi.org/10.1016/j.optlastec.2019.105880>
- गुप्ता, एस., पालिवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - सरफेस प्लाज्मॉन रेजोनेंस एसिस्टिड ऑप्टिकल एनलिसिस ऑफ स्ट्रान्टियम बेरियम नियोबेट थिन फिल्मस। एप्लाइड सरफेस साइंस, 501, 144178. <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2019.144178>
- गुप्ता, एस., पालिवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - थर्मो-ऑप्टिक एडिड ट्यूनेबिलिटी ऑफ एसआर0.6बीए0.4एनबी2ओ6 थिन फिल्म-बेस्ड इलेक्ट्रो ऑप्टिक माड्युलेटर यूजिंग वेवगाइड कपल्ड एसपीआर मोड्स। प्लाज्मोनिक्स, 15(3), 661-669. <https://doi.org/10.1007/s11468-019-01070-0>
- गुप्ता, एस., पालिवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2021) - हाई फिगर ऑफ मेरिट आबजर्वड इन एसबीएन थिन फिल्मस बेस्ड ईओ माड्युलेटर एम्प्लायिंग डब्ल्यूसीएसपीआर टेक्निक। ऑप्टिक्स एंड लेजर टेक्नालॉजी, 137, 106816. <https://doi.org/10.1016/j.optlastec.2020.106816>
- गुप्ता, एस., शर्मा, एस., अहमद, टी.,..., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2021) - डेमॉन्स्ट्रेशन ऑफ एफिसिएंट एसबीएन थिन फिल्म बेस्ड मिनिएटुराइज्ड मैक जेहंडर ईओ माड्युलेटर। मैटीरियल्स कैमैस्ट्री एंड फिजिक्स, 262, 124300. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2021.124300>
- गुर्जर, एम.सी., गोपाल, के., गुप्ता, डी.एन., एवं कुलगिन, वी.वी. (2021) - टेराहर्ट्ज रेडिएशन जिनरेशन फ्रॉम शार्ट-पल्स लेजर इंटरएक्शन विद इलेक्ट्रॉन-होल प्लाज्मा। यूरोफिजिक्स लेटर्स, 133(1), 14001. <https://doi.org/10.1209/0295-5075/133/14001>
- गुर्जर, एम.सी., गोपाल, के., गुप्ता, डी.एन., कुलगिन, वी.वी., एवं सुक, एच. (2020) - हाई फील्ड कोहेरेंट टेराहर्ट्ज रेडिएशन जिनरेशन फ्रॉम चिरपेड लेजर पल्स इंटरएक्शन विद प्लाज्मास। आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन प्लाज्मा साइंस, 48(10), 3727-3734. <https://doi.org/10.1109/TPS.2020.3022903>
- हाशमी, एस.ए., यासिर भट्ट, मोहम्मद एवं यादव, एन. (2020) - जेल पालीमर इलेक्ट्रोलाइट कंपोजिशन इनकापेरिटेडिंग एडिपोनाइट्रायल एज ए सोल्वेंट फॉर हाई परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिकल डबल-लेजर कैपेसिटर्स। एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटीरियल्स, 3(11), 10642-10652. <https://doi.org/10.1021/acsaem.0c01690>
- होर, ए.ए., एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - ऑप्टिमाइजेशन ऑफ हायरेरकली पोरस कार्बन डिराइव्ड फ्रॉम ए बायोमास पॉलन-कोन एज हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रॉड्स फॉर सुपरकैपेसिटर्स। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 356, 136826. <https://doi.org/10.1016/j.electacta.2020.136826>
- ईस्सर, एस., एवं महापात्रा, ए.के. (2020) - फ्लोटिंग मेटल लेयर एज टॉप इलेक्ट्रोड ओवर वर्टिकली ग्रावन नैनोरोड एरेज यूजिंग एंगल डिपोजिशन टेक्नीक। नैनोटेक्नालॉजी, 31(46), 465301. <https://doi.org/10.1088/1361-6528/abacf4>
- जगन्नाथन, एस., मलिक, एस., जैन, डी., एवं शेषाद्री, टी.आर. (2021) - इम्पेक्ट ऑफ मैग्नेटिक फील्ड आन द गैस मास फ्रैक्शन ऑफ गैलेक्सी क्लस्टर्स। न्यू एस्ट्रोनामी, 84, 101531. <http://dx.doi.org/10.1016/j.newast.2020.101531>

जगन्नाथन, एस., शर्मा, आर., एवं शेषाद्री, टी.आर. (2021) - इम्प्रिंट ऑफ द पोस्ट-रिकंबिनेशन डिसीपेशन ऑफ हेलीकल मैग्नेटिक फील्ड ऑन द कास्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड रेडिएशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स, डी, 30(1), 2050122. <https://doi.org/10.1142/S0218271820501229>

जैन, ए., एवं गुप्ता, डी.एन. (2021) - इम्प्रूवमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉन बीम क्वालिटी इन लेजर वेकफील्ड एक्सिलिनेशन बाय ए सर्कुलरली-पोलेराइज्ड लेजर पल्स। प्लाज्मा फिजिक्स एंड कंट्रोल्ड फ्यूजन, 63(7), 075007. <https://doi.org/10.1088/1361-6587/abfd7d>

जैन, पी., गोयल, ए., एवं मंडल, एस.के. (2020) - मोमेंट ऑफ इंटीरिया ऑफ एसडीआईबी इन ए = 190 मास रीजन यूजिंग वीएमआई मॉडल। जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 12, 209-214. <http://dx.doi.org/10.3329/jsr.v12i2.43867>

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - लांग रेंज सरफेस प्लाज्मास एसिस्टिड हायली सेंसिटिव एंड रूम टेम्परेचर आपरेटिड एनओ₂ गैस सेंसर। सेंसर एंड एक्चुएटर्स, बी :केमिकल, 311, 127897. <http://dx.doi.org/10.1016/j.snb.2020.127897>

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - प्लाज्मन-एसिस्टिड क्रिस्टलाइन सिलिकॉन सोलर सेल विद टीआईओ₂ एज एंटी रिफ्लेक्टिव कोटिंग। प्लाज्मोनिक्स, 15(4), 1091-1101. <https://doi.org/10.1007/s11468-020-01127-5>

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - रिफ्लेक्टिव इन्डेक्स ट्यूनिंग ऑफ एसआईओ₂ फॉर लांग रेंज सरफेस प्लाज्मोन रिजोनेंस बेस्ड बायोसेंसर्स। बायोसेंसर्स एंड बायोइलेक्ट्रॉनिक्स, 168, 112508. <https://doi.org/10.1016/j.bios.2020.112508>

जमदेगनी, एम., एवं कौर, ए. (2020) - हाईली एफिसिएंट डार्क टू ट्रांसपेरेंट इलेक्ट्रोक्रोमिक इलेक्ट्रोड विद चार्ज स्टोरिंग एबिलिटी बेस्ड ऑन पालीएनिलीन एंड फंक्शनेलाइज्ड निकेल ऑक्साइड कम्पोजिट लिंकड थू ए बाइंडिंग एजेंट। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 331, 135359. <https://doi.org/10.1016/j.electacta.2019.135359>

जमदेगनी, एम., एवं कौर, ए. (2020) - रोल ऑफ पालेरिटी ऑफ सरफेक्टेस ऑन द मार्फॉलॉजी आफ इलेक्ट्रोकेमिकली सिंथेसाइज्ड पालीएनिलिन नैनोस्ट्रक्चर्स : टूर्बिड फॉस्टर एंड एफिसिएंट इलेक्ट्रोक्रोमिक रिस्पॉन्स। थिन सालिड फिल्मस, 714, 138373. <http://dx.doi.org/10.1016/j.tsf.2020.138373>

जरवाल, बी., एवं सिंह, एस.एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ केमिकल पोटेन्शियल ऑन रोटेशन ऑफ बोसोन स्टार। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 94(9), 1483-1490. <https://doi.org/10.1007/s12648-019-01584-7>

जरवाल, बी., एवं सिंह, एस.एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ कासमालॉजिकल कांस्टेंट ऑन एम्प्लीट्यूड वेरिएशन ऑफ बोसोन स्टार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस रिसर्च एंड एप्लाइड फिजिक्स, 8, 26-36. <http://dx.doi.org/10.26438/ijsrpas/v8i2.2634>

जोसेफ, ए.जे., सिन्हा, एन., गोयल, एस. हुसैन, ए., एवं कुमार, बी. (2020) - डू-रिमेनेंट, रेजिस्टिव-लीकेज एंड मैकेनिकल स्टडीज ऑफ फ्लक्स ग्रावन 0.64पीएमएन-0.36पीटी सिंगल क्रिस्टलस। ऐरिबियन जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 13(1), 2596-2610. <https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2018.06.012>

जोशी, ए., पांडे, जे.सी., राज, ए., सिंह, के.पी., अनुपमा, जी.सी., एवं सिंह, एच.पी. (2020) - ऑप्टिकल एंड एक्स-रे स्टडीज ऑफ थ्री पोलर्स : आरएक्स जे0859.1+0537, आरएक्स जे0749.1-0549, एंड आरएक्स जे0649.8-0737. मंथली नोटिसिज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 491(1), 201-214. <https://doi.org/10.1093/mnras/stz3016>

जोशी, एच., एवं अन्नपूर्णा, एस. (2020) - ट्यूनिंग ऑप्टिकल प्रोपर्टीज इन नैनोकंपोजिटस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नैनोसाइंसिज, 19(4), 1950026. <https://doi.org/10.1142/S0219581X19500261>

कामेश्वर राव, एन., लेंबर्ट, डी.एल., रेड्डी, ए.बी.एस., गुप्ता, आर., मुनीर, एस., वर्गीस, बी., एवं सिंह, एच.पी. (2020) - अनवेलिंग वेला - वेरिएबिलिटी ऑफ इंटरस्टेलर लाइंस इन द डायरेक्शन ऑफ द वेला सुपरनोवा रिमनैट-III, एनएडी एवं कोक, मंथली नोटिसीज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 493(1), 497-517. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa231>

खरनगढ, पी.आर., गुप्ता, वी., सिंह, ए., भारद्वाज, पी., एवं ग्रेस, ए.एन. (2020) - एन एफिसिएंट सूडोकेपेसेटर इलेक्ट्रॉड मैटीरियल विद को-डोपिंग ऑफ आयरन (II) एंड सल्फर इन ल्यूमिनेसेंट ग्राफीन क्वांटम डाट्स। डायमंड एंड रिलेटेड मैटीरियल्स, 107, 107913. <https://doi.org/10.1016/j.diamond.2020.107913>

खरनगढ, पी.आर., रविन्द्र, एन.एम., रावल, आर., सिंह, ए., एवं गुप्ता, वी. (2021) - ग्राफीन क्वांटम डाट्स डेकोरेटिड ऑन स्पिनल निकल कोबाल्टाइड नैनोकम्पोजिट्स फॉर बूस्टिंग सुपरकेपेसिटर इलेक्ट्राड मैटीरियल परफॉर्मेंस। जर्नल ऑफ एलायज एंड कंपाउंड्स, 876, 159990. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2021.159990>

खुराना, एस., नेगी, एस., एवं चन्द्रा, ए. (2021) - इफेक्ट ऑफ सरफेस माडिफिकेशन ऑफ डायपरसॉयड आन हाइब्रिड पालीमर इलेक्ट्रोलाइट। पालीमर टेस्टिंग, 96, 107118. <https://doi.org/10.1016/j.polymertesting.2021.107118>

कुलगिन, वी.वी., कोरनिंको, वी.एन., चेरपेनिन, वी.ए., गुप्ता, डी.एन., एवं सुक, एच. (2021) - जनरेशन ऑफ इंटेंस कोहेरेन्ट इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन ड्यूरिंग द इंटरएक्शन ऑफ ए मल्टी-टेरावट लेजर पल्स विद ए नैनोवायर टारगेट। क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 51(4), 323-332. <http://dx.doi.org/10.1070/QEL17504>

कुमार, ए., सुदीप्ता, एवं मुरुगावेल, एस. (2020) - इनफ्लूएंस ऑफ टेक्सचुरल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑन बायोमिनरेलाइजेशन बिहेवियर ऑफ मेजोपोरस एसआईओ₂-पी₂ओ₅-सीएओ बायोएक्टिव ग्लास एंड ग्लास-सेरेमिक्स। मैटीरियल्स कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 242, 122511. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2019.122511>

कुमार, डी., जैन, डी., महाजन, एस., मुखर्जी, ए., एवं रानी, एन. (2021) - कंस्ट्रेनिंग कास्मालाजिकल एंड गैलेक्सी पैरामीटर्स यूजिंग स्ट्रांग ग्रेविटेशनल लेंसिंग सिस्टम। फिजिकल रिव्यू डी, 103(6), 063511. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.103.063511>

कुमार, जे., सिंह, एच., राज, वी.बी., निमल, ए.टी., गुप्ता, वी., एवं सिंह, वी.के. (2020) - ट्रेस डिटेक्शन ऑफ नर्व एजेंट सिमुलेंट इन द फ्यूल वेपर एनवायरमेंट यूजिंग मेटल ऑक्साइड/सरफेस एकाउस्टिक वेव ई-नोज। डिफेंस साइंस जर्नल, 70(5), 520-528. <https://doi.org/10.14429/dsj.70.14584>

कुमार, एल., चौहान, एम., बोराह, पी.के.,...., हाशमी, एस.ए., एवं डेका, एस. (2020) - कोरल-शेपड बायफंक्शनल नीको₂ओ₄ नैनोस्ट्रक्चर : ए मैटीरियल फॉर हायली एफिसिएंट इलेक्ट्रोकेमिकल चार्ज स्टोरेज एंड इलेक्ट्रोकेटेलिटिक ऑक्सीजन इवोल्यूशन रिएक्शन। एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटीरियल्स, 3(7), 6793-6804. <https://doi.org/10.1021/acsaem.0c00909>

कुमार, एन., वर्मा, एस., मोहसिना, एस., साधुखान, जे., रोजिता देवी, के., बनर्जी, ए., सनीष, एन., कुमार, एम., महाजन, आर., ठाकुर, एम., कौर, जी., रानी, ए., नीलम, यादव, ए., कविता, कुमार, आर., उन्नती, मंडल, एस., कुमार, एस., बेहेडा, बी.आर., गोल्डा, के.एस., झिंगान, ए., एवं सुगाथन, पी. (2021) - प्रोबिंग एन्ट्रेंस चैनल इफेक्ट्स इन फ्यूजन, फिशन डायनेमिक्स थ्रू न्यूट्रॉन मल्टीप्लीसिटी मीजरमेंट ऑफ 208 आरएन। फिजिक्स लेटर्स बी, 814, 136062. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2021.136062>

कुमार, पी., एवं वेदश्वर, ए.जी., (2020) - कैविटी-एसिस्टिड इनहांसड एंड डिफेजिंग-इम्यून स्कीविजिंग इन द रेजोनेंस फ्लूरोसेंस ऑफ ए सिंगल क्वांटम डाट। फिजिकल रिव्यू ए, 102, 043715. <https://doi.org/10.1103/PhysRevA.102.043715>

कुमार, पी., सक्सेना, एन., एवं गुप्ता, वी. (2020) - वाइटल रोल ऑफ एयर एंबिएंट प्रेशर इन कंट्रोल्ड प्रोपर्टीज ऑफ नैनोक्रिस्टलाइन सीडीएस थिन फिल्मस। जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 31(9), 6755-6763. <https://doi.org/10.1007/s10854-020-03233-w>

कुमार, आर., एवं कौर, ए. (2020) - केमिरेजिस्टिव गैस सेंसर बेस्ड ऑन थर्मली रिड्यूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड फॉर सेंसिंग सल्फर डाइ ऑक्साइड एट रूम टेम्परेचर। डायमंड एंड रिलेटेड मैटीरियल्स, 109, 108039. <https://doi.org/10.1016/j.diamond.2020.108039>

कुमार, आर., सिन्हा, एन., एवं कुमार, बी. (2021) - इन्फ्लूएस ऑफ जाइलेनाल आरेंज डाइ आन स्ट्रक्चरल, वाइब्रेशनल, थर्मल एंड ल्यूमिनेसेंस प्रोपर्टीज ऑफ टीजीएस क्रिस्टल। जर्नल ऑफ मैटीरियल्स साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 32(2), 2486-2504. <https://doi.org/10.1007/s10854-020-05016-9>

कुमार, एस., एवं गुप्ता, डी.एन. (2020) - आप्टिमाइजेशन ऑफ लेजर पैरामीटर्स फॉर प्रोटोन एक्सीलरेशन यूजिंग डबल लेजर पल्सिज इन टीएनएसए मैकेनिज्म। लेजर एंड पार्टिकल्स बीम्स, 38(2), 73-78. <http://dx.doi.org/10.1017/S0263034620000063>

कुमार, एस., गुप्ता, डी.एन., मलिक, एच.के., सिंह, डी., ली, जे., एवं यून, एम. (2020) - इफेक्ट ऑफ ए टाइटली फोकस्ड चिरपेड गौसियन लेजर पल्स ऑन इलेक्ट्रान एक्सीलरेशन इन हेलीकल अनड्युलेटर। फिजिक्स ऑफ प्लाज्मा, 27(4), 043105. <https://doi.org/10.1063/1.5120769>

कुमार, एस., महापात्रा, ए.के., एवं मिश्रा, पी. (2020) - 2एमईवी एरगॉन (एआर+) आयन इंड्यूस्ड नैनो-फैब्रिकेशन इन जीएसबी एपि-लेयर्स ऑन जीएसएस सबस्ट्रेक्ट्स। वैक्यूम, 179, 109523. <https://doi.org/10.1016/j.vacuum.2020.109523>

कुमार, एस., शर्मा, ए., हो, वाई.टी.,..., छांग, ई.वाई., एवं गुप्ता, वी. (2020) - हाई परफॉर्मेंस यूवी फोटोडिटेक्टर बेस्ड ऑन एमओएस2 लेयर्स गोवन बाय पलस्ड लेजर डिपोजिशन टेक्नीक। जर्नल ऑफ एलायज एंड कंपाउंड्स, 835, 155222. <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2020.155222>

कुमार, एस., शर्मा, ए., तोमर, एम., एवं गुप्ता, वी. (2021) - रिएलाइजेशन ऑफ लो-पावर एंड हाई मोबिलिटी थिन फिल्म ट्रांजिस्टर्स बेस्ड ऑन एमओएस2 लेयर्स गोवन बाय पीएलडी टेक्नीक। मैटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग बी : सॉलिड-स्टेट मैटीरियल्स फॉर एडवांस्ड टेक्नॉलाजी, 266, 115047. <https://doi.org/10.1016/j.mseb.2021.115047>

कुमार, एस., सिन्हा, एन., गोयल, एस., एवं कुमार, बी. (2020) - इफेक्ट ऑफ जाइलेनाल आरेन्ज डाइ आन मार्फालाजिकल, आप्टिकल, पीएजो/डाई-इलेक्ट्रिक एंड मैकेनिकल प्रोपर्टीज ऑफ पोटाशियम हाइड्रोजन पैचालेट सिंगल क्रिस्टलस। वैक्यूम, 175, 109240. <https://doi.org/10.1016/j.vacuum.2020.109240>

कुमार, एस., सिन्हा, एन., गोयल, एस., एवं कुमार, बी. (2021) - ट्राइपन ब्लू स्टैंड केएपी क्रिस्टल : ए कम्पेरेटिव स्टडी आन मार्फालाजिकल, स्ट्रक्चरल, आप्टिकल, डाई-पिजो-इलेक्ट्रिक एंड मैकेनिकल प्रोपर्टीज, चाइनीज जर्नल ऑफ फिजिक्स, 72, 655-669. <https://doi.org/10.1016/j.cjph.2021.02.002>

कुमार, एस., एवं श्रीनिवास, के. (2021) - इफेक्ट ऑफ डीएल-ऐलनाइन फ्यूल एंड एनिलिंग ऑन ऑटो कम्बेसन डिराइव्ड एमजीएफई2ओ4 पावडर विद लो कार्बन कंटेंट एंड इम्प्रूव्ड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज। एप्लाइड फिजिक्स : ए मैटीरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 127(3), 165. <https://doi.org/10.1007/s00339-020-04246-2>

कुमार, वी., भोगड़ा, ए., बाला, एम., हॉ, एस.सी., चेन, सी.एल., डांग, सी.एल., अशोकन, के., एवं अन्नापूर्णी, एस. (2021) - ऑरिजन ऑफ इंटेंस ब्लू-ग्रीन एमिसन इन थिन फिल्मस विद इंट्रांजिड नाइट्रोजन आयंस : एन इनवेस्टिगेशन बाय सिंक्रोट्रॉन-बेस्ड एक्सपेरीमेंटल टेक्निक्स। फिजिकल रिव्यू बी, 103(2), 024104. <https://doi.org/10.1103/PhysRevB.103.024104>

कुमार, वाई, सेठी, पी.के., एवं सिंह, एस.एस. (2021) - ए सिम्पल माडल एप्रोच टू डायलेपटान प्रोडक्शन रेट इन रिफ्लेक्टिविस्टिक हैवी आयन कॉलिजन। फिजिक्स ऑफ पार्टिकल्स एंड न्यूक्ली लेटर्स, 18(2), 160-165. <https://doi.org/10.1134/S1547477121020096>

कुंडु, आर., नवनेटे, सी., फर्नांडिज-ट्रिनकाडो, जे.पी., मिन्निती, डी., सिंह, एच.पी., बारडॉन, एल, पियाट्टी, ए.ई. एवं रेयले, सी. (2021) - द सर्च फॉर एक्सट्राटायडल स्टार कंडिडेट्स अराउंड एनजीसी 6397 विद गाया डीआर2 एस्ट्रोमेट्री। एस्ट्रॉनामी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, 645, A116. <https://doi.org/10.1051/0004-6361/202038720>

लेमिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., एवं गुप्ता, वी. (2020) - इफेक्ट ऑफ लेजर फ्लूएंस ऑन मल्टीफेरोइक बीआईएफईओ3 फेरोइलेक्ट्रिक फोटोवोल्टिक सेल्स। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड कैमेस्ट्री ऑफ सालिड्स, 146, 109602. <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2020.109602>

लेमिछाने, एस., शर्मा, एस., तोमर, एम., कुमार, ए., एवं गुप्ता, वी. (2020) - इनफ्लूएंस ऑफ लेजर फ्लूएंस इन माडिफाईंग एनर्जी स्टोरेज प्रोपर्टी ऑफ बीआईएफईओ3 थिन फिल्म कैपेसिटर, जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 32, 101769. <https://doi.org/10.1016/j.est.2020.101769>

लोचब, ए., सक्सेना, एम., जिंदल, के., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं सक्सेना, आर. (2021) - थियाल-फंक्शनलाइज्ड मल्टीवाल कार्बन नैनोट्यूब्स फॉर इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग ऑफ थैलियम। मैटीरियल्स कैमेस्ट्री एंड फिजिक्स, 259, 124068. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2020.124068>

मलिक, एस., चांद, एच., शेषाद्री, टी.आर. (2020) - रोल ऑफ इनटरवेनिंग एमजी॥ एबजार्बर्स ऑन द रोटेशन मीजर एंड फ्रैक्शनल पॉलीराइजेशन ऑफ द बैकग्राउंड क्वासर्स। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, 890(2), 132. <http://dx.doi.org/10.3847/1538-4357/ab6bd5>

मांडलिक, एन.टी., रौंदिया, एस.आर., डजेड, एन.वाई., कुलकर्णी, एम.एस., सहारे, पी.डी., भट्ट, बी.सी., एवं ढोले, एस.डी. (2020) - थर्मोल्यूमिनेसेंस, फोटोल्यूमिनेसेंस एंड ऑप्टिकली स्टिमुलेटिड ल्यूमिनेसेंस कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ सीएसओ4 : ईयू फॉस्फर : एक्सपेरीमेंटल एंड डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी (डीएफटी) इनवेस्टिगेशंस, जर्नल ऑफ ल्यूमिनेसेंस, 221, 117051. <https://doi.org/10.1016/j.jlumin.2020.117051>

मांडलिक, एन.टी., सहारे, पी.डी., एवं ढोले, एस.डी. (2020) - इफेक्ट ऑफ साइज वेरिएशन एंड गाया इरिडेशन ऑन थर्मोल्यूमिनेसेंस एंड फोटोल्यूमिनेसेंस कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ सीएसओ4:ईयू माइक्रो एंड नैनोफॉस्फोरस। एप्लाइड रेडिएशन एंड आइसोटोपस, 159, 109080. <https://doi.org/10.1016/j.apradiso.2020.109080>

मांडलिक, एन.टी., सहारे, पी.डी., एवं ढोले, एस.डी., एवं बलराज, ए. (2020) - इफेक्ट ऑफ एनिलिएलिंग टेम्परेचर एंड फेज चेंज ऑन थर्मोल्यूमिनेसेंस एंड फोटोल्यूमिनेसेंस ऑफ के2सीए2(एसओ4)3 : ईयू नैनोफॉस्फोरस। न्यूक्लियर इंस्ट्रुमेंट्स एंड मॅथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्शन, बी : बीम इंटरएक्शंस विद मैटीरियल्स एंड एटमस, 480(1), 105-114. <http://dx.doi.org/10.1016/j.nimb.2020.07.011>

मांडलिक, एन.टी., सहारे, पी.डी., कुलकर्णी, एम.एस., रावत, एन.एस., गायकवाड, एन.पी., एवं ढोले, एस.डी. (2021) - स्टडी ऑफ ऑप्टिकली स्टिमुलेटिड ल्यूमिनेसेंस एंड कैल्कुलेशन ऑफ ट्रैपिंग पैरामीटर्स ऑफ के2सीए2(एसओ4)3:ईयू नैनोफॉस्फोर। एप्लाइड रेडिएशन एंड आइसोटोपस, 167, 109388. <https://doi.org/10.1016/j.apradiso.2020.109388>

मांडलिक, एन.टी., सहारे, पी.डी., रौंदिया, एस.आर., डजेड, एन.वाई., देवरे, ए.वी., दाहीवाले, एस.एस., एवं ढोले, एस.डी. (2020) - कैरेक्टरस्टिक्स आफ के2सीए2(एसओ4)3:ईयू टीएलडी नैनोफॉस्फर फॉर इटस एप्लीकेशंस इन इलेक्ट्रॉन एंड गामा रेज डॉ.जिमेट्री। ऑप्टिकल मैटीरियल्स, 109, 110272. <https://doi.org/10.1016/j.optmat.2020.110272>

मांडलिक, एन.टी., वर्मा, वी.बी., कुलकर्णी, एम.एस., भट्ट, बी.सी., सहारे, पी.डी., राउत, एस.ए., मेठे, वी.एल., भोरास्कर, एस.वी., एवं ढोले, एस.डी. (2020) - ल्यूमिनेसेंस एंड डाजिमेट्रिक कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ नैनो

क्रिस्टेलाइन एआआई2ओ3:सी सिंथेसाइज्ड बाय थर्मल प्लाज्मा रिएक्टर। न्यूक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मैथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्शन : बी : बीम इंटरएक्शंस विद मैटीरियल्स एंड एटम्स, 466, 90-101. <https://doi.org/10.1016/j.nimb.2020.01.008>

मंगला, ओ., रॉय, एस., अन्नपूर्ण, एस., एवं अशोकन, के. (2020) - स्टडी ऑन डिफेक्ट इन जीएएस नैनोस्ट्रक्चर्स बाय ऑयन बीम इररेडिएशन। बुलेटिन ऑफ मैटीरियल्स साइंसिज, 43(1), 78. <https://doi.org/10.1007/s12034-020-2044-5>

मिश्रा, के., यादव, एन., एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - रिसेंट प्रोग्रेस इन इलेक्ट्रॉड एंड इलेक्ट्रोलाइट मैटीरियल्स फॉर फ्लेक्सिबल सोडियम-आयन बैट्रिज। जर्नल ऑफ मैटीरियल्स कैमिस्ट्री ए, 8(43), 22507-22543. <https://doi.org/10.1039/D0TA07188A>

मोदित्मा, सिंह, पी., शर्मा, आर., वर्मा, ए.के., एवं अन्नापूर्णी, एस. (2021) - एफईसीओ नैनोपार्टिकल्स एज एंटीबैक्टीरियल एजेंट्स विद इम्प्रूव्ड रिस्पांस इन मैग्नेटिक फील्ड : एन इनसाइट इनटू द एसोसिएटेड टॉक्सिटी मैकेनिज्म, नैनोटेक्नालॉजी, 32(33), 335101. <https://doi.org/10.1088/1361-6528/abfa53>

मोदित्मा, चौधरी, एस., वशिष्ठ, जी., रेड्डी, वी.आर., एवं अन्नापूर्णी, एस. (2020) - फेसाइल सिंथेसि ऑफ हायली मैग्नेटिक लांग-टर्म स्टेबल एफईसीओ नैनोपार्टिकल्स। जर्नल ऑफ सुपरकंडक्टिविटी एंड नावेल मैग्नेटिज्म, 33(6), 1653-1657. <https://doi.org/10.1007/s10948-019-05398-w>

नीलम, कुमार, एस., देवी, के.आर., कुमार, एन., साहा, एस., बिस्वास, एस., सिंह, पी., बाबरा, एफ.एस., लस्कर, मो., एस.आर., पालित, आर. समान्ता, एस., दास, एस., कुमार, ए., एवं श्रीवास्तव, पी.सी. (2020) - इंटरमीडिएट स्ट्रक्चर एंड डायपोल बैंड्स इन द ट्रांजिशनल 134बीए न्यूक्लियस। फिजिकल रिव्यू सी, 101(1), 014312. <https://doi.org/10.1103/PhysRevC.101.014312>

नेगी, एस., एवं चन्द्रा, ए. (2020) - एक्वेस इलेक्ट्रोलाइट्स ट्रांसपोर्ट थ्रू नैनोपोरस ऑफ पॉलीमरिक मेम्ब्रेन। रेडिएशन इफेक्ट्स एंड डिफेक्ट्स इन सालिड्स, 175(3-4), 257-267. <https://doi.org/10.1080/10420150.2019.1701458>

नितीश, आर., गुप्ता, आर.के., एवं कार, एस. (2020) - परस्पेक्टिव ऑफ पेरिहेलियॉन प्रोसेसन इन टार्जिन माडिफाईड ग्रेविटी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माडर्न फिजिक्स डी, 29(10), 2050074. <https://doi.org/10.1142/S0218271820500741>

नितीश, आर., एवं कार, एस. (2021) - जियोमेट्रिक टार्जिन, फॉर-फॉर्म, रेमन ड्यूल्स एंड क्विंटेंसिंस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माडर्न फिजिक्स डी, 30(2), 2150011. <https://doi.org/10.1142/S0218271821500115>

पांडे, ए., भूषण, आर., रोहिल्ला, ए., मजूमदार, सी., चक्रवर्ती, एस., सिंह, आर.पी., कपिल, ए., एवं चमोली, एस.के. (2021) - फ्रैब्रिकेशन ऑफ थिन एनबी टारगेट फॉर लाइफटाइम मीजरमेंट ऑफ शार्ट लिव्ड एक्साइटिड न्यूक्लियर स्टेट्स, न्यूक्लियर इंस्ट्रूमेंट्स एंड मैथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्शन ए : एक्सीलिटेडर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एंड एसोसिएटेड इक्विपमेंट, 985, 164667. <https://doi.org/10.1016/j.nima.2020.164667>

पांडे, ए.के., मलिक, एस., एवं शेषाद्री, टी.आर. (2021) - इम्प्लीकेशंस ऑफ बायरन-डार्क मैटर इंटरएक्शन आन आईजीएम टेम्परेचर एंड टीएसजेड इफेक्ट विद मैग्नेटिक फील्ड। मंथली नोटिसिज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 500(1), 643-654. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa3281>

पांडे, आई., एवं चंद्रा, ए. (2021) - टेम्परेचर इन्ड्यूस्ड चेंजिज इन पालीमर बेस्ड फ्रैक्टल पैटर्नस ड्यू टू एजी मैटल एग्रीगेशन, एप्लाइड फिजिक्स ए, 127(5), 369. <https://doi.org/10.1007/s00339-021-04524-7>

पांडे, पी.पी., सिंह, एच., एवं जैन, एस. (2020) - एक्सपोज़ेचर ट्रेजकटरीज, सेल साइज फलक्युएशंस एंड द एडर प्रोपर्टी इन बैक्टीरिया फॉलो फ्राम सिम्पल केमिकल डायनेमिक्स एंड डिविजन कंट्रोल। फिजिकल रिव्यू ई, 101, 062406. <https://doi.org/10.1103/physreve.101.062406>

इलेक्ट्रिकल एक्टिवेशन ऑफ आयन-इम्प्लांटिड एसआई ओवर एस इन जीएसबी एपिटैक्सियल लेयर्स। पांडे, आर.के., मिश्रा, पी., कौशिक, जे.के., पांडे, ए., रमन, आर., देवी, के.डी., एवं राठ, एस. (2020) - हायर मैटीरियल्स साइंस इन सेमिकंडक्टर प्रोसेसिंग, 115, 105107. <https://doi.org/10.1016/j.mssp.2020.105107>

पांडे, आर.के., मिश्रा, पी., पांडे, ए., दत्ता, एस., अरोड़ा, ए., एवं राठ, एस. (2021) - सिलिकॉन-आयन इम्प्लांटेशन इंड्यूस्ड डोपिंग एंड नैनो पारोसिटी इन मालीक्यूलर बीम एपिटैक्सी ग्रोवन जीएसबी एपिटैक्सियल फिल्मस। जर्नल ऑफ वेक्यूम साइंस एंड टेक्नालॉजी, ए : वेक्यूम, सरफोसिज एंड फिल्मस, 39(4), 043413. <https://doi.org/10.1116/6.0000895>

पॉल, ए.एम., प्रसाद, ए., कुजनेटसोव, एन.वी., एवं श्रीमाली, एम.डी. (2021) - किमेरा स्टेटस इनए क्लास ऑफ हिडन आसिलेटरी नेटवर्कस। नॉनलिनियर डायनेमिक्स, 104, 1645-1655. <https://doi.org/10.1007/s11071-021-06355-w>

प्रसाद, जे., सिंह, ए.के., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं सिंह, के. (2020) - हाई-एफिसिएंसी माइक्रोवेव एबजार्पशन एंड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेस शील्डिंग ऑफ कोबाल्ट डोपड एमओएस2 नैनोशीट एंकरड ऑन द सरफेस रिड्यूस्ड ग्राफीन आक्साइड नैनोशीट। जर्नल ऑफ मैटीरियल साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 31(22), 19895-19909. <https://doi.org/10.1007/s10854-020-04512-2>

प्रसाद, जे., सिंह, ए.के., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं सिंह, के. (2021) - हाइड्रोथर्मल सिंथेसिस ऑफ माइक्रो-फ्लावर लाइक मार्फोलॉजी एलुमीनियम-डोपड एमओएस2/आरजीओ नैनोहाइब्रिड्स फॉर हाई एफिसिएंट इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव शील्डिंग मैटीरियल्स। सेरामिक्स इंटरनेशनल, 47(11), 15648-15660. <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2021.02.135>

प्रसाद, जे., सिंह, ए.के., यादव, ए.एन., कुमार, ए., तोमर, एम., श्रीवास्तव, ए., कुमार, पी., गुप्ता, वी., एवं सिंह, के. (2020) - मालिबडेनम डायसल्फाइड कार्बन नैनोट्यूब-रिड्यूस्ड ग्राफीन आक्साइड(सीएनटी/एमओएस2-आरजीओ) नैनोहाइब्रिड्स फॉर एक्सिलेंट एंड फॉस्ट रिमूवल ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेरेंस पाल्यूशन। एसीएस एप्लायड मैटीरियल्स एंड इंटरफेसिज, 12(36), 40828-40837. <https://doi.org/10.1021/acsami.0c06219>

राजपूत, जे., कुमार, एच., भट्ट, पी., एवं साफवान, सी.पी. (2020) - ए न्यू टेक्नीक फॉर मीजरमेंट ऑफ सबऑरेशनल लाइफटाइम ऑफ मालीक्यूलर आयंस। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 10(1), 20301. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-77408-0>

रावल, बी., सहारे, पी.डी., महापात्रा, एस.के., एवं बनर्जी, आई. (2021) - इनहांसड कैपेसिटिव बिहेवियर ऑफ ग्राफीन नैनोप्लेटलेट्स एम्बेडिड एपाक्सी नैनोकम्पोजिट। जर्नल ऑफ मैटीरियल साइंस : मैटीरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 32(4), 4034-4044. <https://doi.org/10.1007/s10854-020-05145-1>

रावल, आर., खरनगढ़, पी.आर., डावरा, एस., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं पुंडीर, सी.एस. (2020) - ए कम्प्रीहेंसिव रिव्यू ऑफ बिलिरुबिन डिटरमिनेशन मैथड्स विद स्पेशल एम्फेसिस ऑन बायोसेंसर्स। प्रोसेस बायोकेमेस्ट्री, 89, 165-174. <https://doi.org/10.1016/j.procbio.2019.10.034>

सैनी, आर., कुमार, ए., भट्ट, जी., कपूर, ए., पालीवाल, ए., तोमर, एम., एवं गुप्ता, वी. (2020) - लॉसी मोड रिजोनेंस-बेस्ड रिफ्रेक्टिव इंडेक्स सेंसर फॉर सुक्रोज कनसन्ट्रेशन मीजरमेंट। आईईईई सेंसर्स जर्नल, 20(3), 1217-1222. <https://doi.org/10.1109/JSEN.2019.2946760>

सरन, एम., सहारे, पी.डी., चौहान, वी., कुमार, आर., एवं मांडलिक, एन.टी. (2021) - थर्मोल्यूमिनेसेंस इन ईयू डोपड एनएलआई2पीओ4टीएलडी नैनोफॉस्फर : इफेक्ट ऑफ पार्टिकल साइज आन टीएल कैरेक्टरस्टिक्स। जर्नल ऑफ ल्यूमिनेसेंस, 238, 118207. <https://doi.org/10.1016/j.jlumin.2021.118207>

सक्सेना, एस., बागची, एस., तैय्यब, एम., राव, बी.एस., कुमार, एस., गुप्ता, डी.एन., एवं छकेरा, जे.ए. (2020) - स्केलिंग अप एंड पैरामेट्रिक करेक्टराइजेशन ऑफ टू-कलर एयर प्लाज्मा टेराहर्ट्ज सोर्स। लेजर फिजिक्स, 30 (3), 036002. <https://doi.org/10.1088/1555-6611/ab67cc>

सेन, पी., इंदुमति, डी. एवं चौधरी, डी. (2020) - इंफ्रारेड फिटनेसिज ऑफ ए कंपलीट थ्यूरी ऑफ चार्ज्ड स्केलर्स एंड फरमिनस एट फॉइनाइट टेम्परेचर। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(10), 972. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-08498-3>

सेठी, पी., कुमार, वाई. एवं सिंह, एस.एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ मैग्नेटिक फिल्ड ऑन डायलपटन प्रोडक्शन रेट इन आरएचआईसी। जर्नल ऑफ साइंस रिसर्च, 12(2), 215-221. <http://dx.doi.org/10.3329/jsr.v12i2.43938>

सेठी, पी., कुमार, वाई. एवं सिंह, एस.एस. (2020) - फोटोन एमिसन एज ए प्रोसिसिंग प्रोब फॉर क्यूजीपी इन हैवी-आयन कॉलिजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस रिसर्च एंड एप्लायड फिजिक्स, 8, 22-26. रिट्राइव्ड फ्रॉम https://www.isroset.org/journal/IJSRPAS/full_paper_view.php?paper_id=2020

सेठी, पी., कुमार, वाई. एवं सिंह, एस.एस. (2020) - डायलेपटन प्रोडक्शन रेट कैलकुलेशन यूजिंग मैग्नेटाइज्ड इफेक्टिव क्वार्क मास इन हैवी-आयन कॉलिजन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माडर्न फिजिक्स ए, 35(21), 2050115. <https://doi.org/10.1142/S0217751X20501158>

शांडिल्य, ए., यादव, आर.एस., गुप्ता, ए.के., एवं श्रीनिवास, के. (2021) - टेम्परेचर डिपेंडेंट लाइट अप-कनवर्जन एंड थर्मोमेट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ ईआर3+/वाईबी3+ को-डोपड एसआरएमओओ4 सिंटर्ड सेरामिक्स। जर्नल ऑफ मैटीरियल साइंस, 56(22), 12716-12731. <https://doi.org/10.1007/s10853-021-06078-8>

शांडिल्य, ए., यादव, आर.एस., गुप्ता, ए.के., एवं श्रीनिवास, के. (2021) - इफेक्ट ऑफ वाईबी3+आयन डोपिंग ऑन लैटिस डिस्टॉर्शन, ऑप्टिकल एब्जॉर्प्शन एंड लाइट अप कनवर्जन इन ईआर3+वाईबी3+ को-डोपड एसआरएमओओ4 सेरामिक्स। मैटीरियल्स कैमैस्ट्री एंड फिजिक्स, 264, 124441. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2021.124441>

शर्मा, ए., यादव, के., श्रीमाली, एम.डी., प्रसाद, ए., एवं कुजनेत्सव, एन.वी. (2020) - टाइम वेरिंग फीडबैक कंट्रोल ऑन मल्टी स्टेबिलिटी इन हिडन एट्रेक्टर्स। यूरोपियन फिजिकल जर्नल : स्पेशल टॉपिक्स, 229(6-7), 1245-1255. <https://doi.org/10.1140/epjst/e2020-900167-1>

शर्मा, के., सिंह, एच.पी., गुप्ता, आर., केमभवी, ए., वाघमरे, के., शी, जे., झाओ, वाई., झांग, जे., एवं वू, वाई. (2020) - स्टेरल स्पेक्ट्रल इंटरपोलेशन यूजिंग मशीन लर्निंग। मंथली नोटिसीज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 496(4), 5002-5016. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa1809>

शर्मा, पी., शर्मा, आर., जैन, सी., एवं दत्ता, ए. (2020) - ब्रॉड-बैंड स्पेक्ट्रल एनलिसिस ऑफ एलएमएक्सबी एक्सटीई जे1710-281 विद सुजाकू। मंथली नोटिसीज ऑफ द रायल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 496(1), 197-205. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa1516>

शर्मा, आर., बेरी, ए., सन्ना, ए., एवं दत्ता, ए. (2020) - ए ब्रॉड-बैंड लुक ऑफ द एकरेटिंग मिलीसैकंड एक्स-रे पलसर एसएएक्स जे1748.9-2021 यूजिंग एस्ट्रोसेट एंड एक्सएमएम-न्यूटन। मंथली नोटिसीज ऑफ द रायल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी, 492(3), 4361-4368. <https://doi.org/10.1093/mnras/staa109>

शर्मा, आर., सुब्रहमण्यम, के., एवं शेषाद्रि, टी.आर. (2020) - ग्रेविटेशनल वेव जिनरेशन इन ए वायबल सीनेरियो ऑफ इनफ्लेमेटरी मैग्नेटोजिनेसिस। फिजिकल रिव्यू डी, 101(10), 103526. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.101.103526>

शर्मा, एस., मुरुगावेल, एस., एवं कझाची, पी. (2020) - पोलारोन ट्रांसपोर्ट मैकेनिज्म इन मैरीसाइट एनएएफईपीओ3: ए कॉवाइंड एक्सपेरीमेंटल एंड स्टिमुलेशन स्टडी। जर्नल ऑफ पावर सोर्सिज, 469, 228348. <https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2020.228348>

शर्मा, एस., गुप्ता, आर., कुमार, ए., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2021) - इनवेस्टिगेशन ऑफ ऑप्टिकल नॉन-लिनेरिटी ऑफ लेड-फ्री फेरोइलेक्ट्रिक पोटेथियम सोडियम नियोबेट (के0.35एनए0.65एनबीओ3) थिन फिल्मस वाया टू-वेव मिक्सिंग फिनोमिनन। ऑप्टिक्स एंड लेजर टेक्नालॉजी, 141, 107148. <http://dx.doi.org/10.1016/j.optlastec.2021.107148>

शर्मा, एस., शर्मा, ए., गुप्ता, वी., पुरी, एन.के., एवं तोमर, एम. (2021) - कम्पेरिजन ऑफ फेरोइलेक्ट्रिक फोटोवोल्टेक परफॉर्मेंस इन बीएफओ/बीटीओ मल्टीलेयर थिन फिल्म स्ट्रक्चर फैब्रिकेटिड यूजिंग सीएसडी एवं पीएलडी टेक्निक्स। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 50(4), 1835-1844. <https://doi.org/10.1007/s11664-021-08793-z>

शर्मा, एस., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं कपूर, ए. (2021) - इनवेस्टिगेशन ऑफ केडमियम-इनकार्पोरेटिड जेडएनओ थिन फिल्मस फॉर फोटोडिटेक्टर्स एप्लीकेशंस। सुपरलेटिसिज एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स, 151, 106812. <https://doi.org/10.1016/j.spmi.2021.106812>

शर्मा, वाई., एवं मुरुगावेल, एस. (2021) - डायरेक्ट एविडेंस फॉर द बिहेवियर आफ सिंगल एंड बायपोलारंस इन कैलोजिनाइड ग्लासिज, जर्नल ऑफ नॉन-क्रिस्टलाइन सालिड्स, 559, 120650. <https://doi.org/10.1016/j.jnoncrysol.2021.120650>

सिंह, ए., चटर्जी, आर., एवं गुप्ता, वी. (2021) - इफेक्ट ऑफ स्टोइकियोमेट्रिक एडिशन ऑफ ला ऑन बीआई0.5एनए0.5टीआईओ3 एंड लार्ज स्ट्रेन इन दस माडिफाईड (बीआई1-एक्सएलएएक्स)0.5एनए0.5टीआईओ3 एट रूम टेम्परेचर एंड अबोव, मैटेरियल्स कैमेस्ट्री एंड फिजिक्स, 265, 124483. <https://doi.org/10.1016/J.MATCHEMPHYS.2021.124483>

सिंह, ए., चटर्जी, आर., एवं गुप्ता, वी. (2021) - प्रोपोजिंग ए फेज डायग्राम फॉर बीएनटी-बीकेटी-केएनएन एंड फाईंडिंग ए न्यू एमपीबी एंड लार्ज स्ट्रेन रीजन इन द सिस्टम, फेरोइलेक्ट्रिक्स, 577(1), 161-169. <https://doi.org/10.1080/00150193.2021.1916359>

सिंह, ए., एवं गुप्ता, वी. (2021) - स्टडी ऑफ एसी कंडेक्टिविटी एंड कंडक्शन मैकेनिज्म इन बीएनटी-बीकेटी-केएनएन टर्नरी सिस्टम, फेरोइलेक्ट्रिक्स, 573(1), 195-200. <https://doi.org/10.1080/00150193.2021.1890476>

सिंह, पी., राम, जे., चौहान, वी., नमबिस्सन, पी.एम.जी., गुप्ता, एस.के., कुमार, एस., शर्मा, एस.के., सहारे, पी.डी., एवं कुमार, आर. (2020) - हाई डोज गामा रेडिएशन एक्सपोजर अपऑन केपटान-एच पॉलीमर फॉर माडिफिकेशंस ऑफ ऑप्टिकल, फ्री वाल्यूम, स्ट्रक्चरल एंड केमिकल प्रोपर्टीज, ऑप्टिक, 205, 164244. <https://doi.org/10.1016/j.ijleo.2020.164244>

सिंह, वी., लाटे, डी.जे., गोयल, ए., एवं राठ, एस. (2021) - रमन स्पेक्ट्रास्कोपिक इनवेस्टिगेशंस ऑफ द सेलेनाइजेशन ऑफ एमओओ3 इन द केमिकल नेचर डिपेंडेंस प्रोसेस टू फॉर्म टू-डायमेंशनल एमओएसई2, एप्लायड सरफेस साइंस, 538, 147946. <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2020.147946>

सिंह, वी., लाटे, डी.जे., एवं राठ, एस. (2021) - ट्यूनेबल लाइट एमिसन फ्रॉम केमिकल वेपर डिपोजिटिड टू-डायमेंशनल एमओएसई2 बाय लेयर वेरिएशंस एंड एस इनकार्पोरेशन, जर्नल ऑफ वेक्यूम साइंस एंड टेक्नालॉजी ए: वेक्यूम, सरफेसिज एंड फिल्मस, 38(2), 023402. <https://doi.org/10.1116/1.5124998>

सिंह, वी., एवं राठ, एस. (2021) - इम्प्रूव्ड मार्फॉलॉजी एंड एक्सीटॉनिक एमिशन ऑफ 2डी एमओएस2 बाय इनकार्पोरिंग मैकेनिकल ग्राइंडिंग इन द लिक्विड फेज एक्सफॉलियेशन सिंथेसिस प्रोसेस। फिजिका ई : लो-डायमेंशनल सिस्टम्स एंड नैनोस्ट्रक्चर्स, 128, 114617. <http://dx.doi.org/10.1016/j.physe.2020.114617>

सिन्हा, एन., बत्रा, के., भुक्कल, एस., कुमार, आर., कुमार, एस., गोयल, एस., एवं कुमार, बी. (2020) - इफेक्ट ऑफ सनसेट येलो डाइ आन मार्फॉलाजिकल, ऑप्टिकल, डाइइलेक्ट्रिक, थर्मल एंड मैकेनिकल प्रोपर्टीज ऑफ केडीपी क्रिस्टल। एरेबियन जर्नल ऑफ कैमेस्ट्री, 13(6), 5750-5764. <https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2020.04.013>

सिन्हा, एस., कुमार, एस., अरोड़ा, एस.के., झा, एस.एन., कुमार, वाई., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2021) - स्टडी ऑफ बैंड एलाइनमेंट एट एमओएस₂/एसआईओ₂ इंटरफेसिज ग्रोवन बाय पलस्ड लेजर डिपोजिशन मैथड। जर्नल ऑफ एप्लायड फिजिक्स, 129(11), 115303. <https://doi.org/10.1063/5.0039463>

सिन्हा, एस., कुमार, एस., अरोड़ा, एस.के., शर्मा, ए., तोमर, एम., वू, एच.-सी, एवं गुप्ता, वी. (2021) - इनहांसड इंटरलेयर कपलिंग एंड एफिसिएंट फोटोडिटेक्शंस रिस्पांस ऑफ इन-सिटू ग्रोवन एमओएस₂-डब्लूएस₂ वन डर वाल्स हेट्रोस्ट्रक्चर्स, जर्नल ऑफ एप्लायड फिजिक्स, 129(15), 155304. <https://doi.org/10.1063/5.0040922>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - मेजरमेंट ऑफ डिफरेंशियल टीटी प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शंस यूजिंग टॉप क्वार्क्स एट लार्ज ट्रांसवर्स मोमेंटा इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 103(5), 052008. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.103.052008>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - सर्च फॉर नॉनरेजोनेंट हिगस बोसोन पेयर प्रोडक्शन इन फॉइनल स्टेटस विद टू बॉटम क्वार्क्स एंड टू फोटोन्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2021(3), 257. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2021\)257](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2021)257)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - मिजरमेंट ऑफ द इनक्लूसिव एंड डिफरेंशियल हिगस बासोन प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शंस इन द लेपटॉनिक डब्लूडब्लू डिफे मोड एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2021(3), 3. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2021\)003](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2021)003)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - सर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन टॉप क्वार्क प्रोडक्शन विद एडिशनल लेपटॉस इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. यूजिंग इफेक्टिव फील्ड थ्योरी, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2021(3), 95. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2021\)095](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2021)095)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - सर्च फॉर डार्क फोटॉस इन हिगस बोसोन प्रोडक्शन वाया वेक्टर बोसोन फ्यूजन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ एनर्जी फिजिक्स, 2021(3), 11. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2021\)011](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2021)011)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - स्टडीज ऑफ चार्म एंड ब्यूटी हर्डन लांग-रेंज कोरिलेशंस इन पीपी एंड पीपीबी कालिजंस एट एलएचसी एनर्जिज। फिजिक्स लेटर्स बी, 813, 136036. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.136036>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - एविडेंस फॉर इलेक्ट्रोवीक प्रोडक्शन ऑफ फॉर चार्जड लेपटॉस एंड टू जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 812, 135992. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135992>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - मिजरमेंट्स ऑफ प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शंस ऑफ पोलेराइज्ड सेम-साइन डब्लू बोसोन पेयर्स इन एसोसिएशन विद टू जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी., फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी : न्यूक्लियर। एलीमेंट्री पार्टिकल एंड हाई एनर्जी फिजिक्स, 812, 136018. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.136018>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम.) (2021) - एविडेंस फॉर हिग्स बोसोन डिके टू ए पेयर ऑफ मुआंस। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2021(1), 148. [https://doi.org/10.1007/JHEP01\(2021\)148](https://doi.org/10.1007/JHEP01(2021)148)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम.)(2021) - सर्च फॉर द लेपटान फ्लेवर वायलेटिंग डिके $\tau \rightarrow 3\mu$ इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2021(1), 163. [https://doi.org/10.1007/JHEP01\(2021\)163](https://doi.org/10.1007/JHEP01(2021)163)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., स्मिथ, डब्लू.एच., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम.) (2021) - कोरिलेशंस ऑफ एजिमुथान एनिसोट्रोफी फोरियर हार्मोनिक्स विद सबवैट कुमुलेंट्स इन पीपीबी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 8.16$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू सी, 103(1), 014902. <https://doi.org/10.1103/PhysRevC.103.014902>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - सर्च फॉर डार्क मैटर प्रोड्यूस्ड इन एसोसिएशन विद ए लेपटॉनिकली डिकेइंग जेड-बोसोन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीई. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 81(1), 13. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-08739-5>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - सर्च फॉर टॉप स्कवार्क पेयर प्रोडक्शन यूजिंग डायलेपटॉन फॉइनल स्टेट्स इन पीपी कालिजन डाटा कलेक्टिड एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 81(1), 3. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-08701-5>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - ऑब्जरवेशन ऑफ इलेक्ट्रोवीक प्रोडक्शन ऑफ डब्लूवाई विद टू जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 811, 135988. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135988>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर बाटम टाइप, वेक्टरलाइक क्वार्क पेयर प्रोडक्शन इन ए फुली हड्रॉनिक फॉइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजन एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 102(11), 112004. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.112004>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., जिच, जे., एवं जेलिंस्की, के., (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मेजरमेंट ऑफ सिंगल-डिफ्रेक्टिव डायजेट प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 8$ टीईवी विद द सीएमएस एंड टीओटीईएम एक्सपेरिमेंट्स। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(12), 1164. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-08562-y>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,टीएगु, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - ए डीप न्यूरल नेटवर्क फॉर साइमलटेनियस एस्ट्रीमेशन ऑफ बी जेट

एनर्जी एंड रिजोल्यूशन। कम्प्यूटिंग एंड साफ्टवेयर फॉर बिग साइंस, 4(1), 10. <https://doi.org/10.1007/s41781-020-00041-z>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम.) (2020) - डिपेंडेंस ऑफ इनक्लूसिव जेट प्रोडक्शन ऑन द एंटी केटी डिसटेंस पैरामीटर्स इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(12), 82. [https://doi.org/10.1007/JHEP12\(2020\)082](https://doi.org/10.1007/JHEP12(2020)082)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - इनक्लूसिव सर्च फॉर हायली बूस्टिड हिगस बोसॉस डिफेइंग टू बॉटम क्वार्क-एंटीक्वार्क पेयर्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(12), 85. [https://doi.org/10.1007/JHEP12\(2020\)085](https://doi.org/10.1007/JHEP12(2020)085)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ द डब्लू बोसोन रेपिडिटी, हेलिसिटी, डबल डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शंस एंड चार्ज एसिमिट्री इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 102(9), 092012. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.092012>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ टॉप क्वार्क यूकावा कपलिंग फ्रॉम टीटी काइनेमेटिक डिस्ट्रीब्यूशंस इन द डायलेपटॉन फॉइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 102(9), 092013. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.092013>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - एविडेंस फॉर टॉप क्वार्क प्रोडक्शन इन न्यूक्लियस-न्यूक्लियस कालिजंस, फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 125(22), 222001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.125.222001>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ बीसी (2एस)+एंड बीसी(2एस)+ क्रॉस सेक्शन रेशो इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 102(9), 092007. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.092007>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - इनवेस्टिगेशन इन टू द इवेंट-एक्टिविटी डिपेंडेंस ऑफ Υ (एनएस) रिलेटिव प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 7$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(11), 1. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2020\)001](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2020)001)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर डिफेज ऑफ द 125 जीईवी हिगस बोसोन इन टू ए जेट बोसोन एंड ए p या ϕ मेसन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(11), 39. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2020\)039](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2020)039)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शंस ऑफ डब्लूजेड एंड सेम-साइन डब्लूडब्लू बोसोन पेयर्स इन एसोसिएशन विद टू जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 809, 135710. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135710>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - ऑब्जरवेशन ऑफ द बीएस0 →एक्स(3872) ϕ डीके। फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 125(15), 152001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.125.152001>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., रूसिनॉव, वी., एवं मेटीव, वी. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर ए लाइट चार्ज्ड हिगस बोसोन इन द एच $\pm$ →सीएस चैनल इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू डी, 102(7), 072001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.072001>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - ऑब्जरवेशन ऑफ द प्रोडक्शन ऑफ थ्री मेसिव गेज बोसोन एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 125(15), 151802. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.125.151802>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., स्मिथ, डब्लू.एच., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - रिकंस्ट्रक्शन ऑफ सिंगल एम्प्लीट्यूड इन द सीएमएस इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैलियोरमीटर इन द प्रेजेंस ऑफ ओवरलैपिंग प्रोटोन-प्रोटोन इंटरएक्शंस। जर्नल ऑफ इंस्ट्र्यूमेंटेशन, 15(10), P10002. <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/10/P10002>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - परफॉर्मेंस ऑफ द सीएमएस लेवल-1 ट्रिगर इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस सट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ इंस्ट्र्यूमेंटेशन, 15(10), P10017. <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/10/P10017>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मेजरमेंट ऑफ सीकेएम मैट्रिक्स एलीमेंट्स इन सिंगल टाप क्वार्क टी-चैनल प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 808, 135609. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135609>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मेजरमेंट ऑफ द $Y(1एस)$ पेयर प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन एंड सर्च फॉर रेजोनेंस डिकेइंग टू $Y(1एस)\mu^+\mu^-$ इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 808, 135578. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135578>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,स्मिथ, डब्लू.एच., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - स्टडीज ऑफ चार्म क्वार्क डिफ्यूजन इनसाइड जेटस यूजिंग पीबी-पीबी एंड पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 5.02$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 125(10), 102001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.125.102001>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - पाइलअप मिटिगेशन एट सीएमएस इन 13टीईवी डाटा। जर्नल ऑफ इंस्ट्र्यूमेंटेशन, 15(9), P09018. <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/09/P09018>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर सुपरसिमेट्री इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी इन इवेंट्स विद हाई मोमेंटम जेड-बोसोन एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(9), 149. [https://doi.org/10.1007/JHEP09\(2020\)149](https://doi.org/10.1007/JHEP09(2020)149)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मेजरमेंट ऑफ टीटी एच प्रोडक्शन एंड द सीपी स्ट्रक्चर ऑफ द

यूकावा इंटरएक्शन बिटविन द हिगस बोसोन एंड टाप क्वार्क इन द डायफोटोन डिके चैनल। फिजिकल रिस्व्यू लेटर्स, 125(6), 061801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.125.061801>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर रेजोनेंट पेयर प्रोडक्शन ऑफ हिगस बोसोन इन द बीबीजेडजेड चैनल इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट एस =13 टीईवी. फिजिकल रिस्व्यू डी, 102(3), 032003. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.032003>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ द एसोसिएटिड प्रोडक्शन ऑफ ए जेड बोसोन विद चार्म ओर बॉटम क्वार्क जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट एस =13 टीईवी. फिजिकल रिस्व्यू डी, 102(3), 032007. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.102.032007>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च ऑफ ए लाइट सूडोस्केलर हिगस बोसोन इन द बूसटर्ड $\mu\mu\tau$ फॉइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(8), 139. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2020\)139](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2020)139)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,.....,टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर फिजिक्स बियांड द स्टैंडर्ड मॉडल इन इवेंटस विद जेट्स एंड टू सेम-साइन ओर एट लिस्ट थ्री चार्जड लेपटॉन्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(8), 752. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-8168-3>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - स्टडी ऑफ सेंट्रल एक्सक्लूसिव प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s}=5.02$ एंड 13टीईवी. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(8), 718. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-8166-5>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वेटेंस, डब्लू.(चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर डिसअपीयरिंग ट्रैक्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट एस = 13टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 806, 135502. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135502>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,.....,स्मिथ, डब्लू.एच., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मेजरमेंट ऑफ टीटी नार्मलाइज्ड मल्टी-डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शन इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s}=13$ टीईवी, एंड साइमलटेनियस डिटरमिनेशन ऑफ द स्ट्रांग कपलिंग स्ट्रेंथ, टाप क्वार्क पोल मास, एंड पार्टन डिस्ट्रिब्यूशन फंक्शंस। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(7), 658. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-7917-7>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,.....,टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मेजरमेंट ऑफ क्वार्क- एंड ग्लूऑन-लाइक जेट फ्रेक्शंस यूजिंग जेट चार्ज इन पीपीपीपी एंड पीपी कालिजंस एट 5.02 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(7), 115. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2020\)115](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2020)115)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाशयान, ए.,.....,स्मिथ, डब्लू.एच., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर चार्जड हिगस बोसोन डिकेइंग इनटू ए टाप एंड ए बॉटम क्वार्क इन द ऑल-जेट फॉइनल स्टेट ऑफ पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s}=13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(7), 126. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2020\)126](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2020)126)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मीजरमेंट ऑफ द क्रॉस सेक्शन फॉर टीटी प्रोडक्शन विद एडिशनल जेट्स इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s}=13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(7), 125. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2020\)125](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2020)125)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - द प्रोडक्शन ऑफ आइसोलेटिड फोटोन इन पीपीपीपी एंड पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s}$ एनएन = 5.02 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(7), 116. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2020\)116](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2020)116)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर डाइजेट रेजोनेंस यूजिंग इवेंटस विद थ्री जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट एस =13टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 805, 135448. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135448>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - ए मेजरमेंट ऑफ द हिग्स बोसोन मास इन द डाइफोटोन डिफे चैनल। फिजिक्स लेटर्स बी, 805, 135425. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135425>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., स्मिथ, डब्लू.एच., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - स्ट्रेंज हेड्रोन प्रोडक्शन इन पीपी एंड पीपीबी कालिजंस एट $\sqrt{s}$ एनएन =5.02 टीईवी. फिजिकल रिव्यू सी, 101(6), 064906. <https://doi.org/10.1103/PhysRevC.101.064906>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंटस विद सिलिकॉन फोटोमल्टिप्लायर्स ऑफ डोज-रेज इफेक्ट्स इन द रेडिएशन डेमेज ऑफ प्लास्टिक साइंटिलेटर टाइल्स इन द सीएमएस हेड्रोन एंडकेप कैलोरीमीटर। जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, 15(6), P06009. <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/06/P06009>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - आइडेंटिफिकेशन ऑफ हेवी, एनर्जेटिक, हेड्रोनिकली डिफेइंग पार्टिकल्स यूजिंग मशीन-लर्निंग टेक्निक्स। जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, 15(6), P06005. <https://doi.org/10.1088/1748-0221/15/06/P06005>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंटस ऑफ द टाप क्वार्क फॉरवर्ड-बैकवर्ड प्रोडक्शन एसिमिट्री एंड द एनोमोलस क्रोमोइलेक्ट्रिक एंड क्रोमोमैग्नेटिक मोमेंटस इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s}$ = 13 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(6), 146. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2020\)146](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2020)146)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ द क्रॉस सेक्शन फॉर इलेक्ट्रोविक प्रोडक्शन आफ ए जेड बोसोन, ए फोटोन एंड टू जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s}$ = 13 टीईवी एंड कंसट्रेंट्स आन एनोमेलस क्वार्टिक कपलिंग्स। जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(6), 76. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2020\)076](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2020)076)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - डिटरमिनेशन आफ द स्ट्रॉंग कपलिंग कांस्टेंट एस(एमजेड) फ्रॉम मिजरमेंटस ऑफ इनक्लूसिव डब्लू± एंड जेड बोसोन प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शंस इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s}$ = 7 एंड 8 टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(6), 18. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2020\)018](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2020)018)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ द जेट मास डिस्ट्रीब्यूशन एंड टॉप क्वार्क मास इन हेड्रोनिक्स डिके ऑफ बूस्टेड टाप क्वार्क इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीई. फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 124(20), 202001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.124.202001>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - स्टडी ऑफ जे/ψ मेसन प्रोडक्शन इनसाइड जेटस इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s}=8$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 804, 135409. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135409>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टायलर, डी., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - एरेटम टू : स्टडी ऑफ डाइजेट इवेंटस विद ए लार्ज रेपिडिटी गैप बिटविन द टू लिडिंग जेटस इन पीपी कालिजंस एट $\sqrt{s} = 7$ टीई. द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, (2018), 78(3), (242), 10.1140/epjc/s10052-018-5691-6). द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(5), 441. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-7946-2>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - कैलिब्रेशन ऑफ द सीएमएस हेड्रान कैलोरीमीटर यूजिंग प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस डाटा एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ इंस्ट्र्यूमेंटेशन, 15(5), P05002. <http://dx.doi.org/10.1088/1748-0221/15/05/P05002>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शन एंड चार्ज रेशियो फॉर टी-चैनल सिंगल टाप क्वार्क प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s}=13$ टीई. यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 80(5), 370. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-020-7858-1>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर एन एक्साइटिड लेपटान देट डिकेज वाया ए कांटेक्ट इंटरएक्शन टू ए लेपटान एंड टू जेटस इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(5), 52. [http://dx.doi.org/10.1007/JHEP05\(2020\)052](http://dx.doi.org/10.1007/JHEP05(2020)052)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर डायरेक्ट टाप स्कार्क पेयर प्रोडक्शन इन इवेंटस विद वन लेपटान, जेटस एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम एट 13 टीईवी विद द सीएमएस एक्सपेरिमेंट, जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(5), 32. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2020\)032](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2020)032)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर हाई मास डायजेक्ट रेजोनेंस विद ए न्यू बैकग्राउंड प्रीडिक्शन मैथड इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(5), 33. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2020\)033](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2020)033)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - कंसट्रेंट्स ऑन द χ सी1 वर्सेज χ सी2 पॉलिग्राइजेशन इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 8$ टीईवी. फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 124(16), 162002. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.124.162002>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - स्टडी ऑफ एक्साइटिड Λ बी0 स्टेटस डीकेईंग टू Λ बी0 $\pi^+\pi^-$ इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s}=13$ टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 803, 135345. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135345>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ द टीटी बीबी प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन इन द ऑल-जेट फाइनल स्टेट इन पीपी कालिजंस एट एस=13 टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 803, 135285. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135285>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - प्रोडक्शन ऑफ Λ सी+ बेरान्स इन प्रोटोन-प्रोटोन एंड लेड-लेड कालिजंस एट एसएनएन=5.02टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी., 803, 135328. <http://dx.doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135328>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - रनिंग ऑफ द टॉप क्वार्क मास फ्राम प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट एस =13टीईवी. फिजिक्स लेटर्स बी, 803, 135263. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2020.135263>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,.....,टीआगू, डी., एवं ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर ए नैरो रेजोनेंस लाइटर देन 200 जीईवी डिकेइंग टू ए पेयर मोन्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट एस =13 टीईवी. फिजिकल रिव्यू लेटर्स, 124(13), 131802. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.124.131802>

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - सर्च फॉर हैवी हिग्स बोसोन्स डिकेइंग टू ए टाप क्वार्क पेयर इन प्रोटोन-प्रोटोन कालिजंस एट $\sqrt{s} = 13$ टीईवी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(4), 171. [https://doi.org/10.1007/JHEP04\(2020\)171](https://doi.org/10.1007/JHEP04(2020)171)

सिरूनयान, ए.एम., तुमाश्यान, ए.,....., ट्रेमबाथ-रिचर्ट, एस., एवं वूड्स, एन. (चौधरी, बी.सी, भारद्वाज, ए., रंजन, के., एवं नईमुद्दीन, एम. (2020) - मिजरमेंट ऑफ प्रोपर्टीज ऑफ बीएस0 $\rightarrow \mu + \mu$ - डिकेज एंड सर्च फॉर बी0 $\rightarrow \mu + \mu$ - विद द सीएमएस एक्सपेरिमेंट। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2020(4), 188. [https://doi.org/10.1007/JHEP04\(2020\)188](https://doi.org/10.1007/JHEP04(2020)188)

सोनकर, आर.के., यादव, बी.सी., गुप्ता, वी., एवं तोमर, एम. (2020) - सिंथेसिस ऑफ सीडीएस नैनोपार्टिकल्स बाय सॉल-जेल मैथड एज लो टेम्परेचर एनओ2 सेंसर। मैटीरियल कैमैस्ट्री एंड फिजिक्स, 239, 121975. <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2019.121975>

सुलेमान, एम., डेरामान, एम., हाशमी, एस.ए., आथमैन, एम.ए.आर., कुमार, वाई., राजैरिया, एस.के., एवं जासनी, एम.आर.एम. (2020) - एकोमोडेटिंग साकिनाइट्रॉयल रिटेक्टर्स इन माइक्रो-पोरस ऑफ 3डी नैनो-स्ट्रक्चर्ड कैकटस कार्बन फॉर एसिस्टिंग माइक्रो क्रिस्टेलाइट आर्गेनाइजेशन, आयन ट्रांसपोर्ट एंड सरप्लस सूडो-केपेसिटेंस : एन एस्सट्रीम टेम्परेचर सुपरकेपेसिटर बिहेवियर। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 333, 135547. <https://doi.org/10.1016/j.electacta.2019.135547>

सुंदरी, एस.एस., कुमार, बी., एवं धनसेकरन, आर. (2020) - डायइलेक्ट्रिक एंड कंडक्टिविटी प्रोपर्टीज ऑफ फ्लक्स ग्रोवन से डोपड एनबीटी-बीटी सिंगल क्रिस्टल्स। फिजिका बी : कंडेस्ड मैटर, 582, 411978. <https://doi.org/10.1016/j.physb.2019.411978>

सूर, एस., दत्ता, ए., एवं छोटे, एच.आर. (2021) - मिमेटिर-मैट्रिक-टारसिन विद इंड्यूस्ड एक्सिल मोड एंड फैटम बेरियर क्रासिंग। यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 81(4), 306. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-021-09101-z>

स्वामी, आर., बोकोलिया, आर., एवं श्रीनिवास, के. (2020) - इफेक्ट्स ऑफ सिनटेरिंग टेम्परेचर ऑन स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रिकल एंड फेरोइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ एलए2टीआई2ओ7 सेरामिक्स। सेरामिक्स इंटरनेशनल, 46(17), 26790-26799. <http://dx.doi.org/10.1016/j.ceramint.2020.07.154>

तिवारी, एस.एस., शर्मा, एच.पी., चक्रवर्ती, एस., मजूमदार, सी., गुप्ता, ए., मोदी, एस., अरुमुगम, पी., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., रोजिता देवी, के., नीलम, कुमार, एस., चमोली, एस.के., शर्मा, ए., ज्योति, वी.वी., मयंक, कुमार, ए., भट्टाचार्य, एस., बाला, आई., मुरलीधर, एस., एवं सिंह, आर.पी. (2020) - स्ट्रक्चर ऑफ पॉजीटिव पार्टी स्टेटस इन 139पीएम. फिजिका स्क्रिप्ता, 95, 095304. <http://dx.doi.org/10.1088/1402-4896/abaea8>

त्रिपाठी, के., मुरुगावेल, एस., एवं सिंह, आर.के. (2021) - डेड अशोका (सराका एसोका) लीवज डिराइव्ड पोरस एक्टिवेटेड कार्बन्स एंड फ्लेक्सिबल आयन जेल पालीमर इलेक्ट्रोलाइट फॉर हाई एनर्जी डेंसिटी इलेक्ट्रिक डबल-लेयर कैपेसिटर्स। मैटीरियल्स टूडे सस्टेनेबिलिटी, 11-12, 100062. <https://doi.org/10.1016/j.mtsust.2021.100062>

त्यागी, एन., यादव, एच., हुसैन, ए., एवं कुमार, बी. (2021) - डेवलपमेंट ऑफ न्यू एल-सेरीन स्कवारेट सिंगल क्रिस्टल : गोथ, स्ट्रक्चर, हर्षफेल्ड सरफेस एनालिसिस विद एनरिचमेंट रेशियो ऑफ एटोमिक कांटेक्टस। जर्नल ऑफ मॉलीक्यूलर स्ट्रक्चर, 1224, 129190. <http://dx.doi.org/10.1016/j.molstruc.2020.129190>

वेलिएंट-डोबोन, जे.जे., गोठारडो, ए., बेंजानी, जी.,.....,मंडल, एस.के.,.....,वूलरशेम, एच-जे., एवं वान इसाकर, पी. (2021) - मैनीफेस्टेशन ऑफ द बैरी फेज इन द एटामिक न्यूक्लियस 213पीबी, फिजिक्स लेटर्स, सेक्शन बी : न्यूक्लियर, एलीमेंट्री पार्टिकल एंड हाई एनर्जी फिजिक्स, 816, 136183. <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2021.136183>

वंदना, गुप्ता, आर., तोमर, एम., टंडन, आर.पी., एवं गुप्ता, वी. (2021) - इम्पेक्ट ऑफ टीआईओ2 बफर लेयर ऑन द फेरोइलेक्ट्रिक फोटोवोल्टिक रेसपॉंस ऑफ सीएसडी ग्रोन पीजेडटी थिंक फिल्मस। एप्लायड फिजिक्स ए : मैटीरियल्स साइंस एंड प्रोसेसिंग, 127(6), 427. <https://doi.org/10.1007/s00339-021-04552-3>

वाष्णीय, वी., कुमारसामी, एस., बिस्वाल, बी., एवं प्रसाद, ए. (2020) - बाइफर्केशन डिले, ट्रेवलिंग वेव्स एंड किमेरा लाइक स्टेटस इन ए नेटवर्क ऑफ कपल्ड आसिलेटर्स। यूरोपियन फिजिकल जर्नल : स्पेशल टॉपिक्स, 229(12-13), 2307-2325. <https://doi.org/10.1140/epjst/e2020-900192-x>

वशिष्ठ, जी., हुसैन, जेड, सुलानिया, आई., ओझा, एस., रेड्डी, वी.आर., एवं अन्नापूर्णी, एस. (2021) - डोमेन स्टेट मॉडुलेशन बाय इंटरफेसियल डिफ्यूजन इन एफईपीटी/एफईसीओ थिन फिल्मस : एक्सपेरिमेंटल अप्रोच विद माइक्रोमेगनेटिक माडलिंग। जर्नल ऑफ फिजिक्स : कंडेंसड मेटर, 33, 335805. <https://doi.org/10.1088/1361-648X/ac09a5>

वशिष्ठ, जी., शशांक, यू., गुप्ता, एस., मेडवाल, आर., डांग, सी.एल., अशोकन, के., फुकुमा, वाई, एवं अन्नापूर्णी, एस. (2021) - पिनिंग एसिस्टिड आऊट-ऑफ-प्लेन एनिसोट्रोपी इन रिवर्स स्टेक एफईसीओ/एफईपीटी इंटरमैटेलिक बायलेयर्स फॉर कंट्रोलड स्विचिंग इन स्पिनट्रॉनिक्स जर्नल ऑफ एलॉयज एंड कंपाउंड्स, 877, 160249. <http://dx.doi.org/10.1016/j.jallcom.2021.160249>

विष्णु कुमार, ए.एस., भोगरा, ए., बाला, एम., कुओ, एच.-डब्लू., चेन, सी., एल., डांग, सी.एल., कांडासामी, ए., एवं अन्नापूर्णी, एस. (2021) - बैंडगैप इंजीनियरिंग इन एसआरटीआईओ थिन फिल्मस बाय इलेक्ट्रॉनिक एक्साइटेशन : ए सिंक्राटॉन-बेस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी। स्क्रिप्ता मैटीरियल्स, 195, 113725. <http://dx.doi.org/10.1016/j.scriptamat.2021.113725>

व्यास, एम.के., एवं चंद्रा, ए. (2021) - मैगनेटो-डायइलेक्ट्रिकएंड मैगनेटो कंडक्टिंग फिलर्स-बेस्ड पॉलीमर कम्पोजिट्स : इफेक्ट ऑफ फंकशनेलाइजेशन, कोटिंग एंड डिसपर्सन प्रोसेस ऑन इलेक्ट्रोमैगनेटिक शील्डिंग प्रोपर्टीज। जर्नल ऑफ एप्लायड पॉलीमर साइंस, 138(25), 50602. <https://doi.org/10.1002/app.50602>

यादव, एम., गुप्ता, डी.एन., एवं शर्मा, एस.सी. (2020) - इलेक्ट्रॉन प्लाजमा वेव एक्साइटेशन बाय एक्यू-गुसासिन लेजर बीम एंड सबसिक्वेंट इलेक्ट्रॉन एक्सीलरेशन। फिजिक्स ऑफ प्लाजमा, 27(9), 093106. <https://doi.org/10.1063/5.0007998>

यादव, एम., गुप्ता, डी.एन., शर्मा, एस.सी., एवं सुक, एच. (2020) - प्लाजमा बबल इवोल्यूशन इन लेजर वेकफील्ड एक्सीलरेशन इन पेटावट रीजिम। लेजर फिजिक्स लेटर्स, 17(7), 076001. <http://dx.doi.org/10.1088/1612-202X/ab8fa9>

यादव, एन., एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - एनर्जी इन्हांसमेंट ऑफ क्वासि-सॉलिड-स्टेट-सुपरकैपेसिटर्स बेस्ड ऑन ए नॉन-एक्वेसियस जैल पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट वाया ए सिनरजिटिक इफेक्ट ऑफ इयूल रिडॉक्स एडिटिवज डाइफिनाइलेमाइन एंड पोटाशियम आयोडाइड। जर्नल ऑफ मैटीरियल्स कैमैस्ट्री ए, 8(35), 18266-18279. <https://doi.org/10.1039/D0TA06331B>

यादव, एन., मिश्रा, के., एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - नैनोजायरोकोनिया पॉलीमर कम्पोजिट पोरस मैम्ब्रेन प्रीपेयर्ड बाय सस्टेनेबल इमरसन प्रेसिपिटेशन मैथड फॉर यूज एज इलेक्ट्रोलाइट इन फ्लेक्सिबल सुपरकैपेसिटर्स। मैटीरियल्स टूडे कन्स्यूनिंग्स, 25, 101506. <https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2020.101506>

यादव, एन., रीतू, प्रोमिला, एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - हायररकिल पोरस कार्बन डिआइड फ्रॉम यूकेलेप्ट्स-बार्क एज ए सस्टेनेबल इलेक्ट्रोड फॉर हाई परफॉर्मेंस सालिड-स्टेट सुपरकैपेसिटर्स, सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूल्स, 4(4), 1730-1746. <https://doi.org/10.1039/C9SE00812H>

यादव, एन., यादव, एन., एवं हाशमी, एस.ए. (2020) - आयनिक लिक्विड इनकॉर्पोरेटिड, रिडॉक्स एक्टिव ब्लेंड पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट फॉर हाई एनर्जी डेंसिटी क्वासि-सॉलिड-स्टेट कार्बन सुपरकैपेसिटर्स, जर्नल ऑफ पावर सोर्सिज, 451, 227771. <https://doi.org/10.1016/j.jpowsour.2020.227771>

सम्मेलन कार्यवाहियां/पुस्तक (पुस्तकें)/अध्याय

अब्बास, एम., अब्रेसिया, एम., अबदुल्ला, एच.,..., नईमुद्दीन, एम.,..., यू. आई., एवं जलेस्की, एस. (2020) - टू ईयर्स टेस्ट ऑफ ए टेम्परेचर सेंसिंग सिस्टम बेस्ड ऑन फॉइबर ब्रैग ग्रेटिंग टेक्नालॉजी फॉर द सीएमएस जीई1/1 डिटेक्टर्स। जर्नल ऑफ फिजिक्स : कांफ्रेंस सीरिज, 1561(1), 012006. <https://doi.org/10.1088/1742-6596/1561/1/012006>

बाला, एन., एवं राठ, एस. (2020) - इफेक्ट ऑफ ऑक्सीजन एनिएलिंग ऑन द ग्रोथ एंड मैगनेटिक बिहेवियर ऑफ सॉल-जेल सिंथेसाइज्ड एनआईओ नैनोपार्टिकल्स। मैटीरियल्स टूडे: प्रोसिडिंग्स, 28(1), 353-355. <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.02.605>

बाला, एन., एवं राठ, एस. (2020) - ऑप्टिकल स्पेक्ट्रास्कोपिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ सोल-जेल सिंथेसाइज्ड निकेल ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030077. <https://doi.org/10.1063/5.0017102>

भदोला, पी., सैचामचान, एस., एवं देव, एन. (2020) - स्पेक्ट्रल एनलिसिस ऑफ फॉइनेसियल थ्रेशॉल्ड नेटवर्कस। इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसिज कांफ्रेंस सीरिज, 3, 151-160. <https://doi.org/10.29195/iascs.03.01.0014>

भारती, एम.एस.एस., बायराम, सी., नेहरा, के., सेंथिल कुमार, पी., एवं राव, एस.वी. (2020) - फिल्टर पेपर लोडिड विद गोल्ड नैनोपार्टिकल्स एज फ्लेक्सिबल एसईआरएस सबस्ट्रेक्ट्स फॉर सेंसिंग एप्लीकेशंस। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030252. <https://doi.org/10.1063/5.0016882>

दहिया, ए., एवं सेंथिल कुमार, पी. (2020) - प्लाज्मोनिक गोल्ड-कॉपर एलाय एज 'नैनोरुलर्स' एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030078. <https://doi.org/10.1063/5.0017257>

दास, पी., दत्ताफ, यू., चक्रवर्ती, एस.,....,मंडल, एस.के.,....,स्टोरा, टी., एवं वड्सवर्थ, आर. (2020) - स्टडी ऑफ एकजॉटिक डिके ऑफ सीएस आइसोटोपस क्लॉज टू द प्रोटॉन ड्रिप लाइन। जर्नल ऑफ फिजिक्स : कांफ्रेंस सीरीज, 1643(1), 012127. <https://doi.org/10.1088/1742-6596/1643/1/012127>

दास, एस., शर्मा, एम.के., एवं सूर, एस. (2021) - ऑन द क्वांटम ऑरिजन ऑफ ए डार्क यूनिवर्स। फिजिकल साइंसिज फोरम, 2(1), 55. <https://doi.org/10.3390/ECU2021-09289>

गिल, एन., कौर, एन., शर्मा, ए.एल.,....,गुप्ता, वी.,....,पांडे, ओ.पी., एवं सिंह, डी.पी. (2020) - माइक्रोवेव एबजारप्शन एंड रिफ्लेक्शन बिहेवियर ऑफ पॉलीपायरोल-पीएमएमए-सीओ0.5एनआई0.5एफई2ओ4 नैनोकंपोजिट इन एक्स-बैंड। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030159. <https://doi.org/10.1063/5.0018767>

गुप्ता, डी.एन., एवं जैन, ए. (2021) - शार्ट-पल्स लेजर प्रोपेगेशन इन ए ट्यूनल आयोनायजिंग प्लाज्मा एंड सबसिक्वेंट इलेक्ट्रॉन एक्सीलिरेशन। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2319, 030009. <https://doi.org/10.1063/5.0036996>

हाशमी, एस.ए., यादव, एन., एवं सिंह, एम.के. (2020) - पालीमर इलेक्ट्रोलाइट्स फॉर सुपरकैपेसिटर्स एंड चैलेंजिज कंट्रीब्यूटिड एज ए चैप्टर ऑफ पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट्स : करेक्टराइजेशन टेक्नीक्स एंड एनर्जी एप्लीकेशंस, इन : विनि, टी., एरॉफ, ए.के., एवं थॉमस, एस. (संपादित) (पृष्ठ 231) जॉन विले एंड संस लिमिटेड, <https://doi.org/10.1002/9783527805457.ch9>

जैन, ए., एवं गुप्ता, डी.एन. (2021) - टेराहर्ट्ज फील्ड एक्साइटेशन बाय ए हायर आर्डर गौसेन लेजर पल्स प्रोपेगेटिंग इन ए मैग्नेटाइज्ड प्लाज्मा। प्रोसिडिंग्स ऑफ एसपीआईई, रिलेटिविस्टिक प्लाज्मा वेव्स एंड पार्टिकल्स बीम्स एज कोहरेट एंड इनकोहरेट रेडिएशन सोर्सिज IV, 11778, 117780C. <https://doi.org/10.1117/12.2592290>

कार, एस.के. (2020) - नॉन-कम्प्यूटेटिव जियोमेट्री : ए परस्पेक्टिव ऑन स्ट्रिंग एंड फील्ड थ्योरीज, सिंगापुर, वर्ल्ड को प्राइवेट लिमिटेड

कौर, डी., कुमार, एस., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) द मिजरमेंट ऑफ द डिफरेंस बिटविन वी एंड वी मास-स्कवेयर्ड स्पिलिटिंग्स इन एटमास्फेरिक एंड लांग-बेसलाइन न्यूट्रिनो एक्सपेरीमेंट्स। इन : बेहेरा, पी.के., भटनागर, वी., शुक्ला, पी., एवं सिंहा, आर. (संपादित) XXIII डीईई हाई एनर्जी फिजिक्स सिम्पोजियम। स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स, 261, 957-961. सिंगापुर, स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/978-981-33-4408-2_138

कुलगिन, वी.वी., चेरपेनिन, वी.ए., कोरिंको, वी.एन., एवं गुप्ता, डी.एन. (2021) - सबरिलेटिविस्टिक इंफ्रारेड एंड टेराहर्ट्ज पल्सिज फ्रॉम पेटावट्ट क्लास लेजर इंटरएक्शन विद कम्प्लेक्स नैनोडायमेशनल टार्गेट्स। प्रोसिडिंग्स ऑफ एसपीआईई, रिलेटिविस्टिक प्लाज्मा वेव्स एंड पार्टिकल्स बीम्स एज कोहरेट एंड इनकोहरेट रेडिएशन सोर्सिज IV, 11778, 117780E. <https://doi.org/10.1117/12.2592645>

कुमार, एच., अहमद, ए., गोला, एम., अहमद, आर., कुमार, ए., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ गैस मिक्सिंग यूनिट फॉर गैस इलेक्ट्रॉन मल्टीपायलर (जीईएम) चैंबर, इन : बेहेरा पी.के., भटनागर, वी., शुक्ला, पी., सिंहा, आर. (संपादित), XXIII डीईई हाई एनर्जी फिजिक्स सिम्पोजियम। स्प्रिंगर

प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स, 261, 1165-1170). सिंगापुर, स्प्रिंगर, http://dx.doi.org/10.1007/978-981-33-4408-2_174

मांडलिक, एन.टी., जितकर, एन.आर., बागुल, पी.पी.,...सहारे, पी.डी.,...कछेरे, ए.आर., एवं काकडे, पी.एम. (2021) - स्टडी ऑफ ल्यूमिनेसेंस कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ के2सीए2(एसओ4)3 : ईयू माइक्रोफॉस्फर बाय इलेक्ट्रॉन एंड गामा इरिडेशन, एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2335, 080014. <https://doi.org/10.1063/5.0043427>

मिश्रा, डी., एवं श्रीवास्तव, एम. (2020) - लो-डायमेशनल नैनोमैटीरियल्स फॉर द फोटोकैटैलिटिक डिग्रेडेशन ऑफ आर्गेनिक पाल्यूटेंट्स : इन, सिंह, प., बोरठाकुर, ए., मिश्रा, पी.के. एवं तिवारी, डी. (संपादित), नैनोमैटीरियल्स एज फोटोकैटैलिस्ट्स फॉर डिग्रेडेशन ऑफ एनवायरमेंटल पाल्यूटेंट्स (पृष्ठ 15-38). एल्सेवियर <https://doi.org/10.1016/B978-0-12-818598-8.00002-X>

फोगाट, ए., रफीक, एम., कुमार, ए., एवं नईमुद्दीन, एम. (2021) - एचएआरडीआरओसी2बी : ए रीडआउट एसआईसी फॉर आईएनओ-आईसीएल आरपीसी, इन : बेहेड़ा, पी.के., भटनागर, वी., शुक्ला, पी., एवं सिंहा, आर. (संपादित), XXIII डीएई हाई एनर्जी फिजिक्स सिंजोयम। स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स, 261, 719-724. सिंगापुर, स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/978-981-33-4408-2_99

प्रसाद, जे., सिंह, ए.के., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एवं सिंह, के. (2020) - क्रोमियम-डोपड एमओएस2 गोन ऑन आरजीओ नैनोशीट्स फॉर इन्हांसड माइक्रोवेव शील्डिंग परफॉर्मेंस। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030594. <https://doi.org/10.1063/5.0017013>

सेन पी., इन्दुमती डी., चौधरी डी. (2021) - इंग्रारेड फॉइनाइटनेस ऑफ थ्यूरीज विद बिनो-लाइक डार्क मैटर एट टी =0. इन: बेहेड़ा, पी.के., भटनागर, वी., शुक्ला पी., एवं सिंहा, आर. (संपादित) XXIII डीएई हाई एनर्जी फिजिक्स सिंजोयम। स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स, 261. स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-33-4408-2_50

शर्मा, एम.के., एवं सूर, एस. (2021) - ग्रोथ ऑफ मैटर परटरबेशंस इन एन इंटरएक्टिंग डार्क एनर्जी सीनेरियो एमर्जिंग फ्रॉम मेट्रिक-स्केलर-टॉरसन कपलिंग्स। फिजिकल साइंसिज फोरम, 2(1), 51. <https://doi.org/10.3390/ECU2021-09293>

शांडिल्य, ए., श्रीनिवास, के. (2020) - इफेक्ट ऑफ वाईबी3+आयन ऑन लाइट अपकनवर्जन एमिसन इन ईआर3+डोपड एसआरएमओओ4 सेरामिक्स प्रीपेयर्ड बाय सालिड स्टेट रिएक्शन। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030161. <https://doi.org/10.1063/5.0017557>

सिंह, वी., लाटे, डी.जे. एवं राठ, एस. (2020) - स्पेक्ट्रास्कोपिक प्रोब ऑफ एटामिकली थिन डोमेन्स ऑफ सीवीडी-ग्रोवन एमओएसई2. एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030687. <https://doi.org/10.1063/5.0017096>

स्वामी, आर., अरोड़ा, ए., एवं श्रीनिवास, के. (2020) - एक्स-रे डिफ्रेक्शन एनलिसिस एंड अप-कनवर्जन ल्यूमिनेसेंस प्रोपर्टीज ऑफ ईआर3+- डोपड एलए2टीआई2ओ7 पावडर्स, एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2265, 030124. <https://doi.org/10.1063/5.0016693>

ठाकुर, एम., बेहेरा, बी.आर., महाजन, आर.,...मंडल, एस.के., सक्सेना, ए., कैलाश, एस., एवं पाल, एस. (2020) - न्यूट्रॉन मल्टीपल्लीसिटी मिजरमेंट्स फॉर द नियर सुपर-हैवी न्यूक्लियस 260आरएफ. जापान फिजिक्स सोसायटी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 21, 010005. <https://doi.org/10.7566/JPSCP.32.010005>

वर्षा, सिलोटिया, पी., एवं प्रसाद, वी. (2020) - स्टडी ऑफ ऑप्टिकल प्रोपर्टीज ऑफ वेनिएर-मोट एक्साइटन इन स्फेरिकल क्वांटम डॉट इन क्रेटजर पोर्टेशियल। एआईपी कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स, 2220(1), 020154. <https://doi.org/10.1063/5.0002124>

यॉफी, एस.आर., एरसफेल्ड, बी., गुप्ता, डी.एन., जैन, ए., टोले, एम.पी., हॉल्ट, जी.के., एवं जेरोसिजेंसकी, डी.ए. (2021) - कंट्रोलिंग द ग्रुप वेलोसिटी ऑफ एन इंटेस लेजर पल्स यूजिंग ए प्री-पल्स, प्रोसिडिंग्स ऑफ ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, 11778, 1177809. <https://doi.org/10.1117/12.2595294>

शोध (जर्नल)

प्रो. संजय जैन :

संपादकीय बोर्ड सदस्य : जर्नल ऑफ आर्टिफिशियल लाइफ (एमआईटी प्रेस)

प्रो. देबाज्योति चौधरी :

एसोसिएट एडिटर : प्रमाणा, जर्नल ऑफ फिजिक्स (इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसिज)

प्रो. पैट्रिक दास गुप्ता :

संपादकीय बोर्ड सदस्य : रेजोनेंस-जर्नल ऑफ साइंस एजुकेशन (इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसिज)

प्रो. श्याम रथ :

अतिथि संपादक : स्पेशल इश्यू आन स्ट्रक्चर प्रोपर्टी रिलेशनशिप्स इन एमर्जिंग टू डायमेंशनल मैटीरियल्स, जर्नल ऑफ मैटीरियल रिसर्च (स्प्रिंगर)

प्रो. अवधेश प्रसाद :

संपादक : कियास, सालिंटस एंड फ्रैक्टल्स (एल्सवेयर साइंस)

एसोसिएट संपादक : प्रमाणा, जर्नल ऑफ फिजिक्स (इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसिज)

प्रो. सुप्रिया के. कार :

संपादक : जर्नल ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एयरोस्पेस टेक्नालॉजी, एलए, यूएसए।

प्रो. एस. सोमेन्द्र सिंह :

संपादकीय बोर्ड सदस्य : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन फिजिक्स एंड एप्लाइड फिजिक्स, आईएसआरओएसईटी, इंदौर, भारत।

डॉ. देवकी नंदन गुप्ता :

एकेडमिक एडिटर, लेजर एंड पार्टिकल बीम्स, हिंदवाई एवं कैम्ब्रिज प्रेस (यूके) द्वारा संयुक्त तौर पर प्रकाशित।

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	वर्ष/अवधि	निधियन एजेंसी	संस्वीकृत धनराशि
01	इंडियन इंस्टीट्यूट्स-फर्मिलॉब कोलाबोरेशन इन न्यूट्रिनो फिजिक्स	2019-24	डीएसटी	रूपए 280.71 लाख
02	प्री-इवोल्यूशनरी प्रोसेस इन ऑटोकेटैलिटिक आरएनए नेटवर्क्स	2018-2021	सीईएफआईपीआरए (इंडो-फ्रेंच)	रूपए 17.73 लाख
03	सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन जिनाम साइंसिज एंड प्रोडिक्टिव मेडिसन (फेजII)	2015-20	डीबीटी	रूपए 32.85 लाख
04	प्रोबिंग न्यू फिजिक्स इंटरएक्शंस	2019-22	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 75 लाख
05	मैग्नेटो-आप्टिक एंड प्लाज्मोनिक रेस्पॉन्स इन मैग्नेटिक कोर-शेल स्ट्रक्चर्स एंड मैग्नेटिक	2017-21	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 67.41 लाख

	मल्टीलेजर्स			
06	द रोल ऑफ स्पेसर लेयर इन एक्सचेंज-कपल्ड बाई-फेज्ड मैग्नेटिक मल्टीलेयर्स एंड नैनो-कम्पोजिट्स	2020-21	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 20.81 लाख
07	गैलेक्टिक एंड एक्सट्रागैलेक्टिक आर्कियालॉजी यूजिंग वेरिएबल स्टार्स	2019-22	सीएसआईआर	रूपए 20 लाख
08	थ्यूरैटिकल एनलिसिस ऑफ वेरिएबल स्टार डाटा इन द ऐरा ऑफ लार्ज सर्वेज	2018-21	डीएसटी (इंडो-यूएस ज्वाइंट नेटवर्क)	रूपए 60 लाख
09	फैब्रिकेशन ऑफ लैंब वेव डिवाइसिज ऑन एसआईओ2/एसआई	2019-24	ईआर एवं आईपीआर	रूपए 428.03 लाख
10	आप्टिमाइजेशन ऑफ टीआईओएक्स फिल्म एंड पैट्रनिंग ऑफ द पालीमर (पीआई-2610) एज सैक्रिफिसियल लेजर फॉर पिक्सल फैब्रिकेशन	2018-21	डीआरडीओ	रूपए 22.19 लाख
11	मैग्नेटिक फील्ड एज प्रोब्स फॉर एस्ट्रोफिजिकल फिनोमिना	2017-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 25 लाख
12	जिनरेशन एंड एसेसमेंट ऑफ आप्टिकली एड्रेसेबल प्वाइंट डिफेक्ट्स इन सिलिकॉन कार्बाइड फॉर न्यू क्वांटम टेक्नालॉजिज	2021-24	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 42.6 लाख
13	फिंगरप्रिंटिंग ऑफ प्वाइंट डिफेक्ट्स इन सिलिकॉन कार्बाइड क्रिएटिड बाय एनर्जेटिक एंड पार्टिकल्स फॉर देयर रेलिवेंस इन क्वांटम टेक्नालॉजिज	2021-23	डीएसटी (इंडो-जापान)	रूपए 9.64 लाख
14	फैब्रिकेशन एंड असेसमेंट ऑफ द इलेक्ट्रिकल एंड आप्टिकल क्वालिटी ऑफ जेडएनएमजीओ फिल्मस फॉर विजिबल ब्लाइंड यूवी फोटोडिटेक्टर्स	2021-22	इंस्टिट्यूट ऑफ एमेनिंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी	रूपए 5 लाख
15	फैब्रिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ पाईएजोइलेक्ट्रिक नैनोक्रिस्टल्स-आर्गेनिक हाइब्रिड शीट फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग एंड प्रेशर सेंसर	2016-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 72 लाख
16	फंक्शनल डोमिंग एंड साइट कोरिलेशन नेटवर्कस इन इवोल्विंग प्रोटीन फैमिलिज	2017-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 23.83 लाख
17	लो-कॉस्ट एनर्जी सेविंग इलेक्ट्रोक्रॉमिक डिवाइसिज बेस्ड ऑन नैनोस्ट्रक्चर्ड कंडक्टिंग	2017-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 39.5 लाख

	पालीमर्स फॉर एनर्जी स्टोरिंग स्मार्ट विंडोज			
18	कम्पेक्ट म्यूऑन सालेनायड (सीएमएस) अपग्रेड, आपरेशन, एंड यूटिलाइजेशन	2014-20	डीएसटी	रूपए 1173 लाख
19	अपडेटिंग एंड आपरेशन ऑफ रीजनल डब्ल्यूएलसीजी ग्रिड सिस्टम	2014-20	डीएसटी	रूपए 25.3 लाख
20	पालीमर कम्पोजिट फॉर एनर्जी डिवाइसिज : स्ट्रक्चर-प्रोपर्टी रिलेशनशिप	2017-20	एलेक्जेंडर वान हमबोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी	रूपए 45.42 लाख
21	मल्टी-न्यूक्लियर ट्रांसफर रिएक्शन डायनेमिक्स एंड इट्स इफेक्ट्स आन फ्यूजन नियर द कोलाम्ब बैरियर फॉर मीडियम मास न्यूक्लियर	2019-22	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 41.75 लाख
22	डेवलपमेंट ऑफ फ्लेक्सिबल-सॉलिड-स्टेट कैपेसिटर्स बेस्ड ऑन सोडियम आयन कंडक्टिंग जैल पालीमर इलेक्ट्रोलाइट्स 2017 - 2020 (पूरी हुई)	2017-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 57.95 लाख
23	डेवलपमेंट ऑफ सॉलिड-स्टेट कार्बन सुपरकैपेसिटर्स बेस्ड ऑन रिडॉक्स-एक्टिव जैल पालीमर इलेक्ट्रोलाइट्स	2020-21	इंस्टिट्यूट ऑफ एमेनिंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी	रूपए 2.5 लाख
24	अंडरस्टैंडिंग द परपीच्यूअल प्वाइंट्स इन नॉनलिनियर डायनेमिकल सिस्टम्स	2017-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 23 लाख
25	सर्च फॉर लार्ज आक्टोपाल क्लेक्टिविटी एंड हाई-स्पिन नियर एन=126 शेल क्लॉजर	2019-29	यूजीसी-डीएई-सीआरएस कोलाकाता, भारत	रूपए 13 लाख
26	इनवेस्टिगेशन ऑफ द हाई स्पिन स्टेट्स इन द ए=85 मास रीजन यूजिंग आयन-बीम गामा-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी	2017-21	आईयूएसी-यूजीसी	रूपए 6 लाख
27	लाइफटाइम मिजरमेंट स्टडी ऑफ आक्टोपाल डिफॉर्मेशन इन न्यूट्रान डेफिसिएंट न्यूक्ली इन एक्सई-सीएस-बीए रीजन	2018-21	आईयूएसी-यूजीसी	रूपए 10.11 लाख
28	सर्च फॉर क्वाड्रोपोल एंड आक्टोपोल क्लेक्टिविटी इन न्यूक्ली ऑफ मास ए~150 रीजन	2019-22	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 23.14 लाख
29	एक्सप्लोरिंग मालीक्यूलर ग्रोथ ऑफ हाइड्रोकार्बन्स इन स्लो (एनर्जी 1 केईवी ओर लेस) आयन मालीक्यूल कालिजंस	2019-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 33.11 लाख
30	साइमुलेशन स्टडीज एंड टेस्ट्स टू डिवलप	2017-20	एसईआरबी-	रूपए 10.8 लाख

	रेडिएशन टालिरेट सिलिकॉन डिटेक्टर्स फॉर ल्यूमेनोसिटी कोलाइडर्स		डीएसटी	
31	एप्लीकेशन ऑफ न्यूट्रान डैमेज मॉडल फॉर रिलायबल परफॉर्मेंस ऑफ सिलिकॉन सेंसर्स इन प्रजेन्ट एंड फ्यूचर हाई एनर्जी फिजिक्स एक्सपेरीमेंट्स	2020-21	इंस्टिट्यूट ऑफ एमेनिंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी	रूपए 5 लाख
32	इलेक्ट्रॉन एंड आयन एक्सीलिरेशन फ्रॉम लेजर-प्लाजमा इंटरएक्शंस	2020-21	डीएसटी-डीएडी	रूपए 9.64 लाख
33	ट्यूनेबल रेडिएशंस सोर्स फ्रॉम लेजर-प्लाजमा बेस्ड नानलिनिअराइट्स	2015-2020	डीएसटी एवं रसियन फॉउंडेशन ऑफ बेसिक रिसर्च	रूपए 15.98 लाख
34	कम्पेक्ट "टेबल-टाप" पावरफुल टेराहर्ट्ज सोर्स बाय लेजर-मैटर इंटरएक्शंस एंड सम एप्लीकेशंस	2020-22	डीएसटी एवं रसियन फॉउंडेशन ऑफ बेसिक रिसर्च	रूपए 26 लाख
35	प्लाजमोनिक डाइमर नैनोस्ट्रक्चर्स	2020-21	इंस्टिट्यूट ऑफ एमेनिंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी	रूपए 2.5 लाख
36	टू डिजाइन एंड डिवलप ए नाबेल स्पिन कंट्रोल्ड चिरल क्वांटम डॉ.ट डीएनए बायो-सेंसर	2019-22	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 17.71 लाख
37	डेवलपमेंट ऑफ स्पिन डिपेंडेंट स्मार्ट इलेक्ट्रॉड डीएनए बायो-सेंसर	2019-22	इम्प्रींट 2, एमएचआरडी-डीएसटी + इंडस्ट्री	रूपए 32.45 लाख
38	डेवलपमेंट ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल बैट शेपड डीएनए	2020-21	इंस्टिट्यूट ऑफ एमेनिंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी	रूपए 2.5 लाख
39	डेप्थ रिजालव्ड इनवेस्टिगेशंस ऑफ माइक्रोस्ट्रक्चर्स ऑफ मेटल/टापोलॉजिकल इनसुलेट इंटरफेसिज	2020-23	यूजीसी-डीएई-सीएसआर एंड आरआरसीएटी, इंदौर, भारत	रूपए 1.35 लाख
40	गोथ ऑफ पीरियाडिक मल्टी-बाय-लेयर स्ट्रक्चर्स आफ हाई जेड मेटल्स ऑन द सरफेस ऑफ थ्री- डायमेंशनल टॉपोलाजिकल इनसुलेटर्स	2019-20	एसईआरबी-डीएसटी	रूपए 29.15 लाख

आयोजित सेमिनार

कुल संख्या : 49

डॉ. सुप्रित सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू ब्रन्सविक, कनाडा एवं आईआईटी, दिल्ली, भारत, अबाऊट प्रोसेसिंग, नेचुरल एंड आर्टिफिसियल, 27 April 2020.

डॉ. प्रांजल त्रिवेदी, हैमबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी, प्राइमोरडियल मैग्नेटिक फील्ड्स एंड द अर्ली यूनिवर्स डायनेमो, 25 May 2020.

डॉ. बुद्धाचन्द्रा खुन्दकपम मेकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा, अंडरस्टैंडिंग ब्रेन डेवलपमेंट : इम्प्लीकेशंस फॉर न्यूरो डेवलपमेंट डिसऑर्डर्स, 29 June 2020.

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां (राष्ट्रीय /अंतर्राष्ट्रीय)

अंतर्राष्ट्रीय

देव, एन., को सेंटर फॉर कम्प्लेक्सिटी इकानॉमिक्स, एप्लाइड स्प्रियुएलिटी एंड पब्लिक पॉलिसी (सीईएसपी), जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा 21 जनवरी, 2021 को 'जटिल सामाजिक-आर्थिक प्रणालियों में कृत्रिम आसूचना एवं जन नीति' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्वांटम इंस्पायर्ड टेंसर नेटवर्क्स फॉर फॉइनैशियल सिस्टम्स' शीर्षक के तहत आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

गुप्ता, डी.एन. को बडकर इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स (बीआईएनपी) नोवोसिबिरस्क, रूस द्वारा 16 मार्च, 2021 को 'द एशियन फोरम फॉर एक्सीलेटर्स एंड डिटेक्टर्स' में लेजर वीकफील्ड्स एक्सीलिरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉन्स बाय ए सर्कुलरली पालेराइज्ड लेजर पल्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

गुप्ता, डी.एन. को 'प्लाज्मा फिजिक्स' विषय पर आयोजित चौथे एशिया-प्रशांत सम्मेलन में 'कंट्रोल एंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ इलेक्ट्रॉन बीम कैरेक्टरिस्टिक्स इन लेजर वेकफील्ड एक्सीलिरेशन इन प्लाज्मा' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, सुरेश को भौतिक विभाग एवं खगोल भौतिकी विज्ञान, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा 15 फरवरी, 2021 को 'थ्यूरैटिकल एस्पेक्ट्स ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंटरप्ले ऑफ न्यूक्लियांस आर्बिटल्स इन न्यूक्लियर स्ट्रक्चर : कपलिंग स्कीमस एंड बैंड-क्रॉसिंग ऑफ डायपोल बैंड्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, बिनय को एविएरो यूनिवर्सिटी, पुर्तगाल द्वारा 3 फरवरी, 2021 को 'कैरेक्टराइजेशन एंड एनलिसिस ऑफ नैनोमैटीरियल्स' विषय पर आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'ग्रोथ आफ फंक्शनल' बल्क-एंड नैनो-क्रिस्टल्स फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, बिनय को कामराज कॉलेज, तमिलनाडु, भारत द्वारा 6 अगस्त, 2020 को 'क्वांटम मैटीरियल्स एंड नैनोपार्टिकल्स फॉर एडवांस्ड एप्लीकेशंस' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में 'नैनोपार्टिकल्स एंड सिंगल क्रिस्टल्स फॉर पिएजोइलेक्ट्रिक ग्रीन एनर्जी' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, बिनय को अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, भारत एवं फ्लोरिडा पॉलीटेक्निक यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा संयुक्त तौर पर 11 जुलाई, 2020 को आयोजित 'मैटीरियल्स सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन' अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में 'पीयजोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल्स एंड नैनोपार्टिकल्स फॉर एनर्जी हार्वेस्टिंग एप्लीकेशंस' विषय पर वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, बिनय को यूनिवर्सिटी ऑफ एविनरो, पुर्तगाल द्वारा 7 जुलाई, 2020 को 'नैनोमैटीरियल्स साइंस एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग' विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पायजोइलेक्ट्रिक नैनोपार्टिकल्स बेस्ड फ्लेक्सिबल नैनोजिनेरेटर्स' विषय पर वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

महापात्रा, ए.के. को वीर कुंवर सिंह, यूनिवर्सिटी, एरा एवं एसवीपी कॉलेज द्वारा 'द सोसायटी फॉर टेक्नालॉजिकली एडवांस्ड मैटीरियल्स ऑफ इंडिया (एसटीएएमआई) के साथ मिलकर 29 जुलाई, 2020 को स्ट्रेटजी ऑफ सेल्फ डिपेंडेंसी इन कोविड-19 एंड एप्लीकेशन ऑफ एकजॉटिक मैटीरियल्स इन द फील्ड ऑफ फिजिक्स, कैमेस्ट्री, बायलॉजी, मेडिसीन एंड इंजीनियरिंग' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल कांफ्रेंस में 'ग्राफीन डेरिवेटिव्स एज टेस्ट बेड फॉर बायो-एंटी डिटेक्शन' विषय पर वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

महापात्रा, ए.के. सोसायटी फॉर टेक्नालॉजिकली एडवांस्ड मैटीरियल्स ऑफ इंडिया (एसटीएएमआई) द्वारा 15 मई, 2020 को 'विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेब कांफ्रेंस में 'इम्प्लीमेंटेशन ऑफ ग्राफीन डेरिवेटिव्स इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी' विषय पर वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

मंडल, एस. को भौतिक विज्ञान विभाग, पाबना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पाबना, वंगलादेश द्वारा 13 नवम्बर, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में 'फेमटो फिजिक्स : इट्स एप्लीकेशंस एंड चैलेंजिज' विषय पर आमंत्रित किया गया।

रथ, एस. को एमिटी यूनिवर्सिटी, मुम्बई, भारत द्वारा 24 फरवरी, 2021 को 'रिसैंट ट्रेंड्स इन 2डी नैनोमैटीरियल्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 1.2डी नैनोमैट-2021, विषय पर आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय

अन्नापूर्णी, एस. को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 8 अक्टूबर, 2020 को 'सालिड स्टेट फिजिक्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

चौधरी, बी.सी. को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 25 अगस्त, 2020 को 'एलएचसी एन ओवरल्यू एंड इंडियाज कंट्रीब्यूशंस (हाऊ टू अनरेवल द मिस्ट्री ऑफ द यूनिवर्स विद एक्सील्लरेटर्स, डिटेक्टर्स एंड फिजिक्स?)' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

गुप्ता, पी.डी., को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 2-6 सितम्बर, 2020 को 'क्वांटम मैकेनिक्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

हाशमी, एस.ए., को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 27-29 सितम्बर को 'एटामिक फिजिक्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कार, एस. को फेनामानिया 2021 एनुअल फेस्ट, एआरएसडी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में 23 मार्च, 2021 को 'नोबल प्राइज 2020 इन फिजिक्स : मेसिव ब्लैक हॉल फॉर्मेशन' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, बिनय को 29 वें डीएई-बीआरएनएस नेशनल लेजर सिम्पोजियम, आरआरसीएटी, इंदौर, भारत में 12 फरवरी, 2021 को 'ग्रोथ ऑफ सिंगल क्रिस्टल्स बाई वेरियस टेक्नीक्स फॉर आप्टिकल, पियोजोइलेक्ट्रिक एंड कम्यूनिकेशन एप्लिकेशंस' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, बिनय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया, बिहार, भारत में 27 जून, 2020 को 'टेक्नालॉजिकली इम्पोर्टेंट क्रिस्टल्स फॉर रिसर्च एंड एप्लीकेशंस' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

कुमार, विनय को एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी, रामापुरम, चेन्नै में 17 जून, 2020 को 'मल्टी-फंक्शनल मैटीरियल्स' विषय पर आयोजित वर्चुअल सिम्पोजियम में 'सिंगल क्रिस्टल्स फॉर मल्टीफंक्शनल एप्लीकेशंस' विषय पर आयोजित वेबीनार में आयोजित किया गया।

कुमार, बिनय को एसएसन इंस्टिट्यूट, चेन्नै, भारत द्वारा 14-23 मई, 2020 को आयोजित इंडियन समर स्कूल ऑन क्रिस्टल ग्रोथ विषय पर आयोजित वेबीनार सीरिज में 'अंडरस्टैंडिंग क्रिस्टल्स फॉर सोसायटी, साइंस एंड डिवाइसिज' विषय पर आमंत्रित किया गया।

कुमार, पी.एस. को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 21-26 सितम्बर, 2020 को 'सालिड स्टेट फिजिक्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया।

महापात्रा, ए.के. को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मणिपुर, भारत द्वारा 23 नवम्बर, 2020 को 'एडवांस्ड नैनोमैटीरियल्स एंड देयर एप्लीकेशंस' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'यूटिलाइजेशन ऑफ ग्राफीन ऑक्साइड इन नैनो-इलेक्ट्रॉनिक्स एंड बायो-सेंसर्स' विषय पर वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

मंडल, एस. को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 16-19,23,24 और 28 अगस्त, 2020 को 'न्यूक्लियर फिजिक्स' विषय पर आयोजित वेबीनार श्रृंखला में आमंत्रित किया गया।

नईमुद्दीन, एम. को सीएमएचईपी सम्मेलन, ईसीसी, इलाहाबाद, भारत में 5 मार्च, 2021 को 'द एलुसिव न्यूट्रियांस : हाउ एलुसिव इट केन बी' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

नईमुद्दीन, एम. को डीआईएचईपी सिम्पोजियम, एनआईएसआईआर, भुवनेश्वर, भारत द्वारा 14 दिसम्बर, 2020 को 'जीईएम डिटेक्टर्स-डेवलपमेंट, एप्लीकेशन एंड करंट स्टेटस ऑफ इंडियन एफॉर्ट्स' विषय पर आयोजित वेबीनार में आमंत्रित किया गया।

नईमुद्दीन, एम. को 8 अगस्त, 2020 को एडवांस्मेंट एंड इनोवेशंस इन माडर्न फिजिक्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार व्याख्यान श्रृंखला में 'द इलूसिव न्यूट्रियांट्स' विषय पर आमंत्रित किया गया।

रॉय, एस. को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 21,22,24 एवं 25 सितम्बर, 2020 को 'सालिड स्टेट फिजिक्स' विषय पर व्याख्यान श्रृंखला में आमंत्रित किया गया।

शेषाद्री, टी.आर., को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 20-23 एवं 27 अगस्त, 2020 को 'क्लासिकल मैकेनिक्स' विषय पर वेबीनार श्रृंखला में आमंत्रित किया गया।

सूर, एस. को नेशनल एकेडमी आफ साइंस (एनएएसआई), लर्निंग फिजिक्स-दिल्ली चैप्टर द्वारा 5-7,10 अक्टूबर, 2020 को 'इलेक्ट्रोमैग्नेटिक थ्योरी' विषय पर वेबीनार श्रृंखला में आमंत्रित किया गया।

अन्य अन्तर-सांस्थानिक सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय

बी.सी. चौधरी :

इंडिया-सीएमएस कोलेबोरेशन, सीईआरएन, जेनेवा, स्विट्जरलैंड, फंडामेंटल रिसर्च

नोवा कोलेबोरेशन, फर्मिलाब, यूएसए, फंडामेंटल रिसर्च

कीर्ति रंजन :

इंडो-इटली कोलेबोरेशन ऑन डिटेक्टर्स, हाई एनर्जी फिजिक्स रिसर्च

इंडिया-सीएमएस कोलेबोरेशन एट सीईआरएन, जेनेवा, स्विट्जरलैंड फंडामेंटल रिसर्च

निवेदिता देव :

रिसर्च कोलेबोरेशन ऑन रिसर्च ऑन प्रोटीन नेटवर्क्स, इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल स्टडीज, नारेसुआन यूनिवर्सिटी, थाइलैंड

श्याम रथ :

कोलेबोरेशन रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ डे फिसिका एटॉमिका, मालीक्यूलर, न्यूक्लियर, फेकलटाड डे फिलिका, यूनिवर्सिटी ऑफ सेविला, स्पेन

कोलेबोरेशन रिसर्च, भौतिक विज्ञान विभाग, टोरिनो विश्वविद्यालय एवं आईएनएफएन, ईटली

कोलेबोरेशन रिसर्च, भौतिक विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ सर्रे, गिल्डफोर्ड, सर्रे, यूनाइटेड किंगडम

कोलेबोरेशन रिसर्च, सेंटर फॉर एक्सीलिरेटर साइंस, एएनएसटीओ, आस्ट्रेलिया

कोलेबोरेशन रिसर्च, सेंडिया नेशनल लैबोरेट्रिज, रेडिएशन-सॉलिड इंटरएक्शंस एलबिक्वेर, एनएम, यूएसए

कोलेबोरेशन रिसर्च, इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी एजेंसी, वियना, आस्ट्रिया

विनय गुप्ता :

कोलेबोरेशन रिसर्च विद प्रो. ए.पी. फ्रैंडरफर एंड प्रो. एम. सैयर, क्वींस यूनिवर्सिटी, किंगस्टन, कनाडा

एच.पी. सिंह :

इंडो-यूएस कोलेबोरेशन विद नोडल इंस्टिट्यूट : दिल्ली यूनिवर्सिटी, इंडिया, थ्यूरैटिकल एस्ट्रोफिजिक्स रिसर्च

समित कुमार मंडल :

एफएआईआर कोलेबोरेशन, जीएसआई, जर्मनी, न्यूक्लियर फिजिक्स रिसर्च

एजीएटीए कोलेबोरेशन, यूनोपियन यूनियन, न्यूक्लियर फिजिक्स रिसर्च

पीआरईएसपीईसी कोलेबोरेशन, जीएसआई, जर्मनी, न्यूक्लियर फिजिक्स रिसर्च

डी.एन. गुप्ता :

एक्सपेरीमेंटल रिसर्च यूजिंग जीपीयू बेस्ड हाई-स्पीड कम्प्यूटिंग एंड पेटवट्ट लेजर फेसिलिटीज, स्टेथक्लायड यूनिवर्सिटी, ग्लासगो।

कोलेबोरेशन रिसर्च ऑन लेजर-प्लाज्मा इंटरएक्शंस, ग्वांगजु यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी (जीआईएसटी), ग्वांगजु, साऊथ कोरिया

कोलेबोरेशन रिसर्च ऑन टैराहर्ट्ज रेडिएशन जनिरेशन, स्टर्नबर्ग एस्ट्रोनाॅमिकल इंस्टिट्यूट ऑफ मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी

अजीत कुमार महापात्रा :

कोलेबोरेटिव रिसर्च विद प्रो. वाई-आर मा एंड प्रो. वाई-के-कुओ, भौतिक विज्ञान विभाग, नेशनल डांग हवा यूनिवर्सिटी, हुआलियन, ताइवान

आशुतोष भारद्वाज :

सीएमएस एक्सपेरीमेंट आरडी50 कोलेबोरेशन, हाई-एनर्जी फिजिक्स रिसर्च

अशोक कुमार :

सीएमएस एक्सपेरीमेंट आरडी50 कोलेबोरेशन, हाई-एनर्जी फिजिक्स रिसर्च

एम. नईमुद्दीन :

सीएमएस एक्सपेरीमेंट आरडी50 कोलेबोरेशन, हाई-एनर्जी रिसर्च

एस. सूर :

क्वांटम ग्रेविटी एंड कॉस्मोलॉजी रिसर्च विद प्रो. सूर्या दास, भौतिक विज्ञान विभाग एवं खगोल भौतिकी, यूनिवर्सिटी ऑफ लेथब्रिज, एलबर्टा, कनाडा।

राष्ट्रीय

श्याम रथ :

कोलेबोरेशन एकेडमिक वर्क्स एज ए पेनलिस्ट इन होस्टिंग फॉरेन स्टडीज एट दिल्ली यूनिवर्सिटी, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च, सालिड स्टेट फिजिक्स लैब, डीआरडीओ, नई दिल्ली, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च, एनपीएल, नई दिल्ली, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च, इंटर-यूनिवर्सिटी एक्सीलियरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च, नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पूने, इंडिया।

कोलेबोरेशन रिसर्च, इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर, भारत

विनय गुप्ता :

कोलेबोरेशन रिसर्च विद डॉ. ए. कपूर, सालिड स्टेट फिजिक्स लैब, डीआरडीओ, नई दिल्ली, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च विद डॉ. जी. गुप्ता एंड डॉ. ए. कुमार, एनपीएल, नई दिल्ली, भारत

सुमित कुमार मंडल :

आईएनओ कोलेबोरेशन, भारत, हाई एनर्जी फिजिक्स रिसर्च

आईएनजीए कोलेबोरेशन, भारत, हाई एनर्जी फिजिक्स रिसर्च

ज्योति राजपूत :

संयुक्त अनुसंधान परियोजना, इंटर स्टेट एक्सीलियरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली, भारत।

अजीत कुमार महापात्रा :

कोलेबोरेशन रिसर्च विद डॉ. एस.पी. सिंह, एनपीएल, नई दिल्ली, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च विद प्रो. एस. घोष, जेएनयू, नई दिल्ली, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च विद प्रो. टी. बासु, एमिटी, नोएडा, भारत

कोलेबोरेशन रिसर्च विद डॉ. पोद्दार, एनसीएल, पूने, भारत

एस. राय :

एक्सपेरिमेंटल रिसर्च यूजिंग सेंट्रल फेसिलिटिज एंड लार्ज इक्विपमेंट्स, यूजीसी-डीई सीएसआर, इंदौर, भारत

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. : 28

संकाय संख्या

स्थायी : 38

यूजीसी-एफआरपी: 02

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मेधावी एम.एससी. विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटेशनल फिजिक्स में वार्षिक रमन रामकुमार स्मृति पुरस्कार।

प्राणी विज्ञान विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्राणी विज्ञान विभाग देश के अग्रणी अनुसंधान गहन विभागों में से एक है। अनुसंधान कार्य माइक्रोब्स से लेकर मानव तक के विविध क्षेत्रों में किया जाता है। गत एक वर्ष में संकाय सदस्यों ने अत्यधिक प्रभाव वाले उच्च स्तरीय समीक्षा वाले पत्रों में लगभग 87 शोध शोध प्रकाशित किए हैं। उन्होंने अपने निष्कर्षों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी प्रस्तुत किया है। उनमें से कई संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निधियन एजेंसियों से व्यापक निधियन प्राप्त हुआ है। प्राणी विज्ञान विभाग को डीएसटी-एफआईएसटी, यूजीसी-एसएपी/सीएसएस योजनाओं के लिए मान्यता प्रदान की गई है। विभाग द्वारा लगभग 225 विद्यार्थियों को प्राणी विज्ञान के उच्च क्षेत्रों में एम.एससी. शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त गत एक वर्ष में विद्यार्थियों को 15 पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की गईं।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां :

प्रो. मदन मोहन चतुर्वेदी :

कुलाधिपति नामिनी, यूनिवर्सिटी कोर्ट ऑफ क्लस्टर यूनिवर्सिटी, जम्मू (जे एंड के) 2021.

सदस्य, भारत-आस्ट्रेलिया जैवप्रौद्योगिकी मंच समीक्षा बोर्ड, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (2021)

बाह्य सदस्य, स्कूल बोर्ड, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसिज, मिजोरम विश्वविद्यालय, आईजोल (2020)

बाह्य सदस्य, डीआरसी, एआईएमएमएससीआर, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा (2020 से अनवरत)

बाह्य सदस्य, बीओएस, एआईएमएमएससीआर, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा (2020 से अनवरत)

सदस्य, सीपीसीएसईए, पर्यावरण एवं वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार (2018-21)

सदस्य, पशु विज्ञान समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (2018-21)

विशेषज्ञ सदस्य, बायोकेयर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

विशेषज्ञ सदस्य, डीबीटी नेशनल आरए समिति, जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

सदस्य, शासी बोर्ड (बीओजी), एवं प्रबंधन बोर्ड (बीओएम), जीएसएफसी यूनिवर्सिटी, वडोदरा, गुजरात।

अध्यक्ष, जीव विज्ञान अध्यापक संघ, मुम्बई, भारत

प्रो. रीना चक्रवर्ती :

सदस्य, अनुसंधान परामर्शदात्री समिति, सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन, आईसीएआर, मुम्बई (2020-2022)

सदस्य, क्विनक्वेनियल रिव्यू टीम, सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ ब्रेकिस वाटर एक्वाकल्चर, आईसीएआर, चेन्नई (2020 से अनवरत)

एक्वाकल्चर, फिश एंड शेलफिश इम्यूनोलॉजी एंड फूड कैमैस्ट्री के लिए 'सर्टिफिकेट्स आफ आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन इन रिव्यूइंग' विषय पर एलस्वियर जर्नल द्वारा असाधारण समीक्षक प्रमाण-शोध प्रदान किया गया।

सदस्य, तकनीकी विशेषज्ञ समिति ऑन 'एक्वाकल्चर एंड मैरीन बायोटेक्नालॉजी', जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली (अक्टूबर 2018 से अनवरत)

सदस्य, टास्क फोर्स कमेटी ऑन 'एक्वाकल्चर एंड मैरीन बायोटेक्नालॉजी', जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली (अक्टूबर 2017 से अनवरत)

भारत सरकार की निधियन एजेंसियों : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षक।

प्रो. डी.के. सिंह :

अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायलाजिस्ट्स ऑफ इंडिया (2021)

सदस्य, ट्रेनिंग, रिसर्च एंड एकेडमिक काउंसिल (टीआरएसी) ऑफ वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (10.5.2018 से तीन वर्ष के लिए अनवरत)

प्रो. रीता सिंह :

ले स्टडीज, विजिटिंग रिसर्चर्स अवार्ड, फ्रॉम ले स्टडियम साइंटिफिक काउंसिल, ले स्टडियम लोयर वेली इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज1, रूए डूपानलॉप-45000 आरलेंस, फ्रांस (2020-2021)

अध्यक्ष, डीबीटी-इंडो-यूके न्यूटन भाभा फंड फॉर रिसर्च कोलेबोरेशन (2018-2021)

विशेषज्ञ सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस), कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) (2021 से अनवरत)

विशेषज्ञ सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश) (2019 से अनवरत)

संयोजक, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से उन्नत भारत अभियान के अधीन 'सोसायटल साइंस इनिशिएटिव ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड हायजीन इन विलेजिज एडोप्टिड' विषय पर (2019 से अनवरत)

विशेषज्ञ सदस्य, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में भर्ती और पदोन्नति समिति। (2018-2021)

प्रो. आर. के. सेठ :

परामर्शदाता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार (2018 से अनवरत)

प्राणी विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में सीएसएस/एसएपी के लिए यूजीसी नामिति (2018-2021)

प्रो. मल्लिकार्जुन शर्मा :

अध्यक्ष (कार्यवाहक), विद्यालय प्रबंधन समिति, केन्द्रीय विद्यालय (एचआरडी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन), आईएनए कॉलोनी, नई दिल्ली-110023, भारत (अक्टूबर 2019 से वर्तमान तारीख तक)

प्रो. आलोक चन्द्र भारती :

सदस्य, होम्योपैथी फॉर्मोकोपिया समिति, फॉर्मोकोपिया कमिशन ऑफ इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत

आबजर्वर, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (2020)

सदस्य, इंस्टिट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (दिसम्बर 2020 से अनवरत)

भारत सरकार की विभिन्न निधियन एजेंसियों : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (आयुष), प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, केरल राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद की अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षक

संपादक/सदस्य, वैज्ञानिक शोध संपादकीय बोर्ड

प्रो. वाई. सिंह, संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, स्प्रिंगर प्रेस

प्रो. एम.एम. चतुर्वेदी, सदस्य, संपादकीय बोर्ड :

जर्नल ऑफ आंकोलिटिक वायरोलॉजी

इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी (आईजेईबी)

प्रो. रीना चक्रवर्ती, सदस्य, संपादकीय बोर्ड :

रिव्यूज इन एक्वाकल्चर (ब्लैकवेल)

इजरेली जर्नल ऑफ एक्वाकल्चर-बामिडगेह (सोसायटी ऑफ इजरेली एक्वाकल्चर एंड मैरीन बायोटेक्नालॉजी, इजराइल)

मेडिटेरियन एक्वाकल्चर जर्नल (मेडिटेरियन एक्वाकल्चर एंड एनवायरमेंटल सोसायटी)

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्यूर एंड एप्लाइड जूलॉजी (एलाइड एकेडमिक्स, यूएसए)

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिशरीज एंड एक्वाकल्चर (एकेडमिक जर्नल)

फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन (फ्रंटियर्स ओपन एक्सेस जर्नल)

मैट्रिज जर्नल ऑफ एक्वाकल्चर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (एमजेएआरडी)

जर्नल ऑफ द इन्लैंड फिशरीज सोसायटी ऑफ इंडिया (इन्लैंड फिशरीज सोसायटी ऑफ इंडिया, भारत)

जर्नल ऑफ इम्यून रिसर्च (आस्टिन पब्लिशिंग ग्रुप, यूएसए)

जर्नल ऑफ कोल्ड-वाटर फिशरीज (कोल्ड वाटर फिशरीज सोसायटी ऑफ इंडिया, डायरेक्टर ऑफ कोल्ड वाटर फिशरीज, भीमताल, इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च, भारत)

प्रो. विनोद कुमार, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, करंट साइंस।

प्रो. योगेन्द्र सिंह :

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ बायलाजिकल कैमिस्ट्री (जेबीसी)

संपादकीय परामर्शक बोर्ड सदस्य, रिसेंट पेटेंट्स ऑन एंटी-इनफेक्टिव ड्रग डिसकवरी (बेंथम साइंस पब्लिशर्स)

प्रो. आलोक सी. भारती, सदस्य, संपादकीय बोर्ड :

बायोमेकर (एल्सवेयर)

बीएमसी कैंसर

बीएमसी कम्प्लीमेंट्री एंड एल्टरनेट मेडिसिन

करंट ट्रेडिशनल मेडिसिन (बेंथम साइंस)

जे. बायोमेकर्स (हिंदावी)

प्रो. आर. सेठ, संपादकीय परामर्शदाता बोर्ड सदस्य :

इंडियन जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी

जे. न्यूक्लियर एग्री. बायो.

प्रकाशन

अग्रवाल, एन., यादव, जे., छक्कारा, एस., जंजुआ, डी., त्रिपाठी, टी., चौधरी, ए.,... एवं भारती, ए.सी. (2021) - पॉलीकेमिकल्स एज पोर्टेशियल कीमोप्रिवेंटिव एंड कीमोथेरेपटिक एजेंट्स फॉर एमर्जिंग ह्यूमन पेपीलोमावायरस-ड्रिवन हेड एंड नेक कैंसर : करंट एवीडेंस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स। फ्रंटियर्स इन फॉर्मोकोलॉजी, 12, 1639. <https://doi.org/10.3389/fphar.2021.699044>

अग्रवाल, एन., यादव, जे., ठाकुर, के., बिबबन, आर., छक्कर, ए., त्रिपाठी, टी., भट्ट, ए., सिंह, टी., जादली, एम., सिंह, यू., कश्यप, एम.के., एवं भारती, ए.सी. (2020) - ह्यूमन पेपीलोमावायरस इनफेक्शन इन हेड एंड नेक स्कवामस सेल कार्सिनोमस : ट्रांसक्रिप्शनल ट्रिगर्स एंड चेंजड डिजीज पैटर्नस। फ्रंटियर्स इन सेल्यूलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, 10, 746. <https://doi.org/10.3389/fcimb.2020.537650>

बखशी, ए., एवं राय, यू. (2021) - सीजनेलिटी, सेक्स-स्पेसिफिक एंड ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन ऑफ हेप्टिक लेप्टिन सिस्टम इन स्पाटिड एनेकहेड चन्ना पंकटेड्स। जर्नल एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रायोनालॉजी, 310, 113821. <https://doi.org/10.1016/j.ygcen.2021.113821>

बखशी, ए., एवं राय, यू. (2020) - रिप्रोडेक्टिव फेज-डिपेंडेंट वेरिएशन, सेक्सुअली डायमार्फिक एक्सप्रेसन एंड सेक्स स्टेरायड्स-मीडिएटेड ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन ऑफ लेप एंड लेपर इन लिम्फॉयड आर्गन्स ऑफ छन्ना पंकचुएटा। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 10, 999. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-57922-x>

बत्रा, टी., मलिक, आई., प्रभात, ए., भारद्वाज, एस.के., एवं कुमार, वी. (2020) - स्लीप इन अन्नेचुरल टाइम्स : इलुमिनेटेड नाइट नेगेटिवली अफेक्ट्स स्लीप एंड एसोसिएटेड हाइपोथैलेमिक जीन एक्सप्रेसन इन डाययूरनल

जेब्रा फिचिज, प्रोसिडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसायटी बी, 287(1928), 20192952. <https://doi.org/10.1098/rspb.2019.2952>

भट, ए., यादव, जे., ठाकुर, के., अग्रवाल, एन., त्रिपाठी, टी., छोक्कर, ए., सिंह, टी., जाडली, एम., शर्मा, ए. एवं भारती, ए.सी. (2021) - एकसोसामस फ्रॉम सर्वाइकल कैंसर सेल्स फैसिलिटेड प्रो. एंजियाजेनिक एंडोथेलियल रिक्डीशनिंग थ्रू ट्रांसफर ऑफ एचएच सिगनेलिंग कंपोनेंटस, कैंसर सेल इंटरनेशनल, 21(1), 319. <https://dx.doi.org/10.1186%2Fs12935-021-02026-3>

बुनियादी, ए., तौफिक, एस.टी., एवं कुमार, वी. (2020) - सेल्फ-रिकग्निशन इन कारविड्स : एविडेंस फ्रॉम द मिरर-मार्क टेस्ट इन इंडियन हाउस क्रोज (करवस स्पलेंडेंस)। जर्नल ऑफ आर्निथलॉजी, 161(2), 341-350. <https://doi.org/10.1007/s10336-019-01730-2>

चहल, एन., गीतादेवी, ए., कौर, एस., लाकड़ा, आर., नागेन्द्र, ए., श्रीवास्तव, टी.जी., डे पास्कली, एफ., रेटेर, ई., क्रेपियक्स, पी., गौरी देवी, एम., मल्होत्रा, एन. : मुरलीधर, के एवं सिंह, आर. (2021) - डायरेक्ट इम्पेक्ट ऑफ गोनाडोट्रापिंस आन ग्लूकोज अपटेक एंड स्टोरेज इन प्रियोवलेटरी ग्रेनुलोसा सेल्स : इम्प्लीकेशंस इन द पैथोजेनेसिस ऑफ पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम। मेटाबोलिज्म, 115, 154458. <https://doi.org/10.1016/j.metabol.2020.154458>

चटर्जी, एम., स्टेफन, जे.एस., लुकासोविक, टी., मार्श, जे.एल., एवं अग्रवाल, एन. (2020) - सेरिन रेजिड्यू 13 एंड 16 आर की माइयूलेटर्स ऑफ म्यूटेंट हंटिंगटिन इंड्यूस्ड टाक्सिटी इन ड्रासोफिला। एक्सपेरीमेंटल न्यूरोलॉजी, 338, 113463. <https://doi.org/10.1016/j.expneurol.2020.113463>

चौहान, एन., श्रीवास्तव, एन.के., अग्रवाल, एन., एवं शर्मा, एम.एन. (2020) - विंग पैटर्निंग इन फॉस्टर डिवलपिंग ड्रासोफिला इज एसोसिएटिड विद हाई इकडायसोन टाइटर एंड विगलेंस एक्सप्रेसन। मैकेनिज्मस ऑफ डेवलपमेंट, 163, 103626. <https://doi.org/10.1016/j.mod.2020.103626>

छोंगथाम, ए., बारनेमन, डी.जे., बारबरो, बी.ए., लुकासोविक, टी., अग्रवाल, एन., सैयद, ए., वार्थेज, एस., परसेल, जे., बर्क, जे., चिन, टी.एम., एवं मार्श, जे.एल. (2020) - इफेक्ट ऑफ फ्लैकिंग सीक्वेंसिज एंड सेल्यूलर कंटेक्सट ऑन सबसेल्यूलर बिहेवियर एंड पैथोलॉजी ऑफ म्यूटेंट एचटीटी। ह्यूमन मालीक्यूलर जेनेटिक्स, 29(4), 674-688. <https://doi.org/10.1093/hmg/ddaa001>

चौपाल, बी., राय, यू., कुमार, आर., एवं रॉय, बी. (2021) - मॉलीक्यूलर एंड फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन आफ स्पोटिड स्नेकहैड एनओडी1 विद एन एम्फेसिस ऑन स्ट्रक्चरल इनसाइट इनटू आईई-डीएपी बाइंडिंग मारिफज एम्प्लायिंग एडवांस्ड बायोइनफॉर्मेटिक टूल्स। जर्नल ऑफ बायोमॉलीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 00, 1-13. <https://doi.org/10.1080/07391102.2021.1898472>

धनकड, जे., अग्रवाल, एन., एवं श्रीवास्तव, ए. (2020) - एन इंटरप्ले बिटविन इम्यून रिस्पांसिज एंड न्यूरोडिजिनिरेटिव डिजीज प्रोग्रेसन : एन एसेसमेंट यूजिंग ड्रासोफिला एज ए मॉडल। जर्नल ऑफ न्यूरोइमूनोलॉजी, 346, 577302. <https://doi.org/10.1016/j.jneuroim.2020.577302>

धसमाना, एन., कुमार, एन., गंगवाल, ए., केशवम, सी.सी., सिंह, एल.के., सांगवान, एन.,...एवं गुप्ता, एम. (2021) - बेसिलस एंथ्रसिस चैन लेंथ, ए वर्लेंस डिटरमिनेंट इज रेगुलेटिड बाय मेम्ब्रेन लाकेलाइज्ड सेरीन/थ्रेयोनायन प्रोटीन किनासे पीआरकेसी। जर्नल ऑफ बैक्टीरियोलॉजी, 203(11), e00582-20. <https://doi.org/10.1128/jb.00582-20>

ढौलनिया, ए.एस., बालन, बी., यादव, ए., जामवाल, आर., कैली, एस., कन्नावन, ए. एवं सिंह, डी.के. (2020) - डेवलपमेंट ऑफ एन एफटीआईआर बेस्ड किमोमेट्रिक मॉडल फॉर द क्वालिटेटिव एंड क्वांटिटेटिव इवोल्यूशन ऑफ केन शुगर एज एन एडिड शुगर एडिटिमेंट इन एप्पल फ्रूट ज्यूसिज। फूड एडिटिव्ज एंड कंटांमिनेंटस : पार्ट ए, 37(4), 539-551. <https://doi.org/10.1080/19440049.2020.1718774>

डोटानिया, के., त्रिपाठी, एम., एवं राय, यू. (2021) - ए कम्पेरेटिव अकाउंट ऑफ नेसफेटिन-1 इन वर्टिब्रेटस। जनरल एंड कम्पेरेटिव एंडोक्रायोनोलॉजी, 312, 113874. <https://doi.org/10.1016/j.ygcen.2021.113874>

दुबे, एन., खान, एम.जेड., कुमार, एस., शर्मा, ए., दास, एल., भादुड़ी, ए., सिंह, वाई, एवं नंदीकूरी, वी.के. (2021) - माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पीपीआईए इंटेक्टस विद होस्ट इंटीग्रिन रिसेप्टर टू एक्सरबेट डिजीज प्रोग्रेसन। द जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिजीज, 224(8), 1383-1393. <https://doi.org/10.1093/infdis/jiab081>

गोयल, एच., सिंघल, एस., माथुर, आर., सैयदा, एस., गुप्ता, आर.के., कुमार, ए., श्रीवास्तव, एवं झा, ए.के. (2020) - प्रोमोटर हायपरिमथाइलेशन ऑफ एलएटीएस2 जीन इन ओरल स्कवामस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) अमंग नार्थ इंडियन पापुलेशन। एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन, 21(5), 1283-1287. <https://doi.org/10.31557/apjcp.2020.21.5.1283>

गोस्वामी, आर.के., श्रीवास्तव, ए.के., शर्मा, जे.जी., टॉचर, डी.आर., एवं चक्रवर्ती, आर. (2020) - ग्रोथ एंड डायजेस्टिव एंजाइम एक्टिविटीज ऑफ रोहू लेबियो फेड डाइट्स कंटेनिंग मैक्रोफॉयट्स एंड एलमांड ऑयल-केक। एनिमल फीड साइंस एंड टेक्नालॉजी, 263, 114456. <https://doi.org/10.1016/j.anifeedsci.2020.114456>

गुप्ता, वी., हैदर, एस., वर्मा, एम., सिंघवी, एन., पुन्नसामी, के., मलिक, एम.जेड., वर्मा, एच., कुमार, आर., सॉड, यू., हीरा, पी., सतीजा, एस., सिंह, वाई., एवं लाल, आर. (2021) - कम्पेरेटिव जिनामिक्स एंड इंटीग्रेटिड नेटवर्क एप्रोच अनवेल्ड अनडायरेक्टिड फॉयलोजेनी पैटर्नस, को-म्यूटेशनल हॉट स्पॉट्स, फंक्शनल क्रॉस टॉक, एंड रेगुलेटरी इंटरएक्शंस इन सार्स-कोव-2. एम सिस्टम्स, 6(1), e00030-21. <https://doi.org/10.1128/msystems.00030-21>

हिमांशी, राय, यू., एवं सिंह, आर. (2021) - रेडियोफ्रीक्वेंसी रेडिएशन : ए पॉसिबल थ्रेट टू मेल फर्टिलिटी। रिप्रोडक्टिव टॉक्सिकालॉजी, 100, 90-100. <https://doi.org/10.1016/j.reprotox.2021.01.007>

जामवाल, आर., अमित, कुमारी, एस., केली, एस., कननावन, ए. एवं सिंह, डी.के. (2021) - नॉन-टार्गेटिड फिंगरप्रिंटिंग एप्रोच फॉर रैपिड क्वांटिफिकेशन ऑफ मस्टर्ड ऑयल एडल्टीरेशन विद लिनसीड ऑयल : एन इकानॉमिकली मोटिवेटिड एडुल्टरेशन। वायब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कापी, 113(2021), 103226. <https://dx.doi.org/10.1016/j.vibspec.2021.103226>

जामवाल, आर., अमित, कुमारी, एस., शर्मा, एस., केली, एस., कननावन, ए. एवं सिंह, डी.के. (2021) -रिसैंट ट्रेंड्स इन द यूज ऑफ एफटीआईआर स्पेक्ट्रोस्कापी इंटीग्रेटिड विद किमोमेट्रिक्स फॉर द डिटेक्शन ऑफ एडिबल आयल एडुल्टरेशन। वायब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कापी, 113(2021), 103222. <http://dx.doi.org/10.1016/j.vibspec.2021.103222>

जामवाल, आर., कुमारी, एस., बालन, बी., धालनिया, ए.एस., केली, एस., कननावन, ए. एवं सिंह, डी.के. (2020) - एडेनचुएटिड टोटल रिफेक्लेटेंस-फोरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड (एटीआर-एफटीआईआर) स्पेक्ट्रोस्कापी कपलड विद किमोमेट्रिक्स फॉर रैपिड डिटेक्शन ऑफ एराजिमान आयल एडुल्टरेशन इन मस्टर्ड आयल, एलडब्लूटी, 120, 108945. <https://doi.org/10.1016/j.lwt.2019.108945>

जामवाल, आर., कुमारी, एस., बालन, बी., धालनिया, ए.एस., केली, एस., कननावन, ए. एवं सिंह, डी.के. (2020) - यूटिलाइजिंग एटीआर-एफटीआईआर स्पेक्ट्रोस्कापी कंबाईंड विद मल्टीवेरिएंट किमोमेट्रिक माडलिंग फॉर द स्विफ्ट डिटेक्शन ऑफ मस्टर्ड ऑयल एडुल्टरेशन इन वर्जन कोकोनेट ऑयल। वायब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कापी, 109, 103066. <https://doi.org/10.1016/j.vibspec.2020.103066>

जामवाल, आर., कुमारी, एस., केली, एस., कननावन, ए. एवं सिंह, डी.के. (2020) - रैपिड डिटेक्शन ऑफ प्यूर कोकोनेट आयल एडुल्टरेशन विद फ्रॉइड कोकोनेट ऑयल यूजिंग एटीआर-एफटीआईआर स्पेक्ट्रोस्कापी कपलड विद मल्टीवेरिएंट रिग्रेशन माडलिंग, एलडब्लूटी, 125, 109250. <https://doi.org/10.1016/j.lwt.2020.109250>

ज्योति, अग्रवाल, एन., एवं श्रीवास्तव, ए. (2020) - एन इंटरप्ले बिटविन इम्यून रिसपांसिज एंड न्यूरोडिजिनिरेटिव डिजीज प्रोग्रेसन : एन एसेसमेंट यूजिंग ड्रोसोफिला एज ए मॉडल। जर्नल ऑफ न्यूरोइम्यूनोलॉजी, 346, 577302. <https://doi.org/10.1016/j.jneuroim.2020.577302>

कौर, एच., वारेन, ए., नेगी, आर.के., एवं कामरा, के. (2020) - टाक्सोनामिक रिजोल्यूशन ऑफ स्टाइलॉकिया नोटोफोरा (एलवियोलाटा, सिलिफोरा, हाइपोट्रिका) सेंसू स्परा एंड दास 1970 यूजिंग एन इंटीग्रेटिव एप्रोच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टेमेटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायलॉजी, 70(6), 3939-3952. <https://doi.org/10.1099/ijsem.0.004207>

खान, एन.ए., निनावे, ए.एस., शर्मा, जे., एवं चक्रवर्ती, आर. (2020) - इफेक्ट ऑफ लाइट इंटेन्सिटी आन सर्वाइवल, ग्रोथ एंड फिजियोलॉजी ऑफ रोहू, लेबियो रोहिता (साइप्रिनायड) फ्राइ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेडिएशन बायलॉजी, 96(4), 552-559. <https://doi.org/10.1080/09553002.2020.1704905>

खन्ना, ए., इन्द्राकांति, एन., चक्रवर्ती, आर., एवं इन्द्रागंती, पी.के. (2020) - शार्ट टर्म एक्स-विवो एक्सपॉजर् टू हाइड्रोजन सलफाईड इन्हांसिज मरीन हेमेटोपोएटिक स्टेम एंड प्रोजेनिटर सेल माइग्रेशन, होमिंग एंड प्रोलीफरेशन, सेल एडहेसन एंड माइग्रेशन, 14(1), 214-226. <https://doi.org/10.1080/19336918.2020.1842131>

खुराना, एच., शर्मा, एम., वर्मा, एच., लोप्स, बी.एस., लाल, आर., एवं नेगी, आर.के. (2020) - जिनामिक, इनसाइट्स इनटू द फॉइलोजेनी ऑफ बेसिलस स्ट्रेनस एंड एलुसीडिएशन ऑफ देयर सेकंडरी मेटाबोलिक पोर्टेंशियल, जिनामिक्स, 112, 1391-3200. <https://doi.org/10.1016/j.ygeno.2020.06.005>

खुराना, एच., सिंह, डी.एन., सिंह, ए., सिंह, वाई., लाल, आर., एवं नेगी, आर.के. (2020) - गट माइक्रोबायम ऑफ इनडेजरड टोर पुटिटोरा (हेम) एज ए रिजरवायर आफ एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस जीन्स एंड पैथोजेन्स एसोसिएटिड विद फिश हेल्थ, बीएमसी माइक्रोबायलॉजी, 20(1), 249. <https://doi.org/10.1186/s12866-020-01911-7>

ख्याति, मलिक, आई., अग्रवाल, एन., एवं कुमार, वी. (2021) - मेलानाटॉनिन एंड करकुमिन रिएस्टेबलिस डिस्ट्रूड माइक्रेडियन जीन एक्सप्रेसन एंड रिस्टोर लोकोमोशन एबिलिटी एंड इकलॉयजन बिहेवियर इन ड्रोसोफिला मॉडल ऑफ हटिंगटन डिजीज। क्रोनोबायलाजी इंटरनेशनल, 38(1), 61-78. <https://doi.org/10.1080/07420528.2020.1842752>

कुमार, एम., सोढी, के.के., एवं सिंह, डी.के. (2021) - एड्रेसिंग द पोर्टेंशियल रोल ऑफ करकुमिन इन द प्रीवेंशन ऑफ कोविड-19 बाय टार्गेटिंग द एनएसपी9 रेपालिकेस प्रोटीन थू मालीक्यूलर डाकिंग। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायलॉजी, 203, 1691-1696. <https://doi.org/10.1007/s00203-020-02163-9>

कुमार, आर., वर्मा, एच., सिंघवी, एन., सूद, यू., गुप्ता, वी., सिंह, एम., कुमारी, आर., हिरा, पी., नागर, एस., तलवार, सी., नैय्यर, एन., आनंद, एस., रावत, सी.डी., वर्मा, एम., नेगी, आर.एम., सिंह, वाई., एवं लाल, आर. (2020) - कम्पेरेटिव जिनामिक एनलिसिस ऑफ रैपिडली इवोल्विंग सार्स-कोव-2 रिवील्स मोजेइक पैटर्न ऑफ फॉइलोजियोग्राफिकल डिस्ट्रिब्यूशन। एम सिस्टम्स, 5(4), e00505-20. <https://doi.org/10.1128/mSystems.00505-20>

कुमारी, पी., कुमार, एम., सहगल, एन., एवं अग्रवाल, एन. (2020) - इन सिलिको एनलिसिस आफ किस2, एक्सप्रेसन स्टडीज एंड प्रोटीन-प्रोटीन इंटरएक्शन विद गोनाडोट्रोपिन-रिलीजिंग हार्मोन 2 (जीएनआरएच2) एंड ल्यूटेनाइजिंग हार्मोन बीटा (एलएचबी) इन हेट्रोनेस्टस फॉसिलिस। जर्नल ऑफ बायोमालीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 1-15. <https://doi.org/10.1080/07391102.2020.1860820>

कुमारी, पी., सहगल, एन., गोस्वामी, एस.वी., एवं अग्रवाल, एन. (2021) - मल्टीफैक्टोरियल कंट्रोल ऑफ गोनाडोट्राजिन रिलीज फॉर इंडक्शन ऑफ ओकाइट सेचुरेशन : इन्फ्लूएस आफ गोनाडोट्रापिन-रिलीजिंग हार्मोन,

गोनाडोट्रापिन रिलीज-इनहिबिटिंग फैक्टर एंड डोपामाइन रिसेप्टर्स इन द कैटफिश, हेट्रोएनिस्टस फॉसिलिस। जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस, 13(2), 686-699. <https://doi.org/10.31018/jans.v13i2.2695>

कुमारी, एस., जामवाल, आर., मिश्रा, एन., एवं सिंह, डी.के. (2020) - रिसेंट डेवलपमेंट इन एनवायरमेंटल मर्करी बायोरिमिएडेशन एंड इट्स टॉक्सिटी : ए रिव्यू, इनवायरमेंटल नैनोटेक्नालॉजी, मानीटरिंग एंड मैनेजमेंट, 13, 100283. <https://doi.org/10.1016/j.enmm.2020.100283>

लोचब, एस., सिंह, वाई, सेनगुप्ता, एस., एवं नन्दीकूरी, वी.के. (2020) - माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एक्सप्लाइड्स होस्ट एटीएम किनेज फॉर सर्वाइवल एडवांटेज थ्रू एसईसीए2 सेक्रोटॉम। ईलाइफ, 9, e51466. <https://doi.org/10.7554/elife.51466>

मजूमदार, जी., यादव, जी., मलिक, एस., रानी, एस., बालथाजार्ट, जे. एवं कुमार, वी. (2021) - हाइपोथैलेमिक प्लास्टिसिटी इन रिस्पांस टू चेंजिज इन फोटोपीरियड एंड फूड क्वालिटी : एन एडप्शन टू स्पोर्ट प्री-माइग्रेटरी फैटनिंग इन सनबर्ड्स? यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस, 53(2), 430-448. <https://doi.org/10.1111/ejn.14994>

मिनहास, वी., कुमार, आर., मोईत्रा, टी., सिंह, आर., पांडा, ए.के. एवं गुप्ता, एस.के. (2020) - इम्यूनोजिनेसिटी एंड कोन्ट्रासेप्टिव एफिकेसी ऑफ रिक्बिनेट फ्यूजन प्रोटीन इनकम्पासिंग एसपी17 स्परमेटोजोआ-स्पिस्फिक प्रोटीन एंड जीएनआरएच : रेलिवेंस ऑफ एडजुवेंट्स एंड माइक्रोपार्टिकल्स बेस्ड डिलीवरी टू मिनिमाइज नंबर ऑफ इंजेक्शंस। अमेरिकन जर्नल ऑफ रिप्रोडेक्टिव इम्यूनोलाजी, 83(4), e13218. <https://doi.org/10.1111/aji.13218>

मिश्रा, आई., अग्रवाल, एन., प्रभात, ए., बत्रा, टी., भारद्वाज, एस.के., एवं कुमार, वी. (2020) - चेंजिज इन ब्रेन पेप्टाइड्स एसोसिएटिड विद रिप्रोडक्शन एंड एनर्जी होमोस्टेसिस : प्यूटेटिव रोल्स ऑफ गोनाडोट्रापिन रिलीजिंग हारमोन। एंड टायरोसीन हाइड्रोक्साइलेज इन डिटरमाइनिंग रिप्रोडक्टिव परफॉर्मेंस इन रिस्पांस टू डेली फूड एवेलिबिलिटी टाइम्स इन डाययूरेनल जेब्रा फिंचिज। जर्नल ऑफ न्यूरोएंडोक्रायोनालाजी, 32(2), e12825. <https://doi.org/10.1111/jne.12825>

मिश्रा, आई., अग्रवाल, एन., प्रभात, ए., बत्रा, टी., भारद्वाज, एस.के., एवं कुमार, वी. (2020) - डेवलपमेंट इफेक्ट्स ऑफ डेली फूड एवेबिलिटी टाइम्स ऑन सांग बिहेवियर एंड न्यूरोनल प्लास्टिसिटी ऑफ सांग-कंट्रोल सिस्टम इन मेल जेब्रा फिंचिज। बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च, 382, 112497. <https://doi.org/10.1016/j.bbr.2020.112497>

मिश्रा, आई., शर्मा, ए., प्रभात, ए., बत्रा, टी., मलिक, आई., एवं कुमार, वी. (2020) चेंजिज इन डीएनए मिथाइलेशन एंड हिस्टॉन मॉडिफिकेशन जीन एक्सप्रेसन इन रिस्पांस टू डेली फूड टाइम्स इन जेब्रा फिंचिज : एपिजेनेटिक इम्प्लीकेशंस। जर्नल ऑफ एक्सपेरीमेंटल बायोलॉजी, 223(3), jeb217422. <http://dx.doi.org/10.1242/jeb.217422>

नाज, एस., डबराल, एस., नागराजन, एस.एन., अरोड़ा, डी., सिंह, एल.वी., कुमार, पी., सिंह, वाई., कुमार, डी., वाष्णीय, यू., एवं नन्दीकूरी, वी.के. (2021) - कम्प्रोमाइज्ड बेस एक्सीसन रिपेयर पाथवे इन माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस इम्पार्ट्स सुपीरियर एडेप्टेबिलिटी इन द होस्ट। पीएलओएस पैथोजेन्स, 17(3), e1009452. <https://doi.org/10.1371/journal.ppat.1009452>

नाज, एस., सिंह, वाई., एवं नन्दीकूरी, वी.के. (2021) - डिग्लिशन ऑफ सीरिन/थियोनाइन-प्रोटीन किनसे पीकेएनएल फ्रॉम माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस रिड्यूसिज द एफिकेसी ऑफ आइसोनाइज्ड एंड एथेमाब्यूटॉर। ट्यूबरकुलोसिस, 128, 102066. <https://doi.org/10.1016/j.tube.2021.102066>

पुरी, ए., बजाज, ए., वर्मा, एच., कुमार, आर., सिंह, वाई., एवं लाल, आर. (2020) - कंपलीट जिनाम सीक्वेंस ऑफ पेराकोक्स एपी स्ट्रेन एके26 : इनसाइट इनटू मल्टीपार्टिट जिनाम आर्किटेक्चर एंड मिथाइलोट्रापी। जिनामिक्स, 112, 2572-2582. <https://doi.org/10.1016/j.ygeno.2020.02.010>

राणा, वी.एस., पोपली, एस., सौरव, जी.के., यादव, के., कुमार, ए., सुनील, एस., कुमार, एन., सिंह, ओ.पी., नटराजन, के. एवं राजगोपाल, आर. (2020) - एडेस एगेप्ति लेसिन प्रोटीन बाइंडस टू द डोमेन।।। ऑफ एनवेलेप प्रोटीन ऑफ डेंगू वायरस-2 एंड इनहिबिटर्स वायरल रेप्लिकेशन। सेल्यूलर माइक्रोबायोलॉजी, 22(7), e13200. <https://doi.org/10.1111/cmi.13200>

रावत, के., सैयदा, एस., एवं श्रीवास्तव, ए. (2021) - न्यूट्रोफिल-डिराइट्स ग्रेन्यूल कार्गोस: पेविंग द वे फॉर ट्यूमर ग्रोथ एंड प्रोग्रेसन, कैंसर एंड मेटास्टेटिस रिव्यूज, 40(1), 221-244. <https://doi.org/10.1007/s10555-020-09951-1>

सरकार, आर.के., शर्मा, एस.एस., मंडल, के., वधावा, एन., कुंज, एन., गुप्ता, ए., पाल, आर., राय, यू., मजूमदार, एस.एस. (2020) - होम्योबॉक्स ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर मेस1 इज क्रूसियल टू सरटॉली सेल मीडिएटेड रेगुलेशन ऑफ मेल फर्टिलिटी। एंड्रालाजी, 9(2), 689-699. <https://doi.org/10.1111/andr.12941>

सेठ, आर.के., पाटिल, बी.वी., खान, जेड., जरीन, एम., हांचिनाल, एस.जी., हवेरी, आर.वी., एवं गोपालकृष्णन, ए. (2020) - रेडिएशन बायलाजी ऑफ ए सीरियस ट्रापिकल पिजन पी पेस्ट, मरूका विटराटा (फैब्रिसियस) (लेजिडोपेट्रा : क्रैम्बिड) एंड पोर्टेशियल ऑफ रेडिएशन मीडिएटेड 'इनहेरिटिड (एफ1) स्टारलिटी टेक्नीक' फॉर द पेस्ट सप्रेसन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेडिएशन बायलाजी, 96(4), 532-544. <https://doi.org/10.1080/09553002.2020.1707323>

सेठ, आर.के., पाटिल, बी.वी., खान, जेड., जरीन, एम., हांचिनाल, एस.जी., हवेरी, आर.वी., एवं गोपालकृष्णन, ए., एवं सेठ, आर. (2020) - स्टडीज ऑन द ओटोजेनिक रेडियो-सेंसिटिविटी इन कैलोसोब्रेसस स्पिसिज कम्प्लेक्स टू एस्टेबलिस ए जेनेरिक डोज ऑफ फॉइटोसेनेटरी इरेडिएशन एज-ए पोस्ट हार्वेस्ट क्वारंटाइन ट्रीटमेंट फॉर डिसइनफेक्शन ऑफ पल्सिज। रेडिएशन फिजिक्स एंड कैमेस्ट्री, 171, 108686. <https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2020.108686>

शर्मा, ए., दास, एस., कोमल, आर., मलिक, एस., रानी, एस., एवं कुमार, वी. (2020) - सीजनल स्टेट डिटरमाइंस जीन एक्सप्रेशन इन द हाइपोथैलेमस ऑफ ए लैटिट्यूडिनल माइग्रेटरी सांगबर्ड इयूरिंग द स्प्रिंग एंड आटम माइग्रेशन। मालीक्यूलर एंड सेल्यूलर एंडोक्रायनोलॉजी, 508, 110794. <https://doi.org/10.1016/j.mce.2020.110794>

शर्मा, ए., दास, एस., सूर, एस., तिवारी, जे., चतुर्वेदी, के., अग्रवाल, एन., मलिक, एस., रानी, एस., एवं कुमार, वी. (2021) - फोटोपीरियाडिकली ड्रिवन ट्रांसक्रिप्टॉम-वाइड चेंजिज इन द हाइपोथैलेमस रिवील ट्रांसक्रिप्शनल डिफरेंसिज बिटविन फिजियालाजिकली कांटेस्टिंग सीजनल लाइफ हिस्ट्री स्टेटस इन माइग्रेटरी सांगबर्ड्स। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 11(1), 12823. <https://doi.org/10.1038/s41598-021-91951-4>

शर्मा, ए., सिंह, डी., गुप्ता, पी., भारद्वाज, एस.के., कौर, आई., एवं कुमार, वी. (2021) -मालीक्यूलर चेंजिज एसोसिएटेड विद माइग्रेटरी डिपार्चर फ्रॉम विंटरेज एरियाज इन आबलिगेट सांगबर्ड माइग्रेट्स। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी, 224(11), jeb242153. <http://dx.doi.org/10.1242/jeb.242153>

शर्मा, के., मिश्रा, एन., एवं शर्का, एम.एन. (2020) - इवोल्यूशन ऑफ रिड्यूस्ड मिनिमम क्रिटिकल साइज एज ए रिस्पांस टू सेलेक्शन फॉर रैपिड प्री-एडल्ट डेवलपमेंट इन ड्रोसोफिला मेलानोनेस्टर। रॉयल सोसायटी ऑपन साइंस, 7(6), 191910. <https://doi.org/10.1098/rsos.191910>

शर्मा, एम., खुराना, एच., सिंह, डी.एन., एवं नेगी, आर.के. (2020) - द जिनस स्फिंगोपायक्सिज : सिस्टेमेटिक्स, इकालॉजी एंड बायोरिमिडिएशन पोर्टेशियल : ए रिव्यू, जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल मैनेजमेंट, 280, 111744. <https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2020.111744>

शर्मा, एन., सोदी, के.के., कुमार, एम., एवं सिंह, डी.के. (2021) - हैवी मेटल पाल्यूशन : इनसाइट्स इनटू क्रोमियम इको-टॉक्सिटी एंड रिसेंट एडवांसमेंट इन इटस रिमिडिएशन। एनवायरमेंटल नैनोटेक्नालॉजी, मानीटरिंग एंड मैनेजमेंट, 15, 100388. <https://doi.org/10.1016/j.enmm.2020.100388>

सिंह, ए. एवं अग्रवाल, एन. (2021) - डेसिफेरिंग द की मैकेनिज्म लीडिंग टू एल्टरेशन ऑफ लिपिड मेटाबोलिज्म इन ड्रोसोफिला मॉडल ऑफ हंटिंगटन डिजीज। बायोकिमिका एक्टा-मालीक्यूलर बेसिस ऑफ डिजीज, 1867(7), 166127. <https://doi.org/10.1016/j.bbadis.2021.166127>

सिंह, ए., चक्रवर्ती, आर., एवं शर्मा, जे. (2020) - एसेसमेंट ऑफ इम्यूनोस्टिम्युलेटरी कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ एकरेंथेसिस एस्पेरा सीड्स एंड लीव्स http://doi.org/10.4194/1303-2712-v20_11_03 सप्लीमेंटिड डाइट्स इन लेबियो रोहिता फिंगरलिंग्स। टर्किश जर्नल ऑफ फिशरीज एंड एक्वेटिक साइंसिज, 20(11), 795-805. http://doi.org/10.4194/1303-2712-v20_11_03

सिंह, ए., गौड़, एम., शर्मा, वी., खन्ना, पी., बोथरा, ए., भादुड़ी, ए., मंडल, ए.के., दास, डी., सिंह, वाई., एवं मिश्रा, आर. (2021) कम्पेरेटिव जिनामिक्स एनलिसिस ऑफ माइकोबैक्टीरिएसिस रिवील्स हारिजेंटल जीन ट्रांसफर-मीडिएटिड इवोल्यूशन ऑफ द सीआरआईएसपीआर-सीएस सिस्टम इन द माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस कम्प्लेक्स, एमसिस्टम्स, 6(1), e00934-20. <https://doi.org/10.1128/msystems.00934-20>

सिंह, ए., राज, ए., पदमनाभन, ए., शाह, पी., एवं अग्रवाल, एन. (2020) - कंबिटिंग सिद्धवर नैनोपार्टिकल-मीडिएटिड टाक्सीटी इन ड्रोसोफिला मेलानोगस्टर विद करकुमिन। जर्नल ऑफ एपलाइड टाक्सीकोलॉजी, 41(8), 1188-1199. <https://doi.org/10.1002/jat.4103>

सिंह, ए., शर्मा, जे., पैछा, एम., एवं चक्रवर्ती, आर. (2020) - एकेन्थेस एस्पेरा (प्रिकली चॉफ फ्लावर) लीवज-एंड सीड्स सप्लीमेंटिड डाइट्स रेगुलेट गोथ, इननेट इम्यूनिटी एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन एरोमोनस हाइड्रोफिला-चैलेंजड लेबिया रोहिटा। जर्नल ऑफ एप्लायड एक्वाकल्चर, 32(3), 250-267. <https://doi.org/10.1080/10454438.2019.1615594>

सिंह, एन., झा, एन.ए., रानी, एस., एवं कुमार, वी. (2021) - द एसोसिएशन ऑफ इंटरनेट ओवरयूज विद स्लीप एंड मूड इन इंडियन फीमेल यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स, स्लीप एंड विजिलेंस, 5(1), 1-13. <http://dx.doi.org/10.1007/s41782-021-00129-5>

सिंह, आर., मेहुल, डी., सिंह, जी., कुमार, आर., एवं भाटिया, एस. (2021) - जेंडर-बेस्ड डिफरेंसिज इन कोरोनावायरस डिजीज 2019 : हार्मोनल इन्फ्लूएंसिज ऑफ सीवर ऐक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोनावायरस रिसेप्टर्स एंड इम्यून रिस्पांसिज। जे. रिप्रोडक्शन हेल्थकेयर मेडीसन, 2, 17-23. http://dx.doi.org/10.25259/JRHM_10_2021

सिंह, एस.पी., अहमद, टी., शर्मा, जे., एवं चक्रवर्ती, आर. (2021) - इफेक्ट ऑफ टेम्परेचर ऑन फूड कंजप्शन, इम्यून सिस्टम, एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमस, एंड हीट शॉक प्रोटीन 70 ऑफ चाना पंकटेटा (ब्लोच, 1793), फिश फिजियालॉजी एंड बायोकेमेस्ट्री, 47(1), 79-91. <https://doi.org/10.1007/s10695-020-00896-4>

सिंघल, ए., वीरमणि, आर., नाज, एस., अरोड़ा, जी., गौड़, एम., कुंडु, पी., साजिद, ए., मिश्रा, आर., डाबला, ए., कुमार, एस., नेल्लीसरी, जे., मोल्ले, वी., गेरथ, यू., स्वरूप, ए., शर्मा, के., नन्दीकूरी, वी.,..., सिंह, वाई. (2020) - मिथाइलेशन ऑफ टू कम्पोनेंट रिस्पांस रेगुलेटर एमटीआरए इन माइकोबैक्टीरिया नैगेटिवली माड्युलेट्स इट्स डीएनए बाइंडिंग एंड ट्रांसक्रिप्शनल एक्टिवेशन। बायोकेमिकल जर्नल, 477(23), 4473-4489. <https://doi.org/10.1042/BCJ20200455>

सिंघवी, एन., सिंह, पी., प्रकाश, ओ., गुप्ता, वी., लाल, एस., बेकथॉल्ड, ए., सिंह, आर.के., एवं लाल, आर. (2021) - डिफरेंशियल मास स्पेक्ट्रोमेट्री-बेस्ड प्रोटीयम एनलिसिस अनवेल मेजर रेगुलेटरी हब्स इन राइफेमाइसिन बी प्रोडक्शन इन एमाइकोलैटोपासिस मेडिटेशनी। जर्नल ऑफ प्रोटीयामिक्स, 239, 104168. <https://doi.org/10.1016/j.jprot.2021.104168>

सोदी, के.के., कुमार, एम., एवं सिंह, डी.के. (2020) - पोर्टेथियल एप्लीकेशन इन एमोक्सिसिलिन रिमूवल ऑफ एलकलीजीस स्पिसिज एमएमए एंड एंजायमेटिक स्टडीज थ्रू मालीक्यूलर डाकिंग। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 202(6), 1489-1495. <https://doi.org/10.1007/s00203-020-01868-1>

सोदी, के.के., कुमार, एम., एवं सिंह, डी.के. (2021) - एसेसिंग द बैक्टीरियल डायवर्सिटी एंड फंक्शनल प्रोफाइल्स ऑफ द रिवर यमुना यूजिंग इलुमिना माइसेक सीक्वेंसिंग। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 203(1), 367-375. <https://doi.org/10.1007/s00203-020-02045-0>

सोदी, के.के., कुमार, एम., एवं सिंह, डी.के. (2021) - इनसाइट इनटू द एमोक्सिसिलीन रेजिस्टेंस इकोटाक्सिटी एंड रिमीडिएशन स्ट्रेटजीज। जर्नल ऑफ वाटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 39, 101858. <https://doi.org/10.1016/j.jwpe.2020.101858>

सोदी, के.के., कुमार, एम., बालन, बी., ढौलनिया, ए.एस., श्री, पी., शर्मा, एन., एवं सिंह, डी.के. (2021) - परस्पेक्टिव्स ऑन द एंटीबायोटिक कंटामिनेशन रेजिस्टेंस, मेटाबोलोमिक्स एंड सिस्टेमिक रिमीडिएशन। एसएन एप्लायड साइंस, 3(2), 269. <https://doi.org/10.1007/s42452-020-04003-3>

सोदी, के.के., कुमार, एम., ढौलनिया, ए.एस., बालन, बी., एवं सिंह, डी.के. (2021) - इनहांड साइप्रोफ्लाक्सिन रिमूवल बाय प्लांट ग्रोथ प्रोमोटिंग माइक्रोबैक्टीरियम एसपी. डब्ल्यूएचसी1 इन प्रेजेंस ऑफ इकोरनिया क्रॉसिपस रूट एक्जुडेट्स। एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी, 4(19), 143-153. <http://dx.doi.org/10.1007/s42398-020-00153-7>

सूद, यू., सिंह, डी.एन., पी., ली, जे.के., कालिया, वी.सी., लाल, आर., एवं शर्मा, एम. (2020) - रैपिड एंड सॉलिटरी प्रोडक्शन ऑफ मोनो-रैमनोलिपिड बायोसर्फेक्टेंट एंड बायोफिल्म इनहिबिटिंग पायोसायनिन बाय ए टैक्सोनामिक आउटलायर सूडोमोनास एरुजिनोसा स्ट्रेन सीआर1, जर्नल ऑफ बायोटेक्नालाजी, 307, 98-106. <https://doi.org/10.1016/j.jbiotec.2019.11.004>

तलवार, सी., नागर, एस., कुमार, आर., सकारिया, जे., लाल, आर., एवं नेगी, आर.के. (2020) - डिफॉइनिंग द एनवायरमेंटल एडेप्टेशंस ऑफ जीनस डेवोसिया : इनसाइट्स इनटू इट्स एक्सपेंसिव शार्ट पेप्टाइड ट्रांसपोर्ट सिस्टम एंड पॉजिटिवली सेलेक्टिव जीन्स। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 10(1), 1151. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-58163-8>

तलवार, सी., सिंह, ए.के., चॉकसकेट, एस., कोरपोल, एस., लाल, आर., एवं नेगी, आर.के. (2020) - सेलेनिकॉक्स साइप्रिनी स्पिसिज नाव, आइसोलेटिड फ्रॉम द गट ऑफ मिरर काप, साइप्रिनस कारपियो वार स्पेकुलेरिसस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टेमेटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, 70(7), 4111-4118. <https://doi.org/10.1099/ijsem.0.004247>

वेंकटेश्वरन, के., श्रीवास्तव, ए., प्रसाद, ए.के., परमार, वी.एस., एवं द्वारकानाथ, बी.एस. (2020) - डिवलपिंग पॉलीफेनालिक एसिटेडस एज रेडिएशन काउंटरमीजर एजेंट्स : करंट स्टेटस एंड फ्यूचर परस्पेक्टिव्स। इग डिसकवरी टूडे, 25(4), 781-786. <https://doi.org/10.1016/j.drudis.2020.02.004>

वर्मा, एच., धींगड़ा, जी.जी., शर्मा, एम., गुप्ता, वी., नेगी, आर.के., सिंह, वाई., एवं लाल, आर. (2020) - कम्पेरेटिव जिनॉमिक्स ऑफ स्फिगोपायक्सिज एसपीपी. अनरवेल्ड फंक्शनल एट्रीब्यूट्स। जिनामिक्स, 112(2), 1956-1969. <https://doi.org/10.1016/j.ygeno.2019.11.008>

वर्मा, एच., नागर, एस., वोहरा, एस., पांडे, एस., लाल, डी., नेगी, आर.के., लाल, आर., एवं रावत, सी.डी. (2021) - जिनाम एनेलेसिस ऑफ 174 स्ट्रेन्स ऑफ माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकूलोसिस प्रोवाइड इनसाइट इनटू द इवोल्यूशन ऑफ इग रेजिस्टेंस एंड रिवील पोर्टेथियल इग टार्गेट्स। माइक्रोबायल जिनामिक्स, 7(3), 000542. <https://doi.org/10.1099/mgen.0.000542>

वर्मा, वी.के., कुमार, के.बी., सागर, के., मजूमदार, एस., पाल, एस., मेहता, ए., वत्स ए., रानी, के.वी., सहगल, एन एवं प्रकाश, ओ. (2021) - एमिलियारेसन ऑफ इम्यून एंड डायजेस्टिव सिस्टम थ्रू वीड सालीमेंटिड फीड

अगेनस्ट एरोमोनस हाइड्रोफिलिया इन क्लेरियास गेरिरेफियंस। फिश एंड शेलफिश इम्यूनोलॉजी, 115, 124-133. <https://doi.org/10.1016/j.fsi.2021.05.016>

विजय, पी., एवं सहगल, एन. (2020) - स्ट्रक्चरल एनलिसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ एग एनवेलप इन द इंडियन फ्रेशवाटर म्यूरेल, चाना पंकटूएटस। फिश फिजियोलॉजी एंड बायोकेमेस्ट्री, 46(5), 1847-1856. <https://doi.org/10.1007/s10695-020-00834-4>

पुस्तकें/अध्याय

अग्रवाल, एन. एवं शाह, पी. (2020) (संपादित) : टॉक्सीकॉलाजी ऑफ नैनोपार्टिकल्स : इनसाइट्स फ्रॉम ड्रोसोफिला। स्प्रिंगर नेचर।

नेगी, आर.के., खुराना, एच., शर्मा, एम., भारती, एम., एवं मॉडील, एस. (2021) - चैलेंजिंग ऑफ मल्टीड्रग रेजिस्टेंस माइक्रोब्स ऑन पब्लिक हेल्थ। मालीक्यूलर बायोकेमेस्ट्री। पब्लिशर्स एलसवेयर (इन प्रेस)

पुरोहित, जे.एस., सिंह, एन., हुसैन, एस.एस., एवं चतुर्वेदी, एम.एम. (2021) - एटेनिंग एपिजेनेटिक रिजुविजेशन : चैलेंजिंग अहेड इन : माडल्स, मालीक्यूल्स एंड मैकेनिज्मस इन बायोजिरान्टोलॉजी (पृष्ठ 159-179), सिंगापुर, स्प्रिंगर, <https://link.springer.com/book/10.1007/978-981-32-9005-1>

शर्मा, एम., शर्मा, एस., मजूमदार, एस., एवं नेगी, आर.के. (2020) - बायोरिमिडिएशन चैलेंजिंग एंड एडवांसमेंट्स। बेंथम साइंस पब्लिशर्स (इन प्रेस)

शर्मा, पी., जैन, पी., श्रीवास्तव, ए., एवं शरण, एस. (2020) - कैन आटोफेगी स्टॉप द क्लॉक : अनरेवर्लिंग द मिस्ट्री इन डायक्टोस्टेलियम डिसकॉपडम। इन माडल्स, मालीक्यूल्स एंड मैकेनिज्मस इन बायोजिरांटोलॉजी (पृष्ठ 235-258), सिंगापुर, स्प्रिंगर।

अनुसंधान परियोजनाएं (निधियन एजेंसियां, वर्ष/अवधि, शीर्षक, संस्वीकृत धनराशि)

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	वर्ष/अवधि	निधियन एजेंसी	संस्वीकृत धनराशि
1	द प्राणमति बेसिन, हिमालया क्रिटिकल जोन आबजरवेट्री (पीबीएचसीजेडओ) प्रो. नीता सहगल एवं प्रो. डी.के. सिंह	2021-2024	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	रुपए 61,39,392/-
2	पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम : इम्पेक्ट ऑफ गोनाडोट्रापिन हार्मोन इम्बेलेस : इट्स कनसीक्वेसिज फॉर मैटीरियल्स एंड द इनफेंट हेल्थ पीआई : प्रो. रीता सिंह	2021-2024	आईसीएमआर	रुपए 84 लाख
3	अनरेवालिंग पासिबल रोल ऑफ एसप्रॉसिन इन मेल रिप्रोडक्शन : हार्मोनल कोरिलेशन विद एसप्रॉसिन एंड इट्स रिसेप्टर इन माइस पीआई : प्रो. उमेश राय	2021-2024	आईसीएमआर	रुपए 1,36,17,720/-
4	इवोल्यूशन ऑफ ऐज-लिंकड क्रोमेटिन माडिफिकेशंस इन माइस स्पर्म : एन एप्रोच टू स्टडी स्पर्म क्वालिटी एंड फर्टिलिटी पीआई : डॉ. जे.एस. पुरोहित, सह-पीआई: प्रो. एम.एम. चतुर्वेदी	2020-2023	आईसीएमआर	रुपए 65 लाख
5	रोल एंड कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ न्यूट्रोफिल इन होस्ट-ट्यूमर इंटरएक्शन एंड पासिबल इंटरवेंशन बाय	2020-2021	एफआरपी, आईओई ग्रांट, दिल्ली	रुपए 2.5 लाख

	इम्यूनोमाडुलेटरी रसांध्यस पीआई : प्रो. अंजु श्रीवास्तव		विश्वविद्यालय	
6	डेसिफेरिंग द मैकेनिज्म लीडिंग टू एल्टर्ड लिपिड मेटाबोलिज्म इन हंटिंगटन डिजीज पीआई : प्रो. नमिता अग्रवाल	2020- 2021	एफआरपी, आईओई ग्रंट, दिल्ली विश्वविद्यालय	रूपए 2.5 लाख
7	एक्प्लारिंग द गट माइक्रोबाइम ऑफ एकजाटिक एंड इंडीजिनस कार्प पीआई : प्रो. नेगी	2020- 2021	एफआरपी, आईओई ग्रंट, दिल्ली विश्वविद्यालय	रूपए 2.5 लाख
8	कम्पेरेटिव एनलिसिस ऑफ लेइडिंग सेल फक्शंस इंडयूस्ड बाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सोर्सिज पीआई : डॉ. राजीव सिंह, सह-पीआई : प्रो. यू. राय	2019- 2022	आईसीएमआर	रूपए 85,44,860/-
9	टार्गेटिंग ऑफ द स्पिलसियोसम इन एसोफेगल एक्वेमास सेल कार्सिनोमा डॉ. मनोज कश्यप, प्रो. आलोक सी. भारती (पीआई)	2019- 2022	डीएसटी- एसईआरबी(डीएसटी- टीएआरई)	रूपए 30,00,000/-
10	इनवेस्टिगेशन ऑफ द रोल ऑफ एक्सासोमस इन सर्वाइकल कैंसर एंजियाजिनेसिस एंड एंडोथेलियल सेल कंडीशनिंग पीआई : प्रो. आलोक सी. भारती	2019- 2021	डीएसटी-एसईआरबी	रूपए ~30 लाख
11	आइडेंटिफिकेशन ऑफ होम्योपैथिक फॉर्मूलेशंस विद एंटी-सर्वाइकल कैंसर एंड एंटी एचपीवी एक्टिविटी पीआई : प्रो. आलोक चंद्रा भारती	2020- 2023	आयुष	रूपए 40.7 लाख
12	रिमिडिएशन एंड रिक्लेमेशन ऑफ हेक्सा क्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) डम्पोजिट बाय यूजिंग माइक्रोबायल बायोरिमिडेशन टेक्नालॉजी पीआई : प्रो. आर.के. नेगी	2019- 2020	डीबीटी	रूपए 190.5 लाख
13	इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग ऑफ लेटस कैल्सिफॉयर एंड मैक्रोब्रेकियम रोजनबेरी इन एक्वापॉनिक सिस्टम ए सस्टेनेबल वाटर यूटिलाइजेशन एप्रोच पीआई : प्रो. रीना चक्रवर्ती	2020- 2023	डीएसटी	रूपए 58 लाख
14	डिससेमिनेशन एंड डेमोन्स्ट्रेशन ऑफ फिश कल्चर टेक्नालॉजी अमंग वूमन सेल्फ हेल्प ग्रुप इन एनसीआर रीजन ऑफ दिल्ली एज ए सेल्फ एम्पलायमेंट एक्टिविटी पीआई : प्रो. रीना चक्रवर्ती	2018- 2021	डीबीटी	रूपए 58 लाख
15	कैरेक्टराइजेशन ऑफ द एच 3स्पिस्फिक प्रोटीज (एच3एस) एक्टिविटी ऑफ द चिकन लीवर ग्लूटामेट डिहाइड्रोजिनेस (जीडीएच) पीआई : डॉ. जे.एस. पुरोहित, को.पीआई : प्रो. एम.एम. चतुर्वेदी	2018- 2021	डीएसटी-एसईआरबी	रूपए 65 लाख
16	अंडरस्टैंडिंग द मैकेनिज्म ऑफ आनसेट ऑफ	2018-	ईएमआर-	रूपए 33.05

	रिप्रोडक्टिव एक्टिविटी इन सीजनली ब्रीडिंग रेपटाइल हेमिडासाइप्लस : एन एम्फेसिस ऑन द रोल ऑफ द किस्सेपेटिन पीआई : डॉ. सुनिल कुमार, सह-पीआई : प्रो. उमेश राय	2021	एसईआरबी	लाख
17	इंवेस्टिगेशन ऑफ मालीक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ स्टेट3-मीडिएटिड रेगुलेशन ऑफ एचपीवी इंफेक्शन एंड सर्वाइकल कारसिनोजेनेसिस पीआई : प्रो. आलोक सी .भारती	2018-2021	आईसीएमआर	रुपए 39.6 लाख
18	बायोमीडिएशन ऑफ केमिकल कंटामिनेंट्स एंड देयर कम्प्लेक्सिज प्रजेंट इन ड्रेनेज वेस्ट वाटर विद हाई डायनेमिक फ्लक्स यूज्ड फॉर इरिगेशन इन अर्बन एंड पेरि-अर्बन एग्रीकल्चर पीआई : प्रो. डी.के. सिंह	2018-2021	एनएसएफ-आईसीएआर	रुपए 95.46 लाख
19	फील्ड-डिपलायबेल एनलिटिक मैथड्स टू एसेस द आर्थेनिटीसिटी, सेफ्टी एंड क्वालिटी ऑफ फूड इन इंडिया पीआई : प्रो. डी.के. सिंह	2017-2021	आईईए/एफएओ	€ 30,000
20	क्वालिटी इम्प्रूवमेंट ऑफ मास रियर्ड मोथ्स एंड एसेसमेंट ऑफ कम्पीटिटिवनेस ऑफ रेडियो-स्टरलाइज्ड लेपिडोपटेरन पेस्ट, पोडोपटेरालिटूरा एंड इट्स एफ। प्रोग्रेसी इन फील्ड सिमुलेटिड केसिज फॉर पेस्ट सप्रेसन थू 'इनहेरिटिड स्ट्रालिटी टेक्नीक' पीआई : प्रो. आर.के. सेठ	2016-2021	अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईए) वियना	€ 40,000

आयोजित किए गए सम्मेलन/कार्यशाला (सम्मेलन का शीर्षक, तारीख, निधियन एजेंसियां)

'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-विशेष सहायता कार्यक्रम - उच्च अध्ययन केन्द्र (यूजीसी-एसएपी-सीएस), द्वारा प्रायोजित, 24-26 मार्च, 2021.

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

अंतर्राष्ट्रीय

अग्रवाल, एन. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को यूजीसी-एसएपी-सीएस-VIII द्वारा प्रायोजित एवं 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, के एक सत्र की अध्यक्षता की।

अंगमा, एन., विमल, एन. एवं सेठ, आर.के. ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा (24-26 मार्च, 2021 को) 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में इन्फ्लूएंस ऑफ रेडिएशन ऑन सेक्स पेप्टाइड रिसेप्टर (एसपीआर) टू एसेस द फ्रीक्वेंसी एंड क्वालिटी ऑफ इनसेमिनेशन इन ए ट्रापिकल पेस्ट, स्पोडोपेट्रा (एसपीआर) लिटूरा (फैब्र) (लेपिडोपेट्रा : नाक्टुएड) विषय पर प्रस्तुति दी।

अरोड़ा, एस., यादव, पी., सेठ, आर., सिंह, वाई., एवं सेठ, आर.के. ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा (24-26 मार्च, 2021 को) 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'रोल ऑफ होस्ट इरिडिएशन ऑफ द वायबेलिटी ऑफ एंटोमोपेथोजेनिक नेमाटोड, स्टेइनरनेमा थर्मोफिलम एंड देयर अगेनस्ट एपाइथोगस पेस्ट, स्पेडोपेट्रा लिटुरा (फैब्र) विषय पर प्रस्तुति दी।

बखशी, ए. एवं राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'मालीक्यूलर करेक्टाइजेशन ऑफ लेप्टिन एंड लेप्टिन रिसेप्टर ऑफ स्पाटिड स्नेकहेड चाना पंकटाटा : स्ट्रक्चरल, फंक्शनल एंड इवोल्यूशनरी एनलिसिस' विषय पर प्रस्तुति दी।

बनर्जी, ए., त्रिपाठी, एम., एवं राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'एसप्रॉसिन इन वाल लिजार्ड : ए प्रीलमिनरी स्टडी' विषय पर प्रस्तुति दी।

बसाक, आर., एवं राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'टेस्टिस-स्पिसिफिक एस्ट्रोजन रिसेप्टर सबटाइप्स इन स्पाटिड स्नेकहेड चाना पंकटाटा : रिप्रोडेक्टिव फेज डिपेंडेंट एक्सडेसन एंड गोनाडोट्रॉपिक रेगुलेशन' विषय पर प्रस्तुति दी।

बसु-मोडक, एस. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को यूजीसी-एसएपी-सीएस-VIII द्वारा 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

भारती, ए.सी. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को यूजीसी-एसएपी-सीएस-VIII द्वारा 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

चक्रवर्ती, आर. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को यूजीसी-एसएपी-सीएस-VIII द्वारा 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

चौहान, वी., कुमार, एस., एवं राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'हाइपोथैलेमिक न्यूरोपेप्टाइड वाई इन वाल लिजार्ड' विषय पर प्रस्तुति दी।

चौपाल, बी., राय, बी., एवं राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'इन सिलिको एनलिसिस ऑफ एनओडी1 एंड इट्स डिफरेंशियल एक्सप्रेसन इयूरिंग बैक्टीरियल इंफेक्शन इन स्पाटिड स्नेकहेड चाना पंकटाटा' विषय पर प्रस्तुति दी।

धनखड़, जे., अग्रवाल, एन., एवं श्रीवास्तव, ए. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'नॉन-सेल-आटोनोमस इफेक्ट्स ऑफ म्यूटेंट हंटिंगटिन ऑन इम्यून सेल्स इन ट्रांसजेनिक डोसोफिला मॉडल ऑफ हंटिंगटन डिजीज' विषय पर प्रस्तुति दी।

डोटानिया, के., त्रिपाठी, एम., एवं राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'फॉइलोजेनेटिक एनलिसिस ऑफ नेसफिटन-1, ए नॉवेल पेप्टाइड' विषय पर प्रस्तुति दी।

कुमारी, आर. एवं श्रीवास्तव, ए. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, थ्यूरैटिकल पोटेंशियल ऑफ टिनोस्पोरा कार्डिफोलिया : मल्टीपल इफेक्ट्स ऑफ लिम्फोमा इंडस्यूड नियोबेस्कुलेराइजेशन' विषय पर प्रस्तुति दी।

नेगी, आर.के. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, के एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रियंका, राय, बी., एंड राय, यू. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'एक्सप्लोरिंग फॉइब्रिलिन¹ जीन एंड इट्स प्रोडक्ट एबजार्पेशन इन स्पाटिड स्नेकहेड चाना पंकटाटा' विषय पर प्रस्तुति दी।

रावत, के. एवं श्रीवास्तव, ए. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'इनक्रीज इन न्यूट्रोफिल नंबर एंड फंक्शन कैट्रीब्यूट्स टू ग्रेजुएल सिस्टेमिक डिटोरेशन इयूरिंग ट्यूमर प्रोग्रेसन' विषय पर प्रस्तुति दी।

सहगल, एन. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, के एक सत्र की अध्यक्षता की।

सेनगुप्ता, एम., अंगमो, एवं एन. सेठ, आर.के. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'इरेडिएशन इम्पेक्ट आन सेक्सुअल बिहेवियर आफ फीमेल मोथ, स्पोडोपेट्रा लिटुरा (फैब्रिसिया) एंड इट्स पोटेंशियल रोल इन आपरेटिंग 'इनहेरिटिड स्टर्लिटी टेकनीक फॉर पेस्ट सप्रेसन' विषय पर प्रस्तुति दी।

सेठ, आर.के. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में एक सत्र की अध्यक्षता की।

सेठ, आर.के. ने प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियालॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'रिकंसिनेस ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी इन प्लांट प्रोटेक्शन विद स्पेशल रेफ्रैस टू इनसेक्ट पेस्ट मैनेजमेंट' विषय पर प्रस्तुति दी।

सेठ, आर.के., अंगमो, एन., विमल, एन., सेनगुप्ता, एम., यादव, पी., सिंह, के., सिंह, सी.के., अरोड़ा, एस., कौर, जे.जे. एवं सेठ, रंजना - वर्चुअल मीटिंग, आईईए, वियना, आस्ट्रिया में (18-21 मई, 2021) 'सीआरपी (डी41026), इम्प्रूव्ड फील्ड परफॉर्मेंस आफ स्टेटाइल मेल लेपिडोपेट्रा टू इनश्योर सक्सस इन एसआईटी प्रोग्रामस' विषय पर IV एफएओ:आईईए अनुसंधान समन्वय बैठक में 'इवोल्यूशन ऑफ सर्टन वायरल बायो-पैरामीटर्स इन को-रिलेशन विद एडल्ट बिहेवियर एंड रिप्रोडक्टिव फिटनेस ऑफ मोथस टू बी एम्पलायड इन रेडियो-जेनेटिक एफ1 स्टर्लिटी टेकनीक फॉर सप्रेसन आफ ए नाकट्यूड पेस्ट, स्पोडोपेट्रा लिटुरा (फैब्रि) विज्ज पर प्रस्तुति दी।

शकार्ड, एम. को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 24-26 फरवरी, 2021 को 'रैगुलेटरी मैकेनिज्म अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में 'एकडोसिन एंड बिंगलेस - द अरुंधती एंड वशिष्ठ ऑफ फिनोटाइप कांसटेंसी इन फॉस्टर डिवलपिंग ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

शकार्ड, एम. ने यूजीसी-एसएपी-सीएसVIII द्वारा प्रायोजित एवं प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

श्रीवास्तव, एन.के., चौहान, एन., अग्रवाल, एन., श्रीवास्तव, ए. एवं शकार्ड, एम.एन. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डेंसिफेरिंग इम्पून सिस्टम ऑफ फॉस्टर डिवलपिंग ड्रोसोफिला मेलानोगेस्टर' विषय पर प्रस्तुति दी।

सिंह, वाई. ने यूजीसी-एसएपी-सीएसVIII द्वारा प्रायोजित एवं प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

शुक्ला, ए.एस. एवं श्रीवास्तव, ए. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कार्डियोफोलिसाइड-ए नावल इनहिबिटर ऑफ क्रिस्टाथियोनाइन-वाई-लेज, एनएच2एस सिंथेसाइजिंग एंजाइम : एन इन-सिलिको स्टडी इन फॉटोकेमिकलस फ्रॉम रिनोसपोरा कार्डिफोलिया फॉर एक्सप्लोरिंग एंटी-ट्यूमर मैकेनिज्म' विषय पर प्रस्तुति दी।

सिंह, सी.के. एवं सेठ, आर.के. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इफेक्ट ऑफ इरेडिएशन ऑन गट बैक्टीरियल माइक्रोबायोटा इन ए सीरियस नाकट्यूड फ्लीफैगस पेस्ट, स्पोडोपेट्रा लिटुरा (फैब्रिसियस) विषय पर प्रस्तुति दी।

सिंह, आर. ने यूजीसी-एसएपी-सीएस VIII द्वारा प्रायोजित 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति दी।

सिंह, आर. को आईएसएसआरएफ और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19-21 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन मोड में 'चैलेंजिंग एंड स्ट्रेटजीज इन रिप्रोडक्टिव एंड एनवायरमेंटल हेल्थ विद स्पेशल रेफ्रेंस टू कोविड-19 पैडेमिक' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सेक्स डिफरेंसिज इन द इन्सिडेंस एंड सिवेरिटी ऑफ कोविड-19' विषय पर अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

सैयदा, एस. एवं श्रीवास्तव, ए. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्यूमर-डिराइव्ड एक्सोजोमस एज ए सेलियंट प्रोटेगोनेस्टिक इन मीडिएटिंग प्रो-ट्यूमोरल एक्टिवेशन ऑफ मैक्रोफेजिज' विषय पर प्रस्तुति दी (पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया)

त्रिपाठी, एम., एवं राय, यू. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ओवेरियन प्रोजेस्ट्रोन रिसेप्टर इन हेमिडेकटाइल्स फ्लेविविरिडस-रिप्रोडक्टिव फेज डिपेंडेंट एक्सप्रेशन पैटर्न, गोनाडोट्रोपिक रेगुलेशन एंड कोरिलेशन विद प्लाज्मा प्रोगेसन लेवल' विषय पर प्रस्तुति दी।

विमल, एन., सेनगुप्ता, एम., सेठ, रंजन एवं सेठ, आर.के. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलाजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रेडिएशन होमोसिस एज एन आगुमेंटेटिव एप्रोच टू

इम्प्रूव रेडियो जेनेटिक एफ1 स्टर्लिटी टेकनीक टुवर्डस सप्रेसन ऑफ ए पालीफैगस पेस्ट, स्पोडोपेट्रा लिटुरा (फैब्रिकेशन) विषय पर प्रस्तुति दी।

यादव, पी., कौर, जे.जे. एवं सेठ, आर.के. ने 24-26 फरवरी, 2021 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा 'रेगुलेटरी मैकेनिज्मस अंडरलाइंग बिहेवियर, फिजियोलॉजी एंड डेवलपमेंट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में टार्गेटिंग स्पर्म विद इनहेरिटिड स्टर्लिटी (आईएस) टेकनीक फॉर कंट्रोलिंग ए सीरियस पालीफैगस पेस्ट स्पोडोपेट्रा लिटुरा (फैब्रि) (लेपिडोपेट्रा :नाक्ट्यूएड) विषय पर प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय

भारती, ए.सी. ने 5-8 मई, 2021 को स्कूल ऑफ बायोटेक्नालॉजी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'एंटीबायोज-स्ट्रक्चर एंड टाइप, नेचर ऑफ एटीजंस, एंटीजन-एंटीबाडी बेस्ड एप्लीकेशंस-बेसिक एंड एडवांस्ड' विषय पर अतिथि संकाय व्याख्यान दिया (ऑनलाइन)।

भारती, ए.सी. ने 21 जनवरी, 2021 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'होस्ट वायरस इंटरएक्शंस ड्यूरिंग सर्वाइकल कैंसर डेवलपमेंट : मैकेनिज्म, चैलेंजिज एंड आपरचुनिटीज' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

चक्रवर्ती, आर. ने वेस्ट अफ्रीका रीजन ऑफ वर्ल्ड एक्वाकल्चर सोसायटी अफ्रीकन चैप्टर द्वारा 11 जुलाई, 2020 को 'ग्लोबल विमिन इन एक्वाकल्चर : सिनर्जी एक्सपीरियंसिज एंड लेसनस फॉर अफ्रीकन यंग विमिन एक्वाकल्चर' विषय पर वेबीनार सेमिनार श्रंखला 8 में 'एकेरिथिस एस्परा :ए पोर्टेनशियल हब फॉर फिश ग्रोथ एंड इम्यूनोस्टिम्यूलेशन' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

चतुर्वेदी, एम.एम. ने स्कूल ऑफ स्टडीज इन बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नालॉजी, जीवीजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा 15 जुलाई, 2020 को 'करंट स्ट्रेटजीज एंड चैलेंजिज ऑफ डायग्नोसिस, ट्रीटमेंट एंड कंट्रोल ऑफ कोविड-19' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में अतिथि व्याख्यान दिया।

नेगी, आर.के. ने प्राणी विज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा 4 मार्च, 2021 को संकाय विकास केन्द्र, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन में 'फिश एंड एक्विन डायवर्सिटी : आइडेंटिफिकेशन एंड कंज़र्वेशन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में अतिथि वार्ता में भाग लिया।

नेगी, आर.के. ने सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन, दिल्ली यूनिवर्सिटी में 4 फरवरी, 2021 को 'लाइफ साइंसिज एंड बायोटेक्नालॉजी : रिसेंट ट्रेंड्स, एडवांसिज एंड चैलेंजिज' विषय पर वार्ता में अतिथि के तौर पर भाग लिया।

सेठ, आर.के. ने 5 दिसम्बर, 2020 को चेन्नई में 'रिसेंट साइंटिफिक एडवांसिज इन एग्रीकल्चरल एंड एनवायरमेंटल साइंसिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक्सप्लोरिंग न्यूक्लियर टेक्नालॉजी इन इंटिग्रेटेड इनसेक्ट पेस्ट मैनेजमेंट : वून फॉर इंडियन प्लांट प्रोटेक्शन' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

सिंह, आर. को कश्मीर विश्वविद्यालय एवं अकादमी ऑफ इकोसाइंसिज, कश्मीर द्वारा 5 अक्टूबर, 2020 को 'एमर्जिंग रेस्पिरेंटरी वायरस-कोविड-19 एंड इन्फ्लूएंजा' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार में 'हाऊ कोरोना वायरस हैक्स ह्यूमन फिजियोलॉजी' विषय पर वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

सिंह, आर. को इंडियन सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) द्वारा 19 सितम्बर, 2020 को एडोलिसेंट हेल्थ ड्यूरिंग कोविड-19 'पैंडेमिक' विषय पर आयोजित एक-दिवसीय वेबीनार में 'कोविड-19 वायरस एंड ह्यूमन बायोलॉजी' विषय पर वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

अन्य सांस्थानिक सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

प्रो. आर.के. सेठ - कोलेबोरेशन विद इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) वियना, 2016-2021, 'क्वालिटी इम्प्रूवमेंट ऑफ मास रिजर्ड मोथस एंड एसेसमेंट ऑफ कम्पीटिटिवनेस ऑफ रेडियो-स्टरलाइज्ड लेपिडोटेरान पेस्ट, स्पोडोटेरालिटुरा एंड इट्स एफ1 प्रोगेनी इन फील्ड सिमुलेटिड केजिज फॉर पेस्ट सप्रेसन थू 'इनहेरिटिड स्टरलिटी टेक्नीक' अंडर एफएओ/आईएईएसीआरपी (डी41026) ऑन 'इम्प्रूव्ड फील्ड परफॉर्मेंस ऑफ मेल लेपिडोपेट्रा टू इन्श्योर सक्सेस इन एसआईटी प्रोग्राम्स' (आईएईए कांट्रैक्ट संख्या 20565/आरबी) € 40,000.

राष्ट्रीय सहयोग

प्रो. रीना चक्रवर्ती - कोलेबोरेशन विद डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नालाजी, दिल्ली टेक्नालॉजी यूनिवर्सिटी। डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नालॉजी (डीबीटी), 2018-2021. 'डिससेमिनेशन एंड डेमोन्स्ट्रेशन ऑफ फिश कल्चर टेक्नालॉजी अमंग विमन सेल्फ-हेल्प ग्रुप्स इन एनसीआर रीजन ऑफ दिल्ली एज ए सेल्फ-एम्पलायमेंट एक्टिविटी, राशि 58.0 लाख

प्रो. डी.के. सिंह - कोलेबोरेशन विद वाटर टेक्नालॉजी सेंटर, आईएआरआई, एनएसएफ (आईसीएआर), 2018-2021, 'बायोरिमिडिएशन ऑफ केमिकल कंटामिनेंट्स एंड देयर कम्पलेक्सिज प्रजेंट इन ड्रेनज वेस्ट वाटर विद हाई डायनेमिक फ्लक्स यूज्ड फॉर इरिगेशन इन अर्बन एंड पेरी अर्बन एग्रीकल्चर, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली (लीड सेंटर), कुल बजट : रूपए 170.84 (लाख), डीयू बजट : रूपए 95.46 (लाख).

विस्तार एवं पहुंच कार्यक्रम

प्रो. रीता सिंह - अंडरग्रेड इंटरनशिप प्रोग्राम ऑन 'एसेसमेंट ऑफ डिटोरिंटिंग रिप्रोडक्टिव हेल्थ इन इंडियन फीमेल पापुलेशन इन एन ग्रुप ऑफ 15.40 ईयर्स' विद 2 इंटरन्स सेलेक्टिड फ्रॉम दिल्ली कालेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली एवं दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021 से अनवरत।

प्रो. रीता सिंह - वेबीनार ऑन 'इम्प्लान्टेशन फेलर इन पीसीओएस विमिन' आर्गेनाइज्ड बाय इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी (आईएफएस), 17 जुलाई, 2021. वेबीनार ऑन रिप्रोडक्टिव हेल्थ इन न्यू ऐरा : चैलेंजिज ऑफ द माडर्न वर्ल्ड, श्री वैकटेश्वर कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 26 जून, 2021 को आयोजित।

प्रो. रीता सिंह - वेबीनार ऑन 'एनवायरमेंटल कंट्रीब्यूशंस टू सबफर्टिलिटी/इनफर्टिलिटी इन वूमन विद पीसीओएस' इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी (आईएफएस) द्वारा 15 मार्च, 2021 को आयोजित।

प्रो. रीता सिंह ने कश्मीर विश्वविद्यालय एवं एकेडमी ऑफ इकोसाइंस, कश्मीर द्वारा 5 अक्टूबर, 2020 को 'एमर्जिंग रेस्पिरैट्री वायरसिज कोविड-19 एंड इनफ्लूएंजा' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार में 'हाऊ कोरोना वायरस हैक्स ह्यूमन फिजियोलॉजी?' विषय पर व्याख्यान दिया।

इंडियन सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसआरएफ) द्वारा 19 सितम्बर, 2020 को 'एडोलिसेंट हेल्थ ड्यूरिंग कोविड-19 पैंडेमिक' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन (प्रो. रीता सिंह)।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

एम.फिल. : शून्य

पीएच.डी. : 15

संकाय संख्या

स्थायी : 15

सामाजिक विज्ञान संकाय
वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार विभाग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्रमुख गतिविधियों के हिस्से के रूप में विभाग ने इस अवधि के दौरान वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इन सुविधाओं ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के रूप में कार्य किया। विभाग ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की मदद और सहयोग से नेशनल लेवल ट्रांसजेंडर पर काम किया। विभाग ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत आजीवन अधिगम और विस्तार पर स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम की योजना बनाई है। इसने एससीईआरटी के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के साथ काम किया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पी. सी. जोश, कॉलेजों के संकायाध्यक्ष प्रो बलराम पाणी और कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में विभिन्न वेबीनारों में भाग लिया।

यह विभाग 1985 से सामाजिक विज्ञान संकाय का हिस्सा है। एक प्रकोष्ठ के रूप में 1978 में इसकी शुरुआत हुई है। विभाग आजीवन अधिगम और विस्तार में एम.ए., एम.फिल. कार्यक्रम और पीएच.डी. की डिग्री प्रदान करता है। विभाग ने फैकल्टी एंड स्टूडेंट्स एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के साथ करार किया। इस करार के तहत 6 छात्रों का पहला बैच, 11 छात्रों का दूसरा बैच, तीसरा बैच 10 विद्यार्थी, चौथा बैच 4 विद्यार्थी और पांचवें बैच के 06 छात्रों ने 2015, 2016, 2017 2018, 2019 और 2020 में प्रत्येक अवसर पर भाग लिया। वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के छात्रों ने सितंबर, 2018 और सितंबर 2019 में ऑटम स्कूल, दिल्ली वयस्क सतत शिक्षा और विस्तार विश्वविद्यालय का भी दौरा किया। विभाग ने छात्रों और समुदाय के लोगों के लिए अपने व्यक्तिगत हित संवर्धन और कौशल प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का एक अनूठा कार्यक्रम विकसित किया है। कुछ लोकप्रिय पाठ्यक्रम यात्रा और पर्यटन और परामर्श और मार्गदर्शन हैं। विभाग आजीवन अधिगम और विस्तार के रूप में नामकरण को बदलने और विभाग की नई पत्रिका शुरू करने की प्रक्रिया में है।

प्रतिष्ठा/ सम्मान

चार शिक्षक संपादक बोर्ड के सदस्य हैं।

जर्नल

विभाग द्वारा प्रस्तावित जीवनपर्यंत अधिगम और विस्तार संबंधी जर्नल

चार शिक्षक संपादक बोर्ड के सदस्य हैं।

जीवनपर्यंत अधिगम और शिक्षा मार्गदर्शन संबंधी भारतीय जर्नल के मुख्य संपादक राजेश हैं।

शोध परियोजनाएं

वित्तपोषण एजेंसी, वर्ष/अवधि, शीर्षक, संस्वीकृत राशि

क्र. सं.	वित्त पोषण एजेंसी	परियोजना का नाम	वर्ष	प्राप्त अनुदान
1	उत्कृष्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय	उच्चतर शिक्षा में ट्रांसजेंडर का प्रवेश	2020-2021	3,50,000/-
2	विअआ (जर्मन शैक्षिक आदान-प्रदान सर्विस (डीएएडी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विअआ) के बीच उच्चतर शिक्षा में भारत - जर्मन साझेदारी)	वयस्क और जीवनपर्यंत शिक्षा: भारत और जर्मन अंतर्दृष्टि	2016-2020	€ 118140/- (88,00,000/- रूपए)

आयोजित सेमीनार/सम्मेलन:

यूनिवर्सिटी आफ वुर्जबर्ग, जर्मनी द्वारा फरवरी, 2020 में इंटरनेशनल विंटर स्कूल का आयोजन किया गया। विभाग के छह छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अदला-बदली कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी

फरवरी, 2020 में छह विद्यार्थी जेएम यूनिवर्सिटी, वुर्जबर्ग, जर्मनी के साथ वुर्जबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी का दौरा किए। इनमें से चार विद्यार्थी एम.ए., एक विद्यार्थी एम.फिल. और एक विद्यार्थी पीएच.डी. के थे।

विस्तार एवं पहुंच कार्यक्रमलाप

‘विषय-वस्तु का संदर्भ’ के संबंध में एक समझ को विकसित करने का महत्व वयस्क सतत शिक्षा और विस्तार विभाग के क्षेत्र कार्य अभ्यास में परिलक्षित होता है। अपनी विस्तार गतिविधियों पर ध्यान देते हुए विभाग, समुदाय और इन समुदायों में काम करने वाले संगठनों के साथ निकट संबंध बनाए रखकर काम करने में विश्वास करता है। पिछले कई वर्षों में, विभाग ने अपने छात्रों की सुविधा के लिए गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों के साथ आपसी चिंताओं की समझ को विकसित किया है। अकादमिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव अच्छी तरह से अपने हस्तक्षेप कार्यक्रमों में परिलक्षित होता है। विद्यार्थी इंटर्नशिप और समवर्ती क्षेत्र कार्य संबंधी कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित सिविल सोसाइटी संगठनों का दौरा कर रहे हैं।

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी संकाय सदस्य - 06

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग हंगरी के साथ समझौता करने की प्रक्रिया में है और दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के अंतर्राष्ट्रीयकरण संबंधी परियोजना ‘रिषी’ में शामिल हुआ।

अफ्रीकी अध्ययन विभाग

प्रमुख कार्यक्रमलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के अफ्रीकी अध्ययन विभाग की स्थापना 6 अगस्त, 1955 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री (स्वर्गीय) पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा की गई थी। इस विभाग की अफ्रीकी मामलों पर भूगोल, इतिहास, राजनीति, समाजशास्त्र, अर्थव्यवस्था और साहित्य में विशेषज्ञता है।

विभाग सक्रिय रूप से एम.फिल. और पीएच.डी. के शोधार्थी विद्वानों को पढ़ाने और प्रशिक्षण में लगा हुआ है, जिन्हें अफ्रीका पर प्रासंगिक मुद्दों और विषयों पर शोध करने और गुणवत्ता शोध शोध तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। अब तक विभाग ने 436 शोधार्थियों को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की है और 120 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है। इसके अलावा, विभाग स्वाहिली को भी सिखाता है, जो पूर्वी अफ्रीका में बोली जाने वाली प्रमुख अफ्रीकी भाषाओं में से एक है। आज की तिथि तक स्वाहिली भाषा में 210 से अधिक छात्रों को डिप्लोमा और प्रमाण शोध प्रदान किया जा चुका है। उनमें से कई उन लोगों के लिए अनुवाद और व्याख्या के काम में लगे हुए हैं जो अफ्रीका में अपना कारोबार कर रहे हैं।

विभाग स्थापित किए गए विभिन्न अध्ययन समूहों के माध्यम से चयनित मुद्दों पर गहन अध्ययन और अनुसंधान आयोजित करता है। प्रमुख अध्ययन समूह हैं, भारत अफ्रीका संबंधों पर अध्ययन समूह, दक्षिण अफ्रीका और पारंपरिक चिकित्सा पर अध्ययन समूह, मानव अधिकार, शरणार्थी और प्रवासी अध्ययन इकाइयां।

प्रकाशन:

कपूर, एस एवं कपूर, आर. (2021). भारत में विदेशी छात्रों के सामाजिक-सांस्कृतिक संयोजन का सांख्यिकीय विश्लेषण। शोध संचार में, 11(4), पृष्ठ सं. 139-144. आईएसएसएन-2229-3620, विआआ केयर सूचीबद्ध जर्नल। सह लेखक सुधीर कपूर।

कपूर, आर. (2021). भारतीय और अफ्रीकी सभ्यताओं में वैश्विक शांति संदर्भ। डी. सिंह (संपादक)। भारतीय संस्कृति: एक अवलोकन। दिल्ली: अखंड प्रकाशन हाउस। पृष्ठ संख्या 63-72. आईएसबीएन 978-81-948850-6-1.

सिंह, जी. एस. (2020). स्त्री-पुरुष समानता और महिला सशक्तिकरण: दक्षिण अफ्रीका का मामला अध्ययन, आईजेआरएआर, 2020, भाग-7, आईएसएसएन: ई-2348-1269. स्त्री-पुरुष समानता और महिला सशक्तिकरण: दक्षिण अफ्रीका का मामला अध्ययन, आईजेआरएआर, 2020, भाग-7, आईएसएसएन: ई-2348-1269.

उमा एवं कपूर, आर. (2020). दोहरा असंगठित: भारत और दक्षिण अफ्रीका में अनौपचारिक क्षेत्र में शामिल महिलाओं का तुलनात्मक अध्ययन। इन आस्पाइरेर: वाणिज्य और प्रबंधन संबंधी एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7. आईएसएसएन: 2394-0484 (मुद्रण); 2394-6601 (ऑनलाइन)।

उमा एवं कपूर, आर. (2021). भारत और दक्षिण अफ्रीका में महिला कामगार भागीदारी: एक विश्लेषण। शोध संचार में, 11(4). आईएसएसएन-2229-3620, विआआ केयर सूचीबद्ध जर्नल।

शोध परियोजनाएं

क्र.सं.	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं का नाम	संकाय सदस्य का नाम	वर्ष	प्राप्त अनुदान
1.	एसपीएआरसी, एमएचआरडी और भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित	“भारत और दक्षिण अफ्रीका में परंपरागत औषधि: एक तुलनात्मक अध्ययन”	प्रो. त्रिभुवन प्रसाद	2019-2021	प्रमुख परियोजना
2.	पोर्टो विश्वविद्यालय, ब्राजील	एक दक्षिणी परिप्रेक्ष्य में अफ्रीकी और ब्राजील के ज्ञान, प्रथाओं, शिक्षा और इतिहास पर यूनेस्को अनुसंधान समूह	प्रो. सुरेश कुमार	2012 -जारी	लागू नहीं
3.	आईसीएसएसआर, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित।	“ऊर्जा संसाधनों और उभरती चुनौतियों संबंधी भारत की खोज में अफ्रीका का महत्व: चीन फैक्टर की जांच”	प्रो. ए. एस. येरुडिनगम	2019-2021	प्रमुख शोध परियोजना

आयोजित सम्मेलन/ सेमीनार (राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय)

क्र.सं.	शीर्षक	दिन और तिथि	वक्ता
1.	कोविड-19 संकट में गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता	एनए	एनए
2.	भारतीय परंपरागत औषधि और भारत के	एनए	एनए

	बाहर रह रहे भारतीय डायसपोरा		
3.	भारत और दक्षिण अफ्रीका में परंपरागत औषधि : एक तुलनात्मक अध्ययन।	एनए	एनए
4.	भारत में अफ्रीकी : कोविड में महामारी 19- चुनौतियां और संभावनाएं।	एनए	एनए
5.	अफ्रीका और कैरेबियाई देशों में भारतीय डायसपोरा : ऐतिहासिक मूल और सांस्कृतिक संबंध	एनए	एनए
6.	भारत और दक्षिण अफ्रीका में परंपरागत औषधि और उपचार प्रणाली।	एनए	एनए
7.	बदलते अफ्रीका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : संभावनाएं एवं चुनौतियां। अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईसीएसएसआर। सत्यकाम भवन।	06-08 फरवरी, 2019	

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण:

कपूर, रश्मि

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार/ सम्मेलन में प्रस्तुत शोध/ दिया गया व्याख्यान।

‘कोविड 19 पश्चात महामारी का प्रबंधन: वैश्विक और स्थानीय चुनौतियां और भारत के लिए अवसर’ विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में “दक्षिण अफ्रीका और भारत में कोविड 19 पश्चात आर्थिक परिदृश्य: महिला श्रम बल कहां हैं?” दिनांक 25 मई 2020 को सोसाइटी फॉर सोशल एम्पावरमेंट, नई दिल्ली एवं चौधरी वंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सह-प्रस्तुति।

“भारत और अफ्रीका में सांस्कृतिक विश्वास प्रणाली और लचीलापन: समानताएं और अभिसरण”। आगरा के सेंट जॉन कॉलेज के अंग्रेजी एवं मनोविज्ञान विभाग द्वारा 27-28 मई 2020 को आयोजित ‘संकटकाल में मानवीय लचीलापन’ पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया शोध।

‘वैश्विक शांति के सांस्कृतिक आयाम: भारतीय और अफ्रीकी संस्कृतियों के संदर्भ में समझ’ भारतीय संस्कृति: वैश्विक शांति के लिए एक सदाबहार प्रासंगिकता’ शीर्षक से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत शोध। 12-13 जून 2020 को आयोजित ऑन लाइन, मॉडर्न कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, मोहन नगर, गाजियाबाद द्वारा संयुक्त रूप से अमृत मंथन वेलफेयर सोसायटी, गाजियाबाद, यूपी, भारत के साथ आयोजित किया गया।

“दोगुना असंगठित: भारत और दक्षिण अफ्रीका में असंगठित क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं का तुलनात्मक अध्ययन”। 27 फरवरी 2021 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित ‘असंगठित क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं: मुद्दों और समकालीन भारत में चुनौतियां’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। शोध आईडी एनसी 232। सह-प्रस्तुति।

भाग लिए गए पाठ्यक्रम:

नान्धा प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्रबंध अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित प्रबंधकों हेतु वित्तीय प्रबंधन संबंधी दो दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया। दिनांक 24-25 अप्रैल, 2020 को इरोड आयोजित किया गया।

मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के साथ मिलकर मराठी विद्या प्रसार समाज के केआरटी कला, बी एच कॉमर्स और ए.एम. साइंस (केटीएचएम) कॉलेज, नासिक द्वारा 21 मई 2020 से 30 मई 2020 तक आयोजित "शिक्षण-अधिगम के लिए ई-सामग्री विकसित करने के प्रभावी तरीके" विषय पर 10 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया (ऑनलाइन)।

सनातन धर्म महाविद्यालय द्वारा एमएचआरडी के जीएडीटीएलसी सेंटर के सहयोग से आयोजित "ई-कंटेंट डेवलपमेंट" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन एफडीपी पंडित मैडम मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय का आयोजन 27 से 31 जुलाई 2020 तक किया गया।

कुमार, सुरेश

24 अक्टूबर, 2020 को नानाजी देशमुख प्रशीश्वर सूद संस्थान, जबलपुर, मप्र, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "वर्तमान परिदृश्य में गांधी की प्रासंगिकता" विषय पर राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन में दिया गया व्याख्यान/प्रस्तुत किया गया शोध।

01 अक्टूबर, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला "दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी" पर व्याख्यान दिया।

1 मई 2018 को श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान में नैतिकता और अनुसंधान पर संकाय विकास कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन:

प्रक्रिया के तहत 5 (अदीस अबाबा विश्वविद्यालय, इथियोपिया, वाकेमो विश्वविद्यालय, इथियोपिया, हवासा विश्वविद्यालय, इथियोपिया, वोल्काइट विश्वविद्यालय, इथियोपिया)

अन्य अंतःसंस्थानिक सहयोग:

स्कूल आफ एजुकेशन, जोहानबर्ग, यूनिवर्सिटी आफ विटवाटसरैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफ्रीका इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ अफ्रीका, प्रीटोरिया, दक्षिण अफ्रीका।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 8

एम.फिल.: 20

संकाय सदस्यों की संख्या

06 (4 प्रोफेसर, 2 सहायक प्रोफेसर)

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

स्वच्छ भारत अभियान

योग दिवस

पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग पूर्वी एशियाई अध्ययन में एमए, जापानी में एमए और पूर्वी एशियाई अध्ययन में पीएच.डी. जैसे स्नातकोत्तर कोर्स प्रदान करता है। विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम क्षेत्र की पढ़ाई के लिए अंतर-विषयक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। भाषा इस कार्यक्रम का एक अनिवार्य घटक है और छात्रों को चीनी, जापानी या कोरियाई जैसे तीन पूर्वी एशियाई भाषाओं में से एक सीखते हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को विषय और

संवंधित भाषा का व्यापक और एकीकृत ज्ञान रखने में सक्षम बनाता है। इसका उद्देश्य पूर्वी एशिया पर विशेषज्ञों का निर्माण करना है जो थिंक टैंक, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, समाचार शोध एजेंसियों आदि के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा विभाग चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में दो वर्ष के स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा कोर्स ऑफर करता है। इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले विद्यार्थी भारत में और बाहर की कंपनियों में कार्य करते हैं। इस वर्ष का मुख्य आकर्षण समझौता जापान पर हस्ताक्षर है। समझौता जापान के तहत ताइवान से विजिटिंग फैकल्टी प्रो इकेडा इसामू और सुश्री गेंग यानक्सिया को विभाग भेजा गया। प्रसिद्ध वक्ताओं को सोमवार को सेमिनार और सम्मेलनों के लिए आमंत्रित किया गया। कई संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध प्रस्तुत किए। मेधावी छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए चीन, ताइवान और जापान जाने के लिए विद्यार्थीवृत्ति मिली। विभाग के नियोजन सेल के माध्यम से बड़ी संख्या में छात्रों को नियोजन मिला।

उत्कृष्ट सम्मान/ प्रतिष्ठा

कोरिया सांस्कृतिक केंद्र और कोरिया दूतावास ने भारत में कोरिया-भारत सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रो यूनिता सच्चिदानंद को प्रमाण शोध की सराहना की।

23 दिसम्बर, 2020 से प्रो. श्रीपर्णा रॉय को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के माध्यम से आयोजित स्वयं के तहत मंदारिन चीनी भाषा में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन ओपन कोर्स (एमओओसी) विकसित करने के लिए 'बाहरी विशेषज्ञ और प्रधान संपादक' नियुक्त किया गया है।

प्रकाशन

प्रकाशनों की संख्या-2

सच्चिदानंद यू. (2021)। भारत में जापानी साहित्य अध्ययन: एक व्यापक सर्वेक्षण (अनुवाद और अनुसंधान के विशेष संदर्भ के साथ)। पीए जॉर्ज में, (संस्करण), दक्षिण एशिया में जापानी अध्ययन: नई क्षितिज। नादर्न बुक सेंटर, (पीपी 196-216)।

ठाकुर, आर. (आगामी) भारत में चीनी अध्ययन: ऐतिहासिक परिदृश्य। अकादमिका सेरिका जर्नल।

आयोजित सेमीनार

आयोजित सेमीनारों की सूची:

क्र.सं.	शीर्षक	दिन और तिथि	वक्ता
1.	क्लासिकल कोरियाई लेखन और पूर्व भारत-कोरियाई संबंध	14.9.2020	डॉ. अफजल अहमद खान
2.	"भारत में दक्षिण कोरियाई लोक कूटनीति : एक माध्यम के रूप में हेलायू"	21.9. 2020	श्री नवनीत कुमार
3.	"कोरियाई युद्ध में भारत के रुख का ऐतिहासिक तथ्यीकरण : के.पी.एस. मेनन की भूमिका के विशेष संदर्भ में"	25. 9. 2020	कृष्ण कांत झा
4.	विद्वानों और प्रोफेसर इकेगामी अकीरा के साथ जापान स्थिति भारतीय दूतावास की विशेष वार्ता	15.9.2020	जापान :भावी मंच
5.	"जापान का युद्ध पश्चात साहित्य और इनोयू यासुशी की साहित्यिक	26.9.2020	श्री अविनाश चंद राही (पीएच.डी. शोध

	दुनिया”		विद्वान)
6.	“कोरियाई पॉप संस्कृति किस प्रकार हलेयू के रूप में जाना गया :कोरियाई वेव का इतिहास”	28.9.2020	सुश्री नेमनेइलहिंग किपजेन (पीएच.डी. विद्वान, डीईएस)
7.	“जापानी साहित्य का वैश्विक परिचालन :होजोकी को विश्व साहित्य के रूप में अध्ययन”	16.10.2020	जी .सी .प्रधान
8.	निन्जाल निहोंगोगाकू कौशुकाई के सहयोग से विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला	17 और 18 अक्टूबर, 2020	जापानी व्याख्यानों पर निन्जाल व्याख्यान
9.	"जापानी आधुनिकता :ताइसो युग के लोकतांत्रिक आन्दोलन के दौरान साहित्य"	26.10.2020	डॉ. मु .मोइनुद्दीन, (सहायक प्रोफेसर) ग्रेजुएट स्कूल आफ लेटर्स, ओसाका विश्वविद्यालय, ओसाका (जापान),
10.	“कवैड का उत्थान और यह चीन के विरुद्ध क्यों है?”	4.11.2020	सुश्री मल्लिका देवी (डीईएस के अनुसंधान विद्वान)
11.	トピック: 集中講義 (जापानी भाषा में अनूदित विशेष व्याख्यान)	5.3.2021	डॉ. मोइनुद्दीन (ओसाका विश्वविद्यालय सर)
12.	"चीनी-म्यामार ऊर्जा सहयोग का मामला अध्ययन "	9.11.2020	चिरमी खरे (अनुसंधान विद्वान, डीईएस)
19.	"इम्पेरियल चीन और कोरिया में जेंडर-पावर डायनेमिक्स का पुनर्मूल्यांकन"	16.11.2020	दिव्या पोखरियाल (पीएच.डी. अनुसंधान विद्वान, डीईएस, डीयू)
20.	"प्रधानमंत्री सुगा की नीतियां और आगे के रास्ते की समझ" निन्जाल निहोंगोगाकू कौशुकाई 2020के सहयोग से विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला:	28 और 29 नवम्बर, 2020	जापानी व्याख्यानों पर निन्जाल व्याख्यान

फिल्म स्क्रीनिंग और चर्चा मंच:

जापानी फिल्म ऑनलाइन: अजूमा माकोटा, पुष्प कलाकार के साथ साक्षात्कार

जापान पर फिल्म ऑनलाइन: जापान फिल्म आनलाइन: कासेल क्वेस्ट - द लॉस्ट वॉल स्टैंडिंग

जापानी फिल्म ऑनलाइन: होम स्वीट टोक्यो 3 एपिसोड4

जापानी फिल्म ऑनलाइन: क्वेस्ट फॉर द अल्टीमेट वासाबी, अनिशा रिकशावाली द्वारा।

11 सितम्बर से 14 सितम्बर से जापान के दूतावास द्वारा प्रायोजित “मूजिक कैब x जापानी फिल्म फेस्टिवल” से शॉट मूवी को छात्रों को दिखाया गया।

दिनांक 15.9.2020 को 11:30 से 12:30 और 1 बजे से 2:30 बजे तक विद्वानों और प्रोफेसर इकेगामी अकिरा के साथ जापान स्थित भारतीय दूतावास के विशेष वार्ता में भारत-जापान: भावी मंच में एचओडी ने ऑनलाइन भागीदारी की।

जापानी दूतावास द्वारा संस्तुत मूवी विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों को दिखाया गया: "तामी हियामा-चिराशी-जूशी, होम पार्टी सुशी", इसे निम्न लिंक के माध्यम से दिखाया गया: <https://www.facebook.com/EmbassyofJapaninIndia/posts/2031440590322818>

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

प्रो श्रीपर्णा रॉय ने केंद्रीय हिमालय संस्कृति अध्ययन संस्थान (सीआईएचसीएस), दाहुंग, पश्चिम कांग जिला, अरुणाचल प्रदेश, भारत द्वारा 24-26 मार्च, 2021 को आयोजित "सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और विश्वास प्रणाली: प्रवचन से अभ्यास तक" पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "बौद्ध धर्म और चीन की सांस्कृतिक पहचान: गठन, निरंतरता और परिवर्तन" विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

प्रो जनार्दन साहू ने 24 दिसंबर 2020 को पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार सेमिनार में "कॉन्फिडेंटिज्म एंड चाइनीज पॉलिटिकल कल्चर" विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

प्रो. उनिता सच्चिदानंद ने दिनांक 29.10.2020 को जलताई व्याख्यान माला में जलताई के 25वीं वर्षगांठ पर "एक शब्द कई दुनिया:जापानी साहित्य की समझ" शीर्ष पर व्याख्यान दिया।

प्रो. श्रीपर्णा राय, यूजीसी-चाइना स्टडीज प्रोग्राम, एमएमएज एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 13-14 अक्टूबर 2020 को आयोजित "समकालीन दुनिया में चाइना स्टडीज का महत्व" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत "कोविड-19 और फ्यूचर ऑफ चाइनीज लैंग्वेज स्टडीज इन इंडिया" पर शोध प्रस्तुत किया गया।

लालपेखलुई नेमनील्लिंग कपगेन ने, "वॉकिंग द टॉक: दक्षिण कोरिया की सांस्कृतिक कूटनीति और नई दक्षिणी नीति के लिए इसके महत्व को ऐतिहासिक बनाना, 14वें आरएसके इंटरनेशनल वेबिनार, 2020 में, भारत में अधिनियम पूर्व नीति और दक्षिण कोरिया में नई दक्षिणी नीति के तहत चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं " शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया जिसे जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और झारखंड विश्वविद्यालय के सहयोग से कोरिया के अध्ययन के लिए शोधकर्ता संघ द्वारा 6 और 7 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया।

चिमरी खरे ने, 14वें आरएसके इंटरनेशनल वेबिनार, 2020 में "भारत और दक्षिण कोरिया की नई दक्षिणी नीति" पर अपना शोध प्रस्तुत किया, जो 6 और 7 नवंबर 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और झारखंड के केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से भारत में एकट ईस्ट पॉलिसी और दक्षिण कोरिया में नई दक्षिणी नीति के तहत चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं पर हैं।

दिव्या पोखरियाल ने "कोरिया और भारत में महिलाओं के औपनिवेशिक अनुभव"; 14वें आरएसके इंटरनेशनल वेबिनार, 2020 में, भारत में एकट ईस्ट पॉलिसी और दक्षिण कोरिया में नई दक्षिणी नीति के तहत चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं शीर्षक से अपना शोध प्रस्तुत किया, जिसे 6 और 7 नवंबर, 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के सहयोग से कोरिया के अध्ययन के लिए शोधकर्ता संघ (आरएसके) द्वारा आयोजित किया गया।

एच रूपा ने "कोरियाई समाज में सांस्कृतिक पहलुओं को बदलने का अध्ययन" पर अपना शोध प्रस्तुत किया; 14वें आरएसके इंटरनेशनल वेबिनार, 2020 में, भारत में अधिनियम पूर्व नीति और दक्षिण कोरिया में नई दक्षिणी नीति के तहत चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं जिसे 6 और 7 नवंबर, 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से कोरिया के अध्ययन के लिए शोधकर्ता संघ (आरएसके) द्वारा आयोजित किया गया।

प्रो. अवंती भट्टाचार्य ने 10 नवंबर, 2020, 3.30 बजे से 5.00 बजे (आईएसटी), 12.30 बजे से 2.00 बजे (बर्लिन समय) चीन-पाकिस्तान संबंधों और सीपीईसी: अंधकार में लौटना, आईसीडब्ल्यू वेबिनार में पर एक शोध प्रस्तुत किया।

प्रो. अवन्ती भट्टाचार्य ने 25 सितंबर, 2020 को 'तिब्बत और शिनजियांग में मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला-एचआरडीआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तिब्बत और शिनजियांग में चीन: मानवाधिकारों के विरुद्ध कड़ा प्रहार, मानवाधिकार रक्षा इंटरनेशनल पर एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय और ताइपेई इकॉनोमिक एंड कल्चरल सेंटर, भारत के बीच समझौता।

दिल्ली विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय चुंग चेंग विश्वविद्यालय, ताइवान, आरओसी के बीच समझौता।

अन्य अंतःसंस्थागत सहयोग

नीतिगत अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली

चीनी अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली

शांति और संघर्ष अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली

नियोजन संबंधी ब्यौरा (नियोजन किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

कैंपस भर्ती के लिए पांच कंपनियां आर्यीं

100% छात्रों को कंपनियों, थिंक टैंक, सरकारी संगठनों में नियोजन मिला अथवा भारत एवं विदेश में उच्च अध्ययनों में प्रवेश मिला।

प्रदत्त पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएडी : 5

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी: 10

अतिथि: 11

अन्य कोई महत्वपूर्ण सूचना

दिनांक 26 सितम्बर, 2020 (शनिवार) को प्रो. श्रीपर्णा राय, हमारे विभाग के चीनी संकाय ने चीनी अध्ययन विभाग की शैक्षिक सलाहकार समिति, दून विश्वविद्यालय में ऑनलाइन बैठक में भाग लिया (जुलाई, 2020 से सदस्य)।

हमारी एक छात्रा निष्ठा आहूजा ने वरिष्ठ श्रेणी में अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

हमारे विभाग की छात्रा निष्ठा आहूजा ने जेएएलटीएआई द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता - 2019 में वरिष्ठ श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता।

हमारे तीन छात्रों का चयन इस वर्ष जापानी सरकार की विभिन्न विद्यार्थीवृत्तियों के लिए किया गया है।

अर्थशास्त्र विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि के दौरान विभाग के सदस्यों ने महत्वपूर्ण तरीकों से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में योगदान देना जारी रखा। कई संकाय सदस्यों के प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर पत्रिकाओं में अपने शोध कार्यों प्रकाशित किया। उन्होंने लोकप्रिय पत्रिकाओं में लेखन के माध्यम से नीतिगत बहसों में भी भाग लिया और दो अच्छी तरह से माने जाने वाले आर्थिक पूर्वानुमानों को तैयार किया। यह विभाग यूजीसी का उन्नत अध्ययन केंद्र बना हुआ है और लगातार छठे वर्ष इसे भारत में विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभागों में सबसे अधिक स्थान दिया गया था, जो कार्य पत्रों और अर्थशास्त्र में प्रकाशनों का एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक संग्रह रेपेक द्वारा दिया गया था (<http://ideas.repec.org/top/top.india.html>)। संकाय सदस्य ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी हिस्सा लिया। वर्ष के दौरान, विभाग ने एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक

साप्ताहिक संगोष्ठी शृंखला का आयोजन किया जिसमें अपने शोध को प्रस्तुत करने के लिए भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित वक्ता आए।

विभाग एम.ए., एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में सहायता प्रदान करता है। 2020-21 में एम.ए. प्रोग्राम में 329 छात्रों ने प्रवेश लिया था। विभाग अपने एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए शोध छात्रों को भी आकर्षित करता रहता है। 2020-21 में एम.फिल. और पीएच.डी. प्रोग्राम में क्रमशः 3 और 13 छात्रों ने दाखिला लिया। एम.फिल. और पीएच.डी. छात्रों के लिए नियमित बोलचाल का आयोजन किया गया, जिसमें शोध छात्रों ने प्रगति में अपना काम प्रस्तुत किया और संकाय सदस्यों ने शोध विधियों और नैतिकता पर व्याख्यान दिया। शोध छात्रों ने पेशेवर सम्मेलनों में भी अपना काम प्रस्तुत किया।

सम्मान और प्रतिष्ठा

दुआ, पामी

वर्ष 2016 से 2020 तक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के सदस्य

अतिविशिष्ट अलुमनाई पुरस्कार (अवैतनिक, श्रेणी: डीईआई के मित्र), दयालबाग शिक्षण संस्थान, 2021

प्रकाशन

बनर्जी, ए. और रामपाल, जे (2020) एक नए उत्पाद के लिए रिवर्स एंडोमेंट प्रभाव। अमेरिकन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, 102 (3), 786-805।

पठानिया, के., और भट्टाचार्य, ए (2020) क्रम भंग शुल्क संरचनाएं और भारत में नकारात्मक प्रभावी संरक्षण का विरोधाभास, 2000-2014। विदेश व्यापार की समीक्षा, 55 (2), 139-167।

भट्टाचार्य जी, ए (2020) भारतीय उद्योग में श्रम बाजार लचीलापन: साहित्य का एक महत्वपूर्ण सर्वेक्षण। अंतर्राष्ट्रीय श्रम समीक्षा (आगामी)

गणेश-कुमार, ए. और दास, वी.के. (2020) भारतीय कृषि के व्यावसायीकरण का निर्धारण करने वाले भंडारण और संरचनात्मक कारक। ए. के. मिश्रा, ए. कुमार, और पी.के. जोशी (सं.) दक्षिण एशिया में कृषि में बदलाव: मूल्य शृंखला और अनुबंध खेती की भूमिका, 291-316, रूटलेज प्रेस, लंदन।

दत्ता, एस (2020) राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल व्यय: भारतीय राज्यों से साक्ष्य। सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा, 244, 112429।

दुआ, पी., और गोयल, डी (2021)। भारत में मुद्रास्फीति के निर्धारक। विकासशील क्षेत्रों के जर्नल, 55 (2)।

दुआ, पी (2020) भारत में मौद्रिक नीति ढांचा। भारतीय आर्थिक समीक्षा, 55 (1), 117-154।

चक्रवर्ती, ए., घोष, पी, और रॉय, जे (2020) विशेषज्ञ अभिग्रहीत लोकतंत्र। अमेरिकी आर्थिक समीक्षा, 110 (6), 1713-51।

रे, डी, साल्वाटोर, एम, भट्टाचार्य, आर, वांग, एल, डीयू, जे, मोहम्मद, एस, पुरकायस्थ एस., हल्दर, ए., घोष, पी. और मुखर्जी, बी (2020)। कोविड-19 महामारी की भारत की प्रतिक्रिया में भविष्यवाणियां, हस्तक्षेप की भूमिका और एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय लॉकडाउन के प्रभाव: डेटा विज्ञान संबंधी तैयारी। हार्वर्ड डेटा विज्ञान की समीक्षा, 2020 (अनुपूरक 1)।

गुप्ता, ए (2020) कृषि बाजारों का वैश्वीकरण और बदलते उत्पादन संबंध: भारत से ग्राम स्तरीय साक्ष्य। नवउदारवादी भारत में भूमि और आजीविका (पीपी 103-121)। पलगेव मैकमिलन, सिंगापुर।

गुप्ता, ए और जाधव उमा (2020) यूएनएचसीआर की आबादी संबंधी चिंता: भारत कहां खड़ा है? भारत और चीन में सामाजिक कल्याण- एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य (पृ. 339-355)। पलगेव मैकमिलन, बीजिंग, चीन।

कुमार, एस, और दुआ, पी (2021)। पर्यावरण प्रबंधन प्रथाओं और वित्तीय कार्यनिष्पादन: बड़े सूचीबद्ध भारतीय उद्यमों से सबूत। पर्यावरण योजना और प्रबंधन के जर्नल, 1-27।

कुमार, एस, और जैन, आर.के. (2020) कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन शमन की लागत और इसके अपघटन: भारत में कोयले से चलने वाले थर्मल पावर सेक्टर के साक्ष्य। *इंपीरिकल इकॉनॉमिक्स*, 1-25।

कुमार, एस, और मनागी, एस (2020) क्या लॉकडाउन की कड़ाई वायु गुणवत्ता को प्रभावित करती है? भारतीय शहरों के साक्ष्य। *आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के अर्थशास्त्र*, 4 (3), 481-502।

मैती, डी और कुमार, एस, "भारत में उत्पादकता वृद्धि के लिए संपादकों का परिचय: मुद्दे और मापन" *भारतीय विकास और विकास की समीक्षा*, भाग. 13, पीपी 1-9, 2020।

कुमार, एस., मनागी एस. और जैन आर.के. (2020)। भारतीय थर्मल पावर क्षेत्र के लिए कार्बन डाई ऑक्साइड शमन नीति: उत्सर्जन व्यापार से संभावित लाभ। *ऊर्जा अर्थशास्त्र*, 86, 104653।

कुमार, एस (2021) खराब आउटपुट का मॉडलिंग उत्पादन: थ्योरी और एम्पिरिक्स। *भारत से सतत विकास अंतर्दृष्टि: रामप्रसाद सेनगुप्ता, के सम्मान में चयनित निबंध*, 479।

कुमार, एम (2021)। कृषि नीति से सरकार का पीछे हटना: बिहार से अनुभव। *आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक*, 56 (4), 17-19।

झा, पी, और कुमार, एम (2021)। भारत में श्रम और कोविड -19 महामारी। *इंडियन इकॉनॉमिक जर्नल*, 68 (3), 417-437।

हुसैन, जे, कुमार, एम, और कराटेपे, आई. (2021)। एक स्टेपल, एक उत्तेजक, और एक खराब होने वाली फसल के मूल्य श्रृंखला में उन्नयन। *कराटेपे, आई., और शेचरेर, सी (सं.), कृषि आपूर्ति श्रृंखला में उन्नयन के फैंटम: एक क्रॉस-कंट्री, छोटे धारकों की क्रॉस-क्रॉप तुलना (पीपी 25-90)। बडेन-बडेन, जर्मनी: नोमोस वर्ल्डगेसेल्सचैफ्ट।*

मैती, डी (2021), 'आर्थिक प्रणाली, वायरल प्रकोप, और संकट', *सफलता-विज्ञान और समाज पर एक जर्नल*, 22 (1)।

मैती, डी, और अवस्थी, ए (2020) आईसीटी एक्सपोजर और भलाई और प्रगति का स्तर: एक क्रॉस कंट्री विश्लेषण। *सामाजिक संकेतक अनुसंधान*, 147 (1), 311-343।

मैती, डी, और भट्टाचार्य, सी (2020) अनौपचारिकता, प्रवर्तन और विकास। *आर्थिक मॉडलिंग*, 84, 259-274।

मैती, डी और सिंह, पी (2021), क्या एफडीआई नेट एक्सपोर्टबिलिटी के पक्ष में है? डे, पी और रायचौधरी , ए (सं.), *डब्ल्यूटीओ और भारत के 25 वर्ष: एक पूर्वव्यापी, सेज, नई दिल्ली।*

मैती, डी, और सिंह, पी (2020) वित्त और नवाचार: फर्म आकार और प्रतियोगिता की भूमिका पर देश स्तर के सबूत। *इंस्टिट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक ग्रोथ, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव, दिल्ली विश्वविद्यालय।*

परिडा, वाई, सैनी, एस., गोयल पी. ए. और साहू, पी. के. (2020)। भारत में बाढ़ के प्रभाव पर आर्थिक विकास और सरकार की भूमिका। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेंट*, 16 (3), 213-230।

सरकार, एस और शुक्ला, एस (2020) निम्न मूल्य निर्धारण और बहु बाजार प्रभुत्व की अवधारणा: भारतीय दूरसंचार उद्योग का एक मामला, व्यापार, अर्थशास्त्र और सतत विकास में: उभरते क्षितिज, मणिपद्मा दत्ता एट अल द्वारा संपादित, *ब्लूमसबरी, नई दिल्ली*

काओ, जे, मुखर्जी, ए, और सिन्हा, यू. बी (2020) विलय की स्थिति में श्रमिक संघों के निहितार्थ। *मैनचेस्टर स्कूल*, 88 (4), 575-583।

अफरीदी, एफ, बरूआ, बी, और सोमनाथन, आर (2020) सूचना प्रावधान के माध्यम से अधिगम परिणामों में सुधार: भारतीय गांवों से प्रायोगिक साक्ष्य। *विकास अर्थशास्त्र के जर्नल*, 146, 102276।

बाल्लेंड, जे. एम., डेमोंट, टी, और सोमनाथन, आर (2020) ग्रामीण भारत में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के बीच बाल श्रम और स्कूली शिक्षा निर्णय। *आर्थिक विकास और सांस्कृतिक परिवर्तन*, 69 (1), 73-105।

सेठी, आर. , सिद्धार्थ, डी, हॉलैंड, ए.सी., आर्किबॉग, बी, अन्नन, एफ, सोमनाथन, आर, और कार्डेनास, जे. सी. (2020) वैश्विक महामारी लचीलापन की ओर। कोविड-19 रैपिड रिस्पांस इम्पैक्ट इनिशिएटिव। श्वेत शोध, 11।
दुआ, पी. (आगामी)। भारतीय अर्थव्यवस्था का वृहत इकोनोमेट्रिक अनुप्रयोग, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
एलेन, डी., और सोमनाथन, आर. (संपा.) (2020)। आधिपत्य रहित अंतर: विभिन्न लोकतंत्रों में न्याय। शिकागो प्रेस विश्वविद्यालय।

संपादक मंडल में संपादक/ सदस्य के रूप में सेवा दे रहे विभाग के शिक्षकों की संख्या और नाम

बनर्जी, अभिजीत

सहायक संपादक, कृषि अर्थशास्त्र

सहायक संपादक, भारतीय आर्थिक समीक्षा

भट्टाचार्य, आदित्य

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, आर्थिक प्रभाग, भारतीय विदेशी व्यापार संस्थान (मानद विश्वविद्यालय)

सदस्य, बोर्ड आफ स्टडीज, अर्थशास्त्र संकाय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय

संपादकीय सलाहकार बोर्ड, भारतीय श्रम अर्थशास्त्र जर्नल

संपादकीय बोर्ड, भारतीय आर्थिक समीक्षा

दुआ, पामी

संपादक मंडल

भारतीय आर्थिक समीक्षा

जर्नल आफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स

जर्नल आफ डेवलपिंग एरिया

रिजर्व बैंक आफ इंडिया ओकेजनल पेपर्स

जर्नल आफ सोशल एंड इकोनोमिक डेवलपमेंट

अन्य

सदस्य, शोध, नवाचार और रैंकिंग संबंधी विअआ विशेषज्ञ समूह

सदस्य, शासी परिषद्, उन्नत वित्तीय शोध एवं अधिगम केंद्र (सीएफआरएल)

सदस्य, शासी परिषद्, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान

सदस्य, शासी निकाय (प्रबंधन बोर्ड), दयालबाग शैक्षिक संस्थान

गुप्ता, श्रीकांत

एसोसिएट संपादक, भारतीय आर्थिक समीक्षा

कंवर, सुनील

संपादक बोर्ड, भारतीय आर्थिक समीक्षा

कार, अनिरबन

संपादक मंडल, भारतीय आर्थिक समीक्षा

कुमार, सुरेन्द्र

सहायक संपादक, फ्रंटीयर इन क्लाइमेट- क्लाइमेट एंड इकॉनोमिक्स

सहायक संपादक, इकॉलोजी, इकॉनोमिक्स एंड सोसाइटी - द आईएनएसईई जर्नल

अतिथि संपादक, 'प्रोडक्टिविटी ग्रोथ इन इंडिया' पर विशेष अंक, भारतीय संवृद्धि और विकास समीक्षा।

सदस्य, संपादकीय मंडल, आपदा और जलवायु परिवर्तन अर्थशास्त्र (ए स्प्रिंगर जर्नल)

सदस्य, संपादकीय मंडल, भारतीय आर्थिक समीक्षा

सदस्य, शासक मंडल, आर्थिक विकास संस्थान

मेइती, दिव्येन्दु

एसोसिएट संपादक, विकास अध्ययन में प्रगति

संपादकीय मंडल, भारतीय आर्थिक समीक्षा

मीनाक्षी, जे. वी.

एसोसिएट संपादक, भारतीय आर्थिक समीक्षा

परम जीत

संपादकीय बोर्ड, भारतीय आर्थिक समीक्षा

शाह, सुधीर

संपादकीय मंडल, भारतीय आर्थिक समीक्षा

सिंह, राम

संपादकीय मंडल, भारतीय आर्थिक समीक्षा

सिन्हा, उदय भानु

मुख्य संपादक, भारतीय आर्थिक समीक्षा

सोमनाथन, रोहिणी

सदस्य, शोध पैनल, भारतीय नीति फोरम

सदस्य, न्यास बोर्ड, श्रीजन

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल आफ डेमोग्राफिक इकॉनॉमिक्स

सदस्य, सलाहकार बोर्ड, सेंटर फॉर डेवलपमेंट इकॉनॉमिक्स एंड सस्टेनेबिलिटी (सीडीईएस), मोनाश बिजनेस स्कूल

सदस्य, शोध सलाहकार समिति, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय

सदस्य, शासक मंडल, आर्थिक संवृद्धि संस्थान (आईईजी)

सदस्य, शोध समिति, एनवायरमेंट फॉर डेवलपमेंट इनीशिएटिव (आईएफडी), यूनिवर्सिटी आफ गोथनबर्ग

संपादकीय मंडल, इन्वेस्टिगेशन इकोनॉमिका

संपादकीय मंडल, भारतीय आर्थिक समीक्षा

शोध परियोजनाएं

वरुण कुमार दास खाद्य एवं कृषि अनुसंधान चर्चा मंच, "भारतीय कृषि के व्यावसायीकरण का निर्धारण करने वाले भंडारण और संरचनात्मक कारक", 6 फरवरी, 2021 (ऑनलाइन)

परीक्षित घोष, "भारतीय शहरों में स्वच्छ वायु संक्रमण" (रोहिणी सोमनाथन के साथ), विकास पहल के लिए पर्यावरण, गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय, स्वीडन, द्वारा वित्त पोषित, प्रोजेक्ट आईडी: एमएस-545

अनीश गुप्ता, आईसीएसएसआर-इम्प्रेस वित्त पोषित प्रमुख शोध परियोजना (25 लाख) जिसका शीर्षक है "औद्योगीकरण और सामाजिक अशांति: तमिलनाडु का एक केस स्टडी"। सह-निदेशक; मौसुमी बिस्वास और अमुल्या साहू।

आयोजित सेमीनार

कुल संख्या - 25

तिथि	नाम	विश्वविद्यालय	विषय
30 जुलाई, 2020	आशिमा गोयल	इंदिरा गांधी विकास शोध संस्थान	कोविड :के पश्चात 19-भारत के विकास की पुनःवापसी और निरंतरता
6 अगस्त, 2020	विरल वी.आचार्य	एनवाईयू-स्टर्न	फिस्कल डॉ.मिर्नेस :ए थ्योरी आफ एवरीथिंग इन इंडिया
13 अगस्त, 2020	सुमित गुहा	टेक्सास विश्वविद्यालय, आस्टिन	प्लेग एंड पेनिक्स :सोशल ऑर्गेनाइजेशन, इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड डिजिटल आउटब्रेक्स
20 अगस्त, 2020	अभिरूप मुखोपाध्याय	भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली	ट्रस्ट दार्ड नेवर?: एविडेंस फ्रॉम पार्टिशन आफ इंडिया
27 अगस्त, 2020	अश्विनी देशपांडे	अशोका यूनिवर्सिटी	हिवच इंडियन चिड्डेन आर शॉर्ट एंड हवाई? द इंडियन एनिग्मा, सोशल आइडेंटिटी एंड चाइल्डहुड मालन्युट्रिशन
17 सितम्बर, 2020	कायल एमरिक	टफ्ट यूनिवर्सिटी	मोटिवेटेड इंफॉर्मेशन एजेंट एंड टेक्नोलॉजी एडॉप्शन इन एग्रीकल्चर
1 अक्टूबर, 2020	एस .चंद्रशेखर	इंदिरा गांधी विकास शोध संस्थान	हाउसहोल्ड अर्निंग्स एंड रिजनल डिस्पेरिटिज :इनसाइट फ्रॉम पीएलएफएस 2018-19
8 अक्टूबर, 2020	पेरिमल बेग	नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर	हॉनेस्ट ऑर टेलेट? प्रोजेक्ट इम्प्लिमेंटेशन विद पॉसिबिलिटी आफ बैकस्टैबिंग
15 अक्टूबर, 2020	नेहा खन्ना	बिंघमटन यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क	पब्लिक प्रेशर एंड हेट्रोजेनस इफेक्ट्स आफ वोल्युंटीरी पॉल्युशन रेगुलेशन
19 अक्टूबर, 2020	रोहिणी पांडे	येले यूनिवर्सिटी	ऑन हर ऑन एकाउंट :हाउ स्ट्रेथेनिंग विमेंस फाउंडेशनियल कंट्रोल इम्पेक्ट्स लेबर सप्लाई एंड जेंडर नॉम्स
5 नवम्बर, 2020	अमृता ढिल्लन	किंग्स कॉलेज, लंदन	इंफॉर्मेशन एग्रेगेशन विद डेलीगेशन आफ वोट्स डेट
12 नवम्बर, 2020	डेविड जस्ट	कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क	कंजम्पशन एंड इनकम डायनामिक्स आफ द रूरल पुअर :एविडेंस फॉर विहेवेरियल कंजम्पशन थ्योरीज यूजिंग हाई फ्रिक्वेंसी हाउसहोल्ड-लेवल इनकम – डायरी डाटा इन रूरल युगांडा
19 नवम्बर, 2020	ग्वानगुआ वेन	डायरेक्टर आफ द इंस्टीट्यूट आफ वर्ल्ड इकॉनोमी, फुडान यूनिवर्सिटी, चीन	इनकम इनेक्विलिटी एंड डोमेस्टिक कंजम्पशन इन चाइना :ए पजल एंड एन एक्स्प्लानेशन

26 नवम्बर, 2020	स्वागत भट्टाचार्यजी	अशोका यूनिवर्सिटी	वर्चु आफ सिम्प्लिसिटी इन एसेमेट्रिक ऑक्सन
3 दिसम्बर, 2020	विद्या सौंदर्यराजन	भारतीय प्रबंध संस्थान, वंगलौर	इंपोर्ट कम्पीटिशन एंड फॉर्मलाइजेशन ऑफ द वर्क फोर्स
11 दिसम्बर, 2020	बीना अग्रवाल	यूनिवर्सिटी ऑफ मेनचेस्टर एंड आईईजी	हिवच वीमेन वोन लैंड इन इंडिया? इंटर-जेंडर एंड इंटर जेंडर गैप
8 जनवरी, 2021	दिलीप मुखर्जी	बोस्टन यूनिवर्सिटी	पॉलिटिकल क्लाइंटेलिज्म इन वेस्ट वंगाल : एविडेंस एंड बजटरी इंप्लीकेशन
14 जनवरी, 2021	के एस श्रीधर	इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनॉमिक चेंज, वंगलौर	अंडरस्टैंडिंग द डिजिटल प्लेटफॉर्म इकॉनोमी: इफेक्ट आफ एयरबन्ब ऑन हाउसिंग इन इंडियन सिटीज
4 फरवरी, 2021	रोहित प्रसाद	एमडीआई (गुडगांव)	रिडिजाइनिंग द मार्केट फॉर डिस्ट्रेस्ड डेब्ट इन इंडिया
11 फरवरी, 2021	सुदिप्ता सारंगी	वर्जिनिया टेक, अमेरिका	इंहेरिटेंस एंड इवोल्यूशन आफ नेटवर्क एक्रॉस जेनरेशन
18 फरवरी, 2021	सोनिया भलोत्रा	यूनिवर्सिटी आफ इसेक्स	जॉब डिस्प्लेसमेंट, अनइम्प्लाइमेंट बेनिफिट्स, एंड डोमेस्टिक वायलेंस
25 फरवरी, 2021	स्टेफेन क्लोनजर	यूनिवर्सिटी ऑफ हेडलबर्ग	ऑन द ओरिजिन आफ जेंडर-अनइक्वल सोशल नॉर्म्स :यूनिवर्सल डिसेंट एंड द एफिसिएंट हाउसहोल्ड
4 मार्च, 2021	एस अनुकृति	वर्ल्ड बैंक	वीमेंस एक्सेस टू फैमिली प्लानिंग : एक्पेरिमेंटल एविडेंस ऑन द रॉल आफ पीअर्स एंड वाउचर्स
18 मार्च, 2021	अनिशा शर्मा	अशोका यूनिवर्सिटी	द अनइंटेंडेड कंसेक्वेंसेज आफ ए बैन आफ सेक्स सेलेक्शन आन द एजुकेशनल अटेन्मेंट आफ वूमन
25 मार्च, 2021	आदित्य डार	आईएसबी	इरीगेशन एंड पाथ डिपेंडेंस :एविडेंस फ्रॉम इंडिया।

आयोजित सम्मेलन

कुल संख्या - 5

विंटर स्कूल 2020

इकोनॉमेट्रिक सोसायटी के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग में 14-17 दिसंबर, 2020 तक वार्षिक विंटर स्कूल का आयोजन एक्जिम बैंक व अन्य की वित्तीय सहायता से किया गया। कोविड-19 महामारी के तहत असामान्य परिस्थितियों के कारण, सम्मेलन आभासी मोड में आयोजित किया गया था।

प्रत्येक वर्ष विंटर स्कूल समानांतर सत्र प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान को जोड़ती है जहां शीघ्र शुरू करने वाले कैरियर शोधकर्ता अपने काम को पेश करते हैं। विंटर स्कूल 2020 में आमंत्रित वक्ताओं नीचे सूचीबद्ध हैं। इसके अलावा 168 जूनियर फैकल्टी और डॉक्टरल स्टूडेंट्स ने 48 समानांतर सत्रों में अपना शोध प्रस्तुत किया। समानांतर सत्र में अर्थशास्त्र में क्षेत्रों की एक विस्तृत स्पेक्ट्रम शामिल थी। निम्नलिखित व्याख्यान आमंत्रित वक्ताओं द्वारा दिए गए थे:

पॉल एंट्रास (अर्थशास्त्र विभाग, हार्वर्ड विश्वविद्यालय): अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और अनुप्रयुक्त सिद्धांत

व्याख्यान 1 - ग्लोबल वेल्यु चेन्स: द इकॉनोमिक्स आफ स्पाइडर्स एंड स्नैक्स - 1

व्याख्यान 2 - ग्लोबल वेल्यु चेन्स: द इकॉनोमिक्स आफ स्पाइडर्स एंड स्नैक्स - 2

व्याख्यान 3 - ग्लोबल वेल्यु चेन्स: द इकॉनोमिक्स आफ स्पाइडर्स एंड स्नैक्स - 3

पास्केलीन ड्यूपास (अर्थशास्त्र विभाग, स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय): विकास अर्थव्यवस्था

व्याख्यान 1 - स्वास्थ्य और विकास

व्याख्यान 2 - निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्वास्थ्य में पारिवारिक निवेश

व्याख्यान 3 - निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्वास्थ्य परिचर्या प्रावधान

विजय कृष्णा (अर्थशास्त्र विभाग, पेन स्टेट विश्वविद्यालय): आर्थिक सिद्धांत, नीलामी

व्याख्यान 1 - संचार डिजाइन

व्याख्यान 2 - संचार और सहयोग

व्याख्यान 3 - नवाचार और सूचना

मार्टिन उरिबे (डिपार्टमेंट आफ इकॉनोमिक्स, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, यूएस): इंटरनेशनल मैक्रोइकॉनोमिक्स, मैक्रोइकॉनोमिक्स, मॉनिटरी इकॉनोमिक्स

व्याख्यान 1 - नाममात्र कठोरता, विनिमय दर और बेरोजगारी।

व्याख्यान 2 - द नियो-फिशर इफेक्ट

व्याख्यान 3 - कमोडिटी प्राइस सुपर साईकल

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय)

भट्टाचार्य, आदित्य

"एंटी-कार्टेल एन्फोर्समेंट इन इंडिया", एकेडमिक सोसाइटी फॉर कॉम्पिटिशन लॉ (एससीओएलए) - इंडिया चैंप्टर, जुलाई 2020।

"भारत में औद्योगिक क्षेत्र में नीतिगत परिवर्तन"; II: "भारतीय उद्योग: कोविड पूर्व और पश्चात चुनौतियां"; III: "सार्वजनिक खरीद में बोली-हेराफेरी का पता लगाना और निवारण करना"। टेक्निकल मैनेजमेंट कोर्स, नेवल वॉर कॉलेज, गोवा, जुलाई 2020।

"प्रतिस्पर्धा कानून प्रवर्तन में प्रक्रियात्मक देरी के आर्थिक परिणाम" (पैनलिस्ट), भारतीय उद्योग परिसंघ, नवंबर 2020.

"मोबाइल पारिस्थितिकी प्रणालियों का भविष्य: भारत में बाजार खिलाड़ियों और उपभोक्ताओं के लिए एक विकल्प को सक्षम करना" (पैनल मॉडरेटर), कंपिटिशन पॉलिसी इंटरनेशनल, दिसंबर 2020।

"न तो अपराध और न ही (ज्यादा) सजा: भारत के प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत कार्टेल दंड और नरमी" (ओइंड्रिला डे के साथ), कानून और आर्थिक विकास पर अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संघ कार्यशाला, जनवरी 2021

"भारत के कार्टेल पेनल्टी प्रैक्टिसेज, इष्टतम क्षतिपूर्ति और प्रतिरोधक क्षमता" (ओइंड्रिला डी के साथ), भारतीय प्रतिस्पर्धा विशेषज्ञों के नेटवर्क के तहत कार्टेल वर्किंग ग्रुप (नाइस), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, मार्च 2021

दुआ, पामी

"भारत में मौद्रिक नीति ढांचा," - दिल्ली विश्वविद्यालय, हंसराज महाविद्यालय, सितंबर 2020; दौलत राम कॉलेज, जून 2020; जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, जून 2020; दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय, जून 2020।

"भारत में मौद्रिक नीति ढांचा," सुकरातिक व्याख्यान, बेनेट विश्वविद्यालय, जुलाई 2020।

"भारत में मौद्रिक नीति ढांचा," वित्तीय बाजारों में वर्तमान मुद्दों और नीति विकल्पों पर आमंत्रित व्याख्यान, संगोष्ठी, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान और भारतीय अर्थव्यवस्था सोसायटी, अगस्त 2020 को किया गया।

घोष, परिक्षित

"कोविड-19 के संदर्भ में सामाजिक और आर्थिक नीति के लिए अगली चुनौतियां." यूनीवर्सिटी डी पिउरा और त्रिजे विश्वविद्यालय, पेरू द्वारा आयोजित वेबिनार।

"कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियां." अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (एएपीआई) वेबिनार सीरीज।

"कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मार्शल योजना की जरूरत है." कोविड-19 पर जीसीआरएफ-पीडीएफ यूनिवर्सिटी ऑफ केंट वेबिनार।

"एक महामारी में इष्टतम कराधान." टीएचआरईडी बैठकें, बोस्टन विश्वविद्यालय।

कुमार सुरेंद्र

कोविड-19 और भारतीय अर्थव्यवस्था: प्रभाव और प्रतिक्रिया, विशेष व्याख्यान, कोविड-19 पर राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला: लॉकडाउन और लॉकडाउन पश्चात चिंताएं, माता सुंदरी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय), 22 मई, 2020।

प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए नीति उपकरण, भारत में नदी और समुद्री प्लास्टिक कूड़े के निवारण हेतु उपायों पर राष्ट्रीय नीति कार्यशाला वेबिनार श्रृंखला, 12-22 मई 2020, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, नई दिल्ली।

21 दिसंबर, 2020 से 3 जनवरी 2021 के दौरान "सांख्यिकीय विधियों के साथ डेटा विश्लेषण" पर 2 सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम मूल्यांकन का इकोनोमेट्रिक्स, विशेषज्ञ, और 'डेटा एनालिसिस फॉर रिसर्च इन सोशल साइंसेज' जून 17-30, 2020, टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) पर संकाय विकास कार्यक्रम।

3 जनवरी, 2021 को "सांख्यिकीय विधियों के साथ डेटा विश्लेषण" पर 2 सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का समापन सत्र, शिक्षण शिक्षण शिक्षण केंद्र रामानुजन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)

मॉडलिंग खराब आउटपुट: थ्योरी एंड एम्पिरिक्स, "औद्योगीकरण, कॉर्पोरेट क्षेत्र और विकास" पर आईएसआईडी क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 18 फरवरी, 2021

'जलवायु और अर्थशास्त्र' पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, भूगोल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 14 मार्च, 2021

'मॉडलिंग बैड आउटपुट: थ्योरी एंड इंपीरिक्स' एवं 'इकोनोमिक्स आफ क्लाइमेट चेंज' अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 17 मार्च, 2021

सतत विकास के विशेष संदर्भ के साथ 21वीं सदी में अर्थव्यवस्था, समाज, व्यापार, मीडिया और विश्व संबंधों की बदलती रूपरेखा पर सम्मानित अतिथि, उद्घाटन सत्र, राष्ट्रीय सम्मेलन" विवेकानंद स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, 26 मार्च 2021.

मैती, दिब्येंदु

"महामारी, संकट और आर्थिक पुनरुद्धार: कुछ मुद्दे", वेबिनार व्याख्यान, शहीद अनुरूप चंद्र महाविद्यालय (कलकत्ता विश्वविद्यालय), बुरुल, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल, 30 जून, 2020.

"कोविड संकट और भारतीय अर्थव्यवस्था", वेबिनार व्याख्यान, प्रभु जगतबंधु कॉलेज, हावड़ा और बंगाल इकोनॉमिक एसोसिएशन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 28 जुलाई, 2020

"महामारी, संकट और आर्थिक पुनरुद्धार: कुछ मुद्दे", वेबिनार व्याख्यान, सुकंता महाविद्यालय, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल, 30 अगस्त, 2020

"व्यापार, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और श्रम शेयर", व्यापार और विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईजीआईडीआर, मुंबई, 17-18 दिसंबर 2020

"बाजार खामियों के साथ एंडोजेनिटी संशोधित स्टोचस्टिक फ्रंटियर ", इकोनोक्लेव'20, आईआईएसईआर भोपाल, 21-22 दिसंबर 2020

'आईसीटी, विकास और भलाई', आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जटिल प्रणाली और सार्वजनिक नीति में, ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, 22 जनवरी 2021.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जटिल सामाजिक-आर्थिक प्रणाली और सार्वजनिक नीति में, ओ पी जिंदल विश्वविद्यालय, 21-22 जनवरी 2021

सरकार, सौमेन्दु

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के अर्थशास्त्र संकाय में "विद्यालयों में शिक्षकों का पुनर्वितरण" विषय पर सेमिनार, अक्टूबर, 2020.

सिन्हा, उदय भानु

"स्कोपस, विज्ञान के वेब, यूजीसी केयर सूची पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के लिए जर्नल लेख लिखने के टिप्स" एक सप्ताह में राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला में वैज्ञानिक अनुसंधान लेखन और प्रकाशन कौशल में सुधार पर संयुक्त रूप से अनुसंधान और प्रकाशन प्रकोष्ठ, आईक्यूएसी, एस एस कॉलेज, हैलाकंदी, असम और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग। 17 अक्टूबर 2020।

अन्य अंतःसंस्थागत सहयोग

मेइती, दिब्येन्दु

सीआईआई नेशनल एमएसएमई काउंसिल (2019-) के तहत लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के लिए नीति पर कोर ग्रुप सदस्य और ईओडीबी

एलएनएम इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर (2021 जनवरी - जारी) में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के सदस्य बोर्ड

ब्रिक्स नेटवर्क विश्वविद्यालय पहल

नियोजन ब्यौरा (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 131 (81.87%)

कैंपस भर्ती हेतु विजिट करने वाली कंपनियां : 44

प्रदत्त एम.फिल./ पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या :

पीएच.डी. : 08

एम.फिल. : 01

भूगोल विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग अंतर्विषयक, नवाचार और समावेशी पर जोर देने के माध्यम से भारत में भूगोल विषय को मजबूत करने में अग्रणी है। भूगोल विभाग का उद्देश्य अपनी शिक्षण और शोध गतिविधियों के माध्यम से भौतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के बीच के अंतर को कम करना है। विभाग के संकाय सदस्यों ने इस वर्ष प्रभाव कारक और सहकर्म की समीक्षा की गई पत्रिकाओं में अनुसंधान लेख प्रकाशित किए हैं, जैसे जल, धारणीयता, रिमोट सेंसिंग, जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी, अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, राष्ट्रीय भूगोलवेत्ता संघ, भारत के आख्यान और पर्यावरण चुनौतियां आदि। विभाग पर्यावरण अध्ययन, भूजल जल विज्ञान, रिमोट सेंसिंग/जीआईएस और नारीवादी भूगोल के क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। विअआ शोध सहायक कार्यक्रम डीआरएस तृतीय (2013-18) के तहत विभाग को विशेष सहायता भी मिल रही है। हमारा विभाग क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग 2021 में शीर्ष 150-200 रैंक वाले विभाग में से एक है।

सम्मान/ प्रतिष्ठा

प्रो. सुरेश चंद राय को 7/12/2020 को व्यक्तिगत गुण एवं मोल्दोवा और रोमानिया गणराज्य के साथ संबंध बनाने के लिए "अंतर्राष्ट्रीय पदक-2020 का पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

प्रो. सुरेश चंद राय, सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी), जी.बी. पंत हिमालय पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्त संस्थान) अगस्त 2017 से जून, 2021 तक।

प्रो. सुरेश चंद राय, सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, अरुणाचल यूनिवर्सिटी आफ स्टडीज, नामसाई, अरुणाचल प्रदेश, अगस्त, 2018 से अगस्त 2021 तक।

प्रो. आनंदिता दत्ता, निर्वाचित अध्यक्ष, जेंडर एवं भूगोल आयोग, अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ, 2020-2024.

प्रो. सुभाष आनंद, नियुक्त उपाध्यक्ष, भूविरासत आयोग, अंतर्राष्ट्रीय भूगोल संघ, 2020-2024.

प्रो. सुभाष आनंद, नियुक्त उपाध्यक्ष, इंडियन जियोग्राफिकल सोसायटी, 2020-2021.

डॉ. पंकज कुमार वर्ष 2020 से 2022 की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ (आईजीयू) के नियुक्त सहायक महासचिव।

डॉ. पंकज कुमार वर्ष 2020 से 2024 की अवधि के लिए माउंटेन स्टडीज आयोग (सीएमएस), अंतर्राष्ट्रीय भूगोल संघ (आईजीयू) के नियुक्त महासचिव।

डॉ. नेत्रानंद साहू को क्योटो विश्वविद्यालय जापान से, 2018-2020 के लिए जेएसपीएस पोस्टडॉक्टोरल प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अवतार, आर., कोसर, ए., कुमार, ए. सिंह, डी, मिश्रा, पी, गुप्ता, ए., युनुस, ए. पी., कुमार, पी., जॉनसन, बी.ए., दासगुप्ता, आर., साहू, एन., और बेसे रिम्बा, ए. (2021)। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा हेतु रिमोट सेंसिंग: इसकी भूमिका और निहितार्थ। रिमोट सेंस, 13, 439. <https://doi.org/10.3390/rs13030439>

अवतार, आर., कुमार, पी., सुपे, एच., जीई, डी., साहू, एन., मिश्रा, बी. के., और युनुस, ए. पी. (2020)। क्या कोविड-19 लॉकडाउन प्रेरित हाइड्रोलॉजिकल रेसिडेंस समय झीलों में प्राथमिक उत्पादकता को और तीव्र किया?

उपग्रह रिमोट सेंसिंग के आधार पर अवलोकन परिणाम। वाटर, 12, 2573. <https://www.mdpi.com/2073-4441/12/9/2573> #.

बासुमतरी, एम जी, और आनंद, एस (2020) गुवाहाटी में स्मार्ट सिटी की व्यवहार्यता का विश्लेषण करने के लिए मैट्रिक्स मॉडल। जर्नल ऑफ ग्लोबल रिसोर्सेज, 06 (02), 56-63। डीओआई:10.46587/jgr.2020.v06i02.009.

भाटिया, एस., आनंद, एस., नागारेले, वी. और रंजन, ओ. जे. (2020). घरेलू ई-कचरे के प्रबंधन प्रथाओं का मानचित्रण: पश्चिमी दिल्ली का एक मामला अध्ययन। इंडियन जियोग्राफिकल जर्नल, 95 (1), 123-135।

चांदना, वी., आनंद, एस., शर्मा, वी. और सागर, एस. के. (2021)। दिल्ली में स्वास्थ्य परिदृश्य- राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली में वेक्टर बोरन और जल जनित रोगों की स्थिति और हालिया रुझान। द होराइजन: जर्नल आफ सोशल साइंसेज, XII (1), जनवरी, 25-42।

चौधरी, ए.एस., सिंह, पी., वर्मा, पी., और राय, एस. सी. (2021) टिकाऊ जल सुरक्षा के लिए शहरी पर्यावरण में भूजल पुनर्भरण संभावना की गणना। अरब जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज 14: 606 (2021)। <https://doi.org/10.1007/s12517-021-06904-y>. स्प्रिंगर (स्विट्जरलैंड), (आईएसएसएन: 1866-7511)।

दास, एस. एवं साहा, ए.के. (2020) मंदाकिनी घाटी (मध्य हिमालय) के केदारनाथ त्रासदी के बाद (2013) के भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान। नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स, इंडिया का आख्यान, 40 (2): 304-329 [आईएसएसएन: 0970-972X (प्रिंट)] [<https://doi.org/10.32381/ATNAGI.2020.40.02.8>]

घाडगे, ए., वेर्फ, एस. वी. डी., कारा, एम. ई., गोस्वामी, एम., कुमार, पी., और बुर्लाकिस, एम. (2020) बायोथेनॉल आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जलवायु परिवर्तन जोखिम के प्रभाव का मॉडलिंग। तकनीकी पूर्वानुमान और सामाजिक परिवर्तन, भाग 160, 120227, आईएसएसएन 0040-1625, <https://doi.org/10.1016/j.techfore.2020.120227>

हीना, और राय, एस. सी. (2021) भारत के छोटेनागपुर पठार में भूजल स्तर की गतिशीलता पर भूगर्भीक और मानवजनित प्रभाव का मूल्यांकन। अरबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, 14:1043 (2021), <https://doi.org/10.1007/s12517-021-07298-7>। स्प्रिंगर (स्विट्जरलैंड), (आईएसएसएन: 1866-7511)।

डुआन, डब्ल्यू. नोवर, डी., साहू, एन, चेन, वाई (2020) 1990-2019 के दौरान इरतीश नदी बेसिन में सतही जल गतिशीलता का एक एकीकृत आकलन और अन्वेषणात्मक कारक विश्लेषण। जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी (स्वीकृत) 2020।

जमाल, एस., हजारीका, आर. और सेन, ए (2020) वाराणसी बुनकरों के घरेलू आकृति विज्ञान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च, भाग 9, अंक 2, पेज 3783-3787। आईएसएसएन: 2277-8616।

जमाल, एस, उपाध्याय, ए और सेन, ए (2021) गंगा, प्रदूषण और संस्कृति: बनारस शहर, उत्तर प्रदेश में गंगा नदी में प्रदूषण का आकलन। इंडियन जर्नल ऑफ स्पैटियल साइंस, खंड 12, संख्या 1 (वसंत अंक), पृ. 47-59। आईएसएसएन (प्रिंट): 2249-3921, ईआईएसएसएन / आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2249-4316।

कुमार, ए, सुरेश, वी. एम., विनोद, के. आनंद, एस. और श्रीगणेश, बी. (2020)। तमिलनाडु के कांचीपुरम ब्लॉक में भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग करते हुए जल गुणवत्ता विश्लेषण का आकलन। जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइकिल रिसर्च, XII (VII), 1137-1152।

मिश्रा, एस, और आनंद, एस (2020) छात्रों में प्रवासन और आहार विविधता में परिवर्तन: भारत में दिल्ली विश्वविद्यालय का मामला अध्ययन। अंतरिक्ष और संस्कृति, भारत, 8 (3), 58-70। डीओआई:10.20896/saci.vi0.906

मोलकोआ, एमडी, अवतार, आर., कुमार, पी., थुमिन्ह, एच. वी., दासगुप्ता, आर., जॉनसन, बी. ए., साहु, एन., वर्मा, आर.एल., और युनुस, ए. पी. (2021) मोकोपेन क्षेत्र, लिम्पोपो, दक्षिण अफ्रीका, में सतह जल गुणवत्ता का स्पैसिओ-टेम्पोरल विश्लेषण। वाटर, 13, 220। <https://doi.org/10.3390/w13020220>

निशित, पांडे, बी.डब्ल्यू, आनंद, एस एवं कुमार, एच (2021) कोटला -मुबारकपुर, नई दिल्ली में जनसांख्यिकीय परिवर्तन, भूमि उपयोग परिवर्तन और इसके पर्यावरणीय निहितार्थ। भारतीय स्थानिक विज्ञान जर्नल, आईएसएसएन: 2249 - 4316, आईएसएसएन: 2249 - 3921, वसंत अंक 2021, (1) पृ. 29-38।

पांडे, बी.डब्ल्यू., गणेश, पी, मौर्य, आर, पाठक उषा, के, कुमार, आर, घोष, एम एवं सिंह, वाई (2020)। टिड्डी के प्रकोप का स्थानिक वितरण: भारत में सतत रूप में असुरक्षा और रोकथाम का एक भौगोलिक विश्लेषण। एग्री, फूड एंड एनवायरमेंटल रिसर्च, (आईएसएसएन: 0719-3726), 8 (X), 2020 <http://dx.doi.org/10.7770/safer-V0N0-art2262>

पवन के. और राय, एस. सी. (2021) सिक्किम हिमालय में आजीविका सुरक्षा के लिए विभिन्न रणनीतियों को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा रूपरेखा का अवलोकन। पर्यावरण स्थिरता 3 में वर्तमान अनुसंधान, (2021) 100034। <https://dx.doi.org/10.1016/j.crsust.2021.100034>। एल्सेवियर, (आईएसएसएन: 2666-0490)।

रहमान, एस, जहांगीर, एस, हक, एम एस, चैन, आर, और कुमार, पी. (2021)। हरे रंग की जगहों के स्थानिक-लौकिक परिवर्तन और मुंबई, भारत के शहरी वातावरण पर उनका प्रभाव। पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 23 (4), 6481-6501

रहमान, एस, कुमार, पी, चैन, आर, मीडोज, एम.ई. एवं सिंह, आर. बी (2020) बर्धमान जिला, पश्चिम बंगाल, भारत के पर्यावरण पर भूमि उपयोग और भूमि कवर परिवर्तन के प्रभाव का रिमोट सेंसिंग आकलन। फ्रंट। पर्यावरण विज्ञान 8:127। <https://doi.org/10.3389/fenvs.2020.00127>

रहमान, एमडी, अवतार, आर., यूनुस, ए.पी., डू, जे, मिश्रा, पी., ताकुची, डब्ल्यू, साहू, एन., कुमार, पी., जॉनसन, बी. ए., दासगुप्ता, आर., खराजी, ए., चक्रवर्ती, एस. और कुर्नियावान, टी.ए. (2020)। ढाका में भूमि तल तापमान संबंधी स्थानिक वृद्धि के प्रभाव की निगरानी। रिमोट सेंस.2020, 12 (7), 1191; <https://doi.org/10.3390/rs12071191>.

राय, एस.सी, और मुखर्जी, एन.आर. (2021) स्थानिक-लौकिक परिवर्तन चित्रण और लैंडसैट इमेजरी के मल्टीस्पेक्ट्रल और थर्मल बैंड संयोजनों का उपयोग कर सिक्किम हिमालय के बर्फ/बर्फ कवर क्षेत्र की भविष्यवाणी। पर्यावरण चुनौतियां, <https://doi.org/10.1016/j.envc.2021.100163>। एल्सेवियर (नीदरलैंड), (आईएसएसएन: 2667-0100)।

रमन, ई., आनंद, एस., सुरेश, वी.एम., शर्मा, पी., सिंह, ए. और कुमार, एस (2021)। आजादपुर मंडी में यातायात की भीड़: एशिया की सबसे बड़ी सब्जियों और फलों के बाजार पर एक अध्ययन। भूगोल, पर्यावरण, स्थिरता, 14 (1), 122-131। डीओआई:10.24057/2071-9388-2020-209

रानी, यू.पांडे, बी.डब्ल्यू. एवं आनंद, एस (2020) रिसर्च फ्रंटियर्स इन अर्बन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट। द होराइजन-ए जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज संख्या-2/2020, भाग- XI, जुलाई 2020, पृ. 1-10 आईएसएसएन-0975-5535 (सहकर्मी समीक्षित)।

सागोलसेम, एस एवं भैरववर, के. (2021)। भारत में महिलाओं और शराब: दिल्ली में शराब तक महिलाओं की पहुंच का एक अध्ययन। इलेक्ट्रॉनिक रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, 3, 75-87।

साहू, एन., पांडा, ए., नायक, एस. सैनी, ए., मिश्रा, एम., सायमा, टी. , साहु, एल., दुआन, डब्ल्यू, अवतार आर., और बेहेरा, एस. के. (2020) महानदी नदी बेसिन, भारत में उच्च धारा प्रवाह पर हिंद-प्रशांत जलवायु परिवर्तनशीलता का प्रभाव वाटर, 12(7), 1952; <https://doi.org/10.3390/w12071952>. एन. पानी, 12 (7), 1952; <https://doi.org/10.3390/w12071952>।

साहू, एन., सैनी, ए., बेहरा, एस.के., सायमा, टी., साहू, एल., वन थान- वान गुयेन, और कारू टी (2020) सेब के बगीचे हिमालय की उच्च ऊंचाई पर क्यों लगाए जा रहे हैं? पीएलओएस वन, 15 (7): e0235041, doi.org/10.1371/journal.pone.0235041।

साहू, एन. , सैनी, ए., बेहरा, एस., सायमा, टी, नायक, एस, साहू, एल, दुआन, डब्ल्यू, अवतार, आर, यामाडा, एम, सिंह, आर.बी., और तकारा, के (2020) बिहार, भारत में चावल उत्पादकता पर हिंद-प्रशांत जलवायु परिवर्तनशीलता का प्रभाव। स्थिरता, 12, 7023।

साहू, एन. , सायामा, टी, सैनी, ए, पांडा, ए, और तकारा, के (2020) हिमालयी नदी व्यवस्थाओं पर पनबिजली और संभावित जलवायु परिवर्तन प्रभाव को समझना-हिमाचल प्रदेश, भारत से स्थानीय धारणाओं और प्रतिक्रियाओं का अध्ययन। वाटर 2020, 12, 2739. <https://www.mdpi.com/2073-4441/12/10/2739> #।

सैनी, ए, साहू, एन, कुमार, पी, नायक, एस, दुआन, डब्ल्यू, अवतार, आर, और बेहरा, एस (2020) भारत के पश्चिमी तटीय क्षेत्र और पहाड़ी कृषि-जलवायु क्षेत्र पर 117 वर्ष का उन्नत वर्षा प्रवृत्ति का विश्लेषण। एटमॉस्फियर, 11, 1225। <https://doi.org/10.3390/atmos11111225>

सलूजा, वी., आनंद, एस. और दुबे, आरएन (2021)। उभरते भारतीय राष्ट्रीय जियोपार्क के रूप में शिवालिक जीवाश्म पार्क की क्षमता का मूल्यांकन। नेशनल जियोग्राफिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 67 (1), 1-19। डीओआई: 10.48008/ngji.1756।

सेन, ए. एवं पुनित, एन (2021)। हिमाचल प्रदेश में सतत विकास के लिए प्राकृतिक और मानवीय कारकों को एकीकृत करना। तनिका चक्रवर्ती, दीप मुखर्जी और सारनी साहा (सं.), सतत विकास में समकालीन मुद्दे-भारत, रूटलेज, ऑक्सन और न्यूयॉर्क का मामला, अध्याय 9, पृष्ठ 173-185। आईएसबीएन: 978-1-138-22710-1 (hbk), आईएसबीएन: 978-1-003-14102-0 (ebk)।

सेन, ए एंड सेनगुप्ता, एस (2021)। डिजिटल क्रांति और सूचना युग: ध्यान की अर्थव्यवस्थाओं का उद्भव। ओपन एक्सेस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, भाग 6, अंक 3, पेज 89-95। आईएसएसएन 2456-3293। <https://doi.org/10.51397/OAIJSE03.2021.00016>

सिंह, बी.वी.आर., सेन, ए, वर्मा, एल. एम., मिश्रा, आर. एवं कुमार, वी. (2021)। झामरकोत्रा क्षेत्र की क्षमता और सीमा का आकलन: जियोहेरिटेज, जियोपार्क और जियोटूरिज्म का एक परिप्रेक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोहेरिटेज एंड पार्क्स, भाग 9, अंक 2 (जून 2021), पृष्ठ 0-0। आईएसएसएन: 2577-4441. <https://doi.org/10.1016/j.ijgeop.2021.04.001>

श्रीवास्तव, एस., शर्मा आर. आर. पांडेय, बी. डब्लू, नेगी, वी. एस. और सिंह, जे. (2020)। उत्तराखंड के देवल ब्लॉक में आजीविका सुरक्षा के लिए भूमि और मृदा सुधार में लकड़ी की राख की संभावना। दी इंडियन जियोग्राफिकल जर्नल, भाग 95 (2) जून - 2020, आईएसएसएन 0019-4824. पृष्ठ 241-254।

व्लादिमिरोव, एल.एन., माचखितरोव, जी.एन., माचखतयुवा, वीए, लउव, ए.एस., साहू, एन., यूनुस, ए.पी., और अवतार, आर (2021)। उत्तरी रूस में क्लाइमेट वार्म्स के रूप में टिक्स (इक्सोडिडा) के उत्तर की ओर फैलने की मात्रा। वातावरण 2021, 12, 233। <https://doi.org/10.3390/atmos12020233>

वू, एफ, गुओ, एन, कुमार, पी, और न्यू, एल (2021) उत्तरी चीन में जियोगियन नए क्षेत्र के चरम बाढ़ परिदृश्य आधारित जोखिम विश्लेषण। जे. बाढ़ जोखिम प्रबंधन, 14: ई12707। <https://doi.org/10.1111/jfr3.1270710>

यादव, ए और सेन, ए (2021) औद्योगिक शहर फरीदाबाद की रीब्रांडिंग: धर्मनिरपेक्ष और पवित्र सांस्कृतिक विरासत स्थलों को बढ़ावा देना। गेट्टेग एंड ऑर्गेनाटीज रिव्यू, वॉल्यूम 34, अंक 01 (जनवरी - मार्च 2021), पेज 50-66.

आईएसएसएन (मुद्रण): 0921-5077, आईएसएसएन (ऑनलाइन): 1875-7235. <https://doi.org/10.37896/GOR34.01/006>

यादव, जी. सिंह. आर. बी., आनंद, एस, और पांडे, बी डब्ल्यू (2020)। दिल्ली-एनसीआर के विकास इंजन: औद्योगिक परिसरों की बदलती प्रकृति और पैटर्न। समकालीन भारत पर शहरी और क्षेत्रीय अध्ययन जर्नल, 7 (1), 11-23।

यादव, जी. सिंह. आर.बी., पांडे, बी डब्ल्यू, आकृति, जी. (2020)। लखनऊ नगर निगम के लिए समग्र शहरी श्वसन स्वास्थ्य सूचकांक विकसित करना। पर्यावरणीय पारिस्थितिकी अध्ययन। 7(4). ईईएस। 000667. 2020. डीओआई: 10.31031/ईईएस.2020.07.000667

वंदोपाध्याय एन. एवं साहा, ए. के. (2021)। जल केंद्रित भूमिकाएं और महिलाओं की जगह: गुजरात के सूखाग्रस्त गांवों से आख्यान। ए. दत्ता (सं.), भारत में जेंडर, स्पेस और एजेंसी: खोज में।

रीजनल जेंडर स्केप्स, रूटलेज, लंदन एंड न्यूयॉर्क, 120-132 (आईएसबीएन 978-1-003-01347-1)। [<https://doi.org/10.4324/9781003013471-9>]

डे, ए. (2020) सिनेमाघरों से परे: बॉलीवुड और लोकप्रिय फिल्म पत्रिकाओं में भारतीय नायिका की पटकथा। ए. चटर्जी (सं.) भारत में जेंडरयुक्त आधुनिकता को ऐतिहासिक बनाना, प्राइमस बुक्स: दिल्ली में।

डे, ए. (2020) हिंदू धर्म के साथ व्हाटसप? बंगाली हिंदुओं के बीच डिजिटल संस्कृति और धर्म। एक्स. जेईलर (सं.) डिजिटल हिंदू धर्म, रूटलेज: लंदन और न्यूयॉर्क में।

दत्ता, ए. (2020)। पेट्रिआर्कियल बारगेन एंड ए ट्रिपल बाइंड: ऑन राइटिंग जियोग्राफी आफ जेंडर इन इंडिया। इनश्रीलेआ, हुआंग और रुवानपुरा, कश्मीर (सं.), एशिया में जेंडर पर हैंडबुक। एडवर्ड एल्गर प्रकाशन, चेल्सेनहाम यूके और नॉर्थम्पटन, एमए, यूएसए, आईएसबीएन 978-178811 2901।

सिंह आर. बी., श्रीनागेश, बी., और आनंद, सुभाष (सं.)। (2020). एशियाई शहरों में शहरी स्वास्थ्य जोखिम, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2020, आईएसबीएन 978-981-15-1205-6

सिंह आर. बी., वी, डोंगिंग, और आनंद, सुभाष (सं.)। (2020). वैश्विक भौगोलिक विरासत, जियोपाक्स और जियोटूरिज्म: जियोकंसर्वेशन एंड डेवलपमेंट, स्प्रिंगर, 2020, आईएसबीएन: 978-981-15-4955-7

दत्ता, ए. (संपादक) (2020) भारत में जेंडर, अंतरिक्ष और एजेंसी: क्षेत्रीय जेंडरस्केप की खोज। रूटलेज, ऑक्सन, न्यूयॉर्क, आईएसबीएन 978-0- 367-82080-0 2।

दत्ता, ए. हॉपकिंस, पी. जॉनस्टन, एल. ओल्सन, ई. और सिल्वा, जे. एम. (संपादक)। (2020) जेंडर और नारीवादी भौगोलिक क्षेत्रों की हैंडबुक। रूटलेज, लंदन और न्यूयॉर्क, आईएसबीएन 978- 1- 138- 05768- 5.

जर्नल: संपादकीय मंडल में संपादक / सदस्य के रूप में कार्यरत

प्रो. सुरेश चंद राय, एसोसिएट संपादक, राजनीति आर्थिक जर्नल आफ इंडिया (द्विवार्षिक), चंडीगढ़ (आईएसएसएन: 0971-2097) 2017 से।

प्रो. सुरेश चंद राय, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भारतीय मानचित्रकार: नेशनल कार्टोग्राफिक एसोसिएशन, सर्वे ऑफ इंडिया, उप्पल, हैदराबाद-500039, तेलंगाना का एक जर्नल (आईएसएसएन:0972-8392), 2020 से।

प्रो. अनिदिता दत्ता, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय मंडल, जियो जर्नल पुस्तकालय, स्प्रिंगर, 2020 से।

प्रो. अनिदिता दत्ता, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय मंडल, सोशल एंड कल्चरल ज्योग्राफी, टेलर एवं फ्रांसिस, 2020 से।

प्रो. अनिदिता दत्ता, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय मंडल, स्पेसेज एंड प्रैक्टिसेज आफ जस्टिस, ब्रिस्टोल यूनिवर्सिटी प्रेस, यूके, 2018 से आज तक।

प्रो. सुभाष आनंद, नियुक्त एसोसिएट उप-मुख्य संपादक, इंटरनेशनल जर्नल आफ जियोहेरिटेज एंड पार्क्स (अल्सेवियर) 2020-2024 से।

डॉ. पंकज कुमार, अतिथि संपादक, तकनीकी पूर्वानुमान और सामाजिक परिवर्तन, एल्सवियर, आईएसएसएन: 0040-1625, प्रभाव कारक 5.846 के जर्नल में 'कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए सामाजिक-आर्थिक लागत और पर्यावरण प्रबंधन योगदान' पर विशेष अंक।

डॉ. पंकज कुमार, अतिथि संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरमेंटल साइंसेज, आईएसएसएन: 0377-015X (प्रिंट) में 'सतत हिमालय पर्यावरण और भविष्य पृथ्वी' विषय पर विशेष अंक; 2320-5199 (ऑनलाइन)।

डॉ. नेत्रानंदा साहू, समीक्षा संपादक, फ्रंटियर इन क्लाइमेट

डॉ. नेत्रानंदा साहू, समीक्षा संपादक, फ्रंटियर इन वाटर

डॉ. नेत्रानंदा साहू, एसोसिएट संपादक, ज्योग्राफिया

डॉ. नेत्रानंदा साहू, शोध-सदस्य संपादकीय मंडल, जर्नल आफ एटॉस्फेरिक साइंस

शोध परियोजनाएं

प्रमुख अन्वेषक प्रो सुरेश चंद राय, "सिक्किम हिमालय की पारंपरिक खेती में जलवायु परिवर्तनशीलता और कृषि-जैव विविधता एवं आजीविका सुरक्षा पर इसका प्रभाव"। इस परियोजना को जी.बी. पंत हिमालय पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा - 263643, उत्तराखंड द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। (अप्रैल, 2018-2021)

प्रो. अनिदिता दत्ता, जेईएनयूआरबी, शहरीकरण, लैंगिक, और वैश्विक दक्षिण: एक परिवर्तनकारी ज्ञान नेटवर्क, सामाजिक विज्ञान और मानविकी अनुसंधान परिषद (एसएसएचआरसी) वित्तपोषित तुलनात्मक अनुसंधान और सार्वजनिक शिक्षा परियोजना जिसका नेतृत्व प्रो लिंडा पीके द्वारा किया गया, शहर संस्थान के निदेशक और सामाजिक विज्ञान विभाग में शहरी अध्ययन कार्यक्रम में प्रोफेसर, लिबरल आर्ट्स एंड प्रोफेशनल स्टडीज, यॉर्क विश्वविद्यालय के संकाय और यॉर्क विश्वविद्यालय, टोरंटो, ओएन, कनाडा, 2020-2023, परियोजना सीएडी के मूल्य 30,000 सालाना। दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए बिना किसी वित्तीय देयता के साथ यॉर्क विश्वविद्यालय में प्रबंधित और रखी गई परियोजना निधि।

प्रो. अनिदिता दत्ता, प्रमुख अन्वेषक, हिंसा, भूख, देखभाल नेटवर्क और नारीवादी एकजुटता मैपिंग: मेट्रो और गैर मेट्रो स्थानों से अनिश्चित महिलाओं के आख्यान, एमिनेंस संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2020।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, प्रमुख अन्वेषक, क्रायोस्फीयर डायनेमिक्स एंड ह्यूमन अडॉप्शन: उत्तरकाशी जिले में खाद्य और आजीविका संबंधों के निहितार्थ, उत्तराखंड, भारत, दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्था, फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम रिसर्च प्रोजेक्ट 2020-21।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, मुख्य अन्वेषक, ब्रिटिश काउंसिल इंटरनेशनल कोऑपरेशन: यूजीसी-यूकेईआरआई-III परियोजना 2018-2020 पर "(हाय फ्लो-डेट): इंडियन हिमालयन फ्लड डाटाबेस, आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए" दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत और बाथ स्पा विश्वविद्यालय, यूके।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, परियोजना निदेशक: सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली नीति अनुसंधान (इम्प्रेस) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) प्रमुख अनुसंधान परियोजना (अप्रैल 2019-मार्च 2021)। "लेह, भारत के उच्च ऊंचाई बेसिनों में जलवायु परिवर्तनशीलता के विरुद्ध नीति ढांचे के निर्माण के लिए मानव अनुकूलनशीलता का आकलन"।

प्रो. अंजन सेन, प्रमुख अन्वेषक, एक धार्मिक-ऐतिहासिक स्थल की पुनर्कल्पना: अयोध्या की जगह विपणन और सिटी ब्रांडिंग (उत्कृष्टता केंद्र), दिल्ली विश्वविद्यालय - 2020-21।

डॉ. पंकज कुमार, सह-प्रधान अन्वेषक, ब्रिक्स देशों (जेवीआरआईएस) में बहु-स्रोत रिमोट सेंसिंग सूचना और साझाकरण का संयुक्त सत्यापन, डीएसटी/आईसीटी/ब्रिक्स, 2020-2023

आयोजित सम्मेलन

प्रो. सुभाष आनंद, सह संयोजक, यूजीयू-इंडिया ई-कांफ्रेंस जिसे संयुक्त रूप से आईजीयू-स्थानीय और क्षेत्रीय विकास आयोगों और "कोविड-19 और स्थानीय और क्षेत्रीय सतत विकास पर: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" संवंधी जियो-हेरिटेज आयोग के सहयोग से आयोजित किया (27-28 जून, 2020)।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

5 जून 2020 को विश्व पर्यावरण दिवस पर भूगोल विभाग, डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर द्वारा आयोजित "सेव अर्थ-थिंक वर्ल्डली-एकट लोकली" पर राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सुरेश चंद राय।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हि.प्र. के भूगोल विभाग द्वारा 18 जून, 2020 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में प्रो सुरेश चंद राय ने व्याख्यान दिया।

प्रो. सुरेश चंद राय, भूगोल विभाग द्वारा 29 जुलाई से 4 अगस्त 2020 तक आईक्यूएसी सेल, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, हरियाणा के सहयोग से जियोइंफॉर्मेटिक्स में ऑनलाइन क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया।

प्रो. सुरेश चंद राय, "जल संसाधनों के भौगोलिक परिप्रेक्ष्य: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर ऑनलाइन गोल मेल सम्मेलन" जिसे 16 जुलाई 2020 को रूसी भौगोलिक सोसायटी (आरजीएस) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स, इंडिया (एनएजीआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया में व्याख्यान दिया।

चौधरी वंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के भूगोल विभाग द्वारा 21-30 मई 2020 तक "पृथ्वी पर्यावरण एवं मानव जाति के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" विषय पर दो सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में प्रो सुरेश चंद राय में आमंत्रित अध्यक्ष।

प्रो. अनिदिता दत्ता, "ओह आप एक बहादुर भारतीय महिला"- पेरिस्कोपिंग टू लोकेट रेसिस्टेंस एंड एजेंसी विदिन फेमिनिस्ट काउंटर स्पेस एंड इंडिजेनस फेमिनिज्म प्रजेंटेड एट द सेक्सुअल पॉलिटिक्स आफ फ्रीडम कंफ्रेंस, 17-18 सितंबर 2020, आयरिश सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड, गॉलवे द्वारा आयोजित।

स्थानीय और क्षेत्रीय सतत विकास: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर कोविड-19 के निहितार्थ पर आईजीयू-इंडिया इंटरनेशनल ई-कांफ्रेंस में वक्ता प्रो सुभाष आनंद, 27-28 जून, 2020।

प्रो. सुभाष आनंद, आईजीयू- इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (वर्चुअल) ग्लोबल टू लोकल सस्टेनेबिलिटी एंड फ्यूचर अर्थ, एमएलएस यूनिवर्सिटी उदयपुर, राजस्थान, 18-20 दिसंबर, 2020। एक पैनेलिस्ट के रूप में।

प्रो. सुभाष आनंद, इंडियन जियोग्राफिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित भौगोलिक विकास पर राष्ट्रीय ऑनलाइन मीट, भारत में संस्थानों चेन्नई मद्रास विश्वविद्यालय (चेन्नई), भारतीहिदासन विश्वविद्यालय (तिरुचिरापल्ली) और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु (तिरुवरुर) में भूगोल विभागों के समर्थन से, 4-7 सितंबर, 2020 के दौरान व्याख्यान दिया।

प्रो. सुभाष आनंद, पीजीटी भूगोल, डाइट, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), दिल्ली सरकार, 19-29 अक्टूबर, 2020 के लिए ऑनलाइन सेवारत कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

प्रो. सुभाष आनंद, अनुसंधान तौर-तरीके सामाजिक विज्ञान और प्रबंध अध्ययन हेतु ई- सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, आईपीई, हैदराबाद, 3-9 अगस्त, 2020 को व्याख्यान दिया।

प्रो. सुभाष आनंद, कोविड-19 जन आपदा और संभावित प्रबंधन: तत्काल भविष्य हेतु चुनौतियां संवंधी दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) नई दिल्ली, केंद्रीय विश्वविद्यालय, पांडिचेरी और दीनबंधु छोटूराम

विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल, हरियाणा के सहयोग से इंडिया इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल सोसायटी (आईआईआईएस), 5-6 मई, 2020 में व्याख्यान दिया।

आमंत्रित वक्ता/प्रख्यात वक्ता के रूप में प्रो. बिंधी वासिनी पांडे ने वसंता महिला कॉलेज, वाराणसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में "कोविड-19 के बाद अवसर और चुनौतियाँ" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया जून 17, 2020।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, डॉ. बी. आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उ.प्र. से संबद्ध सिद्ध राज महाविद्यालय द्वारा 8 अगस्त, 2020 को आयोजित "कोविड 19 पश्चात स्थिति: मुद्दे और आपदा प्रबंधन में चुनौतियाँ" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित/विशेषज्ञ/वक्ता।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे ने 31 मई, 2020 को कानपुर विश्वविद्यालय भूगोल विज्ञानी संघ {कुगाआ} द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी: पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समाज पर इसका प्रभाव पर राष्ट्रीय वेबिनार में कोविड-19 और हिमालय मुद्दे और चुनौतियों पर व्याख्यान दिया।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे ने भारत की भौगोलिक विशेषताएं: देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक परिसंपत्ति, अतुल्य भारत: ए मेल्टिंग पॉट आफ डायवर्सिटी पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, कुमारी मायावती राजकीय बालिका पीजी कॉलेज, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर यूपी द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार। 16 जून 2020।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे ने माउंटेन सोसाइटी, पर्यावरण और सतत विकास: भारतीय हिमालयी क्षेत्र का केस स्टडी पर व्याख्यान दिया। स्वास्थ्य, समाज, पर्यावरण और सतत विकास पर बहुविषयक परिप्रेक्ष्य पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई सम्मेलन में। श्री मल्लिकार्जुन और श्री चेतन मंजू देसाई कॉलेज, भूगोल विभाग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया। 20 दिसंबर, 2020।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, आमंत्रित अध्यक्ष/मुख्य वक्ता ने जलवायु परिवर्तन जियोहैजार्ड्स और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सतत आजीविका के लिए जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर व्याख्यान दिया जिसे आईक्यूएसी भूगोल विभाग, कर्णक साइंस कॉलेज, धारवाड़, कर्नाटक विश्वविद्यालय द्वारा 26 और 7 नवंबर 2020 का आयोजन किया गया।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, मुख्य वक्ता ने कोविड-19 के संदर्भ में सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियाँ पर व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन केपीजी कॉलेज, इटावा, यूपी द्वारा 22 जून, 2020 को किया गया।

प्रो. बिंधी वासिनी पांडे, पूर्ण सत्र-1 के पैनलिस्ट ने शेरपा और ईएफसी, लखनऊ, द्वारा 17 दिसंबर, 2020 को आयोजित 'हिमालय क्षेत्र में पारिस्थितिक संकट और जलवायु परिवर्तन' विषय पर राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी में हिमालय में जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक संकट पर व्याख्यान दिया।

प्रो. अपरजिता डे, "कविद्याल स्पेस: अहमदाबाद के दीवारों वाले शहर में विभाजनकारी स्थानिकताओं और धार्मिक पहचानों पर बातचीत", स्थानिकता, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, 11 अप्रैल, 2021 पर 10वें वार्षिक अकादमिक सम्मेलन में ऑनलाइन मुख्य भाषण।

प्रो. अपरजिता डे, "कोविड के बाद की दुनिया में भूगोल: डिजिटल भूगोल और इसकी प्रथाओं, संभावनाओं और चुनौतियों", भूगोल, चुनौतियों और प्रबंधन में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, भूगोल विभाग, बिधानगर महाविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 10-11 सितंबर, 2020।

प्रो. अंजन सेन, 05 जून 2020 को जगन्नाथ विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश द्वारा "कोविड - 19 के बाद: नई विश्व व्यवस्था, पर्यावरण, और विकास" पर विश्व पर्यावरण के लिए कोविड - 19 पश्चात नई विश्व व्यवस्था दिवस के लिए ऑनलाइन आभासी संगोष्ठ।

प्रो. आशिष कुमार साहा, भूगोल के रूप में स्थानिक विज्ञान: जीआईएस के साथ भविष्य - जियोग्रुप, भूगोल विभाग, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "भूगोल में करियर" पर ऑनलाइन कार्यशाला (17.02.2021)

प्रो. आशिष कुमार साहा, सूखा विश्लेषण के लिए भू-स्थानिक तकनीकों: एक अवलोकन - "पर्यावरणीय चुनौतियां: प्राकृतिक संसाधन और आजीविका स्थिरता" पर ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा (03.03.2021)

प्रो. आशिष कुमार साहा, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी फॉर भूस्खलन हैजार्ड जोनेशन एंड मैपिंग - "जियोस्पेशियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रगति" पर राष्ट्रीय वेबिनार, एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ जियोइंफॉर्मेटिक्स एंड रिमोट सेंसिंग, एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, नोएडा (30.06.2020)

प्रो. आशिष कुमार साहा, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का एकीकरण, भूस्खलन हैजार्ड जोनेशन पर केस स्टडी के साथ - "रिमोट सेंसिंग एंड रिलीफ फीचर" पर भूगोल में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, एम.पी. (19.10.2020)

प्रो. आशिष कुमार साहा, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का एकीकरण भूस्खलन हैजार्ड जोनेशन पर केस स्टडी के साथ - पर्यावरण शिक्षा और आपदा प्रबंधन पर भूगोल में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र. (22.01.2021)

प्रो. आशिष कुमार साहा, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग करते हुए भूमि उपयोग/भू आच्छादन मैपिंग - "रिमोट सेंसिंग एंड रिलीफ फीचर" पर भूगोल में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र. (20.10.2020)

प्रो. आशिष कुमार साहा, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग करते हुए भूमि उपयोग/ भू आच्छादन मैपिंग - "पर्यावरण शिक्षा और आपदा प्रबंधन" पर भूगोल में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र. (22.01.2021)

डॉ. किरण भैरनवर, 'लॉक-डाउन भौगोलिक दशा: बदलते भौगोलिक क्षेत्रों में कोरोना के समय में रोजमर्रा की जगहों को अनपैकिंग: सेंट जेवियर्स कॉलेज, बर्दवान पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित महामारी पर व्याख्यान, 8 जून, 2020।

डॉ. किरण भैरनावार, भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा सम्मेलन: भूगोल में एक अनुसंधान उपकरण के रूप में सोशल मीडिया का उपयोग में सोशल मीडिया एंड जियोग्राफिकल रिसर्च [मुख्य संबोधन] 28 जनवरी, 2021

डॉ. किरण भैरनावार, ' अनपैकिंग लैंडस्केप्स: जियोग्राफी पर समकालीन प्रवचनों में संस्कृति के साथ भूगोलविदों का शामिल होना: गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, ओडिशा, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला 6 सितंबर, 2020।

अन्य अंतः संस्थागत सहयोग

प्रो. अनंदिता दत्ता, एसएसवी महाविद्यालय हापुड के साथ, भूगोल विभाग: उत्कृष्ट संस्थान, भूगोल विभाग के संकाय अनुसंधान अनुदान के माध्यम से।

प्रो. बिंद्या वासिनी पांडेय, बाथ स्पा विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के साथ।

प्रो. बिंद्या वासिनी पांडेय, जी. बी. पंत हिमालियन पर्यावरण और विकास संस्थान के साथ।

प्रो. बिंद्या वासिनी पांडेय, भूगोल विभाग, हि. प्र. विश्वविद्यालय, शिमला के साथ।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

डॉ. पंकज कुमार, नियुक्त सदस्य विशेषज्ञ, एलओसीएफ आधारित एमएससी भूगोल पाठ्यक्रम पुनरीक्षा समिति, भूगोल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत।

डॉ. नेत्रानंद साहू, नामित सचिव, हाइड्रोलॉजिकल साइंस फॉर एशिया ओसेनिया जियोसाइंस सोसाइटी, 2020-2024

डॉ. नेत्रानंद साहू, नियुक्त क्षेत्रीय समन्वयक, अक्वाइडेबल डेथ नेटवर्क, लेइसेस्टर यूनिवर्सिटी

दी गई शोध डिग्री: 21 पीएच.डी.

संकाय सदस्य: 11

अन्य कोई महत्वपूर्ण शैक्षिक योगदान

डॉ. पंकज कुमार ने जल संसाधन प्रणाली प्रभाग, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच), रुड़की, भारत द्वारा 21 से 25 सितंबर, 2020 को आयोजित 'स्वाट का उपयोग करते हुए हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग' संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा किया।

डॉ. पंकज कुमार ने नासा, अमेरिका के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग नासा के एप्लाइड रिमोट सेंसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (एआरसेट) द्वारा 14, 21, 24 और 5 मई 2020 को आयोजित 'सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग फॉर एग्रीकल्चरल एप्लीकेशन' संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा किया।

डॉ. पंकज कुमार ने नासा, अमेरिका के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग नासा के एप्लाइड रिमोट सेंसिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (एआरएसईटी) द्वारा 21 जुलाई से 4 अगस्त 2020 तक आयोजित नदी बेसिन प्रबंधन द्वितीय के लिए जल बजट की निगरानी के लिए पृथ्वी टिप्पणियों का उपयोग संबंधी ऑनलाइन प्रशिक्षण पूरा किया।

इतिहास विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

विश्वविद्यालय के संस्थापक विभागों में से एक, इतिहास विभाग वर्तमान में 17 प्रोफेसरों, 3 एसोसिएट प्रोफेसरों, 9 सहायक प्रोफेसरों और 4 अतिथि संकाय सदस्यों के साथ उन्नत अध्ययन का केंद्र है। संकाय सदस्य इतिहास की वैश्विक शिक्षा के लिए योगदानकर्ताओं के रूप में और अनुसंधान के अपने संबंधित डोमेन में विशेषज्ञों के रूप में प्रसिद्ध हैं। विभाग के पास एक कंप्यूटर सेंटर, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय संग्रहालय है जिसमें लघुचित्रों, पांडुलिपियों और कलाकृतियों का एक दुर्लभ संग्रह है। हमारे एम.ए. और एम.फिल. कार्यक्रम भारत में सबसे कठोर पाठ्यक्रमों में से एक हैं और तीन-पांच विद्यार्थी सालाना शीर्ष स्थान पर अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के लिए पूर्ण फेलोशिप प्राप्त करते हैं। कोविड के कठिन समय के बावजूद, 2020-21 में हमारे संकाय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ऑनलाइन मुख्य भाषण दिया; और कई राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में शोध शोध प्रस्तुत किए। हमारी शिक्षण, पर्यवेक्षण और अनुसंधान प्रतिबद्धताओं सभी को समय सीमा को पूरा किया है।

सम्मान/ प्रतिष्ठा:

अकील, रजीउद्दीन। 24 दिसंबर 2020। 'ईश्वर के लिए प्रेम और मानवता के लिए सेवा: मध्ययुगीन और प्रारंभिक आधुनिक भारत की सूफी परंपराओं में इस्लाम और अस्पष्टता', 7वां शाह वलीउल्लाह मेमोरियल लेक्चर, अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, एसएलएल और सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली।

गुप्ता, चारु 8 मार्च 2021 'औपनिवेशिक भारत में लिंग और कामुकता के स्थानीय रजिस्टर'।

'महिलाओं, लिंग और कामुकता का इतिहास' विषय पर 5वीं वार्षिक व्याख्यान, सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड (ऑनलाइन)।

सिंह, विजया लक्ष्मी 2020. 'कलाम के सिपाही', 'गृहस्वामी द्वारा प्रशस्ति शोध'।

प्रकाशन:

अलावी, एस. (2020) बड़े साम्राज्यों के बीच छोटी रियासतें: साम्राज्य युग में मुस्लिम कॉस्मोपॉलिटनिज्म। सुगाता बोस और आयशा जलाल (सं.), ओशियानिक इस्लाम में। मुस्लिम सार्वभौमिकता और यूरोपीय साम्राज्यवाद, भारत: ब्लूमसबरी।

अलावी, एस. (2020) 1852 सेंटैर जहाज़: फॉरस की खाड़ी में कानून, राजनीति और समाज, उपनिवेशवाद और औपनिवेशिक इतिहास के जर्नल, 21 (3), शीतकालीन।

अराफ़ॉत, वाई. (2021)। मानसून मालाबार: धर्म, भाषा, स्मृति और भौतिकता, इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, भाग. (4), पृष्ठ.31-37।

अराफ़ॉत, वाई. (2021) दक्षिणी हिंदुत्व: बयानबाजी, परिवारिक रिश्तेदारी और केरल में प्रदर्शनात्मक राजनीति, 1925-2015, इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, भाग. (2), पृष्ठ 51-60।

अराफ़ॉत, वाई. (2020) पॉलीग्लोसिक मालाबार: अरबी-मलयालम और संक्रमण के युग में मुहिउद्दीनमाला (सी.1600-1750), रॉयल एशियाटिक सोसायटी के जर्नल, पृष्ठ 517-539।

अराफ़ॉत, वाई. (2020) अरबी-मलयालम ग्रंथ: ब्रिटिश पुस्तकालय में स्थानीय खजाने, इशल पैथरकम जर्नल (द्विभाषी), 2 (1), पृ.36-42।

अकिल, आर. (2020) एक सूफी के जीवन के दिन: ज्ञान की 101 मनमोहक कहानियां, नई दिल्ली: पैन मैकमिलन।

अकिल, आर. (2020) दक्षिण एशिया में इस्लाम में धर्मांतरण दिल के परिवर्तन के रूप में। हजरत ख्वाजा निजाम अल-दीन औलिया और अमीर हसन 'अला सिज्जी', निमरॉड हर्विट्ज में, क्रिश्चियन सी साहनेर, यू और ल्यूक यार्बा (संपादक), आधुनिक पूर्व युग में इस्लाम के लिए रूपांतरण: एक स्रोत पुस्तक, ओकलैंड: कैलिफोर्निया प्रेस विश्वविद्यालय।

अकिल, आर. (2021). 'परिचय' शेख सादी शिराजी का गुलिस्तां, स्पिंक एंड कं., कलकत्ता, 1861, नई दिल्ली: मनोहर।

चौधरी, एम. (2020). द इटरनल दस्तुर क्राफ्ट, दिल्ली: प्राइमस

चौधरी, एम (2020) एमईआरएस ट्रेकिंग: उनके इतिहास और संस्कृति में एक अंतर्दृष्टि, सोध साधना, 31, पृष्ठ 44-54

देशपांडे, ए. (2020)। मराठी प्राथमिक स्रोतों की जांच: अशांत 18 वीं सदी, हकारा, फॉल में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष .<https://www.hakara.in/anirudh-deshpande/>

देशपांडे, ए. (2020) भारत में इतिहास का अभ्यास: एक नए अतीत की खोज में निबंध, दिल्ली: आकार बुक्स।

धार, पी. (2020) अनुवाद में कला: हिंद महासागर, आसियान-भारत में प्रतीक और आख्यान। एशिया में एकीकरण के भागीदार। 5वीं एआईएनटीटी- जकार्ता, 2018, नई दिल्ली की कार्यवाही: एआईसी-आरआईएस, पृष्ठ 97-110।

गुप्ता, सी. (2020) स्थानीय भाषा में भावनाएं: आधुनिक दक्षिण एशिया दक्षिण एशिया में जेंडर और शैली: दक्षिण एशियाई अध्ययन के जर्नल। 'साहित्यिक', पर विशेष अंक 43 (5)।

कुमार, एस. (2020) (जगदीश परसाद और महेंद्र सिंह के साथ)। 2020. हरियाणा इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही, भाग 4 (चौथा सत्र), एचएचसी, नई दिल्ली।

- गोविंद, आर. (2021)। ज्यूरिस्टिक पर्सनैलिटी के रूप में देवता पर: अयोध्या विवाद और अयोध्या निर्णयों में धार्मिक, धर्मनिरपेक्ष और राष्ट्र (2010 और 2019), नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया रिव्यू, 33 (1)
- गुप्ता, चारु (लौरा ब्रुक, हंस कठिन और शोबाना निझावन के साथ)। 2020. 'परिचय: स्थानीय भाषा में साहित्यिक भावनाएं: आधुनिक दक्षिण एशिया में लिंग और शैली', दक्षिण एशिया: दक्षिण एशियाई अध्ययन के जर्नल, 43 (5), पीपी 803-16. <https://doi.org/10.1080/00856401.2020.17867888>
- गुप्ता, सी. (2020) औपनिवेशिक भारत में यात्रा के मर्दाना स्थानीय इतिहास: सत्यदेव परिवाराजक, दक्षिण एशिया के लेखन: दक्षिण एशियाई अध्ययन के जर्नल, 43 (5), पृष्ठ 836-59। <https://doi.org/10.1080/00856401.2020.1789314>
- गुप्ता, सी. (2020) महिला, लिंग और कामुकता: औपनिवेशिक भारत के इतिहास बदलना - एक ग्रंथसूची निबंध, लोगों के इतिहास में अध्ययन, 7 (2), पृ. 192-204। <https://journals.sagepub.com/doi/pdf/10.1177/2348448920951548>
- गुप्ता, सी. (2020) औपनिवेशिक भारत में धर्मांतरण: ईसाई धर्म, कपड़े और कार्टून। हिलेरी कायेल (संपादक), अमेरिकी धर्म (पूरक में), ' अमेरिकी धर्म, आस्क्यू: वैश्विक व्याख्या में एक प्रयोग पर फोरम में। <https://www.american-religion.org/askew/gupta>
- गुप्ता, सी. (2020) पवन पिदिता: हिंदी मुद्रण, सावित्री सुधाकर और दलित त्री (दलित) पवित्र, पीड़ित: हिंदी प्रिंट, उच्च जाति सुधारकों और दलित महिला, ताड़भव, 42, 9 (1), नवंबर, पृ. 106-29।
- गुप्ता, सी. (2020) दलित वीरांगना और 1857 का वाइलपिक इतिहास: भारतीय समाजशास्त्रिक उपेक्षित तथिया। दलित वीर महिला और 1857 के वैकल्पिक इतिहास: भारतीय समाजशास्त्र की एक उपेक्षा तथ्य। भारतीय समाजशास्त्र शास्त्र, 7 (2), दिसंबर, पृ. 278-95।
- गुप्ता, चारु। (2020) ' परिचय: भारत में ऐतिहासिक लिंग आधुनिकता ', अमिताव चटर्जी (सं.) में, भारत में लिंग आधुनिकता को ऐतिहासिक दिल्ली: प्राइमस बुक्स, पृ. 1-21,।
- गुप्ता। सी., सत्यनारायण, के. और शंकर, एस (2020) सोशल डिस्टेंसिंग के खतरे: भारत में जाति के इतिहास से सबक। ब्रिटिश तुलनात्मक साहित्य संघ, 'कारावास के युग में संस्कृति पर प्रतिबिंब' पर ब्लॉग। <http://doi.org/bcla.org/culture-and-confinement/>
- गुप्ता, चारु। (2021) बीसवीं सदी के शुरू में भारत में गिरमिटिया महिलाओं और हिंदी प्रिंट-सार्वजनिक क्षेत्र। फरजाना गौंडर में कल्पना हीरालाल, अंबा पांडे और मॉरीशस एस. हसनखान (संपादक), महिलाओं, लिंग और गुलामी और मांगशोध की विरासत। पृ. 101-20, लंदन: रूटलेज और दिल्ली: मनोहर।
- गुप्ता, वी. (2020) महामारी से पहले और बाद में शिक्षा में एकरूपता, असमानता और अलगाव: कुछ सामाजिक ऐतिहासिक और शैक्षणिक चिंताएं', जेएमसी समीक्षा, भाग IV, पृष्ठ 257-282।
- गुप्ता, वी. (2020). शिक्षा का अधिकार कानून, वर्तमान चुनौतियां, ऐतिहासिक सन्दर्भ और विकल्प. संजय गुरुरानी, रवि कुमार जोशी और भैरवदत्त पांडेय (सम्पादित), मंथन (सार्वजनिक शिक्षा), जिला शिक्षा एवं परिक्षण संस्थान, बागेश्वर, पृष्ठ स.: 15-52
- कुमार एस. (2020). पूर्व मध्यकालीन हरियाणा में वृषभ और अश्वारोही प्रकार के सिक्के: अन्वेषण के दौरान प्राप्त चार सिक्कों के सन्दर्भ में. भाग 4 (चौथा सत्र), एचएचसी, नई दिल्ली, पृष्ठ सं. 82-89.
- कुमार, एस. (2020) 19वीं और 20वीं सदी के दौरान भारत में समाज, ज्ञान और अंतरिक्ष: भोलागिरी, किसान का कोडा, कर्मयोग और जाति का विनाश का ऐतिहासिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 10 (5), मई।
- कुमार, एस. (2020) मध्ययुगीन डेक्कन में अफ्रीकी प्रवासी: 14 वीं से 17 वीं शताब्दी तक एक ऐतिहासिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइंसेज, 10 (10), अक्टूबर।

मिश्रा, एस. (2021)। किसान, उपनिवेशवाद और संप्रभुता: पूर्वी भारत में गारो विद्रोह। आधुनिक एशियाई अध्ययन, पृ. 1-37।

सिंह, वी. (2020) प्रेमचंद की कहानी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। गृह स्वामिनी, जुलाई।

सिंह, वी. (2020) लैंगिक पर्यावरण और सतत विकास: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। हैंड बुक में: पर्यावरण जेंडर और संस्कृति परिवर्तन। शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सिंह, वी. (2021) फ़िल्मव्यल कॉमन्स को नियंत्रित करना: एलुवियन और दिलुवि विनियमन और डीकॉमनाइजेशन। प्रतीप कुमार नायक (संपादक), मेकिंग कॉमन्स डायनामिक में। लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज।

सिंह, वी. (2020) पानी और एंथ्रोपोसिन। वर्तमान सामाजिक विज्ञान के अनुसंधान जर्नल, 3 (1), पृ. 3-5।

शोध परियोजनाएं

गुप्ता, चारु। 2021. आईओई योजना, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय अनुसंधान कार्यक्रम के तहत अल्पव्यस्क अनुसंधान अनुदान। विषय: लिंग आयुर्वेद: बीसवीं सदी के भारत की शुरुआत में यशोदा देवी। 1,75,000 रुपये का अनुदान।

आयोजित सेमीनार

'जेंडर अवेयरनेस: चैलेंजिंग रूढ़िवादिता' और 'भारत में यौन उत्पीड़न और शिक्षा' विषय पर जया त्यागी और चारु गुप्ता, लैंगिक संवेदीकरण समिति और संगोष्ठी समिति, इतिहास विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान, 27 जनवरी 2021, दोपहर 3.30 बजे

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

अंतर्राष्ट्रीय

बावा, सीमा। 2020. 'पूर्वोत्तर भारत: एशियाई सभ्यता का एक क्रॉसरोड', हेरिटेज सोसाइटी, 21-22 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

देशपांडे, अनिरुद्ध। 2020. 'आधुनिक शिक्षा के संदर्भ में गांधी का पता लगाना', औपनिवेशिक विचारधारा और राष्ट्रवाद पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: भारत में गांधी और राष्ट्रवादी प्रवचन पर पुनर्विचार करना। इतिहास विभाग, सिधो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरलिया, पश्चिम बंगाल, द्वारा 6-7 अक्टूबर, 2020 को आयोजित

धार, पारुल पंड्या। 2020. 'बांग्लादेश के लालमाई-मैनामाती क्षेत्र में इंटरकनेक्टिविटी के लैंडस्केप और स्मारक', 11 जुलाई को बांग्लादेश के लालमाई-मैनामाती कैपस के यूनेस्को नामांकन फाईल के लिए बांग्लादेश के पुरातत्व विभाग द्वारा आमंत्रित एक अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

धार, पारुल पंड्या। 2020. 'विजन ऑफ एक्ट ईस्ट एंड 20 ईयर्स ऑफ मेकांग-गंगा कोऑपरेशन (एमजीसी)', एसपीआरएमएफ, नई दिल्ली, 20 जुलाई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

धार, पारुल पंड्या। 2020. 'पास्ट फॉरवर्ड: भारत और मेकांग गढ़ के बीच संस्कृति और कनेक्टिविटी', भारतीय विश्व मामलों की परिषद और आसियान-भारत केंद्र-आरआईएस, दिल्ली, एमजीसी सहयोग के 20 वर्षों के उपलक्ष्य में एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध शोध, 5-6 नवंबर।

धार, पारुल पंड्या। 2020. 'अतीत के उपयोगों को बढ़ावा देने के लिए घनिष्ठ संबंधों: संस्कृति और सॉफ्ट पावर कूटनीति', सत्र पीठ और प्रतिभागी, एशिया केंद्र, बैंकॉक और कलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन फॉर एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज (आईएएपीएस) का 10वां द्विवार्षिक सम्मेलन, 30-31 अक्टूबर।

गुप्ता, चारु। 2020. सीएसजीएस, अशोका विश्वविद्यालय और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, द्वारा 2 दिसंबर को आयोजित 'सिद्धांतवाद, सेक्स, रोग', 'थ्योरी एंड प्रैक्टिस: ट्रांसनेशनल बातचीत ऑन जेंडर एंड सेक्सुअलिटी' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला।

गुप्ता, चारु। 2021, 'रेस, जाति और असमानता: इसाबेल विल्करसन के साथ एक वार्तालाप', वेबिनार श्रृंखला पर 'एक बस सोसायटी की ओर: वैश्विक परिप्रेक्ष्य', इंडियाना विश्वविद्यालय ब्लूमिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका, द्वारा आयोजित 17 फरवरी।

गुप्ता, चारु 2021. अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया और दक्षिण एशिया संस्थान, हीडलबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एक स्थानीय भाषा संग्रह ऑफ सेक्स एंड सेक्सुअलिटी: पर्सनल एनोटेशन', भाषा विचारधाराओं और दक्षिण एशियाई औपनिवेशिक और बाद औपनिवेशिक साहित्य (एस) और सार्वजनिक क्षेत्रों में स्थानीय भाषा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण संबोधन। 15 (15-17) मार्च।

गुप्ता, चारु। 2021. नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, द्वारा 19 मार्च को आयोजित 'सेक्स एंड सेक्सुअलिटी का एक स्थानीय भाषा संग्रह', एनटीयू इतिहास संगोष्ठी (ऑनलाइन) पर 'कामुकता और दक्षिण एशियाई इतिहास, पैनल II'।

राष्ट्रीय

अहमद, सैफुद्दीन। 2020. 'आत्मसात और सह-अस्तित्व: अठारहवीं सदी के उत्तर भारत में उर्दू साहित्यिक परंपरा से एक परिप्रेक्ष्य', मध्यकालीन भारत में धार्मिक बातचीत और सांस्कृतिक मुठभेड़ों पर नई दिल्ली संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन/वेबिनार, 27 अक्टूबर।

अहमद, सैफुद्दीन। 2020. 'मौलवी मुहम्मद बारकार और उनकी दिल्ली उर्दू अखबार 1857 के विद्रोह में: कुछ विचार', मौलवी मुहम्मद बारकार पर नई दिल्ली के उद्देश्य अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार/सम्मेलन: दिल्ली में एक सांस्कृतिक और शोधकारिता आइकन और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में 1857 का विद्रोह, 21 नवंबर।

अलावी, सीमा। 2020. पुस्तक चर्चा वेबिनार, 'प्रिंट और उर्दू पब्लिक: मुसलमान, समाचार शोध और औपनिवेशिक भारत में शहरी जीवन', मेगन रॉब द्वारा, एआईआर, हैदराबाद, दिसंबर द्वारा आयोजित।

बावा, सीमा। 2020. 'विजुअल इतिहास: स्रोत और विधियां', श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य), 12 मई।

बावा, सीमा। 2020. 'साहित्यिक और दृश्य संस्कृति: परिप्रेक्ष्य और प्रतिमान', रामलाल आनंद कॉलेज, 18 मई।

बावा, सीमा। 2020. 'क्लासिकिज्म-हेलेनिज्म, पुनर्जागरण, नियो क्लासिकिज्म: मुहावरे और विचार', और 'भारतीय कला में सौंदर्य का विचार', निफ्ट कांगड़ा में विशेष व्याख्यान, 7, 10 और 14 अगस्त।

बावा, सीमा। 2020. 'पाठ्यपुस्तकों और पोस्टरों में गांधी', गांधी के विचार, दर्शन और प्रथाओं पर संगोष्ठी, एस. डी. पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, 3 अक्टूबर।

बावा, सीमा। 2020. 'कला इतिहास में शैली और नामकरण का महत्व', दौलत राम कॉलेज, 21 अक्टूबर।

बावा, सीमा। 2020. 'भारत में नारीवादी कला आंदोलन और प्रारंभिक भारतीय कला में जेंडर पठन', स्वडल।

बावा, सीमा। 2020. 'रीडिंग इंडियन विजुअल हिस्ट्रीज: सम मेथोडलॉजिकल इश्यू', एआरपीआईटी-एमओओसीएस-हिस्ट्री हेतु विशेषज्ञ, 28 दिसंबर।

चौधरी, मनीषा। 2020. 'चुनौतियों में भावनात्मक कल्याण', किड्स वाटिक स्कूल, सीकर, राजस्थान, 11 जुलाई में वेबिनार।

देशपांडे, अनिरुद्ध। 2020. 'वैश्वीकरण और श्रम का संकट', वेबिनार नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित, 26 मई।

देशपांडे, अनिरुद्ध। 2020. 'द फिलॉसफी एंड मेथड्स ऑफ हिस्ट्री इन इंडिया टुडे' और 'प्री-औपनिवेशिक इंडिया में देशभक्ति का संभावित अर्थ', यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, 14 दिसंबर में आयोजित संकाय प्रवेशन कार्यक्रम।

देशपांडे, अनिरुद्ध। 2021. '20वीं सदी में दुनिया को समझना', इतिहास विभाग, कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3 फरवरी को आयोजित विशेष व्याख्यान।

धार, पारूल पंड्या। 2020. 'मंदिर वास्तुकला और इमेजरी: उत्तर भारत, 400 - 600 सीई', करवान लाइव श्रृंखला में व्याख्यान, करवण में: द हेरिटेज एक्सप्लोरेशन इनिशिएटिव, दिल्ली, 7 मई।

धार, पारूल पंड्या। 2020 'अनुवाद में कला: हिंद महासागर में प्रतीक और आख्यान', अतीत में यात्राओं में व्याख्यान: अतीत प्रवाह, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय कलकत्ता छात्रों की पहल, 11 सितंबर।

गुप्ता, चारु। 2020. 'जेंडर एंड मॉडर्न इंडियन हिस्टोरोग्राफी', आमंत्रित वेब टॉक, लेक्चर सीरीज प्रोग्राम, कफिला फाउंडेशन। 22 जुलाई।

गुप्ता। चारु। 2020, 'नए स्रोत और स्वर: स्ट्री और हिंदी प्रिंट संस्कृति ' [नई स्रोत और आवाज: महिला और हिंदी प्रिंट संस्कृति] [हिंदी में], आमंत्रित वेब टॉक, लिंग और साहित्य श्रृंखला, हिंदी कविता फेसबुक पेज, 25 अगस्त।

गुप्ता, चारु। 2020. '19वीं सदी में भारत में लिंग, कामुकता और प्रिंट संस्कृति', पांडकास्ट: मेरे काम पर श्रीशती मल्होत्रा के साथ बातचीत, स्वाइल, 19 नवंबर।

गुप्ता चारु। 2021. 'भारत में यौन उत्पीड़न और शिक्षा', व्याख्यान, लिंग संवेदीकरण समिति और संगोष्ठी समिति, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 जनवरी।

गुप्ता, चारु। 2021. 'हिंदू साम्यवाद: सत्यभक्त, कयामत और यूटोपियन राम राज्य', अशोका हिस्ट्री स्प्रिंग वेबिनार श्रृंखला में बातचीत, 17 मार्च।

गुप्ता, विकास। 2020. 'श्रम, शिक्षा और महामारी का इतिहास', माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा , 25 मई को आयोजित 'कोविड-19: लॉकडाउन और लॉकडाउन पश्चात चिंता' पर राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान।

गुप्ता, विकास। 2020. 'शैक्षिक ज्ञान और वर्चस्व की राजनीति: क्या पढ़ाया जाए और कैसे?', शिक्षण प्रबोधन समिति (महाराष्ट्र) द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान, 29 जून।

गुप्ता, विकास, 2020. 'लोक शिक्षा: चुनौतियां और संभावनाएं', लेटअस टॉक एजुकेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित व्याख्यान, 4 जुलाई।

गुप्ता, विकास। 2020. 'वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निरूपण और ऐतिहासिक संदर्भ में भविष्य', कलकत्ता के इतिहास के विद्यार्थी संघ द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान, 26 अगस्त।

गुप्ता, विकास 2020. ' डीएनईपी 2020 में भाषाई और ज्ञानमीमांसा विविधता की संभावनाओं की जांच: स्थानीय और केंद्रीय विरोधाभास पर ऐतिहासिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य, माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और शिक्षण शिक्षण शिक्षण केंद्र सामाजिक विज्ञान, डॉ. हरिसिंहगौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित, उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के लिए पाठ्यक्रम ' राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और भारतीय भाषाओं पर प्रवचन ' पर आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम/ पाठ्यक्रम 5-11 सितंबर।

गुप्ता, विकास 2021. राजकीय जे.एच. कॉलेज, बैतूल, म.प्र. द्वारा 19-20 जनवरी को आयोजित विकलांगता अधिकार एवं भारतीय शिक्षा प्रणाली संबंधी वेबिनार में दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूल शिक्षा की चुनौतियां पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

जैन, शालिन 2020. 'सिटी ऑफ कॉमर्स: मेडियेवल दिल्ली', इतिहास विभाग, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित, 31 अगस्त।

जैन, शालिन 2020. राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र (एनआरसीई नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनआईईपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए इतिहास संसाधनों का मिलान करने पर आभासी कार्यशाला' में विशेषज्ञ 8-9 अक्टूबर।

जैन, शालिन 2020. अखिल भारतीय दिगंबर जैन विरासत संरक्षण संगठन, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित 'अर्धावक: द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ ए सेवेन्टिंथ सेंचुरी जैन मर्चेन्ट', 22 नवंबर।

जैन, शालिन 2021. 'मध्ययुगीन भारतीय संस्कृति और वास्तुकला के कुछ पहलू', आईटीएस (भारतीय दूरसंचार सेवा) और पीएंडटी एंड बीडब्ल्यूएस ग्रुप 'ए' भारत सरकार, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) गुड़गांव के मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान, 19 जनवरी।

कुमार, सज्जन 2020. 'हरियाणा के इतिहास और संस्कृति से संबंधित कोई भी पहलू', एचएचसी द्वारा आयोजित पांचवें वार्षिक ऑनलाइन सम्मेलन के संयोजक, 25-26 दिसंबर।

कुमार, सज्जन 2020. 'हड़प्पा स्थल राखीगढ़ी: नया परिप्रेक्ष्य'; 'स्नातक या स्नातकोत्तर के पूरा होने के लिए इतिहास का दायरा', विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान, इतिहास विभाग, चौधरी वंसी लाल राजकीय महाविद्यालय, लोहारू (हरियाणा), द्वारा आयोजित 7 मार्च।

कुमार, सज्जन 2020. 'हरियाणा आर्किलॉजी इन रेट्रोस्पेक्ट: प्रोटोहिस्ट्री-आर्किलॉजी आफ द हरप्पन सिविलाइजेशन', इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू), सिरसा (हरियाणा) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार/सम्मेलन, 29 अप्रैल।

कुमार, सज्जन 2021. 'पुरातत्व का परिचय और पुरातत्व में संभावनाएं', विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान, इतिहास विभाग, कन्या महादयाल्या खरखोदा, सोनीपत (हरियाणा), द्वारा आयोजित 2 फरवरी।

कुमार, सुरेंद्र 2020. 'भेदभाव के विरुद्ध आंदोलन: दलितों, आदिवासियों और अफ्रीकी गुलामों की आत्मकथा', डॉ. यलॉग फॉर एकेडेमिक जस्टिस द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन, 20 जून।

कुमार, सुरेंद्र 2020. 'लैंगिक पहचान, भाषा और तकनीकी शब्दावली: चुनौतियां और अवसर', राजस्थान विश्वविद्यालय और सीएसटीटी, एमएचआरडी, भारत सरकार के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार, 27-28 जुलाई।

कुमार, सुरेंद्र 2020. 'जाति के पाठ विनाश के संदर्भ में हाशिए पर वर्ग के सशक्तिकरण में साहित्य की भूमिका', मेधावी छात्रों का अभिनंदन, एजेएके, चूरू, राजस्थान, 4 नवंबर।

मिश्रा, संघमित्रा 2020. 'राज्य प्रभाव के रूप में जनजाति': श्रेणी की वंशावली', पूर्वोत्तर भारत के इतिहास में नए परिप्रेक्ष्य पर संकाय विकास कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, 4 अगस्त।

मिश्रा, संघमित्रा 2020. 'ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आदिमयुगवाद, नृजातिवाद और पारिस्थितिकी: पूर्वोत्तर भारत के इतिहास लेखन', इतिहास में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एचआरडीसी, गौहाटी विश्वविद्यालय में आमंत्रित व्याख्यान, 7 अक्टूबर।

राय, संतोष कुमार 2020. 'बदलते राजनीतिक परिवेश में इतिहास', ऑनलाइन एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (13 से 19 जुलाई, 2020) में 'भाषा, साहित्य और सामाजिक विज्ञान में शिक्षाशास्त्र के उभरते रुझान', श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 जुलाई।

राय, संतोष कुमार 2020. 'गांधी: द मैन एंड टाइम्स', इतिहास सोसायटी, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 5 अक्टूबर।

राय, संतोष कुमार 2021. 'महात्मा गांधी और एक राष्ट्र के रूप में भारत की परिकल्पना', आईटीएस (भारतीय दूरसंचार सेवा) और पीएंडटी एंड बीडब्ल्यूएस ग्रुप 'ए' भारत सरकार, हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) गुड़गांव के मूलभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान, 14 जनवरी।

राय, संतोष कुमार 2021. 'गांधी: द महात्मा इन हिस्टोरियोग्राफी', पर इतिहास विभाग, सम्राट पृथ्वी राज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर एवं शिक्षा आयुक्तालय, द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम 'ज्ञान गंगा' में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान 21 जनवरी।

साहू, भैराबी प्रसाद 2020. 'भारतीय इतिहास में क्षेत्रों का निर्माण', करवान ऑनलाइन श्रृंखला में विशिष्ट व्याख्यान, 5 सितंबर।

साहू, भैराबी प्रसाद 2020. 'ओडिशा के क्षेत्रीय संदर्भ में जाति समाज की सराहना करना: लक्ष्मी पुराण से परिप्रेक्ष्य', जाति का पाठ लाइव, सीएसडीएस, दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी, 14 (7-18) दिसंबर।

शाह, शालिनी 2020. 'भारतीय पौराणिक कथाओं में महिलाएं', दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय में वेबिनार, 12 अक्टूबर।

सिंह, विजया लक्ष्मी 2020. 'मथुरा में धार्मिकता: एथनो-पुरातात्विक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य', अमूर्त सांस्कृतिक विरासत विभाग, हेरिटेज सोसाइटी, पटना द्वारा आयोजित वेबिनार 11 जुलाई।

सिंह, विजया लक्ष्मी 2020. 'पर्यावरण, लिंग और जलवायु परिवर्तन', शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 जुलाई को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

सिंह, विपुल 2020. 'वैश्विक महामारी का ऐतिहासिकरण और कमजोरों की असुरक्षा', सोफिया कॉलेज, अजमेर द्वारा अतीत से सबक: अध्ययन प्रवृत्तियों और महामारियों के लिए प्रतिक्रिया' पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार/सम्मेलन, 10 जुलाई।

सिंह, विपुल 2020. 'महामारी, आदान-प्रदान और भूख', भारतीय इतिहास में रोग, स्थानिक महामारी और महामारी: वर्तमान के लिए सबक पर दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार/सम्मेलन, 20 मई।

सिंह, विपुल 2020. 'वैश्विक महामारी और जलवायु परिवर्तन', विश्व राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति पर इतिहास में दर्ज वैश्विक महामारियों के प्रभाव पर सरकारी हमीदिया आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार/ सम्मेलन का आयोजन, 5 अगस्त।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पीएच.डी. की मौखिक परीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा किया: 12

एम.फिल. की मौखिक परीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा किया: 1

राजनीति शास्त्र विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग की स्थापना 1952 में हुई थी, जिसमें लगभग 40 स्नातकोत्तर विद्यार्थी थे। तब से, छात्रों की संयुक्त संख्या लगभग 1000 से अधिक हो गई है। विभाग का शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम एक व्यापक सामाजिक विज्ञान दृष्टिकोण पर आधारित है जो समाजशास्त्रीय, आर्थिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक आयामों को एकीकृत और जानकारी प्राप्त करता है। यह भारतीय वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए राजनीति के क्षेत्र के व्यापक अध्ययन को प्रोत्साहित करता है। विभाग का वर्तमान जोर क्षेत्र भारतीय राजनीति के संदर्भ में लोकतंत्र, मानदंडों और संस्थाओं का है। भारतीय राजनीति और इन जोर वाले क्षेत्रों में विभाग जो महत्वपूर्ण जानकारी

प्राप्त करता है, उससे हमें लाभ होता है और हमें वैश्विक के व्यापक संदर्भ में (अन्य बातों के अलावा) असमानता, न्याय, भेदभाव और संस्थागत प्रक्रियाओं दोनों को प्रकट करने में मदद मिलती है।

हमारा सामान्य ध्यान नृवंशविज्ञान और अभिलेखीय कार्य के साथ सिद्धांत को संयोजित करने की आवश्यकता पर बढ़ते जोर से पूरक किया गया है। हमारा मानना है कि नए सवालों के समाधान और नई अनुभवजन्य सामग्री को खोलने के लिए पश्चिमी राजनीतिक सिद्धांत और भारतीय राजनीतिक विचार दोनों से खुद को परिचित कराना जरूरी है। हमें विश्वास है कि इससे भारत और अन्य देशों की वास्तविकता रोशन होगी और भारत के बाहर और भारत के बाहर के अन्य संस्थानों के लिए नए अनुसंधान एजेंडा भी खुलेंगे। विभाग अकादमिक क्षमता में बेहद समृद्ध है, जिसमें एक संकाय शामिल है जो उनके अनुसंधान और शिक्षण क्षमताओं के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। इसने अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ कई सहयोग किए हैं और देश के भीतर और बाहर इसकी प्रतिष्ठा को तेजी से समेकित किया जा रहा है।

प्रमुख कार्यकलाप

विभाग ने तीन वेबिनारों की मेजबानी की।

संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कार्य शुरू किए हैं और अपने विशेषज्ञता क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय संघों/निकायों में व्यावसायिक पदों से सम्मानित किया है।

2020-2021 में दी गई पीएच.डी. की डिग्रियों की संख्या:

कुल संख्या: 14

2020-2021 में दी गई एम.फिल. की डिग्रियों की संख्या:

कुल संख्या: 13

संपादक मंडल और समितियों में सदस्य/संपादक के रूप में सेवा दे रहे विभागीय शिक्षकों की संख्या।

डॉ. नसरीन चौधरी

उपाध्यक्ष (2016-18) और (2018-2021) अंतर्राष्ट्रीय बलात पलायन अध्ययन संघ।

उपाध्यक्ष (2018-2021) महानिरबन कलकत्ता अनुसंधान समूह, कोलकाता।

संपादक मंडल सदस्य (2016 - जारी), रिफ्यूज वॉच - ए साउथ एशियन जर्नल आन फोर्स माइग्रेशन।

प्रो. नवनीता सी. बेहेरा

पिट ग्लोबल विजिटिंग स्कॉलर (2020 में ऑफर; महामारी के कारण रोक दिया गया), 2020.

सदस्य, शैक्षणिक सलाहकार परिषद्, यूरोपीय अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन समीक्षा।

सदस्य, संपादक मंडल, ग्लोबल सोसाइटी: जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल रिलेशन (राउटलेज)।

क्षेत्रीय संपादक, यूरोपीय अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा जर्नल, 2019 से।

संपादक मंडल सदस्य, एशियन सर्वेक्षण, 2019 से।

सह-संपादक, एक्सटर सीरिज इन वर्ल्ड आर्डर स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सटर प्रेस।

प्रो. एन. सुकुमार

भारतीय दलित अध्ययन संस्थान (आईसीएसएसआर संबद्ध संस्थान) दिल्ली। 2017 से आज तक।

प्रशासनिक/ अकादमी निकाय सदस्यता

विभाग अनुसंधान परिषद्, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में कुलपति के नामित 26-10-2018 से 25-10-2020.

सदस्य - शासी निकाय और शैक्षणिक सलाहकार समिति, भारतीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली 2014-2020

प्रो. श्रीप्रकाश सिंह

मानव संसाधन विकास केंद्र में अकादमिक सलाहकार समिति के लिए यूजीसी नामित। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, 2020 -2023

मानव संसाधन विकास केंद्र में अकादमिक सलाहकार समिति के लिए यूजीसी नामित। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, नियुक्ति की तिथि नवंबर 2019 - 2022

भारत के युग निर्माण सामाजिक विचारकों के मूल्यांकन के लिए यूजीसी द्वारा गठित मूल्यांकन समिति का सदस्य, अप्रैल-2020 अब तक।

सदस्य, शासी निकाय, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि) दिल्ली 110007 (2020-2021)

सदस्य, सलाहकार बोर्ड, लोक प्रशासन विभाग, मिजो केंद्रीय विश्वविद्यालय, मिजोरम (2019-2021)

सदस्य, कार्यकारी परिषद्, यूजीसी अध्यक्ष नामित डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश (2019-2021)

सदस्य, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य अकादमिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम अर्हताओं और उच्च शिक्षा में मानक के रखरखाव के लिए उपाय पर यूजीसी विनियमों संबंधी विसंगति समिति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

कुलाधिपति पद के उम्मीदवार, सदस्य कार्यकारी परिषद्, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, होजल (असम) 20 नवंबर 2019-19 नवंबर 2022

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली में संकायों और सांविधिक पदों की नियुक्ति के लिए चयन समिति पर आगंतुक उम्मीदवार

'राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन हेतु विशेष केंद्र' जेएनयू, नई दिल्ली में कुलपति उम्मीदवार के सदस्य, (15/12/2018-15/12/2021)

मानव संसाधन विकास केंद्र में अकादमिक सलाहकार समिति के लिए यूजीसी नामित। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, नियुक्ति की तिथि नवंबर 2019

सामग्री समीक्षा समिति, भारत के प्रधानमंत्रियों का संग्रहालय, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सदस्य।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित अर्धवार्षिक जर्नल, लोक प्रचार के संपादक मंडल का सदस्य, (मार्च 2018 - आज तक)

सदस्य, समिति, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य अकादमिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यताओं पर यूजीसी विनियम और उच्च शिक्षा में मानक के रखरखाव के लिए उपाय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली (रिपोर्ट प्रस्तुत)

सदस्य, अकादमिक परिषद्, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (कुलपति नामांकित) नई दिल्ली, (मई 2018-मई 2020)

सदस्य, विशेषज्ञ समिति/चयन समिति, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, आजाद भवन आई. पी. एस्टेट, नई दिल्ली

सदस्य, विभाग सलाहकार बोर्ड, सामाजिक विज्ञान में शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली (नवंबर 2017-नवंबर 2020)

प्रो. अशोक आचार्य

देश विशेषज्ञ, विभिन्न लोकतंत्र (वी-डेम) परियोजना, गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय. 2019-20.

पेशेवर/ पहुंच सेवा

अध्यक्ष, प्रबंध समिति, जुबली हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, अंबेडकर विश्वविद्यालय

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज, इग्नू

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, राजनीति विज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा

मानद सदस्य, सलाहकार बोर्ड, राजनीति विज्ञान विभाग, शारदा विश्वविद्यालय

वर्ष के दौरान आपके विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार/ सम्मेलन।

"कोविड 19 के लिए कानूनी प्रतिक्रियाएं: विभिन्न देशों से अंतर्दृष्टि" पर वेबिनार: खीमलाल देवकोटा, वरिष्ठ वकील और सदस्य, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति। अध्यक्षता प्रो. उज्जवल कुमार सिंह ने की। 25 जुलाई 2020 को गूगल मीट के माध्यम से सुबह 11:00 बजे से।

"ब्लैक माक्सवाद आज" पर बातचीत, रॉबिन डी जी केली (यूसीएलए) के साथ एक बातचीत 25 नवंबर 2020 10:00 बजे जूम के माध्यम से।

डैनियल मार्टिनेज होसांग, येल विश्वविद्यालय, 25 नवंबर 2020 को 6:00 जूम के माध्यम से "संयुक्त राज्य अमेरिका में सुदूर अधिकार के बहुसंस्कृतिवाद" पर बातचीत।

संकाय की भागीदारी: शोध शोध प्रस्तुतीकरण और दिया गया व्याख्यान

डॉ. नसरीन चौधरी

चौधरी नसरीन 2021. दक्षिण एशिया में संबंधित और अभ्यारण्य वैश्विक शरणार्थी संरक्षण व्यवस्था। मुख्य व्याख्यान दिया (6 मई 2021 को) डिजिटल स्प्रिंग सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन) के दौरान "जर्मन समाजशास्त्रीय संघ (डीजीएस) कंपनी के विकासात्मक समाजशास्त्र/सामाजिक नृविज्ञान अनुभाग (ईएसएसए) के वैश्विक दक्षिण पर विशेष ध्यान के साथ प्रवासन की समीक्षा -6-7 मई 2021 के दौरान उल्लिखित शुल्टज (एडवेंटिस्ट यूनिवर्सिटी फ्रीडेन्साऊ) और ईवा गेरहर्ज (फुलदा यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज) द्वारा आयोजित सेंटर फॉर इंटरकल्चरल एंड यूरोपियन स्टडीज (सीआईएनटीईयूएस) द्वारा आयोजित किया गया।

चौधरी नसरीन 2021 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, "जाने के लिए कोई जगह नहीं है? 18 से 20 मार्च 2021 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक एंड रोमांस स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित विस्थापन, संबंधित और गैर-संबंधित पर दृष्टिकोण और "उत्तर वंगाल में पूर्व एन्क्लेव और 'नए' नागरिकों का उत्सुक एकीकरण" शोध प्रस्तुत किया।

चौधरी नसरीन 2021 शीतकालीन स्कूल में "संबंधित" और शरणार्थियों के बीच नागरिकता का विचार: "समझ विस्थापन", 22 से 26 फरवरी 2021 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान दिया।

चौधरी नसरीन और शना टी पी 2020। बॉयोमीट्रिक्स और रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों में सरकारीपन की धारणा। यूरोप-एशिया अनुसंधान मंच: जबरन प्रवासन: आईडब्ल्यूएम में एक नया शोध फोकस शुरू करना। महानिर्वाण कलकत्ता रिसर्च ग्रुप के सहयोग से आईडब्ल्यूएम द्वारा जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रो. नवनीता सी. बेहेरा

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली, 26 मई 2020 द्वारा आयोजित "कश्मीर डायलॉग" पर एक वेबिनार के लिए पैनलिस्ट।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, कोलकत्ता, 17 जुलाई 2020 द्वारा आयोजित "पोस्ट-कोविड युग में दक्षिण एशिया में क्षेत्रीयता की फिर से कल्पना" पर एक वेबिनार के लिए पैनलिस्ट।

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर 2020 में "चाओ ट्रैक: भारत-पाकिस्तान ट्रैक II डायलॉग" के लिए पैनलिस्ट।

मिरांडा हाउस में 5 नवंबर 2020 को "कोविड-19 काल में विदेश नीति" पर एक व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू महाविद्यालय में 6 नवंबर 2020 को 'अंतर्राष्ट्रीय संबंध में यूरोसैंट्रिज्म और भारत से हस्तक्षेप' पर वेबिनार के भाग के रूप में "वर्ल्डिंग द वर्ल्ड: कुछ हस्तक्षेप फ्रॉम इंडिया" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

26 नवंबर 2020 को रयुकोक विश्वविद्यालय में "पोस्टकोलोनियलिज्म इन आईआर" पर एक (वेब) व्याख्यान दिया।

'वैश्वीकरण समाप्त करना, क्षेत्रवाद और राष्ट्रवाद: विश्व राजनीति में सेना का तर्क' पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ के वार्षिक सम्मेलन में 'वैश्वीकरण समाप्त करना' पर एक गोलमेज सम्मेलन के लिए पैनलिस्ट,' 6 अप्रैल 2021

प्रो. एन. सुकुमार

निजीकरण और सामाजिक न्याय का प्रश्न, समावेशी और टिकाऊ समाज के लिए युवा, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 16 मार्च 2021

सामाजिक विज्ञान के लिए अंबेडकर की व्याख्या: यूजीसी द्वारा प्रायोजित और यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित लाइनहार्ट टर्म कोर्स पर डॉ. बी. आर. अंबेडकर के साथ संवाद: "सामाजिक विज्ञान प्रवचन के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबिंब" और यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ.क्टर हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर 20 जनवरी 2021 द्वारा आयोजित।

शैक्षिक जाति (आईएनजी) विश्वविद्यालय: विश्वविद्यालयों को बहुजन छात्रों के लिए एक सुरक्षित स्थान कैसे बनाया जाए? सावित्री फुले अंबेडकर कारवां 2020-21, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, 17 जनवरी 2021 द्वारा आयोजित संस्थागत जातिवाद विषय पर व्याख्यान

'खुद को अस्तित्व में बोलते हुए': भारतीय शिक्षा में दलित ईसाई महिलाओं के अनुभव, (सह-प्रस्तुत) अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, उच्च शिक्षा और महिलाओं और अल्पसंख्यकों की सामाजिक गतिशीलता के मौजूदा बौद्धिक प्रतिमान, एचआरसी और कोवाट्री विश्वविद्यालय, ब्रिटेन, 10 दिसंबर 2020

5वां डॉ. अंबेडकर मेमोरियल व्याख्यान: भारतीय संविधान: प्रभुधा भारत, डॉ. अंबेडकर चेयर, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, 26 नवंबर 2020 के लिए एक रोडमैप।

पुस्तक चर्चा के लिए मध्यस्थ, जाति और कानून की गतिशीलता: दलित बौद्धिक कलेक्टिव, 15 नवंबर 2020 द्वारा आयोजित डेग-एरिक बर्ग द्वारा भारत में दलित, उत्पीड़न और संवैधानिक लोकतंत्र

दलित जीवन मामला, पैनल चर्चा, लाल रस्सी आंदोलन और समावेशी और टिकाऊ समाज के लिए युवा, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 17 अक्टूबर, 2020

दलित बहुजन यूटोपिया की कल्पना: भारतीय राजनीतिक विचार, विशेषज्ञ, राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन, यूजीसी-एचआरडीसी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम की समीक्षा 10 अक्टूबर 2020

सार्वजनिक व्याख्यान- दलित नागरिक: एक मातृभूमि की खोज में, कलकत्ता अनुसंधान समूह रोजा लक्जमबर्ग स्टीफ्टुंग, इंस्टिट्यूट ऑफ साइंसेज वियना, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 सितंबर 2020 के सहयोग से

दलित: वर्तमान परिदृश्य में उच्च शिक्षा, अयानकाली मेमोरियल व्याख्यान, साहित्य और कला के लिए जेएएनयूडीआई केंद्र, आंगोल आंध्र प्रदेश, 28 अगस्त 2020 का आयोजन किया

दलित और महामारी, राष्ट्रीय वेबिनार पर कोविड 19 और मानव संबंध, राजनीति विज्ञान विभाग, डीएनआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वुमन, पालकोलु, पश्चिम गोडवरी जिला, आंध्र प्रदेश, 12 अगस्त 2020

एनईपी 2020 और बहुजन परिप्रेक्ष्य, बहुजन सशक्तिकरण संघ, लखनऊ, 9 अगस्त 2020

क्रिएटिव सोशल रिसर्च, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, कमिशनरेट ऑफ कॉलेजिएट एजुकेशन एपी, विजयवाड़ा, 7 अगस्त 2020

डेमोक्रेटिक गवर्नेंस एंड ह्यूमन राइट्स, नेशनल वेबिनार, लोक प्रशासन विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, 9 जुलाई 2020

श्रम प्रश्न पर अंबेडकर, डॉ. भीमराव अंबेडकर, एआरएसडी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 अप्रैल, 2020 पर वेबिनार

प्रो. उज्जवल कुमार सिंह

22 मई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'भारत में महामारी, कानून और राज्य प्रतिक्रियाएं: नागरिक दृष्टिकोण' पर वेबिनार में मुख्य वक्ता।

25 जुलाई, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित नेपाल के वरिष्ठ अधिवक्ता खीमलाल देवकोटा द्वारा दिए गए 'कॉविड 19 के प्रति कानूनी प्रतिक्रियाएं: विभिन्न देशों के विचार' व्याख्यान पर एक वेबिनार सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. मधुलिका बनर्जी

27 जून, 2020: सतत विकास के लिए शिक्षा प्रणाली में बदलाव, सतत विकास के लिए शिक्षा प्रणाली (टीईएस4एसडी) नेटवर्क प्लस परियोजना, नई दिल्ली और बेंगलूर के लिए उद्घाटन कार्यशाला में शोध शोध प्रस्तुति।

28 जून, 2020: आयुर्वेद और कोविड 19 महामारी पर व्याख्यान: आचार्य प्रफुल्ल चंद्र कॉलेज, न्यू बैरकपुर, कोलकाता में ज्ञान की राजनीति से परिप्रेक्ष्य

24 अगस्त, 2020: कोलकाता विश्वविद्यालय के मलिका बसु घोष की ए सोशल हिस्ट्री ऑफ फॉर्मैसी के पुस्तक शुभारंभ पर एक चर्चा थी।

28 अगस्त, 2020: दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस के पर्यावरण सोसायटी द्वारा आयोजित एक वेबिनार में दिए गए समकालीन समय व्याख्यान के संदर्भ में आयुर्वेद और वैकल्पिक चिकित्सा की भूमिका और प्रासंगिकता।

5 सितंबर, 2020: एक पैनल का आयोजन किया, एक ज्ञान लोकतंत्र के लिए सामूहिक कार्रवाई: नागरिक समाज और 21 वीं सदी में रिपब्लिकन लोकतंत्र को पुनः प्राप्त करने पर महत्वपूर्ण सिद्धांत बोलचाल के भाग के रूप में ज्ञान की राजनीति।

5 सितंबर, 2020: एक शीर्षक कागज प्रस्तुत, रिपब्लिकन लोकतंत्र को पुनः प्राप्त करने के लिए एक आधारशिला के रूप में ज्ञान लोकतंत्र के लिए संघर्ष: एक वैचारिक फ्रेम "उपरोक्त पैनल और बोलचाल में।

29 जनवरी, 2021: पुस्तक हिंद स्वराज पर संकाय विकास कार्यक्रम में हिंद स्वराज में 'खोज' शीर्षक से व्याख्यान - श्री जे के बजाज और श्री एम डी श्रीनिवास, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संपादित 'एक हिंदू देशभक्त बनाने' के संदर्भ में।

26 मार्च, 2021: एक विशेषज्ञ पैनल की अध्यक्षता की जिसे मैंने प्रस्तावित और आयोजित किया: भारतीय लोक नीति नेटवर्क सम्मेलन में विकास में ज्ञान पर सार्वजनिक नीति का प्रवचन विश्लेषण, ऑनलाइन आयोजित किया गया, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, मोहाली, चंडीगढ़ से समन्वित।

26 मार्च, 2021: इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, मोहाली, चंडीगढ़ से समन्वित ऑनलाइन आयोजित भारतीय लोक नीति नेटवर्क सम्मेलन में "शिक्षाविदों और कार्यकर्ताओं के बीच संवाद" पर प्रस्तावित और अध्यक्षता की।

11 मार्च, 2021: आईआईएसईआर, भोपाल द्वारा आयोजित "विज्ञान और स्थानीय" पर एक व्याख्यान श्रृंखला में 'भारत में विज्ञान और अन्य ज्ञान प्रणाली: रिश्ते अब और भविष्य के लिए'।

प्रकाशन

डॉ. नसरीन चौधरी

समकक्ष समीक्षित जर्नल

चौधरी, एन और शामना, टी पी (2020) बायोमीट्रिक्स, रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों में सरकारी और लैंगिक संबंधों की धारणा। नीतियां और प्रथाएं, महानिर्बन कलकत्ता अनुसंधान समूह, कोलकाता, अंक संख्या 114, 25 पृ. (आईएसएसएन: 2348-0297) (<http://www.mcrg.ac.in/PP114.pdf>)

चौधरी, एन. 2020। महामारी, संरक्षण और गतिशीलता की राजनीति। रिफ्यूजी वॉच -जबरन माइग्रेशन पर एक दक्षिण एशिया जर्नल, महानिर्बन कलकत्ता रिसर्च ग्रुप, कोलकाता, भाग 56, पृ.: 33-47 (आईएसएसएन 2347405X)

लिखित/ संपादित पुस्तकें

चौधरी, एन, और मोहंती, बी (2020) दक्षिणी एशिया में रोहिंग्याओं की नागरिकता, राष्ट्रवाद और शरणार्थीत्व। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड, [आईएसबीएन 978-981-15-2167-6 और 978-981-15-2168-3 (ईबुक)], <https://doi.org/10.1007/978-981-15-2168-3>

चौधरी, एन और शामना टी पी (2021)। मोबाइल जनसंख्या, 'महामारी नागरिकता'। प्रवासन में, कामगार, और मौलिक स्वतंत्रताएं महामारी कमजोरियों और भारत में अपवाद के राज्य (सं.: आशा हंस, कल्पना कन्नबिरन, मनोरंजन मोहंती, और पुष्पेन्द्र)। रूटलेज-टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, लंदन और न्यूयॉर्क (आईएसबीएन: 978-0-367-64155-9 (एचबीके) आईएसबीएन: 978-1-003-14550-9 (ईबुक))।

प्रो. नवनीता सी. बेहरा

बेहरा, एन. सी (2021) "एक दुनिया, कई दुनिया: वैश्वीकरण, डी वैश्वीकरण और ज्ञान उत्पादन," अंतर्राष्ट्रीय मामलों, सितंबर।

बेहरा, एन. सी. (2021)। "एक यूनी-कविता से एक प्लरी-कविता: आईआर के अतीत और वायदा," राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के भारतीय जर्नल, भाग 12-13, आगामी।

बेहरा, एन. सी (2021)। "सुधार करना: एक विरोधी नस्लवादी महत्वपूर्ण सुरक्षा अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की ओर," सुरक्षा वार्ता में सह लेखक, 'जाति और महत्वपूर्ण सुरक्षा अध्ययन में नस्लवाद पर विशेष मुद्दे के भाग के रूप में, आगामी।

बेहरा, एन. सी (2021)। "एक और गहन आईआर शिक्षण" अंतर के बारे में अलग: दुनिया भर से संबंधपरक आईआर," अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन परिप्रेक्ष्य, भाग 24, 49-52 पर एक मंच के भाग के रूप में।

बेहरा, एन. सी. 2021 "भारत में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को पढ़ाने," "अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में परिचयात्मक पाठ्यक्रम: क्षेत्रीय विविधताओं," अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन परिप्रेक्ष्य भाग. 22, 150-153 पर एक मंच के भाग के रूप में।

प्रो. एन. सुकुमार

पुस्तकों में अध्याय

सुकुमार, एन. (2020) आरक्षण गणराज्य और रोस्टर संघर्ष, आरक्षण, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय, (सं.) अशोक नायडू और राजेश कोटा, कालपाज प्रकाशन, दिल्ली 2020, आईएसबीएन 9789353242763।

सुकुमार, एन. (2020) सन्निहित यादें: दक्षिण एशिया में सामाजिक वैज्ञानिक अंबेडकर के साथ एक यात्रा: व्यक्तिगत आख्यान, सामाजिक ताकतें और बातचीत, (सं.) राशि भार्गव, अछला टंडन और गोपी त्रिपाठी रूटलेज पब्लिशर्स, इंडिया, 2020, आईएसबीएन 9781138369771

सुकुमार, एन. (2020) एक नई महिला व्यक्तिपरकता का निर्माण: अंबेडकर का परिप्रेक्ष्य, बी आर अंबेडकर: क्वेस्ट फॉर सोशल जस्टिस, (सं.) भाग 4, सह-लेखक, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रकाशन।

सुकुमार, एन. (2020) निर्मित जनादेश और 2014 के सामूहिक शर्म की बात है, (सह लेखक), गूजा-रात्री, मोदित्व पर प्रतिबिंब, साझा दर्पण प्रकाशन, 2020, पृ. 82-88, आईएसबीएन 978-1-64606-034-4।

प्रो. उज्जवल कुमार सिंह

सिंह, यू. के. (2020) 'डेमोक्रेटिक दुविधा: कोविड-19 बार में चुनाव का आयोजन', संवाद, भाग. 21, नंबर 3, जनवरी-मार्च (2020) (आईएसएसएन:0973-0095, यूजीसी सूची, भारत)

सिंह, यू.के. (2020) (सह-लेखक), 'एक महामारी में चुनाव: भारत के चुनाव आयोग की भूमिका,' आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, भाग 56, अंक 21, 21 मई 2021।

प्रो. संजीव कुमार एच. एम.

एच. एम., एस. के. (2020) "एक उदार अंतर्राष्ट्रीय के रोमांस के दायरे को पार करना: डेमोक्रेटिक शांति थीसिस और क्षेत्रीय सुरक्षा दक्षिण एशिया में समस्याएं ", अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, 57 (4): 344-360।

एच. एम एस के (2020) "राजनीतिक क्षय की औपनिवेशिक वंशावली और वैधी संकट: राज्य की दुर्दशा की जांच-उपनिवेश के बाद दक्षिण एशिया में निर्माण", भारत त्रैमासिक, भाग 76 अंक 2, 15 जून, पृ. 276-293।

प्रो. मधुलिका बनर्जी

बनर्जी एम. (2020) <https://indianexpress.com/article/opinion/columns/ayurveda-culture-in-india-coronavirus-healthcare-patanjali-baba-ramdev-6485710/> मैं आयुर्वेद का स्थान बेहतर होना चाहिए 28 जुलाई।

बनर्जी, एम. (2020) आयुर्वेद और कोविड-19: ज्ञान प्रणाली की राजनीति, फिर भी सांस्कृतिक नृविज्ञान हॉट स्पॉट, फील्डसाइट्स, 23 जून में। <https://culanth.org/fieldsights/ayurveda-and-covid-19-the-politics-of-knowledge-systems-yet-again>

प्रो. वीना कुकरेजा

कुकरेजा, वी. (2020) भारत इमर्जेंसी मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर में: डायनेमिक्स एंड स्ट्रैटेजिक चुनौतियां", भारत त्रैमासिक, 76 (1): 8-23।

कुकरेजा, वी. (2020) "जातीय विविधता, राजनीतिक आकांक्षाओं और राज्य प्रतिक्रिया: पाकिस्तान का एक मामला अध्ययन", भारतीय लोक प्रशासन जर्नल, 66 (1): 28-42।

कुकरेजा, वी.. (2020) "भारत की परमाणु नीति: रणनीतिक अनिवार्यता और परिवर्तन", संवाद त्रैमासिक, भाग 21, नंबर 3, जनवरी-मार्च

समाजशास्त्र विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने इस अवधि में कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के दौरान छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी अकादमिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड में प्रभावी ढंग से स्थानांतरित कर दिया। सभी कक्षाएं, ट्यूटोरियल, परिचर्चा, समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल, अनुसंधान विद्वानों कार्यशाला और परीक्षा नियमित रूप से ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए। संकाय और अनुसंधान विद्वानों ने अपने शोध कार्य को जारी रखा जिसके परिणामस्वरूप इस रिपोर्ट में विस्तृत रूप में कई रेफरी प्रकाशन, अकादमिक प्रस्तुतियां और सार्वजनिक व्याख्यान हुए।

प्रकाशन:

अब्राहम, जे. (2021)। मृत्युलेख द्वितीय: उदारता के इशारों-प्रोफेसर ए. एम. शाह को याद करते हुए। भारतीय समाजशास्त्र, 55 (1), 121-122 के लिए योगदान।

अब्राहम, जे. (2021)। शहरी परिवर्तन किसके लिए? उत्तर भारत के एक शहर के हाशिए से नोट। आई. पाई, और जी. बी. प्रतो (सं.), शहरी असमानताओं में: नृवंशविज्ञान ने प्रतिबिंबों को सूचित किया। पलगेव मैकमिलन।

अग्रवाल, ए. (2020) आर्य समाज ने भारतीय अदालतों में विवाह किया। भारतीय कानून समीक्षा, 1-20।

चटर्जी, आर. (2020) जीवन का एक रूप के रूप में कविता। एंड्रयू ब्रांडेल पर टिप्पणी, "सामाजिक संबंधों के प्रोसोडी। वैश्विक बर्लिन में कविता और क्षणभंगुर क्षण"। वर्तमान नृविज्ञान, 61 (4), 531-32।

रहमान, एस.वाई. (2021)। कोलोनियाला सर रिक्स अप आई इंडियन [औपनिवेशिक घाव भारत में फटे हैं]। मन-एंटीरिस्टिस्क टिडस्क्रिफ्ट: होमोनेशनलिज्म, 2020 (4), 10-13।

राय, एस. (2020) सौंदर्यशास्त्र और राजनीति: दो प्रमुख भोजपुरी कलाकार, मुंबई: शेक्सपियर बनें। कॉम. आईएसबीएन: 978-93-90543-50-2।

सुंदर, एन. (2020) फॉसीवाद की ओर बहुसंख्यकवाद से फिसलने: मोदी शासन के तहत भारत को शिक्षित करना। अंतर्राष्ट्रीय समाजशास्त्र, 35 (6), 632-650। <https://doi.org/10.1177/0268580920937226> (भट्टी, के. के. के साथ सह-लेखक)

सुंदर, एन. (2020) भारत की अनधिकृत आपातकाल। बी. वोरमैन और एमडी. वेनमैन (सं.) में। इलिबरलिज्म का उद्भव: वैश्विक घटना को समझना। न्यूयॉर्क: रूटलेज।

वासन, एस. (2021)। गोर्डियन गाँठ काटना: पर्यावरणवाद, पूंजीवाद और मेटाबोलिक दरार। एम. राव (सं.) में, पर्यावरण को फिर से देखना: नवउदारवादी भारत में संसाधन, जोखिम और प्रतिरोध। नई दिल्ली, भारत: रूटलेज।

वासन, एस. (2021)। लदाखी होने का महत्व: सांस्कृतिक नागरिकता पर बातचीत करना। एस. हुसैन (सं.), समाज और जम्मू-कश्मीर की राजनीति में। पालगेव मैकमिलन।

वासन, एस. (2020) विशेष सार्वभौमिकता: अपनी सीमाओं पर राष्ट्र की कल्पना। वी. सुजाता (सं.), ग्लोबल कैपिटलिज्म एंड सोशल डिफरेंस में। नई दिल्ली, भारत: रूटलेज।

वासन, एस. (2020) जैव विविधता केंद्रित विकास मानव भलाई को बनाए रखने के तरीके। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 55 (49), 27-28। (एनएडब्लूएन, एन और बावा, के के साथ सह लेखक)

जर्नल (विभाग द्वारा प्रकाशित)

संकाय प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों के संपादक मंडल में सेवा प्रदान कर रहा है:

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, समाजशास्त्र, 2021-2023

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एचएयू जर्नल ऑफ नृवंशविज्ञान सिद्धांत, 2019 के बाद से

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, कैम्ब्रिज जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी जनवरी 2018 के बाद से

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, आईएनएसईई, 2017 के बाद

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, समाजशास्त्रीय बुलेटिन, 2016-20

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, मानव विज्ञान सिद्धांत, जारी

नंदिनी सुंदर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भारतीय समाजशास्त्र में योगदान, 2012 के बाद से

सुधा वासन, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था, सोसायटी, आईएनएसईई जर्नल, 2020 के बाद से

सुधा वासन, पुस्तक समीक्षा संपादक, संरक्षण और समाज, 2007-2020।

सुधा वासन, सह-संपादक, पर्यावरण और विकास, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक की समीक्षा। जारी।

अनुसंधान परियोजनाएं

राधिका चोपड़ा हाशिए से शीर्षक वाली परियोजना पर काम कर रही थीं: कम आय वाले प्रवासियों और उनकी पहुंच बुनियादी सेवाओं ईएसआरसी-आईसीएसएसआर सहयोगी परियोजना के बीच एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय, समाजशास्त्र विभाग के बीच।

रोमा चटर्जी भारत में कमर्शियल कॉमिक बुक्स पर किताब लिखने की प्रक्रिया में हैं। परियोजना के लिए फील्डवर्क पूरा हो गया है। दो अध्याय पूरे हो चुके हैं और एक शोध लेख 2021 में प्रकाशित किया जाना है। पुस्तक अध्यायों में से दो की समीक्षा की जा रही है।

आयोजित सेमिनार

लिज़ा वेनस्टीन द्वारा 'तर्क ऑफ डिस्पोजेशन: वर्ल्ड क्लास सिटी से पहले ऐतिहासिक तरीके और स्लम क्लीयरेंस' शीर्षक से एक व्याख्यान 22 सितंबर 2020, 5:00-7:00 अपराह्न आईएसटी पर शहरी समाजशास्त्र पाठ्यक्रम (मास्टर प्रोग्राम) के एक हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। (ऑनलाइन)

समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अतिथि संकाय संदीप राय द्वारा 'बिदेसिया में सौंदर्यशास्त्र, राजनीति और संस्कृति' नामक एक शोध प्रस्तुत किया गया। (ऑनलाइन) 5 फरवरी, 2021 को।

समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की गेस्ट फैकल्टी शैली पांडे ने 'द काबुलीज इन दिल्ली सिटी: जेंडर एंड कल्चरल प्रैक्टिसेज ऑफ अफगान सिख रिफ्यूजियों' नामक एक पेपर पेश किया। (ऑनलाइन) 12 फरवरी, 2021 को

हैदराबाद विश्वविद्यालय के संजय पल्शीकर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में 'राक्षसों और विमुद्दीकरण: अन्य भगवद गीता' नामक शोध प्रस्तुत किया गया। (ऑनलाइन) 19 फरवरी, 2021 को।

समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अतिथि संकाय ट्विंकल सिवाच द्वारा 'प्रथम सूचना रिपोर्ट और मीडिया: द इनफॉर्मल यूनिवर्स ऑफ क्राइम एंड वायलेंस' नामक एक शोध प्रस्तुत किया गया। (ऑनलाइन) 26 फरवरी, 2021 को

समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में पेरिस में सीईईडी में स्थित फ्रेंच इंस्टीट्यूट डी. रिचेचे पोर ले डेवेलोपमेंट (आईआरडी) में डेमोग्राफी में वरिष्ठ फेलो क्रिस्टोफ गिमोटो (दुनिया भर में कोविड-19 मृत्यु दर का पहला जनसांख्यिकीय विश्लेषण) नामक एक शोध प्रस्तुत किया गया था। (ऑनलाइन) 5 मार्च, 2021 को

समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में आईआईटी, वंबई के एसोसिएट प्रोफेसर सूर्यकांत वाघमोर द्वारा 'राष्ट्रवादी हिंदुओं के लिए जातियां: द मेकिंग ऑफ हिंदू धर्म को नागरिक धर्म' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया गया था। (ऑनलाइन) 12 मार्च, 2021 को।

अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अनिकेत आगा ने समाजशास्त्रीय अनुसंधान बोलचाल में कृषि सुधार के रूप में कृषि संकट मायने रखता है शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया। (ऑनलाइन) 19 मार्च, 2021 को

आयोजित सम्मेलन

समाजशास्त्र विभाग में 10 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन रिसर्च स्कॉलर्स वर्कशॉप (आरएसडब्ल्यू) का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में पांच एम.फिल. और पीएच.डी. स्कॉलर्स ने शोध शोध प्रस्तुत किए, जिसमें कई संकाय सदस्य और रिसर्च स्कॉलर्स ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

सेमीनार/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय)

अनुजा अग्रवाल 19 जुलाई, 2020 को डरहम विश्वविद्यालय, यूके के साथ साझेदारी में प्राक्सिस, एनएजीडीएनटी द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन सम्मेलन, घुमक्कड़ इंक 5 में एक चर्चा कार्यकर्ता थीं।

अनुजा अग्रवाल 22-24 जुलाई, 2020 को डिकसन पून स्कूल ऑफ लॉ, किंग्स कॉलेज लंदन द्वारा आयोजित 'अनिश्चित अतीत, मुक्ति फ्यूचर्स: इंटरडिसिप्लिनरी बातचीत ऑन सेक्स वर्क इन इंडिया' विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला में 'जातिगत पहचान और सेक्स वर्क के चौराहे' शीर्षक वाले पैनल में भागीदार थीं।

रोमा चटर्जी 22 जनवरी, 2021 को वीणा दास द्वारा साधारण की बनावट पर चर्चा में एक पैनलिस्ट थीं।

रोमा चटर्जी ने एक टॉक बीडी इंडिया/ऐनी इंटरनेशनल डी ला बांदे डेसिनी-ग्राफिक आख्यान, मार्च, 2021 के लिए 'वर्ल्स एंड इमेजेज: ग्राफिक आख्यान और लोक प्रदर्शन' पर एक ऑनलाइन प्री-रिकॉर्डेड वीडियो व्याख्यान दिया।

सबीना यास्मीन रहमान ने 8-9 दिसंबर, 2020 को हिंसा को समाप्त करने के लिए न्याय तक पहुंच में 'डिजिटल सिस्टर्हुड: क्या भारत के उत्तर पूर्व में जेंडर न्याय के लिए यह वादा ऑनलाइन सक्रियता है? हिंसा समाप्त करने के लिए न्याय तक पहुंच- यूएनओडीसी- टीआईएसएस अंतर्राष्ट्रीय अकादमी सम्मेलन, (ऑनलाइन)।

सतीश देशपांडे 7 जून, 2020 को हार्वर्ड विश्वविद्यालय, कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट द्वारा आयोजित परिचर्चा में 'ब्राह्मणों के बीच जाति की समस्या' (सूरज येंगडे, अनुपमा राव और एस आनंद के साथ) में एक पैनलिस्ट थे (ऑनलाइन, उपलब्ध: <https://www.youtube.com/watch?v=7JabmA7LQlo&t=54s>)

सुधा वासन ने 22 मार्च, 2021 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के सामाजिक पारिस्थितिकी, पर्यावरण और सतत विकास विभाग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अपवर्तन टू द्वंद्ववात्मक: परिप्रेक्ष्य ऑन सोसाइटी/इकोलॉजी' विषय पर एक पूर्ण व्याख्यान (ऑनलाइन) दिया।

सुधा वासन ने 8 नवंबर, 2020 को कोनराड-एडिनोएर-स्टिफ्टुंग, भारत (केएसएस) के समर्थन से अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं शासन अध्ययन विभाग, शिव नादर विश्वविद्यालय (आईआरजीएस) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन हिमालयन स्टडीज कार्यशाला में 'हिमालयी ग्रामीणता को पहचानना: विकास और जलवायु परिवर्तन नीतियों के लिए बहु-स्थानीय परिवारों और अनिवासी समुदायों के निहितार्थ' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

सुधा वासन ने 2 अक्टूबर, 2020 को दिल्ली के तनुश्री मुक्ति संगठन वार्षिक कार्यशाला (ऑनलाइन) में 'नारीवाद इन अवर समय: पहचान, व्यक्तिगत प्रतिरोध और क्रांतिकारी आंदोलन' शीर्षक से व्याख्यान दिया।

विस्तार और पहुंच कार्यक्रम

मैत्री नेटवर्क के लिए आयोजित 'भारत में डिनोटिफाईड एंड खानाबदोश समुदाय और महिलाओं के मुद्दे' शीर्षक से एक व्याख्यान

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग में वेश्यावृत्ति/सेक्स वर्क: पूछना सही सवाल शीर्षक से व्याख्यान का आयोजन किया गया।

एक ऑनलाइन सार्वजनिक कार्यक्रम 'वास्तविकता काटने: रंगवाद, लिंग, और "भारतीय मंगनी" में वर्ग में भाग लिया उर्बाना में इलिनोइस विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा आयोजित- अभियान, दक्षिण एशियाई और मध्य पूर्वी अध्ययन के लिए केंद्र और इलिनोइस में अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्र अध्ययन पुस्तकालय।

एक वेबिनार में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 'परिवर्तन के लिए आधार: बहाई के सार्वजनिक मामलों के कार्यालय द्वारा आयोजित लिंगों की समानता को बढ़ावा देने के लिए एक अंतरिक्ष के रूप में परिवार को पुनर्धारणीय बनाना' भारत का है।

बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित विकास अध्ययन में एक ऑनलाइन रीफ्रेश कोर्स में 'डिनोटिफाईड ट्राइब्स एंड सेक्सुअल लक्ष्ण' नामक व्याख्यान

जामिया मिलिया इस्लामिया के लिए दूरस्थ मोड में समाजशास्त्र में एम.ए. पाठ्यक्रम के लिए 'क्या संरचनात्मकता' शीर्षक से एक इकाई लिखा गया था।

विशिष्ट वक्ता श्रृंखला वेबिनार, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सामाजिक: कोरोना के समय में समाजशास्त्र' पर बातचीत और चर्चा,

स्त्री मुक्ति संघ, दिल्ली द्वारा 'जेंडर के नजरिया से लॉकडाउन' पर एक ऑनलाइन सार्वजनिक व्याख्यान
टेरे डेस होम्स इंडिया नॉर्थ जोन पार्टनर्स मीट में 'अंडरस्टैंडिंग कोविड-19 और लॉकडाउन से लैंगिक नजरिए से' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान।

'बलात्कार संस्कृति का विरोध' पर एक ऑनलाइन सार्वजनिक व्याख्यान, स्त्री मुक्ति संघ, दिल्ली,

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

इस अवधि में एक एम.फिल. और ग्यारह पीएच.डी. की डिग्रियां प्रदान की गईं।

संकाय सदस्यों की संख्या

3 प्रोफेसर

3 एसोसिएट प्रोफेसर

5 सहायक प्रोफेसर

31 मार्च, 2021 के अनुसार रिक्त पद: 4 प्रोफेसर, 7 एसोसिएट प्रोफेसर, 4 सहायक प्रोफेसर

सामाजिक कार्य विभाग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग ने चालू शैक्षणिक वर्ष में भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास के प्रमुख ध्वजवाहक के रूप में अपनी भूमिका जारी रखी। सामाजिक कार्य विभाग सामाजिक कार्य शिक्षा में एक अग्रणी संस्थान है जो 1946 से व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभाग सामाजिक कार्यों में पीएच.डी., एम.फिल. और एम.ए. जैसे तीन स्तरों पर शिक्षा प्रदान करता है।

विभाग यूजीसी सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडी रहा है और भारत की सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए सामाजिक कार्य के अनुशासन के भीतर शिक्षण, अनुसंधान और अभ्यास किया जाता है। विभाग संकाय सदस्यों, जो कई मायनों में अकादमिक और कॉर्पोरेट जीवन को समृद्ध की एक विविध सेट है। सामाजिक कार्य विभाग को विश्वविद्यालय के अभिनव सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों में सर्वोत्तम अभ्यास दिखाने वाले विभागों में से एक के रूप में स्वीकार किया गया था, दिल्ली विश्वविद्यालय की नैक रिपोर्ट, 2019-20 में। विभाग का उद्देश्य उदारता, सर्वोत्तम प्रथाओं और समग्रता में नवाचार पर जोर देने के माध्यम से भारत में सामाजिक कार्य के अनुशासन और पेशे को मजबूत करना है।

सम्मान/ प्रतिष्ठा

इंडिया टुडे-भारत में प्रोफेशनल कॉलेजों के सर्वेक्षण द्वारा भारत में सामाजिक कार्य की नंबर तीन संस्था का स्थान। 2019-20.

प्रकाशन

अदुसुमल्ली, एम. और दत्ता, एस. (2020)। 2006 के वन अधिकार अधिनियम को लागू करके भारत में वन और वन निर्भर समुदायों के संरक्षण और संरक्षण। एम रिंकल और एम पावर्स (सं.) में, सामाजिक समुदाय और पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने के काम: सामाजिक कार्य चिकित्सकों और शिक्षकों के लिए एक कार्यपुस्तिका

(भाग. 3)। रेनफिल्डेन, स्विट्जरलैंड: इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सोशल वर्क (आईएफएसडब्ल्यू)। (पृ.315-341) आईएसबीएन 978-3-906820-20-0

अदुसुमल्ली, एम. (2020)। समझ और एक पार सांस्कृतिक संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य का पता लगाने: स्वदेशी समुदाय परिप्रेक्ष्य। मीनू आनंद (सं.) लिंग और मानसिक स्वास्थ्य में: सिद्धांत और अभ्यास (पृ. 63-76) स्प्रिंगर के संयोजन। सिंगापुर: आईएसबीएन 978-981-15-5393-6

अग्निमित्र, एन. एंड शर्मा, एस. (2020) समकालीन सामाजिक कार्य प्रवचन में गांधीवादी मूल्यों का एक अभिव्यक्ति और एकीकरण। जर्नल ऑफ सोशल वर्क एंड सोशल डेवलपमेंट (यूजीसी केयर जर्नल), भाग 11, नंबर 01। पृ. 1-18। आईएसएसएन 2229-6468।

शर्मा, एस. एंड अग्निमित्र, एन. (2020) प्रवासी श्रम और महामारी-मीडिया प्रतिनिधित्व, नवाचार, रचनात्मकता और परिवर्तन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। www.ijicc.net। विशेष संस्करण: कोविड-19 जीवन पर, 30 सितंबर 2020। पृ. 145-165।

अग्निमित्र, एन. (2021)। पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक कार्य: अभ्यास के लिए अनिवार्यता। राय में, एस (सं.) सामाजिक कार्य शिक्षा: स्वदेशी परिप्रेक्ष्य (पृ. 119-142)। ऋषि प्रकाशन।

आनंद, एम. (2020) लिंग और स्कूली शिक्षा: एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य, शिक्षा में क्वेस्ट में, भाग XXXXI, नंबर 3, 12-27 (जुलाई 2020)। गांधी शिक्षा भवन। आईएसएसएन: 0048-6434

आनंद, एम. (2020) विकलांगता, लिंग और मानसिक स्वास्थ्य के प्रक्षेप पथ (2020) सामाजिक कार्रवाई में, भाग 70, नंबर 4, 396-409 (अक्टूबर-दिसंबर 2020)। भारतीय सामाजिक संस्थान। आईएसएसएन: 0037-7627।

आनंद, एम. (2020) लिंग और मानसिक स्वास्थ्य: सिद्धांत और अभ्यास का संयोजन। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर। आईएसबीएन: 978-981-15-5392-9।

आनंद, एम. (2020) परिचय। मीनू आनंद (सं.), 'लिंग और मानसिक स्वास्थ्य: सिद्धांत और अभ्यास के संयोजन' में। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर। आईएसबीएन: 978-981-15-5392-9।

आनंद, एम. (2020) लिंग और मानसिक स्वास्थ्य को समझना। मीनू आनंद (एड) में 'जेंडर एंड मेंटल हेल्थ: इंडि मेल्टिंग थ्योरी एंड प्रैक्टिस'। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर। आईएसबीएन: 978-981-15-5392-9 (सह लेखक)

आनंद, एम. (2020) घरेलू हिंसा (2020) से बचे महिलाओं के साथ ताकत आधारित दृष्टिकोण का अभ्यास। मीनू आनंद (एड.), 'लिंग और मानसिक स्वास्थ्य: सिद्धांत और अभ्यास के संयोजन' में। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर। आईएसबीएन: 978-981-15-5392-9। (सह-लेखक)

आनंद, एम. (2020) लिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज और स्वास्थ्य पर लिंग परिप्रेक्ष्य पर पाठ्यक्रमों के एक भाग के रूप में लिंग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज और लैंगिक परिप्रेक्ष्य पर पाठ्यक्रमों के एक भाग के रूप में लिंग और विकास अध्ययन के स्कूल के लिए ऑनलाइन शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) तैयार: स्वास्थ्य और भलाई और मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक मुद्दे।

झा, एम.के. (2020) न सिर्फ बदनाम, मुसलमानों को कोविड-19 महामारी के दौरान राक्षसी किया गया है ': आउटलुक में साक्षात्कार, 18 अप्रैल, 2020।

झा, एम. के. (2020) कोरोनावायरस संकट के लिए एमपीएलएडी फंड को निलंबित करना भारतीय लोकतंत्र, प्रिंट पर एक और वार है। 24 अप्रैल, 2020।

झा, एम.के. (2020) रोग के लिए भ्रामक लक्षण, राय टुकड़ा, इंडियन एक्सप्रेस 17 अगस्त, 2020।

झा, पी. (2021) महिलाओं के विरुद्ध हिंसा: सातत्य की खोज; महिला लिंक में, भाग. 28, अंक 1, आईएसएसएन 2229-6409, नई दिल्ली।

झा, पी. (2020) की समीक्षा लेख: अदृश्य महिलाओं: कैरोलीन क्रियेडो पेरेस द्वारा पुरुषों के लिए डिज़ाइन की गई दुनिया में डेटा पूर्वाग्रह को उजागर; चट्टो और विंडस, विंटेज, लंदन की छाप: 2019; बहिष्कार अध्ययन के जर्नल में, जेडएस भाग.10, नंबर 2, अगस्त 2020, आईएसएसएन 2231 4547।

शाहिल, एम. एंड खान, ए. (2021)। सामाजिक Casework और किशोर अपराधियों: एक मनोवैज्ञानिक मॉडल। संजॉय में, आर (एड.), सामाजिक कार्य शिक्षा: स्वदेशी परिप्रेक्ष्य। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन भारत। आईएसबीएन: 978-93-5388-737-0।

कौशिक, ए. (2021)। अमेरिकी मुस्लिम बच्चों की आंखों के माध्यम से इस्लामोफोबिया को समझना: धार्मिक बदमाशी और स्कूल सामाजिक कार्य हस्तक्षेप, [सह और इसी लेखक: जन्नत, एफ एफ]। बाल और परिवार सामाजिक कार्य, विले, 1-13, <https://doi.org/10.1111/cfs.12828>

कौशिक, ए. (2020) तमिलनाडु, भारत में परिवार के पीछे छोड़ देने पर पति के अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के परिणाम [सह और इसी लेखक: अरोकिया राज हेलर] अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन और एकीकरण <https://doi.org/10.1007/s12134-019-00705-9> (2020) के जर्नल 21:1149-1163 @ स्प्रिंगर नेचर

कौशिक, ए. (2020) भारतीय पैनोरमा में सकारात्मक वृद्धावस्था; चुनौतियां और संभावनाएं, जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइकिल रिसर्च [सह-लेखक: डॉ. बीना एंटनी रेजी]। 10-18. भाग. नौ, (1) आईएसएसएन: 0022-1945

कौशिक, ए (2021)। ग्रामीण तमिलनाडु (2021) में पत्नियों पर अंतर्राष्ट्रीय पुरुष प्रवासन का प्रभाव पीछे छूट गया। (पहले और इसी लेखक: एच अरोकिया राज; सह लेखक: एस इरुदया राजन)। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज, 1-20, डिओआई: 10.1177/0971521521997964। journals.sagepub.com/home/ijg

कौशिक, ए (2020) अनुभव, मुकाबला और मौत का सामना करने के सहसंबंधित: सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास के लिए निहितार्थ। इलांगो पन्नस्वामी और अब्राहम पी फ्रांसिस (सं.), सामाजिक कार्य शिक्षा, अनुसंधान और अभ्यास: भारत और ऑस्ट्रेलिया (139-160) से परिप्रेक्ष्य में। स्प्रिंगर। आईएसबीएन: 978-981-15-9796-1

कौशिक, ए (2020) बुजुर्गों के बीच हाशिए को संबोधित: एक सामाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य। माला कपूर शंकरदास (सं.), भारत में पुराने मुद्दों और प्रतिक्रियाओं में। (9-24) स्प्रिंगर। आईएसबीएन: 978-981-15-5186-4

कौशिक, ए (2020) एक दूरी से बड़ी देखभाल: समकालीन भारत (2020) में उभरते रुझान और चुनौतियां। माला कपूर शंकरदास (सं.), भारत में पुराने मुद्दे और प्रतिक्रियाएं (97-114) में। स्प्रिंगर। आईएसबीएन: 978-981-15-5186-4

कौशिक, ए (2021)। भक्ति और योग के माध्यम से सामाजिक कार्यों का स्वदेशीकरण। बिष्णु मोहन में मिथिलेश कुमार, डीपी सिंह और सिद्धेश्वर शुक्ल (सं.), भारतीय सामाजिक कार्य। (84-106) रूटलेज आईएसबीएन: 970-0-367-74995-8।

कौशिक, ए (2021)। परिवारों और बच्चों के साथ सामाजिक कार्य अभ्यास। संजॉय रॉय (एड.), सोशल वर्क एजुकेशन (28-51) ऋषि। आईएसबीएन; 978-5388-637-0.

कौशिक, ए (2020) भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के एनआईएसडी के लिए कंसोर्टियम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन (सीईसी) के तहत ई-सामग्री तैयार की गई: बुढ़ापे के पेशवरों के लिए "एल्डर एब्यूज: अभिव्यक्ति और रोकथाम"

'सामाजिक रक्षा मुद्दों' पुलिस पदाधिकारियों पर पाठ्यक्रम के लिए "वृद्धावस्था देखभाल"

पांडेय, एन, पांडेय, वी के और मिश्रा, ए के। (2020) बाल यौन शोषण की गतिशीलता, सामाजिक कार्य शिक्षा, अनुसंधान और कार्यवाई के जर्नल (जेएसडब्ल्यूआईआरए), 6 (1), आईएसएसएन: 2394-4102।

पांडे, एन, जीशान, खान एमए, खान, एमआर (2021)। गैर-कृषि आय तक पहुंच ग्रामीण भारत में कृषि निवेश को कैसे प्रभावित करती है? जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स। 2021:e2681। <http://doi.org/10.1002/pa2681>

पांडे, एन और रानी पी (2020) एक साधारण महिलाओं की एक असाधारण यात्रा, बहिष्कार अध्ययन के जर्नल, 10 (2), 253-265, आईएसएसएन 2231-4547।

पांडे, एन (2020) हिंसा से बचे महिलाओं के लिए सेवाएं: फॉरेंसिक सामाजिक कार्य की भूमिका, दक्षिण एशियाई सोसायटी ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड विक्टिमोलॉजी (एसएससीवी) और अपराधशास्त्र विभाग, रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, 197-200, आईएसबीएन 978-81-906687-81 के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

बोहेट, एस एंड पांडे, एन (2020) एचआईवी/एड्स की राजनीति: बहिष्कार अध्ययन के जर्नल में बहिष्कार की परतें 10 (1), 1-12, आईएसएसएन 2231-4547

पांडे, एन (2020) जीवित बचे लोगों की आवाज: घरेलू हिंसा का मुकाबला, गुवाहाटी: ईबीएच प्रकाशकों, आईएसबीएन 9789390434282

रॉय, एस (2020) महिला शिक्षा और भागीदारी विकास: सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल दृष्टिकोण की जरूरत है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऐतिहासिक पुरातत्व और मानव विज्ञान, मेड क्रैथ, आईएसएसएन-2573-2897, 29 अक्टूबर 2020, भाग-05, अंक-05, पृ.-183-191।

रॉय, एस (2020) (सह लेखक)। बाल घरेलू कामगार: अधिकारों के नजरिए से समझ, अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज रिसर्च, ई-आईएसएसएन-2581-8868। नवंबर 2020, भाग-03, अंक-06, पृ.-01-03.

रॉय, एस (2020) (सह लेखक)। कोविड-19 के साथ मुद्दे और चुनौतियां: सामाजिक कार्य अभ्यास और दृष्टिकोण के माध्यम से हस्तक्षेप। सामाजिक कार्य मूल्यों और नैतिकता के जर्नल, आईएसएसएन-1553-6947। अक्टूबर-2020, भाग 17, अंक 2, कॉपीराइट 2010, एसडब्ल्यूबी।

रॉय, एस (2020) भारत में महिला अश्लीलता: कानूनी प्रतिबिंब के साथ सामाजिक दृष्टिकोण, पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों के इंटरनेशनल जर्नल, मेडविन प्रकाशक, मार्च, 2020, आईएसएसएन-2578-4994, आईएफ-2.09, पी, भाग-4 अंक-2, संयुक्त राज्य अमेरिका।

रॉय, एस (एड.) (2021)। "सामाजिक कार्य शिक्षा: स्वदेशी परिप्रेक्ष्य"। सेज प्रकाशन, ब्रिटेन, नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-5388-637-0 (एचबी), 978-93-5388-638-7 (ई प्रकाशन 2.0) और 978-93-5388-657-8 (वेब)।

रॉय, एस (2020) भारत में स्वच्छता की संभावनाएं और प्रगति: कानूनी और नीति परिप्रेक्ष्य। नागेंद्र अंबेडकर सोल एंड एस सुधाकर बाबू (ईडी), भारत में सार्वजनिक नीति: बदलती रूपरेखा, खंड पुस्तक प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन-978-93-81513-14-9, पृ.-75-94।

रॉय, एस (2020) टैगोर का श्रीनिकेतन प्रयोग: ग्रामीण विकास का एक व्यवहार्य स्वदेशी मॉडल। बी एम में मिथिलेश कुमार और एस शुक्ला (सं.)। भारत में सामाजिक कार्य: स्वदेशी दृष्टिकोण और मॉडल, अवधारणा प्रकाशन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, आईएसबीएन-978-93-88937-49-8, पृ.-30-40।

शर्मा, एस एंड अग्निमित्र, एन (2020) प्रवासी श्रमिक और महामारी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन, क्रिएटिविटी एंड चेंज, 145-165। विशेष संस्करण, कोविड 19, जीवन से परे, सितंबर, 2020, आईएसएसएन-2201-1323।

शर्मा, एस (2020) मानव संसाधन प्रबंधन: पिछले एक दशक में रुझान, दिल्ली: पेपीरस स्क्रॉल। आईएसबीएन-9788193322123

शशि रानी (2020) भारत में श्रम कल्याण और सामाजिक सुरक्षा: सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग भेल, सामाजिक कार्य शिक्षा, अनुसंधान और कार्रवाई (एसडब्ल्यूआईआरए), 52-65, भाग 4., संख्या 3, आईएसएसएन 23944102 का एक मामला।

शशि रानी और शर्मा केके (2020) जेंडर एंड महामारी, जर्नल ऑफ अपवर्जन स्टडीज, जेंडर एंड अपवर्जन पर विशेष अंक, 135-150, भाग 10., सं. 2, आईएसएसएन 22314547।

शशि रानी (2021)। सामाजिक कार्य और परामर्श: समकालीन और उभरते अभ्यास क्षेत्र, संजोय रॉय (सं.), सामाजिक कार्य शिक्षा-स्वदेशी परिप्रेक्ष्य, 84-100, ऋषि, भारत, आईएसबीएन 978935388637-0 (एचबी), 2021

सिंगला, पी (2020) पुलिस कर्मियों के लिए सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग, अमेजन पब्लिशिंग (पेपरबैक); संस्करण द्वारा बेचा: अमेज़न एशिया प्रशांत होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड आईएसबीएन 978-93-5279-315-0

सिंगला, पी एंड तुलस्यान ए (2020) कमला नाथ (सं.), भारतीय महिला यात्रा में ' महिलाओं के विरुद्ध हिंसा': पिछले पांच दशकों। नई दिल्ली: हर आनंद प्रकाशक, आईएसबीएन 978-93- 88409-58-2

सिंगला, पी (2020) कोविड काल में: एक सामाजिक कार्य संकाय की डायरी से, सामाजिक कार्य वेबसाइट (www.iassw-aiets.org) के स्कूलों के इंटरनेशनल एसोसिएशन <https://www.iassw-aiets.org/covid19/5040-living-in-covid-times-from-the-diary-of-a-social-work-faculty/>

सिंगला, पी (2020) कोविड-19 के दौरान ' सामाजिक ' का विश्लेषण, सामाजिक कार्य वेबसाइट (www.iassw-aiets.org) के स्कूलों के इंटरनेशनल एसोसिएशन <https://www.iassw-aiets.org/covid-19/5079-analysing-the-social-during-covid-19>

संपादकीय बोर्ड के संपादक /सदस्य के रूप में विभाग के सेवारत शिक्षकों की संख्या

अग्निमित्रा, नीरा

सदस्य, संपादक मंडल, सीजेएमआर, प्रबंधन अनुसंधान जर्नल (प्रबंधन अनुसंधान और विकास फाउंडेशन सेंटर के डॉ. विखे पाटील का जर्नल)।

शैक्षणिक सलाहकार, अधिगम समुदाय (शैक्षिक और सामाजिक विकास जर्नल)।

ब्रिटिश जर्नल आफ सोशल वर्क हेतु अकादमी समीक्षक, ऑक्सफोर्ड जर्नल।

इंटरनेशनल जर्नल आफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन हेतु अकादमी समीक्षक, एल्सवियर बी.वी, एम्सटरडम, द नीदरलैंड।

जर्नल ऑफ सोशल वर्क एजुकेशन हेतु अकादमी समीक्षक, अनुसंधान और कार्य, एनएपीएसडब्ल्यूआई।

आनंद, मीनू

समकक्ष समीक्षक, सेज ऑपन एक्सेस जर्नल।

समकक्ष समीक्षक, जेंडर इश्यू, स्प्रिंगर।

समकक्ष समीक्षक, इंटरनेशनल जर्नल आफ सोशल वेल्फेयर, विली ऑनलाइन पुस्तकालय।

समकक्ष समीक्षक, सोशल चेंज, काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट।

समकक्ष समीक्षक, ऑनलाइन डीयू जर्नल आफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इन्नोवशन, दिल्ली विश्वविद्यालय।

समकक्ष समीक्षक, वीमेंस लिंग जर्नल, सरोजनी नायडू सेंटर फॉर वीमेंस स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया।

भट्ट, संजय

प्रबंध संपादक, जर्नल आफ सोशल वर्क एजुकेशन, रिसर्च एवं एक्शन।

सदस्य, संपादक मंडल, न्यू होराइजन्स इन यूनिवर्सिटी एजुकेशन: ए जर्नल आफ डेवलपमेंट एंड सोशल जस्टिस।

झा, पुष्पांजलि

समकक्ष समीक्षक - इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्युनिटी एंड सोशल डेवलपमेंट, सेज पब्लिकेशन।

मस्के, सुधीर

संपादक मंडल के सदस्य, भारतीय सतत विकास जर्नल (आईजेएसडी), आईआईएसएन-2394-7675, सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और पब्लिशिंग इंडिया ग्रुप, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

पांडेय, नीना

सदस्य, संपादक मंडल- जर्नल आफ एक्सक्लुजिव स्टडीज

समकक्ष समीक्षक, इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्युनिटी एंड सोशल डेवलपमेंट, सेज पब्लिकेशन।

समकक्ष समीक्षक - ब्रिटिश जर्नल आफ सोशल वर्क

समकक्ष समीक्षक - इंडियन जर्नल आफ सोशल वर्क

राय, संजय

एन्साक्लोपीडिया आफ सोशल वर्क, एनएसडब्ल्यू, यूएसए का अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार मंडल सदस्य।

इंटरनेशनल जर्नल आफ रीलिजियन एंड स्प्रिचुअलिटी इन सोसाइटी, यूएसए का एसोसिएट संपादक।

इंटरनेशनल जर्नल आफ अफ्रीकन एंड एशियन लोकल गवर्मेंट स्टडीज, रोड्स यूनिवर्सिटी, साउथ अफ्रीका में सलाहकार संपादक मंडल सदस्य।

इंटरनेशनल जर्नल आफ हिस्टोरिकल आर्किलॉजिकल एंड एंथ्रोपोजिकल साइंस, मेडक्रेव में संपादक।

सोसियोलॉजी इंटरनेशनल जर्नल, यूएसए में संपादक मंडल सदस्य।

जर्नल आफ इकॉलोजी एंड नेचुरल रिसोर्सेज (जेईएनआर), मेडविन पब्लिकेशन

जर्नल आफ इकॉलोजी एंड नेचुरल रिसोर्सेज (जेईएनआर), मेडविन पब्लिसर, यूएसए में संपादक मंडल सदस्य।

शर्मा, सीमा

एशिया पैसिफिक जर्नल आफ बिजनेस एथिक्स में समीक्षक

सिंगला, पामेला

अकादमिक समीक्षक - पालग्रेव मैकमिलन

समकक्ष समीक्षक - इंडियन जर्नल आफ सोशल वर्क

कौशिक, अर्चना

अनुसंधान और विकास जर्नल, हेल्प एज इंडिया में अतिथि संपादक, भाग 25, सं.2 2019, आईएसएसएन: 0972-0227 विशेष संस्करण

अनुसंधान और विकास जर्नल, हेल्पेज इंडिया में अतिथि संपादक, भाग 26, सं.1 2020, आईएसएसएन: 0972-0227 विशेष संस्करण

आयोजित सम्मेलन/ कार्यशाला - सम्मेलन, तिथि, वित्तपोषण एजेंसी सहायता

सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनारों / सेमिनारों की सूची 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक

क्र.सं.	तिथि	शीर्षक	वक्ता
1.	15 मई, 2020	कोविड महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और कुशलता	डॉ. निमेश देसाई, निदेशक, इहबास और डॉ. श्वेता वर्मा, संस्थापक और सीईओ, गिनीज प्लेनेट।
2.	16 मई 2020	एंथोग्राफी एवं सामाजिक कार्य	प्रो. विनय श्रीवास्तव
3.	17 सितम्बर 2020	साहस, लोकतंत्र और समानता:	प्रो. अजय स्केरिया, मिनेसोटा

क्र.सं.	तिथि	शीर्षक	वक्ता
		गांधी से प्रश्न	विश्वविद्यालय
4.	19 सितम्बर 2020	अहिंसा को अर्थ प्रदान करना: समकालीन चुनौतियां और गांधीवादी तरीके	प्रो. डेनिस डॉल्टन, प्रोफेसर एमेरिटस, राजनीतिक विज्ञान, बर्नाड महाविद्यालय, कोलंबिया विश्वविद्यालय
5.	26 सितम्बर 2020	गांधी और भारतीय आधुनिकता के दावे	प्रो. अकील बिलग्रामी, सिडनी मॉर्गनबेसर प्रोफेसर आफ फिलॉसफी, कोलंबिया विश्वविद्यालय।
6.	30 सितम्बर 2020	आत्मनिर्भरता और अहिंसा संबंधी गांधीवादी परिप्रेक्ष्य: खाद्य संप्रभुता प्राप्त करने हेतु सामाजिक कार्य।	श्री आशिष कोठारी, संस्थापक सदस्य - कल्पवृक्ष
7.	2 अक्टूबर 2020	गांधी की संकल्पना कैसे की जाए?	प्रो. विद्युत चक्रवर्ती, उप-कुलपति, विश्वभारती विश्वविद्यालय
8.	9 अक्टूबर 2020	ऐसे कुछ विचार कि सामाजिक कार्यकर्ता किस प्रकार गांधीजी की विरासत का उपयोग कर सकते हैं (आदर्शवाद को नजरअंदाज करते हुए)	प्रोफेसर मार्क लिंडले, प्रोफेसर आफ एमिनेंस, एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगाबाद
9.	10 अक्टूबर 2020	रिसर्च कॉल्लेक्विअम शीर्षक अंडमान निकोबार द्वीप में शोध अनुभव	डॉ. अजय सैनी, सहायक प्रोफेसर, ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केंद्र, आईआईटी, दिल्ली।
10.	21 नवम्बर 2020	युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कुशलता को बढ़ाना: सामाजिक कार्य की भूमिका	डॉ. जितेन्द्र नागपाल, वरिष्ठ कंसल्टेंट मनोवैज्ञानिक, मूलचंद मेडसिटी और प्रोग्राम निदेशक, एक्सप्रेसन इंडिया।
11.	4 जनवरी 2021	हमारे बिना हमारा कुछ नहीं: भारत में निश्चित व्यक्तियों हेतु नीतिगत बातचीत और कानूनी रूपरेखा से मीमांसा	डॉ. संजय जैन प्रिंसिपल आईएलएस विधि महाविद्यालय, पुणे और श्री राजीव रातुरी, विशेष निगरानी कर्ता, भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग।
12.	30 जनवरी, 2021	मौन संस्कृति को तोड़ना: वंचित के सशक्तिकरण हेतु पूर्वापेक्षा।	डॉ. लेनिन रघुवंशी, सह-संस्थापक, मानवाधिकार संबंधी लोक सतर्कता समिति और डॉ. संजय सिंह, परमार्थ समाज सेवी संगठन।
13.	8 मार्च, 2021	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह सम्मेलन (मिश्रित मोड) शीर्षक "वैश्विक संकट और महिलाएं:	डॉ. रश्मि सिंह प्रो. सिमरित कौर सुश्री अशिता मित्रल

क्र.सं.	तिथि	शीर्षक	वक्ता
		उनके अस्तित्व का कीर्तिगान।	प्रो. अर्चना दासी सुश्री त्रुप्ता पंचाल
14.	12 मार्च, 2021	भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं के योगदान को याद करना।	डॉ. विजय लक्ष्मी नंदा, कार्यकारी प्राचार्य, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय।
15.	22 मार्च, 2021	विश्व युवा केंद्र के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग ने निम्न शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया “डिजिटल रूप से सशक्त महिलाएं: समय की मांग”	डॉ. शाहिद सिद्दिकी प्रो. पामेला सिंगला सुश्री अर्पणा आतिश चव्वाण सुश्री बर्षा चक्रवर्ती सुश्री परमिशा गौतम

आयोजित सेमीनार/वेबिनार

16 मई, 2020 को सामाजिक कार्य के लिए नृवंशविज्ञान, विशेषज्ञ - प्रो विनय श्रीवास्तव वेबिनार संयोजक - श्री अभिषेक ठाकुर

साहस, लोकतंत्र और समानता: 17 सितंबर 2020 को गांधी से प्रश्न, विशेषज्ञ - प्रो अजय स्कारिया- इतिहास विभाग /इंस्टिट्यूट फॉर ग्लोबल स्टडीज, मिनेसोटा विश्वविद्यालय। डॉ. मीनू आनंद संयोजक थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो पामेला सिंगला ने की।

अहिंसा का भाव तैयार करना: समकालीन चुनौतियां और गांधीवादी तरीके 19 सितंबर 2020 को,

विशेषज्ञ - कोलंबिया यूनिवर्सिटी के बर्नार्ड कॉलेज में राजनीति शास्त्र /राजनीतिक सिद्धांत में प्रोफेसर डेनिस डाल्टन प्रोफेसर एमेरिटस। डॉ. मीनू आनंद संयोजक थीं

गांधी और भारतीय आधुनिकता के दावे, विशेषज्ञ - प्रो अकील बिलग्रामी, सिडनी मॉर्गेनबेसर प्रोफेसर ऑफ फिलॉसफी, प्रोफेसर, वैश्विक विचार समिति, 709 फिलॉसफी हॉल, कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क। प्रो मनोज झा (माननीय सांसद, राज्यसभा) चर्चा करने वालों में थे।

स्वावलंबन और अहिंसा पर गांधीवादी परिप्रेक्ष्य: खाद्य संप्रभुता प्राप्त करने के लिए सामाजिक कार्य, 30 सितंबर, 2020 विशेषज्ञ: श्री आशीष कोठारी (संस्थापक सदस्य, कल्पवृक्ष)

गांधी की संकल्पना कैसे करें? 2 अक्टूबर 2020 को

विशेषज्ञ: प्रो. बिद्युत चक्रवर्ती, माननीय कुलपति, विश्व भारती, पश्चिम बंगाल संयोजक थे। डॉ. मीनू आनंद सामाजिक कार्यकर्ता गांधी की विरासत का उपयोग कैसे कर सकते हैं (उनके आदर्शवाद को नजरअंदाज करते हुए) विशेषज्ञ: मार्क लिंडले प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस, एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगाबाद। तिथि: 9 अक्टूबर, 2020।

'हमारे बिना हमारे बारे में कुछ नहीं ': भारत में निशक्त लोगों के लिए नीति प्रवचन और कानूनी ढांचे से मीमांसा, 4 जनवरी, 2021.

विशेषज्ञ: डॉ. संजय जैन (प्राचार्य, आईएलएस विधि महाविद्यालय) और डॉ. राजीव रतुरी (विशेष निगरानी कर्ता, एनएचआरसी, भारत सरकार)

मौन की संस्कृति को तोड़ना: हाशिए पर खड़े लोगों का सशक्तिकरण, 30 जनवरी 2021; 3:00 बजे अपराह्न से 4:30 बजे अपराह्न तक।

विशेषज्ञ: मानवाधिकार संवंधी लोक सतर्कता समिति (पीवीसीएचआर) के सह-संस्थापक डॉ. लेनिन रघुवंशी और 'बुंदेलखंड के वाटरमैन' के नाम से मशहूर डॉ. संजय सिंह वेबिनार के वक्ता थे।

वैश्विक संकट और महिलाएं: अपने अस्तित्व का जश्न मनाना: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह सम्मेलन, 8 मार्च, 2021

मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता: डॉ. रश्मि सिंह, आईएएस, निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, दिल्ली।

आयोजित सेमीनार/ सम्मेलन/ किया गया प्रस्तुतीकरण/ दिया गया व्याख्यान (राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय)

अदुसुमाली, मलाथी.

'आपदाओं में सामाजिक कार्य: कोविड 19 के प्रति प्रतिक्रिया' विषय पर 25 नवंबर 2020 को ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स वर्चुअल इवेंट पर बीएसडब्लू आभासी कार्यक्रम पर एक वेबिनार में 'भारत में कोविड-19 के प्रति सामाजिक कार्य प्रतिक्रिया: जटिलता से निपटने और कई चुनौतियों का जवाब देना' के संबंध में एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

'आपदाओं में सामाजिक कार्य: कोविड 19 के प्रति प्रतिक्रिया' विषय पर 25 नवंबर 2020 को ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स वर्चुअल इवेंट पर बीएसडब्लू आभासी कार्यक्रम पर एक वेबिनार में 'भारत में कोविड-19 के प्रति सामाजिक कार्य प्रतिक्रिया: जटिलता से निपटने और कई चुनौतियों का जवाब देना' के संबंध में बोलने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 9 अक्टूबर 2020 को प्रो मार्क लिंडले द्वारा 'सामाजिक कार्यकर्ता गांधी की विरासत का उपयोग कैसे कर सकते हैं, पर कुछ विचार पर व्याख्यान के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 30 सितंबर 2020 को श्री आशीष कोठारी द्वारा 'स्वावलंबन और अहिंसा पर गांधीवादी परिप्रेक्ष्य: खाद्य संप्रभुता प्राप्ति के लिए सामाजिक कार्य' व्याख्यान पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

अग्निमित्रा, नीरा

बीआरईयूकॉम(यूरोपीय संघ इरासमस + कार्यक्रम के तहत वित्त पोषित एक परियोजना), योजना और वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के तत्वावधान में 23 अक्टूबर, 2020 को दोपहर 2 बजे 'शहरी लचीलापन और बदलते समुदाय' पर पांच दिवसीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में "हाशिए पर रहने वाले समुदाय और लैंगिक मुद्दे" पर व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन में 13 मार्च 2021 को दोपहर 2.30 बजे नई शिक्षा नीति (एनईपी, 2020) पर विशेष संदर्भ में गांधी भवन और संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा संवंधी कार्यशाला में "नई शिक्षा नीति के संदर्भ के साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली और सामाजिक कार्य शिक्षा को बढ़ावा देने" पर व्याख्यान दिया गया।

4 नवंबर, 2020 को सुबह 9.30 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई) द्वारा आयोजित "सतत पर्यावरण की ओर" विषय पर पर्यावरण अध्ययन, जल, पृथ्वी और पर्यावरण विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "पर्यावरण और लिंग के सामाजिक पहलुओं" पर व्याख्यान दिया।

विद्यार्थी कल्याण संकाय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित प्रवासी महिला कामगारों पर एक दिन के वेबिनार में "प्रवासी महिला कामगार: मुद्दे और चुनौतियां; पर 24 नवंबर, 2020 को दोपहर 1.15 बजे व्याख्यान दिया।

15 जुलाई, 2020 को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक बीडीयू हेरिटेज सेंटर फॉर गेरोटोलॉजी, सामाजिक कार्य विभाग, भारतीदसन विश्वविद्यालय और हेरिटेज फाउंडेशन आफ इंडिया के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित छह दिवसीय अभिमुखी कार्यक्रम में "सामुदायिक संगठन एवं बुजुर्गों के कल्याण के लिए सामाजिक कार्यवाई" पर व्याख्यान दिया।

'कोविड-19 लॉकडाउन पश्चात: निहितार्थ और प्रबंधन' विषय पर मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 मई, 2020 को वेबिनार में कोविड के दौर में रहने के सामाजिक निहितार्थ पर एक व्याख्यान दिया।

1 जुलाई 2020 को सामाजिक कार्य के स्नातकोत्तर विभाग और आईक्यूएसी, गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, मैसूर द्वारा आयोजित "कोविड 19 लॉकडाउन और कमजोर लोग" पर "कोविड 19 लॉकडाउन का प्रभाव" पर व्याख्यान दिया।

10 अगस्त, 2020 को सांध्य 4 बजे सामाजिक कार्य छात्रों के लिए एनएपीएसडब्ल्यूआई वेबिसोड में "पारस्परिक संबंधों का मुद्दा" पर व्याख्यान दिया।

20 अगस्त 2020 को दोपहर 2 बजे से सांध्य 4 बजे तक वाराणसी के एमजी काशी विद्यापीठ के शोध विद्वानों की बैठक, शताब्दी वर्ष में 'शोध तौर तरीके पर विशेष व्याख्यान' के हिस्से के रूप में 'सामाजिक कार्य में अकादमिक लेखन' पर व्याख्यान दिया।

25 अगस्त, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ, मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित 'समुदाय पहुंच कार्यक्रम - एक साथ हम कर सकते हैं' पर दो सप्ताह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के हिस्से के रूप में "सामुदायिक सहभागिता मामले" पर व्याख्यान दिया।

26 अगस्त, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स 'समुदाय पहुंच कार्यक्रम - हम एक साथ मिलकर कर सकते हैं' के हिस्से के रूप में 'बिल्डिंग द फाउंडेशन' पर व्याख्यान दिया।

लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 मई, 2020 को सांध्य 6 बजे "सामाजिक उत्तरदायित्व और उच्च शिक्षण संस्थानों में सामुदायिक जुड़ाव" विषय पर विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में व्याख्यान दिया।

8 मार्च, 2020 को सुबह साढ़े दस बजे लखनऊ विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित जेंडर बजटिंग पर तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में "भारतीय संदर्भ में लैंगिक समानता" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

30 जनवरी 2021 को दोपहर 3 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "मौन संस्कृति को तोड़ना: हाशिए पर खड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए पूर्वोपेक्षा" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया

19 सितंबर 2020 को सांध्य 9:30 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा "अहिंसा को अर्थ देना: समकालीन चुनौतियां और गांधीवादी तरीके" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

एनएपीडब्ल्यूआई वार्ता शृंखला के भाग के रूप में, 9 जून, 2020 को सांध्य 4 बजे "कोरोना के साथ रहना: सामाजिक कार्य प्रथा के निहितार्थ" विषय पर प्रो आर आर सिंह के साथ बातचीत।

1 मार्च को सुबह 9 बजे सामाजिक कार्य विभाग, विश्व भारती, श्रीकेतन के 8वें भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में प्रथम प्रो आर आर सिंह स्मृति व्याख्यान की अध्यक्षता की।

10 मई 2020 को सुबह 11 बजे एनएपीएसडब्ल्यूआई और दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "महामारी, प्रवासी कामगार और सामाजिक कार्य" पर एक वेबिनार का सह-आयोजन किया।

"कोविड 19 के बाद क्या - एक भावी परिप्रेक्ष्य" विषय पर एनएपीएसडब्ल्यूआई वार्ता का सह आयोजन, मई 2020

18 मई 2020 को सुबह 11 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "कोविड 19 के बीच बुजुर्गों की देखभाल: चुनौतियां और चिंताएं" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

15 मई 2020 को सुबह 11 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "कोविड महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और कुशलता" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

16 मई 2020 को अपराह्न 3 बजे से दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "सामाजिक कार्य के लिए नृवंशविज्ञान" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

15 मई 2020 को सुबह 11 बजे से 12 बजे तक दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "कोविड के समय में अपनी देखभाल" पर वेब आधारित बातचीत का आयोजन किया।

21 सितंबर 2020 को सुबह 11.30 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान के तत्वावधान में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति: क्षमता और जमीनी स्तर पर जुड़ने और पहुंच के निहितार्थ" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

आनंद, मीनू

सामाजिक कार्य संकाय, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा 24 मार्च 2021 को आयोजित 'सामाजिक कार्य शिक्षा और प्रथा: कोविड 19 के दौरान संकट प्रतिक्रियाएं' विषय पर यूजीसी-डीएसए चरण-तृतीय आभासी राष्ट्रीय सेमिनार में 'भावी और स्तनपान कराने वाली माताओं पर कोविड-19 का प्रभाव: सामाजिक कार्य का विस्तार' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

16 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "सामाजिक कार्य के लिए नृवंशविज्ञान" पर एक वेबिनार की अध्यक्षता की।

27 जनवरी 2021 से 7 फरवरी 2021 तक आयोजित 'विद्यार्थी केंद्रित अध्यापन पद्धति' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम में 27 जनवरी 2021 को 'छात्रों के व्यक्तित्व को समझना: मानसिक स्वास्थ्य का पोषण' पर व्याख्यान दिया। इसे आईक्यूएसी, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया।

28 दिसंबर 2020 से 2 फरवरी 2021 तक आयोजित एक महीने के संकाय प्रवेशन कार्यक्रम में 9 जनवरी 2021 को 'विद्यार्थी विविधता को समझना' विषय पर व्याख्यान दिया। इसे यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित

5 अक्टूबर से 3 नवंबर 2020 तक आयोजित पहले एक माह के संकाय प्रवेशन कार्यक्रम में 16 अक्टूबर 2020 को "व्यक्तित्व और परिभाषित विशेषताओं, व्यक्तित्व का मूल्यांकन" विषय पर व्याख्यान दिया। इसे यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित किया गया।

31 अक्टूबर 2020 को "कोविड-19 महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य" पर पैनल चर्चा में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया। सिस्टम रिसर्च सोसायटी द्वारा आयोजित।

31.05.2020 से 05.09.2020 तक आयोजित जेंडर संवेदीकरण पर एक सप्ताह ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम में 4 सितंबर 2020 को "जेंडर और मानसिक स्वास्थ्य" पर व्याख्यान दिया। इसे यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया।

जामिया मिलिया इस्लामिया

20 जुलाई 2020 को आयोजित "मानसिक स्वास्थ्य और कोविड पश्चात कुशलता" पर वेबिनार में "कोविड, जेंडर और मानसिक स्वास्थ्य" पर एक व्याख्यान दिया। इसे मानव विज्ञान विभाग द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया।

30 मई 2020 को विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में "जेंडर और स्कूल शिक्षा" पर व्याख्यान दिया। इसे सेंटर फॉर वुमन स्टडीज, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालयद्वारा आयोजित किया गया।

26 मई 2020 को विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में "कोविड महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और लचीलापन बढ़ाने" पर व्याख्यान दिया। इसे सेंटर फॉर वुमन स्टडीज, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

12 मार्च 2021 को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं के योगदान पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

21 नवंबर 2020 को 'युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कुशलता को बढ़ाना: सामाजिक कार्य की भूमिका' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

15 मई 2020 को 'कोविड महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

बेहेरा, प्रताप, सी.

सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 17 सितम्बर, 2020 को इतिहास विभाग/ इंस्टीच्युट फॉर ग्लोबल स्टडीज यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोटा के प्रो. अजय स्कारिया द्वारा 'साहस, लोकतंत्र और समानता: गांधी से प्रश्न' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

'अहिंसा की समझ: समकालीन चुनौतियां और गांधीवादी तरीके' पर प्रोफेसर डेनिस डाल्टन, बर्नार्ड कॉलेज, कोलंबिया विश्वविद्यालय, अमेरिका में राजनीति विज्ञान/राजनीतिक सिद्धांत में प्रोफेसर एमेरिटस द्वारा 19 सितंबर 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

'गांधी और भारतीय आधुनिकता के दावों' पर प्रो अकील बिलग्रामी, सिडनी मोर्गेनबेसर प्रोफेसर ऑफ फिलॉसफी, प्रोफेसर, ग्लोबल थॉट, कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, अमेरिका द्वारा 26 सितंबर 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया।

'स्वावलंबन और अहिंसा पर गांधीवादी दृष्टिकोण: खाद्य संप्रभुता प्राप्त करने के लिए सामाजिक कार्य' पर 30 सितंबर 2020 को संस्थापक सदस्य- कल्पवृक्ष, श्री आशीष कोठारी द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

'गांधी की संकल्पना कैसे करें? ' पर 2 अक्टूबर 2020 को प्रो. बिदयुत चक्रवर्ती, माननीय कुलपति, विश्व भारती, पश्चिम बंगाल द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया।

'सामाजिक कार्यकर्ता गांधी की विरासत का उपयोग कैसे कर सकते हैं (उनके काल्पनिकता की अनदेखी करते हुए) संबंधी कुछ विचार' पर 9 अक्टूबर 2020 को प्रोफेसर मार्क लिंडले, एमिनेंस के प्रोफेसर, एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगाबाद द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया।

झा, पुष्पांजलि,

11 अगस्त, 2020 को नई दिल्ली के आवासन विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय में "अवधारणा और समावेशी योजना के दृष्टिकोण" शीर्षक से आभासी मोड पर व्याख्यान दिया।।

18 अगस्त, 2020 को नई दिल्ली के के आवासन विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय में "समावेशी योजना: मॉडल और केस स्टडीज" शीर्षक से आभासी मोड पर व्याख्यान दिया।

8 सितंबर, 2020 को नई दिल्ली के आवासन विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय में "सामुदायिक भागीदारी के तरीके" शीर्षक से आभासी मोड पर व्याख्यान दिया।

15 सितंबर, 2020 को नई दिल्ली के आवासन विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय में "लोगों की भागीदारी और शहरी नियोजन में लोगों की भागीदारी के दृष्टिकोण" शीर्षक से आभासी मोड पर व्याख्यान दिया।

6 अक्टूबर, 2020 को नई दिल्ली के आवासन विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय में "किसी शहर के स्थानिक नियोजन के संदर्भ में प्रभावहीनता की समझ" शीर्षक से आभासी मोड पर व्याख्यान दिया।

आवासन विभाग, योजना और वास्तुकला विद्यालय में, नई दिल्ली में 17 अक्टूबर, 2020 को आभासी मोड पर शहरी गरीबों के सामाजिक और आर्थिक बहिष्करण को समझना और शहरी नियोजन के माध्यम से बहिष्करण का समाधान करना” शीर्षक से व्याख्यान दिया।।

1 मार्च, 2021 को विश्व भारती विश्वविद्यालय और एनएपीएसडब्ल्यूआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 8वीं भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में ‘किसका सामाजिक कार्य ? कौन परिभाषित करता है? सामाजिक कार्यों की पहचान की तलाश’ शीर्षक से शोध की सह-प्रस्तुति।

कौशिक, अर्चना,

20 से 21 अगस्त 2020 को पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण मिशन और महात्मा गांधी फुजी गुरुजी सेंटर फॉर सोशल वर्क, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "सामाजिक कार्यों में आत्म का उपयोग:अफ्रीका और दक्षिण एशिया से दृष्टिकोण" पर "सामाजिक कार्यों में आत्म-उपयोग" पर एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण मिशन और महात्मा गांधी फुजी गुरुजी सेंटर फॉर सोशल वर्क द्वारा महात्मा गांधी अंताक्षरी हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा भारतीय शिक्षण मंडल के सहयोग से 20 से 21 अगस्त, 2020 तक आयोजित 21 अगस्त 2020 को दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक "स्वदेशीकरण और सामाजिक कार्य शिक्षा का विच्छेदन: अफ्रीका और दक्षिण एशिया से परिप्रेक्ष्य" के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "भारतीय स्वदेशी सामाजिक कार्य" विषय पर सत्र की सह-अध्यक्षता की (अध्यक्ष: प्रो.एम.एन. परमार, एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा)।

एक विशेषज्ञ के रूप में 18 मई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "कोविड-19 के बीच बुजुर्गों की देखभाल: चुनौतियां और चिंताएं" शीर्षक से 'कोरोना के बीच बुजुर्ग: देखभाल चिंताओं और चुनौतियों' पर बातचीत की।

एक विशेषज्ञ के रूप में 6 फरवरी 2021 को सामाजिक कार्य विभाग, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा आयोजित "सामाजिक कार्य प्रथा और शिक्षा के नए युग क्षितिज को का विस्तार: कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके पश्चात परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक आनलाइन राष्ट्रीय सेमीनार में "जराजन्य देखभाल पर कोविड-19 का प्रभाव" के संबंध में बातचीत की।

एक विशेषज्ञ के रूप में 29 जनवरी 2021 को 1:30 बजे से 3:30 बजे तक सामाजिक कार्य विभाग, एनईएफ महाविद्यालय लोखरा, गुवाहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला "सामाजिक कार्य पेशेवरों के लिए चुनौतियां" में "संस्थागत और गैर-संस्थागत व्यवस्थाओं में सामाजिक कार्यकर्ता के सामने नैतिक चुनौतियां" विषय पर एक भाषण दिया।

एक विशेषज्ञ के रूप में 18 दिसंबर 2020 को 12:15 से 2 बजे तक सामाजिक कार्य महाविद्यालय, निर्मला निकेतन, मुंबई, भारत द्वारा आयोजित समुदाय आधारित शांति स्थापना: चुनौतियां और अवसर संबंधी अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "कोरोना संकट को सौहार्दपूर्ण जीवन के अवसर में परिवर्तित करना: नागरिक समाज हस्तक्षेप, भारत का मामला" पर एक भाषण दिया।

एक विशेषज्ञ के रूप में 23 जुलाई 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा "कोविड-19 के समय जनजातियों के जीवन की स्थिति" शीर्षक से एक वेबिनार में "कोरोना महामारी के दौरान जनजातीय जीवन का पता लगाने" पर बातचीत की।

एक विशेषज्ञ के रूप में 5 अगस्त, 2020 को 11:30 बजे से 12:30 बजे तक जम्मू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल अपवर्जन एंड इनसक्लूसिव पॉलिसी द्वारा आयोजित वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में "कोरोना काल में दलितों की स्थिति का मानचित्रण और राज्य-नागरिक समाज प्रतिक्रिया" पर बातचीत की।

भारत

एक विशेषज्ञ के रूप में 20 अक्टूबर, 2020 को 11:00 बजे से 1:00 बजे तक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान द्वारा आयोजित वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'कोरोना महामारी में बुजुर्ग: सामाजिक दूरी या सामाजिक बहिष्कार' पर एक भाषण दिया;।

एक विशेषज्ञ के रूप में 11 जनवरी, 2021 को 11:00 बजे से 1:00 बजे तक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान द्वारा आयोजित एक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'सक्रिय और स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ाना: महत्व और रणनीतियां' पर एक भाषण दिया;

एक विशेषज्ञ के रूप में 19 जनवरी, 2021 को 11:00 बजे से 1:00 बजे तक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान द्वारा आयोजित एक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'खुशी, संतुष्टि और सुंदर वृद्धावस्था सुनिश्चित करना: तरीके और साधन' पर भाषण दिया;

एक विशेषज्ञ के रूप में 28 जनवरी, 2021 को 11:00 बजे से 1:00 बजे तक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान द्वारा आयोजित एक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला में 'सफल और उत्पादक वृद्धावस्था: सामाजिक समायोजन और एकीकरण के लिए चुनौतियां और अंतर्दृष्टि' पर भाषण दिया;

एक विशेषज्ञ के रूप में 11 मार्च, 2021 को सुबह 10:00 बजे से 11:40 बजे तक मानव संसाधन विकास केंद्र, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा द्वारा आयोजित जेंडर संवेदीकरण पर एक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला 'स्त्री: भूमिका दक्षता और प्रभावशीलता की दिशा में रणनीतियों' पर एक भाषण दिया;

लोकतंत्र संवाद और सामाजिक कार्य समूह: युवा विद्वान मंच द्वारा 1 जुलाई 2020 को 11:00 पूर्वाह्न से 1:30 अपराह्न को आयोजित वेबिनार में "कोविड-19 में बुजुर्ग आबादी की स्थिति का मानचित्रण: सामाजिक दूरी अथवा सामाजिक बहिष्कार " पर व्याख्यान दिया।

27 जून 2020 को 2:00 अपराह्न से 5:00 अपराह्न तक। नवजीवन एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्क द्वारा आयोजित "कोविड-19 महामारी के दौरान बुजुर्गों की कुशलता बढ़ाने" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

18 जून 2020, 4-5:30 बजे, एंथ्रोपोस इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'नृवंशविज्ञान' पर शोध विद्वानों और शिक्षाविदों के लिए एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम में "ऑटो-नृवंशविज्ञान" पर व्याख्यान दिया।

30 जनवरी 2021 को 3.00 बजे अपराह्न से 4.30 बजे अपराह्न तक दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में "मौन की संस्कृति को तोड़ना: हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए एक पूर्वपेक्षा" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया।

कुमारी, प्रसन्न,

दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 8 मार्च 2021 को 'वैश्विक संकट और महिला: अपने अस्तित्व का समारोह मनाना' विषय पर आयोजन समिति के रूप में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह संगोष्ठी का आयोजन किया।

'डिजिटली सशक्त महिला: समय की जरूरत' पर एक वेबिनार का आयोजन किया, 22 मार्च 2021 को 2 बजे से 4 बजे तक विश्व युवा केंद्र और सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जूम पर एक वेबिनार आयोजित किया।

मस्के, सुधीर,

मास्टर ऑफ सोशल वर्क, राजीव गांधी समकालीन अध्ययन केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "समकालीन भारतीय समाज और सामाजिक कार्य प्रथा" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय सामाजिक कार्य शिक्षा में एक वैचारिक तंत्र के रूप में दलित साहित्य पर एक शोध शोध प्रस्तुत किया (20 और 21 फरवरी, 2020)।

बदलते समय में सामाजिक कार्य को फिर से लागू करने संबंधी दो दिवसीय वेबिनार में सामाजिक कार्य प्रशिक्षण और अभ्यास को फिर से शामिल करने पर एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। एकलव्य अकादमी, यवतमाल और पुरुषोत्तमथोट कॉलेज ऑफ सोशल वर्क, नागपुर द्वारा आयोजन किया गया (13 और 14 जून 2020)।

समाजशास्त्र और दर्शनशास्त्र विभाग, महात्मा बावेश्वर कॉलेज, लातूर द्वारा आयोजित भारत में "नई शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार" पर एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया (11 जनवरी 2021)।
पांडेय, नीना,

'किसका सामाजिक कार्य? कौन तय करता है?' संबंधी एक शोध प्रस्तुत किया। यह नेशनल एसोसिएशन फॉर प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एनएपीएसडब्ल्यूआई) और सामाजिक कार्य विभाग, शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 8वें आईएसडब्ल्यूसी में सामाजिक कार्य की पहचान की दिशा में एक अन्वेषण है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 1 मार्च 2021 को विकसित कोविड-19 परिदृश्य में कामकाजी महिलाओं के लिए कार्य-कार्य-जीवन संतुलन की नवीन तकनीकों पर ऑनलाइन पैनल चर्चा में पैनल सदस्य/अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित।

1. विकास और वृद्धि: सिद्धांत, निर्धारकों और विकास के अध्ययन के तरीके और 2. विकास-शैशव, बचपन, किशोर, युवा और बुजुर्गों के चरण, सामाजिक कार्य विभाग, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी द्वारा 9 फरवरी 2021 को आयोजित सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

18.12.2020 को सुबह 11.30 बजे से 1.00 बजे महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई (एसपीयूडब्ल्यूसी) द्वारा आयोजित समस्या समाधान प्रक्रिया के संदर्भ में व्यक्तियों के साथ निपटने के संबंध में सामाजिक सेवा इकाई ऑनलाइन कार्यशाला श्रृंखला में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

सामाजिक कार्य विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा 12 सितंबर 2020 को आयोजित सामाजिक कार्य प्रथा में व्यावसायिक विकास के महत्व पर अभिमुखी कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

शिक्षण शीर्षक वेबिनार में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित। शिक्षक और छात्रों का वेबिनार संयुक्त रूप से एनएपीएसडब्ल्यूआई, डीएसएसडब्ल्यू सोसाइटी और जीएसएसडब्ल्यू एलायंस द्वारा 8 सितंबर 2020 (11 से 1 बजे) पर आयोजित किया गया।

7 अगस्त 2020 को कोरोना के बीच और बाद में फील्ड वर्क पर सामाजिक कार्य छात्रों के लिए एनएपीएसडब्ल्यूआई वेबिसोडों में एक अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

आत्मनिर्भर भारत पर बहु-अनुशासनात्मक संकाय विकास कार्यक्रम :नीतियां और चुनौतियां में 27 नवंबर 2020 को शिक्षा में लैंगिक अवधारणाओं की समझ की प्रासंगिकता के संबंध में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, 24-30 नवंबर 2020

शिक्षकों के बीच कार्य-जीवन असंतुलन के परिणाम :बेहतर जीवन संतुलन के तरीके पर ऑनलाइन प्रथम माह संकाय प्रवेशन कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 16 अक्टूबर 2020 (3.30-5.00 बजे) को। आयोजित

सामाजिक विज्ञान, मानविकी और प्रबंधन के पीएच.डी. छात्रों के लिए 25 से 31 मई, 2020 तक एक सप्ताह के शोध के मूल सिद्धांतों पर ई-कार्यशाला में अनुसंधान :कब, क्यों और कैसे?" में नैतिकता के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित जिसे और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के विद्यार्थी कल्याण संकाय और कैपस नियोजन प्रकोष्ठ, वाराणसी द्वारा आयोजित किया गया।

कोरोना वायरस के साथ बदलते समय :बदलते परिदृश्य के अनुकूल सामाजिक कार्यकर्ता पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक विशेषज्ञत्व के रूप में आमंत्रित जिसे अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

दिनांक 30.4.2020 को फेयरगाज़ के सहयोग से ब्रेन बिहेवियर रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया (बीबीआरएफआई) द्वारा आयोजित एक वेब बीइंग सेमिनार में लक्ष्यों का चयन करने के लिए एक प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

कार्यस्थल पर यौन हिंसा नीति सुधार के उपाय के लिए सामाजिक और न्याय प्रतिक्रिया पर दो दिनों (13.03.2020-14.03.2020) राष्ट्रीय सम्मेलन में एक प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित जिसे राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समर्थन से सामाजिक कार्य विभाग, विवेक महाविद्यालय, बिजनौर द्वारा आयोजित किया गया।

पूर्व विद्यार्थी व्याख्यान श्रृंखला और वी सपोर्ट डॉ.क्यूमेंट को जारी करना। संजीवनी की संस्थापक डॉ. किरण भाटिया ने कोविड-19 के निहितार्थ शीर्षक से 14 अगस्त 2020 को व्याख्यान का आयोजन किया।

9 सितंबर 2020 को आर्थिक अपराध शाखा, दिल्ली पुलिस, भारतीय रिजर्व बैंक और सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए वित्तीय मामलों पर संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

10.5.2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा महामारी, प्रवासियों और सामाजिक कार्य पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया

7-8 अक्टूबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में कोरोना काल के दौरान समवर्ती क्षेत्र कार्य पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वैश्विक संकट और महिला संयोजक - अपने अस्तित्व का जश्न मनाना, विषयक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संयोजक के रूप में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 8 मार्च 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित।

सिंगला, पामेला,

मार्च-अप्रैल, 2021 के दौरान आईसीएसडब्ल्यू, आईएसएसडब्ल्यू, द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्य शिक्षा और विकास ऑनलाइन सम्मेलन (आईएसडब्लूडी)' में 15 अप्रैल, 2021 (मौखिक प्रस्तुतियों के लिए) आयोजित 'डिजिटल दुनिया और सामाजिक कार्य -भारतीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्य, सामाजिक अवलोकन और सामाजिक एकजुटता ' विषय पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय और 35 वें राष्ट्रीय सामाजिक कार्य दिवस सम्मेलन में 9 अप्रैल 2021को प्रस्तुतकर्ता के रूप में आमंत्रित किया। ईरान एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स द्वारा तेहरान, ईरान में आयोजित कोविड-19 के दौरान सामाजिक कार्य और सामाजिक एकजुटता शीर्षक पर ऑनलाइन शोध प्रस्तुत किया।

पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित 2-3 फरवरी, 2021 को 'समकालीन सामाजिक कार्य शिक्षा और प्रथाओं पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :चुनौतियां और संभावनाएं' में आमंत्रित प्रस्तोता। 'भारत में सामाजिक कार्य -इतिहास, पाठ्यक्रम और क्षेत्र कार्य :एक अवलोकन' शीर्षक से 3 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन शोध प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्य विभाग, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, 23 अक्टूबर, 2020 को आयोजित 'समाज में विकलांगता और सामाजिक समावेश' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में समापन भाषण।

समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान द्वारा 16-17 जुलाई 2020को आयोजित 'समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी-उलूबबेक मदरसा ओलिया के उत्तराधिकारी' शीर्षक पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ता। 'भारत में मदरसा -एक समीक्षा' शीर्षक पर एक शोध शोध प्रस्तुत किया, 16 जुलाई 2020।

'बच्चों सहित महिलाओं और लड़कियों की क्षमता का खुलासा :एक और सभी के लिए तेजी से लाभ बढ़ाना - सबका साथ, सबका विकास' विषय पर वि.अ.आ. वित्त पोषित राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन में मुख्य भाषण दिया, जिसे अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, 27 मार्च 2021को ऑनलाइन आयोजित किया गया।

'सामाजिक कार्य शिक्षा और प्रथा :कोविड 19-महामारी के लिए संकट प्रतिक्रियाएं' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्ण वक्ता। 24 मार्च 2021 को वडोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के सामाजिक कार्य संकाय द्वारा आयोजित 'कोविड-19 महामारी के प्रति सामाजिक कार्य शिक्षा और अभ्यास प्रतिक्रिया' शीर्षक से शोध शोध प्रस्तुत किया गया।

8वें सामाजिक कार्य सम्मेलन 2020 और 8वें आईसीएसडी एशिया पैसिफिक सम्मेलन में 'सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के 75 वर्ष' पर शोध शोध प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था, 'सामाजिक सामंजस्य, सामूहिक उत्तरदायित्व और सामाजिक कार्य व्यवसाय' 28 फरवरी-2 मार्च 2021, इसे संयुक्त रूप से एनएपीएसडब्ल्यूआई, आईसीडीएसडीएपी, सामाजिक कार्य विभाग, विश्व भारती द्वारा, 1 मार्च, 2021 को आयोजित किया गया।

वि.अ.आ. के सामाजिक कार्य में एडवांस्ड स्टडीज और उत्कृष्टता केंद्र, उप्र उच्च शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार, सामाजिक कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आभासी सत्र में 3मार्च, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में 'जेंडर बजट :अनुभव और सर्वोत्तम व्यवहार' पर बात करने के लिए विशेषज्ञ।

गांधी स्टडी सर्कल, बीआर अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (डी.यू.) द्वारा 30 जनवरी, 2021 को आयोजित 'समकालीन चिंता और महात्मा गांधी' पर राष्ट्रीय वेबिनार के लिए विशेषज्ञ।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक और बी.आर.अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), दिल्ली द्वारा 23 जुलाई, 2020 को संयुक्त रूप से आयोजित 'कोविड 19-के समय जनजातियों की जीवन दशा' शीर्षक वाले राष्ट्रीय वेबिनार में विशेषज्ञ।

आईक्यूएसी और सामाजिक कार्य विभाग, विवेक कॉलेज, बिजनौर द्वारा 02 जुलाई, 2020 आयोजित 'कोविड-19 पश्चात सामाजिक कार्य शिक्षा और प्रथा :उभरते अवसर और चुनौतियां' शीर्षक पर राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता।

विश्व युवा केंद्र और सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सोमवार, 22 मार्च 2021, 02:00 से 04:00 बजे अपराह्न में 'डिजिटली सशक्त महिला :समय की जरूरत' शीर्षक वाले वेबिनार में वक्ता वेबिनार उद्देश्यों और वेबिनार के लिए पृष्ठभूमि पर बात की।

सामाजिक कार्य विभाग, एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात द्वारा 26 जून, 2020 को आयोजित 'कोविड-19, सामाजिक प्रभाव और सामाजिक कार्य हस्तक्षेप' शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता।

महिला अध्ययन विभाग, एमजीएचएन विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा 19 जून, 2020 को आयोजित 'कामकाजी महिलाओं पर कोविड-19 का प्रभाव' शीर्षक के राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध माखनलाल चतुर्वेदी राजकीय महाविद्यालय, बाबाई, जिला होशंगाबाद)मप्र (द्वारा 13 जून 2020 को आयोजित 'कोविड-19: संबद्ध सामाजिक समस्याएं और प्रस्तावित हस्तक्षेप' शीर्षक से राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता।

इस शृंखला- जेंडर समानता#जेंडरगैप के हिस्से के रूप में डॉ. नागमणि राव द्वारा दहलीज के पार :ग्रामीण शासन व्यवस्था में महिलाओं के नेतृत्व के लिए अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विशेष ऑनलाइन भाषण के लिए चर्चा जिसे जेंडर इंपैक्ट स्टडीज सेंटर)आईएमपीआरआई (द्वारा 14मई, 2021 को आयोजित की गई।

'एनओसी सदस्य, सीएआरए', के लिए ऑनलाइन अभिमुखी कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ 13 मई, 2021

संजीवनी-लाइफ बियाँड कैंसर द्वारा 4 फरवरी, 2021 को आयोजित कैंसर की रोकथाम और स्वस्थ जीवन शैली पर जागरूकता कार्यक्रम के लिए आनलाइन मुख्य अतिथि परिचयात्मक टिप्पणी।

बीआर अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा 30 जनवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित 'समकालीन चिंताएं और महात्मा गांधी' के लिए विशेषज्ञ।

गीतारत्न इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल)जीआईबीएस (द्वारा 20 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन आयोजित 'जेंडर संवेदनशीलता और महिलाओं से जुड़े मुद्दे' पर विशेषज्ञ के रूप में प्रख्यात व्याख्यान शृंखला।

17 फरवरी, 2021 को 'लिंग, सामाजिक कार्य एवं अनुसंधान :क्षेत्र से अंतर्ज्ञान' विषय पर 'समाजशास्त्र और सामाजिक कार्य में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम' विषय पर 'सैद्धांतिक और पद्धति विज्ञान विषय' पर समाजशास्त्र विभाग और भद्रवाह विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय के सहयोग से यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित कार्यक्रम में एक भाषण दिया। 10.02.2021 - 23.02.2021.

6 फरवरी, 2021 को कश्मीर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान में दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 'सामाजिक कार्य में अनुसंधान -क्षेत्र अनुभव' शीर्षक से प्रमुख व्याख्यान के लिए सम्मानित अतिथि और विशेषज्ञ।

यूजीसी के सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन सोशल वर्क और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस उग्र उच्च शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार, सामाजिक कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आभासी सत्र में 3 मार्च, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में 'जेंडर बजट :अनुभव और सर्वोत्तम प्रथा' पर बात करने के लिए विशेषज्ञ।

राष्ट्रीय विधिक जागरूकता परिषद, डब्ल्यूआईसीसीआई के शुभारंभ कार्यक्रम के लिए अतिथि वक्ता। 7 नवंबर, 2020 को लैंगिक समानता हेतु लैंगिक अध्ययन का महत्व विषय पर ऑनलाइन भाषण दिया।

2 अक्टूबर, 2020 को बीआर अंबेडकर महाविद्यालय द्वारा वर्चुअल मोड में आयोजित 'समकालीन विश्व में गांधी की प्रासंगिकता' के लिए विशेषज्ञ।

एड अपग्रेड द्वारा 14 अक्टूबर 2020 को आयोजित 'विकास अभ्यास और सार्वजनिक नीति' पर बातचीत।

शशि रानी,

"कोविड-19 के समय में प्रजनन स्वास्थ्य" पर एक वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसे गर्ल अप एस्टीवा ग्रुप, मिरांडा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 फरवरी, 2021 को आयोजित किया गया।

एसएसयू, एसपीयूडब्ल्यूएसी, दिल्ली पुलिस, 19 दिसम्बर, 2021 द्वारा आयोजित "पेशेवर तनाव और इसे समाप्त करना" पर एक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

"माता-पिता और बच्चों के बीच संचार और समझ" पर एक वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, बहुजन शास्ताकरण संघ द्वारा आयोजित वेबिनार, 23 अगस्त 2020

डीसीपीयू उत्तर, दिल्ली, फरवरी 2019 द्वारा आयोजित "कानून के साथ संघर्ष में बच्चे :व्यक्तिगत देखभाल योजना) आईसीपी (तैयार करने के लिए मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर एक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

एक संकाय प्रभारी के रूप में, एसएसयू, एसपीयूडब्ल्यूएसी, दिल्ली पुलिस, 2010-2021 द्वारा आयोजित एसएसयू परियोजना में विभिन्न ऑनलाइन परामर्श और प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संरक्षक के रूप में भाग लिया।

राय, संजय,

एकेडेमी 4 नेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 20 से 21 जून 2020 को 'कोविड 19-में प्रवासन और विपरित प्रवासन: मुद्दे, चुनौतियां और अवसर' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

9-11 सितंबर 2020 से 'मानव संबंधों के महत्व को बढ़ावा देने' पर सामाजिक कार्य के दूसरे राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन स्कूल में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित, कैलगरी विश्वविद्यालय के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, पेशावर विश्वविद्यालय, पाकिस्तान द्वारा आयोजित

रफी, नईम,

रफी, एन ने सामाजिक कार्य में क्षेत्र कार्य के महत्व पर व्याख्यान दिया। एमजेपीआरयू, बरेली द्वारा आयोजित 30 जनवरी 2021 को एमएसडब्ल्यू)एमजेपीआरयू बरेली।

ठाकुर, अभिषेक

"कोविड-19: विकलांग जनसंख्या पर प्रभाव" पर बोलने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, कोविड-19 लॉकडाउन और कमजोर आबादी पर राष्ट्रीय वेबिनार, मैसूर विश्वविद्यालय, 1 जुलाई 2020

"विकलांगता और सामाजिक कार्य जनसंख्या", पर बोलने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, अदिति महाविद्यालय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 अक्टूबर, 2020

विकलांगता संबंधी इतिहास, पृष्ठभूमि और परिचय, परिभाषाएं, हानि, बाधा और विकलांगता पर बोलने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, विकलांगता अध्ययन संबंधी ग्रीष्मकालीन स्कूल, 8 अगस्त 2020

विकलांगता के प्रकार/श्रेणियों पर बात करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, विकलांगता अध्ययन संबंधी ग्रीष्मकालीन स्कूल, 8 अगस्त 2020

समुदाय आधारित पुनर्वास : दर्शन, दृष्टिकोण और कार्यक्रम पर बोलने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, विकलांगता अध्ययन संबंधी ग्रीष्मकालीन स्कूल, 9 अगस्त 2020।

विकलांगता के विभिन्न दृष्टिकोणों की समझ : चैरिटी दृष्टिकोण, चिकित्सा दृष्टिकोण, सामाजिक दृष्टिकोण, अधिकार आधारित दृष्टिकोण, विकलांगता अध्ययन पर ग्रीष्मकालीन स्कूल के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, 8 अगस्त 2020

पहुंच : बुनियादी ढांचा पहुंच और पहुंच लेखा परीक्षा पर बोलने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, विकलांगता अध्ययन संबंधी ग्रीष्मकालीन स्कूल, 14 अगस्त 2020

विकलांगता पर मार्क्सवादी और भौतिकवादी प्रवचन, विकलांगता अध्ययन पर ग्रीष्मकालीन स्कूल, 9 अगस्त 2020 पर बोलने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया

विकलांगता : कुछ चिंताएं, मुद्दे और चुनौतियां पर शोध करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, विकलांगता अध्ययन पर ग्रीष्मकालीन स्कूल, 16 अगस्त 2020

'सामाजिक कार्य के लिए नृवंशविज्ञान', सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, विशेषज्ञ - प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, 16 मई 2020, ऑनलाइन मोड पर एक वेबिनार का आयोजन किया

'हमारे बारे में कुछ नहीं' : भारत में विकलांग व्यक्तियों के लिए नीति प्रवचन और कानूनी ढांचे से प्रतिबिंब', पर एक वेबिनार का आयोजन, दिल्ली विश्वविद्यालय, विशेषज्ञ - प्रो. संजय जैन और श्री राजीव रतुरी, 4 जनवरी 2021, ऑनलाइन मोड

"विकलांगता : दक्षिण एशिया में पहचान और चुनौतियां पर बोलने के लिए एक अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित / पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 जुलाई 2020।

दिनांक 23 फरवरी, 2021 को भारत माता स्कूल ऑफ सोशल वर्क, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल में विकलांग व्यक्तियों के लिए सामाजिक कार्य हस्तक्षेप पर बात / भारतीय सामाजिक कार्य : विकास हेतु देशी दृष्टिकोण के संबंध में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित। भारत माता स्कूल ऑफ सोशल वर्क।

विकलांगता के कारणों और परिणामों, विकलांग व्यक्तियों का परिचय विषय पर बोलने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित, राष्ट्रीय सामाजिक विकास संस्थान, श्रीलंका, दिनांक-16 जुलाई 2020, ऑनलाइन।

थॉमस, एन.टी.,

एनएपीएसब्लूआई द्वारा आयोजित 7वें भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन के दौरान 2 मार्च 2021 को सामाजिक कार्य विभाग की 75 वर्षों की विरासत और अस्तित्व पर एक वीडियो प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्य विभाग, एनईएचयू द्वारा 10 मार्च को आयोजित "सामाजिक कार्य की प्राथमिक विधि के रूप में समूह कार्य" पर बात करने के लिए एक अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया

"साहस, लोकतंत्र, और समानता : गांधी से प्रश्न" पर 17 सितंबर 2020 को एक वेबिनार में एक चर्चा कर्ता के रूप में आमंत्रित किया।"

यमनम, वेदा

राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली और एनएलयूजेए द्वारा आयोजित 30 मई 2020 को अंतरराज्यीय महिला प्रवासी कामगारों से संबंधित कानूनों की समीक्षा पर वर्चुअल क्षेत्रीय परामर्श में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया

16 नवंबर 2020 को संस्कृति -पूर्वोत्तर सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान*, गुवाहाटी द्वारा आयोजित आयोजित एनई इंडिया में अनुसंधान प्राथमिकताओं पर एक वेबिनार में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय का सामाजिक कार्य विभाग (आरआईएसएचआईआई) भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए संसाधन परियोजना में भागीदारों में से एक है, जिसे यूरोपीय संघ के इरासमस +कार्यक्रम द्वारा सह-वित्त पोषित किया जाता है। आरआईएसएचआईआई प्रबंधन दृष्टिकोणों पर केंद्रित है जो पाठ्यक्रम अंतर्राष्ट्रीयकरण की योजना बनाने और लागू करने के लिए आवश्यक हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन विभाग यथा भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, सामाजिक कार्य विभाग और विधि संकाय आरआईएसएचआईआई के तहत विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

आदान-प्रदान कार्यक्रम - इनबाउंड/आउटबाउंड के तहत विद्यार्थी- 7 विदेशी विद्यार्थी चल रहे बैच में स्नात्कोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं

नियोजन विवरण (नियोजन किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत, संगठनों की संख्या जिन्होंने कैम्पस भर्ती के लिए दौरा किया)

उच्चतम पैकेज की पेशकश 15 लाख प्रतिवर्ष रहा जबकि 8 से अधिक छात्रों को 7 लाख प्रतिवर्ष से अधिक पैकेज मिला जो विभाग के लिए एक मील का पत्थर और एक बड़ी उपलब्धि है।

2019-2021 बैच के लिए नियोजन सांख्यिकी

नियोजन किए गए कुल छात्रों की संख्या - 71

अंतिम नियोजन का प्रतिशत - 88.75%

नियोजन प्रकोष्ठ का संगठनों तक पहुंच - 150+

नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा टैप किए गए संगठन - 30+

संगठन जहां छात्रों का नियोजन किया गया है - 20+

ऑफर किए गए सबसे अधिक पैकेज - 15 लाख प्रतिवर्ष

ऑफर किए गए औसत पैकेज - 5.10 लाख प्रतिवर्ष

विस्तार और पहुंच कार्यक्रम

सामाजिक पहुंच कार्यक्रम-सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

विभाग ने अपने दो क्षेत्र कार्य कार्यक्रमों की स्थापना की है और जारी रखा है, जो सामाजिक मुद्दों और समस्याओं से निपटने में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप की प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने के लिए इन वर्षों में स्थापित किए गए हैं। उन्होंने विभाग के लिए प्रदर्शन सह विस्तार परियोजनाओं के रूप में कार्य किया है और विभाग को अपनी अधिगम-अभ्यास व्यस्तताओं को मजबूत करने में सक्षम बनाया है। एक ऐसा ही क्षेत्र कार्य कार्यक्रम बाल मार्गदर्शन केंद्र है, जिसकी स्थापना वर्ष 1971 में की गई थी और जिसे बाद में बाल एवं किशोर कल्याण केंद्र के नाम से जाना जाने लगा। अपने कामकाज के कई वर्षों में, केंद्र की मजबूती में वृद्धि हुई है। विभाग ने वर्ष 1988 में बुराड़ी समुदाय में ग्राम महिला केंद्र नामक सामुदायिक कार्यान्मुखी केंद्र की भी स्थापना की। बाद में, इस केंद्र को सामुदायिक विकास और कार्रवाई केंद्र के रूप में जाना जाता था। अपने अस्तित्व के

कई वर्षों में, इस केंद्र ने भागीदारी सामुदायिक कार्रवाई के आधार पर अनुकरणीय सामुदायिक विकास सेवाएं प्रदान की हैं।

(क) सामुदायिक विकास और कार्य केंद्र :सीसीडीए 2019-2020

सामुदायिक विकास केंद्र और एक्शन सीसीडीए जिसे पहले ग्राम महिला केंद्र के नाम से जाना जाता था, विभाग की एक विस्तार और प्रदर्शन इकाई है। इसका बुराड़ी में काम का वर्तमान क्षेत्र अजीत विहार है। सीसीडीए की निदेशक)मानद (के रूप में प्रोफेसर पामेला सिंगला) 21 जुलाई 2014 से (और डॉ. नीना पांडे ने वर्ष 2020 में मानद निदेशक के रूप में पदभार संभाला था। सीसीडीए में पूर्णकालिक सामाजिक कार्यकर्ता को विश्वविद्यालय द्वारा अपनी सेवाओं का नवीनीकरण न करने के कारण छोड़ना पड़ा। नियमित आधार पर विभाग के दो छात्रों को उनके समवर्ती फील्ड नियोजन के लिए अजीत विहार में रखा जाता है। 2019-20 में शुरू किया गया कार्य नीचे सूचीबद्ध है:

बालवाड़ी :बालवाड़ी कार्यक्रम समुदाय के वंचित बच्चों को औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

महिला समूह-जो समुदाय की महिलाएं जो काफी हद तक असंगठित क्षेत्र में शामिल हैं, उन्हें महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा, स्वास्थ्य और स्वच्छता आदि विषय पर समूह बैठकों और चर्चा के माध्यम से एक साथ लाया जाता है।

किशोरियों का समूह -समूह सह पाठ्यक्रम, मनोरंजक गतिविधियों, चर्चाओं और बैठकों में शामिल था। लड़कियों को शैक्षणिक और नौकरी के अवसरों से संबंधित करियर मार्गदर्शन और काउंसलिंग भी प्रदान की गई। दो लड़कियों को आईटी कोर्स और नौकरी में प्रवेश दिलाने में मदद मिली।

गांधी जयंती -महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अहिंसा और सत्य के मूल्यों और सिद्धांतों को पोषित किया गया। बुराड़ी के विधायक संजीव झा को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, जिसमें लगभग 100 लोगों की उपस्थिति देखी गई। समूह नृत्य, गीत, कविता पाठ कला प्रतियोगिता जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाए गए।

स्कूल में प्रवेश -शिक्षा के औपचारिक संस्थानों में नामांकन के बारे में अभिभावकों और बच्चों की काउंसलिंग की गई। उन्हें शिक्षा प्रक्रिया के साथ भी मार्गदर्शन किया गया और आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में मदद मिली।

समुदाय की स्वच्छता -स्वच्छ परिवेश और एमसीडी कर्मियों के संबंध में आवश्यकता का आकलन किया गया और उनकी नियमितता का आकलन किया गया। अवरूढ़ नालियों और नियमित सफाई की कमी को मुद्दा बनाया गया और अजीत विहार के प्रधान, समुदाय के अन्य बुजुर्ग सदस्यों और लड़की समूह की मदद से शोध लिखे गए। एकल बिंदु शिकायत दर्ज प्रणाली का उपयोग करके एक ऑनलाइन शिकायत दर्ज की गई थी और सुरक्षित परिवेश सुनिश्चित करने के लिए 155304 नंबर पर शिकायत दर्ज की गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) पिछले पांच वर्षों से क्षेत्र में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। हालांकि इस बार महामारी कोरोना वायरस फैलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है। इसके बावजूद बच्चों को महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के मुद्दों के विषय के इर्द-गिर्द कार्यक्रम के लिए तैयार किया गया।

कार्यक्रमों का आयोजन-उपरोक्त घटनाओं, जो बड़े पैमाने पर मनाए गए थे, के अलावा शिक्षक दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण दिन जानकारी प्रदान करते हुए मनाए गए जिनमें समुदाय के निवासियों के बीच जागरूकता फैलाया गया और गतिविधियों का संचालन किया गया। अजीत विहार में मनाए जाने वाले प्रमुख पर्व सरस्वती पूजा के आयोजन में सीसीडीए का भी योगदान रहा।

वर्ष 2020-2021 में, महामारी की शुरुआत के कारण सीसीडीए के माध्यम से समुदाय में गतिविधियों को रोक दिया गया था। इस केंद्र को समुदाय के सदस्यों के माध्यम से बुराड़ी में समुदाय-अजीत विहार में चालू रखा जाता है, जो पूर्व महामारी काल में सीसीडीए द्वारा संचालित गतिविधियों में भाग लेते रहे थे। समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ विभाग द्वारा नियमित रूप से संचार की श्रृंखला रखी जाती है।

(ख) बाल और किशोर स्वास्थ्य केंद्र (सीसीएडब्लू)

बाल और किशोर कल्याण केंद्र (सीसीएडब्लू), पहले बाल मार्गदर्शन केंद्र के रूप में जाना जाता है बच्चों, किशोरों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए नैदानिक, उपचार और रेफरल सेवाएं प्रदान करने की दिशा में काम करता है। यह आसपास के स्कूलों और समुदाय की जरूरतों को पूरा करता है, जिनमें बच्चों के लिए निवारक और प्रोत्साहन कल्याण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित होता है। यह केंद्र सामाजिक कार्य पेशे के छात्रों को स्नातक और परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। ये विद्यार्थी आसपास के स्कूलों में लगे हुए हैं जो जीवन कौशल, परिवार के जीवन की शिक्षा और बच्चों और किशोरों के साथ नैतिक मूल्यों पर साप्ताहिक सत्र का संचालन करते हैं। केंद्र की टीम में मानद निदेशक प्रो. ए. मालती, पूर्णकालिक सामाजिक कार्यकर्ता और एक कार्यालय परिचारक शामिल थे। केंद्र नैदानिक मनोवैज्ञानिक, भाषण चिकित्सक और विशेष शिक्षक की अंशकालिक सेवाओं का भी लाभ उठाता है। विश्वविद्यालय से निधि की कमी के कारण वर्ष 2016 में केंद्र की सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति जुलाई 2018 में जुलाई 2019 तक के कार्यकाल के लिए की गई थी। इस वजह से केंद्र को घर में अपनी सेवाओं में कटौती करनी पड़ी और इसके बजाय पहुंच गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना पड़ा। यह भी उल्लेखनीय है कि जुलाई 2019 के बाद से सामाजिक कार्यकर्ता की स्थिति का नवीनीकरण नहीं किया गया था। हालांकि माननीय निदेशक की पहल के तहत विवि में शोधार्थियों की ओर से तैयार किए गए विद्यार्थी प्रशिक्षुओं और संसाधन कर्मियों के सहयोग से गतिविधियों को आगे बढ़ाया गया। मार्च, 2020 से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण मामलों पर परामर्श और अनुवर्ती कार्रवाई जैसे पहुंच कार्यक्रमों और विभिन्न अन्य इन हाउस गतिविधियों को राके दिया गया था। वर्ष 21-2020में इन्हें पुनर्जीवित नहीं किया जा सका। यदि कोविड 19 की स्थिति अच्छी हो और केंद्र में सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति हो तो इन्हें एक बार फिर से शुरू किया जा सकता है।

प्रदत्त एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री की संख्या

पहली अप्रैल, 2020 से 31 मार्च 2021 तक की अवधि के दौरान, सात पीएच.डी. विद्वानों ने अपनी थीसिस प्रस्तुत की है। जबकि, इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान नौ छात्रों ने पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की। एम.फिल. बैच 2018-20 में नौ शोधार्थी थे, जो अपने एम.फिल. पार्ट-II की पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने अपना एम.फिल. शोध प्रबंध प्रस्तुत कर दिया है।

संकाय सदस्यों की संख्या

17 स्थायी संकाय सदस्य और 6 अतिथि संकाय सदस्य।

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय को इंडिया टुडे सर्वे 2021 ने 19वां सर्वश्रेष्ठ विज्ञान महाविद्यालय स्थान दिया है। 2012 से लंबित पदोन्नति दिल्ली विश्वविद्यालय (सहायक से एसोसिएट प्रोफेसर तक 18 संकाय और एसोसिएट से प्रोफेसर तक 05 संकाय) के साथ मिलकर में प्राप्त की गई थी। यूबीए के अंतर्गत निम्नलिखित योजनाएं: भारत सरकार के परमार्थ, अननेट भारत अभियान (यूबीए) और डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना महाविद्यालय को मंजूरी दी गई थी। इस क्षेत्र में एनडीसी ने परमार्थ योजना के अंतर्गत विचार किया: खानपुर, गोविंदपुरी स्लम एरिया, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, पुल पेहलड़ और ताजपुर पहाड़ी बदरपुर पर ध्यान दिया। एनडीसी में निम्नलिखित महाविद्यालय के मेंटर होंगे: ए.के.पी (पीजी) महाविद्यालय, डॉ. नोबिन बोर्डोलोई महाविद्यालय, मान्यवर कांशीराम राजकीय डिग्री महाविद्यालय, मान्यवर कांशीराम राजकीय डिग्री महाविद्यालय, होली फैमिली महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग और स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय। महाविद्यालय के

सात विभागों को 2020 में डीबीटी स्टार स्टेटस के लिए मान्यता मिली। अठारह एनडीसी छात्रों ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में एक स्थान प्राप्त किया और दक्षिण कैम्पस स्तर पर 23 स्थान प्राप्त किए। इंस्पायर फेलोशिप के लिए छात्रों का चयन किया गया। एक को इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा ग्रीष्म रिसर्च फेलोशिप से सम्मानित किया गया और दो को एचबीसीई, टीआईएफआर, मुंबई द्वारा के. एस. कृष्णन स्टूडेंट-मेंटर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक विद्यार्थी का चयन जेएनसीएआर, बेंगलुरु में एसआरएफपी (ग्रीष्म रिसर्च फेलोशिप कार्यक्रम) फेलो 2020 के लिए किया गया था। एक विद्यार्थी ने विज्ञानशाला द्वारा कल्पना स्टेम फेलोशिप प्राप्त की। महाविद्यालय ने सक्षम (जरूरतमंद यूजी छात्रों को वित्तीय सहायता) का वित्तपोषण जारी रखा और सभी अनुसंधान प्रयोगशालाओं को 15000 रुपये प्रति वर्ष की अनुसंधान सहायता प्रदान की।

सम्मान/गौरव

बायोमेडिकल साइंस विभाग के डॉ. गगन धवन को इस वर्ष कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

इंसा द्वारा इंसा शिक्षक पुरस्कार

रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, लंदन, यूके द्वारा फेलो रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री (एफआरएससी)।

इंडिया केमिकल सोसायटी, कोलकाता, भारत द्वारा फेलो इंडियन केमिकल सोसाइटी (एफआईएससी)

प्राणि विज्ञान विभाग की प्रो. सरिता कुमार को एचबीसीएसई-टीआईएफआर, मुंबई द्वारा विज्ञान और विज्ञान आउटरीच-2020 में योगदान के लोकप्रियकरण के लिए अनिल सदगोपाल पुरस्कार मिला।

जैवचिकित्सा विज्ञान विभाग की डॉ. सुनीता जेटली को नोएडा, उत्तर प्रदेश, अक्टूबर, 2020 में उनके सामाजिक कार्यों के लिए शोधकार प्रेस परिषद (भारत) द्वारा कोरोना योद्धा प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया।

जैवचिकित्सा विज्ञान विभाग की डॉ. सुनीता जेटली को 'स्टेप वन' और शेरोंस, अक्टूबर, 2020 द्वारा कोरोना रोगियों की मदद करने के लिए 'स्टेप वन' कार्यक्रम में स्वयंसेवा के लिए प्रशंसा प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

बी.एससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स तृतीय वर्ष के राहुल छावला को विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान मिला।

बी.एससी (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस द्वितीय वर्ष की सुदीप्त सिंह को विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान मिला।

बी.एससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स तृतीय वर्ष के ललित उप्रेती को विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान मिला।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 18 छात्रों ने मेरिट पोजीशन प्राप्त की।

दिल्ली साउथ कैम्पस (यूडीएससी) विश्वविद्यालय में 23 छात्रों ने मेरिट पोजीशन प्राप्त की।

प्रकाशन

अब्राहम, जे.एस., सोमसुंदरम, एस., मौर्य, एस., गुप्ता, आर., मखीजा, एस., और तोतेजा, आर. (2021) यूप्लॉट्स लिन्नी नोव की विशेषता। कल्पना।, ई। इंडिका नोव। कल्पना और एक एकीकृत दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए ई. एडिकुलैटस और ई. वुडूफी (सिलियोफोरा, यूप्लोटिडे) का विवरण। यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रोटिस्टोलॉजी, 79, 125779. <https://doi.org/10.1016/j.ejop.2021.125779>

ढींगरा, वी., कुमार, एस., कुमार, आर., गर्ग, ए., और चौधरी, ए. (2020)। हाइड्रोथर्मली विकसित GO-ZnO नैनोरोड मिश्रित फिल्मों का उपयोग करके कमरे का तापमान एसओ₂ और H₂ गैस सेंसिंग। सामग्री अनुसंधान एक्सप्रेस, 7(6), 065012. <https://doi.org/10.1088/2053-1591/ab9ae7>

गुप्ता, एस., सिंह, आई., शर्मा, ए.के., और कुमार, पी. (2020)। अल्ट्राशॉर्ट पेप्टाइड सेल्फ-असेंबली: ड्रग और जीन कारगोस के परिवहन के लिए फ्रंट-रनर। बायोइंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी में फ्रंटियर्स, 8, 504। <https://doi.org/10.3389/fbioe.2020.00504>

हर्विन, वी., अरोड़ा, आर., रानी, जे., रामचंद्रन, एस., बाजपेयी, यू., एग्रोफोग्लियो, एल.ए., और रॉय, वी. (2020)। विभिन्न 5 α -डीऑक्सी-5 α - (4-प्रतिस्थापित-1, 2, 3-ट्रायज़ोलिल) -यूरिडीन एनालॉग्स का डिजाइन और संश्लेषण माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस मुरलिगेस के अवरोधकों के रूप में। अणु, 25(21), 4953. <https://doi.org/10.3390/molecules25214953>

खन्ना, एल., सिंघल, एस., जैन, एस.सी., और खन्ना, पी. (2020) स्पाइरो-इंडोल-कौमरिन संकर: संश्लेषण, एडीएमई, डीएफटी, एनबीओ अध्ययन और डीएनए जी-क्वाड्रप्लेक्स पर आणविक डॉ.किंग के माध्यम से सिलिको स्क्रीनिंग में। रसायन विज्ञान चयन, 5(11), 3420-3433। doi.org/10.1002/slct.201904783

कुमार, पी., चौहान, ए., कुमार, एम., कुआर, बी.के., कुंडू, ए., सोलंकी, आर., और कपूर, एम.के. (2021) इन विट्रो और सिलिको एंटीकैंसर में स्ट्रेप्टोमाइसेस एसपी का संभावित विश्लेषण। मानव फेफड़े के कैंसर सेल लाइन, ए549 के विरुद्ध अर्क। 3 बायोटेक, 11(6), 1-12. <https://doi.org/10.1007/s13205-021-02812-w>

लाल, एस., प्रकाश, के., हुड्डा, एस., कुमार, वी., और कुमार, पी. (2020) जलीय माध्यम में Cu²⁺ आयन के कुशल बंधन और संवेदन के लिए इबुप्रोफेन-आधारित केमोसेंसर। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1199, 127003. <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2019.127003>

मुथेंगी, ए., विमलसेना, वी.के., योसिफ, एच.ओ., बीकोविट्ज़, एमजे, सिगुआ, एलएच, वांग, टी., ली, डी., गेब, जेड., धवन, जी., लियू, एस., और एरिकसन, जे. (2021) शक्तिशाली और चयनात्मक CBP/P300 अवरोधकों के रूप में डाइमिथाइलिसोक्साज़ोल-संलग्न इमिडाज़ो [1, 2-ए] पाइरीडीन का विकास। औषधीय रसायन विज्ञान जर्नल, 64(9), 5787-5801। <https://doi.org/10.1021/acs.jmedchem.0c02232>

सामल, आर.आर., और कुमार, एस. (2021) डेंगू वेक्टर में कीटनाशक प्रतिरोध से जुड़े त्वचीय मोटा होना, एडीज एजिप्टी एल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल कीट विज्ञान, 41(1), 809-820। <https://doi.org/10.1007/s42690-020-00271-z>

साया, एल., मलिक, वी., सिंह, ए., सिंह, एस., गंभीर, जी., सिंह, डब्ल्यू.आर., चंद्रा, आर., और हुड्डा, एस. (2021) ग्वार गम-आधारित नैनोकम्पोजिट्स: डाई और धातु आयनों के कुशल निष्कासन के माध्यम से जल शोधन में भूमिका। कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर, 117851. <https://doi.org/10.1016/j.carbpol.2021.117851>

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (एस) सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 13 (समीक्षक के रूप में)

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी, 2019-2020, "बच्चों और युवा वयस्कों के लिए प्रयोग के माध्यम से भौतिकी और जीव विज्ञान सीखने के लिए अभिनव प्रथाओं का विकास और दस्तावेजीकरण", राशि: 22.16 लाख: पीआई: प्रो. सरिता कुमार

डीएसटी-एसईआरबी, 2020-2023, "दिल्ली, भारत की पहचान प्रजातियों की पहचान के लिए डीएनए बार्कोडिंग", राशि: 41.9 लाख, पीआई: प्रो. सीमा मखीजा

आईसीएमआर, 2019-2022, "एक बहु-संस्था परियोजना (2019-22) के प्रमुख अन्वेषक शीर्षक से तपेदिक के इलाज के लिए नई दवा के रूप में माइक्रोबैक्टीरीओफैग्स और उनके एंजाइमों पर एक जांच अध्ययन,, राशि: 22.16 लाख, पीआई: प्रो. उर्मी बाजपेयी।

मेरा भारत परियोजना (आईसीएमआर), 2020-2023, "दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में मच्छरों को नियंत्रित करने के लिए आकर्षक विषाक्त चीनी चारा (एटीएसबी) विधियां" शीर्षक से, राशि: 36 लाख: पीआई: प्रो. सरिता कुमार।

एसईआरबी-डीएसटी, 2018-2021, "माइक्रोबैक्टीरियोफेज से रिकॉम्बिनेंट एंडोलिसिन: उनके एंटी-माइक्रोबैक्टीरियल क्षमता की खोज", पीआई: प्रो. उर्मी बाजपेयी।

मंजूर पेटेंट: 01

डॉ. सुनीता जेटली (बायोमेडिकल साइंस) ने भारत सरकार द्वारा एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया रोगियों में 8:21 के स्थानांतरण और इसके लिए काम करने की विधि का पता लगाने के लिए एक बीकन आधारित डायग्नोस्टिक किट के मार्च 2021 में पेटेंट प्रदान किया।

आयोजित संगोष्ठी/वेबिनार

डॉ. जस्टिन क्लार्क, लीड डेटा साइंटिस्ट और TAILOR के सह-संस्थापक, ह्यूस्टन, टेक्सास, अमेरिका में बायलोर महाविद्यालय ऑफ मेडिसिन बैक्टीरियोफेज इनिशिएटिव, बैक्टीरियोफेज का चिकित्सीय उपयोग और ESKAPE रोगजनकों के तुलनात्मक जीनोमिक्स, 25 मार्च 2021

प्रो. गगनदीप कांग, वेलकम ट्रस्ट रिसर्च लैब, सीएमसी वेल्लोर, कोविड-19 के लिए टीके और आगे की राह, 21 जनवरी 2021

प्रो. जय राम, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस्ड बायोइंफॉर्मेटिक्स, 9 जनवरी 2021

डॉ. रजनी जैन, प्रधान वैज्ञानिक, आईएसआरआई, मशीन लर्निंग एल्गोरिदम की इनसाइट्स पर एक तकनीकी टॉक, 3 नवंबर 2020

डॉ. अशोक कुमार, सीनियर साइंटिस्ट विभाग: फिजियो-मैकेनिकल मेट्रोलाजी सीएसआईआर-नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी, डिवाइस एप्लीकेशन के लिए मल्टीफंक्शनल मैग्नेटोइलेक्ट्रिक मैटेरियल, 16 मई 2020

सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन

भारतीय रसायन विज्ञानी के संघ और भारतीय नेटवर्क फॉर सॉयल संदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) के सहयोग से ऑनलाइन "वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" का जिसमें ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी), प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईआरआई) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (इंसा), के 3-5 फरवरी, 2021 को आयोजन किया गया।

नवंबर 2021 (सप्ताहांत, 20 घंटे) के दौरान सुश्री श्रुति गुप्ता और श्री. आलोक आनंद, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन पायथन लर्निंग कार्यशाला।

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में 6-19 अप्रैल 2021 से सांख्यिकीय विश्लेषण में उपकरण एवं तकनीक विषय पर दो सप्ताह की ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला।

5-17 अप्रैल 2021 तक "शोध से प्रकाशन तक" पर दो सप्ताह (ऑनलाइन) अंतःविषय एफडीपी, संयुक्त रूप से वाणिज्य विभाग, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय और महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

ऑन लाइन: लैबव्यू कार्यशाला: डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में 23-27 जून, 2020 से पांच दिनों के लिए वर्चुअल इंस्ट्रूमेंटेशन और लैबव्यू के लिए बुनियादी प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष एक्सपोजर प्रदान करने के लिए कार्यशाला।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

दास, आर. और बाजपेयी, यू ने "एफ क्लस्टर माइक्रोबैक्टीरियोफेज से डीएनए-निर्भर एएए एटीपेस के कार्यात्मक लक्षण वर्णन" पर अपना शोध प्रस्तुत किया, वर्तमान परिदृश्य में स्वास्थ्य और अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में: कोविड-19 'वायरस जीनोमिक्स एंड रोगजनकता पर विशेष जोर देते हुए' 2020 वैकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और फिक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित।

दीपिका ने ग्राहक वफादारी और इसके पूर्ववर्ती में अपना शोध प्रस्तुत किया: "आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड बिजनेस" नामक सेवा गुणवत्ता का अध्ययन: कल के प्रबंध संगठनों का आयोजन पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 18 अगस्त 2020 द्वारा किया गया।

फल्सवाल, जे, डे, डी, एंड कुमार, एस ने दिल्ली से फसल की तुलना में कुछ परागणक मधुमक्खी जीवों की विविधता पर अपना शोध प्रस्तुत किया। नई चुनौतियों और पारिस्थितिकी और पर्यावरण के आयामों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; विज्ञान एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, 2-3 अप्रैल, 2021.

खन्ना, पी. ने कम्प्यूटेशनल, इन विट्रो अध्ययन और इसाटिन आधारित संभावित जैव-सक्रिय अणुओं के संश्लेषण पर अपना शोध प्रस्तुत किया। अनुसंधान-रासायनिक विज्ञान के फ्रंटियर्स क्षेत्र के अंतर्गत। आईआईएसएफ 2020 (इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल), 22-24 दिसंबर 2020 में युवा वैज्ञानिक सम्मेलन में।

कुमार, ए., सिंह, एन, सैंटाक्रस, और सिंह, यू ने सोसायटी फॉर टेक्नोलॉजिकल एडवांस्ड मैटेरियल्स (एसटीएम) के सहयोग से एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैन्हा-2020 के लिए नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी में हाल ही में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में "सौर सेल अनुप्रयोगों का उपयोग करने के लिए पेरोव्स्काइट आधारित सामग्री का संश्लेषण" पर अपना शोध प्रस्तुत किया। 25-26 जुलाई, 2020।

कुमार, एस. कार्यात्मक सामग्री में हाल ही में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में (आरएफएम-2020), आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5-6 नवंबर 2020।

राव, जी, मंद की समाप्ति , लागत बेचने और मुद्रास्फीति के अंतर्गत जीवन भर निर्भर मांग के लिए ईओक्यू मॉडल अनुकूलन पर अपना शोध प्रस्तुत किया। सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: ऑपरेशन रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, मेरठ चैप्टर, 16-17 फरवरी, 2021 द्वारा मॉडलैंगिक और ऑप्टिमाइजेशन (आईसीएसडीएमओ) का आयोजन किया गया।

सिंह, आई. झा, डी, गौतम, एच. जेनेटिक्स सोसायटी ऑफ थाईलैंड (जीएसटी); एंड साइंटिफिक एंड एजुकेशनल रिसर्च सोसायटी (एसईआर), मेरठ, भारत, 14-15 दिसंबर, 2020।

सोमसुंदरम, एस. अब्राहम, जे एस, मौर्य, एस., गुप्ता, आर, मखीजा, एस, और टोटेजा, आर, ने सिलिको पहचान और कैडमियम, कॉपर मेटल्लोप्रोटीन और सिस्टीन से भरपूर प्रोटीन के लक्षण वर्णन पर अपने काम को पेश किया, मीठे पानी के सिलिएट में सेल डिफेंस में शामिल, अमी-आईएनसीआर के 61 स्टीमेट में, 3-5 फरवरी, 2021

भाटिया, एम., स्मार्ट महिलाओं के उदय पर प्रस्तुत किया और स्टेम की शक्ति के साथ चमक, ब्रिटिश परिषद, 29-30 जून, 2020 द्वारा आयोजित शिक्षा नेताओं के लिए वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर

अन्तर्राष्ट्रीय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय (ओएससी) और क्रिएटिव कॉमन्स के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

2018-19 शैक्षणिक वर्ष में विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए ओएससी और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (टीएचटीआई), फरीदाबाद के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या: 16

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 05

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान, तीव्र गतिविधियों और लोगों का मुकाबला करने और सहायता करने के लिए NSS@ANDC द्वारा पहल किए गए थे। चैरिटेबल कॉविड-19 आइसोलेशन सेंटर की स्थापना में भौतिकी विभाग के तीन संकाय सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महाविद्यालय की यूबीए और एनएसएस इकाइयों ने विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों और छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर वेबिनारों की संख्या का आयोजन किया। महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के साथ UBA@ANDC गोद लिए गए क्षेत्र के इच्छुक निवासियों के कौशल विकास के लिए 'प्रत्यक्ष प्रशिक्षण' का आयोजन किया। विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों अर्थात्-VID IPSA (परियोजना का उद्देश्य वंचित बच्चों को शिक्षित करना था), स्वच्छ भारत अभियान (एसबीए), परियोजना कल्याण, परियोजना खिला आवारा जानवरों और सरकारी योजनाओं के बारे में परियोजना जागरूकता भी शुरू की गई। मुंबई नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) के सहयोग से महाविद्यालय के इको क्लब, भारत ने हमारे शहर में पाई जाने वाली तितली विविधता के बारे में जागरूकता फैलाने और तितली आवासों को बहाल करने में मदद करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यशाला "द बिग तितली महीना" का आयोजन किया। इको क्लब ने सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इको वीक 'पेरिटरन-2021' मनाया। इको क्लब ने भी दो परियोजनाएं शुरू की हैं: कार्बन फुटप्रिंट और स्वदेशी सामग्री और पौधों को कम करें

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष पुस्तकालय को नई पुस्तकालय सॉफ्टवेयर कोहा में शिफ्ट कर दिया गया है। यह दुनिया भर में इस्तेमाल किया जाने वाला पहला ओपन पुस्तकालय ऑटोमेशन पैकेज है। सॉफ्टवेयर में अधिग्रहण, परिसंचरण, कैटलॉगिंग, धारावाहिक प्रबंधन, लचीली रिपोर्टिंग, बहु-प्रारूप नोटिस के लिए मॉड्यूल शामिल हैं। कोहा सभी आकारों, बहु शाखा और एकल शाखा पुस्तकालयों के संघों के लिए काम करेंगे। कोहा में एक एन्हा कैटलॉग डिस्प्ले है जो अमेजन, गूगल आदि से कंटेंट का इस्तेमाल कर सकता है। यह पुस्तकालय मानकों और प्रोटोकॉल जैसे मार्क 21, यूनिकोडआरसी, एसआईपी 2, एसआईपी/एनएसआईपी का उपयोग करके बनाया गया है जो कोहा और अन्य प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों के बीच अंतरसंचालनीयता सुनिश्चित करता है। कोहा के ओपीएसी, सर्कुलेशन, मैनेजमेंट और सेल्फ-चेकआउट इंटरफेस सभी मानकों के अनुरूप वर्ल्ड वाइड वेब टेक्नोलॉजीज-XHTML, सीएसएस और जावास्क्रिप्ट पर आधारित हैं-कोहा को सही मायने में प्लेटफॉर्म-इंडिपेंडेंट सॉल्यूशन बना रहे हैं। इस वर्ष पुस्तकालय में 372 नई पुस्तकें जोड़ी गईं।

संकाय संख्या

कुल स्थायी : 68 (प्रधानाचार्य सहित)

कुल तदर्थ : 54

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान : रुपए 32,01,21,663/-

उपयोगित अनुदान: 100%

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय में वर्तमान में अठारह संकाय सदस्यों की देखरेख में पीएच.डी. और पोस्ट-डॉक्टर की पढ़ाई करने वाले 32 विद्यार्थी हैं, जो दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. गाइड के रूप में विधिवत मान्यता प्राप्त हैं। इस वर्ष पांच छात्रों ने पीएच.डी. की थीसिस जमा की है। विभिन्न सम्मानित विश्वविद्यालयों के 12 स्नातकोत्तर छात्रों ने एंडसी संकाय की सदस्यता के अंतर्गत अपनी इंटर्नशिप की। स्कूल के पांच छात्रों को महाविद्यालय फैकल्टी ने ट्रेनिंग भी दिया। छात्रों ने महाविद्यालय में अपने स्वयं के वर्चुअल लैब प्रयोग बनाए, जिन्हें उनके द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है। एएनडीसी की वेबसाइट (<https://www.youtube.com/channel/>) पर अपलोड किए गए

एनडीसी के छात्रों और शिक्षकों द्वारा बनाए गए इन सभी घरेलू गतिविधियों और वीडियो के लिंक। UCVia2DudfU5CD9NdpvoDLCA/वीडियो)। 2020-21 में, अठारह एनडीसी संकाय सदस्यों ने पाठ्य पुस्तकें लिखीं/पुस्तकों में अध्यायों का योगदान किया/पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा की, आठ संकाय सदस्यों ने वेब पर शैक्षिक ई-सामग्री अपलोड की और चार संकाय सदस्य पाठ्यक्रम, स्कूल की समीक्षा और अद्यतन से संबंधित कार्यशालाओं में विशेषज्ञ थे। एनडीसीआरटी द्वारा पाठ्य पुस्तकें और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं की। महाविद्यालय के स्नातक विद्यार्थी एचबीसीई, टीआईएफआर, मुंबई के क्यूब प्रोग्राम का हिस्सा बने हुए हैं। क्यूब और विद्यार्थी केंद्रित सहयोगी संस्कृति को बढ़ावा देने, महाविद्यालय को 6-8 नवंबर, 2020 के दौरान एचबीसीई-टीआईएफआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बैठक में "घन क्षेत्रीय संसाधन केंद्र पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। समागम के दौरान तीन छात्रों सुश्री गरिमा कालाकोटी, सुश्री कोमल और श्री. पुलकित सिंह को "के एस कृष्णन स्टूडेंट मैटर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय ने एनआईआई और आईजीआईबी के सहयोग से यूजी स्टूडेंट्स के लिए लाइव डेमोस्ट्रेशन, वेबिनार और वर्चुअल टूर का आयोजन किया है।

अदिति महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

ऑनलाइन मंच के माध्यम से "पानी की कमी और स्थिरता: एक जल शक्ति अभियान परिप्रेक्ष्य" पर यूजीसी द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। चार प्रतियोगिताओं- शोध रीडिंग, स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग और ऑनलाइन क्विज के लिए कुल 329 पंजीकरण हुए। इसी प्रकार, बच्चों सहित महिलाओं और लड़कियों की क्षमता का खुलासा करने के शीर्षक से एक और सम्मेलन का आयोजन किया गया। बी.एड. विभाग अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली के आरईएलओ (क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय) के साथ भागीदारी की, इस पाठ्यक्रम के लिए अमेरिकी राज्य विभाग नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कुछ लक्ष्यों को संबोधित करने के लिए प्रारंभिक शिक्षा (ग्रेड 1-8) में पूर्व सेवा शिक्षकों के लिए डिजाइन सामग्री और भाषा एकीकृत शिक्षा (सीएलआईएल) पर केंद्रित है। महाविद्यालय V2 योजना का एक हिस्सा था जिसमें नवाचार, प्रयोग और अनुभव के माध्यम से संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करने पर जोर दिया गया है। महाविद्यालय में संबंधित विभागों में कुल 51 फैकल्टी सदस्यों को पदोन्नत किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

काजल बी.ईल.एड प्रथम वर्ष को मिली वैशाली तोमर मेमोरियल स्कॉलरशिप

श्वेता गौतम बी.एड. द्वितीय वर्ष को मिली वैशाली तोमर मेमोरियल स्कॉलरशिप

रचना बी.एल.एड. तृतीय वर्ष को मिली वैशाली तोमर मेमोरियल स्कॉलरशिप

मानसी बी.एड. तृतीय वर्ष को ओटी मिलांग मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया

प्रकाशन

अरोड़ा, आर. सिंह, एस., और सिंह, एस. (2020) द्वि-घन बी-स्पलाइन कोलोकेशन विधि द्वारा दूसरे क्रम के द्वि-आयामी अतिपरवल्यिक समीकरण का संख्यात्मक समाधान। गणितीय विज्ञान, 14, 201-213। <https://doi.org/10.1007/s40096-020-00331-y>

गुप्ता, पी. (2020) महिला की (कामुकता): कल्पना लाजमी का सिनेमा को आवाज देना। जर्नल ऑफ अपवर्जन स्टडीज, जेंडर एंड अपवर्जन पर विशेष अंक, 10 (2), 190-203.

सिंह, एस. और सिंह एस. (2020) अण्डाकार आंशिक अंतर समीकरण के लिए उच्च क्रम अभिसरण संशोधित नोडल द्वि-घन तख्ता कोलोकेशन विधि। आंशिक विभेदक समीकरणों के लिए संख्यात्मक तरीके, 36(5), 1028-1043। <https://doi.org/10.1002/num.22463>

डॉ. आशा 'यही सच है' बनाम 'रजनीगंधा': पाठ से परदे तक का सफर (सह-लेखन) (समागमअप्रैल 2021 Peer Reviewed Journal आईएसएसएन 2231-0479).

डॉ. आशा 'बुजुर्गों का अकेलापन और हिन्दी सिनेमा' ('जनकृति' बहुविषयक विद्वत समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, वर्ष 6, अंक-68, दिसंबर 2020, आईएसएसएन 2454-2725, प्रभाव कारक GIF 1.88).

डॉ. आशा 'हिन्दी नाटकों में गांधी' (सह-लेखन) ('समसामयिक सृजन', अक्टूबर-दिसंबर 2020 आईएसएसएन 2320-5733).

डॉ. आशा 'आचार्य शिवपूजन सहाय के मानस में तुलसी-काव्य' ('साहित्य यात्रा', वर्ष 6 अंक 23 जुलाई-सितम्बर 2020 आईएसएसएन 2349-1906).

डॉ. आशा 'हिन्दी रंगमंच का आरंभिक स्त्री विमर्श' ('समसामयिक सृजन', जुलाई-सितम्बर 2020 आईएसएसएन 2320-5733).

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. बानी ताम्बर ऐरी, सहायक प्रोफेसर (इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय), पहले 1000 दिन: स्वास्थ्य और कल्याण में खाद्य सुरक्षा और पोषण की भूमिका, 22 सितंबर 2020

प्रो. एन.के. चड्ढा, स्ट्रेस मैनेजमेंट, 25 मार्च 2021

डॉ. रेणु किशोर, अर्थपूर्ण चिकित्सा, 26 मार्च 2021.

डॉ. निमिषा कुमार, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा, 26 मार्च 2021

डॉ. वंदना गंभीर, मनोविज्ञान संगठनों में, 26 मार्च 2021

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. मनीषा वाधवा ने "स्कूलों में समावेश: चुनौतियां और संभावनाएं" और डॉ. नीतू राणा ने 27 मार्च, 2021 को आयोजित यूजीसी वित्त पोषित राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिला निदेशक: बदलते परिदृश्य और आगे की चुनौतियां" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. पूनम लकड़ा ने जल प्रदूषण-एक जन स्वास्थ्य चुनौती पर एक शोध प्रस्तुत किया, डॉ. नीतू राणा ने 9 मार्च 2021 को आयोजित यूजीसी वित्त पोषित, "जल की कमी और स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन" के दौरान "भारतीय उद्योगों में जल लेखा परीक्षा और जल संरक्षण: सस्टेनेबिलिटी के लिए घंटे की जरूरत" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. पुनीता गुप्ता शिक्षकों के लिए सामाजिक विज्ञान में ऑनलाइन पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए टीम का हिस्सा थीं, सामाजिक विज्ञान में शिक्षा विभाग द्वारा तैयार माध्यमिक चरण में अध्यापन और 20-23 अक्टूबर 2020 से चार दिवसीय आभासी समीक्षा बैठक में भाग लिया, ' शिक्षकों के लिए सामाजिक विज्ञान में ऑन लाइन पाठ्यक्रम के विकास ' पर पीएसी द्वारा अनुमोदित कार्यक्रम के संबंध में और 2 पाठ्यक्रमों की समीक्षा की।

डॉ. आशा ने कस्तूरी राम उच्च शिक्षा महाविद्यालय द्वारा 22 फरवरी 2020 को आयोजित रंगमंच कार्यशाला में 29 मई 2020 को शिक्षा में रंगमंच शीर्षक से वेबिनार में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर

सोसायटी पंजीकृत अधिनियम XXI 1860 के रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज, दिल्ली एनसीटी सरकार के साथ।

अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के बारे में वाई.एम.सी.ए. के साथ समझौता जापन।

मदर डेयरी के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर

एचएफएम रूफ टॉप सोलर प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर

इंटरनेट सुविधा के लिए लीज लाइन के बारे में रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

डॉ. रीमा लांबा (एचडीएफई विभाग, एएमवी) और सुश्री निर्मला मुरलीधर (एचडीएफई विभाग, जेडीएम) ने फरवरी-मार्च 2021 के दौरान "बच्चों में डिकोडिंग विकलांगता" पर एक प्रमाण शोध पाठ्यक्रम का संचालन किया।

इसका उद्देश्य अपने महाविद्यालय और अन्य महाविद्यालयों में शामिल छात्रों और शिक्षकों को इन मुद्दों पर इसी तरह के यूजी कार्यक्रम पेश करने के लिए जागरूक करना था। प्रमाणशोध के इस सहयोगात्मक संचालन के लिए प्रो. ममता शर्मा (एएमवी) और प्रो. स्वाती पाल (जेडीएम) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

नियोजन

इंटरनशिप:

बी.कॉम = 10 विद्यार्थी

बी.कॉम (ऑनर्स) = 14 विद्यार्थी

B.El.Ed बी.एड = 11 विद्यार्थी

बी.ए. = 8 विद्यार्थी

बी.एस.डब्ल्यू= 2 विद्यार्थी

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

महाविद्यालय के साइंस सोसायटी और इको क्लब के सहयोग से विभाग ने दिसंबर माह में बायो डायवर्सिटी पार्क में सभी वर्षों के लिएवर्चुअल विजिट का आयोजन किया। विद्यार्थी-छात्राएं महाविद्यालय की समितियों और समाजों द्वारा आयोजित विभिन्न अन्य कार्यक्रमों का हिस्सा थे और अन्य महाविद्यालयों के आयोजनों में भाग लिया और प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त किया। औद्योगिक यात्रा: विभाग ने एमएस टीम्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से 5 फरवरी 2020 को याकल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए आभासी औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और याकल्ट की टीम के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। जनसंपर्क विभाग (याकल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) में कार्यकारी श्री. अजय दहिया और श्री. आदेश ने छात्रों को एक सूचनात्मक प्रस्तुति के माध्यम से उत्पाद और ब्रांड की विकास प्रक्रिया से मिलवाया। उन्होंने विभिन्न वीडियो, चित्र और स्लाइड प्रस्तुत किए जिन्होंने पूरी तरह से स्वचालित उत्पादन प्रणाली के कामकाजी और कामकाजी वातावरण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में लगभग 117 विद्यार्थी शामिल हुए।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय स्वचालन प्रक्रिया अकादमिक वर्ष की शुरुआत में शुरू की गई थी और एक सप्ताह के भीतर पूरा होने की संभावना है। संकाय के साथ-साथ छात्रों के लिए संदर्भ अनुभाग से सुसज्जित एक वाचनालय स्थापित किया गया है। महाविद्यालय पुस्तकालय महामारी के दौरान दोनों संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए ई-पुस्तकों, ई- जर्नल और ई-संसाधनों के लिए दूरदराज के उपयोग प्रदान करने में ऊर्जावान किया गया है।

संकाय संख्या

शिक्षण संकाय: 100

शिक्षणेत्तर संकाय: 56

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

लॉकडाउन अवधि के दौरान अदिति परिवार की शारीरिक और मानसिक भलाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं और वेबिनारों का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर, महाविद्यालय ने कर्मचारियों और छात्रों के

अकादमिक संवर्धन के लिए लॉकडाउन का समान रूप से उपयोग किया है। छात्रों और संकाय सदस्यों ने सर्वेक्षण किया है कि कैसे कोविड-19 के साथ मुकाबला किया जाए। एनएसएस के छात्रों ने मास्क तैयार कर इन मास्कों को वितरण के लिए आसपास के सभी थानों को दिया। स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाने में राज्य सरकार की सहायता के लिए महाविद्यालय भवन को सीआरपीएफ को संगरोध केंद्र के रूप में पेश किया गया था। शिक्षण और शिक्षणोत्तर स्टाफ ने आईसीटी वर्कशॉप में भाग लेकर खुद को लैस करने की तैयारी की ताकि महाविद्यालय स्टाफ और छात्रों के साथ बेहतर ई-कनेक्ट हो सके। अध्ययन सामग्री अपलोड करना, परीक्षा फॉर्म भरना प्रबंधन कर्मचारियों और छात्रों के संयुक्त प्रयासों के साथ इलेक्ट्रॉनिक मोड में एक सुगम कार्य था। लॉकडाउन के दौरान खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए स्टाफ और छात्रों ने ऑनलाइन योग सत्रों में उत्साह पूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय ने मार्च 2020 में नैक प्रत्यायन के लिए अपना पहला एसएसआर प्रस्तुत किया। हमारे खेल छात्रों के लिए अधिकतम गुणवत्ता वाली खेल सुविधाओं की दिशा में विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया गया है। पूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय और समाज में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान को गिनने के लिए महाविद्यालय का सबसे मूल्यवान संसाधन बन गया। कोविड-19 महामारी की स्थिति के परिणामस्वरूप, एक पूर्व विद्यार्थी कार्यक्रम ने 23 मई 2020 को अपनी चौथी पूर्व विद्यार्थी वेब मीट का आयोजन किया। पूर्व विद्यार्थी वेब मीट की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा ने प्रेरक भाषण के साथ की और सभी प्रमुख वक्ताओं का स्वागत किया। अदिति के प्रमुख पूर्व छात्रों को मुख्य वक्ताओं के रूप में अपने-अपने क्षेत्र में आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने "महिलाओं के दोहरे बोझ से दोहरे वरदान तक की यात्रा" पर अपने विचार साझा किए, जो बैठक में आकर्षण का क्षण बन गया

अहिल्या बाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग (एबीसीऑन)

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों

वर्ष 1993 में स्थापित अहिल्या बाई महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग को अब औपचारिक रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है और इसे आईएनसी (इंडियन नर्सिंग काउंसिल) और डीएनसी (दिल्ली नर्सिंग काउंसिल) द्वारा भी मान्यता दी गई है। बी.एससी (ऑनर्स) के साथ नर्सिंग पाठ्यक्रम संकाय सदस्य मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय के एमबीबीएस छात्रों को नर्सिंग पहलू भी सिखा रहे हैं। बी.एससी के 2017-21 बैच (ऑनर्स) - नर्सिंग ने सफलतापूर्वक अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और सभी छात्रों को नियोजन मिला है। इनमें से कई छात्रों को हमारे देश के सरकारी क्षेत्र और विदेशों में भी रखा गया है। महाविद्यालय को अपने संकाय और छात्रों पर गर्व है जिन्होंने इस महामारी समय के दौरान कोविड योद्धा के रूप में काम किया है जिसका सामना वर्तमान में हमारा देश कर रहा है। बी.एससी (ऑनर्स) -नर्सिंग स्टूडेंट्स (इंटर्न) को 17 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 की अवधि के दौरान नई दिल्ली के लोक नायक अस्पताल के कोविड वार्ड में उनकी क्लिनिकल पोस्टिंग के लिए तैनात किया गया था। महाविद्यालय द्वारा 10 अक्टूबर 2020 को जी. बी. पीएच के मनोरोग विभाग में मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया था। "मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश" विषय पर नई दिल्ली। एबीसीएन में 12 मई 2021 को नर्सिंग डे भी मनाया गया था।

पुस्तकालय

महाविद्यालय पुस्तकालय चालू वर्ष के अधिक नए संस्करणों और विशेष विशेषताओं से सुसज्जित है। पुस्तकालय में लगभग 2500 पुस्तकें, 70 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 100 राष्ट्रीय जर्नल, 130 संदर्भ पुस्तकें और 30 शोध थीसिस हैं। वर्ष 2020 - 2021 में 147 नई पुस्तकों की खरीद हुई है।

संकाय

महाविद्यालय में मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, मनोरोग नर्सिंग, बाल चिकित्सा नर्सिंग, प्रसूति नर्सिंग और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ कुल 15 संकाय हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सभी सेमेस्टर प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, छठी, सातवीं और आठवीं के लिए मास्टर अकादमिक रोटेशन योजना की योजना बनाई गई थी और इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया है। महाविद्यालय के छात्रों ने लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत, जीएनईसी और शहरी स्वास्थ्य केंद्र, मंडी हाउस नई दिल्ली और बरवाला गांव से सामुदायिक क्षेत्र अनुभव प्राप्त किया। एबीसीऑन के लिए भविष्य की योजना में मिडवाइफरी नर्सिंग का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण संस्थान खोलना शामिल है। महाविद्यालय जल्द ही एम.एससी नर्सिंग प्रोग्राम शुरू करने का काम कर रहा है।

अमर ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अमर ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी भारत में फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक प्रसिद्ध केंद्र है। इसने अपने गुणवत्ता कार्यक्रमों, विद्यार्थी संबद्धता और अनुप पर हुए अनुसंधान के लिए एक प्रतिष्ठा बनाई है, जिसे रचनात्मक, अभिनव और सहायक अकादमिक संगठनात्मक संरचना और सीखने की संस्कृति द्वारा सक्षम किया गया है। संस्थान का प्राथमिक उद्देश्य अपने छात्रों को सैद्धांतिक और अनुप पर लागू सीखने के लिए एक व्यापक और उत्तेजक वातावरण प्रदान करना है, साथ ही कौशल और दक्षताओं के विकास के लिए शिक्षण सुविधाएं -नैदानिक और अकादमिक दोनों। इस वर्ष संकाय और छात्रों को आभासी शिक्षण मोड की एक नई दुनिया में प्रवेश किया। अभिनव और उच्च कुशल संकाय, जो सहयोगात्मक, कुशलता और रचनात्मक ऑनलाइन क्षुधा, वीडियो व्याख्यान और कार्य का उपयोग कर काम किया, छात्रों के लिए एक दिलचस्प और सुखद अनुभव बनाया। संस्थान स्नातक और मास्टर कार्यक्रमों में नामांकित हमारे छात्रों के अकादमिक मानकों को बढ़ाने के लिए असाधारण प्रयास करता है

सम्मान/गौरव

सबसे मेधावी छात्रा के लिए पीयूष त्रिवेदी पुरस्कार बीपीटी चतुर्थ वर्ष की श्री. महिमा भाटिया को प्रदान किया गया।

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए ' डैन स्टर्नर ' पुरस्कार सुश्री श्रेया वशिष्ठ (निवर्तमान स्नातक विद्यार्थी) ने जीता।

एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल) में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए डॉ. कमला और जी एच गिडवानी पुरस्कार सुश्री शिवानी आहूजा को प्रदान किया गया।

एमपीटी (न्यूरोलॉजी) में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए डॉ. कमला और जी. एच. गिडवानी पुरस्कार सुश्री सना अहमद को प्रदान किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) 2 वर्ष की अनुष्का गर्ग ने विश्वविद्यालय में प्रथम रैंक प्राप्त की।

मृदुला दुआ और बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) फोर्थ ईयर की सुश्री वंशिका चोपड़ा ने विश्वविद्यालय में क्रमशः प्रथम और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

श्रेया वशिष्ठ ने बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी) की प्राप्त की विश्वविद्यालय (I, I, II, III, IV और इंटरनशिप) में ओवरऑल पहला स्थान प्राप्त किया।

एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी) की शिवानी आहूजा और सुश्री शैलली गुप्ता ने पहले और तीसरे सेमेस्टर में क्रमशः विश्वविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया।

एमपीटी (न्यूरोलॉजिकल फिजियोथेरेपी) की सना अहमद और स्पर्श जैन ने प्रथम और तीसरे सेमेस्टर में क्रमशः विश्वविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

पाटकी, के., सांघी, डी. पराशर, आर.के., और भटनागर, बी. (2021) सामाजिक आर्थिक स्तर पर भारतीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की खपत। बाल स्वास्थ्य और पोषण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10, 24-33 <https://doi.org/10.6000/1929-4247.2021.10.01.4>

गर्ग, एम., सक्सेना, पी.एम., और पराशर, आर.के. (2020) मधुमेह के बारे में जागरूकता: शहरी क्षेत्रों की आबादी और शहरी मलिन बस्तियों के बीच तुलना। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 11(7), 473-478 <https://doi.org/10.37506/ijphrd.v11i7.110129>

सैमुअल, ए., और शुक्ला, एम। (2020) प्रोत्साहन स्पिरोमेट्री के जवाब में गर्दन के मोटापे वाले व्यक्तियों के सिस्टोलिक रक्तचाप और हृदय गति प्रतिक्रियाएं - बनाने में एक नया नैदानिक उपकरण। एचटीएल, 26(12), 318-322

सक्सेना, पी.एम., और पराशर, आर.के. (2020) पीठ दर्द और संबंधित जोखिम कारक। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 11(11), 148-153 <https://doi.org/10.37506/IJPHRD.V11I11.11362>

शर्मा के, और मखीजा, एम. (2020) कंधे के दर्द में स्कैपुलर स्टेबलाइजर्स की ताकत पुरुष आबादी स्कैपुलर डिस्काइनेसिस के साथ और बिना। संबद्ध चिकित्सा विज्ञान और नैदानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8(2), 237-244 <https://ijamscr.com/ijamscr/article/view/857>

शर्मा, के., और यादव, ए. (2020) गतिशील न्यूरोमस्क्युलर स्थिरीकरण- एक कथा समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च, 10(9), 221-231 https://www.ijhsr.org/IJHSR_Vol.10_Issue.9_Sep2020/29.pdf से लिया गया

यादव, ए. (2020) सामान्य आबादी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 लॉकडाउन का प्रभाव: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एलाइड मेडिकल साइंसेज एंड साइंटिफिक रिसर्च, 8 (2)।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक /सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 4

अनुसंधान परियोजनाएं

स्वविधान पोषित, 2018-20, "बुढ़ापे के दौरान गिरने के डर से जुड़े कारकों का अध्ययन और कार्यात्मक क्षमताओं के साथ अपने संबंध स्थापित", डॉ. सम्पदा जहाजदार, डॉ. सोनिया सिंह, डॉ. राजू के पराशर, राशि: शून्य।

सोसाइटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट वित्त पोषित, 2020, "दिल्ली में पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम के लिए संवेदनशील शहरी महिलाओं की व्यापकता को निर्धारित करने के लिए एक स्क्रीनिंग उपकरण का विकास और सत्यापन", डॉ. जीवांथी एस (पीटी), डॉ. राजू के पराशर, राशि: 25,000 रुपये।

स्व-वित्त पोषित, 2020, "कैंसर से बचे लोगों में ज्ञान, बाधाओं, सुविधाप्रदाता और शारीरिक व्यायाम की वरीयताओं का पता लगाने के लिए प्रश्नावली का विकास और सत्यापन", डॉ. जीवांथी एस. (पीटी), डॉ. किरण शर्मा (पीटी), राशि: शून्य।

स्व-वित्त पोषित 2020-22, "संतुलन में घाटा, कार्य, अनुभूति और भारतीय कैंसर से बचे लोगों में जीवन की गुणवत्ता", डॉ. निधि सिंह (पीटी), डॉ. सुनील कुमार, डॉ. राजू के पराशर, राशि: शून्य।

स्व-वित्त पोषित, 2020-22, "तनाव मूत्र असंयम के साथ महिलाओं में केगेल के व्यायाम की तुलना में गतिशील न्यूरोमस्क्युलर स्थिरीकरण व्यायाम की सापेक्ष प्रभावकारिता", डॉ. किरण शर्मा (पीटी), डॉ. चमेली कौर चावला, डॉ. राजू के पराशर।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

किरण शर्मा (पीटी) ने 14 फरवरी 2021 को आयोजित स्पोर्ट्स कनेक्ट में 'डायनेमिक न्यूरोमस्क्युलर स्टेबलाइजेशन' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

किरण शर्मा (पीटी) ने 20 मार्च 2021 को एमिटी विश्वविद्यालय में "मूत्र असंयम" पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय के विकास और उन्नयन के लिए कुल 1,46,93 रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इस वर्ष महाविद्यालय पुस्तकालय ने 21 पुस्तकें जोड़ी और फिजियोथेरेपी से संबंधित 6 जर्नल की सदस्यता ली।

संकाय संख्या

संकाय की संख्या: 16 (अकादमिक: 14, नैदानिक: 2)

आर्यभट्ट महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने हाल ही में अपने दो भवनों के लिए तीन अतिरिक्त मंजिलों के निर्माण के लिए स्थानीय निकायों से मंजूरी प्राप्त की है और इसके निर्माण के लिए निविदा सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रदान की गई है। नए निर्माण से मौजूदा कवर्ड एरिया में 5700 वर्ग मीटर की बढ़ोतर होगी। आरएलए महाविद्यालय के साथ मिलकर ट्रांसफॉर्मर व मीटरिंग रूम के साथ एचटी व एलटी रूम बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना को सीपीडब्ल्यूडी द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है और दिसंबर 2021 तक पूरा होने की आशा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना निविदा के डिजाइन और फ्लोटिंग के चरण में है। इस परियोजना के वर्तमान वित्तीय वर्ष के भीतर पूरा होने की आशा है। पिछले वर्षों से पदोन्नतियां इस प्रकार हैं- स्टेज-1 से द्वितीय तक पदोन्नत सहायक प्राध्यापक: 28 सहायक प्राध्यापक स्टेज द्वितीय से तृतीय तक पदोन्नत: 10 गैर-शिक्षणोत्तर कर्मचारी व्यावसायिक सहायक के पद पर पदोन्नत: 01

सम्मान/गौरव

प्रो. मनोज सिन्हा (प्राचार्य) को पूर्वोत्तर, राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) के लिए यूजीसी ऑब्जर्वर, गंगटोक केंद्र (14 फरवरी 2021), आंध्र प्रदेश, राजमुंदरी केंद्र (20 दिसंबर 2020) और कर्नाटक में राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) के लिए यूजीसी ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया था, राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) शिवमोगा केंद्र (27 सितंबर 2020) में।

श्री. बिनय भूषण अग्रवाल रॉयल कॉमनवेल्थ सोसायटी, लंदन के तत्वावधान में आयोजित महारानी राष्ट्रमंडल निबंध प्रतियोगिता 2020 के लिए रिटर्निंग सीनियर जज थे।

डॉ. संगीता को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2020 द्वारा "दिल्ली में महिला शिक्षा का विकास (1911-47) पर उनकी थीसिस के लिए इतिहास में पीएच.डी. से सम्मानित किया गया था।

2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर अभिनव शिक्षण शिक्षा शास्त्र इन उच्च शिक्षा के लिए डॉ. शिवानी रहेजा को "ई-इनोवेशन अवार्ड 2020", उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें नवंबर 2020 में "निर्मल रिसर्च स्कॉलर ऑफ द ईयर 2020" से भी सम्मानित किया गया था।

सुश्री थांगबिचिंग को दिल्ली विश्वविद्यालय, 2021 द्वारा मनोविज्ञान में पीएच.डी. से सम्मानित किया गया था।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

राधिका, बीएससी (ऑनर्स) गणित विभाग ने सीजीपीए 9.541 के साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

गरिमा, बीएससी (ऑनर्स) गणित विभाग ने सीजीपीए 9.257 के साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अंजलि कुमारी, बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस ने 9.149 सीजीपीए के साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

दीपांकर जोशी और अनुज फोगाट, बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र ने 8.919 प्रत्येक के सीजीपीए के साथ उच्चतम अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

अग्रवाल, बी.बी. (2020) विलियम कन्वर्ज: दुनिया का रास्ता। ब्रिटिश साहित्य: 18 वीं शताब्दी, दिल्ली: स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 3-18।

देब, एस (2020) पूर्वोत्तर भारत में बाल कुपोषण। में: पंकज, ए, शर्मा, ए, और बोरा, ए (Eds.): पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक क्षेत्र विकास। सीए, लॉस एंजिल्स ऋषि प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड।

सिंह, जे.के. (दिसंबर 2020) सेक्टरल इंडेक्स में निवेश- हाई रिस्क और हाई रिटर्न वाला प्रस्ताव (भारतीय शेयर बाजार में शोध अध्ययन)। सारंश। यूएसए और उल्लिख का आवधिक, खंड 12।

सिंह, वाई., अग्रवाल, वी.के., और अग्रवाल, आर. (2020)। स्कूल और अंडरग्रेजुएट छात्रों के शिक्षण के लिए फिल्मों के उपयुक्त चयन को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की खोज और उनके बीच संबंधों के मिश्रण का अध्ययन करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड एप्लाइड साइंस, 6(9), 44-49। http://www.iraj.in/journal/journal_file/journal_pdf/14-680-160818269344-49.pdf से लिया गया

थंगबिकचिंग। (2020) भीतर की यात्रा और सुसंस्कृत स्वाध्याय। मनोरोग और मनोविज्ञान अनुसंधान के जर्नल, 3 (5): 236-238। से प्राप्त

बहादुर, सिंह धीरेंद्र. (2020) "जेएनयू : इन्दिरा का स्वप्न-शिशु" जुलाई-सितंबर, विधायन (शोध पत्रिका) अंक-19, (जुलाई-सितंबर 2020) पृष्ठ संख्या. 59-62.

श्री प्रोमिला (2021) "टैगोर की कहानी काबुलीबाला और पोस्टमास्टर: एक विवेचन", श्रीलंका हिन्दी समाचार, जनवरी 2021, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्, भारतीय उच्चायोग, कोलम्बो.

पुस्तकें

आदिगल, में (2021) सिलावटीराम। में: मंगलम, बी (एड.) दिल्ली, वर्ल्डव्यू पब्लिकेशन।

मिश्रा, सी.बी. (2021) पर्यावरण और आपदा प्रबंधन। दिल्ली, ड्रीमटेक प्रेस

मिश्रा, डी. पी. (2020) काव्यालोचना की नई दरिशी, संगराथन, 29 सितंबर, Ank-9

आयोजित संगोष्ठी

ताबिश खैर, भारतीय अंग्रेजी लेखक और एसोसिएट प्रोफेसर, आरोहस विश्वविद्यालय (डेनमार्क), "साहित्य क्यों मायने रखता है?" 21 मई 2020 (मेजबान: अंग्रेजी विभाग)।

प्रो. गिरीश्वर मिश्र, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, "मानसिक स्वास्थ्य और भलाई: वर्तमान चिंताएं", 11 जुलाई 2020 (मेजबान: मनोविज्ञान विभाग)।

आईआईटी दिल्ली के बिजनेस स्टडीज विभाग में वित्त की एसोसिएट प्रोफेसर और एरिया चेयर डॉ. श्वेता सिंह, द्वारा "कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वित्तीय निर्णय लेने पर इसका प्रभाव", 24 अप्रैल 2020 (मेजबान: बीबीई विभाग)।

डॉ. संजीव राय, सहायक प्रोफेसर, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), "कोविड इमरजेंसी-रीइमेजिंग एजुकेशन" 27 मई 2020 को। (मेजबान: राजनीति विज्ञान विभाग)।

आइसलैंड की लेखिका डॉ. गिति चंद्रा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. मीनाक्षी एफ पॉल के साथ 26-27 फरवरी 2021 के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार " कथानक के रूप: कथन, मिथकों और साहित्य" में वक्ताओं को आमंत्रित किया।

एल्मर जोसेफ रेनर (डेनमार्क), सुश्री एम्. नधीरा शिवंती(श्रीलंका), सुश्री जामीला खमेलकोवा(युक्रेन), डॉ. विपुल गोस्वामी (भारत), "विदेशी भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ", अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 9 जून 2020. (आयोजक: हिन्दी विभाग).

आयोजित सम्मेलन

'फिनोमेना'21- वित्त और निवेश प्रकोष्ठ का वार्षिक सम्मेलन। इसमें अर्थशास्त्र और व्यवसाय से लेकर सक्रियता तक के विविध क्षेत्रों के 8 प्रसिद्ध वक्ता थे, जिनमें सुश्री मीनाक्षी लेखी - संसद सदस्य नई दिल्ली, फेडरिको साल्वे - भारत में मैक्सिको राजदूत, श्री. अरविंद मायाराम - राजस्थान के पूर्व वित्त सचिव और राजस्थान के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार, मिताली निकोर - निकोर एसोसिएट्स की संस्थापक, हरीश अय्यर - मानव अधिकार कार्यकर्ता, शरद सागर - डेक्सटरिटी ग्लोबल के संस्थापक और सीईओ, श्री. अशोक वाजपेई-कवि और पूर्व सिविल सेवक और सनी गर्ग-एई के संस्थापक! 23-24 जनवरी 2021 को।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

श्री. बिनय भूषण अग्रवाल ने 'इंडियन ओशियन पोर्ट सिटीज एंड उनके भीतरी देशों' पर कार्यशाला में 'अंतरंग जीवन और तनावपूर्ण राज्य: द गोयर नेटिव' प्रस्तुत किया, जो वैश्विक एशिया, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, शंघाई, चीन, 23-24 अक्टूबर 2020 में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-कार्यशाला है।

डॉ. मोनिका अग्रवाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अर्थव्यवस्था के विविध वर्गों पर कोरोना वायरस का मनोवैज्ञानिक प्रभाव - भारतीय संदर्भ में एक अध्ययन' प्रस्तुत किया। 24 फरवरी 2021.

डॉ. प्रीतिका दुआ ने मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर, 16-17 जनवरी 2021 द्वारा आयोजित समकालीन व्यापार रुझान 2021 पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पर्यावरण प्रबंधन के लिए बिल्डिंग क्षमताएं: केस स्टडी ऑफ हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड' प्रस्तुत की।

सुश्री रोशनी ने 11-12 सितंबर 2020 को उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान सोसायटी द्वारा पर्यावरण, साहित्य और संस्कृति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में 'द पॉलिटिक्स ऑफ चॉइस': यज्ञ पंडाल से 'द पॉलिटिक्स' प्रस्तुत किया।

डॉ. सतीश के झा ने 6 सितंबर 2020 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली फॉउंडेशन फॉर क्रिएटिव सोशल रिसर्च एंड रजा फॉउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सम्मेलन में 21वीं सदी में 'रिपब्लिकन डेमोक्रेसी को पुनः प्राप्त करने' का कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा 15-20 जून 2020 को आयोजित साहित्य और सिनेमा में विकलांगता का प्रतिनिधित्व शीर्षक से 5वें अंतःविषय राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. कामायनी कुमार ने 'टूटे कॉलम: ट्रॉमा इन फ्रीडा काहलो' प्रस्तुत किए।

श्री संकेत शेखर ने भारत में बदलते कारोबारी माहौल में 'कॉर्पोरेट गवर्नेंस मैकेनिज्म को प्रभावित करने वाले कारकों के बीच पदानुक्रमित संबंध विकसित करना' प्रस्तुत किया: चुनौतियां और अवसर सम्मेलन का आयोजन श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 जुलाई 2020 द्वारा आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ:

'फ्रेंच लैंग्वेज' (अवधि: 108 घंटे) पर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम के लिए भारत में फ्रांसीसी दूतावास (2020-21) से संबद्ध एलायंस फ्रांसेज़, दिल्ली (एएफडी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

'अंग्रेजी प्रवीणता' (अवधि: 108 घंटे) पर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम के लिए लैंगमा स्कूल ऑफ लैंग्वेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

"भविष्य कौशल को रोजगार को बढ़ावा देने के लिए" (अवधि: 40 घंटे) पर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम के लिए गगन विनिंग एज व्यक्तित्व के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

ऐड-ऑन प्रोग्राम:

पाठ्यक्रम कोऑर्डिनेटर: डॉ. सुरजीत देब, डॉ. आंचल गुप्ता और डॉ. मधुलिका निर्मल

फ्रेंच भाषा प्रारंभिक स्तरीय प्रमाणशोध पाठ्यक्रम। स्तर एक 1.1 और 1.2 (108 घंटे)। यह पाठ्यक्रम फ्रांस के दूतावास से संबद्ध एलायंस फ्रेंकाइज डी दिल्ली के सहयोग से प्रस्तुत किया गया था, सितंबर-दिसंबर 2020।

अंग्रेजी प्रवीणता: भाषा और संचार 60 घंटे की अवधि लैंगमा स्कूल ऑफ लैंग्वेज के सहयोग से, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से संबद्ध, अक्टूबर-दिसंबर 2020।

आर्यभट्ट महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार और एनएसई के संगठन, सितंबर 2020-जून 2021 के प्रमुख के अंतर्गत आईएमएस प्रोस्कूल के सहयोग से वित्तीय मॉडलिंग में अग्रिम कार्यक्रम (100 घंटे) का आयोजन किया गया।

आर्यभट्ट महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार और एनएसई के संगठन, सितंबर 2020-जून 2021 के प्रमुख के अंतर्गत आईएमएस प्रोस्कूल के सहयोग से आयोजित बिजनेस एनालिटिक्स पाठ्यक्रम "(100 घंटे)।

"भविष्य कौशल रोजगार को बढ़ावा देने के लिए" (40 घंटे) गगन विनिंग एज व्यक्तित्व कार्यक्रम (GWEPP), अक्टूबर-दिसंबर 2020 के सहयोग से।

इब्लिदा-एक नई शुरुआत का आगमन: वर्ष दर वर्ष वायु की गुणवत्ता खराब होने के बाद, एकटस आर्यभट्ट की टीम ने निर्माण उद्योग में क्रांति लाने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ इन मुद्दों से उबरने की ठान ली थी। व्यापक अनुसंधान और विकास का उपक्रम करते हुए, एकटस आर्यभट्ट ने वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने के लिए एक सरल समाधान के साथ आने के लिए ग्रीनजम्स के साथ तालमेल से सहयोग किया। इस प्रकार, शानदार विचार के उल्लेखनीय परिणाम को एक साथ रखा जा रहा है परियोजना इब्लिदा की स्थापना के लिए नेतृत्व किया। वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से टिकाऊ समाधान प्रदान करने के मूल सिद्धांतों पर स्थापित, इब्लिदा एक कार्य योजना है जिसका उद्देश्य प्रदूषण के बेरोजगार स्रोतों का उपयोग करना और इन प्रदूषकों को अभिनव उत्पादों में अपसाइक्लिंग करना है, जबकि स्थिरता को बढ़ावा देना और कार्बन पदचिह्न को काफी कम करना है।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 46 में से 15 साक्षात्कार (33 %)

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 22

कैंपस में भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: 22

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

आर्यभट्ट महाविद्यालय, 2021 के छात्रों और संकायों के लिए कॉविड काउंसलिंग साइको-सोशल हेल्पडेस्क।

दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट महाविद्यालय, प्रशिक्षण टीम द्वारा आयोजित और आयोजित "ईटूल फॉर ऑनलाइन टीचिंग" पर 6-13 जुलाई 2020 तक एक सप्ताह का ऑनलाइन इन-हाउस संकाय सशक्तिकरण कार्यक्रम।

कक्षावार विद्यार्थी सलाह महाविद्यालय संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित कार्यक्रम, 2020-2021

आर्यभट्ट महाविद्यालय (एड-ऑन प्रोग्राम), जनवरी 2021- चालू) द्वारा वित्तीय बाजारों पर अग्रिम कौशल कार्यक्रम (एएसपीएफएम) (100 घंटे) आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय संग्रह में 440 पुस्तकें जोड़ी गई हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय ई-बुक्स और ई-जर्नल्स की ऑनलाइन एक्सेस के लिए एनलिस्ट सर्विसेज की भी सब्सक्राइब कर रही है।

संकाय संख्या

स्थायी: 53

तदर्थ: 38

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रु. 43,45,00,000/-

उपयोगित अनुदान: रु. 29,00,59,898/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. मनोज सिन्हा ने लोकसभा सचिवालय द्वारा आयोजित प्रशंसा पाठ्यक्रम में व्याख्यान दिया। डॉ. सतीश के झा को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान में डिपार्टमेंट रिसर्च स्टडीज में सदस्य मनोनीत किया गया। डॉ.बी मंगलम ने जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय में प्रथम मूलभूत व्याख्यान माला के रूप में व्याख्यान दिया। बिनय भूषण अग्रवाल को शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 'टोकथॉन प्रतियोगिता' के लिए मूल्यांकनकर्ता चुना गया। जनवरी 2021 उन्होंने विशेष व्याख्यान श्रृंखला का भी आयोजन किया जो अंतर्राष्ट्रीय लेखकों और शिक्षाविदों में गूंज हुई। एक्टस आर्यभट्ट के छात्रों ने भारत भर में एक्टस टीमों द्वारा आयोजित विभिन्न व्यावसायिक योजनाओं और केस स्टडी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते हैं। प्रोजेक्ट पलाश ने प्रोजेक्ट उत्कर्ष के अंतर्गत महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में काम किया। एक्टस आर्यभट्ट प्रशंसित मीडिया घरानों में चित्रित किया, अंतर्राष्ट्रीय के रूप में अच्छी तरह से इनमें इम्पैटर-लंदन स्थित एक प्रकाशक शामिल है जो दुनिया भर में हरित व्यवसायों का दस्तावेजीकरण करता है, सिक्स यार्ड स्टोरी द हिंदू, टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस का नाम उल्लेखनीय है।

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय ओवरऑल महाविद्यालय रैंकिंग में 13वें स्थान पर रहा और भारत में हाल ही में इंडिया टुडे की आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स महाविद्यालयों की रैंकिंग के अनुसार 16वें स्थान पर, कॉमर्स के बीच 11वें और भारत में आर्ट्स कोर्सेज के लिए 12वां स्थान था। महाविद्यालय ने शिक्षण, गैर-शिक्षण और छात्रों (विभिन्न संस्थानों से) के लिए सौ से अधिक वेबिनार (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) का आयोजन किया है, जिसमें 4-6 मार्च 2021 से आईक्यूएसी के साथ "उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण" सहयोग पर -3 दिन का ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शामिल है और 5-11 जून, 2020 से दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण शिक्षण केंद्र (टीएलसी), रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से आईक्यूएसी एआरएसडी द्वारा "अनुसंधान पद्धति: उपकरण और तकनीक" पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह महाविद्यालय सस्ती प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से ग्रामीण विकास पर एमएचआरडी के एक प्रमुख कार्यक्रम अननेट भारत अभियान (यूबीए) के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल है। हाल ही में, ए.आर.एस.डी. महाविद्यालय ने इस यूबी कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के 5 गांवों को गोद लिया है। इस महाविद्यालय ने क्षेत्र के गांवों- दिल्ली छावनी, नसीपुर, नजफगढ़, आसलतपुर खावाड़ और शिकारपुर को गोद लिया है।

सम्मान/गौरव

शोध में योगदान के लिए सहायक प्राध्यापक डॉ. ओमप्रकाश यादव को सराहनीय शोध पुरस्कार 2020 मिला। जनवरी, 2020 में अपनी भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में अमरीका की सहायक विदेश मंत्री मैडम मैरी रॉयस से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में डॉ. सैयद मुबीन जेहरा सहायक प्रोफेसर इतिहास विभाग थे। अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्योतिफेनिजा बोल्या ने अपनी कविता के लिए उत्तम कविता पुरस्कार को मिला।

डॉ. एस शंकर सुब्रमण्यन को 15 फरवरी, 2021 को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चौथे शोध उत्कृष्टता पुरस्कार में वर्ष 2020 के दौरान अनुसंधान की मान्यता में सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. मनिका जैन को 10 अप्रैल 2021 को दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित "पोस्ट कोविड युग में संगठनात्मक पुनर्जागरण" पर आयोजित ई-सम्मेलन में प्रस्तुत शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार प्रदान किया गया है। शोध शीर्षक था और उद्धृत; एआई सक्षम चैटबॉट इंटरफेस और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में उपभोक्ताओं के ऑनलाइन खरीद व्यवहार के बीच संबंधों की जांच, "(ऑनलाइन प्रस्तुति)।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

सुनित बिश्नोई, बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष ने दिल्ली गोल्फ क्लब द्वारा आयोजित दिल्ली एनसीआर कप 2021 टूर्नामेंट जीता और जनवरी 2021 में जूनियर गोल्फ स्कोर बोर्ड द्वारा आयोजित चैंपियंस ऑफ नॉर्थ टूर चैंपियनशिप में पहला स्थान भी जीता

आदित्य ने चेरी बुक अवार्ड 2021 में सर्वश्रेष्ठ लेखक-फिक्शन का पुरस्कार जीता।

गुवाहाटी के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तीरंदाजी के प्रशिक्षण के लिए चयनित बीए (ठेला) द्वितीय वर्ष के मनीष भाटी।

सुनित बिश्नोई, बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष

सुनित बिश्नोई, बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष ने चंडीगढ़ में आयोजित 105 प्रतिभागियों में नेशनल टूर्नामेंट और समाप्त टी4 में भाग लिया।

प्रकाशन

यूजीसी केयर सूची में प्रकाशनों की संख्या: 140

अन्तर्राष्ट्रीय: 102

राष्ट्रीय: 38

कुमार, ए., कुमारी, पी., और भगत, एस. (2020)। सीडी (ओएसी) 2 का उपयोग कर उपन्यास फ्लोरिनेटेड 4,6-विघटित एमिनोपाइरीमिडीन का एक सरल और अत्यधिक कुशल संश्लेषण। सिंथेटिक संचार, 50(24), 3830-3835। <https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1812657>

कुमार, एम. शंकर, एस., तुली, वी., मित्तल, एस., जोशी, वी., झा, एम.के., और गुप्ता, जी. (2020)। कोबाल्ट फेराइट-BaTiO₃ कंपोजिट में संरचनात्मक विश्लेषण और मैग्नेटोइलेक्ट्रिक सेंसिंग। राष्ट्रीय अकादमी विज्ञान शोध, 43, 677-679 <https://doi.org/10.1007/s40009-020-00939-7>

शाहिद, आर., पांडे, आर., और सिंह, पी. (2020) पॉलीमॉर्फ सह-अस्तित्व और मोनोमर और ट्रिपर स्ट्रॉटियम मेटा-सिलिकेट में परिवहन गतिशीलता पर इसका प्रभाव। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 147, 109641। <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2020.109641>

अदालती, आर., कुमार, ए., कुमार, वाई., और चंद्रा, आर. (2020)। मोलिब्डेनम नाइट्राइड और वैनेडियम नाइट्राइड पतली फिल्मों का एक उच्च प्रदर्शन वाला असममित सुपरकैपेसिटर प्रतिक्रियाशील स्पटरिंग के माध्यम

से बाइंडर-मुक्त इलेक्ट्रोड के रूप में विकसित होता है। ऊर्जा प्रौद्योगिकी, 8(10), 2000466. <https://doi.org/10.1002/ente.202000466>

डुजेरिक-स्टीफन, के., पेंटा, पी., शुल्गा, वाई. एम., कुमार, ए., गुप्ता, एम., और कुमार, वाई. (2020)। धातु मेटल के छिलके से संश्लेषित सक्रिय कार्बन का भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन और अम्लीय इलेक्ट्रोलाइट्स और आयनिक तरल पदार्थों में तुलनात्मक कैपेसिटिव प्रदर्शन विश्लेषण। जैव संसाधन प्रौद्योगिकी रिपोर्ट, 11, 100516। <https://doi.org/10.1016/j.biteb.2020.100516>

शंकर, एस., मौर्य, आई., राज, ए., सिंह, एस., ठाकुर, ओ.पी., और जयसिन्हाद्री एम. (2020)। BiFeO₃-BiCoO₃-BaTiO₃ टर्नरी कंपाउंड में ढांकता हुआ और ट्यून करने योग्य फेरोइलेक्ट्रिक गुण। एप्लाइड फिजिक्स ए, 126, 686. <https://doi.org/10.1007/s00339-020-03872-0>

शंकर, एस., ठाकुर, ओ.पी., और जयसिन्हाद्री, एम. (2020)। (1- x) Bi_{0.85}La_{0.15}FeO₃-xBaTiO₃ मिश्रित सिलिकेट के संरचनात्मक, बहुपरत और मैग्नेटोइलेक्ट्रिक गुण। सामग्री विज्ञान जर्नल: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 31, 12226-12237। <https://doi.org/10.1007/s10854-020-03768-y>

गुप्ता, ए., और आर्य, पी.के. (2020) घोषणा दिवस के आसपास स्टॉक विभाजन अनुपात पर विभाजन का प्रभाव: भारत से अनुभवजन्य साक्ष्य। निवेश प्रबंधन और वित्तीय नवाचार, 17(3), 345-359। [http://dx.doi.org/10.21511/imfi.17\(3\).2020.26](http://dx.doi.org/10.21511/imfi.17(3).2020.26)

गुप्ता, ए. और आर्य, पी. के. (2020) वित्तीय समावेशन और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए डिजिटल वित्त का बढ़ता महत्व: भारत से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 29 (6), 1501-1510 से प्राप्त <http://serisc.org/journals/index.php/IJAST/article/view/12089>

गुप्ता, ए. और आर्य, पी. के. (2020) वित्तीय समावेशन और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए डिजिटल वित्त का बढ़ता महत्व: भारत से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 29 (6), 1501-1510। से प्राप्त

अनुसंधान परियोजनाएं

एसईआरबी-डीएसटी, अक्टूबर 2018 -2021 (चालू), जिसका शीर्षक है "ग्राफीन (नैनो कार्बन) /मेटल ऑक्साइड नैनोकंपोसाइट इलेक्ट्रोड विद सोडियम आयन-आधारित इलेक्ट्रोलाइट्स का उपयोग करके हाइब्रिड कैपेसिटर के डिजाइन और अनुकूलन", स्वीकृत राशि: 23 लाख, पीआई: डॉ. योगेश कुमार।

जेएसपीएस (भारत-जापान संयुक्त परियोजना) 2019 (चालू), जिसका शीर्षक है "एसओएफसी अनुप्रयोगों के लिए ठोस इलेक्ट्रोलाइट के रूप में उपन्यास ऑक्साइड कंडक्टर का अध्ययन", स्वीकृत राशि: 13.3 लाख। पीजीआई: डॉ. राघवेन्द्र पांडेय।

सीएसआईआर, मई 2019-2022 (चल रहा है), जिसका शीर्षक है "तैयारी..... आधारित समग्र सामग्री", स्वीकृत राशि: 16 लाख, पीआई: श्री. एस शंकर सुब्रमण्यन।

आईसीएसएसआर, मार्च, 2019 - 2021 (चालू), जिसका शीर्षक "गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वैश्विक मापदंडों की पहचान: भारत में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन", स्वीकृत राशि: 11.8 लाख, पीआई: डॉ. उमा संजय सिंह।

आईसीएसएसआर, मार्च, 2019-2021 (सतत), जिसका शीर्षक है "भारत में प्रभावी और अभिनव सार्वजनिक नीति के लिए वास्तविकताओं और सुझावों के आसपास शहरी शासन पर अध्ययन", स्वीकृत राशि: 6 लाख, पीआई: डॉ. सुरेंद्र सिंह।

पेटेंट दायर/ मंजूर

राष्ट्रीय पेटेंट की संख्या : 01

शीर्षक: ई. जम्बोलाना से अलग एक हर्बल एंटीडायबेटिक यौगिक के रासायनिक संश्लेषण के लिए एक प्रक्रिया।

आयोजित संगोष्ठी

डीयू के पूर्व कुलपति और के.आर., मंगलम विश्वविद्यालय के चांसलर प्रो. दिनेश सिंह ने कोरोना वायरस को रहस्यमय बताया: भारत के लिए अच्छी खबर, 28 अप्रैल 2020।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. आनंद प्रकाश ने लॉकडाउन के दौरान तनाव प्रबंधन, 17 अप्रैल 2020।

प्रो. आरके सिंह, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, कोविड-19: अनिश्चितताओं का प्रबंधन, 30 अप्रैल 2020।

प्रो. रामास्वामी, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) एसपीएस और सीएसएस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा भारत में कोविड-19, 7 मई 2020 के बाद।

प्रो. गिरीशेश्वर मिश्र, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी इंटरनेशनल विश्वविद्यालय वर्धा, कोरोना क्राइसिस: ए गांधीवादी परिप्रेक्ष्य, 11 मई 2020।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय (एआरएसडी) ने भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और महाविद्यालय आईक्यूएसी की स्टार महाविद्यालय योजना के अंतर्गत 5-6 नवंबर, 2020 को "कार्यात्मक सामग्री में हालिया रुझान" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे संस्करण का आयोजन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय (एआरएसडी) ने भौतिकी विभाग द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से 4-6 फरवरी 2021 को "उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरण" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 23-24 फरवरी 2021 को "भारत में राज्य और लोकतंत्र: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पहलू" पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

हिंदी विभाग द्वारा आईक्यूएसी के सहयोग से 25-26 मार्च 2021 को "फनीश्वरनाथ रेणु का साहित्य: एक अल्पनात्मक विमर्श" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

मनिका जैन ने "सोशल एंटरप्रेन्योरशिप एक्शन एंड सोशल इनोवेशन" विषय पर एक्टस वर्ल्ड कप 2020 में एकेडमिक रिसर्च पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। पोस्टर का विषय था "पोस्ट में चपलता पर पुनर्विचार महामारी दुनिया", 10 सितंबर 2020 को आयोजित किया।

मनिका जैन ने दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित "पोस्ट कोविड युग में संगठनात्मक पुनर्जागरण" पर आयोजित ई-सम्मेलन में शोध प्रस्तुत किया। शोध शीर्षक: "एआई सक्षम चैटबॉट इंटरफेस और दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में उपभोक्ताओं के ऑनलाइन खरीद व्यवहार के बीच संबंधों की जांच", 10 अप्रैल 2021

डॉ. अप्रा सिन्हा ने अमेरिकी आर्थिक संघों, 2021, संयुक्त राज्य अमेरिका में "नीति त्रुटियों और व्यापार चक्र में उतार-चढ़ाव: एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था से सबूत" पर शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. मनीष कुमार ने 25-26 जुलाई 2020 से एनसीएफएम-2020, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित "ऑर्गेनिक-अऑर्गेनिक पेरोवस्काइट आधारित सौर सेल डिजाइन फॉर हाई कन्वर्जन दक्षता: स्काइपीएस सिमुलेशन द्वारा तुलनात्मक अध्ययन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. एस शंकर सुब्रमण्यन ने 13-15 जून 2020 को सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनर्जी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उन्नत कार्यात्मक सामग्री और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज (आईसीएफएमओडी-20) पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. एस शंकर सुब्रमण्यन ने 25-26 जुलाई 2020 से शारदा विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज एंड रिसर्च द्वारा आयोजित "फंक्शनल मैटेरियल्स इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड एप्लीकेशन इन मैटेरियल साइंस (एनसीएफएम-2020) " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर

निम्नलिखित 12 पाठ्यक्रमों के लिए 30-06-2020 को राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं: आईटी/आईटीईएस/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मीडिया और मनोरंजन/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम ऑन बिजनेस कम्युनिकेशन एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, आईटी/आईटीईएस/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम ऑन साइबर सिक्योरिटी एंड मोबाइल सिक्योरिटी, डिजिटल मार्केटिंग पर मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, डिजिटल फोटोग्राफी पर मीडिया और एंटरटेनमेंट/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, डिजिटल फोटोग्राफी, मीडिया और एंटरटेनमेंट/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम पर डिजिटल फोटोग्राफी, मीडिया और एंटरटेनमेंट/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम ऑन डिजिटल फोटोग्राफी, मीडिया और एंटरटेनमेंट/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम ऑन डिजिटल फोटोग्राफी, स्मार्ट फिल्म मेकिंग पर फ्रेंच लैंग्वेज, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम पर मीडिया एंड एंटरटेनमेंट/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, डाटा साइंस पर आईटी/आईटीईएस/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, एमएस-एक्सेल पर स्किल प्रोग्राम पर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, इंस्ट्रूमेंटेशन पर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट पर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम और लाइफ साइंस/प्रमाणशोध पाठ्यक्रम ऑन फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 134 और 10%

कैंपस में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 20

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

एआरएसडी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई निस्वार्थ रूप से सामुदायिक सेवा के लिए समर्पित है और वर्ष भर के विभिन्न समस्याओं के लिए स्वयं सेवा की। इसमें हरित और स्वच्छ वातावरण के लिए 4 पौधरोपण अभियान शुरू किए गए हैं। इसने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस और राष्ट्रीय बालिका दिवस के बदले 10 फरवरी 2021 को 'पल्स डोनेशन ड्राइव' और 24 जनवरी को 'स्थिर दान अभियान' जैसे दान अभियान का भी आयोजन किया है। 2 अक्टूबर 2020 को, इकाई ने एनएसएस निदेशालय, युवा मामलों और खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार फिट इंडिया आंदोलन के हिस्से के रूप में 2 किलोमीटर का पीएलजी रन आयोजित किया। एनएसएस एआरएसडी ने दिल्ली यातायात पुलिस के सहयोग से 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2021, 11 फरवरी' (एनआरएसएम'21) के अंतर्गत एक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। परियोजना जीव सेवा ' आवारा देखभाल ' के उद्देश्य से-इस समय आवारा कुत्तों, बिल्लियों, और पक्षियों को लक्षित। एनएसएस इकाई ने महाविद्यालय के पास स्थित झुगगी बस्ती श्री. राम जेजे कैंप को भी गोद लिया है। लगभग 105 एनएसएस स्वयंसेवक शिक्षा टीम का हिस्सा हैं, जिसने सेवादीप के नाम से युवा मन को मार्गदर्शन देने का बीड़ा उठाया है।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय ने पिछले वर्ष (2020-21) में 927 पुस्तकें, 21 जर्नल और 30 पत्रिकाएं खरीदी। इसमें 1,16,725 (लगभग) पुस्तकों का विशाल संग्रह है। इसमें 2020-21 के दौरान लगभग 537 पुस्तकें जारी की गईं और 1167 पुस्तकें वापस की गईं। पुस्तकालय हाउसकीपिंग संचालन को स्वचालित करने के लिए

आत्मा 2.0 एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है और डल्स संसाधनों, एनलिस्ट परियोजना, डेलनेट, अन्य स्रोतों के ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए 8 पीसी से सुसज्जित है। 2 ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के लिए उपलब्ध हैं। महाविद्यालय भी ट्रेन, दिल्ली पुस्तकालय एसोसिएशन और इग्नू के छात्रों को जहां उन्हें वर्किंग एक्सपीरियंस मिलता है। इसने ऑनलाइन संसाधनों के साथ-साथ संकाय के साथ-साथ छात्रों को ऋण पर पुस्तकें प्रदान करने के लिए पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) विकसित करने में भी पंजीकरण कराया है। महाविद्यालय पुस्तकालय एक डिजिटल पुस्तकालय और संस्थागत भंडार को डिजाइन और विकसित करना चाहती है।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या: 189

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान स्वीकृत: रुपए 56,52,90,792/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 76,50,07,184/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित लगभग 100 वेबिनार/ई-एफडीपी/कार्यशालाओं में 10000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ कोविड-19 महामारी के दौरान।

भगिनी निवेदिता महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

जून 2020 और मार्च 2021 में "वसुधैव कुटुम्भकम्" पर दो अंतर्राष्ट्रीय आभासी आयोजित सम्मेलन किए गए थे, जिसमें लोगों, विज्ञान, पर्यावरण, महामारी और भेदभाव को संबोधित किया गया था। 16 अप्रैल से 30 मई, 2020 के बीच विभिन्न प्रकार के वेबिनार और चर्चा सत्र आयोजित किए गए। ये "खेल चोटों और प्राथमिक चिकित्सा", "मोटापा प्रबंधन", "स्वास्थ्य और खेल प्रदर्शन वृद्धि के लिए विषहरण" जैसे विषयों को कवर किया। भगिनी निवेदिता महाविद्यालय की नाट्यसमाज अभिष्ट ने भी सितंबर 2020 में "नुक्कड़ नाटक" पर वेबिनार का आयोजन किया था। महाविद्यालय की एनएसएस समिति ने मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 वैक्सीन जागरूकता अभियान और कार्यक्रमों का आयोजन किया। बीएनसी के एनसीसी कैडेट्स ने विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, शौर्य दिवस, गणतंत्र दिवस के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस जैसी विभिन्न विश्वविद्यालय स्तरीय गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, कैडेटों ने एनसीसी निदेशालय दिल्ली द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, कोविड-19 जागरूकता अभियान, मुखौटा वितरण, खाद्य वितरण, आरोग्य सेतु ऐप जागरूकता अभियान, एक भारत श्रेष्ठ शिविर और जोड़ती वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों कार्यक्रमों में भाग लिया।

सम्मान/गौरव

रसायन विभाग के डॉ. योगेश कुमार को टीसीएल केमिकल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 2019 के सहयोग से सेंटर फॉर ग्लोबल हेल्थ, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत और लोयला विश्वविद्यालय शिकागो स्ट्रीच स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए से "सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अन्वेषक" से सम्मानित किया गया।

भौतिकी विभाग के डॉ. विशाल चौधरी को आईआईटी बॉम्बे, इंडिया के सहयोग से एसवीपी महाविद्यालय भुआ द्वारा आयोजित 14-27 मई 2020 तक "वर्चुअल लैब्स" पहल और "एचटीएमएल और एक्सपीआईएस सॉफ्टवेयर" पर कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। दोनों घटनाएं एमएचआरडी की पहल के अंतर्गत हुई।

वाणिज्य विभाग की सुश्री सुषमा रानी खुराना को आशुलिपि (अंग्रेजी) और टाइपोग्राफी में सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र और 18, 19 और 25 फरवरी 2021 को कंप्यूटर एप्लीकेशन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

आरती और तमन्ना जिंदल, बी.एससी (ऑनर्स) फिजिक्स, चौथे सेमेस्टर को बीएनसी के रिसर्च सेल द्वारा आयोजित 20 मार्च 2021 को आयोजित भेदभाव, वसुधैव कुटुंबकम-2 को बोलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में क्रमशः आई और द्वितीय मौखिक पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

चौधरी, वी., और चावली, एम. (2021) अत्यधिक संवेदनशील अमोनिया केमिरेसिस्टर्स के लिए नोवेल मिथाइल-ऑरेंज असिस्टेड कोर-शेल पॉलीएनिलिन-सिल्वर नैनोशीट्स। एप्लाइड पॉलिमर साइंस जर्नल, 138(43), 51288. <https://doi.org/10.1002/app.51288>

कौशिक, जी. (2021) वर्तमान संदर्भ मीन लोक जनजटिया साहिया इवम संस्कृति का महात्म्य। शोध सरिता, 2348-2397; 44-46.

कुमार, पी., और वेदेश्वर, ए.जी. (2020)। सिंगल क्वांटम डॉट के रेजोनेंस फ्लोरेसेंस में कैविटी-असिस्टेड एन्हांस्ड एंड डिफॉसिंग-इम्यून स्क्वीजिंग। शारीरिक समीक्षा ए, 102(4), 043715. <https://doi.org/10.1103/PhysRevA.102.043715>

कुमार, वाई., कुमार, एस., और सिंह, ए.के. (2020), कोविड-19: क्लिनिकल परीक्षण पर एक अद्यतन। औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय, 20(17), 1516-1517 <https://doi.org/10.2174/1568026620999200511092332>

कुमार, वाई., और जैन, ए. (2020)। कोविड-19 महामारी - क्या हम स्वास्थ्य संकट से अभूतपूर्व पोषण संकट की ओर बढ़ रहे हैं? औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय, 20(16), 1438-1439। <https://doi.org/10.2174/1568026620999200511092629>

राम, जे., सिंह, आर.जी., सिंह, एफ., चौहान, वी., गुप्ता, डी., कुमार, वी., कुमार, यू., यादव, बी.सी., और कुमार, आर. (2020)। WO3-PEDOT में आयन बीम इंजीनियरिंग: कमरे के तापमान पर गैस सेंसिंग मापन के लिए PSS हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट पतली फिल्म। अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 119, 108000। <https://doi.org/10.1016/j.inoche.2020.108000>

सिंह, आर.जी., गुप्ता, एच., मेहरा, आर.एम., और सिंह, एफ. (2021) जिंक ऑक्साइड फिल्मों में तेज भारी आयन विकिरण और थर्मल एनीलिंग द्वारा दोषों से प्रेरित दृश्य फोटोल्यूमिनेशन की ट्यूनिंग। विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान, 183, 109400। <https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2021.109400>

सिंह, जे., सिंह, आर.जी., गौतम, एस.के., गुप्ता, एच., ओझा, एस., और सिंह, एफ. (2021) स्विफ्ट भारी आयन विकिरण ने बहुलक-धातु ऑक्साइड संकरों के संचालन में नकारात्मक अंतर प्रतिरोध और आवेश वाहकों के परिवहन को प्रेरित किया। विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान, 179, 109211। <https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2020.109211>

यादव, आर.के., कुमार, वाई., और चौधरी। एस (2020)। धातु-मुक्त, H₂O₂-मध्यस्थ, प्रतिगामी प्रत्यक्ष C-3 इमिडाज़ो का हाइड्रॉक्सिलेशन [1,2-a] सी (sp²)-H बांड क्रियाशीलता के माध्यम से पाइरीडीन। केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 5(29), 9235-9239। <https://doi.org/10.1002/slct.202002219>

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक /सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 04

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी-एसईआरबी स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट (यंग साइंटिस्ट), 2016-2019, "सी (एसपी 3) -एच कार्यात्मकता और इसके अनुप्रयोगों के माध्यम से हेट्रो-प्रतिस्थापित अमीनो एसिड का संश्लेषण शीर्षक, राशि: 34 लाख।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो. अजय घाटक, मेघ नाद साहा प्रोफेसर, NASI, "लाइट एंड आइंस्टीन के ई = एमसी²", 5 नवंबर 2020

डॉ. प्रवीण पाठक, वैज्ञानिक ई, एचबीसीई, टीआईएफआर, "समरूपता भौतिकी में", 27 अक्टूबर 2020।

डॉ. पंकज परसाद, रिसर्च साइंटिस्ट, वेविल कॉर्नल मेडिकल महाविद्यालय, यूएसए, "कोविड-19 से संबंधित मिथकों और तथ्यों पर इंटरनेशनल वेबिनार", 18 अप्रैल 2020।

हिचा रश्मि, हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक, व्याख्याता, दिल्ली विश्वविद्यालय, ग्रेडेड कलाकार, आकाशवाणी, दिल्ली, "दास्तां धुनें बताओ: भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक संक्षिप्त इतिहास", 7 अक्टूबर 2020।

डॉ. मुहम्मद काजीम, शिक्षाविद और रंगमंच कार्यकर्ता, नुक्कड़ नाटक: रंगमंच का एक रूप, 19 सितंबर 2020

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय और एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के सहयोग से 4 से 6 अप्रैल 2018 के दौरान "सिलिएट बायोलॉजी 2018" नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। फंडिंग एजेंसियां: आईएसओपी, आईयूबी, इंसा, डीबीटी, डीएसटी-सर्ब, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीआरडीओ और जेडएसआई।

"वसुधैव कुटुम्बकम: लोग, विज्ञान, पर्यावरण और महामारी", अनुसंधान प्रकोष्ठ और सामुदायिक जुड़ाव और आउटरीच सेल, बीएनसी नामक एक अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन का 5-7 जून 2020 के दौरान आयोजन किया।

"वसुधैव कुटुम्बकम: लोग, विज्ञान, पर्यावरण और महामारी", अनुसंधान प्रकोष्ठ और सामुदायिक जुड़ाव और आउटरीच सेल, बीएनसी नामक एक अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन का 5-7 जून 2020 के दौरान आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

वी. चौधरी ने 20 मार्च 2021 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, भारत के सहयोग से रिसर्च सेल, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में भेदभावपूर्ण लक्षण: श्रेष्ठता कैपस, "भेदभावपूर्ण लक्षण: श्रेष्ठता कैपस" शीर्षक से अपना कार्य प्रस्तुत किया।

वी चौधरी ने 23 जनवरी 2021 को नील विश्वविद्यालय, नाइजीरिया द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "मानसिक स्वास्थ्य: कलंक, महत्व और रोकथाम" शीर्षक से अपना शोध प्रस्तुत किया।

वी चौधरी ने 10 अक्टूबर 2020 को हैप्पी मेंटल क्लब के सहयोग से एनएसएस एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "मानसिक स्वास्थ्य के कलंक पहलुओं" शीर्षक से अपना शोध को प्रस्तुत किया।

वी चौधरी ने 12 जुलाई 2020 को डिबेट बॉट्स क्लब, दिल्ली द्वारा आयोजित "हमें बात करने की जरूरत है: मानसिक स्वास्थ्य और कलंक" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कलंक: मूक महामारी" शीर्षक से अपना शोध प्रस्तुत किया।

वी. चौधरी ने "कोविड-19 में स्व-निर्भरता की रणनीतियों और भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, चिकित्सा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विदेशी सामग्रियों के अनुप्रयोग" पर 29 से 31 मई 2020 को भारत के सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजिकल एडवांस्ड मैटेरियल्स के सहयोग से एसवीपी महाविद्यालय, भभुआ, वीकेएसयू द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में "लड़ाकू कोविड-19 में नैनो प्रौद्योगिकी की भूमिका"

अपना शोध प्रस्तुत किया।

वी. चौधरी ने 29 मई 2020 को क्वाबिट: फिजिक्स सोसायटी, भास्कराचार्य महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में नैनो कितना विशाल है, शीर्षक से अपना शोध प्रस्तुत किया।

गीता कौशिक ने 9 मार्च 2021 को अदिति महाविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय वेबिनार में नाडी संरक्षा शीर्षक से अपना शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 06

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

पूरे सत्र में काफी संख्या में विस्तार और आउटरीच गतिविधियां आयोजित की गईं। हैप्पी मेंटल्स क्लब, इंडिया के सहयोग से 5 से 10 अक्टूबर, 2020 तक विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह उत्सव का आयोजन किया गया। इसी सप्ताह उत्सव का आयोजन 7 से 12 अगस्त, 2020 तक किया गया था। "बम के बाद: हिबाकुशा की जीवन कहानी" पर परमाणु सप्ताह उत्सव शांति नाव और आईसीएएन (उपन्यास शांति पुरस्कार विजेता, 2017) के सहयोग से 3 से 6 फरवरी, 2021 तक आयोजित किया गया था। विश्व आवारा पशु दिवस, 5 अप्रैल 2020 को पड़ोस के आसपास आवारा पशुओं को खिलाने के लिए अभियान चलाया गया था। अंत में 22 अप्रैल 2020 को स्लोगन/कैप्शन चित्र प्रतियोगिता के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

बीएनसी पुस्तकालय में लगभग 31,000 पुस्तकों, 42 जर्नल और जर्नल के संग्रह के साथ खड़ा है। इनफ्लिबनेट, यूजीबी का कार्यक्रम, उपयोगकर्ताओं को लगभग 1 लाख ई-पुस्तकों और 6,000 ई-जर्नल तक पहुंच प्रदान करता है। बीएनसी पुस्तकालय को प्रकाशनों की साहित्यिक चोरी की जांच के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से यूजीसी और इनफ्लिबनेट के साथ मिलकर एमएचआरडी के यूआरकुंड साहित्यिक चोरी रोकथाम सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग शुरू करने पर गर्व है।

संकाय संख्या

कुल स्थायी: 39

कुल तदर्थ: 36

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए14,11,00,000.00/-

उपयोगित अनुदान: रुपए14,11,00,000.00/-

भारती महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने विभिन्न विभागों में शिक्षकों की पदोन्नति के लिए स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन को सफलतापूर्वक निष्पादित किया है। सभी चरणों के लिए पदोन्नति हुई है। महाविद्यालय में अब चार प्रोफेसर हैं। अन्य उपलब्धियों में एक बहुत बेहतर इंटरैक्टिव वेबसाइट का शुभारंभ शामिल है जो महाविद्यालय से संबंधित किसी भी चीज के लिए जानकारी के वन स्टॉप स्रोत के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, अल्पसंख्यक और ओबीसी प्रकोष्ठ का औपचारिक गठन किया गया है। दोनों कोशिकाओं को विविध और प्रतिनिधि बनाने के लिए। गुणवत्ता आश्वासन की ओर, महाविद्यालय ने एनआईआरएफ के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण किया है।

आईआईक्यूए (और एसएसआर) नैक को सबमिट कर दिया गया है। अंत में, के रूप में महाविद्यालय अपनी 50 वीं स्थापना वर्षगांठ की ओर बढ़ता है-एक वर्ष चलने वाले उत्सव शुरू किया गया है।

सम्मान/गौरव

भारती महाविद्यालय देश के टॉप 100 कला महाविद्यालयों में 57वें और बेस्ट कॉमर्स महाविद्यालय की सूची में 40वें स्थान पर रहा।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

विजयलक्ष्मी, बी.ए. (ऑनर्स) गणित प्रथम वर्ष में कुल 92% अंक प्राप्त किए

ज्योति, बी.ए. (ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष में कुल 92% अंक प्राप्त किए

सरिता, बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत द्वितीय वर्ष में कुल 87% अंक प्राप्त किए

रितिका, बी. कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष में कुल 86% अंक प्राप्त किए

गरिमा यादव, बी.ए. कार्यक्रम द्वितीय में वर्ष कुल 84% अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

बनारजी, ए. (2020) फिल्मों पैडमैन और टॉयलेट: एक प्रेम कथा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व। अंग्रेजी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल: साहित्य, भाषा और कौशल, 9 (3): 10-20।

द्विवेदी, एस. (2020) व्यापार और पलायन के कारणों में टकराव: भारत और चीन का मामला दुनिया के लिए गतिशील के रूप में। चीनी अध्ययन संस्थान, 116 से प्राप्त <https://www.icsin.org/uploads/2020/08/21/b255f833da99407c0034ab7c45852066.pdf>

गुप्ता, एम. (2020) कमजोर दक्षता का उपयोग करके सेट अनुकूलन के लिए अनुमानित समाधान और लेविटिन-पॉलीक अच्छी तरह से उत्पन्नता। जर्नल ऑफ ऑप्टिमाइजेशन थ्योरी एंड एप्लीकेशंस, 186, 191-208। <https://doi.org/10.1007/s10957-020-01683-0>

झा, एस (2020) बलात्कार और टोनी मैरिसन में काला अनुभव, ब्लूस्ट आंख। दाथ यात्रा: अंग्रेजी में अंतःविषय अध्ययन के एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (2), 1-7। से प्राप्त <http://www.daathvoyagejournal.com/imagebag/image429.pdf>

मल्होत्रा, आर (2020) समाधान की प्रभावकारिता तंग किशोरों की आत्म अवधारणा पर संक्षिप्त चिकित्सा केंद्रित। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन, 24 (5), 3930-3936।

<http://dx.doi.org/10.37200/IJPR/V24I5/2020101>

सेन, एन. (2020) बड़ा हो रहा है: टोनी मॉरिसन के ब्लूस्ट आई के माध्यम से वयस्कों को आकार देने में बचपन की भूमिका का अध्ययन। रॉक कंकड़ एक सहकर्मी की समीक्षा की बहुविषयक अध्ययन के जर्नल। नीरज (एड.)। (2020) भूमंडलीकरण और समकलीन कविता का यथार्थ। नई दिल्ली: हिंदी पुस्तक केंद्र आईएसबीएन 13: 9788194541080

सिंह, एस (2020) रचनात्मकता पुस्तक अंतर्राष्ट्रीय संबंध: सिद्धांत और अभ्यास। में: जिंदल, एन, और कुमार, कश्मीर (Eds.)। ऋषि प्रकाशन भारत। ISBN: 9789353883454: 134-150

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (1) सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 7

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, व्याख्यान, पाठ्यक्रम सामग्री और डिजिटल पुस्तकालय के लिए ऑनलाइन डिजिटल भंडार, 4 मई 2020.

डॉ. वंदना मिश्रा, पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, औद्योगिक स्थिरता के लिए एक अप्रत्याशित अवसर में वर्तमान पर्यावरण में परिवर्तन, 11 मई 2020

श्री मोहित शॉ, कैरियर कीड़ा के सह संस्थापक, आईजीईएन के लिए डिजिटल विपणन, 30 अक्टूबर 2020।

प्रो. जोनाथन गिल हैरिस, अशोका विश्वविद्यालय, भारत, शेक्सपियर को सुनना, 24 जुलाई 2020।

प्रो. मीनाक्षी धोटे, पर्यावरण योजना विभाग, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), महामारी को नियंत्रित करने में सिटी प्लानिंग की भूमिका, 14 मई 2020।

आयोजित सम्मेलन

महिलाओं के लेखन की राजनीति, 26-27 मई 2020।

एडू मिशन के सहयोग से वस्तु एवं सेवा कर, 3 नवंबर, 2020, वैजय समिति, भारती महाविद्यालय की कॉमर्स सोसायटी।

भारत-चीन वैश्विक परिप्रेक्ष्य में संबंध: शब्दावली की उभरती प्रासंगिकता, 28-29 अक्टूबर, 2020, राजनीति विज्ञान विभाग, भारती महाविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) और उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से।

कोविड-19 और विश्व व्यवस्था पर इसका प्रभाव, 6-7 मई, 2020, राजनीति विज्ञान विभाग।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

सोनिया कौशिक ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का बाजार ढांचा" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया, "लेखांकन, वित्त और वित्त में समकालीन मुद्दे और पंजाब कॉमर्स एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा खालसा महाविद्यालय फॉर वूमन, लुधियाना के सहयोग से आयोजित बैंकिंग का आयोजन 26-27 दिसंबर, 2020 के बीच किया गया।

सोनाली जैन ने अक्टूबर 2020 के दौरान आयोजित रटगर्स विश्वविद्यालय, न्यू ब्रंसविक, एनजे, यूएसए द्वारा आयोजित "कमला: अदर्शन से सत्य तक" प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि कुमारी ने 29 अक्टूबर 2020 को आयोजित भारत-ईरानी कार्यशाला में "औद्योगिक जल संदूषण और मानव स्वास्थ्य" पर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रियम्बादा पेद्री ने 27-29 अक्टूबर 2020 के दौरान आयोजित भारत-ईरानी कार्यशाला में "जल संसाधन प्रबंधन" पर "जलवायु परिवर्तन और टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन-ए केस स्टडी शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

स्वाती बावा साहनी ने 10-12 दिसंबर 2020 के दौरान आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ एर्गोनॉमिक्स (आईएसई) के 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. शिवानी झा ने 26 से 27 मई 2020 के बीच आयोजित अंग्रेजी विभाग, भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "द डार्क साइड ऑफ़ डोमेस्टिक स्पेस: ए विवेचना" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

भाना शिवन ने 9-10 दिसंबर 2020 के बीच लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा आयोजित "दक्षिण एशिया में स्मृति की राजनीति पर पुनर्विचार" पर एसएसएसएनईटी सम्मेलन में 'पहचान' फ्रेमवर्क में अतीत को न करना शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. अनिशा बनर्जी ने 29 अक्टूबर 2020 को श्री. वैष्णव विद्यापीठ, इंदौर द्वारा आयोजित "डिजिटल युग में शिक्षण और शिक्षण भाषा और साहित्य: अवसर और चुनौतियां" (ऑनलाइन) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "कक्षा ई-

प्रबंधन और डिजिटल दुनिया में मूल्यांकन: वर्चुअल बनाम पारंपरिक कक्षा शिक्षण और उद्धरण" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. माधुरी शर्मा ने 25-26 दिसंबर 2020 के बीच आयोजित हरियाणा इतिहास कांग्रेस के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, पांचवें आभासी सत्र में राजधानी घुट, खूँटी जल: आजीविका और पर्यावरण शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर

मनो-विश्लेषण भारत के साथ समझौता जापन पर 4 अगस्त 2020 को मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श पर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम के लिए हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

चल रहे सहयोग में इग्नू के साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने के लिए, अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए और शोध को रीसायकल करने के लिए ग्रीन-ओ-टेक के साथ शामिल हैं।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 12.66%

कैंपस में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योग : 14

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

महाविद्यालय के विस्तार और आउटरीच सेल ने इस अवधि के दौरान कई अलग-अलग पहल की, ताकि कठिन परिस्थितियों में सहायता की जा सके और जनसंख्या के बीच जागरूकता फैलाई जा सके। 'चलो शेयर लर्निंग' एक पहल है जो निर्मल छाया के बच्चों को उनकी पढ़ाई में मदद करने के लिए शुरू की गई है, जो उनके लिए बेहतर भविष्य सुरक्षित करने की कोशिश कर रही है। ' किसी को सहायता ' महाविद्यालय द्वारा कोविड-19 महामारी समय के दौरान एक और पहल थी, जिसमें, छात्रों को गरीबों को भोजन वितरित करने के लिए स्वेच्छा से और डिजिटल ज्ञान और परामर्श प्रदान की। उन्होंने अपने मित्रों को भी सहायता प्रदान की, वित्तीय बाधा के कारण अपनी शिक्षा बंद न की और सभी संभव तरीकों से सहायता प्रदान की।

पुस्तकालय विकास

भारती महाविद्यालय पुस्तकालय विभिन्न विषयों की कुल 52,853 पुस्तकों के साथ ओपीएसी सुविधा के साथ एक स्वचालित एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करती है। पुस्तकालय संदर्भ प्रयोजनों के लिए कई अकादमिक जर्नल के लिए वार्षिक सदस्यता प्राप्त करता है जो संकाय और छात्रों के बीच अनुसंधान उत्पादन को प्रोत्साहित करता है। एन-लिस्ट सदस्यता प्रशासनिक कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के बीच डिजिटल सीखने की पहल को बढ़ाने वाले कई ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करती है। DELNET सदस्यता ई जर्नल और ई पुस्तकों तक पहुंचने और विविध संसाधनों के साथ पाठकों को उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय द्वारा सक्रिय किया गया है। वर्ष 2019-20 में महाविद्यालय की पुस्तकालय ने कई पुरानी, और क्षतिग्रस्त पुस्तकों की निराई की। इन पुस्तकों को महाविद्यालय में बिक्री के लिए बेहद मामूली मान के लिए रखा गया था। छात्रों ने 4560 रुपये के भाव से 231 सेकेंड हैंड पुस्तकें खरीदीं। बची हुई पुस्तकों को ग्रीन-ओ-टेक लिमिटेड ने छीन लिया। इस प्रक्रिया से पुरानी पुस्तकों का पुनः उपयोग सुनिश्चित हुआ।

संकाय संख्या

कुल स्थायी संकाय: 65

कुल तदर्थ: 56

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 28,35,89,000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 28,48,90,805/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने समीक्षाधीन अवधि में नैक मान्यता के दूसरे चक्र के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। डाटा कलेक्शन पूरा हो गया। महाविद्यालय ने अपनी स्व-अध्ययन रिपोर्ट (एसएसआर) प्रस्तुत कर दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि सभागार का उद्घाटन किया गया है

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने 8 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन मोड में अपना 23वां वार्षिक दिवस और पुरस्कार वितरण समारोह मनाया। वर्ष के दौरान कोविड-19 महामारी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे अकादमिक, सामाजिक और वर्तमान मुद्दों पर 100 से अधिक वेबिनार आयोजित किए गए। कोविड-19 के प्रबंधन के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया और महाविद्यालय में हाथ धोने और साफ-सफाई उपकरण, ऑक्सीजन सांद्रता और आइसोलेशन एरिया की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। स्टाफ, छात्रों और उनके परिजनों को काउंसलिंग भी की गई। भास्कराचार्य दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय में विद्या विस्तार योजना के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के सरकारी महाविद्यालय के साथ साझेदारी में प्रवेश करने वाला पहला है। इस योजना के अंतर्गत महाविद्यालय इंदिरा गांधी गवर्नमेंट महाविद्यालय, टेजू, अरुणाचल प्रदेश का भी सहयोग कर रहा है। सीए 2010/2018 के अंतर्गत महाविद्यालय में संकाय सदस्य की प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। अक्टूबर 2020-मार्च 2021 की अवधि के दौरान विभिन्न चरणों में ताया-1 संकाय सदस्यों को पदोन्नत किया गया है।

सम्मान/गौरव

प्रो. बालाराम पाणी को जनवरी 2021 में राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए) द्वारा नेसा मानद फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।

प्रो. एन. एस. अब्बास को वर्ष 2021 के लिए समीक्षक के रूप में 'वर्तमान विश्व पर्यावरण जर्नल' में उत्कृष्ट योगदान के लिए मान्यता प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री. अरबिंदो महाविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा आयोजित 'आइकॉनिकस-यूजी' में प्रस्तुत शोध कार्य के लिए उत्कृष्ट मेंटरशिप के लिए प्रो. गीता मोंगिया को उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रो. ईआरएम एस राव ने दस्तावेज विकास में विशेषज्ञ टीम के सदस्य के रूप में खाद्य प्रणाली विज्ञान 2050 - रॉकफेलर फॉउंडेशन पुरस्कार जीता।

महाविद्यालय के गांधीवादी अध्ययन केंद्र को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 अक्टूबर 2020 को छात्रों के बीच गांधीवादी मूल्यों के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया था। महाविद्यालय के प्राचार्य (प्रो. बालाराम पाणी), केंद्र की संयोजक (डॉ. शिवानी जी वरमानी) और केंद्र की विद्यार्थी प्रतिनिधि (बी.एससी ऑनर्स के श्री. शिशिर इंस्ट्रूमेंटेशन) को सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

ज्योति दहिया, बी.एससी (ऑनर्स) पॉलीमर साइंस तृतीय वर्ष विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में प्रथम रैंक प्रदान की गई।

मुस्कान शर्मा, बी.एससी (ऑनर्स) बायोमेडिकल साइंस को विश्वविद्यालय में द्वितीय रैंक और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

तनुश्री सिंह बी.एससी (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष विश्वविद्यालय में द्वितीय रैंक और महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया।

कोमल, बी.एससी (ऑनर्स) पॉलीमर साइंस को विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में सेकेंड रैंक से सम्मानित किया गया।

रिया गारैन, बी.एससी (ऑनर्स) महाविद्यालय में बॉटनी प्रथम रैंक प्रदान की गई।

प्रकाशन

चुघ, बी., सिंह ए के, पोद्दार, डी, ठाकुर, एस. प्रतिस्थापन की डिग्री और धातु की रक्षा करने की क्षमता का संबंध सिनामाल्डिहाइड संशोधित चिटोसिन की क्षमता। कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर, 234, 115945। <https://doi.org/10.1016/j.carbpol.2020.115945>

दीप, बी, माथुर, आई. और जोशी, एन (2020) शहरी मार्ग नियोजन में अनुकूलित दृष्टिकोण के लिए आईओटी और वाई-फाई प्रौद्योगिकियों को एकजुट करना। पर्यावरण विज्ञान एवं प्रदूषण अनुसंधान, 27,34,434-34441 [.https://doi.org/10.1007/s11356-020-09477-7](https://doi.org/10.1007/s11356-020-09477-7)

कौर, एन, चुग, एच, सहरकर, एम के, धवन, यू, चिदंबरम, एस.बी, और चंद्रा, आर (2020) न्यूरोइनफ्लेमेशन तंत्र और फॉइटोथेरप्यूटिक हस्तक्षेप: एक व्यवस्थित समीक्षा। एसीएस केमिकल न्यूरोसाइंस, 11 (22), 3707-3731 <https://doi.org/10.1021/acscchemneuro.0c00427>

कुमार, आर, कुमारी, एस, राय, बी, कुमार, आर, सिरोही, एस. जूट फॉइबर से सेल्यूलोज नैनोफॉइबर को अलग करने के लिए एक फेसियल रासायनिक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ पॉलिमर एंड एनवायरमेंट, 28 (10), 2761-2770 <https://doi.org/10.1007/s10924-020-01808-6>

कुशवाहा, सी.एस., और शुक्ला, एस. के.(2020) चिटोसिन-ग्राफ्ट-पॉलीएनीलिन में आयरन ऑक्साइड का उपयोग करके पैरासिटामोल का इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग। एसीएस एप्लाइड पॉलीमर मैटेरियल्स, 2, 2252-2259 <https://doi.org/10.1021/acsapm.0c00239>

कुशवाहा, सीएस, और शुक्ला, एस के (2020) निकल ऑक्साइड इंटरकैलेटेड चिटोसिन-ग्राफ्ट-पॉलीनिलिन कंपोजिट पर सीसा आयनों की शक्तिशाली एक्सट्रैक्टिव सेंसिंग। डाल्टन लेनदेन, 49, 13862-13871 <https://doi.org/10.1039/D0DT02687E>

शर्मा, जी एस. कृष्णा, एस, खान, एस, डार, टा, खान, के ए, और सिंह, एल आर (2021) प्रोटीन की थर्मोडायनामिक स्थिरता की रक्षा: तनाव के विरुद्ध बुनियादी प्रतिमान और ओस्मोलाइट्स द्वारा प्रोटीन प्रतिक्रिया सामने आई। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमॉलिक्यूल्स, 177, 229-240 <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2021.02.102>

सिंह, एके चुघ, बी, ठाकुर, एस, पांकी, बी, लागाज, एच, चुंग, आई, पाल, एस, और प्रकाश, आर (2020) थियाजोल इमिन्स के संश्लेषण का हरित दृष्टिकोण और एसिड माध्यम में हल्के स्टील के जंग के विरुद्ध उनके बाधा व्यवहार। कोलॉयड और सतहों ए, 599, 124824 <https://doi.org/10.1016/j.colsurfa.2020.124824>

सिंह, पी., और शुक्ला, एस के (2020) हाइड्रोजन पेरोक्साइड संवेदन के लिए संरचनात्मक रूप से गठबंधन निकल ऑक्साइड एनकैप्सुलेटेड पॉलीपाइरोल नैनोकोमोसाइट। डाल्टन लेनदेन, 49, 8744-8754. <https://doi.org/10.1039/D0DT01847C>

वारेपम, एम. मस्तिष्क मेटाबॉलिज्म, एन-एसिटिस्टास्पार्टेट एक शक्तिशाली प्रोटीन एकत्रीकरण अवरोधक है। सेलुलर न्यूरोसाइंस में फ्रंटियर्स, 15, 617308 <https://doi.org/10.3389/fncel.2021.617308>

बेदी, पी, और दुआ ए (2020) ARPNSteg: एड्रेस रिज़ॉल्यूशन प्रोटोकॉल का उपयोग करके नेटवर्क स्टेगनोग्राफी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन, 66 (4), 671-677 <https://doi.org/10.24425/ijet.2020.134026>

बिष्ट, ए., कांबले, एम.पी., चौधरी, पी., चतुर्वेदी, के., कोहली, जी., जुनेजा, वी.के., सहगल, एस., और तनेजा, एन.के. (2021) भारत में खाद्य जनित रोगों के प्रकोप की निगरानी: 2009-2018। खाद्य नियंत्रण, 121, 107630। <https://doi.org/10.1016/j.foodcont.2020.107630>

चुग, बी., सिंह, ए.के., ठाकुर, एस., पाणि, बी., लगज़, एच., चुंग, आई., झा, आर., और एबेन्सो, ई. ई. (2020)। एसिड माध्यम में माइल्ड स्टील के लिए थियाडियाज़ोल-व्युत्पन्न बीआईएस-शिफ बेस के जंग-शमन व्यवहार की तुलनात्मक जांच: प्रायोगिक, सैद्धांतिक और सतह अध्ययन। एसीएस ओमेगा, 5(23), 13503-13520।

दीप, बी., माथुर, आई., और जोशी, एन. (2020) डेटा सेंटर में फिजिकल सर्वर बनाम वर्चुअलाइज्ड सर्वर की अनुमानित बिजली लागत की तुलना। उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 29(6), 5335-5342। <http://serisc.org/journals/index.php/IJAST/article/view/19602> से लिया गया

राव, ई.एस., लालमुआनपुड्या, आर.सी., अपराजिता, जी., और प्रतीक, के. (2021) खाद्य योजक और अतिसंवेदनशीलता: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, 10 (2), 1697-1717। <https://doi.org/10.20546/ijcmas.2021.1002.201>

रियाज़, जी., नाइक, एस.एन., गर्ग, एम., और चोपड़ा, आर. (2021), भारत में खेती किए गए सोरेल/रोसेल (हिबिस्कस सबदरिफा एल.) के एक कम उपयोग वाले पौधे की फाइटोकेमिकल संरचना। एप्लाइड नैनोबायोसाइंसेस में शोध, 10(2), 2138-2147। <https://doi.org/10.33263/LIANBS102.21382147>

गोवर, एस., कुमारी, पी., कुमार, ए., सोनी, ए., सहगल, एस., और शर्मा, वी. (2020) विभिन्न तेल मिश्रणों की तैयारी और गुणवत्ता मूल्यांकन। एप्लाइड नैनो बायोसाइंस शोध, 10(2), 2126-2137। <https://doi.org/10.33263/LIANBS102.21262137>

जुनेजा, वी.के., ओसोरिया, एम., अल्टुंटास, ई.जी., सालाज़ार, जे.के., कुमार, जी.डी., सहगल, एस., और बेकर, डी. (2021) लिस्टेरिया मोनोसाइटोजेन्स की निष्क्रियता, एस्चेरिचिया कोलाई O157: H7, और साल्मोनेला एसपीपी। तारीखों पर रोगाणुरोधी वाश द्वारा। खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण के जर्नल, 45(3), e15282। <https://doi.org/10.1111/jfpp.15282>

कौर, एन., चुग, एच., सखरकर, एम.के., धवन, यू., चिदंबरम, एस.बी., और चंद्रा, आर. (2020) न्यूरोइन्फ्लेमेशन तंत्र और फाइटोथेरेप्यूटिक हस्तक्षेप: एक व्यवस्थित समीक्षा। एसीएस केमिकल न्यूरोसाइंस, 11(22), 3707-3731। <https://doi.org/10.1021/acscchemneuro.0c00427>

कुमार, ए (2020) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के लिए भाषा के रूप में संस्कृत। अजंता, 9 (2), 1-5

कुमार, ए (2020) वेवलेट सिग्नल प्रोसेसिंग: हाल के अनुप्रयोगों के लिए एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्निक्स, 6(6), 52-60। <https://doi.org/10.29126/23951303/IJET-V6I6P7>

कुमार, ए., और भटनागर, पी.के. (2020) सिंगल लेयर एमईएच-पीपीवी पॉलीमर लाइट एमिटिंग डायोड का बेहतर प्रदर्शन: alq3 इलेक्ट्रॉन ट्रांसपोर्टिंग लेयर और एलआईएफ का प्रभाव: सिंगल लेयर एमईएचपीपीवी पॉलीमर एलईडी पर अल कैथोड कॉन्टैक्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 8(7), 3893-3897। <http://ijcrt.org/papers/IJCRT2007406.pdf> से लिया गया.

कुमार, एच. अग्निहोत्री, एस. रॉय, आई., पानी, बी., और कुमार, पी. (2020) डॉ.क्सोरुबिसिन की माइक्रोएमल्शन मध्यस्थता बहुक्रिया कुशल चुंबकीय रूप से निर्देशित डिलीवरी, बायोइमेजिंग और इन-विट्रो अध्ययन के रूप में कोर-शेल आयरन ऑक्साइड / ऑर्मासिल नैनोपार्टिकल्स को एनकैप्सुलेट करती है। उन्नत विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा, 12(9), 1166-1173। <https://doi.org/10.1166/asem.2020.2674>

कुमार, एम., कुमार, ए., सैनी, आर., खन्ना, एम.के., भट्ट, जी., और कपूर, ए. (2020)। दृश्यमान रेंज पोलराइज़र को डिज़ाइन करने के लिए PbSe क्लैड वेवगाइड में उच्च सूचकांक बफर परत का प्रभाव। ऑप्टिक, 228, 166001। <https://doi.org/10.1016/j.ijleo.2020.166001>

कुमार, पी., बाली, ए., कपूर, एल., और शॉ, डी. (2020) महाविद्यालय के लड़कों और लड़कियों के स्वायत्त कार्य (एक तुलनात्मक अध्ययन)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ, 7 (2), 134-139। <https://www.kheljournal.com/archives/2020/vol7issue2/PartC/7-2-13-289.pdf> से लिया गया

कुमार, पी., भट्ट, जी., कौर, आर., दुआ, एस., और कपूर, ए., (2020) माइक्रोवेव विकिरण का उपयोग करके कार्बन क्वांटम डॉट्स के ऑप्टिकल गुणों का संश्लेषण और मॉड्यूलेशन। फुलरीन, नैनोट्यूब और कार्बन नैनोस्ट्रक्चर, 28(9), 724-731। <https://doi.org/10.1080/1536383X.2020.1752679>

कुमार, एस., घोष, एन.एन., और चटर्जी, आर. (2021) यू-टाइप हेक्साफेराइट्स के माइक्रोवेव अवशोषक गुणों और ब्रॉडबैंड माइक्रोवेव अवशोषक के विकास पर विभिन्न कणों के आकार का प्रभाव। एआईपी अग्रिम, 11(1), 015311. <https://doi.org/10.1063/9.0000056>

कुमारी, एस., कुमार, आर., राय, बी., सिरोही, एस., और कुमार, जी. (2020)। यूफोरबिया कोगुलम के साथ पॉलिएस्टर राल बांस फाईबर-आधारित समग्र के संशोधन और यांत्रिक और थर्मल गुणों पर उनके प्रभाव पर अध्ययन। समग्र सामग्री जर्नल, 54 (24), 3473-3480। <https://doi.org/10.1177%2F0021998320916542>

कुशवाहा, सी.एस., सिंह, पी., अब्बास, एन.एस., और शुक्ला, एस.के. (2020) पोटेंशियोमेट्रिक यूरिया सेंसर के लिए सेल्फ-एक्टिवेटिंग जिंक ऑक्साइड इनकैप्सुलेटेड पॉलीएनिलिन ग्राफ्टेड चिटोसिन कम्पोजिट। जर्नल सामग्री विज्ञान: इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 31, 1887-11896

बस्सी, एम., भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2020)। 1-1 सी2एच2एफ2 से 0.1 eV से 5 keV तक इलेक्ट्रॉन प्रकीर्णन का अध्ययन। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 74(12), 232. <https://doi.org/10.1140/epjd/e2020-10035-6>

मीना, पी.एल., चौधरी, एस., जूही, और साधु, एस.डी. (2020) दवा उद्योगों में पैकेजिंग का महत्व। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, 7(2), 956-971

मोंगिया, जी., हिमांशु, और वर्मा, जी. (2020) लाई-फाई प्रणाली का डिज़ाइन और विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव रिसर्च इन टेक्नोलॉजी, 7(6), 94-100। https://ijirt.org/master/publishedpaper/IJIRT150432_PAPER.pdf से लिया गया

पांडे, एस.एस., सिंह बी., बरवा एम.एस., गौतम वाई.पी. और पाणि, बी. (2020)। भारतीय ग्रीष्म मानसून के बाद कृषि प्रधान तहसील में भूजल यूरेनियम के भू-रासायनिक हस्ताक्षर और रासायनिक विषाक्तता मूल्यांकन। रिसर्च जर्नल ऑफ केमिस्ट्री एंड एनवायरनमेंट, 24(10), 75-82। <http://dx.doi.org/10.13140/RG.2.2.354000.34566>

पांडे, एस.एस., सिंह, बी., बरवा, एम.एस. गौतम वाई.पी. और पाणि, बी. (2021) जलोढ़ मिट्टी क्षेत्र में स्थलीय गामा विकिरण खुराक (टीजीआरडी) पर्यावरण वितरण, इसकी मानसूनी भिन्नता और आजीवन कैंसर जोखिम का आकलन। रसायन विज्ञान और पर्यावरण के अनुसंधान जर्नल, 25(2), 186-193

राव, ई.एस., मीना, पी.एल., और बरवा, एम.एस. (2021) नई बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग फिल्म के साथ शुगर फ्री कुकीज का विकास। एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस जर्नल, 13(1), 316-326 <https://doi.org/10.31018/jans.v13i1.2532>

राव, ई.एस., और लालमुआनपुडिया, सी. (2020)। खाद्य पदार्थों में नमक कम करने की रणनीतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज, 8(6), 2458-2468। <https://doi.org/10.22271/chemi.2020.v8.i6ai.11142>

साधु, एस डी. गर्ग, एम, और मीना, पी एल (2020) सेल्यूलोज एसीटेट/जिलेटिन/पॉलीथीन ग्लाइकोल ब्लेंड: इसकी तैयारी, लक्षण वर्णन और बायोडिग्रेडेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, 7 (3), 484-490।

साधु, एस.डी., मीना, पी.एल., कुमार, जे., गुप्ता, जे. चौधरी, एस., और गुप्ता, ए. (2020)। इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल उपकरणों के लिए उपयुक्त पॉलीएनिलिन- और पॉलीथियोफीन-आधारित कॉपोलीमर और इसके नैनोकम्पोजिट की तैयारी और लक्षण वर्णन। पॉलिमर कम्पोजिट, 41(11), 4619-4630। <https://doi.org/10.1002/pc.25738>

सहगल, एस. हिबिस्कस रोजा-सिनेन्सिस, लॉरस नोबिलिस और सिडियम गुजराता के फॉइटोकेमिकल घटक और उनकी रोगाणुरोधी गतिविधि। भारतीय प्राकृतिक विज्ञान पत्रिका, 11 (63), 28549-28557।

सिंह, पी., और शुक्ला, एस के (2020) कुशल आर्द्रता संवेदन के लिए संरचनात्मक रूप से अनुकूलित क्यूप्रास्किक ऑक्साइड/पॉलीनिलिन नैनोकम्पोजिट्स। सतह और इंटरफेस, 18, 100410। <https://doi.org/10.1016/j.surf.2019.100410>

सिंह, पी., चौहान, एस, एस, त्रिपाठी, एस.एस., सिंह, वी.पी. और कुरेशी, एम.ए. (2020) 1 एम एचसीएल समाधान में हल्के स्टील की विद्युत रासायनिक जंग अवरोध जांच। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 2220, 090002। <https://doi.org/10.1063/5.0001981>

सोढ़ी, के.के., कुमार, एम., बालन, बी., धौलानिया, ए.एस., श्री, पी., शर्मा, एन., और सिंह, डी.के. (2021) एंटीबायोटिक संदूषण, प्रतिरोध, चयापचय, और प्रणालीगत उपचार पर परिप्रेक्ष्य। एसएन एप्लाइड साइंसेज, 3(2), 269. <https://doi.org/10.1007/s42452-020-04003-3>

श्रीवास्तव, एस., और सिंह, वी.पी. (2020) डेकालेपिस एरायलपाथरा के राइजोप्लेन से बायोकंट्रोल सूक्ष्मजीवों की विशेषता और माध्यमिक मेटाबोलाइट्स की स्क्रीनिंग। सब्जियां, 33(2), 352-359। <https://doi.org/10.1007/s42535-020-00115-8>

त्रिपाठी, ए.डी., शर्मा, आर., अग्रवाल, ए., और रिजवाना (2021) संभावित खाद्य अनुप्रयोगों के साथ नैनोइमल्शन आधारित खाद्य कोटिंग्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोबेस्ड प्लास्टिक्स, 3(1), 112-125. <https://doi.org/10.1080/24759651.2021.1875615>

त्रिपाठी, ए., अब्बास, एन.एस., और निगम, ए. (2021) इन-विट्रो पुनर्जीवित और पारंपरिक रूप से उगाए गए *Ocimum Basilicum* var की जैव रासायनिक रूपरेखा। थायर्सिफ्लोरा के पौधे। सब्जियां, 34, 138-143। <https://doi.org/10.1007/s42535-020-00172-z>

वराह, एफ, महोंगनाओ, एम., फ्रांसिस, डी., और शिमराह, टी (2020) पर्यावरण के दृष्टिकोण और व्यवहार को मापना: दिल्ली में स्नातक छात्रों का एक अध्ययन। प्राकृतिक खतरे, 103(2), 1291-1306। <https://doi.org/10.1007/s11069-020-04035-3>

वराह, एफ., महोंगनाओ, एम., पानी, बी., और खमरंग, एस. (2021) हरित उत्पादों के प्रति युवा उपभोक्ताओं के इरादे की खोज: नियोजित व्यवहार के विस्तारित सिद्धांत को लागू करना। पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 23, 9181-9195। <https://doi.org/10.1007/s10668-020-01018-z>

यादव, के.के., कुमार, एच. पाणि, बी., रॉय, आई. और कुमार, पी. (2020)। मोनो डिस्पर्सिबल वाटर-सॉल्यूबल आयरन सल्फाइड नैनोकलस्टर्स: सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन कैटेलेटिक एप्लीकेशन फॉर अत्यधिक एफिशिएंट सिंथेसिस ऑफ जैथीन डेरिवेटिव्स। उन्नत विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा, 12(5), 603-611। <https://doi.org/10.1166/asem.2020.2564>

पुस्तकें

गर्ग, एम., चतुर्वेदी, एस., साधु, एस.डी., बरवा, एम.एस., और पाणि, बी. (2020) खाद्य इंजीनियरिंग की व्यावहारिक पुस्तिका। आयुष एजुकेशन.

गर्ग, एम., मीना, पी.एल., साधु, एस.डी., और आलम, टी. (2020)। खाद्य पैकेजिंग: एक व्यावहारिक गाइड। कम्प्यूटाइप मीडिया (प्रकाशन प्रभाग)।

कुमार, पी. (2021) फिटनेस और व्यायाम प्रबंधन (प्रथम संस्करण)। फ्रेंड्स पब्लिकेशन्स (इंडिया)। आईएसबीएन: 978-81-7216-569-7

मिश्रा, जी., मिश्रा, एल.सी., और द्विवेदी, एस.आर. (2021) कीट प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक दृष्टिकोण। जैव वैज्ञानिक प्रकाशक।

वराह, एफ, माहोंग, एम, खाशियो, पी, और तुइस्म, एस. (2020) पर्यावरण अध्ययन। हेरिटेज पब्लिशर्स

मिश्रा, जी., मिश्रा, एल.सी., और द्विवेदी, एस.आर. (2021) कीट प्रबंधन के लिए पारिस्थितिक दृष्टिकोण। जैव वैज्ञानिक प्रकाशक।

पुस्तक अध्याय

बेदी, पी, और दुआ, ए., (2020) आईपीवी6 में एक्सटेंशन हेडर का उपयोग करके नेटवर्क स्टेगनोग्राफी। में: बाडिका, सी, Liatsis, पी, खार्ब, एल, और चहल, डी (Eds.), कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार (पीपी 98-110), स्प्रिंगर, सिंगापुर।

बेदी, पी, और दुआ, ए (2020) आईपीवी4 पैकेट में टाइमस्टैम्प विकल्प के ओवरफ्लो क्षेत्र का उपयोग करके नेटवर्क स्टेगनोग्राफी। में: एस .एम थम्पी, एस मैड्रिड, एक्स फर्नांडो, आर डॉ.स, एस मेहता और डी सियुओजो(Eds.), प्रोसिडिया कंप्यूटर विज्ञान (पृष्ठ 1810-1818), एलसेवियर।

खुराना, एस, और सिंह, आर (2020) सूरजमुखी (हेलियनथस एनस) बीज। में: तंवर, बी, और गोयल, ए (Eds.), तिलहन: स्वास्थ्य गुण और खाद्य अनुप्रयोगों (पृष्ठ 123-143)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

कुमार, ए (2020) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोरोना महामारी का मुकाबला करने के लिए: चर्चा शोध। में: रघुवंशी, आर के (एड.), उद्योग 4.0 पर एक पुस्तिका: नए क्षितिज और नए सामान्य पोस्ट कोविड-19 (पृष्ठ 204-213) के लिए चुनौतियों की खोज। तौरियन प्रकाशन।

कुमार, ए. (2020) ऑनलाइन सीखने की सफलता की कहानी: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्राइमर पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला की रिपोर्ट। में: शर्मा, एल के (एड.), डिजिटल तनाव प्रबंधन (पृष्ठ 35-43)। एशियाई प्रेस पुस्तकें।

कुमार, ए (2020)। माईटी और कोविड-19 महामारी द्वारा घोषित हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण योजनाओं की समीक्षा। में: गुप्ता, आर के (एड.), के बाद कोविड-19 युग में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था: चुनौतियां, अवसर और रणनीतियों (पृष्ठ 183-189)। महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय प्रकाशन।

कुमार, ए (2020) प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली का अध्ययन कोविड-19 महामारी के बीच विज्ञान शिक्षा में सुधार के सुराग प्राप्त करने के लिए। में: कौर, कश्मीर, और कुमारी, एल (Eds.), कोविड-19 तबाही (पृष्ठ 50-55) के बीच बदलते भारत। एशियन प्रेस बुक्स।

कुमार, ए (2020)। कोविड-19 महामारी के बीच भारतीय विश्वविद्यालयों का विचारोत्तेजक अध्ययन। कौर, कश्मीर, और कुमारी, एल (Eds.), कोविड-19 तबाही के बीच बदलते भारत (पृष्ठ.90-95)। एशियन प्रेस बुक्स।

कुमार, ए (2020) तत्काल कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन शिक्षण अपनाया: एक अनुभव साझा। में: शर्मा, एल के (एड.), शैक्षिक मनोविज्ञान की गतिशीलता (पृष्ठ 162-172)। एशियन प्रेस बुक्स।

सहगल, एस. (2020) दिल्ली के बाजारों में बेची जाने वाली ताजा उपज की माइक्रोबियल सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण का कार्यान्वयन। में: ठाकुर, एम, और मोदी, वी खाद्य विज्ञान में उभरती प्रौद्योगिकियाँ। स्प्रिंगर, सिंगापुर

सहगल, एस. और शर्मा, वी. (2021) पाम/पाम गिरी (एलाइस गिनीन्सिस)। में: तंवर, बी, और गोयल, ए. , तिलहन: स्वास्थ्य गुण और खाद्य अनुप्रयोगों। सिंगापुर, स्प्रिंगर।

सिंह, आर, गौतम, एस. बायोपॉलिमर और उनके वर्गीकरण। में: थॉमस, एस, गोपी, एस, और अमलराज, ए., बायोपॉलिमर्स और उनके औद्योगिक अनुप्रयोगों: संयंत्र, पशु और समुद्री स्रोतों से कार्यात्मक उत्पादों (पृष्ठ 21-44), एलसेवियर।

सिंह, आर, शर्मा, आर, शाकिब, एम, सरकार, ए. चौहान, के डी (2021) पैकेजिंग सामग्री के रूप में बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर। में: थॉमस, एस, गोपी, एस, और अमलराज, ए., बायोपॉलिमर्स और उनके औद्योगिक अनुप्रयोगों: संयंत्र, पशु और समुद्री स्रोतों से कार्यात्मक उत्पादों के लिए (पृष्ठ 245-259), एलसेवियर

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 02

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी, 2020-2022, "सशस्त्र: रोगाणुरोधी प्रतिरोध शमन और मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण का उपयोग करके उन्मूलन- सोशल मीडिया, आउटरीच और जागरूकता गतिविधियां", राशि: 17.91 लाख, पीआई: डॉ. उमा चौधरी और डॉ. अवनीश मित्तल।

डीएसटी, 2020-2022, "सशस्त्र: रोगाणुरोधी प्रतिरोध शमन और मिश्रित शिक्षण दृष्टिकोण का उपयोग करके उन्मूलन- सोशल मीडिया, आउटरीच और जागरूकता गतिविधियां", राशि: 17.91 लाख, पीआई: डॉ. उमा चौधरी और डॉ. अवनीश मित्तल।

एसईआरबी-डीएसटी, 2018-2021, "रैपिड आई मूवमेंट स्लीप वंचना से जुड़े न्यूरोडिजेनरेशन में 5-हाइड्रोक्सीमिथाइलसाइटोसाइन का महत्व" शीर्षक से, राशि: 40.11 लाख, पीआई: डॉ. उमा धवन।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो. कार्स्टेन डेनकर, हेड, सोलर फिजिक्स, सोलर ऑब्जर्वेटरी आइंस्टीन टॉवर, जर्मनी; 'सौर भौतिकी का एक छोटा इतिहास', 30 जुलाई 2020।

डॉ. मनोज के भसीन, निदेशक, एकल सेल जीव विज्ञान कार्यक्रम में एफएलएसी कैंसर और रक्त विकार केंद्र, अटलांटा, संयुक्त राज्य अमेरिका; 'महामारी विज्ञान, निदान और चिकित्सीय दृष्टिकोण का मुकाबला करने के लिए कोविड-19', 26 जून 2020.

डॉ. अमिता मिश्रा, डाटा साइंटिस्ट, आईबीएम वाटसन, कैलिफोर्निया, यूएसए; ' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: सोच मशीनों के सामाजिक निहितार्थ ', 22 जून 2020।

थार अस्पताल एवं मल्टीस्पेशियलिटी सेंटर, बाइमेर, राजस्थान के निदेशक डॉ. विकास करवासारा और बायोकेमिस्ट्री एंड जेनेटिक्स, एयूसी, सेंट मैरटेन के प्रोफेसर डॉ. शिल्पिका बाग; प्रचलित संकट कोविड-19 महामारी और उसके मूल्यांकन से शुरू हुआ', 18-19 मई, 2020।

डॉ. गौतम गोस्वामी, हेड - टेक्नोलॉजी विजन, टीएफएसी, डीएसटी, जीओआई और डॉ. संजीव सरपाल, निदेशक, एडवांस्ड सॉल्यूशंस, नीदरलैंड; 'अगली पीढ़ी के लिए तकनीकी रुझान', 1 जून 2020.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. मीनाक्षी गर्ग ने 16-20 जनवरी 2021 को कृषि विज्ञान स्कूल, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, भारत द्वारा आयोजित पर्यावरण और जैव सुरक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए कृषि और खाद्य विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए खाद्य पैकेजिंग में हाल के घटनाक्रम' पर एक शोध प्रस्तुत किया।

एस सिरोही, एस डोभाल, बी पाणी, और आर नैन, चित्रासान ने दवा वितरण अनुप्रयोगों के लिए मेसोपोरस सिलिका नैनोकणों को कार्यात्मक किया। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, भारत, 9-11 अक्टूबर

2020 में ब्लेंड, कंपोजिट, बायो कंपोजिट और नैनोकम्पोजिट्स (आईसीएनसी-2020) पर पहले अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति।

डॉ. अमित कुमार ने 29-30 जून 2020 को इनसाइट इन संस्कृत नॉलेज वर्ल्ड, गवर्नमेंट महाविद्यालय ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, औरंगाबाद, महाराष्ट्र पर अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत ई-सम्मेलन में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स के लिए भाषा के रूप में संस्कृत' नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

आरती दुआ ने सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईसीसीटी-2020), 9 मई 2020 में 'नेटवर्क स्टेनोग्राफी का उपयोग करके आईपीवी 6 में एक्सटेंशन हेडर' नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. ईराम राव को 19 सितंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु महाविद्यालय में 'खाद्य स्वास्थ्य और सुरक्षा' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. अमित कुमार ने सम्मेलन में 'कंप्यूटर विज्ञान: अधिक इंद्रियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में जोड़ना' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया, जो हाल ही में प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में प्रगति (क्रेट-2020), कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, वेमू प्रौद्योगिकी संस्थान, 20-21 अगस्त 2020।

डॉ. अमित कुमार ने उद्योग 4.0 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टू कॉम्बैट कोरोना महामारी: चर्चा शोध' नामक एक शोध प्रस्तुत किया: नए सामान्य पोस्ट कोविड-19 के लिए नए क्षितिज और चुनौतियों की खोज, जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी कैंपस, नई दिल्ली, 11 जुलाई 2020।

बिहार जंतु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, 20 जून 2020 द्वारा आयोजित 'तनाव प्रबंधन' पर आयोजित ई-व्याख्यान के लिए अध्यक्ष के रूप में डॉ. मधुलिका बाजपेयी को आमंत्रित किया गया था।

डॉ. ईरम राव को एमएसयू, बड़ौदा द्वारा 15 जून 2020 को 'ट्रैकिंग ट्रेंड्स इन फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री फ्रॉम प्रोडक्ट डेवलपमेंट टू लॉन्च' विषय पर आयोजित 'खाद्य उत्पाद-नवाचार और लॉन्चिंग' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

एमटी विश्वविद्यालय, नोएडा, 6 मई 2020 द्वारा आयोजित 'लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन मैनेजिंग स्ट्रेस: प्रिवेंशन इज अथॉवर से बेहतर है' पर वेबिनार के लिए डॉ. मधुलिका बाजपेयी को स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के छात्रों के लिए वर्चुअल इंटरनशिप के लिए महाविद्यालय (खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग) और पोषण कीमिया, मुंबई के बीच समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग (प्रधान अन्वेषक; डॉ. रुचि गुलाटी मारवाह) ने बैसिलस एसपी बीसीएडीयू 2018/डीयू के एक नोवल स्ट्रेन द्वारा गठित एक मजबूत बायोफिल्म के जैव रासायनिक और आणविक पहलुओं पर डॉ. दीप्ति जैन, स्ट्रक्चरल बायोलॉजी लैब, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (आरसीबी), फरीदाबाद के साथ सहयोग किया है। इस परियोजना में हमारे पूर्व छात्रों में से एक श्री. अनिर्बान अधिकारी जो वर्तमान में डॉ. दीप्ति की प्रयोगशाला में आरसीबी में मास्टर के विद्यार्थी हैं, भी सक्रिय रूप से शामिल हैं।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

इस्कॉन के सहयोग से "आधुनिक युग पर योग", मणिपाल अस्पताल और बी. आर. अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, "एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एंड नॉर्थ ईस्ट इंडिया पर प्रतिबिंब", इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज के सहयोग से "द चैलेंज ऑफ पर्सनल एंड सोशल वेल्-बीइंग" सहित "आधुनिक युग पर योग" का आयोजन किया गया। दूसरों के साथ सोसायटी ऑफ पॉल्यूशन एंड

एनवायरमेंटल कंजर्वेशन साइंटिस्ट, देहरादून के सहयोग से महाविद्यालय द्वारा यूनाइटेड फॉर अवर कोरोना वॉरियर्स पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूथ फॉर सर्विस एनजीओ द्वारा ऑनलाइन मैराथन के लिए एनएसएस सुविधा कार्यक्रम कोविड-19 महामारी के बीच युवाओं की आबादी में सामाजिक सामान तक पहुंचने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। गांधीवादी अध्ययन केंद्र द्वारा नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ. प्रवीण सरोहा के साथ 'गांधी जी औद्योग, योग से मिथाय रोग' पर पांच दिवसीय व्यावहारिक योग सत्रों की आउटरीच गतिविधि का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकों, जर्नल की 336 बाध्य मात्रा और 1231 सीडी/डीवीडी सहित पुस्तकों के 27,068 संस्करणों का संग्रह है। कुछ समाचार पत्रों और जर्नल के लिए नियमित सदस्यता के अलावा, पुस्तकालय, इस वर्ष, एन-लिस्ट (राष्ट्रीय पुस्तकालय और विद्वानों की सामग्री के लिए सूचना सेवा बुनियादी ढांचे) इंप्लिबनेट के कार्यक्रम के लिए अपनी सदस्यता नए सिरे से की है। इससे वर्ष 24x7 में छात्रों और कर्मचारियों को बड़ी संख्या में ई-संसाधन पहुंचने की सुविधा मिली है। वर्ष 2020-21 के दौरान 9 पुस्तकें (704 में से) को वापस ले लिया गया और पुस्तकालय के स्टॉक से बड़े-छाते डाल दिया गया।

संकाय संख्या

कुल स्थायी: 44

कुल तदर्थ (छुट्टी रिक्ति सहित): 48

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए21,91,72,061.97/-

उपयोगित अनुदान: रुपए21,44,54,069.11/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए गस ग्लोबल सर्विसेज, पर्ल अकादमी और यूपीएस के सहयोग से करियर काउंसलिंग सेल द्वारा एक ऑनलाइन आजीविका मूल्यांकन परीक्षण का आयोजन किया गया ताकि उन्हें एक ऐसी आजीविका चुनने में मदद मिल सके जो उनकी योग्यता, रुचि, व्यक्तित्व, अभिविन्यास और भावनात्मक भागफल के अनुकूल हो। आशी सिंह, बी.एससी (ऑनर्स) पॉलीमर साइंस आई ईयर ने लखनऊ में 21 फरवरी 2021 को नेशनल एमएमए चैंपियनशिप 2021 में सिल्वर मेडल जीता था। बी.एससी की आशिमा झा (ऑनर्स) ने जैव चिकित्सा विज्ञान द्वितीय वर्ष वर्ष के दौरान मॉडल संयुक्त राष्ट्र में विभिन्न पुरस्कार जीता। पूर्व विद्यार्थी समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों, भौतिकी विभाग और इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के सहयोग से 19 फरवरी, 2021 को 'पूर्व छात्रों की चर्चा: भौतिक विज्ञान में अनुसंधान अवसर' विषय पर एक पूर्व विद्यार्थी संवाद सत्र का आयोजन किया। शहीद दिवस के उपलक्ष्य में गांधीवादी अध्ययन केंद्र ने एक न्यूजलेटर तैयार किया, जिसका विमोचन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी, दक्षिणी कैंपस की निदेशक प्रो. सुमन कुंडू और दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष प्रो. बालाराम पाणी और 1 फरवरी, 2021 को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बालाराम पाणी ने किया। शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर बेसिक्स और ऑफिस पैकेज का उपयोग करके अंग्रेजी वृद्धि कक्षाएं, कंप्यूटर साक्षरता और क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इसमें 1800 से अधिक पौधे लगाए गए। रुचि की कई और घटनाएं आयोजित की गईं जिनका यहां उल्लेख नहीं किया गया है।

नर्सिंग कॉलेज, आर्मी अस्पताल (अनुसंधान और रेफरल)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कोविड-19 प्रसार और रोकथाम' विषय पर विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नर्सिंग कैडेट्स मेस विद स्पीच और इंटर-हाउस ग्रुप गीत प्रतियोगिता में 73 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और इसके बाद 15 अगस्त 2020 को राष्ट्रगान आयोजित किया। हेमेटोलॉजी नर्सिंग और स्टेम सेल प्रत्यारोपण में दो नए पीबी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को शामिल करने के लिए डीएनसी निरीक्षण किया गया। बैच संख्या 03 के उनतीस स्नातकों को 04 वर्ष बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम के सफल समापन पर सैन्य नर्सिंग सेवा में कमीशन किया गया था। 5 से 8 मार्च 2021 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल सुमन ढाका की देखरेख में गायनी वाडों में प्रसव पूर्व देखभाल, प्रसवोत्तर देखभाल और स्तनपान पर स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेजर जनरल स्मिता देवरानी, प्रिंसिपल मैक्रॉ एच (आरएंडआर) ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और टी को संबोधित करने के बाद विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

सम्मान/गौरव

कर्नल रेखा भट्टाचार्य को चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग में सर्वपल्ली राधाकृष्णन विश्वविद्यालय भोपाल से नर्सिंग में पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी (कुल -40)

तृतीय सेमेस्टर के एन/सीडीटी बिजी एम आर ने कुल 80.5% अंकों के साथ विश्वविद्यालय परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

एन/सीडीटी अर्शप्रीत कौर, वी सेमेस्टर ने कुल 80.25% अंकों के साथ विश्वविद्यालय परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

सातवीं सेमेस्टर के एन/सीडीटी भावा सुब्बा ने कुल 83.75% अंकों के साथ विश्वविद्यालय परीक्षा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

एन/सीडीटी पारूल पांडे, तृतीय सेमेस्टर ने कुल 77.75% अंकों के साथ विश्वविद्यालय परीक्षा में छठा स्थान प्राप्त किया।

एन/सीडीटी वैष्णवी, वी सेमेस्टर कुल में 78.24% अंकों के साथ विश्वविद्यालय परीक्षा में स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

भट्टाचार्य, आर. (2020) एक चयनित तृतीयक अस्पताल, पुणे के बाल चिकित्सा वार्ड में अस्पताल में भर्ती बच्चों के माता पिता के तनाव के स्तर पर कथित नर्स-माता-पिता के समर्थन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 9 (3): आईएसएसएन - 2277-8179

भट्टाचार्य, आर. और बत्रा, बी. (2020) इंट्रामस्क्युलर इंजेक्शन के दौरान नवजात शिशुओं में दर्द की प्रतिक्रिया पर हेल्फर स्किन टैप तकनीक और व्यक्त स्तन के दूध का प्रभाव। बाल रोग और जराचिकित्सा के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(1), 158-164। <https://doi.org/10.33545/26643685.2020.v3.i1c.75>

भट्टाचार्य, आर. (2020) एक चयनित तृतीयक अस्पताल, पुणे के बाल चिकित्सा वार्ड में अस्पताल में भर्ती बच्चों के माता पिता के तनाव के स्तर पर कथित नर्स-माता-पिता के समर्थन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 9 (3): आईएसएसएन - 2277-8179

ढाका, एस. बच्चों को यौन शिक्षा प्रदान करने के लिए माताओं के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास। जर्नल ऑफ नर्सिंग रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया। आईएसएसएन - 0975-6841.

उथुप, एम.एम.() पश्चिमी महाराष्ट्र में एक नागरिक प्रतिष्ठान में काम कर रहे विवाहित पुरुषों के बीच पुरुष नसवंदी के बारे में ज्ञान और दृष्टिकोण पर एक संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। जर्नल ऑफ नर्सिंग रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया। आईएसएसएन-0975-6841।

अनुसंधान परियोजनाएं

लेफ्टिनेंट कर्नल आशा अब्राहम एनआईसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं की माताओं के बीच व्यक्ति स्तन दूध की मात्रा पर पारंपरिक स्तन उत्तेजना तकनीकों के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

चयनित तृतीयक देखभाल अस्पतालों में इसके लिए सर्जरी से गुजर रहे रोगियों के बीच संयुक्त प्रतिस्थापन में पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल पर ज्ञान के संबंध में एक संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। पीआई: मेजर जीवाजी राजीव

दिल्ली में चयनित कॉलेज ऑफ नर्सिंग के चौथे वर्ष के छात्रों के बीच बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के ज्ञान और रवैये पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। पीआई: मेजर मीन उथअप

एक चयनित शहरी समुदाय में कम सामाजिक-आर्थिक स्थिति वाले व्यक्तियों के बीच एनीमिया की व्यापकता और निर्धारकों का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। सदस्य: N/Cdt भावना सुब्बा और 05 और छात्रों। पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल सुनीता और मेजर जीजी, वित्त पोषण एजेंसी: अध्ययन के रूप में छात्रों द्वारा स्वयं वित्त पोषित पाठ्यक्रम का हिस्सा था।

दिल्ली के चयनित कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अंगदान के संबंध में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान और दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन। सदस्य: एन/सीडीटी अंजलि भंडारी और 05 अधिक। पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल अर्चना कुशवाहा और मेजर सुनीता देवी। फंडिंग एजेंसी: अध्ययन के रूप में छात्रों द्वारा स्व-वित्त पोषित पाठ्यक्रम का हिस्सा था।

एक अध्ययन एक क्वाटररी केयर अस्पताल में चयनित नर्सिंग छात्रों के बीच श्वासनली देखभाल के बारे में ज्ञान पर एक वीडियो सहायता प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए। सदस्य: एन/सीडीटी शिप्रा राय और 05 अधिक। पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकला बी और मेजर श्रीदेवी सी. फंडिंग एजेंसी: अध्ययन के रूप में छात्रों द्वारा स्व-वित्त पोषित पाठ्यक्रम का हिस्सा था।

नई दिल्ली में चयनित कॉलेज ऑफ नर्सिंग के स्नातक छात्रों के बीच नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम के बारे में ज्ञान पर संरचित वीडियो शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। सदस्य: एन/सीडीटी महिमा नेगी और 05 अधिक। पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल सुमन ढाका। फंडिंग एजेंसी: अध्ययन के रूप में छात्रों द्वारा स्व-वित्त पोषित पाठ्यक्रम का हिस्सा था।

दिल्ली में चयनित कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग छात्रों के बीच प्रसव पूर्व परीक्षा के ज्ञान पर संरचित वीडियो शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। सदस्य: N/Cdt शिमायला और 05 अधिक। पीआई: लेफ्टिनेंट कर्नल निसा गोपीदास। फंडिंग एजेंसी: अध्ययन के रूप में छात्रों द्वारा स्व-वित्त पोषित पाठ्यक्रम का हिस्सा था।

आयोजित संगोष्ठी

लेफ्टिनेंट कर्नल डोला बनर्जी, एसोसिएट प्रो., महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग, एएचआरआर ने 26 मार्च 2021 को 'कार्डियक आर्थिमीयास' पर प्रस्तुत किया।

आयोजित सम्मेलन

7 अगस्त 2020 को 'ब्रेस्ट फीडिंग वर्कशॉप एंड पैनेल डिस्कशन' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। फंडिंग एजेंसी आर्मी हॉस्पिटल (आरएंडआर)।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

मेजर श्रीदेवी सी. ने 15-18 मार्च 2021 तक आयोजित 'चिकित्सा अधिकारियों के लिए सीबीआरएन कारणों के प्रबंधन' पर आई वर्चुअल कार्यशाला में भाग लिया।

नियोजन

बी.एससी के पहले बैच के 29 विद्यार्थी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम जनवरी 2021 को मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन किया गया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

मार्च 2020 में शहरी स्वास्थ्य केंद्र द्वारका और जाफरपुर कलां ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में क्रमश महिला सशक्तिकरण और मादक द्रव्यों के सेवन पर नुक्कड़ नाटक किया गया। बी.एससी नर्सिंग के तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा राजकीय विद्यालय द्वारा में फरवरी, 2020 में स्वास्थ्य कार्यक्रम। मार्च 2020 में बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग तृतीय वर्ष के कैडेटों द्वारा कम सामाजिक आर्थिक स्थिति वाले व्यक्तियों के बीच एनीमिया से संबंधित एक सर्वेक्षण किया गया था। बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग तृतीय वर्ष के कैडेट द्वारा फरवरी 2020 में "प्रतिरक्षण और परिवार नियोजन" पर एक जागरूकता अभियान चलाया गया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों की कुल संख्या 5000 आर्मी अस्पताल (आरएंडआर) पुस्तकालय में कुल पुस्तकों की संख्या 10000 है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय: 25

तदर्थ संकाय: 05

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान

एसीजी अनुदान: Rs 66,32,184/-

टीटीआईआईजी अनुदान: रुपए 34,30,000/-

आईएचक्यू फंड: रुपए 2,00,000/-

उपयोगित अनुदान: 100%

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज ऑफ नर्सिंग आर्मी हॉस्पिटल (आरएंडआर) बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग के साथ-साथ नर्सिंग में छह पोस्ट बेसिक डिप्लोमा स्पेशिएलिटी पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है जो इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। हीमेटोलॉजी नर्सिंग और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन बर्न्स नर्सिंग पर सिलेबस भी इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा विकसित और मंजूरी दी गई है और इसे रक्षा मंत्रालय और इंडियन नर्सिंग काउंसिल की मंजूरी मिल गई है। ये दोनों पाठ्यक्रम अक्टूबर 2021 से शुरू होंगे।

व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय की एक अनुरक्षित संस्था व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय की स्थापना 1972 में हुई थी। यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महान परिवर्तन में एक छोटी सी शुरुआत की गई है जो इसे अधिक सार्थक

और विविध बनाता है। इस प्रयोग के माध्यम से, हम स्थिर विश्वविद्यालय शिक्षा और सामाजिक वातावरण के बीच की खाई को पाटने के द्वारा नए आयाम की तलाश करते हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. सुनील कोक को दिल्ली विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग से पीएच.डी. से सम्मानित किया गया और उन्होंने शारीरिक शिक्षा में मीडिया और करियर पर एक पुस्तक लिखी है।

डॉ. स्वाती चंद्रा को दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। उन्होंने आत्मा स्क्रिबलर्स सोसायटी और रोटरी क्लब, सलेम द्वारा प्रकाशित ' इग्नाइट काव्य ' नामक संकलन में छपी दो कविताएं भी लिखी हैं।

प्रकाशन

जैन, वी.के. (2021.) टेसरी कासम खाणे की लाचरी। लामही, यूजीसी केयर लिस्ट में सूचीबद्ध त्रैमासिक हिंदी जर्नल।

कक्कड़, एस. (2020) "कुष्ठ रोग पर गांधी का विकसित प्रवचन", "एमके गांधी, मीडिया, राजनीति और समाज: नए परिप्रेक्ष्य", एड. चंद्रिका कौल, पल्लव, यूके।

मदन, एन. (2020) वंगाली कथा में पूर्वी वंगाली हिंदू शरणार्थी: पात्रता, नागरिकता और अनन्यीकरण के मुद्दे। क्रिएटिव फोरम: साहित्यिक और महत्वपूर्ण लेखन के जर्नल, 34, 1-2, आईएसएसएन 0975-6396।

मिश्रा, जी.बी. "नवाचार महाविद्यालय नियोजन: चुनौतियां और उद्योग के साथ बदलती गतिशीलता", एड. खामा।

सुनील (2021)। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आर्थिक विकास के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था है: एक समीक्षा। काला सरोवर, 24 (1), 21-29। आईएसएसएन: 0975-4520।

सुनील (2020) दिल्ली में कृषि, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र के संरचनात्मक विकास के बीच संबंध। वेस्लेयन जर्नल ऑफ रिसर्च, 13:4 (IX), 94-103। आईएसएसएन: 0975-1386

सत्याल, ए. (2021) उच्च शिक्षा के लिए बाजार: प्रभावी विनियमन के लिए मामला। समावेशी - कोलकाता सेंटर फॉर कंटेम्पेरी स्टडीज का एक जर्नल। II (18), 25-39। आईएसएसएन: 2278-9758।

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 01

आयोजित संगोष्ठी

सीओएमएसओसी, वाणिज्य सोसायटी ने 8 अगस्त 2020 को "बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड-19 के वर्तमान और दीर्घकालिक प्रभाव" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया और 6 सितंबर 2020 को बीमा क्षेत्र पर कोविड-19 के वर्तमान और दीर्घकालिक प्रभाव" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

टीईबी, महाविद्यालय के उद्यमी बोर्ड "स्टार्ट-अप संस्कृति और समस्याओं स्टार्ट-अप महामारी के दौरान सामना कर रहे हैं" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। स्टार्टअप भिक्षु के संस्थापक श्री. सिवेश कुमार द्वारा आयोजित सत्र।

नियोजन ने 'इनोवेटिंग नियोजन' शीर्षक से वेबिनार का आयोजन किया जिसमें कॉर्पोरेट जगत के दो वक्ताओं ने मार्च 2021 में उद्योग में वर्तमान नियोजन परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए और करियर लॉन्चर के सहयोग से एक अन्य वेबिनार का आयोजन किया गया।

सुश्री शालू चोपड़ा द्वारा वेबिनार का आयोजन 7 अक्टूबर 2020 को "व्यक्तित्व विकास" पर किया गया था। अर्थशास्त्र विभाग सोसायटी, ईसीओएनओएक्स ने 'बिल्डिंग बैंक एंड: द इकोनॉमिक उत्तेजना' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस सत्र के लिए वित्त मंत्रालय के अर्थशास्त्र मामलों के विभाग में सहायक निदेशक सुश्री संजना कादयान और ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अवनींद्र बाथ वक्ता थीं।

ईसीओएनओएक्स ने 31 अगस्त 2020 को बेरोजगारी और पुनरुद्धार रणनीति पर कोविड-19 का प्रभाव विषय पर एक वेबिनार का भी आयोजन किया। सुश्री मिताली निकोर, विकासात्मक अर्थशास्त्र सलाहकार, एशियाई विकास बैंक और कंसल्टेंसी सर्विसेज, विश्व बैंक अध्यक्ष थे।

पर्यटन विभाग ने 22 जुलाई 2020 को आयोजित सामवर्धन ट्रस्ट एनजीओ के सहयोग से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया - पोस्ट महामारी दुनिया में पर्यटन उद्योग की संभावनाएं: भारत में सांस्कृतिक पर्यटन के संदर्भ में। पर्यटन विभाग ने 'विश्व पर्यटन दिवस 2020- पर्यटन और ग्रामीण विकास' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का भी आयोजन किया है।

16 मई, 2020 को कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा "एंड्रॉइड एप्लीकेशन डेवलपमेंट" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। ओयो में काम कर रहे एंड्रॉइड डेवलपमेंट पर एक इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने एंड्रॉइड डेवलपमेंट पर हैंड्स-ऑन नॉलेज पेश की। दर्शकों के लिए दूर ले विभिन्न एंड्रॉइड विकास अवधारणाओं पर गहन ज्ञान सत्र था।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

श्री. संजीव कक्कड़ ने एक शोध प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था, किस कीमत पर बिब्लियोथेरेपी? भारत में कुष्ठ रोगी और देखभाल करने वालों के ग्रंथियो-चिकित्सीय हस्तक्षेप: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य", एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "जीवित अलगाव: रोग और मृत्यु और ग्रंथ चिकित्सा की वास्तविक और अनुवांशिक कहानियां", अंग्रेजी विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक द्वारा 23-25 अगस्त 2020 से आयोजित किया गया।

डॉ. पवित्रा कुमारी ने 5-7 नवंबर 2020 से दिल्ली विश्वविद्यालय के एमआईएलएंडएलएस विभाग द्वारा आयोजित 'लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय वेबिनार में "अंबिवेली परियों: हरियाणवी लोककथाओं में स्त्रीत्व के अभ्यावेदनों से पूछताछ" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

श्री. संजीव कक्कड़ ने एक शोध प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था, किस कीमत पर बिब्लियोथेरेपी? भारत में कुष्ठ रोगी और देखभाल करने वालों के ग्रंथियो-चिकित्सीय हस्तक्षेप: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य", एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "जीवित अलगाव: रोग और मृत्यु और ग्रंथियोथेरेपी की वास्तविक और अनुवांशिक कहानियां", अंग्रेजी विभाग, रेवेनशॉ यूनिव, कटक, भारत, 23-25 अगस्त 2020।

डॉ. पवित्रा कुमारी ने 5-7 नवंबर 2020 से दिल्ली विश्वविद्यालय के एमआईएलएंड एलएस विभाग द्वारा आयोजित 'लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय वेबिनार में "अंबिवेली परियों: हरियाणवी लोककथाओं में स्त्रीत्व के अभ्यावेदनों से पूछताछ" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन

नियोजित की संख्या : 170 विद्यार्थी

छात्रों को प्रस्तावित इंटर्शिप की संख्या : 208

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

ग्रीन ब्रिगेड, सीवीएस की पर्यावरण सोसायटी, एक मंच है जिसके माध्यम से छात्रों को स्वयं को और दूसरों को प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, जैसे पर्यावरण के मुद्दों को दबाने के बारे में प्रबुद्ध है। ग्रीन ब्रिगेड पूरे वर्ष सक्रिय रही है और छात्रों के बीच हरित अच्छे व्यवहार को विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों - वृक्षारोपण अभियान, वार्ता, कार्यशालाएं, नुक्कड़ नाटक, नेचर वॉक और आउटरीच गतिविधियां का आयोजन किया है। पर्यावरण सोसायटी ने अपना वार्षिक उत्सव: वासुधा'21' 6 अप्रैल 2021 को मनाया। यह एक दिवसीय उत्सव था, लेकिन रोमांचक घटनाओं से भरा है जो स्फूर्ति के साथ रोमांचित है जिसमें 'ग्रीन प्लान', 'प्रकृति की खोज' और 'नेचर-ए-शायरी' 'व्यापार की दुनिया में पर्यावरण के अनुकूल अवसर' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसने प्रतिभागियों और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतिभागियों को एक टिकाऊ पर्यावरण के लिए जीवन बदलने वाली पहल के लिए अपने विचारों के साथ आने और भविष्य के विचार को आगे लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हंसराज महाविद्यालय के विजेताओं को एक अद्भुत विचार था कि

वे ठूठ का उपयोग करें, जो आमतौर पर जलाया जाता है, और इसे मशरूम में परिवर्तित करें या आगे खेती में इसका उपयोग करें। इस प्रकार, प्रदूषण को कम करें और जीवन को टिकाऊ बनाएं। पहली रनर-अप में एक सुंदर परियोजना थी जो छोटे पौधों को उगाने पर केंद्रित थी और उन्होंने उन कॉलेजों और गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग किया है जो इन पौधों को उनके आयोजनों के लिए उपहार के रूप में खरीदते हैं। 2 रनर-अप एक अद्भुत विचार के लिए पेड़ों की काटने को कम करने और नोटबुक के अप्रयुक्त बचे हुए पृष्ठों का उपयोग करने के लिए ताजा नोटबुक बनाने और सबसे सस्ती दरों पर यह प्रदान किया था।

एनएसएस सीवीएस पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य और फिटनेस के क्षेत्र में समाज के कल्याण की दिशा में लगातार काम कर रहा है और समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित है। एनएसएस, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समान लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है जिसका सीधा प्रभाव समाज पर पड़ता है। सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से वुमन हेल्थकेयर, हाइजीन एंड जेंडर सेंसिटिविटी पर एक इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन किया गया, जिसमें इसके अध्यक्ष सीए दीनदयाल अग्रवाल शामिल हुए। लड़कियों के कॉमन रूम में सैनिटरी पैड के लिए एक सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और सेनेटरी पैड के लिए एक भस्मारती मशीन लगाई गई थी। इसके लिए एक ट्यूटोरियल दिया गया था। इससे महाविद्यालय की लड़कियों के लिए मेन्सेरेशन केयर सुलभ हो सकेगी। एनएसएस सीवीएस हमारे कैंपस को स्वच्छ और अधिक स्वच्छ बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक कदम उठाया जाता है कि प्लास्टिक कचरे का उचित निपटारा होना चाहिए। महाविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के कचरे के लिए अलग-अलग डिब्बे स्थापित किए गए थे। महाविद्यालय में सूखे कचरे के लिए ग्रीन वेस्ट बिन और प्लास्टिक कचरे के लिए सफेद कचरे के डिब्बे स्थापित किए गए थे। गीले कचरे के लिए नीले कचरे के डिब्बे स्थापित किए गए थे। इन विभिन्न रंगों का उपयोग बायोडिग्रेडेबल से गैर-बायोडिग्रेडेबल तक कचरे को अलग करना आसान बनाने के लिए किया जाता है।

एनएसएस-सीवीएस द्वारा साक्षी (एक संगठन) के सहयोग से बाल यौन शोषण और पॉक्सो पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। उन्होंने "द रक्षित परियोजना" प्रस्तुत की जिसने हमें हमारे समाज में बच्चों की रोकथाम और सुरक्षा के बारे में सिखाया। उन्होंने 18 वर्ष से कम आयु के अपने बचपन के चरण में बच्चों की गतिविधियों और व्यवहार पर जोर देते हुए छात्रों को संबोधित किया। राशिन टीम ने रक्षित के अर्थ को विस्तार से बताया जो बच्चे को किसी भी यौन शोषण से रोकने और उसकी रक्षा करने के लिए है। पोर्नोग्राफी, प्रियतम, सशक्त सेक्स, बलात्कार, अभद्र प्रदर्शन, गलत इशारों और संपर्क, बाल संवारने-ये सभी बाल यौन शोषण के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने आगे यह भी दर्शाया कि इस तरह से सामना कर रहे बच्चों में लक्षण कैसे मिल सकते हैं। उन्होंने इस बारे में भी चर्चा की कि माता-पिता अपने बच्चों के साथ एक स्वस्थ और भरोसेमंद संबंध कैसे बनाए रख सकते हैं ताकि वे उनके साथ सब कुछ साझा कर सकें जो हममें से अधिकांश साझा नहीं करते क्योंकि हम संकोच करते हैं और हमारे माता-पिता द्वारा डांटे और अविश्वासित होने से डरते हैं। इसके लिए हम सभी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और हमेशा सतर्क रहने और हर किसी पर नजर रखने की जरूरत है।

पुस्तकालय विकास

स्टॉक में 59418 पुस्तकें हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय 25 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के विभिन्न प्रकार की सदस्यता लेता है। इंटरनेट सुविधा को इनफ्लिबनेट सुविधाओं के माध्यम से पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए वाई-फाई कनेक्टिविटी, लैपटॉप कनेक्टिविटी और ई-संसाधन के साथ अपग्रेड किया गया है। शिक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में अकादमिक गतिविधियों/अनुसंधान कार्य के लिए यूजीसी/इनफ्लिबनेट एन-लिस्ट और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के ई-संसाधन तक पहुंच दी जाती है।

संकाय संख्या

कुल स्थायी संकाय: 33

कुल अस्थायी संकाय: 01

कुल तदर्थ संकाय सदस्य: 66

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 28, 98, 97000/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 25, 80, 57,541/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एनएसएस विंग ने एक लघु वीडियो प्रतियोगिता 'पहचान' का आयोजन किया, जिसके बाद 10 दिन की दयालुता चुनौती है जिसमें आवारा जानवरों को खिलाने, घरेलू कामों में मदद करने, अपने परिवार के लिए भोजन पकाने, जरूरतमंद लोगों को भोजन दान करने, कोरोना योद्धाओं को एक शोध लिखने जैसे विभिन्न दिनों में विभिन्न चुनौतियां शामिल हैं। इसके अलावा एनएसएस विंग ने अपना पहला वार्षिक ई-पत्रिका वॉल्यूम वन 2020 लॉन्च किया। महाविद्यालय का एनएसएस हमेशा से ही भारत सरकार की मुखर पहल के लिए स्थानीय को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय भारतीय उत्पादों और सेवाओं का समर्थक रहा है। स्थानीय ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए सात दिवसीय ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। युवाओं में उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में बेहतर समझ बनाने के लिए अधिवक्ता रोहित धवन द्वारा मौलिक अधिकार और कर्तव्यों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर एनएसएस के मुख्य सदस्यों ने हमारे स्वतंत्रता सेनानी के बलिदान को याद किया और युवाओं में देशभक्ति की भावना विकसित करने के लिए किए गए एक वीडियो के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा, श्री. मकरंद वाघ द्वारा साइबर अपराध के विरुद्ध लड़ने पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया ताकि साइबर अपराधों के प्रकार और उन्हें कैसे रोका जा सके, यह समझाया जा सके। शिक्षक दिवस के अवसर पर एनएसएस की टीम ने अपने प्रिय शिक्षकों को उनके सभी सहयोग और मार्गदर्शन के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की, जो उन्होंने हमें जीवन भर दिया है।

पर्यटन विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री. अविनाश चंद्र ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, श्री राम महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (27 मई-3 जून 2020) "माइंड - सेट, नॉलेज सेट और कौशल - 21वीं सदी के युवाओं के लिए सेट: नवाचार और अनुकूलन" में भाग लिया है; उन्होंने ग्वालियर के माधव महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 24 मई 2020 को आयोजित "पर्यटन उद्योग के लिए समस्याओं और चुनौतियों के बाद पर्यटन उद्योग के लिए समस्याएं और चुनौतियां" विषय विशेषज्ञ के रूप में भी भाग लिया।

पर्यटन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रविंद्र सिंह कुशवाह 24 मई 2020 को इतिहास विभाग, माधव महाविद्यालय, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा आयोजित "कोविड-19 के बाद पर्यटन उद्योग के लिए समस्याएं और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय वेबिनार में एक विशेषज्ञ (विशिष्ट वक्ता) थे। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग, सीवीएस द्वारा आयोजित 27 सितंबर 2020 को आयोजित विश्व पर्यटन दिवस 2020 - पर्यटन और ग्रामीण विकास विषय पर एक अंतराष्ट्रीय वेबिनार में भी भाग लिया।

डॉ. पवित्रा कुमारी ने 5-7 नवंबर 2020 से दिल्ली विश्वविद्यालय के एमआईएलएंडएलएस विभाग द्वारा आयोजित 'लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य' पर राष्ट्रीय वेबिनार में "अंबिवेली परियाँ: हरियाणवी लोककथाओं में स्त्रीत्व के अभ्यावेदनों से पूछताछ" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित 13-19 जुलाई 2020 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, शिक्षण शिक्षण केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय फॉर वुमन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम "भाषा, साहित्य और सामाजिक विज्ञान में शिक्षाशास्त्र के उभरते रुझान" को भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

दौलत राम महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दौलत राम महाविद्यालय ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (गूगल मीट, गूगल क्लासरूम, एमएस टीम्स) के माध्यम से अधिकांश कार्यक्रमों में भाग लिया और ऑनलाइन अध्ययन संसाधन (एनडीएलआई, एनपीटीईएल, निस्केयर, इनफ्लिबनेट, ई-पीजी पाठशाला) को महामारी के दौरान शिक्षण के लिए चुना गया। डीयू डोमेन पर आधिकारिक विज्ञापन छात्रों और संकाय दोनों के लिए अनिवार्य थे। विज्ञान के छात्रों के लिए 60% प्रैक्टिकल ऑफलाइन (मार्च 2021 के दौरान) आयोजित किए गए थे। प्रवेश (यूजी, पीजी); ओरिएंटेशन, वेबिनार, सम्मेलन ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर संगोष्ठी और TEDxDRC के पहले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के पूर्व छात्रों के लिए नई वेबसाइट लांच की गई। रीसाइक्लिंग इकाई लगातार शून्य अपशिष्ट कैम्पस बनाए रखा; जेब्रा फिश सेंटर लगातार विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। गृह मंत्रालय, एमओ, यूजीसी, डीयू की एडवाइजरी लागू की गई। उचित जांच के बाद शिक्षकों की पदोन्नति की सुविधा दी गई। 600 छात्रों को विद्यार्थीवृत्ति दी गई इसके अलावा 55 दृष्टिबाधित छात्रों को पूर्ण मौद्रिक, शैक्षिक सहायता सहायता प्रदान की गई; फैकल्टी ने महामारी के दौरान अपनी फीस देकर 18 छात्रों को आर्थिक रूप से समर्थन भी दिया।

सम्मान/गौरव

प्रो. सविता रॉय को शिक्षा के क्षेत्र में द्वितीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय समर्पण पुरस्कार 2021 मिला।
प्रो. सविता रॉय को दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन से युवाओं में गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने और जागृत करने के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार मिला।

डॉ. सरिता नंदा को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्राइड ऑफ द नेशन एक्सीलेंस अवार्ड (एनजीओ) मिला।

डॉ. दीप्ति वंसल को नवंबर 2020 में बाबा अलाउद्दीन खान म्यूजिक फाउंडेशन दिल्ली द्वारा बाबा अलाउद्दीन खान स्मृति सम्मान मिला था।

डॉ. मालिनी शर्मा को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्राइड ऑफ द नेशन एक्सीलेंस अवार्ड (एनजीओ) मिला।

डॉ. मीटू खोसला को शास्त्री इंडो इंडियन इंस्टिट्यूट से शास्त्री इंडो कैनेडियन रिसर्च अवार्ड मिला।

डॉ. सुपर्णा जैन ठाकुर को एएनओ, एनसीसी, डीआरसी के रूप में कमीशन मिला और कमांडेंट गोल्ड मेडल, बेस्ट एनसीसी ऑफिसर और बेस्ट इन एकेडेमिक्स अवार्ड प्राप्त किया और ग्वालियर ऑफिसर्स कैंप, एनसीसी में पाठ्यक्रम में टॉप किया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष की अंकिता चहल को शिक्षाविदों/अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों/खेल में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के लिए प्रो. मदन मोहन प्रसाद मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्रेया कांडपाल बी.एससी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्री की द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

गरिमा सिंह बी.एससी(ऑनर्स) बॉटनी तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

रितिका कालरा बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र तृतीय वर्ष अरुंधति दुबे ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अदिति वर्मा को दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी सरकार के सलाहकार के कार्यालय से प्रशंसा शोध मिला।

प्रकाशन

मंगला, ओ., रॉय, एस., अन्नपूर्णा, एस. और अशोकन, के. (2020) ईऑन बिम विकिरण द्वारा GaAs नैनोस्ट्रक्चर्स में दलबदल पर एक अध्ययन। सामग्री विज्ञान, 43,78 के बुलेटिन। <https://doi.org/10.1007/s12034-020-2044-5>

डैश पी. दीक्षित. ए. गर्ग. एल.सी, साहू पी., और यादव, एस. के (2021) रेकॉम्बिनेंट बाहरी झिल्ली प्रोटीन ओएमपीसी लेबो रोहिता में एयरमोनास हाइड्रोफिला संक्रमण के विरुद्ध सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा को माइक्रोबियल रोगजनक प्रेरित करता है।, 150, 104727 <https://doi.org/10.1016/j.micpath.2020.104727>

जैन, एस. एक्स-रे फोटोइलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी डेप्युटी-प्रोफाइलिंग तकनीक का उपयोग करके हाइब्रिड जेडएनओ-सीडीई नैनो-यौगिकों का संरचनात्मक मॉडलिंग। जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी, 20 (6), 3741-3753 <https://doi.org/10.1166/jnn.2020.17513>

खोसला, एम. (2020) लैंगिक मतभेदों और भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में धार्मिक प्रतिबद्धता और भलाई के बीच संबंध की खोज। मनोविज्ञान और शिक्षा के एशियाई जर्नल, 53, 3-4, 2-16।

मुद्गल, पी. (2020) कोविड-19 महामारी में भारत में बुजुर्गों की आबादी का बढ़ा खतरा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड रिसर्च, 10 (10), 166-175। से प्राप्त https://www.ijhsr.org/IJHSR_Vol.10_Issue.10_Oct2020/24.pdf

शर्मा, एम. (2000) खेल सिद्धांत महामारी (राय टुकड़ा) बताते हैं। इंडिया करंट्स, सैन जोस, कैलिफोर्निया। से प्राप्त

शर्मा, जे. (2020) भाषा और संस्कृति के विकास में मीडिया की भूमिका। भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति। वंदना (2020) दलित साहित्यिक इतिहासशास्त्र: अवधारणा, संदर्भ, प्रासंगिकता। हाशिए पर पढ़ना: इतिहास, संस्कृति, साहित्य। (एड. प्रोवाकर पालाका)। पीपुल्स लिटरेचर पब्लिकेशन (प्रिंट), मुंबई, पृष्ठ 69-84।

वधावन, डी., और दास, एस. (2020)। चिरल सर्किट्री में अपव्यय और क्वांटम शोर। फिजिका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम्स एंड नैनोस्ट्रक्चर, 121, 114117. <https://doi.org/10.1016/j.physe.2020.114117>

जर्नल

प्रमिला एक वार्षिक त्रिभाषी पत्रिका।

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या:

डॉ. सुनीता के यादव, एडिटर इन चीफ; सलाहकार: सुश्री वंदना (अंग्रेजी); डॉ. सांग्या उपाध्याय (हिंदी); डॉ. सुषमा देवी (संस्कृत)।

श्रेष्ठ, डब्ल्यूडीसी डीआरसी की वार्षिक पत्रिका।

डॉ. अनीता गर्ग मंगला (सलाहकार एवं संयोजक, श्रेष्ठ) हिंदी खंड की संपादक डॉ. कुसुम लता और अंग्रेजी अनुभाग की संपादक डॉ. वायलिना बोरा।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. प्रतिभा जॉली, पूर्व प्रधानाचार्य, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, अकादमिक सलाहकार नैक, "कला और सलाह के विज्ञान" विषय पर, 1 जून 2020।

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल महाराष्ट्र के वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंताक्षरी हिंदी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने 5 जून 2020 को "स्वराज स्वतंत्रता की दशमनिष्ठ समाज" विषय पर चर्चा की।

सुश्री ज्योतिका कालरा, सदस्य, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, "कोविड-19 प्रवासियों-चुनौतियों और आगे की राह", 11 जून 2020।

वर्तमान मौद्रिक नीति ढांचे, 24 जून 2020 के अंतर्गत ब्याज दर निर्धारण विषय पर दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, सदस्य मौद्रिक नीति समिति आरबीआई के प्रो. पामी दुआ ने किया।

बहादुरगढ़ विश्वविद्यालय (हरियाणा) के कुलपति प्रो. एके बख्शी ने 19 जून 2020 को "टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड हायर एजुकेशन इन इंडिया: इंजुलर एंड अपॉर्च्युनिटीज" विषय पर चर्चा की।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

मीटू खोसला, "माइंडफुलनेस एंड करुणा ग्लोबल समिट", वर्चुअल समिट, लॉस एंजिल्स, यूएसए। 4-6 जून 2020

वंसल, दीप्ति, व्यास समरोह में "वायु" - संस्कृत विभाग, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा 'वायु पुराण' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (16 नवंबर 2020) का आयोजन किया गया।

बोर्तमुली, दीपशिखा एम. "अनुवाद और ट्रांस-क्रिटिंग: हिरेन गोहेन द्वारा एंग्लो असमिया शब्दकोश के संदर्भ में प्रक्रियाएं, समस्याएं और चुनौतियां", अनुवाद में असमिया साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: सिद्धांत और अभ्यास, एमआईएल और एलएस, डीयू विभाग, 27-28 नवंबर 2020।

आनंद, पूजा वी, "कोविड-19 से निपटने में सकारात्मक मनोविज्ञान का प्रभाव" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'कोविड 19 के युग में भावना विनियमन: भारतीय और पश्चिमी परिप्रेक्ष्य' मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित, श्री राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, लखनऊ, 10 मई 2020.

भट्टाचार्य, Moitree, "भारतीय संविधान के सत्तर वर्ष: कुछ प्रतिबिंब" जीवित दस्तावेज की विरासत पर एक राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में, डीपीएस सोसायटी, पटना, 13 अगस्त 2020 द्वारा आयोजित।

शर्मा, मालिनी "व्यवहार अर्थशास्त्र का महत्व और कोविड -19 के प्रकाश में सिद्धांत नज", एमआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय संमेलन में, "पोस्ट कोविड-19 युग में वैश्विक आर्थिक व्यवस्था: चुनौतियां, अवसर और रणनीतियां, महाराजा अग्रसेन प्रबंधन अध्ययन संस्थान (एमआईएमएस) द्वारा आयोजित, 25 जुलाई 2020।

निखिल गंगवार, "उन्नीसवीं शताब्दी के शुरुआती दशकों के दौरान कृषि समाज, ऋणग्रस्तता और ब्रिटिश शासन: आजमगढ़ जिला एक केस स्टडी के रूप में"। वर्तमान अनुसंधान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन, 19 और 20 सितंबर 2020।

जापानी एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान के 33वें वार्षिक सम्मेलन में नाओम, दीपक, "मणिपुर और नागा हिल्स में असम राहत उपाय, राहत और पुनर्वास कार्य" 3-4 अक्टूबर 2020 नाओरेम, दीपक, "येलहौ और मियान मयेक: बहुस्क्रिप्टवाद, पहचान और मीतल भाषा में ऑर्थोग्राफी लड़ा" अंतर्राष्ट्रीय संमेलन में, सीमा भूमि वायदा: प्रौद्योगिकियों, क्षेत्रों, सह अस्तित्व, एशियाई सीमा भूमि अनुसंधान नेटवर्क और लाइडेन, सियोल, चुंग-आंग विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया, 25-27 जून 20 द्वारा आयोजित

विमल, कश्मीर, "मूल्य शिक्षा की वैदिक अवधारणा- इसकी प्रासंगिकता और महत्व आज" 27 दिसंबर, 2020 को विश्व पर वैदिक ज्ञान के प्रभाव पर 14वें अंतर्राष्ट्रीय और 24वें भारत सम्मेलन में आज एस-व्यासा, बेंगलुरु, भारत, 25-27 दिसंबर 2020 के सहयोग से वेक्स इंटरनेशनल और वेक्स इंडिया द्वारा आयोजित किया गया।

नियोजन

भर्तियों की कुल संख्या: ~ 50

शीर्ष कॉर्पोरेट्स में चयनित विद्यार्थी > 225

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

परियोजना इतिमनान (इस परियोजना के अंतर्गत दिसंबर तक आवारा पशुओं को भोजन कुल 4,612) और परवा (पुनर्विचार मानसिक बीमारियों) क्रमशः 4 और 8 2020 जून को एनएसएस इकाई द्वारा शुरू किया गया। लॉकडाउन (27 मई 2020), वृक्षारोपण अभियान (13-26 जुलाई 2020), कारगिल दिवस वेबिनार (26 जुलाई 2020), राजघाट पर गांधी जयंती समारोह (2 अक्टूबर 2) के दौरान भोजन वितरण में लगे एनसीसी यूनिट कैडेट्स 020), आरएलए महाविद्यालय एनसीसी सम्मेलन (17-18 अक्टूबर 2020), डीआरसी वेबिनार ऑन वेस्ट टू वेल्थ (10 नवंबर 2020), संविधान दिवस युवा क्लब गतिविधियां (17 नवंबर-13 दिसंबर 2020),

स्वच्छता अभियान यमुना बैंक (21 नवंबर 2020), राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र (25 नवंबर 2020), डिजिटल फोरम (28 नवंबर 2020), राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र (11 जनवरी 2021), राजपथ स्वच्छता अभियान (18-31 जनवरी 2021), राजपथ यात्रा (26 जनवरी 2021)।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2020-21 के दौरान महाविद्यालय के पुस्तकालय ने नई पुस्तकें और जर्नल खरीदी। पुस्तकालय ने एंटीवायरस और सॉफ्टवेयर मॉटेनेंस सर्विसेज भी खरीदी। ब्रेल सेक्शन के लिए नया पार्टिशन बनाया गया। पुस्तकालय स्टडी हॉल का जीर्णोद्धार किया गया। वर्ष के लिए कुल खर्च 9,44,286.00 रुपये है।

संकाय संख्या

कुल:188

वित्तीय आवंटन और उपयोग

विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त अनुदानों का इष्टतम उपयोग किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण योगदान

संकाय के लिए उपस्थिति रिकॉर्डिंग के लिए ट्यूटोरियल के साथ आईसीटी उपकरणों के प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया गया था। ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों और उपकरणों के बुज के बारे में मार्गदर्शन के लिए नए छात्रों के लिए एसडीपी सेल के लिए 3 दिवसीय इन-हाउस कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। सभी छात्रों के लिए आईसीटी और जीई विषयों के लिए ऑनलाइन झुकाव का आयोजन किया गया।

दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कोविड-19 महामारी वर्ष के दौरान महाविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण के अलावा वर्चुअल मोड में वेबिनार, आमंत्रित लेक्चर और डिपार्टमेंट फेस्टिवल की सीरीज का आयोजन किया। 26 जुलाई 2020 को एनसीसी कैडेट्स द्वारा विजय दिवस मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2020 को मनाया गया था। 1 से 7 सितंबर 2020 को एक सप्ताह तक चलने वाले फिट इंडिया मूवमेंट का आयोजन किया गया था जिसे प्रधानमंत्री ने 29 अगस्त 2020 को शुरू किया था। गांधी जयंती के अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगी गतिविधियां हुईं। पटेल के योगदान को मनाते हुए 31 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। बोस के योगदान को स्वीकार करते हुए 23 जनवरी 2021 को प्रकाश राम दिवस मनाया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. वी.बी. सिंह को कंप्यूटर साइंस विभाग में प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया था।

अर्थशास्त्र विभाग से श्री. बीर सिंह ने अक्टूबर 2020 में पीएच.डी. थीसिस जमा की।

वाणिज्य विभाग में डॉ. सरथक गुप्ता ने अक्टूबर 2020 में श्री. जगदीश प्रसाद झबरमल टिब्रेवाला विश्वविद्यालय, राजस्थान से पीएच.डी. पूरी की।

डॉ. अनुराधा गुप्ता की देखरेख में तीन छात्रों ने पीएच.डी. थीसिस जमा की है।

स्टेज-1 से स्टेज द्वितीय और स्टेज-2 से स्टेज-3 तक के शिक्षकों की प्रोन्नति शुरू की गई।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

उत्कर्ष माथुर (एनसीसी एक्स जेयूओ) ने अपनी एसएसबी उत्तीर्ण कर ली है और जल्द ही उन्हें कमीशन कर दिया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "दरवाजा दर्शन का योगदान कोविड-19 संकट: भारतीय युवाओं पर एक अध्ययन" पर शोध प्रस्तुत किया।

ऋषभ गुप्ता ने 4 मार्च से 6 मार्च 2021 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के एडवांस इन बिजनेस एंड मैनेजमेंट, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "भारत और थाईलैंड स्टॉक मार्केट में पांच फैक्टर मॉडल का अनुभवजन्य परीक्षण" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. नीरू कपूर ने 4 से 6 मार्च 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, बिजनेस एंड मैनेजमेंट में अग्रिमों पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में मोबाइल ऐप आधारित शॉपिंग: उपभोक्ता की चुनिंदा जनसांख्यिकी के बीच एक अनुभवजन्य अध्ययन के प्रति प्रदर्शन प्रत्याशा, प्रयास प्रत्याशा और मूल्य मूल्य पर प्रभाव " पर एक शोध प्रस्तुत किया।

संतोष भारती ने जुलाई 2020 में साहित्य, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज, विश्वविद्यालय सैनी के मलेशिया पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में धर्म और लैंगिक हिंसा की खोज पर एक शोध प्रस्तुत किया।

नीलम यादव ने अगस्त 2021 में यूजीसी के सहयोग से लैंगिक समानता पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "असहमति की आवाज: मन्नू भंडारी की आमका वंटी और महाभोज" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

चंदन कुमार सिंह ने 4 से 6 मार्च 2021 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, बिजनेस एंड मैनेजमेंट में अग्रिमों पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "मोबाइल ऐप-आधारित शॉपिंग के प्रति व्यवहार इरादा पर प्रदर्शन प्रत्याशा, प्रयास प्रत्याशा और मूल्य का प्रभाव" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

ज्योत्स्ना पाठक ने आधुनिकता और आधुनिकतावाद अध्ययन ऑनलाइन सम्मेलन, कोकली विश्वविद्यालय, पश्चिमी भाषाओं और साहित्य विभाग और आधुनिकतावाद अध्ययन नेटवर्क, तुर्की, 2020 में "पोस्ट-कोविड वर्ल्ड में राष्ट्र" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

अमित कुमार यादव ने नवंबर 2020 में लोकजीवन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में "मौखिक महाकाव्य ऑफ भरथरी: एक गीत" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

शिल्पा चौधरी ने सितंबर 2020 में महाराष्ट्र के ऐतिहासिकता और साहित्य, महात्मा गांधी महाविद्यालय, अहमदपुर पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "भक्ति आंदोलन का बदलता स्वरूप" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन

नियोजित की संख्या: 50+

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 20+

प्रस्तावित इंटरशिप की संख्या: 100+

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

एनजीओ इको रूट्स फाउंडेशन ने एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ बातचीत कर उन्हें विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों, विशेष रूप से जल संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया। एक समुदाय संचालित मॉडल में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करके शरणार्थी और प्रवासी बच्चों के जीवन पर फर्क पड़ता है, जहां शिक्षकों की पहचान समुदाय से ही की जाती है और उन्हें एनजीओ पार्टनर कथा द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने यूनेस्को के साथ मिलकर महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन फॉर पीस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एमजीवाईपी), यूनेस्को के अंतर्गत 'द डिजिटल टीचर' कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को डिजिटल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए यूनेस्को से संपर्क किया। स्तन कैंसर से बचे लोगों के लिए एक पहल, एक पेटेंट कपास आधारित कृत्रिम अंग, जो ब्रांड नाम कैनफेम के अंतर्गत बेचा जाता है और एम्स और टाटा मेमोरियल द्वारा अनुमोदित है और वे इसे बेचने के इच्छुक हैं। अपोलो, बीएल कपूर और मैक्स जैसे अस्पतालों ने पहले ही बिक्री में मदद की है।

बिक्री के लिए किदवई अस्पताल, बेंगलूर के साथ सहयोग किया है। भारत का स्वास्थ्य मंत्रालय इस परियोजना को समर्थन देने के लिए तैयार है। रोटरी ब्लड बैंक के सहयोग से एनसीसी कैडेट्स ने 1 दिसंबर 2020 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। एनसीसी कैडेटों ने एक स्वच्छता अभियान में भाग लिया, जहां वे प्रतिमा किला राय पिथौरा, अहिंसा स्थल, नई दिल्ली की समग्र सफाई के लिए जिम्मेदार थे। सीडीटी संसार सिंह को प्रधानमंत्री आवास पर जाने के लिए चुना गया।

पुस्तकालय विकास

चालू वर्ष के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों की कुल संख्या 483 है। वर्चुअल मोड के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं और सुविधाओं के बारे में नए भर्ती छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए स्थानापन्न पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। केविड-19 के कारण लॉकडाउन के दौरान, महाविद्यालय पुस्तकालय ने पुस्तकालय द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान की और स्थानापन्न पुस्तकालयाध्यक्ष ने छात्रों और संकाय को इसके बारे में अपडेट किया। स्वतंत्र रूप से उपलब्ध ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए, पुस्तकालयाध्यक्ष को स्थानापन्न करके ओपन एक्सेस ई-रिसोर्स (यूआरएल) लिंक भी साझा किया गया था। छात्रों और महाविद्यालय स्टाफ के सदस्यों को एन-सूची के अंतर्गत ई-संसाधनों तक पहुंच के लिए एन-सूची जागरूकता कार्यक्रम के बारे में सूचित किया गया। उर्कुड सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्यिक चोरी की जांच सुविधा के लिए भी उत्पन्न किया गया था और संकाय सदस्यों और छात्रों को स्थानापन्न पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा प्रदान किया गया था।

संकाय संख्या

कुल स्थायी: 47 और प्रधानाचार्य

कुल तदर्थ: 41

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए: 27,03,36,000/-

उपयोगित अनुदान रुपए: 28,61,32,625/-

दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'विज्ञान' के अंतर्गत 10वें और 'कॉमर्स' श्रेणियों के अंतर्गत 16वें स्थान पर रहे डीआरएफ 2020 में महाविद्यालय श्रेणी में दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय को महाविद्यालय श्रेणी में 15वां स्थान और भारत सरकार द्वारा महाविद्यालय श्रेणी में 13वां स्थान मिला है। भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने अपनी डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना 2021 के अंतर्गत महाविद्यालय को पांच प्रतिभागी विज्ञान विभागों (वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्राणि विज्ञान) के लिए स्टार का दर्जा प्रदान किया। नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. जीन मैरी लेहन, रसायन विज्ञान 1987; नोबेल पुरस्कार विजेता विलियम डी फिलिप्स, भौतिकी 1997; नोबेल पुरस्कार विजेता सर एंथनी जे लेगेट, भौतिकी 2003; नोबेल पुरस्कार विजेता डेविड वाइनलैंड, भौतिकी 2012; नोबेल पुरस्कार विजेता जे माइकल कोस्टरलिट्ज, भौतिकी 2013; नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर रैंडी शेकमैन, फिजियोलॉजी/मेडिसिन 2013 और नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर एंड्रिया घेज, भौतिकी 2020 डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में आयोजित वेबिनार के लिए आमंत्रित किया गया था। यह महाविद्यालय आईआईआरएस/इसरो आउटरीच कार्यक्रम का नोडल केंद्र था। यह महाविद्यालय इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग (आईआईआरएस), देहरादून के लाइव और इंटरैक्टिव पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए नेटवर्क संस्थानों में से एक था।

सम्मान/गौरव

डॉ. मनोज सक्सेना को आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसायटी, यूएसए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (2021-2023) का सदस्य चुना गया।

डॉ. सुधीर वर्मा को टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई, भारत के होमी भाभा सेंटर ऑफ साइंस एजुकेशन (एचबीसीई) द्वारा 'अनिल सदगोपाल पुरस्कार 2020' से सम्मानित किया गया।

डॉ. प्रिया ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के डीटीएच स्वयं प्रभा चैनल-15 में 'डेलपमेंटल बायोलॉजी' पाठ्यक्रम के लिए ई-व्याख्यान विकसित किए।

डॉ. राकेश ने 'जर्नल ऑफ फाउंडेशनल इकोनॉमिक पॉलिसी' (पन्ना द्वारा प्रकाशित), 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स' (पन्ना द्वारा प्रकाशित) और 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाउनेंस एंड इकोनॉमिक्स' (विले द्वारा प्रकाशित) की समीक्षा में काम किया।

डॉ. मनोज सक्सेना (इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, डीडीयूसी), डॉ. पूनम कस्तूरी (इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, डीडीयूसी), डॉ. सुधीर वर्मा (प्राणि विज्ञान विभाग, डीडीयूसी), डॉ. रविंदर कौर (इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, डीडीयूसी) और डॉ. योगिता मेहरा (प्रबंधन अध्ययन विभाग, डीडीयूसी) को संस्थान की नवाचार परिषद, मो के नवाचार प्रकोष्ठ, एआईसीटीई, भारत सरकार द्वारा सफलतापूर्वक नवाचार प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नवाचार राजदूत के रूप में मान्यता प्राप्त की गई।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

आशुतोष मिश्रा, बी.एससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स तृतीय वर्ष और आ.एससी (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स द्वितीय वर्ष के राघवेन्द्र प्रताप सिंह को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा 'इनोवेशन एंबेसडर' के रूप में चुना गया, जो उनके द्वारा आयोजित नवाचार राजदूत प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से आशुतोष मिश्रा, एकांश और राघवेन्द्र प्रताप सिंह का चयन राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता (2020) में हुआ था, जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 10 लाख रुपये तक के अनुदान के लिए पात्र थे।

भौतिकी विभाग के योगेश कुमार ने डीयू के एआरएसडी महाविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति' प्राप्त की।

शुभम दहिया को हरियाणा विज्ञान मंच, रोहतक द्वारा 25वीं जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में जिला बाल वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तृतीय वर्ष के बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज अभय अग्रवाल को वामनीकॉम पुणे द्वारा "सर्वश्रेष्ठ प्रबंधक स्पर्धा" से सम्मानित किया गया, जिसमें उन्हें 12,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

प्रकाशन

अमीर, एस., जिंदल, के., तोमर, एम., झा, पी.के., और गुप्ता, वी. (2020) 3डी ट्रांजिशन मेटल डोपड $\text{Bi}_2\text{Fe}_4\text{O}_9$ के ट्यून करने योग्य इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुण। चुंबकत्व और चुंबकीय सामग्री का जर्नल, 509, 166893। <https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2020.166893>

भट्ट, वी., बरभुइया, एस.ए., झा, पी.के., और भट्टाचार्य, ए.बी. (2020) एम्पलीट्यूड मॉड्युलेटेड फील्ड द्वारा संचालित सिंगल क्वांटम डॉट के साथ हाइब्रिड ऑप्टोमैकेनिकल सेमीकंडक्टर माइक्रोकैविटी में कंट्रोलेबल बिस्टेबल ऑप्टिकल स्विच और नॉर्मल मोड स्प्लिटिंग। जर्नल ऑफ फिजिक्स बी: परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी, 53(15), 155402। <https://doi.org/10.1088/1361-6455/ab91e1>

भदौरिया, आर., रघुवंशी, ए.एस., सिंह, आर., श्रीवास्तव, पी., त्रिपाठी, एस., और वर्मा, पी. (2020) भारत में उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में विभिन्न प्रकाश और पोषक तत्वों की उपलब्धता के अंतर्गत पौध वृद्धि पर घास

प्रतियोगिता का प्रभाव। पारिस्थितिक अनुसंधान, 35(5), 807-818। <https://doi.org/10.1111/1440-1703.2131>

चौहान, ए., कुआंर, बी.के., कुमार, पी., कुमार, एम., कपूर, एम.के., और सोलंकी, आर. (2020) स्ट्रेप्टोमाइसेस एसपी के ड्राफ्ट जीनोम और सेकेंडरी मेटाबोलाइट बायोसिंथेटिक जीन क्लस्टर। तनाव 196. आण्विक जीवविज्ञान रिपोर्ट, 47, 6741-6747। <https://doi.org/10.1007/s11033-020-05731-w>

डावरा, डी., डिमरी, एम., झा, ए.एस., मोहन, एम., सिंह, ए.के., और शर्मा, आर. (2020) Mg-like Se XXIII के लिए सापेक्षतावादी फोटोआईनीजेशन क्रॉस सेक्शन गणना और अनुनाद पैरामीटर। विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान, 168, 108447। <https://doi.org/10.1016/j.radphyschem.2019.108447>

दुबे, गुप्ता, एम., नारंग, आर., और सक्सेना, एम. (2020)। जंक्शन रहित संचय मोड MOSFET में एकल घटना क्षणिक प्रभावों की जांच। डिवाइस और सामग्री विश्वसनीयता पर आईईईई लेनदेन, 20(3), 604-608। <https://doi.org/10.1109/TDMR.2020.3014176>

गुप्ता, एम., कुमारी, वी., सक्सेना, एम., और सिंह, पी. (2020) उच्च तापमान डीसी से डीसी कन्वर्टर के लिए दोहरे गेट AlGaIn / GaN MISHEMT का आकलन। सुपरलैटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर, 144, 106574. <https://doi.org/10.1016/j.spmi.2020.106574>

तिवारी, एच.एन., और जैन, एच.सी. (2020)। वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान स्वामित्व की एकाग्रता और दृढ़ प्रदर्शन: भारत से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 11(12), 2788-2799। <https://www.doi.org/10.34218/IJM.11.12.2020.260>

जगन्नाथन, एस., जैन, डी., मलिक, एस., और शेषाद्री, टी.आर. (2020)। आकाशगंगा समूहों के गैस द्रव्यमान अंश पर चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव। न्यू एस्ट्रोनॉमी, 84, 101531। <https://doi.org/10.1016/j.newast.2020.101531>

प्रीति, बाला, आर., डागर, ए., और सिंह, आर.पी. (2021)। भविष्यवाणी की समस्याओं के लिए L2,1-मानदंड नियमितीकरण के साथ एक उपन्यास ऑनलाइन अनुक्रमिक चरम सीखने की मशीन। एप्लाइड इंटेलिजेंस, 51, 1669-1689। <https://doi.org/10.1007/s10489-020-01890-2>

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 02

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, जिसका शीर्षक था प्लाज्मा निदान के लिए बहुचार्ज आयनों के लिए परमाणु प्रक्रियाओं का अध्ययन। राशि: 44.0748 लाख, पीआई: डॉ. अर्जुन कुमार सिंह।

अनुसंधान सेवाओं के अधिग्रहण के लिए अनुबंध (कार), डीआरडीओ, 2019-20, "लेआउट ऑप्टिमाइजेशन एंड थर्मल एनालिसिस स्विचिंग एप्लीकेशन एंड एलएनए डिजाइन", राशि: 23 लाख, डॉ. मनोज सक्सेना (सह-पीआई) शीर्षक से।

इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय अनुसंधान परियोजना, 2020, "हार्ड पावर एप्लीकेशन के लिए जीएन हेमेट्स के विकिरण विश्लेषण के लिए डिवाइस सिमुलेशन", राशि: 5 लाख, डॉ. मनोज सक्सेना (सह-पीआई)।

पेटेंट दायर/मंजूर

राष्ट्रीय पेटेंट की संख्या: 1

शीर्षक: एमपीईजी-4, उन्नत वीडियो कोडिंग (एवीसी) वीडियो को वॉटरमार्क करने के लिए सिस्टम और विधि।

आयोजित संगोष्ठी

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएसआई) - दिल्ली चैप्टर के साथ संयुक्त रूप से 20 जुलाई 2020 से 25 जुलाई 2020 तक "एडवांस इन सिग्नल प्रोसेसिंग एंड मशीन लर्निंग" पर एक ऑनलाइन समर स्कूल का आयोजन किया गया। समर स्कूल को आईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसायटी (ईएसएस), दिल्ली चैप्टर ने सपोर्ट किया। समर स्कूल के दौरान आमंत्रित कुछ वक्ता इस प्रकार थे- प्रो. सुरेंद्र प्रसाद, एमेरिटस प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली; आईआईटी दिल्ली के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. तपन के गांधी; प्रोफेसर। आईआईटी बॉम्बे, मुंबई के निदेशक सुभाष चौधरी, अन्य लोगों के अलावा आमंत्रित वक्ता थे।

विज्ञान और इंजीनियरिंग में 14 से 19 सितंबर 2020 के दौरान फ्रंटियर्स-अवसर स्नातकों के लिए विषय पर विज्ञान अकादमियों ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रो. अनुराग शर्मा भौतिकी विभाग, आईआईटी दिल्ली; प्रो. जितेंद्र पी. खुराना, प्रोफेसर, प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैंपस, नई दिल्ली; इंटर विश्वविद्यालय, एक्सीलरेटर सेंटर (आईयूएसी) नई दिल्ली के फेलो और पूर्व निदेशक डॉ. दिनकर कांजीलाल कुछ आमंत्रित वक्ता थे।

सम्मेलन/कार्यशाला का आयोजन

साइंस फॉउंडेशन और एमओ-आईआईसी-डीडीयूसी चैप्टर दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और डीबीटी स्टार महाविद्यालय कार्यक्रम के तत्वावधान में, शांति स्वरूप भटनागर (एसएसबी) पुरस्कार विजेता द्वारा अनुसंधान और शिक्षण के ट्रांस-डिसिप्लिनरी क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से पांचवीं संयुक्त विज्ञान अकादमियों व्याख्यान कार्यशाला (ऑनलाइन) का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान अपनी प्रस्तुतियों के लिए आमंत्रित किए गए कुछ विशेषज्ञ इस प्रकार थे- सेंटर फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलूर, कर्नाटक से डॉ. अनिंदा सिन्हा; प्रो. जीके अनंतसुरेश, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर; डॉ. धीरज कुमार, सेलुलर इम्यूनोलॉजी ग्रुप, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, अरुणा आसफ अली मार्ग जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; प्रो. निसिम कानेकर, डीएसटी स्वर्णजयंती फेलो, नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स (एनसीआरए), टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), पुणे, भारत।

बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक संकाय विकास कार्यक्रम 8 से 13 फरवरी 2021 तक आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ इस प्रकार थे- प्रो. आर. एम मेहरा, प्रोफेसर एमेरिटस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, शारदा विश्वविद्यालय; डॉ. नवीन वर्मा, वरिष्ठ साझेदार, जीउसिप एडवोकेट्स एलएलपी; डॉ. श्वेता सिंह, संस्थापक सीईओ - एननोबल आईपी और डॉ. मधुरंजन वत्सा, नामित पार्टनर, पेटेंट अटॉर्नी, इंडियन ट्रेडमार्क एंड डिजाइन अटॉर्नी, अखिलदेव आईपीआर और रिसर्च सर्विसेज।

प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम के लिए एक शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 से 10 अगस्त 2020 तक आयोजित किया गया था। विभिन्न सत्रों के लिए विशेषज्ञ इस प्रकार थे- श्री. एस. परमेश्वरन एन. - सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय; डॉ. रेणु सोलंकी और डॉ. शैले आनंद - प्राणि विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर, दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; डॉ. एम. एन. शेलार - एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, केआरटी आर्ट्स, बीएच कॉमर्स और एएम साइंस महाविद्यालय, गंगापुर रोड, नासिक में कंप्यूटर साइंस विभाग; डॉ. संभाजी पगार -अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर, केआरटी आर्ट्स, बी.एच कॉमर्स और एएम साइंस महाविद्यालय, नासिक, अन्य।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. दिनेश कुमार ने 29 और 30 जून 2020 को पश्चिम बंगाल के सिधो-कान्हो-बिरशा विश्वविद्यालय, पुरलिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब-सम्मेलन ऑन कॉम्प्लेक्स एनालिसिस एंड डिफरेंशियल ज्यामिति: रीविजिलैंगिक में 'डायनेमिक्स ऑफ लगभग एबेलियन ट्रांसडेंटल सेमीग्रुप' नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के सिद्धांत और व्यवहार पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. राजन गुप्ता और डॉ. एसके पाल ने सितंबर 2020 में इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस के सिद्धांत और अभ्यास पर 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ई-गवर्नेंस सेवाओं के माध्यम से नागरिकों का प्रभावी समावेश: भारत में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का मामला अध्ययन" प्रस्तुत किया।

डॉ. राजन गुप्ता और डॉ. एसके पाल ने नवंबर 2020 के महीने में बहरीन के निर्णय सहायता विज्ञान और आवेदन (डीएएएसए) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "कोविड-19 महामारी प्रबंधन के अंतर्गत स्वास्थ्य सुरक्षा निर्णय लेने के लिए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

वैज्ञानिक स्टाफ और संकाय सदस्यों के अकादमिक आदान-प्रदान के लिए दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय और सीएसआईआर-सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट (सीएसआईआर-सीईईआई) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या: 50

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 26

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

27 अक्टूबर 2020 को आयोजित एक प्रबंधन उत्सव, ओरिजेंट '20 में लगभग 300 स्कूली छात्रों और 25 से अधिक स्कूलों की भागीदारी देखी गई। डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स विद डिजायर सोसायटी (ओआरजी फॉर चिल्ड्रन फाउंडिंग एड्स) ने नोएडा, भारत में डिजायर होम केयर फैसिलिटी में बच्चों के लिए 12 नवंबर 2020 को 'रोशनी की धुन' शीर्षक से दिवाली सेलिब्रेशन और ऑनलाइन कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन किया। 11-20 जनवरी, 2021 के दौरान सरकारी स्कूलों के लिए जीआईएमपी सॉफ्टवेयर पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें 8 स्कूलों की भागीदारी थी। 3 फरवरी 2021 को सिनेप्सेस एंड साइंस फाउंडेशन के तत्वावधान में सिनेप्सेस एंड साइंस फाउंडेशन के तत्वावधान में एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई), इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल संदूषण अनुसंधान (आईएनएसआर), ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईआरआई) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के सहयोग से किया गया था।

पुस्तकालय विकास

क्लाउंट-सर्वर सिस्टम के नेटवर्क के माध्यम से स्वचालित संचालन के लिए एक पेशेवर डेटाबेस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है। पुस्तकालय ने विभिन्न सत्रों में नए बैचों के लिए ऑनलाइन मोड में 18 नवंबर, 2020 को 'उपयोगकर्ता उन्मुखीकरण कार्यक्रम' आयोजित किया। 5-8 मार्च, 2021 के दौरान महाविद्यालय पुस्तकालय द्वारा एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था और लगभग 10 प्रमुख प्रकाशकों और विक्रेताओं ने इसमें भाग लिया था। सैकड़ों पुस्तकों (पाठ्यक्रम के अनुसार) को मिलाकर ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान की गई थी। स्कैन पिछले वर्ष के प्रश्न शोध ई-मेल के माध्यम से छात्रों को भेजे गए थे। एन-लिस्ट कार्यक्रम, एमएचआरडी के अंतर्गत छात्रों और संकाय सदस्यों को एन-लिस्ट लॉगिन आईडी प्रदान की गई थी। पुस्तकालय में इस वर्ष 769 वॉल्यूम की पुस्तकें जोड़ी गई हैं।

संकाय संख्या

कुल स्थायी संकाय: 91

कुल तदर्थ संकाय: 26

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 42,61,21,644.00/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 41,14,44,797.00/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, नेपाल से भागीदारी के साथ प्रबंधन विभाग के 180dc सेल द्वारा एक आधिकारिक वैश्विक मामले प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। डीडीयूसी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पूनम कस्तूरी और श्री. अंकुर संगल ने डीबीटी स्टार महाविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत 17 जून से 17 जुलाई 2020 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और एमएचआरडी विभाग द्वारा आयोजित एफपीजीए पर डिजिटल सर्किट डिजाइनों के वेरिलॉग कार्यान्वयन पर कोरेल टेक्नोलॉजीज के सहयोग से एक ऑनलाइन इंटरनशिप-सह-हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला में 20 घंटे के लिए निर्देश दिए। भारत भर में 22 विभिन्न संस्थानों से इंटरनशिप कार्यक्रम के लिए 63 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। डॉ. रेणु सोलंकी और डॉ. शैली आनंद ने कोविड-19 के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साइंस फॉउंडेशन के तत्वावधान में 2 और 3 जुलाई 2020 को आयोजित "कोरोना ज्ञान" पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का समन्वय किया। भारत के विभिन्न भागों से 2107 की प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई थीं।

देशबंधु महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

देशबंधु महाविद्यालय ने एक उन्नत एकीकृत कंपोस्टिंग सुविधा (डीबीसी-एआईसीएफ) के निर्माण, छत पर सौर पीवी प्रणाली की स्थापना, पक्षी आवास, वर्षा जल संचयन संयंत्र और ग्रीन बेल्ट के विकास जैसे बेहतर वातावरण प्रदान करने के लिए कई गतिविधियां शुरू की हैं। आई-4 सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च की स्थापना डीबीटी-स्टार महाविद्यालय योजना के संरक्षण में की गई है। महाविद्यालय ने इस योजना के अंतर्गत 30 से अधिक शोध परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिसमें 30 से अधिक संकाय सदस्य और 150 से अधिक विद्यार्थी शामिल हैं। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग ने 1 से 21 जून 2020 तक एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महोत्सव का आयोजन किया। संस्कृत-भारती दिल्ली के सहयोग से ऑनलाइन संस्कृत सम्मेलन कार्यशाला का आयोजन किया गया। 15 अगस्त 2020 को लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस परेड में 10 एनसीसी कैडेट्स (4 डीबीएन) ने हिस्सा लिया था। दिल्ली निदेशालय द्वारा प्रधानमंत्री की रैली के लिए 5 एनसीसी कैडेटों का चयन किया गया। दिल्ली निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के लिए 1 एनसीसी कैडेटों का चयन किया गया।

सम्मान/गौरव

विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. उमेश कुमार को 'टीचर्स एसोसिएशन फॉर रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2020' से सम्मानित किया गया।

इंडो अमेरिका साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम (आईयूएसटीएफ) और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. प्रतिभा कुमारी को 'स्टेमएम में महिलाओं के लिए इंडो अमेरिका फेलोशिप' से सम्मानित किया गया।

हिंदी विभाग के डॉ. बजरंग बिहारी तिवारी को राज्य कर्मचारी साहित्य संकीर्तन, उत्तर प्रदेश द्वारा ओम प्रकाश चतुर्वेदी पराग पुरस्कार और किस्सा कोटा-2020 द्वारा किस्सा कोटा कोठार पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भौतिकी विभाग की सुश्री ज्योति कपिल को भौतिकी विभाग, इंजीनियरिंग और कंप्यूटिंग विज्ञान विभाग, तेराथनकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ऑन मैटेरियल्स एंड डिवाइसेज (एनसीएमडी-2020) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

इतिहास विभाग के श्री. विकाश कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश के बिजनौर स्थित कृष्णा ग्रुप ऑफ महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय युवा चिह्न पुरस्कार-2020 से सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

बी.एससी (ऑनर्स) केमिस्ट्री के सरबजीत चक्रवर्ती ने मास्टर्स (जेएजी-2021) के लिए ज्वाइंट एडमिशन टेस्ट में ऑल इंडिया रैंक 4 प्राप्त की।

रेडियो मधुबन 90.4 एफएम द्वारा तरंग डिजिटल गायन प्रतियोगिता में बी.काम (ऑनर्स) की दीपा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बी.एससी (ऑनर्स) गणित के शिवम राणा ने यूनिटि.इन में कैंपस एंबेसडर के रूप में तीन दिन चयन और भर्ती प्रक्रिया उत्तीर्ण की।

बी.एससी (ऑनर्स) प्राणि विज्ञान की अरिता चक्रवर्ती का चयन मुंबई के टीआईएफआर स्थित बायोलॉजिकल साइंसेज विभाग में एमएससी-पीएच.डी. इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम के लिए हुआ।

बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी के मुदित कुमार ने मास्टर्स (जेएजी-2021) के लिए ज्वाइंट एडमिशन टेस्ट में ऑल इंडिया रैंक 249 प्राप्त की।

प्रकाशन

अख्तर, ए, अहमद, एन, चौधरी, आईआर (2020) भारत में परिवारों के बीच भयावह स्वास्थ्य व्यय में सामाजिक-आर्थिक असमानता। अपघटन विश्लेषण। Ind. आर्थिक समीक्षा। 55: 339-369.

बराक, एस. (2020) श्री. जगन्नाथ और रथयात्रा। जर्नल ऑफ एशियाटिक सोसायटी। 2(1): 75-83.

करवाल, पी., वत्स, आई.डी., सिन्हा, एन., सिंघल, ए. सेगहाल, टी., कुमारी, पी (2020) जीका वायरस के विरुद्ध पेप्टाइड्स के चिकित्सीय अनुप्रयोग: एक समीक्षा। क्यूआर। मेड. केम. 27 (23): 3906-3923।

कुमार, एस. (2020) अग्निनीक : परिवर्तन और निरंतरता का परिपक्व आख्यान. हंस हिंदी जर्नल। 82-86.

कुमार, एस. (2020) प्रतिक्रियावादी पलटवार के अवैधानिक galp. आलोचना 63: 178-183

प्रसाद, जे., सिंह, ए.के. पालीवाल, ए. तोमर, एम., गुप्ता, वी. सिंह, के. (2021) उच्च कुशल विद्युत चुम्बकीय तरंग परिरक्षण सामग्री के लिए सूक्ष्म फूल जैसे आकृतिविज्ञान एल्यूमीनियम-डॉ.पड MoS₂/rGO नैनोहाइब्रिड का हाइड्रोथर्मल संश्लेषण। सिरेमिक्स इंटरनेशनल। 47(11): 15648-15660.

शर्मा, बी. सिंह, पी., सिंह, ए.के. अवस्थी, एस.के. (2021) मलेरिया संक्रमण का इलाज करने के लिए चिमरिक हाइब्रिड दवाओं की उन्नति: एंडोपेरोऑक्साइड फॉर्माकोफोरस पर विशेष जोर देने के साथ एक अवलोकन। औषधीय रसायन विज्ञान के यूरोपीय जर्नल। 219: 113408.

सिंह, ए. कुमार, ए. हार्टले, एस. सिंह, आईके (2020) सिलिकॉन: शाकाहारी के विरुद्ध संयंत्र रक्षा पर इसका सुधार प्रभाव। जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बॉटनी (ऑक्सफोर्ड प्रेस यूके)। 71(21): 6730-6743.

सुष्मिता, ए. अशोक के धम्म: नीति की समेशा। इतिहास के इंटरनेशनल जर्नल। 3: 17-20.

सूरज, एम.डी., अग्रवाल, आर, मिश्र, ए.सी. बेफिक्र कोणीय वेग के साथ तीन शरीर की समस्या प्रतिबंधित: मुक्ति बिंदुओं से जुड़े अभिसरण का विश्लेषण आधार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉन-लीनियर मैकेनिक्स। 123. 103494.

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 19

अनुसंधान परियोजनाएं

भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने तीन वर्षों के लिए डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना नामक परियोजना का निर्माण किया है। राशि 104 लाख।

आईसीएमआर, भारत सरकार, 2020-23, शीर्षक, "फाईब्रोडिस्प्लासिया ओसिफिअल्स प्रोग्रेसिव (एफओपी) के उपचार के लिए उपन्यास लीड यौगिकों का संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन"। राशि 43.84177 लाख।

आईसीएमआर, भारत सरकार, 2021-24, जिसका शीर्षक था, "स्तन कैंसर के उपचार के लिए हिप्पो पाथवे के अपस्ट्रीम कार्य करने वाले मशीनों-ट्रांसडक्शन रास्तों के आणविक तंत्र की पहचान"। राशि 41.262 लाख।

डीएचआर-आईसीएमआर, भारत सरकार, 2019-22, शीर्षक, "मानव कैंसर की लक्षित चिकित्सा के रूप में एमसीएल-1 के उपन्यास अवरोधकों को डिजाइन करने के लिए फॉर्माकोफोर मॉडलिंग"। राशि 33.255 लाख।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने तीन वर्षों के लिए, "भोजन में कीटनाशक का पता लगाने के लिए स्मार्ट नैनोमटेरियल आधारित बायोसेंसर का डिजाइन और विकास" शीर्षक से। राशि 30.94 लाख।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. गिरीश झा, एरिजोना यूएसए, "एक साधक द्वारा माइंडफुलनेस की यात्रा", 01 जून, 2020।

प्रो. प्रमोद कुमार, प्रोफेसर, गणित विभाग, ओहियो विश्वविद्यालय, जनेसविल्ले, संयुक्त राज्य अमेरिका, "पूर्णक से छल्ले के लिए एक यात्रा", 13 अक्टूबर, 2020

अमेरिका के बफेलो में विश्वविद्यालय में मेडिसिन डिवीजन ऑफ एलर्जी, इम्यूनोलॉजी एंड रुमेटोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुप्रिया डी महाजन, "नैनो-थेराप्यूटिक्स: फ्यूचर ऑफ पर्सनलाइज्ड नैनोमेडिसिन्स" तिथि: 14 फरवरी, 2021

प्रो. मार्सेलो काल्डरॉन, प्रोफेसर, पॉलीमैट इंस्टिट्यूट, बास्क देश विश्वविद्यालय, डोनोस्टिया, सैन सेबेस्टियन, स्पेन, "पॉलीमर नैनो-वाहकों के प्रदर्शन में सुधार के लिए जैविक बाधाओं को पार करना- स्मार्ट तौर-तरीके" तिथि: 07 मार्च, 2021

आचार्य ब्रामदेव मोकोनलाल, हिंदू सेंटर ऑफ अटलांटा, यूएसए, "दिन-प्रतिदिन के जीवन में योग दर्शन का अनुप्रयोग", 2 जून 2020।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

अपर्णा नौटियाल ने 24 फरवरी, 2021 को आयोजित "सतत भविष्य फॉर ह्यूमैनिटी: द न्यू लर्निंग कर्व" पर अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय ई-सम्मेलन में "सतत भोजन की सतत खपत: एक स्वस्थ और बेहतर कल" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

आशुतोष राजपूत ने 28 सितंबर, 2020 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित "ग्लोबल स्टेबिलिटी एंड इष्टतम नियंत्रण फॉर ए तपेदिक मॉडल विद टीकाकरण और उपचार" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया, "गणित में हाल के रुझान और रेखांकन, नेटवर्क और पेट्री नेट (आईसीआरटीएमए-जीपीएन-2020) के लिए इसके अनुप्रयोग।

शिप्रा चौहान ने 18 से 20 दिसंबर 2020 के दौरान स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "अंतर समीकरण और गणितीय मॉडलिंग" (आईसी-एडीई-एमएम-2020) (ऑनलाइन) पर छब्बीसवीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बागे की प्रतिबंधित तीन शरीर की समस्या जब कम बड़े पैमाने पर प्राथमिक गोलाकार नहीं है" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

आस्था गिरि ने 28 से 30 जनवरी, 2021 के दौरान आयोजित "बायोसाइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लॉग (सिजिजियम एरोमिकम) और काली मिर्च (पाइपर निग्रम) को आम खाद्य जनित रोगजनकों के विरुद्ध होनहार रोगाणुरोधी एजेंटों के रूप में एक शोध प्रस्तुत किया।

तन्वी ने 3 नवंबर, 2020 को आयोजित 20वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ ए क्लस्टर आधारित नॉवल कोरोनावायरस: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

राजीव अग्रवाल ने 4 नवंबर, 2020 को आयोजित 20वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मॉडलिंग एचआईवी-टीबी सह-संक्रमण विद इष्टतम हस्तक्षेप रणनीति: प्रतिरक्षा पुनर्गठन भड़काऊ सिंड्रोम के प्रभाव का आकलन" विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मोनिका शर्मा ने 3 मई, 2020 को आयोजित आईई इंटरनेशनल मैग्नेटिक्स कांफ्रेंस (इंटरमैग) 2020 में मैग्नेटो-डायनेमिक प्रॉपर्टीज ऑफ रेयर-अर्थ डॉ.पैलॉय नैनोवायर्स नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. सीमा नारायण ने 15 और 16 अक्टूबर, 2020 के दौरान आयोजित आईसीडब्ल्यूए-साउ वेबिनर में आईसीडब्ल्यूए-साउ वेबिनर में डबल मार IR: स्थित पोस्टकोलोनियल नारीवाद शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी महाविद्यालय और संस्कृत विभाग, रामबचन सिंह राजकीय गर्ल्स डिग्री महाविद्यालय, बागली पिजारा, मऊ, यूपी द्वारा 28 से 30 नवंबर, 2020 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-शोध सम्मेलन में संस्कृत साहित्य में आधुनिक कवियों का योगदान विषय पर व्याख्यान दिया गया।

डॉ. मुकेश कुमार मिश्र ने 28 से 30 नवंबर, 2020 के दौरान मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और संस्कृत विभाग, रामबचन सिंह राजकीय गर्ल्स डिग्री महाविद्यालय, बागली पिजारा, मऊ, यूपी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-शोध सम्मेलन में संस्कृत साहित्य में आधुनिक कवियों का योगदान विषय पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर

देशबंधु महाविद्यालय और ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और मेदांता के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल (एचएसएससी) के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और रिटेलर्स एसोसिएशन की स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (आरएसआई) के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और पर्यटन एवं आतिथ्य कौशल परिषद (टीएचएससी) के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और एलएमसी इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

देशबंधु महाविद्यालय और मूवी एंड एंटरटेनमेंट स्किल काउंसिल (एमईएससी) के बीच हस्ताक्षरित समझौता जापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान कुल निम्नलिखित 35 अंतर-संस्थागत सहयोग देखे गए। महत्वपूर्ण को नीचे सूचीबद्ध किया गया है:

अनुसंधान और विस्तार सेवाओं के लिए उपाध्यक्ष डॉ. जूलियस लिमोस मेनेस, रिज़ल टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय, साइंस, फिलीपींस के साथ सहयोग।

डॉ. वीरनूत निसाप्तोर्न, एसोसिएट प्रोफेसर, वालाइलाक विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, थाईलैंड

डॉ. व्लादिमीर वी ज़रूबाएव, सेंट पीटर्सबर्ग पाश्चर इंस्टिट्यूट, वायरोलॉजी, रूस

प्रो. सुब्बा रेड्डी पल्ली, डिपार्टमेंट चेयर एंड स्टेट एंटोमोलॉजिस्ट, केंटकी विश्वविद्यालय, कीट विज्ञान विभाग, यूएसए।

डॉ. राजेश सिन्हा, अलबामा विश्वविद्यालय, त्वचा विज्ञान विभाग, यूएसए।

प्रो. हेंज-जोसेफ लेंज, एसोसिएट डायरेक्टर, केक स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए।

प्रो. हेंज-जोसेफ लेंज, एसोसिएट डायरेक्टर, केक स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए।

डॉ. चेतना त्यागी, Szeged विश्वविद्यालय, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, हंगरी।

डॉ. अमित रॉय, वानिकी और लकड़ी विज्ञान संकाय, चेक जीवन विज्ञान प्राग, सुचडोल विश्वविद्यालय।

डॉ. इरफॉन ए राथर, अब्दुलअजीज विश्वविद्यालय, जैविक विज्ञान विभाग, सऊदी अरब।

प्रो. इंड एफ स्टूसी, एमेरिटस प्रोफेसर, ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय, यूएसए।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या:

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 69

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों ने छात्रों में जागरूकता और जिज्ञासा पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और आभासी यात्राओं का आयोजन किया। महाविद्यालय द्वारा 25 जनवरी से 6 फरवरी 2021 तक ऑनलाइन 11 दिवसीय संस्कृत सम्मान कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने "स्वच्छा पखवाड़ा" पर्यावरण प्रदूषण जागरूकता, लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह, वृक्षारोपण अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत ने भाग लिया। उन्होंने यातायात प्रदूषण प्रबंधन और पानी की बातचीत पर रैलियों का भी आयोजन किया। दिल्ली कैंट के बेस अस्पताल में रक्तदान अभियान चलाया गया। महाविद्यालय की योग सोसायटी के सहयोग से एनसीसी और एनएसएस दोनों इकाइयों द्वारा 1 से 21 जून तक अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव मनाया गया। एनएसएस इकाई द्वारा समय-समय पर अलग-अलग डोनेशन व जागरूकता अभियान भी चलाया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय संग्रह को मजबूत करने के लिए 2020 - 2021 के दौरान पुस्तकालय ने 1,431 नई पुस्तकें जोड़ी। पुस्तकालय ने ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों तक पहुंचने और पाठकों को विविध संसाधन उपलब्ध कराने के लिए 18 जनवरी 2020 से 17 जनवरी 2021 और शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के लिए एनलिस्ट की अवधि के लिए DELNET वार्षिक संस्थागत सदस्यता की सदस्यता ली। पुस्तकालय ने 24 जुलाई, 2020 को महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के लिए 'खोज, अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वातानुकूलित रीडिंग हॉल, टच स्क्रीन सूचना कियोस्क और नेत्रहीन छात्रों के लिए सुविधा पुस्तकालय के उपयोग में सुधार।

संकाय संख्या

कुल स्थायी: 102

कुल तदर्थ: 110

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 59,95,00,000.

उपयोगित अनुदान: रुपए 64,72,76,000.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

स्मार्ट इंटरनेट लीज्ड लाइन, एक ऑप्टिकल फाइबर आधारित इंटरनेट 24x7 इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है जो कैंपस में एक आधुनिक और अभिनव आईसीटी बुनियादी ढांचा बनाता है। महाविद्यालय के इको क्लब द्वारा ग्रीन कैंपस के लिए एक अभियान में, 3.5 एकड़ परिदृश्य क्षेत्र पिछवाड़े में विकसित किया गया है जिसमें 500 से अधिक नए पौधे और घास के मैदान अधिकतम जैव विविधता और जैव संरक्षण के लिए गुंजाइश को सक्षम

करते हैं। खुदाई के दौरान 1000 मिलियन से अधिक वर्ष की क्लासिक तलछटी चट्टान पाई गई है और संस्थान की पर्यावरणीय विरासत को उजागर करने के लिए कैम्पस में ही प्रदर्शन के लिए सेट किया गया है। सुदृढ़ कंक्रीट में नया साइंस ब्लॉक भवन हाल ही में महाविद्यालय कैम्पस में पूरा हुआ है। इसमें तीन मंजिल के साथ अत्यधिक सुसज्जित वैज्ञानिक प्रयोगशाला और पर्यावरण के अनुकूल बड़ा व्याख्यान हॉल होता है।

डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

लगभग 3,400 छात्रों (41% छात्राओं) और 136 संकाय सदस्यों की कुल विद्यार्थी संख्या के साथ, महाविद्यालय एक वैकल्पिक विषय के रूप में बीए (कार्यक्रम), बी.कॉम और उर्दू के अलावा बिजनेस इकोनॉमिक्स, हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार, एप्लाइड साइकोलॉजी, सोशल वर्क, कॉमर्स, अर्थशास्त्र, हिंदी, भूगोल और इतिहास जैसे कई व्यावसायिक और ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रदान करता है। महाविद्यालय को डब्ल्यूएएस स्वास्थ्य केंद्र है और एक अच्छा हर्बल पार्क का रखरखाव करने का विशेषाधिकार प्राप्त है। महामारी कोविड-19 द्वारा उत्पन्न दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, महाविद्यालय ने न केवल अपनी सभी गतिविधियों को अंजाम दिया बल्कि कोविड-19 संकट जैसे खाद्य वितरण और भूख केंद्र, एनसीसी योगदान आदि के शमन प्रयासों में भी योगदान दिया। अतिरिक्त और सह पाठ्यक्रम गतिविधियों में 'बुजुर्गों की आवश्यकताएं और स्वास्थ्य चिंताएं', 'बाबा साहेब मेमोरियल व्याख्यान (ऑनलाइन)', 'महा परिनिर्वाण दिवस', एक रक्तदान शिविर और महिलाओं के संवेदीकरण और अधिकारों के बारे में जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम शामिल थे। विशेषज्ञों द्वारा विभागवार ऑनलाइन व्याख्यानों के अलावा, निम्नलिखित विषयों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार का आयोजन किया गया: 'कोविड-19 क्राइसिस: टाइम्स आगे', 'कोविड पेशेंट काउंसलिंग', 'समकालीन दुनिया में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता', 'नई शिक्षा नीति', 'जलवायु परिवर्तन', 'महिलाओं पर कोविड-19 का प्रभाव: बदलती लैंगिक भूमिकाएं'। एनएसएस और एनसीसी इकाइयों ने कई पहल की। कल्याण/शुल्क समिति, नियोजन सेल, आईक्यूएसी सेल, विद्यार्थी परिषद और पूर्व विद्यार्थी क्लब प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं। वार्षिक समारोह 2020-21 और जर्नल शिक्षा सांस्कृतिक और अकादमिक रचनात्मकता व्यक्त करने के अवसर प्रदान की है।

सम्मान/गौरव

सामाजिक कार्य विभाग के डॉ. बिष्णु मोहन दाश को दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी की ओर से सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

डैश, बी.एम.(2020) 'भारत में महिला और गरीबी: सहकारी समितियों के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और सशक्तिकरण', सामाजिक कार्य और समाज, . 8 (2), पृष्ठ 1-14।

डैश, बी.एम. (2020) 'वृद्धजनों के बीच अलगाव: अभ्यास में एक तुलनात्मक विश्लेषण '-कार्रवाई में सामाजिक कार्य, 32 (5), 327-343, रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, लंदन।

डैश, बी.एम.(2020) (2020): 'औपनिवेशिक विरासत और सामाजिक कार्य में व्यावसायिक साम्राज्यवाद: भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा के भारतीयकरण/भारतीयकरण के लिए कॉल', अफ्रीकी सामाजिक कार्य जर्नल में, 10 (2), 16-22।

द्विवेदी, आर.पी. (2020) ग्लोबलक्यूर्ज में एक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चर एंड ग्लोबल स्टडीज, 1,1.

कुमार, एन. (2020) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोसोशल रिहैबिलिटेशन में 'कर्मचारी भलाई के साथ संबंध में नेतृत्व और संगठनात्मक संस्कृति को सशक्त बनाना'।

प्रिया, डॉ. मैलिनी (2020) माइंडफुलनेस स्वभाव, स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक कल्याण। जर्नल ऑफ इंडियन हेल्थ साइकोलॉजी, 15, 1

प्रिया, डॉ. मैलिनी (2020) ' अकरा एंड हेल्थ: ए अनुभवजन्य समीक्षा ', जर्नल ऑफ इंडियन हेल्थ साइकोलॉजी में, 15 (1)।

सिंह, महेश कुमार (2020) बिहार के सत्रहवीं शताब्दी के सूबा में छोटे शहरों का अध्ययन। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज (आईआरजेएमएस), 11, 1

श्रीवास्तव, डॉ. रोहित कुमार (2020) भारतीय पूंजी बाजार का ट्रेंड विश्लेषण। कैपिटल मार्केट में इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, 7, 2-3

वर्मा, डॉ. जया (2020) प्रारंभिक मध्यकालीन राजस्थान में राज्य और अर्थव्यवस्था। जिग्यासा - एक अंतर-अनुशासनात्मक सहकर्म की समीक्षा की रेफरी रिसर्च जर्नल, पोद्दार फाउंडेशन, वाराणसी।

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित: महाविद्यालय द्वारा "शिक्षा" नाम जर्नल प्रकाशित किया जा रहा है।

संपादकीय बोर्ड के संपादक (एस) /सदस्य (ओं) के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 15

आयोजित संगोष्ठी

गणित विभाग ने 28 अक्टूबर, 2020 को 'ग्राफ थ्योरी एंड एप्लीकेशंस: द कोनिग्सबर्ग ब्रिज प्रॉब्लम एंड यूलेरियन ग्राफ्स' पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें आमंत्रित अध्यक्ष प्रो. गीता वेंकटरमन, गणित की प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष, रिसर्च एंड कंसल्टेंसी, डॉ.बी. आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली थे।

गणित विभाग ने 25 जून, 2020 को 'ओपन बुक एग्जामिनेशन: अलग परिप्रेक्ष्य' पर एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमें विशेषज्ञ थे: डॉ. राजीव रंजन, मिशिगन स्टेट विश्वविद्यालय, यूएसए; डॉ. नवनीत झा, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के गणित और कंप्यूटर विज्ञान संकाय।

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने 24 अप्रैल, 2020 को जलवायु परिवर्तन पर पृथ्वी दिवस समारोह के लिए एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. आर.बी. सिंह, सचिव एवं कोषाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ, सदस्य अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद, आईसीएसयू, चेयर रिसर्च काउंसिल, सीएसआईआर और वरिष्ठ शोधकार एवं लेखक एवं अध्यक्ष राष्ट्रीय पर्यावरण सुरक्षा समिति विशेष अतिथि थे।

अर्थशास्त्र विभाग ने 24 मई, 2020 को 'कोविड-19 और भारतीय और अमेरिका के बदलते परिदृश्य' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के अध्यक्ष जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी, यूएसए के समाजशास्त्री डॉ. गौरव पठानिया थे।

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने 8 जनवरी 2020 को 'पर्यावरणीय मुद्दों और उनके समाधान' पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय की डॉ. रोमिला वर्मा, सिग्मा फाउंडेशन, इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एम. एन. रॉय और सिग्मा फाउंडेशन के वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी डॉ. देबश्री मुखर्जी द्वारा अतिथि व्याख्यान दिए गए।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), सीएसआईआर-नीरी, डॉ. आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय गुरुग्राम और एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा द्वारा 5-6 जून, 2020 को पर्यावरण, स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्यों पर राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

ग्लोबल वाटर कांग्रेस 2020 का आयोजन डॉ. भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय, पर्यावरण एवं सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली विश्वविद्यालय, सीएसआईआर-नीरी, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय गुरुग्राम और एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा (2-4 अक्टूबर, 2020) द्वारा किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

हिंदी विभाग के डॉ. धनंजय कुमार ने विज्ञान भवन में हनीश राज महाविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में भाग लिया और एक शोध प्रस्तुत किया। (10 -11 जनवरी 2020)

वाणिज्य विभाग श्री. पुरषोत्तम ने "आयोजन समिति के सदस्य" के रूप में वर्ड एनवायरमेंट समिट 2020 में भाग लिया और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (18 -19 जनवरी 2020) के पी.एम. ऑडिटोरियम, वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट, वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट में तकनीकी सत्र के दौरान "सामाजिक आर्थिक प्रभाव ऑफ क्लाइमेट चेंज एंड एनवायरमेंटल रक्षित भारतीय समाज का" शीर्षक से एक शोध भी प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग की सुश्री दिलजीत कौर ने कोविड-19 (7 -9 दिसंबर, 2020) के कारण ऑनलाइन आयोजित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), कोझिकोड द्वारा आयोजित मार्केटिंग, टेक्नोलॉजी एंड सोसायटी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध प्रस्तुत किया।

हिंदी विभाग की डॉ. रजनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय द्वारा 10-11 जनवरी 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में हिंदी के प्रचार और प्रचार-प्रसार में हिंदी सिनेमा का योगदान शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (18-19 जनवरी 2020) में ईएसडीए द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन में पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. कुमार मनीष ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिमालय जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग की डॉ. राजबाला गौतम ने 'व्यक्तिपरक भलाई पर वायु प्रदूषण का प्रभाव: दिल्ली और मुंबई की जनसंख्या पर तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया और ईएसडीए (5-6 जून 2020) द्वारा आयोजित पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और सतत विकास पर राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार के लिए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आईसीएसएसआर में श्री. गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय, चंडीगढ़ (5-6 मार्च 2020) द्वारा आयोजित 'रोडमैप टू सस्टेनेबिलिटी: एनवायरमेंट एंड हेल्थ' पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वायु प्रदूषण और जनसंख्या: मॉडलिंग द एसोसिएशन ऑन द एयर क्वालिटी और भारत में जनसंख्या पर इसके प्रभाव के बीच एक शोध प्रस्तुत किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय (17-18 अक्टूबर 2020) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता में एनसीसी की भूमिका पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में हिंदी विभाग के डॉ. राजबीर वत्स ने भाग लिया और एक शोध प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (17-18 अक्टूबर 2020) द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में गणित विभाग की डॉ. सरला भारद्वाज ने 'कोरोना वायरस महामारी के दौरान बुजुर्गों की स्वास्थ्य चिंताओं को समझना' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्य विभाग की डॉ. तुशी भारद्वाज ने दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन महाविद्यालय (17-18 अक्टूबर 2020) द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में कोरोना वायरस महामारी के दौरान बुजुर्गों की स्वास्थ्य चिंताओं को समझना शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या/प्रतिशत: 35/45%

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 6-7

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

कोविड महामारी के समय के दौरान, महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटों ने कोविड चिंता करने वालों के रूप में शीर्षक से कोविड राहत कार्यक्रमों में भाग लिया और आपूर्ति श्रृंखला के सुचारु संचालन के लिए काम किया और स्वच्छता किट वितरित करने, कोविड आश्रयों में लॉकडाउन मानदंडों और कर्तव्यों को बनाए रखने जैसे विभिन्न अन्य कार्यों का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय आईक्यूएसी ने सतर्कता सप्ताह के पालन के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था, 'भारत, समृद्धि भारत' (सतर्क भारत, समृद्ध भारत) (27 अक्टूबर, 2020) था। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 74 वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2020) के अवसर पर 'विड-अप वर्ड्स' (वाद-विवाद प्रतियोगिता), पोस्टर प्रतियोगिता और 'फोटोग्राफी प्रतियोगिता' नामक तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। सांस्कृतिक समाज ने भारतीय शास्त्रीय एकल नृत्य प्रतियोगिता "नाट्य तरंगिनी", वेस्टर्न सोलो डांस प्रतियोगिता "मैग्नम" फैशन प्रतियोगिता "ए ला मोड" और महाविद्यालय की एक ऑनलाइन एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 'फिट इंडिया जागरूकता सप्ताह' (7 सितंबर-13 सितंबर, 2020) जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया- 'चलो व्यायाम', 'पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता', प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 'स्लोगन प्रतियोगिता' और 'स्वयंसेवकों द्वारा संदेश लेखन', आदि। महाविद्यालय रेड रिबन समिति ने 5 नवंबर, 2020 को "जीवन उल्टा नहीं, ड्रग्स के लिए नहीं कहो" या "रक्तदान-एक नोबल तरीका अपने जीवन को बचाने के लिए" या "रक्तदान का महत्व" पर लेख आमंत्रित किए।

पुस्तकालय विकास

फ्लोर वाइज साइनेज के साथ हमारी पुस्तकालय ओपीएसी (जिसके माध्यम से पंजीकृत उपयोगकर्ता अपने पुस्तकालय खातों की जांच कर सकते हैं) और इनफिलबनेट की एन-लिस्ट (ई-जर्नल्स) जैसी विस्तारित सुविधाओं के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित है (पुस्तकें, लगभग 41399)। इस वर्ष महाविद्यालय ने टीआईसी/पुस्तकालय कमेटी की सिफारिशों पर 23 समाचार पत्रों (8 अंग्रेजी, 14 हिंदी और एक उर्दू) के अलावा 498 नई पुस्तकों को जोड़ा है और लगभग ५४ पत्रिकाओं (17 अंग्रेजी और 14 हिंदी) की सदस्यता ली है। एसएएफ योजना के अंतर्गत मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों (लगभग 10) को 18 पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। हमारे दिव्यांग छात्रों के लिए पुस्तकालय द्वारा सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, कंप्यूटर सुविधा के साथ अलग एसी केबिन और सुगम्या पुस्तकालय की ऑनलाइन सदस्यता जैसी विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई ब्रेली अध्ययन सामग्री के पठन के लिए अलग से बैठने की जगह निर्धारित की गई है। पुस्तकालय में डॉ. अंबेडकर, गांधी, नेहरू और अन्य हस्तियों का विशेष संग्रह उपलब्ध है।

संकाय संख्या : 136

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 33,61,00,001.

उपयोगित अनुदान: रुपए 30,65,71,678.

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय (दृश्य बाधिता)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

इस महाविद्यालय की स्थापना 2006 में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले दृष्टिबाधितों को पढ़ाने में विशेषज्ञता के साथ बी.एड. (विशेष शिक्षा) डिग्री कार्यक्रम संचालित करने के लिए की गई थी। महाविद्यालय की स्थापना और ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा संचालित एक प्रमुख गैर-सरकारी संगठन है। इस महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के साथ-साथ भारतीय पुनर्वास परिषद से स्थायी मान्यता प्राप्त है। इसे भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत एक शीर्ष निकाय राष्ट्रीय दृश्य विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण संस्थान (एनआईडीपीवीडी) से आंशिक वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। ट्रस्ट संचालित संस्था के रूप में, संबंधित विश्वविद्यालय विधियों की शर्तों के अंतर्गत गठित इसके 19 सदस्यीय शासी निकाय महाविद्यालय का प्रबंधन करते हैं। महाविद्यालय में प्रति शैक्षणिक सत्र में 30 छात्रों की प्रवेश क्षमता है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में इसके संकाय सदस्य डॉ. स्वाति सान्याल और डॉ. एस.के. दुबे ने स्क्रिप के रूप में योगदान दिया।

प्रकाशन

अग्रवाल, पुपाली (2020), दृश्य हानि वाले छात्रों के बीच दैनिक जीवन कौशल विकसित करने में विभिन्न हितधारकों की भूमिका पर एक अध्ययन संदीप कुमार, और एम राजेंद्रन, शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के संकलन, प्रथम एड, वी एल मीडिया सॉल्यूशंस, 195-210।

आयोजित सम्मेलन

ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली और सक्षम के सहयोग से, दिल्ली ने 1 अक्टूबर, 2020 को "दृश्य बाधित के साथ शिक्षार्थियों के लिए नवीनतम आईटी समाधान" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली के साथ 15 अक्टूबर, 2020 को व्हाइट गन्ना दिवस पर "व्हाइट केन-माय इंडिपेंडेंस, माय आइडेंटिटी" पर वेबिनार का आयोजन करने के लिए सहयोग किया।

ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन दिल्ली के सहयोग से 4 जनवरी, 2021 को लुई ब्रेल "विश्व ब्रेल दिवस" की वर्षगांठ 212 वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी और सम्मेलन प्रस्तुति

पुपाली अग्रवाल ने 3 दिसंबर, 2020 को गुजरात नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा आयोजित "नई शिक्षा नीति 2020 ऑन विकलांग: उम्मीदें, आश्वासन और वास्तविकताओं" पर वेबिनार में "विशेष शिक्षा के नजरिए से राष्ट्रीय शिक्षा नीति" पर एक भाषण दिया।

पुपाली अग्रवाल ने फैकल्टी डेवलपमेंट एंड रिसर्च सेंटर, आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी, दिल्ली, 23 जून, 2020 द्वारा आयोजित "विभिन्न सहायक टेक्नोलॉजीज फॉर स्टूडेंट्स विद विजुअल इम्पेस" पर वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में एक भाषण दिया।

पुंभली अग्रवाल ने 18 जून, 2020 को फैकल्टी डेवलपमेंट एंड रिसर्च सेंटर, आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी, दिल्ली द्वारा आयोजित "दृश्य बाधित बच्चों को विभिन्न विषयों और गतिविधियों को कैसे पढ़ाया जाए" पर वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में बात की।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

महाविद्यालय में अतिथि व्याख्यान, शोध सेटिंग, परीक्षा देने के मामले में घनिष्ठ सहयोग है, जिसमें कई संस्थान हैं, जामिया मिलिया इस्लामिया, इग्नू, डाइट, एनसीईआरटी, आरटीआई और एनआईडीपीवीडी आदि। इसमें नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (एनएबी), अमरज्योति रिहैबिलिटेशन सेंटर, दिल्ली का भी सहयोग रहा है।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत:

छात्रों की संख्या और प्रतिशत: लगभग 50% प्रशिक्षुओं को विशेष स्कूलों, नियमित स्कूलों और समावेशी स्कूलों में विशेष शिक्षक के रूप में रोजगार मिला। दृष्टिबाधित प्रशिक्षुओं की संख्या को विभिन्न बैंकों में नियोजन मिला। कुछ विद्यार्थी एमए और एमए (विशेष शिक्षा) जैसी उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रहे हैं।

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: दिल्ली और अन्य राज्यों के विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और सार्वजनिक/निजी स्कूलों ने महाविद्यालय से विशेष शिक्षकों के लिए अनुरोध किया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

महाविद्यालय एंड ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन दिल्ली ने 8 अक्टूबर 2020 को गांधी से प्रेरणास्त्रोत विषय पर महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया था। प्रसिद्ध सरोद वादक श्री. बिश्वजीत राय चौधरी के शिष्य श्री. आकाश आनंद को गांधी जी को सामोड पर संगीतमय श्रद्धांजलि देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय में कुल 4,523 पुस्तकें हैं, जिनमें ब्रेल लिपि की पुस्तकें भी शामिल हैं। पुस्तकालय विशेष शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा पर 20 प्रिंट जर्नल्स की सदस्यता लेता है। महाविद्यालय ने 2020-2021 के दौरान लगभग 50 पुस्तकें जोड़ी।

संकाय संख्या

स्थायी: 4

वित्तीय आवंटन और उपयोग

चालू शैक्षणिक वर्ष में यूजीसी या दिल्ली विश्वविद्यालय से कोई अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।

दयाल सिंह महाविद्यालय (दिन)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

एनआईआरएफ 2020 रैंकिंग में महाविद्यालय वर्ग के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर दयाल सिंह महाविद्यालय 21वें स्थान पर रहा। आईक्यूएसी टीम के साथ महाविद्यालय प्रशासन ने प्रशासन और शिक्षाविदों में गुणवत्ता आरोहण की कई पहल की हैं जैसे शिक्षकों के लिए गूगल टूल्स पर कार्यशाला, ऑनलाइन-ऑफलाइन मोड में एपीएआर जमा करना, पूर्व छात्रों का पंजीकरण, विद्यार्थी फीडबैक मैकेनिज्म, शोध लेस ऑफिस, गठन पैरेंट टीचर एसोसिएशन, मॉटर-मैटी सिस्टम, पुस्तकालय के माध्यम से महाविद्यालय/डीयू के ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए लॉगिन क्रेडेंशियल्स। दिन-प्रतिदिन के प्रशासनिक कार्यों में ई-गवर्नेंस के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। महाविद्यालय ने अपने विभागों द्वारा ऑनलाइन वेबिनार/ संगोष्ठी/सम्मेलन, अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं, वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव-प्रियदर्शनी 21, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और वस्त्र दान अभियान का आयोजन किया है। एनसीसी के पंख "स्वच्छता पखवाड़ा" (राजपथ को साफ रखें), महामारी के दौरान भोजन और राहत सामग्री का वितरण, वृक्षारोपण अभियान, योग दिवस समारोह और "कारगिल विजय दिवस" के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में लगे हुए थे।

सम्मान/गौरव

डॉ. अनिल कुमार नैन ने शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व रैंकिंग 2020 में एक स्थान प्राप्त किया।

डॉ. पी चित्रलेखा को टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई द्वारा 'विज्ञान और विज्ञान आउटरीच में योगदान 2020 के लोकप्रियकरण के लिए अनिल सदगोपाल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

डॉ. अरुणा चिंकारा को हैरिसन मैक्केन फाउंडेशन पुरस्कार मिला।

12 दिसंबर 2020 को नेशनल मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस में बेस्ट शोध का अवार्ड डॉ. संजीवानी सहगल को मिला।

डॉ. रुचि गुप्ता ने लेफ्टिनेंट के रूप में भारत के सशस्त्र बलों में कमीशन किया।

प्रकाशन

अंकिता और नैन, एके (2020) वॉल्यूमेट्रिक, ध्वनिक और विस्कोमेट्रिक विधियों का उपयोग करके विभिन्न तापमानों पर मादक पदार्थों के बीटाइन हाइड्रोक्लोराइड के शोधन व्यवहार और बातचीत का अध्ययन: जर्नल ऑफ केमिकल थर्मोडायनामिक्स (एल्सवियर)। 143, 106046.

बरई, एमके और कार, एम (2020) दक्षिण एशिया और चीनी बीएंडआर पहल: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य फोकस: जर्नल ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस। 7(2), 1-19.

चौधरी, एन और नैन, एके (2020) वॉल्यूमेट्रिक, अल्ट्रासोनिक, विस्कोमेट्रिक और अपवर्तक इंडेक्स अध्ययन 1-ब्यूटिल-3-मेथिलमिडाजोलियम टेट्राफ्लोरोबोरेट के बाइनरी मिश्रण में आपविक बातचीत के अध्ययन 293.15 से 318.15 K: जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स (एल्सवियर) के तापमान पर मिथाइल एक्रिलेट के साथ। 297, 111890.

चौहान, जे और गोयल, ए (2020) मॉक में सोशल नेटवर्किंग और सहयोग का फीचर-आधारित विश्लेषण: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन टेक्नोलॉजीज। 18(2), 34-51.

गर्ग, सी. एम्फीफिलिक एंटिक पॉलीमर-पेप्टाइड कंजुगेट्स के कोर-शेल मिसेलर नैनोस्ट्रक्चर्स का इन-विट्रो असेसमेंट कुशल जीन और ड्रग कैरियर्स के रूप में: जर्नल ऑफ फॉर्मास्यूटिकल साइंसेज। 109, 2847-2853.

जैन, पी. सिंह, एम. ग्रेड बोचनर लेबैस्यू रिक्त स्थान के द्वंद्व पर: गणितीय नोट्स। 107(2), 247-256.

कुमार, एस, राम, आई और कुमार, यू (2020) सीए-डॉ.पंड PrMnO₃ नैनोकणों की संरचनात्मक, ऑप्टिकल और कम तापमान प्रतिरोधकता: इमर्जेंसी मैटेरियल्स (स्प्रिंगर)। 3, 595-604.

पॉल, जे और सिंह, डी (2020) क्या सीएसआर समिति संरचना सीएसआर प्रकटीकरण को प्रभावित करती है: भारतीय कंपनियों का अध्ययन: कॉर्पोरेट गवर्नंस इनसाइट। 2(2), 63-79.

रानी, एस, मिश्रा, टी, झा, जे, और कुमार, आर (2020) इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की बढ़ती लत और दिल्ली के रोजमर्रा के भूगोल में सामाजिक संपर्क पर इसके प्रभाव का भू-सांख्यिकीय विश्लेषण: रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी 5(9), 279-289.

त्रिपाठी, एन. (2020) वित्त में व्यवहार की प्रासंगिकता: वैचारिक विश्लेषण: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च इंस्टीट्यूट। 8(8), 3815-3823.

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 04

अनुसंधान परियोजनाएं

"वॉल्यूमेट्रिक, ध्वनिक, विस्कोमेट्रिक, ऑप्टिकल और एवेकोमेट्रिक माप का उपयोग करके होम्योपैथिक दवा योगों के भौतिक अध्ययन" शीर्षक से। डॉ. एके नैन। राशि 44,68,780 रुपये।

आईसीएसएसआर इम्प्रेस योजना, 2019-2021, जिसका शीर्षक है "उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में कृषि विकास, भूमि क्षरण और ग्रामीण स्थिरता: सिद्धार्थनगर जिले का एक केस स्टडी"। डॉ. राजेश कुमार अभय। राशि 8,50,000 रुपये।

एसईआरबी, 2020-2023, जिसका शीर्षक "कुछ लैबेग प्रकार अंतरिक्ष में एक्सपेरिमेंट" है। डॉ. अरुण पाल सिंह। राशि 6,60,000 रुपये।

आईसीएसएसआर, 2018-2020, "अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम और क्वेस्ट फॉर सेल्फ डिपेंडेंट ट्राइबल कम्युनिटीज: पेसा और एफआरए के विशेष संदर्भ के साथ एक अध्ययन" शीर्षक से। डॉ. कमल नयन चौबे। राशि 6,45,000 रुपये।

आईसीएसएसआर, 2019-2020, "कौटिल्य के शासन की अवधारणा: समकालीन संदर्भ में हिंदू राजनीतिक विचार-इन की पुनः परीक्षा" शीर्षक से। डॉ. सुधीर कुमार सिंह। राशि 3,80,000 रुपये।

पेटेंट दायर/मंजूर

राष्ट्रीय पेटेंट की संख्या: 2

शीर्षक 1: स्मार्ट चार्जिंग के संदर्भ में स्वायत्त रूप से पता लगाने और आकर्षक प्लग-सॉकेट कनेक्टर के लिए स्मार्ट चार्जिंग प्लग और सॉकेट की तैनाती के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएसएस) की वायरिंग और वायरलेस रूप से चार्ज करने वाली बैटरी की सुविधा प्रदान करने की विधि।

शीर्षक 2: एमएमपी-एमएल-तकनीक: मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करके एक विनिर्माण प्रक्रिया संचालन का प्रबंधन करना।

आयोजित संगोष्ठी

श्री अर्जुन बही, एक्सेचर आईटी सर्विसेज के साथ एंटरप्राइज क्लाउड आर्किटेक्ट, कोविड परिदृश्य में उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ, 2 मई 2020।

दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गरिमा गुप्ता ने 14 मई 2020 को सीओवीड-19 युग में मार्केटिंग की समीक्षा की।

प्रो. विजय कुमार श्रोत्रिय, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, खुशी और सार्वजनिक नीति कोविड 19, 25 मई 2020 के मद्देनजर।

प्रो. अजय गौड़, रटगर्स बिजनेस स्कूल, नेवार्क, एशिया संदर्भ वैश्विक समस्याएं - भारत के लिए अवसर और चुनौतियां, 23 फरवरी 2021

डॉ. देवेंद्र तोर और डॉ. जसलीन कौर, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, अवसर इम्यूनोलॉजी एंड वायरोलॉजी, 18 मार्च, 2021

आयोजित सम्मेलन

10 अगस्त 2020 को शिक्षकों के लिए गूगल टूल्स नामक एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

2 नवंबर 2020 से 9 नवंबर 2020 तक "रिसर्च मेथडोलॉजी" शीर्षक से एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

4 जनवरी 2021 को टैली और पीएफएमएस शीर्षक से नॉन टीचिंग स्टाफ के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

गुड फूड इंस्टिट्यूट, इंडिया के सहयोग से 11 जनवरी 2021 से 18 फरवरी 2021 तक "स्मार्ट प्रोटीन कार्यशाला" का आयोजन किया।

29 मार्च 2021 से 5 अप्रैल 2021 तक करियर विकास शीर्षक से एडो इंडिया द्वारा एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

विवेक कुमार रजक ने 15 अक्टूबर 2020 को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित 'भारतीय अर्थव्यवस्था: सिद्धांत और नीति' पर युवा विद्वानों के वेबिनार में 1999-00 से 2017-18 तक

एनएसएस इकाई स्तर के आंकड़ों से "झारखंड में श्रम बाजार तक पहुंच में सामाजिक असमानता: 1999-00 से 2017-18 तक के एनएसएस इकाई स्तर के आंकड़ों से सबूत" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. अरुण पाल ने 17-20 दिसंबर 2020 के दौरान आंध्र प्रदेश के वेल्लोर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रुबियो डी फ्रांसिया एक्सपेरिमेंट प्रमेय इन वेरिएबल लेबैसग स्पेस्स" नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. हरमीत कौर ने 4 -5 मार्च 2020 के दौरान हंसराज महिला महाविद्यालय जालंधर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी साहित्य महोत्सव में प्रायोजन विच पर्यावरण दिया चुनौतियां शीर्षक से उपन्यास पर शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. कमलजीत सिंह ने 25 फरवरी 2020 को पटियाला में आयोजित 'गुरु नानक वाणी चिंतन: विश्व स्तरीय पारिप्रेक्ष्य' पर विश्व पंजाबी सम्मेलन में 'गुरु नानक बनी चिंतन: सब्याचर पारिख' नामक शोध शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. राजेश कुमार अभय ने 26-28 नवंबर, 2020 के दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित डीजीएसआई सम्मेलन में सिद्धार्थनगर जिले, उत्तर प्रदेश के कृषि विकास में अंतर-जिला क्षेत्रीय विषमताएं मापने शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. उमा शंकर सिंह ने 11-13 दिसंबर 2020 के दौरान गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति नई दिल्ली में आयोजित स्वामी विवेकानंद: भारतीय संस्कृति एवं विरासत पर आयोजित संगोष्ठी में विवेकानंद: द पायनियर ऑफ अध्यात्मवाद एवं मानवतावाद नामक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. रविंदर सिंह ने 14 मार्च 2021 को पंजाब के खेतों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में सीटे बुलन दा सुनेहा नामक शोध प्रस्तुत किया।

श्री. शिरीष पाल ने 30-31 मई 2020 के दौरान महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में आयोजित 'उभरते रुझान, मुद्दे, चुनौतियां और अवसर पोस्ट कोरोना संकट' पर राष्ट्रीय वेबिनार में शिक्षा की समीक्षा शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

श्वेता रानी ने राष्ट्रमंडल भौगोलिक ब्यूरो के सहयोग से 11-12 सितंबर 2020 के दौरान असम के गौहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेब-19 महामारी ऑन द जियोग्राफी: ग्लोबल, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य ' पर अंतर्राष्ट्रीय वेब-19 महामारी सम्मेलन में "रुझान, चुनौतियां, टिकाऊ पर्यटन और भारत में अर्थव्यवस्था और समाज पर इसका प्रभाव दौरान और पोस्ट महामारी कोविड-19" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

श्वेता रानी ने 20 सितंबर 2020 को यूपी के बलरामपुर में आयोजित 'हाल ही में प्रगति इन जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी एंड रूरल डेवलपमेंट में इसकी भूमिका' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी और भू-सूचनाओं का प्रसार शीर्षक से अपना शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए

'विज्ञान सेतु' कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली के साथ समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आयुष मंत्रालय, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (सीसीआरएच) के साथ सहयोग।

एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यार्थी

प्राणि विज्ञान (ऑनर्स) के दो छात्रों को साइंस सेतु प्रोग्राम के अंतर्गत एनआईआई में रिसर्च ट्रेनिंग मिली। अर्थशास्त्र विभाग के छब्बीस छात्रों ने विभिन्न स्थानों पर इंटरनशिप की।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 138 (27.6%)

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 95

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

डीएसटी-एनसीएसटीसी, डॉ. वत्सला त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश के विज्ञान छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरक कार्यक्रम 2 से 6 मार्च 2021 के दौरान शामली में आयोजित प्रदर्शनियों और प्रदर्शनों के माध्यम से।

एमटीटीएस (गणित प्रशिक्षण और स्नातक/स्नातक, भारत के लिए प्रतिभा खोज कार्यक्रम) द्वारा जुलाई 2020, अक्टूबर 2020 और मार्च 2021 को आयोजित गणित में तीन ऑनलाइन कार्यक्रम डॉ. प्रियम्बादा त्रिपाठी (संरक्षक)।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने वर्ष 2020-2021 की पुस्तकों की खरीद और पत्रिकाओं/पत्रिकाओं/समाचार पत्रों की सदस्यता पर 942825 रुपये खर्च किए हैं। इस वर्ष पुस्तकालय में कुल 1648 पुस्तकें जोड़ी गईं। पुस्तकालय ने 6000 + जर्नल्स और 1,99,500 + ई-बुक्स तक पहुंचने के लिए 'एनलिस्ट प्रोग्राम' की सदस्यता का नवीनीकरण भी किया है। वर्तमान महामारी को देखते हुए, पुस्तकालय एन-सूची डेटाबेस का पता लगाने के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों को ऑनलाइन उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड प्रदान कर रहा है। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के समन्वय में डल्स ई-संसाधनों के दूरदराज के उपयोग के लिए ऑनलाइन उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड भी प्रदान कर रहा है। पुस्तकालय ने संकाय सदस्यों के अनुसंधान प्रकाशनों की साहित्यिक चोरी की जांच के लिए 'उर्कुड सॉफ्टवेयर' का उपयोग भी शुरू किया है।

संकाय संख्या

कुल स्थायी - 145

कुल तदर्थ - 95

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान - रुपए 78,57,25,000.

उपयोगित अनुदान - रुपए 66,23,84,000.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बड़ी संख्या में संकाय सदस्य रिसर्च में लगे हुए हैं और 17 मान्यता प्राप्त पीएच.डी. सुपरवाइजर हैं और वर्तमान में 36 पीएच.डी. विद्यार्थी अपनी देखरेख में महाविद्यालय में पीएच.डी. की पढ़ाई कर रहे हैं। हमारे महाविद्यालय, डीयू के अन्य कॉलेजों और अन्य विश्वविद्यालय कॉलेजों के छात्रों के लिए अनुसंधान इंटरनशिप के अवसर (अवैतनिक) प्रदान किए जाते हैं। महाविद्यालय नियमित रूप से एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग ले रहा है, एआईएसएचई पोर्टल पर डेटा प्रस्तुत कर रहा है और एक पूरी तरह से कार्यात्मक आईक्यूएसी है जो गुणवत्ता उन्नयन पहल के एक नंबर लेता है। नैक को 2017 में मान्यता दी गई थी और तब से एनयुएआरएस सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया है। महाविद्यालय को रिमोट सेंसिंग (आईआईआरएस) द्वारा - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार अपने आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत नोडल केंद्र बनाया गया है।

दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय (दिवसीय पूर्ण दिन महाविद्यालय) इस वर्ष भर की गतिविधियों से गुलजार रहा। शैक्षणिक उन्नयन में 90 से अधिक संकाय सदस्य लगातार शामिल हुए। 50 से अधिक लेख और पुस्तकें अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शिक्षकों द्वारा प्रकाशित किए गए थे। पहले से ही समृद्ध पुस्तकालय में कुल 966 पुस्तकों को जोड़ा गया और इस वर्ष 10 शिक्षकों और पुस्तकालयाध्यक्षों को पदोन्नति मिली। महाविद्यालय की मनोवैज्ञानिक डॉ. जया मोहन ने परामर्श सेवाएं दूरभाष पर प्रदान की और कोविड समय के दौरान छात्रों को जागरूक करने के लिए ऑनलाइन संगोष्ठी लिया। विभिन्न प्रकोष्ठों, समाजों, संघों और मंचों द्वारा महाविद्यालय में 25 से अधिक ऑनलाइन फेस्ट, इवेंट्स, पैनल डिस्कशन और वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसने विभिन्न कॉलेजों में 5,000 छात्रों की भीड़ को आकर्षित किया। छात्रों को भी विविध घटनाओं में कई वाहवाही और पुरस्कार जीता। महाविद्यालय लॉकडाउन की अवधि भर सक्रिय रहे और ऑनलाइन कक्षाएं सुचारु रूप से चलती रहीं।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

बी.कॉम (ऑनर्स) छठी सेमेस्टर की ज्योति नारा ने 8.419 का सीजीपीए मूल्य अर्जित किया।

बी.कॉम (ऑनर्स) छठी सेमेस्टर की नेहा सिन्हा ने 8.47 का सीजीपीए वैल्यू प्राप्त की।

बी.ए. (ऑनर्स) पॉलिटिकल साइंस द्वितीय सेमेस्टर के पुलकित वाधवा ने 8.91 का सीजीपीए वैल्यू प्राप्त किया।

द्वितीय सेमेस्टर बी.कॉम की आराध्या जैन ने 8.36 का सीजीपीए मूल्य अर्जित किया।

द्वितीय सेमेस्टर बी.कॉम रेखा देवी ने 8.77 का सीजीपीए अंक प्राप्त किया।

प्रकाशन

बीरवाल, एन प्रकाशित शोध: व्यवहार वित्त: मूल, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में बहुविषयक मुद्दों में एक प्रतिमान और संभावनाएं (संपादक डॉ. सिंह, वी और आर.पी. प्रकाशन के अंतर्गत वैशाली)। आईएसबीएन: 978-93-82398-07-3।

गुप्ता, पी. (2020) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ केयर मैनेजमेंट, टेलर और फ्रांसिस स्कोपस, ईएससीआई: हेल्थ केयर में मरीजों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग: एक स्कोपिंग रिव्यू।

हुसैन, एस (2020) पुस्तक: तरक्की पसंद तहरीक और हल्का वर्ष बाबेजॉक

कक्कड़, आईजेआईएम में डी प्रकाशित शोध (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट): भारतीय महिला उद्यमिता समस्याएं और संभावनाएं खंड 2 अंक 6, आईएसएसएन 2395-5252।

कायस्थ, ए. (2021) पीयर रिव्यू एंड इंडेक्सेड जर्नल, यशवंत राव महाविद्यालय अंबाजोगाई। भारतीय संस्कृति और साहित्य।

कुमार, बी. (2021) स्ट्रीविमार्श एड. डॉ. राम रतन प्रसाद: स्ट्री विमार्श और एककिस्वी सादी (स्वाक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली)।

सचदेवा, पी (2020) इंटरनेशनल जर्नल-पीयर रिव्यू: कोरोना कल मेइन ऑनलाइन शिक्षा। एस.एस.एम.डब्ल्यू.ए

सचदेवा, पी (2020) इंटरनेशनल जर्नल-पीयर रिव्यू: कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा। एस.एस.एम.डब्ल्यू.ए

तलुजा, एस.डी. (2021) भारत में साइबर स्पेस में रहने वाली पुस्तक: थ्योरी, परिप्रेक्ष्य, और चुनौतियां: डिजिटल नारीवादी हस्तक्षेप: पिंक चैडी अभियान और #Me टू इंडिया का एक महत्वपूर्ण आकलन (सिमी

मल्होत्रा एट अल द्वारा संपादित। 2021 में स्प्रिंगर लिंक द्वारा प्रकाशित)। आईएसबीएन-10: 9811599335। आईएसबीएन-13: 978-9811599330।

थापर, पी.आर. (2021)। पंजाबी पत्रिका समकालीन साहित्य में लेख: बानेरे दे चिराग-व्यक्ति चिंतन दी श्रेष्ठा शेली-2021

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. जया मोहन, मनोवैज्ञानिक, कोविड टाइम्स, 12 मार्च 2021 के दौरान इंटरनेट थकान से निपटने के तरीके। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. कुलपति प्रोफेसर सीआर बाबू, वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर एमेरिटस और परियोजना प्रभारी जैव विविधता पार्क कार्यक्रम, जैव विविधता: मानवता के उद्धारकर्ता, 22 मई 2021

रॉयल सोसायटी ऑफ आर्ट्स लंदन के फेलो प्रो. माइक नोल्स, उद्यमिता के क्षेत्र के रूप में डिजाइनिंग, 10 मार्च 2021

श्री. यशस्वी कुमार, हैकेथ, साइबर सुरक्षा के संस्थापक, 1 फरवरी 2021

होमफिलकवेगो के सी.ई.ओ. श्री. अरपित लोचन, कैसे शुरू करें अपना स्वयं का स्टार्ट-अप, 2 फरवरी 2021

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

श्री. अमित कुमार ने ई-सम्मेलन, सिनर्जी 2020-फ्यूचर डिजिटल इंडिया का समग्र विकास, बेंगलुरु के शेषाद्रिपुरम कॉमर्स महाविद्यालय में आयोजित 'सोशल मीडिया एंड बेबी बूमर्स: ए पायलट स्टडी ऑफ यूज फॉर हेल्थ केयर सपोर्ट' नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. बबीता सैनी ने जगन्नाथ विश्वविद्यालय में 'सतत प्रथाओं पर रणनीतियों' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सतत विकास लक्ष्यों और पर्यावरण पर कोविड 19 का प्रभाव शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

पंजाब के एलपीयू स्थित मित्तल स्कूल ऑफ बिजनेस में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में डॉ. दीपिका कक्कड़ ने टेस्टिंग टाइम्स ऑफ कोविड-19 महामारी में भारतीय कृषक के लिए गेम चेंजर के रूप में सोलर डिहाइड्रेटिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

जीएसडीएस द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद: भारतीय संस्कृति एवं विरासत विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. मृदुलस्मिता बरूआ ने 'विवेकानंद के लेंस के माध्यम से आधुनिक भारत की कल्पना' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. मृदुलस्मिता बरूआ ने 22 से 23 फरवरी 2020 के दौरान डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'ह्यूमन राइट्स: नेशनल एंड इंटरनेशनल इश्यू एंड चैलेंज' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मणिपुर राज्य में स्थित इको नारीवाद शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. पवन सचदेवा ने इरा, जयपुर में आयोजित मानव विश्राम के विकास शिक्षा का योगदान शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. पवन सचदेवा ने जयपुर के इरा में आयोजित 'बादलते परिवेश माई विश्व की वशिष्ट' शीर्षक से शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. पूनम गुप्ता ने इंटरनेशनल ई-कॉन्फ्रेंस, एडवांसेज इन मैनेजमेंट इन मैनेजमेंट इन सोशल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंडियन शिक्षाविदों और शोधकर्ता संघ में यूटिलिटी एंड रिस्क ऑफ सोशल मीडिया इन हेल्थकेयर एंड इट्स इट्स रेगुलेटरी फ्रेमवर्क इन इंडिया शीर्षक से एक शोध पेश किया।

पंजाबी लोकमंत द्वारा बाबा नामदेव पुस्तकालय में आयोजित गगन समागम की कविता इकचुंडीअसमैन विषय पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. पृथ्वी राज थापर ने एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. पृथ्वी राज थापर ने 4 अप्रैल 2021 को बाबा नामदेव पुस्तकालय (पंजाबी लोकमांछ) में आयोजित अमृत वालवले शीर्षक से प्रधानाचार्य अमृत लाल मनान की काव्य पुस्तक पर संगोष्ठी में एक शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या:

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 15

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 69,000 से अधिक पुस्तकें हैं जिनमें से इस वर्ष 966 पुस्तकें जोड़ी गई हैं। पुस्तकालय भी अपने पाठकों के लिए 14 अलग अखबार मंगवाता है। पुस्तकालय में कुल 28 जर्नल उपलब्ध हैं। महाविद्यालय की पुस्तकालय छात्रों और शिक्षकों के ज्ञान के विस्तार में लगातार योगदान दे रही है। यह पुस्तकालय संकाय और छात्रों को एन-सूची, इनफ्लिबनेट, यूजीसी और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा प्रदान किए गए ई-संसाधन का सदस्य होने के नाते ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या: 112

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 20,35,70,000.

उपयोगित अनुदान: रुपए 20,63,49,000.

फ्लोरेस नाइटिंगेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

फ्लोरेस नाइटिंगेल महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग की स्थापना 1994 में की गई थी और एचएंडडब्ल्यू विभाग की मंजूरी से जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी पाठ्यक्रम में डिप्लोमा की पेशकश कर रहा है। दिल्ली की एनसीटी सरकार ने डिप्लोमा पाठ्यक्रम को 2019 से बी.एससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में अपग्रेड किया जो चार शैक्षणिक वर्षों (इंटरनेशिप सहित 8 सेमेस्टर) की अवधि में है। वर्तमान में वार्षिक प्रवेश 70 सीटें और 10% ईडब्ल्यूएस आरक्षण है। यह संस्था दिल्ली के एनसीटी की सरकार द्वारा वित्तीय रूप से नियंत्रित है और अकादमिक रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नियंत्रित है। फ्लोरेस नाइटिंगेल महाविद्यालय ऑफ नर्सिंग गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबीएच) और विश्वविद्यालय महाविद्यालय ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) से जुड़ा हुआ है। महाविद्यालय में यूसीएमएस के अंतर्गत बरवाला ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण शिक्षण केंद्र स्थापित है। श्रीमती अंजना ढल्ल, प्रधानाचार्य दिल्ली नर्सिंग काउंसिल (एसएनआरसी) की अध्यक्ष चुनी गई हैं। महाविद्यालय ने नेत्रदान कार्यक्रम, ओरल कैंसर निवारण कार्यक्रम, हेपेटाइटिस दिवस, सिद्ध स्वास्थ्य मेला कार्यक्रम में वर्चुअल मोड द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया है। महाविद्यालय उपग्रह अस्पतालों से कोविड-19, प्रशिक्षित स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ रोगियों के लिए एक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहा है। यह महाविद्यालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में करीबी सहयोग से काम करता है।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

सुश्री अनुष्का बिस्वास, सुश्री भावा काम्बोज, बी.एससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष एनएचटी-311 की सुश्री ज्योति मलिक।

सुश्री सिमरन, सुश्री रश्मि सिंह, सुश्री प्रजा चौहान और बी.एससी नर्सिंग एनएसएचपी-II के कुछ अन्य।

बी.एससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर का परिणाम शत प्रतिशत रहा

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

24 नवंबर 2020 को ऑनलाइन मोड पर एफएनकॉन परिवार में उनका स्वागत करने के लिए छात्रों के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। पाठ्यक्रम को कोविड-19 महामारी के कारण सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से लागू किया गया था।

सरस्वती पूजा 16 फरवरी 2020 को नर्सिंग महाविद्यालय में आयोजित की गई थी।

7 फरवरी 2021 को अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग में फ्लोर पेंटिंग और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां

सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के लिए शहरी (एमसीडी केंद्र के अंतर्गत) और ग्रामीण (यूसीएमएस के अंतर्गत) सामुदायिक केंद्रों से संबद्धता प्राप्त की जाती है, जहां एमसीएच सेवाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यस्थल पर महिलाओं के रैगिंग और यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए कई गतिविधियां की जाती हैं।

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में कुल 1671 पुस्तकें, 10 जर्नल और दो समाचार-शोध हैं।

संकाय संख्या

प्रधानाचार्य (स्थानापन्न): 1

उप-प्रधानाचार्य (स्थानापन्न): 1

वरिष्ठ व्याख्याता: 1

शिक्षक: 7

नैदानिक प्रशिक्षक: 12

गार्गी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महाविद्यालय आर्ट्स स्ट्रीम में 9वें, कॉमर्स में 14वें और साइंस स्ट्रीम में इंडिया टुडे रैंकिंग 2021 में 12वां स्थान पर रहा। एनआईआरएफ रैंकिंग में महाविद्यालय 16वें नंबर पर रहा। यूजीसी की ओबीसी विस्तार योजना के अनुसार इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान महाविद्यालय कैंपस में नए शैक्षणिक ब्लॉक के लिए निर्माण शुरू हो गया। इस अवसर पर 25 फरवरी 2021 को दिल्ली सरकार के विधानसभा सदस्य सौरभ भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में आयोजित किए गए। लंबे समय से सभी पात्र संकाय सदस्यों का पदोन्नति किया गया, जिसमें स्टेज 1 से स्टेज 2 तक के 77 सहायक प्रोफेसरों की पदोन्नति, स्टेज 2 से 63 सहायक प्रोफेसरों को स्टेज 3 और 32 सहायक प्रोफेसरों को स्टेज 3 से एसोसिएट प्रोफेसर में पदोन्नति शामिल थी। एक संकाय सदस्य को एसोसिएट प्रोफेसर के पद से प्रोफेसर के पद पर भी पदोन्नत किया गया। बीए (ऑनर्स) पॉलिटिकल साइंस की सुश्री दीपांशी गुप्ता को दिल्ली की ऑलराउंडर बी विश्वविद्यालय होने के लिए डॉ. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. शशि चावला को पोषण एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य विज्ञान संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भौतिकी विभाग के डॉ. वन्ना लूथरा ने यूके के इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स (आईओपी) द्वारा "आईओपी विश्वसनीय समीक्षक का दर्जा" प्राप्त किया।

प्राणि विज्ञान विभाग की डॉ. रश्मि सैनी को वीडिगुड प्रोफेशनल एसोसिएशन, सलेम इंडिया द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग, साइंस एंड मेडिसिन पर श्रेणी इंटरनेशनल साइंटिस्ट अवार्ड्स में महिला शोधकर्ता पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया। उन्हें एज इंडिया पब्लिकेशन द्वारा एज इंडिया टाइम्स अवार्ड-2020, ऑनर ऑफ एक्सीलेंस इन टीचिंग एंड रिसर्च (5-स्टार) से भी सम्मानित किया गया।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ. मनप्रीत कौर रावल और प्राणि विज्ञान विभाग की डॉ. रश्मि सैनी को यूएसएसएल द्वारा मान्यता प्राप्त आईएसओ सर्टिफाइड इंस्टिट्यूट बेंगलुरु के इंस्टिट्यूट ऑफ स्कॉलर्स (आईएनएससी) द्वारा 2020 में एएससी रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2020 मिला।

पुस्तकालय विभाग की डॉ. बबीता गौड़ ने महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष के रूप में उनके उत्कृष्ट योगदान और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को मान्यता देते हुए महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष ऑफ द ईयर अवार्ड 2019 प्राप्त किया।

डॉ. संगीता भाटिया के मार्गदर्शन में काउंसलर प्रशिक्षण, कल्याण और विकास के लिए निहितार्थ के साथ "स्कूलों में परामर्श: जांच की जरूरत, मुद्दों और परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक थीसिस के लिए पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी:

बी.ए. प्रोग्राम आई ईयर की अंशु अरोड़ा को दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय ने सराहनीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

बी.कॉम (कार्यक्रम) प्रथम वर्ष की काजल गर्ग को दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा सराहनीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम की लिपिका (ऑनर्स) प्रथम वर्ष को दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा सराहनीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.कॉम की आस्था सरदाना (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष को दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा सराहनीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बी.एससी (जनरल) प्रथम वर्ष की हर्षिता अग्रवाल को दिल्ली एनसीटी सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय ने सराहनीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रकाशन

देव, ए. एन. (2020) बहुसांस्कृतिक कविता... अपने नियम बनाता है: सुजाता भट्ट की कविता में काव्यात्मक दुविधाएं और संकल्प। मानविकी और सामाजिक विज्ञान के आईओएसआर जर्नल (IOSR-JHSS), 25 (10), श्रृंखला 3, 40-47।

दत्ता, एस (2021) अनुशासित विषय: औपनिवेशिक वंगाल में स्कूली शिक्षा। रूटलेज, 2021

कुमार, एन एट अल (2020) चिकनगुनिया, डेंगू और जीका वायरस संक्रमण के लिए तुलनात्मक ट्रांसमिशन डायनेमिक्स और इष्टतम नियंत्रण। बायोमैथेमेटिक्स 6 (2), 1-14 में शोध।

कुमारी, एस. (2021) कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान मामूली सक्रिय आबादी के बीच माइंडफुलनेस की लैंगिकवार तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड हेल्थ 8 (1) 16-19।

लूथरा, वी एट अल (2021) बरियम टाइटेनेट में यट्रियम और टिन सह डोपिंग के प्रभाव की रमन और इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपिक जांच। भौतिकी और ठोस के रसायन विज्ञान के जर्नल। 154, 110079।

नवनीत, आर. (2020) भावनाओं के भोज के रूप में सौंदर्य अनुभव के संदर्भ में अभिनव गुप्ता का रासा का सिद्धांत। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू (आई.जे.आर.ए.आर)। 7 (3) 883-888।

नवनीत, आर (2020) भावनाओं के भोज के रूप में सौंदर्य अनुभव के संदर्भ में अभिनव गुप्ता का रासा का सिद्धांत। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू (IJRAR)। 7 (3) 883-888

रैना, जे (2020) स्कूल शिक्षा में नीतिगत बदलाव: हम कहाँ खड़े हैं। जेएमसी समीक्षा: आलोचना, अभ्यास और सिद्धांत के एक अंतःविषय सामाजिक विज्ञान जर्नल। चतुर्थ, 153-180

सैनी, जी., कालरा, एस., कौर, यू. (2021)। पौधों और रेत फिल्टर का उपयोग करके अपशिष्ट जल का छोटे पैमाने पर शुद्धिकरण। एप्लाइड वाटर साइंस (2021) 11:68। <https://doi.org/10.1007/s13201-021-01406-4>

उतेजा, डी, रिजवी, एसएच (2020) चिंता विकारों में क्रोध: एक समीक्षा। मनोरोग और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के जर्नल। खंड. 3 (5): 239-242।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 02

आयोजित संगोष्ठी

व्यापार अर्थशास्त्र विभाग ने शॉन्या मेहरोत्रा, संस्थापक मेटवी द्वारा "उद्यमिता और स्टार्ट-अप" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी, इंडिया (दिल्ली यूनिट) के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता पेशेवर डॉ. रुचि श्रीवास्तव द्वारा "खाद्य उद्योग और उसमें करियर के अवसरों के साथ माइक्रोबायोलॉजी के दिलचस्प इंटरफेस" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने 'भारत में महामारी, कानून और राज्य प्रतिक्रियाएं: एक नागरिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया

प्रारंभिक शिक्षा, दर्शन और अंग्रेजी विभागों द्वारा "एक सक्षम संज्ञानात्मक गतिविधि (डब्ल्यूईसीए) के रूप में लेखन" शीर्षक से एक अंतःविषय वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया था।

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग ने महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए टेक्निक की शक्ति को अपनाया और कोविड-19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला के साथ शुरू किया।

सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन

आईक्यूएसी के तत्वावधान में भौतिकी विभाग ने स्प्रेडशीट का उपयोग करके गणितीय और कम्प्यूटेशनल कौशल का विस्तार" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

द फाँइन आर्ट्स सोसाइटी 'ह्यूज़' ने डॉ. अंकोन मित्रा द्वारा "विज्ञान और गणित में कला एकीकरण" पर भौतिकी विभाग के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने रोगाणुओं, पर्यावरण और विज्ञान संचार पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय चर्चा का आयोजन किया।

प्राणि विज्ञान विभाग ने इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, लखनऊ के सहयोग से एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "न्यूरोयूनोइया 2020: ए न्यूरोसाइंस अफेयर" का आयोजन किया।

प्राणि विज्ञान विभाग ने विज्ञान में महिला और लड़कियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'वार' (विज्ञान स्पर्धा में महिला) का आयोजन किया।

प्राणि विज्ञान विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल ' ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप-ला फेम-उसकी कहानी ' का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

प्रारंभिक शिक्षा विभाग की डॉ. ज्योति रैना ने 24 नवंबर 2020 को हरियाणा के फरीदाबाद स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में 'एनईपी: 2020: स्कूल शिक्षकों के लिए इसका क्या मतलब है?

प्रारंभिक शिक्षा विभाग की डॉ. मोनिका गुप्ता ने 25-26 फरवरी 2021 को नई दिल्ली के श्री. अरबिंदो आश्रम के सहयोग से दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित " श्री. अरबिंदो का दर्शन और अभ्यास" नामक एक ऑनलाइन सम्मेलन में "नाटिका प्रकाश की हरिया: चलना विद रोहिता बेमुला और श्री. अरबिंदो" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉ. शशि चावला ने माइक्रोबियल वर्ल्ड पर 61 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पूर्व और पश्चिम के बीच कोविड-19 के कारण मौत में अंतर पर एक तथ्य-खोज अध्ययन" पर एक ई-पोस्टर प्रस्तुत किया: स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण विज्ञान में हाल के घटनाक्रम 3-5 फरवरी 2021 के दौरान।

दर्शनशास्त्र विभाग की डॉ. रेखा नवनीत ने 22 मार्च 2021 को विकास एवं परिवार सशक्तिकरण विभाग, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) को "प्राचीन भारतीय परंपरा के माध्यम से वर्तमान जीवन स्थिति को संबोधित" विषय पर एक घंटे तक व्याख्यान (जूम के माध्यम से) प्रस्तुत किया।

भौतिकी विभाग की डॉ. अलका गर्ग ने एनएसआई (नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज-दिल्ली चैप्टर) द्वारा आयोजित 26 सितंबर 2020 से 11 अक्टूबर 2020 के दौरान "लर्निंग फिजिक्स विद कॉन्सेप्टुअल एंड प्रॉब्लम बेस्ड अप्रोच" पर ग्यारह सप्ताह तक चलने वाले पाठ्यक्रम के दौरान दो आमंत्रित वार्ताएं प्रस्तुत कीं।

भौतिकी विभाग की डॉ. मानसी अग्रवाल ने 26 से 28 नवंबर 2020 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्लाज्मा असिस्टेड मॉलिक्यूलर बीम एपिटैक्सी ग्रोन जीएन नैनोवायर्स ऑन एसआई (211) यूवी सेंसिंग एप्लीकेशंस के लिए सबस्ट्रेट्स" नामक एक शोध प्रस्तुत किया।

मनोविज्ञान विभाग की डॉ. संगीता भाटिया ने 18-20 फरवरी 2021 के दौरान पटियाला के इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी (आईएपी) के 56 वें राष्ट्रीय और 25वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मीडिया साक्षरता: किशोरों के लिए प्रासंगिकता और निहितार्थ शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

प्राणि विज्ञान विभाग की डॉ. पूनम शर्मा ने 18-20 दिसंबर 2020 के दौरान डीटीयू के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित "इनोवेशन इन बायोटेक्नोलॉजी एंड लाइफ साइंसेज" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध प्रस्तुत किया।

रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. नियति सिंह ने 20-22 जनवरी 2021 के दौरान डॉ. एचएसजी विश्वविद्यालय सागर द्वारा आयोजित "केमिकल एंड फॉर्मस्यूटिकल साइंसेज में वर्तमान रुझान" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऑनलाइन शोध प्रेजेंटेशन दिया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) के साथ हस्ताक्षरित समझौता।

दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना (प्रक्रिया में) के अंतर्गत लद्दाख विश्वविद्यालय के सरकारी मॉडल डिग्री महाविद्यालय, जास्कर के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन।

आईबीएम स्किल्स बिल्ड कंट्री पार्टनर - सीएसआरबॉक्स (प्रक्रिया में) के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन।

आईसीटी अकादमी के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

कोर्सा के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

डीयू वाइब्स के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन।

डीयू असैसिन के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू महाविद्यालय से सहयोग।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत:

छात्रों की संख्या और प्रतिशत रखा: 633 आवेदन में से 136 नियोजित (21.48% साक्षात्कार देने वाले विद्यार्थी)।

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 131

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

एक आभासी सेटअप में संचालन की कठिनाइयों के बावजूद, एनएसएस गतिविधियों, सत्रों, और चुनौतियों की अधिकता का आयोजन किया। वर्ष भर में एनएसएस गार्गी ने कई डोनेशन ड्राइव और अभियान शुरू किए जैसे हर एक को एक फीड, विंटर लज डोनेशन ड्राइव आदि। इन प्रतिकूल समय में स्वयंसेवकों के बीच शारीरिक कल्याण को प्रोत्साहित करने के लिए फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत आलसी योग, सूर्यनामास्कर, डीवाई वॉकथॉन, पिंग रन, साइकिलिंग, आउटडोर स्पोर्ट्स, डांस आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। करुणा, कृतज्ञता और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए, चिंता से निपटने पर एक इंटरैक्टिव सत्र, इनायत-ए-सद्भावना-एक दिवसीय कार्यक्रम, आदि आयोजित किए गए। विभिन्न व्याख्यान, कार्यशालाएं, वेबिनार, और इंटरैक्टिव सत्र जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार, सतर्कता सप्ताह बात, बीवाईओएल वित्तीय साक्षरता वेबिनार, दृश्य हानि के बारे में जागरूकता पर एनएसएस एक्स आरएसवीआई सत्र, सामाजिक उद्यमिता पर चैंजमेकर्स शिखर सम्मेलन, विश्व मासिक धर्म स्वास्थ्य दिवस पर सतत अवधि सत्र आदि भी आयोजित किए गए। एनएसएस गार्गी ने सतर्कता, स्वतंत्रता, गांधी जयंती, आत्मनिर्भर भारत आदि विषयों पर वर्ष भर विभिन्न कविता, लेख लेखन, पोस्टर मेकिंग, ग्रुप डिस्कशन और वीडियोग्राफी प्रतियोगिताओं की भी व्यवस्था की। स्वयंसेवकों को दबाव के मुद्दों के साथ मजबूत रूप से व्यस्त रखने के लिए, कई सप्ताह तक चलने वाली सोशल मीडिया चुनौतियां मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, सड़क सुरक्षा, महिला दिवस आदि के लिए खानपान शुरू की गईं। सभी आयोजनों में स्वयंसेवकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे एनएसएस को समाज में फर्क करने में मदद मिली।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ऑनलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम 23 नवंबर 2020 को सभी छात्रों के लिए महाविद्यालय पुस्तकालय द्वारा आयोजित किया गया था ताकि जागरूकता फैलाई जा सके और नए उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय संग्रह को नेविगेट करने और जानकारी खोजने और मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। कला, वाणिज्य और विज्ञान धाराओं के छात्रों और संकाय ने इस सत्र में भाग लिया। ऑनलाइन उपस्थिति 900+ अटेंडीज़ थी और यूट्यूब दृश्य 2,500 से अधिक थे। डब्ल्यूईबीओपीएसी, यूजीसी इन्फ्लिबनेट की सुविधा और डीयू पुस्तकालय कैटलॉग तक पहुंच वर्ष भर जारी रही। वर्ष के दौरान गार्गी पुस्तकालय की वेबसाइट (<http://www.gargicolglibrary.webs.com>) और ई-संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग में वृद्धि हुई। पुस्तकालय ने मार्च 2021 तक 478 नई पुस्तकों को जोड़ा, जिसकी कुल राशि ₹4,96,781 थी, जिससे कुल 76,001 पुस्तकें सभी के लिए उपलब्ध हो गईं। वर्तमान में, पुस्तकालय में 381 सीडी/वीडियो की संपत्ति है और 46 पत्रिकाओं और 10 समाचार पत्रों तक भी इसकी पहुंच है। ई-संसाधनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज: एनएलआईएसटी द्वारा उपयोगकर्ता नियंत्रण प्रदान किया गया है। पुस्तकालय यूजीसी-इन्फोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेता है जिसमें ई-संसाधन (6,000+ ई-जर्नल और 31,35,000+ ई-पुस्तकें) और दिल्ली विश्वविद्यालय कनेक्टिविटी शामिल है जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली शामिल है। यह सब पुस्तकालय कंप्यूटर लैब में वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ वर्तमान

पुस्तकालय में उपलब्ध है। लगभग 4899 पुस्तकों से परामर्श किया गया था और उपयोगकर्ताओं द्वारा उधार दिया गया था, जिसमें रेफरी सेकंड का परामर्श शामिल है और पत्रिकाओं के ढीले मुद्दों का उपयोग शामिल नहीं है। लगभग 1620 छात्रों ने 31 मार्च 2021 तक वर्ष के दौरान पुस्तकालय का दौरा किया, जिसमें संकाय और शिक्षणोत्तर कर्मचारी शामिल नहीं हैं। वर्ष के दौरान 31 मार्च, 2021 तक लगभग 708 पुस्तकें जारी की गईं और 879 पुस्तकें वापस कर दी गईं। इसके अलावा, डीयूएलएस बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस की सदस्यता लेता है, जिसकी पहुंच महाविद्यालय तक है - यूजीसी इनफ्लिबनेट डेटा और ई-शोधसिंधु कंसोर्टियम, जिसमें एन-लिस्ट के अंतर्गत 6,000+ जर्नल्स, 1,99,500+ ई-बुक्स और एनडीएल के माध्यम से 6,00,000 ई-बुक्स की पहुंच है।

संकाय संख्या :

कुल स्थायी: 136

कुल तदर्थ: 80

पुस्तकालयाध्यक्ष: 01

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 5306.56 लाख/-

उपयोगित अनुदान: रुपए 6559.58 लाख/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शैक्षणिक वर्ष 2019-2020 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हमारे तीन छात्रों को सम्मानित किया गया। पूरी दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वाधिक कुल स्कोर करने के लिए सुश्री प्रियांशु चालाना (बी कॉम कार्यक्रम) और सुश्री स्मृति रावत (बीए ऑनर्स अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान) को विश्वविद्यालय पदक प्रदान किए गए। इस वर्ष, पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में ऑलराउंडर के लिए प्रतिष्ठित डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक के प्राप्तकर्ता सुश्री दीपांशी गुप्ता (राजनीति विज्ञान में बी ए ऑनर्स) थे। सुश्री अमीषा टोकस (बी.ए. ऑनर्स राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष) ने आगामी ओलंपिक क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में भारतीय जूडो टीम (महिला) के लिए चयन परीक्षाओं में कांस्य पदक प्राप्त किया 2021 सुश्री प्रेरणा टोकस (बी.ए. कार्यक्रम वर्ष) और सुश्री ज्योति टोकस (बीए कार्यक्रम I वर्ष) ने चीन में आयोजित होने वाले 31वें विश्व विश्वविद्यालय खेल 2021 के लिए सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर में चयन परीक्षाओं में कांस्य पदक प्राप्त किए।

हंस राज महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

हंस राज महाविद्यालय को 2020 में एनआईआरएफ ने 9वां स्थान दिया था। महाविद्यालय इंडिया टुडे रैंकिंग 2021 में वाणिज्य में चौथे और कला व विज्ञान में 5वें स्थान पर रहा। महाविद्यालय की टीम ने 400 टीमों में से एकेडमी ऑफ एशियन बिजनेस की ओर से आयोजित वर्ल्ड बिजनेस केस प्रतियोगिता 2021 में टॉप 10 में जगह बनाई। इसलिए इसे अकादमी द्वारा ग्लोबल स्कॉलर अवार्ड पैकेज मिला। महाविद्यालय में कोविड-19 वेव के दौरान एक कोविड-19 आरटी-पीसीआर सेंटर भी शुरू किया गया था।

सम्मान/गौरव

प्रो. रमा को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'महाविद्यालय प्रिंसिपल इन सर्विस' श्रेणी के लिए विशेष प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो. रमा को महामारी के दौरान उनके अथक परिश्रम के लिए प्राइम केयर फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रो. रमा को 25 फरवरी 2021 को नई दिल्ली में उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में 'शिक्षा में उत्कृष्ट नेता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

एम.एससी. नृविज्ञान द्वितीय वर्ष की सागरिका राव को विशिष्टता प्राप्त की

एम.एससी. भूविज्ञान द्वितीय वर्ष की तान्या सिंह ने विशिष्टता प्राप्त की।

बी.एससी. (ऑनर्स) नृविज्ञान तृतीय वर्ष की दिव्यांशा खजूरिया ने विशिष्टता प्राप्त की।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के हिमांशु दीवान ने विशिष्टता प्राप्त की।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष के अमन प्रताप सिंह ने गौरव प्राप्त किया।

प्रकाशन

चंदेल, वी. सिर और गर्दन स्ववैमस सेल कार्सिनोमा स्प्रिंगर में टीपी 53-प्रेरित ग्लाइकोलिसिस और एपोप्टोसिस नियामक के लिए संभावित अवरोधक की सिलिको पहचान में। बायोटेक, 11 (3) 117। DOI: <https://doi.org/10.1007/s13205-021-02665-3> (आईएफ, 1.798; स्प्रिंगर; आईएसएसएन, 2190-5738)।

चंदेल, वी. शर्मा, पी.पी., राज, एस. गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस 2 के एनएसपी प्रतिकृतियां और स्पाइक प्रोटीन को लक्षित करने के लिए संरचना आधारित दवा रिपॉजिंग। जे बायोमोल। संरचना। Dyn. टेलर और फ्रांसिस। प्रेस DOI में: 10.1080/07391102.2020.1811773 (यदि, 3.310/2018; टेलर और फ्रांसिस; आईएसएसएन, 1538-0254)।

गुप्ता, वाई, गोइकोचिया, एस. , पियर्स, सी, माथुर, आर, रोमेरो, जे, क्वोफी, एस, वेनबर्ग, एम, दरवथ, बी, शर्मा, एन, पूनम, अकला, एच., कंजोक, एस. प्रोटोज़ोन परजीवी के लिए एक नए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में कैल्शियम होयोस्टेसिस के उभरते प्रतिमान। विले-वीसीएच वेरलैंग जीएमबीएच एंड कंपनी केगाए। (यदि, 9.3; विले-वीसीएच वेरलैंग जीएमबीएच एंड कंपनी केगाए, जर्मनी; आईएसएसएन: 1098-1128)।

गुप्ता, वाई., मेसिओरोवस्की, डी, जाक, एस, जॉस, के. कठायत, आर, अजीजी, एस, माथुर, आर, पियर्स, सी, आईएलसी, जे, हुसैन, एच. , हर्बर्ट, ए, भारती, ए, राठी, बी, दुर्वासुला, आर, बेकर, डी, डिकिंसन, बी, डाई, जे. बिसिनडोलाइलमलेइमाइड IX: वायरल मुख्य प्रोटीज 3CLpro को लक्षित करने वाला एक नोवल एंटी-सारस्कोव 2 एजेंट वर्चुअल स्क्रीनिंग पाइपलाइन और इन-विट्रो सत्यापन परख द्वारा प्रदर्शित किया गया। तरीके, एल्सवियर। <https://doi.org/10.1016/j.ymeth.2021.01.003> (आईएफ, 3.78; एल्सवियर; आईएसएसएन, 1095-9130)।

कुमार, एस.एम. (2020) शक्तिशाली एंटी-इन्फ्लूएंजा वायरस गतिविधि के साथ ओसेल्टामिविर एनालॉग। दवा डिस्कोव। आज, एल्सवियर नीदरलैंड। प्रेस DOI में: 10.1016/j.drudis.2020.06.004 (यदि, 7.321; एल्सवियर नीदरलैंड; आईएसएसएन, 1359-6446)।

कुमार, एस. सार्स-सीओवी-2 के 3CLpro प्रोटीन लक्ष्य के विरुद्ध नई हाइड्रोक्सीथाइलमाइन एनालॉग की खोज: आणविक डॉ.किंग, आणविक गतिशीलता सिमुलेशन और संरचना-गतिविधि संबंध अध्ययन। जे केम. Inf. मॉडल., अमेरिकन केमिकल सोसायटी doi.org/10.1021/acs.jcim.0c00326 स्वीकार किए जाते हैं (आईएफ, 8.949; अमेरिकन केमिकल सोसायटी; आईएसएसएन, 1549-9596)।

राज, एस, चंदेल, वी, राठी, बी, कुमार, डी (2020) संभावित निवारक और चिकित्सीय दृष्टिकोण की खोज करने के लिए मानव में सार्स-सीओवी2 संक्रमण और प्रचार के आणविक तंत्र को समझना। कोरोनावायरस। 1, 73-81. शर्मा, एन., गुप्ता, वाई, वंसल, एम, सिंह, एस. हाइड्रोक्सीथाइलमाइन यौगिकों, इन विट्रो और वीवो मूल्यांकनों की बहुस्टेज एंटीप्लाज्मोडियल गतिविधि। रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके। आरएससी अभिभाषक 10, 35516-35530 (यदि: 3.119; रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके; आईएसएसएन: 2046-2069)।

श्रीवास्तव, एस.सी. गणना द्वारा मान्य सारस्कोव-2 सीटीएल और एचटीएल मल्टी-पैच टीके रिवर्स एपिटोमिक्स दृष्टिकोण द्वारा डिजाइन किए गए, दुनिया भर में बड़ी जातीय रूप से वितरित मानव आबादी को कवर करने की क्षमता दिखाता है। जे बायोमोल। संरचना। Dyn. टेलर और फ्रांसिस। स्वीकृत (यदि, 3.310/2018; टेलर और फ्रांसिस; आईएसएसएन, 1538- 0254)।

पत्रिकाएं

जर्नल ' हंस शोध शिखर ' महाविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है।

अनुसंधान परियोजनाएं

एसईआरबी, दिसंबर 2020-2023, जिसका शीर्षक "लीड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ शक्तिशाली मल्टीस्टेज एंटीमलेरियाल्स"। डॉ. बृजेश राठी (प्रधान अन्वेषक)। राशि 46.41 लाख।

डीएसटी, अप्रैल 2019-2021, जिसका शीर्षक "इन्फ्रारेड डिटेक्शन के लिए नैनोएनएनएना सेंसर का विकास" है। डॉ. बृजेश राठी (प्रधान अन्वेषक)। राशि 63.08 लाख।

डीआरडीओ, अक्टूबर 2017-2020, "डिजाइन और उत्प्रेरक बड़े पैमाने पर संश्लेषण के नए कार्यात्मक Perfluorinated Ketones/ईथर संभावित आग बुझाने की तरह" शीर्षक। डॉ. बृजेश राठी (प्रधान अन्वेषक)। राशि 48.20 लाख।

पेटेंट दायर/मंजूर

बृजेश राठी, प्रकाशा केम्पिया, अगम पी सिंह, स्निग्धा सिंह, यश गुप्ता, नेहा शर्मा, पूनम, रवि दुर्वासुला, "हाइड्रोक्सीथाइलमाइन आधारित पिपराज़ीन यौगिक, और रोग के इलाज के लिए समान उत्पादन और उपयोग करने के तरीके" (पेटेंट दायर; आवेदन नं 202011056923. 29 दिसंबर 2020)।

नेहा शर्मा, बृजेश राठी, अगम पी सिंह "पिपराज़ीन और उसके उपयोगों पर आधारित उपन्यास एंटीपैरेटिक एजेंट" (पेटेंट दायर; आवेदन नं 202011043767. 08 अक्टूबर 2020)।

आरपी सिंह, कविता, आर रंगराजन, बृजेश राठी, ऋषि पाल सिंह "चाल्कोन डेरिवेटिव्स एंड यूज" (पेटेंट दायर; आवेदन संख्या 2017110041295)।

ध्रुव कुमार और बृजेश राठी 'एंटी वायरल हर्बल इनहेलर जिसमें नैनो-गोल्ड आधारित हर्बल फॉर्मूलेशन" (प्रोविजनल पेटेंट दायर किया गया; आवेदन नं 202011018564. 30 अप्रैल 2020)

आयोजित संगोष्ठी

डीयू संकायाध्यक्ष परीक्षा कार्यालय की डॉ. रुचिका रामकृष्णन ओबी मूल्यांकन समन्वयक ने 22 जून 2021 को महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र के सहयोग से 'ओबीई: परीक्षा और मूल्यांकन' पर प्रस्तुत किया।

प्रो. यश पाल शर्मा, प्रोफेसर और पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय। 14 जून 2021 को महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र के सहयोग से 'लाभ उठाने की कला: फंगल एंड ह्यूमन अवसरवादिता' पर प्रस्तुत किया गया।

डॉ. सुधीर राणा संपादक, एफआईआईबी व्यापार समीक्षा (ऋषि प्रकाशन), दक्षिण एशियाई जर्नल ऑफ मार्केटिंग (पन्ना), आईएमओ (टेलर और फ्रांसिस), एसोसिएट प्रोफेसर और एफपीएम अध्यक्ष एफआईआईबी ने 28 अगस्त 2020 को महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र के सहयोग से "उच्च गुणवत्ता वाले शोध लिखने की अनिवार्य: एक संपादक और समीक्षक से एक दृश्य" पर प्रस्तुत किया

आयोजित सम्मेलन

16 और 17 जनवरी 2021 को महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र के सहयोग से हंसराज महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "पादप विज्ञान अनुसंधान: प्रासंगिकता, वित्तपोषण, चुनौतियां और अवसर" शीर्षक से एक राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया।

एक राष्ट्रीय विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया था और 25 से 28 फरवरी 2021 तक निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे; "स्नातक स्तर पर नवाचार और अनुसंधान" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था; एक परियोजना प्रस्तुति प्रतियोगिता, "ब्रेकिंग बाउंड्स"; एक बहस प्रतियोगिता, "टार्क-विटार्क"; और एक और घटना का नाम "भौतिकविज्ञानी में फिट"।

प्रो. कमला भारद्वाज पूर्व संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण एस.बी.एल.एस.एन. संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा 27 और 28 फरवरी 2021 को महात्मा हंसराज संकाय विकास केंद्र के सहयोग से सोशल नेटवर्किंग: द जनरल जेड पावर रिक्रूटमेंट टूल विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए

ईएमबीओ, मेयरहोफस्ट्रासे हीडलबर्ग, जर्मनी विश्वविद्यालय ऑफ ब्रिटिश, कोलंबिया के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (टीएचटीआई), एनसीआर बायोटेक क्लस्टर, फरीदाबाद के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

यूजीसी पैराश योजना के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस महाविद्यालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता

यूजीसी पैराश योजना के अंतर्गत डीएवी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फरीदाबाद के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

यूजीसी पैराश योजना के अंतर्गत एसवीएसडी महाविद्यालय भटोली के साथ हस्ताक्षरित समझौता

यूजीसी परमार्थ योजना के अंतर्गत एस एल बावा डीएवी महाविद्यालय बटाला के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

यूजीसी परमार्थ योजना के अंतर्गत एमसीएम डीएवी महाविद्यालय कांगड़ा के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन
स्ट्रीच स्कूल ऑफ मेडिसिन, लोयोला विश्वविद्यालय, आईएल यूएसए के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन गया
डेब्रेसेन विश्वविद्यालय, हंगरी के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन MOU signed with Federal Rural University of परंबुको, ब्राजी के संघीय ग्रामीण विश्वविद्यालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता जापन

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. अर्चना सिंह और ईएमबीओ, मेयरहोफस्ट्रासे हीडलबर्ग, जर्मनी से डॉ. अर्चना सिंह और प्रो. इयान टी बाल्डविन के साथ आणविक पारिस्थितिकी विभाग, मैक्स प्लैंक इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल इकोलॉजी, जेना, जर्मनी में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य शुरू करने के लिए तीन महीने की अवधि के लिए सहयोग।

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉ.क्टरल रिसर्च करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से डॉ. बलजीत कौर का दो वर्ष की अवधि के लिए सहयोग।

छात्रों के पारस्परिक आदान-प्रदान के लिए एक महीने की अवधि के लिए स्ट्रीच स्कूल ऑफ मेडिसिन, लोयोला विश्वविद्यालय, आईएल यूएसए से श्री. गोइकोचिया, स्टीवन और मिस जेसिका एल सिम्पसन के साथ सहयोग।

डॉ. बृजेश राठी का सहयोग डॉ. पी केम्पैय्या, लोयोला विश्वविद्यालय, शिकागो विश्वविद्यालय, अमेरिका के मेडिसिन विभाग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य शुरू करने के लिए।

डॉ. बृजेश राठी का सहयोग विश्वविद्यालय ऑफ डेब्रेसेन, हंगरी और फेडरल रूरल विश्वविद्यालय ऑफ परंबुको, ब्राजील के साथ पीएच.डी. पाठ्यक्रम वर्क और शॉर्ट पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक दस दिन से अधिक की अवधि के लिए।

पानी छानने का काम तकनीक अनुसंधान के संचालन के लिए सात महीने की अवधि के लिए लामारा टेक के साथ 13 एक्टस छात्रों का सहयोग।

उद्यमिता प्रकोष्ठ, हंसराज महाविद्यालय एक इनक्यूबेशन सेंटर (MHCIIE) पर काम कर रहा है, जिसमें भारत के लिए पेटीएम बिल्ड के सहयोग से स्टार्ट-अप्स को सलाह दी जाती है। एमएचसीआईआई के लिए मेंटर बोर्ड में परेश गुप्ता (सीईओ, जीसीईसी), भरत सेठी (सीईओ, शेल्फमैक) कुछ नाम शामिल हैं।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या:

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 84

कैंपस में भर्ती के लिए दौरा किया कंपनियों की संख्या: 84

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

महाविद्यालय के आयोजन और विस्तार और आउटरीच गतिविधियों के असंख्य में भाग लिया। इस वर्ष के मुख्य आकर्षण में एनसीसी के अंतर्गत एक वृक्षारोपण अभियान शामिल हैं जिसमें 160 छात्रों ने भाग लिया, स्वच्छ भारत योजना के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा स्पर्धा जिसमें 150 छात्रों ने भाग लिया। - बॉटनीक सोसायटी ऑफ महाविद्यालय ने मशरूम की खेती और बोनसाई मेकिंग पर हाथ पर कार्यशाला जैसे विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का भी आयोजन किया, जिसमें 6 शिक्षक समन्वयकों के अंतर्गत 60-80 छात्रों की भागीदारी देखी गई। महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के साथ एआईसीटीई ने स्मार्ट इंडिया हैकथन 2019-20 का आयोजन किया। महाविद्यालय के अधिनियमस समूह ने कोविड-19 महामारी के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में से कुछ भोजन और आवश्यकताओं को प्रतिज्ञा गैर सरकारी संगठन के लिए वितरित करना शामिल है; रौनक मदद हाथ के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित; जासूसी के साथ मामूली नशीली दवाओं के नशेड़ी कार्यक्रम के लिए मनोरंजक डेडडिक्शन जागरूकता; आशा के माध्यम से दृश्य बिगड़ा द्वारा बच्चों को डिजिटल साक्षरता प्रदान की।

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष लगभग 1262 नई पुस्तकें कुल राशि के लिए 9,28,181 रुपये में जोड़ी गईं। महाविद्यालय 49 ई-पुस्तकें जोड़ने में सफल रहा है और डल्स के माध्यम से ई-जर्नल्स तक पहुंच है। सर्कुलेशन, सिन्क्रोरिटी, स्टॉक वेरिफिकेशन और अन्य पुस्तकालय वर्क के लिए आरएफआईडी सिस्टम लागू है। कोहा, एक ओपन-सोर्स इंटीग्रेटेड पुस्तकालय मैनेजमेंट सिस्टम (आईएलएमएस) भी उपलब्ध है। पुस्तकालय में एक ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) भी काम कर रहा है। इस वर्ष विभिन्न पुरानी पुस्तकों और पत्रिकाओं की निराई-लिखी गई।

संकाय संख्या

कुल स्थायी: 114

कुल तदर्थ: 69

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 45,63,01,468

उपयोगित अनुदान: रुपए 43,97,06,442

हिंदू महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

हिंदू महाविद्यालय कला और विज्ञान धाराओं में देश में नंबर एक महाविद्यालय और इंडिया टुडे बेस्ट महाविद्यालय रैंकिंग 2021 में वाणिज्य में दूसरे स्थान पर है। ऑनलाइन मोड में काम करने की बाधा के बावजूद, महाविद्यालय के संकाय और छात्रों ने कई समृद्ध गतिविधियों में भाग लेने के लिए बोल्ड और

अभिनव तरीके तैयार किए। प्रत्येक विभाग सक्रिय रूप से वेबिनार और इंटरैक्टिव वार्ता ऑनलाइन आयोजित किया। भौतिकी विभाग ने आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से "प्रोग्रामिंग इन पायथन" शीर्षक से एक सफल ऐड-ऑन पाठ्यक्रम चलाया। दिसंबर 2020 में, रसायन विज्ञान विभाग ने पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य: हमारे विज्ञान पोस्ट कोविड-19 का विस्तार" पर एक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सह-आयोजन किया, पर्यावरण बचाओ, सीएसआईआर-नीरी, दिल्ली, रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, नॉर्थ इंडिया और पर्यावरण एवं सामाजिक विकास संघ, दिल्ली के सहयोग से। महाविद्यालय के विभिन्न समाजों ने भी आभासी दुनिया के लिए उत्कृष्ट रूप से अनुकूलित किया। इन समाजों द्वारा आयोजित कई गतिविधियों में कम्पास 2020 - कॉकस द्वारा एक वेबिनार श्रृंखला - हिंदू महाविद्यालय का चर्चा मंच, मई-जून 2020 में था। इस श्रृंखला में विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों के साथ बातचीत हुई- जिनमें डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, सुश्री शैलजा चंद्रा, प्रोफेसर दिनेश सिंह, श्री. हरीश साल्वे क्यूसी, डॉ. अरविंद पनगढ़िया, अम्ब लक्ष्मी पुरी और श्री. शेखर गुप्ता शामिल थे-जिनमें सभी ने शालीनता से अपनी बौद्धिक विशेषज्ञता साझा की।

सम्मान/गौरव

दो संकाय सदस्यों को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। डिग्री इस वर्ष सांख्यिकी विभाग से डॉ. नरेंद्र कुमार और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय के बायो टेक्नोलॉजी विभाग से डॉ. विवेक चोपड़ा।

रसायन विज्ञान में सहायक प्रोफेसर डॉ. देवांशी मागू को पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए एक गैर सरकारी संगठन सेव द एनवायरमेंट द्वारा युवा शोधकर्ता पुरस्कार (संकाय श्रेणी) से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण विज्ञान में सहायक प्रोफेसर डॉ. पल्लवी सक्सेना को 1 जनवरी 2020-31 दिसंबर 2021 से आईलिप्स समुदाय, यूके के प्रारंभिक कैरियर वैज्ञानिक नेटवर्क के लिए दक्षिण-एशियाई और मध्य-पूर्व क्षेत्र का अध्यक्ष चुना गया।

इतिहास की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा को भारत सरकार की विरासत संरक्षण समिति (एचसीसी) का सदस्य बनाया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए (2020) विनिर्माण लाभ: वैश्विक मूल्य श्रृंखला के निचले छोर पर अधिशेष निष्कर्षण के तरीके। जांच और पुनर्प्राप्ति: मार्किटिंग रिजर्किंग में निबंध (एड्स शंकर रे और सैबल गुप्ता)। दिल्ली: आकर बुक्स। अश्वी, पी. सिंह, ए. सिमुलेशन द्वारा इलेक्ट्रोस्टैटिक क्षमता और फील्ड वितरण को समझना। आईएपीटी फिजिक्स एजुकेशन, 36 (2), 1-20। आईएसएसएन नंबर: 0970-5953।

बसु, आर. (2020) महाद्वीपीय दर्शन: यूरोपीय महाद्वीप से चयन। दिल्ली: वर्ल्डव्यू पब्लिकेशन। ISBN-10: 9382267611, ISBN-13: 978-9382267614

चौधरी, ए. बी. आर. (2021) पूर्व औपनिवेशिक और औपनिवेशिक भारत में छोड़े पशु चिकित्सा साहित्य की परंपरा: फरस-नामा का लेखन। लोगों के इतिहास में अध्ययन। 8(2).

दे, गीतिका 2020 कानून बनाने का विरोध: भारत में सूचना के अधिकार कानून के लिए लामवंदी, 1990-2005। आईडीए निजेनहुइस et.al में। इतिहास में सूचना और शक्ति: एक वैश्विक दृष्टिकोण की ओर। लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज।

घोराई, एस., कौर, एच. एजोल का उपयोग कृषि में नैदानिक कैंडिडा आइसोलेट में अजोल-प्रतिरोध के संभावित कारण के रूप में किया जाता है। जैव विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एशिया। 17 (4).

गुप्ता, ए (2020) स्टैच्यू ऑफ यूनिटी या अवसर? एक तर्कात्मक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन इंजीनियरिंग एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (आईजेआरईएएम), 05, (01)।

कनौजिया, एस (2020) यूपी में दलित चेतना का विकास: 1900-1950 के दशक। शोध सरिता, खंड 7, अंक 27।

सक्सेना, पी., गोयल, ए., सक्सेना, पी., सोनवानी, एस., राठी, एस., श्रीवास्तव, ए., और भारती, ए.के. (2021)। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश, भारत के गैर-प्राप्ति शहरों में कोविड-19 लॉकडाउन में श्वसन योग्य कणों के कारण स्वास्थ्य लाभ की मात्रा। एरोसोल और वायु गुणवत्ता अनुसंधान। (<https://doi.org/10.4209/aaqr.200460>)।

शर्मा, आरके, यादव, पी, यादव, एम, गुप्ता, आर, राणा, पी, श्रीवास्तव, ए, जबरिल आर, वर्मा, आरएस एंटोनेट, एम., गावंडे, एम.बी, (2020) सहसंयोजक कार्बनिक चौखटे (सीओएफ_{त्स}) के हाल के विकास: संश्लेषण और उत्प्रेरक (कार्बनिक-इलेक्ट्रिक फोटो) अनुप्रयोगों, सामग्री क्षितिज, 7 (2), 411-454।

श्रीवास्तव, ए. (2021) शुरुआती लोगों के लिए ग्रीन केमिस्ट्री। सिंगापुर: स्टैनफोर्ड पब. ISBN 978-981-4316-96-5

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित: दो

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: एक

अनुसंधान परियोजनाएं

एसईआरसी, 2020-21, उच्च दक्षता के डिजाइन और विकास उल्टे जैविक सौर कोशिकाओं, राशि स्वीकृत, 700000 रुपये

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, 2020-21, इतिहास और राजनीति पर - अद्वैता - वेदांता और औपनिवेशिक भारत में स्वयं का विचार, राशि स्वीकृत, 47500

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, 2020, राशि स्वीकृत, 4,00,000 रुपये

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. तरुण संत, स्वतंत्र शोधकर्ता, ' इक्कीसवीं सदी के दक्षिण एशियाई विज्ञान कथा का महत्व ', 5 अप्रैल, 2021

प्रो. इयान हॉल, ग्रिफिथ विश्वविद्यालय, 'भारत की विदेश नीति', 11 फरवरी 2021

(स्वर्गीय) प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, नृविज्ञान के प्रोफेसर। "समाजशास्त्र का अध्ययन क्यों? 23 नवंबर 2020।

प्रो. विपिन सिंह, इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय। "नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग तकनीक और एप्लीकेशन", 18 जून, 2020।

आयोजित सम्मेलन

पर्यावरण, जल, कृषि, स्थिरता और स्वास्थ्य (ईवाश-2020): हमारी दृष्टि पोस्ट कोविड-19 का विस्तार। तिथि: 19 से 20 दिसंबर, 2020; द्वारा आयोजित: पर्यावरण बचाओ (अनुसंधान, जागरूकता और सामाजिक विकास के लिए एक सोसायटी) कोलकाता पश्चिम बंगाल, सीएसआईआर-नीरी, दिल्ली जोनल सेंटर द्वारा सह-आयोजित; रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, उत्तर भारत; पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली; रसायन विज्ञान विभाग, हिंदू महाविद्यालय

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

श्री अक्षय चौधरी ने 25-27 सितंबर 2020 से आयोजित अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय के सहयोग से न्यू लिटरेरी जर्नल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "पोस्टकोलोनियल: ग्रंथों और संदर्भों" में "द डायनेमिक्स ऑफ कल्चर एंड न्यू-लिबरल ग्लोबलाइजेशन इन पोस्टकोलोनियलिज्म" प्रस्तुत किया।

डॉ. पल्लवी सक्सेना ने एक शोध प्रस्तुत किया, "मेजर फॉयरवर्क फेस्टिवल के दौरान मानदंड वायु प्रदूषकों में भिन्नता और उत्तरी भारत के मेगासिटी में वायु गुणवत्ता पर सीमापार वायु जन आंदोलन का महत्व", AGU Fall वर्चुअल मीटिंग, 2020, सैन फ्रांसिस्को, यूएसए।

डॉ. पूनम सेठी ने शोध प्रस्तुत किया, "क्या भारत में कंपनियों का शेयरहोल्डिंग पैटर्न समकालीन समय में कॉर्पोरेट गवर्नेंस घटना को प्रतिबिंबित करता है?" इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस, सितंबर 2020 में।

डॉ. आदर्श सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध प्रस्तुत किया, "लो कॉस्ट हाइब्रिड भंवर कलेक्टर फॉर क्लीनिंग हाइड्रो इकोसिस्टम्स", निथिन वीपी, सैंड्रा एमपी, आदर्श सिंह, एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी पर 32 वें विश्व सम्मेलन 30-31 दिसंबर, गोवा, भारत के दौरान आयोजित किया गया।

डॉ. विवेक चोपड़ा ने पोस्टर पेश किया, "मलमोनास एसपी का विश्लेषण। दिल्ली में 18-19 जनवरी, 2020 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2020 में स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके दिल्ली क्षेत्र में यमुना नदी से।

5-6 नवंबर 2020 के दौरान एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन सम्मेलन में डॉ. रीमा गुप्ता ने "हालिया एडवांसेज इन फंक्शनल मैटेरियल्स" (आरएएफएम-2020) का शोध प्रस्तुत किया।

आरडीएबी-2020 में विशेषज्ञ डॉ. नेहा कपूर, आईआईआईटी इलाहाबाद में राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला हाल के विकास, 06-08 मार्च, 2020

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय में एक विद्यार्थी और संकाय विनिमय कार्यक्रम के लिए 2011 के बाद से सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत एनयूएस के विद्यार्थी प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में एक सेमेस्टर खर्च कर रहे हैं। अपने पहले वर्ष में, महाविद्यालय संबंधित विश्वविद्यालयों के साथ संबद्ध विश्वविद्यालय के समझौता ज्ञापन के माध्यम से हीडलबर्ग, जर्मनी और यूबीसी, कनाडा विश्वविद्यालय के छात्रों की मेजबानी कर रहा है।

महाविद्यालय समझौता ज्ञापन के माध्यम से विदेशी भाषा पाठ्यक्रम प्रदान करता है और जर्मन के लिए गेटे संस्थान, मैक्स म्यूलर भवन जैसे प्रसिद्ध संस्थानों के साथ संयुक्त सहयोग प्रदान करता है; स्पेनिश के लिए इंस्टीट्यूट सर्वेट्स, फ्रेंच के लिए एलायंस फ्रैंकाइज डी दिल्ली और रूसी के लिए स्लावोनिक और फिनो-उगारियन स्टडीज विभाग।

नियोजन

छात्रों की संख्या और प्रतिशत: लगभग 60% विद्यार्थी कला और विज्ञान पाठ्यक्रमों से हैं

40% वाणिज्य विभाग से हैं

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 52

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

महाविद्यालय में विस्तार गतिविधियों का आयोजन एनएसएस, एनसीसी और कुछ अन्य समाजों के माध्यम से किया जाता है, जो पर्यावरण सोसायटी (पंचतवा), समान अवसर प्रकोष्ठ (अंकुर), महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी), एक्टस आदि प्रमुख हैं। एनएसएस ने विभिन्न वर्चुअल कैंप के साथ ही रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, क्लॉथ डोनेशन ड्राइव, कलेक्शन ड्राइव, स्कॉलरशिप ड्राइव, जागरूकता अभियान, स्वच्छ कैंपस रैली का आयोजन किया।

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 28 कैडेटों ने भाग लिया; गणतंत्र दिवस शिविर, नौ-सैनिक शिविर में प्रतिनिधित्व; अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए शिविर का आयोजन; सर्जिकल स्ट्राइक दिवस, राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट = 11,73,250/- (बुक फंड) + 11,50,750 (पुस्तकालय विकास)

2020-2021 में जोड़ी गई पुस्तक = 312 पुस्तकों

इंटरनेट सुविधा = पुस्तकालय में वाई-फॉई सुविधा उपलब्ध हैं

संकाय संख्या : 163

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान रुपए 4446.00 लाख

उपयोगित अनुदान रुपए 5196.43 लाख

हौली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कोविड 19 महामारी के कारण प्रवेश परीक्षा नहीं हुई। शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के लिए आशावारों का चयन प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्वालीफाइंग परीक्षा की योग्यता के आधार पर किया गया था। बी.एससी (एच) नर्सिंग के लिए 53 छात्रों को प्रवेश दिया गया, बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) के लिए, 30 छात्रों और के लिए, एम.एससी नर्सिंग: 15 छात्रों को प्रवेश दिया गया। बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) और एम.एससी नर्सिंग छात्रों के लिए कुछ ऑफलाइन कक्षाओं की भी व्यवस्था की गई थी। आवश्यक नैदानिक अनुभव प्रदान करने के लिए छात्रों को वापस बुलाने से पहले, प्रत्येक समूह के लिए माता-पिता और छात्रों के साथ प्रधानाचार्य की एक ऑनलाइन बैठक अलग से आयोजित की गई थी ताकि उनके भय और चिंता को कम किया जा सके और उन्हें महाविद्यालय में वापस शामिल होने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जा सके। उन्हें क्लास टीचर्स ने भी सलाह दी। आईएनसी की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार क्लीनिकल घंटे कम किए गए और लैब में सिमुलेशन आधारित लर्निंग के घंटे बढ़ाए गए। छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए "कोविड-19" पर वेबिनार अलग से आयोजित किए गए थे। कोविड 19 के लिए धारण और दोफिंग और विशेष संक्रमण रोकथाम उपायों पर सत्र आयोजित किए गए। उनके नैदानिक अनुभव के दौरान दिन के विद्वानों के लिए पीपीई किट और छात्रावास की पर्याप्त आपूर्ति प्रदान करने में प्रबंधन की ओर से एक बड़ा समर्थन था। कोविड 19 सकारात्मक क्षेत्रों में छात्रों को अनुभव प्रदान किया गया। प्रबंधन द्वारा छात्रों को सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार सभी पीपीई प्रदान किए गए थे। छात्रों को सक्रिय रूप से कर्मचारियों के साथ कोविड 19 टीकाकरण में भाग लिया है।

एसएनए (विद्यार्थी नर्स संघ) गतिविधियों डिजिटल एसएनए चुनाव अक्टूबर 2020 के महीने में आयोजित किए गए और नए पदाधिकारियों और समिति के सदस्यों का चुनाव किया गया। छात्रों ने 3 और 4 जून, 2020 को एमटीएनएल डिजिटल स्वास्थ्य मेला और मेडिको मस्ती में भी भाग लिया और कविता प्रतियोगिता जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पुरस्कार प्राप्त किए { दूसरा पोसिटन, } वाद-विवाद प्रतियोगिता, [प्रथम स्थान] कोविड नवाचार [3 स्थान,] चित्रकला प्रतियोगिता {1 स्थान}, नृत्य प्रतियोगिता {3 स्थान}, स्लोगन राइटिंग [प्रथम]। छात्रों ने किया डिजिटल शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन 5 सितंबर 2020 को एम.एससी, बी.एससी (पोस्ट बेसिक) और बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग के आउटगोइंग बैचों को डिजिटल विदाई दी गई।

नर्सिंग के बुनियादी बातों के लिए टीएनएआई प्रक्रिया मैनुअल के संशोधन के भाग के रूप में एक फोटोशूट का आयोजन किया गया था और हमारे महाविद्यालय द्वारा 26 और 27 नवंबर 2020 को आयोजित सभी एसओपी कोविड -19 प्रतिबंधों से संबंधित रखते हुए

एचएफएच ओपीडी में बीएससी तृतीय वर्ष द्वारा रोल प्ले और स्वास्थ्य शिक्षा के साथ 9 अप्रैल 2019 को अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस वर्ष विषय सभी के लिए स्वास्थ्य था: हर कोई, हर जगह।

पोस्ट बेसिक द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा दिल्ली के दक्षिण पश्चिम जिले में छावला गांव के आंगनबाड़ी हब में भूमिका निभाने और स्वास्थ्य शिक्षा के साथ 29 जुलाई 2019 को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया गया। इस वर्ष विषय था: हेपेटाइटिस को नष्ट करने में निवेश

एचएफएच ओपीडी में रोल प्ले और हेल्थ एजुकेशन के साथ 2 दिसंबर 2019 को विश्व एड्स दिवस मनाया गया।

4 दिसंबर को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया गया। वसंत कुंज स्थित आईएलबीएस में पोस्टर एंड स्किट प्रतियोगिता में छात्रों ने हिस्सा लिया।

4 फरवरी 2020 को पवित्र परिवार अस्पताल, नई दिल्ली में रोल प्ले और स्वास्थ्य शिक्षा के साथ विश्व कैंसर दिवस मनाया गया था

प्रकाशन

बनर्जी, एस. (2019) स्टाफ नर्सों के बीच फॉर्मोकोविजिलेंस के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास पर एक स्व-निर्देशात्मक मॉड्यूल की प्रभावशीलता का आकलन करें। करंट मेडिसिन रिसर्च एंड प्रैक्टिस, 9, 93-97। <https://doi.org/10.1016/j.cmrp.2019.05.001>

भवाणा (2019)। गठिया से पीड़ित वयस्कों के बीच जोड़ों के दर्द पर एप्सोम नमक और गर्म पानी के आवेदन के साथ गर्म पानी के आवेदन की प्रभावशीलता का आकलन करें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 9 (10) DOI: 10.29322/IJSRP.9.10.2019.p94105।

गोस्वामी, एस (2019)। नई दिल्ली में चयनित शहरी समुदाय में बाल यौन शोषण की रोकथाम (सीएसए) के बारे में माताओं के ज्ञान और दृष्टिकोण का आकलन करें। जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड प्रैक्टिस, 9 (3)।

डिमरी, एन (2019) स्व अनुदेशात्मक मॉड्यूल विकसित करने के उद्देश्य से दिल्ली के चयनित अस्पतालों में भर्ती मायोकार्डियल इन्फेक्शन के साथ रोगियों की 24 घंटे देखभाल के बारे में स्टाफ नर्सों के ज्ञान का आकलन करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन रिसर्च 8:10 (1)।

पांडे, सी. (2019) नई दिल्ली में चयनित अस्पताल के एआरटी सेंटर में भाग लेने वाले किशोरों के जीवन की गुणवत्ता (13-19 वर्ष) का आकलन करना। युवा और किशोर स्वास्थ्य के भारतीय जर्नल। 6(1):28-35.

लॉरेस, एल. बाबू, सी (2020) तनावपूर्ण कारकों और कैंसर के साथ रहने वाले बच्चों के माता पिता के मुकाबला रणनीतियों का आकलन करें। विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 9 (2) DOI:10.21275/SR20218085541

लॉरेस, एल. बाबू, सी (2020) तनावपूर्ण कारकों और कैंसर के साथ रहने वाले बच्चों के माता पिता के मुकाबला रणनीतियों का आकलन करें। विज्ञान और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 9 (2) DOI:10.21275/SR20218085541

पारचा, एम. (2019)। बच्चों की पोषण स्थिति (3-5 वर्ष) का आकलन और उनकी माताओं के ज्ञान का संघ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 8 (9), 723-725। ART20201122.

रौतेला एम., थॉमस एस. इंटरमस्क्युलर इंजेक्शन के दौरान दर्द के स्तर पर हेलफर स्किन टैप टेक्निक की प्रभावशीलता का आकलन करें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन, 12, डोई: 10.5958/0974-9357.2020.00010.0

उनियाल आर. (2019) स्टाफ नर्सों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन की स्क्रीनिंग के संबंध में ज्ञान पर वीडियो असिस्टेड शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करें। इंडियन जर्नल ऑफ नर्सिंग स्टडीज, 10 (1), 47-55

अनुसंधान परियोजनाएं

बी.एससी इंटरन 5 समूहों में विभाजित है और मेड-सर्ज के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं का आयोजन किया। नर्सिंग, मिडवाइफरी, बाल रोग, और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग और मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग।

दूसरे वर्ष बी.एससी बाद 3 समूहों में विभाजित किया और चिकित्सा-बढ़ील के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजना का आयोजन किया। नर्सिंग, मिडवाइफरी, बाल रोग, और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग और मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग।

एम.एससी. नर्सिंग विद्यार्थी अपने संबंधित विशेषता क्षेत्रों में व्यक्तिगत अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन कर रहे हैं

आयोजित संगोष्ठी

एम.एससी. छात्रों ने 15-17 जुलाई 2020 से "कोकिला चैलेंज: ग्लोबल इनिशिएटिव टू नर्सिंग लीडरशिप" पर एक वेबिनार का आयोजन किया और आयोजित किया।

11 से 13 फरवरी 2021 तक नर्सिंग कर्मियों के लिए व्यक्तिगत विकास: एक तरह से व्यावसायिक विकास विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

2 से 4 मार्च 2021 तक 'इमरजेंसी नर्सिंग में नवाचार' विषय पर एम.एससी. नर्सिंग छात्रों द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

सम्मेलन/कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप भाग लिया

डॉ. रमिंदर कालरा निम्नलिखित सत्रों के लिए वक्ता थे:

11 फरवरी 2021 को "टाइम मैनेजमेंट"

13 फरवरी 2021 को "क्रिटिकल थिंकिंग एंड निर्णय"

"प्रभावी संचार: रोगी सुरक्षा के लिए एक टिकट" रैंकॉन में 9 फरवरी, 2021 को

23 मार्च, 2021 को कलावती सारण अस्पताल में "महामारी के दौरान मानवीय कारक"

श्रीमती एनी अवराचन 13 फरवरी 2021 को "नर्सिंग यूनिट और टीम बिल्डिंग में स्टाफ" के विषय पर सत्र के लिए एक वक्ता था

प्रो. सिमिल बाबू 11 फरवरी 2021 को और 13 फरवरी 2021 को "प्रेरणा" विषय पर सत्र के वक्ता थे।

सुश्री मलार सेल्वी 11 फरवरी 2021 को "मानव संबंध" विषय पर सत्र के लिए वक्ता थीं

सुश्री स्मिथा जोस विषय पर सत्र के लिए एक वक्ता था, "व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा" 12 फरवरी 2021 पर।

सुश्री गिजी जॉन विषय पर सत्र के लिए एक वक्ता था, "नर्सिंग में चिकित्सा कानूनी पहलुओं" 12 फरवरी 2021 को

सुश्री जिबालता देवी 13 फरवरी 2021 को "एडल्ट लर्निंग एंड प्रमोटिंग स्टाफ डेवलपमेंट" विषय पर सत्र की अध्यक्ष थीं।

सुश्री शेरी थॉमस 13 फरवरी 2021 को "व्यक्तिगत नेतृत्व कौशल और नेतृत्व प्रशिक्षण" के विषय पर सत्र के लिए एक वक्ता थे।

सुश्री जीजी जॉन विषय पर सत्र के लिए वक्ता थीं सुश्री अंशु तोमर 2 मार्च 2021 को "आपदा प्रबंधन" विषय पर सत्र के लिए वक्ता थीं।

सुश्री लिनी लॉरेंस 3 मार्च 2021 को "मनोरोग आपातकाल" के विषय पर सत्र के लिए एक वक्ता थे।

प्रो. सिमिल बाबू और सुश्री स्मिथा 4 मार्च 2021 को प्रसूति आपात स्थिति विषय पर सत्र के लिए वक्ता थे।

अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के साथ राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए 'परमार्थ' को बढ़ावा देने के लिए- उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद (नैक) मान्यता संस्थानों को सलाह देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) योजना

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या- 100%

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियाँ/उद्योगों की संख्या: --प्रोत्साहित नहीं किया गया क्योंकि सभी छात्रों को पसंद किया गया और उन्हें मूल अस्पताल (होली फैमिली अस्पताल) में नौकरी की पेशकश की गई।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

कोविड-19 लॉकडाउन और प्रोटोकॉल सामुदायिक परियोजनाओं और पोस्टिंग के कारण मार्च 2020 के मध्य से मध्य सितंबर 2020 तक निलंबित कर दिया गया था। सितंबर 2020 से बीएससी इंटर्न और पोस्ट बेसिक बीएससी द्वितीय वर्ष के लिए पोस्टिंग शुरू की गई थी। 26 सितंबर 2020 को गुप प्रोजेक्ट पोस्ट बीएससी द्वितीय वर्ष द्वारा एमसीएच सेंटर, डिफेंस कॉलोनी में मलेरिया विषय पर आयोजित किया गया था। 1 अक्टूबर 2020 को पोस्ट बीएससी द्वितीय वर्ष द्वारा एमसीएच सेंटर, डिफेंस कॉलोनी में प्रसव पूर्व देखभाल विषय पर समूह परियोजना का आयोजन किया गया था। स्कट ने 9 अक्टूबर 2020 को भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रसवपूर्व देखभाल और प्रसव पूर्व मां के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जनसंख्या को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया था, जिसमें बीएससी इंटर्न और पोस्ट बीएससी द्वितीय वर्ष कोविड 19 की रोकथाम पर एमसीएच सेंटर, डिफेंस कॉलोनी में ओपीडी में आने वाले लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए गए थे। नुक्कड़ नाटक में छात्रों कोरोना वायरस के रूप में काम किया और सोशल डिस्टेंसिंग, लगातार हाथ धोने और भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों से बचने की तरह रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया। 29 अक्टूबर 2020 को फिर दोनों बैच के छात्रों ने परिवार नियोजन पर गुप प्रोजेक्ट किया है। एमसीएच सेंटर, डिफेंस कॉलोनी में छात्रों ने विभिन्न गर्भनिरोधक विधियों और परिवार नियोजन की आवश्यकता को खूबसूरती से दर्शाया है। 6 नवंबर 2020 को बीएससी इंटर्न और पोस्ट बीएससी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी ने डिफेंस कॉलोनी स्थित जेरियाट्रिक कैरिन एमसीएच सेंटर पर गुप प्रोजेक्ट किया। 9 नवंबर 2020 को एमएससी नर्सिंग छात्रों को उनके एनपी सामुदायिक परियोजना के हिस्से के रूप में पीएचसी पालम में "मैं कर सकता हूं, मैं करूंगा" विषय के साथ कैंसर जागरूकता पर एक समूह परियोजना किया था। बीएससी तृतीय वर्ष द्वारा पीएचसी पालम में रोल प्ले और स्वास्थ्य शिक्षा के साथ 4 फरवरी 2021 को विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। 18 फरवरी 2021 को एसएससी द्वितीय वर्ष सामुदायिक विशेषता सशिराज फाउंडेशन शाद्रा में अपने बुजुर्ग गृह पोस्टिंग के दौरान, दिल्ली ने कैदियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया और उनके लिए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। 26 फरवरी और 5 मार्च 2021 को बीएससी तृतीय वर्ष आरएचटीसी नजफगढ़ और पीएचसी पालम में गैर संचारी डिसेस पर गुप प्रोजेक्ट का आयोजन किया। 26 फरवरी 2021 को सामुदायिक पोस्टिंग बी.एससी तृतीय वर्ष और जीएनएम तृतीय वर्ष की सारांश प्रस्तुति आरएचटीसी निदेशक और कर्मचारियों को दी गई। उन्होंने अपनी पोस्टिंग के दौरान हमारे विद्यार्थी के प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा एमएससी द्वितीय

वर्ष (सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग) द्वारा तैयार लेख और स्ट्रेचर के साथ एक सामुदायिक बैग उन्हें दिया गया था।

पुस्तकालय विकास

रैंक/अलमारी में पुस्तकों की संख्या: कुल संख्या : 96 : नर्सिंग: 24

जर्नल रैंक की संख्या: 5

टेबलों की संख्या : 28

टेबल/स्टूल की संख्या : 177

सीट रीडिंग रूम 5

उपलब्ध नर्सिंग पुस्तकों की संख्या: 1789

नवीनतम संस्करण नर्सिंग पुस्तकों की संख्या (1990 के बाद से): 945

नर्सिंग पत्रिकाओं की सदस्यता संख्या: 15

छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा उपलब्ध: हाँ

पिछले वित्तीय वर्ष में खरीदी गई पुस्तकें: 25

संकाय संख्या - 39

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महामारी कोविड-19 के प्रकोप के कारण विधानसभा आयोजित करने के लिए जूम आवेदन के साथ आयोजित एक 13.04.2020, 26 से 30 अप्रैल, 2020, 3 से 7 मई, 2020, 10 से 14 मई, 17 से 21 मई, 2020 और 24 मई से 25 मई को आनलाईन वेबिनार आयोजित किया। लाइव सत्र काउंसिल, मंशा और मूल्यांकन आयोजित किया। 21 जून, 2020 को 19 को योगासन और ध्यान पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। 22 और 23 जून, 2020 को योग और ध्यान प्रशिक्षण शिविर पर विस्तार सेवाओं/सामाजिक पहुंच पर दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। 18 नवंबर 2020 को 2020-21 के नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रों के साथ संकाय और शिक्षणोत्तर कर्मचारियों का एक ऑनलाइन परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया था। राजीव गांधी कैंसर संस्थान के सहयोग से एक दिवसीय कैंसर एवरनेस कार्यक्रम का आयोजन 24 फरवरी 2021 को आईजीआईपीईएस में किया गया था। सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए समय-सारणी के अनुसार दैनिक असेंबली का आयोजन किया गया है। उपस्थिति को क्रॉस चेक करने के प्रयोजनों के लिए, विद्यार्थी को उनकी अगली क्रिया/संक्षिप्त व्याख्यान या भाषण के लिए, परामर्श के लिए/किसी शिकायत/एस या कम आने के निवारण के लिए/छात्रों को अनुशासित करने के लिए/दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रणाली में पहली बार एक अनूठी गतिविधि के रूप में राष्ट्रगान के बाद राष्ट्रगान के बाद छात्रों/जनभागीदारी की उपलब्धि का संज्ञान लेना।

प्रकाशन

धनंजॉय, एस., ए. राणा ए. पटेल, एस. कुमार, एस. सिंह, डी (2021) शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के प्रति उनकी धारणा के संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर-सह-शैक्षिक महाविद्यालयों से संबंधित चयनित सात हितधारकों के समूहों की तुलना, आईजीआईपीईएस में खेल मनोविज्ञान पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

धनंजॉय, एस. राणा, ए. शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के प्रति चयनित सात हितधारक समूहों की धारणा के संबंध में दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर-शैक्षिक और सह-शैक्षिक कॉलेजों के बीच तुलना, आईजीआईपीईएस में खेल मनोविज्ञान पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

धनंजॉय, एस., (2018) Kinesiology और बायोमैकेनिक्स बढ़ाने के प्रदर्शन "विज्ञान रिपोर्टर-एक सीएसआईआर प्रकाशन, 23-24।

शॉ, धनंजय, (2018) खेल व्यक्तियों और संयंत्र आधारित प्रोटीन के बारे में मिथकों के लिए प्रोटीन "पोषण और खाद्य विज्ञान के ग्लोबल जर्नल। 1 (2), GJNFS.MSI ID.000507.

धनंजय, एस. (2021) व्यक्तिगत खेलों में शामिल महिलाओं के लिए स्वास्थ्य प्रश्नावली की विश्वसनीयता,, IGIPESS में खेल मनोविज्ञान पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

सिंह जे. तिवारी, एस. (2020) महाविद्यालय के छात्रों में मस्क्युलोस्केटल फिटनेस के साथ बीएमआई का संबंध "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स 5 (03): 1-6

मिश्रा जे. तिवारी, एस (2020) शारीरिक गतिविधि में भागीदारी का आकलन दिल्ली क्षेत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, खण्ड VIII नंबर 1 पृष्ठ 38-40 की बुजुर्ग महिला को एक महीने से।

मिश्रा ज्योति, सांध्य तिवारी (2020) दिल्ली क्षेत्र की बुजुर्ग महिलाओं के मनोवैज्ञानिक कल्याण का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, VIII (1): 41-43

गुप्ता के. , चकराता, एस (2020) पाठ्यक्रम विकास में पाठ्यक्रम मॉडल और डिजाइन का महत्व, मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड में अभिनव अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल: 759-762 (आईएसएसएन 2455-0620)

खरे पी., चक्रवर्ती, एस. नेगी, जी (2020) के कई संस्करणों से फीडबैक के माध्यम से चयनित कारकों का चित्रमय प्रतिनिधित्व और विश्लेषण स्तर फुटबॉल टूर्नामेंट, मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड 6 (17) में अभिनव अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल : एक

संपादकीय बोर्ड के संपादक /सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षक की संख्या: 07

संगोष्ठी/सम्मेलन का आयोजन

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से 29 मई 2020 को मोटापा मैनेजमेंट पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय के सहयोग से 09 जून 2020 को स्वस्थ होने पर दूसरा राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था।

विस्तार सेवाओं / सामाजिक आउटरीच पर 22-23 जून 2020 को योग और ध्यान प्रशिक्षण शिविर पर दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया।

इस विषय पर दो दिन का वेबिनार: जीतने के लिए मनोवैज्ञानिक रणनीतियां 23 - 24 जुलाई 2020 को आयोजित जिसमें प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

संकाय सदस्यों के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीम के प्रशिक्षण पर 19 अगस्त, 2020 को एक दिन वेबिनार।

आईक्यूएसी के अंतर्गत आईजीआईपीईएसएस द्वारा आयोजित 14-15 दिसंबर, 2020 को शिक्षक पदोन्नति के अनुपालन पर दो दिन का वेबिनार।

आईजीआईपीईएसएस में 25-26 फरवरी, 2021 को खेल प्रदर्शन के लिए मानसिक इमेजरी पर दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां/भागीदारी/वेबिनार*

डॉ. संदीप तिवारी, विशेषज्ञ;

पीईएफआई द्वारा 10 नवंबर 2020 को आयोजित खिलाड़ियों की तकनीकी और व्यावहारिक तैयारी पर वेबिनार।

क्वांटिफाइन ट्रेनिंग लोड पर वेबिनार - यूजीसी द्वारा आयोजित एक वैज्ञानिक तरीके से रीफ्रेशर पाठ्यक्रम - एचआरडी सेंटर, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय 05 नवंबर 2020 को।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा में 02 नवंबर 2020 को कैरियर और व्यावसायिक विकास पर वेबिनार।

गुजरात विद्यापीठ और स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय, गांधी नगर द्वारा संयुक्त रूप से 16 अक्टूबर 2020 को आयोजित कोविड - 19 शारीरिक गतिविधि और प्रतिरक्षा प्रणाली पर वेबिनार।

दिल्ली विश्वविद्यालय के लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय द्वारा 26 जून से 24 जुलाई 2020 के दौरान आयोजित विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में संकाय के लिए वेबिनार इंडक्शन/ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सम्मेलन का आयोजन

आईजीआईपीईएसएस में 09 -10 और 12 मार्च, 2021 को भारतीय शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग और खेल मनोविज्ञान संघ के सहयोग से खेल मनोविज्ञान सेवारत एथलीटों और कोचों पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता जापन वार्ता पर विचार किया जा रहा है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न संस्थानों के साथ अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग की प्रक्रिया चल रही है।

नियोजन

इस संस्थान के छात्रों को केंद्रीय विद्यालय स्कूल, नवोदय विद्यालय स्कूल और दिल्ली के एनसीटी के अन्य सरकारी स्कूलों (डीएसएसएसबी के माध्यम से) और दिल्ली के विभिन्न निजी स्कूलों में नौकरी मिली। हाल ही में वर्ष 2018 में डीएसएसबी के माध्यम से दिल्ली सरकार के स्कूलों में इस संस्थान के लगभग 140 छात्रों (बी.एससी. और बी.पी.एड.) की नियुक्ति की गई है।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

संस्थान के विधानसभा हॉल में 21 जून 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्र के बच्चों को समारोह में भाग लेने के लिए बुलाया गया था।

आईजीआईपीईएस में 24 फरवरी 2021 को राजीव गांधी कैंसर संस्थान के सहयोग से एक दिवसीय कैंसर एवरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

पुस्तकालय विकास

डिजिटल पुस्तकालय के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन, आईजीआईपीईएसएस के उपयोगकर्ताओं को डिजिटल प्रारूप में पूर्ण पाठ दस्तावेजों अर्थात् पुराने प्रश्न पत्रों, एम.पी.एड., बी.पी.एड. और बी.एससी. पाठ्यक्रम, सभी पीएच.डी.. थीसिस और 2013 के बाद से प्रदान किए गए सभी एम.पी.एड. शोध प्रबंधों तक पहुंच है। वर्तमान में आईजीआईपीईएसएस पुस्तकालय डाटाबेस "विद्या: पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर" एक्सएएमपीपी सर्वर के माध्यम से ऑन लाइन रखा गया है।

कुल पुस्तकालय संग्रह 12869 (9212 परिग्रहण पुस्तकें, 2300 वाचनालय, 729 थीसिस और 598 विभाग पुस्तकें) डेटाबेस और बार-कोडित में कंप्यूटरीकृत किया गया है जो ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से खोजा जा सकता है। पुस्तकालय ने भौतिक और डिजिटल सूचना संसाधन के उपयोग को बढ़ाने के लिए तीन पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

जर्नल सब्सक्राइब:

शोधबैक संस्करण :02 (अन्तर्राष्ट्रीय)

शोधबैक संस्करण :20 (राष्ट्रीय)

संकाय संख्या

स्थायी: 26 (स्थानापन्न प्रधानाचार्य सहित)

वित्तीय आवंटन और उपयोग

जीआईए वेतन

01.04.2020 को अव्ययित	रु 1,03,34,435
आवंटन	रु 13,01,65,565
कुल जीआईए प्राप्त	रु 132324374
व्यय	रु 13,99,74,691

जीआईए-वेतन के अलावा अन्य

को अव्ययित	रु 2,64,510
आवंटन	रु 97,35,489
कुल जीआईए प्राप्त	रु 97,35,489
व्यय	रु 58,82,745

जीआईए - खेल सुविधाओं को बढ़ावा देना

01.04.2020 को अव्ययित	रु 2188800
कुल जीआईए प्राप्त	रु 2188800
शेष राशि 31.03.2021 को	रु 2188800

जीआईए - कैपिटल एसेट्स

01.04.2020 को अव्ययित	रु 8741987
शेष राशि 31.03.2021 को	रु 8741987

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण और सीखने की सुविधा महाविद्यालय के साथ सभी घटनाओं आईपीसीडब्ल्यू के लिए अपने प्रमुख ऑनलाइन मंच शुरू करने के साथ, इलेक्ट्रॉनिक महाविद्यालय विवरणिका की पोस्टिंग के साथ अपना 97 वां वार्षिक दिवस मनाया। 'बेसिक्स ऑफ ऑनलाइन टीचिंग एंड लर्निंग' पर एक ऑनलाइन एफडीपी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के ऑडियो भंडार आवेदन, व्याख्यान हॉल, दृष्टिबाधितों (छठी) छात्रों के उपयोग के लिए विकसित की है, और विश्वविद्यालय भर में छात्रों के लिए सुलभ बनाया गया था। महाविद्यालय ने 70 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार और व्याख्यान श्रृंखला, 27 विभागीय कार्यक्रम, 9 ऑनलाइन क्विज़, 1 एफडीपी और 6 कार्यशालाओं का आयोजन किया। 53 सहयोगियों के पदोन्नति की प्रक्रिया को विधिवत मंजूरी दी गई। कोविड 19 की दूसरी वृद्धि के दौरान, आपात स्थिति के लिए दो ऑक्सीजन सिलेंडरों के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की गई। महाविद्यालय काउंसलर की सेवाएं सभी को उपलब्ध कराई गई। कोविड आपात स्थिति के लिए शहर में उपलब्ध संसाधनों का एक डाटाबेस तैयार किया गया था।

सम्मान/गौरव

हंसा रिसर्च सर्वे के परिणाम - द वीक बेस्ट कॉलेज रैंकिंग 2020 सितंबर 2020 के शुरू में घोषित किए गए थे। पहले 50 कॉलेजों में महाविद्यालय का ऑल इंडिया रैंक इस प्रकार था: आर्ट्स कॉलेजों के बीच रैंक 14 और कॉमर्स कॉलेजों के बीच रैंक 22 पहले 50 साइंस कॉलेजों के बीच महाविद्यालय को जगह नहीं मिल पाती थी। दिल्ली में, महाविद्यालय आर्ट्स कॉलेजों के बीच रैंक 8 में था और कॉमर्स कॉलेजों के बीच रैंक 7।

भारत के शीर्ष 120 व्यावसायिक कॉलेजों के लिए सितंबर 2020 के शुरू में प्रकाशित आउटलुक पत्रिका के सर्वेक्षण के आधार पर, महाविद्यालय को कला कॉलेजों के बीच ऑल इंडिया रैंक 13 और दिल्ली के आर्ट्स कॉलेजों के बीच रैंक 9 पर रखा गया था।

प्राचार्य प्रो बबली मोड़ना सराफ, सुश्री स्वाहा स्वेताबाड़ा दास, गांधी स्टडी सर्कल की संयोजक और विद्यार्थी प्रतिनिधि सुश्री अमीषा पारीक को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गांधी 150 के समापन समारोह के अवसर पर गांधी विचार के संवर्धन एवं प्रसार में विलक्षण योगदान के लिए सम्मानित किया गया (गांधी विचार के प्रचार-प्रसार में अप्रतिम योगदान के लिए)।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार सदस्य देशों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग में वित्तीय सुरक्षा पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ एक परामर्श से सम्मानित डॉ. रोपली गोयनका को सम्मानित किया गया।

डॉ. हर्ष बाला शर्मा को 11 नवंबर, 2020 को साहित्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए स्वर्ण भारत परिवार द्वारा भारतेन्दु हरिश्चंद्र राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान 2020 से सम्मानित किया गया।

डॉ. नविन तिवारी ने 24 जुलाई, 2020 को अपनी फिल्म हाइड एंड सीक के लिए 'जैव विविधता' विषय पर तीन मिनट की फिल्म प्रतियोगिता सीएमएस वातावरण में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीता।

अकादमिक रणनीतिकार डॉ. मीना भार्गव को दिल्ली विश्वविद्यालय की क्यूएस ग्लोबल रैंकिंग का नोडल अधिकारी नामित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

दिल्ली विश्वविद्यालय के 27 फरवरी 2021 को आयोजित 97वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020 के लिए हमारे छात्रों को 6 पदक और पुरस्कार दिए गए हैं।

विश्वविद्यालय परीक्षाओं 2019-2020 में हमारे छात्रों द्वारा 31 विश्वविद्यालय पदों को सुरक्षित किया गया है।

व्यक्तिगत पहल के लिए प्रधानाचार्य ऑनर रोल और पाठ्यक्रम से परे महत्वपूर्ण उपलब्धि 87 छात्रों को सम्मानित किया गया।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के 38 छात्रों को संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम फेलोशिप, 2021 की कक्षा, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की खोज में उनकी आउटरीच परियोजनाओं और पहल के लिए सम्मानित किया गया और 18 छात्रों को कैपस एंबेसडर नियुक्त किया गया।

संयुक्ता गोयला, मनोविज्ञान (ऑनर्स) तृतीय वर्ष को अप्रैल 2020 में सैन फ्रांसिस्को बेनामी पीयर सपोर्ट नेटवर्क में अंशकालिक आधार पर पीयर सपोर्ट मॉडरेटर के रूप में चुना गया था।

अनन्या गुप्ता, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष और उनकी टीम ने एशियाई व्यापार अकादमी, सियोल द्वारा आयोजित विश्व एशियाई मामले प्रतियोगिता में भाग लिया। टीम को 8 अगस्त, 2020 को 'सिल्वर कप विजेता' घोषित किया गया था।

बी.एससी. के चनमई चाहर और सोनमसी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस, द्वितीय वर्ष ने 2 फरवरी 2021 को एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कट्टानकुलाथुर और इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, चेन्नई द्वारा आयोजित नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी (आईकोएन 2021) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीडिंग नैनोसाइंस इन यंग माइंड्स- लाइव इंटरैक्शन विद नैनोसाइंट्स' कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार जीता।

द्वितीय वर्ष की बीए (कार्यक्रम) की विदुषा श्रीवास्तव को स्लोगन राइटिंग की श्रेणी में शामिल किया गया और 23 मार्च 2021 को महाविद्यालय में आयोजित शहीद दिवस समारोह के अंतर्गत केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

पुस्तकें प्रकाशित	4
पुस्तक समीक्षाएं	5
संपादित पुस्तकों में अध्याय	13
शोध शोध	34
समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लेख	50

बेरी, सुराज (2020) पूंजी और स्थानीय संदर्भों की गतिशीलता: गुजरात में पाटीदार प्रतिरोध को समझना। वी सुजाता में। वैश्विक पूंजी और सामाजिक अंतर। रूटलेज। आईएसबीएन संख्या.978-081-53-6049-0

भार्गव, मीना (2020) अकबरनामा: विश्व साहित्य में फॉरसी क्रॉनिकल '। के सेग्न्यूरी में एड विश्व साहित्य के लिए एक साथी। होबोकेन: विले ब्लैकवेल। आईएसबीएन नंबर 978-1-118-99318-7

दास, निटू (2020) ' जले शोध' ए. कश्यप। विद्रोह की कहानी का किस प्रकार बखान किया जाए: असम से पंद्रह दास्तां। नई दिल्ली: हार्पर कोलिंस इंडिया। आईएसबीएन संख्या 978-9-353-57652-3

दास, निटू (2020) क्रोबाइट नई दिल्ली: लाल नदी। आईएसबीएन संख्या 978-81-948164-2-3

दत्ता, श्रीजाय (2020) क्या यह पॉप बनाता है? लोकप्रिय कथा में अध्ययन के लिए एक परिचय। नई दिल्ली: वैश्विक नजरिया। आईएसबीएन संख्या 978-93-82267-64-5

गेरा, गगन। (2020) डिजिटल स्ट्रीमिंग: बादलता फिल्म उद्योग। एस मिश्रा में। डिजिटल क्रांटी और हिंदी। नई दिल्ली: अनंग प्रकाशन। आईएसबीएन संख्या 978-81-94516-25-5

जांगड़ा, सीमा (2020) ' वास्तविक संपर्क निशान का उपयोग कर वाहनों में देरी सहिष्णु नेटवर्क का प्रदर्शन विश्लेषण '। वी. गुंजन में आईसीआईसीसीटी 2019 - सिस्टम विश्वसनीयता, गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा, रखरखाव और प्रबंधन। सिंगापुर: स्प्रिंगर। आईएसबीएन नंबर 978-981-13-8461-5

मिश्रा, अच्युत नंद (2020) ' कबीर' नई दिल्ली: अनाया प्रकाशन। आईएसबीएन संख्या 978-93-89191-30-1

शर्मा, हर्ष बाला (2020) 'रितिकलीन काव्या और नायकता के दयारे के विस्तार की आवश्यकता'। एम गर्ग में। स्ट्री परिजन अजर एसई रितिकालाल। नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। आईएसबीएन नंबर 978-93-89563-80-1

सिन्हा विनीता (2020) ' खाली बटुआ (ट्रांस.)' एस. सेन. अनामिका में, मेरा टाइपराइटर मेरा पियानो: चयनित कविताएं हैं। नई दिल्ली: आर्क आर्ट्स. आईएसबीएन नंबर 978-1-899179-39-8

सोनकर, मधुलिका (2020) शैक्षिक अनुसंधान में पावर, पोजिशनलिटी और नृवंशविज्ञान। जी नोब्लिट में। शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों का ऑक्सफोर्ड विश्वकोश। ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस। आईएसबीएन नंबर 978-01-90643-75-1

स्वामी, अनीता (2020) 'अद्वैता वेदांत समक्ष एपसारा'। नई दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन। आईएसबीएन नंबर 978-93-85539-87-9

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : एक

संपादकीय बोर्ड के संपादक /सदस्य के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 4

अनुसंधान परियोजनाएं

शताब्दी दशक के स्नातक-पूर्व रिसर्च ग्रांट 2020 को बारह छात्रों को महाविद्यालय के विषयों में छह परियोजनाओं के लिए सम्मानित किया गया।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया परियोजना, 'सुल्तान रज़िया की जीवनी', राशि स्वीकृत 30, 000 सुश्री रुचिका शर्मा

गांधी रिसर्च फाउंडेशन, जलगांव, 'स्पेनिश और अंग्रेजी में गांधीना ग्रंथसूची जिसमें गांधीना साहित्य हिस्पैनिक दुनिया में प्रकाशित होता है'। राशि, 30,000/- हरि नायर और योगेंद्र शर्मा

जुबां-सकावा पीस फाउंडेशन पूर्वोत्तर के युवा शोधकर्ताओं के लिए ' किचन से बाहर: असम में मुस्लिम घरेलू कामगारों की कहानी' शीर्षक वाली परियोजना के लिए राशि 35, 000- रितुपर्णा पाटगिरी

आयोजित संगोष्ठी/वेबिनार

सेंटर फॉर इंटर-डिसिप्लिनरी स्टडीज (सीआईडीएस) ने आईपीसीडब्ल्यू-ऑन पर 'अंतःविषय पूछताछ इन थ्योरी एंड मेथड्स' शीर्षक से वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया। 6 अक्टूबर, 2020

दर्शनशास्त्र विभाग ने 28 अक्टूबर, 2020 को 'बायोएथिक्स: हेल्थ एंड रिस्पॉन्सिबिलिटी इन कंटेम्परेरी टाइम्स' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

अर्थशास्त्र विभाग ने 3 अक्टूबर, 2020 को अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

मल्टी मीडिया और मास कम्युनिकेशन विभाग ने 25-28 अगस्त 2020 तक 'परिचय टू मल्टी मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन टूल्स: थ्योरी से प्रैक्टिस' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'कोविड-19 का अनुभव: महिला फ्रंटलाइन वॉरियर्स' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। न्यूयॉर्क यूएसए के डब्ल्यूएमसीएल के डॉ. गायत्री गोस्वामी और असम के गुवाहाटी के मारवाड़ी अस्पताल के डॉ. अन्नू सिंघी को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

आयोजित सम्मेलन

हिंदी साहित्य सभा ने 2 -3 नवंबर, 2020 को 'भाषा शिक्षण के विविध प्ररूपेवम चुनौतियान' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

भूगोल विभाग ने सप्ताह के लगातार हर शनिवार को 23 जनवरी से 27 फरवरी 2021 तक 'महामारी और अंतरिक्ष उत्पादन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय बोलचाल का आयोजन किया।

महाविद्यालय के अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र ने 12 फरवरी 2021 से 23 अप्रैल 2021 तक दक्षिण एशियाई अध्ययन कार्यक्रम, प्रिंसटन विश्वविद्यालय के सहयोग से 'भारत में महिलाओं के लेखन: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य' पर एक अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने 26 फरवरी, 2021 को स्नातक संस्थान, जिनेवा के सहयोग से कल्याणकारी सेवाएं और एलुमना कनेक्ट पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया। सुश्री मोनीदीपा मुखर्जी और सुश्री सफाँ ए. रहीम को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था

इंटर-डिसिप्लिनरी स्टडीज के लिए केंद्र ने 10 मार्च २०२१ को श्री परमेश्वरन अय्यर की एक पुस्तक ' परदे के पीछे: द लाइफ ऑफ ए सिविल सर्वेंट ' पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

बाहुखानी, अनिमा ने एक शोध प्रस्तुत किया। ' ट्रेसिंग कम ज्ञात इतिहास: पद्धतिगत प्रतिबिंब'। इंडियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज (आईएसएसएस) का पहला वार्षिक सम्मेलन: दक्षिण एशिया पर पुनर्विचार: वैकल्पिक प्रतिमान, प्रथाएं और प्रवचन। सेंटर फॉर अकथनीय अध्ययन इन सोशल साइंसेज, नई दिल्ली, 7 - 9 नवंबर 2020।

बोराह, जयश्री ने एक शोध लड़ा यादें और वापसी के संस्कार: पढ़ना सिद्धार्थ देब की द पॉइंट ऑफ रिटर्न ' प्रस्तुत किया। 'एशियाई डायस्पोरिक साहित्य: अतीत, वर्तमान और भविष्य' पर साहित्य पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। अंग्रेजी अध्ययन अनुभाग, मानविकी के स्कूल, विश्वविद्यालय सेन्स, मलेशिया, 29 - 30 जुलाई 2020.

दत्ता, श्रीजॉय एक शोध प्रस्तुत किया, 'मंत्रमुग्ध सर्कल में परियों: शिक्षा में समलैंगिक विश्लेषण'। लैंगिक अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में लंदन सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, 5 सितंबर 2020।

गेरा, गगन ने एक शोध प्रस्तुत किया, 'नेटवर्क सोसायटीज एंड चेंजिंग डायनेमिक्स ऑफ मीडिया कम्युनिकेशन: दिल्ली दंगों 2020 के दौरान सार्वजनिक प्रवचनों का एक केस स्टडी'। 'समुदाय, एजेंडा और समाचार के मुद्दे' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। डीएमई मीडिया स्कूल, दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन, नोएडा, 25-28 मार्च 2020।

गोराई, बिथिका ने एक शोध प्रस्तुत किया, 'महाभारत में पारिस्थितिक चिंताएं'। स्वदेशी अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन। केप कोमोरिन ट्रस्ट, भारत, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज, सदर्न क्रॉस विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, 20 - 22 अगस्त 2020।

मेहता, दिव्या ने एक शोध पेश किया, 'हेल्थ एंड इलनेस: रीपरि राइट्स इन इंडिया'। एशियाई अध्ययन पर 14वां वार्षिक सम्मेलन। पलाकी विश्वविद्यालय, ओलोमोक, चेक गणराज्य, 20-21 नवंबर 2020।

साहा, अनिदिता रॉय और तिवारी, नविन कुमार ने एक शोध प्रस्तुत किया, 'वन्यजीव व्यापार और वैश्विक महामारी: नीतिगत अंतराल और आगे की सड़क का विश्लेषण'। 'सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट-सर्कुलर इकोनॉमी (IconSWM-CE) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट एयर एंड वाटर, कोलकाता, 2- 7 दिसंबर 2020।

सरकार, सोमा ने गोदावरी बेसिन में जल संसाधन की स्थिति का जीआईएस आधारित बहु-मापदंड आकलन एक शोध प्रस्तुत किया। आईजीयू इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (वर्चुअल) 2020, पृथ्वी विज्ञान संकाय, एमएलएसयू, उदयपुर, आईजीयू कमीशन, 18 - 20 दिसंबर, 2020 के सहयोग से।

सेनगुप्ता, देबजानी। एक शोध प्रस्तुत किया, 'भारत और पूर्वोत्तर का विभाजन'। 'न तो पूर्व और न ही पश्चिम: पोस्टकोलोनियल प्रवचनों के विस्टास' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। अंग्रेजी विभाग, महिला महाविद्यालय, अगरतला, 9 अगस्त, 2020।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए

अन्तर्राष्ट्रीय

मिडलबरी स्कूल, वरमोंट, यूएसए, अप्रैल 2019

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

अन्तर्राष्ट्रीय

महाविद्यालय कैपस में नोबेल-भारत राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी की मेजबानी स्वीडन का दूतावास करेगा

ईरानी अध्ययन संस्थान, जॉर्ज-अगस्त-

आईसीआरसी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस और रेड क्रसेंट मूवमेंट की गतिविधियों पर रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी)

प्रिंसटन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका व्याख्यान शृंखला की मेजबानी करेगा: फरवरी-अप्रैल 2021

राष्ट्रीय

बालीपारा फॉउंडेशन

संग्रहालय और अभिलेखागार लर्निंग रिसोर्स सेंटर के नवीकरण और विस्तार के लिए हेरिटेज एसोसिएट्स

इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी महिला विश्वविद्यालय

लोकतंत्रशाला

शेक्सपियर सोसायटी ऑफ इंडिया

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या: 111

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 54

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

एक्टस आईपीसीडब्ल्यू

परियोजना ध्यान-कॉलेज कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम

'नो वेस्ट लीव्य द कैंपस ' नारे के अंतर्गत परियोजना निदान-अपशिष्ट प्रबंधन

प्रोजेक्ट नूर-कॉलेज कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम

पुस्तकालय विकास

31/03/2021 को पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 95959

2020-2021 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या 583

2020-2021 के दौरान वापस ली गई पुस्तकों की संख्या (-) 8

ई-संसाधनों की कुल संख्या (सीडी/डीवीडी) 349

अकादमिक पत्रिकाओं की सदस्यता की संख्या 87

पत्रिकाओं की सदस्यता की संख्या 25

बाउंड पत्रिकाओं की संख्या 4775

ऑनलाइन सेवाएं

डिजिटाइज्ड प्रश्न शोध, पाठ्यक्रम आदि का ई-वितरण।

ई-जर्नल और ई-डाटाबेस दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सदस्यता (दोनों कैंपस में और दूर से सुलभ)

ई-संदर्भ सेवा

पुस्तकालय वेब पोर्टल महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से सुलभ

इंटर-पुस्तकालय ऋण अनुरोध प्रस्तुत करना

यूजीसी-एनलिस्ट और डेलनेट डेटाबेस से कहीं से भी 24x7 सुलभ

महाविद्यालय कैंपस में वेब-ओपीएसी सुलभ

पीडब्ल्यूडी/दृष्टिबाधित (दिव्यांग) छात्रों और संकाय के लिए विशेष सुविधाएं और सेवाएं

दृष्टिबाधितों के लिए एटलस ('इंडिया'-नेशनल एटलस एंड थेमैटिक मैपिंग ऑर्गनाइजेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार, कोलकाता, 2017 द्वारा प्रकाशित)

ब्रेल किताबें, जर्नल, शब्दकोश और संदर्भ पुस्तकें

कंप्यूटर और स्कैनर सुसज्जित स्क्रीन रीडर सॉफ्टवेयर

डेजी किताबें (बात करने वाले किताबें)

एम्बोसर (ब्रेल प्रिंटर)

नोट पुस्तकों के साथ लेक्स-एयर कैमरा (प्रिंट असिस्टिंग डिवाइस)

लिफ्ट के साथ पुस्तकालय पूरी तरह से सुलभ

स्क्रीन रीडर सॉफ्टवेयर से लैस कंप्यूटरों के साथ विशेष कक्ष

तीन में एक एंजेल पॉकेट डेज़ी खिलाड़ी

संकाय संख्या

स्थायी	83
अस्थायी	1
तदर्थ	78
संविदात्मक	5
अतिथि	8

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: ₹ 44,83,85,362

उपयोगित अनुदान: ₹ 42,89,08,022

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने अपनी एनआईआरएफ रैंकिंग में सुधार करते हुए 10 स्थान ऊपर 43 वें रैंक पर आगे बढ़ रहा है। महाविद्यालय ने इलेक्ट्रॉनिक महाविद्यालय प्रॉस्पेक्टस की पोस्टिंग के साथ अपने फ्लैगशिप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म आईपीसीडब्ल्यू-ऑन की शुरुआत की और आगे महाविद्यालय पर सभी ऑनलाइन गतिविधियों को सुगम बनाया। महाविद्यालय ने दो प्रमुख पहलों के साथ विविधता, समावेशन और एकीकरण के अपने सर्वोत्तम अभ्यास को समेकित किया:

ओबीई के प्रयोजनों के लिए नेत्रहीन छात्रों के लिए 'ऑडियो भंडार ऐप' तक पहुंच।

महामारी के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने वाले ऐसे सभी छात्रों को शुल्क माफी, शुल्क रियायत, किशतों में शुल्क भुगतान और वित्तीय सहायता का एक बार उपाय।

8 अक्टूबर, 2020 को कोविड-19 जागरूकता प्रतिज्ञा का आयोजन किया गया था।

महाविद्यालय ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया।

25 जनवरी 2021 को शपथ ग्रहण समारोह के साथ राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया।

आजादी के 75 वर्षों के अमृत महोत्सव के आयोजन के संबंध में शिक्षा मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना के अनुपालन में महाविद्यालय ने निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। शहादत, शहीद दिवस के 90 वर्ष पूरे होने के संबंध में संकायाध्यक्ष विद्यार्थी कल्याण से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में महाविद्यालय ने निबंध, नारा, कविता व गीत लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। महाविद्यालय ने प्रतिस्पर्धी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वीडियो फिल्म के लिए प्रथम पुरस्कार जीता; सर्वश्रेष्ठ रोज गार्डन के लिए समाजशास्त्र कप विभाग; सर्वश्रेष्ठ गार्डन पर्वतारोहियों, झाड़ियों और पेड़ों के लिए भूगोल कप विभाग; और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 63 वें वार्षिक फ्लावर शो में पॉटेड प्लांट्स और हैंगिंग बास्केट श्रेणियों में 5 पुरस्कार। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की समीक्षा करने और सत्र के लिए अकादमिक एजेंडा और शैक्षणिक प्रथाओं की शुरुआत करने के लिए कर्मचारी परिषद के ऑनलाइन अकादमिक कांग्रेस में अपनी वार्षिक अकादमिक लेखा परीक्षा आयोजित की। आईक्यूएसी के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आईपीसीडब्ल्यू-ऑन पर जुलाई-30, 2020 से 'बेसिक्स ऑफ ऑनलाइन टीचिंग एंड लर्निंग' पर एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) आयोजित किया गया था।

पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा 18 अगस्त से 15 सितंबर, 2020 तक सेंटर फॉर अर्थ स्टडीज के तत्वावधान में 'पारिस्थितिकी, पर्यावरण और स्थिरता' में ऑनलाइन प्रमाण शोध पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया था।

परियोजना वृद्धि के हिस्से के रूप में, ईओसी और यूरोपीय संघ ने 'रिज्यूम बिल्डिंग एंड संवादी कौशल' और 'व्यक्तिगत साक्षात्कार' पर दो ऑनलाइन पाठ्यक्रम किए।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस का अवलोकन करने के लिए ईओसी और यूरोपीय संघ ने 'भारत में विकलांगता आंदोलन' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया।

बीए कार्यक्रम के सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम, परवाज ने 18 फरवरी, 2021 को 'ओवरथिंकिंग और भलाई पर इसके प्रभाव' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

संस्कृत विभाग ने 22 फरवरी, 2021 को संस्कृत दिवस के आयोजन पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

परिचर्चा मंच ने संविधान दिवस के अवसर पर 'समविधन: भारत के संविधान निर्माण' पर चर्चा के बाद एक वृत्तचित्र स्क्रीनिंग का आयोजन किया।

पृथ्वी अध्ययन केंद्र ने 2 मार्च, 2021 को 'मौजूदा हरित आवरण और भविष्य के लिए सबक की धूल पर कब्जा करने की क्षमता: इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली (द्वितीय चरण) का अध्ययन' पर परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने 8 मार्च, 2021 को 'कोविड'19 का अनुभव: महिला फ्रंटलाइन वॉरियर्स' और महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जो 21वीं सदी में नारीवादी कार्रवाई और सक्रियता ' पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।

इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स (आईएचई) दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख संस्थान है, जो महिला छात्रों को समग्र मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करता है। वर्ष 2020-21 एक विशेष वर्ष रहा है, क्योंकि विश्वविद्यालय ने जिन परिस्थितियों का सामना किया है, वे अद्वितीय और अभूतपूर्व रहे हैं, जिसमें वर्ष के प्रमुख हिस्से को लॉकडाउन में बिताया गया है। प्रचलित महामारी, शिक्षण और अन्य आदानों कि शिक्षण सीखने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक थे द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के समाधान में ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित कर दिया, गूगल कक्षाओं का उपयोग कर और गूगल तत्परता के साथ मिलते हैं। चुनौतियों के बावजूद महाविद्यालय ने नियमित अकादमिक गतिविधियों के अलावा वर्ष भर में वेबिनार, प्रशिक्षण, प्रतियोगिताएं, इंटरनशिप आदि जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया। प्रख्यात शिक्षाविदों, चिकित्सकों, सरकारी अधिकारियों, संगठनों के प्रमुखों को छात्रों और कर्मचारियों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। राष्ट्रीय सामाजिक न्याय दिवस, राष्ट्रीय आत्मकेंद्रित दिवस, विश्व खाद्य दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जैसे कई राष्ट्रीय दिवस मनाए गए। इस वर्ष के दौरान, महाविद्यालय ने वर्ष 2020-2021 के दौरान विभिन्न पर्यावरण अनुकूल "हरित प्रथाओं" और स्थिरता पहल की। एरोबिन के उपयोग के साथ जैविक कंपोस्टिंग कैंटीन और खाद्य पदार्थों और पोषण प्रयोगशालाओं से गीला और खाद्य अपशिष्ट का उपयोग करने के लिए खाद बनाने के लिए लिया गया था। सूखी पत्तियों और बगीचे के कचरे के लिए वर्मीकंपोस्टिंग कार्बनिक खाद उत्पन्न करने के लिए जारी है। गो ग्रीन पहल के हिस्से के रूप में महाविद्यालय के कैंपस में पच्चीस सोलर लाइटें लगाई गई थीं। जल संचयन और प्लास्टिक को खत्म करने के प्रयास पर्यावरण संरक्षण पहलों का हिस्सा हैं। कई समुदाय आउटरीच गतिविधियों जहां विद्यार्थी समुदाय के लिए प्रदर्शन दिया इस वर्ष के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का हिस्सा थे।

सम्मान/ विशिष्टता

निदेशक प्रो गीता त्रिलोक-कुमार कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों की सदस्य हैं जैसे:

स्वस्थ जीवन शैली प्रक्षेप पथ पहल के लिए सदस्य संचालन समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक बहुदेशीय पहल मार्च 2021 के बाद;

सदस्य शासी निकाय, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई);

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के लिए एनसीडी नीति समूह के सदस्य;

पोषण एवं आइडी सेल, महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित "संतुलित एवं स्वस्थ आहार" पर चेयरपर्सन टास्क फोर्स;

यूके फंडिंग एजेंसियों (एमआरसी, न्यूटन फंड, बीबीआरसी, आदि) के लिए परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए यूके रिसर्च इनिशिएटिव (यूकेआरआई) महाविद्यालय के सदस्य;

सदस्य, तकनीकी सलाहकार समूह, व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और यूनिसेफ

डॉ. सीमा पुरी को खाद्य पदार्थों, न्यूट्रास्यूटिकल्स, डाइटेटिक्स और इसी तरह के अन्य उत्पादों पर और लेबलिंग, दावों और विज्ञापनों पर सदस्य एफएसएसएआई साइंटिफिक पैनल के रूप में नियुक्त किया गया था।

सुश्री शिप्रा गुप्ता को एनीमिया मुक्त भारत (अम्ब) तकनीकी सहायता, आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली के लिए मातृ पोषण पर एक विशेषज्ञ, पैनल के रूप में रखा गया था; उन्हें 2 सितंबर 2020 को होम इकोनॉमिक्स एसोसिएशन -नागपुर चैंप्टर द्वारा आयोजित "खाओ सही दंश बाय बाइट" विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार भी मिला।

सुश्री आकांक्षा चंद और डॉ. वंदना सभवाल। महिला स्वास्थ्य और पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में रजोनिवृत्ति जटिलताओं की गंभीरता से जुड़े शोध पोषण कारकों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति में तीसरे स्थान पर: सक्षम सोसायटी, जयपुर राजस्थान, भारत द्वारा नरसिंह चौधरी स्वायत्त महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित उभरते रुझान और चुनौतियां पर आयोजित।

डॉ. प्रीति खन्ना, स्कोप स्कूल ग्लोबल स्कॉलरशिप ऑन मोटापा और मानसिक स्वास्थ्य- वर्ल्ड मोटापा फेडरेशन, मार्च 2021

डॉ. गीता चोपड़ा "पूर्वस्कूली शिक्षा में प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास" एनसीईआरटी के लिए ऑनलाइन समीक्षा कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य; सदस्य, 'पूर्वस्कूली शिक्षा और मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक, एनईपी, एनसीईआरटी (2020) पर कार्य शोध की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए कार्य समूह।

डॉ. चारु गुप्ता को तकनीकी विशेषज्ञ, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर, एईपीसी, दिल्ली के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. अमिता वालिया एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के फैकल्टी ऑफ फैशन एंड डिजाइन के बोर्ड ऑफ स्टडीज में हैं। उन्होंने थीसिस राइटिंग और फैब्रिक सेलेक्शन जैसे विषयों पर डार अल-हेकामा विश्वविद्यालय जेद्दा केएसए के साथ कई सेशन भी किए।

डॉ. ज्योति अग्रवाल बोर्ड ऑफ स्टडीज, दयालबाग शिक्षण संस्थान, आगरा

डॉ. निधि गुलाटी-फुलब्राइट टीचिंग एंड अचीवमेंट प्रोग्राम के लिए चयन पैनल में विशेषज्ञ; फुलब्राइट नेहरू अंग्रेजी शिक्षण सहायकों के लिए चयन पैनल पर विशेषज्ञ; पैनल यूएसआईईएफ शिक्षक पूर्व विद्यार्थी पुरस्कार चयन समिति (2021-2022) पर विशेषज्ञ।

डॉ. ज्योति दलाल- मेंटर, आईयूआईएफ फैलो (यूनिसेफ फैलोशिप), जनरल सेक्रेटरी और डॉ. रुचिरा दास तुलनात्मक एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईआई) की महासचिव हैं।

डॉ. मंजुला सूरी को उपलब्धि का रिकॉर्ड मिला। डब्ल्यूएचओ स्वास्थ्य आपात स्थिति में "कोविड-19 के संदर्भ में स्वास्थ्य कर्मियों में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा" पर ऑनलाइन कार्यक्रम।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी:

एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन (फाइनल ईयर) की सुश्री. पायल ने विश्वविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

सरकार, ए, सभरवाल, वी, क्वालिटी, जी, बदर, एन (2020) आहार विविधता और घरेलू खाद्य असुरक्षा पर सामाजिक असमानताओं का प्रभाव: मध्य प्रदेश, भारत में एक गहन पोषण आधारभूत सर्वेक्षण। पोषण और आहार विज्ञान पर विश्व समीक्षा, 121:212-220।

अरोड़ा, जी. दिल्ली के महाविद्यालय छात्रों के बीच कॉस्मोपॉलिटनिज्म और क्लोदिंग इंटरैस्ट निर्धारक। फैशन अभ्यास, 12 (2), 288-307, आईएसएसएन 1756-9370/1756-9389।

जैन, पी., गुप्ता, सी (2021)। अतीत से वर्तमान तक हस्तनिर्मित शोध की एक सतत यात्रा एक समीक्षा। समस्या Ekorozwoju - सतत विकास की समस्याएं। 16(2)/234-244।

जोललाइफ डी.ए. त्रिलोक-कुमार जी. (2020) मार्टिनेऊ एआर. तीव्र श्वसन संक्रमणों को रोकने के लिए विटामिन डी पूरकता: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों से कुल डेटा की व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। मेडिक्सव। .07.14.20152728. डीओआई: 10.1101/2020.07.14.20152728

मलिक ए., गसैन वाई, त्रिलोक-कुमार जी (2020) भारत में स्वस्थ वयस्क और बुजुर्ग आबादी के बीच विटामिन बी 12 की स्थिति: एक समीक्षा। जे न्यूट्रि विटामिनोल (टोक्यो); 66 (पूरक): S361-368. डीई:10.3177/jnsv.66.S361

इकबाल, एम.ए., सिद्दीकी, एस., रहमान, ए.यू., सिद्दीकी, एफ.ए., सिंह, पी., कुमार, बी, सलूजा डी., मल्टीओमिक्स इंटीग्रेटिव एनालिसिस से स्तन कैंसर के मेटाबॉलिक रिप्रोग्रामिंग में CBX2 और CBX7 की विरोधी भूमिकाओं का पता चलता है। आप्विक ऑन्कोलॉजी 15 (5) 1450-1465

पारे, एम.आई. (2021) डिवोर्सिंग रिलिजन एंड पॉलिटिक्स: जर्नलिस्टिक फील्ड इन अर्ली ट्वेंटीथ-सेचुरी कश्मीर। मीडिया इतिहास 1-15। <https://doi.org/10.1080/13688804.2021.1901564>

पार्र, एम.आई., घोष, एसजी, शिक्षाशास्त्र के रूप में अभ्यास की समस्याग्रस्त: शोधकारिता के एपोरिया को समझना। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 55 (51), 25-30

खन्ना, पी., बानी ताम्बर ऐरी (2020) दिल्ली के पब्लिक स्कूलों में पढ़ने वाले किशोर लड़कों और लड़कियों (13-15 वर्ष) में अवसाद और चिंता के लक्षणों के साथ प्रोटीन सेवन की मात्रा और गुणवत्ता। पोषण विज्ञान और विटामिन विज्ञान जर्नल, 66:S141-S148

कपिला, आर., जी.सेन, ए. वर्मीकंपोस्ट का रचनात्मक मूल्यांकन विभिन्न प्रकार के जैविक अपशिष्टों से तैयार किया गया है जो एलसेनिया फेटिडा का उपयोग कर रहे हैं और फसल विकास पर इसके प्रभाव का अध्ययन कर रहे हैं। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च/डीओआई: 10.18805/IJARE.A-5708

पुरी, एस. गुप्ता, एस. जैन, एस.जी. (2020) भारत में कोविड 19 महामारी के समय में संतुलित पोषण की आवश्यकता होती है: सभी पोषण विशेषज्ञों और चिकित्सकों के लिए कार्रवाई के लिए एक कॉल। मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम: नैदानिक अनुसंधान और समीक्षा, 14 (6):1747 - 1750

सिंह, आर, चोपड़ा, जी. (2021) नकारात्मक पहचान से 'विकलांगता पहचान' की प्रतिज्ञा तक विकास: भारत में स्पाइना बिफिडा वाली महिला की जीवन गाथा। विकलांगता, सीबीआर और समावेशी विकास 32(1): 81-100.

वाचर, एम., सेन, ए. कपिला, आर. निगम, ए. माइक्रोबियल चिकित्सकीय एंजाइम: बायोफॉर्मास्युटिकल्स का एक आशाजनक क्षेत्र। मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम: नैदानिक अनुसंधान और समीक्षा (एल्सवियर), 3, 195-208।

पत्रिकाएं

संपादकीय बोर्ड के संपादकों के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 4

अनुसंधान परियोजनाएं

चिकित्सा अनुसंधान परिषद, ब्रिटेन (2021-2024), -गंभीर तीव्र कुपोषण (सैम) के बाद दीर्घकालिक स्वास्थ्य: अग्न्याशय की भूमिका-(एस.ए.एम.पी.ए.) 2 मिलियन के लिए तीन वर्ष के लिए फंडिंग (6 देश साइटों द्वारा साझा किया जाना है) प्रो. गीता त्रिलोक-कुमार

वेलकमट्रस्ट-डीबीटी एलायंस (4.5 करोड़ रुपये), इंद्रा-गर्भाशय विकास मंदता, प्रारंभिक विकास, विटामिन डी पूरकता, आंतों की पारगम्यता, शरीर में वसा सामग्री और वितरण, आहार और शारीरिक गतिविधि के बीच बातचीत की समझ में सुधार करने के लिए, ताकि कम जन्म वजन (एलबीडब्ल्यू) पैदा हुए भारतीय बच्चों में पुराने रोगों के जोखिम को कम करने के लिए हस्तक्षेप विकसित किया जा सके। निदेशक प्रो. गीता त्रिलोक-कुमार-

डीबीटी, बॉडी कंपोजिशन, अर्ली ग्रोथ और स्कूल के उम्रदराज बच्चों के पुराने रोग का खतरा, जो टर्म राशि में कम जन्म के वजन पैदा हुए थे, 70 लाख

आईसीएसएसआर, राशि 9.17 लाख, डॉ. रुचिरा दास और डॉ. ज्योति दलाल

आयोजित संगोष्ठी

जीव विज्ञान, पर्यावरण समिति और फिजियोलॉजी विभाग और प्रोवेक्टिव हेल्थ और जीव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित पर्यावरण, स्वास्थ्य और सतत विकास विभाग द्वारा आयोजित "पर्यावरण, स्वास्थ्य और सतत विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए पर्यावरण और रोग जोखिम विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी

मानव विकास एवं बाल्यावस्था अध्ययन विभाग द्वारा सामाजिक विज्ञान अनुसंधान और प्रकाशन में नैतिकता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

4 दिवसीय मूडल: बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम।

बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित "बायोइन्फॉर्मेटिक्स (अवधारणाओं और अनुप्रयोगों) पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला।

दिल्ली सरकार (जनवरी-अप्रैल, 2021) के सहयोग से अमेरिकी दूतावास के क्षेत्रीय अंग्रेजी कार्यालय के सहयोग से 21वीं सदी के कौशल सामग्री भाषा एकीकृत शिक्षण के लिए अंग्रेजी शिक्षण दस सप्ताह का ऑनलाइन पाठ्यक्रम।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

प्रो. गीता त्रिलोक-कुमार और प्रो सुजान फिलतेऊ ने एक शोध प्रस्तुत किया, "इंद्रा-गर्भाशय विकास मंदता, प्रारंभिक विकास, शरीर में वसा और कम जन्म के वजन वाले बच्चों में पुरानी बीमारी के जोखिम के बीच बातचीत की समझ में सुधार करने के लिए अमेरिकन सोसायटी फॉर न्यूट्रिशन मीटिंग, सिएटल, जून 2020

सुश्री शिप्रा गुप्ता और डॉ. दीक्षा कपूर ने 21 नवंबर 2020-10 जनवरी 2021 तक आयोजित "डिजिटल युग में आहार विज्ञान: अवसर और चुनौतियां" पर भारतीय आहार विज्ञान संघ का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- दिल्ली में महिला महाविद्यालय के छात्रों के बीच ऊर्जा सेवन, व्यय और संतुलन एक शोध प्रस्तुत किया।

अंकिता चतुर्वेदी और सुश्री शिप्रा गुप्ता ने 21 नवंबर 2020 से 10 जनवरी 2021 तक आयोजित "डिजिटल युग में आहार विज्ञान: अवसर और चुनौतियां" पर भारतीय आहार विज्ञान संघ का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोषण

और आहार विज्ञान छात्रों की आहार प्रथाओं और पोषण की स्थिति पर शरीर असंतोष और इसके प्रभाव शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रीति खन्ना ने एक शोध प्रस्तुत किया, " कोविड-19 महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और प्रतिरक्षा प्रणाली के बीच सहसंबंध- (पोषण, जीवन शैली और मानसिक स्वास्थ्य) 2020 इंडोनेशिया (ऑनलाइन) के साथ जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

डॉ. गीता चोपड़ा ने अध्यक्ष को आमंत्रित किया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संबोधित किया- एचसीएल फाउंडेशन कन्वर्जेंस मीट में भागीदार गैर सरकारी संगठनों के लिए एक समावेश परिप्रेक्ष्य, 2020

एम इमरान पारें ने बीसवीं सदी के कश्मीर की शुरुआत में ' औपनिवेशिक ' सरकारीता और ' ओरिएंटल ' स्वेच्छाचारिता के बीच एक शोध प्रस्तुत किया। संस्कृतियों के विभाग, कला संकाय, हेलसिंकी विश्वविद्यालय, फिनलैंड, ऑनलाइन द्वारा आयोजित सम्मेलन।

जागृति खेर और डॉ. सविता अग्रवाल ने एक शोध पेश किया, 'क्या क्लाइमेट और वॉटर से जुड़ी असुरक्षा जेंडर न्यूट्रल है? पृथ्वी की बदलती जलवायु पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में भारत की राजधानी शहर में मलिन बस्तियों का मामला अध्ययन: अतीत, वर्तमान और भविष्य।

सुश्री सुनीता मिश्रा ने शोध प्रस्तुत किया, "हिंदी में काला ' ब्लैक ' रंग शब्द का प्रतीकात्मक विस्तार: सीएलआई 2021 में एक सांस्कृतिक-संज्ञानात्मक दृश्य (सांस्कृतिक भाषा विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बुडापेस्ट (ऑनलाइन)

डॉ. निधि गुलाटी ने एक शोध प्रस्तुत किया, "सामाजिक नृविज्ञान और पृथ्वी पर आयु के आने पर शिक्षा के साथ इसके चौराहे: विरासत और अगली पीढ़ी का मानवविज्ञान। आईयूईएस कांग्रेस 2020। क्रोशिया (ऑनलाइन)

डॉ. रीमा चौरसिया और डॉ. मनोशा शुकुल ने एक शोध प्रस्तुत किया, "मानवीयकरण कार्य और कार्य पर्यावरण-2020 (एचडब्ल्यूडब्ल्यूई-2020) में घरेलू दुर्घटनाओं में एर्गोनॉमिक्स।

सुश्री शुमैला नाज, डॉ. चारु गुप्ता और डॉ. सुनीता अग्रवाल ने टीआईटी, भिवानी द्वारा आयोजित टेक्सटाइल्स-ए प्रतिमान फॉर इनोवेशन एंड सस्टेनेबल फॉइबर्स, यार्न्स, फैब्रिक एंड गारमेंट प्रोडक्शन, प्रोसेसिंग एंड डिजाइनिंग पहलुओं पर हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-कांफ्रेंस में कवक से प्राकृतिक डाई की स्क्रीनिंग और अनुकूलन एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. ज्योति अग्रवाल, सुश्री सीपिका ने एक शोध प्रस्तुत किया, "वस्त्रों में हाल के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में पहनने योग्य प्रौद्योगिकी के लिए प्रवाहकीय यार्न को एकीकृत करने के तरीकों की खोज-नवाचार और टिकाऊ फॉइबर, यार्न, कपड़े और परिधान उत्पादन, प्रसंस्करण और डिजाइनिंग पहलुओं के लिए एक प्रतिमान टीआईटी, भिवानी द्वारा आयोजित।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ

टीआरएफईडी के साथ

अन्य अंतर- स्थागत सहयोग

निदेशक के पास 6 देशज-5 साथियों की परियोजना है और यह पोषण के दो पीएच.डी.. छात्रों को अपनी क्षमता का निर्माण करने के लिए आहार डेटा विश्लेषण करने के लिए प्रशिक्षण दे रहा है।

वेलकमट्रस्ट -डीबीटी एलायंस ने अपनी परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं पर कोपेनहेगन, कैंब्रिज और लंदन में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए ड्रेक्टर को वित्त पोषित किया है। डॉ. त्रिलोक कुमार ने कोपेनहेगन में शारीरिक गतिविधि मूल्यांकन और कैम्ब्रिज में एमआरसी सेंटर से आंत के आकलन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

फैब्रिक एंड अपैरल साइंसेज डिपार्टमेंट ने ट्राइफेड (जनजातीय मामलों के मंत्रालय) के सहयोग से कई ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित की हैं। इसके लिए समझौता ज्ञापन साइन करने की तैयारी है।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 56 इंटरनशिप और 3 नियोजन

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 130

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

सितंबर 2020 में किशोरियों और महिलाओं के लिए निम्नलिखित विषयों पर एफएन फोर कम्युनिटी आउटरीच गतिविधियां (ऑनलाइन मोड में) विभाग का आयोजन किया गया था ताकि पोषण माह-रीडिंग फूड लेबल - सरलीकृत किया जा सके; मासिक धर्म स्वच्छता; खून की कमी; बाजरो का महत्व।

शारीरिक शिक्षा विभाग ने खेल समिति और प्रारंभिक शिक्षा विभाग के सहयोग से एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें एल.एड के चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. नमिता सैनी के साथ स्कूलों में खेल और शारीरिक गतिविधियों पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया इन छात्रों ने इसके बाद डॉ. नमिता सैनी के मार्गदर्शन में 2-3 सप्ताह तक एमसीडी स्कूलों के वंचित छात्रों के साथ शारीरिक गतिविधियों और योग पर ऑनलाइन सत्र आयोजित किए।

विकासात्मक संचार एवं विस्तार विभाग- इस वर्ष (2020-2021) चल रहे कोविड-19 महामारी के कारण, 102 छात्रों ने अपने परिवार के सदस्यों या करीबी रिश्तेदारों का चयन किया ताकि वे अपने शिक्षार्थियों को डिजिटल साक्षरता पर 'हर एक सक्षम एक' शीर्षक वाले कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान कर सकें ताकि उन्हें डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम) के उद्देश्य के अनुसार डिजिटल साक्षर या सशक्त बनाया जा सके।

बायोकेमिस्ट्री विभाग ने कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए "जैव विज्ञान की बुनियादी समझ" पर एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। वेबिनार में लगभग 60 छात्रों ने भाग लिया। प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें एल एड विभाग के चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने स्कूलों में खेल और शारीरिक गतिविधियों पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। इसके बाद इन छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से एमसीडी स्कूलों के वंचित छात्रों के साथ ऑनलाइन सत्र आयोजित कर उन्हें 2-3 सप्ताह तक योग और शारीरिक गतिविधियों के प्रति मार्गदर्शन दिया। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक करने के प्रयास में, ग्रीनपीस, पर्यावरण और सामुदायिक आउटरीच समिति के साथ संसाधन प्रबंधन विभाग, आईएचई ने 9 नवंबर 2020 को एक 'वर्चुअल प्लांटेशन ड्राइव' आयोजित किया है। प्रत्येक विद्यार्थी को कचरे का उपयोग करके एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया जैसे पुराने कंटेनर/अप्रयुक्त बर्तन, पानी की खाली बोतलें, टेट्रा पैक कार्टन आदि का उपयोग करना। पौधारोपण के बाद छात्रों ने पौधे की देखभाल, रखरखाव और पोषण किया। ग्रीन योद्धा प्रमाण शोध उन छात्रों को प्रदान किए गए जिन्होंने इसे एक महीने से अधिक सफलतापूर्वक बनाए रखा है।

आईएचई की एनएसएस इकाई ने टीका उत्सव (11 से 14 अप्रैल 2021): कोरोना टीकाकरण पर जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जैसे; डिजिटल पोस्टर मेकिंग गतिविधि; कोविड-वैक्सीन मिथक बस्टर्स रील पॉड; 'ट्रस्ट, प्रोटेक्ट, वैक्सीन वर्क' पर वेबिनार; 'घर पर जागरूकता बढ़ाएं- प्रतिरक्षण गैप बंद करो' पर गतिविधि। सांस्कृतिक समिति और साहित्यिक समाज के साथ एनएसएस ने भी अमृत महोत्सव के लिए एक कार्यक्रम मनाया और मार्च 2021 को "स्वतंत्र भारत में स्वतंत्रता के लिए महिलाओं और खोज" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

संस्थान पर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ एक पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत पुस्तकालय और पाठ/संदर्भ पुस्तकों, पत्रिकाओं, थीसिस और पत्रिकाओं के रूप में 25,000 से अधिक संदर्भ सामग्रियों का एक समृद्ध संग्रह का दावा

कर सकता है। संस्थान लगभग 40 राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और डीयू पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। पुस्तकों के सर्कुलेशन के लिए स्मार्ट कार्ड और स्कैनर के साथ बार कोड सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है। पुस्तकालय में पुस्तकों का स्थान खोजने और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने के लिए छात्रों को लैपटॉप उपलब्ध हैं।

संकाय संख्या

स्थायी कर्मचारी - 45

तदर्थ स्टाफ - 46

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संस्थान अपने छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास में विश्वास करता है और इसलिए, कला, पश्चिमी नृत्य, फैशन, शास्त्रीय भारतीय संगीत, नाटक, साहित्यिक और बहस जैसे कई समाज हैं। इनमें से प्रत्येक समाज ने विश्वविद्यालय और उससे आगे के विभिन्न मंचों पर वाहवाही प्राप्त की है।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महामारी कोविड 19 के कारण सबसे कठिन परिस्थितियों होने के बावजूद, अकादमिक सत्र में अनेक कार्यक्रम किए गए। प्रमुख उपलब्धियों और प्रमुख गतिविधियों में महाविद्यालय के भीतर केंद्रों और समितियों की स्थापना शामिल है, जैसे: जेडीएमसी आईक्यूएसी रिसर्च सेंटर, जेडीएमसी ई-रिसोर्स और जेडीएमसी आईक्यूएसी सेंटर फॉर करियर काउंसलिंग, करियर के अवसर और कौशल वृद्धि और जेडीएमसी आईक्यूएसी सेंटर फॉर यूनिवर्सल एथिक्स एंड वैल्यूज। जेडीएमसी ने इस शैक्षणिक सत्र में 24 ऐड-आन पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं। परामर्श प्रकोष्ठ छात्रों को महामारी प्रेरित चिंताओं से निपटने और उनकी भावनात्मक हित को बढ़ाने में मदद करने के लिए विशेषज्ञों के साथ परामर्श सत्रों के आयोजन में सक्रिय रहा है। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में सौ से अधिक वेबिनार और शोध प्रेजेंटेशन और 60 से अधिक प्रकाशन हुए। इस शैक्षणिक सत्र में कई संकाय सदस्य और नॉन टीचिंग स्टाफ मेंबर्स को प्रमोट किया गया। 84 संकाय सदस्यों को विभिन्न स्तरों पर पदोन्नत किया गया, जिसमें एक प्राध्यापक स्तर तक शामिल है। जेडीएमसी की डायमंड जुबली के उपलक्ष्य में महाविद्यालय ने खूबसूरती से डिजाइन और संकल्पित कॉफी-टेबल बुक प्रकाशित की। सात सावधानी से तैयार किए गए अध्यायों में फैले, पुस्तक आप अपनी स्थापना के समय से जेडीएमसी की यात्रा के माध्यम से ले जाता है।

सम्मान/गौरव

प्राचार्य प्रो स्वाती पाल ने महिला सशक्तिकरण में अनुकरणीय योगदान के लिए तनुश्री-2020 पुरस्कार, अध्ययन ईवम अनुसुंदर पीठ, भारत (22 मार्च, 2021) से और शिक्षा के माध्यम से भागीदारी जन सहयोग समिति और अखिल भारतीय सशक्तिकरण के लिए अखिल भारतीय परिसंघ द्वारा कानूनी जागरूकता पुरस्कार, 6 मार्च, 2021 को प्राप्त किया।

प्राची एजुकेशनल सोसायटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन इंटरनशिप कार्यक्रम के लिए वर्ष 2020-2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षक समन्वयक पुरस्कार से सम्मानित सुश्री निर्मला मुरलीधर और प्राची एजुकेशनल सोसाइटी (5 सितंबर, 2020) से 'विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित हुई।

सुश्री देबुती ब्रह्मचारी, महिला शक्ति से सम्मानित: वीरा पुरस्कार 2021, नाटियनल कैडेट कोर (9 मार्च, 2021) के अंतर्गत उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए।

मई 2021 में आयोजित होने वाली जूनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए सह-अध्यक्ष, महिला समिति, फुटबॉल दिल्ली (दिल्ली सॉकर एसोसिएशन) और दिल्ली राज्य जूनियर महिला चयन

परीक्षणों की चयन समिति के सदस्य के रूप में नामांकित डॉ. आभा जैन ने अंतर्राष्ट्रीय फिटनेस गतिविधियों और घटनाओं (19 अक्टूबर, अक्टूबर,) के आयोजन के लिए एक आभासी मंच एचडीईआर द्वारा आयोजित राइडिंग के 100 दिनों में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 19, अक्टूबर 2020- 26 जनवरी 2021)।

डॉ. रुबी भारद्वाज ने सुश्री रिया शर्मा की एम.फिल. थीसिस का सफलतापूर्वक पर्यवेक्षण किया जिसका शीर्षक था ' ए क्रिएड ऑफ ए ए एथिकल एक्सप्रजीन: वैल्यूज एंड प्रैक्टिसेज ' (नवंबर 2020 में सम्मानित किया गया)।

डॉ. राज्यलक्ष्मी को महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण पर अपने समुदाय आधारित कार्य (8 मार्च, 2021) के लिए सीएआईटी, भारत से महिला दिवस पर एक पुरस्कार मिला।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

आरुषि टिब्रेवाल (बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष), अनन्या जोशी (बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष) और ओशीन शर्मा (बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष) 8 अगस्त से 31 दिसंबर, 2020 तक युवा नेताओं के परिसंघ (सीवाईएल) के अंतर्गत UN75 परामर्श पहल के लिए एक राष्ट्रीय टीम के सदस्य के रूप में काम किया।

शर्ली सेठी (बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष) दिल्ली आकाश के रोटरेक्ट क्लब में अंतर्राष्ट्रीय सेवा निदेशक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री विशेष विद्यार्थीवृत्ति योजना (50,000 रुपये प्रति सेमेस्टर) जीती।

काशवी चंडोक (बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष) मार्च, 2021 को एपीएफएसडी युवा मंच में भारत के देश प्रतिनिधि थे; नवंबर, 2020 में अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर काव्य पुरस्कार 2020 के लिए नामांकित और नवंबर, 2020 से एशिया में महिला शोधकारों के लिए लोकतांत्रिक स्थान सिकुड़ने पर संयुक्त राष्ट्र महिला और यूएनएचसीआर के नेतृत्व वाली श्रृंखला में भारतीय प्रतिनिधि बने। उन्हें अक्टूबर, 2020 में "इंडो-मैक्सिकन व्यापार संबंध और नीतियां" के लिए निबंध पर मैक्सिकन दूतावास से प्रशंसा प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया था और अगस्त, 2020 में पैन दक्षिण एशिया निबंध लेखन प्रतियोगिता में महिला अधिकार नेटवर्क द्वारा एक विशेष उल्लेख प्राप्त किया गया था।

दीक्षा सरदाना (बी.कॉम (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष) ने 25-28 फरवरी, 2021 से जयपुर में आयोजित 21वीं सीनियर वर्गी मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उन्हें इसके लिए दिल्ली सरकार की ओर से 1.24 लाख की स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 26-28 फरवरी, 2021 से जयपुर, राजस्थान में आयोजित 21वें वर्ग में जूनियर महिला वर्ग के अंतर्गत 66 किग्रा में 2 स्वर्ण पदक और 2 स्वर्ण पदक भी जीते हैं; 20-21 मार्च, 2021 को नई दिल्ली में आयोजित वर्गी मार्शल स्पर्धा में दिल्ली ओलंपिक खेलों में जूनियर महिलाओं के अंडर 56 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

श्रेया सिंह (बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष) को 10 मार्च 2021 को पर्यावरण जागरूकता के लिए डॉ. इंदु आनंद पुरस्कार और 30 जुलाई 2020 को डॉ. शारदा जैन विद्यार्थीवृत्ति से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

शर्मा, ए. गौड़, ए एनर्जी ऑफ ए मैक्सिमल ग्राफ (२०२१)। फिलिस्तीन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 10 (1), 69-77।

चरण, ए. डीएसंत, आरके (2020) कोरोनावायरस रोग, वैश्विक मंदी और भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रवासियों। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 29 (8), 191-202।

ज्योति (2021) पाणिनी और वोपदेव की शैली का तुलनात्मक अध्ययन क्रिट प्रत्ययान के संदर्भ मीन। अनंता - संस्कृत अनुसंधान के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 7 (1), 449-451।

राजश्री चंद्रा (2020) कॉस्मोपॉलिटन कॉमन्स की नैतिक अर्थव्यवस्था। अंतर्राष्ट्रीय कानून (TWAIL) की समीक्षा करने के लिए तीसरी दुनिया दृष्टिकोण, 1 अंक।

शरतचंद, सी. और नवप्रीत कौर (2020) हेमोजेनिक आख्यान और कोविड-19 महामारी के लिए चीन की प्रतिक्रिया के बारे में तथ्यों पर। इंटरनेशनल क्रिटिकल थॉट, 10 (4)।

अरोड़ा, पी (2020) गायन उपकरण और नृत्य और संगीत, 3 (2) के सिंगेने नाद नार्टन जर्नल द्वारा इसका उपयोग करें।

गिल, जे, सेठी, एन. (2021) दिल्ली की खोज (एड.) शिखर। आईएसबीएन: 978-93-83848-68-3

गुप्ता, एस. (2020) लॉकडाउन अभावग्रस्तता: दिल्ली मार्च 2020। गैस्ट्रोनोमिका: जर्नल फॉर फूड स्टडीज, 20 (3)।

नागपाल, पी., नारायण, एस.ए. (2020) "भारत। राष्ट्रमंडल साहित्य के जर्नल (जेएसएल), 55 (4), 590-633।

योनजोन, बी (2020) काम की भारतीय दुनिया में विभाजन। सम्बोधि, 43 (3), 96 -102.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित: एक संपादकीय बोर्ड के संपादक (एस) / सदस्य (ओं) के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : चार

अंग्रेजी विभाग ने नवंबर 2020 में लेटर्ड इन येलो नामक छात्रों द्वारा क्यूरेट किए गए एक साहित्यिक ब्लॉग की शुरुआत की है। यह अंग्रेजी एसोसिएशन के छात्रों द्वारा साहित्यिक प्रस्तुतियों की अनुमति देता है, जिसमें कविता, गद्य, शोध, पॉडकास्ट, वीडियो और अन्य मजेदार गतिविधियां शामिल हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, 2018- चल रहा है , शीर्षक: अंडरएज क्राइम एंड जुवेनाइल राइट्स के बारे में जागरूकता: दिल्ली के 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों का अध्ययन, राशि, 60,000, संकाय शामिल: डॉ. रेणुका सिंह, श्री जुबैर अहमद, श्री दिनेश अहिरराव

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, 2019-, राजस्थान से पुनर्वासित प्रवासी संगीतकारों का सामाजिक आर्थिक-सांस्कृतिक अध्ययन, राशि स्वीकृत: 21,743, संकाय शामिल: डॉ. संजुक्ता नस्कर, सुश्री चारु कला।

कला और मानविकी अनुसंधान परिषद, यूनाइटेड किंगडम, 2019-2022, शीर्षक: भूल खाद्य पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना: पाक स्मृति, स्थानीय विरासत और भारत में खोया कृषि किस्मों, राशि स्वीकृत: £ 20293, संकाय शामिल: डॉ. सौमैया गुप्ता।

पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी. (पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन मिशन) शिक्षण शिक्षण केंद्र, रामानुजन महाविद्यालय, 2018-, शीर्षक: भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में तनाव स्तर पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता और इसके प्रभाव, राशि स्वीकृत: 3.5 लाख, संकाय शामिल: सुश्री वंदना मदान, डॉ. सोनल जैन, सुश्री मेघना सुराना

आयोजित संगोष्ठी

वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल के गणित में वाकर परिवार के संपन्न प्रोफेसर प्रो रेखा थॉमस द्वारा 'इमेज कंप्रेशन एंड लीनियर बीजगणित' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 28 जनवरी, 2021 को गणित विभाग द्वारा किया गया था।

27 फरवरी, 2021 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा इंस्टिट्यूट फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, इमर्सन कॉलेज, बोस्टन, मैसाचुसेट्स के प्रोफेसर तुलसी श्रीनिवास द्वारा 'द मिसिंग देवी: विज्ञान और धर्म इन कंटेम्परेरी बैंगलोर' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

प्रो आर.सी. सिन्हा (अध्यक्ष, आईसीपीआर) द्वारा 'उच्च शिक्षा, नई शिक्षा नीति और दर्शन की जगह पर प्रतिबिंब' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार; दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा 8 फरवरी 2021 को प्रो राकेश चंद्रा (लखनऊ विश्वविद्यालय) और प्रो कुमार रत्नम (सदस्य सचिव, आईसीपीआर) का आयोजन किया गया था।

इतिहास विभाग ने 3 सितंबर, 2020 को छठे डॉ. विजय नाथ मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया। यह व्याख्यान जामिया मिलिया इस्लामिया के इतिहास विभाग के प्रो पीके बसंत ने दिया, जिन्होंने 'रीडिंग मानवधर्मशास्त्र: हमारे अतीत के बारे में कुछ प्रश्न' विषय पर चर्चा की।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ सोशल साइंस के सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज एंड प्लानिंग, स्कूल ऑफ सोशल साइंस, प्रो सुरजीत मजूमदार द्वारा 24 फरवरी, 2020 को "महामारी संकट और प्रतिक्रिया: केंद्रीय बजट 2021-22 संदर्भ में" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

आयोजित सम्मेलन

जेडीएमसी ने 17 मार्च 2021 से 20 मार्च 2021 तक 'हमारे समय के यूटोपिया और डिस्टोपिया' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए इंडियन एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर एंड लैंग्वेज स्टडीज (आईएसीएल्स) के साथ सहयोग किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. अमिता चरण ने पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग और आई.ई.ई.ई इंडिया द्वारा ऑनलाइन आयोजित कम्प्यूटेशनल परफॉर्मेंस इवैल्यूएशन (सीओएमपीई-2020) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में घृणा अपराधों और हाशिए पर पड़े दलितों के विरुद्ध साइबर नस्लवाद को विनियमित करने के लिए सोशल मीडिया सामग्री की विशेषता एक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री श्रीजना सिंह ने सतत व्यापार प्रबंधन प्रथाओं और सामाजिक नवाचार पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रबंधन की व्यवस्थित समीक्षा के साथ-साथ सीएसआर के विपणन परिप्रेक्ष्य: भविष्य के अनुसंधान एजेंडा " को एक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री साक्षी वंसल ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना और स्पेन के वलाडोलिड विश्वविद्यालय के साथ शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'इनोवेशन कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन आई.सी.आई.सी.सी 20-21' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भविष्य के सरकारी दृष्टिकोण के लिए आईसीटी के महत्व को गोपनीयता कानूनों का निहितार्थ और भविष्य के सरकारी दृष्टिकोण के लिए महत्व' प्रस्तुत किया।

सुश्री जया यादव ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में 'भारतीय कॉमिक्स को फिर से केंद्रित करने' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सारनाथ बनर्जी के गलियारे और विकासपुरी में ऑल शांत पढ़ने के लिए एक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री जया यादव ने भूटान के योगफुला शताब्दी महाविद्यालय द्वारा 'दक्षिण एशियाई साहित्यिक कल्पना के कई आयाम: क्लासिक टू कंटेम्परेरी' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के भाग के रूप में साहित्य के माध्यम से "पढ़ना संघर्ष और इतिहासशास्त्र पढ़ना: एक विश्लेषण कलाविज्ञान और स्वर्ण युग गाथा" प्रस्तुत किया।

डॉ. तारा शीमार ने दक्षिण एशिया संस्थान, हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा आयोजित ' महिला धार्मिक नेताओं और दक्षिण एशिया में धार्मिक सेटिंग्स में महिला एजेंसी की गतिशीलता ' पर एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में ' द खतरनाक सिद्धि ऑफ फीमेंस ' पर एक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री टीना कोहली ने मेक्सिको के बेनेमरिता यूनिवर्सिड ऑटोनोमा डी पुएबला (बीयूपी) (प्यूएबला के मेधावी स्वायत्त विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वीडियो-कांफ्रेंस 'जनरलाइज्ड इंटीग्रेशन एंड इट्स एप्लीकेशन' (IVGIA2020) में "असतत समय विल्सन सिस्टम्स पर" एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. जयंती पी साहू ने भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से किशोर भारती भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, बेहाला, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "वसुधैव कुटुंबकम विद अद्वैत वेदांत और बौद्ध धर्म के अध्यात्मवाद" शीर्षक से एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (आईसीपीआर आवधिक व्याख्यान के एक भाग के रूप में) में एक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री बिजोयता यंगजोन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज एंड प्लानिंग (सीईएसपी), स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा आयोजित 'इंडियन इकोनॉमी: थ्योरी एंड पॉलिसी' पर यंग स्कॉलर्स वेबिनार में 'भारतीय काम की भारतीय दुनिया में विभाजन' का एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. संजुक्ता नस्कर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्यिक अध्ययन विभाग में 'मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच टू लोकजीवन: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य, भाग-II' पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में महामारी और आख्यान: कहानियों का महत्व हम बताते हैं, एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए

हीरो मोटोकॉर्प के साथ समझौता जापन

'सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम' पर संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित करने के लिए समाजशास्त्र विभाग, जेडीएमसी और हीरो मोटोकॉर्प के बीच एक जापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। संवेदीकरण कार्यक्रम 7 दिसंबर, 2020 को शुरू हुआ था। यह वर्कशॉप जेडीएमसी के पूरे स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन कराई गई है। महाविद्यालय के फिजिकल क्लासेज के लिए दोबारा खुलने पर दो पहिया वाहनों की सवारी पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाएगी।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साथ एलओयू/समझौता जापन

विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इको कार्यक्रम के अंतर्गत जेडीएमसी ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के साथ एक समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें डॉ. आभा जैन को उनके पर्यावरण क्लब अवनी से संरक्षक (शिक्षक समन्वयक) के रूप में सौंपा गया और चारों छात्रों को महाविद्यालय प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साथ जाली समझ के एक भाग के रूप में, जेडीएमसी छह महीने की अवधि के लिए नवंबर, 2020 के बाद से परियोजना, 'हमारी हथेलियों में दुनिया' को लागू करने में शामिल किया गया है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय ने विद्या विस्तार योजना के अंतर्गत महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय, मायाअंडर, अंडमान निकोबार द्वीप समूह के साथ सहयोग किया।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या:- 19

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 30(ऑनलाइन)

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

कोविड टास्क फोर्स

जेडीएमसी कोविड टास्क फोर्स स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न कदम उठाने में बेहद सक्रिय रही है। एनसीसी कैडेट महाविद्यालय में और क्रांति, मिलाप और दिल्ली सरकार जैसे संगठनों के साथ सहयोगात्मक उद्यमों में हेल्पलाइन और डेटा बेस बनाने में लगे हुए थे। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिलती है। एनएसएस भी इसी तरह के उपक्रमों में शामिल था। काउंसिलिंग कमेटी ने वन-ऑन-वन के साथ-साथ ग्रुप सेशन के माध्यम से भावनात्मक सहयोग प्रदान किया और महाविद्यालय कैंपस में 3 आरटी-पीसीआर कैंप आयोजित किए गए। हालिया डीयू और टाटा के सहयोग से हुआ। फीस सहायता समिति ने कई छात्रों की सहायता की। व्यक्तियों और साथ ही विभागों ने कई छात्रों की सहायता की जिनके परिवार प्रभावित हुए थे। ऑक्सीजन सार्टेस्टर की खरीद की गई, जिसे अमेरिका में छात्रा सुश्री निकिता नौटियाल ने दान किया। एचडीएफडी विभाग (मानव विकास एवं परिवार सशक्तिकरण) के छात्रों ने वंचित बच्चों और उनके परिवारों को चॉकलेट, नमकीन, भोजन और कपड़े वितरित कर इस वेलेंटाइन डे को अनूठे तरीके से मनाया; वरिष्ठ

नागरिकों, जो अकेले रहते हैं, ताकि उनके साथ घर का बना भोजन और गुणवत्ता समय साझा करने के लिए दौरा करके। कुछ छात्रों को भी दवा प्रदान की और जानवरों के लिए आवश्यक मदद, दूसरों को आवारा कुत्तों और गायों को खाना खिलाया। पिछले तीन वर्ष से एचडीएफई विभाग अक्टूबर के सप्ताह में "दान उत्सव" उत्सव मना रहा है। इस वर्ष विभाग ने आवासीय क्षेत्रों के साथ-साथ निम्नलिखित संगठनों के पास वंचित बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को दवाइयां, मास्क, सैनिटाइजर, बिस्कुट, राशन, चिप्स, फल, साबुन, नोटबुक आदि जैसी विभिन्न चीजों की योजना बनाई और वितरित किया:-चेरिश होम; नव जीवन प्रागण; भागवत धाम वृद्धाश्रम; लव केयर फाउंडेशन; गुरु विश्वराम वृष आश्रम। एचडीएफई विभाग ने 1 जुलाई से 15 अगस्त, 2020 तक समाज में सबसे अधिक प्रभावित लोगों को मुख्य भोजन प्रदान करने के लिए सबसे बड़े खाद्य राहत प्रयास में रॉबिनहुड सेना के साथ सहयोग किया। वे महाविद्यालय प्रधानाचार्य, प्रोफेसर स्वाती पाल, संकाय सदस्य, जेडीएमसी और अन्य कॉलेजों, स्टूडेंट्स, फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स की मदद और सहयोग से 1000 किलोग्राम से ज्यादा राशन का योगदान जुटा पाए। महाविद्यालय ने पीएम केयर फंड में 7,33,902 रुपये का दान किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र है। यह पुस्तकालय के कर्मचारियों, पठन सामग्री और पठन-पाठन की एक ट्रिनिटी है यह एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें 950 से अधिक पुस्तकें हैं और महाविद्यालय और 14 समाचार पत्रों (अंग्रेजी और हिंदी) द्वारा पेश किए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की जरूरतों को पूरा करने वाली 69(राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पत्रिकाओं की सदस्यता है। पुस्तकालय में वातानुकूलित रीडिंग हॉल और स्टैक रूम है। महाविद्यालय पुस्तकालय इनफ्लिबनेट के बावजूद एनलिस्ट डेटाबेस की सदस्यता लेता है। हमारी पुस्तकालय वेब आधारित लिबसीस सॉफ्टवेयर (एक एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली) का उपयोग करके पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है, जहां इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से सभी हाउसकीपिंग कार्य किए जाते। उपलब्ध पुस्तकों और पत्रिकाओं का डाटाबेस दिन-प्रतिदिन के आधार पर अपडेट किया जाता है और छात्रों और शिक्षकों को ऑनलाइन दस्तावेजों की खोज करने के लिए कई टर्मिनल प्रदान किए जाते हैं। यूनील्ड तक इंटरनेट की सुविधा भी दी जाती है पुस्तकालय में 25 लैपटॉप इंटरनेट के साथ हैं, जहां सदस्यों को ई-संसाधनों की सुविधा उपलब्ध है। यह सब पर्याप्त प्रकाश और एयर कंडीशनिंग के साथ आकर्षक और आरामदायक परिस्थितियों में प्रदान किया जाता है। हम अपने नेत्रहीन उपयोग की जरूरतों के प्रति भी संवेदनशील हैं ताकि उन्हें समान पहुंच प्रदान की जा सके, पुस्तकालय ने एक स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर एनवीडीए स्थापित किया है। हम ब्रेल पुस्तकों और बात करने वाली पुस्तकों की व्यवस्था भी करते हैं। छात्रों के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। छात्रों को विभिन्न ई-संसाधनों और उन संसाधनों तक पहुंचने के तरीके से अवगत कराया गया। उन्हें महाविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए एनलिस्ट डाटाबेस की सदस्यता प्राप्त करने और आवश्यक सामग्री डाउनलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। सेवाओं की बेहतरी के लिए पुस्तकालय अंतिम वर्ष के विद्यार्थी और एमए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए मंजूरी के समय फीडबैक फॉर्म प्रदान करता है।

संग्रह विकास (2020-21)

पाठ्य पुस्तकें	1052
संदर्भ पुस्तकें	100
जर्नल/पत्रिका	69
समाचार शोध	14

संकाय संख्या - 142 + 27 (यूजीसी द्वारा दूसरी खेप के अंतर्गत स्वीकृत)

वित्तीय आवंटन और उपयोग:

स्वीकृत अनुदान : रुपए 47,82,31,90/-

उपयोगित अनुदान:

रुपए 41,23,76,745/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. राजश्री चंद्रा ने अपनी पुस्तक के लिए पेंगुइन रैंडम हाउस के साथ एक पुस्तक अनुबंध किया है-"प्रतिस्पर्धी राष्ट्रवाद: जगत नारायण लाल का डर और राजनीतिक जीवन"। रिलीज डेट अक्टूबर 2021 है। यह किताब उनकी न्यू इंडिया फाउंडेशन फेलोशिप (2018) से उभरी है।

जीसस और मैरी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

2020-21 का अकादमिक वर्ष अकादमिक और गैर-अकादमिक दोनों गतिविधियों में उपलब्धियों का एक संतुलित संयोजन था। कोविड-19 महामारी के वर्तमान प्रतिबंधों को देखते हुए, ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों का उपयोग करके असंख्य गतिविधियां आयोजित की गईं। भारत में महामारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी के ज्वलंत मुद्दों पर वेबिनार, रोजगार समस्या, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य आदि सभी विभागों में आईक्यूएसी के सहयोग से आयोजित किए गए थे। राजनीति विज्ञान विभाग ने अपना पहला मुद्दा मानव अधिकार विषय पर राजनीतिक रूप से सामने लाया। गणित विभाग ने अपने द्वि-वार्षिक समाचार शोध, एल्गोरिदम को 'प्रायश्चित के लिए एक समय' और 'फॉस्टन योर सीट बेल्ट' विषयों के साथ जारी किया। हिंदी विभाग ने रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, लोक गीत गायन प्रतियोगिता, अंतर महाविद्यालय स्तर पर और इंटर महाविद्यालय स्तर पर शोध शोध प्रस्तुति प्रतियोगिता जैसी कई गतिविधियों का आयोजन कर हिंदी दिवस मनाया। छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करना जारी रखा।

सम्मान/ विशिष्टता

डॉ. विभा माथुर और सुश्री सलोनी अरोड़ा को एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (डब्ल्यूसीएसईएम 2020), पेरिस, फ्रांस पर 9वें विश्व सम्मेलन में शोध प्रेजेंटेशन के लिए प्रथम पुरस्कार मिला।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

रिद्धि गुप्ता (बीसीएच) ने इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमैनिटीज में रिसर्च शोध प्रकाशित किया।

नेहा सैम, विधी वशिष्ठ, युकां ने गणित विभाग के छात्रों द्वारा 'मोनोफ्रैक्टल एंड मल्टीफ्रैक्टल एनालिसिस ऑफ इंडियन एग्रीकल्चरल कमोडिटी प्राइसेज' शीर्षक से रिसर्च शोध प्रकाशित किया।

प्रकाशन

गांधी, सपना (2021) बदलते समकालीन, साहित्य और सम्कलीन सरोकर, 1: 6

जॉन, जे, थॉमस, एन, याकूब, एम, याकूब एन (2021) भारत में प्रवासी कामगारों के सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारों पर एक अध्ययन। भारत: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग। <https://nhrc.nic.in/training-&-research/research-studies-&-projects/completed-projectss>

मारवाह, रीना (2020) बर्टिल लिंटरन, सबसे महंगा पर्ल: भारत के महासागर के लिए चीन का संघर्ष", ऋषि प्रकाशन, 56(4), आईएसएसएन: 00094455

मारवाह, रीना (2020) पोस्ट महामारी दुनिया में आरसीईपी पर भारत के फिर से सोचने को तर्कसंगत बनाना-विश्लेषण", यूरेशिया रिव्यू, आईएसएसएन 2330-717X

माथुर, विभा, अरोड़ा, सलोनी, (2020) डिजिटल मार्केटिंग", दिल्ली, पीएचआई लर्निंग, डीओआई: 978-81-948002-7-9

शास्त्री, अमृता (2020) पावर गेम: भारत में यूनिवर्सल सेकेंडरी एजुकेशन में ओडिशा के एक निजी स्कूल का केस स्टडी: मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं, जिसे जंध्याला बीजी तिलक, द्वारा संपादित किया गया है। पृष्ठ 137-150 आईएसबीएन 978-981-15-5365-3 ISBN 978-981-15-5366-0 (ई-पुस्तक)। स्प्रिंगर।

सुशीला रामास्वामी (2021) एक समुदाय आधारित सतत विकास के लिए एलिनोर ओस्ट्रोम के नुस्खे, जमशेदपुर रिसर्च रिव्यू, ईयर IX, खंड III, अंक XLVI, मई-जून, पीपी 81-90, (आईएसएसएन:-2750)।

सुशीला रामास्वामी (2021) महिला मताधिकार आंदोलन: लैंगिकता और दौड़ के बीच विरोधाभास, जमशेदपुर अनुसंधान समीक्षा, वर्ष नौवीं, खंड. द्वितीय, अंक XLV, मार्च-अप्रैल, पीपी 89-97, (आईएसएसएन 2320-2750)।

तिवारी, अमिता (2020) अवधी भाषा के लोकगीटो मेइन स्ट्री विमार्श वर्ल्ड ट्रांसलेशन एक इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी पीयर ने रेफर रिसर्च जर्नल की समीक्षा की 486

त्रिपाठी, अर्चना (2021) जय शंकर प्रसाद की आख्यानपराक कविताओ मीन परमपरा और अधिष्ठाता का द्वादश, अक्षर वर्त्ता पत्रिका, 17:62

जर्नल -

ई- जर्नल : 01

महाविद्यालय के शिक्षकों की संख्या संपादन के रूप में सेवारत/संपादकीय बोर्ड के सदस्य : 03

आयोजित संगोष्ठी

वेबिनार, "प्रो दिनेश सिंह, मॉडरेटर- डॉ. दिनेश अदलखा ऑन लाइफ एंड करियर पर कोविड-19 पैनलिस्ट से परे- 12/05/2020 को

15 जून, 2020 को आईक्यूएसी के सहयोग से हिंदी विभाग द्वारा "समकालीन हिंदी उपन्यास और वर्तमान साहित्य" पर वेबिनार।

12 जून 2020 को आईक्यूएसी और अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित मेट्रोपॉलिटन मध्यवर्गीय भारतीय महिला पर महामारी का प्रभाव शीर्षक से वेबिनार।

वक्ता

अंग्रेजी के प्रोफेसर और सेंटर फॉर स्ट्रेस मैनेजमेंट के समन्वयक, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, भारत। स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज की प्रो रुक्मिणी सेन और अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सेंटर फॉर पब्लिशिंग की डायरेक्टर प्रो रुक्मिणी सेन।

पालो आल्टो नेटवर्क्स-सिंगापुर के निदेशक श्री अनूप कांति देब द्वारा 22 जून, 2020 को "कोविड-19 बार में साइबर सुरक्षित रहने का तरीका" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

10 सितंबर, 2020 को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. देव नाथ पाठक द्वारा "समाजशास्त्र बियॉन्ड बाउंड्रीज: फॉर्म, नॉलेज एंड इमेजिना" विषय पर एक इंटरैक्टिव वेबिनार।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. रीना मारवाह, पोस्ट महामारी विश्व व्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; नए सामान्य नेविगेट "; नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संबद्धता संस्थान (एनआईआईसीई) अगस्त 29-31, 2020।

डॉ. रीना मारवाह, "मेकांग-गंगा सहयोग (एमजीसी) के 20 वर्षों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन", एआईसी-आईसीडब्ल्यूए, भारत सरकार, 5-6 नवंबर 2020. डॉ. विभा माथुर, "एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग और प्रबंधन पर 9वां विश्व सम्मेलन (डब्ल्यूसीएसईएम 2020)", पेरिस, फ्रांस, 17 दिसंबर, फ्रांस, 17 दिसंबर, 2020।

वैश्वीकरण और चेतना के नए क्षेत्रों पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. सुसान जॉर्ज "न्यूयॉर्क के हाइपरएस्थेटिक्स एंड द फेट ऑफ म्यूजिक वीडियो": अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली और विभाग द्वारा आयोजित वैश्विक / स्थानीय / ग्लोबल की घटनाएं अंग्रेजी और अमेरिकी अध्ययन, वर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी 8-10 फरवरी 2021 को।

डॉ. महिमा वर्मा को आईटीएल पब्लिक स्कूल, द्वारका में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने 13 मई 2021 को "चलो बात समाजशास्त्र: उद्भव, प्रकृति और समाजशास्त्र का दायरा" व्याख्यान दिया।

30 अप्रैल, 2021 को दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एशिया में प्रदर्शनात्मक परंपराओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में चर्चा करने वाली डॉ. निवेदिता घोष।

सुश्री चारु सरीन अरोड़ा, "एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग और प्रबंधन पर 9वां विश्व सम्मेलन (WCSEM 2020)", पेरिस, फ्रांस; महामारी के कारण वस्तुतः आयोजित, 17 - 18 दिसंबर, 2020।

डॉ. रूही घई, "एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (WCSEM 2020)", पेरिस, फ्रांस, 17 दिसंबर, 2020 पर 9वां विश्व सम्मेलन।

सुश्री काशानी सिंह, "एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (WCSEM 2020) पर 9वां विश्व सम्मेलन", पेरिस, फ्रांस, 17 दिसंबर, 2020।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या: 91

नियोजित छात्रों का प्रतिशत - 30.13%

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 71

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

एनएसएस जेएमसी ने 15 नवंबर, 2020 को दिवाली दान अभियान का आयोजन किया। स्वयंसेवियों ने वंचितों को कंबल व भोजन दान किया। एनएसएस-जेएमसी ने 14 जनवरी 2021 को लोहड़ी पर डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का जश्न मनाने के लिए, 2021 एनएसएस, जेएमसी द्वारा 16 फरवरी, 2021 को एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया था, जिसके एक हिस्से के रूप में हमारे कुछ स्वयंसेवक अपने इलाकों में घर-घर गए (सख्त कोविड सावधानियों और दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए), जबकि अन्य ने भारत में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लघु सूचनात्मक वीडियो बनाए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च 2021 को एनएसएस इकाई ने मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया। स्वयंसेवकों ने मासिक धर्म स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजिटल और हस्तनिर्मित पोस्टर बनाए- मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों का उपयोग, मासिक धर्म के आसपास के मिथकों को खत्म करना, मासिक धर्म स्वच्छता टिप्स आदि। एनएसएस जेएमसी स्वयंसेवकों ने सीओवीडी-19 टीकाकरण अभियान के विभिन्न पहलुओं जैसे पंजीकरण प्रक्रिया, टीकाकरण केंद्र पर अपनाई जाने वाली नियमों, वैक्सीन का विवरण, टीका लगवाने से पहले और बाद में बरती जाने वाली सावधानियों, टीका लगवाने के बारे में पूछे जाने वाले प्रश्न आदि के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर (डिजिटल या हस्तनिर्मित दोनों) बनाए। एनएसएस-जेएमसी स्वयंसेवकों ने अभी तक टीका नहीं लगाने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए टीका लगाए गए लोगों के अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वीडियो बनाए। एनएसएस के अंतर्गत अन्य कॉलेजों के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय एंटी कोविड टास्क फोर्स में शामिल हो गया। 40

एनएसएस-जेएमसी स्वयंसेवक सहायता प्रदान करने के लिए आगे आए, जिनमें से 14 को अस्पताल के बिस्तरों, ऑक्सीजन आपूर्ति, एम्बुलेंस और परामर्श सेवाओं, दवाओं के साथ-साथ खाद्य संसाधनों सहित कोविड-19 से निपटने के लिए आवश्यक आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं से संबंधित जानकारी प्रदान करने और मिलान करने में तत्काल शामिल थे। एनएसएस इकाई ने अपने स्वयंसेवकों को कोविड-19 प्रभावित रोगियों और परिवारों के लिए पूरे भारत में व्यक्तियों और एजेंसियों द्वारा प्रदान की जा रही खाद्य सेवाओं के बारे में जानकारी एकत्र करके महामारी की वर्तमान स्थिति में लोगों की मदद करने का अवसर प्रदान किया। स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों में लोगों से संपर्क करने, प्रदान की जा रही सेवाओं के प्रकार, भोजन की पेशकश की जा रही है, वे क्षेत्रों और प्रदान की जा रही सुविधाओं के लिए उनके शुल्क के बारे में जानकारी एकत्र करने की दिशा में काम किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय लगभग 55,409 पुस्तकों के डेटाबेस के साथ पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है। पुस्तकालय में संसाधनों तक आसान और त्वरित पहुंच के लिए एक कंप्यूटरीकृत सूची उपयोग में है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर पुस्तकों का संग्रह बहुत समृद्ध है। इसमें दुर्लभ संदर्भ पुस्तकों का संग्रह, सामान्य पठन पुस्तकें और अंग्रेजी और हिंदी में नवीनतम कथाएं शामिल हैं। पुस्तकालय ने 2020-2021 के दौरान 330 पुस्तकों का अधिग्रहण किया। वर्ष के दौरान कुल 95 पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है जिनमें से 79 राष्ट्रीय जर्नल हैं और 16 विदेशी जर्नल हैं। पुस्तकालय की पुस्तकों का कुल संग्रह 55409 पुस्तकों अर्थात् 49006 जनरल बुक्स +4975 दान पुस्तकें +1428 बुक बैंक में बढ़ाया गया है। पुस्तकालय ने वर्ष के दौरान एन-लिस्ट (इनफ्लिबनेट) कार्यक्रम के लिए भी नामांकित किया जहां उपयोगकर्ता आसानी से अपने व्यक्तिगत पासवर्ड के साथ 6000 ई-पत्रिकाओं और 97000 ई-पुस्तकों तक पहुंच सकता है।

संकाय संख्या

स्थायी	:	65
तदर्थ	:	61
अतिथि	:	7
संविदात्मक	:	2

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रुपए 43,16,07,429.

उपयोगित अनुदान: रुपए 41,04,72,720.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. मीनाक्षी कुमार ने विशेषज्ञ के रूप में काम किया और 19/1/21-22/1/21 से एससीईआरटी की तीन पीजीटी कार्यशालाओं का आयोजन किया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कोविड के इन समय में, कचरे को संभालना एक आवश्यक सेवा है, जिसके बिना हम सभी अधिक बीमार हो सकते हैं। दिल्ली में कचरा बीनने वालों के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने के लिए विभाग ने चिंतन एनवायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप के सहयोग से मई, 2020 में डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया था। डोनेशन ड्राइव में छात्रों और शिक्षकों दोनों की सक्रिय भागीदारी देखी गई और यह एक बड़ी सफलता थी।

अपने सामाजिक अभियान के एक भाग के रूप में इकोवेंटेज 2021 के दौरान इस वर्ष, विभाग ने मासिक धर्म स्वच्छता और इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दान अभियान के लिए एक गैर सरकारी संगठन-परियोजना ताली के साथ सहयोग किया; और रियायती दरों पर जरूरत में लोगों को टिकाऊ पैड प्रदान करने में सक्षम किया जा रहा है। अर्थशास्त्र विभाग के संकाय के मार्गदर्शन में, अनुसंधान प्रकोष्ठ, अर्थशास्त्र के छात्रों ने विभिन्न विषयों पर अनुसंधान परियोजनाओं पर काम किया। परियोजनाओं पर काम करते हुए छात्रों ने

डेटा सफाई, साहित्य समीक्षा, सांख्यिकीय उपकरणों के आवेदन, परिणामों की व्याख्या और नीतिगत निहितार्थों के विभिन्न पहलुओं को सीखा।

मैरी मिशेल, जेएमसी शिक्षा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में सप्ताह पत्रिका में विशेष उल्लेख <https://www.theweek.in/theweek/cover/2021/03/18/age-of-heroes.html> 28 मार्च 2021 को।

कालिंदी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कालिंदी का 'ज्ञानम शिलाम धर्माक्षि भूषणम' का आदर्श वाक्य जो मानव जीवन के तीन प्रमुख गुणों- ज्ञान, शील और कर्तव्य की भावना पर जोर देता है - महाविद्यालय का उद्देश्य समग्र शिक्षा के माध्यम से अपने छात्रों को सशक्त बनाना है। शैक्षिक सत्र 2020-2021 वाहवाही और उपलब्धियों के मामले में बेहद सफल और संतोषजनक रहा है। इस कोरोनावायरस महामारी के दौरान, हमारा 54 वां वार्षिक दिवस वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर मनाया गया। महाविद्यालय स्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में कुल 21 पाठ्यक्रम और 6 अतिरिक्त ऐड ऑन कोर्सेज की पेशकश कर रहा है। कई अकादमिक उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों, संगोष्ठी, संमेलनों, कार्यशालाओं, व्याख्यान और सभी विभागों द्वारा आयोजित वार्ता, महाविद्यालय प्रकाशन, विभिन्न खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों, सामाजिक कल्याण परियोजनाओं, छात्रों और स्टाफ के सदस्यों की सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों इस अकादमिक सत्र में महाविद्यालय द्वारा उठाए गए विभिन्न पहलों की उत्कृष्ट सफलता का प्रमाण है। शिक्षाविदों के संदर्भ में यह एक फलदायी वर्ष रहा है, जिसमें पुस्तकों, पुस्तकों में अध्याय, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के लिए सामग्री लेखन आदि शामिल हैं। सभी विभागों में कुल 49 संकाय सदस्यों ने विभिन्न अकादमिक प्लेटफॉर्मों पर कागजात प्रस्तुत किए हैं या विशेषज्ञ थे। 68 संकाय सदस्यों ने अपने अकादमिक विकास के लिए ऑनलाइन रिक्रेशर पाठ्यक्रम, एफडीपी, शॉर्ट टर्म कोर्सेज में भाग लिया। हमारे 3 संकाय सदस्यों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय प्रिंसिपल्स कैटेगरी में पूर्व प्रधानाचार्य कालिंदी महाविद्यालय की डॉ. अंजुला वंसल को महात्मा गांधी पर कार्यक्रम चलाने के लिए लगातार समर्थन और प्रोत्साहन के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ. संगीता धल, 2 अक्टूबर, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों और विभागों में युवाओं और बिरादरी के बीच गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए गांधी पुरस्कार, दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी

शैली मिश्रा, बी.ए. (ऑनर्स) शोधकारिता ने विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

दीप्ति सिंह, बी.एससी. लाइफ साइंस (तृतीय वर्ष) को नरगिस सुनील दत्त गर्ल ऑफ द ईयर मिला।

बी.एससी. लाइफ साइंस के प्रियल तनेजा को ऑल राउंड प्राइज ऑफ एक्सीलेंस (शिक्षाविदों के लिए) मिला।

दिव्या कौशल, बी.ए. कार्यक्रम (द्वितीय वर्ष) को आदर्श कुमारी जैन मेमोरियल पुरस्कार (वाद-विवाद के लिए)

किरण, बी.कॉम (तृतीय वर्ष) को शिव पाल गोयल मेमोरियल पुरस्कार (अकादमिक उत्कृष्टता के लिए)।

प्रकाशन

बस्सी, एम. भारद्वाज, ए., और बलूजा, के.एल. (2020)। 1-1 C₂ H₂ F₂ से 0.1 eV से 5 keV तक इलेक्ट्रॉन के प्रकीर्णन का अध्ययन", यूरो। शारीरिक। जे. डी. 74: 232 <https://doi.org/10.1140/epjd/e2020-10035-6>।

चरंडा, एम. (2020) राज्य के नीति निरक्षक सिद्धान्त में: भारत में मीन संघविधनिक लोकतंत्र और शासन। कावेरी पुस्तकें, आईएसबीएन नंबर 978-81-74792-35-8

चौहान, आर.(2021)." लैंगिक, जाति ,वर्ग आधारित भेदभाव और समानता" ,डॉ. सीमा माथुर ने इस मामले में आपके कानून आपके अधिकार ,ओरिएंट ब्लैकस्वान 978-93-5442-013-9 (2021) में शामिल किया है।

ढल, एस. (2021) भारतीय प्रांत ओडिशा में अंतर-सरकारी जुड़ाव के माध्यम से एकीकृत बाल विकास योजना [आईसीडीएस] का मूल्यांकन, में: रेखा सक्सेना, भारत में संघीय बहस में नए आयाम, नई दिल्ली [दक्षिण एशिया संस्करण] रूटलेज प्रकाशक, 162-185।

हसीजा, एन (2020) कोविड-19 संकट के बीच प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा: एशिया के लिए विशेष संदर्भ के साथ "एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स, (7)।

कुमार, आर. (2021) प्राचीन और SnO₂ कार्यात्मक कार्बन नैनोट्यूब पर्यावरण गैस सेंसर NO₂ और NH₃ गैसों के लिए के सोखत्व काइनेटिक्स का अध्ययन", सामग्री कार्यवाही, DOI: 10.1016/j.matpr.2021.04.546।

कुमारी, के.(2021) वेदों में वनस्पति विज्ञान-औषधि पौधों के विशेष संदर्भ में" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च 'अनंता, 7 (1), 13-16

सहदेव, एस. (2021) आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की वन अग्नि गंभीरता मानचित्रण: एक भू-स्थानिक परिप्रेक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय जलीय विज्ञान जर्नल, 12 (02), 1420-1431

शर्मा, एम. (2020) राम की लड़ाई: सम्बेदना और शिल्प (2020), रचनाकर पब्लिशिंग हाउस: दिल्ली, आईएसबीएन: 978-93-87932-30-2.

त्यागी, आर. (2020) सर्वोदय: गांधी के राज्य-प्रशासन संबंधी दृष्टिकोण लोक प्रकाशासन, आई.आई.पी.ए प्रकाशन, 12 (2): 66-74 में।

पत्रिकाएं

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : एक

संपादकीय बोर्ड के संपादक के रूप में सेवारत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : नौ

अनुसंधान परियोजनाएं

इंटर विश्वविद्यालय एक्सीलरेटर सेंटर (आईयूएसी), दिल्ली, 2013-जारी, "परमाणुओं और ठोसों के साथ अत्यधिक आवेशित स्लो आयनों की एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी, प्रो पुनीता वर्मा

एनआईसी, दिल्ली चैप्टर, 2020 (जारी), "एक्स-रे फ्लोरेसेंस, , का उपयोग कर दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरणीय नमूनों में धातु संदूषण की जांच प्रो पुनीता वर्मा राशि:रूपए 26500

डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, "कैटफिश हेटेरोपेनुस्टेस जीवाश्म, राशि में वासोटोसिन और कोर्टिकोस्टेरायड के बीच कार्यात्मक बातचीत: 23,07,201.00, डॉ. वर्षा सिंह

आयोजित संगोष्ठी

29 सितंबर 2020 को "समकालीन विश्व में आर्थिक जीवन की पुनर्कल्पना: गांधीवादी मॉडल ऑफ ट्रस्टीशिप एंड सेल्फ रिलायंस" पर गांधी स्टडी सर्कल, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

इंटरनेशनल वेबिनार, "डेटा एनालिटिक्स में वर्तमान रुझान" 28 दिसंबर 2020 को।

19 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय वेबिनार, "रिवर्स माइग्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट इन इंडिया"।

26 जून 2021 को कालिंदी महाविद्यालय "महिला विकास के प्रासंगिक दार्शनिक, वैज्ञानिक और सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं" द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

आईक्यूएसी, राजनीति विज्ञान विभाग, कालिंदी महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला "भारत की विदेश नीति: नई दिशाएं, चीन और दक्षिण एशिया की भूराजनीति, ईरान का परमाणु

कार्यक्रम, उभरते विश्व व्यवस्था में अफ्रीका, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई), मध्य पूर्व में राजनीति और धर्म आज: बिडेन प्रशासन के लिए नीति निहितार्थ, राष्ट्रीय हित को साकार करने के लिए सॉफ्ट पावर का लाभ: आजादी के बाद से भारत की विदेश नीति पर प्रतिबिंब, भारत की पूर्वी एशिया रणनीति", 16 फरवरी 2021 से 20 अप्रैल 2021 तक।

आयोजित सम्मेलन

9-10 अप्रैल 2021 को कालंदी महाविद्यालय "मैपिंग गवर्नेंस इन साउथ एशिया" द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

मोनिका जुत्शी ने 17-20 मार्च 2021 को आईएसीएल्स द्वारा आयोजित आईएसीएल्स वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में एक शोध प्रस्तुत किया, "मिरर डार्कली के माध्यम से: काजुओ इशिगुरो में सत्ता की अर्थव्यवस्थाओं की समकालीन आलोचना के रूप में डिस्टोपिक मनमुटाव मुझे कभी नहीं जाने देता"।

रचना कुमार ने एक शोध प्रस्तुत किया, विज्ञान और मानविकी विभाग, सेंट मार्टिन, " इंजीनियरिंग महाविद्यालय, धुलापल्ली, सिकंदराबाद, टीएस, भारत द्वारा 13-14 अगस्त 2020 को आयोजित "निरंतरता, निरंतरता और एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज में नवाचार" (आईसीसीआईएसएसएच-2020) पर पहले ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिंगल से कई इंटरफेस और ऑप्टिकल मापदंडों के मूल्यांकन में फ्रेस्नेल के समीकरण"।

रचना कुमार ने 5-6 नवंबर 2020 को एआरडी (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित कार्यात्मक सामग्री (आरएफएम-2020) में हाल ही में प्रगति पर ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में " NH3 और NO2 गैसों के लिए प्राचीन और कार्यात्मक कार्बन नैनो ट्यूबों के सोखने काइनेटिक्स का अध्ययन" प्रस्तुत किया।

बिंदल, पी. और श्रीवास्तव टी ने 10-11 अक्टूबर 2020 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स, रीजनल काउंसिल (दिल्ली एंड हरियाणा) द्वारा आयोजित 8वें वार्षिक अधिवेशन में "बहुआयामी विकास के लिए पाठ्यक्रम" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

पुनीता वर्मा ने जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से 10-11 अक्टूबर 2020 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स, रीजनल काउंसिल (दिल्ली और हरियाणा) द्वारा आयोजित 8वें वार्षिक अधिवेशन में एनईपी 2020 पर एक शोध पेश किया।

सीमा गुप्ता ने एक शोध प्रस्तुत किया, विज्ञान और मानविकी विभाग, सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग महाविद्यालय, धुलापल्ली, सिकंदराबाद, टीएस, भारत द्वारा 13-14 अगस्त 2020 को आयोजित "निरंतरता, निरंतरता और एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज में नवाचार" (आईसीसीआईएसएसएच-2020) पर पहले ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिंगल से मल्टीपल इंटरफेस और ऑप्टिकल मापदंडों के मूल्यांकन में संक्रमण में फ्रेस्नेल के समीकरण"।

संगीता धल ने 26-27 मार्च 2021 को भारती इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, आईएसबी और आईपीपीएन द्वारा आयोजित 'आईसीटी के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना: ग्रामीण ओडिशा में लैंगिक समीकरणों की बदलती गतिशीलता' पर एक शोध प्रस्तुत किया।

मीना चरंडा ने विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज एंड तहजीब, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, 9-11 जुलाई 2020 द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (आईडब्ल्यूबीएस-2020) में 'ग्लोबल वेल-बीइंग एंड प्राचीन भारतीय परंपराओं' में एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

कालिंदी महाविद्यालय ने कालिंदी महाविद्यालय में पूर्वोत्तर में आईबीएसडी-कालिंदी सेंटर फॉर वुमन एंटरप्रेन्योरशिप की स्थापना के लिए 25 जनवरी 2017 को मणिपुर के इंफॉल स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट के साथ समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

मानवता के लिए सेवा की अवधारणा के अंतर्गत, हम एनएसएस, सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ, इको क्लब, डॉ. बी. अंबेडकर अध्ययन केंद्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, "पूर्वोत्तर, सीमांत और विदेशी विद्यार्थी प्रकोष्ठ", समान अवसर प्रकोष्ठ, गांधी अध्ययन सर्कल, महिला विकास केंद्र, तंबाकू विरोधी समिति, एनसीसी चला रहे हैं। महाविद्यालय सफलतापूर्वक नॉन कॉलेजिएट सेंटर और स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग सेंटर चला रहा है। कालिंदी महाविद्यालय का सेंट्रल नियोजन सेल "क्रिप्टस" छात्रों के नियोजन के लिए ऊर्जावान रूप से काम कर रहा है। हम अपने छात्रों को परामर्श और चिकित्सा सुविधाएं भी प्रदान कर रहे हैं। कालिंदी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने वर्ष 2020-2021 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे 31 मई 2019 को "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" का आयोजन, 25 से 31 अगस्त 2020 के बीच एक सप्ताह तक चलने वाला कार्यक्रम, 27 अक्टूबर 2020 से 2 नवंबर 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह। संविधान दिवस 26 नवंबर, 2020 को और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2021 को मनाया जाएगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ की गतिविधियां और उपलब्धियां

विद्यार्थी समुदाय आउटरीच कार्यक्रम - "गांधी विरासत को विद्यार्थी तक ले जाना"- राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय द्वारा आयोजित और एनबीसीएफडीसी, नई दिल्ली द्वारा 12 जनवरी, 2021 को प्रायोजित।

20 अप्रैल 21, को कालिंदी महाविद्यालय विद्यार्थी संघ ने "मिशन हेल्प" का शुभारंभ किया जो केआरटीआइ के सहयोग से कालिंदी महाविद्यालय के छात्रों द्वारा संचालित एक सहविद् राहत कार्यक्रम था। इसका उद्देश्य ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल के बेड आदि संसाधनों के सत्यापित सुराग के साथ जरूरतमंद लोगों की मदद करना था।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2020-21 के दौरान पुस्तकालय के संसाधनों में वृद्धि की गई है और पुस्तकालय का कुल संग्रह पुस्तक बैंक और विद्यार्थी सहायता प्राप्त निधि पुस्तकों सहित 84,970 पुस्तकों तक पहुंच गया। पुस्तकालय प्रयोक्ताओं ने नई जोड़ी गई पुस्तकों से खुद को प्रबुद्ध कर लिया है। वर्तमान में पुस्तकालय अपने पाठकों के लिए ब्याज के विभिन्न क्षेत्रों पर अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में 67 पत्रिकाओं/पत्रिकाओं और 14 समाचार पत्रों की सदस्यता ले रहा है। पुस्तकालय में ई-संसाधनों तक पहुंच के लिए एक वेब केंद्र, परामर्श प्रयोजनों के लिए एक अलग वाचनालय और छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक फोटोकॉपी की सुविधा है। एन-लिस्ट, डेलनेट और डीयूएलएस (संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए) आईडी के माध्यम से ई-संसाधनों की दूरस्थ लॉगिन पहुंच भी पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाती है। महाविद्यालय की वेबसाइट पर बड़ी संख्या में ओपन एक्सेस प्रिंट जर्नल, ई-बुक्स और ई-जर्नल, पिछले वर्ष के प्रश्न शोध और उपयोगी शैक्षिक संसाधनों के लिए लिंक उपलब्ध हैं। जर्नल कंटेंट अलर्ट सर्विस भी संकाय सदस्य को ईमेल के जरिए दी जाती है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है। संकाय सदस्य को आर्टिकल अलर्ट सर्विस भी दी जाती है। पुस्तकालय ग्रीन इनिशिएटिव को बढ़ावा भी दे रही है और इस तरह पुस्तकालय वेस्ट शोध के बदले रिसाइकल्ड मटेरियल की खरीद भी हो रही है। प्रिंट डिसेबल्ड स्टूडेंट के लिए ई-बुक्स की सुविधा डीयू ब्रेल पुस्तकालय के जरिए दी जाती है और पुस्तकालय में स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर अर्थात् एनवीडीए और हिंदी ओसीआर उपलब्ध है।

संकाय संख्या

स्थायी - 80

तदर्थ - 122

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए वित्तीय आवंटन और उपयोग (लाखों में) डेटा

अनुदान प्राप्त : रुपए 3878.94 (यूजीसी और दिल्ली एडमिन से प्राप्त वेतन और गैर-वेतन रखरखाव अनुदान)

उपयोग : रुपए 4150.38 (वेतन और गैर वेतन रखरखाव अनुदान के विरुद्ध व्यय)

कमला नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

यह सम्मान की बात है कि 2020 से कमला नेहरू महाविद्यालय को उच्च शिक्षा में गुणवत्ता जनादेश के बाद यूजीसी की 'परमर्श' योजना के अंतर्गत मेंटर संस्था के रूप में चुना गया है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के उन चार कॉलेजों में से एक है, जिसे मेंटी संस्थानों को सलाह देने के लिए 'परामर्श' से सम्मानित किया जाएगा ताकि वे 2022 तक नैक मान्यता प्राप्त कर सकें। यूजीसी की परामर्श योजना के अंतर्गत, महाविद्यालय ने 26 दिसंबर 2020 को नीतियों और एसओपी पर ऑनलाइन कार्यशाला के रूप में कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया; पीओ और सीओ के बयान और 30 दिसंबर 2020 को प्राप्तियों को मापने; 9 नवंबर 2020 को ब्लूम टैक्सीनोमी; 6 अगस्त से 8 अगस्त, 2020 तक नैक एसएसआर के लिए सात मानदंडों को समझने पर 3 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला; भारतीय शिल्प एवं डिजाइन संस्थान, जयपुर के सहयोग से ग्रीष्मकालीन कला कार्यशालाएं; 15 जुलाई, 2020 को नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार नैक प्रत्यायन प्रक्रिया को समझना। 16वीं डॉ. के.के. गोरवारा मेमोरियल पब्लिक लेक्चर सीरीज में विभिन्न क्षेत्रों की गतिशील हस्तियों के साथ वार्षिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। 2020 का व्याख्यान 29 सितंबर को जिंदल एसएडब्ल्यू लिमिटेड की प्रबंध निदेशक सुश्री स्मिन् ज़िंदल और स्मिन् ज़िंदल ट्रस्ट इंडिया के अग्रणी पहुंच अधिकार संगठन की पहल स्वयम के संस्थापक-अध्यक्ष के साथ ऑनलाइन किया गया था। राइज सेल ने एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्रो मोहन सिंह पंवार के सहयोग से माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल का उपयोग कर डाटा एनालिसिस पर तीन दिवसीय हैंड-ऑन कार्यशाला के साथ "क्या शोध है" पर परिचयात्मक व्याख्यान का आयोजन किया। महाविद्यालय की एक और अनूठी पहल है इनक्यूबेशन सेल। सितंबर 2020 में स्थापित, यह छात्रों के लिए एक मंच विकसित करने और प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है जिसमें उनके अभिनव स्टार्ट-अप विचारों को इनक्यूबेटेड और साकार किया जा सकता है। सत्र के अतिथि वक्ता श्री राजीव कपाही, निदेशक और बोमा, भारत के संस्थापक श्री राजीव कपाही थे। औद्योगिक इनक्यूबेशन उद्यमिता और कौशल प्रशिक्षण (आईआईटीसी) और एनआईटीकॉइन के सहयोग से एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो स्टार्ट-अप और वित्तपोषण के तत्वों पर आधारित एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम है। इसके अलावा कमला नेहरू महाविद्यालय के मेहनती और समर्पित सिविल सेवा आशावारों के लिए एक साझा मंच प्रदान करने के लिए अगस्त, 2020 में सिविल सेवा मंच की स्थापना की गई थी।

सम्मान/गौरव

एशिया स्कॉलर्स एसोसिएशन द्वारा 30-31 अक्टूबर, 2020 को आयोजित 'रीविजिंग गांधी: शांति, न्याय और विकास' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध प्रस्तुति के लिए डॉ. ऋतुभरा मालवीय को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. होमोलता बोरा को 5/11/2020 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रीजनल डेवलपमेंट (सीएसआरडी) से पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गई।

डॉ. हर्ष मीणा को 20 नवंबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय (राजनीति विज्ञान विभाग) से पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

डॉ. मंगल देव को 26 अक्टूबर 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय (राजनीति विज्ञान विभाग) से पीएच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

प्रकाशन

अग्रवाल, एस (2020) आधुनिक इजरायली कविता, गरभनल, पृष्ठ 12, ई जर्नल WWW.garbhanal.com आईएसएसएन 2249-5967।

इजरायल, एम. गुरुनानक का व्याक्टिटीवी या अनकी काव्या कला- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज रिसर्च- आईएसएसएन 2349-1876/2454- 1826 - खंड VI: (215-217)

मालवीय आर. (2020) महिला, संघर्ष और संघर्ष रिपोर्टिंग: भारत में समाचार वेबसाइटों में रोहिंग्या संकट पर गहराई से gendered प्रवचन। में: एन चौधरी और बी मोहंती (Eds.) नागरिकता, राष्ट्रवाद और दक्षिणी एशिया में रोहिंग्याओं के शरणार्थीत्व, पीपी 171-188। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-2168-3_9 ISBN: 978-981-15-2168-3

मालवीय आर. (2020) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में यथार्थवाद। निर्मल जिंदल और कमल कुमार अंतर्राष्ट्रीय संबंध: थ्योरी और अभ्यास में। नई दिल्ली: ऋषि।

मलिक, वी. (2020) लोकप्रिय पंथों का ब्रह्मकरण: महाभारत के आदि पर्व में नागा।

इंटरनेशनल जर्नल फॉर इनोवेटिव रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड 6 (2)।

मलिक, वी. (2020) प्राचीन भारतीय राजनीति में राज्य और मानवीय मूल्यों की बौद्ध अवधारणा, ' एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स में

नंदा, बी., रे, एन, मुखर्जी, आर (2020) बेटा-वरीयता, सुरक्षा चिंताएं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध: भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रवचन का विस्तार, भारतीय जन स्वास्थ्य जर्नल, 64(2)।

शाहनवाज, एम जी, सिद्दीकी, एन (2020) भारत में मुस्लिम जनरल येर: एक गुणात्मक विश्लेषण। मनोवैज्ञानिक अध्ययन। <https://doi.org/10.1007/s12646-020-00576-6>

सिद्दीकी, एन.(2020) सेक्सिस्ट बॉलीवुड गानों का एक विषयगत विश्लेषण। जेनेरोस: मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज, 9(2), 111-136. डीओआई: <http://dx.doi.org/10.17583/generos.2020.4628>

सिद्दीकी, एन., शाहनवाज, एम. जी., नासिर, एस. (2020) शॉर्ट डार्क ट्रायड (SD3) स्केल की पुनः जांच निर्माण वैधता। व्यक्तित्व मनोविज्ञान में वर्तमान मुद्दे, 8(1), 18-30। डीओआई: <https://doi.org/10.5114/cipp.2020.94055>

जर्नल

प्रकाशित : एक

अनुसंधान परियोजनाएं

एसपीआरसी परियोजना (एमएचआरडी, भारत सरकार), 2020- 'महाव्रत और भगवद्गुति में योग चेतना: सामाजिक/राजनीतिक कल्याण के लिए नैतिक मूल्य'

आयोजित संगोष्ठी

श्री राजीव कपाही, निदेशक और बोमा, भारत के संस्थापक, "भूमिका और एंजेल निवेश का जोखिम" सितंबर, 2020

मई 2020 में "कार्यबल के लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा-चिंताओं, मुद्दों और कानूनी उपचार" पर वेबिनार। तीन प्रख्यात वक्ता - श्री अमर नाथ गुप्ता (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया), डॉ. उपमा गौतम (सहायक

प्रोफेसर, विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआईपीयू और डॉ. अनीता टैगोर (सहायक प्रोफेसर, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग डॉ. सम्राट मंडल ने कोविड-19 के बाद बदली हुई दुनिया में साइबर सुरक्षा की उपयोगिता पर मंथन करने के लिए ' महामारी और सोशल मीडिया की दुनिया में साइबर सुरक्षा का महत्व'।

प्रो वी.के. कौल, पूर्व प्रमुख और संकायाध्यक्ष डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, 'कोरोना वायरस महामारी की भू-राजनीति: वैश्वीकरण और राष्ट्रीय हित का पुनर्मूल्यांकन', मई, 2020

मई 2020 में "कोविड -19 के बीच दक्षिण-एशिया में सामाजिक परिवर्तन पर फिर से विचार" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और भारत के वक्ताओं के साथ, जो एक मंच पर एक साथ आए और अपने विचार प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियां

सुश्री नमिता पॉल ने 25 मई 2020 को राम लाल आनंद महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा 'समझ साहित्य और सिनेमा' पर व्याख्यान देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया। उनकी प्रस्तुति "रोमियो एंड जूलियट: मुद्दे और रूपांतरों" विषय पर थी।

श्री जोसेफ कुमार रवि को "पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण - सतत विकास के लिए रणनीतियाँ" विषय पर "पर्यावरण प्रबंधन के लिए क्राउड-सोर्स डेटा: स्थानीय कार्रवाई के साथ पर्यावरण प्रबंधन का एकीकरण" विषय पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। स्व-शासन और अनुसंधान समूह "सिविल इंजीनियरिंग विभाग, श्री रामकृष्ण इंजीनियरिंग कॉलेज, कोयंबटूर, तमिलनाडु में 13 अगस्त 2020 को आयोजित किया गया।

श्री अनीश चक्रवर्ती ने 11 अक्टूबर 2020 को भारत के लद्दाख विश्वविद्यालय, लेह में दर्शनशास्त्र विभाग, एलीज़र जोल्डन मेमोरियल महाविद्यालय, लद्दाख विश्वविद्यालय, लेह द्वारा आयोजित "समकालीन विश्व में नैतिकता" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में वैचारिक संघर्षों के समाधान में निर्णय के निलंबन की भूमिका एक शोध प्रस्तुत किया।

श्री अनीश चक्रवर्ती ने 11 अक्टूबर 2020 को भारत के लद्दाख विश्वविद्यालय, लेह में दर्शनशास्त्र विभाग, एलीज़र जोल्डन मेमोरियल महाविद्यालय, लद्दाख विश्वविद्यालय, लेह द्वारा आयोजित "समकालीन विश्व में नैतिकता" विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित वक्ता के रूप में वैचारिक संघर्षों के समाधान में निर्णय के निलंबन की भूमिका एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. नूपुर रे ने एक शोध प्रस्तुत किया, "महामारी और सेक्स वर्क्स समुदाय: महामारी की लैंगिक आकृति पर संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान हाशिए पर: लैंगिक अध्ययन और साराला देवी सेंटर फॉर जेंडर रिसर्च, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय और नीति केंद्र और लैंगिक प्रयोगशाला, मिरांडा हाउस द्वारा सार्वजनिक नीति और नेतृत्व परिवर्तन को बदलते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय, 31 अगस्त 2020 को।

डॉ. नूपुर रे ने एक शोध प्रस्तुत किया, "महिला, एजेंसी और शारीरिक अधिकार: महिला अध्ययन पर 6 विश्व सम्मेलन (डब्ल्यूसीडब्ल्यूएस 2020) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भारत में वेश्यावृत्ति पर अधिकारों के प्रवचन की आलोचना ' पर काबू पाने महिला परतंत्रता: समाजीकरण, कानून और संरचनात्मक असमानताएं ', 27-28 जुलाई, 2020।

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या: 35+

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 14

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

एनएसएस ने यूनिचार्म इंडिया के सहयोग से जुलाई 2020 में मासिक धर्म स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया। आईएमएआई द्वारा 'महिलाओं के लिए ऑनलाइन सुरक्षा' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें रक्षित टंडन वक्ता के रूप में थे। इस सत्र में साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुल्लिंग, सेक्सटिंग, ब्लैकमेलिंग, बैंक धोखाधड़ी आदि प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। धर्मशिला कैंसर फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से "कैंसर की रोकथाम और स्वच्छ यमुना" पर नवंबर में एक और वेबिनार का आयोजन किया गया था। एनएसएस, केएनसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में वेबिनार का संचालन करने के लिए एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के साथ भी सहयोग किया। विषय था: "राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता की कमी: भ्रष्टाचार का एक कारण?"। पिंग इनिशिएटिव और गर्ल अप के सहयोग से गर्ल फॉर गर्ल एनएसएस ने पिंग अक्टूबर के अवसर पर स्तन कैंसर पर जागरूकता वेबिनार का आयोजन किया।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने मई-जून 2020 में पड़ोसियों की देखभाल के लिए एक कोविड देखभाल शुरू किया, जहां वे अपने आसपास और पड़ोस के सतर्क हो जाएगा और आवारा जानवरों की देखभाल करने के लिए सुनिश्चित किया, जरूरत में उन लोगों के लिए आवश्यक मदद प्रदान करने और यहां तक कि समय लेने के लिए उपकरण और आपूर्ति वे स्कूलों और ऑनलाइन कक्षाओं के लिए आवश्यक के साथ बच्चों को प्रदान करते हैं। जून 2020 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों ने आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों की मदद से योग के संदेश का अभ्यास किया और प्रचार किया और उनके परिवारों को विशेष रूप से लॉकडाउन के दौरान ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस केएनसी ने विशेष रूप से बढ़ते कोविड मामलों के समय में रक्तदान और प्लाज्मा दान पर जागरूकता पैदा करने के लिए ईवीपी ब्लड कनेक्ट के सहयोग से काम किया। सहयोग एनएसएस समन्वित कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में जैसे रक्तदान पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, केस स्टडी प्रतियोगिता, और हर्ष चौधरी, ईवीपी ऑपरेशंस हेड के नेतृत्व में रक्त और प्लाज्मा दान पर जागरूकता वेबिनार। महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने भी देश को स्वच्छ और बनाए रखने के मिशन में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वच्छ भारत सप्ताह के अंतर्गत साफ-सुथरा महाविद्यालय भी महत्वपूर्ण रूप से वर्ष भर लगातार अपने-अपने क्षेत्रों में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी के साथ-साथ।

संकाय संख्या : 158

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शोधकारिता विभाग ने श्री अखिल रंजन (एएफपी में फैक्ट चेकिंग रिपोर्टर (एग्नेस फ्रांस-प्रेस) और एक गूगल सर्चिफाइंड फैक्ट-चेक ट्रेनर द्वारा आयोजित एक फैक्ट चेकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया, जिन्होंने फोटो और वीडियो को सत्यापित करने के तरीके पर एक सत्र लिया। अक्टूबर में शोधकारिता के तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए प्रिंट प्रोडक्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। पूरे दिन की ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन इंडियन एक्सप्रेस की सहायक कला निदेशक श्री सुमन घोष ने किया। अक्टूबर में द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए फोटोशॉप, फोटो एडिटिंग पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती महाविद्यालय के शोधकारिता विभाग के सहायक प्रोफेसर नाजिश ने किया। शारीरिक शिक्षा विभाग ने जून 2020 में सभी छात्रों, शिक्षण और शिक्षण-शिक्षण स्टाफ सदस्यों के लिए योगाचार्य ललित मदान द्वारा आयोजित "प्रतिरक्षा के लिए योग" पर एक व्याख्यान-सह-अभ्यास सत्र का आयोजन किया। बुक क्लब ने एक्सप्रेस के सहयोग से एक कार्यक्रम - अंग्रेजी रचनात्मक अभिव्यक्ति नवंबर 2020 में एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया। जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय के प्रो पंकज छोला ने साहित्य के उदाहरणों के साथ रचनात्मक लेखन के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया। सितंबर के महीने में, लुमिनोसो ने दो कार्यशालाओं का आयोजन किया - क्ले मूर्तिकला पर सुश्री स्मृति संगल के साथ एक ऑनलाइन कार्यशाला, और एक पूर्व विद्यार्थी सुश्री गीतांजलि वाधवा द्वारा आयोजित एक क्विलिंग कार्यशाला। भूगोल विभाग इसरो, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के एक घटक निकाय इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग द्वारा आयोजित

महत्वाकांक्षी आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सदस्य बन गया। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए छात्रों के लिए विभाग द्वारा इस तरह के चार कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ई-सामग्री के साथ लाइव इंटरैक्टिव सत्र की परिकल्पना की गई और पूरक सीखने के संसाधनों के रूप में प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया। गोलीबारी के बहुप्रतीक्षित वार्षिक एशियाई संसदीय बहस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण, मुनाजराह नवंबर 2020 में एक ऑनलाइन बहस माध्यम, मिक्सीडिआ का उपयोग कर आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में फिलिपींस विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईटी, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, सेंट जेवियर्स महाविद्यालय, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की कुल 32 टीमों ने भाग लिया।

नियोजन सेल प्रोस्पिसिओ ने मई 2020 में श्री अवधेश दीक्षित द्वारा "पोस्ट कोविड-19: रोजगार के लिए चुनौतियां और अवसर" जैसे विभिन्न परामर्श और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी ली। जून 2020 में मूल्या फॉउंडेशन द्वारा "सार्वजनिक नीति और नेतृत्व में करियर की संभावनाएं"; अगस्त 2020 में एसआई-यूके और ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के सहयोग से "एसओपी कैसे लिखें" "प्रकाशन में करियर", अंग्रेजी विभाग के सहयोग से, श्री अंबर साहिल चटर्जी, प्रकाशन सलाहकार और 2015 के.एन.सी के बैच, सुश्री शुभली चोपड़ा (हैचेट इंडिया) और सुश्री ऐश्वर्या मिश्रा (हार्परकॉलिन्स इंडिया), सितंबर 2020 में; और, सितंबर 2020 में 2015 केएनसी एलुमना सुश्री आकांक्षा अग्रवाल (गूगल इंडिया) के बैच द्वारा "न्यू एज जॉब चाहने वाले और स्वयं की ब्रांडिंग"।

केशव महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

केशव महाविद्यालय में अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों में 26 वर्षों का तारकीय रिकॉर्ड है और यह दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत सबसे प्रसिद्ध ऑफ-कैंपस कॉलेजों में से एक है। नैक समिति ने वर्ष 2016 में महाविद्यालय को ए ग्रेड संस्था के रूप में मान्यता दी है। पिछले एक वर्ष से, हम सभी कोविड 19 महामारी का सबसे भयानक प्रभाव देख रहे हैं, जिससे इतनी मौत हुई है, अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान हुआ है और लगातार लॉकडाउन की अनिवार्य अवधि हुई है। इस संकट के दौरान हर व्यक्ति ने अपनी क्षमता के अनुसार मानवता की सेवा करने का प्रयास किया है। हमारे प्रधानाचार्य प्रो मधु प्रुथी को कोविड-19 को संभालने के लिए विश्वविद्यालय टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. हरप्रीत भाटिया विश्वविद्यालय स्तर पर मेंटल हेल्थ काउंसलिंग के लिए गठित टीम का हिस्सा रहे हैं। वह उन तीन सदस्यों की समिति का भी हिस्सा हैं जिन्होंने कोविड-19 बार के दौरान तनाव और चिंता से प्रभावित छात्रों और स्टाफ सदस्यों को केएमवी में काउंसलिंग सेल, कांसलेंज़ा के माध्यम से टेली काउंसलिंग की काउंसलिंग की है। कोविड -19 की दूसरी लहर के दौरान, हमारे स्टाफ के सदस्यों ने माननीय उप मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार, चेरपर्सन जीबी, डीएम-एनडब्ल्यू, एसडीएम-एनडब्ल्यू और सीडीएमओ-एनडब्ल्यू की मदद से महाविद्यालय में आरटी-पीसीआर परीक्षण सुविधाएं प्रदान कीं। महामारी के प्रतिकूल प्रभाव से जूझना एक चुनौती थी, लेकिन महाविद्यालय ने यह सुनिश्चित किया कि सीखने की रोशनी इन अंधेरे समय में भी दूर-दूर तक फैल जाए। कोविड-19 के कारण फैली इस तरह की निराशा के बावजूद, हमारे डीयू प्रशासन ने पात्र संकाय सदस्यों को लंबे समय से प्रतीक्षित पदोन्नतियों के लिए अनुदान सुनिश्चित किया है। इन 05 संकाय सदस्यों में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर आगे पदोन्नत किया गया।

सम्मान/गौरव

पर्यावरण अध्ययन विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. गीतांजलि सेजेना को संकाय श्रेणी में राष्ट्रीय एसटीई युवा शोधकर्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कंप्यूटर साइंस विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनीता जिंदल को उनके शोध के लिए बेस्ट शोध अवार्ड से सम्मानित किया गया: 'एन्क्रिप्टेड ट्रैफिक क्लासिफिकेशन ईएक्सट्रेम ग्रेडिएंट बूस्टिंग एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हुए।

मनोविज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. वंदना गंभीर को हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान द्वारा "योग्य मान्यता प्राप्त ट्रेनर" घोषित किया गया। उन्हें वर्ष 2020-2021 के लिए एशिया पैसिफिक करियर डेवलपमेंट एसोसिएशन (एपीसीडीए), यूएसए द्वारा "नैतिकता और मानक समिति अध्यक्ष" के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

आईआई-आईआईआईटी दिल्ली द्वारा आयोजित एलिनियम 20 ए टेकवीक के हिस्से के रूप में बी.एससी (एच) कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के श्री पुनीत कुमार और श्री यश कश्यप छात्रों ने 'डेटा अनचेन्ड' स्पर्धा में पहला स्थान प्राप्त किया।

श्री शुभम कुमार साह, बी.एससी (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष आईआईटी जाम, 2021 एआईआर 1900 के साथ मंजूरी दे दी और पीजी गणित में कार्यक्रम के लिए आईआईटी दिल्ली से एक प्रवेश प्रस्ताव शोध मिला है।

प्रकाशन

अरोड़ा, आर. गुप्ता, के., (2020) टुकड़ेवार अनिश्चितकालीन क्वाड्रेटिक प्रोग्रामिंग समस्या के लिए एक एल्गोरिदम। क्रोएशियाई परिचालन अनुसंधान की समीक्षा करें। 11, 39-51.

अरोड़ा, आर. गुप्ता, के., (2020) बहु-उद्देश्य अनिश्चितकालीन क्वाड्रेटिक बाइवेल प्रोग्रामिंग समस्या के लिए फजी गोल प्रोग्रामिंग तकनीक। नियंत्रण विज्ञान के अभिलेखागार। 30, 683-699

अरोड़ा, आर. परीक्षण प्रयास आधारित सॉफ्टवेयर विश्वसनीयता मूल्यांकन एफआरएफ और चेंज प्वाइंट को शामिल करते हुए। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 30 (3), 273-288

बेदी, पी., गुप्ता, एन."I-SiamIDS: नेटवर्क आधारित घुसपैठ का पता लगाने प्रणाली में वर्ग असंतुलन से निपटने के लिए एक बेहतर सियाम-आईडीएस"। एप्लाइड इंटेलिजेंस, एपल इंटेल्, 51 (2021), 1133-1151

कपूर, डी, सरदाना, टी. शर्मा, डी (2021) नेताओं के रूप में महिला: ग्लास सीलिंग और संगठनात्मक विकास की एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 9 (1), 572-591।

कुमार, पी. (2020) "कोविड-19: प्रबंधन के लिए चुनौतियां-प्रबंधन के सामने आने वाली कोरोना वायरस चुनौतियों पर एक अध्ययन", सामाजिक विज्ञान जर्नल, 48 (2), 1919-1934।

कुमार, पी. (2020), "संगठनात्मक सीखने पर निर्णय लेने की शैलियों के प्रभाव का आकलन करने का एक अनुभवजन्य अध्ययन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 1 (2), 01-09।

कुमार, पी. (2020) संगठनात्मक संरचना का व्यवस्थित दृश्य, विज्ञान समूह के अदल्या जर्नल वेब, 9 (3), 736 - 745

मेंदीरत्ता, ए.सौधी, एस (2020) तनाव और सचेत भोजन पर गुना का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 8 (4), 1345-1353

निसार, एस., यूसुफ, पी., मसूदी, टी., वानी, एनए., हाशेम, एस., सिंह, एम., सगीना, जी., मिश्रा, डी., कुमार, आर., हारिस, एम., भट, ए.ए और मचा, एमए (2021) सिर और गर्दन के ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में केमोकाइन-साइटोकाइन नेटवर्क। आणविक विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 22(9), 4584

राज, पी. (2020) विशिष्ट शिक्षण विकार पर मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप का प्रभाव: एक हस्तक्षेप अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 8 (3), 961-969

रत्ती, पी शर्मा, डी.(2021) खुशी: क्या यह उम्र के साथ बदलता है? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 9 (1), 960-979।

सेजेना, जी., बलवान, डब्ल्यू.के. (2020) महामारी के अंदर महामारी: गलत सूचना का हिमस्खलन। जर्नल ऑफ ग्लोबल बायोसाइंसेज, 9 (7), 7667-7678।

वेबिनार का आयोजन

आईक्यूएसी ने श्री अरबिंदो महाविद्यालय के सहयोग से संकाय और छात्रों के विकास जैसे "विद्यार्थी समर्थन और प्रगति को मजबूत करना", 'एचईआई में बुनियादी ढांचे और अधिगम संसाधनों का महत्व', 'एचईआई में भविष्य निधि प्रबंधन' और 'नैक के संशोधित मूल्यांकन ढांचे में मानदंड' जैसे संकाय और छात्रों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न वेबिनारों का आयोजन किया। आईक्यूएसी ने 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर पर्यावरण अध्ययन विभाग के साथ 'एनसीटी दिल्ली में कोरोनावायरस महामारी के दौरान वायु प्रदूषण का प्रभाव' और शारीरिक शिक्षा विभाग के साथ योग और ध्यान के माध्यम से कोविड 19 टाइम्स के दौरान शारीरिक और मनोवैज्ञानिक भलाई पर एक और वेबिनार का भी आयोजन किया।

विभिन्न विभागों ने वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जैसे कंप्यूटर साइंस और ब्लिट्ज सोसायटी विभाग ने 'आईटी में करियर विकल्प', 'वेब स्क्रेपिंग', 'एंड्रॉइड डेवलपमेंट' और 'एथिकल हैकिंग' जैसे विविध विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने तीन दिन तक चलने वाले ऑनलाइन कंप्यूटर महोत्सव का भी आयोजन किया, जिसमें ' जंग-ई-कोड ' और ' डेटा अनजान का युद्धभूमि ' जैसे विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए गए; इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने 'इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन', 'सर्किट्रिक्स', 'टेक मिस्ट्री' जैसे ढेरों कार्यक्रमों का आयोजन किया; प्रबंधन अध्ययन विभाग, कायापलट ने वार्षिक कॉर्पोरेट कन्वेंशन के बारहवें संस्करण का आयोजन किया, जिसमें 'वर्चुअल बैकपैक के साथ री-एंट्रिंग रियलिटी' विषय था और विभाग के इंटर- महाविद्यालय प्रबंधन महोत्सव का संचालन किया गया; भौतिकी विभाग, 'कॉस्मोस', "क्या एक्सोप्लेनेट से बना रहे हैं पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया? आणविक लाइन एक्सोप्लेनेट के लक्षण वर्णन में सहायता करने के लिए सूचीबद्ध करता है। विश्वविद्यालय कॉलेज लंदन (यूसीएल) से प्रो जोनाथन टेनीसन द्वारा वितरित; मनोविज्ञान विभाग ने अनुभव: मनोविज्ञान इंटरनेट सेल के तत्वावधान में दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए आठ कैरियर परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. वंदना गंभीर चोपड़ा ने सम्मेलन में एक शोध प्रस्तुत किया, जो वस्तुतः "असमानता और भारत: द प्रोब्लम", इंटरनेशनल सोशियस एसोसिएशन, पोर्टो-एलेग्रे, ब्राजील है।

सुश्री दिशा गर्ग ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड सस्टेनेबल कंप्यूटिंग फॉर स्मार्ट सिटीज (एआईएस2सी2: 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के माध्यम से फॉग कंप्यूटिंग में सुरक्षा पर एक शोध परिप्रेक्ष्य" पर एक शोध प्रस्तुत किया।

नियोजन:

नियोजन प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या: 39

कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 13

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

'इनेक्टस', हमारे महाविद्यालय का सामाजिक उद्यमिता प्रकोष्ठ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विद्यार्थी-संचालित सामाजिक उद्यमिता संगठन की एक शाखा है। यह सामाजिक उद्यमी बनने के लिए उत्साही छात्रों को बढ़ाकर एक बेहतर दुनिया का निर्माण करने और उन्हें मौजूदा सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को टिकाऊ तरीके से व्यावहारिक रूप से पाटने का अवसर देने का प्रयास करता है। वर्तमान में समाज द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं विभिन्न सामाजिक मुद्दों से निपटने के लिए काम कर रही हैं, जिनमें कुम्हार की मरने वाली कला (परियोजना सहिता) की रक्षा करने तक सीमित नहीं है; महिला समुदाय (प्रोजेक्ट पहल) का उत्थान करते समय

जूट के थैलों को बढ़ावा देना, वैश्विक महामारी (परियोजना एकता) के समय में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाना और कमी और रीसाइक्लिंग (परियोजना एहसान) के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना। ये सभी परियोजनाएं उद्यमशीलता की कार्यवाई के माध्यम से समस्याओं से निपटती हैं। यह भी वार्षिक इनेक्टस केएमवी प्रमुख घटना का आयोजन किया-कल्पना 2021 जो एक हजार से अधिक पंजीकरण के साथ अविश्वसनीय भागीदारी देखी। इसके अलावा, "अपना व्यवसाय कैसे शुरू करें" विषय पर सूचनात्मक वेबिनार की चार दिवसीय श्रृंखला का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवा उद्यमियों को एक नया उद्यम शुरू करने की मूल बातें सिखाकर सक्षम करना था।

हमारे महाविद्यालय में एनएसएस इकाई के तत्वावधान में विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान, पौधारोपण अभियान, प्लॉगिंग इवेंट आदि विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। सितंबर, 2020 के दौरान फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया था। भारत सरकार के अंतर्गत 'स्वच्छता पखवाड़ा' के 15 दिवसीय अभियान के अंतर्गत एक ऑनलाइन स्वच्छता शपथ समारोह आयोजित किया गया। इसके अलावा, यूनिट द्वारा अन्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से 'योग और समग्र कल्याण' जैसे असंख्य विषयों पर वेबिनार का आयोजन किया गया था; 'स्वस्थ भोजन की धारणाओं को रहस्यमयी'; 'तनाव: मनोवैज्ञानिक प्रभाव और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रबंधन रणनीतियाँ'; और 'मिथकों और कोविड-19 के बारे में तथ्यवार' कुछ नाम हैं। इसके अलावा, हमारे महाविद्यालय के निवेश सेल ने आर्थव्यवस्था, 2021 के दिन अपनी ई-पत्रिका 'निवेश एक्सप्रेस' के तीसरे संस्करण का विमोचन किया जिसमें 'टेस्ला का उदय', 'स्वेज नहर: वैश्विक व्यापार पर प्रभाव' और 'आर्थव्यवस्था पर कोविड प्रभाव' जैसे वर्तमान मुद्दों पर लेख शामिल थे।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय में एक बड़े वाचनालय से युक्त एक अच्छी तरह से रखता डबल मंजिला, विशाल, पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। यह एक वेब आधारित पुस्तकालय है। पुस्तकालय का डाटा ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के जरिए एनआईसी क्लाउड पर उपलब्ध है। पुस्तकालय में विभिन्न खंडों में लगभग 28800 पुस्तकें शामिल हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की पाठ्य पुस्तकों, संदर्भ सामग्रियों और विश्वकोशों का समृद्ध संग्रह है। इसके अलावा, यह स्टाफ सदस्यों और छात्रों को इंटरनेट के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम (डीयूएलएस) द्वारा प्रदान किए गए लगभग 30,000 ई-जर्नल और शोध लेखों तक पहुंचने की सुविधा भी प्रदान करता है। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है जैसे परिसंचरण सेवा, तकनीकी सेवाएं, आरक्षण सेवा, इंटरनेट सेवा आदि। विभिन्न विषयों के दैनिक समाचार पत्रों, सप्ताहियों और पत्रिकाओं की एक बड़ी संख्या नियमित आधार पर सदस्यता ली जा रही है। पुस्तकालय के लिए लगभग 38 मैगजीन और 18 न्यूजपेपर्स की सदस्यता ली जाती है। पुस्तकालय में 740 से ज्यादा सीडी और डीवीडी हैं जो महाविद्यालय के विभिन्न विभागों को जारी की जाती हैं। ऑनलाइन मोड के माध्यम से अपने उपयोगकर्ताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कोविड-19 अवधि के दौरान, महाविद्यालय एन-लिस्ट डाटाबेस का सदस्य बन जाता है। एन-लिस्ट द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न ई-संसाधन (ई-पुस्तकें और ई-जर्नल) उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं जिन्हें वे ऑनलाइन मोड के माध्यम से कहीं भी और किसी भी समय एक्सेस कर सकते हैं। कोविड-19 अवधि के दौरान, एक अलग ई-मेल आईडी 'library@keshav.du.ac.in' बनाया गया था जिसके माध्यम से उपयोगकर्ताओं के विभिन्न प्रश्नों को पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा व्यक्तिगत रूप से हल किया गया था और उन्हें पुस्तकालय की गतिविधियों/जानकारी के साथ अपडेट किया गया था। पुस्तकालय नियमों, सुविधाओं और प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए 2020-2021 के दौरान छात्रों को ऑनलाइन ओरिएंटेशन भी दिया गया था।

संकाय संख्या : 100 (मंजूर)

वित्तीय आवंटन और उपयोग:

स्वीकृत अनुदान : रुपए 25, 13, 75,608.82

उपयोगित अनुदान : रुपए 24, 65, 37,069.18

किरोडीमल महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम, वैज्ञानिक अनुसंधान विधियों में नवाचार (डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में) 14-18 अक्टूबर 2020 से आयोजित किया गया था। बायोसिनोज-प्राणि विज्ञान सोसायटी द्वारा 17-19 अक्टूबर, 2020 तक स्तन कैंसर जागरूकता अभियान चलाया गया था। 26 फरवरी, 2021 को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा वायरल डिजीज उद्भव के ड्राइवों को खोजने के विषय पर डॉ. जेम्मा जियोगेगन, ओटागून विश्वविद्यालय के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। कॉमर्स सोसायटी का तीन दिवसीय फ्लैगशिप इवेंट 17 और 19 फरवरी, 2021 को आयोजित किया गया था। एफआईसी, केएमसी ने इनवेस्ट्रीट लॉन्च किया, जो वित्त और निवेश प्रकोष्ठ का पहला वार्षिक वित्त ई-जर्नल है। किरोडीमल महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। राष्ट्रीय कैडेट कोर, निदेशालय दिल्ली ने 05 जून, 2020 (विश्व पर्यावरण दिवस) पर हजार से अधिक पौधे लगाए हैं। एनएसएस-केएमसी इकाई की महिला सशक्तिकरण शाखा सहस ने यौन उत्पीड़न और कानून अनुपालन (एसएचएलसी) के साथ सहयोग किया और 31 अक्टूबर, 2020 को इंटरनशिप में सुरक्षित कार्यस्थलों और अधिकारों को समझने पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। दूसरी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "औद्योगिक और नैदानिक अनुप्रयोगों में कार्यात्मक नैनोमैटेरियल्स: अकादमी-उद्योग-क्लिनिकल मीट" का आयोजन यूसीएलन, यूके, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और किरोडीमल महाविद्यालय के सहयोग से यूकेईआरआई परियोजना के एक भाग के रूप में 14-16 जुलाई 2020 को किया गया था।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रजा, हिंदी में एसोसिएट प्रोफेसर, शिवना अंताक्षरी कथा सम्मान उनके उपन्यास धर्मपुर लॉज, 2020 के लिए

प्रो अनीता कामरा वर्मा, प्राणि विज्ञान विभाग, शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार (2020-21) दिल्ली विश्वविद्यालय (31.3.2021 के बाद घोषित)

प्रकाशन

कोरंगा बी.एस. (2020) आधुनिक भौतिकी के सह-द्विमक्षीय न्यूट्रिनो मिक्सिंग बोसोन जे. में क्वांटम गुरुत्वाकर्षण सुधार खंड 7

हरीश(2021), कोरोना संक्रमण काल में अष्टाङ्ग-योगकीप्रासङ्गिकता, नेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंट एंड साइंटिफिक रिसर्च, इश्यू-3/ खंड -2, पृष्ठ संख्या 372-377।

जैन, वी.पी., चौधरी, एस., शर्मा, डी., डबास, एन., लालजी, आर.एस.के., सिंह, बी.के., और जायसवर, जी. (2021) दवा वितरण और कैंसर रोधी चिकित्सा के लिए बायोमेडिकल एजेंट के रूप में उन्नत कार्यात्मक नैनोग्राफीन ऑक्साइड: एक समीक्षा। यूरोपीय पॉलिमर जर्नल। खंड 142, 110124, <https://doi.org/10.1016/j.eurpolymj.2020.110124>

जोशी, एस. (2020), "कोविड-19 और तेल बाजार में भ्रमर: इसका क्या मतलब है?" डिजिटल और अन्वेषण विश्व (ओएस) जर्नल, 29 (8), जून।

लामिचने एन, शर्मा एस, पारूल, अनीता के वर्मा, राँय, तापस सेन (2021) वीवो बायोमेडिकल अनुप्रयोगों में आयरन ऑक्साइड आधारित मैग्नेटो-ऑप्टिकल नैनोकम्पोसाइट्स; बायोमेडिसिन 2021, 9 (3), 288; <https://doi.org/10.3390/biomedicines9030288>.

पौमई, खोले टिमोथी; कौशिक, एस. कुमार, (2020), एल2 (आरडी) में वेवलेट फ्रेम्स, रॉकी माउंटेन जे. मठ। 50, नंबर 2, 677-692।

प्रजा, (2020) कसीर कैंड्रिट नाटक में मीन समाजिक-संस्कृतिऋष, कथकराम वोल।- अक्टूबर-दिसंबर पृष्ठ -93 यूजीसी केयर लिस्टेड, आईएसएसएन संख्या 2231-2161

शर्मा, एन सिंह, आर.के. (2021) कार्यस्थल आध्यात्मिकता और संगठनात्मक प्रभावशीलता: संबंध और मध्यस्थों जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, अध्यात्म और धर्म, 18 (1), 15-35 की खोज। डोई: 10.1080/14766086.2020.1829011

सिंह, पूनम, सरीन वंदना, मिधा, नेहा (2020) अंतर योजनाओं का उपयोग करके विकसित किए गए ऑर्थोगोनल एरेज़ द्वारा उत्पन्न मिश्रण डिजाइन। गणितीय, इंजीनियरिंग और प्रबंधन विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5(6), 1379-1391। <https://doi.org/10.33889/IJMEMS/2020.5.6.102>

अनुसंधान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2019-, नैक परमार्थ, राशि 3000000 रुपये स्वीकृत।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2017-2020, यूजीसी-यूकेआईईआरआई विषयगत भागीदारी-2017, राशि 3529260 रुपये।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2017-2020 छोटे अणु कार्यात्मक बायोपॉलिमरिक नैनोकणों को समाहित करते हैं और अस्थि विकारों के प्रबंधन के लिए ऑस्टियोब्लास्ट को लक्षित वितरण, स्वीकृत राशि, 97,86,200।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2019, स्टार्टअप पर आंत्रप्रेन्योरशिप प्रमाणशोध पाठ्यक्रम, राशि 50,00,000 रुपये स्वीकृत।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2019-2022, महिला सशक्तिकरण एटलस: विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य, राशि स्वीकृत, 44,33,000 रुपये।

पेटेंट दायर/मंजूर

जयप्रकाश चौधरी, दिव्येन्दुमोडल, सना कोटरप्पावर ननताराज। ऊर्जा कुशल तेल-जल सीपरेशन के लिए समुद्री शैवाल पॉलीसैकराइड आधारित सुपरहिरोपिली फोम झिल्ली। रामावतारमीणा, नरेश धर्मशीर्षरसन्दिया। अमेरिकी पेटेंट नहीं: 10688446, 23.06.2020।

आयोजित संगोष्ठी

डॉ. प्रजा - रचनात्मक लेखन पर एक दिवसीय संगोष्ठी - पश्चिम बंगाल स्टेट विश्वविद्यालय के पचीम बंगाल स्टेट विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण होटा, 'चतुर्मास लखन कथा के संदर्भ में', 23-03-2021 श्री पंकज सुबीर, प्रख्यात उपन्यासकार और कवि, 'रमाकांत लखन कविता के संदर्भ में', 23-03-2021

कंप्यूटर साइंस सोसायटी ने 25 जनवरी, 2021 को कंप्यूटर विज्ञान पर वेबिनार का आयोजन किया।

कार्यशाला: 5 नवंबर से 4 दिसंबर 2020 को भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित पायथन के साथ प्रयोगों की वैज्ञानिक और भौतिक कंप्यूटिंग।

सांख्यिकी विभाग द्वारा 7 नवंबर 2020 को सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकी और औद्योगिक अनुप्रयोग में परास्नातक पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का आयोजन

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 4-5 मार्च, 2021 को उभरते रुझानों और भविष्य की चुनौतियों पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीएफसी-2021) का आयोजन किया गया था।

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के अंतर्गत 5 व 6 नवंबर, 2020 को प्रो. लता रानी नैन व डॉ. रतनुल वैश्य द्वारा कार्बन ज़ब्ती एवं ठोस कचरा प्रबंधन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

"बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए रसायन विज्ञान के अभिनव समाधान", रसायन विज्ञान विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना, 8 फरवरी, 2021 पर संगठित वेबिनार

बांग्लादेश की मुक्ति की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आईक्यूएसी, किरोड़ीमल महाविद्यालय और इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ वंगाल स्टडीज (आईएसबीएस) के सहयोग से 26-27 मार्च 2021 को वंगाली विभाग द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया है।

संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रस्तुतियाँ

डॉ. प्रजा, विकल्प त्रिशुर केरला द्वारा आयोजित नासिरा शर्मा किकहानियन पर वेबिनार में व्याख्यान 11 अक्टूबर 2020।

डॉ. एस.के. कौशिक ने 13-14 अक्टूबर, 2020 से यूजीसी द्वारा प्रायोजित एमजीयू, नालगोंडा, टी.एस. में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में फ्रेम के कुछ आवेदनों पर एक शोध प्रस्तुत किया।

सुश्री निधि शर्मा ने 4-6 मार्च 2021 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ई-कांफ्रेंस ऑन एडवांसेज इन बिजनेस एंड मैनेजमेंट पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में प्रस्तुत कार्यस्थल अध्यात्म और संगठनात्मक प्रभावशीलता के बीच संबंधों पर चुनिंदा कार्य दृष्टिकोणों की मध्यस्थता भूमिका और सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. कलिद अशरफ ने 28 फरवरी-1 मार्च 2021 को आयोजित राजस्थान उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन में लेख लेखक के रूप में एक शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. संगीता डी गद्रे ने 14 अप्रैल, 2020 को वर्ल्ड एसोसिएशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड सूडान नॉलेज द्वारा आयोजित कोरोनावायरस और एजेंडा 2030 पर ग्लोबल माइंड्स डिबेट के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

के.एम. महाविद्यालय ने 2020-2021 में निम्नलिखित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं
माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110007

मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम

अन्य इंटर-संस्थागत सहयोग

यूकेरेई

नियोजन

नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत 138 (34.41%)

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या: 135

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

19 मार्च, 2021 को डीबीटी स्टार योजना के अंतर्गत महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली के लिए आउटरीच कार्यक्रम "अंतःविषय विज्ञान कार्यशाला"।

शहीद राज गुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय में बॉटनी विभाग द्वारा आउटरीच प्रोग्राम 16 से 17 फरवरी 2021 तक

पुस्तकालय विकास

व्यय का सारांश रुपए 3,09,998.70

आई-कार्ड रुपए 15,370/-

कुल बजट रुपए 15,20,000/-

जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या = 1528

कुल पुस्तकें = 1,54,167/-

कुल बुक बैंक संग्रह = 5968

कुल: 69 एंजिल्स, दृष्टिबाधितों के लिए 81 नोटबुक।

संकाय संख्या :

स्थायी: 130

तदर्थ: 69

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान रुपए 873677085.32

उपयोगित अनुदान रुपए 738838499/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. प्रज्ञा - जामिया मिलिया इस्लामिया, विश्वविद्यालय 2020 द्वारा पीएच.डी. के लिए बाहरी विशेषज्ञ मूल्यांकनकर्ता के रूप में मान्यता प्राप्त

लेडी इरविन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

महाविद्यालय को 2018 में नैक द्वारा ए+ पर रेट किया गया था और 2019 और 2020 में एनआईआरएफ द्वारा क्रमशः 21 और 32 पर कॉलेजों के बीच ऑल इंडिया रैंक का आयोजन किया गया था। बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी (2020 से 2023) के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पच्चीस वर्ष के लिए "जीवन विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रशिक्षण को मजबूत बनाने" पर एक शोध परियोजना का वित्तपोषण किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय जीवन विज्ञान संस्थान-भारत द्वारा वित्त पोषित "कोविड-19 अस्पताल में भर्ती रोगियों की सूक्ष्म पोषक स्थिति" पर एक अध्ययन शुरू किया गया है। लेडी इरविन महाविद्यालय को दिल्ली राज्य के लिए राज्य स्तरीय तकनीकी संस्थान (एसएलटीआई) के रूप में मान्यता दी गई है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) भारत सरकार, खाद्य एवं पोषण एवं खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अत्यंत भारत अभियान के अंतर्गत सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (पीएमएफएमई) योजना के प्रधानमंत्री औपचारिकता के लिए। सेक्टर स्किल काउंसिल के साथ समझौता ज्ञापन: क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों के लिए खाद्य उद्योग क्षमता और कौशल पहल (एफआईसीएसआई)। यूनिसेफ परियोजना जन्म से 6 वर्ष (नवंबर 2019-2021): डीसीई विभाग और एचडीसीएस के बीच सहयोग से बच्चों के लिए उत्तरदायी पैरेंटिंग पर एक संसाधन किट के लिए सामग्री विकसित करने के लिए। "खाद्य प्रौद्योगिकी डिग्री पाठ्यक्रम के लिए बुनियादी सुविधाओं के निर्माण" पर एक बुनियादी ढांचा विकास परियोजना 2019 से 2021 तक दिल्ली सरकार के उद्योग आयुक्त कार्यालय द्वारा वित्त पोषित किया गया था। इस परियोजना में विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों की खरीद शामिल थी। इसके लिए 1 करोड़ रुपए की फंडिंग की गई थी।

सम्मान/पुरस्कार/ विशिष्टता

डॉ. सुषमा गोयल - जनवरी 2021 में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता - खिलौना हेकटॉन के लिए अमानत्स्य भारत इनोवेशन चैलेंज (भारतीय परंपरा या संस्कृति को दर्शाती खिलौना आधारित खेल बनाएं) के लिए छात्रों के दो समूहों (प्रत्येक बैच में तीन) की मेंटरशिप। दोनों समूहों को फरवरी 2021 में अपने खिलौना डिजाइन (वेगा व्हील और जांटू) के व्यावसायीकरण के लिए (18 लाख से अधिक प्रविष्टियों में से शीर्ष 100) में से चुना गया था।

एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी द्वारा 21 दिसंबर 2020 को आयोजित चौथे एमीफोस्ट 2020 में 'आर्सेनिक इन राइस चोकर - मनुष्यों के लिए एक नया जहर समझना' विषय पर हेमा सिंह और संगीता गूमर को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार

शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, अक्षय, पी और आनंद, एस, अवसर और असुरक्षा के पहले १००० दिन: मेवात, हरियाणा, भारत, गृह विज्ञान शिक्षा में प्रतिमान बदलाव पर राष्ट्रीय वेबिनार से झलक, २०२१, होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (केरल अध्याय)

शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, जिंखाई, एम और आनंद, एस, आदिवासी मणिपुर की महिला खाद्य विक्रेता: लघु कृषि विपणन, लैंगिक मुद्दों पर राष्ट्रीय कार्यशाला और कृषि में आत्म निर्भर, 2020, अक्टूबर आईडीपी-एमएचआईपी केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंगोला

होम साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (केरला) द्वारा 20 फरवरी 2021 को आयोजित होम साइंस एजुकेशन में प्रतिमान बदलाव पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने में मोहल्ला क्लीनिक की भूमिका: दिल्ली में एक अध्ययन' नामक अध्ययन की प्रस्तुति के लिए आरुषि श्रीवास्तव और अपर्णा खन्ना को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर से सम्मानित किया गया।

विशिष्टता प्राप्त विद्यार्थी:

श्वेता आनंद को लेडी इरविन महाविद्यालय (2020) में डॉक्टरेट कार्य में उत्कृष्टता के लिए अनुपा साही सिद्ध स्वर्ण पदक मिला

मनीषा जोशी को बी.एड. (गृह विज्ञान) में इस्ट पोजीशन के लिए सुमित्रा गुरुदत्त गोल्ड मेडल मिला

श्वेता कामपानी को खाद्य एवं पोषण में शोध प्रबंध में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए सुषमा शर्मा पुरस्कार मिला

महिमा मदान को पीजी-डीडीपीएचएन में पहली बार इंद्रावती पसरीचा पुरस्कार मिला

गृह विज्ञान (सम्मान) (खाद्य एवं पोषण) में पहले स्थान बी.एससी. के लिए भवना मुन्नेजा को श्रीमती लीला मल्होत्रा स्वर्ण पदक मिला।

वेबिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण/विशेष व्याख्यान

डॉ. शाविका गुप्ता (पब्लिक हेल्थ कंसल्टेंट) पर, "आहार विविधीकरण: अच्छे स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा प्राप्त करने के लिए अनिवार्य" 23 जुलाई, 2020 को।

जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सोनम चावला ने 28 जुलाई 2020 को न्यूट्रास्यूटिकल्स के विकास के लिए एंटी-एजिंग दायरे-टैपिंग आणविक तंत्र

डॉ. आर.के. जैन, तकनीकी विशेषज्ञ, यूनाइटेड नेशन इंस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, पूर्व निदेशक और वैज्ञानिक जी, सेंट्रल पल्प एंड शोध रिसर्च इंस्टिट्यूट, "पैकेजिंग ऑफ फूड: ट्रेड्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स" 30 जुलाई, 2020 को।

डॉ. टी.एस.आर. मुरली (संस्थापक और प्रमुख, उर्जिता खाद्य व्यवसाय सलाहकार), "खाद्य और डेयरी व्यवसाय में नवाचार": खाद्य प्रौद्योगिकीविद के लिए अवसर" 31 जुलाई, 2020 को

डॉ. मुनेश कुमार त्यागी (कंसल्टेंट एक्सेल फूड्स), "स्कोप ऑफ फूड टेक्नोलॉजी इन इमर्जिंग इंडस्ट्रीज" 4 अगस्त, 2020 को।

सुश्री रितिका समद्वार (आरडी, रीजनल हेड-साउथ जोन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, नई दिल्ली) 6 अगस्त, 2020 को "अस्पतालों में इलेक्ट्रॉनिक डाइट मैनेजमेंट"।

डॉ. सोम नाथ सिंह (भाजपाइयों, डीआरडीओ), "अत्यधिक जलवायु परिस्थितियों में पोषण आवश्यकताएं" 7 अगस्त, 2020 को।

सुश्री ऋचा जायसवाल (एम्स), "27 अगस्त, 2020 को रोग के कई चरणों में कोविड 19 रोगियों का पोषण प्रबंधन"।

डॉ. आशीष जोशी (सीनियर एसोसिएट और डीन ऑफ एकेडमिक एंड स्टूडेंट अफेयर्स, सिटी विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क ग्रेजुएट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड हेल्थ पॉलिसी, "फाउंडेशन ऑफ हेल्थकेयर टेक्नोलॉजीज सोसायटी" के संस्थापक) "इंफॉर्मेटिक्स: पब्लिक हेल्थ एंड न्यूट्रिशन में प्रासंगिकता और अनुसंधान दायरा" 29 अगस्त, 2020 को।

डॉ. सुपर्णा घोष-जेराथ (पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया) पर, "कोविड संकट में स्वदेशी समुदायों के सामने खाद्य और पोषण चुनौतियां।

डॉ. सुपर्णा घोष-जेराथ (पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया) पर, "कोविड संकट में स्वदेशी समुदायों के सामने खाद्य और पोषण चुनौतियां।

डॉ. प्रवीण कुमार (लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय) द्वारा प्रस्तुत 26 सितंबर, 2020 को गंभीर तीव्र कुपोषण की पहचान एवं प्रबंधन डॉ. प्रवीण कुमार (लेडी हार्डिंग मेडिकल महाविद्यालय) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रोफेसर, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और डीन एकेडमिक, निफ्टईएम, "ट्रेसिबिलिटी एंड रिकॉल इन फूड्स" 1 अक्टूबर, 2020 को।

डॉ. एच.एन. मिश्रा प्रोफेसर आई/सी एंड नोडल अधिकारी, कृषि व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र खाद्य प्रौद्योगिकी, कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर, "ग्रीन परिप्रेक्ष्य इन फूड प्रोसेसिंग" 15 अक्टूबर, 2020 को।

आनंद इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वर्क, आनंद गुजरात के प्राचार्य डॉ. निनाद झाला ने 17 जुलाई को "विस्तार कार्य: महामारी में संभावनाएं"।

23 फरवरी से 3 मार्च 2021 तक बिजनेस एंड कम्युनिटी फाउंडेशन के सहयोग से नौ सीएसआर व्याख्यानों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया था। व्याख्यान में लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें परास्नातक विद्यार्थी और पीएच.डी. विद्वान शामिल थे सत्र विषयों के अंतर्गत आयोजित किए गए थे- सीएसआर कानून और संशोधन, बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी रिपोर्टिंग, सीएसआर निहितार्थ, पर्यावरण जवाबदेही, व्यापार और मानवाधिकार के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश, केस स्टडीज-पीवीआर और स्टर्लाइट। विशेषज्ञों और विशेषज्ञों में डॉ. अमिता जोसेफ (बीसीएफ), सीए एमआर एस मित्तल, श्री प्रदीप नारायण (प्राक्सिस), श्री धीरज (प्राक्सिस), श्री मैथ्यू चेरियन (पूर्व में हेल्पेज इंडिया के साथ), अधिवक्ता लारा जेसानी (मुंबई उच्च न्यायालय), सुश्री दीपा मेनन (पीवीआर) और श्री विराफ मेहता सत्रों के लिए थे।

विकास संचार और विस्तार विभाग के फिल्म क्लब, प्रतिबिम्ब, सबसे उल्लेखनीय और परेशान वृत्तचित्र ' सामाजिक दुविधा ' की जांच की। फिल्म का निर्देशन जेफ ओर्लोवी ने किया था। इस वृत्तचित्र-नाटक संकर सामाजिक नेटवर्किंग के खतरनाक मानव प्रभाव की पड़ताल, तकनीकी विशेषज्ञों के साथ अपनी कृतियों पर चैतावनी।

विकास संचार और विस्तार विभाग ने 2020 के मास्टर्स के नए बैच के लिए अपने ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम को 3 दिनों तक चला और छात्रों को विभाग, संकाय और पाठ्यक्रम के लिए उन्मुख किया गया था। 7 जनवरी, 2021 को विभाग के एलुमना को आमंत्रित किया गया और उन्होंने छात्रों से बातचीत की। 12 जनवरी को, "लैंगिक, लोकप्रिय संस्कृति और मास मीडिया" विषय पर सौमैया बैजल, विज्ञापन महिला, लेखक और कवि के साथ एक वेबिनार का आयोजन किया गया। 13 जनवरी को इग्नू के स्कूल ऑफ एक्सटेंशन एंड डेवलपमेंट स्टडीज प्रो. पी.के. शशिधर के साथ एक वेबिनार का आयोजन "परिचय अनुसंधान में अनुसंधान और विस्तार" विषय पर किया गया था।

कोविड-19 और लॉकडाउन की चुनौती को लेकर युवा शक्ति मेले की वर्चुअल टूर को डिजिटल रूप से फिर से बनाया गया। 7 जनवरी 2021 को आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान 'आपदा प्रबंधन' विषय पर विकास संचार एवं विस्तार विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा वार्षिक समारोह आभासी युवा शक्ति मेला 2020 का उद्घाटन किया गया।

सुश्री नेहा अरोड़ा, संस्थापक, भविष्य की शिक्षा के लिए मार्गदर्शन कैसे रिज्यूमें कैसे बनाएं के लिए, 18 जुलाई 2020

मानव विकास और बाल्यावस्था अध्ययन विभाग ने 25 जुलाई 2020 को डॉ. प्राणली शर्मा द्वारा प्रारंभिक किशोरावस्था में सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा का पोषण करने का आयोजन किया।

मानव विकास और बाल्यावस्था अध्ययन विभाग ने एक वेबिनार का आयोजन किया: औपनिवेशिक समाज के बाद विज्ञान और नैतिकता: एक बेहतर भविष्य के लिए छात्रों की जिम्मेदारियां, 27 जुलाई 2020

डॉ. नंदिता चौधरी, वरिष्ठ सलाहकार, एचडीसी ऑन, अर्थपूर्ण आर्ट एंड लर्निंग सुश्री शालू शर्मा, संस्थापक, एवलूर सॉल्यूशंस, 29 जुलाई 2020

सुश्री ममता सैकिया, सीईओ, भारती फाउंडेशन, बच्चों और युवाओं के साथ काम करना: शिक्षा और विकास क्षेत्र के लिए युवा पेशवरों की तैयारी, 30 जुलाई 2020

प्रकाशन

अग्रवाल डी. मिश्रा डी (2020) दुग्ध और दुग्ध उत्पादों में कीटनाशक अवशेषों का पता लगाना। अध्याय 9 में "खाद्य और खाद्य उत्पादों में जैविक और रासायनिक खतरों: रोकथाम, प्रथाओं और प्रबंधन", एप्पल अकादमिक प्रेस, टेलर और फ्रांसिस समूह, सीआरसी, Boca Raton। वॉल्यूम: 36 आईएसबीएन नहीं: 9781774637135।

अग्रवाल, ए., चोपड़ा, शीतल (2020), अपशिष्ट सागौन की पत्तियों (टेक्टोना ग्रैंडिस एल), टेक्सटाइल और परिधान के अनुसंधान जर्नल, 24 (4), पीपी 357-374 का उपयोग कर चयनित प्राकृतिक और सिंथेटिक कपड़ों की सतत रंगाई। <https://doi.org/10.1108/RJTA-05-2020-0046>, आईएसएसएन: 1560-6074।

अंसारी, जी, जैन, एस, कौल, एन.बी. (2020) भारत में बच्चे की आहार विविधता और पोषण की स्थिति (2-5 वर्ष) के साथ मातृ आहार विविधता और पोषण की स्थिति का संघ। विश्व पोषण, 11:1-19। DOI: <https://doi.org/10.26596/wn.2020111110-128>। आईएसएसएन: 2041-9775।

अरोड़ा एस. दिल्ली, भारत के मध्य आय वाले परिवारों में एक साथ रहने वाली तीन पीढ़ियों का खाद्य और पोषक तत्वों का सेवन पैटर्न। जम्मू हम Ecol 72(1-3): 309-319। प्रिंट आईएसएसएन 0970-9274 ऑनलाइन: आईएसएसएन 2456-6608 DOI: 10.31901/24566608.2020/72.1-3.3294।

वंसल, एस. कौशल अंतर, शिक्षा और रोजगारपरकता इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू (IJRAR), 7 (3), 449-455, ई-आईएसएसएन 2348-1269, पी-आईएसएसएन 2349-5138।

भामराह, ए., रंगीला, डी (2020) दृष्टिबाधित व्यक्ति के सामाजिक समावेश के अनुभव। इंडियन जर्नल ऑफ स्कूल हेल्थ एंड वेलफेयर, 6 (1), 23-30।

भाटिया के, भगत एस, सूरी एम., (2020) वृद्ध कॉटन फैब्रिक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन (आईजेईआरए), सितंबर 2020, खंड 10, Iss 9, आईएसएसएन संख्या 2248-9622 की दीर्घायु पर कपड़े निर्माण का प्रभाव।

भटनागर, ए, जायसवाल, एन. मनोरंजक व्यायामशाला उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रोटीन की खुराक का सेवन-एक समीक्षा। Int. जे स्वास्थ्य विज्ञान Res, 10, 167 आईएसएसएन: 2249-9571।

चितकारा, एस. , गोयल, एस (2020), पॉलिमर पैकेजिंग के उत्पादन में पारिस्थितिकी दक्षता का आकलन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित 7 (11), 275-282, DOI:10.14299/00000,

चोपड़ा, एम., कौर, एन., सिंह, के डी, मारिया जैकब, सी.एम. (2020) भारत में गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं में मोटापे के जनसंख्या अनुमान, परिणाम और जोखिम कारक: एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण और नीतिगत सिफारिशों के परिणाम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्त्री रोग और प्रसूति 151, 57-67। आईएसएसएन:1879-3479 <https://doi.org/10.1002/ijgo.13319>

जैन, एस. सबूत है कि अच्छी तरह से काम कर प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए इष्टतम पोषण की स्थिति को बनाए रखने हल्के कोविड-19 रोगियों के लिए वसूली को बढ़ावा दे सकता है। विश्व पोषण, 11 (4), 66-93। आईएसएसएन: 2041-9775

जोशी, पी (2020). एक ग्रामीण विशेष स्कूल में शामिल करने के लिए संक्रमण: एक मामले का अध्ययन। स्कूल स्वास्थ्य और भलाई के भारतीय जर्नल, 6 (1), 1-4। आईएसएसएन 2349-5464

कोहली, एस एंड चड्ढा, आर (2020) इष्टतम शिशु और युवा बच्चे को खिलाने की प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की परामर्श कौशल। भारतीय जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ। 32 (1): 137-144। आईएसएसएन-0971-7587/ 2248-9509

मकोल, एन. भारत में ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए सौर गृह प्रणालियों के लिए सरकारी पहल: आउटलुक और चुनौतियां। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम साइंस (IJHS), 8 (3), 32-38, आईएसएसएन-2395-7476।

शर्मा, वी एंड चड्ढा, आर (2020) आमतौर पर शहरी भारतीय वयस्कों द्वारा उपभोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के भाग आकारों का आकलन: एक प्रारंभिक अध्ययन Curr। Res. Nutr खाद्य विज्ञान Jour. 8 (1): 182-196। आईएसएसएन-2347-467X/2322-0007।

सिन्हा एस, वर्मा, एल एंड निगम, एस (2020) भारतीय महिलाओं में अधिक वजन और मोटापे का आकलन करने के लिए बायोइलेक्ट्रिक बाधा विश्लेषण (बीआईए) विधि के साथ एंथ्रोपोमेट्रिक सूचकांकों की तुलना: अधिक उपयुक्त सूचकांक की आवश्यकता है। इंडियन जर्नल ऑफ होम साइंस - 32 (2)। आईएसएसएन 0970 2733

पुस्तकालय

महामारी के कारण, इस वर्ष पत्रिकाओं की एक ही संख्या पिछले वर्ष के रूप में जारी रखा गया था और पुस्तकालय संग्रह के लिए लगभग 20 नई किताबें जोड़ीं। हालांकि, कई ई-पत्रिकाओं और ई-पुस्तकों तक पहुंच दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली and N-सूची के माध्यम से दूर से प्रदान की गई थी। पुस्तकालय विषयों पर छात्रों और संकाय के लिए दो वेबिनार की पेशकश की "साहित्यिक चोरी: यह क्या है और कैसे इसे से बचने के लिए?" और "संदर्भ प्रबंधन उपकरण" इन 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

एम.फिल. की संख्या से सम्मानित: नौ

लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

देश में फैली महामारी के बावजूद, एल.एस.आर एक बहुत सक्रिय रहा और कई गतिविधियों का संचालन किया। एल.एस.आर को 22 फरवरी, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. पीसी जोशी, दक्षिण कैंपस के निदेशक, प्रो. सुमन कुंडू और महाविद्यालय-अधिष्ठाता, प्रो. बलराम पाणि की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा था। मनोविज्ञान विभाग ने 6 मार्च, 2021 को अपनी वार्षिक पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता की मेजबानी की। आई.क्यू.ए.सी प्रकोष्ठ ने 20 मार्च, 2021 को संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों के साथ बातचीत का आयोजन किया। पूर्व विद्यार्थियों से एक फीडबैक फॉर्म भरने का अनुरोध किया गया था जिसमें बताया गया था कि

महाविद्यालय ने उनके जीवन और उनके करियर के फैसलों को कैसे साकार किया। चर्चाओं से कई दिलचस्प किस्से और प्रेरक कहानियां सामने आईं। प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने 22 से 26 मार्च, 2021 तक आई.क्यू.ए.सी-एल.एस.आर के सहयोग से स्कूली गणित शिक्षकों- गणित कक्षा में प्रौद्योगिकी सक्षम अन्वेषण के लिए शैक्षणिक अवसर हेतु एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

एल.एस.आर ने 5 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 63वें पुष्पोत्सव में भाग लिया से महाविद्यालय कैंपस में हरियाली और स्वच्छता के लिए प्रतिष्ठित 'ग्रीन कप' से सम्मानित किया गया। एल.एस.आर के रॉक गार्डन को दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ के रूप में मान्यता दी गई थी, जिसके लिए महाविद्यालय को 'दिल्ली महाविद्यालय ऑफ कप' से सम्मानित किया। एल.एस.आर को बगीचों में मिश्रित फूलों के सर्वोत्तम बॉर्डर के लिए 'ए.सी. जानकी अम्मा कप' और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य सभी महाविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ लॉन होने के लिए प्रतिष्ठित 'देशबंधु कप' से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

गणित विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों स्वस्ति आर्य और मिहिका चित्रांशी ने सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "मल्टी-क्राइटेरिया डिजीजन मेकिंग का उपयोग कर महिलाओं की आत्महत्या का विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। पेपर को सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है।

इतिहास विभाग की तृतीय वर्ष की विद्यार्थी सिमरन कौर सैनी ने 17 जनवरी, 2021 को आयोजित कैम्ब्रिज वार्षिक विद्यार्थी पुरातत्व सम्मेलन 4 (2020/21) में सत्र 7 "स्कैप्स की पुरातत्व: पर्यावरण और परिप्रेक्ष्य में विविधता" के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए स्नातक श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार जीता। उन्होंने "स्टेप वेल्स एंड द शिफ्टिंग स्कैप्स: अडेप्टिव रीयूज ऑफ बाओलिस ऑफ दिल्ली" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

भारत-चिली यूथ फोरम द्वारा आयोजित लाइव क्विज प्रतियोगिता में इतिहास विभाग की तृतीय वर्ष की विद्यार्थी परिधि खन्ना ने प्रथम स्थान तथा लेख लेखन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने भारत-चिली युवा मंच द्वारा आयोजित डिजिटल कला प्रतियोगिता के लिए प्रशस्ति प्रमाणशोध भी जीता।

अंग्रेजी विभाग की द्वितीय वर्ष की विद्यार्थी अनन्या ठाकुर ने पंजाब राज्य टेबल टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल में कांस्य पदक और उसी टूर्नामेंट में युवा एकल रजत पदक जीता।

शोधकारिता विभाग की द्वितीय वर्ष की विद्यार्थी पालोमी गुप्ता ने अक्टूबर, 2020 में भारत-मेक्सिको युवा मंच के सहयोग से भारत-जर्मनी युवा मंच की अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार जीता और मार्च, 2021 में ग्लोबल यूथ द्वारा अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (कुल संख्या 48)

वंसल, पी. (2021). कोविड-19 की साजिश में भारत से बड़ी और छोटी कहानियां। एकीकृत मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विज्ञान, 55, 47-72.

ढिल्लों, एम., मिश्रा, वी. (2020). लॉकडाउन में जीवन : युवा भारतीयों पर कोविड-19 महामारी के मनो-सामाजिक प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल्बीइंग 2020, 11(7-9), 324-330.

गुप्ता, ए. गुप्ता बी. (2020). ऑन के-कम्पोजीशन एंड के-हैंकेल कम्पोजीशन ऑपरेटर्स ऑन डेरिवेटिव हार्डी स्पेस। बनच जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एनालिसिस, 14, 1602-1629.

जुनेजा, ए., जुनेजा, ए., जावा, एस. (2020). उन दंपतियों के जीवन की गुणवत्ता की खोज करना जिनके बच्चे विदेश में बसे हुए हैं। जर्नल ऑफ जेरिएट्रिक मेंटल हेल्थ, 7(2), 94-99.

कौर, बी., कुमार, डी., और चौहान, एस. (2020). ए स्टडी ऑफ स्माल पेरटर्बेन्स इन द कोरिओलिस एंड सेंट्रीफुगल फोर्स इन आरआरबीपी विद इनफॉइनाइट स्ट्रेट सेगमेंट। अनुप्रयोग और अंतर्राष्ट्रीय गणित : एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 15(1).

खुराना, डी., आहूजा, के. (2020). गीन-आइड मोन्स्टर : इज जेलेंसी हेल्दी इन डेटिंग एंड मैरिड रिलेशनशिप्स? द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 8(2).

पड़ी, टी.आर, पैदीपति, केके, ओरम, एम. (2020). आंध्र प्रदेश में कृषि राजस्व को अधिकतम करने के लिए इष्टतम भूमि आवंटन प्रोग्रामिंग समस्याएं। कृषि विज्ञान डाइजेस्ट, 40, 275-279.

सहगल, एस., (2020). महाभारत के भीतर धर्मपुत्र युधिष्ठिर की धर्म चेतना का विकास, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान जर्नल में प्रगति, 7(12),14-26.

सहगल, एस., (2020). फ्रॉम वायलेशन ऑफ पेरसिड एनिमल राइट्स टू प्रिवेंशन एंड प्रोटेक्शन ऑफ द सेम : ए स्टडी ऑफ रिचुअल शिफ्ट्स विथइन बुल कॉल्टस ऑफ अर्ली इंडिया, एन.आई.यु जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स, 7, 67-80.

शर्मा, एच. (2020). पाकिस्तान : राष्ट्रीय पहचान की तलाश में एक राज्य। पॉलिटिकल डिस्कॉर्स, 6(2), 190-199.

जर्नल

महाविद्यालयों द्वारा प्रकाशित 13

संपादकों/संपादक बोर्ड के सदस्यों के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 2

अनुसंधान परियोजनायें

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय परियोजना - जियो पारसी चरण-2 फेज 3, 2020-21 हेल्थ ऑफ कम्युनिटी प्रोजेक्ट में जा रहा है। राष्ट्रीय निदेशक यूनेस्को परज़ोर के रूप में डॉ. शेरनाज़ कामा पीआई और निदेशक।

सांस्कृतिक विरासत, प्रवासन और भारतीय प्रवासी : भारत और यूके में प्रवासी तमिल और पारसी महिलाओं के बीच परिणय और विवाह-- 2020- 2021. अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना - प्रमुख भूमिका - एक्सेटर यूनिवर्सिटी, यूके के सलाहकार, डॉ. शेरनाज़ कामा.

आईसीएसएसआर (आईएमपीआईएसएस योजना), "भारतीय जेलों में महिला कैदियों और उनके बच्चों की स्थिति और उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में उनकी संप्रेषण आवश्यकताओं का अध्ययन", डॉ. वर्तिका नंद

यूनिसेफ और सेंटर फॉर अपीयरेंस रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट इंग्लैंड, यूके, डॉ. मेघा ढिल्लों के साथ 'ग्रामीण भारत में किशोरों के बीच बॉडी इमेज में सुधार के लिए एक कॉमिक पुस्तक आधारित कार्यक्रम का विकास और मूल्यांकन'

संगोष्ठियों का आयोजन

डॉ. मुदिता रस्तोगी, वैवाहिक और पारिवारिक चिकित्सक, इलिनोइस, यूएसए, 12 मई, 2020 को कोविड तनाव से निपटते हुए।

डॉ. टी.वी. वेंकटेश्वरन, विज्ञान प्रसार में वैज्ञानिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, स्क्रीन योद्धाओं के पीछे : भारतीय वैज्ञानिक और कोविड 19 महामारी, 23 मई, 2020 को।

प्रोफेसर सिद्धार्थ चक्रवर्ती, प्रोफेसर, गणित विभाग, आईआईटी गुवाहाटी, 'वित्तीय गणित: शिक्षाशास्त्र और करियर परिप्रेक्ष्य' 27- 31 जुलाई, 2020 के दौरान।

24 सितंबर, 2020 को स्नातक के बाद श्री मनीष खंडेलवाल, वाइस प्रेसिडेंट, क्वालिटी एंड एफिशिएंसी, स्लीपवेल, करियर विकल्प।

श्री अभिषेक सराफ, एआईआर 18, सीएसई 2019 और सुश्री रुचिका भारद्वाज, संकाय, नेक्स्ट आईएस, 25 सितंबर, 2020 को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति।

प्रोफेसर अभिजीत पाठक, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स (सीएसएसएस), स्कूल ऑफ सोशल साइंस, जेएनयू, नई दिल्ली, 30 सितंबर, 2020 को "एम.के गांधी के साथ एक सार्थक जुड़ाव की ओर"।

श्री भारतेन्दु वर्मा, मैकिन्से एंड कंपनी के सलाहकार, आईआईएम अहमदाबाद, एसआरसीसी के पूर्व विद्यार्थी, क्रैकिंग नियोजन इंटरव्यू, 4 अक्टूबर, 2020.

डॉ. दीपांकर घोष, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, आईआईटी हैदराबाद, "रैखिक बीजगणित और इसके अनुप्रयोग" 7 अक्टूबर 2020 को।

सुश्री छवि गुप्ता, बीसीजी, आईआईएम अहमदाबाद, आईआईटी दिल्ली एलुम्ना में सलाहकार, "10 अक्टूबर 2020 को केस सॉल्विंग वर्कशॉप।

आईसीओएन, कंसल्टिंग क्लब, आईआईएम बैंगलोर, "11 अक्टूबर, 2020 को केस सॉल्विंग वर्कशॉप।

प्रो. मौली एंड्रयूज, नारीवादी राजनीतिक मनोवैज्ञानिक, "21 अक्टूबर 2020 को कथा(नरेटिव) मनोविज्ञान।

निधि सिंह, पटना विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर, आरसीआई में पंजीकृत नैदानिक मनोवैज्ञानिक, "22 अक्टूबर 2020 को जीवन में अस्वीकृति और विफलताओं को संभालना।

जी.डी वीरप्पा गौड़ा, पूर्व प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष, सेंटर फॉर एप्लाइकेबल मैथमेटिक्स, टीआईएफआर बैंगलोर, 6 नवंबर, 2020 को 'शेडिंग से शेप में हैमिल्टन-जैकोबी समीकरणों के अनुप्रयोग'।

श्री संदीप दास, पीडब्ल्यूसी के निदेशक, आईआईएम बैंगलोर के पूर्व विद्यार्थी, "स्टोरी टेलिंग इन बिजनेस लीवरेजिंग फ्रॉम द वर्ल्ड ऑफ मूवीज, 24 जनवरी 2021.

श्री सुधन्वा देशपांडे, अभिनेता, लेखक और निर्देशक जन नाट्यमंच, दिल्ली के साथ, 28 जनवरी, 2021 को "सफदर हाशमी: मैपिंग द कंटूर ऑफ आर्ट एंड पॉलिटिक्स"।

प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जेएनयू, 4 फरवरी, 2021 को "राजनीति विज्ञान की प्रकृति को समझना"।

सुश्री ध्वनि काचरू, टैलेंट एंड आउटरीच प्रोग्राम, गूगल इंडिया, एलएसआर की पूर्व विद्यार्थी, "इनकॉरेजिंग वूमेन टू एक्सेल इन द कॉर्पोरेट वर्ल्ड" 10, 11, 17 फरवरी, 2021 को.

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग में डॉ. रुचि मुंडेजा एसोसिएट प्रोफेसर, "ईस्टर्न अलाउंस" और 'गोब्लिन साउंड्स': द क्वेश्चन ऑफ जेनडर इन जेन आइरे, 11 फरवरी, 2021 को।

डॉ. यामिनी गौतम, पूर्व प्रोफेसर, मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, "संस्कृत शास्त्र: विद्यार्थियों के बीच एकाग्रता बढ़ाने का एक तरीका" 11 फरवरी, 2021 को.

सुश्री नयना मित्तर, पार्टनर बिजनेस कंसल्टिंग, ईवाई, "कौशल जो मायने रखेगा- महामारी के बाद की दुनिया" 13 फरवरी, 2021 को.

सुश्री द्रविशा कटोच, संस्थापक लर्न फॉर लेस, "एक अच्छी भुगतान वाली ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप कैसे प्राप्त करें? 18 फरवरी 2021 को.

डॉ. सहाना एच. बालसुब्रमण्य, पोस्ट डॉ.क्टोरल रिसर्च एसोसिएट, क्लस्टर ऑफ एक्सीलेंस वेस्टफेलिस विल्हेम्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंस्टर, जर्मनी, 'कैरियर प्रॉस्पेक्ट्स इन मैथमेटिक्स' 17 फरवरी 2021 को.

डॉ. मनीषा प्रियम, एसोसिएट प्रोफेसर एनआईपीए, 'भारत में लोकतंत्र को मजबूत करना: शहरी परिधि से कुछ प्रतिबिंब' 18 फरवरी 2021 को.

सुश्री मानवी सहगल, डेलॉइट इंडिया, एलएसआर की पूर्व विद्यार्थी, "रिज्यूम बिल्डिंग एंड कवर लेटर राइटिंग, 6 मार्च, 2021.

वैष्णवी कनुगुला, ब्रांड मैनेजर और कू के लिए मीडिया सलाहकार, 6 मार्च, 2021 को "मीडिया वर्क कल्चर में महिलाओं के लिए नेविगेटिंग स्पेस"।

सुश्री स्मृति मिश्रा, आईएफएस अधिकारी, एसआरसीसी पूर्व विद्यार्थी और डॉ. एस.बी. सिंह, आईएएस मेंटर, "सिविल सेवाओं में करियर बनाना: यूपीएससी परीक्षाओं को क्रैक करने के लिए रणनीतियाँ, 7 मार्च, 2021.

श्री सौरभ मिथल, संस्थापक पेशनेटेली क्यूरिअस, एफएमएस के पूर्व विद्यार्थी, जेपी मॉर्गन स्टेनली में पूर्व-आईबी, "7 मार्च, 2021 को नियोजन और इंटरनशिप के लिए योग्यता परीक्षण।

सुश्री सानिया महापात्रा, आईएनएसईएडी में एमबीए उम्मीदवार, डेलॉइट लंदन में पूर्व सलाहकार, "10 मार्च 2021 को गेस्टीमेट्स।

सुश्री सिमरन मैसी, हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के एसंड सिलेक्ट की सदस्य, जर्नल ऑफ इंटरसेक्शनल एनालिसिस के चीफ एडिटर, "केयर इकोनॉमिक्स: फ्रॉम ए जेंडर पर्सपेक्टिव 11 मार्च, 2021.

सुश्री यशेशवी भड़ाना, मैकिन्से एंड कंपनी में बिजनेस एनालिस्ट, एलएसआर की पूर्व विद्यार्थी, "हाउ टू ओपन, एनालिस एंड क्लोज केसेस", 13 मार्च, 2021.

श्री प्रियांक आहूजा, एक्सेंचर में सलाहकार, आईएसबी के पूर्व विद्यार्थी, "14 मार्च, 2021 को लाभप्रदता मामले। निधि तुली, पटकथा लेखक और फिल्म निर्माता, "एथनोग्राफिक फिल्म निर्माण" 18 मार्च 2021 को.

सुश्री एन मेसन, नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के आर्थिक, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी खंड में प्रौद्योगिकी प्रमुख, 18 मार्च 2021 को "अमेरिका-भारत संबंध"।

सुश्री सेरेना नंदा, मैकिन्से एंड कंपनी में एसोसिएट, एलएसआर की पूर्व विद्यार्थी, "विलय और अधिग्रहण, अपरंपरागत मामले", 21 मार्च, 2021.

आयोजित सम्मेलन

2-10 जनवरी, 2021 के दौरान प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा 'एनविज़निंग कंस्ट्रक्टिविस्ट साइंस क्लासरूम'

22-26 मार्च, 2021 के दौरान प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा गणित क्लासरूम में प्रौद्योगिकी सक्षम अन्वेषण के शैक्षणिक अवसर"।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

एम. दिल्ली ने "मानव क्षमता को साकार करना" पर इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी (आई.ए.ए.पी) के 56वें राष्ट्रीय और 25वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भोजन मेरे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है" : कामकाजी और गैर-कामकाजी महिलाओं में भोजन की खपत और उत्पादन प्रैक्टिसेस का एक फोटो-वाइस आधारित अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत किया। मनोविज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, 18-20 फरवरी, 2021.

एम. दिल्ली ने 19-21 मार्च, 2021 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी के 30वें वार्षिक सम्मेलन में 'कोपिंग विद कोविड-19 : द पर्सपेक्टिव्स ऑफ इंडियन डॉ.क्टर्स' शीर्षक एक पेपर प्रस्तुत किया।

एम. दिल्ली, एम. ने 19-21 मार्च, 2021 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी के 30वें वार्षिक सम्मेलन में 'मैं अपना कर्म, मेरा कर्तव्य, अच्छी तरह से कर रहा हूँ। इसलिए मुझे पता है कि भगवान मेरी रक्षा करेंगे' : पुलिस अधिकारियों के महामारी के लाइव अनुभवों पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वी. जैन ने 18 अगस्त, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी महाविद्यालय द्वारा आयोजित "कार्यस्थल विसामान्य व्यवहार पर बीपीसी का प्रभाव : सतत विकास और व्यवसाय में नैतिक विघटन की मध्यस्थता भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

के. कुमारी ने एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा द्वारा 24-25 दिसंबर, 2020 को “समकालीन शिक्षा सम्मेलन में कार्मिक और भारतीय अध्ययन की प्रासंगिकता में श्रीमद्भगवद् गीता में भक्ति का स्वरूप पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वी. नंद ने एफडीपी द्वारा 8 जनवरी, 2021 द्वारा आयोजित रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में साहित्य, भाषा, समाज, राजनीति और दर्शनशास्त्र में संचार माध्यम के रूप में आगरा जेल रेडियो की प्रसारिकता पर एक पेपर प्रस्तुत किया(राष्ट्रीय)।

एस. सहगल ने 8 अगस्त, 2020 को पैनल में डिजिटल वार्षिक सम्मेलन में 'बुल ऐज पावर: एक्सप्लोरिंग माइथिकल रिप्रेजेंटेशन ऑफ मैस्कुलिनिटी, अथॉरिटी एंड कॉस्मिक रियलिटी', 'इंटरलिंगेज ऑफ लिंकेज ऑफ रिलिजन, पावर एंड जेंडर : एक्सप्लोरिंग टेक्स्टुअल ट्रेडिशन इन अर्ली इंडिया, बोलोग्ना' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

स्मिता सहगल, स्मिता ने 23 मई, 2020 को वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाडा के सहयोग से दयालबाग विज्ञान चेतना के डिजिटल सम्मेलन में 'महाभारत में धर्मपुत्र युधिष्ठिर की धर्म चेतना' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया(अंतर्राष्ट्रीय)।

स्मिता सहगल ने 28 फरवरी, 2021 को हाइफ्रा विश्वविद्यालय, इजराइल में पंथ और अनुष्ठान पर आईएसएसआर(धर्म) के अध्ययन के लिए इजराइली संघ) के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फ्रॉम सेक्रेड टू रिलीज़: रिचुअल शिफ्ट्स विथिन बुल कल्ट्स ऑफ अर्ली इंडिया' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

स्मिता सहगल ने 25-27 नवंबर, 2020 को सरदार वल्लभ नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सूरत में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जेंडर इक्विटी: चैलेंजेस एंड परसेप्शन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'नॉन-नॉर्मेटिव जेंडर कॉन्सट्रक्शन्स इन टेक्स्टुअल ट्रेडिशन ऑफ अर्ली इंडिया' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू हस्ताक्षर किए गए : विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के लिए सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए गए।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थी

इनबाउंड: लेडी श्री राम महाविद्यालय में जनवरी से मई, 2020 तक 4 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था। महामारी के कारण उन्हें छोड़ना पड़ा, लेकिन 3 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन कक्षाएं लेना जारी रखीं और जून, 2020 में अपना पाठ्यक्रम पूरा किया।

आउटबाउंड : 6 विद्यार्थियों का चयन किया गया था लेकिन केवल 2 विद्यार्थी ऑनलाइन फॉर्म में एक्सचेंज को पूरा कर सके।

नियोजन विवरण

नियोजनपाने वाले विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत-181, नियोजित विद्यार्थियों का प्रतिशत - लगभग 46% कैंपस से भर्ती(कैंपस रिक्रूटमेंट) के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या-158

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

आरईएसीएच सोसाइटी महाविद्यालय ने समाज के उन वर्गों को वितरण के लिए मुफ्त में पैड इकट्ठा करने के लिए एमयूएन सोसाइटी के साथ सहयोग किया, जिन्हें उनकी आवश्यकता है। इसके साथ आरईएसीएच और एमयूएन के शैक्षिक अभियान भी थे, जहां उन्होंने मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में कलंक को दूर करने की मांग की और दिव्यांगता और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के बीच के अंतर का भी पता लगाया।

21 जून 2020 को, एनएसएस एलएसआर ने अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह शुरू करने के लिए एक पूर्ण सत्र का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों की अधिक संख्या में भागीदारी देखी गई, जिन्होंने न केवल मांसपेशियों को कम करने और शरीर के तनाव से राहत पाने के लिए विभिन्न आसन किए, बल्कि सकारात्मकता, ऊर्जा और

शांति के साथ अपने दिन की शुरुआत की। सत्र का संचालन योगाचार्य काजल चौधरी ने किया। 18 जनवरी, 2021 से 17 फरवरी, 2021 तक राष्ट्रीय स्तर पर एक महीने का अभियान "राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह" मनाया गया। इस वर्ष का विषय "सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा" था। सरकारी मानदंडों और सावधानियों का पालन करने के लिए एनएसएस-एलएसआर द्वारा कोविड सुरक्षा प्रतिज्ञा ली गई थी। इसमें मुख्य बातें शामिल थीं- मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना और सैनिटाइजेशन सुनिश्चित करना। प्रत्येक व्यक्ति द्वारा वायरस, चल रही महामारी के बारे में खुद को शिक्षित करने और हर आवश्यक सावधानी बरतने का संकल्प लिया गया। एनएसएस एलएसआर ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सभी हितधारकों को भ्रष्टाचार की रोकथाम और उसके विरुद्ध लड़ाई में सामूहिक रूप से भाग लेने और भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों और गंभीरता और खतरे के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 मनाया। भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में - हमारे देश के इतिहास में यह ऐतिहासिक दिन, एनएसएस-एलएसआर ने राष्ट्रीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़ने के लिए एक सत्र आयोजित किया। प्रस्तावना देश के प्रारब्ध को आकार देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 72वें गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए एनएसएस रिसर्च टीम ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया जो जानकारीपूर्ण होने के साथ-साथ मस्ती से भरपूर था। सचित्र प्रश्नोत्तरी, शब्द एसोसिएशन खेल, झंडा बनाना, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, शपथ ग्रहण समारोह और चर्चा जैसी विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया गया।

महामारी के कारण, एनएसएस-एलएसआर द्वारा इस वर्ष की थीम के रूप में मानवाधिकारों के साथ नेक्सस का ऑनलाइन संचालन किया गया। थीम, नेक्सस'21 26 फरवरी, 2021 को एक आभासी भव्य उद्घाटन का गवाह बना। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रोफेसर और एक प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. रुमकी बसु थे। एनएसएस एलएसआर के पशु कल्याण परियोजना(एनिमल वेलफेयर प्रोजेक्ट्स) द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम वेलेंटाइन्स फॉर अनहियर्ड (वी4यु) है। यह फरवरी के पहले सप्ताह के दौरान उन 'फ्यूरी फ्रेंड्स' के लिए प्यार, प्रशंसा और समर्थन दिखाने के लिए आयोजित किया जाता है जो अपने लिए बोल नहीं सकते। इस वर्ष वी4यु को ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें ढेर सारी स्पर्धाएं(इवेंट), गतिविधियां और प्रतियोगिताएं शामिल थीं। यह आयोजन सभी महाविद्यालयों के लिए ओपेन था और इसका उद्देश्य किसी के जीवन में पशुओं के महत्व और उनके अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाना और यह सुनिश्चित करना था कि उनके साथ सम्मानजनक तरीके से व्यवहार किया जाए।

पुस्तकालय विकास

अप्रैल, 2020 से मार्च, 2021 की अवधि के दौरान पूरे विश्व को महामारी के कारण अभूतपूर्व संकट का सामना करना पड़ा। इस अवधि के दौरान पुस्तकालय ने इंटरनेट के माध्यम से पाठकों को उनके दरवाजे पर सेवा देने के साथ-साथ सभी नियमित कार्यों को कई बाधाओं के साथ समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कई कदम आगे बढ़ाया। पुस्तकालय ने एन-लिस्ट और डीयू डेटाबेस के माध्यम से पाठकों को जर्नल और ई-पुस्तकों तक पहुंच प्रदान करके ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार किया है, ऑनलाइन पासवर्ड तैयार किया है जिसके माध्यम से शिक्षकगण और विद्यार्थी एन-लिस्ट तक पहुंच सकते हैं, अनुरोध पर ग्रंथ सूची सेवाएं प्रदान की हैं और समाचार पत्रों और पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए पुस्तकालय ने पुस्तकों की बड़ी शिफ्टिंग करके अलमारियों में नई पुस्तकों को समायोजित करने के लिए जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। पुस्तकालय ने अपनी नियमित प्रक्रिया को जारी रखते हुए लगभग 800 नई पुस्तकों की खरीद की और उन्हें संसाधित किया और संकाय तक पहुंच प्रदान की। सभी सब्सक्राइब्ड जर्नल भी खरीदे और अनुक्रमित(इंडेक्स्ड) किए गए। इस अवधि के दौरान पुस्तकालय ने कंप्यूटर सिस्टम के रखरखाव और प्रतिस्थापन प्रक्रिया के माध्यम से अपने उपलब्ध संसाधनों को उन्नत किया है। पुस्तकालय समिति और कोविड समिति के साथ बैठक करने के बाद विद्यार्थियों तक पहुंच प्रदान करने के लिए पुस्तकालय ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को पुस्तकें जारी करना शुरू कर दिया है। कोविड प्रोटोकॉल को जारी रखने के लिए, विद्यार्थियों से एक गूगल फॉर्म भरने का अनुरोध किया गया था और जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकालय जाने के लिए एक समय स्लॉट

प्रदान किया गया था। पुस्तकालय पेशेवर कर्मचारियों को पाठकों के ऑनलाइन प्रश्नों का समाधान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। परिस्थितियों से सीख लेते हुए पुस्तकालय अपनी ओपेक प्रणाली को वेब ओपेक में बदलने की ओर अग्रसर है ताकि पाठक पुस्तकालय संसाधनों की उपलब्धता को अपने स्तर से प्राप्त कर सकें। साथ ही पुस्तकालय एक ई-संसाधन केंद्र विकसित करने और अन्य ऑनलाइन डेटाबेस के साथ ई-पुस्तकें प्राप्त करने की योजना बना रहा है।

संकाय संख्या

कुल	82
सहायक प्रोफेसर	- 48
एसोसिएट प्रोफेसर	- 33
प्रोफेसर	- 01

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान	: ₹.43,04,29,000
प्रयुक्त	: ₹.48,48,78,707

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मनोविज्ञान विभाग ने 14-31 जुलाई, 2020 तक 'कोविड-19 : द साइकोलॉजी ऑफ ह्यूमन बिहेवियर' शीर्षक से एक ऑनलाइन शॉर्ट-टर्म सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित किया। पाठ्यक्रम के विभिन्न सत्रों को मनोविज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा महामारी, मनोविज्ञान और समाज, पारस्परिक संबंधों पर कोविड-19 का प्रभाव, कोविड-19 और मानसिक स्वास्थ्य, कोविड-19 और श्रम प्रवास विषयों पर व्याख्यान दिए गए थे। एलएसआर महाविद्यालय के फैकल्टी और विद्यार्थियों ने कोविड-19 देशव्यापी तालावंदी(लॉकडाउन) के दौरान 28 अप्रैल से 22 मई, 2020 तक एचईआई के बीच नवाचार, आईपीआर, उद्यमिता और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए एमएचआरडी के नवाचार प्रकोष्ठ(इनोवेशन सेल), नई दिल्ली के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा आयोजित आईआईसी ऑनलाइन सत्रों में सहभागिता की थी। अभूतपूर्व महामारी की स्थिति के कारण ऑनलाइन कक्षाओं में अचानक बदलाव ने एलएसआर के कई विद्यार्थियों, विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर दी हैं। चूंकि विद्यार्थियों को उपकरणों और नेटवर्क की कमी के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, इसलिए महाविद्यालय ने समावेशी शिक्षा की सुविधा के लिए एक समिति का गठन किया। समिति ने विद्यार्थियों की पहचान करने और उन्हें डिजिटल उपकरणों की सुविधा प्रदान करने का कार्य किया। समिति ने कई पूर्व विद्यार्थी समूहों से संपर्क किया जिन्होंने लैपटॉप प्रदान करने में अपना सहयोग दिया। समिति ने पूर्व विद्यार्थी (एलुमना) के डीआई समूह (पूर्व विद्यार्थियों का डिजिटल समावेशन समूह) के साथ मिलकर काम किया। अब तक, मणिपुर से लेकर केरल तक, भारत के गांवों और शहरों में विद्यार्थियों को उनके घर तक 220 लैपटॉप उपलब्ध कराए गए हैं। ये सभी लैपटॉप विद्यार्थियों को नॉन-रिटर्नबल आधार पर उपलब्ध कराए गए हैं।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

हम पिछले एक वर्ष के दौरान सबसे अभूतपूर्व समय से गुजरे हैं। अपलोड की गई अध्ययन सामग्री के साथ लैपटॉप वितरित करने की ईपीआईसी पहल; मोबाइल फोन दान के लिए एक अभियान; द यंग रिसर्चर्स फोरम (वाईआरएफ) का शुभारंभ; भारतीय भाषा मंडल का शुभारंभ इस वर्ष का प्रमुख शैक्षणिक सम्मान है। भारतीय अनुवाद परिषद के सहयोग से अनुवाद में प्रमाणशोध पाठ्यक्रम और इन हाउस एमओओसी विकास कार्य प्रक्रियाधीन हैं। हमारी सामाजिक जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के पास जे.जे कॉलोनी

वजीरपुर में 50-60 भूखे लोगों को भोजन कराने की पहल और लक्ष्मीबाई महाविद्यालय द्वारा कोविड-19 के प्रकोप के बीच पुनः प्रयोज्य लागत प्रभावी सेनेटरी पैड स्थायी पहल थी। हम हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर - 'आरोग्यम' का निर्माण, नया पार्किंग क्षेत्र, इको-पार्क, पुस्तकालय में अच्छी तरह से सुसज्जित वाचनालय, कैंटीन में नया फर्नीचर, अधिक सुरक्षा के साथ नए द्वारों का निर्माण करके करके अपने बुनियादी ढांचे को विकसित और कक्षाओं और महाविद्यालय भवनों का समग्र नवीनीकरण करने में सक्षम थे।

सम्मान / गौरव

डॉ. अनीता मल्होत्रा को व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस), 2020-वर्तमान की गहन समीक्षा/विश्लेषण के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय नीति समूहों 'गैर संचारी रोग (एनसीडी), अधिक वजन और मोटापा, क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी)' और 'अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट, एंथ्रोपोमेट्री एंड हैंड ग्रिप स्ट्रेंथ एंड एडोलसेंट न्यूट्रिशन' के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. टी.के. जानकी ने अमरावती रिसर्च एकेडमी, हैदराबाद से इंटरनेशनल फैकल्टी अवार्ड्स 2020 और फैकल्टी एक्सीलेंस अवार्ड्स 2020 और 13 सितंबर, 2020 को सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी टीचिंग अवार्ड प्राप्त किया।

बी.ए(पी) तृतीय वर्ष की एकता सिंह ने 26 फरवरी से 2 मार्च, 2021 तक गुलमर्ग में आयोजित वरिष्ठ महिला वर्ग में 400 मीटर स्प्रिंट में खेले इंडिया नेशनल विंटर गेम्स में रजत पदक जीता।

खुशबू गुप्ता और गुलिफशा चौधरी ने ओडिशा में आयोजित वरिष्ठ राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

जिज्ञासा, का चयन मार्च, 2021 में देहरादून में होने वाली जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया है।

इतिहास (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की कनिका सिंह ने फरवरी, 2021 में जम्मू में आयोजित नॉर्थ जोन ओपन जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया।

26-28 फरवरी, 2021 को लक्ष्मी पब्लिक स्कूल में आयोजित सीनियर दिल्ली स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गुलिफशा चौधरी, खुशबू गुप्ता, खुशी, भारती अहलावत और शीतल ने प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

आहूजा, डी. (2020). सतत आंदोलन : आत्मनिर्भर(सेल्फ रेलिएंट) दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन। एसपीआईआरएआई" एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 7.

देव, एम. (2020). द डायनामिक्स ऑफ क्राइम एंड वजाबी : चरन्स ऑफ वेस्टर्न राजस्थान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल इनसाइट एंड रिसर्च, 6(2).

हरनेजा, डी. (2021). डिजिटल बीमा 2000 और उससे आगे का विकास। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, 8(1), 837-842.

मल्होत्रा, डी. (2021). सीलिएक रोग के रोगियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले लेबल और बिना लेबल वाले ग्लूटेन-मुक्त खाद्य उत्पादों में ग्लूटेन सामग्री। यूरोपीयन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशियन। डीओआई:10.1038/एस41430-020-00854-6.

मल्होत्रा, डी. (202). जीवन शैली में हस्तक्षेप से गुजर रहे मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों के बीच सफलतापूर्वक वजन घटाने के परिणामों की भविष्यवाणी : एक व्यवस्थित समीक्षा। ओबेसिटी रिव्यू। विले जर्नल, 22(3).

त्रिपाठी, डी.के (2020). भारत के 'वैश्विक शहरों' में नागरिकता और सीमांतता : दिल्ली में बवाना स्लम पुनर्वास कॉलोनी। अर्बन इंडिया, 40.

वत्सला, डी., सुश्री प्रमिला. (2021). "इकस्वी सदी के भारत में गांधी चिंतन की प्रसांगिकता"। नई दिल्ली: जेननेक्सट पब्लिकेशन।

वत्सला, डी., शर्मा, डी. (2021). "मीडिया और लोकतंत्र"। नई दिल्ली: कल्पाज पब्लिकेशन।

जफ़ीर, डी. (2020). प्रेमचंद की विरासत और दलित पुनर्लेखन। (जी. प्रसाद, एड.) जर्नल ऑफ द स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज (जेएसएल), न्यू सीरीज 22.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (सदस्यों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 2

अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू), जून, 2019- सितंबर, 2020 (अब कोविड-19 महामारी के कारण विस्तारित), "कम्प्युटेशनल टेक्निक सॉल्विंग पीडीई विथ एप्पलाइंस इंजीनियरिंग प्रोब्लेम्स", आई.एन.आर 3,48,000 {डॉ. तलत सुल्ताना (सह-पीआई)}

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी_एसईडी), 2020-2022, "डेवलपमेंट एंड इवेलुएशन ऑफ ए वूमेन सेंट्रिक कम्प्रेहेंसिव वेट मैनेजमेंट मॉड्यूल", आईएनआर 34,28,560 {डॉ. अनीता मल्होत्रा (सह-पीआई)}

आईसीएसएसआर, 2020-2021, "दिल्ली का राजनीतिक लोकाचार - लैंगिक समावेशी शासन के लिए एक केस बनाना", आईएनआर 8,00,000 {डॉ. रितु गोयस्ल (पीआई)}

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), मार्च, 2018-20, "खाद्य उत्पादों में ग्लूटेन सामग्री का अनुमान" पर पूर्ण अनुसंधान परियोजना, आईएनआर 22,00,000 {डॉ. अनीता मल्होत्रा (सह पीआई)}

इंस्टिट्यूट फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज (आईएसईसी), बेंगलुरु, अक्टूबर, 2019 - फरवरी, 2020, "मैपिंग सिविल सोसाइटी मूवमेंट्स इंटरसेक्शनलिटी: दलित, वूमेन एंड एनवायरनमेंटल मूवमेंट्स इन कंटेम्पररी कर्नाटक", आईएनआर 50,000 पर प्रोजेक्ट पूरा हुआ {डॉ. अंबुजा कुमार त्रिपाठी}.

संगोष्ठियों का आयोजन

डॉ. शिव कनौजिया सुकुला, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. बी.आर अम्बेडकर केंद्रीय पुस्तकालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "मुक्त शिक्षा और ओ.ई.आर" पर वेबिनार, 17 अप्रैल, 2020

श्री मुकेश कुमार, अध्यक्ष आईटी, डीपीएस आर.के पुरम, नई दिल्ली, "प्रभावी टीचिंग और लर्निंग के लिए आईसीटी उपकरण" पर वेबिनार, 18 अप्रैल, 2020

डॉ. प्रिया बीर, एसोसिएट प्रोफेसर, अदिति महाविद्यालय और सुश्री आकांक्षा भाटिया विजिटिंग फैकल्टी अदिति महाविद्यालय, "विद्यार्थियों की मानसिक भलाई : कोविड-19 और इससे परे(बिऑन्ड) के दौरान पहले उत्तरदाताओं के रूप में शिक्षक सलाहकार", पर वेबिनार 29 अप्रैल, 2020

डॉ. राजेश सागर, मनोचिकित्सा में प्रोफेसर, एम्स, नई दिल्ली, "कोविड -19 और इससे परे(बिऑन्ड) के दौरान मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां", 1 मई, 2020

डॉ. पंकज मिश्र, महासचिव, एआईयू, प्रो. वीरेंद्र विजय, राष्ट्रीय समन्वयक, उन्नत भारत अभियान, प्रो. नीरा अग्निमित्रा, विभागाध्यक्ष, सामाजिक कार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय और श्री मानश, लाइफ वर्कर, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, "एचईआई, यूजीसी गुणवत्ता पहल और एक वैश्विक कॉल में सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना", 2 मई, 2020

आयोजित सम्मेलन

कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम टू लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम", 4-8 अगस्त, 2020, आईक्यूएसी, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय "पीयर लर्निंग ग्रुप" के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 11-21 अगस्त, 2020, आईक्यूएसी, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय "हिंदी का वैश्विक परिदृश्य चुनौतियां और संभावनाएं", 29-30 सितंबर, 2020, हिंदी विभाग, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सुश्री उमा ने सोसाइटी फॉर सोशल एम्पावरमेंट और चौधरी वंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा, नई दिल्ली द्वारा "कोविड-19 महामारी के बाद का प्रबंधन : भारत के लिए वैश्विक और स्थानीय चुनौतियाँ और अवसर" पर 25 मई, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में "दक्षिण अफ्रीका और भारत में कोविड-19 आर्थिक परिदृश्य के बाद : महिला श्रम बल कहाँ हैं"? पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री उमा ने 27 फरवरी, 2021 को वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "असंगठित क्षेत्र में कामकाजी महिलाएं: समकालीन भारत में मुद्दे और चुनौतियाँ" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "डबली असंगठित: भारत और दक्षिण अफ्रीका में असंगठित क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री मर्सी जिल जिल ने "उत्तर केरल में मुक्ति और संरक्षण के लोक-कला रूप के रूप में थेय्यम का विश्लेषण", राष्ट्रीय वेबिनार लोक जीवन चुनौतियों और परिप्रेक्ष्य के लिए समकालीन दृष्टिकोण, नवंबर 2020 पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री जयश्री कपूर ने "कनेक्शन / डिस्कनेक्शन: साहित्यिक परंपराएं, निरंतरता और व्यवधान" शीर्षक पर सम्मेलन के दौरान "रेस्पॉन्स टू द रिसेप्शन ऑफ संस्कार : ए क्रिटिकल जर्नी" प्रस्तुत किया।

सुश्री जयश्री कपूर ने अंग्रेजी विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र के सहयोग से अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) हैदराबाद द्वारा 30 अक्टूबर, से 1 नवंबर, 2020 तक आयोजित वैकल्पिक सिनेमा में दक्षिण एशिया पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "शब्दों से छवियों तक: सत्यजीत रे की प्रेमचंद की सद्गति की पुनः व्याख्या" पर शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. सबरीना सरीन ने 24 फरवरी, 2021 को मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "पुनः प्रयोज्य सेनेटरी नैपकिन के विकास के माध्यम से सतत मासिक धर्म प्रैक्टिसेस" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री उमा ने 5 जून, 2020 को एसए के यंग अफ्रीकनिस्ट द्वारा आयोजित "एएफआरआईसीओएम और चीन के वित्तीय दबदबे के तहत कोरोना संकट में अफ्रीका के विकल्प : तुलनात्मक चुनौतियाँ और भारत एवं वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव के अवसर" 10वीं वार्षिक युवा अफ्रीकीवादी अंतर्राष्ट्रीय बैठक में "अफ्रीका के एक प्रमुख भागीदार के रूप में चीन: वित्तीय साम्राज्यवाद का बोझ" विषय के तहत एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री उमा ने 19 जून, 2020 को सोसाइटी फॉर सोशल एम्पावरमेंट और चौधरी वंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "भारत-चीन संबंध और पड़ोस: विकसित प्रतिमान और सुरक्षा चुनौतियाँ" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

महाविद्यालय ने विद्या विस्तार के तहत अकादमिक सहयोग और विशेषज्ञता और संसाधनों के आपसी आदान-प्रदान के लिए निम्नलिखित महाविद्यालयों : पटकाई क्रिश्चियन महाविद्यालय और डिब्रूगढ़ हनुमानबक्स सूरजमल कनोई महाविद्यालय {हम समझौता जापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं} के साथ संबंध स्थापित किए हैं।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

ए.ई.पी.आई.सी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के सहयोग से वैदिक गणित में प्रमाणशोध पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण की घोषणा की।

एईपीआईसी ने अपनी नई पहल, अनुवाद में एक प्रमाणशोध पाठ्यक्रम शुरू किया है जिसे तैयार किया जा रहा है और जिसे भारतीय अनुवाद परिषद के सहयोग से शुरू किया जाएगा।

उड़ान (अनफोल्डिंग ड्रामा एंड एक्ट्स टू अवेकन नेशन) के सहयोग से "कहानी सुनाना" पर एक तीस घंटे का प्रमाणशोध पाठ्यक्रम

टी.वी एंकरिंग और रिपोर्टिंग, रेडियो जॉकिंग, मोबाइल शोधकारिता और सिनेमैटोग्राफी जैसे करियर के अवसरों के लिए तैयार रोजगार को ध्यान में रखते हुए न्यूज 24 (आईएसओएमईएस) के सहयोग से सोलह घंटे के शॉर्ट टर्म मीडिया पाठ्यक्रम की घोषणा की गई है।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 14 विद्यार्थी

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: 40 कंपनियां

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने एनएसएस और एनसीसी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखा। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर महाविद्यालय को अलग-अलग सम्मान दिलाया। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की एक अनूठी पहल, विश्वास(WISHVAS) परियोजना का चौथा सफल वर्ष हो रहा है। इस परियोजना में दिल्ली के दूर-दराज के इलाकों के बच्चों को शिक्षित करते हुए महिलाओं की स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्नातक विद्यार्थी, एनएसएस और महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थी भाग लेते हैं। कोविड-19 के दौरान हमारी विश्वास(WISHVAS) परियोजना ऑनलाइन काम कर रही थी और जब हालात नियंत्रण में थे, तो हमने वजीरपुर गाँव में अपना काम शुरू किया। इस वर्ष टीम ने परियोजना के क्षेत्र को तिमारपुर गांव (प्रत्येक शुक्रवार), सराय रोहिल्ला (रेलवे स्टेशन के पास) जैसे अन्य क्षेत्रों में विस्तारित किया। क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाने और शिक्षित करने के अलावा, हमारे स्वयंसेवक विभिन्न तरीकों से अपने कौशल जैसे कि ललित कला कक्षाएं और क्षेत्र की लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करना आदि में सुधार करने की कोशिश करते हैं। सामुदायिक जागरूकता पहल के रूप में, 'आत्मरक्षा शिविर' का उद्देश्य है प्रतिभागियों को फिटनेस, जिम्नास्टिक, जूडो और कराटे की बुनियादी बातों से लैस करने के लिए सशक्त बनाना ताकि वे किसी भी अवांछित स्थिति को संभालने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत महसूस कर सकें। शिविर की गतिविधियों में जॉगिंग, दौड़ना, कूदना, व्यायाम करना; जिम्नास्टिक और कराटे की मूल बातें शामिल हैं। एनईपी को ध्यान में रखते हुए, विविध जातीय-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों के बीच भाषाई ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए एईपीआईसी के तत्वावधान में भारतीय भाषा मंडल की शुरुआत की गई थी। बीबीएम भाषाई अंतर का जश्न मनाते हुए भाषाई सीमाओं को खत्म करने का प्रयास करता है। वैश्विक महामारी की अभूतपूर्व और पहले कभी नहीं देखी गई तबाही, तथ्य यह है कि शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया ऑनलाइन स्थानांतरित हो गई है, और यह मान्यता है कि इस तक पहुंच हमेशा समान रूप से वितरित अथवा सभी के लिए संभव नहीं है, अपलोड किए गए अध्ययन सामग्री के साथ लैपटॉप वितरण की एईपीआईसी पहल के पीछे मार्गदर्शक विचार था।

महाविद्यालय ने एक मेंटर-मेंटी कार्यक्रम शुरू किया है जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों की बातचीत शामिल है जिसमें विद्यार्थियों के अकादमिक रूप से इच्छुक प्रश्नों, विद्यार्थियों के तनाव प्रबंधन, उनके विषयों से संबंधित वर्तमान मुद्दों पर चर्चा से लेकर विविध मुद्दों पर चर्चा की जाती है। यंग रिसर्चर्स फोरम (वाईआरएफ) की शुरुआत ऐसे समय में की गई थी जब दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ-साथ अकादमिक प्रयास भी एक महामारी से दुनिया में संकट का सामना कर रहा था। फोरम ने सफलतापूर्वक चार वेबिनार आयोजित किए हैं और हाल ही में संकाय मैट्रो और विद्यार्थियों के साथ शोध कार्यवाही की समीक्षा की है। बौद्धिक संकायों के विस्तार के इस प्रयास ने "तत्व" और "स्त्री" (खाद्य प्रौद्योगिकी और परिधान डिजाइन और निर्माण विभाग) के रूप में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं। "तत्व", पूरी तरह से जैविक, क्रूरता मुक्त और सफलतापूर्वक पूरा किया गया शोध उत्पाद है, जिसे गृह विज्ञान विभाग के विद्यार्थी द्वारा बनाया गया है।

पुस्तकालय विकास

चूंकि महामारी की स्थिति में अनिवार्य प्रतिबंधों और तौर-तरीकों का पालन करने के कारण 16 फरवरी, 2021 तक विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय की पुस्तकों को जारी करने और पुस्तकों को वापस जमा करने की व्यवस्था चालू नहीं थी, समिति ने पुस्तकालय में अध्ययन सामग्री डेस्क बनाकर सभी विद्यार्थियों को फोटोकॉपी अध्ययन सामग्री वितरित करने का प्रावधान किया। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों से उनके माता-पिता की आय के आवश्यक प्रमाणों के साथ डेटा प्राप्त करने के लिए एक गूगल फॉर्म साझा किया गया ताकि इन सामग्रियों को निःशुल्क उनके बीच वितरित किया जा सके। जिन बाहरी विद्यार्थियों को सामग्री की आवश्यकता थी, उन्हें डाक द्वारा आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। पुस्तकालय का जुर्माना(फॉइन) बॉक्स कई वर्षों के बाद खोला गया और एकत्र की गई राशि बैंक में जमा कर दी गई। पुस्तकालय में एक नया डिजिटल जुर्माना संग्रह प्रणाली शुरू की गई थी। पुस्तकालय के कामकाज को बढ़ाने के लिए 8 मार्च, 2021 को सभी पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए पुस्तकालय में कोहा(केओएचए) सॉफ्टवेयर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

संकाय संख्या : 153

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान: ₹.44,83,20,000

प्रयुक्त : ₹.42,67,80,400 (अनंतिम)

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 को न केवल महामारी द्वारा आवश्यक चुनौतियों और बाधाओं के लिए याद किया जाएगा, हालांकि, हर चुनौती विचार और नवाचार करने का अवसर बन गई है और यह वार्षिक रिपोर्ट महाविद्यालय प्रशासन और शिक्षण संकाय की नवीन प्रैक्टिसेस का प्रमाण है। जैसा कि उन्होंने कक्षा से ऑनलाइन शिक्षण में बदलाव पर बातचीत की। वर्ष 2020-21 का पूरा शैक्षणिक वर्ष वेबिनार और कार्यशालाओं, विशेष व्याख्यानो और प्रतियोगिताओं के साथ जीवंत था। विद्यार्थियों को उद्योग के विशेषज्ञों के अनुभव और पूर्व विद्यार्थियों के मार्गदर्शन से लाभ मिलता रहा, वे एसपीआईसीएमएसीएवाई द्वारा ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रमों में हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध हुए और उनके कौशल को वर्चुअल स्पेस में प्रतियोगिताओं द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षाविदों के अलावा, विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए समितियों और विभागों द्वारा पाठ्येतर और अन्य गतिविधियों को जारी रखना सुनिश्चित किया गया। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में एनसीसी 2जीडीडीएन इकाई शुरू करने की छात्राओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को 160 की कुल आवंटित संख्या में से पहले बैच में 54 कैडेटों को शामिल करके पूरा किया गया। संकाय सदस्यों की एक बड़ी संख्या ने संकाय विकास कार्यक्रमों में सहभागिता की, संगोष्ठियों और सम्मेलनों में पेपर्स प्रस्तुत किए, जर्नल में शोध पत्रों का योगदान दिया और कई पुस्तकों का लेखन और संपादन किया। 30 से अधिक संकायों को पदोन्नत किया गया था, और 20 पदोन्नति अगले पैमाने पर प्रक्रियाधीन हैं। इसके अलावा, सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन के लिए 12 नए स्नातकोत्तर और स्नातक पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। एनआईआरएफ और एमडीआरए इंडिया टुडे में बेहतर अखिल भारतीय रैंकिंग इस बात का भी प्रमाण है कि महाविद्यालय सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। समाज और राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता में, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय ने मई से सितंबर 2020 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सहयोग से एक क्वारिंटीन सेंटर को सफलतापूर्वक चलाया, जिसमें 8 विभिन्न देशों के लगभग 1000 व्यक्ति 7 दिनों तक रहे और अपने घर से दूर घर जैसी सुविधाओं का लाभ उठाया।

प्रकाशन

चावला, जी. (2020). साइकोलॉजी, बिहेविअरल एंड इंटरपर्सनल इफेक्ट्स एंड इम्पलिकेशन्स ऑफ कोविड-19 पेनेडेमिक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 20(6), आईएसएसएन 0975-833x, 2020.

गुप्ता, आईडी (2021). इंडियन पॉपुलर फिक्शन: न्यू जेनर्स में 'महिला और राज्य शिल्प: 'महाभारत की लड़कियां' शृंखला में मीनाक्षी रेड्डी माधवन के उपन्यास पढ़ना। नॉवेल स्पेसेस, एड. प्रेम कुमारी श्रीवास्तव और मोना सिन्हा, आकार, दिल्ली, आईएसबीएन 978- 93-5002-703-5.

जयदेव, ए. (2021). पॉलिटिकल एक्सेप्शन एंड द इम्पेरेटिव्स ऑफ पॉलिटिकल डिसेंट : ए रीडिंग ऑफ आईएस जौहर्स 1975 इमरजेंसी स्फूर्त 'नसवंदी' इन इंडियन पॉपुलर फिक्शन: न्यू जेनर्स, नॉवेल स्पेसेस, एड. प्रेम कुमारी श्रीवास्तव और मोना सिन्हा, आकार, दिल्ली, आईएसबीएन 978- 93-5002-703-5.

कुमारी, वी. (2020). गेट स्टैकड डुअल-गेट एमआईएसएचईएमटी विथ 39टीHz*वी जॉनसन फिगर ऑफ मेरिट फॉर वी-बैंड एप्लीकेशन, जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल, 20, 556-567.

मनीषा, पांडे, पीके (2021). अंडरवाटर सर्वेयर रोबोट के लिए उच्च-परिशुद्धता रेंज मापन विधि के साथ एक बेहतर टेरेन प्रोफाइलिंग सिस्टम, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में अग्रिम, वॉल्यूम 1166. स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/978-981-15-5148-2_9.

पार्थसारथी, (2021). ऑनलाइन सोशल मूवमेंट पर सोशल मीडिया की भूमिका और प्रभाव : भारत में 'एएलएस आइस बकेट चैलेंज' का विश्लेषण, जर्नल ऑफ मीडिया रिसर्च, 14,(1),102-119.

पाठक, एन.के, पार्थसारथी, (2020). नोबल मेटल-नैनोपार्टिकल्स के थर्मोप्लास्मोनिक गुण और मैटेरियल्स रिसर्च में हाल के रुझानों में इसके अनुप्रयोग, नरोसा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

सेठी, पी. (2020). कबीर: एक भारतीय रहस्यवादी संत 'प्राचीन और मध्यकालीन भारतीय विचार: विषय-वस्तु और परंपराएं, एड. अंकित तोमर और सुरथा कुमार मलिक, सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, आईएसबीएन.9789353882310.

सेठी, पी., सुक्रानिति (2020). प्राचीन और मध्यकालीन भारतीय विचार में एक राजनीतिक ग्रंथ: विषय-वस्तु और परंपराएं, एड. अंकित तोमर और सुरथा कुमार मलिक, सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली, आईएसबीएन.9789353882310.

तुलसी, जी. (2021). सिख पीरियोडिकल्स एंड पॉपुलर लिटरेचर: फ्रेमिंग कम्युनिटी कॉन्शियसनेस, इन इंडियन पॉपुलर फिक्शन, इन रिडिफाइनिंग द कैनन, एड. गीतांजलि चावला और संगीता मिहता, आकार, दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-5002-690-8.

यादव, एस. (2021). चुंबकीय और गैर-चुंबकीय नैनो तरल पदार्थ के साथ दोहरे प्रसार पर चुंबकीय क्षेत्र प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल साइंसेज, एल्सेवियर, आईएसएसएन 0020-7403.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : 01

संपादकीय बोर्ड के संपादक(संपादकों)/सदस्य(सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 06

संगोष्ठियों का आयोजन

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, प्रोफेसर अन्विता अब्बी, भारतीय अध्ययन के विजिटिंग प्रोफेसर, साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर, भाषाविज्ञान विभाग में फील्ड भाषाविज्ञान ने 29 जनवरी, 2021 को 'प्रिजर्विंग लैंग्वेजेज एंड रेसिस्टिंग कल्चरल एम्नेशिया-एन इंकवायरी इन क्रिएशन टेल्स' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), दिल्ली केंद्र, नई दिल्ली, भारत में सैद्धांतिक सांख्यिकी और गणित इकाई (स्टेट-मैथ यूनिट) में गणित के प्रोफेसर शांता लैशराम ने 24 दिसंबर, 2020 को 'द वर्ल्ड ऑफ प्राइम नंबर' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर प्रसेनजीत सेन, प्रोफेसर और पूर्व अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, जेएनयू ने 8 फरवरी, 2021 को 'रिलोकेटिंग लेबोरेटरी रिसर्च टू द मार्केट: एन अपॉर्चुनिटी अमंग फेल्योर' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर सिद्धार्थ मिश्रा, चेयरपर्सन वीएसजेएमसी और वीआरसी, विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली ने 8 जून, 2020 को 'कोविड -19: क्राइसिस ऑफ क्रेडिबिलिटी इन इंडियन मीडिया' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

श्री मिगुएल मोलिना, बीबीसी वर्ल्ड सर्विस एंड कम्युनिकेशंस कोच के वरिष्ठ प्रशिक्षक और संयुक्त राष्ट्र और जिनेवा विश्वविद्यालय में व्याख्याता ने 12 सितंबर, 2020 को 'आर्ट ऑफ ऑडियो नैरेटिव' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 13 फरवरी, 2021 को 'ए लाइफ ऑफ कॉन्स्ट्रिक्शंस: कॉन्स्ट्रिक्शनल डेमोक्रेसी इन इंडिया' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

प्रो. रेखा सक्सेना, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 19 फरवरी, 2021 को 'भारतीय संघवाद: निरंतरता और परिवर्तन' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

डॉ. संदीप शर्मा, पोस्ट डॉ.क्टर फेलो, चांग गंग विश्वविद्यालय, ताइवान ने 26 नवंबर, 2020 को 'ताइवान में विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा और करियर के अवसर' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

श्री मिगुएल मोलिना, बीबीसी वर्ल्ड सर्विस एंड कम्युनिकेशंस कोच के वरिष्ठ प्रशिक्षक और संयुक्त राष्ट्र और जिनेवा विश्वविद्यालय में व्याख्याता ने 12 सितंबर, 2020 को 'आर्ट ऑफ ऑडियो नैरेटिव' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

एक वरिष्ठ रूसी शोधकार और संपादक सुश्री केसिया कॉज़ातिवा ने 27 जनवरी, 2021 को 'नेटवर्क सोसाइटी युग में शावकों के सामने आने वाले मुद्दे और चुनौतियाँ' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

भारतीय जनसंचार संस्थान के प्रोफेसर गोविंद सिंह ने 20 फरवरी, 2021 को 'समाचार एकत्र करने की प्रक्रिया में अनुसंधान का महत्व' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

परेश गुप्ता (सीए), लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस से स्नातक, एक उद्यमी, एक स्टार्टअप मेंटर और छह बार टीईडीएक्स स्पीकर ने 11 फरवरी, 2021 को 'स्टार्टअप्स: आइडिया, फंडिंग एंड ग्रोथ' शीर्षक से एक विशेष व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

15-20 जून, 2020 के बीच 'साहित्य और सिनेमा में दिव्यांगता का प्रतिनिधित्व' पर 5वां अंतःविषय(इंटरडिस्प्लिनरी) राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

एन.के पाठक ने 5-6 अप्रैल, 2021 के दौरान आयोजित "प्लास्मोनिक्स फंडामेंटल्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स, इंटरनेशनल वेबिनार (एससीआई वाइड) 'लेजर, ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स वर्चुअल' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

ए. जयदेव ने 'कंटेम्परेरी ट्रेड्स इन लैंग्वेज, लिटरेचर एंड लिटरेरी थ्योरी' आरआईएमटी यूनिवर्सिटी, पंजाब 18 दिसंबर 2020 को आयोजित आभासी सम्मेलन(वर्चुअल कॉन्फ्रेंस) में 'रीडिंग पॉपुलर रीडिंग: द केस फॉर इंपीरेटिव लिटरेसीज' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

जी. चावला और पॉप जुगनी ने 8 मार्च, 2021 को महिला दिवस के अवसर पर आईक्यूएसी, पीजीडीएवी महाविद्यालय के साथ जेंडर नैरेटिव्स, महिला विकास प्रकोष्ठ सहयोग को पुनर्परिभाषित करते हुए एक पेपर प्रस्तुत किया।

जी. तुलसी ने एमएचआरडी-एसपीएआरसी परियोजना के तहत दक्षिण एशिया संस्थान, हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के सहयोग से 'लैंग्वेज आइडियोलॉजीज एंड द वर्नाक्यूलर इन साउथ एशियन कोलोनियल एंड पोस्ट-

कोलोनियल लिटरेचर (एस) और पब्लिक स्फेयर्स', अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने 15-17 मार्च, 2021 को आयोजित "इन्टरोगेटिंग कॉलोनियल हिस्टोरियोग्राफी: ट्रेडिशन ऑफ 'वर्नाक्युलर' एंड द केस ऑफ सिख पीरियोडिकल्स (1900-10), इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में एक पेपर प्रस्तुत किया।

आई.डी गुप्ता ने जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आईएसीएएलएस द्वारा आयोजित प्रिया सुरुक्कई छाबड़िया के नोवेल क्लोन, वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) यूटोपिया और हमारे टाइम्स के डायस्टोपियास के डायस्टोपियन वर्ल्ड में मेमोरी को पढ़ना और संभावनाओं के क्षितिज को चार्ट करना पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एम. सिन्हा ने महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15 - 20 जून, 2020 को आयोजित साहित्य और सिनेमा में दिव्यांगता के प्रतिनिधित्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिसेबिलिटी एंड स्पेक्टेकल: केस स्टडीज फ्रॉम रियलिटी टेलीविजन इन इंडिया, शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

पीके श्रीवास्तव ने 'कोविड-19: शिक्षा और सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन का एक युग: उच्च शिक्षा परिप्रेक्ष्य' डाटाआईक्यू स्कूल ऑफ एनालिसिस और गो डिजिटल एसए फाउंडेशन (भारत और दक्षिण अफ्रीका द्वारा एक संयुक्त पहल) शीर्षक पर 28 अप्रैल, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "कोविड-19: शिक्षा और सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन का एक युग, पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस यादव ने एक पेपर प्रस्तुत किया, गणित में हाल के रुझानों और इसके ग्राफ, नेटवर्क्स के इसके अनुप्रयोग और पेट्री नेट्स (आईसीआरटीएमए-जीपीएन-2020), पर 20-24 जुलाई 2020 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन(ऑनलाइन) में "पेरिऑडिकली फोर्सड नॉन-लीनियर ऑसिलेशन्स एंड रेजोनेंस इन द मोशन ऑफ जियो-सैट्रिक सेटेलाइट इनक्लुडिंग द इफेक्ट ऑफ अर्थ इक्यूटोरियल इलिप्टिसिटी, शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस. राजवार ने "महामारी के बाद की दुनिया में भारतीय और अन्य डायस्पोरा : डायस्पोरा स्टडीज में इमर्जिंग रिसर्च एजेंडा, कोविड-19 के तहत अफ्रीका में भारतीय डायस्पोरा और दुनिया के अन्य हिस्सों में 'इंडियन डायस्पोरा' 7वां वनडे यंग स्कॉलर डायस्पोरा सम्मेलन: : उनकी चुनौतियों पर तुलनात्मक दृष्टिकोण, महामारी के बाद के विकल्प और प्रवासी अध्ययन में उभरते अनुसंधान एजेंडा, पर एक पेपर प्रस्तुत किया, अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, एस.आई.एस जेएनयु और डायस्पोरा और माइग्रेशन प्रोग्राम(डीआईएमपी) 25 जुलाई, 2020.

आई.डी गुप्ता ने 8-10 फरवरी, 2021 के दौरान एमएचआरडी-एसपीएआरसी परियोजना के तहत जर्मनी के वर्जबर्ग विश्वविद्यालय के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "रि-इंस्क्राइबिंग द वर्ल्ड: रिफ्लेक्शंस ऑन सेंस-मेकिंग एंड नेविगेटिंग द नेटवर्क्स ऑफ ग्लोबल कैपिटलिज्म, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ग्लोबलाइजेशन एंड न्यू टेरेन्स ऑफ कॉन्शियसनेस: फेनोमेनोलॉजीज ऑफ द ग्लोबल / लोकल / ग्लोकल पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

आर सैनी ने "इफेक्ट ऑफ एक्पोनेंसिअली वैरिएइंग नॉन-होमोजेनेइटी ऑन ट्रांसवर्स वाइब्रेशन ऑफ ऑर्थोट्रोपिक रेक्टैंगुलर प्लेट, पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर, 7-9 अगस्त, 2020.

वी. कुमारी ने "टीसीएडी इन्वेस्टीगेशन ऑफ गेट-लेग मेजरममेंट्स ऑन कॅनवेंशनल एंड π -गेट AlGaIn / GaNHEMTs पर एक पेपर प्रस्तुत किया, आईईईई 20वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेनोटेक्नोलॉजी(आईईईईएनएनओ), 29-31 जुलाई, 2020.

नियोजन विवरण

कंपनियों की संख्या : 8+

इसके अलावा, प्रकोष्ठ ने पिछले 10 महीनों की अवधि में 70 से अधिक विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) प्रदान की है। कई संगठनों जैसे विप्रो टेक्नोलॉजीज, BYJU'S, Planet Spark, Aon, TresVista, और Alpino, और कई अन्य को महाविद्यालय में नियोजन अभियान(प्लेसमेंट ड्राइव) के लिए

प्रकोष्ठ द्वारा आमंत्रित किया गया है। 91 में से 22 विद्यार्थियों को नियोजित किया गया है और कुछ विद्यार्थियों के परिणाम का इंतजार है।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

समाज और राष्ट्र की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता में, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय ने मई से सितंबर, 2020 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सहयोग से एक क्वारंटाइन सेंटर सफलतापूर्वक चलाया, जिसमें 8 विभिन्न देशों के लगभग 1000 व्यक्ति 7 दिनों तक अपने घर से दूर रहकर घर जैसी सुविधाओं का लाभ उठाया।

पुस्तकालय विकास

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का पुस्तकालय 43734 से अधिक पुस्तकों और 47000 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ई-जर्नल और विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण ई-संसाधनों के अच्छे संग्रह के साथ अच्छी तरह से स्थापित है। पुस्तकालय योग्य और समर्पित पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित नवीनतम सूचना और प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित है। पुस्तकालय सेवाओं का प्रबंधन एलिस फॉर विंडो (पुस्तकालय ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर) द्वारा किया जाता है।

संकाय संख्या

स्थायी शिक्षक : 62

तदर्थ शिक्षक : 55

अस्थायी शिक्षक : 01

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.27.14 करोड़

प्रयुक्त : ₹. 27.58 करोड़

महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

कोविड-19 महामारी ने शिक्षण सीखने की प्रक्रिया के पारंपरिक प्रतिमानों को बदल दिया, शैक्षणिक सत्र 2020-21 की शुरुआत बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी के लिए एक ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें उनके पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं पर ध्यान दिया गया। शैक्षिक गतिविधियां और प्रवचनों को फिर से शुरू करने के लिए, सुबह की सभा हमेशा की तरह ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी। स्कूल अनुभव कार्यक्रम दो दिवसीय ऑनलाइन अभिविन्यास के साथ शुरू हुआ, जो उपयुक्त शैक्षणिक अनुकूलन के साथ डिजिटल कक्षा में परिवर्तनकाल पर केंद्रित था। विद्यार्थियों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित विशेषज्ञों में डॉ. रीतू चंद्रा, एनसीईआरटी (विषय- ऑनलाइन शिक्षण में साइबर सुरक्षा) और डॉ. दीप्ति गुप्ता, सीआईईटी, एनसीईआरटी (विषय - टीचिंग लर्निंग में आईसीटी: सामग्री विकास और मूल्यांकन) थे। बी.एड प्रथम वर्ष के विद्यार्थी 14-15 दिसंबर, 2020 को दो दिवसीय ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम में बी.एड पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं के लिए उन्मुख थे। राष्ट्रीय सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक मनाया गया। शिक्षक दिवस, गणतंत्र दिवस, महिला दिवस इत्यादि पर ऑनलाइन मोड में विशेष सभाओं के अवसर आयोजित किए गए। आभासी मंच पर जुड़ने की सीमाओं, स्वतंत्रता, राष्ट्रवाद और महिला सशक्तिकरण के विचारों को विद्यार्थियों द्वारा खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय ने अपना 25वां स्थापना दिवस 'स्कूल शिक्षा: दृष्टि और प्रतिबिंब' पर एक पैनल चर्चा के साथ मनाया, मुख्य रूप से विशेषज्ञों के रूप में अपने पूर्व विद्यार्थियों को आकर्षित किया।

विशिष्ट सम्मान सहित विद्यार्थी

सुकून फॉर्तिमा मिर्जा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया और वर्ष 2020 में आयोजित बी.एड परीक्षा में उच्चतम अंक हासिल करने पर उन्हें विश्वविद्यालय पदक से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

दुबे, आर. (2020). गीता का प्रतिपद्यः एक मनोवैज्ञानिक विवेचन। भारतीय मनोवियन का समसमायिक अध्ययन, (एड जानेंद्र कुमार, राकेश कुमार), 218-238, दिल्ली. बुकमैन.

निशा और कुमार, एन. (2020) "वयस्कता कठिन है": किशोरावस्था से वयस्कता तक के परिवर्तनकाल चरण के दौरान महिलाओं की पहचान के विकास की प्रक्रिया के सिद्धांत की ओर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस रिव्यू. 8(10-12): 413-419.

प्रपन्ना, आर.(2020). अल्पसंख्याक ज्ञानमीमांसा के प्रश्न और विद्यालय हिंदी। मानवाधिकार पहल। 12(24).

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. ज्योति कोहली, विशेषज्ञ फॉर, 'डेवेलोपिंग मेटेरियल्स फॉर इन-सर्विस टीचर्स टू प्रमोट मेंटली एहेल्दी जेंडर एटिट्यूड अमॉन्ग मिडिल स्कूल स्टूडेंट्स', शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, मार्च, 2021.

डॉ. वंदना गुप्ता ने 09 मार्च, 2021 को अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'जल प्रबंधन और स्थिरता: मुद्दे और समाधान' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. राघवेंद्र प्रपन्ना ने 'दलित एवम नारीवादी ज्ञानमीमांसा में आलोक में विद्यालय हिंदी' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया, डॉ. रितु बाला के साथ सह-लेखक, 21/12/2020, कला, संस्कृति, भाषा, साहित्य, शिक्षा में अभिनव अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दर्शन और धार्मिक अध्ययन, द ज्ञान बिंदु एजुकेशनल सोसाइटी, स्थान: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली.

डॉ. राघवेंद्र प्रपन्ना ने 12-13 मार्च, 2021 को शिक्षा विभाग (सीआईईई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मानव अधिकार शिक्षा के अध्यापन के सामग्री विकास पर राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में 'अनुशासनात्मक ज्ञान, विचारधारा एवं शिक्षाशास्त्र के द्वंद के मध्य सामाजिक विज्ञान' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. राघवेंद्र प्रपन्ना ने शिक्षा सरोकार मंच, जयपुर, राजस्थान पर दिनांक 27/9/2020 को 'राजनैतिक चेतना का निर्माण और शिक्षा' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. राघवेंद्र प्रपन्ना ने जैन सरकार मंच, टोंक, राजस्थान में दिनांक 9/8/2020 को 'स्कूली ज्ञान का लोकतंत्र हमारे हाशिया' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संकाय संख्या

महाविद्यालय में नियमित आधार पर 14 संकाय सदस्य थे और 04 संकाय सदस्य तदर्थ आधार पर लगे हुए थे।

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹. 8,87,82,436/-

प्रयुक्त अनुदान : ₹. 6,39,20,601/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ऑनलाइन शिक्षण और संबंधित तकनीकी आवश्यकताओं के असंख्य दृष्टिकोणों के अनुकूल होने के लिए विद्यार्थियों को सक्षम करने के लिए डॉ. ज्योति कोहली और सुश्री मीनू तलवार द्वारा स्कूली जीवन अनुभव कार्यक्रम शुरू होने से पहले बी.एड द्वितीय वर्ष के क्रमशः अंग्रेजी और गणित शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए कई वेबिनार आयोजित किए गए थे। बी.एड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उनके प्रैक्टिकम पेपर

एन्हांसिंग प्रोफेशनल कैपेसिटी 2: शिक्षा में आईसीटी की महत्वपूर्ण समझ के हिस्से के रूप में विभिन्न प्रौद्योगिकी उन्मुख गतिविधियों का आयोजन किया गया था। उन्हें आईसीटी उपकरणों का पता लगाने और आईसीटी आधारित टीचिंग लर्निंग सामग्री विकसित करने के लिए उन्नत कौशल हासिल करने के लिए सीखने के अनुभव प्रदान किए गए थे।

मैत्रेयी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

मैत्रेयी महाविद्यालय ने शिक्षा में अपनी उत्कृष्टता बरकरार रखी। अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुल 1034 विद्यार्थी उपस्थित हुए; कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 93.84 प्रतिशत रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय में नौ विद्यार्थियों ने योग्यता स्थान (I-IX रैंक) हासिल किया। मैत्रेयी महाविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान में भागीदार के रूप में गौतमबुद्धनगर के पांच गांवों को गोद लिया है। मैत्रेयी उन गिने-चुने महाविद्यालयों में से एक है जिन्होंने जीएचजी उत्सर्जन के प्रमुख स्रोतों की पहचान करने के लिए कार्बन फुटप्रिंट की गणना करने की पहल की है। महाविद्यालय के बगीचों ने उन सभी श्रेणियों में ख्याति अर्जित की, जिनके लिए महाविद्यालय ने आवेदन किया था और सर्वश्रेष्ठ हर्बल गार्डन मीनाक्षी गोपीनाथ कप, सर्वश्रेष्ठ गार्डन फॉरसी कप और लॉन, 'क्लीन एंड ग्रीन कैम्पस', 'बॉर्डर ऑफ फ्लावर्स' और 'ट्रीज', झाड़ियाँ और पर्वतारोही' के लिए दूसरा पुरस्कार जीता। ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप प्रोग्राम के तहत 68 संकाय सदस्य और 155 विद्यार्थी 53 शोध परियोजनाओं में शामिल थे और वर्ष 2020 के लिए 'वार्षिक अनुसंधान परियोजनाओं' योजना के तहत 13 परियोजनाएं शुरू की गईं।

सम्मान / गौरव

डॉ. माला कपूर शंकरदास ने महिला अचीवर्स फिएस्टा 2021 की राष्ट्रीय स्तर की पहल में जेरोन्टोलॉजी और बुजुर्गों की देखभाल में नेतृत्व और उत्कृष्टता के लिए स्वावलंबिका सम्मान पुरस्कार 2021 प्राप्त किया।

डॉ. रेणु गुप्ता को उत्तराखंड साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर(यूएसईआरसी), डीएसटी, उत्तराखंड सरकार के सहयोग से 10-12 सितंबर, 2020 को डीएनए लैब्स- ए सेंटर फॉर एप्लाइड साइंसेस(डीएलसीएस), देहरादून-यूके द्वारा आयोजित "नए युग-2020 (एनएमएसटीई-2020) के विकास में चिकित्सा, संबद्ध विज्ञान और प्रौद्योगिकियों में नोवेल पहलुओं" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'महिला वैज्ञानिक पुरस्कार (विषय: अनुप्रयुक्त जूलाँजी)' प्राप्त हुआ।

डॉ. प्रदीप राय को गिडवानी देशपांडे सर्वश्रेष्ठ अकादमिक लाइब्रेरियन अवार्ड 2019 में फरवरी, 2021 में सर्वश्रेष्ठ अकादमिक लाइब्रेरियन पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया।

विशिष्ट सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

भूमिका पापनई, बी.एससी.(ऑनर्स) गणित, प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महक कोहली, बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान, तृतीय वर्ष सेमेस्टर ने विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान हासिल किया।

प्रकाशन (प्रकाशनों की कुल संख्या- 42)

चिलाना, आर. (2021). बीसवीं सदी की भारतीय महिला लेखकों में पुरदह की भाषा, राजनीति और प्रैक्टिस। जर्नल ऑफ कम्परेटिव लिटरेचर एंड एस्थेटिक. 43,157-165.

चौधरी, ए. (2020). रिसेंट एडवांसेस इन द एक्सप्लॉइटेशन ऑफ कोजिक एसिड इन मल्टीकंपोनेंट रिएक्शन। करंट ऑर्गेनिक कमेस्ट्री. 24, 1643-1662.

घुरिअर्थात, वी और वासन, जे.टी. (2021). सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करके भारत में फैले कोविड-19 पर पर्यावरणीय और जनसांख्यिकीय कारकों के प्रभाव का विश्लेषण : एक केस स्टडी। एप्लाइड इकोलॉजी एंड एनवायरमेंटल साइंसेस. 9, 177-185.

गुप्ता, आर. (2021). करेक्टराइजेशन ऑफ टू न्यू स्पाइसेस ऑफ यूप्लॉट्स एंड डेस्क्रिप्शन ऑफ इंडियन पापुलेशन ऑफ ई. एडिकुलेटस और ई. वुडूफी। यूरोपीय जर्नल ऑफ प्रोटिस्टोलॉजी. 79,125779.

ज्योत्सना और नेहा (2021). भारत और बिम्सटेक देशों का आर्थिक एकीकरण वर्तमान उभरती चुनौतियाँ। प्रबंधन और अर्थशास्त्र का उन्नयन-अंतर्राष्ट्रीय बुलेटिन। उन्नयन- 'प्रबंधन और अर्थशास्त्र का अंतर्राष्ट्रीय बुलेटिन'। वॉल्यूम-XIII, अंक I, 37-51.

कटारिया, एन. और वर्मा, एन.एस (2020). वैश्वीकरण के बाद से भारतीय परिप्रेक्ष्य में एचडीआई और समावेशी विकास के बीच संबंध को समझना। जर्नल. 11, 139-150.

खोरवाल, पी. (2020). दलित जीवन के आईना-ओम प्रकाश वाल्मीकि की कहानियाँ। बोहल शोध मंजुषा। 3-4, 136-139.

लुंब, एस., तलवार. (2020). जेनेरेशन ऑफ चार्ज करंट्स एंड मेगनेटिक पल्सेस। जर्नल ऑफ फिजिक्स बी. 53, 205002 (1-12).

पवन कुमार (2021). फजी मेट्रिक स्पेस में मीर कीलर टाइप कंट्रैक्टिव कंडीशन के फिक्स्ड पॉइंट का अस्तित्व। इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन्स। 9(1), 216-225.

रानी, ए. और बवेजा, पी.(2020). बायोइंडिकेटर और बायोमोनिटरिंग एजेंट के रूप में लाइकेन। एनवायरमेंट वी. इंटर. जे. साइंस टेक. 15, 131-144.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : 02

संपादकीय बोर्ड के संपादक(संपादकों)/सदस्य(सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 12

अनुसंधान परियोजनायें

डी.बी.टी, अंडरस्टैंडिंग सिंगनलिंग मेकेनिज्म ऑफ इनफ्लेमेशन ऑफ फिश चन्ना पंकटेटस, धनराशि रु.2,061,273.90

संगोष्ठियों का आयोजन

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा 30 जून- 1 जुलाई, 2020 तक आयोजित 'वेक्टर जनित रोग (हाऊ टू गूगल मैप द सेल)' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

संबद्धता के साथ आमंत्रित वक्ता:

डॉ. इनेस वास्कोनसेलोस मिरांडा- सैंटोस अनुसंधान वैज्ञानिक, सेंटर फॉर न्यूरोसाइंस एंड सेल बायोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ कोयम्बटूर, पुर्तगाल।

डॉ. हिम्मत् सिंह, वैज्ञानिक डी, आईसीएमआर- राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान

इंडियन पुस्तकालय एसोसिएशन (आईएलए), नई दिल्ली और एसोसिएशन फॉर द राइट्स ऑफ डिसेबल्ड पर्सन्स (एआरडीपी) , नई दिल्ली के सहयोग से समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी), मैत्रेयी द्वारा आयोजित 'कोविड -19 के दौरान दिव्यांगता, शिक्षण और सीखने की पहुंच' पर राष्ट्रीय वेबिनार, 24 मई, 2020.

संबद्धता के साथ आमंत्रित वक्ता:

डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह, लाइब्रेरियन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

श्री शैलेंद्र पाठक, सहायक निदेशक (कार्मिक) एनवाईकेएस, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. रेणु मालवीय, मुख्य संपादक, 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिसेबिलिटी स्टडीज, स्पेशल एजुकेशन एंड रिहैबिलिटेशन' ऑनलाइन, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, लेडी इरविन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑन एजिंग यूनाइटेड नेशंस - माल्टा (आईएनआईए); विकास, कल्याण और अनुसंधान फाउंडेशन, नई दिल्ली और आईक्यूएसी, मैत्रेयी महाविद्यालय के सहयोग से समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 'एजिंग इश्यूज: इंडियन, रीजनल एंड ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट' पर 16-17 जनवरी, 2021 तक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

डॉ. गुरान मन्सिउ लिलियाना, वेस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ अराद रोमानिया, गणित विभाग द्वारा आयोजित 'फिक्स्ड पॉइंट थ्योरी एंड इट्स एप्लीकेशन्स' पर वेबिनार शीर्षक: अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 5 फरवरी, 2021.

वेबिनार शीर्षक: 4 मार्च, 2021 को भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित 'अनरेवेलिंग द मिस्ट्रीज ऑफ द युनिवर्स विथ एक्सपर्ट्स' पर वेबिनार।

आयोजित सम्मेलन

संस्कृत विभाग द्वारा आरबीएस महाविद्यालय, मऊ, यूपी के सहयोग से 28-30 नवंबर, 2020 तक 'संस्कृत साहित्य में आधुनिक कवियों का योगदान' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया गया।

स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर और शोधार्थी के लिए 24 फरवरी को अकादमिक फेस्ट अवगाहन 2021 'सस्टेनेबल फ्यूचर फॉर ह्यूमैनिटी: द न्यू लर्निंग कर्व' के तत्वावधान में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुत पेपर्स की कुल संख्या : 116

डॉ. माला कपूर शंकरदास ने 15 जून, 2020 को भारतीदासन विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित 'वृद्ध दुर्व्यवहार: रूझान, चुनौतियाँ और आगे के तरीके' पर विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अनुपालन पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. जसप्रीत कौर ने लंदन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन द्वारा 19-20 अगस्त, 2020 को आयोजित 'जिम्मेदार अनुसंधान और नवाचारों में प्रबंधन, शिक्षा और सामाजिक विज्ञान की भूमिका: चुनौतियाँ और वास्तविकताओं' पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. ऋचा चिलाना ने 25-27 सितंबर, 2020 को आयोजित अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय के सहयोग से पोस्टकोलोनीयल: टेक्स्ट्स एंड कॉन्टेक्स्ट्स के री-थिंकिंग : मानविकी में अंतःविषय अध्ययन के एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सोनल बब्बर ने 17-18 अक्टूबर, 2020 को आयोजित जाकिर हुसैन महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन "सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों का अनुप्रयोग (ऑनलाइन)" में एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने संस्कृत विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और संस्कृत विभाग, रामबचन सिंह गवर्नमेंट गर्ल्स डिग्री महाविद्यालय, बगली पिजारा, मऊ, यूपी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संस्कृत साहित्य में आधुनिक कवियों के योगदान पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। 28-30 नवंबर, 2020.

डॉ. पूनम जुनेजा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के एक स्वायत्त संगठन विज्ञान प्रसार (वीपी) द्वारा आयोजित बैनर के तहत 'एसटीईएम शिक्षा और अनुसंधान में महिलाएं: प्रत्येक समान' से संबंधित विषयों पर पैनल चर्चा। 29 जनवरी, 2021.

सुश्री निकिता औदित्य ने चंद्रप्रभु जैन महाविद्यालय ऑफ हायर स्टडीज एंड स्कूल ऑफ लॉ द्वारा 30 जनवरी 2021 को आयोजित पारिवारिक कानूनों: समकालीन चुनौतियाँ और समाधान पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

मैत्रेयी महाविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. प्रदीप कुमार ने 27 फरवरी, 2021 को महाराष्ट्र विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय लाइब्रेरियन एसोसिएशन और इंडियन पुस्तकालय एसोसिएशन द्वारा आयोजित 65वें आईएलए सम्मेलन में 'भारत में अकादमिक पुस्तकालयाध्यक्षों की स्थिति' पर एक भाषण दिया।

डॉ. अनामिका सिंह ने 8 मार्च, 2021 को वीड्स के औषधीय मूल्य-एक वर्णनात्मक विश्लेषण पर आयोजित सम्मेलन सिरीज एलएलसी लिमिटेड यूके द्वारा आयोजित 8वीं विश्व कांग्रेस और प्रदर्शनी, 'एंटीबायोटिक्स और एंटीबायोटिक प्रतिरोध' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. शिखा बधानी ने 17-19 मार्च, 2021 को आयोजित बीबीआईसीएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सतत वैश्विक विकास (इंडियाकॉम-2021) के लिए कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योग के साथ लिम्नोलॉजी के अनुसंधान विभाग, इंस्ब्रुक विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए

"जागृति" अपशिष्ट कागज पुनर्चक्रण सेवाओं के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए

नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

यूथ फॉर सर्विस, नई दिल्ली

विशेष ओलंपिक भारत, नई दिल्ली

डेटास्ट्रॉम इंक., नई दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया (एकर एक्सेल)

आईसीटी अकादमी, नई दिल्ली

ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद

नई दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली

एजिल ग्रुप

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

मैत्रेयी महाविद्यालय ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट(टीएचएसटीआई) के सहयोग से इस वर्ष 16-27 दिसंबर, 2019 को "शैडो ए साइंटिस्ट प्रोग्राम" का आयोजन कर रहा है। इस शीर्ष के तहत, महाविद्यालय ने वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स) के 2 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को रुचि के विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न तकनीक को सीखने के लिए भेजा था।

नियोजन का विवरण

कंपनियों की संख्या : 65

180 विद्यार्थी अपनी वांछित प्रशिक्षुता(इंटरनशिप) में शामिल हुए।

54.66% (पंजीकृत विद्यार्थियों में से) को उनकी वांछित कंपनियों में स्थान मिला।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

मैत्रेयी महाविद्यालय के एनएसएस विंग ने विभिन्न वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संगीत ध्यान पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, एनएसएस मैत्रेयी ने वार्षिक दिवाली मेला- 'उमंग 20' का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें सभी आयु समूहों से राष्ट्रीय स्तर की भागीदारी हुई। मैत्रेयी महाविद्यालय ने वाईएफएस एनजीओ के सहयोग से 'महिला स्वास्थ्य जागरूकता सत्र' पर दो दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। एनसीसी मैत्रेयी महाविद्यालय ने 11 जून, 2020 को कोविड मरीजों की मदद के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 13-28 जुलाई, 2020 तक

'वृक्षारोपण पखवाड़ा' मनाया गया। प्रतिदिन कैडेटों को पेड़ लगाने और तस्वीरें भेजने के लिए कहा गया। कार्यक्रम में 33 कैडेटों ने सहभागिता की। स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में 'पोषण के माध्यम से प्रतिरक्षा' (22 मई, 2020) 'ऑनलाइन शिक्षण - लर्निंग और आंखों की देखभाल' (6 सितंबर, 2020), 'ऑर्थोपेडिक केयर एंड प्रेसीशन्स' (23 दिसंबर, 2020), 'ब्रेस्ट कैंसर: प्रिवेंशन एंड अर्ली डिटेक्शन' (26 दिसंबर, 2020), और 'फर्स्ट हेल्प इन मेडिकल इमरजेंसी' (27 दिसंबर, 2020) विषयों पर स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

सेंटर फॉर रिसर्च(सीएफआर), मैत्रेयी के तहत प्रमुख कार्यक्रमों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता कार्यक्रम और वार्षिक अनुसंधान परियोजनाएं शामिल हैं। इस वर्ष 4 मार्च, 2021 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सभी परियोजनाओं को ऑनलाइन मोड में किया गया था। इनेक्टस मैत्रेयी ने ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से मोमबत्ती बनाना सिखाकर मिस्बाह परियोजना के माध्यम से बचाए गए यौनकर्मियों की सहायता की। सत्र 2020-2021 में कुछ पहलों में शामिल हैं- फोर्टिस, द साइक लाइफ ऑर्गनाइजेशन, सुकून और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ 'ऑनलाइन मानसिक कल्याण सत्र'; मूड विशिष्ट प्लेलिस्ट के लिए स्कैन किए जा सकने वाले लेबल के साथ नई स्पोर्ट्सफॉई रेंज का शुभारंभ। इनेक्टस मैत्रेयी ने महत्व के विभिन्न विषयों जैसे- घरेलू उपचार; घर में एकांत; प्राथमिक देखभाल करने वालों के लिए सावधानियां; ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने के तरीके; बचने के लिए खाद्य पदार्थ; प्लाज्मा दान इत्यादि पर अपडेट और कहानियां पोस्ट करके भी मदद की।

अल्पकालीन पाठ्यक्रम समिति ने 14 पाठ्यक्रम संचालित किए जिनमें विभिन्न महाविद्यालयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 388 विद्यार्थियों ने नामांकन किया। सत्र के दौरान स्पेनिश और फ्रेंच में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम और आईआईआरएस-इसरो सर्टिफिकेट कोर्स (आईआईआरएस दूरस्थ शिक्षण प्रोग्राम के तहत) ऑफर किए गए। इनके अलावा, दिल्ली स्टेट विधि सर्विसेज अथॉरिटी (डीएसएलएसए) द्वारा 'विधि ज्ञान' में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स और फिक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड (समझौता ज्ञापन के तहत) के सहयोग से '(मेटा) जीनोमिक्स एंड बायोइनफॉर्मेटिक्स' में सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन पूरे भारत से विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ किया गया। 25 (सीओपी+26, इंटरनेशनल क्लाइमेट एक्शन कोर्स), 22 (रियो+ यूनाइटेड नेशंस वाटर एक्शन कोर्स) और 18 विद्यार्थियों (इंटरनेशनल प्लांट वेल्थ इनिशिएटिव; आईपीडब्ल्यूआई) क्रमशः ईओसी की भागीदारी के साथ इंडियन एस्ट्रोबायोलॉजी रिसर्च फाउंडेशन (आईएआरएफ) के सहयोग से 3 अंतर्राष्ट्रीय शॉर्ट टर्म ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित किए गए, मैत्रेयी ने अक्टूबर, 2020 में लेखक(राइटर) और रीडर्स बैंक का नवीनीकरण किया है, जिसे दिव्यांगजनों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की नई परीक्षा नीति के अनुसार विकसित किया गया था। जब भी आवश्यकता होती है यह बैंक पीडब्ल्यूडी श्रेणी से संबंधित विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों की सहायता करता है। ईओसी ने 20 मार्च से 3 अप्रैल, 2021 तक 'उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए उभरती सुलभ प्रौद्योगिकियों' पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया है।

मेराकी, उद्यमिता प्रकोष्ठ ने वेबिनार, अभियान, स्टार्ट-अप, परियोजनाओं, प्रतियोगिताओं और बहुप्रतीक्षित 'वार्षिक ई-शिखर सम्मेलन' 21 की एक शृंखला का आयोजन किया। इस सत्र में विद्यार्थियों के शैक्षिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण को पूरा करने वाले एक नये 'ईडीयु पुस्तकालय' स्टार्टअप को जोड़ा गया। मेराकी ने कौरसेरा कौशल वृद्धि पाठ्यक्रमों के लिए ऊर्जा, गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स की कॉमर्स सोसाइटी के साथ मिलकर कार्य किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय पुस्तकालय ने वर्ष 2020-2021 के दौरान 744 पुस्तकों का अधिग्रहण किया। यह लोकप्रिय पत्रिकाओं सहित 57 जर्नल की सदस्यता लेता है, और पुस्तकालय में 23 समाचार पत्रों का एक संग्रह है। पुस्तकालय में 99307 प्रिंट पुस्तकों और 678 सी.डी का कुल संग्रह है। पुस्तकालय एन-लिस्ट कंसोर्टियम

की सदस्यता लेता है, जिसमें एन-लिस्ट के तहत 6,000+ ई-जर्नल और 1,64,300+ ई-बुक और एनडीएल के माध्यम से 6,00,000 ई-बुक शामिल हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) का सदस्य बना हुआ है, जो विशेष रूप से इंटरपुस्तकालय लोन के माध्यम से हमारी जरूरतों को पूरा करता है। पुस्तकालय ने डीएसपीएसीई सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपना संस्थागत भंडार बनाया है जो केवल पुस्तकालय में ही उपलब्ध है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता मैत्रेयी महाविद्यालय पुस्तकालय भंडार और महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से पिछले और वर्तमान वर्ष के पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्रों तक पहुंच सकते हैं। महाविद्यालय के पुस्तकालय ने वर्ष 2020 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जूम प्लेटफॉर्म पर एक सूचना साक्षरता कार्यक्रम (ऑनलाइन) आयोजित किया है। इसके अलावा, इस महामारी की स्थिति में, ई-मेल द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं (ई-संसाधन = मुफ्त ऑनलाइन-लिंक, प्रश्न शोध, पाठ्यक्रम) को शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए संकाय और विद्यार्थियों को भेजे गए थे।

संकाय संख्या

स्थायी + तदर्थ = 160 + अतिथि व्याख्याता

वित्तीय आवंटन और उपयोग

वर्ष 2020-2021 में यूजीसी से प्राप्त अनुदान	: ₹.57,01,25,000.00
वर्ष 2020-2021 में दिल्ली प्रशासन से प्राप्त अनुदान:	₹. 63,00,000.00
वर्ष 2020-2021 के दौरान प्राप्त कुल अनुदान	: ₹. 57,64,25,000.00
वर्ष 2020-2021 के दौरान कुल व्यय	: ₹. 51,74,60,100.58

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

09 पुस्तकें लिखीं, संपादित संग्रहों में 35 अध्यायों(चेप्टर्स) का योगदान दिया और 44 शोध प्रकाशित किए। मैत्रेयी संकाय की विशेषज्ञता को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफॉर्मों पर मान्यता दी गई है। 14 संकाय सदस्यों को विभिन्न कार्यक्रमों में वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया था। 30 संकाय सदस्यों ने 11 सम्मेलनों में अपने शोध प्रस्तुत किए, और 24 संकाय सदस्यों ने कार्यशालाओं और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में ई-संसाधन/मॉड्यूल विकसित किए। एक महाविद्यालय के रूप में, हम अपने शिक्षकों और विद्यार्थियों को उनके ज्ञान और सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने और अनुसंधान अभिविन्यास को विकसित करने के लिए पर्याप्त अवसर और मंच प्रदान करते हैं। इस वर्ष हमारे महाविद्यालय ने 2 अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन, 45 अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वेबिनार, 9 राष्ट्रीय कार्यशालाएँ, 1 एफ.टी.पी और 2 एफ.डी.पी आयोजित किए।

महाविद्यालय ने इन सम्मेलनों, कार्यशालाओं और वेबिनार के माध्यम से हमारे संकाय और विद्यार्थियों को उनके ज्ञान, विचारों और अनुभव से अवगत कराने के लिए 108 सम्मानित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं को आमंत्रित किया।

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत विभिन्न टीचिंग लर्निंग केंद्रों के सहयोग से 6 संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में पूरे भारत से लगभग 2000 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए 16 अल्पकालिक पाठ्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा में अकादमिक सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए व्यावहारिक सत्र, अनुसंधान परामर्श कार्यक्रम, सहकर्मी परामर्श, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परामर्श सत्र इत्यादि आयोजित किए गए। ऑनलाइन शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए, आईसीटी को टीचिंग-लर्निंग में एकीकृत करने में मदद करने के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इस वर्ष एक शोध बोर्ड और एक उद्यमिता प्रकोष्ठ की भी स्थापना की गई। महाविद्यालय

ने कई विषयों पर कई सम्मेलन, सेमिनार और वेबिनार आयोजित किए। विद्यार्थियों के बीच कौशल विकास की पहल इस वर्ष शुरू की गई थी। विद्यार्थियों के लाभ के लिए प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन कार्यशालाओं और व्याख्यानो का आयोजन किया गया।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

बी.ईएल.ईडी तृतीय वर्ष से सुश्री मुस्कान त्यागी, बी.ईएल.ईडी चतुर्थ वर्ष से सुश्री सिमरन कालरा ने शैक्षणिक सत्र 2019-2020 के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आईआईएम काशीपुर, आईएमएम नागपुर और एसपीपीएसपीटीएम, मुंबई द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में वेस्टर्न डांस सोसाइटी के विद्यार्थियों ने पहला स्थान प्राप्त किया।

नेहा ने जे.एल.एन स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित 80वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एथलेटिक्स(400 मीटर) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

कौर, एच. (2020). सेलेस्टिअल जेम्स फ्रॉम द सिख लिजेसी। नई दिल्ली : मनप्रीत प्रकाशन। आईएसबीएन: 8187654023.

कौर एच, वत्स एल., कृष्णानी एच. और त्रिपाठी जी.एम(इडीएस.)(2020). व्यावसायिक नैतिकता: सिद्धांत और व्यवहार। नई दिल्ली: श्री साहित्य प्रकाशन।

कौर, जे. (2020). पानी की कमी की बहुआयामीता। एम.वाई यूनुस में, एच. रॉय, एम.एस भट्ट (इडीएस.), एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड द एनवायरनमेंट। पीपी.281-303. दिल्ली: सेज पब्लिकेशन्स.

मिश्रा, पी. (2021). भारतीय प्रवचन(डिस्कॉर्स) में अम्बेडकर का नारीवादी उद्घोषणा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड एकेडेमिक स्टीज।

नासा, पी. (2021). बैंकिंग क्षेत्र में जोखिम प्रबंधन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉइनेंस एंड कॉमर्स. 3(1): 4-7.

पाहूजा जी., कौर एच., धालीवाल एस. (2020). लो-फिट ब्रांड एक्सटेंशन मूल्यांकन के पूर्ववृत्त: एक समीक्षा और शोध एजेंडा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू। 7(10):.446-453.

सेखो, आर. (2021). भारतीय संदर्भ में संवैधानिकता के लोकतांत्रिक टूल (सामाजिक लोकतंत्र की खोज: मिथक अथवा वास्तविकता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मैथेड. 9 (4).पीपी.2499-2503.

शर्मा, एन. (2020). मोर देन टू डिफेंड ऑफ पॉलिटिकल मेट्रिमोनी डिवोर्स ऑर सेपरेशन एहेड (अंडरस्टैंडिंग इम्पेक्ट ऑफ एसएडी-बीजेपी कैम्बाइन ऑन पंजाब पोलिटिक्स)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज.7 (4): 308-316.

वर्मा, आर, एच.के दास और आर वर्मा. (2020) इंट्रोडक्शन टू इंजीनियरिंग मैथमेटिक्स वॉल्यूम.11, नई दिल्ली: एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड

विरदी, आई. (2020). उपभोक्ता व्यवहार पर कथित धोखे का प्रभाव : डिजिट पाउडर का मामला। एआईएमएस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, आईएसएसएन: 1939-7011, 14(1).पीपी. 11-42. (डीओआई: 10.26573/2020.14.1.2 <http://aims-international.org/AIMSijm /14-1.asp>)

अनुसंधान परियोजनायें

आईसीएसएसआर-एमएचआरडी(आईएमपीआईएसएस)-योजना, 2019-21, 'बच्चों का दैनंदिन ज्ञान और विद्यालय शिक्षा की परस्परिकता' संस्वीकृत धनराशि रु.12,00,000/- (12 लाख), डॉ. रवनीत कौर.

फाँइल/ प्रदान किए गए पेटेंट

2 जनवरी, 2020 को पेटेंट संख्या 328854 प्रदान की गई। पारधा-सारधी पी., शर्मिला पी. और सिंह. के. 2015. सिंथेटिक मेरबी जीन फॉर ऑप्ट एक्सप्रेसन इन प्लांट्स टू डेटोक्सिफाई ऑर्गेनोमेक्यूरियल्स। इंडियन पेटेंट ऑफिशियल जर्नल. इश्यू संख्या 03/2016; दिनांकित 15/01/2016 पृष्ठ 13.

आयोजित संगोष्ठियाँ

डॉ. नम्रता चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर, एसआरएम यूनिवर्सिटी, सिक्किम "भारतीय शास्त्रीय साहित्य: शैक्षणिक और अनुसंधान आयाम", जुलाई 2020.

सुश्री आरुषि मेहरा, एक कला संरक्षक और महाराजा लक्ष्मेश्वर सिंह संग्रहालय, दरभंगा, बिहार में पुनर्स्थापक, 31 अक्टूबर 2020 को "विरासत संरक्षण"।

5 नवंबर 2020 को "एबीसी ऑफ साइबर फुटप्रिंट्स" पर एक वेबिनार। सुश्री पूजा मल्होत्रा, लेखक और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और श्री संगम सिंह कोचर, भारत के सर्वोच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता थे।

एक वेबिनार, डॉ. राजेंद्र सिंह, "जल संरक्षण और स्थिरता", 30 मार्च 2021

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 7 जुलाई, 2020 को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। ऑनलाइन सम्मेलन का विषय था, "योग: दार्शनिक प्रतिबिंब"। दिन के विशिष्ट वक्ताओं में प्रो. प्रदीप गोखले, पूर्व डॉ. बीआर अंबेडकर अनुसंधान प्रोफेसर, केंद्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय, सारनाथ और दर्शनशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे; डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; और डॉ. करेन ओ'ब्रायन-कोप, एशियाई धर्म और नैतिकता में व्याख्याता, मानविकी विभाग, रोहैम्पटन विश्वविद्यालय, लंदन थे। प्रो. बालगणपति देवरकोंडा, प्रोफेसर और प्रमुख, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने समापन भाषण दिया।

इतिहास विभाग द्वारा 27- 28 नवंबर, 2020 तक "इतिहास और विरासत: यात्रा के माध्यम से अभिलेखागार, संग्रहालय और कला" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन किया गया था। इस वेबिनार के पहले दिन यूनिवर्सिटी डू लक्जमबर्ग से डॉ. नीना जांज, ने "मेकिंग ऑफ आर्काइव्स एंड रिसर्च प्रॉस्पेक्ट्स" विषय पर एक व्याख्यान दिया। दूसरे डॉ. रंबी फॉरगेट, पेरिस-सोरबोन विश्वविद्यालय, अबू धाबी ने "संग्रहालय और अभिलेखीय विरासत का संरक्षण" विषय पर बात की। दूसरे दिन, डॉ. एस.पी. सिंह, पूर्व निदेशक, संरक्षण, राष्ट्रीय संग्रहालय ने "विरासत संरक्षण: चुनौतियाँ और अवसर" पर व्याख्यान दिया। डॉ. वी कल्याणी, अधिष्ठाता, राष्ट्रीय कला इतिहास संस्थान, संरक्षण संग्रहालय ने भी उसी सत्र में संग्रहालय और विरासत पर व्याख्यान दिया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. पूजा वधावन ने कोरोना के दौरान शिक्षा को फिर से आकार देने पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उच्च शिक्षा प्रणाली को जीवित रखने के लिए - जागरूकता, सीखने की रणनीतियाँ, नवाचार, मूल्य वर्धित और संबद्ध विद्यार्थियों" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया और इसके लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया और प्राप्त किया पीजीजीसीजी, चंडीगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा 30 जून, 2020 को आयोजित मनोवैज्ञानिक चिंताएं।

डॉ. हरप्रीत कौर और डॉ. हरलीन कौर ने एक पेपर प्रस्तुत किया और "सोशल इम्लिकेशन्स एंड कम्युनिटी इंगेजमेंट ड्यूरिंग कोविड-19 : स्केल डेवलपमेंट एंड प्रोपोजिशन" के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया। पैनल 3 में - 16-19 दिसंबर, 2020 को आयोजित "फाँइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट, 2030 ग्लोबल एजेंडा एंड पोस्ट कोविड-19 चैलेंजेज" पर जिंदल सेंटर फॉर द ग्लोबल साउथ(जेसीजीएस) के पहले अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन की सामाजिक नीतियाँ, श्रम बाजार और लैंगिक समानता।

डॉ. गुरविंदर कौर ने संज्ञानात्मक विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर द्वारा 18- 20 मार्च, 2021 को आयोजित नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी (इंडिया) के 30वें वार्षिक सम्मेलन में "एकेडमिक्स के बीच कार्यस्थल आध्यात्मिकता और कल्याण: मध्यस्थ के रूप में प्रतिबद्धता पर अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री इशलीन कौर रेखी ने सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रायपुर द्वारा 27-29 दिसंबर, 2020 को आयोजित तीसरे आईसीडीई, 14वें आईएसडीएसआई वार्षिक सम्मेलन में " ड्राइवर्स ऑफ कंज्यूमर एंगेजमेंट इन सोशल मीडिया एंबेडेड ब्रांड कम्युनिटीज : कम्युनिटी एंगेजमेंट एज़ मेडिएटर" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री प्रियदर्शनी भट्टाचार्य ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश और माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8-20 मार्च, 2021 तक संयुक्त रूप से आयोजित "भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "एक शहर के सांस्कृतिक धरोहर के रूप में सिनेमा: वंगाली फिल्मों के माध्यम से कलकत्ता के इतिहास का पता लगाना" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. उज़मा नदीम ने ऑनलाइन मोड में फील्ड्स इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित 48वें कनाडाई ऑपरेटर संगोष्ठी में 29 मई, 2020 को "स्थानीय ऑपरेटर सिस्टम संरचनाएं और उनके टेन्सर उत्पाद" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया। <http://www.fields.utoronto.ca/talks/ROOM-TWO-Local-operator-system-structures-and-their-tensor-products>.

डॉ. प्रीति लूथरा ने ऑनलाइन मोड में फील्ड्स इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित 48वें कनाडाई ऑपरेटर संगोष्ठी में 29 मई, 2020 को "लोकल ऑपरेटर सिस्टम स्ट्रक्चर्स एंड देयर टेंसर प्रोडक्ट्स" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया। <http://www.fields.utoronto.ca/talks/ROOM-TWO-Local-operator-system-structures-and-their-tensor-products>

डॉ. अमरजीत कौर ने शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली और स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19-20 मार्च, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पंजाबी साहित्य में रामकथा" शीर्षक पर एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

ix. डॉ. कुलदीप सहगल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज द्वारा 5 फरवरी, 2021 को आयोजित एक संगोष्ठी में "वेदोपकारं वैदिकसाहित्यम्" विषय पर एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभनीत कौर खरवंदा ने पॉपुलर कल्चर एसोसिएशन, बोस्टन, अमेरिका द्वारा 2-5 जून, 2021 तक ऑनलाइन आयोजित पीसीए 2021 वार्षिक सम्मेलन में "ऑन मोनस्टर्स एंड गेंट इन चिल्ड्रेन लिटरेचर : रीडिंग रोनाल्ड डाहल की द बीएफजी थ्रू ए पोस्टह्यूमनिस्ट पर्सपेक्टिव" उप विषय "रेफ्रेमिंग मोन्सट्रोसिटीज इन चिल्ड्रेन / वाई.ए कल्चर" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर

निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु हस्ताक्षर किए गए:

अल ज़हरा महिला महाविद्यालय, मॅस्कट, ओमान।

महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय (3 समझौता ज्ञापन)।

टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

टीचिंग लर्निंग सेंटर, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (एमपी)।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (एमपी)।

भारतीय अनुवाद परिषद।

लोकतंत्र के लिए मंच(फोरम फॉर डेमोक्रेसी)।

किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

मेघना देसाई एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स।

द वाइज फाउंडेशन और डेनिश वाटर फोरम।

व्हाइट स्वान परामर्श समूह।

इंटरनल हेपीनेस इंडेक्स।

आरएटीएच एन.जी.ओ।

9लेज प्रो-माइक्रोसॉफ्ट पार्टनर नेटवर्क (2 समझौता ज्ञापन)।

गर्ल्सस्क्रिप्ट फाउंडेशन।

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय।

गोल्डन सिग्नेचर रिसर्च एंड कंसल्टिंग (जीएसआरसी)।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

इस वर्ष कई अंतर-संस्थागत सहयोग किए गए। उनमें से कुछ उल्लेखनीय इस प्रकार हैं:

टीएलसी, हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के सहयोग से 5-11 सितंबर, 2020 तक "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय भाषाओं पर डिस्कॉर्स" पर एक सप्ताह के अंतःविषय एफडीपी का आयोजन किया गया।

टीएलसी, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 15-30 सितंबर, 2020 तक "ई-शिक्षण और ई-अध्ययन के आई.सी.टी आधारित नए प्रतिमान : डिजिटल शिक्षाशास्त्र" पर एक 14-दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया गया था।

बी.ई.एल.एड विभाग ने टीएलसी, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (एमपी) के सहयोग से 18-23 अक्टूबर 2020 तक "शिक्षक, शिक्षण और शिक्षक शिक्षा: प्रक्रियाएं, चिंताएं और संभावनाएं" पर सात दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया।

सांख्यिकी विभाग द्वारा महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 7-13 जनवरी, 2021 तक "सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर आर और एसपीएसएस का उपयोग कर खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण" पर सात दिवसीय एफडीपी का आयोजन किया गया था।

महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से अंग्रेजी विभाग द्वारा 19-25 फरवरी, 2021 तक "अनुवाद के उभरते सौंदर्यशास्त्र: सिद्धांत और अभ्यास" पर सप्ताह भर चलने वाले एफडीपी का आयोजन किया गया था।

यूजीसी एनएसक्यूएफ स्किल डेवलपमेंट, किरोड़ीमल महाविद्यालय के सहयोग से उधम, द एंटरप्रेन्योरशिप सेल, माता सुंदरी महाविद्यालय द्वारा 5-15 फरवरी, 2021 तक "एंटरप्रेन्योरियल आइडिया डेवलपमेंट एंड स्किल एन्हांसमेंट" पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा गर्ल्सस्क्रिप्ट फाउंडेशन के सहयोग से 2 जनवरी से 4 फरवरी, 2021 तक "ग्राफिक्स डिजाइनिंग एंड फ्रंट-एंड वेब डेवलपमेंट" पर एक पाठ्यक्रम(कोर्स) का आयोजन किया गया था।

अल ज़हरा महाविद्यालय, मस्कट, ओमान के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए आईक्यूएसी द्वारा चार परामर्श सत्र आयोजित किए गए थे। सत्रों में प्रासंगिक और महत्वपूर्ण मुद्दों की एक विस्तृत शृंखला थी, जैसे ऑनलाइन शिक्षण सीखना, ऑनलाइन परीक्षाओं के दबाव को संभालना, विद्यार्थियों के व्यावहारिक सत्रों को लागू करने के लिए तंत्र, दूरस्थ शिक्षा में अकादमिक सत्यनिष्ठा बनाए रखना। 22-26 नवंबर, 2020 तक सत्र आयोजित किए गए थे। माता सुंदरी महिला महाविद्यालय के विशेषज्ञों ने अल ज़हरा महाविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया।

नियोजन का विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 28

पुस्तकालय विकास- इस शैक्षणिक वर्ष में 2732 पुस्तकें शामिल की गईं। महाविद्यालय 37 जर्नल और पत्रिकाओं और 17 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है।

संकाय संख्या

स्थायी : 76

तदर्थ : 88

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.34,81,94,000/-

प्रयुक्त : ₹.37,80,15,951/-

मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

कोविड वर्ष 2020-21 चुनौतीपूर्ण रहा है और एम.ए.आई.डी.एस का स्थिति को समायोजित करने और न केवल दंत चिकित्सा सेवाओं बल्कि कोविड संबंधित सेवाओं को भी पूरा करने के लिए विकास किया गया है। प्री-स्क्रीनिंग सेंटर और सैंपलिंग सेंटर की स्थापना ने प्रवाह(फ्लो) के साथ-साथ सेवाओं को सुव्यवस्थित किया था। फेज 2 भवन जो मूल भवन का विस्तार है, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा कोविड सेवाओं के लिए उपयोग किया गया था। रोगी की असुविधा के बिना सेवाओं को बनाए रखने के लिए विभिन्न नियमावली और एसओपी विकसित किए गए थे। संस्थान को एनआईआरएफ और मैगजीन आउटलुक, इंडिया टुडे और द वीक डेंटल महाविद्यालय सर्वे-2021 द्वारा भारत में नंबर एक महाविद्यालय का दर्जा दिया गया है। संस्थान को अभिकल्प(आउटरीच) सेवाओं के लिए फिक्की द्वारा सम्मानित किया गया था। एन.आई.एम.टी.एल.आई डेंटल इम्प्लांट प्रोजेक्ट के तहत पहला स्वदेशी डेंटल इम्प्लांट सिस्टम विकसित किया गया है।

सम्मान / गौरव

एमएचआरडी द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क ने एमएआईडीएस को भारत में डेंटल कॉलेजों की श्रेणी में नंबर एक संस्थान के रूप में स्थान दिया है। द इंडिया टुडे सर्वे ऑन बेस्ट डेंटल महाविद्यालय 2019 और द वीक मैगजीन बेस्ट डेंटल महाविद्यालय सर्वे 2019 द्वारा संस्थान को भारत के सभी डेंटल संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ डेंटल महाविद्यालय के रूप में आंका गया है, जो अनुसंधान, रोगी कार्य और बुनियादी ढांचे की श्रेणियों में श्रेष्ठ है।

संस्थान को 29 सितंबर, 2020 को 12वें फिक्की स्वास्थ्य देखभाल उत्कृष्टता पुरस्कार- सामाजिक पहल में उत्कृष्टता" फिक्की हील से सम्मानित किया गया।

डॉ. संगीता तलवार को 22 अप्रैल, 2020 को डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा कोविड-19 के विरुद्ध लड़ने के लिए कार्यबल- डेंटल फैकल्टी / दिल्ली राज्य / केंद्र शासित प्रदेश के पीजी विद्यार्थियों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. सुनीता गुप्ता ने वर्ष 2020 में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए दिल्ली स्टार अवार्ड 2019 जीता।

डॉ. मृदुला गोस्वामी को मार्च, 2020 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आईएसपीपीडी द्वारा "प्रतिष्ठित महिला पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

डॉ. जानेंद्र कुमार को जुलाई, 2020 में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी द्वारा फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

भूटिअर्थात, एन., त्रिपाठी, टी., वर्मा, एम., भंडारी, पी.एस, और राय, पी.(2020)। कटे होंठ और तालु वाले मरीजों में प्रीसर्जिकल नासोएलवोलर मोल्डिंग के उपचार के परिणाम का आकलन और इसकी पोस्टसर्जिकल स्थिरता। द क्लेफ्ट पैलेट-क्रैनियोफेशियल जर्नल: अमेरिकन क्लेफ्ट पैलेट-क्रैनियोफेशियल एसोसिएशन का आधिकारिक प्रकाशन, 57(6), 700-706। <https://doi.org/10.1177/1055665620906293>

घोष, एस., गर्ग, एम., गुप्ता, एस., चौधरी, एम., और चंद्रा, एम. (2020). माइक्रोसेफलिक ओस्टियोडायप्लास्टिक प्राइमर्डियल इवार्फिज्म टाइप II : अद्वितीय मौखिक निष्कर्षों के साथ केस रिपोर्ट और पेरीसैंट्रिन जीन में एक नया उत्पत्तिवर्तन। ओरल सर्जरी, ओरल मेडिसिन, ओरल पैथोलॉजी और ओरल रेडियोलॉजी, 129(2), e204-e211. <https://doi.org/10.1016/j.oooo.2019.08.019>

गोस्वामी, एम., कुमार, जी., और शर्मा, एस. (2020). "डेंटल स्टैम सेल": दंत चिकित्सा पेशेवरों की जागरूकता, ज्ञान और दृष्टिकोण-एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। दंत चिकित्सा में विशेष देखभाल: अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ हॉस्पिटल डेंटिस्ट्स, द एकेडमी ऑफ डेंटिस्ट्री फॉर द हैंडीकैप्ड, एंड अमेरिकन सोसाइटी फॉर जेरियाट्रिक डेंटिस्ट्री का आधिकारिक प्रकाशन, 40(1), 90-96। <https://doi.org/10.1111/scd.12442>

लांबा एके, टंडन एस, फ़राज़ एफ, गर्ग वी, अग्रवाल के, गाबा वी. (2020). चबाने की मांसपेशियों की इलेक्ट्रोमोग्राफिक गतिविधि पर पीरियोडॉन्टल बीमारी का प्रभाव: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। जे ओरल रिहैबिलि.2020;47(5):599-605. डीओआई :10.1111/ joor.12943.

मेहरा, आर., मोहंती, वी., बलप्पनवर, ए.वाई, कपूर, एस. (2020). भारत में बेचे जाने वाले पैकेटबंद धुआ रहित तंबाकू का जीवाणु संदूषण। तंबाकू रोकथाम और समाप्ति, 6 (फरवरी), 11. <https://doi.org/10.18332/tpc/115064>

नारायण, बी., उर्स, ए.बी, ऑगस्टीन, जे., और सिंह, एच. (2020). अमेलोब्लास्टोमा के रोगजनन में फॉस्फेट और टेंसिन होमोलॉग की भूमिका : एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन। जर्नल ऑफ़ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स, 16(3), 513-516। https://doi.org/10.4103/jcrt.JCRT_528_18.

नांगिया, डी., नवल, आर.आर, यादव, एस., और तलवार, एस.(2020). एक्सपी एंडो फिनिशर और एंडोडॉंटिक सुई की स्मीयर लेयर रिमूवल एफिशिएंसी पर फाइनल एपिकल चौड़ाई का प्रभाव : एक पूर्व विवो अध्ययन। यूरोपीय एंडोडॉंटिक जर्नल, 5(1), 18-22. <https://doi.org/10.14744/eej.2019.58076>.

प्रूथि, पी.जे, नवल, आर.आर, तलवार, एस., और वर्मा, एम. (2020). कम्पेरेटिव इवेलुशन ऑफ़ द इफेक्टिवनेस ऑफ़ अल्ट्रासोनिक टिप्स वर्सेस द टेरॉचि फाइनल रिट्राइवल किट फॉर द रिमोवल ऑफ़ सेपरेटेड एंडोडॉंटिक इंस्ट्रूमेंटेशन। रिस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉंटिक्स, 45(2), e14. <https://doi.org/10.5395/rde.2020.45.e14>

त्रिपाठी, टी., कालरा, एस., और राय, पी. (2020). स्केलेटल एंकोरेज का उपयोग करते हुए फेशियल एसिमेट्री के साथ स्केलेटल क्लास III का प्रबंधन : 4 वर्ष का फॉलो-अप। डेंटल प्रेस जर्नल ऑफ़ ऑर्थोडॉंटिक्स, 25(2), 24. <https://doi.org/10.1590/2177-6709.25.2.24.e1-9.onl>.

वीपीके, वी., मोहंती, वी.आर, बलप्पनवर, ए.वाई, जुनेजा, एम., गुप्ता, वी., और कपूर, एस. (2020). इफेक्टिवनेस ऑफ़ डिफरेंट पेरेंटिंग इंटरवेंशन्स ऑन ओरल हाइजीन ऑफ़ सेरेब्रल पाल्सी चिल्ड्रेन : ए रैंडमाइज्ड कंट्रोलड ट्रायल। दंत चिकित्सा में विशेष देखभाल: अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ़ हॉस्पिटल डेंटिस्ट्स, द एकेडमी ऑफ़ डेंटिस्ट्री फॉर द हैंडीकैप्ड, और अमेरिकन सोसाइटी फॉर जेरियाट्रिक डेंटिस्ट्री का आधिकारिक प्रकाशन, 40(4), 335-343। <https://doi.org/10.1111/scd.12481>

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज

संपादकीय बोर्ड के संपादक(संपादकों/सदस्यों के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 31

अनुसंधान परियोजनायें

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा वित्त पोषित, वर्ष 2013 से वर्ष 2020 तक, "न्यू मिलेनियम इंडियन टेक्नोलॉजी लीडरशिप इनिशिएटिव (एनएमआईटीएलआई) के तहत स्वदेशी दंत प्रत्यारोपण का डिजाइन और निर्माण", स्वीकृत राशि - 472 लाख।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित, वर्ष 2018-2021, "एंजोडेंटिक थेरेपी के दौरान टूटी / अलग फॉइलों को हटाने के लिए स्वदेशी उपकरण पुनर्प्राप्ति उपकरण का डिजाइन और विकास", स्वीकृत राशि - 86.2 लाख।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), द्वारा वित्त पोषित, वर्ष 2019 से 2021 " द इम्पेक्ट ऑफ एंजोडेंटिक माइक्रोस्कोप ऑन आउटकैम ऑफ रूट कैनाल ट्रीटमेंट ऑन डिसाइडुअस मोलार्स", स्वीकृत राशि - 39 लाख।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), द्वारा वित्त पोषित, वर्ष 2018-2021 "स्वदेशी रूप से तैयार डीकैल्सीफाईड फ्रीज ड्राइड बोन एलोग्राफ्ट - ए क्लिनिकल स्टडी" के साथ या बिना टूथ एक्सट्रैक्शन के बाद वायुकोशीय रिज में आयामी परिवर्तन का मूल्यांकन, स्वीकृत राशि-30 लाख।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), द्वारा वित्त पोषित, वर्ष 2018 से 2021 "एन इवेलुएशन ऑफ साइकोसोशल, मोरफोलॉजिकल एंड फंक्शनल बनेफिट्स ऑफ नासोल्वलर मोल्टिंग इन इनफैंट्स बर्न विथ लिप एंड पेलेट", स्वीकृत राशि - 51.86 लाख।

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट

पांच राष्ट्रीय पेटेंट जैसे, दंत प्रत्यारोपण का विकास, एक पिट और फिशर सीलेंट संरचना, रूट कैनाल थेरेपी के दौरान दांत में अलग उपकरण का पता लगाने के लिए गैर संपर्क प्रकार अल्ट्रासाउंड दृष्टिकोण, दिव्यांगजनों के लिए दंत चिकित्सा देखभाल युक्तियाँ - भारतीय संकेत भाषा और सेरेब्रल पाल्सी और ओरल हेल्थ दिया गया है।

"दंत प्रत्यारोपण के विकास" के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट भी प्रदान किया गया है।

आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से "दंत प्रत्यारोपण के विकास" पर एक सहयोगी पेटेंट-उद्योग पेटेंट प्रदान किया गया है।

आयोजित संगोष्ठियां

अंतर्राष्ट्रीय

शहीद अल खलीफा ने 5 जुलाई, 2020 को "इन्डायरेक्ट कस्प रिप्लेसमेंट: ए कंजर्वेटिव एस्थेटिक अप्रोच" शीर्षक पर एक वार्ता दी।

ममता हेब्बल ने 1 मई, 2020 को "साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस में नैदानिक आधारित प्रश्न का सूत्रीकरण" शीर्षक पर एक वार्ता दी।

ममता हेब्बल ने 3 दिसंबर, 2020 को "आपदा प्रबंधन में डेंटल हेल्थकेयर प्रोफेशनल का एकीकरण" शीर्षक पर एक वार्ता दी।

राष्ट्रीय

प्रजा काकोडकर ने 23 अप्रैल, 2020 को "लुक बियाँन्ड पी-वैल्यू" सांख्यिकीय महत्व बनाम नैदानिक महत्व "शीर्षक पर एक वार्ता दी।

अरुणा डीएस ने 13 अप्रैल, 2020 को "मोबिलाइज 5ए एंड 5आर ब्रीफ टोबैको सेशन इंटरवेंशन इन टोबैको सेसेशन इन डेंटल प्रैक्टिस" शीर्षक पर एक भाषण दिया।

वैभव कुमार ने 27 अप्रैल, 2020 को "बायोमेडिकल साइंसेज में बौद्धिक संपदा अधिकारों का रहस्योद्घाटन" शीर्षक पर एक वार्ता दी।

आयोजित सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय

18वीं राष्ट्रीय ट्रिपल ओ संगोष्ठी, 6-8 मार्च, 2020, फंडिंग एजेंसी समर्थन - अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस और राष्ट्रीय संगोष्ठी और एमएआईडीएस।

5वीं और 4वीं इंटरनेशनल ओरल प्री-कैंसर और कैंसर कांग्रेस 2020 - सम्मेलन और पहली एशियाई हार्ड एंड सॉफ्ट टिश्यू संगोष्ठी, 6-8 मार्च, 2020, फंडिंग एजेंसी समर्थन - अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस और एमएआईडीएस।

राष्ट्रीय

वेबिनार कॉन्फ्लुएंस 2020 "जटिल कुरुपता और डेंटोफेशियल विकृतियों का प्रबंधन" पर 11 सितंबर, 2020, फंडिंग एजेंसी समर्थन-एमएआईडीएस।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अंतर्राष्ट्रीय

संगीता तलवार और रुचिका आर. नवल ने 7 नवंबर, 2020 को जापानी एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च की 68वीं वार्षिक बैठक की वर्चुअल कांग्रेस में "मानव दंत पल्प में इंटरल्यूकिन 8 का मूल्यांकन" पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

रुचिका आर. नवल ने 5 अगस्त, 2020 को वर्ल्ड डेंटल एसोसिएशन, इंटरनेशनल वेबिनार सीरीज़ में "डिकोडिंग रूट रिसोर्प्शन: डायग्नोसिस टू मैनेजमेंट" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

तुलिका त्रिपाठी ने वर्ष 2020 में इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स में "गेस्ट लेक्चर - क्रानियोफेशियल विसंगतियों में कक्षा III प्रबंधन- चुनौतियाँ और समाधान" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

जानेंद्र कुमार ने जून, 2020 के महीने में "सेव द सिक्सेस" आईसीडी और म्यांमार डेंटल एसोसिएशन पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

जानेंद्र कुमार ने अगस्त, 2020 के महीने में यूसीएलए, यूएसए में "एर: सीआर: वाईएसजीजी लेजर" पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

भागीदारों के साथ हस्ताक्षरित घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन) की संख्या और नाम

विदेशी विश्वविद्यालयों जैसे मौरिस एच. कॉर्नेबर्ग स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री, टैंपल यूनिवर्सिटी, फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया, यूएसए, हिब्रू यूनिवर्सिटी, इज़राइल और हेनरी एम. गोल्डमैन स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन, बोस्टन यूनिवर्सिटी, यूएसए के साथ तीन अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। डेंटल रीसाइक्लिंग इंटरनेशनल, इंक. (डीआरआई) के साथ भी एक अन्य अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। संस्थान का वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और आईआईटी दिल्ली जैसे राष्ट्रीय संस्थानों के साथ भी सहयोग है।

नियोजन का विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : यूजी के 65% विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर सीटें मिली हैं। 14% निजी प्रैक्टिस में हैं। 16% विभिन्न चिकित्सालयों में जूनियर रेजिडेंट के रूप में कार्यरत हैं। महाविद्यालय में संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले स्नातकोत्तरों के लिए 18 (100%) नियोजन थे।

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : एक

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

संस्थान आठ सेटेलाइट केंद्र चलाता है जहां चालू वर्ष में 1735 रोगियों का इलाज किया गया है। इसके 3+3 स्कूल केंद्र हैं, जो 556+2641 रोगियों की सेवा करते हैं। इसने पूरे वर्ष में 56 दंत चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। यह चार राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाता है अर्थात्, संस्था मोबाइल दंत चिकित्सा क्लिनिक परियोजना सेवाएं प्रदान करती है। इस परियोजना में छह औषधालय सेवाएं, तीन स्कूल सेवाएं और आशा सेवाएं शामिल हैं। इस कार्यक्रम में इसने 23401, 56 आशा रोगियों को लाभान्वित किया है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में वर्तमान में पुस्तकालय में 6 डेस्कटॉप, 6727 पुस्तकें, 109 अंतर्राष्ट्रीय और 24 भारतीय जर्नल हैं। 59 ऑनलाइन किताबें और 44 ऑनलाइन जर्नल हैं। पुस्तकालय में 6 कम्पेक्टर्स हैं। 17,600 वर्ग फुट में फैले एर्गोनोमिक कुर्सियों के साथ रीडिंग रूम, वाई-फाई सुविधा के साथ अत्याधुनिक ई-पुस्तकालय विकसित की जा रही है।

संकाय संख्या

स्थायी = 31, तदर्थ-26

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान - ₹.49 करोड़

प्रयुक्त - ₹.43.96 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एमएआईडीएस का फेज II भवन उपयोग हेतु तैयार है और उपकरणों की खरीद प्रक्रियाधीन है। संस्थान के सातवें तल पर एक उन्नत सतत दंत चिकित्सा शिक्षा प्रयोगशाला स्थापित की गई है। लाइव प्रदर्शन के लिए अत्याधुनिक डेंटल सिमुलेशन सिस्टम, डिजिटल कंट्रोल सिस्टम, एजुकेशन सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन और प्रोजेक्शन सिस्टम लगाए जाएंगे। यह प्रयोगशाला वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के साथ शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए शिक्षण का अगला स्तर होगा। एनआईएमटीएलआई डेंटल इम्प्लान्ट परियोजना के तहत एक कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीबीसीटी) संस्थापित किया गया था। पीरियोडोंटिक्स विभाग का उद्देश्य राजधानी में अपनी तरह का पहले विश्व स्तरीय ऊतक बैंक की स्थापना के माध्यम से ग्राफ्टिंग उद्देश्यों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ऊतकों की सीमित उपलब्धता और अत्यधिक लागत का मुकाबला करना है। ओरल पैथोलॉजी विभाग के अलावा पोलीमरेज़ चैन रिएक्शन (पीसीआर) प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। अत्याधुनिक प्रयोगशाला हमें मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी के आनुवंशिक पहलुओं का दोहन (हारनेस) और आकलन करने में सक्षम बनाती है। संस्थान के सभी विभागों में भारतीय दंत चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रत्येक विभाग में 2 सीटों के साथ स्नातकोत्तर शिक्षण चल रहा है। कांटीनगर चिकित्सालय में एमएआईडीएस के सेटेलाइट केंद्र की स्थापना की प्रक्रिया में 5 डेंटल चेयर उपलब्ध हैं। दिल्ली में 4 एमएआईडीएस जैसे केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। एमएआईडीएस भवन का उपयोग लॉकडाउन के दौरान कोविड इयूटी में लगे एल.एन चिकित्सालय के कर्मचारियों के आवास के लिए किया गया था। एमएआईडीएस ने कोविड टीकाकरण केंद्र की स्थापना के लिए भी जगह प्रदान की। कोविड अवधि के दौरान संस्थान पूरी तरह से कार्य कर रहा था और एयरोसोल उत्पन्न करने वाली प्रक्रियाओं के कारण दंत चिकित्सा सेवाएं उच्च जोखिम में होने के बावजूद कोरोना वायरस की दोनों लहरों (वेव्स) के चरम के दौरान भी रोगी देखभाल प्रदान करने में कोई ढिलाई नहीं बरती गई।

मिरांडा हाउस

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मिरांडा हाउस को लगातार चौथे वर्ष नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2020 के तहत महाविद्यालयों में अखिल भारतीय रैंक में प्रथम से सम्मानित किया गया। इसे इंडिया टुडे बेस्ट महाविद्यालय सर्वे 2020 में विज्ञान शाखा(साइंस स्ट्रीम) और आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में शीर्ष पांच महाविद्यालयों में भी स्थान दिया गया था। इसने एनएएसी द्वारा A+ से मान्यता प्राप्त महाविद्यालय के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्टार महाविद्यालय का दर्जा दिया। 7 मार्च, 1948 को स्थापित, महाविद्यालय ने सात दशकों की निरंतर उत्कृष्टता का जश्न मनाया। पॉलिसी सेंटर एंड जेंडर लैब (पीसीजीएल) ने महामारी और महिलाओं और लड़कियों पर इसके प्रभाव से संबंधित कार्रवाई अनुसंधान कार्यक्रम का आयोजन किया; महाविद्यालय के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित (सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम: टुगेदर वी कैन) शीर्षक से सामाजिक कार्य और सामुदायिक स्वास्थ्य पर जोर देने वाले ऑनलाइन प्रमाणशोध पाठ्यक्रम; आईक्यूएसी ने "वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा की चुनौतियां और अवसर" पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, सांसद राज्यसभा, डॉ. पंकज मित्तल, महासचिव, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, डॉ. नरसिम्हन सुब्रमण्यम, निदेशक, अपोलो चिकित्सालय, क्षेत्रीय सलाहकार दक्षिण पूर्व एशिया, डब्ल्यूएचओ, डॉ. राजेश मेहता शामिल थे। महाविद्यालय ने 63वें वार्षिक 'फ्लावर शो' में कुलपति कप जीता और चौथे वर्ष लगातार सात अन्य पुरस्कार जीते।

सम्मान / गौरव :

8 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय द्वारा डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा और डॉ. हेना सिंह को सम्मानित किया गया।

डॉ. सी. सुवासिनी को दिसंबर, 2020 को सेंटर फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स में एसोसिएट रिसर्च फेलो के रूप में नियुक्त किया गया था।

अर्थशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना द्वारा संयुक्त रूप से 22 जून, 2020 को आयोजित 'पंजाब में किसान परिवारों की कृषि व्यवसाय आय और शुद्ध घरेलू आय-एक तुलनात्मक अध्ययन' के लिए डॉ. भूपिंदर कौर को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

डॉ. स्मृति शर्मा को 26-27 नवंबर, 2020 तक आयोजित आर.के विश्वविद्यालय, राजकोट गुजरात-भारत में गुजरात विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित 'आणविक संरचना और वाद्य दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

डॉ. पूनम को एडजंक्ट-सहायक प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग, लोयोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, हेल्थ साइंसेज डिवीजन, शिकागो, आईएल- 60153, यूएसए के रूप में मान्यता मिली थी। 1 मई, 2019 - 2 फरवरी, 2021।

डॉ. पूनम को एडजंक्ट-विजिटिंग सीनियर रिसर्चर, लेबोरेटरी ऑफ कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग ऑफ ड्रग्स, साउथ यूरोल स्टेट यूनिवर्सिटी, चेल्माबिंस्क, रूस-454080 के रूप में मान्यता दी गई थी। जुलाई, 2018 - दिसंबर, 2020।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

तान्या जैन, बीए प्रोग्राम III वर्ष, ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दीपाक्षी, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी तृतीय वर्ष, विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अकास्मिका प्रियदर्शनी, बी.एससी.(ऑनर्स) जूलॉजी III वर्ष, विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रीतिलतापति, बी.ए(ऑनर्स) बंगाली तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अदिति अरोड़ा, एम.एससी.(एफ) रसायन विज्ञान ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान हासिल किया।
स्मृति बरनाली, बी.ए(ऑनर्स) दर्शनशास्त्र तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
दिव्या जोशी, बी.एससी. (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
रीया अरोड़ा, एम.एससी(एफ) वनस्पति विज्ञान ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

प्रकाशन : 120 जर्नल, पुस्तकें 06

नंदा, बी., रे, एन. (2020). लैंगिक भेदभाव और सेक्स-अनुपात असंतुलन : एक गुणात्मक विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ, 32(4), 746-750.

देवी, एस., त्यागी, ए., प्रसाद, वी. (2020). स्थैतिक विद्युत और लेजर क्षेत्र में बाधित(हिंडर्ड)रोटर का ऊष्मीय व्यवहार। स्पेक्ट्रोचिमिकाएक्टा - भाग ए: मोलेकुलर एंड बाईमोलेकुलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 240, 118538.

जैन, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी., तोमर, एम. (2020). रेफ्रेक्टिव इंडेक्स ट्युनिंग ऑफ SiO₂ फॉर लॉन्ग रेंज सर्फेस प्लास्मोन रेजोनेंस बेस्ड बायोसेंसर। बायोसेंसर और बायोइलेक्ट्रॉनिक, 168, 112508.

कुमार, डी., जैन, डी., महाजन, एस. मुखर्जी, ए., रानी, एन. (2021). मजबूत गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग सिस्टम का उपयोग करके ब्रह्माण्ड संबंधी और आकाशगंगा के मापदंडों को रोकना। फिजिकल रिव्यू डी, 103 (6), 063511.

कुमार, एस., गोइकोचिया, एस., कुमार, एस., पियर्स, सी.एम, दुर्वासुला, आर., केम्पैया, पी., राठी, बी., और पूनम (2020). शक्तिशाली एंटी-इन्फ्लूएंजा वायरस गतिविधि के साथ ओसेल्टामिविर एनालॉग। ड्रग डिस्कवरी टुडे, 25(8),1389-1402.

कुमार, एस., शर्मा, पी.पी, शंकर, यू., कुमार, डी., जोशी, एस.के, पेना, एल., दुर्वासुला, आर., कुमार, ए., केम्पैया, पी., पूनम, राठी, बी.(2020). SARS-CoV-2 के 3CLप्रोप्रोटीन लक्ष्य के विरुद्ध नए हाइड्रोक्सीएथाइलामाइन एनालॉग्स की खोज: आणविक डॉ.किंग, आणविक गतिशीलता सिमुलेशन, और संरचना-गतिविधि संबंध अध्ययन। जर्नल ऑफ केमिकल इंफॉर्मेशन एंड मॉडलिंग, 60 (12), 5754-5770.

शर्मा, डी., सिंह, ए., पाठक, एम., कौर, एल., कुमार, वी., रॉय, बी.जी, ओझा, एच. (2020). एथिल पाइरूवेट की डीएनए बाइंडिंग और एंटीरेडिकल क्षमता : डीएनए रेडियोप्रोटेक्शन की कुंजी। केमिको-बायोलोजिकल इंटरैक्शन्स, 332, 109313.

सिंह, पी. (2021). विकास में ज्ञान की राजनीति : सीड सोवरनिटी में अन्वेषण। भारतीय राजनीति में अध्ययन, 9(1), 105-117.

शर्मा, एस., भाटिया, वी. (2021). ग्लूकोमा के लिए नैनोस्केल ड्रग डिलीवरी सिस्टम : प्रायोगिक और सिलिको एडवांस में। करंट ऑपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 21(2), 115-125.

उमा, एस., पाल, एम. (2021). सभी काम, महिलाओं के घर के कामों के लिए कोई वेतन नहीं। इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 56 (17), 31-34.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल/पत्रिकाएं

प्रत्येक विभाग अपनी रचनात्मक जर्नल / पत्रिका प्रकाशित करता है जिसमें विद्यार्थियों और संकाय के पर्याप्त प्रतिनिधित्व के साथ एक संपादकीय बोर्ड होता है। इनमें अच्छी तरह से शोध किए गए योगदान के साथ-साथ आमंत्रित लेख, पेपर्स और समाचार आइटम शामिल हैं। ये हैं:

पहचान, हिंदी विभाग

रसायनी, रसायन विज्ञान विभाग

अपूर्वी, अर्थशास्त्र विभाग

एडजीन, कंप्यूटर विज्ञान विभाग

जियोग्राफिका, भूगोल विभाग	इवोल्वर - द अनफोल्डिंग, डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी
मुख्य, इतिहास विभाग	क्यूडसक्वेलिस, वनस्पति विज्ञान विभाग
वोक्स पॉपुली, राजनीति विज्ञान विभाग	विगनाइट, सोसाइटी फॉर लाइफ साइंसेज प्रोग्राम
लाइट हाउस, समाजशास्त्र विभाग	गणित, गणित विभाग
डाइमेंशन्स, भौतिकी विभाग	ग्रिमोइरे, छात्रावास पत्रिका
मिरांडा, महाविद्यालय पत्रिका	संतुलन, द कंज्यूमर क्लब
गाइडपोस्ट, नियोजन सेल	मधुबन, एमएच वटावरानी
एम.ईच, अंग्रेजी विभाग	

अनुसंधान परियोजनायें

परियोजनाएं : लगभग रु. 8 करोड़ (रु.822.88 लाख) के कुल अनुदान के साथ 12 परियोजनाएं चल रही हैं।

डॉ. मोनिका तोमर. सामरिक अनुप्रयोगों के लिए SiO₂/Si झिल्ली पर लैम्ब वेव उपकरणों का निर्माण; डीआरडीओ; मार्च, 2019-2022; रु.428.03 लाख।

डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. साधना शर्मा. माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के पीई/पीई-पीजीआरएस परिवार के प्रोटीन के रेस्पॉन्स में मैक्रोफेज एपोप्टोसिस और माइटोकॉन्ड्रियल इंटेग्रिटी का एक अध्ययन; डीएसटी; मार्च 2018-2021; रु.68.37 लाख.

डॉ. पूनम. इन्फ्रारेड डिटेक्शन के लिए नैनोएंटेना सेंसर का विकास; डीएसटी; (2019-2021); रु.63 लाख।

डॉ. मोनिका तोमर. फेरोइलेक्ट्रिक और फेरोमैग्नेटिक पतली फिल्म स्तरित संरचनाओं का उपयोग करके एमईएमएस-आधारित दोहरी ऊर्जा हार्वेस्टर की प्राप्ति; डीएसटी; (2019-2022); रु.51.48 लाख.

डॉ. पूनम. फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए नैनो आधारित कुशल कीटनाशक निर्माण तकनीक का उपयोग कर कीटनाशक प्रबंधन के लिए सतत मार्ग; डीएसटी; 2019-2021; रु.49.5 लाख.

डॉ. पूनम. शक्तिशाली मल्टीस्टेज एंटीमैलेरियल्स का लीड ऑप्टिमाइज़ेशन; डीएसटी-एसईआर; (2020-2023); रु.46.5 लाख.

डॉ. मोनिका तोमर. ब्लू लाइट एमिटिंग डायोड (एलईडी) पर आधारित लेजर एमबीई विकसित GaN पतली फिल्मों का निर्माण ; फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम ग्रांट, आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय; दिसंबर 2020-मार्च, 2021; रु.5.0 लाख.

डॉ. हिना सिंह. सेक्सुअल वायोलेंस अलॉन्ग द वार एंड पीस कॉन्टिनुअम; स्कूल ऑफ ग्लोबल स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ गोथेनबर्ग, स्वीडन; (2020-2023); रु.60 लाख.

डॉ. हिना सिंह. केन्या और भारत के संदर्भों में यौन और लैंगिक आधारित हिंसा (एसजीबीवी) के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों पर यौन हिंसा और बलात्कार के बाद देखभाल सेवाओं पर कोविड-19 के प्रभाव को समझने पर तुलनात्मक अनुसंधान और समेकन परियोजना; बर्मिंघम विश्वविद्यालय में उन्नत अध्ययन संस्थान में स्थापित; (2020-2022); रु.20 लाख.

डॉ. हिना सिंह. भारत में यात्रा करते समय महिलाओं के यौन उत्पीड़न और उत्पीड़न पर ध्यान देना; बर्मिंघम ब्रिटेन विश्वविद्यालय में उन्नत अध्ययन संस्थान के लैंगिक और असमानता अनुसंधान स्ट्रैंड द्वारा स्थापित और वित्त पोषित; (2019-2020); रु.8 लाख।

डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा, पी.डी. 'डिक्लाइनिंग चाइल्ड सेक्स रेशियो एंड वायलेंस अगेंस्ट वीमेन: एकजामिनिंग गर्ल-चाइल्ड डिस्क्रिमिनेशन इन इंडिया'; आईसीएसएसआर - सीएसडीएस; 2018-2020; रु.15 लाख।

डॉ. कलावती सैनी. श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के पीछे किंग्सवे कैंप से गुजरने वाले नाला में प्रदूषकों की उपस्थिति से प्रभावित आसपास के क्षेत्र की वायु गुणवत्ता; डीबीटी प्रायोजित; 2018-2020; रु.8.0 लाख।

फाँइल/स्वीकृत पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंट : 05

भारतीय पेटेंट (27 अगस्त, 2020 को प्रकाशित): यूरिक एसिड और उसके निर्माण का पता लगाने के लिए एक नोवेल अत्यधिक संवेदनशील और विश्वसनीय एलआरएसपीआर बायोसेंसर, विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, आयुषी पालीवाल और सुरभि जैन। (आवेदन संख्या 201911006783)।

इंडियन पेटेंट (27 अगस्त, 2020 को प्रकाशित): इलेक्ट्रिक फील्ड असिस्टेड लो पावर कंज्यूमिंग कंडक्टो-मेट्रिक गैस सेंसर, विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजलि शर्मा और अवनीत सिंह। (आवेदन संख्या 201811006329)।

भारतीय पेटेंट (29 दिसंबर, 2020 को दायर): हाइड्रोक्सीएथिल एमाइन आधारित पिपेरजाइन यौगिक और रोग के उपचार के लिए इसके उत्पादन और उपयोग के तरीके; बृजेश राठी प्रकाश केम्पैया, आगम पी. सिंह, स्निग्धा सिंह, यश गुप्ता, नेहा शर्मा, पूनम, रवि दुर्वासुला। (आवेदन संख्या 202011056923)।

इंडियन पेटेंट (एप्लाइड) : एसपीआर आधारित डीएनए बायोसेंसर फॉर डिटेक्शन ऑफ प्यूकिनिआस्ट्रिफॉर्मिस एफ. ट्रिटिकी, गेहूं में पीले रतुआ का कारक एजेंट, नीलम आर. यादव, रिजवाना रहसावला, सुरभि जैन, सविता शर्मा, मोनिका तोमर, विनय गुप्ता। (आवेदन संख्या- TEMP/E-1/24707/2020-DEL और संदर्भ संख्या 202011022741)।

इंडियन पेटेंट (एप्लाइड): प्यूकिनिआस्ट्रिफॉर्मिस का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल आधारित जीनोसेंसर एफ. ट्रिटिकी, गेहूं में पीले रतुआ का कारक एजेंट, रिजवाना रहसावला, नीलम आर यादव, निधि दुल, सविता शर्मा, मोनिका तोमर, विनय गुप्ता। (आवेदन संख्या- TEMP/E-1/30053/2020-DEL और संदर्भ संख्या 202011027298)।

संगोष्ठियों का आयोजन

लगभग 14 अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं सहित 168 से अधिक व्याख्यान सेमिनार / वेबिनार / कार्यशालाएं आयोजित किए गए।

रसायन विज्ञान विभाग ने 'रसायन विज्ञान - परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

डॉ. ज्योति मारवाह, डॉ. एन कौशिक, प्रो. रमेश गरदास और डॉ. फॉल्गुनी रथ ने विज्ञान से लेकर सशक्तीकरण के लिए एक उपकरण के रूप में विविध विषयों समुदायों, प्लाज्मा बायोसाइंस और मेडिसिन, पर्यावरण की दृष्टि से सौम्य सॉल्वेंट्स के रूप में आयनिक तरल पदार्थ और सीआरआईएसपीआर मध्यस्थता जीन स्प्लिसिंग पर प्रेरक व्याख्यान दिए।

दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन एड-ऑन लीगल लिटरेसी पाठ्यक्रम 10 सत्रों के माध्यम से प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के रूप में श्री गौतम मनन, सुश्री नमृता अग्रवाल, डॉ. के.बी. राय, श्री. हरजीत सिंह जसपाल, सुश्री मोनिका सरोहा, श्री रितेश कुमार, श्री विनोद कुमार मीणा, श्री सुमीत आनंद, और सुश्री नीति सूरी मिश्रा(सभी राष्ट्रीय वक्ता) को आमंत्रित किया गया है।

प्राणि विज्ञान विभाग ने डॉ. आशीष त्रिपाठी (अध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जूलाॅजिस्ट्स) द्वारा "जहरीले और गैर-जहरीले सांपों की पहचान, काटने के उपचार और इसके संरक्षण के प्रयासों" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। उन्होंने भारत में पाए जाने वाले सांपों के विविध संयोजन पर अपनी अंतर्दृष्टि

साझा की, जिनमें से अधिकांश गैर-जहरीले हैं। कोबरा, क्रेट, रसेल और सॉ स्केल्ड वाइपर जैसे भारत के सामान्य जहरीले सांपों की पहचान भी विद्यार्थियों के साथ साझा की गई।

अर्थशास्त्र विभाग ने चार प्रतिष्ठित वक्ताओं : पी. साईनाथ, प्रो. आर. रामकुमार, प्रो. जयती घोष, और प्रो. रिचर्ड वोल्फ के साथ जेनिथ, वार्षिक आर्थिक सम्मेलन का आयोजन किया।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने सुश्री वंदना अग्रवाल के साथ फॉयर साइड चैट आयोजित करके एडा लवलेस दिवस मनाया, जो वर्तमान में सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में सोनी प्लेस्टेशन में सीनियर डेटा गवर्नेंस लीडर के रूप में काम कर रही हैं। वह एक पूर्व-संकाय मिरांडा हाउस (1990-1993) हैं। चैट का शीर्षक एंटरप्राइज़ डेटा स्रोतों से ज्ञान की खोज करना था। चैट के बाद विद्यार्थियों को उत्साहित करने के लिए एक कोडिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग ने विश्व दर्शन दिवस (19 नवंबर, 2020) पर डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह और डॉ. आनंद जयप्रकाश वैद्य (क्रमशः राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ता) के साथ एक वेबिनार का आयोजन किया।

भूगोल विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर, 2020) पर "पर्यटन और ग्रामीण विकास" पर एक वेबिनार का आयोजन भूगोल विभाग द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के मो. अरमान को प्रख्यात वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

भूगोल विभाग ने 22 जनवरी, 2021 को देश भर से 40 से अधिक प्रोफेसरों और 300 विद्यार्थी की भागीदारी के साथ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से "कोविड-19 वेक्सीनेशन एंड डिजास्टर रेजिलेंस-डेमाइस्टिफाइंग फियर्स" पर एक राष्ट्रीय वेब वार्तालाप का आयोजन किया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने 22 अक्टूबर, 2020 को प्रोफेसर अशोक आचार्य और प्रो. आशा हंस (दोनों राष्ट्रीय वक्ता) के साथ "विविधता और समावेशी अधिकारों की पहचान" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

सम्मेलन का आयोजन

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित आभासी सम्मेलन रसायन विज्ञान - परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक; 19-20 फरवरी, 2021;

विज्ञान में विविधता को सशक्त बनाने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / वेबिनार; 12 फरवरी 2021; जीडब्ल्यूबी - आईक्यूपीएसी 2021; रसायन विज्ञान विभाग।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित नीति सम्मेलन 2021 नीति जेंगा - भारतीय सार्वजनिक नीतियों का पुनर्निर्माण; 6 अप्रैल 2021;

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित फिजियोलॉजी में ट्राइफ्स: फिजियोलॉजी और मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार विजेताओं और मानवता को बदलने वाले उनके काम पर एक सम्मेलन / संवाद शृंखला; सितंबर-अक्टूबर, 2020;

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भूगोल विभाग द्वारा 22 जनवरी 2021 आयोजित कोविड-19 टीकाकरण और डिजास्टर रेजिलेंस पर वेब वार्तालाप- भय को दूर करना;

आईक्यूपीएसी के तत्वावधान में प्राणि विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस द्वारा 8 और 10 फरवरी, 2021 को आयोजित पारिस्थितिक अवधारणाओं और सिद्धांतों में हालिया सफलता पर ऑनलाइन सम्मेलन / वार्तालाप;

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा, राजनीति विज्ञान विभाग ने कोविड-19 महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य और अधिकारों की सुरक्षा कैसे करें? विषय पर पैनलिस्ट को आमंत्रित किया। इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पॉपुलेशन(आईएएसपी) के सहयोग से इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी) द्वारा आयोजित विश्व जनसंख्या दिवस, 11 जुलाई, 2020 पर एक वेबिनार कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है।

डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा, राजनीति विज्ञान विभाग, ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी), भुवनेश्वर द्वारा शुक्रवार 03 जुलाई, 2020 को आयोजित वेबिनार "ऑनलाइन स्पेस एंड हैरेसमेंट ऑफ वीमेन" में "रिकॉन्सेप्टुअलाइजिंग सेक्सुअल हारासमेंट विथ द राइज आफ द वर्चुअल वर्कप्लेस" विषय पर वार्ता आमंत्रित की।

डॉ. रीमा भाटिया, समाजशास्त्र विभाग ने 1 मार्च, 2021 को मिरांडा हाउस और हॉजस्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, यूट्रेक्ट, नीदरलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 13वें इंडो-डच सहयोगात्मक कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता के रूप में 'नारीवादी आंदोलन' प्रस्तुत किया।

डॉ. कन्नोजिया रीना, दर्शनशास्त्र विभाग ने 14 अगस्त 2020 (अंतर्राष्ट्रीय) को स्प्रिंगर नेचर और दिल्ली यूनिवर्सिटी पुस्तकालय महाविद्यालय फोरम द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान पुस्तकालय सेवाओं को बदलने और पुनः पैकेजिंग" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. नम्रता सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग ने मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय के नीति केंद्र और जेंडर लैब के सहयोग से पी.जी विभाग लैंगिक अध्ययन और सरला देवी सेंटर फॉर जेंडर रिसर्च, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, के सहयोग से महामारी के दौरान 26 अगस्त, 2020 (राष्ट्रीय) को 'महामारी के लैंगिक की रूपरेखा पर : सार्वजनिक नीति का पुनर्निवेश और नेतृत्व परिवर्तन, पर लैंगिक और आपदा : नीति हस्तक्षेप, फैकल्टी विकास कार्यक्रम पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. रीमा भाटिया, समाजशास्त्र विभाग ने 1 मार्च, 2021 (राष्ट्रीय) को 13वें इंडो-डच कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता के रूप में "नारीवादी आंदोलनों" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. भूपिंदर, अर्थशास्त्र विभाग ने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला और द सोसाइटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, लुधियाना द्वारा 22 जून, 2020 को संयुक्त रूप से आयोजित छठे राष्ट्रीय संगोष्ठी (वेबिनार) में प्रस्तुत "पंजाब में किसान परिवारों की कृषि व्यवसाय आय और शुद्ध घरेलू आय: एक तुलनात्मक अध्ययन" पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. साधना शर्मा, प्राणिशास्त्र विभाग ने 11 मार्च, 2021 को वीपीसीआई में "बायोमेडिकल रिसर्च में प्रस्ताव लेखन और नैतिक मुद्दों" पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में "प्रभावी अनुसंधान रिपोर्ट लेखन के लिए सिद्धांत, उपकरण और तकनीक" पर एक वार्ता प्रस्तुत की। .

डॉ. अनिदिता सरकार, भूगोल विभाग ने "भूगोल में एकजुटता दृष्टिकोण के अनुप्रयोग की खोज" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पानी का व्यावसायीकरण और पारंपरिक से आधुनिक प्रौद्योगिकियों में बदलाव: जल असुरक्षित पश्चिमी राजस्थान से साक्ष्य' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय, 05-06 अप्रैल, 2021 इसके लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता जापन

अंतर्राष्ट्रीय: इनमें हॉग स्कूल यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज नीदरलैंड्स के साथ समझौता जापन शामिल हैं; लिंगबर्ग कॉलेज, यूएसए; बर्मिंघम विश्वविद्यालय, ऑटारियो विश्वविद्यालय, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय।

राष्ट्रीय: इनमें रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के साथ समझौता जापन शामिल हैं; शिक्षा के लिए गूगल ऐप्स का उपयोग करें; सप्ताहांत (मोबिकेल); धनंजयराव गाडगिल कॉलेज ऑफ कॉमर्स, सतारा, महाराष्ट्र।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

मिरांडा हाउस के शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों के विशाल नेटवर्क; कॉर्पोरेट संस्थाएं और बड़े पैमाने पर प्रतिष्ठित नागरिक के साथ संबंध हैं। इस वर्ष महाविद्यालय ने उन संस्थानों की मेजबानी की, जिनका उल्लेख

ऊपर किया गया है। महाविद्यालय ने गवर्नमेंट गर्ल्स महाविद्यालय, अजमेर, राजस्थान के साथ अपने समझौता ज्ञापन द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित विद्या विस्तार योजना की शुरुआत की।

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विद्यार्थी

एचयू वर्क इंस्टिट्यूट यूट्रेक्ट, युनिवर्सिटी ऑफ साइंसेज विश्वविद्यालय, यूट्रेक्ट, नीदरलैंड के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। विविधता और सांस्कृतिक संदर्भ विषय पर 22 फरवरी, से 25 मार्च, 2021 तक 13वां भारत-डच सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिरांडा हाउस में पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों के 15 विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए चुना गया था।

नियोजन विवरण

मिरांडा हाउस नियोजन सेल का वर्ष बहुत सक्रिय और फलदायी रहा। DE Shaw Co., TresVista, एनआईआईटी, डेल टेक(Dell Tech), Accenture, Nation with Namo, Kaidoko जैसी कंपनियों ने भर्ती अभियान चलाया; इस दौरान 400 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित हुए, 20 विद्यार्थियों को अंततः मिरांडा हाउस नियोजन प्रकोष्ठ(नियोजन सेल) के माध्यम से रखा गया माना गया। 150 से अधिक विद्यार्थियों ने 600+ कंपनियों में इंटरनशिप कार्यक्रम हासिल किया, जिसमें यूथ दिल्ली फाउंडेशन, स्किल एरिना टेक्नोलॉजीज, ईगो पाठशाला और बहुत कुछ शामिल हैं। नियोजन प्रकोष्ठ (नियोजन सेल) मिरांडा हाउस के विद्यार्थी समुदाय के लिए कुल 37 प्रशिक्षुता(इंटरनशिप) लाने में कामयाब रहा। नियोजन प्रकोष्ठ(नियोजन सेल), मिरांडा हाउस ने डॉ.रकॉम, ऐटमाईन्यूज, माहिका मिश्रा फाउंडेशन और भारत भर में 1000+ विद्यार्थियों जैसी लगभग 30+ कंपनियां पेशेवर आकांक्षाओं का पता लगाने के लिए एक साथ आने के लिए वर्चुअल मोड में एजुकेशन एंड करियर फेयर का आयोजन किया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

मिरांडा हाउस सभी विद्यार्थियों को विस्तार कार्य, सामुदायिक जुड़ाव और आउटरीच में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

पॉलिसी सेंटर एंड जेंडर लैब (पीसीजीएल): पॉलिसी सेंटर एंड जेंडर लैब (पीसीजीएल) के प्रयास लैंगिक मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने और नीति और जेंडर इंटरकनेक्शन पर शोध करने की दिशा में उन्मुख हैं। प्रयोगशाला ने "मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों और शमन" पर अनुसंधान इन्फोग्राफिक्स लॉन्च किया। पीसीजीएल ने "अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस" पर मिथकों और तथ्यों को विभिन्न सोशल मीडिया पर पांच जीवंत, सूचनात्मक पोस्टर की महिलाओं और गरीबी की शृंखला में प्रस्तुत किया है। पॉलिसी सेंटर और जेंडर लैब ने हर-वर्ल्ड और क्यूरियस फॉर लॉ की साझेदारी में एक वेबिनार का आयोजन किया - कानून महिलाओं की सुरक्षा कैसे करता है? पीसीजीएल और हर-वर्ल्ड इंडिया ने स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य प्रासंगिक मामलों से जुड़े लैंगिक मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए शनिवार की वार्ता की एक शृंखला शुरू की।

उन्नत भारत अभियान: उन्नत भारत अभियान (यूबीए), एमएचआरडी, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम, आईआईटी दिल्ली के साथ राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में, भाग लेने वाले संस्थानों को पांच गांवों को गोद लेने और ग्राम विकास योजना (वीडीपी) की कार्य योजना तैयार करने की परिकल्पना करता है। यूबीए प्रकोष्ठ ने 'सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम : 'एक साथ हम कर सकते हैं' पर एक ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत पर वेबिनार का आयोजन किया गया। गैर वैज्ञानिक समुदायों के लिए विज्ञान संचार, विज्ञान में कहानी कहने की कला पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

स्वच्छ पर्यावरण अभियान : स्वच्छ कल के लिए जागरूकता फैलाने और लोगों को कुशल पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के मुख्य लक्ष्य के साथ स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया

था। कार्यक्रम में स्वच्छता प्रतिज्ञा, घरेलू कचरा पृथक्करण, खाद, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान (घर के अंदर), प्लॉग रन इत्यादि जैसे विभिन्न कार्यक्रम शामिल थे।

एमएच वातावरण: एमएच वातावरण परियोजना ईसीएचओ (पर्यावरण संरक्षण नायकों) के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साथ सहयोग कर रहा है। टीम ने पारंपरिक पर्यावरण के अनुकूल व्यंजनों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से 'ओल्ड इज गोल्ड' नामक एक प्रतियोगिता शुरू की। एचपीसीएल के सहयोग से वॉकथॉन आयोजित किया गया। प्रतिभागी महाविद्यालय कैंपस से खैबर दर्रे के एचपीसीएल पेट्रोल पंप तक पैदल चलकर पहुंचे। यह महसूस करते हुए कि 'स्वच्छ ईंधन' एक लक्ष्य है और भविष्य में इलेक्ट्रिक कारें हैं, एचपीसीएल अपने पेट्रोल पंपों पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग पोर्ट स्थापित कर रही है।

स्पिक मैके : स्पिक मैके नेशनल चैंप्टर द्वारा सोसायटी द्वारा सर्व मंगल योग श्रंखला का आयोजन किया गया। श्रीमती गौरी दिवाकर जी के साथ कथक कार्यशाला का संचालन वंशिका सिंह ने किया। विरासत'21 द्वारा श्री संचयन घोष के साथ स्थापना कला : साइट के आसपास बातचीत, स्मृति, क्षणभंगुरता और वर्चुअल हेरिटेज वॉक टू द नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट विषय पर एक वार्ता सत्र का आयोजन किया गया।

लक्षिता, सक्षम करने वाली संस्था : सक्षम इकाई ने 'चुनौतियां नई रही'/चुनौतियाँ और नए तरीके' विषय पर एक प्रेरक और प्रेरणाप्रद सत्र का आयोजन किया। मित्र ज्योति ट्रस्ट, बेंगलोर के सहयोग से 'कार्यस्थल पर उच्च शिक्षा के अवसर और चुनौतियों से निपटने' विषय पर दो दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया। राइजिंग फ्लेम के सहयोग से आयोजित 'दिव्यांगता एवं कामुकता' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

तुला(टीयुएलए) : तुला-मिरांडा हाउस कंज्यूमर क्लब ने इस शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ उपभोक्तावाद के शब्द को चारों ओर फैलाने के लिए की। तुला(टीयुएलए), जो अपने मूल्यों और दृढ़ संकल्प के साथ मजबूत है, राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से टीयुएलए-एमएचसीसी द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। टीयुएलए ने उपभोक्ता मामलों पर 16वीं 'वार्षिक कार्यशाला' का आयोजन किया। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसंबर, 2020 को मनाया गया।

महिला विकास प्रकोष्ठ : समाज ने 'एजुकेशन: हाउ मच ऑफ ए इक्वलाइज़र?' शीर्षक से एक सीरीज का आयोजन किया; महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया; लैंगिक और महामारी विषय पर एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आभासी दुनिया में पितृसत्ता की भूमिका को समझने के लिए "डिजिटल डोमेन को जेंडरिंग" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

मिरांडा की हरित पहल और कारवाई(एमजीआईए) भूगोल विभाग द्वारा यूएनईपी-नुज के सहयोग से की गई एक पहल है, जो महाविद्यालय कैंपस में स्थायी व्यवहार को जगाने की रणनीति के रूप में ग्रीन न्यूडिंग को अपनाती है। इस पहल का उद्देश्य मिरांडा समुदाय में हरित आदतों को अपनाकर व्यवहारिक परिवर्तन लाना है।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2020-21 के लिए कुल स्वीकृत पुस्तकालय बजट रु. 21,36,900/- है। शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 में, पुस्तकों के 761 वॉल्यूम जोड़े गए।

संकाय संख्या

स्थायी : 126, अस्थायी : 02, तदर्थ: 66

वित्तीय आवंटन और उपयोग

वर्ष 2020-21 में संस्वीकृत अनुदान : ~ रु.58 करोड़ (रु. 58,85,00,000)

वर्ष 2020-21 में प्रयुक्त : ~ रु.58 करोड़ (रु. 58,85,00,000)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संकाय की संख्या, जो पीएच.डी. गाइड 16 है; उनके तहत पीएच.डी. के लिए पंजीकृत विद्यार्थी 25 है। यह अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देता है। सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया है। विद्यार्थी अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल 350 से अधिक विद्यार्थी। स्नातक विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएं, फ्लेवर ऑफ रिसर्च : बहु-विषयक संदर्भों में खोजी परियोजनाएं। इन डीएसकेसी कार्यशालाओं में 400 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की और अंतःविषय क्षेत्रों में परियोजनाओं को अंजाम दिया।

संकाय द्वारा लिखी गई पुस्तकें

साहू, एस. 2020. जेंडर, वायलेंस एंड गवर्नमेंटलिटी: लीगल एंड पॉलिसी इनिशिएटिव्स इन इंडिया, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, रूटलेज, आईएसबीएन 9780815351092, 0815351097.

भाटिया, रीमा 2021. लैंगिक : एक सामाजिक समझ, पियर्सन इंडिया एजुकेशन सर्विसेज प्रा. लिमिटेड, नोएडा।

मेहता, के. 2021. सोशल मीडिया- वर्चुअल से वास्तविक, सेतु प्रकाशन, आईएसबीएन 978-93-89830-63-7.

जगन्नाथन, बी. 2021. ए स्पूनफुल ऑफ कर्ड्स, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स इंडिया।

सेनगुप्ता एस. 2021. म्यूटेडिंग गॉडस: वंगाल्स लौकिका हिंदुइज्म एंड जेंडर राइट्स, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया, आईएसबीएन: 9780190124106.

संकाय विकास कार्यक्रम:

"व्यापार और सामाजिक विज्ञान में गणित के अनुप्रयोग" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम हमने भूगोल, राजनीति विज्ञान, गणित, वाणिज्य, अर्थशास्त्र जैसे विभिन्न विषयों के वक्ताओं को आमंत्रित किया। पूरे भारत से प्रतिभागी विभिन्न विषयों के संकाय थे।

पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) ऑफ एमएचआरडी और नेशनल एजुकेशन सोसाइटी (आर) जवाहरलाल नेहरू न्यू महाविद्यालय ऑफ इंजीनियरिंग, शिवमोग्गा के तहत गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'शिक्षण और रासायनिक अनुसंधान में आईसीटी के अनुप्रयोग' पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय के पॉलिसी सेंटर और जेंडर लैब के सहयोग से पीजी डिपार्टमेंट ऑफ जेंडर स्टडीज और सरला देवी सेंटर फॉर जेंडर रिसर्च, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय के सहयोग से महामारी के दौरान 'जेंडर कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफ द पेनडेमिक: रीइन्वेंटिंग पब्लिक पॉलिसी एंड लीडरशिप ट्रांसफॉर्मेशन पर संकाय विकास कार्यक्रम।

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के इंग्लिश एसोसिएशन ने 5-6 फरवरी, 2021 को लिट सेलिब्रेट की मेजबानी की। इस वर्ष इस उत्सव में न केवल भारत से बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई उच्च उत्साही प्रतियोगिताओं और कई प्रतिभागियों ने सहभागिता की। पहले दिन, एसोसिएशन ने अपनी वार्षिक पत्रिका का पहला आभासी संस्करण लॉन्च किया जिसे लोगोस के नाम से जाना जाता है। दो दिवसीय फेस्ट की गतिविधियां ए मिनट टू विन इट पेन ए पेपर शॉट वी.शॉट, पोएट्री स्लैम, मेमेक्राफ्ट, टर्नकोट डिबेट, डिजाइन ए बुक कवर, से इट सोलो, वर्स फ्लो हैं। महामारी के कारण महाविद्यालय बंद रहने के बावजूद मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के गणित विभाग ने वर्ष 2020 में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। गणित विभाग ने 27 और 28 अक्टूबर, 2020 को

अपने सेमी एनुअल फेस्ट अर्थात एएवाईएम 2.0 का आयोजन किया। "दिल्ली विश्वविद्यालय" के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने दोनों कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी दिखाई। गणित विभाग ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 18 नवंबर, 2020 को एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया और उन्हें संकाय से शुरू होने वाले विभाग और फिर पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

सम्मान / गौरव

डॉ. अनु पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग को पशु कल्याण के क्षेत्र में निरंतर योगदान के लिए पेटा इंडिया द्वारा "हीरो टू एनिमल्स" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. पवन सिन्हा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 अक्टूबर, 2020 को गांधी 150 समापन कार्यक्रम के अवसर पर गांधी अध्ययन मंडल(सर्किल), मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के संयोजक के रूप में गांधी-विचारों के प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

'शिक्षा के द्वंद' पुस्तक ने वर्ष 2020 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दौलत सिंह कोठारी पुरस्कार 2019 जीता।

प्रकाशन

सिंह, दीप्ति (2020) एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड द्वारा प्रकाशित, इंडियन स्टॉक मार्केट में रिटर्न पर हेडिंग का प्रभाव : व्यावहारिक वित्त की समीक्षा में एक अनुभवजन्य अध्ययन , सह-लेखक, आगे के प्रिंट में, आईएसएसन संख्या :1940-5979, <https://doi.org/10.1108/आरबीएफ-01-2020-0017>.

सिंह दीप्ति (2020) क्या सीएसआर समिति की संरचना सीएसआर प्रकटीकरण को प्रभावित करती है: भारतीय कंपनियों का एक अध्ययन सह-लेखक, कॉर्पोरेट गवर्नेंस इनसाइट, 2, 63-79 में प्रकाशित।

सिंह, दीप्ति (2020) ग्रीन एचआरएम: एक संगठनात्मक प्रतिबद्धता" सह-लेखक, 8एम- द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी, 25 (1).14-18 में प्रकाशित.

जारवाल, देवेंद्र (2020) "सीमित देयता भागीदारी: उद्यमिता दक्षता हासिल करने के लिए एक व्यवसाय मॉडल" जेआईएमएस8एम: द इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी में प्रकाशित। आईएसएसएन 0973-9335.

जारवाल, देवेंद्र (2020) "दलितों के बीच उद्यमिता विकास: राज्य के हस्तक्षेप और व्यक्तिगत क्षमताओं का मिश्रण" द आईयूपी जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट आईएसएसएन 0973-2659.

जारवाल, देवेंद्र (2020) समृद्धि हासिल करने के लिए एक बहुआयामी मॉडल "एसएचएनएलएएक्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, आईएसएसएन 2582-0192.

सिन्हा, पवन (2020). हशिये पर रहने वाले बच्चे - व्यक्तित्व और अस्तित्व की तलाश। प्राथमिक शिक्षक, एनसीईआरटी, 44(4), अक्टूबर, 2020, 5-16.

सिन्हा, पवन (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षक, भारतीय आधुनिक शिक्षा, एनसीईआरटी, 41(1), जुलाई, 2020, 120-128.

कुमार, सुनीत (2021). सिस्टम सुधार और संरक्षण प्रौद्योगिकी के प्रभाव को शामिल करते हुए दो-स्तरीय ट्रेड क्रेडिट और बहुभिन्नरूपी मांग वाला एक ईपीक्यू मॉडल, 9(1)438448.

कुमार, सुनीत (2021). ईपीक्यू मॉडल अंडर इम्परफेक्ट प्रोडक्शन प्रोसेस विथ कॅस्टमर्स रिटर्न एंड पार्शियल ब्लेकलॉगिंग : मालाया जनर्स ऑफ मटेमैटिक, 9(1)648-654.

संगोष्ठियों का आयोजन

अंग्रेजी विभाग ने 4-5 मार्च, 2021 को भेदभाव की कथाओं : जाति, संप्रदाय और नस्ल की पृष्ठताछ, पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, अंग्रेजी विभाग के प्रमुख प्रो. राज कुमार मुख्य वक्ता थे। डॉ. ब्रह्म दत्ता, अंग्रेजी विभाग, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय संगोष्ठी के संयोजक थे।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सुश्री रुचिता मचल ने 5वें अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कथा सम्मेलन (आईएसएफसी 2020), बेंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलोर, कर्नाटक, भारत में द मिथिकल ट्विस्ट इन इंडियन स्पेकुलेटिव फिक्शन पर पेपर (5-7 नवंबर 2020) प्रस्तुत किया।

डॉ. पवन सिन्हा, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग ने 16 अगस्त, 2020 को पवन चिंतन धारा आश्रम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा एक पहल, ऋषिकुलशाला द्वारा आयोजित 'नई शिक्षा नीति 2020' पर राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

पवन चिंतन धारा आश्रम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा 17 अक्टूबर, 2020 को एक पहल, ऋषिकुलशाला द्वारा आयोजित 'अमेरिका और डेनमार्क की शैक्षिक प्रणालियों को समझना' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य भाषण दिया गया।

पवन चिंतन धारा आश्रम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा 11 सितंबर, 2020 को एक पहल, ऋषिकुलशाला द्वारा आयोजित 'नई शिक्षा नीति के संदर्भ में शिक्षकों के सामने चुनौतियाँ' पर राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया गया।

शिक्षक कल्याण फंड और उच्च गुणवत्ता वाले आईसीटी प्रशिक्षण केंद्र (बीएसएनएल) द्वारा 5 सितंबर, 2020 को दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित '21वीं सदी में शिक्षक' विषय पर व्याख्यान दिया।

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 मई, 2020 को आयोजित 'भारतीय अर्थव्यवस्था, कोविड -19 और पुनरुद्धार के नीति निवारण' पर वेबिनार में व्याख्यान दिया।

हिंदी हैं हम विश्व मैत्री मंच, हैदराबाद द्वारा 1 जून, 2020 को आयोजित 'तकनीकी वी डिजिटल सम्प्रेषण की दुनिया में हिंदी साहित्य के बढ़ते कदम' पर व्याख्यान अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा 6-7 जुलाई, 2020 को आयोजित 'भाषाविज्ञान और स्वदेशी समुदाय' पर व्याख्यान अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा 5-6 जून, 2020 को आयोजित 'पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास' शिक्षा पर ऑनलाइन संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

एस.एन. सिन्हा महाविद्यालय, जहानाबाद, बिहार द्वारा आयोजित 'टीचिंग एंड लर्निंग: पोस्ट कोविड -19' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया गया।

राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'शिक्षक शिक्षा पर कोविड -19 का वैश्विक प्रभाव: अवसरों में परिवर्तन की चुनौतियाँ' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया गया।

नियोजन विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत - 55 विद्यार्थियों को नियोजित किया गया

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या - 27 कंपनियां

पुस्तकालय विकास

इस वर्ष पुस्तकालय की शुरुआत कुल 118866 वॉल्यूम्स के साथ हुई। चालू वर्ष के दौरान रु.108627 के साथ 230 वॉल्यूम जोड़े गए जिससे कुल 119096 वॉल्यूम हो गए। पुस्तकालय वर्तमान में लगभग 98 जर्नल, पत्रिकाओं, पुस्तकालय के समाचार पत्रों, वैज्ञानिक और सामान्य रुचि की सदस्यता ले रहा है। पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत वातावरण में काम कर रहा है और 'नेटलिब' सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। पुस्तकालय ओपन एक्सेस सिस्टम का पालन करना जारी रखता है जो विद्यार्थियों और संकाय को अधिक सुविधा प्रदान करता है। अब हम विद्यार्थियों और कर्मचारियों के सदस्यों को निर्बाध पुस्तक जारी करना/वापसी सुनिश्चित करते हैं। पुस्तकालय में अच्छी गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली के साथ नए प्रोजेक्टर सहित दृश्य-श्रव्य

कक्ष है। पुस्तकालय के सदस्यों के लिए इंटरनेट एक्सेस की सुविधा भी उपलब्ध है। इस विस्तारित सुविधा से विद्यार्थी और संकाय सदस्य काफी लाभान्वित हो रहे हैं। पुस्तकालय में अब दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विशेष सॉफ्टवेयर के साथ दो कंप्यूटर स्टेशन हैं। पुस्तकालय में 98 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले तीन वाचनालय पूर्णतः वातानुकूलित हैं।

पुस्तकालय में सभी प्रयोक्ताओं के लिए अप-टू-डेट ऑन लाइन कैटलॉग (ओपीएसी) है। यूजीसी एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित "नेशनल पुस्तकालय एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरल कंटेंट (एन-लिस्ट)" प्रोग्राम के माध्यम से कॉलेजों में ई-बुक्स की उपलब्धता की सुविधा प्रदान कर रहा है। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए लगभग 97000+ ई-पुस्तकें और 6000+ ई-जर्नल तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है, जो महाविद्यालय पुस्तकालय में उस कार्यक्रम का उपयोग करते हैं। पुस्तकालय अपने सदस्यों को डेलनेट के माध्यम से संसाधन साझा करने की सुविधा दे रहा है।

संकाय संख्या -140

80 स्थायी और 60 तदर्थ

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान रु.38,38,37,000

प्रयुक्त रु.42,29,89,906

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सर्वोत्तम प्रयास किए। इसने 'उच्च शिक्षा में आईसीटी उपकरणों के अनुप्रयोग' पर दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (प्रातः) के साथ सहयोग किया। महाविद्यालय नए सत्र (वर्ष 2020-2021) की शुरुआत में ऑनलाइन शिक्षण को सक्षम करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीमस इंस्टीट्यूशनल प्लेटफॉर्म को शीघ्रता से अपनाया तेज था, और संकाय के लिए खुद को नई तकनीक से लैस करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता था। महाविद्यालय ने 1-14 सितंबर, 2020 से "एमओओसी विकास और अनुसंधान के लिए उन्नत ई-उपकरण सीखना" पर दो सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन करने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में देश भर से 700 से अधिक स्नातक-पूर्व और स्नातक स्तर के प्रोफेसर्स और शोध विद्वानों ने भाग लिया था और व्यापक मीडिया कवरेज किया गया। महाविद्यालय ने इस अवधि में 30 से अधिक वेबिनार आयोजित किए, जिसमें चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार भी शामिल है। इसके अलावा, द लीगल लेंस के साथ इसकी सहयोग शृंखला में तीनों दिनों में 300 से अधिक शिक्षाविदों, कानूनी चिकित्सकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी देखी गई।

सम्मान / गौरव

डॉ. राकेश सिन्हा राज्यसभा के मनोनीत सदस्य हैं।

डॉ. प्रिया भल्ला को एमिटी बिजनेस स्कूल और एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फॉइनेंस, एमिटी यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार द्वारा 22-23 जून, 2020 को आयोजित इंटरनेशनल वेब कॉन्फ्रेंस ऑन कंटेम्परेरी इश्यूज इन बिजनेस मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी 2020 में उनके पेपर "गांधीयन सॉल्यूशंस इन टाइम्स ऑफ कोरोना क्राइसिस: एन इकोनॉमिस्ट्स पर्सपेक्टिव" के लिए 'तीसरे स्थान के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर' से सम्मानित किया गया।।

देबाशीष पाराशर ने वर्ष 2020 में अपने 30वें डिजिटल संस्करण में वैकल्पिक नोबेल 'राइट लाइवलीहुड अवार्ड' विजेता साहित्यिक शिखर सम्मेलन 'मेडेलिन इंटरनेशनल पोएट्री फेस्टिवल' (कोलंबिया) में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले अब तक के सबसे कम आयु के भारतीय कवि बन गए हैं।

देबाशीष पाराशर ने इंडिजा प्रो पोएट 2020 इंटरनेशनल लिटरेरी फेस्टिवल, सर्बिया में सिनेमाई कविता वीडियो 'फंडामेंटल राइट टू ड्रीम' के लिए 'फेस्टिवल चार्टर फॉर इंटरप्रिटेशन' का विशेष पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

भल्ला, पी. (2021). 21 सितंबर, 2020 को प्रिंसपल ऑफ इकॉनोमिक्स एंड गोस्पेल ऑफ गांधीयन इकॉनोमिक्स : व्हेअर एंड व्हेअर नॉट द ट्वैन मीट? भारतीय विकास में एनएमएमएल पेपर्स, नई सिरीज, आईएसबीएन नंबर 978-93-84793-35-7.

हंसराज। (2020). अमरावती अभिलेख। वाक सुधा, 2347-6605.

मीना, के. (2020). लोकप्रिय साहित्य में 'उपन्यास' का बदलता परिवेश एवं भाषा। दृष्टिकोण, 0975-119.

क्लेर, आर. (2020). मॉडलिंग सर्कुलर इकॉनोमी डाइमेंशन इन एगी-टूरिज्म क्लैस्टर्स : सस्टेनेबल परफॉर्मेंस एंड फ्यूचर रिसर्च डायरेक्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेस(आईजेएमईएमएस), वॉल्यूम 5, नंबर 6, 1046-1061, 2455-7749.

कुमार, ए., और नीलू, जी. (2020). काम और जीवन में सामंजस्य: दिल्ली के सरकारी चिकित्सालयों में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ को चुनौतियाँ का सामना करना। वेस्लेयन जर्नल ऑफ रिसर्च, 0975-1386.

कौर, बी., शिप्रा, सी., सुमित, के., दिनेश, के. (2020). स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ सर्कुलर रोबेस आर3बीP विथ फॉइनाइट स्ट्रेट सेगमेंट एंड विस्कोसिटी। एप्लि. एंड एप्लि. मैथ्स : एन इं. जे.(ए.ए.एम), 1932-9466.

कुमार, बी (2020). साहित्य, सिनेमा और भूमंडलीकरण, भाषा, 0523-1418.

कुमार, पी. (2020). व्हाई इंडिया'ज डिफ्राइड फैल टू युनाइट लाइक द अफ्रिकन-अमेरिकन. फॉरवर्ड प्रेस, 2456-7558.

पाराशर, डी.(2021). देबाशीष पाराशर (अंग्रेजी और स्पेनिश में कविताएं), ऐरिया 15, डिपार्टमेंट ऑफ़ रोमन्स लैंग्वेज इन फ्रैंकलिन कॉलेज ऑफ ऑर्ट्स एंड साइंस, जॉर्जिया यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2020, आईएसएसएन नंबर 0717-3504.

पाराशर, डी. (2020). मिका निवोला और अन्य लेखन के लिए एक शोध, संग्रोध में जीवन: वैश्विक महामारी के साक्षी(डिजिटल मानविकी परियोजना), पोएटिक मीडिया लैब एंड सेंटर फॉर स्पेसियल एंड टेक्चुरल एनालिसिस, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2020.

रेणु., निशांत, एस. (2020). क्रिएटिव अकाउंटिंग : एन इंटरैक्शन ऑफ एचआर एंड अकाउंटिंग। द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी, 0973- 9335.

रॉय, सेतियावान., लियोनार्डो, एल., कैवलियर, आर., एम.ए ईमानदार, एम., नासिर अब्दुल, जे., कार्तिकेय, कोटि., जी. जेरुशा, ए., क्रिस्टाबेल. (2020). बिजनेस इथिक्स, कोड इथिक्स एंड बिजनेस कंडक्ट। प्रोडक्टिविटी मैनेजमेंट, 1868-8519.

शरण, पी. (2020). अंग्रेजी भाषा के शिक्षण में मोबाइल फोन का उपयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन, वॉल्यूम 30, नंबर1-2, 192-203.

शर्मा, यू., भावना, आर. (2021). वर्क इंगेजमेंट एंड डेमोग्राफिक फैक्टर्स : ए स्टडी अमांग यूनिवर्सिटी टीचर्स। जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड एकाउंटिंग रिसर्च, 2277-2146.

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्यों के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या

महाविद्यालय की पत्रिका -अस्मिता

मुख्य संपादक : डॉ. कान्हा राम मीणा

सदस्य, संपादकीय बोर्ड :

डॉ. बृज किशोर (हिंदी)

डॉ. प्रदीप शरण (अंग्रेजी)

अंग्रेजी विभाग -

डिजिटल पत्रिका - द एस्थेटिक्स लिटरेरी

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. पी.के. बैरवा और डॉ. पिटू कुमार, स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव और दमन, राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले और बिहार के नालंदा जिले का एक केस स्टडी। 2019-21, एमएचआरडी, भारत सरकार की इम्प्रेस योजना के तहत आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित प्रमुख परियोजना।

डॉ. पिटू कुमार, भारत की विदेश नीति के मूल सिद्धांतों को फिर से परिभाषित करना : आईसीएसएसआर द्वारा वर्ष 2014 से प्रतिमान बदलाव।

संगोष्ठियों का आयोजन

2 मई, 2020 को 'कोरोना काल के दौरान वर्तमान चुनौतियां'। महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्रा वक्ता थे।

9 मई, 2020 को 'कोरोना की चुनौतियां और गांधीगिरी'। प्रो. रमेश भारद्वाज, निदेशक गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय वक्ता थे।

15 मई 2020 को 'कोविड-19 संकट के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश : क्या उम्मीद करें?' डॉ. नीति भसीन, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स वक्ता ,थीं।

16 मई, 2020 को 'पोस्ट-लॉकडाउन इकोनॉमी: मेजर्स फॉर रिकवरी एंड रिशेप'। डॉ. अजय शर्मा, प्राचार्य, श्री अरबिंदो महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लुधियाना वक्ता थे।

18 मई, 2020 को 'नव उदारवाद के 40 वर्ष: बुद्धिजीवियों और नीति निर्माताओं के लिए सबक'। डॉ. रमेश चंद, एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, बीएसआर गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, अलवर, राजस्थान विश्वविद्यालय, और राज्य के संयुक्त सचिव जेएनयू पूर्व विद्यार्थी संघ, राजस्थान वक्ता थे।

20 मई, 2020 को 'कोविड-19 महामारी: एक पर्यावरण परिप्रेक्ष्य से अवसर और चुनौतियां'। डॉ. मनोज कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून वक्ता थे।

21 मई, 2020 को 'बिल्डिंग रेजिलिएंस फॉर पर्सनल वेलबीइंग'। डॉ. चारु शर्मा, प्राचार्या, भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय वक्ता थीं।

22 मई, 2020 को 'महामारी के दौरान सीमांत(मार्जिनल्स)'। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर राज कुमार वक्ता थे।

23 मई, 2020 को 'कोविड-19 एंड बियॉन्ड: सिलेबल्स ऑफ सफरिंग इन इंडियाज इंटेलेक्चुअल हिस्ट्री'। प्रो. हीरामन तिवारी, सेंटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज, संकायाध्यक्ष, अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, जेएनयू वक्ता थे।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

26 मई, 2020 को भगिनी निवेदिता महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान सोसायटी द्वारा आयोजित 'महिलाओं के सम्मान के साथ जीने का अधिकार : भीम राव अंबेडकर' पर वेबिनार के लिए डॉ. विचित्र को अतिथि अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

गांधी स्टडी सर्कल और अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 03 अक्टूबर, 2020 को आयोजित 'गांधी 150 : महात्मा टुडे की प्रासंगिकता' पर वेबिनार शृंखला के दौरान डॉ. विचित्र को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. राजेश कुमार, इतिहास विभाग को 03 दिसंबर, 2020 को सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार शृंखला-इतिहासकार शिल्प के लिए 'मेकिंग ऑफ ए कैटेगरी: कास्ट एंड सेंसस' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. प्रिया भल्ला ने 23 जुलाई, 2020 को नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड पुस्तकालय(एनएमएमएल) द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "गांधी के सामाजिक-आर्थिक विचारों का सार : 6ई की खोज" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रिया भल्ला ने एमिटी स्कूल ऑफ बिजनेस, एमिटी यूनिवर्सिटी, पटना, बिहार द्वारा 31 जुलाई - 1 अगस्त, 2020 तक आयोजित महामारी प्रभाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था : अनदेखी चुनौतियां और अवसर पोस्ट कोविड-19 निदान, पर अंतर्राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में "कोविड-19 संकट द्वारा प्रकट गांधीवादी परिप्रेक्ष्य से सबक" शीर्षक से एक पेपर (डॉ. पूजा शर्मा के साथ) प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रिया भल्ला अखिल भारत रचनात्मक समाज (एआरएसबी) नई दिल्ली द्वारा 27 सितंबर, 2020 को आयोजित "रचनात्मक कार्यक्रम के विशेष संदर्भ के साथ वर्तमान परिदृश्य में गांधीवादी अर्थशास्त्र की भूमिका" पर वेबिनार में मुख्य वक्ता थीं।

डॉ. प्रिया भल्ला ने 28 सितंबर, 2020 को अनइक्युअल कॉन्फ्रेंस(अंतर्राष्ट्रीय) में "कोरोना के समय के दौरान गांधी के आर्थिक विचार को याद करते हुए" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रिया भल्ला को स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, सियोल और भारतीय अध्ययन संस्थान, हांकुंग यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडी, कोरिया द्वारा 8 अक्टूबर 2020 को आयोजित महात्मा गांधी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उभरती दुनिया और गांधीवादी मार्ग" विषय पर प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया गया था।

सुमित कुमार ने जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 17-18 अक्टूबर, 2020 तक आयोजित सामाजिक विज्ञान और विज्ञान (ऑनलाइन) में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में "कॅम्बाइंड इफेक्ट ऑफ विस्कोसिटी एंड फॉइनाइट स्ट्रेट सेगमेंट इन द सर्कुलर रॉब'स रिस्ट्रिक्टेड थ्री-बॉडी प्रॉब्लम्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुमित कुमार ने स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव साइंस, जेएनयू, नई दिल्ली -110067 और इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंस (आईएपीएस) द्वारा 18-20 दिसंबर, 2020 तक संयुक्त रूप से आयोजित एडवांस इन डिफरेंशियल इक्वेशन एंड मैथमैटिकल मॉडलिंग (आईसी-एडीई-एमएम-2020) पर आईएपीएस (ऑनलाइन) के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इफेक्ट्स ऑफ विस्कोसिटी इन द परटर्बड सीआरआर3बीपी विथ ए नॉन-स्फेरिकल प्राइमरी" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर

रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) के साथ 1-14 सितंबर, 2020 की अवधि के लिए "एमओओसी डेवलपमेंट एंड रिसर्च के लिए उन्नत ई-टूल्स सीखना" पर ऑनलाइन एफडीपी पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करने के लिए एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए।

एवरकोर कंसल्टेंट्स के साथ पांच वर्ष (29 सितंबर, 2020 - 29 सितंबर, 2025) के लिए एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए।

तीन वर्ष (7 अक्टूबर, 2020- 7 अक्टूबर, 2023) के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

एनएसएस लॉकडाउन के कारण बाधित था और इस शैक्षणिक सत्र में प्रत्यक्ष रूप से विस्तार और अभिगम्य गतिविधियों का संचालन नहीं कर सका। इसलिए, गांधी स्टडी सर्कल के सहयोग से 2 अक्टूबर, 2020 को "कोरोना संकट में गांधीवाद की प्रासंगिकता" पर भाषण प्रतियोगिता, आरआईटीवीए फाउंडेशन और फाउंडेशन और एनएसएस मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय(प्रातः) के सहयोग से 3 अक्टूबर, 2020 को "मासिक धर्म स्वच्छता" पर वेबिनार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। एनएसएस एमएलएनसीई के सदस्यों के लिए पराक्रम दिवस के अवसर पर, 23 जनवरी 2021 को सुश्री तनीषा पंडित, संस्थापक और अध्यक्ष, ऋत्वा फाउंडेशन, और श्रीमती वंदना गुप्ता, योग शिक्षक और मूल्यांकनकर्ता, "अपने नेताजी को जानें" विषय पर भाषण प्रतियोगिता और 26 जनवरी, 2021 को "देश रंगीला" के विषय पर द्विभाषी पाठ प्रतियोगिता में वक्ता थीं।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट व्यय	: रु.8,00,000/- (आवर्ती अनुदान)
पुस्तकें शामिल की गईं	: 145
जर्नल की सदस्यता ली गई	: 05
एन-सूची की सदस्यता ली गई	: हाँ

संकाय संख्या

कुल शिक्षक	: 81
स्थायी शिक्षक	: 33
तदर्थ शिक्षक	: 44
अतिथि शिक्षक	: 4

वित्तीय आवंटन

संस्वीकृत अनुदान	: रु.23,49,58,578/-
प्रयुक्त	: रु.23,49,58,578/-

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांगता (दिव्यांगजन) राष्ट्रीय संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांगता राष्ट्रीय संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के तहत बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी), बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी(बीओटी) और बैचलर ऑफ प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स(बीपीओ) पाठ्यक्रम चलाता है। संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2017-18 से प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स (एमपीओ) में मास्टर प्रोग्राम शुरू किया था। इसके अलावा हम फिजियोथेरेपी और ऑक्यूपेशनल थेरेपी में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में हैं।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

निम्नलिखित विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में विशिष्टता प्राप्त है।

वनस्पति विज्ञान में स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की सुश्री संस्कृति सिंह, द्वितीय वर्ष की सुश्री कनिष्क मेहता और तृतीय वर्ष की सुश्री नेविता साहा।

संस्थान के बीपीटी पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष की सुश्री नैना मंगला, द्वितीय वर्ष की सुश्री अनुष्का गर्ग और तृतीय वर्ष के श्री अरहान दत्त आनंद।

संस्थान के बीपीओ पाठ्यक्रम में श्री रवि और श्री काजल शमा तृतीय वर्ष के हैं।

संस्थान के एमपीओ पाठ्यक्रम में सुश्री गरिमा उपाध्याय, श्री अनिल कुमार एवं श्री मार्कण्ड चंद्र दास द्वितीय वर्ष के हैं।

प्रकाशन

आर्य, के.एन, पांडियन, एस., अग्रवाल, जी.जी, चौधरी, एन., जोशी, ए.के (2021). इफेक्ट ऑफ न्यूरोप्लास्टी-प्रिंसिपल्स बेस्ड सेंसरी-रिहैबिलिटेशन(एनईपीएसईआर) ऑन सेंसरी-मोटर रिकवरी इन स्ट्रोक : स्टडी प्रोटोकॉल फॉर ए रैंडमाइज्ड कंट्रोलड ट्रायल, न्यूरोल रेस प्रैक्टिस. 3(1):8.

मिश्रा, एस., नायक, एस., साहू, पी., शर्मा, एम., इकबाल, ए.(2020). इम्पेक्ट ऑफ एक्सोस्केलेटल प्रोस्थेसिस ऑन इनर्जी एक्सपेंडीचर इन फीमेल एम्पुटीज इयुरिंग वॉकिंग विथ टू डिफरेंट लेवल ऑफ इम्पुटेशन। 10. 377-381.

नायक, एस., दास, आर. (2020). प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक रिहैबिलिटेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का अनुप्रयोग। 10.5772/इंटेकओपन.93903.

साहू, पी., नायक, एस., बेहरा, एस., मिश्रा, एस., इकबाल, ए. (2020). कम्पेरिजन ऑफ बैलेंस इन यूनिलैटरल ट्रांसटिबिअल एम्पुटीज यूजिंग एक्सोस्केलेटल प्रोस्थेसिस विथ सॉलिड एंकल फुट विथ टू डिफरेंट कुशन वेरिएंट। 10. 230.

विमल, ए.के, वर्मा, वी., खन्ना, एन., जोशी, डी. (2020). इवेस्टीगेटिंग द इफेक्ट ऑफ वाइब्रोटेक्टाइल फीडबैक इन ट्रांसफेमोरल एम्पुटी विथ एंड विथआउट मूवेबल एंकल ज्वाइंट। आईईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन न्युरल सिस्टम्स एंड रिहैबिलिटेशन इंजीनियरिंग। 28(12):2890-900.

जर्नल

विभाग का एक संकाय संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवा दी।

विभाग का एक संकाय आईईईईई जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स में समीक्षक है।

संगोष्ठी/वेबिनार का आयोजन:

22 जुलाई, 2020 को पीडीयूएनआईपीपीडी से इंद्र विजय सिंह, "ऑर्थोटिक मैनेजमेंट एंड प्रॉपर फुट वेयर इन डायबिटिक फुट कंडीशन"।

5 अगस्त 2020 को शिवानी शर्मा, डेमोस्ट्रेटर, पी एंड ओ, पीडीयूएनआईपीपीडी, "एर्गोनोमिक प्रिंसिपल्स इन प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स वर्कशॉप"।

अमित कुमार विमल, 5 अगस्त, 2020 को आयोजित "फंक्शनल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन(एफईएस)"।

स्मिता नायक, 20 जुलाई, 2020 को का आयोजित "कॉस्मेटिक रिस्टोरेशन"।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सेंसरी-बेस्ड मोटर थेरेपीज इनहेंसिंग अपर लिम्ब रिकवरी अमांग पोस्टस्ट्रोक सबजेक्ट्स : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू। आर्य के.एन, पांडियन एस, जोशी ए.के। आल इंडिया ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति। 6 और 7 मार्च, 2021.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू हस्ताक्षर किए गए

इसरो के साथ हस्ताक्षरित एम.यु.ओ विस्तारित किया गया।

अन्य संस्थागत सहयोग

संस्थान ने अपने विद्यार्थियों की नियमित चिकित्सा कक्षाओं के लिए मौलाना आजाद मेडिकल महाविद्यालय, दिल्ली के साथ सहयोग का नवीनीकरण किया है। आईएसआईसी इंस्टिट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंसेज,

दिल्ली के साथ सहयोग प्रक्रियाधीन है। निम्नलिखित चिकित्सालय: आईएसआईसी, वसंत कुंज, एलबीडी, बीएसए, सफदरजंग चिकित्सालय, होली फैमिली चिकित्सालय में प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों की तैनाती(पोस्टिंग)।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

पेशवरों और संकायों को दिव्यांगजनों (लोकोमोटर) के लिए पुनर्वास शिविर आयोजित करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था, हालांकि इसकी अभिगम्य गतिविधियों और देश भर में दिव्यांगजनों को प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स उपकरण वितरित करने के लिए कुल 03 पुनर्वास शिविर आयोजित किए गए थे।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2020-21 के लिए कुल बजट 25 लाख रुपये था। वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्या 14661 है। व्यावसायिक/गैर-व्यावसायिक पुस्तकों पर व्यय रु.8,86,671/- है। पुस्तकालय सुविधाओं (ऑनलाइन और ऑफलाइन) का दौरा करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या 2052 है और पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय नियमों के अनुसार संदर्भ सेवा, इंटरनेट, प्रिंटआउट और फोटोकॉपी सुविधा प्रदान कर रहा है।

संकाय संख्या

कुल स्थायी : 33

विजिटिंग संकाय(फैकल्टी) : 55

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु. 2088.18 लाख

प्रयुक्त अनुदान : रु. 2589.72 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स विभाग, ऑक्युपेशनल थेरेपी और फिजियोथेरेपी के संकायों ने अगस्त, 2020 के स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (एसआईएच) महीने में मूल्यांकनकर्ता और निर्णायक के रूप में सहभागिता की। मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास हेल्पलाइन-किरण(केआईआरएएन) सेवाएं शुरू की गई हैं।

पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय

सम्मान / गौरव

डॉ. अवनिजेश अवस्थी को हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा "साहित्य भूषण" से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कोहली बी. (2020). सफिसिएंट ऑप्टिमलिटी कॅन्डीशन्स यूजिंग कॉन्वेक्सिफेक्टर्स फॉर ऑप्टिमिस्टिक बिलेवेल प्रोग्रामिंग प्रोब्लेम, जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट ऑप्टिमाइजेशन, डीओआई: 10.3934/जिमो.2020114.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अश्विनी महाजन, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग और डॉ. फूलचंद, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग "भारत-चीन व्यापार असंतुलन" विषय पर आईसीएसएसआर की एक प्रमुख शोध परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। संस्वीकृत अनुदान : छह लाख पचास हजार मात्र(रु.6,50,000/-)

डॉ. प्रदीप सिंह, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन विभाग, सी-प्रधान अन्वेषक के रूप में "सीएनजी उत्सर्जन में कमी के लिए CO-CH4 ऑक्सीकरण उत्प्रेरक" विषय पर एनपीआईयू (एमएचआरडी) की एक प्रमुख शोध परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। संस्वीकृत अनुदान : दस लाख अस्सी सात हजार मात्र (रु.10,87,000)

सेमिनार / वेबिनार का आयोजन

आईक्यूएसी, पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 23 जुलाई, 2020 से 25 जुलाई, 2020 तक आयोजित "आईसीटी टूल्स का उपयोग करके शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बदलना" पर वेबिनार शृंखला (बेसिक)।

आईक्यूएसी, पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 अगस्त से 30 अगस्त, 2020 तक आयोजित "आईसीटी टूल्स का उपयोग करके शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बदलना" पर वेबिनार शृंखला (व्यावसायिक)।

एलिटिका, वाणिज्य विभाग, पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 अप्रैल, 2021 को "स्टॉक मार्केट में निवेश" पर वेबिनार।

"केंद्रीय बजट और भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति" पर 25 जनवरी, 2021 को वेबिनार आयोजित की गई थी। प्रो. पिनाकी चक्रवर्ती अध्यक्ष थे।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. भावना कोहली ने गणित विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत, में 2-4 फरवरी, 2020 के दौरान ऑप्टिमाइजेशन, वेरिएशनल एनालिसिस एंड एप्लीकेशन्स(आईएफएसओवीए-2020) पर आयोजित इंडो-फ्रेंच सेमिनार में "एप्रॉक्सिमेट ऑप्टिमेलिटी कन्डिशन फॉर मैथमेटिकल प्रोग्राम्स वाया कॉन्वेक्सिफिकेटर्स" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया। 2020.

डॉ. भावना कोहली ने 26-27 मार्च, 2021 तक बिड़ला इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा द्वारा आयोजित सॉफ्ट कंप्यूटिंग, ऑप्टिमाइजेशन थ्योरी एंड एप्लिकेशन (एससीओटीए 2021) पर एक वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "एप्रॉक्सिमेट ऑप्टिमेलिटी कन्डिशन वाया कॉन्वेक्सिफिकेटर्स फॉर मल्टी ऑब्जेक्टिव प्रोग्रामिंग प्रॉब्लम्स" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. भावना कोहली ने 29-31 मार्च, 2021 तक भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित कम्प्यूटेशनल ऑपरेशंस रिसर्च और एल्गोरिथम गेम थ्योरी पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सम कैलकुलस रूल्स, जनरलाइज्ड कन्वेक्सिटी वाया कॉन्वेक्सिफिकेटर्स एंड देयर एप्लीकेशन टू ऑप्टिमाइजेशन" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

एलटी रेणु जॉनवाल ने 18 अगस्त, 2020 को आयोजित "सतत विकास और व्यवसाय : कल के प्रबंध संगठन" पर पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "सामाजिक रूप से जिम्मेदार निवेश" शीर्षक से शोध शोध प्रस्तुत किया।

सौरभ कुमार ने 21 और 22 नवंबर, 2020 को आयोजित "वैश्विक वित्तीय और व्यावसायिक पर्यावरण" पर नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान (एनडीआईएम) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्टार्ट अप एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट" शीर्षक पर शोध शोध प्रस्तुत किया।

गीता निझावन ने 25 और 26 फरवरी, 2021 को आयोजित एमिटी यूनिवर्सिटी ग्लोबल लीडरशिप रिसर्च कॉन्फ्रेंस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "इमोशनल इंटेलिजेंस और संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार के बीच संबंधों पर जनसांख्यिकीय वेरिएबल्स की मॉडरेटिंग भूमिका का विश्लेषण" शीर्षक से शोध शोध प्रस्तुत किया।

रितु गुप्ता ने 18 अगस्त, 2020 को आयोजित "सतत विकास और व्यवसाय: कल के प्रबंध संगठन" पर पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत "युवा दिमाग में पर्यावरण की चिंता पर ग्रीन एंथ्रोपोमोर्फिक विज्ञापन का प्रभाव" शीर्षक से शोध शोध प्रस्तुत किया।

रितु गुप्ता ने 17 से 19 फरवरी, 2021 तक एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएनबीयुएसएच ईआरए वर्ल्ड समिट 2021) में प्रस्तुत "ब्रांड एंथ्रोपोमोर्फिज्म: एन इमोशनल ट्रिगर फॉर बिहेवियरल रेस्पॉन्स" शीर्षक से शोध शोध प्रस्तुत किया।

एफ.डी.पी

महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर (एमएचआरएफडीसी) के सहयोग से 15 अक्टूबर-28 अक्टूबर, 2020 से गणित विभाग और आई.क्यू.ए.सी द्वारा बायोमैथमैटिक्स पर 2-सप्ताह का एफ.डी.पी आयोजित किया गया था। संयोजक डॉ. गीता कालूचा थीं।

मदन मोहन मालवीय, रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से 30 जनवरी से 12 फरवरी, 2021 तक आई.क्यू.ए.सी पी.जी.डी.ए.वी द्वारा साहित्य, इतिहास, राजनीति और अन्य संबंधित विषयों पर 2-एफ.डी.पी का आयोजन किया गया था। एफ.डी.पी सलाहकार समिति में प्रो. बलराम पाणि, प्रो. पंकज अरोड़ा, प्रो. अश्वनी महाजन, प्रो. शिव रमन गौर थे।

नियोजन विवरण

आश्वासन, वित्त, मानव संसाधन, विपणन, अनुसंधान, सामग्री विकास, तकनीकी और बिक्री सहित विभिन्न प्रोफाइलों में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में 307 से अधिक विद्यार्थियों ने नियोजन हासिल किया। हमें मैकिन्से एंड कंपनी, ईवाई जीडीएस, ईवाई इंडिया, डेलॉइट, पीडब्ल्यूसी, एसएंडपी ग्लोबल, ट्रेस विस्टा, एफआईएस ग्लोबल, केवेंट, विप्रो और जेनपैकट जैसी कुछ कंपनियों पर गर्व है। हमारे कैम्पस नियोजन ने वर्ष 2020-21 में 4.67 एलपीए से पेश किए गए औसत वेतन पैकेज में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया, जिसमें उच्चतम पैकेज 19.25 एलपीए (लाख प्रतिवर्ष) था।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

एन.एस.एस इकाई महिला सशक्तिकरण, बाल शिक्षा, ग्रामीण विकास और हमारे आसपास के समाज की भलाई जैसे विभिन्न सामाजिक रूप से संवेदनशील मुद्दों को उठाने के लिए निरंतर प्रयास करती है। एन.एस.एस ने स्वास्थ्य के लिए मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर 11 जून, 2021 से 24 जून, 2021 तक चौदह दिवसीय योग कार्यक्रम आयोजित किया है और यह सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम था जिसके तहत तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने योग का लाभ उठाया। महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) 'प्रतिभा शक्ति' ने झुग्गी-झोपड़ियों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन को बदलने का काम किया। एन.एस.एस के स्वयंसेवकों ने 'पहल, खुशियों की' पहल के तहत झुग्गी-झोपड़ी की महिलाओं द्वारा बनाए गए दीयों को बेच दिया और मुनाफे को उन्हें अपनी 'पहलीकमाई' के रूप में लाभ वितरित किया। हमारी एन.एस.एस इकाई का पीडब्ल्यूडी विभाग दिव्यांग विद्यार्थियों को उनके असाइनमेंट करने में मदद करता है, उनके लिए ऑडियो लेक्चर रिकॉर्ड करने के लिए फोटोकॉपी करवाता है, अथवा कार्यालय में अपनी कागजी कार्रवाई जमा करने अथवा उन्हें उनकी कक्षाओं में देखने में उनकी मदद करता है। एन.एस.एस पीजीडीएवी इकाई के 'ग्रामीण विकास विभाग' ने समय-समय पर क्षेत्रों को साफ करने और सभी के बीच जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न स्वच्छता अभियान आयोजित किए। हमने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तीस(30) से अधिक वेबिनार आयोजित किए हैं। हमने महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सहयोग से हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से एक सप्ताह तक सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया। हमने आध्यात्मिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक एंटीडोट के रूप में एंग्री पर व्याख्यान देने के लिए यूएसए से मैक स्वानी आर्यवन को बुलाया।

महामारी कोविड -19 के कठिन समय के दौरान, हमारे कैडेटों ने बड़ी भावना दिखाई थी और वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यों के प्रबंधन और सुदृढीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हमारे 1 छात्रा और 2 विद्यार्थी कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया। एक विद्यार्थी कैडेट का कॅन्टिजेंट कमांडर के लिए चयन किया गया और दूसरे को ध्वजवाहक के लिए चुना गया और जिसने राजपथ पर मार्च किया। करियप्पा परेड ग्राउंड में पीएम की रैली में 1 छात्रा और 3 विद्यार्थी कैडेटों ने भाग लिया। कुल 13 कैडेटों ने ऑनलाइन ईबीएसबी शिविर में सहभागिता की जो मुख्य रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों पर केंद्रित था; विभिन्न राज्यों के कैडेटों ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए अपने सांस्कृतिक और पारंपरिक मूल्यों

को साझा किया। एन.सी.सी के 72वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक इंडिया गेट पर पुष्पांजलि समारोह में 4 छात्रा और 1 विद्यार्थी कैडेटों ने सहभागिता की। लाल किले में 73वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में 12 विद्यार्थी कैडेट शामिल हुए। 3 पी.जी.डी.ए.वी कंपनी के कैडेटों ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस', 'आत्मनिर्भर भारत अभियान', 'फिट इंडिया मूवमेंट', 'फिट' पर 'माई लाइफ माय योग' जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इंडिया फ्रीडम रन", "वृक्षारोपण अभियान", "वायु प्रदूषण जागरूकता अभियान", "पानी बचाओ ड्राइव" आदि उत्साह और अनुशासन के साथ इन गतिविधियों को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पीजीडीएवी महाविद्यालय पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने और सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में से एक है। इसके उपयोगकर्ताओं के लिए 1,00,998 पुस्तकों और 4433 बाउंड पत्रिकाओं का विशाल संग्रह है। संग्रह: कुल 838 पुस्तकें, जिनकी कीमत रु. 5,89,235/- है जिन्हें शैक्षणिक सत्र 2020-2021 में खरीदा गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों के ज्ञान और पढ़ने के आनंद के लिए 65 पत्रिकाओं और 19 समाचार पत्रों की नियमित रूप से सदस्यता ली गई थी। आटोमेशन : पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और सभी कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से सांध्य 5 बजे तक खुला रहता है। संकाय और विद्यार्थियों की दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के ई-संसाधनों जैसे पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों संसाधनों तक निःशुल्क पहुंच है। कंसोर्टियम : महाविद्यालय पुस्तकालय एन-लिस्ट का सदस्य है जो 6000+ जर्नल, एन-लिस्ट के तहत 164300+ ईबुक और एनडीएल.ई-संसाधनों इत्यादि के माध्यम से 6,000 ई-पुस्तकों तक पहुंच के साथ ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम का एक महाविद्यालय घटक है। यह सुविधा महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है। रिमोट लॉग सुविधा : पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के साथ व्यवहार करते समय सभी प्रोटोकॉल कोविड-19 और सरकारी सलाह का पालन किया। पुस्तकालय ने प्रत्यक्ष से आभासी मोड में स्थानांतरित करके अपनी सेवाओं का विस्तार किया। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को डीयूएलएस ई-संसाधनों को उनके घर से कैपस में न होते हुए भी एक्सेस करने के लिए रिमोट लॉग सुविधा प्रदान की गई थी। महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। पुस्तकालय का विस्तार संसाधनों और उसके उपयोगकर्ताओं की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए किया गया था। इस प्रकार विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अतिरिक्त स्टैक रूम और एक कंप्यूटर लैब का निर्माण किया गया है। पुस्तकालय बुक बैंक : महाविद्यालय जरूरतमंद और मेधावी विद्यार्थियों को बुक बैंक सुविधाएं और विद्यार्थी सहायता कोष(एसएएफ) प्रदान करता है। लगभग 04 मेधावी विद्यार्थियों को बुक बैंक के माध्यम से वर्ष भर में उपयोग के लिए 19 पुस्तकें प्रदान की गई हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय सेवाएं : दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए उपकरण और सॉफ्टवेयर जैसे ब्रेल सॉफ्टवेयर JAWS, ANGEL DAISY रीडर, एमपी3 रिकॉर्डर, लैपटॉप, जूम X इंस्टैंट टेक्स्ट रीडर, लेक्स पोर्टेबल कैमरा आदि उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय में ही ब्रेल पुस्तकालय और ध्वनि रिकॉर्डिंग सुविधा तक पहुंच को सुगम बनाता है। इसके लिए पांच कंप्यूटर स्टेशन स्थापित किए गए हैं। यह एक अंग्रेजी ब्रेल पत्रिका 'व्हाइट प्रिंट' की भी सदस्यता लेता है जो दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

संकाय संख्या : 160

93 स्थायी और 67 तदर्थ

वित्तीय आवंटन और उपयोग:

संस्वीकृत अनुदान रु. 42,42,31,000/-

प्रयुक्त रु.42,42,31,000/-

पी.जी.डी.ए.वी महाविद्यालय(सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने कोविड -19 महामारी से संबंधित विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के पूर्ण अनुपालन किया है और विद्यार्थियों के हितों की अच्छी तरह से निष्पादित करने के लिए विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण को सख्ती से शामिल किया गया है। विभिन्न समितियों ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया है जिन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस विषादी स्थिति में, महाविद्यालय ने फेस मास्क, भोजन और कपड़े वितरित करके मानवता की सेवा करने के लिए अपने उत्कृष्ट मूल्यों को बरकरार रखा है और एक कोविड-19 परीक्षण बूथ भी स्थापित किया है।

सम्मान / गौरव

हार्दिक (बी.ए प्रोग्राम), तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को 'शहीद दिवस' के उपलक्ष्य में 'कविता लेखन' प्रतियोगिता की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। विद्यार्थी को मंगलवार, 23 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में माननीय डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

हरि, पी., (2020), "डीएसटी इंटरपोलेशन टेक्निक्स फॉर रीज़ बेस्ड मैट्रिक्स डिफरेंशिएटर ऑफ नॉन-इंटीजर ऑर्डर", आईईईई में प्रकाशित, 2री इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेड इन कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन कंट्रोल एंड नेटवर्किंग (आईसीएसीसीसीएन-2020)।

हरि, पी., (2021), "डिस्क्रीट कोसाइन ट्रांसफॉर्म विथ मैट्रिक्स टेक्निक फॉर ए फ्रैक्शनल ऑर्डर रीसडिफरेंशिएटर", में प्रकाशित, वैज्ञानिक और प्राकृतिक कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सम्मेलन कार्यवाही (इंटेलिजेंट सिस्टम बुक सीरीज़ के लिए एल्गोरिदम का हिस्सा, स्प्रिंगर), एसएनसी-2021, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा।

हरि, पी. (2021), "डिजिटल हिल्बर्ट ट्रांसफॉर्मर डिजाइनिंग अप्रोच यूजिंग डिस्क्रीट साइन ट्रांसफॉर्म मेथोड", मलाया जर्नल ऑफ माटेमैटिक, वॉल्यूम में प्रकाशित। 9, नं.1,823-828.

नागपाल.एस. (2020), ए रिसर्च पेपर ऑन 'ग्रीन डाइमेंशन्स, एनवायरनमेंट ओरिएंटेशन एंड साइज: इम्पैक्ट असेसमेंट ऑन ऑपरेशनल परफॉर्मेंस ऑफ मैन्युफैक्चरिंग फर्म्स' इन एंड ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, मई 2020, 1-14. डीओआई: 10.1177/09721509209198802.

नागपाल एस., (2020), 'ग्रीन एट्रिब्यूट्स एंड कस्टमर-बेस्ड ब्रांड इक्विटी: सिंथेसिस एंड एग्जामिनेशन ऑफ बैंकिंग सर्विसेज इन एनएमआईएमएस मैनेजमेंट रिव्यू पर एक शोध शोध, अप्रैल 2020, XXXVIII(2), 93-109, आईएसएसएन 0971-102.

पांडे, एम। (2020) पाठ 1. सभी यू.जी पाठ्यक्रम सेमेस्टर 1 अध्ययन सामग्री के लिए योग्यता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (ईईसीसी) में पर्यावरण अध्ययन का परिचय : 1 (पाठ 1 से 9) स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, संपादक : प्रो. राधेश्याम शर्मा और डॉ. निबेदिता खुंटिया। आईएसबीएन: पर्यावरण विज्ञान अध्ययन सामग्री-1 (खंड 1): 978-81-935614-6-1.

गर्ग.ए.के (2021) "क्राउडफंडिंग इन इंडिया : एन एनालिसिस ऑन डेवलपमेंट, ट्रेंड एंड ग्रोथ इन करंट टाइम", संबोधि जर्नल, आईएसएसएन नंबर: 2249-6661, वॉल्यूम 43 में, नंबर 3, जुलाई, 2020, पेज नंबर 441-445। (दो लेखकों में दूसरा लेखक) (यूजीसी केयर).

गर्ग. ए.के (2021) "वित्तीय समावेशन हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका: ग्रामीण भारत के संबंध में एक प्रभावी विश्लेषण", संबोधि जर्नल, आईएसएसएन संख्या: 2249-6661, वॉल्यूम 43 में, नं. 4, अगस्त, 2020, पृष्ठ संख्या 415-419 (दो लेखकों में प्रथम लेखक) (यूजीसी केयर).

स्वदेशी. ए.के. (2020) ए क्रिटिक ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग-लर्निंग एट गवर्नमेंट स्कूल्स इन इंडिया विथ रेफ्रेंस टू रॉड एलिस'स प्रिंसिपल्स ऑफ इंस्ट्रक्टेड सेकेंड लैंग्वेज लर्निंग इन इमर्जिंग ट्रेड्स इन ईएलटी (कपिल नगर: रुद्र पब्लिकेशन, 2020)।

सिन्हा.बी.के (2020) ने केरल राज्य के समाज सुधारक "महात्मा अयनकाली" पर सेज प्रकाशन द्वारा 2020 में एक एडिटेड बून में एक लेख प्रकाशित किया। यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल द्वारा "ग्रामीण स्वशासन और जिला सरकार की संभावना" पर एक अन्य लेख प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है।

जर्नल की सदस्यता

सदस्यता प्राप्त राष्ट्रीय जर्नल की संख्या (ऑनलाइन + पेपरबैक संस्करण) : 68

अनुसंधान परियोजनाएं : 1

संगोष्ठी का आयोजन : (वेबिनार)56

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापन) हस्ताक्षरित) भारत के भीतर : 4

पुस्तकालय विकास :

कुल बजट : ₹.7,24,500.00

शामिल की गई पुस्तकें और जर्नल की संख्या :137

संकाय की संख्या :

स्थायी : 37

तदर्थ : 35

वित्तीय आवंटन और उपयोग (2020-21) :

संस्वीकृत अनुदान ₹.28,87,66,000.00

प्रयुक्त : ₹. 22,83,70,824.00

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

10 फरवरी, 2021 को दोपहर 01.30 बजे प्रोजेक्ट "वार्म हग" के तहत महाविद्यालय का एक दान(डोनेशन) अभियान शुरू किया गया था। महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट के स्वयंसेवकों ने अत्यंत जोश और उत्साह के साथ विनोबापुरी में मेट्रो स्टेशन, नई दिल्ली में व्यक्तियों से सामान व्यवस्थित रूप से इकट्ठा किया। दानकर्ता से कपड़े, जूते, स्टेशनरी, खाद्य सामग्री और बैग के विभिन्न पैकेट एकत्र किए गए। बच्चों, पुरुषों और महिलाओं आदि जरूरतमंद व्यक्तियों को कपड़े, जूते, स्टेशनरी, खाद्य सामग्री, बैग इत्यादि के पैकेट के साथ वितरण प्रक्रिया शुरू की गई। अंत में वृद्ध व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए।

महामारी के कठिन समय के दौरान हमारे एनसीसी कैडेटों ने आभासी मंच(वर्चुअल प्लेटफॉर्म) पर सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यों के प्रबंधन और सुदृढीकरण में बड़ी भावना दिखाई है और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे 2 विद्यार्थी और 1 छात्रा कैडेट ने गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया। इनमें से एक विद्यार्थी पी.एम की रैली में कमांडर था और दूसरा पीएम की रैली में फ्लैग बियरर होने के साथ-साथ गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर पैदलमार्च किया था।

राजधानी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

राजधानी महाविद्यालय अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करता है और विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने

बुनियादी ढांचे को उन्नत करने का प्रयास करता है। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए और विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में समान रूप से सहभागिता की। सांस्कृतिक समिति ने 22 और 23 मार्च, 2020 को "संस्कृति मामलों" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. पी.सी. जोशी-माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. बलराम पाणि-माननीय अधिष्ठाता-महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू में समाजशास्त्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर आनंद कुमार का कार्यक्रम की शुरुआत में जोरदार स्वागत किया गया। डॉ. डी.के. असवाल, निदेशक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, दिल्ली ने "समावेशी विकास का असवाल मॉडल" विषय पर व्याख्यान दिया। महामारी के दौरान भी, विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सम्मान / गौरव

राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजेश झा को राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद ट्रस्ट योग भवन, शास्त्री नगर, जयपुर, जेआरआर संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर राजस्थान की प्रबंधन समिति में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया है।

राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ. राजेश झा को श्री महर्षि दधीच संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, एमडी मिशन कैंपस, केशवपुरा, कोटा (जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, राजस्थान) में वर्ष 2020 में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के रूप में भी नामित किया गया है।

प्रकाशन

कुमार, ए. (फरवरी, 2020) "विशिष्टाद्वैतानुसारप्रत्ययक्ष-विमर्श, "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, दिल्ली। 6(3)। 483-487. आईएसएसएन: 2394-5869.

कुमार, ए. (मार्च, 2020) "जलपा की अवधारणा," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, दिल्ली। 6 (4): 354-357। आईएसएसएन: 2394-5869.

कुमार, ए. (जून, 2020) "न्यादर्शन में वादा की पूर्वापेक्षैय," अनंत, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च, दिल्ली, 6(4): पीपी. 67-69, आईएसएसएन: 2394-7519.

लुंब, तलवार एस., लुंब एस. और प्रसाद वी. (2021). "चार्ज करंट्स एंड इंड्यूस्ड टू-डाइमेंशनल हाइड्रोजन एटॉम," यू.ए. भौतिक. जे.डी. 75(2). 59, 1-9.

लुम्ब, एस., लुंबतलवार एस. और प्रसाद वी. (2020). "जेनेरेशन ऑफ चार्ज करंट्स एंड मेगनेटिक पल्सेस।" जे. भौतिक. बी. एट. मोल. ऑप्ट. फिज., 53(20), 205002, 1-12.

लुम्ब, तलवार एस., लुम्ब एस., सेन केडी, और प्रसाद वी. (2020)। "पार्टिकल कॅन्फाइन्ड इन मोडिफाईड रिंग-शेपड पोर्टेयिल।" भौतिक. एससीआर., 95(3), 035404, 1-14.

रहमान, एस, तिवारी, एन.के, और उर्फ़ी, ए.जे (2021). "एक प्रदूषित शहरी नदी के संरक्षण की निगरानी : दिल्ली की यमुना में पक्षियों का एक ऑक्यूपेंसी मॉडलिंग अध्ययन," शहरी पारिस्थितिकी तंत्र। <https://doi.org/10.1007/s11252-021-01127-1>.

सिंह, डी. , मलिक, एच.के. (2020). "बाहरी आवधिक इलेक्ट्रोस्टैटिक क्षेत्र के तहत कई अनुनादों द्वारा टैराहर्ट्ज उत्सर्जन," फिजिकल रिव्यू ई, 101 (4), 043207.

सिंह, डी. (2020). "इम्पेक्ट ऑफ ऑट इलेक्ट्रॉन ऑन ऑप्टिकल इक्साइटेशन ऑफ टैराहर्ट्ज रेडिएशन बाय बीटिंग ऑफ सुपरगौसियन लेज़र्स इन इलेक्ट्रॉन-पॉज़िट्रॉन कोलिजनल प्लाज्मा"। आईओपी पब्लिशिंग लिमिटेड, प्लाज्मा रिसर्च एक्सप्रेस, वॉल्यूम 2(4), 045003.

तोमर, टी. (2021). "दिल्ली क्षेत्र में जीआईएस आधारित डीआरएएसटीआईसी मॉडल का उपयोग करके प्रदूषण के लिए भू-जल भेद्यता का आकलन," आईडब्ल्यूआरए (इंडिया) जर्नल, 10(1) आई.एस.एस.एन: 2277-1301.

जर्नल

कुमार, आशीष. एसोसिएट संपादक, पीयर रिव्यूड, रेफरीड एंड इंडेक्स्ड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च अनंत (आईएसएसएन: 2394-7519, इम्पैक्ट फैक्टर: आरजेआईएफ: 5.12).

कुमार, आशीष. एसोसिएट संपादक, पीयर रिव्यूड, रेफरी और इंडेक्स्ड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ज्योतिष रिसर्च वेदचक्षु (आईएसएसएन: 2456-4427, इम्पैक्ट फैक्टर: आरजेआईएफ: 5.11).

कुमार, आशीष. संपादक, नेशनल जर्नल ऑफ हिंदी एंड संस्कृत रिसर्च (आईएसएसएन नं: 2454-9177).

कुमार, आशीष. (जनवरी, 2021). मुख्य संपादक, शोधपल्लवम (खंड-1), नई दिल्ली: अकिनिक प्रकाशन, आईएसबीएन: 9789390541058.

सेठी, रचना. एसोसिएट संपादक, फोर्टल: जर्नल ऑफ टीचिंग इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर, प्रिंट आईएसएसएन 2229-6557, ऑनलाइन आईएसएसएन 2394-9244.

सेमिनार का आयोजन :

24 अगस्त, 2020 को "ईआईए ड्राफ्ट 2020" पर वेबिनार, पर्यावरण समिति, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

15 मई, 2020 को राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "कोविड-19 के बाद विश्व में उभरती शक्ति संबंधों" पर वेबिनार।

20 जून, 2020 को "योग : वे टू होलिस्टिक वेलनेस" पर दो दिवसीय वेबिनार और अंतरमन द्वारा आयोजित एक व्यावहारिक योग सत्र : योग और ध्यान समिति राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

आईक्यूएसी, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 25 मार्च, 2021 और 26 मार्च, 2021 को "संस्कृत और भारतीय जीवन दृष्टि: समकालीन परिप्रेक्ष्य" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी / वेबिनार।

22 मार्च 2021 को "विज्ञान 2021 में उन्नति" पर अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी, पूर्व विद्यार्थी संघ, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सम्मेलन का आयोजन

20-21 अप्रैल, 2021 के दौरान "सतत विकास के लिए पुनर्विचार विज्ञान" पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन), रसायन विज्ञान विभाग, राजधानी महाविद्यालय।

30 अप्रैल, 2021 को "कोविड -19 और इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव" पर राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन), रसायन विज्ञान विभाग, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

12 मार्च से 13 मार्च, 2021 तक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : एम्पावरिंग रेवोल्यूशन इन टेक्नोलॉजी" पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।

27 फरवरी से 28 फरवरी, 2021 तक "समकालीन भौतिकी: नई प्रतिमान शिफ्ट- II शृंखला" पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।

26 फरवरी, 2021 को "एस्पिरेशनल इंडिया कॉन्क्लेव", इनेक्टस, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अरोड़ा, उर्वशी. "वास्तविक जीवन में ग्राफ सिद्धांत के व्यावहारिक अनुप्रयोग," 17-18 अक्टूबर, 2020 तक 'सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग (ऑनलाइन)' पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

"असतत गणित की वास्तविक जीवन की समस्याओं का उपयोग करके विद्यार्थियों में गणित के लिए रुचि पैदा करना," गणित शिक्षा पर 9वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 20 से 22 दिसंबर, 2020 तक (पंजीकरण संख्या: एनसीईआरटी-एम-306), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान(आरआईई), भोपाल ऑनलाइन मोड के माध्यम से।

"विद्यार्थियों द्वारा वेबसाइटों के निर्माण के माध्यम से कोडिंग तकनीकों का व्यावहारिक कार्यान्वयन," स्कूल शिक्षा में एसटीईएम के एकीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद(एनसीईआरटी), 26-28 फरवरी, 2021 से (पंजीकरण संख्या: आरआईईबी/सीएसई- 21/टी3-52), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), भोपाल ऑनलाइन मोड के माध्यम से।

लुंब, सोनिया, चंचल यादव, शालिनी लुंब तलवार और विनोद प्रसाद। "रिंग क्षमता द्वारा संशोधित स्क्रीनिंग पोटेंशियल के लिए गतिशील ध्रुवीकरण" एआईपी कॉन्फ. प्रोक. 2220, 130063(2020).

कीर्ति कुमार. "चुंबकीय क्षेत्र में सीमित द्वि-आयामी हाइड्रोजन परमाणु," एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही 2220, 020098 (2020).

भंडारी, सोनिया "सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टर्स एंड देयर एप्लिकेशंस (एसएसएनटीडीएस - 21)," 29-31 जनवरी, 2021, रामजस महाविद्यालय, डी.यू और न्यूक्लियर ट्रैक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनटीएसआई), दिल्ली से 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन।

कुमार, आशीष. पंडित चिरंजी लाल शर्मा स्टेट महाविद्यालय, करनाल, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकुला के सहयोग से 22 फरवरी, 2020 को "21वीं सदी में सोशल मीडिया में संस्कृत का विस्तार," 21वीं सदी में संस्कृत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

एस., दिव्या. "कंट्रोल्ड ट्यूनेबल रेजोनेंट फेज मैचिंग इन लेजर प्लाज्मा इंटरैक्शन," इंटरनेशनल ई-कॉन्फ्रेंस ऑन प्लाज्मा थ्योरी एंड सिमुलेशन (पीटीएस-2020), 14 तथा 15 सितंबर, 2020, बिलासपुर, भारत।

"तीव्र लेजर और प्लाज्मा इंटरैक्शन का एक अध्ययन," प्लाज्मा भौतिकी पर चौथा एशिया-प्रशांत सम्मेलन, 26-31 अक्टूबर, 2020, रिमोट ई-सम्मेलन।

"इम्पेक्ट ऑफ टेराहर्ट्ज़ टेक्नोलॉजी ऑन मेडिकल एप्लीकेशन्स," इंटरनेशनल वेब कॉन्फ्रेंस ऑन इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी(आईडब्ल्यूईएसटी-2020), 30 जून, 2020, कुमारगुरु महाविद्यालय ऑफ टेक्नोलॉजी कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत।

नियोजन विवरण

राजधानी महाविद्यालय कैंपस में 13 फरवरी, 2020 को पहली बार इंटरनशिप फेयर- एवीएसएआर 1.0 के सफल आयोजन के बाद, नियोजन एवं प्रशिक्षुता प्रकोष्ठ (नियोजन और इंटरनशिप सेल) ने 19 और 20 अप्रैल, 2021 को इंटरनशिप फेयर-अवसर 2.0 के अपने दूसरे संस्करण का आयोजन किया। कोविड -19 महामारी ने भले ही सभी को उनके घरों तक सीमित कर दिया हो, लेकिन इसने नियोजन टीम के उत्साह को कम नहीं किया। लगभग प्रत्येक सप्ताह, हमारे विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों में प्रशिक्षुता (इंटरनशिप) चुनने का अवसर मिलता था। हमने राजधानी महाविद्यालय से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को काम पर रखने के लिए कंपनियों को एक मंच प्रदान करने के अपने दृष्टिकोण को जारी रखते हुए 19 और 20 अप्रैल, 2021 को आभासी(वर्चुअल) मोड में मेले के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग प्रोफाइल शामिल थे इसलिए उन्हें इन कंपनियों में प्रशिक्षुता(इंटरनशिप) के कई अवसर मिले। मेले में 900+ विद्यार्थियों की भारी भीड़ देखी गई। मेले में बजाज कैपिटल लिमिटेड, आउटलुक ग्रुप, क्रेडफ्लो, आईआईएफएम, एआईईएसईसी जैसी 55 से अधिक प्रसिद्ध कंपनियों और कंटेंट क्रिएटर, ग्राफिक डिजाइनर, वीडियो एडिटर, फोटोग्राफर से डेटा विश्लेषक, इक्विटी अनुसंधान, वित्त और रणनीतिक योजना कई जैसे अन्य 60+ प्रोफाइल पेश करते हुए सहभागिता की। अवसर 2.0 के वर्चुअल मोड ने न केवल राजधानीवासियों को

अवसर प्रदान किया बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कई अन्य विद्यार्थियों को मंच प्रदान किया। हम 150+ महाविद्यालयों और कुछ विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की मेजबानी करने के लिए बेहद बाध्य और गौरवान्वित महसूस करते हैं। एवीएसएआर 2021 ने कई विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया से रूबरू होकर सीखने, बढ़ने और अपनी यात्रा को उज्ज्वल बनाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

राजधानी कोविड हेल्प डेस्क - इस कार्यक्रम की शुरुआत राजधानी के एनएसएस विद्यार्थियों द्वारा 29 अप्रैल, को महाविद्यालय के वाईयुवीए सोसायटी के सहयोग से, महामारी की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली के बीमार लोगों की मदद करने के उद्देश्य से, उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटिलेटर, कोविड दवाएं, एम्बुलेंस और खाद्य आपूर्ति के बारे में वास्तविक समय आधारित सत्यापित जानकारी प्रदान की गई थी। स्वयंसेवक विभिन्न समूहों में चौबीसों घंटे काम कर रहे थे और उपर्युक्त सेवाओं से संबंधित सहायता के लिए लगभग सभी संदेशों को पूरा कर रहे थे। यह आयोजन अभी भी जारी है और निकट भविष्य में भी जारी रहेगा।

पुस्तकालय विकास

खरीदी गई पुस्तक: 1303; पत्रिका की सदस्यता ली : 55; समाचार पत्रों की सदस्यता ली: 36

दिव्यांग वाचनालय अनुभाग और रेफ्रेन्स अनुभाग की वातानुकूलन

संकाय संख्या : 89 + 69

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.49,17,80,352/-

प्रयुक्त : ₹.49,17,80,352/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने पर्यावरण और संबंधित मुद्दों की समिति, राजधानी महाविद्यालय के सहयोग से "ईआईए ड्राफ्ट 2020" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया है जो 24 अगस्त, 2020 को आयोजित किया गया था। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर विभाग ने "सतत पर्यावरण प्रबंधन" पर एक ऑनलाइन प्रमाण शोध पाठ्यक्रम भी शुरू किया। ऑनलाइन प्रमाण शोध पाठ्यक्रम का उद्घाटन सत्र 15 सितंबर, 2020 को आयोजित किया गया था जिसका श्रीमती मेधा पाटेकर द्वारा उद्घाटन किया गया था। यमुना जैव विविधता पार्क पर एक आभासी दौरा 29 जनवरी, 2021 को आयोजित की गई थी। पर्यावरण अध्ययन विभाग ने राजधानी महाविद्यालय की पूर्वोत्तर विद्यार्थी कल्याण समिति के सहयोग से 13 मार्च, 2021 को " बागवानी में संभावनाएं : पूर्वोत्तर भारत में औषधीय पौधों की खेती" विषय पर "गूगल मीट" मंच पर एक ऑनलाइन वेबिनार-सह-कार्यशाला का आयोजन किया। राजधानी महाविद्यालय एनसीसी 6डीबीएन ने 15 जुलाई, 2020 को सफलतापूर्वक "वृक्षारोपण अभियान" का आयोजन किया था। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की देखरेख(मैटरशिप) में मानव निर्मित आपदा के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए आपदा तैयारी समिति 2020-21, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (18 जनवरी से 17 फरवरी, 2021) को मनाया गया। कारगिल शहीद दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक समिति ने महाविद्यालय की पोएट्री सोसायटी कविंजलि के सहयोग से एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजधानी महाविद्यालय, संस्कृति की सांस्कृतिक समिति द्वारा 06 नवंबर, 2020 को दिवाली उत्सव श्री 2020 का भी आयोजन किया गया था। फिट-इंडिया-मूवमेंट के तहत एनएसएस राजधानी ने योग और ध्यान सत्र आयोजित किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 3 अक्टूबर, 2020 को एनईपी (राष्ट्रीय शिक्षा नीति), 2020 और उच्च शिक्षा: एक शिक्षक के परिप्रेक्ष्य पर वेबिनार आयोजित किया गया। कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम - 8 अक्टूबर, 2020 को कोविड-19 के विरुद्ध लड़ने की शपथ के साथ कोविड-19 पर जागरूकता कार्यक्रम शुरू हुआ। इसी क्रम में 16 अक्टूबर, 2020 को विद्यार्थियों के लिए समग्र कल्याण कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। 15-22 मार्च, 2021 से अपशिष्ट कागज

पुनर्चक्रण अभियान - यह अभियान एनएसएस का सबसे उत्कृष्ट अभियान था। पोस्ट कोविड जटिलताओं और देखभाल पर वेबिनार- 4 जून, 2021 को एनएसएस राजधानी द्वारा वेबिनार की मेजबानी की गई थी और हमारे अतिथि वक्ता- डॉ. उमा कुमार, प्रोफेसर और प्रमुख, रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स दिल्ली थे।

राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय पिछले 75 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय चार नियमित प्रोग्राम अर्थात् बी.एससी(ऑनर्स) नर्सिंग, एम.एससी. नर्सिंग, और एम.फिल तथा नर्सिंग में पीएच.डी. प्रदान करता है। सेमेस्टर सिस्टम के तहत बी.एससी. (एच) नर्सिंग और एम.एससी. दोनों के लिए संशोधित पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है। महाविद्यालय का आरएचटीसी नजफगढ़ के तहत छावला गाँव में एक ग्रामीण शिक्षण केंद्र है, जिसका उद्देश्य उन्मुख सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के प्रायोजन से कोविड-19 महामारी के दौरान भी कार्य करता रहा है, महाविद्यालय को इग्नू द्वारा अध्ययन केंद्र के रूप में नामित किया गया है। महाविद्यालय ने राष्ट्रीय अंगदान दिवस, विश्व गुर्दा दिवस, संपूर्ण स्वास्थ्य मेला जैसे शारीरिक और ऑनलाइन दोनों तरह के विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। महाविद्यालय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और विभिन्न चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केंद्रों और संबद्ध एजेंसियों के साथ मिलकर काम करता है।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

सुश्री पंकज यादव, सुश्री पूनम	- एम.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष
सुश्री मैथ्यू वर्गोस पी., सुश्री दिव्या खत्रीक	- एम.एससी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष
सुश्री रश्मि, सुश्री हिमानी बिष्टी	- बी.एससी. (एच) नर्सिंग प्रथम वर्ष
सुश्री बिन्सी रोज बेनी, सुश्री काजल नेहरा	- बी.एससी. (एच) नर्सिंग द्वितीय वर्ष
सुश्री कादंबिनी शर्मा, सुश्री अनामिका तिवारी	- बी.एससी. (एच) नर्सिंग तृतीय वर्ष
सुश्री जोनेट जिमी, सुश्री अरुशी	- बी.एससी. (एच) नर्सिंग चौथा वर्ष

प्रकाशन

थॉमस डी, (2020) मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, फर्स्ट साउथ एशिया एडिशन, एल्सेवियर पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
थॉमस डी, एट अल, (2020) ग्रामीण महिलाओं के बीच सेरनिकल स्क्रीनिंग पर नियोजित स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता, आईओएसआर जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ, 9xx.

शोकांधा एस एट अल, (2020) दीन दयाल उपाध्याय चिकित्सालय, नई दिल्ली में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास के संदर्भ में नर्सिंग अधिकारियों के बीच स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करते हुए संचार क्षमता की रणनीतियों पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, आईओएसआर जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ साइंस, 9 (4) 07-23.

डे, एम. (2020) केरल के चयनित चिकित्सालयों में ज्ञान के संदर्भ में नर्सिंग कर्मियों के लिए प्रभावी प्रलेखन और रिपोर्टिंग तकनीकों पर एक नियोजित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस प्रैक्टिस एंड रिसर्च, 06 (02) (विशेष) 1s-6s.

अनुसंधान परियोजना

राजस्थान के चयनित विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच ज्ञान और दृष्टिकोण के संदर्भ में स्वाइन फ्लू (एचआईएनआई) की रोकथाम और नियंत्रण पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।

आत्म-क्षति व्यवहार की रोकथाम पर ज्ञान के संदर्भ में एक सूचना पुस्तिका की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करने की दृष्टि से दिल्ली के चुनिंदा सरकारी और निजी विद्यालयों में किशोरों में खुदकुशी की व्यापकता और जोखिम का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।

नई दिल्ली के चयनित महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में इंटरनेट की लत के कारण स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम के संबंध में एक शिक्षा पैकेज की प्रभावशीलता को विकसित करने और मूल्यांकन करने की दृष्टि से इंटरनेट की लत के प्रसार को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन।

रांची, झारखंड के मैटरनिटी चिकित्सालय में नर्सिंग पर्सनल वर्किंग के ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में पोस्टपार्टम हैमरेज (पीपीएच) की रोकथाम और प्रबंधन पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

पलक्कड़ जिले, केरल के चयनित महाविद्यालयों के स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों में ज्ञान और अभ्यास के संदर्भ में मोबाइल ऐप की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन : चयनित सामान्य कैंसर स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं और निवारक उपायों पर सीएएनस्क्रीन।

संगोष्ठी (वेबिनार)

डेज़ी थॉमस, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों का प्रबंधन।

सरिता शोकंधा, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), कोविड-19 के बारे में मिथक और सच्चाई,

मधुमिता डे, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), कोविड-19 महामारी की अवधारणाओं की समझ।

मिताली बिस्वास, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव का सामना।

अनुग्रह मिल्टन, ट्यूटर, राकॉन(आरएकेसीओएन), प्रसवकालीन अवधि में कोविड-19 रोगियों का प्रबंधन।

सम्मेलन: महाविद्यालय ने निम्नलिखित विषयों पर दो राष्ट्रीय आयोजित सम्मेलन किए:

रोगी सुरक्षा - एक वैश्विक एजेंडा। 8/2/21-12/2/21

द्विशताब्दी - नर्सिंग में परिवर्तन की अवधि 15/2/21-19/2/21

प्रस्तुतीकरण

डॉ. डेज़ी थॉमस, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), 29 जुलाई, 2020 को घावों के प्रबंधन में अवधारणाओं का विकास।

डॉ. डेज़ी थॉमस, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), कोविड-19 का अवलोकन और कोविड-19 का महत्वपूर्ण प्रबंधन, 15/8/2020.

डॉ. डेज़ी थॉमस, सहायक प्रोफेसर, राकॉन(आरएकेसीओएन), प्रशामक देखभाल नर्सिंग में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना 12/12/2020.

सरिता शोकंधा, राकॉन(आरएकेसीओएन), कोविड-19 महामारी के दौरान रोगी सुरक्षा निहितार्थ 10/2/21.

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

विद्यार्थियों को वस्तुपरक उन्मुख ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1950 में ग्रामीण शिक्षण केंद्र की स्थापना की गई थी। इसमें लगभग 23,000 की आबादी शामिल है और महाविद्यालय से 35 किलोमीटर दूर स्थित है। केंद्र समुदाय को एक एकीकृत व्यापक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवा प्रदान करता है। आरएचटीसी, नजफगढ़ के कर्मचारियों के सहयोग से ग्रामीण इकाई के विद्यार्थियों और कर्मचारियों द्वारा एमसीएच सेवाओं, परिवार नियोजन, टीकाकरण, परिवार कल्याण सेवाओं, पोषण, किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जाता है। कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम, डेंगू नियंत्रण कार्यक्रम, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों; एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, अतिसार रोग नियंत्रण और तीव्र पल्स पोलियो कार्यक्रम इत्यादि में

भी सहभागिता की। केंद्र में टी.बी और एमडीआर टीबी रोगियों की जांच और उपचार के लिए डॉ.ट्स और माइक्रोस्कोपिक केंद्र भी हैं आरएफटीसी छावला राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए एक 'टीम मूवमेंट प्वाइंट' भी है जो 10 गांवों को कवर करता है। टीएमपी को राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिए मटियाला जोन के तहत सर्वश्रेष्ठ टीएमपी में से एक माना जाता है

पुस्तकालय

महाविद्यालय के पुस्तकालय में कुल 20381 पुस्तकें हैं:

विदेशी जर्नल	: 18
भारतीय जर्नल	: 10
समाचार शोध	: 06
पत्रिकाएं	: 07

इस अवधि के दौरान पुस्तकों और जर्नल पर कुल व्यय रु.14, 30,000/- था।

संकाय संख्या

कुल संख्या	: 28
उप प्राचार्य	: 1
एसोसिएट-प्रोफेसर	: 0
सहायक प्रोफेसर	: 3
पोषण विशेषज्ञ	: 1
शिक्षक	: 5
नैदानिक प्रशिक्षक	: 18

वित्तीय आवंटन और उपयोग

बजट : वर्ष 2020-2021 के लिए बजट प्रावधान रु.23, 54,00,000/-(रुपये तेईस करोड़ चौवन लाख मात्र)

रामानुजन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

मार्च, 2020 में आसन्न संकट और लॉकडाउन के मद्देनजर, रामानुजन महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों को ई-सामग्री विकसित करने और गूगल क्लासरूम, जूम एप्लिकेशन, गूगल मीट और गूगल हैंगआउट जैसी नई तकनीकी प्रगति का उपयोग करने के लिए तुरंत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अगस्त, 2020 से, महाविद्यालय ने ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने के लिए माइक्रोसाफ्ट टीम्स प्लेटफॉर्म को अपनाया है। माइक्रोसाफ्ट टीम्स के एकल प्लेटफॉर्म पर वार्ता, चर्चा, अतिथि व्याख्यान, वेबिनार, ई-संसाधन, प्रश्नोत्तरी और ऑनलाइन मूल्यांकन प्रक्रिया ने संस्थान के कामकाज का कुशलतापूर्वक निपटान को सुनिश्चित किया है। रामानुजन महाविद्यालय, महाविद्यालय के अनुसंधान विकास और सेवा प्रकोष्ठ द्वारा डिजाइन किए गए अनुकूलित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के माध्यम से एचईआई के संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करने में अग्रणी है। यह मुख्य रूप से प्रतिभागियों के अनुकूल है और सीखने के परिणामों के साथ न्याय करने के लिए मूल्यांकन विधियों और व्यापक प्रतिक्रिया प्रणाली को शामिल करता है। एलएमएस को उच्च मापनीयता और विश्वसनीयता के साथ क्लाउड पर होस्ट किया गया है। महाविद्यालय ने अनुसंधान और डेटा विश्लेषण के लिए अपने सर्वरों को होस्ट करने के लिए अपना क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। एक वर्ष की अवधि के भीतर, रामानुजन महाविद्यालय के टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) ने

पूरे भारत और विदेशों में 100000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। टीएलसी द्वारा संचालित ऑनलाइन कार्यक्रम एमओई और यूजीसी फोर क्वार्टेंट एप्रोच (ई-ट्यूटोरियल, ई-कंटेंट, सेल्फ-असेसमेंट और वेब रिसोर्स) का पालन करते हैं। इसके अलावा, ये कार्यक्रम स्व-गति वाले हैं और मिश्रित शिक्षण मोड पर आधारित हैं, जिससे प्रतिभागियों को कहीं भी, कभी भी उन्हें एक्सेस करने की सुविधा मिलती है। महाविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए सार्थक और गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार की है जिसे रामानुजन महाविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल के माध्यम से देखा जा सकता है। चैनल के पहले से ही 22,500 से अधिक ग्राहक हैं और 78,00,000 बार देखा जा चुका है। महाविद्यालय ने सहयोगी संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और देश के अन्य विश्वविद्यालयों के कई महाविद्यालयों के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए हैं। अनुसंधान योगदान को मान्यता देने के लिए आई.क्यू.ए.सी ने स्कोपस और वेब ऑफ साइंस जर्नल्स में शोध लेख प्रकाशित करने के लिए संकाय सदस्यों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की स्थापना की है। हमारे शिक्षण संकाय के लगभग 30 सदस्यों ने वर्ष 2020-21 में स्कोपस अथवा वेब ऑफ साइंस से मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है। सभी विषयों के विद्यार्थियों को उद्योग के लिए तैयार करने और उन्हें तैयार करने के लिए अनिवार्य व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

सम्मान / गौरव

प्राचार्य, डॉ. एस.पी अग्रवाल को डायनेजिक बिजनेस सॉल्यूशंस (2020) द्वारा मोस्ट एडमैबल प्रिंसिपल अवार्ड की श्रेणी में शिक्षा में उत्कृष्टता और नेतृत्व के लिए गोल्डन ऐम अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

डॉ. एस.पी अग्रवाल को गांधी वोकेशनल महाविद्यालय, कुशमोडा, गुना एमपी(जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से संबद्ध) के शासी निकाय में वर्ष 2020-21 से पांच वर्ष की अवधि के लिए यूजीसी नामित के रूप में नियुक्त किया गया है।

डॉ. एस.पी अग्रवाल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के सुचारु कार्यान्वयन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गठित एनईपी कार्यान्वयन समिति (एनआईसी) के सदस्य हैं।

रामानुजन महाविद्यालय (बैच 2017-2020) के बी.ए(ऑनर्स) दर्शनशास्त्र की छात्रा कविता मसुरिया ने प्रथम श्रेणी के साथ बी.ए(ऑनर्स) दर्शनशास्त्र परीक्षा में अंक हासिल करने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष (2020) के लिए "बी.ए (ऑनर्स) के लिए भारतीय दार्शनिक कांग्रेस पदक" प्राप्त किया।।

दर्शनशास्त्र विभाग के तीन विद्यार्थियों ने गेट 2021 फिलॉसफी परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक हासिल की: हिमांशु; एआईआर 17, रितु साहनी; एआईआर 72, विशाल बौद्ध; एआईआर 126.

जैम(जे.ए.एम) आईआईटी(भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) में विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्राम और आईआईएससी बेंगलूर में एकीकृत पीएच.डी. में प्रवेश के लिए एक योग्यता परीक्षा है। पूरे भारत से कुल 13186 विद्यार्थियों ने "गणित" विषय में जैम 2021 में भाग लिया और गणित विभाग, रामानुजन महाविद्यालय के निम्नलिखित 4 विद्यार्थी निर्दिष्ट एआईआर(अखिल भारतीय रैंक) : अपर्पिता डावर (एआईआर 56)), ऋषभ जैन (एआईआर 173), कपिल लोहिया (एआईआर 188), पियाल कांति घोष (एआईआर 214) के साथ टॉपर के रूप में उभरे।

25 से अधिक संकाय सदस्यों ने वर्ष 2020-21 में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में मूल्यवान विशेषज्ञों और मुख्य वक्ता के रूप में कार्य किया।

टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय ने वर्ष 2020-21 में 65 ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें एक से तीन सप्ताह के डिस्प्लिन-विशिष्ट संकाय विकास कार्यक्रम / पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, अनुसंधान और आईसीटी पर एक से तीन सप्ताह के पाठ्यक्रम और चार सप्ताह के संकाय अभिविन्यास / प्रेरण कार्यक्रम शामिल हैं। देश भर में एक लाख से अधिक शिक्षकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

प्रबंधन अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों ने देश के निम्नलिखित प्रमुख संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया है: प्रेरणा गर्ग (बीएमएस बैच 2016 - 2019): एक्सएलआरआई, जमशेदपुर; हर्ष लाल (बीएमएस बैच 2016 - 2019): आईआईएम शिलांग; पीयूष रोहिल्ला (बीएमएस बैच 2016 - 2019): आईआईएम उदयपुर; तन्मय टंडन (बीएमएस बैच 2016 - 2019): आईआईएम रायपुर; मयंक गुप्ता (बीएमएस 2017 - 2020): आईआईएम रोहतक; और उज्ज्वल अग्रवाल (बीएमएस 2017 - 2020): आईआईएम रोहतक।

गणित विभाग के बैच 2017-2020 के पांच विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया है: विशांत सचदेवा (आईआईएम शिलांग); जतिन (आईआईएम कोझीकोड); तारिक अहमद डार (आईआईटी मद्रास); पारस गौतम (आईआईटी गुवाहाटी); अमृत कुमार (आईआईटी हैदराबाद); और गुरप्रीत सिंह (डॉ. बीआर अंबेडकर एनआईटी जालंधर)।

रामानुजन महाविद्यालय (बैच 2018-21) के बी.ए (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र के विद्यार्थी हिमांशु ने एमए+ पीएच.डी कार्यक्रम के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) में प्रवेश प्राप्त किया है।

आर्य गुप्ता, विद्यार्थी बी.टेक कंप्यूटर साइंस (बैच 2013-17) का मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर साइंस में पीएच.डी डिग्री के लिए चयन किया गया है, जो 16 अगस्त, 2020 से फॉल 2020 सेमेस्टर के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता के साथ शुरू होता है (जिसमें वजीफा, स्वास्थ्य बीमा और ट्यूशन छूट शामिल हैं)।

तारक के विद्यार्थी : वाद-विवाद सोसायटी और ब्रशस्टोक्स : महाविद्यालय की ललित कला सोसायटी 55 से अधिक अंतर-महाविद्यालय / विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में विजेता के रूप में उभरी।

प्रकाशन

अत्री, ए.के, कुमार, वी. और सिंह, ए.के (2020). व्यक्तिगत और संगठनात्मक चेतना पैमाने का विकास और सत्यापन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वर्क ऑर्गनाइजेशन एंड इमोशन, 11(2), 154-177। (स्कोपस)।

बेबोरट्टा, एस., सिंह, एके, पति, बी. और सेनापति, डी. (2021). स्थानीय प्रसंस्करण ढांचे का उपयोग करते हुए आईओटी आधारित इनडोर वातावरण के लिए एक मजबूत ऊर्जा अनुकूलन और डेटा कमी योजना। जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम्स मैनेजमेंट, 29(1), 1-28. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

भनोट, डी. और वर्मा, एसके (2020). सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण के संदर्भ में भारतीय कलंकित समूह के जीवित अनुभव : एक घटनात्मक दृष्टिकोण। क्वालिटेटिव रिपोर्ट, 25(6)। (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

भूषण, एस. और पांडे, ए.पी (2021). ऑप्टिमल इम्प्युटेशन ऑफ द मिसिंग डाटा यूजिंग मल्टि ऑब्जेक्टिव इनफॉर्मेशन। कम्प्यूटेशनल स्टेटिस्टिक, 36(1), 449-477. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

दहिया, बी., शर्मा, एस., खान, ए., कामरा, ई., मोर, पी., श्योराण, ए., श्रीनिवास, वी., वर्मा-बेसिल, एम., गुप्ता, के.बी, गुप्ता, एम.सी और चौधरी, डी. (2020). डिटेक्शन ऑफ माइक्रोबैक्टीरियल सीएफपी-10 (आरवी3874) प्रोटीन इन ट्युबरकुलोसिस पेसेंट बाय गोल्ड नैनोपार्टिकल-बेसड रियल-टाइम इम्यूनो-पीसीआर। फ्यूचर माइक्रोबायोलॉजी, 15(8), 601-612. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

गुप्ता, पी., अग्रवाल, एम. और सिंह, आर. (2020). ऑन ग्राफोइडल लैथ ऑफ ए ट्री इन टर्म्स ऑफ इट्स डायामीटर। एकेसीई इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्राफ्स एंड कॉम्बिनेटोरिक्स, 17(3), 703-707. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

कुमार, वी. और कुमार, एस. (2021). बाउंड्स ऑन हर्मिटियन-टोएप्लिटज एंड हैंकेल डेटरमिनेंट्स फॉर स्ट्रॉन्गली स्टारलाइक फ़ैन्क्शन्स। बोलेटिन डे ला सोसिदाद माटेमेटिका मेक्सिकाना, 27(2), 116. डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s40590-021-00362-y>। (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

कुमार, वी., श्रीवास्तव, आर. और चो, एनई, 2020. शार्प एस्टिमेशन ऑफ हर्मिटियन-टोएप्लिट्ज डेटरमिनेंट्स फॉर जानोवस्कि टाइप स्टारलाइक एंड कॅन्वेक्स फॅन्क्शन्स। मिस्कॉल्क मैथमेटिकल नोट्स, 21(2), 939-952. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

नाज़, ए., नागपाल, एस. और रविचंद्रन, वी. (2020)। एक्सपोनेंशियल स्टारलाइकनेस और कॉन्फ्लुएंट हाइपरजोमेट्रिक, लोमेल और स्ट्रुव फंक्शंस। मैट्रिरेनियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 17(6), 1-22. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

रघुवंशी, के.के, कुमार, एस. और कुमार, एस. (2020). ए डेटा एन्क्रिप्शन बेस्ड ऑन इंटरटिविंग लॉजिस्टिक मैप। जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एंड एप्लीकेशन, 55, 102622. (स्कोपस, वेब ऑफ साइंस)।

जर्नल

वाणिज्य विभाग ने अपने "रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च" का 5वां संस्करण प्रकाशित किया है। (आईएसएसएन: 2455-5959, यूजीसी सूचीबद्ध संख्या 48778)

पीयर-रिव्यू "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एथिक्स" ने अपना 7वां वॉल्यूम (आईएसएसएन 2321- 2497) प्रकाशित किया।

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 10

अनुसंधान परियोजनाएं

पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, दो वर्ष, "उच्च शिक्षा और रोजगार योग्यता कौशल: भारत में स्नातक के तहत एक अध्ययन" पर टीएलसी परियोजना, 4.5 लाख।

पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, दो वर्ष, "बिग डेटा एंड लर्निंग एनालिटिक्स इन हायर एजुकेशन विद स्पेशल रेफरेंस ऑन नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल)" पर टीएलसी परियोजना, 3 लाख।

पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, दो वर्ष, "भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली में नवाचार : एक खोजपूर्ण अध्ययन" पर टीएलसी परियोजना, 5 लाख।

पीएमएमएमएनएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय, दो वर्ष, "एप्लिकेशन ऑफ ऑगमेंटेड रियलिटी(एआर) इन टीचिंग बेसिक स्किल्स टू चिल्ड्रेन विथ ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर(एसडी)" पर टीएलसी परियोजना, 4.9 लाख।

संगोष्ठियों का आयोजन

सुश्री डोलवीन भट्टी (मनोवैज्ञानिक और जीवन कोच), "ट्रांसफॉर्मेशनल माइंडसेट: इनोवेटिंग माइंड्स फॉर सक्सेस" पर वेबिनार, 1 जून, 2020.

डॉ. सुरभिका माहेश्वरी (सहायक प्रोफेसर, इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), "लिविंग एंड लर्निंग इन टाइम्स ऑफ चेंज" पर वेबिनार, 4 जून, 2020.

श्री संदीप साधु (एक स्वतंत्र सलाहकार, शिक्षाविद् और एक प्रमाणित व्यक्तित्व विकास सलाहकार के रूप में लंबे वर्षों का अनुभव), 30 जुलाई, 2020 को "अनिश्चितता के समय में सकारात्मक दृष्टिकोण" पर वेबिनार।

सुश्री सुरभि श्रीवास्तव (डिजिटल स्टेटजिस्ट, 'हेल्प दिल्ली ब्रीथ') और श्री अभिषेक सैनी (संस्थापक, 'दोज इन नीड'), "ब्लू स्काई बियॉन्ड लॉकडाउन: एड्रेसिंग एयर पॉल्यूशन इन दिल्ली" पर वेबिनार, 13 सितंबर, 2020.

प्रो. एन. राधाकृष्णन (राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार विजेता और गांधी किंग आईकेडीए शांति पुरस्कार से सम्मानित), "आधुनिक दुनिया में गांधीवादी सिद्धांत" पर वेबिनार, 5 अक्टूबर 2020.

सुश्री नीरू वर्मा (प्रसिद्ध वेलनेस काउंसलर, योग चिकित्सक और 'डिवाइन ग्रेस वेलनेस' की संस्थापक), डिजिटल वेलबीइंग पर वेबिनार, 6 नवंबर 2020.

डॉ. एस.बी. राठौर (वाणिज्य विभाग, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर), "वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए आईटीआर- 2 की ई-फॉइलिंग", 25 नवंबर, 2020 पर वेबिनार।

प्रोफेसर अरुण सांगवान (एफआईआईबी में रणनीति और उद्यमिता क्षेत्र के लिए क्षेत्र समन्वयक), वेबिनार "एमबीए क्यों करें?", 8 दिसंबर 2020.

प्रो. आशा मुखर्जी (विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल) और डॉ. समीना ज़ेहरा (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया), वेबिनार "क्या नारीवादी दर्शन एक मिथ्या नाम है?" (भारतीय और पश्चिमी दृष्टिकोण से प्रतिबिंब), 29 जनवरी 2021.

प्रोफेसर पुरुषोत्तम बिलिमोरिया (स्कूल ऑफ फिलॉसफी, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया और कैलिफोर्निया स्टेट महाविद्यालय), "हिंदू रिस्पांस टू डाइंग एंड डेथ इन द टाइम ऑफ कोविड-19" पर वेबिनार, 19 फरवरी, 2021.

सम्मेलन का आयोजन

"अनुच्छेद 370 के निरसन का एक वर्ष: निहितार्थ और परिणाम", 5 अगस्त 2020, पीएमएमएमएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय।

"कोविड-19 के दौरान मानवाधिकार, नैतिकता और पर्यावरण पर दोबारा गौर करना", 6-7 अगस्त 2020, पीएमएमएमएमएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय।

"वित्तीय बाजार: वैकल्पिक कैरियर के लिए रास्ते", 28-30 सितंबर, 2020.

"प्रौद्योगिकी के युग में परंपरा और आधुनिकता की खोज", 9 अक्टूबर, 2020.

"भारतीय संविधान की महान विरासत", 26 नवंबर, 2020.

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, शिक्षक और भारतीय युवा : चुनौतियां और अंतर्दृष्टि", 12 मार्च, 2021, पीएमएमएमएमएमटीटी, शिक्षा मंत्रालय।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सूरज कुमार मौर्य ने 16-17 जनवरी 2021 को पुणे, महाराष्ट्र में लैब-टेक द्वारा आयोजित 'कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान (आईसीएचएससी-21)' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रूट्स, रोड्स, और लैंगिक भेदभाव: एक नैतिक प्रवचन" पर एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. अपराजिता मजूमदार ने 19 सितंबर, 2020 को आईक्यूएसी, चतरा रमई पंडित महाविद्यालय (बांकुरा विश्वविद्यालय, बांकुरा, पश्चिम बंगाल से संबद्ध) के सहयोग से महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित "भारतीय शिक्षा में महिलाएं: बाधाएं और उपलब्धियां" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार में अकादमिक लीडरशिप : हाउ जेंडर इम्पैक्ट्स लीडरशिप रोल्स इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस पर प्रस्तुति दी।

सुश्री महिमा सिंह ने भारतीय और विश्व साहित्य विभाग, द अंग्रेजी एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित "इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्टुअल कल्चर: डिजिटल स्पेस में डिजिटल साहित्य और साहित्य का एक अध्ययन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सआदत हसन मंटो के उपन्यास में पोस्थ्यूमनिज्म" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. दीपाक्षी शर्मा ने 1-3 सितंबर, 2020 के दौरान गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीएमएसटी-2020) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ऑन स्टडी ऑफ सॉम साइन्ड ग्राफ्स" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अपराजिता मजूमदार ने 31 अगस्त, 2020 को आईक्यूएसी क्लस्टर इंडिया द्वारा आयोजित "नैक(एनएसी) के मापदंडों के संदर्भ में संस्थागत गुणवत्ता का विकास" पर राष्ट्रीय वेबिनार में नैक(एनएसी) के क्षेत्रों में शिक्षक के प्रदर्शन को मापने पर प्रस्तुति की।

डॉ. निखिल राजपूत और सुश्री भव्या आहूजा ग्रेवर ने 16-18 दिसंबर 2020 के दौरान वर्ल्ड वाइड वेब पर आयोजित सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर 10वीं विश्व कांग्रेस (डब्ल्यूआईसीटी 2020) में "भारतीय कृषि में आईसीटी: प्रमुख सेवाओं का एक सिंहावलोकन, उनकी पैठ और ढांचागत विकास" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए गए

रामानुजन महाविद्यालय ने एमसीआई मैनेजमेंट सेंटर इन्सब्रुक, ऑस्ट्रिया के साथ प्रत्येक संस्थान के हितों और क्षमताओं के भीतर शिक्षण, शैक्षणिक अनुसंधान और संचालन में सहयोग और विद्यार्थियों, कर्मचारियों और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से दोनों संस्थानों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लाभों को मान्यता देते हुए पांच वर्ष की अवधि के लिए एक एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए हैं। एमसीआई और रामानुजन महाविद्यालय के बीच विद्यार्थी विनिमय समझौते के अनुसार, विनिमय कार्यक्रम में स्नातक अथवा स्नातक विद्यार्थी शामिल होंगे जिन्होंने गृह संस्थान में तृतीयक अध्ययन के कम से कम तीन (स्नातक) / दो (स्नातक) सेमेस्टर पूरा कर लिया है। इसके अतिरिक्त इस समझौते के तहत प्रत्येक संस्थान दूसरे संस्थान से आने वाले विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस माफ करेगा। साथ ही, समझौता जापान के अनुसार, रामानुजन महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रामानुजन महाविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमसीआई मैनेजमेंट सेंटर इन्सब्रुक में मास्टर डिग्री हासिल करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, एमसीआई और रामानुजन महाविद्यालय के बीच अकादमिक कर्मचारियों (संकाय) और संयुक्त विकास और अकादमिक कार्यक्रमों, पाठ्यक्रमों अथवा सेमिनारों और अनुसंधान के संगठन का आदान-प्रदान होगा।

महाविद्यालय ने पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के साथ एक एम.ओ.यू पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इस एम.ओ.यू के तहत, संयुक्त गतिविधियों में शामिल हैं: सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं का विकास; संयुक्त शैक्षणिक और वैज्ञानिक गतिविधियों का संगठन; शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के लिए अकादमिक स्टाफ का आदान-प्रदान; पीएच.डी/एचडीआर विद्यार्थियों को अल्पकालिक अध्ययन करने अथवा संबंधित मेजबान संस्थान में अनुसंधान कार्यक्रमों और परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

महाविद्यालय ने सहयोगी संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय और देश के अन्य विश्वविद्यालयों के कई महाविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए हैं, अर्थात्:

शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय सांध्य, दिल्ली विश्वविद्यालय

शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नलगौडा, तेलंगाना

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

दावणगेरे विश्वविद्यालय, कर्नाटक

अरमापुर पी.जी महाविद्यालय, कानपुर

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

क्राइस्ट आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स महाविद्यालय, राजकोट, गुजरात

गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड महाविद्यालय, टिटपुर, कर्नाटक

जीएनआईओटी प्रबंधन अध्ययन संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश

श्रीमती राधादेवी गोयनका महिला महाविद्यालय अकोला, महाराष्ट्र

पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, औरंगाबाद
कर्मवीर भाऊराव पाटिल महाविद्यालय, पंढरपुर, सोलापुर
श्री मुक्तानंद महाविद्यालय, गंगापुर
सिबसागर गर्ल्स महाविद्यालय, शिवसागर, असम

महाविद्यालय ने सामग्री विकास, शिक्षण और संबंधित गतिविधियों के संचालन और शिक्षा के ऑनलाइन वितरण के क्षेत्र में इंटरनेट कॉलेज, गणित विज्ञान फाउंडेशन के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए हैं।

यू.जी.सी और एम.ओ.ई के निर्देश के तहत, महाविद्यालय ने रूफटॉप सौर ऊर्जा पैनलों की स्थापना के माध्यम से 130 के.वी बिजली उत्पादन के लिए ओक्रिज रूफटॉप्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक एम.ओ.यु हस्ताक्षर किया है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

उपर्युक्त बिंदु में बताए गए सहयोग के अलावा, महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना के तहत देश के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग के लिए काम कर रहा है।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

दो संस्थानों के साथ रामानुजन महाविद्यालय के विद्यार्थी विनिमय समझौते के अनुसार: (i) एमसीआई मैनेजमेंट सेंटर इन्सब्रुक, ऑस्ट्रिया और (ii) वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, एक्सचेंज प्रोग्राम में स्नातक-पूर्व अथवा स्नातक विद्यार्थी शामिल होंगे जिन्होंने मूल(होम) संस्थान में तृतीयक अध्ययन के कम से कम से कम तीन (स्नातक-पूर्व)/दो (स्नातक) सेमेस्टर पूरा कर लिया है।

नियोजन विवरण

कोविड-19 महामारी के कठिन समय में, कंपस भर्ती(कैंपस रिक्रूटमेंट) के लिए नौकरी के अवसरों ने एक मोड़(टोल) लिया। कंपनियां ऑफलाइन कंपस भर्ती में भाग नहीं ले पा रही थीं, जिसके कारण महाविद्यालय में उन विद्यार्थियों की भागीदारी कम देखी गई जो देश के सुदूर इलाकों में रह रहे थे और ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने की सुविधा नहीं थी। हालांकि, 26 कंपनियों ने कंपस का दौरा किया और 66 विद्यार्थियों को रखा गया। विद्यार्थियों में प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) के लिए जबरदस्त क्रेज था और नियोजन प्रकोष्ठ(नियोजन सेल) ने 350 से अधिक विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) की सुविधा प्रदान की।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

रामानुजन महाविद्यालय की अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम समिति का गठन व्यापक समाज तक पहुंचने और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से किया गया था। समिति ने वर्ष 2020-21 में ऑनलाइन मोड में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य समाज के वंचित और हाशिए के वर्गों को सेवाएं प्रदान करना था: शिक्षक दिवस के अवसर पर, अर्थात 5 सितंबर 2020 को एक सत्र आयोजित किया गया था। यह सोसायटी द्वारा आयोजित पहला ऑनलाइन कार्यक्रम था। शिक्षक दिवस कब और क्यों मनाया जाता है और शिक्षकों के मूल्य का उल्लेख करते हुए एक स्वयंसेवक द्वारा एक छोटा-सा भाषण दिया गया। उसके बाद "ग्रीटिंग कार्ड बनाना" गतिविधि में बच्चों और स्वयंसेवकों ने शिक्षकों के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाए। साथ ही बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए शिक्षक दिवस पर एक छोटी प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। अंत में, एक त्वरित कहानी साझाकरण सत्र आयोजित किया गया जिसमें बच्चों और स्वयंसेवकों ने अपने पसंदीदा शिक्षकों की कहानियों को साझा किया। रामानुजन महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग की निदेशक डॉ. शिखा शर्मा की अध्यक्षता में 12 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया गया। बच्चों ने कुछ योग मुद्राएं, स्ट्रेचिंग और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम किए। 7 नवंबर, 2020 को एक कला और शिल्प सत्र की मेजबानी की गई। सत्र की शुरुआत "दिवाली" के महत्व के बारे में बातचीत के साथ हुई। फिर मोमबत्ती बनाने की गतिविधि आयोजित की गई जिसमें बच्चों और स्वयंसेवकों ने वाटर कैंडल्स

बनाई। इसके बाद, बच्चों को पटाखों के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया और उन्हें पर्यावरण की रक्षा करने और पटाखों का उपयोग नहीं करने का संकल्प लेने के लिए कहा गया। 2 जनवरी, 2021 को पार्टी मास्क गतिविधि ऑनलाइन आयोजित की गई जिसमें कुली कैंप, वसंत विहार के बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने रचनात्मक पक्ष को प्रदर्शित किया। बच्चों और स्वयंसेवकों ने रंगीन कागजों का प्रयोग कर पार्टी हेतु मुखौटे बनाए। समिति ने 16 नवंबर, 2020 को कुली कैंप के बच्चों के साथ पतंग बनाने की गतिविधि का आयोजन किया। इस गतिविधि का हिस्सा बनने के लिए कुल 6 विद्यार्थी और लगभग 23-24 स्वयंसेवक ऑनलाइन शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मकर संक्रांति के पर्व पर जागरूकता फैलाने के साथ हुई। इसके बाद पतंग बनाने की गतिविधि आयोजित की गई। बच्चों ने इस तरह की खूबसूरत पतंगें बनाकर अपने रचनात्मक कौशल का परिचय दिया और उन्हें बहुत ही नवीन रूप से रंगों की मदद से सजाया। 26 जनवरी, 2021 को एक ऑनलाइन गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कुली कैंप के बच्चों ने उन स्थानों की विशाल विरासत और क्षेत्रीय संस्कृति के बारे में बात की जहां वे हैं। इसके बाद प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। 8 मार्च, 2021 को समिति ने वृद्धाश्रम पंचवटी में अपना पहला कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें वृद्धाश्रमों तक हमारी पहुंच का विस्तार किया गया और समाज के विभिन्न वर्गों में हमारी सेवाओं का विस्तार किया गया। महामारी की शुरुआत अपने साथ लोगों के जीवन में कई चुनौतियाँ लेकर आई। उनमें से एक मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं थीं। समाज में एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए, विद्यार्थियों ने एक सुरक्षित स्थान बनाने के बारे में सोचा जिसमें मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विचारों पर चर्चा की गई। समिति ने "सेल्फ-केयर सेंडें" नामक साप्ताहिक सत्र आयोजित किए और कम चर्चा वाले विषयों पर चर्चा करने का प्रयास किया ताकि बच्चों और सभी स्वयंसेवकों के लिए एक जीवंत, सूचनात्मक, विकसित और स्वस्थ वातावरण बनाए रखा जा सके। पहला सत्र 15 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया था। इसके बाद "व्हाट टू डू व्हेन थिंग्स डॉट गो अवरर व्वे", "तनाव प्रबंधन", "बुलायइंग", "पीर प्रेशर", "सेल्फ-लव" और कई अन्य जैसे विषयों पर कई सत्र आयोजित किए गए हैं। रामानुजन महाविद्यालय की गर्ल अप सोसायटी ने यश सेवा समिति के सहयोग से प्रोजेक्ट एज्रा का आयोजन किया। यह परियोजना कोविड-19 महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित दिल्ली के बाहरी इलाके में स्थित वंचित समुदायों की मदद करने के लिए धन जुटाने के लिए एक मजेदार और कलात्मक पहल थी। यह प्रोजेक्ट 21 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2020 तक जारी रहा। इसी सोसाइटी ने यूपीएवाई एनजीओ के सहयोग से प्रोजेक्ट शिक्षा का आयोजन किया। इस महामारी के बीच वंचित विद्यार्थियों को शिक्षा तक पहुंच बनाने में मदद करने के लिए यह परियोजना एक समृद्ध पहल थी। इस परियोजना के तहत सोसाइटी के 14 सदस्यों ने कुछ मुख्य सदस्यों के साथ 5 मार्च, 2021 से शुरू होकर 3 सप्ताह तक यूपीएवाई एनजीओ के साथ इंटर्न के रूप में काम किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों और पत्रिकाओं के डेटाबेस की ओपेक-आधारित सर्च के लिए दो पुस्तकालय कियोस्क डुअल कोर रखे गए हैं। इसने मैनुअल खोज(सर्च) की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। वाई-फॉई और इंटरनेट सुविधाओं के साथ विद्यार्थियों के वाचनालय और फैकल्टी लाउंज में लगभग 30 लैन कनेक्टेड डेस्कटॉप स्थापित किए गए हैं। इन कंप्यूटरों का उपयोग विभिन्न पुस्तकालय लिंक तक पहुंचने के लिए किया जाता है, जिन्हें महाविद्यालय ने एन-लिस्ट, डेलनेट, एनडीएल और एनपीटीईएल की सदस्यता ली है। पुस्तकालय ने महाविद्यालय की वेबसाइट के भीतर एक वेबपेज बनाया है, जो महाविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए सभी ई-संसाधनों से जुड़ा हुआ है। यह महामारी प्रेरित लॉकडाउन के दौरान विशेष रूप से उपयोगी रहा है। वेबपेज लिंक: <https://sites.google.com/view/e-libraryrmj> पुस्तकालय के रिसर्च काउंटर पर एक वाइडस्क्रीन एलईडी टेलीविजन रखा गया है, जिसका उपयोग पुस्तकालय की महत्वपूर्ण जानकारी, नियमों और विनियमों को एक लूप में प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। महाविद्यालय ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए 10 किंडल ई-बुक रीडर खरीदे हैं।

संकाय संख्या

: 126

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.23,81,20,000

प्रयुक्त : ₹.23,99,87,595

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने अपने टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) के माध्यम से एक कुशल इन-हाउस लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के साथ मिश्रित टीचिंग-लर्निंग का बीड़ा उठाया है। एलएमएस मुख्य रूप से प्रतिभागियों के अनुकूल है और सीखने के परिणामों के साथ न्याय करने के लिए मूल्यांकन विधियों और व्यापक फीडबैक सिस्टम को शामिल करता है। पिछले एक वर्ष में, महाविद्यालय ने 65 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। अधिक जानकारी के लिए, लिंक: <https://ramanujancollege.ac.in/list-of-online-programmes-conducted-under-tlc/> पर जाएँ। इसके अलावा, 35 से अधिक संकाय सदस्य टीएलसी द्वारा आयोजित एफडीपी/ओरिएंटेशन/इंडक्शन/कार्यशालाओं में ऑनलाइन मॉड्यूल बनाने में शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए, लिंक: <https://ramanujancollege.ac.in/wp-content/uploads/2021/05/List-of-Faculty-involved-in-online-creation.pdf> पर जाएँ। वेबिनार की एक शृंखला आयोजित करने के अलावा, फेस्ट और अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं, महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन मोड में अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की एक शृंखला की अवधारणा और लॉन्च करके अपने कौशल को उन्नत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। विद्यार्थियों के लिए पहला ऑनलाइन कोर्स: "रिसर्च डेटा एनालिसिस पर 30 घंटे ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स" को पूरे भारत (15-21 जून 2020) से 903 प्रतिभागियों की भागीदारी के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। कुछ अन्य कार्यक्रमों में शामिल हैं: गणितीय विज्ञान फॉउंडेशन के साथ 7 दिनों का ऑनलाइन कोर्स 'माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल: जीरो टू हीरो' (21 सितंबर - 7 अक्टूबर, 2020) (प्रतिभागियों की संख्या: 303); गणितीय विज्ञान फॉउंडेशन (4-17 अगस्त, 2020) के सहयोग से आयोजित "माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल पर डेटा विश्लेषण के साथ शुरुआत करना" पर 10 दिनों का ऑनलाइन पाठ्यक्रम (प्रतिभागियों की संख्या: 280); "आर और एमएस एक्सेल का उपयोग कर अनुसंधान और डेटा विश्लेषण 2.0" पर 25 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स / कार्यकारी विकास कार्यक्रम (27 जनवरी -6 फरवरी, 2021) (प्रतिभागियों की संख्या: 123); और 1 फरवरी, 2021 से प्रसन्नता पर 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (प्रतिभागियों की संख्या: 61)। रामानुजन महाविद्यालय ने 3 मार्च, 2021 को आईक्यूएसी ऑडिट किया। अनुभवी शिक्षाविदों के एक सम्मानित पैनल ने आईक्यूएसी के कामकाज और प्रलेखन का मूल्यांकन किया। पैनल ने सभी आंतरिक सदस्यों के साथ व्यापक बातचीत की, आईक्यूएसी की पहल की सराहना करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और भविष्य की योजनाओं के लिए सुझाव दिए।

रामजस महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एक सराहनीय विरासत के साथ रामजस महाविद्यालय भारत में शिक्षा के लिए उत्कृष्टता के मुख्य केंद्रों में से एक बन गया है। स्थापना के बाद से, महाविद्यालय सभी विद्यार्थियों को उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और सहानुभूति, लैंगिक समानता, पर्यावरण चेतना और पेशेवर नैतिकता के मूल्यों को विकसित करने का प्रयास करता है। विद्यार्थियों ने कोविड -19 महामारी की बाधाओं के बावजूद, पढ़ाई के साथ-साथ खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में प्रशंसा लाकर हमें गौरवान्वित करना जारी रखा है। शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के दौरान, 03 पुस्तकें और 71 शोध शोध प्रकाशित किए गए हैं; 4 शोध परियोजनाएं प्रदान की गईं, 1 पेटेंट दायर किया गया, 3 आयोजित सम्मेलन किए गए और 31 सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां/आमंत्रित वार्ता पूरी की गई। iii. रसायन विज्ञान विभाग ने 3-4 फरवरी, 2021 से प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए प्रयोगशाला कौशल विकास पर एक कार्यशाला आयोजित की। एक

जीवंत महाविद्यालय पत्रिका आनंद पर्वत को 07 सितंबर, 2020 को जारी किया गया था। फोकस, रामजस महाविद्यालय की फिल्म और फोटोग्राफी सोसायटी ने 29 दिसंबर, 2020 को एक पत्रिका का विमोचन किया द फाउंड आर्ट्स सोसाइटी मेलेंज ने अपने न्यूज़लेटर - 'औरोरा' का पहला संस्करण जारी किया।

सम्मान / गौरव

डॉ. अमीश कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग को "शेयर्ड अनसेस्ट्री ऑफ कोर-हिस्टोन सबयूनिट्स एंड नॉन-हिस्टोन प्लांट प्रोटीन्स जिसमें जिसमें हिस्टोन फोल्ड मोटिफ (एचएफएम) होता है" पर जैव सूचना विज्ञान (आईएनसीओबी) 2020 (वर्ल्ड वाइड वेब; 25-27 नवंबर 2020 तक) पर 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शीर्ष 5 सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

प्रकाशनों की कुल संख्या : 74

पुस्तकें प्रकाशित: 03

कौर, एच., तोतेजा, आर., और मखीजा, एस. (2021). इम्यूनोलॉजी की पाठ्यपुस्तक। आईके/डब्ल्यूआईएलईवाई। कुमार, एस., कुमार, ए. मुखर्जी, एस. और वंदना (2020): पौधों के लिए विश्लेषणात्मक तकनीकों की पाठ्यपुस्तक ; न्यूरे, भारत। आईएसबीएन:978-81-940687-0-9.

चक्रवर्ती, एम. (2021) एहसास मेरी कलाम से। दिल्ली, भारत। आईएसबीएन: 978-81-949311-8-8.

शोध शोध : 71

बाबू, एस. सिंह, एम.ओ.के (2021). कल्चरल एंटोमोलॉजी एंड एडिबल इंसेक्ट डायवर्सिटी इन वेटलैंड इकोसिस्टम : लुशी पैट बेसिन, मणिपुर से एक केस स्टडी। इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज (आईजेटीके), 20(1), 180-190.

भानु मूर्ति, के.वी और गोयल, एस.(2020). "ए स्टडी ऑफ मॉर्केट माइक्रोस्ट्रक्चर ऑफ इंडियन मॅनी मार्केट", मुद्रा : वित्त और लेखा जर्नल, (7) 2, जुलाई-दिसंबर 2020, 31-54.

भारद्वाज, ए.आर., पांडे, आर. अग्रवाल, एम., कटियार-अग्रवाल, एस. (2021). नॉर्दर्न ब्लॉटिंग टेक्निक फॉर डिटेक्शन एंड एक्सप्रेसन एनालिसिस ऑफ एमआरएनए और स्मॉल आरएनए। मैथेड्स इन मॉलिकुलर बायोलॉजी, 2070, 155-183.

भास्करन, एस., सिंह, एम., नेगी, एम.एस, गुप्ता, एस.के (2021). इम्प्रूव्ड इलेक्ट्रोकेमिकल परफॉर्मेंस ऑफ निकल कोबाल्टाइट/मल्टी-वालड कार्बन नैनोट्यूब कम्पोजिट एज ए हाइब्रिड इलेक्ट्रोड फॉर सुपर कैपेसिटर। जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स 154, 110107.

भट्टाचार्य, ए., मौर्य, एस.के, और भट्टाचार्य, एन. (2020). पांचवें मानव मलेरिया परजीवी का उद्भव, प्लास्मोडियम नोलेसी : सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक नया खतरा? एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन इन्फेक्शंस डिजीज, 05, 49-53.

भट्टाचार्य, एन. मौर्य, एस.के, भट्टाचार्य, ए., सेनापति, एस. (2020) ड्रग रिपरपजिंग पर एक समीक्षा: मानव कोरोनावायरस रोग(कोविड-19) के इलाज के लिए एक रणनीति। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल डिजीज एंड हेल्थ, 41, 42-54.

देव, वी., चेतिया, ए.आर, डेका, बी., और गोवर, जी. (2020). फोरकास्टिंग ट्रांसमिशन डायनेमिक्स ऑफ कोविड-19 इन इंडिया अंडर कॉन्टैनमेंट मीजर-ए टाइम-डिपेंडेंट स्टेट-स्पेस एसआईआर एप्रोज। सांख्यिकी और अनुप्रयोग, 18(1बी), 157- 180.

गोयल, बी., सभरवाल, ए., और ढींगरा, एन. (2021). किशोरों के समायोजन व्यवहार पर माता-पिता की मानसिक समस्याओं का प्रभाव : स्कूली विद्यार्थियों की सूची के माध्यम से एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 10(1), 15-18.

गुप्ता, ए. (2020), "कोरोना वायरस महामारी : सेक्स वर्क्स के लिए खतरा अथवा एक अवसर", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी", 4(6), 191-195.

गुप्ता, के.के, झा, ए.के, सिंह, एस.एस (2020). क्वार्क ग्लूऑन प्लाज्मा (क्यूजीपी) इवोल्यूशन अंडर लूप कोरेक्शन्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन फिजिक्स एंड एप्लाइड साइंसेज, 8(6), 13-18, ई-आईएसएसएन: 2348-3423.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : 01

रामजस आर्थिक समीक्षा (आईएसएसएन 2582-6093 ऑनलाइन)

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या: 02

अनुसंधान परियोजनाएं : 04

डॉ. चारु डोगरा रावत, प्राणिविज्ञान विभाग। वित्त पोषण एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। वर्ष/अवधि: मार्च, 2018- सितंबर, 2021 शीर्षक: माइक्रोबियल बायोरेमेडिएशन टेक्नोलॉजी का उपयोग करके हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एससीएच) डंपसाइट का उपचार और सुधार। संस्वीकृत धनराशि: रु. 16.8 लाख।

डॉ. अंकुर भारद्वाज, वनस्पति विज्ञान विभाग। वित्त पोषण एजेंसी: इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। वर्ष/अवधि: 2021 (एक वर्ष मई, 2020-जून, 2021)। शीर्षक: जिनोम-वाइड आईडेंटिफिकेशन ऑफ डिफरेंशियली एक्सप्रेसड जीन्स फ्रॉम होस्ट एंड पैथोजेन ड्यूरिंग टोलरेंट एंड सेंसेप्टाइल इंटरैक्शन्स बिटविन सेफप्लावर एंड फुसैरियम ऑक्सीस्पोरम एफ. एसपी कार्थमी। संस्वीकृत धनराशि : पांच लाख।

डॉ. सुमन शर्मा, वनस्पति विज्ञान विभाग। वित्त पोषण एजेंसी: एफआरपी-आईओई, दिल्ली विश्वविद्यालय। शीर्षक: ट्रेसिंग जिनोमिक चेंजेज ड्रिवेन बाय रिसेंट होल जिनोम डुप्लिकेशन इवेंट, वर्ष/ अवधि: दिसंबर, 2020-जून, 2021 संस्वीकृत धनराशि: पांच लाख।

डॉ. मौसमी बोस और डॉ. अमित प्रधान, दर्शनशास्त्र विभाग। वित्त पोषण एजेंसी : भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद। वर्ष/अवधि: 2020/30 महीने। शीर्षक: सिस्टेमेटिक एनालिसिस एंड एप्रोच टू न्यूरो-वेलनेस सॉल्यूशन। संस्वीकृत धनराशि पांच लाख।

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट : एक

राष्ट्रीय पेटेंटों की संख्या और शीर्षक - डॉ. सुरेश कुमार एट अल. (वनस्पति विज्ञान विभाग) फॉइलड ए नेशनल पेटेंट ऑन एंटीबैक्टेरियल कम्पाउंड फ्रॉम अचिल्ले मिल्लेफोलिअम।

सेमिनार का आयोजन

आईक्यूएसी, रामजस महाविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन टीचिंग प्लेटफॉर्म पर वेबिनार सीरीज, 07-08 अगस्त, 2020। अध्यक्ष: डॉ. अमित सहगल (हंसराज महाविद्यालय)।

कोरोना महामारी और ऑनलाइन शिक्षा: पक्ष और विपक्ष 07 सितंबर, 2020। अध्यक्ष: प्रो. पंकज अरोड़ा (सीआईई, शिक्षा विभाग)

महिला विकास समिति द्वारा आयोजित

महिला कानूनों और अधिकारों पर वेबिनार 16 जनवरी, 2021 सुशीला, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली (एनएलयूडी), सेंटर फॉर स्टडी ऑफ कंज्यूमर लॉ एंड पॉलिसी की रिसर्च डायरेक्टर और प्रोजेक्टर डायरेक्टर, चेंयर ऑन कंज्यूमर लॉ, एनएलयूडी।

स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने पर कार्यशाला 13 फरवरी, 2021 (विशेष रूप से महिला विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए)। डायटीशियन अल्पना वर्मा, डॉ. अनुपमा गोंडू, रेजिडेंट ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट, हिंदू राव चिकित्सालय, दिल्ली और डॉ. किरण रमन गोयल, कंसल्टेंट ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली।

वेलनेस एंड काउंसलिंग यूनिट द्वारा आयोजित

समग्र कल्याण सत्र, 30 जनवरी, 2021. डॉ. सीमा मिधा, एक प्रसन्नता कोच और मनोचिकित्सक, सुश्री प्रगति जालान सुरेखा, एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और सुश्री सुनैना रेखा, एक योग और फिटनेस विशेषज्ञ और सुश्री प्रीति सिंह, संस्थापक सत्व राष्ट्र।

आयोजित सम्मेलन : 03

गणित के इतिहास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20 दिसंबर-22 दिसंबर, 2020, आईएसएचएम।

अर्थशास्त्र विभाग का 19वां वार्षिक शीतकालीन सम्मेलन। 20 फरवरी, 2021.

प्राणि विज्ञान विभाग के डॉ. हेलियनथस वर्मा ने 3 से 5 फरवरी, 2021 तक "माइक्रोबियल वर्ल्ड: रिसेंट डेवलपमेंट्स इन हेल्थ, एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंटल साइंस" पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) और इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कंटैमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) का 61वां वार्षिक आयोजित सम्मेलन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. चारु डोगरा रावत, प्राणि विज्ञान विभाग, आमंत्रित वार्ता: माइक्रोब असिस्टेड बायोरेमेडिएशन में चुनौतियों पर काबू पाना - एक जीनोमिक दृष्टिकोण। द एनर्जी एंड रिसोर्सिंग इंस्टिट्यूट (टीईआरआई), दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) और इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कंटैमिनेशन रिसर्च (आईएनएससीआर) का 61वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 05 फरवरी, 2021.

डॉ. विशाल देव, सांख्यिकी विभाग ने 24-28 फरवरी, 2021 के दौरान आईसीएआर-एनएएआरएम, हैदराबाद में एसएससीए (ऑनलाइन), विस्टा-2021 के 23वें वार्षिक सम्मेलन में "डायनेमिक प्रेडिक्शन्स फ्रॉम ज्वाइंट मॉडेल्स-एन अल्टरनेटिव टू मल्टी-स्टेट डिजीजन-एनालायटिक मॉडेल्स फॉर कॉस्ट-इफेक्टिवनेस एनालिसिस" पर वार्ता की।

डॉ. पूजा झा मैती (वनस्पति विज्ञान विभाग) ने बिअर्थात ग्रुप ऑफ कॉलेजज, राजस्थान, भारत में 17 दिसंबर, 2020 को बीआईसीओएन-2020 में "इस महामारी के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में औषधीय पौधों की भूमिका" विषय पर वार्ता की।

डॉ. सुरेश कुमार (वनस्पति विज्ञान विभाग) ने सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंट, हेल्थ, अवेयरनेस ऑफ न्यूट्रिशन एंड टॉक्सिकोलॉजी(एसईएचएटी) द्वारा आयोजित एथनोबोटनी एंड ड्रग डिस्कवरी इन द वेबिनार एथनोबोटनी एंड फॉर्माकोलॉजी बायोएक्टिव कंपाउंड्स एंड सेफ्टी इवैल्यूएशन पर वार्ता की, 27 अप्रैल, 2021.

डॉ. सविता बरगुजर, रसायन विज्ञान विभाग ने रसायन विज्ञान, राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा 20-21 अप्रैल, 2021 को आयोजित "रिथिंकिंग साइंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 पेनेडेमिक ऑन द मार्जिनलाइज्ड सेक्शन्स इन इंडिया" पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सारिका मलिक, रसायन विज्ञान विभाग ने नागार्जुन साइंस एंड एनवायरनमेंटल फोरम द्वारा 2-3 अक्टूबर, 2020 को आयोजित "विज्ञान, कला, फॉर्मसी, शिक्षण, वाणिज्य, मानविकी, इंजीनियरिंग और टेक-2020 के समावेश के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत" पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "राष्ट्रीय राजधानी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विकेंद्रीकरण पर अध्ययन" पर मौखिक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. पूजा गुप्ता (वनस्पति विज्ञान विभाग) ने 8-9 मई, 2020 को ईएनवीआईएस-आरपी, वन्यजीव विज्ञान संस्थान, ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित जैव विविधता, वन्यजीव और पारंपरिक ज्ञान पर वेबिनार में पर्यावरण संरक्षण में पारंपरिक ज्ञान की भूमिका- चुनौतियां और भविष्य की संभावनाओं पर (मौखिक) प्रस्तुत की।

डॉ. नीलू आनंद झा और विनोद कुमार (प्राणि विज्ञान विभाग) : लॉन्ग टर्म कॉन्सेक्वेन्स ऑफ कॉन्सटेंट ब्राइट लाइट एनवायर्मेंट ऑन रिप्रोडक्शन एंड एसोसिएटेड बिहेवियर्स इन ज़ेबरा फिच। इंटरनेशनल कॉल्लोक्विअम ऑन रेगुलेटरी मेकेनिज्म अंडरलायडिंग बिहेवियर, साइकोलॉजी एंड डेवेलपमेंट। 24-26 मार्च, 2021, प्राणि विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत।

डॉ. हेलियनथस वर्मा (प्राणि विज्ञान विभाग) ने 3-5 फरवरी, 2021 से "माइक्रोबियल वर्ल्ड: रिसेंट डेवेलपमेंट्स हेल्थ, एग्रीकल्चर एंड एनवायर्नमेंटल साइंस" पर एसोसिएशन ऑफ माइक्रो बायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) एंड इंडियन नेटवर्क फॉर सॉयल कंटेमिनेशन रिसर्च(आईएनएससीआर) के 61वें वार्षिक सम्मेलन में "इनसाइट्स इनटू द इवोल्यूशन ऑफ ड्रग रेजिस्टेंस एंड पोटेन्शियल ड्रग टारगेट्स ऑफ माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस यूजिंग कॅम्पेरेटिव जीनोमिक्स" पर प्रस्तुति दी

नीलिमा, (गणित विभाग) एक्जिसटेंस एंड युनिक्वेनेस फॉर ए क्लास ऑफ एसपीडीई ड्रिवेन बाय लेवी न्वाइज, बर्नोली-आईएमएस वन वर्ल्ड सिम्पोजियम 2020, 24 अगस्त, 2020-28 अगस्त, 2020.

वीरेंद्र, (गणित विभाग) बेसेस एंड फ्रेम्स इन क्वाटरनियोनिक हिल्बर्ट स्पेसेस, इंटरनेशनल वीडियो कॉन्फ्रेंस जनरलाइज्ड इंटीग्रेशन एंड इट्स एप्लीकेशन्स, बीयूपी, मैक्सिको, 26 अगस्त, 2020-28 अगस्त 2020।

देशपांडे, ए. और अपूर्व गुप्ता, (अर्थशास्त्र विभाग), अर्थशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 जनवरी 2021 को आयोजित आर्थिक सिद्धांत और नीति में समकालीन मुद्दों पर "नकुशा: पुत्र-वरीयता, संसाधन एकाग्रता और शिक्षा में लैंगिक अंतराल", अनुसंधान संगोष्ठी।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

रामजस महाविद्यालय एवं अन्य के सहयोग से 22 मई, 2021 को पर्यावरण विज्ञान विभाग, एम.एल. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित जैव विविधता दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (डॉ. सुरेश कुमार, सदस्य आयोजन समिति)।

रामजस महाविद्यालय एवं अन्य के सहयोग से 5 जून, 2021 को पर्यावरण विज्ञान विभाग, एम.एल. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान) द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन (डॉ. सुरेश कुमार, सदस्य आयोजन समिति)।

नियोजन विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 127 (41%)

कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 84

पुस्तकालय विकास

ई-जर्नल्स और ई-बुक्स- पुस्तकालय ने एनलिस्ट सदस्यता के माध्यम से विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को ई-जर्नल और ई-पुस्तकें प्रदान कीं। वर्ष 2020-21 के दौरान एनलिस्ट की सदस्यता में पर्याप्त वृद्धि हुई है। संकाय सदस्यों और पी.जी विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा प्रदान किए गए ई-संसाधनों के लिए दूरस्थ(रिमोट) लॉगिन की सुविधा प्रदान की गई है। मुद्रित अध्ययन सामग्री-विद्यार्थियों को आवश्यक अध्ययन सामग्री व्हाट्सएप और ई-मेल के माध्यम से भेजी गई थी क्योंकि विद्यार्थी चल रहे कोविड महामारी के कारण पुस्तकालय का दौरा करने का असमर्थ करें। पूरी तरह से स्वचालित महाविद्यालय पुस्तकालय की आवश्यकताओं को पूरा करने और स्थान खाली करने(फ्री अप) के लिए संचलन काउंटर्स का पुनर्गठन किया गया था।

संकाय संख्या : तदर्थ : 135, नियमित : 89, अस्थायी: 1, पुस्तकालय : 1, प्राचार्य : 1

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.59,42,87,000/-*

प्रयुक्त अनुदान : ₹.59,11,54,954/-

*लेखापरीक्षा के अधीन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

वीरेंद्र, गणित विभाग, एनआईआईपीए, दिल्ली द्वारा 06 अक्टूबर, 2020 - 07 अक्टूबर, 2020 से आयोजित उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए गणित संसाधनों के मिलान पर वर्चुअल कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ।

डॉ. स्मिता भाटिया, प्राणि विज्ञान विभाग] पेपर के लिए क्रिटिकल समीक्षक : निधि चहल, अंजलि गीतदेवी, सुरलीन कौर, रुचि लकड़ा, अंजलि नागेंद्र, टीजी श्रीवास्तव, फ्रांसेस्को डी पास्कली, एरिक रेड्टर, पास्कल क्रेपिएक्स, एम. गौरी देवी, नीना मल्होत्रा, के. मुरलीधर, रीता सिंह (2021)। प्रीव्यूलेटरी ग्रैनुलोसा कोशिकाओं में ग्लूकोज तेज और भंडारण पर गोर्नैडोट्रोपिन का प्रत्यक्ष प्रभाव : पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम के रोगजनन में प्रभाव। मेटाब। क्लीन. एक्सप. 115:154458। डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.metabol.2020.154458>.

डॉ. सुरेश कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग: मुल्तानिमल मोदी (पीजी) कॉलेज, मोदीनगर, गाजियाबाद-यूपी द्वारा 10 अप्रैल, 2020 को आयोजित "ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए आजीविका के लिए हर्बल औषधीय पौधों पर आधारित कूड ड्रग्स" पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम-ईडीपी में औषधीय पौधों में निष्कर्षण और फाइटोकेमिकल विश्लेषण के लिए विशेषज्ञ।

डॉ. आलोक कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग ने 30 सितंबर, 2020 से 09 अक्टूबर, 2020 तक मैत्रेयी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शॉर्ट टर्म कोर्स के दौरान 06 अक्टूबर, 2020 को 'जीवन की नैतिक दुविधाओं को संबोधित' विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. आलोक कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग ने एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में एक सत्र दिया, जिसका शीर्षक है: सहजयोग ध्यान: आंतरिक शांति और सकारात्मकता की खोज करें, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा आत्मान: माइंड, बॉडी एंड सोल क्लब ऑफ श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया। 14 जून, 2020.

राम लाल आनंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

चल रही महामारी के कारण लॉकडाउन के बावजूद शैक्षणिक सत्र 2020-21 फलदायी रहा। हम अपनी महत्वाकांक्षाओं पर केंद्रित रहे और सभी हितधारकों के साथ नियमित संवाद रखते हुए अकादमिक उत्कृष्टता की संस्कृति बनाने के लिए समर्पित रहे। संकाय ने सुचारु रूप से शिक्षण के ऑनलाइन मोड में परिवर्तन किया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए संस्थागत ई-मेल आईडी के साथ जी-सूइट खाता सुविधा और अध्ययन सामग्री साझा करने और मूल्यांकन/प्रश्नोत्तरी आयोजित करने के लिए गूगल कक्षा की सुविधा प्रदान की गई थी। महाविद्यालय ने अपने आई.टी सपोर्ट और बुनियादी ढांचे को बढ़ाया। गूगल मीट, गूगल क्लासरूम, कैनवस, जियोमीट, जूम, फोटो और वीडियो एडिटिंग टूल्स सहित सभी प्लेटफॉर्म को कवर करने वाले ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा के लिए शैक्षणिक सत्र 2020-21 की शुरुआत से पहले सभी संकाय सदस्यों के लिए आईसीटी टूल्स और एलएमएस पर एफडीपी आयोजित किया गया था। आउटगोइंग बैच 2017-20 का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.1% था। वर्ष 2020-21 में विभिन्न कार्यक्रमों में स्वीकृत 886 सीटों के प्रति कुल 871 दाखिले हुए। विद्यार्थियों को एनलिस्ट सदस्यता के माध्यम से पुस्तकालय संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच प्रदान की गई है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए, निर्धारित पुस्तकों को वीएच पठनीय ई-पाठ में परिवर्तित

करने के बाद साझा किया गया था। पाठ्यक्रम संवर्धन के लिए, महाविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए 21 कौशल विकास प्रमाणशोध पाठ्यक्रम (बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के) ऑनलाइन मोड में पेश किए ताकि लॉकडाउन अवधि का रचनात्मक उपयोग किया जा सके। इसके अलावा, कौरसेरा प्लेटफॉर्म पर विद्यार्थियों और फैकल्टी द्वारा 13 विशेष पाठ्यक्रमों सहित कुल 749 प्रमाणशोध पाठ्यक्रम पूरा किए गए। विद्यार्थियों और कर्मचारियों की शारीरिक और मानसिक फिटनेस के लिए 1 जून, 2020 से ऑनलाइन मोड में योग और ध्यान पर एक पाठ्यक्रम चल रहा है। मानव मूल्य, नैतिकता और जीवन कौशल पाठ्यक्रम भी सभी सेमेस्टर-I के विद्यार्थियों को ऑनलाइन मोड में ऑफर किया गया था। करियर काउंसलिंग और नियोजन प्रकोष्ठ(नियोजन सेल) द्वारा प्रवेश परीक्षाओं (कैट, पीओ, एसएससी, सिविल सर्विसेज आदि) की तैयारी के लिए तीन नए शॉर्ट टर्म कोर्स आयोजित किए गए। अन्य नई पहलों के अलावा, सभी कार्यक्रमों के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम पुस्तकों के पूरे सेट के प्रावधान के साथ एक बुक बैंक सुविधा। कर्मचारी परिषद के तहत एक जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी का गठन किया गया है। दो नई पत्रिकाओं "असमी" और "जर्नल ऑफ ह्यूमन वैल्यूज, एथिक्स एंड लाइफ स्किल्स" (मल्टी-डिस्प्लिनरी) को मंजूरी दी गई है। महाविद्यालय ने एक अक्षयनिधि भी शुरू की है जिसके तहत इस वर्ष महाविद्यालय से हितधारकों और जनता से 8 लाख रुपये का दान प्राप्त हुआ है। प्राप्त धन का उपयोग मेधावी विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थीवृत्ति अथवा पुरस्कार के उद्देश्य से किया जाएगा।

सम्मान / गौरव

आरएल महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्कल ने विश्वविद्यालय में 2019-20 सत्र की इवेंट और गतिविधियों के आधार पर गांधीवादी मूल्यों के प्रसार के क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. गुप्ता, गांधी स्टडी सर्कल के संयोजक स्वर्गीय डॉ. देवेंद्र कुमार और बी.ए.(ऑनर्स) हिंदी शोधकार एवं जनसंचार के विद्यार्थी अध्यक्ष दीपक त्रिवेदी को माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. जोशी द्वारा 2 अक्टूबर, 2020 को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में सम्मानित किया गया।

डॉ. वंदना गुप्ता, 8 मार्च, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा प्रदान किए गए माइक्रोबायोलॉजी में बेहतर प्रदर्शन के लिए "अंतर्राष्ट्रीय विशिष्ट महिला वैज्ञानिक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

सुश्री साक्षी तारेख खन्ना ने 20 नवंबर, 2020 को आईएनएससी (इंस्टिट्यूट ऑफ स्कॉलर्स) द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2020 प्राप्त किया।

सुश्री शिखा वर्मा और श्री अरुण कुमार गौतम को 30 जुलाई, 2020 को आईआईटी दिल्ली में समर फैकल्टी रिसर्च फेलो प्रोग्राम 2020 के लिए चुना गया था।

डॉ. शची मीणा, इतिहास विभाग ने सफलतापूर्वक पीएच.डी. (शीर्षक : सत्रहवीं शताब्दी के दौरान मुगल भारत में व्यापार मार्ग, परिवहन और यात्री) को डिफेंड किया और 24 मई, 2021 को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की।

डॉ. प्रतीक कुमार, इतिहास विभाग ने सफलतापूर्वक पीएच.डी (शीर्षक: कृष्ण के कई चेहरे : प्रीमॉडर्न संस्कृत और ब्रज परंपराओं में प्रतिनिधित्व) को डिफेंड किया और 24 जून, 2020 को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

सुश्री सिमरन प्रीत कौर, बी.एससी.(ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी, तृतीय वर्ष को माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा शैक्षणिक सत्र 2020-21 के "सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी" से सम्मानित किया गया।

कस्तूर परिदा, बी.एससी. (ऑनर्स) भू-विज्ञान को 27 फरवरी, 2021 को आयोजित 97वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और प्रमाण शोध से सम्मानित किया गया।

श्री आकाश नायर और सुश्री ज्योति जांगड़ा, बी.एससी.(ऑनर्स) भू-विज्ञान को एल ऑस्टिन वीक्स अंडरग्रेजुएट ग्रांट प्रोग्राम के तहत \$500 के अनुदान प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया।

सुश्री श्रेया शुक्ला तृतीय वर्ष और सुश्री संजना कुमारी द्वितीय वर्ष, बी.एससी.(ऑनर्स) जियोलॉजी को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पेट्रोलियम जियोलॉजिस्ट्स फॉउंडेशन (एएपीजी) स्टूडेंट चैंपियन, दिल्ली विश्वविद्यालय के समन्वयक के रूप में चुना गया।

दो विद्यार्थियों ने आईआईटी-जेएएम(2020) पास किया; श्री आकाश नायर ने एआईआर-58 को स्थान दिया और आईआईटी खड़गपुर में स्थान प्राप्त किया और सुश्री आरुषि रावत ने एआईआर-62 को आईएसएम (आईआईटी धनबाद) में स्थान मिला।

निखिल गुप्ता, बी.एससी.(ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी, ने उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थीवृत्ति(एसएचई) के तहत प्रेरणा विद्यार्थीवृत्ति से सम्मानित किया।

चाणुका निसलंका विजेवर्धना, बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी, ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए नेहरू मेमोरियल विद्यार्थीवृत्ति योजना से सम्मानित किया।

प्रीतिका बरनवाल, बी.एससी.(ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी को स्वच्छ वायु हैकथॉन के लिए नेचर हैक में विचार प्रस्तुत करने के लिए सूचीबद्ध(शॉर्टलिस्टेड) किया गया, स्वच्छ हवा के लिए प्रकृति आधारित नवीन समाधानों की दिशा में नवीन विचारों की खोज करने के लिए स्वच्छ एयर एशिया इंडिया द्वारा 5 जून, 2020 को आयोजित किया गया।

प्रिया भाटिया, बी.एससी.(ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी को 8 फरवरी, 2021 को गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस औरंगाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की माइक्रोबायोपोडियम प्रतियोगिता के लिए "सर्वश्रेष्ठ स्पीकर" से सम्मानित किया गया।

लक्ष्य छाभरा ने एनपीटीईएल पाठ्यक्रम में एलीट+ सिल्वर ग्रेड हासिल किया; एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में भौमिक कौशिक और अनुष्का सिंह को एलीट ग्रेड मिला।

प्रकाशन

शोध लेख : (60)

स्कोपस में अनुक्रमित लेख (यू.जी.सी केयर लिस्ट-II)

अली, एस., शेखर, एस., चंद्रशेखर, टी., यादव, ए.के., अरोड़ा, एन.के., कश्यप, सी.ए., भट्टाचार्य, पी., राय, एस.पी., पांडे, पी., चंद्रशेखरम, डी.(2021)। दिल्ली, भारत के पुराने जलोढ़ मैदानों के भूजल में प्रमुख आयनों रसायन विज्ञान और फ्लोराइड प्रदूषण पर जल-तलछट बातचीत का प्रभाव। जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 130(98), 1-16। <https://doi.org/10.1007/s12040-021-01585-3>.(प्रभाव कारक 1.423).

अल-सोलामी, एफ.आर, वंसल, पी., चेन, बी.वाई, मुराथन, सी., शाहिद, एम.एच (2020). जियोमेट्री ऑफ चेन इनवेरिएंट्स इन स्टैटिस्टिकल राउंड प्रोडक्ट मेनिफोल्ड्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जियोमेट्रिक मेथड्स एंड मॉडर्न फिजिक्स, 7(06), 2050081, आईएसएसएन 0219-8878, 1793-6977. (प्रभाव कारक 1.874).

भाटिया, पी., शर्मा, ए., जॉर्ज, ए.जे., अन्विता, डी., कुमार, पी, द्विवेदी, वी.पी, चंद्रा, एन.एस (2021). ईएसकेएपीई के विरुद्ध औषधीय पौधों की जीवाणुरोधी गतिविधि : एक अद्यतन। हेलियन, 7(2). ई06310. डीओआई: 10.1016/जे.हेलियॉन.2021.ई06310। स्कोपस इंडेक्सड (यूजीसी केयर लिस्ट II)।

जैन, आर. और कुमार, एस. (2021). राष्ट्रीय कैंडेट कोर(एनसीसी): मुख्यधारा के भारत के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) को एकीकृत करने में इसकी भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 67(1). <https://doi.org/10.1177/00195561211006558>. (यूजीसी केयर लिस्ट ग्रुप II).

कौर, एस.पी, गुप्ता, वी. (2020). कोविड-19 वैक्सीन : एक व्यापक स्थिति रिपोर्ट। वायरस अनुसंधान, 288,198114. डीओआई: 10.1016/जे.वायरस.2020.198114। (प्रभाव कारक 2.934).

कुहाड़, यू., गोयल, जी., मोर्य, पी.के, कुहाड़, आर.सी (2020). वेदों में सूक्ष्मजीवाणु : सूक्ष्म जीव विज्ञान का भूला अतीत, भारतीय वैदिक ज्ञान। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 61(1),108-110. (प्रभाव कारक 0.9). मोरिंग, ए, हुड्डा, एस., रघुराम, एन., आध्या, टी.के एट अल(2021). भारत में कृषि और पर्यावरण विज्ञान के लिए नाइट्रोजन चुनौतियां और अवसर। सस्टेनेबल फूड सिस्टम्स में फ्रंटियर्स, 5, 505347. डीओआई: 10.3389/fsufs.2021.505347 (स्कोपस इंडेक्सड).

साक्षी, के. (2020). भारत की चुनौतीपूर्ण डिजिटल क्षमता अब लॉकडाउन में जीने की स्थिति है। एग्यूम जर्नल, 8(9), 291-301. डीओआई: डीओआई: 16.10089.AJ.2020.V8I9.285311.40925. (यूजीसी केयर ग्रुप II).

साक्षी, के., भौमिक., एस., कुमार, एन., गंडोत्रा, वी.(2020). फीडबैक विश्लेषण के लिए एफईईडीयू-एंड्रॉइड आधारित वन स्टॉप सॉल्यूशन। एजियम जर्नल, 8(8), 694-707. डीओआई:16.10089.एजे.2020.V8I8.285311.3969। (यूजीसी केयर ग्रुप II) डबास, एस.सी (2021). दिनकर का वर्तव भव और आपाधर्म। I जेएईएमए, XIII 81-83, आईएसएसएन 0886-9367 (यूजीसी-केयर लिस्ट II).

शर्मा, बी., शहंशाह, एम.एफ.एच, गुप्ता, एस. गुप्ता, वी. (2021). कोविड-19 के निदान में हालिया प्रगति : एक विहंगम दृश्य। रिव्यू ऑफ मॉलिकुलर डाइग्नोस्टिक्स। 21(5), 475-491. डीओआई: 10.1080/14737159.2021.1874354. (प्रभाव कारक 4.096).

सिंह, ए., गुप्ता, वी. (2021) एसएआरसी-सीओवी-2 थेरेप्यूटिक्स: हम एक उपाय से कितनी दूर हैं? फॉर्माकोल रेप। 3,1-19. डीओआई: 10.1007/एस43440-020-00204-0। (प्रभाव कारक 2.754).

यू.जी.सी देखभाल सूची-I जर्नल में अनुक्रमित लेख

डबास, एस.सी (2021). स्वावलंबन और गांधीजी। समसायिकी सृजन, 21:18-19, आईएसएसएन 2320-5733 (यूजीसी-केयर सूचीबद्ध)।

डबास, एस.सी और कुमार, एस.(2021). गांधी जी के आत्मनिर्भरता के आदर्श की वर्तमान प्रसांगिकता। ज्योतिर्वेद प्रस्थानम, 10 (1), 05-08, आईएसएसएन 2278-0327 (यूजीसी-केयर लिस्टेड)।

डबास, एस.सी और कुमार, एस (2021). हिंदी कविता में नई संभावनाओं का द्वार खोलती कृति 'जरूरत खवाब देखने की'। ज्योतिर्वेद प्रस्थानम, 10(1), 53-56, आईएसएसएन 2278-0327 (यूजीसी-केयर लिस्टेड)।

कुमार, आर. (2020). धर्मसत्ता राजसत्ता और सिकारी के संत : शरद जोशी की व्यंग्य दृष्टि। शोध दिशा 51:102, आईएसएसएन 0975-735X। (यूजीसी-केयर लिस्ट 1).

कुमार, आर. (2020). गीतात्मक गद्य का संसार। समसामयिक सृजन, 2:20, आईएसएसएन 2320-5733। (यूजीसी-केयर लिस्ट 1)।

कुमार, आर. (2020). परसाई की व्यंग्य कथाओं के नाट्य रोपंतरण। गगनांचल, 3-4, 91 आईएसएसएन 0971-1430। (यूजीसी-केयर लिस्ट I)।

कुमार, आर. (2020). शिक्षा और सामाजिक बहिष्करण। समसामयिक सृजन, 1,190, आईएसएसएन 2320-5733.(यूजीसी-केयर लिस्ट 1).

कुमार, आर. (2020). सर आर्थर गॉर्डन : फिजी में भारतीय वंशुआ-मजदूर-प्रवासन-व्यवस्था के प्रस्तुतकर्ता, इतिहास शोध पत्रिका, 6(2), 65-84, आईएसएसएन 2319-8818। (यूजीसी केयर लिस्ट I)

कुमार, आर. (2021). आर्टिकुलेटिंग अथॉरिटी एंड आइडियोलॉजी थू बिल्ट स्ट्रक्चर्स: ए स्टडी ऑफ द मॉन्यूमेंट्स ऑफ अकबर एंड शाहजहाँ। द जर्नल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च, मद्रास, XCH-XX, 39-48 आईएसएसएन0022-3301.(यूजीसी केयर लिस्ट I)

संकाय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें/अध्याय : (35)

विकसित ई-सामग्री/एमओओसी :

राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, यूजीसी-एचआरडीसी द्वारा प्रायोजित शिक्षण में ऑनलाइन वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (एआरपीआईटी) के तहत डॉ. राकेश कुमार ने मुगल वास्तुकला पर एमओओसी (संकाय के लिए), कैमरा प्रस्तुति (चतुर्थांश 1-4).

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल

एक नए जर्नल को मंजूरी दी गई है: जर्नल ऑफ ह्यूमन वैल्यूज, एथिक्स एंड लाइफ स्किल्स (बहुविषयक)

ई-पत्रिका/जर्नल अस्मी लॉन्च किया गया है। पहला अंक <https://rlacollege.edu.in/pdf/asmi-e-journal.pdf> पर उपलब्ध है।

हिंदी शोधकारिता एवं जनसंचार विभाग ने "आरएलए समाचार" और "संभव" नामक एक हिंदी पत्रिका प्रकाशित की।

संपादकीय बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 6

अनुसंधान परियोजनाएं : 7

संस्वीकृत नई परियोजनाएं : 2

प्राकृतिक उत्पादों के साथ ईएसकेएपीई रोगजनकों में सिस्टीन बायोसिंथेसिस पाथवे एंजाइम को बाधित करके बायोफिल्म निर्माण को लक्षित करना" (प्रमुख अन्वेषक: डॉ. आर.के. गुप्ता, सह-अन्वेषक: डॉ. विभा गुप्ता, डॉ. प्रेरणा दीवान), 45 लाख रुपये, 3 वर्ष, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीएमआर), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।

दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क में बायोएरोसोल की प्रतिरोधी मेटागेनोमिक प्रोफाइलिंग, (प्रमुख अन्वेषक: डॉ. आर.के. गुप्ता, सह-अन्वेषक: डॉ. सुनीला, डॉ. प्रेरणा दीवान), आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा 3 वर्ष के लिए 56 लाख रुपये तकनीकी रूप से स्वीकृत।

अनुसंधान परियोजनाएं/अनुदान : 5

माइक्रोबायोलॉजी विभाग को स्टार महाविद्यालय अनुदान, 25 लाख रुपये, 3 वर्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के टकुला ब्लॉक में पटिया के आसपास के ग्राम क्लस्टर के लिए बहुआयामी समर्थन योजनाओं का उपयोग करके सतत विकास के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि" (प्रमुख अन्वेषक: डॉ. सीमा गुप्ता; सह-अन्वेषक: डॉ. राकेश कुमार, डॉ. मुक्ता मजूमदार, डॉ. राजेश सचदेव, डॉ. राजेश सचदेव, डॉ. प्रभास पांडे, 1.99 करोड़ रुपये, 3 वर्ष, एमओईएफ एवं सीसी, भारत सरकार द्वारा हिमालयी अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमएचएस)।

पूर्वोत्तर भारत की सुपारी चबाने वाली आबादी के मौखिक माइक्रोबायोम में परिवर्तन और इसका मुख कैंसर के साथ संबंध : चिकित्सीय प्रभाव के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टियम की संभावना, 3 वर्ष आईसीएमआर, भारत सरकार।

कम्युनिकेटिंग द साइंस बिहैंड द फेनोमेना ऑफ एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस टू प्रमोट सोशल अवायरनेस (प्रमुख अन्वेषक: डॉ. प्रेरणा दीवान; सह-अन्वेषक: डॉ. आर.के. गुप्ता), 5 लाख रुपये, 2 वर्ष, आईएमपीआरईएसएस-आईसीएसएसआर, भारत सरकार।

बस्तर, छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूवी) के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव का एक अध्ययन, (प्रमुख अन्वेषक: डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा), 8 लाख रुपये, 2 वर्ष, आईएमपीआरईएसएस-आईसीएसएसआर, भारत सरकार।

महाविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी : 12

अंतर्राष्ट्रीय : 8

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार शृंखला का आयोजन भू-विज्ञान विभाग द्वारा 6 से 7 मार्च, 2021 तक किया गया था, इस कार्यक्रम को संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, चिली और श्रीलंका सहित विश्व के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। वक्ता: प्रो. मौरिस ई. टकर, स्कूल ऑफ अर्थ साइंस, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय, प्रो. निगेल ह्यूजेस, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, प्रो. अशोक साहनी, भू-विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. रॉबर्ट फिंकलमैन, भूविज्ञान विभाग, टेक्सास विश्वविद्यालय, डलास।

27 फरवरी, 2021 को क्लाइमेट चेंज एंड एक्सट्रीम्स पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। अध्यक्ष: डॉ. शिप्रा जैन, पोस्ट-डॉ.क्टरल रिसर्च एसोसिएट, स्कूल ऑफ जियोसाइंस, द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, यू.के। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यू.के., अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार अंडरस्टैंडिंग इंडियन डायस्पोरा : रूट्स, स्ट्रगल्स एंड कंटेम्परेरी रियलिटीज़, अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित, 5 नवंबर, 2020. अध्यक्ष: श्री कपिल कुमार, अध्यक्ष, इतिहास संकाय, इग्नू।

कई मोर्चों पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार लड़ाई: अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक प्रतिधारण के लिए भारतीय डायस्पोरा की लड़ाई।, 20 नवंबर, 2020; अध्यक्ष: श्री रुद्र रामदयाल, वरिष्ठ कार्यकारी, यूएसएमए लिमिटेड, शीर्षक: कई मोर्चों पर लड़ाई: सांस्कृतिक प्रतिधारण के लिए भारतीय प्रवासी की लड़ाई।

इंटरनेशनल वेबिनार टेक्स्ट टू स्क्रीन: एन एजुकेशनल डिस्कशन ऑन लिटरेचर एंड सिनेमा आर्गेनाइज्ड बाय इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी, इन एसोसिएशन विथ उडान, 23 जनवरी, 2021. वक्ता: दिलीप शुक्ला, पटकथा लेखक और निर्देशक; कमलेश के. मिश्रा, विजेता फिल्म निर्माता।

08 फरवरी, 2021 को इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी द्वारा आयोजित प्राचीन भारतीय नाटक के सिद्धांत पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, अध्यक्ष: भारत गुप्त, क्लासिकिस्ट और पूर्व एसोसिएट प्रो. सी.वी.एस।

9 फरवरी, 2021 को यूबीआईक्यूयूआईटीओयूएस, द इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार रस सिद्धांत; अध्यक्ष: भरत गुप्ता, क्लासिकिस्ट और पूर्व एसोसिएट प्रो., सी.वी.एस।

शारीरिक शिक्षा विभाग और आईक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से 23-24 जून, 2020 तक जीवन शैली, वजन प्रबंधन, पोषण और प्रतिरक्षा पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय इंटरएक्टिव वेबिनार का आयोजन किया गया। अध्यक्ष: डॉ. राकेश तोमर, संकाय(शारीरिक शिक्षा), किंग फहद यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स, सऊदी अरब।

राष्ट्रीय : 4

एडमास विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 13 जून, 2020 को आयोजित "शहरी और ग्रामीण शासन: मुद्दे और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी। वक्ता: डॉ. सेबक कुमार जाना, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और समन्वयक, अर्थशास्त्र विभाग में यूजीसी, एसएपी, डीआरएस-1, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, शीर्षक: सुशासन और सतत ग्रामीण विकास: कुछ मुद्दे और विकल्प; डॉ. कमला कांत पाण्डेय, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली। एनसीआर योजना 2020 की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य, एनसीआर योजना बोर्ड, नई दिल्ली, शीर्षक: पोस्ट कोविड शहरी सुशासन।

इतिहास विभाग के सहयोग से सुगम सोसाइटी द्वारा 3 अप्रैल, 2021 को आयोजित 'समावेश और दिव्यांगता' पर राष्ट्रीय वेबिनार, वक्ताओं: अभय, शोध विद्वान, अंग्रेजी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी, वार्ता का शीर्षक : दिव्यांगता कोई बाधा नहीं है-स्वयं का वर्णन करना ; श्री टी.डी. धरियाल, विकलांग व्यक्तियों के लिए पूर्व राज्य आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, अध्यक्ष और मुख्य वक्ता; डॉ. चित्रा कटारिया, चीफ ऑफ रिहैबिलिटेशन सर्विसेज, इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर, वसंत कुंज, दिल्ली, शीर्षक: लोकोमोटर डिसेबिलिटी वाले व्यक्ति के लिए पुनर्वास और सामुदायिक पुनर्एकीकरण; डॉ. बिपिन कुमार तिवारी,

ओएसडी, समान अवसर प्रकोष्ठ और राजनीति विज्ञान के संकाय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, शीर्षक: समावेश और दिव्यांगता।

हिंदी शोधकार एवं जनसंचार विभाग द्वारा 23 सितंबर, 2020 को राष्ट्रीय संगोष्ठी, "वर्तमान समय में हिंदी" का आयोजन किया गया। अध्यक्ष: श्री नीरज कुमार, उप निदेशक, सूचना विभाग। जनसंपर्क और भाषा, हरियाणा।

इंस्टीट्यूशनल एकेडमिक इंटीग्रेटी पैनल और आईक्यूएसी द्वारा 25 जून, 2020 को इनफ्लिबनेट के सहयोग से राष्ट्रीय वेबिनार शीर्षक 'साहित्यिक चोरी के मुद्दे, नीतियां और पता लगाने के उपकरण'; वक्ता: प्रो. जे.पी. सिंह जूरल, निदेशक, इनफ्लिबनेट; श्री मनोज कुमार के. वैज्ञानिक - ई (सीएस), इनफ्लिबनेट।

आयोजित सम्मेलन : 4

अंतर्राष्ट्रीय : 1

महामारी के बाद की शिक्षा और रोजगार पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन: चुनौतियां और अवसर, 4-5 मार्च, 2021 वक्ता: प्रो महेन्द्रन नायर, समकुलपति, सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया; प्रो. बलराम पाणि, संकायाध्यक्ष महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय; श्री भारत भूषण, उद्यमी और सामुदायिक कार्यकर्ता; प्रो. इंदर मोहन कपाही, पूर्व सदस्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; डॉ. रामा, प्राचार्य, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. प्रत्यूष वत्सला, प्राचार्य, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय; श्री शोनल गुप्ता, परियोजना प्रमुख, समर्थ भारत; श्री मुकेश शुक्ला, अध्यक्ष, औद्योगिक विकास संस्थान (आईआईडी); श्री रवि गुप्ता, सलाहकार आईआईडी और समर्थ भारत; श्री प्रवीण आर्य, संस्थापक एफ-टेक; श्रीमती सरिता दुहन, प्रिंसिपल, जोनल मल्टी-डिसिप्लिनरी ट्रेनिंग सेंटर, केवीआईसी; श्री शोनल गुप्ता, परियोजना प्रमुख, समर्थ भारत; एमएस चैत्र, इंडिया स्टडीज यूनिट, सेंटर फॉर एजुकेशनल एंड सोशल स्टडीज, बेंगलुरु; प्रोफेसर गौतम सेन, सेवानिवृत्त। लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स और राजनीति विज्ञान; प्रोफेसर प्रकाश शाह, क्वीन मैरी, यूनिवर्सिटी, लंदन।

राष्ट्रीय : 3

गांधी स्टडी सर्कल और गुजरात विद्यापीठ, मानद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा 28-29 सितंबर, 2020 तक आयोजित "आत्मनिर्भर भारत : एक गांधीवादी परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन।

एनसीसी द्वारा 17-18 अक्टूबर, 2020 तक "राष्ट्रीय एकता के लिए एनसीसी की भूमिका" शीर्षक पर राष्ट्रीय सम्मेलन। वक्ता: लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ, सेवानिवृत्त पीवीएसएम, यूवीएसएम, एसएम, वीएसएम; मेजर जनरल दिलावर सिंह, पूर्व डीजी एनवाईकेएस, मेजर जनरल विक्रम डोगरा, सेवानिवृत्त एवीएसएम, कर्नल सोनम वांगचुक, सेवानिवृत्त एमवीसी, कर्नल अनूप अवस्थी, सीओ-7डीबीएन, ई-समिट'21 तथा 5 सफल एंटरप्रेन्योर स्पीकर्स के साथ: सौरभ जैन, पेटीएम के वाइस प्रेसिडेंट और फन2डू लैब्स के फाउंडर; निक्सन जोसेफ-एसबीआई फाउंडेशन के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी; अर्जुन वैद्य- सेवानिवृत्त वैद्या सीईओ; दीप बजाज- संस्थापक सिरोना और पी बुड्डी; अनिल खेतान-सुनील हेल्थकेयर लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, 26 फरवरी, 2021.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ : 23

अंतर्राष्ट्रीय : 15

वंसल पी. (2020). आईएमएससी चेन्नई, भारत द्वारा 20-26 जुलाई, 2020 तक आयोजित वर्चुअल मैथ फेस्ट (वीएमएफ 2020) में "जियोमेट्री ऑफ चैन इनवेरिएंट्स इन स्टेटिस्टिकल राण्ड प्रोडक्ट मेनिफोल्ड्स" पर पेपर प्रस्तुति।

भाटिया वी.के. (2021). रिसर्च सर्कल मलेशिया द्वारा 14 मार्च, 2021 को आयोजित वेबिनार 'इंडिया सेंट्रल एशिया इन पोस्ट कोविड एरा' में।

भाटिया वी.के. (2021). संगोष्ठी सोसाइटी द्वारा 4-5 मार्च, 2021 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में नई शिक्षा नीति संभावनाएं और अवसर।

भाटिया वी.के. (2021). द न्यू एजुकेशनल पॉलिसी एंड इंडियन एजुकेशन एट यंग रिसर्चर्स इंटरनेशनल वेबिनार को-फाउंडेड बाय जीन मार्टिन प्रोजेक्ट सफॉयर, यूरोपीय युनियन जवाहरलाल नेहरू युनिवर्सिटी ऑन एरियाज ऑफ इंडिया-ईयू कॉपरेशन इन हाइअर एजुकेशन : चेलेंजेज एंड ऑपॉर्चुनिटीज फ्रॉम 8-10 मार्च, 2021

भटनागर के. और शर्मा एस. (2021), "भारत में उच्च शिक्षा पर कोविड -19 महामारी का दीर्घकालिक प्रभाव" पोस्ट महामारी शिक्षा और रोजगार पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में प्रस्तुत: चुनौतियां और अवसर, 4-5 मार्च 2021.

कुहाड़, यू. (2020). श्री मुक्तानन्द महाविद्यालय, महाराष्ट्र, इंडियन एसोसिएशन फॉर साइंस फिक्शन स्टडीज एंड इंडियन साइंस फिक्शन राइटर्स एसोसिएशन द्वारा 20 से 30 जुलाई, 2020 तक आयोजित ऑनलाइन 10 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विचार गोष्ठी - मानविकी, विज्ञान और विज्ञान कथा पर प्रयोग में "मंजुला पद्मनाभन के पलायन के विशेष संदर्भ के साथ विज्ञान कथा में महिलाओं की आवाज" विषय पर एक विशेषज्ञ के रूप में विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित।

कुहाड़, यू. (2020). शेक्सपियर एसोसिएशन, (भारत) द्वारा 28 से 30 जून, 2020 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - रोग का प्रतिनिधित्व: समय और स्थान पर साहित्यिक प्रतिक्रियाएँ, में अध्यक्षता सत्र।

कुहाड़, यू. शेक्सपियर एसोसिएशन, (इंडिया) द्वारा 28 से 30 जून तक आयोजित "रिप्रेजेंटेशन ऑफ डिजीज: लिटरेरी रिस्पांसेस अक्रॉस टाइम एंड स्पेस" शीर्षक से पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "द शैडो ऑफ स्पैनिश फ्लू महामारी ऑन टीएस एलियट की द वेस्ट लैंड" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

लाल, आर. (2020), 21- 26 जून 2020 तक आयोजित गोल्डस्विमिट 2020 में "लद्दाख-एनडब्ल्यू हिमालय में उच्च ऊंचाई वाले क्वाटरनेरी डिपॉजिटों की उत्पत्ति, जलवायु और विवर्तनिक सेटिंग्स की व्याख्या" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

मिश्रा बी (2021). कोविड 19 महामारी : भारत में शिक्षा क्षेत्र के लिए प्रभाव और रणनीतियाँ 'महामारी के बाद शिक्षा और रोजगार पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन: चुनौतियाँ और अवसर' में प्रस्तुत, 4-5 मार्च 2021.

राष्ट्रीय : 5

विश्वविद्यालय स्तर : 3

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

चल रहे विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए टीएचएसटीआई के साथ एम.ओ.यु का नवीनीकरण किया। वैधता अवधि: 5 अगस्त, 2020 से 4 अगस्त, 2023.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विज्ञान सेतु एम.ओ.यु के तहत ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च (एनआईपीजीआर)।

गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली।

सैंट एडमंड्स महाविद्यालय, शिलांग, मेघालय के साथ अनुसंधान सहयोग।

अनुसंधान सहयोग जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अनुसंधान सहयोग, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा, भारत।

भारत में यूरोपीय अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के जीन मोनेट मॉड्यूल और सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज के साथ सहयोग।

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैंपस, बेनिटो जुआरेज मार्ग।

दक्षिण एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

गुजरात विद्यापीठ (मानद विश्वविद्यालय) अहमदाबाद, गुजरात।

राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और कानून विभाग, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, हरियाणा।

टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

श्री आकाश नायर और सुश्री ज्योति जांगड़ा, बी.एससी. (ऑनर्स) एल ऑस्टिन वीक्स अंडरग्रेजुएट ग्रांट प्रोग्राम के तहत भू-विज्ञान को \$ 500 के अनुदान प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया।

नियोजन विवरण

नियोजन के लिए चुने गए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 11 और 2 को शॉर्ट लिस्ट किया गया

कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 5

ऑफर की गई इंटरशिप की संख्या : 72

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

कोविड सहायता: आरएलए की एनएसएस इकाई ने 18 से 25 जनवरी, 2021 तक महाविद्यालय कैंपस में एक दान अभियान का आयोजन किया। एनएसएस ने महाविद्यालय की वेबसाइट और विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रक्त, प्लाज्मा और बिस्तर की उपलब्धता के लिए एक हेल्पडेस्क भी शुरू किया। डॉ. वंदना गुप्ता, माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने जनवरी, 2021 में एक ऑनलाइन कम्युनिटी आउटरीच प्रोजेक्ट "उदिशा: ए न्यू डॉ.न एन एचपीवी वैक्सीन जागरूकता पहल" शुरू किया। इस वेबिनार के तहत उदिशा(युडीआईएसएचए) : एक एचपीवी टीकाकरण पहल, 22 मार्च, 2021 को आयोजित की गई थी। 22 मार्च, 2021 को राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के सहयोग से माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा कैंसर जागरूकता वार्ता आयोजित की गई। वाणिज्य विभाग ने 26 अप्रैल, 2021 को एक वृक्षारोपण अभियान शुरू किया। इस आयोजन का आदर्श वाक्य प्रत्येक दिन को "पृथ्वी दिवस" बनाना और समुदाय में पर्यावरण जागरूकता पैदा करना था। डॉ. रवीश लाल, सहायक प्रोफेसर, भू-विज्ञान विभाग, छह ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए आईआईआरएस-इसरो आउटरीच कार्यक्रम के समन्वयकों में से एक थे।

पुस्तकालय विकास

सत्र 2020-21 में, 625680 रुपये की 852 (पाठ्यपुस्तकें) और 68 (संदर्भ पुस्तकें) खरीदी गईं। जीबी द्वारा बुक बैंक सुविधा के लिए 15 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें सभी प्रोग्रामों के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम पुस्तकों के पूरे सेट को उपलब्ध कराने का प्रावधान है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए, काबो स्कैनर द्वारा स्कैन की गई और वीएच पठनीय ई-पाठ में परिवर्तित निर्धारित पुस्तकों को साझा किया गया। पुस्तकालय के कर्मचारियों को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर, उरकुंड(युआरकेयुएनडी) पर प्रशिक्षित किया गया है।

संकाय संख्या: 90

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.34,90,000,00/- (केवल चौंतीस करोड़ नब्बे लाख)

प्रयुक्त अनुदान : ₹. 29,26,29,000/- (उनतीस करोड़ छब्बीस लाख उनतीस हजार मात्र)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय द्वारा संचालित संकाय/व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (5)

महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशालाएं (11)

विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमाणशोध पाठ्यक्रम : (21)

वैज्ञानिक लेखन और अनुसंधान डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत नैतिकता"

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत जैविक विज्ञान में पायथन

डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना के तहत पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए व्यवहार्य वैकल्पिक तकनीकों की खोज

आधुनिक वेब विकास उपकरण

वेक्टर डिजाइन और एनिमेशन

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित जीएसटी अवधारणाएं और रिटर्न दाखिल करना

शेयर बाजारों में निवेश

"लेटेक्स: द मैथमेटिकल टाइप सेटिंग सॉफ्टवेयर" पर स्किल एन्हांसमेंट सर्टिफिकेट कोर्स

नीति विज्ञान में अनुभवात्मक शिक्षा और सॉफ्ट कौशल विकास पर प्रशिक्षण

दिव्यांगता अध्ययन

मीडिया रिपोर्टिंग के लिए सॉफ्टवेयर संपादन

एक्सेल और टेबल

डेटा विश्लेषण

फुल स्टैक वेब डेवलपिंग और होस्टिंग

विदेशी भाषा - चीनी

विदेशी भाषा - जापानी

हिंदी अनुवाद

रचनात्मक लेखन

प्रतियोगिता कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (बैंक पीओ कोचिंग)

प्रतियोगिता कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (यूपीएससी कोचिंग)

प्रतियोगिता कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (कैट कोचिंग)

विद्यार्थी कल्याण : महाविद्यालय द्वारा निम्न पारिवारिक आय वर्ग के 96 जरूरतमंद विद्यार्थियों के बीच रुपये चार लाख अस्सी नौ हजार तीन सौ बीस (आईएनआर489320/-) का वितरण किया गया।

सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक स्तर 10 से 11(53 शिक्षक) और शैक्षणिक स्तर 11 से 12 (47 शिक्षक) के शिक्षकों की पदोन्नति पूरी की गई और शासी निकाय में स्वीकृत हुई। सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर (14 शिक्षक) के लिए पदोन्नति दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार पूरी कर ली गई है और इसे शासी निकाय में मंजूरी मिल गई है। महाविद्यालय के पुस्तकालय को डी.यू. पुस्तकालय संसाधन से जोड़ने के लिए पुस्तकालय डिजिटलाइजेशन सॉफ्टवेयर शुरू किया गया था।

सम्मान/गौरव

श्री लक्षय बत्रा ने वर्ष 2020 में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सराहनीय अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त किया। श्री लक्षय बत्रा ने गणित में मूल्यों और नैतिकता के लिए आमंत्रित किया "टीईक्यूआईपी-III आर.टी.यू (एटीयू) द्वारा प्रायोजित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 16-20 फरवरी, 2021 तक आयोजित "सार्वभौमिक मानव मूल्य और व्यावसायिक नैतिकता" पर एक सप्ताह की कार्यशाला में एक आमंत्रित भाषण दिया है।

प्रकाशन

निर्मल जिंदल और कमल कुमार, ईडीएस. (2020) अंतर्राष्ट्रीय संबंध: सिद्धांत और व्यवहार, ऋषि, नई दिल्ली।
माथुर आभा (2020). उच्च अनुभव प्रबंधकों को संगठनात्मक चुनौतियों को सहन करने और बहादुर बनाने के लिए तैयार करता है, पीएच.डी. चेंबर जर्नल ऑफ आइडियाज एवं इनोवेशन्स: 1(1), 53-56.

माथुर आभा (2020). मार्केटिंग के सिद्धांत, नई दिल्ली, एनडी, गलगोटिया पब्लिशिंग हाउस।

माथुर आभा (2020). कम्युनिकेशन एंड डॉ.क्यूमेंटेशन इन बिजनेस, नई दिल्ली, एन.डी, गलगोटिया पब्लिशिंग हाउस।

माथुर आभा (2020). मानव संसाधन प्रबंधन, नई दिल्ली, एन.डी, गलगोटिया पब्लिशिंग हाउस।

माथुर ए. (2021). उपभोक्ताओं के बीच हरित उत्पादों के लिए बढ़ती चिंता - एक खोजपूर्ण अध्ययन, एस. श्रुति में, ग्रीन बैंकिंग और पर्यावरण, (1), 123-130, बेंगलुरु, आर्चर्स और लिफ्ट पब्लिशिंग हाउस

कुमार पी., कौसर, माथुर ए., सिंह ए.बी, सिंह आर.(2021). आंतरिक पर्यावरण में जैविक संदूषक और मानव स्वास्थ्य पर उनका प्रभाव। वायु गुणवत्ता, वातावरण और स्वास्थ्य। आईएसएसएन 1873-9326.

यादव एच., राय यू, सिंह आर.(2021). रेडियोफ्रीक्वेंसी विकिरण : पुरुष प्रजनन क्षमता के लिए एक संभावित खतरा, प्रजनन विष विज्ञान (100) 90-100. आईएसएसएन 0890-6238.

नेगी पी., सिंह आर.(2021). प्रजनन स्वास्थ्य और गैर-आयनीकरण विकिरण जोखिम के बीच संबंध। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बायोल मेड. 2021 जनवरी 2; 40(1):92-102. डीओआई: 10.1080/15368378.2021.1874973. इक्यूब. 2021 जनवरी 20, पीएमआईडी: 33471575.

कुमार पी, सिंह आर. (2021). सामान्य और प्रजनन स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में नोवेल कोरोनावायरस (गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस 2): चुनौतियां और अनुसंधान की जरूरत है। जे. रेप्रोड हेल्थक मेड. 2021; 2: S19-S25। आईएसएसएन 2768-1114.

अनुसंधान परियोजनाएं

फाईब्रोडिस्प्लासिया ओसिफिकन्स प्रोग्रेसिवा (एफ.ओ.पी) के उपचार के लिए नोवेल लीड यौगिकों का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 2020 (Co-PI).

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के तहत "प्रवासी मजदूरों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए आत्मनिर्भरता और इसके प्रभाव को समझने का विचार"। कुल बजट (5 लाख)।

इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च (आईसीएचआर) के तहत "बीसवीं सदी के संस्कृत प्रकाशन और गीताप्रेस"। कुल बजट (2.5 लाख)।

डॉ. राम दयाल मुंडा आदिवासी कल्याण अनुसंधान संस्थान (टीआरआई), रांची झारखंड के तहत झारखंड में सोनेट संचाल समाज और टुंडी आश्रम आंदोलन का अध्ययन। कुल बजट (3.5 लाख)।

इंस्टिट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई), दिल्ली विश्वविद्यालय से जनवरी, 2021 में सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में रु. 3.5 लाख का अनुसंधान परियोजना अनुदान प्राप्त किया।

शेठ फाउंडेशन एकेडमी ऑफ इंडियन मार्केटिंग से फरवरी, 2021 में प्रधान अन्वेषक के रूप में रु.1 लाख का अनुसंधान परियोजना अनुदान प्राप्त किया।

सम्मेलन का आयोजन

कोविड-19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य में चुनौतियों और रणनीतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा प्रजनन और प्रजनन क्षमता(आईएसएसआरएफ) के अध्ययन के लिए इंडियन सोसायटी की 31वीं वार्षिक बैठक और आभासी सम्मेलन। सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19 - 21 फरवरी 2021

यूनिवर्सिटी पेरिस डाइरेक्ट, पेरिस, फ्रांस के सहयोग से 17 अप्रैल, 2020 को आयोजित विजुअल कल्चर पर इंटरनेशनल कांग्रेस में शोध शोध प्रस्तुत किया और मधुबनी कोहबर पेंटिंग: ए जेंडर- स्पेसिफिक फोक कल्चर ऑफ नॉर्थ इंडिया पेपर प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

प्रो. निर्मल जिंदल ने पोलिटिको, सत्यवती महाविद्यालय द्वारा 8/1/21 को आयोजित 'ग्लोबल गवर्नेंस' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कोविड-19 में वैश्विक सुशासन' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. निर्मल जिंदल ने 11 अगस्त, 2020 को सोसाइटी ऑफ सोशल एम्पावरमेंट और सीबीयू द्वारा आयोजित 'एशियाई सुरक्षा में तिब्बत की प्रासंगिकता' पर एक भाषण दिया।

प्रो. निर्मल जिंदल ने 27 अप्रैल, 21 को सोसाइटी ऑफ सोशल एम्पावरमेंट और सीबीयू द्वारा आयोजित 'चीन भारतीय संबंधों के बदलते प्रतिमान' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'क्वाड और चीन भारत संबंधों के पुनर्जन्म' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

गुप्ता एस, शर्मा आरएस, सिंह आर. कॉन्ट्रासेप्टिव एंड फैमिली प्लानिंग मेथड्स इन द एज ऑफ कोविड-19. इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन चैलेंजेस एंड स्ट्रैटेजीज इन रिप्रोडक्टिव एंड एनवायरमेंटल हेल्थ विथ स्पेशल रेफरेंस टू कोविड-19 पेनेडेमिक। आभासी सम्मेलन। सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19-21 फरवरी, 2021

हिमांशी, शर्मा आर.एस, सिंह आर. गर्भावस्था पर कोविड-19 के प्रभाव। कोविड-19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में चुनौतियों और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आभासी सम्मेलन। सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19 - 21 फरवरी, 2021.

कुमार पी, सिंह आर. नोवेल कोरोनावायरस (SARS-CoV-2) का सामान्य और प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रभाव। कोविड-19 महामारी आभासी सम्मेलन के विशेष संदर्भ में प्रजनन और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में चुनौतियों और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19-21 फरवरी, 2021.

जांगिड़ पी., शर्मा आर.एस, सिंह आर. एसोसिएशन बिटवीन ओवेरियन फॉलिकल्स अल्टरेशन एंड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन। कोविड-19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में चुनौतियों और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आभासी सम्मेलन। सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19-21 फरवरी, 2021.

कौर पी., शर्मा आर.एस, सिंह आर. कोविड-19 महामारी के दौरान मातृ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं और सुरक्षित मातृत्व पर परिप्रेक्ष्य। कोविड-19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में चुनौतियों और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आभासी सम्मेलन। सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 19-21 फरवरी, 2021.

न्यूकैसल विश्वविद्यालय, न्यूकैसल, यू.के. द्वारा 9 से 11 दिसंबर, 2020 को आयोजित “उपभोक्ता दृष्टिकोण और टिकाऊ पर्यटन व्यवहार पोस्ट कोविड-19 को प्रभावित करने वाले संज्ञानात्मक और भावात्मक पूर्ववृत्त” विषय पर चौथे एमएसपी पर शोध शोध प्रस्तुत किया गया।

टेक्सास विश्वविद्यालय के माइका एंड मूडीज महाविद्यालय द्वारा 7 से 9 जनवरी, 2021 को आयोजित 7वें आईएमसी में “फैशन ब्रांड्स एंड स्टेटस कंजम्पशन : ए स्टडी ऑफ एंटेकेडेंट कंडीशंस” विषय पर शोध शोध प्रस्तुत किया गया।

नियोजन विवरण

सफलतापूर्वक नियोजन पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या :280

कैंपस भर्ती(कैंपस रिक्रूटमेंट) के लिए आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या :20

पुस्तकालय विकास

कुल नियमित बजट : रु.12,06,900/-

पिछले वर्ष की शेष धनराशि : रु.6,95,168.21/-

कुल उपलब्ध शेष धनराशि : रु.19,02,068.21/-

कुल व्यय : रु.1,86,035/-

खरीदी गई नई पुस्तकें : 373

समाचार शोध, पत्रिकाएं और पत्रिकाएं : 48

संकाय संख्या :

स्थायी : 95

तदर्थ : 43

अस्थायी : 01

वित्तीय आवंटन और उपयोग :

संस्वीकृत अनुदान : रु. 41,23,45000/-

प्रयुक्त अनुदान : रु. 41,64,27000/-

सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए, कई शिक्षकों ने भारत और विदेशों में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक और विद्वानों के सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में सहभागिता की और शोध प्रस्तुत किए। उनमें से कुछ ने अकादमिक लेखों और पुस्तकों के लेखक और/अथवा सह-लेखक भी हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों और विषयों में उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले विभिन्न विभागों में विद्यार्थियों की संख्या के साथ महाविद्यालय के शैक्षणिक परिणामों ने लगातार उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। महाविद्यालय ने खेल, एन.सी.सी., नाट्यशास्त्र और वाद-विवाद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। जूडो और भारोत्तोलन में उत्कृष्टता के लिए महाविद्यालय ने बेंचमार्क स्थापित किया है। हमारे विद्यार्थियों ने कुश्ती, भारोत्तोलन, बॉडी बिल्डिंग, कबड्डी, तीरंदाजी और जूडो में अंतर-विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। एन.सी.सी यूनिट ने कैडेटों को गणतंत्र दिवस शिविर, प्रधानमंत्री रैली (2021), अमर जवान ज्योति कैंप (इंडिया गेट), पैरा सेलिंग और पैरा स्लीथरिंग कैंप आदि सहित महत्वपूर्ण अखिल भारतीय शिविरों में भाग लेने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए हैं।

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

कुमार, मयंक एट अल (2021). राजस्थान के ऐतिहासिक परिदृश्य का पुनर्निर्माण : प्रो. जी.एस.एल देवरा के लिए निबंध, आकार बुक्स, नई दिल्ली।

कुमार, एम. (2020). अदृश्य-दृश्यमान: स्रोत, पर्यावरण और इतिहासकार। इन: रंजन चक्रवर्ती (एड।), क्रिटिकल थोम्स इन एनवायरनमेंटल हिस्ट्री ऑफ इंडिया, सेज, नई दिल्ली, पीपी.17-52.

सिंघल, रंजना, आर. (2020). महिलाओं के अधिकारों पर भगवान बुद्ध की अभिव्यक्तियाँ। इन : वीनस जैन (एड.) वीमेन : स्ट्रगल, सरवाइवल एंड सक्सेस, ब्लूम्स बरी, नई दिल्ली।

लेख

अरोड़ा, ए., चक्रवर्ती, पी., भाटिया, एम.पी.एस और मित्तल, पी. (2021), "भारत में कोविड-19 के दौरान ट्विटर के अत्यधिक उपयोग में भावनाओं की भूमिका", जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी इन बिहेविअरल साइंस, 6(2), 370-377.

चक्रवर्ती, पी., मित्तल, पी., गुप्ता, एम.एस, यादव, एस. और अरोड़ा, ए.(2020), "कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर विद्यार्थियों की राय", ह्यूमन बिहेवियर एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, 66, 37-39.

गुप्ता, पी.के और मित्तल, पी. (2020), "कॉर्पोरेट गवर्नेंस एंड रिस्क वंडरलिंग: एविडेंस फ्रॉम इंडियन कंपनियों", यूरोपियन जर्नल ऑफ बिजनेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 6(1)। 37-52.

कश्यप, वी.एस. (2021) हिन्दी उपनयन में किसान प्रतिरोध, आईआरजेएमएसएच, (12), 4.

मित्तल, पी. और रघुवरन, एस. (2021), "उद्यमिता शिक्षा और रोजगार योग्यता कौशल: ई-अध्ययन पाठ्यक्रमों की मध्यस्थता भूमिका", उद्यमिता शिक्षा, 4(2), 153-167.

मित्तल, पी. (2020), "बिग डेटा एंड एनालिटिक्स : ए डेटा मैनेजमेंट पर्सपेक्टिव इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिग डेटा मैनेजमेंट, 1(2), 152.

वर्मा, सी.पी, वंसल, आर. और मित्तल, पी. (2020), "कंट्रोल ऑफ कोविड-19 : ए काउंटर फैकचुअल एनालिसिस", एडमिनिस्ट्रेटिव डेवलपमेंट, जर्नल ऑफ एचआईपीए, शिमला, 7(1), 1-24.

अनुसंधान परियोजनाएं

हिमाचल लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए), हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला, 2020 मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम योजना (एमएमएजीवाई) का हिमाचल प्रदेश में प्रभाव, 5 लाख से कम। पीआई : डॉ. प्रभात मित्तल।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, 2020, पुलिस जवाबदेही, प्रेरणा और नियंत्रण, 5 लाख से नीचे। को-पीआई : डॉ. प्रभात मित्तल।

संगोष्ठियों का आयोजन

डॉ. नीलांजन सरकार, उप निदेशक, दक्षिण एशिया केंद्र, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस, यूनाइटेड किंगडम, इवेंट, ऑब्जेक्ट्स, नैरेटिव्स: औपनिवेशिक भारत में मध्यकालीन हिंदू-मुस्लिम इतिहास, 15 सितंबर, 2020.

प्रो. कुमकुम रॉय, प्रोफेसर, सेंटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज, जे.एन.यू चेंजिंग नैरेटिव्स, चेंजिंग टाइम्स: रीविजिटिंग शकुंतला, 15 सितंबर, 2020.

प्रो. के.एल शर्मा, (सेवानिवृत्त), सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय और जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर ने सामाजिक असमानताओं पर बात की : जाति और वर्ण, 05 फरवरी, 2021.

प्रो. अविजित पाठक, प्रोफेसर, सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल सिस्टम्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ने असमानताओं पर सामाजिक परिप्रेक्ष्य पर बात की, 05 फरवरी, 2021.

शुभा रंजन "कोविड-19 के बाद भारतीय विदेश नीति में प्रमुख परिवर्तन", डिबेटिंग सोसाइटी द्वारा आयोजित, 03 मार्च, 2021.

सम्मेलन का आयोजन

"एसिड अटैक एंड साइबर क्राइम अगेंस्ट वीमेन", राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एन.एस.एस और राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, 23 मार्च, 2021 संयोजक : दुर्गेश वर्मा.

"महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकें", राजनीति विज्ञान विभाग, सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य), 06 सितंबर, 2020 द्वारा आयोजित दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा समर्थित, संयोजक: श्री दुर्गेश वर्मा.

डिबेटिंग सोसाइटी द्वारा आयोजित "संस्कृति, साहित्य और लैंगिक न्याय" पर पैनल चर्चा, 28 मार्च, 2021 संयोजक: श्री दुर्गेश वर्मा।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

कुमार, मयंक, 'एनर्जी रिसोर्सेज: हिस्टोरिकल ट्रैजेक्टरीज' रिसर्च वीक-नेचर, कल्चर एंड पॉलिटिक्स' सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल स्टडीज, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, मिदनापुर द्वारा आयोजित, 12 फरवरी 2020.

कुमार, मयंक, सेंटर फॉर वाटर पॉलिसी सी-पैक्ट द्वारा आयोजित 'रिसर्चिंग वॉटर : मेथोडोलॉजीज इन हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी' पर पैनल चर्चा में चर्चा कर रहे हैं। शिव नादर विश्वविद्यालय, दादरी, 28 जनवरी, 2020.

कुमार, मयंक, केलामिटिज एंड सोशल फॉल्ट लाइन्स', दो दिवसीय वेबिनार में एक वेबिनार व्याख्यान "प्रीकोविड से पोस्ट कोविड युग के लिए अनुकूलन और चुनौतियाँ: मानव इतिहास का एक महत्वपूर्ण समय", इतिहास विभाग, उत्तर वंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। दार्जिलिंग, 11 फरवरी, 2021.

कुमार, मयंक, 'संभावनाएं और बाधाएं: भारत में प्रारंभिक आधुनिक समय का लेखन इतिहास', इतिहास विभाग, अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत, 10 फरवरी, 2021 द्वारा आयोजित स्प्रिंग सेमेस्टर 2021 के लिए व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में एक वेबिनार वार्ता, 10 फरवरी, 2021.

कुमार, मयंक, 'एनवायरनमेंट, हिस्ट्री एंड इट्स पॉलिटिक्स इन पोस्ट-कोलोनियल इंडिया', दरोहर में, हिस्ट्री सोसाइटी का वार्षिक उत्सव, पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 21 अप्रैल, 2021.

कुमार, मयंक, 'राइटिंग्स ऑन अर्ली मॉडर्न राजस्थान : पारोचियल ऑर रिफ्रेमिंग?' श्रृंखला गंगा-जमुनी हेरिटेज में, अलीगढ़ सोसाइटी ऑफ हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी द्वारा आयोजित 18 अप्रैल, 2021 (<https://youtu.be/tHrhmuyp4Oc>)।

मित्तल, प्रभात, "सरकारी 4 सेवाओं की प्रभावशीलता में डिजिटल प्रौद्योगिकी कौशल का विश्लेषण करने के लिए पीसीए पर आधारित एक बहु-मापदंड निर्णय विश्लेषण", 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफन डिसिजन एंड साइंस एंड एप्लीकेशन, डीएसए 2020।

मित्तल, प्रभात, "लोक सेवाओं में सरकार की प्रभावशीलता पर डिजिटल क्षमताओं और प्रौद्योगिकी कौशल का प्रभाव", 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डाटा एनालायटिक्स फॉर बिजनेस एंड इंडस्ट्री : वे टूवर्ड्स ए ससटेनेबल इकॉनमी, आईसीडीएबीआई 2020.

नियोजन विवरण

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) और अंतिम नियोजन दोनों के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या लगभग 250 थी। चूंकि यह शैक्षणिक वर्ष कोविड-19 की महामारी से प्रभावित था, इसलिए किसी भी कैंपस अथवा प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) अभियान को प्रत्यक्ष रूप में संचालित करने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, ऑनलाइन मोड के माध्यम से नियोजन और प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) ड्राइव आयोजित करने के लिए कंपनियों से संपर्क किया गया

और तदनुसार नियोजन प्रकोष्ठ ने सक्रिय रूप से पंजीकृत विद्यार्थियों को ऑनलाइन लिंक साझा किया। निम्नलिखित कंपनियों ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान ऑनलाइन मोड के माध्यम से नियोजन/इंटरनशिप अभियान चलाया है। वे हैं: i) ओकेया पावर प्राइवेट लिमिटेड (1 अक्टूबर, 2020 को); ii) प्रोसेस सर्विसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड नियोजन ड्राइव के लिए (21 दिसंबर, 2020 को); iii) लर्न वेल ऑर्गेनाइजेशन फॉर इंटरनशिप संगठन (21 जनवरी, 2021 को); लाइव 101.in ऑर्गेनाइजेशन फॉर इंटरनशिप (15-03-2021 को); और iv) इंटरनशिप के लिए एल्गोरिथम इंटरनेशनल स्कूल ऑफ मैथमेटिक्स एंड प्रोग्रामिंग (अप्रैल 2021 के पहले सप्ताह के दौरान)।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने अपने संग्रह में विभिन्न विषयों पर 1030 नई पुस्तकें शामिल की हैं। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की छह पत्रिकाएं, नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए एक पत्रिका (रिलायंस दृष्टि), बाईस पत्रिकाएं और तेईस समाचार शोध शामिल हैं। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को परेशानी मुक्त पहुंच प्रदान करने के लिए पुस्तकालय ने 10 भाषाओं में 14 आवाजों के साथ इंडो-एन.वी.डी सॉफ्टवेयर स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर को भी सब्सक्राइब किया है। पुस्तकालय एन-लिस्ट कार्यक्रम का भी सदस्य है। यह कार्यक्रम एमएचआरडी द्वारा एनएमईआईसीटी के तहत चयनित ई-संसाधनों तक महाविद्यालयों पहुंच बढ़ाने के लिए वित्त पोषित है। यह यूजीसी-इन्फोनेट-डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के तहत वर्ष 2014 से यूजीसी द्वारा वित्त पोषित किए जा रहे महाविद्यालय घटक के रूप में शामिल हो गया है। पुस्तकालय उपलब्ध संग्रह के लिए उपयोगकर्ताओं को एक खुली पहुंच सुविधा और ओपेक सुविधा प्रदान करता है। इसने नियत तारीख के बाद पुस्तकों की वापसी के लिए ऑनलाइन भुगतान करने के लिए पेटीएम सुविधा भी शुरू की है। हाल ही में पुस्तकालय ने उपयोगकर्ताओं के लिए 5 नए जर्नल और पत्रिका अनुभाग खोले हैं, जहां वे पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और जर्नल को पढ़ सकते हैं। विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच आसान प्रसार के लिए पिछले वर्ष के प्रश्न शोध भी डिजिटल रूप में उपलब्ध कराए गए हैं।

संकाय संख्या : 101 संस्वीकृत

ओपन लर्निंग स्कूल

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए एस.ओ.एल में स्नातक और स्नातकोत्तर प्रोग्राम में लगभग एक लाख नए विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने कोरोना-19 महामारी के बावजूद शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के लिए अपने प्रोग्रामों में सीबीसीएस सेमेस्टर सिस्टम के तहत ऑनलाइन व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया। एसओएल कार्यक्रमों की अध्ययन सामग्री सीबीसीएस सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार तैयार की गई थी और एसओएल के विद्यार्थियों के लिए और अन्य नियमित महाविद्यालयों के लाभ के लिए सॉफ्टकॉपी एसओएल की वेबसाइट पर अपलोड की गई। इसके अलावा, एसओएल ने एसओएल विद्यार्थियों के असाइनमेंट आधारित मूल्यांकन का आयोजन किया और शैक्षणिक सत्र 2019-2020 के लिए एसओएल विद्यार्थियों की ओपन बुक परीक्षा आयोजित करने में परीक्षा शाखा की मदद की। एसओएल में प्रवेश से लेकर परीक्षा के आयोजन, परिणाम, मार्कशीट/अनंतिम प्रमाण शोध आदि सभी गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है।

प्रकाशन

अरोड़ा, पी., और साहू, आर.के (2020). जम्मू और कश्मीर राज्य, भारत में लोकतंत्र की अवधारणा के बारे में विद्यार्थियों और शिक्षकों की समझ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन एंड टीचिंग शिकागो, 1(1), 72-86.

पांडे, यू.एस और याकूब, सैयद इरफॉन (2021), "सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस डेवलपमेंट यूजिंग एजाइल मेथोडोलॉजीज", सॉलिड स्टेट टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 64, अंक -1, पीपी.1013-1022.

पांडे, यू.एस और याकूब, सैयद इरफॉन (2021), "इम्पलीमेंटेशन एवं परफॉर्मंस एक्युरेसी ऑफ एजाइल सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग ऑन सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस", जर्नल ऑफ द महाराजा सयाजीराव युनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, 55(1(i)).

साहू, आर.के (2021), "चेंजिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो इन इंडिया : रिफ्लेक्शंस ऑन सम इमर्जिंग चैलेंजेज एंड रिट्रेसल", इन पी. अरोड़ा, एस. शर्मा एंड वाई. शर्मा, सिनर्जीइजिंग एजुकेशनल कंसर्न एंड सोशल नीड्स नई दिल्ली: इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल मैकमिलन पब्लिशर्स के सहयोग से साइंस रिसर्च(आईसीएसएसआर)। (पहला संस्करण, पीपी. 151-164).

संगोष्ठी का आयोजन

वाणिज्य विभाग, एसओएल और उद्यमिता प्रकोष्ठ, एसओएल द्वारा 28 मई से 8 जून, 2020 के दौरान आयोजित "सफल उद्यमी कैसे बने - आत्मानिर्भर" शीर्षक वाली ऑनलाइन कार्यशाला।

प्रो. पंकज अरोड़ा, निदेशक, आईएलएलएल द्वारा को "शिक्षा पर संवाद श्रृंखला 2021" के तहत "शिक्षा और समाजीकरण" पर विशेष व्याख्यान। 11 मार्च, 2021.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

लैम्पुंग विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया द्वारा नवंबर, 2020 को आयोजित सामाजिक विज्ञान "द फ्यूचर ऑफ ग्लोबल गवर्नेंस" पर प्रथम यूनिवर्सिटी लैम्पुंग अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जम्मू और कश्मीर राज्य के विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच 'नागरिकता' की अवधारणा का एक अध्ययन" पर पेपर प्रस्तुति।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट : ₹.1,13,000,00/-

शामिल की गई पुस्तकों की संख्या : 8,549 खंड

सदस्यता प्राप्त राष्ट्रीय आवधिक/पत्रिकाओं की संख्या : 11

सदस्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय आवधिक/जर्नल की संख्या : 02

पुस्तकालय, एसओएल निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है जैसे डेलनेट (संसाधन साझा नेटवर्क), एन-लिस्ट (विद्वानों की सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना अवसंरचना), दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सक्षम इकाई और सुगम्य पुस्तकालय ऑनलाइन।

संकाय संख्या

स्थायी : 18 (दिनांक 31-03-2021 तक)

तदर्थ : 01

अनौपचारिक : 06

वित्तीय आवंटन और उपयोग

वर्ष 1998 से यू.जी.सी से कोई अनुदान नहीं मिल रहा है। एस.ओ.एल का खर्च विद्यार्थियों की फीस से चलाया जा रहा है।

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

पूरे विश्व में ज्ञान के आदान-प्रदान से लाभान्वित होने के लिए प्रसिद्ध बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों और शोध विद्वानों की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए तेहरान विश्वविद्यालय, उद्यमिता अध्ययन संकाय, ईरान और सबारागामुवा विश्वविद्यालय, प्रबंधन अध्ययन संकाय, श्रीलंका के सहयोग से महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने 4 मार्च से 6 मार्च, 2021 तक "व्यापार और प्रबंधन में प्रगति" पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य व्यापार और प्रबंधन के वैश्विक और भारतीय पहलुओं पर

चर्चा करना है। सम्मेलन का उद्देश्य मुख्य रूप से मार्केटिंग; सामान्य प्रबंधन और सार्वजनिक नीति; वित्तीय प्रबंधन; उद्यमिता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और रणनीतियाँ; संचालन और सूचना प्रणाली प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; मानव संसाधन प्रबंधन; कोविड-19 और व्यवसाय और प्रबंधन पर इसका प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमता है। इस सम्मेलन के अकादमिक भागीदार के रूप में महाविद्यालय के पास 'एमराल्ड पब्लिशिंग हाउस' भी था। कुल 260 शोध प्राप्त हुए और लगभग 84 प्रस्तुतियाँ की गईं। महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र ने जल-मौसम संबंधी आपदा पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया: बाढ़ को मापने, निगरानी और प्रबंधन की तकनीक, 1-7 मार्च, 2021, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग, सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट स्टडीज, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा टीएलसी, रामानुजन महाविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया।

सम्मान / गौरव

सुश्री चारु गोवर, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग को प्रो. संगीता वंसल की पर्यवेक्षण में सेंटर ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड एंड डेवलपमेंट, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अगस्त, 2020 में 'ऊर्जा कुशल उत्पादों के लिए उपभोक्ता प्राथमिकताएं: हरित नेटवर्क की भूमिका' शीर्षक पर पीएच.डी. प्रदान की गई।

डॉ. पूनम शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग ने शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 जनवरी और 29 जनवरी, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में "राजनीतिक दृष्टिकोण के भूगोल को फिर से चित्रित करना और पुनः स्थापित करना: बिहार चुनावी परिदृश्य का एक केस स्टडी", पर स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों को परामर्श दिया, और दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. स्वाति राजपूत, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग को भूगोल(सोशल साइंसेज), सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डिजाइन, भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 3 के तहत स्थापित वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन आईएसओ 9001: 2008 प्रमाणित में उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ता हेतु वीनस इंटरनेशनल वूमेन अवार्ड प्रदान किया गया है।

डॉ. अमृता बजाज, सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग को 5 सितंबर, 2020 को प्राची एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. रश्मि रानी आनंद, सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग को 28-29 जनवरी, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में "साइबर जियोपॉलिटिक्स, डिप्लोमेसी एंड काउंटर टेरिज्म एप्रोपोजस इंडिया-इजरायल रिलेशन: सेंटीमेंट एनालिसिस" पर स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों को परामर्श दिया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

सैनी, ए., और परायतम, एस. (2020). मॉडरेटिंग रोल ऑफ एजुकेशन एंड जेंटर ऑन इफेक्ट्स ऑफ सेलेब्रिटी एंडोर्समेंट ऑफ स्ट्रेथ, युनिक्वेनेस एंड फेवरेबिलिटी इन ब्रांड एसोसिएशन : एविडेंस फ्रॉम इंडिया एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एंड इनोवेशन, 16(4), 287-308.

सैनी, ए., और परायतम, एस. (2020). आई एम लविंग इट, रियली? द इफेक्ट ऑफ इथनोसेंट्रिज्म, एनिमॉसिटी, एंड सर्विस क्वालिटी ऑन कंज्यूमर परचेज इंटेन्शन इन फास्ट फूड रेस्टोरेंट्स इन इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मार्केट्स एंड बिजनेस सिस्टम्स, 4(2), 164-184.

ए कॉन्सेप्टुअल मॉडल फॉर प्रोमोशन ऑन डिजिटल प्लेटफॉर्म'स इन एकेडमी ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप जर्नल, वॉल्यूम 27, अंक: 2एस, (फरवरी, 2021) (एबीडीसी और स्कोपस सूचीबद्ध), प्रिंट आईएसएसएन: 1087-9595, ऑनलाइन आईएसएसएन: 1528-2686.

एप्लीकेशन ऑफ ए.आई टेक्नोलॉजी इन मॉडर्न डिजिटल मार्केटिंग एनवायरनमेंट' इन वर्ल्ड जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, (एमराल्ड, एबीडीसी एंड स्कोपस लिस्टेड) वॉल्यूम अहेड-ऑफ-प्रिंट नं. अहेड-ऑफ-प्रिंट (जनवरी, 2021) <https://doi.org/10.1108/WJEMSD-08-2020-0099>, आईएसएसएन: 2042-596.

ग्राहक वफादारी के निर्माण में ई-बैंकिंग की भूमिका: मॉडल निर्माण के लिए एक दृष्टिकोण, हमारी विरासत जर्नल, वॉल्यूम 68, अंक-30, फरवरी 2020 (आईएसएसएन: 0474-9030 यूजीसी केयर अनुमोदित जर्नल)

ग्राहक संतुष्टि में सेवा की गुणवत्ता की भूमिका : भारत में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एक तुलनात्मक विश्लेषण, आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, वॉल्यूम 7, अंक-1, पीपी.205-217, जनवरी-दिसंबर, 2020 (आईएसएसएन: 2393-9451 यूजीसी केयर अनुमोदित जर्नल)

गुलाटी, एस. (2021) "सोशल एंड सस्टेनेबल: एक्सप्लोरिंग सोशल मीडिया यूज फॉर प्रमोशन सस्टेनेबल बिहेवियर एंड डिमांड इन इंडियन टूरिस्ट", इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी रिव्यू (एबीडीसी-सी) एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड वॉल्यूम अहेड-ऑफ-प्रिंट नं. अहेड-ऑफ-प्रिंट। <https://doi.org/10.1108/IHR-12-2020-0072>.

गुलाटी, एस. (2021), "सोशल मीडिया मार्केटिंग में दोहरा परिप्रेक्ष्य : पर्यटन उद्योग से छोटे(मिनी) मामले" सम्मेलन की कार्यवाही प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति (आईसीआरएएमटी-2020).

गुलाटी, एस. (2020) "ग्रीन टूरिस्ट बिहेवियर को बढ़ावा देने में सोशल मीडिया की भूमिका: सतत पर्यटन की ओर एक कदम" पीएच.डी चैंबर जर्नल ऑफ आइडियाज एंड इनोवेशन p92-94 नेशनल एपेक्स चैंबर पीएच.डी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री आईएसबीएन : 978-93-84145-96-5.

गुलाटी, एस. (2020) "पर्यटकों के जुड़ाव, संबंध और ग्राहक सेवा पर सोशल मीडिया प्रभाव की खोज" ओजेएस एक्सपेंडिंग द नॉलेज होराइजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च मैनेजमेंट p2-10 आईएसएसएन नं. 2279-0373.

जर्नल/पत्रिका

राजनीति विज्ञान विभाग ने "चक्रViewह" शीर्षक से विभाग की पत्रिका प्रकाशित करने का एक उत्कृष्ट निर्णय लिया। उद्घाटन (प्रथम) संस्करण के लिए कॉल फॉर पेपर (सीएफपी) पहले ही प्रकाशित हो चुका है। पत्रिका "चक्रViewह" विभाग के कार्यों का प्रचार-प्रसार करेगी। योजना है कि पत्रिका में एक विशेष प्रोफेसर का कॉलम हो जो पाठकों को विभाग के शिक्षकों से परिचित कराए। इसके अलावा, लेखों का एक खंड होगा। उद्घाटन संस्करण का विषय "राजनीति जो मायने रखती है" है। इस विषय के तहत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहलू से संबंधित विषय शामिल हैं। विभाग ने इस पहल को गंभीरता से लेने और प्रसार की आकांक्षा रखने का संकल्प लिया है। पत्रिका की पहुंच विश्वविद्यालय में और पूरे विश्व में बड़े दर्शकों तक हो।

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएसएसआर परियोजना, 2020. एफ.सं. 02/89/2019-20/एमजे/आरपी/आईसीएसएसआर परियोजना निदेशक, राजस्थान में भू-उपयोग-भूमि आवरण और खाद्य असुरक्षा का मानचित्रण और विश्लेषण, परियोजना निधि संस्वीकृत धनराशि रु.5,75,000/-

आईएनपीआरआईएसएस/आईसीएसएसआर नं. एफ. नं. आईएनपीआरआईएसएस/पी773/609/2018-19/आईसीएसएसआर, सह-परियोजना निदेशक, यमुना नदी के किनारे जीआईएस तकनीकों का उपयोग करते हुए शहरी विकास गतिशीलता और प्रदूषण का मूल्यांकन।

आईएनपीआरआईएसएस/2286/541/2018-19/ICSSR, सह-परियोजना निदेशक, भारत में बांग्लादेश के एन्क्लेव का आकलन: पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में पुनर्वासित लोगों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों का आकलन।

आईसीसीएसआर ऑरिहेक्टम 2019, यमुना नदी के किनारे जीआईएस तकनीकों का उपयोग करते हुए शहरी विकास गतिकी और प्रदूषण का मूल्यांकन, आईएनपीआईएसएस योजना के तहत भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित, परियोजना निधि ने 10 लाख रुपये संस्वीकृत किए।

संगोष्ठी का आयोजन

जूम के माध्यम से 'ब्लैक इकोनॉमी' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया जहां अतिथि वक्ता प्रो. अरुण कुमार, मैल्कम आदिसेशिया सामाजिक विज्ञान संस्थान में चेयर प्रोफेसर थे। वेबिनार को सौ से अधिक पंजीकरणों के साथ एक अद्भुत रेस्पॉन्स मिला और यह जूम मीटिंग्स के माध्यम से हुई। प्रो. अरुण ने ब्लैक इकोनॉमी की अवधारणा को समझाया और इस विषय पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की जिसके बाद उन्होंने दर्शकों द्वारा पूछे गए कुछ प्रश्नों के जवाब दिए। इस वेबिनार को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और इससे इकोस्पायर के साथ कई सफलताएं जुड़ीं।

मेघनाद देसाई एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स के सहयोग से इकोस्पायर द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जो 19 मार्च, 2021 को आयोजित किया गया था और वेब सत्र डॉ. अजीत रानाडे, मुख्य अर्थशास्त्री, आदित्य बिड़ला समूह और प्रमुख, अकादमिक बोर्ड, एमडीआई द्वारा दिया गया था। इस वेबिनार में 'राजकोषीय घाटे को पूरा करने की चुनौतीपूर्ण चुनौती' पर चर्चा की गई। इस वेबिनार को भी बड़ी संख्या में पंजीकरण प्राप्त हुए और इसमें भाग लेने वालों की प्रतिक्रिया ने बताया कि यह आयोजन कितना जानकारीपूर्ण और व्यावहारिक था। जटिल अवधारणाओं को सरल शब्दों में सरल बनाने के लिए डॉ. रानाडे के दृष्टिकोण की उपस्थित लोगों ने सराहना की क्योंकि वेबिनार सत्र 2020-21 में इकोस्पायर द्वारा आयोजित कई सफल कार्यक्रमों में से एक बन गया।

आयोजित सम्मेलन

वाणिज्य विभाग ने 4-6 मार्च, 2021 को "व्यापार और प्रबंधन में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन" का आयोजन किया। मुख्य फोकस व्यापार और प्रबंधन के वैश्विक और भारतीय पहलुओं पर चर्चा करना था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. पूजा गोयल ने शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित "डिजिटल समावेशन से डिजिटल सशक्तिकरण में परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "बैंक वफादारी और इवेंजेलिज्म पर ई-बैंकिंग वेबसाइट की गुणवत्ता का प्रभाव : एक मध्यस्थ अध्ययन" शीर्षक से सह-पेपर प्रस्तुत किया। भारत और मार्केटिंग ट्रैक में बेस्ट पेपर अवार्ड भी जीता।

डॉ. नूपुर अग्रवाल ने शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 4-6 मार्च, 2021 को आयोजित "व्यवसाय और प्रबंधन में प्रगति" पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "ग्रीन एचआरएम के माध्यम से जिम्मेदार और सतत व्यापार आचरण सुनिश्चित करना: भारतीय परिप्रेक्ष्य का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री श्रुति गुलाटी ने 30 जनवरी, 2021 को सस्टेनेबल बिजनेस मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज एंड सोशल इनोवेशन (आईसीएसबीएमपीएसआई - 2021), एसआरडीसी - विद्यानिधि, सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज, जैन (डीमंड-टू-बी यूनिवर्सिटी) बेंगलूर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

सुश्री श्रुति गुलाटी ने लिविंगस्टोन कॉलेज, सैलिसबरी, एनसी, यूएसए, जॉनसन सी. स्मिथ यूनिवर्सिटी, शार्लोट, एनसी, यूएसए और इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनीज सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (बरेली चैंप्टर) के सहयोग से 08-09 जनवरी, 2021 को इनवर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली द्वारा आयोजित प्रबंधन और प्रौद्योगिकी (आईसीआरएमटी-2020) में हालिया प्रगति पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री शिवांगी धवन ने शिक्षा मंत्रालय के पीएमएमएमएमएमटीटी के तहत जीएडी-टीएलसी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आईपीईएम द्वारा आयोजित "वर्तमान परिदृश्य में व्यवसाय

स्थिरता के लिए मानव संसाधन और संगठनात्मक व्यवहार की भूमिका" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "उच्च शिक्षा संस्थान की गुणवत्ता और विद्यार्थी संतुष्टि एक मेटा और उप-समूह विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।(27 फरवरी, 2021).

सुश्री शिवांगी धवन ने लिविंगस्टोन कॉलेज, सैलिसबरी, एनसी, यूएसए; जॉनसन सी. स्मिथ यूनिवर्सिटी, चार्लोट, एनसी, यूएसए और द इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा 8 और 9 जनवरी, 2021 को आयोजित प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हालिया प्रगति (आईसीआरएमटी-2020) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एचईआई और विद्यार्थी संतुष्टि के गुणवत्ता आयाम: एक मेटा-विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

श्री सौरभ सिंह ने लाइफ वे टेक इंडिया और केएल रिसर्च एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से 15 दिसंबर, 2020 को आयोजित डिजिटल युग (आईसीईटीएमडीई'20) में इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-"ईसीआरएम-आधुनिक बैंकिंग उद्योग में एक महत्वपूर्ण डिजिटल अनुप्रयोग" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री चारु गोवर ने जून, 2020 में यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ एनवायरनमेंट एंड रिसोर्स इकोनॉमिक्स (ईएईआरई) सम्मेलन, बर्लिन में "इफेक्ट ऑफ ग्रीन नेटवर्क एंड एमिशन टैक्स ऑन कंज्यूमर चॉइस अंडर डिस्ट्रीट कंटीन्यूअस फ्रेमवर्क विद कॉन्फ्लिक्टिंग क्वालिटी डाइमेंशन" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया (सह-लेखक संगीता वंसल)।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 182

कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 30

पुस्तकालय विकास

आवंटित कुल बजट : ₹.17,43,000/-

शामिल की गई पुस्तकों और जर्नल की संख्या : 354(पुस्तकें), 81 (आवधिक)

ई-संसाधन : एन-सूची, डीयूएलएस

संकाय संख्या

स्थायी : 87 + 1 (डीपीई)

तदर्थ : 72

अतिथि : 05

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान

यू.जी.सी : ₹. 4400 लाख

दिल्ली सरकार : ₹. 48 लाख

प्रयुक्त : ₹. 3323.44 लाख

*वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए अनुदान शामिल है

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एन.एस.एस यूनिट द्वारा दिनांक 18.11.2020 को मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था और डॉ. निष्ठा नरुला ने विशेष रूप से कोविड-19 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया था। पराक्रम दिवस मनाते हुए : एन.एस.एस यूनिट एस.बी.एस.सी ने दिनांक 23.01.2021 को पराक्रम दिवस

मनाया और इस अवसर पर सुभाष चंद्र बोस पर एक वेबिनार आयोजित की गई थी। डॉ. संदीप कुमार सिंह (हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर) ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेता जी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका पर व्याख्यान दिया। दिनांक 16.03.2021 को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया गया। इस दिन, एन.एस.एस स्वयंसेवकों ने अपने इलाके के साथ-साथ सोशल मीडिया / ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से टीकाकरण और कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के महत्वपूर्ण के बारे में लोगों को जागरूक किया।

शहीद भगत सिंह महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, महाविद्यालय ने पदोन्नति में उल्लेखनीय अंतर देखा। महाविद्यालय के पांच संकाय सदस्यों को प्रोफेसर स्तर पर, सात को एसोसिएट प्रोफेसर और सभी पात्र सहायक प्रोफेसर को उच्च वेतन स्तर पर पदोन्नत किया गया था। इसके अलावा स्वीकृत पदों को भरने के लिए तदर्थ नियुक्तियां भी की गईं। महाविद्यालय ने मौजूदा महामारी की स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया है। विद्यार्थियों को पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से जोड़ने के लिए महाविद्यालय द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया गया था। विभिन्न ऑनलाइन वार्ता, व्याख्यान और वेबिनार आयोजित किए गए। इसके साथ ही विभिन्न प्रकोष्ठों, समाजों और विभागों के माध्यम से विभिन्न उत्सवों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हमारे विद्यार्थियों ने सामाजिक-सेवा परियोजनाओं की शुरुआत की और उन्हें पूरा किया, अंतर-संस्थागत प्रतियोगिताओं में भाग लिया और महाविद्यालय को ख्याति और प्रशंसा दिलाई। उच्च प्रदर्शन करने वाली व्यक्तिगत विभागीय समितियों (वाणिज्य, भूगोल और राजनीति विज्ञान) के अलावा सतत विकास केंद्र, अकादमिक मामलों की समिति, एनेक्टस-एसबीएसईसी, एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना), वाद-विवाद समाज एनयूकेई, ओ.बी.सी प्रकोष्ठ और महिला विकास प्रकोष्ठ प्रमुख थे। सेल सोसाइटीज जिन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और नवाचार दिखाने के लिए शानदार मंच प्रदान किया।

सम्मान / गौरव

प्रोफेसर एस.के. वंदूनी (भूगोल विभाग) को दिनांक 19.2.21 से आगे हिमालय अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय की सलाहकार समिति के सलाहकार के रूप में नामित किया गया है।

प्रो. वी.एस. नेगी (भूगोल विभाग) को वर्ष 2021-2023 के लिए कार्यकारी परिषद (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सदस्य के रूप में चुना गया है।

सुनील कुमार (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) को वर्ष 2021-2023 के लिए अकादमिक परिषद (दिल्ली विश्वविद्यालय) के सदस्य के रूप में चुना गया है।

प्रो. वी.एस. नेगी, यू.जी.सी ने मुंबई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में शासी निकाय के मनोनीत सदस्य।

प्रो. वी.एस. नेगी, यू.जी.सी ग्वालियर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश में शासी निकाय के मनोनीत सदस्य।

प्रकाशन

वंदूनी, एस.के. (2020). भारतीय मध्य हिमालयी क्षेत्र में कृषि जोखिमों के प्रति किसान की सुभेद्यता। एनविस बुलेटिन हिमालयन इकोलॉजी, 27, 102-110.

चंदना, वी. (2021). दिल्ली में स्वास्थ्य परिदृश्य: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में वेक्टर जनित और जल जनित रोगों की स्थिति और हालिया रुझान। क्षितिज: सामाजिक विज्ञान का एक जर्नल, 12(1), 25-42.

दास, एस. (2020). केदारनाथ त्रासदी (2013) के बाद मंदाकिनी घाटी (मध्य हिमालय) के भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों की पहचान। नेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोग्राफर्स के इतिहास, 40(2), 304-329.

जैन, एस.के. (2020). भारत में संघीय राजनीतिक प्रक्रिया की गतिशीलता, 1947-2020। द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 81(1), 49-56.

कुमार, पी. (2020). महिला श्रमिक और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का शहरी अर्थव्यवस्था में परिवर्तन. द इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 63(2), 459-469.

कुमार, एस. (2020). कोविड -19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा: महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच ऑनलाइन सीखने और प्रभावशीलता की धारणा। शोध संचार बुलेटिन, 10(40), 163-168.

सोनी, ए., चंद्रा, ए., और वर्मा, एस. (2020). भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में रोजगार पर एम एंड ए का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 63(2), 311-329। <https://doi.org/10.1007/s41027-020-00232-7>.

वीन, एस. काम्बोज, एस., और सुबाथरा, वी. (2021). कोविड-19 महामारी : उच्च शिक्षा में ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग की दिशा में चुनौतियां और प्रतिक्रियाएं : भारतीय परिप्रेक्ष्य। विवेकानंद जर्नल ऑफ रिसर्च, 10(1), 79-93.

यादव, के. (2021). आभासी कक्षाएं: किशोरों के स्वास्थ्य पर प्रभाव के साथ एक वास्तविकता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, मॉडर्न मैनेजमेंट, एप्लाइड साइंस एंड सोशल साइंस, 3(1), 117-121.

जीशान, महापात्र जी., और गिरी, ए.के. (2021). ग्रामीण भारत में गरीबी की गतिशीलता और इसके निर्धारक : देशांतरीय कृषि परिवारों से साक्ष्य। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स। उन्नत ऑनलाइन प्रकाशन। <https://doi.org/10.1002/pa.2650>.

जर्नल

प्रो. सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), द क्रिटिक के एसोसिएट एडिटर - एक इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड जर्नल, दिल्ली, रांची, जून 2021 से। (आईएसएसएन 2249 6769)।

प्रोफेसर सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), एसोसिएट एडिटर, फेनोमेनल लिटरेचर, एन इंटरनेशनल पीयर-रिव्यू जर्नल, ऑर्थर्स प्रेस, नई दिल्ली।

प्रो. सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), बोर्ड ऑफ मॅम्बर्स, एशियन सिग्नेचर, ए लिटरेरी जर्नल, कोलकाता।

प्रो. सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), सदस्य, यूनाइटेड राइटर्स एसोसिएशन, चेन्नई।

प्रो. सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), सदस्य, आईसीएलएस।

प्रो. सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), सदस्य, पोएट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया, गुरुग्राम, नई दिल्ली।

प्रो. सी.एस. दुबे (अंग्रेजी विभाग), सदस्य, म्यूजियम इंडिया, हैदराबाद।

सुश्री कल्याणी राजन, संपादकीय बोर्ड की सदस्य, इंडियन एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर एंड लैंग्वेज स्टडीज (आईसीएलएस) जर्नल, आईएसएसएन- 2395-1206.

सुश्री कल्याणी राजन, संपादकीय बोर्ड सदस्य, लैपिस लाजुली- एक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक पत्रिका (एलएलआईएलजे), आईएसएसएन: 2249-4529।

अनुसंधान परियोजनाएं

उत्तराखंड में टिहरी जिले के प्रतापनगर ब्लॉक के उपली रमोली पट्टी में सतत आजीविका और संसाधन प्रबंधन के लिए सी.एस.आर पहल के लिए विकास और अनुसंधान केंद्र (डी.आर.सी)। सेवा टीएचडीसी द्वारा प्रायोजित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की एक इकाई। परियोजना निदेशक-डॉ. विनीता चंदना, परियोजना सह निदेशक- प्रो. वी.एस. नेगी, डॉ. एन.पी. सिंह- परियोजना क्षेत्र निदेशक- प्रोफेसर सुरेश कुमार वंदूनी।

उत्तराखंड में टिहरी के प्रतापनगर ब्लॉक के उपली रमोली पट्टी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरवाल गांव के लिए सी.एस.आर पहल। सेवा एचडीसी द्वारा प्रायोजित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की एक इकाई। परियोजना

निदेशक-डॉ. वनीता चंदना, परियोजना सह निदेशक- प्रो. वी.एस नेगी, डॉ. एन.पी सिंह- परियोजना क्षेत्र निदेशक- प्रोफेसर सुरेश कुमार वंदूनी।

प्रो. वी.एस नेगी, परियोजना सह-निदेशक, प्रमुख परियोजना शीर्षक "टिहरी में प्रताप नगर ब्लॉक के उपली रमोली पट्टी के नौगुरा गढ़ वाटरशेड में सतत आजीविका और संसाधन प्रबंधन के लिए ग्रामीण समुदाय के पारिस्थितिक बहाली और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण पर गतिविधियों के लिए विकास और अनुसंधान केंद्र"।

प्रो. वी.एस नेगी, परियोजना सह-निदेशक प्रमुख परियोजना शीर्षक "उपली रमोली पट्टी और प्रताप नगर ब्लॉक, उत्तराखंड में टिहरी के अन्य क्षेत्रों में में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हेरवालगांव के प्रबंधन के लिए सी.एस.आर पहल"।

संगोष्ठियों का आयोजन

भूगोल विभाग द्वारा 5 नवंबर, 2020 को " सैटेलाइट क्लाउड इमेजरी की व्याख्या " पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया था जिसमें विद्यार्थियों ने सहभागिता की और उपग्रह इमेजरी, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के बारे में अपने प्रश्न पूछे।

नमक सत्याग्रह मनाने के लिए 6 मार्च 2021 को प्रख्यात वक्ताओं डॉ. प्रियरंजन कुमार सहायक प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान स्कूल, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय और डॉ. संजय श्रीवास्तव प्रोफेसर के साथ, राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के साथ गांधी स्टडी सर्कल के सहयोग से एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था।

इतिहास विभाग ने 22 अप्रैल, 2021 को प्रख्यात इतिहासकार और प्रोफेसर (दिल्ली विश्वविद्यालय) - प्रो. बी.पी साहू द्वारा 'एवरीडे लाइव्स इन अली मिडीवल इंडिया' शीर्षक से एक वेबिनार आयोजित किया।

हिंदी विभाग द्वारा 1 मार्च, 2021 को कवि संदीप द्विवेदी के साथ एक वेबिनार का आयोजन "कहां तक टिक सकोगे यदि राम सा संघर्ष हो?" विषय पर किया गया था। ('बोलो कहाँ तक टिक सकोगे, यदि राम सा संघर्ष हो ?')

"स्वास्थ्य और भलाई" विषय के तहत 2 जुलाई, 2020 को सतत विकास केंद्र का उद्घाटन किया गया। मनोवैज्ञानिक सुश्री सानिया बेदी द्वारा 'कोविड 19 के कारण वर्तमान परिदृश्य में चिंता और तनाव प्रबंधन' विषय पर उद्घाटन भाषण दिया गया था।

आयोजित सम्मेलन

राजनीति विज्ञान विभाग ने 17-20 जून, 2020 तक "भारत की विदेश नीति का वर्तमान प्रक्षेपवक्र" विषय पर चार दिवसीय आभासी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। दुनिया भर के 40 से अधिक विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने इसमें सहभागिता की और इसकी अध्यक्षता 17 प्रमुख पैनलिस्ट ने की।

वाणिज्य विभाग ने 11 और 12 जून, 2020 को "युवा उद्यमी कौशल और इसके वित्तीय प्रभावों के परिप्रेक्ष्य से आत्मनिर्भर भारत" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य आत्मनिर्भरता के लिए भारत के मार्ग पर विचार-विमर्श करना था और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं का योगदान।

अकादमिक मामलों की समिति द्वारा आयोजित रक्षा संवाद शृंखला - समुदाय की भावना को विकसित करने की दृष्टि के साथ, इस शृंखला को भारत की खोज को आकर्षित करने, तलाशने और आलोचना करने के उद्देश्य से रक्षा उद्योग के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था।

रक्षा वार्ता-II- 25 जुलाई 2020 को, कारगिल विजय दिवस मनाने के लिए, ए.ए.सी ने "भारत-चीन संबंध: अतीत, वर्तमान और भविष्य" पर एक वेबिनार "रक्षा संवाद- II" का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता मेजर

जनरल बी.के. शर्मा (सेवानिवृत्त), निदेशक, भारतीय संयुक्त सेवा संस्थान, नई दिल्ली और अध्यक्ष प्रख्यात शोधकार और फिल्म निर्माता श्री अमिताभ ठाकुर थे।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

प्रो. सुरेश कुमार वंदूनी (भूगोल विभाग) को डीआईईटी/एससीईआरटी, दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित पीजीटी के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में डेटा प्रोसेसिंग और डेटा के प्रतिनिधित्व (डेटा प्रोसेसिंग का भौगोलिक प्रतिनिधित्व और भूगोल में आरेखों का निर्माण) पर व्याख्यान देने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. वनीता चंदना (एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग) ने दिनांक 28-06-2020 को ई-कॉन्फ्रेंस, इंटरनेशनल जियोग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) इंडिया, 2020 में "भारतीय समाज में महिलाओं के स्वास्थ्य पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. कविता यादव (एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) ने "शिक्षा, सामाजिक विज्ञान, अनुप्रयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी (वीआईएमसीईएसएटी- वर्चुअल/ऑनलाइन- 2020)" पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक आभासी सम्मेलन में "वर्चुअल क्लासेस: किशोरों के स्वास्थ्य पर प्रभाव के साथ एक वास्तविकता" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। जिसका 23-24 दिसंबर 2020 तक संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा के साथ संयुक्त रूप से आयोजन किया गया।

कल्याणी राजन (सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के सहयोग से 17-20 मार्च, 2021 तक आयोजित "यूटोपियास एंड डायस्टोपियास ऑफ़ अवर टाइम्स" पर आईएसीएलएलएस वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) 2021 में "इंटेरोगेटिंग माइंड, मार्केट एंड मैडनेस इन द डायस्टोपिक वर्ल्ड ऑफ़ ज्ञान चतुर्वेदी पागलखाना" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुमन दास (सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग) ने मंदाकिनी घाटी, मध्य हिमालय में केदारनाथ त्रासदी (2013) से पहले और बाद में भूस्खलन संभावित क्षेत्र के परिवर्तन का पता लगाने के आकलन पर एक पेपर प्रस्तुत किया। इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन (आईजीयू) में "ग्लोबल टू लोकल सस्टेनेबिलिटी एंड फ्यूचर अर्थ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आईजीयू आयोगों को 18 से 20 दिसंबर, 2020 तक एमएलएसयू, उदयपुर, भारत में शामिल किया गया।

खुशबू गुप्ता (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) ने 18 अगस्त, 2020 को पीजीडीएवी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सतत विकास और व्यवसाय: कल के प्रबंध संगठन" पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता सामान क्षेत्र में व्यवस्थित जोखिम के निर्धारक" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुजनी मल्होत्रा (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) ने गीतारत्न इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, नई दिल्ली, भारत द्वारा 9 जनवरी, 2021 को आयोजित वैश्विक सूचना और व्यापार रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "मोबाइल ट्रेडिंग ऐप्स की विशेषताएं: महामारी की एक सिल्वर लाइनिंग" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता।

सुजनी मल्होत्रा (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) ने फॉर्च्यून इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस, नई दिल्ली, भारत द्वारा 16-18 दिसंबर 2020 को आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में "रिवेंज बायिंग बिहेवियर-क्यूरियस केस ऑफ कंज्यूमर बिहेवियर" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ डॉ.कटरेट पेपर का पुरस्कार जीता।

शिवली वीन (सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग) ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला और संस्कृति (आईएमसीएफटी- 2021), इंसपिरा रिसर्च एसोसिएशन, जयपुर द्वारा 17 से 19 फरवरी, 2021 को आयोजित वाणिज्य, अर्थशास्त्र, प्रबंधन शिक्षा, सामाजिक विज्ञान, एप्लाइड में भविष्य के रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयक सम्मेलन में

"अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के बीच वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन: कालिंदी महाविद्यालय का एक अध्ययन" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नीरज निरोला (सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग) ने स्पेशल सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 18 से 19 फरवरी, 2021 तक आयोजित यंग स्कॉलर्स सम्मेलन "स्पेस, नॉलेज, कैपिटल" में "ग्लोबल कैपिटल, फेयर ट्रेड एंड द कॉन्टिन्युटि ऑफ अनफ्रीडम : ए स्टडी ऑफ टू टी प्लांटेशन्स इन दार्जिलिंग" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

कैंपस नियोजन के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 15

कम से कम एक अभियान(डाइव) में उपस्थित होने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या : 105

कुल विद्यार्थियों की संख्या: 121 (जिनमें से 25 पूर्व विद्यार्थी हैं)

इस बैच के विद्यार्थियों की कुल संख्या : 96

उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत : 65

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

कोरोना महामारी की दूसरी लहर (मार्च-अप्रैल, 2021) के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन बेड, चिकित्सालय के बेड, प्लाज्मा डोनर, रक्त दाताओं, दवाओं आदि की उपलब्धता पर वास्तविक लीड प्रदान करके 700 से अधिक कोविड प्रभावित रोगियों और उनके रिश्तेदारों की मदद की। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के आधिकारिक सोशल हैंडल जैसे इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक के माध्यम से सत्यापित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 के अवसर पर, प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाता है, शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने "ध्यान का मार्ग-अष्टांग योग" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। यह विभिन्न आसनों के महत्व और हमारे जीवन के बड़े हिस्से पर उनके प्रभाव के बारे में युवाओं में जागरूकता पैदा करने और प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में महाविद्यालय की पुस्तकालय विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों तक पहुंची और उन्हें ऑनलाइन सेवाएं देने का प्रयास किया। इसने इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधी नगर, गुजरात के माध्यम से ई-संसाधन एन-सूची की सदस्यता ली है। जल्द ही हमारा महाविद्यालय पुस्तकालय डेलनेट के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने जा रहा है। एक बार अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद उपयोगकर्ता ऑनलाइन और ऑफलाइन कई संसाधनों तक पहुंच सकते हैं। उपयोगकर्ता कई इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को केवल दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली पोर्टल के माध्यम से महाविद्यालय कैंपस में ही एक्सेस कर सकते हैं। (<http://crl.du.ac.in>)। ये सभी ओपन एक्सेस ऑन-लाइन संसाधन/लिंक इसके पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए बहुत लाभकारी साबित हुए हैं। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान, विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन संसाधनों के उपयोग पर ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने और उपयोग करने के तरीके के बारे में जागरूक किया गया। पुस्तकालय के कर्मचारियों ने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को ई-मेल, फोन कॉल और व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से अपने प्रश्नों का समाधान करने में मदद की। बार-बार नए ऑनलाइन और ई-संसाधन लिंक भी साझा किए गए।

संकाय संख्या : 104

स्थायी संकाय : 40

तदर्थ संकाय : 64

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु. 2587.28 लाख

प्रयुक्त अनुदान : रु. 2283.94 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

आधुनिक जम्मू और कश्मीर के सामने समकालीन मुद्दों और चुनौतियों के विषय पर दो सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम : सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के तहत टीएलसी, रामानुजन महाविद्यालय के सहयोग से अकादमिक मामलों की समिति, एसबीएसईसी द्वारा 10 अगस्त - 24 अगस्त, 2020 तक आयोजित किया गया था। यह अपनी तरह का पहला है जो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के इतिहास, इतिहासलेखन के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामरिक, क्षेत्रीय, संवैधानिक, अंतर्राष्ट्रीय और मानवाधिकार प्रवचनों पर विचार-विमर्श करने का प्रयास करता है। इस एफडीपी का उद्देश्य लोगों के विकास, भविष्य की सुरक्षा और समृद्धि और जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र के क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझना था। प्रख्यात शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को पहले से रिकॉर्ड किए गए सत्रों के माध्यम से चर्चा में विषय के विभिन्न पहलुओं पर अंतर्दृष्टि देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

शहीद राजगुरु महिला अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने नैक(एनएएसी) चक्र 2 के लिए सफलतापूर्वक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। महाविद्यालय को इंडिया रैंकिंग 2020 - नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में महाविद्यालय श्रेणी में 67वां स्थान दिया गया था। महाविद्यालय ने शिक्षा के ऑनलाइन मोड में सामान्य स्थिति बनाए रखने का प्रयास किया और विभिन्न गतिविधियों, इंटर और इंटर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं, वार्ता और वेबिनार, जैसे "कोलेसेंस-इंडस्ट्री एकेडेमिया नेशनल ई-सेमिनार लेक्चर सीरीज़" के आयोजन के लिए लगातार काम किया; इंटरनेशनल यंग रिसर्चर्स कॉन्क्लेव; शिक्षण सह अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए खाद्य मशरूम और आईएफडीपी पर ऑनलाइन पांच दिवसीय उद्यमिता और संकाय विकास कार्यक्रम, दो दिवसीय प्रमाणन पाठ्यक्रम- सीआईआई-फेस द्वारा खाद्य उद्योगों में एचएसीसीपी को लागू करना। बदलते शिक्षण सीखने के माहौल और कोविड की स्थिति ने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया। विद्यार्थियों, मनोविज्ञान विभाग ने "महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य" पर एक वार्ता आयोजित की, और परामर्श सत्र इन-हाउस क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा लिया गया। सीईटीपीए इंफो टेक प्राइवेट, लिमिटेड, वाटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, के.वी कंप्यूटर होम (के.वी.सी.एच) प्राइवेट लिमिटेड इत्यादि जैसी कंपनियों के साथ सहयोग करके संस्थान-औद्योगिक लिंक को बढ़ावा दिया गया। विद्यार्थियों ने एमआईटी पुणे, आईआईटी बॉम्बे इत्यादि द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी स्थान हासिल किया।

सम्मान / गौरव

सुश्री पारा ढोलकिया- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स, देहरादून द्वारा वर्ष 2019 का यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त किया (जुलाई, 2020 में एमएसएमई, भारत सरकार के तहत पंजीकृत)।

सुश्री प्रभजोत कौर सभरवाल- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स, देहरादून द्वारा वर्ष 2020 का यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त किया (जुलाई, 2020 में एमएसएमई, भारत सरकार के तहत पंजीकृत)।

चार सदस्यों (टीएम एसटीएच 109) डॉ. राशि वर्मा, डॉ. राजन गोयल, महिगुहप्रिया प्रकाश, साक्षी वर्मा की एक टीम को एफओएसएसईई, आईआईटी, वंबई द्वारा 10-30 जून, 2020 तक आयोजित "एससीआईलैब टूलबॉक्स हैकथॉन 2020" में चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी।

डॉ. प्रोजेस रॉय : अमेरिकन सोसाइटी फॉर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एएसआईएसएंडटी) से वर्ष 2020-21 के लिए मानद सदस्यता प्राप्त की।

महिगुहप्रिया प्रकाश बी.एससी(ऑनर्स) भौतिकी (बैच 2019-22) के विद्यार्थी हैं। जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी (आईएएसी) द्वारा 15 मई से 18 जुलाई, 2020 तक आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी प्रतियोगिता-2020 का संस्करण" में कांस्य सम्मान जीता।

जया, ज्योति नेगी और नेहा गुप्ता, बी.एससी(ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष ने 25 मार्च, 2021 को माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सरकारी विज्ञान संस्थान, औरंगाबाद द्वारा आयोजित 20वें राष्ट्रीय स्तर के माइक्रोबाय ओलंपियाड में प्रथम पुरस्कार जीता। इस आयोजन में कुल 175 महाविद्यालयों ने भाग लिया।

सुश्री भावना यादव, बी.ए(ऑनर्स) मनोविज्ञान, तृतीय वर्ष, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में डिस्कस थ्रो में तीसरा स्थान।

सुश्री सोनाली सिंह, बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन रैंक-373 और बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया रैंक - 2021 में गर्ल्स डबल्स में 10 और रैंक-30 गर्ल्स सिंगल्स में।

सुश्री सोनाली गोयल, राष्ट्रीय विजेता - आईएमएसीएक्स आईआईटी बेंगलोर और एमआईआईटीवाई, भारत सरकार, टीआईडीई 2.0 - स्टार्टअप बूटकैप। (अगस्त'20)

सुश्री सोनाली गोयल, नेशनल फाउंडलिस्ट - क्लीन एयर एशिया - नेशनल लेवल बिजनेस हैकथॉन। (जून '20)

प्रकाशन: (कुल संख्या 42)

अग्रवाल, वाई., गुनवाल, आई., और मागो पी. (2020). धातु दूषित मिट्टी के जैव उपचार पर समीक्षा। जर्नल ऑफ बायोरेमेडिएशन एंड बायोडिग्रेडेशन, 11(4), 469.

ए. तन्वी., अग्रवाल, आर., और राज, वाई.ए.(2021): ए फ्रेक्शनल ऑर्डर एचआईवी-टीबी को-इंफेक्शन मॉडल इन द प्रेजेंस ऑफ एक्सोजेनस री-इंफेक्शन एंड रिकरेंट टी.बी। नॉनलाइनियर डायनेमिक्स, 104, 4701-4725. डीओआई.org/10.1007/s11071-021-06518-9.

भारदवाज, आर., और वर्मा, एस.,(2020). चतुर्वेदी, एस. फूड फ्लेवर का माइक्रोएन्कैप्सुलेशन। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 7(5),957-964.

चावला, एस. (2021). बुद्धिमान सूचना पुनर्प्राप्ति के लिए वेब क्वेरी सत्र खनन में फ़ज़ी सी-मीन्स क्लस्टरिंग और सिमेंटिक ऑन्कोलॉजी का अनुप्रयोग। फ़ज़ी सिस्टम अनुप्रयोगों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 10(1), 1-19.

कुलश्रेष्ठ, ए., मलिक, ए., खान, एम., और आर्य, वी. (2020). भारत में अनाज प्रसंस्करण और संरक्षण की स्थिति। जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 7(6), 96-104.

कुमार, ए., चोपड़ा, आर., और सक्सेना, आर.आर, (2020): अनिश्चित वातावरण में ट्रांसशिपमेंट समस्या को हल करने के लिए एक कुशल एल्गोरिदम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ़ज़ी सिस्टम्स, 22, 2613-2624.डोई 10.1007/एस40815-020 -00923-9.

पाल, पी., प्रताप, वाई., गुप्ता, एम., और काबरा, एस. (2021). उच्च संवेदनशील पीएच सेंसर के लिए AlGaIn/GaN MOS-HEMT का विश्लेषणात्मक मॉडलिंग और सिमुलेशन। आईईईई सेंसर जर्नल, 21(12),12998-13005, डीओआई: 10.1109/JSEN.2021.3069243.

पवनी, पी., कुमार के., रानी, ए., और वेंकटसू, पी. और ली पी. (2020). इनसाइट इनटू द इंटरैक्शन बिटविन एनजाइम्स एंड बायोलॉजिकल बफर्स इनहेन्सड थर्मल स्टेबिलिटी ऑफ स्टेम ब्रोमेलैन। जर्नल ऑफ मॉलेकुलर लिक्विड्स, 322, 114526.

शर्मा, आर., गुप्ता, डी., मेहरोत्रा, आर., और मागो, पी. (2021). साइकोबायोटेक्स : मस्तिष्क के लिए अगली पीढ़ी के प्रोबायोटेक्स। करंट माइक्रोबायोलॉजी, 78, 449-463.

सिंह, आर., लांबा, वी., और सचान, टी.(2021). प्राकृतिक बायोसॉर्बेंट्स के रूप में कृषि अपशिष्ट का उपयोग- एक समीक्षा। जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, R7(11), 133 -139.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 4

अनुसंधान परियोजनाएं

परियोजना निदेशक : डॉ. पायल मागो, परियोजना शीर्षक : भारतीय महिलाओं की पारिस्थितिक नारीवाद: सतत विकास के लिए स्वदेशी प्रैक्टिसेस पर एक व्यापक अध्ययन।

कुल अनुदान : रु. 26 लाख. स्थिति: संस्वीकृत / चल रही

संगोष्ठियों का आयोजन

श्री जितेश ठाकुर (वरिष्ठ अनुप्रयोग विशेषज्ञ, उत्तर भारत) और श्री हितेश श्रीमल (प्रबंधक आवेदन, उत्तर भारत) वाटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 6-7 अक्टूबर, 2020 को "कोलेसेन्स-इंडस्ट्री एकेडेमिया ई-सेमिनार लेक्चर सीरीज़" विषय पर "कोलेसेन्स-इंडस्ट्री एकेडेमिया ई-सेमिनार लेक्चर सीरीज़" विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

डॉ. टी. ईश्वर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीईईआरआई, पिलानी ने 15 अक्टूबर, 2020 को "फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स" पर वेबिनार का आयोजन किया।

भौतिकी विभाग, शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमन (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा "फंडामेंटल्स एंड एप्लीकेशन ऑफ फिजिक्स" पर वेबिनार आयोजित किया गया था जिसमें छह व्याख्यानो की शृंखला आयोजित की गई थी।

डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम, मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार ने 15 फरवरी, 2021 को डिफेंडिंग केंद्रीय बजट 2021 पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

सिनी वर्गीस, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर, आईएएसआरआई, नई दिल्ली, डॉ. सीमा जग्गी, प्रमुख (ए), आईसीएआर, आईएएसआरआई, नई दिल्ली, डॉ. अर्पण भौमिक, वैज्ञानिक, आईसीएआर, आईएएसआरआई, नई दिल्ली और डॉ. एल्थो वर्गीस, वैज्ञानिक, आईसीएआर, आईएएसआरआई, नई दिल्ली ने 18 और 19 फरवरी, 2021 को प्रायोगिक डेटा विश्लेषण और वर्णनात्मक सांख्यिकी और खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

शामिल विषय : वर्णनात्मक सांख्यिकी और खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण, परिकल्पना का परीक्षण और प्रयोगों का मूल डिजाइन, फैक्टोरियल प्रयोग और प्रतिक्रिया सतह पद्धति क्रमशः वक्ताओं द्वारा।

सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन का शीर्षक : अंतर्राष्ट्रीय युवा शोधकर्ता सम्मेलन। 25-26 सितंबर, 2020.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ : कुल संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति (24)

राहुल, सुरभि अधिकारी, मोनिका ने कंप्यूटिंग पद्धति और संचार (आईसीसीएमसी-2020) पर आईईईई चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शीर्षक (अप्रैल, 2020) "एनएलपी आधारित मशीन लर्निंग अप्रोच फॉर टेक्स्ट समराइजेशन" शीर्षक से शोध प्रकाशित किया।

बजाज, डी., भारती, यू., गोयल, ए., और गुप्ता, एस.सी (2020, मई)। माइक्रो सेवाओं और एफएएस में क्लाउड नेटिव मोनोलिथिक एप्लिकेशन को री-आर्किटेक्चर करने के लिए आंशिक माइग्रेशन। सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (पीपी। 111-124)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

भारती, यू., बजाज, डी., बत्रा, एच., ललित, एस., ललित, एस., और गंगवानी, ए. (2020, जून). मेडबॉट: कैंवरसेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पॉवर्ड चैटबोट फॉर डिसेबिलिटी टेली-हेल्थ ऑप्टर कोविड-19. 2020 में संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स (आईसीसीईएस) पर 5वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीपी। 870-875)। आईईईई।

डॉ. शालिनी चौधरी: ने मनोविज्ञान विभाग, मुनीश्वर दत्त पीजी महाविद्यालय, प्रतापगढ़, यूपी भारत द्वारा 12-13 जून, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में लॉकडाउन का मुकाबला: अंतिम वर्ष की स्नातक लड़कियों के अनुभव 'कोविड -19 के संदर्भ में आत्म अवधारणा, सामाजिक चेतना और सामाजिक सद्भाव का सुधार पर पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. पारुल ने युनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल लंकाशायर(यूनाइटेड किंगडम) विश्वविद्यालय द्वारा 14-16 जुलाई, 2020 को आयोजित दूसरी अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में चुंबकीय रूप से सहायता प्राप्त फोटोडायनामिक थेरेपी के लिए फ्लोरेसिन-एन्ट्रैण्ड मैग्नेटोसोम पर पेपर प्रस्तुत किया।

रबलेन कौर राव ने कोविड -19: रिकैलिब्रेटिंग इंडियन एजुकेशन सिस्टम की थीम पर 24 जुलाई, 2020 को पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एसडीजी-4 पर नेशनल ई-कॉन्फ्रेंस में 'फ्लिपड क्लासरूम: एन इनोवेटिव टीचिंग पैराडाइम' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

आर. सिन्हा और जे. कौर (2020), "ए स्टडी ऑन लो पावर स्पिट्टोनिक्स," 2020 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेड इन कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड मेटेरियल्स(आईसीएसीसीएम), 2020, पीपी 310-315, दोई: 10.1109/आईसीएसीसीएम50413.2020.9213013.

ढोलकिया, पी., यादव, जे., सिंह, एस., यादव, एस., पाल, एस., और सभरवाल, पी. (2020). फाइटोकेमिकल और रेडिकल स्केवेंजिंग एक्टिविटी ऑफ बौहिनिया वेरिएगाटा (कचनार) स्टेम। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एंड वेबिनार ऑन एग्रीकल्चर प्रोडक्शन एंड फूड सेफ्टी, आईटीटीटी, देहरादून।

डॉ. कोमल चंद्रामणि- नौकरी से संतुष्टि और संगठनात्मक प्रतिबद्धता: अंतर्राष्ट्रीय युवा शोधकर्ता सम्मेलन, एसआरसीएसडब्ल्यू(25-26 सितंबर, 2020) में एक लैंगिक आधारित स्टेटिस्टिकल इंटरोगेशन।

सृष्टि सिंह, अंजलि सिंह, हर्षिता सिंह, प्रीयासी पाल, पूर्वी भारते, रेखा मेहरोत्रा, स्मिता सुंदरम, 2021. 12-13 मार्च, 2021 के दौरान एनआईटी तिरुचिरापल्ली में आयोजित हरित ऊर्जा और सतत पर्यावरण (RTAMGESE-2021) के लिए हालिया प्रौद्योगिकियों और उन्नत सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति के लिए बायोगैस प्रौद्योगिकी और भविष्य के संभावित चयनित।

नियोजन विवरण

सहमति देने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या	: 126
विद्यार्थियों को नियोजित किया गया	: 19
नियोजन पर रखे गए विद्यार्थियों का प्रतिशत	: 15.07%
सहमति देने वाली कंपनियों की संख्या	: 07

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

शहीद राजगुरु महाविद्यालय अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ने दल्लूपुरा और कौंडली गांव में आउटरीच कार्यक्रम के तहत विभिन्न झुग्गी-झोपड़ियों का दौरा किया और कई उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 13 फरवरी, 2021, 28 फरवरी 2021 और 7 मार्च 2021 को दल्लूपुरा गांव का दौरा किया और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को मास्क और सैनिटाइजर वितरित किए। स्वयंसेवकों ने उन्हें कोरोना वायरस के बारे में बताया कि यह कितना हानिकारक हो सकता है और कौन से महत्वपूर्ण एहतियाती उपाय करने चाहिए और गरीब झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों और जरूरतमंद महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन वितरित किए और उन्हें कपड़े के उपयोग के दुष्प्रभावों के बारे में भी बताया। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ रहना कितना महत्वपूर्ण है। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 4 मार्च, 2021 और 14 मार्च, 2021 को कौंडली गांव का भी दौरा किया और स्लम क्षेत्र के एक परिवार को चावल, गेहूं और दाल दान किया। आउटरीच कार्यक्रम, भौतिकी विभाग ने नवंबर 2020 - 22 फरवरी, 2021 तक कक्षा 11वीं, गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नई कौंडली के विद्यार्थियों के लिए भौतिकी व्याख्यान कक्षाओं का आयोजन किया। एक

सामाजिक कारण के रूप में, ई-वेस्ट सोसाइटी ऑफ फिजिक्स विभाग ई-अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लगातार काम कर रहा है और ई-कचरा संग्रह अभियान का आयोजन करता है। 10 नवंबर, 2020 को: ई-अपशिष्ट सोसाइटी ने डॉ. अन्वेशा बोरठाकुर, मैरी स्कोटोडोस्का क्यूरी पोस्टडॉ.क्टरल शोधकर्ता, केयू ल्यूवेन, बेल्जियम द्वारा "ई-कचरे का सतत प्रबंधन: चुनौतियां और अवसर" पर एक वेबिनार का आयोजन किया और एक पोस्टर शृंखला शुरू की जिसका नाम है- "अपने ई-अपशिष्ट को जानें"।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय ने एनलिस्ट और डीयूएलएस संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन संसाधन पहुंच शुरू की है। मौजूदा विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के खाते को अपग्रेड कर दिया गया है। प्रथम वर्ष के नए विद्यार्थियों में 5000 से अधिक ई-जर्नल और 135000 से अधिक ई-बुक्स को लॉगिन आईडी (रिमोट एक्सेसिबिलिटी) के साथ एक्सेस करने के लिए लगभग 446 एनलिस्ट खाते बनाए गए हैं। पुस्तकालय ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थी के लिए 15 (पंद्रह) पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। इस कार्यक्रम में अधिकांश विद्यार्थियों ने सहभागिता की। महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पुस्तकालय भी बड़ी संख्या में पुस्तकों की खरीद करता है, कुछ पुस्तकें खरीदी गईं और कई पाठ्य पुस्तकें दान से प्राप्त हुईं। पुस्तकालय ने नए स्थायी कर्मचारियों को शामिल किया, एक सेमी प्रोफेशनल सहायक है और दूसरा एमटीएस है।

संकाय संख्या : 114

वित्तीय आवंटन और उपयोग

प्राप्त जी.आई.ए में संस्वीकृत अनुदान : ₹.19,85,09,612.00

प्रयुक्त अनुदान : ₹. 22,48,24,257.83

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय में एक इनहाउस क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, सुश्री आस्था जैन हैं, उन्होंने मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को लगातार तनाव और चिंता से मुक्त करने के लिए महामारी के दौरान नियमित परामर्श सत्र लिया। विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी में विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देने और संलग्न करने के लिए महाविद्यालय के विभिन्न विद्यार्थी समाज असंख्य गतिविधियों में लगे हुए हैं। विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे "एक बेहतर कल के लिए स्वस्थ मानसिकता", अभिव्यंजक कला चिकित्सा पर कार्यशाला, एचआरएम में कैरियर की संभावनाओं पर बात, आईओटी पर वेबिनार: स्मार्ट कृषि में आवेदन, संगरोध उत्पादक बनाने पर वेबिनार, शारीरिक और मानसिक कल्याण पर वेबिनार के दौरान लॉकडाउन और कई अन्य आदि। ज्ञान को बढ़ाने और बदलते टीचिंग लर्निंग के माहौल में समायोजित करने के लिए, इलेक्ट्रॉनिक्स और अंग्रेजी विभाग ने मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर पांच दिवसीय व्यापक कार्यशाला भी आयोजित की। न केवल ज्ञान को बढ़ाने के लिए बल्कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए भी ध्यान केंद्रित किया गया था, शारीरिक शिक्षा विभाग ने कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए एक चिकित्सीय योग पाठ्यक्रम का आयोजन किया और ऑनलाइन योग और एरोबिक्स कक्षाओं का भी आयोजन किया। पुस्तकालय विभाग द्वारा साइबर सुरक्षा अध्ययन - सूचना प्रणाली कार्यक्रम, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट, टेल अवीव-याफो, इज़राइल के अकादमिक महाविद्यालय से प्रख्यात प्रोफेसर डॉ. ताल पावेल द्वारा "साइबर सुरक्षा और मानव कारक की कमजोरी" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। महाविद्यालय के पैरा-टीचिंग स्टाफ भी "माई पैशन ड्यूरिंग लॉकडाउन" पर एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम का आयोजन करके विभिन्न गतिविधियों में लगे रहे। लॉकडाउन के बावजूद, विद्यार्थी और शिक्षक प्रत्येक विभाग द्वारा नियमित मेंटर मंटी सेशन, पूर्व विद्यार्थियों की बातचीत, ऑनलाइन फेयरवेल और ओरिएंटेशन इत्यादि से जुड़े रहे। महाविद्यालय की इनेक्टस सोसाइटी ने ग्रीन हेवन परियोजना की शुरुआत करके एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस परियोजना के तहत विभिन्न प्रकार के मशरूम बिना किसी

प्रकार के कीटनाशकों के उगाए गए। इस परियोजना का मार्गदर्शन डॉ. पायल मागो और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अन्य विशेषज्ञों ने किया था। इस परियोजना ने न केवल मशरूम की विभिन्न किस्मों को उपलब्ध कराया बल्कि मुख्य रूप से महामारी के कारण पीड़ित विभिन्न लोगों को रोजगार दिया। इसके अलावा, इनेक्टस ने सुगव्य परियोजना भी शुरू की, जिसमें सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाने के लिए गाय के गोबर से सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल दीये बनाए गए।

शहीद सुखदेव व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एसएससीबीएस अपने प्रिंसिपल, प्रो. (डॉ.) पूनम वर्मा के उत्साही मार्गदर्शन में, इंडिया टुडे पत्रिका द्वारा लगातार दूसरी बार 2021 में भारत में सर्वश्रेष्ठ अंडरग्रेजुएट बिजनेस स्कूल के रूप में चुना गया है। विद्यार्थी नियोजन असाधारण रूप से सफल रहा है, जिसमें उच्चतम पैकेज भारतीय रुपये 19.25 लाख प्रतिवर्ष और औसत पैकेज आईएनआर 8.37 लाख प्रतिवर्ष है, एसएससीबीएस के सहयोग से दो अंतर्राष्ट्रीय अध्याय शुरू हुए हैं, एससीएम के साथ भारत का पहला एपीआईसीएस विद्यार्थी अध्याय, आपूर्ति के लिए दुनिया का सबसे बड़ा गैर-लाभकारी संघ चेन और इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (आईएमए) विद्यार्थी अध्याय और राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं-एनपीटीईएल स्थानीय अध्याय। इसके अलावा, कौरसेरा के सहयोग से महाविद्यालय ने अपने विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए दुनिया भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों द्वारा पेश किए जाने वाले कई लोकप्रिय ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तक मुफ्त पहुंच की सुविधा प्रदान की। अंत में, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में महाविद्यालय ने कई अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं और प्रतियोगिताओं में भाग लेकर और जीतकर वैश्विक स्तर पर नाम और प्रतिष्ठा अर्जित की है।

सम्मान / गौरव

एसएससीबीएस इनेक्टस ने यूएन ओएचसीएचआर द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रेक्टिसेस पुरस्कार जीता। प्रोजेक्ट बसेरा, रेस फॉर क्लाइमेट एक्शन में 23 देशों में 174 एनेक्टस परियोजनाओं में से शीर्ष 12 में से था और 1 रेस 4 महासागरों के लिए शीर्ष 48 के तहत और 23 देशों में 174 एनेक्टस परियोजनाओं में से प्लास्टिक आउट पर पुनर्विचार करने के लिए रेस, प्रोजेक्ट बसेरा में सफल संवेदीकरण।

विजेता - आईएमए द्वारा भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका विद्यार्थी केस प्रतियोगिता 2021.

दूसरा स्थान- आईएमए द्वारा भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका विद्यार्थी केस प्रतियोगिता 2021.

राष्ट्रीय उप विजेता - गठबंधन: आईआईएम अहमदाबाद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एम एंड ए केस विश्लेषण।

राष्ट्रीय उप विजेता - डफ एंड फेल्ल्स द्वारा वाईओ यूनिवर्सिटी डील चैलेंज।

राष्ट्रीय उप विजेता - विट इक्विटी : नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, पुणे द्वारा निवेश मूल्यांकन चुनौती।

नेशनल सेकेंड रनर अप - एचएसबीसी इंडिया केस प्रोग्राम एचएसबीसी द्वारा और सत्त्व कंसल्टिंग।

एसएससीबीएस के विद्यार्थियों ने ग्लोबल बैंकिंग ट्रेनिंग, लंदन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक मूल्यांकन ओलंपियाड में तीसरा स्थान हासिल किया।

एसएससीबीएस के विद्यार्थियों ने कॉर्पोरेट वित्त संस्थान द्वारा ग्लोबल सीएफआई वित्तीय मॉडलिंग केस प्रतियोगिता और विश्व चैंपियनशिप में चौथी रैंक हासिल की।

कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल द्वारा वैश्विक सीबीएस केस प्रतियोगिता में एसएससीबीएस के विद्यार्थियों ने छठी रैंक हासिल की।

मेलबर्न विश्वविद्यालय और मेलबर्न माइक्रोफाइनैस इनिशिएटिव द्वारा ग्लोबल माइक्रोफाइनैस केस प्रतियोगिता में एसएससीबीएस के विद्यार्थी शीर्ष 12 टीमों में अर्हक हुए।

एसएससीबीएस के विद्यार्थी चार्टरक्वेस्ट केस स्टडी सेंटर एनपीसी द्वारा सीएफओ ग्लोबल केस स्टडी प्रतियोगिता 2020 में शीर्ष 15 टीमों में अर्हक हुए।

एसएससीबीएस के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से इम्पैक्टफॉई, अफ्रीका डिकोडेड, क्राई, अनटंगल, सेव द चिल्ड्रन, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (जीएससी) और लेमन बाउल नाम की सात परियोजनाएँ शुरू कीं।

प्रकाशन

आकाश, ए., टंडन, ए. और अग्रवाल, ए.जी. (2021). हाऊ फीचर एम्बेडेड इन ईडब्ल्यूओएम प्रेडिक्ट होटल गेस्ट स्टिसफेकेशन : एन एप्लीकेशन ऑफ आर्टिफिशियल नयुरल नेटवर्क। जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम। 30 (4), 486-507। <https://doi.org/10.1080/19368623.2021.1835597>

गोयल, ए. (2021). भारत का समावेशी विकास - टीओपीएसआईएस पद्धति पर आधारित एक दृष्टिकोण। वैश्विक व्यापार और अर्थशास्त्र की समीक्षा, वॉल्यूम. 24(3), 296-315. डीओआई: 10.1504/GBER.2021.114663.

जैन, आर., जग्गी, सी.के और वर्मा, एम. (2020). शॉर्टज गेमिंग परिदृश्य के तहत विक्रेता प्रबंधित सूची और राजस्व साझाकरण अनुबंध के साथ दो सोपानक आपूर्ति शृंखला। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव मैनेजमेंट, वॉल्यूम. 26(4), 255-283.

जैन, आर. वर्मा, एम. और जग्गी, सी.के (2021). खाद्य वितरण ऐप्स के कारण खाद्य उद्योग में बुलव्हिप इफेक्ट पर प्रभाव। ओपसर्च 58,. 148-159. <https://doi.org/10.1007/s12597-020-00469-2>.

कुमार, ए., निगम, एन.के., और सिंह, के. (2020). क्या महिला निदेशक वित्तीय परिणामों को प्रभावित करती हैं? भारतीय साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस, 13(2), 119-139. <https://doi.org/10.1177/0974686220966813>.

मिश्रा, ए., बेंटूर, एस.ए. ठकराल, एस., गर्ग, आर., और दुग्गल, बी. (2021). कई सहवर्ती रोगों के साथ कोविड-19/सार्स-CoV-2 के उच्च जोखिम वाले मामले के उपचार में योग और आयुर्वेद पर आधारित एकीकृत चिकित्सा का उपयोग: एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स, वॉल्यूम। 15 (1), 1-12.

निगम, एन.के और गुप्ता, सी.पी (2021). सहसंबंध आधारित विविधीकरण और फर्म प्रदर्शन : भारत की एक अनुभवजन्य जांच। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू। वॉल्यूम. 22(2), 442-458. डीओआई: 10.1177/0972150918811232.

सहरावत, एन.के, कुमार, ए., निगम, एन.के, सिंह, के. और गोयल, के. (2020). टेस्ट ऑफ कैपिटल मार्केट इंटीग्रेशन यूजिंग फॉर्मा-फ्रेंच थ्री-फेक्टर मॉडल : इंपिरिकल एविडेंस। इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट एंड फाइनैन्सियल इनोवेशन, वॉल्यूम. 17 (2), 113-127। डीओआई:10.21511/ आईएमएफआई.17(2). 2020.10.

सहरावत, एन.के, सिंह, एस. और कुमार, ए. (2020). डज कॉर्पोरेट गवर्नेंस अफेक्ट फाइनैन्सियल परफॉर्मेंस ऑफ फर्म? ए लार्ज सेम्पल एविडेंस फ्रॉम इंडिया। बिजनेस स्ट्रेटजी एंड डेवलपमेंट, 3(4), 615-625. <https://doi.org/10.1002/bsd2.126>.

टंडन, ए., नेहा, अग्रवाल, ए.जी और जायसवाल, ए. (2020). आईएफएस और ओडब्ल्यूए-टी विश्लेषण का उपयोग कर सॉफ्टवेयर सिस्टम की विश्वसनीयता आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलाइबिलिटी, क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग, वॉल्यूम. 27(05), 1-15. <https://doi.org/10.1142/S0218539320400136>.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के सदस्य, संपादक (संपादकों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या :

डॉ. पूनम वर्मा, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, मंथन: जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, प्रिंट आईएसएसएन: 2347-4440, ई-आईएसएसएन: 2395-2601.

श्री नीरज कुमार सहरावत, एडिटर-इन-चीफ, अमर रिसर्च जर्नल: एन इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन: 2348-1323.

डॉ. अभिषेक टंडन, एसोसिएट एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशयोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, प्रिंट आईएसएसएन: 0975-6809, ऑनलाइन आईएसएसएन: 0976-4348.

डॉ. समीर आनंद, एसोसिएट एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशयोरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, प्रिंट आईएसएसएन: 0975-6809, ऑनलाइन आईएसएसएन: 0976-4348.

डॉ. अनामिका गुप्ता, संपादकीय बोर्ड सदस्य, डेटा विश्लेषण तकनीकों और रणनीतियों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, प्रिंट आईएसएसएन: 1755-8050, ऑनलाइन आईएसएसएन: 1755-8069.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. कुमार बिजौय, डॉ. अजय जायसवाल और डॉ. समीर आनंद, आईसीएसएसआर, शिक्षा मंत्रालय, 15 जनवरी, 2020 - 14 जनवरी, 2022। "भारत में तकनीकी एकीकरण के माध्यम से सामाजिक और वित्तीय समावेशन के लिए सरकारी कल्याण नीतियों के प्रभाव को बढ़ाना". संस्वीकृत राशि ₹ 6,40,000.

संगोष्ठियों का आयोजन

7 सितंबर, 2020 को श्री कमलेश सजनानी, प्रबंध निदेशक, आईएमएस टेस्ट तैयारी द्वारा "भारत में एमबीए बनाम विदेश में एमबीए"

20 सितंबर, 2020 को फिलिप्स में बेयूनिक् के सह-संस्थापक और प्रतिभा शोधकर्ता आशीष चोपड़ा द्वारा "एलजीबीटीक्यू राइट्स"

10 अक्टूबर, 2020 को ऑपरिस यू.के के फॉइनैशियल मॉडलर सी.ए परेश गुप्ता द्वारा "वित्तीय मॉडलिंग"

"महिला सशक्तिकरण: इसमें मेरे लिए क्या है?" सुश्री योगिता भयाना, संस्थापक, पी.ए.आर.आई-पीपल अगेंस्ट रेप्स इन इंडिया; सुश्री वीनू कक्कड़, अधिकार कार्यकर्ता और सुश्री उत्कर्ष माथुर, संपादकीय प्रमुख, गर्ल अप दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 नवंबर, 2020 को।

सम्मेलन का आयोजन

18 फरवरी, 2021 को "वार्षिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन - अभिसरण"।

20-21 फरवरी, 2021 से "इनोवेटिव कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन (आईसीआईसीसी) 2021 पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 11-18 नवंबर, 2020 को आयोजित जीएसओएम इमर्जिंग मार्केट्स कॉन्फ्रेंस 2020 में "डिस्टिनेशन स्टैकहोल्डर परसेप्शन्स ऑफ ओवरटूरिज्म एंड एनवायरनमेंटल इम्पैक्ट इन लद्दाख" पर जिग्मेट वांगडस।

आईआईएम कोझीकोड में 7-9 दिसंबर, 2020 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रौद्योगिकी और सोसायटी में "पर्यटन उद्योग की स्थिरता की ओर एक प्रतिमान: लद्दाख के विशेष संदर्भ के साथ एक अध्ययन" पर जिग्मेट वांगडस।

अशोका यूनिवर्सिटी में 15-18 दिसंबर, 2020 को आयोजित बिग डेटा एनालिटिक्स पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "टेक्सचर फ्रीजर एक्सट्रैक्शन: मशीन लर्निंग क्लासिफायर के प्रदर्शन पर वेरिएंट का प्रभाव: चेस्ट एक्स रे निमोनिया इमेज पर अध्ययन" पर डॉ. अनामिका गुप्ता की प्रस्तुति।

राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एनआईएफएम) द्वारा 12 जनवरी, 2021 को आयोजित ऑनलाइन एमडीपी में "जोखिम मूल्यांकन" पर डॉ. कुमार बिजॉय की प्रस्तुति।

शहीद सुखदेव महाविद्यालय ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा 28 जनवरी, 2021 आयोजित "इकोनॉमिक्स बियॉन्ड द इक्विलिब्रियम" पर डॉ. सुष्मिता की प्रस्तुति।

एसएससीबीएस, फरवरी, 20-21, 2021 तक आयोजित अभिनव कंप्यूटिंग और संचार पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क और पारंपरिक तरीकों का उपयोग कर एक भारतीय फर्म की सिकनेस की भविष्यवाणी: एक तुलनात्मक अध्ययन" पर नरेंद्र कुमार निगम।

एसएससीबीएस में 20-21 फरवरी, 2021 को आयोजित इनोवेटिव कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इकोनोमेट्रिक दृष्टिकोण का उपयोग करके बिट्कोइन के बाजार मूल्य के परिवर्तन का विश्लेषण" पर गुरजीत कौर और सैंड्रा सुरेश।

शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में 9 मार्च, 2021 को "बैलेंस शीट एनालिसिस से परे" पर नीरज कुमार सहरावत।

अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) में 19 मार्च, 2021 को "वित्तीय विवरण और अनुपात" पर डॉ. कुमार बिजॉय।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

एफएमएटी (वित्तीय मॉडलिंग और एल्गो ट्रेडिंग) पाठ्यक्रम चलाने के लिए बीएसई

एनएससीएमपी (एनएसई सर्टिफाइड कैपिटल मार्केट्स प्रोफेशनल) कोर्स चलाने के लिए एनएसई

Knowerx Education Private Limited ने एपीआईसीएस एसएससीबीएस चैप्टर के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए हैं

वित्तीय प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम चलाने के लिए वाईस्टार्ट इनोवेशन लैब्स

भारतीय उद्योग परिसंघ(सीआईआई) एम.ओ.यु

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 171, 78.44%

कैंपस (कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 84

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

महाविद्यालय की एनेक्टस, रोटारैक्ट और एनएसएस यूनिट कोविड -19 के दौरान समाज की सेवा के लिए कई परियोजनाएं चला रही हैं:

प्रोजेक्ट सृजन ई-अपशिष्ट के घटकों का उपयोग करके डीआईवाई उत्पादों का उत्पादन करके वंचित समुदाय को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इसने साहास एनजीओ के साथ नॉलेज पार्टनर के रूप में और भविष्य की बिक्री के लिए कई तृतीय-पक्ष साइटों के साथ सहयोग किया है। प्रोजेक्ट सृजन की टीम ने उद्योग के कामकाज के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए ऑल इंडिया रबर एसोसिएशन के महानिदेशक से मुलाकात की, जो एक ई-अपशिष्ट विशेषज्ञ भी हैं।

प्रोजेक्ट अन्वेद रोजगारपरकता बढ़ाने के लिए पाठ्य ज्ञान आधारित शिक्षा के बजाय आधुनिक तकनीकों में कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करता है। शृंखला के पहले तीन वेबिनार मुफ्त में आयोजित किए गए थे और इसमें विद्यार्थियों, वयस्कों और रोटरी नेटवर्क के विभिन्न सदस्यों ने भाग लिया था।

परियोजना कामाख्या स्लम क्षेत्रों में महिलाओं की मासिक धर्म की स्थिति में सुधार के क्षेत्र में काम करती है। उन्होंने लाडली फाउंडेशन ट्रस्ट, द लाली प्रोजेक्ट, सुकर्मा फाउंडेशन, सेफ एन हैप्पी पीरियड्स, व्योमिनी सोशल फाउंडेशन और कुछ अन्य मासिक धर्म कार्यकर्ताओं के साथ नॉलेज पार्टनर के रूप में सहयोग किया है।

प्रोजेक्ट रक्त का उद्देश्य घातक कोरोनावायरस से लड़ने के लिए प्लाज्मा दाताओं और लाभार्थियों के बीच की खाई को पाटना है। एनएसएस एसएससीबीएस के स्वयंसेवकों की एक टीम कोविड संसाधनों जैसे ऑक्सीजन की आपूर्ति, दवाओं, चिकित्सालयों के बिस्तरों, डॉक्टरों, प्लाज्मा दाताओं इत्यादि को सत्यापित करने और जरूरतमंदों को उसी की सत्यापित सूचना(लीड) साबित करने के लिए काम कर रही है। इसकी शुरुआत हमारे कुछ स्वयंसेवकों ने बाहरी संगठनों के साथ काम करने के लिए की। अब, हम 40+ सीबीएस कोविड फाँटर्स की एक टीम हैं, जो पूरे दिन जरूरतमंद लोगों के लिए काम कर रहे हैं। इसने एक कोविड टीकाकरण जागरूकता अभियान भी शुरू किया जिसमें पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया और अन्य पहलुओं को शामिल किया गया, जिससे लोगों के बीच टीकाकरण के लिए सार्वभौमिक स्वीकृति प्राप्त हुई।

प्रोजेक्ट चेतना लाइव सत्रों में विभिन्न सोशल मीडिया प्रभावितों के वास्तविक जीवन के अनुभवों को आमंत्रित और साझा करके सोशल मीडिया पर नफरत के बारे में युवाओं को संवेदनशील बनाती है। इसने एक ध्यान सत्र का भी आयोजन किया जिसने विद्यार्थियों द्वारा मानसिक शांति प्राप्त करने और आराम करने के लिए कुछ समय निकालने के लिए नए सामान्य को स्वीकार करने में मदद की।

परियोजना संरक्षण का उद्देश्य विभिन्न सोशल मीडिया पोस्ट और वेबिनार के माध्यम से साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

प्रोजेक्ट प्रवाह किसानों को संवेदीकरण सत्रों के माध्यम से पिछड़े एकीकरण को विकसित करता है और उन्हें एसएचजी बनाने में मदद करता है और उत्पादन केंद्रों को बढ़ाकर और विभिन्न सरकारी और निजी भागीदारी में परियोजना की पहुंच बढ़ाता है। वर्टिकल गार्डनिंग और स्टबल खाद में आगे जाकर एयर प्यूरीफायर और स्टबल पॉट्स की बिक्री और स्टबल पॉट्स की ई-लिस्टिंग में वृद्धि हुई है।

प्रोजेक्ट बसेरा का उद्देश्य बेघर आश्रयों को उन्नत करना और पीपीई स्क्रेप से योग मैट के उत्पादन और बिक्री के माध्यम से पीपीई बैग में और विविधीकरण के साथ और कार्डबोर्ड फर्नीचर उत्पादों जैसे लैप टेबल, स्टूल इत्यादि में रोजगार प्रदान करके अपने लोगों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है।

पुस्तकालय विकास

दो मंजिलों में फैले पुस्तकालय में 218 विद्यार्थियों के लिए एक वाचनालय और रेप्रोग्राफिक सुविधा के साथ संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान अनुभाग है। पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 127 नए टाइटल शामिल किए हैं और पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 23,465 है। इसके अलावा, पुस्तकालय में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की 56 पत्रिकाओं और जर्नल की सदस्यता है। संस्थागत सदस्यों के लिए पुस्तकों, पत्रिकाओं/जर्नल, समाचार पत्रों और सदस्यता शुल्क की खरीद पर उपयोग किया जाने वाला अनुमानित बजट रु.198943.40 है।

संकाय संख्या

स्थायी : 32

तदर्थ : 1 1

वित्तीय आवंटन और उपयोग

प्राप्त अनुदान : ₹ 14,57,00,000

प्रयुक्त अनुदान : ₹ 14,57,00,000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने कैंपस(कैंपस) प्रोग्राम के लिए कौरसेरा शुरू किया जिसके तहत विद्यार्थियों को कौरसेरा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध दुनिया भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों द्वारा बड़ी संख्या में लोकप्रिय ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तक निःशुल्क पहुंच प्रदान की गई है।

महाविद्यालय ने एपीआईसीएस एसएससीबीएस चैप्टर शुरू किया जो आपूर्ति चेन के लिए दुनिया के सबसे बड़े गैर-लाभकारी संघ का भारत का पहला विद्यार्थी अध्याय है।

महाविद्यालय ने इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (आईएमए) के विद्यार्थी अध्याय की शुरुआत की

शिवाजी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शिवाजी महाविद्यालय वर्तमान में अपने 'हीरक जयंती वर्ष' में है। कोविड-19 के प्रकोप के बीच, शिवाजी महाविद्यालय ने अपने स्वयं के डिजिटल प्लेटफॉर्म "स्पेस" को लॉन्च करके ऑफलाइन से वर्चुअल मोड में तेजी से बदलाव किया। महाविद्यालय ने महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक ई-अध्ययन सेल, ई-कंटेंट रिपोजिटरी और एक कोविड टास्क फोर्स की भी स्थापना की। अपने विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक भलाई सुनिश्चित करने के लिए, महाविद्यालय द्वारा वार्षिक शुल्क माफ करने के लिए एक सहानुभूतिपूर्ण कदम उठाया गया था। विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर विभागों और समितियों द्वारा कई वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। शिवाजी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र (वेस्ट कैंपस) के तहत कोविड-19 टीकाकरण अभियान के पहले केंद्रों में से एक था। महाविद्यालय ने एनआईआरएफ में 51 रैंक और इंडिया टुडे फॉर साइंसेज में 32 रैंक हासिल की। महाविद्यालय ने कठोर अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एसईआरबी, डीबीटी स्टार महाविद्यालय योजना जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों से अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त किया है।

सम्मान / गौरव

डॉ. कुमारी प्रियंका, गणित विभाग, शिवाजी महाविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021 की पूर्व सांध्य पर सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट, वेस्ट मिडलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम द्वारा गणितीय विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय अभिनव महिला वैज्ञानिक पुरस्कार 2021 प्राप्त किया।

डॉ. रुचिरा ढींगरा, हिंदी विभाग को 25 नवंबर, 2020 को राजनीति की पाठशाला सामाजिक मंच द्वारा शिक्षा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. रुचिरा ढींगरा, हिंदी विभाग को 5 सितंबर, 2020 को राजनैती की पाठशाला द्वारा शिक्षा और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में डॉ. एस राधाकृष्णन मेमोरियल अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया है।

डॉ. रुचिरा ढींगरा, हिंदी विभाग को दिसंबर 2020 में शकीरन समृद्धि फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर के डॉ.बी.आर.अंबेडकर शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

डॉ. विकास शर्मा, हिन्दी विभाग को सितंबर 2020 में उनकी पुस्तक पर "भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की विधा भूमिकाएं" पर श्री गुगनराम स्मृति साहित्य सम्मान मिला।

डॉ. दर्शन पांडेय, हिंदी विभाग को एनआरबी फाउंडेशन और भव्य इंटरनेशनल, राजस्थान से साहित्य, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान हेतु रेड डायमंड अचीवर्स अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया।

डॉ. अमरजीव लोचन को धर्म के इतिहास के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईएचएआर) का उपाध्यक्ष चुना गया है, और यूनेस्को के तहत अंतर्राष्ट्रीय दर्शनशास्त्र और मानवतावादी अध्ययन परिषद (सीआईपीएसएच) के सदस्य के रूप में चुना गया है।

प्रकाशन

भारती, अहमद, जी., कुमार, वाई., और शर्मा, एस. (2021). डीएफटी कम्प्यूटेशन क्वांटम कैपेसिटेंस ऑफ प्योर डोपड नाइओबियम नाइट्राइड्स फॉर सुपरकैपेसिटर एप्लीकेशन्स। सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 47, 18948-18955.

चौरसिया, आर., अशोकन, ए., कुमार, के., प्रमाणिक, ए.के (2021). लो टेम्परेचर फेरोमैग्नेटिज्म इन पेरोस्काइड SrIrO_3 फिल्म्स। फिजिकल रिव्यू, 103(6), 064418.

गोयल, आर.के और कौर, एच. (2021). भारत में कमोडिटी फ्यूचर्स: ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर। मुक्त शब्द जर्नल, 10(1), 232-243.

कामना, एस., शर्मा, सी., और सिंह, आर. (2020)। आईसीआईसीआई बैंक में प्रबंधकीय धोखाधड़ी की भविष्यवाणी। इंस्पिरा- जर्नल ऑफ मॉडर्न मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, 10(3), 224-231.

मनीष, एम., वर्मा, एस., कंदारी, डी., कुलश्रेष्ठ, पी., सिंह, एस., भटनागर, आर. एंथ्रेक्स प्रिवेंशन थू वैक्सीन एंड पोस्ट-एक्सपोजर थेरेपी। जैविक चिकित्सा पर विशेषज्ञ की राय, 20(12), 1405-1425.

मीना, एम.के, कुमार, डी., कुमारी, के., कौशिक, एन.के, कुमार, आर.वी, बहादुर, आई. वोडवाल, एल. और सिंह, पी. (2021). प्रोमिसिंग इनहिबिटर्स ऑफ nsp2 आफ CHIKV यूजिंग मॉलिकुलर डॉ.किंग एंड टेम्परेचर-डिपेंडेंट मॉलिकुलर डायनेमिक्स सिमुलेशन्स। जर्नल ऑफ ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, डीओआई: 10.1080/07391102.2021.1873863.

राणा, टी.एस, रत्नू, बी., दहिया, एस (2020). सोशल फेब्रिम एंड डिफूजन ऑफ एग्रीकल्चर इनवेंटरी : ए माइक्रो लेवल स्टडी ऑफ नया बास विलेज, रोहतक, हरियाणा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड इकोनॉमिक रिसर्च, 5(5), 1135-1151.

रत्नू बी., और सिंह, वी.वी (2020). एक वैश्विक महामारी में परीक्षण समय : कोविड-19 के साथ भारत के व्यापार-वृद्ध का एक राष्ट्रीय अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट, 8(5), 2222-2238.

यादव, एस., विजयन, पी., यादव, एस. और गुप्ता, आर.(2021). रुथेनियम कॉम्प्लेक्स ऑफ फोस्फॉइन-अमाइड बेस्ड लिजेंड्स एज एफिसिएंट केटलेस्टस फॉर ट्रांसफर हाइड्रोजनीकरण रिएक्शन्स डाल्टन रिएक्शन्स, 50, 3269-3279.

यादव, आर., चौधरी, जे.के, जैन, एन, चौधरी, पी.के, खानरा, एस., धमीजा, पी. शर्मा, ए, कुमार, ए, हांडू, एस. (2021). कोविड-19 के लिए सार्स-CoV-2 के संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक प्रोटीन और चिकित्सीय लक्ष्यों की भूमिका। सेल्स, 10(4), 821.

अनुसंधान परियोजनाएं

वित्त पोषण एजेंसी : विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)। डॉ. कुमारी प्रियंका (गणित विभाग)। विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) ने गणितीय अनुसंधान प्रभाव केंद्रित समर्थन (मैट्रिक्स) योजना के तहत "सर्वेक्षण नमूनाकरण में गैर नमूनाकरण त्रुटियों के मॉडलिंग के लिए ट्यून अनुमान पद्धतियों का विकास" शीर्षक के तहत एक प्रमुख शोध परियोजना प्रायोजित की; संदर्भ संख्या [एमटीआर/2019/000329]। यह परियोजना डॉ. कुमारी प्रियंका (गणित विभाग) की देखरेख में है। वर्ष फरवरी, 2020- फरवरी, 2023। संस्वीकृत राशि - रु. 6,60,000.

वित्त पोषण एजेंसी: जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। डीबीटी प्रायोजित स्टार महाविद्यालय योजना के तहत विभागवार परियोजना " टू एसेस कार्डियोरेस्पिरेटरी फंक्शन्स एवं इट्स कोरिलेशन विथ क्युटलेट इंडेक्स एंड अंदर रिलेवेंट हेल्थ पैरामीटर्स", डीबीटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।(मई, 2019-मई, 2022)। डॉ. दर्शन मलिक और डॉ. जयिता ठाकुर संयुक्त रूप से इस परियोजना की देखरेख कर रहे हैं। "डीबीटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक 'माइक्रोबियल ईंधन सेल का उपयोग करके हरित ऊर्जा का उत्पादन'। भारत के (मई, 2019-मई, 2022)। डॉ. दर्शन मलिक और डॉ. जयिता ठाकुर संयुक्त रूप से इस परियोजना की देखरेख कर रहे हैं।

"डॉ. रेणु बावेजा की देखरेख में डीबीटी-स्टार महाविद्यालय योजना, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत 'युवाओं में हेमटोलॉजिकल पैरामीटर/एस और बीमारियों के साथ उनके सहसंबंध में भिन्नता का अध्ययन'।

स्टार महाविद्यालय योजना, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत डीबीटी, सरकार द्वारा प्रायोजित 'एक शोध पद्धति के रूप में साहित्य समीक्षा की प्रासंगिकता'। डॉ. किरण बामेल और डॉ. प्रभावती द्वारा संयुक्त रूप से इस परियोजना की देखरेख की जा रही है।

स्टार महाविद्यालय योजना, शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत डीबीटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना शीर्षक "कोविड-19 के लिए वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली का उपयोग करते हुए प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले स्वास्थ्य संवर्धन के उपाय"। डॉ. प्रभावती और डॉ. किरण बामेल द्वारा संयुक्त रूप से इस परियोजना की देखरेख की जा रही है।

"डॉ. दीपिका यादव की देखरेख में बायोमेडिकल, पीजोइलेक्ट्रिक और फेरोइलेक्ट्रिक अनुप्रयोगों के लिए बहुक्रियाशील ZnO नैनोकणों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन।

सुश्री निमिता कांत की देखरेख में डीबीटी-स्टार महाविद्यालय योजना (वर्ष: 2020-2021) के तहत वार्षिक अंतःविषय परियोजना शीर्षक "जैविक समझ के लिए मात्रात्मक दृष्टिकोण का विकास"।

फंडिंग एजेंसी- महाविद्यालय अनुसंधान प्रकोष्ठ, शिवाजी महाविद्यालय, अवधि-1 वर्ष

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट

फाँड़ल किए गए पेटेंट - श्री कृष्ण कांत सिंह गौतम, कंप्यूटर विज्ञान विभाग। 2 अक्टूबर, 2020 को "दृष्टिबाधित लोगों और उसके लिए वर्चुअल विजन सिस्टम" शीर्षक पर एक पेटेंट फाँड़ल किया। आवेदन संख्या 202041038731.

संगोष्ठियों का आयोजन

30 अक्टूबर, 2020 को हीरक जयंती के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जहां माननीय मुख्य अतिथि प्रो. एम. जगदीश कुमार, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने व्याख्यान दिया।

30 नवंबर, 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया था जिसमें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश भटनागर द्वारा 'गुड क्वालिटी अर्ली एजुकेशन इज द फर्स्ट स्टेप टू वर्ड्स ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया' शीर्षक पर एक वार्ता दी गई थी।

25 फरवरी, 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. वी. रामगोपाल राव द्वारा "21वीं सदी में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार: शैक्षणिक संस्थानों की बदलती भूमिका" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

11 जुलाई, 2020 को प्रोफेसर उपेंद्र चौधरी, प्रोफेसर और पूर्व निदेशक, आईसीएसएसआर, राजनीति विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा "इम्पैक्ट सेंट्रिक रिसर्च: फंडिंग अपॉर्चुनिटीज एंड चैलेंजेस इन फ्रेमिंग सक्सेसफुल रिसर्च प्रोजेक्ट" शीर्षक से राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

20 नवंबर, 2021 को आईआरएस अधिकारी अमन प्रीत पासी द्वारा 'मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता पर कोविड-19 के प्रभावों को कम करने' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ महिला महाविद्यालय, जालंधर द्वारा 9-11 मई, 2020 को आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "वैदिक ज्ञान: दुनिया के लिए आर्यावर्त का उच्चतम योगदान" में गणित विभाग की डॉ. नीतू रानी ने "जियोमेट्रिक डिस्क्रिप्शन ऑफ वैदिक फॉयर अल्टर-फॉल्कन" शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

भूगोल विभाग की सुश्री एकता रमन ने 27-28 जून, 2020 को "शहरी स्वास्थ्य खतरा और कोविड -19 महामारी में जुड़े मुद्दे" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ आईजीयू-ई-कॉन्फ्रेंस 2020 में एक पेपर प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग की डॉ. अनुभा ने 25 - 26 सितंबर, 2020 को एमडीआई, मुर्शिदाबाद में आयोजित व्यापार, आई.टी और उद्यम वास्तुकला पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बीमा योजनाओं की ओर उपभोक्ता अवधारणात्मक मानचित्रण: विपणन विश्लेषण दृष्टिकोण" पर शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता।

पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. विराट जोली ने 7-8 अक्टूबर, 2020 को आयोजित इंटरनेशनल वेडर स्टडी ग्रुप और ब्रिटिश ऑर्निथोलॉजिस्ट यूनियन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित इंटरनेशनल शोरबर्ड्स ट्विटर कॉन्फ्रेंस #एसटीसी 2020 में "उत्तर भारत के शोरबर्ड्स का सर्वेक्षण" शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

जूलॉजी विभाग की डॉ. निमिता कांत ने 6- 8 नवंबर, 2020 को आयोजित हाइब्रिड "इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी-आईएसएमपीओसीओएन 2020" के वार्षिक सम्मेलन में त्वचा के स्कवैमस सेल कार्सिनोमा (एससीसी) में टेलोमेरेस रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) अभिव्यक्ति का मूल्यांकन" शीर्षक से एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

रसायन विज्ञान विभाग और आईक्यूएसी मुंगासाजी महाराज महाविद्यालय, दरवा, भारत 9-10 दिसंबर, 2020 को द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "औषधि रोग और विकास" पर अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय आभासी सम्मेलन में रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. एन.जी गिरी ने "ट्रिटिकम एस्टिवम और ज़िया मेस के अंकुरण और विकास पर मिट्टी पीएच का प्रभाव" विषय पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

रसायन विज्ञान विभाग की डॉ. ऋचा अरोड़ा ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान भारती (विभा) के सहयोग से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-2020 के एक भाग के रूप में 22-24 दिसंबर, 2020 को आयोजित युवा वैज्ञानिकों के सम्मेलन में "अनुसंधान के सीमांत क्षेत्र-रासायनिक विज्ञान" विषय के तहत "ट्रिटिकम एस्टिवम और ज़िया मेस के अंकुरण और विकास पर मिट्टी के पीएच का प्रभाव" विषय पर एक मौखिक प्रस्तुति दी।

वाणिज्य विभाग की डॉ. किरण चौधरी ने 19- दिसंबर, 2020 को आयोजित "डिजिटलाइजेशन एज वेहिकल फॉर इन्वेंशन, आर्गेनाइजेशनल ग्रोथ एंड इफेक्टिवनेस" पर ऑनलाइन 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मन्थ ऑफ ईयर इफेक्ट : एन इम्पिरिकल एविडेंस फ्रॉम ब्रिक्स स्टॉक मार्केट्स' शीर्षक से शोध प्रस्तुत किया।

गणित विभाग के श्री सतीश कुमार ने ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, मेरठ चैप्टर द्वारा 16-17 फरवरी, 2021 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: मॉडलिंग और अनुकूलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी विभाग की सुश्री मीनाक्षी यादव ने अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया और हीडलबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा 15-17 मार्च, 2021 तक आयोजित दक्षिण एशियाई औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक साहित्य और सार्वजनिक क्षेत्रों में भाषा विचारधाराओं और 'वर्नाक्यूलर' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हिंदी का मानकीकरण और वर्नाक्यूलराइजेशन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

दिल्ली विश्वविद्यालय की विद्या विस्तार योजना के तहत, शिवाजी महाविद्यालय ने फरवरी, 2021 में हिमालयी डिग्री महाविद्यालय राजौरी, जम्मू-कश्मीर और डीएवी महाविद्यालय, मुजफ्फरनगर के साथ अकादमिक और अनुसंधान सहयोग पर एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए हैं। इस योजना का उद्देश्य संसाधनों, शैक्षणिक सहयोग और शैक्षिक सहयोग को साझा करना है।

नियोजन विवरण

वर्ष 2020-21 के नियोजित किए गए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 34 और प्रतिशतवार 13.18% विद्यार्थियों को रखा गया।

कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : नियोजन प्रदान करने के उद्देश्य से 15 कंपनियों ने ऑनलाइन नियोजन अभियान चलाया।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

अर्थ सेवियर फाउंडेशन -3 जुलाई, 2020. सत्र 2020-21 के दौरान कई दान अभियान हुए। अर्थ सेवियर फाउंडेशन एनएसएस शिवाजी (लेट नो वन स्लीप हंग्री) द्वारा आयोजित "डोनेशन ड्राइव" का लाभार्थी था। इसका उद्देश्य कम भाग्यशाली लोगों की सहायता के लिए जनता से एक छोटा-सा दान मांगना था। सैनिटाइजर, मास्क, दस्ताने, कच्चे खाद्य उत्पाद और अन्य सामान ज्यादातर दान में दिए गए। इस दौरान ही कोरोना वायरस का पता चला था और मास्क और अन्य सावधानियां अनिवार्य कर दी गई थीं। मास्क डोनेशन ड्राइव - 7 जुलाई, 2020. एनएसएस शिवाजी ने विशेष रूप से महामारी के मद्देनजर मास्क के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मास्क डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया। समुदाय में कोविड-19 के संचरण को रोकने के लिए मास्क महत्वपूर्ण संसाधन हैं। गर्मियों तक, कोविड के मामलों की संख्या आसमान छू गई थी, और वायरस को फैलने से रोकने के लिए मास्क ही एकमात्र तरीका था। एनएसएस शिवाजी ने स्थिति की निगरानी में मदद करने के लिए जनता को सूचित करने और मास्क प्रदान करने का जिम्मा खुद लिया। वृक्षारोपण अभियान- 16-17 अगस्त, 2020। एनएसएस शिवाजी महाविद्यालय की टीम ने "वृक्षारोपण अभियान" का आयोजन किया। महामारी के कारण, हम अपने आस-पास के पार्कों और समाज में पेड़ लगाना लगभग भूल गए थे और इसलिए हमने अपने पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की पहल की। खाद्य दान अभियान-16 अक्टूबर, 2020। आईक्यूएसी के तत्वावधान में, शिवाजी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 'द अर्थ सेवियर फाउंडेशन' के लिए एक दान अभियान का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य था: 'कोई भी भूखा न सोए! जिसमें स्टाफ रूम, शिवाजी महाविद्यालय में कोई भी वस्तु; आटा, चावल, दाल, चीनी, खराब न होने वाली वस्तुएं अथवा उनकी पसंद की कोई भी वस्तु दान कर सकता है। सभी के समर्थन ने संगठन को सभी जरूरतमंद लोगों की सहायता करना जारी रखने में मदद की। जागरूकता अभियान - 17 अक्टूबर, 2020। इनेक्टस शिवाजी द्वारा स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता के संबंध में एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की अतिथि वक्ता डॉ. नीति लीखा छाबड़ा ('यस टू लाइफ' एनजीओ की संस्थापक और अध्यक्ष थीं)। दीया डोनेशन ड्राइव - 14 नवंबर, 2020. एनएसएस टीम ने गरीब घरेलू कामगारों को उनके दिवाली उत्सव को रोशन करने के लिए दीया दान किया। सेनेटरी पैड डोनेशन ड्राइव- 8 मार्च, 2021. डोनेशन ड्राइव आईक्यूएसी के तत्वावधान में, शिवाजी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने एसएपीएनए पहल के तहत एक सैनिटरी पैड डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया जहाँ हम सभी ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए सेनेटरी पैड का एक पैकेट दान करने के लिए नेक काम किया। आशा अभियान की स्थापना - 22 अप्रैल, 2021- 15 मई, 2021. एनएसएस शिवाजी की टीम ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू बेड, प्लाज्मा डोनर, इंजेक्शन और दवाओं की तत्काल आवश्यकता के लिए जाँच और परिचालन हेल्पलाइन और संपर्कों की सूची संकलित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। हर दिन, चेक की एक शृंखला के बाद, जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन को सार्वजनिक किया जाता है। आशा अभियान के तहत, विभिन्न जागरूकता पोस्ट जल्दी पोस्ट की गईं, जिनमें- टीकाकरण जागरूकता, ऑक्सीजन सेचुरेशन बढ़ाने के लिए व्यायाम वीडियो और स्वास्थ्य सर्वेक्षण शामिल हैं। जागरूकता अभियान - 28 मई, 2021. इनेक्टस शिवाजी द्वारा इंस्टाग्राम पर जागरूकता अभियान के साथ मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अभियान में फर्स्ट पीरियड स्टोरी - बॉयज़ एडिशन, डिजेंडरिंग मासिक धर्म, महामारी में #महावारी पर अभियान शामिल था।

पुस्तकालय विकास

शिवाजी महाविद्यालय का पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय 31 समाचार पत्रों, 18 पत्रिकाओं और 6 जर्नल की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की कुल संख्या 286 ब्रेल पुस्तकों के अलावा 80,533 है। पुस्तकालय में पुस्तकों की सुरक्षा में सुधार के लिए आरएफआईडी प्रणाली के साथ कोहा पुस्तकालय

सॉफ्टवेयर खरीदा और स्थापित किया गया था। पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर उपयोगकर्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थी स्वयं जारी करने अथवा पुस्तकें वापस करने में सक्षम होते हैं। महाविद्यालय के पुस्तकालय में डेलनेट- डेवलपिंग पुस्तकालय नेटवर्क की सदस्यता है (मुख्य उद्देश्य पुस्तकालयों के बीच संसाधन साझाकरण को बढ़ावा देना है)।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या : 198

वित्तीय आवंटन और उपयोग (वर्ष 2020-21)

संस्वीकृत अनुदान रु. 44,87,57,000.00(गैरलेखापरीक्षित)

प्रयुक्त अनुदान रु.59,29,27,097.35-(लेखापरीक्षित)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कार्यशालाओं का आयोजन - डीबीटी प्रायोजित स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर (6 जुलाई - 31 जुलाई, 2020) पर चार सप्ताह का "प्लॉट साइंसेज में उपकरण और तकनीक: मॉर्फोलॉजी टू मेटाबोलोम" आयोजित किया गया था। "डीबीटी प्रायोजित स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में एक सप्ताह 'रासायनिक और जीवन विज्ञान प्रयोगशालाओं में सहायकों/परिचारकों के लिए इंटर महाविद्यालय प्रयोगशाला कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम "(8 फरवरी -12 फरवरी, 2021) आयोजित किया गया था। "22-26 मार्च, 2021 तक डीबीटी प्रायोजित स्टार महाविद्यालय योजना के तत्वावधान में शिवाजी महाविद्यालय के जैव रसायन, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान और प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा एक पांच दिवसीय 'जैविक और रासायनिक विज्ञान में स्कूल शिक्षकों के लिए कार्यशाला' का आयोजन किया गया। प्रोटीन जीव विज्ञान को समझने के लिए जैव सूचना विज्ञान उपकरणों का उपयोग, 16-17 अप्रैल, 2021 को विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला। 16-20 जनवरी, 2021 को "बायोइनफॉर्मेटिक्स एंड बायोस्टैटिस्टिक्स : ए बिगिनर्स गाइड" पर वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

ई-पुस्तकों और अन्य संदर्भ सामग्री तक निरंतर पहुंच के लिए महाविद्यालय ने पियर्सन एजुकेशन और मैकग्रा-हिल और नेशनल डिजिटल पुस्तकालय जैसे प्रसिद्ध प्रकाशकों के साथ समन्वय किया। महाविद्यालय ने कैंपस मैनेजमेंट सिस्टम, मिश्रित ई-अध्ययन प्लेटफॉर्म, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल डेटाबेस और मजबूत एलुमनाई कोनेक्ट बनाने में काफी निवेश किया है। विश्व स्तर पर प्रसिद्ध ऑनलाइन शिक्षण मंच कौरसेरा के साथ गठजोड़ करके विद्यार्थियों और शिक्षकों को उनके कौशल-सेट में सुधार के लिए निःशुल्क मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम प्रदान किए गए। महाविद्यालय के सभी हितधारकों की मानसिक और भावनात्मक भलाई सुनिश्चित करने के लिए 24*7 परामर्श सेवाओं की व्यवस्था की गई थी। कई नए नियोक्ताओं ने रु. 25 लाख प्रतिवर्ष के उच्चतम पैकेज के साथ महाविद्यालय से संपर्क किये, निर्बाध सीखने और ज्ञान के आधार के विस्तार के लिए, "विघटनकारी समय में नेतृत्व", "लॉकडाउन के दौरान अपनी क्षमता को अनलॉक करें" और "अनिश्चितता के समय में खुश कैसे रहें" जैसे विषयों पर कई व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किए गए थे। प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा प्रबंधन और संरक्षण जैसे पर्यावरण के अनुकूल कैंपस को बढ़ावा देने के लिए महाविद्यालय द्वारा विभिन्न उपाय किए गए।

सम्मान / गौरव

श्री सौरभ गुप्ता को 03 जून, 2020 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और वाणिज्य के स्नातकोत्तर और अनुसंधान विभाग, निर्मला महाविद्यालय मुवत्तुपुझा से सर्वश्रेष्ठ सार प्रस्तुत करने का पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

जैन, वी., और शर्मा, सीएस (2020). वर्कप्लेस डेविएंटे बिहेविअर इन रेस्पॉन्स टु ब्रीच ऑफ साइकोलॉजिकल कॉन्ट्रैक्ट : द मेडिएशन इफेक्ट ऑफ मोरल डिस्इंगेजमेंट। रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च, 5, 71-86। <https://doi.org/10.51245/rijbr.v5i1.2020.217>.

कपूरिया, सी., और कौर, एस. (2020). भारत में फसल विविधीकरण और फसल की स्थिति: एक अंतर्राज्यीय विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग, 50(5-7), 7-21. डीओआई: 10.17010/ijom/2020/v50/i5-7/152117.

कौर, एस., और कपूरिया, सी. (2020). ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन के निर्धारक : क्या जेंडर मायने रखता है?. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल इकोनॉमिक्स, 47(6), 747-767. डीओआई: 10.1108/ijse-07-2019-0439.

कौर, एस., और मलिक, एस. (2020). सार्वजनिक-निजी भागीदारी के निर्धारक: भारत का एक राज्य-स्तरीय अनुभवजन्य विश्लेषण, संपत्ति प्रबंधन, 38(4), 597-611. डीओआई: 10.1108/pm-10-2019-0063.

कुमार, एम. (2020). कोविड, सहकारिता और शिक्षा। सहकारी, 57(10), 43-46.

कुमार, एम. (2020). एम-वॉलेट: ग्रामीण और शहरी नागरिकों के उपयोग के इरादे पर एक तुलनात्मक अध्ययन। सॉलिड स्टेट टेक्नोलॉजी, 63(6)। <http://solidstatetechnology.us/index.php/JSST/article/view/6540> से लिया गया।

मक्कड़, एस., और सिंह, एके (2020). आध्यात्मिक नेतृत्व मॉडल का एक वैचारिक विकास। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड ग्लोबलाइजेशन, 26(3), 239-252। डीओआई: 10.1504/ijbg.2020. 10032723.

मेहता, एस., चौधरी, के., और कुमार, वी. (2020). ऑप्टिमल प्रमोशनल एफ़र्ट पॉलिसी इन इनोवेशन डिफ्यूजन मॉडल इनकॉर्पोरेटिंग डायनेमिक मार्केट साइज इन सेगमेंट स्पेसिफिक मार्केट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमैटिकल, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंसेज, 5(4), 682-696। <https://doi.org/10.33889/IJMEMS.2020.5.4.055>.

संजीव, ए., और कौर, एस. (2020). भारत में पर्यावरणीय स्थिरता, व्यापार और आर्थिक विकास: सार्वजनिक नीति के लिए निहितार्थ। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, राजनीति और विकास, 4(2), 141-160। <https://doi.org/10.1108/ITPD-09-2020-0079>.

शर्मा, सी.एस., और शर्मा, एन. (2020). आध्यात्मिक अभिविन्यास और सक्रिय कार्यस्थल व्यवहार : एक गुणात्मक विश्लेषण। ग्लोबल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन सिस्टम, 12(2), 66-72.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल

व्यापार विश्लेषक स्ट्राइड्स: द स्टूडेंट्स जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक अथवा सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 8

संगोष्ठियों का आयोजन

श्री मनोज कोहली, प्रबंध निदेशक, भारती एंटरप्राइजेज, लीडरशिप इन डिसरप्टिव टाइम्स, 23 अप्रैल, 2020.

श्री आदित्य प्रताप सिंह, सलाहकार, टाटा स्ट्रेटेजिक माउंट ग्रुप, लॉकडाउन के दौरान अपनी क्षमता को अनलॉक करें, 10 मई, 2020.

प्रो. अजय कुमार सिंह, कुलपति, श्री विश्वविद्यालय, अनिश्चितता के समय में कैसे खुश रहें, 12 मई, 2020.

प्रो. हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर, संकट के समय में नेतृत्व, 20 मई, 2020.

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, संसद सदस्य, भारत में खेल और प्रतिभा अधिग्रहण के लिए वित्तीय प्रोत्साहन पर नई सामान्य-चर्चा, 20 मई, 2020.

आयोजित सम्मेलन

"21वीं सदी के युवाओं के लिए माइंडसेट, नॉलेज-सेट्स और स्किल-सेट्स: इनोवेशन एंड एडेप्टेशन" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम, 27 मई - 3 जून, 2020.

"सहज योग ध्यान: आंतरिक शांति और सकारात्मकता की खोज" पर एक दिवसीय कार्यशाला, 14 जून, 2020.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सुश्री प्रियंका अग्रवाल, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और नागरिकता व्यवहार : कथित सीएसआर के आंतरिक परिणाम, "संगठनात्मक वास्तविकताओं : मानव संसाधन के बदलते प्रतिमान" पर 7वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन।

सुश्री साक्षी गंभीर, दक्षिण एशियाई संदर्भ में वायु प्रदूषण सूचकांक (एपीआई) की संकल्पना और मापन, एक सतत भविष्य सुनिश्चित करना: उद्यमिता की भूमिका, प्रबंधन प्रैक्टिसेस में नवाचार, और सर्कुलर अर्थव्यवस्था।

श्री सौरभ गुप्ता, तंबाकू के विशेष संदर्भ में भारत में हानिकारक खपत के लिए डी-मार्केटिंग।

डॉ. शिखा मक्कड़, भारत में उच्च शिक्षा में विविधता प्रबंधन, "नेतृत्व और प्रबंधन की आध्यात्मिक नींव की खोज" पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

सुश्री सुमन सी, लगजरी ब्रांड्स के मार्केटिंग में सोशल मीडिया का प्रभाव, सिम्सआर(एसआईएसएमएसआर) ग्लोबल मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस 2020.

सुश्री सुनीता शर्मा, फैकल्टी को टाइम टेबल असाइनमेंट समस्या का व्यावहारिक समाधान, गणितीय विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति (आरएएमएसए-2020)।

श्री विक्की शर्मा, ब्रांड बिल्डिंग थ्रू गुरिल्ला मार्केटिंग, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "वैश्विक व्यापार और सामाजिक मुद्दे"।

श्री विक्की शर्मा, भारत में हानिकारक उपभोग के लिए डी-मार्केटिंग : तंबाकू के विशेष संदर्भ के साथ, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सस्टेनेबिलिटी के लिए रोड मैप : पर्यावरण और स्वास्थ्य"।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के साथ ऑनलाइन सहयोग।

आईआईएम बेंगलूर में फोरम फॉर इंडस्ट्रियल इंटरैक्शन (एफआईआई) के साथ ऑनलाइन सहयोग।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के साथ ऑनलाइन सहयोग।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 251 प्रस्ताव

विद्यार्थियों का प्रतिशत : 44.74%

कैंपस में आने वाली कंपनियों की संख्या : 60

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप : महाविद्यालय के संकाय और विद्यार्थियों ने निम्नलिखित परियोजनाओं के एक भाग के रूप में विभिन्न आउटरीच और विस्तार गतिविधियों को पूरा किया है:

प्रोजेक्ट आरोग्य, कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन, एसआरसीसी,

परियोजना अमल, इनेक्ट्स, एसआरसीसी

परियोजना अंकुश, राष्ट्रीय सेवा योजना, एसआरसीसी
 प्रोजेक्ट अर्पण, कनेक्टिंग ड्रीम फाउंडेशन, एसआरसीसी
 केपीएमजी के सहयोग से प्रोजेक्ट असबाह, इनेक्ट्स, एसआरसीसी
 जनहित कौशल विकास केंद्र एनजीओ के सहयोग से परियोजना आशा, विट्ठल, एसआरसीसी
 हरियाणा सरकार (जिला प्रशासन), सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक और स्थानीय ग्राम पंचायतों के सहयोग से
 परियोजना खुशहाली, विट्ठल, एसआरसीसी
 एनजीओ रीच आउट एंड पास इट ऑन, एनजीओ उम्मीद, एनजीओ गूंज, एनजीओ बाल सहयोग, एनजीओ
 लोटस पेटल फाउंडेशन और एनजीओ ड्रॉप के सहयोग से प्रोजेक्ट सहाय, विट्ठल, एसआरसीसी
 सूचना और प्रसारण मंत्रालय और भारत सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से परियोजना उत्तरा (चरण
 I), विट्ठल, एसआरसीसी
 नेशनल बैंक ऑफ एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड), पंजाब नेशनल बैंक, एचपी स्टेट कोऑपरेटिव बैंक
 और एनजीओ महिला कल्याण परिषद के सहयोग से प्रोजेक्ट उत्तरा (द्वितीय चरण), विट्ठल, एसआरसीसी
 एनजीओ विकास सहायता के सहयोग से परियोजना विश्वास, राष्ट्रीय सेवा योजना, एसआरसीसी

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित है और तकनीक-सक्षम उपयोगकर्ता सेवाएं प्रदान करता है। यह अच्छी तरह से भंडारित है और इसमें विभिन्न विषयों पर 81,400 वाल्यूम का संग्रह है। इसके अलावा, यह नियमित रूप से विभिन्न आवधिक, पत्रिकाओं, दैनिक समाचार पत्रों और लगभग अस्सी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। विद्यार्थियों को अकादमिक अंतर्दृष्टि की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करने के लिए व्यवसाय, अर्थशास्त्र, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम प्रकाशन लगातार जोड़े जाते हैं। पुस्तकालय ने लॉकडाउन के दौरान कुशलतापूर्वक ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान की है जिससे महामारी के दौरान विद्यार्थियों और संकाय दोनों को अत्यधिक लाभ हुआ है। यह पूरी तरह से स्वचालित आरएफआईडी प्रौद्योगिकी और डेटाबेस प्रबंधन सॉफ्टवेयर लिबसिस 7 (ईजेबी) रिलायंस 1.0 संस्करण जैसे आधुनिक और परिष्कृत डिजिटल सिस्टम से सुसज्जित है। महाविद्यालय के अकादमिक और अनुसंधान बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए इसमें नवीनतम शोध सॉफ्टवेयर टूल्स एन-लिस्ट (इनफ्लिबनेट) की सदस्यता है। यह डीयूएलएस (दिल्ली यूनिवर्सिटी पुस्तकालय सिस्टम) द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच की भी अनुमति देता है। संकाय सदस्यों के पास डेलनेट, प्रोवेस डेटाबेस और आर्थिक दृष्टिकोण के माध्यम से ई-प्रकाशन तक दूरस्थ पहुंच है। कुल रु.4,78,082, रु. 3,90,366 और रु. 5,48,642 वर्ष के दौरान क्रमशः पुस्तकों, पत्रिकाओं और डेटाबेस में वृद्धि पर खर्च किए गए हैं।

संकाय संख्या

स्थायी : 53

तदर्थ : 79

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान: रु. 28,33,80,000/-

प्रयुक्त अनुदान : रु. 35,23,58,599/-

(आंकड़े अनंतिम हैं और लेखापरीक्षा के अधीन हैं)

श्याम लाल महाविद्यालय (प्रातः)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

भारत में महाविद्यालयों की एमएचआरडी एनआईआरएफ रैंकिंग में एसएलसी ने 2020 में 69वीं रैंक हासिल की है। महाविद्यालय ने वर्ष 2020 में एसएलसी को एसएपी (स्वच्छता कार्य योजना) संस्थान के रूप में मान्यता देते हुए शिक्षा मंत्रालय के साथ एक और उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया है। महाविद्यालय ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के सहयोग से "स्टॉक मार्केट एंड एक्सपर्ट ट्रेड" पर एंड-ऑन कोर्स के चार बैचों और "एक विशेषज्ञ व्यापारी कैसे बनें" पर एक सर्टिफिकेट कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया है। महाविद्यालय जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग और पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में जर्मन / स्पेनिश / फ्रेंच / चीनी / जापानी / कोरियाई पाठ्यक्रमों में विदेशी भाषा प्रमाणशोध और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। महाविद्यालय ने एक भारत श्रेष्ठ भारत और स्वच्छ भारत अभियान की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए 1 मार्च, 2021 को अपने कैंपस में "उमंग-पूर्वी दिल्ली फ्लावर शो 3.0" का प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया है। हमारा महाविद्यालय उन्नत भारत अभियान (युबीए 2.0) में भाग लेने वाला संस्थान है, जो एमओई, भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। इस परियोजना के तहत एसएलसी ने संस्थागत जुड़ाव के माध्यम से ग्रामीण विकास का समर्थन करने के लिए 5 गांवों को गोद लिया है। शहरी टी संस्थागत संबंधों के माध्यम से। महाविद्यालय ने 5 और 6 मार्च को महाविद्यालय कैंपस के साथ-साथ यमुना घाट पर यमुना महोत्सव 21 का आयोजन किया। महोत्सव का विषय "हरित यमुना का संरक्षण और कायाकल्प" था।

सम्मान / गौरव

प्रो. रबी नारायण कर आगंतुक नामित, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल हैं; जो पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य हैं- पांडिचेरी विश्वविद्यालय, बोर्ड ऑफ स्टडीज, वाणिज्य और वित्तीय अध्ययन विभाग- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सदस्य हैं और अनुसंधान विशेषज्ञ समिति, एनआईईपीए, दिल्ली 2020-21 के सदस्य भी हैं।

प्रकाशन

किंद्रा, बी. (2021). केपेसिटी कॅन्सट्रेंट ईओक्यु मॉडल फॉर डेटेरिओरेटिंग आईटम्स विथ टू-लेवल ट्रेड क्रेडिट अंडर फॉइनेंसियल एनवायरनमेंट। मलाया जर्नल ऑफ मटेमैटिक, 9(1), 981-992.

सिंह, एन., और अग्रवाल, एस. (2021). एनर्जी लेवल्स एंड ऑसिलेटर स्ट्रेंथ्स ऑफ सीए वी. जर्नल ऑफ एटॉमिक, मॉलिक्यूलर, कंडेंस्ड मैटर एंड नैनो फिजिक्स, 8, 1, 45.

अग्रवाल, एन., बोरा, बी., और कपूर, ए. (2020). एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन्स ऑफ फॉल्ट टॉलरेंस ड्यु टु शेडिंग इन फोटोवोल्टिक फोटोवोल्टिक मॉड्यूल विथ डिफरेंट इंटरकनेक्टेड सोलर सेल नेटवर्क्स। सौर ऊर्जा, 211, 1239-1254। <https://doi.org/10.1016/j.solener.2020.10.060>.

शर्मा, पी.के (2021). रिविजिटिंग द थर्मोइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ लेड टेलुराइड मैटेरियल्स टुडे एनर्जी, 21, 100713. <https://doi.org/10.1016/j.mtener.2021.100713>.

कर, आर.एन (2020). कॉर्पोरेट प्रदर्शन पर विलय और अधिग्रहण की भूमिका : भारतीय आईटी क्षेत्र से उभरते दृष्टिकोण। ट्रांजनेशनल कॉर्पोरेशन रिव्यू, 13(3), 307-320। <https://doi.org/10.1080/19186444.2020.1832427>.

कर, आर.एन, और तिवारी, के. (2020). जेंडर इंटरैक्शन के क्षेत्र : दक्षिण एशियाई दृष्टिकोण। दक्षिण एशियाई सर्वेक्षण, 27(2), 91-97. <https://doi.org/10.1177%2F0971523120951575>.

तिवारी, के. (2020). जेंडर वेरिएंट चिल्ड्रेन एंड इंस्टिट्यूशनल अरेजमेंट्स : एक्सप्लोरिंग द फेनोमेनॉ फ्रॉम साउथ एशियन परस्पेक्टिव। साउथ एशियन सर्वे, 27(2), 141-157.

कुम्भर, एस. (2021). ओडिशा ट्रांसफोरमेशन अंडर द नवीन पटनायक रेजिम : बेलेगुएरेड विक्टिम टू रैबस्ट वैरिअर। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 56(8), 21-25.

कुमार, एस. (2021). ब्राउनिन गति आधारित प्रसार का उपयोग करते हुए नई एन्क्रिप्शन प्रणाली का विकास। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, स्प्रिंगर, स्कोपस अनुक्रमित, ऑनलाइन प्रकाशित।

शर्मा, वी. (2020). पर्यावरण को बचाने के लिए अपशिष्ट जल में रोडामाइन बी डाई के क्षरण में ZnO नैनोकणों का उपयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, 11(4), 527.

जर्नल

प्रो. रबी नारायण कर, रेव्यू इंटरनेशनल डी साइकोसोशियोलॉजी एट डी गेस्टियन डेस कॉम्पॉर्टमेंट्स ऑर्गनाइजेशन (आरआईपीसीओ) जर्नल, फ्रांस में वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं।

डॉ. कुशा तिवारी, अंग्रेजी विभाग, संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यू.के।

प्रो. रबी नारायण कर, "रिअलम्स ऑफ जेंडर इंटरैक्शन: साउथ एशियन पर्सपेक्टिव्स" के अतिथि संपादक के रूप में, सितंबर, 2020, साउथ एशियन सर्वे का विशेष अंक, सेज, वॉल्यूम 27, अंक 2.

डॉ. कुशा तिवारी "रिअलम्स ऑफ जेंडर इंटरैक्शन: साउथ एशियन पर्सपेक्टिव्स" के अतिथि संपादक के रूप में, सितंबर, 2020, साउथ एशियन सर्वे का विशेष अंक, सेज, वॉल्यूम 27, अंक 2.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. नरेंद्र कुमार, "संलयन उपकरणों में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा"। इंटरनेशनल (आईईईए) इन वियना, आस्ट्रिया। संस्वीकृत राशि ₹ 12,000000.

डॉ. सीताराम कुम्भर, "ओडिशा में समुद्र में जन्मे आपदा जोखिम न्यूनीकरण, शासन और प्रबंधन: नीति और नवाचार का एक तुलनात्मक अध्ययन" आईसीएसएसआर। संस्वीकृत राशि ₹ 4,00000.

डॉ. कुशा तिवारी, एमओई फ्लैगशिप प्रोजेक्ट/कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान। संस्वीकृत राशि ₹ 50,000.

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट

डॉ. विजय शर्मा पेटेंट : "ट्रैफिक कैमरा के माध्यम से बाइक सवारों के बीच सुरक्षा को प्रेरित करना - एक एआई और आईओटी आधारित दृष्टिकोण" संदर्भ संख्या: 202131021 765 ए. पृष्ठ संख्या 323, जर्नल नं. 24/2021 प्रकाशन तिथि: 06 जून, 2021.

डॉ. विजय शर्मा पेटेंट : "ब्लॉक चेन और मशीन लर्निंग का उपयोग कर प्रभावी चिकित्सा आपूर्ति प्रबंधन के लिए विधि" संदर्भ संख्या: 202131023475ए. पृष्ठ संख्या 166, जर्नल नं. 25/2021. प्रकाशन तिथि: 18 जून, 2021.

संगोष्ठियों का आयोजन

एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला, "विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान: इन अभूतपूर्व समय में मुद्दे", 4-8 अगस्त, 2020.

3-4 सितंबर, 2020 से पहला अंतर्राष्ट्रीय एलआईएस (लर्न, इनोवेट और स्टार्ट-अप) शिखर सम्मेलन।

22 सितंबर, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूकता पैदा करने पर राष्ट्रीय वेबिनार।

26 सितंबर, 2020 को वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर वेबिनार।

कोविड -19 महामारी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में टीचिंग-लर्निंग की चुनौतियाँ, 7 नवंबर, 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: नवाचार और उद्यमिता, 25 नवंबर, 2020.

राष्ट्रीय विद्यार्थी संगोष्ठी - एनईपी 2020 - भारत को सशक्त बनाने के लिए एक नया प्रतिमान, 16 फरवरी, 2021.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. नरेंद्र सिंह ने आईईए, वियना ऑस्ट्रिया द्वारा आयोजित 7-9 अक्टूबर, 2020 तक फ्यूजन डिवाइसेस में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा पर समन्वित अनुसंधान परियोजना के दूसरे आरसीएम में आमंत्रित भाषण दिया।

डॉ. कुशा तिवारी, "रोजगार बढ़ाने में भाषा और संचार कौशल का महत्व" 4 मई, 2021 को महिला महाविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित किया गया।

डॉ. कुशा तिवारी, 18-19 दिसंबर, 2020 को वीआईपीएस, आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा आयोजित "सतत विकास के लिए मीडिया साक्षरता और संचार"।

डॉ. कुशा तिवारी, 16 जुलाई, 2020 को द्वारका गोवर्धन डॉ.स वैष्णव महाविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित "उत्तर उपनिवेशवाद और प्रतिनिधित्व की राजनीति"।

श्री प्रदीप कुमार शर्मा, आईसीएचएसएम-2021, एसआरएम विश्वविद्यालय, अप्रैल 8-10, 2021 में "प्रिस्टाइन लेड टेल्यूराइड (PbTe) का संश्लेषण और थर्मोइलेक्ट्रिक गुण"

श्री प्रदीप कुमार शर्मा, "भौतिकी, भौतिक विज्ञान विभाग, 1-3 दिसंबर, 2020, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारत में प्रगति पर चौथे विभागीय संगोष्ठी में नैनोस्ट्रक्चर्ड प्रिस्टिन लीड टेल्यूराइड का संश्लेषण और थर्मोइलेक्ट्रिक गुण।

डॉ. नेहा बोथरा, 4-6 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय द्वारा आयोजित व्यापार और प्रबंधन में उन्नत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मूर्त मूल्यांकन के लिए अपरिचित मूर्त"।

श्री मो. साजिद, "लिटरेचर रिव्यू ऑफ बिहेविअरल फाइनैस : देन एंड नाउ।" प्रारंभिक शिक्षा ऑनलाइन में, ईईओ। ईयर एंड मॅन्थ : जनवरी, 2021 आईएसएसएन :1305-3515 doi:10.17051/ilkonline.2021.01.311. द्वारा अनुक्रमित: स्कोपस।

सुश्री ज्योति सिंधु, अंतर्राष्ट्रीय विपणन सम्मेलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सोशल मीडिया मार्केटिंग- ए रोड अहेड": 21-22 अप्रैल, 2021 को आईआईएम शिलांग द्वारा आयोजित समकालीन विपणन सिद्धांत में नवाचार।

सुश्री ज्योति सिंधु, "सोशल मीडिया मार्केटिंग के युग में ग्राहक आधारित ब्रांड इक्विटी" 3 आरडी अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: नई अर्थव्यवस्था पोस्ट कोविड19 की पारिस्थितिकी, सीजीसी तकनीकी कैंपस, झांझेरी, मोहाली द्वारा 23-24 अप्रैल, 2021 को आयोजित की गई।

सुश्री अनीता सिकंदर, श्याम लाल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 16 फरवरी, 2021 को आयोजित एनईपी 2020 पर राष्ट्रीय विद्यार्थी संगोष्ठी-भारत को सशक्त बनाने के लिए एक नया प्रतिमान में "आत्मनिर्भर भारत उच्च शिक्षा में कौशल और व्यावसायिक शिक्षा की ओर शिफ्ट"।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

दिनांक 9.3.2019 को मेसर्स प्रोविज्डम ग्रोथ, उद्यमिता शिक्षा पर शिक्षकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव को अनुकूलित करने और बढ़ाने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की अपनाने के माध्यम से कैंपस में उद्यमिता शिक्षा को पेश करने और / अथवा मजबूत करने के लिए और विद्यार्थियों को उद्यमशीलता से कुशल बनने का अवसर प्रदान करता है और उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया।

दिनांक 24.9.2019 को हंगर हीरोज (फीडिंग इंडिया), गरीबों को भोजन वितरण में मदद करने के लिए मुख्य द्वार के पास हैप्पी फ्रिज की स्थापना। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईए), वियना, ऑस्ट्रिया के साथ "फ्यूजन डिवाइसेस में वाष्प परिरक्षण के लिए परमाणु डेटा (एफ43024)" पर लागू परियोजना के लिए। तरल धातु सतहों पर ध्यान देने के साथ, नियंत्रित संलयन उपकरणों में वाष्प परिरक्षण के मॉडलिंग के लिए डेटा की जरूरतों की समीक्षा करने और अनुसंधान योजनाओं का समन्वय करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान।

वाधवानी ऑपरेटिंग फाउंडेशन, फोर मेन स्ट्रीट, सुइट 120, लॉस अल्टोस, सीए 94022 के साथ उद्यमिता शिक्षा पर शिक्षकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव को अनुकूलित करने और बढ़ाने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने के माध्यम से कैम्पस में उद्यमिता शिक्षा को प्रस्तुत करने और / अथवा मजबूत करने के लिए और विद्यार्थियों को उद्यमी रूप से कुशल बनने और उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करने के अवसर प्रदान करता है।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आईक्यूएसी, एसएलसी ने 3-4 सितंबर, 2020 से एक्सएएमके, फिनलैंड के सहयोग से प्रथम अंतर्राष्ट्रीय एलआईएस शिखर सम्मेलन, 2020 (लर्न, इनोवेट और स्टार्ट-अप) का आयोजन किया है।

आईक्यूएसी, एसएलसी ने 16 फरवरी, 2021 को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के सहयोग से एक राष्ट्रीय विद्यार्थी संगोष्ठी - एनईपी 2020 - भारत को सशक्त बनाने के लिए एक नया प्रतिमान आयोजित किया है।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 353

कैम्पस(कैम्पस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 15

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

एसएलसी (दिल्ली विश्वविद्यालय), श्याम लाल महाविद्यालय उन्नत भारत अभियान (यूबीए 2.0) में भाग लेने वाला संस्थान है जो एमएचआरडी, भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। इस परियोजना के तहत एसएलसी ने 5 गांवों को गोद लिया है। एसएलसी की यूबीए टीम ने उक्त गांवों का व्यापक सर्वेक्षण किया, स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया, ग्रामीणों और गांवों के अन्य हितधारकों जैसे ग्राम प्रधानों और ग्राम पंचायत समितियों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत की। यूबीए, एसएलसी टीम ने भी कोविड-19 महामारी के दौरान गोद लिए गए गांवों के साथ काम किया है और निम्नलिखित तरीकों से मदद की है: हाइजीन और स्वच्छता बनाए रखने के बारे में पोस्टर और वीडियो वितरण, भोजन के पैकेट का वितरण, राशन का वितरण, मास्क का वितरण, के माध्यम से सूचना का प्रसार महामारी आदि के दौरान कृषि गतिविधियों में बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में किसानों को व्हाट्सएप ग्रुप।

महाविद्यालय ने समुदाय के लिए काम करने के लिए कई गैर सरकारी संगठनों के साथ गठजोड़ किया है। महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्लम क्षेत्रों का दौरा किया और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाई।

महाविद्यालय द्वारा आयोजित वृक्षारोपण गतिविधियों का उद्देश्य महाविद्यालय में और उसके आसपास वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

डब्ल्यूडीसी नियमित रूप से विद्यार्थियों और कर्मचारियों को लैंगिक संबंधी मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने और जाति, धर्म, रंग अथवा लैंगिक के बावजूद मानव के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का आयोजन करता है।

समान अवसर प्रकोष्ठ की अधिकांश गतिविधियाँ जैसे कि उपचारात्मक कक्षाएं और वंचित समुदायों के विद्यार्थियों के लिए स्पोकन इंग्लिश कक्षाएं और अलग-अलग विकलांगों के लिए सुविधाएं भी बड़े पैमाने पर आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को लाभान्वित करती हैं।

महाविद्यालय अच्छी नागरिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय पहलों में भाग लेता है जैसे कि स्वच्छता अभियान, कौशल और उद्यमिता विकास की पहल, "मेक इन इंडिया" अभियान, आदि। महाविद्यालय ने केंद्र सरकार द्वारा इस कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद कौशल विकास केंद्र की स्थापना की है।

महाविद्यालय के एनएसएस ने अमर ज्योति जैसे गैर सरकारी संगठनों को समर्थन देने के लिए कपड़ा दान अभियान चलाया। योग शिविर, यमुना उत्सव में शपथ समारोह, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान, जागरूकता अभियान जिसका नाम है "हैं जरूरी", "टीका लगवाएं"।

वृक्षारोपण अभियान: श्याम लाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा 15 अगस्त, 2020 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था। एनएसएस, एसएलसी के 30 स्वयंसेवकों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। स्वयंसेवकों ने अपने स्थानीय आवास में पौधरोपण अभियान चलाया। इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाना है।

आत्मनिर्भर भारत: 20 अगस्त, 2020 को "आत्मनिर्भर भारत" पर एक अंतर-महाविद्यालय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रश्नोत्तरी में 15 प्रश्न थे, जिनमें से प्रत्येक में 1.5 अंक थे। 80% स्कोर करने के मानदंड को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को मेल के माध्यम से अपना ई-प्रमाण शोध मिला।

महिला समानता दिवस: 26 अगस्त, 2020 को "महिला समानता दिवस" पर एक इंटर महाविद्यालय ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कई विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में अपनी रुचि दिखाई। सभी प्रतिभागियों ने अपने पोस्टर गूगल फॉर्म के माध्यम से भेजे।

द स्टेप्स ट्रेकिंग: फिट इंडिया मूवमेंट के आलोक में, एनएसएस एसएलसी ने 26 अगस्त से 02 अक्टूबर, 2020 तक कोविड के समय में फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए एक महीने का फिटनेस अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी अपने घर पर रोजाना सुबह चलना, जॉगिंग और दौड़ने जैसी फिटनेस एक्सरसाइज में हिस्सा लेते हैं।

युवा महोत्सव: 12-16 जनवरी, 2021 तक 24वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2021 आयोजित किया गया था। एनएसएस, एसएलसी के स्वयंसेवकों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके समापन समारोह को केंद्रीय कपड़ा और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री किरन रिजिजू की उपस्थिति में संबोधित किया। एनवाईएफ को युवा आइकन स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी) के उपलक्ष्य में मनाया गया।

मन और आत्मा शुद्धि वेबिनार: 05-21 जून, 2021 को स्वामी श्यामा चैतन्य और योगाचार्य ललितमदान द्वारा "एकीकरण मन, शरीर और आत्मा" पर दो सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया था। शिविर का आयोजन सेंटर फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट द्वारा आईक्यूएसी और एनएसएस और खेल समिति के सहयोग से किया गया था। दो दिवसीय कार्यशाला में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो सप्ताह की कार्यशाला के दौरान योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर योग अभ्यास सत्र दिए गए। मस्तिष्क के विकास पर योग के प्रभाव पर विशेष संवाद सत्र के साथ एक ध्यान सत्र का आयोजन किया गया है।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम को कवर करने वाली 55,000 से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। ई-संसाधन सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से विद्यार्थी और संकाय सदस्य दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, ई-जर्नल, ई-बुक्स आदि तक पहुंचते हैं। पुस्तकालय स्वचालित है। इस वर्ष (2020-2021) रिपोर्ट के तहत, विभिन्न विषयों में हमारे संग्रह में 518 पुस्तकें शामिल की गईं।

संकाय संख्या

स्थायी : 58

तदर्थ : 52

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान रु. 26.10 करोड़

प्रयुक्त अनुदान रु. 30.18 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय ने 12-13 अप्रैल, 2021 तक एक कोविड-19 टीकाकरण शिविर भी आयोजित किया है।

आईक्यूएसी ने प्रोजेक्ट अनुतोष शुरू किया है, जिसके तहत हम उन विद्यार्थियों के जीवन के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए एक संरचित संस्थागत तंत्र के माध्यम से प्रतिबद्ध हैं, जो कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और अपने माता-पिता को खो चुके हैं और एक गंभीर और अनिश्चित भविष्य की स्थिति को देख रहे हैं। कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले 13 विद्यार्थियों को परामर्श और वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

एसएलसी ने कई नए कक्षाओं, बहुउद्देशीय हॉल, कंप्यूटर लैब के साथ पुराने भवन में दूसरी मंजिल को जोड़ने के साथ प्रमुख बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया है।

एसएलसी एक एसटीपी संयंत्र भी बना रहा है।

हमने कई सामुदायिक कल्याण उपायों के लिए शाहदरा मंडी और हनुमान सेवा बस्ती, झिलमिल को सफलतापूर्वक अपनाया है।

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने 'एस्पिरारे', एक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (वॉल्यूम नंबर 7, सितंबर 2020) (आईएसएसएन: 2394-0484 (प्रिंट), 2394-6601 (ऑनलाइन)) प्रकाशित किया, जिसका प्रभाव कारक 6.629 है। इसके अलावा, महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने डीएसपीएसआर के सहयोग से 9-10 जनवरी, 2021 को "\$ फॉइव ट्रिलियन इकॉनमी : द वे अहेड" के व्यापक विषय पर एक आईसीएसएसआर प्रायोजित XXII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) आयोजित किया। इसके अलावा, श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) के विद्यार्थी संघ ने विद्यार्थी सलाहकार समिति के परामर्श से पीएम केयर्स फंड के लिए रु.4,00,000/- (रुपये चार लाख केवल) की धनराशि दान की।

प्रकाशन

भूषण, आई. (2020). अनिवार्य सीएसआर : ट्रस्टीशिप पर दोबारा गौर करना। एस्पिरारे: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम नंबर 7, सितंबर 2020.

कुमार, आर. (2021). विनियोग पशु संसाधन: छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना, जनवरी-जून, 2021, अन्वेषक - ए बाई-एनुअल जर्नल(खंड 51, सं.1 (VI) आईएसएसएन 0378-4568).

कुमार, आर. (2021). किसानों के आंदोलनों की मैपिंग : एक भारतीय संदर्भ, कल्याण भारती (वॉल्यूम 36, सं.(XII) 2021 आईएसएसएन 0976-0822).

कुमार, आर. (2021). व्हेन स्पनिंग व्हील स्पीक। द जर्नल ऑफ ओरिएंटल रिसर्च मद्रास (वॉल्यूम.XCII-XXX: 2021, आईएसएसएन 0022-3301, तीन में से पहला लेखक)।

कुमार, आर. (2020). नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 और इसके असंतोष। शोध सरिता, अक्टूबर-दिसंबर, 2020(वॉल्यूम 7, अंक 28) आईएसएसएन 2348-2397).

राय, ए.(2020). संत कवियों के सिकरी सो काम। इंटरनेशनल मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल 'शोध सरिता', वॉल्यूम 7, अंक-27, जुलाई-सितंबर 2020, लखनऊ, यू.पी. से प्रकाशित।

राय, ए. (2020). आज का भारत और तुलसी का समाज दर्शन। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल 'शोध संचार बुलेटिन' (यूजीसी-केयर लिस्टेड), वॉल्यूम 10, अंक 39, जुलाई-सितंबर, 2020, लखनऊ, यू.पी. से प्रकाशित।

राय, ए.(2020). "कविता की ज़मीन पर फणीश्वरनाथ रेणु। बनास जान (यूजीसी-केयर लिस्टेड), अंक-41, जनवरी-मार्च, 21, दिल्ली से प्रकाशित।

सरिता. (2020). वैश्विक महामारी और साहित्यिक प्रस्तुति। हरिगंधा, पेज नंबर 100, वॉल्यूम 310-311, जून-जुलाई, 2020 (सहकर्मि समीक्षित)।

सिंह, ए. (2020). हिंदी साहित्य और सिनेमा में सामाजिक हिट और राष्ट्रीयता का भाव। "भाषा पत्रिका" सीएचडी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार जुलाई-अगस्त, 2020 में विशेष संस्करण, आईएसएसएन-0523-1418.

कर्मवार, एम. (2020). भारत-अफ्रीका: सांस्कृतिक अस्मिता के माध्यम से व्यापार संबंधों को फिर से खोजना। वीईईटीएचआईकेए-एक अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय अनुसंधान जर्नल, 6(4), 5-15.

कर्मवार, एम. (2020). भारत-अफ्रीका-कोविड-19 : ओल्ड इंगेजमेंट एंड न्यू एक्सचेंज" वैश्विक विचार। 4(16), 163-170. आईएसएसएन: 2456-0898.

जर्नल

एस्पायर', एक इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (आईएसएसएन: 2394-0484 (प्रिंट), 2394-6601 (ऑनलाइन)।

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 9

प्रधान संपादक - डॉ. रमेश कुमार, प्रबंध संपादक - डॉ. आदित्य पी त्रिपाठी और एसोसिएट प्रबंध संपादक - डॉ. एस.पी शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार, सुश्री इला भूषण, डॉ. अश्विनी जस्सल, डॉ. कुमार प्रशांत, डॉ. प्रीति शुक्ला और डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी।

संगोष्ठियों का आयोजन

'लिंक्डिन' पर वेबिनार, 23 नवंबर, 2020 और 'एमबीए क्यों करें' पर, 8 फरवरी, 2021.

वेबिनार "कंप्यूटर साइंस के साथ करियर एवेन्यू विकल्प" 18 सितंबर, 2020, 6:15.

27 फरवरी, 2021 को "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण: परिप्रेक्ष्य और आयाम" पर वेबिनार।

22 मार्च, 2021 को "खाद्य और पेय उद्योग में आईसीटी" पर वेबिनार।

31 दिसंबर, 2020 को "आज भारत में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता" पर वेबिनार।

साक्षी; सोसाइटी ऑफ हिस्ट्री ने 7 दिसंबर, 2020 को ओपन बुक एग्जामिनेशन (ओबीई) पर एक सेमिनार का आयोजन किया है।

सम्मेलन का आयोजन

9-10 जनवरी, 2021 को "\$ फॉइव ट्रिलियन इकोनॉमी: द वे अहेड" पर XXII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुति

डॉ. अनिल राय, सरकार द्वारा आयोजित 'पुरातन भारतीय कलाओं द्वारा महिलाओं का कौशल विकास' (मिशन शक्ति, उत्तर प्रदेश सरकार के तहत) नामक एक वेबिनार में वक्ता। गवर्नमेंट राजा पी.जी महाविद्यालय, रामपुर, यू.पी।

सुश्री इला भूषण जैन, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग ने एआरएसडी महाविद्यालय द्वारा आयोजित "जल संरक्षण: भविष्य की पीढ़ी की आवश्यकता" पर एक वेबिनार में भाग लिया।

श्री राजीव रंजन सिंह ने "802.11 4-वे हैंडशेक अटैक और सुरक्षा गुणों का विश्लेषण" पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसमें उनके सह-लेखक बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यू.के के सह-लेखक थे, सितंबर 2020 में गिल्डफोर्ड, यू.के में आयोजित "सुरक्षा और ट्रस्ट प्रबंधन पर 16वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला" पर पहले लेखक के रूप में थे, जो स्प्रिंगर के लेक्चर नोट्स इन कंप्यूटर साइंस(एलएनसीएस) पुस्तक शृंखला में प्रकाशित हुआ था।

राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय द्वारा आयोजित "गांधी और आधुनिक दुनिया" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में 2 अक्टूबर, 2020 को डॉ. अमित सिंघों "महात्मा गांधी का जीवन: विकास अथवा आर्थिक स्वावलंबन के के, संदर्भ में" विश्व हिंदी संगठन, दिल्ली के सहयोग से एनएसएस यूनिट, रामानुजन महाविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर 21 फरवरी, 2021 को आयोजित एक वेबिनार में "मातृभाषा के महत्व" पर एक व्याख्यान भी दिया।

विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली द्वारा आयोजित "भारतीय बैंकिंग क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव" पर डॉ. स्तुति गुप्ता।

एसएसई, नई दिल्ली, आईसीपीआर, नई दिल्ली और गांधी स्मृति और दर्शन स्मृति, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 11-13 दिसंबर, 2020 को आयोजित स्वामी विवेकानंद, भारतीय संस्कृति और वैश्विक शांति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वामी विवेकानंद और धर्म की राजनीति" पर डॉ. मनीष कर्मवार; 2-5 नवंबर, 2020 को जीआरएफडीटी, नई दिल्ली, एमएफए, मनीला, फिलीपींस, सीआईएसएएन, यूएनएएम, मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "सिद्धीस ऑफ पत्थर कुआं: ए डायस्पोरिक कनेक्ट (फ्रॉम) अफ्रीका टू अहमदाबाद"; 23-24 जुलाई, 2020 को सोसाइटी फॉर सोशल एम्पावरमेंट, दिल्ली और सीबीयू, भिवानी द्वारा आयोजित अफ्रीका में युद्ध, संघर्ष और संघर्ष प्रस्तावों में "दर्शन और जैन धर्म और पारंपरिक धर्मों की प्रैक्टिसेस" और सोसाइटी फॉर सोशल एम्पावरमेंट, दिल्ली और सीबीयू, भिवानी द्वारा 25-26 मई, 2020 को आयोजित "भारत-अफ्रीका-कोविड 19 : ओल्ड इंगेजमेंट एंड न्यू एक्सचेंज"।

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की एक शृंखला को कवर करने वाली 52,329 से अधिक पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। यह 14 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 55 पत्रिकाओं और जर्नल की सदस्यता लेता है। ई-संसाधन सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षक विश्व के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, डीयूएलएस, ई-जर्नल्स, ई-बुक्स और रिपोर्ट्स तक पहुंच सकते हैं। हमारा पुस्तकालय स्वचालित है और प्रकाशकों, कैटलॉग, पुस्तक समीक्षाओं और प्रकाशक वेबसाइटों से परामर्श करके वर्तमान शीर्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। भू-तल और ऊपरी पुस्तकालय भवन में विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए सुगम्य पहुंच की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय को बार कोडित पुस्तकों और सदस्यता कार्डों के साथ कम्प्यूटरीकृत किया गया है। स्टाफ सदस्यों के लिए जेरोक्स की सुविधा भी उपलब्ध है। नए पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए खरीदे जाने वाले टाइटल की प्रतियों की संख्या की मौजूदा सीमा को पांच से बढ़ाकर बीस कर दिया गया है। नए आगमन को विधिवत अधिसूचित किया जाता है और प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाता है।

संकाय संख्या

स्थायी : 40

तदर्थ : 24

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹ 25,43,62,000/-

प्रयुक्त अनुदान : ₹ 21,77,97,129/-

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

संस्थागत कामकाज को प्रभावित करने वाली कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय का वर्ष बहुत

ही आशाजनक और आकर्षक रहा। संस्थान ने सफलतापूर्वक 4 एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए और शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में परामर्श और मनोचिकित्सा, आहार और कल्याण, रोजगार और सॉफ्ट स्किल्स शीर्षक वाले 3 ऐड-ऑन पाठ्यक्रम शामिल किए। संस्थान अब वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में यात्रा और पर्यटन; महिला और कानूनी साक्षरता; फ्रेंच और जर्मन भाषा सहित 7 अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में 1 शिक्षक को डॉ.क्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया था और अन्य संकाय ने पोस्ट-डॉ.क्टोरल शोध कार्य पूरा किया था। शोध एवं प्रकाशन के सन्दर्भ में हमारे संकाय सदस्यों ने 40 से अधिक पुस्तकें एवं पुस्तक अध्याय, 50 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किये तथा विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों में 30 से अधिक शोध प्रस्तुत किये। 1 युएनजी प्रायोजित दो दिवसीय संगोष्ठी, 40 वेबिनार, 3 एफडीपी, 6 कार्यशाला इत्यादि।

सम्मान / गौरव

डॉ. शुभा सिन्हा, राजनीति विज्ञान विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुरुचि भाटिया ने आईसीएसएसआर से पोस्ट-डॉ.क्टोरल शोध पूरा किया।

डॉ. ऋषि राज को साहित्य कला अकादमी के तत्वावधान में साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया है।

डॉ. आमना मिर्जा को थार सर्वोदय संस्थान द्वारा, राजस्थान फाउंडेशन और सिम्पली जयपुर के सहयोग से, 9वें प्रिंसिपल एंड टीचर्स अवार्ड 2020 में शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार , 5 सितंबर, 2020 से सम्मानित किया गया है। उन्हें लायन क्लब दिल्ली, 20 जनवरी, 2021 को महिला प्रतिष्ठा पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया जा रहा है।

डॉ. चंद्रकांता माथुर को महिला इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री 2020 की अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

सुश्री महिमा सिंधी, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, सीजीपीए 9.14 के साथ डी.यू में प्रथम स्थान।

सुश्री नाज़नीन सुल्ताना, भूगोल (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष, सीजीपीए 9.46 के साथ डी.यू में प्रथम स्थान।

सुश्री निलिशा सिंह, बी.एड. द्वितीय वर्ष, 75.64% के साथ डी.यू में दूसरा स्थान।

सुश्री सलोनी जिंदल, बी.ई.एल.एड. द्वितीय वर्ष, 78.9% के साथ डी.यू में दूसरा स्थान।

प्रकाशन

भाटिया, एस., यादव, ए., बाबू, एन., और भारद्वाज, जी. (2020). किशोरों के कथित पालन-पोषण और करियर निर्णय लेने में लैंगिक अंतर। इन : एस के श्रीवास्तव, और के शर्मा, (ईडीएस). भारत में स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियां: मनो-सामाजिक परिप्रेक्ष्य। नई दिल्ली: ग्लोबल विजन पब्लिशिंग हाउस। 35-52.

इदनानी, डी. (2021). भारत में एक माध्यमिक विद्यालय में धार्मिक विविधता, धर्मनिरपेक्ष लोकाचार और स्कूली शिक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड इनोवेशन में, 4(2), 42-47। <https://doi.org/10.33750/ijhi.v4i2.108>.

जमाल, एस., उपाध्याय, ए., और दुआ, आर. (2021). स्वदेशी लोग और बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवहार: टोटो जनजातियों का एक केस स्टडी, टोटोपारा। सस्टेनेबिलिटी, एग्रि, फूड एंड एनवायरनमेंट रिसर्च, 9(3), 369-392.

मिर्जा, ए., और झा, बी. (2021). दिल्ली और राज्य का दर्जा- समस्याग्रस्त कानून और व्यवस्था और संघीय व्यापार-वंद। इन : आर. सक्सेना (ईडीएस.)। न्यू डायमेंशन्स इन फेडरल डिस्कॉर्स इन इंडिया। रूटलेज: ऑक्सन,

न्यूयॉर्क। आईएसबीएन: 978-1-138-36150-8 (एचबीके), आईएसबीएन: 978-1-003-03266-3 (ईबीके), रुटलेज.

प्रकाश, पी., और मिश्रा, पी.के (2021). बुंदेलखंड क्षेत्र, भारत में जलवायु भेद्यता और अनुकूलन मूल्यांकन। इन: एस. कांगा, वी.एन मिश्रा, और एस.के सिंह (ईडीएस.)। भू-सूचना विज्ञान का उपयोग करते हुए सतत विकास प्रैक्टिसेस। स्क्रिप्वेनर पब्लिशिंग एलएलसी।

सिंह, पी. (2021). कविता का विद्रोही स्वर : भारतीय दलित कविता के विशेष सन्दर्भ में। साधना शर्मा, शगुन अग्रवाल, चारु गोयल। साहित्य और समकालीन सरोकार। स्वराज प्रकाशन : नई दिल्ली। आईएसबीएन-978-93-88891-967. पी.पी 26-36.

सिंघल, ए., और बेदी, पी. (2020). मल्टी-क्लास ब्लाइंड स्टेगनालायसिस यूजिंग डीप रेजिडुअल नेटवर्क्स। इंटरनेशनल जर्नल मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन। स्प्रिंगर।

थरेजा, आर., थरेजा, आर., और चौरसिया, एस. (2020). भारत में उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरियल नॉलेज, 8(2), 77-88। <https://doi.org/10.37335/ijek.v8i2.114>.

उनियाल, सी. (अक्टूबर-दिसंबर, 2020). भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की भूली-बिसरी महिला योद्धा, 1857. शोध संचार बुलेटिन, 10(40), 129-133.

वाधवा, टी. (सितंबर-दिसंबर, 2020). शिक्षकों की पहचान और मानसिक स्वास्थ्य: कोविड-19 के समय में प्रतिबिंब। इंडियन जर्नल ऑफ स्कूल हेल्थ एंड वेलबीइंग, 6(3), 1.

संपादकीय बोर्ड के सदस्य

चयनिका उनियाल इंटरनेशनल ई जर्नल के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं, IJHIR आईएसएसएन:2454-5600 एक डबल-ब्लाइंड पीयर-रिव्यूड इंटरनेशनल हिस्ट्री क्वार्टरली ई-जर्नल https://qtanalytics.in/journals/index.php/IJHIR/about/संपादकीय_टीम है।

डॉ. पूनम सिंह वर्ष 2019 से दलित साहित्यिक वार्षिक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं।

डॉ. रीमा थरेजा को इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च फाउंडेशन (आईएमआरएफ) का संपादक नियुक्त किया गया है।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. संजीव कुमार, स्वतंत्रता के बाद से हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति के प्रभाव की स्थिति, 2019-21, आईसीएसएसआर. संस्वीकृत धनराशि : रु.18.06 लाख।

डॉ. संजीव कुमार, इतिहास, विज्ञान, धर्म आधुनिक भारत में राजनीतिक विचारक : एक विषयगत और पद्धति संबंधी अन्वेषण, 2020-22, आईसीएचआर, संस्वीकृत राशि रु. 3.5 लाख।

संगोष्ठियों का आयोजन

3-4 अप्रैल, 2020 से "कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कंप्यूटिंग की अगली पीढ़ी" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

08 अगस्त, 2020 को "उद्यमिता और रचनात्मकता" पर राष्ट्रीय वेबिनार। डॉ. एस. लक्ष्मी देवी और डॉ. एस.के पालहन ने अपने विशेषज्ञतापूर्ण ज्ञान को साझा किया।

26-27 नवंबर, 2020 को क्रमशः 'भारतीय संविधान का निर्माण' और 'गांधी और भारत का संविधान' विषय पर वेबिनार।

"थीसिस लेखन की कला" पर वेबिनार 07 अप्रैल, 2020.

09 मई, 2020 को "ट्रांसफॉर्मेटिव पॉवर ऑफ मेन्टरिंग " पर वेबिनार।

सम्मेलन

25-27 जून, 2020 तक तकनीकी शब्दावली के संदर्भ में शिक्षा और प्रशासन के क्षेत्र में राजभाषा के अग्रिम उपयोग पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार।

8-12 मार्च, 2021 से अतीत और वर्तमान के समय के प्रतिबिंबों के परीक्षण में नारीत्व का जश्न मनाने के विषय पर एक सप्ताह की ऑनलाइन व्याख्यान शृंखला।

14-16 जून, 2020 तक "कॉलेजों में ई-गवर्नेंस" पर राष्ट्रीय कार्यशाला। एस.पी.एम.सी ने 28-29 अगस्त, 2020 तक माइक्रोसॉफ्ट टीमों पर दो दिवसीय संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

08 सितंबर, 2020 को 'भारत में शिक्षा में लैंगिक मुद्दों पर चर्चा' पर राष्ट्रीय वेबिनार।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. आमना मिर्जा ने हैदराबाद सामाजिक विज्ञान संस्थान (एचआईएसएस) हैदराबाद, तेलंगाना राज्य, भारत के सहयोग से 11-12 सितंबर, 2020 को यूजीसी-एचआरडीसी, उस्मानिया द्वारा आयोजित पोस्ट कोविड एरा: इमर्जिंग डाइमेंशन्स एंड डायनेमिक्स में जियोपॉलिटिक्स पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में 'वैश्वीकरण की बदलती प्रकृति और कोविड-19 के कारण टेक्टोनिक शिफ्ट्स के बीच भू-राजनीति पर इसका प्रभाव' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अनामिका राय ने कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, एसवीकेएम के उषा प्रवीण गांधी कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, और सेंट एंथोनी महाविद्यालय, शिलांग, मेघालय, के सहयोग से 28-29 नवंबर, 2020 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में "अकेलापन और आभासी समूह पहचान - एक सहसंवंधी अध्ययन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. चयनिका उनियाल ने 1 सितंबर, 2020 को दोपहर 2:00-3:30 बजे तक यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में लैंगिक अध्ययन पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला में एक सत्र का संचालन किया।

डॉ. दीपा इदानी ने केपीएसए और आईपीएसए द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - एक नई दृष्टि' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 13 अगस्त, 2020 को "एनईपी और स्कूल शिक्षा" पर व्याख्यान दिया।

सुश्री कुलबीर कौर पर 'मैटिमेन, ठग्स, सैनिकों और जमींदारों: औपनिवेशिक काल में मज़हबी सिख', आईसीएमएसएसएएचपी, 24 अक्टूबर, 2020, लुधियाना, भारत, एसएआईआरएपी।

डॉ. मीनू अग्रवाल ने एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, नोएडा, यूपी द्वारा 21 दिसंबर, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में 'पारंपरिक गुजराती स्नैक की तैयारी' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. नाजिया तलत ने आंध्र प्रदेश मानव संसाधन विकास संस्थान (एपीएचआरडीआई), आंध्र प्रदेश सरकार, (डीओपीटी, जीओआई के सहयोग से) द्वारा 7 से 9 सितंबर, 8 सितंबर, 2020 को आयोजित 'पर्यावरण और प्रदूषण' पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम में "वायु और जल प्रदूषण" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. रीमा थरेजा ने आईटीयू कैलिफोर्निया, यूएसए के लिए 15 अगस्त, 2020 को 'प्रोग्रामिंग भाषाओं में हालिया रुझान' पर एक विद्यार्थी कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता की।

डॉ. उर्मिल वत्स ने एसबीपीजी महाविद्यालय बड़ागांव, वाराणसी, यूपी द्वारा 20 जून, 2020 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'कोविड-19 ए ट्रांसफॉर्मिंग एरा' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. वंदना ने के.एम अग्रवाल महाविद्यालय महाराष्ट्र, हिंदी विभाग में 15 से 16 मई, 2020 को आयोजित 'भारतीय उपमहाद्वीप में सूफीवाद और कव्वाली की संस्कृति' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय वेबिनार में 'भारत में सूफीवाद की परंपरा और हिंदी साहित्य' पर एक शोध शोध प्रस्तुत किया।

1 अक्टूबर, 2020 को महिलाओं के लिए कानूनी साक्षरता पर ऐड ऑन कोर्स चलाने के लिए मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय सांध्य।

आईपीएल 1 जुलाई, 2020 को खाद्य प्रौद्योगिकी में ऐड ऑन कोर्स चलाएगा।

उत्सव साइकोलॉजिकल सर्विस 29 जून, 2020 को मनोविज्ञान पर विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्स चलाएगी।

पी.ए बिजनेस कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड 29 जून, 2020 को यात्रा और पर्यटन पर ऐड ऑन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

एसपीएम एलुमनी एसोसिएशन ने 9LedgePro के सहयोग से 23 मई, 2020 को "ऑनलाइन सुरक्षा और साइबर सुरक्षा" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

एसपीएमसी ने वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 26-27 नवंबर, 2020 को 'अनुवाद में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली की भूमिका' विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार (संयोजक) का आयोजन किया।

एसपीएमसी ने सक्षम के सहयोग से 26 मई, 2020 को "विकलांगता: कोरोना संकट, चुनौतियां और उपचार" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार प्रस्तुत किया।

एसपीएमसी ने टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 13-19 जुलाई, 2020 तक "भाषा, साहित्य और सामाजिक विज्ञान में शिक्षाशास्त्र के उभरते रुझान" पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, अरुणाचल राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण मणिपुर, राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, भागीदारी जन सहयोग समिति (रजि.) द्वारा संयुक्त रूप से "महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा" विषय पर कानूनी जागरूकता पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन। 26 सितंबर, 2020.

एसपीएम ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली के सहयोग से 4-6 मार्च, 2021 तक भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, समावेशी और सुलभ आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर भू-स्थानिक प्रशिक्षण पर तीन दिवसीय एफडीपी सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

दिल्ली के इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में डॉ. विना कपूर ने फरवरी 2021 में अकादमिक लेखन पर पांच दिवसीय कार्यशाला की अवधारणा और संचालन किया।

सीएलआईएल के अंग्रेजी इंटरएक्टिवली टीचिंग और क्रिटिकल एलिमेंट्स पर कार्यशालाओं की दो-तीन सप्ताह लंबी शृंखला क्रमशः बी.ई.एल.एड IV वर्ष और बी.एड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। कार्यशालाएं 28 सितंबर से 16 अक्टूबर, 2020 तक अमेरिकी दूतावास, भारत के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय के सहयोग से आयोजित की गई।

शिक्षा विभाग ने क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास के साथ दो अतुल्यकालिक, दस-सप्ताह के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की ऑफर करने के लिए सहयोग किया- बी.ई.एल.एड III के विद्यार्थियों के लिए 21वीं सदी के कौशल के लिए विषय-वस्तु और भाषा एकीकृत शिक्षण और शिक्षण अंग्रेजी और IV और बी.एड. द्वितीय वर्ष। पाठ्यक्रम 1 फरवरी, 9 अप्रैल, 2021 से कुल 40 घंटे (लगभग) के लिए कैमवास और जूम पर ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए थे।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2020-21 के लिए पुस्तकालय का बजट रु.18,54,900.00 था, जिसमें से रु.10,42,179.00 की धनराशि को खर्च किया गया। पुस्तकालय की विकास निधि रु.12,12,750.00 थी जिसमें से व्यय की गई धनराशि रु.2,83,733.00 थी।

इस वर्ष 1294 पुस्तकें जोड़ी गईं। 1274 पुस्तकें खरीदी गईं और दान संग्रह के माध्यम से 20 पुस्तकें शामिल की गईं। वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 16 जर्नल, 36 पत्रिकाओं और 11 समाचार पत्रों की सदस्यता ली।

इस वर्ष पुस्तकालय में 191 शिक्षकों सहित कुल 4843 सदस्य थे। 4652 की कुल विद्यार्थी सदस्यता में 1883 प्रथम वर्ष, 1340 द्वितीय वर्ष, 1299 तृतीय वर्ष, 41 बी.एल. एड चतुर्थ वर्ष, और 89 एम.ए. विद्यार्थी शामिल हैं।

संकाय संख्या : 188

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹. 5,24,66,66,000/-

दिल्ली प्रशासन से अतिरिक्त अनुदान : ₹. 39,00,000/-

प्रयुक्त अनुदान : ₹. 5,25,05,66,000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एसपीएमसी ने टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 24 फरवरी से 3 मार्च, 2021 तक "वैश्विक अर्थव्यवस्था, वित्त, उद्योग और व्यवसाय: उभरते रुझान और चुनौतियां" पर सात दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

एसपीएमसी ने टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अरमापुर पीजी महाविद्यालय, कानपुर और माउंट कार्मेल महाविद्यालय, बेंगलूर के सहयोग से 26 दिसंबर से 26 9 जनवरी, 2021 तक "साहित्य, भाषा, समाज, राजनीति और दर्शन" पर 2 सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय की 63वीं वार्षिक फ्लावर शो प्रतियोगिता में, विद्यार्थियों ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जो वस्तुतः 4 मार्च, 2021 को आयोजित की गई थीं। विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय कैपस और लॉन, पौधों की विविधता और हरित पहल को प्रदर्शित करते हुए 'लीड द सीन टू कीप इट ग्रीन' विषय पर आधारित एक वीडियो बनाया गया और तदनुसार प्रतियोगिता के लिए भेजा गया। 'भारत में फूलों, फलों और सब्जियों की विविधता' विषय पर आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में महिमा सिंघी और स्वस्ति आर्य ने क्रमशः तीसरा पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण शोध प्राप्त किया।

श्री अरविंदो महाविद्यालय (प्रातः)

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर 2 से 6 अप्रैल, 2021 तक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सह कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में - पायथन प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की मूल बातें, मशीन लर्निंग का परिचय, नम्पी बेसिक्स, डीप लर्निंग का परिचय, आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क्स, कन्वेन्शनल न्यूरल नेटवर्क्स, और डीप लर्निंग के साथ इमेज क्लासिफिकेशन मुख्य विषय शामिल थे। सीएनएन आदि का उपयोग करते हुए ट्रैफिक साइन डिटेक्शन 7-30 जनवरी, 2021 से विद्यार्थियों को डेटा सिंग स्प्रेडशीट को व्यवस्थित, कल्पना, मूल्यांकन और व्याख्या करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से 'डेटा एनालिसिस फॉर बिजनेस डिजीजन मेकिंग' पर 20 घंटे का ऑनलाइन कोर्स आयोजित किया गया था। और "कम्प्यूटरीकृत लेखांकन (जीएसटी-टैली ईआरपी 9)" में उन्नत शिक्षा पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का भी आयोजन किया। इसके अलावा, "समकालीन शिक्षण पद्धति: प्रभावी शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को सक्षम करना" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। गूगल क्लासरूम, गूगल मीट और जूम जैसे प्लेटफॉर्मों के व्यापक व्यावहारिक अनुभव का अवलोकन और जहां भी संभव हो, व्यापक व्यावहारिक अनुभव देने के लिए एक उत्कृष्ट प्रयास

किया गया था। प्रतिभागियों ने साहित्यिक अखंडता और समानता सूचकांक के मुद्दे से निपटने के साथ-साथ अनुसंधान और शिक्षण की केस स्टडी पद्धति के मूल सिद्धांतों के बारे में भी सीखा।

प्रकाशन

चौरसिया, डी., गुप्ता, एम.एम, साहनी, एस., ओहल, एफ., अग्निहोत्री, आर., बुआडे, आर., माहेश्वरी, एच.एस, प्रकाश, ए., और शर्मा, एम.पी (2021)। एगोइकोसिस्टम में बदली हुई जलवायु के लिए इसके पारिस्थितिकी तंत्र के लचीलेपन को समझने के लिए ए.एम कवक समुदाय को उजागर करना। सिम्बायोसिस, 8, 1-6.

गोयल, ए.के, राजपूत, एन., थंकी, एच., और कुंडू, ए. (2020). अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के राजनीतिक और आर्थिक निर्धारक। फाइनैन्स इंडिया, XXXIV(2), 501-512। <https://financeindia.org/volumes/v34no2.htm>.

गुप्ता, एम.एम, और गुप्ता, ए. (2021). सहजीवी जीवों पर मानवजनित प्रभावों के अध्ययन में कृत्रिम बुद्धि दृष्टिकोण का सर्वेक्षण-एक समग्र दृष्टिकोण. सिम्बायोसिस, 20, 1-3.

जैन, पी.एल (2021). पुनर्जन्म और आत्मा के स्वरूप का वैज्ञानिक अध्ययन। इंटरडिस्प्लिनरी जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी रिसर्च, 8(3), 19-22.

कौल, एस., मिश्रा, ए., और रवि, आर. (2020). विभिन्न पौधों और उनके जीवाणुरोधी गुणों का उपयोग करके चांदी के नैनोपार्टिकल्स की तैयारी: एक समीक्षा, बायोसाइंस बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च कम्युनिकेशन, 13 (4), 2360-2365। <http://dx.doi.org/0.21786/bbrc/13.4/110>.

नितिका, गुप्ता, एस., दीक्षित, एस.के, शर्मा, ए., विज, ए., भटनागर, सी., कुमारी, ए., कुमार, वी., बहल, बी.एम, शर्मा, आर.के, और भटनागर, पी.के (2021) मकेनिस्टिक इनसाइट ऑन इम्प्रूव्ड परफॉर्मेंस ऑफ पीसीडीटीबीटी : पीसी71बीएम हेटेरो-स्ट्रक्चर्ड ऑर्गेनिक फोटोवोल्टिक सेल्स वाया इंटेफेसिंग CdSe /ZnS नैनोस्ट्रक्चर। एप्लाइड नैनोसाइंस (2021)। <https://doi.org/10.1007/s13204-021-01789-5>.

राजपूत, एन. और गोयल, ए. और तमसिल, एस. और शोएबा। (2020). इंटरलिंगेज एंड कैजुअल रिलेशनशिप : एन इम्पिरिकल स्टडी ऑफ ब्रिक्स एंड एसएएआरसी। फाइनैन्स इंडिया, XXXIV(2), 683-692। <https://financeindia.org/volumes/v34no2.htm>.

सूरज, एम.एस, अग्रवाल, आर., असिक, एम.सी, और मित्तल, ए. (2021). ऑन द बेसिन्स ऑफ कॅनवर्जेंस इन द मेग्नेटिक-बाइनरी प्रोब्लम विथ एंगुलर वेलासिटी। कम्प्यूटेशनल और गणितीय तरीके, 3(4), e1161। <https://doi.org/10.1002/cmm4.1161>.

सूरज, एम.एस, मित्तल, ए., पाल, के., और मित्तल, डी. (2020). स्टेबिलिटी ऑफ द आर्टिफिशियल इक्विलिब्रिअम प्वाइंट्स थ्री-बॉडी प्रोब्लम व्हेन द स्मालर प्राइमरी इज एन ऑब्लेट स्फेरायड। नॉनलीनियर डायनेमिक्स एंड सिस्टम्स थ्योरी। 20(4), 439-450। <https://www.e-ndst.kiev.ua/v20n4.htm>.

जर्नल

सदस्य संपादकीय बोर्ड : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च : प्रो. संगीता कौल और प्रो. मीता माथुर।

दायर/प्रदान किए गए पेटेंट

श्रेणी 8, ऑस्ट्रेलिया पेटेंट

आवेदन संख्या 2021103711, फाईल करने की तिथि 29 जून, 2021.

लिंक: <http://pericles.ipaustralia.gov.au/ols/auspat/quickSearch.do?queryString=2021103711&resultPerPage>.

संगोष्ठियों का आयोजन

24-26 जनवरी, 2021 तक "बग बाउंटी" शीर्षक वाली कार्यशाला। श्री मयंक भारती (वरिष्ठ सुरक्षा विश्लेषक, साइब्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड) अनुदेशक और विशेषज्ञ थे।

29 सितंबर, 2020 को "एम्बेडेड सिस्टम्स" शीर्षक वाली वेबिनार। प्रख्यात वक्ता के रूप में प्रो. कोलिन पॉल, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग (सीएसई), आईआईटी दिल्ली आमंत्रित थे।

13 फरवरी, 2021 को भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापार और शेयर बाजारों के कामकाज और आंदोलनों पर कार्यशाला। कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध संपादक और शोधकार श्री शिशिर सिन्हा द्वारा किया गया था।

23-24 जनवरी, 2021 को "व्यावसायिक गणित की समस्याओं के लिए स्प्रेडशीट का उपयोग" पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला। प्रो. वी.के. कौल, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय इस अवसर के मुख्य अतिथि थे।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

15 अक्टूबर, 2020 को 'जैव विविधता संरक्षण : नवाचार और चुनौतियाँ' पर वेबिनार।

'जैव विविधता संरक्षण: नवाचार और चुनौतियाँ' पर वेबिनार। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि श्री जिग्मेत टकपा, संयुक्त सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और डॉ. उषा मीना, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय उपस्थित थे।

नियोजन विवरण

कोविड-19 की उदासी के बीच, 350 से अधिक विद्यार्थियों ने केंद्रीय नियोजन प्रकोष्ठ (सेंट्रल प्लेसमेंट सेल), दिल्ली विश्वविद्यालय और इंटरनशाला के सहयोग से नियोजन और प्रशिक्षुता(इंटरनशिप) अभियान से लाभ उठाया। वर्ष 2020-21 के दौरान अर्न्स्ट एंड यंग जीडीएस, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रिसर्च फाउंडेशन, यूथ एम्पावरमेंट फाउंडेशन, इंटरनेशनल मॉडल यूनाइटेड नेशंस, यूनाइटेड नेशंस वालंटियर, वर्ल्ड यूथ काउंसिल, स्नेपडील, हमारीपहचान एनजीओ, हरियाली आदि सहित कंपनियों द्वारा प्री-नियोजन प्रेजेंटेशन दिए गए। हमारी नियमित भर्ती अर्न्स्ट एंड यंग जीडीएस की प्रक्रिया जारी है।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

14 जुलाई, 2020 को वृक्षारोपण अभियान।

17 मई, 2020 को कर्नल एसबीएस यादव द्वारा एसएसबी वेबिनार।

01-15 अगस्त, 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान।

20-30 अगस्त, 2020 को फिट-इंडिया अभियान।

मिशन-20 दिवस 01-15 नवंबर, 2020.

20-26 नवंबर, 2020 को संविधान दिवस सप्ताह समारोह।

24 नवंबर, 2020 को प्रदूषण जागरूकता अभियान।

18-31 जनवरी, 2021 को राजपथ स्वच्छता पखवाड़ा।

शिविर आरडीसी और पीएम रैली (09 कैडेट) क्रमशः 26 और 28 जनवरी, 2021 को।

01 मार्च -03 मार्च, 2021 से एसबीएससी के साथ खेल गतिविधियां।

10-31 अप्रैल, 2021 तक कोविड-19 हेल्पडेस्क।

पुस्तकालय विकास

कुल 61300 पुस्तकें, [11 जर्नल, 20 पत्रिकाएं, 16 समाचार शोध (पी+ओ)], ई-पुस्तकालय सेक्शनस, ऑडियो पुस्तकें, बुक बैंक, ओबीई, कोविड-19 केंद्रित सुविधाएं उपयोगकर्ताओं को प्रदान की गईं।

संकाय संख्या

स्थायी : 50

तदर्थ : 75

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.173849000

प्रयुक्त अनुदान : रु.173849000

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)**प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां**

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) ने 1 सितंबर, 2020 को अपना स्थापना दिवस मनाया। हिंदी पखवाड़ा समारोह के हिस्से के रूप में एक हिंदी हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 28 सितंबर, 2020 के बीच हुआ। महाविद्यालय द्वारा 28 नवंबर, को संविधान दिवस मनाया गया। एनएसएस यूनिट ने 15 से 21 जून, 2020 तक योग के स्वास्थ्य लाभों के बारे में एक सप्ताह तक चलने वाले जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। दुनिया भर में महामारी से संबंधित लॉकडाउन की चुनौतियों से निपटने के लिए "ई-सामग्री और प्रबंधन ऑनलाइन शिक्षण" 11 से 17 दिसंबर, 2020 तक ऑनलाइन मोड में एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह विशेष रूप से संस्थानों के भीतर शिक्षकों द्वारा सामना किए जाने वाले प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए किया गया था। यह कार्यक्रम डी.यू. के हंसराज महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया। एलजीबीटीक्यू समुदाय से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम "खनक" मनाया गया। परियोजना अल्फाज के तहत महाविद्यालय की समता सोसायटी ने महिलाओं के मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाई। नैक द्वारा महाविद्यालय को बी+ ग्रेड प्रदान किया गया।

सम्मान और गौरव

डॉ. सुमति वर्मा को यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना यूएसए द्वारा प्रोजेक्ट एक्स-कल्चर के लिए ग्लोबल एजुकेटर अवार्ड दिया गया।

श्री अमनदीप नाहर को यूजीसी द्वारा वित्त पोषित और संयुक्त रूप से पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली और श्री अरबिंदो महाविद्यालय(सांध्य) , दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 5 फरवरी, 2020 को पीएच.डी. हाउस, नई दिल्ली में संयुक्त रूप से आयोजित एसडीजी-4-अलाइनिंग इंडस्ट्री एंड पॉलिसी इकोसिस्टम फॉर क्वालिटी एजुकेशन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कुलश्रेष्ठ, जे. (2020). नवोन्मेषी उच्च शिक्षा: सतत विकास के लक्ष्यों को समय के साथ परिणाम के रूप में समावेशन प्रेक्टिसेस को नया करने दें। जेएसी: ए जर्नल ऑफ कंपोजिशन थ्योरी, XIII (IV), 251-255। <http://www.jctjournal.com/gallery/27-april-2020.pdf> से लिया गया।

कुमार, एस. (2020). उत्तर पूर्व भारत में इस्लामी चरमपंथ का एक अनुभवजन्य विश्लेषण। जर्नल ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया स्टडीज, 10(1), 43-72.

कुमार, एस. (2020). लश्कर-ए-तैयबा का वित्तीय नेटवर्क, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान नेटवर्क, नवंबर, 2020, एसएसआरएन: <https://ssrn.com/abstract=3704944> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3704944> पर उपलब्ध.

कुमार, एस. (2020). इलियास कश्मीरी HuJI, HuA, HuM, JeM, ब्रिगेड 313 और अल कायदा, सोशल साइंस रिसर्च नेटवर्क के प्रिज्म के माध्यम से, एसएसआरएन: <https://ssrn.com/abstract=3704948> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3704948> पर उपलब्ध।

लता, के. (2020). हलाला, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

मारवाह, एस. (2020). हर्बल उत्पादों के लिए ग्राहक धारणा : कोविड के बाद की अवधि में एफएमसीजी उद्योग के लिए एक अवसर। जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 7(6), 1554-1569। <https://www.jetir.org/papers/JETIR2006227.pdf> से लिया गया।

सिंह, ए. (2020). कोविड -19 और प्रवासियों का पलायन : दिल्ली-एनसीआर में आवास की कीमतों से अनुमान। एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च जर्नल, 2(1), 152-162.

सिंह, ए. (2020). एमएसएमई और निर्यात भारत को बदल रहा है : सांख्यिकीय आत्मनिरीक्षण। वेस्लेयन जर्नल ऑफ़ रिसर्च, 3(2), 122-143.

सोनी, ए., वर्मा, एस., और चंद्रा, ए. (2020). भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में रोजगार पर एम एंड ए का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ़ लेबर इकोनॉमिक्स, 63(2), 311-329. <https://doi.org/10.1007/s41027-020-00232-7>.

वर्मा, एस., भटनागर, ए., संतरा, एस., और सोनी, ए. (2020). अफ्रीका में भारतीय प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रेरक(ड्राइवर्स) - एक प्रारंभिक खोजपूर्ण विश्लेषण। अंतर्राष्ट्रीय निगमों की समीक्षा, 12(3), 304-318। <https://doi.org/10.1080/19186444.2020.1803186> .

वर्मा, एस. (2020). भारतीय वैश्विक प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप के चालक के रूप में प्रवासी नेटवर्क - एक केस स्टडी। व्यापार और वैश्वीकरण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 26(3), 273-294.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल

महाविद्यालय पत्रिका : अदिति (संपादकीय बोर्ड में 3-5 संकाय सदस्य होते हैं)

गूंज (न्यूजलेटर: संयोजक जीसीसी)

वाणिज्यिक: टीआईसी और वाणिज्य विभाग के सभी शिक्षक

समता : संयोजक डब्ल्यूडीसी

इनेक्ट्स : संयोजक इनेक्ट्स

अनुसंधान परियोजनाएं

कैबिनेट सचिवालय, भारत सरकार, (जून, 2020 से दिसंबर, 2022)। चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव आर्म ट्विस्टिंग एंड इंडियाज नेशनल इंटरैस्ट। आईएनआर 7,200,000, पी.आई : सरोज कुमार राठी।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार (2020-21, कुल 18 महीने)। इतिहास और विदेश नीति के आईने के माध्यम से भारत-अफगानिस्तान संबंध आईएनआर 500,000, पी.आई : सरोज कुमार राठी।

होसेई विश्वविद्यालय, टोक्यो, जापान, (2020-2023)। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद : लीबिया, अल्जीरिया और ट्यूनीशिया में अरब स्प्रिंग। यूएसडी 36, 000, पी.आई : सरोज कुमार राठी।

संगोष्ठियों का आयोजन

22 सितंबर, 2020 को "स्वतंत्र भारत में हिंदी को कैसे मिलेगा उसका स्थान" पर वेबिनार।

26 सितंबर, 2020 को "इनसाइट्स इनटू ए स्टार्ट-अप" पर वेबिनार।

18 अक्टूबर, 2020 को "सेल्फ केयर : गुड फॉर यू एंड योर वर्क" पर वेबिनार।

23 अक्टूबर, 2020 को "महामारी के दौरान तनाव से निपटने के लिए समग्र जीवन" पर वेबिनार।

23 अप्रैल, 2021 को "महिलाएं और लैंगिक और भारत में लोकप्रिय कल्पना की द्वंद्ववात्मकता" पर वेबिनार।

सम्मेलन का आयोजन

9-10 जनवरी, 2021 तक दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च (डीएसपीएसआर) के सहयोग से "फाँड़ ट्रिलियन इकोनॉमी : द वे अहेड" नामक एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

12 जनवरी, 2021 को "रेट द डिबेट" के सहयोग से "टेलीविज़न डिबेट्स की भूमिका" पर एक ऑनलाइन सम्मेलन।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. कुसुम लता ने 28 सितंबर, 2020 को श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) द्वारा आयोजित हिन्दी भाषा की खूबियाँ (हिंदी भाषा की उल्लेखनीय विशेषताएँ) मेरी भाषा मेरी शान व्याख्यान श्रृंखला वेबिनार पर पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सुमति वर्मा ने 6 जुलाई, 2020 को एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस 2020 में "द रोल ऑफ ऑपरेशनल, टेक्नोलॉजिकल एंड नेटवर्क रिसोर्सेज इन फर्म इंटरनेशनलाइजेशन - एविडेंस फ्रॉम द इंडियन आईटी इंडस्ट्री" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अनीशा श्रीवास्तव ने 24 जुलाई, 2020 को पीएच.डी. चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में "भारत में तकनीकी उच्च शिक्षा : भविष्यवाणियाँ और संभावनाएं" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अनीशा श्रीवास्तव ने 9 नवंबर, 2020 को इंडियन एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज द्वारा आयोजित एक ई-सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था "गृहलक्ष्मी की पारंपरिक कथाओं के भीतर स्त्री चेतना का अध्ययन"।

डॉ. सरोज कुमार रथ ने एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी कार्यक्रमों में "सर्विलांस की स्थिति: अंतर्राष्ट्रीय साइबर असुरक्षा" शीर्षक से मुख्य भाषण दिया, जो कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) द्वारा 5 दिसंबर, 2020 को आयोजित किया गया था।

सुश्री शेवाता सहगल मारवाह ने मई, 2020 में उदयपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक "हर्बल उत्पादों के लिए ग्राहक धारणा : कोविड के बाद की अवधि में एफएमसीजी उद्योग के लिए एक अवसर" था।

सुश्री शेवाता सहगल मारवाह ने XXII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया: \$ फाँड़ ट्रिलियन इकोनॉमी: द वे अहेड, जो 9-10 जनवरी, 2021 को आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक "2024 तक फाँड़ ट्रिलियन इंडियन इकोनॉमी : भारतीय एफएमसीजी के लिए एक अवसर आयुर्वेदिक और हर्बल उत्पादों के विशेष संदर्भ में उद्योग" था।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च (डीएसपीएसआर) के साथ अकादमिक सहयोग।

यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना यूएसए के साथ सहयोग। परियोजना एक्स-संस्कृति के माध्यम से।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

अंतर्राष्ट्रीय अंतर-विश्वविद्यालय कार्यक्रम में 20 विद्यार्थी।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 13

कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 1 1

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

दान उत्सव: इनेक्टस एसएसीई ने कम भाग्यशाली लोगों के बीच प्यार, दया और खुशी फैलाने के लिए जॉय ऑफ गिविंग सप्ताह(वीक) का आयोजन किया। इनेक्टस एसएसीई ने वस्तुतः 2020 में "सभी के लिए पुस्तकें" साथ मिलकर वंचितों के लिए पुस्तकों को बिना अथवा बहुत कम लागत पर निधि प्रदान की।

दान अभियान: एनएसएस एसएसीई के सहयोग से इनेक्टस एसएसी ने सारंग द्वारा स्थापित एक कारण के तहत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए फेस मास्क प्राप्त करने के लिए अगस्त में एक दान अभियान शुरू किया।

वन महोत्सव: इनेक्टस एसएसीई ने 1-7 जुलाई तक प्रकृति माँ को समर्पित वन महोत्सव मनाया। सदस्यों ने अपने घरों और आसपास के इलाकों में पौधे लगाते हुए अपनी तस्वीरें साझा कीं।

पूर्व विद्यार्थी बैठक : 17 अप्रैल, 2021 को आयोजित।

परियोजना वार्ता(प्रोजेक्ट टॉक): इंस्टाग्राम पर जागरूकता वीडियो।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय 45,000 से अधिक पुस्तकों से सुसज्जित है, जिनमें से 500 से अधिक वाल्यूम शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के दौरान शामिल किए गए थे। पुस्तकालय आईसीटी सुविधाएं सक्षम है। साहित्यिक चोरी की जाँच की सुविधा - उरकुंड सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक्सेस। कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय, पुस्तकालय प्रबंधन की आर.डी प्रणाली पर कार्य कर रहा है। महाविद्यालय के पुस्तकालय ने यूजीसी द्वारा उपलब्ध कराए गए ई-संसाधनों के महत्वपूर्ण लिंक सहित विषयवार ई-पुस्तकें/ई-संसाधन लिंक महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए और अपलोड किए। एन-लिस्ट ई-संसाधनों का रिमोट एक्सेस: महाविद्यालय पुस्तकालय ने एनएलआईएसटी ई-संसाधनों की सदस्यता ली है और एन-लिस्ट ई-संसाधनों की रिमोट लॉगिन एक्सेस सुविधा प्रदान की है।

संकाय संख्या : 70

वित्तीय आवंटन

संस्वीकृत अनुदान : रु. 24.014 करोड़

प्रयुक्त अनुदान : रु.23.37 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय को एनआईआरएफ द्वारा समय और महाविद्यालय डिस्प्लीन में स्थान दिया गया है। शिक्षण, लर्निंग और संसाधन, स्नातक परिणाम और आउटरीच और समावेशिता के तीन व्यापक मानकों के अच्छे स्कोर के साथ महाविद्यालय ने पिछले तीन वर्षों से शीर्ष 150 संस्थानों में अपना स्थान बनाए रखा रखी है।

श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय

प्रमुख कार्यक्रमलाप और उपलब्धियां

हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान में भाग लेने वाली संस्था हैं। हमारी कार्यान्वयन योजना को यू.एन.ई.पी द्वारा सफलतापूर्वक स्वीकार किए जाने के बाद महाविद्यालय ग्रीन न्यूज प्रोजेक्ट के

लिए एक प्रायोगिक कैम्पस(पायलट कैम्पस) भी है। हमारे संकाय और विद्यार्थियों ने मिलकर डी.यू. में विदेशी विद्यार्थियों की सहायता के लिए एक मोबाइल आधारित ऐप-सहायक भी विकसित किया।

सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट ने विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन 12 ऐड-ऑन कोर्स, वर्कशॉप और मेंटरिंग सत्र(सेशन) का आयोजन किया। पर्यावरण क्लब, इकोस्पेरिटी ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना जारी रखा है और अपनी तरह के एक वर्चुअल फिल्म फेस्टिवल, 'होपिंग स्पैरो फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पारिस्थितिकी, वन्यजीव संरक्षण और सतत जीवन शैली के विषयों पर आधारित पांच फिल्मों शामिल हैं। एन.एस.एस के सदस्यों और महाविद्यालय के रोटारैक्ट क्लब ने कई सामाजिक रूप से प्रासंगिक अभियान चलाए। महिला विकास प्रकोष्ठ ने महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता, पी.सी.ओ.एस और स्तन कैंसर जागरूकता पर वेबिनार का आयोजन किया।

सम्मान / गौरव

डॉ. सिमरप्रीत कौर, सुश्री वंदना कालरा और सुश्री नित्या चुटानी के साथ-साथ अवलीन कौर बख्शी, प्रफुल गुप्ता, प्रफुल शर्मा, अदिति चौहान और गोरीशा पुरी सहायक की विद्यार्थी टीम। ऐप का उद्देश्य एक ही स्थान पर सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना है जिससे इच्छुक विदेशी विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय में खुद को नामांकित करने में मदद मिल सके।

डॉ. गुरलीन कौर को अगस्त, 2020 में स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑन बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स के लिए समीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

अमरप्रीत कौर ने 8.527 का संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) हासिल किया। बी.ए(ऑनर्स) पंजाबी परीक्षा में उच्चतम प्रतिशत अंक हासिल करने और प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के 97वें दीक्षांत समारोह में सरदार मोहन सिंह मेमोरियल स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) से सम्मानित किया गया।

पार्थ मखीजा ने जुलाई, 2020 में 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग प्रतियोगिता के लिए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय खेलों के लिए क्वालीफाई किया।

प्रकाशन

कुल संख्या

जर्नल लेख : 14, पुस्तक अध्याय : 2 और पुस्तकें : 2

डोडराजका, एस. (2020). ग्रीन मार्केटिंग एज ए सस्टेनेबल स्ट्रेटजी। थीमैटिक्स जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, 2(1).

डोडराजका, एस. (2021). सर्कुलर इकोनॉमी के माध्यम से क्वालिटी फंक्शन डिप्लॉयमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड बिजनेस स्टडीज, 11(1), 4-13.

गुप्ता, आर., सिंह, एस., और गिल, के. कोविड-19 परिदृश्य के मद्देनजर वाणिज्य और व्यावसायिक विद्यार्थियों की सीखने की गुणवत्ता बढ़ाने में औद्योगिक वार्ता की भूमिका। आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्युमेनिटीज एंड सोशल साइंस, 26(4).

कौर, जी., और कौर, सी. (2020). कोविड-19 और नए अनुभव वाली अर्थव्यवस्था का उदय। एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू, 9(4), 239-248.

कौर, एच. (2020). विविधीकरण लाभ के लिए फैलाव और अस्थिरता को मापना : एनएसई निफ्टी 50 पोर्टफोलियो से साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, 73(4).

कौर, एच. (2020). उच्च बाजार अस्थिरता के दौरान भारत में म्यूचुअल फंड निवेश व्यवहार। इंडियन जर्नल ऑफ एकाउंटिंग, 52(2).

कौर, के., खन्ना, ए., कौर, बी., कपही, डी., और मदन, के. (2020). बैंकिंग सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सर्वेक्षणों का विश्लेषण। जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट, 11(1), 51-63.

कौर, एस., और कौर, एम.यू (2021). उच्च शिक्षा संस्थानों में मिश्रित शिक्षण ढांचा-प्रशिक्षक का दृष्टिकोण और विद्यार्थी का दृष्टिकोण। मनोविज्ञान और शिक्षा जर्नल, 58(2), 3649-3660.

नंदा, ए. (2020). भारत अपनी अर्थव्यवस्था पर कोविड -19 के प्रभाव से कैसे निपट रहा है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, 2(4).

नंदा, ए.(2020). लोगों के दैनिक जीवन पर कोविड-19 के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को समझना। ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियो-इकोनॉमिक एंड एनवायर्नमेंटल आउटलुक, 7(4).

जर्नल

महाविद्यालय ने अपने जर्नल का ग्यारहवां वॉल्यूम (अप्रैल 2020-मार्च 2021) प्रकाशित किया।- जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट।

संपादकीय समिति की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. जतिंदर बीर सिंह करते हैं और इसमें निम्नलिखित छह महाविद्यालय शिक्षक शामिल हैं:

अनुसंधान परियोजनाएं

"नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन", वित्त पोषित एजेंसी: उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी, 2019-2021, संस्वीकृत धनराशि- ₹ 1,00,000

"दिल्ली में युवा बच्चों पर सोशल मीडिया अनुप्रयोगों का प्रभाव", वित्त पोषित एजेंसी-उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी, 2019-2021, संस्वीकृत धनराशि- ₹ 1,00,000.

"वंचितों का वित्तीय समावेश - कितना समावेशी : दिल्ली एनसीआर का एक केस स्टडी", वित्तपोषित एजेंसी-उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी, 2019-2021, संस्वीकृत धनराशि- ₹ 1,00,000.

"अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का पता लगाना और एक वेब-आधारित समाधान तैयार करना - दिल्ली विश्वविद्यालय पर आधारित एक अनुभवजन्य अध्ययन", वित्त पोषित एजेंसी-उत्कृष्टता केंद्र, एसजीजीएससीसी, 2019-2021, संस्वीकृत धनराशि- ₹ 1,00,000.

"किसानों की आय दोगुनी करना : पंजाब में रणनीति और संभावनाएं", वित्त पोषित एजेंसी-आईसीएसएसआर, 2019-चल रही, संस्वीकृत धनराशि- ₹ 5,00,000.

संगोष्ठियों का आयोजन

13 मार्च, 2021 को अतिथि वक्ता के रूप में भारत के एडीशनल सॉलिसिटर जनरल, पूर्व लोकसभा सांसद और भारत के विधि आयोग के पूर्व सदस्य श्री सत्यपाल जैन के साथ "दलबदल विरोधी कानून की बारीकियों को समझना" शीर्षक पर वेबिनार।

डॉ. अनुराधा चुग, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, जीजीएसआईपीयू द्वारा "स्मार्ट एग्रीकल्चर में आईओटी" शीर्षक पर वेबिनार 29 जनवरी, 2021 को आयोजित किया गया था।

18 फरवरी, 2021 को 'बजट 2020-21: फॉर ए इकोनॉमिक टर्नअराउंड' शीर्षक वाले वेबिनार का आयोजन किया गया। सत्र के वक्ताओं में श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, सुश्री आकांक्षा अरोड़ा, उप निदेशक, प्रधान आर्थिक सलाहकार कार्यालय, सुश्री गुरविंदर कौर, उप निदेशक, प्रधान आर्थिक सलाहकार कार्यालय और सुश्री महिमा, सलाहकार, कार्यालय प्रधान आर्थिक सलाहकार थे।

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. मधुलिका बाजपेयी के साथ "तनाव प्रबंधन" शीर्षक वाला वेबिनार इस अपरिहार्य और प्रासंगिक मुद्दे को विशेष रूप से वर्तमान अभूतपूर्व और कठिन समय में कैसे संभालना है, इस पर आवश्यक और बुनियादी सलाह देना।

इंस्टिट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के प्रो. परवाकर साहू और इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च के प्रो. सी. वीरमणि के साथ "आत्मनिर्भर भारत अभियान और भारतीय आर्थिक पुनरुद्धार के लिए पुनः प्राथमिकता: आगे की राह में चुनौतियां और अवसर" शीर्षक वाला एक सत्र 30 अगस्त, 2020 को आयोजित किया गया।

प्रो. निशान सिंह देओल, संकायाध्यक्ष और प्रमुख, शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के साथ "कोविड -19 के संदर्भ में व्यायाम और स्वास्थ्य" नामक एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार; शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. राकेश तोमर, किंग फहद यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम, धरान, सऊदी अरब और श्री एंटोनियो रोबस्टेली, इटली के एक अंतर्राष्ट्रीय खेल सलाहकार, 03 जुलाई, 2020 को अतिथि वक्ता।

सम्मेलन का आयोजन

29 जनवरी, 2021 को जूम के माध्यम से फोर्टिस हेल्थकेयर के सहयोग से "महामारी के दौरान उत्पादक कैसे बनें" पर एक सत्र। सुश्री तनुश्री संगमा, एक अभिव्यंजक कला आधारित मनोवैज्ञानिक ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया और उनके प्रश्नों का समाधान किया।

अचीवर्स यूनाइटेड '21 का 19 फरवरी, 2021 को आयोजन किया गया था, जहां विभिन्न उद्योगों के प्रतिष्ठित वक्ताओं और व्यक्तित्वों ने उत्सुक दर्शकों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की। अचीवर्स यूनाइटेड 2021 ने विपुल और बुद्धिमान अतिथियों: श्री वरुण श्रीधर, पीटीएम मनी के सीईओ; श्री प्रवीण गुप्ता, एसबीआई के एमडी; सुखबीर, कलाकार, गायक और मनोरंजनकर्ता; श्री अमन धत्तरवाल, शिक्षक और यूट्यूबर; श्री याह्या बूटवाला, लेखक/कवि/अभिनेता; श्री जितेंद्र सिंह शूटी, पद्मश्री प्राप्तकर्ता, श्रीमती रचना रानाडे, वित्त शिक्षक और यूट्यूबर; श्री स्ताव्या कालिया, संगीत कलाकार और डिजिटल गांधी, इवेंट के ईएमसीईई की मेजबानी की।

भारत के तत्कालीन योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया के साथ 23 जनवरी, 2021 को "भारत के उच्च विकास के वर्षों से सबक" शीर्षक से सत्र का आयोजन किया गया था।

12 जुलाई, 2020 को 'एनविजनिंग अपॉर्चुनिटीज एंड मैनेजिंग फॉइनेंस: द रोड अहेड' शीर्षक वाला वेबिनार। वेबिनार में तीन पैनेलिस्ट: श्री विपिन कपूरिया, ओयो में बिजनेस फॉइनेंस के उपाध्यक्ष, श्री पंकज दुबे, सीईओ, डी'स्पिन कंसल्टिंग और श्री सौरभ जैन, मोबिक्विक में वित्त के उपाध्यक्ष शामिल थे।

14 जून, 2020 को 'कैरियर विकास में प्रतिमान परिवर्तन: नए सामान्य दायरे में अवसरों का खुलासा' पर सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के तीन आमंत्रित पैनेलिस्ट- श्री प्रांजल शर्मा, इंडिया ऑटोमेटेड के लेखक और ग्लोबल एक्सपर्ट नेटवर्क के सदस्य और विश्व आर्थिक मंच, श्री प्रतीक गुप्ता, आदित्य बिड़ला फॉइनेंस लिमिटेड में रणनीति और व्यवसाय विकास के प्रमुख और श्रीमती शालू मनन, मानव संसाधन ट्रांसफॉर्मेशन और प्रतिभा विकास रणनीतिकार और जेनपैक्ट में उपाध्यक्ष थे।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

रेणु गुप्ता ने 9-10 जनवरी, 2021 को दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च (डीएसपीएसआर), दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय और श्याम लाल महाविद्यालय(सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित XXII अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड-19 परिदृश्य के मद्देनजर वाणिज्य और व्यावसायिक विद्यार्थियों की सीखने की गुणवत्ता बढ़ाने में औद्योगिक वार्ता की भूमिका" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस द्वारा 'आपराधिक न्याय फंक्शनरीज और फोरेंसिक वैज्ञानिकों के लिए दस्तावेज़ जांच' पर 23 मार्च, 2021 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में मीनू गुप्ता को 'फोरेंसिक अकाउंटिंग एंड ऑडिटिंग' पर एक वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया था।

मेघा उम्मत ने "इम्पिरिकल एनालिसिस ऑफ आर्टिफिशियल इम्यून सिस्टम एल्गोरिदम फॉर एजिंग रिलेटेड बग प्रेडिक्शन" शीर्षक से एक पेपर का सह-लेखन किया, जिसे 20 मार्च, 2021 को उन्नत कंप्यूटिंग और संचार प्रणालियों संबंधी आईईईई 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था।

रेणु गुप्ता ने 9-10 जनवरी, 2021 को डीएसपीएसआर द्वारा आयोजित XXII वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के "समकालीन मुद्दों पर शोध शोध प्रस्तुतियाँ : उच्च शिक्षा" पर सत्र की सह-अध्यक्षता की। उन्हें पं. सीएल शर्मा गवर्नमेंट महाविद्यालय, करनाल में 4 जनवरी, 2021 को इस विषय "प्रौद्योगिकी के युग में ब्रेल का महत्व" पर एक व्याख्यान (वस्तुतः) देने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

उशवीन कौर को 17-18 अगस्त, 2020 को गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों के लिए आयोजित "वर्चुअल अध्यापन: उपकरण, तकनीक और वाद-विवाद" पर 5-सत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दो सत्र लेने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

तरविंदर कौर को 6-8 नवंबर, 2020 तक आईक्यूएसी, माता सुंदरी महिला महाविद्यालय के सहयोग से पंजाबी विभाग द्वारा आयोजित 'पंजाबी में कंप्यूटर का उपयोग' पर तीन दिवसीय कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

दिल्ली विश्वविद्यालय में एआईईएसईसी

भारत का मूल्यांकन समुदाय

सरस्वती एकाउंटेंट्स सॉफ्टवेयर

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

यू.एन.ई.पी ने सितंबर, 2020 में वर्ल्ड एकेडमिक समिट में "लिटिल बुक ऑफ ग्रीन न्यूज" लॉन्च किया। यह दुनिया भर के उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा है ताकि परिसरों को सही किया जा सके। हमारे महाविद्यालय की कार्यान्वयन योजना को सफलतापूर्वक स्वीकार कर लिया गया था और अब हमारा महाविद्यालय गर्व से ग्रीन न्यूज प्रोजेक्ट के लिए एक प्रायोगिक कैम्पस(पायलट कैम्पस) है।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 214 (73%)

कैम्पस(कैम्पस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 39

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यकलाप

हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान में भाग लेने वाले संस्थान हैं, जिनका चयन एक चुनौती मोड आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। महाविद्यालय द्वारा जिला कलेक्टरों- पृथ खुरद, खेरा खुरद, नाहरपुर और हैदरपुर के परामर्श से गांवों के एक समूह का चयन किया गया है। इन क्षेत्रों की समस्याओं को समझने के लिए एक सर्वेक्षण शुरू किया गया है। इन गांवों में चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर, वित्तीय साक्षरता सत्र, युवाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने, सिलाई के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, कंप्यूटर, मशरूम तैयार करने, अपशिष्ट प्रबंधन आदि आयोजित करने की योजना है।

महाविद्यालय की एन.एस.एस इकाई ने योग के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक ऑनलाइन प्रतियोगिता "हैप्पी स्ट्रेच प्रतियोगिता" आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2020 मनाया। मानसिक स्वास्थ्य और शांति पर एक वेबिनार का भी आयोजन किया गया। महाविद्यालय कैम्पस और उसके आसपास सफाई अभियान भी चलाया गया। निष्पक्ष प्रैक्टिस को अपनाने को प्रोत्साहित करते हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। एनएसएस टीम ने हमारे देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने और स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लेकर महाविद्यालय कैम्पस में मतदाता

दिवस मनाया। टीम ने मर्सी होम सोसाइटी के वर्चुअल विजिट का आयोजन किया जहां बच्चों के साथ डांस वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

इकोस्पेरिटी ने स्वयंसेवी संगठन, चेंज इन रेंज के सहयोग से एक जागरूकता अभियान 'रिगार्ड बिफोर डिसार्ड' का आयोजन किया, जिसमें क्लब के सदस्यों ने घर पर अपशिष्ट अलग करने की प्रैक्टिस को अपनाया। घरेलू कचरे के कंपोस्टिंग और प्रबंधन के प्रति प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाने के लिए स्वच्छ एसोसिएशन के सहयोग से एक ऑनलाइन कार्यशाला 'बोस्टिंग द कंपोस्टिंग' का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

आरएफआईडी(रेडियो फ्रीक्वेंसी आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली) महाविद्यालय पुस्तकालय में कार्यात्मक हो गया है। प्रणाली ने पुस्तकालय में सभी लेनदेन की गति और सटीकता में वृद्धि की है और साथ ही पुस्तकालय को अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बना दिया है।

संकाय संख्या

स्थायी : 39

तदर्थ : 37

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹ 22,00,00,000

प्रयुक्त अनुदान : ₹ 21, 50,00,000

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. रेणु गुप्ता ने "उपभोक्ता व्यवहार: प्रकृति और महत्व" विषय पर 'विपणन के सिद्धांत', बी.कॉम-सेमेस्टर वी-सीबीसीएस-यू.जी विद्यार्थियों के लिए एक ई-किट तैयार किया। उन्होंने बी.कॉम (ऑनर्स) -सेमेस्टर II-सीबीसीएस-यू.जी विद्यार्थियों के लिए "बोनस इश्यू, बाय बैंक और ट्रांसमिशन" विषय पर कॉर्पोरेट लॉ पेपर के लिए एक ई-किट भी तैयार किया। ये ई-किट टीचिंग लर्निंग सेंटर-जीएडी, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए तैयार किए गए थे।

डॉ. तरविंदर कौर, सहायक प्रोफेसर, पंजाबी विभाग, ने स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए बीए/बी.कॉम, द्वितीय वर्ष, कोर-एमआईएल-पंजाबी-2बी की अध्ययन सामग्री तैयार करने में सह-संपादक के रूप में काम किया, जिसका शीर्षक- नैतिकता: साहित्यिक प्रवचन और कार्यात्मक पंजाबी (बारह पाठ) है।

डॉ. गुरलीन कौर सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, जी.ई भारतीय अर्थव्यवस्था-1 और II के लिए एल.ओ.सी.एफ आधारित पाठ्यक्रम को डिजाइन करने में शामिल एक कोर टीम सदस्य रही हैं।

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पांच अल्पकालिक पाठ्यक्रम(शॉर्ट टर्म कोर्स) संचालित किए गए। इनमें बिजनेस डेटा और एनालिटिक्स पर शॉर्ट टर्म कोर्स, पंजाबी भाषा में कंप्यूटर साक्षरता, समग्र फिटनेस और वेलनेस लर्निंग, माइंडफुलनेस और मानवीय मूल्य और एक हिंदी अनुवाद पाठ्यक्रम शामिल हैं। जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग द्वारा महाविद्यालय को फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स संचालित करने की अनुमति दी गई थी। विद्यार्थियों के पहले बैच ने जून, 2021 में पाठ्यक्रम पूरा किया। गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर (जीएडीटीएलसी), एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय के सहयोग से महाविद्यालय के आईक्यूएसी द्वारा आयोजित "आगे की राह: राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षाशास्त्र" विषय पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया था। आईक्यूएसी, एसजीएनडीकेसी के सहयोग से

अंग्रेजी विभाग और पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा "मनुष्य-> प्रकृति: पर्यावरण आलोचना के लेंस के माध्यम से" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। महाविद्यालय की एनएसएस और एनसीसी इकाइयों ने पूरे शैक्षणिक वर्ष में कई गतिविधियों का आयोजन किया जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की जागरूकता और क्षमता निर्माण के साथ-साथ अपनी आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से कई सामाजिक उत्थान में योगदान करना है। महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने कई प्रशिक्षण सत्र, वार्ता, व्याख्यान, वेबिनार शृंखला(सभी ऑनलाइन मोड में) आयोजित की, जो महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करती थी। एसजीएनडीकेसी ने प्रोजेक्ट एस.ई.वी.ए नामक महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए एक स्वयंसेवी कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रसिद्ध एनजीओ, यूथ फॉर सेवा के साथ करार किया। एस.ई.वी.ए नामक स्वयंसेवी और सहायता के माध्यम से समर्थन और सशक्तिकरण का एक संक्षिप्त रूप है जैसा कि नाम से पता चलता है, कार्यक्रम विद्यार्थियों की उनकी गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक कल्याण में योगदान करने में मदद करता है।

उत्कृष्ट सम्मान / गौरव

प्रीति गुप्ता को 27 फरवरी, 2021 को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया। उनकी पी.एचडी थीसिस का विषय 'भारत में भारतीय माइक्रोफाइनैस संस्थानों की दक्षता और स्थिरता पर एक अनुभवजन्य अध्ययन' है।

रमनीत कौर को 4 नवंबर, 2019 को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया। उनकी पी.एचडी शोध प्रबंध का विषय 'मातृत्व, जन्म नियंत्रण और विकल्प: प्रजनन अधिकारों के लिए एक नारीवादी संघर्ष' था।

ममता आहूजा को 9 अक्टूबर, 2020 को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया था। उनके पी.एचडी शोध प्रबंध का विषय "1995 से लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के व्यापार का विश्लेषण" है।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

टीम मैगस ने जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

श्री सिद्धार्थ शर्मा ने 25 अप्रैल, 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ द्वारा आयोजित एस्ट्रोफोटोग्राफी प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता।

श्री निधि सिंह ने 10 अप्रैल, 2021 को सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, हैदराबाद द्वारा आयोजित स्नैप-ए-टेल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता। उन्होंने 25 मार्च, 2021 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग द्वारा आयोजित इकोबिज फोटोग्राफी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

दीपमाला (2021). एनसीईआरटी के 'भारतीय आधुनिक शिक्षा' रिसर्च जर्नल में प्रकाशित 'ऑनलाइन शिक्षा एक नया अनुभव', अंक: - अप्रैल 2021.(आईएसएसएन 0972-5636).

गुप्ता, पी। (2020). अर्थ-निकास के माध्यम से फर्म का अस्तित्व : भारतीय पंजीकृत विनिर्माण का मामला। एशियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड एम्पिरिकल रिसर्च, 6(2), 148-164.

गुप्ता, पी. (2020). वैश्विक दक्षिण के परिप्रेक्ष्य से पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रभाव : एक खेल सैद्धांतिक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च, 6(6), 161-166.

थॉमस, ए., दास, एस., सैयद, ई.पी., दिवाकर, एन., और टैपली, बी. (2021). प्रेडेंट्स ऑफ एन इवोलुशनली डिस्टिन्क्ट एंड ग्लोबली इंडेंजर्ड फ्रॉग नासिकबत्राचुस सहयाद्रेंसिस बीजू और बोसुयट, 2003। हेरपेटोलॉजी नोट्स, 14 (2021), 247-249.

वर्मा, एन. (2020). फोर्टल जर्नल ऑफ टीचिंग इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर में प्रकाशित 'द क्वेश्चन ऑफ सेल्फ, द क्वेश्चन ऑफ लाइफ: आइडेंटिटी इन ऑटोबायोग्राफिकल नैरेटिव्स ऑफ डोमेस्टिक वर्कर्स'। जुलाई 2020 अंक. सं. 41. आईएसएसएन नं. 2229-6557.

जर्नल

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जर्नल- जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या-5

संगोष्ठियों का आयोजन

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने आनंद इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वर्क, आनंद, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, भोपाल के सहयोग से "आंतरिक गुणवत्ता से गुणवत्ता आंतरिककरण तक" वेबिनार शृंखला का आयोजन किया। वेबिनार शृंखला में अगस्त, 2021 से शुरू होने वाले प्रत्येक महीने 5 व्याख्यान शामिल थे।

महाविद्यालय के मेंटरिंग द मेंटर पहल के तहत, आईक्यूएसी ने अपने संकाय और विद्यार्थियों के लिए तीन व्याख्यान आयोजित किए। इनमें विषयों 1) चिंता का प्रबंधन, 2) महाविद्यालय के बाद आप क्या करने की योजना बना रहे हैं?: स्नातक डिग्री के बाद विकल्प और 3) स्वयं का प्रबंधन पर वेबिनार शामिल हैं।

महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और लैंगिक सेंसिटाइजेशन प्रकोष्ठ ने फरवरी, 2021 में "धरा से उठते कदम" विषय पर सात व्याख्यान वेबिनार शृंखला का आयोजन किया।

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से अंग्रेजी विभाग और पर्यावरण अध्ययन विभाग ने 5 और 6 नवंबर, 2020 तक 'मनुष्य ↔ प्रकृति: पर्यावरण-आलोचना के लेंस के माध्यम से' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

हिंदी विभाग ने 15 सितंबर, 2020 को "हिंदी का वैश्विक परिवेश और रोजगार की संभावनाएँ" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

हिन्दी शोधकारिता विभाग द्वारा क्रमशः 16 अप्रैल, 2021 एवं 22 अप्रैल, 2021 को "गूगल फैक्ट चेकिंग कार्यशाला" एवं "वीडियो, ऑडियो एवं इमेज एडिटिंग" पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

निधि वर्मा ने योनफुला महाविद्यालय, भूटान द्वारा 10-12 सितंबर, 2020 तक आयोजित दक्षिण एशियाई साहित्यिक कल्पना के कई आयामों पर एक आभासी अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में "दासता के बंधन को तोड़ना: अरविंद अडिगा के द व्हाइट टाइगर में बलराम के चरित्र का एक अध्ययन" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

निधि वर्मा ने श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इंदौर द्वारा 29 अक्टूबर, 2020 को आयोजित एक आभासी सम्मेलन साहित्यविधि 2020 "डिजिटल युग में शिक्षण और सीखने की भाषा और साहित्य: अवसर और चुनौतियाँ" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

निधि वर्मा ने एसजीएनडी खालसा महाविद्यालय द्वारा 5 और 6 नवंबर, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार 'मैन एंड नेचर: थू द लेंस ऑफ इकोक्रिटिकिज्म' में "ट्विस्ट द सिन्यू ऑफ थयर हार्ट: ए रीडिंग ऑफ ब्लेक के" द टाइगर "ए रिप्रेजेंटेटिव इको-क्रिटिकल टेक्स्ट" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय, दिल्ली, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, भोपाल और आनंद इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वर्क, आनंद के बीच त्रिपक्षीय समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत

: 27 (60%)

कैंपस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 15

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने कोविड रोगियों और परिवारों की मदद के लिए दिल्ली जिला सर्वेक्षण, पोलियो व्यायाम शिविर, कैंसर जागरूकता दिवस, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता जागरूकता रैली और दान अभियान का आयोजन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व के महत्वपूर्ण दिनों का पालन करने हेतु विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े पैमाने पर सोसायटी की मदद और समर्थन करने के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों ने कोविड-19 महामारी के दौरान मास्क बनाने, सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जागरूकता और वीडियो बनाने, वार्ता और वेबिनार जैसी विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। सर्टेटस, श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय की मॉडल यूनाइटेड नेशंस सोसाइटी ने 12 - 13 फरवरी, 2021 को ऑनलाइन मोड में अपना इंटर एम्यूएन सम्मेलन'21 आयोजित किया, जिसमें देश भर से 180 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। परियोजना एस.ई.वी.ए के हिस्से के रूप में 18+ विद्यार्थी स्वयंसेवकों और 2 संकाय सदस्यों वाली महाविद्यालय टीम 16 मार्च, 2021 को सराय रोहिल्ला में लोहार बस्ती का दौरा किया। स्वयंसेवकों ने विशेष रूप से महामारी के बाद समुदाय के सदस्यों द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों को समझने पर ध्यान केंद्रित किया। टीम ने मासिक धर्म स्वच्छता, रचनात्मकता, मनोरंजन और कोविड महामारी के कारण आने वाली समस्याओं सहित चार मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। महाविद्यालय की सक्षम इकाई ने अलग-अलग सक्षम विद्यार्थियों के लिए क्विज़ प्रतियोगिता, ऑनलाइन कविता प्रतियोगिता, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता, राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता जैसी विभिन्न अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। यूनिट द्वारा विभिन्न सेमिनार भी आयोजित किए गए। इन सभी आयोजनों में दिव्यांग विद्यार्थियों की उत्कृष्ट भागीदारी देखी गई।

पुस्तकालय विकास

शैक्षणिक वर्ष के दौरान महाविद्यालय पुस्तकालय में शामिल की गई पुस्तकों का विवरण 2020-21

सामान्य पुस्तकें : 901

एसएएफ (विद्यार्थी सहायता कोष) : 00

बीबीई (बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स) : 19

हिंदी शोधकारिता : 23

पुस्तकालय के आवधिक संग्रह का विवरण इस प्रकार है:

चालू वर्ष में सदस्यता ली गई पत्रिकाएं : 16

पत्रिका : 30

समाचार शोध : 21

संकाय संख्या

स्थायी संकाय : 43

तदर्थ संकाय : 53

वित्तीय आवंटन और उपयोग

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए गैर-योजना व्यय लगभग रु. 4081.09 लाख है।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने 10 अगस्त, 2020 को शैक्षणिक सत्र शुरू किया। जनरल हरि सिंह नलवा छात्रावास का 12 मार्च, 2021 को मुख्य अतिथि के रूप में सिंह साहिब जानी हरप्रीत सिंह जी (जत्थेदार, सीनियर अकाल तख्त साहिब, अमृतसर), एस. मनजिंदर सिंह सिरसा (अध्यक्ष, डीएसजीएमसी) और एस. हरमीत सिंह कालका (महासचिव, डीएसजीएमसी) ने उद्घाटन किया था। महाविद्यालय ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 400वें प्रकाश पर्व को एक विशेष संस्करण पत्रिका, मानवी हकां दे राखे: गुरु तेग बहादुर (मानवाधिकारों के उद्धारकर्ता: गुरु तेग बहादुर), गुरु की विरासत को समर्पित प्रकाशित करके मनाया। गुरु के जीवन और शिक्षाओं की एक झलक प्रदान करने के लिए संगोष्ठी और वेबिनार भी आयोजित किए गए थे। महाविद्यालय में गुरु अंगद देव-टीचिंग लर्निंग सेंटर (जीएडी-टीएलसी) ने विभिन्न वेबिनार और संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। जीएडी-टीएलसी को प्रदान किए गए रसायन विज्ञान के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के शासनादेश के तहत, उच्च शिक्षा संकाय के लिए रसायन विज्ञान में ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (एआरपीआईटी पाठ्यक्रम) के रूप में विकसित किया गया है और वर्ष 2018-19; वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 में सफलतापूर्वक चलाया गया है। महाविद्यालय में सेंटर फॉर ई-अध्ययन" (सीएफईएल) में विभिन्न संस्थानों के सहयोग से कई परियोजनाएं चल रही हैं और एमओओसी के लिए वीडियो मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। महाविद्यालय ने एस तरलोचन सिंह (पूर्व सांसद और अध्यक्ष, शासी निकाय) को 21 फरवरी, 2021 को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय ने 5 मार्च, 2021 को "वैश्विक परिधि में हिंदी का भविष्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने शिक्षाविदों में अनुकरणीय प्रदर्शन दिखाया। महाविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष में दो विश्वविद्यालय टॉपर्स थे। महाविद्यालय ने विभिन्न दिल्ली राज्य और राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतकर खेलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया और एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, हैंडबॉल और टेनिस में कई पुरस्कार जीते। शिक्षण संकाय ने अनुसंधान परियोजनाओं, प्रकाशनों और पुरस्कारों के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व किया और हमारी सांस्कृतिक/शैक्षणिक समितियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया। महाविद्यालय की एनएसएस युनिट ने शैक्षणिक सत्र के दौरान विस्तार और आउटरीच गतिविधियों का संचालन किया। महामारी के दौरान कई जागरूकता गतिविधियां ऑनलाइन आयोजित की गईं।

सम्मान / गौरव

प्रिंसिपल, प्रो. जसविंदर सिंह को "जगत पंजाबी सभा" (जेपीएस), कनाडा (2020) द्वारा विश्व की 101 प्रमुख पंजाबी हस्तियों के रूप में सम्मानित किया गया।

29 मई, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय फोरेसिक विज्ञान और आपराधिक जांच शिखर सम्मेलन 2020 के तत्वावधान में डॉ. जी.एस सोढ़ी को सर्वश्रेष्ठ वरिष्ठ संकाय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. नचिकेता सिंह को महात्मा गांधी के जीवन और विरासत पर विद्यार्थी केंद्रित कार्यक्रम में उनके योगदान के लिए राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ. विमल राह को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) शिक्षक पुरस्कार-2020 से सम्मानित किया गया।

डॉ. विमल राह को रसायन विज्ञान शिक्षक संघ (एसीटी), होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई द्वारा वर्ष 2020 के लिए "रसायन विज्ञान शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रोफेसर पी.आर सिंह पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

डॉ. विमल राह को उलेक्ट्रज की अकादमिक परिषद द्वारा वर्ष 2020 के "शीर्ष 20 क्रांतिकारी शिक्षा नेताओं" में से एक के रूप में सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

सुश्री मनप्रीत कौर एम.ए पंजाबी को उनके अकादमिक प्रदर्शन के लिए भाई वीर सिंह स्वर्ण पदक और पंजाबी के लिए पंजाब सरकार पुरस्कार के लिए चुना गया था।

सुश्री कोमल वंसल, बी.ए(ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स III वर्ष ने विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम रैंक प्राप्त किया।

श्री अंश शेहरावत, बी.ए(ऑनर्स) राजनीति विज्ञान, ने 400 मीटर में दूसरा स्थान हासिल किया और 25-27 जनवरी, 2021 तक तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल (एम.पी) में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय फेड कप जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 200 मीटर में भाग लिया।

निम्नलिखित एथलीटों ने 14-22 जनवरी, 2021 तक आयोजित 80वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरस्कार जीते,

श्री अंश शेहरावत, बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान ने 400 मीटर में प्रथम और 200 मीटर में द्वितीय स्थान हासिल किया।

श्री तुषार.के. मन्ना, बी.ए(ऑनर्स) अंडर-20 पुरुष वर्ग में लंबी कूद में प्रथम और 100 मीटर में द्वितीय स्थान हासिल कर इतिहास रचा है।

श्री रोहित कुमार, बी.एससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान ने 5000 मीटर और 1000 मीटर में द्वितीय और पुरुष वर्ग में क्रॉस कंट्री में तृतीय स्थान हासिल किया।

श्री अमित तिवारी, बी.ए (ऑनर्स) इतिहास ने 100 मीटर और 200 मीटर में पहला स्थान हासिल किया।

श्री निकेत बी.ए (ऑनर्स) इतिहास ने 6 से 10 फरवरी, 2021 तक गुवाहाटी(असम) के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित शॉटपुट 36वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अंडर 20 लड़कों में तृतीय स्थान हासिल किया।

श्री प्रभात कुमार महतो, बी.कॉम ने 20 मार्च, 2021 से 21 मार्च, 2021 तक झारखंड स्टेट बास्केटबॉल चैंपियनशिप, धतकीडीह कम्युनिटी सेंटर, जमशेदपुर में प्रथम स्थान हासिल किया।

श्री सुशांत संधू, बी.ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान ने दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया और 43वीं जूनियर नेशनल चैंपियनशिप (2021) में प्रथम स्थान हासिल किया, जो 23 से 27 मार्च, 2021 तक दिल्ली में हैंडबॉल आयोजित किया गया था।

श्री सार्थक सूडान, बी.ए प्रोग्राम, ने अखिल भारतीय पुरुष राष्ट्रीय रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट में युगल में एकल श्रेणी विजेता में तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रकाशन

बत्रा, के., सिन्हा, एन., और कुमार, बी. (2020). लेड फ्री 0.95 (K0.6Na0.4) NbO3-0.05 (Bi0.5Na0.5) ZrO3 सिलिकेट फॉर हाई टेम्परेचर डाईइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक एप्लीकेशन। जर्नल ऑफ एलॉयज एंड कम्पाउंड्स, 818, 152874. <https://doi.org/https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2019.152874>.

भारद्वाज, ए., कौर, एस., और बलूजा, के.एल (2020). इलेक्ट्रॉन-इम्पेक्ट क्रॉस-सेक्शन ऑफ एटमॉस्फेरिकली रिलेवेंट एनिमस फ्रॉम्स इंटरमीडिएट टू 5000 eV एनर्जी रेंज। प्रमाण, 94(1), 73. <https://doi.org/10.1007/s12043-020-1923-z>

कौर, जे., और सोढ़ी, जी.एस (2020). हाउ इंडियन ट्रेडिशन ऑफ पॉम प्रिंट ऑथेंटिकेशन इंटरसपेर्सड द ग्लोबेट्राइंग जर्नी ऑफ कोहिनूर डायमंड : एक ऐतिहासिक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, 55(4), 1-3। <https://doi.org/10.16943/ijhs/2020/v55i4/158328>.

कौशल, ए. (2021). प्रतीक, समुदाय और प्रतियोगिता : सिख पहचान की राजनीति में झटका और तंबाकू। *जर्नल ऑफ द रॉयल एशियाटिक सोसाइटी*, 1-24. <https://doi.org/10.1017/S1356186321000523>.

कुमार, डी., और कुमार, एस. (2020). सम मोर सोल्युशन्स ऑफ कॉट्रे-डोड-गिबबन इक्वेशन यूजिंग ऑप्टिमल सिस्टम ऑफ लाइ सिमेटरीज। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल मैथमैटिक्स*, 6(4), 125. <https://doi.org/10.1007/s40819-020-00882-7>.

कुमार, एस, और कुमार, डी. (2020). लाइ सिमेटरी एनालिसिस एंड डायनेमिकल स्ट्रक्चर्स ऑफ सोलिटॉन सॉल्युशन फॉर $(2 + 1)$ -डायमेंशनल मॉडीफाईड सीबीएस इक्वेशन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स बी*, 34 (25), 2050221। <https://doi.org/10.1142/S0217979220502215>.

कुमार, सचिन, कुमार, डी., और कुमार, ए. (2021). लाइ सिमेटरी एनालिसिस फॉर ऑबटेनिंग द अबुडेंट एग्जेक्ट सोल्युशन्स, ऑप्टिमल सिस्टम एंड डायनेमिक्स ऑफ सॉलिटॉन्स फॉर हायर-डायमेंशनल फोक्स इक्वेशन। *कैओस, सॉलिटॉन्स एंड फ्रैक्टल्स*, 142, 110507। <https://doi.org/https://doi.org/10.1016/j.chaos.2020.110507>.

श्रोत्रिया, वी.के, और ढांडा, यू. (2020). एक्सप्लोरिंग एम्पलॉयी एंगेजमेंट यूजिंग ग्राउंडेड थ्योरी: एक्सपिरिंस फ्रॉम द बेस्ट फर्म्स इन इंडिया। *विजन*, 24(2), 171-183। <https://doi.org/10.1177/0972262920915070>.

सिंह, जे., और गिल, ए.एस (2021). गुरु नानक देव जी: उदात्त जीवन और सामाजिक परिप्रेक्ष्य। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र।

सिंह, जे., और कौर, के.(ईडीएस.)(2020). गुरु तेग बहादुर: शहादत अटे रचना। मनप्रीत प्रकाश.

सिन्हा, एन., बत्रा, के., भुक्कल, एस., कुमार, आर., कुमार, एस., गोयल, एस., और कुमार, बी. (2020). इफेक्ट ऑफ सनसेट येलो डाय ऑन मॉर्फोलॉजिकल, ऑप्टिकल, डायइलेक्ट्रिक, थर्मल एंड मेकेनिकल प्रॉपर्टीज ऑफ केडीपी क्रिस्टल। *अरेबियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री*, 13(6), 5750-5764। <https://doi.org/https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2020.04.013>.

सुर, एस., दत्ता, ए., और छोटे, एच.आर (2021). मिमेटिक-मेट्रिक-टॉर्सन विथ इंड्यूस्ड एक्सल मॉड एंड फेंटम बैरियर क्रासिंग। *द यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी*, 81(4), 306. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-021-09101-z>.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. मनोज कुमार निमेश : जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी.बी.टी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने रु. 7483280 (चौहत्तर लाख तिरासी हजार दो सौ अस्सी रुपये केवल) की कुल लागत पर "डिजाइनिंग एंड इवेलुएशन ऑफ प्वाइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक एसे फॉर डिटेक्शन ऑफ एमडीआर ट्यूबरकुलोसिस यूजिंग लूप मेडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लिफिकेशन कॅम्बाइन्ड विथ लेटेरल फ्लो डिपस्टिक" शीर्षक परियोजना को मंजूरी दी। अनुदान संख्या बीटी/पीआर20746/मेड/29/1194/2016[2019-2021]

डॉ. वेणुगोपालन टी : परियोजना निदेशक - "भारत में सतत पर्यटन विकास : उत्तर प्रदेश विरासत पर्यटन का एक केस स्टडी" - आईसीएसएसआर इम्प्रेस वित्त पोषित परियोजना, 2019-2021. संस्वीकृत धनराशि- रु.7 लाख.

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन

वनस्पति विज्ञान विभाग ने 22 मार्च, 2021 को "जलवायु अनुकूल फसलों के निर्माण के लिए जीन और जीनोमिक्स की भूमिका" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

वाणिज्य विभाग ने "ईमानदारी की ओर सात कदम" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

हिंदी विभाग ने 27 फरवरी, 2021 को "हिंदी माध्यम में प्रतियोगिता परीक्षा के अवसर" पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

अर्थशास्त्र और कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने संयुक्त रूप से आर सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला का आयोजन किया।

जीव विज्ञान विभाग ने 27 नवंबर, 2020 को "प्रेपेरिंग ए डीपीआर फॉर सेटिंग अप ए बैकयार्ड ऑर्नामेंटल फिश ब्रीडिंग युनिट फॉर इंस्टिट्यूशनल सपोर्ट" पर कार्यशाला का आयोजन किया।

सम्मेलन / संगोष्ठी का आयोजन

गुरु तेग बहादुर पर ऑनलाइन संगोष्ठी : श्री गुरु तेग बहादुर जी की 400वीं जयंती के उपलक्ष्य में 18 दिसंबर, 2020 और 18 जनवरी, 2021 तक जीवन और विरासत का आयोजन किया गया था।

"वर्तमान परिदृश्य में व्यापार स्थिरता के लिए मानव संसाधन और संगठनात्मक व्यवहार की भूमिका" पर 27 फरवरी, 2021 को एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन आयोजित किया गया था।

महाविद्यालय ने 5 मार्च, 2021 को "वैश्विक परिधि में हिंदी का भविष्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन) का आयोजन किया।

"शिक्षक शिक्षा पीढ़ी अगली: परिप्रेक्ष्य, अवसर और चुनौतियां" पर 18 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन नामक एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. जी.एस. सोढ़ी ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, नई दिल्ली में 13-14 अक्टूबर, को आयोजित फिंगर प्रिंट ब्यूरो-2020 के निदेशकों का इक्कीसवां अखिल भारतीय सम्मेलन में "ए नोवेल बेस मेटेरियल फॉर स्माल पार्टिकल रिजेंट" पर प्रस्तुत की।

डॉ. सविंदर कौर ने सितंबर, 2020 में "नासी - दिल्ली चैप्टर" में "गणितीय भौतिकी" पर एक-एक घंटे की छह आमंत्रित ऑनलाइन वार्ताएं दीं।

डॉ. सुखबीर कौर गुजराल ने इंडियन सोसाइटी ऑफ पल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट, कानपुर द्वारा आयोजित 'आत्मनिर्भरता और पोषण सुरक्षा के लिए सतत दाल उत्पादन' पर राष्ट्रीय वेब सम्मेलन में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण फसल विगना अनगुड़कुलता एल में हीट शॉक प्रोटीन की इन-सिलिको पहचान और प्रयोगात्मक सत्यापन प्रस्तुत किया (9-11 फरवरी 2021)।

डॉ. तरुण कुमार ने 6 और 7 नवंबर, 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया (नई दिल्ली) और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (रांची) के सहयोग से 14वें अंतर्राष्ट्रीय शोध वेबिनार शीर्षक कोरिया का अध्ययन (आरएएसके) अनुसंधान संघ द्वारा आयोजित भारत में एकट ईस्ट पॉलिसी के तहत चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं तथा दक्षिण कोरिया में दक्षिणी नीति में "दक्षिण कोरिया और भारत के पुरातत्व का सामना करने वाले कुछ मुद्दे" पर प्रस्तुति दी।

सुश्री उपासना ढांडा ने 26-27 मई, 2020 के दौरान कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग और एमबीए विभाग, मेरठ भारत(एकेटीयू लखनऊ, यू.पी. से संबद्ध) द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में विनिर्माण क्षेत्र पर माल और सेवा कर के प्रभाव पर एक अध्ययन' शीर्षक से पेपर प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 208

कैंपस भर्ती(कैंपस रिक्रूटमेंट) के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : एलआईसी, ट्रेसविस्टा, बजाज कैपिटल, चेग, रेडबस, विप्रो, बिसलेरी, अपोलो, टीच फॉर इंडिया, ओयो, बायजू, बैन कैपेबिलिटी सेंटर, मैकिन्से

एंड कंपनी, विलिस टॉवर वाटसन, ग्रांट थॉर्नटन, डेलॉइट यूएसआई और प्राइस वॉटरहाउस कूपर्स सहित 45 कंपनियां।

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

महाविद्यालय की एनएसएस इकाई ने 8 मई, 2020 को कोरोना वायरस के कारण वैश्विक प्रभाव विषय पर एक ऑनलाइन पोस्टर बनाओ(पोस्टर मेकिंग) प्रतियोगिता आयोजित की थी। 12 अगस्त, 2020 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस(थीम: युवाओं के लिए युवा सगाई ग्लोबल एक्शन) के अवसर पर एक क्रॉसवर्ड प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। 25 सितंबर, 2020 को; एनएसएस दिवस के अवसर पर, होंडा सुरक्षा प्रशिक्षण के सहयोग से एक सड़क सुरक्षा जागरूकता वेबिनार आयोजित किया गया था। 30 जनवरी, 2021 को 'सतत विकास की दिशा में, जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देने के साथ' पर एक वार्ता आयोजित की गई थी। "सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा" विषय पर 13-16 फरवरी, 2021 को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय दिवस (20 फरवरी, 2021) के अवसर पर सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और गरीबी, लैंगिक, और शारीरिक भेदभाव, निरक्षरता, धार्मिक भेदभाव जैसी बुराइयों को फोटोग्राफी के माध्यम से सबके सामने एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। "इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपनी पहचान के लगभग कैसे पहुंचें?" विषय पर 22 फरवरी 2021 को बुनियादी मानव मनोविज्ञान और व्यक्तित्व वृद्धि पर केंद्रित विषय पर एक वेबिनार आयोजित की गई थी। 22 फरवरी, से 28 फरवरी, तक एक सीएफजी अभियान (स्वच्छ, चारा और हरित अभियान) आयोजित किया गया था। इस अभियान में स्वयंसेवकों को एक पेड़ लगाने, आसपास की सफाई करने और आवारा जानवरों को खिलाने के लिए कहा गया।

पुस्तकालय विकास - महाविद्यालय में एक अच्छी तरह से भंडारित पुस्तकालय है जिसमें रिकॉर्ड में लगभग 1,38,000 पुस्तकें हैं और भारतीय जर्नल; पत्रिकाएं और दैनिक समाचार शोध की नियमित सदस्यता है। पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के व्यापक क्षेत्र कैंपस नेटवर्किंग प्रणाली से जुड़ा हुआ है और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) और यूजीसी-इन्फोनेट कंसोर्टियम से अपने उपयोगकर्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। महाविद्यालय के पुस्तकालय ने एनलिस्ट(विद्वानों की सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा बुनियादी ढांचा) की भी सदस्यता ली, जो अपने सदस्यों को ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय 12 जर्नल, 46 पत्रिकाओं और 27 समाचार पत्रों की सदस्यता ले रहा है। महाविद्यालय का पुस्तकालय दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ब्रेल पत्रिकाओं की सदस्यता भी लेता है। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है और पुस्तकों को बार-कोडित किया जाता है और ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) के माध्यम से आसानी से पहुंचा जा सकता है। पुस्तकालय में गेट सुरक्षा जांच प्रणाली है जिसमें निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

संकाय संख्या

स्थायी : 82

तदर्थ : 67

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु. 56.4 करोड़

प्रयुक्त अनुदान : रु.56.9 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बदलते समय और हमारे विद्यार्थियों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, प्रबंधन ने महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है, और महाविद्यालय में लड़कों के छात्रावास का निर्माण तेज गति से चल रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक विनिमय कार्यक्रम और नए युग के शिक्षकों के लिए संयुक्त

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने सहित संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए कॉलेज का कार्लेटन विश्वविद्यालय के साथ निरंतर सहयोग है। "गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर" एमएचआरडी, भारत सरकार के शिक्षक और प्रशिक्षण संबंधी पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत एमएचआरडी का एक केंद्र है। एआरपीआईटी रसायन विज्ञान 2020-21: प्रारंभ तिथि: 01 दिसंबर, 2020; अंतिम तिथि: 31 मार्च, 2021 राष्ट्रीय स्तर पर एनटीए द्वारा एआरपीआईटी पाठ्यक्रमों के आंकड़ों के अनुसार, परीक्षा देने वाले शिक्षकों की संख्या के मामले में, एआरपीआईटी रसायन विज्ञान पहले स्थान पर है, जहां 1966 ने 42 एआरपीआईटी पाठ्यक्रमों में कुल 12,485 प्रतिभागियों ने विभिन्न डिस्प्लिन में परीक्षा दी थी। सामग्री की गुणवत्ता को भी सर्वश्रेष्ठ में से एक का दर्जा दिया गया था और एआईसीटीई के माध्यम से एमएचआरडी ने एआरपीआईटी रसायन विज्ञान परिचयात्मक वीडियो को नए राष्ट्रीय संसाधन केंद्रों के लिए बेंचमार्क के रूप में साझा किया था। वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन के लिए जीएडी-टीएलसी में निष्पादित परामर्श परियोजनाएं: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एआरपीआईटी- राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के लिए इतिहास में, एआरपीआईटी - कला, संस्कृति और साहित्य जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय(जेएनयू) में राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के लिए, एआरपीआईटी - गृह विज्ञान-जम्मू विश्वविद्यालय।

सेंट स्टीफेन कॉलेज

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

प्रवेश ऑनलाइन किए गए थे, हालांकि कोविड के कारण देरी हुई। सभी कक्षाएं ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित की गईं और परीक्षाएं बिना ब्रेक के और डी.यू. कैलेंडर के अनुसार जारी रहीं। महाविद्यालय में दो वर्षीय एनसीसी समूह अपने दो कैडेटों की प्रशंसा के साथ बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। महाविद्यालय ने एनआईआरएफ रैंकिंग में भी सहभागिता की है।

सम्मान / गौरव

महाविद्यालय के दो शिक्षकों का चयन आईसीसीआर द्वारा क्रमशः इतिहास और संस्कृत के लिए पोलैंड और क्रोएशिया के विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए किया गया था। जबकि एक शिक्षक कोविड की शुरुआत से पहले चला गया, दूसरा शिक्षक कोविड के कारण जाने में असमर्थ था।

महाविद्यालय ने सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज के तहत अपने ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रोग्राम को जारी रखा।

पहली बार डी.यू. के तहत एक महाविद्यालय को विदेश मंत्रालय के आईटीईसी के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

एबीएएन समूह के उदार समर्थन से महाविद्यालय में सार्वजनिक नीति में एक चेयर को स्थापित किया गया है।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

ओलाना मैरी पीटर्स को वर्ष 2020 में रोड्स स्कॉलरशिप से सम्मानित किया गया।

रिधिमा खन्ना और आरतिका भयाना को डीजी एनसीसी कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया गया।

आरतिका भयाना को दिल्ली के एडीजी से एडीजी प्रशंसा मिली।

यशस्विनी शेखावत, बी.ए.(ऑनर्स) अर्थशास्त्र ने श्री मुदियल पद्मनाभ पिल्लई मेमोरियल गोल्ड मेडल, द रानाडे प्राइज, द एराचशाह मानेकजी नानावटी मेमोरियल प्राइज, द रविकांता देवी पुरस्कार प्राप्त किया।

ओलाना मैरी पीटर्स, बी.ए (ऑनर्स) इतिहास ने दीप चंद मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रिया सेठ, बी.ए (ऑनर्स) संस्कृत ने परम पावन शंकराचार्य स्वानंदश्रम हरि पुरस्कार प्राप्त किया।

विपिन चौधरी, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी ने (बी.एससी. ऑनर्स) के लिए विश्वविद्यालय पदक प्राप्त किया।

कुमारी शांबवी, बी.एससी. (बी.एससी ऑनर्स) के लिए भौतिक विज्ञान में विश्वविद्यालय पदक प्राप्त किया।

नीतिक भाटिया, बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान को प्रो. शेषाद्री पुरस्कार मिला।

प्रकाशन

कुमार, ए., बिमल, डी., कविता, कुमार, एम., माथुर, डी., मैती, जे., सिंह, एस.के., थिरुमल, एम., और प्रसाद, एके (2020)। सिंथेसिस एंड एंटीबेरकुलर एक्टिविटी ऑफ 4,5-डाईसबस्टिट्यूटेड N1-(5'-डिऑक्सीथायमिडिन-5'-yl)-1,2,3-ट्रायजोल्स। कमेस्ट्री सेलेक्ट, 5, 8839-8845। [https://doi.org/ 10.1002/slct.202001854](https://doi.org/10.1002/slct.202001854).

कुमार, बी., शंकर, बी., कुमार, एस., मैती, जे., और प्रसाद, ए.के (2020). मल्टीकंपोनेंट वन पॉट सिंथेसिस, सिंथेटिक ऑफ 1-एज़ेन्डोलाइजिनेस सिंथेटिक कम्युनिकेशन, 50(18), 2853-2859। [https:// doi.org/10.1080/00397911.2020.1786586](https://doi.org/10.1080/00397911.2020.1786586).

मैती, जे., श्रीवास्तव, एस., खत्री, वी., साहा, आर., घोष, एस., और प्रसाद, ए.के (2020). बायोकेमिकली सिंथेसाइज्ड पोर्टेथियल एमिनोकोमरिन-ग्लाइकोसाइड एंटीबायोटिक्स। ट्रेन्स इन कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 12(2), 1-16.

राणा, एन., कुमार, एम., सिंगला, एच., मैती, जे., और प्रसाद, ए.के (2020). सिंथेसिस ऑफ कॅफोरमेशनली रेस्ट्रिक्टेड सी-4'-स्फ़िरोफुरानो-राइबोन्यूक्लियोसाइड्स। ट्रेन्स इन कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 12(3), 16-24.

श्रीवास्तव, एस., मैती, जे., मैखुरी, वी.के., झा, ए., और प्रसाद, ए.के (2020). सिंथेसिस एंड एप्लीकेशन ऑफ कौमारिन ग्लाइकोसाइड : एक समीक्षा। ट्रेन्स इन कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 12(3), 25-48.

कुमार, बी., मैती, जे., शंकर, बी., कुमार, एस., कविता, और प्रसाद, ए.के (2021). सिंथेसिस ऑफ डी-ग्लाइकोपाइरानोसिल डिप्सिपेप्टाइड्स यूजिंग पेस्सेरिनि रिएक्शन। कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 500, 108236. <https://doi.org/10.1016/j.carres.2021.108236>.

तूलिका, ए. (2021). भील-लाइफ इन द कोलोनीयल ट्रांजिशन। संगोष्ठी 740 (अप्रैल), 14-25.

देव, ए.पी (2021). स्प्रिट ऑफ द स्टेट। संगोष्ठी 740 (अप्रैल), 26-34.

देव, आदित्य प्रताप (2021). मिथकों से परे। संगोष्ठी 740 (अप्रैल), 10-13.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या - एक। प्रोफेसर जॉन वर्गीज द बेडे अथेनियम के संपादकीय बोर्ड में कार्यरत हैं।

संगोष्ठियों का आयोजन

आईक्यूएसी के तत्वावधान में, गणित विभाग ने गणित सोसायटी के साथ मिलकर 9-10 अप्रैल, 2021 को "अमूर्त गणितीय अवधारणाओं के वास्तविक जीवन के अनुप्रयोग" विषय पर 2 दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

सेंट स्टीफन सेंटर फॉर एडवांस लर्निंग (एससीएएल) को सार्वजनिक नीति में तीन महीने के लंबे फैलोशिप प्रोग्राम की पेशकश करने के लिए आईटीईसी के साथ सूचीबद्ध (इम्पैनल्ड) किया गया है।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

महाविद्यालय में भूटानी विद्यार्थी ने दाखिला लिया।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 71 (62.5%)

नियोजन के लिए कैंपस में आने वाली कंपनियों की संख्या : 54

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

सोशल सर्विस लीग के सदस्यों ने कोविड प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए गैर सरकारी संगठनों और अन्य समाजों के साथ सहयोग किया।

स्टीफंस सेंटर ऑफ एडवांस्ड लर्निंग (एससीएएल) पब्लिक पॉलिसी, इंटरनेशनल रिलेशंस, एडमिनिस्ट्रेशन, गवर्नेंस और यूपीएससी की तैयारी पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम ऑफर करता है।

पुस्तकालय विकास

विद्यार्थियों के दूर रहने के दौरान पुस्तकालय की दक्षता को अनुकूलित करने के लिए बुनियादी ढांचे की जरूरतों (रिलेयिंग द रूफ) पर ध्यान दिया गया। हाई-डेफिनिशन स्कैनर की खरीद के साथ पुस्तकालय को डिजिटाइज़ करने के विकल्पों की संभावना बढ़ गई है।

संकाय संख्या

स्थायी : 58

तदर्थ : 30

वित्तीय आवंटन और उपयोग

अनुदान स्वीकृत: रु. 24,94,82,023.00

अनुदान का उपयोग किया गया: रु. 31,09,63,156

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने एनआईआरएफ 2020 में 14वीं रैंक हासिल की, और भारत के स्नातक-पूर्व महाविद्यालयों के आउटलुक-आई केयर सर्वे में क्रमशः विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी में 9वीं, 12वीं और 6वीं रैंक हासिल की। महाविद्यालय को वर्ष 2020-21 में ₹1.1 करोड़ की धनराशि के पांच प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए। हमारे संकाय ने 65 प्रकाशन और 20 पुस्तकें, अध्याय और ई-अध्याय प्रकाशित किए। महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के लिए अनुसंधान उन्नति और कौशल विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर लगभग 70 वेबिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया। महाविद्यालय ने पर्यावरण पहल के लिए एम्स, नई दिल्ली और आईजीएल के साथ एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए। एसआरआई-वीआईपीआरए (श्री वेंकटेश्वर अनुसंधान एवं शैक्षणिक प्रशिक्षुता प्रोग्राम), महाविद्यालय का एक प्रमुख प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) प्रोग्राम लगभग 40 फैकल्टी के मेंटरशिप के तहत लगभग 400 स्नातक विद्यार्थियों को पेश किया गया था। महाविद्यालय ने नये श्रीमती दुर्गाबाई देशमुख ब्लॉक का उद्घाटन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार महाविद्यालय में सीएस 2010/2018 के तहत फैकल्टी प्रोन्नति शुरू की गई थी।

सम्मान / गौरव

डॉ. एन. लता, एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (अक्टूबर, 2020) द्वारा प्रतिष्ठित आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया है।

एसवीसी के विद्यार्थी नवदीप सिंह ने फरवरी, 2021 में दुबई में 12वीं फ़ैज़ा अंतर्राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और अगस्त, 2021 में आयोजित टोक्यो पैरालंपिक खेलों 2020 में एक स्थान हासिल किया।

एसवीसी के विद्यार्थियों आदित्य (गणित ऑनर्स), हर्षिल तेवतिया (बी.ए प्रोग्राम) और मानसी दींगरा (जूलॉजी ऑनर्स) को डॉ. रॉबिन सुयश द्वारा मेंटरिंग की गई, उन्हें 10वीं राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव 2020 में लघु फिल्म "क्रोकिंग फ्रॉग्स" के लिए गोल्डन बीवर अवार्ड (आउट ऑफ द बॉक्स श्रेणी में पहला स्थान) मिला।

डॉ. राखी नारंग, सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने आईईईई, यूएसए, 2021 द्वारा आईईईई वरिष्ठ सदस्य ग्रेड उन्नयन प्राप्त किया।

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय ने 17-26 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित '5वां डॉ. वी कृष्णमूर्ति इंटर कॉलेज फैकल्टी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट' जीता।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

एसवीसी विद्यार्थियों ने यूडीएससी रैंक हासिल की है और अपनी पसंद के विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई पदक अर्जित किए हैं।

प्रसन्ना नंद झा, हर्षित राज और हिमांशु मिश्रा को 14 नवंबर, 2020 को डिफरेंशियल इक्वेशन मॉडलिंग का उपयोग करते हुए एससीयूडीईएम वी 2020- एसआईएमआईओडीई चैलेंज में प्रोब्लम सी विवाद प्रस्तुत करने के लिए उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किया गया।

14 दिसंबर, 2020 को इंटरनेशनल यूथ मैथ चैलेंज में वत्सल कौशिक को सिल्वर ऑनर से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

कुल संख्या: 65

चित्रा, लैशराम, आर., राजपूत, एस., और सिंह, के.सी (2021). पार्टिकल-साइज-इंड्यूस्ड हाई पिजोइलेक्ट्रिसिटी इन $(\text{Ba}_{0.88}\text{Ca}_{0.12})(\text{Ti}_{0.94}\text{Sn}_{0.06})\text{O}_3$ पीजोसिरेमिक प्रेपरड फ्रॉम नेनापाउडर्स। जर्नल ऑफ एलॉयज एंड कम्पाउंड्स, 812, 152128। <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2019.152128>.

गौर, एम., सिंह, ए., शर्मा, वी., टंडन, जी., बोथरा, ए., वासुदेव, ए., केडिया, एस., खन्ना, ए., खन्ना, वी., लोहिया, एस., वर्मा-बेसिल, एम., चौधरी, ए., मिश्रा, आर., और सिंह, वाई. (2020). डायग्नोस्टिक परफॉर्मेंस ऑफ नॉन-इनवेसिव, स्टूल-बेस्ड मॉलिकुलर एस्सेज इन पेसेंट विथ पॉसिबैसिलरी ट्यूबरकुलोसिस। साइंटिफिक रिपोर्ट, 10(1), 7102. <https://doi.org/10.1038/s41598-020-63901z>.

झा, ए.एम, और राजन, पी. (2021). मूवी पायरेसी : डिस्प्लेसमेंट एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन लेजिटिमेट सेल्स इन इंडिया। द जर्नल ऑफ वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, 24(3), 237-252। <https://doi.org/10.1111/jwip.12190>.

कुमार, आर., वर्मा, एच., सिंघवी, एन., सूद, यू., गुप्ता, वी., सिंह, एम., कुमारी, आर., हीरा, पी., नगर, एस., तलवार, सी., नैय्यर, एन., आनंद, एस., रावत, सी.डी, वर्मा, एम., नेगी, आर.के, सिंह, वाई., और लाल, आर. (2020). कॅम्पेरेटिव जिनोमिक एनालिसिस ऑफ रेपिडली इवोल्विंग एसएआरएस-CoV-2 रिवेल्स मोजिक पैटर्न ऑफ फॉइलोग्राफिक डिस्ट्रिब्यूशन। एमसिस्टम। 5(4), ई00505-20. <https://doi.org/10.1128/mSystems.00505-20>.

कुमार, एस., कुमार, डी., और कुमार, ए. (2020). लाइ सिमेट्री एनालिसिस फॉर ऑब्टेनिंग द अबुडेंट इग्जेक्ट सोल्युशन्स, ऑप्टिमल सिस्टम एंड डायनेमिक्स सोलिटोन्स फॉर ए हायर-डायमेंशनल फोकस इक्वेशन। कैओस, सॉलिटॉन एंड फ्रैक्टल्स, 142, 110507। <https://doi.org/10.1016/j.chaos.2020.110507>.

मलिक, सी., कौर, एन., सिंह, बी., और पांडे, ए. (2020). ल्यूमिनेसेंस प्रॉपर्टीज ऑफ ट्राइकैल्शियम फॉस्फेट डोपड विथ डिस्प्रेसियम। एप्लाइड रेडिएशन एंड आइसोटोप्स, 158, 109062. <https://doi.org/10.1016/j.apradiso.2020.109062>.

पसरीचा, एस., और गहलोत, पी. (2020). सिंथेटिक स्ट्रेटेजीज एंड बायोलॉजिकल पोटेन्शियल ऑफ कौमेरिन-केल्कोने हाइब्रिड्स : करंट ऑर्गेनिक कमेस्ट्री, 24(4), 402-438. <https://doi.org/10.2174/1385272824666200219091830>.

त्रिवेदी, एम., कुमार, ए., हुसैन, ए., और रथ, एन.पी (2021). कॉपर(II) कॉम्प्लेक्स कॅन्टेनिंग पीसीपी लिजेंड केटेलाइज्ड हाइड्रोजनशन ऑफ कॉर्बन डाइऑक्साइड टू फोरमेट अंडर एंबिएंट कंडीशन्स। इनऑर्गेनिक कमेस्ट्री, 60(7), 4385-4396, <https://doi.org/10.1021/acs.inorgchem.0c01937>.

शर्मा, जी., गुलेरिया, आर., और माथुर, वी. (2020). डिफरेंस इन प्लांट मेटाबोलिटीज एंड माइक्रोबेस एसोसिएटेड विथ अज़ादिराछटा इंडिका विथ वैरिएशन इन एयर पॉल्यूशन, 257, 113595। <https://doi.org/10.1016/j.envpol.2019.113595>.

सिंह, ए., गौर, एम., शर्मा, वी., खन्ना, पी., बोथरा, ए., भादुड़ी, ए., मंडल, ए.के., दास, डी., सिंह, वाई., और मिश्रा, आर. (2021). कॅम्पेरेटिव जिनोमिक एनालिसिस ऑफ माइकोबैक्टीरियासी रिवेल्स हॉरिजेंटल जीन ट्रांसफर-मेडिएटेड इवोल्यूशन ऑफ सीआरआईएसपीआर- Cas सिस्टम इन द माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस कॉम्प्लेक्स। एमसिस्टम्स, 6(1), ई00934-20. <https://doi.org/10.1128/ mSystems.00934-20>.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 9

अनुसंधान परियोजनाएं (चल रही)

डीएसटी, भारत सरकार, भारत-थाईलैंड योजना, 2019-2022, कंप्यूटेशनल स्टडीज ऑफ ड्रग टारगेट्स टुवर्ड्स रेशनल डिजाइन ऑफ एंटीवायरल थैरेप्यूटिक्स फॉर डेंगु इन्फेक्शन रु.19,41,800, पी.आई: डॉ. एन. लता और डॉ. निमिषा सिन्हा।

डीएसटी, भारत सरकार, भारत-उज्बेकिस्तान योजना 2021-2024: डिटेरमिनेशन ऑफ ट्रेल-फॉलोइंग फेरोमोन एंड मेकेनिज्म रु.9,14,400, पी.आई: डॉ. वर्तिका माथुर।

डीएसटी, भारत सरकार, भारत-नॉर्वे योजना, 2021-2024, नेनोडॉ.स-सिंथेसिस ऑफ नैनो-फॉस्फोरस एंड स्पिन-ट्रैपिंग का नैनो-क्रिस्टल एज एनर्जी-इनडेपेंडेंट डोसिमेटर्स फॉर रेडियोथेरेपी बीम, रु. 30,00,000, पी.आई: डॉ. अनंत पांडे

पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), 2021-2023, जलवायु परिवर्तन में माइक्रोबियल समुदाय: प्राइमरी और सेकेंडरी जोखिम कारकों का विश्लेषण, रु.43,23,800, पी.आई : डॉ. वर्तिका माथुर, सह-पी.आई: पूजा गोखले सिन्हा

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), 2018-2021 द्वारा कार्यान्वित हिमालयी अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन (एनएमएचएस), उत्तराखंड के परित्यक्त गांवों में सतत पर्यटन और पहाड़ी संस्कृतियों और पारिस्थितिकी का पुनरुद्धार / संरक्षण, रु. 50,00,000, पी.आई: डॉ. निर्मल कुमार

संगोष्ठियों का आयोजन

27-29 अप्रैल, 2020 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत के सहयोग से श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड-19 ब्रेकिंग मिथ्स एंड मूविंग फॉरवर्ड" शीर्षक वाली तीन दिवसीय वेबिनार शृंखला।

29 अगस्त, 2020 को वेबिनार शीर्षक "बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और उद्योग-एकेडमिया इनोवेटिव प्रैक्टिसेज" (लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन अटॉर्नी, सुब्रमण्यम एंड एसोसिएट्स, सेन-ओबेरॉय अटॉर्नी-एट-लॉ, आईटी फॉर चेंज के वक्ता)।

गणित के विभिन्न अनुप्रयोगों पर क्रमशः 9, 16, 23 और 30 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन वेबिनार शृंखला (आईएसआई दिल्ली, आईआईटी दिल्ली, आदि के वक्ता)।

9 जनवरी, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार शीर्षक "रिवाइलिंग इम्यूनोलॉजी: करंट स्टेटस एंड द रोड फॉरवर्ड" (येल यूनिवर्सिटी, यूएसए से वक्ता)।

02 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) और सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली के साथ पर्यावरण विज्ञान विभाग, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "पर्यावरण क्षरण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर)" पर वेबिनार

सम्मेलन का आयोजन

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और फ़िक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड, भारत द्वारा 17 जुलाई, 2020 को संयुक्त रूप से आयोजित "वर्तमान परिदृश्य में स्वास्थ्य और अनुसंधान: कोविड-19 वायरस

जीनोमिक्स और रोगजनकता पर विशेष जोर" शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ माइक्रोबियल इकोलॉजी (आईएसएमई), नीदरलैंड द्वारा वित्त पोषित।

20 मार्च, 2020 को "वन्यजीव संरक्षण: चुनौतियां, प्रयास और स्कोप" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

24 सितंबर, 2020 को "भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास और क्षेत्रीय रुझान" पर संगोष्ठी और पैनल चर्चा।

आईसीटी एन्हांस्ड टीचिंग एंड लर्निंग 2.0 पर ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम। 25-29 जुलाई, 2020 तक।

उच्च शिक्षा पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम : टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 25 नवंबर, 2020-दिसंबर, 2020 से अगली पीढ़ी के अकादमिक नेतृत्व का विकास करना।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

सुश्री मीनाक्षी शर्मा ने श्री राम महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित 05 दिसंबर, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'आर्थिक सिद्धांत और अनुभव: उभरते मुद्दे-2020' में 'भारत में राज्य वित्त की राजनीतिक अर्थव्यवस्था' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. कृष्ण कुमार ने मुख्य विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया और 08-10 मार्च, 2021 तक यूनिवर्सिटी महाविद्यालय, तिरुवनंतपुरम (ऑनलाइन) द्वारा आयोजित परिचयात्मक मैक्रोइकोनॉमिक्स पर व्याख्यान सह-कार्यशाला दी।

श्री अमित कुमार झा ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 04 अप्रैल, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सॉफ्टवेयर पायरेसी एंड सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुगंधा हुरिया ने 12-14 फरवरी, 2021 को मनन - द इकोनॉमिक्स सोसाइटी ऑफ गोखले इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, पुणे द्वारा आयोजित 'डॉ. गाडगिल मेमोरियल प्रेजेंटेशन' में 'सेवा व्यापार विनियमों का मूल्यांकन और आकलन - भविष्य के लिए कुछ नई खोज' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. एन. लता ने 3 फरवरी, 2021 को आईएनएमएस, डीआरडीओ द्वारा आयोजित 'एआई युग में दवा की खोज में तेजी' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. वर्तिका माथुर ने 26-28 अक्टूबर, 2020 को आयोजित ग्लोबल सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कम्युनिटी (जी-एसटीआईसी), बेल्जियम द्वारा आयोजित जी-एसटीआईसी 2020 ई-सम्मेलन में 'वायु प्रदूषण और एक स्वास्थ्य' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. अनीता वर्मा और डॉ. पी. जयराम ने 18 दिसंबर, 2020 को आयोजित जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान आईसीआईबीएलएस में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक ब्लिचिंग एजेंट के रूप में ट्राइकोलोरोइसोसायन्यूरिक (टीसीसीए) एसिड विलयन(सोल्यूशन) का उपयोग करके कंजंकटिवल मेलेनोमा में टेलोमेरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. रॉबिन सुयश ने 1-9 अक्टूबर, 2020 तक स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'वाइल्ड वीक कॉन्फ्रेंस' थीमड 'बेवल्डरिंग वाइल्डलाइफ' में 'एकॉस्टिक कम्युनिकेशन इन फ्राॅग्स' शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. पी. जयराम ने 18 दिसंबर, 2020 को आयोजित जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान आईसीआईबीएलएस में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "त्वचा के स्कवैमस सेल कार्सिनोमा (एससीसी) में टेलोमेरेस रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (टीईआरटी) एक्प्रेसन का मूल्यांकन" शीर्षक पर एक शोध शोध प्रस्तुत और प्रकाशित किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

30 मार्च, 2021 को वनरोपण परियोजना की पर्यावरण निगरानी के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, नई दिल्ली।

30 सितंबर, 2020 को पर्यावरण और स्वास्थ्य पहल के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 'हेपेटाइटिस बी वायरस संक्रमण के लिए एंटीवायरल एजेंट के रूप में थियोरिया डेरिवेटिव का विकास' पर एसवीसी-आईएलबीएस चिकित्सालय संयुक्त परियोजना (2019-2022)।

'भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा वित्त पोषित पूर्वोत्तर भारत में घुसपैठियों और शरणार्थियों के मुद्दे पर' एसवीसी-आईआईटी, बॉम्बे संयुक्त परियोजना (2018-2021)।

नियोजन विवरण

कुल विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 90

कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 86

नियोजन के लिए कंपनियां, 379 कंपनियां,

प्रशिक्षुता(इंटर्नशिप) के लिए कंपनियां, 320

प्रशिक्षुता प्रस्ताव(इंटर्नशिप ऑफर)

उच्चतम पैकेज : रु.19.25 एलपीए

औसत पैकेज : रु. 6.16 एलपीए

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रम

एनएसएस एसवीसी ने मिशन रक्षा के तहत संजय कैंप (दत्तक समुदाय) में कोविड महामारी के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया। अप्रैल, मई और जून, 2020 के महीनों में, विद्यार्थियों ने संजय शिविर में रहने वाले लोगों की राशन की समस्या, स्वच्छता की समस्या आदि की पहचान करने के लिए विभिन्न सर्वेक्षण किए। उन्होंने लोगों में सोशल दूरी के महत्व आदि के बारे में जागरूकता भी पैदा की। विभिन्न फाउंडेशनों जैसे लाइट अप, रॉबिन हुड आर्मी, प्रतीक फाउंडेशन, उदय फाउंडेशन, शेड्स ऑफ हैप्पीनेस एंड लर्निंग बाय लोकल और गूज के सहयोग से, एनएसएस एसवीसी के विद्यार्थियों ने जून और जुलाई, 2020 के महीने में संजय शिविर में 200+ परिवारों को राशन किट वितरित किए।

एनएसएस एसवीसी ने महामारी के दौरान अपनी प्रत्येक वन टीज वन प्रोजेक्ट को जारी रखा और विद्यार्थी स्वयंसेवक ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अथवा फोन कॉल के माध्यम से संजय कैंप में विद्यार्थियों की कक्षाएं लीं।

एनएसएस एसवीसी ने योग दिवस के अवसर पर 21 जून, 2020 को एक वेबिनार सत्र के लिए योग सोसाइटी के साथ सहयोग किया।

एनएसएस एसवीसी ने ब्रिटिश पेंट्स (सौ वर्ष का जश्न) के सहयोग से रंग बदलाव के 2.0 की पहल के तहत संजय कैंप के एक सामुदायिक स्कूल सेवा भारती को चित्रित करने का काम संभाला।

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय और शहीद भगत सिंह महाविद्यालय की कला सोसायटी लियोन्सी और प्रोमेथियन, क्रमशः दिन में बाद में शामिल हुए और दीवारों को सुंदर बनाने की जिम्मेदारी ली।

एनएसएस ने धर्मशिला कैंसर फाउंडेशन और अनुसंधान केंद्र के सहयोग से 09 जनवरी, 2021 को कैंसर की रोकथाम और स्वच्छ यमुना - कैंसर से बचाव पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

लोगों को मासिक धर्म और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए एनएसएस सुंदर परियोजना अस्तित्व द्वारा 21 से 25 अगस्त, 2021 तक एक सोशल मीडिया अभियान #अस्तित्ववाली दीदी अभियान का आयोजन किया गया था।

महिला विकास प्रकोष्ठ ने 17 मई, 2020 को होमोफोबिया, ट्रांसफोबिया और बाइफोबिया (IDAHOBIT) के प्रति अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक पोस्टर जारी किया। डब्ल्यूडीसी ने 27 जून, 2020 को एलजीबीटीक्यू+ समुदाय पर समृद्ध सिन्हा के साथ एक लाइव सत्र की मेजबानी की।

जोमेटो फीडिंग इंडिया के सहयोग से इनेक्टस हंसराज के साथ इनेक्टस एसवीसी ने 27 जनवरी, 2021 को सेक्टर 52, गुडगांव और सेक्टर 57, गुडगांव में एक स्लम में मानवी सेवा संस्था के बच्चों के लिए एक खाद्य वितरण अभियान का आयोजन किया।

एम्स, नई दिल्ली के साथ एम.ओ.यु के तहत इको क्लब एसवीसी ने स्कूली विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए अपने सहयोगी फ्लेगशिप प्रोग्राम 'ग्रीन स्कूल इनिशिएटिव' को जारी रखा।

पुस्तकालय विकास

कुल संख्या नई पत्रिकाओं / पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई (फिजिकल रूप से) : 74

हार्ड कॉपी (फिजिकल रूप) में सदस्यता लेने वाली राष्ट्रीय पत्रिकाओं की संख्या : 23

ई-कॉपी/डिजिटल फॉर्म की सदस्यता लेने वाली राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की संख्या : ~43286 (डीयूएलएस) + 6000 डेटाबेस और एनलिस्ट(कुल में)

संकाय संख्या

स्थायी : 86

तदर्थ : 125

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : ₹.51,37,09,000/-

प्रयुक्त : ₹.57,90,06,119/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. सी. शीला रेड्डी को जनवरी, 2021 से महाविद्यालय का नया प्राचार्य नियुक्त किया गया।

श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और फीक्सजेन प्राइवेट लिमिटेड, भारत द्वारा संयुक्त रूप से 14-16 जुलाई, 2020 को आयोजित "कोविड -19 वायरस जीनोमिक्स और रोगजनकता पर विशेष जोर के साथ वर्तमान परिदृश्य में स्वास्थ्य और अनुसंधान" पर अंतर्राष्ट्रीय व्यावहारिक ई-कार्यशाला।

12 मार्च, 2021 को हमारे युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा, अभिनव और उद्यमिता क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए बीएससी बायोनेस्ट बायोइन्क्यूबेटर, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद, हरियाणा के सहयोग से "माइंडस्पार(MindSpar) 3.0- नए आयाम जोड़ना"।

महाविद्यालय ने निम्नलिखित एड ऑन पाठ्यक्रम/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को ऑफर किया:

12 सितंबर, 2020 से 06 फरवरी, 2021 तक जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान पर एड ऑन पाठ्यक्रम।

16 जनवरी से 03 अप्रैल, 2021 तक डिजिटल मार्केटिंग पर एड ऑन पाठ्यक्रम।

06 मार्च से 19 जून, 2021 तक जलवायु परिवर्तन : मुद्दों, चिंताओं और रणनीतियों पर एन-ऑन पाठ्यक्रम।

07 अक्टूबर, 2020 से अब तक जर्मन पर प्रमाणशोध पाठ्यक्रम।

07 अक्टूबर, 2020 से अब तक स्पेनिश में प्रमाणशोध पाठ्यक्रम।

07 अक्टूबर, 2020 से अब तक फ्रेंच में प्रमाणशोध पाठ्यक्रम।

07 अक्टूबर, 2020 से अब तक जर्मन में डिप्लोमा।

07 अक्टूबर, 2020 से अब तक स्पेनिश में डिप्लोमा।

07 अक्टूबर, 2020 से अब तक फ्रेंच में डिप्लोमा।

स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने इस वर्ष लगाए गए 1000 पौधों के साथ 5000 वर्गमीटर में एक बागान वन निर्माण की स्थापना की है। शिक्षकों को काम करने के लिए बहुत जरूरी जगह उपलब्ध कराने के लिए एक अलग वातानुकूलित वाचनालय बनाया गया है। महाविद्यालय के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए एक अलग सुव्यवस्थित केबिन प्रदान किया गया है। विभिन्न प्रकार के ई-मेल खोजने के लिए पुस्तकालय में इंटरनेट ब्राउज़िंग की सुविधा उपलब्ध है। 50 के.वी क्षमता वाला स्टेप अप सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया।

प्रकाशन

बाला, के. 'एथनोबोटनी एज़ ए टूल टू प्रोटेक्ट द इंटरैक्ट्स ऑफ़ एथनिक ग्रुप', पर एथनोबोटनी-1। में प्रकाशित अध्याय, अध्याय 5, 85-99 ISBN- 978-81933805 कोजो प्रेस।

बाला, के. 'स्मार्ट एनर्जी रिसोर्सेज एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग' पर सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित 'बायोडीजल के स्रोत के रूप में शैवाल तेल का महत्व; ए शॉर्ट रिव्यू' पब्लिशर- एनर्जी@एसएसएनसी, आईएसबीएन-978-93-5391-131-7, 30-36.

चड्ढा, एन., सिंह, डी., मिल्टन, एम.डी., मिश्रा, जी., डेनियल, जे., मिश्रा, ए.के. और तिवारी, ए.के. (2020). कम्प्यूटेशनल प्रेडिक्शन ऑफ़ इंटरैक्शन एंड फॉर्माकोकाइनेटिक्स प्रोफाइल स्टडी फॉर पॉलीएमिनो-पॉलीकार्बोक्सिलिक लिगेण्ड्स के ऑन बाइंडिंग विथ ह्यूमन सीरम एल्बुमिन। न्यू जर्नल ऑफ़ केमिस्ट्री, 44, 2907-2918। <https://doi.org/10.1039/C9NJ05594K>.

चनाना, जी., बत्रा, के., और प्रसाद, वी. एक्सप्लोरिंग रिस्पॉन्स ऑफ़ ली मोलेक्यूल टू एक्सटर्नल इलेक्ट्रिक फ़िल्ड: ए डीएफटी एंड सैक-सीआई स्टडी। कम्प्यूटेशनल एंड थ्योरिटिकल फिजिक्स, 1169, 112620। <https://doi.org/10.1016/j.comptc.2019.112620>.

गिरि, बी. टिकाऊ कृषि और पर्यावरण के लिए जैव उर्वरक। इन : गिरि, बी., प्रसाद, आर., डब्ल्यूयु, क्यू.-एस., और वर्मा, ए.(ईडीएस.)। स्विट्जरलैंड, स्प्रिंगर।

जगबीर. आपदा प्रबंधन: एक डेटा विश्लेषण दृष्टिकोण। युनाइटेड नेशन इन स्विट्जरलैंड।

प्रसाद, वी., लुंब, एस., तलवार, एस.एल, लेफिकडिस, जी., और हबनर, डब्ल्यू. (2020). कॅन्फाइनमेंट इफेक्ट्स ऑन परसिस्टेंट कॅरेंट इन हाइड्रोजेनिक एटॅम्स। फिजिक्स स्क्रिप्टा, 94, 12505.

अनुसंधान परियोजनाएं

भूगोल में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आनंद मलिक को परियोजना संस्वीकृत।

संगोष्ठी का आयोजन

19 और 20 मार्च, 2021 को 'राम कथा के विभिन्न आयामों' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया और इसे आईसीएचआर, दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

भूपेंद्र गिरी ने लंदन, यू.के में प्लांट एंड सॉयल साइंस पर 5वीं वार्षिक कांग्रेस में सत्र की अध्यक्षता की, जिसका आयोजन यूरो साइंस कॉन्फ़े्रेंस लिमिटेड द्वारा किया गया। 40 ब्लूम्सबरी वे लोअर ग्राउंड फ्लोर, लंदन यूनाइटेड किंगडम डब्ल्यूसी1ए 2एसई।

बिपिन अग्रवाल ने "31 जनवरी से 1 फरवरी 2021 के दौरान जेएनयू कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली, भारत में आयोजित "कृषि और संबद्ध विज्ञान में प्रगति और नवाचार (एआईएएस -2020)" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आईसीपी-एमएस द्वारा खाद्य मसालों (खाद्य और कृषि उत्पादों) में विषाक्त भारी धातु के विश्लेषण के लिए एक मान्य विधि" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

एसके श्रीवास्तव ने 18 से 20 फरवरी, 2020 तक भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित वायरस और वायरल रोगों के विकास पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वीआईआरओसीओएन, 2020 में "टीकाकरण, कैंसर और इम्यूनोथेरेपी के लिए पौधों में बनाए गए वायरस का उपयोग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय के पुस्तकालय में मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में भी अच्छा संग्रह है। महाविद्यालय के पुराने कैम्पस में वाणिज्य और अन्य इंटरडिस्प्लिनरी विषयों पर एक अलग पुस्तकालय भी रखा गया है। महाविद्यालय में पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकें, प्रगति रिपोर्ट (पी.आर), तकनीकी रिपोर्ट (टी.आर), थीसिस (टी.एच) पाठ्य पुस्तकें (टी.बी), बुक बैंक (बी.बी), एस.ए.एफ पुस्तकें आईटी का सामान्य संग्रह और कंप्यूटर अनुभाग हैं। पुस्तकालय 70 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल एवं पत्रिकाओं और 31 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है, जो वर्तमान घटनाओं और मामलों पर नवीनतम जानकारी प्रदान करते हैं। पुस्तकालय में रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, रसायन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, जैव रासायनिक और जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र, व्यावसायिक अध्ययन आदि सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है। इस सत्र में प्रतिदिन 400 से अधिक विद्यार्थी विभिन्न सेवाओं के लिए भ्रमण कर चुके हैं। पुस्तकालय दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विशेष उपकरण और सहायक उपकरण भी प्रदान करता है। इस सत्र में 4 ऐसे विद्यार्थियों को ये विशिष्ट उपकरण प्राप्त होते हैं। पुस्तकालय एमएचआरडी के एन-लिस्ट कार्यक्रम से जुड़ा है जिसके माध्यम से संकाय और विद्यार्थी 500 से अधिक ई-पत्रिकाओं और 1 लाख ई-पुस्तकों तक पहुंच सकते हैं। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता सेवाओं के साथ पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए पर फोकस करता है। पुस्तकालय कर्मचारी भी पुस्तकालय सेवाओं की गुणवत्ता को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए सहायता करता है। पुस्तकालय सेवाओं की गुणवत्ता और कार्य कुशलता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, पुस्तकालय कर्मचारी समय-समय पर डी.यू.एल.एस से प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अपना नामांकन कराते हैं।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या : 173

विवेकानंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

महाविद्यालय ने जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में जर्मन में चल रहे प्रमाणशोध पाठ्यक्रम के साथ जर्मन भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया था। विवेकानंद महाविद्यालय की विद्या विस्तार समिति ने दो वर्ष के लिए गवर्नमेंट मॉडल महाविद्यालय, असम के साथ भागीदारी की। नीति निर्माताओं, चिकित्सकों, शिक्षाविदों और समुदाय जैसे हितधारकों को निर्मित और तकनीकी वातावरण तक पहुंच बढ़ाने में मदद करने के लिए पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित "विकलांग व्यक्तियों के लिए एक्सेस ऑडिट" पर "दिव्यांगजनों लिए पहुंच और समावेश के अर्थशास्त्र" पर विद्यार्थी "राष्ट्रीय हितधारक परामर्श" विद्यार्थियों द्वारा कार्यक्रम के तहत कई नई पहल, कौशल वृद्धि समिति ने कई मॉड्यूल का आयोजन किया। कोविड -19 टास्क फोर्स ने कोविड-19 के लिए भारत सरकार के प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने के

लिए कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए सलाह और संचालन की प्रणाली विकसित की। एक ऑन-कैंपस आरटीपीसीआर कोविड -19 परीक्षण सुविधा बूथ स्थापित किया गया। मार्च, 2021 में "कोरोना काल : कुछ आप बीती कुछ जग बीती" पर वेबिनार एवं काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के रिसर्च एंड इनोवेशन क्लब ने पोषण रिपोर्ट कार्ड कार्यक्रम तैयार किया।

सम्मान / गौरव

डॉ. सरोज कुमार को महाश्वेता देवी पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुखनीत सूरी को एफएसटीआई दिल्ली चैंप्टर के लिए पदाधिकारी (एडिटर-इन-चीफ) के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने न्यूजलेटर के विद्यार्थी संपादकीय बोर्ड में 3 विद्यार्थियों के नामांकन की सुविधा प्रदान की।

सम्मान प्राप्त विद्यार्थी

अदिति वशिष्ठ, भारती शर्मा, दिशा यादव ने 15-18 मार्च, 2020 को आयोजित 20वीं सीनियर स्टेट नेटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष और महिला) में प्रथम पुरस्कार जीता। यह महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के पास युवा कल्याण विभाग ग्राउंड में आयोजित किया गया था।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय द्वारा 25 सितंबर, 2020 को आयोजित इंटर महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता में खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की सुश्री गुरमीत एवं सुश्री हिमांशी ने द्वितीय पुरस्कार जीता।

सुश्री राधिका और सुश्री गुरमीत ने 21 सितंबर, 2020 को लेडी इरविन महाविद्यालय द्वारा आयोजित "क्विक इजी, न्यूट्रिशियस चटनी एंड डिप्स फॉर एवरी रीज़न एंड सीज़न" में क्रमशः प्रथम और तृतीय पुरस्कार जीता।

फ्रेंच विभाग के विद्यार्थियों ने 16 अप्रैल, 2021 को जर्मनिक और रोमंस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "कॉन्फ्लुएंस 2021" में भाग लिया। बी.ए(पी) प्रथम वर्ष की रितु तोमर ने कविता पाठ प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता और बी.ए(पी) द्वितीय वर्ष की यशिका खन्ना ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार जीता।

सुश्री अनीता, सुश्री राधिका, सुश्री सपना यादव और सुश्री सोनी यादव ने 25 सितंबर, 2020 को गृह विज्ञान विभाग, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित इंटर-महाविद्यालय स्किट (वीडियो) प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

प्रकाशन

भनोट, डी. सिंह, टी. वर्मा, एस.के. और शरद., एस. (2021). कोविड-19 महामारी के दौरान कलंक और भेदभाव। फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ, 8,829. <https://doi.org/10.3389/fpubh.2020.577018>.

जैन, ए., और माथुर, पी. (2020). दिल्ली, भारत में निम्न और मध्यम आय वर्ग के किशोरों में अल्ट्रा-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ : एक अध्ययन। भारतीय बाल रोग, 57, 712-715.

जिंदल, आर., खान, जे., और राय, पी. (2020). दिल्ली और एन.सी.आर के केंद्रीय और डीमंड विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों की वेब-सक्षम सूचना सेवाओं के संरक्षकों की संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन। आईरिसर्च इंटरनेशनल: ए जर्नल ऑफ इनफॉर्मेशन मनेजमेंट, 6(1), 1-8.

श्रीवास्तव, पी., इंटरनेशनल जर्नल ऑफ संस्कृत रिसर्च 2020; 6(3), 108-112, आईएसएसएन: 2394-7519 आईजेएसआर 2020; 6(3): 108-112 © 2020 आईजेएसआर।

बर्नवाल, एम.के (2021). समकालीन रंग-प्रयोग के विरोध की विविध आयाम और अनुराधा कपूर का रंगकर्म, शोध प्रेरक।

चौहान, पी., और सूरी, एस. (2021). तलने वाले तेलों में पोलर कम्पाउंड : एक समीक्षा। जर्नल ऑफ एप्लाइड इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट साइंस, 9(1), 21-29. 10.12691/आईईएस-9-1-3.

नंदराजोग, एच.(2020). द जर्नी ऑफ फूड। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 8(10), 3176-3179.

नंदराजोग, एच., और भास्कर, ए. (2020). महामारी कथाओं में मोटिफ्स : फियर एंड होप, रिसर्च स्कॉलर, एक इंटरनेशनल रेफर्ड जर्नल ऑफ लिटरेरी एक्सप्लोरेशन, 8(4), 1-10.

सरोज कुमारी सह-लेखक हिंदी कथा साहित्य आईएसबीएन 9789 3900 3374 2020.

मुखर्जी, सी. (2021). "नॉथिंग मूव्ड एक्सपेक्ट द मिराज" : एनालायजिंग फियर एंड फ्रीडम इन अदनिया शिबली माइनर डिटेल्। इनवर्स जर्नल। 16 मार्च, 2021.<https://www.inversejournal.com/2021/03/16/nothing-moved-except-the-mirage-एनालायजिंग-फियर-एंड-फ्रीडम-इन-अदनिया-शिबलिस-माइनर-डिटेल्-बाय-डॉ.-चंद्रेयी-मुखर्जी>.

सौंधी, वी, कांत, ए, और पवार, बी.(2020). खेल और शिक्षा का प्रबंधन : दिल्ली में खेल के विद्यार्थियों पर एक मनोसामाजिक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल रिसर्च, 61(5+6) (सितंबर-अक्टूबर + नवंबर-दिसंबर, 2020), 243-263। <http://academic-and-law-serials.com/component/content/article.html?id=1380>.

संगोष्ठियों का आयोजन

केंद्रीय हिंदी निदेशालय, उच्च शिक्षा विभाग, अथवा भारतीय अनुवाद परिषद के सहयोग से 20 अक्टूबर, 2020 को शीर्षक "अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ" वेबिनार। इस अवसर पर, महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. बलराम पाणि, सीएचडी से डॉ. राकेश शर्मा, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. पूरनचंद टंडन, कृषि मंत्रालय से श्री सुनील भूटानी और सोफिया विश्वविद्यालय, बुल्गारिया से डॉ. मौना कौशिक ने अपने विचार व्यक्त किए।

आईबीएस गुडगांव के सहयोग से 28 अगस्त, 2020 को "रिजॉल्विंग करियर कॉम्प्लेक्सिटीज" शीर्षक पर वेबिनार। प्रोफेसर जीन सल्दाहा, आईबीएस गुडगांव को सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

"महिला सशक्तिकरण वेबिनार श्रृंखला" के एक भाग के रूप में 20 अप्रैल, 2021 को आयोजित वेबिनार का शीर्षक "शेपिंग द फ्यूचर वुमन लीडर्स" है।

शाहदरा डीएलएसए के सहयोग से अप्रैल, 2021 को आयोजित वेबिनार का शीर्षक "महिला और सामाजिक न्याय-एक दुविधा" है।

हमारे महाविद्यालय की एनएसएस सहायता समिति ने महीने के हिसाब से कई वेबिनार आयोजित किए। उनमें से एक 25 सितंबर, 2020 को "नई शिक्षा नीति" पर आयोजित की गई थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर पूरनचंद टंडन और आईसीसीआर (पोलैंड) के अध्यक्ष डॉ. सुधांशु शुक्ला को अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था। योग महोत्सव के तहत क्रमशः 18-19 जून, 2020 को योग पर वेबिनार भी आयोजित किए गए।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. नीता माथुर ने संगीत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 8-10 फरवरी, 2021 को आयोजित संगीत में रस सौंदर्यशास्त्र पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पुष्टिमर्गी पद-गण में रसवं भावभिव्यक्ति" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. चंद्रेयी मुखर्जी, आएसएलएलएस और जेडीएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2021 में "द सर्विलांस ऑफ़ प्लश टॉयज़: टेक्नोलॉजिकल डायस्टोपिया इन सामंता शेबलिनस लिटिल आइज़"।

डॉ. मीना पांडे ने प्रयास प्रकाशन बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा 14 जनवरी, 2021 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "ऋषभ जैन का प्रतिष्ठित व्यंग संग्रह-रंग रंगीला प्रजातंत्र" पर समीक्षा लेख प्रस्तुत किया।

विशाखा गोयल ने 26-27 मार्च, 2020 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "भारतीय परिवारों के हाथ धोने के व्यवहार में क्षेत्रीय असमानताओं को समझना" पर पेपर प्रस्तुत किया। भारती इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा विषय- प्रौद्योगिकी और नीति पर इसका आयोजन किया गया था।

डॉ. शफॉक जरीन ने श्री गुरु गोबिंद सिंह महाविद्यालय ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और सिडनी बिजनेस स्कूल, वोलोंगोंग विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित 6-7 मार्च, 2020 से आयोजित 5वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिला उद्यमियों के उद्यमी प्रेरणा को प्रभावित करने वाले कारक : महिला स्थिरता में सुधार" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. हिना नंदराजोग ने दक्षिण एशियाई अध्ययन प्रोग्राम, प्रिंसटन विश्वविद्यालय के सहयोग से अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 26 फरवरी, 2021 को आयोजित "विभाजन और अमृता प्रीतम," भारत में महिलाओं के लेखन: मुद्दों और परिप्रेक्ष्य पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सुखनीत सूरी ने हायर एजुकेशन एंड रिसर्च सोसाइटी, मुंबई, भारत द्वारा 11-12 सितंबर, 2020 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन "पर्यावरण, साहित्य और संस्कृति", के दौरान "अपशिष्ट खाना पकाने का तेल: चुनौतियां और गुंजाइश" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सांध्य शर्मा ने देव समाज महिला महाविद्यालय, फिरोजपुर द्वारा 15 दिसंबर, 2020 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "पंजाब के इतिहास की खोज : समकालीन समय में विरासत और प्रासंगिकता" में एक पेपर 'अंडरस्टैंडिंग आइडेंटिटी इश्यूज इन पंजाब: रिव्यू ऑफ सम हिस्टोरियोग्राफिकल ट्रेडिशन' प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एम.ओ.यु पर हस्ताक्षर किए गए

हमारे महाविद्यालय की विद्या विस्तार समिति ने असम के डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय से संबद्ध सरकारी मॉडल महाविद्यालय, डीथोर के साथ विवेकानंद महाविद्यालय का एम.ओ.यु शुरू किया है जो प्रक्रिया में है।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 5 (पूर्ण डेटा उपलब्ध नहीं है)

विस्तार और अभिगम्य(आउटरीच) कार्यक्रमलाप

सोशल आउटरीच एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट कमेटी (एसओसीडीसी) ने स्लम स्वराज फॉउंडेशन - एक एनजीओ के साथ भागीदारी की है और झिलमिल कॉलोनी में झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए नियमित शैक्षिक शिविर आयोजित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। चल रही महामारी के दौरान, महाविद्यालय के विद्यार्थी सदस्य आस-पास के स्लम क्षेत्रों के विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए ऑनलाइन 'सारथी पहल' में लगे हुए हैं। बच्चों के बीच एक तकनीकी बाधा के कारण, मेंटर्स एक सप्ताह में एक बच्चे के साथ लगभग 3-4 ऑनलाइन सत्र लेते हैं। यह पहल सफलतापूर्वक चल रही है और शिविर के फिर से खुलने तक जारी रहेगी। मेंटरिंग में मोबाइल के माध्यम से शिक्षण, नैतिक समर्थन, शैक्षिक मार्गदर्शन, सामाजिक आदि शामिल हैं।

दिल्ली लीगल स्टेट अथॉरिटी (डीएलएसए) के साथ भागीदारी वाला दूसरा कार्यक्रम झिलमिल कॉलोनी की मलिन बस्तियों में रहने वाले परिवारों के लिए कानूनी, स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महाविद्यालय ने शाहदरा डीएलएसए के सहयोग से 'प्रोजेक्ट शक्ति' शीर्षक से तीन दिवसीय जागरूकता-सह-गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यार्थी के लिए प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई: 13 अक्टूबर, 2020 को स्लम कविता (अपने अधिकारों के लिए लड़ें) और साथ ही 14 अक्टूबर, 2020 को एक वाद-विवाद प्रतियोगिता (लैंगिक रूढ़िवादिता पर)। 27 अक्टूबर, 2020 को दहेज के विरुद्ध शपथ समारोह का आयोजन किया गया था।

बेयसी के सहयोग से एसओसीडीसी ने 20 नवंबर, 2020 को एक महिला केंद्रित वित्तीय कल्याण वेबिनार, "बी योर ओन लक्ष्मी" (बीओओएल) का आयोजन किया। सत्र ने मुद्रास्फीति, चक्रवृद्धि, निवेश और बचत जैसी अवधारणाओं को समझने में मदद की।

विद्यार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने, विभिन्न चुनौतियों और दायरे को समझने, विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा करने आदि के उद्देश्य से विवेकानंद महाविद्यालय के एनएसएस द्वारा सत्र 2020-21 के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें टीकाकरण अभियान "वैक्सीन उत्सव" और "कोविड जागरूकता कार्यक्रम", एक वेबिनार शीर्षक "कैंसर और उपचार-एक कैंसर मुक्त दुनिया के लिए एक साथ लड़ो" विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक वार्ता सत्र, संविधान दिवस पर "द रूट ऑफ जस्टिस" पर एक वार्ता, और "खाद्य संरक्षा और खाद्य सुरक्षा" पर एक सर्वेक्षण शामिल हैं।

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने पोषण माह समारोह के दौरान पोषण रिपोर्ट कार्ड कार्यक्रम (डॉ. सूरी और डॉ. आरुषि के पर्यवेक्षण) की शुरुआत की। इस गतिविधि में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय बजट (परिचालन) : ₹. 4,71,200/-

पुस्तकों की संख्या : ₹. 65715

समाचार पत्रों सहित पत्रिकाओं की संख्या: 47

संकाय संख्या

स्थायी : 38

तदर्थ : 56

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : यूजीसी से ₹.16,18,68,862/- एवं दिल्ली सरकार से ₹.60,00,000/-

प्रयुक्त अनुदान : बैलेंस शीट प्रक्रियाधीन है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. सुखनीत सूरी ने एएफएसटीआई-दिल्ली चैंप्टर के सहयोग से शारदा विश्वविद्यालय द्वारा 12-16 अक्टूबर, 2020 तक प्रयोगशाला से उद्योगों में खाद्य प्रसंस्करण के ट्रांसफॉर्मेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला सह-संकाय विकास कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ थे।

डॉ. हिना नंदराजोग ने मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग (एसयूएसएस), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी) -खड़गपुर द्वारा आयोजित 28 अगस्त, 2020 को "थिंग्स फॉल अपार्ट : काउंटडाउन टू पार्टिशन," ऑनलाइन विभाजन व्याख्यान शृंखला 2020 पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से आईक्यूएसी, विवेकानंद महाविद्यालय द्वारा 07-13 जून, 2021 तक "प्रभावी शिक्षण और सीखने के माहौल के लिए माइक्रोसॉफ्ट टूल्स" पर एक सप्ताह (ऑनलाइन) इंटरडिस्प्लिनरी संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इग्नू, क्षेत्रीय केंद्र-2 के सहयोग से खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के रिसर्च एंड इनोवेशन क्लब ने "कोविड-19 - दिल्ली में खाद्य संरक्षा और खाद्य सुरक्षा" का बड़े पैमाने पर अध्ययन कराया।

गृह विज्ञान विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय (तिरुपति) और द माइक्रोबायोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, नॉर्थ ईस्ट चैंप्टर, मार्च 2021 के सहयोग से खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने नेशनल रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया। आयोजक दल : डॉ. सूरी (संयोजक), डॉ. मधुमिता बरुआ, डॉ. सुचरिता और डॉ. आरुषि, (विद्यार्थी: सुश्री गुरमीत और सुश्री हिमांशी)।

सोशल आउटरीच एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट कमेटी (एसओसीडीसी), विवेकानंद महाविद्यालय ने सबसे पहले स्लम स्वराज फाउंडेशन - एक एनजीओ के साथ भागीदारी की है और जिसका झिलमिल कॉलोनी में झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए नियमित शैक्षिक शिविर आयोजित करने पर केंद्रित है। दिल्ली लीगल स्टेट अथॉरिटी (डीएलएसए) के साथ भागीदारी वाला दूसरा कार्यक्रम झिलमिल कॉलोनी की मलिन बस्तियों में रहने वाले परिवारों के लिए कानूनी, स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है।

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 63वें वार्षिक फ्लावर शो में 05 मार्च, 2021 को महाविद्यालय ने 'मनी प्लांट की बेस्ट हैंगिंग बास्केट' के लिए कालिंदी महाविद्यालय ट्रॉफी जीती, महाविद्यालय ने 'दि दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क कप' भी जीता, 'द किरोड़ीमल महाविद्यालय कप' और रॉक गार्डन, रोज गार्डन, एक समूह में व्यवस्थित फूलों के पौधे, एक समूह में व्यवस्थित गैर-फूलों वाले गमले वाले पौधे और महाविद्यालय की हरियाली और स्वच्छता के लिए कई और पुरस्कार जीते। श्री परमानंद को 'कोरोना योद्धा माली' और श्री अशोक को 'सर्वश्रेष्ठ माली' से सम्मानित किया गया।

डॉ. पी.के. शिशोदिया, समन्वयक डीबीटी-स्टार महाविद्यालय योजना ने 27-31 जुलाई, 2020 तक "सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर आर के माध्यम से डेटा हेरफेर और विजुअलाइज़ेशन" पर एक ऑनलाइन अंतःविषय कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. दिव्या तिवारी ने संयोजक-आईसीसी के रूप में 07 नवंबर, 2020 को सुश्री ऋचा तिवारी, अधिवक्ता और लीगल फेलो, नोएडा, भारत की प्रोपराइटर द्वारा आयोजित एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। केंद्रीय दिल्ली कानूनी राज्य प्राधिकरण (सीडीएलएसए) के सहयोग से 09 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के अधिकारों और घरेलू हिंसा के विरुद्ध सुरक्षा पर एक वर्चुअल सत्र का आयोजन किया गया। इसका एल.डी. सचिव, सीडीएलएसए, नीति सूरी मिश्रा ने संचालन किया।

सम्मान / गौरव

डॉ. मो. कासिम, अरबी विभाग ने अरबी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय संघ, बेरूत, लेबनान के तहत अरबी भाषा के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिषद की जनरल एसेम्बली में सदस्यता (01 जुलाई, 2020-30 जून, 2022) प्राप्त की।

प्रकाशन

अहमद, एन. (2020). 'दिरासत अरबी' में م تب السيرة النبوية المترجمة من الأردنية إلى العربية अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, अंक संख्या 7, आईएसएसएन: 2348 - 2613 में।

चतुर्वेदी, एम. (2020). धर्मवीर भारती की गुल्की बन्नो: 'द हंचबैक ब्राइड' में जेंडर डिसेबिलिटी। इन: सती, एस., और प्रसाद, जी.जे.वी.(ईडीएस.), डिसेबिलिटी इन ट्रांसलेशन: द इंडियन एक्सपीरियंस। लंदन, न्यूयॉर्क: रूटलेज।

अहमद, आई., अब्दुल्ला, खेहर, के.एम, और इरफ़ान. एस.एस (2020). जीएनओवाईआईपी के एक नए वर्ग के लिए स्थिरता और अभिसरण विश्लेषण, जिसमें आदेशित सकारात्मक हिल्बर्ट रिक्त स्थान में एक्सओआर-संचालन शामिल है। फिलोमैट, 34(9), 2877-2895। <https://doi.org/10.2298/FIL2009877A>.

कुमार, एस. (2020). गांधी और समकालीन दुनिया। लंदन और न्यूयॉर्क : रूटलेज।

कुमार, एस. (2020). सघर्ष समाधान गांधीमार्ग : एक रचनात्मक दृष्टिकोण। इन: नगला, बी.के (ईडी.) भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा -170-79, वॉल्यूम 7, अंक 1, नई दिल्ली: सेज।

कुमार, वी., शर्मा, पी., अग्रवाल, आर., यादव, एस., और कौर, बी. (2020). इ अनप्रेडिक्टेबिलिटी ऑफ द बेसिन्स ऑफ अट्रैक्शन इन फोटो ग्रेविटेशनल चैर्मनिख प्रोब्लम्स। तारा भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान, 365(6),101. <https://doi.org/10.1007/s10509-020-03815-4>.

पासी, एस., और अरोड़ा, के.के (2020). "ए कॅन्वेनिंट लेबोरेटरी प्रेपेरेशन ऑफ एसिटानिलाइड ए सेफ एंड ग्रीन प्रोसीजर फॉर एसिटालेशन ऑफ एनिलिन"। फोरथकमिंग इन रेजोनेंस, नवंबर 2020.

रज़ा, ए., खान, ए., शर्मा, पी., और अहमद, के. (2021). सॉल्यूशन ऑफ सिंगुलरली पर्टर्बड डिफरेंशियल डिफरेंशियल इक्वेशन एंड कन्वेक्शन डिफेड डोमिनेटेड डिफ्यूज़न इक्वेशन यूजिंग हार वेवलेट। मैथमैटिकल साइंसेज, 15, 123-136। <https://doi.org/10.1007/s40096-020-00355-4>.

सिंह, पी.के, और शर्मा, पी. (2021). ए कॅम्पेरेटिव स्टडी ऑफ फ्लूड फ्लो इन हेमोडायलायजर यूजिंग डिफरेंशियल ट्रांसफॉर्म मेथेड। मैक्रोमोलेक्युलर सिम्पोजिया, 397(1), 2000338. <https://doi.org/10.1002/masy.202000338>.

तिवारी, डी. (2020). रिलिजन एंड हैपिनेस इन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एथिक्स। वॉल्यूम 7, सेंटर फॉर इथिक्स एंड वेल्युज, रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

संगोष्ठियों का आयोजन

02 अक्टूबर, 2020 को "प्रतिष्ठित गांधी अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला" पर एक वेबिनार; नवंबर 04, 2020 और जनवरी 15, 2021 क्रमशः 30 मार्च, 2021 को "भारत-फॉरसी साहित्य में सूफियों का योगदान" पर एक वेबिनार।

1-3 फरवरी, 2021 तक 'प्रवासी जीवन ओ संस्कृति' (वंगाली प्रवासी जीवन और संस्कृति) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

25 नवंबर, 2020 को 'योगिक अभ्यास और स्वस्थ जीवन के सिद्धांत' पर वेबिनार।

13 मार्च, 2021 को 'कैरियर इन फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स' पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

27 मार्च, 2021 को "प्राथमिक चिकित्सा" पर वेबिनार।

5 सितंबर, 2020 को "एक दार्शनिक लेंस के माध्यम से रचनात्मक लेखन" पर वेबिनार।

सम्मेलन का आयोजन

17-18 अक्टूबर, 2020 को "सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग" पर राष्ट्रीय सम्मेलन ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अनुराधा मारवाह ने 04 जून, 2020 को दोपहर 12-1.30 बजे तक अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में "री-क्राफ्टिंग ए क्लासिक: यूरिपिड्स मेडिया इन दिल्ली एंड राजस्थान" पर जूम टॉक दिया।

अमीर जमाल ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा और केएम. मायावती गवर्नमेंट गर्ल्स पी.जी. महाविद्यालय, बादलपुर, जी.बी. नगर, (यू.पी.), भारत द्वारा 06 मार्च, 2021 को आयोजित "भारतीय संस्कृति, ग्रंथों और प्रेक्टिसेस के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय नारीवाद - अमृता प्रीतम और नवल अल-सदावी के संदर्भ के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन" प्रस्तुत किया।

लोकेश राणा ने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित एडवांस्ड फंक्शनल मेटेरियल्स एंड डिवाइसेस(एफएमडी-2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मास्क-कम लेजर लिथोग्राफी का अनुकूलन" नामक एक पेपर सह-प्रस्तुत किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली एडवांस्ड फंक्शनल मेटेरियल्स एंड

डिवाइसेस(एएफएमडी-2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 03-05 मार्च, 2021 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्टडी ऑन एसएडब्ल्यू रेजोनेटर्स बेस्ड ऑन एसटी-क्वार्ट्ज क्रिस्टल" नामक एक अन्य पेपर सह-प्रस्तुत किया।

फॉरसी विभाग के मलिक सलीम जावेद ने 12-13 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के फॉरसी विभाग में "फॉरसी साहित्य में महबूब ए इलाही का योगदान" शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक शोध शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने 27-28 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के फॉरसी विभाग में "निगाही बी मुतलियात ए मसनवी ए मौलाना दार हिंद" शीर्षक से राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध शोध भी प्रस्तुत किया।

मो. कासिम ने अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, एसएलएल एंड सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा 5-6 दिसंबर, 2020 को आयोजित "जीवनी साहित्य" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "उनकी आत्मकथा के प्रकाश में गांधी के व्यक्तित्व की विशेषताएं" सत्य के साथ मेरे प्रयोगों की कहानी "(अरबी) सहित कई शोध शोध प्रस्तुत किए; इस्लामिक फ़िक्ह अकादमी(अरबी) (भारत), नई दिल्ली द्वारा 26-27 दिसंबर, 2020 को आयोजित "अरबी भाषा को समृद्ध करने में दिल्ली विश्वविद्यालयों की भूमिका" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अरबी और इस्लामी अध्ययन के क्षेत्र में जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय के स्नातकों की भूमिका"; इंडिया अरब कल्चरल सेंटर, जामिया, नई दिल्ली द्वारा 16-17 मार्च, 2021 को आयोजित "इंडिया एंड द अरब वर्ल्ड: सिविलाइज़ेशन एंड प्रॉस्पेक्ट्स" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत अरब यात्रा वृत्तांतों में दर्शाया गया है"(अरबी); अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18-19 मार्च, 2021 को आयोजित "कोविड -19 और आधुनिक चुनौतियां अरबी और उर्दू के विशेष संदर्भ के साथ" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कोरोना संकट और वास्तविकता और संभावनाओं के बीच ई-अध्ययन" (अरबी); अरबी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 22-23 मार्च, 2021 को आयोजित "भारत में अरबी भाषा का शिक्षण: वास्तविकता और संभावनाएं" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अरबी भाषा : भारत में इसकी वास्तविकता और भविष्य" (अरबी)।

उर्दू महाविद्यालय, गोपालगंज, बिहार में 14 फरवरी, 2021 को आयोजित "अरबी ज़बान-ओ-अदब हिंदुस्तान के तनाजुर में" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मोहम्मद कमरुद्दीन ने "भारत में अरबी भाषा : अतीत, वर्तमान और भविष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया; इस्लामिक फ़िक्ह अकादमी (भारत) नई दिल्ली द्वारा 26-27 दिसंबर, 2020 तक आयोजित "अरबी भाषा को समृद्ध करने दिल्ली विश्वविद्यालय की भूमिका" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पुस्तक : "प्रो. मुहम्मद सुलेमान अशरफ द्वारा दीरासा मुकरानह बैन अल-शिर अल-अरबी अल-हदीथ वा अल-शिर अल-इंजिलिज़ी" अकादमिक और साहित्यिक मूल्य; इस्लामिक फ़िक्ह अकादमी (भारत) नई दिल्ली द्वारा 21-22 नवंबर, 2020 तक आयोजित "भारत में कुरान विज्ञान को बढ़ावा देने" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पवित्र कुरान के अर्थ के अंग्रेजी अनुवाद के विशेष संदर्भ के साथ कुरानिक विज्ञान में भारतीय विद्वानों का योगदान"।

श्रद्धा ए. सिंह ने 18-20 मार्च, 2021 तक ऑनलाइन आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आईएसीएलएलएस वार्षिक सम्मेलन 2021 में "मार्गरेट एटवुड्स द हार्ट गोज़ लास्ट में कैपिटलोसिन एंड डायस्टोपिया; 8-10 फरवरी, 2021 से आयोजित "वैश्वीकरण और चेतना के नए क्षेत्र: वैश्विक / स्थानीय / ग्लोकल की घटनाएँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंथ्रोपोसिन फिक्शन का पास्थुमन टर्न : मल्टीस्पेसिस वर्ल्डिंग इन मार्गरेट एटवुड के मैडएडम ट्रिलॉजी में मल्टीस्पेसिस वर्ल्डिंग"; कम्पाडोसिया विश्वविद्यालय, तुर्की द्वारा 13-15 जनवरी, 2021 तक आयोजित "लिविंग इन द एंड टाइम्स: यूटोपियन एंड डायस्टोपियन रिप्रेजेंटेशन ऑफ पांडेमिक्स इन फिक्शन, फिल्म एंड कल्चर" पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लोकेटिंग पोस्थुमन अटिकुलेशन इन द चथुलुसीन ऑफ मार्गरेट एटवुड के मैडएडम ट्रिलॉजी"; आरहूस विश्वविद्यालय में और ऑनलाइन 7-8 अक्टूबर, 2020 तक आयोजित "पोस्थुमेनिज्म 20/20" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक्सटिंक्टाथॉन" और चथुलुसीन : मेकिंग किन इन द पोस्थुमन वर्ल्ड ऑफ मार्गरेट एटवुड"; एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता द्वारा 5-7 अगस्त, 2020 तक

आयोजित "रीथिंकिंग ह्यूमैनिटीज एंड इट्स एंटेंगलमेंट्स" पर अंतर्राष्ट्रीय वेब-सम्मेलन में "अनटेंगलिंग द एंथ्रोपोसीन एज डोना हार्वे चुथुलुसीन इन मार्गरेट एटवुड मैडएडडम ट्रिलॉजी" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया। डॉ. सुनील कुमार ने 24-26 मार्च, 2021 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग में आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" आरएमबीपीडी-2021 में "हाइपोथैलेमिक न्यूरोपेप्टाइड वाई इन वॉल लिज़र्ड" पर एक पोस्टर सह-प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 198; 39.6%
कैंपस(कैंपस) भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 30

पुस्तकालय विकास

अधिग्रहीत पुस्तकों की संख्या : 1403
आवंटित सामान्य अनुदान : ₹.15,60,000.00
सामान्य अनुदान खर्च : ₹.6,93,372.00
सब्सक्राइब किए गए समाचार पत्रों की संख्या : अंग्रेजी 10

हिंदी : 06

उर्दू : 05

बंगाली : 01

मलयालम : 01

सब्सक्राइब की गई पत्रिकाओं की संख्या : अंग्रेजी 13

हिंदी : 09

उर्दू : 12

बंगाली : 01

संकाय संख्या

स्थायी : 126

तदर्थ : 89

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संसदीकृत अनुदान : ₹. 57,77,86,000/-

प्रयुक्त अनुदान : ₹. 63,93,94,000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

"आपके दाखिले को सुविधाजनक बनाना" विषय पर 4 जुलाई, 2020 को एक ओपन हाउस पैनल चर्चा का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

100 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ 12 अक्टूबर, 2020 को एक ऑनलाइन शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ 'फिट इंडिया मूवमेंट' मनाया। एनएसएस ने शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग के साथ मिलकर 21 जून, 2021 को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया। माननीय कुलपति, प्रो. जोशी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और योग विशेषज्ञ श्री सुनील गुप्ता ने एक बहुत ही जानकारीपूर्ण योग सत्र लिया।

डॉ. अनुराधा मारवाह ने 4 जून, 2020 को दोपहर 12-1.30 बजे तक अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में 'री-क्राफ्टिंग ए क्लासिक: यूरिपिड्स' मेडिया इन दिल्ली एंड राजस्थान' पर जूम टॉक दिया।

डॉ. सरिता पासी एमएचआरडी के शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित 27 अक्टूबर, 2020 से 02 नवंबर, 2020 तक "एनईपी-2020 के माध्यम से गुणवत्ता उच्च शिक्षा की ओर" पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम की आयोजन समिति की सदस्य थीं; 03-30 दिसंबर, 2020 तक आयोजित एमएचआरडी के पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, खालसा महाविद्यालय द्वारा आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के लिए आयोजन समिति और पैनलिस्ट के सदस्य; शिक्षा मंत्रालय के गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा 27 जनवरी से 02 फरवरी, 2021 तक 21वीं सदी के लिए डिजिटल टूल्स : वर्ड प्रोसेसिंग और स्प्रेडशीट पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम की आयोजन सचिव; एमएचआरडी के पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, खालसा महाविद्यालय द्वारा 25 फरवरी से 03 मार्च, 2021 तक आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम: भारत में रसायन विज्ञान शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आयोजन सचिव; एमएचआरडी के शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 12-20 सितंबर, 2020 तक आयोजित "डेवेलपमेंट ऑफ टीचर्स ई-किट एंड एमओओसी इन फोर क्वाड्रंट फॉर्मेट ऑफ ई-कन्टेंट" पर एक सप्ताह ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ; एमएचआरडी के शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर, एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21 अप्रैल, 2020 को आयोजित "शिक्षक ई-किट का विकास: रसायन विज्ञान" पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में एक विशेषज्ञ भी थी।

जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यक्रम और उपलब्धियां

इको-क्लब ने 2-8 अक्टूबर, 2020 तक वन्यजीव सप्ताह मनाया और वन्यजीव वनस्पति और जीव विषय पर ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की। एक कैडेट ने भाग लिया और इस प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर का हिस्सा बन गया और राजपथ पर मार्च किया। गहन चयन प्रक्रिया के बाद कैडेटों का चयन किया गया। हमारे महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा अन्य गतिविधियों जैसे आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने, वृक्षारोपण और स्वच्छ भारत अभियान पर अभियान के साथ मास्क के उपयोग के लिए अभियान और सोशल दूरी बनाए रखने के लिए एक ऑनलाइन गतिविधि आयोजित की। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर लाल किले में एक शिविर में बीस कैडेटों ने भाग लिया।

सम्मान / गौरव

डॉ. संजय कुमार को विद्यार्थियों के बीच गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय सांध्य के गांधी स्टडी सर्कल के संयोजक के रूप में सम्मानित किया गया है।

प्रकाशन

प्रशेर, जे.के (2020). "कैसे शिक्षा गुरुकुल से जूम में चली गई", एजुकेशन टाइम्स, टीओआई, दिल्ली।

प्रशेर, जे.के (2020). "क्या ओपन बुक परीक्षा एक व्यवहार्य विकल्प है?" एजुकेशन टाइम्स, टीओआई, दिल्ली।

बैश्य, संजीव कुमार (2020). एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन पत्रिका 'द ब्लू निब' में 'द क्लॉक' और 'आर्कियोलॉजी ऑफ साइलेंस'।

अहमद, डॉ. खुर्शीद (2020). फॉरसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, आईएसएसएन: 2395-3667 द्वारा प्रकाशित "फॉरसी शोध पत्रिका"।

रंजन, डॉ. शरद. डेटा विश्लेषण के लिए बुनियादी कम्प्यूटेशनल तकनीक, सेज इंडिया, दिल्ली, 2021.

डॉ. मधुमिता चक्रवर्ती, डॉ. संजीव कुमार वैश्य, डॉ. अनस तबरेज़, डॉ. हरि प्रसाद ने मार्च, 2021 में एक पुस्तक के रूप में मार्जिनेलिटीज ए कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग की परिभाषा (पुनः) का संपादन किया।

अहमद, डॉ. खुर्शीद फ़ारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली -110007, द्वारा प्रकाशित फ़ारसी अनुसंधान जर्नल में "निगाही बी शरह शादमानी (शराह क़सैद-ए-खाकानी)"। आईएसएसएन: 2395-3667, पी.पी 125-140.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक(संपादकों)/सदस्य के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 10

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. सुब्रत के. राउत, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग ने "ए सोशल हिस्ट्री ऑफ पीजेंट रजिस्ट्रेंस एंड एंटी कोलोनियल नेशनलिज्म; कटक जिला 1920-30" विषय पर इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में अपना पोस्ट-डॉक्टोरल शोध पूरा किया। इस परियोजना को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

संगोष्ठियों का आयोजन

'अनुवाद: सिद्धांत, संदर्भ और अभ्यास' पर 3 मार्च, 2021 को राष्ट्रीय विद्यार्थी संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

5 मार्च, 2020 को संगोष्ठी शीर्षक "क्या दिल्ली 'घर' से भिन्न है: यह समझना कि पूर्वोत्तर के विद्यार्थी भारत में राजनीति कैसे बात करते हैं।"

"जीवन के लिए ओजोन : ओजोन परत संरक्षण के 35 वर्ष" पर 16 सितंबर, 2020 को वेबिनार आयोजित किया गया

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय ने वर्ष 2020-2021 में 366 सामान्य पुस्तकें और 456 पाठ्य पुस्तकें प्राप्त की हैं। पुस्तकालय ने ई-पुस्तकों के उपयोग के लिए इनफ्लिबनिट से एन-लिस्ट की सदस्यता भी ली है। पुस्तकालय में 64465 सामान्य पुस्तकों और 30284 पाठ्य पुस्तकों का संग्रह है।

संकाय संख्या

स्थायी : 45

तदर्थ : 39

वित्तीय आवंटन और उपयोग

संस्वािकृत अनुदान : रु. 250300000

प्रयुक्त अनुदान : रु.240200000

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल
अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास

अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास की शुरुआत अक्टूबर में हुई थी। यह कुल मिलाकर दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर महिला छात्रों के लिए एक आत्मनिर्भर निवास है। इसमें सौ निवासी और दो अतिथि निवासी रह सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए, पुनप्रवेश प्रक्रिया दिसंबर, 2020 के प्रथम सप्ताह से शुरू की गई थी और 44 वास्तविक निवासियों और 1 अतिथि निवासी को शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए प्रवेश दिया गया था।

रहवासियों व कर्मचारियों द्वारा लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, होली मनाई गई। कोविड-19 महामारी के कारण हुडदंग को रोकने के लिए एक समिति एक भौतिक सत्यापन समिति का गठन किया गया था शैक्षणिक सत्र 2020-21 में कोई विद्यार्थी समिति का गठन नहीं किया गया था। निवासी छात्रों में से एक को उन निवासियों का उत्तरदायित्व सौंपा गया जो छात्रावास में रह रहे थे।

छात्रावास को 22 फरवरी, 2021 सं पुनः खोल दिया गया था और निवासियों के लिए इसे कार्यात्मक बनाने से पहले उचित स्वच्छता और कीट नियंत्रण कार्य किया गया। छात्रावास ने विभिन्न कोविड-19 उपयुक्त एहतियाती उपाय तैयार किए हैं और छात्रावास निवासियों के साथ-साथ छात्रावास के कर्मचारियों की सुरक्षा और संरक्षा और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर जारी किए गए कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन भी किया।

छात्रों की सुरक्षा और संरक्षा के मद्देनजर, 2020-21 की अवधि के दौरान निम्नलिखित खरीद की गई:

कैंपस की प्रभावी निगरानी के लिए सीसीटीवीकैमरा के लिए एक डीवीआर खरीदा गया।

एक संपर्क रहित थर्मामीटर खरीदा गया था।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, अधिकांश सांस्कृतिक और अकादमिक गतिविधियों का आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण नहीं किया गया था।

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास की स्थापना 2005 में दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण कैंपस द्वारा कैंपस के शोध विद्वानों और दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आवास सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई थी। छात्रावास में एकल अधिभोग आधार पर 74 छात्रों को समायोजित करने की क्षमता है।

अरावली छात्रावास इंसा/डीएसटी के इंस्पायर कार्यक्रम के तहत दक्षिण कैंपस में आने वाले प्रशिक्षुओं और अन्य संस्थानों के प्रशिक्षुओं को विशेष रूप से ग्रीष्मावकाश के दौरान भी आवास प्रदान करता है।

अरावली छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस मनाया गया। कोविड-19 महामारी के कारण सारामती छात्रावास के साथ वार्षिक छात्रावास की बैठक रद्द कर दी गई। कोविड-19 महामारी जैसे पूर्ण छात्रावास को समय-समय पर संवेदनशील बनाने के लिए सभी एहतियाती उपाय किए गए; मुख्य द्वार पर छात्रावास के लिए नई सफाई मशीन/मास्क की स्थापना की गई।

छात्रावास में निर्धारित लॉकडाउन अवधि के बाद सभी पीएच.डी. छात्रों को छात्रावास अतिथि गृह में 11 दिन तक संगरोध में रखकर प्रवेश दिया गया।

सी.आई.ई. छात्रावास

केंद्रीय शिक्षा संस्थान में 1950 में स्थापित दो छात्रावास, महिलाओं के लिए श्री भवन और पुरुषों के लिए शक्ति भवन है। श्री भवन में आठ कमरे हैं, जिनमें तेईस महिला विद्यार्थी हैं और शक्ति भवन में तीन शयनागार और

एक दो सीटर कक्ष है जो चौबीस पुरुष छात्रों को समायोजित करता है। छात्रावास में बीएड, एमएड, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों के छात्रों को समायोजित किया जाता है।

छात्रावास मैस कमेटी के अलावा दो अन्य कमेटियों अर्थात् स्वच्छता एवं शिकायत समितियों का गठन किया गया है। इस वर्ष कोविड महामारी के कारण हम किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों का पुनर्गठन नहीं कर पाए।

शैक्षणिक सत्र 2020-2021 में छात्रावास में केवल 04 निवासी (02 पीएच.डी. और 02 एम.फिल. विद्वान) रह रहे थे। हमने कोविड उपयुक्त व्यवहार दिशानिर्देशों का पालन करके उनकी सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। स्थानिक ट्यूटर ने छात्रावास में रहने के दौरान विद्वानों के लिए साप्ताहिक काउंसलिंग सत्र की भी व्यवस्था की।

डी. एस. कोठारी छात्रावास

कोविड-19 के कारण इस वर्ष में एडमिशन नहीं हो पाए हैं और हम इस वर्ष फ्रेशर का समारोह नहीं मना सके। हम इस वर्ष वार्षिक समारोह भी नहीं मना सकते थे।

छात्रावास में रहवासियों और कर्मचारियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस, ईद-उल-जुहा, महात्मा गांधी जन्मदिन, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, होली मनाई जाती है। हाउसकीपिंग सेवाएं और सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने वाली फर्मों को उन फर्मों के साथ प्रतिस्थापित किया गया है जो दिल्ली विश्वविद्यालय को ये सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

गीतांजलि छात्रावास

गीतांजलि छात्रावास के लिए विगत वर्ष अन्य अनेक संस्थानों और केन्द्रों की भांति कोलाहल भरा रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद छात्रावास ने वर्ष भर विभिन्न पदों पर दक्षिण कैम्पस के छात्रों को सेवा प्रदान करना जारी रखा।

लॉकडाउन और तैयारी के दौरान छात्रावास

वर्ष के प्रारंभ में अधिकांश विद्यार्थी छात्रावास छोड़कर चले गए और अप्रैल, 2020 तक केवल मुट्ठी भर शोधार्थी ही छात्रावास में रह रहे थे। चूंकि दिल्ली में पूर्णतः लॉकडाउन हो गया था, इसलिए हमें उन कुछ छात्रों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और कठिन निर्णय लेने पड़े जो लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण घर नहीं जा सके और यहीं रह गए। लॉकडाउन से पहले कुछ दिनों में सभी संभव व्यवस्थाएं की गईं। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के परामर्श से संगरोध के लिए कमरे सहित कोविड तत्परता योजना तैयार की गई। अनिश्चितता के उस माहौल में, अधिकांश कर्मचारियों की यात्रा पूरी तरह से रोक दी गई, छात्रावास में कुछ लड़कियां, एक गार्ड और एक माली था। छात्रावास स्थान में वार्डन के साथ मैस कर्मचारी थे। सफाई कर्मियों को नियमित रूप से अपनी ड्यूटी के लिए छात्रावास में आने की अनुमति देने की व्यवस्था की गई थी।

पर्याप्त परामर्श के बाद मैस में प्रवासी कामगारों ने छात्रावास में रहने और सेवा करने पर सहमति व्यक्त की। गीतांजलि में महामारी के दौरान मैस चालू रही। तब से, विभिन्न एसओपी बनाए गए हैं और कर्मचारियों और छात्रों के साथ साझा किए गए हैं। इन एसओपी ने छात्रों को हर संभव जांच और सुरक्षा उपायों के साथ अपनी प्रयोगशालाओं में यात्रा करने, संगरोध करने, काम करने की अनुमति दी है।

गीतांजलि अपने व्यावहारिक और शोध प्रबंध कार्य को सुगम बनाने के लिए महामारी की दूसरी लहर से पहले जीवन विज्ञान विभाग के परास्नातक छात्रों को आवास प्रदान करने में सक्षम था। इस समय, सोशल डिस्टेंसिंग की अनुमति देने के लिए एकल कमरे आवास के साथ छात्रावास में लगभग 25-30 निवासी थे।

कई छात्रों और उनके परिवार की महामारी और प्रभावित आजीविका के कारण हमने निवासियों से सिंगल रूम की सुविधा के लिए शुल्क नहीं लिया है और कई जरूरतमंद छात्रों को शुल्क छूट भी दी गई।

पिछले वर्ष में निवासियों की स्वच्छता, और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अच्छी व्यवस्था की गई थी। आपात स्थिति में फेस शील्ड, दवाइयां, पल्स-ऑक्सीमीटर और पीपीई किट की खरीद की गई। इसके अलावा दक्षिण कैपस ने निवासियों द्वारा उपयोग के लिए ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर खरीदे हैं।

हम इस एक वर्ष के दौरान किसी भी समारोह का आयोजन करने में असमर्थ थे, हालांकि प्रमुख त्योहारों के दौरान मिठाई बांटी गई।

ग्वायर हॉल

ग्वायर हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के पुरुषों के सबसे प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर छात्रावास में से एक है। इस छात्रावास की अनूठी विशिष्ट विशेषता यह है कि विद्यार्थी और संकाय सदस्य एक साथ रहते हैं और भोजन करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ग्वायरवासी भारत और विदेशों में जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। छात्रावास यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है कि अपने अस्तित्व के वर्षों में जो भावना और समृद्ध विरासत बच गई है, वह लगातार फलती-फूलती रहे है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के दौरान ग्यारह पीएच.डी. विद्यार्थी, ग्यारह एम.फिल. और 37 स्नातकोत्तर छात्रों ने अपनी पढ़ाई पूरी की। छात्रावास ने प्रतिष्ठित हीरक जुबली कप प्राप्त किया, जो मार्च 2021 के दौरान आयोजित वार्षिक पुष्पोत्सव में दूसरा सर्वोच्च स्थान है और विभिन्न श्रेणियों में सात और पुरस्कार जीते। छात्रावास में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस मनाया गया। छात्रावास में 16 अप्रैल 2020 को अंबेडकर जयंती भी मनाई गई और व्याख्यान का आयोजन किया गया। सरस्वती पूजा 16 फरवरी 2021 को मनाई गई थी। ग्वायर हॉल ने इस अवधि के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के कई व्याख्यानों का आयोजन किया था।

छात्रों और कर्मचारियों के समर्थन से कोविड-19 सुरक्षा सावधानियों का पालन किया गया और संक्रमित छात्रों को संगरोध किया गया और उनके निदान और स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त आतिथ्य प्रदान किया गया। कैपस को निरंतर साफ किया गया और उचित कोविड-19 सुरक्षा सावधानियों का पालन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास की स्थापना 1964 में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशी छात्रों और स्नातकोत्तर भारतीय छात्रों के लिए की गई थी।

कोविड-19 महामारी के दौरान विभिन्न एजेंसियों/दिल्ली विश्वविद्यालय/और केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में कई महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास ने चुनौतियों से निपटने और स्टाफ, छात्रों और सभी हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया।

लॉकडाउन के दौरान, वाचनालय, जिम, कॉमन रूम और कंप्यूटर रूम जैसी सामान्य सुविधाओं को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था और विशेष रूप से रसोई/मैस और सामान्य क्षेत्रों के आसपास उचित स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन किया गया है। दिन भर में सभी "अत्यधिक स्पर्श" क्षेत्रों (दरवाजों के हैंडल, रेलिंग, डेस्कटॉप आदि) कीटाणुरहित करने का निर्णय लिया गया था। पूरे छात्रावास को समय-समय पर सोडियम हाइपोक्लोराइट घोल से व्यापक रूप से साफ किया जाता रहा। आपात स्थिति में कोविड-19 के संदर्भ में सुरक्षा उपायों का पालन करने वाली एजेंसियों से छात्रों के लिए टैक्सी की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया। लॉकडाउन की पूरी अवधि के दौरान विद्यार्थीवासों में आगंतुकों को अनुमति नहीं दी गई थी। अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास ने छात्रों को आश्वस्त किया कि इन बदलावों के परिणामस्वरूप किसी भी विद्यार्थी को कोई अकादमिक नुकसान नहीं होगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास

3 जून, 2002 को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास का बहुसांस्कृतिक स्वरूप छात्रावास द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों के लिए केंद्रीय है। 34 से अधिक देशों के निवासी संयुक्त रूप से सद्भाव और मित्रता की भावना से अपने सांस्कृतिक उत्सवों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों का आयोजन करते हैं।

उत्सव गतिविधियों के दौरान, छात्रावास ने सभी प्रोटोकॉल और कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन किया। सत्र की शुरुआत ईद-उल-फितर और अफ्रीका दिवस से हुई। वर्ष भर मनाए जाने वाले अन्य कार्यक्रम योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस, दिवाली; क्रिसमस और नया वर्ष; लोहड़ी; गणतंत्र दिवस, होली थे। अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास ने वार्षिक पुष्पोत्सव में सर्वश्रेष्ठ माली पुरस्कार जीता।

समितियां कोविड-19 महामारी के दौरान सत्र 2020-21 में कोई नई समिति नहीं बनाई गई लेकिन छात्रावास के सुचारु संचालन के लिए पिछली सभी समितियों सांस्कृतिक समिति, खेल समिति, पुस्तकालय समिति, हाउस कीपिंग कमेटी, मैस कमेटी एंटी रैगिंग समिति और अनुशासन समिति, जातिभेद आधारित समिति, धूमपान विरोधी समिति और होली समिति को जारी रखा गया।

जुबली हॉल

जुबली हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए निवास का एक विशिष्ट छात्रावास है। इसकी स्थापना 1947 में विश्वविद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर हुई थी। इस वर्ष भी अपनी महिमा बनाए रखने के लिए भारत सरकार की अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धी सेवाओं में उच्च पदों के लिए कई निवासियों का चयन किया गया था। छात्रावास का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन प्रोवोस्ट में निहित है जिसे वाईन और रेजिडेंट ट्यूटर द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

"विविधता में एकता" के सामंजस्य और उसके मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए जुबली हॉल ने सक्षम प्राधिकारी द्वारा सीओवीड-19 के कारण जारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली और क्रिसमस जैसे सभी त्योहारों को बहुत उल्लास और उत्साह के साथ मनाया।

मानसरोवर छात्रावास

मानसरोवर छात्रावास पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए एक पुरुष छात्रावास है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए भारत और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले 165 निवासियों को समायोजित करने की क्षमता है। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रोवोस्ट ने सभी छात्रावास निवासियों, स्टाफ और अतिथियों की उपस्थिति में झंडा फहराया। छात्रावास में दशहरा, दीवाली, होली, ईद, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, गांधी जयंती और अंबेडकर जयंती जैसे त्योहार भी मनाए गए। छात्रावास निवासी यूनियन ने फ्रेशर पार्टी और न्यू ईयर का आयोजन किया है। छात्रावास के निवासियों ने वर्ष के दौरान विभिन्न आउट-डोर और इंडोर गेम्स में भाग लिया।

मेघदूत छात्रावास

मेघदूत छात्रावास ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में कई गतिविधियों और उत्साही नवाचारों का अवलोकन किया। इनमें से कुछ स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी, पोंगल और बिहू, सरस्वती पूजा, होली हैं।

सभी समारोहों को दिल्ली विश्वविद्यालय और गृह मंत्रालय द्वारा कोविड दिशा-निर्देशों की पूरी देखभाल के साथ प्रदर्शन किया गया

पूर्वोत्तर महिला छात्रावास

महिलाओं के लिए पूर्वोत्तर विद्यार्थी सभा 2002 में स्थापित किया गया था। एनईएसएचडब्ल्यू में 101 सिंगल रूम और 1 गेस्ट रूम हैं जिसमें एयर कंडीशनर और अटैच बाथ लगे हैं। 101 कमरों में से 70 प्रतिशत सीटें पूर्वोत्तर क्षेत्र की लड़कियों के लिए और 30 प्रतिशत सीटें शेष भारत की लड़कियों के लिए आरक्षित हैं। वर्ष के दौरान, कोविड-19 महामारी के कारण कोई समारोह/समारोह नहीं बुलाया गया था।

छात्रावास कैंपस और उसके आसपास जितना हो सके हरियाली बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। उपयोग की जाने वाली जैविक खाद को कर्मचारियों द्वारा मलचिंग, कंपोस्टिंग के माध्यम से तैयार किया जाता है। रासायनिक उर्वरकों से पूरी तरह बचा जाता है।

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

छात्रावास में निम्नलिखित शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों डॉ. अंबेडकर जयंती, रमजान पर्व, दीवाली, लोहड़ी का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण समारोह का आयोजन सरकार द्वारा जारी किए गए सहविद दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए किया गया। छात्रावास कोविड दिशानिर्देशों के अनुसार समय-समय पर हैंड सैनिटाइजर, रूम सैनिटाइजर और मैनुअल स्प्रे हेतु मशीनें के लिए खरीदी गई। इयूटी पर छात्रावास के रेजिडेंट्स और स्टाफ के इस्तेमाल के लिए लिक्विड सोप, ऑक्सीमीटर और डिजिटल थर्मामीटर खरीदे गए।

राजीव गांधी महिला छात्रावास

राजीव गांधी महिला छात्रावास (आरजीएचजी) ढाका छात्रावास कॉम्प्लेक्स, मुखर्जी नगर में स्थित एक बहुत ही विशाल और सुंदर छात्रावास है। छात्रावास कुल मिलाकर उत्तर पूर्व और भारत के अन्य हिस्सों से दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा पत्रपत्र करने वाली महिला छात्रों (स्नातकोत्तर और शोधार्थियों) के लिए एक स्व-निरंतर निवास है। छात्रावास को 8 क्लस्टर में बांटा गया है, जिनमें वैकल्पिक मंजिलों में प्रत्येक स्वतंत्र जलापूर्ति, विश्राम कक्ष आदि के मामले में। प्रत्येक क्लस्टर में चार मंजिलों में स्नैक्स/जलपान की स्वयं सेवा हेतु सुसज्जित पेंट्री होती है। इस छात्रावास ने जुलाई, 2012 में काम करना शुरू किया था।

कोविड-19 महामारी और बाद में देश व्यापी लॉकडाउन को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने छात्रों को घर जाने की सलाह दी। कुल 561 निवासियों में से 461 निवासियों ने छात्रावास छोड़ दिया था। छात्रावास में कुछ निवासी थे जो लॉकडाउन प्रवर्तन और अन्य कठिनाइयों के कारण छोड़ने में असमर्थ थे।

आईसीएमआर और गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार एमसीडी के साथ समन्वय के साथ उचित अंतराल पर छात्रावासों का उचित स्वच्छताकरण किया गया। सभी स्थानों पर साफ-सफाई की स्थिति बनी रही, जिसमें छात्रावास की रसोई, मैस, वॉशरूम, पुस्तकालय आदि शामिल हैं। कतार प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए, डाइनिंग हॉल के अंदर, 6 फीट के अंतराल के साथ फर्श पर विशिष्ट चिह्न बनाए गए और उनका पालन किया गया। इस बीमारी को फैलने से रोकने और रोकने के लिए निवारक उपायों में से एक छात्रावास में एक आइसोलेशन वार्ड का निर्माण किया गया। पॉजिटिव पाए जाने वालों के लिए अलगाव की सुविधाएं उन लोगों के लिए प्रदान की गई थीं जो सकारात्मक परीक्षण किए गए व्यक्तियों के संपर्क में थे। संगरोध और अलगाव में शामिल लोगों के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, पानी आदि की उचित व्यवस्था की गई थी। छात्रावास कैंपस का दौरा करने वाले डब्ल्यूएस के डॉ. टी चुम्बक ने कोविड-19 से संबंधित प्रश्नों और ज्ञान के लिए छात्रों की काउंसलिंग की और आइसोलेशन वार्ड और संगरोध

सुविधाओं की भी जांच की। अधिकारियों के साथ समन्वय में छात्रों के स्वयंसेवक समूहों को सकारात्मक या अलग-थलग छात्रों को भावनात्मक समर्थन और आउटरीच प्रदान करने के लिए बनाया गया था।

छात्रावास मैस चालू थी लेकिन मार्च 2020 के बाद से उसमें नुकसान होना शुरू हो गया था क्योंकि छात्रावास में निवासियों की संख्या कम थी। इन निवासियों को मैस की सुविधा देना जरूरी था। इन परिस्थितियों में यह निर्णय लिया गया कि मैस सुविधाओं को चालू रखा जाए और मैस ठेकेदार के नुकसान को प्रोवोस्ट खातों में उपलब्ध अन्य धनराशि से पूरा किया जाए। राजीव गांधी छात्रावास (आरजीएचजी) ने ढाका छात्रावास कैंपस के अन्य विद्यार्थीवासों के निवासियों को भी मैस की सुविधा प्रदान की। आरजीएचजी अपने कर्मचारियों और निवासियों को प्रशिक्षित करने के लिए सहायता और सुरक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित काम शुरू करने के लिए छात्रावास कैंपस में महामारी के प्रकोप को रोकने के संचरण के जोखिम से बचने के लिए, निवासियों और कर्मचारियों को केवल अपने हाथों को साफ करने के बाद अनुमति दी गई थी, फेस मास्क और दस्ताने पहने हुए, सभी छात्रावास कर्मचारियों और निवासियों को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था

सारामती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

सारामती छात्रावास में नववर्ष सांध्य मनाई गई और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और राष्ट्रीय ध्वज जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर छात्रावास निवासियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। सारामती और अरावली छात्रावास ने महामारी कोविड-19 के कारण वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "मिलांज 2020" का आयोजन नहीं किया है।

हर वर्ष छात्रावास प्रशासन विभिन्न छात्रावास सुविधाओं के सुचारु संचालन के लिए अनुशासन समिति, सांस्कृतिक समिति, मैस कमेटी, खेल समिति का गठन करता है। छात्रावास निवासियों को सुचारु और तेज इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए वाई-फाई सुविधा है। छात्रावास में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर 8 कैमरों के साथ सीसीटीवी लगाए गए हैं।

सामाजिक कार्य छात्रावास

विभाग का अपना छात्रावास है जो 16 जुलाई, 1966 से कार्यशील हो गया। विभाग स्थल में एक संलग्न छात्रावास होने के नाते, यह सामाजिक कार्य के छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के विकास को निखारते हैं और उनके पेशेवर तत्वों को मजबूत करने में मदद करता है।

कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण विभाग ने केवल ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कीं, इसलिए इस शैक्षणिक सत्र में यह छात्रावास बंद रहा। डीएसडब्ल्यू छात्रावास की अपनी वेबसाइट <http://dswd.du.ac.in> है जो छात्रावास के बारे में जानकारी देती है।

कोविड-19 के दौरान छात्रावास के उपयोग के लिए एक सैनिटाइजर स्प्रे इलेक्ट्रिक मशीन और एक डिजिटल तापमान थर्मामीटर की खरीद की गई थी।

स्नातक-पूर्व बालिका छात्रावास

कोरोना वायरस (कोविड-19) के फैलने के कारण छात्रावास को 17 मार्च, 2020 से तुरंत खाली कर दिया गया था और तब से इस महामारी के जोखिम को कम करने के लिए छात्रावास खाली रहा। इसलिए छात्रावास में रहवासियों के अभाव में इस अवधि में कोई गतिविधियां और उपलब्धियां नहीं हुईं।

विश्वविद्यालय महिला छात्रावास

वर्ष 1973 में स्थापित, विश्वविद्यालय महिला छात्रावास (यूएचडब्ल्यू) दिल्ली विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस छात्रावास में देश और विदेश के विभिन्न भागों से आने वाले स्नातकोत्तर और अनुसंधान महिला छात्रों के लिए 320 सीटों की क्षमता है और यह नारीत्व की देदीप्यमान भावना को खिलने के लिए पर्याप्त अवसर और अवसर प्रदान करता है।

यूएचडब्ल्यू की अनेक कार्यों और समारोहों का आयोजन करने की परंपरा रही है लेकिन कोविड-19 के कारण ये सीमित थे। वर्ष 2020-2021 में निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए अर्थात् दीवाली, क्रिसमस, नववर्ष सांध्य, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और होली, कोविड प्रोटोकॉल के बाद। स्वतंत्रता दिवस, स्वच्छ भारत अभियान, गणतंत्र दिवस छात्रावास स्टाफ और रहवासियों ने मनाया।

गृह मंत्रालय/दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी कोविड-19 दिशा-निर्देशों की सभी सावधानियां और उपाय छात्रावास प्रशासन, निवासियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए थे। स्थानिक ट्यूटर निवास और दो खाली स्टाफ क्वार्टर कोविड-19 के लिए आइसोलेशन हाउस में परिवर्तित हो गए।

वी.के.आर.वी. राव छात्रावास

छात्रावास के निवासियों ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती सहित राष्ट्रीय दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। राष्ट्रीय एकता की संस्कृति पैदा करने के लिए तिरंगा झंडा फहराने के साथ स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस मनाया गया जबकि गांधी जयंती स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता पर जोर देती है। छात्रावास के निवासियों ने कोविड-19 के प्रोटोकॉल को बनाए रखते हुए दीवाली, होली, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और क्रिसमस की पूर्व सांध्य को काफी उत्साह के साथ मनाया।

छात्रावास निवासियों की आवश्यकताओं और कल्याण को पूरा करने के लिए सेवा समिति का गठन किया है। इसके अलावा, इसने एंटी रैगिंग कमेटी, पूर्वोत्तर छात्रों के कल्याण और छात्रों के लिए शिकायत समिति सहित कई अन्य समितियों का गठन किया है जिसमें छात्रावास के निवासियों के सामने आने वाले सभी मुद्दों को शामिल किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
वर्ष 2020-21 के वार्षिक लेखे
विषय-सूची

क्रम संख्या	विवरणी का नाम
<u>क. दिल्ली विश्वविद्यालय</u>	
1	तुलन-पत्र
2	आय और व्यय लेखा
3	तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ: अनुसूची 1,2,3,4,5,6,7,8
4	आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ: अनुसूची 9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22
5	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ: अनुसूची 23
6	आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियाँ: अनुसूची 24
7	प्राप्ति और भुगतान लेखा
<u>ख. भविष्य निधि लेखा</u>	
8	तुलन-पत्र
9	आय और व्यय लेखा
10	प्राप्ति और भुगतान लेखा
<u>ग. नई पेंशन योजना</u>	
11	तुलन-पत्र
12	आय और व्यय लेखा
13	प्राप्ति और भुगतान लेखा
<u>घ. विश्वविद्यालय मुद्रणालय</u>	
14	तुलन-पत्र
15	आय और व्यय लेखा
16	प्राप्ति और भुगतान लेखा
<u>ङ. हॉल और छात्रावास</u>	
17	समेकित तुलन-पत्र
18	समेकित आय और व्यय लेखा
19	समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा

ds

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 का तुलन-पत्र

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	रुपये करोड़ों में विगत वर्ष
निधियों के स्रोत			
कॉर्पस/पूँजी निधि	1	(1816.15)	(2168.92)
नामित/अंकित/वृत्ति निधियां	2	951.54	874.72
चालू देयताएं और प्रावधान	3	3526.83	3555.36
कुल		2662.22	2261.16
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	769.80	353.70
अमूर्त परिसंपत्तियां		0.65	0.10
पूँजीगत कार्य प्रगति में		0.00	12.29
अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश			
निवेश-अन्य	6	-----	-----
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	1665.88	1498.40
ऋण, अग्रिम और जमा	8	137.58	308.36
कुल		2662.22	2261.16
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24		

दिनांक: 27 अगस्त, 2021

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हुए आय और व्यय का लेखा

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	69.66	104.23
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	582.73	570.65
निवेश से आय	11	0.88	2.73
अर्जित ब्याज	12	2.24	1.50
अन्य आय	13	7.74	10.63
पूर्व अवधि आय	14	7.61	-----
स्टॉक में वृद्धि		0.25	-----
कुल (क)		671.12	689.74
व्यय			
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	505.75	1058.14
शैक्षणिक व्यय	16	21.62	42.75
प्रशासनिक और सामान्य खर्च	17	137.03	78.25
परिवहन खर्च	18	-----	-----
मरम्मत और रखरखाव	19	11.64	17.99
वित्तीय लागत	20	0.03	0.02
मूल्यहास	4	59.20	39.97
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	21	16.38	14.29
पूर्वावधि व्यय	22	37.74	0.07
स्टॉक में कमी		-----	0.66
कुल (ख)		789.39	1252.14
अनुसूची-1 के अनुसार व्यय से अधिक आय का शेष/(आय से अधिक व्यय) (क-ख)		(118.27)	(562.40)
अधिभेश/(घाटा) का शेष पूंजी निधि में अग्रणीत		(118.27)	(562.40)
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24		

दिनांक: 27 अगस्त, 2021

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 का तुलन-पत्र

(रुपये करोड़ों में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
निधियों के स्रोत			
कॉर्पस/पूँजी निधि	1	(18161577781)	(21689232543)
नामित/अंकित/वृत्ति निधियां	2	9515403543	8747162952
चालू देयताएं और प्रावधान	3	35268385369	35553633997
कुल		26622211131	22611564405

निधियों का अनुप्रयोग

अचल परिसंपत्तियां

मूर्त परिसंपत्तियां	4	7698034637	3537042788
अमूर्त परिसंपत्तियां		6489873	1017670
पूँजीगत कार्य प्रगति में		0	122872429

अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश

निवेश- अन्य	6	-----	-----
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	16658782124	14983967956
ऋण, अग्रिम और जमा	8	1375821498	3083580561

कुल		26622211131	22611564405

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23

आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां 24

दिनांक: 27 अगस्त, 2021

ds

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हुए आय और व्यय का लेखा

राशि रुपए में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	696569708	1042341319
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	5827328335	5706460022
निवेश से आय	11	8844592	27271669
अर्जित ब्याज	12	22350162	15030915
अन्य आय	13	77443477	106317304
पूर्वावधि आय	14	76149846	-----
स्टॉक में वृद्धि		2505911	-----
कुल (क)		6711192032	6897421229
व्यय			
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	5057488618	10581371046
शैक्षणिक व्यय	16	216221660	427504772
प्रशासनिक और सामान्य खर्च	17	1370259282	782505609
परिवहन खर्च	18	-----	-----
मरम्मत और रखरखाव	19	116444091	179902718
वित्तीय लागत	20	278863	207420
मूल्यहास	4	592031658	399715568
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	21	163817755	142885040
पूर्वावधि व्यय	22	377365539	683230
स्टॉक में कमी		-----	6629445
कुल (ख)		7893907466	12521404847
अनुसूची-1 के अनुसार व्यय से अधिक आय / (आय से अधिक व्यय) का शेष (क-ख)		(1182715434)	(5623983618)
नामित निधि में/से अंतरित			
पूंजी निधि में अग्रणीत अधिषेध / (घाटा) का शेष		(1182715434)	(5623983618)
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24		
दिनांक: 27 अगस्त, 2021			

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 1- कॉर्पसपूँजी निधि/			वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष
वर्ष के प्रारंभ में शेष			(21689232543)		(16300485154)
जमा योजना लेखा-पूँजी निधि में अंशदान/कॉर्पस :			-----		-----
जमा : कॉर्पसपूँजी निधि में अंशदान/			-----		-----
जमा: अनुदान आयोग, भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुदान, पुजीव्यय में उपयोगिता सीमा तक					
(क) योजना लेखे		2039080756		1962696	
(ख) गैर-योजना लेखे (वेतन/ आवर्ती अनुदान)				72895450	
(ग) गैर-योजना लेखे (पूँजीगत परिसंपत्तियाँ)		75411834	2114492590	83892717	158750863
जमा : अंकित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियाँ					
(क) विविध लेखे		2486504		14247900	
(ख) अन्य अंकित निधियाँ		49073828	51560332	52720896	66968796
जमा : परिसंपत्तियाँ प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय परिसंपत्तियाँ, जहां स्वामित्व संस्थान का है					
जमा : दान दी गई परिसंपत्तियाँ /प्राप्त उपहार		18		60	
जमा : बंद की गई परियोजनाओं की परिसंपत्तियाँ		18064933		8529436	
जमा : विगत वर्ष से संबंधित (एसडीसी) समायोजन			18064951	1062234	9591730
जमा : शिक्षा मंत्रालय संशोधित प्रारूप के अनुसार डब्ल्यूडीवी से एसएलएम में परिवर्तन विधि के कारण मूल्यहास राशि में अंतर।		2526252625	2526252625		
घटावर्ष के दौरान निपटाई गई परिसंपत्तियों की डब्ल्यूडीवी		(301)	(301)		(75160)
व्यय आय से अधिक /(आय से अधिक व्यय) आय से अधिक आय/(आय से अधिक व्यय से अधिक) आय और व्यय से हस्तांतरित			(1182715434)		(5623983618)
वर्ष के अंत में शेष			(18161577781)		(21689232543)

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 - नामित /अंकित/वृत्तिका निधियां

राशि रुपए में

विवरण	निधि-वार वितरण				कुल	
	विविध लेखा	प्रकाशन	वृत्तिका निधियां	अन्य अंकित	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क) अथशेष	923297066	6704590	960891145	6856270152	8747162952	7679054711
ख) वर्ष के दौरान वृद्धियां					-	-
(i) निधियों के निवेश से आय	21980226	285725	38544781	239578994	300389726	117808359
(ii) निवेश/अग्रिम पर उपार्जित ब्याज	26113654	55580	21772983	112724 67	160666484	231253441
(iii) निवेश/अग्रिम पर उपार्जित ब्याज	517439	13714	687039	8241640	9459832	16553579
(iv) अन्य वृद्धियां (स्वरूप निर्दिष्ट करें)	223008376	34564	2797324	401522145	627362409	1067213882
कुल(क)	1194916761	7094173	1024693271	7618337196	9845041402	9111883972
ख.						
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोगिता/व्यय						
ii) पूंजी व्यय	2486504	-----	-----	49073828	51560332	66968796
ii) राजस्व व्यय	131363575	693686	10619047	135401217	278077525	297752224
कुल(ख)	133850079	693686	10619047	184 75045	329637857	364721020
वर्ष के अंत में इति शेष (क-ख)	1061066682	6400486	1014074224	7433862151	9515403543	8747162952
निम्नलिखित द्वारा प्रतिनिधित्व						
नगद और बैंक शेष						
चाहू लेखे	23254438				23254438	18535545
बचत लेखे	60562231	500768	120593651	450560393	632217043	750206306
निवेश	18000000	300000	319800000	544900000	883000000	883000000
सावधि जमा	917645939	5500000	545587481	6188456821	7657190241	6750181524
उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	26113654	60291	21806191	117885371	165865507	231709518
शेयर	-----	-----	83000	-----	83000	83000
अन्य ऋण और अग्रिम	10570206	-----	-----	78347862	88918068	53294735
यूडीएफ से विविध में ऋण	-----	-----	-----	-----	-----	-----
विश्वविद्यालय प्रेस को देय राशि	(18202)	-----	-----	-----	(18202)	-----
विद्युत जमा	-----	-----	-----	9409500	9409500	9409500
वापसनीय स्रोत पर काटा गया कर	5025221	39427	6203900	44302204	55570752	50829629
अनुरक्षण अनुदान लेखा	(86805)	-----	-----		(86805)	(86805)
कुल	1061066682	6400486	1014074224	7433862151	9515403543	8747162952

ds

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 क - वृत्ति निधियाँ

											राशि रुपए में
											कुल (10+11)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.	
क्र. सं.	वृत्ति का नाम	वृत्ति	संचयी ब्याज	वृत्ति (विविध प्राप्ति)	ब्याज	वृत्ति (3+5)	संचयी ब्याज (4+6)	वर्ष के दौरान प्रयोजन पर व्यय	वृत्ति	संचयी ब्याज	
1	सर शंकर लाल संगीत संस्थान (298355)	2560144	374850	0	199729	2560144	574579	6920	2560144	567659	3127803
2	श्री श्रीराम भौतिकी चेयर (298399)	8075484	3005182	0	705211	8075484	3710393	118	8075484	3710275	11785759
3	सर शंकर लाल रसायन-विज्ञान चेयर (298402)	8942830	3381998	0	879629	8942830	4261627	94	8942830	4261533	13204363
4	प्रबंधन अध्ययन संकाय में आईएफसी चेयर (298683)	16159640	5921454	0	1455833	16159640	7377287	118	16159640	7377169	23536809
5	एसपी जैन उन्नत प्रबंधन अनुसंधान (299041)	2179569	785211	0	170469	2179569	955680	118	2179569	955562	3135131
6	पंडित मन मोहन नाथ घर (298956)	1422014	551488	0	122489	1422014	673977	71	1422014	673906	2095920
7	अर्थशास्त्र में प्रोफेसरशिप (298741)	14723096	5759700	0	1324461	14723096	7084161	165	14723096	7083996	21807092
8	ओरियंट इन्सेक्ट का प्रकाशन (299416)	622573	217699	0	53920	622573	271619	0	622573	271619	894192
9	डीयू वृत्ति निधि (299733)	267941780	59614043	672254	20977209	268614034	80591252	1023659	268614034	79567593	348181627
10	पंडित मन मोहन कृष्ण कौल (299880)	1691856	663501	0	143331	1691856	806832	71	1691856	806761	2498617
11	पुस्तक अनुदान आरटीएल (300228)	311026580	73035071	25200	25147009	311051780	98182080	9510001	311051780	88672079	399723859
12	उद्यमिता विकास में डीयू एमवे प्रोफेसरशिप (300705)	13004520	4519753	0	1064854	13004520	5584607	165	13004520	5584442	18588962
13	क्लस्टर नवाचार केंद्र कॉर्पस निधि	115472131	36364051	0	10687915	115472131	47051966	47	115472131	47051919	162524050
14	एमएचआरडी आईपीआर चेयर	488	6983	0	206	488	7189	0	488	7189	7677
15	भारतीय स्टेट बैंक छात्रवृत्ति एडवांस आरपीए छात्रवृत्ति(46397)	2664236	203220	60019	112389	2724255	315609	77500	2724255	238109	2962364
कुल		766486941	194404204	757473	63044654	767244414	257448858	10619047	767244414	246829811	1014074224

टिप्पणी

1. तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अंकित निधियों की अनुसूची 2 में "वृत्ति निधियाँ" कालम में कॉलम 3 और 4 का जोड़ अथशेष के रूप में दर्शाया जाएगा।
2. कॉलम 9 का जोड़ प्रायः कॉलम 8 के जोड़ से कम नहीं होना चाहिए क्योंकि वृत्तियों के प्रयोजन पर व्यय के लिए केवल ब्याज का ही प्रयोग किया जाना है (चेयर वृत्तियों के आलावा)
3. अनुसूची में प्रायः नाम शेष नहीं होना चाहिए । यदि किसी कतिपय मामले में, किसी भी वृत्तिका निधि में कोई नाम शेष है तो नाम शेष को तुलन पत्र में अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम और जमा में परिसंपत्ति कॉलम में" प्राप्य "के रूप में दर्शाया जाए

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

	राशि रुपए में	
अनुसूची 3 - चालू देयताएं और प्रावधान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क. चालू देयताएं		
1. स्टाफ द्वारा जमा	----	----
2. छात्रों द्वारा जमा	----	----
3. विविध लेनदार		
क) सामान के लिए	20086955	8003398
ख) अन्य	----	----
4. जमा-अन्य) ईएमडी-प्रतिभूति जमा सहित(	381568	420627
5. सांविधिक देयताएं) जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूई कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस(		
क) अन्य निकाय लेनदेन	3372915	1969425
ख) शुल्क व कर	61626	2834378
6. अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	232409743	----
ख) प्रायोजित परियोजनाएं से प्राप्तियां	1952517182	1690035093
ग) प्रायोजित फैलोशिप व छात्रवृत्ति से प्राप्तियां	107139520	107867697
घ) अनुपयोगित अनुदान	5696647018	6598118147
ड) यूजीसी को वापसनीय राशि	64563576	63179787
च) अग्रिम अनुदान	----	----
छ) अन्य निधियां	602480867	305861331
ज) अन्य देयताएं	45361357	35037107
कुल (क)	8725022327	8813326989
ख. प्रावधान		
1. कर के लिए	----	----
2. ग्रेजुटी	1408954777	1448548177
3. अधिवर्षिता पेंशन	23583126601	23644829981
4. संचयी छुट्टी नगदीकरण	1442666277	1463038346
5. व्यापार वारंटियां/दावे	----	----
6. अन्य) निर्दिष्ट करें/(देय खर्चे	108615387	183890504
कुल (ख)	26543363042	26740307008
कुल (क+ख)	35268385369	35553633997

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 3 प्रायोजित परियोजनाएं (क)

							राशि रुपए में	
1	2	3	4	5	6	7	8	
क्र. सं.	परियोजना का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान		वर्ष के	इतिशेष	
		क्रेडिट	नामे	प्राप्तियांवसूतियां/	कुल	दौरान व्यय	क्रेडिट	नामे
1	अनुसंधान योजना लेखा (295853)	554386316		97337369	651723685	113539466	538184219	
2	आईएसई स्कीम लेखा (295853)	1579153		1000000	2579153	1357912	1221241	
3	अनुसंधान स्कीम लेखा (एसडीसी)(546386)	851023709		357317077	1208340786	314187925	894152861	
4	बीपरियोजना लेखा .ए.आर. (298264)	53506887		37954345	91461232	33610494	57850738	
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा (298593)	183218749		51389428	234608177	68122643	166485534	
6	सीईएमडीई(डीडीए)विविधता उद्यान-जैव/	46320279		106259916	152580195	91468284	61111911	
7	एमिनेंस की संस्था	0		278901645	278901645	45390967	233510678	
कुल		1690035093		930159780	2620194873	667677691	1952517182	
विगत वर्ष (2019-20)		1645776335		646580460	2292356795	602321702	1690035093	

- परियोजनाओं को प्रत्येक एजेंसी के लिए उपवार सूचीबद्ध किया जाए।-जोड़ सहित एजेंसी-
- कॉलम अनुसूची) पत्र की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा-का जोड़ तुलन (क्रेडिट)3)
- कॉलम 9(नाम) पत्र की परिसंपत्तियों में अनुसूची-का जोड़ तुलन (8- ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्तियां (ख)

क्र.सं.	प्रायोजक का नाम	01.04.20 को अथ शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		राशि रुपए में	
		3	4	5	6	7	8
		क्रेडिट	नामे	क्रेडिट	नामे	क्रेडिट	नामे
1	सीएसआईआर फैलोशिप (298413)	45097080	0	7569926	4054584	48612422	
2	यूजीसी फैलोशिप (298560)	13890259		567122	455534	14001847	
3	अन्य निकाय छात्रवृत्ति (298707)	44427007		27532270	32481246	39478031	
4	सीएसआईआर फैलोशिप (एसडीसी) (545269)	355112		724006	373794	705324	
5	यूजीसी फैलोशिप (एसडीसी) (545258)	4098239		244306	649	4341896	
	कुल	107867697	0	36637630	37365807	107139520	0
	विगत वर्ष (2019-20)	86932037	0	64647291	43711631	107867697	0

टिप्पणी:

- कालम 7 अनुसूची) पत्र-का जोड़ तुलन (क्रेडिट) 3) की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा।
- कालम 8का जोड़ अनुसूची (नाम) 8 (ऋण, अग्रिम जमा-पत्र की परिसंपत्तियों में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा तुलन में।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची-3 यूजीसी (ग), भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अनुपयोगित अनुदान

	वर्तमान वर्ष	राशि रुपए में विगत वर्ष
कयोजना अनुदान: भारत सरकार .		
अग्रेनीत शेष		
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
कुल (क)	0	0
घटा वापसी :		
घटा राजस्व व्यय के लिए उपयोगित :		
घटा पूंजी व्यय के लिए उपयोगित :		
कुल (ख)	0	0
अग्रेनीत अनुपयोगित (क-ख)	0	0
ख. यूजीसी अनुदान योजना	6310444936	5790807813
अग्रेनीत शेष		
	(229200000)	0
जमा वर्ष के दौरान प्राप्तियां :	775719439	538293420
कुल (ग)	6856964375	6329101233
घटा वापसी :	8001722	
घटा राजस्व व्यय के लिए उपयोगित :	27923584	16693601
घटा पूंजी व्यय के लिए उपयोगित :	2039080756	1962696
कुल (घ)	2075006062	18656297
अनुपयोगित अग्रेनीत (घ-ग)	4781958313	6310444936

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

यूजीसी अनुदान (ग)योजनेत्तर(वेतन और आवर्ती के लिए)		
अग्रेनित शेष	-	-
अथशेष(ई.डब्ल्यू.एस.)	229200000	-
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	6174153000	5738824000
कुल(ङ)	6403353000	5738824000
घटा : वापसी	6309249	0
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित	5799404751	5665928551
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित	0	72895450
कुल (च)	5805714000	5738824000
अनुपयोगित अग्रेनीत (ड.-च)	597639000	0
घ. पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान		
अग्रेनीत शेष	287673211	285403798
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	115000000	110000000
कुल(छ)	402673211	395403798
घटा : वापसी	10211672	
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित	0	23837870
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित	75411834	83892717
कुल (ज)	85623506	107730587
अनुपयोगित अग्रेनीत (ज-छ)	317049705	287673211
कुल जोड़(घ+ग+ख+क)	5696647018	6598118147

टिप्पणी:-

अनुपयोगित अनुदान में पूंजी लेखा में अग्रिम शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान में आगामी वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान परिसंपत्तियों में बैंक शेष, बैंको में अल्पविधि शेष और पूंजी लेखे में अग्रिम के रूप में दर्शित है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 - अचल-परिसंपत्तियाँ

राशि रुपए में												
				सकल ब्लॉक			वर्ष 31.03.2021 का मूल्यहास				निवल ब्लॉक	
क्र.स.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्य हास की दर	अथ शेष 01.0.2020	वृद्धि	कटौती	इतिशेष 31.03.2021	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का मूल्यहास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	कुल मूल्यहास	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	0%	19716892	0	0	19716892	0	0	0	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	4801482171	1917472404	0	6718954575	210663150	112535866	62198334	385397351	6333557224	3031553097
4	सड़क व पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण	5%	30061444	1064215	0	31125659	6445016	1556284	0	8001300	23124359	0
8	संयंत्र व मशीने	5%	399395761	248202054	0	647597815	102099550	32379890	11456562	145936003	501661812	173949850
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8%	637144293	42304081	0	679448374	205373206	54355870	0	259729076	419719298	122863245
10	कार्यालय उपकरण	7.50 %	47992004	8246550	0	56238554	12039696	4217892	0	16257588	39980966	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	7.50 %	4707284	113748	0	4821032	1022003	361577	0	1383580	3437452	970200
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	20%	1817995995	59276259	0	1877272254	1458584716	337588304	0	1796173020	81099234	88816712
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	7.50 %	227295783	5806122	0	233101905	83960545	17482642	0	101443187	131658718	62360488

14	खेल-कूद उपकरण	10%	215434	0	0	215434	127785	21543	0	149329	66106	3596
15	वाहन	10%	3171626	5595	0	3177221	1897122	318214	0	2215335	961886	570343
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	10%	255244724	12721111	301	267965534	101436323	26788522	0	128224844	139740690	32928365
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		3310000	0	0	3310000	0	0	0	0	3310000	3310000
कुल (क)			8247733411	2295212139	301	10542945249	2183649112	587606604	73654896	2844910612	7698034637	3537042788
19	पूँजीकृत कार्य प्रगति में (ख)		122872429	0	122872429	0	0	0	0	0	0	122872429
क्र.स.	अमूर्त परिसंपत्तियां		अथ शेष 02.04.2020	वृद्धि	कटौतियां	इतिशेष 31.03.2021	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का परिशोधन	कटौती/ समायोजन/ पूर्वावधि	कुल परिशोधन/समा योजन	31.03.2021	31.03.2020
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	14541974	692871	0	15234845	14339366	421107	0	14760474	474371	1003140
21	ई-जर्नल	40%	0	9993275	0	9993275	0	3997310	0	3997310	5995965	0
22	पेटेंट	9 वर्ष	59735	0	0	59735	33562	6637	0	40199	19536	14530
कुल (ग)			14601709	10686146	0	25287855	14372929	4425054	0	18797982	6489873	1017670
कुल जोड़ (क+ख+ग)			8385207549	2305898285	122872730	10568233104	2198022040	592031658	73654896	2863708595	7704524509	3660932888
विगत वर्ष (2019-20)			3826474460	234249154	75160	4060648456	0	399715568	0	399715568	3660932888	

डब्ल्यू.डी.वी. से एस.एल.एम रुपये की राशि में परिवर्तन के कारण अचल परिसंपत्तियों के साथ-साथ पूँजी निधि में 2526252625/- की वृद्धि हुई है।

टिप्पणी: पूँजीगत-कार्य-प्रगति-में शीर्ष में संकाय ब्लॉक के अंतर्गत 'कटौतियां' कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान चालू निर्माण कार्य कर हस्तांतरण दर्शाते हैं।

परिसंपत्तियां 1 से 14 में सकल ब्लॉक के अंतर्गत वर्ष के दौरान 'वृद्धि' कॉलम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान निर्माणाधीन कार्यों और वर्ष के दौरान अधिग्रहित शामिल हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 क-योजना

राशि रुपए में

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	मूल्यहास की दर	अथशेष 01.04.2020	सकल ब्लॉक		31.03.2021 को इतिशेष	वर्ष 31.03.2021 के लिए मूल्यहास			कुल मूल्यहास	निवल ब्लॉक	
				वृद्धि	कटौती		मूल्यहास अथशेष	वर्ष का मूल्यहास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि		31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकासलघु / निर्माणकार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	993272296	1909544443	0	2902816739	63732365	58056335	62198334	183987034	2718829705	660230568
4	सड़क व पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
7	विद्युत स्थापना व उपकरण	5%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
8	संयंत्र व मशीने	5%	202605962	198697043	0	401303005	55821426	20065150	11456562	87343139	313959866	60593106
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8%	357798769	13011769	0	370810538	123349075	29664843	0	153013918	217796620	53492809
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
11	श्रवण दृष्य उपकरण	7.50%	1567898	0	0	1567898	477586	117592	0	595179	972719	119439
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	20%	1674 935534	37465525	0	1712401059	1361100044	319048306	0	1680148350	32252709	53827802
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	7.50%	74655930	8700	0	74664630	30279405	5599847	0	35879253	38785377	16428988
14	खेल-कूद उपकरण	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
15	वाहन	10%	976781	0	0	976781	586069	97678	0	683747	293034	173845
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	10%	30950512	804617	0	31755129	13457737	3175513	0	16633250	15121879	2342837
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियाँ	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
18	कला कार्य	0%	1310000	0	0	1310000	0	0	0	0	1310000	1310000
कुल (क)			3338073682	2159532097	0	5497605779	1648803708	435825265	73654896	2158283869	3339321910	848519394

क्र. सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां		अथ शेष 01.04.2020	वृद्धि	कटौतियां	31.03.2021 को इतिशेष	मूल्यहास अथशेष	पर्श का परिशोधन	कटौती/ समायोजन/पूर्व अवधि	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2021	31.03.2020
19	पूँजीकृत कार्य प्रगति में (ख)		121623684	0	121623684	0	0	0	0	0	0	121623684
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
21	ई-जर्नल	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	9 वर्ष	19360	0	0	19360	8604	2151	0	10754	8606	6125
कुल (ग)			19360	0	0	19360	8604	2151	0	10754	8606	6125
कुल जोड (क+ख+ग)			3338093042	2159532097	0	5497625139	1648812311	435827416	73654896	2158294623	3339330516	970149203
विगत वर्ष (2019-20)			1097631723	1962696	2292	1099592127	0	129442924	0	129442924	970149203	0

टिप्पणी: पूँजीगत-कार्य-प्रगति-में शीर्ष में संकाय ब्लॉक के अंतर्गत 'कटौतियां' कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान चालू निर्माण कार्य कर हस्तांतरण दर्शाते हैं।
परिसंपत्तियां 1 से 14 में सकल ब्लॉक के अंतर्गत वर्ष के दौरान 'वृद्धि' कॉलम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान निर्माणाधीन कार्यों और वर्ष के दौरान अधिग्रहित शामिल हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख (i) योजनेत्तर (आव

राशि रुपए में

सकल ब्लॉक

वर्ष 31.03.2021 के लिए मूल्यहास

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	मूल्यहास की दर	अथशेष 01.04.2020	वृद्धि	कटौती	31.03.2021 को इतिशेष	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का मूल्यहास	कटौती/समायोजन/ पूर्व अवधि	कुल मूल्यहास	निवल ब्लॉक 31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	0%	19716892	0	0	19716892	0	0	0	0	19716892	19716892
2	स्थल विकासलघु निर्माण / कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	407708564	0	0	407708564	48192388	8154171	0	56346559	351362005	301197752
4	सड़क व पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
7	विद्युत स्थापना व उपकरण	5%	20621792	0	0	20621792	5799507	1031090	0	6830597	13791195	
8	संयंत्र व मशीने	5%	95941902	0	0	95941902	25212361	4797095	0	30009456	65932446	57418105
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8%	88883185	0	0	88883185	27486567	7110655	0	34597222	54285963	19435529
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	39609218	0	0	39609218	10554451	2970691	0	13525142	26084076	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	7.50%	1552308	0	0	1552308	272147	116423	0	388570	1163738	361617
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	20%	86968191	0	0	86968191	70938243	5513775	0	76452018	10516173	13697263
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	7.50%	117993215	0	0	117993215	44126276	8849491	0	52975767	65017449	31314414
14	खेल-कूद उपकरण	10%	214690	0	0	214690	127339	21469	0	148808	65882	3585
15	वाहन	10%	2194845	0	0	2194845	1311053	219976	0	1531029	663816	396496
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	10%	216592601	80326	0	216672927	85072609	21667293	0	106739902	109933025	29708579
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
18	कला कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
कुल (क)			1097997403	80326	0	1098077729	319092940	60452129	0	379545069	718532660	473250232

19	पूजीकृत कार्य प्रगति में (ख)		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
क्र. सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां		01.04.2020 को अथ शेष	वृद्धि	कटौती	31.03.2021 को इतिशेष	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का परिशोधन	कटौती/समायोजन/ पूर्व अवधि	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2021	31.03.2020
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	13800942	0	0	13800942	13671507	95182	0	13766689	34253	826590
21	ई-जर्नल	40%	0	0	0	0	0		0	0	0	0
22	पेटेंट	9 वर्ष	31575	0	0	31575	21048	3508	0	24556	7019	5620
कुल (ग)			13832517	0	0	13832517	13692554	98690	0	13791244	41273	832210
कुल जोड़ (क+ख+ग)			1111829920	80326	0	1111910246	332785495	60550819	0	393336314	718573932	474082442
विगत वर्ष (2019-20)			494752444	72895450	72868	567575026	0	93492584		93492584	474082442	

पुस्तकालय पुस्तकें और जर्नल के संबंध में विश्वविद्यालय की आंतरिक प्राप्तियों से **80326** रुपये का जोड़ा गया है।

टिप्पणी: पूजीगत-कार्य-प्रगति-में शीर्ष में संकाय ब्लॉक के अंतर्गत 'कटौतियां' कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान चालू निर्माण कार्य कर हस्तांतरण दर्शाते हैं।

परिसंपत्तियां 1 से 14 में सकल ब्लॉक के अंतर्गत वर्ष के दौरान 'वृद्धि' कॉलम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान निर्माणाधीन कार्यों और वर्ष के दौरान अधिग्रहित शामिल हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख (2) - पूंजीगत परिसंपत्ति

राशि रुपए में

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	मूल्यहास की दर	अथशेष 01.04.2020	सकल ब्लॉक वृद्धि		31.03.2021 को इतिशेष	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का मूल्यहास	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	वर्ष 31.03.2021 के लिए मूल्यहास		निवल ब्लॉक 31.03.2020
				कटौती	वृद्धि					कुल मूल्यहास	31.03.2021	
1	भूमि	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकासलघु निर्माण कार्य/	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	3190129	606593	0	3796722	63803	75934	0	139737	3656985	3030623
4	सड़क व पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण	5%	146058	991353	0	1137411	14606	56871	0	71477	1065934	
8	संयंत्र व मशीने	5%	18789531	8322448	0	27111979	939476	1355599	0	2295075	24816904	18545958
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8%	46909393	11335761	0	58245154	4698568	4659612	0	9358180	48886974	25308185
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	5345087	8193589	0	13538676	801763	1015401	0	1817164	11721512	
11	श्रवण दृष्य उपकरण	7.50%	1019697	113748	0	1133445	101191	85008	0	186199	947246	427470
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	20%	34861103	20197166	0	55058269	9393661	11011654	0	20405315	34652954	18010933
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	7.50%	3188426	5655700	0	8844126	239132	663309	0	902441	7941685	2391319
14	खेल-कूद उपकरण	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	वाहन	10%	0	5595	0	5595	0	560	0	560	5036	
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	10%	728416	9303735	0	10032151	136223	995183	0	1131406	8900745	205754
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			114177840	64725688	0	178903528	16388423	19919131	0	36307553	142595975	67920242
19	पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
क्र. सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां		अथ शेष 01.04.2020	वृद्धि	कटौतियां	31.03.2021 को इतिशेष	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का परिशोधन	कटौती/समायोजन/पूर्व अवधि	कुल परिशोधन/समायोजन	31.03.2021	31.03.2020
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	99262	692871	0	792133	39705	316853	0	356558	435575	59557
21	ई-जर्नल	40%	0	9993275	0	9993275		3997310	0	3997310	5995965	0

22	पेटेंट	9 वर्ष	0	0	0	0	0	0	0	0		
कुल (ग)			99262	10686146	0	10785408	39705	4314163	0	4353868	6431540	59557
कुल जोड़ (क+ख+ग)			114277102	75411834	0	189688936	16428128	24233294	0	40661421	149027515	67979799
विगत वर्ष (2019-20)			19232527	83892717		103125244		35145445			67979799	

टिप्पणी: पूंजीगत-कार्य-प्रगति-में शीर्ष में संकाय ब्लॉक के अंतर्गत 'कटौतियां' कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान चालू निर्माण कार्य कर हस्तांतरण दर्शाते हैं।
 परिसंपत्तियां 1 से 14 में सकल ब्लॉक के अंतर्गत वर्ष के दौरान 'वृद्धि' कॉलम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान निर्माणाधीन कार्यों और वर्ष के दौरान अधिग्रहित शामिल हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ग - अमूर्त परिसंपत्तियाँ											
											राशि रुपए में
क्र.सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	अथ शेष 01.04.2020	वृद्धि	कटौती	31.03.2021 इतिशेष	मूल्यहास अथशेष	वर्ष के लिए परिशोधन	कटौती/समायोजन	कुल परिशोधन/समायोजन	31.03.2021	31.03.2020
1.	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	14541974	692871	0	15234845	14339366	421107	0	14760474	474371	1003140
2.	ई-जर्नल	-----	9993275	0	9993275	0	3997310	0	3997310	5995965	0
3.	पेटेंट	59735	-----	0	59735	33562	6637	0	40199	19536	14530
कुल (ग)		14601709	10686146	0	25287855	14372929	4425054	0	18797982	6489873	1017670
विगत वर्ष (2019-20)		1398111	293162		1691273	0	673603	0	0	1017670	

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2020 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

					राशि रुपए में		
अनुसूची 4(ग) (I) पेटेंट और कॉपीराइट	अर्थ शेष	वृद्धि	सकल	परिशोधन निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....		
क. पेटेंट प्रदान किए गए							
1. 2020-21 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2021 को शेष (मूल मूल्य रुपये .../-)	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	
2. 2020-21 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2021 को शेष (मूल मूल्य रुपये .../-)	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	
3. 2020-21 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2021 को शेष (मूल मूल्य रुपये .../-)	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	----- -----	
4. वर्तमान वर्ष में मंजूर पेटेंट	-----	-----	-----	-----	-----	-----	
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----	
विवरण	अर्थ शेष	वृद्धि	सकल	मंजूर/अस्वीकृत पेटेंट	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....	
क. आवेदित पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट							
1. 20.....मे किया गया व्यय		-----	-----	-----	-----	-----	
1. 20.....मे किया गया व्यय		-----	-----	-----	-----	-----	
1. 20.....मे किया गया व्यय		-----	-----	-----	-----	-----	
कुल		-----	-----	-----	-----	-----	
ग. कुल जोड़ (क+ख)							
		-----	-----	-----	-----	-----	

टिप्पणी: भाग क में वृद्धि वर्ष के दौरान (मंजूर पेटेंट) भाग ख (कालम-पेटेंट मंजूर/नामंजूर) से अंतरित आंकड़े होंगे। वर्ष के दौरान नामंजूर अनुदान की राशि को आय व व्यय लेख में बड़े लेखे डाला गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 4 ख (2) - पूंजीगत
परिसंपत्ति

राशि रुपए में

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	मूल्यहास की दर	सकल ब्लॉक			वर्ष 31.03.2021 के लिए मूल्यहास					निवल ब्लॉक	
			अथशेष 01.04.2020	वृद्धि	कटौती	इतिशेष 31.03.2021	मूल्यहास अथशेष	वर्ष का मूल्यहास	कटौती/स मायोजन/पूर्व अवधि	कुल मूल्यहास	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	0%	0		0	0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/लघु निर्माण कार्य	0%	0		0	0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	2%	3397311182	7321368	0	3404632550	98674595	46249426	0	144924021	3259708529	2067094155
4	सड़क व पुल	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी	2%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
7	विद्युत स्थापना व उपकरण	5%	9293594	72862	0	9366456	630903	468323	0	1099226	8267230	
8	संयंत्र व मशीनें	5%	82058366	41182563	0	123240929	20126287	6162046	0	26288333	96952596	37392681
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8%	143552946	17956551	0	161509497	49838997	12920760	0	62759756	98749741	24626721
10	कार्यालय उपकरण	7.50%	3037699	52961	0	3090660	683482	231800	0	915282	2175378	
11	श्रवण दृष्य उपकरण	7.50%	567381	0	0	567381	171079	42554	0	213633	353748	61672
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	20%	21231167	1613568	0	22844735	17152767	2014569	0	19167336	3677399	3280715
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	7.50%	31458212	141722	0	31599934	9315732	2369995	0	11685727	19914207	12225766
14	खेल-कूद उपकरण	10%	744	0	0	744	446	74	0	521	223	11
15	वाहन	10%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	10%	6973195	2532433	301	9505327	2769753	950533	0	3720286	5785041	671194
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां	0%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
18	कला कार्य	0%	2000000	0	0	2000000	0	0	0	0	2000000	2000000
कुल (क)			3697484486	70874028	301	3768358213	199364041	71410080	0	270774121	3497584092	2147352915
19	पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)		1248745	0	1248745	0	0	0	0	0	0	1248745
क्रसं	अमूर्त परिसंपत्तियां		अथ शेष	वृद्धि	कटौती	31.03.2021	मूल्यहास	वर्ष का	कटौती/स	कुल	31.03.2021	31.03.2020

			01.04.2020			इतिशेष	अथशेष	परिशोधन	मायोजन/ पूर्व अवधि	परिशोधन/ समायोजन		
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	641770		0	641770	628155	9072	0	637227	4543	116993
21	ई-जर्नल	40%	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	9 वर्ष	8800	0	0	8800	3911	978	0	4888	3912	2784
कुल (ग)			650570	0	0	650570	632066	10050	0	642115	8455	119777
कुल जोड़ (क+ख+ग)			3699383801	70874028	1249046	3769008783	199996107	71420130	0	271416236	3497592547	2148721437
विगत वर्ष (2019-20)			2214857758	75498292		2290356050		141634613		141634613	2148721437	

टिप्पणी: पूंजीगत-कार्य-प्रगति-में शीर्ष में संकाय ब्लॉक के अंतर्गत 'कटैतियां' कॉलम में आंकड़े वर्ष के दौरान चालू निर्माण कार्य कर हस्तांतरण दर्शाते हैं।
परिसंपत्तियां 1 से 14 में सकल ब्लॉक के अंतर्गत वर्ष के दौरान 'वृद्धि' कॉलम में आंकड़ों में वर्ष के दौरान निर्माणाधीन कार्यों और वर्ष के दौरान अधिग्रहित शामिल हैं।

टिप्पणी: वर्ष के दौरान निम्नलिखित से वृद्धि शामिल है:

उपहार(पुस्तकें)	18
बंद परियोजना (एससी+एनसी)	18064933
विविध लेखा निधि	2486504
अन्य अंकित निधि	49073828
	<u><u>69625282</u></u>

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

		राशि रुपए में
अनुसूची 5 - अंकितवृत्ति निधियों से निवेश/ वर्तमान वर्ष		विगत वर्ष
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	883000000	883000000
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	----	----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	----	----
4. शेयर	83000	83000
5 डिबेंचर और बांड	----	----
6. बैंको में सावधि जमा	----	----
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	----	----
कुल	883083000	883083000

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 (क) अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश (निधि-वार)

			राशि रूप में
क्र.सं.	निधियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	विविध लेखे-सरकारी प्रतिभूति	18000000	18000000
2	प्रकाशन-सरकारी प्रतिभूति	300000	300000
3	वृत्ति निधि-सरकारी प्रतिभूति	319800000	319800000
4	न्य अंकित निधि-सरकारी प्रतिभूति	544900000	544900000
5	वृत्ति निधि-शेयर	83000	83000
	कुल	883083000	883083000

टिप्पणी: इस उप अनुसूची का जोड़ अनुसूची 5 के बराबर होगा

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचिया

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	राशि रुपए में	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-----	-----
4. शेयर	-----	-----
5. डिबेंचर और बांड	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	-----	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

		राशि रुपए में
<u>अनुसूची 7 - वर्तमान</u> <u>परिसंपत्तियाँ</u>	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. स्टॉक		
क. भंडार और फालतू पुर्जे	-----	-----
ख. खुले पुर्जे	-----	-----
ग. प्रकाशन	-----	-----
घ. प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य और कांच का सामान	-----	-----
ङ. भवन सामग्री	-----	-----
च. विद्युत सामग्री	-----	-----
छ. स्टेशनरी	7763150	5957925
ज. जल आपूर्ति सामग्री	-----	-----
झ. वर्दी	-----	-----
ञ. औषधी और दवाईयां	9476424	8657151
ट. उत्तर-पुस्तिका	1235725	1354312
2. विविध देनदार:		
क. छह माह से अधिक अवधि के अन्य बकाया	-----	-----
ख. अन्य	11812501	10381027
3. नगद और बैंक शेष		
क. अनुसूचित बैंकों में	-----	-----
- चालू लेखे में	82265824	131513570
- सावधि जमा लेखों में	13779817209	11698773012
- बचत लेखों में	2765513691	3126403359
खगैर अनुसूचित बैंकों में .:		
- सावधि जमा लेखों में	-----	-----
- बचत लेखों में	-----	-----
ग. हाथ में नगद शेष (चैक/ड्राफ्ट सहित)	897600	927600
4. डाक घर बचत लेखे	-----	-----
कुल	16658782124	14983967956

टिप्पणी अनुबंध "क" बैंक लेखों का ब्यौरा दर्शाता है।

अनुबंध "क"

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग
बनने वाली अनुसूचिया

राशि रुपए में

I	चालू लेखे		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	बी.आर.अंबेडकर केंद्र सामान्य निधि लेखा		17269	1012907
2	आईसीआईसीआई बैंक लेखा		-----	87355
3	एसबीआई विधि केंद्र II		134017	134017
4	एसबीआई एमजी I		13530409	17902670
5	एसबीआई एमजी II		553839	427286
6	एसबीआई एमजी III		-----	24715847
7	एसडीसी परीक्षा लेखा		6189366	31974909
8	एसडीसी सामान्य निधि लेखा		34586835	26627168
9	प्रयोजित परियोजना बैंक खाता		1221241	1579153
10	योजना चालू खाता		2778409	8516713
11	अंकित निधि के चालू लेखे		23254438	18535545
		कुल-I	82265824	131513570
II	बचत बैंक लेखे			
1	बाह्य उम्मीदवार सैल लेखे (बंद)		-----	5971807
2	एनसीडब्ल्यूईबी लेखा		7742848	52548029
3	एसबीआई विभागीय प्राप्तियां लेखे		20177590	16611381
4	एसबीआई सामान्य निधि लेखे		72320009	130787748
5	एसबीआई चिकित्सा प्रतिपूर्ति लेखे		18700675	4508288
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता		602025761	649881330
7	प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति		78860578	79783341
8	योजना बचत लेखे		103901419	286458120
9	अंकित निधि के बचत लेखे		632217043	750206306
10	यू.जी.सी. को वापसनीय सीपीएफ लेखा		2673	29743115
11	आईबीआईडी बैंक खाता		210991	3048646
12	आईसीआईसीआई बैंक खाता (ऑनलाइन फीस)		560547579	171598118
13	आवर्ती लेखा-(38010936321)		68730099	304083753

14	आईसीआईसीआई बैंक खाता (परीक्षा)- 004318		38149062	10326026
15	पूँजीगत परिसंपत्तियां- (38010936467)		264599319	179794665
16	वेतन खाता-(38010911307)		297328045	451052686
		कुल-II	2765513691	3126403359
III	सावधि जमा लेखे			
1	अंकित निधि से सावधि जमा रसीद(मार्जिन राशि सहित)		7657190241	6750181524
2	यू.जी.सी.वापसनीय लेखे से सावधि जमा रसीद		46435325	121874
3	एसीबीआर लेखे से सावधि जमा रसीद		1102166	1102166
4	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता(मार्जिन राशि सहित)		1251657226	898197075
5	प्रायोजित फैलोषिप और छात्रवृत्ति		25000000	25000000
6	योजना लेखे से एफडीआर (मार्जिन राशि सहित)		4268432251	4024170373
7	38010911307 एफडीआर से		530000000	-----
		कुल-III	13779817209	11698773012
		कुल योग (I+II+III)	16627596724	14956689941

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2020 के तुलन पत्र-का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

	राशि रुपए में	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम और जमा		
1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर ब्याज धारक)		
क) वेतन	-----	-----
ख) त्यौहार	16439	70762
ग) चिकित्सा अग्रिम		
घ) छुट्टी यात्रा रियायत	6322926	8476132
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
2. कर्मचारियों को दीर्घावधि अग्रिम (ब्याज धारक)		
क) वाहन ऋण/वाहन/कंप्यूटर	224791	181830
ख) गृह ऋण/भवन निर्माण अग्रिम	2731700	565230
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
3. अग्रिम और अन्य राशि नगद अथवा वस्तु में प्राप्तनीय अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य		
क) पूंजी लेखे पर	-----	-----
ख) आपूर्तिकर्ताओं को	-----	-----
ग) दिल्ली विश्वविद्यालय पेंशन लेखे	2980000	2980000
घ) दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय	17395000	17395000
ड) सर शंकर लाल रसायन-विज्ञान चेयर निधि लेखा	1100000	1100000
च) अंकित निधियों से अन्य अग्रिम	85961577	52547675
छ) अनुरक्षण अनुदान लेखों से अन्य अग्रिम लेखा	413051165	498693117
ज) प्रायोजित परियोजनाओं से अन्य अग्रिम	87739392	81877029
झ) योजना लेखों से अग्रिम	285168791	1811755584
ञ अन्य (टीडीएस वापसनीय)	89606074	91365495
4. पूर्वप्रदत्त खर्च-		
क) बीमा	-----	-----
ख) अन्य खर्च	26591259	39318703
5. जमा		
क) टेलीफोन	-----	-----
ख) पट्टा भाड़ा	-----	-----
ग) विद्युत	20805300	20805300
घ) एआईसीटीई, यदि लागू हो	-----	-----

ड) डेसू (प्रतिभूति)	4795	4795
च) अन्य	4922373	202373
6. उपाजित आय:		
क) अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश पर	165865507	231709518
ख) एसीबीआर/यू वापसनीय .सी.जी.लेखों से निवेश पर	78771	-----
ग) यू.जी.सी. से निवेश पर वापसनीय	900977	7734
घ) प्रायोजित परियोजनाओं से निवेश पर	39527801	66138832
ड) प्रायोजित परियोजनाओं और छात्रवृत्ति से निवेश पर	1984685	2904936
च) योजना से निवेश पर	121344287	153036150
छ) एमजी अर्थात्(आईसीआईसीआई, एसडीसी) से निवेश पर	1497888	1610924
ज) ऋण और अग्रिम पर	-----	-----
(झ) अन्य (अप्राप्य देय आय शामिल)	0	695347
7. अन्य यूसे प्राप्तनीय अचल परिसंपत्तियों प्रायोजित परियोजनाओं .सी.जी.		
क) प्रायोजित परियोजनाओं में डेबिट शेष	-----	-----
ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति में डेबिट बैलेंस	-----	-----
ग) प्राप्तनीय अनुदान	-----	-----
घ) अन्य प्राप्तनीय	0	138095
8. प्राप्तनीय दावे		
क) आरसीएम प्राप्तनीय	-----	-----
कुल	1375821498	3083580561

टिप्पणी::

- यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कंप्यूटर ओर वाहन अग्रिम के लिए चक्रीय निधि का सृजन किया गया है तो अग्रिम, अंकित/वृत्ति निधि के भाग के रूप में दर्शित होगा।
इन ब्याज-धारक अग्रिम के शेष इस अनुसूची में दर्शित नहीं होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

	वर्तमान वर्ष	राशि रुपए में विगत वर्ष
अनुसूची - 9 शैक्षणिक प्राप्ति		
छात्रों से शुल्क		
शैक्षणिक		
1. ट्यूशन शुल्क	2267580	14431892
2. दाखिला शुल्क	2734879	8946570
3. पंजीकरण शुल्क	23085525	69629101
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	1760367	8869797
5. प्रयोगशाला शुल्क	98555	187436
6. खेल-कूद और एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क	8996439	7811581
7. कंप्यूटर शुल्क	-----	-----
8. कला और शिल्प शुल्क	-----	-----
9. पंजीकरण शुल्क	108010067	90353470
10. पाठ्यक्रम शुल्क	-----	-----
11. अन्य शुल्क	71168354	52917731
कुल (क)	218121766	253147578
परीक्षा		
1. दाखिला परीक्षा शुल्क	-----	-----
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	456758781	720096004
3. अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	21689161	21542336
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	0	47555402
कुल (ख)	478447942	789193742
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-----	-----
2. जुर्माना/विविध शुल्क	-----	-----
3. चिकित्सा शुल्क	-----	-----
4. परिवहन शुल्क	-----	-----
5. होटल शुल्क	-----	-----
कुल (ग)	0	0

प्रकाशन की बिक्री		
1. दाखिला प्रपत्रों की बिक्री	-----	-----
2. पाठ्यक्रम और प्रश्न-पत्र आदि की बिक्री	-----	-----
3. दाखिला प्रपत्रों सहित सूची-पत्र की बिक्री	-----	-----
कुल (घ)	0	0
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं/कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क		-----
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज)	-----	-----
कुल (ङ)	-	-
कुल जोड़ (क + ख + ग + ङ)	696569708	1042341319

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 10- अनुदान(प्राप्त स्थिर अनुदान) आर्थिक सहायता/

विवरण	भारत सरकार	योजना यू.जी.सी.		कुल योजना	योजनेत्तर यू.जी.सी.		कुल एमजी अनुदान	राशि रुपए में	
		योजना	विशिष्ट योजनाएं		पूँजीगत परिसंपत्तियां	आवर्ती/ वेतन अनुदान		चालू वर्ष जोड़	विगत वर्ष जोड़
अग्रणीत शेष		6310444936	0	6310444936	287673211	0	287673211	6598118147	6076211611
अथशेष ई.डब्ल्यू.एस)		(229200000)		(229200000)	0	229200000	229200000	0	
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		766964471	8754968	775719439	115000000	6174153000	6289153000	7064872439	6387117420
कुल		6848209407	8754968	6856964375	402673211	6403353000	6806026211	13662990586	12463329031
घटा : यू.जी.सी शेष की वापसी		0	8001722	8001722	10211672	6309249	16520921	24522643	0
घटा : पूँजी व्यय के लिए उपयोगित (क)		2039080756	0	2039080756	75411834	0	75411834	2114492590	158750863
शेष		4809128651	753246	4809881897	317049705	6397043751	6714093456	11523975353	12304578169
घटा: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित (ख)		27170338	753246	27923584	0	5799404751	5799404751	5827328335	5706460022
शेष अग्रणीत (ग)		4781958313	0	4781958313	317049705	597639000	914688705	5696647018	6598118147

*31 मार्च-2021 को टीएसए खाते के तहत 24522643 रुपये भी शामिल

क- वर्ष के दौरान पूँजी निधि में की गई वृद्धि और अचल परिसंपत्ति में की गई वृद्धि के रूप में बकाया

ख- आय और व्यय लेखे में आय के रूप में बकाया

ग- (i) तुलन-पत्र में चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शित और आगामी वर्ष का अथशेष बनेगा

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 11- निवेश से आय	अंकित / वृत्ति निधियां		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूति पर .	-----	-----	-----	-----
ख. डिबेंचर/अन्य बॉण्ड .	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	461056210	349061800	8844592	27271669
3. कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम पर सावधि जमाब्याज पर उपार्जित किंतु देय नहीं आय/	-----	-----	-----	-----
4. बचत बैंक खाते पर ब्याज	9459832	16553579	-----	-----
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----
कुल	470516042	365615379	8844592	27271669
अंकितवृत्ति निधियों में अंतरित/	470516042	365615379		
शेष	शून्य	शून्य		

टिप्पणी: भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज और कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों को यहां शामिल किया जाएगा किंतु केवल उन्हीं मामलों में जहां ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधियां बनाई गई हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

		राशि रुपए में
अनुसूची 12 अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	22350162	15030915
2. ऋण पर		
क. स्टाँफ/कर्मचारी	-----	-----
ख. अन्य	-----	-----
3. देनदारों और अन्य प्राप्तनीय पर	-----	
कुल	22350162	15030915

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 13 - अन्य आय

राशि रुपए में

क.	भूमि और भवन से आय	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1.	भवनभूमि आदि से किराया/	6265414	2097900
2.	घर आवास के लिए कर्मचारियों से लाइसेंस शुल्क वसूल	11588917	27090979
3.	सभागारसम्मेलन आदि का किराया प्रभार/क्रीड़ा मैदान/	----	----
4.	वसूल किय गया विद्युत प्रभार	----	----
5.	वसूल किया गया जल प्रभार	----	----
	कुल (क)	17854331	29188879
ख.	संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		
ग.	कार्यक्रमों के आयोजनों से आय		
1.	वार्षिक कार्यक्रमक्रीड़ा समारोह से सकल प्राप्तियां/ घटा: वार्षिक कार्यक्रमक्रीड़ा समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्ययक्री/	----	----
2.	समारोह से सकल प्राप्तियां घटा: समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	----	----
3.	शैक्षणिक दौरों हेतु सकल प्राप्तियां घटा: दौरों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	----	----
4.	अन्य (निर्दिष्ट करें और पृथक प्रकटन करें)	----	----
	कुल (ग)		
घ.	अन्य		
1.	परामर्शी से आय	----	----
2.	आरटीआई शुल्क	3114	14329
3.	स्वत्व शुल्क से आय	----	----
4.	दिल्ली विश्वविद्यालय भर्ती	----	----

5. विविध प्राप्तियां (टैंडर प्रपत्र, रद्दी कागज आदि की बिक्री)	1155132	1522039
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क. स्व परिसंपत्तियां	-----	-----
ख. निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-----	-----
7. संस्थानों, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदानदान/		
8. स्वास्थ्य केंद्र अंशदान	50557644	54420692
9. अन्य (निर्दिष्ट करें)	7873256	21171364
कुल (घ)		
	59589146	77128425
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ)	77443477	106317304

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 14- पूर्वावधि आय

विवरण	राशि रुपए में	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. शैक्षणिक प्राप्तियां	76149846	-----
2. निवेश से आय	-----	-----
3. अर्जित ब्याज	-----	-----
4. अन्य आय	-----	-----
कुल	76149846	-----

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष_			विगत वर्ष_		
	योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
क. वेतन और मजदूरी						
शिक्षण स्टॉफ	-----	1733093781	1733093781	-----	1943669644	1943669644
शिक्षण स्टॉफ-गैर	6188511	683513973	689702484	7264412	1081678575	1088942987
निम्न अधीनस्थ स्टॉफ	-----	257002161	257002161	122701	273301735	273424436
ख. भत्ते और बोनस	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग. भविष्य निधि में अंशदान	-----	-----	-----	-----	15745642	15745642
घ. (निर्दिष्ट करें)अन्य निधियों में अंशदान	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ड. (वर्दी) स्टॉफ कल्याण खर्च	-----	61155	61155	-----	46320	46320
च. और अंतिम हितलाभ सेवानिवृत्ति	-----	2142913035	2142913035	997452	6959510531	6960507983
छ. छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा	-----	10276025	10276025	-----	15368845	15368845
ज. चिकित्सा सुविधा	-----	195155353	195155353	-----	170629572	170629572
झ. भत्ता बाल शिक्षा	-----	16026850	16026850	-----	20576109	20576109
ट. मानदेय	-----	13257774	13257774	-----	92459508	92459508
ठ. अन्य	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	6188511	5051300107	5057488618	8384565	10572986481	10581371046

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15- क. निवृत्ति और अंतिम हितलाभ-कर्मचारी सेवा

राशि रुपए में

	पेंशन	उपदान	छुट्टी नगदीकरण	कुल	विगत वर्ष
01.04.2020 को अथ शेष	23644829981	1448548177	1463038346	26556416504	21919199361
वृद्धि अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य :	5667806	78222	3560650	9306678	12254887
कुल (क)	23650497787	1448626399	1466598996	26565723182	21931454248
घटा: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1808398593	318545531	146324438	2273268562	2237407091
31.03.2021 को उपलब्ध शेष ग(ख-क)	21842099194	1130080868	1320274558	24292454620	19694047157
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2021 को वांछित प्रावधान(घ)	23583126601	1408954777	1442666277	26434747655	26556416504
क(ग-घ) वर्तमान वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान .	1741027407	278873909	122391719	2142293035	6862369347
खनई पेंशन योजना में अंशदान .	-----	-----	-----	-----	96841184
ग निवृत्त-सेवा .कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-----	-----	-----	-----	-----
घसेवा निवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा .	-----	-----	-----	-----	-----
डजमा संबद्ध बीमा भुगतान .	-----	-----	-----	620000	300000
कुल (क+ख+ग+घ)	1741027407	278873909	122391719	2142913035	6959510531

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
क) प्रयोगशाला खर्च	1086449	9126014	10212463	1113046	13941741	15054787
ख) क्षेत्र कार्यसहभागिता में सम्मेलनों/	-----	500000	500000	-----	-----	-----
ग) संगोष्ठी पर कार्यशालाओं/खर्च	1819347	872532	2691879	3377706	2954306	6332012
घ) पुरस्कार और छात्रवृत्ति	-----	65087593	65087593	615790	75259371	75875161
ङ) प्रतिष्ठित संस्था के पंजीकरण शुल्क	-----	-----	-----	-----	-----	-----
च) अतिथि संकाय को भुगतान	-----	-----	-----	18518	-----	18518
झ) परीक्षा	-----	134327903	134327903	-----	260798753	260798753
ञ) शुल्क वापसी	-----	265733	265733	-----	2050478	2050478
ट) प्रवेश परीक्षा	-----	3032089	3032089	-----	66874041	66874041
ड) छात्र कल्याण खर्च	-----	-----	-----	-----	-----	-----
छ) दाखिला खर्च	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ज) दीक्षांत खर्च	-----	-----	-----	-----	-----	-----
झ) प्रकाशन	-----	104000	104000	-----	304000	304000
ञ) वृत्तिछात्रवृत्ति मैरिट-व-साधन/	-----	-----	-----	-----	197022	197022
ट) अंशदान खर्च	-----	-----	-----	-----	-----	-----
झ अतिथि संकाय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ठ) अन्य (करें निर्दिष्ट)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	2905796	213315864	216221660	5125060	422379712	427504772

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य खर्च

	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष			राशि रूपए में
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल	
क अवसंरचना	-----	202788678	202788678	-----	287293600	287293600	
क .बिजली और विद्युत	-----	58398888	58398888	-----	5911971	5911971	
ख .जल प्रभार	-----	-----	-----	-----	-----	-----	
ख. रेंट, रेट्स एवं							
ग .बीमा	-----	52294102	52294102	-----	46989161	46989161	
ख .संचार	-----	4383402	4383402	41218	5381747	5422965	
ड .डाक और टेलीफोन	-----	-----	-----	-----	-----	-----	
च .टेलीफोन एं फैक्स और इंटरनेट प्रभार	-----	76415980	76415980	-----	38010229	38010229	
ग .अन्य	-----	9437643	9437643	306886	15852215	16159101	
ज .मुद्रण और स्टेशनरी उपभोज्य(	-----	3123467	3123467	79071	10079020	10158091	
झ .यात्रा और परिवहन खर्च	-----	-----	-----	158004	-----	158004	
ञ .आतिथ्य	-----	-----	-----	-----	-----	-----	
ट .लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	-----	7278888	7278888	-----	15379060	15379060	
ठ .विधिक और व्यवसायिक प्रभार	-----	-----	-----	-----	30956	30956	
ड .विज्ञापन और प्रचार	-----	89745251	89745251	-----	50734963	50734963	
ढ .पत्रिकाएं और जर्नल	-----	155222316	155222316	-----	130791128	130791128	
थ .गृह-व्यवस्था खर्च	-----	104164559	104164559	-----	93285126	93285126	
द .खेल और क्रीड़ा	-----	3569759	3569759	-----	2223488	2223488	
ध .चिकित्सा खर्च	-----	53463266	53463266	-----	51648907	51648907	
न .अन्य/आकास्मिक	1127078	47349061	48476139	296809	28012050	28308859	
घ) संविदा/तदर्थ स्टाफ वेतन							
न) शिक्षण स्टाफ	-----	158543345	158543345	-----	-----	-----	
प) गैर- शिक्षण स्टाफ	-----	228915197	228915197	-----	-----	-----	
फ) भविष्य निधि में अंशदान	-----	6539611	6539611	-----	-----	-----	
ब) नई पेंशन योजना में योगदान	-----	107498790	107498790	-----	-----	-----	
कुल	1127078	1369132204	1370259282	881988	781623621	782505609	

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में						
अनुसूची - 18 परिवहन खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)	-----	-----	-	-----	-----	-
क) संचालन खर्चे	-----	-----	-	-----	-----	-
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	-	-----	-----	-
ग) बीमा खर्चे	-----	-----	-	-----	-----	-
2. किराए/पट्टे पर वाहन	-----	-----	-	-----	-----	-
क) किराया/पट्टा खर्चे	-----	-----	-	-----	-----	-
3. वाहन (टैक्सी) किराया खर्चे	-	-----	-	-----	-----	-
कुल	-	-	-	-	-	-

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 19 मरम्मत और अनुरक्षण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
क) भवन	-----	105393739	105393739	-----	156203504	156203504
ख) फर्नीचर और फिक्सचर	-----	3616955	3616955	7670	4122414	4130084
ग) संयंत्र और मशीनरी	-----	5173113	5173113	-----	11734864	11734864
घ) कार्यालय उपकरण	259532	66406	325938	87920	1854362	1942282
ड) कंप्यूटर	-----	-----	-----	192940	2578509	2771449
च) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	-----	428228	428228	-----	326698	326698
छ) श्रवण दृश्य उपकरण	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ज) सफाई सामग्री और सेवाएं	-----	-----	-----	-----	-----	-----
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ञ) बागवानी	-----	425921	425921	-----	1548861	1548861
ट) संपदा अनुरक्षण	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ठ) वाहन	-----	1080197	1080197	-----	1244976	1244976
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	259532	116184559	116444091	288530	179614188	179902718

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ.

राशि रुपए में						
अनुसूची - 20 वित्तीय लागत	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क) बैंक प्रभार	38797	240066	278863	29501	177919	207420
ख) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	38797	240066	278863	29501	177919	207420

टिप्पणी: यदि राशि अधिक नहीं है तो बैंक प्रभार शीर्ष को लुप्त किया जाए और इनका अनुसूची 17 में प्रशासनिक खर्चों के रूप में लेखांकन किया जाए।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 21 अनुदानआर्थिक सहायता आदि पर व्यय/	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क) खराब और संदिग्ध ऋणअग्रिम हेतु प्रावधान/	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ख) बड़े खाते डाला अप्राप्तिय शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग) अन्य संस्थानोंआर्थिक सहायता/संगठनों को अनुदान/	17403870	146413885	163817755	1860125	141024915	142885040
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	17403870	146413885	163817755	1860125	141024915	146413885

टिप्पणी:

अन्य खर्चों को बड़े खाते, प्रावधान, विविध खर्चों, निवेश की बिक्री से हानि और अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री से हानि आदि के रूप में वर्गीकृत किया जाए और तदनुसार प्रकटन किया जाए।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 22: पूर्वावधि व्यय

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	योजनेत्तर	कुल	योजना	योजनेत्तर	कुल
1. स्थापना खर्च	-----	206858591	206858591	-----	-----	-----
2. शैक्षणिक व्यय	-----	88175246	88175246	-----	-----	-----
3. प्रशासनिक खर्च (मुद्रण और जिल्दसाजी)	-----	7504463	7504463	123832	559398	683230
4. परिवहन खर्च	-----	-----	-----	-----	-----	-----
5. मरम्मत और अनुरक्षण	-----	1172343	1172343	-----	-----	-----
6. अन्य खर्च	-----	-----	-----	-----	-----	-----
7. पूर्वावधि से सम्बंधित मूल्यहास	-----	73654896	73654896	-----	-----	-----
कुल	-----	377365539	377365539	123832	559398	683230

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

स्टॉक में वृद्धि/कमी	राशि रुपए में	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क) इतिशेष		
स्टेशनरी	7763150	5957925
ड्रग्स और औषधि	9476424	8657151
वर्दी	-----	-----
उत्तर पुस्तिका	1235725	1354312
कुल (क)	18475299	15969388
ख) घटा: अथशेष	15969388	22598833
कुल (ख)	15969388	22598833
निवल वृद्धि/कमी (क-ख)	2505911	(6629445)

दिल्ली विश्वविद्यालय

31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची: 23

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1 लेखे तैयार करने का आधार:

क. वित्तीय विवरणियां ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और जब तक अन्यथा कथित न हो प्रायः लेखांकन की उपार्जित विधि पर तैयार की जाती हैं।

2 राजस्व मान्यता:

- 2.1 छात्रों से शुल्क, प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, प्रत्येक सेमेस्टर के ट्यूशन शुल्क और बचत बैंक लेखों पर ब्याज का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता है।
- 2.2 भूमि, भवन और अन्य संपत्ति और निवेश पर ब्याज से आय का लेखांकन उपार्जित आधार पर किया जाता है।
- 2.3 भवन निर्माण, वाहन और कंप्यूटर के क्रय हेतु स्टॉफ को ब्याज वाले अग्रिम का लेखांकन प्रतिवर्ष उपार्जित आधार पर किया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण भुगतान के पश्चात प्रारंभ होती है।

3 अचल परिसंपत्तियां और मूल्यहास:

- 3.1 अचल परिसंपत्तियां का आंकलन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है जिसमें आंतरिक भाड़ा, शुल्क और कर और अधिग्रहण, स्थापना और प्रचालन, घटा मूल्यहास, से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चे शामिल हैं। विश्वविद्यालय से किसी प्रतिफल के प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणी में नाममात्र मूल्य अर्थात् एक रुपया प्रति संपत्ति पर पूंजीकृत किया गया है।
- 3.2 उपहार/दान दी गई परिसंपत्तियों को नाममात्र मूल्य अर्थात् रुपये 1/- (एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।
- 3.3 उपहार में प्राप्त पुस्तकों को नाममात्र मूल्य अर्थात् रुपये 1/- (एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।
- 3.4 अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यहास सीधी रेखा विधि पर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्रतिलेखित मूल्य से सीधे रेखा विधि में अवमूल्यन की विधि में परिवर्तन को संशोधित प्रारूप में शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित दरों और विधि को ध्यान में रखते हुए और लेखा परीक्षा अवलोकन की अपेक्षाओं के अनुसार किया गया है। संशोधित अवमूल्यन की गणना वित्तीय वर्ष 2014-15 से पहले लिए गए प्रतिलेखित मूल्य के उचित समायोजन के बाद की गई है। विधि में बदलाव के कारण उत्पन्न अंतर का प्रकटन अनुसूची-1 कार्पस/पूंजी निधि के अंतर्गत किया गया है।

मूर्त परिसंपत्तियां :

क्र. सं.	परिसंपत्ति का स्वरूप	सीधी रेखा विधि के अनुसार दर
1	भूमि	0 %
2	साइट विकास	0 %
3	भवन	2 %
4	सड़कें और पुल	2 %
5	नलकूप और जलापूर्ति	2 %
6	सीवरेज और ड्रेनेज	2 %
7	विद्युत स्थापना और उपकरण	5 %
8	संयंत्र और मशीनें	5 %
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8 %
10	कार्यालय उपकरण	7.5 %
11	ऑडियो विजुअल उपकरण	7.5 %
12	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	20 %
13	फर्नीचर और फिक्सचर और फिटिंग	7.5 %
14	वाहनों	10 %
15	पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक जर्नल	10 %

अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन) :

1	ई-जर्नल	40%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियां में वृद्धि के संबंध में मूल्यहास पूर्ण वर्ष के लिए प्रावधानित किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों से बिक्री/कटौतियों के संबंध में कोई मूल्यहास प्रभारित नहीं किया जाता।

- 3.6 अंकित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से सृजित परिसंपत्तियों जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय है, उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैट-अप किया जाता है और विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यहास को संशोधित प्रारूप में शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित दरों और विधि को ध्यान में रखते हुए प्रभारित किया जाता है। मूल्यहास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित में से क्रय की गई परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्त-पोषित एजेंसी की संपत्ति रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना की परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों के साथ संबंधित अचल परिसंपत्तियों को क्रेडिट करके प्रतिलेखित मूल्य पर मिला दिया जाता है।
- 3.7 परिसंपत्तियों, जिनका वैयक्तिक मूल्य रुपये 2000/- अथवा कम है, का पुस्तकालय पुस्तकों के अलावा का राजस्व व्यय के रूप में संव्यवहार किया जाता है। तथापि, ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा जारी भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रहता है।

4 अमूर्त परिसंपत्तियां:

पेटेंट, कापी राईट और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत समूहित किया जाता है।

- 4.1 पेटेंट: पेटेंट प्राप्त करने के लिए समय-समय पर किए गए व्यय (आवेदन शुल्क, विधिक शुल्क आदि) को तुलन-पत्र में अमूर्त परिसंपत्तियों के भाग के रूप में दिखाया जाता है। पेटेंट के आवेदन अस्वीकार करने पर, आवेदन अस्वीकार करने के वर्ष में, पेटेंट विशेष पर किए गए संचयी व्यय को आय व व्यय में प्रतिलेखित किया जाता है।
मंजूर पेटेंट पर व्यय को रूढ़िवादी आधार पर 9 वर्ष के जीवनकाल पर बट्टेलेखे डाला जाता है।
- 4.2 इलेक्ट्रॉनिक जर्नल: ई-जर्नल पर खर्च की गयी राशि को जिस वर्ष में राशि कर्च की गई है उस वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है और शेष राशि का लेखा बहियों में पूर्व प्रदत्त खर्चों के रूप में उपार्जित आधार पर लेखांकन किया जाता है।
- 4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर और अनुषंगियों से पृथक किया गया है।

5 भंडार:

वर्ष के अंत में स्टॉक को लागत पर मूल्यांकित किया गया है।

6 सेवानिवृत्ति हितलाभ:

सेवा-निवृत्ति हितलाभ अर्थात् पेंशन, ग्रेच्यूटी और छुट्टी नगदीकरण का प्रावधान लेखांकन मानक 15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। विश्वविद्यालय के ऐसे कर्मचारी जिनका विश्वविद्यालय में आमेलन हो गया है उनके पूर्व नियोक्ता से प्राप्त पेंशन, ग्रेच्यूटी और अर्जित छुट्टी के पंजीकृत मूल्य को संबंधित प्रावधान लेखों में क्रेडिट किया गया है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के संबंध

में प्राप्त पेंशन और छुट्टी अंशदान को संबंधित प्रावधान में क्रेडिट किया गया है।

7 निवेश:

सभी निवेश लागत पर कथित हैं।

8 अंकित/वृत्ति निधियां

अंकित निधि, में गृह भवन निधि, परिवहन निधि (कंप्यूटर अग्रिम और ऐसी अन्य निधियों सहित) शामिल है और विश्वविद्यालय विकास निधि और कुलपति छात्र निधि दीर्घावधि निधियां हैं और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अंकित हैं। निधियों में से प्रत्येक का पृथक बैंक खाता है। अधिकांश लेखों का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचर और उपार्जित आधार पर बॉण्ड और बैंकों में सावधि जमा है। निवेश/अग्रिम (गृह भवन, परिवहन और कंप्यूटर) से आय का लेखांकन उपार्जित आधार पर और बचत बैंक लेखों पर ब्याज को संबंधित निधि में नगदी आधार पर क्रेडिट किया जाता है। व्यय और अग्रिम (गृह भवन परिवहन/कंप्यूटर) को संबंधित निधियों में डेबिट किया जाता है।

- 8.1 संबंधित निधियों के शेष को तुलन-पत्र की देयताओं में अग्रणीत किया जाता है और तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों में बैंक-शेष, अग्रिम, सावधि जमा और निवेश द्वारा दर्शाया जाता है।
- 8.2 अंकित निधियों से क्रय/सृजित परिसंपत्तियां जिनका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है उन्हें संबंधित अचल परिसंपत्तियां लेखे में डेबिट करके और पूंजी निधि लेखे को क्रेडिट करके विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यहास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दर पर प्रभारित किया जाता है।
- 8.3 वृत्ति निधि: वृत्ति निधियां विभिन्न वैयक्तिक दाताओं, न्यासों और अन्य संगठनों से चेयर स्थापित करने और दाताओं द्वारा निर्दिष्ट मंडल पुरस्कार और छात्रवृत्ति के लिए प्राप्त होती हैं।

प्रत्येक वृत्ति निधि के निवेश से आय को निधि में जोड़ा जाता है। मेडल और पुरस्कारों पर व्यय संबंधित वृत्ति निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से किया जाता है और शेष को अग्रणीत किया जाता है। तथापि, चेयर के संबंध में, वृत्ति के कार्पस का भी प्रयोग किया जाता है।

आरबीआई बॉण्ड और सावधि जमा में निवेश, सभी वृत्तियों के लिए समान बचत बैंक लेखे और निवेश पर उपार्जित ब्याज, शेष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

9 सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुदान:

- 9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान का पावती आधार पर लेखांकन किया जाता है। तथापि, संबंधित वर्ष की अनुदान निर्मुक्ति की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होने पर किंतु, अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होने पर, अनुदान का लेखांकन उपचित आधार पर किया जाता है और दाता से वसूलनीय के रूप में बराबर की राशि दर्शाई जाती है।
- 9.2 पूंजी व्यय (उपचित आधार पर) सरकारी अनुदान और यूजीसी से अनुदान को उपयोगित सीमा तक पूंजी निधि में अंतरित किया जाता है।
- 9.3 राजस्व व्यय की पूर्ति हेतु उपयोगित सीमा तक यूजीसी अनुदान को (उपचित आधार पर) सरकारी और वसूली के वर्ष की आय के रूप में माना जाता है।
- 9.4 अनुपयोगित अनुदान (ऐसी अनुदानों से प्राप्त अग्रिम सहित) को तुलन-पत्र में अग्रणीत किया जाता है और देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

10 अंकित निधि से निवेश और ऐसे निवेश पर उपार्जित ब्याज व्यय:

ऐसी निधियों के प्रति व्यय के लिए तत्काल आवश्यक न होने वाली उपलब्ध राशि को बचत बैंक लेखे में शेष छोड़कर अनुमोदित प्रतिभूतियों और बॉण्डों में निवेश किया जाता है अथवा बैंकों में सावधि जमा में जमा किया जाता है।

प्राप्त ब्याज उपार्जित और देय ब्याज और ऐसे निवेश पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय नहीं माना जाता।

11 प्रायोजित परियोजनाएं:

- 11.1 प्रायोजकों से चालू प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्त राशि को “चालू देयताएं और प्रावधान चालू -अन्य देयताएं-चालू देयताएं-प्रायोजित परियोजनाओं से प्रति प्राप्ति” शीर्ष में क्रेडिट किया जाता है। ऐसी परियोजनाओं के संबंध में जब कभी व्यय किया जाता है, अग्रिम दिया जाता है अथवा संबंधित परियोजना लेखे को आबंटित ऊपरी खर्चों सहित डेबिट किया जाता है, देयता लेखे को डेबिट किया जाता है।
- 11.2 यूजीसी फैलोशिप द्वारा वित्तसंधान फैलोशिप हेतु अंकित निधियों के अतिरिक्त विभिन्न संगठन छात्रवृत्ति भी पोषित कनिष्ठ अनु-प्रायोजित करते हैं। इनका लेखांकन प्रायोजित परियोजना की भांति ही किया जाता है, सिवाय इसके कि व्यय प्रायः फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विवरण पर होता है जिसमें फैलो और शोधस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल हो सकते हैं।
- 11.3 संस्थान स्वयं भी फैलोशिप और छात्रवृत्ति देता है जिसका लेखांकन शैक्षणिक व्यय में किया जाता है।

11.4 बाह्य एजेंसियों द्वारा वित्त-पोषित परियोजना से क्रय परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्त-पोषित एजेंसी की संपत्ति रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में प्रतिलेखित मूल्य पर संबंधित अचल परिसंपत्ति लेखे बे नामे करके और पूंजी निधि लेखे में क्रेडिट करके मिला दिया जाता है।

12 आयकर:

संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 iiiab ग) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखों में कर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 24: आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां

1 आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां:

- (क) विश्वविद्यालय के वर्तमान/पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर विभिन्न दावे औद्योगिक अधिकरण और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। दावों की मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।
- (ख) राष्ट्रमंडल खेल 2010 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थलों पर सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति और संचालन हेतु शेष भुगतान के रूप में ईसीआईएल को रुपये 14.25 करोड़ की राशि (रुपये 28.23 करोड़ के बिल के विरुद्ध) देय है। मामला माननीय न्यायालय में होने के कारण गृह मंत्रालय ने शेष राशि के भुगतान पर रोक लगा दी है।
- (ग) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने दिव्यांगों के लाभ के लिए लिफ्ट, रैंप और शौचालय निर्माण के लिए वर्ष 20212 में 311.10 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है। उक्त निर्माण कार्य की पूर्ण लागत 420.41 लाख रुपये थी। विश्वविद्यालय ने कार्यान्वयन एजेंसी को 311.40 लाख रुपये का अनुदान जारी किया है और उक्त निर्माण कार्य के लिए 109.31 लाख रुपये (जीएसटी सहित) देय है। विश्वविद्यालय 109.31 लाख रुपये की शेष देय राशि जारी करने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से संपर्क कर रहा है।

2 पूंजीगत प्रतिबद्धताएं (प्रगति में पूंजीगत कार्य)

वर्ष के दौरान, 12,04,51,341 रुपये के पूंजीगत-कार्य-प्रगति-में संबंधित भवन लेखों में स्थानांतरित कर दिया गए हैं जिसमें से

12,28,72,429 रुपये संबंधित भवनों के पूरा होने की तिथि से मूल्यहास की व्यवस्था की गई है। विगत वर्षों के मूल्यहास को आय और व्यय लेखों की अनुसूची 22 के तहत पूर्व अवधि के व्यय के रूप में दिखाया गया है। आय एवं व्यय लेखों की अनुसूची-22 के तहत राजस्व व्यय में 11,72,343 रुपये की राशि को राजस्व व्यय में अंतरित कर दिया गया है और शेष शेष 12,48,745 रुपये को विविध लेखों (वृत्तिका निधि) में पूर्वावधि व्यय में अंतरित कर दिया गया है।

3 अचल परिसंपत्तियां:

- 3.1 अनुसूची 4 में अचल परिसंपत्तियों में 2,15,95,32,097 रुपये ("कार्य प्रगति में" से 12,04,51,341 रुपये) राशि भवन हस्तांतरण सहित) में योजनेत्तर निधि (आवर्ती) रुपये शून्य, (पूंजीगत), 7,54,11,834 रुपये और 5,15,60,332 रुपये की निर्धारित/अंकित/वृत्तिका निधि, 1,80,64,933 रुपये की बंद प्रायोजित परियोजनाएं और विश्वविद्यालय को उपहार में दी गई 18 रुपये के मूल्य की पुस्तकालय पुस्तकें और अन्य संपत्ति (1/- प्रति संपत्ति रुपये) शामिल हैं। परिसंपत्तियों की स्थापना पूंजी कोष में ऋण सेट उप किया गया है।
- 3.2 31 मार्च 2014 के तुलन-पत्र और पूर्व वर्षों के तुलन-पत्र में, योजना निधि से अर्जित की गई अचल परिसंपत्तियों और योजनेत्तर निधियों से अर्जित अचल परिसंपत्तियों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया था। इसके अलावा वर्ष के दौरान योजना, योजनेत्तर निधियों और अन्य निधियों से सृजित और उन वृद्धियों पर क्रमशः मूल्यहास को उप अनुसूची ए बी (1) बी (2) और डी में अचल परिसंपत्तियों (अनुसूची 4) के मुख्य अनुसूची में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया गया है।
- 3.3 अनुसूची 4 में निर्धारित अचल परिसंपत्तियों में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित और उपयोग की जाने वाली प्रायोजित परियोजना के धन से खरीदी गई परिसंपत्तियों को शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि परियोजना अनुबंधों में यह शर्तें शामिल हैं कि परियोजना निधियों से खरीदी गई ऐसी सभी संपत्तियां परियोजना बंद होने तक प्रायोजकों की संपत्ति बनी रहेंगी।
- 3.4 अनुसूची-4 में दर्शाई गई अचल परिसंपत्तियां 01.04.2014 से प्रतिलेखित मूल्य से एसएलएम में मूल्यहास की विधि में परिवर्तन के कारण प्रभावों के समायोजन के बाद है। अवमूल्यन की विधि में बदलाव के कारण अंतर 2014-15 से 2019-20 की अवधि तक 2,52,62,52,625 रुपये अचल परिसंपत्तियों और पूंजी निधि लेखों (अनुसूची -1 देखें) के साथ समायोजित किए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए अवमूल्यन के तरीके में बदलाव किया गया है।
- 3.5 वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिल्ली के मुखर्जी नगर विश्वविद्यालय के पास ढाका में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित छात्रावास को जलापूर्ति कनेक्शन के लिए दिल्ली जल बोर्ड को 3,56,49,000 रुपये की राशि का भुगतान किया। वर्तमान वर्ष में दिल्ली जल बोर्ड को अग्रिम के रूप में बकाया राशि भवन शीर्ष के तहत पूंजीकृत है। 2011-12 से 2019-20 तक की अवधि के लिए प्रभारित मूल्यहास को पूर्वावधि के खर्चों के तहत दिखाया गया है। अनुसूची-22 देखें।
- 3.6 वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिल्ली के साउथ कैम्पस विश्वविद्यालय में मास्टर प्लान के लिए

डीडीए को 6,50,000 रुपये की राशि का भुगतान किया। वर्तमान वर्ष में डीडीए को अग्रिम के रूप में बकाया राशि भवन के प्रमुख के तहत पूंजीकृत है। 2011-12 से 2019-20 की अवधि के लिए प्रभारित मूल्यहास को पूर्व अवधि के खर्चों के तहत दिखाया गया है। अनुसूची-22 देखें।

3.7 भवन और अन्य निर्माण कार्य जो बहुत पहले ही पूरे हो चुके हैं और उन्हें ऋण और अग्रिम के साथ-साथ प्रगति में पूंजीगत कार्य के रूप में दिखाया गया है, को भवन के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों में पूंजीकृत किया गया है और मूल्यहास तदनुसार वास्तविक कब्जे/पूर्णता की तारीख से लिया गया है।

3.8 मेसर्स राइट्स लिमिटेड और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) के साथ अधिकांश लंबे समय से बकाया अग्रिमों को संबंधित एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाण पत्र/व्यय विवरण के आधार पर समायोजित किया गया है और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विधिवत सिफारिश की गई है। तथापि, बिलों के अंतिम जमा करने के लंबित होने तक कुछ अग्रिमों को यथासमय समायोजित किया जाना है। अग्रिमों को जल्द से जल्द निपटाने का प्रयास जारी है।

4 जमा देनदारियां:

बयाना धन राशि और सुरक्षा जमा की कोई राशि नहीं है जिसे राजस्व लेखों में स्थानांतरित किया गया है।

5 वर्तमान देनदारियां:

अंतिम बिल के अनुरोध लंबित होने के कारण, सुरक्षा/परिसमापन क्षति के प्रति ठेकेदार से ईआईएल और राइट्स द्वारा रोकी गई/कटौती की गई राशि को देयता माना जाता है और वर्तमान देनदारियों के तहत दिखाया जाता है (अनुसूची 10-अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अटल अनुदान) देखें)।

6 विदेशी मुद्रा में व्यय:

विदेशी मुद्रा में मूल्ययुक्त लेन-देन का लेखा-जोखा भुगतान/प्राप्ति की तारीख में प्रचलित विनिमय दर पर दिया जाता है।

7 वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम और जमा:

7.1 प्रबंधन की राय में, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिमों साधारण पाठ्यक्रम में वसूली पर कम से कम कुल तुलन-पत्र में दिखाया राशि के बराबर एक मूल्य है।

7.2 कॉलेजों और अन्य संस्थानों/विभाग के साथ लंबे समय से बकाया अग्रिमों को भी चालू वित्त वर्ष के दौरान संगठन प्रमुखों द्वारा दिए गए उपलब्ध दस्तावेजों और प्रमाणन के आधार पर समायोजित किया गया है, क्योंकि वे बहुत लंबी अवधि के लिए बकाया थे, लंबे

समय से बकाया अग्रिमों को निपटाने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। हालांकि, कुछ अग्रिमों को अभी भी समायोजित करना है।

8 बैंक शेष:

बैंकों में बचत बैंक लेखों, धाराओं के लेखों और सावधि जमा लेखों में शेष राशि का विवरण वर्तमान परिसंपत्तियों के लिए अनुलग्नक "क" के रूप में संलग्न है।

- ऑटो स्वीप सुविधा (फ्लेक्सी डिपॉजिट) वाले सभी बचत बैंक लेखे उस अवधि के लिए सावधि जमा पर लागू दर पर ब्याज अर्जित करते हैं जिसके लिए धन "फ्लेक्सी डिपॉजिट लेखे" में रखा जाता है। ऐसे बचत बैंक लेखों में ब्याज आय उपार्जन के आधार पर होती है।

9 पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से समूहीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है जहां कभी आवश्यक है।

10 अंतिम लेखों में आंकड़े निकटतम रुपये में पूर्णांकित किए गए हैं।

11 अनुसूची 1 से 24 संलग्न हैं और 31 मार्च, 2021 के तुलन-पत्र और 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे का भिन्न अंग हैं।

12 भविष्य निधि लेखा:

चूंकि निधि सहित भविष्य निधि लेखे उन निधियों के सदस्यों के स्वामित्व में हैं न कि विश्वविद्यालय द्वारा, अतः इन लेखों को विश्वविद्यालय के लेखों से अलग कर दिया गया था। तथापि, वर्ष 2020-21 के लिए प्राप्त और भुगतान लेखा, आय और व्यय लेखा (उपार्जन आधार पर) और भविष्य निधि लेखा, तुलन-पत्र के साथ-साथ नई पेंशन योजना को विश्वविद्यालय के लेखों के साथ संलग्न कर दिया गया है।

13 वेतन:

आय एवं व्यय विवरण में दर्शाए गए वेतन पर व्यय अप्रैल-20 से मार्च-21 तक की अवधि के लिए है जिसमें मार्च-2021 माह के लिए 23,24,09,743 रुपये की राशि का प्रावधान शामिल है।

यूजीसी और लेखापरीक्षा टिप्पणी के निर्देशानुसार अनुबंधित कर्मचारियों/आउटसोर्सिंग कर्मचारियों/तदर्थ संकाय /गोस्ट फैकल्टी को दिए जाने वाले मानदेय को प्रशासनिक (आवर्ती) व्यय के तहत दर्ज किया गया है।

14 पूर्व अवधि आय और व्यय:

- क. 7,61,49,846 रुपये की पूर्व अवधि की आय में पिछले वर्षों की अकादमिक प्राप्ति शामिल है जो पहले नहीं ली जा सकी
- ख. पूर्व अवधि व्यय रु. 37,73,65,539/- सहित, शैक्षणिक व्यय 8,81,75,246 रुपये, प्रशासनिक खर्च (प्रिंटिंग एंड बाइंडिंग) 75,04,463 रुपये, मरम्मत और रखरखाव 1,17,234 रुपये और पूर्व अवधि से संबंधित मूल्यहास 7,36,54,896 रुपये शामिल है।(अनुसूची 22: पूर्व अवधि व्यय देखें)
- ग. मार्च-2020 के महीने के वेतन 21,67,57,911 रुपये को वेतन शीर्ष पूर्वावधि व्यय के तहत दिखाया गया है। इसे पूर्व अवधि के खर्चों में लिया गया है क्योंकि इसे वित्त वर्ष 2019-20 के लिए पिछले वर्षके वार्षिक लेखों में शिक्षा मंत्रालय (एमएचआरडी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार देयता के रूप में नहीं माना गया था (अनुसूची-22)।

15 हॉल और छात्रावास:

चूंकि हॉल और छात्रावास अलग-अलग रिपोर्टिंग संस्थाएं हैं, इसलिए उनके लेखे विश्वविद्यालय के लेखों से अलग से तैयार किए जाते हैं। तथापि, एक समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा, समेकित आय एवं व्यय लेखा और सभी हॉल और छात्रावासों और अतिथि गृहों का समेकित तुलन-पत्र विश्वविद्यालय के लेखों के साथ संलग्न है।

16 दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस:

चूंकि यूनिवर्सिटी प्रेस एक अलग रिपोर्टिंग एंटीटी है, इसलिए इसके लेखे अलग से तैयार किए जाते हैं और विश्वविद्यालय के लेखों से जुड़े होते हैं। शिक्षा मंत्रालय (एमएचआरडी) के निर्देशानुसार और कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 79 (79-17) दिनांक 15.03-2020 के अनुसार विश्वविद्यालय प्रेस को पहले ही बंद कर दिया गया है।

- क. विश्वविद्यालय ने पूर्व वर्षों में प्रेस को 1,73,95,000 रुपये की राशि जारी की थी और इसे विश्वविद्यालय प्रेस के लेखों में देयता के रूप में दर्शाया गया है और इसे विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखों के अंतर्गत प्राप्त के रूप में दर्शाया गया है।
- ख. इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय और उसके विभागों से 1,54,87,984 रुपये की राशि प्राप्त की जानी है जो काफी लम्बे समय से लंबित है जिसे प्रेस की वर्तमान परिसंपत्तियों के अंतर्गत दर्शाया गया है और इसे विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखों में देय के रूप में दर्शाया गया है।
- ग. रुपये 18202 विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा नीलाम की गई परिसंपत्तियों से संबंधित है और विश्वविद्यालय के लेखों में जमा किए गए हैं और विश्वविद्यालय से प्राप्त राशि के साथ-साथ विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखों में विश्वविद्यालय प्रेस को देय राशि के रूप में दिखाया गया है।

डीयू प्रेस को दिल्ली विश्वविद्यालय में विलय करने और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गठित एक समिति और प्रेस लेखों को विश्वविद्यालय के लेखों में विलय करने से संबंधित मामला विचाराधीन है।

17 प्रतिष्ठित संस्था:-

केंद्र सरकार ने सशक्त विशेषज्ञ समिति (ईईसी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सिफारिशों पर अधिसूचना संख्या-F.11/9/2019-U3 (A) दिनांक 2 मार्च 2020 के जारी होने के प्रभाव से दिल्ली विश्वविद्यालय को "प्रतिष्ठित संस्था" घोषित कर दिया है। "प्रतिष्ठित संस्था" के लेखों को दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखों के साथ परियोजना लेखों के रूप में शामिल किया गया है। अनुसूची-3 (क) अर्थात् प्रायोजित परियोजनाएं।

दिल्ली विश्वविद्यालय
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

राशि रूप में

	प्राप्तियां		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I.	अथशेष				I.	खर्च		
क)	नकद शेष		----	----	क)	स्थापना व्यय	4981168919	5938531520
ख)	बैंक शेष				ख)	अकादमिक खर्च	216221660	427504772
	i. चालू लेखे में		131513570	102222076	ग)	प्रशासनिक खर्च	1391051028	698780995
	ii. बचत खातों में		3126403359	1221087686	घ)	परिवहन खर्च	----	----
	iii. जमा लेखों में		11698773012	12388074281	ड)	मरम्मत और रखरखाव	116444091	179902718
ग)	स्थायी अग्रिम		927600	937600	च)	वित्त लागत	278863	207420
II.	प्राप्त अनुदान				छ)	अनुदान पर व्यय	163817755	142885040
क)	भारत सरकार से		----	----	ज)	पूर्व अवधि के आइटम	302538300	683230
ख)	राज्य सरकार से		----	----				
ग)	यूजीसी से				II.	अंकित/वृत्तिका निधि के लिए भुगतान	278059325	297752224
i.	पूँजीगत व्यय-गैर योजना के लिए अनुदान	115000000						
ii.	राजस्व व्यय-गैर योजना के लिए अनुदान	6174153000			III.	प्रायोजित परियोजनाओं/ योजनाओं के लिए भुगतान	667677691	602321702
घ)	अन्य स्रोतों से (विवरण)	8754968		5848824000				
	घटा:- आरबीआई टीएसए लैप्सेड (24522643)		6273385325		IV.	प्रायोजित/फैलोशिप फैलोशिप/ छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	37365807	43711631
iii.	शैक्षणिक प्राप्तियां							
a)	फीस और सब्सक्रिप्शन		696569708	1042233559	v.	योजना लेखों के लिए भुगतान	----	----
b)	प्रकाशनों की बिक्री		0	107760				

					vi.	निवेश और जमा किया		
iv.	अंकित/वृत्तिका के एवज में प्राप्ति				क)	अंकित/वृत्तिका निधियों में से	----	----
	निधियां		638286769	1065630662	ख)	स्व निधियों से (निवेश-अन्य)	----	----
v.	प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति प्राप्ति		786720670	559243795	vii.	अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	----	----
vi.	योजना के प्रति प्राप्ति		508232507	262936632	viii.	अचल परिसम्पत्तियों और प्रगति-में-पूँजीगत-कार्य पर व्यय	----	----
					क)	अचल परिसंपत्तियां	2166133248	225719659
					ख)	प्रगति-में-पूँजीगत-कार्य	-----	-----
vii.	प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्ति		31626527	58387487				
					ix.	वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
						अन्य निकाय लेनदेन	93807382	34489554
viii.	निम्नलिखित से निवेश पर आय				x.	अनुदान का रिफंड	-----	-----
क)	अंकित/वृत्तिका निधियां		520694569	267346159				
ख)	योजना लेखे		296849722	250812594	xi.	जमा और अग्रिम		
ग)	प्रायोजित परियोजनाएं		192566053	78058027	क)	त्योहार अग्रिम		
घ)	प्रायोजित फेलोशिप और स्कॉलरशिप		4816517	6392606	ख)	अग्रिम	----	----
					ग)	स्थायी अग्रिम	-----	-----
ix.	निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज				घ)	मैंडिकल अग्रिम	0	-----
क)	बैंक जमा		10964834	28067078	ड)	एलटीसी अग्रिम	6312926	8476132
ख)	ऋण और अग्रिम		-----	-----	च)	प्रेषण	39060	0

ग)	बचत बैंक लेखे		22350162	15030915	छ)	प्रायोजित परियोजनाओं, योजना और निर्धारित निधि से इतर अग्रिम	0	47805560
							0	
x.	निवेश का नगदीकरण		-----	-----	xii.	अन्य भुगतान	1722015972	1976473267
xi.	निम्नलिखित के साथ सावधि जमा, बैंक नगदीकरण		-----	-----	xiii.	इति शेष		
					क)	हाथ में नकदी	-----	-----
					ख)	बैंक शेष		
xiii.	अन्य आय (पूर्व अवधि की मदों सहित)		140878196	103809933		- चालू लेखों में	82265824	131513570
						- बचत लेखों में	2765513691	3126403359
xiii.	जमा और अग्रिम					- जमा लेखों में	13779817209	11698773012
क)	त्योहार अग्रिम		-----	-----	ग)	स्थायी अग्रिम	897600	927600
ख)	एलटीसी अग्रिम		8466132	7974556				
ग)	मेडिकल अग्रिम		-----	-----				
घ)	स्थायी अग्रिम		-----	-----				
ङ)	अग्रिम		81059292	16944774				
च)	प्रेषण		1403768	449219				
छ)	प्रायोजित परियोजनाओं, योजना और निर्धारित निधि से इतर अग्रिम		1485101097					
xiv.	सांविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां		10208628	59934047				
xv.	कोई अन्य प्राप्तियां		2103628332	2198357518				
	कुल		28771426350	25582862965		कुल	28771426350	25582862965

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2021 का तुलन-पत्र

विगत वर्ष	देयताएं	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	परिसंपत्तियां	(राशि /रूपए) वर्तमान वर्ष
31.03.2020		31.03.2021	31.03.2020		31.03.2021
	<u>भविष्य निधि लेखा</u>				
3991034326	अथशेष	4249067659	2626990000	निवेश (बॉड)	2626990000
	जमा: वर्ष के दौरान अभिदान और अग्रिम का				
606268822	पुनर्भुगतान	620758979			
310446144	जमा: ब्याज क्रेडिट	299685154			
(658625859)	घटा: अग्रिमअंतिम निपटान/निकासी/	(697253768)			
(55774)	घटा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(9125)	2315100000	अनुसूचित बैंक में सावधि जमा	2373300000
4249067659	इति शेष	4472248899			
	<u>अंशदायी भविष्य निधि</u>				
				31.03.2021 तक उपार्जित	
616249658	अथशेष	627923323	138018061	ब्याज	125154406
	जमा: वर्ष के दौरान अभिदान और अग्रिम का				
69794420	पुनर्भुगतान अंशदान	51614316		प्राप्य टीडीएस :	
				-- सीपीएफ	2264921
41185113	जमा: ब्याज क्रेडिट	35816901	2214976	-- जीपीएफ	548996
(99305406)	घटा: अग्रिमतिम निपटानअं/निकासी/	(161231647)			2813917
(462)	घटा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	-			
627923323	इति शेष	554122893		भारतीय स्टेट बैंक में शेष बचत खाते में :-	
	<u>ब्याज आरक्षित</u>				
			115492712	-- जीपीएफ	100921878
430847617	अथशेष	457538484			
26690867	जमा: व्यय से अधिक आय	30705182	136713717	-- सीपीएफ	285435257
457538484	इति शेष	488243666			386357135
5334529466	कुल	5514615458	5334529466		5514615458

दिल्ली विश्वविद्यालय
भविष्य निधि लेखा
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

				(राशि / रुपए)	
विगत वर्ष		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	आय	वर्तमान वर्ष
31.03.2020	व्यय	31.03.2021	31.03.2020		31.03.2021
	ब्याज क्रेडिट :		379209251	निवेश और बचत बैंक खाते पर अर्जित ब्याज	379065331
310446144	जीपीएफ लेखा	299685154	105115135	जमा: वर्ष के दौरान उपार्जित ब्याज	92251480
41185113	सीपीएफ लेखा	35816901	56236	जमा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	9125
2079	बैंक प्रभार	3564	(106280869)	घटा : विगत वर्ष में उपार्जित ब्याज, किन्तु वर्तमान वर्ष में वसूल.	(105115135)
			224450	अन्य आय	-
26690867	व्यय से अधिक आय	30705182			
378324203	कुल	366210801	378324203	कुल	366210801

दिल्ली विश्वविद्यालय
भविष्य निधि लेखा
वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्ति	(राशि / रुपए)	भुगतान	(राशि / रुपए)
अथशेष as on 01/04/2020			
जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	115492712	जीपीएफ अग्रिमअंतिम निपटान/निकासी/	697253768
सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	136713717	सीपीएफ अग्रिमअंतिम निपटान/निकासी/	161231647
जीपीएफ अभिदान	620758979	वर्ष के दौरान निवेश	2373300000
सीपीएफ अभिदान व विश्वविद्यालय अंशदान	51614316	बैंक प्रभार	3564
		इति शेष :	
निवेश नगदीकरण	2315100000	जीपीएफ लेखा संख्या 10851298435	100921878
प्राप्त ब्याज	378466390	सीपीएफ लेखा संख्या 10851298457	285435257
कुल	3618146114	कुल	3618146114

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टायर-1 लेखा
31 मार्च, 2021 का तुलनपत्र-

(राशि / रुपए)					
राशि 31.03.20	देयताएं	राशि 31.03.21	राशि 31.03.20	परिसंपत्तियां	राशि 31.03.21
	<u>एनपीएस टायर-1 लेखा :-</u>				
14230965	अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	2585462	2606000	निवेश	3513000
			71338	उपार्जित किंतु वसूल नहीं ब्याज	116645
3748552	ब्याज आरक्षित	4379911	2045	प्राप्य टीडीएस	27428
			15300134	भारतीय स्टेट बैंक में बचत बैंक लेखे में शेष	3308300
17979517	कुल	6965373	17979517	कुल	6965373

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टायर-1 लेखा
वित्तीय वर्ष 2020-21 का आय और व्यय लेखा

(राशि / रुपए)					
राशि 31.03.20	व्यय	राशि 31.03.21	राशि 31.03.20	आय	राशि 31.03.21
3676	बैंक प्रभार	212	666812	निवेश पर प्राप्त ब्याज	575272
656607	व्यय से अधिक आय	631359	(77867)	वर्ष 2019-20 में उपार्जित किंतु 2020-21 के दौरान वसूल ब्याज	(71338)
			71338	उपार्जित किंतु वसूल नहीं ब्याज	127637
660283	कुल	631571	660283	कुल	631571

दिल्ली विश्वविद्यालय
एनपीएस टायर-I लेखा
वित्तीय वर्ष 2020-21 का प्राप्ति और भुगतान लेखा

राशि 31.03.20	प्राप्ति	राशि 31.03.21	राशि 31.03.20	भुगतान	राशि 31.03.21
4354707	01/04/2020 को अथशेष <u>एनपीएस टायर-I लेखा</u>	15300134	2606000	निवेश	3513000
180686486	स्व अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	194930354	168277292	निकासीएनडीएसएल को वापसी/	206575857
262287	निवेश पर प्राप्त ब्याज	287396			
402480	बचत बैंक लेखे पर ब्याज	273485	3676	बैंक प्रभार	212
3115000	नगदीकरण निवेश मियादी जमा))	2606000	2633858	विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	0
			15300134	31.03.2021 को इति शेष	3308300
188820960	कुल	213397369	188820960	कुल	213397369

विश्वविद्यालय मुद्रणालय
31 मार्च, 2021 का तुलन-पत्र

	राशि रुपए में	
निधियां व देयताएं	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. <u>पूंजी</u>	2,48,273.00	3,41,547.00
2. <u>चालू देयताएं</u> :		
(क) दिल्ली विश्वविद्यालय को देय		
(i) वेतन से कटौती	12,43,873.00	12,43,219.00
(ii) अंतर बैंक अंतरण	1,73,95,000.00	1,73,95,492.00
(iii) अन्य	10,000.00	10,162.00
(ख) बयाना राशि	53,500.00	53,500.00
(ग) देय वेतन	89,679.00	-

कुल	1,90,40,325.00	1,90,43,920.00
परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष

1. मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	-	5,148.00
2. प्राप्तनीय राशि	1,54,87,984.00	1,54,90,171.00
3. <u>हाथ में स्टॉक</u>		
(क) कच्चा माल	5,62,870.00	5,62,870.00
(ख) तैयार माल	-	-
4. प्रगति में कार्य	-	-
5. बैंक में नगदी	29,71,269.00	29,69,731.00
6. स्थायी अग्रिम	-	1,000.00
7. अग्रिम आकस्मिकताएं	-	15,000.00
8. परिसंपत्तियों की बिक्री के खिलाफ विश्वविद्यालय से प्राप्त राशि	18,202.00	-
कुल	1,90,40,325.00	1,90,43,920.00

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

वर्ष 2020-21 का लाभ व हानि लेखा

			राशि रुपए में		
विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. प्रारंभिक स्टॉक :			1. आय :		
(क) कच्चा माल	5,62,870.00	12,89,027.00	(क) मुद्रण और जिल्दसाजी से आय	-	-
(ख) तैयार माल	-	-	(ख) परिसंपत्तियों की बिक्री से पूर्व अवधि आय	18,202.00	
2. प्रगति में कार्य	-	-			
3. वेतन व भत्ते में:	89,679.00	9,58,138.00	2. अंतिम स्टॉक :		
(क) छुट्टी यात्रा रियायत.	-	-	(क) कच्चा माल	5,62,870.00	5,62,870.00
(ख) ट्यूशन शुल्क	-	-	(ख) तैयार माल	-	-
(ग) बोनस					
(घ) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-			
4. कच्चे माल के क्रय में	-	-	3. प्रगति में कार्य	-	-
5. विविध आकस्मिक खर्चों में	16,649.00	-			
6. दर, किराया और कर	-	649.00	4. हानि	93,274.00	16,86,676.00
7. बाह्य एजेंसी से कराए गए काम	-	-			
8. मूल्यहास:					
(क) मशीनरी,फर्नीचर और उपकरण	5,148.00	1,732.00			
9. लाभ	-	-			
कुल	6,74,346.00	22,49,546.00	कुल	6,74,346.00	22,49,546.00

दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय लेखा संख्या 10851295354
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति और भुगतान लेखा

प्राप्ति			भुगतान	राशि रुपए में	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I अथशेष			I खर्चे		
बैंक शेष	2969731	218213	स्थापना खर्चे	----	958138
बैंक में जमा	----	----			
II मुद्रण और जिल्दसाजी से प्राप्तियां			II अन्य प्रशासनिक खर्चे		
क) प्राप्य खाते से प्राप्तियां	2187	3708955	व्यय	649	649
III कटौति/वसूली	----	211421	धन प्रेषण	----	210071
			III इति शेष		
			बैंक शेष	2971269	2969731
कुल	2971918	4138589		2971918	4138589

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2021 का तुलन-पत्र

निधियों के स्रोत	वर्तमान वर्ष	राशि रुपए में विगत वर्ष
कोर्पस / पूंजी निधि	372343902	363265158
नामितवृत्ति निधियां/अंकित/	54419004	54961581
चालू देयताएं और प्रावधान	30558579	21603087
कुल	457321485	439829826
निधियों का अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	31094954	16389854
अमूर्त परिसंपत्तियां	24247	24292
पूँजीगत कार्य प्रगति में	0	0
अंकित/वृत्ति निधियां से निवेश		
दीर्घावधि	0	0
अल्पावधि	13359004	12361659
निवेश - अन्य	80311361	89068821
वर्तमान परिसंपत्तियां	310271850	306483853
ऋण, अग्रिम और जमा	22314293	15555572
विविध व्यय	(54224)	(54224)
कुल	457321485	439829826

दिल्ली विश्वविद्यालय
हॉल और छात्रावास
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

		राशि रुपए में
विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
(क) आय		
शैक्षणिक प्राप्तियां	22909215	63276944
अनुदान आर्थिक सहायता	131985546	137001868
निवेश से आय	18222828	21183494
अर्जित ब्याज	1345130	1990898
अन्य आय	12771096	58893411
पूर्वावधि आय	0	0
कुल (क)	187233815	282346615
(ख) व्यय		
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	114264706	159821329
शैक्षणिक व्यय	0	5073
प्रशासनिक और सामान्य खर्च	70061602	63388740
परिवहन खर्च	443985	538525
मरम्मत और अनुरक्षण	6003639	9048521
वित्तीय लागत	48560	134464
मूल्यहास	3731044	4811096
अन्य खर्च	16186	0
पूर्वावधि व्यय	(285401)	0
कुल (ख)	194284320	237747748
व्यय से अधिक आय का शेष/ (आय से अधिक व्यय) (क-ख)	(7050505)	44598867
शेष, पूंजी निधि में अग्रणीत अधिषेध (घाटा)	(7050505)	44598867

दिल्ली विश्वविद्यालय

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपए में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I. अथशेष			I. खर्च		
- हाथ में नगदी	69906	71275	(क) स्थापना खर्च	116647820	160183587
- बैंक शेष	91139124	136690466	(ख) शैक्षणिक व्यय	0	5073
- पेशगी	194872	414581	(ग) प्रशासनिक खर्च	64430255	62155314
- जमा लेखा	277995721	189832240	(घ) परिवहन खर्च	443985	538525
- सावधि जमा ब्याज पर टीडीएस	58557	27532	(ङ) मरम्मत और रखरखाव खर्च	5954781	8930708
II. अन्य बैंक शेष / एफडीआर	0	0	II. (क) अंकित निधि के प्रति भुगतान	11676467	17770394
III. प्राप्त अनुदान	144538885	140122315	(ख) परियोजनाओं के प्रति भुगतान	627290	45112
IV. शैक्षणिक प्राप्तियां	15872665	46212426	III. निवेश और जमा	10923488	14489023
V. अंकितवृत्ति निधियां से प्राप्तियां /	6264551	23570250	IV. अचल परिसंपत्तियां और पूंजी कार्यप्रगति - र व्ययप	618165	3010475
VI. प्राप्त ब्याज	14844899	9383691	V. वित्त प्रभार	45676	131677
VII. निवेश से आय	9562326	15530963	VI. जमा और अग्रिम	8737769	886730
VIII. अन्य आय	13450284	73782592	VII. अन्य भुगतान	3980229	6547635
IX. जमा और अग्रिम	12559456	2615514	VIII. इति शेष		
X. अन्य प्राप्ति	2681703	5898589	- हाथ में नगदी	61838	69906
			- बैंक शेष	85903695	91139124
			- पेशगी	164680	194872
			- जमा लेखा	278965197	277995721
			- सावधि जमा रसीद पर टीडीएस	51614	58557
कुल	589232949	644152433	कुल	589232949	644152433